G12121212

ति अहारिक्षात् अस्ति के निवारी क्षानिमक्त स कीत्रकार।

भन १२ अन । २ देवनाय। हर १४ ४२ १८ अहारान

विकालना

লৈ।মঞ্জাদ আৰক ' গণের অভি।

देश्य मान काशीत इत्तहारक कामारका छा: मस रनाम स्रेमारणान प्रभाकाम काशीक व्यवधान क काउन्नर कीश विनादक विमाधकारक कालान (वेरावरक, केंग्यून्ट अस्थासम्बद्धक दुरा करियून , बाजावि साध्य काशिय दुसा स्थापन करेश)

বিক্ষাপ্র। লোমপ্রকাশের স্থান পরিবর্ম

देश किया के स्वाहित एक कारण दिन, किया के स्वाहित के स्वाहित का कारण का किया के स्वाह के स्वाह के स्वाह का का का का किया के स्वाह के स्व

्र क्षेत्र क्षिशायम ।

कार्यकारमञ्ज्ञात प्रसंद द्वार राक्षणी (प्रका कार्यक क्षांक्षणी प्रसंद द्वार राक्षणी (प्रका कार्यका १३ एक संस्कृत व्यावस्था राहित्य कार्यका प्रकार क्षांक्षणी क्षांक्षणी क्षांक्षणी कार्यका क्षांक्षण क्षांक्षणी क्षांक्षणी क्षांक्षणी कार्यका क्षांक्षण क्षांक्षणी क्षांक्षणी क्षांक्षणी कार्यका क्षांक्षण क्षांक्षणी क्षांक्रणी क्षांक्षणी क्षांक्रणी क्षांक्षणी क्षांक्षणी क्षांक्र

काशि विश्वास का निया निकार कर मुख्य काशि के स्वित का स्वत का स्वत

विकाशन्।

मर्क नाथाइनार साठ स्वा नाडिएस रव स्वा मंद्र प्रदेश क्या मर्द्र कर सन नहीं मर्दिन हैं - डेरिन नानिक रवस्त नरक र हरें-नार्द्ध रा रक्ष केरान निर्मा स्थान नरमान्म्य-स्व स्वान स्वाहित नाय के मुद्रा नरमान्म्य-स्वित प्रमुख कर्म नामार नाडिएर, केर्र मुद्धी रवत्व प्रमुख क्य नामार नाडिएर, केर्र मुद्धी रवत्व प्रमुख क्य नामार नाडिएर, केर्र मुद्धी रवत्व प्रमुख क्य नामार कार्न नाडिएक। इतिमानिकार क्रिकेट

विकाशन

1

्रवरक्षक वाच कार्यरम् प्रवाद अक छै अर क च व्यक्तव अस्वामान्य के कार्यायाक्ष्मरः अर्थर् वर्षे व्यक्ति अस्ति अस्ति स्व वाणिक पुत्रा १ हेर्का । जाविक पश्चिम् ३० हेर्का

मरक् व राज्यन स्मार्काणस्य विकासीरकी क्षेत्रिकी

AMINA STEELS FOR

क्षित्रक क्षेत्रकार विशासिक व विश्व कार्त्र व्यवस्थान क्षाकृत्य क्षाकृति विक्रितंत्रकार एक कर्त्र व्यवस्था केश्व क्षाकृति विक्रितंत्रकार एम क्षेत्र व्यवस्था विश्व क्षाकृति क्षाकृति व्यवस्थात्र स्था क्षाकृति । संस्कृत क्षाकृति व विश्ववस्थात्र

जब, जि. रशेष क्षांप्रसी ।

लामश्रक्त

* 11 Trinis 1

२२०० जाक में काम विश्वत गांतिशय

रहेटण प्रतिष्ठ । अध्यक्ष स्ट्रांट आधारः प्राप्त स्वित्र । अध्यक्ष स्वयं । प्राप्त स्वित्र हिन्द स्वयं । अध्यक्ष स्वयं । प्रतिष्ठ हिन्द स्वयं । अध्यक्ष स्वयं । प्रतिष्ठ प्रतिष्ठ स्वयं । अध्यक्ष स्वयं । प्रतिष्ठ स्वयं स्वयं स्वयं । स्वयं । स्वयं । प्रतिष्ठ स्वयं स्वयं स्वयं । स्वयं । स्वयं । प्रतिष्ठ स्वयं स्वयं स्वयं । स्वयं । स्वयं । प्रतिष्ठ स्वयं । स्वयं । स्वयं । स्वयं । प्रतिष्ठ स्वयं । स्वयं । स्वयं । स्वयं । प्रतिष्ठ स्वयं । स्वयं । स्वयं । स्वयं । प्रतिष्ठ स्वयं । स्वयं स्वयं । स्वयं । स्वयं ।

深心物 放弃 中世 情经感到的

कीशता वर्षि "न देनवलक्टिक पुन्छ क्योविक इन, छाका क्वेटन द्वाध कर छै। स्ति। अक्षाकाद अञ्चलकार्व कात्रकन्य वित्रश हिनिट्ड शास्त्रन माः

ः। ताक्षय-- इहे वश्यत्र भूत्वः आभन्ना कात्रव्योग्न, त्यर्गन्म (केंद्र क च्यत्र व्यनक्रिक দেখিয়া সাভিশ্ব শক্তিত হইয়াছিল।ম एप्र क्लांके जाका क्लिल्य भतिभून इन्टेर्स, **তাহা ভা**থিয়া দ্বিক গা ভার হইয়াছিল। উইল্বন সাহেব আম্বাদের সমহ' বিধান-कतिहरू थानिया देनकम होना थहलिए ए नारेरनम होना ७ त्यां अहनत्व क्ष खार क्रिया यान । डिनि वाम मश्यक्ता र्थ (य नमक छेशांत्र अवस्वत्रहस्त मक्रम्या कत्रिप्रोहित्नम, व्यकात्म मृङ्ग, इल्हारङ নে মন্তামনা নিদ্ধ চইল না। তাঁচাব মুত্যুর পর লেঞ্জ সাহেব কলিকাতাদ আ নিরা ব্যর নংকেপরণ গুরুভার এহণ क्त्रिलन। जिनि एचिएमम स्वमिध क्र ছারা অনুসতি দুয় করা অসাধ্য। বড দিন অপরিনিত দৈনা, ও নানামকার অমান-শাক ব্যব থাকিবে, ডতদিন কোন ক্রমেই **শর্বের শ্বক্তি দুর চইবার সম্ভাবনা** बारे। डिनि एशियद रेजना खताका **अध्यास वारगत म॰ एक शकार्या ४ ह** ऱ ষ্টলেন বিছারা পূর্বতন অবার অমু-শরণ করিয়া আনিতেছিলেন, ভাঁচারু ताम नश्यक्र भित्र नाम स्वीमेश निएक ह देश डिटिनन। किंद्र नार्ड कार्निड ७ म-ब बार्षेन कि बात काश्वत बारका धर्मश्राड मा कतिया लाउ नात्रत्व नामा क्षत्रिष्ठ नःगिरमन। भारः भन्न मिल-द्वित्रि ७ मिविल किमान कमिनम मि ुक्कुक रहेरमय। कर्णन वामरकात रेमना क्षेत्रकास व दिल्लन नाद्य ताका नरका-भाक्ष व्यवा बाग्न मः (कार्श व्यवस्थ व्हे ४ चाकित्मत जमावभाक कर्पाति इक् छाजान इरेग। करति (कना चः हो प्रमाहित विकाशमाजितका हरे - पुत्र इदेशाया पनि देखेलांगीय प्रमा मन्यानमं कतियात चाळा कतिराम । अहे

ल : ७७/द्धाः ५,४५८मध्ये ८५ विवस्य **रम् वाम** कतिग्रहन, एम उस कोवन अहा विद्वाह-मा कतिया वाद्र नश्टक्षात्र अराद कता हरेगा बरकारे अलामीय एकि बहरा वाय मश्यक्रभन्न अमान आग्रह रहेन: छे-विश (य किना**का क**ित्रन क्युलकि का-लब केंग्रेश निगाव श्रेखाव प्रतिसम किछ । भीखालाकाटः । जात्रहर गात्र शदर्गस्य-के जे श्रष्टाद्वत्र व्यक्षरभावन कतिरलन नाः अभिटर कटनम वं नहमान वक्तावा विशान ही ७ भूलिय रेमना ছाफ़ारेया निवाद अ-तर क्रक क्रक क्रमहाकात रेमना ब्रात्थवात । व्यञ्जदहार कतित्वन । इंडेरता नीतृ स्मार नश्या कमाहेश निवात खाँशात हैका हि: न, त्वक मार्ट्य ७ जात्रवयरीत अवर्गस्य-क्टि किं**टेरमरक्कोतिक क**ियरमञ्जूषा लिथियाहिएलन, किन्ह का शनिरगत एवंदी नकत रहेल मा। बारु! इडेक, देशना नः कार्य चारमक वात्र मः टक्क्श कत्र इति। **(१७ माट्य कट्यन माट्य व्यास वार्य**ह किनाव निया वानकाशक मछाय विद्यान चात्र मूक्त्रवित कटवत अट्याकन नाहे. --भाजवाटाज नगलाविशान इहेग्राटह ! धहे कथा छनिया अकटन दिव कतिराम गारे-সেন্ধ টাক্স প্রবর্ত্তি চইবে না। দিন্ত নে 🕉 সাতেৰ পীড়াবশতঃ ইংলণ্ডে যাওয়াতে এবং চীন দেলে অধিকেনের মুগ্র স্থান হওয়াতে : লা আগবঁট লব বার্টল ক্রিয়া-व नाहराम हाम अहिन कतिराम। চংক্রিকে অ**সংখ্যের ধনি** উপিত হইল। बारमगरवताल बाहरमत वर्ष निमम्बट्स दृष्टि अहिरान ना। धरे कत्रमश्रम रक दहिल। পরিশেষে লাভ কানিও ব-(मन याजाकारत कई चृतिष चारेन छेठा हेगा निरम्भ। यो हा किस्पत निक्षे इहेर्ड लाजेरमधा हाजा शख्या इहेबाहिल, खाना मिशटक डाइ। किन्नाहेन्न। स्वत्र एहेन। **७कर्व छाइ उवस्य त व्यर्थव व्यनकृष्टि**

क्षाव्या १,० , क्या व्य ५ दश वेश्वरी न कान कुर्ति करा नहां होते हहें से प्राप्त भामित्रात राज बादन देशका पहारा छेव् छ हार्ट्ड माह्या अथनक (र्हेंहेट खडाप्रवृक्षि बाब बिटन आह पूरे क्यांचे हैं। उन् থাকে। বর্ণনিজ্ঞার জনশঃ বিপুলি হ 🔭 🗥 CE । इसक्त हाका खेरिया याहेरव, अह-লে এই থকার সম্ভাবনা করিতেছেন। एनिएक मार्क्षके दश्य १ १४वी विके बर्जा धामनानी कर केठाइनान ८०० मा स्वयंक्ष म । किन्दु छ।त्रक्वमीत्र शवर्गत्यके, नाथायन लाटक रत् अश्मधीय प्रदासने कांका-ब्रिट्यत अर्थे शार्थमा व्यम्तात वीक्या रेडा ८६ छेर्भक्क अभर्मन कविशाद्धन

২ , ব্যবস্থাপক ৰ ডা---লাভ ডাল_ং ই সি ১৮৫৩ খন্দে ব্যবস্থাপক সভার ক্রি জরিয়া ব্যান : যাবতীয় শোসিংড্রান্সির এক 'এক জন বেভনভোগী প্রতিনিটা, প্রণ (क्यावरकाव क्योकिरकाव सम्बद्धात के दे शिम (कार्डे: बरकत्र' हेवात मानागरम बर्मानीत रम। यसम त्रत राष्ट्रण त रेख क-शिक्षात्रत्र त्राक्षवध्मीयन्त्रित्यक् वर्षात्मारि डेंका रमन्त्रभारक नकरन चित्रमा विवस्त इत, क्रकाल मत्र वार्तम शिक्क वानवा-भक्र मखाग चानीन हरेश मबिटमय माहम महत्तादम डाइ। द कात्र किस्साम करत्ता ! शवर्गतमणे मारेटमका विदलन दिस्य विदय-চনা কবিতে খলিলে ভিনি স্পাই কেই विलासन, अधिक करतत वारसत हिनान म भाइति मछा सुडमिरिक कर क्षामा मह नकाम्रका कतिरवन मा। काकाम এই चित গ্রহিন্তা ও বাচাসিকতা দর্শন করিয়া खात्रख्यवीत्र गवर्गस्मरले खीं ह इहेगा कि (माक्कोतिक शंव शिवित्नमा महणात्म मा के हेश्न बीय बहानकात समूबिक नरेता, श्रुक्त म वावशायक मका छठा हैवा नित्तम एर शतिवर्ष कात्र एवर्षत चरस, वकरमन अवर त्राष्ट्रां । मालाटक च क्या च छत्र नका

न कर्ण में शाम चात्रा । द्वा**ल शुक्र (चटत हे** के कि **चित्र चाक्या क**तिहा**(हन । हे हात मर्था**हें । ताली। अ अदल्लोट्युवा व्यट्नम कवितात च-श्वर्यांड श्रहेशाट्यम । देश करने नेप्रनित्तर अक्षेत्र के ब्राह्म न मार्क्स माहे। स्ट्राह्म ने स्वाधिक इहेर्द्र म कार्डेन करकत बात मंडा विना अहि-क्षिक मरहन । किन्नु पदर्गत (क्षमञ्जा हेका। करा इहेर्र । हेकारक ५. जन विवात क्तित्व का है। हिराब मह शहेर्ड भावित्व : निर्हेश के विकास स्थित दिए हैं। गरनवत्रमाम व्यवि अहे मक्न मञ्जात कार्या ! विधातप्रक्रिता. मनत्र व्यामालात्या निवि च्यात्रे छ रेने प्रार्था। (य युक्ति न्युरक्षम क- | निज्ञान विष्ठातशक्ति), এक्षम दावि विधा मञ्चा नश्यानन दहेबाट्स काराट्ड किंग चनः चन्तन वहरमानीत विधा म'अत साधीमका नारे। भक्षायीन मका हर । कार्या निष्यः कल इहेरबन । मकरन्य हे ८- कास्त्रिक कर्मणाटकत धाकामा क्याल যায় না : কিন্তু এতকেশীয় বাবস্থাপকগণ । পীৰ বলিবা রাজপুরুষদিধের বড়াবেন্যে নাদুন সাহস, রাজনীতিজ্ঞতা ও অনেল বৈ পক্ষপাত বিরাজনান দুঠান্য, এবে-निकेषिका क्षाप्रणीय कतिहरूहरून, काशास्त्र । वटन क्ष्याक्ष्मीय मृष्टे क्**रे**एए हिन्नी। ' करनदम्ब मिटिया **रेडीमा** ८ इंडेरर क्र**मश** व्यानाकताल वाहेरल्टा । ताका विनकताल, বার অপরকুমার ঠাকুর, রাজা অভাপচন্ত্র निर्द अकृष्टि नदर्शहे चाथीनवृद्धि ब्हेश नविद्यान भारतिर्मिका महकाद्व विक निक क्वंदा कार्य मन्त्राक्त क्षित्रहरूम । दिला अठः वाजा हिनका हाठ रक्षा अनानाना वृद्धि सङ्घा ले हे हिक्कता धानर्थन कर्ततर उद्देश है, রাজনীভিজ कि जाश्रान भाषा मार्वाचित्र वस्या विद्यादण्टल क Lनटनेव क्या । व क. धर कतिहरू भातिहरून भटकर गार्ड ।

अ। सूहस रिप्तातीयर अकृत्रि-- (ग । कि १४, मश्या स्ट्रिक्ट्रा सुहन য়াবস্থাকৈ সভা হাপন করেম, ভাতাবার नि'नः" नहीबरम्ब পहिर्द्ध ७ छक्त हम रि **काराज्य काशन क**िरास आका दश । नि विलियादनगदसाः. १६ कथान स्मान भाग मन्द्र अवटाविश कतिश्र वाशिशा (इन : ७१ ७ काई।क्कडा शाक्क, स्टान ना श्राकुक, विविधियान कहेरतके काम महर्गाः देखकात् भव आहेश बाटकम। य ংশিকা এই কুৎসিদ্ধ গ্রধা আংশিক পরি विश्विष्ठ कितिया आदिक्रिकिनियाक केळला ।

छुरेषन अित्रहेक महकादी (मराजिति ংইয়াছেম। জনশং সুতন ফুতন দার উ

সদর আদালত ও স্থামি কোর্ট এব ও वक्रम मनाम इंडेटव । अर्ल्लीय ७ हेर्डेट्टा-বিচারণজিয়া মধ্যে মধ্যে মকস্বাধা যাখ

३४७२ **चं**। ज**रकत कावह** कर्राच म खर्निमारमञ्जूषाहेन ७ (कोष्णभागि धार्म এছলিত ছইরাছে। এই পাইনের আ निक (मध्य ऋडिह, छोह भागना अधीकात क्ति ना, किस लालकियात मधन विस्टा रेशात अविस्था छेशायांकरः वृक्षे दहे-८७८६ । अर्थश्राकारम् ३ - १५ मध्या विद्या সংক্রোর গার্ড ব অংশক ক্ষিয়া আংসি-बार्ड । मुंत बाबा विनान आध्य हरें-😘 🖟 । ह 🗂 वाडा विश्वा 😘 विश्वा 🐠

🎢 ः। न राथः । 🗇 स्व स्वायक्ष्यरः, हे হাৰ অংগ্ৰাঘিত্ৰ বহু জভিব**দ্ধ**ক रिश्रेट असीत पाव अस्ति नाचः इत्राट्या मनच्या (काउ चाना-ল্ড সর্বিশ হছগান্ধের বারেক্জন বারি क्षेत्र अन्तर वाता जहें भक्त अन् काश्व +र्बार्कतः विक वातिकेन्निमाहक एर*न्* शान कहाटा निवस्त डेश्याह प्रश्

8। পুলিব—ভারতবরের বিশেষভঃ | ্কদেনের পুৰিষ অভি ক্রমা। ভ্রিমিত करमरण कनकी दूस्ति १.िष श्रामिक हरें सिके लाहि काहि के लाह दूमारे

त्रीरक्ष अने अनानी च्युनारत क्रक्स् द्वावशातक ७ क्टब्रक्षम महकाही बच्चास এক, ইন**স্পেক্ট**র ও মারগা নি**মুক্ত**েষ্ (१न। माजिरके रहेड़ा चात भूकंबर भूकि উপরে সাক্ষাৎ সম্বন্ধে ক্ষমতা চার্লক ब्रिट्ड भाद्रिर्दन ना। **धकथन द**िः अविष्टयत्र अ**ध म कर्षा कहेटवन ।**

६। देनमा — ध्यमन अक्रमिटक भृतिह উ০কৰ সাধিত হইতেছে, ভেষাৰ 🖫 क्टिक (मनापण कमान क**ट्राट्ट**। राय जात्र व्याप्त । अ हे न जीत के जा नाक्टनद अकटा राष्ट्रीवन **वजा ह**ी (छ। এই नियम स्थ्या**टा श्र्वाचन (** म्भानित्र (भवाभिक्षिरशङ्ग किक्षिर । िथा २३ शास्त्र । जात्वरक श्लिका वर्षे (इन । अल्लिनिय मध्यारे स्ना मण कान्धित नाम लाभ इरेख मा नारे । धर्मार्ग ५,:०,००० निनारे bo. • • रेफेरजालीय रेमना **जात**क ধাছে। গড়ভিন্ন আমাদিপকে হং। **३२,००० भकर्षना (मनभद्र (२७न**् व्हेरल्ट्या वेरल्टल ७ वर्षान रे कारम त्यनात कमा कामानिरशत था। (काणि केका । रक्षरमदमञ्ज सामाम !) গিতেছে !!! ভারতবরীয় গ্রথমে র্মার ইংবি অভিবাদ করিছেছৈন, रेश्य की व नवर्गरमके अश्वास के। शा ক্ষাৰ ক্ৰপাচ ক্ৰেন নাই।

७। (गाउँ---) ला मार्क व्यवधि र्गरान्द्रें रनाउं कार्यान्य इष्ट्रेयार् कृति रक्षरमनीय स्त्राटकत्र महिए । हेश वियारक। त्वारक अवर्गरमर्गेत ল তে অবহাতি বা অনিকা প্রবাশ েছেন থা। অংহিক পরিমাণে নে চলন বাস সংক্ষেপের এফটা উৎঃ পায়। ব্যাক্ত মেটি ফ্রমে লেণি প (छ. काइव वाएक (च सिवियाई फाइन का व व्यक्ति क्वेटल्टक है।।

हैं शब्दिन के काशक उन्त करिक्ट हम। क हैं शब्द काशक काशक का अवस्था शहर हरें द्वार । किन्द द्वार विवर्ष शहर की है वाकिषिरभद्र करने के विवरण हरे कि हरेर ।

१। बील--नीलपंडित गालायांशंख . ग्रंक वर्शस्त्रज्ञ घटेन। मर्४ : मामागा विन-্ধা পরিণাণত লবে। গত গ্রই বংসর কা-न नीनविष्ड (नामयान करें एक हर। नीम क्टब्रा म क्रिकाफाटन अकात निकटि श ब्रान्डिक इरेशा (अटव डिक्शोन्सटक रूच क রিবার অভিপ্রাধে অসমত কর্ত্তা করি কে সারত করেন। মুচনাং প্রজারত कसारम अमन्त्रक इन। टाश्टक भीत करतता करें कवी अकाम कतिया पिरसन **८६ ८ जागन इंखेर**ना शीयनिशस्य स्कञ्चन स्ट्रेंट्ड मृत कतिया ितात टाके म चाट्ड ল। গবর্ণর তেলরল তাঁচালি<mark>গের মা</mark>শ্ গ্যন্তায় জুলিয়া গিয়া দিলেব কমিসনত निद्योर्भक अञ्चल कितिका । उपसूत्रा-ति मर•े ने अब क भवित न माह= न ने शा. य শোহর ও পাবনার গণন বরিলেন। জা-হারা অসুসন্ধান করিয়া অপ্নিতে পারি रमन धारानिर्धाव मीलवनन पः उन्नाहे **নীলমধ্য অনেশের** নীলম্বটিড শেক্ষায়: 🕊 🛪 🖎 🛪 । यहाल नित्रविष्ठ कर लख्त **व्हेटलटक, त्रबाटन शका**दा दयान . इ.स व्यान कतिर उरह गा। अहे अनात त्यान क्षात इरेट्टाइ हेटिमर्य। नीलम्लं १ २१ क्षित्र इन्ता लक्ष माद्रव्य पश्चराम क्रिया **এক্সফেন্টার** গ্রহ্ণসেট্টের সেক্টেডারি সিচ্চে सक्तुत्र मारहतः इ छ। हात्र करणक थ छ नि-Can । काब मारह्य टाः . में दावराम डेफ, सार्छ मास्केमवित अङ्गित देश्याद्य करण कृञ्जन ध्रथान लाटकंद्र निकटे ७ ५२एफ भीकिक्टाइक्सन मन्त्राक्षरकर्वे निकटण व्ह 🚧 क्तितन । लात्यद २०४१ এरे, शुक्रक भ नीक्षहाले व बाह्य स्थातन कता इस मिन की कर सम भारता दिल्लामधारमाधी

ष्ट्री (१९७८ वर्षे शवनदात निकटि शुक्रक প্রেরণ কর্ডার মাম ও পুস্তক প্রেরণের हात्र विकामा कहिएन । लिनि अरे छै ত্তর বিলেম, তাঁলার আজ্ঞান্ত্র শৃত্তক প্রেরিড হয় নাউ, অবং পু**রুকে**র মধ্য काहाव अधि श्रुष्ठक काम -क्यां काहे। किस नीनकरववा धरे छेखन शारेमा ५७ **२२८लन मा। ठाँशता त्राताल करेंग शूल** क गुप्तन कर्छ। भाष्य बरलाइ मारम नानीन করিলেন। অভংপর গঙ্সাংহব নিজের राम बाक्त कावदनम्। मौनकत्रनिदार्यं वा रहा की हाय सारम स्थायन स्था हमें रह शहित व । यव २७१७ ७८३ तुत्र विहातायद्भव এনুচিত পক্ষপাত, ৰচ্চা, ঔদ্ধৃতা, ও অ-मृत्यानिंगत्र श्रीत्य अमान करिया वश मार्ट्स्व एक लाग नातानाम ५ .००४ টাকা জরিমানার আজ্ঞা দিলেন। নীল-कर ७ कर्यक्षान विविध अधिरहरू भ-कल भारत है एक जारहरवंत्र छून्दे छुक्ती क इहेटलमा दोसा आकार हम्म निर्श्हें হাত উদ্বিধাৰ বাছ ও বাৰু কালীপ্ৰদল কিংগ জ্বিদানার টাকা দিলেন। অনেকে हेरा बार एका बन कुन होका बिटल अ প্ত ভিলেন। লপ্ত নাহেন এক মাস भट्ट जातानाम हरें . बाहित ६ डेटमन । চাৰি নিক হইতে ভাঁহায় নিকটে সাৰ্ন। স্তুত্ত পত্র জাগিতে লাগিল। ইংলান্ডীয া দক্ষর ভাশার ছাবে ছাব প্রকাশ भ'वा गम । इन्ह मार्टित इनिहास कारन मन भड़, ७ १०८वस्य य'वडीय दक्षानित्स গ, বি নিগড়িকেন ধলিয়া ওড়জেশীয় স मुलार प्रभात स्थाप अवज इहेगा गडा बाकारक बाजा नाषानाम् स्टब्स वाकित्व धक्र भाजा करिया सह अध्यक्ष एरहतास्व **ভূঃস্বভাবে**র বিষয় ধৌট সেকে।ব্রির ल्लाह्य निविद्यास शास २०,००० लाक **बे चा**टदम्म **भट**क श्वायन् कटहम । विद्रम्थ प्रान्त्रद्यात दिपत कहे चारतमन शक्त भाः পৰে মুদ্ৰিত হইটা অ,কলাৰ আৰ এক

७तिक मार्ने मह ७ महिन नाइ নের নিপোট আও খইনা ভারতব্যীয় ादग्राकी सीक्षांकिश्वरक धनावान निरमन । কিন্তু গত অকুটোবর মাসে কাশু লোগ **ए। में महा चानगामितात त्या**याणम ক্ষিয়া পুনরায় নাল্ডটিড গোলবোগেছ विध्य व गटमट्लेब ल्यान्य व ब्रिट्यम । ना **डं कामिन्द्र शत व केंग किया। अंत भनाय** र्भ करण आन्ते मारहरत्क क्रम करण शद लिचिया धरे रिलिमः चित्रकाद विदिश्य । তিনি নীল কনিস্নর্নিশের বিদেশ্বরূপে স मायुक्त करत्वन मार्ट शतः व (भनवरत्तरः १० ८क वल विवादनय काञ्चन भ**रव**नन निविधा का ল হরণ করিয়াছেল। অভত্তর প্রকল ভূতন কমিখনর নিযুক্ত কৰিল লীপকর प्रकामिर्यक् लाज्यत् मस्य मध्य कतित विशेष भागानि । हैन । दि ५ म दर् व धरे वाना। य भटना व्याहा . व विकास केंद्रियारन विचिद्यन, खिलि उ विभिन <u>ाता पदनत (अस-द) व भाकाकुमारहरे</u> ফার্য্যা করিয়াক্ষেদ কলতঃ প্রথম কেন বলের ভাসুশা শাস্ত্র জিখিলা বেকটনট शहन्द्रत कत्रासमा करा मञ्जूति । स्ट भारक्। च काबना जीकांद्र वृत्तिशूकाः ्यु बाहे। याहा क्लेक, कत्र व्यानात्मत জনা পুনস্বার তুই শ্লম ক্রিস্বর জল कारनक्षेत्र क मानिस्मिट्रेंत्र कामग्रा भारे था नीम ध्रीयान व्यटमरण श्रम कतिया ছেন।

৮। जूना--चाटनविकात्र शृंः विटक्त २ ३ सारणः सारक्षकेटववः चक्कवाव्रवदर्गत् ८००-খান হইতে ডুব আনর্ম প্রঘট হইল। অননি ভারতববে তাঁহানিগের দৃষ্টি পতিত হইল। ভারতবর্ষীর গর্শনেষ্ট ভদ र्थ मानः निरक कनिममत्र त्थात्र कहिरसा। ভূমি সকল নিজঃ বিক্রণ করিবার গাবে-· न रहेल । চভূ किंदिक त्राञ्च পথাৰি শ**ন্ত**ভ ब्देदर वाशिक

। द्वलखटन—खाव ध्नारम त दब्देशख्या क्र उभा ५ अञ्चल इट्रेस्ट्र । यहित्क क लिक। ङ हरेट मुद्यत, आभाषानान हरे তে আগরা, লাকোর হইতে অমৃতসর, করাচি স্থতে বরদা, এবং মাস্তাক হই एक मोजनिति अ**धीयः अभीय मक्छे** इलि তেছে (সান শুদ্ধ প্রাণ বহস্ত জোল রেই लंबरन युनिवारकः) अनित्कं माठनात (त ইলওয়ে কতকদুর খুলিং ছে ৷ জুনসাসের मत्या भूका ब क्लाज दामकरत गाकि हिंग বার সম্ভাবনা আছে। এই সুইটী রেল-अदम मध्यु । ६३ रक नाविद्याय अविद्याय ®।इक्ति इहेवात अल्लुः अञ्चादना चः द्रहा

२०। প्रवित अग्राक-भवर्गमणे हा क्रमधानित्र विषरम मित्रिय यञ्जान सरे-ताहरून। हैमकमहीका इंडेन्ड ७२ लक ও সাধারণ রাজস্ব হইতে গ্রায় দ্য কো 🖰 টাকা দেওয়া হইয়াছে। বাণিজ্যের ও कुमा नक्षानी कतिचात स्वित्रा कताई अहे राट्युव धधान खेटक्या।

५) शिक्यानिका- शवनदमके मिका-कारणा किभिन्द नरनारवाशी रुर्शारक्रम। अ विषदम आज मभनक होका भिरात प्राक्ता र हेशारक । बक्रदमभीश अध्यक्ष क्रेट्ड नियवि नाभरपत्र वाणित्र धन। ८२७ मक्त हाका ८५७ িরা ছইয়াছে। শী<u>ছা</u> একটা জাভিসাধারণ निकाश्यानी चालिङ इहेरव, हेश्नख हरे विवद्य जाक्या जानियादक । ठकुर्मि कि दिमाविरिरिती छेम्र हिन्दे इहेर । (छ) बाकीय निकथ्यनां का पित हरेता ।

मत উত্তর পশ্চিমাঞ্জে ও গঞ্জায়ে ছুর্জিফা! ত্**ই**শ বি**ন্তর লোকে** প্রণেত্যার ফরে। তার ভৰ্মীণসভা জাপনাদিগের স্বাভাবিক লেশনি হৈনিত' গুণ এজাৰে বাৰ্ক সম্প্ৰনা বেৰৰ সহিত মিলিত হুইয়া এক টাঁয়া করি ८ ग। १ क्रिक्त मकल साम इहेटल हातः খানিতে লাগিল। ই-লন্ডীয় লোকের। নৈশ্বিক ব্লালাতা হেডু প্রায় দশলক টাকা খদান করিলেন। প্রায় ছ্যুম্স কাল ছুভিক ছিল! বণিক সম্প্রবাবের সেক্টোরি উড সাহের ও কর্বেল বেয়াড নিধ এ বিষয়ে ষণোচিত কট ও পরিশ্রম স্বীকার করিষ্ক্য ভুভিক্ষণীড়িত লোকদি ্ব: বপেশু মামুকুল্য করেন। মিসনরিবা मक्षकारण ८ **मक्षक्रण** हे म्ब्रिस्टेन महाज्ञ ७। क्रिया थार्कन। शक्षात्यत झालि ना म बक्क म शाक्ति यात्रशत नहि करी मध করিয়া**ছিলেন। অনন্তর, বাঞ্চলা দেলে** বারা मल, जिर्देशी, शक्तिभाग, अकार प्राप्त मा রীভা উপস্থিত হয়। কলিকভা বাদা স भाग म्यावणका इरेशा म विवस्त्र यस्याहि **७ त्राहाबा मान करत्रम**।

১७। এউলেশীয় রাক্ষগণের সমাননা— গভবৎস্ব এতদেশীর রাজগণের সন্মা নার্থকে প্রকার তুক্তন সম্মান্তির প্রক ঠিত হুইয়াছে। মহারাজ সিল্পিন, হোল काव, शाहिव:लाव वाका ७ कृष्टि करतक बन প্রধান রাজা এই চিহ্ন প্রাপ্ত হইয়া (इन । म उ उच्च इंडिंग क (मनीय क्रामश ণকে উপেকা ও জনাদর করিয়াবে **জ**য়ি[†] প্রজ্ঞতি করিয়া যান, লার্ডকানিস্ত এ দে নীয় এখান বক্তিদিগের সম্মাননা এখা দাবা ভাষা নি**কা**ণ করেন। কলভঃ लिनि এই উপায় दात्रा चानक कार्या माधन ক্ৰিয়াছেন।

^{১৪। ম}নৈত্রিং সা**লিকে ট—ইংলভী**র भवगदमरकोत जाञ्चासमादत अष्टरम्भीत ज मछ, छात्र पादणाक जात्र अविकृष्ट क्षेट्र । त्वक मञ्जा वा जिएक जारेक मिक माणि ्के हे ' । व शक्त हम् । **पक्षादयं ७** व्य**दवा**धाम् >२! कृष्टिक ७ माबी छए-- ५७ २६ | डेडात छेरकू के कल अशाक प्रदेशात्छ। पन्न दिन । अहे अथा अवर्क्डिक इ**हे**शारक । চিন্ত পঞ্জাব ও আয়াধারে নাায় এখানে करा नर्भन हर्दे हरहा ना।

> >१ । ভারতবন্ধ नভা—भामाविद्वातः एट्या य पिनमिन जीवृद्धि इट्टिस. **७ विवरम नाहात्र७ अस्म ्नाहै। विका** শিকা ইহার প্রধানতমকারণ। কিন্তু রাজ নীতিঘটিত যে উল্লিড লাভ হইতেছে. শহার প্রধান কারণ ভারতবর্ণীয় সভা। **थ**े मचारक अडमर्थ धनावान (मेखना डिविस) **এই সভা এখনে জ**মীদার দিলের সভা বলি-যা পরিগণিত হইয়া ক্রে সম্ভ ভারতব্যা য়ের এতিনিধি বলিয়া পরিগণিত হইয়া (हन। এकार्य परमंत्र नमुनाम रनाकहे आम ঠালনিগের মতে চলিতেছেন। শিবপুর, বা-রাস্ত, ও লক্ষ্যে নগরে শাখা ভারতবর্ষীয় সভা স্থাপিত হইরাছে। সভার অমুরোধে श्वर्गरमणे अद्यक्त कार्या क्षित्राह्म अ করিতেছেন। সম্প্রতিকার ভমাকের উপরে টাবা পরিভাগি ইহার একটা প্রধান প্রমাণ। मक्ष्यत्वत्र कार्त कार्त यनि माथा खात्रस्य যীরসভা স্থাপিত হয় এবং সেই সেই সভা यनि अ दमनी । निरंशव भिक्का कार्य भरमानि (बर्भ करवत, खण्यकाल मर्थाहे व प्राप्त्र नितिस्थ अन्तिहित इन्देश एटि ।

भृतिदीव जामा जना जन्द । य नम्ह ঘটনা ঘটিয়াছে, ভাধার মধ্যে আমেলি-কার গৃহযুদ্ধই প্রধান। যেকগ সহ'দ পা-ওদা ষাইভেছে, ভাগতে ু যুদ্ধ শীন্ত্ৰই त्मम इक्टर अक्षा त्याम इक्टरव्टम । हो निट्ठ स्थीनजा क्रमभा अपन इक्टेट्ट्र ताम अधिनिम छिन्न कात मक्त स्टिन्ड लारकरे त्राका विक्टेंब्र. रेगानि डेब्स्वत व्यथीनका जीवा कतियोद्य समीवी

সম্রাট ক্লবকনিগকে অর্গাণরেনিপের দান ব্ল ও বিচারকর্তাকে অধিক অবঞ্জা করি-স্থল হইতে মুক্ত করিয়া দিয়াছেন। ও । তে পারে, সেই এশংসিত হয়। যে ব্যক্তি थात श्राधीन नामनश्रामी श्रापन कति । त वादका निशास कतिया सकत्मात कत नात केव्हा क्रिमाः वनवर्षी क्ष्टेटल्टक । हे॰ । शताबरमत व्यस्त्रिति निट्ट ६६८७, (अहे नटखत अधान घरेनात गर्धा ताककृतात । यनि এই तथ निशाल आकत सहैत, छाए। 'পাল বাটের মৃত্যা তিনি ইংলভেশরীর হুইলে নথার্থ স্থিচার দর্শন প্রত্যাশ' পাণিগ্রহণ করিয়। ক্রিধি অধাবসংয়সহ । কোথায ? লারে পাদনকার্যো, ধথোটিক সহায়তা করিভেছিলেন। ভারের মৃহাতে সকলেই क्रश्विज ब्देशारहन ,

> **पा'भोभट**७४ अक्त वर्वम् व मिनिधार देश ना (कर्न ने

क्ष विद्यान जी गा॰ मः तक महक सन्। हुरमद्भाष्ट्र व्यक्तिक 🤐 💢 है होता गीमारमा ঠেন্ডা পাইয়াছেন, কিন্তু অদ্যাপি ইছার একত শিক্ষান্ত হয় নাই। কেহ আর্থ প্র `ভার্বির, কেচ আইনের**, কে**ছ বা থামলার কেই বা বিচারপতির এতি দোষারোপ ফরেন। অধি প্রত্যবি দোগবাদীরা বলে-म, अदम्दनंत (नादकता विधानानी, धाव 🏶ক ও জালকারী (স্বিশেষ না আনিয়া माधात्रदेश अवस्था (मायाद्याभ कता इवे রা থাকে) যাশরা নংক্না করিতে মার, ভারারা আলাগতে এয়ে সভা क्ष्या क्या ना । अभूनाय विषयरे विशायाता **भाक्त क**तिया ताट्य। भवकता कातीन-**रचत अरे अकात म**ंचात खारक, गियोः ना किटिन मकस्माध का इस मा क्राहर र्वे खुरन नकन है मिथा, स्मार्थ विष् ब्रणिटि कि क्षिट्ड शादबन है निष्ठादब्र .श<u>ृंध</u> ना भारेल जिन किर्कटण अविधा ्कविद्यम ?

বাঁ**হারা আ**ইনের লেখ নেম, ঠাছা-द्रा बटलन, आहेन चत्रुभादत विहात कति दशस्य विठावक्डातक वाक्राक्टल ुश्राकित छिनदारे निर्फत कतित्व रता। श्रम अक्ष लक्ष्माका अधिक अधिक विद्या चर्चा (य दाकि नाकानान

বড় ছুকুছ হয় না |

ভাঁহারা হলেন, বিচারপতিদিণের সায় 🕽 সকংগরহ এক একটা দোৰ আছে।ক তক গুলি অতিশ্র উদ্ধৃতপ্রভাব। তাঁহা । সলে দণ্ডাব্যান আছি। আমানিগের পথে প্রবেশ করি:ত পারেন না। স্থত-द्वार दानि अधिवानित नावानाव निक প্र काहानितात भटक गर्क हत्र ना! কোন কোন বিচারকভার পক্ষপাভ েবে আছে। ভলিকান তাঁহারা বিচার व । दन व्यक्त ६ हे हा यान, नात्रानाम दूरि 📜 ८ शास्त्रन ना। एक इत्र का का सम् (अद. ऍ!कादा अधिका अकल्यात असुक्थ-ारण (ाककरमङ्जमर्**म मर्ट्न**) कान क्षाम विधानक डील विजयन वृद्ध ଓ वि-বেচনা শক্তি আছে, সন্ধিচানের অধান শ্ভিবেল্বর পক্ষপাতাদি দোবও নাই, (करन এक जानना (नाट्यन नाम हरेगी) उँहाता नकक्षमात स्का ७ वशार्थ विवाद

(कहे निश्वातं अधिवज्ञाक विश्वा निर्माण कटमण, आमता छानामित्सन रात्कात সম্পূর্ণ অনুমোদন করিতেছি। বিচারক-র্বিধি কোগ লোকাদি শরিজ্ঞাণ পুরুত मकटा मह्कारत कार्या करत्रम, व्यथि श ভার্থির প্রবঞ্চলাই বল, স ফিল্ডের অনুভ বাণিতাই শূর, আল্লে অনেলান্থের উৎ चामनादनायकी उनकातितः वहिया । क्ला आहिशा देन, किकूरण वि हू करि-बारकन, जान्तराङ्क जामकाबाहे महिना- । ८३ आदत्र ना । निर्द्धाय, जान, ए श त लाट्डित महान् अध्यात । त्राम्य त्रम किलाडानि पूर्वित विवादकर्तत निकटिये রত্ত খাশ্মিক ব্যক্তিরা প্রায় আমলারণে । আললার এভুত্ত ও খুর্ঘি এভার্যির প্রব-अ:बाज एक अ:दवन करत्न करा अनक्तिया | क्या चाटि । आमत्र एकात **अ**रमक छेना ব্যক্তিব ছারাম আলালত পরিপূর্ণ। তা-। হরণ দর্শন করিয়াছি। যে বিচার।সনে ব मृन टार्किमिश्तत किছूर अनाथा नारे। निया अक्सन विवादकर्ता ए जामना, व উৎকোচ পাইলে ন্যায়কে অন্যায় বলিয়া । আইন ও যে অধি প্রভাগি পর্যা অবধা এবং খন্যায়কে নায়ে বলিয়া বিচারকর্তা বর্থ বিচার করিয়া নিয়াছেন, সেই বিচা-त मुख्यिम क्यारेश (६९४) ठाट्डिश्य । त्राभटन व्यामीन ट्रेग्रा (मरे व्यारेन (मरे আমলাও সেহ অধি এড়ার্থ লইব: আ-वाँशात्रा विष्ठात्रक्छाटक ृषिक करवन, । अत दाक्ति स्थान १ मनिष्ठात कतिरहरस्य। ব্দানরা যে বিষয় প্রধিপন্ন করিতে প্রবৃদ্ধ क्रेगाहि, जामना निष्मिक्रे काश्राप्त नाकि রা উল্লভ্য বশতঃ বিচারক্রিয়ার কটিল তিক পাপাছা এরিকেদী আমাদিনের পৈ ভূক বিষয়ের কিরদাশ অধিকার করিয়া অইয়াছিল। শ্রথৰ আদলতের বিচার কর্তা প্রতিপক্ষকেই সেই বিষ্টেব ডিজি দেন। বেবে অপৌল করিয়া আমাদিবের ' दिनम आमानिराद रुरेगाए। सनि चा-পীল আলালত না থাবিত, আমবা ভ নায়ে বিবর হইছে বঞ্চিত হইযাচিলাম। निराज्ञक्कीनिर्मय (मार्य मनिराज्ञ याधार ৰূপে ৰলিরাই স্বাপীল অ'দালতের স্ফি **ছইরাছে।** বিচারপতিদিগের দোষ তা-त्य विश्वार श्रामता नकसमा वित्नारम श्रा श्रीन त्रस्टि कतियात अ**खा**र्य असूरमानम

कमा वर्षा क विधायत अनक इदेशाएक, त्म धर्—णकान करकत विवादकार्या य नक्त वास्ति विष्ठात्रकर्वात्र लाय- । जनपूजा निवसन यथके जनिके यिरिक एक, अदे विषय निश्चित। এक वाक्ति आमा निर्मात निकटि अक् श्रितिक श्रेष्ठ व्याप्ति कर्मे हे नार्यकः कंकः श्रीकाश कृता विवि विज्ञानः निक्त इत्ते, श्रीमानिवाद्य क्षेत्रकित प्रदेश।

পুস্তক খান্তি।

মাদস। সমুভজাচিক স্থীকাব কাছিতেছি, এ एवं नियं विधिक भूक्षक छन्न आका दिलाई क्षण अ इंद्रशास्त्र । अयम, जीगुक्त बांबु विभिन-र्याञ्च अन कथ क्रमीक नक्ष्यामात्र । दिएएन, "। শাল পঞ্জন্ত, বড়রিপু প্রভিডি সংখ্যা ছচিত্র আৰুণা জাতিব্য যে সক্স বিষয় আনেকের আন্ন प्ति : आरक्ष, बहे शहा अ**हे श**लित शहाया जना क्षण्यात्व । किन्नु धूरे अक श्वारत काच हेन्द्रमा म ८ वर्षेत्र , बेर्, सक्कार इत्या । ए पुर्विष्ठ हरे-ণ হে। যগ্র মুশ্র চাবি আন। বিভীয়, পদা भ · श्रीमुक्त यातू यहदशस्म(स हटक्रिमांशांश ने के ने गर्यार्थ के विषय हम । तरताक किटबार पान ् भरवात्री वालला कारक सकत है हारक सन्।-१५ मा ५ १ हे ग्राह् । १८ १६ कवक शिल क विका यप्रदाद्व विषेत्र, कार क्षत्रस्त्रीय मरशकीय । এট পুক্তকৰ মূল্য দিন জালে, ভেডীয়া, স্কৃতি ট नि॰ धेर्। नि॰ कुछ शहर, भक्षाभन ह्या अनीखा श्रीमुक्त निर्देशहस्त विभावित हो। पश्चित हिन नाहित हराइ बाला स्थान युक्त कालव প্রাঞ্চারৰ শুভাদিন পর মন্ত্রাধিব বিবর পিৰিছ केन्याहर । देश विना कुरमा विकास कहा यह । ८५६६ । छात्रथे, शिनेटकद्वन आवक क्रेन्स्टी,टन्स्ट्र (.व.८) अथम, .स्मारकाण्याः। यह **ध्रे श**क्ति कलिका की वित्रे कुछ ज में मेरि एक। बाहा मु ভিত্ত প্রাবিত হটরাছে। পৃত্যশ্রীভালে। अम्बद्धां अधि १९० मकद्वित इन अवर क्षेत्र । त्रमं अपे कृष्टे द्वारश्रय युक्त केरण्या । वर्ष. भजीरावश्व । देश नील माह्यस्य देवनाही अध्यत अञ्चलका अभ कर्कति नाम नाहे ' उत्ता ে বাংক্ষর মুদ্রাব্যস্তে মুক্তিক ক্রীয়াছে ।

পানেশন হইতে উদ্বা

' সুসভা ইংরাজবংশানভংগ নীলকর
শ্রীযুক্ত মরে হইতে প্রজানিগের
নিবাসন, ভ্রাণহত্যা, স্ত্রীহত্যা, বালহত্যা
বলাহকার জালকারিভা
প্রভৃতি।

পাঠল বহাখানাৰ : সোম একাশ সম্পাদক
মহাৰয় ! বিক্ৰাত সম্পাদক বহাখা ৷ আপনারা অন্তেলানেক নীলকন্তের ভালাচানের বিষয়
অবণ ক্ষিতিত্ব, ইক্স বিক বোক্ষণায় এক

- No all of the second

वाखित् कथन था, कि खन्छ कथा प्रश्निक निवास का निवास के कि निवास का निवास का

ও। ৭ দিন গভ ছইল নীলক, ল: শুরু স|-ट्रिट:चे कुडम काछ १६।र च (तगग्र नर्गम के कुम। किलाम। अनारम चर्छे १३ छेरझ ३ कविटाइडि ইকার নিটি ভাতুশ হতাচার কতি নামানা। हरवास कांक्ति गरमा (अ राष्ट्रिय हराएन, अल-) मुच निर्मन, बस्तुह निर्मुद्ध का.८६, छात्र। छ। न्या পুৰে জাত ভিলাৰ ন। খবে সাহত্য অধুনঃ ৰাষ্ট্ৰক ইন্ধৰ্ম কৰিতে ছেল ভাছাতে ৰোধ চয कि जनमा बोक्सील, कि अहिद्द विकेट युगनपान uकः कथन अडराष्ट्रभ छ।पुन्य प्रतिष्ठ क।रथी अ-इत हम महि। बाक्ष कुकार याम, कशरामहे, নিৰ জাকরকালী প্রভৃতি এরদেশীর সন্তাপ্ত क्ष्मिकः एक छि । विक्रा व्याचनार्थ सन्तर निज्ञा अनेटकोश एक विश्वांत्रमञ्जल कविशा देश्या-कटक जानन कर्छ। क्रियाधिरसम, अकृत्य बहे न-কল নীলকর মহাপুরের ছইতে কি ভাহা অ-পেক্ষা দলগুৰী অভ্যাচাৰ ঘটিভেচ্চে না - কি জা-मध्यो । ज्यभिकाशमा बेश्याकके कि विश्व हमीहरू वर्षा छ. हेर्द्रीतः १८६४ विष्यदिदेश्यीत नाम्य छात्। करवन, कामा क देश विका अग्रहीय गाक्ष कार्या করিম'ও স্থেদের পুর্ত্তি করিতে ক্রত্তমন না। व्यवस्था को देशलियगान, स्वक्ता हेर् । एवत अ-थान गराह, कात वेश मिलान कि कि क्रिक भारत न कि कि अभाषा दम्पियान क्यांच कि रुकेटब २ (क्वे वा कामार्मक कथान विश्वाम क्वि-विश्वाहा इंडेक जिल्लाम अधिक किंदू मा 4. শিক্ষা প্ৰাক্তুত ঘটনাটী ধৰ্ম কৰি।

धरे ना धनति कहा विकी क्रमणेव शर्दा उन्हें करिंगः -'- 'ऽ आन भरहात कतिरलन अवर ताहे ^{हरूमात्र} अ १८० प्रदे स्त्रांश कत्रियां **अक कार्य** चनावित्रक लाठाहरमान, **धक्छान चन्नर गम्बि**न राहित्व सहस्र महिला में का अधिमृद्ध व्यक्तिम कर त्यन। अर्ड अमध श्रवीय **अभागनरक (बक्र**म् करे पित्र हिं। अन छ। इ अभिरम शायाव अवीं-कृष क्षा, अनग विभीन इदेश थान, नतन इदेख कनवरक अध्यादा निर्विष्ठ स्वेटक बारमा क्षेत्र का का अंदेष्ठी शक्ति धना अभवजी सुवकीट**स** वशायकार कहा एडेश हिन । अबे छुटेंगे सम. ो दगरवा अक्षीव काट अक्षी निश्च क्या धिन। मेनिप्यानि कतियात स्थात त्यसे क्यांगित. আণ বিজ্ঞান কইল : হাৰ ! যে নিশ্বতা, দি নি-ै,वटा, कि अवाक्षकता। देश कि देवेदब्राणीय यता व्याजित तो अञ्चल प्राप्तां वी वेर्**सर ७ पती कि** विका भारत कविटक्टक्स र ज्ञात 🖁 अध्यक्त वर्षि में हुन ध्र'ठाव स एकरचीत्र कथा अभिटड नी देव তাহা হইলে কেন সিরাজউদ্বোলাকে সিংহাসন চুত ক্রিয়া তাহাব আৰু সংহার করা হইল ১ भवर्गमणे हेरवास क्षत्रांशीरक क्षत्रांशिक वा লখু ঘণ্ড বেওয়াতেই তাহাদিখের অভাাচার धक्रमृत श्रवीक वृद्धि श्रदेशा छेडिहारम् । श्रवी मात्र गर्फानी अस्तर्भाग बन्तान विकास देश्त्रारकता नगरमधे विकक्-व्रतिष 🗢 माना-विता गम्भात इक्टबंद काश्वत । अक्टन डीइन्ड त्त मरकात विष्वारतः। अधुना विति वृत्तिकारह्य त्य बाक्नां किय गाव देश्वारक्षत्राक क्षक्रकी विक हरेश। पाटक । शक त्रामश्रीत त्रमान सुमित्स जि-নি উপছিত বোৰক্ষা কেৰিয়া বলিয়াছেল খে केरवाक्षणिक काउन्द्र स्कार्ण विश्व क्षित्रा আঘি অভিশয় ধুঃবিভ হইলাম। বাহা ইট্টক त्म मकत अधार्मकक क्यांत्र आहांक्य प्राहे। একৃত প্রতাবেরত অনুসরণ করা ঘাউব : জন-एव नी मक्तीय क्या कर्जा हिमि, समहाप्त असान भगरक बाखकात बाक्षरक माथिया मरद्रम निक्ष পরাদর্শ ক্রিঞ:গা করিতে আর্সিলেন, গরে পুন-कार माजनात निया के एउनाना क्षानानगर . जहेश त थान त्रक्रम निश्च। श्रुक्षांकिशूट याका कविद्यान धार वाहित श्रुमात्रवान खेशकि इ-ইয়া একটা কুছে খীপে ভাহাদিপকে ছাড়িয়া विराजन। प्रतीय अक्षाता त्रहे प्राण हिर्म क्ष ममाक्षा अतरेश खन्य कतिएक क्षित्रक किमानुदर बरवक्कम भरना बावमाग्रीन कृष्टित स्थिए मान हेल, बर उरक्षांद को वृक्ष जेमिक्ड इ-नेवा काशहरमत कार्याय शहर कड़िल। अभिन्य गत्रभ महान् दिनि गाइन कानिए भातिरमन रक व्यवसका कालांबा भरमाकीकी इ का आहा जन-ছিভি ক্রিছেছে। ভিনি অধিলংগ দেই তানে **केश विक इ**हेश गर**ाको**शे <u>सिं</u>शद सरीय:ना ४-तिश्रा क्षेत्रांगदक भूगर्गात मेर्निकवादास्य गर्वे गूर्

भगम्,कतिरुष्ठ क्ष्मिल्लनः ७३ त्रमञ्ज्ञ अक्ष्रसङ् निवास्त्रक्षत काम्या सः । जागावेशी (सम । केंद्रि पूर्व प्रविद्वाहि ।। विका खाळास्वित् हुदे क्षि कहिया कात बार छात्र काता विद्यालको-हेवा विवाहित्सन। त्य मक्स व्यक्षा समापितन এেবিত হঃখ:ছিল ভাহারাও এইরূপ অংশব यखना त्यांत्र को त्रा धक्षेत्र कुछ श्रीरण खदकिडि कविट्ड शिल । भरत देशवश्वादि क्षेत्र आंत्र क्षा बीविक्षेष्ठे इक्षेक हिला मारव्य स्वर् का-मीड अकावन्दक्ख सम्हे बीटन ছाडिना निर्मान। क्ष्यन हुई तम अक्ष ग्डेम । धण्टल बाक्र श क्षित्र करमकान वत्रकाम करमक काग्नसाम কৰিয়া এই হওভাগা ে শাদিগতক বাচিৰ কৰি-লাভেছ। বিকি মাণ্ড্ৰ পলাচন করিয়াতছন। बुनिनीयांस 'अभूमे बाकिरकेट्टिय निक्ट करे व्याक्तियां चार्षः । नवन्त्रार्थे अङ विवास क स्रुक्षिक तिरामा इहेबारह। अवन्द्रमणे अभू भिक्त कविशांतक्षम या, या वालि हिला मारहः -এজুতি ভিনমন অধান অভ্যাচানীকে খ্ৰিচা ব অস্থ্যকান করিয়া বিচে পাবিবেন তিনি এ-জ্যেক বাজিনক ধরাতে ছুই হালার টালার হি-সাবে ৬,০০০ ছমু সহজ্ঞ টাকা পাবিভোহিন व्याख इवेटबन । घरकारन अवर्गरंगरेन बहे छ स्विध अवान वह प्रकाल दिनि नार्व्य हि দপুটা অবভিতি ভরিভেছিলেন। সপ্তা ও তিনি नांव छ। ए। वैद्रा चारमतिक साहारस चारवाहन পুর্মিক আমেবিকায় পলায়ন করিয়াছেন।

अभिटक मध्य मोटन्य (मध्यम (य मक्समान উপস্থিত হইচা.ছ, প্রায় সকল কর্মাই প্রকাশ भूदेश পভित्राटक् । এখন कि करतम, कि ऋटभ, विषत्रक ग्रवाम किनिट काटमान में ? कार्यवा ूर्ण के इहेबा बरमन बड़े ज़ुश कारमक छारिया हि-खिला भारत काल कतिला विकास सरहर वा नाटम < ০.০০০ টাকা ভছবীল ভছরুপংতের নালিস क्षितालम् । विकि नाटस्य गटनत् भवाम श्रामात জীকা ভহরীল ভাজিতা পলায়ন ব্যিয়াছে, গু ' मिरमरे अवर्ग्यम विश्वाम कविरयम या है नि रू. सुष् धार्मिक, अभक्त अखाठारहत निम्य विदूध महित्स मा। गाहा इडेक अबे भाकस्थाय स क्रण न खिवशांच एप भरत अकृष्ण वृद्धि :. के।

आधना विव्यवस्था कवि, शांटब्द इवेटल [क হয়, এই ওয়াতর ্যোকদবায় কেছ অম্নি নি-क कि भारेटक भावित्वन ना, राक्षभ इवक्षा रम-विश्वाहि छाराटक त्याभ रहा अत्वाक देरबाटकत ্**লশ টাকা,বড় বেশী** হস পাঁচ টাকা করিয়া জরি क्षांकृष्ट्रहारक। अब्र धक्रमर ७ कि मीनका भा क्ष्या मानिक इहेरन मां - जनमादे इडेरन। व्यक्षा अध्यक्ति अख्याख एरेवात्र जावणाक कि । भारताम श्रीतिकीम्राच "

्र और काछानु रमना गमाशि १वेटन मिन्नी अनिकास विमिश्व सरेनाम यरमान्द्रत्व

ना निर्मु हे मारहद बर्ज माहारदन निकृष्टि छ छ मग्र ६ ऋक्राहारदत्र दिल्य देव किएल कलर कवि शहिरमन। ग्रंथ मार्टिश खर्य खहिः। बङ्गक्षः। গ্রাহা ক্ষেত্র নাই ৷ এখন ভিনি নিড'ত চ'পা-। अभी अस्तान क्षांच्या अस्ति विद्यों हैं। মাহেবের সহিত সাক্ষাৎ করিবার নিমিও গোণ-भीत भक्त सिविश्वारह्य। पाकित्ते हैं मारहर के त्र कितारहर राज्य का का निकास कर द পুংকা অংগি ভোষার সহিত সাক্ষ ব করিব লা । हेश्व शाक्षा **छु। कां**याब छाउराम **क**ंगिङ सें । মাজিটেট সাংখ্য একপ এত্তান্ত দেওয়াতে আমবা ভাষাৰ উপর নাতিলঘ শস্তু ই ইয়াছি। এক্ল উপবোধ অমুধ্রাধের ৰশন্তী ও প্রছ।ভি भक्तभाड़ी का विश्वधारण (डिनि कारभाहे बरणा-७ का स्राह्म

श्रविद्यार देश्विमभागा मण्याभक्त अक्षि कथः जिल्लामः। कवित्र। स्मिथनीटक विध्वामः। प्रदे তিনি প্রাস সমুদায় সংবাদই সর্পাণে প্রকাশ कटरम । कि खरपरण कि बिटनरण, कि ल्यांका-कर्य कि थाउटना कि बारम के घटन नर्कबर्ट कै:-३१व मर्ट'म भाउ। कारहनः कामरा व्यक्ति श्रम कर्ति द्य खमा क्रेडे दिरमा मध्य प्रिमि भाषता मकीएश स्थानम कविनोम, रम्बे मिन स्थाय रगर সংবাঘটী ইংশিসমান পাত্রেও দেখিতে পাই। ৷ কাছৰ প্রমান করাতে সারাজ্যের অনুত্রগাড়ি কলিকাভার সংখ্য অগ্রে সহাদ সংগ্রহ বিধায়ে ভেছ্ই ইংলিগ্যানিকে প্রাঞ্চ ক্ষিতে পারেন न।, भरुषु हुर्द्धत्र दिवस ध्रदे स्य छिनि ७३ गक्ल जरवात स्थानिएक भाग मा। वेदात स्थान कि न ভীহাৰ সংবাদ ছাভাৰা কি এই সকল অভাগির डीहात्र कि अक हवा कास्तु एति कि जनम पिक अमान स्विधिक भाग ना ? क्यांन काश्रील यपानि स्थान वेश्वादकत कि विवाद भटाररणत क কাংশ্ভ অভ্যাচার কৰিত ভাহা হইলে দে ভিনি " বিউটিনি মিউটিনি ⁹⁹ কবিয়া পাণাল হইডেন, তাহা হইলে জাহার অ্বীপ্রজাতার ছটার मसः भिना काक विकारिक एरेक, काहा करेल (य डी:वांत का १ किटलब काश्रट वाकां क्रिकि থেৰ উন্ত পালি **ব্লটি করিয়া বড় সড় এডিটো**-রিচল প্রকাশ হউতে থাকিছে। এসময় লেখনীব व्यक्तिका अमरवाम माञ्चलदेव मरवाम मरवार निश्वा । के रूप ने रक्षा कवि दलिक्षा एक रव ^{'ग्र}का क्राप्तृपः चञ्चनीय शर्तरमारक्षा (।ता क्राप्तुषः অভবোক্তবিবে মুলিব্ৰড়াঃ প্রথন গ্রহণের্গা थतः। " यादाता अमाधु कीकाता 'आनमारणत ছুৰ্নীতি দৰ্শন করিবাৰ সময় আল্প ও প্রচ্ছোৰ দ্ব-শনির সময় দিবাচক্ষ্ হ্র এবং আশুলাকের ৩৭ वर्धमात्र नमत केंद्रिक्त मीर्थ कोर्थ कास्त्र था थ-काण इहेटल बीटक। यथन छोड्डिक्ट शर्दात का শংসা করিবার সময় উপস্থিত হয় ভথম ভাছা-हा मोनज्ञ अवनयन करत्न । हेर्शित्रशान शक

对.古不 Y ार्थ के कि के प्रशास्तिक पर 💆 र इकत राष्ट्रदाहरे क । य-স্থা কে " 66 1 7 たいくか さいたい 質など স্পাত্র স । हार । जाउं कि आहे (क्या के के ⁶⁴

रिविधमनामः।

३ ० ५ देवक (मानान्त्र)

खक्त अन्याह्म वक्टल माँच अन्त्राहिक -की बिनाइक इन्हार्टका डे का विदारत अला दलान बर्ष्ट्र नियुक्त हर्य य २००१ । ि हिन यक्त क्रूबर हो दिए द्वाप्त उपया रूपेला उद्यास की ब्र थार दिन विकास

ब्राम बानि हेर्द्राची रातक क्षेत्र भागार । विष्ठत्त्र । किथा , किथा ह ह । मा, रखा १ ह । १ ह আৰুৰি সম্পাদকেৰ মান্ডি রাশ এপাল কৈন राम दुश्चिष्ठा लारियम रेट्स् ८७७ शाहकप्राप्त स्रा बेर्मा ७ यां अभिरामध्य करून (४० ५) --८फो∙त्त अ,वल्हरद्वस काशियक को इर भेर । र অঞ্চাতেৰ ও ভাৰে লা আহম, তিনি যে আংশুন ফালিয়া েলেন কেটি নাকু নামে ৰ करम कार्, सिर्श्तान श्रेटन मा ।

बह्न द्या छ छेल्दा**धिकादी म**ें १, यहर उस टैनशांकि बीनाव काटसब नाटराजा काश्चि लगा विश्वानार कर्यः, काश्यक खानाव यक नम नव मिन्नाम कडेशारका ७७८६७ भूनिरमद नका कार्विमिद्दशन हेड रचा क्**डेल** जा।

क्रादिशादि हामा अवर्ग्यातीय विकास **इने गड मिलारी शांहरादिन (छ।उपिकार** मधन क्या बाबाब व्य स्टब्स्ट । किन विश्व हा मिट्यं द्रवा क्रिया । क्रिया के महिला

देरमिनमान मण्यापक (बामा) इंडेट्ड हि लिखाक त्य दश मधाम भावेश दब्स अज्ञात निव ८ इता बाटककृती काणहरू इ एक्क क्या इता व अधिकृत्म आविष्यन क्रिशिष्ट्रम । आयोग्यस विविद्या अरमर्गत अम्यम हारहत !

हिन्दु रणक्ति है मन्त्राक्षक व्यक्तियारहरू वस्टर भौन्न शवर्गस्मको खबारकत्र कर साहेश्वात (इन्हें) शरी-**खाचि क्रिश्रेट्स । दुविश्रः क्रिक् क्रिश क्र**ान्त क्रिकेट श्विखांश क्षिट s स्थ।

केक मन्माभक बदलन वश्चांत्र सारिते हा-किर्बे दिव नम् छेठिय। नियादह । अकसन किन দ্বিত ব্যেষ্টি কালেক্টর ওলতা শান্তি । কাকে। **काह**े ^{देश} देशारहन । कमकायूनवि भूनिम नः **रहेल** इप्रेंक क्ष्मिक बाक वाक रहेशारधून (PH ?

श्रीकात्यकारभव कृतिहा व नश्योग शका ४-लान, कवका क्लिक्टक्ष अवविभिन्न अकसम् धूनिविष् अर देवे यादाटक खन्त्रांत्रप्र मार्ट्यन मार्व माणील एवं। खन्ना के दिन्छ वार्त्वा के ह কবিয়া প্রাক্তানিক ক্ষাত্রর ২ বেছে গানীল ইন্ডা, ডাই কসর, ডাছাতে করি বিদ্ লাই ডাবলিয়াছেনা 'ইটালাই কোন টকেল বেল প্রাক্তানি প্রাক্তানি প্রাক্তানি ক্ষাত্র কোন টুলি। এতি নিজ্ঞান ডালে বালু রাখ্যন কিলাছেন। প্রাক্তানি ক্ষাত্র ক্ষাত্র ক্ষাত্র ক্ষাত্র ক্ষাত্র ক্ষাত্র ক্ষাত্র ক্ষাত্র ক্ষাত্র ক্ষাত্র

क्षार्थ (कार्य के लग्नर कान्यर को कार्य-एक सद र क्ष ३ १ ५० के लिख किये के केरल एक । बाब करव केसकम है (ह्यूड क्षाक्ष) क्या न

अञ्चल कर्म्याचि केम, कि, स्ववाधि मार्ट्स । विश्वित हा पाउन क्षेत्रका

विव्यविधानित्य व क्षेत्र का अवस्त्र १४० विव्यव्य क्षेत्र विव्यव्य क्षेत्र क्षेत्र विव्यव्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विव्यव्य क्षेत्र क

शिक्ष काम खरबक्ष पिनत्रहरूर व आश्रवन म व्यारस्य। व्यान्यक व्यक्ष्याम कि स्टिट्स्स, किम स.५७:१६ क्ष्य, भागन व्यवस्य । त्रास्थ्यः मोहानका अधिकाण स्वयंत्र कृष्यः अध्यः व्यवद्या स्वर्णाः कृष्या व्यक्ति ।

マッカ 75店 内郷野町1番1

निक्षीर 5 शास्त्रम् आप्ताः नियान निर्माय एडेम ८६ । विश्व समर्थ कर एक्टर यालमः १५० । राष्ट्रम् सामस्ति स्थित्। इति मनमानाक १ । १ । १ । विश्व । विश्व । विश्व ।

পেগুড়ে এনজন চিন্দ্ত নগতে, বির এনজন
ভূজা ভোন অনায় কর্ম কবিয়া গুরু হয়। তমি
নিম্ন ডেএডা একলন অচি হিতে ক্ষতারী আবংব
নিচ্য কনেন। পূর্ণোন্ধে সংগ্র নিম্ন ভূজানে
বাচাইবার কনা বিচারপভিকে ক্ষতারো করা।
পান লিখেন, নিম্ন কিনি ভ্রতাবের কর্মানা
করাতে চিত্রিক ক্মিডারী জীবাধেক বানা একারে
বিশ্বে করিয়া পোষে প্রদান ক্ষাটন কেন।
বাজি বা ক্রাদায়া বিজ্ঞাবন্ধ ক্রাটন কেন
আভিযান যাজ্যীয়া দিলে ক্রেড ভোডালিকেন
ক্রিয়ান যাজ্যীয়া দিলে ক্রেড ভোডালিকেন
বিশ্বিয়ান বাজ্যীয়া দিলে ক্রেড ভোডালিকেন

श्वकतः भण्णामक वर्णम, करेप्रवस्तम स्वक निविधान वरुषणीत्र साधः गिकः वं भनिः कालात्र नर्गकता नामा आनात्र स्वयः व लिखः इ.स. प्राट्ड वर्श्यक्ति कीश्विक्तिस्य मक्त्यः नामेट्ड साक्षा निवादस्य। भण्णामक वर्णम, वह अकल स्वरणीत्रक सूर्वक्रक कनिकालीस्र वक्त गाउनत स्वरिक्तास्य वाक्षित्र द्वकता केत्रिक न्दर्। यम - - च्याचाः वास् कोणीकी (अघट १५) किस काष्ट्रेसकाल वास्ताल व्यक्ति (- -

कार क्षण वानु द्वाधान के भिनम व कारका नहेंगा निव्यक्ष कान्य प्रतिवाह्म । हिन्दि रक्ष-नाम कान्छा क्षणकारण्यात क्षणका हिरमन् कार्य निकान विद्यम निरम्भ भागमां की कान्य कार्य कार्य । वानु नामीनोध जान कार्यान का

कमिश्रम स्कैटक जरवाम श्वासिशास्त्र एउउटा रमाकाकीरमवा जिलिंग शवर्गस्थान्त्रण स्टक्ष के क्ष रमार्थन कविवास काल सक्त समर्थक मा, ज्यार रा । स्थापनिको सार्थन गोरमाण वापनाम आहे। श्रीकृष्टिक स्टबार्ट्स ।

काभवान विकेशकाय भागवान क्षिताम वि यह स्मान क्षाप्त क्षेत्रशिक केना विकास स्व प्रमा वास्त्रीय स्वति क्षान क्षित्र क्षानिकाहित् सन्।

সম্ভাতি কালিতে নিয়া ন মন ল গণগণ্

দিন্দু নিয়া দুটি উল্লেখ্য করা লীয়াছে । জাগতিজ করি এ প্রকার ক্টিয়ালাক, বন্ধ বা তুল দি-স্থানিত এক প্রতিষ্ঠালাক, বন্ধ বা তুল দি-স্থানিত এক প্রতিষ্ঠালাক করা না

স্থানিত লিক্তাতে ভাত্তি গল গলো করি-বাং স্কুলাল্ড বা তেওঁ নাই নিয়ালে ল ল বিশ্বী স্থান

डेखनाक। ५२शिका जिल्ही मण्हे स्थानक हिंद सम्बद्ध कल बद्ध क्षेत्रस्थ ।

ፈሎክ ርጋሽ ለዝብ^ለች .

त्मना त्मनी कांत्र कांक्षि कांत्र दण गुम म इति छाइ। भक्तमना केंद्र मुख्य सक अंदर १८ श मवर्गदमकी व केंद्रिका कांत्र मंद्रीत सदीत । जि. श कांत्र कांत्र कांत्र कांत्र होता है कि । शिश्व भिमानित्या कांत्रित त्वर कांत्र कांग्र समाम । तम भाग ने प्रकृत कांत्र कि कांग्री हम । कांग्र म

हिक अष्णिम न नरमान, भव विके, रनाम आ भ न (भनावारि : द्वान क्षिण्यन । भव देवे अभव अ अख्याल के अभ न न म रवस । रमनाश्रक्ति ८ क क्ष्मार्क्ट व्यव व्यव विकेत के तो अभवावीकि ए इक्ष्म रमेगे, देव विकित अडकवेलि स्मारक की श्रव हेंग्रव दिवाल क्षेत्रादक्ता ।

गण्डि कालोधवन इत्यात श्रुक्त व्यक्ताल वि १४३ वर्ष) हत्त्व द्राक्षात कमादे विश्वाह इ-के १४ । इन्बीवनिष्ट श्रुद्धात विश्वासम्बद्धाः वि ४ वाक क्रिक्षारक्षाः

हेश्मित्रधान जन्मानक द्वृष्टी व्यवस्त इत्रेष्ट मर्ग वि गाँकेश्वर्षक, कत्रका नमाक्राक्षीरमधा करती मिनात केमत प्रतिकाश कात्रक करित्राह्म । दर्भ भिन्न क्ष्मिक्षणमञ्ज्ञादिक वीमाखिक व्यक्तिम्ब भिन्न सम्बद्धिकान कर्षा देशीमा

े। हेय ज कार में शिवा जेक्या के आ के नारंश देश काय कार के सम्बद्धियां कि विद्यादक्ष ' किम (श के नारंश्व) मोलक मिरवाय कार्याः हात १६८७ अवाधिनारक मुख्य किया में क्षा द्व तथा आहेदारहत, कारारक किया कि स्मित्र के में हक्षि के देश गर्भ के कार्यक्षिय की स्मित्र कार्यक्षिय एक को श्रेमार निविद्य कर्म, किस दर्शित की निव्य कार्यक्षिय की में होत महार्थिक निवाद कर्मा क्षा क्षा कार्यक्षिय की

कार्य क्रावर क्षा इक्षि, क्षांनांवि, क्षांनां । १९ के विकास क्षेत्र क्षा क्षेत्र होते विवास क्षांना १९ के विवास क्षांत्र क्षा क्षांत्र क्षा कार्यक्षेत्र १९ के विवास क्षा क्षा क्षा क्षा कार्यक्षेत्र १९ के विवास क्षा क्षा क्षा कार्यक्ष क्षा कार्यक्ष १९ के विवास क्षा क्षा कार्यक्ष क्षा कार्यक्ष विवास क्षा कार्यक्ष कार्यक्ष कार्यक्ष कार्यक्ष क्षा कार्यक्ष कार्यक्ष क्षा कार्यक्ष कार कार्यक्ष कार कार्यक्ष कार कार्यक्ष कार्यक्ष कार कार्यक्ष कार कार्यक्ष कार कार्यक्ष कार्यक्ष कार कार कार्यक्ष

मान्तर्यका वाव शोशक मंत्रीरी शका प्राप्त । स मारक्ष मिक शवं कार्ति व किन्स्या न । भी १ वे ६वाव काष्ट्र । किन्सा किनि मारक्ष्य १ व विवाद शकाव इक्ष्मक किनि कार्य कार्यी व व किन्नारक्षत ।

क्षण क्रमांक मह वार्षेण क्रिसारम् कांच च वक्ष करावरकेस मारक्ष विकि मारक्षम् भः च देशका क्रीक्रम मारक्ष श्रमकेसके स्वर्शः च रिकट अराक्ष क्रीक्रम क्रक्ष याहर्शनः

(अञ्चलकाति वारणव (अर्था नवर्गरमण्डेय किंग ति स्वागार्थ निम्न निस्त्र हैंग्य) स्वमाहित-य वस्त्रीय शय-रमणे ... ११४४१४०० व एसनीत के ... ५१४४१४०० वे हुड शन्त्रियाकरस्त्र के ... ५१४५४४००१२ भ शांद्वय के ... ५१४०४४००१२ भ स्वारक्त के ... ५१४०४४०७४

द्यां के अभ्याद्ध अभ्याद्ध कर देश के व्याप्त के भारत अभ्याद्ध के स्थापित के देश के कि विश्व के स्थापित के देश के कि विश्व के

आंश्रीका लाइन दिश्रवित्र की. आ क (नादेश होटलुगर) होहेशर

. अवि ७ वर्षीय दश्यन्य । अध्यक्तिक व्यथान वैश्विमियत हैनगढ़- - " इब निक शम आहेब क-क्षित्र वेश्मद छ नगम कविष्ठद्वम । व्यक्तिक अधी-मण मण्डाबीया छ ।।क अक खडिसम्बन श. भारान कृदिमारहर । हेन्रमञ्जूष अर्दिष्य द्यान

देशन वान र महाभक बदलत, शैखन राहर नि, ति विश्वास आख्य स्टेक्स्ट्रिक :

बटनार, श्रीम हांख क वक माजांग, १३६०व शास कुन हत निष्ठिदश्य शृक्ष क्षा क्षित्र (राष्ट्रीकेल्ड्ड । ल काइन्त्र संवर्षकृष्टि, काब्राटक प्रत करण्यात हरन। अके अन कर्ण्डार्नियम (अदिन क्रियानहरू सार्) महिन्द महर्कान कवा छान्। वह क मानिहान デジオを サースト

मिर्नुल र्वेर ७ मध्य ए च्या हिन १ है, अन्यम Cनमीत्र क्रमणः क प्रमद क्रोप शर्छ ।

क्षा के कि विकास माना एक अपूर् কৰিশা, ক্লম क्षक्रिक्नीक जरदासभटमत थाः। ०७। ८५०। 🖦 क्या राज्यापिक ४८ सम् । व्यक्तिः गर्रापः 🗥 देव है बीमा हिंद स्वानाय न यक्ति व करिशाद अस्तिव्यक्ति का स्वाधिक द्यालक कः कर्मान बटी । !) अवन की अवन अर्वाहर्गाव অক্টিম সাম্মীতিগতিও বিষয়ই আহিক কৈছিত कार्याच्या । अन्तर भिष्ठेन जन्मधिरकत भी ज कि Top 19 4 . 19 5

विक्र गण क्रिकेलिंग, संड बुरुग्यं बनाव क्षिक्री हे पिनिक दे नेपटक अब स कदानक वनी क्रि म प्रकार नेसाद कि हि हो पहुंच

23 4 262 48m 3812 , 製造製造學的基礎的 Bata 工作的 的复数主要 🏙 📆 दिन्तुः भन्नीरक्ष चाः १ मन्त्रः स्मारकत् । PARTE LES

arthitena cutival et.3 n क्षेत्र में इसने, क्षेत्रिक कहे क्या ५०० 70 12 1 🔏 क्षेत्र भीत्रको अह एक जोशित १३ ५) PROJECTA PROJECT SECON 1 " M 3

Attelialis da Salali Se u. . . अभारेष्ट्र स्थापक धराष्ट्रिक वासक क **建筑了村村市市**

क्षेत्र स्थाप के स्थापित के अनुसार के भी teta afore riegen . as fecer के के किया है कि एक शाहित राष्ट्र वर्ग के हैं से etafores un om efect a ferial क्षेत्रकारका आवान । प्रवेश अहिंगात्कन । के प्राथम रक्षामुख्युक्तिक काम क्षामुख्य की गाउ न्या दिल्ला । क्या इडेट्ड व्यक्ति वर्षे-**国的红地影响图内,更多"。罗声不利力。**

द्विष्ठ वर-४४ वयाचा (२५४ म्डेन का म रामक कार्यमस्य क्षेत्र राज्ये । वादर्शक 🖥 😘 🍴 बाधनिक चारित (भारत्यक रात्री अहलिक कृतियाँ

मुखाउँ शर्म असा उदहेस श्राम अस्मा वि इक्श्राह्म छ। ५००० है कर, सन बच्च वर्षे

্রাম্পরিয়ার জ্বর্ণ পরি किसः १ एक्टवेर अर्थक्षक अर्थकण्डः विकास श्री के शास ६ विशादक । हास, व्या 付き いま 称しま アにょ

> कार्या कानिस प्रदेशराने धारस के इस अवन ्षेत्रभारत भागा कः । जन्म कः सामक है। कम है हु महिल कविषात विरूप अध्याप का इंद केव देश डिर्फ स्तिशार इस "आ (श्रास्त्र) हे सक्त है अर्थावगर छ। अर्थ क विश्वतक्ष्य, कियु भ उक्ष मा, रे । मना है, जुर है है । हे गो । प्रश्नमा करेंग्र । इस कि न्यवीय शर्वा या नेति कामे व्यक्ति शास्त्र अका कर्मा हा एवं व्यार्थन मधान क्षेत्रक है। १० कर बाह्य करिशाम 🚉 💍 श्राहरवास्त्र अस्त्र करण त धरे छाल्छ मिदलके काल इस ।

> भेड शरकार परधा कांत्रकाळाडू हुन जार **इ. १६ वंशवट १००० कालक दिक्की १ क हे गाइक्** नक्षर्यस्थीय नाम्य अवस्थित्रहरू सिवित्त बेहाब का विक • म अन मिवियारहरू । मांसाधूय 🤬 आंश्रीतः ন্যালের এক এ' টি আবং আদিও রাইরে

्याप हे त्यरक्षके अण्ये श्रक दश्यान श्राप्तका 🕞 क अनक के कारतीत जिरश्कीय शक्तियां मा दश्य किं≛ शिरुवन् करा विष्यात् के guitक प्र मारक मधात आके आहितिथि फिल्क्षेत : क ित्यन ।

दर्शक्षके महिल्क रिलेक्ट मुख्य क्षेत्र मृत्यम मिन य स्थाप पर्वाक्त अन्य का के किया कृद्ध आर्थाका अ.च कतिकारकर ।

ो कहाहित कारकार अस्तापक **प्रदेश** ७१(५४) । क्रांगि कुने फिल क्रोरिक **सारह**ा । श्टाप्रकि क्वेंग्ट्रश्टक भूका र निग्ध्य विद्याद करविद्यादकत । क्षीयन विविधा देवा जात देवचाडारी व्यटनेक विव छ -शहर व्हार्थ प्रविद्या छन्न अहिंद्रीहरूलय ।

ि। अक्र अ**न्त्र**ाहक है जिल्लास्ट्रिंग न इ.स.स तथित्व अपकृति का कि का निर्माण

> कर अन क ब्रह्मी क्यांग्रे वाले अनि नाइ माध्य व श्रीव अधिकांतीय र एक व मि रही। कि व द्यान लहेका भन्नाबूत कहुर । श्रुलिंद की ही य क्षित्र महभाव इंद्रकृतिक काङ्ग्रीय का लेक्ट्रकी ক্সাব্যক্ত ব্যক্তিক বলিকা প্রাথান কবিক্সা বিভার: (क्क्रीकः आप्रकार शाक्तिक के निकास क्या the Bonn plant was an an atteres blackings talk afanthe final

क ही साम रखार बारा एका बार का बार का का का fa di 14 14 t Bun warma falmili uit 「新・こだり くつ」 ツ質 4 (451) 塔は 178 郷山 準山 হুট্রে ক্রিয়ু ১ লাপ প্রাথম্দ্রাঞ্জা**নিখের** প্রতি मर्च हिंड प्रश्न दिए न करे, क्षेट्रेस्ट ।

(क्षु के अप कि प्राप्तिक प्रदेश करें। अपद ए ६० . हे, हा कान्यान माकि भएतन में क्ष होक्स "जे,हरा कि । अख,दरह व्यक्तिरा क्तिशंदर्भ । फिलि नदशम फोर्च क्रेट्स निष्या 罗·阿尔德斯 血感性解析 [2] 知己(4 日 13 日,是克莱、黄蓍 CERTINIACME IN O DOT 1 TIE SACHITY FT 1 বিশ্বস্থিত হয় গ

क्षिक अन्तर्भक्त क्षमहत्म भावत न विद्याल्यन ध्रम क्रिक्षावर्गासर सर्वारद्रम् अविक नाक व्यक्त कर्न मा विकेशित कर ज करहे , अपग्राम बंद्रकार दक्षेत्र अस्ट र्वड पुर्वतिका अरहकृत् जारकारीर के के धाका कु क्रिक ए का (का लाग्य केरणका अध्यम अने की अन्य का िट श्रेष्ठ । स्थान्त्रं कांस्टर नेतित कांस्टान कांस्ट्रिया करकी अञ्चल कर्ष , अहर अर कर्ष एतम इक्स क

८. ७ रेड्स क इस्तीत ।

शंख अञ्चलक भारत है। जो र ना सका दिल्ली अ क्टेक्राह्य । ब्रामध्या अवव्हाल स्मार्ट अ**ख्या**ति Stefn a pagice .

च ५२' स्थानका वक्त करिया अकडान वा-Curula apalen के क्रिसंट्या मध्याल गामित Bu Biggicher 1

सहस्राध कोड स्मार्कन व^{र्रा}नदर देश । किर क्षित्र अटब्री व्यामका ध्यावन क्रियोक्तिन, ५ -क्षा अक्र केरणा के विद्यु क्षितिक विकास क्षात वृद्धिक १ वेत्. इक्षा अभागार व्यवस्य व्यक्त प्रांत-बाद्ध द्य प्रकार राश्चिक इत्रेगोरक छात्रीत भूषा लि. इंदेर २ वेशाटकरे कि कटण के ध्यम ८-५ श्रक्ष:देर्ग वर्ष्यमा धन कर्म । "

५५०% प्राप्त ३० माहिस शहमा। ४७ वर्षाः कि। तक इंदेश(इह । अभव्यात्रको धारियदम स्थापन fores soner area with a

क्रकार जनमारक सम्बद्ध अथन क्लिक्स हम्म बाज करकुक मृत्याचाराक आर्थन करिकारहरू ८१ ए क्षेत्र शक्तिकदमन श्रीत्रवटक दम ५०,००। क्षेका अपूर्णाया वनेशांद्य छाए। धनकारम न ार्डल कि बात. छ बीकन मार्ट्यक रूरम । सहित्रा शिक्षियरम मिलियम नात्रहा लखरा वक काक्ष किसारकत न त्या चीवांत मुखा वहाता पर र्वश्वक स्थेकी है। का धानार्थन करियन सन् पर् क्षेत्रम जीकात केमहाधिकां श्रीमश्रदक प्रक्रि बहिर्द्ध परेद्रय । "नत्र च्याङ्गानुष्ठ अविनदः दक STATISTICS !

भी भारतिका (शरको । नाक्षक परमान मन्त्री सर्वकृष्टम मध्या विश्विष्ट सन्दर्भाती कविनमध्य क्रमीर लागे करियां विश्वास क्रेसा संदेश निवासका है

भाग्राशक क

अवर्षकार अक्रु विविधाय भाषियः महत्वकी अधिकावकी न ही गुला।

मन ১२७२। २ देवलाय। हेर ১৮७२ २५ এट्यां

বিজ্ঞাপন।

সোমপ্রকাশ আহকগণের প্রতি।

হৈত্ৰ নাস কভৌত ব্ওৱাতে জনেকের **अप्रक**्षकारमञ्जूषाकांत काकील स्ट्रेन गाड़, व्यञ्जाय डिशिमिश्राक विमय पूर्वक লানান ৰাইডেছে, তাঁহার: সপ্রথহ পুর্বক রব। করিয়া আগামি বর্ষের অপ্রিম মুক্যা প্রে 19 4(24)

विखालन ।

त्नाष्ट्रकारमञ्जूषाम शक्तिवर्षः

সোমপ্রকাশ বন্ধ এতদিন যে স্থানে ছিল, বৈষণৰ মানের ১ লা ভাষ্থি ভাষ্য পরিজ্ঞাণ করা হইয়াড়ে। অতঃশর আমালিগতে প. ক্ৰান্তি বিশিতে হইলে আপাততঃ কলিকতঃ न भुक राज निथित हरेरर । भार सामना क्षीन निक्षां कि किया कि विवा

विकाशम ।

थाण्डि भारमत भदनस्मरकेत्र स्मरकर्षे स्म শকল আইন ও সর্ভুগ্র আছর এবং রাজ-কীয় বিজ্ঞাপন প্রকাশ হর ভারবিডের কবি- । যাইবেক লে বালাজা আপ্ৰবাদ ইজাত করিব: "নৰ ্রু, ওলানি নী ব্যব্দার সংহিতা নাম গ পঞ্জিকানরে প্রতি শকে প্রতি মাদে লাখি প্রকাশ করিভেছি এবং অম্ভিবিলমে প্রতি দ্ধানে প্রবাদ করিতেও অভীকৃত হটবাছি ৷ ভাইনাদিব वीमीली प्राप्तवीय मोश्वीदिक श्रीफिक, मानिक প্রিকাকারে প্রকাশ করবার একাধিকারী क्टैबात अमा ১৮৯१ आएमत २० 'काज्न भटक । ता ১०२ नः **करान उन्ह** कतिएम शाहेरनम

न रर्द्धक दिक्कि हैदी कहिताहि। विभन निव সাধারণের রাজ নিয়ম শিক্ষ'র এব ফুড়ম र्खेण' व अ अविधा मरखाशम कतिया मकाट्या গৰৰ্থেকে ক্ৰেজিইয়ী করিয়াছি ওখন আই. मानित्र नाणांभा 'अञ्चलांग शक्तिकाकारत क्षेत्रात कतिएड क्वर चामि अवाधिकात शाक्ष करें ब्राहि, ज्यञ्जय भवन्त्रात्मेत्र जात्मम जान्यशि वाद्यं क्यूनोर्भ मर्क माधायनाक विश्वालन करः যাইতেকে যে জ্ঞন্য কেহ যেন তিন নাগের **প্রকাশিত সম্দার জাইনাদির** আল্লো সমু বাদ প্রেণী পূর্বাক পত্রিক'কারে প্রচায় ন ক ৰেন। যদি কে**হ ভাষা** করেন ওপে ভিনি আমার ক্তি পুরণের দারী ছটবেন।

জুরামচন্দ্র ভে নিক ছাকায় সময় আখীন আদালতের উবীল।

विद्याभन ।

এর্ক সাধারণকে জ্ঞাত করা ঘাইতেছে ৰে আমার উপ্তরে অর্ব কর্মালয়ে এক জন মৰদা নিবিল ৪০ টাকে মানিত বেডানে দবকাৰ **बहेकारक राय त्कल खेलाब निभन्न हैरसमाब बहे** হেক দেছ 'দা'পন প্রাডিষ্ঠ। পর ও নকার नम्ना नन्तिक प्रवशस्य कामारक शाहोहरव, উঠা দুটো যেমত লকুম লয় পাশ্চাৎ জ্ঞান্ত কর।

es 118 31 82

विस्डाभम ।

त्वरदान गढ गारहरका शक्तिमंत्रे होका।

সংক্ত ৰয়েৰ পুত্তকালারে ও রাধাবাঞা

সাসিক মুলা ১ টাক। বার্ষিক অতিহে ১০ টাকা

বালোগ্য শটক।

गुना ! गाना '

সংস্কৃত বদ্ধের পৃত্তকালরে বিক্রমার্থ প্র श्व कार्ष

বিজ্ঞাপন।

श्चिष्ठ व्यवहात्र विमानांशव । श्विष्क দেনেক্সনাথ ঠাকুরের প্রতিমূর্ত্তি বিভীরবার প্রস্তুত করা হইয়াছে। **ই**হার **প্রত্যেক সংগ্রহ** 🗥 মূল্য এক টাকা। সংস্ত বত্তে 🔏 বিসন্ধারে। নীচে ৮ নং গৃহে ভার ক্রিলে পাইবেম ! अन, नि, देशीय हंगील्लानि ।

সোমপ্রকাশ।

> है देवनांचे।

:৮७२ ७० व्यक्तित्र व्यक्ति गाउँ।

লেড সাহেব গড বুধবার ১৮৬২.৬৩ व्यक्ति वाग्न वान्न थानक करिया हुई वकीन অধিক কাল এক দীৰ্ঘ বজুতা করিয়াছেন। উইল্সন সাচ্হে মৃতনবিধ কর স্থাপন ७ ७० अलाव कतिंशा रामन नक्टलत वि-ৰিষ্ট ও অ্যশোভাজন ক্ইয়া বান, লেও সংকেব ভেষমি খ্যাতিলাভ করিলেম। অস্প দিন হইল, পাঠকগণ প্ৰৰণ করিয়া (इ.स. छात्रकवरी/स शवनंदमने लाहेरमण कर डिक्षारेक विदारस्य, अवादत स्राह अवि व्यानमञ्जूत मधाठात खादन कक्रम। याहापि গের পাঁচ শত টাকার স্থান আর, তঁ. शनि-भटक कर मिटल स्ट्रेटन मा ; भाँछ- ह है कि। त वान्ट मिनंदक भंडकती আবহান जाति केरिश केत्र विद्या अवेताल .

<u>ब्बिनित् त्तारकता ए यह छै: शृष्ट इहेटड</u> ছুকি লাভ করিলেন, ইহা সামান্য আছাা , रनत वियम मरह। अरे पृतिक कत अक ,কালে কৰে উ.ঠিয়া ঘাইৰে, আমরা 'धाकरण धारे अधीका कब्रिएकहि। लाई त्रिण होत्र त्रिक कता बल, जात्र हैनकम छोडा शान क्या वल, छैलप्रके लिड नार्ट्रवत बर्फ् क्रेन्नारक। लिख मारकव मार्क्कदत्र कांशर्कत सम्क कमाहेश शाह, ও স্তার শুক্ত ৩'।। টাকা করিরাছেন। আৰ্দানী দ্যাক, দ্রাপ ও কাগজের ৰাশুলও ক্ষান হইন।হে। যাহার যে वार्षना हिल, लक्ष नाहन "जाशनक काश पूर्व कतिशास्त्र, काशास्त्र विधिष्ट করেন নাই। ইহা লেও নাহেবের লোক र বশতা ও বিনয়প্রাহিতার পরিচয় প্রদান **क्रिंटक्ट्रह**।

नाहर नच छोद्र के हैं है। (शन, डेसक्स টান্তাও বজ্র অভ্তির শুলক ক্রিয়া সেল, ভগালি বাৰ অপেকা প্ৰায় বেড়কোট अधिक र्रेटन। वर्खमान बंधमारत मञ्चाल छात्रस्वरत ४२. २०, १०, ৯>> छोका चांत्र कर्रताटकः। चांशांत्रि बर्द 83, 98, ७२०००, छोका चात्र वाम नाम मिशा आहे किनाव क्वा इहे हैं इ.८५। अहिरकरमंत्र बाका अकार्व भएड age को कांग्र विकास स्टेटकटक, किन् कांध नाट्य ১२०० छोका बाज अवसा कर्त्वर। হিসাব করিয়াছের। লবেবে আপাতত: ত । করে। এশতঃ ত হাদিগের সংখ্যা ক্ষিম; क्रिक किकिंश कम मात्र हरेएछ। इ. उशाहि अ**वन मज्ञातमा भारत, भधिक मा इकेंद्र, टिम्मा श्रिकित इहेरव मा। कलकः अक्रम** भूर्व बद्दमरम्बद्ध नाम आम इरेट्ड। कज्रकः । (दाध म्हेल्ड्ड स्म आप्न काल माधा अपन ह्माटि 88 क्लांड होका काम विकास विकास दिनावर १३८व आमामिश्मन आग्नाकन शित कहा गाहेटण भारत । चामांमिरशत | यह के छेटतांभीम (समा शाकित्व । यहि केर | व्यविद्याय व्याद्यादकः विवय अहे, कृषितक लिशीय अवन्द्रमके भूत्वं अहे क्रान्य व्यवधा निक् बेकीटमा ७० लक्क ଓ भयनिक त्रण कतिरुवन, छ। इहेटल अत्रहत्यं खात्र क्षेत्रार्कश्च का का क्षेत्राहि ।

এক ভূমিতে অধিকত্র আৰ হইত সদেহ नारे।

১৮৬২ : ৬৩ আজে জারুকরুরে ৩৫,৯০ ee>>> हाका दान स्ट्रेटन : वर्षमान वर्ष किर्दे ०६०,७७,७७,७५ माम्यान्यात्र । वाम् क्लेक्स्म । ध क्रिमाटव ४६.५५.५४० টাকা ৰায় সংক্ষেপ কইছেছে। কিন্তু যথা র্থ রার অর্থাৎ সুদ, বেল প্রের ফার্মীনের টাকা বাবে প্ৰনা করিলে ২১ কোটি ৰায় **ভট্যাছে। সেনা দলেব ব্যয় সংক্ষেপই** ইছা**র প্রধান জারণ। বাদের মধ্যে শেলারু** दावङे अभाग भना भना হিত এতথসংকান্ধ বামের স্থাল তারেক क्रिटिन न्याके अञ्चल हाईरव, ध विषरगत . বিশুর খায় ক্ষিধাছে যথাঃ

ष्य दर	होका यात्र
361 · 20	२० <i>२०२</i> ७०९०
2p ~14;	SCACE MACC
24. mg	25 A. a e a n a n
5415646	322000000

अविकर्ण गणिशास्त्र हे द्वाराष्ट्र आकर्यना त्य नः महलत्र य वात्र मिट्ड इस्टिट्ड, लाड म. दश्य अक अकाव छ. हात्र अधिकाण कवि श (य कथा बहलर (म अर्थे---

" ভারতবর্ষের নামে ইংলতে যে সেনা चाटक, काक्षिरतंत्र कता चात्रापितरा वर्षा वाय अतिरह श्रेरकट्य । इंश्लर्शन গবর্ণমেন্ট স্বীকার করিয়াছেন. ও দেশে য**ু ইউরোপীয় সৈন্য আছে, চ্ড্যুরুপ** ্গনে ত হাদিগের পরিবর্ত্তে আর মুখন **छत्र विशासत अभारत धक श्रमण्यात करेएछ** कि लिखा क्षिक ना परेटन क्वम ! मूक हरेटक शाहित्वन । किंब लिव जूब

পরম সুখ; আমর। বিপদ হইতে উল্লীত हरेगाकि ।, अकृत्य जात जगविष्ठ रेकेत्त्रा भी द देनमा मारे : अभावनाक देनमा पर नव পদ খুনা হটলে ভাছা আর পরিপুরিভ কইবে ন।। আমার একপ বিশাস চুই गाएए यांचे हे व्लाखीय गवनस्यकी भूनदीव আপনাদিসের সুবিধা হেতু ১৪০০০ অধ া ১৫০০০ সৈনা উৎসত্তে রাখিয়া ভারত वर्ष रहेर काशान्तिगृह तिकंत लग, खोंहे म्बद्धा । अध्याति । अध्यात कांद्र, न्यकं अधीरामान इंडेएक्टइ, लिक मारकरवत्र अर्थकः हेश्लशीय भवनंत्रिकेरक धरे कथा बना इड्याट्ड, आभवा ७७ मिन তামাদিপেৰ সুবিধার জন্য প্রতি বংসক कटलक ब्लाणि होना अल्याय कतिलाध, किन्न व्यामता चात्र छात्र. कत्रिय मा। यात्र। इंडेक स्थ्या यांबेटर, आदल्यमींच ग्रावस्थले এই প্রতিজ্ঞা পাল্ন কবিতে পাবেন কিনা .

हरा व जनामानी ७ दशानीत मुस्थि। (स्कु ताला अकाड कतिवास निमिष्ट -8 ४e সর খার এক কে।টি টাকা দেওয়া চইবে, र्यक्त होका क्रेंटि ७৮ लक्ष होका सिथ या इन्हेगारक । विषया भिका ଓ प्राक्ताविह ক্র্য প্রতি প্রেসিডেলিডে মুড্র কর স্থা भन करा इहेर्द। उद्याद्भन कृत्र ह भल, ভবে বদ্দেশে মুক্তন্তিধ কর আদান্ধের উপায় কি ? পান - পান ও তমার উভায়ই সমান।ভনাকের কর যে যুক্তিতে পরিত্যঞ इर्डिशाह्य, शास्त्रत्व क्वंड (मडे ब्राइट्ड शक्ति ভাগে করা উচিত। অপর, বিদ্যা শিক্ষা সংক্রান্ত কর কোন ক্রানেই আলোদ্যোব , अनुरमानिक नरक। विषा. य अमन व्यार्थ नीय भनार्च, कन्नपृथिक स्टेरल देशां भक लात विकास विदिश्चे हरेता केविद्य ।

ककि वित्याः जास्यारमञ् विषयं अहे दिना विष्टा अई सुद्ध १० लक्क होका रन ७३: वर्नेतारह । वन वर्णत शृहर्स अक्षात ভারতবর্ধের শিক্ষার জন্য ১১ লক্ষ ছাত্র बाब (च उन्ना) इन्न। विद्यादि (च ट्यांत को)

ভাগা লাভের মূল। গ্রথমেন্ট সেই বিদ্যা विषया ए भन्नियार्थ मान् कतिरवस. अरे পৰিমাৰে প্ৰজাপন সৌভ,গালালী एইবে। বেশ বিন্যাস, অবিবেহির পানতভ,রতা প্রশার সৌভাশ্য ছইলেই রাজার সৌ ভাগ। ।

পরিশেষে আমাদিশের মনের ভার প্রকাশ না করিয়া এ প্রস্তাবের উপসংহরে कता विरुष्त इंदेर इरक्ष मः। अञ्चलकर त्यन द्रवावव त्लंड म'र्ट्स्वव माध्य मन्त्र ७ द्विव চিত্ত রাজকদ কাত্ত কার্য)কারক প্রাণ্ हम वाह अ॰एकाश धात हारकाह बाहा वाय मग्रका विधास मधावन। शाकित्लं विधासम्बद्ध थिक मधास अपनेन करत्रनः বাহ্রো প্রকাশনকে অকারণ করপীড়া পেন, জাহারা মেন রাক্ষর সংক্রান্ত প্রধান ! कार कान्नक इन्तः हारहन्तर्य मा आहे সেন। তাদুশ ভুরাকাকল পর্বশ বাফি बाई छात्रखनार्थत्र यक कार्येत कार्यः

জ্ঞতা খুলিদা সন্দান প্রনর্থন।

অংলাদিলের চিরম্বরণীয় ছইয়াছেল। কি ['] হন ; পরে বিচারপতির স্থিত তীন্ত্র ানডে। ৯, বি ক্লাভি বৈশ্ব, কি এদেশী মুদ্দিশে । অনেক - তৰ্ক বিতক হয় শেষে সাচেব র অব্যাননা, অনুধাবন করিব দেখিলে। তাছাকে কুতা কইয়া আসিতে দিলেন। फंड लाड । त्रक नगरवज्ञ मूल । इं.शांत्र थहे वियत करें। वाबाई नगरत च त्मानव 'धलमान কর' ইউ,রার্লিখাপ্রে: একটি সাকে গালি দিবাব জনা আর্থানিজারী আং। হইএ উত্তিরতে । এই বালি জাল । অভিধানের বাছ ব'ছা কথা খালি টুড়িশ কবিয়া ধৃত চইন, অফলি ভীর্ণের কাকের। বা হর করিল'দেন। বিজ শেষে এই সি ভারসার এ সেন্দের যাবভীন লোকাকে গা লৈ লিকে জারু য় করিলেন। কুয়েক সময্র ক্তভাগ নিৰ্দেশ্য সিপাই। বিলোহী চুইল ए त्र १५ विलिया मसूचान्न (सम छिन्मान्न जिल ঃ প্রস্থান ছউল। কয়েক জন ৯:এ প্রা ক গঞ্জ চুরি তবিল, অমনি সমুদাস বাজা लिएक क्रांत वला क्हेल। आमत् कथिक এ সকল বিষয়ে উপেক্ষা কৰিছে পাৰি किंद्र लाउ एक्ट्रिकि कुल, श्रुक्तिहा हेके ार्क्श्याकरशह अहि मन्यान अवस्थित

व निरम कन्निता थान, छारा कान क মেই উপেক্ষণীর নছে। বৃদ্ধ জীলোকের ^{হণ}, **খনতিভ্যের পশ্তিত** বসিয়া পরিচর দান এবং জুকা খুলিয়া সন্মান প্রদর্শন এ গুলি নিভান্ত অসহা।

गार्ड एक्टरोनि अरे निसम कहिना यान ए ७७८% नीटब्रुझा यथन अवर्गञ्ज दक्तरन तरलत पत्रवास्त्र ७ अथान व्यामालराज्याह ान उथन टामिशिएक मूठा धूलिहा गरे তে হইবে। ইউরোপীনেরা টুপি খুলির a क्लीक्षमिशक्क मुख्य ध्विया मिडे अन्यान धनर्भन कतिए इ.। अहे वृद्धि चाहेन প্রচলিত হওয়া **অবধি আ**নাদিগের দে শের তেমস্বী তন্ত্র নোকেরা কোন দরবারে वा जाश्रवन कटल एहिएए हाटका मा। অম্প দিন হইল, সুরত নগরের জঞ্চ এক জন পারসীকে জুড়া খুলিয়া এজল সে লার্ড জেলছৌর অনেক বিষয়েই অ'সিডে বলেন, পারসী তাহাতে অসশ্বত नृष्ठी । দর্শন করিয়া একদেশীরদিগকে । হইতেছে। ত**্তা দটতে রিনিউ পার** काम क्रविषात्त्रम साहार। विल्लां क्रवा a (x कः अवित्यम अहि। विशय धरे निय प्राधीय करा डेनिट गरह। धरे निकाय ज **७९ क**ार यावकीय सावअव्यागात मृत्र्य म न १ को इंटरिंग मिला मोडे । योहा इंडेक. क रहतर्रात मर्ग अधान शक्तिका है। इस्म **দ্ব ট**ঞি বিজ **অপক্ষপাতিত।** প্র সর্শন ব্রিন এই ঘূণিত আইনকে এককালে छेऽ देशः निवा**त चन्**रदेशेथ गाहिमार एज ।

> यथान व्य'त्लकका खोड़ को तुमार मण जन कतिता रुजरा नक्ष अतिथान कराम, रश्या . रिट्या, किन्तु आधार्व ६६ अन्तर्य प्रम লে জীকার সেনাপত্তিগণ অভিনয় বিব্রক[া] চেম্ন কলৈতে পাছিভেছিন। খেবালি

হইয়াছিলেন; কিন্তু লেই লেমাপডিরা र्याम धारे जनदा अनिवृक्त स्रेहा देक्टहा পীন সভ,তন আভিন্ন উল্লিখিড সম্মান পাইবার আশা দেবিকেন, ভাষা হইলে र् इत्विरभन्न कि छात अविष् । श्रामुख्यर्भ श्र े छेटता भीरवता कारवन, देखे जा भीत बारव दे क रननी प्रमिर्**भन्न व्यानाथा । क्रम्या नहस्य** বরাহ অবভার হইরাছিলের বলিয়া কি मवल भ्रदत्रहरे हत्रद्र मध्यर शक्कि হইঃ। প্রণিপাত করিতে হইবেঃ আছে इंफेटब्राशीरब्रका ध्वमि व्यक्तिमानी स्ट्रेडी উ ঠিন: হেন, অন্যের অম্পন্নাত্র জ্বাটি কেখি तिहे अकलात्न क्लांट्य च्यीत हरेता 🕏 ঠেন এবং সামানা সন্মান লাভ হইনেই ভাহ,দিপের সংহাবের পরিসীমা থাকে ম সমাজ চির্কাল একবিধ অবস্থার থাকিবার নচে। বিদ্যা, সভাচা ও বাহাৰল প্ৰভাবে ক্রসশং রীতি নীতি সকল পরিবর্ত্তিত হইছে एक । भृत्व ताका ७ नवाविष्टलं मन्द्र्र्थ गाळाच व्यनिमाच क्षिएक स्टेक, अकरन কেন্ ব্যক্তি অসভা ব্যবহার ব্লিরা ভাষুণ अन्तरम भूना अ**मर्जन मा करत्**न र नमा त्वत विवरत भवर्गतम्केटक समारकः सूर हारिया थोक्टिक स्ता। कृक्तिया ब्राह्मात গাত্রে নিজ চরণ স্পর্শ করাইয়া স্বস্থান अपर्णन करत । शृद्धिन देखेरताशीत ह काहा (भीरभन्न भाष हुद्दम कतिरखन । अक <u>এ কে: নু ব্লাজাড়াল কাটো সম্বত হই</u> বেন ম

> ্ৰণ্ট স হেবেৰ নিকটে ফুড ছাড প্ৰেদ্ৰাৰ্থ সভা 🕴

গত বুধৰার ভারতবর্ষীয় সভা গুটে आंके भारश्रदय निकटि कुछछछ। अपन नार्थ এक्षि मठा हरेगाहिल। मक्र निक्त क्रियाहका ानरण्डेमणे अवनंदरक धक प ্ৰেম দিয়া ভাঁচার এক চিটিভ এতিমুখি

क्रुवक्षिताः ५ हक.टार्ड घटाठात्र ७ मा मच मुखल एरेएड मू क क्रिज़ाद्दन ; विनि চভু ক্রিকে ছুরপদার প্রতিবক্ষক। সন্ত্রেও चमक्रिण विषय পরিজ্ঞাগ सद्भव वारे , যিনি বার্থার তর্জিক তর্থ সিত ও বিজ্ र्देशां कनकारमञ्ज निमिष्ठ विव्रतिष्ठ घरत न नारे : यिनि ध्ववंत भक्तनः एक ७ অধানের সহিত বিবাদ করিয়াছেন, তাঁহার কি এই পুরস্কার ? লার্ড কানিও বরাবর एक ट्यानित मधान 'अ नीमकत्रितित म হায়তা করিয়া আসিয়াছেন। তিনি এক প্রস্তর্যয়ী প্রতিমৃত্তি প.ইলেন, কিন্ত खाक गार्यवत्र अक हिन्य के मान करा। इर्टेम ? क्षिता जालाफिक इरेलाम बाब लाल विश्वादी एक अ विवरत्रत्र व्यक्तिवाम क রিরাছিলেন। সভোরা তাহাকে নিরস্ত क्रविबाब निविष्ठ धरे क्या वरतन, अधिक हैं.चा चाचात्र वर्राम धक श्रद्धत्रमशी श्रवि সুর্ত্তি করা হইবে।

🕶 ভারতবর্ণীয় সভা যা করেন করুন, রুব 📗 क्रिता जाकिक मोनी स्टेश ब्रहिशाहन ্বেন । ত।হারা যদি তাখাদিগের উত্থার ক ্রিরার স্বরণার্থ চাঁদা না করেন ভাহা হইলে ुजारानिनादक चक्रुच्छ रहेर्ड रहेर्द । चा গৈরা তাঁহাবিগুকে অধিক দিতে বলিভেৰি ্বীনা। **প্ৰভোক বা**জি ছুই আনা করিয়া দি लारे परवंदे इहरद । कान् थका एकार অসমত হইবেন - আমরা ঢাকা চত্তা,ম , কুমিছা। মরমনসিংহ পাবন। এবিসাল নীলই ভাছার আদি কারণ। ইচ'ব অব-त्राक्रमांशी सुत्रमिषायांक मधीनः यहन्। इः अकृषि चार्यत स्थाविष्यतक व्यवस्था করিতেছি তাঁহার। অবিলয়ে এক সভা क्रिज्ञा हैंबना क्यून । मधाम द्यान्ति द्वाक বিশের এ বিবরে যম্বান হওব। অভিনয় । ন, প্রে এই অভিস্থারে ভূমির পরিমাণ আৰশ্যক। ভাষারা কি এ অভীষ্ট সম্পা: , ক্রিব'র 'বালে অবিক্তর যতুরান হউ-দলে সমর্থ নছেন ১ তবে ভাছালিগের কি সের জীরুদ্ধি ও বিসের গৌৰব - কোথায বা ভাষাদিলের বদেশানুবাগ ১

ं नौधक्यक्रिरगत क्यू म अब धन्त्र मध्या बाह्यस्थातः।

मामानाक वानि अकिवानिय ७ मना দলিপ্রিয় ব্যক্তিদিপের যেরপ পরস্পর विश्रीवा प्रिविट्ड शांउता यात्र व्यामानिकत কর্তৃপক্ষ রাজপুক্বদিগেরও সেইকপ জি भीना वृत्ति बलवर्षी मृद्धे क्वेटकरक् । এव খালক কেবল যে প্রাকৃত বিষ্টোর মীমাংগা হওয়া চুৰাহ হৃষ্য়াছে এৰপ নহে, ছুৱা চারেরাও প্রভাষ পাইতেছে। বোধ হ্য भा**ठक्शन विक्**षे रम नाहे. शूर्य मह वार्षेल क्षित्रात भवर्गव कात्वहरलह मा ৰূপ ৰঞ্ব হারা আরুত হইগা নীলকব দিশের কর বংগ্রহ প্রসদ লইয়া আ্ডাবণ ल्ला अन्य अन्य अन्य अन्य अन्य **চিত वाक विद्धार्थ ଓ किन्नकृष्ट करहा ।** আণ্ট দাহেবও তাহাব সমুচিত উত্তর দা र्न विसूध इन मारे। जात्रकवर्तीत भवन्यार জিগীবা পর্বশ ক্ই:৷ পুনরাধ প্রাণ্ট সা **क्ट्रिंड अम्ब केब्र्**ड्रिंड अङ्ग्बर्ड महर क রিয়াছেন। কিন্তু বিশ্বরের বিষয় এই, তার তৰ্মীয় গ্ৰণ্মেণ্টেয় এখনও প্ৰায় এই क्ष जाकात पाइ य के हात। यशब् আেরণ ছায় নীলকর ও প্রকারণের পর न्यत्र विदारमत्र मीमाश्मा कृतिया मिर्दान ।

গ্ৰণর কেনেরল শ্রুং শ্রুংখ শ্রীকার **ওরিয়াছেন, খাজনা লই**য়া নীলকব[া] গের महिन्द धाकांनात्वत्र स्य विद्वाप् इरेटकाक, ডভিত পরেই তিনি কহিচ ছেন, পরের গ্ৰু গাল বু**পৰ ৰা হওয়াং ৷ নীলকবে**রা জগত বাকি খাজনা আদাৰ করিবর, পালন, বুল্লি করিবরে এবং কেই এডাই, ভ

पूर्वग्र कील इंड**एडड ना** विश्वा ए नकल दार्कि था है। वाजुन्निक्का चात्र शाह्य बीलक्दब्रब अम्बादक (शास्त्र बीक्ष

वश्य कतिए इष्ट्र, धरे खरा यांचात्रा मील क्य अम्भटकं बांबेटक हाव्टिकट्ट मा, अधा হৃত তাবা সে উভয়ের বিবাদ নিষ্পত্তি इक्षेत्र मक्षावमा च्यारक कि मा अकरत छवि यम वित्ति हिन्द इस्टिंग्ड । विवास कातरणत फेब्बुलन का े दिस्त विद्वाध बीमाश्मा एक ন্টা বিভ্রম:। সেই কারণসত্ত্বে যদি কথ িং মীমাংসা কৰিছা দেওয়া সম্ভাবিত ষ্ট্য সচরাচর প্রবলেও ছর্বলে যেরপ विवाप विकासि इहेरः विदेक अधेकल कड़े त्राक्षण गाँवे। भवित क्रथक्षिशतक थाः भारक मिन्मल्मा याकित स स्ट्रेड हरे (व । ११ क'र के प्रीयश्काहे काह । शुरूत वस ज्यनदर्भत्र मृत्र करेशा केहित्व । कल्का शव পব জেনেরল মধ্যস্থ গ্রেরণ করিয়া মীমাং मा क्रिकें। वा कहिए या भी भी मधान अ দেশের স্থামির নিবিখ কবিয়া **খাজন**ানি দিউ করিয়া দিকেন, সম্পিক ক্রডার্থতা পার্ড বরিতে পারিকে।

्य ७६०० कार्यात्मक राष्ट्रांता र्र. न्युद्धी किस

যে সমস্ত ব্যক্তি কলিক হ, মেড়িকেন্ कारल कर बोर्चाला 'डग'हैं (मरले प्रधानम করেন, ত হাদিশেব পুরুকের কসম্ভার त निकाय व्यापतः अपृत्ति वर कि वि बर्धर **फे(सर्थ दर्भिया** भार कर्म भूस्त . क ৰাজি আমাদিলের নিকটে এক থানি প্রেবিড প্রা পাঠাইয়া দিয়াছেন, আমন काष्ट्राच किम्प्रस्था ४३ थान शहन कविलाय।

भद्रार (स्टिश्वा कार्यार अंत्र क्यांन, **डि**ंकिस्मिक्कित इ.इ.फिरशन यु (यह क्या) कि लिभित । किथार ७ ८५ एक बाइन इ निसंस्कृति থিতে গদ বিশ্ব জড়ি বিশ্বার ভাষে সভাল গে अन्। वर्धकाः शिष्य शराज्ञत्र छैरस्य कर्ता माब्दिट '

अवम भूरुद्वत्र अभावः विक्रीतः, नभरत्रद इंडीर भिक्षक भरतन सना ही \$ হুব, গার্গমেন্টের উপ্পক্ষ, । প্রথম, ভার্মি ও भाषां का काम हा रेखन अन्तर्भ अहे ८ छ है

बन्न माडे । प्रश्नकात मरक छ न्युवमाची छीरलङ्ग कृद्धि विद्याद स्थास नामानः खिलाहिन्यद्वेत हा-ত্রদিনাকে অধিকাম্প পুস্তকই প্রচন্তে লিখিয়া ->८ च ह्या इंड क इक्क्षिरशक्त स्थ वर्ष करें, 'न'ः। शहरक्षके कार्यहरू গ্রন্থ করিতে · ''प्रच। क्रियम अहे करो क्राडावधां क्रांशक'त वश् अक्ड रूप निकात्तव कात्वर व्याचाछ ন্ত বিহা ও'কে। মহাশয়। এ কেনীয় যে সকল ाकि भित्रक्स कर्तरस स्विधि उ बहेश्री ्ड्रम, निकाता विकिश भटनात्मान कविटम क म.५१८म **भूखर**क्य अनुहार पृष्ठ : विरूप १९१-শ্বেন। কিন্ত ভালাদিলের এত: জাতের নিধ্য अमार्गामा मरे क्षेट्रकाक, जाभाव कावन वि केल्क्साम अध्नाय, म आहि निविध वाहिः सः। भर्षा या। श्रे प्रवर्ध नहिः।

লিভীপু, সমালের অংশচে। জিন বংগর । क । बाक्र धर्म वाकाया किलाविद्यानकेत ऋक्ष দিলের লিখার ফালা। হাতবুর প্রিলিপল व्यक्ते भिक्का कान्त्रिया जाना (भ्राप्त निक्रम वरमारहरू मद्भर क्षेत्रे वर भन्न कादमद भन्न भिक्का स्थम कविना প্ৰায় এক শাসত কাল কেবল ক্সপ্তিরেল ক্ষপ্ত के र १ कि कि भा भिक्षा कड़िएक बहेर्द्र। यहा नग पूर्वे २५ १त काटनंद्र घटना भारीन विस्ध चुन्द्रवर्ष्ट्रेल निका कर्ता निकास अन्नाद्र(दिक्त) ইম্পর্যার্থে শিক্ষা করা দ্রুরে পাকুক, অতি भौतन्तुक विवद्य कन्निस जालकरण जिल्हा बहु मा । एत्म वयमदत्त्व भतिबद्ध शक्ति हानि स ধবা পাঁচ বংশর নিয়ম করা লয়, ভালা চইলে किथिए ब्राप्पाडि एई बांत्र मक्षावना आहा।

ভূজীয়, শিক্ষকদিলের এলাছ।। শিক্ষক चकाभएभता व्यापान ग्रामा अध्यापानीय विवय শুলি যথা কণ্ডিং উপজেল শ্বানালীয় দীয়া मिय करिएड भारितालई ज्यालवामिताल कर्नुना क्ष (लग हट्टेंस घरन कविश्व कारका। किन्न प का मनदान नद्या पूर्वक विषय छोता निका कत्रो श्रेखिमिश्येत्र माधावास कि मा छाहाता त्म विद्यम्मा कर्त्रम मा

इ.स. गर्वास्थित केंद्रा केंद्रायका अवर्ग्यक यनि यटनाटकांश करत्रम, निश्मरक्षक क्रेशित्र हेल्ल विवय छिनित दिनाव पश्याभित क्षितिक शास्त्रित । नवनदमके कि जना स्व छिष्टित बरनाद्य न করেন ন। বলিতে প'রি না।

७दा रेक्न ध

गद व्यवस मिडिएक्स कार्यास्य ना শালা ডিপার্টমেন্টের বিষাত যে যে কথা লিখিয়াছেন, ভাগর এসটিও জ্যুৰার্থ नतः। ये जिलार्टियान्तेत कश् सत्ता हरे **ल ७२क**नाथ वा'नाकिरशत रामुक्तिता अडे छेक्त इड्रेट्ड भाटक, भवनंत्रक (क्वह প্রজাগণকে জ্বোক্ত দিবার নিমিত্তই ঐ ডি প:টিমেণ্টটীর দৃষ্টি করিখাছেল। উচ্চ প্র क्रुडिक्स भिक्क व द्वान करः धर्गामा केर অভিনেগ্ৰভ মতে উহা বেবল শিকার জনু करण श्वास कर्तु हरेगाटकः सः धारह कि লিগের যথোচিত উৎসাহ দান कारादा यमभएकाम्ब स्मीत देवलामिरशय বিলেয় এলিভেছে, প্রব্মেণ্ট খাবার কল কণ্ডলি দমের দ্বিতীয় সচে।বর প্রস্তুত ক विया पिर्छटकन । वाकाला धिभाविस्मरणव ছাত্রপণ আমাধিপোর এই লেখালে ক্লয় হইও ন। । অ:মত্র। ধৃত্বপ কথা কহিছে। **ভোমালি** १५३ गथन जुलिक, हरेटाइ ना. ज्यंत्र कांब्रांक्टशत्र इटेटर अल्लद् पार्टिकी ममुद्रितः, चार्ट्यः। च्यानक काक काम यङ का निरम्भ कर्पकिर हत्स गरे किन्नु अ কারটা। পাঁট। কাট কত হত জানিলে **हत्त मा। त्म मरहय बरह । १ एमाव हर्ना** म विरश्न बर्ड, अवन्त्रमणेर्ड क.म.विश्वदक এके विकासमान (किसिन्द्राहर । हेट एक (की बाषिरभन्न लब्जिंड ७ क्रिन ५३ त दिनश

भवर्गरमके यभि अधिकारकल कारलरकत বাদালা ভিশার্টমেন্টের সংস্কার ক্রিয়ায় यक्का म रूम, क्रूकर ए इन्ट्रेंट शाद्रिम कि ना चयर कि छेलाव अवस्थान कतिहाई का मधे मनकात कतिएक इंडेटब, अकरन कवि যা বিৰেচিত হইছেছে। আপাভত: ভিন ৰৎসর কাল ৰাজালাঁ ডিপটিনেটের ছাত্র গণের শিকার সময় নির্কাশন্ত হট্রাডে अबर के जकल काँग्र नेत्रीचात्र केडीर्न करें। ककवालीय म.करा आखि क्षां वर्षाची उन्टेटन विश्वविश्वटक क्षांचि ग्रंट ! हाउलाचि है कांत्र सूच

मामाना (वर्ज्ञान **विद्याक्तिक क्या** ५ हेयू: थारक, किन्नु अहे अभरतात ७ विकटनत वृक्ति कतिया (मध्या किहू वफ् कठिम क्य नग्र। বাদান। তনাদ **ইউরোপীর চিকিৎসাশান্ত** প্রথমত প্রিশ্য ভু**রত চ্ইতেছে।** মীহার। (मिडिक्न कालाक भिका कदियाका. र्च वात्रा चार्थ। भारत्व त्वहे वादः ममस्य, **डा** हातः (य चुकः ध्यत्रुष्ट हुईश व्यावभाक अस् 🏖 শ্যন করি যা এ অসন্তাব দূর করিয়া দিবেন ात्र अञ्चामा जन्म । भरनंदनकेत्क व वि याय मितानय बार्सारमध्यी । किश्विष्ट च নিকতর অর্থ বার করিতে হইবে। তাঁদার: अथरम करशक वाहित्क मरमानीक कतिश किष्ट अधिक वादश खालबारण । इकिस्मा नोटक मुलिका क्षणांस क्यून, शकांद जे मकत् वास्तिक श्रम धानग्रम कार्या मिर्श कि इ कदिएक । अवर्षरम्बेटक कीशिक्रिशंद प्र: मिक द्रांख सिक्'। व कक्किश विरक परेटव, এৰপ করিলে তাঁছারা নিশ্চিত্র মনে গ্রন্থ थागरत नमर्थ इहेरबन, अजीके निकि करें दा मारमह माहे। य**ा किम अग**रिक चन्नर केश्मानी बरेता अद्विध कार्या अद्वे वा হণ, হন্ত দিন রাজনাহায্য নিভাস্ক আব भाकः। आवशं आहीन शरलह रग नवल उरक्रे अप क्षिक शारे, काश्त व्यक्ति काश्म ताजनक माराया वटलहे रूटेयाटक ।

আমর। ক্রডভেডার সহিত স্বীকার করি তেছি বছরমপুর দ,তবা সমাজের অউম সারৎসন্নিক। ১২৬৭ সালের। আগ্রাণ থি তির বিষরণ পুস্তক প্রাপ্ত হইগ্রাছি। সেই আয় ৰ শু শ্বিভিন্ন বিবৰণ এই –

3. बाग्र COASAC ころとろいろうの 57079,30 चारस्त्र विवत्र ।

मानिक में ज्या 257 Pile. বাৰ্ণিক দান্তৰা প্ৰাপ্তি 26 C810'0 २७ ॥/३०

ন্য পরিবারের নাসিক বৃত্তি পুনাঞাঞ্জি

दादस्त विवत्र । অন্ধ্ৰ থঞ্জ এত্তিকে মাসিকর্ত্তি দান CRENT

खळ श्रीवराइनिश्रटक यांत्रिय वृद्धि गान ゆうらがっ

আগত্তক দান CN636 01/0/30 मब्रक्षनि क्य ধন্দংআছ্ক সরকারের কমিসান

205NG 15 विविध राह्म 64 हिक्टे अनु 2/0 নকল নবিশের বেডন স্থিতির বিবরণ কোম্পানির কাগল 7801

विविध मझान।

নগদ

স্তুদ, অধীনত্ত, সঞ্ছজটিভ, সাসায় সাপেक, এই करहकहै रेशक अराध व्यास সংক্ৰেছ হওয়'তে এন স্যক্তি গেই নংশং ত अमार्थ आर' मरावर्ष विकटि निभिन्न। शाठी है স্বাহেন। হাজ ধাঃ অন্ট প্রতায় করিছা विकाल खन इत् प्रका स नक्षा पूर् गाई क्हेटल शाद्य । अभीसवड्ण विक, १ पर्श क. ब्रिटन अधीनय मार्क छ। एक इंग न চিত্ত কিল্পাবিশেষণ, কড্ডাটিড ইছার কর্ম অংশকার বহিতে বছন লড়া কাপুস্থান কবিতে স্থাপামের গোলখোগের বির্চিত্র বিপ্ৰত বাক; খার; দাংশেক শব্দ দিক পান্ধার সাহায়ের সংখ্যাক এটা বন্ধী ডালুবন। क्रिया मार्शया पार्थिक करेंगे वाकित्र करते हैं। हो हो स्वीत क्रिया क्रियार मर्क

বালী-প্রানের শভকর, সভার সভাগণ এক খানি যাসিক পত্তিকা প্রচারের সক্ষম করিয়াছেন। এই পত্তিকার আকাব সোধার आत्मस बार्ध कहेटन । देशत मृत्रा वःदन हावि **জানা নিকশিন্ত হটরাছে। ইহা দম চার পাত্র** নহে। ইহ'জে সাহিত্য, বিজ্ঞান ও অন্য অন্য विषय श्रेष्ट्रांबांबि निथिष हरेरन ।

नि । इत् इ.स.चिहाले ६८४% कहेंग्ट और विभिन्न **व्हेग्रहा** कहेनल समानव क्याहि महाहर मुक्ति । अलिहिं हड़ेग्य विकास विकास के कि मिला अक अरक्ट हेल । ल ল'িক মৃত্যু ক এবং বাবিল অবিষে মুখ্য । ভক্ষ্য । স্থা এণ জন এক ক্রোল মুস্তে

करे एक ।जानियाँ १०१३ व १६६०, । ७ ०७४ खरू-। कर ोड़ इन्हाँड छएकड़ ,वाल बाह्रि काल्लि ! ৰত তংক্ৰী নিশ্য আছত কৰিয়াহেল। টোৰা- | সাম দেওয়া যাইডেছে -র চিকৎসাদ অন্নেক্ষের এ সকল রোগ এটে। गासु इंडेश्हरः ।

বোৰ ট্লাবে মালন্দেশীয় অভিকেনের - विन्तुक ३६ ४६ है।कांब्र विक्रव करेंद्र इस्ता । अ . বুল কম্-য়া দেওয়'তে ক্ষে মূল্য ৯জি চইয়ু

कामड़ा श्री अंगान करियाक्तिमा, ता গ'ই লগারে বা দেরা বিলাভি কালডের डिकिं न याम उद्दे अन्तरभन पहिंदा এক্টে, সংবাদ - শানিচ ছে একিছে বালে হত দিন উলোলিগের পুরাভন বঙ্গ गकत (गढरी र. न. १९) छ ड बिन अपन छेडी-ই লে ডিঃ সন্ধে **ক্তি**গ্ৰন্থ হটাৰে ১ হৰে ১ কাপড় 'জেন্ম হচল'ৰ পর উঠাইৰো ভাৰা অস্বোর্থপর দেবিয়াকে 🥫

শা ওৱাতে প্রত্যেক নজবং 🐎 দৃশ 🕦 নেতন দিতে সমাত ধইপ্লাছেন। চা ক্ষেত্রে नापन वाहित वहें ६७ भारत ।

৮ ই 🚉 পুর্লার জারি নিকেপ করা *হইণে* হয়। লান লাক্ত এরপ করিডেডে, ভা**চ, জানা** বাৰ নাই। তাকজা সেৰাপত্তি এতকেশীয় দিগকে রাজি ন্য স্ট্রকার পার শিবিরে বাই-एक निराध कहात्व भैगरम का**छान विश्वक** कर्तारहरा अक्षा अवस्व अक अन देवनिक भुक्त । यक वृद्धि-क यथ कतिषादह ।

রামপুর বোরালিরার কডের বিক্তারিড

'आंबरी कारता अक शांबि क्षारंग भारतात कानियादका त्य (य द्वारम श्रद वय) ें फालिनी प्रयस्त कविकास - केवांत्र संभ नोको | ६ ८६ सप्त. यो की अभूकांच अनकोटन १८त क्षे भरहा उग्लील डिमा विक इहेरा वन क्षेर्युक्त राजस्य प्राप्तन वास राष्ट्रमभक्तितक एउन्न केन्द्रिय भिगाउप । निज्ञ स श्रृक्षांतनीन क्रम फेल्लिट एटेगा मरग, ए.इस कुर्मास्ड इन कर्या । १ जिला हा । किंग्रिया हा । वर्षा । वर्षा । वर्षा । श्रीम विवर्षे ४३ गाउँ । निर्ध हेश्य अकर्

> 293 277

इन , श, महिर है अहानि (65 दिनाव मृज GHR प्रमात र (11) करा छहे, य १ के १ अदिन के देवा लई अलाब में ए वेंग्रेड हैं। कारक के अधित अपना क्यांनी तिनही कड़ेब्राइड । च्यान्त्री कक्षी इंबरकान जर्मन कि व्यक्तान तम्बरमञ्जू २५% 为意义 水平

नम्याननीय व्यवपद्भ द्वित्व द्वाद्वकृतीक्षि स्वति एन नाद्ध्य विष्णांच काश्यमाद्यक इरायम नाद्ध्य हे तोन करकी जोविक्त मेरि एकाल किन्द्रात हुई।

ं १ हीर ११ र अप्रे अस्मान । ५१ तम् १५ ८ १ १ १ १ ४ চাত কাজার কোজাক জলতান নামে ৭ সচী कि. ছা কাপতি যাতী। মুদ্ধিক কে **লোখায়** ি. মাতি বৰীয় পুঞ কাম গ্ৰন্থে চুত চটা ছেন विद्यम्हित अक अस शकाय चलिल्ला डिकाब हि खना काल ज्यानादमञ्ज छ। नदाता भक्ष हात कहे एक छ। निर्धाः काल्ल दक्ष आदक्त ५३ বংসৰ মাজ ব্যঃজেম ছিল অত্যৰ কি যু ক্রিডে ইছাকে বিছেপ্টার পদাধ বলিয়া

रहकती नक्काम १ भूनकात एक छ हिन्द च्या प्राक्रोबोल (शरक्रिके अञ्चानिक वरलम् । **कोर्सिन प्रशास**्म कतिहारक्रम । मा कर्य **(क्न, क्नि व**र्द्द्र क्था ?

> সমাস্ত্র হিন্দুস্থানী সম্পাদক অবোধায় চিবশারী বন্দোবস্ত প্রচলিত কবিবার ভাস द्वाच कवित्राहरू ।

পেট্রিরট সম্পাদক স্থাননীয়দিশকে পরি-আৰে শরিধানা করিবার বিলের প্রতিবাদ ক-दियां ज्ञांत्वमन कद्रिएक जन्नदृत्रांथ कद्रियाद्वसः। এ নিৰৱে আৰু বিলগ করা কোন ক্রেক্টিকি ट्यंत्र नरक ।

श्हेरख शास्त्र।

वां देवतांमस्य पद् निर्दिश विशाण विश भागत श्वित्वय शास्त्रा कक्षांत्व कर्यात्रके जीशाय ३००० हैकि। शुरुषात विवादक ।

(वांबडि मार्टेट दिविडे मन्त्राधक वटनव महाद्राक निक्तिया वाबाई नगदत गाउँटकटहर । अक्ष सम्मारि दाना है रजर व वाहरवन। कृतः कात निशंत कामना खन्न तेक उठरहा

भ ज्यांदक्ष अलदकनीवृत्तिशाव दे त्रका कांद्रह के गढ़। नद छेड़ेलियब (खिमिनरमय विकार दि-ডাসি অধিকারের পার্থী বইস্বা এক আবেদন श्रव क्षेत्रांन क्षिप्राट्स्त । विङ्गित चरपत अर्थ এই, পরীগ্রামে বে সকর ভূষি প্তিত আছে, অধীদারেরা ভাষা আপনাদিনের অমীদারির অন্তৰ্গত করিবা নৱেন। তাহারা চিব্নকাল এই यद खांग कदिया जागिए उरह्न। नद्र छैहेति-श्रव (अनिमन आंशामिरवाद जारकान व्याक्त (ल व अस्मरण जावकारीय नकाश्रक अक করিদ্বা বলিলেন " আলার এ বিবস্থ বিবেচনা , कत्रियांत्र मनग्र माष्ट्रे व की वक् खीच !

বিরেট বিভাগের কেনের আধাক ভাক্ত त्र कहतिन क्लिकाशांत्र आजिवात नवरह वर्षः | ৰানে শুনিলেন লেগ্টনত কৰেল ভেনিস নামক এক 🚜 আফিদর ওণাউঠার আক্রান্ত হই ग्राटकमें। 'छाहारक प्रश्नम कतिवात स्थान कर्नि-্ৰক অন্তরোধ করা হয়, কিন্তু বাস্পীয় সকট ডাবা ঘটাৰ বলিয়া ভিনি ভাষা করেন নাই, এক্সন্য কারতেন্বীয় গ্রন্থেন তাল্ভাবে পদ-हां क कविद्योदश्य

একতে শরীকোন্তীর সিবিলিয়ানদিস**ে ন**-টবা সংবাদ পত্রে সহাআ**লোন**ন হইতেছে এই युरक्तिश्वत प्रश्नाय क्षेत्रमः श्रक्ताम वह-**उद्धाः विमान्ने** अवामात् । त्नाम के. लागि।वटलम् गवर्गद्धत् नाम बहेदा छेटकेन दर्ग-बिडि शाहै!

पूरे अन रेडिट्डाभीत नाविक अक राज्य চুবট চুষ্টি করাজে ভাহাদিলের এক বাস কারা बारमञ्ज स्थारसम् स्रेवाटम् ।

আৰু এক অন ইউল্লোপীৰ চুত্তি করাতে তা-হাতে সেলিয়নে সমর্গণ করা, বইরাছে। কবে त्रवृक् श्रम्भात महेर्फ्ट्र

ইংক্রিমান পশ্যাদ্ধ বলেন স্থিয়ানার স্মিশ্নর অত্তত্ত্ব বেমুল্ বিক্রম নামক সংবাস পত্ৰের সম্পাদককে ছাড়াইরা বিশ্বাক্তন। কবি-

প্ৰয়ের আন্তিম্ভ কোন বিষয় লেখা ইয়ার কারণ ৷ পঞ্চাবে ছাধীনভামু জাবিণভা রহিত ৰবাতে এই জন নৱেন ফুওজৰ ইণ্ডিয়ার দ লের লোকের এক জির পাত্র।

ষ্টিৰকা নাহৰ এক জন উউলোপীর এক শত টাকার ব্যাহ্ম মোট চুবি করাতে ভাষাকে সে-निवास नवर्गन कहा इतेहाए। तुन्त जन हैल्-इ। ७ इश्विमधान क्षण्डि अधन कि हेंहै-রোপীরচিগের হতত্ত্ব ও এদেশীরচিগের হৃতত্ত্ব আলালত রাখিবার চেটা করিবৈন ?

উত্তর পশ্চিমাঞ্চলে এক জন ইউবোপীয় शक्ता इति ज्यादास कदिवारम् । 'छवान स्थयनः ভুপ্তব্লিজ ইউলোপীজের সংখ্যা রজি হইতেছে। देशद्रोहे कि उपनिद्यमगद्गीमिरगद्र आप्तर्ग ?

क्षांके मारमर्थिय मामुनार्थ कर्यका व्यवधान নভা হইরাছে।

গভ সপ্তাহে আৰু ছল লক্ষ্য টাকার গ্রহণ-त्वके कांश्रक्ष विक्रम बहैशाएछ ।

দেওতাৰ ইতিয়া সম্পাদক এদেশীয়দিগের ন্তরাণানে অধিকতর প্রত্নতি দেখিরা আকেণ क्षेटलागीविक्तितत्र मरगटर्व कतिबाद्यन ! ध क्रिमीव्रक्तिका धरे विष्णांत्ररे विनक्त भिका रहेवारक ।

🕏 ংলিদ্যান সম্পাদক বলেন, গত চার্ল্স-উক্ত আৰু দিয়াকেন এখানতৰ বিচারালয় इट्रेंट्ड इरम्खीत अविस्केष्मित व मक्ड व्याककशंत्र आशील इंडेटर निशान विस्त<u>र</u>ा-গারুকে ভাহার দংকেশ রস্তান্ত লিবিয়া দিজে

আসাম বলতে সংশাদ সানিয়াছে ভব্ৰজ্য (नात्रदारतत् किश्चिर नाश्चि बहेग्राटक् ।

দিনৰ বু ব্লাও পীড়িত কইবঃছেন।

ोनलम रहेरछ विहेमरवारम निभूमिथिछ সমাচার আসিয়াছে। বিমেরীয়া অখ্যাণিও श्रीतरम स्थ नाहै। गारण्य ५-८कान गरसंत्र मरपा যন্ত বিলোধী আছে ইংব্ৰাক্ষণ করাশী রণজ রির অধ্যক্ষেরা ডাহালিনের মহিত সঞ্চলা বুল করিভেক্তে। সায়কতে প্রান্ত ৮ • • • • পদারিভ ব্যক্তি আনিয়াহে জুমানিলের নকলকে আহা व रंग बद्धा करियं व्हेंचा के विवादक । शिक्ति क

জাপান হট্ডে জোন সিলেব সংবাদ আটিলে नाहे । नामकिश्न न**तीह अभन्न श्रां**टल श्रांटलेस সেনারা বৃহার্নে আগশন করিয়া প্রসক্ষিত হট, রাছে ৷

निकरण। करें एक नश्याम चानिसंहर विद्या-की मिर्टश्य एक हवा आवास कुमान अधिकांत्र করিবাব ক্যন্য প্রস্তুত হইরাছে " 🦫

अक्षा हो। शास वहाना क्या वर्ग करें বে, তথার অনেক পুল্ল কল ও উৎকৃষ্ট শর্ণ্যা-क्रि अमर्थिए स्ट्रेटर ।

সভাতি প্রাবের জেলের এডড করা হয় সভ্যুৰ্জীনৰিভ হয়, অংনকে ভাষা দৰ্শন করিয়া সম্ভিট্ট হইয়াছেন। আলিপুরের জেলের হ্রব্যাদি সাধারণের দক্ষে উপাইত করা না

७ , ७, ध्रवष्टिम मारहर भक्षांदवह ब्रोक्स विवरत्रत्र कमिनवद्र रहेद्राध्यक । अवर्डिनी नांध्यके ভারতবর্ষে ব্যাবস্থাপক সভার সভা বই-(यम ।

লাহোর জণিকেল সন্পার্থক বলেন করভান্ন পুরে যে আফিসরেরা নর্ত্তকীরিংগর প্রাচি ছুব্য বহার করিয়া খৃত হন লেপ্টনউগবর্ণর ভাহা-চিপ্তার উপর অভিশার বিরক্ত হইরাছেন।

একজন কিরিলি ময়েকটি ছুলি ও কম্পান-চুত্তি করাতে ভাহার মুই সঞ্জাহ কারাবাদের ज्यादश्य बहेत्राद्य ।

হরকরাসম্পাদক বলেন লরিবার নানকলেকে-होति जाक्तिम् अक्सम क्यांनी २०० हे।का বেডনে ভ্ডন ক্লটাব্লরি পুলিনের একলন शर्काती स्ट्रेवाट्सन । बांट्यात स्वताबूटके धटे विना कतिया गरेतः

ইংলিস্থান সম্পাদক বলেন কিসার নামক जावता शनिवा प्रविक रहेगान काल। अक्कन निविनिवान कियांकूरतत तिनिरक्षे क्हेबारक्न। विक्रिहातिका व्याप स्त्रितिक क्हे-या शाटकक् ।

পরিষিটের জব্যাদি অঞ্চিশর বিশৃথ্যার व्राची क्यू छेख्नमञ्जालक प्लाबाद ध्यमण करिया আব্দেশ করিয়াছের। বস্তুতঃ কর্মচারিদিগের स्माद बारमरक कांकियाच स्टेमा बारकन ।

রাহপুর হাটে ওলাউঠার অভিনয় আছ-कीन वरेषांद्र ।

हे श्रीत्यास्य निषिष रहेतारस, हाणा था.

कान्द्रक निष्य करण्य विषय शृह्य यथन वर्ष मारम यान, जनकारन प्रताशास्त्र केंन्नक इंडेज़ा-ছিলেন: এ সংগণ্ডী যদি সভা হয় অভাত फू: रथब्र विमार मरम्बर सहि, किंद्ध आ मण्याम मिथा। कामाजित्यत्र विशक्ष दाप इंडेर्डिड । बाध कति ताला के हो। ज्यानेक बनिया आर्फि शनं क्षित्वन ।

रविषाहे द्वारक मान्नाक बर्मन, मान्नि भौरका करबकाँ जुलाह आवाम १६८३ है छे-दिशानित क्षयदकत्। काया कि दिदन कि मिकदर्भित উন্নতি ৰত হয় ভত্ত ভাল কিন্তু ইউরে:গী-। विदा कृषि कांधा कविएव, आहेष्ठी अनिशह अन्त्रः विकट्डिट ।

क्षिष्ठ भिन एटेल अन जन डेडेट्सानीर और।-मश्रुद्ध द्वारे । धर्म दरे एक नामिनात्र नगरह का-প্রার খলে ভুলিয়া বান। লগভিব দুই জন লোক ভাষা লইয়া ধার। তালারা ভর্মান্ত্রিভ २७०० डे।काद ब्लाइ हित कद्रिया भारती छना-नित रहेमन माहेन्राक राष्ट्र । देखि घट्या हिला আকে সংবাদ আসাতে ভাষার। গুভ ধই

भूत्रनिर्माबीटएव नवाब आले माटहरवद्र चाव-भार्थ किटकत खना २००० होका श्रमान कतिया.

থোখাই বিশ্ববিদ।লিয়ের চারিখন ছাত্র वि, अ, छेशापि शाहरण्यस । हेर्ड वा नकरनाह ভ্ৰাৰণ । ১৮৫৯ খেল আবণি ১০৯ জন মৃত্ৰ क्यांत्र व्यटनिका नश्चीका । श्वाटका

অরত নুমুরে আফিও এলাউঠার প্র-(कान करम मार्ड ।

माति १६न नाटश्व कियुप्ति गदशत अमा शवर्ष **टक्क नतरनत (के मिल मह समान २०४१**, ५० ।

অবার চীন দেশ কটতে ১০০ বড়া হল। निवद्रभूरत ग्रंथांनी घटेगार्ड।

সর উইলিশন ভেনিসন বিদ্যালিকা ও क्षतक्ष त्रव्याव ज्ञावमाक्ष्या विगरत पूरे श्राह्य वैनिधित्रदिह्न। अटन द्याया भवनत्तिरभद्र व्यवना क्यं वा क्यं नाहे !

লাভ কানিও ক্য়াটি ছণ্ন ক্রিয়া গমন कनियारकन ।

কাৰুল হউতে সংবাদ আলিয়াছে পার্নীক रमनाता गर्ता न मक धकि नगर · अधिकार क-্মিয়াছের ক্লিটের নবাব তালাগিলের সহা-

প্রত। করিতেছেন। ইনকম টাকা কমাইবার 🖟তাগানে তল বার বংগর কারারুত্ব করিরাছেন। किहै। स्ट्रेट्डिक, अ अवस्त्र जीवात शाहरता न श्रभारवत तुर्वि अहे स्वितात । अवस शक्षारव-युक् छेशश्विष्ठ बहेल ।

লেণ্ডনট কর্ণে ক্রস ধাবভব্বের পু লিধহনপেকটর জেনরল চটবাছেন। ক্রস সা-्डर ब्रोफ श्लाकित्यत्र कुंडेब ।

নিমুলিখিত গ্ৰথমেন লোট দকল ভিন্ন ক্রিথ রাধান্তরীতে **প্রচালত চইড়াচে**। কলিক। জা বোখাই

बा ऋषि

যোট भीख हात्रि क्लिक्टिकी धार्ड अक्स लाहित्र । विद्या विश्ववास क्षिताल क्लिए क्रिकेट क्लिका प्राप्ता প্রতিপুস্তরণ টাকা রবিরাছে ।

উক্ত সম্পাদক বলেন আগরায় নস্যাদি সন্তা ৰই্য়াছে। ছোলা প্ৰতি টাকাব।।ও ক तिया विक्रम् ब्ह्रेगारक। अवश्यत छेक्य क्यम जित्रोटक।

र्श्कुनरमञ्जूषात्रा शांभा है। निवाद रव छ-एन व्याविक्रिया बहेबारक, उँखद्र शक्तिम्.ध-লের প্রথমেন্ট ভালপ্রসারে কার্য্য করিবার চেঠা করিতেছেন ইয়ার আবিভিদ্ধা কারী। প্রাক্ত সাহেবের প্রতি জালাহাবাদে গ্রম ক क्रिकात्र ज्यारमञ्जूषाट्यः।

'अर्थाभारशर'भूडे अन्यानक वस्त्रम कायोज মন্ত্রাদলপ্রধান শক্ত নিংক দক্ত কর্টচাছে।

উক্ত সম্পাদক জার ও বলেন, লচ্ছে। নগ-व्रक्त इंडेरब्राभीव (मनावरमव अम छन रेमनिक পুক্ষ কোন মামানা অপরাচে কারাকুর ছঙ রাতে গুলি করিয়া আত্মহত্যা কৰিয়াছে। গৈনিকপুরু দের। হয় ত শুরুতর অপরাধ করি- । ভারজেন। ধ, মৃত হয়, নতুৰা সামানা অপরাধ হরিয়া কঠিন মত পাৰু।

টটেম্য জাল ইপ্রিয়া সম্পাদক বলেন বোদ।ইয়ের ভেপুটি ব। ভিট্রে চিরা ভিন খে- ; नीटल विष्यक्त क्ट्रेटबम । कामानिटनम् ६००, ৪৮০, ৬৮০, করিয়া বেজন হউবে ৷

गरिशत क्रिकटन लिचिए बहेब्राटइ अक वास्कि अक अभ क्रेडिट्स्शीयरक वथ क्रियाटक সন্দেষ করিয়া তত্ততা কর্ত্তপক বিনা বিচাহে । এই বিনা বিভিন্ত এইল

बुड़े वा धान कि, जामानितां हैकि क्यान व ,নকে ডিন ডারিবংসার **হাজতে থাকে** ।

চণলীতে সম্রাতি রতি ও কামদেশ্যে-পূজা হতনা গিয়াছে: ভতুপলকৈ পাটা ব मरमञ्ज्ञात इहेग्रारक । स्था योकेटलटक् अक्षन (अकारकर केष्टिका अहे वृतिक श्रुका ना। 🕖 ে 🎙 এট সকল দশন করিয়া আমাদিবের এক এক · • वात डेक: इस स्थ भवन्द्रिक जाहेन यदिया ं बन भूर्वक कुर्शम्छ उपमा मक्स है हो है श्री दमन।

व्याचाई द्वार अवन्ता भक्त अक्षेत्र ध्येष भ ৩,৯৯,০০,০০০ । নিয়ম কল ছইলাছে। ইচার পর জবিদানার । দিলের ব্যবস্থাপকেরাও কিঞ্চিৎ বিশ্রাম কবি वा चिष कडेम।

> চিঘাপতিয়াৰ রাজ' আসম নারায়ণ লে বের মৃত্যু হটপ্লাছে : শিকা দান বিব য তাকা র বিলেষ উৎসাহ ছিল।

গত শুক্রবার নিয়ু লিখিত ভূম্যে করি त्मन विकाय करेग्राटक।

等 海! ज़िला क (वहारब्रद कामीय -204 গড়ে প্রতি সিম্মুক ১৫০০ টাকার বিক্রব

क्रिकीट सकतार श्रेष्ट्र माम द्वालिम (४१६ ६४) G काहिना (मत्रका सहैनादस् माख ,जामछा স' সাজা চহার প্রতিবাদ কন্দন না কেন ন

> ৰ্দ্ধেলীগ ব্যবস্থাপক সকা 1 ' ३२ ई क्रांटील मनिवाद ।

भोक्यी **वायहन म**िक हिमा गांडिर कहि। क्षि कतियात विका कार्यन कतिया अक र अंछ।

८वडेला छ ग्रंद्वन के विरक्षन मशक्तका करि । कर्शकि सम मध्यापम विवरणन भवर 'उनि **২লিলেন পালনি প্রভৃতির ভা**ষা নির্ণয় কর। कर्जुश किन्दु धरर्गद्यदलीत शरक छ!क्। विव करि राष्ट्र कात्र मा क्रिया बादकांत्रक मनाव करन्त अ कांत्र अनुवास के किए। अने विन शिक्षके किम क्षि इत्य नम्भित इदेश।

न्यू द्वाधनां सात्र ३५०० चारम्य ३० पा क्रेन मेंश्रमाधन विवयन विव वर्णन कविरमन !

 इंक्ट प्रकल क्रथा क्रथा क्रथीक । क्रियाद विद्वाल विकास · ४०९६ ५ गठिन वहेता। क्षेत्रिके मा वन करक्कार्रि जन्द्रमाध्य सनिद्रमान ।

अभिग्छेन महरूत १७४३ प्यरकर : • जाविन u. e miधम विषय विश्व विश्व विश्व कविदान श्र-छाव क विस्तान। बाजू जुमांशन म वाप्र अके वि-লেব প্রতি আপত্তি কবির। অগানি গতা পর্বান্ত ·s. : वृश्चित कांबरोब अञ्चार्यं प विश्वता। प्रमुखेनको अर्थ र **छोडा**न ज्ञासक 🖰 स्विद्यान, किए हा सक में अंदिमां हे देशोटड देशे दिल १ ५८६ हरेत ।

क्षत्राभन महिन्द क्षत्रीशांत्र कारण्य विस्त "দে,প্ৰস্ত কমিটিৰ বিশোট প্ৰক্ৰ কৰিবাৰ প্ৰস্তাব क'तरलम्। देवः का अक एक दिलाकत श्रेष ६-শৈতে ব্যৱস

ভারতব্যী র বাবস্থাপক সভা।

३७ हे बद्धल हमरोह।

क्रिका हिम मार्ट्यन आखान क्राम केरोला क्रामित प्र रमाप्तम नियम् सं विश्व विविधक वहेला।

नीव्रम मार्टन ३৮ ७६ व्यासन २ जाहिन शक्ति। पर्क (बरक्त दिन अञ्चलक विद्यालक कमिछिन वि-(श्री अम्। म कविरस्थाः । श्रीवर्षेत्रः भारत्य निम् जिम्बि डेपीमें लाज विरुगाउँ यक्ताम क ब्राह्मम

कृष्ट्रन हो इ. ७ ५ हार्ग इंडिनाव निकार क्यों स्मा कि कावित मर्द्याध्य विषय किए।

धन वनाटक्व ३४-३% अरक्व ३१ जांकेन (वाकी ऐक्स्य नागालय वादेन) । नश्लाधन विवयक विभ कार्या कतिया छ। हा मिरमाँहे कतियह हा छ অপন ক্ষিতে অসুযোধ ক্ষিলেন।

दल ड अ(दर्भ ३৮ ७० **ज**रसम् ३० जाहिन गर-শাধন বিৰয়ক বিল অৰ্ণণ করিব। ভাগ। সিলেক্ট र्या प्रदेश करत्व अक्षान कविरामन । अरे विम कर्मन करिराद नमारा जिनि ३৮ ७० आहर स मा वा-हर दिना व शहान क्रिक्तन। आह इद्येश निन वडा श्रेटनन। भर्षान्त रख्नु ३) कश्चा इस

काउँ ७ किएक उद्देशियम नार्य ब्रह्मानीय मार् ্ল ও টনকম টাক্স ক্যুন করাজে স্বিশেষ আক্রা

প্রকাশ করিয়া এইরূপ অভিপ্রায় প্রকাশ করি-লেনপাচ বংসৰ থাইডে দা যাইতে এই খুণিত টু कत्र छेटिया बाहेटव ।

्मक नोटक्च १४४० अरक्त अर काविन हिन-क्म है। अ मर्त्याधन विषय विषय अर्था क्रिका विषि अव्यक्ति अवैष्ठ, व्यक्ति वारवस् के मक्स **ড। शिक्षके क्रिमित प्रदेश हिटलय**

वाजिन्छेन माहबर উखन शक्तिनांकम । ४ नन-

स्त्रक्षमन् मार्थरवत्र क्षाव्यान्यस्य राज्यीत्र का | स्वरणत्र कारवद्र करत्र विकामकाम एर्थन कति- । कारककृष्टे वय शाक्तिवि इतिहस्त

यवर्पयन विज्ञालन।

काषकारकभीय अभीतने अवश्वित

'**অটেদশাপ্রসারী নি**য়োর । २०० म् हिं।

अक. वि. जियमन माइक्य व्यक्तनिश्रक क्षापन अनित वाक्षिको । कारमञ्जे प्रदेशन, किन् यङ्किन , अना इक्स म! इक्स भू (र्नेग्रांव काटकत धिकिनिधि बाक्टिस्न।

धाइक बाहेक. उतिकान नाटकर व्यक्तिमीश्राय

चांत्रः जि. कक्टवम् मार्टस्य अक्टर्ग अञ्चरित नवेश अञ्चलचित्र आर्फ्य देशि धन्त्रं महिन-ब्ब्रिजे च कारमम्बेद कड्रेश्वम ।

धकः अमः दर्जिएक मादश्य द्वाक्षमादिव काः। वेन्छे माखिरकुष्ठे । एडम्छी कारककृत व्हेरवन। কিন্তু ৰভাচিত অন্য ছফুন মা হয় চলাবেৰে বা-बिर्देष्ट व कारमक्षेत्र शक्रियन।

बहेठ. छ। निक्ति मारहर विक्रीय (अधिव का-वेली मानिक्कुष्ठ ७ ८७ थूलि का जनवेत व्यवस्था।

| 梅江町 (6 8

অহাউর লা আফলর মোলবি বেলাউরার चानि कोबदावि चाहित्यत् (३५-७५ मारस्य 🕫 कावित्र । २२ वर्गसः क्षत्रमाद्य हो शहरूम तर्पन **८ळ**ीर स्थीन माजित्के हतेत सम्बन्धा गाहिरन।

१३ व्याध्यम ।

मानकृत्यर कावःगाणि अधूनाव प्रत्ये सम-त्मक बोग्रिक कत्का चालि क्लोक्शांत्र चारेत्मत (১৮७३ महिन्य २६ चाहेन) २ थात्रा यस्य अवर ১৮48 मारमय ३० आहित्य ३ पाता मान जे अरम्बन किठीय अनिव अनीन माणिएकुर्छेद क्रमका भाईरवर ।

মৌলৰি আৰম্ভ লভিড পৰীক। সভাৰ এক

५ वे पारश्या ।

जर्बाक शक्कांव गमाजिक देवना स्टब्स् धराक क.र्वल अवेठ, अस, एक्साकार्य मि. रि. १७-६० मारला >> चाहेंस मरक के काहिय गर्-कां वनकार विशंत करा कतिका आरम्बन क्षित्रमात्र क्षेट्रमा

अरहरनद्व जाकिनबीम क्या ६६८६३

क्ष. थम. आहम**े** शारम्य विश्वतात्र मा के के का बर है है उ उन्हों कि कार क्लिक दिवस दिन निधि इद्देशकाः

नि, कि. क्षित्रक नारहर भूनियांत्र व्यक्ति क অতি ট ও দেপুটি কালেন্টবের প্রতিবিধিকী-

BE WITCHT

छ र्रामिक जि. हेड्र मारहर क्रीकृत्म क्षेत्र अनिव शामित्ये हे अ काटमान्डे वहेरवन

३०६ बद्धका कारश्चन, कश्लिक, हि स्क्लाम बक्रसमीत

चिठीम (अभीत्र मः व्यादकृष्टे अ क्रान्तहेत क्वेदनः। अभिक शृतिक श्राम्य समामा व्यादमः। क्ष्मण्डेनके ति, कि तिकावः वि. ति. विशि

अक्टन विश्वास कारेस व्यान्धन अवस्य समिछ छू-जिन (ग्नामाजात अधाक श्रेरनन ।

নি, কি, বুত্ৰাছেৰ অভিনিধি বিভীঃ সাইর आर्डे कार्क :बर्बन ।

জি, গ, বিশ সাংহৰ সুঁতিভালু প্ৰথমায় मक्कान कमिनमद्र इदिश्म ।

>> हे बद्धाम ।

চ'কাৰ অতিনিধি **অভিনিক্ত কল এক, এ,** कामहिल्लम, अमिम्दिया मारम्य किर्म हिन নের জনা উক্ত জেলায় এতিনিধি সিধির ও সে-निश्रम करकार कर्य क.विश्वम ।

জিযুক্ত নোৰঞ্জকাশনব্দাদকেরু। কুমারধালির অসম্ভব দাধ।

गर्वाहिक मधामग्रेत्रश्यदः विरम्भद्यक्तः। के कि गतिलागा भड़ कमा किस्त्य ब्रह्मी একাত ক্রমাছিল, একে বিপ্রচরের প্রচণ দার্ভন ভাপ, ভাহাতে ৰটিকাসমূপ বাসুহ বিষয় বে-न, ब्याय स्टेट्ड जानिम एक क्यूनडी अन्द्रित হতে শতিক হ**ইয়। বাহুগ্রন্ত শশ্ধরের না**ার কশিত হইতেছেন। তখন যাহার দিকে মৃতি কেণ कत्री बांब, दिवा बांब खादांबरे किल विकृत, दिवा **क्ष्य किल नटक्स. विटनक्छः (मर्दे मग**र्स मन्त्र) म!-ब्बिक्ट आशिएक्ट जमक डेलिक्ट, काश्यातः शाकाव গুস্তুতঃ কাদাবো প্রস্তুত দইজেছে, কেছ আহার ক্রিছাছে, কেছ আহাতে ব্যিয়াছে, এমন সমুদ্র जिक्छ क मात्ररणक काकिनमान करकह अकि- | अहे कुमात्र वालित शन्तिम विटक महि नातिया এক ঘনীয় মধ্যে দক্ষিণ দিগের প্রায় ৩,৪ ফোল बालिका एक बमही वामि ७ भोमा वामि क्रिस. 🚧 ब्लिक नारक मान्नरम् मोनिस्है हे ७ । महमात्र एक क्षेत्र। स्वास्य स्थानानि म्हीकृष

महेल। बांशांव र त क्यां क्रिया, कांबाह्य। छोवांव प्राथम क,प्रमावि अर्थक्षणै ब्लिट्यांव विवयन क्रियं । वेश्व क्या क्रियं धीकारमं, १८१५ एवः वि धारमञ्जातिह इहेन सार् भीछात इन्नाम् समाप्रकारिक कवितः। (व, त्य कावश्वार कि.स. (भ. (महे **कावश्वारक हे** क् (करे बूबिटड शास्त्रमा 4कराम ७३ मेरल बुक्का त्मर क्षापूर १६वा सूच रामान कतिया हाउँ म थनामि शहूद ভाषा स्वा भागद क्रिया क्रा निवासि ना बलवांत्र त्यारम क्यांदर 🕞। के के नकूना आंत्र महिलां कथकन्दनत कांख हिल्लान। গত কলা ভাঁহার ওল্পেকার চতুত্ব ব কুধানল প্ৰস্থালিত ৰ্ওয়ার ক্ষিতৃতার চইয়া ৩।৪ জে।শ ৰ্যবধান প্ৰান্ত ভ্ৰম্ভৰ দ্বাপে আকাল ক্ৰিলাছেন আৰার নৰেই চাইল ও ধান। পাইর। ছিলেন, ত'-शादकरे बका, मा धराल ,बक्रम विकष्ठ मूर्ति वाबन ক্ষ্মিল আলারে এরত চল্টাছনেন, ভালাতে বে সমুহ লোক উদয়ত্ব কৰিতেল ভাষ্ট্ৰয়ে আৰু . अर्थ जरमार नाहै। बांश रखेक, गण्य हि आर्थिकक मा कतिया दक्ष्यल हाउँल १३ शास्त्रहरू था मनुष् वहें विभागांटकृत, कड़े भागम आड़ द्रार्थ र म्ह्रास ्व दिशम दलादक रुखकाम हन, ४९ करात् व अधिव शक्तात्व (तडेक्का प्रकाल क्ष्वीयम्बा इडेब्र्-क्तिन। त्वबदे ए। बाद निकारतर्थे प्रश्रद शा-विक सा कि क्यांकर्या. क्षण समझन अग्न करने क प्रिक्षिनाहै।

अस १२७৮ माम । নি ভাস্তা হুনত তারিশ ্র হৈছ। श्रीनामनाम यक्षमान क्गांत्रभाति।

महिनश्र मिद्रम्म ।

मन कतियां व्यक्तिमस लीज़िक इदेशकि व्यक्ति नटा उक्त रहेन। অধিক ছবদেশে বাইতে পারিতেছি ন।। অভএন

[अर मेर के क्रमादाज, त्कर क बाद मर्कानाम | . ३ शाउड थाय म । डिन खानतमाक समल्याः विक्रिश कृत इदिल विश्वा मकाश्राम सर्वाषां क विद्या (विदेश) व उ. १ "हा गाउ म 'मरण ब्राह्म विषय विदेश की इनाम नी ह প্ৰকাৰ ক্ৰণাৰে জেলন কৰিং এছে: ডাছা ২ইয়া গিড়াছে উপ্ত বিশ্বোৰা 'ক্যায়াৰ নেছেৰ-ध्यवन कविद्रका कास्त्र काक्यक्षाचा विश्वन वासि । ११क प्रस्ति । असी तदन १९ के तासि प्रस्ति विक्रिता एक र मन्द्राप्त महामय खडका हित्रिक साहे र तथ शाका श्वीत्माक्ष्मीम प्राचित्र का ৰাৰসারিলোকের তে ক্রিপ্রান্ত করিছেছে ভিকন্তা, মেকলিলাতের স্ক্রীর, মাধানিক ছে- খ্রিত্র উত্তে প হথবে । অনুনে পে প্রচ ড कांचा निविज्ञा भाग का प्रशिधा। अस्याम ७०। करी। हिन्द्र सीराहिक सीरमहत्वा समारी र १० होकांत है। कात होंकर बाता खबर क्षणांना (है, किन्नु माक बाहा: वक्काक्ष कार्यर नकु जात-विभिन्न वृक्ष वृद्धाः जनामार ६ हेह्न (क. ४१क वहें , भान करण, उन्हिन्दान क्षताहुत स्टब्स । के एक ছর্মধনৰ উপস্থিত, তাহাতে এই অস্ত কতি লেন লোচেনা অতিলয় বৃদ্ধিমান, মোকন্মায় বিধার শক্ষার সংক্ষা কাজ বাক্ষাব্দিত चल्यारक वानित्कात त्य कह बाचित कहें। महा- विक्रण नेत्रांना व्यक्त करत त्य कहे निवहत छापण क्रांसार्थ कहे निवहतम्मी श्री कहिन्द र देशहरू स्त्र क्षित्र अर्थकात्र प्रदेश, छाङ क्ष्मा अरू - टेल्कू ।। दकास क्ष्माय क्ष्माय क्ष्माय क्ष्माय क्ष्माय क्ष्माय क्षमाय क्ष्माय क् यात्र मा। विश्व द्याक्षमात केशस्याची कित्र सना नदीवाक, निकरण गरम निवृक्त ५ ११६ त কোখা পড়ে পিৰে মা। অভএৰ ঘৰণমেটেৰ উচ্ উ।ইংদেৰ অভ্নাজ ও পবিভামে এই বিদা লহ िङ के स्मापन मकःमान पूरे एकति रिकाशिष्ट | गिव सक्षकान माथा अविक कडेवारक। क्षा বিদ্যাকাল করিলে অভি লীজট ব্যুৎপদ চইছা লাভালাই এককালান দ্বান করিচাছের অংবা

अञ्चल काञ्चितः

সন্যির প্রিযুক সোমগুকাশসন্দা-नक्षकालम मञ्जीदशक्।

महामात्र! ११७ २२ था, टेडम इङ्क्लान्डियाय ठक्तन नगरक केरबाधी @ तक विकाशितक विकीश वार्षिक পूरुकात वि ১व५कार्या छा। क्रब्राटन मन्नाम वर्षेत्र । धरे कार्याश्रीतक असम ह दिए:-শ্ব ৰত্তৰ খলি বিভাগ্নাকী ভড়ালাকের স্থা-গ্য হয়। কবি বৈছে সভাপতি প্রীযুক্ত বেবরও াইবন সাহেব ইংবালি ভাষ্ট বিদ্যা শিক্ষায় গত্ত সলে ধৰ্মনীতি শিক্ষাৰ ফলেপথায়কতা िर्देशक वस्तु छ। कविश्वा गडीश प्रकालक्ष्मित्र क्षेत्र करिटल करांगक क्षांच छाकुन मान्निन नाइक् । উত্তিৰ পোৰকড। কৰিলেন। স্বন্ধৰ আৰি ভিন **अ**न १०५६ ७ छ लाक सर्गरम। रङ्क महिष्ठ कि দ্যালিকার উচ্চতি সাধ্যের ও ঈশবাছুপ্রছের উ-

4 that is and an after methodistical यकानाः । नि निष्कान्य भूर्या किरोबः स्मानः । यक्षः । यक्षः होका कार्यकृता सनिप्राप्तः नामानः शान् छ मधीन **सहिः। श्रम महे**न्छ । इ समन्दर्शहरत विद्राष्ट्रमान्य । स्विताम **करवनी**त अप्रिन्त हरे के विश्वासाय स्वार्थान के सा वैत्यांत इस्तान्ति । विवाह स्वर्थ (का हा विन कि का कार्यक अधिमह न्यार्थमह, महे, विश्वाम कि क्षण के इत्ये का व्य थि बेनामा मका शत्रक, (कड आधार कि कड़ेल दर्ग लिए ए काम्पर्य , , औरवर्ग लाक, त्यामडे मिनिर्म (विभागत्म र नदम समा माद्रिम कि कि ंद्र राष्ट्र। शक्तकप्रियाद : १७० हरेटड दर छोक क.न.प हर छोड्।व सावादिन मामात्रव वाह ४ ए जिल्ला ६ ५३६। शास्त्र, प्र इ ताः भन्धदरकः ग्रहाङः महिन्द नाम् दिन्ति । १ কে'ন সাহায়। লইতে সমূ নামী ভাষাত সংস্থাৰ मानिष्ठित क्रमार्थ करू कालीन अकाम है,व कार PARTIE I

८ ४ ६० वस मास्त्रहरू €ः স্থাপন কৰিয়া দেন। কাণ্ড কুলিয়ান লোকেব। বে যে দেশভিট্ডবী মহায়গৰ এই বিদ্যালয় । वीं हाता भारतम्बद्धाः कवितास्त्र । बार्यन्य नास्त्र नाम : नकर गाँउ विकास रक्ष गाँउन्छ। अनिक अधनाविभागित मधार शासासाधिमानाः-পন ৰ চিত সমূদপ্তি প্ৰসংকৰ এক এক গণ্ড 'নুস্তুক বালক নগকে আভিবংসর পাত্রি ভা সক অদ'ন के.विC 5C क्या थ दव य श्रव, नहागः उद्ये दिक्षणेक दिव डेब छव नना नात'दिक छ बाल्लिक नार म अ क्रिक्र रहन कामिन। मेवलांखः करत् छ। म्हिस গেব সকলের বিকট কুডজাত। স্বীকার কাংলেছি अवर विमीजकात्व आर्थन। अहे हा डीम्, वः याद-कीरम एक करांत्रखाकार भारत वाक्तांप्रभाव বিশাভ দা ধন

> 395 = 4F किर्देशनहरू ६८० लास्याय 4 65A

প্ৰীয়ুক্ত সেমে প্ৰকাশসন্দৰ্গাদক बहानम् नबीरम्

সন্দাদক মধানর ! আলরঃ অভিনয় ছংগিত बरेबा धकान करिएकिए एक व्यवका व्यक्तिकाञ्च मनत चौत्रिनीय क्षेत्रिक शाह कालाठीम मात्र शह-মহাশয়! আমি কতকণ্ডলি অপকৃষ্ট স্থান জ- পৰ নিভঁৱের এংবলাকত বিৰয়ক বন্ধুত্যক্তিলে গীরোগে আফাল্ক ভটয়া গড় এই এলিজ দনি-वाव भूर्योगेक्रपत्रेत्र भूर्ट्य भारत्याक शत्रम क्रि-२४-३० वृष्णत्मत (करमनत पारम शक्के निमान जारहन्। देनि बालमा, देशांकी क भारती वह ভিন ভাষাতেই আদালতের কার্যা নির্কান ক- বাকেন ভালা লিখিয়া শেন কয়া যায় ন। গ্রন্থ কার্যাত লাক্তে করছে কনাযাত্ত विरुक्त । क'लाडीन वासू अग्रहस्क कथन हुका किछ श्रीत हुवर कें ज़ी खन्न, अर्थान लका है-नके करवन माहै। ठेनि चिक्र शिक्षकी, विक- कारक कि आवादि श्राहकाल होना केरक मधर्ष वार्ती ७ शरदाशकादी त्याक विकास है श्रीत वहेरवन । शिका महकात करियाय व्यवस्थ गर्दा-कर्त्रका नराम विद्यासक्षण देनश्रेवा प्रार्थन कवित्रा नाग्नव व कार्यनाक प्रदेशक क्रम ज्यारवांना ज्यात-बामामाञ्ज विष्ठांत कर्जाया विधारक " तांत्र " शक दशन बता कर्जाया क्रेशांच अभाग क्रिक्श हरजात। विश्वत चा क বোত বিষয় এই দে বিষয় সম্বাহিনী ১৬ টা মটিয়াৰ সময় এখানে প্রচণ্ড বাত্তা মইয়া বছতৰ भूख ५ ६ में बना। मझलाख २५ में मखान शामक पृष्य का पृष्य कुछलनाडी करियादह। वा-ক'রবাডেন। এক্ষণে ইছার ৮ **টা পুত্র ও ৪**টা তারে কবাবহিত পদেই র**টি সুবল ধা**রাধ পণ্ডিখ कमा। व स्थान आरम् । कोल'र्डाव दोन् अवक्रम इ इ । द्यानिक लाक घुर्य भूनिनाव रव ने (१) फिलिक कि लिन वर्षे, विक जिनि अना धर्म विवय क्षेत्राव अनुःभाव कियुनियः शास्त्र लिन। विष्युचि (५८लम म)। वैवात अकनदश्य श्रीक्षं वर्षम " क स्थाम ५ । तम छ ५ ।। तम व्वेरव पुरिव व्या বছাঁর ছবীয় পুত্র ব্রাক্ষরক্ষর প্রভিজ্ঞ পত্রে ভিষেত্ত বিশ্বর গোরোরৎস বিশ্বউ চইয়াছে प्राचान करिया <u>जास्मध्यां किया सिमानास्त्राहित विश्व</u> - अवश्च क्या कृष्ट मूमुण्यां अवेषाहित। त्र डेशांत्रनार विक्रित द्वास अवैदिक सम्माधार-মন কলিতে লাগিলেন ভখন ডিনি কোন বিব-ेड अक्षान का करिया नहर भीकमाई शकान करियाभिक्ति । मृष्ट्राकाराम काशास्ति वाद्यप्र ८. ज्ञान १६ वर वर भाग आहेत के वेश हिला ।

মানাবর জীয়ুক সোমপ্রকাশ সম্পা मक बरु:नद्रीहुँ।

३३ है धीयल ३५/२

*া, বিন্নীপু*ৰ

कि वास्ति १९ म्बिलग्रम्भ ५८ करो নগরে আকটি সভা সংখ্যাপ্ত করিয়াছেন। নিষ্ यय निरम्भ वाजकनिर्वाच वैष्याक विकासिर्वा सभागत्माभाषाणी पृष्टामा भाग सनाके अहे न-कान भूषा डिरम्मा। क्लारभाग नेन्द्रुरम्य शब्दन ^रलक्षक महासद्भव खाउट्य क क्षाननारण कहे भवा कर्लान काकुराम क्षेत्राह्म .

भाग का अध्य जातीलत्त वर् विश्वेस पृष्टि ।। इ। डाधमयादम्बिक (धारीराङ् क्षांयुनका है েল ডাক্র গ্রহ্মানছ। ডাক্সজিগকে আকজ শিক্ষ ∤ বিশ্বস্থৈ ৰস্থানিকট প্রেণ করিয়া বৰ্ণন করি-रत्न थे। ज्या हिन्द्र हो स्थापन

ি, বিশ্বাস সংকেশ। অধাক। ঐ প্রেমী ছুই সংগ্রে भिन् रिवा कि। कर मा, सिन्धिम लग्निस्य वि अक्षि किट र अर्थिताया। कः यमः १५९१छ-.২০েট উছাৰ জুলা গাৰিজানী দে 🐇 পা**ও**য়া लाब । हुन्जीय कि या अ सार्यम नारा दिक एक होर्द सिक्षा स अभिन्न भागु भागोदेश्य वस्र श्रामाग्ड (इ.स. १४ श्रामाः मानाधन नहिन)

৩: গত হৰস্পতিবাৰ বেলা অপরাহ ভিন

Tier, 2442€ अक्रिअहर्स (योशिक

क । भार अक् नमस्योगक बद्धित्रवृ ।

भक्तांसिकि विश्वकाल प्राम्थकाल स्था পাইলে বাধিত হট

অস্ত্র মধ্য বিধি।

এগ জন কৃষ্ণি কাতীয় লোল কোন ছফভয় 🖣 कर्णक्रांच ईमनकास एक ठडेका संक्ष्णांक नाउन ৰাল্ল চিন হ'ব এ গ্ৰগৰীয় ককি শত শিশ 'ৰাক্তাৰ হলে এপিও হয়। সে দোহা বলিছে। স্থি-ण्ड' । श्रीकृष्ठ ६ हे । ल . वाथ इब श्री सवायाक वायूछ। व ज्ञान्करके हे अन्दर्भ स्थान अन्तर्भ होन क्षा व्याप्त व व्याप्त मान দিবাৰ প্ৰায়ণ দেন। ভণসুগাৰে দায়ি 💆 সা কের প্রান্তন্ত্রাস কলে কুনিন্দে " লুগডাত " পাওয়াম। ডাওাং ১৪ কৃত্তশর্ক কটজে লা পান व : श्रीतरणशास्त्र कारेके म्याहरू छेन्द्र छेन्द्र र । आमान्यामारकांकी कथा अक विवर । के मुख मि । ते लाइ विक स्थ । किंति स्मिनीस्क स्मिन्द्र के संभाव (ने नेव ५ ३वे यार्क काशाह উপাৰ বেশ্লুপ পীচন কৰেন ভৰ্কান্ত কোন

😘। 🕆 লোলী বিচার।লয়ে জামীত ভট ব'র ক্র ক্রিয়াট্টেন অধ্যক্ষ মধ্বটের প্রিক্র (জে সংহ্রাচ চন মেন্তর ভাকাইছ। ভারাদি-মকে কুলিং সপ্তকে বিষ্ঠান হাজি ভাগাইতে স্ব-किन्द्राः तम ही कांत्र कांतिशः मनिका ^कंद्रमांकां के शहरू पहि नामान क्टिंगे क्या, जनाताचार দাওভর আনি ট্রচা বাডার কবিতে পারিব ा संक्षितको है कहिएलम ६ व्याहण्याम सिन्धात ्रोशमणकः ऋषि क्यान् दशालाणः । कृषि विकृत्वहरे ।

ভাষত করিলেন। কি বিঠুপ্তরাং লাহেব বত আবাত করিতে লাখিলের সুর্বি ভার্তনাদ বহ-कारद उठवे ही कांत्र कृतिएक जोगिया, सरम म সৃদ্ধিত ও ভূমিলুণ্ডিত চইজা, লাবেণ ভাষাত मित्रक परेर मन मा । क्षिप्रकार मान मुखित मूच-कत्र त्वर छाक्षत्र नात्रत्वत्र विकडे बारे वालियां **এরিড চইল বে এ জার কম্ব বেস্ত থাইলেও** यतिरव नां, छाल्यव कश्यिम आहे विने क् বেত উভাকে সায়া ঘাইতে পায়ে। ক্রিপুল व्याच नवः वामा मनः, जात विविद्य शहा हमः, बर् कर्मके प्रमुख बहेन्ना। खर्मास्त्र जारह কুর্মির অতি ক্ছিলেন প্রমন টোন মেটর ছো-গা নেউ ' নে কছিল দে(হাই সাহেব ' আসায় কাসীদ্ভে অ'ব যুদ্ৰ দিও লা আৰি আৰু भारताल केला श तिव सा^ला महेरक्ष क्रिका आः ज्ञान का बाक क्याब क्षा प्रांत । का विन अह कार्यास ।

प्रकार।

সভাতি অহিকা কালনা নামক স্থানের গলে शिक्षारम् । स्पना ध्यम ध्यम स्वतं सर्वास्त्रमञ्ज्ञ स्थान अक जाना विकास अदा लके करेबाटक ; अदेबाटन बारमध्यमे विश्वत कछि म्हेब्राइम् । अनम कि सी उरशास चन्नभूगवनी,**जानक**े**सांक्रिय करवा** गड रारमात करा पूकिया नियादक व्यक्तक क् ८४४ विषय प्रशिष्ट अवेदय । कारकत्र विषय असे এন্তল্পারা একটাও প্রাণি কানি হর নাই।

व्योजमात्री।

সম্মতি জিলা বৰ্জমান ধানা সম্ভেৰয়ান্তৰ্যত · ধেনো ' নামক আৰে একটি বিচাকৰ কৌক-দাবী কাও কইলাছে তত্তাত এই ঃ--

जे आत्वय क्योमांव प्रकार पाए। विदासी জীবুক্ত নীলকণল হালয়ান ডকড়া লোকের प्रकेश निरक्त अभि लौनत्त अध्यय वर्तेश की नांक्र वहाराज्य आर्थना करवन खह्महारत खर्था-कांत्र हाटवांशा यांचाव धक्कन बहुकगांकरक गा के कि का (एन)। आकारा नकरता मिलिक स्टेब উচ্'কে বিভাক্ত উত্তৰ সধ্যৰ দিলা বিদায় করে ्म भावास आजिस मित्रा मित्राम्य म्बल इलाख हा ব্যোগাৰে অবগত করিলে দাবোণা বয়ং লো क्रम जमस्मिरा 'इंटिय 'शरमांत चार्टिम्टय र्रामः अभिन्य क्राक्रितः विशासन समयम महकारम गाँउ भांत जालि आक्रमाशास्त्रांकी इदेश इक्ट स ৰোপাসায়েৰ কমেৰ ধুমধান কৰিয়া এক বিজে र्ने लिका नाम €तेर**ड** घरन

অধনি অল্বত লেশ্যৰ ওঁহোর সংখ্যর উপত্র शिक्षा विलक्ष्य नशत कृतिन अपर मारतार्थी-Cक क्षारण न। मा विश्वा न उक्छल। श्रामाशील क्रिया विश्वास कतिला. स दर्गागां आवनि आहत्व बानास व्यानिया डेशिन ड २वेश डिश्विमाबिट्ये है. या-बिरके हे अ भू मह अभित्रिक्टिका क्षेत्र क्षेत्र এক থানি রিপোর্ট করিকেন। সম্প্রতি কালনার **८७ गू**णियात् आमिष्का आरमक स्मान्दक वन्ती करि-का अरेबा निवाद्य अक्य शिक्ष कर रूपा यात्र मा। **অধিক এরণ অ**শাসিত দ্বে ক্ষেক অছে !

at cutfen na utfare pifelt fere fefen क्ति। जाशेन अवहि निवस । म'न वाकित अनुसन विकासिक विश्व क्षेत्रांट क्षेत्रांच करा त्यांग थां। मण्लाहरू।

মান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশ मन्नीमदक्षु।

বাজালা দেখের দক্ষিণ পশ্চিম বিকারেব विष्राणित मगुरस्त स्मालाहेत बीवुक स्मिति উত্তো সাংহ্র মধ্যেরত্ব অত নগরে শুকাণ্যন করিয়া প্রায় সন্তাহ ভাৰত্বান করিয়া িয়া ट्या हेरबाओ बाजामा छेण्य विभागत्यत স্তাত্রগণের পরীক্ষা এফণ করিয়া ডিনি পরি ट्याब क्षां अ कर्तिहरून । अध्याप्न शटक्रके दक्तन আমরা উাহার ওলগ্রাম পাট করিয়াছিলাম **ক্ষম নমুনগোচর ক**রিচ। দণ্নৈক্রিরেব চরি-ভার্মতা লাভ করি নাই, এবার ভাহা সম্পূর্ণ इंग्रेग्राटक्। जिलि २৮० . क स्थानश्च वाजिली अधिकांत्र भवद शवर्गामें है 'इसकी दिल्लाक्ष्य शहर अके अह ७ वालाव श्रम्भन करिया है थे. **८ हम, छाडा कामना कथन कि** बिन्दू हे हरेंद्र छ भीतिया से याणिनीटङ पिनि भाइछ। छ।तर मखाख शास्त्रित नयरक कमडेशर्य इंप्छात कर किंग्र मूर्कि अवनंत क्षिता मक १६०५ (भा विक कतिया निवादहर । निवातिय हाजन । আঁমাছত ভিজেম না। সংহেব মহোলয় প্রতিএক প্রতির যে ব্যাখান করিয়াছিলেন, প্রতাহেত্র ্ৰি**ভাৱা** প্ৰায় কানেক্ষেত্ৰ প্ৰতিলোচর ৩য় নাই विनिद्या मनिदाद है जानि दिनागदगर के करू संबि ध्या विक काळ अव व ववह जिला खुदावि ब्रह्मिन्नक्तिर क आस्ति रिक्षतः भूभितः भूभिते । ध अह भक्क भरवड शिंड, हस्त देशी संख्या है। बाब करते। अ ्षि कं क्लेश्रेलेन्स् किर्देशम

किंखक मृति धावर्षन श्रवंक विश्वादिक करण ভাষার কারণ ব্যাখ্যা করিবাছেন। ভিনি অ তিশর পরিজ্ঞান শীল ও অধিবক্তা চিতা, সং-(मश्य: हेमिन्रशक्ते। शत्य (व (व खन থাকা ইতিও ভাষ। এহাতা উভোতে বিদ্য-মান আছে 🕯

अंडकमा द्वियाद्व नवर्षाभयन खेलनाएक অত্রত্য রাখ্যান সন্ধার পর সমাল গতে এক ত্রিত হইয়া নিয়ামত কণে পর একের উপা त्रतः करवतः। উপ।भना स्थय बहेरत हेशाहाँका জীয়ুক্ত ভোলানাথ চক্রবন্তী মহাশয় একটি বিভিচানক ডেমটি সায় প্রায়ণ ডেমটি আম বস্তা পাই করিলেন। বক্ত ডাটি জতিগ্র-क्य ७ (धांजुश्वन स्वयंत्र्यक्र स्टेश्राष्ट्रिम । চন্দ্রত্ত্ত্তি মহাশয় আমাদের প্রত্তেভাবে ধন্য नाम अल्ला । जिनि वेश्ताक निमानरशत था-। ধান প্তিতের দলে যভালন জালিবিত্ন কর য়াছেন, ভতনিন তিনি এই সভার উপ মাধ্য भाग क्योरें क जिस्सा के किस अधिक एक । अस् হাহাতে <mark>ভা</mark>ঁহার নিকট কতক্তে পাশে শঙ্ আছে। তাঁচার বঞ্জে ে শেষ ক**ইলে** প্রশাসন্ত ^ন হার বিদ্যাণী লিখিতে চ है ख़िला वि हानस्त्रत कथात निश्न के के दस्क বার রাজনারায়ণ বস্তু মুক্তে দেব সৃষ্টান্ত কলে -भार नगरक प्रशासनीय बहुता अवह वक्क छ। **করিলেন। রাজনা**বায়ণ কাবুর মাম এবন ক िल, अधानकात्र वो वछीत्र तारसम् असःकवरण আকৃত্রিম ক'কে ভাবের আনিভাৰ হুইবা পাকে। কলভ ভাঁহার বরে ও রেরার অভি অপ্রান্ত মধ্যে মেরিনীপুরে 'থাশার অতি तिहा अञ्चलात मधात क्षेत्राहा । मनात ना भा भ्रमाधा इंड्रेट्स गुरुव आक्रमत नन्न माहान-য়ের বার্টিয়ের একব্রিয়ে ইচারা তেও কল পরাপন ক ব্যা অন্ত চিক্তে আ আ গছে গমন কৰিছেল। अडे मारा हाक्कन (मधिया) कार्या प्रताद शहन দেশের দৈলন্দিন উন্নতির আশ্য স্থাবিত #31 #13.

ছহাশ্যা জাষ্টা আনিতাম **কাবি**ন্নর क्यन्द्रमान्द्रेत । भागान्य रहाता होता हेक क ষ্টিকের ডাকার বিশ্বং দেকট কিব্র নলিকে

পারিবে না। কিন্তু সম্রাতি নোমপ্রকালে '৯৭ कातीत कथानि शत, ७९भएत पूर्वप्रा है काम बक्शांव ५.३ (सचिद्रा कांमांत्र रन कर मुत्र बहेन एक अध्यार की मित्र एक भूकी व्यक्त किलिए खनाञ्चको हन नाकतिया काल छहे एक श तिलामना । म १८४ त्यस्थ जेवाद्व र न्यार কীৰ্ত্তন কৰিতে লোল ভাক্তমতা প্ৰণুক্ত : গ্ৰণী লভ্ৰিত হন, সেই ৰূপ ইহাঁর বড় ৩ কি. কীর্ত্তন করা বাউব না কেন তথাপি আন্তর क्कि सिक्टिए क्टेरल क्या । 'माक्षा हैनि .सम्ब থানীস তেমনি অপক্পাধা স্থল গুণের পুরুষ্য প্রদান করেন তার ইটা লে ইনি বে ব্রহ্মীপ্রশাল্ ভাষ্টে মার সংক্র ब.हे । हेर्र कि कांक्र'दिव कांबर, अभीनेष स्म ^क দিলের জাত ব্যবহার ও স্বিচ'রের বিক্র किथिए शास काउमा विस्तार क्षेत्र का काऊ : কালখালি নাম্ক এটেম আলিবা, যে চমণ্য विहाद मिनांखि कविक, निषादध्य क्यमन उ

মতালা, ৷ এট আমের ফড^{্র} গলি প্রস্কার সহিত্র জাত্রভার স্ক্রিসাস 🕠 একবের সি বাদ হয়। গ্ৰাম্ভি ,৬পুটা ারু ইঞ্ বিবাদ ক্রিভাতি হবিতে থাই। বিধালী খেতকান্থি এছালারের ১০ত অবসার भाष-१ इडहार उन् ६ मु ৰইয়া উঠিল প্রদিবন আখানা কৰা বিচায় লোখ্যা নিড'ন্ত বিমোহিত ইউল ম' সাকেবেন गरकरे अब इंडेम । वाकात किरशत रेपट्ये पान মুটে না, ভারতা কছলেকের স্থিত লাগিতে ११वू .१म जोश्वा , राष्ट्रमा दरेंद्र एक CB श्रोष्टि शाबुत आह्म अक्की वृद्धि शहाद का . ना मिनिया कास्टरिक भावित द ने। एकारि द्वात त्याला द्वावा नाहर बद्ध माला बादन निर्धाय পুরি মহালয় ভালা অগ্রেলকাম্যা কৌশল পৃষ্ণক বিচার নিজ্পতি করিলেন। বাহুলা বংগ आंब्र शिथिएक जारिकाय कर ,

南書 新篇 中"有限" Big bfmit 对我 发门图11、2 21 4 2 m d त्मरमाणून स्थिमरमय अस्थित १ °िएल' हा खोटम व्यक्ति

(मायशकांका

" অবর্ভতাং প্রকৃতিহিতার পার্থিবঃ সর্বতী আঁতিমহতী ন চীয়তাং

हे श्रीष्टान हर्मा

मन १२७२। १७ देवलाय। इर १४७२/२४ এट्यन

ষানিক মুজা ১ টাকা নার্ষিক অগ্রিম ১০ টাকা

বিজ্ঞাপ

त्रास्थाकाम आहकशास्त्र अकि।

চৈত্র যাস কাতীত কওরাতে জনেকের এদের সোমপ্রকাশের মূল্যারণ জাতীত কই-যাকে, সাজ্ঞাৰ টারাদিগকে বিনয় পূর্মক সানান ঘাইতেছে, উাহায়া সম্প্রক পূর্মক ন্রা করিয়া জাগামি বর্গের জান্ত্রিম মূল্য প্রে বল কান্দ্র।

विद्यालन ।

गांब अकारमञ्जू जान शदिव ।

সের প্রক ল বন্ধ এত দিন যে স্থানে ছিল, বৈশাপ সালের > লা জান্ধি তাছা পরিজ্যাপ কবা হটসুপছে । জাতঃপর আমাদিশকে প্র ক্রান্ধি লিখিতে হটলে আপাততঃ ক্ষিকাতা সংজ্ঞ করে লিখিতে হট্বে । পরে আমরা ান নির্থাণ করিয়া লিখিছ।

বিজ্ঞাপম ।

শক সাধারণকে জ্ঞাত কর। বাইডেছে
যে আমান গগুরে শর্বাৎ কর্ম লয়ে এক জন
নকা নবিল ৪০ টাকা মাসিক বেডনে দর্কার
হইরাছে বে কেন্ন উহার নিমিত্ত উর্বেদার হইবেক সেছ আপন প্রতিষ্ঠা পত্র ও নকার
নমুনা সম্প্রিত দর্গান্ত জালাকে পাঠাইবে,
উহা মুট্টে যেমত হতুম হর পাকাণ জ্ঞান্ত করা
বাইবেক।

वास्त्रातिको । हाइसम् अवस्थितिक हैकि-व्यवक्ति अस्त्र । हिल्ली स्थानिकार्थ । स्थान বিজ্ঞাপন।

শ্রীবৃত্ত উপরচন্দ্র বিদ্যাগাগর ও শ্রীবৃত্ত লেবেজনাথ টাকুরের অভিনৃত্তি বিভীগ্রবার প্রস্তুত করা হইরাছে। ইহার প্রভাক থণ্ডের মুক্ষা এক টাকা। সংকৃত যত্ত্বে ও মিসনরোর নীচে ৮ মং গৃতে তথ্য করিলে পাইংবন।

এন, সি, ধোষ কোফ্লানি।

সোমগ্ৰকাশ।

३७ है देश्यांच।

न्द्र व्यक्तन्त्र श्रेष्ठि।

মাগুরার পত্র অতি অসারের মত লি বিজ হইরাছে এই চেতৃ উপেক্ষিত হইল। কান্দীর পত্র প্রেরক ম্রসিদাবাদের শিক্ষা সংক্রান্ধ ডেপ্টি ইনস্পেকটরের অসদত নিশা করিয়াহেন বলিয়া তাঁহার পত্র আ মৃত ও প্রকটিত চইল না।

> লাভ এলনিন্ও লাও । টোলঙাস সভা।

কেই বলেন নার্ভ এলনিন পোঁয়ার
ও একওঁরে; কেই বলেন, তিনি অভিনর
পূর্ত্ত, ভেলহৌসির বলের ন্যায় তাঁহার
বিলক্ষণ চতুরকা আইসে; কেই কেই
অনুসান করেন, তিনি ব্যাতিপক্ষপাতী।
কিন্তু তাঁহার পূর্ব পূর্ব কার্ব্য তাঁহার চারি
ত্রের একপ পরিচর কের না। বাকা ও
কার্য্য বারাই লোকের ব্যাব ও চরিত্রের
পরিচর হইয়া থাকে। তিনি হই বার সর্ব
ক্ষমতা প্রাপ্ত হইয়া চীনবেন্দ্রের মুন্তের
প্রমন করেন, হই বারই তিনি ব্যাতির
গৌরব রক্ষা ক্ষিয়া সন্ধি ক্রিয়া আই

সেন। তিনি যদি লার্ড ডেলহাউসির স্থ লের লোক হইটেন, আয়রা এত দিম চীনদিগকে স্থাধীন দেখিতে পাইতার না। তিনি যে স্থাতির প্রতি পক্ষপাত হোষে কল্প নহেন, লাও হোলভার্স সন্তায় প্রসম্ভ অভিনন্দন পর্যেয় প্রভাতের সামই তাহা কহিবা দিতেছে। তিনি প্রজ্বাত্তর বান কালে এই কথা বলেন।

" चामि जिन्न जिन्न काफि पूर्वरमदर्भ अ বহিতি করিতেছি, জাপনারা করে করি **उट्टन, जांत्रक्टर्य (य मात्रा आफि जा** হেন আমি তাঁহাদিখের পরস্পারের সন্তাৰ সঞ্চার করিয়া দিকে সমর্থ হইব; কিছ व चटन चामात्र वक्ष्या वहे, शवर्गटक्ष এ विषदम जन्भरे क्तिएक भारतन। शबर्ग मिटिंद कर्षवा कर्म अहे ता यथार्थ बाल कार्य। कतियां अ'कि, दर्न ७ वर्ष (उन ना कदिता हेश्ला अवदीत मनुकार व्यक्ति अवद त जुनाकरण नूर्य दक्तित क्रिकी करतम ; धरः य अस्म भवन्मरवव चर्च ७ अधिकां व ইয়া বিবাদ হর, বিনা পক্ষপাতে তাহার মী माश्मा करत्रन । चश्रत्र, हेश्त्रारकत्रा अरमरन বে সভাতা প্রবর্তিত করিভেছেন, তাহা अक्टानीरत्रता मनरात्र विषय स्थान कवि र्वम कि मा, देश्ब्रांटक्या अटलभीत खर्गानित উৎপাদন বিষধে ধে চেডা করিভেছেন. ভাৰা এ দেশের লোকেবা উপকারেব হেতৃ विनिया विरवहमा क्रियान कि मा धारणी विकास वर्ष व्यवताहरू शाकित कि ना, अरे विषय शक्ति खाउडवर्ष हिड दे वाक

णिट्रभन्न कार्यः র উপারে প্রধানক্রেশ নির্ভন্ত ভারতবর্ষের পরাধীনতা প্রভৃতি করেকটা

লার্ড কামিও চলিয়া সেলেম, লার্ড এলগিন তৎপদে প্রতিষ্ঠিত হইলেন। গব ণ্র পরিবর্ত সহকারে পূর্ব গবর্ণরেব অব লব্লিড রাজনীতিও পরিবর্তিত হ্ইতা, অনে কে এইৰূপ আশহা করিরাছিলেন, কিন্ত লার্ড এলগিনের উপরি লিশ্চি বাকা ৰারা সে আশক্ষা এক প্রকার দুরীভূত হই र्वेट्स, कार्र्या (व हेश्रत याकिक्य घर्णिद अक्ष वाथ क्रेंटिए मा। सका द्खेंक, জীর্দ্ধি কারিদিগকে এ এধিকারকাল্টা ও किकि चत्रुर्थ (किथ। केंद्रिए इरेर्द चत्रुर्धंत्र कांत्रन करे, कार्य कारत जाकि ए वर्गाक्षम थाइकिइव मा, अक्था समितलई छ। शक्तिक कि वित्रम इत। अथवा किवल এই অধিকার বলিয়। কেন, ব্রিটিস গবর্ণ মন্ট সভ্যতার যে উচ্চহর সোপানে অধি कड इरेब्राट्स, जारा इरेटड यनि अर्थे ना চন, জীৱনিকারীরা স্নাতি ও বর্ণভেদ ঘটিত পক্ষপাত বাৰ্তা ৰড় শুনিতে পাই বেন না

> বিজ্ঞান শিকার উৎসাহ ৮ য়িনী দ্রভার আবশাকতা।

এই ভারতবর্ধে যথকালে হিন্দুদিপের ব্লাঞ্জ ছিল, তৎকালে দর্শন বিজ্ঞানাদি बायकील विवरवहरू अनुभी अन बहेशाहिल । কি চিকিৎসা শাস্ত্র, কি গণিত শাস্ত্র, কি बरभाम, कि ज़्रांन मकल मार्ज्यत्थे ज রুশীলন-সহাদ আমাদিগের জ্ঞতিগে:চর ষ্ট্রা থাকে, বছ বিষয়ের আবিক্ষি য়াও হই ৰাছিল। ভাক্ষৰাচাৰ্য্য পৃথিবীৰ খনো । ত, হা হইলে কি পৃথিবী উল্লিখিত পণ্ডিক ুক্ষমন্তান বিৰূপণ করেন এবং এছ নক্ষিতাদি িক্র্লান করিবার নিমিত্ত দূরবীক্ষণ কল্লেরও _। ভাবতবর্থের পূর্বতন সম্ভানগণ দর্শন বি कृष्टि कत्रिशिहित्सन । अक्शं व्यानक वि बन्न जाटह य रेज्यानीयम् । तरे तरे

খোব নিৰন্ধন সকল বিষয় সম্পূৰ্ণতা ও উৎ कर्द्य अवसा भीमा व्याख इत्र नाई। रार् इडेक, आमानिदशव क्याटक्स विवय अहे. ण। माभिरतात भूई भूतरपता रव शकल विव (सद्र व्याविश्चिरा ७ छेडावन कद्रिता भिन्ना ছেন, আম'দিগের ধারা তাতার জীয়্তি ना इतेशा क्रमशः छ। हात विलाश स्रेष्ट (ছ। अधिक्छत (कार्डित विषय अहे. वेष्ठे রোপীযের। বে অ'বিছ্রিয়া করিয়াছেন ও করিতেছেন, ভদ্যোও খানর। সেই স্থান का धृत्व कवित्र शादिलाम मा।

এ খনে পুরুকে কিন্তাসা করিতে পারে ন, আমাদিট্টিছ দর্শন বিজ্ঞানাদি সংক্রাস্ত এরছি লাকের কি কোন উপায় নাই উত্তর—উপাদ আছে। ছই শতাব্দী পূর্বে ইংগ্রন্থে বিজ্ঞান শাক্তের সমধিক জীয়বি ছিল না। বিভীয় চারল্সের সময়ে রয়াল সোসাইটি সভা সংস্থাপিত হয়, তদৰ্ধি বিজ্ঞান শান্ত বিছাৎবেগে জীর্কি লাভ করিতেছে। রয়াল সোসাইটির যদ্ধে অ জ্রুতপূর্ব ও অদৃষ্টচর দেশ সকল আবি क्ष इरेशार ; अकुछ पूर्व वस मकरतात्र व्याविकि श (१) मुखि स्टेशांट : अवः वना ধারণ গুণ সম্পন্ন ব্যক্তিরা নিজ নিজ বুর্ত্তি ও বিদ্যাবলৈ হুদেশের সমাক উন্নতি স। ধন করিয়াছেন। ডাক্তর লার্ড নার, কা প্রেন কেটর, সর জোসেক ব্যাশ্বস, সর জন ক্রান্তলিন প্রভৃতির নিকটে ভূগোল ও বিজ্ঞান কি পর্যান্ত না ঋণপ্রান্ত জ।ছেন । जाम्द्रा स्थाकीकात निर्द्धन कतिए शांति पणि बहात (मानारेषित नृष्टिना रहेण, গণ্যক প্রদাব করিয়া কুভার্থ হইতেন জ্ঞানাদি বিষদে যে বৃংৎপঞ্জি লাভ করিয়া हिल्ला, उद्गठन जासनात्वत्र उरुमाइ मान বিবর ভারতবর্ধ হইতে ঋণ করিয়া আবি কি তাহার কারণ নছে বুরাল সোসাইটির ्रिक्ता **दर्भ इंदेरक ब्र**ख क्षेत्राट्यन : कि**छ**े ना!! अ.वटवर्स कि अकृति मका कतिशत

काल छेशब्रिक इस बाहे ? कि रमबा मल, কি বেলওয়ে কি চিকিৎসা ডিপ। টমেন্ট चनुत्रकान कतित्व नर्बद्धे छेशयुक्त त्मःक मिलिएक भारत । काशास्त्रियस यभि यरथा **क्रिड खेटमाइ (म्एश इंस, अरमरण विका** त्वत्रं अत्रिक्षः हरित् मत्मक् नाइ । त्रमायन विमा।, भगार्थ विमा।, जुरुखु विमा। श्राम्भील নের স্থান ভারতবর্গ অপেক্ষা উৎকৃষ্ট দৃষ্ট হর না। হিমালয়, বিদ্বাগিরি প্রভৃতি পর্বতে যে কত অভ্যুত পদার্থ অধ্যুদ্ তাহার নির্ণয় নাই। আমাদিলের দেশের লোকেরা হদি উৎসাহ পান, ঐ সকল স্থানে কায়মনো बाटका कांबिकि है। कोटर्या बार्श्विड क्हेटदब गत्मक बारे। क्रिजीत तामकी त्रवृताय काल কুলসের যে গুড়ন প্রণালী বাহিব করিয়া ছেন, ডি মরগান প্রভৃতি পাণ্ডিতেরা ভাছার ভূরি গেশ•সা করিয়াছেন।

আমরা গ্রণ্মেন্টকে এই সকল কাষ ণে অনুরোধ করিতেতি ই-লগ্রীণ রয়াল সোসাইটার ন্যার এখানে একটি সভা সং স্থাপন করুন। সতা অংপাততঃ চিত্রল লিক, জবর ভারত্বনীয় সভাগ্নহে অধিবেশন হ রিবেন। পরে বিশ্ববিদ্যালধের বাটা প্রস্তুত হইলে ওধার থাইবেন। এতৎ সংক্রান্ত সুত্র ধন ব্রির। ভাহা হইতে যদি উৎসাহ দান क्रा क्रम, भागता भीज विकादनत्र निर्मित জীর্কি দর্শন করিব সন্দেহ্ নাই।

> :৮৬০ **অকে**র বিশ্বিদ্যালয व्यदिनिका भड़ीकांद्र वाकन। भुखक।

একের রাজত্ব গিরা অপরের রাজত্ব इर्टन किय़ काल आय ममूकाय वियत्त्रके বিশৃত্বলা ঘটে। একপ হইবার বিশিষ্ট কারণ আছে। যিনি বছ দিনে লক্তপ্রতিষ্ঠ হইরা রাজ্যের অবস্থা বাছল্যন্তপে অ্বগত হন, তিনি চলিয়া বান, আর রাজ্যের অব স্থানভিজ ব্যক্তি, স্বাগমন করেন্। স্বামা দিপের বাদলা ভাবা বিষয়ে 🙀 ঘটনা घिष्ठग्रह । वस् काटलव लक्षश्रीके मः य



७ छावा विजूख आह्र व्हेग्रास्क, बाजना ভাষা ক্রমশঃ তাহার অধিকার হরণ করি তেছে। এবরিধ সময়ে বিশৃষ্টল: ছটা জন डाविक नरह। अथन त्य दाख्ति या गरन क तिर**ण्ट**म, को हाई वाममारक निर्णिक (हम। अकृत्व वाजनात (सक्ष्य व्यवहा, मर ক্ত জ্ঞান ব্যক্তিরেকে এ ভাগায় প্রস্থ প্রণয়ন पृत्त थाकुक, देशांक नगाककाण बृाध পজি लाटबब्रंड महावनः बाहे। कि र दिन्ह ्त्रज्ञ विषय अहे, याशाङ्गा कथन मःक, छ শ্লেষ্ঠা করে নাই ভাহাদিগকে বাদলা ভা যায় এছে রচনা করিছে অঞ্চনর দেখিতে পাওয়া যায়। বা আছে তাহাদিগের রচ मः लामिका, मा चार्ट्स कावा काशविरशद्व বলে, মা আছে ভাব বিশ্ৰেকি, তারুণ বা : ভিন্ন প্ৰস্থাকৰ বিদ্যালাভ বাসনা বিদ্যা क्रमा मास्य मारे।

अन् अन्यम विवास त्यम् पायकाता রিভা দৃষ্ট ক্টকেছে, উৎসাল দাভারাও তে মনি উৎসাহ দান বিষয়ে **ছেফা**চারিত। अन्नेव कतिराग्रह्म । करमरक वाक्नोत्र यमकः भारत्यः जीशांतः मनाग्र नगाः च যোগা পাত্তেব উৎসাহ বর্ধন করিয়া शास्क्रम, किन्नु त्याचा भारतहः कोशंनित्वत्र थ्यतामद्रम्ण रहेवा स्टार्थारमार र्हेटक क्रम । चरपारभाव छेरमार ३ वारभाव ष्मूश्मार् छेळत्रहे व्यक्तिरखेत्र दरखु । व्यद्यात কৰ। ত অনেক ভুরে আছে; রাজপুরুষে রাও উলিখিত ব্যবহারে প্রাপ্ত মুখ বছেন। ठोहाता बीकला उत्पाय प्रमिख्कः मूकताः काङमिरशत छामुण श्वेमा विश्ववानह सहह। एकिथिक घरमक्षांठाती अम् अन्यन्तिन গের ছুম্পু বৃদ্ধি ভিবারণ করিতে পারেন ! **এৰপ ঋ**ণ দেবি**জ ব্যক্তিও** ধিরল। ১৮৬ **দক্ষের বিশ্ববিদ্যালয় প্রবেশিকা পরীক্ষ**্ট वामनाभूखकरे चना चांबानिदशन शहे এতাবের অবভারণা করিয়াছে। আমরা এ এছের ছুটী ভান উজ্ভ করিয়া দি লান; পাঠকগণ দেখুন কেমন সুন্দর

अब् वानि मद्यामीक कहा रहेशाह ।

অনিষ্ প্রমোদ বাহাদের এই থারা।
বাহারা নাহিত বারে সভাতার ধার।
বাহারা নাহিত ধারে সভাতার ধার।
বিভাগুরে মুইজনে সমান গোঁরার ॥
কাহারে বন্ধুতা বলে কাহারে প্রবন্ধ।
কঠিন ধারে বন্ধুতা বলে কাহারে প্রবন্ধ।
কঠিন ধারে বারা তারা কোমন প্রসতি।
আসকিল বারা তারা কোমন প্রসতি।
আসকিল বারা তাহাদের কাসা রাভি॥
অন্তর্ধনা হয় বলি ভাগনার নেজ।
তরু কুবন্ধের তার আনন্দ বিশেন।
ভাগুরিলানের বাঞ্ছা বনে বড় নাই।
তালাতেই কুই বারা বনে বনে পাই
ইঞ্রিলানীত কথা কলু নাহি প্রানে।
আসানে রা পার কিছু ক্ষি তাহেষিনে।

ধরাজনে ভুরস্ক এবং পারস্য দেশীয় থা খান লোকের। স্থা জাতির অপেক। তপুক্ষ বলিয়া বিখ্যাত, ক্তকেতু এই যে তদ্দেশীয় **উक्ट शबरी ह जनशर कक्कित्र अवर अर्द्धनीत्र।** নেৰজাত প্ৰাস্থিকপীয়সীদিগকে কৰ্ব ছার। ক্রের করিরা বিবাহ করে, কিন্তু যদ্যপি ইউ-ब्रोण चट्डिंक टार्थाप्रनाद्य के नलमान्यत्र ची-ধীনতা কথ থাকিছে, তথ্য উক্ত দেশীর প্র খান ৰংশী**য়ে**কা ধেকপ ক্লণৰান বলিয়া বি-শ্বাজ, সেইৰাণ বল্ডান ও বুৰিমান ৰচুণ ष्मध्यभग रहेक भक्तर गारे। ष्मडलर भन्नत া ইবাও বিজ্ঞাপা, যে বালালা দেশে সুঞ্জীলালি-নী কামিনীয়াত্র পবিপ্রাণ করিলেট লে কোন ব্যক্তির সুসন্তান লাভ হইবেক এখত প্রভ্যাশা করা উচিত নহে। এতকেশীর ব্রীলেক্সিগের काबाबद्धां विद्याहन मा क्वेटन अनः छानात्रा সীতা, সাবিত্ৰী, ফাৰুণী অৰ° প্লৌপদী প্ৰাকৃ-ির নার স্থাচ্ড ও জ্লিখিত না হইলে खात्राजिए के वार्ट में विश्वमण्डल विद्यान मही-নগণের আ:নির্ভাব হু থে। **অসম্ভব**।

शक् कारतता कथा निश्चिष्ठ कारनम मा, दिन्दन धरे मांच व्यक्तांत्र मन्न, बूक् नारकाष्ट क्रथ कविग्नाटः। जीरमाक जूनि क्रिक ना हरेला यकि नाक्तवान महान ना क्रिक, डाक् क्रेट्स शादीन कारमत भागी नगरतत तमनीभन वीज्ञ क्रिक्टम ना। व्यक्त क्रवटकना कि वैक्तिक्टनिक

मूर्य क्लांग करत मा ? अवास्य रेखित्रक्रमिक मूर्य गरकत वर्ष कि ? कल्लां भिका मः कांच कारगत वर्षास्कृता और खिक्का क-तितारहम, अवर्गमार्टकत वात्र क्यारेट्यमः किंद क्षणात किंदू श्रेट्ड विस्तम मां। ध एत विस्तरे क्यम कांशिक्षित और त्रीकि माक्कि एत मा; श्राटम श्राटम भिका क्यारकत विस्तर अवर्ग विस्तर और त्रीकि का मुके हरेता वारक।

প্রাপ্ত।

মুক্তন কাৰা।

भारता दनभीय महाकवि इः दक्क वर्णमन মানিত ছিলেন, ভডদিন গ্ৰান্ধা, সাধীর, মন্ত্রী সেমাপতি প্রভৃতি সকলেই ভারার লেখনীকে অভিশয় তম্ম করিতেন। এই সময়ে সিরাক্ষের নি টে বর্ত্তি কোন ছালে কল্লেকসন যুবক বণিক খেলুর খাইরা ভাহার আলি এক জন উটুচা লকের গারে নিকেপ করাজে সে বলিন ' তোমরা আমাকে জগমান করিলে, সভ-এব আনি বাদী বাইরাট ভোষাবিদের নাবে কৰিতা নিৰ্মিয়। সহিব হট্টা কাব্য দিখিতে সাহস। স্করের হস্তিরপ থারণ করিবার ইঞা: অনপ গৃষ্টভার কাব্য সপেছ নাই। বাহা হটক, সে ব্যক্তি অপনানিত হ**ই**শ্ব হাকেই হ**ই**তে চাহিরাছিল, ডাইনিক ভারার নেই বাব্য লো-(सत् न) बहेया शारमबाहे बहेबाटह, किन्छ बहरू:-नी बच्चमात कि प्रदेश जनक विनाम लिथि। खात्रकाञ्च **वर्षेटक** हावितार्यम > केंद्रे हान्दर्य ম্যায় ডাঁছাকে কোন অপদান নদা করিতে হয় সাই। ভবে কি ডিনি নিজে কোন বিদ্যার ञ्चल इहेगात चानदम अकारी कतिम्रोटक म जिनि य जीविकान जना अवंश कार्या धारत ফুটুবাছেন, একণা বলা ঘাইডে পারে না. *তে-*धनीएक डेलको वा कत्रिया इतन अवन तिक ভারতবর্ষে বিরুল। বিশেষতঃ আজিও করে। 'দলের স্থাত্তর ভাতৃত ভাবতা হর সাই। আগবা এই কুম্ম কাৰ্য্য পুস্তক খানি মুদ্রিত করিবার কারণ ,বুঝিতে পারিতেছি না ৷ য'হা উ^{টুল} , अविश्वि अववा भूजक अकार यथ का, रेट है নিতাল এইনীয় হটরাছে:

बाक जालानम जिल्हाम नेरहरे कारा

আয় নমুনগোচয় হব না। ভারতচক্র বল্লে-শের প্রধান কবি বলিবা পরিগণিত ছইয়া थारका । कति इ जारम डाहाब व आधाना আছে, ভৰিবয়ে জণুৰাত্ৰ সম্পেহ নাই। কিছ তংগ্রণীত কাব্য আদিরস দুনিত বলিরা ইলা-नीयम कारत नवाक् कालांशधाबी वहेरखरक ना। जांश ब्हेरज अस्मरमञ्ज अक्की स्ट्र स्मानिह ঘটিব ছে। তাঁহার স্টান্তের অলসরণ করিবাই रा त्र वृर्ध क्षकिः होकते ज्यूक् वक्क क রিয়া কাবা নিখিতে সত্সী হইরা খাকে। উপরচন্দ্র গুঞ্জ এই জনিটকারিডার বিষয়ে ভারতচন্দ্রের সবিশেষ সহাস্তা করিয়াছেন। সামান্য বিশর্ক পদ্য র্চনান্ডই উপর্চ্তের विनक्षण कविष अक्ति हिन। क्षित्र दर्शर्थ विव-গে তাঁহার কৰিছ শক্তি ভূমিলপক চটক প-ক্ষির ন্যায় দুর গমনে নিডাস্ত অসমর্থ ছিল : জাদিরস্থটিত বর্ণনা বিবারে ভারতচল্ডের শুল্ল ভিনিও অসামাশু কবিদ শক্তি প্রদর্শন ফরিরা গিরাছেন। কিন্ত কোন্ ব্যক্তি একং। मुमात तुम भूर्व कोर्ट्या अञ्चरकामन कतिरवन १ সামান্য শারীরিক লাবণা চর্ণন করিয়া মহা মনা কোন্ ব্যক্তি ৰোহিত **চইলা** থাকেন ? ञ्चत भूक्रम नदभश्याच्य सहैरजहे खीरनांक ৰাজ্যের চিত্ত বিকার জন্মে, বে কৰি একপ ৰণনা করেন, ডিনি মণ্ডন্য প্রাকৃতির ও ধর্ম্ম ্রীভির মন্ত্র নহেন। বিগ্রাস্করের অন্তর্গত ভিতিমিকা প্রকরণদী পাঠ কাইলে কোন্সৰ क्षेत्र वास्तित महत कवित्र श्राप्ति धर्म वा अस्ति ? কলতঃ ভারতচন্দ্রে কাব্যে স্থালো কর সভার भारतीत क्षांक जानाया कर्ता व्यथ हि । जानात स्त्रचा स्मिचित्न काहे त्वांधकत किनि बठे म **র্ন্দের অভিতের প্রতি** বিশ্বাস করিছেন না। क्षणा अङ्घ विषया अञ्चल स्वः। इ (जर्छ। जनम विनाम निन्त्राक्षमध्येत्र ५००४ স্থের ছু চি। কাব্যের না ব্লকা কথন কংগিত হন

না। এইসংখার থাকাতে হরকানী বাব সে ক্রলর পুরাতন ছাড়াখরা বর্ণন পরিষঃ ভাষার

- " কুৰুল নিশিত আখি, গঞ্জিত খঞ্চন পাখি कुका नाहि रव देकीवद्ध ॥ গুৱ জিনি কৰ্ মূল, নাসা ভিনি জিল কুল, व्रक्तांचाव विष विष्यांच

मूला कारी वृति प्रस् गारक ब्राट्स क्रमंथि फिडब्र ॥

মুণাল জিনিয়া ডুজ ইতাংলি স বুণো कारवात ना त्रका कामकर-। दिनीत करशत कथा व'क्री इटेटन । धवात हिक्टि वाल गून्हा वि-शिथित्र रहन ।

বিজ্ঞারণ রাজকুমার সুণ্টা করিছে আ-निहा नकात नवदा अक महात्रक्षीता पृष्ठ कडेदग्रहम। के वास्ति भवारिक व्यक्त নিব্ৰিত হটবেন। জনখুব জনজ হোহিনী শিব পুজা। সন্ধ্যাৰ সময়ে শিবপুজা। ব্যৱিতে আসিয়া উংহার াশ ক্ষপ্তে হোহিত ষ্ট্রা দার ও অজ ব্লুফু পরিবর্ত করিদ। शृद्ध अध्य क ब्रिकः कासा नगरत्त्र व्यक् শিগরীরা উট্টিড, জিনি ভংক্ষণাত জাগ্রহ क्टेड्रा कार्याद्वाकर्ण अन्न पूजाव्यस्य नगर्द्धः अयन 🕺 করিয়া এক^জসরোবরতীরে মালিনীর পহিড*্* শাক্ষাং করিকের এবং ভাঙার বাটীতে গ্রন্থ कद्रिप्त। क'लीड बरव, मानिनीय बर्ध के बरवन बिल्न कडता उरशस्त्र जावाबिरनप्र खेमरिस्म শতালীর ভারতচন্ত্র বাসবের বার্গার বর্ণনা कदिलन । । १ भद्ध एक रेल्फ्डर नाष्ट्रि-कारक कर्तन क बिद्या त्वेदा रक्षा, रक्षा वस करहे छेण्डाइ विश्वन दहेल, कार्युवय (नम एकेट । जायहा वर्गमान कथा वन्दिक्षकि मां, তাহ। বত কৰনা হইতে পানে, বইয়াছে। গ-भूषिक क्रमान महरू। (भूषे विकासकी बाजक-बाबो, लार्ड बानिन। क्राडे कानोब एट (अटे । देशवनकि ७ (मडे शिवन। अञ्चलपात् कि श्राप्त करत्रन, नर्स माधायरण अडे कचना भुष्टन शह कविषा भारमानिष स्ट्रेयन । अक्त श्रन्त वि शेवक। कान् वाकि अहे शकाव वननाव जा...! নক সুখ অনুভব করিবের **০ बारभएक विश्वयुक्त श्राकाय तक्क** ८१९ १६५ सुरिचाकि मौजिक सुक्रम । मोजाय के दान**िकाल (द्वितः नहम**ा नक रू प्रतित विधि किया **जुलक्रम ह**

विविध मरवाम ।

टावना पानादन **विव ब्रावश्रदक बाना** ।

শ'r এবা প্রেক্ত করিল থাবা গাৰা 🛭

त्रासकि शवर्षाने के मधन क्हेरड कहाडि প্ৰীস ভাকের উজার, দিবাৰ বিক্ষাপ্ম করি-ষাছেন ৷ বে'কাইবেব ভাৰ কনিবাক্তার ভাক

अस्टर्ड ना इस भास कारणकात अवन्त, देखाद्वा किता ताडे विभू ঝুলা জার ও রুদ্ধি ঘটবে :

> জ্ঞা ইভেন বাগানে পুনর্কার জাতোব कोड धरेखाइ।

নানাংকের আছুস্পুত্র বাতেব পাভি সোনাই পর্গণায় স্থকায়িত ছিলেন । ভত্ততা তেপুটি কমিননর ধাননার পাবেন ত काकांत्र आफ्नीय शास्त्रह मान्या महेशा अक পালাকতে স্ত্রীলোকের বেশ শরিকা রাও দা-द्रवर्क क्षक कर्द्याद्भमः साथ माद्रमा बनिया CEA, कि कि कि प्रकार मात्र क्षा क्षा के कि बाह्यकोश्टलंब ब्लाबियंड इन्ह लिखं करव्रन में है তিনি বধার যুক্তরান্ত্রারে যুক্ত করিয়াছেন। य नक्षर अभा नारकदन्त्र अन्त्र गांकाव भाष आहरू, भांचार कहा सहि।

क्लात् । अल्ड हे ^मधीस ज्याहरसङ् ब्रह्मा ऋगाञ्जेते। अदर्भ निविद्योधकः जाकाकिरणस व मकल वाहिक ग्रान्स्त अस क्षेत्री काहित्याहरू ভাহারাই এই রোগালাল হইতেছে : শক্ষর িবলই ওলাউঠার অ:কর :

(व वाहे मनद्व मानवरक्ष नीव क्षाहिरकरमह मुना क्रमणः अवि वर्गेष्टरहः श्रेष्ठ मश्राद्ध ঞাভিব'ৰুল : ১০০০ টা ক'ব বিক্ৰীতি ভটবায়ের।

वक मानियाहित भागाविके तकाब करि বেশন নিবনে বিষাধ্য পর্কতের পুনার বাশির "ভাৰু ঘটিত কংশক পানি পত্ৰ পত্নিত হয় ,

थिनिका मुम्भाकक वाक्तीक फाटलांब हि मद्र अहे नित्रा आत्कल करियार्ड्न क्रिय इ'खिट आहेता सालम कडेगा गाह । डि.म ভ্ৰমিৰিক গাদৈ কোম্পানিকে লওক ছউত্ত विनिग्नार्ट्यः । त्यम वाजि.एक भक्त च्यारमाई म लिन इस । भाग (कान्न्यानिव स्मान । क

बालहें। बोरिश धक अन ' मञ्जूषि ह रैनिन ক পুঞ্ন পাদ, বাসন প্রভৃতি _{সা}র করিরা ষ্ড ইইস্টেন। সঞ্জু লেতিকর এখন কুন্ত स्वि।

मक्त्रवाहिंहे अन्धालक नामन बिर्द्राहे खतू:-নক অর মৃত্তিছে। তুর্তিক্ষের পর অবধি ধার লীৰা ও বাড়ের দৰিশেষ প্রাত্মতাৰ হটরাছে : महत्त बांत बनिरक्ष भवन्यके है । नार्श्वत নার ভারতবর্ষে মিউনিসিপাল নিরম অচনিত उदिस्यम मा ।

wितीरशरको ने ने ने प्रतिक कार्का शि ाहि कर्मक क्रम कुछकी लोक इड्डिक्स व्यथि क्रिक्ट्राइ । महाडि अक्षम देमनिक अन मु सि-्क भिविद्ध क्रिया मिर्ड स्टब्स, कि**स** कोङोस्क দ 5 করিলে পারে নাই। সালামাবাদের अनाशकि जांचा विवादहर अउदक्षीरवर्ता द्वार्थिद्यादम स्थादमा सहेवा निविद्यत हिन्द्रस्त एडे: दम् ।

এवर्ग्ड केन्द्रश्लेष्याकरम अहुद छन्य ्र प्राप्त बहेग्राह्म । ब्रामी छ मिलन , समात । न्द्र काइल क्ल हैकि काश्रंय स्टेटांट्ड ।

শামেবিকার উত্তর বিভাগের সেমানা क्षेत्रभार सारी इंडेटडटक। মেষধিন ও নাস্থিत। নিন্ধিখার জাতা। কয়েকখানি পরে কার্ডেন - ८व मध्यक्षे अवर्थायातीत् करूपात्र करेव्राह्यः সমাদের সংবাদ ছাড়া ডারিছিল বিলেপ अग्रकश न तिहारक्रम । वे (यशोदन कानक् ि ্ম'শন সভাবনা দেই পানেট ইংকিদ্যান ও তার ব অভ্রেরগংগ্য । কাভি।

राको ४६ मि नाम्यानिक छञ्जा कारस्टब्स् धनः अक अतं कुन के कि किश्मक विश्वक के देवान ভান্তরে: বা^{র্ল}া জেন। তত্ত্তা সিবিল সঞ্জন जंबदशङ्ग हेक्स्मिन क्यिद्वम निवास लेखि नाम भाक केरन शाहेश बारमन, किस ए हा ७००७ काम कार अवडे एक काव माडे : চাৰ্ডি ক্ট্রিডে গেলে উপত্তি লাভ চাতি দি न, अ ५० ५ कि है दिस निधित नक्कान्य है

८ र राज्यापक एक्कां योखिदहै रहेत हमा न्छ न महिन्द्र अन्य *प्रदेश भावनी*न कदिहारकन्। काहेरनव छेरलच कहाएड भारतन विदेशना फ. आडेन ८७१ । शांका ७ 🖭 🖰 छली न ७ º ्ना वाला बर्डन प्रके व्यक्ति । यि वर्षे

😰 ্যাতিতে ইচেন বাল নে বিস্তব জ ्रायुर्गाके श्रांड्या**दछ। कारमक वर्णक खर्**गाय ^{फल}िङ हिटलन। अखिदला प्राम कारमाण-्रीता सरह । हेश्रास्क अो कि छा। रहेशाय अवन्त्रां अदिकः। ५कः नेजनान्य कः त्यान्द्रश्लादः ্রিপাতী হরিবাশিয়ক আতোসবাকী ক - १ व । ७ अन प्रकार १ एकरभा ७ अन छ। ल- । ভাগে করিয়াছে, ক্রথ।১ জনের প্রাপ্ত

ত্যাগ সম্ভাৰনা আছে। এ আবোদ পরিভ্যাগ क्द्र हैं है हुए।

केन्द्र शन्त्रिक्षा अविष्ठ भीतक ता-न्नामि ब्हेब्रास्कत । ब्हेनाथ गारश्व धक्रिक करवक्तान दलरामीय नीलक्त्र ७ हा क्यू हेशांत উদ্যোগী। यथ नक डोका देशक्रिश्त मुन्नम । কোম্পানি সমুর খাটাইয়া নীসবপন স্থানিবেন। উহোরা স্থল বিশেষে রায়তী প্রথা অবস্থন कशिरुवा। मेजनात्त्रा कि दुक्षियार्थन यक्र-**(सट्ट क्यांत्र भीज वर्गन कब्रिनांद ८५%)** निकल १

বোখাই দাউভে বিবিউ পত্নে প্রকাশিত रहराइ महादाक निक्ति वाधारे प्रधन कवि-बाब हैको शतिखान कविबादकन।

लटकोनअद्भीत भवार इ कायूटकोला (जा-হেনের জাল স্বাক্ষর করিয়া এই কণা লিশিরা ভিলেন যে বিজ্ঞাকের সন্থয় নগার গ্রাহাটের সহায়তা করিয়াছিলেন। সত এব পুরস্কার থক ल नाबादक वृद्धि कब्रिया हि छम्। बहेरत। नवा... होका अदिशाना श्रेगाट । चारतक् अहे १७ व्हान् चाहेन ऋत्रताद्व ३हे-

যে ডকাল জিপাট থেটের ভনপে।বউর জে मद्रम ७ संदे क्रमा है । नारहव निक शत्र शरि-ভালি কয়তে ভাতত্বলীৰ প্ৰথমৈ ট প্ৰকাশ্য ৰূপে গেলেটে উছার প্রশাস: করি৷ ভাষা-एक भगाराज श्रातान 9 कैंग्शांच लाम **डार्गरग**न क्रमा प्रत्य क्षकांन वृतिप्राष्ट्रमा अल जारुव ४२ बर्मत् अएमर्ल जानिन्ड करत्न । कानु লের যুগ্ধ তিনি জাপনার পার্ব্যাক্ষতার महिराम्य भविष्य अन्तम करतमः। जन्दम क्षापान ह्याक मकत अवकृष्ठ बङ्गाडरधन, लखन लाबुष्ड বংগ সাহন্ট ফুডেন হট:এডে।

থোমরা শান্ধা আঞ্চাদিত হটলাম হগলি ्छ जक्ति भाषां जात्रक्षश्रीय भाषां स्टेश्राटक । उद्भुजा अस्तक नक्षां अलोक जानात्र माना वहे. ্যান : কিছু জ্বাক্ষেণ্ডের বিষয় এট জন্মার মুস্ত िरमात् न चारा आर्थकाञ्च "भ'म । बांबारण क्रां विद्यात मा दाः अदिक रूपः, अवा (दाम - विनदम विद्या कुल इष्टि हाद्यम । हाक्त् লোকাণ্ডগার কৰে উৎসাহ ছটাৰে >

ইশিশ্বান শিল্ভ হুডন বৰটাবুশ্রি পুলি

শের কর্মচারির মিগ্র লি খন্ত হিসাব প্রাকাশ क्तिश्राद्यमः--

ক্ত্যারি व्याखारकत विकतः ১ हेन एक हेन दलन बन \$\$.. | O. ৪ সহকারী >4. भरकाती इंबटच्येर इंद्र 3. .. ৮ প্রথম , মণির জেলা স্থণরিক্টেপ্তার্থ বি ৮ ৰীতয় ভোণিয় -> ভতীয় জোশির ... २० अथम ध्यानित गरकाती 200 ৩০ খিডীয় জেশির ৪০ ভতীর শ্রেণির 4.0 ১-> श्रवंत (अभिन्न हेमरण्यक्रेन 14. ২-১ শ্বিতীয় শ্বেণির 100 ২৪৭ ততীয় মেণির 90 २८ त्रहरूदी देनदम्भक्डेब 4# २ ४१ विकीय व्यक्तिय * २८१ छड़ीय त्यानिह 34 ২৪৭ ওবরুসিরর প্রথম জোসির 78 ২৪৭ বিভীয় জেণির 24 ৩৮০০ তৃতীর শ্রেণির ৮০०० व्यथम व्यक्तित समस्येत्सः ৮৭৮০ ছিতীয় শ্লেণির ৮৭৮ ডাডীর শ্রেণির

गर्वाच्य देशंद्र जना ८० जन होता श्राप हरेरवा ब्रामश्रुत (बांब्रांनिया, इक्वनश्रु, क्रेक्: পুরী, রাণীণা, চাকা, করিমপুর ও সমরপুরে ভুতন প্রলিবের এক এক প্রধান ধানা হটবে।

अटेब इनिक मास्टिरहे हे निश्चरक दव स्था-লীতে কার্য্য করিতে হইবে, ভাষা স্থির করিরা দিখাৰ নিমিত করেকটি নিমুম প্রকাশ করা ছই, शांदर । निषम शक्त मानासदा अवस्थि वहेन। आश्रही छ।नियादिनाय प्यदेशकनिक यांकि-८डे.८८वा नाष्ट्रियम हारकाड क्रूब व्हेरनव ।

েকারে একণে পাই পরুস। সতর আনা विलम्ब क्रोएडएक। विके श्यूमा माएक ज्यान

অংশখ্যাৰ নবাবের সন্ত্ৰী আনিনকি বাঁ বিদ্যোক তাৰ্থি বিনা শেলসাভিতে বলিকাভাব বাহিরে ৭ ৯তে পাইডেন না। গ্রুথিত मञ्जूषि छै। तक मण्या यातीन्छ। क्षामानः तिष्ठार ५ म

अफ किस

अंडी विनाय नहेंग्र। हें नाटक शमन **करत**न, ছুটির নিঃমিত সমর আজীত হইবালু পুর্বেই ভাৰাদিগকে আপদ আপদ কৰ্মে প্ৰয়ম্ভ হ-ইতে হইড, বিনি না ইইডেন, ভাহাকে পদ চ্যুত করা হইত। কি**ত্ত অলেধেই** বিশেষ কারণ धावनंत्र ना कतिया (केंडें मिटकड़े) विद्र निकड़े হইতে বিদায় লইভেন। ভরিবশ্বন উলিখিত নিয়ম বিকল হইছে। এই হেড় ভাত্ৰত্য গৰ্গ-मिक जांका कत्रिवाद्य विदेश कार्न अप-র্শন লা করিলে এবপ খলে তাঁলার৷ পুনর্বার निक निक कर्य शाहेर्दन मा।

গত কল্য এডজেলীগ সভাস্ত লোকেই **व्यक्ति नारदनरक अकं अर**कुन विदारहरू।

चात्रकवरीय दारेमक्द्र कान्नान्ति हे-বিশিয়ার উইলসন সাত্রে রেলওয়ের সুবিধান कना मुन्ननिर्मानांत्र स्वेटक नगरांति शर्गक अ-ফুটী পাঁকা ব্লান্তা প্ৰবাতক্ষিয়ার জন্য গৰণ্ডে-🗝 হইতে ছুই লক টাকা পাইরাছেন।

ইংলিগ্যানু সম্পাদক আবণ করিয়াচেন क्टिब्राक, नार अक्टन अक क्रम बाटकांब्रावि ह-স্থার অধিনাত্মক হইরাছেন। করেক মাস পূর্কে সম্পাদক কিরোজ সাহকে মভার তৎপরে পা- কিটে কৈকিয়ত চু কি করিব ্ রুশ্য দেশে দর্শন করেন। এক্সণে আবার এক ক'লে ক্লারভবর্ষের মধ্যে আলিয়াছেন। ওয়া-नक्तित्वटकेत्र कांन देवन मिक आदक् मान्स्क नाहे।

रब्रमूर्ण अक सम होत्य विश्वत वाक्रम अ বকুক কুকাইরা বিক্রার করিও। সে সভ্যতি ষুষ্ঠ হইরাছে। এম্বলে নির্ম্ন কবিষার আক্রা বিক্রম করিতে পারে নাই।

ব্রহ্মদেশে সম্প্রতি ভয়ানক বড় -ট্যা , পিরাছে। এ বংসর অনেক ধান হইডেই 🖒 । का बर्फन नशाम आंत्रिटकड़ा

जाना क्षांके नांद्य हेश्न (७ नवन कृदि **मिन। बीटकन मारहर रहत्यहो**लके प्रदर् ছইলেন। প্রেসাকের বীজন দাহের কার এবং 🔾 ति, व्यक्ति ज्ञारहर स्थाम मारक्नेमेरिय करण निवृक्त रहेशारकन । नीजन शारहन "अगुन्न सार्थन कि कुल बारथन र टिश्वात विश्व कि विश्व करेंगारः । अवात वित्र करेंगारः अवात वित्र करेंगारः अव जानता उद्देश्य रहेग्रा त्रहिल्या

बाद्स रहेऽल निकिष्ठ न॰वान व्यक्तिः।८६ করানগর পারক্ষদেনাদিগের ২ন্তগত - হউ

রাছে। আধীর দৌন্ত সহস্থা নিজ্ঞ সেনা স্থ-ভিব্যাহারে কান্দাহারে গিরাছেন। একুণ জন अधि कांत्रजनमीत शवशंदाके आहे वृद्ध मा-,कार महस्त्र स्डरक्श ना कतिया कार्य अंगुः শিক্ষিত সেনাপতি ধারা আমীরের সহযুতা

সম্প্রতি একজন পদ্যুক্ত গাড়োরান প্রক প্রভুর আভাবলে স্থাপান করিয়া গোলবোগ প্র মূজন গাড়ের নের স্থিত দালা করিব। লত হটবালে। ভারি মিন ক্ষণারের জারি। विशिव्याद्य ।

ফিনিকোর একজন গত্ত প্রেরক ই'কেনালের का एकशर्भव अधिकृत्य मर्कमार्शवर्भव नि कर्छ बङ्गे विनिद्या अख्यियां व विद्यारक्षण १ व উছিরি গ্রশ্নেটের আহা না মানিয়া লাগ गांगी ७ गांधांद्रभ यः क्ति मक्नारकंडे भार्य গেল আলা পর্সা দিতেছেন। গ্রুসা আইন वात तमन अभाउ शोलायोश इस एवं काहार नांगा उनारमा व्यवन करतः। भन्न । व्यवस्य वरमन তিনি ৯٠٠ টাকার মধ্যে ছুই টাকার প্রনা ক্ষ পাটরাছেন। টাকশালের অধান্দের নি-

माजगारकडे कांद्रमध्यक मारम अवस्ति औ লোকভাহার পুরের নামে এই বলিয়াপুলি বে নালীশ ঝরৈ বে ভাহার পুত্র ভ হার বিভয় ব্দলকার অপহরণ করিবা তুইক্সন বারালন। ও এক পারিচিত কিরিজির নিকটে ভালা বাখি ब्राट्ड । श्रुतिय कर्षात्रोतेत्र। कारतक कत्यात्र ৰাহির করিয়াছে, এখন পর্যায় এট মোলন্দ্রাধ निष्णति स्तानाहै। विश्वित व हें हैदहा भी व CD दिवस माधा क्रमण है इस् एडेटफ ह

होन(तम् इ**हे**(छ नश्रम व्यानियः। द्र সম্ভ টোর সেলারা সম্প্রতি বিজ্ঞোভিদিগালে প্র য়''- । ত করিবাছে। **ভাতর খলেট** কাতিশয় কি के ब रहरणंत्र करिए। इक्षारवेद (त्रमाश्विदा ा व ^अत्र क्षाय पूरे नद्दश निवृद्ध विद्वारिक

२न भ॰ (नाधन निव**स्त** निज् "स्बद्धे र (संस्कृत क्हेस्ट्ड क्ट्रेस्ट्ड क्ट्रेस्ट्ड व्हिना द्रिमा লিতে ইইলেই চাজ্ঞ শাগিবে। এতদিন কেব ी ते हैका बड़ेशा दिन।

इं न की त नवर्द्यके . चात्रक वर्षी व बर्गानगत ্প্ৰত বুৰ পাহাজেৰ সংখ্যার প্ৰভৃতি করিবার ক্ষণ্ড বোধাই ও সিদ্বাপুরে দুটি গ্রহণ ডক করি-ৰ'ৰ দক্ষ শ করিয়াছেন। ৰোখাধের ভব অভি নীত্রম আবস্থাই আছে। সিলাপুরে স্তান ভক করিতে হটাব। সিচ্চাপুর এই বেলা ভারতবহ হটতে পুখৰ চটক লা কেন > অথবা ভৱত্য তুর্গ, ডক প্রভৃতি আমাদিগের টাক'র এক্ত कदियः, स्मारत हेश्यकीय अवन्द्रवस्मित्र व्यक्तीमञ्ज कर: इहें(र:

मार्ख अल्डिन फिन्न जिन्न इं त्वन वन कि वर रेमक कि अंद्र नश्याः ध छैरशास्त्र विवस्त ब्रिट्शांडे हाक्षित्राद्यं । अभिदन विश्वादिव उन-िनेत्र(देव) वांशकः शांत्रमी मेन्यदेक कांशना निरात् बरन नावेश्य होर्ट्स स है , जिला व কিহাছেন। সাধারণ বাল্পে অস্ত্র লইগা শ্রেনি < ৭ হট্য়া **স্থা**য়গান স্থ্য়া করিন নর 🐣 মে ও ध्याहे र अविन :

ুশধাই গার্ডিয়ান পাত্র লিখিত কটবা-ছে, তথার ৮৫০০ টাকায় সরাপের কান্ট্রী ছিল, গুনাৰ একজন গুডি ১১,৮ ° টাকা দিয়া कालुं । के केब्राट्स । अधिक मन्यर बाटक मन क्ट्रेट्ट कब लंडकर्ता ७० होकान व्यक्ति बाहात िट्ट कथन कोकांद्र क.त्र 🔻 । ८४ अवर्गहरूहोस अभिकाद्य 'भविक ऋ। छाल छात्रादक्षेत्र कि त्रातः व्यक्षावरम्ब धवर्षमञ्ज्ञ ३

· बर्गाञ्चे फान्डा क्रियोर्फ्स दा वास्तिः মন্যায় ব্যবহার ও জাপ্তিমিম পান ভেচ্ছন . प्रकृत्या, केरनव कर्ण न द्वराज व्यक्तक शहरनम क्री हरी बंधनियाल इन छथा एक्ट्रेस्स नी न अवा कर्यादक भारत्यह मार्क राष्ट्राया पार भाउटी रनवडी नांत्रदन डिझिना भगान এই আক্রাষ্ট্র প্রভিণালন করিতে ধারি;শ

লাভোৱ অৰ্থি সমুদ্দে সন্ পৰ্যক্ষ ৰে 🤞 क्ष्यान दुइस्मवरम् पृथ्यितादम्, जामान जुलीय (क्षान^कः इक्ति क्षांना काका निक्षाद के शहरा ছে। ভ্ৰমিন্ধি জন্মায় গমন বছ প্ৰীত্ন ছে। ও भाषा भाषा स्थाप काडिस्मा (व मॅब्रिश्व ४)स स्य मर्। आहे मुद्दे।रकत मार्कदर्भ कुरिया कि खात्रक्नीय दाईन नर्थ नाफ रह ना ?

दर जिलादम् छेडम १.५५ १ अधिकारम् सम्ब

বোগান হয় ভাষাক্ত এক কমিখন নিয়েছিল इक्केश्वारक्रमः। काक्कारभन्न विमन्न अहे अवाम अ নাপতি এত জিমেরপর ক্ষিস্রিএটের চৌর पिरशद्व श्रांत शृक्षिक्षण क्षत्रिवारहन । किन्न का किमात्त्रः विस्थान माजकं ना बहेरत क्यिमन किहुरै क्रिएड शांत्रियन ना । भवतिक अप्रोत-क्रिय द्वाचन निर्मात कि किहुई के रानना न

এখান সেনাপাত জাজা কবিয়াছেল বে ' भारत व्यक्ति वहरत देश्यान बहरक देशमा চিলকে জান্ত স্থানে তাঁবুর জিজার রুছিতে ২ই ে। সেখানেও ওলাউঠা গনন করিলে ক্রারিক । গখন করিয়া উভয় স্থাতিত প্রস্পার ইবর मुद्रब ६ ११ वन व १ तुन्न विश्वती छ मिदन दाहे एक इन्द्र । अल.फेड्रोब जिलाबन बन्द्रिक गाडिय वि रभग । १५ शद्भिष् इ नः कवितन (धनामिगदक ! अहा योद्र ना । तुबद्ध ह खबाब द्याब्रण करा क्हेंद्र मा। यह कि पहुत्वाक का किमस्कित्रहरू कतिनदर महमादय हो। वस्ता वित्राद्यम । अभाव क्वारेशव वैयद 'a उलाव कदिएक व्हेरत ८७ नथांकि न हे।

क्यायहा श्रीनशाय निक'नश्क्षांक नार्रहरू **५७** शुर्भ ज्ञान हेत्रः शास्त्रव वज्रास्थीय त्र ८क्षके। कि क्रिक्त । किंतरक माञ्चारत किंव विशेष क्रिक्त पाइँदरन । गार्द्धवा करमञ् । स्थानिएकरह्न ।

शृक्षांखन यक्त वरनीवृत्तिरात काहीतिका, नहे. াভূতি অনুধ্যম রাখিতে অনুরোধ করিরা हरून । लामा दक्षहाकि क्षामान अक सक्तिका काम । दर हैं वहिन्दराय सुनिव। कर ना । কবিলে ব্যুসা লসিদ এওমিন কোৰাব বাই-ছ , ভাষাও সর হিউরোজ হাঞিরা সেনাগ- ভিগির খার তাহুগাবে বিদ্যা নিম্যে ৫০ লক ८५४ मिविवर्गाणम क्विट्ड वनिवादकन । ভ'ওালেরা রোখ সগরীয় অট্টালিন্য ভগ্ন শবিয়াক্লিল ৰলিয়া চিন্নকাক মিলানীয় হটয়াডে **৷** ভাৰতবৰ্ষ**ন্থিত ইংৱাজে**ৱা কি সে ভৱ ওক্ত-करवृत्र :

সম্ভাতি বেশুম গোসাইটিতে মাললাভি সাংক্র বাস্পীয় বন্ধের বিবংয় এক উদ্ভন প্রস্তাব शारे दिनवाद्यत । क्षांकृत क्षत्र हाम्। प्रवनः ताप्रण निश्चित्र वक्ष्युं खांब टाङ्गाश्चरत् धर्वे कथा वासन अहे अळाडू अळाळूनीय ७ हेडेर्झानीय अरनक बाक्ति डेनरसम स्नाम साम्रा शतकारतत भोक्षानिक्त कतिरक्षत्ता । क्रेक्ट्र कावित नः क्षेत्र वहेर्यको प्रतिक्षा इत कुमल्कांत ब्लाइक छ।ए। अखबात्रा जनूनक बनिहा अखीतवान रहेरछ-। तः।

्के। जना जानकार्यदेश जनका मृत्रक्षांत कृ मीब ७ जात इनवॉद्ध वाबन्दाशक मालंद अक. ताका (मचनावारण निष्य वेशक्षित बहेबारका । 'উনি ধক প্রাচীন নহ'সমার বংশেব क्षेजिमिषि, व्य बश्म आस्त्रात्मम् हेर्निडहाटभड ৰখ্যে প্রাথান স্থান অধিকার করিয়াছেন। যে नका बागवबाकिन वक्रीश्म १० क्याहि बमुर्गह কৰা বাবস্থা প্ৰান্তত করিয়াছেন, দেই গভায় এক জন এতক্ষেশীয় আনীর জবেশ করাতে ध्यकांन भावेरजरह शक्तरथं अहं मैं जि अन শাভি করিয়া সন্তাব বরিরা দিবায় সক্ষপ করি क्रोटक्रम । सक्दत्र पृद्धं क क्ष्यां क श्रविट्ड भा

ৰয়'টিকে বিমি নানা সাহেত ওলিয়া খুত্ত क्त, 'ओक्शंदक जाला: भिल श्रुक्त कहा: ४५ अ:के । ভাৰত্তৰবীৰ গৰণমেন্ট ভালাকে কামপুদ পা-ঠাইছে আজা ক্ষিণ্ডেন। এ কাঞ্জিৰ অভি द्वार्भाभा बनिएक स्टेटर नामः। मारकम अस जि क्लिप मरहर त्य भारतम् त्यम प्रिकट सञ्चाहि

কি নিজের এক জন শতে প্রেরক প্রস্থার न(श्राद्व क्रिमिटक्क मन्न्यांक्क फेक्क भगवाद विद्यादिक नागांक्रिशदक आक्रमण मा गर्दियां তাৰাদিগতে তাৰাদিগের প্রব্যের বাণিকা कद्विएक फंटलाई (४७३) कर्सवा। फाइर क्ट्रेंटन

> <u> ८कृष्ट अन हेलिया अक्ताला अभाग ६५ सि</u> টাকা লিতার সম্ভ্রোগ করিয়া**ছে**ন ে গে টাকা सिख्या क्वेर काकार क्खीरां भ का पुरुत्ता क्षवः आध्र कर्माः क्षंत्रक तक विष्रान्दन्न बान्न করিতের কইবে। শে*শলে ং*গান ব্যক্তি ৫-০০ डेकिन क्रिक काम क्रिया अ श्राम अवर्ग (बटलेंब्र (मंडे शविन' न हैक्सि (मंख्या **कर्सवा**। म्मानन नौत, भारत अष्टिक अ विवर्ध मान क्रिएर विक्रि। (इन । छटक वीभारन नारह বে ক্লাকা খ্যন্ত করিবে।

नक्षो नगरत अक्षे विभाजन ७ नुस्का. लब्र जालिए बरेनारक्त बाव् विक्रियक्क द्यान डेश्ड केंद्रजानी। कांब्रक्टर्वड विका क ब्राक्त गरकास जीविक बाजानी जिल्ला बातारे वह-

স্বাচার হিছেম্বানী সম্পাদক লিখিয়াছেন ताक्रीनश्रद्ध अक्षे भेषांसीय कांक जानिया-ছে। সে সাংখ্ৰণাচহাত লখা, বতকের বেক প্ৰায় গাঁচছাত, হস্ত পদাদি সেই পৰিবাৰে (কিন্তু নে অভিনয় ভূজনভাই হয় এক গদ্ধ গাভিত্ত লইরা ঘাইতে ২য়। সে প্রত্যাহ প্রার ३०० हे का मान लाहेट खटहा

त्रः भूत्र किक अकाभ रहेए

দিন বিল বঙ লোকের বিলা বুদ্ধি সভাতা हि गोरेक्टर, इन अकारना अवस्ताव छड নাডিতেছে, বিশেষ বন্ধ দেশেই ভাছাৰ আছুৰ্য্য ज्यिक त्रवा गारेटल्ट, जानात्र इत्ये ज्याना क्षानापरवद्या त्य कःत्य कादत्र। शहू, शक्ष ७ वर्टवर बरश क जिलाकाव निकड़े शानि करनक किन्स পণা খাসং থমি সহোদ্য সাক্ষণ ধনাপার কণ স্ট্ वः क्षताहः भरम भ्यार्थन क्षताः शक्का तान লঙে দক্ষিত হটপাছেল, ভাষাত্র নব্যে বাছ লিব-कुक बक्तां भाषाच बाद्य व्यक्तिक सनोह अविक প্ৰকৃতি ২। ও জন ভতি প্ৰধান লোভ কৰি বিশ্বৰ द्धारताहे शक्य भारतान, जंभन साम्य सम এখনও দ্ব ভোগ করিছেছেন, উত্তরণীড়া বি-বাসি জীগুক বাবু জয়কুক বুৰোপাধ্যানত পিৰ-कृष्क वरनागांशांतात बीगांबत स्थल नगरत ২৪ গরগনার এচও সেসন জব্দ মেং সাটুর না-কেবের চক্ষে পঞ্জির কার্যক্ষ ছব্যান্য পরিকর্ত্তে कारमा कारमा भूगावरम ७।३ वाम शंकरक ণাকিয়া আপীল আদালডের ছকুদে বুজি শান गाञ्चर म बच्च हर मा बनेटउदे श्रमहात्र विकीत এক খোকদমার লিপ্ত ঘইরা সুখাতির পরিণা-क कमावेटनन ।

আঙ্গরা সংবাদ দাতার পত্র এমাণে গড সংবা ৰ পতে ভাষার বিষ্ট্র চুবক বিবরণ মাত্র একা भ क्षित्राष्ट्रि, बक्षात द्वा क्ष कर देखिन, गज शांके भारकुर श्रेक्ट श्रमान क्रिएडि, तांत् कार्य উপৰুক্ত কৃত্য জীবৃত পীডাৰৰ ৰত্ম হার। এক शाक्षा अञ्चल स्त्रिशाहित्सन, विशादत लागान কুলিমৰ প্ৰকাশ ঘটনাত সদ্য নিজানত আহা मध्यत्र विष्ठादि क वर्षिय समा कात्रविष वरेश (क्स, कांक्रेनिय विनिधात स्म नक्त कृता प्रथ मिथ्य व्हेरवक । अवावादेरकाह, कलिकारी वानिवासूत्री कींदार मधाका जबू दलन धर्मनाम अवर्ध्य के चार्यक्त्र केत्रियम, बश् को का निष्ठेम के नश्र्य पहुत्र श्रेक्टम महेन्नो, अ.व.व

प्राप्ति कांक चरिष्ठ प्रकवशात आश्रीक शिवि वि म्बनाइव ब्राप्ताम चान किंद्र कांन कार्राव क्रिकारम क्थन १५ नाहे . मध विधारमञ्ज कक्रुद्धा कि करने यहे स्थाना क्विन। चर्चारमाहरू रूप प्तिभिन्ना **ए रव**ारक मान्याम कन्नमाः **है**शा च्यापातः । वी वरहे। धनि कृति। धकातिमाहः अवस्थि वस्त এরপ হইতে লাগিল ভখন সামান্য লোকের শেশ্যন বিষয়ক বিলেন দে নিই কমিটিত বিপেন্ট का कथा, धारे मध्य द्वाचित्र समित्रारे हैंग्डाटा-वां अस्ति न देशांतिक विकि विवास । अ वृत्ति क द्वन

ভারতব্যীর ব্যবস্থাপকসভ।।

ঁ ২৩৭ এপ্রেম বুধনার। দিনকর বাতি পাতি-'বালায় রাজা যাতিরিন্ত নামুদায় সভা উপা্রু-**हिटलन**।

चारक्य २ आहि। सर्व किन्नमश्य शक्तिवर्द कार्य-बात व बिम स्हैग्नांट्स ७ विषयक जिल्लाके कि मिन विर्लार्षे भठिए ब्हेब्रा निल विद्याल हर ।

गांविकेम नारण्य श्राप्ताय स्वतिराजेन, मूल्य ष्ट्रीको ३ भवना कड्डियुद्ध दिल नित्सहेकांगठि ए। একাৰ স্থিব কৰিখাছেল ডাকা পঠিত কইয়া বিশি : জেল : জাইন সংশোধন বিষয়ত্বি দ বিভি ব- বিভ ভাগ গৰ আগিটানী লাৰ্জনেও কৰে দি

शिटलक्षेकिमिछ क्लिकामाति आहेम मरामा ধন বিষয়ক বিলেব বিষয়ে রিপোর্ট কবিচা ছেন বীজন সালেব ভাষা সভাল অর্ণণ করিলেন। আগামি সভাগ এই বিল বিধিবন্ধ করিবার প্র-खाव क्या बहैरव । छेख आहेन श्वांत्र) शक्षादवर **रक्षमां कश्मिमस्य भिराप्त १८७३ गाउँ २९मङ् ऋध्यः** बामक् ध बहे बांव वय कमनाप्रदर्भ हत्। अश्व विल दिन बादा छार एकिछ कतिक छुड़ेतरजत करा

36-6% अरक्त 38 आहित श्रामा प्रत किरायक विरमत विवस निरक्ष किवित र जिल्लाई क्षित्रहोट्य का इमारबर छोड़। अर्थन करिएमा : कांत्र किनि १४७२ अस्मित्र ३० अहिन मध्यापन विषय के विदेशाद गिरमक्टे कमिष्टिय विधिनक निति ৰার প্রস্তাব করিলেন।

क्षा (स्वमावाधन जिश्म विकास लार नरव সম্ভাতি বাৰীৰ প্ৰচিশত টাকাৰ ভান আয় বান-বাজিদিগের ইনকন্টান্স বহিত কবিশুরু বে কাজ অবিষ্ণাছেৰ আন্দি ভাষাৰ সৰিলেম ওকালালা क्रिका काकिएड भाविता। अध्यक्षेत्रा विविध डेभ कार प्रेगारकः श्रथभणः महिल्लाकाः शीलन क्रमेटक मुक्त वर्षेश्रांट्य : चिक्रीयकः नकत्मत्र देशका courte अधि क कि विवास, कुडीवडः वरे भारेन" देश्ना एतना प्र हिन्द्रांत्री व्हेरव विनिका

न्द्रमहाम भागील का-, थे हे, कंछ व देखन, देखि दलादकन दर नश्कात कालातिक वाका हुन करे दिए मिका मश्काफ कार्यान कनियित दल्यन कविरागन ।

> दल्डमार्टक आन्य, कार्यहरू वर काहिए में । इरल : श्रापान कवि श्रा

क्षेत्रहोस मारक व . ५ ११ मा स्वयं ५७ जाकि । ५५ कु न व्यक्ति ५३ छ कि अ १ कर करके में एक अ। विकास मान हेन मरानाधन रित्मक निल नेकार व्यर्गः कर्नि

काराज्योह दुनक्**ष्यमञ्**

১৯ একোল শলিবাৰ ৷

मका छिका किए केटलाव । नेयर मारक्ष मका राष्ट्र বিভিন্ন সাংহয় প্রস্তাব করিলেন ১৮৩৫। পর্তাবেল্যাড়ে স্টেনকার সাংহত হবলিয়ি। খলখ প্ৰত তথ পদে প্ৰ-ডিডিত ভুইলেন । জনস্তুত্ৰ স্থাতিকৰ বাজ্ঞীয় হৈছি আসম্ভাই ইণ্ডেই अवस्था एकीस करिया। विकास खाँच व्यक्ति करिया, ए। इतिहास कतिनात शाक्त कवांद्र छार

अभिरहेन मारकायन् अञ्चलि क्षितारम ५५ र.५ व

क्षत्रीमारि छ। छ्या दिल च्यर्भन् कवितार ८४- । कर्म दिल छाए। जागा गरित बरेम।

गवन्द्रमन्ते विकाशना

नाक्रमाह्मणीय राज्यमञ्जू अनगर्यत्र न्याद्रमभाद्रभादी निर्ह्मण ।

वृष्टे बरशाम-निमुलिबिड वास्तिः वरमा-ছয়ে শিক্ষা লংক্রান্ত কমিটার সভা হইছেল।

बायु कालीक प्रवास, बाक बायरहरून धरर रे छित्र क्षमण थान्त स्थान करवा জ্ঞীনাম স্বোৰ চৌধুগ্ৰী

se है बार्शम-spes नामा > वाहिन अञ्चलादय जिल्ल निश्चित्र भूटकाटकया रहः अवश्यात एए पूजि कारलहार इ अजिनिधि व केरवन ।

काशकानुकृत्व कांक्रिकिकि आहिका । পাও্যার বার নীলম্পি মিত্র।

५०० शासन-खर्गाने कि हैए? महस्त नव-বাঁপে সিবিক ও সেনিরাদ করের অভিনিধি 1 (E(T ')

এস এক ডেবিস সাছের সার্থে প্রথম তেলি-व भाकि के है । कारमहेब बहुरबन ।

এडे ५ द्वाच मारकव (मिनि अक्टन ज्ञष्ट्रमणि भावे भारत र दक एत्रव मालिएक्ट्रिके स कारनकेत

: • है बराजा----मि बहेह सारवा भारत्य गाँ-कुष्ठांत्र मालिएकोडे ३ काटलक्केत्र बहैरबन, विश्व আপাততঃ তিনি যে বিশেষ ছার্যো নিমুক্ত इदेशाटका, छोडाने क्रियन ।

१६६ बदशन--निम तिबिङ शक्तिया मुद्रम-

क, ल' मारहर। यानु कालीक्षमः हो धनी । এফ ০খন, শিলিপ স্তেম্ব ব্যিস্তিলয় শিশু দাৰ কাৰ্মির শ্রিটির মেন্ত্র ভর্ম-

रांतु किल तम व गांध वर्षा प्रांटमन प्यटेवउ मिक्न ्के हे बहुत, हासमानी खाहिरनम २२ भारा 'S 30 सद अरकत ५० अक्टिन इ ५ म चारापुराहत , खाल्य सक्कारी मासि ्के किंग माम् का का शहर करा का

क. मि.मा° १३४ भग,य भर ८ छल् हे आसि-ক্ষেত্ৰ এ,কাটে চট্টাবেল :

সংকরগ্রহের শেখনী মাজিছেট ও ফেলটি कारकाक्षेत्र । योजानी कांडकन म्छितारम स्वर्धन इक्केश (गांक्कक्षांत्र) का कि मान ধাৰ জিলাকে क्षा राष्ट्राकात्व भिष्य वाणिब्रिक्ष सञ्चामा विक्रीय (अधिक अध्यापि काकिस्मेरहेर क्रमण) ार्डिटबन ।

> क्षेत्र अराधम--हे, कि. श्रिमां स्माद्ध स्टा-काव माम्बद्धीर ଓ कार्ट्सहैरद्रद्र अंग्रहावी महे-

> क्या की महत अप्रत क्षिमां कि भा मिल्ली है। ए की अंदेशव महक्ति। एउटवरा

ा, ता, माध्यक्रम मार एवं विकासिक विकास करकार তেই শতাৰ্মণ সিধিল আলিটাত লাভন इत्टबन व्यवः क्षेत्रांत ब्रह्मश्रेम विकित

২৪ গরুগ গাস ভেপুটি ম ক্রিটেট ও ডেপুটি क्शालकेंद्र कदानिक, भि. क्लिक भारत्व 'विदि नभीप्रोप्त विदम्भव कांध्या श्रमम कवित्र टक्क्स । यहमान अर्थ ब्रह्मांस हरेश किया दक्षांच मास्त्रिक्टिय न्त्रम् कर्ने छ। व्याक्ष द्वीत्नः !

भक्तिकार एक प्रणे जाकि है। उ उ उ दें। न दिशक्तित्र (श. शि. कार्डित स्पत्य व कादवरम वहाल क्रेण केफ स्थलान रुगालकात्री आहेरमद २२ भा-হামুষ্যাহ বিভাগ তোলির সম্কারী নাকিবেট্-

१३ चान्यम-- क्यां लि, बहेह, उपार्ड मारहर ৯৮ শ্রণণার প্র_িিখি মালিটেট্টের ও আলি भीरबंद द्रमाराज उद्वावधायक क्रियंगा। उपांच স্তেৰ কলিকান্ত, লগবে মালিট্টের ক্ষমত श्रीबेटनम् ।

२७ ७ मार्च भरारध्य देखेतालीय

भः जाता।

अल्लाहि अवस्था अहाभावात्र आवात्र भारत ब्रोट्स ब्राजन्यामितिरशय क्रथमध्य क्यांड श्रुवन क्रिया निष्टा क्रोगिएश्वर चाथीनका व्यक्ता क-ঠ্বা। মহানতা উক্ত প্রস্তাবে ন্ত্রতি এদান कशिशोद्यन ।

विद्रमाश्या महत्रकत्र अम्बिष्ट्रत राजे क्ष्मिक नहीत व्यादायात्र अक्षी नमूख गृहक करी क्षेत्राह । भावकांन भारमत गवर्यके दमनावा बाबजर्ब, आहेर त बांचिल्या अधीयब मान-

क्षित्रात्म अक नवाबूदक नेपाक्षिक क्षित्रादक । क्षेत्रक (तन। वदकार कादमक क्षांक्रिया केक नदक क्षित्र ফলের বিশুর লোক হাত ছইছাছে: **লেলাপিতি** মাকিলন ক্যোর্কাক্স কোর্ট রাউলে প্রধান শিবির স্থাপিত করিয়াধেন। পটদাক নদী রীরস্থ श्य गतिक उ दहेशाइ।

बेठोनिय मूख्य मित्र मन्त्रामात्र व्यव्हार द्वार कार्या क्रियम, शब्दे क्रिक्शा शक्षान क्रिया-त्त्रांत्रमनम् राज्यासी ও विजन यांथीन इदेरम। संस्मा बेडोर्लक दमनाक्षा नावा कीश रमनाप्रमञ्जूक इदेरन अथः इदेरकद्यः । নোৰ নগরভিত ক্লাসী ছত পোলেছ সহিত 'बागटन माक्यां कतिया करांच गातिम गाता 事情有情况整理 !

अनियाय मञ्जिबान व भारताम अञ्चाल क-রিষাধ্যের ৷ জাতি দাধারণ সভার অভিনিধি : शवन कविताव कता विद्यास (BB) कहा **इ डेटलटक** ।

কবাদী মহাদভায় যে সমস্ত এটি চনিধি বি-নদীয় বাণিক্ষা ক্রব্যের উপরে অধিক প্রকল্প हेका चटक्कीए विकित्तिकात छ्विका काँत्रहरू शंदिवादित्सन, छीवाता वित्ताद्यम वेश्वद्यस मध्य मण्डाहि योगिका विवस्त स्व माख क्वे-ब्राट्ट- ज'रास्क मुक्कारक कविश्वक कहेराज 28:4 I

घाँडेन सब करात्रा बहै बनिहां उर्ज निकर्क क्रेब्राविष्ट्राट्ड द्य उनिमादनामिट्ड त्य मन्द्र पूर्व अञ्चल अञ्चल कत्। यात्र गवन्यकीटक क्षार्थ । नाहेदनम , क्षासून्यादत निष्ठात कतिदनम । नत्तरक Bal ein webte ant

("। म भूमकात का शासक लीक्टि बहेगा-

न किर्क श्रेष्ट्राक्तम् स्वित्राहस्य,

वेति एत नर्स शामहे बाजीह हारेकन नकः म-क्षांभ ह द देव्छट्ट ।

धकण करकाडि शांविनम्हित वारहेकिन महिन्द ममुन्द स्वेमार्ट्स

२ वट व्हिचिएक औरमज़ विस्माद नामि छ- । दस्त । वेत्रारक्ष वर्षे क्षित्र वर्ष्याचिक व्य माहि ।

क्तिरक्रामत कामरखन वाकिन मानक रामि र्राह्म विश्वाद । देखिया त्रवाद्वत् ,काववीशां ड नके कहेबाटक।

बङ्क्षणि अवास वास्ति हेरमश वहें उ नाहेटकेक व्हेडेन गर्बास किनिजाक क्षित्रांत के-জেলে লার্ড পাসর উলের সবিভ সাকাৎ কবিখা-《新日》

त्रष्ट व्येत्रार्थ्य ।

नित्रमान्ती । বিষ্ণাপন

३७ई बदश्या ।

व्यदेश्कानिक गावितके हे विश्वतक त्व त्व निश्वतक कार्या कतिटक बहेटव, छावा मार्थात्रस्थत स्थाह-রার্থ প্রকাশিত হইল।

>म। करेरकनिक मालिकिट्डिया निक निक सर्वता कर्त्वत काव अवन कविनात शृद्ध क्यान बाक्टिकेट्रहेन अब्टब निवृ निविक नगर क्रि-**(471--**

" আবি,-অমুক,-অমুক জেলায় আন্তেলিক माजिएके भएन अधिति वरेश मनव करि-टिह, त जानि वह क्यांत गाजिक होत बनाकात्र मरधा नासि बकार्च गर्थामाधा माकि-ক্টেটর সহারতঃ কদিব; আদি অপক্ষণাতিতা ७ उक्का भश्यादत निक कर्वना कर्य नम्मापन कवि , आंश्राह कर्डवा कर्म अल्लाइटसह शबदह श्वर्वध्वद्वीत कांक पांजित्वद्व नाका क नवस्त्व অপনা পরোক্ষে টাকা, অপনা প্রকারা দি এহণ कतिर मा, अरर चानि अप्रमिख नारेश्मत कष्ट नानी बहेशः (वसम जान । विष्युम्मः जनस्माद्य क्षार्था समित्र गा।

र व। व्यर्देशकिक मा.वटब्रेटवेश व्य क्षमका नमरत्र खीशविश्रदक क्रमका दक्षका स्टेर्ड । छी-शत्री श्रीकेटकर केगरन कान करता ध्रामां क ब्रिट्ड शांविर एवं मा। किंद्र स्थान शांकिरक रात्री लक्षेष्ठिंद ल्यादकत्। श्रवण समाधदत साहित- ! कवित्रोव कता श्रालितह केल्थ स्वर्धानः विटक भाविष्यम ।

> তয়। বচি বিচারেশ সমরে অবৈভানিক বা-किरकेष्ठे काम श्रीमन कर्षकातिय कार्यात स्माप দৰ্শন কৰেন, ডাহ। ংইলে ডিনি ভবিষয় দিক-টবর্তি প্রসিদের অধান কর্মচারির গোচর করি-

धर्ष । अदिक्तिक म.जिस्कू छेत्रा मिक मिक জেলাব পুলিন বৰ্ণচারি কি অন্য ব্যক্তির বি-काशन १७ औषमा मध्य मामनमा अवन महिन्छ भारतन । शांकरके हे के कविरक करेनकतिक वानिर्के हिन निकटि त क क्लिकानि त्याक-मनोर अञ्चलात, अथन विश्व । विकासित कार निरक्ष भातिरस्य। काशीता त्रिनिहास्य क অন্মিনকোটে সমর্পন করিবার লোকস্বসাঞ্জ এ-श्याद्या अक्षांनिक स्वेशारक अञ्चलकींत्र अन विश्व कृतिरक भौतिरका हिन्छ अक्षण स्टम

मिनिएक एक्टर कटिक्कालिक क्षांकिरके हिन्दी गर-र्गातिक विकार केल क्या आंक वर्षेत्रात्स्य

त्य। क्यांत नाकित्येद्रां स्विननद्वत পত্নতি অহুনারে কোন কবৈছনিক নাজি-ट्युट्टेर बनाकात ग्रेमा वक्ष कविता किएक निर्मित-त्वम : क्षरेनक्षमिक माक्रिक्के छारात गाहिता क्ष्मण असाम क्षिट्स गातिरक्त मा ।

७। या त्याम करेनडामिक नाकिरके है कांत काक्यांत विशंदात-मन्द्र क्टब स्वत নাকাৰ সৰলে অধবা প্ৰক্ৰার নৰছে ভাহাতে ভাগার নিজের আর্থ আছে, ভাগা বইলে ভি-নি তৎক্ষণাৎ ঐ বোকৰণা নালিটে টেন নিকট ध्यावन कवित्वतः।

१व । करेकानिक वाकित्युत्तेत्र क्लिक्शीत जारेरमत २२ शांताझगारत 'विकीत जनना अनेव জেণিৰ সৰকারি বাজিকৌটের ক্ষমতা পাইতে भाहित्यमः अवर अवस्थादा क्लिक्शकि विकास শাত হইয়। যোকষমা মিপাভি করিবেন। -

৮व । यटेक्टनिक वाक्षिर <u>के</u>टकेंड्रा श्रदानकर कर्मगांतरक काम श्वाह विश्विष्ठ गांदरक काश मानिक्ष्युत्हेत बाहा दशहन कहिरदत ।

अन । व्यटेनकमिक मालिटकेटकिया वाहे विमद्धा विरम्बन्नरम मृष्टि प्राविश्वन स्वन व्यक्ति स्वकृषि विभएक हव। विकाद कतिका कर्के गाहिएक का वर्त ।

১০म। अधानस्य क्लंडातिश **कांतु**स्य कृष्ट्- " नादर भरेनछ निक नाकिटक है निवदक श्रेक्ष कार्यादर " নিবু লিখিত হিলাবভাল রাখিতে চইবে; বা-क्रिक्ट्रेटिया व्याम नगरत व्यक्तिक व्यक्ति नगर्न ध्यपिटक भाषा---

अझंटर स्ट्रांटर	किनोप।
चना चना नामाना लाद्य	1 4 1
করিবারার	3 1
WICHHERA	≥ 1
अटडाक स्वा । धर्रहार	4 1
নেসিয়মে সমর্গণ করিবার	4.1
कवि अकार्षि विरमन का	डाहिक
RIFERR	*
नवदमञ्	· 🍃
ঞ্জোৰি প্রৱাদার	3
क्रुश्कातित मक्टलन	2

३५ म । अदेशकविक माकित्मुहोत्रा के नकन विवेदम्य क्यूव वाकिट्युटिय निक्रे व्हेट्ड शाहे

३२म । रवर्षात्म मर्क्स मांधानुद्रव क्रवाद्य वाहे-टक शास्त्रम । अदिवर्का अक्ष का करवे हेना बक्रम क्टल विश्वत कविद्यत ।

om । भटेन श्रीमक मामिए**के हिन्ना नानका**रन्त्र क्या भावित्ये देश विक्रे शहर बक्ष है ता एक गांदेह्वन ।

38ण। य गण्य मिलिएके हे स्था मिल्राव এতাৰ নোকৰণা করিবেৰ আঁহারা জানসার रिष्ठम । मानव म्यादनहः राष गाहित्वन।

>६म । क्यांत्र वशाद्विक क्यां करेवछिक माजित्युवि वर्षन क्लाम महिक्का कार्तामक क्रि रवम व्यवन स्विमारम, किना चू आवरकारके मन-र्गंग क्रियंक, खर्मक श्रेष्ठांका छ छर मरकांख चना चना कांभरकत नहिङ क् बन्दर छोरा विक्वेपर्वि श्रीव्यक्ष्यादिर विक्वे नमर्गन.क्षि त्वम् ।

>७**ण। अ**नियाना शङ्खित्य (१ नरम होका मनावरेटर चटेरफनिक गामिरके, टहेन्। अ.फराटम म नक्तांत्र अपर मानिएक्ट्री अर्मागड निक्र माञ्चलद्यः हैक्सित धन दिनान माजित्यु है अव-यां छद श्राद्मित क्लाम क्लाम जिल्ला निकाम दिशासन क्षित्वम ।

) १९७१ । स्थान कविष्यामाः, वर समीरमह क-দা প্ৰভৃতির টার্কা কিবাইতে হুইলে তাহ মাজি-**ब्युटिन जानामक स्टेटक स्टेटन। प्रटेनक्टिक** সাজিন্টেটেয়া কাহাকে কোন টাক। দিতে পাবি-(र्यन ना ।

অবৈত্যিক ৰাজিক্টেটেয়। এতি मात्र क्छ व्यक्तिया क्षित्राम्य छारात कर दि-नांव अन्नमारमञ् अमा मिवरम अस्मिरमञ्जू भाता । म कत्नि, यानारमावन श्रूक्तक रचन भवन कवि कथ-म्।जित्यु छित्र निकाष्टे ८ धत्र । कविरवन ।

১৯শ। , সাসিক ও তৈলালিক ছিল।ৰ পর वारमञ्ज ७ मिरनव भरभाहे ध्यावन कर्तर७ वहे-**८वन मध्या भाकारेट** सहेटन '

প্রোরত।

সান্যবন্ন স্ত্রীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পা मक अर्जिएयम्।

সম্পাদক মহাশয়' পত ২০ই জ'ত্যু কিও ই(ওয়ানু বিকারমার ও ১লা কেঞ্রারিং সং- ' बाक् श्राप्तां क्षेत्र होन व क्षां, सन वन वन ৰিনী ট সাহজন বাবু কোষপ্ৰ চন্ত্ৰ হইর। চুচ্ড। क्रियम्भवनित्र व्यथाक शलद न दिव किलाइ य!- । किर्के है मारवरवन्न निक्षे मिथा। बच्छी यांच कार कतिया कम नगाएक विकास हिन्द्रनीय এইরাছেন। কিন্তু কি চৰ্ম্মার, আমি এবজা- । কোন সময়ে সদৰত ছবলা বভিলার। তুর্ব বলি

बद्ध बद्धण क्यान উপক्रिय श्रीमान कदिया वाधि छ क्रिट्रिंग ?

अभगाउँ सामात समामान ७ राममान सनः বংশের পরিচর দিভেছি। আবাং ক্ষমহান ও বাৰভান মহা নগৰ কলিকাড়া, লাভিতে লুটা, ওয়াখো অতি নীচ কিন্তু সাতীয় ব্যবসায় ছুট পু क्षाविष ब्राह उ इरेब्राह, शि डा ७ शिक्वा महा-नारत्या मानाना बादमात्र कृति। कीवन योजा वार्यन महिराष्ट्रियान, चानि स्याध्ययार्थ किथित इकितन। विद्याभिक कविया खबारसम्बद्धना छे उर गालिक अरक्षरण अञ्च कविद्याद्यिकात्र ४ विदेश विदेश व अर्थ-বাংন থাকিয়া, খোটা অভাব প্ৰাপ্ত হইছ। খেটে। भिरमह नाम फथा नान। है शाद 🗷 भोवासा कविट्ड छेरसूक बहेशाहिकाण अक्षरप रक्रमाटन প্রত্যাপমন ক্ষিণ। হগলি জিলাব অধীনে কে'ন স্থানে অবস্থিতি কৰিতেছি, কিন্তু খোটে। হভাৰ **खाल क्षारक शांवि नावे, अशिय मध्य करे (य** देरङ् ७ इत्म कान (बद्दावा च्यापाटक प्रश्न करव बा, जुक्कार अक भागकी शाक्ति हाद्वा गतना भग-ল মনের অবহারে কাচার সহিত কথা কহি মা, माना अकात विकिक विकित कालक अतिकान कति किन्न कावस्तरमञ्जू कार्ग भारतिक्रमण भारतिक। বে। বাংসরিক জিসাব জাল্লামানি মানেত ১০ই বিকা হত বা। বরঃক্রণ চলিশের অধিক, বাংস্ক্রন त्वर वर्षाकृष्टि प्रक्षक रक्त मूना हुई अवनि मध दोन, कृष्ण कृष्ण, खेबद कृष ই লামি এইড এশ. বাধিতে এবং আ ভণত এল ও নিউ।লাদি নৈ-আবার কুণ কেমন, অধীনস্থ লোক দিগকে । जुन्क मार्कायन करिया बांकि, मान्नायर्थन केनामा कतक खेवस आस्रताद कत्रि, उनाम विदीन टि!शि ' ১৭ চিকিৎসার জন্য আসিলে ছবক্ষিয়া দিবাব म:शायड क्योशाह, व्यनिवादी हरेल जागन , मिन हे के न खेराब कड़ी कविएक कल्टिया करि **११२ श्रक्षीक। बूदलाव खद्या किन हैकि। शर्य,** अवस्थ अवस्य प्रक्रमान खेवन शहिनात्र निभि छ আমিবায় ভাষাৰ শ্ৰাঞ্জ ধাৰণ কৰিছ। অপৰান कवि, विश्वां उद्योजनीयां व श्रीनिश्वास द्वेजनी व्याप्ति धुम् ७ ममाभाग अतिया अभिष्यतः अति। कांत्र नानानि । दिनेवांकत कर्य कतियां ও अभवांक | द्वत नखक हुन के तत्तिकाम गरत से जनमा-

दि कहात अक बहेबांडे, वा आवाद कांत्र मध्याम मिछ मून्यमान ७ आहफ दिक टाजबारन गटा अकान दश्रमाई है नार कात्रन आधात को ला 'मिक्सिम कतिरक मिक्स करि, आधात निकटि नाष्ठे चौकाव कविएक इक्ट्रिक। ह्यांच कीवाव एव क्षेत्रध कर ना काइ छाष्ट्रांत हिक्दिया कवि ना व्यथवा क्षारवह क्या व्यक्तका कविरामहे उत्तर है । विश्ववाद व्यवर व्यवर व्यवर व्यव आधुष्टित वम, बक्ता श्रीष क्षावावित शक्तार, करम उदद छाण्डा । काकान वाद्यस क्रिके मा-निधिएकहि, अवर आश्रमांत्र मिक्के कामांत्र अहै। भरतत्र कार्का मानात्र अध्यक्षिन विकासन निरंत्रकृत व याश्वाद आवाद अधिवाद सूत्रकि अध्यक्ष करे, आयात आवाधारमार विद्वाद नाहे, अभ्योषक यहांगव, आधात अन्विति श्रीतिव প্ৰাপ্ত সুইলেন একৰে দনে আপতা ভইয়াছে रच छन्य प्रमानात मुन्ता कि सकेरत !

ক্লা, চং অভুত, পিত ক্র্সা।

মান্যবর শীবুড সোমগ্রকাশসংগা मक बङ्ग्लंश नबीदशब् ।

अवै श्राह्मत अक क्रम व्यवंतितक्रम पञ्जी ग्रह-वरम् (भाषक्रक क्रियर्ट्स । अञ्चलक्राह्य अक नार्कि २ष्रदर्भी ७७ हे छ सूर्व स्वास्थ्य राष्ट्री-তে আগমন করিয়া, নাগানাকে সহাজানী অং नामानायक ७ मामानिय हिविद्यारण मिण् ৰলিয়। পৰি স্বাহিত্ব ক্ষাত্ৰ ভাষাত্ৰ হৈ বনি চার মূচবৎসালে, ধ পিশ, ৮ মন্ত্র ছাবং জড়ি- अप्रत्य के विदेश श्रीद्वा अप्रत्य अप्रत्य श्रीद्वा । खर: र्श के अखारण खो के शामण कर निक्के अकराद्य (यम ।यम। भूरका विक्रीत प्रदेश अवर माधिलंब नाज्यकान मांचक स्माम ब्रुव करियाँव जञ्दहोध कविन। शह किन्त्र क्षावादे देवन के ध भ्रष्टिकांव भगत्य रमर्र छन्। धावन्य विष्टान्त्र ज्यावारम 'कार्र-व: ७।६'६३ अक्छि मृशुस केलन रावि श्रेष ক্রেয়া ডাগেডে বিন্তুত্র ডৈকা প্রদান করিয়া (श्रद्धात कारहा,सन क्षित् के,स्या क्षानाधाय প্ৰমন কবিল। ৰণিক ভজেপ কবিল। গাই এ৭-क्क नाम्रःकादन अवसे। सृष्ट शहन एक 'वर्शन मलक इ.स.कतिया केशकिक १९मा धनस्य -धक्षि काछे।भटन वद्धा क्वन कवित्र, उद्भवि छै क्व পশু মন্তক ছাপ্ন করিয়। পুঞ্জ কৰিতে ব্যাল। किवर कार श्रीदेव मृक्ष प्रवर्ग विश्वकावादम कविना ॰ फूबि अमूब्य जालकात बाद हरें। - ऐत्याहर कतिका त्व त्व अनस्ति वृशा साह्य सर्वार त्व धक्रकात क्षणिगांदक अवस्ति । अ गामांदक अवस्ति श-হিধান কৰিতে হয়, তাহাৰ এক এক পাট আ-बात निक्रे । धरू धरू भाषे करिया चालमाद विकर्ष दार्थ धरः ६१ कलक्षत्र व्यक्त कारक छा-

दां आगात मिण्डे हार्थ महार एक्सान करा- अवर कार्यापर दलग् हेटके जबर्दा प्रहास-कारत कुछाकर्यन कतिरवका। " व्यवका ने अवनेत्र अन शानी नादश्यत्र निकते कुळकछ। आकानार्य कारमना सुप्तारत मञ्जूषत कामकात काज स्वेटक अठ नडा ककान करतक वेसा काविता नाजिनक श्मित्रा, तक शांष्ठे दीक प्रम, तक इव. श्रेडेड्रा जाकामिट वर्षेत्राचि । वह महाव वानू शकामम এবং এए एए। फानिक (अरे नवनांश्रीन क्रांत्र) वालााशायमंत्र, वान् देशीयमान वनाथ, वायू श्रीक- अकि किमान दिला अध्यक्ति स्पर्न नक वारः व विद्याती दान वार्षकांक्रद्र क्रम वाद् नामक्षेत्र এकवि गिज्ञान बात अक्टम क मका व्यवकार त्यम बाह्य-वानकुक बत्वानावाध बाह्य कावि-न ईटक वित्रा क्षयानिक कार्मनात निक्छ तार्थिक। काठत्र महकाराधात बाबू बीननाथ महकार्था-कन द्वत श्रष्टां क्यांन नवानवाद से व्य विन ৰকে শীঅ সাম করিছা আবিতে অনুসৰি করি- বার রাবলাল চৌধুরী প্রভৃতি মহোর্থ প্রবৃত্তি-ल, वर्गित अवन कतिहाल, बूर्ड छमीत छार्वाहरू । गाँवछ हिट्लान । मछात्र कार्वाहरू बहैतन नहा-এক নিখানে রাজা হইতে মুটিনন বালুকা আল- স্কৰ প্রাঞ্জিন্তহতকে প্রস্থান করিবার জন্য যে व्य कदिएक आरम्भ कदिन। अहेकरण गर्थन का अखिनमान शक शक्क करा बहेबाहिन बाद शी-১।রা উভরে বলিপার ঘটল তথম পূর্ত খীর ইউ 'রদান বসাধ তাখা পাঠ করিলেন। তাখার পর नाथ: लय नमत्र गार्देशां जानकात्रांनि रखन्नक कतिता वायु श्रीतिन विश्वादी तमत कहिएलम " अ-খিতিকির ছারের দিকে পলারন করিল। অনতর । ঐ নাতের আবাবের দেখের বেরপ উপ্লার ক गृहमण्डन विकाशना रहेन अवर भूर्याखा वाहि- । नक्तात बाधानक किथिर र अमान कहिया छ।-ছা। জলতার দেখিতে পাইল না, ডখন একে- নি ভাব 5 ববীয় নভা হইছে প্রের্ড প্রাঠ সাহে বাবে ক্রন্থন করির। উঠিল। তৎপরে অর্থনিক বের অর্থার্থ চিক্ত স্থাপন করিবার আবশ্যকতা अङ्गोशयम कवित्र। जनवन्ता वर्षम कवित्र। वस्त्रमः विविद्रमी विकाशमी बाद्ध सीममाच श्राम्। অংবহণে ইতভ্ৰতঃ জন্মণ করিল, ভ্রথম সে বাটার গাম। পার ছইয়াছে আর তাকে পার কে ? অবপে 🕉 করিয়া কবিবেন 'আধ্রণ চীয়া সপুত্র করিয়া যে প্রবক্ষের অভুসভান না পাইরা হতাশ হইটা श्रीनदर यनर जिल। दम्या नाउँक श्रेनीरमन नाया-ष्ट्रीतः विकासमा नामः चात्रम्, नदालसः । (नष्टी **म्**।-রের বিষয়টিতে কাঁকিতে পড়িয়াছে অর্থাৎ স্থান প।বলী মনে করিয়া শিতকের ছাই পাছাটা লইয়া গিরাছে। এবল পর্যান্ত প্রলীবে এবিবলের কিছু অনুসন্ধান হয় নাই, গৱে-বেল্লপ হয় একাশ क्षिर बिट्यम्भ ।

भागकृत श्रूक्तिया नन्द्रक्र ७ देवणांच

क्नाहिर शांटक्ना

অযুক্ত বোষঞ্জাপ্ৰকাশক वरान्द्रव् ।

বহরমপুর নিবাসী ব্যক্তিদিগংক একংশ সৎ-क्रिकात अञ्चीतम अजी तार्थ। बाह्नेराज्य । क्रि দিবস হইল ভাহাত্র উত্তর পঞ্জিত্রাঞ্চলত তলী-नक इर्जिटका अवर वृंश्व महाक्षी विक्रिकेट ब्रुटवाण গাংলৰ চালার বিশেব কাছভুষ্ণ করিছাছিলেন धाराय १६ रेवनाथ दब्जा ६ चिक्निय अवद्र खाती रथी जीतम अधूक बाबू श्रीकमिक्शनी रात्मन स्वमा रेश्वेक बोमान क्रिक क्रिक्क कार्य करोनिर । तकार्यक क्रेक र हैकाउ तेन बिडीन मक्क बोह: (यक श्रीत ग्रोम; देक। असक मकारीय उना कर करी।

थात्र बाह्र बीमवञ्चनात्राक बाह्र देवकृष्टमाथ भाव বানকমনিল। বালুকানমৰ করিয়া জন শূন্য বিষাছেন ভাষা বৰ্ণমাজীত, এজনা জামালিলের, হওয়াতে বিকিৎ বা লিবিয়া কান্ত গালিকে পারি ং হিত ঘটে হস্ত প্রবিষ্ট করিয়া তদভাত্তরে বপন। রতবর্ষীয় সজায় পাঠান আবশাক। এই বলিয়া ডি ন্নকে পাঠার্থ এদান ক্রিলেন। তিনি ভাহ।পা-न। भावेष्ट्रा विष अवादन अवहि " अति स्वाह " নাদক আৰু নাহেবের নিকট কুডজতা প্রকান্যার গৃগনির্মাণ করি; ডাহা হইলে ইবাতে ছটা উল্লয क्म प्रदेश। अक आले मादश्यत मनीरम कुछ-कर्ण क्षणान करो :' विक्रीप बरमरण नाथातन वि ভার্ম নানা সংখাবোর আলোচনার জনা সাধা র্ণ সভাগৃহ মিন্দাণ করা। অভনৰ আনালের এই क्रम क्यारि कर्डश । श्रक्तांगाधाय बर्गानत्त्र वि शक्कारय राष्ट्र जीवनकु भागान ও राष्ट्र कविका इत्र नटक्राणीशांच श्लावक्षां क्रिट्स गर नक्स मुखाई डीवान करे शालात बना बारवन महिन्छ अञ्चर्याप्तन क्षित्रत्य । श्रेनद्रात यांचू मीनेमाध शरकंशिक्षात कहिएका चार्याक्य और विक्रवह টালার জন্য ক্লান্ড একটা সভা করা আবশ্যক। ভা शांख बाबू 'श्र मंगविश्वी तम कविरक्षम "मार्ड क्नीर शंबाह्यक **जागारम्य र्ल्यम सम्ब** উপকার সাধন করিয়াছেন। অভএন ভাঁছার এডি मुर्खि निर्मारण्य जनाय जामारमत होना दशका कर्त्वा। अवै आखारन नामू आकाममनदन्ताराणा-थात्र राष्ट्र भोतमान नगाय असर राष्ट्र ज्ञांबकांक চৌধুরি প্রকৃতি নভাগণ গৌৰকতা ক্রিলে गढ गडागां वरायप्रक बनावाच कराव विदेश

२ इत्र कार। त्नांच आकारण अकाणकतिए क नि कतिव ना निर्देशन हेप्ति।

>२०> नाम **फार > देवनाथ वस्**तमध्री । कता हर इन कता।

युक तामक्षकां मुक्तकां नक वरामन समिद्रमञ् ।

সম্পাদক সহাপর ! আবি কংছক ভিত্র পারী: विक शोक्षिक थाक्ष्यू **, देशान (**भय ह**ाव श**टन निर्देशिय " बारे क्षिका, क्षांत्रिमा अने क्षिर्ण शांति मारे। क्यानव क्यांक्यानामा १५ क्रम विशास मरीबांट्ड, जांबाट्ड क्लान्स्यूडे जांबात हा अ: **जिक्को शूर्रम कतियोग मेल्यो जिल्ला २०१३** किन्न ५ १३ ৰাক বোৰএকাৰে ৰেছিনীপুরুত্ ধং মং ইতি শাক্তিত প্রথেবকের গ্রেরিক স্থান্ধে জেকের नक्तमांत्र निकासि विश्वता दकाम क्रिके मुक्किरवाह्य जार ना । ध्यामग्रीएम ५ जान प्रदे भछ, धरर समानारतत्र जिनमान धक्लक होका करतन् क् क-त्रिगानात चारतम स्टेब्राट्ट । अर७ छारत्य क्ये कि? यहत्र ছেলে यहत अल्। क्षाल श्रीर्क् বেদন আধিপতা এখনও সেইল্লা । কিন্তু হতভা্-গ্য অভয়ন্তরণ যত্ত্বর কণালে এই প্রকার লাভ इदेश क्ष्में देशंत्र शृंदर्व केशिएक दक्षण शाहि কাটুনীয়ার সমারি করিতে হইত, এবন লাক্ষরি ও প্রেণ্টাবের লাবে নালির ক্রাডে ক্র্বীথ ववार्य कथात उटब्राटय बाह्य कहिनात क्यून वर्ष-হাছে। মহালয় ! ভাহা ধর্ণন করিতে খেলে বাল-(क्ष क्षवंत्र) अक्रामाचा **लावाल्सक मिठ**्य राक्तित्रक व्यवस्थान विहीर्ग यह। मार्क्स नाटक-द्यत प्रतिव अस्टूब्ब कीकात निर्मत अवकी प्र-कृत कृतिस **वदेश्वरक्षः अवस्यक्र**क जे नःस्व रक्ष्मा वर्षेत्रास्था जे श्रेक्ट्रा वृक्ति। तहका मह। (अञ्चारम अञ्चयमम् अमुक्त कृत कि श्रेत्र वि-नामि समान कतिराह विदेशन अधिका ना शहर विधिक हिका काणिएक रहा) ऋकत्व है । वालय-काल स्टेट छ श्रीत आमणील बरहम, ग्राउदार कार्याकोलं की बात करक कारक स्वेषा के दिलाटक ! कांद्रक ब्याचात्र कन्नकृषेत्रम केन्द्रिक इटेन, ध-মাধ্যে করেলী ৩ । ৪ সের ওক্তবের গাঁড়ি (क्लोह मिक्षिक कर्मक बंगरवड अक्शकांत्र सारा वि टबंब (इक्क, बबर कालब्रक्रवर बक्क्टक ५ १ के दिन **अक्टबर कैं। किटल मृजिका धनन क**तिएक उन्हें हैं-छ। चान वृद्धिका त्रक कृतिएक व्हे. ल ज्ञा अटम अम अम बारत अम अस क्लाफ़ा बहत नेटेंदे, व्या कर्षिट्ड वर्ष । स्थानत । बदक शास्त्र सार्थन खान, सरक कोवांस क्यारनका २ । ३ ७० ५

इत्त '्राजः, ''ः अमगीम् राक्तिक कथन केतिएक शतक कृतिका शत शत बाहे केशकात कृतिका॰ यहत्र आध्यालय कृतिएक शांशिरकन । सक्तान-नमर्थे रहा । 🦿 ा नुस्त्रत पृत्यं क्षेत्रविदेशा दक्षा मृज़ारे हर, गहर राज लंबम बहु बही विश्वकृत छेल-मकि र्या १६ पर्वना स्मिथात समा स्थान अक गामिनारम्य साल-कृत्मत लङ्ग शृहसुक्षकाञ्चत कारण अवस्थानी विश्वानातम् करवकी निकर र लात प्रदेशक होता के क्षण्याद्य जातिया अक्रमार्वित छोतुन अवस्थितिकान्यस्य शोव र े रे अध्य विद्यालि अविद्यादिकात। उत्त-ाओं श्रंत श्रंफि विशेषक विषय बहेक्स विश्वह क्रिकेन करि व्यक्तिक्व राज्यास्य वास्टिए मा क्षित स्वित्ये हैएक व नशकः। जननरक् नमा ্রিবিক্টান্ট করিছের ছলিয়া গেলেন। ছাত্ম রে িভি ভার কি এডই মহিমা বে, একেবারে ৰৈ স্পাদাৰ করিয়া আপনক্ষতা একাল ৈ তেগ্ৰেক বিক্ ভোর ভক্তকেও বিক্! भरोपेन, अंक अंक विद्याद शिक्ष, व्याना विद्यान 🕍 বিষয় নিবেছিভেছি - এখন জেলের নিষ্ণম व कांग्रे। क्यांग्रि । बक्फी क्यांश्व (कर कांद्र) व 👺 उ प्रमिष्ठ भौतिरं मा। ब्राप्तक हिन ४३ व क्रिकेन विकास व्यक्तांक । । हाति जानस्तित 🎇 শে। চ এটন করিয়াছিল বলিয়া এই উপ্ত नतन जीपूर माजिएके हे जारबरवात क्या विद्यार ক্ষ্মীৰণৰ প্ৰতি ভছাৰান কৰিবালের के देशारह । यति अदेश वयार्थ विशास व्य ियानहे १८ वर १९ क्यानिस्त्रक ४८ वर्गस्त्रक ना, निर्दामाव किंदू वह ना, चनर महिन्दिन कि अवर्गामतीयांच कतिरमक किंद्र एवं मा । कि নৰ্কাল নর্কভোগ্ট ভাষ্থান্ত গোলামুক্তণ শান্তি। যদি অবচাদ প্রভৃতির বিচারের ঋন্য **जा**ति जातिगाक श्रेष, छटन अध्यक्षत्र जातिश हु दाम वामछ। नकरलाई नहलाइश्वदर्श विस्तृष्ठ दिः अन्य प्राप्ती विशव का आहे निर्माणक कर है-हिछ । क'बरा खबन है जानि त नामाशाद कान मान देश अमा क्वाना करते काल नरहा वातात मा-🖷 নত্নৰ বিভাবিহালের সহায়, ভাহাহিপজেও दश्रेष: श्रुक्त मध दल्खा गर्क मरहा अथरल हेरू।-र्क श्रक्तका एवं, नाव्यानाहित्र नारम व्यः, अख्टियारः (महिरायांकी। जिमि नांश्य मा क्रिस्स पाकार्यञ् अर्थाक्ष गाहितां क्षेत्र विविद्य शहुन रहेर्छन हेश अथवतः व वेटब्राम रहेक मा क्षित्र, नच्छांक মৃথ্যু চেন্তলাৰ বে কোন গোলবোগ হউক ন' ইচাবে কিছুপ ছুপাক্ষ্ ও স্থানিকীগায়ক ছইছা ्रक्षा, भोक्षित्रमारसम् असवीत मारहपरम् व एतः छेत्रियारह छावा विस्तृत्व महिन् क्षिमित आक्षेत्र वीक्षेत्र वर्षेत्रावात् । वाहा व्येक त्वत । **वहे ह**निक वात्रादत आक्षेत्रम् मर्शन्ति क्षितिक जात हदा जाएकण चंत्ररना त्यावन एकता क्यां कि के बर्टरा बहेकरण नेवल नकारे मात्र मात्र । करव काश्रीम त्यमन श्रम शक्तानि कामगाजार व्यारमात्र काला विकासिक वि-

ছেব, সেইরণ ব্যা এবনও আগনি গরোপকা-विकासरवत्र वणवाती क्षेत्र। अहे विवरवत्र मा-রাংল উচ্ ড করিয়া পকলাত সুন্য কোন ইংরা-बी मश्रीमण्डि शहात क्या अमून करत्व, व्याप इक्ट्रेश गालिका नाविक ७ जैनकुछ क्ट्रेन। क्लिस मा जावि उ बाक देश्लाकी कामि गाँदै, क्षि ल अथानकात भारतरक देश्ताकी कारतान वर्षा. किस्कि प्रवक्ता जारकात करनक थनावान आगान क-अन्दाता जामून उनकात महैवान महोबन। मार्च हे काशार वीवार्या विनिधित्रण कांद्र्यत, वन्न कीराता 👯 जानामा जननः जशनि अमूक अङ्ग निवास् वृक्ष

२। शाय २। ३० मान स्ट्रेन अवनगरत * विविधविषयविश्वविश्वविशे " त्राष्ट्री अवकी नर्छ। च-वका करतकती कुछवित्वात अवस्त्र काशिका एरे-য়াছে। ভাষা সাঞাচিক ও শালিকনিছকৈ নিৰ্মা-दिख द्या गांशांदिक कांद्री अधि प्रदिशांत्र ६। ६ যটিক। হইতে আয়ন্ত হইয়া ওঘটকার পোন হয়। **ণাসিক কাৰ্য্য রবিধার রাজি ৭ বটিকা হইডে** ১০ ঘটিকাপর্যান্ত চলির। ছবিত হয়। ইংরি শ-नका अकारन रवतान रविषयक्ति देशास्त्र स्वाध-क्ति चांतरतरे देशांत खेलिंड वरेरव । श्रेत देवज त्रविवादत देशांत्र सवस सामिक कार्या वरेता शिक्षारक् । त्म क्षिक लानवामा किन। त्य সময়ে মাণরিক অধিকাংশ লোকে বোমোশত ছুইবা'মৃত্য গাঁড ও রুথানোছে রড ছিলেন ; বে नवंदा तकन शृष्टे आह आदित कृतूत गर्दि-शूर्व दिल; त्व नवद्य नक्लाइरे जनवद्य कर्वाकु-श्व महन इरेशाहिन; नकाल्डरे इपन्यन रि-कृष्ठीकात भारत कतिकादिकः त्य नमत्त जुर्वकात भागतकहे वाक्कान ना हरेबाहितन ताहै. महरूप विविधविषयविष्यास्त्रीत अनुगम ३० अन मका मुमारक स्वेतः। " अन्याकनीय क्विविद्यारात्यः बादा कर्तवा कर्ष मन्त्राहिक स्टेर्फर्ड कि मा। " अदे विवाहत आक्ष्माहमा कार्तम। त्रीकि भक इरेगि वक्षा गडिल इरेश्म धन्ति पुरक গালোখান করিয়া আৰু ছই মন্টাকাল পৰ্যন্ত बरे विश्रात अक श्रूजीय वस्तु को कृतियान । क्रिमिन का, वाकित्के हे जारहरके लागात श्रामा जीवाद तारे वक्क जात बर्गा बहेती दिराव का उस्थित इ**रेडोड्जि (र ' जा**न (क्लानगाता'

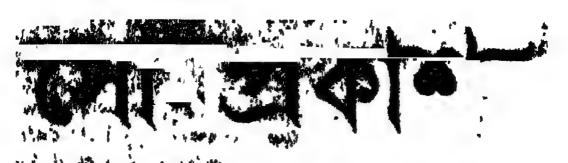
্বাই অস্তঃকরণ আনবন্দ ও উৎসালে প্রিপূর্ণ হরীল। হোলবামার সংক্রব স্থান করিলান এই शक्तिक। क्रियं। चुरक्षमक्षणी अभिक्षिण्मीश आस-ন্দ অব অভ্যত্তৰ ক্ষিপ্ৰেম। এইব্ৰুপ আন্মোলমের गद्र शांव >> है। द्राक्षिर क नकांकांची ऋषिछ बग्न । মৰাদলের এইরূপ চরিত্র ও উৎসাহ দেখিয়। इप्राह्म ६। योष्। एके बात्यक व्यक्तकाम कहि-क्षिक्र विश्वादक त्य, त्य विषय, विविध विषय ক্ষিত্র ব্যক্তারা গোলবাজার কোন সংখ্র-वर्र विकास अहेन्नण स्नान-

> जानिनाव श्रुक्त श्रम ध्यापक >8के जर्भना মেদিনীপুৰ 3 E MAN BOND

> > मुनाथाचि।

এইপুক্ত বাবু ছড়োন লাল রার ফ্রানিখী **३२७৮ टेइस इंदेरक ५३ कास्त्र श्वीस ३० है।व**। ^{९९} जनवजीहरूने हिन् ১২৬৮ চৈত্ৰ ধইছে ৩৯ ভাজ পৰ্যাত্ত ^{१78}क्षकत्। यस् यस्त्रम् ২২৬৯ বৈশাপ চইতে আখিন শৰ্যান্ত ণ ব্যক্তা সভ্যাপরণ কোবাল **ऽ२७३ का उन शराब** मान पुर ण देवलू ७ माथ हान **३२७३ रेवनाच ज्**वशि क्षांचिन गर्वास द जे " त्रोधिकाञ्चनःव दयःय त्रीतिक न उप्राचीनि)२७७ रेवणांथ **क्ष**विध काणिन शर्याक्ष ६ खे a भन्नानना बूट्याभाषात्र दीतकुर **)२७३ देवार्ड व्यवधि कार्जिक शर्वार्ड** ब्राक्त क्षांकाको बाब वर्तमध्द अक्र देश्य पर्याप कर जाव भवार अ मानाक्षत्रमें इंटिनिश्धान्त वस्त्रमध्त **>२७३ रेग्णाश सर्वाध आधिन शर्वास** तं नामाहर विमान क्लिकाजा 3२७» देवनाथ अवस्थि आचित शर्वास e जे क्षितिमध्या बहन्त्रमेशोधाप तामकृकश्र 38.6% देवलाई वैविधि जाणिन गुरा स द जे

क्षेत्र अञ्चलकाष्ट्राचे प्रतित्त शूक्त वाक्रमा द्वानकरत्त्व त्र्यांश्रीक्षक्षं स्थित हार्श्वरणाचा बाद्य के हुक ভারকারার বিভয়ানুষদের বাসতে জড়ি সোমবার कारक क्यांनिक रहे।



अवकार ताहा विकिश्व पार्थियः यहावती क्रांचिवकीय शासकार ।

TOTAL MEMORY

महाभाषा । विकास विकास करा ।

atiga alga i gial

क्रमान त्यामान

व्यक्तिकार्ताः कर्यस्यानेत् व्यक्तिकार्ताः

नाता जन्मानाम्बद्धन हि नानगात्र दशायद्वयं । नात्रियुन् ७ । सूर्ययक्त **(कार्य क्लेंडन है ज़िल । कार्याम विगीय ५ ह**-विकित देश अवर **अवेदानत व्यक्ता**ताह क गबुष्कानित्र छेन्छन स्वेडक विद्या भाएक, निरमकारीक्षा सामानावसारे आहे अन्ति।। निक रक्का अविवक्त भागतिक नंतरत वरे क्रिका अवस्थानसम्बद्ध प्रदेशक शास्त्रम मा । व्यवस्था अवस्थानिक अधानिकारी न न्यूर्न काले व्यक्ति काले काले काले काले विन कोश्या मान्युनेस्टम् सम्बन्धाः प्रदेशक शास्त्रम् सार्वे । अधारिक्षं मान्ना क्याना वित्र केन . वर विश्वासनार्थ श्रा Alterio tellos

को केटकी हिन । जानिक बन्दानन धरे पुलिरेन्द्र पोलीव पितिरपट्य। सम माजिएके वेर्बाकृष्णि मरका बार्शाणमामूबन দা হউক বড় জুলেও ছিল লা; কিছ বিচার ক্তিয়ি-কৈ যে গ্ৰন্থ কৰিল আৰ্থ্যক, ভান্তত बर्बन्न प्रकाशकास्य क्रिक्टिक विष्ठांत्रकर्ष नाव काश्रेष्ठ कथिकारण्येत्र कमस्रोव दिल । नवर्गतक अटकनीप्रविद्यान শিক্ষাধান केंदर्भ अंधूनिने विद्रमन मा अवस बह, ক্ষিত্ৰ লোক সংব্যায় সহিত গ্ৰন্থেই হত चर्चन्न गर्या सन्नित्नै महर्देश माना चर्यान मात्रि क्या एकित शूट्य पूर्वाशायनत् मात्र অভি অফিক্ৎকর বলিয়া অতীরনান হইত महाकृद बोरे। काराहाध कविकारण कर्का क च्युनवरत्रकविरवत्र त्यात्म शर्कतिक 160

मलाक वर्गात्रकोत्र केतिविक स्टास् विकासने केतियाका छाडी। जनित्रहेर । भूमितायाक मश्लाकार्थ स्वावित भूमि म मश्यानिक स्वेटकार, विष्ठात्रकांत्र मश् क्षा वृद्धि क्या स्वेटकार व्यव श्राकाश्यक्ष विकासमार्थ किविक जनिक वर्ष वास्त्रका स्वेतारह ।

वस्तिक वह वाद्य विकासित के अस्य होता नाम कहिएसप्यत । विद्यास क्ष्मणा, वस्तितालेह कर्नानम, श्रीकालको के करि क प्रत्य होताला हिंदी विकास क्षिता करें। कहिएस के शाम नर्न श्रीक क्षिता करें।

पान क्या करेंगाः स्थिताहित्वां अध्यान स्थान व्याप्त व्याप्त स्थान स्थानित स्थान स

र्धेक्श मा करते में। याका माहाया ज्ञ अर्था

क्षे दगवर्मा नटर । देशक देशक निर লোখন^{্তি} অভিশয় **আবলাক**। বেখানে বি मानत र्रेटर, खडकी देनारकत्री हावटचत्र त्रकत बादन कर किया किटबन, नवर्गटम के छ ज़रे शतियादन नाम्यास्य क्रियन धरे बतगढि अकार्य भटन । देखी भटनक इटल विकालक अधिका कारवा व मैदीन अधनान লৈছে। ৰাহাদিগের আপন আপন বিদ্যালয় স্থাপন করিবার আন্তরিক हर्ष्ट, कारानिरभन्न वरनकरक वारे चित्रा छट्या धतार हरेरक एका প্রিকট আশু এ নিয়ম রহিত পুরা পুর্বেও একবার কহিয়াছি करिएडि, य बादन गवर्गस नाज रहेन्रा थारक, শভ করা হিসাবে च्यका विशालको हान कसन। धव्राल चात्र अक्षी क्यात्र चेंदेलच क्या चार्यमाक रहेटल्ट्ड । शवर्गटमके क्षेत्ररंग क्ष्यावधान কার্ম্ব্রে যে অর্থ ব্যক্ত করিতেছেন, ভাহার त्रहेटको कहा निषास भावनाक। रेनटन्न ক্রম ও ভেপুটি ইনস্টেরের সংখ্যা কর केन्द्रित्स विकास व्यूमाळ हान इरेवान नहा बना नारे।

> 'কাছাড়ের চা-করগণ ও চাকা-প্রকাশের সমাদদাতা ।

ৰিদ্ধি কাছাতে গাকিয়া এতদিন চত্ৰতা স্থা কর্তিবার ব্যবহার র্ডাণ্ড ঢাকাপ্রকাশে ক্রিক্টিভেছিলেন, ভিনি সম্প্রতি আস:দি ুর্বার নিষ্টে একখানি পত্র প্রেরণ করিয়া क्षा । शक्तिमान शक्यानि यथा द्वाटन मर्भन ই ব্রিট্রের। পর পাঠ করিলে কোন বংপই িন্দ্ৰীবোধ হব না বে এনেলে বৃতত্ত্ব গ্ৰণ ্ৰেই, খৃতন্ত্ৰ রাজণাসন অথবা ব্যৱ রাজা নিয়হিন। অত্তত্য ইউরোপীরনিগ্রেই ব-बर्बेटकके, बाक्यानम ७ ब्राका बलिया (बार

ব্র। চাকাঅকাশের উক্ত সংবাদদাতা लिविजाहरू, छा-करत्रता कीवात थान गर स्टित केलाक स्टेडाहिन केशिटक अनका। কাহাত পরিত্যাপ করিতে হইরাছে। ব্যক্তি चर्या मरामात्र वित्नव व्यक्तिकात या कि विरम्दवन व्यानअवदन मावनी व्टिटेंड शा त्रम, च्छत्र अवर्गस्म वाक्टिन कि क्थम अवल महाविष्ठ इत ? के क महाविषाको विकि नेकि हरेरन, क्वनिन भवन्यक महाविष् चनत्रांधी रहेता धारकन, चानक्कार्च चाटर, त्मरे शास कें.हाज़ विष्ठांत्र स्ट्रेटर अवर चा रेन चाटह, जननूत्रादत छाहात नक स्वेटन; चरुटच ब्रांकविथि अर्थ क्षित्रा चत्रर क्षणु ररेश काराज्ञ प्रक क्षियात सम्बागि । रेकेरतालीत्रमिरभन धर्यादंश भर्व ७ धर्यादेश বেক্টারিভাই ভাহাদিদের প্রতি এদেশের *भारकत विरवरवत्र कात्रण क्रेनारक् । रमधा* নে এৰপ ব্যবহার, সেখানে ছুর্বলের ধন প্রাণ রক্ষার সন্তাবনা কি ১ ইউরোপীয়েরা এলেশে আসিয়া বাস করেন তাহা এদে শের লোকের যে অভিত্রেত নহে, তাহা রও কারণ এই। অধিকসংখ্য ইউরোপীর वान कतिरलरें अरमर्थ चत्राक्क कांश्व हरे (व, अरे अरमण्यत लाटकत्र मंद्रा। अरे मद्रा चत्रनक्ष मरह । धरनर्भ धक्रर्भ स्व नम्स ইউরোপীর বাস করিতেছেন, তাহার অধি कारत्नतरे ह्यांक्शत कुछ वरेत्यत्य ।

উক্ত সহাহৰাতা হাকাঞ্ৰকাশসন্দাহ ক্ষে উপরে ক্ষাক অকাশ করিয়াছেন। किंद्ध >२३ देवनारचंत्र-शकाव्यकारन पुर्व रहेल, ७६मण्यानक मण्यानकीय बाका কলে সহায়গভার পরধানির ভাৎপর্য প্রকাশ করিরাছেন। সম্বঞ্জব ভাঁহার আর কোত কিঃ ভবে ভিনি কাছাড়ে অৰ হিতির বিবরে বে অভিয়ার অকাশ । পের বৃধি হইরা ছুর্ভিকারি সোধ প্রশম क्त्रिशांट्य, वाख एरेटन जारा सुनिक হইবার সম্ভাবনা নাই ৷ সম্ভাক কাকা रिभिश्कान थाजीका क्यून ।

किया मुखे स्टेरक्ट्र, जासारक म्येके वि'ध इट्रेट्ट्र च्यानात् कर्या विनि इकेन ना কেন, প্রভ্যাচার পার প্রধিক বিন প্রভূষ করিতে পারে না। জাভি ও বর্ণ বের বিচার ভেবের কালও ক্রমণাং र्रेप्टरः। जामना नाकीकरत है করিতে পারি, বত বিন সবিভার সঞ্জী **क्रेट** भातित्वम मा

> ভারতবর্ষের পদলিক ওয়ার্ক ও জন ডিকিগল সাহেব।

ইপ্রিয়া রিকর্মর সোসাইটি সভার স ভাপতি ক্ষম ডিকিশম সাহের ভারতবর্ধের প্ৰলিক ওয়াৰ্ক প্ৰসদ করিয়া সক্ষতি এক সূত্র পুত্তক প্রাণরন করিরাছেন। ভারত बर्धत गर्व इतन त्रमश्रत इरेरण्ट । क्षि नगीगर्ड थ्या क्रिया वाज्य क्रिएल ध्वर मुख्यविषे बाषाचि बनम क्रिट्स त्य লাভ সন্তাৰনা আছে, ব্লেলওব্লেডে ভাষা रहेवात मखावना मारे, अवह इ.केन अव কমপের অধিকাংশ সভ্যা ও ভারভধর্যীর शवर्ग्दवंके टारे द्वान्ध्दत्रहरे जन्द्रवाषम করিভেছেন; ইহার প্রতিবাদ করা উক্ত **अन् अहारश्रेत्र सूचा केंद्रमाना। कत्रण १।के** त्मन्न जन्मानंतरक मददायम कत्रिना हेश नि विक स्टेबाटर । द्वानक्ष्यत्र व्यानका था ভাবি ঘারা এ দেলের বে অধিকতর উপকার লাভ হইতে পারে, আমাদিগের সামাম্য वृक्तिक काश विलक्ष नाथ स्ट्रिक्ट । नमी नम ७ बाजानि बाबा क्यम व जना वित्र ज्ञानतम ७ ध्यात्रगावित्र मुद्धिश एत একপ নহে, তত্মারা মেশের উর্মরতাঞ্চ त्वत्र मण्यूर्व मञ्जाबना च्याटकः। बांब शबना क्षिटल ७ केव्ह्यून संख देशकाना लिकक क्षेत्रम् व्हेरेर । अक क्षाण शर्व क्षेत्र कहि भरनत्र व्यक्ति जनशक्तभारक मिकात विकास (क दर नात एत, दालकरसत्र तारे अक বিবলৈ অত্তত্য প্ৰপ্ৰেক্টের বে সাগুতর কেন্দেশ ভাষার বছৰাই অবিক্ল বলা ক্ট্রা থাকে; কেহ বলিয়া না খিলেও ইছা স্থান্ত (बाधनामा क्षेट्ड भारत ।

কলতঃ বাহাতে লাভ ও উপকার অ विक बंदर बाह करने, कांद्रा कांद्रांत्र कथि कडद क्षार्थमीत्र का स्ट्रेट्व ? जिक्लिय गां ह्म अक काटन निविद्यादकन " शाकावडी मृत्य द्राष्ट्रा ७ वाल अक्षित मृतिया इछ রাতে অমুভ উপকার দর্শিরাহে; পূর্বে वर्ष वरव १। ७ लक होकात खरवात त्रश्रा নি হইত, পশ্চাৎ প্রায় ৫০ লক্ষ্ টাকার রপ্রানী আরম্ভ হইয়াছে; তখনুসারে প্রকা शर्भत्र थम नमृत्रित हिच स्रेगाइ , अक ণে রাজৰ শতকরা ৪০ টাকা বৃদ্ধি ক্রিয়াছে নেবিপেশন কোম্পানির শতক্রা ৫৫ টাকা लाक करेरव, जबुशास्त्र त्य बाब क्रेब्रास्क, ২৫ মাইল রেলওয়ে প্রস্তুত করিছে যে बाब नाटमं, कछक बटर । "

আমরা ডিকিসনের ক্রিছ বইতে আর এकडि दिवत्र कामिएक शांत्रिएकहि। अदर्ग मिके दिल अद्भित्र व्यक्तिक स्रेत्रास्य. ইহা ন্যায় নিশ্ধ হয় নাই। রেলওয়ে কো म्भ नि कविश्वय इंदेरम अवर्ग्टमकेटक रम कवि शूत्रन कद्भिया निष्क स्टेरन । किन ত হারা কাহার টাকা লইনা লেই ক্ষতি পুরণ করিবেন / তাঁহাখিলের টাকা কো খাব - প্রজার টাকাই তাঁহাবিশের টাকা। অভএব একের টাকা লইয়া অপরকে সে ওয়া কি বিধেয় হয় ৷ বেলগুরে কোম্পা নির খাধীন হইরা কার্য করাই বুক্তি সভত। তিকিশন লিখিয়াছেন "রেলওয়ে কোম্পা नि विमा चालनाम स्कार्त त्व ३३ वटगरत्न भाका भाक्ताद्यम अवन नटके नवर्गटमके কেবন যে ভাছ।দিগকে ভূমি। কেবল এক বোষাই বীপে চাব্লি নাইলৈ ৩০ লক্ষ টাকা वात मात्रिवादह -) विवादहर्म अञ्चल नद्द ; न चटन चना चना नव्यंटमके वाहा विक्र ধাকেন, ভাহা আশেকা চতুৰ্বাংশ অধিক (१७वा एरेडाट्ड) हिएक्न प्रवीकान कविदा

ट्य बद्ध मट्डू ; रे शाक्षेत्र मित्राण मडीच श्रेरमरे जम्बद्ध वार्यटर केंद्र व मंदि स्रेत, किंड के इ कामाप्ति त টাকা বাদ করিয়াছেন, গবর্ণদেউকে ভ হা অভার্পণ করিতে হইবে । ,, এইবেপ লিছিয়া चिनि शतिरमाय अञ्चल्दा कहितारहन, तिमध्दत्र महिष् ति धारकता रहेक्टाह. कांत्रकवरीत श्वर्गत्मके काशांत्र कांत्रि कांत्रंग नटर्म, कार्ड आविकाइन कमल श्रेत । খাৰা ছউক, পরিশেৰে আনাদিখের বঙ্বা धरे: डिकिन्दमत अश्वावित अन्न शहे क রিলে ভাঁষার কিঞ্ছিৎ ঔষভা প্রফালিত कुके रह रहि; किस किमि बाजानि बनत्नद्र व्यवनाकर्षवाका विषया य य व कु कि थान র্ণান করিয়াহেন ভাষার একটাও অসভত ৰলিয়া অভীয়ন্ত্ৰান হইতেছে না। ভারতৰ বে পৰিক পরিষাধে থাতাদি হুইলে ইছার বে সর্বাদীন মদল লাভ হইবে ভবিষয়ে चन्त्राज मरक्ष् नारे।

- जबक्रियांव विद्यांत ।

খনিয়া ও জয়বিরার পর্বতে যে বি व्यास्त्रि व्यक्तिक स्रेशार्थ, जनानि क्राशंक्ष मान्त्रि एव माहे। अक >8रे अध्यान बैदर्गरमणे य खादना क्षष्ठांत्र कतिमा विश ছেন, জ,হা বিনা পোণিতপাতে অচির काल्यरा छन्निर्वार्थ नमर्थ व्हेरव नाम इ बारे । जिर्शाखिवाद सम्बद्ध माख्यार्गक क्रिनसद्वत शरक निर्याकिक करिया ধনিয়া ও জয়বিয়া পর্বতে প্রেরণকর। हरेंब्राट्ड। विभि प्रवचा लाकनिश्रक धार्ट क्षा क्षक क्रिया कानाई। वि ग्रह्म (व. अवर्रायक्षेत्र अकृत हेन्द्र। बत्र (पश्चित्रात्रवृद्धेक कर्क राम, ब्राक्शमर्था राम केन्द्राद मा श्र त्म, अवः अकानन जूटन क् क्काटक बादक, व्यवः भवन्तिक भक्ता ६ होका तूम । व्यवः इंस्ट्रिशवन्तिम मास्तित्व हः व्यवक्ष व मान वाकि विद्यार व्यक्त महेबार. काराजा विक अनुवार्थी रूप्त, अवर्गटमके काहा शिक्ष क्या कतिएक।

विद्वारीविशदक आक्राकारमञ्जू जुला विद्धांश निवाद्रश्य चण्य छेटकुक छमार **भ.८इ । विरामकः वना इहेग्राट्ड, विरामि** मिर्मंत्र (य मह्माद्यम्भा ७ व्याप्त चार्ट्स, ভাষা গ্রণমেন্টের পোচর করিলে গ্রণ মেন্ট ভাবণ করিবেন। এক, ক্লমা; বিভীয়; कृष व ीकात । व कुष्ठारे विद्यादिनियात शटक अनुकृत । भूश्यक्षकीकात्र विषदत्र शुवर्गरमध्येत्र विरम्पव करण मरमारयां कता অভিশব্ন আৰুশ্যক। বিনা কারণে লোকে क्षेत्र देख्: शूर्वक विद्यादक चतुत्र क एत ना । करन निर्दाप लाएकता किमलामान लागरक **जानवान काम क्रिएक मारह । या**रा হউক, বিজ্ঞোহের কারণ অবৈষণ করিয়া क शत्र केन्नमक्रा अवना कर्षना रहेताए। त्य क ब्राप्त विद्याश घडेना एकैक, त्य गवर्नदर्भ त्केंब्र व्यविकातमध्य विद्यास वटि कें।क्'ता क्लक क्षांजब इस जटकर बारे। हुई। बाकर म ভারতবংশীর প্রবর্ণনেত উর অধিকার মধ্যে পুনঃ भूतः विद्यार विटिक्टर । त्य शृटक्त कका নিজপরিবারত্ব বাবতীর ব্যক্তির মহনের জ.ব অবগত হইয়া সমঞ্জন ৰাপে কাৰ্য নিৰ্বাহ करतम, म गुरह कि विवास्त्वीक्र,धाराविक हुके एव ?

গ্ৰম্পিটে ছোৰবার ডাঙ্পর্যা উপরে केतिथिक रहेन; किंख, हैश्लिनधाम गम्भा क्क लिजार्ड्य (क्लाज्य माजिजार्ग धरे केथा थाठाव कवित्रा विशाहन स श्रिक বিজ্ঞোহির অবিনায়কদিগকে ধরিয়া দিতে शांतित्वन कृष्टिक कालात क्रांका शुनका बिरम अर्थर खारमत खंषाम बाकि गारि ति के सून्। या गक्न ल्लाटकं भन्नवाधर र[ः] (व क्.क्.विश्वक विध्वश्या स्वा स्वा क .e., किथि एदियस थाणिकू इंस्ट्रेन्स । **ज** খাৰ বৰি সভা হয়: জেবেয়ল সাউয়াদে भवर्गद्रमान्द्रेत एवावना बाका विकास कहा हा ब्राट्स । आटमन कथान बाकिना चक्रमान না পাইলে কি বিনা শোণিতপাতে স্বরাং विद्धार भावि जञ्जावना चाटर ? ब्रात्मर

আখার নিকট হইতে শিরোনামা সকলের মর্ম-পানির। ডাব্ঘর হইতে যু কিঞিৎ বেতন नाफ कट्र ।

ইংলতে কাগুলের উপর কর বুলি হও রাতে বহুসংখ্য অভিনৰ পত্ৰ প্ৰকাশিত হট-्छ जादक बरेबारक व शब जनारम जुक গুৰণাৰা মুৰ্ব্যে বিক্ৰীত হয় , ক্ষিকাভায় ভম্মু ু স্ব'া পত্রের মূল্য আইআনা। গ্রাহক মগুলীর ू लाई। विकारे अहे जा भागतात्र कार्य । सश्चात्र ं,इड़ेनि डिनियोस ' नायद मबाहात शह अडि উল্লিক্ত একলক সমচনিশসাসাস বিক্রী হয়। মণ্ড প্রিপ্র স্থা । করা কেবল ভাকের ছারা নিভরিত क्षा भेक्षा मध्य , मैक्स भव्य (भोकारम) क्षेत्रके स्थापन राम हो, जामान विश्व-कृ स्विक्तित , बानादन । हेन्। विक्री क व्या । के अध्यादाब दिवलीय दलांदकती स्वाजित एके

३वे बार्क।

क्षेत्र का क्षेत्र के का का का का का का कि . विकासी अमिनि निष्म बहेता छे छिन्नाहिन व ক্ষেত্ৰী শৃশ্পতিবেশ গুড ও কারাবভ ক हिंद केर्डिक्ट ' नार्दिन मगद्वत ज्ञातक श्रीन <u>ন্দ্রী ক্লাড প ফ'ব্রার উপতে ন করিরাছিলেন।</u> हिंगारिय, को भड़ बड़ेर्नाएइस े मझाहे चीत्र बाव-বিন্তাহক ন নগত শরাক্তৰ খীকার করি-भिक्तिको अन्यकानक अस्तात्व **डीश्**व क्रिके हा फर्क वीदा नश्का । बड़ा-क्षेत्र विष्यु । अस्ति (भ ्रायः क्षेत्र) इतिहास জিছত বংগালিখন ব্যবস্থাপক সমা-র বানরকা করিয়া নিজের মান লক্তি করি-**ব্যাহেন। মডোন। নে**নাপডিনে 'অভিনিক্ত इंडि व्यक्ष रहेरव मा । किन्न मजा देव हरू १ **ভাবে খন্যোদ** ভিনি সমাজে এমত প্রসংব **किन्नारक्त रव रव** जनन वास्क्रि दिस्पत दुक देवजुण क्षकाम कवित्व , जाहा फ्रिशक मना ী**টের ইম্বাক্র**মে পুরস্কার দিবাব নিমিস্ক প্রতি-्तर्य द्वाकरकारम भूषक धन प्रक्रिक हत्। यह প্ৰস্তাৰ প্ৰায় হইবার সম্ভবন। আছে। বলি প্ৰায় হিন্ন ভাৰে সমটি ব্যবস্থাপক সমাজের সক্ষতি मा गरेवा जनावारम मरखार्वात नाव मणदाखि-ধ্ৰ পুরস্থার দিতে প্রবিবেন। এক্সণে কেবল बक्छि धात्र महेदा क्यं किर निजलां व मुखानन। कतिरुक्त

च ह् :- क्ट्रामीम रेम्स्स्ट्रॉ मध्यिति ব্লোৰনগর পরিত্যাগ করিবে কি না ? কুমার নগোলিঅনু এষত অন্তিপ্লাম্ব প্রকাশ করেন, রোষের সহিত সংপ্রতি সংশ্রহ রাখিবার আবশ্যকতা নাই , কিন্তু অন্যান্য সভ্য (বাঁহা° पिशास्य ३९८त्रको नन्नामरकता नद्यारहेत् वश्मी अब्भ बर्जन) करकन व यावर द्वार्थ विश्वव ঘটিবার সম্ভাবনা নিরাক্লত না হয়, ভাবং গৈ-ना त्रकल जनाय शाकित्व । इंशांट ईराइटब-রা নিভান্ত অসম্ভই এইবিনরে টাইযুস্ সম্পা-দক সেদিবস সয়াটেব এতি শ্রেষোক্তি পরিত এক প্রস্থাব প্রকাশ করেন : বস্তু ডঃ ইংরেক্স ও ক্যানীশেরা ৰাজ্বের মধ্যে নিজেবিভ ভরবারি লুকাষিত ব্লাখিয়া প্ৰশেষ ৫ কেন্দ্ৰ নহাশ্ব ভাল,আছেন ভালু ইন্ধুপ সভাগ কৰিবা পাকেন পুৰ্বমন্ত্ৰী বিকাচগালি সঞ্জি 🖟 ज्यात कर्माट हे रहार कहा बरलन स्व कहानी 🔆 विद्यार एक । मञ्जू विकडित अवास्त्र अस रम कुलवाम न पित्र शांक्रियम छ। हार्र्फ है है है विव महात्रा 🖛 🛊 বৃহিত ২ন্ত্ৰীর মনোসালিক্য কয়।

আমেরিকার কেডেরলেরা ্রভর আমে রিকার লোকের¦)কা⊾েশিবায় ভ্রামিক কর লাক করিতেছে। গত ১৬ই লেকজারি ওনেধ্যন नोबक कनकि उद्भाष्टे ए ५ ४४० ० वन्हों व वहाबिध মুশুসাম্প্রী শ হত কেভেরলনের চন্তুগত হট্যা-**ছে, ত্তিন দিন বাবৎ বো**ম বর সংগ্রাম হল ত হা-**८७ ध्याउनुमालन् मास्य ७० व.छ, ७.० जा व.ड**. **७वर ১** ॰ ब्रास्कि निकृत्सम् व्हेग्राटकः विश्वतकत् ক্ষতি কৰণ্য নমৰিক, তংপক্ষীয় জেচে (সাকে) छ १ 👀 रेज्ञा जह निर्मादोक्षा चलाग्रम कवि-इ।एइ। कश्रम थ नहीं छीटत ५०००० देश्य छन्न रेजना शक्क चारह। मार्फ भाषत्रहेन अभक অভি ১/মু বাজ করেন বে ইংস্ও কাঁমেরি কা বিষয়ে নিরপেক থাকিতে 🗦 ইহাতে কেত্রে 🕽 वृद्धन्त्र। ब्रध्नाम कानमा श्रमाम कविद्राट्य । हेर ्वकरम्त्र अञ्चान अने त जिन हात भारतत । अक शास्ति अक कारहेला पृथि करिया पृष्ण व म(भा जा'म्यितात युक्त त्यस स्टेटन विवर সম্ভাৱত দাসন্ধিরে দাসন্মারিক পথ্ পৰিষ্ক 'ড হইৰে

🍽 ७ ७ हेल (१ हेम अस्त्र क्लांब्ला नित्र व्यथ्।-কের। কবিলাম ভারতবর্ধের নানাম্বানে ট্রা-মওরে প্রস্তুত ব্যুণার্থ স্বণক্ষাকে প্রের্থ वैवरमब है शारल भीरकब आक्रहार छ-

तासन ११ है बार्क १४७२ :

ক্রিউমিচাদ গুগুস্ত :

বিবিধ সংবাদ। ३७३ टेक्नाच ्नायवात ।

आंबता । विशिक्तिक आद्याशाद द्वरा ওবে কেবল বুনি কাগতে উঠিয়া বন্ধ হটল। একণে জানা বাইজেছে কোম্পানি শীপ্র কা-ব্ৰা,ত করিবেন তলিসিত ফ্রেকজন ইঞ্জি नियुक् १० जानः जना कर्माहाद्वी नियुक्त शहेशा-

সর জর্ম ক্রাক্তি সর বাচক ব্রিড়ারের যা ইবার পুর্নে বোদ্ধট ছণণ করিয়াছেন ਾ সর वर्षित कि द्वार वर्षित्र भवत्य कार्यक्राक इन्द्रा

ভিন্দন ১৪,রাপীর জাল্লারী ভাতর क्राफार्फ, शिनवार्धि करें ख वनन स व्याक्ता यान मोरण व्यक्तिष्ठ ३५व रष्ट्र ाञ्चानिवरक নীলগিরি পর্কতে পাঠাইবার কথা ছিল কিছ ভাষারা খেলাপুর্দক আঞাদানে গিরাছে। वृश्य का क्षेत्रिविष्य । हेटल हेडेरब्रांशीयनिर्धाय জন্য সাধারণের এত ব্যম্ন হটত লা '

ই নিৰ্মানেৰ পারিসত সংবাদ লাভা ই' वारधनद्वीत एकाष्ठे भूव ित्माभव अपनासत ध्विक कार्यक रिक्ष कि शि^णराध्रम निक्किनांक कालवारि क डेश्मर्थमधी ० संदर्भ मर्तास म এবং কোন ভাকারে কোন স্ত্ৰীলোকের সাইও আলাপ কাইতে দিতেন না, তথাপি রাজস্মার একটি দামান্য স্থী লোকের প্রতি আগত "ইয়াছেন। তাঁহাকে ভবিষিত মিসর দেশে প্রেরণ করা বইরাছে। वाष्ट्रांबू अ (जांच वरु धनार्थंबू इकु इन ।

শেখাই নগরে পিলিপ বিবিংটন নামক

व पूरे अन रहेगन बांडेरब्रबं स्माद्य माना ডি ড গল াদ বাস্পীর শকটে পাকা বাগিয়া ভাছা ভগ ১টবাছে ভাছারা উভয়ে পলাগ্রন क्षित्राटकः। अधारा पृष्ठ क्टेट्य अञ्चलक प्रथ

অবোধানেতেজ্বতৈর কলিকান্ডান্ত সংবাদ

দাতা নিধিরাকেন সমেতি কে ঋ ঋ ইতি।

যা পত্রে মুরসিদাধানের ননাবের বিদ্ধানে বে

দন্ত প্রতি পর অন্ত কথা জানিতে পারি।

লাম •

শুলবুক দে।সাই**টি ও অনুবাদক সমাজ** একব্ৰিত হইয়াহেন।

বিশ্ব পেট্রিয়ট সম্পাদক অবণ করিখাছেন বার হারালাল সাল মুরসিদাবাদের নবংবের নামক। ও মুন্দী আমীর আলী গ্রণর জেন। রবের দরবারের উকীল হইয়াছেন।

ইত্য সম্পাদক বথার্থ কলে হরকর, শত্রুক্ত পাশল করকরা, বলিরাছেন; একশকার হয়কর'র শেখা দশন করিলে এই কথা অন্যু-লক বলিয়া বোধ কয় না।

র ন বিধেবের শ্বনার্শ ভার ভবরীর সভা

/০ ,ব সভা হর, ভবরসেল করিরা কেও জনর

ই প্রয়া বলেন ভবার কানিও সহার সংয়ে

/া প্রাণ ও বিশুঝ্রা ঘটারাছিল। পেটি,
কত শশ্বাদণ ভবিষয়ে বলিয়াতেন ভাষা স

শশ্ব বিধা বিশ্ব জন ইভিয়া ক্রমণ পুর্বা

কন নান হাব হিয়া নিবেত্ত মার কইভেছেন ব

वाव, भरण माळाडि विश्वत बाह कहि। बन मधीरराहर १क वात्रवेशांत श्रुष्टा, प्रवेशांत्र, भिः छ। काणांगा छत्र क्षांत्रमावां क्रेडियां छे भागांगा न्यारकरभन्न विवस्त्रको क्रांत्रमान गर्मा व मधाय क्षश्रीम यावः दे क्रिशांटकन । क्षश्रम केरा वत्रा कर्मा छञ्चछ। इ.छ.विष्टा स्टास्ट्र क्ष्म् व । वर्ष्ट्रमादिन महास्रष्ठा करत्रम महि क्षांयन का दे सभयान हत्र इटेटछ दर्भावर ।

কার ক্রমানের প্রশ্রেম প্রেক্সরির খাড়াই।
লিক্তে ভিনম। সের হেওন পুরস্কারের স্বর্গ
কাল কাল। লিক্সডেন। ছার্রি সার্থের দল বং
শাবর মোগন শাবের কর্মচারিদিপকে গোলাম
দি নায় যে অন্তরোধ করেন ভাষ্য, জ্যাল।
গুরুত্বা

বার জয়রক। মুদে শাখারের প্রারণাত্র
তারাকে ২৪ গর্মণার ফেলে ক্রেরণ
কর করালা । ক্রালিডে ভারার আরেক প্রভা ক্রালাকে আভার জন্মধ্যে করাছিভি
করা ভারার পক্ষে বিদেশ ক্রেকর ব্ওয়াডে
কর প্রার্থনা করাহ্য

, লর্জাপবতি স বহু লওমন্থিত একজন আ-পেরিকার বাণিক জন্তও ছবিত্র ব্যক্তিলিগের উপকারাই পনর লক্ষ টাকা প্রধান করিয়াছেন। শিবভি এজভিন নিজ হু লগুন বাণ্টিমোরে বিদ্যালয় পুন্ধকালর প্রভৃতি স্থাপন করিয়াছেন, একপ অনেক জনেকস্তলে দেখা গিয়াছে অনে কে মৃত্যুকালে সংকার্ব্যের জনা জনেক অর্থ লা ন কনিয়াছেন, কিন্তু জীবিতকালে এক প্রসা ও দেন নাই।

করেক জন পারসীর প্রার্থনামসারে সর বা র্থস পিকক পারসিবজীদিগতে কারাগারে জুতাপার ও টুলি মাধার দিবার আজা করি রাচ্চেত্র

>१३ देवनाथ बन्नवाद्र ।

চারতবর্ধের পোই বারর জেনরণ ভাত্তর পাইনের পোলন লইবার সমর উপভিত চই-রাছে ক্ষে তিনি নিয়মালনারে ৩০০- টাকা অরিমানা দিয়া নিশ কর্মে থাকিবার অলমতি আক্রানা দিয়া নিশ কর্মে থাকিবার অলমতি আক্রানা দিয়া নিশ কর্মে থাকিবার দিয়াও থা-কিতে পারিলে মহালাভ জ্ঞান করেন, আবার কারাকে খোনামোদ করিলেও থাকেন না।

মাজ। ক্ষের ষিষ্টনিসিগাল কনিসনরের। তথিতা রাজ। সকলে জগসেচন করিবার জন্য কলিকাজা হউতে করেক থানি জলের গাড়ি গাইরা গিগাছেন। এখান কাব ক্ষিসনবেগা ডিভি উসাইয়া অলের গাড়ি না করেন কেন গ

সম্প্রতি সামরিক বিচারাগত্তে বন সংখ্য ব্যক্তির শুরুতের সংঘবিধান হইয়াছে নিম্ লি-বিশু দৈনিক পুরুষেরা দশু পাইয়াছে।

গাখণ নামক এক জন সামান্য সৈন্য প্র করিও কার্বা করিছে করিতে প্লায়ন ও জাহার প্রথানতর আফিসরুকে এহার করাতে জাহার চারি বংসর কাল করিন পরিএম সত কারাবা– শেব সালেশ হইবালে।

১৮ গণিত চউরোপীরদলের এক ব্যক্তি এক জীংলাকেশ চুক্তব্যু করিবার হেন্দ্র পাঞ্ ফাডেড ভা-শুর সাচে বংসর মেয়ালীক্রীছে।

াচ নিক দানের আক্রেরেন্ড ভাষার সে-নাংতিকে মানিদেওগাডে ভাষার ে বেড ও তাই নংসর কার্যবাসের আচ্চেল হইরাছে।

৭৫ গ'শত দলের কুইনটার প্রশ্ন'পানে জ পার বটরা সেনালিখাকে গালি দেওরাতে তা , হ মুই বংসর কারাগারে থাকিতে হইবে। ১৯ গণিত দলের সিলভন্ত **ম্বাণানে উ**ন্দ্রকার সেনাগতিকে **গানি কেওরাতে** ও^{3,4}
তালাকে ঘোড়া হ**ইতে টানিরা কেনিরা কেও**^{3,4}
রাতে তারার ১১ বংসর বেরাল হইরাতে ।

এনসাটন হিল সৈনাদলের সামান্য তৈননিক পুরুষদিধের সহিত প্রাণাদ ও মানা
প্রকার ক্রাবহার করাতে উল্লেখ্য করা হইয়াছে। সর হিও রোজ বে প্রকার আনরজ করিয়াছেন আর কিছুকাল ঐত্বপ করিলে
সেনাদন শাসিত হইবে সজেহ নাই।

যাজাতে বাইকাউন্ট ক্য়াসীবাৰত এক জন করাণী জাল করিয়া গৃত হইরাছে। এই वास्ति जानबादक अक जब क्षत्रांत्र वरनीत्र করানী বহিরা প বচর দিয়া **ল লোভের নহা**-মের প্রধান প্রধান ব্যক্তির সাহিত বৃদ্ধতা _ব করে। কির্দ্ধিবস হইল সে অপরিবিত ব্যস্ত 🗷 মহা খুদ খাদ করে, পরে এক বিল জাল করিয়া विष्ठात्रालदा व्यक्तिक स्ट्रेग्नादश । द्वांशांत्र अधि जागाणिक कान मरका जाका का नाहे। বাজাজের ব্যবস্থাপক সভার অবৈভাগিত্য-ভাগৰ নান্যৰর (অনরেবল) এই উপাধি জীপ रहेत्राट्टन । किनिक मन्नात्रक बरम्ब कुछा पून् নেই তাহারা ঐ উপাধি বারা আছিত ইঞ্জি কিন্তু সভার বাধিরে ভাঁছারিগতে জ উপ্র ৰাৱা সমাননা করা উক্ত সম্পাদক্ষের স্কৃতি মত নহে: ইংলগ্রীয় মহাসভার সভায়ারি^ক जांत वाहरतन अहे छेशाचि धान्न कतिन थाटकन .

উক্ত শত্রের সভববিত সংবাদলাতা ইংলভেন্বরীর লরাত্তা ও ধর্মিউভার এক দুইছি
প্রদর্শন করিরাছেন। তাঁহার বাসস্থার অন্
বরণের নিকটবভি এক দরির স্লালোক পীকৃষি
সভবং হওরাতে এক জন পুরোক্রিভবে আনরম করিবার জন্য লোক পাঠার হয়। একটি
স্লীলোক বহুজন পর্যন্ত ধর্মা পুস্তক পাঠ ও
নানাপ্রকার সন্তেরকর বাক্য হারা সুমূর্ব ব্যভিনর মনোরঞ্জন করিভেছিলেন। পুরোক্তির গ্
হমধ্যে প্রেকেশ করিরাই অমনি থামিলেন। ব
স্থালোকটি বলিলেন মহালক শ্বাসিরা খার
করিব কর্মা কর্মন। পুরোহিত দেখিয়া বিশ্বভাপম লইকেন, থিনি সামান্য ত্রীলোকের ন্যায়
দরিম মুসূর্য ব্যক্তির গ্রুহ ধর্মা পুস্তক পাঠ
করিভেছিলেন, তিনি সামান্য ত্রীলোকর ন্যায়
দরিম মুসূর্য ব্যক্তির গ্রুহ ধর্মা পুস্তক পাঠ
করিভেছিলেন, তিনি সহাবল শ্রাক্রার হ ইং

बाष्ट्रिरात नेपत्री। देशमध्यपत्री वह सर्व व्यक्षापिरशत जाताथा ब्हेबारह्य।

धक व्यक्ति ज्ञाननारक रमध्येन के जनाम ৰলিয়া পরিচয় দিয়া উইপাট নামক এক জন ्र सिंटिंगतकरकत्र निकंडे स्ट्रेटड चानक वर्ष লইরা গর্ড ন ইুপার্ট জোম্পানির নামে এক ক্রেক নের। উক্ত কোম্পানি চেকের টাকা দেন थारे। **उर्देशांक रा**जिस्केत विकाय व्याव টাকা নইডে আসিয়া লেখেন সে প্রান্ত ন করি-রাছে। উক্ত ব্যক্তি অল্যাপিও খত হয় নাই। ইউরোপীর ধুর্তের সংখ্যা ক্রমশং রবি र रेटक्टर ।

देश्लिनवाम जन्माहरू आवन क ब्रह्मारहन, **বেডিকান ইনম্পেট্রর জেনর**শ ভাক্তর যানি লাও ভাক্তর করনিধের কর্মে ৪ ডেপুটি ইন **ম্পেক্টর জেনরল ডাক্তর** ডিকান ডাক্তর **নাকিলণ্ডের পদে প্রতিত্তিত হইরাছেন।**

शक क्या द्वांडे जामालटक शान्तात मा ৰক এক কিব্লিকি ও ভাছার স্ত্রীর নামে ৫০ টা-কার নালীশ হইয়া ভিক্রি হওয়াতে বিণি গা-স্পার বলিলেন স্থামার স্থামীর কর্ম নাই কি অকারে আমরা এই টাকা দিব ? হ'ল বুলনর 🟋 -ৰলিলেন ছুবি যাইয়া ভাষাত্ৰ উপায় দেও।

অমৃত সরে টাকার ১৩ সের শস্য বিক্রয় হইতেছিল দিলীগেকেট সম্পানক বলেন কিয় क्षियत्त्रत्र मत्था है। का ७१ त्मत्र स्टेबाट्ड । का 🎠 ুনেক আমলানী ইখার কারণ।

উক্ত সম্পাদক আরও বলেন খহাবারে র প্রধান জ্যোতির্বিদ্ বার বোপদেব শাস্ত্রী প্রচ লিভ সংস্থারের বিপদ্ধীত প্রণালীর অনুসর্গ করাতে তাঁহার আত্মীণুলাংগুল তাঁহাকে প্রাঞ্চাত করিয়াছেন:

अक समु क्यां ने छेछ शहर विविधाहरूम किति मणाहेत्र निकटि अक क्यूटा ७ (ले १०० **ভাৰের বাহির করিরাছেন। স**েট্ডেড বহি **कत्रताञ्च ज्याकत्र पार**कः, छित्कः क्र[्]न काक्षार्गद **ख्यान्य अ**श्चित अश्चित ।

পেলোয়াব্রন্থ দেনানিগলে প্রক্রন্ত পাক बाब कांच्या (मध्या करेगारक . कांबा किरणद नवर्गातके व्यावात शातक। भूतक निमक्त करें , समना कि?

> ar दे रिक्यांच वृध्याद । লখনে স্তৰ একটা কোম্পানি চইগ্ডেন,

ब क्लाम्लानिव डेटममा बहे टाहावा अहे-। षियोत्र निविद्ध द्वाष्ट्रा क्षत्राह्य कित्रका । भाषा । शिविनियानिकि । विकास श्वास । রেইল্ডারে প্রস্তুত করিবার *অন্য*ও আর এক কো পানি হইয়াছেন। এই রুগ কোম্পানি এই-লেট দেশের যথার্থ উপদার দর্শিবার সন্তাসন

কিনিক্ পত্রে এক জন আকেপ করিয়া-ছেন টাকশালের কর্ম চারিয়া প্ররাজন পোদা রদিগকে পয়সা না দিয়া ভূতন লোকদিগকে , শণ, পাঠ ছেলো, চর্মা, পুক্তক, কাগল মান मिट्डिट्डन । अवर्गस्टब्डेब जाज्यात्र विद्वारक ! काक कहा है।कमारमञ्ज कथारमञ्जा शोद्धरदेव । मा अ दि गढ़गोर्ग वीकाम अरबस । साथ मा अग विषय कान करतन ;

উক্ত প্রের ভগনপুরের সংবাদদ,তা ব. 📗 লেন উটোর এফ বন্ধ সাঁওভাল দিগকে ধৃষ্টীয धर्षायमधी ७ मछा कतिए भिन्ना (मधा नामक এক রক্ষ দে(থয়াছেন। ভাষার ছাল সিজে। न। इटक्स नहार : शब्ब द्रायद्भार क्यूमान क्रदेन क्रेड गार्ड कुडेनाडेन डहेर्ड शस्त्र । खेल्य छो-क्तत्र बात् हैन्त्र भद्रीका क्ता उठिक।

विकोरशरकरे विचित्र बहेत्र'रक पुत्र : অৰ্ধি দিল্লী গৰাস্ত যে রাস্থা আ ১ তব্ৰ ভন্নক সম্ভাৰ ইইয়াছে এত সহা নিঠাই এতদেশীয় ও ইউরোগীয় উত্তয়েরই সংশক্তি शुक्रे कद्विद्वहरू। जाकः। व निवद अहे प्रशितः क्क हातिहा अभिष्य अभिष्य ए कार्यन का

উক্ত পরের কাঞ্চন্তিত সংবাদেশত ব লেন আমীর দোকু সর্গদে কা। লক্ষ্মার ¹ শবিশার বর্জন্মশ অনেক অপ্রসায় ক**্ষ্মা**তেন क्षांम् अवाधा इटेग्राट्स । इक्ष्य में प्रतार्थ হেছ নিজে সেনাপতিও গ্রহণ করিয়া কাম্য ছারে বাইভেক্ষের। ছোভ মরবাদ বলেন ''আ্লামি বলি জীনিত থাকি, কিরাট ককসংং कत्रिय**् । ७३ मचम् व्या**कत्त्व भी धौर्वितः धी इडेल ना।

ম্প্ৰাঞ্জ টাইমস সম্পাদক জবণ করিয়া ভান মন্ধ্ৰীলেব্ৰের রাজানে ভালীয় লৈত্ত্ব বাজে। ा शि के कदा रहेटन ना। आनात से कि कि এ ফকল বিশয়ে ভস্মকেশ করিভেছেন বেন ১

> व रेजराथ द्व**र्गःखिवांद्र** !

শাপার্ডের এলি**ড রেজিমেন্টের** এছ-क्लोर (मनकिश: क्षा अधिया **(व** अम् क्षेत्री-্ট। ইউরোপীর দেবাদল করে কলিরং কারি

একী সনকতি রেবেনিউ বোর্ড উঠাইরা গুরুতে প্রব্যাদি স্মানিয়া ভেসনে ৮৭। ছিয়া টিবার আজা হট্টয়াছে। বোড কেবল জনস

> मर्माधिक खरम्बद बाहेन नाख कमा विधिनक हरेगा निय निर्धित समर्थ : क्य स्वरू बहेरल प्रा श्हेशास्त्र । जातृतिक वर्ग स्त्रोला, হীনক, মুক্তা, ৰাষ্ট্ৰ, আৰু প্ৰাকৃতি জীবিও লয় अकन, नहरा, कहान), क्रेंके शिख, अध्या, भगव क्रिड, लि क्षतकोता धवः धवन दक्तम स्थित · এবেষয়ে বিশেষ দুরদ্দিতা প্রকাশ সরিষ্যাদ

निष्ठार ने विकेटिन का न स्पूर्ण रक्षीरश्रह "भीक्य का देव । ब्रोबारफ । दशक्य "एक्टिक्स महान के कार्रा किया के महिला कि कि प्राप्त हि दि डि राहक र नहीं जाकरोग करा व की है। भिया अभोभ पांत्रक उ. कविद्रा ध्रमण्ड कास्टन বলিগ্যাক্টেন -

नारक्राद्धन जिंकाराः शिका अदयञ्ज क्रिन् । योश्य**िक प्र**ाक्त इंडे १९४८ ५ के के की है े २५ अन्न किंकु इ.नी (अकि. इ. शाहे सरिए)

ना अनियमन बाज्यार ने विषय विषय । क्रम विकाधकार काम विज्ञास केला विकास के शिक्तिका . २३५ अम भहीमना विद्वे सर्पन । ० क्षम क्षारातिका ४ रेकाह उन्होंन क्षेत्रातहरू

क्षण मामि । ज्या विश्वाद क्या इ ना ः**महेन्द्रभृष्टः म**्दनः भूरमः विद्वानि निर्मातन ह्या अन्यन्त कतिता सब्ध कविष् १ अस । द्वाक निक्ष ४ अप ভতন পুলিণ স্থাপন ক'ই বন, ডাইফিস্ক ডিনি জারতবর্ষার ০০ (মেটের নিকাইছুই জন ইউ রস্য সেনার। কার্কে প্রবেশ ক্রিটে গাহস্ট। রোপীয় পুলিণ কম্মচারি চ্যাইয়াছেন। লগার্মের व्यक्ति । । । । व्यक्ति । व्यक्ति । व्यक्ति । **एक** । जबार कातन र अभीत छ गांधान वा লিক, জাহান সূত্ৰ জাহাজ ও বানা প্ৰকার, मिक दिक्तांच हक्ता एटेब्राइइ : ब्राह्मा (ब्रहेल **धर ध्रेक्ष** कंत्रवीत अन्त बद्भवान न्याह्म । সভাতাঃ কোভ ভার কোখারও কা খাকে

দিশাপুরে একবে আর ওলাউঠার প্রায়-र्काव नाहे। जल् हा हीरनत्रा शत्रक्षप्रदात निक টে কুডজেড়া প্ৰকাশ:খ ডিন দিবৰ নিষ্ণং वानि बीलमालाय कृषि उ करिशांकिल ।

ह न तम बहेटल मन्योम व्यक्तियाहरू अस् ल विद्यारीपिरगढ़ मृद्यि हैश्डांस क कड़ानी तमाहिरगढ़ मर्बाम यूच बहेटलट्ड म्हण्यक्ति विश्वर मात्रक मगद्यक्त निकट्ड १४४० विद्यान् शिरू व्यक्तिमन कड़िया १०० गालिएक यथ छ ००५ क बन्धीकृत कड़ी बहेडाएड । विद्यारीज़ी क नक व्यक्तांडाड कड़िरलद्ध । क्यांकर्रगढ़ विमय अहे मर्गास्क जांगाहिश्यरक " श्रीयांन क स्थानिक विगय हिरमन ।

গিলিয়ান গত্তে লিখিত হইয়াছে করাতি তে বে ব্যক্তিকেনানা সাহেব বলিয়া যুক্ত করা হয় তাহাকে বোৰাইতে প্রেরণ করা হইয়া-ছে। একণ অভিজ্ঞায় প্রেইণ করা হইয়াতে তথার তাহ গে মুক্তা করা হইবে। আহার ক-রেই ক্তি পুরণ কে করিবে হ

পুতিকরিলে এবার ৮৮.০০ টাকার থাতা হক্ষা করোলন কর হইরাছে। ইক্ষার্থারকে। এবার ক্তি এক হইছে হট্নে।

লাহোর জনিকেল পত্রে হুঠ হইল সত্যতি পোলোয়ারে এক ভরাবক জুমিকশা হইরাছে। ১৭-এ এতোল রামপুর বোরালিয়ার লো-কেরা ৭ক সভা কৈরিরা প্রাক্তি সাক্ষেবকে এক এত্রেস মিয়াহেন।

সামেরিকার এক ব্যক্তি রসায়ন বিকা।
ভারা দুর্যন্তিত ভূর্স বেগজিন প্রভৃতি কান্দের
উজাইরঃ মিরার উপার উদ্ধানন করিয়াকেন।

্যেও তাৰ ইতিয়া সম্পাদক নিশিবাহেন

"এতদেশীর বাৰজাপর দিনের প্রতি বিজ্ঞাল

তর। একনে প্রথা বইরাছে: কিন্তু বিনেচক

দশক বাত্রেই কুল দুর্বি ও বার্গপরত। ত্যাগ

করিয়া ভারতবর্গের শীরুজি দশন করিতে ই

মূক ক্টলে বসকলেশীর ব্যুবভাগক সফার বার্
প্রাস্কর্যার ঠাকুর ও রমাঞ্জনাদ রাথ বিশেষজ্ঞ।

ভারতবর্গায় ব্যবস্থাপক স্ভার রাজা দিনকর

রাও ও কেবনারারণ নিংকের ব্যবস্থাপন কান্

যা দর্শন করিছা ভারতার্গ ধীকার করিকেন

আনিয়ার ভারত্বর্গ শীরুজি ক্টবে দে কেতে।

র মূবে একথা ভারত কান্ধ লালে।

के अन्यात्म नवृष्टी पूर्व वाण्या तन वक प्रम वर्गीम चित्रमात्म चर्गीत व्रिविध अन्यात चर्गिक्षात्म । जीवा वा कविश्री वष्टर द्वरविष्ठी वर्गिक्षात्म विश्राप तिल्ला द्वरवर्ग केवर

१०० रियमान स्थानात ।

् अक्ष सम्मण्डि तहब् मार्थ मोड है नि त्व गयम सहिर्यन । जिनि भूनकी व मर्थ्यन बारम स्थायम कहिर्यन । अधिर ०० अ अ औन पूर्णको स्वांत्रक्षीच् वावचींगम मणाह रेमिस्स वच १ हैशारा । हाक्षा विनकत हो ७, क्षिमान्नीत्रभ निश्द कार्क्षि चय ग्रंद भवन क हिन्नोरहन ।

গবর্ণর জেনরর আছা করিরাছের ৩১এ স্থলাই অথপি টেলিগ্রাছে গালি ও বোছাই হইতে গবর্ণমেন্টের ব রে ইউরোণীর স্থাচার আসিবে না । সংবাদপত্রসম্পাদকেরা নিজ নিজ ব্যক্তে ডাহা করিবেন। লার্ড এলগিন কি ইংলিস্থানের গালির টেলিগ্রাফে বিরক্তে হুম্প্রাছেন ?

होहेन् न व्यव हेखिता विकाम कतिता द्रम, कांत्रखरर्दत विविधानागरत दि. अन हेशानि धारी हारद्रहा कि निविध क्र्डन टेक्ट-छन विहातागरत क्ष्मांगडी कतिरक म तिर्दन ना ! वित यहचाक्यकः महेत्रा क्या वह, कांत्र तो विनक्षकरण विहिष्क भारत, द्रश्मित क्या हिंत व तिहेरतता , श्मितिरक्षणि कांशास्त्रत भन्नीरक। ही व हांद्रविश्वत कर्मका श्रधन क् हेरन नो किन केंद्रविश्वत क्रमका श्रधन क् किनातागरत वाहरक निरंग वेद्रवागीत के अक क्योब विहात श्रीका क्रमांत्र केंद्रवागीत के अक

চীন লেশ হউছে সংবাদ আসিয়াটে বি-মোহীয়া সাচদ ভাগি করিবার ইকা প্রকাশ না করাতে করাশী ও ইংরাজ সেনারা ভাষা; নিগকে আক্রমণ করিয়া দুরীজুর করিবাছে। গাবর্ণবেন বেভিক নামক জাহাজের সংকার করিবার জন্য ২২, ১৭০৮/১০ টাকা গিয়াছেন, ইহার মধ্যে ২১,৬৬৮৮/১০ নগদ ও ৬,৬৩২ টাকার ক্রমা কেওয়া হইবে।

গতাতি হাবড়ার রেইনএরে ঠেননে প্রায় ১২০ বন্ধ্য কর্মজ্যাগ করিরাঙে। ভাহারা বলে লেকোনোটন গোড়ি) ডিগাটনেটের ক-ব্রেরা প্রভাহ ৮ ঘটা কাজ করে। কিছ জা-হাদিগকে ১০ ঘটা পরিজন করিছে হয়। করেক দিবহাববি কার্য স্থানিত, মুহিরাছে ও রেইলওরে কোলামি বন্ধদিনের প্রার্থিন।

शृंक वालगात त्यान्यक गांकि हिन्दात आर वह विवर गांवे । कुर्व वालगात क्रिकार एक द्वेतन गर्नन क्षित क्षेत्रका त्रोनवान क्षेत्र गांव (दाप एक क्षेत्र) क्षेत्रके व्याप कर क्ष्म बहेत्व । क्षेत्रि क्षेत्रके व्याप्त क्षेत्रक वा विवर्ग आहताहीको क्षित्रके अन्य विवर्ग वा गित्रक आह वालि क्ष्मकारिक स्विकार गांकि गुजक वह बहेत्रोटका क्ष्मका व्यापक गांकि

गाजित नारा । त्याचामा ताहेनकात कृष्टें ।

त्यागित नगरे ताह से इंडिएस कर्ष महित्क
हरा, क वित्रवाद कर्ष, किस हैवाएस क्षि नगरें।
कर्ष नाहे, हेरात क्ष्मीत त्यागित स्थित व्यापित नगरें।
कर्ष नाहे, हेरात क्ष्मीत त्यागित स्थित व्यापित नगरें।
कर्ष वाति त्यक चारत । जीत स्थित व्यापित स्थापित स्याप स्थापित स्थाप स्थापित स्थाप स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स

স্মানেজেই গশাসক বলেন মুহারাজ বিশ্ কিনা ও রাজা নিসক্ররাক আবঁরাই বিবর্গ ক্রিয়াছেন।

ব্যক্ত বৈশাধ শামবার।
প্রিয়া হইতে একজন কিনিজ পাত্র নি
বিয়াছেন ভবার সম্প্রতি ভারানক কর্মবর্তী
সিরাছে। এবার সংগ্রু নিবেব প্রান্ত্রীক ক্রেবী
বাইভেছে। করেক বিবস পর্যাপ্ত ক্রিকালীয়া
এ বভ কড় হইভেছে বে প্রনিক কর্মবারীয়া
গাংলার গালীতে আরোহা ক্রিকে বিবেশ
ক্রিরাছেন ১

कारकतिकात सर्वत्तके भूगतित वर क्या-वृत्त करी व्हेतारकत । विक्रियक संभूषि क्षान भक्त जावादिकात करीतन्त संभूषित । वह वार्त त्याच वर्ष क्षान विक्रिय कर्षित सम्बद्ध

আবরা স্বাচার পাইডোই নাক কর্মার প্রেরের প্রকাশিকার সাম্প্রিক করা বইডেরে এবং ক্রান্তিরিকার স্থানিক পুরি বইডে ববিদ ক কর্ম মান্তেরের ক্রিক রেরা অন্যার কর রক্ষি ক্রান্তেরের ক্রিক ক্রান্তেরেরাক প্রকাশিকার বাবার-ভা ক্রিকেরের। ক্রেক্তিক প্রবাধ পাইক ক্রান্তের বিনরা কি বিসক্ষেত্র। ক্রেক্তিক পাইক

वारहम ? वारहमके वारहण्या विद्यानिक। क्या बवाद ३६ तक होका विद्याहम । देशम वंदय कारक विकास दक्ष दक्षि कमा व्हेरक्ष्ट । विकासिकार दक्षम दक्षि कमा जावनाय, किस महत्वास होका (यह देशा क्या जावनाय, किस

ইংলচেও একটি প্রীলোক এক কার্লে ডিল-টি পুত্র প্রস্নব করিয়াছে। ইংলডেগরী উচ্চ প্রীলোককৈ ৩০ টাকা পুরকার সিধাকেন।

গত কলা ছবিনে কোটো গুর চারলস আক সন্ধ্যে সামু বে অন ব্রক্তনাবক বুকিলোপার বজা। কারীর বিচার হয়। ভাষার কাকিণণ উপস্থিত আ পাকাতে আগামি সেসিরনপর্যাত ভাষা-ছাগিত রবিন । ১ লা জুন বিভার সেসির ব আরম্ভ ঘটনে। শেষ হটরাছে। মহারাজ শিব্যগণের সহিত ৰে ছুখ্যবহার করেন সভ্যপ্রকাশসন্দালক ভাষ্ व्यवात कविया विवादकत । बर्काबाटका नाड **डे.कि. व्यक्ति**यानः ७ व्यक्तिकाञ्च नपूर्णात नाव विवास आरम्भ स्वेतास्त्र ।

👊 निय्तिथिक पूरणा अवर्शकार्थेत काशक

विक्य रहेएएइ ।

ও টাকার সিক্রা की शक কোম্পানির ¢ " 30041308 11066 1 °65 411 **কাগতের দুল**ে গড় সঞ্জাহে অভিনয় রবি হ-देशादिका। अवर्गस्य छेत् हातिस्कारि हाकांत्र কাপজ জন্ম ২বা হইরাছে, আবরা ওনি সাম বছদেশীর ব্যাক্ত কতক কাগক এই क्ष्म् द्रमाञ्च मधरम हाकिया विदयन। अहेवारमञ क्ष्य बाजान बन्न स्ट्रेंप मान जाना ना शन बहेबा कांग्र कड़िएवन ।

वजरमेनीत वावसालक मणा।

২৬ এ এথেল শ্ৰিবার।

श्रामा अक्षांगहक निष्य गाजिएहरू जीत

মুখ্য সভা উপবিভ ছিলেন ৷

सूख्य क्षण्डमके भर्गत वीखन नारवर नका शक्ति सामम अह्य कतित्र। चारवानकिर्दर्शन निष्के बहै जिन्दान राज कतितान वेदांपित-অ বছৰপিতা ছাৱা ডিমি স্বিদেৰ সাধাৰ্য अधिक्रिश्त ।

উদ্ধানৰ সাহেষ ভনীফারি ভাকের বিজ विक्रमेंका कतियान द्राष्ट्रीय कवित्रमा । मकल क बीक्षांदेकरे मुक्त अना चापुरांत्त्र अविवदम कि

the face ages :

. ব্যৱস্থান পার্ছেবর প্রস্তাবাস্থাবে ১৮ ১৯ আখের ২ আইন সংশোধন নিবয়ক বিল বিধিবছ अक्रिश , ब्रेड्डि वर्ष करे आवानिक प्रकान वाक-**ब्रह्म् नीकातः पृति छात्र क**रवन, छ। र. भवन क्षेत्र बारकाश क तरवन।

ক্ষুষ্ঠনৰ সাহেবের প্রস্তাবাত্রতেই বাচলা असे असे शायक कविवाद दिल श्रद्धमवाद शिक-আ মুইছা বিজেট ক্লিটির হতে অপিত চ্টল श्वित , जाइक पंजित्कम क्षेत्रिय गठोइ क प्रम कि श्रीरक्ष विश्व विविध कतिनात आसान कर। A SHE!

ब्ह्राइक्वरी प्र वाक्चाशक मेखा।

७०४ वरमा रामात ।

শ্ৰেষ্ট্ৰমেশীয় কোন ব্যবস্থাপক উপস্থিত ছিলেন भा । बीखन मारहर श्रेष्ठां कतिराम, व्हेध-श्रामित्राचित्र सर्वाधनविषय विद्रात विवत्त ब्रिश्मिक किया दि दिल्ला कि किल्लाहरून जाणा नैकि के बेबा विश्व विधियक कता दय।

दशक्षाक्षात्रक श्रीवांबाह्मारम् स्टान्ति अदिभक्त है। अभारत्मार्थम विद्यान विकास का है - । यह मिन्न श्रीय दिवस के देशा क

म्बा होज केशहरात दिन विधियक करेता। जि नि विशालन देनक्व है। इस कशहिता स्वकाटिक ভারতবর্ষীয় সভা এক অনুমোলন পর লিখিয়া-

क्षत्रिर्देश मारहर प्रश्वितिहर करवक्षि अकत्र किरेकियांत्र विक निरंपत्रमा कतियांत्र समा शासाः

क्षित्वन ।

त्व त्य चारम मथनियात्मत्र चाहिन श्राह्मण इदेशांक ख्यांत १४४२ खास्त्र १७ माहित विषय क्षित्रकात विषय का विश्व कर्ताक्षेत्राटक দলের কবিট ভাষ্বতে বিপোর্ট করিয়াছেন। হারিও টন সাংহৰ ডাছা সভার অর্থণ করিলেন

बाष्ट्रांत' अव्याधाति व्यापटम सावय शक्षक करत जावालित्यव मध्विधारमञ्ज विश्वत व विल व्हेवाट्ट। (३५८० वटकड ३५ वर्षेत ७ ३१-१६ নালের ৩৩ আইন স'লোধন বিষয়ক বিল্লে কি-त्नके कविए) त्व तिरमार्डे कतिहारहार क्रिक् নভার এলাস করিবার প্রভাব করিবেশ্র

क्षिक वश्मि।

७ ज्ञा बाद्यम भर्गात्वर देखेतःभीव

সমাচার । সেমাপতি মাকি-, প্রশানসভূতে সেবা-লককে সংবাধন করিয়া লিবিয়াছেন, বুছের সময় বাসিয়াছে। অ'সকবিধ কট ও চেটা পাইতে কুৰ্বিংব, ভন্ন বঁ স্থিচত হু গুৱা কৰিবা। ভাঁছাৰ সেনা ৰূপ যানগান স্থাৰ গলন কৰিবাছিল কিন্তু পৰি-बार्या चार्चा इस्टि व वर्षात दलन इत्तराट छ।।। विनदम आटनम्मा विश्वाप कितिहा वारेतक "ठे-शास्त्र। युष्ट्र नद्भाव शनामी गहिरेई कर। विशाह । शिकांनीमिश्यम सामाहः मर्या। ३.८० ००० । श्वर्वद्यानिक दममात्रा मिस्रमास्त्रिय ধবর অধিকার করিছ। দেনাপত্তি ব্যব ও ছারা ব্যক্তি বিনিলিপির ১০ গণিত দ্বীপ আক্রমণ করিছাছে। অভানভার বিভারসংক্রান্ত ক্রিটা नकार्गाक्त कीक्यान मुक्त करियार अकार व्यास क विशिष्ट्रण ।

हेरमा उपही चित्रधनर्यती मछ। पूलियाव করা কেরিব্রুর ভিউত, ক্রির্রাহরির আর্ক্রি-नण, मार्च हारे हारजनत, छात्रवित्र खांत्रण बदः लाई श बद्दवेनदक क्षित्रनम् नियुक्त विव-TICE TI

৬১৫ মার্চ বে আর বৃদ্ধের বিনাব প্রকর্ণেত वरेगारक क्यांना जाना वरिरक्टक त्य अवदगरन ७० Ches है।का बादिक जांत हरेगांटह ।

किक प्रविश्व मस्याद्य है है जिन महिन्म মিৰোগ কৰা **ঘটৱাছে। স্নাটেজি স্বান্**নীয় সভার मछाग^{राह} ३ करकरणंत्र कार्या विक्रीक्त वरेशा-

कहानी नमुक्ति निक्क अवनंत्री नका वर्णन कतिराय विशासामा विशासामा करा क्रिएक । वर्ष थानि युक्त काशक गीत्रवर्ष कृष्टिक कीशांदि अ-लातमन क्रिन्। व्यागाव ।

ইংলত্তের বেলজিয়বের শহিত বাণিশাবিধ-

चार्कात्तम जिल्ल कांत्रा भवनाश्रमात्रम् भव क-निया ভারতবর্ষে জানিবার প্রবিধা করিবার উ-शान मिन्दार्थ ना निवासिक ए कमिन निवास हरेश्वात्क्रम छ होत्रा चट्टमक स्थल गाफीत क्रवान प्रकि अहेशाया ।

लाककृभाव जान रोटिंड गाउनार्थ कटला बना 8.७०.००० होत ॰ व्यभिक होता व्यक्तारम् ।

गवर्गायक विज्ञायन। बाजनारमभीय त्नश्रोनके शवर्रवद कारमणाञ्चाती निर्देश ।

১০ট এপ্রেল—মান্তি শিংগ্রন অপরিকৌত্তে के को क्यांति नरकाक, त्य मेशका व्याकस्यांनि ক্ষান্তি ক'বহু, ভু,বিদাক্ষণ্টাহয়, **ক্ষক ভা**ৰাত আ भीत्र श्रीमकाष्ट्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र ।

२५४ वटश्य- मीत्रक क्रिकेट कार्या त्वत थाजिनिधि कंत्रियम् विकास । यठ वि अक्रमांक विभागम गर्का महत्वत के कि. जिति खर्बात जेनिव में क्रेस उड किन स्व (क. अम. ट्यारिम के आवी करिन्वम :

ভাঙাইতি ক্ষিত্ৰয়েৰ অধীনত ভেগুটা বা-ক্লিটে জে, কোৰলৰ সাহেৰ ৰণ্ডড়া জেলায় मासिक्ष्मिक मन्त्रं कमाता आश्व बहैरवन

ात्रराज्यः व्यव, द्वामम श्रीत्व मन गार्थित शक क्षत्र ८, क रेजू हरेटवस ।

रक्षिति वालित्के, हैं ७ एक्ष्मी कारणहें र को-লবী অংগলৈ মলিক জাহানাবাক বিভাগের क्षेत्र आख म्हिन इननी ६ वर्षमान कनान মালিটের চলুর ক্ষতা আধা চইবেন।

ভেপুটি মাজিটেট ও ভেপুটি কালেটৰ ৰাধ हिंदीहरून जिर्व ब्रेसेन व 'दबार्यंत छार आहे बहेजा कोल्सानि चारित्मत २२ धातः ख १७४८ অঞ্চের ১৭ আইনের ১ ধারাস্সাবে ঢাকা জেলাব প্রথম প্রেণির সংক্রির ক্ষরতা প্রাঞ্জ ছউবেন।

Cक. यम, निवध शहरूर)ला तम गाम चर्चा মেডিশ্বল কালেকের ভেন্টিন্টি, (করেন চি-किरमां विष्यात) ख्या, शक हरे वस ।

२२व कटशल----व, खात, हेवमन म्यादिन छा-কার প্রতিমিধি সিবিজ্ঞ সেসিয়ন ভক ১ই-

क्षेत्रक, जि नमहामान महिष्य प्रश्वमारिक अन जिनिध प्राक्तिरों छ कारलक्के प्रहेरवन ।

जि. वि. बादवर अंदरव अवशोद शकिविध मामिरके है । कारणहे व क्नेट्रम ।

भिन्न लिबिक वाक्तिका करेबक्रिक मासि-खेड इहेता को क्यांति धावेरनत २२ थाना **३** ১৮৫৪ অক্টের ১০ জাইনের ১ ধারাস্থলারে ছি-कोत क्यांक्य मक्कांबीय क्यांका व्याख बहेराया ।

स्कि. क्यांत बाहरव २८ शत्रामा । त्यः, (रा-टिएका मार्टक्य व्यक्तियुत्। कोधूती लिलत क्षांम्तिएक कांबक्षण ।

হশোহতে বিজ্ঞাৰ কাৰ্যো নিযুক্ত কাৰেল সা-(११ १५२) बारभन १ मानेन बार्रनात दानि-विके कविनवरकत्र कम हा गावेरनम, बनर कवित्र-भूरतात्र माध्यातः ममाविष्ट्रिः श्र माध्यात शतं नगात्र श्र भावमात्र माध्यात्र माध्यात्र माध्यात्र नारी ए सम्माहि गृह नाम देव स कारनेतरकर क्रमयः, शास इहेरवसः।

Winning L. C. S. Long.

दर्शन के क्रिका सम्बद्धि भारते क्रांस्तिक के कर विरश्न स्विधियों से क्रांसिकियों से क्रांसिकियों से क्रिक्नियों क्रिक्नियों से क्रिक्नियों से क्रिक्नियों क्रिक्नियों से क्रिक्नियों क्रि

নালাবিধ ইংরাজী লবায়ার পরিকাই আ-পনাবের অভ্যাতার রুভাত অবগত হরীয়া চা-কর गण मधामभाजारक क्यानिटफ. टा**किक द्**रेरकम । নাহাড় অতি কুজ জিলুঃ অন্ত পরিজনেই আ-नान नान भाग जानिएक गाहिएनन । जनकह তাহারা এক নতা ক্ষিত্র আনাকে জাকাইয়া जानित्तन अवर जार्मात्र बाद्य-जिल्लान क-तिरवस विवत्ना जन्न वर्णादेशक मानिश्रममं, कार्यारक मानि किष्टू गाँव पविष प्रदेशन ना, बहर केहिए উত্তর প্রদান করিলান, বৃথন ইহাতেও আদি কাহাড় ছাড়িকাৰ নাম তথন জীবারা আৰার বি रत्र माजिएके है नाम्बद्धि क्लाइत कतिराजन। किनि া মাজিটেট নাছেব) একাশা কাছারিতে আ-পনার আমলা ও করম কন উন্মাল নোজারের गांकारण विवासमा भ हा-कडवन अवारहारी মইর। ইড়ভডঃ অমৃণ ক্রিভেছেন ছাকা প্রকা-भिर नवाबनार्काटक स्ट्रांट्स व्यक्ति अहिटल निष्ठ-य बांता कलि क्रियम, अकश्चर कारांड शरक হানাত্তর হওয়া কর্তব্যু-জানে ভোনরা ভারাকে বোন নেরেভার ধরিতে স্থান বিও নাও লে যেন আমার কার্যাবিতে হা আইলে প ডৎপ্রে ^फंच ब्र्निटक कॉनिटकन ^म कॉका क्राक्ताला जनाम দাতাৰে ভাক্তব্য আলিচক দিও লা লে জড়ি जनश्राम " हेर्नेत्र ब्री ध्यकांत्र विद्याप छार-পৰ্যা এই বে জাৰি কালাবিবে ও ভাক মতে বা-र्द ना गातिक ठा-कत ह्यून माध्य क्लेस्ट्राजी-**उ प नक्स क्षाकिनाम, स्वेतन खारा सानिएक** পারিব না ও ডাডে পাল্লাকিতমান্ত ক্রিডে পারি-र ना । वरानव ! प्रकार राजि आवा के क्रिक जान कार पहेरण विकास अधिक प्रात्मिक पृत्र विकास nidia rem fente fife man um pen Brein.

मानि हो सकत विवाद हो लोका का लगा।
यक स्थिति कि विवाद का विवाद कि स्थाद के का स्थाद कि स्थाद के का स्थाद के का स्थाद के का स्थाद के का स्थाद का का स्थाद का मानि का स्थाद का का स

आवि यात ७ आव ७८३ मण्डां श्री है। आमिताहि। अभिरेशि हो-क्रूबन अवीमस्ट्रेरेड आमोरक अहिड़ा सदेश वादेशंड रहेंगे कहिएक रहते। रहते। क्रिल कि दहेरक अ कोहांक अहै। अवीरत रहते विदेशी अरमक स्मांक आरहते।

वर्षम जाननारम निक्र जामान आर्थना वर्ष त जानमान यह त्यरना अकृष क्रिकार्त् नणावरीय जानअर मंत्रता वात्मन वह नीकि-एत जार्थमान जानमारम जानाविक तालका एत एर जामारम नावादम श्रीता विक्रमेश्वर कहम जानि ताबार कांडारम संत्रता विक्रमेश्वर वास्त्रिक गाहि जाबार ताकी त्युप्त क्रिकार्थ जा त्यान जान नरनाम हाजारम जानीक रंग-हम क्रिम क्रिया जानेनाता नेश्वरीना क्रियां हमा राष्ट्र विक्री क्रिया जानेनाता नेश्वरीना क्रियां हमा सहना।

वायका वार्षिक्षां क्षित्रकारण विकास वार्षिकार वार्षिकार वार्षिका वार्षिकार वार्ष्कार वार्षिकार वार्ष्कार वार्षिकार वार्षिकार वार्षिकार वार्षिकार वार्षिकार वार्षिकार

Age delegation from the

वरत्रनीवनस्य परमाध्यमध्य कार्य रेगीक-निक्छ। मश्राद्यकारण क्षेत्रक कार्यक कार्यक र्तर बरायुम रोग ७ वामिन क्षेत्री क्षेत्राहर । र्गावनिक्षक जाहाविहेन के का कार्य के देन-दिक पाकि छ छहर ने नामाना क विकृति विकृति विकृति निर्माणक क्षित्र करन निरम् करिता पुरि-त्याच । वेषम व शाकात एवेशा केंग्निया .त. हर कार्या बारक कृषि इंकिन बारकांक्रमा के बार्य-नगात्र जानगान मदद्र स्ट्रांस कार्यात्री नम्बद्ध कार्याः व्हेटच इत्त अवस्थिक चतिरंक वेहनीय देश। তাহাত্তের ভাব সকল নীত ত্রিয়ামিলার্ডে, ভার্যাfrent fier a frente fles a alle abetet अवर राज्यात्रिक क्यान दिख्यार क्या विकास विकास जानमाविक्ति ने व विश्वत के जिल्ला जिल्ला नामार्थकार वाराता विश्वनमा प्रमिति ছবলৈ পিছিট প্ৰাতি নাভার কর্মণা ক্রিয় व्यपिक शर्क, दनीर अकाद अध्यदनप्र कार्य क्रिक रक्त कलना मुख्य विशेषिक वहेरमाह अपने म परा बदारंग जाकार्य पुरुवेर्र क्षेत्रक उ।कर्ष त बरवरणा महागकम नाकानी ८ उद्दर्भ की शार का वा गरनार महिले हैं। त्व अरहरमा नर्वाकाचार वक्षम स्थान का राम नेपनगराम कांक पाछार कांग्र विवास করিয়া বাবেন। এই বর্থ কর্ম ক্রান্তাভিকার আচার অবহারের পরিকারী উত্তর নিয়া গভার এচলিত ক্রিডে প্রস্তানী ক্রিডে ক্রম্ব জ্বিড क्रमांकी मान्य क्षा के क्षेत्र के अर्थ का गरपारे तकार परेरा । वीकांकुर में स्वीक रुगक क्षेत्र वर्षेत्रा रुग्यंत्र क्ष्युंब्र्यं स्थिति वास्त्रम् পরীর শাস্ত্রিবর করে অঞ্জ ক্রাক্তর্য পৌর্জান क्यात प्रमुक्त कातीय कात्रवी रहेश मानुवन त्रर्थतं वेदक्कि जानकाञ्चकः वृतिवृद्धितं । जंक-८९ अमेरी नश्राप हाता लागनाध्य-नीमान्यर काकी कृष्टिकांत सका अहे जातक नार्वक आग-নার সমিধানে এেরণ করিভেছি। সহাপর বর্থন त्रत्र व्यवम विभग केशान्त्रः जासक्तित्रत्र संबंधि वैश्यन रहेशभिश्रांदश करनाहे कक शुद्धा वीकि-रंपन । पर ३३ काटक स्परेश अधुक्षि स्मानकार ज्ञानक नवाक्षेत्र कीत महर्गाकीरक श्रूकाश्राह अभिनिश्चाका वार्यामाना মাৰ্শ্চাৰুর সহাপত্তর বাটাতে সইয়া বাস-न्दि। अहि भवन्दा । छेरतन छेरानदक श्रामंत লাহনে নাহলী ইইছা ভাষায় দটার কলুটোলান্ত লেম পর্যিবারের জনর চটকন ব্রাজণ্ড ব ব

de water dollar stational Magnist erinings না কৰিত স্বিলিড ব্ৰয় একলেই कार्यास्त्रि वार्था विकास कार्यसम्बद्धित । बरवार्थ करने बाहार पर र वर्षण स्थाप नोहिए का प देशक क्याननक क्योक्तिकारक क्या बहेता निवास निवास केन्द्रियां के क्षिक्र मिन्छ कstace, various greetable game wit-CE अवाय प्रातिक क्षेत्र क्षत्र अव वाक प्रदेश त्यानांगविषक्षकार्थाः काकाविषदण नावांगा अ-यात्र अविद्युत्त । स्त्रकृ शक्तियात्रक चेत्रियिक श्री-प्रकृति क्षेत्राव्य क्ष्मुंच व कविष्ठा बरवनीत च-विकार्गीकरी अवशेषा अपन चढ वर्ष विका-भाग्य क्षांस्य अध्यान व्यवन । जी-पानी क्यांस प्रकाश हवा द्वांक कारक जानगा-क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रारंग श्रीवन क्रतिरव हि-स्मा देश अधिकीयन बारकाचान कर. चानवा-विश्वाह नेही नेहन वक नश्माती गृहिन्त करन कींक वर्षेक्ष अपूर्ण आश्वातप्रश्मितिया क-किस मां

ं मश्चम । अभिकारिक लाग नाम् १०। तार्पान-रेक्की अक्षांबक्त वृशासास्त्र अधि बरात रक् क्षांनीक वरेबारक्त। वीत्रका स्थान नामून मानन বাহাতে ভূমিছ বা বয় এবন অনেক আছান मादेशहिरमन, जैवाद शक्ति याद्र क्रव भगेन्द्र ব্রিয়াহিলেব, বাড়ীডে শাক্ষী আবিতে হেন मुद्धिः व्यथ प्रकारा ७ यात्रभारमता मक्टमदे केंग्रिक्ट मार्थांच विचार करा जाहि वृद्धि वर्देश क्षातिक स्थातियान हित्तन, किंद्र " विक स्वर् क्रमुक्तम ज्ञान्य ज्ञानिक विकास विकास विकास निक्के क्रोबांट्यत नद्यमात्र क्रिकेट विकलीकुछ খ্ৰীক্ষা ৷ কংলারী ব্যক্তিরা পদে পদে শিক্ষালার্ড digues, seife fo Bieleng aveige উল্লেক্ট্র বা বাভার সোতের সমূপে পর্যাত काल विज्ञ कृत्यह माह जानिहा यह । निवाह

THE REAL PROPERTY. हेक-३ नेका क्षेत्र नेत्र अवीगाहाका विविधिक अंक्रीक बहेता रमरमंत्र केमिन मां क्रीवात कि परि-अ १ भीराय अवन अगारत वामानामुद्देश विभाग है-त्याह अबा व विश्व कोनमं श्रीटक निह्नकीटक को-त्यादन क्यादिश्लंग क्यांनि वा कीवाय कि वहेल ? बर्देश ता चांत्र विश्वद्वतं प्रतिव वर्षम ज्ञाकांत्राम मे-ছাণত চলিয়াবেলেন তথ্য ভাঁছারা পেরীলাবে क्यादा गनाहरम क्रिनानाता व्यक्तन गहाकन প্ৰকাশ করিয়া থাকে অথবা চোর পালাইলে বে দ্লগ বৃদ্ধি বাড়ে)শরাক্রণ একাশ করিয়া ছার-পাল্ডিখনে ছতুৰ ছিলেন কিন। কেনৰ বাবু ও তাঁবার দ্রীকে আর বাড়িতে আসিতে দিও না । अवायक मनामद्रक नाजी स्ट्रेंटिंग निरम्भ कर् किन्नम वर्षेत्रांट समन अवही अश्वतिक्रिक राष्ट्रि হঠাৎ আবার বাড়িতে আসিয়া আমাকে বলিস ৰে ভূবি ভোষার বাড়ি বইডে হর **য**ও এ

হেৰিতে অতি উত্তৰ অভবৰ আৰি এবাৰে বা-স ব্যার । ভযুগু ভাল নীলকর বিপক্ষ প্রজাদিগের ব্যায় ব্রহ্মানন্দ সহাপরের অভ্যাতার হইতে নি-क्षणि भरिनात्र कमा रा छेरात्र नामित्र हमाहकत्र। क्लक्क वर्षेत्राटक्स देश क्लटक्टणड अक्री क्स केर्राणक वार्ताक भटक, क्षाप वह वेषा वश्रदणस्मा श्रवाह्यसम्बद्ध केतिरम ठेतिरक लेश्य । स्वत्र दर्शः ৰঙ্গে এক আৰু বাহিত্যে এক বাকিলে আর ভাষা-क्षं द्रमास द्रशेष पत्र मा, बाहुन। अविटक द्र्यारिक थांचा बाहिटक बाहिटबंग चांच बाहिएक चानियां आक्रम इप्रत्यक्ष पूर्वम विका क्षम शान केविरवेन, वहिरवारेक्ष भारता केक केक कहिरवन । विकास वाकि विक्षार्थकार काम बराव बना गर्क ভাগ করিখে বাইবে ছাঁহারটি উপর বহ পীড়দ. क्षिकाका विवासित्रंत्र कि वेषेत्र कोचि कार्यः त्व जारित क्यां जाराह क्या दिनावीत । वा-क्ष विकेश कक्ष कोश्राद्वित करनात्र व्यक्तिक गारेखान त्रम बीचू विकास स्टेसिक वर्ग क्रम्यून में जबनि काराता भवास ह- वर्गन । वसन अक्षानुन्हें सर्वानहें सहित्स से से से हैरत श्रीवृत्तारहम । अथरन रथन । अतिशाहिरलय चथ्ने हैं विश्वेदक्ष विश्वेद अवश्वेत ণ্ড ড্ৰাক্ডৰ্ম্ম এচণ কৰিতে উৎস্থক নী প্ৰধানাচাৰ্য্য গুড়ে ক্ষমিক্সক্ষা ক্ষমিক্সিক্তিনেন ভৰ্ম কাহার৷ বাাঘাত দিয়া কি আর তার্মিত প্রার্থিত করেন রাই উপ্লি হো शहर बहुत मता नदेख नथन जयी- विम्हण्ड नटक किम क्षाक्रिको बेर्ड्स क्रिकेट में त्रं क्षेत्रिया क्षात्रा प्रानाविक ए- चनन नवन वीवाहा नक्षात्रे वीवाह लेकिन हैं। विकास क्षात्र कार्य कार्य कार्य क्षित्रकाल, गरेवे पर्यम चिकि था- अन चैनरियमनानि अविवादका क्रमण कि क्षांत है विभिन्नों वाजात्व प्रमान संवेत्व वात्रम कावित विश्व नामि नाम्य । वाश्व क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कार्यानव वर्ष ।

anter other transfer profession out-CIT 314 TIEST WITH MINE খাৰে উপস্থিত হতিয়াহিলেন অনুষ্ঠীয়া কৰাৰ নে-ল কর্তাদিশের অভান্ত এটিয়াইউভান্তন্ত্রক ক্ষেত্রে त्र गरिक शहर चानीक श्रेकारकक, सन्दर्भ किन करनहे अवशालास सहस्र परेशहिरम्य चर्ड पुरेक्टनत निष्टुरे पहेलाना यात्र अरु व्हारतत निर्वाणम करेल। विकास वक मण वहमारी. न्मह वर्ष के खात्रकामत मान विशेष वर्षा वर्ष-বাছে ভাষাতে ভার ভোম সংশয় নাই। ভার ও कृषि मृत्यम कथा अनिष्कृषि त्य ,श्रृक्षस्य त्य कर्य कक्षत मा एकन जाशाय जिमि साबि स्टेटिंड वि-চ্যুক্ত হাইবেন লা। ভাষার স্ত্রী বভক্ষণ না আভি विक्रक चाहात रावश्व कात्रम छक्कम दौशह किन्द्री कर नारे। देश कि अपनि आमारवन शरक नक्षांकर मुख्य मध्यांम, मध्य न मध्यम साक्षि यांच श हेरा चटलका जाकांत्ररमप्र गटक क्षमगाजात আর কি আছে? বে জাভুগণ ভোমনা আর ভয়ার্ড হয়ও না, গণলি ভোনাধের অভুকুল হুইংড়ছে, ভোমরা অভারে সম্ভাব খারণ করিব। চরিত্র"ও यमा विश्वक कराय क्षेत्रपात भाषाम अपनान कर निकार जागाहित्यम् नेक्य व्यवस्थाः निकार ट्यामता द्याचधर्म अञ्चल कुण्याम स्टेर्स । হ্নাচিৎ অপক্ষণাতিৰ ঃ ৷

बनायावि। जीवुक शह शहनाथ स्क्रांतर राष्ट्रीमध ১२७৯ रेरणाच् क्षवंति जावित नवीक 🔆 ** · 电影响多数 (州省 ১२७a देश्लाच **भवशि महाचित्र भेर्वा**ग्र. नावित्र उपनांन शह >२०३० टेरमाथ करवि का दिन गरीह , শালীবাণ হত 明明實理 ३२०৯ रेग्नाच जर्मा जाचित गर्माच भागमान क्रमानी के कि कि **३२७৮ देखा ब्हेटड ४३ ७३३ गर्या** अ अब हवा ब्रोड अर्थन बाह्य स्ट्रेंग्ड ७३ स्थान अस्ति । · 南州李華 東海南 **১२७৯ देवणाय जन्मि देवन शर्कक** 5,54 4 244 61 " क्रांकेट्स द्वाव ১২৬৯ কাৰ্শ্বিক শক্ষিত্ৰ ट्रायदात रमञ्जालका किया महिल्ल कुमाममा ST 00 रेपनाथ जनवि देखे व्यवस्था is stated to ৰ লিগ্যান ३२५३ देवनाम प्रदेश्य साधित शर्वास

contributed of the state of the रिक्रीमान विकासिकान समित्व स्थित हुन्।यनी

यशक

প্রবর্ত্তাং প্রকৃতিহিতার পার্বিঃ সর্বতী প্রতিমন্তীন ইায়ভাং।

1

B 4111 २७ जर्बाः

मन ১२७२। ७० देवणाव । ३९ ১৮७२। ১२ ८व

यानिक क्षेत्रा > वैका " ৰাৰ্থিক অব্ৰিম ১০ টাকা

विकाशन ।

সমাচার পত্র সম্পাদকলিগেব व्यक्ति बरुवा।

গৰাচারণজগশানকদিগের প্রতি আগা हिरात वक्तवा अहे, छाबाका मामध्यमा- अकि कुर्वित आत्र राजात अका छापूरि तिविभिनातं स्वाचात्रिकाटः द मक्त नः শ্র প্রদান করিয়া থাকেন, ভারা সংক্ত कारमञ्जू बाद्यभारमञ्जू निकटे भागित्रेश मि বেনঃ স্থাচার পত্র ভির অন্য কোন গত্র নে সকল পঞ্জ विधिवाद वृति अध्यासम्बद्ध সংশ্ব তৰতের প্রেরণ করিবেন।

विकाशन ।

क्षेत्र मानीकामा निरद महामन कर्ट्न অগ্রাদিত বহাজারতায় উদ্ধোগণর প্রস্তুত চইরা বিতরিত হইতেছে, আহদগণ আসিয়। 公司日本新刊 1 প্রীরাখানাথ বিদ্যারত্ব **अग्राम्य १ अग्रह** কলিকাভা বোড়াসাঁকো। প্রধান বিভরিছা। मकाका ५१०७। २३ देवमा भ

मागद्यकान्। **७०७ टेरणांथ** ्श्रावसीत्। পত্র থ্রেরকের প্রতি।

গড় সঞ্জাছে অন্ত্ৰুম ২০ ধান প্ৰেদ্ধিত भक्र भागामिरशत इस शक स्रेत्राटकः। देशा-त्र क्षक्रश्राम क्षेत्रक्षत्र, क्षक्रश्राम जनात ७ कड़क्किन कांत्रुच कार्याक्रमागरवाशी नव् दिनिहास्त्रका अनि अक्षिक रूरेन ना ।

🗸 नी 🗷 अध्यक्ष ने अध्यक्ष भग्न राज्य न स्वर्धक अभ श्रम न।।

कर बन मनीया करेएक ७०० वाटक শের ইবিয়ান নিররে লিবিরাছেন "কেবল गटमक्छेदब्रब निकटि चाट्यम क्रिजा कामारेबाट्ड त जाराता हुरे फिटनत घटशा जाहाक्टिमंत्र कथा छात्र कतिदय ।; बीजक রেরা বৈ অভ্যাচার করিতেছে, ইহাতেও कि चात्र छनियदं गटम इ थाटक : त्लादक विद्यावकः वांनाना म्हामत्र । त्वांदक् व्यान ছু ৰ্বে কি লৈভুক ৰাস স্থান ও জমা ত্যাগ क्तिरंककात व जीलकत्रविष्यत हेक्। हे यनि बनवर्षी क्रेल. शवर्यमार्थे अरशक्त कि ? भवर्गमण्डे कि अक्षा विकास कांत्र छोड्ड र कर नकत केल कृतारकत कृतवायरण बीलक्द्रक्रिशद्र छत्र ध्यवर्णवार्थ धर्वप ব্যবেদন করিয়াছে। তাহারা যথন বাস্ত বিৰু জন্মা ভ্যাগ করিবে তথনই গ্র্ণসেপ্টের रेहरूना इरेरव। नीलकरत्रता व्यक्तीमा অইন জনখন ৰূপে করবুদি করিভেছেন; य चटल धक्छन कर हिल, तम चटल छात्रि नीह श्रेन इन थाए। कन्ना इरेन्नाटक् । कन्न হাত্ৰ কৰিবাৰ আৰু ৮০,০০০ বিজ্ঞাপন विश्वता वर्षेत्रारम । अवस्थि वर्षा कारमक वर्षा शवर्गामा के विकास के रहेश नगर्वाकातः अन्याकात्व, जीवकात्रका त्व कत्र वृक्ति कतिहरूरेत्वा श्राम् विनात भटर । समाता व चानकि मंत्रिकारे BERTH WANTE WAS METERS AT 1 WIT-

शामिरशंत त्था, मस्य, वृशामि विकीष कडि त्रा अन्यात्र कते जापात्र कता व्हेरकाहः। नीन अधान अदहरनद्वानर्व प्रदेशहे संदर्भ कांत्र त्रव छेठिशाटह। आत्र हुई बर्भन কাল ক্রমাগত মেক্সমা করিয়া করিয়া हररकहा व्यन्त्र ७ मिडाव विस्तृ वृद्धा পড़ियादह । जूबिहात स्रेटन बहुए कामानि গের ক্ষোভ কিকিৎ দুর হুইভ ; কিব্ব ভা शाविद्यात काटमा त्मणि चामिन महो। काश पिर्वत हरे कुलरे त्यन: बना वर्षे निरंत कशिमदत कांद्रम नेहर्ष्ट्र केंद्र

गरवा माक्यमात्र श्रूमविकारम् श्रूमका वि शारहत ; किन्न चतुरायम स्मिता लिकिन् निःगरणत वाकीसमाम क्रेस्न, लाहिनाटा ने माका विकास जान महिल्ली के जारि रश्च कारमा सुनिया एक्स क्षेत्र । सारात নক্ষাৰ সিৰিমিয়ান ও অচিত্ৰিক ছেপুট कारमञ्जेत अकृष्टिक जारमन, कुँशित अवगृह बीकात कतित्व के श्रेक्षा দিনের আজা অলোহ ; জাহারা একবা र बाका राम, जारात बात अतिरुं व दब्ध वा । कलकः क्रांक्यन मोटक्टवृत्र क काम केमिरिशत मान विक्रुःहात स्टेर अर्थे माज।

चर्चन चामता संस्पेटमण्डल हुच था द्वित कहा भी शास्त्रम अवन कर्य नारे अवर्ग्स्ट केत्र अपि बूंका पूरत थाकुक, कें ह चारां जीलक्यमित्यत महाप्रचार जन अक सहस्र अभिदारिय शही वा अस्य

क्जीय लाटकत मध विधारनत विम् विधि বন্ধ করিতে উনাড চুকু গাছেন। **প্রা**শি ्रभूत्र श्रवन्देशकः अकल विवदत्त्रहे व्यक्तिकः। करसकृषि युद्ध जिल्ल मण कानिता क्षिकार स्टेटल राज्य जिंदनगि छ ্ত্ৰিভাক্ত অনুচিত; প্ৰণ্ৰেণ্ট ভাঁ হাসিলের ছারা শাবি অল হইবার ভয ক (त्रम ; किसें (मारे भाषि त्रका कहा कि भव র্ণমে**ণ্টের ক্রিউব্য**ানছে > ভীছার: সভক र्हेर्ट्य एव दुक्र चनात्राहेत्र कतिए সা **পারেন** ।, এ**ে শের কর্তৃপক্ষ** এই নীভিটি विष्णुक स्वेतरिक्य । व 🥱 विरमस्यत व्यवस् मक्तांनात्र विटलंटवत्र व्याजीके नाथन छेटक्रण করিয়া কোন বিধি বিধান অভিশর পহিত। এচকর অপরাধে অন্যের দণ্ড বিধান কি শান্তি রক্ষার সমুপার > এতভিদ কি শান্তি রকার উৎকৃত্ত উপায় নাই > নীলকরদি . अ**न्न ज्या**कांत्र विवासन **एरेटन** कि नहर ज শান্তি রক্ষা হর না? আনাদিলের রাজ भुक्ररदेश कि बीलक्ब्रिफ्रिय नाव मदन হত্রের একারা চিরকাল ভাঁহালিনের বে ফার্ডাব্লিডা ও "এরজিকারীদিগের,, অভ্যা ় বিভে চান ্র চার সন্থ করিবৈ > যে সম্প্রদায়ের প্রতি विधिन्ना बटलम भवर्गयाणी मजुत्रमिरभन्न (व क्ष क्षा क्रांटि हा क्रांपिश्त क्ये हरे বের্ছ 🛊 লে সভাদার ৩ লেশের কেমন हिटेहें अवर्गतमणे वृत्तिशांच वृत्तिरवन ना ामधिक कथं। कि, आम'निरमंत्र त्रांक्रभू ।

सारवद्री सीनकत्रविष्यंत्र मात्राकाटल वक र देशालाक विज्ञापित देवकला मण्योगदन क्रिक्श क्रूडेब्राइक्त । चीक्.वी २४०० मारसव **, अर्थे अ**द्रिश निश्चिपाद्यन

े स्थापनाम गणांगर गण रूपवादवं श-दशक् र नेवान हान्य, वर्षाद्वारण व्याकारमञ्जू हो-व. बजा क्षा के विकास सम्बद्धा शहिरक हिम मा। बहै नकन क्षेत्र के अभिनेत्र मिट्ड श्रीकर् 4441

কেছ পরগণার হারের অতিরিক্ত কর লই । জামে পতিত হইগাছেন। ভাঁছারা নিশ্চর एक भोद्रित्यम जा अवश रव : खरण क्रवकणि । कानित्यम वणरणरम मीरलद्र स्मव क्रेशारक। भारत क्षा कि के कि ना नाशिक स्ट्रेटर में नी नकरवत। यनि नाशा कर नरेशा नक्के क्षांत्र कत हिंत कता श्रेटव मा। अरे भा रेंदन कि जलाञ्चनि (मध्या इरेंदन) बीलक त्त्रता बी गवणव क्त्राहेवात छ एक एम जनक क्रमधार्य। क्रिट: (इन, इंश कि अथन ७ জানিভে ৰাকী জাহে > আৰু ব'বের ভ কথাই নাট। গ্ৰণ্মেন্ট কি ইছার নিৰারণ করিবে 🗎 ৰ না। গত শতাব্দীতে ভাতান্বেরা ক্লিয়া রা বিয়াছি, পাবসীক্ষেনারা আধীর দোস্ত ভ্যত্যাগ করিয়া চীন দেলে গমন করে; ভদ্মি বন্ধন সাম্রাকাণের শাসনকর্তা যাবজীবন কারাবস্থ ও চিরকালের জন্য স্থাভাজন रशेरध्य। वनरमशैत अवाता कि **चा क्रिंगिट** भवावत करत। भरत **चा**वांता कता ভারদিগের অবলাধিত উপায় মাহুণ করিতে করিয়ার করিয়াছে। আমীর তথ্য উদাত হয় নাই - এক্ষণে ভাছারা নীলকর দিগের কমীদারি তাাগ করিয়া অন্যত্র বা इेटल्ट्ट । किन्न भवर्गस्य केन अर्थ ীদোবে বদি ভাহারা সেধানেও তিতিয়া থাকিতে না পারে, শেবে কি ভারতব্যায় গবর্ণমেক্টের অধিকার পরিক্যাণে উল্ব इरेटन मा > भवर्गस्यन्ते कि त्नंदन धरेते त्न

"আমরা বারহার কহিতেছি গ্রণ্ডেট নীলকর্দিকের অসকত কর এছণ এরাস রহিত করুল এবং প্রভাকের ভূমির সী मा वक् कतिया वर्षार्थ क्षत्रधार्य। करून । दि শেব কলিসনরেরা প্রভাক পদ্মীরানে গিয়। ভূমি জরিপ করিয়া কর নির্বারিক করিয়া আসুন। কর লইবার জনা বৎস स्वित करवक पित चित्र कता क्षेक । तील করেরা করমা লইলে নিক্টবর্তি কালেকট ৰ ওডেপুটি কালেক্টুরের নিকটে ভারাগ্র होका क्या कतिया पिट्य । अवर चाद यांव अकृष्टि अककारम निःश्मिष क्षिएक हरेरद । अरे छेशात्र अवनवन वा क्रांत्रत्न क्रिष्ट्र्टर নীলকর ও একাদিদের পরস্পারের বিজ্ঞাধ भाकि स्टेरर ना। याहाजा अवग्राभिक का ्रिक्न, भूमबीत मीम कवित्व कांश्रात विवय না হন, ভারোরা এই সিদ্ধান্ত করিয়া রাখুন কিছু নিন পরে তাঁহাদিগকে আপন আপন क्रमीमादी भरिष्णुमिन व विशिष्ण स्रेट्द ।

कान्टलव बुक

অ্যামরা পূর্বে পাঠকবর্গের গোচর ক মহন্মদের রাদ্ধ আক্রমণ করিরছে। তা হারা কোরাসান হইতে করা পর্যান্ত আসি যা তথাৰ আমীরের পুত্র মহম্মদ আক্ষুল व्यक्तिनादार हिल्ला । जिलि उरकारन करायक कम व्यक्तिमण्डि व्यवीधा मन्नवाह छ জানগীরদারের সম্পত্তি বাজেআপ্ত করি বার কাষ্য লইয়া ব্যস্ত সমস্ত ছিলেন। ঐ অশভ সরাদ তাহার কর্ণগোচর হইলে তিনি एक मन्नमानिएसन व्यानस्कृत जान গীর প্রভাপণ করিলেন এবং ভাঁহাদিগকে শত্রুর সহিত বুদ্ধ করিকে আছে। সিলেন। এদিকে হিরাটের রাজা সুলতান জান পার্নীক সেনাবিলের সহায়তা করিতে ছেন, তাহরো **জন্মনঃ ক্রানর হইতেছে।** र्वाश्व सर्मारमञ् करयक क्रम मन्नमात्रश्व ৰিপক্ষ পক্ষে পক্ষপাতী হইর:ছেন।ভা হার সমুদায় সেমাণতিও তাঁহার প্রতি সম ধিক অনুরক্ত নহেন। উক্ত আমীর হিরা টের রাজার উপরে অধিকতর জাতমন্য र्देशार्चम । जिनि व्यख्योक्तरहरे कहिन्ना द्म " शत्रद्भवदात केकात विक व्यापि की বিভ বাঞ্চি, ভাষা হইলে হিরাট ভূমিনাং, कतिया । विभि देश चरभका । अवागश বিপদ হইতে উত্তীৰ্ণ হইমাছেন সভা; তাঁ शत वृश्वित्र किन्दुका, त्रनशक्तिश ७ नमत हाचूर्यात्र विश्वत्र रक्ष् म्हण्यस् करत्रत्र सा । কিছ ভিনি একৰে অভিশান মুক্ত হত্যা

एव । छै।हात-विश्वयहः भूदः आवासाः विशे (वादाटक चाक्त्रादम्या अव्यक्तिकारी रमकः 'स्थानां चानस्त्र , इक्रिक) व्यक्तिः ত্যার করিশ্বদেশ। পার্যনীক ক্রেন্ডাঙ युक्त विषदम् सामुद्रशाम बंदर, स्वकृत्व स्त्राष्ट মহন্দৰ শীল্প ৰে ভাছাৰিগকে দুৰ্বাকুত ক ब्रिश के डेट्ड शास्त्रम अक्ष वाय दर्म मा।

चामाणिएश्रेड शवर्गामणे अ नगरत कि क्तित्वतः अधन, धरे व्यटक्त मीमारणा कता व्यावभाक स्ट्रेफ्ट्स । ट्रेश्नशीय अवर्ग्यन 's प्रकड़ा शवर्गरमणे खेडरसत्तरे अहे मश्काः त चारक, कात्रक्यर्थत अधि क्रानिव नम्। हिंद विलक्ष मकुक मृष्टि आहा। किन मुद्यात्र भारेटल स्थान करमरे खाझा भन्नि তাল করিছেন না। পারসাধিপতি উক্ত সমুক্তি গোলবোগ থাকুক না কৈন, এদেশীয়ের। টর অনুগত ; আঁহার সহায়তার সম্বাটের जायखबर्ट्स जाशमन जमखाविक मदद। खा ब्रुवर्ध जानिक इंग्रेस दिवासे इंदेश जा निरक स्टेरव । अरे निमित्त हैश कांब्रक्ट र्व व ' बात , विलया बिटर्फ निक रहेता था। কে। এই নিমিশ্বই লার্ড আকলাশু ১৮৩৯ অতে আকণানভানে নেনা প্রেরণ করিয়া ೨०,००० रेममा '३ हैंश्काक कांकित लीवन विनाम कतिशाहित्सन । এवन भर्ग खल खा गानिश्रदक धरे आविभुगकातिकाविकृतिक युट स्व >१ त्काणि छै।का भारशङ्ख श्रूम बस्म कतिएक स्टेंटक्टर । अल्डक व्याप्य यथन ना वना भ्यादा हिताहै अधिकात करत, नत জেমস্ আউটরাম পারস্য কেল আক্রমণ কবিতে যান। হিব্লাট পারসারাজ্যের হস্ক श्रु मा ह्यू, खात्र्ड्यबींग्र अवर्गस्मरकेंद्र अहे केर्नाहरू (इस्ते। केंद्रांता (मः स महत्त्रक বাঁকে ভারতবর্দের কলক হরপ জ্ঞান ক तिन । ध मैमरप्र कि छैं, शहा धे हुक जानी ब्राक् भक इस्ड बिस्कान क्षित्रा विनिष्ड थाकिटवन >

क्रिनिनम् । दिन छात्र छ। त्र छ। द क जना चारक व कथा क्यां क्यां मरह, विक बकारन ক্ষণিয়ায় বে**ন্**প গোলেয়েও উপস্থিত ঃ

मांब्रेतिसन नवासमा स्केतारक, काश्राटक चत्रका नम्।के त्राध्यमम सम्बद्ध कार्यकारमञ् हित्स वृद्धिनाच अधिएका द्यान बागरे अस्तर्भ रहाव इंद्रेडिस्ट मा। बाज विच्छ जिनि काइंडवर्ष चाक्रमन क्रिवात हेका क त्रन, काङ्गान भूनं इहेबात मखावसा चण्या। छाति नाम समित रेममा ममकियाहर इस লইয়া ভারতবর্ধে প্রবেশ সুসাধ্য নর। না मीत्रमार् अकृषि मर्द्यकात्रक्षां कर् कृति য়াহিলেন বটে, কিছু সে কাল অতীত হুই सस्ट । क्रिनिय नम् । हे समित इतामा अन्त इने য়া ভারতবর্ধে আগগন করেন, অনতিবিদ্যয়ে काँशास्त भनावन कतिए रहेटन। कावक वाक भवाकि भार देश मनश्चिक समूत क वृक्षे हम वर्धनीन ७ रेनकम होत्र घटिक व किह कतामि वर्धवा समित्रविरशत वर्धीनका वी कारत केंब्रुच नरहम । यमि नूचे ও चांदी नका चामानिरभन्न चमुरके शास्त्र, हेश्लरशत ध्यमूबाद्वर इरेटव। यथम मिरामंत्र लाक म्बाभन ७ धवर्गसनी मनत्तरे विद्वभ, छ चंब क्रमिश्रमिटगत अरबटन चानिश्र क्रूड कार्या स्ट्रेमात्र जलाबना कि > लाख महत्त्वन পুরাত্র বঞ্জু, ভাঁহাকে সাহায়া দান করু अर्किक बटके, किन्द्र त्यन आयामिश्रास्क भून ৰ্বাৰ ১৭ কোটি টাকা ঋণএন্ত হইতে না रहा। आमद्रा क्षप्रान शुक्रविष्ठता व्यवि স্থাকারিভাদোবে পুনরায় যেন বিপদাপর म्हे । श्रामाणिएअत शवर्यस्य भातन्त्राधि পতির সহিত যুক্তে লিও হন, ইহা কোন क्राप्तरे जामापित्वत चित्रथे नार्। আমরা স্পত্তীফারে ইহার প্রতিবাদ করি ভেছি। সম্প্রতি ভারতবর্ধ জন্মর অর্থ क्रम इरेट डेडीर्ग इरेशार्थ, धर्मन्ड म क्लान्बरण रेनकबडाडा बण ब्राह्मान स्रेट्ड মুলিলাভ করিতে প্রায় নাই; এ নময়ে व वाकि वर्वरामिक् करा चानितात रेमवा व्यवर्ग छेश्मादिक कतिर्वन, जिनि ठाइण्वर्षेत्र भक्त वानिया भक्तिभविष एहे विस महस्मा नाहे।

वेदम**र ७ वेदमंगविद्यां कृष्टि**शन ।

" একংৰ আৰু আহেছাঁৰ নাই, সে কাচ नियारम् , तृक्ष**राज्या अध्यारम** अ**र् जारम**ण করিয়া থাকেন। **কলভঃ আনাতিশের** সঞ क्या अक्षि विराम **अवस्था पश्चिम्नारेस, दे**र र्षमारमध्य पूर्व इत मा। समा समित स्वरं নৰাজন্ত নৃত্য, গীত, বাধা প্ৰভৃতি ভালে ব रान, तृरक्ता अ नकरमञ्ज निक्षे प्रदेश रि मात्र धार्व कतिहा बाटकत, किंद्ध बंभएक्टन রজেরাই যাতা, পঁটোলী অভূতিকে আসৰ ध्वर कुकविका कूररक्या क्षेत्रिक्ष विद्या হইঃ৷ পুত্তক পাঠ, সভার ভর্ক বিভক্ত ও স युवरकता केलिबिक वाळावित न्यारमारम स रक्षा मनुरक्षात कर्ष विद्युक्ता कर्ततः।

যাঁহারা উলিখিত আমে দেরবিবেই वाथ एश, छीहाता धरे कथा कहिरकं আজি কালি চাঁছা, সভা, রাজনীতি সংয ন্ত তৰ্ক বিভৰ্ক ও কৰ্মন বিজ্ঞানাকি শিক্ষা কাল উপস্থিত, এ সময়ে কি কোন আঁক আমে:শ করা উচিত ? আমানিধের, মা ভূমির কি একপ অবহা ক্রীরাজে হব মরা ক্ষেত্রের হিত্যাধন পরি চার্কি ক্রি क्वन विज गूर्थंद्र अणि मुर्जिनांक केरि **উति**विङ क्षयम् **पारमाप वारमारम पा**न रहेर > शक्षांक्रत केंद्रमर्गाक्षत्र राजि विनिष्ट भारत्व " जामता यनि वात्रहेत भूका कति, बारे माठ मिथि, अवंश य श्वित. काहा इंदेरन नवा मण्डामाटहन्न मा मटकद्रा क्यूच भ्देता संदर्भ ; बान याः (शटल निका एत्र, आंखे गाटकटबंब प्यत हिट्ड ना विशा यांकात शाला विका प बाग्न इम्न । जत्व कि चान्त्रज्ञा त्करल (পচ मान भड़ीत हरेश विनश चाक्ति । शा পুণ বিষয়ে ইছার অবাতর কোন বাবে অনুমোদন করিতেহি মা। আমোদ নি <mark>আৰশ্যক, ইছা প্ৰস্কৃতির নিয়ম। অ'মা</mark>নি র পরীর বেশ্বপ নিদ্রার পর মুফন বল এ इन आत्मारमञ्जू भरक रक्त्रां आमामिर

মন সুত্ব 🕯 শ্রান্ততিত্ব হর। কোনুবাঞ্জি স यक मिन क्यां े निति, निकासका किया **उनामकी** कतिएक ममर्थ स्वाह किया मकत थकात्र पाटमान -सद्याप मन्दून मगदत्र ७ नकन चवरात्र व्योक्तिकत एत मा । इत्यता ৰে বাতা পাঁচালী প্ৰভৃতিতে আৰক্ষ সুখ শনুতৰ করেন, নব্য ক্রন্থেখারের ভাষা ভাল খুটো না কেন, একংৰ ছবিষয় বিবেচিত PROFEE !

পূৰ্বকালে বে বে বিষয়ে কিছু জাতির জীর্ত্তি লাভ ষ্ট্য়াছিল, এই জাতির রাজত্ব ও স্বাধীনতা লোপের সতে সতে সে সমুদার विवदस्त्रहे व्यात्र अञ्चल्म हर्ने गात्र । अखि नमानि नियद्त्र हिन्ध् काठि ए छैथकर्व लाख करबन, कार्बि काशब वद्य विभर्गाम इद्र, किस्प्रियो क्रिक क्रमणः विश्वीत हहेग्रा **क्टिंड स्थानता अकटन एवं बाढानि पर्यान** कति, छोशे मिरे ऋहि विभग्रामदबाद्द क्षा करें के का जान कि मारे, अर्थन ता बबुबन कृषिका. विश्वक नार्द्धाकि । विश्व 🖷 সংগীতাদির রীভিও নাই। এখন সমু मात्रहे विकात आख स्हेतारह । चालकात्रि **्वड्डा अञ्च**ित्रकारणायस्य नाष्ट्रस्य अक्षी क्षयांत्र त्याय बिन्द्रा भन्ता कतिहारकत. क्टि बे मावणे अकनकात याजारित अकति প্ৰধান গুণ বলিয়া ব্যাব্যাত হইয়া থাকে। याथा त्व करकाल लाक रहेशा शिशाहर नी । आक्रमनाङि कथन श्रामा জ্মং এখনও আনতা বাহাদিগকে বৃদ্ধ এই সাজে, গৌরবূর্ণ বালকও কথন ক্ষক হয়, मद्म बाब्रा निर्दर्भन कत्रिश थाकि, छ।इ:कि । এव । कांकि अपून नगाववर्ग वालक् अ वाधाव भारत विकारण लाक के मकल प्रश्लील বাত্রাহির একান্ত ভ জ। ঐ মহাপুরুদের। কে বুপ । বাত্রার চাকাই শাড়ি পরা বর্শে দাও বল যে আমাদিগের দেশের নাটক নাট কখন কখন দেখিতে পাওয়া যায়। শৌক, का अकृष्टित्र अखिनमानिएक हीन नना शः श्रद्धाह्म अक्षा नदक. र केविनिकात क्षेट्र , बाबाबिरभंत्र मिन गंना श्रकारत , बुक्का ७ बुक्का अस प्रेतारः। जारापि कात ना। गाशायत विराय निकास ৰেছ বেৰণ ওপ, ভাহাতে এৰণ ঘটনা ছুওট্না অসতাবিত মহে। তাঁহারা নাজা । এমত সময়ে বরেক জন ইংরাজের বেশ एसम् मृत्युष्ठ, मा क्रांट्सम वाष्ट्रमा, मा काटम । अतिया व्यापितः वेशविष्ट इकेल । शैष्ठाली, पूना व्याप्ति व्यापा अकृष्टित्याम क्रिकारा

व देश्याकी । व शामित्रत अनव सन, का शाम भावपाद अव्यक्ति क क्यार नारे । शहिएनंत्र क्रांचा कि कार्टी शांच (अकिन **अरण्टलंत गावडीत लाक्ष्य ए व्यवक्रक** विनिद्रा शांलि विन्नाट्स अवर मन मर्जा ग्रे ७८ दल म (य व्यक्ति ७ भीमि निर्देशस्त्र, रा क्वल के बहाक्ष्मिप्रकार थर। इनकारे। কোঁপছাটা আমলা দলই উহাদিনের প্রধা न । शक्कांखरत, नवा मन्ध्रकारम् न नामाविध ইংরাজী এছ পাঠ করিয়া স্লচিপরিবর্ত্ত হই নাছে, সুতরাং চলিত সদোব বাতাদিতে তাঁ शरिशंत्र की कि करन ना। अक् अक्षे क রিয়া ধরিয়া দেখ, উহাতে প্রীতি জমিবার मखादमा थ मारे।

প্ৰথম, ওন্তানিকৰিতা। সধীসহাদ, বি রহ অভূতি কতকগুলি গান পঞ্চশংসনীয় নব, কিন্তু বাদ্যেৰ ও খন্নের যেৰূপ মিউভা, ভাহাতে ঐ কবিতা যত শীক্ষ বিলুপ্ত হয়, **७७३ म**'कारमत विषय । **इटल** ७ काउता বাদ্যকর, গায়কেরাও প্রায় জাতিতে এক্প শেছারাদগের ছঃজব চীৎকারধনি ও খেউ फ्टिं के कविछात्र छेश्कर्स व नविटन्य न ब्रिक्स पित्राटक् । विक्रीश, यांजाः । हेरुः बब्रर क्कुक जान । किंद्र रेश थाहीन कारनत অক্তিনরের বিষ্কৃত আদর্শ। অভিনের ভিন্ন ভিন্ন ৰাভিন্ন কপ, বেশ, বাকা ও ৰাৰহা রের প্রতি কিছুমাত্র দৃটিপাত করা হর क्र भारत् करत्। शतिक्रक्त विवरम् धारे ারাষ, সংখ্যাধ থেকাশ করিবার সময়ে क्षत्रकि धाकात जनकरी कतिएक इत्, তাচা যাত্ৰত নেটু নটা প্ৰভৃতি কেম্ই चनचिछ। १३ उ अखानहिक स्ट्रिक्ट

रेश्त किरते धवानि गरञ ७८१ अभरमगीतः। व्यक्ति কি, মদ, গুলি, ও গাঁজার পরিপদ না रहेरल गाँठाकी ७ शाम व्यादकारे परका ्रार्थभाषिकात **रम ना । यक मिन जा**र्जनीक्ष् भित्र औरमारकता नश्त्रीक विकास मा निव्हें त्वन, उठ मिन वारे ७ श्रिकीत व्याष्ट्रकाई... पूत्र व्हेरव मः। नामाना बाह्यसमा महेता 🦠 খামোদ কর। কি সভ্যভার বিপরীত কাষ্যী गरह ?

' যাত্ৰা, পাঁচালী, বাই ও খেৰটা প্ৰভৃতি क्रांक क्रिक निर्मा कर्म निर्मा क्रिक निर्मा क्रिक निर्मा আসাদ্ধিগের দেশের লোকেরা এককালে विद्वारम अध्यादम विकास शक्तितन । हेराह्र उँचत्त्र जामानिश्वत्र वस्त्वा अहे, जामानि গের পূর্বতন অভিনয়াদি পুনরক্ষীবিভ र्षेकः। त्रपारती, भक्तना अपृष्टित पवि নয় দর্শন করিয়া আসরা ভাবিয়াছিলাম এই সভা আমোদ ক্রমণঃ পুনর্কনীবিদ্ধ হইবে, কিন্তু আক্ষেপের বিষয় এই, আর উহার প্রদাদ নাই। জীয়ু ক বারু দ্বাধানাধৰ হালদার প্রভৃতি করেক ব্যক্তি সাধারণ तक्षकृषि कतियात अधान शाहेनाहित्सन, কিন্তু উৎসাহ বিরুচ্ছে ভাছা পরিষ্ঠাক रुरेशारक्। भूनद्वात्र काँकांकि भन्न अ विवरत চেন্টাবান্ হওয়া উচিত। স্বভাবের অনু कर्व पर्मन वाजित्तरक कुछविनावाहिक निर्भन्न सम्बद्ध भरतम् श्रीकि क्षत्रियात সন্তাৰনা নাই।

কুতান আৰু ।

সম্প্ৰতি ছুইখানি মুখন প্ৰস্থ আনাদি গের হতে ভাসিয়াছে। সীভাহরণ ও প্রক্র তিথেম। ঢাকা বাদালবাজার ব্রাঞ্চ ভূ লের বিতীর শিক্ষক জীবুক বাবু মোহন চাঁদ বসাক সীভাহরণ প্রচার করিয়া ঢাক। बाचनायस्य युक्तिक कन्नियारक्य । देवान

रिक् विनागरतत जनावत निकल केंद्र अ वात्रु बात्रकानाथ साम व्यनीक । ज अवस्थान अग्रवत् । देश भाव स्तिता जाकानियात्र अहे गःभाव अभिवाद अञ्चादवव विमचन कविश्व मिक्ति भारहे। जामानिरनद्र धक মিত্র এই প্রবেদ্ধ বিষয়ে যে অভিপ্রায় প্র কাশ করিয়াছেল, ভাছা এইস্থানে গৃহীত स्रेल।

সংপ্ৰতি জীবারকানাৰ লাম প্রকৃতিপ্রেম াসক এফ থানি স্থান কাষ্য প্রণয়ন কয়িয়া ছেন। রায় ঘরাশয় অতি সুকবি ও লক্ষপ্রতি ষ্ঠ প্লাপরসামুতে জিনি নিম্ম কবিশ্ব শক্তিব সবিশেষ পরিচর প্রদান করিয়াছেন। এই ছডা এড়েও উাহার ঐ শক্তির সম্বিক অমাণ পাপ্রা হাউডেছে। আৰম্ভ দিন দিন বছবিষ মূত্ৰ গ্ৰন্থ দেখিয়া থাকি, কিন্তু তৎসমূদাং গ্ৰহাত্ব বাত্ৰ। প্ৰাকৃষ্টিংশ্ৰম অনুবাদ নছে এই কাষা খানি কেবল রচনাত্তেই ছুক্তন এষও নৰে, ইহা বে শৃথবাজে প্ৰণীত হইয়াছে তা হাও স্কুতন। আপাডভঃ শব্দ ও বিজ্ঞান লা ল্লাদির অলুদীলন আপুর্ভাবে, সভাভার লমাগনে ও ভিননাডীয় লোকের সহি**ও** সম্বাদে অন্মান্ত্রশীর্মিদের তাব, মডি, ও ক্চির বহু বিপর্যয় হইরাছে, ক্ষরাং প্রাচীন क्ष्मानीत तहनानि शाहे कतिया छारानिध्यत **एशि धान्य ना, किन्छ ध्यक्षकि-व्यव्यद्ध ब्रह्म**वि नवा भारेक यशमीत घटनांत्रकत यतिवाद वि-শিষ্ট উপৰে গিডা আছে। ব্লায় নহালয় এই কাবং খানি কোন প্রিরত্য ছাত্রের কবিতাপ্ क्षां कि छ। ये फेल्या श्वां वि त्यहम अतिवास स्मा অ'রন করিবাছেন। এই হেডু, ভিনি স-পুর্ব কৌশল করিয়া প্রসলস্থতি ক্রমে गर्भा मर्था कांगा ब्रह्मांत जात्मक विवि ७ ব্যবস্থা প্রেম্বর করিরাটুছুর: তংগাঠে কেবল ভাঁৰার ছাত্রেরই উপকার ব্রুবে এমত নছে चायरमधीय कवि । धादकांत्रविद्या विश्वल छ " गोरतत महावना । व्यथत, समीय कारानिका ও ডালার উন্নতি সাধন এবং ঐকস্ত্যু অব লম্বন ও সভ্যাভারে সহজ্জন বিষয়ে ভিনি মৈ যে কথা জিখিয়াছেৰ সে সমুখার ওলিট যুক্তিসিজ कराज्य अहे कांग्रा बानित घर्षा अक्ति ? ज नात ७ काद्रवी क्रिक् कथा नाहें । हेरात वशह ७ । बारक कि नादबत वांबी, किया करि प्रवातानि,

रगरमाना चैवा क । उत्तर व्यक्ति जवि बरमास्त्र ७ केवलरे व त्याहरू । शत्रविनाम अवा महाम ७ श्रमपुत्र शक्दिम द्वांत रहा दान काव नीमांकक रामनी स्हेरक विनिधं छ स्हेब्राट. च्यां मच्य, नक्त ब्रह्मिकां व्यवनि रदम चाटा त्व हुजानि हैजर ७ मनक्षिप'निक भय अपू क रह नाहे, अवर अधिकई अ सहीमण अ ভূতি লোকৰ কোন স্থানে স্কিত হুইভেনে ना । ज्यादशाशांख अक इटक ब्रह्मा कब्रिट कार्य अपित बीवन एवं बनिया श्रेक्डिएश नामा इत्य ब्रहिफ स्टेयांट्ड । नानाविश इन्स था কাতে ইবার আরো অধিক নিঠতা হইরাছে এই গ্ৰন্থে বাজালা, বস্তবোধী ও সংস্থ তাম্বৰা রী দানাঞ্জনার হস্স আছে। এইডিপ্রেমের ং প্রতার ভোটক ছলে নার্ড খনির যে সলীয নরচিত ব্টরাছে তাহা অতি মনোহর। সর্বা পেকা চতুর্থ সর্বের শেষে ১০৮ পৃঠার এখ ভাষার দলীতছকাল্যায়ী করেব পংক্তি জ জিশর ঋতি সুখাবহ হইরাছে। নিজে কভি नद्र नशक्ति सेस् ए बहेन, गाउँ विदानहे गाउँ-কগণ রার বহাশরের রচনাগতি জ্লর্ভ্র করিতে পারিবেন।

প্রাণপতি ম্ভাবেরে করেন আহ্বান রে। **खारन ब्रक्तमनि चरन, नकरन नाना**क बरत, কার সাধা ভার ভাব করিতে সন্ধান রে। বন্ধু হেন্দ্ৰি মহোৎপল, ভাবে তন্ন চল চল, यनकृष्य नीरत जारन महामा बदान द्वा। वश्कुत भव्यती, धन छन् द्रव कति, दुकि कांशक्षण श्राटक कटत वधू शांग कि। नाना शकी नाना चरत, किया क्षत्रक्षण करत, বুকি ভারা প্রকৃতির করিছে ব্যাখান রে। গড়ে এক গড়বহ, ছারে ছারে আহবহ, **প্রভা**তের সমাচার করে বুকি দান রে 🛚 নৰ দুৰ্বাদকোপতি, নীহার কি শোভা বরি, (यम नील माश्रीभिएत (चएनत ममान द्वा বুনি বা প্রস্তৃতি দক্তী, ভাবে জোর হরে অভি, (क्षेत्र क्राव्कणांख करते एते क्षेत्र क ভাবুক গায়কে রাগে অপ্টুর্ন্ন রাজিণী রাগে, ব্রিঞ্জ বার কিবা ডুরিরে হডান রে।

बुक्ती अवनान उत्र ।

পিককুল প্রভাতবন্ধন করে গান রে॥

खांब्र आहो किनोबंद्रों, वृक्ति निर्धा उन कि,

কিব। পিক ছাক্রী বা হয় ভেছ্কজান রে। भागान भाषत नदत्त, आवर्ष्य प्रमृत् स्टा, महती बाजादा करत (बाह्यकेदत ध्यतान दर। जार व्यक्तित भरत, यदन भरकु बहेबरत, बरन १८५ देशांचेनीमा इस्त ब्युश्वांत स्तु ! যত চোর নিশাচর, হেরি প্রকার্কর, সচবিত হয়ে সৰে শরিছে প্রস্থান রে। ৰকাপাণী সৃত্যুকালে, বেৰন জেখিলে কালে, **ज्रात्र वेद्रवंद्र क**ि एवं कल्लाना द्वा ॥ শীবের চঞ্চল চিত্ত, পাকে স্মির প্রাকুলিড, করে জীব নানা মত কর্মের বিধান রে। यूकि अहे कारत वन. ज्यूना खोका पन, পाইরে হর বা मःमा **अल्प्ड मिश्न** রে 🗷 আমাদিগের মিতের ত্রাঞ্ধর্মাবৃল্ট্রী বন্ধু বে কৰা বলেন, ডাহা বড় অয়ধাৰ্থ নছে, প।জিও বদি আমরা কবিত্বশক্তি প্রকারেশ ক্লকলীজা বৰ্ণন ব্যতিব্লিক্ত বিষয়ান্তর না পাই, णारा रहे*रम* जामाणिकात कि **बेहाप्रही** भक्ति ७ कूफन तहनात क्रमण शहेक । কুকলীলা বৰ্ণন ক্রিডে গেলে অধিকাংশ স্থলে ভাবেরও ভূতনত্ব থাকাভার। 🔗

मधन ३१हे मार्क ३४७२।

থ্রির সম্পাদক। আপনার পাঠতেরণ ত্তনিয়া আকাদিত হইবেন বে তালিকান-ভাবৰের দারা ভারতবর্ণীর সংবাদ ১৫ মিলে-র বংখ্য বোদাই ষ্ট্রেজ এবারে উপস্থিত रहेब्रांट्रा जनकारनद्र बंधा जानकार चरमर्थ वित्रा अक्तिरनद् गर्गुनिक विना-जीव नमाहाद अवन कविदवन ।

স্থান্তার্পত্রে ল'লাড্য-বিশ্বের সংক্রান্ত निमु निथिक करवक्की विद्रमन मचीए क्षेत्र-लिक बहेबाटम । ১৮৫৮ भृष्टीम भटनम ३७३ কাল্ডয়ায়ি এখানে দাস্পত্য-বিদ্যোগ বিচারালয় স্থাপিত হয়। ভাগৰণি উক্তা বিচারালয়ে ১৮ ৩১ শকের ৩০এ জুলাই পর্যন্ত সর্বাভ্যন্ত ৭৮১ খানি আবেরন পদ্ধ অর্পিড হর। ১৮২৬ জার. থি ১৮৬১ পৰাক্ত স্বান্ধীর দ্রীকে ও জীর স্বাধী কে পরিজ্যান কছিলা স্বভন্ত বাস করিবার অভি-आरब २१४ थ७ जार्यक्रम गत्र क्षांहोन ७ न-ধীন বিচারালয়ে সমর্গিত হর; ডল্পণ্যে ব্যতি-इ'त अना ३-६० निर्धृतको अना ३२६० शकि-

जानि करिया शनायन नि वस ३३ । वदीन दि. চারালয়ে ১১ট খাড়গারি অবধি ০০এ জুলাই পৰ্যন্ত ৪১৬টি বিনহে দা**ন্দভাৰিয়োগ সিভা**ক र्वेदेशांद्र । २०१८ माकक्या प्रधास ब्हेबांद्र . अवर ७५०७ विवदक आन्त्री केवन व्यव नारे। ১৮৬১ मध्य ७०० स्वारे लाम्बडा-विद्योर्गद्र निमिष्ठ १८थान खारबपन शक বিচারান্যর সমর্শিত হয় :

र न्या वार्क

जमानात्र है। शार्क भटन ' जात्रजनर वि-बरह गांवधान ' कहे नारब अक्टाना अका-भिक इहेब्राट्ट । कांत्रकवर्ग रहत्रा ताकशूक्रवरण-র প্রতি অসম্ভই, ইহা প্রতিপাদন করা উদ্রু क्षांत्रक केटमभा । निभ निश्चि करत्रकी वि-यञ्च जार्थाद्वन प्रजारकारकत्र कान्नन विवास निर्देश-শিক্ত **হট্যাচে** । বথা ছতন ছতন টাকা[,] লতণ বাজবাবের উপর গুল্ড; আর একটা চাতন ব্যবস্থা, বাহার হারা ভারতবর্ষের অনেদ ক ৰভাৰাৰ ব্যক্তি ব্যক্তর সংগ্রহের গৈড়ব অধিকার হইতে পরিচাত হইরাছেনঃ পরী এাবের বহুকাল ক্রাগভ নির্বাদির প্রতি ম্প্রার্গণ ৷ প্রাবের মধন দিগকে পদ্যুত ক্-विवाद क्रिही । क्षेत्रारम्ब धर्मविवस्य क्षान क्ष-কার প্রতিবন্ধকভাচরণ্ট এবং শস্তাদির ছু-শ্ব ন্যন্তা। লেখক সর্গ্রেশনে এই অভিপ্রায় 🎒 শ করিয়াছেন যে রাজপুরুষেরা নানা ্ৰিট্টাসব্যবস্থা পরিবর্ত্তন কবিডে গিয়া বেন থার ভারতরাম্যে অগি প্রস্থানিত করিয়া ্ডিটে ব্লেন

क्षिद्धे व्यालनात्र लाउनरमत्र घटमा व्यानरक छेहे ছে। হোইটের নাম শুনিয়। থাকিবেন। কেহ কেছ, বোধ করি তাঁহাব ও ওঁহোর ফ্রীর আ-'**ত্বর্ণীয় পুস্তক সকল পাঠ করিয়াছেন**। উই जिल्लेस त्योरेहे हिल्लेसर्ग यावर बाद्र कर्ड्ड अव कार्युंब क्यतिवादिन, किछ व्याकृत्याः, विवय अहे **ति जिनि नामा जनर्ग जनामा** करन इंडेक. **'মুক্ত্রিলের সহিত** ধিবাদ না করিয়। থাকিতে পৈত্রিৰ ব।। এইৰণ বিবাদের নিষিত্র তিনি ৰক্কালাবধি প্ৰসিদ্ধ আছেন। সংপ্ৰতি ঐ क्षेणीय अक विवासि ध्वहरू रहेशा श्रवाक्षित ह ইক্লাছেন। তিনি বাল ও বট'ু; নামক মুদ্রাকর किंगरक छात्रिवर्रमेत्र निविष्ठ अक श्रुखटनत् य े द्वान अर्थन अञ्चल २४ ।

चाधिकांत्र विक्रेष्ट्र करत्न वृक्षाकरत्रत्रों के छोत्रि-बर्ध्य बर्ध्य अख शृक्षक भू केख क्षित्राहित्तन ৰে চারিবৰ্ণ অভীত হুইয়াছে অধাপি সমুদায় নি.দেবিত ২য় নাই, সুভয়া ৭ ভাঁহায়া অদ্যাণি बै श्रुष्टक निक्य कतिएउएका । द्योदेषे विधा-तालाय अधिरवाधः क्षिता करें निकास रहेन বে ঐ চারিবর্ধের বধ্যে যত্তবত প্রক্রম সুহিত হটগাছে, ডাছা বিধিয়োধিত - অতএৰ নিহু-মিড সময় অভীত হুইলেও সেই পুত্ৰক সকল ন্যাব্যৰূপে বিশ্ৰুতি হইছে পারে। কিন্তু সা-थायरण अविद्वारत मांगार्यन कतिरख्या ।

সমাট্ বণোলেখন পুলিরস্ কেশরীয় ইডিহাস ৷ নামৰ এক পুস্তক শ্বরার প্রচারিও করিবেন । বজারু নামক কবি স্থাটের আ-तिरम के शुक्रक बहेरड कक नांक्रेक क्षाव्रक *রিতেচ্চন। ইংরেজেরা বিজ্ঞা করিবার^{*} এক হল পাইয়াছেন।

ধ্রাশীশ দেশীয় রাজকুমারসহত্তে ঋত ब्हेल (वे ११ ३) ७३ बार्क जिनि मक्ष्य वर्ष প্রবেশ করিয়াছেন। বড মাল্লবের সম্ভালেয়া माना विवरत दार्भागा गांच कतिया चारकन কেহই দ্রিছের অসুসন্ধান করেন না চিড সর্কবাদিসন্মত অংশ শুনিতে পাওয়া যায় বে কুদ্র নপে,লেখন ক্ষাধারণ বুজিয়ান্ তিনি সঞ্চৰতে কেবল প্রকেশ করিয়াছেন, অৰ্চ চারিট পৃথক্ তানার কৰোপকৰন করি-তে পারেন, মলবিল্যার বিলক্ষণ পটু ছটরা (इन) खिन छेखभ व्यवतात्र, ज्ञांश्यकूत्रिक, अवः भाषांद्ररभन्न ज्ञास्त्रांभभः क्षत्र । वितर्ह পূर्कदम्बीय व नकत हाङभुद्धत्र । नियद्य गंभ खना यांत्र, क्यांनी तांक्यूमात व-স্তঃ ভদমূৰণ।

আমেরিকার ওহিও প্রকেশে বিকাজা किनि न्भ् मात्रक अक 'निद्धा' १ व्यर्षा १ অভিকার ক্ষপুরুষ) ১৭৫ বংসর বরুসে সং-প্রতি প্রাণত্যাগ করিয়াছে।

নংপ্রতি পারিনগরের হুক্দনকা মুকুলিড >त्यादकः त्य त्यव शांतित व्यक्तीविक प्रवर-কারিব প্রত্যক্ষ করিরাছেন, ভিনিই বুনিজে-পারিবেন থে তথাকার বৃক্ষসকল মুকুলিভ ও स्वानिक क्टेरन खबाब त्रंबर्बरहाक इना

অস্ট্রায় সরাই কুলিস্ লোজেক জ-ৰ্মন্ প্ৰাণানজিগকে একজিত কৰিবায় চেটা कविराजास्य ।

औरनव देशभर द्विक स्रेवाव डेशक्य হট্ডেছে: মহারাজ ওথো এক খোধনাপত্র প্রচার করিয়াছেন : এছং বিভোছীদিগকে দ-মন করিবার নিবিষ্ণ প্রকাবর্গকে আত্মান ক विद्यादक्त ।

অবগতি হইল বে এক করাশীল আবেরি কার চিলীপ্রদেশে বাস করিয়া তথাকার লো-কের এমত প্রির হন বে ভাহারা ভাহাকে রাজত্ব প্রথান করে। সংপ্রাভ তিনি প্রাতি-বেশী প্রাভিদের সাইত ধূবে পরাজিত হইরা, नन्ती इहेंग्राट्टन ।

शासिदमके त्रयां अवनीष्टांदर इतिरख्द । शक ११ई शांक रेनकाटक रहोत् काक नटकं के পৰিত ছিলাৰ • লঙা নৰ্মান্ৰি ইটালি স্বধে এক্ষটার-৫ জাধিক কাল এক বস্তা পরেম 🥫 **उरकारन कार्नामा भटकात क्या पृद्ध थाकुक**, ' গাই' ছিড স্বয়ং লার্ড চাল্লেলরও বিলক্ষণ जनामनक स्टेब्र। हिटलम . दक्षण गर्छ द्रदनन् বিৰুদ্ধ ৰক্ত ড। ক্রিডে হইবে বলিরা অবধান क्रिवाहितन । याध्य वाकिएवर हैश विश्वष्ट कत्र (वांच कत्र (च व हेशात्रत्वका नामानागृहसूत्र य-पा भाष्ट्रसम् अकर् वस्तियां अकस्तरक ज्ञा বহিত লোখলে ছু:শীল বলিয়া থাকেন, তাঁ--হারা মহাসভার অনবধানভাকে দুবণীয় জান

' अङ्खिरिनामत ' अङ्गोलिका मण्युन व्हेन। चानिएएरइ : ऐंदा ' क़द्दोन भएतरत्रव ' अ পেক। निज्ञक्षेत्रम क्षेत्राटक अञ्चलिकात ইউক্ষয় ভিন্তি গেখিলে প্রকাণ ভাতাগায়ে नाति वाप रहा। अकलन कहामीरमत लिचिछ **अरे विवरत्रत्र अक को जूक स्वतक शद्ध है। हे** ५ त পত্রে প্রকাশিত হইরাছে। বাদালাভাবার অস্থাদ করিয়া ভাষার ভিত্রভা ও বেট্কা-বহতা রকা করা ভার:

२३७ वार्ड ।

मरात्राच्या विक्टहातियात हतिया विवदन ৰক্ষাৰ আখ্যারিকা স্লন্ত হইল। আপ দিবস পুর্বে ওখাইট জীপত্ব অস্বর্ণ নান্ত রাজ निःक्लान्त्र शुरतिक्षित्र व्यक्तीक्षरम् । द्वाक বাটার নিকটবিত এক প্রাচীন ও সরিম ব্য

29

कतियां द्याचिकाम क्षा आके त्या क्षात्र व्यक्तिक को इटबर भगामग्रीरण वनिष्ठा शहरवद्यक् या-তু ৰাজনক কাক্যু সকল প্ৰাঠ ক্ষীতভাছেন। স্থ-ভরাং ভিনি প্রস্থান করিছে উদ্যাপ্ত চইলেন: केंद्र भी देश किश्वा विज्ञान वरामहा नावम महिरदम यो। व ज्याचाम इरक्त शरक चवाकृत वाखिया छैशरमन माजिलव छेशकान स्मान । अहे बांगला स्थानी धालान करिएनन। जनरमस्य जाना बहेन एक महीवाच्यी बतर नि भव खानश्रक रहार भर्पारमन सनाहरेड क्रिटनन ।

আমেহিকার বাজসভাপতি বির্বন্ এ-নাপ খোষণাপত্র প্রচার করিয়াক্ষে তা বুকে विश्वत वर्षरात्र स्ट्रेटफ्ट्रा के वर्ष मध्यान कतिया विष्ठ शांतिरम क्लेक मांमविरगत पृक्ति লাভ ষ্ট্রভে পারে। বোধ হয় অনেকে ইহাতে সমত হইতে পারে। এরপ হইলে মুদ্দেরও त्यम इट्टेंब - अवर मामदश्चल मुख्यिमाञ्चल अवश्वादी निष् बहेटन । हेश्मद्रखन्न देनमर्तिक अवस्थात वर्षा वृक्षा छात्र। अहे बलिवा जनएक প্রবোধ বিতে ছিলাব বে'নীভঞ্জান করিয়া-ा , जमाधारक केतिया तर्गच ता विभिन्नी বেত ভুনার হল্পে আর্ডা হট্যাত্ত। এখানে क्षम औषा, क्षम् भोखः। अवश्रक्षम् वर्धाः ভাগর স্থিতা নাই।

তুটশতের অধিক ছুরি অপকাল পূর্বে क्रिकाणा स्ट्रेंटि जात्राद्विका चोरण ध्यद्विछ म्म · जाराहा जिमिडेचाटम वेखीर्न वरेग्राट्स ।

भारमहिकांत क्षिश्यकीरहात्रा शास्त्र नक म्टल भट्ड कर्ज्य ब्रह्मरम् यस जूना ७ छा मान मिक्क आहर, मनुसान सक कतिवान श्वामन कब्रिटफट्ट ।

२ ७वा बार्क ।

গত শনিবারের স্পেক্টেটর পত্রে ভারত ব্যার উপযুক্ত গোক্ষিগ্রহে স্থান জনক পদ আলান বিষয়ে এক প্রচাক ও অপক্ষণাতমু-বিভ প্রস্তাব প্রকাশিত হইরাছে। উহা পাঠ করিরা লাতিশর ভূপ হইলাম ৷ লেখক অবি-সন্ধাদিত ৰূপে প্ৰতিপাদন কৰিবাছেন ভারত-वर्गेषु लाकं किशरक हे १८तक निर्विटम्टर मानन क्यः तामश्रह्मक्ष्यः गर्यारवाकार्यः क्षयाः।

ख्यित स्टब्स् समय स्टब्स्सात स्थिति स्थात स्थार क्रिके स्टब्स्स क क्षेत्रक स्वीत क्रिकेट स्वापनात अस्थ क्रममः निक्केक्स स्टेटकाइ । हेरा शत्रव था-र्वनीयं त्व चांत्रकरवींद्वालां कुमरकात वर्तात कतिया है रमार्थ असीमा ने सबसा भवन करते हैं फारात्वहरण जागारमञ्ज स्मरमञ्जू केविक्त भव কৰিকভন্ন পায়িক ভ হইছে। আৰি আনতি বি-गरम मधारम चरनमीय जांक्विश्मारमञ्जूषान-লোকৰ কৰিবার প্রভ্যালা করিভেচি।

28.4 MIS 1

ভারতবর্ষে নানা স্থানে অনভিনীর লোহ বৰ্জ বিশ্বাণাৰ্থ এক কলানি স্থাপিত रहेटन । मानाम् न् व्यटणस्य व्याहीन 'स्नांडा ' थ डीमरक्त्र अविक नरीन नद्रामाद्यक এক বিবাস **ক**ইয়াছে। অনেকেয় অভি कांत्र बड़े स्व मृथिवीटक वर्ष (वथा व हीन व र्ष, गुजनमानवर्ष देखानि) जाटक वनिश्र ষত্ৰ্য কুল রক্ষা পাইডেছে; ুকিছ অপক্ষণা-**एक विकास कतियां स्थितिया त्याप पहेरव त्या পৃথিবীটেড এপৰ্যান্ত বন্ধ ছুৰ্নজি বটিয়াছে**, ত।বার অর্থেক কেবল উক্ত হাণ ধর্মের নি-। विख ।

रदल साम ।

আমেরিকার ' কেডেরলেরা ৷ক্রবিক কর-লাভ করিভেছে।

লগুনত্ব আহেরিকাদেনীর জর্ম পিরতি मध्यत्र प्रतिज्ञास्य केश्यातार्थ श्रम्भ नक नुजा मान कतिशादकन ।

লক্ষে এক সভাত্মাণনার্থ পুৰুষোভ্য মুজনিররের খুনিত প্রভাব প্রাপ্ত ইইরাছি। जावजर्व बहेटल वित्र किलाब जेगवुक बा-ক্তি প্রেরিড হন তবেই তাঁহার মহৎ আডি-প্ৰাৰ সিদ্ধ হইবার সভাবনা ।

ग्राचन २७०० मार्क ३৮७२।

এউবিচাদ গুৰুত।

विदिध मर्वाम ।

२०० देवणाच (जाववाद ।

চীন লেশে একৰে ১৬১২ টাকাৰু স্থালৰ-দেশীর পরিকেনের বাকা বিক্রীভ ভ্রতভেতে। বিবৃদ্ধিক তথার ভারতক্র আপেকা জন্স-गृरमा अविरक्त विक्रीफ क्या।

আপাৰি সোধবায় লেও সাহেব ভালহো-

নি ইনটিউউ স্থায় ভারত্ববীদ্বী ভিন্ন ভিন্ন वांकि व कांशकिरमध कांब व विवस्त अक ख-त्ताव शांत अविदयम ।

वनिक मञ्जामारसम् अञ्चलाय अञ्चलारस कांतकरवींच संबंधिय के अध्यक्त कविवादक्त . তুলা ও রেসবের কাপড় উভরেরই এক জলা-त्रं अन्य धारन कविरयम ।

किनिक प्रकाशक किलीमा महिद्याद्विम " अहिरिष्ट कर्षक्रीद्वितिरशक्क आर्यक्रका कि रहेन १३ (डेडे -दनदक्षक्षेत्रित चांटक कांबदक्ष ৰুড়িতে আছে।

উক্ত সম্পাদক আৰম ক্রিয়াহেল ইংলও रहेरठ युनिक्षित्र पृष्टीहे जानिक जामांकेटी के व्यक्तिम निवृक्त कहा घडेरर । अदलक्ष्म कि वि-माफी कन करन मार

ভাগলপুরের কর্মন বাক্ডোনাক্রড , সাক্ষ এক জন ইউলোপীয় ভূলা ও পাট প্রবিদার, করিবার এক ছাত্তন বন্ধ গ্রেক্তা করিয়া গর্থ-त्यरकेषु विकार अन् शार्टके । क्यान विकास **এই रह विकार अधिका कार्याह आसम्**क्रि शब) **मरेबाइन** पे

৩-এ এরপ্রান জরুদি সম্বলপুর জোলা মন্ত্র-रमनीय त्रवर्ग्यक्तिय राष्ट्र वर्षेट्रक शवर्ग्यक्रकेय হতে গিরাছে । ইহা বগাভারতবর্গের কবি-ननरतन्न अपीतम् वहरव।

वित्री शास्त्रहे नन्नामक नारक्न क्रिया-হেন আরডবর্ষীর রেইজ্ওলে কোন্দানি আ-লাহাৰাত ব্ৰুডেড জাগুৱাৰ ভালিবোগে वाच्नीय चक्डे ८श्रवन करबस सा । खादारख है. উরোপীর্ন্নিগের অনুবিধা হয়। সম্পাহক वाण कतिया विविद्याद्यम, क्लाम्लानि अकदम-भीव प्याद्धारीविध्यव निक्टेंबे ब्यांब नव्यांब नाच स्कू वनिका इंडिट्यांभीत्रविदशंत ज्ञा कि-इरे क्रिएक हाएक मा। क्लालानि खेहिर শারীদিগের জন্য কৃতি সহ্য করেন মা এ বড় 可存[][] 1

व्याचारे नवर्गरमके आका कत्रिशास्त्र छ-ত্ৰড়া জনৈডনিক ব্যবস্থাপকদিগকে পাথের প্রভূতির জন্ত ২০০০ টাকা প্রতি সেসিরনে কেওয়া হটুৰে। সাবাদ্যরের নবাৰ সম্প্রতি ২৮০০ টাকা পাইদ্বাছেন। তবে বেতনের ব্যব चा कड़ा इतिक वा रक्त ?

ক্রাচির এক সংবাদ পত্রে লিপিড হইরা

্তর, ক্লনীর্নিধের সহারভার পান্ধর প্রকার। তহরট অধিকায় করিয়া কাশ্যানটক আক্রমণ করিয়াতে। এখন ক্লনিট্রের স্ত্রট ক্রমণ।

कर्रान कम कर्मन चानक्यांद्रस्त्र निवर्षकं विद्यामेदिक्तिनांकविना कैंद्रस्तिक स्थापक क्र-देशांद्रम् ।

हाकानिकेन म्हणायक बरमम स्वाहणानित बज्राकाही दिनिएक महादेखि हाकाय एका नि-कांक्रिय अवर- स्वाप क्या इन हाकात विकडनिकें कांन नहीं आदि जाटह। त्य स्व शहर मो त्यं दंक्रम नृतिवकर्षां ग्राहितात श्रम् ।

ক্লশীরার অবিখ্যাত দরি কাউন্ট নেনেন রোজের ৮২ বংসর বরুসে রুক্তা চইরাছে। নেসেল রোভ এক জন প্রধান সাজিবিগ্রাইক নালরা বিখ্যাত ছিলেন। নেগোলিয়নের বিশক্তির পর বিশ্বানানগরে বে সভা হর, তিনি ভাহার মধ্যে এক জন প্রধান ছিলেন।

গ্রথনেই অর্ডিরার বসিরারিগের নিকটে ইনকনটাকা লইবার আঞা দিরাছেন।
এ দিকে চা-করেরা ভালাবিগকে বিনা বেডনে
ভাটাইবার চেঠার আছেন। ও দিকে গ্রথনেউ ইনকনটাকা লটভে চলিলেন, সোনার
সোরাগা হইল।

রুপপুরে ওলাউঠার প্রান্তর্গর হইরাছে।

চাকাপ্রা গালসন্দাদক বলেন চইপ্রান্তে

নকটি লাখা ভারতবর্গায়সভা সংস্থাপিও হই

রে। প্রস্থাহিগের কই নিবারণ করা ভাঁচাদিগের উদ্দেশ্য। সম্পাদক চাকার লোক্দিগকে

এবিবরে মনোবোলী হইতে অস্তব্যাধ করিস্থাছেন। চাকা ক্ষনগর ও বলোচরে এপ্র

কার সভা হওয়া নিভান্ত ভাবলাক।

के मन्नावक जांतन वर्ण व कांका कां-म विष्ठांतनिक विष्ठांत्रामस्य विष्ठां चळ्टम मक मस्क भौमि स्मन, सर्था मर्था चूमिन्द जारक । अ विषय कर्जुनस्कत शोष्ठत कत्रिवांत जन। अक मुका अहिस्स कि जांत दश्न मा ?

२८७ देवणाच मक्तवात ।

্ সর অর্জ সার্ক বোঘাই নগর ত্যাগ করি
মানুদ্র্বন। ভত্রত্য সাটতে রিবিউ সম্পাদক এই

আনুদ্র্যক করিরাছেন ক্তপুর্ক শাসনকর্তা ব্যব

মানুদ্রক সঞ্চার ক্ষাবিকাংশ এক্সকেনীর্দিগকে

विश्व कितारहन, विश्व किति सनन नगरत कार्यामितात विकर पर प्रकृत आप हम माहे।
नस वर्षा सार्व प्रदेश द्राप्त व्यापाईशांनितितात व्यापान कार्य क्षार्य क्षार्य व्यापाईशांनितितात व्यापान कार्य क्षार्य क्षार्य क्षार्य कार्य क

বোধাইরের বাবছাপক স্থার অন্যন্তর।
সম্প্রান্তিরার সহৈব সের বার্টনা ক্রিরারের
আডা) একবিবস পকটো আহ্যাহন করিরা ধাইডেছিলের এবড সমহর সকটারোহী সরু জেমন্টে বি জিজিভাইরের জানাডা ক্রেডবেলা
উহার নিকট ক্রিরা পর্য করেন, ব্যবছাপক
সাহেব রাগারিজভাবে তাঁহাকে থার্মিডে
বলিনের। উক্ত পার্ডনি ঘোড়া থারাইলের।
ভাষার পর উভরে বাহিজভা ইইডে লাগিল।
ইডিস্বধ্যে পার্নী উক্ত নাহেবকে এক চারুজ
মারিলেন (বাধ হর সাহ্রব কটু বলিয়া থাকিশেল। ভারিনিড ম্বিরার সাহেব প্রনিনে নালীপ
করেন, কিত্ত পেনে উভরে রকা করিরাহিন।
" ক্রেচা প্রভিতে প্রতিতে সাপ বাহির হয়। »

কাৰ্ন হইছে সংবাদ আসিরাছে লোভ বহুৰদ বাঁ ১৭ই এতােন কালাবার বালা করি-রাছেন। তাঁহার বহুত বিভার সেনা গিরাছে, কারুলে এবটি জনরব উঠিরাছে এই সুবােগে ভারতবর্ষীয় প্রবহ্নত ঐ দেশ অধিকার করিবেল। এই জনরবটা আ্যাফ্রিগের গ্রন্থে-ক্রে সৌজন্যের পরিচারক বটে।

পঞ্চাবের দেশ্টনক প্রবন্ধ আজা কবিরাহেন ও এনেশের বে সকল সরির হ্যককে চুর্ভিকের পর গো দ্বির ও অন্যানিবীজ ক্রয় করিতে টাকা কেওরা হয়, ভাহারা চুইবংসবেব পর চারি কিজিডে, টাকা নিবে।
তিসিলগারেরা এইসকল টাকা আনার করিবার
ভার প্রাঞ্জ হইয়াছেন। গ্রন্থরেক শার্থ আজা
নিরাহেন হ্যকদিপের খেন কোন কর না হয়।
গ্রন্থনেকের ও হয়া নালকর্দির্ভর এই একার
ক্রাকে ভাতিরা উরিতে পারে মা। ব্যকরা সম্পানক নিজাপুর হইতে সংখ্যত পাইরাছেন সম্প্রতি চীনলেলীর নিজাইনি নিলাইনি নিরাইনি নিরাইনি নিরাইনি কি কার্যতি ক্ষেত্রত ইউলোগীরের মৃত্যু বইরাছে এবং রুগভারির ক্ষেত্রতার প্রথম কার গুড়াতের কার প্রথম কার গুড়াতের কার হং কং ক্ষেত্রতার কার কার্যতি নিরা হং কং ক্ষেত্রতার কার কার্যতি নিরা ক্ষার্যকার কার্যতি স্থানিক কার্যকার কার্যতি পারিবের। অব্যানিক স্থান করিছের পারিবের।

আৰা ৰীপের নিকটে বোকেটারা নিচ্নী স্বিশেষ প্রাযুজাৰ হট্রাছে।

উক্ত সম্পানক আবন করিরাছেন বার্ত্তাংক্তর প্রতিনিধি কর্মস সাহেব ৮ই মে ইংল: । সমন করবেম। তিনি এক কালে পদস্ত্যাণ করিয়াছেন। পুরাতন লোকের সকলেই সমন করিবেন।

ইংলিসনান সম্পাদক কাছ্। ছ হইতে সং-বাদ প্রাপ্ত কইরাছেন, সম্রোপ্ত একদল বাসরন ছনংচু নামক এক খানি প্রান্ত লগ্ধ করিয়াছে। জয়ন্তিরায় কনিসনর প্রধান ও অপ্রধান সাধা রণ্যে ক্ষা করিবার ঘোষণা করিয়া না দিকে শীক্ত উপত্তৰ সান্তির সভাবনা নাই।

উক্ত পত্তে প্রকাশিত হইয়াছে সঞ্জিত কএকজন নাগা ছুইজন নিপাধীকে আছত ও এক ব্যক্তিকে হত করিয়া পলায়ন ক-রে। পরে পরস্পর নিবাধ করাতে ভাহাদিশের এক ব্যক্তি গোয়েক্যা হইয়া অপর কএক জন-কে শ্রাইয়া কিরাছে।

উर्ज शिद्धान शादिनक भश्यान माछ। वरतन ইংলভীয় ७ कतानी गर्नदान हीनदानीम म-बाटिन महान्न कित्या विद्धाहीनिशदक प्रम-न कतिद्यन मक्ष्म कित्यादकन। निद्धानीता क्षम्प व प्रजाहान मित्रिष्ठाह फाहादल हे উন্নোশীরদিশের বাণিক্য নहे ছইবার সঞ্জাবনা विन्नाই পূর্বোক্ত গ্রহ্গদেশ্র। এই কার্যে প্রায়ন্ত হইডেছেন।

দিলীগেজেট সম্পাদক বিরেটের জেল দারোগা ভরেট সাহেবের মৃত্যুর বিষয় নিথি রা আকেশ করিয়াহেন গ্রথানভরগদাভিবি-ক্ত লোকেরা বিরোধকালে সামান্য সাম্ব প্রদর্শন করিরা সন্ধান্ত আৰু ক্রিলাছেল ক্রিছ ভারেট অনেক মুক্তর্থারের সাহত্ব প্রকাশ করিন রাজ সাভিত্র এইত কোব, ভারাসিংগর রূপে নিরা শুসন খাবীসভা খাবীসভা ও গুংগর পুরভার গুংগর পুরকার এই শব্দ, কিন্তু ধন, সহাব ও প্রধানবংশ এই জিবিধ ক্রবিধা না থাকিলে সংশ্র গুংগু কাই হাইলেও কের উচ্চ প্রদান্ত করিছে পান্তর না।

উন্তে পত্রের লাংগার দ্বিত সংবাদ লাও।
বলেন ভব্রতা আবকারী সেরেন্ডারার বলেন
কিলোহলালে ববন রাও সাহেম বিভুরের শাল
সন কলা ছিলেন তথন তাঁহার আজালুলারে
ব এক জন ইউরোপীয় জীলোক ও পুক্রের
প্রাণ্যথ করা হয়। লোবীর কথের বিদ্যো
আমাদিকের কোন আপদ্ধি নাই কিছ বেন
১০ খেলের বিচারপতিবিশের ন্যায় বে সে
প্রাক্তির সাহেশ্য প্রাণিহত্যা না করা হয়।

२६ अ देवनाच यूचवान ।

মালাজের আলকারী বাইকোন কার
নীত গ্রুবংসর নিয়ান হইরাছে: প্রধান বিচারপতি দণ্ডাকা দিবার সমরে এই বলিরা
আক্ষেপ করিরাছেন বে ভিনি বুর্মিনান লোক
ইর্যা কির্মণে ঐ ক্ষমন্য কাব্য করিচলন। প্রধান বিচারপতি কারসীর বে বুর্মি লেবিয়াচেন, সে মুর্মু বি:

ভিনিবসর একজন পত্রপ্রেরক ক্পালির
চৌকদারিটাকা ও ভত্রভা নাজিট্রেট পান
ব সাহেবের কেভাচারিভার বিষয় লিখিয়া
প্রাচার করিয়াছেন। ভিনি বলেন ভত্রভা
শাখা ভারতবর্ষারসভা পানর সাহেবের
ভান্যায় ব্যবহারের বিষয় প্রধানভন কর্তৃ প
কেব গোচর করিবেন। এদিকে পানর সাহেব
প্রথমভোশির নাজিট্রেট ও কালেটার ক্ট্রা
চেন

বিশ্ব সম্প্রদার আপনাদিনের রিপোর্ট প্রকাশ করিয়াছেন। ফিট্র উইলিরণ সাতেব সভাপতির পদ ত্যাপ করাতে বুলেন সাহেব ভাষাতে প্রতিষ্ঠিত হইরাছেন। আলাদের বিশ্ব এই বিশ্ব সম্প্রদার বিলোর্ট মধ্যে নী-লের কোন প্রসদ্ধ করেন নাই।

केंद्र मागद्र आविजिन्नामान्नी मन्न अन

मुक्तिरम् ही कनिकाकां काश्रम कहिंद्रा-रहन। यह कन कृकतिम केवह जाश्रद अर्थ काश करमम किंद्र काश्रम केवह जाश्रद अर्थ काश किंद्र में क्ष्मारक ग्राह्म कार्यमान निम्न गुरुत करमम माक्तिक किंद्रमा कार्यमार्थ व्यापन करमा। केव्ह कन्यकी स्वयो अक्टम वेश्वाकिर्ध्य किंद्र किंद्र केथिनिर्द्रम वर्षम कतिरक्रमा। शक्तिश्वाहनी हमनी कृष्णमान कार्याह कर्या।

हे श्रीमधान मणावन कहा निश्चि हहे एकं मश्चीव शाहेबाद्दन कृत्यवाद्भव बाक्षाद्भ स्व प्रमेणक स्मान विवास कथा दस काशाविश्यक जागा शिक स्थासन क्या दस मार्गी स्वाध दस हरेक्क मा।

केल मण्णामक बरमम मामितारमह आहे के मानिर है नित्रम विक्रम वाविका गाणारह मिश्र स्वतारक के के कर्माननामि है है व क्तारक के कर्मान का मिमित किमम के क्यारक का अपने मानिर किमम के क्यारक का अपने मानिर किमम के क्यार का क्यार मानिर का क्यार का का क्यार का का क्यार का का क्यार का का क्यार क

নিটেন করে, ধুই জাকসন, । সদীয়ার জন্স)ও কেন্দা সাহেব প্রধানভব, বিচারা নয়ের সিবিলিয়ান বিচারপতি হইবেন, এবং বার্ রকাঞ্যনার রার এতকেনীর বিচার পতি হট-তেলেন।

বোধাই সাইডে রিবিউ সম্পাদক খলেন যার করার হইডে বে গাড়দিঞ্জি সৃত্তিকা-প্রেরণ করা হয় ভাক্তর হেনস ভাষা হইডে অর্থ বাহির করিয়ালেন।

উক্ত সম্পাদক দ ভারতবর্ধের বিপদ দ এট শিরোনাবের একপ্রভাবে ভারতবর্ধার গবর্ণদেউকে পুনর্কার পারস্তবেশীর রাজার সহিত্য বৃদ্ধ করিতে, অন্থরোধ করিরাজেন। সাইর্জে রিবিউর বেরুপ ঘভাব ভারতে ভারতে বোঘাইরের ইংলিসমান বলিলে বলা ধার। গবর্ণদেউ ধেন ঐ প্রকার লোকের কথার ভারতবর্ধকে পুনর্কার কণ্ডাছ না করেন

বোখাই নগতের বেজার কটি সের এক জব পারসীর সহিত জুতা পুলিবার বিবয় লইয়া

বে বিবাদ হয়, ভাইনিজ উজা নেকার পারনীর বাবে পুলিনে নালীল করের। কিছু ভাইনি আবেদন অঞাতিকইরাছে। বলবেদনীয় স্বা সম্মেদার পারসীনিধের ফুটাজনারী ক্রম।

गंव-रिन निर्माति क्रिक्ष महिन्द्र स्थान विकास क्रिक्ष स्थान क्रिक्ष क

উন্ত সম্পানৰ আন্তও বলেন ভাকান বা-হারা হজন করি মইরাছেন জনতে অনুনতে নাৰ যাধনত করিছে পাঙ্কেন না এবং ভোকও চভাকও জনতে আছে, অভ্যাং জনলোকেরা ক্রি হইতে ইক্ষুক মহেন । ভাতির জন্য আইনে বার না, বুর্থ লোকে-কিপ্রকানে ক্রি হইবে?

विश्वरमाञ्चाम शक्तिण मणावस निस्तं स्वामितारस्य नास्त्रं अगित्र प्रतिसामारम्य स्वात्वद्व मिस्ति गास्त्रं स्टब्स नार्षे । नार्क्ष स्वात शर्केनि ब्रास्त्रं स्वावतिरम्य स्वयानम् स्वित्रा स्वाप्तस्य स्वतिः, स्वामित्रा विश्वास्त्रम् विश्व स्टर्गा विशिक्षक्ष स्टम्सः त्यांन स्वासं मूर्यम् मा ।

রুবপুর বিক্ঞানাতে নিশ্বিত হইবাহে তথার প্রতিবংসর অনেক বাসিয়েও কাষ নেনের পূজান ব্রিক বারত করতা নোকোন ভূটি বাঁশ পুতিরা আবার উপরে হিনপাই-কা, বাটা প্রভৃতি রাখিরা ভাষার চতুর্দিকে বাঁ পুরুব একব্রিত হইরা সূত্য ও সালা প্রকার অনীলাখ্যবহার করে। আবরা সকলে একব্র হইলে কি এই সকল ক্ষন্য প্রখা নিধারণ করিতে পারি লা?

আৰম্ভ বল্পোষ্য নামক একথানি স্তন সাঞাহিক পত্ৰ পাইয়াছি। ইহা প্ৰতি বলন-বংৱে প্ৰকাশিত হইকেঃ একংশ ভাহা বে প্ৰ-কামে লিখিত হইভেহে ভাহাতে ভবিব্যতে ইহা হইতে হেলের কল্যাণ সভাবনা আছে।

প্রজাভরের কাশীর সংবাদ দাতা বর্তেন ভত্রতা লোকেরা প্রবহন কের স্থতন নোট লাইতে জানিকা প্রকাশ করিরাছেন: ইংগিদ্যান সম্পাদক ববেল ভার্ডবহে একতে প্রোয় ১০০ বুবা আহিন্দর অক্ট্রবা ভার্ বনির। আছেন। উল্লিখ্রেক কর জোল লেনাদলে নিযুক্ত করা ভার্ব উল্লেখিয়ের আনা ব্যবসার অবলব ভরিবার বর্গ হাইবার পূর্বে বিরায় দেওরা কর্বা ব্যাবনা কি ভার। বিশের নিয়িত্ব সভাক্রেরি ভ্যাবনা করে ভারি

गवर्ग्य वृद्ध हिगाद द विषय विका देन के मुण्णास्य करिया श्रिकां करिया निविद्यादम करिया कार्या कार्या करिया भित्र करिया करिया कार्या क्या करिया करिका करिया करिया करिया " कि कि करिया करिया करिया कर्म के कि विका करिया। नाथ क्या अवर्ग्य करिया करिया करिया करिया। नाथ क्या अवर्ग्य मुखा करिया करिया करिया। नाथ क्या करिया करिया करिया करिया करिया। नाथ क्या करियादम्य करिया करिया करिया। नाथ क्या करियादम्य करिया करिया करिया। करिया करिया करियादम्य

২৬এ বৈশাৰ हर লাভিষ্য ।

বারু চত্তকুমার দে এব ডি, উপাধি প্রথণ বইয়াছেন। তুলিকাভার বিখবিদ্যালয় এদেশী বলিগতে প্রথম, এই উপাধি প্রথান করিলেন।

প্রকাশ গ্রাহিকে তার জির ব্যাহের প্রায় লাঁচ কোটি টাকার মোট চলিতেছে। কমমেশীর ব্যাহের ওচ,২৮,৮৯৪ বোরাইরের. ৭৫,৭৮,৬৮১ ওবাজাজের ব্যাহক্ষর, ৬,৬৬,৭০০ টাকার মোট বাহিকে আছে।

है श्वाद्य गट्यां क शक वित्रात क्षकान हरेकारह, कथाता काना य हें एक का शक्य कि
गर्भ एक अन, वन, वन, रनन त्यां एक वात्र कारह, है बात मर्था अव वह १२,०३३ त्यां क है रमा भवतीत ए १,०१,४१,०३ वह रमनीथ कि कि जानात क्षणा। मन छात्र ३३१०० हि निमानन कारह। है बार्फ ३ ७५,११२ कन हान क्षणाह कथातन करत। विमान कना व्यादि २१,०१ १२० होना नात्र हता। वह विन् मारत मन्दुर्भ नामा का योग ना।

ষাপ্রাক্ত টাংন্স সম্পাদক বলেন বালা-লে রের ভাকবরের এক জন কের গী পত্র হ-ইড়ে নোট প্রকৃতি লইয়া পত্র গুলি এক কুপ কর্মানিক্তপ করিত। নে এই প্রকারে প্রায় ৪০০ টাকা অপ্ররুগ করিয়াছেন ভারতা

আধানি কি সেনারকের বে ব্যার হইবে,
কর্নের বা পদোর কলিকাতা জ্যাল করিবারী
পূর্বের তাহার এক হিসাব প্রকাশ করিরাছেন।
ভাষারা জানা বাইতেছে। ২২,২২,০০,০০০
টাকা ব্যার হইবে ছির হুইরাছে। এই হিসাবে
সর্বা শুলা ৭৪,০০,০০০ টাকা বাঁচিবে।

সত্তেতি ইংরাজনেবারা সাজের নিকটে
চীনবিহোহী দিগের করেকথানি যুদ্ধ জাহাজ
অধিকাব করিবাছে। বিহোহীরা শাসিত না
হইলে তথার বাশিজ্য চলা ভার।

নিমুদেশীর বিখাত সেনাগতি লি আখ জেকব পদন্ত্যান করিয়া ইংলতে বাইতেছে ম। ঐ সেনাগতি সিমুদেশের অনেক উৎকর্য সাধন করিবীক্তন। তিনি জেকনাবাদ নগর প্রতিষ্ঠা করিয়াছেন। ঐ নগর তাঁহার নামে বিগাত হটয়াছে।

নাজানের ১২ গণিত এতদেশীর সেনা-লনের লেণ্টনাই কর্ণেল টেম্পলের ত্রী জে, শ্রুম, লেঙ, নামক এক জন চিকিৎসকের সহিত্ত ব্যক্তিচারলোবদুবিত হওয়াতে কর্ণেল তা হাকে ভ্যাণু করিবার আবেদন করিয়াত্তেন।

ৰধীজ্ঞার রাগা ইংলপ্রেখরীকে করেকটি উৎফুর্ট গত্ন উপহার লেওয়াতে রাজী অভি-শত্ব আজান প্রকাশ করিয়াকেন।

বীতন নাহেব ১লা দে অববি আলিপুরের বেলবিভিন্নার বালতে প্রবেশ করিলাছেন। তিনি নিয়ম করিলাছেন প্রতি রহম্পতিবার ভোজনের সময় দর্শকলিকেন সভিত সাকাণ করিবেন। এই সুবেংগে আনেকের আগার উন্ধ্র গুইবে। কেলিভে সাহেবেরও রহম্প তিবার নিয়ম ভিন্ন।

ব্যবস্থাপকসভার কর্মন সালেবের গলে কাহাকে নিয়ক্ত করা হইবে না।

কলিকভার ধাৰকীয় আবিস একট বাটার মধ্যে করিবার কপানা হইরাছে। ঐ বাটার
একটা চিত্র করিবার স্বন্য গবর্ণর কেন্দ্রল এক
কমিনন নিযুক্ত করিবাছেন। ভারতবর্ণীর গবগ্যেত্তের প্রসিক ওয়ার্কের সেক্টোরি এই
কমিননের সভাপতি।

क्लिडिसम् द्राकः समादकः विकास क्रिके केमेड्स विद्यादकर्गः जिनि अस्ति अस्ति क्रिके त्व अक्षे चांद्रकाक दिवात वांत्रे विद्यादक क्रिके त्वन। जाना चांना चांदन स्टेश्टर निकास क्रिके उत्तर, क्लि चांचांत्रित्तम गुन्दा गर्दक्ता क्रिके क्लिडिसम्बद्धाः

ইংলিসমান সম্পাদক অর্ভির। চইছেই সংবাদ পাইরাছেন সেন্পতি সা-উয়ার্টের খোষণাপত্রাপ্রহারে একজন সর্বার আজ সমর্পণ ও আর করেক জন জ্মা প্রার্থনা করি-রাছেন। এ সময়ে সেন্পিভিরা ক্যা শব্দের অর্থনী বেল বিশ্ব ত ন, হন।

কলিকীতার আসেনর ওগলটন সাহেবকে অকর্মণ্য বলিয়া পদ্যাত করা হইয়াছে। ফু-মার হরেজক্ষণ ভাঁচার ক্ম করিবেন। ওগল টনের বেডন র্মির গ্রণারিন করে হইয়াদিন বা

গত কল্য এক্সচেপ্রাটতে নিম্ন কিশিও টাকার অধিকেন বিক্রীত ২ইয়াছে: --

সিন্ধুক চাকা বেহারের ১৩-৫ · · · ১৯৬৮,৫--কাশীর ১০০৫ · · · ১৬,৬৫,৯৫-

বেৰারের অধিকেন প্রতিবাচন গড়ে ১৫-৮। ১৫ কাশীর ১৪৬৭ ৭১৫ বিক্রীত কট. বাচে।

মাক্রাচের এই খানি সংবাদ পরে নিখি ত হইরাছে উত্তন্তা এক জন পানরির বাদীতে চোর জাসাতে তিনি ভাহার লাসীরে আসিতে আলো আনিতে বলেন। লাসীর আসিতে বিলম্ম হওয়াতে পাদবা তাহাকে এক লগুড়, যাত করাতে ভালার মন্তক হইতে রক্ত গতি ভালার মাজিরে মাজিরেই ট ভাহার আবেদন অপ্রান্ধ (ভিস মিল) করিসান্ধন। এই প্রকাব বিচার দেখিয়া কে'ন ব্যক্তি না বলিবেন এতকেশীর ও ইউরোপীয়ানি গের পাকে স্বত্তর আইন আহি?

আসরা শুনিতে পাইতেরি, গরিরদের সুনিদিশের মধ্যে "হঠাৎমৃত্যুত প্রবেশ করিয়া। ছে। ভাষাদিশের ইউরোগীর প্রধানের। ভা-হাদিগকৈ ভরানক প্রহার করে। ভরিবধন ক েয়ক অনের সূক্ষ করিবাকে। আনুকা বালি । েই ট ছবলৰ কড়াকারীর জিব অনুকা করিবাল লেতাতে জন্ততা " আছিল কারিবা দ আছা-কে পদচাত করিবার প্রার্থনার আভেন্তন করি-লাকেন ইউরোপীখেরা একেলে আনিয়া বাল করেন। ইয়া এদেনীয়নিকের অভিপ্রেড ববে, কে ও অব ইভিয়া প্রেড্ডি ভাবার কারণ বু-

२५० रेवणाच छक्षवात् ।

ইং নিসমান সম্পাদক বলেন লার্ড নি টোরের নামক এক জন আধারলভীয় সরাপ্ত লোক ভারতবর্দে শীকার ফরিতে আলিয়াছে-না আপাদ পর্মত এখন পুরাতন হইরা-

লেশটনক ট্রিনেলিয়ান নামক এক ব্যক্তি

থুকের আঞ্চলভায় এগটি ঘোড়া ক্রন্থ করির।

গুলান দিনা পলাবন করে: পরে ভালাকে

লাণীগলে দান করা হর। সম্প্রতি ছোট আ

দালতে ভাষার নামে নালীস হক্ষাতে সে

টাকা দিয়াটি বলে এবং ক্রন্তের সেই কথামুশারে আফা লেন। পরে ট্রিবেলিয়ান লিখিত

এক পত্র বাহির বঙ্গাতে পুনর্বিচারের আজা

হর্রাচে। ঐ পত্রে সে বলে কিছু দিন

বিলবে টাকা টিতে চাহিলাছিল। ছোট আ

দালতে এই পেকার এক কোগে কাটা ভোকগলা বিভার হইরা খাকে।

হৰকৰা সম্পাদক বলেন টুনুন্ নামক জাচালে সত্ত্ব বাইণ ক্রিয়ারের প্রস্তবাদি বাইতে
হিল, ইতিমংখা উক্ত জাহাজ জল মত হট
রাল্ড। সর বাইশ ক্রিয়ারের প্রস্তবাধ্যে ভানেক উন্তব্য প্রথক হিল, এই ক্তিভে তাঁহার
বিদ্যোধ্য কর্ত্ব ।

নীলখাতি পুনর্জার স্নোরাজ্য করিতেরে। ইহালিগের প্রতি নলপ্রকাশে কিছুই হটতে না। গ্রন্থেন কলেকগুলি মিসনরি প্রেরণ করিয়া তালামিগাকে স্ভাও প্রশিক্তিকরিবার চেই! কর্মন।

गट्यिक जारबित्रकात सिक्क विकारणत अक्षानि लोगं कि आहास कालकात बर्धा देखन विकारणत प्रदेशनि कार्ड निर्माण आहा- म नहे कित्रकार कार्यक कार्यक विकार त अक्षानि क्रिक लोगं कार्यक आहास कार्यक कार्यक कार्यक निर्माण कर्ति विद्यार कार्यक कार्यक

্তাত নৰা বুলিগানিকের ন্তানি কৰিকাতা তাপে করিপাটেন। তানিকাত্তান হয়। মধান এবার কলিকাতার আলিক্সানাঞ্জানিক অপনাদ সহ্য করিপাটেক। পুলিব ক্ষিসনর

the Benty Steins

अप्रांकाण माह्य डीहात जर्ती क्षेत्रक होता विश्वाद जनवादि कोविद्या गरेवा हिरमन । जाह-जनका काम वास्ति कि देशांक महिर हरे जनका

বুধবার সুলী আমীর আজির বাটীতে মুসলমানেরা এক সভা করিরা বীজম সাঙের কে এক অক্সিনন্দন পত্র প্রাধান করিবার সক-প্র করিয়াছেন। ডেপুটি মাজিট্রেট চটবার বড় সমস্ত হটয়াছে।

বোধাইরের বিখবিদ্যালয়ের উপাধি পঞ্জ দিবার সময়ে সর বাচল ক্রিয়ার এক উৎত্তই বক্ত তা করিয়া ছাত্র দিপের উৎসাহ বর্তন ক রিয়াকেন।

নিম নিখিত মূলো গ্ৰণ্ডেন্টেন কাগজ বিজ্ঞান কইডেছে:---

बन्द्राक क त्याचारे नगरत्र कागरकरक करे प्रमा

১০ট এ**প্রেন পর্যন্তের ইউ**রোপীর ন্বামার।

সেনাপত্তি বাকিসম গটসাক ক্বিত সেনাছ-লের এক এখান জ্বণ মনরো ছবের বিকে প্রে রণ করিবাগ্রম। এবং তিনি নিজে নিউবরন্ আ বিভাল করিবা ভাষাদিগের পদ্দাৎ গবন করি বেন। বিজ্ঞানীয়। বোকটি ও নাকো ভাগে করা তে গবর্ণমোটের সেনারা ভাষা আহিকার কবি-রাছে।

একটি সূত্ৰন আয়ন্ত ং কাশান গ'ৰ ীক্ষা কর হইরাছে : ওয়ারিয়ার ন'শক জালাকের এক অং-ল লোভ দিয়া আয়ত করিছা ড'লা ঐকাশন স্থারা ডেন ও চুর্ণ করা হইরাছে।

ব্যক্তিই ও ভাষত্বসূৰী দেনামূল একজিড ক্ৰাতে পেৰোক্ত দেনামূলের অপক্ষিতরের থে সকল আবেজন ক্ৰিয়াছেন, অন্যান্তিতে কর এন ক্রেক্টের ভালার নকল ছাউন অব ক্ষ-জো দিবার এক্যাবক্সবিবেন।

क्यांतीत्रपृष्टि विक त्रित्तांतरकार ७२००० द्वीत्रका क्यांदेशित चांकांतिशास्त्रवे ।

বাজন বিবরের বাজি আন্তরেম বিনাক। প্রধান কবিয়া কবিয়াকের গ্রহত্তত্ত টাকা উত্ত-ভ কইবে। তিনি ভূপের র্(এক প্রকার কেলনা) কর উঠাইয়া বিবার ভালের কর কবাইমান এবং সরাপের কর পরিবর্ত করিবার প্রভাব করিয়া-

থা নিচার রাজন বিষয়ের বারী এই বোলনী শত্র সিংখন বিরু জারার ক্রিক বারা পড়ি রাহে। ভাই সাইনা ভূমান ক্রিকটার

, 2.E.A.

ইটালির মন্ত্রীবর্গের অক্সমেধি লয়কাল করি রা গাবিবান্তি নেপুল্ল ও নিন্দ্রিটার প্রথা করিবার ইক্ষা ত্যার করিয়াছের। নেপ্রত্রীপের ই নার নিতটে দ হার। প্রার্থার করিবর্গে করিয়াছে এরণ করনাতি নেপল্লের কুতপুর্বে রাজা-রোচ ভাপালিপের বংবাবালি বর্ণান ,করিয়াছের রাজাকে রোক হইকে প্রাক্তিনিধি নভাল প্রার্থা ভাব নাইরা ইটালির আভিনিধি নভাল প্রার্থা আক্ষেত্রান ৬ইডেছে।

লেনীয় গ্ৰণ্ডেন এই অভিনান প্ৰাথান হ বিয়াছেন যে ভাষারা নেক্লিকোর ভাষীনত নট করিবার কোন চেটা ভরিবেন নগ

देश्यक वर्षेट्रक विकासिकाम क विकासिकाम के इंट्रक देश्याद आखाद सूरियांस क्षत्रियां काम सम्मा भगम क्षिट्रय करें आखाद करेंग्राह्म । विकासिकाम प्र आखिनियि गण। कवित्र विविधान स्थितिकाम एवं अला व्यापनियां सुरियांस क्षात्रस स्टूर्डर क्षाणी महारामा क्षारस।

हेश्वात भक्त वेशमारक गामितारवर्क १३० व बर्द्धम भवान्त वस बाकिएक।

गवर्गायकी विकाशना ! वाक्नारकोत्र जन्मेनके सुवर्गत्त्व

আজেশাহসারী নিয়োগৰ

२३ शहराना, परणावत, नतीता व शिर्मित्र श्राचितिय राज्योगे नाजित्यु है व राज्योगे करिक्योग्रह केन बाद क्कावियानी सूर्यालायां करिक्योग्रह गारकात, मन विविध स्वायास शहरानात्र समझ भागा कहिराद शांतिरवत ।

त्यभूषि वाक्रिकेष के त्यभूषि कारणविश्वासं कालीहर्त्यः बरक्तानायाम क्षेत्रक्तिका क्षेत्रका नम्निकि के क्षाभूक भन्नभाग वश्य नीक्ष्मा नमक्ष्माची, त्यादनमाची, नमक्षादी के दक्ष नाहि गुद्रभगम कृत्यका हामन क्षित्यन।

নদীয়ার ভেণ্ডটা নাজিন্টেট ও ভেণ্ডটা কা লেটার মৌলবী নহম্মদ নালক করিম্পুরের না জ্যের, নজড়িতি ও গলাগার পরপরা ও প্রকাট নবরকগাহী, বোহনপাহী ও বেলনারির ভেণ্ডট নাজিন্টেট ও ভেগ্ডটা কালেটার বইবেন ।

বলোহর, নহীরা; ২৪ পর্যণা ও পারীরার প্রতিনিধি ভেগুটা নাজিকেট ও ভেগুটা কার্কেটর ইর বাত্ররকাপ্রনাধ হত্তবি ক্রিক্টরের না-ব্যের, নজবিধি ও গলাপ্তর প্রথম্ভ কর্তা চালন ক্রিবেন।

वार्ताहरू, मनीया, क्याक्त्र ७ २६ एक्पूकी प्राक्षित्यू हैं च एक्पूकी कार्यक्री चानक (कारन अध्यक्तांत्र गोरवाद मगर (बारनणादी, नमरणादी च रामगादि गर क्यां होनन कहिर्दम।

किकाबीड एसके . ",(३३०.. त्रवाकुक राष्ट्रप्त व्यक्ति वर्षेत्र क्राचीक क शरेन जिन्हें व क्षारक्ष ।

े वाद उत्तनाक स्वीताशीयम् अस्ति वास्त्र १ व्यक्ति वास्त्री स्वीतिक वास्त्रम् ॥ ॥ FT 1

एक्ट्री माजिएके केंक एक्ट्री मारलकेत (यो-वी थर। छवीन नदी कु शहलका वेदनी बदेश। छन्दर दिए रहेश छैंक क्यान माजिएके छैन भू व क्या है। सम क्यारियम न

त्म, धन, ब्रिक मार्ट्स व्यक्तिकां कारताक ভিহান ও বার্ডা শাল্পের প্রতিনিধি অধ্যাপক वेटवम ।

२२५ भट्याम--- नवद्यारमद्र ८७१७ वासिर्क ७ (७९ए) कांद्रमकेन को नवी मीन महत्वम ১৮ क जाका, अ बाताक्रमाद्य क्रमका शाक्ष एके-

े '२४४ अरअम-सम्म वह नि सम्म ' मश्रो वर्क अवर्रात्रत्र आहेरवरे माळिस्ति वरे-_দৰেন্<u>।</u> জিনি আয়ত বললেণীয় পৰ্যলভ ও য়াক क्रिकार्डियम् केष्र क्रिकारिक विक्रियम् वाकि ्रिया ।

प नि व्य जान्नकिय मारकत दर्शन विकासितात तकांत्र अकान्य व्हेरवन ।

स्टब बद्धान-ध्यंत्र मृशिष्ठ श्रृतिय (नवाम ब्लब व्यवहें बन्ते खरनिष्ठे, कार्यम कृष्टीत ग्रनि-छ श्रेमिर निमाहत्मा अजिमि चाएक हो है। इर्द्धन्य ।

२७ व बद्धान-पर्वतिष्ठे, व व व्हाइडे धिक नामरमम विवाहक्य स्वक्रिक क्रेट्स्स ।

ें रर व बार्याय-नारक्षा, है, वह उद्वेरिक व्यवस्थात काटनीमध्यते आहे केंद्राक्षिक छ । व्यापणांत्रित व्यणातिरुगेटक्के व्योद्या

" . त्नर्वेगारी के चात्र सम्बद्धां क वांत्रश প্রক্তির সহকারী কবিসময় হইবেম।

ें दश्य बर्ध्यम—कार्यम कि, यम बहेच :• वंतित रक्षामनीय प्रीमय मानामामय अथाक श्रद्धिंग ।

স্টাট্প্তৰ বি, নিজ ৬গণিত পুলিষ বেনাম্ব अंद्र ज्ञान इदेरका

👫 १६७ बट्टान--वायु वसूनांच प्रवकांव ১৮७० श्रामाम्बं ७२ जारेन जसूनांदर ७१लश्रादन आ-लगा वनेदन

ैक्कूब बटवान-णि, दस. ति. श्रीकशाददव द-अफिनिधि कारेके गांकिएकु है 3 (ए०) कार्यक्रि वहेदरन ।

📆 क्षाच्या नाटच्य व्यक्तिरेश्रवह अहि-क्षेत्रकाकिर्णेषे ७ एउग्णे काटलहर

ब्रिड्डिल्ड क्षेत्रम (क्षेत्रिप्रिय हैन स्मिकेड है भारत, 🖏 अज्ञानात (बर्शास स्मान

किंकि कविनमस्त्रव कथीनक छिश्री क्ष्यु द्वावहर नाट्ड प्रतिमाराम विश्वविद्या नवित्व वहेवा २८ शर १०१० के अधिकारीत का किएके एउन मर सूर्व क-

এ কমিশ্নরেট ক্ষরীনত তেপুটি পালি चलकार क्षेत्र प्रश्नीकक करेटल पूत्र निज्ञा एक कर्की बहेबा खर्कांक छ बांकमाठी, इक्षेत्र, दिनांकपूत्र, बांसहर ७ वश्वकात जालि-क्ष्रिके मरश्चेर क्या आहेरवन

তেপুটি ঘাছিক্টেট ও কেপুটি ভালেইর জে कुकर्मात्व विकृत स्ट्रेट विकृत्कृत अभ्य रहेम्हर बहुकी जहेदबन '

ভেপুটি নাৰিভেঁট ও ভেপুটি কালেইৰ জে, आधिववेत्रा 3bee अस्त्र 30 आविश्वर 5 श्रहा-সুসাংর ভাঁহাৰ বর্তনান ক্ষমতার অভিনিক্ত क्ता ना बेटनन ।

কবিষপুরের অভিনিধি জেপুটি দাঞ্চিটে উ ও **उपी**ष्ठि कारमक्षेत्र वातु श्रीनवस् क्यों कि इ क्यों क-भारतिहरून अवर्षे खर्मा करेक मार्थन अवर्थ । পাউবেন।

৩০এ এপ্রেল-সিহালিখিত বান্ধিরা গোছা-টির শিক্ষা সংক্রান্ত কমিটির সভ্য র ইবেনঃল-

रवनवध चात्र, त्यः नास, वि. ॥, क्रविमक्रे, वशिक्षान माहित। कमिहे। यम, मि, की प्रशि मा-ত্বে যশোহত্বের শিক্ষাসংক্রাম্ব কমিটির সভা इदेरन

अतः । दय---कांट्स्य चात्रः । त्वभ्वेताती अवर्षतः र्वोजन म∤रक्टवत्र अधिकः वदेः यम ।

अरकारी व के दबन ।

ab, दबस्तम मारस्य (डिमि अफर्स वि-দান্ত লাইয়া আছেন) বেহারের 'স্বিল ও সেনি-वृत्र अस इ हेद्रत |

क्रविक्ति, कह, बुक स्वाहरी माट्डर माहबर्धन मिबिक अ मित्रियम क्रिक पर्देश्यम :

छर्गान्ड, अन. (बाक्र नारश्व, बिक्र क्र मा-श्वाम अ नाश्वरवय काणित्रिक क्रम वर्शवन. क्षिक्ष वर्ष्ठ शिम अना द्वान आका ना देश दिला-दाइ अन्तिमिधि निविध ए तिनिम्न . सक थी. क-CAM 1

এস, এক, জেরিস সাচেব দ্বিছত, সাচব- ৬ 🖟 সামাৰাদেৰ অভিনিধি অভিবিক্ত জল হইবেন

भागमाञ्च भाकिएके छ का लाई हा आवा एकः **केंद्रेशीय जारहर श्रावाराळीलन, यो करके** है अ कारमक्रेय बहेरवन ।

ars, बाकमाष्ट्रे शहरूव श्रेवीटक विक्रीयट्या-वित्र मास्टिक्ट्रिके **अ कारमक्केत इंदेरन**म, किन् वर्ज किए चनी दक्त आक्का ना क्य नाश्वरावद অতিনিধি মাজিকেট্ট ও **কালে**ইৰ গ' কৰেন। >ल मिल भिनाकन्त्रम क्रूक है, शाम फिन मान হেৰ ১৮০৮ সংক্ষের ও জীইবেৰ অনুসাৰে ঐ श्यापा विरम्य अनिम्बद्धत् भागकः शृहेद्धन ।

প্রোরত ৷

म्वित्यं निरामन्यसम्बद्धाः आधित्यं सिथितः

ু শ ক্ষিৰেন। সংপ্ৰতি জানি মুজেন্তা জাসিয়ানি। **८२ है देवनाय अधिमध्या हमिलीवाम (कना य** खड़ागांडि वसर्व नायक कारण किलाम । के कि त मांदर मनरम अवीव कि खताबक समुद्धे व हेवा। शि-ম্প্রে। প্রথমতঃ মিৰিড খনস্টার চতুর্জিক আ-শ্ব হয়। পরে উত্তর দিক হইতে বায়ু বেন আরু मानक क्षेत्र। चानिएक चानुस्कारतः। सर्फ्त्र (वर्षः) বত বত শাশি সকল মত মত করিছে লাগিল। रहे कहें। तक व विश्व श्वास का प्रमान वान वर्षे ব্দার, আগুরেসন সাহের বড়িয়া বিভাগের ভান। সে লাগিল। কলোলিনীর জল বিশাল দেরলাকু ्छि इनेय कन्नर त्राय विषय्छ नाशिल। संधानांत यन अन्यास कर्गावको । कहेरछ माणिका । कावित्रम भाराव निवाहिक जात्य इंडेन।निन'त्र केमकेमानि भ क कार जाच एक है वे वे बाबिएक कार्र (का व अक्रकेव वार्यित्रकार खालिमा बाहिन करेता । शांति व्याद्दित्वत्र ७৮ धार्ताक्षमादन मिन्द्राम मन- । काल्यार (क कार्य व यांत्र विकृत्रे व्याव नाहे । छैर ৰ্শাৰ কৰিবাৰী ৰোক্ষমাৰ প্ৰথম নিচাৰ কৰিতে | কি ভ্ৰানক সময় এই সময়েট একৰ,নি গৃহ উ-प्रिया निर्माप्त भारक, जनारमा महिल्लाम माधिक क्रिल । फोक है। संशुद्धां चानक्रिक करेगा नीमा कारन भविन्। भर्व या जिल्ल क है का शिक्षा (क विकास क्षानिक्षत अध्या कश्च मानिक কাহাৰত পদ ক্ষেত্ৰ ও চত্ত কাহাৰও পূচী लक्ष रहेशांदह । आहर छहे जन्मम अदिक ना (त्रेड् अक्ष्यु कार्यमान्ध्र । अल्लामक भ्रम्भाग्न ! व्यानिस् काक्राबा बदान कड़ क लिया हिक्कि कवन उरक्ष प्र दिनाहे । बद्ध मासून छेड़ाहेर निक्ष' यात्र अक প্রেরা করিয়া এক একটা শিল্প প্রাভার সাহতে क्षेत्र श्वाहित्र आध भट्या थिय। स्विताय ग्रन्स ८वर्षे नाहे। ८करण पुरे धक्की पार्रेशिक, माज भागक्, समाज मगर स्वदंश मकलहे अलबध् वय (क्रश्त क्रुडे १४) हं हर इक्त माद छेन्न थें। क रशके क्रण रशास बकेरल का शिक्ष । स्थाद बरहाय-द इक नाथ अध्यानधार गाम्बी नरेवा भर च्यात विवास सः वर्षाः क्षावन अक्षाबे बाक्र गर्न क्रेग्स्क्, । कान् अधा अधिर देवके हि.स তে পাবে ন।। ছুর্থাক বিশেষ ক্লপে কড় ক্রিয়। saic प्रश्रहेव 'व कावमाक नावे । हुहै अक्ति काव শ্যক সংগ্ৰাল লিখিতে চইংৰ ছুইণান বেইল ওলে ঘটের প্রসার মাগতে লাগতে ডিনকান भ_ाक शर्राञ्चलय अव्ह क्रेग्राका रहान्यम् नीखरे जाका भागत मानव मीला मध्यत्र कविट व s केर र , आहे । एमिलाम क्षानभा त्य अव**ही ।** याङ ब शक्ति खाडाल मिल्लेट शीजन कवाटक डेरनमा अ श्चित वागक श्रवक्रव अक्टालादकर डिनमांग कार्यः नाम अवेग्राह । व्याद्या > भश्याशीपुरु कें।पि आह-जि खोटनब एड पूर्ण ना किएके है जिल्लान कि लिं sp না ? ভাছবেইৰা কেন » গণপাছন, পাণ भट्ट व किश्वा में भाभाभाषिकत्वम इनेड श्रा. भेड किकूब्यमा -- बुद्धारहरू मध्याम भारत लिथि इ बाबा बाबकाल्या जि.ब.६ भनिवासिन।।

खग्रवक दिन्। TEMY!

अक्रुलक्क कनिकालाकु प्रस्ति। पूर्व मोचना द्वार वरप्रव (को जो शृह क्षेत्रकार प्रस्तित हार विद्याला खोटन ^{व्या}र्थ-वीवकोश्रीक विमहो हवरनेव नामित्य अकि क्षित्रमानित

(भाराक्षक)

" এবর্জনাং এর ভিহিতার পার্থিবঃ সর্বতী ক্রতিমত্তী ব হীরভাং।"

८ छात्र। २१ मरप्राः

मन ১२% न। १ टेकार्छ । इर ১৮७२। ५ न स्व

বানিক গুলা ১ টাকা , বাৰিক অগ্ৰিম ১০ টাকা

विकाशम ।

वाह्कशत्वत्र खाँक ।

ইনশাধ্যাস জাতীত হওয়াতে অনেকের প্রনার সোনপ্রকাশের মূল্য নিংশেষিত ছইয়া ছে তাহাদিগকে বিনয় পূর্বক জানান ঘাই-তেছে যে তাঁহার। জালগ্রহ পূর্বক জ্বায় পানামি বর্ষের মূল্য পাঠাইরা দেন। জাপা-ত দা সংভাত ব্রেই নূল্য পাঠাইবেন

মো মি প্রকি শি।

বি ইন্তার্ক সোমবার ।
পরপ্রেরকের এতি ।

বীরভূমের অন্তঃপাতী কীর্ণছার আমে শ্রীয়ু দ বারু শিবচন্দ্র সরকারের যতে বাল কদিনের পাঠার্য একটা এবং বালিকাদি গের শিক্ষার্য একটা এই ছুটা বিদ্যালয় প্রতিভিত্ত হইয়াছে, তথ্য ক্রান্ত যে পত্র আমাদিনের হক্ষত চইরাছে, স্থানভাব গ্রায়ুক্ত ভাষা প্রকটিত হইল না।

लक्षीशामा निवामी विशिमविष्ठादी मन कारतद किश्विक मड़ाहरमान कामीता आरम त वाक ममास्मत क्षिक क्षाहीन मस्त्रमारत त विरद्ध बृखान भाठकभरनत जामूम क्षीकि कत रहेरव मा बिलिया शक्षिक हहेम मा। ' मयमन मिश्रहत छुटे थानि अवर क्रिक भूरतत अक थानि शक निकान क्षमात बिलि या जिल्लाक हहेम।

ছগলিব আৰুংপাতি বালি প্রামের ম দনমহোৎসবসংজ্ঞান্ত পত্তে অনেক নিষের সহাদ লিখিত হইরাছে বলিরা প্রকাশ করা গেল না। বেও সাকেবের প্রস্তাব পাঠ।

कानक्रवर्धन वर्जमान नामक् मश्काह अधान कार्य। निर्वेश्क जनतत्त्वल मिश्र ना **হেব গত ১২ই মে নোমবার সন্ধার পর** ভেলহাউনি ইনভিটিউট সভার এক প্রস্তা व शार्र करतन । भवर्गत्र क्राप्तव्रल मार्ज धनिभिन, त्मरण्डेनचे भवर्गत वीजन मारहर প্ৰভৃতি অনেক প্ৰধান বাক্তি সভাস্থনে উণাদ্বিত ছিলেন। প্রাবাটি বছ বিজ্ঞ চইবাছে। উহা অভিনীতা পুতকাকারে युक्तिक ও धांत्रीक स्ट्रेटन । स्मक्ष मारहर श्रकाय मरशा निश् निर्विष्ठ करश्रकृषि मृत क्षांत्र উল্লেখ क्रिहाह्यन । अवंभ, खावात्र সৃষ্টি। বিভার, মানবজাতির বৈনলিন প্রীরুদ্ধি সহকারে এ ভাষার বছবিধ পরি বর্জ। ভূতীর, ভিন্ন ভিন্ন ভাষার ব্যাকর ণাশি গড় সৌসাদৃশা দর্শন করিবা ভিন্ন खिन्न कार्जित এक मूल क्ट्रेट उँ पिन्न नि ৰ্ণয়। চতুৰ্য, আৰ্য। বংশেৰ ভিন্ন ভিন্ন দেশ পমন ও তথায় বসতি। পথাম, হিন্দু ও हे श्राक्रिशित के दः म हहेरा कवा।

লেও সাহেব শেবোক্ত বিষয়টি লইয়া
অধিকক্ষণ বক্তা করেন। হিন্দু ও ইংরা
ক্ষেরা এক বীক্ষ পূক্ষৰ হইতে উৎপন্ন, ইহা
রা পরক্ষার আতৃভাবাপন্ন; অভএব ইহা
দিসের পরক্ষার বিষেত্তাব পরিক্যান ক
রিয়া সৌহার্ফ সক্ষার হওঁয়া উচিত, এতৎ
প্রতিপাদনই লেও সাহেবের
প্রতাব পাঠের রুখা উদ্দেশ্য।

जाकि कानि और अक्षि भन्नमं राज्या বাইডেছে, মঁ হোৱা বকুতা কায়া ক্ষাপনাৰি গের উদার ভাবের পরিকর বিয়া অশংসা লইতে অভিনাধী হন, ভাষায়াও ইরিবিড প্রকার বক্ত। করেন, আর নাঁহারী जवाभन्न त्माक, हिन्दू ७ देशामानित्मन्न, शत्रम्भरतम् अकि विस्तृत वृत्ति मर्णव_{न्}राष्ट्र हा बाखिक व्यक्तिक स्ट्रेफ्टस्य, क्रीसी द्रां शहरणद्रद्र अन्त्र नक्ति कानमाह के. विक व कृष्ण अविद्या बादका । क्षेत्र जारहर अथान ब्रांक नुसन, जातका दिन्ह क रेश्त्रादकता शत्रमात सुक्कारांशक स्त, कांश्र त अक्ष रेका स्ट्रेंट अस्या समा বাছলা। উত্তর জাতির সৌজ্যা বন্ধান डिस्त्रिक जिकित चालिनका ब्याबेटन न मृत रम, मखारिक बटड, देश कीश्मन वा क्षि नारे। बिष्टिन ब्राजणुक्तामा अक्नीन দিগের উবেগ না জন্মাইরা রাজ্য করেন धरेष्टिरे छ। हात रेक्टा, नक्कांकिकात हैमकुल টাকা প্ৰভৃতি বৃহিত ক্রিবার চেকা বারা काश व्यक्त काकीश्रमाम इंश्लेट्स । किस ক্ষোভের বিষয় এই, উভয় :ক্ষাভির সৌন্ मा भएवत्र क्लेक च्यम ब्हेसं नक्लांच প্রভৃতি বেগুলি প্রতিবন্ধক্রচের্থ ক্রি ट्टाइ, कड्यूनन विवाद कांबाइक नवि त्नव वच्च मृक्षे व्हेरबद्ध मा ब्राह्म अधिव क्ष के शिल पूर्वीकृष मा रहेंद्रम केंक्ट्र हूं। ভিন্ন অকৃত্রিম প্রাপন্ন হওরা কোন ক্রনেই সম্ভারিত নহে। যে বিত্তে দৃষ্টিপাত করা यात्र, त्यरे पिटक्रे शक्तमा व लक्तिक रहा। এক জন ইংব্ৰাজ ও এক জ্বন বাখালি উভ

ं क क्यांची रहा प्रतिकास क्यां रवत निकटि य चार्यक होनका कर्ता कर्तात प्रधान सन वानानित्क केरणका कर्मिता हैरवाक क कर्ष भिरत्म । अविविध शक्तांशाक कर्णन क्तिया बाणालित मन कि कथन है श्रास्त्र थि (नो**ज्या नम्मन स्टेट्ड शादा** । এक জন বাশালি যে বেডনে যে কর্ম করিছে क्षांक्र वाराष्ट्र वक कम रेश्वाक जा ্ৰিক ক্ৰেন্ত ভাৰার 'বিখাণ বেতন हरेंदा, अपने न हेरा लिखता कि बाबा লির মন প্রীভিঞ্জসম থাকিতে পারে > वाणांनि व्यरणका देश्ताकनिरात बाद व বিক, এ যুক্তি নিভান্ত অকিঞ্ছিৎকর, পদস্ব ৰাদালিদিগকে বে কুপোদ্য পোৰণ করি তে ব্র, ভাষ্তে যে ব্যর হ্র, ভাষ্ অনেক পদস্থ ইংরাজের ব রের অপেকা অধিক. বিশেষতঃ এক্ষণকার পদস্থ বাদালিদিগের राप्त क्लान करमरे नान नरह।

এছলে কেবল এক চাকরীই পক্ষপা **रुद्र चेनार्द्र विद्या अन्ति व्हेल**े **এইরপ অনেক বিবরে আহে।** এদে इंटिय़ना अरे नकल पिषिदा क्रमणः बीक - अ ह्रेट्ड्रिंग । हेर्गुज़ा थड मिन ध मक বিবন্ন তত অনুভব করিতেন না। যন্তা त्रा' त्रदे चत्रुखनभानिका करक, এथन দिन দিন সেই ক্ষারণ উপস্থিত হইতেছে। পক্ষ नाक वर्णन कतिया लाटकत घटन या रेव यमा रुम्न, रेहा चरेनमर्शिक नरह । वहित লোক কথা পুৰুষ কেইন এবলকে প্ৰাৰে नश्**षात्र करत रक्त**े वाश्वल १ रक जेन्द्र

अंकि स शक्त ह करतन, कहे **্বার্থারণ ভাষার একটি কা**রণ ক্র ক্রিছ বিশ্ববিগের সভিত ইংরাজ ৰ ইম্ম বিশেব করা হয় আস্তা 🕶 কোন কারণ দেখিতেছি না। स्विट्य देगानी दन वाचा निर्मार शब गर्बत वर्षिण हरेन्ना बादक। जरव

वास्तिकात स्थिक वल बाकारक स्टाटक व वेबार्क क्षेत्रहरू वासामार अंत केंद्र केही । अदन्त्री शिवशंदक व्यवसास कटत्र ভাষ্তি উট্নিশীরদিধের বিষয় বিরাণের ' যখন এচদলীয় দিধের বেক্ষানুসারে বাদ भ. क्लिश क्रिटिक श्रविष्ठ शाहै। कलकः विक्रिया इहेर व्रक्षी महान भावतात मुखे हहे উहि. थिक शक्रशांक निवस्ता स नमस व ' एएड, वर्षा केटाइ केटशका त्वान करमहे देवध कार्या अनुश्चिष इटेएउटइ, यह किन गूि तह इटेएउटइ ना, ज्यन शवर्गरमा केत्र क তাহা পরিতাক্ত না ছইবে, তত দিন অত িক্যায় স্বিশেষ স্নোনিবেশ করা অবশা ত। গ্রণমেন্টের নির্বৃতি লাভের স্তাবন। । কর্ত্রা। গ্রণগেন্ট ভিন্ন আমর: আর কা मारे।

बाक्षां विमानम् अधवर्यायस्त्रेत्र नक्षिण् भानः

अवर्गसम्बद्धक माहायामानव्यशाली शक रा माय चारह, चामत्रा शूटर्ज विरमय कविहा | তাহার উল্লেখ করিয়াছি। এই সদোধ চরণ করিতেছে, ইংরাজীব ভত নতে। ভূটা কারণে লোকের ইংরাকীশিক্ষাধ ন ধিকত্র যত্ন ও অনুরাগ জন্মিরাছে। এক, ইহা রাজভাষা। যাধতীয় রাজক্ষর্য ইছাতে নিৰ্বাহ হইতেছে, ইহা জানিলে অর্থোপা र्काटनत्र भवं मूशम इत । विकीत, अलावांकी বাদলাভাষা অপেকা বছগুণে উৎকৃত্ত চ नेग़ारकः। गाँशात्रा क्वतः कारमाशाक्रियत জনা সভানকে শিক্ষাকার্যে নিয়েজিত करवन, कें।शावाय रेश्त्राकीत श्रवि शक পাতী হইযাছেন। ইছাতে অনেক উৎক্রই এছ আছে। জল্ধাবন জ্ঞানহার সহজে छै कांच्य कर्तिश (क्यू ।

বাদলো ভাষায় ঐ উভগ গুণেবই স দ্যাব নাই। প্ৰথমতঃ ৰাজলা ভাষা ইংবাজীত नाउ वर्षक्री नाइ। हेश्तु मनाव वामा পি উৎকृष्टे इत मारे। १ जागात उरकृष्टे अञ्चलन इलं छु। जे इंग्री अ। बारे विल রা কি এ তাষা উপেক্ষিত হুইবে : উপেক্ষার कथा पृद्ध थाकूक, शहारक हेहाइ अझीनीय ব্রিট্রকারন বিশ্বরে ইহাদিনের হীনভাই । উমতিলাত হয়, সেচেকা কর। সর্বভোভা

कंद्रियात कात्रकः विद्यान योगामा क्टलात के हैर व बर्टिक केबाब अंबन वर्ग. देः चेविक्य विश्वीकन कतिया विश्वित है। देश তিলাভঞ্জাশা শিতৃৰনা সনেই।

काइन क्रेबारक। अस्तकरक आयहा के हा जावाह अनुनीलस विवस्त विस्तवस्थ नि হাকে কহিব প্রজাগণ লাহৎ স্থাতিত বুকিতে া না পারে, ভারত পি তৃত্বানীর গ্র**ণমেন্ট**তে । সেই হিচস।ধন কাব লইতে হয়। অসতঃ ब्राज्यशत्तव माप्य व्यामास्मित्र व्यवस्थाने नि ৰোধ ও অং বেক নহেন। প্ৰকার হিত্পা धन एपि अवर्गस्मात्केत सूथा छ (कमा इस. अ अन्ति वाकला निकात ग्रञ अधिवृक्ष् क्राजा कात यदमगीन क्राया अद्वीद्वर्षि माध्यात कुला হিতকর কার্যা অব্দ আছে।

ৰাজলাভাৰায় উন্নতি লাভ গ্ৰণ মণ্ট সাহায্য দানের উপর নিতান্ত নির্ভব করি एट.इ. हेडा यथन दित हरेल, **उ**थन गांड' यानामनियदम हे॰ताकीत महिल हेंगात किছू विस्मय कता च । ख चारमाक । चा माफिर्भन विकास का निर्मय अहे, भव र्गातक वर्षकान भाषाया मान अर्थाली পরিবর্ত্তিত না কবেন, তাব্ৎ বাদ সা বিষয়ে अरे निवस कन्मन, :य ता स्थान रक्तिमाः लग्न क्टेर्टर, कडका ल्लारकद्रा भावरमग्न त्र **चन महत्रच गरू है।कांद्र मः स्थान कदिशा** नि रवन, भवनरमण्डे कर होकां हे माश्या अवान कतिर्देश । य निष्ठम इट्रेसिए चरिनक द्राल दण दिमानिय अविधिष स्टेट शाद्य। व भिन् मश्या वर्ष विमालय हरेटल वण्छावाय উৎকৃষ্ট প্রস্থের যে অসম্ভাব আছে, তাহাও क्रमभः मूत्रीकृष्ठ हरेरव । उँ६ त्राङ्गाख । ३ এলোকৰ উপবিভ হইলে কোন বিখন্নেরই व्यवप्रक्रि बादक मा। পরিবেশের এই প্রায় ঈ শিত হইতেছে, জানর। যে প্রস্তান করি

एडि, अवर्गद्रमण्डे कि ज्ञालन देखान कन्नमून् श कार्य कतिरवन र कवनहें ना । बालंगा जि কার সাবশাকত। আমাদিগের কেলের যে प्रकल बाकित स्वत्रक्य केन्द्राटक, छीड़ाता स्तिथिक क्षार्थमा क्षिप्रा हजूमिक कर्छ चा:(वष्टम कक्कन्। भवनंदमके डीक्किशात य'शर वृतितम अविवत् । यथः हिन्द मत्नादगा श कतितान महत्त्वर नाई। चाकि कालि मि त्यव प्रात्मालय वाडिद्यदक कार्या निक्रि इट् ব ব সন্তাবনা অভি ভাল্প।

শি স্প বিচার ·

वस माबिट्डे हे '९ डेश्टकाइआही मा -ব গরেছি সৰ মজ্জিলেন। বাৰ্ছাপ্ক দালা এড যে আইন করিতেভোন, প্রধান পুরু ধরা সর্বাজ সমদশিকাপে সং ও পদ বিচ র *আবর্ত্তিত করিবার এত যে ७ कि वितिष्ठ दिन से स्टाम्क्रिकिताय क्टेंग्ड मञ्जूमात्र हुवा क्ट्रेख्ड । (वाथ इस, রমু ডাকাইতের নাম আমাদিগের পাঠক গণেং কাহারও অধিদিত নাই, সে নিজ বাস স্থানের নিভারতি প্রি গ্রামক্ষ লোকদি নের নিকটে বানি ক করিণা রাখিরাছিল ! মাহ'ব। দেই বাচিক কিড, ভাছারা অব্যা গতি গাইছ। সে দসুরে রিভি করিয়া তাখা দিপের দর্শব হরণ করিয়া আনিভানা, षरावा इहेरलहे चमाया इहेक। स्म वर्शन ঐ বাধিক আদার করিতে ঘাইত, গৃহছের। কে'ন ৰূপে ভাহাকে কিছু কিছু লবণ কক্ষণ করাইতেন। ইছাব ভাৎপর্য এই রবু নিম্ক হারলে হ্ইয়া ভগার ভাকাইভি `দ্যিতে ন। পারে। রুষ্ঠ খালার একবার लवन चोक्ट, छाहात श्रह मनू। त्रुक्तिकात ७ न । किन्त प्यामानित्वद्र नात्त्रात्रः वयू 🚧 🚉 । र्रियार कि कूरछंट शाहितात 'दा बाहे, लव । ना विद्वार मार्डिन मा।

१८ प्रशा निवक्त अविष विषय वर्षेन एके | तपार निगरक काताक्रक कता करेगा बारक.

मध्याप पाछ। लिथिबार्छन, रुथास कीर्र, कतिमा न'किर्फेट्रिय दिखन स्ट्रेड काश क्षत्रभकांत्री करवरू क्रम ब्रामाध देवक्षत्र अ विरागव क्रांट श्रीयन कवित्रा काश्रादक विरागव मन कतित्राष्ट्रित । मकरल है कार्यम दाशा करण मर्क कविता (क्ष्या । ছেরা নিভাস্ক নিংশ্ব নং । তাঙালিগের স त्व अक्षेत्र इसी थ करवा हिल । ভবাকার দারোগা কাহাদিগকে দক্ত বলি য়া ত্রেপার করেন (বেল চর ভাগারা দা এটিক ও পারতিক শোরাসাধনই ভাহার **द्धाना मारहरतत घरनावान्त्रा भूद** करत नारे) भर काका माकित है है महरूदत कि कर पर्ताकक कान्त मानक वाहे। अधिक ग्रांटक वि अधेन बारनाक मका बनाएक मःश्रा नाकि(हे छे । जादतानाटक व्यामानि । विन्तु वर्धावस्थी विलिशा शतिहत्त निर्ट संस्था গের বেৰূপ জান: আছে, ভাছতত এ স বিধ করেন। উপাসকবিগের জারতা ও य' म बड़ अवियोग रुवेट्ड मा। ब'मा नृभश्मदा बांद्रा सुमलमान्धर्य निखाद पूर्व निर्भव अधिवनी अक आरम्ब अक गृह । इ हहेब्राइ । त्रामान कार्यनिरक्ता पृष्ठ ছের মৃহে একদা ভাকাইতি হয়। দাবে!গা ধর্মকে কি শোচনীর অবস্থানা পাওসাই व्यालमात्र हालाकी रम्थाडेवात मिनिस का गारहः मन्ध्रकि हीम माना गाहाता हास কঞ্জল ঘাসুভিয়াকে ডাকাঁইত ববি, । তে বিপক্ষ চইবা মহান্ উপত্ৰৰ উপস্থিত ক্ষি खात्र करतम । मक्यान्तव मान्याक्षेत्रहेत्र कु शायक, काशता वृच्छे धर्माक्लवी बिनिया नाहि तक रमनीश कामीमिट्शत व्यटभका व्यन्तमः हश रमत्, देश्त्रारमत्। वृक्षे धर्मावनकी त्रसिशा ও রালীয় বিচারপতিদিগের নারে বেটা : এবনে তাহাদিগের জনস্থালাতী ভ্রমা চারী। লোককে কারাক্তর কবিবার হ,। ছিল্লন, কিন্তু তাহালিদার কার্য্য কর্মন शमित्रित त्व कृषः अ त्व मन् विकास कितिहा धर्यन आवात कीशांत्राहे विश्वक इहे র আইন তাহা ভৃগু করিব'ণ বিলাজণ। রা উঠিরাছেন। কলভঃ উপাসকলিগের উপায় হুইয়াছে। আমরা বিভয়ন জানি चात्रकवर्षीय भवनदमारको कथ्रेट तक्त याँ । स्थिक कतिशादम् । सामन् समा **व्यक्त वरह एवं विमा श्रमान काम वा डिएक काताकृष्य कत्र। २य . किन्छ मा**जि (श्रेरहेब्रा कि अना हेश्रा विश्वीर संध

া "বার আর শুবই কর, তাঁহাল সর্ব | রেখ করিতেছি তাঁহারা অবিলয়ে পুণিরার " बाक्टिक्ट्रिटिन देककियर हाहिया शास्ति । শাপ্রতি অন্যতর সংবোগ সাহেবের। মান কেবল স্টেন্ড্রের উপরে নিজর কবিন। ত মতুনাথ ক্রী ব্রচারত্ব জা আপ্রাণ্ডের

बीटकः। विचनरमञ्ज्ञक्षेत अधिकात्र भूतिगातः छात्रः इहेरम छ। नानिनेक अहे वर्ष क्र

হিন্দুগ্রের আসরকাল:

বে কোন ধর্ম হউ হ, ওঙুপাসকগণের উদ্দেশ্য। কিন্তু উপাসকগণের স্বার্থপরতা 🥐 उ पूर्वका निवक्षम वद्य चूटल तम्हे खेटकाना करि शांशिक्ता त्मन । माकि। द्वेति मार व दाविक कर्षात्म । अक उरकात सेनानमा क को मिर्शित के से मान का द्वादादनत थारणमा | हिन्द्विरशत आणि वर्ष ; खेलानकिरशत निसारकम अहे नहां पानि भठा दय, सम् त्नात्य छेश करम अमि विक्रक इहेशा केंद्रि वःर्थभव्रकः ७ वृश्कः धः धंद स्विक्कत अहे विवरत्त्र अन्य कतिराष्ट्रि, जावा निरन লিখিত হইতেছে।

নোষাউনগরে সভাঞ্জকাশ নামে এক করেন ভাহ। আমরা বুরি। ও পারিতেছি । খানি স্থাদগ্র আছে, তৎসম্পাদক कर्य न माम बूलकी छट्टा खनावह श्राम-यक इन्छेक, आमन भवन मण्डक अनू ' न्यूकार व्याप प्राक्ति प्राक्ति का प्राप्त क्षाः जिथितः २.५ व्यक्तिदत्तं जामः ३. क्षकारम् अकाम करत्रमः अधामः भूति। কাবতার বলিয় পরিচয় কেন ১৭ ট্রাক্

-

व मः वर्षाशानकिर्देश औं क्यांनि म । लाक्ष इटक्यटब्रेड चारामनाइ (मह नम रेश ल.-) कतिया भीतिकः। अख्यकात्न ্লান পুরেহিতের (শ্রুইাকে বহারাজ दिश्त । अहेनकल प्रचीवशास्त्रत्र कथा लि থিত হওয়াতে মহাব্লাক ডক্কড়া সুপ্রিমকো ^স নালী**শ করেন**। সম্প্রতি ভাছার বিচার े हैं श्रेशियोट्ड । **महात्राटकंत ६ ग्राका क**नि ক্রুটা ক্রিটাতে আর তাহাকে যোকজমার

मान्याम निष्ट रहेर्त । ধান পুরেছিত উপাসক্দিগের স্ত্রী ক नामि नर्धा वाक्षत कतित्वन, हेरा किन् া পূর্ব শাস্ত্রে আছে > এত দিন অল্যানান্ত্রকা র নরুভার লাভ্স করিয়া রাখিরাছিল, ছ শ্বরিবৈশ্বী ধর্মনাম কঞ্ক বারা সার্ত ইবীয়া যাত্য মনে করিয়াছে, ভাহাই হই রাছে। প্রতিবাদ করিবার নোক ছিল না। **এখন সে কাল অভীত হ্**ইয়াছে। সাহস श्रुत्रश्मत जे नकल एच्यु दृष्टित विषत्र श्रकः শ করিতে পারে এখন এবপ অনেক লো क रहेन्नाटम् । औ जनम विवय वस् अका निष्ठ श्रेरित, फल्टे लार्क्ट्र 'हिन्ह धर्णत প্ৰতি **পত্ৰ**ৰা **সন্মি**ৰে।

वाश्र हेरप्रत धिथान विद्यावनानि के क মোকক্ষমাথ আজা দিবার সময়ে এই কথা বলেন, "যে বিষয় নীতি বিক্লায় তাহা কথন धर्मानुस्थापित स्हेरत शास्त्र मा। या ज কল প্রথাব ামাজের মূল পর্যান্ত নত ক রিবার ক্ষমতা আছে, প্রকাশকেপে ডাছার **প্রতিবাদ** করা নিতান্ত আবশাক । , যদি আমরা অনুধাবন কবিংন দেখি স্পাষ্ট প্রতী রমান হইবে, প্রধান বিচারণতি প্রকারা ন্তব্যে ভারতব্য যদিগকে এচ লিভ কুস•স্ক:র পরিত্যাগে যদ্বশীল হইতে অনুয়োধ করি ब्राट्स्न ।

ভারত্বদের এ অংশে উক্ত এই বাজেৰ नाथ शर्षिक नार्हे अस्त नष् रेजवरी एकः ্লি / এই চত্ৰের ভাত্তিকদিণের প্রব প'ন ও বারাখনা দেবন কি অনুষ্ঠ নৰ -क्रांड कि কোন কোন ভদ্ৰবংশীৰ স্ত্ৰী

र्भन कारूम । (मर्कारमधी, कर्फालमा पा खेल कुछन अ अधूमात मर्टन कि कुकियात ত্রোল প্রবৃদ্ধি ইর মা - সভাপ্রকাশ शस्त्रीय अस्त्रीय अस्त्रीय अस्त्रीयकिकार र्भ १६४९ क्रवेषाटकत्। सर्वतः छ।तरुदार्गर वक्त ५।४व मञ्माषकितित উक्तिया 🕏 য়াছে, ভখন ভোগি বিশেষ অথবা বাজি বি শেষের নবোরঞ্জন চেন্টা পরিতাপ করিয়া ज्ञानक श.क हिंदा बांद की व प्यार्थन केंद्र हा ४० क्त्रां बिरथय। (सः मरमं विशुक्त धर्म ५ वि लक्क अथा शाहुकुं छ ना इय, ठारांद्र यथान উমৃতি লাভের সম্ভাবনা নাই।

लक्षत ७३ वट्यत ३५ ५२ ।

ভিন্ন শাহৰ ' প্ৰকাশ্বৰণে পরীক্ষা দিয়া স্কলে রাজকায় প্রাপ্ত হটবেন এছেৎ বিষয়ক প্রস্তাব ১ লা এপ্রেল কৌন সাম क्ष्मक समार्ज विहासिक रहा । १६८५/स महिर्म ममहिष्य उन्ने ध्येख्यं कर्रस्य स्थ ।भविक्ष जनविभ , अध्याष्ट्र यावणीय भाग क्ष्यत भवीरकाष्ट्रीय नाक्षि -क्रियान अंखि कार्गिक इत्रः। यनित्र श्रद्धं अञ्चार विष्ठात्रां उप ভালাছ হুইল ভগালি উ ক্রনিচার ধারা প্রাণা-গ্ৰাপ্তীকা বিৰয়ে কোন কোন কমতাবাঢ় স . कात्र अकिशास कान इंदेशारक। । वस्तिन । निर्ध्यन क्षत्र क्षत्र अनुसारिका ही । इस् সায়েহৰ কহিছেন যে পৃথাপোৰা একে ে সনেক | তাপন কে আপেনার সম্বিদ্ধ প্রিপ্রধেশ পরি-পদ্ধ কেবল অনুপ্ৰহ বা আইমিডানিবল্পন প্ৰদন্ত হটতেছে অভএৰ ইছা বুছিত ক'্ষা क्ष्रवा नही क्षांची । वाकि विश्वक श्राप्तवार्था ি গুক্ত কর। উচিত। ব্যুব্রাসটাট সাহেত এই প্রভাবের পোরকভার কহিলেন যে ভারতর-८भंद्र मिनिवमर्विम विवास क्षेकांना भवीकांद्र रय তা বিক ব্লাভি প্ৰবৰ্ষিত ঘটবাছে ভাৰা কল तडा इत्र नाइ । भूक कोडे नीडकून माछ नाकि কিগকে ভারতবর্ধের রাজকার্গো নিবুক্ত কুর, কিবিল ব**র্বিস্কে নীচকর। যাত্র** • তথাপি ডিলি ১ শ্লন্তীর কর্ম সম্বন্ধে ২েনেলি সাহেদের পোনকতা লড়িলের ক্রেন সাহেব বলিয়েন বে ব্লক্ষান ই লেন্দ্রসারে, কার্বাপিরা আজি विक्त करायुक्त करण

गनिजमाद्य शुरुगद्य एवं बर्फे, किन्नु श्रास्त्रको. ব্যে পারদর্শিতা প্রকাশ করিতে পারে না . অভএৰ প্ৰকাশ্য পরীক্ষার ব্রীতি যায়তীৰ ডिलाई मिर्के अप्रतिष कर्ता अभिदेशनक एडे (व। शीककृ नाद्वय अहे अखिक्षांद्रग्रद (शान-কভার কহিলেন যে পরীকাক,লে কার্যাণি িলেব প্রতি বে সকল প্রশ্ন প্রচন্ত হয়, ভাহা অতি শযুক্ত। ভিনি শক্ষ্মান্ত সংক্রান্ত একটি ্রের উল্লেখ করিয়া কহিলেন যে সভাস क्ताना मराखाद कथा प्राव शाक्त यश् পাজনটোত্ গাৰেব উলার উ**ত্তর দিতে সক্ষ** उद्येश ना, कुछ राजकामानि इद्वेट प्रमुख এনের উত্তর প্রত্যাশকরা নিডান্ড অবিবে-চৰায় ব'ণ ' জেদনৰ হ লছা টান্ লিট্ৰ কৰিংকন য়ে প্রাধ্য গারীকার প্রতি একটিও গুরুত্তর জাণারি উপাপিত চয় নাটা 🖯 প্রথমত ক্ষিত হর্মান্ডে বে এই ব্লীড প্রসারে কেবল বুরের্ডি ও বানসিক রন্তির বিশিক্ত হল, কিন্তু ধর্ম প্র इर्टि व भारोडिक छर्व अध्यक्तक करा ६६ না ৷ ইভার উত্র এই বে কার্যাপিঃ শারীরিক भारत हिकिएनकर्द्यत बाह, भवीकिछ ब्हेश्वा बादकः हःदश्च विनत्ता म्यान्यः अञ्च ।व स्थान সভিজ্ঞানপত্ত জ দুৰ আদর্শীয় পদার্থ নছে 🕫 স্কলেই জানে যে জনায়ালে অভি এন পত্ৰ 🖟 লাভক্ষ: যায় ।ক**ন্ত ভার্তব্যায়** সিবিল ননিংসৰ গ্ৰন্ধরীতিতে বেৰূপে চরুত্রের পরী कः १ष्ठेड, अकृत्न (अहे स्ट्राई ४३/७८६ -ठब्र निश्ना चीरक। अक्कि द्याराम जालन् अहे दम श्रीहीन मिविनारमा मश्राद्या वाक्षकाम् কটতে বৃধিত কটতে পারে। ইহার উত্তর এই বে প্রাচীন বেলাণীরা ঘ্রের পুরস্কার লাভ क्तिया, थाटकन किस किसना छाशास्त्र मस् ्रनवी **अन्तरामा बाह्यिक स्मार्थको मग**्रिक स्मान्न . গ্রহ লুটি করিবে, ডামার কারণ অক্সুড মধ मा । व्यक्तिय विगदा कथिति इवा धारे । व अक्कान क्षेत्र किहू मर्वाना क्षेत्रज एव मा । क्ष्यन छैप হান করিবার নিনিত্ ছুই একটি প্রের নির্বাচিত कर्ता क्रिक कामाना अहैनकन विमन् विद्याना ক্রিয়া কেনেসি সাহেত্বর প্রান্ত্যক প্রকর क्षेत्रिक (वाथ बहेरकरक्ष । क्षण्यश्रेष्ठ मद अक्ष थू हाराज्ञ माभिष्ठा । इम्, मदसक भाकि हेन् अकृषि मरागत्री वर्षन् स बहेता। हे १८४८मा जोष्णते जीव कांद्रवंत कान्छा लि किर्ताटांव दश नाहे ।।

भासन देवे न नाइका जिलेन बादकाव जा-गाभीवदरंत आह जाम्म जन्मिक जन्म क्षियाद्याः वृष्टि १०,०१०,००० द्वीक, आहे.

a . . त्योखा

जीअवर्गन माहेरकत हेश्ट्यकी अञ्चलि अभारत मृश्चित एके हा विक्री ख

রোমক পত্তনে এমত জনরুদ উঠিয়াছে বে পোপ বেগম সমস্কলে দেবীছে প্রতিষ্ঠিত ক विश्वाद किशाय क्षेत्रां क त्रियारका । वन-त्मर्लक टेक्यक्रमञ्ज नाम (टेक्यट्बरा क्रका বাল্ডর গোমানুকাপলিক নাত্র) বোমান काशामिक भरोद्याद्र। मुख वास्कि विस्मिरक त्रीविक प्रकारतास्य पिट्यम्यां कविसा शाखासी লখব৷ দেবভাৰণে প্ৰতিটেড করে ८दश्य मधक (महे जन्म ५६क हिन्दी बहेरका। विश्वविद्य **इतिज्ञ आश्रमात्र श्रीटेक्टल्य घट्या व्यटनटक** অস্থাত থা কতে পারেন। ভাঁহার উপপত্তি ল'লার সবিত হাবা পরীকাস করিরাটিল বলি-हा विशेष के भा तिएक अव कांक्रीमरनेत्र निर्देश শ্লীবন্ধ প্রোধিত কবিয়াছিলেন > অপ করি যা বেগৰ ছয়জন উপপতির মনোর্জন করি-তেন। পরে হু কাবস্থায় তপ্রিনী লয়েন। মনে भारत डिक्टिय है । लाट्य विकास विचान किया. मान् छोडान इस्ट मान्यायांत्रित जरमानना वहें ज्ञा । उथा नि, वेडाति अल्लाम कं काव বিস্তব্ন ধন নিফিত ছ্ট্রাতেত বেগে ছবু বোমান काणा होक दल वी बादण कि विभाव कारण विचानिक इडेरवन ' कर्राम धराई छलको **ए**उस। अपूर्वन प्राव्य गर्व । **अकदाक्ति आसी वन कुल्**धांनलकी भाकिया पुत्राकारम समि करनम प्यामि क्ष इ वि শুখুটে নিখাস রাখিয়া মরিভেছি ভলে সে শ্বেত মেন দিগের সহিত দিঞ্জিত হটবে। "শ:-मारमत् सरमभाव धर्मा त्य हेटाबु क्ष छ अग्रहणः ভাষা আপৰার পাঠদেরা বিবেচনা করিবেন:

गरপ্रতি একজন স্থাচারপর্য সম্পাদক रेका पुर्वाक आजमान कविया (अक्छारीन कविता , 50 d

भूक्षा पार्वका ध्यस्य करनरक नवीतका कींग करेंग्रा बांटकत् क्षीक्षाञ्चाभिक्षरका भिन्ने ांभणात जिलाब विशिष्ठ कहे। कहेंद्राउटक ।

खा कतिहरून । किस शामित्रमारम अकामकी मध्याः । हे ब्रह्ममारमहानकि विस्तृत की है वर के बोबन गाणिहा अध्यानच् किस्ट्रक डेन्डावड कंडियां प्रतिमित्न निवस्त करी करिया बारकन।

> একজিবিশন কাষ্য আৰুত্ত করিবার নিষিত্ত क्ष्मक्षक कविनत्तुं निवृक्ष क्षेत्रारक्ष्म , हे श्व-८थवंत्री उपकारम मधन एटेएड पूरत 'बाकि বেন ৷ ইহা নিশ্বিত বলিয়া ঋত বহুঁল হৈ স-शंकि मरणारम अन् है श्मर । भागमम कविराम ।

क्षामीन समीप विशास कवि ६ स्वयं वांबाछि न् व्याबादका दिन्तीत कदनकटन क्रांच সন করিয়াছেন, কবিদের সাধারণ ভাগাাণ্ড. সারে তিনি একণে দৈন্য দশার পাক্তরাভেন স এক ব্যক্তি ভাৰার পক হইরা ব্যবস্থাপক স্থা **म्य डांशास्त्र इति प्रियात्र विश्विक प्याध्यक्षत्र शह** क्षमान करतम । किन्न मानाष्ट्रित हेगा व्यवन मा-উ বংৰস্থাপক সমাজের এক সভাকে প্র লি चित्रक रा के चारन क्रम भारत एक चाडा है। कारन, जिनि यरमय कहानीय लाटक्या ए स्-श दांश्रमात्रम श्रमाती जवरत्रम कवन मा स्वम, ভাষাতে ভাষাৰ কোল আগঙ্জি নাই, কিছ পু-র্বে তিনি রাজ্ঞাসন বিষয়ে পুনঃ পুন। বে ম. ভ প্রচার করিয়াছেন, ভাষাভে সমাটের রা-कटकाय बहेटफ इंडि अर्व के ब्रेटफ शास्त्रम मा । व गावश्त मामाछ या छे अपवृक्त रहे। आनवार नाडेक्टम्य ब्रद्धा जात्वरक जात्वन ৰে উক্ত কবি সাধারণতত্ত্ব পক্ষ লোক।

>हे बरक्षन।

थान्द्रहडेद्रबुख कुलाव वर गुवनाबुद्धा शा बि रघटन्छे कार्यन कब्रियात । । , यस अक स्वादन-মন পত্ৰ **প্ৰস্তুত** কৰিবাছেন ৷ ডাছাতে উক্ত म्ह्यादम् व काइछवरीत् भवन्दन ने स्टबंद है পত্ন শতকরা পাঁচ টাকা ও বজের উপর শও-क्यां क्य डेक्स त्व श्रम्क कांशन कतिवादहन, তাহা অতি অন্যায় : তথারা ভারতবর্ষার | শানির ডাইরেকটর বলে নবোনীত চট্র वानमायी मिल्राक कावल छ : माव प्राचन हो ভারতবধীর ধনীদিংগর রাভারশী প্রভৃতি কাব্যে নিযুক্ত পান্ধা উচিত, বেছেতু व<u>श</u> बावगारत जागारतत शक्यक्षण जनविकातstil बिटम्थ । कारबलन काब्रीस्वतः आईना जो टर ८८ इत कारुमांस कारणत अपित अक रहाहिता कृतिरा ना क्षित्रपाटक अवर्गवाके शक्तभाक्तिका কার্ডেক্টের :

व्याणांन रहनीत हाजबुद्धका स्वानीन দেশে উপস্থিত হইরাছেন। **অন্যঞ্জান্ত** ত্রীয় পত্ৰে উক্ত হইয়াহে বে তাহায়া হাৰ্সেল্স, ও লিঅ নগরস্থ সমস্ত আন্ধ্রে খ্যাপার খৌড়ত-লের সহিত্ত অবলোকন করিরাজেল। কোন কোন ফরানীৰ সন্পায়ক বিখ্যা করিয়া দিখি-बार्ट्स व्य नि में सराहत कें,बाता बाल्हीय भ-करहे आर्दाहर कतिएक की सका क्षाना क. রেন : বিত্ত লেখকলৈর স্বরণ করা উল্লিড ছি-ল যে নিসর দেলে দৌর্হ বন্ধ ও বাস্পীয় শকা वर्समान काट्स, अवर ब्राक्त प्रटक्षत्रा कवातात्रै भागवन कत्रियारहर । वाहेडेन वशस्त्र स्वरित

काणा तामध्यासम् बाटबत् मधु श्रृतिकं स्था তৰ নাহেব ইজিহাস ভঞ্জ বিষয়ে এক শ্বাস্তাৎ কট পুত্তক এডিড ক ব্যাহেন। ভাষা रहेर्फाइ । बदर अयुक्तिमार अधावित क्ट्रेंटन ।

र का कित्रवालक तिविक धार्मिक सहैरव

নার্ভ কাইছ অধ্যক্তা স্থাইনে। "

মৃত অন্বট বাহাছারের কীর্ক্তিক স্থাপ नार्थ डेशयुक्त होका मध्यार स्त्र नाहे, क्लाबा নাধারণ্যে ডিক্ষা আরম্ভ হইরাছে।

क्ष वहेन व अव नाकि मानिक्स (वरः গারিবাল ডির সহিত সাঞ্চাৎ করিতে উদ্য ক্রিডেছিল। অনুসন্ধান ক্রাডেড্র জাহার বি को बोक्रम क श्रीमधूर्य अक् लिखन हुई बहेन भणान वर्ष शूर्ध्य ' द्वाशासानि ' विवदम वसर भ्यत (य नाम क्षत्रका क्रिका अम्मर्ग केमेनि কোন কোন অংশের অবস্থা দেউছাল হট

चारडेन् व ब्रीज् नाटश्य देवेंहॅकिया त्य (হন) উক্ত কোম্পানি লাজিও প্রাণ ডাা करत्रम नाहै।

সিশ্ব-রেল-ওয়ে কম্পানি প্রভাক সংয २· लोश हिनाटर >२००० जरम वाजा see,eee পৌশু মূলখন রাদ্ধি করিবার নি**ি** कु आ'रवलम कवित्राटक्रम , एक्स्या पाट्यांन को **उड फिट्टी अयान्न (मोडब्स) अ १७३३ हेर्ने ।** আহে দ্বিকা ছইডে কোন গুৰুতর সংব

महिन मृत्र त्यम

रमस्य नीक संभव। াত্ৰাখাতৰ ৰঙক। **अटिक ट्यांत** ॥ वृक्ति निषय ।

> 🗯 পাতা তকুর। क्षकि चाउन निर्कृत ॥ विक स्थित स्थानना क्षिति निका, दर न ॥

रमनद्र बाद है रेश छत्र ॥ भूगांद्र जाइए श्न ध्वनी । विमन्नवज्ञ विषया शवि ॥ क्षिक्रीय स्न कार्यक्ष धाव ह बिधिएक क्रिकिटक क्लांबा शनाय। উঠিতে বসিতে ঘার তো দিন। রাতি সংবাপন বড় কঠিন ৪ কালরাতি সম বিষম খোর। কানুমান বেন না চৰে ভোৱ # जाशन विरुप्त न' वाँ एक क्षान । मैं। दर्भ दिएक स्टाइ उन महास । कछ किन आंद्र धहे गांछन। ॥ क्छ विम भीख विदेशभा । **হাড়িয়া না ছাডে** একি বাসাই। मेंद्रम हम रचन रहरक शनाहै। न्यम ११ई देहदा ३१४ ३।

विविध जरवाम । ৩০এ বৈশাখ সোম্বার।

হরকরা সম্পাদক নিম্ন সিপিড ইউরেপৌয ও আনেরিকার স্মাচার প্রার্থ হট্যাছেন হ अतियोक नायक विद्वारी क्षाकरक মেরিকার দক্ষিণাংকের লেক ছিগের ছাত ৯, शवर्यक्रकेष किन यानि आशंक यक्षापुष्ट कः । बद्दश १० छेत्रिवाक्ष ।

অবুদ্ধিয়ার উপকৃষ इटेएड भलाइन रहिया एउसिमित मन्दिन ন্ধ করিভেছে। ইয়ুর্ক টোবের সিক্টে এব बीहिश्यक अंक एक रेमक अ मिर्ट में भए केरिय कार्य है।

प्य प्रिकृत नवर्गरमके महाविशाह नीमांत क নেম প্রনা এক এত করিয়াছেন :

একণ ক্রমেডি ক্যাসী বন্ধ জাহাজ সভ্য (नगम हरू बाहेरखर्छ।

মানার্গ । এক জন বিখ্যাত হরাসী ধর্ণ: क) विहाद्य पूरक ष्ट्याद्या ।

३२हें अध्यान।

করিত্রগরের নিকটে এক ভয়নিত বুল। ইট্যাচে কিনা জানা বার নাই। बहेंग्रा निप्रारक्त अवन्यव्ययकेत्र २० महत्त्र स विद्या थे। जिर्मात ०६ महता स्माय हछ। इहेगा-एकः (मनाथि अवदेव 'विद्धादी। इक ७! बर्त्वाभार्क । बिर्माही । बाह्य इहेब्राह्म । । विद्वाहीरा अध्यक्षः अर्थे इर किन्न गर्न-মেন্টের সেনারা সাহয় পাইবা আহ'দিগতে! দুরীভুত করিগাছে।

> गनिए दीन गवर्यस्थित स्थान बहेब्राटक्। ए

ब्बक्तिरकांत्र भवनरबन्धे व्यक्तिक द्यारिक हि. भारत निक्र इट्डि के होका कर्या अहिद्योदक्त। সহযোগী সেনাপভিরা পুদর্বার বৃদ্ধারত ক ब्रिट्यम गनियाः इन ।

बार्षक, २०७ । शख्यतः । ब्राज्यभक्षः स्म नाड़ा ^{के}ण्यता नार्यानचा पूर्ण धारम कतियः एकः। शांतिमः, २२७ ७८:धनः। शांतकः कावि-ন য় একট। ভশ্লানক যুদ্ধ হইয়া গিয়াছে। ও थाव इब्रम मिनाकिकात पासीन करा अब्र . इहेब्राइ । य निविध्यांत्र कारन्त्र जा्बारन मनद्वांथ कतिरखरक । -

ৰাবু এক্সনাথ ধর পুনর্মার দেউলিয়া চট-বার আবেদন করাতে বাবু শ্যাবাচরণ থলিক বিচারালয়ে **তাহার প্রতিবন্ধকতা করে**ন। क्काउः न्याद्वे अकाम इर्देशास्त्र जन्मनाच पहन्त া মাডা, পুত্ৰ ও জীয়নাৰে অনেক সম্পত্তি কা-স্থারপতি ভাল্তে সভর্ক হরতে বাল रा अ एवं पराष्ट्र (भाकत्व) अशिख हाथियां क्ष्म अपनास शहरह अ**स्थान अहिए। अहे**

"चामित्रं अस्ति निकेत् वावकात निवा-রুণী সভার প্রতি ট্রি সাহেবের আ-८८ण्या समारक अम अधिक्षामा भाउतारनत विक कहेबाँस विलक्ष महादम। कीएके। किहा को भी है होता क निवास कि हैगाएह : 'बहेक्सा ियमा अकृष्टिन्यास विदास अवस् आएक जाराजा अंशक नेरबन किन करमह शाहि डेमिटल शहरू मा । ख्यानि खांशपिन ে শাটিতে ব্যা

> 'প্ৰাল'হাবান শেলোট প্ৰকাশ পাইঞা গত গোমবার তথার ভবানক বড় হইয়াছে। প্রথমত - প্রার ক্রিড়িয়া সমুদার মন্ত্রে স্থাক্ষ্ণার मा करन । "दि वड़ वड़ वृक्ष लेरिनी हैं । का अर्'लिकोर इ'म अग्र हरेना नाम् । आविरुक्तः।

গ্ৰধ্যেক্টিৰ ভিন্তু প্ৰাপাত্ত নিম্বলিভিন্তু होका अन्य कराइहा

चित्राक नर्मेश अवस्थातिक दश्या १ १० । छेएम भागमा पराव से 4434079 बर्बा र जब বোগাইরের (बाई है।स

দর ঢালদ উচ্চ কারতবর্ধের উপরে বে ছতি জাটিরাছেন ভটিবস্থানই গত যাস ভাগেকা बनाव अल्य होका क्षत्र 'तथः बाहरण्डहः।

আময়া বালালী নামক সাঞ্চাহিক পত্ৰের कुहे च उ ब्राच्ड व्हेशांकि। अहे भक्र गानि के প্রৰ বালে বিভিত্ত হটতেছে। আমালিগের बलहा । पा अहे इया जा जा मणता । भारे मणता বালালী পত্ৰ হায়৷ সাধিত ২টাৰে ভাষয়া এ আলা করিতেছি।

সৰ জাসিন্টাই মহক্ষন বাবু বছুনাথ খোৰ विद्यार्कार अभ अकान्त देवनावटन हिर्मन, **खतिरक्त उंशिद शूतकात जना है श्रम्य परे ्ड जकि धर्म स्म्यांत आमिश्राद्ध। कि**ह তিনি অহাণস্থিত থাকাতে গ্ৰৰ্থমেও ভাছ। ब्रालियो (य'यन) कदिवा पियाटक्न एव मारमत भरभा का सहरम हैहा नव होतनम उटखब निक টে প্রাক্তংপণ করা, বাইবে ৷

भूमित्र मुख्यकि अर **अ**म हेडेका^{की} व भ भन्न कर बास्कित सार्थ, अहे वा बन्ना मानीन ৰবে, প্ৰতিবাদী গোপুনে ভাষায় এদ নৌকা विकास कतिहारह । मोक्टिहें हे शहरूव में विव रहत क्षत्र कवित्तर त्य यनिम, आवि कि जना बालीन कांब्रहाहि वनिर्द्ध शक्ति वा । अध्यक्ष সারো সে অনেক মিখা। কহিয়াছে। বাজি েই ট ভাষার ঘুট শত টাকার জাখীন লইয়া শোক্ষমা স্থাপিত রাখিয়াকেন। দেখা যাউক मासिर्हे हे । वशावासिकात कि मध करतम ?

७३० देवचाच अक्रमन्त्र ।

किमिका मण्यामक बरकम, मब जानिहाकी मब्बन का कर का, मनबन निसं शर छा। व हिर' अब, कि, डिशाधित बना ई लटक कथान म कविएक याम । किमि क छैलाबि लाजेबाद्धन । ानवरमञ्ज छ। हाटक शूनकाम कर्च जिल्लाहरून। ন্দ্র জা গ্রাক্ট সরস্ক্রেরা প্রত্যাপ করিবেও যদি তাঁহাদিগকে পুনৰ্বাত কৰ্ম দিবাৰ নিৰম बर्च क्या, फेखब (bकिश्मक लाज प्रजब कर मा।

এক ব্যক্তি ৩৮ গাৰিত এডজেলীয় লেনা-स्टब्स् रार्थमात् व्यक्तद्वत् श्रानन्थं कावेष्ट्राट्ड । ब भाग एम ब्राजिकारम गाउँ एक किम जुरव-লান অস্থানের্হণে আছানিখের পকাতে জি-क्ष्मा, अञ्चल भ्रमात् अक बन्द्रास्कृत अन एकेल । ব্ৰিন ভংকৰাং হত হট্যা কৰ হটতে পতিত बहेदलन । अक सम नीक नांयुक्दन नक्दन ब्ला-काबी बलिया जिल्ल कहिशादहर, माल्य उन वास्कि णतासि**७ व्हेत्राटकः आफारबाह्न विवय अहे**, প্রবেদারের পাথ বর্ত্তি লেনারা সকলেই বঞ্চি তেতে ভাষারা হত্তাকি নীকে দর্শন করে নাই। मनिद्रभाग च्रुटब्राट विद्रक्षांक् का अव शव १६ খাপুরুল, করিয়া_{নি}লেন। অন্তএও ভারাকে वध १४ एड व्यानक विताकत्वन ७० गणिड रमन्त्रिम्बरक कन्त्र श्रीहर प्राकृष्टिश (अ.७३) के हिन्द , के अक्त का अब शरू वर्ग श्वनिद्रवाहें প্রতির ।

इर्किन्यान नष्ण्यापन मरमन उपनिद्वरम मध्य थावेवाय क्या व भवस वक्षत्र विद्व क्या क्त्र, जार'पिरशंत कार्ष्ट्राः श्रक्ति भध्यादयां भ দেওয়া হয় না, ভাহাতে অনেকে জাহাতে अंडियात् १८कीहे कृतित ल्यांक् छात्र आंभछाः भ करतः। व्यक्तक भवरतः । धन्। शकः शहेनाः । इति। इति। তো মাডার ছুদুঃ হওয়াডে উপায় হীন

मह शहनम वेक छविषिक पार्टीकरत करे जा- । कीयमूर्छ श्रुविव क्षांत्री क्यांत्रिक्री काशास्त्र দেশ করিছাছেন যে মজুয়'লব্যের আছেছে প্র **चि-विमिन्नेवरण मरनारवांश रक्ष्या हतु ।** याणात्री अपिकार्गन कतिएव छेशनिएवरभद्र क्ष-फिनिषि छार्बामिरशत नदानश्राप्त स्याध्रह भूनः क्षित्रं कविरन्न, अथवा छ।वानिरात्र गर्थाहिष चत्रभरभागम् कत्रितम् । आक्रेनारस्य ^१ने सुद्रमिटभन्न कडे निर्वान्न (पन्न कना व्यक्तां) प्रकार সভায় এক বিল ভার্পণ করিবেন প্রস্তাব করি-রাছেন, কিন্ত তিনি ভাষা কাব্যবশভা করিতে। রস্যাধিপতির আঞ্চালারে পুর্যার সেনাগণ शाद्रिम मा**र्वे । वीस्त्र शास्त्र अस्तिवास्त्र म**े (नार्याची बहेन :

नश्यान जानियादक जीन क्राप्त विद्यार ना कि वरेबारक । बालकीय माना विद्याविभिरशत व्यथान प्रश्न काविकांद्व कविज्ञारक : वाश ह-উক আলের যাৰভীয় লোক ব্ৰাহ্ম। ওখোর अफि विक्रक स्टेगारहन। शका तक्षम कविदा नामन कार्यः निर्दाह कत्रा 'अरनक ब्राह्माब्रहे धटके मा :

डेरमध्य वक्ता क्या क्षेत्राटक श्री क भूकें विवाहाओं इस्टार वह ७ कमहाह निविश्व সন্থাদ পথ্যে বিজ্ঞাপন করিয়া দের। ভাহাতে আপৰ আপন বরুস, ৰূপ, সম্পত্তি প্রভৃতির বিষয় লেখা হয়। সম্রেতি এক কৌতুকারহ बहैना बहिन्नादृष्ट्य अरु वास्ति अवना अहे खादव এট বিজ্ঞাপন করিয়। দেহ তাহার বয়স অপ ও বাৎসব্লিক ৩০০০ টাক। আয় আছে। সে বন্ধি धार्काः काल जो लाग्न विवाह करव। धहे विक्रा-পন দেশিয়া এক জ্রী লোক তাহার নিকটে লি-বিশ্ব। পাঠাইল যে সে বিবাহ করিবে না স্থিত করিরাছিল, কিন্তু ভাছার বিজ্ঞাপন ক্লেখিয়া তাছাত্র নিবাহ করিবাধ মানস চইরাছে। উভ त्य अहे जम पूरे हाति भज अश विभि बहेरन शर हो जाकरे अकथानि श्राप्तर नाय निर्फ भ कतिश्र जिथिया शार्र हेन बर्फ किनि त्नके প্রানে যান ঐ খ্রী লোকের সবিত সাক্ষাৎ ছ-ইবে। পত্ৰ ৰখ্যে লেণা ছিল, ডিনি ৰখন ভাষার প্রিয়ন্তমার সহিত সাক্ষিৎ করিতে बाहेरबर, छबब स्वय इक्टबर्टन बान । बाह्यक এই পত্ৰ পাইয়া বহাকটটিতে ৱেইলওৱেয় শকটে উঠিয়া নিৰ্ফিট স্থানে উপনীত হুইনে-भिक्कणिशतक मिक्कण किंद्रकाल क्या बहेंबारह :) म : क्छक हुव पाईर**क ना वाईरक कर**वर क्रम

এে ভার করিল। এক জিলেয় শায় ক্রিয়াল ুপা-हेल व होटाकड़ि विज्ञान कहिनामू व्यक्ता डांशःक प्रया वित्रां भू**निद्धः प्रश्वांक स्वत्रः ।** भार्तकान। वही वर्धा को कुसावर सहेगा कि.? والق

नमागत बिर्वामी मन्त्रावक केंद्रकार करतन, जाकशानि मार्श्वत करतक ज्यानिवाडि गत्रमारतत प्रकारक प्रभाव मूच चलित्राहरू । गी. ভণায় থেরিত হর নাই ্রহরেট্রের রাজা স্থ-লভান জান পার্ষণ দেলে সেনা সংগ্রহ করি-রা তাহাদিগকে ব্রাহ্মকীর সেবা ববিয়া বো-ৰণা কায়য়া ি প্ৰন । বাহা ষ্ট্ৰীক প্ৰবিটানক বেন ভাল বংগ হেসছান না করিয়ানুদ্রক বছ

अना रेकार्ड दूधवाद । 🎾

मिडेशां मार्ट्य विक महामारम् भर-कांद्री अकांशकि वहेंद्रांद्रम । क्वांग्रीय व्यक्ते वाकी थाटका तकते है

गाठेक्सन **क्निशास्त्र विनाकी** व श्रम हेरिया शिवाद मञ्जवि क्लिक जन यनिक इंश्लंख रहेटड कंडनडी भागमाति करत्रमः। कडेन कारत_{्र प्रा} क्षेत्राम् सम्ब महिन बंदेनं, जीवासक प বোড়ে' আবেদন করাতে জোহারা আজা স-করিয়াছেন সুবিভ কাগজ ভিন্ন আৰু সমুখান कांगरम थान मध्या बहेदव । इंदास वर्ष **4** ?

गड बर्द बक्रस्थान नश्निक खन्नार्क रक्ष् নিহু লিখিত টাকা ব্যয় ২ইয়াছে ঃ---সুজন কাৰ্যো • • • • ১৭,৮৫,•৫৯ সংকার কাট্যে • • • • ১২,৯৫,৮৬৮ বেজন ইন্ড্যান্তি ১০০০ ১১,৯৯,৬৯৫

ঘোট টাকা 85,60,40; প্রবিশ্ব ওয়ার্কের ডক্র্যদিগের উল্ব বেৰণ করিলে ইহার ভিন অংশ বাহির হইডে भारत ।

মরাসীরা আসিরা ৭৩ে পুনরার অধি পঞ্জ স্থাপন চেষ্টার আছে। কোচিন টোন 🍑 शांतिरशत्र श्खना श्रहेत्रारकः तीम रागरणं औ-काला अन्दर्भ चित्रभान- स्हेता केलि: एक म

করাসী রণভরির অধ্যক সঞ্চতি মভাটের जनजानक जड़े कथा निषिद्या गाराजेबादकन मुभाजात्मत्र (य मबश्व थाना विदेवांकी, क्षेत्रा-্ছেন, ডিনি (রণডরিঃ লখাক্ষ) ভাছা क्तिराज मननार्व माहाया क्षेत्र केन्द्रियन । किन्न अभजान जप्रदाद करियादहा विदेशनीय मिर्ग-র গ্রার্ডা আর্শাক হটুলা ডিনি ভারতক भीत भ्यादिवरकेन्न निकटन टायरम आध्यक्रम क तिरवम िक्केट हैका श्रृक्ष पदत (बरना जन क्षेत्राहिता वास्त्र

भेष करें विक्रिया । एक प्रविवर्धि । कितिकि बार्गक भेट्टिक होगा भाइए। व्यावज्यात ি ছিরিয়াছে। অভারেশ খ ক্ষাবধানে গাড়ি हैर्नाप्त निरंपयक कार्क आहर श्रुतिह कि 'डांबी कीट' मा।

ब्रिहितांत विना नाइ विनिन्न त्रमस्य व्यक्ति প্রদের ছাত্রদিণের পুরুষার চেওয়া किंदा ग्रहेनां के भवन्त्र ख्याब देशहरू

> ংলিসমান সম্পাদক আমিয়াছেন অনেক ণীর চীনলেশীর পরাটের সেনা দলে ার করিয়াছেন :

ারিকাবাসী এক ব্যক্তি সাজের নি কৌর সেনামনের অধ্যক্ষতা পদ

. अक्रम् केशियाद्यम् । अटमके रे" इ. म मासिनव मिर्क क्षार्थम महिलाम देखा क्रीकान करि-क्षित्र में भरेमां शर्का छल्डामर । व

বৈহারের অহিদেনের রুণকদ্বিগের ক্লে-শের বিবর প্রসঞ্জ করিয়া উক্ত সম্পাদক বীডন **পাহেবের প্রেলংসা** করিয়া লিখিয়াছেল " এ **ক্ষণে কুৰক এভূতি সাধাব**ণ লোকদিংগৰু ক কা করিয়া ভাহাদিগের ছুঃখ ুব করা নিতা **ভ কণ্ডব্য হইবাজে।** বহুকলোৰ্থি ভাগামি <u>े श्रिकेट</u> नश्कात जिल या जाहारा *नदेश* 'न বিতিই জন গ্রহণ করিয়াছে। অভ্রন তা . होता श्रेष्ट पश्चियसे प्रश्न करिया र ।का;

🎇 🎋 প্রবা অমালাদ প্রকাশ করিত না. উদাসীন 🏅 **স্থার প্রদর্শন করিত। এক্সে এই** জনস্থার

भारतिक **बहुराउद्द**ि विन्यानय, नामा-विक विश्वकि, नज वन शिवेद आत्मेद किया ইবুইল-এয়ে টেলিগ্রাফ প্রস্থৃতিতে তাহাদি-

हज, जका क्षाक्षाक्षत करा विश्वका बुक्यिएक মুৰকেরা এক দিন নিজ খণ্ড বুকিতে পারে बाई विवश्र है अभागेत खाँ जाशाविता की **छ प्राप्तन ब**्य ब्राचियांत्र शदायणं विद्रा का **ि.शारङ्ग**ः

२ ज्ञा देशके इष्ट्रण किया ।

(अञ्चेनके जाएकहे । नाशंत मार्थ्य अक ১৭ টাকা জ্বিষানা *হটযা*তে।

क्द्राहिट इंपरवाशोध क्षिक्रक्तव मरबार हाथि रुटेशास्त्र । हेर्नाम्यित्र निर्मिख शस्य यान्त লা ভার হইয়াচে। এই সকল বক্তির উপরে श्वक्षिय आहेर क्षांदि ना क्या स्य (अन :

সিদ্ধ ও পঞ্চাবের বেইল ওবে কোম্পানি :৮७० व्यक्त बर्धा हः दशत कारति धूनजीन भश्य द्वारेन व्यत चुनिनांत्र अश्वीकांत अदिश्वी ভাঁহার। স্নাহেলর অবধি দিনীপর্বা स अकृष्टि द्वांजेन श्राह्म कृदियांत्र कृष्टेश अ (क्य ।

८६/हे ज्याकामा एउन व्यथान व्यक्त नुहासर भ.दक वित्र हरक विकिशाएक्त श्वाका नाशार क ব্যাগত হইবাদেন ' 'হাঁছার চিকিংসকেবা বলি রাছেন চমুটি অন্ধ ক্টবেঃ বুলনধ সাংক্রেৰ অনুপরিতি কালে উভয়কি সাহেব ভাঁছার কাৰ্য্য করিবেন

मार्ट्फहेरबुबु एड खबाब वर्ग कोबुएडरर्टमंब बाज े ८५ ब्रानिब्री फालि ७ १४३ शहिरकाकने ८४० প্রভূতির মূল্য রুদ্ধি হওরাত্তে সক্ষপ করি রাছেন এবেশে আরু আধিক কাপ্ড প ঠাই ∤ ফে মার ও উমাস সাহেব পুলিখের গ্রাংশ হৈ (थम न्। अक्षण कवित्त कारमकाक क्रकि हो। কার করিতে হটবে।

সম্প্রতি পেশু নগরের আর্থাণ্ম ও প্রো य्यत्र आह्र ममुक्तांत्र च्यारण व्यक्ति क्यांतिक्री जन्म সশেষ হুইয়াছে। ওখার কান্ত নির্মিত বাটার र ।। अधिक बनिवाहे नर्वना अहे पूर्व हैना चित्रा थाएक ।

पिक्षीशास्त्रकोड अक जब अश्वीमनीछ। यग्ना यात्राक क्रूब्रक्त विनश्च भूनकृत्वध क विदारहर । अभिरास वानी शक्ति । कारेरखरूर,

क्तवरक्ता जगलात्र रहा, जाहित्तव वर्षा, कारत । जाहा भीश्र काष्ट्रिया मा क्रिकेटल अहै विकित्त नीय विमर्ड इट्रेंब। माला (महाप्ति, श्रेम्सू, অতএব ভাষাদিশের মুখ হাছালের এতি ; ভাষার নিকটবর্তি বাটের মেরামতের দ্বিত व्यवस्थारवाती २९४' निकास मृश्वेष्ठांत्र कांगा । 🏻 🖛 रूक होका विद्याधिरभन । श्वक्रिक ८ क्षेत्र ডिशांडिय**न स्टेटड** हेबांत मन्कान् म

পার ' দেশ কইয়া টেলিগ্রাফ করিব'ব अन्य हे दल क्षेत्र शवनद्वा है 'छात्रखबरी व प्रमान्त' व बर्ग ७ १ के के हैं का बहुताहुक्रम । अहे (हैं निश्राम च ना आयुख्यर्थ ७ डेश्म म है अतुरहे ब्रांगाफ हैंडेम्ब्र (प्रच नार्डे शिव्या 'अर्थानिया विश्व किया किया मनुकार

> ब्रेश्केपमान भन्नामध्य माह लाह्याहरू अ**भारतरेल करत्र एक**ल हाउँ। अक अन केर्याध कार्किमत् ध रूद्वाक स्टन्टेंग्रह्मात्र खान्यम क রিয়াছে। ভাশতধীয় গবর্ণমেট এক শভাধীর भरभद्रसम्बद्धाङ्गि वियापन कविरूत प्रकार कहें (तन म) । वस सम्बाह्म कथी ।

ध्याद्वाके अध्यक्ति अध्यक्ति वटा व्यादा है া বেব " কঞাৰজ্ঞার ,, সহাব'লা বছুনাথ জী माञ्ज अकामा माम्भाशितकत् छत्त् (४) ४१ हे नश्त्र ছটালে সভচৰ গলের মান্তিত পানাম্ভ সাব্য -ক্ষেন। সম্পালক জাহাত্র নামে মিখ্যাবর্ণনভার े, जिम्म कविश्वां के खेटला देश । विश्वास नाभी भुवदकत्ता हैंहा हिचिया निकिट ब्हैन।

রত্রের শউরোলীয় নিষ্টোটা ভ**র**ভ: बिक्रेनि निशास कार्र्यात जीत थना ४ ध्रहत कविदादक्रमः अर्थादमके अदल्य के मान ज

किश्वीदशहस्तके मृष्यामिक परकाल कर्षण ४ अखन मि है अधिक धाक कर विश्वास करें ভালার ফুইজন সহচরাক বদবি,ঋরিষুংটেন অজুন সিংহ আগেব'র খেশ হটারে প্রথিন कदिश महा शृहि कदिएडिइन , क'शार्थ । भ ক্তাৰ করিবাৰ সময়ে সে এখন পরাক্তম 🕸 कान कतिशाहित ७ अर. आवाष व्याश्व है किन दा किश्मित्रभव नटका छ। हात छ। भी। खान करें ।

(बहेक (बार्स है बरमम क्षेट्ड प्रवाधान 'अभिवादक क्यांनी अ हेश्याक जिनाना नात्र-थ्यंत्र कारहेत्र कारमक हुन्न कतिवारक । आमिनोह । 'जानाम छेन्यत रह नकत निश्चन हक कहेत्रारक विकास विकास किया है कि

श्वाक्षण कविकां भारताच्छ क्षिक्षरिकः क्षिक्र ाशंका अधिकार रेमशूना आयोग यात्रा श्रीम র্যার আপ্রাদিনের শিবির অধিকার हित्रताटकः। निश्वणातं निकटके विद्यापि रुगमा आरक किन्द्र छक्केछा विश्वनीश विश्व विश्वन हेशात काम डेशाय क्वेटकरक् में।

পাঠক গণ শুনিরাছিলেন, নীলকর সাক अर्थत ग्रम अन शिक्टि आक्रिमाटकरवर बार्ट अकिरशंभ करत्रम । भाख कता (माई (घाकदम) র প্রীরকোটে উপস্থিত **হটরাছিল**া সিটেন-নার, লসিংটন সাবেব প্রভৃতির কবানবন্দি इतेगाड । अस्टबाक्टडे **(स्ट**म्ब्रन अ**हे** बनिता आक्रमाहरवद् शक मनर्थन कतियाद्यन व भूर्तभाग प्रत्येत स्माणनाय भाक व्यव्हात मर-कार । ति अकाम कत्र क्या अब वार्शन मन क्या मन स्टान भूषा करेगांटक। পিবৰ কোন আজা নেন নাই। অপ দিন इक्रे॰ क्षेत्र भगत शकति श्वीकक्षमात् (क्षेत्रक्रिक নাঞ্চা ভাল ভাতদেশীয় কেই সেকপ ৯.৪ ৬ ভাছাকে জালকারী বলিকা কারা-इन्द्र रहा कहे छ ।

क्यिकियम श्रुट्स है : निम्यान मन्नामक इस्त शर्वास्थले अवश्वियायात्रिक्तिया निकडे महेटड हेनक्य है[।]का धहन कविटड हेमाड হইরাছেন কিন্তু গ্রথমেণ্ট ভাতা জালীক নলিয়া প্রতিপন্ন নারবাজেন।

সাশাম টি কম্পানির ছুইজন জিরেক্টরের নামে নিঃলিখিত ক্ষতিযোগ উপস্থিত ষ্ট্রা বিরাশশহর খোগ, ছিতীয় 💐র খালদান তে। ইংটিগের নাম মতে ও কাটার। ওঁংছা-রা কেশোনিব চারবীক আপনালিবোর ভূমি-(७ वननं संक्षांभानित नाना क्षकाह प्रवर्ताति क्रिक्तान्द्रशत्र कृषि कर्षण कश्चित्र। जहेशाद्रधन, काणिद मारहत ४३ग्रा : काम्यू » खेलतरक कति क' डी "ठ' श कविशास्त्र । शाक्रेकवर्श क्रांत्र-কি মাকে পাছেৰ লগত জোলভাৰ্স সভাৱ সভা 5 11

किनिक मण्लाप्तक अविक अवारकेंद्र क-**के कि प्रशांत व्यक्तियाम क**ित्राह्म । **हे** शांक । धडे कडेंदन अम हादब्रह शांशा एक ्रांट्रह वी ं भी लेडिंग ,

व्या ने **मार्ड स्था**यात्र ।

াৰ্টিঃ সাজা विद्राट्टन এক বাসি বা- বিটিড এ অভ্যাচার সামান্য।

नीव मींबाब बोबॉर्ड स्ट्रेट गावमा जना-टेक मकाहे, बच्चत, केंब्रुमाझात स्टेबी कटम ब्रो পৰ্ণাত বহুতে ৷ প্ৰতিবাৰ ১৫০০০ টাকা ব্যৱ व्हें ह्व । अहें के स्वाह वश्यादत है वाह वाहित्य। ইহাবরি৷ বাশিকা বিষয়ে উপকার ছইবার मखोनमा आंदह ।

माञ्चाब हे। देवून हान्नांबक बरमन बही ह ব্ৰেই রাজার সাঞ্চাতিক পীড়া এইয়াছে। ব্লা-জার সভানাদি কিছুই নাই, সম্পাদক বিজ্ঞাসা ব্যারোক্ত্য, তাহার সুদ্ধার পর কি হইবে? কেন ডিনি কীবিড থাকাতে বাহা হইডে। इ. ভারতধনীয় গবর্ণমেই আছেন।

क्तिरकार मध्य दिख भ्रश्याम सोखा व. লেন উন্তর সমূহে পুৰিখ্যাত আৰিক্সিয়া কারী

डिक नश्रामगाँउ। यहनम हैरनरक्षत्री नत्रकारम कर्ण्यभिर्क शत्रम कतिरवन ।

ইংলিগমান সম্পাদক বলেন ব্লাও সাহেৰ কে পঞ্জাৰ হইতে কাণপুত্র বিচারার্থে প্রেরণ कत्रा बहेटव ।

a है। देकाके मनिवाद !

আখনা প্ৰাথাণিক লোক মু'ৰ গুনিবাৰ खुले युवा श्रीकेशकांबलबरमञ्ज मानरत कान्ता रदेएक भागति गांगविशाति (पत्र निकडे पानि श्रोडिन । अक्कन वर्षवार्न क्लांब अवःभाउि ই দেশ থানার ছারোগার কমিছ ভাতা, নাম গলোপাখ্যায়, ইনি কাল্নার পোখামিবাসীর দৌহিত্র সন্থাৰ :

अजरनामग्र मारम अक्वारि यखन गानना অসাৎ 1.asicছন ও জেই:নিগের মন্ত্র ছা-। স্বাচার পত্র আমারিগের হথে আসিয়াছে। हेक कमिकाछ। युक्तां पुत्र त्यर ५०। भर ग्रह সুধাৰ্থৰ যাত্ৰে মৃত্তিত ও প্ৰচাতিত হটতে আ अख क्हेंब्राट्ड · देहाब टेप्रनिष्ट व्यक्षिक हर, **ड्डा** 'आश्रोषिरशद अकास ४.४२'३ :

স্ক্রা বুজন পরের এক কন পত্র ধোরক करकन ए। हेनकश्रोका कांत्रश्र विनि व जांत्र निधिका विश्वाहित्तन कारानक छात्रा. इकि कृद्रिय , ०० हैं कि होका स्त्राष्ट्राय कृतियात अस अबुबाद शाहीत प्रति हम मध्य ग्रंटर किटम-म तो कारतिक कार्मिक क होने वेडह गढिक ^{'व}। भी र 'गर्भर प्रत्येष 'रुप्ता' । काल ग्रह । देश । देश हिल्ड व्यवादक । देशक्षेत्रका

जापन जन्मानक बरमन नीक्स्प्रेसिंद्स गरिष व्यवागरमा जानिक ता विवाद प्रसि রাহে ভাষার কারণ এই প্রকারা অর্থে ও সা-नर्दा भीनकारमञ्जू पूजा महरू अवर विश्वांत श-ित्रं आत बीनक्त्रतिरगत्र जानबाद्ध लाक, কোন অভিযোগ হটলে ভাঁহাদের পদেট विष्ठात करेता चाँदक। अ छ भूता कम कथा।

পরিদর্শক সম্পাদক শুনিয়াট্যেল এক ফুলীক রাজণের সপ্তথ বর্ধ বন্ধুত্ব এক পুরেন্ত্র অভি नमादबार भूर्कक विवास स्हेता निवादः । विवा-হের সমলে তুর্ব পোব্য বালক লোদন করিডে नांभिन, भरत এक मत्रकांत्र अक त्यद्ध क्रक রিরা উপস্থিত ধ্ইলে বালক ভয়ে নিজন ব-ইল। এই অবসরে পুরোহিত বস্তু পাঠ করিবা বিবাহ কার্য্য সম্পন্ন করিলেন। বাসর খন্তে বন্ধ या. य कतिया कालिया छेडियाहिन। कोनीयाः ভোকে ধন্যবাদ।

কিনিক্ত সম্পাসক কুম্বেল বে ক্লিকাভাত্ব अक्र अहां कड़ कहें दर के काहां के जिल कहा कि ভি করিবে বলিরা বে জনরব হইরাছিল ভাষ্ট সম্পন্ন চইল না। বোধ হয় কড় পথ ভূলিয়া অন্য কোন স্থানে গৰম করিয়া পাকিৰে।

অনরেবল ইড়ান সাহেব ভারতবর্ষীর গ্রহণ-্যনে লিশিয়াছেন বে আগাৰি বংসর এক অভিনেন হইবার সভাবনা ছিল ভাহা হট্টেই मा। मर्द्धन समा अजिनन नामा सहेना है। (कवन तकात वहेटक २º,७३৮ निकुक धावर বেনার্ম হইতে ১৬,৮৭৫ নিজুক পাঞ্চা वाहरका

नीनका त्यक जर्षत्र वज्ञत्वनीय कुछशूर्व লেকটেনউগবর্ণর প্রাণ্ট সাহেবের বাবে হুপ্রিব কোঠে বে অভিবোগ করিরাছিলেন ভাহাতে शान्ते नाटहरवद अके होका सदिवाना वहेंद्राटह, धर शांके मारम्बरक वक्कवात्र वात्र जिएड হটবে। প্রাঠি সাহেব জক হট্য়াছেন, স্পার नीरमञ्जू जावना नाहै।

निम्न निविष्ठ मृत्ना भवर्गम कोश्रम विको ज वहरकरह ।

<u>क्लामानिइ</u>

- ८ ड्रोकांत्र निका middle Pal Pale
- **€** μ 5+8 1 5+8.0
- €II. 224 1 22.4

可可能到

WW TI (\$100) ·

8 mg

गवर्षायके विकाशन। राज्ञाद्यभीय (मध्येनके शर्रद्वर

चारबनाञ्चनाची विद्यात ।

गमीरभन्न मुस्रामक नांचू भरवभावस हाह दकी-ग्नावि चारितत ১৮७১ मार्मह २० चार्चन २ वीती बंबर ३५-६८ मारमद ३० जाहरमद ६ रात्रात अञ्चलारम कंके आहम विकीयात्वानित अमीम माजिल्डी होत्र अवका शहित्वत ।

>b'ta नांत्रत ३० जाहरवत ८० शातात जन-नाद्ध निमु निषंड बून्टनक्य। ८७ भूषि कात्मक्र-६५५ क्या निरंद्यम्

রাজনাবিতে বারু মুর্গাঞ্জনাদ বস্তু বলপুরে रांद् मलनदमांचन तस ।

ইরা মে---নবছীপ ও গংশাগরের অভি-নিষি ভেপ্টি সাজিট্টেট ও ১৯ ৯ট কালেটর বাসু क्षित्रस्य सूर्याणायाम श्रीमान वर्गात बहेरवन क्षेत्र कोनशांति चारेत्वर (১৮७: गांकव २६ क्ष) २२ पातात अञ्चलादत के अत्यान ्रिक्किक्किल्प्रिक कथीन मानि रोट्टिंट कम्छ।

ক্ষিত্র প্রান্ত করিকাভার প্রভান্ধি কউন क्षा के हि. हि बद मारबन करेंग कारलकेंद्र

क्षितिसम्बद्धाः मार्थे (विनि अक्षरेश क्ष ক্ষাৰিক ক্ষান্ত্ৰিত আছেন) বাজগাতি ক্ষাৰ ব্যৱস্থিত ও সরস্থেত ক্ষিণনত হই-

ें ें किंद्र है विकास प्रांट हर छ। का विखादन द्वारन-নিউ ও সমুমুটের কমিসনম হইবেন।

जि. अवेष्ठ दक्षणहरूम भारत्य विश्वाह भिवित्र **७ जिल्लान कंक इरेट्स, क्लि क्ला**र्ग रह . दन्त কর্মে নিৰ্ফ হইয়াছেন আপ্ততঃ ভাগাড়েট भी इस्ट बबेरव ।

া, এক, লাটোর লাছের বাঁকুড়ার 🖢 প্রথম क्षानिय मासिर्ये हे ७ कारमहित इरेर्टन किन्न 🏿 দিন জনা ভকুদ না বৃদ্ধ পাটনাৰ কলের ध्यक्षितिथि शीक्षिद्वन ।

खर्गलें. 'इ. देश म! एवंट 60 श!म विकारन বেবেশিউ ও সবসূটের কলিসমবেদ প্রতিনিধি 🕈

.ध. आत. विम्नुस शंदरन किंदू कंद्रणत कना | किट्यु छिर क्रमछ। मेडिटनस !--সৰ্ব্বীপে সিবিদা ও পেদিয়ান ক্ষতেত গ্ৰে-निधि परिएम।

এই নে—নাহানাদের প্রতিনিধি মিনিল ও **मित्रियान करू अक, ग्रेकर मार्डिय औ शहाल कि-**क्रिल ७ मिशान कम इहेटरन ।

की विद्युख्य अखिनि वि मि विभ के निर्मार प्रक नुनि क्षेत्र विद्यापान मा अव के शहर के कि । तितिश्वान कक वरेदना ।

बक्, ब. अभिन्छेन भारक्त (दिनि उर्गण्य अ 古がなのにはない 研究がなっ おにをなっ デニュー र नाम १ दरशियान एक श्रेटन ना

समाधित याचि के हैं कारलहें ब ब. न्त्रहर्व शारकर अधेर एक वित या कि चेते त्र क- द्वल ।

का का अधिकिथि भी किएके है । कारल के इ. जि. अम, बांबरि मीटबर्व के अंद्रवरण विकीत (अगित माजिक्के हे स्वरूपन ।

कांत्र, वि. क्रकटकाम महत्त्व (विनि अकारम অভুসতি পাইছা অভুপত্তি গ্ৰুক্ষা হক্ষা বাক্ৰ-भटक भाकिएक है क मारमहेन भेकरबन ।

वयेष्ठ, कांकि जादबन बाकदशदकत कांडेकी মা**দিট্টেও ভে**পুটি মালেট্র চইবেন কিত্র रक्षित सतास्क्रम ना एक नदार्शनिए उ गाँव-रके हैं क कारमकेरतम अ**डि**निधि थाकिरवन

क्य. विम्नुन, नारक्व विश्वीय स्थापित कारे हैं। चाक्रिके है । जिल्हा का दलके व व है दबस ।

बीश्टित मासिक्टि ७ कारमकेत, धन,धरेठ, टिम्ब मार्ट्य अध्य स्थानित वाकिर्दे है ६ का ८मक्रेन इदेरनन

करिक्शूरवृद्ध अधिनिधि बाक्रिके है । कारभ-केंद्र थका, व्याद्र, हैट्डिमश्च माटक्त में शाहरण बिजीय (अधित मामिरके हैं अ कारमकेत बहेरक।

बक, बाब, ककरनल महरूर ' पिनि बकरन অভুষ্তি প:ইয়া অঞ্পক্তি আছেন ' বেছারেন माजित्ये हे अ कारशक्तेत वहेरवन ।

এ, টি, এপঞ্জন সাছেৰ মুৰসিদাৰালেৰ কাই-की मास्त्रिकों है के एक शाहिक माहिक करेररम किन्द यज्ञाति वान क्षेत्र ना केंग्र के आसरण मा विष्कृति ও काटलक्वेदबब श्राक्तिविध श्राकिदबन

मि. वि. शाह्यके महिन्द विजीम क्षांनिय कर^{के}-क्षेत्रांकिरके है । एक्ष्रिक कारकहर क्षेत्रमा

क्षवित है, बहेह, हिटबरना भार ५ व भारतियांत्र जनर्गन (भाजान व्यथःक रहेरनमः

৩২৷ নে —ভেপুটি নানিষ্টেট ও ডেগুট का नकेंद्र है, के बार्ड माहिय मानियांग विकारणव खाब्धान्त पहेंडा माद्यादाहर मास्याकृतिन क्रमका लोडे(वन।

৭ ই ছে--পা, এ, ছি-্ সাহেৰ জিল্লাল্ডনেব कमा और छैर श्रीतिनिध क्षतिके माक्रिके है ए ভেপুটি শংক্টের চইবেন :

क्षांक्रव थ, दक्ष्मिर इतः महावादम् त अन्ति न-थि निर्वित गर्फान वर्षे। रम

जाकत थम, ०४, मान्यद्वीय गामबादन অভিনিধি সিবিজ সক্ষন ঘটবেন

निम्न जिथिक मुक्ताकत्। काहरीत काहरनत २२ वाताचुनारत चित्रीय व्यक्तिय नक्कांत्री मा

रांबु अवहीमांचे वपुषा, वक्तश मिकि इतर **क्रीटन।दिक विश्वाम, वज्रदग**छी, क्रीयक्रग ।

স্তক্ষীবার মুখ্যেক বাবু মঞ্জেনান মিত্র १५ ६२ घटकर ३० कांकेट्राव १८० धांव क्षांत ১৪ প্রণাণার ভেপ্টি কালেক্টবের ক্ষমতা পা है:वम ।

প্রোরত।

'लावय ्य इक्षकानगन्ता कक बक्र भारत्व

म छ (व धंड कुन रेप)।

শির্ম আচলিত ছওয়াডে আমরা এরণ ভর্ম করিয়াভিন্তাৰ ভজারা সমুদান্ন লোকের চবি ট लाधन बहैरबक किन्नु त्म छाला क. ब्रुव गर्या १ কলবড়ী ছইবেক ব্রির করিতে পারিতেছি ন। विभएक कि की बोदा चालि व का वें जू निश्वद कार्यों नियुक्त चारवन छीड्रांताहे वथन नर्तराध्य चठा? চাব আৰম্ভ করিলেন, তখন বাহারা ইতঃ লোক डोबारमय आकृष्टि द्य खन्न प्रहेत। छेठिराक छ।त काव महावना कि ? बड्मश्रद्धव खल्डश्यां कि में (-গঞ্গে থানার এক জন লাগালাতীয় ছাহোদ (रिंन वावनात विजीय (अशोक महेदांत आर्थना क्टब्रन । नष्टानय अक्षां अक्षि क्रेश्नीयदीन स्थाया-্ল:ক নহনীত ও ছুখ দেৱ সাই ব্লিয়া জীপা-দুগায় হউতে চুর্লা পাছুকা উল্লোচন ক্রিরা আ-शनोत व्यक्षीनम् अर्थ कम बद्रममा (महत्व स्कृत (मृत 'लानाद्या कुडा शिष्ठे मोद' यत्रक्य कि कार्यक्रियाँ। **ডরিল্ল আ' স্থ, সেই নিব¦-পর হতভাগা শোল**-শালে বিলক্ষা পাছৰ এতাৰ করে, পোৱালা फरकार्ल शाबिमभिक्त मा कविशा हिमना यान, अभारत (म :गोक्साविट अारमाधांत्र मारम व्यक्ति-(याण व्यवियात्त्र । यह श्राद्वाशाप्ति कि अहिंभी প্রক্রম, এই আনোচারটি ভিনি কোন বির্দ্ধন कारम करमन माहे. अकामा घरम अवर मर्का दन मगरकारे क[र्युरह्म | खबकारम असकत (विविधिक कांधाकांवक (शांधे अग्रे कि) अ জার পাব অনেক ভল লোক তথায় উপস্থিত हित्सम । द्यापाला क्या क्रम मामाना दलाक्टक मांची मानिया आंभन नालिम क्षमार कार्य, किन् ছতভাগাৰ ভাগা সোধে বিচাৰকর্ত্ত[া] তাত্রতি म भूर्व निकास करतम न हो। अन्य , रणायालाः स्विश्रह्म सुरूष म उ भाषे उस्ति अकृषि करस्क श्राहरक मार्कि मानिशास्त्र निरमास्कृ देवकि-यूक्र अव्याद म क्लिप्रान्त क्लिय क्रमेश है।-्षय शक्ति। एँबी ड इन्हें ले गेष्ठ क्**छ - १११४ फलो**गल याक, घड़ी, शक्तांद किविता कानाहर

अ शाहर अद्यालय ! 'ख अति खेलियः थे:कि-रबन रमकारल कराइक्क मामक श्रम सुभावि हि-८ नम । जीकाय बाक्यकारम क्रियारक ও বুলিকে জিবা ক্লিয়া ব্যৱহার চট্টত बन्नगरित क अप न च क कि कि शरक रम् क्रवाध्य वोकान "प्रकृताम Spy क्रियाट्ट । व्या मतः । ए ७०० रण-५कासि महाशृक्षशंच कारमाहे ও সণক্ষেত্ৰ প্ৰাৰ্থ ছি কি মা ক্লে, নিয় ममरग विठ' : ज. ३ महाभाग करत्र - ३०१ , जि करवक क्षेत्र वा नकाद्रक करेगा निवाल है। शुरुन मक्षात्रः । भाषाः विकार सहस्रक महिल्ला काल १०३मा महिल्ला काल्यामा कालहार काल्यामा कालहार काल्यामा कालहार काल्या

िवानि प्रश् निवहां पाकि कामहिद्रायम् । न कथन तकनी १० कथन सा क्र कथन क्यून क्रेडे 🤰 गरिका अर्थास विकास कार्या कार्यन । कार्यक्रीमा कार्रार्थ 'त वाकिनरनव क्रम क्विंदक क्षेत्र वती र इस । एक वाधाना भन वाधिकांत्र तथर इका-र्गत् श्रादम कविद्वा दस्ती क्य अक्षात्रम एपिका शिक्ष वर्गक्या क्षुपात क्षात्र कांज्य क्षेत्रा ग-। यमि पारक्त सक्षणना निवरण निवरण जनरत त्हांव कारी करिया बसनीटक कांवना भगरक हिंद्या युट्ड थारकन डाइश इंडेटल व्यामारम्ब । । प्रथ ४५ मा । यशिक व्यासनां १५ उपन्यकार हमा भान बरहे किंद्र आवारक कावृत कृत्य न ইবার জারণ আছে অস্তবের শেব চার্করি করা। क् अ रामाने कीवांता ठालत इवेत्रारहमः ठालव

CHE.

कताहि यथार्थनातिस्म क्रमाः

ানাৰ্য স্থিয় জ সোমপ্ৰকাশসম্পাদক। महामय नमीदश्रुः

B. E. 24 (414.3 +

নেদনীপ্র নগবের ছাত্রণ ও পাষ্চমে াত ক্ষুত্ৰ বৰ কাছে। **সম্প্ৰতি ভণাচ ব্যাহ্মেৰ** र नास नेथ क्षेत्रहरू , शंक शक्क ब्रंब मधानुष अमन १४ - १४व प्याचिमी वाहांतित किकीस विव मू-ाँद व्यप्तक कीर्जियान शाक्या अरुभव कीय रा-ग्नाको करेटक वर्षणीक स्वेत्रन, **अन्**टन, धनाने वाह भीव"विक सब्द नमा श्रद भाग शांदि विक्रि ५ ६६-त्या सामास भा अवस्तु रे महरूव ३,८०१का हा द्राविभव्याच्याच राज क्षित्रशास्त्रच । अव हा काब ेवीक महाभारतया । करता वनः स्कृति मद्द्रारम्हे हे छश्यन राज्य नाम आर्थन कल्मि ० **स्टा**सस्य 智可 デーノアー

পত বধণ সমলুকেনুসলিভিত কেন্দ্রাক ि - क अन इक अञ्चल अन्त्रकारियों काष्ट्रा-राष्ट्र कालामां समा व्यापाठ प्रदेशाः काक्षांत्रत भीश्रीकः ।विभिन्नाम् विशेषि एको भी দিনি হল ৯০০ হইলে একজন পদাভিক ाभिक गत्रक शक्यकु का के इत्रे**श**िक आ

(भक्ते श्राप्त अकल पिनाएँ सिली व था यन्त्र । कविष्डास्य विश्व शविक अपार्क व উপ प्रशासन्धारक विश्वास वि

रवंत अनुविक्तिति देशिविषात्र जारहरवत्र व्या-हम कार्यो कारण ७ व्यक्तिमीशून कामश्री वाटम अखाःहाव कतिहा मर्कत्व >-861/ हैरेको मुक्तान क्षिक्शिक वीथ भारत्। बहे हुईकि अविश्वारीटि जनावि अन्दर्भ छ नर्मचाड कविन्नी नर्मास्य थांड २५ कि ३६ कन मरधनत छ त्रवन्त्रीतत की-र्गा कतिका बाटकत । छेक्।त्कत त्वछत्म आह वर्गतानी चीप्रधनातांत्र स्टेस्ड धारांत करत्र म न। क मिला भू विराद निकड़े भूभवकीत बैड़क स्ट्रेडिं विलाम ना श्राप्त गृहकावी केक बामांड आनर् মাদার হইরা বাকে। পবিভাপের বিষয় এই অমিলাৰ গণের যে পৰিমাৰে ব্যয়, কাৰ্য ডালার म । १९८मंत धकारमंत्र इक्रम ! छ। नीव्र कर्मकातक-मि।'अद ब्यादि कर्च क्या बाबका बनाराहेटड পাৰে য'। উ'বাজে। কৰ্ম পে দেই ব'ছেম লাভু म्। प्रकार प्रका शहन, क्या माक्ष्याव कार्य । वहै। मध्यक्षणीत कर्कमात्रक्षण एवं विकेश्यमे आली

सविवाद्धनं अर्थितः छोडा म्झुव स्था गर्छ। अस्टिम्ड स म्हार मझ इ इहेरत। वर्ता भावत ছইলেই আবি:র কর্ম বন্ধ ক্রিতে হয**় এতি** बरमदबरे धरे शक'त, अभिषाबभन्दकः अस्ति বং গৰ অকারণে ৮,০০০ হাজান টাকার দার এন্ত **ভটতে হয়। জ**মিদাৰগণেৰ প্ৰতি ৰক্তৰা এট ভাষার। কেন প্রক্রিক ওরার্কের কর্মচাবিপনের উपत शूर्न कहिएड इन, जाशनास्त्र अर्थ प्रांभागको ककून। अकटल खेकावटी अप्रांगम - स्व अन्बरमान्ते चारवत्व कृतिमः, विश्वार्षे ্যু'টব চক্ত ছউত্তে বঁখি সকল থারিজ ক্তিয়া লাউন। উভোলিগকে প্রতি ব সহ গে क्रिका । १८ तम् । इंशियान विवय जन्माप्तरकार विकास अववस्थान विषय क्रिका भाग्य कितिहास प्राष्ट्रि वनमञ्जू ते श्र मण्यू क एके र ^{৪৯৯} নালের ভাগে ক্ষতি প্রস্ত হ**ইছে ২**৯ শ না। अंतर्क दक्षक वेका श्रीकट्ल हे विकास स्व रमके भागमञ्ज्ञानाम केन्द्र करू-

> דרף שב שף כ क्षेत्र विश्वनमा 章, 11mgx1 কেবনীপুর

व्यान्यस्त्रानिकत्रं स्थ मूर्णे नत् भ्रायुक्त अध्यक्षकोषाय भागन्य । भगानाम असीर व्यम् ।

विविधायिमम्भूक्तकः निराधनाधिमा 'त्रशाहतम **क**्षेत्र प्रेट एका त्म क्योपूत প্রসেরকে জন্ম ক'লড়া চৌকুলিক, সী उत्पादिः गोर विकास एक केम्प्रीम रकतः । विकास कराय उत्पन्ति अन्तरक स्थापितः व्यास्तिकी मनीपित यस विमृद्धाराच मिल्लाम । रिप्त् ३८ छ, २१ लप्टे उ. ११३° है, शक शक् भगाक र तम क्रिडोंग शहर नाजिय गमत्र स्थाद किए। वा वार्तिकी माम ना। अबे मिनिनीप्र किविक- निव्दत्क्रान ५ आधार काछ। वर्ष्ट्र कः प्रक्रकत कु-

जारक वरणोवित अन्य वावन स्ववस्था मानम्विद क ते। अन्यक्रिक श्रद्धान्तः। श्रीशान्ति क्ष्मान्त्रं गृहे-, ব্বেব বাটাজে বেরূপ আন্ত্যাচাক করিয়া বিরাছে, ७७० क्रीका अधिक मारण वाश्विक एए । अधिका ५- किशा आवत कतिरम नक्षत्र वाश्विमारसम्बद्ध समग्रे নিদীৰ্থ কয়। অধিনৱণ বাজসাক্ষণে লিশিক্ত 💝 নিত লা'পাণা **অ**যুক্ত বার **আগস্থুক্ত ছাজ্ঞা**ই সংশোহৰ নিষ্ট সহাদ সেওছাতে প্ৰদক্ষ বেক জু किरेडवी मारतामा बाह्य अधिमाश बाख इंदेश विवार करत छेशक्ति इत अवर बंदेगांत चा-त्मार्भाः जमस इसास अवश्व दरेश असीह इटीक दक्षिण ७ कोमन महकाद वस्विध অচনভান করিয়া বাঁহুও। বর্ত্তবান জিলালং-কভি ইদাৰ বিষ্ণুপুৰ এবং ওকা বাদার धराना वरटल आहे ११२ होकोब क्षणक्त स्वामहे >२ कर्ने कराष्ट्रक भूख कतिका शक्ष्यका मक्क्याहा বিচারপতি আদিউটি মাজিটেট লাছেবের नमीरण (अवन करबन । छदणदत आंत्रिकेन्द्रे বাজিকৌটের সক্তে কংগ্রুলন অক্তুত দোব অজীকার করিলে প্রমাণ সহ উক্ত দার্জিট্রেটি मारहर आपातांची जामानि भगरक जिलादमिनी পুৰের সেসন জল গাচেৰ ৰাজাছরের বিচালা- 🖫 🖟 मारु मध्यम कांब्रशास्त्र । कियु चंद्रमाधीम असे मक ≱रात भाक क्रिके ध्वर क्ष्ममा क्षम क्षामा-विन्द क अवार ५ विकास अभिनं ह विभिन्न क्यारक है। क्ष्मण्यासम्बद्धी सारशास्त्र वादू व्यविवास **साहिला**ह वन कारा कन इड्रिइट्स्य ।

> २९६म बहुद्राम ३५७२। নিভাষাত্বত। 🏋 । हा राहर व्यविकामान जिरह।

> > ঐযুক্ত গোলঞ্জালসভাগিক महाक्टस्तु।

भश्ममः । जना जामि जाशनादम ८० करमुकी। नः वीक जिएलाहि। क्षारका कृति नःवास नगश्चिक ছুমখের সহিত্ত প্রকাশ করিতেতি। 'সানি এক্লা कान वबन वागित अक्की द:लक्टक नवनरगाहत्र কৰিয়াছিলাম। কিন্তু ডাহার আফুডি দশনে বুদলমান বলিয়। প্রতীতি না মণ্ডরাতে, পরিং ব जिन्हामा कविता कानिकाम, वे यालकी छक्ष्वाह 🗸 . . । এহার পিত্র। মাজা দ ভিদ্যা ছঃশী দিক ; खाबीका अञ्चारकोटक अमाधिकछत्र यक्षाः शतु करे en. थांच काहित तथमन वहरतात समझ को मान्त्रही विश्व के न ६० वक्कन प्रान्तप्रतन कि को े शक्कणांत विकास करता अकाल से मासमी

वत्रम श्राप्त कांत्रे ४६२ व व देवारकः। शृर्द्ध कत्रिय-मेंदि धरः ये राजकतिह शिख। योखांह बाज वश-ज़ि श्वभंशंत्र दिन। स्त्रिम त्मेरे सांत्महे अहे नामक्रिट्य क्या क्टब । शुट्ड क्यांब बूहे क्रम **চটল বরদা পরগণার অভ্তঃপাত্তি- বুয়ালিয়া কথমের ছায়। আয়ার বিসক্ষণ** বেংঘ ছইল आंध्य बीन कदिएखरह । बानकी कदिएमर बीग-्टरे कार्याति अवश् कीष्टमंदमत मार्च शृह क-भामि भन्नम अविद्याद्य ।

एक्ट्रानात्र मिक्डे वर्ती आध गक्त शांवरे अधिमिन नवारत शूर्व विलयन वड़ इकि इदेश बारक। खन्नाता लाक करमत्र दिशक्य क्कां इन्देखाइ । क्यानदलप्रहे वांत्री कर गाँखाउ क्षेरक्राञ्च अवः कृषिक,र्शं व छ विषु श्रष्टिक्स् । विश्वक ১৯ ० देवनाथं द्व अक्की पूर्यक्रमक ৰাপিন খটিয়াছিল, জানার নির্মন্ত কেপনী क्षांच्ये वर्गन कविएक शहस व्हेटकरहा (कालन-भूत्र भन्नभेगांव व्यवःभाषि छोळशून औरम वान-ধন চটোপাধ্যমি নামক একজন সম্ভাত কোক ষাস করেন। উক্ত দিবস অপরাক্ষে ওঁ।হার বা-দীর পাঁচটা যুবক একরে ভাগকাড়া কানতেছিলে ল, জাহাদের মিকট একজন খানগামা ভাষাক শালিভেছিল, ইতাৰণৱে ভরকর বড় যুক্তি আরম্ভ ষ্ট্ৰ, পৱে দৈৰছবিলাক বলতঃ ভাষাংকৰ মন্তব্যেপরি মন্ত্র নিপত্তিত মইয়া চারি কলের প্রাণ লংহার করিয়াছে। অবশিকী ছুইফন নিগ- 🖟 ষ্ঠাৰ আছক মইয়াছে। বোধ করি ত প্রাক্ত প্রাণ शांन गाहिएकक शांदेरक भारत ।

्यक्षापृत् प्रशासन । है-कार्ताक कटक ड दिलाहे क्षितिसह अक्षित ३४ क्षित्रका व हेवा-ी-**चांक्रा**रंक क्षेत्रकार का अधिक किंद्र प्राचीन क्षिका । मा विकास नहा विदाउ क्षित्र कृष्टि (दान,द व्यवश्व क्षानानाम सिक्षिक्ष असीत । सन् उद्धारणांक पूर्व स्वीत-है। विकि विकेश राज्य १ अरब रहत गर विका **ब्रह्मिक विशेष्ट्रास्त्र, १७ वर तय ५, ६१ जा** পুৰিত্ব ৰিচুক্তন লংগতে চিক আহাম্ क्रिके क्रिकेट करवर, 174 केंबर 1949 আৰুটেটার কের বলিতে "বিন্ন পুর্যার বেশি **चारत्र ७ त्य है। जा अ**श्वर के स्टेस्ट्रिक क **भाष कम इंदेरमध** ठिंक ४१४१ई अ१४६ প্ৰধান্ত কমি পুলি হয় নাই 'ডি গালা পাৰ ! আমি জাবে ছাই এক এটে-व्यागामा व्यंक्षांताय वहेत्यत् व्यंताः इश्वित इवेलाम '

" कहे श्राधानामा फि रक्त की बुप्ता राज्य मधीन हरू ५८ हैं राधा ग

क्रिक महिक किश्म बहेस हैशात महिल धन मिन व्यानात नाकार श्वताटक शाह किन व है। करवी-भक्षव प्रदेशक्ति। अहे सुपीर काम कार्यामः সঞ্চীৰ বাস্থাক জন বধাৰ্থ ন্যান্ত প্রায়ণ স্থানত্ত্ব | উপযুক্ত লোক। ইনি ছেলোনডিসাধনেও সন धिक राउँगील। खर्राभि हेहार अभीरत कि क्या अक्रम जाउराहान करेंद्रज्ञाह विभाव गाविमाध वा। वात्। इतिक मश्रीव वात्र अविवास मनि'-(यानी इक्षा के हिंछ।

बीवजिश्वआध्य जिल्ला नेचनठळ विमानित ज्ञहानदार अवकी करेन्ड्जिक विश्वांकष्ठ अवर न! षांत्ररमत्र क्षेत्र कानारर्थ अक्टी डिक्स्नालग्र कार्य विक्रामित्रधीन व्यवसा बढ़ बना जटन, किन्न विक्र नालप्रक्रीत रर्खमान कार्यमा नर्णाम नम्भिक हर्दान-ও হইলাম। ইছার এই হীনদ্দার কারণাঞ্স-ক'নে এইড ছইফো কেবল বৰ্ডমান ভাঞান ৰাশ্বর চবিত্রের অভিট পৃত্তি পড়ে। পুরে, व्यियुक्त बाह्र भाग्याहरून खन्न अहे फारन हिक्दि-मक हिलन, जिल्लि अधानकात ल्यांक भवारक বে কৰ আ গ্ৰাপ ভাজন ছট্যাহিংলন ৷ আগুনি-ৰ জাকোৰ বাবু ভবজু ক্লণট বিৰাগ ভাজন ভট इन्नट्रम् **वर्वे क्षिप्रे**टिक्**रे विभि इन्न** क्षित्रि स्थाद्रम किंग्वन।

२४ व देवल था। さか アッアン はんしょ 27.

मानः बदनयुः

अल्माःसक् मध्याय ' जासा अक्षी का महर्या ग भाष क्षांत्रकूष्ट्रद श्राविक व्यक्ति । वर्डमान नाय (क्या वाक्यांकित चार्क्यक (वाक्य मण्डांक वर्षे ক্রেরা ধরতে অন্তবি ক ইয়া বিশ্বতি । এতি ল সাহী পার্থবার অর্থান বেন্ডা। আমে বহুত্ব त्या विनामाह्य कलमाटि करूपः स्^रेक्ट । इ. कुन वकार्य वा,कुन करेवानामामण कन्नमा कविन हिन्छक दिलांच व्यवस्थ आधिमा अगास ८७८६, वेजायमध्य करेनक थाडीन त्यांता नवात्र 'ংশ্নী**ও ভটনা, নন্দাদ্ভ মহালয়' ডেম**ন সমু हर ! कि कथन धन्त्राम मध्य । (माम्राज्य कर्षा हत्यान । १० ५० १ १० व जन्म है। के नार्त्री स अक्षा अध्यक्ष अधिक आतिशक्ति, भनि अक्रल अकलन मुक्ति भाषितिको अधिकमरूल तकः। अन्ध्रत त्रकृष्ट रवन अत्रक्षित कर्षेत्री । ३०७० माञ्चल जानीय जीव्यवित गारा स e ie वाहर द्वासीन**्यभव**िष्य। नियामी ः अवस्थान वर्षक्यक धनियः वर्षे ० ४ । तक्षां कि उत्त्व प्रांत क्षांत्र । रहेश्यक्षां है। " । अ प्र'म 'भ म ^सबद्दे में अदिदर्ग ' आदि अक्षित कर

देशक महित जानांत्र विराम जानांग माहे गाउँ, निकार जात्यक्रम क क्षेत्र भारत मारहर नाशक्र ध्यविकास मध्य क्षित्राम जैभविक शहेशा विशेषा भाकांति गरनत महर्षे हाति सनटक दक्षसात करत-व. व्यवनिके जोगामिशन जोक्सदगानन क्रिया ताविश्वाप्त शास्त्र वाश्राह्य छक्त वयम 6 फोरिक इत इत वान कावाबान भए। **प्रिक** कविषाद्यम ।

> 1 47 CC 21E विश्वन २३० रेगमांच । ख्येके हैं। कह Cमांड कमरी Cक्षका यहणीवता।

यनाथा थि।

<u> প্রিয়ুক্ত ব,বু মাছনলাল বাছ</u> ক্রিদপুর ेवनाथ कड़ेएड काश्विन नैवीख (कार @ काकी वाहे The Lates of S 5२ b > 1 > १ के देरणांच कार्या २ क्कें काणिक श-

ै थिभिमध्रेत **'' (क** एरचलान्ड मास्ट्र कार राष्ट्रक कराइक काइक निर्देशक निर्वेशक निर्देशक निर्द শর্যাদ্র BIFD RETRYD'S) ক শিক হৈছ ২ ২৮ তৈর অবসি ১৯ ক্রেন পর্যাস্ত ^५ चुटार तथाञ्च स्टक्काशाधाः कश्चिक । उः ऽ२७३ खा**या**३ ४ वं। २ ·· त्यांका लाह्य वदन्ताक बाह्य 事(明事)证 ्रक्त हैबलांच अवश्वि आर्ग्युट अक्षण्य কুমার্থা ল (1/年) B* 2 日伏 ३२ b., (१९१३ क्यबंध २० रेशमात्र शर्याक् 20 र क्रियान ' जो अनुभावि नका **भ** ১০৩,১ ইবলাথ অৰাগ জাছিন পৰ্যাপ্ত है औ व्यक्तिन मुद्दम् अव्यास ६ **(केट**) ২০০৮ কৈছ ভাৰপি ৩; কাৰ্ডন পৰ্যান্ত 10 সংখ্যাক্রর চার্চা *[[라리] २ ५५ रेजमध्ये **प्रारंधित** भर्तास 李阳南 भ (सर्वितीकृत्य व व छ अञ्चलको अहमीयास क्षा अधिक ১२ ° के 'तेन 'ब' द्यावित देख्य **अवी**ज 50 त्रवदीकाक्य एक्स इ 事なく ° कलात । शानिक भक्**त्रमृथ्य** '২৯৯ টনদাখ জব্ধিট্ডর পর্যান্ত #115 भी उस इक्त भावे

र्गेश्वर शव मुक्तिन लेखे बाइला, वक्क अप्य

" व्यवस्थाः अञ्चाकारकात्र भाषितः नत्रवजी अवित्रकृती न ही दुर्जाः

२७ अर्थाः।

मन ১२७२। ১৪ टेब्नार्थ। ३९ ১৮७२। २७ ८म

मारिक मुला ५ होक। বাৰ্ষিক অগ্ৰিম ১০ টাকা

विकाशना

প্র হুং গণের প্রাচি। কৈশাখ্যাস অভীও ছভয়াতে অনেকের ाबाइ दनामध्यकारमञ्जू गृक्ता निःरनिष करेग्री (क) छाष्ट किशास्त विनव श्रुत्वक श्रानाम बाहे তেতে যে তৈহোৱা কান্ত্ৰাহ পূৰ্বক ছবলৈ कानाभि बर्धत गुला शाठीहैना सन्। जाशा-ভেডেঃ সংখ্যন থক্তেই মূল। পাঠাইবেন।

(मार्गधकाना

. 4 देकारे दनामनाज्ञ পত্র প্রেরকের প্রতি।

মর্মন সিংহের ব্রাক্ষ্যনাজের জনাত ২ সভ, প্রাযুক্ত বারু রাধাচরণ দের পুরের ক,ভক্ষ ব্রাক্ষধর্মের রীতানুসারে সম্পন্ন দ্বনাছে, তথসংক্রান্ত যে একটি বক্তা থামাদিগের নিকটে প্রেরিড হ্ইয়'ছে তা হা অভান্ত বিকৃত বলিদা প্রকৃতিত হুইলনা। উচিত বজ্ঞার পত্রও দীর্ষ ষ্ট্যাছে

र्गाच्या अक्षाम क्या लोम मा। হিতার্লির পটের বড় ছিত কথা দেখা (जल मा ।

ন স্থাতি ভাত্যাধার। আফাদিণের ব্রস্থান্ত মেদিনী পুরের পত্রপ্রেরক নিম্ লিখিত পত্রখানি भ हे हो पियारहर

> अयुक्त (माम्युक्ताभामन्त्रीवक महोन्दिश्

र का अपने कार्त करते विशेष कार्यक्रिक कार्य

किছু पिन एटेल मिनिनी शूद्र १६ काम शब এেরক আপনার সোলঞ্জালে অত্তর জমী-দার নজিরালি খার-নীলম্টত অভ্যাচার विषय्न करम करम छहेथानि शक्र निधिया ছিলেন। তক্ষধ্যে শেব পত্ৰে এইভাব প্ৰকা শিত হটয়াছিল যে এক্ষণে আরু ডত অত্যা-চার হইতেছে না। বাস্তবিক আপনার পত্র প্রেরকের বাক্য বড় মিখ্যা লহে। আমবা এ পথার রামনগর, জাগুল, মনিবগাং প্রাকৃতি चारमञ्ज ध्यमाणिगरक चरणकाकृष निर्मण-দ্রবে বাদ করিতে দেখিবাছিলাম। কিন্তু সত্থsি আর ভাহাদের সেক্রণ অবস্থা নাই । ভাৰাদের বিশম বিপদ উপত্তিত হট য়াহেছ ৷ কয়েকদিন ক্রমাগত রম্ভি কওয়াতে (शक्ति। नीजवीक इड़ाहेबाव उंड्य सूर्यात स्टेब्राइम्। अभ्ययं भीत बुनानि भा क्टेरल रिगम चार्थह नि इश सिधा मिलितानि भे। व कान भारमञ्जा अज्ञानितः। इ ज्यस भारतियात् करा वा व সমস্ত ও হিতাহিত জানশুন, হইরাছেন। জাহারা এখনে জাট বাং বাহ্মির, এতা দিগের প্রতি গেকণ অত্যান কলিতেছেন लांका अदल या क्रमन कतिहरा शरू भागत कृत

জাহিত। ৫ দিন জ ন' এ গুরা হতি গতে

मि।द्वरिंग विका अ. । । यान सामग

७व॰ करूक कार्तिदान नगरी मदन करिया

्कार si राजर के उन्न न दिह**्या** हरून । अधनतिम

का इ.स. निवर इ.स.च अहरन विशेषा आजाराजा

अपूर्णाः ५ लिडाः लोक्स निष्कु क नीवनी**स**

इ ५१३८७ चारतम प्रियन । **७२कवार छन्न**श

अशुर्वे ३ रहेन विकास है जिन्नदर्भ व नकन

ভূমিতে জনান্য শ্ব্য হোপণ করিয়াছল

र्डेग। एर भ्रुन शका नार्न बाज नर्म्य করিয়, আপন আপন ভূমি রক্ষ। করিতে আ-সিয়াছিল ভাহার। বিলফণ শান্তি পাইল। अत्मात शक्रवत काषां अंब स्ट्रेन । " হ। বিষ্ণু স আমি একটু লিখিতে জুলির। গিয়াভিলাম। নীল কর্মচারীরা এইবাণ জ-ত্যাচার করিবে পুর্কেই প্রস্থারা ভাষা মানি-তে পারিরাছিলু এবং অত্ততা জরেন বাবি ८३ रहेत्र निकारको वर्षाः ब्रह्मश्रीक करियादिन व भागारतत मेनहांव कांद्ररफ स्थान क्राइम ইকানাই।কিন্ত অনিতেছি নলিরালি খার নীলকর্মচারীরা জোর করিয়া আমাদের कृषिट् नीत बुनानि कदिर्दक व्यवर ख्यून-সক্ষে দালা হইবারও সম্ভাবনা আছে। <u>অভ</u>-**এব থারাতে জামাদের ভূমিতে নীল বুরিতে** না পাবে ও দাকা না হয়, আগনি ভাহার छेलाव विभाग रहम । खुन् मालिय है **সাহেন ভাষাতে এইবাণ চতুৰ দিলেন বে** आबि गीर नत्र किहुरे क्तिएक शाहि गां, का-शांक मीत बुनिएक विवाद अ शांसिन। अवः কাহাকে নিবারণ করিতেও পারি না। তবে भाभा निरात्र कमा श्रुलिएनत लाक शाठीव्या শর্ববের গোনিত উষ্ণ কর্মা ইঠে। দিতেছি। তিনি বিবাদয়নে উপস্থিত থা किया प्राक्षा निर्वात्रण्कतिवात जना प्रारत्नागादक প্রবর্তনা চিলেন। দারোগা স্বয়া তথান, याइँद्रयन भाग छवला नेटछ ब्रह्मिलन)। मारगर भारतानादः (दशासादक) शक्तिहेत्। दिस्म मीन श्रेषां विश्वत मर्सन'न उ कालगाज प चित्री फारू:कद्रात्म शक्री प्रशांत मध्या ग वर्षभाव जूलिनकर्पहादिक्तिति बद्दा अन्ध त्नाक काष्टि विश्वन। नारवन पारवांभा स्ट^रं সাক্ষার জন বাজার হয়ে কারতে সন্তর্ন

ি এইতে নানির তাল লেখিয়াও রেখিনের ^ছ় নিঙ্গে কাঁকুড় প্রাভৃতির **ক্ষেত্রে যথম ল**ি জন গ্রহণ। গোল, **প্রকার। আক্রমুখে আপেন** ্অ। 🕫 ক্ষেত্ৰের উপর লয়ন করিয়া পড়িল, অমনি নারেব দারোগা আপন অভ্যন্তর বারা ্রাহাদি শ্রে ভকাত করিয়া দিতে লাগিলেন। ाप बर्ध ब्हरबर हारताचा अव्यक्तिम्ब वि-करफ पूरे धक्छि विशा विश्वाध कविएड मा-দিলেন। ফলতঃ পুলিণ ৰোভায়ের খাকাতে व्यज्ञानित्तद्र अधिकंडैत नर्कनाम । समिता-नित्र (भोगमान इहेश: उठिता भोन कपानती-त। পর प्रिम উক্ত প্রকারে জাগুলে ঘাইয়া প্র कारिरभन्न भर्कनाम क्रिया जानिहारहून। এडे नार्ट्य अक अक किन अक अव आदन याहेग्रा प्र পাড়াইরা আসিতেছেন। ধাষাধয়। নাথের **कारताशा अर्वाज्ञ महत्र गहल याहेटलहरू** । नीत बामकाद्वा व्य कड निव्नद्र शद्र कड आय দ্র খার করিয়া ক্ষান্ত বহুবেন তাহা এখন वलिएड भारति न।।

कि हमश्कात बांभात । विहास ऋदिमत छूडे िन दक्ष, दलव घटधाई अक्सन मामामा समीता-ধের নামে অকুডোভরে বংশরোনান্ডি সত্যা টার করিতেতে ^দ আমি ভারাদের সাহসকে ভাগণ্য ধন্যবাদ শরি। ভারত্য নিচারণ ভরা ও व्याबाद जम्म माधवारमत भाग्यम मरहन । छूई ্তিম জোমেশর ভিতরে বে সকল ভারাজক কাও লাদৈতেছে ভালার। ভালার মিকারণ কনিতে ও याबोक्या व्यवकाड इडेएड ममर्थ वडेएडएइन मा। ष्यात्र किवारभङ्गे या अञ्चरनमः सन्धः । त्याप अक अपन नांद्राव पांद्र्याशांव निवाह हहेत्व माखियका ও ধৰাৰ নৰাম প্ৰালিণ বংস, আদা কহ वोद्देश्य शादर मा विजय छ ता. ताल प्रवासि **फ** (छश्चेत्री माम्बिरहे_, हेरत (धारण वर्ग : ५७ **हिन । अथन करनक भग**त्र कांग्रह लात त्व পার বিবা দীঘার কি নত্ত ১ জামনা ত হার ক্রেপকার রভিলাম।

দিশের সর্বাধ বিশিক্ষা কর্মন অপরের ভূমিতে জার করিয়া সমাজিকা রোপণ করে তাহা বি অভ্যাচার নতে বিশ্বেশবর প্রমানের অম-তি কেই নীল বুনিছে বাং ারে দারোগাকে এ কপ পার হামা কেইয়াই ৯চিড ছিল। ভা হা হইলে একণে নীল মধারা হয় পাল গা ইড না অথবা সকলই করিতে সক্ষ হই ড, ঐ নারের দারোগার উপরেট ঐ কার্য্যে

विभिनोश्रद्ध १७३ व्या

जाकि कांनि (क्यन इरेब्राइ, "ज-তাচার অভাচার ই এই শব্দ অবিরুত্ত अधिकारित स्ट्रेडिट । एथार्स अक পক্ষে এম ও অপর পক্ষে মুল্পন বিনি यांग महस्र, रम्हे शहनहे चक्राहार । मील स्देवतः च चकां वाज्यां विलेश लक्ष्य किछ इड्याटइन । हा करत्रत्र अभी मकत वि গের অভ্যাচারকারিতাজনিভ কীর্ত্তির অংশপ্রাইী হইরাচেন। হরকরার নিজ পত্ৰপ্ৰের ৰেহারের অহিকেন্ক্রবিব্যাপুত ৰ জিদিগের প্রতি ক্লভ অভ্যাচার কুল্লান্ত লইয়া ভুৰুলকাণ্ড করিব' ভুলিয়াছেন : আমাদিগের মুভন লেপ্টেন্ট গ্রণর বীড়ন সাহেৰ উহার অনুসন্ধান ও নিবারণ **क्रिकां का का का का अपने का** कि वर्षत्व छेषाड इर्थः इत। आमापित्यत পত্র প্রেরকেরাও নিশ্চিন্ত নছেন। কোন স্থানে কে কি অভাচার করি**তেছে**, সতর काष्ट्रांत **अनुमन्तान क**त्रिया **अवाम** काहिता

এফান এইপ্রশ্ন ইপান্তিত হুইনেছে
এখন রাকপুরুষদিগকে অন্যাচার নিবা
রন নিবাধ সমষ্টিই বস্তুশীল কেখা বাইছে
ছে, কোখান ইয়ার নিবারণ হুইতে,
ভাষা ন ধর্ম দিন দিল উহার রুদ্ধি
নিইতে লামিল। ইয়ার নারণ কি : এখন
বার নোক কি অন্যাচারকারী হুইমান্তেঃ
আখন, মাহাজিব্যাক্তর্মান্তি সমাস্থ

इरेट्ट्स, डार्गामिटभन्न अनुख्यमानिका শক্তি অধিকতর বর্ষিত হইরাছে : পূর্বে च्यां हा को हिल मा. अध्यक्त ला क्तारे अज्ञानात्रकाती इरेग्राटर, ध अ चिकिक्षिरकत बाका। कालएकरम प्रमु ত্তবশালিভার তার্তমা হইবাছে, এ কথাও (अञ्चा वरह। एत (व धर्यन प्रता ক্লুত অত্যাচার বার্দ্তা অহর : আমাদিগের শ্রুতি মুলের উরেগ জন্মাইতেছে, ভাছার একটা বিশিষ্ট কারণ উপস্থিত লক্ষিত হই ছেছে। পূর্বে তুর্বলের। মনে করিত প্রবল দিগেব অভ্যাচ'ঃ সহা বরিবার নিসি**ত**ই [#] তাহাদিগের জন্ম লাভ ধ্ইরাছে। সুভরাং তাহারা পূর্বে অত্যাচারকে অত্যাচার ব-লিয়া জ্ঞান করিত ন: যাহারা মনে২ তাঁহা বুরিতে পারিত, জালার ৭ এরে ভালা বাস্থ্য করিতে পারিক না। এখন আর অ ত্যাচার সহ্নশীল ব্যক্তিদিপ্তের দে অব স্থ। নাই। এখন অত্যাচারকে এতা।চার বলিশা ভাহাদিপের জ্ঞান ফলিবাছে এবং নেই অভ্যাচার বার্ত্তা প্রচার করিয়া দিবা রও আর তাদৃশ বাধা নাই। তল্লিক্সনই '' অভ্যাচার অভ্যাচার ' এই শব্দ বার্ कन आभोनिरभन अन्ति भूटन अविशे हरे COLE I

(मर) वृ**रकत कम खक्ष मा कविग्राहित्सक,** रुठ केन महा**बुधी हि**दलन, गर्धन फाल क्स क्रांतिट कातिरम्म, क्यमेर विकारक क्रिक ্রান, লোক মোহাদি স্বাসিয়া জাঁহাকে স্বা क्रम कविल, किमि वर्गुममून इएएम छ मान रहेटक असे स्ट्रेलन । प्रयंत हमकपि शाव अर्थन सामग्रदम अविभिन्न जाटम् । ताहेकी इंडेटलंडे गर्बाण पूर्व इस ।

> अञ्चल भवन्यत्भरकेत् ताम व प्रतेष करतात औष्

.১৬) প্রাপ্তের লভে সাংহর বাজব সং ' তাহাদিগের একচেটিরা ছিল বলিয়া ইছার विश्वः हरेन व्यवाद्यं मा रकेत क्टे वर्णन , मा । लाख जाटन्य क्टे लात्यत अरामाध ात कार्य। कतिरलम् । वैद्यात भूमर्वत् । नार्थ धके जिलाप्रेटमट केन कर्यहानिक्तित्र ্ব সগ্রন সমর উপস্থিত হইল। তিনি ! জেনি বিজাগ করিরাজেন। উচ্চ আেণীক नर्भ : ए**पटम अभीक इहेतारहन, ७.**४.त कदिरामम अधन छ.इ.त भवना कत्रा प र गाविक इक्टेरफरक मा। जिलि स क्राउकाणा 🌬 াদিপুল, ভবিষয়ে বিসভাদ নাই ৷ বিজে । হেৰ আৰু একটা সহে প্ৰভাৱক কাৰ্য্য কবি कः 'दर्व चविष च क्रका अवर्षटः के चारमङ | मारङम । के फिलाफें स्मरकेत निर्मित करूक भाषात्रा अ शारत्र आधिका निवसन करा ध है एक किटलन, त्मक नाट्ड्रवंत यदम् त्म है हे द्वार । निकाधि किरशंत २४० है।का न के पूर्वीकृष्ठ क्**डे**गा है। डिनि व्यामानिश

'৮৬২।৬৩ সাজের আম বাধ হিসাব মধ্যে। অচিক্লিত এবং আতি, ধর্ম ও দর্গ ভেদ বি र्थाः रक्षा भरका खार कानू गान को तं । हान बाकित्व मा । मिन कार्याकार दाखि भ हिराजज, बराड़ **जहिरकरमत** जानियी हु १ राट लाहा **आत्मक कमिन्ना गांछेरव मस्स्यह**े **अन्यन छेशका**त्रक । এक्रमीग्रियरक गणि . रे. १९१भि भवर्गस्थितक भूमवास भूतर्वत । भूमिकिक स्वितः लक्ष्य इन अवर्गस्यक्ति र " वर्षकृषक शरिष इंडेएक वर्षा दी, श्रुष्णवाद्य कार्र । क्षेत्रका । म तूम्लकं ताथलमा इहेरकरक्।

शह ७ फेलान अवलयन कतिनादहन। आम भटन वातामन हते वन। अत्मनीनिमान व अञ्चलन मकल निषदत्त्रहे चलाका अवगटन र निगरत्तरे मृश्वाना क्रिया मा। मृश्वाना मा जा। तारा वाच मर्गकल इतेशा व्यक्ति माल्ला हिं जातल हर, समीनात्रिक्

किमार्केटमरेकेत् नामकीतः कार्या श्रृष्टेमान्छ । विद्याः एवत गत स्थम प्रमान कतिएक केंग्रांक क्षेत्राहरू । व्या वा कि विश्व शकार महेश क्षाक महिला शार्केटबन्छे , फंट्रमेका व्यक्तानावधि किसा বিরাল ডিলাউল্লেক্ট অধিকতর নিশৃক ना विंन । उँशत विश्वका निवक्त अधिक তর অনিকীও ঘটিকেছিল। লেঞ্চ সাংহৰ चेरात प्रश्लाधम विग्या मतानित्वन कति हाट्यन । ১७ई म्बर अवर्गस्यरणेत अख्या अखिवरत नाकामानः कविरक्रमः।

এত किस निविज नवीर है और जि शाशिक्तिक वर्ष्क्रमान ब्राक्षविक कर्म । भागिताक्री आज कतिशा शाक्षिशाहित्सन। मक्कांत्रि कर्यहादिषित्भव उत्तार भवधि २००० धदः मीह स्थानी इतिराधत ४०० जन्धि ৭০০ ট.কা পর্যান্ত বেচন কইবে। লেও সা গুলি কৰ্মচারি গ্রন্থ করিবার উপায় কর। পর্যান্ত বেডন হইবে। এস্তাবিত ডিপার্ট मैन्य वर्ष (पश्चावेशार्यन । विनि : (मार्क कर्यकारि विद्यांश कारल किक्रिक ए क रेकांत अनुबन्ध करा का. अहार अक्टी उरम्भीत्रजा ५ है ६ मार् - १५ महेश प्राण

र्ा, करकाटम मार्च कामान अवेत्रीयामा वलका कतिवातरे अनुदत्तः कतिहासिकानः । नत्र ठातम् न धिविमित्र स्वतः हेर्माकृष्णाः अनुत्यापिक। छेरेनमम मार्ट्य स्त्राक्ष এন্ত না হইয়া যদি এই উপায় খ্ৰালুখন क्तिएकन, देनकम जान्त अवक्कि क्रिक्त লোককে অসুখিত ক্রিবার इहेड ना।

रेजरेने **मंदलेंद्र देश माहित**का जा। र ज.तक्यरीय नका केन्स्र : श्रीकेटलयू निश् শোধন প্রসাদ লইরা অংপনাসিখের অভি এেত সংশোধন প্রভার করিছা ব্লবেশীয় व वस्तान मछात्र या कारवस्त्र नाम क्षाना न करतम, करत्रक मधार स्टेन, छ.स.त धक्षेत्र भःगानित्मत मधुद्ध शक्ति ३ कि ब्राटक । वामानित्मम् - अ-विवटम किक् বলিবার ইক্ষা ও প্রতিক্রা আর্ট্র । বে नका के.. थिक चारेटनत नश्रामान अवाह এছণ করেন, জীভারণ এ সেরনে নত দুর করিবার ক'ল করিয়া বিশ্রাম ক্রারিকেছেন। **७ र. मिरशत कुछ शतिवर्ध अवरः कातृष्ठ** ববীয় সভার পরিবর্ত প্রস্তাব,বির্ফোব ও युक्ति मनक परेवादक किया, कविषय विदय । हिन्द इक्टेंब्ट्स ।

১৮৫৯ अरसम् ১० आहेन विधिवस्त वेबात शृत्व या श्वाता अञ्चात अकि समीसात पिटम र देवत वावणात पर्मान कति शहिरलन श्वर थे आहेन विधिवक स्टेश्न शत करी े गांत 'ड काका छेड (त्रक ममस गर्मम कृति লেও সাংক্র করি কুলু দুর করিবার নাদিবের বুরিবাবির ও ক্ষমতার পরিচাং । রাছেন, ভাঁছাদিধের চিত উহার পরিবর্ত । महाच अवन कति । हमकि इहेश छैकि সুলিচ্চিত করি । কর্ম দিবার প্রধা যদি । বে সন্দেহ নাই। উহা হারা কেবল প্র ं ^{के}व नवादी काल क्षिरक्षिताम । कः । यावटीत हिलाईटस्टब्डे अवस्थित इत क्षित काश्वित चक् ल क्षितात निर्वाह हरेसा रम यह **काम क्षेत्र तकार करे**तात नहा , करेर्य अवश मार्क, शतर्गताविक आरमनीत क्षेत्र क्रिया छ हतीकि निवासन करे एए हा শাসৰ ক্লমে ক্ৰেকীয় । দিশের মূলতর ভানুরাগ আক্রম স্ক্রেন। । পুর্বে নিখ্, প্রসম ও স্প্রেন্র ক্রেণ্ড জ

्या वर्षा का किए दिनान का ना व्यक्ति निव प्रेटन त्वरे क्षवादक निक्यारम मानी पान्य वार्यक्षित हर कतिया विद्या ग्रम्म ७ भ প্তৰ করিয়া ভাছাকে এককালে উৎসহ করিছেন। ভবিত্র প্রকাকে ধরিয়া আমি को इटनत्र अभारत क्रम्बन्त्र। अवः लोक्नी লাবুভ উপানৎ প্রহারাখিও অসচরাচর र्शिन हो। ३० भारत हरेश जन्मि जारा **বিপের হত ক্লম হইরাছে। পকান্তরে** বে সকল প্রস্তা করিয়া কর না পেয়. ভা**হার্তিরেরও শাসনের সত্**পার হইবাছে । बांकी बाजबात बबातीिक नालिश रहेता এখং খথাৰিখি প্ৰমাণ প্ৰবুৱাণ প্ৰদৰ্শিত क्टेरम क्रब्देन चान चनाक्ष भावतान (वा बीटक मा ।

নাৰ্যন, করিনাহেব এতৃতি উলিখিত আইনস্ ঠির যুলকারণ। বছকালাবধি তা হারা বিকর্থবাস পাইয়া কুতকার্য वरेब्राटक्ष । देवाब मध्यवार्थ घटनक घनुम জ্বানকট ও অনেক পরিভাষ ফইয়াছিল, ভাগতেই ইয়া পর্বোৎক্রউ হয়া কিন্ত নীস ও জনীব।রদিগের ছুক্তেওা ইহাকে চাঁব ও লৌহকীলারত উপানৎ এই গুলি निरात बखकारतह जागानलक यद रहे **८७ वृक्षिण व्हेबाज छे**लक्रम हहेग़ा**रह**। প্র পাইতেহেন।

अः त्यांबिक कारेन नाता निक्ष करहे क्राट्ड, अभीकारत्र्या क्रम मः लहेरल अकारा कार्या केतिएक क्रम क्रमा कति हा पिर्ट । ८७ क्र ্**পূর্ব্ত কর না দিলে প্রজা**দিপের শ্ভর্ক ২৫ টাকার হিসাবে অর্থ দণ্ড চলবে 🤒 मीलादात्रा यमि श्रकामिशक अप कविवात चा जिल्लारत कर ना नन, जारा वरेटन देशा क्रियटक काजिश्दर क्रिज़ा मिएक क्रोरत এ५। द्विदर्श्व माप लिल्ड इन्हेर्डर्ड मा । वर्द्र-

न जन्दि अन्तिण महिल्लाम् कृत्यापृतः ত্রি। কিন্তু ছুটি धनूदर्शि करिशे व নিয়ম অভার অন্ कृष्टिया उपाप्तिय यान अक्रिक्ट । कब्रक्षदेश्री बा- कब्रिटार्रिके आधिनाक यनि कारमञ्जेक्टिंड क्य श्रांतिल कविए स्त्र काश्विभारक रेखारम्थ आत्वमन क्षिए ছইবে, জলীদারেরা ক্রেডিটে পুরণ করি ग्ना निरवन मा। विकीत, क्यीणारवदा का পন ইক্ষাৰ নিজ নিজ স্কুমি ভারিপ করি क शांत्रित्वन । अकात्रा रहित्रशत्र नमतः উপস্থিত থাকে ভাল, নচেৎ ভাগদিগের चन्नकिकारन कतिश हरे । उनन्तारत कत्र भागा इकेटव । अहे नित्रमणि वक्तिभ অমতে গ্রি প্রস্থাতি চইতে সম্পো^ত নাই। **জ** त्रीमात्रमिरभन् रेव्हाने बलवधी क्रेट्य। सा शांकिरभुत्र वेक्।जूनाएत कत्र थार्था द्वेदन, প্রকারা প্রতিবাদ করিয়া কিছুই কবিছে প্:ব্রিবে না। প্রজারা যদি জরিপের সম য়ে উপস্থিত না খ্য, তথাপি জরিপ হইবে এ নিয়ম করিতে হইতেছে কেন্ > প্রভাষি গের ছাউডাই ভাহাদিগের অনুপশ্বিতির কা त्रांग अरेष्ठी न। दुनिया लिकनातीशक, महाव পুনরার মলিন কবিধা ভুলিভেছে। একা । কেই কারণ বলিয়া পথনা করিলে ব্যবস্থাপ ৰ দিগের বছণশিত। প্রাথশিত হবত স त्मह बाहे। वावकाशंक प्रका जानानि स क्रेंबीमाद्राता अ व्यव्यक्तित क्रिवात भूनताय | जिल्लाम क्रिक्त व्यक्तिक विषयक व्यक्तिक व्यक्तिक विषयक व्यक्तिक রেন, ইুহা আমাদিদের একান্ত প্রার্থনীয় इरेतारह । अनिके चहिर्ल जैविवात्रण रहके অপেকা যাহাতে ভাহা ঘটিতে না পারে সেই চেক্টাকরা সহস্রগুণে জেরন্ধর।

এশ্বলে আমাদিগের আর একটা বস্তু ব: আড়ে: নীলকরেরা এবং ভাঁচাদিলের व्यक्ष क्रम्भांक्टक्या (हार्डे) भारेशाहित्स्य বৰ বা দিলে প্ৰজা**দিখের জমা বাজেয়াও** कर्ते दू িত্ত ব্যব্হাপক সভা ভালাতে শ্মত 🖍 নাই। জাঁছারা স্থির করিয়াছেন इर्। अभादमनीय इरेप्राटक । कामता वस्ति । विविधानि अन्त्र होका लखन्ना वर्ट्य । व्या

जात्रां विनि किखिएं मा त्मत्र अवर ভাহাদিদের অন্য অন্য সম্পত্তি বিজয় ক ति। व्यक्तिम वर्ष मेशूनील नाहत, व्य त अम् विकीप स्टेर्स करन अरमरन এইৰপ কতক গুলি দেকি নাসিয়া পৃটিয়া हिन, छाँहार अकानित्र मुवानिष ला श कतिया छ। श्राविश्वतक देवसमान स्रव की বী করিবার চেফার অ,ছেন। ব্যবস্থাপক प्रजा त्य के कांक्रियात बाका चावाका कति গ্ৰাছেন, ইশ কেবল ভাঁছাখিলের পৌরবে ব মণ, ভারতবর্ষের ও সৌভাগ্যের বিবর विता व सहेत्व । अधिक कि स्व मिन अक्त त्र कृत्रित चन्न क्ष्रेरक विकट हरेगा देखींन क अमकीती एकेरन, श्रिके किनके जिल्हा कामित लावकरायय (भ्य क्रेंक्स

समी-'रतता यति क्केंडा अविता कत अरुष मः करतमः अवातः कत कारलकेति ८७ व्यमा कतिशा विस्त । अहे नियमणि बार्यः विभिन्ने छेलकात मिलवाह अहारका खा एक कारलंडेन ७ एड भूणिकाम्लंडेरव्या ष्ट्रक्ष किए निम निम कर्वरा कर्र करतन, ध्वर नीलकाबद्धः व्यवण्ड कृत লইবার আশা ত্যাগ করেন, তাহা হটলে নীল সংক্রান্ত বিবাদের শেব হুটবার সম্পূর্ণ अञ्चारमा ।

क्राहरू अन्तर अन्तर्विति होर्स हहेगा के केल, जात्रकवर्तीय अला ३० चाहेन मश्टना भटनत (य र्य ध्यक्ष'न क्रियार्डन, उद्घटक्रथ আলা দুর্ঘট ফইল বৌধ হয় পাঠকপণ আ পাসি ব'রে কেবিচে পাইনেন।

वजीय विभागा महावली ।

भाषता अहे लारभद्र अक्षांनि पुरा 🖰 खक व्यक्ति १**रे** त्रोकि : वेश च्याचानित्र १० জ্বরে পক্ত কৌতুত জ্বাইয়া বিভেছে ইহাজে সাপের ভূচের ও ভাইনের মত टाकृषि **जारमक श्रां**स यश कारह। स श्रुलिय राजन घम्म, एकमनि ब्रह्मा, रहजार क्षाय ल (ठमसि " रकाम कानाम ख्री

मारे। ये क्षणि क्रमानरन निक्क स्थारित अवस्थान आवारन कि क्षा कि विक् त्रोमवूथ वाकित्रक व्यक्तिक विद्रा क्षेत्रक क्ति कवित्रा **(वड क्तिन विक्रिक्-क्रिक्**न) विक्ति क**रे मज श्रीम मध्यम् महिना मुख्यिक** अठातिक क्रियाद्यम, अञ्च मदश काँका द नाम नार्थ, कि केटकटम देश अकातिक उ : नारे। धरे मञ्ज श्राम विमुख इरेश गारेट्ड ए. देशत केशत कतिरंग अवरंकत महान उशकात माथिक स्ट्रेंब, अ दिव्यक्रमा कत्रि মা প্রচারবিভা বন্ধ ও পরিতার স্বীকার পুর্বক ঐপুত্তক খানি মুক্তিত করিয়াছেন ট। কোন ক্ৰমেই সম্ভাবিত বোধ হইতে ছে না। যাছারা লেখা পড়ার চর্চা করেন. हैं।इ:क्रिशेश मर्द्या चाकिल अवल निर्द्याध चारध्य, मात्राविरशक्त अग्रम विश्वान मार्छ। अरमनीरत्त्रा धाबिए छेलिधिक निर्वे क्रिक्ड मटल अका करतम, अहे विल्ला क भवाम क्या ध्यथव। इंग्लिशिय बरे निर्व क्षिका मर्भन कर्तिया एक क कहा, अठाहति তার উল্লেশ: হইতে পারে। যে উল্লেশ্য रकेन, केलिशिक मरच नियान जाकारक अ লেনীবলিগের বজগুণ অনিষ্ট হটিতেছে। উনিপিত মত্রে বিশাস থাকাতে এদেশীগ দিশের বৃদ্ধি তীক্ষতাৰজিও ইইয়া হীন मना शास इवेटल्ट धरे याउ पालकात सग महत्राहरू (क्षेत्रिक भी उर्हा यांच, क्ष्म क् ण्डिकिथ्म। (वात्र-**अस्टर्ट्स के**िबिट मन প্রকারীয়া রোগীকে ভূতাবিষ্ট অধব। फाइनमध्ये विद्यातमा कविया क्रियाचि म ব্ন প্রধাস পরিত্যাগপুর্বক রোজা ডাকা केश बाड़ाइट बाइड करतन । तांशी, वाहेब्टन स क्रूटका क्रवा बारह, वाहेब्ल অভিনকালমাধ্য কেবল রোগের নয় ঘনদুত বোজারও হস্ত চইতে মুক্তি লাভ করে। **গুচ শীন্ত মুক্তিলাত ক**রিবার বিশিষ্ট কার ণ্ড ভাছে। এক, রোগের চিকিৎসা হই ल मा। विश्वीय, ब्रम्भरमाननः । त्राकांनिरशय নিদাক বিশাসাত ।

विद्याणीय व्यक्तिकार एवं व महिन महिन

के. विश्वविक्त, कि व्यविक्त रास्त कि मेटड सेका सहिता शहर

अत बाक्षतिक आहा नदह। जूलिकिक वि क्षक करोरे च बारे, बुक्यान लात्कवाध भी जनने भट्डा, क्षणांत्र करत्व स्। किन्त সম্পূৰ্ণ ৰূপে পীড়া কালে স্বগ্ৰহে উল্কাহন্ত অবেশ নিৰেধ করিছে পারেন মা। আছে। **७ निर्दाध िर्शत्मे के**्रिकिट मरन्न पृष्ठत বিশাস আছে। সুলিক্ষিত দিগের গুছেও मिर्दाध ७ प्रध मास्त्र प्रधकत मारे। अरम्टभंद्र खीटमारकदा चवरक्रमाव ক্ষে পার মুর্ব, তত্তির ডব্র গুরু অনেক অশিক্ষিত পুদ্ধবণ্ড আছে।

আমরা যে সকল মন্তের প্রস্তু করি ন্না আদ্য লেখনী গ্রাহণ করিবাছি, কাহা সত্য হইবার সন্তাবন। আছে কি ন। এফ (४) फबियग्र बि:बिडिंड करेंद्र एक् । खु:डत ও ড।हेरबब बरसब दिवर्य अधिक वक्कवा बाहे। एक ७ लाहेन बलिया बाह्यविक श मार्थ चाटक. य कथा ध्यानानिक लाट म শ্বীকার করেন না। উহা ঐতিহ্য নাত। (मण यक्षित अस्त थारक, करु नित्रहे खे সকল কম্পিত পদাৰ্থ বাস্ত্ৰিক আছে ব লিয়া লোকের সংস্কার থাকে। সেঞ্জপিয়া तित ममार्य हेश्लदेख के मश्य रात्रत मिलाम । ব প্রাক্তর্য ছিন। উপহাস করিবার উ क्ता कि প্রসাদ করির।ছেন। এক্রেই্লপ্র চইতে मन्मूर्व कारण केकात जिल्लाकाव क्षेपारण । बाधाकर्डावा व हाबु छ जना अर्थ कर्त् म । मूल यथम व्यवहा इटेल, उसम कुँछ ও ডাইবের আবেশমজের সভা হইবার প্রসাহমা কি -

এক্ষণে সর্পমন্ত্রের সভ্যাসভাজার বিষয় বিবেচনা করা আৰশ্য ক। সাজি ধরিয়া বিবে हन। कृतिएक श्रांटल मक्त कथन जका इहेरक পারে না। শ্বভাৰতঃ আমানিধের লীকী अकृति त्य मनल जेशस्य परिता भारक. एक्टाचिक द्वार खेवशानि क्य देवनार्विक केशांत मृत्रे व्हेतारक। मञ्ज केथत्र "मुक् नव, नन्या मृ हे, अठ०६ हेड्। क्लांन करवर देन नर्शिक छेलाम बनिमा अवसमिक ब्रह्मिक भारत ना । अभन्न, हिन्दू आक्रेकारहर्त हैय मम्ब मजरक चर्लोकुरुवत् विनिर्ध विद्वार শ করিয়া গিরাছেন, সর্পাদি মন্ত্র ভন্ম (वा अ निविक्ते नरह । देश (वरण। क्षा नग्न । বিশেষতঃ অশুচি জাতির সম্ভপাঠে অধি कात गारे। किस दिन्द्र माञ्चानुगारत ता যে জাতি অস্পূদা বলিয়া উপেক্তিত হই য়া থাকে, সেই সেই চাগুলোগি অন্তটি का कि है मर्ना पिमस्यादशास्त्रा ।

भक्क लाकपिरशंत्र खेरबाधार्थके भाषा দিগকে এত কহিতে হইল, সুবুর্কি বাজি वा अहे नावामा विषय महेश अधिक हत जांडवत क्षित्रं वित्रक विरुद्धिय ग्रामक নাই, আৰু ৰাজ্য ৰাজিতে প্ৰয়েঞ্জন নাই। भामन थाँछ छुट् मञ्ज केश्व कतिता निमा म । भारतकान (मधून, वनर्ष अहे मझ नृष्टे হট্রাছে, ইহার তৎপ্রতীকারে সামর্থ্য জা ছে कि ना व

चांचनात् ।

अर्थं द अशिनाटक संक्रिमा:

हैं। हेंग हैं। हैंग जिल्ला, का कुल नि कार्शी के है है, शिक्षणक विष माहि, माहि विष विषश्वित बाकारा गाँउ। भाषानांत्र अहे मञ्ज नित्य इत ।

विष्करदेव में ।

রোজা এইমন্ত্র ৭ বার পাঠ করিয়া कलात कविता थेरिक

वा श्रष्ट्रांन जकत हिन काकन दिव छोछन कि. काई निष्क्षत क्रमारम विश्व मानकाभा कवि छ । शाई म कांब्र निकित्तिय करता, काल कृतिल, म পেৰ বিস্চত্তিলে মুখ চাঁল সপাল্ল, . : " बाटन मध्याल, इब, छीमछि माः श्रा विय माः क्रिंश सूथ त्म.।

> হিন্দি ভাষায় বাড়ন। **७ है मझ** ३० नाव बिलास

दमाञ्चल नहनी (लोक्स्तकि, बोक्स्ति संहि।

हेम १९१७ वर्षमा भागहे दहाका नांच दिया তেবজাতি কে'ন কোন বিষ ক্ষক্তস্থ চিডাভেট मात'ल १० है, मेक्स उद्यक्तिक द्वाकृतिक मर খালির লোমটিতি, কালছিলি ক্লথবিতি, কল ল কোন কোন সাপ খাইলে বিখ চুৰোবে গো-णान अष्टम, छेन्स विश्व सन्द्र क्रिया, साह विश्व स् य क्टार्ट्स किए विष क्यान के लिएन केटन पर करन

এই श्राह्माद निधन जाम क्ट्रान शर् ध দেশে ডাইন প্রভৃতি আছে বলিয়া বিশাস ধাকাতে কত অনিউ ঘটিতেছে, হাতে হা टिं भागना कारान अक केशहतन भारेमा म । ज:हेन दलिया जुणीनारम अवि जीरला কের প্রাণ বধ করা হইয়াছে। সদর রি পোর্ট হার৷ জানা গেল, ত্রপীর প্রতিবেশী এক ব্যক্তিব পীড়া কইলে কোন কপে তা হার পীড়া শাদ্রিনা হওরতে সকলে ক ছিল ৰূপী ডাইন ড,হাকে বাইয়াছে, তমি मिखरे ভारांत्र शीका जाल ररेएटर ना। ঐ কথ। শুনির্নীতাহার দেবর তাহাকে এম নি নিদারুণ প্রহার করে যে সে ভাহাতেই প্রাণ ভাগে করিয়াছে।

> ८कार, भरे वासे धानका आधि मारकत ६ भोजकत्र मारू जानत् ।

লক্ষ্মীপাড়৷ নীলকুঠীর সহকারী কাষ্য जम्मामक क्रम माक व्यर्थत माह्य व्यर्थना भीत्रक मछ। ग्रंड (स्ट्राल्डेबले अवर्गत्र क्रम পিটর প্রাণ্ট সংহেবের নামে সুপ্রিম কো র্টে যে অভিযে,গ কবেন, ভারণত প্রধান बिहाइंगिकि मह यादर्ग शिवक आरहव क्रांफे नारहरात थक होका न १ कतिया **ट्रब**। शंख बाद्र व मनाहात गायकशर १व পোচর করা স্ইযাতে।

मबु बर्ड कि एटब्रम्म मारहद मड मा **হেবের মকক্ষ**মায় যে দণ্ডাজ্ঞা দেন, তাঙা দুক্ত বদ্ধের বাধীনভার আঘাত করে. এ ৰাব্ৰে সৰু বাৰ্ণেস পিককের অংজা রাঞ কর্মচাবিদিপের স্বাধানবাদিতার বাাছাত ক্রিয়াছে। পাঠকগণ **অত্যে অভিযো**ণ দার্রণটা আবণ করুন। উলিখিত কুঠার উপাধত অভিবেল এছটাই নিভাত আগ্রা

অধীন প্রজাবিসের নহিছ একদা কুনীর क्क्वातिविद्यत्र विवाध इत्। क्षेत्रांगः शत महिक विद्यायकारम कुठीव कर्यहाबीबा ব্জ ন্যায়ানুগত ও বৈধ ব্যবহার করিং। থাকেন, তাহা আমানিপের পাঠকগণের व्यविषिक्त नःहै। विवास्त्र श्रुव नहीशांत्र क्षित्रमंत्र लिंगिकहेम जाएहर कहे दिए गाउँ করেন, তাঁহার এই এপ বিশ্বাস কথিয়াছে যে উপস্থিত বিবাদে কুঠির সহকারী কর্ম চারী মাক অর্থর সাহেবের সহকারিতা **भारकः। शन्हांद के सकक्षत्रः जबत्र प्राप्ता** हाए गात । अखाहात काती विलहा रा एव बाक्तित नारम व्यक्तिमाश क्य. जनरहत क जित्रा गाकिक देश भरेनका पर्णम कहिरा जार पित्ररक शुक्त कविया एवत । आके जा ्टरका प्रभाग करे. याचाल शहर्वस्मर्केट ए जकल कानक शत अक्य जरगृहीय हरे য়া পুস্তকাক রে বুদ্রিত হয়, লাগিঞ্চন স্যা ছেবের উ**িখিত রিপেটি ভলখো পূচারি**ভ ष्ट्रेगाटकः। स्लब्धेननी भवर्गतः भुखकः बुखन কালে তাহা পরিত্যাগ করেন নাই।

সুপ্রীম কে:চেরপুধান বিচার পত্তি যে युक्ति व्यवस्था कतिया एकामा প्रभान করেন, ভাষ্টত পাটকগণের অভোচর রাখা বিধেয় কইতেতে ন। ঠ হার অভিপ্রেড वृक्ति धरे, ताकक्ष ठातिमिरशत वाशनश अज्ञातात भारता एवं जकन चडेना इत्र, छाहा উপরি পদও ব্যক্তিদিপের গ্রেচর করি वात विषए । कें।काणिरशत व्यविकात व्यारक । किंद्ध याष्ट्राट्ड वाख्निकिटगटवत्र मिका इत्र. রাজ কর্মচারিদিপের বিজ্ঞাপিত তেমন বি বৰ প্ৰকাশ করা বিধেন নছে। ভাল্প বিষয় হাউদ অব কমলের আজ্ঞানুসারে প্রকাশিত क्टेट्न अ श्वाहित्क पश्चनीत क्टेंट हिंदा व यथन विवाह शक्ति वृक्षिक शाहन रश्या छेशडिक दिन्द्रभ जाक व्यर्थरब्रु निका द्वरूक वादः शुक्रांभ क्या इत्रेश्नरह । সদবেৰ কল্পিলের মতে ভাছা সপুমাণ

লঙসারের নামে অভিযোগ জার

हा। क्यि जुलिय- कार्टित करकता हेश खाश क्लिप्रा-अक्वल चानगानिकात कि व भोर्वलात शक्कित नितासन अवन नरह সুগীয় কোটের বিচার যে সমরে সমবে বিভয়না মাত্র হয়, ভাষারও পরিচয় বেওয়া स्नेताटमः। योग युक्ति धतिका विश्वकता कता यात्र ए वाज्जि बाखबिक बिट क्षाय, यात्र दक्ष বিনেধ বশতঃ ভাহার শবিষ্ট করিবার উ (कर्ष विश्रा अभवनि शृहात करते. व्यव्यविकाती प्रथमीत इत्र मान्य माहे। আন যাহার বাস্তবিক দোব আছে, যদি কেচ ত'হার অপবাদ করে, ভাহার কেষ शुप्तान रुष्ट्रेन वा रुष्टिक व्यथनामकादी प्रक बीय इरेटक भारत ना । किस आहेटन हेंद्रा ্র বিপরীত বলে, বাস্তবিক দেমীর অপ वानकाती । ए। ए अभाग क्रिया क्रिया পারিলে প্রবীয় চন। জন্যে অকারণ লো কের অপবাদ দেব বলিয়াই এই আইন লোষ জন্মিরাছে। কিন্তু রাজকর্মচারিদি भारत विषया किए अध्याल इत ना। कीएर র। লোধী ব্যক্তির গোবের প্রমাণগত বৈক मा कर्मन कहिरलंड वरूक्यात चानुशृद्धिक যাবভীয় বুজ্বাম আলোচনা করিয়া ভাষা **बिर्मित्र (यक्ष " कार्य कार्य जे हात्.** ভালা প্রচার করিতে পারেন। ভাঁছানি গের এ অধিকার না ধাকিলে আপীল दिदि विकल हरेश यात्र। मामद्रा भागी লের মঞ্জয়ার যদি নিমুপদ্ধ ডেপুটি मार्किट्डोड ध्वारंहत मश्कादत कथा ध **চার করেন, ভাঁচা**। कि प्रस्ती म रहेदन -छेपश्चिष्ठ इत्स छ। इन्हें चित्राहर । त्नरणे नके शर्वत घरनात मश्कात विषयरे अठात कतिहा पित्रहरू । विटम्बर्कः धार्टेस स्माय ष्मभवाषकाद्रीत षाजिमांक हुक नव, उर्थन ষণ কর। দি ন্যায়ানুগত কয় । সর্বাত্ত আই भित्र प्रकारियंत्र प्रमुप्तत्र कता गुर्के विष्ठातककार कर्करा भएए। समू णीर শোৰীর কেং কি সঞ্মাণ হয় বাক বিক সাক অৰ্থন উল্লিখিড লোবে লিড

हिटलन, व्ययम दलाक बलिया आयोग दला ज्ञान रहेन मा स्थान क्षेत्र क्षेत्रका বিভ নকে। প্রণায়, আৰু ক্ষর্যন্ত বছুটাই বী কার করিয়াছেন, উল্লিখিড অপবাদ নিব खन केंग्सब दिनाम व्यक्ति एवं मारे, करव म्थ (क्म) चनिकिमात्रिका विरवहमा कति बाई क्थ दिवित्र मृष्टि स्टेबाट्स। त्मके मन्डे शवर्गव क्षेत्र बाखविक व्यश्नाधी हरेगा शारकत, छीवाह अणि मकसमात नशुपात गाय विवास व्यमुक्ता व्येम मा (क्यू)

প্রকরী পরিক।।

এই সুস্তন পরিকার একধন্ধ সামাদি থের হস্তগত হইয়াছে। আমরা পাঠ করির। অভিবৃত্ত পরিভুপ্ত হইলাম। বালিঞ্জনের করে क्कम विषाञ्जाती वाक्ति हेश्त शुननमाटर्ड পুরুত্ত হুইরাছেন। ইহা বাবে বাবে একবার क्षित्र। वास्ति स्टेरव । स्टाट्ड य क्ष्त्रकृष्टि विवन (व दीखिएक शिक्षिक क्षेत्राहरू, काका (मधिता न्यकेटवांथ इटेएक्ट्स, क्रांत्रकार ভাল লোক এতৎসম্পাদৰ কাৰ্যে প্ৰতী अहेत्रारहत । काँहाता सनि ज्ञांबानद्र वा स्त्र, धरे भविकान बाब चन्नर्य स्ट्रेटर जरमह मारे । देवांत्र शांत्रिकःविनदत्र आमानिदनंत्र দশ্যাত্রও সংশয় করিতেছে না। সাসিক **চারি আনা মাত্র দ্বল্য নিম্নপিত হই**রাছে। चण्यकाल बरधा खाइक मश्या हृति स्रेवाद मन्त्र्वं मञ्ज वंता चारह । वन्त्रवृत्मा छेरहरी खया शाहेरल स्काम् वास्त्रि धाहन कतिए **जिल्लादी मा क्हेर्यम । जानना क्हे अजिका** रहेट बक्षि दिवत केक् य क्लिया निरक्षि, भाक्षेत्रमन देशात छेरकर्व ७ विभवर्ष दृति **(क शांत्रियम ।**

बाबद्वन अमुहिकीया।

শেন গেশহ কোন সামান্য ব্যক্তি নানা ব্যবদায় আঘলতম করিরা লেখিল বে কিছুতেই केश्वय करण जीविका निर्दार एवं नाः व्यवस्थान युम्मभागदश्य क्षरण निहा हैनि विकास क्रिक्ट এই चित्र कवित । जनस्त्र स्वाहत त्र पर्क । किर गर्श्वाम किन प्रांक् केलि करत क्रिएनवि- | व्यानिक अन्तर कर्माक

कुम्मेमीटनक्षा शास्त्रिय ग्रथा राज्यश মাল ট্ৰণি গানীয়া খাবে নেইছণ ক্ষত্ৰা अध्यार पंत्रिक्ष प्रांतिका त्यरन दाशाम कविता।

अवसं अकुद्ध गांद्वाचान कड़िश अकाकी এ বিভেন্ন অসৰ করিছে আরম্ভ করিল : ক্রায়ে ৰেবা দুই এবন্ধ হইবা উঠিল। স্থাইকালে चाक्तिका त्यस्य व्यवस्थ स्त्रोत्र शहरा शास्त्र । পথিক আতংগ ডাপিড হইয়া বিলামার্থ এ-की इक्कांत्रात्र मध्य क्षिण अवर भारत क्षि यात भूटर्स अवकी द्वेशि वादिस विदेश बचारक किन [े] रवता ज्यनक्षांक स्ट्रेटने अविटक्त्र विहा-ভল হইল ৷ কিন্তু ভি সর্জ্যাল : চকুকুলীলন ক্রিয়া কেবে বে বুক্সের সমুলার লাখার অসংখ্য লাখায়ুস লোহিত বর্ণ টুলি পরি ধান করিয়া খককে বনিবা আছে।

राजदब्रा शिकटक हेलि बाबाब विटक দেখিয়াছিল এবং সে নিক্লিড হইবানাত্র ভা-বার টুপিগুলি বহিতুত করিয়া সকলেই এক একট মাৰ্বার দি ছিল। সুভ্যোবিত পৰিষ ভদৰ্শনে শোকে অধীয় হইরা নিয়ে করাবাভ করত হাহাকার করিতে লাগিল এবং বিরস্ত হইরা বক্তকের টুপিন্স কুন্তলে নিকেশ করিল . कि जांकाव। शिक्टक हैनि स्कीएड स्व খিয়া বানরেরাও ভংকশাং সকলে ব খাবন্ধ-ক্ষে টুপি ছতলে নিক্ষেপ করিল। তথন প-থিক বংশরোনান্তি আনশিত হইগ টুলিগুলি সংগ্রহ করিয়া লইল।

কোন কোন দেশে নিয়ু লিখিড উপায়ে বানর ধরিরা পারে। ভত্রভা লোকে একটা পা त्व यन प्रांचित्र इस प्रवाधि अभागन करत्, পরে সেই পত্রে জরল আঠা পুণ করিরা কিছু-মুরে চলিয়া দার। বানরেরা তথ্নবঁনে স্পাণ-ৰাব্ৰাণ্ড সুখ একালন করিতে আইদে अवः त्यम्य के चाठियाता प्रन व्योर्क करत, অবনি ভাষাদের পদ সকল জুরিয়া বার, প্রভরাং অঞ্বং হইরা ডাব্রারা আর প माहेटक शास्त्र मा ' कथम मश्टकंडे कोशंब्रो पक

ক্ষিণ আহেরিকার বাসরকের মধ্যে এক ৰ'র বসঃ ব্লোগের অভাত প্রায়ুর্ভাব বঙ্গা-দ্বে কোন ভাজার ভবিবারণার্থ এই উপায় चेद्धानन स्टब्सन । किनि पूरे किन्ते नागरकत TH MINCES AL

काटक केराटमा स्थायम् राजितं केविता वि-লেন। ছিনি বাবা করিলেন বালম্বরী ভাবা অ-ভিনিবেশপূর্বক দেখিল। তথপারে ভাতার মহালর একটি ছোট বানর, কিছু বীজ, ও এক বানি ছুরিকা তথার স্থাবিদ্বা গেইলন গ ৰাহা ভাবিয়া হিলেন ভাহাই ঘটন। ভাও বহালর অভরাল হইডে লেখিতে পাইলেন त्य के इक बावह तारे बावहमान्यका एक नव बच्चन क्रिया शाम ह्याधान क्रिया क्रिया ক্ৰবে ক্ৰবে অন্যান্য বানৱেও ঐ চিকিৎসা শিখিল এবং সকলেই গোমস্থাটিত হও ছাতে ছুরন্ড বসন্ত দ্বোগ শীত্র নিবালিড क्षेत्र ।

একক্ষ কোন লেশে কডকগুলি নৌকার अश्रक बहेश अवहि बीटन विकृतिन अविद তি করেন। তিনি প্রত্যুহ প্রাত্তাকালে হস্ত ধ্ বন ক'রজেন। কিছুমিন পারে বেখিলেন একটি বানর ভাঁহার বন্ধ ক্সপ্তথাবন করিতেহে, আর কিছুকাল গভ ,হট্লে মেশিলেন বে শভহ বানর নদীর ভটে এক একটি উইলো: শাণা হতে কৰিয়া ব্ৰীজিবত হত খাৰন

विविध जरवाष्ट्र ।

1डे टेकार्ड मानवात ।

আণ্ডিড গেৰেট সম্পায়ক কৰেন তথাৰ अक गामित्क पूरे शक डाकाइ वर्ग ७ स्त्रीरमाह जनकांत्र अवर शैक्षक शोलका जिलाहरू । ले নামটি বেগবের, অবিকাংখ ব্যৱহানে জাহার নাম কোদা আছে।

किमिक गण्णाहरू करहत आंके मारहरवत्र माक्सका विवस्त भक्त मंत्रितांत्र त्व त्मभी रह. फाराटक कर रहेवाहिंग, यहां व कर ठीका बिटल क्ट्रेंटर जो, स्वयंग क्लि शूत्रण बना १हा-को बाज किटनन । किनिटकाइ अविद् नमछः সোৰৰ নদেও তাৰ ইইবাছিল।

ক্লিকাডা ও ডাইকটবর্ডি মুসলবাদের बीजन नाटस्यरक अथ अरजून विवादस्त । स्त-अहेराके भवर्गत काशांत केसद मान कारण क. विश्वादक्त त्व अदलत्वत्र वानकदवत्र विक्वाविका विवास जिमि विध्यय सारण महबारवांशी करेंद्रव- चना मकरलव बहुबान एखहा। केडिक । मुक्टल चार्व यूजनमानविवदक चानदराम। हाकाई. বার চেত্রা ককন, পঞ্চাৎ দেখা পড়া শিখাই-(वस ।

विसी श्राटक है अन्त्राहक बर्दनन विस्तर में व्य भागवाक क्षेत्र परिकास मनत कृतिकन्त्र रहेगा निवादकः

रिक्टलि वृष्टे अलावक अविद्वारहर, कांनिः क्टब १०१० होक। जाबाब १डे-ब्रांटक ।

साबा द्या त्यांन मानत त्यक् निर्मान म-न्यम स्ट्रेबाट्ड ।

जनाजम देखेरहाशीय नगांद्रीत शर्ज पृष्टे रहेरा शृक्षेकिन्छ नार्य ाक श्वारमञ्ज अक काञ्र-খানার একটি চোৎ সাটিয়া প্রায় ২৩খন লো-क माना शिवादक ।

বীরভূষের অন্তঃপাতী রুওলা হটতে यक बाक्ति निर्मित्र। शाठीहेगारहम, ज्यात्र यव জৰ ভয় সম্ভান ৩ • টাকা পণ লটয়া পাঁচ मारमञ्ज अवनी क्यानि विदार नियादक्त । क्या ক্ৰম বিক্ৰম প্ৰধা ও বাল্য বিবাহ উভয়ই 'ন, ডখন এৰপ ঘটনা বিস্ময়

৮ हे देखाई भन्नवात्।

ক্ষালেক কথার সোক্ষার নামে এক ব্যক্তি কিনিকা গৱে লিখিয়া হম যে তিনি शूर्य नव जानिहीले नर्जन किलन किल উপাধি লাভের নিমিত বিলাতে পরীকা ब्रिट्ड शबन करत्न, भवीत्काञीन हरेत्र। अ **ज्याभवन क्रियार्ट्स, अक्राल छाद्र उनसीय** শ্বৰ্থেক ভাৰাকে সেই কৰ্ম আবার দিতে চাৰিয়া চিলেৰ কিন্তু তিনি ভালা প্ৰচণ কৰেন नाहै।

টাইমুদ আৰু ইভিয়া দালাদক দলচাৰ শাইশ্বাহেন ৰে লাভ কানিং আলেক জ'-ख्रिया स्ट्रेंटक २३० अध्यम मात्रामा नग-**द्ध बाजा कतिवादक्त । अहे जादन का** उहेबाब সাধ্যেরের সহিত তাঁহার সাক্ষাৎ হটরাটিল। भक्ते इतिएक जात्रक वरेशारह ।

कृटकात गाँदब राम मिला क्री कराव । अ थय श्रीतां कि क्या बाहे कि बिखी मुवाद এ ৰণ ও ল করাতে ভাষার পারে ভাতিখর आधाष नार्ग खिलिटक्रण कडीत ज्ञान्यत বিচার হইর। ও বাসের কারাবাসের আঞা **ভট্যাছে। কিড বিচার পতিরা প্র**পান সেন। পতি क्या कर्त्रक अहे जल्द्राध क्रिगाहिता न। (मनांपछि क्या ना कविष्ठा किशादिन बर्टवाहिक प्रश्न हम् माहे। शबीकान जना व ভাৰুশ গৰিভ কৰ্ম করা অভিশয় অভুটিত स्वेदारह । श्रीम १ देश नः नाशिय। एरक निश्री রুগে লাগিলে প্রাণ নাশের স্ঞাবন ছিল। আফিনরছিলের অনেকেই প্রায় ঐ কণাত্ত-

> हे देखाङ वृधवाद्र ।

रहकता अभ्यापक भग्राटक नारहरकत्र नारव अश्यान निषित्र हिरलन यनित्र। यहारक नारह व छोश्रादक वेकील भाव। जिथित्रा शाठीवेदादहन য'ল ভিনি নিজ অপবাধ কালন না করেন, ডা-हात नाटन जनिनाद प्रक्षिय काटिं अकिरता . হুটবে। এই বাবে হরুকরার সাহসিকতা ও পত। সন্ধান সংগ্রহ করিবার পরিচয় স্ট্রে।

किनिका मण्यापक करहर, शवनस्मत्केत्र हा-জৰু ও বিচার সংক্রান্ত অচিক্তি কর্মচারিরা अहे बिलक्ष भवनंत्रात्के च्यारवन्त्र कतित्वन त्व डाइक्रिश्च १०० होश्यत अधिक द्वाडम बाहे. किन हें है देशियोगी समित्र कुना कर्य कतिहा। थाटका, छटव इंडेटवां भीवविद्यात्र अधिक धवर छाञ्चानिरभन्न कम रकन ? शवर्गमाने विष्णानरमन निकरकत्रां क्र क्र अहे मदम योग क्रिन न।। বোছাই अश्रद्ध अब वाष्ट्रिय क्रिय मित्रम् क्रियः-ছেন, বাঁহাদের পারে বোজা আছে তাঁহার। দৰ্শ্ব পাতুকা গট্মা প্ৰৰ্থেক বাটাতে আনিতে পারিখেন, কিছ বাঁহারা ঘোলা ব্যবহার না করেন, তাহানিগতে স্কুডা খুলিয়া আসিতে कडेंद्र । अ कथा वस् मना रह नारे । मन अन বারে পরিছবি হয় না।

गानेतर**७ तिकि है अन्नावक करवन, शाह्रक** 🖟 **ৰাজ্ঞান্ত হটতে** বেপুৱ প্ৰথম বান্দীয় চজেব নিশ্চিত স্থাচার পা**ওয়া গিড়াছে**। আৰু এদ জ। নাবে ছিবাটে একজৰ স্বাক্ষা জ্ঞা-কিনিপ রভার নাডে এক জন আফিসর 'ছেন। তিনি সমুদাধ আকর্ণান স্থান কর ক কৃতিকার প্রির ছারা সাল্ল নরে কি না এই বিবাব নিষিত একাত অভিনানা কইরাছেন। विकास किया की जारब अर्थ अर्थाय रहा की मुख्य का महिनार की मुख्य

जे बाहित जानम दैनमा शहेबा कहामधह स्वि-কার করিয়াছেন। জিনি পার্দ্র রাজ্য চটতে 'अरमक नामाची श**ोबहाटक्रम** ।

हेश्मिनयांन मण्यालक करका स्मान प्रत বার চটকে গণ্ডার ক্রিশনরুকে এই পত্র লেখা হইরাছিল যে এক অন গুরুখা নেপাল डडें एक प्रमाद्य कतिहा विक्रिताद्या कारिता ভে অভএব ভাৰাকে গৃত করি<mark>কা</mark> এরণ করা ছয় ক্ষিপ্নর সাহেব কোন অস্থিতভান না করিয়া ভাষাকে • বিদ্যা পাঠীইয়া দিয়াছেন বলিয়া পাৰ্বমেন্ট ক প্রতি সতিশ্যা ভা সভোগ প্ৰকাশ ক

१८ मण्या शहेत. "न" ,तत्र "अ(न त्क करणाम विद्याह कारन भागजात करत्न. **डांशान्टरात अवशार्थ अ**हेल: े क्य कोर्टि उँड নিশ্ভিত হইতেছে।

कर्र अश्रहात्मान मानावक कर्मन, 'लार्ड মিদ ব্যাচলিক নাবে একটি স্ত্রীলোক রাত্রিতে অধ্যয়ন করিছেছিলেন এমত সমন্ত লসারিতে अधि लाभिया मकल जन्म बहेबः भिन्नारङ । छि নিও নালগ্রাদে পতিত হইয়াছেন। ডিনি বেষন ৰূপৰতী তেখনি গুণবতী ছিলেম, জ ত্যন্ত ছুঃখেব সন্থার।

स्त्रकतात्र नथानतः मःवामनाक। करम्म. नीजनभन भूनकांद्र भूजिक व्हेग्रांटक्। धरादि कि लः मौरहरक क्षित यहिए बहेरन ?

ब्द्रकर्। भन्नाभक कदबन इंश्लादक्षध्ती 🕍 (सध कतिया भियारक्त व वश्यद्व टार्श्स जय-ভিৰি উপলক্ষে সোমারোহ না হর। উচিত आजा स्टेडांट्स

, • हे टेक्कान्त अव्याज्ञ ।

किविक जण्णामक श्वीकारहर, लाः ना (कर **भीज़ांत अना कर बाध्नत विकास भा**हेता ছেন। তবে ভাহার বিলাভ বাইবার সার विजय नारे।

डेक अण्यातक बरमम स्मर मार्ड्ड छोडा। वर्त्तन काला विमारण्य दिविमान्य व्येटण कर्पाति नकलस्य मदन संदेश जानित्वन । अधि যদি সভা হয়, ভাঁহার এখানে লোক প্রস্তুত ক্ষ্ণিবাৰ চেঠার সহিত এ ব্যবহারের বিয়োগ

लाएग्र, स्थित्रांश वितिति ३ कोनाहा

बारम व्यक्तिनम् बड़ स्टेशं व्यक्तां कांक को দাতে। বরের ছাল পর্যক্ত ইঞ্চিল পিছাতে।

विवीदभरकरनेत्र नारशास्त्रत मध्याकाचा करस्य त्रांच भारत्यस्य कांचशुरत (कांत्र्य कांत्र वक्टिकट्ड ।

रे किममान मन्नावक काइन ३६ मरब[्] भागां कि रेगरमात्र जारमध्य जगां के के व छात्र कतिरक्षाक् । अवाद व्यानक प्राप्त कड काडेबेद बाइडाव वाडा खना बाहेटड- (६) अक शाक्षि कार्याहितात निकडे किंवा চাৰায় অন্তংগাতি মানিকগঞ্জে অভিলয় ও मार्चेश क्षेत्राटक ।

यक किन बुक्तनम् जादिक च्यारम् शास्त्र না করেন ভাত দিন থেককর্ম্ম সাহের কলি ক'ডা ছোট আমালতের প্রথম করের কর্ম **∳तिद्दन** ।

निष्ठेनकात्र नारहर निष्ठाभएड अखिदिक अक बहुँ वाद्यम । मीनकरत्नता दव हुन कतिना 4 787 #

अक्कान बादभावान पूछी कवांच द्वाडेक শক্টে যোজিত করিবা চালাইভেটিল, পুলি म छार ह । होत्म अतिमान। श्रेगाहः। न ভর প্রতি নিষ্ঠুর ব্যবহার নিবারণী সভা ভূবে न म कतिरखडान।

रन् छ जर रेखिया मण्यास**न वर्दन व**त्रिन्दन २० - लाक क्लाइक्रीय बाता लिकाटक । -नथानकार्त्ते लाव अ०था विरुक्तां कतिरहा ल शादन दलांक माने मलिटल एवं।

উক্ত সম্পাদক আরো কছেন বিজয় প मुप्तत वाक्षा अक शब निर्मा । क्या १०,००। रं का क्रिशाइकत । अबे क बाब ।

डेफ मन्नाइक छनिप्राट्डन बार्फ कानि९ গাৰৰ কাৰে যে জাহাজে হাম, ভাছা পাৰে एत व्हे तरह जना कर बाबाक चौता असम कतिद्व व्हेबाद्ध ि

३) हे देखाई एक शहर

मध्य स्थम मारहर मुख ब्रिकि मारकद्वत क प नियुक्त रहेन्। इत ।

गंख जनत्यादन नयांचांत्र आनियादह 🗀 মুড্তৰ প্ৰধানভৰ আছালভ সেপ্টেম্বর সালে अफिबिज स्हेट्य । यह बार्ट्स शिवक आहरू নির্থ একড করিবার অস্ত্রবৃতি পাইরাছেন।

क्षित्रीरगरक्षेत्र मण्डाक्षक व्यवस्था

च्यायक वयु व्हेबाटक। चड्रानिकी मक्त चत्र रहेवां विदारह अपर अध्यक्ष क अफ भिन्न न विद्रारह त्व एक्सन त्वस् कथन रभरधन नाहे छ धरमन गाउँ।

িউ বেকতারসম সাহেব কলিক।**ভার** इंडा नरवा कतिया शृक्षकांकारत कारत করিরাছেন। ভাষাভে ২০ বংসরের হিসাব নিখিত হটগাছে। ডিনি কৰেন প্ৰভিনংসর किन्द्र क बूजनमाम अध्यु १००० महत् । क्यांकैंडी ৰারা অধিক সংখ্য সোকের সৃত্যু বস্তু। একে भीरतत्र जरगका वेखेरब्रांभीत कर बरत । वरम-तात वरभा भारकाम भार फिरमबत । मरबभरत्रे व्यक्ति शीकां रह, जुनारे ७ जुनरे नवीटनः কা ভাল ব।র। কেকরাবি বার্চ এরোল ও বে বালে ওলাউঠার অভিনয় গ্রাছ্ডাব হর। इश्म हार्नेन व वस्तिहे अहे शीक्षतित कांत्र रि क् ७ पुननवान त्व अविक वटत महाजात ৰিউনি দিশল ৰচ্ছোবন্ধ ভাচার এক কারণ।

কিনিকা সম্পাদ ভ করেন কনিক।ভার নিক डेवर्कि २० शहनशांत्र अनाकांत्र बदश शृदक्ष शा-क्रक बना निकल्यत कना लाकांव कविएक हरे-न गाइरमण महरमह बहु छ किए अकरन कति কাভার অধীন হওয়াডে ক্ষিপ্নরের বভ वाजिएक्टर विकटस्त्र त्या माहे। बाहक करा বিক্রায়ের বড এভিবছক হয় ভড়ই ভাল।

विविद्यात क्षामानाइम्ब गरवाच लाखा करणन व खबाब अक बण बद्धा नवर्गत्वर केंद्र ভাক বঠ করিরা লইরাছিল, কিন্ত ভাষারা थवां शक्तिपाटम्।

रेडेरेखियान त्रमध्यत व्यक्तिकार्थन व्यक्ति व्यथास्थत त्योर निकृत रहेट्ड शक अनियात २३ होको हति योत्र। भारत्य योजानि ক্যোণিবিগতে সজেত করিছা স্কলের ভেকা भूतिया नार्थान बाजा जरधरन करता किस হইরা আফিস হইতে চলিগা আসের। লোভ-বার আফিনের নিকট উপদ্বিক্ত হইরা ছিলেন क्षित्र (क्ष्में क्षिप्रदेश यान नाहे। जायहर है... नकि पूर्कन निरंत्रन व क्यांनाहिनक क्या যান বরিবায় ক্ষক এডাবুশ কর্ম করা ব্য নাট। কেবল ভোষাবের নির্দোধিতা সঞ্জার করিবার জন্য অধ্বেবণ করা বইরাছে। সাহে:

ब्ल्बानियात एकमा कारबदन क्या बहुन मा

(बोराहे माहेटल' ब्रिविड अम्माअक क-दन, वाचाइविचविकान्द्रक श्रांकक्रिकट्र खेलानि क्षमान क्या स्टेग्नाटस् । अप्रे बावस् वि, ज, जबर क की जम, जब केपाबि लाईप्राटक्य । সর বার্টন কিরব সভাপুরে অধ্যক্ষতা করিয়া ছিলেৰ জিনি এ কেখীত বালকভিথেত ব্ৰক্তি हालिक त्रविद्यान व्यवस्ता काविका अहे ज्या-কেল করিয়াছেম বে এচেনীবেয়া বেশ অথব विवदः व्यक्ताव विदयम क्षित्रा भोटका। व्यक्ति देशका काम इक्षम विषयात आविशिक्षा क. ब्रिट्स नवर्ष जदस्य। द्यांथ एवं प्यातक क्रिय जर्श विक्रिकेट बामांड जरीत वाक्सि व. নের উৎসাহ সিরাছে। তথাপি ভ অনেকের এই ইন্ডা বে ইহারা মালের বড থা-কন।

३२ है देखाई अभिवाद ।

এক ব্যক্তি নিখিছা পাঠাইয়াছেন, খ-जीतश्रदाद किष्किर प्रक्रिय कृष्टिरमापा विवासी একজন পদ্ধনা ব্যবসায়ী বৰিক, গভ ভল্লা বৈলয় ওক্রবার রাজি অপ্রযান ৬ মধ্যের নদ-র এক বোট পরসা লইরা বিজের গঞ্চ ফুটডে বারী বাইতেছিল, কথলগরেয় নাজ রাভাতে বাজারে বোবলিগের গলার পূর্ব পাতে ক্ল-बाहन विद्वार मुस्यत निकार एकार अकार মন্ত্র আসিরা ঐ মণিকের বাজার এক লাসির আখাত করে। সে দিব নিজের গলের ছাট-বার, রাভার হুই একজন হেটো লোক ভলি (छहिम, धवर छाष्टांत्र निकटेंबे (मारन मिक चारक, विक ही श्लाब करा शनाइम कतिम अवर भूते अ ভাসিরা পড়িস, শুমা গেল পদ্মসার ৭. वा बाहेरक शास्त्र बाहें। समुजनत सारव ৰণ্ডলি জন্ন লোকের সন্তাস নেসাধোর হই১. টাকা আৰু হন নাই। কেৱানিরা একবাকা ছে। বৌধ হর ভারাফের মধ্যেই কোন মহাগা-रखा अहे कर्ष । अहमरणे कथम महा चन्न हिम मा, केक करवंद्र अहे एकम व्यवसाद । बाहा रफेर, काफरवाज विवय और, अक्लकाय यहता-इ बाना श्रीटक ने जान जाते सनित जाविक मुत्र मदर । जबाद होरकात कतिहरू महत्वहे থানা হইডে জনাবালে গুনা বায়, ভাষাতে আবার রাত্রিকালের দখ, তথাপি থানার ८रत दुवाहेंका पितात कि करका ? हैरजाका कर्मागतीया त्व से पनिद्वत शिरकार करिय

াৰতে পান নাই ও ডা ধার খবর রাজেন দাই. িছাডে সকলে বুকিতে পারি**বেন থানার** কর্ম 'त्री भशाशुक्ररवतः। **मत्रकारतत्त्व कर्या किन्द्रश** क वसः पाटनमा

इडियोट्यत अब वाल्डि उज्जान भवन्या स्वरकेत इन्ह्राकी देव्हात पूर्व शक्ति विकासीन खनातकादश्च धामरमा कवित्र। शतिरमध्य हाज विदेशक अभारता खटन निभिन्नादहर. ७ जम शतक होता इंडिय नदीकांग्र উरोर्न इ-ইয়া ১০ টাক। করিয়া ছাত্র রাজি প্রাঞ্জ হইরা১ एक अवर अञ्चम वालक अमहोरचात शहीं काह উত্তীৰ্ণ হট্মাট্ছন এছ : .রা ,গ শনিবার উক্ত বিদ্যালয়েল্ল ছাত্ৰগণ বিলিত ১টয়া মশাস-बाह्याव्यूर्णक अब कानीयूकः कतिशाद्यन । त्यव अनुश्ताही नाव्यक्तिक अन्तर्ता ।

>ना य रेमनावादनय जन्मनं उ चारेयन्त्रय व्यादन बांबू क्थिननान कोधूतीत देवर्रक भागात বহরবপুর কালেকের কতিপর ছাত্র একত্র হ हेन्। कानकूर्यक्रिका नारम अवहे त्रका प्र:-পৰ করিবাছেন। সভাস্থলে বতসংখ্য সভাস্থ **ও ভারনোক উপস্থিত হিলেন। বৃবক স**প্রাদা-ম। কেবল সভার আড়ধর করিয়া সিডবিড बक्टफट्ट (क्रम १ कांच क्रम ।

২৬ এত্রেল পর্যন্তের ইউরোপীর नमाठात है

পিট্সবর্থে এক খোরতব সংগ্রাম ছইরা গি नरकः। **केवस मरम**त विश्वत त्माक क्ष क्**रे**शास्त्रः। শক্তি ব্যৱাধার্ক (আবেরিকার সন্দিণাংশের লংখাভিক আখাত পাট্যাভেক एक व्हेबाटक्त । छेस् द्वार स्थन ह प्रभूष परेशास्त्र । মিসিলিশি দ্বীপ अंब एक्शक स्टेबारस

क्षितिकत (ननात्रः मन्दत्रः प्रदर्भ व्यव-জ্ঞান্তভে এবং সেনাপতি ভেবিস ভালা-के देवक मदरह महेवा विवादहर ।

ক্রিউরাপ্টলর সভা আজা করিরাছেন বে ই উ-हिट्डिड (केर्ट्रेश्वर कार वित्र धना नक्त व्यक्ति विभीरदर्भेद्र वंभन्न मक्दम वर्षेट्छ श्राहित्यनः।

विभारिका बावकीत शासाबन क्यालावर कठेरवन। 'লাইছের। অভিশয় কটে গাড়িয়াছে**ম**।-

'अपनिविधितात वर्ष व्यक्तिक कविश्व काला বিয়াছে: বাজসংশীৰ ক্তিণৰ বাজি সভা বলে

ধান ব্যৱহাপত গড়াছ ব্যক্তবিক্তি সভাৱ পদ माडेब्राइका ।

কাপানের হুড়গণ ২৮৩ এপ্রেম পারিস হয় छ हरमाछ ग'का क श्रत्या

देशमञ्जूषात समा बरमञ्जू आर्क्षक स्थान লইয়। কর্ম পরিজ্ঞান করিবাহ বে নিরুগ ছিল. जारा नःश्निक सरेक्षाट्य ।

वे॰मक क कार्यातका देखा हारका भाग वा ৰসায় শংক্ৰায় যে যুঙৰ সন্ধিছত, ডাঙ কণ-এত্ৰৰ সভাৰ বিচাহাৰ সম্পিত হয়গ্ৰহে।

विकेष देवाचाररामत्र वायर मालार जगा बना, खावर कर्माभन वृद्ध कांडाक त्मानान यहि। (तः বার আৰু। পাইছাছে।

গ্ৰিক খালবটেঃ মৃত্যু উপলক্ষে ভাতি সা -খাৰণ ক্ষুণ চিহ্ন স্থাগন প্ৰস্তাৰ প্ৰতিন্তেত এইবু चना चना श्रवात वहेरलाह।

ष्टेरियम गटकड आदमहिकाद महबाद छ। छ। সেনার'সহিত পটোষাকে ঘাইছে নিবিদ্ধ চই-ष। **देश्यास**्थ शास्त्रानमम कतिहारस्य ।

ध्विति, त्नले, विवव नांद्य क्रमध्वि का হাজ কলিকাতা হইতে ধারা কালে আবেরি-কাৰ উত্তরাংশের লোকজিংশ্য ছন্ত্রগত হট্ট্রা ছিল কিন্তু মৃক্ত মইয় খিবরপুলে উপন্থিত চই ALCE !

गवर्षायक विज्ञालन। यान्यारमनीय रामधेनके नावर्रक्त व्यादक्षणाञ्चनाद्वी निरद्रांश ।

अहे त्य-काक्षत्र धम विभाविक भरन-(य.छेत्र भएक छेश्विद्रशमकविद्रशत (अप्तिकान देगटम्बहेन वहरवन ।

cm, a, कृष्णेत्र गांद्धर क्रिकां उ.त. तक-कारी करेन काटलकेत प्रदेशक

30के ca--- एक्किंश श्रीकिविध के करका, है, क्षम, मिलि मारवर ३५-६२ चरकत्र ३६ है का.स. कमाना आश्च बकेदबन ।

'ট, জে, সি প্রান্ট সাছেব কিছুদিনের জন। विभिन्नी शहर अहिमिन मालिएके हैं के कारलके व जोह के मालिक मालिएके हैं है इस्टबन ।

বার ছর্নাপতি যদ্যোগ খানে বীরক্ষুমের লাধা-त्र विकारिका कारदात क्यिक्ष मकी बहैरवेस । বেংগিউ বেংডের প্রভিনিধি সভা এচন

फि. ६६. एवधनम नार्रम्य मर्श्नून प्रका प्रवेटनव ह

दरमहि नमर दयन शांद्रहर कृष्टिकां छात्र था। विभागत मानव छया की व मानव होते

ए प्रकृति, अव, दिख गांद्र व कि ि धणाद्य विन क्षेत्र करेंगा आर्ट्सन, क्रिक्स क्षित्रमत् क्षेत्रमा

नमीयात अधिनिम कमिमनव हि, १६, नक সাছের ৩ক নিভাগের সংসূর্ব ছমিসমর ১ট

এগমন সিংকের জাতিবিধি জাল কে, সি. एकमन के रूट **(क**लाबू मरणूर्व **कक क्षे**द्रबन ।

১:১, ৪ চটে প্রাথেষ আভিনিক্তি জন্ম এছ. थः, बनकिनश्की, म ७ ड(म देक्पल १५८६४ फेस्ट জিল দ্বেৰ প্ৰতিনিধি ক' হইবেন।

ই. তো দাংহৰ এখন এছিল বাজিটেট उ कारल देव न ने रवस, किछ र न प्रिस थाना आहे। न्या का 'श'द विद्यास कर्द्यी निसूक्त की सन

en भ रा. अश्रीक मार्डम विभावित्रहरू ष्टिंग (व्यक्ति राजित्येष एकारसङ्केत ५०-८वन, किट्या प्रशास्त्रीय ध्यास्त्रीय ध्यास्त्रीय সভ প্ৰসন্ত ব প্ৰতিনিমি যা জিন্টেট জাসিংকা ল

उदिल्फि भाककत्म राट्य ठिकेशास्त्रक अहि क्यांकिक है व दम्पति क्यांकित अहिरसम , क्षित्र करियम कामारकाम अरखी मा इस रक्ष পুৰেৰ ভাজিনি'ধ মাজিট্টে ও বালেইবেৰ कार्ता त र वन ।

बक, वि, लियान नगरहर विकीए ध्यानिय आहं में अधिक के अधिक के अधिक के अधिक में अधिक में Smi ca---अर्थ एन मक्स किर्योग बक्रिय

ति, क्र. स्टक्षि । भागनीश्रवत विदेश (अ-बिब माजिएके हैं । क्षार सक्ति व बेरवेस ।

· २६ (म -- छन्निष्ठ धन रि विष्य नारका ३८३ এপ্ৰেল্ভাৰ ধ মুলেবেৰ সৰ ভেপুটি অছিফেন क्**रम**ें इच्चेंद्वन ।

:২ ই_{০০-}মে জে ভবলৈউ আৰ ভাষৰ বৰি সাহেৰ যণে হেৰেৰ সাধাৰণ সিক্ষাসংক্ষান্ত ক্ষাট্র সংগাদক ছইবেন।

১९३ त्म--- अक वि लिकक मास्य स्विमी % रत काहे हें माकिए हैं है । ए निष्ठ कारनहें दर अजिमिश इरे(यम ।

के वि (रक्ष मां(इव किंक्क्रांश्मित क्रम) शाधा-न श्रीक्षर हेन् : न्या है दिव महकावि श्रीजिनि ध इडेश्यन (

set त्य- क्रिक्त त्क्यूणि वालि है। ए (७ प्रति कारलने न वाबू व बहुत्य (वाब कामा न -छ। दिछ। धाव न वी छात्र आध व वेवा हिन ॥ वः कार त्थाकरहे अव्यक्तिक आक्रिकेश्वर्मात्व के विकर्ण कार्य स्वाप्त स्वाप्त अधिक विकरण चाल्य ७ कावित चाक्रवाद्य विद्रापय कवित्रवद्यत । ग'दलत : • काविद्यत ५ श'तः अञ्चल'ती कम ६: अ:३८४म ।

५७३ त्य→ शि. ब. कादर्क मार्ट्स क्लिका

एकेशास्त्रत (फ्यूनि मास्त्रि.केष्ट्रे ও एवयूनि कारकडेन (मोल्डी काश्यम शावनात रम्बि बहैय जै अरहारण मामिल्ड्रिके क्यां आध

भाषिनाय अधिनिध कविष्ठत कि अर्ड । अधिकाद्वित नार्कातं विकारका कार्याकार भाक्ष

इट्टबन धवर क्लेक्साहि आहित्यह (३६०६३ वर्-त्तर २० चारेन) २२ शाहा 🐞 ३५/a8 माट्सा ३० आहेरमत । भारा माछ बासमाहिएक काथम का- | त्य बिकीय ध्यानित सभीन माहिएकेहीय सम्बद्ध। - त स्थीन याजिएकु होत स्थाला शहिरयन।

বলুয়ার বিষক চৌকীর প্রতিনিধি অধাক वायू स्थानां व बूटबांगांबांक के कावरण निवक ानेकीय प्रशास इतियम।

दारमचरवद निवंद अध्यातीत विजीय नव- | ি ক'বী ভৰ্মেট সি মেজ সাছেৰ আইন জেণিভ हिर्मिन मक्षम ध्यानिष्ठ अधिक्रष्ठ हदेर्यम् ।

कातः निर्देशमात्र मध्यय क्राम्यदेव विवय ट्रोकीन अधेम (व्यानव गहकांकी आशाक इंदे (4P .

ৰ্বলকান্তাত এভিমিধি ডেপুটি কালেক্ট্ৰয় ত মাৰকারি অধ্যক্ষ কে_ছ মেকেঞ্জি সাহেৰ '४४० मारमात ७० आवित अनुमारन के खारमन क्षिमत्तव मञ्जाद मन्त्राहरू इक्ट्रिया।

э°ने ८६--- भरद दमक्षांनि निकायक आसा-ल कि निया निष्ठ का इदिन्त अस मित्रक करे ६६म .

क्ष वि. किना नार्ट्य फर्नामछ, क्रम, निष्टेम-कांत्र मार्ट्सन, अल, अम काकमन मार्ट्स।

छवलिङ, धरेड, १६७ द्रमन मार्ट्य दायद ंटक निविध ७ स्मान्यान स्टब्स्स शिक्षिश お寄じ引申 :

 दकः प्रोत्मक्षिक प्राद्धः प्रभृत्यः भा-क्टिकेट्राप्टेन ७ कारकट्टेट्राट क्रान्टिश **ह**हे-

त्व, हेवे छ न'एड । हुन, ।'अझात काथा छात. mig agean ma ermain, migene (? > ७) मारमबर्द आहेग) >> स्वा मर्द्ध ७ ३৮ ३ ४ मारमार ५० आहित्यत ५ ४१८' मा ४ आवत (अ र्गिय अध्याति भार्ति राष्ट्रिरहेन काम् ३। शास्त्रिस्स त्वर :be8 अत्यव : आव्य का छ वर्त्राक (उन्नेही कारलक्केटवड़ क्षम जा का है। १० I

एक विम्त भरदाव शृतिश्रात भर्गामदक्षे छ यादमहित्यत्र आखिति । ५६८४म

खर्बाट अल किलि शहरूक महमन निर्देश का देन्हें भारति हुँ हे ७ एक भूगि कार मही देव र किनि-भि इक्टेंदिन।

८व वि अमारणास मादश्य निमाधनुद्ध वाहे-ট না**জিটে** ট গু ভেপ্টি কংলে**ই**বের প্রতিনিধি इक्टेर्बम् ।

वीव अञ्चष्ट्रवर मिलक वावामक विकारमञ्ज श्री जात्र आश्र वहेरवन जिनः २८लत्रभनांत्र मा-ाकुटिय मन्त्रात क्षत्रका शहिटयन ।

करेंड जिलाइणि गारक्य ब्रह्मत्य महिक्के अ बारमकेरद्रव मदकानि इहेरनम अन्त के क्राप्त-भा बेरबन

ৰসংস্থায় ব্যবস্থাপক সভাৰ কাৰ্য্য সম্পাদক এজি মেককারসব সাংহয় অগন কথানির কিচুকা करवत शिविविध चन्नभ शिक्तित्व।

নিশুলিখিত ভেপ্টি সাজিইটে ও ভেপ্টি कारणकेरवना मानित्यु हिन्न कमजा नाहेरवन ।

क्रिकीटिक स्मेलिक उज्ज्यम काशि ७ कार्य ते त्र मार्ग काराका श्रीकृत्वव मर्था काता । क्र नवाम क्या वर्ष । मिलिमी ग्रीय क्रोलिब क्यांक्य

নিমুলিখিত কৰচাবিয়া কৌনলাৰি ভাই दनव (>b-७: शास्त्र रत **आहि**म) २२ बाहा म-তে श्रम्भ (अनित्र अभीन नामिरकेट्रोहर क्रम्स 53 beta मोर लंब 3+ आहेम बार ड (अश्वी कार्य केरबब कमल भावेरबज्ञ।

नक्षप्रध्य क्ष्य हुँके छि। क्रिक जार जि काईम। भारत्याप्रकाशका । जि. वि. वि. व्यवस्था म्बर्जनाबारम् करमिष्ठे आहम् मान्यनि

টারভূষে এইচ এল ছারিসন সংচের। निवृत्तिचित्र कच्छानिया कोलमान छ।रेस्सर (११-७ मालित २६ करियः) २२ बाडा कश्या-त्व श्वन (अभित्र अधीम माजित्केरएत कन्छ। PHIP CAPE

জি প্ৰবিশ্ব বৰ্ণকু ক্লামাক্ষণ চাট্ট-প্ৰাধাণৰ में अपन शासाम कि कि विश्व विश्व भारत । प्रकृतिक प्रमाणिक मार्गा मार्गा ।

वक्तात्म, अह्हकार 🖘 🤫 ।

अंक्षण कि छवा छन्ने निक्र

ध्योजारम कडेड **छ श्लि**के वातव^रा प्रदेशोकहि था प्रम

াণিয়াট ৰাও হ' রচনণ ছে'য ' नेटम कर व शांचु श्रीवस , का ल ज বাৰ্থৰ গজে শীক্ষাৰ হৃত্তিল পদ্ধা

পোরত। व्ययुक्त (नामध्यकानानभीतिक।

मटक्षिट्युष् ।

गम्यानिय्सम्बर्। REA. Tartiff effigifmater Mum.mermen वांवांबुत हुन्यांवरम ज्ञानमय क्षतिका जन जार्च-. द्वात व्यक्तिहर्य शका अविवादस्य।

शंख २८।२६० देव नाथ जन्माकारण मानाम क्ष इकि ध्रेशदह। उक्षारा अन अकृषि नि-्कात किकिनगकात स्टेबाट्ट ।

@ १९ मेर अहमा मुला अंख द्वरे वरमन प्र-्नद क्या क्रिकांड। द्वांके कावामर्थ्य श्राथम श्यामा गान प्रदेशहरू। दक्षम देखेल ७ इरखह भूला चांधक ब्हेब्राइक ।

> ववाय हफावरम बाक्रांका अकृषि क्रिप्तेन अधिक श्रव्या दाजी आशिकारक किंद्र जीरमारक-

.२१७ टेरमाच ।

इस्त्रवन्द्र गाउँका। 74 25 47 I क्र-सोनन ।

মান্যবর প্রায়ক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক। बहाल्य मनीट्रम् ।

প্ৰেৰ ভক্ত ছাৰ বিশারীত কল। ट्रिवर्य नयस्य वट**र जरित्रक वन** ।

चायन च चारवांच यानारकता स्कान हुक्क काकार प्रकारन बाह्य हहेरन मक्तिमसन arfore, Erffereng Gente untaid mi-भनान है खाबार ভাৰগ্ৰহণ কৰিয়া দেই व्यक्तिय कार्याणि ज्ञानका कतिया बाटकता कांत्रि (मर्वे क्त्रमा कतिया धाक्रि हेरद्राक्षि 😻 राज्ञाल। विज्ञालय मरक्लेशन कवि: छोविधा-ছिल म ध्यारम स्थ मध्य धमी ख सम्बद्धा-बाह्द दात क्रांशियानाम पूर्व शायन वि भाव त्याक व्यवस्थि क्षित्वरहत, क्षेत्रात्वर ७'व अवगारे वहें अव्धिक बादांगि नवीव क्रम्भ व व्हेषा देखिरव । विश्व श्रुश्येत्र शिव्ध े हे, विकास अधिक वक्रकाम आधि । वदमहत्रास यधिक रहेल, क्लाबाय व्याहिक महकाद्य कृत्य কান্তি প্ৰটি ছইব। ক্ষমী ছইবা উঠিবে, ভাষা না-क हेवा क्र्णाचा वलंड १ शिवर कीन क्रहेशा वस्त्री १ केटलरम् । कला ३१ अकाम घरधा खेविनामग्रही काम महाकाद वृक्तिगरथं अञ्चल करेत मा

> ा खाडि का उड़ा (अपूर्णि मारकर के हैं के बुर बह बारेलक मान्य माञ्चालक व्हेला ख्रांबरम বিচার কার্যা সাপদ ক্সিডেছেন, তিনি যে লিউ-श्राक्षांवश्रम ७ हुए प्रगम अकथः बना रहिना । अकरन मीमाध्यान न। छेल्डिंग्ल वदा। हैनि बरे স্থানে কিছু কাল ভায়ী ছবলে বিদ্যালয়টবং केन्रांत बहेवान मन्नवमा आह्य।

क्षत्रभीय दश्कातः। >> (x : P-0>) शिक्समाम ज्यापनी। ेक देना**य** ३२७७ । अञ्चीतास १ रिए इतिया

मानावन जीवृष्ट (मान अकामामाना-म. पहालंत्र महीदश्यु ।

मर्गमञ् ! निमु निषि उ मदाव भरवक्षि देवि शव-টিত ঘ্ট্ৰার ৰোগা ছয়, ভাষা ছইলে প্রকাশিত ক্রিবেন |

.b.। आह जिन भाग प्रदेश कथारम अन्त्री হিতাখনা নভা স্থাপিত হইরাছে : নভা অলা,-ৰ্ষিত্ৰ কোন বিশেষ কাৰ্য্য কৰিয়। উঠিতে পাৰে-ন নাই। খুটান সভা ও জন্য গভোর সহিত বি मान्दे देशांत्र कात्रण : अर्थन भूकीम् भटकातः सराप्र ভ্যাপ কবিয়াছেন, একণে আৰহ। আলা কবি **छिष्टि मञ**्जीय कति। इत्तर शकान काल्यन

र। महास्य कामनः र ० ज्यानक कामः देगांदम मिथितम त्याथ मध्य म। उस अथारम निक्रिय मिटचंत्र व्यक्षिकाय व्याटकः व्यवादन् क्रमान्यतिकः একচেটিকা বাণিকা আছে জোগু, পান মিদি देखांपि कारमक खबा धकंग्रमहे विक्रव कति। -. विकीय कंटनत विकासिय प्रवृत्ता है। ग्रीमाक भारति दर्माका कांशियको काति थान। छन्न विट स्ट्रेरव । आधानि ध्रम भरत कविरवत कर रा तडे विका **कान्यामिटक लग्न, ब**िवामाय वस्तुन नात বাজাৰ অধিকাৰ।

१३। अभूक राष्ट्र जीवामण क्रमांश्री विनि ৰলিকাডো সংস্কৃত্বিদ্যালয়ের ছ্যে উচ্চাল স্বকাশ চওয়াতে এখানে জাসিয়া একটা প্রাক্ত িদ্যাক্য অপিত কৰিয়তে, মৃত্ত প্ৰতংহ, শেৰং নে নিজে শিক্ষক ১ ক বা লগায় করিছে:ছুন সত্ৰ জন ছাত্ৰ আনিংডাছ

B: विक २६६म े भाग **केर**ारत कोंगे सार हुए। १-इई एड्ड खेलि मर्गास (म मिन २० as भेक्षात्रम फल्टामात हैन्। ४०६० - ० १ **क्रिश खेणमन। माध्य ग्रे**टिस के र 🚓 क्ती छेरकुके बारकारन प्रिंगन । अधिमा । वृष्टी (मर्ग खामा विमा तर ५ क्षेत्राह्य अव्यक्ति वर १००० ह विमालिए अभाव गाहातक अल ह. **কীয় আহছেন।** ম হা চাটক ঠাছ'ব। भाविद्यम मा।

के। अधारन दशकियांत्र है। के १ : बिरक्ट । कोकियानि हे का एक उ त्याक त्मावयां वेहेरता किंगू का अगान का पा **রীরা এক নিঃশ** ও দ্বিজ ৮ ইংগিংখন 'ব্যন

क्रारम वीष। इट्टेरन, किश्च व्यामि छेडम क्रारम विल-ब्बंधि व प्रामास्त्र विजित्र प्राप्ता शक्ता रा स-ঞ্চন বলিয়। বোধ হয়

२१ ८म देवभाष । ३४७२ देश जाना। क्षित्र माद्र भगा কালন

💐 জ লোমপ্রকাশ সম্পাদক बङ्गान महीर १ वृ ।

 वोष्ठ अविति अवकार नाम्य व्यक्तियां उपश्चित्र হৰ্যাছে ত'হাৰ উৎপাতে অসতা অধিবাহি ान वाजित्याता वाहित्व वाष्ट्रिक शादि वा । ले বাস ৮০ মই বৈশাৰ বন্ধনীতে একটি বাদেশ ত শীর বালককে উদ্বেশ্য কবিছাছে। সামুসয়। षाना कार्य बद्धकी यात्र शालवा जिल्लाक्। यान, अञ्चल्याम अमाउँहै। द्वार्थिक काहाब একে এব চৰয়াছে। গমন কি ঘ্ৰেচিত প্ৰভাৱ সূত্ গ্ৰাটি কাল কৰলে প্ৰিড ক্টডেছে না, এলল আন অভিৰিবল। অভ্যাং দীতে। চহাত প্ৰভিৰি थ न उपने। क्या कर्तवा। मलूना बिटन्सी क मवाजी | हुके दाना अपूरत भाषा छ एवं काहा विश्व शक्ठि वृह्मन माथ हेज्य उदम्ब ६७६, ५.म 1. N. S. N. S. 1.

३२ के १४माचा निध्यमस्य । न्म ३२ ५%। कताहिर अधिवासितः मांकेष्ठे चत् ।

মান্ত্র প্রযুক্ত সোমপ্রক'ন সম্পাদক মছাশ্য সমীপেয়

नविनक् निद्यपनिमाः

मण्यामक महानग्ना (५) त्वत (६) हान्य छ आत्म र म क्या कांत्र इतेश केहिहार वि शिम मरुद्रा काशिमा बाकिट्यान्य। शह बदराव । आप करे शकाव व्हें वाहिल, कि ह का ोटन अर्थिय। वाकि अविविध्य वस् मण्डे, ब বলিও বেপ্রকার উল্লেখ্য, লাহাতে, পাং গ্র ি নিগ গ'(মো 🖰 ববিষ্কি',বংক জন্ম 🕦 সুস-- के एके आगर मी आहिन नार्थ राज । १९५७२ एक्टीइड वृक्ति कावेश रक्ता বিভাবে প্রায় - ০ শশু টাভাব জিনি**ৰ স্ব**ইয়া किंग 🛴 १४ अल्यान खुकेटड मां अप, माकेटडास् ा अतिक भक्त नात्रि क मी विषय मर्श्य महित অংলি অম্ক বাটীতে লালি ছিলাছিল

cbोकिसाहि है। अवात्रा कि व्हेट्य ता व 'रहः উत्तर | अ शकाह कथा कित स्थमा काम विवस्तर किह् है अभित्क शाहिता। बहायाः प्रश्वत कथा कि ৰ্লিৰ গত ৰাজে আসাদের একিশাসী ৮ জনাত্ৰ বাটীতে চুরি কইয়া ছ

> महानह । अवे आत्म अकृष्टि संन। चार्ट रहि अ टोहोट अनका कर्माहात्री क्रम केन कर्य-छ। बी ७ चार्ष अवर धांमाखरन सर्वामक मारवा-া নাঞ্ব দাবোগা অভৃতি নহান,তবাও 🗠 -. इ.स. १४१ हेड्डाइमन मिक्षा **एक वहेटड** ८ त्त्रीय ना, दक्ष्यल चीप्र छेम्ब्र श्वरण व्य छास शहे + इर्राट्सर मर्कामांग इंडेक चात्र मान कंके का मार्ड जाबादम्य कि कछि । छाबादमय छेमत शू (इहेटलडे इहेल । एकि एक अश्विमः जिन् নিংগাৰ নিকটে কছে, আমুকেৰ বাটাতে গত बाटय पृति कंडगाटक, कामलि जानांद्र। भवमभा मध्यों पृथु यूट्णट मार्थि प्रश्नवद्या खे छुड्बिड वा-छर व जिल्ल अभन न्हें । खान नर बलवीरकात भी नहार विद्या भूत । स्थ नातिर इ. शा.कन । एहारबन खान्नम (१ ४ कर्र), अभिराध थानुक, खारिन के बाह्निय विक्रि अध्यक्तात्र कर वर ए जाशास्त्र भन्दे शनी करिया जिना कथान कथा भशानम अहे भारमव व्यादकः । छ। स्थातः । निर्देश (कालः । अञ्चलकोन सद्धम भ । दक्ष्यल शर्यत्र भर्थ सुरक्षिषान । कर्षात्र । दिन। उप्राथन्य कि करन शिक्षेत्र भग्नेहांच लगमा। एक ना कहेंग्स का गर माहिल के जातन जासन ALL THE WAY WE SEE THE

८५१हे १४-८५ **चिल्ला** र (३१५३) क्याहिस १ वपर विश्वामिनः।

यूनाथ शिश

अपूक्त यांच् नागमणां । धार ১> ७३ देवणां के हेट्ड का नित श्वां छ के है। इ इंटिक्स क्यांत्र नाम् ১- ১৯ বৈশাধ চইতে জ্বে, মিন পরাল্ পীতাখন কেতে :> ७२ टे बलां **य क्टेटक** ला/मांभ अन्य ४ २२ ५३ टेरमांच कहेटल आबिम भंगास

करें शक्ष के निवाजान पश्चिम श्रुक्त माजन: दम्ब कर र त्मां बाष्ट्रव व्यवस्थात प्रक्रिक कार ज़िल्लाका आदय की व प्रतिकृतिका विकास्त्रियालय वाणिएक आकि

(माराक्षक)

" এবস্ততাং প্রকৃতিনিভার পার্বিবং সর্বতী প্রচ্ছিন্ত বি নীয়তাং

· 田田

मन ১२७२। २५ टेकाछ । डेर ५५७२। २ छन

माजिक मुला > होका বাৰ্ষিক অগ্ৰিম ১০ টাচা

विद्याभन्।

গ্র হকগণের প্রতি।

ইবলাখনাৰ অভীভ হওয়াতে ক্ষেন্টের ज्ञान भाष्यकारमय युवा बिःरनविष दहेश। (इ) ठाँक निगाक विना भूकिक खामांग गाँडे त्यक ता होड़ारा कामकार भूकान क्यांब कांशीय वर्धनंत्र मुना शांत्रीहेन उस-। आशा-ভঙঃ দংক ভ যতেই মুল্য পাঠাইবেন

বিজ্ঞাপন।

বিশ্ববিনোদ নাউক।

শ্রীশন্ত্রনাথ মিত্র প্রণীড়া উক্ত নাউক নাক क बद्ध मृतिक बहेब, विकाशन श्रेष्ठा कार् আহনগণ নিমু লিখিত ঠিকানায় তম্ভ করিলে পাইতে পারিবেন । মূল্য । 🗸 মান মাত্র

কলিন † তা

ठेमहेनिया , ३१७ मध् इन्द्रम प्राप्तु इ श्रुष्ट क तर्भ राहेल छ। जा ५० मा कराम छ थ उद्याप मिर्गर भूखकानव मामनाभाव कि दांसाबि छ এ কেম্পানির লাইরেরি

वक्यां में

वाधानगर अधानकां वेशाहारी 🚭 । क पूर्वामण कवित्रभ वहां चटहत्र निक्रे ।

> (मामधानामा · 1 化作品 (A CP 2 4) 1 क्यमश्रम्भानवादनी मुख्य स्वानाम्खाः

কালে শুনিষাছি ডাকাইকেব, প্রকাশ, ল: যেৰপ শাসালকের গতি, প্রচহাত

क्षकामा ब्राक्स्थ रहेए मुमदी औलाक ভৰ বন্ধ। ভার ছিল; প্রবলের আক্রাল্ডান इर्वत्तव गर्वज क्षांवनात्मव मा रहेक क्षांव নাশ সদৃশ ব**র**ণা ভোগের হেতু হইত। अर्थन मर्बक्षरम् (मील क्षशंन-क्षरम् ইহার অনেক উপদ্রব আজিও জাগন্ত ঘাছে) না হউক, অনেকছলে উল্লিখিড **म्पित्राचा आग्र निःहम्थिङ इहेगारङ । भागन** कःशालीत टेमनलिन क्रिवृक्ति नवनरशास्त हरेक्टि। किंद्ध अनुशायन क्रिया (निर्व সে মুর্বলের প্রতি প্রবলের সম্যক অভগ চার নিবালণের আব্দিও বছবিলয় আছে। धक्टि मध्योहत जिल्ला थे अया यास, त्य অত্যান্ত'ৰ করিলে তত্ত্বিয় দহস। বাজ (प्राप्ति ଓ प्रथमान क्रेया श्रास्त्र अक्रम अक्रिया সম্ভাবনা আছে, চুফেরা তাদুগ অভ্যাচার প্রায় পরিতাপে কবিয়াছে। প্রর্বলের পক্ষে ভাদিলেতে যে অত্যাচার প্রমাণ কর। বি গায় ২টিন, একণে কাদুল অভ্যাচার স্রোভ द्भवाहिक पृथी इहेटका । भानालक इहेरक সে সকলের প্রতীকার সহজ নয়। দৃষ্টাস্থ ু স্কুপ একটা উদায়রণ প্রস্থাতি চইতেছে।

वाध कत श्रवल ও हुईल উन्धासन स्तलमानिष्रित अधिकारतत कथा भ'तू । जूमि भाष मश्लग्न । अवल भीमा अफिक्रम क, देश्त्राक्रामिश्व के व्यायमिक अधिकात । कतिया प्रयंत्मत शेष्ठ कृति इत्य कति মূপে প্র লিখিয়া ডাকাইডি করিতে ভূমির উদ্ধার আছতঃ ৫০ টাকার ফান স

याहेक ; क्षांत्र धनवान अथेवा कर्शभारतता मान क्रेवात महावना माने । वीक्षाता आमानरेठ यकसमा क्रिज़ारहम, कीहाज़ । एगरक चश्रह पतिशा नहेगा गारेक ; को कथन e राज जूमित कता द॰ होका वारक ति छेपखर निष्धित्राम निकाशूथ अन् | कथा समिश विकाशभा क्रेट्रिक मा । प्रस्क हा अक्ष अक्षे जीमाविक्टमंत्र महत्त्वाह इंडाड जानि। अक्कांका कृति शरेबा लाई विवान क्या आहारक ३२० होका वान स्हेता यात । त्कान् विवदत्र कि वात्र स्टेत्राहिल्, তালার সমুখার ঠিক করিয়া বলিতে পারি ভেছি না। কিন্তু যে প্লাক্তিয়াকে বৰক্ষাদী হইরাছিল, ভাহা অবণ করিরাপাঠকর্মণ বি বেচনা করিয়া দেখুন আবদা যে ব্যৱেদ্ধ কর্মা कहित्कहि, जारा रहेट भारत कि मा ?

> क्षरम चार्यम्ब छ छेकीरमञ्जू सात्र । **क्षक कार्य कृतित**्वसक्तात्र **कार्येक स्व** উহীলের ব্যর নির্বাধিত আছে, ভাহা অভি बरशामाना । **काश्यक केनोटनता सहक्रमा** গ্রহণ করিতে সক্ষত হন না, মুকরাং অধিক निद्ध इरेन। छाराज्ञ शत्र शनाष्ट्रिकत्र मि वान निया नानीन स्टेबार्स, अखियानित्क मानारेए रहेन। अधिवानी खाराद्र रहान जेका पिल ना, भूसबाय नयन काडी कति त्व क्रेम । मूळ्डारे भूनबात्र भवाजित्कत मित्राम निष्ठ क्रेल । ভाषात शत गांकी । এদেশের সাক্ষীর এমনি ছুর্কলা বে যাঁছারা

গ্রহণ না করেন তাদুশ ভত্তলৈকের। নাক্ষদানে একার পরাত্থ; ভাঁহারা বেছা ক্রমে গাণাত্ত্বও আলালতে যাইতে চাদেন मा। अञ्च नाकी महेता याहरू रहेल! भ उर्ज माकि विराध अरे ही कि, काशता महा

क्रिक, कार विश्वा तनुक, द्वाका वा भारतन विमालाह भवानंग करत्र ना। हाका गाहे গ্ৰাই যে ভাইনিবের মন প্রসন চইল, लिटिक्शन अवस् विश्वकना कतित्वन ना। ক্ষ্মিক্তাৰ সভান আনাতা চটলে তত ্ত্রী পারিক করিকে হব না, এত আদর ক রিয়া ঐ সকল সংক্ষীকে গাড়িতে (কলের मत्था जाशानित्त्रत करे वा शाक्तिक हता) लहेता गहिएक इत अवश द्राक्षण्डारम आहात क्त्राइटिंग्ड इत्र । जाकी लहेशा चाइवात किन আপনার প্রিয়তমার অস হইতে উলোচন করিরা অলকার বন্ধক দিতে চউক অগবা व्यवंश क्षांकिवामी किहूरकर कालत्र मरहम (ছা বিধাভঃ লোকের যে অসাধুতা ও নির্বু क्विवादमणः अरे विजयना वर्गालाव, जःश करन अवस्थि रहेरन) धहेन्तरभ नाकिन कितर इस প্রক , আভালতে লইরা গিরা দাকির क्यानवनी क्यान हरेल । धनमद्य का यनानिरात्र किहू थाशा चारह। जीहा বা ব্যক্তি বিবেচনা করিয়া প্রতি সাক্ষিতে अक्टोका अथवा आहिआना नहेशा शास्त्रन (बैंग्स्त्रा किसिय अधिक त्मन, जास्तित्त्रव श्रीक नाका जनूकृत इह) उद्यो निएउ र्रेन।

केखर भरकत अर्बर्भ माका (१७६) स्रेटन विठात्रक्छ। मान्सर्म प्रदेश मक्ष्यत वानीन शाहीहेश किटलन । यानी नव फेक्ट्र **ৰুহৎ, যাঁহার নাাযাপক্ষ তি**নি ডাই। পুণ ক ব্রিভে পারিলেন না, সুতরাং আমীন বিপ শ্লীত রোক্তাত দিলেন। প্রস্তাবিত মকদ ষ্ট্রার ক্রেকজন ভদ্রলোক সাক্ষী ভিলেন। ক্রিকিছ ১৯ আইন জারী করি। উচ্চাল **लंदक जामानटक नरे**श याख्या इहेना। कृष्टिक क्ष्म राज्ञ इहेल वा। किहूटको ্রি**টারকর্তিরে সংশরকেন** না হওয়াতে **ক্ষিমি শ্বরং মফখলে খেলেন। ভা**ছার বাহ্নেরাও (আমলারা) ভাঁহার সমভি के हिर्देश भगन सुनिद्दलन । जाननातः कथन

বিনা লাভে ওকপদ গমন করেন না।ভাচ। पर्वित्क शहारेश मिल्लम । जा भील कोल, ' ात क्रिका कतिरवस । (क्र्स कारात क्राक्त **७.३**!७ विमा व्यर्थवाय जम्मक पहेल ना । । एपि कामाशाहद्रश करत्न, कामकाश काहा এখন প'ঠকগণ কি বিবেচনা করিভেছেন এককাঠা ভূমির উল্পারার্থ ১২৫ টাক চা, ভারার তত্ত্বানুসন্ধান করিবেন। অন্যায (क.थंग श्राम .

প ীথ্ৰামে এক কটোভূমিৰ মুল্য সচ এই পাঁচটারার উদ্ধারার্থ ১২৫টাক: ব্যব कविरक मकत्लब श्रवृद्धि कथिरत (कन वनकिंवाणी विक्रम कतिएठ इक्षेक, वाणी निकल्म कतः क्रिक्त अर्थवाम इहेटल १ हत् ना, (ल'कवल हाई। याहात (लाकवल नाई, অনে: বিষয় কাড়িয় লইডেকে কেবিয়াও : য় কেবিতে ন, চাকেন সনুসন্ধান করিয়া তাপেকে অগতা মলোত্র মনে নীল

> चामता निश्वनाभी अविषे केन रह व धापनीय वृत्तिनाय, शक्त्रातन विवय शहे क्र महञ्चर प्रभाव कार्य। प्रमूखिंठ ६३ তেছে। ভাহার নিবারণের উপায় কি পাশালতের দোধ সংশোধিত হইলে জালা न्य के विवादात के कु कहेर वन, क का मा मु । यह वान कन, मका करा सुनिया कार्या क দুর পরাহত। গ্রামের হন্ত ও বার্ষিব লে কদিপেরই এতলিব।রণের বিশাষ সনু मकान करा कर्डवा । शास्त्र कराम स्वर वर्गी मञ्जाकाशन कविवायर नत् उँ १ क है । व्याव छिएलान्। इन्हेरकहरू, कथन अवर्गस्मन्

> কুতবিধা ব্যক্তিবিগ,ক এই সভাসা পনে क्रुट्डाम्ट्यात्र इष्ट्ड इष्ट्रेट । ए। भा व क्रुया अहे. अनाव निवातनार्थहे जलाव वाक्तिरू में का कार्रिश हे के निक्ति हहते। व मृश्चि इवेटकाई, किन्द्र में का ध्वम धार शरक স ট্রাবনা নাই। যাঁছাদিগের ধর্মভান আছে, যাঁতারা জনোর হিছ সাধনকে প্রধান প্রভুক্ত লাতন। সভা ন্যায়োপেত কাষা कार्रश विनिहा खान करतून अवः व्यार्थ अर्थ वः छाष्ट्रिकट्य याहामिटशत किख्रांक विकास दिशाम्य कांत्रद्यम त्रात्मक साह । अहेबान उ करिएक मा भारत, जीकाताई धारे जालात । जाईख जाका करेरल अवनंदमर नेत अर्थन न्न छ महाभार लास्त्रि (य'ना भाव । अहे तका भित्रिकामक अपनक लाखद स्ट्रिय । असे म क (म श्रीजिट व व काष। कतिएक हरें | काल काय। निर्माण के किছू कि**डू कटर्बत** श्राह के अस्ति के किया कि किएक । अहे ।

> সভা ধৰ্ম **অথবা নামাজিক বিব**য়ে **হস্তক্ষেপ** তেও চিছু গেল। শেৰে সুৰুদ্ধি বিচাৰপতি তরিনে না, অন্যং প্রকার অন্যায়নিবার ज्ञांव शांहित हहेरल मछ। अध्रस अः, जामञ्जाबिरः निविध्वराष्ट्रिः এ है।कः ' वर्षाव आरापाणी मछात्र स्वन्यका स्ट्रेल সভা আগ্রে অনাগ্রকারিকে তথিবদ হইতে নিনির্ভ ছইবার অনুবোধ করিবেন। ताहब शह है।कात वक् अधिक हत वा । किंद्र दिन क्यूद्राथ तका करत्व, है उग जनाय अला अनावित्रहिकुत अधि बिनि इरेश, ये विषयी सिक्षेष विष्ठांत পতিৰ গোচৰ কবিবেন, বিচায়কৰ্ছা কেবল সলার বালোব উপরে বিশাস করিয়া কা मग्रामग्य भित्रं क्रियम ।

> > भइतन अहे भ ं फि इहेट आदत, दि চাবকর্তার। সভাব কথা। শুনিষ, বার্যা ক রিবেন কেন - অধি প্রভার্ষির আবেদনাদি । अन्। क्रिश कार्य। क्रिन्। त्रहे निष्ठम । त्री াতি আছে । ইফার উদ্ধ্য এট, যদি প্রস্তাবি ভ সত। সর্বর প্রতিষ্ঠি**ত হ**র এবং স**কলে** ब्रिटा अध्यादेन ३ ७३१ । **३ ४४म प्रकार स्ट्र** म । अमान निवाहन कहा अवन्त्रात्नेहर केटलकाः। त्रहे अन्। स निवातः। यथन म , ভার অনুযোগন না করিবেন কেন -**७% ल विरम्भ कतिश जामानिर्गत वकी**। পদ্পাতিনী হটয়া শ্বরণ অন্যায় কার্য্যে ক্রিলে গ্ৰণ্মেন্ট ছাই চিত্তে অনু अर्गाक्त इहार महमूह बाहे। किन त्वहे

क्ष्य भएन स्विद्धः शृद्यनः, स्वान्तः।

स्वान्त्यस्ति नस्य भाषा स्वना व्यक्ति श

स्वाद्यस्ति नस्य व्यक्ति स्वित्वस्ति । स्वान्तः

विद्यान विद्या गाणा । स्वान्तस्वर्योत्र न

स्वाप्तस्य क्ष्यस्ति स्वान्तः । स्वान्तस्वर्योत्र न

स्वाप्तस्य म्बद्धिः स्वान्तः स्वान्तः

कार्यक्रिकोत् मध्यातः।

हत्रकता मन्नामक २७० अदक्षण नयां दित य जाटमित्रकात मश्यां नाहेयाद्यमः श्राण न्यां जादत किशा निष्टः ह, जाटम दिकात क्षणियां रामेत्र महिक केलंतां रामत । य विवास कहेर्डिक, हेरलक केलंतां रामत केलं ताला जाकां विकास केलिया निष्य म, महरक यनि मीमारमा मा इत, में केलंग सर्वादमके यह व्यक्तारमंड भूतां कृष्य हरे विवास ।

दोलिकाक यार्श य नगर नगरित काहरन, कर्यकारिकिस पाय वर्ध नग रह काहाद वह राविकाय परिते। केलिकिक विस्तय यवि भिटेकिश वाकिकाय परिते। यारक, कथा गाँदे, विक काहा ना करेगा न यांकि मका कता. भागाजित्यक भावःकत्य विभाय बाता এकांड चिक्कं कात देगती देशा छत आवर्णम बाता र्केंक, जात देगती देशा करेक, भारमितिकात विवास भाषि क्वेंटल करायत वह कत है के लांक क्षा नामक् गाँदे। वह कलिं वित्यक्ता करित्य छेख छेख्य श्वर्गराविकात क्षा करित्य छेख छेख्य श्वर्गराविकात क्षा करित्य छेख चिक्कं प्रावर्गराविक करित्य करित्य करित्य करित्य प्रावस क्षित्य स्थान क्षा करित्य वामाणित्य विक

शाब कार्य अन्दे की कार्या क्षेत्रिक के कि सक्य कवियां ध्विष्य कार्या अवस्थि विवा म क्तिएक्ट्य । भारमहिका, वाधीय ताका, कार व केमदब देशमध अथवा कृतिकत अज्य गारे। क्य ने केन्द्र द्वांना अज्र बादि कार्य। कदिएक व्यवस व्हेबारहन डेखन प्रश्विकांत का दक्ता जीन करेगा বদি যুক্তপ্রয়াস পরিত্যাপ করেন, সর্বাদীন मकल इव महल्य मारे। देशना ७ कृत्म इतरक्र कतिरम छेखप्राः एवं साक्षि ণার অন্তে পরিত্যাগ করিবার সমধিক স श्वावमाथ चाटह । यादक केन्द्र केन्द्र शवर्न मिक शबल, मक्का समिता धरातत म हिन अनिर्यातिका कविरक स्टेर्स । विकी गुजः উভুরাংশের গবর্ণমেন্টের অর্থের স कत नारे।

किया छेखनाश्यान्य लाकनिर्धात परि चनवान खान धारम स्टेडा छेट्ठे. ध नकत िखा जित्राहिक इहेश यात्र, जाहा हरे त्महे विषय जनवी। देशमध ७ म क के म अवर्गत्यांचे त्य विवत्य क्षांद्रकाश कतिवात সন্ত্রণে করিয়াত্তন, তত্ত্বারা দক্ষিণাংশের আনুকুল্য কর: হইতেছে। কিছু দেই সা श्राया नाम विशिद्धानिक व्वेटल्ट्स मा। चनुधावन कतिया संविद्य मक्तिगांश्ट्यात ल्लारकता शक क्षकात तांड्रेविभवकाती। मिक्का अ छेखा छेटा आरमामा लाक এক গ্রণ্মেণ্টের অধ্যমে থাকাতেই আ मित्रिकात वरु कीवर । अवस्त संविद्याश्य युख्य इट्रेबान (एक) नवण्ड तारे भोत्रव इ.नि इट्टिंग्ड । हेश्ल ७ या व्य स्वतिकात तिकृते भवाकुछ कर लेखा बरामव केका ৰ্জ্বাদ অবস্থান কি ডাচার কারণনয় : क्षत्रकः चिक्रणाः स्थेत लाटकता वर्षेत्र दहे बाब किया। बार्क कारबित्रकांत्र शर्भट्य (धेत चनिके एविशाहा । त अक्रम वासिक विक शवरकारित अनिकेशात्री, छाहाणि খের সহায়তা করা কি কর্মন হৈব হর

रेश्मक के काला है। हा सामा भारत

विकाय विवादण एक्ट्रकेन स्थादक व्याप्त । पिरानंत्र जात अवनि जातिर्वेश क्रांत्रको क्रांत्रका जाति । पिरानंद्र । केन्द्रतार्थाल क्रांत्रका विकाद विद्याप्त क्रांत्रका क्रांत्रका विद्यापत क्रांत्रका क्रांत्रका क्रांत्रका क्रांत्रका क्रांत्रका क्रांत्रका क्रांत्रका क्रांत्रका व्याप्त विद्याद्रका व्याप्त व्याप्त क्रांत्रका विद्याद्रका व्याप्त क्रांत्रका क्रांत्रका व्याप्त क्रांत्रका व्याप्त क्रांत्रका व्याप्त क्रांत्रका क्रा

> २৮१७ चटनते ३० कार्टन नश्रमाधम द्यासाम (*

विश्व कार्यम्बाद कार्य विश्व विश्व विश्व कार्यम्ब कार्य कार्यम्ब कार्यम कार्

এখন এমন প্রকা অভিবিয়ল। ভাহা 'বাবনা নাই। এফেলীয় প্রজায়। নিজ গৃহ शिद्धिम मा । जत्व बाहाता हुके, जमा वाटक हेरव धवः वालला (मरणत्र अतिराग अत् **मार्क कतियात निशम क**तिशा छ।शामिशरक 'कि श्रेटव। **ইরিবার ডেক্টা না পাই**রা যদি দত্তের 🕆 ক্রিব করা হয়, ভাহা হইলে কি অতীউ স সভা যে আপত্তি করিয়াছেন, ভাহাতে लाका केंद्वी कक्षत्राक्ति निवातन, ब्रेशाटक, ७ ७ शात्राटक व यूक्ति अमर्निक श्रेगा আর বাহারা ছ্উতা করিয়া ধাজনা না | ছে এবং যে বুক্তিতে সেই সেই আপত্তিব टक्झ, ण७ वात्रा छोड़ा किरावत कि भागम ६७ । ४ अनकता व्हेगाटक ३४ ७ २१ थात्रां७ कि ং , সভাবিত নম ?

<u>বুৰুত্ব যে ছুটা প্ৰধান অংপত্তি, ভবিষৰ।</u> 🚁 🏗 🖰 জুলি । ত দিয়া, সভা অসংশোধি 🏋 দ্বিব বিষয় উল্লিখিত ছইল ন, । ্বিক্ত আইনের যে যে অংশের সংলোধন 📲 ক্লাৰ করিয়াছেন, ভাষ্তি উলিখিত হট ় **३८ছ । ১৮৫৯ ज(अ**न्न >• जानेतन ३।६। ু । ধারার ভাৎপদ এই, যে প্রকা জাবা করিকার ন্যাম নিক'র ভার্বে, গ ইই ্রাকৃত্ব সীর্যকাল (৪ ধারাণ ২০ বৎসবের , গাছে। প্রপত্ন আনর শুনিলাম, পারসী প্রবাহ 🔸 বারার ১২ বংসরের কথ। আছে) কেরা আফগান ছ নের রণক্ষেত্রে খব হীর্ণ ্র ক্রি একবিধ খালন। দিরা ভোগ করি চইয়াছেন, লান্ত মহন্মদ সমব সঞ্জা করি ক্রিকার হাইতে ব্যক্তিত করিতে অথবা তাহার আৰু অনুমোণিত একে। বে । সুনতান জান বিপক্ষে ভর সন্কৃতিত

শ্বণার, ন্যাব্য শাজনা হিছে শব্দ ব্যক্তি ২০ বংসর পর্যাপ্ত একবিধহারে ধাজনা দিয়া আইলে, ভাছার ভাদুল হারে পর কমা বাজেলাপ্ত হইবার অনুমাত্র বাজনা দিবার বিশিষ্ট কারণ থাকিবার সম্পূ ৰ্ণ সম্ভাবন। আছে। সেই কারণ জানা অধ ার্গের ন্যার্থ আপন আপন জ বা প্রনাণ চইল না বলিয়া ভাছার তে,গ ্যুধিকভয় স্বেহ করে। ভুমি বাতিক্রম হওয়া কোন ক্রেই ন্যায়ানুগত, त्र छत्र का बाकित्म जाकाता ; स्टेटक्ट्स ना । अक्टम क्रियाप्रक्रित हेटा उ हिंद अध्य कतिश था विद्युष्टना कर्ता जावनाक, विद्रुष्टा विद्युष्टना वर्ष রেরা সেটারুকিতে পারেন না। । ছওয়াতে তাঁহারা যেমন লাভবান্ হইয়া র হইরা উদ্ভব শস্যাদি করি । ছেন এবং বখালা দেশের সৌভাগ্য বৃদ্ধি । সচ্স হয় : প্রার সচ্ল হু ইবংছে, তেমনি প্রজাদিনের সহিত যদি अभौरात्रिक्टिशत चक्क, डाहां । डाहां किट शत हित्र हासि बटकावड हत्र. (कवल विष्टात्र व्यव्यक्त द्विया छै.हेटक श्रकात्र मध् काँशिट त्रक्ष व्यक्तम लास व

১৬ ও ১৭ ধারাব বিবয়ে ভারতবর্ষী जुड़ाबना नाहे ? स्क्वन এक क्रुड़ा किंदू विस्त्र मुख्य क्या मारे । ७।८।३ ই বুজিতে খণ্ডনীর হইতেছে। দলশালার নংলোধিত আইন সম্বন্ধে ভারতবর্ণীর বন্দোবন্তের প্রতিজ্ঞা ততই সেই যুক্তি षण श्रावखाचिम अत् यमा र वान '

্চ্বগালের বুক

উপস্থিত আফগানের যুদ্ধ ফণিভাষিত ক্রা, আসিরাতে, অনীপার ভাহাতে ভাহার। বাজেন, ইংরাজেরা সৈন। প্রেরণ ছাবা গো ' (चंद्र मानाया किति:उन कि ना, धने विवय : त्रासमा वृक्ति कतिएक शाहित्वन ना । এधाता ! सहैशा आत्मालन ककेटल । विक अकर्ष ! क्रूबाए कविद्रा आमात्रमिरणद भरनामक विद्रा-अमि गर्भामात्र वत्मावरसत्र अधिका वि समा पारेटलटक भावतीकनिरशत मध्या . मुख बिलिया छात्रकवरीय मछ। देशात भिद्रि । बाव-अत्र भार्कः अलीक । हितार हेत्र मुल । क्याप्र विषः म रस्त माहे । विश्व स्थ नकन अलाप्त কুল্ল ক্ষান্ত করিয়াছেন। কিন্তু এডৎ পরি তান জাবের সভিত দেওে মহত্যদের বিবা তিনি দখল করিবার খদ মাই ভাহাদিদের

ক্ৰিয়া স্বাভীষ্ট সাধ্য কবিবার উদ্দেশে शावनी कमिरगंद्र नमज्ञ नम्य अठाव कविश দেন। দোশ্ব হমত্মণও স্থার্থ সিজির উব্দে শে ঐ অনীক সম্বাদে ৰ'ভাস দেন, ভাঁছার व.र'न मिवान कान्न अहे, डिनि के छेशा বে যদি ব্ৰিটিস গৰণমেণ্টের সাহায্য পান্ का बनायांत्र लंडा करेटा। किन्र इल व ৰনমন করিব। এ পৰ্যান্ত কেছ কুতকাব্য हरीएक शास्त्रिम न है।

मत्था जाताव रहन। शिल, जूलकान जा भारत प्रक्रि एवं अर्थ एम्स निक्क हरेगाए। কিন্তু এখন স্তুন' যাইতেছে, জাছাও অদী क। धेक्स कथा के. देवांत धक्ती कांत्रव जारह। जूलकार कांच (नाव य धारकत कामका। व्यक्तवर भौच मिक्का हरू। व्यम স্তাৰিত নতে, গাহা কউক, একাণে শুনা याहेर७रह रमान्द्र भरमाभ महेमना ज्ञाञाञ्जू इंटिक्स । ईंट्रांटिक्द पाला सङ्बद्धक भाराया कतित्व कि ना अधनल विद्र रूप्

जीलक्षमान अरमभ हर्षे व्यक्ति।

भागरतम अस्त्रोक्षक स्वानन । जीतकृतिशान नादश्यको कर दक्षित नालिल कई श्रक्षांत्रिशतक ঞ্জ করিশার **ভোষ্ঠ উপার** ভার করিবাছেন। সকল্যের ভেপুনি কাপেক্টরেরা অনেকে তাঁহা दारुक्त मोद्योषा कतिएक्ट्या कहै किलाब **७**ड१र्स अ**म स्टेग् है** श्री कार्किन् गास्त्रव इतिहान २ । द्वाविष्टराष्ट्र एव किलाम शूर्व के हेवाब शक्तिरक्षक रहेवां किरलमें। अक्रार्थ गन्यिनडेन् क्षांक्ष्मन गार्**ड्व सीमक्ष्र**ेक श्राक्षांक्रिरशक क्र् । সংক্রান্ত বিবাদ পটিত ৰোকদৰার বিচা, নি প্পত্তি **জন্ম কৰিসমন্ন নিযুক্ত চ**টরা এখানে শু-ভাতমন করিয়াছেন। গুনিলাম এছিকে কুটীরাল जा (२८४त। अष्ठांत्र कतित। विद्यारकन रव सूब्रेन कारकम् व विकाय क्यांट वायता भवन्तिक ब्रुक नहेगा मानिवाहि। क्षकार्वे। अथस्य स्म क्षांक अनुसान गारस्य रक्ष्माञ्चारस स्य निद्धि

त्य प्राची विकिश्विद्यान, क्षात्रिमाञ्चम् भी कपून् विकाशन वामित्य कर बहरूमांची कर्ण निवृक्त मारहर रमहे मितिश सहस्रक स्त्रिशा क्रिकी हिं **क्टिइन : त्व जकन क्षत्रांत्र कृति प्रश्त क**्रियाँ-র বর আছে, ভালানিগের গুলুকালবার বিশ্ব- फिक्की क्रिक्सिएएन। अहे निवास प्रनंत कृति লা কুটিয়াল সাহেবদিগের প্রচারিত ই কথাতে व्यक्षामिर्वात पृष्ठ विश्वात स्वित्वादक् । किन्न रिनि बार्डा के कहन मा (कम, 'आजात पृष्ठ अ-তিক হটবাছে, ভাষারা প্রাণান্তেও নীলব্পন कत्रिद्य मा : कमिनमत्र नारश्यक अपे विष्ठांत দর্শন করিয়া প্রভারা ভাবেকেই জ্যাজ্যি ইক্তমা বিশাহে এবং বহুতের প্রজা তান গ রিত্যাগ করিনা ছ। এই বিচারপতি ভার किंह काल अवेशन विवास करिएकई काशि ! বোধ করি ভনিবাতে কুরিয়াল সাংহ্রনিংগর ভাকের সমুদান প্রকা ক্যাক্ষি ইন্তকা कविदन्छ ।

প্রজারা কোন ক্রমেই নীলবগন করিতে সম্মত না সওয়াতে কুঠিয়াল সাহেবেয়া মক্ষ্ব-क्षित महाजनकिनादक निर्देश कतिया त्यान दर्ग सुद्ध काहे के व्यक्त देखन कारण्य करम अन काश्या क्षणां भारत धानां कि कक्ष मा सम बनर जिक्षांपिकाङ्गियांत्री शक्तांत्रिशतक जन ক্রিবার নিনিত মক্বলংগিী কুন্ত ভাতুক-মার্দিগকে অন্তরোধ করেন: শিস্ত ভালারা ভাষা আহা ৰা করাতে ঐ দকন সহাজন ৩ 'अध्यक्तावनिरागन व्यक्ति कृष्टिशाल भारकर न्ता শাতমতা হইরাছেন। সন্দাদক মহালয়। त्राय त्राव्यभव्र युक्षकारण देख त्राय्यत निश्वष्ट রব প্রেরণ করাতে রাবণ ফোরে আধীর হই-मा गंबाद्य हेलादबरे वर कतियात मक्का क-विश्वाकित्वम ।

একণে একটা অহুত্ব মোকদ্যার গ্রাপ্ত লিখিতেছি। কুটারীগাছি প্রামবাদী ভালুক্ मात्र अवर महाजन सामकृषात्र व सूमनाद्वर न হিড নিশ্চিমপুরের মুগীর জেমস্ ছিল সাঙ্চে-দের উক্ত কারণে শত্রুত। জন্মিয়াছে। পূর্বে माखूममादत्रत मिर्ड नार्ट्यत्त व्यन्त । जा सीवछ। डिन এব' मरश्र स्यूप्रकारवृत् विक्डे छोको ७ कर्म्म सङ्ख्या । औ तबस्य मास्टरन उठीत समानत जावाद जाउ श्रम्भकती मिनोत निभिष्ठ मसूभगोत्त्रत्त निकरे धार्यन। व

দ্বিরাছিলেন। ৰাধুম্মারে**য় জ্যেত্রতা** মত্ৰা <u>।</u> वे वद क्षांटलव निकड करहकते हैं।का दाशिया क्टिन । कटहकनियम भारत दमने हैं का ए हि-**ए: वहकभाज करह एवं जो य छोड़। चंद्रह क**-রিরা শেকিয়াছি। এই অন্যার কথা শুনিয়া যতুৰাৰু ভৰি কৰিব। ভয় দেখাইনা কৰিলেন त भीख हैकि। ना तिहस को नाहीटि मा-লিশ করিয়া- ভোষাকে কএল করাইব। বর কলাজ ৩ দিবসের মধ্যে ট,কা জানিয়া দিব ৰলিৱা তাছার শুড়া উক্ত ক্ষমাদ,রের নিকট हिना बाहा। **अक्टन दिन भार**स्य कडे (२८४) ন পাইরা **ঐ বরক্সাঞ্জ**কে গোপন কবিয়া ভাষার শুগ উক্ত अवाबादतवान। চুয়াঙা कांत्र बाहेके समझेरत्त्व किन्हें कहे विशा নালিল উপস্থিত করিয়াছেন বে স্বাদানের সাতৃপুত্ৰকৈ অন্তস্থান করিয়া গাওয়া করি नारे । ए कारण जारात मनिव मम्मानात असी লানের প্রতি সম্পূর্ণ সম্পের খ্টালেছে। এট भूतिन क्यानगाड्या वक्क्ष्मणात्त्व वाहीरक ता বেশ করিয়া খানাতলাদি ভ গ্রামত্ত দোব बाँडा सूत्रक्कान करत्रन, खांशास्त्र अमान स्त्र त्व त्म बास्ति भून क्य बाहै। होक। कानिवात 'निविक कामात्र कृषात्र निकट दिन नाटक्यस কুঠীতে গিশ্বাছে। আমি কৰিনাটি চিল সাংহ ৰ বৰ্ণন দেখিলেন উভার এই কুনঃগা নিয়া দুইবার উপক্রম করিয়াছে তথন ডিনি কোন ति बारेके व्यक्तिक माध्यात अनाश्रहक (य नक्षम दित्र श्रुक्षयवृत्र मिक्छ के म्यक्षा-·**बर्ड ध्वनकि हि**ल भड़े कावर बक्ष्मणारवर्द्ध ্ৰতেরা ভাষাকে খুন করিলাছে। স্বোধ জ वेके स्वाहेन शहरूवत (यह क्यांच वृक्ष विद्यान **अधिन। डिनि आ**द्र क्रन्श' श निमश्र को कड़ि १। वर्षः सञ्चलकारद्वद्व गः है व भएषः क्षारम**न क**द्वि लग. क्षरफ ५३ ८१२ अञ्चनम्याम कविया शक्ति *ल्ला*रम बायुक्कारकः व ित श्रास्तिक भनव कता छ इहेशाइका के शास्त्र करनक कम लाहिकत बीक ভাছে। জাই ট নেয়েণ্ডীর ব**লতর** ভাছদে। ডেন্ ছো।ানচকী লইয়^{†৮}ছন, ভা**হাতে উড়**খ **ৰা**ণে अनान बर्डेगार्ट्स य ब्रुक्साच होका आनिएड विश्वाकित्यमः बन्द्रमणात्र एमधनारत् खाद्यंदरः । शक् बतिष्रः दिन मन्द्रप्रदेशः कृतेदिक एकिया

निवादक । हेबाटक साहेक् स्टू है है स्वय न। २३ तो मञ्चलारम्य पूरे भूम । वामिस साप मानी अकृष्टिक पतित्वा **गरेता विक्**रिकार्य . याथिया वडे लिट**उट्टन । बार्ड वर्डेबाइड** श्र णाहेके व्यक्ति वयमणादात शूक्तव्यक्तिकारक তলৰ করিয়া কাছারিতে হাজির করিয়া জো-वानवन्त्री सहरका । तन्त्रामक बदाला । वहि আগনি একবার মফখনে আসিরা এট বিচার পতি সহায়তিদিলের ভাষার ব্যংগার ছর্ণ্ करबन निरूष्टे विक्रिय वाथ क्रियन मा। ब्रा रडेन आमि अकरन स्विटक्टि त्व के अस्त्रन् अभीमात अकात नरावछ। कतिवा ७ विंग ना-কেবের অধাণ্য হইরা এককালে খনে লাথে विनर्ध रहेरमम । आवात आहेक मार्थ त्व यप्ति छ। हात्र श्रृद्धवध् विशास्त्र छन्त्र करत्रक তবে দেশাচারের দোবে তাথাকে স্থালচুক্ত ও লাভিডাই হইডে হইবেক। আমি আছে। काशनारक जानारेटछड़ि स वस्तुवनात वहा লয় ও তাঁহার পুরেরা অতি সুনীল ও দিরু :

পরিবেনে হিল্ক গোটারট্ ও ইঞ্জিনীন कोनफ् अवर इंखियान त्रिक्कीत नन्शासक वश्वानश्रमित्रात्र निकार्क जामात्र आर्थमा अहे त উল্লার অভগ্রহ্ম আবার এই পরের সং त मर्च हे ज भीटड अध्वात कतिया जीकंट আপৰ গত্ৰিকাতে প্ৰকাশ করিলে আদি জাঁ-ं भटशत्र निकडे शत्रद्याशक्छ स्ट्रेस । मिरसब

75 05 1 : . g cala !

প্রাপ্ত।

वर्गाव ।

শ্রচনিত প্রখা, ব্যবহার অথবা সংখারের विद्यापी स्टेश कान कथा विवास गाम अ-এেই ' মুখ ছঃসাধ্স, নিৰ্লক্ষ প্ৰভৃতি উগা ৰি লইতে এক্সত চইতে হব। যিনি কোন বি-নরের উৎকর্ম সাধন করিতেছেন, ভালারই এই ভাগ্য হটয়াচে গালিলিয়, লুচর নকা রামনোচন রায় শ্রেভাতি উচার দুটাও জল ০ अभिन्त स्वत्यम् । ५% रिकार्यत् ५म म ४ ८ শে আমি বা : ছবকালী ৰামুন্যায় প্ৰণীত যা नक्षािकारम्य एकाम् रावादिकायः श्रीपद्यस्य व्याप **७०% ९ के इत छए छन्न का**रम्य विचास 🕫 🕫

বিধ্বায় বাজ করি, ভাষাতে প্রভাষরের এক ^গলা পরে:এর দ আলাঃ **উপর অভিনমু বিরু**ক্ত 'টেয়া আম'লে ' প্রবোধ প্রভাকর » " হিড প্রভাকর > ৫ প্রভাকরের পুরাতন কাইন > প্রাঠ করিতে কহিবাছেন। তর্ক বিনা কোন বিষয়ের সিপাপ সমনা, অভাএৰ আখার এ ্বীস্থাৰ যে সৰ্বসাধারণের এক দাক্তিরও নিকটে খণ্ডনীর বোধ হইয়াছে ইহা আশার আকা-त्वश्र वि श्र विवाध स्केटव ।

🖛 এতেরক প্রথমতঃ লিখিয়াছেন আমি খ্ৰিক্তিৰ বাবুর নিখিত উৎক্ত কবিতাদি পাঠ নাই। এ উপর গুরোর বিরচিত কবিভার দু, মুদ্, ভাৎপর্য্য, উপদেশ, ও স্বভাবের স্ব ক্লি ধৰন বে প্ৰকার প্ৰদাসিত অধ্চ সরল ভা-📆 প্রকাশ হইরাছে, তাঁহার কবিত্ব শক্তি ভ'-🖏 প রুখে আরোহণ করিরা উর্থানসলে যে প্র-ন্ত্ৰি সমৰ্থ হইয়াছে, ভিনি কবিতা কুন্তমে বে ্ৰিক্লাৰ নৰ সৌন্দৰ্য্য ও গ্ৰেমবাৎসন্য প্ৰভৃতি ব্ৰীভাৱ উপৰোগী অভি উপাদেয় নৰ নৰ हैं ९काम कदिवादक्त, जानि न इन श्रुक्तक ্টিনিটিডে পাবি গুণাকর ভারতচল্ল রাবের নি क्षिक विकाञ्चल महे बण गरम रूमनीय प्र-🎏 বর্ণিত ছর নাই। ঈশর গুলের সর্গার র-্টিক্লিভা আমি পাঠ করিনাই সভ্যা, কিন্তু যে হি-প্রভাকর ও প্রধাধ প্রভাকর আমালিগের ্তির প্রেরকের মধ্যে সর্নোংগ্রন্থ, এবং বাহা । সময়েতে এখনিট যাবি প্রেম হেবে -^{৪৬} **এচেনের** আলাল রন্ধ বনিতা সকলেই আ– ম্ম পূৰ্মক পাঠ করিবাছেন সভাহা আমি আ ল্যোণান্ত পাঠ করিবাছি। এই পুজৰ সুই সা निरुष्ठ नेवत १६८ शत देशवरी भड़ित किंडू मान প্রিচয় পাও 1 ঘাটটেডে না ভিনে অনেরে ুভাষ চুরি ফরিয়া কুংগি লাব বানাক্ষ্মি **्रिकारक्त अहे बाज । मरु। कथा विलाउ 🗥 🧿 🕏** ্ৰীপুস্তক দুই খানি মৃদ্ৰিত না বরাই ভাল চিত্র विश्वास देशक के**यत सर्वय स्था**तः तम स्राह्म 🌡:র্বনার প্রশংসা করিয়াছেন। পাটকণণ দেখুন ্ৰাম্ম ক্ৰিমিন্ত কয়েক প্ৰক্ৰিতে বহু ' ডাৰ বুল क्षे चलांच बन्ना ,, क्लाट्स ध-

ि विदेशीभाष्य याम करते. त्याभीनाथ नाम घडते গ্ৰগৰা গোপ এক জন

करिको अर माहि बन्द, गाँकि स्नाटम खोज सक महानम्भ शुर्व छोड्ड बन ।। বিচারিণী দারা তার, কাবা কাবি স্বাচৰ,

है। व ट्टोटब ब्लाटन बादब बादद । क्टिब महि एडे इब, · धनता धनता हात. ত তে নোতে ধরিতে মা পারে । »

পরে কবি বর্না করিরাছেন গোপ কুটছের वांनि वाहेगांत इन कत्रिया आशनांत बार्टेन নীচে ল্কাইড থাকে (ক্রিড়া গোপের খট্টা 👊 রাত্রি বোগে ত হার স্ত্রী উপপ্তি সহ শর্ন করে, সে ভাহা প্রত্যেক্ষ করে, তথাপি উক্ত क्षीरमांक क्षेत्र वासीरक रामिएक लाहेबा जा विराध आसिएंड बाकी विदेश হার কাশ্সনিক অলংসা করাতে গোণ ভাষা তে ভূমিরাণিয়া ভাগকৈ সভী দ্বির করিল । हेराज ध्यम बचाव वर्गमा एउपनि कांन व তেৰদি ভপদেশ গ্ৰেনাজি '' গঙগৰা ৮ ল ইন আহার ক্রিংশে গুর্ততা সম্ভাবিত হয় > পর্ব ব্যক্তির নিজ স্ত্রীকে উপপতি সহ দর্শন করিয়া সেই অসজীর বাকে বিমেছিত ১৩ गाहे वा किसाल मध्य एवं ६

প্ৰক উপস্থা।

ত্ম**ন্দ উপত্রন্দে**র প্রতি। আর কেন মত হোলে কপৰতী *চেরে* • बर्ब बर्ब क्छान्त्र मां । कट्य कुत्रे क्टाइ :। प्रिव दाव दाव दखारत आरक वारत त्यादा । बद्दन निकडे एकांत्र द्वियाएक खाउ পজিৰি কালের হাজে নালাতে না পেরে । भारत (भारत अने बांती जाबादतहे (बद्धः। विषय विषय यक हुई शिरत म्हार तमञ्ज वांच कथा तमान कांचि दरे अ दरे है : भागीकेन समास्य अस ६७ स्वरते ।। कान मृद्ध कुलालात निष्क होन भद्र । सर यह ह 5 कोशी 645**व कुक्के दक्दत**ी উল্পেক্ষ : মুধুবেতে মুখ **লেখ কালামুখো** কালা বচ ন ববিদ কেন নিজে আলা পাণো ।৷ া যোগ কেলেন গ্ৰনারী **কঠ থালা**। इटे कार्य पांच वर्ष अच्छा स्वांत वांना ॥ ভার হাস প্রাণ বিভাগেল, পালা **গালা**। নতি ১৯°৫ কেন চিত্ৰে কণ্টি ফালা ভালা।

पृष्टे निवि जिन्नकना, अवलनी वानी ॥ মেডবে কেমনে নিবি আরু ছেখি খালা।

ত্ৰুপ উপস্থানৰ মুখ ও গৃহ বিজেদ বড়া-क वेदित धार्मन कारवाहरू वर्गीय । वेदिन-থে কি ইয়ুৰ ভাৰা ও ভাৰ ভাল লাগে ? বা-হাব, একাও জার করিয়া ছিল, ভারারা তথ-ন এত মূর্থ **চ্ট্তে পাল্পেনা যে আভাকে** '' শালা » বলে (১) কোন ব্যক্তি উহা পাঠ क्तिया बिलावन, क्रेस्ट्र शुरुक्षद्र श्राव्यमोर्डेंब ন সর্গের উলাধ্যবোধ ছিল, পঞ্র প্রেরক যে '' নব নৰ মুদ্ৰের কথা বলিয়াছে, ভাৰ, আনা

্বার্প বিষয়ের ব নি! বিষয়ে টবর ওংগ্র কবির শক্তি আপ্রতিহত ছিন্মা: উপচাস রসিকড়া ও আজিরস্থানকে তাহার সবি-শেষ ক্ষমতা ছিলা সাসমান সাক্ষেবেৰ প্ৰতি বিজ্ঞাপ করিয়া ভি নি বে প্রভাগ রচনা করিয়া ছिदनन, जानि जानाकाराच छ। हम तहन। मर्न न कदिगाहै। (कदन छेभशप दिभक्त धानना করিতে পারিলেই কিছু কেব মহাক্রি বলিয়া ाद्रि श्लिख स्ट्रेरक शास्त्रम मः। बाहाद्र दनमाः নাৰ অন্তঃকরণের নালা প্রকার ভাষ উচ্চালিড ত জোপালৈ উদ্ধান্ত হয়,জিনিই মহাক্ৰি ৰলি-ধা প্ৰিণ্ডিক হন কবি যে স্থান পোক বৰ্ণনা 1 जिल्लाहरू । एकाम अप्तेयकत **प्रा**क्षका<mark>म (मा</mark> रहजाब क सरन युश्त काळा खारत शून सह त मुक्का भगरम किस छैरमाद्द शतिश्रुति छ চইবে, স্বধেবেশর গৌরব ও ছুর্গাত সন্ধাদ 🗫 🕏 निया घर 'आइ': फिड ७ प्राथिक स्टेर्स। •व्याप्तः १४ कि भागेरकः भगरक **जा**रलक्क्रसः।-্ষর শাষ্ট্রের ন্যায় স্বেকালুসারে ইভডড: नक्षः वाहेद्धः भा**रत**म्, रिक्ति य**शार्थ** कवि गाइन्ट लाक प्राश्वाकित छिन्दीशन इस केंब्र श्र व्याप कि शिथिवार्डन? आह १०वरमत

🖚) दर्शांकि आम क्षेत्रित व नक्त गासित हरिय प्रशादश्य **कोश्**ति नक्षत्र व्यक्ति **न पूर्व**ः ्राप्त .. काकृति चोकृत **का**दशीम करकृत आहे। कार्य-টাং কালেং ৷ ধৈতপুৰ সমূত সাম্ভাকত প্ৰয়াচন সংবেশি धर कड़ि-७२ । **बूरवीशित बुक्त कांग्लिक कार्का_रन्य** " केन्द्रा , अ'लक्न मध्यांभन क**्षित्रांद्रक** ।

कान वाशियां, चिनि माना अस्तत हाना हिन्दि गारकम किन्द्र चार्यक व्यक्तीण क्यांनु मानांनानि त्तारकत यन वचार्य कुरम **आक्र्यनः कडिएक**मा (त ? क्वानी क्वितिष्ट कारण ? वाहरति त.) াহ্য হ নামক গাঁডের ব্যার ডিনি কি কোন क'या बहुता क्षतिग्रारहत ? शब क्यांक बदनत তিনি নীলের বিষয়ে গীত রচনা করিয়া বিয়ো-्रक्रम, यक्षि फिनि यथार्थ कवि शहेरवन, फाश र-हेटन मिडे भीएड क्याल्या विश्वाप्य है भी-ভিত হইত। আমি নিক্ষয় করিয়া বলিজেপা-গ্রিছার বীত ক্রকলিগের শত ফাপের ৯৯ ভ্ৰম ভাগ শুনে নাই।

পত্র প্রেরক ঈশ্বর প্রবের মহার্থবিবরিশী াচনার ভূরিতের অশংসা করিবাহেন। ভাৰিব। রে আমার পুনরার হস্তেব্য এটা হয় তিনি বি-বৰ অনে পাডিত হটুৱাছেন, নডুবা ভিনি গা-भावरभत हरक युक्ति निर्देशभा अधिव भारहरू বে ৰাজি ভত্তবোধিনীর মধ্যবিধ খ্যোত্র পাঠ করিয়াছেন উংহার কি " হেন ব ! ভূমি ইবর থপ্ত আমিও ইবর গুরু প্রভুতি প্রবাপ ছ-इन कारा शांठे केन्निया निवृक्ति कटन नारे

বিবিধ সংবাদ ৷

: १३ ^{ने} कार्ड लाववात ।

किनिका मन्याप्रक अनिवादकन कर्नान क्रम गःदर्य द्रीवकार्यः विरुगत्वद्र উপलक्ष्म भौतूमः দেশে গমন জন্য যাত্রা লরিয়াছেন ।

উक्त गण्णामक करहर, गश्मशूरद्र द्वांखा निर्याटनब्र छेटमत्तन स्टेटलट्ट । देशटल नवर्ग-अरलेव जरनक यात्र इहेरव। कहेरकत मर्काइरन उद्ध १४ माडे विजया यह करे बहेता शांक, म क्षे अह्वाद पृत्र व्हेटव । अटेक्श क्रमा क्रमा স্থানেরও কট পুর করিলে 😎 ল হয় না 🗵

করিয়া মহাসমারোহপুর্বক সেইস্থানের লোক-নিগতে এক ভোজ বিয়াছেন। ভত্ৰতা কোন বিদ্যালৰে ঐ টাকা মিলে অধিক উপকার स्विख।

आंगाबाबादम डेफ्युशिक्साकटनम् म्राज-थानी इडें व विनिष्ठी व जनवून इत्, छोहा जल्द्य मण्डा विशिश दर्शय बहेरफरम् । देखियानिक्छ मण्डाहरू क्ट्रान नव वर्छा-

ने भूरतन् न लाइन भोक्ति बहेबा बाळाटन भूतम् ,मजित्रारक्त । किसि चीत्र स्थः हरेडा जा श्रुम । बाजानिविशहण गानि क्रिबाह्न स्नाक करें ?

আগ্রিবারুমেকেট সম্পার্থ করেন, গড नशास्य अर्थ शरी स्टेग्नाट्स स्य नृजान्त बनुनात जन प्रेराफ इक्ति रहेनाहिन।

উক্ত সম্পানক আরো করেন আনাহাবাদে একজন বৰিক ধনাচ্য বলিয়া পরিচয় দিয়া ৭০০০ টাকা খণ করিয়া পলারন করিয়া-हि। अगद्य बद्धा बद्धा अहेंसन कात्म धनी रमभा मित्रा चरिक, खर्वानि लाह्क्य देहल्ला रष्ट मा ।

আণ্ড গেৰেট সম্পাদক কৰেন তথায় লোমবার রক্ষনীহোধে ক্ষমি দাগিরা গোমতী নদীতীবের সমস্ভ শৃতু রা মন্ন ভাষাবদেশ হট্ ब्राटक '

উক্ত পত্রের আলমোড়ার সংবাদদাত। ক रम जनाव अजार कर व इ है स्ट्रेडिंट, जा হাতে শদ্যের ক্তি কইবার বিলক্ষণ সভাবন।। 'নোৰস্থানে বেউডেউ কোনস্থানে কিচুই নাই।

উক্ত সম্পান্তৰ ৰলেন সীড'পুৱে ভৱানক ৰড় বৃদ্ধী মুইবা নিবাছে। ভাষুশ ব্যাপার কেহ क्थन (मह्थन मार्टे, क्यांब्र ७ किया ६ त्रज्ञ ওজনে শিল পড়িয়াছে এবং ডছারা বহ मध्या **जीवर्**खा। श्रेतार्ह । अखबड़ निम -ভাক্তর বুইট্ট সাহেৰ কহিবছিলেন মাজাদে একবার রম্ভির সময় মৎসা পভিয়াতিল।

>**१हे टेकार्ड मनन**बांच

ৰাব্ৰাস্ত এতে দিন এক ক্ষ ক্ষেণা চিল। সেখানে এক মাজিটেট ৪ ১ জন ডেপুট শাজিষ্ট্রেও থাকিতেন, তঙির মুক্ষেকের কাছা ब्रि आदि यवर बनीशरणत वाकियांत अक द्र লখানা আছে। একণে সে সকল গিয়া সামা-গোয়ালিরারের নহারাক আগরার গমন। ন্য এক বিভাগ হইল। একটি ভেপুটি মাজিটে ট মাত্র থাকিবেন। বাবু অভয়চরণ মলিক সেই কর্মে নিযুক্ত ধইরাছেন। বারাসভের, ভেপুট बाजिएई एएं अभीदन बाका अहे क्या बहेता।

> किनिका गण्णाहरू करहर अक व्यव गण्णा-क्क विश्विद्यारक्त, विष्ठा निका निविष्ठ करणरू श्यनदबके विमानित्य नाश्या बान 👁 स्वयोद भिक्करवन्न (वजन इकि ना कतिन्ना निर्म शुक्र-कामन के व्याप्तालेखन मरभा ज्ञी करहन,

कारा सरेपन जेवन हरू। क्क वनि शतिहान ना कृतिका श्रीहक्का क्षा वनि नकन विशासक केंद्रोहेदा क्रिक्का, क्रुन्त त्मन कि विश्व नित्रण कतिया शिक्षाः **अधि** जीन रहे । ma to a desirable.

উক্ত সম্পাদক কৰেন সম্প্ৰান্ত ইংলাভে বে अगर्किविनन (जना) श्रेंद्रा भिद्राद्ध का-शास्त्र त्वनम प्रवेखनात ७ अभिनासिका शृंद्यता जानिशाहितनम, अना तीक शूदका भारेतन मारे। वित्मनकः सदानित न्यादित আসিবার করা অবধারণ হিল, ডিনিও আ. ইদেন নাই। কিনিক সম্পাদক অন্তমান করেঁ-न, त्रांट्य ता क्यांनि देनना आह्य क्रांशाक्षे शक डेडिया जाना रत नारे. अहे कार्या क्या-গি সমাট বুই নেপোলিয়নের বিরুদ্ধ কর্ম » ইতেহে, লার্ড পাষরইন এইবুপ বক্সত করাতেই করাসি সমার বিরক্ত হইরা আই-সেন বাই।

উক্ত সম্পাদক আরো করেন লৈং সাহেই স সহিত সরু চারলস উডের সভাব মাই। সেং সা रुव बक्त जाकारन करिवाहितन अ सम्बद्धि हेरमधन रेमटनान व नात सकता बाह्यहरू, **जारा जनात । ८३३ लाज्यकातित अहे ३५५** ৰনোমত হয় নাই। বোধ হয় লেং-**পাহেবত**ে এখানে পুনরার আসিডে<u> ছিবেন্ন্</u>ন। দৃদ্ধি गडा वह ज करान हार माह्मवह हा-य नाहे, (डेडे भ्राटकितित्रहे ज्यानात ।

हेश्राममान मन्यात्रक कट्युन । भवत्रमान লোবে নামে এক ব্যক্তি কোচবেছারের রাজার 'ৰক্ট গিয়া শাৰা পাহেবের ক্ৰিট জাড়া ব লিনা পরিচর দেখা বাজা ভাষাকে ধৃত করি-भी विधिन कर्पानातित रहन निर्मण करतन, **ৰিম্ব সে ন্যক্তি ভাহা স্বীকার করে নাই, সে** ক্ষে বে রাজা রোষ পর্বশ হইয়া এডায়ুশ কর্ম করিয়াছেন। কর্মচারিরা ভাষাকে পুন-बाब बाजाब निकंड ध्यात्र कविश्राद्यन । छत्व कि ब्रोको गवर्रदक्षेत्रे अन् भागारक्षत्र कत्र अह बण क्रिशिष्ट्रव ?

विवीरगरकडे अन्नावक करून रकार्यन शुद्ध मनदम्यनिर नात्म अक बाक्कि विदर्शन কাল অবৃধি এক অনুধ্যে বাস করে, তাহার अधीरम अत्मक लाक आरह बनिश्र धार्याक

ধৃত করিতে পারে নাই। সম্রাভিন্দারে ारत्रहिन ३६ जन श्रुतिक रेजना अहेहा भुख রতে গি । ভরানক আখাও পাইখাছেন। হার জীবন সংশয় ৷ স্থাসাইন সকল সময়ে **श्रीणश्रीतक रहा जा**ः

३७ टेकार्ड दुवरादाः

কিনিকা সম্পাহক কৰেন বসরাজ সম্পা-ক্ষ জাগৰ গৱে এক ব্যক্তির নিশা নিখিয়া ছিলেন বনিয়া ছুডন কে জনায়ি আইন নডে পুত হইর। জেলে জুবস্থিতি ক্রিতেছেন, আ-গামি সেসকে তাঁহীর বিচার হইবে। সম্পাদ-करक सामना भूटकी नामधान कतियाकिनाम, তাহার তুর্ব ছি।

বোঘাই সাটতে ব্লিবিড সম্পাদক বলেন জেনজিবারে গ্রথমেন্টের প্রতিনিতি দাস-वावनारद्रत्न धांकिवक्ककाहत्र्य कतितारहम व-লিরা আরবেরা ভাঁহার জীবন নালের চেঠা কৰিতেছেন, কিন্তু গৰণদৈক প্ৰলভানতে ক. বিয়া পাঠাইয়াছেন বলি কোন জড়্যাচার বঞ্ ভাঁহাকে অবিলয়ে রাজ্য পরিভ্যাগ করিতে হইবে। প্রলভান : বসুষ্য ব্যবসায় করিয়া লাভ করিবার কাল আরু নাই :

किनिरकात प्रदानात ने वाप्रमाठा करहन छ-পান্ন ওলাউঠাব অভিলয় প্রাতৃত্যি হউগ্নছে। न्यां विकास का का का विकास । र इसिक শালনে শিল এক পড়িয়া ছিল বে ভূমি মেখা बाब नाहे।

উক্ত সম্পাদক শুনিগ্ডেন অভালায় अधि नांशियां ६ नी वांनी अवानार वहेगाइ।

উक्त मन्नाहरू आद्धः वटनम এक वाह्यि ध्यक कारनत वस्तक दिवन कविद्या का शिद्य व र्णन कतिया हिन, त्र युष दश्यादह, कि व ता-বালি জুরিয়া ভাহাকে নিমোন বলিয়া বুক্তি भिनाद्य, अकि मञ्ज ?

ভেকান হেরালুভ সম্পাদক ক্ষেন, চিত্র মাধ্যে এক প্রাথে অতি লাগিয়া ৭০০ বাদী দথ स्रेत्रा गितारह।

মাজ্ৰাত্ম এথিনিয়ৰ সম্পাদক কৰেন মনী-প্রামার কাতিবর পীড়া ঘট্রাছে, তাঁ- | রাখা উচিত বহে, ১৮৫৭-৫৮ ক্ষের কণা

बात शूक्र मारे, वंच जेखकाविकाति निगुक्त ना করেন, ডাহার রাজ্য শ্বর্থহেঠের হত্তে পতি ত হটবে। সে সিম্বান্ত স্থিত আছে।

বোঘাই লাটভে ব্লিবিউ সম্পাদক বলেন এমেশের লোকেরা বিশ্বিদ্যালয়ের আগ্যুন त्मव कवित्रा शर्भरयरकेंद्र अधीरन कर्यात्र करें। না করিয়া আপন আপন চেষ্টায় অর্থ উপা-र्व्हन कत्रन। वानिका ও मनाना अध्नक ট্টপায় আহে। সংপরামর্ণ সম্বেহ নাই।

হরকরা সম্পাদক অবগত হৃইয়াছেন জুন মাসের শেষে ব্লেটলভরে আলিগড় পর্যান্ত চ-निर्प अवर जिस्मदर किही शर्ग प्रशिव ।

ৰাঙ্গালি পত্ৰ সম্পাদক কছেন বাৰু রুখা প্রদাদ রার উচ্চতর আদালতের এক স্কন জ্ঞ চটবেন এবং বাবু শস্তুনাথ গণ্ডিত তাঁ. হার কর্ম প্রোপ্ত কইবেন :

ইরকরা সম্পাদক বলেন সাভিনান সাহেব নাসিক ৪০০ • টাক! বেডনে অভিটর জেনরে लित कर्ष आंश स्ट्रेग्नारहर ।

বালানি পত্র সম্পাদক শুনিরাভেন সদ-রের সজেরা মূলেকদের বেডন বুদ্ধির জনা भवर्षस्थ निधिवारहमः पाछ উচিত कर्ष क्रेव्राट्ड

वांतू त्रवा शशांक तारवृत्त अधिनाय भक्त পীড়া হটবাছে। আজিও রশ্ব হটতে পা-द्भिन नाहे !

ज्ञानित रहेन कुनिकान्नितानी जीयुक अशब्द्ध क्रिक्टिशिय क्रिक्टीमनवर्द्द्रमभीय अरु টী পুদ্র ত্র্যপুরের পূর্ব নবগ্রামে শিব্যাদরে গমন করিয়াছিল। ঐ বালক সহরণ জানিত না, স্থান করিতে গিরা পুকরিণীতে জনমগ্ন । গণ্ডের হস্ত হইবাভে। চইয়া আপড্যাগ করিয়াছে।

and देवाचे इसम्माखियांत ।

इे॰ तिम्बोन मन्भोत्रक खनिम्नोट्डन, नार्या-কপুরের সেনা খলের • প্রান্তি সসক্ষ থাকিবার সাজা হটনাছে। আৰুগানের বুদ্ধে বাইবরি धना उल्लेश

तिजी आध्ये जन्माहक **क्ट्य कामारम**द গত লি'কা আৰশ্যক বিশাস করিয়া এ দেশী-विभिर्व वर्ष ध्यानाव ७ जा भा अपृष्टि

जधन राष्ट्र विश्वास कर नाहे, अला ना नहेंगा दकाकी गन्न क्या पुक्किंगिक नर्षे धर प्र-শীয় স্বাচার প**ত্রেব প্রতি চুটি রাপা কর**বা। এই गक्ल मश्रानुक्रस्वताई विद्धांत्र पहे। हेरात्

আউত গেজেট সম্পাদক কচেন ভগায় 38 जित्नव न था 58में बा**ल बाल स्टेग्राटक** '

ছাকা ৰিউদেৰ এক জৰ শত্ৰ প্ৰেবৃক্ত কৰে। ন, তপায় এব **জন সা**দোলর এই বলিয়া রি र्लाहे विद्याद्भव वन्त्र महार विनेत्री अहेबाज डोका काराज श्रेम महार अधिक ब्रहेख आ (मनद्भित् शाहे न विमन्त कथिकांत कारक।

वालानि "भाष र करहन विष्णात यह केत তি কইতেছে ড এই মগুৰা সভাৱ মৃতন মু ত্ৰ উপায় ডভাবিত হ**ইতেছে। কেহৰা বন্ধ**-কের ওলি খণিক দুর বাইবাব উপায় করি তেছেন, কেই কামান ছারা বহু সংখ্য লোক মারিবার চেঠা কলিডেছেন, কেল বার্ম মারা अक्टादा मध्य श्रामा क्रम भारम क्रियाद उठ्डी काइँट उड्डन, ख डिकारम इंडेन, श्रीव माभ इकेटनके २६ज, अर्थ भाष्य क्वेटन भूमदाय গ ওয়া যায় কিছু মনুষ্টের জীবন সেবপ बर्द । डिक ल्यानिक अवद्यात्र स्रानिवय मध्य ভার বিকল নধে।

३५३ रेमार्ड खळनात '

স্মাচার চিন্দু স্থানী সম্পাদক করাচিব এক পত্রে प्रश्नेन कतियाद्यात्म व अक अन निर्णाहि আপন সহধনি।। ও এ জীর সংগদরাকে হত। করিয়াকে। ভাষাকে ধৃত করা হটবাছিল, ক্স ভর্বারি দারা নে জাগন জীবন শেব করিয়া

সমাচার পত্রে ছোট আলালতের মোক क्रभाद अष्ट्रोष्ठ मिथिक रन विवयः व्यक्तिक অসংখাৰ প্ৰকাশ করিতেছেন। খ্রী লোকের নামের (५ लक्षा व्या क निभिन्न इंटरन एका विशास कामी दा बाचा जात करें के छिति। কিনিজ সম্পাদক আপন রিপোটারে উদ কা'দ'লতে য'ইতে বিষেধ করিয়াছেন। বাল কেরা কুক্ষম করিয়া ধরা পড়িবার ভ র বেম-চন্ধু ভূমিত ক্রিয়া খাকে, এ উপায়টি সে बाध कर्ष ।

रशक्ती मन्त्रामार राजामं, गर मर्च हे कः वीमक्षा मुक्देश विद्यान दिनाता हा भावतुत लाक विश्वा मण, क श्राहणहा सन वास्त छ। कार मध् स्टेस ना।

इंश्लिमधीन जन्मात्रक मितिहा स्ट्रेंट्ड नर-र प्र शाहेबाद्दम, डेन्नारक्षयद्वीत स्मार्क श्रक जाडि करहे कीयम तका कतिहारह्म । जिन वक प्रम ब्याद्धरम् १८७ श्रांक इट्टेब्रांकिटम्ब. नत्त अधिक लाक हिम मा। व्यात्रवया छात्रा शिक्षात ज्ञा नामकी बुढे कहिबाब छेशकम করিলে এক খ্যাতি কহিল ইংলভেম্বরীর জ্যেষ্ঠ পত্ৰ তাহাদের সৰ্ভিব্যাহায়ে আছেন, ইবা ८ १ - विद्या प्यात्रस्या भनावन कतिन।

वसरमभीय कारणीयकी शवर्षय यहा भाष শ রেল-ওরের শিরালির পুল দেখিড়ে গিরা-प्रतिन । भारता भारतक जह लाक छाहाइ मद्रम किरम्ब ।

किताम श्रूरत अकति मञ्चर क्छा। स्टेब्राटक्। ঐ ব্যক্তি গৰ্মার কর্ম করিড, প্রভাছ টাফা শটরা বাইড. কিন্তু সভ্যার দিন ভাহার নিক-(हे हे।को हिन मा। छुताबाता होका आदह भरन क्रियार जाशास्क वथ क्रियारम् । अवन .ধৰণ পুলিস আছে, কেহ কাহাকে হত্যা ফ্রিবে মনে শরিলে হস্ত্যাকালে ভাষার নিবা রণ সভাবনা মার।

३३.व देखाने अनियात ।

व्यक्ता मन्त्राचिक २ ७.० ७८वाल गरीए खब् নিঃ লিখিত আমেরিকার সমাদ পাইখাছেন। िन्नियर्ग अक्षी युक्त क्रेंब व अकावना মাছে। করালি দেশীর বে কার্ব্যকার কচির**ম**তে ামন করিরাডেন ভাঁছার রাজনীয় জাপার पछिल कान हेटकमा आद्य, छविषदा नामा প্ৰ ন'ন। প্ৰধার অভ্যান করিভেছেন। সে-নাপত্তি বরগার্ডের জাল চিটি ধরা পঞ্চিয়া (क् । माटखडेटम व क्षांच आहे नाच विमाय বজেট) পার্লিমেন্ট সভাব অন্তবে দিত বট্ গাছে। >ই থের পালিসের দখাদ এই, আদে ंडकाम त्व विवास छेलानिक सहैबाटह, जांका ³ हेरन**७ के**ण्य न:**का वन भूकंक छाराह** े वि कतिया प्रियम अवर एकिनार्टक था-

अन्तर्ग शाहर गण १ क्षे त्व साव्याण स्वेटक स्तः, खातातक क्षेत्रक स्वाति व्यक्ता स्वितिक स्व ालिएक योजी कतिशारक्षा । द्वार र अ द्वारमक । जाक शामतक शामिरक गणांत्र के अवाद अधिकाम असमन करियादस्य।

> চীনলেশ ষ্ট্ডে স্থায়ার আসিরাচ্ছ, ইংরাজ ও করাখি সেবার। সরাটের সেনার नशिष्ठ विनिष्क स्वेद्ध। विद्यारीविरगत स्थ बरेटड अक्षे नशर ७ ১७००० छन्द्र मृत्ताह स्रवा मान्यो रस्त्रक वृद्धिप्राट्य ।

ওরা বে পর্যান্তের ইউরোপীর

नवाडांड ।

अना द्य देशमध्य अभीकविमन (द्याना) শাবত হইলাতে।

स्ट्रेड्टनत ७ क्रिनिशांव त्राजांत्रा चत्रः जानि- नान्छी व्यक्तिक व्हेटव । দ। নাহায্য করিভেছেন, প্রায় ৩৫০০০ লোভ ড-वात्र जेशक्षि व्हेत्राहित्सव।

নেৰাপতি মেক্লিৰেৰ নেৰাবা ইৱৰ্কসহ-त्रव निकैटहे चारह ।

बन्दिन के बादान देवर नदाव ध-নেক ভৌগ করিয়াছিল, কিন্তু কোন জগবার कतिएक शीरत नाहै।

भगाषिक्रमं वर्श्यकेश्यमाहित्तव व्यवक segice :

পশ্চিদ বৰে সেল'গতি বরপার্ভ এবন পর্বাস্তব্দরিত্ব অধিকার করিক। আছেন।

अवर्धमनीत्ममात्रा निष्ठे थव लिंदना आंक-ষণকারিদ্বিপকে আক্রমণ কবির'ছে।

क्यांनिरम्य उन्नानिरहेटम्ब १७ विश्यम कार्याक्षिद्धार्थ द्विष्ठवर्थ भवन कदिबार्छन ।

সভাপতি সিহুলন কল্বিয়ার সান্দিগকে মুক্ত করিবার পরে আকর করিরাছেন।

নেনাগতি গছওন রোম পরিতাগ করিয়া अविकार क्योंनि क्रिंग अंडाननम क्यित्वन विव दरेकाटक

বিষ্টার ইমার্থসনে অতি সমারোচে বেপ-क्षाद्धाः कत्र। वहेनाद् !

नार्ज नामिर, जिडेक भव नमहरमहै, भावन प्रतान, मार्थ गांक्षेत्रकति । मार्थ विष्य केह-লির্থকে গার্টার দক্ষান এছত হটুছে।

स्वेद्वारस्य । सामारमञ्जूष्टको ७०० वर्षाम

क्ष्मंप्रेटन जानिहाटसम् अन्य अनुमिति प्रिक विरागन, जात्रण प्रत्यांगय नाविक निकाद प्रदेशहरू।

माकामाताद्व प्रश्वित्रक माक्क्ष्री वात जना है।या वहेरल्ट्या । श्वामा विकेशिय त्वत २ मध्या देउँदिशीव रेमबाद्धमं क विम्न टब्डम बड्डबार्ड शांक्त मार्ट्स्यमा विक्**रि**न विशः कृत शहिरसमः

त्व कांवर्थ देखेरब्राणीय ७ बरम्भीय स्ममा अ-া কল করা চইবাছে, সর ছারজস উভ সেই কার্য क्यम श्रोडेरमहर्षशास्त्र चत्रिशास्त्र ।

क्रुविकाद अवर्गरकारी कृष्ण कुन अवराग्य वि क्रिके करतम, काश निश्रम प्रदेशीय ।

विश्वाकः भवर्गमणे क्याणिक्रिकेत क्रिलेक wills weller whateen, worth care क्टेरफ व्यक्तिकारक देवना क पूरकान्यकानि

गवर्षान विज्ञानन।

बांजनारम्भीत रमण्डेनके अवर्यस्त्रत

व्यादनभाष्ट्रजासी निरम्राज ।

अक्ष स्य-नाव श्रीहेक बाब अन्वन नारमध्य अ बाहेन बहुनारत बिहुकारनत सना गारवा ও महममां मरहर आदिनगर ७ छिन्। कारजारेक

अमीरशत ब्राटनक बांच् बरहणहळा प्राप्त वर्ध-वावानिक विक्रोबत्कित अभीन वाकित्यू-होत्र क्रमणा शास स्टेटरम ।

२১4 व्य-वयदीरशह चारममह ७ एकपूछि कारलकेर यांच्यांत्रकामाथ रक्ष शक्षम व्यापिक हिरमन, इक्ष्म ध्यानिश्च वर्षेश्वाद्यम ।

নিৰু লিখিত অভিনিধি ভেপুট বাজিভুট ও ভেপ্টি কালেউরের। ভেপ্টি দালিট্টে ও क्ष्मिकारलक्ष्म वर्षेत्वम ।

श्रुविद्यात्र याज् विकासम्बद्धाः वटन्यानाथाः । क्विक्श्रह्मीयायु हीन बच्च द्योशिक। त्रमध्रात दक, दिखन नाटक्य

২১৩--- যে জেশ্টমেক, আর, নিয়নি নাহে व रहा है बांबर्यर नवकाती कविनवह हदेरवय। ২২৩--বে নেটিৰ ভাজত্ব সেথ নত্তটোল-मार्च कृतिः ३७वे बद्धाम द्याचारत वेशविष । शूरत्व गांच्या वेयथानस्त्र चात्र शांच प्रवेरवत । २१७-- त्व क्षेटका अखिनिधि निविध क

मित्रियान कक था है शक्त कार्य से कार्यरनड गिविन ७ मित्राम कांग्र, इंड्रियम ।

चात अम, लाइ मारबूर्व भूमिनात निवित्त ए निवाम क्या एवरका कि वर्ष किन धना चाळा मा एव क्षेट्रवंद क्षित्रवंदवंद अखिनिधि माकिटनमे ।

वर्षमादमञ्ज माकित्युष्ठि ७ मादमकेत वन, व-দ্ৰু হণ নাছেৰ প্ৰথম প্ৰেণিয় মাজিটোট ও ম टालिय स्टेट्रम

বিনাকপুরের প্রতিনিধি বাজিট্টের ও বা-मिक्रित थावेड, वि, निम्नम नार्टन विक्रित था-भित्र भाषित्वे है । कारशक्त श्रीहरन

CM, शि. बरेड खद्रार्फ माटस्य वाटमस्टब या-क्षिरक है,कारकड़ेन के लगरनत अस्कर इदेरन किंद्र पक्ष किंद्र जाना जाका मा वह २८ शहनगांव मानिक छित्र शकिमिनि वांकिरवन

माजिएके ७ एउन्छ कारमहेत्र इवेटनन किन बाद्ध निम क्या काका ना इत भूनिताय माधि-**८केट्रे ७ कारमकेरतत्र अजिनिधि वाकि**रवन ।

बरेंड, बन, चनिकारी मारहर विकीय ट्यान ्री स कारियो माजिरकुष्टे ७ त्कप्ति कारमक्षेत्र । नत्क छत्वायभाम कार्या निमुक्त करा विरश्त स्टेटनम ।

৭ই জাত্মারির বিজ্ঞাপন ভিন্ন সাধাবনকে জাড় कुत्रा सारे एक इंदर को अमादि सारे देवत ७१२ ধার। বতে উক্ত জাইনের ১৮ অধ্যান্তের দেসি-बुदन नमर्गन (रोगा मरुक्ता नक्टलाव २८ श्रवणन) ध्रमेलि, दर्कमान युव्तिलावाल, नलीका, शाहेना **ও চাকাতে জরিব ছাবা বিচার ছউ**।

প্রেরিত।

মৰুক্ত সোমগ্ৰকাশসম্পাদক

मट्डामटराव ।

ज्ञविषय निर्देशन । यहां ज्ञा । ज्ञानि श्रीयाहि नवा श्रवुक व्यक्ति इत्राम्य क्रमन क्रिया ना तिरेख कि ना, चा उबन मानग करियां कि दर नान कारम सामन कराँदिक रच जनम विवय अधिन सह क्षान्त विकास त्याय स्ट्रेग्राह, जारा निविधः ছুঃস্তু গ্রীদাসকল জ ভি বাহিত করিব। প্রাধান্য 'सह लिखिक सहैन।

मकत कारमांकति भाषा विद्यालय को है। क्षि मध्य कार्यायक किर्दे माहै। वर्तमान व्यवद्वात मरम् छ। कारकाल क्षातः एव वन्तरभाग्य कि श्वास उभक्ति इहेटल्ड्, उन्न शांत्र मक লে অৰপত আছেন, স্মৃত্তবাং বিশেষ কৰিছে, मिथियांत्र आश्रीकार नार्वे, विल्यकः मक्त्यरमञ्

लास्का भरकारतम् अपि वेकालिकी भारक् । अख्या विद्या मरक् उ व देश्याचि एतम ভাষা শিক্ষা দেৱস্থা দ্যা ভাষা ছইলেই অভি ভাৰকৰৰ অধিক বতু ক্ৰিছা বালকছিবকৈ नियोरेनात क्रियें। नाम । नक्षामान क्रियेंग मांक সংক্ত ইংরাজি বিয়ালয় আছে। ছত গিফানে भवर्गायके अवकीरकक महावा आमान कंदबन मा विडोब्रक्तः विष्टुरुष्टमम किमाईरवानीत छ।हेरतकेव मारकर वय कि का जिल्लाम् बाका विस्था। अक वास्तित উদ্ভাৰমী শক্তির উপর বাবভীয় বঙ্গদে-ा कि कार्यात कार विकास कि कार्या के कि कार्या के कि कार्यात के कार्या के का (क, विभूत नांद्रक मिनाकपूरक काहै के | नग्न। कुठीक्रठः मक्ष्यरम वाहान। वाकाना भाठे শাস্ত্র ভদ্বাবধারক ভেপটা ইন্লোট্র আছেন্ ভাগদিংগৰ মধ্যে অনেকেই ৰাজাল। কিচুই কানেন্না। অভনৰ ৰাজাগা পাঠশাহা। গুলি অতনু করিরা সংক্ত কালেজের ছাত্রি-চতুর্বতঃ যে সভাল ছাত্র প্রকশালের বাজালা २१४--- त्र छोत्रिरभेत क्लिकांडा (अध्यक्षित शाम्भामा इहेरक द्वात ह त महिद्रा कारमास जाहेरम, अकल छोर्गान्तिय हादि वेदमय माज ছাত্ৰ হুজি শ ইবাৰ নিয়ম আছে: কিন্তু ডা লাদি-পের অন্ততঃ ছব্ন ৰৎসৰ ছাত্র দ্বন্তি পাওচা বি-ध्यत्र । व त्र क्रांत्र वर्त्रावत्र मध्या छ व्हांस् शहर শিকা পৰীক। দিয়া উঠিতে পাৰে না। ছাত্ৰ রুদ্রি শেৰ চইয়া গেলে আৰ বিদ্বেশে থাকিয়া পড়ি-एक शादत मा। छोशांता न व यो न स्टब्रे इतेत ৰাকে অৰ্থাং কুডবিদা না ঘট্যা পতা ছাতিয়া বিতে পারেষা, পভিতেও পার মা, বাছলা ভয়ে আর লিখিতে পারিলাশ না।

अववर्गात्रवर

মানাৰ্য আবুজ সোমপ্রকাশসন্দা-দক মহাপর সমীপেরু।

क्षतिक निरंबद्धनः।

কথাৰ মাৰ আভীত দাইল, হালিবছর প্রভৃতি ানে চৌ কলাবিট্যাল সংগ্ৰমীত কট্ডেডে, ইহা निकीवित बंदेवांत्र मनव माजित्यु है मार्थ्य हैसा श्रीमान मध्य नाजिन्छ छै के छै। अ मिर्द्यार्थ देन शहूक अवेत्रत्य वकूक्तन किलाप्रस्तित दिन । जात स्मन । जावीएड निक्कांत्रकत्रन कवीर लिका-হিতপ্ৰ) এনল করিয়া টাক্লে নির্দাবন করিয়া-

द्भाव व कार्। न मूर्व धारावि । हैं, ५ दिवत प्रदेश-ৰ আগীয় বাজি ও অংশীয় স্বাৰ। অন্থ্রোধিত शक्ति (पहिल पहिला क सर्वाद मादे) धवरान् इ-देरमं जीवा कर है। हा बढ बहा गतिमारेग कि দ্বারিত করিয়াছেন বে ভাছা বলা যায় ন 🛊 এমন कि /- এक धाना मानिक है। अ बानाक्य सिका-বিত কইয়াছে। আয়েৰালায়া অন,প ও অনাঞ্জিত (टाइ:ता यमि शका है अवत्व आ चीम मा स्त) ত'হাদিগকে পঞ্চাইতদের ধনী আত্মীয় অপেকা विश्व ७ इडर्प ७० छा ह शिष्ट वहेर उद्द । मा-धाइन विकाशनय छ दन्यमन्त्रित अकृति प्राप्त व्य थारम डेशांत्रमां ह स्त्र दम चारमत है। ज नहे बांब नियम नावे किन कामारमत स्टब्स है। म निर्मा-तकश्य छात्राह अञ्चर ही काई। कदत्र मा। मना श्रीत क[ब्रुगात द्वारानत है। इस करहरू नाहि । कहा ल ভঞালের রছ্যা বিধার কবিবার স্থানের টাক্রে খেখানে দেই নিবংলা নিবঞানৰ স্থাতি শাঠ इष्ट, " १५७। डेस्टर्सन " स्वयुर्वन वह (१ हे ११४३) बाक्रमनास्थ्र है। क्रु अधिक श्रविमाद मिक्का বিত কৰিয়াছেল। কি পাৰিত,প' দলাছলি ছোঁ। रहेद ७ द्विव डार्ट्स बचनक रिलक्टन अपूर्णन व्यक्ति । नन्त्रीपक भडीगर्य ' बर्देक्षेश नाम्य अन्।यूर वा किरम्ब ग॰चा। ह वि व्हेटम । भरमञ्जू ग्रंथक है शकांदत्रत् नक्षांबनः।

उददेशांके ३२७७ क्या हर को लगक्त महिल्ह

মানাবর জাযুক্ত লোমপ্রকাশসভা। तक महालटश्र्य ।

महालड़ ' यापक्षित्वत (मृत्मन धन'हा (स. क. मिर्देश वर्षा कि कियन गर्ध कि क्रिया स्माहि-टेडवी जांका चाँकामिर । व कार्यात म्रोता श्रामा **शाहेश्वः बारकः । जाकाका विश्वानी जीवृक्त बाबू बरळ-**वाव जिर्देश केशकी बहर शार्श यात्रहा छन्द-कुछ बहैमाहि। विमानिम अधनः श्रुकानत्त्रः अमा क्षेत्र २ ट्वंड हैं।यां प्रिया बाटकत किन्न छल्-बाहक बहेब्रा कथन कारांट्य किंद्र किएड (प्रयादा इ मी, नेक बदनत राज्यस्य राजू खेला। हक बहेर, क्रममनवर्ष विषामित्यस समा १६ है। हा शिक्षा ना हो हेयू.-स्मा । खाशाय खांभना खांडिलम् वाधि छ एकेम छाँ-হার নিকট কুড**জ**ড' গ্রহাশ করিতে এবাওয়ভি नावी दिनाव। मध्य क औरवान काकान बाकाव धरे ब्लाट बक्बिड एरेश डेख नातून नकिन माकार कहिए। विश्वादिकाम । वैश्वीप क्षेत्र ভটতে নামিয়া **ও**,নিলাম বে ওখা ভ্টতে ভা क्वांक्। भरीष ७ ८काम धकामा शब केन्द्र वात्र किरमन बारत निर्मिष्ठं क्षेत्रांटकः। शटक मान

'त नाटका का एक केवर मध्यकि अवित नीक्षा ্লিত হৰীজ্যে, ভাষাত্তে ৬ ।৭ শত টাক ভাষ- লের মুরবন্ধা মুবীকুত দ্বতে পারে। · भे तक आत्मव निक्षे वर्ती श्रेता spfem'n भाष्टे डेबक् छ अवर असि बदमत निश्चिक 🔑 व मध्यान कड़ी श्रेशः थात्मः। बाह्यसिःशव ं जीव मन्यूटचे अकति हैश्वासि विकासिक साटक 🔐 তাহার বার নির্মাপের্যে তাঁহার। ৩০ টাক। · कि काम कविष्यः बादकम अन॰ अवर्गरम्के क-६८७ दे श्रीविभारण जाकाणा शांख्या क्यू, व्यवस्था छना विकारि विदर्शन मानि यद्कानत वांचू सक् क-थत आष्ट्रका करत के ल सः शासिया चयर म-गाम 'दमा'ल स थिया वासमझिटशह धर्मा उँभामन নহা সাকেন, উমিতে পাই ভাষাতে জুলের - ७ के शेट्र **अधिमात्र** क्षा करेशाधिरमान, व्यव-ः इक्टेंड क्र्दिन, विभागारम् प्रमा खेल्या ! - 'न्ए' ८ प्रभूति नाजू नरशतू भरशा कथनर ध्यस ্ন যায় লে কের উপায়লাভ জনিয়া পাছেন, কে-🕐 भागामानम अहलिङ विधवाविवादकव अण्डि নংশ্বৰ পাৰাতে ভাঁহ'ব প্ৰতিষ্ঠিত বালিক। বি u 'अप अथवा आकर्ण विनामित्र केठे हिंगू। सिराव हरी भीमा बरक्सन बाह्य विमानगामूल अक्षी ব্যাল, পারিত ব্রাহ্মধর্মে ঐকান্তিক ভবিক বা-क रक्त बाल्यांभवीख (कश्चित्र) विद्याद्यम । खण्डांट्स প্ৰামধ্য প্ৰায় ভাৰেৎ ব্ৰাক্ষণে ভাঁচাকে একখৰিয়। कविशाव एक के किन्ना दिएलन, निक्क छेन्द्र व व শ্ৰুলকে একজিও ক্ৰিয়া ক্ছিলেন, আংশনায়া ण ६-६ वश्रामद्रक धक्यद्य करायक च्यानिक्ष इत शक्रमात कता अवैधाउदस खाळतार कोद। ६-०८७ डाँक दा कांचु कहेरकत । जनामा कलादवन ক ৰোভিনী শক্তি[।] কলার পাইলে কাহারও कर्ने विहास बादक मा। यरकार्यंत्र वासूत्र वर्षः একটা ব্যালিকা বিদ্যালয় স্থাপিত হইয়াছে ডা-१८७ ७० प्रिके**स्टालाटकन कर्या आ**श्चास क निका थारक এवर डेक्क बाबू आयर छ।इ।ब्रिट्सब निका िय अ'टकन । विश्वनादिवादम खीक्षां विद्रशय यालनाथ प्रके प्रदेश अवश् आहम तम मोज विश्ववा िं। इक्टबन श्रम्म अकास देखा। जासभार्य ন, চন বংগবোনালি আছা, বে চেডু ডিনি रें। कहारक श्रीकृष्टिक धर्मा बीक्निड ^{5 हें} दे अपने कार्ड । आहम वक्षी कांक्बन र हि-কিংবলের অভিটা করিবার চেতার আ- वर्ष्य किया विख्यात्री। क्रांकामिटगतः महत्याता कि अश्य क्षित्र। स्वरेक्षण मक्षिः ^{পরি ড} অভিশয় সম্ভাক এবং গ্রানের সকলেই জন্ম করে কি ডাখার নিনিজে দীলামে ভাকে,

विश्वानहत्र हर्ष्ट्रान्यम् ।

এবুক গোমপ্রকাপসম্পাদক

बहान'दत्रव ।

भवागत्र ! कामता क्षेत्रद्व निकट्टे क्षश्चकत्र-ণের সভিত্ত আর্থন। করিত্রেছি যে সোবপ্রকাশ मीय जीरी इडेक। दिलाय यकारणव कुलान जा-नव। करमक क्रम प्रदेर इ मुक्त प्रदेशक्ति। आभरः शृंदर्क हम एक्पूजी बाबून कथा निश्वित्राद्दिलाम, रिति क्यांनि स्मामध्याण शाउँ स्त्रिया अस्वाद्य क्यक्या भिन्नारहेंन। अकृत्य अधिन मन्द्रोत সময় জাসিডা চারিটা শর্যান্ত কাছারি করিতে-ছেন, জার গাঞ্চি ।কল আসিবা মাত্র কালিবা र्वेट करह, चयर के हे करवब साथ चौकाव क-বিশ্বা বিংশার্ট ক্ষিড়াছেন। সন্দাদক মহান্দ্ৰ। প্তপ্তী বাবু এইরংগ ক্র করিছ। অমের গরু कीर्ग क्रियारम्म, आना । छेठेते क्यान ऋत्भरे बहे भावनात स्थीनम् म्हेसन स्थापिकारित **ज्योग वार्य बक्षाकात्र कार्या (मृदय छा**र। इहे-ल देशीरक किमिएक शाबिरव मा। वाथ कति-ৰে বেন সে ভেপুটা ৰাসুই নয়, আৰু এক ৰাজি আবিয়াছে। বাব। বউক জাগর। কমিনন সাংগ-দের বিচার দেখিয়া অধাক হইয়াছ। তিনি নি-বিশ্বাছেন যে এবার ভেপুটা সালিক্টেটের অপ ৰাথ মাৰ্ক্ষন। কৰা পেল, তিনি লেন ভবিয়াত मान्याम यम । এই अकराव गाँमश मन, स्य बाक्ति दक्तिय दहेश, श्रीना भनः अहिन निर्देश कार्या कतिए उट्डिंग, यमि आहेन छालवर्शना कारमम, जिनि शंकिष कवित्र आतिशाखन (कन ? [विष्णवंडः मध विधिष काउँ न बहैक्रश कार्या कतिरम अञ्चलत मध इहेर'व निधान व्याद्यः कागरा अधिकत के लाहेनी उद्देख क विश्व दिलान ।

১৬৯ श्रांत । वासकीय कार्याकावक व्य व्हांन ৰাজ্ঞি বাজৰীঃ কাৰ্যাকঃশৰ হওচাতে কোন বি-त्मव मन्मति क्य कतिएक कि व. **उविभिक्त नी-**লালে ভাকিতে ভাইন মতে নিষিদ্ধ হয়, সে বলি विवय क्ष किम महामन निरक मिथिन। जानान कि जातात नाम किन जाताबरकत - 'বং ধনাত্য লোকের। বজেকর নাতুর ন্যায় পর্বান্তবিদা পরিতানে করের ছইবে ক্রিব্যান্তা- কালে বেদন ছেবি ভাগ লাগনাকে লানাইতে

गन्भक्ति यक्ति अस कविताः बाटक ब्रह्म के शब्दिक पक वर्षरक के जि

के किया ।

মান্যবর বীযুক্ত দোসএকাশসম্পাদ্ধ वहान्य महीद्रभव ।

সম্পাদক সহালত ! সোম্প্রকাল প্রিক্রা भानि यामात्मत नकृष्टे आक्षांत मामग्री, खूक्कार ভাগতে অশক্ষেণীয় লোকের এবং ভিন্ন দ্বেশস্থ राष्ट्राता अध्यक्त वान कतिरखह्म, कावारक्त व्यविद्यवनात कार्या व्यवाभी त्रका अक्षित बहै-त्म कारण अवनाई छारात किंद्र मा किंद्र ली-थिए इदेर एउमा क्रिया निमुख क्थक्र निव-য়ের সারসাম এছণ করিয়া আপনার কাছে পা-उ।हैरछहि, दमामधकारण काम निमा,वाविक क-विट्यम ।

অতি অলু দিবস অভীত অইল আনাহেৰ জীৰ কৰিতে পারিলেন না।বাধ: হউক যে বাজি প্রস্তার জলকর লইব। আপজি উপস্থিত হয়। এক মাস পুংর্ক ভেপ্টা বারুর ক।র্যা দেবিরা ঐ পক্ষবরের সধ্যে অপেকাভুক্ত অস্ত্রখন विश्वरण विश्वारक, भारत्र विश्व व्यवस्था का गरा कार्यक महावा अवश्विती वाक्ति व्याभागात स्र वाम जाविमा अक्षान छक्षांत्र क्या क्या किन्द्र आर्थना अत्तन, जाशंत्र मिर्द आर्थनास्मादन खेशविष विवादस्थतः विद्यव्या कवित्रा (शूर्क যাহাতে অভ্ৰেচেপ্ৰাচী ব্লিয়া কৰিছেন এমন একজন) বেডনজুক মকর্মি জালিনকে मक्याम गार्थेदेश स्म। जिनि वानियामाने धनक्रम कुछ डीकांच निक्रम महिल, महिरमस्य তিনি এতিবাদির পক্ষে জন পভাকা উড়াইন। अवान करिहारहर । **अवन पूर्वालगरकर ज**रिशा त्व कि च-छे, छाष। विभएक भारत मा।

কিছু দিন হবল কোন এক কৌজয়ারি বোক-क्ष्मात माका शिवात क्षमा छाछिनक नियानी श्रीपुक राष्ट्र विश्वपद्मशास्त्रिक क्रीधुती वर्गणम्, क्ष भारतम् इष्टभूषि बालिएक् हे अबुख्यराष्ट्र पूर्व চক্ৰ মুৰোপাধ্যায় গৰাশবের স্বাহারিতে উপ-ব্র হইলে ভিনি বিদাপবাবে চৌধুরী মহা-अक्षरक शांकि एकत । मन्त्राक्त प्रदालक्ष ! मान राष्ट ধন, ভাষাত্র কিছুকাল প্রেই চৌধুরী সহাশহ छश्चाम विरमण 'कहिता महरव कामावेरण अधानकात नाकि। के छित अछि छाहार अ क्षांत्रका स्थानियात का मन बहेतारक। स्थान-লাখ ৰোয়ালিয়ার ক্ষিত্রর সাহের না কি ाशत खनामकीर्कन कतिहा बाटकम । वस्रदारणह कटन रत मुझे वश्त्रदान खनविक क्यांत माल खनक कविना के विवरतम नामा विकास कतिरमा নত করিব। সম্পাদক সহাসন্ত। রাঞ্চালির আব উপাব নাই, সহরেও গালি, সক্ষরেপত লালি, বিবেচনা ছিল অন্দেশীয় বিচারক হইলে বুঝি গালি বাওয়া বাঁচা বাইবে। কিছু তা কোবাল এখন চেনিডেডি, বেলন দ', তেবন বি, তার বাড়া তার মাডিজীটি।

কভি জয়দিন গওঁ হইল ডেপ্টি ইনল্পইর জৌবানিশ লাছের ধুনজানাকুলে উপস্থিত
ইবীয়া ডাইডা প্রথম গ্রেণীর কর্মকন ছাত্রকে
স্পাছক চরণ ছারা বিলক্ষণ নালান ক্রিয়া পিয়াছেন। এইড চাই কিরিলীর বাচ্চা কিনা।
উনিলাম ঐ ক্লে এরণ ফান্সাল ছার জান
হয়, ভানারা না কি এন্ত্রপ এয়া ক্রিলে
পাঁচ প্রকাষে ভালার উত্তর দিলা প্রধানকারে
অবাদ করে।

निकास महानम् । এ अरम्पान नीनक स्थानित । स्मार्ये निकास कार्या कार्य कार्या कार

স্থর । আৰি আহিংগা ভাবিণী গণী তব পার।

देवरण ब्लाबा क्या कृष्टेय शकाव जीवनः मध्य मन, यांत्र की वन, আলো বাবেক আলি ভারতে, ब्बर्ध मा द्या चूहरकरक, कि ज्ञारक्ट कारस ट्यांत शकांशन । या हिन मीरनरक नव निरम्रहरू. क्ष्मिन नेतान मांज चनटमन तरहरह. च्या विरम मीर्ग त्मन वरप्रदक्त. त्याकांमत्म महा वर्त्र प्रहित्त. मार्गा दर्भाषां याद वल भाव. কিলে পাইব নিস্তাব, **छेन्। म**ं ८५८चं तः द जुनग्रम । নিভিত্তে নিভিত্তে বিস্লেখ্য অৰুপ. भिष्य **क्य कांव गर्म** क्षिया कुंकारम जना, वन किट्न वन भाव कन्ति, भाग ऋष टेश्टर योग गरानी ও या क्यारिय कार्याभा श्राम. क्यारम स्व विव गान, माकि काल कांद्रादश्य अपन ए किह्न क्रिय-कांग्र ज़ित्य क्षायन . बह्माक्रिक चाचारमय गुठाबेटन गाउन। कथन बारतक किरव खुरांख नाः ख्रिक चन्र (कम होत ना क्षिरंग कामा देमनाम करण. छोदारम कुमहत्रकूरम्, अभूम अकुरण देश (अ) मनम **॥**

一种的人的 一种

विश्वणी विभिन्न कि को थे के छान।

के शिक्ष प्रविद्व द्वार केव को कि श्रिविक ने,
के देवान खालित तुका रिश्टण छित।
के कि छेलिक छान। यो छानाव।
कारण विश्वणी में, बर्ल्स विभिः
कारण विश्वणी में, बर्ल्स विभिः
कारण विश्वणी से, बर्ल्स विभाग से, विश्वणी से, बर्ल्स विभिः
कारण विश्वणी से, बर्ल्स विभाग से, विश्वणी से, विश्व

স্মাযুক্ত সেম্প্রক'ল সম্পাদক মহাশ্রের।

विवयुष्क्षिक निर्देशमानियः।

शेष रचा देवशादिक त्यांगश्चादिक व्याप्तः।

शेष रचा देवशादिक त्यांगश्चादिक व्याप्तः।

शेष शिक्षणि द्वांगि किष्टू निर्विद्याद्विः व्याप्तः।

शुक्कि श्वांगीय प्रदेशां विवयं।

शोग स्था किष्ट्र निर्विद्यां।

शोग स्था किष्ट्र निर्विद्यां।

হানভাব মুক্ষেত্রীআদালভটা জীযুক্ত থার নীলমনি নিত্র মহাপ্তের সময়াবধি জাবন মুক্তি ধারন ক্ষিয়াছে। তিনি নিজে বড় মাছুন, বোধ হয় কেবল অঞ্যতদিত্যের হিভাপট ভাঁছার মাক্ষ্মী করা। ভাঁচাৰ সময়ে সেন্তেলার সীভা-নাধ বস্তব একাধিশভা ছিল।

অনন্তঃ অঞ্চলিনের কম। জীবুক্ত বাবু নরে:-কম মলিক মহালয় তৎপাদে প্রতিমিধি থাকিব। সন্থিচাৰ ভাষা যশ বিস্তায় করিছা ছিলেন।

এক্ষণে শ্রীবৃক্ত বাবু বেমচন্ত্র বন্ধ্যোগাগার
মহাশর বুক্ষেণী জ সন জবিকার করিচাছেন।
ইনি উচ্চউপাধি প্রাপ্ত স্থানিকত লোক, ইন্টার
আরা স্বিচার লাভের প্রভ্যোশা করিয়াছিলাম
কিন্তু মুর্ভাগ্য বশতঃ ইছি,র কএকটা কার্যো নিভারে মুর্থান্ড কইন্ডাহি।

আমলাদের উপ্রিলাভের কথা আগনকা-র পাঠকবর্গের অধিনিত নাই, কিছু এ আদাদ্য-তে অভিনয় বাড়াবাড়ী ছইয়া উঠিয়াছে।

शास्त्र कार्यो मिनिया १० कार्य शास्त्र कार्या अवस्था कार्या कार्या आकार कार्या कार्या

মত (পয় । ১০ টাকার একটা স্ক্ৰনার আন লাকে১৫ টাকা খুস দিকে হয় একবছায় ভৱ লৈ। মেন কি আলাকতে আন। উচিত ? নিচার শক্তি-

দেশ কৰে।গাড়ালিদোৰট আনজাৰ এগল ছই-বায় প্ৰাধানকাৰণ।

বিনয়পুৰ্ত্তিক জানাইতেছি গ্ৰাহ্মকী নিম লিকিড চুটা বিষয়ে স্বিশেষ মনোযোগ ক

১ না বিভাবপতিদিশের যেমন মাইনের গ্রীক্ষা লওয়, হয়, জেমনি যোগাত র ও চরি হেন পরীক্ষা বাওয়াব গ্রীভিপ্রমন্তি করণ উচিও। যে বিশাও ঘিনি বিশেষ খ্যাতি লাভ না করিছে পাবিধেন, নি ন করাপি বিভারাভি শব্দের বাচ। না গল। অধিক জোধালিত। জানিতাও যে অনে-কের চরিন না নাভে, ইবার ভূর দুউভি দে শাইতে পানা গাব।

ব্যা আদালতের আমতানিপের প্রী-কালইবার রীতি প্রচলত ছইয়া স্থাশক্ষিত ও সক্রবিত্র সোককে আধ্বন্ধ চন্দ্রকাল নির্কাশরান হয়: ইহাতে গ্রথমেনেটার যে প্রতি হবীবে তথ প্রবেষ উপায় বলিতেছি।

श्रकत श्राम् । इक्रांक श्रक्ति । क्ष्या श्रक्ति । क्ष्या । व्यवस्थित श्राप्त । क्ष्या । क्ष्या । व्यवस्थित । क्ष्या । व्यवस्थित । व्यवस्थित । व्यवस्थित ।

একং নিচাৰপতি মহাশন্ত্রিগাকে ক্ষয়ন বোধ কবিতেছি ভাঁচাৰ, বিষেত্রন ক্ষাইল দেশুন যে কিন্দিলিক বিংশতিব্য পুর্বের এলেন্টারের। বি কাপ ছববস্থাপ্ত ছিলেন, অধুনা বে পাল ন মর্যাদার এলেন্সাত ক্ষেমা ঘাইতেছে, সে কেবল প্র নাম্পর্ক স্থাই ছবিয়াছে সন্দেহ ন উল্ সকল বিচারপতি যদি জীলুক্ত বাবু ছবচন লোম প্রজীমুক্ত বাবু কালিছে মিন প্রভাত নাম্ম প্রায়ণ বিচারপ জগণের ক্ষণের আন্তক্ষণে ব্যা নীল চল, বিচার কর্ত্তার দোলে যে অনিক ঘটিতে ছে, ভালা নিবারণ ছবিবে।

সংবাগাছী

এই গত্ৰ কৰিকাতাৰ দক্ষিণ পুন্ধ নামল: বলকাবের সোনাপুর উেলানের দক্ষিণ ছাংজিলোকা এগনে জিবুক বারকানাথ বিল্লাপুষ্ণের নাসিকে জড়ি নোমধার জাত্তে জায়ালিক হয়।



" अवर्षकार अक्रकिश्चित्र गार्थिक जन्नकी अवस्थित्की व दीव्रवार

8 **कांथ**। ७० मरवान्।

मन १२७५ । २४ टेक्स । हेर १४७२ । ७ ज्न

वाशिक कृता 5 क्षेत्रके क वाशिक कश्चिम ३० हैनिहा

বিজ্ঞাপন। গ্রহণণের প্রতি।

ইৰশাশ্যাস অভীত হওৱাতে অনেকের প্রমন্ত সোৰপ্রকাশের মূল্য নির্টিশ্বিত হইরা ছে। তাহালিখনে বিনর পূর্বক আনান বাই ভেঙে বে ভাষারা অপুতার পূর্বক স্বরার আগামি বর্বের মূল্য পাঠাইরা দেন। আপা-ভভুঃ সংক্ষত বর্ত্তেই মূল্য পাঠাইবেন।

> বিকাপন। বিশ্ববিনোদ লাটক।

জীবসুনাথ নিত্র প্রণীত উক্ত নাটক সংখ্ ত যত্তে সুত্রিত কইর। বিজ্ঞার্য প্রস্কৃত্ত আছে ক্রাহকগণ নিমু লিখিত টিকানার তথ্য করিলে গা উত্তে পাবিবেন । সূল্য ।।৮/ আনি, মাত্র

किनाछ।

तेनवेनियां, ३१५ नः खरान तरकृष्ठ शृष्ठ
कानदा अञ्चलका ৮५ नः खरान शक्ष बाहर्न
पिटाय श्रुष्ठनामयः, नानशामात ष्ठि यामाति ।

बश्च काम्भानित नाहरवित ।

वर्षमान ।

রাধানগর বন্ধসন্তার উপাচার্ব্য শ্রীণ্ডা মূর্বানন্দ কবির্দ্ধ সহাশদের নিকট

নোমপ্রকাশ 1

रण व देवाचे लामराज्ञ।

४- व्यान'रमत् झा कत्रक्षण १३ स्वक्त स्थिकाम १

শতটোরকারিদিনের পকে কি অন কংণ কালই পড়ির্ভে তাহাদিনের অ ভাচারকারিতা ও স্বার্থপরতা আরু পোপন রহিতেতে না। নীলকর ও ভা-করেরা

ष्यंभवाविश्रदक व स्वरुपंत्र " क्रिवृक्तिकारी ৰলিয়া পদ্ধিচন দিয়া পাকেন। ভাঁহারা বলেন, " আমরা বিশ্ব পরিপূর্ণ ভূমি পরি ছ্ত করিয়া ভল্ডো নীল, চা. প্রভৃতি ৰশৰ করিতেছি, আমাদিশের চেন্টায় चटनक खवा छेरलब स्रेटकटर, अवर आय ब्रो एक जरून खावा विदयप्त ब्रश्नोभि क्बिं তেৰি, ভাষ্টে পুৰু খুৰুপ সরকারের অনেক টাকা লাভ হইভেছে। ^চ কিছ লা बद्रा कांब्रक्रवर्ष है, विरमयका क्रुवक ७ जान জীবি ব্যক্তিদিগের অনিষ্ট বিনা ইউলাভ (पविरावि मा। श्रेवृत्किकातिमिरभेत रख পৰিত হওয়াতে তাহাদিগকে চিরকাল क्के (क्षात्र क्षिटक क्रेटिटक् । काशानि গের যে কেবল স্বাধীনতা বিসুপ্ত হইরাছে এক্স মছে, ভাছারা পরীর সমর্পণ করি ग्रां छेन्द्र शृद्धनश्वा श वर्ष लास्य नमर्थ इट्रेंट्ट्र मा। नीलथ्याम धारपानंत थ জাগণের ছুর্জনার বিষয় এপন আব অঞ भाव नारे । हा-ध्यान धारमण्य हेरा क बनः मध्यान इहेरल्या ।

আসামের চা-করের। পূর্বে প্রত্যেক
সম্পুরকে প্রতি মাসে ২।।০ টাকা করির।
বেতন দিতেন; জনশুঃ বেতন রুদ্ধি কইয়।
৪।।০ হর । একণে পরিকামের বে প্রকার
মুলা ও গৌবব রাজ কইয়াছে, ভাঙাতে
৪।।০ টাকা মাসিক বেতন অধিক নয় । এ
বেতানে এখন বজুর পাওয়া বারমা। জম্প
দিন হইল, আমানের জঙুর্গত কের্মেন
দের একজিবি-উটিব ইঞ্জিনির প্রত্যেক

बब्दरक थणार हात्रि भोगा के क्रिक्ट बर्ब्ड्ड দিতে আরম্ভ করিয়াহেল 🖁 সুকরাং ভত্রতা डा-स्टबरा जात ज्यां नाटन महोते , याहे তেহেন বা, ভাহাতে ভাহারা করাবিয়াক व्हेत्रा नच्यीनूद्रवत्र गर्काती क्रिमान्त्र त्य वत विवादता विकृति वर् वानेता, भारत यव अरदान त्व अक्जिकिक्टिव देशिनित तात व्यक्ति करे कारकने (क्व:), रप्न स्व চা-क्रब्रहा मञ्जूत्रिकारक रय विवाद रविक व मिन्ना चारकन, डिबिश्व मिन्नारव विषय (गम) भाविक्यदर्शन नामने प्रेरिकेटक भारत, अरे त्याबद्ध विवास क्रांन्क्यसिंटर्रं जन्दतारथ পড़ियां अस्वात कृदे जिल्लादक शवर्ग्या निविद्यां हिन्द्र नामाध्यत्र त्या (क्ता बजूबी करत का, झां-ब्रह्मद्वा मजूब भारेरकरून मा, जक्या जानाहमत सा रकत्र अधि अधिक कत्र नाटुनतः अनुमार्थः हरेटल छाहानिकटक चलका असूत्री कति **७ स्ट्रेट्र । शबर्गटमके अरे क्या स**निज्ञा ত হাতে ভর্ম সনা করিয়াছিলেন। ...

क्षित्र विवास हा-कर्तिरास्त्र समूद्राः ।

प अवास न्वकाकात निचित्रास्त्र मान्स विराध दिख्य हा क्यारेटन ' मान्स विश्व प्रधान विश्व विश्व प्रधान विश्व प्रधान विश्व विश्व प्रधान विश्व विश्व प्रधान विश्व विश्व प्रधान विश्व विश्व प्रधान विश्व विश्व प्रधान विश्व विष्व विश्व विश्व विश्व विश्व विष्व विष्व विश्व विष्व वि

১০টাকা বেতন নিলেও ভাষ্ট্রের নিজেও হয় না । তিনি বলেন ' আবাতের লোটকা। গৈ ভাবতঃ এম করিতে সনিজ, বিজেবজঃ স্বা করাকে প্রান্ত আন করে। অংশ করন দিয়া অ

विन्नार्ट्य जिन्द्यन्त ना । स्वर्धाः विन्नार्ट्य जिन्द्यन्त ना । स्वर्धः समीपूर्व २० नक ग्रेकान वा कवित्तः कवित्र दीरकान वृत्तः चव्ज कार्ट्य । कृति १००० (लाक वर्ष परत्न, वाश एदेल थार्याक मध्य ७०० ज्ञाकान व्यवस्थान

জনায়াদে শতকরা ২০
টাকা ব্যরকরা যায়; এবং মজুরেরাও
লাসে ১০ টাকা করিয়া পাইতে পারে 1০
বক্ষদে ববি ১০ টাকা দেওয়া যায়, তবে
শীর্ষকারীয়া মজুরদিশের প্রতিব্যক্তিকে
ন্মতিদিন চারি জানা করিয়া দিতে কাতর

्क्य ।

মেজর হৃপকিন্তার আগনার আগংসনীর প্রের এক স্থানে লিখিরাছেন " চা.করেরা বলেন, ভাঁহারা দেশের জীর্ত্তি করিছে ছেন । और्षि काः।एक वटन । वस्त्रतिभूर्व ভূমি পৰিষ্কৃত করিলেই কি দেশের জীহৃদ্ধি হুইলু, যদি দেশের লোকের অর্থ বৃদ্ধি না হয়, ভাহাহইলে ভূমিপতিত ধা কাই ভোর:— ৰাৰ্ডা দাত্ৰ ইহাকে সৌ खाना **बरमन ना । १ स्म १ र**वृत्र ७३ करहरूही वाका वर्गमय सक्तरभश् कि काला लिवि বার যোগ্য। এতদ্বারা কি স্পর্য করে; 'आहे कथा कहा इंडेटफट हा त्य मानव উ্তিকারিভারণ কঞ্ক ভার আরত क्हेबा काहाबा (क्वल जाशना मिर्शन जर्थ कृषि वितिष्ण्यस्य धरेगांव । यांकावा व्यक्ति विकत शारेवात वाथा, क्र'दानिशतक व्याप (वस्त क्रिया क्लपूर्वक बाहारेया लखना कि

पणाहात गरह है हाका आकारणंत्र काहारणं त त्रमानगणा अके किया हो कर्तिशिक्ष पणाहारतक विवय हम क्रिकिश प्राणित्व क्रिकिश क्रिका है क्रिकिश प्राणित्व

আমরা ব্রাব্র যে কথা কছিয়া জাসি ছে, গৰৰ্ণনেন্টও' সেই কথা বলিলেন; बसूर्विभटक श्रवां श्र विक्रम काम कुन्धरम त्र अधिकात्री ७ अवकीवि केक्टवत्रहे छैन কায়ক। আভাম শিখ কহিয়াছেন, মূলধন সঞ্জি ব্লাধিরা 'যথোচিত ব্যন্ন করাতে তা श्रंत्र श्रंति श्रंत्र ना । श्रित्रज्ञत्मत्र भूना गर्था চিত ৰূপে মী বিলেই শেবে ক্ষতি প্ৰস্ত হ रें एक इस । नीमक्टब्रहा क्रिकिशा अरे निस মের ভাৎপয়া শ্বীকার করিরাছেন। নীল क्त्रमिट्शन मृत्योत्त स्थित्र। ठा-क्त्रमिट्शन भिका क्या कर्चवा । अक्त (त्रहेल अर প্রভৃত্তিতে মঞ্রেরা, অনারাসে প্রভাত চা রি অথবা ছত্র আনা উপার্কন করিতেছে। এখন এখন নিৰ্বোধ কে আছে বে অব্দ বেতনে অধিক ঋষ করিয়া চা ক্ষেত্রে প্র চার ৰূপ দক্ষিণ গ্রহণ করিবে > নীলশ্রেণা ন প্রদেশের ক্বক দিলের সহিত চা কে त्वत्र मन्त्रिंग्रिशत्र वद् श्राटक चाट्य । मी

न व्यवस्था क्रमा मेनक्षिण्य ज्ञाना मा क्रिय क्रमां क्रिया क्रमां क्रिया क्रमां क्रमं क्रमां क्रमं क्रमां क

আইটা চা-কর দিগকে পুনর্বার সতর্ক করিয়া দিভেছি, তাঁহারা বেম কথন নীল করদিগের দৃতীভের অনুসরণ না করেন। লাও হোলভার্স সভা তাঁহাদিগকে জ্রা মলা পূর্বে আনিয়া দল বল রুদ্ধি করিবার চেতীয় আছেন। চা-করেরা বেম সাবধান হন, তাঁহাদিগের কথার বিখাস না করেন। তাঁহারা যদি আর পিছু কাল নীলকরগণে র ন্যার অভ্যাচার করেন, ভাহা হইলে ভাঁচাদিগকে ভারভবর্ষ ত্যাগ করিছে হই বে 1

> পত্রত্য কভিগর ইংরাজ সম্পাদকের অনুরদর্শিতা

কাজকর্ম না থাকিলে সানুবের মন
পরানিইচিন্তায় ও কুকর্মে থাবসান হয়,
এই যে একটা প্রাসিদ্ধ কথা আছে, ইহা
অয়থার্থ নহে। সাধুগণ ইহার লক্ষ্য
হল না হউন, কিন্ত ইহার যাথার্থ্য বহুধা
পরীক্ষিত হই্যাছে। ইহার যাথার্থ্য বহুধা
পরীক্ষিত হই্যাছে। ইহার থাওার্থ্য বহুধা
পরীক্ষিত হই্যাছে। ইহার থাওার্থ্য বহুধা
পরীক্ষিত হই্যাছে। ইহার থাওার্থ্য বহুধা
পরীক্ষিত হই্যাছে। ইহার প্রতিপোবক
আর একটা প্রসিদ্ধ বাক্য আছে। সেটা
এই "বলে বলে করি কি, খুড়ার " নামে
পেরদা হি। ই কর্ম না থাকিলে পিড়ব্যের
অনিউচিন্তাও গর্হিত বলিয়া বোধ হয় না।
অত্যতা কভিপর ইংরাজসমাচারপত্র সম্পা
সক্ষের এই গতি দেখা যাইতেছে। বর্ধন
ভাহাছিলের লিখিবার কোন বিষর না
থাকে, সেই সময়েই ভাহারা এদেশীর দি
পের অনিউচিন্তার প্রবৃত্ত হন। আজি কি

मः अमुक मन्त्रीच व विद्यान, अद्यानीयस्थ जिन्दा जरूपेग **ए जलन, हेर्**।विश्रदक কোন গুরুষর রাজকর্ম দেওয়া উচ্চিত নর। অমুক কৰিলেন, এদেশের লোক অভ্যন্ত প্র ভারক, ইহু দিলের হতে বিশাস্থোপা काक रक्षा विरुष्ण हम् ना। व्यान कर् জন স্বার এক দিক হইতে তারস্বরে বলি या छे.ठेटलब. ारमनी श्रीमश्रदक पाछ मंड त:वज्ञाय क्रिटिश कित्स वि:त्रश्माय विराष्ट्रा 🕶 इ घडिरव। अना अम्माणक मत्म कतित्तन, भक्त मक्तानकई जाश्रम जाश्रम स्था वृष्तित्र भतिष्ठ मिर्डिएम. व्यामात मोनी थाका केहिन इरेटक्ट ना। धरे कावि য়া ভিনিত এই বলিয়া অপনার বৃদ্ধি ভাণ্ডারের ধাব উ ছা টম করিবা দিলেন **ে এলেখের লোককে আনিক লেখা**গড়। मिस्त केतिक मन, कहा हहेत्स श्रविशास जातकर्व देश्त्र'क कार्टिव इन्ह अदिसरी कड़ेशा गावेटन १ **चांत्र उक जब वा श**रे बलि য়া আপ্ৰায় বাহাছুৱী প্ৰক'শ ক্রিলেন, रास्त्राक काकि अट्रमामात विट्रफ्का, अ मनी रगता रिक्रिटः अञ्चब डे तमकाठित्र^{े भ}रका একবিৰ ব্যবস্থা প্ৰশ্নন কবিষা বিক্ৰি 'शत्र आजात द्विकत्। कामकरमहे विदयन ALT I

এবিষধ অসারভাদুনিত বচনোপন্যাস,
ইংৰাজ সদসাদক নিগের অদ্য দার্শভার
ফল সন্দেহ নাই। তাঁহারা মনে করেন,
গ্রন্থেতির বড় চিত করিতেহেন। কিন্তু
আনি, হল্ড:তাঁহারা বুলিতে পারেন। গে
তাঁহানিগের ভূলা অভিতকারী আর নাই।
প্রজার অনুরাগ ও বিরাগের উদরে
রাজন্তার স্থানিত। ও অস্থাহিত। নির্ভর ক
রিতেনে। উল্লে সম্পাদকেরা বে পরামর্শনিতেহের, আমানিগের পর্ননিতী যদি ভা
দনুসর্গ ব রন, গ্রন্থেনিটের প্রজাব অনু
বাগ ভাজা হইবার কি সন্তাবনা আছেল
প্রাথনের অনুসরণ মুরে গাকুক, রক্ষা।
শকেরা যে উল্লেক্যার বাকা যার ক্রিতে

হেন, ক্রিভেড ইংরাজ জাতির উপরে এ দেনীর বিনের বিবেশ প্রাজন হর, ভাষা যে জাতি প্রজার বিবেশ প্রাজন হর, ভাষা র রাজজী কথন ছাগিনী হয় মা। সম্পাদক পণ তোমরা কি প্রজার অনুরাগ লাও চে ভাকে অকিঞ্জিৎ কর জান করিছেছ । অ ব্রবশ ধারা ভারতবর্ষ কৈ চির কাল ব্রশে রাখিবে, ভোমরা চি এই ননোরধ করিছে ছঃ এ ভোমাদিপের তুর্যনোরধ সন্দেহ নাই। ইতিছাস ইছার বিপরীত কথা কহিছে ছে। কোন রাজা কথন এরবিধ উপার অ বলম্বন করিয়া রাজাপ্ত দীর্ঘকাল সহত্যে রাখিতে সমর্থ হন নাই।

আমরা ভোমাদিগকে অনুবোধ করি । শেছি, ভোমবং ত্বিব চিত্তে একটা বিবদের िद्वम्मा नहा। एक महा त्य खात्रकवर्य दक বলে রাখিবার উদ্দেশে এক স্বার্থপরতা ও নীচাশয়তা প্রকাশ করিতেছ, নে ভারতহর্য কোভু কাভির পৈতৃক বাসভূমি - সেই जािं यमि ভোলामिरगद इन्द्र १३ कि छ.व **उद्दर्भ हार्रे**श श्रीलय करिएड शास्त्र । ভাষতেই বা ক্ষতি কি ১ ডে:ম:বিগের অংশকা সেই জাতিব ইছাঙে সম্বিক বৰ আছে। ভোমরা আপনাদিগকে মুক্ত রাখিয়া এদেশীয় সমাচাত পত্রের লায षर्गनार्थ लाक निरुषांत्र अर्छ व लहे । गर र्देशाह. किन्तु एकि चानुशानन कविना (वस् **्डामापि भारते कार्या प्रमार्थ भारता (ल.क** নিয়োগ আবশাক। ভোষা যে সমস্ত बांका आह्रान करे. लांका निराम काशि अ অবলিত করিরা দের, কিন্তু এদেশীণ সম্পা मक्षिर्भव यह नाउली विष्य काफीशनी बद्ध। अपन्नीय नहाम ला । अपनेशिहा গের যে যে অভিঞায় প্রকটিত হয়, গবর্ণ মেণ্ট ঘদি সেই গুলি বিবেচনা করিয়া कार्या करतर. विष्ठाइ महावया बादक का । **এककामत राका विक्तारहत छैथी पम कवि** (एएइ, जात अरु करनेत वाका क हा विश्वी कतिरक्टक, ७ केट्टब्रुव क्रद्या अवर्टिंग প্টের একত হিতকারী কে 🤉

জীবিদার দিনের প্র**লিক্ষা বির্থেক্ট** অন্যোগন স্থাক **উন্নজি**ু ত ডেগছ না।

এখন উন্নতির কাল। সমু**দার ফেলের** नव्याय विवयरे थात्र अथन छन्छित्रं निहेक ধাবমান হইরাত্ত। আনাগিলের বেশও अ निर्मविष्कुं छ । दि । किंद आर्म শের যেৰূপ উন্নতি হওয়া উচিত, সেই रहेरफरम् यः। ज्या ज्या दश्रम् जरन य। এ मिट्ना मिट्ना क्रीवृक्ति हरेवात वि निखे कात्रन आदश । जिलिम शुवर्गत्वरकेत व्यक्तिराज वामानिराज वाम । अभवर्गम ्णेत जारतिक रेका अरे य जाम नितान বে বে অংশে অনুমতি আছে, ভাছা দুরী ভূত হইয়া সর্বাদীন উন্নতিলাভ হর টুচির ত্তন কুনংকার প্রাকৃতি উর্ভির যে সমস্ত ছরতিক্রম প্রতিবন্ধক আহে, ভাষা অপসা নিত করিবার নিমি**ভ বাজন্য ব্যংগ বিখ্যা**র অ'লোক বিস্তার করিবার যথ্যেটিক চেকা চ^{্ৰ}তেহে। তথাপি আমরা **ৰাঞ্ছিতকনে ব** লিভ হইতেছি, ভাহার কারণ কি :

करे कांद्रदेशत अनुमक्तांत्म अवस्थ रहे भ भरतरक भरतकविध कींब्रटनंत्र निर्दर्भ भ कतिरवन गटकार गाँदे। किंक कांगाविरशत गए क्योम इषिश्वत मुनिका दिवंद्दे श्रक्त कात्रम। अरम्दर्भत्र क्लाटकत्री खाठीन थाहात रावश्क्षांचित्र मिछाड अनुतुष्ठः ; वे नकटलत नटणाल्या निरक्षत रेहाँद्रा यात পর নাই কর্ম পাইতেছেন, ভগাপি উহার रमायक रमायकान क्रद्रान मा, धक्था चामत्र। चचीकात्र कति मा। किन्तु स्त्रजीम' तिता यकि जुमिक्कि इटेएक एक किय के नकन विषयाय काक्रिक छ शतिकर्स इहेगा দেশের সবিশেব ঞিরুদ্ধি হইত সন্দেহ নাই। अप्तरम क्रमीमात्रक्रिशत मर्त्वरणामुश्री अङ को ब्याटक ; नर् गा स्लाटक है कें,काकिटन, बाया ; योहाता का जारान (क्षेत्रे, के हानिश (कल कमीमार्ग विकाह शक्रपाकृति हरे জনীপারদিগের বাক্য যা থাহিতে হন ,

লখনকরা আত্যতিক সাব্দের ক্রম কিল্ডঃ তাঁহারা যদি কোন বিষয়ের পরিবর্তে ক্লুভ मक्षा ७ व्यक्षावमात्रवाम इस, कीश्वामिटश्रंत চেন্টা কথন বিকল্ হয় লা । আলাদিখের দেশের আচার ব্যবহারাশির কথন কোন পরিবর্ত হয় নাই এক্স নহে। পূর্বে নযুত্ত शबनाणित्र अण्टित्य हिंम ना, अवलवास्त्रित জঁকবাক্য হই রা তাঁহার নিবেধ করিয়াছেন । व्यक्तिम कारलब जानामामि वर्णत ए जा চার ব্যবহার ছিল্ল এখন ভাগার বহু পরি वर्ष प्रेपाटह। जिल्लामीका जामन ७ र দানীৰন ত্ৰাহ্মণ উভয়কে একত্ৰ করিবার যদি কোন উপায় থাকিত, তাহা হইলে উ ভয়কে এক বৰ্ণ বলিয়া কোন ক্ৰমেই চিনা ৰাইত না। তথনকার ব্রাক্ষণেরা দীর্ঘকেশ ও শার্ক নথাদি ধারণ করিতেন, এখনকা त्र बाक्रांश्वा जुक्किट्टक्म ७ ७८६ र छेन ति 🖲 त्म भाक्षमधाती मृखे इत । उपानी इ न खान्मर्गद्रा नात्रर व्याठः ७ मधाङ्ग धरे ত্রিকালে ত্রিসন্ধ্যা, নিভ্য হোম ও বেধারা এনা করিছেন, ইমানীরন ব্রাহ্মণ্যিকার ८शंभाषि विवरंत्र कलाक्षिति मान ७ त्राकाता थना गांत श्रेतार । प्रताह जनानी दन ব্রাক্ষণদিগের শুপ্রধা করিতেন, ইদানীস্ত ন ব্রাক্ণেরা প্রশ্রেকার হইয়াছেন। তদা নী ধন ব্রাক্ষণের। বিনা বেদাধ্যয়ন জল এছ व क्त्रिटण्य या, रेमानीक्त जाकावित्रव चरमरक राम करांगे जाहा' अवश्र मरह ন। তদানীন্তন ত্রালণেরা প্রাণপরে সভ্য শৌচ, অন্তের, ইন্দ্রি-নিএং প্রস্ত **ि मगदिश शर्म कार्किश**्लन क{इट्टन. ≹ मानीसन खामनिम्स्यत व्यवस्क वे अक **ल्य जनाक्षाल विशे चट्पटण**हे कुर्वाहमत द 😘 ধু'তে ক্যা দ্যোহ'তত্ব' গৈটোম প্রিচ নিগ্রহ बीर्किया। मछा भरकार्य प्रमुख्य सम्प्रकाक्ष्य ।

-बाखाद, कमा, हिं। इते विकार व इंखा:, क मान्त्र कृतिका श्रद्धम अन्य मा कराः, गृष्कमञ्जाता स्म्य , **क्ष**्युविषयं , कृष्टिक हे क्ष्युव। स्मित वात्रन, भा**तकान् विक्वान्**गठान्छ कार्यस्य करूमग्रा

जूजुड क्ट्रेब्राट्स । अहेद्दल अना जना द র্ণেরও আচার ব্যতিক্রম ঘটিয়াছে।

एशन व्यामाविदेशक व्यामन व्यामन का বছারাদি অপরিবর্জনীর ভ্রতৈছে না, **बदः खबल गांखिता किया भारेता ३६** পরিবর্ত্ত হয় সপ্রমাণ হইতেছে, জগন গ क्टिम्त अभी शास्त्रतः मत्न क्यिटल अना शास्त्र विधवानियः इ अहसिक कहिएक जवः বালা ও বহু বিবাধ প্রস্তৃতি উঠাইয়া দিতে প োন, তৰিবলৈ অণুমাত্র সন্দেহ নাই। র্ত:হাদিগের এক এক ব্যক্তির যে ক্ষমতা আছে, সহজাধিক ক্রম্যাবিধ ব্যক্তির স ক্ষতানাই। তবে যে চঁহারা প**ি**বঠ দেউা করিভেছেন না, তাঁহাদিগের সুশিকা विवरहे छ। हात कात्रण । विश्वा विवाह क्षाह লিত না পাকাতে এবং বাল্য ও বন্ধ বিবাহ এচলিত গাৰণতে কেপের যে অনিষ্ট चिंटिका का विक की शामितात क्रम খন হইত, ভাঁহারা কি ইহার উপায় না ৰব্লিয়া নিশ্চি দ্ব ধাকিতে পারিভেন > সুশি কা নাই বলিয়া ভাঁহাদিগের ঐ দোষ श्रीति क्षाप्त्रम ३ ७६गः(भारत व्यवणा कर्जना विलया वाथ इंटरेट्ड मा। य বিষয় অৰশা কৰ্ডৰা বলিয়া বেংধ হয়. সুশৈ का कि छर मम्मोष्ट्र भ्राध्य हरेएड ক্ষেয় **৯ খাত্যস্থিত ক্ষ**তি ভইখার ম্বিশুশ্য मजारमा थाकित्न कथानि अक मिन कथा का इन्दांत जात्मक श्रांत श्रांतिवस्तक आ পাকে। জনীদারবিগের সে শকা নাই। काम कामीमान राम जालन गुरु दिवत। বিৰাছ প্ৰচলিত কৰেম, ভাঁছাকে জাভ্যমুন্ন हेका क्रिटिन जनारक जनाम्राटन का कार्य ফরিতে পারেন, অবার এনন কি সাহস খাজে যে ভাঁ**হাবিগছক জাভাত্তর** কবি ৰ'ব কথাও একবার মলে করিছে পারেন -भागामि नेत्र **काएकत्र विव**त् थेरे. विधवा বিবাহাদি প্রচলিত করিবার চেকী করা দূরে থাকুক, তাঁহারা উল্যোগী হইরা বিধৰ বিশহকারীকে অঞ্জের ও অপাত্রভায়

कतिया द्वाधियात यस्थातिक त्रह्मा भारेत्रा पादकत ।

बहे अगरण करत्रक गर्ज अधान त्ना কের শিক্ষাদান অধ্যা সাধারণের শিক্ষা দান এই উভয়বিধ শিক্ষাদান প্রণালীর 🕻 কোন্টী যুক্তি অনুসারে অবলয়ন করা বি (पर्र, उद क्षत्रक छेशक्षिक इहेरकरह । ला ৰ্ড কালিড ৰাছাছুর উপরি ক্রেণীস্ব ক্ষমেক সহত্রের শিক্ষাদ'ন প্রণালীর পক্ষপাতী हित्यन । द्रोकमर्ग्य य जिन दाल्या शा ড়ি খোলা হব, সে দিন বিনি বক্তাতা কা লে স্পান্টাকরে ঐ অভিপ্রায় প্রকাশ করি শাহি লেন: লার্ড স্কলত্তেরও ঐশ্বপ স্ট ंडल। थे मठी उरहरे यूक्तित अनुनाती मर्त्यक भारे। व्याप्तान्था लाकरक मुस्ति ক্ষিত করিয়া ভুলিতে পারিলে ব্যসংখা উপকার লাভ হয় সন্দেহ কি - আমরাও উপরে সেই সেই উপকার লাভ গণম ক রিলাম। জমীদার প্রাভৃতি প্রধান ধাক্তি দিগের অর্থবল ও নোকবল আছে ডাহা র সহিত সুশিক্ষার থোগ হুইলে যে মহাক ल लाख श्रेटर ७ विधटत व्यथिक राज्या मा है। कि अ जिंकल वाक्तिय असामश्रीत সুশিকিত করিয়া ভূলা সহজ ও সাধ্যায়ত कि ना, ७ विषय निरम्हना कहा चार्ना है।

ভ্রীদার প্রভৃতির সম্ভানগণের সুশি छ । अथम, ज्हारमाशाङ्ग्नरे य विणामि কান মুখ্য উদ্দেশ্য, আ্রিও অংমাদি (शव रमाम्बर् कार्मिक म नश्काय क्य कति कि कि मार्ती रहा देशाता मारे। स्वीमात्त्रता मारे मत्नित अधान। अभीमावी हिमाब ब्राबिदात छेशरयानि । লেখা পড়া শিকাকেই ভাঁহারা পর্যাপ্ত काः करत्य । विजीतः, क्यीपःदर् সন্তাৰের। অভিশ্র অল্সস্থভাব। আদর পাইয়া ভাছাদিগের এমনি কদভ্যাস হইরা উঠে বে উত্তরোজ্য তাঁহ দিগের শরীর অ পটু হট্রা পড়ে, অনুষাত্র ফ্লেমহিকুড শক্তি থাকে না, চিক্ক চিকাশক্তি বির্হিছ

इस। त्यानका गासिक क्रिया स्वाहत की शक्तिरगत कि मूर्णिका श्रेबाब अञ्चार्वना जारह : विमा स्थम ७ विमा हिशास मर्भाम वि জ্ঞানাদি শিকা সম্পন্ন ছওয়া কোন ক্রমেই সম্ভাবিত মহে। ভূতীয়, জ্মীদার সম্ভা নরা অম্পেই ভোগপরারণ ও বিলাসী হ ইয়া উঠে। বিলালপরতা বিদ্যালিকার একটা প্রধান প্রতিবন্ধক। চতুর্য, খসৎ भ्भर्भ । अरुकर्म बाला ७ वस्रविवाशिक প্রচলিত থাকাতে অধীদারদিগার অংশ | **४ तरम दिवान् ७ जन्म नग्नटम महान अटमा।** ্গকে অপন্ধ বীজে জন্ম, তাছার পরও নিয় মেয় অভিজ্ঞান, সুভরাং অবল বর্তেই শরী तत वल वीर्या करा हरेगा गाम । पाछ पव জনীদার দলে অকাল সূত্যু দর্শন অসচ ব্লাচর নছে ৷ এই সকল কারণে অধিকাংশ ফরীকার সম্ভান অব্প ব্যুদে পিডু নি হ য় ! উপযুক্ত অভিক্তানক না থাকাতে অস छत्रित ३ छ। देकात निरंभत्र क्यां कुर्कांव कथा य छूनि वात्र रूरेशा छिट्ठे । जन्म नश्नर्भ ह नेत्न कुक्त्प मिं एउशा च्या मिंग कि नाह । নট কারতে অধিকা-শ ক্রমীদার সন্তানকে বাসনাসক্ত দেখিতে পাওয়া যায় ৷ ব.সনা पश्चिम विमानिकात् अवग्री अर्धाः 131

উপরে শর্ম প্রদর্শিত হইলে, হন্তা ना न्याके अजीदमीन इंग्रेट्ट्स, गैं,हाजा সংশ করেন, জমীদার্থিগাকে বুশিসিত ক্রিয়। তাঁহ,দিগের ধারাই অপ্পায়াসে ধিতীৰ ও ভূতীয় জেণীর লোকদিগকে সুশিক্ষিত করিয়া ভুলিবেন, ভারাদিগের সে ছুরাশামাত। বিভীয় ও ভূতীর শ্রেণী हरेटाई कार्या आवष्ठ क्रिंड स्ट्रेंड াই চুই জেণীর লোকেয়া শুলিকিত হট্ ान भरीपारवता यपि मञ्जाग शक्तिया जाश नां पिरानंत्रं प्रश्लोमनायक मू विक्रिष्ठ करतन. এই এচ সম্ভাবনা আছে।

িজাগাৰ চা কোম্পানির মাধ্য ও কটির সাহের :

উক্ত কোম্পানির অনাত্তর অধ্যক্ষ সাকে ও কার্টার সাহেব ঐ কোম্পানির টাকা ७ চার বীল লইয়া আপন্য কায়। সাধন করিয়াছেন বলিয়া যে অনর্ব হয়, ভাষা कात्मर मका बहेगा के कैंटकट है। के छूटे वा कित्र कारपात अनुमञ्जानार्थ एव कशिए नि রোজিক হন, উঁছোর। বাহা বির করিয়া (हन, डाडा अथार्न क्षकाम करत्रन नाहे। ঐ কোম্পানির ইংলপ্তম্ব অধ্যক্ষণভার निकटों थ्याद्रभ कद्रिशास्त्र । भागतः शत न्भत्रा छनिलाय, बे हुई वाद्यित स्वाप मध भाग इरेत्राटक । कभिष्टित कायाबाता ७ १२ अकात मान्स मित्राम इहेरलाइ। गाःक ९ कार्षेत्र पनि भाषी मा क्र्यंत्वम, क्रिकि कें,हाबिटशङ्ग विषय्न मर्जमाधादारशङ्ग स्माहब क विदल्स मः (कम > जे मारक नारक्य ला % ফোল্ডৰ সভার সভাপতি ছিলেন। ভঁংার यापूरे के त्रका क्षितिक स्त्रा करत के হার সভাপতিত্ব পদ পরিত্যার হইল কেন সিংভূমে যে তাত্ৰখনি অ'ছে, তাফাৰ কাণা निर्साहार्थ अक स्थिप्भानि इग। ये बादक সাহেরের তথার প্রাথান্য হিন। দিছ এ **(काम्मीनि कुडकाशः इहार १।** पत्न मार्हे। देशक भारक शास्त्रदेव कामा एकता ५३ विरुद्धत विषय अरुमय क्षत्राह्मेश किए ८८ ग ।

शक्षा इंडेक ब्राह्मभारक्रदत स्युक गावशास्त्रक्ष विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः भाद जातभाक इंडेए७(इ.) धार्माम हा को विषय कट्का भट्ट १४२ प्रकाम १ का माहक माहरूव ये जिह्न भिका शवाब विमा । ছরকর সম্পাদক্ষেত নাকে ও০০০০ টাকার ক্ষতি পুৰণ প্ৰাৰ্থনা কবি"। মুগ্ৰিম কোর্টে নালিদ করিখাছেন। যত দিন মাতে সাতে বের চেশিত সংশয়াশ্পদ বৃহিরাছে, জভ দিন তাহার রুভ লোক্দ্মার্ভাপ্ত কনে

কের মনে অনেক প্রকার তর্ক উপস্থিত कतिया निर्देश मार्थ ।

मारक् मारक्रवत्र हतिरवत्र क्यूनक्वि কারি ক্ষিটি ভাষ্ত্র বিষয় সহসা আঁকা-न ना क्षित्। हेरलकृष्याक् नकाम वर्ष-প্রতীকা করিরাছেন ৷ তদ্ধিবিত আমরা कें।इ।पिशरक बूबिक कति ना, किस कैं।शाहा यनि मारक मारहरवत्र स्नाच स्नानम ताचि বার ও ঠাঁহার প্রাতি ক্ষম প্রদর্শন করিবা র অনুরোধ করিয়া ধারুতে, তাঁহারা সর্বতে। ভাবে पूर्विछ इ**रेट्वम मटेनीई बाई। माटक** मां द्धव यपि बाखविक का कान्नानित्र है।का ও চার বীল লইয়া আপনার কাল উহার করিয়া খাকেন, ভিনি কোন ফ্রমেই ক্ষমায় যোগ্য মন্ত্র। **ডিনি কেবল যে** विक्रम काया कतिवाद्यम अभन नटर. डांड' इटेएठ धक्छी दिवम अवर्थकत अन्ध াৰ প্ৰবৰ্ত্তিত ছুইবাছে। বৃদ্দি শ্ৰম্য কো म्लाभित्र वशास्त्रः। কাহার দুর্ব হের अनुमत्त्व ३ रहन, मञ्जूष मगुष्यान अवस्थि हरें। जनश्य श्रीष्ठके कतित्व मत्म्ह

পুত্তক প্রান্তি।

याम् वा क्रांच्या निकार के काम क বিতেছি, বুংধলার্হগ্য নাটকের এক ধণ এবং সাল্ট ডিপার্টমেন্টের ১৮ ৬০৷ »> कटकत्र धक्यक त्रिएशाँ खोल हरेता ভি: বুখেলার্ছ্সা ঐত্বাদীশ তক্তাল্কার व्यतीर। देनि यथन इक्केशारमत भवगरमण विभानरत्रत्न ध्रधान পश्चिएकत् कर्ष्य निर्ह्य ক্লাম ঘটিত মাল স , জাবন প্রবাদের । জিল ছিলেন, তথকালে জিলা রক্সপুরের অন্ত পাতি কাফিনীয়ার জীবুক্ত বাবু শক্ চল্ল রায় চৌধুরার উৎসাহদানে এতৎ অব্যান করেন। এত্কার বৈপুণ্য সহবা त्त्र रेशांटक अरमटम्ब ब्याहात्र वावद्यातानि त्र क्विक व्यानक वर्गन कतिशाध्यन अदः গ্রন্থের অধিকাংশ ছলে কৌতুকপ্রিয়ন্ত शक्तिंव कृतिगाक्त।

ोण ७०। ७**३ जारमञ्जू माल्डेजिशाउँ**स ्र^{्षेत} तिर्शार्णेवाता भावा या**रेरक्टर, भूर्व** , বংসর অপেকা এবসংর অধিক লবণ প্র शक व्यवतः विकास स्मृतार । ১৮৫৯। ७० अदस्य 8209009 मंग रिकाम ७ 30e2099e है।का लाख रहा अवर ३४७०। ७३ वरस ३७००२६१ मन विकास ७२२७७० छ छ। লাভ হয় !

विविश्व तर्वाम । ३ रेज देवाचे मामनाव ।

जाना शंचिनहेन काम्भानित वांगेरङ क जारे व वामात वृत्रेत्या छ शेत्रक १ जनकातः मित अन अंश्म निक्री छ इटेगाएक है. ति म थ्या कारतक वर्शका खवा कारहा कामा संसा দাহেবের ও নিজুদেলীয় ভাতপুরা কানীর भोत्र महत्त्वल आजी भीत्र कालकांत्रपति दिन्ती उ बहुगारह।

जारा श्रुविम ज्यासिटम अटेस्ट्रिक बाजि ট্রেটদিগের এক এতা হয়। তাঁকর। দাও । এ মে হরিশ বাদীর অ্তাবধান করিংবন স্থির विवादक्रमा

विशास नगरत मानवरमणीय जिल्हिन ५ के काश शिक्क बर्टिक ।

অনেধ মিলেটারি সাঞ্চিম্ব অপ্রয়তি না महेन्रा त्मणाम द्वारकः भृगता कातरङ । नथा भा কেন। তথ্ৰতা গৰণৰেন এই বিৰুষ ভারতৰ ৰীয় গ্ৰণমেট্টেৰ গোচর ক্ৰান্ত গ্ৰণ্ড প্ৰ नक्षण जाका भिष्ठादक्षम अभीदन्य व्यक्तिके ষারা বাজার অভ্রতি না ন্ট্রা ক্চ লে শ ্ল वांडेटण शाहित्यन मा 💸 १७ 🔻 १ १० नर्यु রা "লালা 'ভাবার দীকার মালে কণা किंदनन ।

किनिक मन्त्राह्म लाभूदिन , क होकि ৰেপার পরিধার প্রতিবাদ বরিগায়েন , **प्रारम आ**के शाहर (रशाह पश्चित र अक. अ. **টিড করিবার জন। ব্যবস্থাপক সভা**ধ এক বি-अ कार्यन ११८० । किन्न कार्यिकतम् विद्रश्च म না হওয়াতে ঐ বিল জার বিজীয় বাব পরিত 🖁 क्त गारे । मण्यकि नश्रक्षणीय वानवाकक न कांग्र वे दिपन डेजाशिख श्रेशिक : त्ननाव

ধরিলে গাড়োয়ানেরা ভাডা প্রায় পার না এই নিমিত অনেকে আপন আপন শকট তা-গ করিয়া পলায়ন করিয়া খাকে।

देशकी मण्यांत्रक मरबाद शाहेश्वरण क न्म भ हेर हैय हु ६ है स्टिश्त प्रशान्त्वर के ए जिल्हाम नहकाती जाक त्यीक सु स्टटमध हडे गौरहन ' गव (रबजे अविरय सामिवान अवर अ न थानि राक्तीय छाइदि (अतुन कवि .24 !

मिली १६८७ ५ ००० , तर अंदर्भ कविषाद्वन करमक लग उडभर्ग विष्यारी महा हहेटड क'त्र उद्भ काशमाजितात् मह्हत्व निकाउ বিলে'ইপুচন ক্ষেক থানি পত্র বিলে । কিন্তু প্রতিন কম্মচাতিন, সেই সকল পত্র হস্তগত कि दिया है।

है क मन्त्राप्तक वदलन फिल्ह्या क्रमाङ क्राह्य ह শল্পান্ত কৰিয়া অক্ষণে প্ৰক্ৰান জানেছ নি িরে আবিতি করিতেনে । ধানীকার্ট্ন সচ পাহাব গ্রীডের বজিতে ১ইল।

টিক্ত 'টেক্স' ১০ ছব সংখ্য দেশলো সংগ্ के २०वि (वे क्षिक्षिया जातीक वेक हर्या जातक वाडी अ इक्सांकि महे कहिए हर नक्ष्या छ। मिबिद छ। धरेषः नकाशक छ ातसा ११० छत् बार्थ का'ड ड इडेग्रारक

इ।यमन(वरिष ४ अस्म 🗱 व केम्प द्वा अह मश्क्रत खनानवाकी जिल्ला मुख इटे मादर एव দিশ্পীর্ধণ ভাষা গলাৰাও প্ৰা ন ক্ৰেন, रके मकत दर्भका सताय के हाउन स्वाहित ने कालू । জন্মক হত করিয়া দকিলে ঘহাসাইক সাক क् ^{राज}णन कहिलात कालना काहराहि --

अद्योषते दर्शास्त्र है रच्याहरू बहुत कर्त्या. িবের হ'লা নিজে রাজনায় ক্রায় করিব, তা इ.त. ५ अ. शिख्य मिर्दार्गित । 2 32 94 7 17 TES , চার্ছে উপের জনা,

ব্ৰেক্ত কালে, তক লাজে কা প্ৰেতি সাৰক हरुया है जानाम कर्फ र त्यासन करता । त्या श्रीम-" विकास : अकाम क्रिया करे कि सम्ब প্ৰক্ৰিন তেও এইৰ আবাৰ যেন অনুভাগ करिंग्ड वर देश।

जानाश्वाप (गरः हे मञ्चापन वरनन (जा-वान श्रुरत्तत श्रुलिय व्यथाक लाग्येनके शांविन নকঃ ব্ৰাথ সিংহ নামক এফ জন বিচোছী দ স্তাকে ধত করিতে গিয়া হত হইগ্রাছেন। শ করু রাম এক গছারের মধ্যে কয়েক জন সহচ-,রর দহিত লুক্।রিত ছিল। গাটন দেমপ্যে ্রতেশ করিনামাত্র মন্ত্রা তাঁহাকে লখ করিল। পুলিন দেনাগণ দল্যদিগকে যুত করিবার "'प्र कान कडी ना कविशा भलाइन कविय" ে : পুলিষ সেৰাৱা সকল স্থলেট সৰান সাহস

নবর্ণর ঞ্লেবরল জ্যাজ্ঞ। করিয়াছেন, স্থাতন ইয়া-প্ আইন সিম্পাপ্রে প্রচলিত হইবে না

্িয়ে সমূপক সম্প্রতি এই আছে: েন, কলিকাতা। নাজিয়া রাত্রি আইঘটকা। পাৰ আগুল বাখিছে পাৰিৰে না। মাজিবা खाबादक अभवाडे बहेबा के वा उत्तान क्रियाटक t জনেক ধলিকের দ্রব্যাদি ভানিমিক ভীরে আ না হঠতেছে না । করেক এন ব শিক এই শা আ বুহি ড করিবার জন্য লেগমোট গ্রন্তের নিক **८** च्यारतम्ब कतिश्वारक्षमः छाङाभिरशस्त्र थाः বেদন আৰু কর। কট্টনা।

এক্ষণে প্রোয় সকল খ্রানের চোরের কর **इ"श १६। ५ न**्द्रं कि ० मित्रनेत्र द्विकि भारत्य

च - व (लगोंबा,के शागद्र भौक्रिक वशिष्ट्रः न्यलयुरम् ५ म्स. **क**ित्री जार्रेष्ट्री के बिर्दन । লিখনা ধনিলাম তথাৰ মাটী ক্ৰয় কৰা বইবা

বাবু রমাঞ্চাল বাংয়ের যক্ত হটয়াছে। भ्युष बाडे गं ७ हैं कि सू शीफा आसि बबू मोडें। অণ্ডিশর ছ.বের স্থান

२२५ टेक्स्ट्रेस स्वताह

টাইমস অব ইণ্ডিয়া সম্পাদক নিউজিলাঙ ২টাতে ৴ বাল এ¦ও চইয়, ছেন, দর *লভর* এের ব্যাপ্ত ও ডা কোনোৱা শাস্ত ৮,৫ আবল্ডম ात (० विम त ॰ १ व कर केंद्रेर शिव | कतियादक । फक्का आधान वाक्तिया श्रहमा माया सनामन व्यवनी अहनिक कतिबाद रहते। প্রমুক্ত হইবাছেন। সর ক্ষাক্ত গ্রেনিট কিলাপে ए। डेशाइ व्यवसम्बन कत्रियाद्वन, छात्रज्यस्य क्रका क्रिल '' ब्रैहिनि काक्रीय व बन एक शिक्षा छेटिएडन ।

मधानत मिणापि क्षप्रनी म स्वय छोत्रज-বর্মের যে সমস্ত জব্যাদি নাত হইরাহে, তাহা। কলম পুলিষ গৈনিক এক ব্যক্তির নিকটে আ- | ব্যাস্ত প্রভৃতি স্থানে এ**তদেশীর পুত্রিরাই** ত্রত্যে লে'কের অ,ধিকতর প্রী,ভিকর হইরাছে। গাণর ফোনবল ভারিমিড় কলিকাডাও ছব্যা তি সংগ্রহকারিশী স্কাকে ধনা বাল প্রালান - বিষা**ছেন** ' উক্ত শিক্ষাদি প্রদর্শনী সভায় ! ः : तामीम कर्यम गुलिस्क : श्रवं करी है-়ত ছিল। কিন্তু কৃষ্ণীয়াধিপত্তি পিটাবের ব্যক্তি ব্যৱস্থায় শ্বন্ধেটের গটে থাকা জ 1581

উং**লস্থান** সম্পাদক বলেন উত্তৰ পশ্চি-, क्रमण्ड (मणीय) मध्याम भराउव अक क्रम क य'दन'युक रहेब्राटक्रम । किनि य∪ अधील श्र দকালি প্রাচার বস্থাকরিবেন। রুসরা**জ** সহা ५ । इन्नेटल है वक्टलट्सब जूत वि संग्रा

শশুতি বীভন সাঁ, *হল আলিপুরের বিল* ৰ্জন ছাত্ৰি মুজ্যালি উৎসৰ কবেন, ভাষা-কে এতকেশীয় ও গ্রহমেশীয়েক। সাত্ত ন্দ্ৰ, প্ৰসঞ্জ কৰিয়া উক্ত সম্পাদৰ লেপ্ট नहीं अवश्रक्षेत्र अभाष्या कविषा विविद्यारकन भ- द्रा. अनाक-देशेन ९ (भिन्नाक अ- ि য়ে ডপায় ভাবলখন চল্লিয়াড়িকেন উছাল সেই प्रेमण এक भाव। अहे केश्वर क्ष नाक वहें (४, अन्तरक्रमीय ८ इंडेट्यान्नभी प्रिताय शत्राभव সংখ্য স্থাবিত হইবে 🥕 একখা ওনিয়াও रूपं गुर्च करेल । व उरमयमध्य अहरनीय भिनेटक खुडा पुनिशा यात्रेटड ४१ मार : अत्रे । कही दिरुभव का छ ।

कें 'अश्रान अव-शिशांत्र मननारन आवन कत्रि া ছেন, ছোটনাগপুরের রাজা বে হস্তভাগা े किएक क्षेत्र महिला ये का विद्या 'প্ৰবণ কৰেন, ভাৰাকে লেণ্ডনট প্ৰবৰ্ণ মুক্ষ করিবার জালেল দিয়াছেন। নানা সাফোবর কেরাণী নিযুক্ত কর। *চ*ইতেচেও নিজেটারি अभ क्छ (जोक्दक " काम लदब (शह कारक ङ को**टकड़ मटल य ७ व्हे**टक **ट्डेट**बर

भन्दलामम् नद्ध **छेडे** निव्यम द्धिनिमम छ मी-শাংসাধ ব্যবস্থাপ**ক সভা**কে ভারতবধের **জ্ঞা**র-কিয় কারণ বলিয়া নির্দেশ করিয়াছেন। এইত **११ में और्वाच दार्था याहेट उट्ट. 'डांशांबा'' वा**ं দৃশাই কুড়ে । ছিলেন। জভেএৰ ভারাদিগোর रहेट अहरू जानबाद आदमत मधुनाह हो। ल्या अदिवास कार्या कले हि विस्तर कर किंग म् 🖯

আগাহাৰাদ গেজেট সম্পাদক বুলেন, এ ম দের করিতে গিঙা স্পাধিক আম চাহিবাতে সে ভারাতে অসমত বইন। উক্ত 'মহাবী-র স্তাম দ্ব সাজিন দেখাটথাতে বিধেনতা ভাষে ভাষাকৈ ভাষার প্রকারত আন্ত দিল। সম্পাদক ভারিষিক মহাক্তোধে লিখিয়াছেন " বাহার। শান্তি রক্ষা করিলে ভাহার। একার্য্য कतिरत कि (वाथ एश १० एस कांच कि १ जान नः । ৫ কুড়ে মুর্পির বন্ধু ঠে।কর ৮ :

मार्का है। मन्नांप्रक बटमन, मरदांप गढ्य शर्व दवन्ते कर्षाहा विकित्यत्र विषयः कारकास्त्र करा करनाम । किनि क्टबन त्व ८० वान्ति ब्राट ररक्ष नियुक्त रहेन न। क्या नियभिष्ठ भवाद्र আফিস খুলিখা নিব্যত্তি কাৰ্য্য করিলে গুনি কারিত কাগজ লিখিলে সম্পাদক দিলের কিছু ৰলিবার কি বাবণ থাকে ৷ যদি হকরার ডুড ! পূর্বা সম্পোদক কর্মান এক জন নীল কমিসনর इस बाक्षाको मण्लाहरू कि मीज्य बालिएयस १

२ ५० टेकार्छ दूधवात् ।

ভারতব্বীয় সুবিখ্যাত বিজ্ঞানবিং হেনরি, জন, কাটার সাহেবের মৃত্যু হটরাছে। ইংরপ্তীয় পণ্ডিভেব। এলেশে প্রায় আসিতে ব্দসন্মত্ত 🤊 কিন্তু কাটার বিজ্ঞানের উন্নতির हिटकल क्रिया अहमरण बदनान अविद्रिष्टि क রিষাছিলেন। 'ইার্ল'র মৃত্তু।তে অনেকে ছঃখি ভ হ্হটেন সম্পেক নাই ।

जितिक ए बिटल्डेंसि किगाक दिश्यन বখন ক্ষেত্ৰী দিগকৈ ছাড়াইয়া নেন, তখনট 🕽 পোষৰা কৰিয়াছিলাম, 🕏 4, (5%) निष्मन কইবে। সম্প্রতি অনেক গালিতে স্থাতন কনৌ : বের আফিলে প্রতিযালে চর শভ उंकि जिम्मि न्युव कविवाद अव्या बहेदारिक । ৰখতে কৰন কি ছাতু ভেৱে।

श्वनक्षके किना निरात जिलाई स्वत्के जन-। ,नव शक्तिक्ट क्तिकारक्त । वित्र व्हेत्राहरू हे ता । श्रेटा के शब्क प्रक्रि जानसन क्या হটতে অগং এই ডিপাটিমেন্টের বর্জনান কর্ম-हा दिता विने वर्गा बनाक अनवला । अनुनीन, ভার পরিচর প্রদান করিতে পারেন, ক্রমশৃঃ केळाजत शक व्याचा स्ट्रियम । देशमध्य स्ट्रिक

भूगति जानग्रन कहा **जनगर्य नएनर्य गारे** मक्त कार्या कशिया चारका।

উজ্ঞ পত্রের মানদহস্থিত সংবাদ দাতা বলেন শশাতি ভবার অগ্নি লাগিলা বে নকল प्रविद्य (माक्टक अक कारम निवासन क्रिनीटर ভাহাদিলের সহারভার ক্রমা **ভট্টভা নাজি**-(ते ८६५ यट्न जरू मणा इडेमा ४०० डीका मर-গৃহীত হটগুলছ। মাধ্যেষ্টরের মন্ত্রনিদের কর ৰ ওলাতে ইংল্ডের সর্বাস্থানে চাঁদা হইর।ছে। সুখের বিষয় এই এডজেলুলীরেরা ও এই সকল সংকাৰ্য্যের অসুষ্ঠান অক্সাই করিরাছেনু 1

উক্ত প্ৰের সম্পাদক হলেন প্ৰধ্বেক্টের ভিন্ন ভিন্ন কর্মচান্নিদিশের নামে সরকারী পত্র সভুর বধায়ধ স্থানে প্রেরণ করিবার জন্য लाहे जाक्टिन धक्छि चड्ड चंद्र चौक्टि। ঐঘরে সমুখার সরকারী কাগক পত্র রাখা इहेरव। शवर्यस्टेन वावजीव जानिन বাটীতে হইবার কপন হইডেছে। ভাষা इंटन अक्कम स्त्रक्तांत पात्राई कोच र-ইবে। এডছারা সময় ও অর্থ উভয়বিধ লাভ **ह**ेंद्र ।

हेश्लिमबान मन्नावक अवन कतिहारहरू, সর চারণ্ স উভ ভারতবর্তীর সিধিল কর্মচা: तिभिर्गत अवविध वश्च शतिधाम विश्वम कतिया मिनांद्र नक्षण क्रिवाट्य । विक्रिडोविक्श्व नाव हेर्गक्रियात्रक अव क्षेत्रांत्र क्षक्र वह হইবে। তাহা কাৰ্য্য স্থলে আকাৰ্য্য সঞ্চা ও সত্ৰ বার প্রাকৃতির সময়ে পরিধান করিতে হুইছে। छनिक्टि मरनद्र समक्त सक्ति यरकांभरीक পরিড্যাগের চেঠা করিভেক্সে, ভাঁছারা আ-त्र राष्ट्र एहेर उरहम रकम १

আলাহাবাদ গেডেট সম্পাদ্ধ বজেন, সু-च्यां के के नगरत अवनं स्वर्**कत होका जा**ति-তেছিল। ইতিমধ্যে করেক জন দল্য ভাষা বুঠ করিবার চেই। পার। করেক জন পুলিব " दनमा । पदासिर्वन छैलद्व वसूक यादिन क्षि कारांत ७ किह्ने रहेन ना। प्रशास हिन क्री श्रम, किन्न क्विड़े डांग्लिशक पुछ पति-माम्न १६ हो। व्यवस्था वाहे। भूतिय (मनाहिर्देत अछ ত্তৰ, ভৰাপি প্ৰশ্ৰেক ভাহাদিকে পুৰুষায় क्षिन ना !

उक्त गरव निधिष्ठ रहेश्रारङ्ग, प्रश्ना लक त वाम मिश्राक पुष्ठ कतिबास समा कुलशूरतत व्यक्तिपुर्य करब्रक अपने रेजना क्षितिक करेवी- १६ । अक्षत्र त्रांच श्रृंदर्क कामाहे आद्यत्र क्रशेमात्र ছিল। এই বৰুল কল্পান্তে ক্ষা করিবার বোবনা केत्रिया शिक्ष বোধ হর, ভাহার। অন্তভ্যাগ कब्रिट्ड शास्त्र ।

(अय् म, द्याद्वि केहेन् मन नायक अकबन है कि विश्राद्व ध्य श्री वर्षमान थाकिएक भूनकात वि-খাহ করাহত ভাহার এখন ত্রী ভাহার নাবে মালীল করিয়াহেন তারিলিত টাহাকে গৃত ক-ब्रियाब शबदायां व्हेंबीटिक । अभिनिद्यान वेदले नीहळाइकि लाद्धित्रहें शरका अधिक

मार्के मार्क शामित गराय टाइन रक्ष कार्याच्या कार्याच्या कानी शर्वा स्कारव belt detrecs :

क होनदलम बहेरछ मःवान चानिवादछ विद्या । **খীদিগের সহিত ইংরাজ ও** করাসিদিগের পু**ৰন্নান্ন একটি যুক্ত হইরাচে**। এবার বিজোহীরা _। অংশকারও সাহস সহকারে বুজ করিয়াছে अग्रंड नायक अक्जन हेरवाक हीनएमभीत সরাটের সেনাপতি হট্যাছেন।

२8**७ देखाई ह**्रणाखिवांत । ৰাৰ্ড কানিও কে লইর। বাইবার জন্য গয় চারনূব উভ ও লাভ িজ্'ন পারিবে ঋঞ্জর REST MINUTES OF THE CAN MINUTES ! অভিশব্ন সমাদর পূর্বক গ্রহণ করিবাছেন।

क्षतिन व्यवद्वीरभद्र निक्रवर्ति अक औरत्र এক ব্যক্তি আগিনাকে ঈশবের অবভার বলি স্থা পারিচর দিয়া জনেক শিব্য সংগ্রহ করিয়া-😝। 💐 आंद्यत्र कार्क्यः च हेर्ध्यादनश्री। 🗷 , কৃষ্টীর ধর্ম ধানিয়া গাকে, এখন মহম্ম,দর স্থায় আৰভায় হই তেতে অনেকে প্ৰাহাৰ **ক্ষান্ন প্রত্যান করিতেতে** , স্বাহিবানট বল व्याप्त सूनक्यांबरे वत नकत (अभिन गूर्यनाजे ज्यांत ।

" बा**लांब हे हे**म्न राष्ट्रीयक राजन रिक् क्रिय रहेक, विभावे बदना मनात्र उप्राणित महिन् भन्नीत तक। ११ हु १०० अवाद्यादी दनना नियु-আৰু অস পাছরি আত্মহত্তা করিখার চেটা প্লাম । ডিমি প্ৰণমতঃ গুলি বাইবার চেটা ফ ব্লিরা ছিলেন। পশ্চাৎ সকলে নতক ২ওয়াতে ভিনি এক দিন অলকিত কুপে এক উচ্চ নিতঃত আবশ্যক ছইবাছে।

প্রাচীর হইতে খুমিতে পতিত হন কিব जैश्या आन विद्याश श्रमनाहै। समानम নাকের একজন পায়রি, বিলেম্ড টিলাল, ও পাপি ভিনি ধর্ম বিকৃত্ব কার্য্য করিতে পরাত্ হটর হৈন। বোধ হয়, প্রীকৃ। অথবা তান্য কা বণ বলত। তাঁহার বুদ্ধি জংশ হয়গাছে।

, ७ है के बार्क्स बहुद्ध (१५७ वर्गापु त्रहेल करण चुनियां एक

টালার নীলামের প্রেণান কেন্যুণী লাহাল (अक ज्न कितिनि) खङ्काका प्रकृति वाद नव नि १६ बग्नदक । योज्यान व बनाएक बाब नि লক্ষণ উত্তৰ মধ্যৰ দিহাছেন। জন্নিসিত দিরি শি দিগের সমিত শুক্রতা বাদ,লী কর্মাচারি मिर्गत विशाम स्टेटलर्फ ' राज् बरण आबि ৰাই, কই বলে আমি ৰাই খলসে বলে আমিও गांडे " कितिकि जिरशह अहे त्रांग पछिवादक, ভাগাতই বভ অনগ।

भि॰क्त भोर्थ अवस्मत वाद्यारक प्रश नक है का अभिदारक। भरत्यम व्यवस्था अवाद ভথায় ১ ৬৬, ১৪০ টাকা অধিক প্ৰকে "স'দাহ | হইরাছে। সিংহল দীপ ভারত্তবনীয় গ্র-যে क्षित्र **अभीमन्द्र रहे**द्राग अन्त्र क्षित्र के हैं।क, *श्रामीन* করিতে পারে কি ন। দক্ষেত

এন্দেশীয় ৰাস্পীয় জাগাজের কোম্পানি র করিল। জাহ,জের অধ্যক্ষ ভাহার টাঞ্চন प्राप्त माण्याख्यक विमा भागप्राप्त गुमा ।। वस করাতে তাহার ১০০০ টাকা অবিমানা হটয়া-লোক চাহিৰাতে কাৰেন ঠোকার এতি এই কুষ্যবহার করেন। দরি বার্থে পিকল আছা। **प्रिताम नमस्य कोटलनाक विस्तर मार**ण छ : जना **করিরাছেন। উচ্চ থল** ব্যবহারের যাত উদার্ভ রুণ পাওয়া বায়, সংব্যবহাবের ভাত পা क्या बाय मा।

ছফিণ ছেব্লাল্ড সম্পাদক বলেন ছায়দ-্রাবালের নতাবের প্রাধান যান্ত্র সাহার এপকে অভেত্ৰ ভাব কৰিবাৰ চেকা করাতে তারার 🗠 तन्। बहेब्रारकः हेशकः हे॰लटश्रवद्वीतः व्य-दारताहीत मधीत वर्कश्यक् शतिकम शतिभाम क्रिय मेश्राव्याना प्राप्त सम्बन्धा व्यापन करा

मध्य खात्रास्टबरम् दिल्लालयः ऋाणिख इडेग्रा-**চ. সি এ, আরু ব্রাউনিও সাহেব বিদ্যাল**। गहास्य हेनटानाक्षेत्र इहेग्राट्डन : यहनःशा ্রিসনব্রিবিদ্যা**লয়ে আন্ত**ক্**ল্য** প্রদান করা

আমরা শুনিলান উজো সাহেব বিদায় वह है वर्ष्ट भवर कांत्रम खिन्ना किया. স্বাধ্য কেড্লিম্ট সাহেষ ঠাছার কল্যেরন্য en ২ইবেন । শিক্ষাসংক্রা**ন্ত** ভিপাটীমেনে रम्छितिकर्छे । कि विस्तित छन कार्ड, जामल স্থানিতে গা,রতেছি না :

চুদ্দ্ৰনাহৰ নাজ্যতি করে মাজৰ বোডেটি मु लक अोकार फाकाइफि कविमाद्य विश দাংগ্ৰেয় কহিলনৰ **হও**য়া ভাৰণি **চেৰ্যা ও** দতুরেতি 📲 ভ চইরাছে। সাম্রা প্রায় স্ব ল ব্যান শইনেড চুবিব সংবাদ শুনিডেডি ।

५६३ (५ व) पोध्व छम्। ना कड दहेव, नि ब्राह्म उर्देश की की बाद बार की जान क

मिलीरगरक्षरहेत् कानुनिष्ड मा यानमा ह। वरमन आमेर स्माफ बन्धम थे। स्थल जिल लिश्चि नगरत अरेभरभर डेशमीख इडेझ्राइडम. সুসত্তান জ্ঞান আনক্ষর নদীর জাণ্য ভীরে कार्याक कि किंदि का का बादिया (प्रमीध सद (र ६ अकामा _मरभ युग्नाम **यारना म**र्गामा কবিয়েডছেন ন , ইছা এক প্রেলার স্থির চইবা-

মুলভান লানের দলিত আখীনের সন্ধি क्रेगांत नज्ञातम। क्यांट्र

মাপ্রাক্ত টাইম্ব বংপাদ্ধ বলেন, নতা-द्रदब्द बाक्य निक्ष बाद्यांब कांत्र क्षांक लडी बाबु अधिनीय कार्यक्रम क्यम व्यक्त मिल ভাষা ভাতাত্য করিয়া রাজ'ে এব কবল শত লিখিয়া ছলেন भरता मध्या त्य क्रमेन प क्रम अक कोक कड़ा दग्न, 'ठोड एक एव अनरभार ক্ষমে, ষ্টার পাস্তি নান। প্রকার সম্মান চিন্ন ্**দিয়াও ভাহা** ধ'য় না।

নিটেন কার সাহেব সদর আদালতের এক অন কাডিব্লিন্য পোল হওরাতে তাঁহার <**গলেনী** ব্যবস্থানক সভার সভ্য পদ পরি जान श्रेगारम्।

ৰাঞ্জাৰ প্ৰেসিডেন্ট্ৰিড

इव्हिष्ड मिन स्ट्रेस्डर्स--विया ক্ষিত বিধা 99310 \$951 ... নাতুরা एफरमविनि " ১১२ २ २ १० 424 न हेवां चूत्र 74.5884 · 53. 640 नारमन 6 3 3 9U. 28, O ... উম্বর কানাড়া मांक्य कामांका ३৮३।॰ 19710 শালবার * 5643N* 0:500!!

अहे भनत **जू**बिएक नकी खल १००० मन काकि बहै (करहा। ३),० है क्या द्व जारह । (क्षण कात है शिक्षः भण्यां कक कांग्रमकार्वाटक के ने বাবের প্রতি বিশেষ স্বপে চুট্টি রাখিতে কৰি সাছেন। ডিনি বলেন নবাৰ ইংলভেশ্বীয় বন্ধু महरूब, अव अबहत अबहत है रहा छ किनेट्क प्यभाग क्रिया थादकन । हे श्राद्यवाहात है । वना शक्र मा ६ डेटम बाजमबार्याम अफिन व्य ৰোধ্যার পৰে ৰাইও।

উक्ত नम्लापक डेंडब्र शक्तिशकदनत गः বাদ পত্তের ভাষাবধারক লেখেলের বিশবে निर्मित्रारकन ''यमिछ अडरापमीय भरत नि. ছোৰ হাচক প্ৰস্তাৰ মিখিত হয়, তথাপি দে সমুদ্যারের স্থাধীনতা চুককরা উচিত নহে :" এনেশীয় সৰ্বাদ পত্ৰে বিশ্লোষ স্কৃতক প্ৰাস্তাৰ किचरमञ्ज विवय विनि वा बबून, अस्मिनीय नः শাশ পত্নের আধীনতা শুভ কইকে প্রন্তে ন্টকে ভাকের ন্যায় চলিতে ষ্ট্রে।

कारगांधन श्रारकडे नक्नांकक बरनम, का-গারীয় সক্রাতি করেক ক্রম ছুক্টেটিত বাতি नवृत्ताद हे है द्वाशीय भिनादक विमशान क्वाहिया वभ क्त्रिवाद टिडोब आह्य। केंडव शक्तिमा ঞ্চের প্রায়।বল সংগাদ পর্ক বিভেহি ৰগ **८म्बिट छटह**ा।

वीज़ांद्र सुठे छा थ प्रया नकल विक्रीफ वरे-भारकः। कारमकः अवा, विरम्यकः ज्याक्यद्वी स्था-। হর অতিহিঞ্জ মূল্যে বিক্রীত ব্রথাছে।

হুণলাতে সম্মতি একটি ভাৰাইতি হইদ রা পিরাছে। দক্ষরা খানার বিষট বর্ত্তি এক शिकान वर्षेट्ड so'ee क्रिकांत अन्य नहेंचा जिन् রাছে। এখন ভাবার ভাকাইডলিলের অধি कांत्र हरून मी कि म

জত স্বাদের বিচারালয়ে এক আরুত লোক-ক্ষা ক্ষুয়াছে ৷ এক জন কিন্নিজি কলাউভার চিকিবলালয়ের এক দাসীর প্রতিশ্বাসক্ত হই-श्र वाजित्यारम खास्त्र हरू आर्थन करते। দানী ভাষার প্রেমের পুরুষার করেক লাচী मित्राहिण। उज्जा कांकैमदबके शामिदहें है ক্ষক্ত মোকজনা কৌজনারিতে নার্গণ করাতে লাপার লরিবানা ক্রীয়াছে, ফিরিজি ' বেলপুরুচ খালাস হটয়াছে। বিচার চী ফুল বটে।

अक अन है डेंद्राणीइ चालांगी अक वास्ति-ে গ্রহার করিয়াছিল। সে পুলিবে আনীড अ गुड़े बहेज़ा बन्जि" जानि या ए। कान निश्रोद्ध बाँदिव । कात्रुज्यस्त्र क्राइ ब्रीहाद

२०७ देकार्ड राज्यात ।

খান। গেল, সর মন্ত্রীক্ট ওবেল্স আঞ্চিও ग्रूफ़ क्वेटल शास्त्रव माहे, जि क्व बीटन अव-স্থিতি করিতেকেন।

এক জন বিসন্তিকে ম'জাজের প্রেরিডে-লি কালেজের অধ্যক্ষ করাতে ডব্রত্য লোকে<u>-</u> রা অভিলয় অসম্ভই কইরাছেন। মিসনরির নাম শুনিদ্বার্ট ক্ষমত্ত্রেয় কেন ২ বর্ণ্মোপ,দশ तिबाद वधन काहेन बाहे, खबन भका कि? ভাঁহাদিলের স্বারা ধর্ম নীতিক উল্পি হটবার ! স্বিলেব স্ভাবনা আছে।

अर्क हेर्टन मायक এक सभ इंडेर्जाशीव এক জন উজীয়া বেহারাকে প্রহার ও ডাহার পালকী জন্ম করিয়া ভাষাকে কোন ভানে বা-ইতে করে। বেছারা আগন স্চার দিগকে आंखान कतिया नारक्तीं भानवीर सहय। ह शिन । किन्नु छाशाहा निर्कित्रे द्वारन मा गाउँदा अक कारल भूक्तिम सहसा ११६ । हेरेदनव लाह फिर्माय युष्टि नाके ।

निष्न तिशिष्ठ आदेव अनिक आखिरहे छित्रा शहरान्न करम इति। वाष्ट्री अनीन करिएयन :---

किहेक फेडेनियम - शूबे बांबरकांत्र : कि, अंक क्यूक्ष्मन गाउँकर त्रांची कालीहरू वा-ছারুল, বাবু লামলোপাল গোম - এবং মাবু वाणिक कि दखक कि।

অবোধ্যার কৰিসনর, রাজা লিখিখনু সিংহ প্ৰভৃতি তথাৰ সৰ্বা শুদ্ৰ ৩৭ টি ব্যায় বধ कतिशादक्त ।

· निकि मिराइ टाविकार क्षा व्यक्तिस्य । विक मञ्चानारवद्ध जन्माम अन्तर्भ अवर्थ-বেক আপনাদিনের পূর্বা আতা রবিত না বা সাজি দিগকে সকল সমত্তে আৰি প্লামিটছ অসমতি দিয়াছেন। ভাগারি**গতে কেবল উ**ন कर छैनान ब्राधित्छ श्रेट्य । श्रेश्टिक जीवा কৃষকদিনের প্রতি এবল কটাক না করেন

ফিনিক সম্পাদক বলেন, একচন্দলীক সং বাদ পত্রের স্থাধীনভার প্রতি হস্তার্শন করা गर्गराक्षेत्र हेडे अटर । अञ्चलकोन्न ज्ञानिक নিগের অভিপ্রায় অব্যক্ত হওয়াই ভাঁছালি-গের সহিপ্তেত, সেই হেছু উত্তর পশ্চিমাঞ্চন এক জন ভজাবধারক কইরাছেন। আমরা বরাবব এই **অসুরোধ করিরা আনিভেছি।**

ডক্ত সম্পাদক মিরাটের পে আফিলের এত জন কর্মচারির ঘূর্তভার বিষয় লিখিয়া-ছেন। নশলাল নামক এক জন কেরাণী নামা লোকের নামে ছঙি করিরা ভাষা পেষাইরের ৰায় ভাভারিত করিয়া টাকা লইভা । একলা সে বিৰি মাত্ডোনাল্ড মাৰে এক ইউ-রোপীর ত্রীলোকের নাবে ১০০ টাকার ছাঙ্কি ক,টিয়া ভাৰাকে ভাৰার ীকা নইতে বলে। নে ভবস্নারে কব্যি করিল। কিছ সম্মলাল ভাহার অধিকাংশ টাকা কর। পরে আর এক বার ঐ প্রকার করিবার চেইা পাওরাডে সে ধৃত ব্রবাহে। এক জন ব্রিক ভাষার সংক रूष वरेवाटक् । **केक बीटनांकटक क्रांक्ति। ८**४-उरा बहेबाटक (कन ?

হরকরার সমলপুরুদ্ধি সংবাদদাতা ব-লেন ভত্ৰতা বিখ্যাভ বিলোহী সুৱেল সিংহ আত্ম সমূপণ করিয়াছেন। আরু ক্ষেক জন টাৰা অবিমানা হটয়াছে: তা । কি উড়ে । শীত্র আক্ষেত্রপণ করিবের । সরার এই

क्षिण ज्य अपन्त्र श्रेमकीय अव वन वि ছুইন আরবের হল্পে পতিও হট্রাছিলেন। কিন্তু ত'হারা তাহার নাম অবংশ চলিয়া গি. স্থাছে। এগত দেশে অমণ করা উচিত নতে।

देश्यास मध्यक्ति अवस्ति भाकावर बहेगा रहेत्राहरू। श्रद्धन नामक अक नास्ति अवग्रि म শ্বন্ধৰীয়া বালিভাকে বিবাহ করিবার ज्याला स्वतः। के बास्क्रिय शूदर्व विवाह रहा। বে ত্রী বর্তমান। ঐ বালিকালী ভাহার ছুকেট।

আনিতে পারিয়া আঅব্র্টুটনী ফ্রুরাছে। ব উচ্চর কর্ম করিবের। হরেল সাঁরের ইভেন আর্ট শনিতে পাওরা দ্বীর, কোটসিংপর সাহেবের কর্মেও এক্রেরার্ড প্রে সাতেব ১র্থে ছোবে সরল বালিকারা খুর্ভ লোকদিসের চাতৃরীতে পাড়িয়া ভিয়কালেয় খত মান ও মবা শুনিবংছিলাম গাড় ব টয়ং সাহেব সেনে व्य जबर क्यन क्यन क्षान छ हात्राहेत्रा बारक । े हे कि उडेएकन । **अर्डे (मार्यम क्लोजमात्री क्ल कि विरय** नहर

२७७ टेकाई मनियात ।

পাঠকরর্গ এই সোমপ্রকাশেই দেখিয়া **(६न " देवान कर्षा देखमिन क्ल > नारम ध**क খানি জ্বন্য সমাচার পত্র হটগুছিল। রস্বা-। **ত্তের সহিত প্রতি**যোগিতা 🕝 ই উহার উদ্দে শা। উহার গুণ রসরাজের ক্রেন্ডা হলে নছে। भाषद्रा अनिवास दशदास नन्नामरक नाहि উভারও সম্পাদক জীবরনাসী হইয়াচেন। সবি मख्रत कम (कान कि निवातन कतित ? काम-क्षा भूटर्स भावधान कत्रिवाहिनाम ।

হরকরা সম্পাদক নিয়লিখিত স্থাচার টে-निआक त्यादश आंश्व बहेग्रीकृत ।

১ল। বে নিউইধ্বর্ক। গ্রব্ধেটের বুদ্ধ জাত অ সমূহ নিউজনি বিকানগরের সমূধে উ 🖰 স্থিত হইবাছে। উক্ত নগর সমর্পণ করিবাব প্র चाव बहेटजरह । विद्यादीया नकाब होन व दावय निकंडेच पूला नहें कतियाद्य । बन्नवार्क जत्नक গৰ্কারী গেনা প্রাপ্ত হইরাছেন

२२ हे त्व निरव्न**प्रत** । निष्ठेणनि वण रेख ब्राट्ड

পঞ্চাবের প্র। মে উ উ হর সিজু নদে করে-ক থানি বাস্পীয় জাহাজ রাখিয়াছেন।

२७ व खून लाकिनके शतर्गत छशक ुद्ध निवस्तात कांब्राशित चारिकाल कडेरव । शवन क्रिट्रिंग ।

किव्रक्तिकन भूटर्क अदिकालेल भारक अन **अस महत्वाद १৮०० हैकि। ल**हेक्। भ**ा**त्रस सर्वि वाहित। ता मध्यिष्ठि भूप क्षेगादह

ब्रुक्त्) जन्मास्य कर्त्राय अवस् वर्षेक्ष **अधाब (मनांगंडि मक्न रेमना ६ का कि ह**्र আগ্রাট অর্ণীয় ফতে তাঁহাদিগের এব দি बर्ध्स (बङ्ग सिवाद कास्ट्राप कविषाटः मा সরু হিউ রোক এত মূর্ব নহেন।

किनिका मुच्चानिक वरतान, वक्तरमणीय ११२ বেক্টের নেজেটারি লগিংটন সংযেব ছগ মা <u>ৰের বিলার লট্ট্রা গৰন করীতে ইডেন সাহে</u>

व्यानशाध न्याम अब वास्तित वानीगक শ্বিত ৰাগীতে বিশ্বাস স্থানারী হিনি ধুর।রিড আছে বলির। সংক্রেছ ছওসাতে পু িংশ কৰ্মচান্তির৷ **তাহার বাটা ক্ষরেশণ** কবিছে গমন করেন। আকলাও ভারাদিগের গ্রন अिद्रांध क्यांट ভাষাকে সেসিয়ক লমর্গণ দরা মইরাছে। আতে স্থারি তাঁহাকে লে^{নী} স্থির করিয়াছেল। তবেই ডা

নিম্লিখিড মুলো গ্রশ্মেকের কাণ্ডা विक्रम इन्टिज ।

৪টকৈ,ব সিকা ক'গ*জ* ৪ টাকাব কেন্সানিব" ১ টাল'র া। দীক্রে

त्रुशियद्वार्षे ।

অভিযানী নাম্য একব্যক্তি ২৫ টাকার লোট ও ৬৪০০ টাকা নগদ চুদ্ধি সাব্যা ক্ষকর बाबक अक बाक्तिय निकटड द'शटख रहाना है। গাভ বইরাজে। ৫০০ প্রা জুগা বিক্রটিত হট্। গের উভয়ের কঠিন পরিজ্ঞানসভ ুদ মাস কারা বাসের আজেশ হইয়াছে।

> উইলিয়ম ষ্টিৰন্স নামক এব ব্যক্তি ১০০ টাকার এক নোট চুরি, কবিয়াছিল, ভাষাকে

ট্যাস আলেকজাখার নামক এক বা ক্তি। ভাষার কর্ত্রী মিদ হারিএটের করেক খানি कानकाच जनस्त्रम कतारक ७ ४ त ४७ मान ियोग श्रेष्ट्रांट्स् ।

জন মেডিস, জন গুলাভ ও পিটর ভানি अन नामक जिम बाक्ति जिल्ल किनान करें। शांव টা⊅ি গেও কঠিৰ পরিজ্ঞানস্য গুইখৎসর **স্থ**রি प्राप्ति क महिल्

নগান বাগ দি দিনের বেলামু সি দ ভিবার ৯ ই পাওয়াতে ভাষার সাত বংসর দ্বীপাস্তর मार । इ. मारियम शहेरा । इ. १

শাল মচন্দ্র্মিক এক**টি বাল্ক** ভালার ¹ না ৷

কর্রী এক গরোলনার বিভার আলকার আপহর: করিয়া জাকর জালি মাধক এক ব্যক্তির নিক-ल नारक्रवर कर्ण निवृक्त बहेरका। किंख मा- । ते ब्रास्थ। वालकृष्टित क्ष मान व काकत मा-, तित पूर्वे वः नद विद्यान रूपा दक्षः 🕽

শেক করিম সিঁথ দিয়াছিল বলিয়া ভাগায় अक्ष वर्णक कांद्राव एमद्र च्याएमच क्रिकाटक । • •

দেনরি বিবান নামক ভারতবর্ষীয় বেটণ अभाव धर सन । प्रविकाय भक्त सकारी सकार्यादन শংচেত্ৰন হৰুয়াতে ভাহা**কে এক বান** কাৰা-গাণা ঋাৰিতে হইবে।

১০৬ মে প্যান্ত্র ইউরোপীয় मयाहाँद्र ।

द्वेशक है दल एता। भिन्न युक्त एवं नार्ड, किन्न ভল্ন বিভাগর নেনাথ, ছুর্গের প্রাচীবের জ্ঞান बल किरा क्या क्या क्या शिक्षा शिक्षा । अवर्ग दशकी ह रमतात निष्यान्धन अधि श्रमाधिन पर्यमस्या ब्रशान प्रयाग्द अवैद्राहि ।

গ্ৰহ মণ্টেস সেন্ধে। নি"জা^{দি}শিজ্যের **দ**-ক্ষিণ্ডিভ জ খন- ছ'র্গ**াল্যন**। নিক্ষেপ আহ-ছ্ক কবিখাছে। এব এমেন্টের কায়েকজানি স্থানানের े ८ एकः। ८क्ष्म लिख्ने किख वा ४ किन । प्राथिकांत्र करि

বিজেগের জাবকান্ সামের নিকটো মালি-शिशि बज़ीय है। जीकिए। पिशारिक श्विधिक धा, प्र २ - क्रिक्ष के के दब धावन दबल क्रांस स्नाबिक হুটলংছে। সভাপতি ংছবিল দক্ষিণ বিভাগের মংখ্যার নিশটে এই কথা বলিয়া পাচাইয়া-কেন অংট দশবর্ষ বয়ত্ত অবশি ত্রিংশং বর্ষীয় পুৰুষ্টালগড়ে সৈনিক পানে নিয়োজিত কৰা উ-

কংশৌ গুড মলিউন মালিয়ার রিচমণ্ড নগরে भवन क्यांटक ज्ञांटम्बिक त ज्ञान क जनक थी-कांत्र आस्मान कविद्याह्म। (तरार्थ गोह्हर राजिंगाताले विवशास्य होतामध्यके दक्तन कार्याद अन। एथात्र हुछ शमन करवन नारे। खक्ल कर क्रिकि खना जन। विश्वनीक **夏**⑤ 9 91 विह्मारक भावन क दिश्व हिलान।

नाष्ट्रगाना नव बसुद्रस्तितात करें। क्रमणः विक्रित इदेश्याः। িলওম্ছিত এখন নত চাঁদা করিয়া অনেক টাকা त्थात्व कवियाद्यम् मारक्षक्षः तद या अवक मक्ष-रहेर कथ नाहे **छ। हाता विलयारहा ८१ छोहाता** शंजीकां मह मां इशांकरत, व्यावास क्रांस क्रांतरद

নিংগল বীপ ভাৰতবৰ্ণীয় বৰণবৈধ জীৱ ক্ৰিটি নত করিবার প্রভাব সইয়া বাউন আৰ ক্ষাত্ম আন্দোলন ঘইয়াছে। কিন্তু ব্যৱহা ঐ শ্রীপ হভাজুর ক্রিডে বড় নগত লহেন।

করাণী নেরারা নেক্রিকো নগরাভিত্ত বাত্রা করিরাছে। ইংরাজ ও স্পেনীয় নেবারি-গলে কিরাইয়া আনা কইবে।

ক্লাপানের ছতগণ শিল্পানি আন্তর্শন পূত্র ও অন্য অনা সাধারণ স্থান দ্বনি করিভেছেন। স্টেইটঅবলত্তের আভি সাধারণ সভা তাঁঘানিগ-কেউজ দেশ দুর্শনার্থ আজ্ঞান ক্রিয়াছেন।

আনেরিকার বহাসভা ইংসভের সহিত সঞ্জিকবিয়া দান বাবনার স্থতিত করিবার প্রতা-বে সমত চইরাছেন। তাঁহারা ইংরাজী জাহা-কের অধাক্ষবিধকে বাবতীয় জাহাজ অছেবন করিবার অন্তর্গতি দির।ছেন।

অন্ত্ৰীয় গৰগনেট এই অভিপ্ৰায় অঞ্চল কৰিকাছেন যে জীহার। জনা দেলীয় জোল বিবল্পে কন্তাৰ্পন কৰিচৰন ন। এবং ইটালিয় বিষয়ে ক্ৰেক্স অংশ্বনকা করিবাব উপায় অবসংগ করি বেন

গবর্ণমেন্ট বিজ্ঞাপন। বালনাদেশীর দেপ্টর্মন্ট প্রবর্ধেরর আদেশাল্পনারী নিয়োল।

২৬এ বে—- বীহুটের জন্ধ এম এ জি না না-ভেব ১৮৩২ অজের ২১ এথেলের পেজেটে একালিত ১৮২৮ অজের ও জাইন অনুসাধে উক্ত জেলায় বিশেষ ক্ষিত্রনারের ক্ষমত। পাই বেন।

নংগাঁগোনের জেপুটে নাজিন্টেট ও ভেপুটি কালেকর মৌলনী দীন্যবর্গার ১৮৩৫ অব্দের ৯ আইনের ও ধার। ও ১৮১৯ অব্দের ৯০ আই-ল ও ১৮৩৮ অব্দের ২৯ আইন অস্পারে তথার নিষক চৌকির স্থাবিক্টেরেটি চইবেন।

জি তথ্যিউ, এস ডিখনন সাহেৰ ১০ই ছে অৰ্থি মুজেরের প্রতিনিধি পৰ জেপুটি জ বিজে-ন এজেন্ট ছইবেন।

বিচার কাজার আহ বান্বারি মন্ত্র নিংক্রে কেরিকও ক্রিটির একজন সভা ভই-বেন।

निवासम्बद्धत राज्यां नाम्बद्धते ७ राज्यां नाम्बद्धते । स्वत्यां कार्यक्षते ।

পূৰ্ণিয়ার কেপ্টে বাজিপ্টেট ও তেপ্টে ভালে ক্টিয় ভংগিত মাহদে বাহেব নাহরণে বছলী ক্টরা ভগায় কৌজনারি ক্ষাইদের ২২ বায়াসুনারে এ-থম জেপির ক্ষাইদ সাজিক্টের ক্ষমতা প্রাপ্ত-হুইবেন।

সাহরণের ভেগ্নটি নাজিন্টেট ও ভেগ্নটি কা-লেটর বার গোজনচজ্র চৌধুরি পূর্ণিরার বছনী চইয়া ভবার কৌজনারি আইনের ২২ থারাফ্ল-সারে ভিতীর জেণির অধীন নাজিক্টেটের ক্ষ-মতা পাইবেন।

৩০এ মে—নিম্নলিখিত কণ্মচারিরা আগানে সংস্থারী হইবেদ ঃ-

সেণ্টনত এ এল কাৰেল, নেণ্টনত এএন কিলিণ্ন, লেণ্টনত নি তেলার। বতরি-স অনা কোন আজা বা হর লেণ্টনত ই এ কিলিণ্স হাজারি বাংগর অভিনিক্ত সহকারী কবিসময় ভইবেন।

৫ইবে—৪র্থ অথব। পশ্চিম বিভাগের রেবিনিউ নলবের নিমু লিখিত ভেপুটি কালেটারের। ১৮২২ অক্টের ৭ আইন ও ১৮২৫ অলের ৯ আ ইন অক্টনারে, কালেটারের সন্পূর্ণ ক্ষমতা পাই। বেম।

वातू वर्ष्यकाथ वस् वर्णावतः कतिवर्षः छ वाकतथस्य।

বার মুর্থাঞ্চার খোব বাকবগঞে।
১৫ই লে—১৮৫৬ অক্টের ২০ আইনের ৩৬
বারাহ্নারে কার্য করিবার ক্লা বালেবরে বে
সভা বর নিমুলিখিত ব্যক্তিবা ভালার সভা বইবেন।

বাছ নিভাইচরণ হান। ত প্রকোচ মধ্য ।

निविजनस्थन। 🛊

ভেপুট সাজিট্টে গোলবী আব্দুলা এক জিকিউটিৰ ইজিনিয়ান।

२२ व व्य-नाटीतत एएप्री नानिरक्रि

প্রসাধ কথক মিটির এক জন সভা হইবেন ২৯এ নে--কেপ্টমন্ট জি এন বিজ্ঞাকলি কাডার গিবিল ইজিনিছারিং কালেজের জন্য-ভর অধ্যাপক হইবেন।

নিবুলিখিও ভরণাজনা বয়দল লিংছেব দান্তব্য চিকিৎলালয়ের কার্যনির্বাহ ভারিখী সভার সভা হইবেন।

জে পি হাৰটৰ সাংহৰ। 'ৰ্ক্ট ট আই ক'ত বাহেৰ। বাহু কালীকিলোৱ বাহ চৌধুৰী। क्षतिक काल दि, क, मारके कियं नीत-तिक माधावन विकाशिका कविक्रित स्मारकिक विरुचन।

্তৰ নে—ই, ই, ওড সাংহৰ ছবাল ক্ষ্ণান্ত ক্ষেব প্ৰতিনিধি সাহিত্যাখ্যাপত ছইবেল ।

नार कुक्कनम च्छाहाना कि के ह्यानिहर्क-नि करनाटक महकारी स्वकारायांगक हरे-त्या

७५७ दन--- इत्राक बाह्र मांखकाँक स्वा-रोगरतत मनीम मखारयरकत स्वाक्रिकेत परे-रयत ।

২রা পুন--সি লব সম সাহেব ছাবড়ার আজি-নিধি সিবিল সরজন ছইবেম।

তর। সুন-এক, বি, লিশক নাথেব বাজহুতের এতিনিধি বাজিক্টেট ও কালেটার বইবের।

ब, बन, नाकवित्रत नारक्य क्याँग्योत्प्रतत श्रावितिय वादिने नामित्वे हे क स्वश्री कार्यके-त क्षेत्रता

তথ্যতি, কেবলসাংহৰ সাধ্যনের সহকারী নালিট্টেট ও কালেটার বইরা কৌলগারি-আই-নেব ২২ ধারাছসাংর বিভীয় আেনিয় অধীন না লিট্টেটের ক্ষরতা পাইবেন।

গড়বেতার জেপ্সট বাজিক্টেড ও জেপ্সট ডা-নেটর বাহ কনলাকাত বলাধ মেদিনীপুর ওক্টা-মুড়ার নাজিক্টেটের সম্পূর্ণ ক্ষমতা পাইবেল (

মানাবর **অবুক্ সোমগুরু।** বক মহালয় মনীপেরু।

বহাশর! নিমুলিখিত নরার্গর অরেকটা । বলি একাশিত হইবার বোগ্য হয়, ছবে অভুঞ্জ-হ করিয়া প্রকাশ ক্রিবেন।

ৰোৱকে ধৃতকরণার্থ অ क्षिम् । अध्यक्षि वा-यू जाराज अधानकांत्र श्राप्तराविक क्लाहिट केटक-न्ते । मारतांना निवा प्राक्रमाजिक मध्यक्र व्याजमान क्तारक सामयाणित मिगाविका कार्याति क रुक्त-। ठळ नायू नामि व्यक्तक क्षितात सना कृते नर्य क जरेश श्रीकृष खुमा कर करवा । शर्दाक्य जांत जा-दर्व छ क्रिप्रेष्ठि वर्गेष्ट <u>क्रिके</u> क्राप्त करवाड वर्गेष्ट्रक धु**उ क्टब्रम । अहिट्स ब्राम्मवाजिनश्यास** वादातः। हिन नक्नरकरे थृष्ठ कहा यह, नानकि टोक्टबर বেৰ। বিলয়ার বন্ধ হয়। কলা কোন কোন ভত্ত ब्यांक्टक कृषिका अधिक अधिक करा स्टेबारिका **কাহ্যকে বা গলাধাতা দিয়া এদিক ওদিক ক**রা হ ইয়াহিল।

シダア

कलकः कला कालनाग्र मराक्लकुल वह-श्रीष्ट्रितः। गतिरमध्य कामया अजाग राज्यक धना माह वा विद्या चांत्र वांक्टिक शांत्रियान ना, रेनि भरशंद्र शहूद्र धक्कत वकू, छ्यांगि वकुद ना রাধিয়া জাপনার কর্মণা কর্ম সন্সম ক্রিয়াছেন।

१। वर्षामं स्व बक्षी जिल्लानाति चार्ट कारा केठिया बाहेबात महाबना बहेगारह, आरम-य क्लाद्भ होंका किएक विश्वयं ब्वेबार्ट, कांत्रवं ब-পানভার কুতপুর্ব্ব দাবোগা শ্রীরাদ বেংব আনস্থ क्षाकरक करे विकाशन एम दन, रवराष्ट्रि जिन পেজারিতে চাঁহ। দিবে ভাগাকে আর ডাক্সরের কি দিতে হইবে না কিছ এখন কাৰ্বোতে সেপ্সকার ছ্ট্ডেছে না, খুৱরাং অনেকে চাঁৰা লিতে সভা-कांत्र कत्रियांटशः।

 भक्र ३२ वे टेमार्क मंत्रियांच त्रांबिटक वि-ভার্বিনী সভার অধিবেশন ब ইয়াছিল। আখার নে দিন কোন কাৰ্য্য নাখাকাতে আমিও উপস্থি-ভ ক্রমছিলান 🖯 এবদতঃ নভার কার্ব্য কেবিছা अञ्चल अधित, त्यरं जीवाममा तांद्र समीह क-विश्राक्षितिशय विवयं धक्ति स्त्रीर्थ श्रञ्जार भारे क्षित्मम । बहे क्षतान खिनमा खामना वदगरमा-নাভি পরিভুট হইলাম।

> काक है चर भिष्ठ हे श्राय क् जिन য়েশ্য শৰ্মা।

অবুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক

मर्गणदत्रम् ।

, क्यांच ६१ ७ महुन करेल मीन रस् । श्राहर अध्यक्ति काश्रमम क्याटि क्लिक प्रत्ये क्रम agaice !

ইর্মান্তর উল্লোপ কবিয়াছিলেন। কিন্তু কভিপর ब्रावक्द्राक्तिवर अक्टनाहर निवक अध्यत्।

विवृद्धिमानदात चक्र भृतीकाटक अहे नगरवत षु म रेक्षेत्र रक्षांदक्षेत्रे विक्रीह निकल सुरन राजू **जिल्ली केन्द्रणकेन क्षेत्राह्यमः। श्र**थान निकर টাকা পাইবেন।

-

याशंभएद यञ्चाक्य भित्रिय नातू क्षेत्र-का नीत तांकेणेत विद्यादस्य। केलि मांतीतिक उ মান্ত্ৰিক উত্তর ওংগেই প্রশংলিও।

मोर्वाहर्ग ग्रेटबत क्यांन एकवर्जीह व्याटक शांह দেও লক টাকার আত্ম বইছাছে। কিছু ঐ গ্রামে একটাও বিব্যালয় কেবিজে প্রাইডেছি মা।

> यदिनांचा। 20 5 Cmg |

মান্যবর জীয়ুক্ত সোহঞ্জালসন্দাদক মহাশর সমীপেরু।

महामत ! अंख पूरे मकादह जनस् जीच १७-য়াতে পলিঞাৰে অভিপন্ন লপভন্ন ব্ৰয়াহছ। अवम, कि कारक गर्मका गर्न देख्य । १९६७ পাৰ্কিতে দেখেন এবং ভয়প্ৰবুক্ত বাটা হইওে রাবে বহি গমদ করিছে লাহনী হন লা। সন্তা-তি করালভাকা ও চুচুড়ার যথ্যে ৮ জন লোকের লপাৰাতে মৃত্যু ঘটভাতে। বহাপত্ত ' নপ কি ভৱা-मक क्षप्त ! जाकार वनवश्चक्रश, व्यक्त विद्रालहे क्षांद्रकत आप विद्याग एवं। जानांत्रत अरे **उ**क् দেশে দৰ্শের প্রায়ুর্ভাব অধিক দৃষ্ট কয়। ভারা ভে আবার গভ বংগর অভিশয় বর্বা হওয়াডে नयुगात कान करण পत्रिश्च (इहेशकिन ज्ञाहनार নৰ্শ নৰল প্ৰাৰে ও যমে আনিয়া আতাৰ সইয়া-ছিল, একরে আবার ত্রীয়া বওয়াতে ভাহাব। বাহিব হবলা মছবাদিগকে দংলন কবিডেছে। अवर्ग्यस्मित्रं जर्भाज्य निवास करा बक्ती ए नि-वन आह्य करे निवस्त्रकार्गात कर्ता कतिएन था-नि बढ़ाश्च जरनक द्वान देवेटक नाटक, छोड़ाटनत जारमण अहे एक, रकाम वाक्ति मर्गधितमा माजि-ভূটের বিকট আনিরা ডাতাব বত্তক কেলন কবিলে কিঞ্চিৎ পুরস্কার পাইবে কিন্তু ডাঁহারা বে অল্ল পুৰস্কান্ন বিদ্না বাবেন ভাষাতে কেব সহন। এডামুশ बुद्ध व कार्गिएत अञ्चल करेटल हाटक मा । মতএৰ ভূঁবিংখের কিঞ্চিৎ অধিক প্রস্কার ৮৮-७१ डिडिड वनर नर्कबर्ड वरे मित्रम्। सुनादत गा-कारत कार्या क्यू कीवारमंत्र वृष्टि त्रांचा केविक । মাণ'ডড বলি সমূলার জেলার সাজিট্রেটরা p- লক্ষাত্তি এরলগতে একটি প্রস্থার জণী সত। বন পরিস্কার ও সর্পবিলাশের নিয়ম প্রচলিত मर्कालमार्थ कालीत्यायम मान वि कल, स्टरामङ । कविहा। एन **छाई। व्हेटल अटनक छेलला**ङ हरे-

शास्त्र । जिस्त्रगी, शामिनदत

वन क्षित्र। ज्यान लोक क्षित्र क्षिक्ष क्षित-या रह मध्यान त्यारकत आव क्रमां कतियादि-क्रिन अक्षर वर्षक्य जियांत्र क्रमा दलयंत्री यांत्र ক্ষুৱা। মারী ভয় নিষাবণ জন্য কলিকাভার ব্রা-ক্ষমণান্তের অধ্যক্ষরণ ও ভারতবর্ণীয় সভার अधाक्तर्ग रह्यांन क्षेत्री आश्राक्रियंत्र स्वरणत মান রক। করিয়াছেন, স্থতরাং দেখের কোন একার অসমত উপাধিত ছইলেই ভাঁচালিগকে-हे अधनामी एनेका अधिनातान्य दहको कति। इ क्ट्रिक ।

७ कुन गम ३৮७२ मांक

श्रीहोत्रां वहत्व हर के शिवां वा व উন্তৰ্গাড়া।

श्राद्धारकत अखि।

रशामधारमत भटक निरमय महाम नाहे. अद्भार छ। । अवाग क्या शक मा।

কুচিলায় জীবুজ বাবু কৈলাগ চন্দ্ৰ সঞ্জ -त्रत्र राष्ट्र धकणि रक्षारिमा। नय अधिक्रिक स्टेप्रा-८६ । छदमरकां स गत अछ । का शांत्र गांत्र ক্রিরা পাঠকগণের দীর্ঘ সম্ভোব লাভের সমুদ बना नाइ। बन्दरजू फाइ ब्रैजनेनिट प्रहेनमा। कालमात्र अक्षानि भाग अक्षिक इहेगारह। ভবিষিত বিভীগ প্র এক।শিত বইল না।

मुनाञाशि।

बाक् खनवान हळ को यिक क विक्रिय ५२७३ देवन व बहेट्स का किन गर्वास को? « মেদিনীপুৰ मिनिये नार्वेद्धि ১२७% देवणाच **ज**वसि जाचिम श्रद्धां हार अकें छिए दा नारक्य কলিকাত 324b देवार्ड स्ट्रेटिंड १० दे भाष भ्यास स्कार ३० भरतम माथ कोध्री न मोब!)२७% टेकाके घरेटक ०० टेरणांच **अवीस टका**९ ३० फर्यक्रिके दबिक्किक मार्ट्स गटमां व ४ १४-४२ (म वहेट्स १४-४३ अध्यास পর্যান্ত " हवीहरू दर्भर किर्ताम ग्रे ১২ ৬৯ देवमाचलवधि देवज পর্যান্ত কোই 5. ৰ্ছম্ব " नरीम कुक शांजिङ ১२ ७৯ रेकार्ड व्यवधि कार्डिक गर्यास कार्र 有職性。 🕮 युष्ट्रन वांच वादाहर धारांग स्थान ১२७৯ देवभाष क्यांच देहर श्वास द्यां >0

वर्षे नद्रकिनिकाकार्यक्रिक भूकी बावका दिनकद्वत क्षांबायुक् व्यम्द्रमद्र अस्तिन हारिक्शंचा बाह्म निवृक्ष शक्तकां विकार्यकृष्टनं विकार कालि मानवां ह नारीका देशमान चार्गात गर्साहत रम्बनी था- | सांदर अवाभित स्त्र ।

३२७७ देवाछे अवधि किर्दिक **भवास** । कार

इ१वए।

" उटाम हम मःन

" প্রবর্ত্তাং প্রকৃতিহিতার পার্থিবঃ সর্বতী ক্রতিমহতী ন হীবতাং

मन ১२७२। २ व्यायाछ। हेर ১৮७२। ১७ জन

गा, यह भूला ५ है। अर व शिंक काश्चिम ३० है।कः

(मायश्रकामा।

a का प्राचीम दर्गमवर्थि । भारक देएवत् म खुत्र मिर्ण ह 'ল'ছায়া দান।

(य পরিমাণে যে দেশের সত্ত,তা र इत्, त्नई পরিমাণে পৃথিবীর অনা অনা ভাগের সহিত ভাহার সম্পাদ হইয়া পর क्लाब अविरमय छेलकाव लाख इरेबा थारक. ঐকণ যেসভা দেশ সংসর্গে যে পরিমাণে धना धना स्मात खेशकात माछ हर्। সেই সভা দেশের বিপৎপাত হইলে অনা खना मिटनंत ति है शतियादन खनियी हेश्लक ७ जारमतिकात विषय अविकास धरे यहेना इस्ताटक। इंश्लाश ७ कामित्रिका छेडा निवा किन পরস্পর সম্পক্তে এতদিন পরস্পর নিল ক্ষা লাভবাৰ হইভেছিল, সম্প্ৰতি আমেরি কার গৃহবিক্ষেদ হওরাতে ঐ উভয় দেশই मक्षटि अफ्रिशंदर ।

देश्मर अत्र मक्षेत्रे व्यामाञ्चः मारम हे রের মজুরেতেই স্পার্ট লাক্ষিত হইয়াছে। भाष्यविका हरेए जून भानवन रक्त হওরাতে মাধেকীরের মকুরদিকের হতপ मामि वक्क करेवा शिवादक । ভাষার। व्यप्त विना विश्रमामान एरेवात केशकन रहे য়াছে। ভাহাৰিশের সাহায্যার্থ চাঁদা হই তেছে টাইমুস অব ইপ্রিয়া সম্পাদক अवस्थित भावाया मानार्थ अटमनी समिश কে আছান করিয়াছেন। বিস্তৃপেন্ট্রিরট আ देखिन्नाम किनक मन्यापादक्रां कारात

অনুমোদন করিরাছেন। আনর।ও সম্পূর্ণা न्द्रः क्राट्न अवियदत्र अदम्भीत्रमित्रत्र मान শক্তি বিনিয়োগের অনুরোধ করিটেছি। আমরা যে বেশে থাকি না কেন, বিপদা পন্ন ব্যক্তিদিগের বিপত্নভার চেকা সর্হতে। **ভाবে विराध । विराधकः देश्लाख**त महिक এবেশের পরস্পার উপকার্য ও উপকারক छाव महस्त्र इहेन्नाटह । त्निमन हेश्ल-कीरतका উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের ছর্ডিজে দ'নশেণিঙ তা প্রদর্শন করিয়াছেন। এদেশীরেরাও আ ग्रलदश्त्र प्रक्रिककाटन नाहांचा नाटन विसूध इस बाहे। किन्द्र चामत्रा किनिवा मन्ना मरू র এফটা আশ্চয্য ব্যবহার দেখিলাম, তিনি বলেন " যতদিন এৰূপ জানা না যাইৰে যে 'ইংলও হইতে মাঞ্চেইরের মজুর দিগের গ্ৰাব্দাক সহারতা ছইবে না, ততদিন खात कवर्षी ब्रिक्टिश्व निक्ट है जाश्या अध्य উচিত নছে। ইছবা अতः পর গর্ব করি देश्लक वामी मित्रात महायुक्त कतिया CER 1 3

ইংলিসমান সম্পাদত প্রভৃতি একপ কহিলে আমরা বিশাদাপর বইত্যিনা। काहामित्त्रत मन चनुत्र व कारव शतिशृर्गः किंद्र किनिका शतक अविषय भारती দার্যা দোষ দুবিত ধলিয়া আমাদিপের मश्कात हिल मां। हेश्ल**७ ७ जा**त्रकवर केखन्नरे अरु द्रामान नामा। এই উचन हाटकात्र धाकाश्चर्यत्र शत्रम्भत्र व'वा वाव क्छ। बहे शामहार्कित त्रीरामं एत, रेवा कि

প্রার্থনীর নতে > পরম্পর উপকার কর। কি भोक्षा वद्यात्रव्यथानकम् छेशाय मद्र এক হ্ৰম প্ৰাচীন সংস্কৃত কৰি কৰিয়া পিয়াছেন, সহজ ও প্রাক্তুত মিত্রতা ও শক্ত তা অপেকা উপকার ও অপকার নিৰম্বন যে মিত্রতা ও শক্রতা কলে, তালাই भन्नी प्रमी । *

" जूति बाता विहारत्ते थाया देश्ताकविद्यात ভাষীনভার প্রধান উপায়। ই সুক্রেইনি। ১৮ : १ परम कुःम ७ सर्वित करत्रक জন প্রধান ব্যবস্থাপক এই অভিথায় প্র কাশ করেন যে জুরি দারা নিচার প্রধা ইউ भार्थकी नरह । जिल्लाम के छेडश्रामरण के वि वर्षत्रत उड्डानुमक्तामार्थ अकं अक मणा हन . উত্য সভাই ভিন্ন ভিন্ন প্রসার সিদ্ধার कातन । कतानी मछाग्र दित्र इरेल, वृद्धि क्षरा व्यविकेकातिनीं नग्र। (स्त स रेहात्रा अक्ष:लाटव अध्यान क्ष्मा ग्रहीक्षात् नक्ष्मा क् क्रमाखीर काघाडा . দ্যাভামনিত্রে বিকেচ সমজ আফুভারণি॥

> কুত্ৰিৰ (কাৰণ ৰশঙঃ জাত) শক্ত ও মিণ পরীয়াম্- যে হে তু উছার। উপকার ও অপকাঃ व्ल कार्या वभाउ। वक् अभिय इव। महस्र (मह জাত অৰ্থাৎ এক শ্বীৱাৰ্যৰ লাভ) শক্ত ও গ্ৰ ল মিত্ৰ এবং প্ৰাকৃত (প্ৰকৃতি ছি) শত্ৰু ও 🛎 কৃত বিত্র, ইতারাও উপ্কারাপকার নিবল-নিব ও পজ হইয়। থাকে। সম্ক নিত নাক্ষ্টে-য়াদি পিতৃষ্বোয়াদিও বছক শক্ত পিতৃবা তথ भूजापि, जालन व विवद्यय शत यादीव विगय খাকে, সেই প্রাকৃত শব্দ ও তাহার পাল ঘাংল निषत्र (महे शाकु क मिर्व।

क्रणान्ति ४० चित्र क्रिक्ति क्रिक्ति व्यथात्र क्रिक्ति निर्मा देखे दश्य सा । क्रिक्ति, क्रक्म नित्र क्रिक्त क्रिक्ति क्रिक्ति क्रिक्ति क्रिक्ति । निर्म्म क्रिक्ति क

যদি স্থির চিত্তে জুর্মি প্রখার দোধ গুণ বিবেচনা করা যায়, ইছা কোন ক্রমেই अनिखेकांत्री विनिशा श्रेटीशमाम इश्र ना। रग विषय ७०। थिक बास्क्रिय बुक्ति बात। वि বেচিত হয়, তল্প তল্প করিয়া তাহার যেত্রপ श्रृक्ष विष्ठात हरेगा थाटक. अटकत दृष्टि দারা সেৰপ হইবার সম্ভাবনা নাই। একের वृक्ति नक्त क्यरश नक्त विषयात व्यवादत ভেদ বে'ধে সমর্থ হয়না। তবে যে সুরির বিচরে দেখে দেখিতে পাওয়া যায়, সে क्विम विष्ठात्रकर्द्धात ७ खूवि मरनानीछ कतिवात लाट्य इत्र । जूति ३ विচातकर्छ। क्षेत्र काल इंदेरन विभाव जान इस मटन ্র নাই। সুরি ছারা বিচার এফনি প্রশংস াব ও ইহা ৰাবা সন্ধিচার কইবার এত "पु'वना चाट्य त्य हेश्मखीत्र बात्रत्मशा ्र अभाव अमीमाद्वता) माश्रमा हार्छ। मा সিদ বাধীনতার মহাসমন্দ গ্রহণ সমরে প্র कारणकरण ब्राजांत वाता এই कथा लिया ইনঃ লইবাছিলেন যে " প্ৰতোক ব্যক্তি ঠাহ'র সমকক ব্যক্তি ঘারা বিচারিত হই (यन 1 "

তার উৎকৃতি বিচার প্রথ এদেশে প্র চানিত হওর।তে আমরা সর বাণেন পিক কের নিকটে কাণী আছি। চাহার চেকা: তেই এই বিদায় এদেশে প্রবৃত্তি চল। কিন্তু বিচারপতির ও সুরি মনোনীত ক রিবার কেনে বাঁড়ের গোময়ের নাায় ইচা এক প্রকার অবাবহার্যা হইয়া উঠিয়াছে।

বিচার পতির দোবৈ জুরির বিচার যে র্মান হর, আমরা তালার অনেক উদ।হরণ পাইরাছি। জুরিরা এক প্রকার মত প্রকা ক্ষরিলে যদি তাহা কজের অনভিমত इय, अञ्च किटीय ७ कुडीय बाब काहामिन क भूगर्तिकात क्रिक्स ब्रह्मम, कम् ३३ वर्ड কণ বিচারপতির অভিমন্ত মন্ত দেওয়া না হয়, ততক্ষণ কীছাদিলের নিষ্কৃতি পা কে ন। । অনেক স্থলে কুরিদিগকে অপমান महा क्रिट इत्र। कटब्रतः विष्ठातीलएत व সিয়াই তঁ,হাদিগকে পক্ষপাতী ও অন-িচ্ছ বলিয়া খাকেন ৷ সে দিন হুগলির অভিবি ख कक वर्ड मात्रिय अर मिथा। यूनी मक्ष মায় প্রধান জুরি বাবু ছারকানাথ চক্রবর্তি কে "মুর্ধ , প্রভৃতি শব্দ প্রেরোণ করিয়া পালি দিয়াতে।। সুরি ককের মতে মত निहा धक कव वित्रश्रदाथ वास्क्रित काँभीत পরামর্শ দিলেন না বলিয়া বর্চ সংহেবের क्तारथव शतित्रीमा हिल मः। लंड त्राटर वित्र भक्षमाध्रमत्र मङाग्छेष्टरत्मम व्यक्राश क्तिपिरशत व्याधाः सरकाशत व्यवस्था वर्गन করেন, তাহা কাশ্যরও অবিদিত নাই 🕛

विष्ठात्रभित्र (मास्यत्र ७ এই कर्षा পেগ। সুরি মনোনীত করিবার দোধ এই, অনেক হলে মতি অসার ও অপদার্থ ব্যক্তিরাও সুরির পদে অভিটিত হইডে ছেন। ভাদুশ ব্যক্তির ঘারা যত সং ও সুক্ষা নিচার হইবার সম্ভাবন। আছে, তবি वदत्र अधिक वाकावाय कत्र। विकल । **१४**ग्रेस्ट्र वृद्धिपिरभन्न विषया भारतारवाशी वरेख अनुरहान করিতেছি। বিচারকর্তারা জুরিদিগের অপসান করিলে কোন কুত্রিদা ভদ্র লো क् ब्रित स्टेप्ड ठाहित्य मा। पूर्व लाक দিগকে সুরি করা বিচারের স্বমাননা মাত্র। जरकती धरुषयोत चवच्। वर्गन कतिवात সময়ে আপনার মত একাল করিছে পা रवन महत्त्वक नाहे । किन्न हेश्मश्रीत विश्वाम ওলাড টেন্টাডেন প্রভৃতি বিচারপতি রা নিম্তকাল ঐ খড়ের অনুসরণ করিয়া কাৰা কৰিতেন না ৷ মত প্ৰকাশ করিবার অধিকার আছে বুলিয়া বিচারপতি ক্থম ष्त्रित्क शक्या विल्डिक भारतम मा द

" আপনারা এই প্রকার মত দিবেন। "
এদেশের বিচারপতিরা এই প্রকারই ক

হিন্ন থাকেন। সুবিখ্যাত আইনজ্ঞ লাভ
কোক বলিয়াছেন " সুরি সাক্ষীদিনের
বাকা অনুসারে আপনাদিনের মত প্রকা
শ করিবেন। " এদেশে কি তালা করিতে
দেওনা হইতেছে।

গবৰ্ণনেকৈর নিকটে আমাদিগের আর একটা অনুরোগ আছে। নকবলে এই নি য়ম আছে হত্যা প্রভৃতি হইলে এক জন্ম চিকিৎ সক মৃত বাক্তির দেহ কেদ কবিয়া যে কথা নলেন, তাহাই প্রমাণ হয়। গা বতীয় চিকিৎ সক সূচাক্লকলে নিজ নিজ কর্তবাক্ত সম্পাদন করিবেন, একপ আলা কবা বিভয়ন মানা। এই নিয়মের দেনে অনেকস্থলে অগণার্থ বিচার হই গ্রাকে। অভন্রৰ মকহলে করনারের জুরির নিয়মকরা কর্তবা। কোন হলে হতা হই লে যদি কবেক জন ভন্তলোক জুরি এই। ত্রিবরের শুখন বিচার করেন, হতা। গো পদ করা সহজ হইবে না।

शतित्वा जामानितात व छ वा धडे. वावजाशकमञ्जात अत्मनीतिनितात श्वरवना विकात मान, केळ्डम जामान्ताञ्ज विकात कर्ज्ञाम अत्मनीतिनितात मिरतान श्रञ् जित नाम अतिवात विकातक्षणा अत्म त्यत्र ममस्क जैन्नजिकातिनी मत्मक नाहे। किन्न वाजि वित्यत्वत त्यात्व विकात आत्र श्राहित वाजि वित्यत्वत त्यात्व वाज जात्र महि

> কান্নত্য ইউরোপীয় ও স্থাপ্রি-মকোর্ট।

मूखिमरकार्षे यथार्थरे स्वानि दिर्णदवत्र कत्र शत्राक्तरत्रत द्वान स्रेत्रारकः । यथन अर्ण भीत्र रकान राक्ति ज्ञान करत्रन, कथन मू विमरक।एष्ट कांकात श्रुक्तकत्र पश्च निद्धान्त क त्रारे इत । तिन रेक्टर्राशीत्र रकारी स्रेटल क्षांस्तर कांकारक मूक्त कत्रिशत केंशात्र क ু বেবণ করা হর, নিভান্ত উপায়কা থাকিলো गायाना ५७ मित्रा काशदक सूख क्या श्रे हा: থাকে ৷ আমরা থানেক বার দেখিয়াছি 🗳 चनत्रारथ अक कम अक्टब्ब्यीत दीनाहत्रिक **इनेन, त्मरे जनतार्थरे अक जम रेकेर्**ता পীর বড় অধিক ছয়খান কারাবানে রহিল।

পাঠকবৰ্গ হিলি নামক ছুৱান্মার বিষয় অবগত হইরাছেন। দার্চনালের প্রারত্তে কলিকাভায় সংবাদ আসিল, সেই ছুরাছা ুমাকলাও নামক রাণীগঞ্জতিত এক ইউ त्रां शीरवर वां है। अपनुतादा जिल कन शूलियकर्षाती ও त्रानीभरक्ष त नश्काती भाकित्यु है हैरिंड नाटश्व আকল্তের বাটী অনুসন্ধান করিছে : মন করিলেন। আহলাও মালিছে টের অভিপ্রা য অবগত হইরা জাঁহাকে গালি দির। বাটী হুইতে বহিছ্নুত করিয়া দিবার চেঝা পা ইল ৷ শ্বনিতে পাই সে তাঁহার গায়ে হাতও जूनिशाहिन। बाजिदन्छे छथानि जिन् করাতে অকেলাও বলিল " ভোরা পাজি। ত্রিলেন। ১৮৩১ খৃং অকেরামমোহন রায় (थ जातूरम ११, शत्मदक्ते हाकत । व अहे क প অনেক গালি দেওয়াতে মাজিট্টে ডা इ.एक र्जिनश्रदन जनमेन कर्दन । एक िश নের আইন অনুসারে এটা গুরুতর অপরাধ गत्मह नारे । किन्दु मुखिमत्कार्ष्टे १७ वृथवाव এবিবয়ের বিচার হইয়া আকলাও মুজিলা ভ করিয়াছে ৷ সাক্ষিথাকা ধারা ভাহার লোধ সমনাণ হয়, প্রধান বিচার পতিও তাচাকে দোবী স্থির করেন, কিছু সুরি মহোপরের। ভালাকে মুক্ত করিরাছেন। জুরি মহোদদের। বিচার ভার পাইরাছেন, रा मदम करतम, छ'रे कतिर उ भारतम, धर्मा ধর্ম ত পরের কথা, আপাডভঃ ভারতবর্থে व किक्रान भाषि वक्षा इष्टार. जाइन्द्र कि স্থির করিলেন -

আমরা আবার শুনিলাম জনরচের অপ व व मार्कामा बना रे हैं। द्वा श्री देवता व्यादिकन করিবেন। সে ব্যক্তি বেচ্ছা পূর্বক মনুনা বধ করিরাতে, ইছা স্পাঠ প্রেলাগ হইরাছে, 🏻

, अवश्रमें काराह जीवन हकात (ठाउँ। क्या इरेटक्ट्र । यनि अक्टब्रमीश्रमिश्रदक एका। कतिया मकन देवेंद्राणीत वहेक्टण सूक इस्, बंदग्रंगंत्र महाना क्लाबांत्र ? वर्ग शक्त र्हेटमर् कि व म इत्रांचा चक्रम भागा विरागतीचान यथ कहिएक शाहित्व :

चात्रवा देवतिर्वाख्याची नहि, सनूत्या র প্রাণদণ্ড দর্শনে আমাদিগের উৎসাহ ও অনুরাগ নাই, তবে বে আমরা এববিধ বিচারের প্রতিবাদ করিতেছি, তাহার কা রণ কেবল ভারতবব রক্ষার উদ্দেশ। অ্র ত্য ইউরোপীরেরা যদি মনুযা হত্যা করিয়া শ্বন্ধনে অব্যাহতি পায়, তাহাহইলে ভার ख्दर्स वान चात्र नमर्ग शृहर बान छेठप्रहे , ভুলাৰূপে পরিগণিত হইবে সন্দেহ ন ই।

शक्तभीत जित्रात हैरन छ

এक्मीरत्रत्रा करम देश्मर्थ अथ भा विलाक भमन करतम, छाहात भूर्त के शथ अटमभीत्रक्टिशंत जबटका, अक्ष किल । ये महानुख्य रक्यल अटमरनंत्र ४६ ७ जाहात वायहात्रापित मश्लाधनकाती किलन ना অনেকবিধ শুক্ত পথ প্রদর্শন করিয়া দান। कमविध परिमक श्वलिटक करम करम रेफे त्त्रांट्य शंत्रम कनिएड एक्ट लाल । अकार्य बाँहाता बारेरकरहन, टाँट निरंगत मृथीय अमरिक करलाश्याही इकेटकुक । त्य पिन । त्य कात्र व क्खेक, यक पिन करमणीय अधिक আসরা বাবু দেবেন্দ্রনাথ ঠাকুর ও রায় রামলোচন ঘোষের পুরের ই লাও গমন সমাচার পাঠকগণের গে'চর কবিয়াছি शिवाटम्स ।

मारेरकल मधुस्यन अक. सन केश्युक लांक i देनि সংकृष्ठ, वालना, देखाँकी. লাটিন প্রভৃতি কয়েকটি ভাষা জামেন ! किनि ए केटमरम शहरकरम्ब महिलक শীজ ক্লডকাষ্য হইতে পারিধেন সংক্রেছ बारे। छोरात ये प्रकल खावा कार्य कारल मनिर्मय महाद्रकां हतित्व । अविषय शिक्ष च वाक्तिवा यमि हेर**ाटक यान, ब्राव्यश्वर** वित्रा सामामिरगत मस्टब्स् व नकल दिव রের ছার রুজ করিয়া রাখিরাছেন ভা া चित्रकाल मर्पारे केलांडिक रत्र।

পূর্বে লেখাপড়ার তাদৃশ চর্চা ছিল না. कूनःकात्र हेट्लक श्रमतात्र धक्षा व्यथान व्य তিবন্ধক ছিল ৷ এখন অপেক্ষাকৃত অনে क्त्र ज्वर विणात चाटनाक नक्षात रहे য়াছে, কুসংকার অনেকের ক্ষর হইতে এ ত্বান করিরাছে। তথাপি আমর। অধিক नःशा लाकरक हैश्लक अमरन **छन्**थ किथ তেছিনা। ইহার ডিনটী কারণ প্রধান ৰূপে जांगानितात वाधनमा स्ट्रेट्टर । अधम, অলীকলোকভয় কুসংস্কারের স্থানপ্রাহী হই য়া কতকগুলি লোকের জ্গরে আধিপত্য গ্রহণ করিয়াছে। বিষ্টীয়, ব্যুক্ত গুলির ইং लंड शंगरन विलक्षन चमुत्रांन चारह, छ।हा ता तथा लाकछत्र७ करतम मा, किस अर्थ न পতি বিরহে কুডকার্য্য হইতে পারিচেছেন না। তৃত্তীয়, কডকগুলি স্বদেশ পরিত্যাগ क्रिया भारेनक समय्यक छेरमाही मटन्त । সংখ্য লোক বিলাভ গমন না করিবেন, **उक्तिम त्राकामश्रक्त अस्मनी**य मिरशंत प्रशा ক উন্নতিলাভ সম্ভাবনা নাই। ততদিন রা लाम. आफि এक एम लक्ष्म किसे विधान जा ও প্রকা উভয়ের ভিন্নত:বও দুরীভূত बाक्कित बिलांच अन्न प्रदान अकान कता | इरेटब ना । " ब्रीहफि कारीता" य करणटन गारेखाः । अर्हे वाक्ति मारेक्स मध्य । এত প্রভুত্ব করিতেছেন, ভালার কারণ কি -कर मंडा अवस्थांक छूटे वाकि निवित्त वामानित्त्रव वित्नागमनविभूषकारे साहात সর্বিস পরীক্ষার্থী হইয়া গমন করিয়াছেন, ব্লন,তর কারণ। " প্রীর্ভিকারীরা স্বাচনে শেষোক্ত वाक्षि वात्रिकेत इहेवात वानगात : हेश्ल ख चामामिरशत माय अखिशत करि ্যা ইন্ট্যাধন করিতেছেন, কিন্তু প.🖘

ভাহার প্রতিবাদ করিয়া আত্মন্তভিতা সম র্থন করিতে পারিতেছি মা ৷ অন্য কথা কি. আমাদিগের লগুনত্ব সন্থান দাভাও (ইনি বঙ্গবেশের লোক) নীলক্ষ্ম বিগের বাক্যে विद्याहिक इदेशाद्य । देशमध्य अकार मि 🗸 প্শ বিজ্ঞানাদি বাবজীর বিষয়ক উৎকর্ষের পর। কার্ছা इरेब्राट् । ঐ সকল বিধরে . जामाभिरभन्न मिरिन्य देवश्रुना ल रखन रेक्श **जजित्म अथंग रेडे**रेत्रांश भगन व जित्तरक मदबाब्रथ मन्ध्रम इहेवात महावका बाहै। यञ्जिन अरमरण ओ जक्त विवरत्रत्र जविरण व ब्रीहिक्त वा स्ट्रेटर, एडिंग्न ट्रेडेटर्राण श्रम महे चामाणिरगत ७७२ विवर्त व्यंगाष्ट्र वृष পত্তি লাভের একমাত্র উপায়।

माइटकल मधुक्तम नख देश्लश याजा কালে বদভূমিকে সহোধন করিয়া যে ক রেকটা কবিতা লিখিয়াছেন, তাহা এছলে একঃশিত হইল ৷

বঙ্গভূমির প্রতি।

(तर्थ , मा, मोटमटन यदम, व थिन्छि कृति शहर गाधिए मानद्र नाम. .घटडे यक्ति श्वमःस, মধুছীন কংব না পো ভৰ্মনঃ কোকনজে! ध्वादम, दे**ल्टर**ङ स्टब्स्, को उन्नावां यमि धरम व एम कारान करत, - नावि (अम छाटक। क्षांच महिर १ इत्य. অগব হে কোপা কৰে। — किनश्वित करव भीत, होत हत, की बन नरम ? क्षित्र यमि यांच १८८. नाहि. भा, खीन नाभ न **সন্দিকাও গলে না গো: প** ড়ালা ডা (मर्के श्रेमा सरकाल, ८त्तर्दक ग'रन मा ह कुल्ल, ন্ত্ৰের মন্ত্রিক নিতা সেবে ২ সাল্লন किंदु ,कांब एक संदर्भ. शं हिर (व उर क . ह. হেন সময়তা জামি, কহ, হে লা,ম, ক্যানে कटव पहिन महा कर, , जून क्षार, ७० ४५, व्यमन करिया। यस स्मान करिन, प्रवस्त ! ---

कृषि स्पन कृष्टिश्रक

मानरम, मा. यथा करम मधूरक जायदन कि बनक, कि नदरह ! विभिन्नभूत ३२६३।

। ५४-४८ विकास इकः

প্রির সম্পাদক, আমেরিকা হইতে এবত সংবাদ আগত হইরাছে বে কেনেরেল দর্ব-সাইড অধিরোধে বোকোর্ছ ছুন অধিকার क्रियाद्या । भिकन् नामक पूर्ण ज्याणि ৫০০ কন্কেডাবেট্ সৈন্য সুহিয়াছে, কিন্ত ভাহাদের 'রসদ্' পাইবাব সভাবনা নাই। ৭ • • কন্ফেডরেই সৈন্য করিত্ব নামক শ্বানে এক:ব্রিড হু ইয়াছে ৷ এবং স্থানস্তিরে ২০০০০ এক ব্ৰিড থলিয়া গুনা বার : "অৰি লবে উভয় পব্দের এক ঘোরতার যুগ্ধ হই বার সভাবলা আছে। সেক্টেরি সম্নর ताअनका बर्धा **अक शोध वत्कु छ। क**तिबार्ट्स • এবং ভাষাতে মূল্যু দিয়া কলবিরার দাসদিগ কে মুক্ত কথা উচিত ইহা প্রতিপাদন করিয়া-ছেন। বন্কেডরেট্লের র জসভার সোএন নামক সভ্য এখন্ত প্রস্তাব করিয়াছেন যে ইং লগু হইতে দুড়নিগকে প্রত্যান্ধান করা, এবং উক্তদেশ হইতে কনকেডরেটদের স্বাধীনভার অধীকারপ্রতাশা পরিত্যান করা উচিত। श्रुटर्स इंश्टिब्रहा कर्न क्लाइ है । বাছিলেন, কিন্তু এফণে ভাব পৰিবৰ্ত্ত কৰিভে-

গড় ১৩ ট জাপানদেশীয় প্রশ্ন রাঞ্জুত শ্রীবৃক্ত টাকেনে। উচি-সিমদ্স্কু কি (म)-कामी शाहित्मत त्राव्यनिरक्तिक मधः কর্ত্তক সমাদরে গৃহীত হন। রাজনুত সমাট্রে সংহাথন করিয়া বলিলেন ও সমাবাজ। মুটিমা র্ব টেকুনের আন্ত্রান্তসারে আমরা অল; স-য়'টের সমকে উপস্থিত হইলাম। জাপানের দ্যাতি করাশীশদেশের যে সন্ধি স্থাপিত হট্ রাছে, ভদার। উভয় জাতির গরম্পর মিত্রভা ্ব মধ্য প্রথায়েত্র হইবে। এই হেডু আলাদে র এই বি জ স্কীয়ে হস্তলিখিত এই লিপি মহ। ব'লবে অপন করিবার ভাব আমাদের প্রতি গণা করেন - এবং এবত জাতিপ্রায় প্রকাশ े कि है। इस्म १४ निकास अध्यक्षनीय कविया दांचा ও লার একাত্ত মানস। আমাদের মহারা**জের** া ্নত্যতালোৱে আনহা এই সমুগ্রহ প্রার্থন। ১লা মার্চের বিষয়ণ এই পোডসংখ্যা ও৮ সৈ

করিডেছি যে ফরাশীল কেনীর এক যুদ্ধ-পো-ভ ৰার। আমস্কা কলেলে প্রক্তি প্রেরিভ হই। जाबादमञ्जूकाष्टिक आर्थमा अहे स्य महाताच नशतिवादत सूचरकान कविटक क्षेत्रून **এ**वर क. রাশীশ স্থাতির মধন হউক স সমাট্ এই উ-**ওর দিলেন " আমি আঞ্চাদ পূর্মক জাপান** সনাটের প্রতিনিধিনিগকে সংকার করিভেটি, এবং এরপ আশা করিতেছি বে সংস্কৃত্যপুর্ব ছারা মললোৎপাদন হউবে। আপনারা সভা-भीभरमर्थ जानिशांत्रक्त, जांबात्कत द्वांत्का র মহন্দ্র বর্ণার্থ কাপে প্রতীত হইবেন। আপ नात्रा अरमरन ८४ करण श्रीफ इंडेरन ४वः যেরপ স্বাধীনতা দেরাগ করিবেন ওদারা জ. ৰশ্যই জানিবেন যে অতিথিস্ৎকার সভয়ে। তির এক প্রধান ধর্ম। জানি আকা।দিড় হট-র। জন্মতি দিব বে জাণন।র। এক যুদ্ধপোত প্রার) কলেলে প্রেরিড হন। আপনারা যখন প্রতাবর্তন বরিবেন, তখন ইউবোপ দশনের স্তুপান্নজ্ঞবেদ্ধ সভিত এই বোধ করিয়া ব'ইবেন ৰে সাপান সভোগভাৱে সহিত সহাব সুক। কর, স্পামান্ন সর্বাত্যেভাবে সাঞ্জীয় । 🗈

পুণিবীতে যে বস্তু দারা মহোপনার পাধ ন হয়, ছোগা বলি ভাগবাবশাক্ত্র মহানুজনগ উৎপাদন করে। সভাতা ও শিংপবিদ,ার যত উন্নতি হটাতেছে ও তই মুমুন্যের মুক্তর ও অ মঞ্চল উত্তর পাল পারিক ও হুইভেছে। যে বা-≈ोहत्रबारवारण अक वा कि काकि हुत्रसम्भ कडे. তে নিয়া মুনুমূ নিভার মহিত দাক্ষাং করিয়। চ্রিতার করে, তাদ রাহ্ দস্যরা এর জনের সর্ব্ধবাপত্রণ করিল। নিষেব মধ্যে প্রায়'ন ক ि द्ध ' स्मीदानि अर्थात भावा अभिनीय कड म জন । কিন্তু তোতা একণে মধুন্য নালেব ভরক্ষৰ উপায় চইখাছে। আবেদ্বিকা করাশীশ ও ট॰ লও এই তিন দেশে এক প্রকার অভূতপূর্ব ও প্রকার্য কোত যত্র প্রস্তুত ছইতেছে , উহা পোত বিনেম - উহাতে অভি জাপট যুক कोनदलब्र ध्वारभाकः किञ्च छेरा श्रुपिवीरक ছিল ভিন্ন কবিবার ভালোৰ উপায়।

্ৰেভিবৰের :লা লাচ ও রভবর্ষ ৫ চীন व्यक्षरम देश्मरश्चर यस नाविकरेत्रना व्यारह, ভাষার বিবরণ পালি মেক্টে আর্গিড হয়, গড

मा अम्पर् । विकास १०५, एट० होना स्वाक्षीन कि १७),००० होको । वरिकार्यक १,३५५ कि०°-होका। कहना २२७/४३० होकाः (ब्रेसवाहि ५ ७,०४० हेकि। । नर्वाचिक यार्थिक शाह ३,०७०,६b • होका ।

चानवाद भोडेरकहा चवश्र चाकिरवन रय कृषधाष्ट्रमागदर्शत युवान बील अकत अक अका-द्र ३९मध्यत्र अधीत् । छथाकृति अधिवानीवा নানা প্রকারে বিধীড়িত হইয়া শাসনকর্ষাত্র निकडे अक आरवहम शञ्ज आर्थन करत्रम । किन्न **अक्ष चार्यकृत रय क्रम छेल्व मार्थाद्र । ए**ः প্ৰথত বইরা পাকে, ভাষায়া সেই ৰূপ উত্তরই व्याय स्ट्नाटक्ता।

ইাখ্যক্ত পত্তের এক কম সংবাদদাতা লিখিয়াছে ৷ যে সাঞ্কার দাস ব্যবসায় পূর্ব-वर इलिएफेट्ड : अवर यक्ति हैरलक कारवतिः कार मांगरमञ्ज्ञ अष्टक कृता अकृषि अना अस्य না করিতেন, ভবে উল্লেখ্য ছবিডা ইংলও আমেরিকার বুজের পূর্বে ভুলার নি-बिक बार्विक ७००,०००,०००, होका फिटल हि লেন , অথচ ভাষেরিকার ৪, • ০ - , • • সাস হইতে ধন রক্তি বিষয়ে এক পর্লাও লাভ ক-(तन नाइ।

শারিদের ভুত্র রাজবাসিত্র বিসমীয় চিত্রশালিকার নিসর দেশীর কতকগুলি প্রাচী ন ও কুদুল্য শিশাক্ষাত বস্তু স্থানীত চইalch i

বিখ্যাত ব্ৰু লক্ত ব্ৰাহম্ বিশ্বংকাল গীড়ি-'s क्षेट्राक्टितन । अक्टल विस्थान कार्द्रि.गा मा क कित्रारहम ।

এমত জ্মরব যে সমাট নপোলেজন্ সপ-तिवाद्य व्यामिता सम प्रिम बांबर वकिश्वाम ना-मक ब्राव्यक्तिकात्र व्यवस्थित क्रियन।

নিস রাই টাইন্স পত্রে এবক অভিপ্রার প্রকাশ করেন যে এদেশে খানেক ঋবিব্যহিতা ন্ত্ৰী সাডিশন কণ্ট পাইতেছৈ : ভাহাদিগকে পুৰুষোপযুক্ত অধ্যন্তনক কর্মে নিযুক্ত কর। অন্যায় : ভাছাদের ছুঃখ অপনয়নের এক উ-গায় এই যে ভাষারা বিলেশে ঔপনিবেশিক-(एत् मृद्धा **८६१तिक र**हा । कांध्यकाम कि रहान এই অভিপ্রাহের পোষকভা করিয়াছেন, এবং करिशांत्रककृत्य सीझा लाग्नी अ व्यक्ति वहेराज निभिन्न एडेल्लेन्स्। शकीण ब्हेस त्य अरत-

हम वर्द- ००० विकितिक जी चारक्त कंपरांश | मानि कारमत भूगीन मरकांच कंपिणह गामि क्षेत्र ही विक्रिंग वाह्यात अञ्चलश्रुक, क्षेत्र-त्कन्न वरवडे कोर्यगरकान कार्ट्स, **अवंद क**खिः भा चल्कनस्ट्रान निन्द् । विन् तोईएम्ब था-জ্ঞাৰ এই কে জাবশিষ্ট ছীধিগের ভারতধর্বাদি স্থানে ভারেণ করিবার নিষিত্ত অর্থ সাহায্য দেওরা উচিত। অনেকলেশে প্রভ্যেক স্ত্রীর স্থিত ভুলনার ছুই বা ডভোধিক পুরুষ 🗹 🗝 ংরাজ) বর্ত্তমান আচে ।

अश्किरिनम् अप्रिक्तनम्बद्धः अक्तन कर्न द्भव छेत्रिवाहिन त्व धान्नक्रिक्तां अरू विद्रमा বেশে উক্ত কাণ্য সম্পীয়ন করিবেন - কিন্ত ক্ষিসনরেরা সে অভিশার পরিত্যাগ করি-हाट्या विद्यानीय जाशके विश्वकारमञ বাহাতে কট না হর, এমত উপার করিবার সুচাুরু নিয়ম অবুদ্ধিত হটতেছে। তাহার। অভি অপৰ্যৱে<u>: লখনে</u> ভাৰস্থিতি করিৰে ৷ ভাহাদের জুবিধার নিমিক্তি এক জন ছিডাবী भिवृक्त हरेरव । भोष्टिक हरेरन जाउाभ वास हिक्श्मा क्षांच स्ट्रेटन। जनर फनावारम मध নের নানা বিচিত্র স্থানে ভ্রমণ করিতে পা-इटन ।

अंत्रजनवीं अत्रा (य करण नर्छ किनि॰ कि প্রতিষ্ঠা পত্র দিবাছের: তাগতে এখানকার स्तिरकं शांकिमग्र गरश्चार धकाम कविवारहरू । भानारम् अयुक्त वाद् इमाधनाण बाग्न ७ वा 🏞 प्रित्रकत्र त्रां व हैं बारमत बक् छ। विस्मय बरण डेबिथिड बर्गारह।

টাইম্স সঁম্পাদক ১৯৮৮নের রাইয়তদি গের ' অত্যাচার বিষয়ে এক প্রস্তাব প্রকাশ क्रियारहम : हेरा निखास पूर्व।रगार विमय बिनिएक इंद्रेटव या बीनकरत्त्रुः ताञ्चेत्रकरमञ् (मान मधानान कतिरंड भगर्थ इहेट उटहा धा আরা শক্তিকাৎ স্থবিচার চায়, তবে আপনার। कार्य शक्ष नाहरू भव करतहरूम कहाक। बहुर **७:हारमञ्ज अवद्या अवनाहे 'त्वकरङ्! (वद-**क्षु । ' वाली श्ववद्रक्षात्कव नावि ब्रहेरव ।

় গভ রাত্রে এখন লক্ষিকল্ সুসাইটি দামক সমান্তে বাবু আনেজমোহন ঠাকুল, বৌদ্ধৰ विश्वत अर धर्यान गाउँ करत्र ।

अग्नितिभन् डेनगट्यं बाना त्वम् वहेटड मध्यम क्छानुश्रीत् अपन्य होरबङ्ग नयोशन वहे-ग्राटकः कारोद्यम् ह्योग्नाकः विवास्थार्थं कडामी-

अंधारम निवृक्त रहेरव।

করেক দিনসাবধি আকাশ পার্থনি স্কুত विर्धन व्हेप्राट्ट, प्रश श्रकाणिख वक्रतरनत भाषमारमत नाम क्यांन्युक्तान्त्रवा **बहै रा मी छन्। तम मध्य अपन अपन अपन** শীত অণুভূত হয় নাই।

विविद्या अधनात

नवन, ३.इँ (म १४४२ ।

প্রিয় সম্পারক ! শিশ্ব বিন্যাস-নিক্টেনের चारतामग्डेन अवाह्यमात्र सर्वे ध्यथान् सर्वोत्तः। আখার অনু ও পদাবলীভারা " ও শ্লিং আবু দি हेर्कमण्यम् अक्षितिणम् .१ अविज्यानिक হইতেছে, ইহা আপনার পাঠকেরা: বুকিয়া अहरवर्ग। अश्रमकात हाना, मध्याक गढा अह মহৎ ব্যাপার , নানাশ্রণে বণিত হইরাছে। কেহ কেহ ইহাকে সামান্য ও ৫১ শালের ব্যাপানৌর অংশকা নিহুইডর মণে বর্ণন করিরাছেন*। কে*ছ বা ইহাকে ভাতুতপুর্ব ৰলিয়াছেন ৷ পরত আলার হত হইতে अविवादः अन अन वाजानिह वा कि, हेवारे जागगात्। जामियात हेक। क्तिएक गारहम ।

)ना त्व दरम्भक्तिवादतत हुई किन सिम्म भूकीयवि स्वा नमाकु आजाविक बहेमा अका." নিত হইতেছিল সিবলের ভার কোঁন অং-শেই বলদেবের কাক্রবাসের অস্থান হিন ন। : কিন্তু উক্ত **র**ংস্পতিবারের প্রাত্তে আকা-भ भ्याकृत में हेडा अन वर्षन म्ख्यारण नकरन-রুট মনে প্রাশকা উপস্থিত হয় ৷ যাহা হউক, ণেলা নথাটার সময় হৃষ্টি অপস্ত হুইল। নগ-রের চতুদিন হইতে লোক সকল নানা সঞ্চার সুসন্মিত হুইয়া এখনৰ অভিমূখে গমন করি एक नानिय । विना प्रमहोत्र शूर्क नमन वर्ष है লকটাদি স্বামা পুর্ব ছইল , লকট সকলের গতি যথাৰ্থকেশে শ্ৰুক গডিয় সহিত উপনিত হই ब्राटक् । शर्थत्र पूरे शार्य जहां किक। दश्रि **হইতে নানা বৰ্ণের পভাকা উভ্জীন্ন**নানা এবং वम्डेन खार्ड्ड मधा रमर्ग अन त्रहरी गडाका " স্থাগত সমস্ত স্থাতি ! স্বালয়া লোকদিগের অভ্যৰ্থনা করিভেছিল। যে কোন পথের যত দুর সৃষ্টিগোচর ছইয়া হিল, ভাহাতে শক্র আেণী ও বর্ষ্য কিল আর কিছুই দেখা যাব

নাই। চতুৰ্দিকে নেত্ৰপাত ৰবিয়া হোধ ছুইতে | পরিচ্চদ-ভূষিত ইংরেজ স্বাজপুক্র ও সেনা | मांभिन यन तमहेत्व धक्यकांत्र क्रमधायन है. পশ্বিত। রাজপুরুবানির জাগম নার্থ বকিংহাম পালেন অৰধি শিশা বিন্যাস-নিকেতন প্ৰ্যুম্ভ তুই ক্রোপ ব্যাপিরা` পথের ছুই থারে বিচিত্র সমহি-ভূষিত অখবার সৈন্য সকল দুখায়ন ন ষয় এবং ভাহাদের পশ্চাদেশে অসংখ্য লোক সমবেত হইয়া রাজপুরুষদিগকে দেখিবার শ নিমিত্ত সাভিশন্ন উৎস্কা প্রকাশ করিতেছিল, ३ । होत्र श्रुकांविष "वहाक्य । तक्स यांना রোহণ পূর্কক ভোশিবল হট্য়। গণন কবিতে नागिरनमः अरमदभद्र नकन् शंक्यकी नयान ৰূপ লোকপ্ৰিয় নহেন : খাঁচায়া সম্দিক প্ৰিয় छोशांनिगारक स्विधियां लाक नकल धना धानि করিতে লাগিল। ক্রথে ক্রতে নানা দেশীর রাজ দুভ সকল লোকদের দৃষ্টিপথ অভিক্রম क्रिलन । देविक अल्लोब्र इक्ष्मि आजरूक লকলকে, ও জাপান দেশীয় রাজগুতরিগকে দেখিরা অনেকে হাস্য করিয়া উঠে, ইবং ই॰ **রেজদের অতি** ঘৃণাকর অসভ্য রীতি। অর্জ-ঘটাতীত ১২ টার সময় প্রভাকর প্রচণ্ড মৃত্তি ধারণ করিল, তখন শিপে নিকেতনের চভুর্ফি কু মন্ত্ৰারা একেবারে আ প্লাবিত ইইয়াছে শিক্তিতনের বাজমূর্ত্তির পরিচর পূর্বে দিয়াছি কিন্ত :কামে যদিও উহা নানা পডাকার শোভিত হয়, তথা।[%]। পুৰ্বাৰৎ কেবল বাণিজ্য भागात नाम (गांभ इतेर न नामिन। यांश इ-উক্, অট্টালিকার অভান্তন্তে এক জিল্ল ব্যাপার ' পাঞ্যার মন্দির ও জগনাখলেবের মন্দির নিশ্বাণার্থ বিশ্বকর্মার স্বাহার্য জার শ্যুক হউসা ছিল, কিন্তু উপস্থিত অন্তেপুর, বন্ধারের সম্পাদন নিমিত্ত কড শত বিশ্বস্থানে প্রয়োল सम । महरवाद भादा व्यावस्था की कि उन्हारित **बहैंदे शांद्र, हैंशे किंग्ल डे**स्ट्रिशिए दार्ड | **সপ্রমাণ করিতে সক্ষম। প্র**থম বা পার্নিচয় আরে _। **প্রাবেশ করিলে ১৫০ হড়ের** অপিন উচ্চ এব ्रश्चित्र जन स्टेस्ड मण्डल ७०० व्य व्यव abe शक्त क्षेत्रादिक श्रम मृगा रह : किस अम देश काष्ट्रीजिकान शाहितन भिवास मनग्र नरह 🦠 প্রাসাদের অভ্যন্তর প্রেশ সক্রাধিক ব্যক্তি খন আকৰ্ষণ করিতেছে। নানা জাতীয় মানা প্রকার লোক সমবেত হইরাছে। কোন স্থানে

পতিগণ, সগর্বিত চিত্তে ইতত্ত নিরীকণ করিতেছেন, কোথার বা করাশীশ, ছুরুড, রুং প্ৰসৃতি দেশীয় ব্ৰাজপুত সকল স্ব কাতীব সজার শোডা প্রকাশ করিডেছেন : কোপা: वरगृतः भाग मुखारात. এवः तक वंडिए हैं ফানধারী রাজা, কোন স্থানে বা খণলতা শোভিত রক্ত কৌবের ব**ল্লের অধ্রক্ষণী** পরি-ভিত ইউনান দেশীয় ধনায়্য ব্যক্তি ৷ এই ৰূপে यांक्रक, रेगम्ह, बाबम्हांबाबमाही, मिश्नकन्न, हि ত্তকর, গ্রন্থবার প্রাকৃতি স্বীর স্বীয় বেশে জ ডিঠান করিয়াছেন। ক্রিপান দেখীব রাজ দুতেরা আংনাদের গড়ীর ভাব দারা লোক-দিগকে চকৎকৃত করিলেন > ভন্নধ্যে চুই জন প্রহুগ রাজপুত গাড়ীব্যের প্রভিমৃত্তি বলিলে হর ৷ তাঁহাবা সমস্ততঃ অভ্যাক্ষী সমারোহ সন্দর্শন করিয়াও কোন ক্রেমে ভাজা লোকের ন্যার বিশার প্রকাশী করিলেন না। তাঁহারা বিশার্ভনের ন্যায় ইতভড: দৃষ্টিপাডও করেন নাই ৷ কিন্তু ভৃতীয় ব্রাহ্মদুভটি তাপে-काइफ क्या, जिनि इक्ट्रीबरक बरनारत-ननन **कृतिक शक्क्वितिरालय देशदाक मरिनाम्ब** ভাব জনীর দার। স্পষ্ঠতই উক্লাটিত হন।

১টা ১৫ মিনিট গত হইলে ভূর্যাধানি হট-তে লাগলঃ তদনস্থর অট্টালিকার দক্ষিণ ভাগ হইতে পশ্চিম ভাগে রাজপুরুবেরা ভোগি বফ হইর৷ গমন করিলেন ৷ তথায় রাজসিং হাসন স্থিত ছিল। সকলে ৰথা স্থানে উপনিষ্ট **इहेरन** पाउँ नेशांनदिन धक्**षे रक्क्**षा शाठे क तिरमन अवर हेरमराध्यतीत शक बहेता जिलेक অব কেন্দ্রিক ভাষার উত্তর দিলেন। গুদন-্ম্বর রাজগুরুশ্রো পূর্ববং গ্রেণিবন্ধ হইয়া উ-ত্য়দিক দিয়া পূর্বাওস্থান্তর তানে গনন করিলে ন। রাজমন্ত্রীরা প্রাকৃত প্রদাংসাবাদ লাভ করি তে লাগিলেন, বিশেষতঃ লভ পাসমুগ্রনকে দে। খ্যা লোকে আক্ষাৰ্থানি করিতে লাগিক। ७९ । त वधन क्रिके चन् किंचु क हरू कि क्र ংড'পুর দ**লিগের ছারা পরিবেটিড হটরা রাজ** नि शेनरम डैशरनमन क्रिस्सन, कथन स च-দুত গাপার লোকের প্রত্যক্ষ্টল, ভাষা কৰ্মভীত। আৰ্মি পাঠযোগ্য বৰ্ণাৰ **শভা**ং-শের একাংল মন্সাদম ক্রিডে পারিংডছি পুলারিজ্ঞান্ত রক্তা, পাত নীল, ফুল কর্নের । না বলিয়া লেখনীকে সহস্রবার ডিব্রভার ক

রিতেছি। তংকালে স্বেরে কিরণ বিশ্বন উ. খনতর হইল। এবং সভাস্থ লোকদের অক্-ব্রিড মণিধানিক্যের উপার পতিত বইরা এক কালে চকু ভাৰা করিছে লীগিল, ৰলিলে হয়। ভাট্টালিকার মধ্যে জুচারু ও সমুক্ত স্তম্ভ লেণী উৰ্জনেৰে বিচিত্ৰ চন্ত্ৰণত্প, পশ্চাভাগে সহ-শ্ৰ সহস্ৰ গাধকপুৰিত লগীত মঞ্ এই সমুদার ওকত্রিছে হইয়া যার পর নাই শোভা প্রকাশ করিল। ভদনস্তর সন্দীত। কনিয়াক টেনিসন এই বিষয়ের নিমিত্ত এক সঙ্গীত রচনা করেন, ভাষা টেনিখনের যোগ্য সংক্র নাই : ঐ সমীত বৃধন সহস্র সহস্র পর ও यद्र निविद्ध स्टेश मधीख हरेन, खर्चन অনেকেই আনন্দাশ্রু সম্বর্গ লবিডে পারি লেন না: অনান্য সমাতের পর ডিউক অব বেথি জ শিশা বিন্যাস-নিদেন্তন অভি-মুক্ত হুইল বলিয়া উহায় প্রতিষ্ঠা করিলেন : যদিও তাঁছার বাক্য উদ্ভয় ৰূপে এণত হয় নাই, তথাপি ভুগ্যধানি থারা উহা সর্ক करनत भावत बहेल।

দেৰভাত্ৰ প্ৰকাণ্ড ব্যাপানে বলি ন্যতীত সন্তই হন ন। জামাদের দেশে বলির সহিত থেবতাপুজা আরম হ**ইরা পাকে**। এখানে টিহা বলির স.হও শেষ হইল। কলা দেবী এ किं विनिद्धित स्थान सर्वे अन्ति अन्ति । स শালক কোতুগ্লাকান্ত হট্যা একটা চলিকু करनत निकडे प्रशासना न्या। करनव अक "मण्य ভাৰার স্বয়োগরি পড়িয়া মন্তক ছে৮ক द्विग ।

যাকা হউক এই মহদ্যাপারে ভানা কোন विष्रवेश इस माहे । कांग कांग विषय धकादा-প্তর ধ্যবস্থা করিলে ভাল হর্টত। কিন্তু চি-ত্রকর না হটবাও লোকে চিত্রের দেয়ে বিচায় श्रिया थात्क । ३०। त्मत्र घटेना भरतदस्य गरन निक्डि शांकरवा

क्यार्थ अन्। क्यांन विद्यम अहराजनी श नवाम नाई। शानिदन्दने निर्म्म बीश खात्र-তবৰ্ষ সম্ভুক্ত হটবাব প্ৰস্তাব বিচায়িত হইয়া-ছিল : কিন্তু লও ধান্তি প্রভূতি ঐ প্রভাবের रणायक्छ। करत्रम माई।

উমিচাদ গুপুত্র।

विविध मरवाम। २৮ व देखाके ल्यायवात्र ।

অনিরাক্তজ্ঞতা সংক্রে খ্রীকার করি-**ড'ট, র#পুর ফিলার অত্যংগাতী লাকিনিবান** क्यों, मान्य व्यारण्य गांदू भाषा हवा ना वहां पूर्वी म भेटाकारणत पेश्वरिष्ठत विशिष्ट ८० होका स्रोत েরিয়াছেন। সোমপ্রকাশের জীবজিব নিমিত াষাৰ গাহা দেন, তালা জামাদিগোল অতিশয় ালিবের শামগ্রী আলরা শানু লাবুর বিদ্যাণিক

ু দেশ/ছতক্ষ বিষয়ে বল,ন্ত: শক্তির শাসক শ**ভাদ শু**নির্ভাত । কিন্তু কোটেছর । ব. ।। वह, देख बादू मीयाद्वाण आखा एड्डा कडे 'गारीट उटहर

नव विके दर्शक रकावते हेमना ६ शांकि-নবনিগ্রেশ কান্তরোধ করিয়াছেল তে তাহারা ा जिट्नत १४७० मानवह भद्रभीर कृत्स्वर वतः दमन। ५ 'अ.ब्रुट्य ५ कृता व्यनः स्त्र वृक्ति छ हर्व इहेन ८६, गाटकडेरवन मञ्जूदरियान निमि े शहरेश काल बहु है।

গত শনিবাঃ অন্তি ইজেন সাহেব ব্য प्रमी । शवन स्मरन्देश स्मरकाही जिल्लाकार्यात छ। त अध्य महिराटक्व क्रदेश मार्थित सार्छ 'অ'নিয়াস্কন তিনি উপযুক্ত লোকট মনেই নী ১ কবিয়ানেন। তীহাত এটি প্রাথমিং কার্ব্য रका कार्याः वाश्वाभिता । ताथ केहेर्छ छ । .कबिट्यांश विगद्य िडिम आ.केमाद्रश्यत् · ाय भारत्रोकातामानी शहरतन ना ,

विकात नगरत काहितारमह इना शुम ह · ११६३ , भारत महानाहरू क्षांकि नियुक्त ३७०+ है।-'य जिल्ला करे हाह्य ।

'না জুন সাহ্যতে এফ ভ্যানক ডাকাই ভি ম্ট্রালিয়া**ছে**। প্রায় ৬০ ুজন *দগুং* ভ**ে**ভা पाला १ क झासिस निक्छेद**ि करएन नामें कू**रे িবিধা এনে ১২ জন লোকটো জাৰত বহি-বা বেল, ধন করিয়াকে। পুলিন কর্মচারিরা যে ৰূপ করিরা থাকে, সম্ভারা পলায়ন করিলে প্র ः '= मिरशन 'कारकां**नरम**ा शतिशीयः किन न। । ''ाइटल्नाइम अरे (यम) मानवाम छडेन, क्रब ा व योगित छैलदा मन्त्रामरणत पृष्टि लटक ।

यक अलाहे हे नन्दी एक बर्जन, विदारहेन व. ^কান আফিসর ভারার এক রাসীকে চোর मरमाय क विका श्रुमिएक ६०वेदन करमा। बामाद

ভারোগা ও পার এক জন ক্রেট্রী ঐ ছত । লিভে তেনজন ঘুর্ত্ত আপনাদিশকে গ্র-বি-खाश बीटलाक्टक (माम नीकाद कहाहैवाद কলৈ ভালাকে বলপুক্ৰ সম্পান ক্লাইল म्बद्ध छोषात क्रुवाहा क्रिक्ट छुटे छिन वियम ভাহারা এই শ্রেনার শশুষণ ন্রহার করিরা हिना भट्ट आकिमत हाजोटक बिट्हान छा নিং৷ ভাছাকে পুনৰ্কীর ব'টা লানিয়া দেখেন त्य कें दर्भ नाम इडेग्नाइम। शद्ध विकिश्ना चातः छ'हात देवतमा इतेता १म तमुलाह थ কাশ কলিব। দারোগ। ও ভাষাব কণ্মসারির जिन वरमञ्ज कोर दिवाम पक्ष करेग्रारङ । जाना क्नि प्राप्त अध्यक्तं है विशेषक काउनात करे. লে কৰে পুলিব সংখোষিত হইত।

উক্ত সম্পাদক দেন সাহেত্য পরিবর্ত্তে নেকর নাক্তিগবকে রাজা দংক্রান্ত প্রাধান काण्यक द्रक कदिवास व्यष्टदश्च कदिशास्त्रम् । মিলেটারিরাই রাজত বুকিবার লোবই বটেন ?

क्टब्रक्षित बहेन आमता - हर्ते ६ ए गुत्रात সন্থাদ শুনি নাই। দিলীগেকেট সম্পাদকের সমুম্বাহে বতাতি তাং৷ আনটিকের ফতি গোচা रहेशातक उज्जेषा दहेन करत दहेनन मार्डेन अकमन बंडिरगानीक ६ डोर व नमांचार করাতে ভাঁচার মেদ পালকেন মৃত্যু হইর'ছে। चवनस्वके कि अहे हठार मन् विवासरमत ाष्ट्री कतिरस्य मा :

छैक मन्त्रालक वातम 'काब्राकावारमत िनमयाचेत्र । भारत ३२ गासिक सम्प्राचिक একটি অপাবয়ুখা দ্রীত সভীত্ব করণ কার: सांद्र । में खीर नाकड़ी दहनेन बरह बादा छ। अव श्रीक निकाम बार्ड इकिंग, के पूर्व एखना **্টেসনে তাহার জানস্তা করে** জ মাদিলেখ (सरमञ्ज्ञ माण्डित वि जन्नवद्रार्ध इते ।

জালাবাদ গেডেট সম্পাদক ধ্যেন, ছেত্ৰভা গ্ৰণ্থেণ্ট্ৰাট্টা ৫. প্ৰত করিবার নিশিত সাড়ে-ভিনলক টাক। দিবার আছে । কইয়ায়ে। এস कल विमस्य अवन्द्रभएतीक हाउसक्।।

कर्यायः (शंक्षेत्रे अध्योपक बद्धाव, खबाव क्रमत्र र प्रदेशक अण्याराष्ट्रय विश्वत देनमा लहेश करशका अम्र कविद्व जानिएउटइन ! এগকল জনরব কোপাহইতে উঠিভেঙ্গে, ডা... হার নির্বন্ন করা জাবঞ্চক।

वेख मण्डाहरू चारका बर्जन, बाबरवरत.

लिय कर्महाति नामहा शबिहत क्रिया धामक भावनिम्मादक आहे कथा नतन विक खाँचात्रा हे का नाटनव शांव पश्च कविता **कारनक** মুখ লোক ভারে ঐ শুর্ভ দিগকে টাকা দিয়াহি-ল। তাহারা সম্প্রতি ধৃত হইয়াছে । এ এক मण खुगाइति नग् ।

গবনমেন্টের ভিন্ন ভিন্ন ধনাগান্তে এপ্রেলের ब्याद विज्ञानिविक होका स्था हिन।

লারত ব্যায় গ্রব্মেটের ১,২৩,৪৬৪,১৬ वज्रामान के উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের 🌶 5.62.23.362. ामारवत् ले বোখাইয়ের 🕊 নগলোৱতবর্ষের 🛦 किन श्रेटक्टमद मालाटका के

নোট টাকা

वान व्यनबक्षात केल्य क्याउना बनी वह তে একটা খাল কাটাল, গৰণবেক জাহাকে সে-हे भारत कह नहेटल कल्पनिक निवादहर ।

वानिक शरकत रक्ष्मिक वाकिएई रहेत विश-क होको धकारण क्षकाँह व्यक्तांव निवित्त स्वाहा-তে ভেপ্তটি নালি ই ট সম্পাদককে লিখিয়াই न " वर्गामत । ज्यामि स्मिथिएकहि कृति ज्यामान প্রতি অন্যায় ব্যবহার করিয়াছ ইত্যাদিচপরে त्वशूष्टे वाकिरहे हे वरमन मन्त्रापुक वकि है। গ্ৰুত সহকারী**দিগের নাম প্রকাশ লা ক্রেন ভা** s: হটলে ভাঁহার নামে নালীল হইবে। ভেপুটি। गामिएहे होत्र युक्तिमखांत्र विषत्र विषय उपन रहेक छीबात लिथात छात स्मित्री विद्यार्थ निरमात कथा यदन क्ट्रेंटडरक् " वीकृत बनावे চলে গেল क्छ। ब्लाफांडी शब्द ब्रह्मिन। >

বাস্বারে গঙ্গ উটিরাছে লাভ এলগিন भीख कर्षातिविद्यात व्याप्त कवार्देती जिदयन धवर डाउँन अफि नटन मने जाना ७ देखन টাকার হয় সের বিজনের নির্ম করিয়া দিবে-ৰ ৷ একণ করিবার ভাৎপর্য্য এই, খাহারিচগর रचक्रम कविया बांहरन, खाराजिश्मम कई हरे-মে না। এইকার বিখ্যা অবর্থ ছালিবার লোক

আমরা শুনিলাম বারাকপুরে একটি তুর নিশ্বিত **হইবে। সর হিউ রোজের আবার** কি । কানপুরে এএরণ করিবার আঞা কটরাছে : या कितिल १ हेका नित्रकूम ।

रिक्ट शक्ति बाँडे जन्मश्री इक बरलव शवर्य प्रश्ले विष्ठा निकाब करा दा हादि नक होका वक्रप শে অধিক দিয়াছেন, ভাহা হইতে এসিয়াটিক **নোনাইটিডে প্রতি যানে আর চুই শ**ত ^{টাক}। দেওয়া **হইবে। এতদে**শীৰ সংবাদপত ও পুত্তকাদির সর্ব্য অবগড হইবার কন্য এক জন ্ৰু ভদ্মাবধায়ক মিযুক্ত হইবেন। গ্ৰণ্মেন্ট স্পা-রও মিজ ব্যয়ে এক বাদালা সংবাদ পত্র প্র কাশ করিবার সক্ষপ করিয়াছেন। শেনোক্রাট व्यथवाय स्हेटव ।

২> এ জ্যৈষ্ঠ দ্রুলবার । গভ ৰুণ্য একচেঞ্চ বাদীতে নিমুলিখিত जहिएक विक्री उ हरेगा दिः--

নিসুক गुना विक्रित्र ३७8६ ৽৽৽৽৽ कामीत्र ১১७६ গড়ে প্রতি সিম্মুক ১৪৭৫ টাকার বিক্রী ज रहेबाटर

बाद्धां डेटब्रह्म बस्द्रक्तिरगद्र जहां बुखाद स्मा प्रश्च व्य भवन्यकेटहोटन अक्षी मृजागीजमध उरहर হইবে, ইথাতে বে টাকা আরু হইবে ভাষা मार्क्षिष्ठेत्र भागःन इक्ट्रि

সর হিউ রোজ লখে নাতে সেনাগণকে সভা করিতে নিষেধ করিগাছেন। সেনাদিগকে भाक क्रिएड स्ट्रेंटन जाशानिगरक विवाद क्रि তে না দেওয়া কর্তব্য, নচেং পুস্তকালয়ট কর আরু সভাই কর, সকলিট রুগ। চউরে :

ভারতবর্ষীর গবর্ণমেন্টের মিংলটা হৈ সেঞ্জে-ষ্টারি কর্ণেল নর্মাণ আপনার অবীন । প্রচি-क्षिक कर्षकातिमिर्गय উপবার' । निश्च करम **আফিলে এক পুৰকাল**য় স্থাপন করিণ। ছেন। কেরাণীরা আফিলে বসিবাব সুধে 🗵 পরে ভ **च।त भार्त्र कतिहरू भा**तिहरूक । (भरम रम न क किम बिन्नालय रहेवा উঠে 🕮

छात्रक्रवरींव द्वारेन श्रहा काल्यानि वन किन सर्व अप। कुनूत अञ्चि कहिन देन दे है। **বাইতে অদমত হইরাচেন। ব**াঁহরে। ঐ সকল **এরব করিবেন তাহাদিনকে বিশুণ ভ**্ত:

नाम नाइरदद आकुन्तु है नान , उरक

च्यामञ् श्रदेश विज्ञाष्ट्रिताम, बादवाब है। হজভাগা পুরোধিতকে করাটিতে নান পাহেন राजिया, धूछ करा। क्या डोश्कारक मुक्त करा। इहै-ব্লাচ্ছ। একৰে জানা গেল তাহাৰে। শালাই হ**ীতে কলিকাতার আনা ইট্**য়াছে। দে এগ (म भूतिस्य कक् खाइह। दाँहाब्रो मान, जाक ৰকে দৰ্শন করিয়াছেন.. তাহানিজেই অনেকে বলিয়াছেন বিদোহী স্বদারের স্থিত প্রো रिष्डित जन मोनानुमा भारे उदर रि करना जाशास्त्र क्षत्र कवित्रा ब्राह्म रहेगारम न

हेरियम् जाव हेखिन्ना मुल्लाधन गटन-৬ মণিত জ্'ত্রণ (অধারোহী) দেন। দলের कर्रन किले आधनात्र अधीमत नरवक राजि কে দাখানা অপবাধে কক করিয়া এত ক? , দিয়াছিলেন যে ভাইাতে এক বাক্তির সূত্রা इडेब्राइ) हेश्त्रीक (भनावत्वव करे क्वरी বিশেষ দোষ আফিসরের' গুরুতন্ত্র স্থপ ্চব্লিয়াত মুক্ত কন কিছ সাধান্য সেনারা কিছু কবিংলট কালাদিংগর

निषिष्ठ नवांग्य आल ब्हेबार्डनः -कारस **জান্তিরা ১৯ এ নে** ৷ আনেরিকার বিলোল -त्रा हेन्नर्क है। डैन जान क्रियार । भग्निरारकेत পেনারা বরগভিকে আজেমণ করিয়াছিল, কিন্তু কুত্তকার্ব। হইতে পারে নাই। উত্তর দলের বিস্তন্ত্র লোক হত হটর ছে। ধরণ মেন্টের সে माजा छेडेनित्रम्म वर्ग फिलिन्त के ब्रह्माय्य । मिछेन्। क्र भारत्व एकिन नि गरनव कानरदाभ किया निवित्त कविया वाल्डिक द निवित्त निवित्त क्षत्रविद्यम भूनियाद्यनः। अकिन्द्रशत्र महिक क् रिकार युक्त ब्याद्रक देशेयार है।

हेश्विनद्राद्भव मार्थनोन्डिङ नश्योक मार्छ। বনেন তথাৰু জনরব উন্নিরাছে সমুদ ব কুপে विश (ए अप्र इडेबाइड, इडेर्ड्साशीय तमांशद्दर वाक विकास क्वाई खाश्व केरकसा । ध्विश्व জনতাত্তির মূল অবেশণ করা অভিশয় আ-এলকে। জন্তথা বহুত্ব অনিই ষ্টিবার সভা ्यभ ।

जिली (भरमाडेस क्यू शृत्रिक मध्याम

দান্তা বলেন, ভত্ৰতা হ'তন মন্ত্ৰী পণ্ডিত শিব-भीन व्यक्तिमञ्ज विरव्यक्त। जञ्जान्त्र कर्म, क्रि ভেছেন। তিনি গছা পুরাত্তন কর্মচারিদি-भटक निषाय पिश्च जाभता कारभटका क्राइ निष्य क्राइप्रिश्टक विष्ठांत क(रण) निष्कु व विष्य:-্তুন ং জ্যাপীল শ্ৰেবার জন্য তথান এক डेक्टलम विज्ञानाम क्रिकाटक। महे 'डेमि प्यात भीविभिन्न तक्ता। काना काना नासातः ए एटि এট রাণ্ডির অভুসমন করেন, ভাঙালিলেন द्राञ्जली रख मृद्या करा ।

बार विक्रिय अञ्चलक छन्नति सद्वयाला विषयः विकार्ष्ट्रेय अल्ड्राम्भीय म्दिया द्रीया প্রক ইংচাইবার জাত্ত ভাষাকে নিজেনি পরি शहरका आवता और टान्स भव निराहर है। चा-द्रमः वर अनाव भी द्रम्य योग व है। जनानि दक्त उसे अभवात केतिगादक जानम करासीट स्कृतिकिर्धात असे भक्तकारीय मनिर्ध्यम 公司申 布引 356 6、

ও- ৭ কৈ,ত বুধবার

लक्षा-द विभाष्ठ " नातत् निवनिव वीतत काम्मानि मीलप्रभरत हे भारती का का का त कान कियारका अधि यथ । जानाम रि **बत्रकत्रो** नम्भाजन किलिआस स्थारम निश्च कि । अवहरू ७८० । श्रवात के जिल्लास अवहरू मी ংকর্দিরের সিন্দু ভাগ কবিয়া 'এবণাত ছ ङे(कर ।

> त्म विक अष्ट्रम मिया (व । इक्रियाम वहें প্তচে, ভবিশিয়ে ছাউস অব কম্দ কাজে। ব বিরাছেন ভাষার আঞ্চল বল ভারভবংগর वाक्ष बहेर्ड जिट्ड हर्रव , अहे भवत क জাচারে কাছাব সাণ্ড আমানিগলর জার্বন অসমতি দূব কবিৰেন।

গবে**ৰর জেনেরল নি**ংকে ১ইলি**মা**কে সং वान जानवृत । ध्यत्र व्रमा खिछि व भव ooo हेला **भाईद**यस । जासन कहान जान শ্যকতা দেখিতেছি ন

ভারত বর্ষের বেইল ওয়ের প্রেমান ছাঞ্চান बुद्ध भन्नित्वत्के निधित्राद्यम 'मानामि माध्या-রির পুর্বে বালী পর্যান্ত রেইলভয়ে খোলা ডু भाषा इन्टेर्ड, कात्रम कि न्याजित छेनायुक नक होफि नाहै। किन्न भवनंत्र दक्षरभद्रम य कथा अधाश क्षिया छ।शानित्यस खित्मवर मा-সের মধ্যে কাশী পর্বান্ত ও ভাক্সর পূর্বে দা- कित्रीटकत हेका वनवान सरके।

केष्ठेरबाशीय क्रमानटलक् निदाध भन्नोदशक् অভাব হওয়াতত গ্ৰাহমন্ট শ্ল স্বান্ত হট্ট্যাছি-ুলন। সক্রাতি শুনা য ইতেছে ১২ ৮০০ শিশা विश्वाद आमित्राट्ड

লোপাই সেনাদলের এক জন একজেশার সালিসর ঘুট্ বংসরের বিদার লইরা ইংলতে শাইবার প্রথিমা করিয়াছেন। প্রশান সেনা-পণ্ড সম্বেহ করিতেছেন ইউরোপীয় চিহ্নিড जानिमक्षादभद्र नाथि वेशेषिटभन्न हुछित्र श्ला निगर बड्डा छैठिए कि ना वाक्युक्रावर अना ार नद्श दय कार्य **शक्तभाष्टि गर्यन**् हैं **रज्ञ श**नम निष्य **अक्रभाउ कृतिया ट्यांनटक फ्राइंदिनां** भिवस (ए अया विट्स्य नर्म।

हेलियान अम् गावादम निश्चित वहेवादक, ে বাকি নামা সাঙ্কের বলিয়া গুড কইয়া আৰী 🥫 २४ ४१८६, शवर्गस्य है छोट्टिक युक्त कवितान ध, राजन किय राजन । के बार्टिक क्षार्टिक कार्टिक ्रान क(द्राः, भिका चटलरम् अध्यक्त कद। ब्हेट्व ।

ই প্রধের এক খানি পত্রে পিখিত হইয়া-्रें अक्टर्न भूषितीराज मुर्बागम् अस्थान राज्ये अन्य **प्राटकः। हेर्नास्टिश्य महश्र ७०५० हि** এ শা ও ১১০০ প্রকার ধর্ম প্রচলিত আছে। শংগ প্রতি মন্নগা ওওাবলস্বর চাবিমাস স্টাবিভ "'कि। भोगाक' व बच्चपा चंदाकाय दलांक प्यापा-🛂 , जीय श्रीती । २० वरमञ्जू शर्वा 😸 क्रीस्माटकत्रा ्रका भारताको भवन धारक। क्रियम कारण u है कारन जाधिक अल्प ८ भृजा देखे। া বৈ ১৩ সভা ও বিশ্বাম হয় তত বল-নি ও ইও্ হইয়া পাকে।

न'-अलाडेडे मानामक विहादित जुलिंग अ-উন্টার নাউক্তর বিজীয়াত্ব প্রকাশ কবিয়াছে-^ন ৷ যে মুই জন ধানাদার একটি **জী**লোককে भारे हे हैं (क बरस, स्तिल्यू क नामक अक अन ं कि अधिक्षिति यनित स्त्रित्रकान किहूरे का निष्ठम या। छथाणि वाजिएहे हैं छाँशास नितियास मयर्थन करहेन १ स्त्रितवान वृक्त उने ग्राटइन, किन्न छात्राज कर्म निवाहरू। अक्श

के देखाई इक्ष्म विवाद :

থার কড কাল জালা-

টাট্যস ক্ষৰ ইপিয়ায় এক জন পত্ৰ জো-द्रक बाह्य भावतात्रको । क्षान्यानशास्त्र वर्षे-सामगिरभद्र बाम कहा भाव बहेबारह । भूगन मानविरशद अवधि नःचाय कविवादक, मधुणाय শৃষ্টীয়ানের শীক্ষ লোপ স্টাবে।

হরকরার যে পত্র প্রেরক বেহারের অহি रूम वर्षेष का का हा हा देवत विषय किर्मन को ही। नहांत्र मानक अक अन कर्माहाद्वी जनकहे दहेता তাঁহার নামে নালীস কবিয়াছেন। ভত্ততা খা-ক্ষিট্রে ট পত্র প্রেরদের জামীন লইয়। তাহাকে মৃক্ত করিয়াছেন: লঙ্লাহেবের কর্মান্ত অবণি সকলেই যুদ্রাবন্ধের স্বাধীনভা বিনাশ न्दल कान क्रिएउएक्न।

গত বংগর আসাবের চা কোন্দানি ১১-৩৭ ৩।০ লপ চা বিক্রের করিলাক্ষেন। ব্যব বালে केंद्रिक्तिशत ३,३४,७०० हेग्ना नाक बहेत्रास्त्र। অংশীরা শত্বরা ১০ টাকা লাভ পাইবেন। এই কোম্পানির অংশিদারের মধ্যে তিনতা-বোর এক ভাগ এতক্ষেপার লে,ক!

भाजिकक माशवूद माहियान धीरण जा-(श्रम शर्करखन्न खेशप्रदू त्रमुमान लास्किन व्यान निम्हे वर्ह्याटक ।

क्रिक्रीरशाक्षके मन्त्राक्षन वरत्ना, नियु मरमञ् निश्रम् भ्रम्भ कलि महत शक्छ व्हेराउद्याः >१०६ किएवेट बर्धा ५०२४ किए जल्क इटेवा-(छ । अक वदमद्वित वद्याः (अव वक्रेतां व्रक्तांत्र निकारः) ना जारहा

बक्रामभीत्र बाबज्र एक मजाइ एटे विश জ্পণ করা হট্টে। প্রথম কলিকাডার খুন वक् कदिवात किया। अदमरक अमावधान ह রন্ধনাদি করেন, ভাহার গুমের থারা চতুঃপার্স্ব क्षिक लादमद अबे वर्ग । विलोग, विभाव पत्री থ্বাপ'ন করাউপা ভাষার ভুরবন্ধা করে,ভাষারা ক্রিয়েধ ক্রিয়ার বিল। এই বিলে প্রভাব করা ৰটবাতে যুদ প্ৰভূমির সময় ব্যতিরেকে কা₋ ্রিষ চনপ্রেক্সর জন্মধ্যে ছিলেন। কিন্তু ঐ ঐ। হাকেও বেগার ধরা ছইবে না। বেগার ধরিকে ভাহাকে তৎপরশ্বিত জেলার ছার্কিয়া সিচ্চে হট্বে। কাহাকেও ৫০ জোলের অধিক বুর লইর: যাওরা হইবে না। ভাষা করিলে পাড়য়ান

ब्राम जाराजियाक विश्वन जाना निर्ण सर्हितः এক জন সিবিল কৰ্মচ বী উপস্থিত বাকিলা পাড়য়ানলিগের ভাড়া দিবেন ৷ এই আইন নিভান্ত আৰশ্যক, কিন্ত ইয়ার খারা কাল ক্লয় এৰণ বোধ হব মাু

করেশি ডিগাটমেন হইতে নিমু লিখিড लाहे अपृष्टि अहिन इरेब्रास् अवर के कि-পার্টবেন্টের হন্তে নির লিখিত টাকা আছে:---

> थर्रदर्दित क्वान कि **3,343 ¢3,** 4

मिश्वेनके श्रमंत्र २०७ जुन अक्षरमध्यः ইবেন, ডিনি ৮**ই সেপ্টেম্বর পর্যন্ত কলিক**্র তার প্রত্যাগষন করিবেন।

সমাচার তিন্তুস্থানী পুরের লগুল স্থিত ওঁ-क जन रिक्त निधिन्नार्यन क्नीरवेड नवाबरक তদীর নিংহাসনে পুরঃ স্থাপিত করিবার জন্য भारकहेत व्यक्षि ५०% मशरबद्ध स्मारक मत् চারলপ্ উড ও বহালভার নিকটে আবেদন করিরাছেন। জন্য অনেক নগরের লোকে ঐ প্রকার করিবেন। নবাব **আপুনার ছঃখ** র্জা-ন্ত এক পুরুবে নির্ধিয়া চত্ত্বন্দিকে জোরণ করা-ভে ইংস্থীর লোকের৷ তাঁহার সহারভা ক-तिएकरक्त । **अरहरणंत्र रगार्टक्त्री व्यव**ाहक क-ভ্যাচার কর্ত্তপক্ষের গোচর করেন না বলিয়া वक कहे श्रीम ।

আমরা এক অভাষনীর স্থানে যুক্তিসিঙ লিগের সক্ষতি সাইতে হট্টে; এবং এবড) মত চপন করিলাম। কেপ্রুপ্তব ইভিয়া লিখি

রাছেন ত প্রবলরিপু মুর্খ ইউরোপীরদিগকে ভারতবর্ষে বাস করিতে দিবার বিপদ গড কল্য স্থানকোটের এক হন্ত্যার বোকদনার দর্শন করা গিরাছে। ১ সম্পাদক রডের কানীর দৰ্ভী যুক্তিনিৰ বলেন। এব্যক্তি বছি যুক্তি লাভ करत, खांचा बहेरन हें छेरती श्रीविद्यात विहास दक्ष क्यांचे कर्खवा ।

উस्म मन्भावन धायन कत्रियादक्रम विश्वास रजानाती दिनि वाबाहे नगरत गुछ हहेगा ছে। সে এক জাল নাম করিরা তন্ত্রত্য সেনা-**দলে প্রবেশ করিতে** পিণা, টিল গ

७३ व देका ह एक राजा।

শীৰু সদর ও স্থাঞ্জিকটি একত্রিত হট বে বলিরা, যে সকল কান্স বাকি পড়িয়াছে ডা হা সম্পাদন করিবার জম্ভ আর ছুই জন অ-ভিত্তিক কল নিয়োজিত হইবেন।

किनिका मण्याप्तक अवन कतियाद्या हिन्दि করাচিতে খুড কইয়াছে। হিলি বা নানা না द्विव एत्र ।

ইংলিসমান সম্পাদক একটি আকৰ্য্য সং वाम निश्विद्याद्वतः। जिनि वरमन (हेडे (मर्क-টারি গবর্ণমেন্টের পুরাতন কর্মচারিদিগকে ছাড়াইরা দিবার আঞা দিরাজেনী। তাঁহার। করেক মানের বেজন পুরকার স্বর্গ পাইবেন

ভারতবধের ভিন্ন ভালে বে ইউরো- | বিক্রীত ইইতেছে। শী্য ও এতদেশীর সেনাদল আছে, উক্ত স শ্বাদক ভাহাব এক বিসাব দিয়াছেন ঃ --

্তু ইউরে'পীয়া	
ূ বলদেশ প্রভৃতিতে	27,643
विजादम	34,846
্বোৰাইয়ে	24 200
শেষ	४ ८७,६४
्रें अडरमगोर।	
্বৰদেশ প্ৰভৃতিতে	1 ** 45
माळारम _	5 (4 %
বোৰাইয়ে	·3 · ·
মোট	इद्धा हर

श्रधान क्षरान नगरत (मनानिश्वक 4 🗷 🛊 द्व ब्राचा बरेटल्टक व्य निशाकी पिटशत अ िक् **इंडेटब्राफीवृद्धितत्रं मध्या अधिक** ट लिक्टबर गाँकि शरम शरम विद्यान यथ क्रिएक्ट्स् !

নিৰুলিয়া পৰ্বতে এক জন ইউৱোপীয় থী তাঁহার নাবে নালীশ করিছাছেন।

समर्गाटमस् धर्ममान मृद्धानाधान्य ७ का ज्याहर अज्ञेडिएश्व विडाद क्ट्रेश क्षा का নের ৫০০ ট কা জারিয়ানা ও • মাস বিয়াদ अवर धर्माशास्त्र अक शाम विश्वास इतेन १७ ; **ক্ষেত্রনোচন ভটাচা**ধ্য ভাস্করেরও সম্পাদ ।

्रमा भाषात "निवात ।

शवनंदयके व्याच्छ। प्रिमादक्रव देनक्य है। क ৰ শতক্ষা এক টাকা রাজপৰ প্রস্তুত প্রভৃতি त सन् विभिर्धान्ति बहेर । बहे होकः । কালক' - র মধ্যে পবিগণিত চইবে। এইটা ज्यतसङ्गीय भव

গ্ৰণমেন্ট অচিক্তি কৰ্মচাবিদিগ্ৰহে লেঙ নাকেবের প্রস্তাবাসুদায়ে উচ্চতর পদ দিবার আৰু। দিয়াছেন তরিমিত্ত সংল অ কিস হই-তে কর্মচারিগণের গুলাখনের রিপোর্ট চাচা इहेशारकः अन्बरवाते करव शहा भरम आ সিতেকেন।

লেপ্টনক গ্রাহি শিক্ষা কালে। র প্রধান অধ্যক্ষেব অপ্তরোধ একে কলিকাতা স্থিত ক্রিচ্চ অব বালেজ বিদ্যাল্যে যাসিও খ টাকা আপুকুলা গুদান করিয়াছেন।

নিম্লিখিত মূল্যে গ্ৰহ্মকের কাগঞ

৪ টাকার সিঙা	40 0 0
8 डीक ाद काम्मग्नेत	20,20,
६ डेंक् व	200415-4
¢ B	ח. ללוכל.

स्राथगरकारी

वाश्रीवाण बांग्र ७ अन्यन्याम मू चार्यापान्त्र ৫কটি বাব্ৰাজমাৰ কড়কণ্ডলি অলমাৰ অ^{চা}হৰণ करांट्ड डांबांब्रियांच ३६ मान वियास क्षेत्रांट् ।

क्रिक एक्स्मिन, मनजरनम ও क्वांबांश न -এক ভিন লাজ্ঞি চুরি করাতের পথস ও ছিডীয় বা-িবৰ পাত বৎসৱ দ্বীপান্তর ৰাম ও ভাতীরের ১৮ भाग कार्रावादमन छार्टसम्म बहेबाद्यः ।

নিখেপর নাগ ১০০ টাকার ছইগাছি বালা · . দ eve টাকা চুবি কবাণ্ডে ভাৰাৰ কঠিন र्श्वसम्बद्धाः इतिहास क्षेत्राचा क्षेत्रम् 、 まき別に近し

নদ্ধিশোর রাষ্ট্রাম্ক এক ব্যক্তি তাপ-स्तिक निक्रवाभीरक शहराहराशि रतिहा निरंक भित्रा कविता खावकावीय **धक स**न গোল্মকা বলিয়া প্ৰিচয় দিয়া এক স্থাড়িয় भिक्टि शहरा छ खूदा मख्यात्य छ। हात्र अ लक मिश्रोप बहेबाटक ।

> क्षेत्र वर्ष मायक स्व वास्ति छेल्य भाषित्र :-काल कर क्रम व्यवस्थानात्कत शानवथ कान. जाह्य कंत्री इक्रेय आरम्भ इहेश्रद्ध ।

> बीकु प्रस् जामक धक जन श्रीव छन किन हि शिख्यालय (माडि। p दि क' न्याहिन नामक, छा-६१७ ५ क वर्भन घोषासत्र बंदमत स्थापन हरूम हिं।

> सेन कडायम विश्वी । लीम कविया हिल বালং ভান্য সা নৰ দ্বীপালন খনেয় का दरल अबंग दब् ।

> পোপালনাথ প্ৰিড দানক এল বান্তি कडकर क मा १ ९ द्वीरभाष कालक, कालकर। कदारम ", | भारत क्रम मा" कंडिय गांत में भारत হান্দ্ৰ বাসিতে থাকিতে হাইলে

गवर्गमन विकालन ।

बाकलारकनीय त्मभन्तक जनगरहर बारतमानुभारी निर्याश

ত্যাৰ কেল বিজ্ঞালিকি কৰিছালিক' ৮ জা । आक्रम २ अस्टिर्~ ° २ स्वितः ३४-७२ कार्मित ३० अंडिटमर ज अन्यान अरमर रेज स्वार्का, वर्ष स्टब्र किन जुलविर्तिखारितेर काग :

(34)

६ ग्रेशांस्मद्र मानि	रक है
ভূপুতার	疸
वाक्त्रशरक्षव	è
यश्म(ऋदत्र	ă
> ৪ পর্সণাস	Ñ
छ श ्रें ल न्	è
(मसनी प्रवत	A.
শালেশরের	3
क हें दक्ष	N.
পুর্নীর	Ď
_	

एशिश। काश्वाचादम्ब दश्रमित या किट्यूते।

1 5 6' 14'38

40 1140	
टक निमात्र	à
ध्रं जनान	ā
কোটটাল প্ররেব	ď
्क्र िशस्त्रज्	ğ,

मा अवश्र वांबामा: खन यांक हे श्राह्म ्वजिद्याटिन क्षांबमक्षकादमादबद्ध के নাওকীর।র G. कड़ेक: ð का कर्पर इव কেলারাপ'ডার नारमध्य । Ð **33**(43 वक्त्रका নাম্বিসুরের পিক্ল অপুৰের त्यक्रिनीश्रद्ध । গ্ৰহৰভাৱ वर्धनांस। र्गाका कालांक (क्षेत्री इव धा 53 #14 I न अवीकार बह

০ব জন---বাৰু দিনমাখা গোৰ ভমলুকেব ! र, स्टाडिलियन सद्ययः **कांद्री निर्मा** ३ कदिया अक अन्तर के केट्र व

প্রেরিভ। এয়ুক্ত সোমপ্রকাশসন্দাদক अष्ट निर्मार ।

लाबमग् जिल्बाम मिल्र कराक्षित प्रदेश करा नांचक अन शहारा क स्व र अप वे र अप धर्मारल प्रश्निक निष्क में प्री हरेगा छ किया हिन । सुष्ठ श्रुव्ह नीम स्माउ एन-रेनाक अपूर्णिन महाइट्टबर माच्चित्र है जिल्लामान-ন বলাভুত নহেন। বিচাৰ লা**লে** সংখ্যান্ত্ৰ। ব জ পন বুদ্ধি প্রিচালন কবিভে ক্রুট ক বন रा ाला। अ पर्यास्त्रहा बेखांब अलाशांवन छै।-र र । है वि धकतिय खब्जा द क्रियांक खा " यम क्रा.च। क्रेक्ट्यंभाजन। यथोनियुक्त अन्त -भारतम धरः अस्तान कार्यः अव्योशनात्म सुध्या ध-.माब & धान अंद्र ६ निव्यापि कारण ३ क्लेक.

िश्वतिशास भाषक **এक स**म वित्रत्दि अ भी:स स्वाभित्र। कशक्ति विकालिक मध्याभाग । जिल्हा भन्न प्रति प्रश्रुपति प्रति प्रश्रुपति स्वाप्ति करत कतिप्राट्या । भिन्नतिहा अञ्चल्लाम् यथार्थ विद्यान करी। यह प्रश्रीका वहारकरण प्रक्री है शहर सेवार्या शका ना वहाँ भाउ नह स्मान नह मीलकरवन मः था। जुल्ल बहैला नथाई ल्लाक । ८९७ ६ हेन। ए क्ये कहिए जनक, विमाल स

বিংগ্ৰাহে প্ৰায়েশ্বন **ক**ৰেম ।

शाहित्म अस्मान तम् कछ अहित्व वृष्ट् छावा मञ्चा छार। पारलीमा करम मन्मान करित्री वी-अञ्चल कर्ता अवदिन : आक्षित्वत्र महिल देकन । यांच द्मरका, माण द्यूष्य कवित्रा अ देव-केक मिनमन्ति महक्षानम ध्यानिषद्य छ्र्च निष्ठकी मीत्र वाक्तिन। दिश्वन पर्यात आधार ख्रम् नदेवनः कदिरकत बक्कण रवाथ क्वेरज्ञह ।

श्रीशृक्त राव काननारक राजाशांशांत्र महानम् । ६७विन छोशांतः काशनावित्यत्र महत्व कारनव अविधि अञ्च काव । देशोत क्षावित निविद्ध भारत दाया स्थान करेक अरु । देनि धमनके शिल्डिलक्डार मान्या मानिक हरेरका कडिन দিব ও কুজ কাম যে ইহাতে দেখিবামাত লক্ত - । ই, লাদের উন্তিত সঁভাবনা নাই। ভাষারা আশ-ক তের সমুদর কাও সাভিপথে আর্ড হয়। নাদিশের প্রতি আর কত কাল এরাশ জয়ানক ইহার বেদল কুল পরীব, সাক্ষাও ভালছকুশ। নিজুব বাবলার করিবেন ? পৌতালিকভা বে জাঁ-ওড়লোকের সহিত্ত শত্তাবণাদি বিষয়ে ইনি ভাচেত সকল উপতি ছার ক্লছ কবিয়া বাবিতা-একটি অলি তীয় দৰ্শবা। বিনি ছুর্তাগাজন্ম পুর্বের । ছাব উন্মুক্ত দ। ধাকাতে গুছের অভ্যন্তবহ লোকমুৰে ইহাৰ খণাখণ অবগত না তভাতে লায়ু বে এক কালে কলুবিত চটনা গেলি, ভাঁচা-कांग दिखीय बात देवांय बामान निक्षे क्रि. श- ं कविया आव किहू काम चटक्काम मिला शादित मन करतम ना । काश्रामित रेपाधरीन जागम, हाश्रामत जीवमाणा अक बारत विनक्षन बिरक प्रमुद क्या मर्काम आकृद क्राक्षणमञ्ज्ञ महा क्षेट्रद । माथाह्म (क्यांक क्यांमाटमांक आंख क्या कविष्णाक्ष । अभिष्ण भाके मध्य अन्य देनि । जाहे, ख्रुद्वार छाक्षांक्रिशत सूत्र-कात्रोक्क याका জাৰাব অক সাজেবের নিকট লোকেব ছুন্বি অসম্ভব নছে, কিছু জাভান্ত আজ্ঞোপের বিষয় कतिको बार्कम । रर:ब क्त अहै छेलाह अन्मक्त । अहे या अध्यक्ष कुछविना वाकिनिर्मद मध्या ध-করিয়াট ইনি অপানশ উভ পলে অধিরত এই। নেত্র পৌরালিকভার অবারত। হসরল্য করি-ब्राह्म । विक्रा विवाद देशीर जनाशायन है १- । हो छ छार्गन अधिकांत्र त्रका कतिए यहाँगीम भाव, क्षीय क्षीय प्रतिय अधि प्रवास्त्रक , व्हेटलाइव ह्याहारा इस्ट वटन क्टबन ए वसस নংক্য প্রয়োগ করিয়া থাকেন। আর প্র- বিধ্যাপার্জন করিয়ত ভারার পক্ত হইরাছেম । यं अक्कान धार्मामा । लाका मन्त्रामक सङ्ग- उथम छीशास्त्र मकल दङ्गेरे कास स्टेश्नास्त्र । छी-ন্য। কোন্ ভিন্তুশান্তে ভিশ্বিত আচে 🕔 ত্রা- 🖟 ছাদিগের এ বিষয় আঙি কর দিলে অন্তর্ভিত ছ-क्षार व श्रीवार अवस्था कि एक । एक है कि किए । है। हो दो ने के के हैं। अकरोत **व्यागन को**

श्रीचा कडेगांद्रहः। जोक्श्याः मृश्यु ७० स्थान्यः। वार्ष चाणसात् **गवस्था कांह कतिहार्द्ध कि स**ा। ্লার উঠিবাছে। জারণ ল্মেগের ছিছ্ও এটি।। নিংসল্ফেছ বল। ঘাইতে পান্ধে ভাষাবিধের আ-চক্ৰ প্ৰাক্ষিক চাৰাৰ বিভাগে প্ৰাক্ষ

ব্যস্থ বেয়ে জিয়া। 25 balle

बीयुक्त (जाब ध कामा मभी करें महामहायु ।

প্ৰশ্নের ভন্য সম না হৈবি ফুক্র। ত অধুসর্ব রূপ উত্ত অভি মনোরর। न्याद्वर (मास्त्र) होत जिन्हों में स्थल । शाकाण कुछम छुवी क्योत्रल विश्वीत a

क्षाक्ष इन्हेरल निक्ष्मश्रमक किनि स्रकादक ६८वन ।

अदन श्रविशेष श्रीकार्त अनक्तिर्विश्वक बंद्यू-আৰা বিশের কুমেন জাল; সমৰ আলিন , সমূতি আতিমধো প্রিল্লিড ছ**ইতে গারেনী**। উপলেশ অবহেল: করিছা আশেষ অনি**উক্ত** ু প্র জায়াকে জিলালা ক্রম দেখি, ভারার গ-जिम क्रांचि क्रिक्स यात्रः अश्रांद्रस अग्रम् क्रिम अखाय खुत क्षेत्राद्रक्ष किना - त्नरे आश्राय-্ড। কথনই ইকাতে হঁ। বলিয়া সায় দিবেন না। ^{ইং হাৰা} যভ জন ধৰ্মভাত হটভা থাজিৰেন ভড मिन 'डांकारक्य मिरम्बक' बक्कम नाई, फलमिन ं कांश्रिक्त वान। अल्लाक अक्ल मध्य वहे-८८ नः। यहि ज्ञांशन!श्विशत ७ चर्हाणत छेन्निं দৰ্শে অভিলাৰ থাকে তবে ওঁছোৱা মনেৰ কু-টিল ভাব সমস্ত হুর করিয়। দিউন। লোকভয় বি-नकाम विद्या भरमात का आद श्राम श्राम का का व्याप रा বেদ্ধক্ষের সহায়ে জেলের মঞ্জ বিধানে ভাগ্র-সর ছট্য় ছেল ভীছাদিলের পথে বিস্তরাশি স-बूर्गाष्ट्र वा क्रिया छीत्राविशस्य छेरमाह । मा बांगा श्रवाःन उरश्रत रहेन । डाहा रहेम के हा-का दल्लान आक्रवतीय हहे वन, धार्किक लेकिन कीश्रीविद्यात व्याख्यात व्याख्यात्राचीय दश्यत्र व्यावका कीशक्षित्राक कीय क्लांट्स निवास तका कतित्व-म । गांत ! अभम का नम्। आश्वाहरेख कामहे छैं।-होत। कार्यमह ना म्हला।

ध मन प्यम म्लूकिस् मृथिशाङ करिया মুখ্যতে সন্দিন ছয়েন, ভেসনি ধবন ধর্মায়র ি कि वरभव कुछ कुछ भवन प्रशंस जीक गर्क ্ট কলের প্রতি ভাঁছার মৃতি নিপত্তিত হয় তথন ভিনি আশার সঞ্চার পাইর যে সভাহর্ব্যক্ত হ-न डांगांटड चात्र गटकर शांहे। ब्रांक्स्ता ध्य क्रण-ন আৰ্থপরতা লোকভয় গড়তি পরিত্যাল কবি-मा कर्खना नायरन खेला थ होए. इस. देह छोड़ांड भेत्रम क्लोकां ना मिल्ल क्षेत्रक । यथन अन्यक-বা বার পৌত্তলিকভার মাদেশ অব্বেচন্দ্র সরি-का डांक्क्रा विश्व डाक शर्यत बाक्काञ्चर শার্ষা করিভেছেন, তথন এমন কোন্দেশ ভি ভাৰাকটাপুৰুষ আছেন বাঁছাৰ নল আনিৰে পরিপূর্ব না হয় ১ মহাশয় আপেনি কর্মি খনণ-বোচৰ করেন গভ ১২ ই জৈ। তান্নগভেগ निक्षेत्रको स्थाइ श्रम्म आस्यत जीवृक्त वाद् अ जब क्यांव ट्यांट्य मय क्यांट्रह नामकरणिया ब्राक्सभवकाद्भवाती जिल्लाम बहेरा विकार छ. व्यक्त आंगनांत भन कि शतम आक्रांम लान क-(त कां) श्रहांभव अहे सांभकत्व **छेगला**क ह-अदमन व्यक्ति ज्ञांक क्रमिक वहेगाहिता । वर উশ্বৰপ্ৰানা:ম কাৰ্য্যকালে বিশেব কোন বিযুই खेलांक प्रयाने । अहे क्रग **बक्को**ग व्यक्त अ-দেশীত ক্ৰতিষ্ণেত হৃত্য লক্ষিত ছইতে তাৰ্থন এ दलम कि कर्श्व (नाम: भारत स्विद्य म: ? (ह ज्ञांकानन् विव केन्द्र आंश्रानांक्षित एथीर्च उपका ६-म, विम आण्याचा गदल करेग्न' कालभाव मठा । किनीन बक्र गांकिक क्रा : ककी कडमभाव पूर्य পালন করিতে অওগৰ চম, দি ভালেশের िक अधिन **असास अस्तर**ी ४न, र्शन नहरू ঠান না কবিরা কান্ত অভিতে ন, প্রেন, তবে । দকিবের পূর্বপ্রাত্তে এক গ্রুবের গুকে প্রিত चार्शनांवा निष्का क्रांनित्वन, त्यान दाश है फार-**बालाजिएकेन शरब मधाग्र मान ६३८७ श**र्शत । सा. माम् अवश्रोहे जालगाभिश्वत समस्य १ है श्विष्ट कर्त्वा शांसन सना महम्मन के मार्थ ११ ্লিই সক্ষ হুইংবন। লোকে বে আ^{প্ত}্রিসংক জ্মারীয়প্রি কবিডেছেন ভাষ, ও কি.নিয় विक्रदेशकी हेरेदन मा। धालनानियम व कुठ ভীৰ স্থানাপি স্পট্মপে হ্নয়ক্ষম করিছে " সে দিন'নাই বসিয়াই ভাষাবা এখনও পাৰ্যি আপ ুদ্রাদের'উপর বিশক্ষতাচরণ করিতেছেন ' ১াকা किरमह जाय। तर्गाम ए जन्ममाना अजास क्षेत्रके जो ६२, बबर स्थान चारानामा जन्म

जीरात्मा व्यक्ता क्या त्य व्यक्तिक वार्क्त তইয়াতেন বঁতা একবার জানিছে পাবিলে আন-পাই ড'ছায়া আশ্ৰাদিগতে ভাত। অভ্নুত জান कविद्रा याभगविष्यय पृष्ठीतस्त्र स्राप्तकी हरे (तरः

শন্যবর জীযুক্ত সোমগুকাশসম্পা-पक बहानेत अजीएश्व ।

সক্ষামক মতাব্য সাহিশ্য ছুংখিত হয় হ श्रकान कविट्डिहि भेडे एम एक बाद क्रुडे श्राप्त एवि चरिकार नरम कहाना का लहेर ଓ मानि-थ्ये हैं **बहे**ह, बहेह, विकास शाह्य आजिनात । व्योध्य काळाख हरेया श्रदकां क श्रम क्रिया-ছেন। পীড়ার বঁথাবিথি চিকিৎসা ময় নাই। টীনি 'মতি দললোক ছিলেন। ইছাৰ সমুদ ই 🕒 रांक अवारन कड़ि कड़ा आंत्रिगारहरू। देहें,व মৃত্যুতে আমল মেভিনর ও অপর সাধার। अर्जर क्षे खळ राष्ट्रम करिहार हुन । हैनि बर्थ। स <u>ष्ट्रेगाम कांश्रमाळ कारकात्र करवस । এव'रम कां-</u> निया अविधि भारता समावीय हेहीत शास अम-নট সম্চাৰ্ট্যাছিল যে শেষে ইঙাঁকে মৃত্যুহুৰে श्रायम करिएक करेमा । विस्तव क्रार्थित । वस्त्र शर्ट एर हेर[®]. व काष्ट्रा भीजान भरतान भाविता मा-कार रहिएक आरेशनम्, किन्दु नाकाः स्विदिष्ठ পাবেন নাই।

গত ১০ই যে শুভ শ্লিকাৰ পাৰু প্ৰেষ্ট্ৰীয় দে नां ६३ न्यार्टा में व्यवस्थानां नांद्रव छेउद्यो जाकीत्म बामाम शहिबादहर । हैका सकाग्रा ঞীযুত লোশন জল সংখেবের একটা এশংসাব विनयं दांभएक वर्देश्य । मण्डाकि क्लान जानेबाद्य অভয়চন- ও জীনস্ত লাল পাঞ্চা অ'ভ্যক্তের তিশ জিল বেড সংজঃ দেওছ: হইছাছে। এখনতঃ > ৫ Caus माना इरेटल काउग्र जाशमाहक निर्माती বলিয়া উল্লেখ করিলে ক্ষতিরিক্ত চ বেড একু-লে ৩e বেড ল'ব। হয়।

श्रुष्ट २० क ६म २ चिकाद नगरम अधन-मधन (मध्य चाक्त क्षेत्र) मूदलशीत श्री गर শীতলা মন্মিধের অভি মিকটি পশ্চিমোস্তবে এক ्वनात्मात्म, अनामि एकांभादः क्रमशायात्मव्य । ५२४२ रेकाल इकेटड क्रांडिक शक्षाय হয়। ইবার মধে। কোন স্থানে একটি প্রাণীরও ঞাণহানি হয় মাই। কেম্ল ও গ্ৰিক্তের উপর দিয়া সৰ আগদ গিয়াছে। এছিব এক যাত গ্ৰ हिन, छोडा उन्नाबल्य दहेगाइ । एक काल হতুপার চয় ওখন ভংগবিধারেব। ছোন প্রতি ८वनी व बाविटा हिला। व्यान नगान्त व्याला है ग्रेकलपु बरियमा ध्वसा द्वांस वर्गस मा बहेतू, ব্লে গুডের থানিক চুণ্ক(স্থাসিয়, থিয়)ছে 🔻

, य इस क्रिक्ट मार्ग क्रिक्ट मारा क्रिक्टिशा-লি প্ৰেপ্ত অৰ্থ লাগিছা ২৫০৩০ থানি সুৰ **म**ंड करेंग, शिशा छ

मक्तिकिकाक्त आध्यत अ, द्विटिब् गैड,

> 1 6 夏 新

মিবেনক্মিভি। (मसिश्व ।

শ্ৰীযু ক্ৰ সোমপ্ৰকালসভ্গাদক মহাশ্রেষ ।

নিজ আণিড। গ্রামে পুলিস ধান। আছে, ড বালি যে রূপ চোরের লার্ক্তরে দ্ব চইয়াহে, ডা रा वर्गमांजीतः नाक माह अल्ले अलात क कथारे नाहै, कालाइव रका शर्वां ह कीन धारताह । म িব তোগ আরু কড দিন সম্ভ কবিডে ফটখেক . ছাড়িতে ছাভিতে ছাড়িছেছে না। এলেশে রাস্ত नाहै। द्वाक्ता विशव क्षीमान्तर राज्ञाल कुर्मन। बहै-याक छोटा बना योष्ट्र ना। ब्राक्षांभू वन रोमान নাস্থার সহিত্র আমতা ঘটতে এক রাস্তা সংলগ্ধ कविताल कावन छुद्दे बरभव काल छारम छ। रीन , क्ला इहेटहरू, किंदु जार वन बरशदा ভাষা ব্যবহারোপবোগী চইবেক ২৯ গ্রামণ, গুল সহাত ভাৰেক কৰিয়া পিয়াছে, আগামী ব र्वाष्ट्र देवश इंद्रेशक मध्यान माहि।

অন্যান মুন্তোফি চৌকিতে এক ধন প্রাচীন মৌ হারি । বিষ আলিয় ছেন। তিনি বালালা क्षांत्र अधिक न न । श्रीवृत्तः स्विद्ध स्थानक्ष्मीय ब्राय मिथिया शास्त्रम । ज'बाँ राष्ट्रामा कराहिएल बाकी С शांदिशमीत परवारे करें इस वाकाला জেশে বাজাল, ভাষায় জনভিজ্ঞ চাকিম দেওৱা বিজয়না বলৈতে হইবেক: এক জন কুত্ৰিলা ছাকিন এখানে আইচেন সকলেব প্রার্থনীয়। আমেক ভাবের মুক্ষেকের এতি ডেপ্টা দালি-**रके** हैं ७ राष्ट्रकी कारमहेराव क्रयल। धन्न ষ্ট্ৰেছে। মৌলবি সাহের ডক্সপ দোগা পাত্র इ**हे**टल अखाटनम् शक्यां भिरमय भागासरः' निहाद প্ৰব, ৰাইতে হাইত ব.। এশ্বনৈ ত্ৰুক্তন ছেপুটি इ क्रिकेट ७ । उपूर्णि कार्या है इतर क्रमण श्री कृता जिल्ले आनिमाक।

না মত ৷ ा काकर्याः सर

गनाथाथि।

अगुक्त बाबू सन्धीनांबायन स्थम शासी देव शाहक विजासूरी नामक प्राप्त, एकरी वजवाबादम्य ১२ ४० टेकाल क्षेट्रण का किस भवी सु एक। ए होता " जानावास विमालकांत्र मञल है कुल दबलीमाध्य ठक्क बसी वामश्रवाहाः १२७३ रेक्का के बहेटल वर्ष देवना व शर्मा व वर्ष शक्कां शक्का साम ३२७३ देवाने बहुटड का दिन भर्गक • 'डांदक जांचे स्टब्स्स्यांश्र्मभाग्य भूटर' द ১২৮৯ ভাৰাচ হইতে অগ্ৰহায়ণ প্ৰতিত্ত भ विभिन्न विद्याती छ। इन्हों द्यावक। गर्वाद्य है क्र हा ५२७३ देवार्क वर्षेट्र का दिक वर्गाख द শ্ৰীরাম পালিড বটিল ১२७२ रेऽक इंडेट**क** जोस शर्मास

> साहै भाग करिनवा कात्र मिलन श्रीमी माखन दहन छ/पन्न त्र्वाश्च विभारमक विक् को किर्मा शाहम के पुरु वांक्रमानांच विरातंकुष्टवत्र वांगित्व व्यक्ति तर्गायवांत व्यारिक दशकाणिक वृद्ध ।

" অবর্ত্তনাং একডিহিতার পার্ধিবঃ সবস্থতী ^{ক্রা}তিমহতী ন বীণ্ডাং।

भेक्ट ३००२ । २० छन

(मागर्यकानाः १ वे काबार दमांबरात । সাহাব্যনের জিল্ফন সংক্রান্ত অভ্যা

डार्द्रह राष्ट्रमान्द्राय ६ ७ कता। श्रामिर्गत सुद्यत । नारकोनके भवर्गत्र বীভন সামেবের অধিকারবাল একটা শুক काशा विद्या कावज हरेल । देशांत पूर्वशक ্লপ্টনত গ্ৰণর প্রাণ্ট সাংখ্যের চেরীয় बीतकह किर्मत अक्षाताबब्र इस दि দিত হুইবাছে : বধন অত্যাচাৰ প্ৰক.শ হুই গুল্ছ, তথ্ম আজি হউক কালি হউক দশ निम भारते इंडेक बादन के टाइन्द श्रकी शत इकेटन । वीष्ठम मार्ट्स्त्व यर्ष्ट्र अनेन মেন্টের অবিদিত পূর্ব (অনোর অবিদিত महि) अकृष्टि प्रकारित था तम हरेग्नाह সেই অভাচার সাহাবাদের অভিক্রেন ঘটিত।

भाउंक्यर्ग भूटवें स्वितार्डिम स्तकतात সম্বাদ স্বাতা প্রথমতঃ এই অত চারের বিষয় माधातरशत लाहर करतन, बीछन मार्किन ্ৰ'ছা দেখিয়াই উহার অনুসন্ধানে প্ৰাৰূ ও চন । অনুসঞ্জান হারা ছির চইটা। হরকরার পত্রপ্রেরক যেকপ লিভিয়া ছেন, ভাহা ঋতু-ক্তা ৭টে কিন্তু অহিকে .न.' क्रथक निरंशत तिक्रि क्वेरक आननाता িনোয়ে পূর্যক যে অর্থ গ্রন্থণ করেন, তাছামি। লাক । আমল। একৃতিব বেতনের অংশ খা। নকে। তিনি বলেন কছসরে কেড় কোটি । তাই উলিখিত অন্যায় অৰ্থ এছবের কারণ। है कोत्र व्यक्तिक कर क्या हर, क्रयत्क्या

क्षुवक्षिभद्रक ना मिर्टे इत्र, काका करेरल कारत्रद्र य विश्वात शिक्ष कतिरकारम्, का भवन (अन्डे अकर्ष त्य भूरमा कहित्यम क्रम করিডেছেন, ভাষা অপেক্ষা অস্প মুল্যে পাই তে পাবেম। একণে প্রতি সের পাঁচ টাকার নের চারি টাকা আট আনায় পাওরা যাই **्ड भारत**ः त्लम्बेगके शवर्गत वरतम इत्रक कृत् श्व (अत्रक लिशिशास्त्र, क्रुपक्रिशंत्र बाता दः भूर्वक व्यक्तिस्त्रतत्र क्रविकार्या क्रा हेम्रा लख्या इग्न, किंद्ध छाहा वास्त्रविक नटि । अन्दरल आयामिरशव बक्कावर करे, नंदर्गयाने नीलक्ष्माभंत्र नारा रलभूत्रीक चन्दिक्टबढ़ कुबि रु:पां क्त्रारेग्रा सन ना বটে, কিন্তু আমিল। প্রভৃতির ধর্মন তত প্রভুত্ত ও অর্থ লোভ রহিণাছে এবং অধা ' कारिएशव जानून ज्ञावनान ७ व्याप चार्थ अञ्चलक्षयाम निवादन हिन्दी। मारे, उथन द्भवक्षिरभव थाछ बन्धारमान इल्हा प সম্ভাবিত নছে। তবে সেং বল এরোগ প্রকাশ হউক আর না হউক সে স্বতন্ত্র कथा।

(मण्डेनके अवन्त धरे कार) का तित्र (य का त्रन ७ क्षाकीका व्यव प्रभाग निर्गत कतिया ছেন, এখনে ভালারও উল্লেখ করা আৰ ৰামলার[।] চারি টাকা করিয়া বেতন र कात त्य मुला भाव कार। क्रेटक दधनत । भाग, किन्दु अथन महताहत मामान, मजूदब्र গ্ৰব লক্ষ টাকা আমলা প্ৰভৃতি ঠকাই । বেতন মাসিক হয় টাকা। এই কারণটি অ रा महें।। शहर । जे होका एपि अहेकरणी जूबानिक शाकिएक लिन्हेंबके अवर्षत्र अखि

श कांत्र करवरे करनाश्रात्री स्ट्रेंप वा १ তিনি বলেন ভাষলারা বাহাতে ক্রবক निर्मन निक्षे व्हेरक चेन्छात्र वर्ष अर्थ করিছে না পারে, অগ্নাকেরা সবিশেষ সভ ঠ্ডা সহকারে ভবিষয়ে সদা দুক্তি রাখেন এবং ক্লুবকেরা আসলা প্রভৃতিকে বার খ্ৰুপ না করিয়া ঘাহাতে সাক্ষাৎ সহজে व्याक्तित्वव विक्रे हरेट नानम अर्ग करत वह क्ष किया क्या कारणक कारा হইলে প্রবশ্বার পশতা হইবে নন্দেহ नारे। विद जान विषयकृत बाम्ना वि গের আধিপতা থাকিতে এক কালে যে প্র वक्षमा क्रव स्टेटन देश क्लामकरमंद्रे नजाविक बटर । त्निक्रेन्ते भवर्गत्र आयु माः विदेशत वि ব্যায় নিবিয়াছেন, অ'প বেডনে অধিক আৰ लाना वाबिया अधिक स्वत्य अपन जामना व्राथी विद्यत । अन्दान व्यामानिद्यत्र अरे धकि विकामा इरेएडरइ, लाक्सके भर র্ণর অধিক বেডন দিয়া যে আমদা রাখি বার প্রস্তাব ক্রিতেছেন তাহারা কিবপ আমলান একণকার ক্লিকিড আইলা निगटक कि व्यक्ति विका विशा त्रांथा हह বে > গবর্ণমেশ্টের যদি আমলার অত্যা চার নি ারণের বাত্তবিক চে ী জন্মিণা পাকে, जूमिकिक लाटकर घटवर। क्यूब 1 छ।हारि भित्र विख्या विभाग किश्रिक विश्विक वाहरिक **टिमम ज्यापित्क लाख इट्रिक**।

এই প্রসঙ্গে আমাদিদের অভিশন্ন সবি ना कोष्ट्रक मिलाउटि । य कीन नार्श

ক যাত'র। আমলার সম্পর্কে যায় ভাতা रभव छेभएवर अख्याहाय स्त्र, भवन्तिक ত দিনের পর এইটা মৃতন জানিতে পা बदलम !!! व्यक्षात्कः, १७ वड विस सूर्य शा मता जित्सव !!! खारशा भदावंशव हिल !!! এত উপ্সারকারী সহাদপত্তেরও : ধ্যে ম (धा चाबीनका इद्रत्वद्र क्रिकी इड्रेग्न थात्क

रत्रकता भवा स्ट्रेटड व्येट्टै छेभकात्र हा। छ स्रेनाटक बलिया लिल्डेनले भवर्नत छर সম্পাদকের নিকটে কৃতভাতা প্রকাশ ক রিয়াছেন। অপর, হরকরার পত্রথেরক কা नीमारीत ए ह्यांय करतन, स्मन्द्रनक গ্ৰণ্য ভাহা যথাৰ্থ বলিয়া বিশাস করেন না ৷ এই কালীসাহী হরকরার পত্র প্রেরকের बारव विशाशसम्बाही दलिता अविरश প্র করিরাছের। তত্ততা অন্তর অধ্য

क्निड मार्ट्स्य महिल कालीमाहीत मिंदिणम ध्रमा हिन ध्रवः किन् छ मःट्ह्व বশাবিধি স্কর্জব্য কর্ম সম্পন্ন করিতেন ৰা বলিয়া ভাঁখাকে স্থানান্তরিত করা হই তেছে। যদি এরপ ংইল, ভবে কেন আর হ্রকরার পত্র ঞেরকের নালে যোকদ্যা চলে : তাঁহার যত্ত্বেই গবর্ণকেও উলিখিত অভ্যাচারের বিষয় ভানিতে পারিয়াছেন। যথন অন্য অন্য অনুসলার অভ্যাচার বিষ दत्र मत्मक इहिट्छट्ड ना अवर काली मा रीत महिक कीलण मादश्यक धनिकेलात विवस मध्यमान इरेग्राट्ड, विट्यपण कील फ्रांक चामाडब्रिक कहा इट्रिटर्ड, उथन বে কীলত ও কালীসাহী সংক্রান্ত হরক রার পত্র থেরকের বাক্য সম্পূর্ণ অলীক, ,आश् क्विट्म , स्मृत्यम स्टेट भारतः ्रविवादन अक गरमक्, त्रश्रादन क् शु विभान (काम करवर यूक्ति निक इ.स.। १५०० हे॰ लट ७ मतीत श्राक्त कीकांत करता किक : **स्टल पक विधान क्ट्रेटल जा**त त्क्ट् ज्याता । अक्षेत्र ज्या वेश्लकीत शवर्गा क्षेत्र क्षेत्र ্র অভ্যাচারের বিবর রাজপুরুবদিগের গে কি তত্তং গবর্ণরেক্টের অসমভিতে ভরত্য किंद्र क्रिंग्ड नाहनी ह्रेंद्द मा। ज्यानात्र , ताक्ष्य वात्र क्रिंग्ड भारतम ? क्ड स्निक्स बाब्धाहारतत विषय व धं काणिक बाकूक, श के देशकर वाकिता कावाका वा व्यटक्रिता

सिर्वे अत्मितित्वं धक्ष (बाध इर्टेडिट मा (य काजीमाही ७ कीमर्डक विशरा हर কর'র পত্র প্রেরক যে কিছু লিখিয়াছেন, সে সরুদায় বিধেষ মুলক।

উংলধীয় সভার যথে_তাচার। পাঠকংকের স্মরণ থাকিতে পারে भूर्स **केरक्रथ** रजा भिजारक देश्लाकी अ अक পত। ভারতবর্ধের রাজস্ব হুইতে লোটত मश्राक्त हिल्लाक काम्लानिटक राय मि বার আজা করিয়ছেন। বিশেষ করিয়া बलिया मा पिरला विकासन वास्त्रि मारबरे बू बटफ शांत्रिट्न लाहिक ममुरक्कर हिल आक रेश्लटखत्ररे मितिया फेलकारहर अना क्टेश. इ. १ अक्। मक्। कि दक्षाटम अटम भीष तंकत्वत छेशरत इस्तर्भंग र स्त्रम উ হারা কি আমাদিগের অর্থসকৃতি ও व्यमचित्र माग्नी । हेश्मरश्रम्त्री खाद्रस्टर्स व श्राट्यंत्र माही इर्हेट्सन ना। महात्रछा १ দান্ত্ৰী নহেন , তবে কি যুক্তিতে তাঁহারা আমাদিগের ব য়ের উপর হস্তার্শণ কারেন 🤉 তাঁহার৷ আমাদিগের অসম্বভিতে ১৪০০০ সে নার বৈতন লইতেছে :, তাঁহাদিগের অনে ক কর্মচারিও আমাদিপের নিকট হইতে বেতন পাইতেছেন, তাহাও যথেউ হইল मा ! महाजना ७ हेश्मकी मधर्गरमधे अव । क्या यद्यक्षा भूतिक वाशाविद्यात्र होका वाग्र क्तिएक लाभित्लन ।

আমরা এদেশের প্রতিনিধিবদাপ চ ইয়া স্পান্টাভিধানে ইহ'র প্রতিবাদ কবি कि । मछ। बट्डे कान्नकवर्व देश्लटखन्न भ ধীনত্ব; এবাপ কানাড়াও অপ্রেলিয়াও

शूर्वाशत भगात्नाह्ना कतिया का का का विकास का विकास ना क्य करन कांत्रकनर्व कि अभा जनाम महा कतिएक ।

वामतः अरुकानीत ७ इंडेट्राभीव नकलटक अनुद्राध कतिराजीं, काहान तर চারলগ উডের অনুষত মহীসুরের টাকার नाव अरे मारबद्ध अखिवाम कक्रम । गाँकारा "त श्रमान कवि**रण्डा, अ**विष्य स्ति। स्ति मं 🗸 स्ट्रेटल काँहामिरशत मनवश्मत व्यवत मुख्य धनाव क्रम्बात ब्ह्म क्रिट इहेटव मत्माः नाडे । कीहाता अकृतिक हरेता कटत ক ব জি.ক ইংলভীয় মহাসভার প্রতি निधि कविवातं (क वे। क्स्मन । वर्धन देश्ल कीय भवन्द्रमके ए प्रशामका अदमत्मंत्र द्वांककार्य। র ও বাদ্ধাশ্বর উপরে হল্বার্গণ করিডেছেন, उत्तन हरा प्रामानित्तर करत्रक कन अठि নিবি থাক 'নঙাৰু আবশ্যক। আজি যেন वाल हेक्ता (मध्या हहेस्ट्राइ, किन् कान् যান্তি বলিতে পারেন গে পাবস্যাধিপতি র সহিত হুদ্ধ উপস্থিত হৃত্যলৈ মহাসতঃ कोर्'त नद्रभाग वाय व्यामानिशत किएड विलियन ना - अरे ममस्य मर्फक ना इर्ह्स শেষে পরিস্তাপ করিছে নইবে '

हे व्लाखीय शार्गामक कारानित्मत अ आर्थना वाशाहा कतिएक शातिर्वन मा। कारमहिकात, अरेक्श व्यक्ति आहा ना कतिया समिकात स्टेट्ड मिल्ड इहेग्रा

विष विभाग्नश

তিন প্রেসিডেক্সিকে নিন্দি বিশ্ববি नालम क्षेडिडिंड इंग्रेग्राह । डब्राट्श कलि কাভাস্থ বিশ্যালয়ই সর্ব প্রাধান্য লাভ করি ब्राह्य । क्षेत्रि वरमत উপाधिशाविभित्यत मःथा दक्षि स्टेएएट । देश बाता स्मान त व माहाशकात ल'च इहेरव छ।हा विलक्ष्य (वाध इस्टिट्ड । किंक व विश् 'বিদ্যালয়টিরও সর্ব'বরব পূর্ণত' প্রাপ্ত হয मारे । करत्रको। विवटत्रत्र व्यमकाद व्याटक । হুৰ্নুমেণ্টের কাৰ্য অভিতাত নহে। অখব। তেপ কলনি হুইতে বেজর পাইতে সৈট অভাব গুলি পরিপুরিত মা হুইলে व्याणिक मिरतारभेत यात त्या, भवर्रविके कोक एक श्रीकिरक्षकका करेंग कितिरांस मा 1 के समस्य व्याणिक व्याग त्यांस विमालित व्याणिया कतिरक भातिर्देश मा विद्यि मालिरात वांचा कारलक ७ व्यागा विमाण लटतत काळान निगमिक-दिक्त मित्रा केंग किरसेत केंगिरक खर्चन कितिर्देश वांचा कुछा भवार्थ निका निका विवाद निमिख कुक कुम व्याणिक निर्माणित कुछान करा

क्रिशंदक । अक् मनदः
करित्राः व्यक्तिभातः व् क्षिद्धाः त्यतः व्यक्तिकः क नगानदः विवयं विद्याद्धः त्र यावणीय वात्रः व्यक्तिः क्षित्रं अक्षेत्रं व्यक्तिः विव अक्षेत्रं व्यक्तिः विवदः विवदः

प्रकित्ते। स्मान १ विश्ववि स्मारम १ दल १ स्मिन स्मान

لأبل

इंड ताशीव विश्वविद्यालस्यत माहा देश कत्लानशारी ७ लक्ष्यकिं इंदेर मा । वि श्विमालदेवत अथमकः युक्त वाति मारे। ইছার মহাসভা কেবল উপাধিই প্রকান करतनः किन्न छाळिनरशत्र निका विनरत मध्यिक महागणा कृतिक शास्त्रम मा। डेकेट्रान ७ चाट्यतिकात विषविमालदयव ন্যায় ইহার খতন্ত্র নিয়োক্তিক অধ্যাপক मारे। कलकः भामित्भन्न अरे विश्वविणा भन्न बचार्थ विचानित्र दिलाल পরিগণিত इरेटड भारत मा। धरे खडाव शिल मूत्र করিবার অভিপ্রায়ে সম্প্রতি ছুইবার মহা मकात्र व्यथितमन हम् । मरकात्रा भक्त मनि कात आभवानितात मक छात्रक्यींत भवर्ग শেক্টের গোচর করিয়।ছেন। অভিলবিত खुवावणीय यत्र धार्चमा कड़ा इस माहे वर्रे ক্রিদ্ধ ক্রমে অভিলবিত নিষয় গুলি সুনিক क्ट्रेटन काहात मखानमा प्रांटक 1

त्रका श्रवधकः विचित्वामदश्र निमि ত্ত একটি শ্বভন্ন ৰাটা প্ৰস্তুত করিবার অনু त्वाधकति स दस्य । देश वाकालि भ ीएक সংস্থাপিত হইবে। ইহার নিমিত্ত প্রায় किर विका कृषि लख्डा हरेरव । এक कृषि लहेबाद कांदशया कुई व्यद्भावन क्वेटल वाणि वृक्षि कता वार्टेष्ठ शादत । धरे वाणी LT मखात्र अधिदयमम, क्रेशरमम मान, भ त्रीका अपृष्ठि हरेटव १ किन्द्र विश्वविष्णानरवत गःशात्र भन्नीका अरे वाजिए स्टेटव मा। विकीयकः अकि दश्मत विमि वि, का व्य नित मर्था क्ष्यम क्वरतम क्रीकाटक 80 है। का मानिक शासनुष्ठि (ए७३) व्हेरव । यम, এ, উপাধি পাইলে ৫০০ টাকা দেওয়া হইবে। ভাত্তর তক, লাভ বিশপ প্রভৃতি करवक अन विश्वविद्यालात अधाशक नि যেতার প্রস্তাব করেন ৷ কিন্তু বীতন সা হেব, আরম্ভিন সাহেব প্রভৃতি করেক কন देशत दिरताथी इंखतार अ अध्य दित रहे शारह, यनि अध्यानी स स्थान धनवान वा

ন্ত্ৰিজ গলে বিন্ধুখন ক'ল দুৱা **প্ৰকৃত্**ণ

अक जन जाफ जाननात महम काल ध्रकान कतिया जामानिटनत निक अक धानि श्रव ध्यवन कतियादम ।।नि ध्या द्वादम ध्यकिए वृद्धे द्वेदम । श्रव श्री कतिया द्वन य माधुनीम जूनि क्रिक महमत यहमत जाम जम्मक द्वमा धाय अवन महम, अकर्म मुनिक्कि म हिन्ह्यर्थित क्रक पृत श्राज्य जाहम, जार विराधकहरण जानिटक शाला थाता ।

जिल्ल प्रांतिक त्रका किंति व्रकारिय वाजा। लोकिक त्रका किंति किंता ना भत्रका विश्वर्कन किंति इंकेंक, जान-किंतित स्वर्ण नश्कात के विधान, कांश-विभागिक जाहत्व किंतिक इंकेंक जनश्वि कांश्वि जाहत्व किंतिक इंकेंक जनश्वि कांश्वि जाहत्व किंतिक किंति किंता निहें कांश्वा किंद्युटकरें भन्नाकृष्ण कर्म मरहन। यें शाना कर नकरण जलाक्कि किंता नरहेंने नाम यानशात किंतिक ना भारतम, कांशिय स्मान किंत्र विभाग ; जाशियरम, कांशिय भन्नितीया बारक ना । जाशियरम, जाशिय जीन जाकभे किंक भन्नदक्षत्व करें विभाग विभागित कर्म केंकिक भन्नदक्षत्व करें विभाग

देवर्गावणवन वाजित्तरक वालाज्यः कर विशेष इरेट छेकात इरेबात छेलाता छत्र नारे। य कान्नर्थ केंक्स घटेना इरेट्ट छ, छविषक्ष छिद्या कतिता देश्यम्बन्धन र तिरक्ष इरेट्य। संश्लेषक चत्रश्रे करिन

সভাবে যে প্রার্থনা কবিয়াছেন দে जबूमाप्र शिल जक्ड। किन्द्र जामवा हुः चि क सरेरकहि व्यथां शक जिरहारं व दिवरत খাঁহাদিনের "মড ভেদ 'কইরাছে। বতর অধ্যাপক মিয়োজিত না হইলে বিশ্বিদ্য লরের ঘণোচিত গৌরব থাকা সম্ভাবিত बरह ! चळाळा त्काम विमालारंग्रेहे भर्मनी তিত্ৰ যথাপত্ততি শিক্ষা দেওয়া হয় না। খাপ্ততঃ অন্ততঃ ধর্মনীতির এক জন উপ ক্ষেত্রক বিয়োজিত করা অভিনয় আবলাক। বিশার্ষিথ ঘাচাতে কেবল বৃদ্ধি বৃত্তির চালনা इब अवन निकाई भारे किए। चात्राक अवश्र भंदा कहिए ठाइन अप नी कित्र व्यथालक निरम्भ विशेष करेटन সিমনরি সম্প্রদারের অন্তব বাজি নিঃ जरमाइ स्थाप अधिकि हरेराव । हेरा ए अबल्यभीरवता विवृक्तः स्ट्रेग्ट शास्त्रम । विजनति अथेवा वार्वलात नाम मन्द्रिक ए अस बिरम्य मरक्। वृद्धे धनावनमी कति बाब উट्याम बार्डेब्टलव अधालका अनाहर विलिया अतिभविष इरेटि अ!द्व । कि ধর্মনীতি সংক্রান্ত শিকা দিবার অভিগ্রা य बार्वन स्टेंट किছू अर्ग कतिता (माव क्ट्रेंटक शास्त्र मा 1

উ.হার অসুথের (FA, शायका ७ कहिए छहि, করেণ ন্তবিক কারণ। এ দে ইংরাজ त्न वस া ধর্ম ও আচার ব্যব নালিয়াছে, ইংরাজী শি হারাচি का (में य इंदर निका करत्रम, छ'रापि সবিতাধর্মে অঞ্জন্ধা ও আ গের (নর প্রতি উপেকা করে। চার ই छुछि विक्रक विवरयक्त धक्क यथन ठएक, उथन मिरे दिवस विवश नमव! য় পক্ষেরই অসুখিত হইবার সেবী इ। य शक होनदल, छाटात 李明 আহি র কউ। বাঁহারা এ পর্যান্ত এ দে ্যার্জী শিক্ষা করিয়াছেন ও কবিতে ছেন গছারা ছুটি কারণে অপর পক্ষের पारः, का हीतवल । এक, हेरवाकीएक मूनि ক্ষিত্ত অশিক্ষিত এ উত্তরের গণনা কবি व्यभिक्टिकत जश्यतीरे व्यथिक रहेटव। ঠীয়, বাছাতে বিশুদ্ধর্থে দৃততর বিশ্ব। ধর্মনীভিতে সবিশেষ অনুরাগ ও সং न्त्रा সাহসাদি कर्षा, कामुम निका इह ३६ मा। कामृभ भिका इरेटल अरे अ^{अंतर} ংখ্য সুশিক্ষিত দলই অশিক্ষিত দল দম न जगर्थ इंदेरजन १

কলতঃ উপরিগণিত তুটি কারণ বশতঃ ्रमुनिकिङ पत शैनवत प्रदेशएकतः शैन ¡टमत महताहत **ए** गणि इहेश शहक, छ। হাই হইরাছে। সুলিফিডের। অলিফিড **দলের অনুগত হই**য়া আছেন। কাডে কা क्ष्म् मूर्णिकिकिमिक् वार्णिकिक मान াবহার করিতে হইতেছে। যত দিন সুলি किएकत मश्या इकि अथवा উटिविक अ কার সুশিকা নাছইবে, তত দিন সুশি দলের লৌকিক ভয় পরিত্যাগের স

ভাবনা কি >

এ क्लीव्र वर्धी मस्त्रभारवद्र ए क्ल া, ভাছার বিপরীত কার্যোর সহিত স্বয়াত হুট্ডেছে বলিয়া কেবল ধর্ম ও

শাচার ব্যবহারাদি বিবরে কেন, রাজনীতি সমস্বেও বিলক্ষণ বিরম্বাভাব লক্ষিত व्हेटकरक्ष । वेश्याकी निका कहिया विरु (इ, वंकात विकटि जकत्तर जमान, छन्दे | विट्यकात्री, वर्ग व्यवदा आहि एक विट्यंव ब्रहे मणुर्व विद्धार्थिको । । कात्री नदर् । किन्न आगाणित्त्रद ब्राक्षभूक्रव দিগের নিয়তকাল এবছিধ উনাব ব্যবহার नशनत्भावत इश्र ना, कार्या कारल परनरकः নিকট গুণভেদ উপেথিত হুইয়া বণ ভেদ আদৃত হর আমরা দেখিতে পাই, এতদর্শন অনেকেরই নিভাপু খগগ্র হই ३। थादक । উপসংহার ছলে আমাদিদের বক্তান্য এই, যত দিন উল্লিখিচ বিষয়গুলির माय मण्वकार भरावाविक हरेशा नवा जस्थकारयत याद जीत विषया विकासकार म क्लार्क मा इकेटर, उन्छ मिन नवा मन्छामारवृद्ध मल्पूर्वतर्भ मुश्लि ६३व व महावमा मारे। क्रजनिम नवा भन्धनाः दक वित्रक मा करेश কাল প্রতীক্ষা করিয়। যাহাতে ঐ গুলি সম্পন্ন হয় দৃঢ়প্রতিক্ষতা সহকারে সেই क्रिया क्रिक इहेरव । हेरहामी**णिका** আপাততঃ বিভ্রনা বোধ ক্ইতেছে বটে, কিন্তু পরিণামে অমৃত্যয় কল প্রস্বকারি नी क्ट्रेंट्ट जास्स् मारे।

विविध नर्वाम । ্রা আবাঢ় সোমবার।

नार्छ क्रानिएउन व्यवनार्य क्षास्त्र सरस्त्र निभिन्न है। बाब ४० । है। वो मः श्रृही उ वहें त (इ । आ **मर्भार्डे कि (क्**रम श्रन्थाय श्री মূৰ্ত্তিতে পৰ্যবদিত হইবে ?

চাকা প্রকাশে পুমরার এক ব্যক্তি কাছা-দের চা কর্দিগের অত্যাচার হৃতাপ্ত লিখি-হাছেন। খান্তু বাজিকেও বলপুৰ্ক কাজ क्रवादेश कड़ेटात धर्मा " अभिवृधि कांद्रीतः क ববে পরিড;'গ করিবেন ১

कामत्रा गठ वादत निश्चित्रा क्रिनाम हेंछै- । ्राभीय महरम ८३**३। ३३८७८५, त्यव भागरम**न প্রাণ মন্তা রডের অনুষত প্রাণ মুঞ্জ না ব্রা अदादन किसिका १ जा मही १ जा, जिला भीरप

र। अडे चार्यक्रम कतिर्डिह्म, य द्राष्ट्रक প্রাণ দণ্ড না হ'রা হয় দ্বীপান্তর বাসের নতুবা यां बक्की वन कांद्राधारमञ्जा आराम क्या है सु পত্রের সম্পাদক রভের গোস এছ ক'ববার নি भिष्ठ नरलन, यक रेमनिक भूकन, भ्रम भागरत-রা ভর প্রদর্শন করাতেই রভ ক্রোধে অংশীস क्टोगा उदापिरगद्र अक नातिगद्र आन नाहाय ক্রিপ্রতে প্রামন লোকে কি ক্রোখালি রিপুর ব্দীভূত ন, হটগা সুন্ত চিত্তে প্রাণি হত্যা

ভাবেধিয়া গোড়াটের এক জন পরত্রেরক নান গালেব ও ভাষার জাভার বিষয়ে এট ৰূপ ি পিষায়েন — " সামি (প**ত্ৰাপ্ৰের্ক**) १५ ६७ 'क्टब्र यथन 'वें(ब्रोटकें (साम) जाइंबर কে) দেশি, ভখন ভাছার বছস প্রান্থ ২ ং স भग अध्यक्त संबोधि । ५ केथा नचा, ४०% वर्ष वनर म्, स्थादाय गर्य, ज्याम ७ लीक हन्। এবং ভাঁহ'ৰ কৰ্ণ বিদ্যাং কলাত। মানা দাকেনে র মৃতি এমন বে উচ্চ কে যদি বহসাধ্য ক ক্রিম ন'ন' সাহেত্তর নতে রাপা হয় ওথাতি ভাগতে কণ্ণমাত্তে চিনিহা লগুৱা যাগ। ১ হাব পাতাও এক ১৮। প্রসিপ্ত লোক। স্মার্থি ভাহার সহিত সর্বাদাই বাস করিভাম, ভাহ,শ महिन कर्षाशकलय कार्य किया आहे यह বপা কুলিজেন যে গ্ৰহমেন্ট ভাছার ভাভার প্রতি জন্যার ব)বহার করিয়াছেন এবং যে वाक्तिक शानियारमञ्जेष्मात्वलम कश्चिएड शा ঠাউরা দেওয়া হর, দে ঠকাইর,ছে। গ জেলছা-উন্ন মন্দ্রান্তিক করাতেই নানা সাহেব বিলে (इ अ दि स्त ।

নতীয়ার প্রসিক্ত হমেল সাক্তের রেনিলিউ रवार अभिद्राक्षिण र अग्राटण शिक्ष . शांके वर्षे अस्तावक अहे अवनदन बतोग्राव अव्यक्तिकः क ভাঁহার নিশটে হ'ডজভা এলশনের অসু द्रांध क्रियोट्स । जानद्रांख এই जान्नद्रांदध অগ্রহাদন করিতেকি।

এক ব্যক্তি রামপুর বোরালি কটডে अध्याप्तिका निकटी निविद्या भी नेतारहन, ''আজি কালি এখানে আম বিলে গার উপরে পুলিস বাটেলিয়ানদিবের জৌরা । দেখিতে-कि, উराजा काश भरेता धूना रजना, मूना চাহিলে প্রহ' করিতে বাবুঃ ওরাটনন ' পুলিব্ খা-

টেলিয়ান বইরা উটিরাচছ : দ পুরিবের লোক ्रिम बहेरम चरछत्र छेनेरत चात्र दम स्मीताच्छ कब्रिट्य >

উক্ত শত্রপ্রেরক আরো বলের « এখারকার (রামপুর বোর:লিকার) প্রভন কালেটার গ্রীযুত সদরলাও সাহেব পূর্ককার জনেক নি হৰ পরিবর্তন করিতেছেন। তিনি বিলিয়ার্ড कत्य कानवायन करतम ना अवर व्कल्यांत श्रा-য়ও আর পেখারেন বারা লিখান না। করেক জন মুছরি বিদার লওরাতে ভাহাদিগের কর্ম্মে পেন্ধারের পরিচিত লোক না রাখিয়া क रक्त्र कारदात कारधवन करत्रम । अ. व्योदिक প্রিদিগের গরেক ইনি কেবন চ

ছিন্তু পেট্রিরটের এক অন পরত্রেরক ফাসাধের চা করভের এক জভ্যাচারের বিবয় লৈখিয়াছেন ডাকা আন্দ করিলে শরীর লোকা-্রিত ছয় এবং রাজপুক্ষদের বিচারের উপর মভাক্ত জন্ম।

কাছারিপুরুল্রি ভূতির অধাক সাহেব ব্রাম-शताल एक बादव এक अन पुरुष्टिक जक्तिन अहं कथा कहिंग्ना हिस्सन, भूमा भूमा ब**हेक्न क** वाटक म करिश अध्यक्षत्र करी कानारा, विन ধোন তাপরাধ এইয়া থাকে চাব আংগেককৈ 🖦 '' करूम : न: एका अवल कार्या **आह्रा कर्ट्र** क १२८नम् । भूराहे भरा कात्र छ मा भातिष्ठा घ्या भरक खांच लातारक राहेर डाइरनन, भोर्दिन देश বেরা রুপিত কইয়া ধাবরা কানাইর, বটি ছারা এ২°র করেন এবং আপন দুড;দের ছারা ধুড कांत्रा अग्रर अधारकत नियम ने ने जेशा यान नि भारत बाह्या, वादन कारन व्यक्षाध्य द कि कहिन्ना পুনরায় এত্যাগমন করিয়া সমস্ত মুখনী গুদা থে ৰুদ্ধ করির রাখেন। পর দিন প্রাভাবালে কুঠীর সকল লোকের সন্দুধে আনিয়া ভূতলে নিজ্পে কারণ। বেত্র দাব। পুর্টে প্রহার করি-তে করিছের বেক ভগ হয়ল। পরে এক চারুক আনিয়া ভদাবা এতাদুল প্রহার করিলেন य পुर्छ । एनाई दान वृष्टिन ना अवर वतरस क्षा हरे देवा । यूक्ति अक बाद्य क्लांनचुंख वहे-ল, সাহেব মুক্তির মৃত্যু হইরালে জানিয়া ভূথি-শংৎ করিতে আজা দিলেন, কিন্তু ভাহার প্রাণ **७ थन वाहित है इस नाहे, रतकशादकता अनटम** চন ও ৰাতাস করিতে করিতে অনেককণের

भन्न छेकू छेक्षीमन कतिम । माटहर विहाद्वित मकन्तर जाहामिश्तर करे छेभादि बाह्रा भक्:-रक रहेटा बुक्त रहेवात सना ३६ तहन हुन अक স্থালে তাৰাকে প্রেরণ করিলেন এবং ভাষার इर कम कतिलंग मधी मनन हे उन्होंतः नि-ক্ষেপ করিয়। ভাঁলার পরিবারগানকে হহিত্ত कतिया विरमन ।

শিব সাগরের ভেপুটি কমিসনর ইহা জব-৭ করিয়া তাঁহাকে মুক্ত করিতে আন্তা দিয়া অনুসঞ্জান করিতে কহিলেন। ভোল সাহেব ভথান্ন উপস্থিত হইর৷ আসাম কোম্পানির ष्यथाष्ट्रक किस्ताना कत्निदनन (हेनि । वक्सन অবৈত মৰ মাজিছে ট) তিনি কহিলেন একি ছুই নয়, মুত্রি অঞ্জু প্রকাশ করিয়াছি-लाम बनिया जाना नास्ति आगत गरेगारक गरेश উহার যাসী আসালে একারণ তথায় প্রেরিড হইরাছে। ইহাট বথার্থ বিদেচনা করিয়া আর कान जन्ममञ्जान रहेन ना । श्रुतिय काता प्रक्रि প্রাপ্ত হইয়া স্থারি ভেপুটি ক্ষিপ্তরকে আ-প্র পিঠ দেখাইয়া সাহেত্বর নামে নালিম কা রিল। ভাহার পিঠে এক বিশ্ব চন্দ্র ছিল না। नारहर स्नाव सीकांद्र कदिया निहरतान पृष्टि প্রধনে আমানে প্রহার করে এবা অ নি জা স্ত্র ব্লক্ষার্থ উহাকে প্রহার কবিল্লাছ। পাঠকগণ मारहरवन्न कि भाष्टि इडेरन विस्वहन। करतन व এডাধৃশ গুৰুতর গোখেং গুৰুতর শাস্তি সক্ষেহ কি > বিচারপতি ভানেক কণ ভাবিয়া क्टिंद कदिरलम এएए**ोमरम्**व भिर्केष 5-र्ष्मित कड़ हे महा हरेए । उद्धाना म, दे दान ह हे कि स्वर्शियान, कविरनम ।

की जाया मननातः

ভারত ব্যায় গ্রন্থে । म माग्र ७ রঙ ব ৰ্বের আয়ু বাব ও লেক সংখ্যা নিমিকরিব র क्रमा अव मान मा काणन विद्यादक्रम । भव।द क्षायहरलय हैका करें है है कीन कीन यथिन म्बा विवय विद्रापट्य प्यान छात्र छात्र । कर्त्रना क সিয়াটিক সোনাইটা বশিষ সম্ভা প্রাকৃতি এ-বিষয়ে বিশেষ নহ'নতা কৰিতে পাবেন :

গ্ৰহ'মেউ আছা করিয়াছেন জ'বডবর্ছার ও বসংদেশীয় ব্যবস্থাপক সকার বাবভীয় সভ্য क्नाइत्तर्भ '१ । बानावक) छैलानि शांकेटर गः

बि निचिट्ड क्हेर्स।

আরাক.শে মেইলের বাস্ধীর লাহাল হয় যটিকা নাত্ৰ থাকিত। ভন্নিবিত্ত ভত্ৰভ্য বৰিক किर्मत करे रुख्याटक कात्रकवर्गीत्र अवन्त्रके वच्दमान्त्र थारांच कवित्रवाद्ववः अञ्दर्शाद्व अः बोक नद्र परिन, ब्राधिनांत्र कांक्स कतिवादस्य ।

रतकत्। मण्यांत्र ह वटनम वावर्गमके व्यक्ति আপম সংকারি কোকা নাহেবকে এবিবয় জীত্র আর কয়েক ব্যক্তিকে নদীর জন্মাবধায়ক शरम नियुक्त कतिरयन । हेरा बाजा ब्लारजीही-प्रिरभन्न मनिरमा छेलाका प्रार्मित । 32

ইংলিসমান সম্পাসক বলেব মাজলার বেঁ-ইনওয়ের কার্য্য লীজে সম্পূর্ণ বইবে। ভরিবিত্ত ভত্ৰত। নদীতে একখানি আলোর ভাহাল ও করেক জন আভকাষীকে প্রেরণ করা ভইতে: কিন্ত আমারা গুলিড়েছি পিরালির পুল भिवाद्ध ।

প্ৰায় পূৰ্বে পূৰ্ব্য বালালার রেইল বাজীয় শক্ট চলিতে পারে। আমরা ৎ क्राहे बारमह कांद्रस्य अक्यांनि शह यक्डे यादेखा

आवा बीटशङ्ग निकटेंग्र व्याद्यक्रियांची धूर র্বার অড্যাচার করিভেছে, করেকথানি ওল-माम ८ हेरबाकी कारांक छारांत्रिरशंत्र नयः नार्थ भगन कतिबाद्धः

किनिका अन्यामक रहुतन क्षेत्रान्छम् छा लंड नीध शांभिष्ठ श्रेंदर, अन्तर्भ सूनांजे पर कार्या कांत्रज्ञ करे दान कांचना कांटर ।

উक्त अप्याप्तक नित्रांबाच हरूँछ अर्वाप्त था श के शारहन, नामा कि निषदात निकट है के-द्युक्जन पद्धा छोक बुढे ७ अक्जन क्षार्त्रीरक আহত করিরা পদায়ন করিরাছে।

ই লণ্ডীর সুবিখ্যাত ভাজের উদ্বের মৃ-द्भा इरेबारक। हैनि शूर्य अक जन हेरुनि हिलान कि स भूतीय अर्थ अवलक्त कतियां **পৃথিবীর সকল স্থানে উক্ত ধর্ম্ম ঘোষণা ক**. রেন। এজন্য তাঁহাকে অনেক কট পাইতে बहेबाहिल । शृथिती चृत्रितान विभनविविद्यात निकार कादनक दिवदश अवश्रस ।

वाबानी मन्यासक यरनम वीत्रकृत्मत् अक कन ' औष्ट्रिकांद्री मरमङ, (अश्रुष्टि मासिरहे ' ভব্ৰতা এক জন উকীগ্ৰকে ও এতক্ষেণীয় সং

में क्षि क्षिति ए अग्राट्ड देकीन डाहात नारम गाविद्यारिक्ष अभिन्त करत्व । त्वारक्षेत्रके शविद ভাৰিমির **ভূম রাম** বর্জান **ওরেলনকে** স্তেশ্র य जिलादक्षे किं

गणार के पुरुष्कि शंकत ७ कुछीरत्व प्रकि क्षेत्रारह । क्षेत्रक किवन शृत्स वक सनत्क ्रिंद्र क्यार्थ क्या अंख कता अवधी शंकत ध्य अने बुद्धिक मुद्दान करियाटक।

গত শমিবাছু 🕸 🕻 প্রসর কুমার ঠাকুরের 'ট একটি বাৰ্লি ক্লেমনা হইয়া প্ৰাণত্যান

८ इ. भाषाष्ट्र यूभवादाः

किनिदकाद्व विद्रिशालाद সংবাদ দাতা रहन, जबान्न अन औरजी सहया निरादक। জচক্ষ রাধ নামে এক অভিদারসখান এক 'বিরাছিলেন। জ্বে ভারাকে আপন ব্যা বার্ণেন । শে রক্ষন করিয়া নিত, বাহার করিভেন। পরে বাটার লোকে লোঘোগ করাতে ভারাকে হান ভরে । ঐ বেশ্যার এক চাবারের সহিত হয় । বারু তাহা জানিতে পাবিয়া ,খা,কে স্বহত্তে হত্যা করিরাছেন । বারু ্ত কালা আপন দেবি স্বীকার করিখাছেন। ्क्ष र नज खन्नभूय बङ्गे एडड् यक्त प्रताह जीवृश्वि १ ब्रेंट इंट

इंश्लिनमारमद्र, वरुरकद्र मःयामणा चुक्त ना नाम विशाख विद्याशे र्भरिक्रर है। इस्टा अल्ला अवर्थन कहियार है। **के वांकि अध्य राज**ंदिनात्मेत्र (एक क्रिक. ারে ভাষা ভাগ করিয়। ভানেক সহচয় সম तिकादित भनीयन कदव ४.०० ಇನಲ್ಲಿ " विद्या श्नदाय विद्याद्य १ **ይን** ሞ.シ **बिन्नब भारहरवद्ग अ**भुरगाइप वर्ग कर्न के ड ১০০০ টাকা বাহ্মিক দিলে। ১৯০ কির ্ছ। ভাষার ছাতাকে সেই 🙌 🗠 বি उदा ब्हेर्ट ।

একাণে জাবার শনা বাইডেডে গ **সামে থেজার বিভার তুরাকা** হিলাল গত *पिराहित। टिनि काशन नाम श्रीति है केटिर एक बिन्या येखे हैं। अप केट विनाहित्य ংং সেমট সাহেৰ ভাষাকে স্থান দলি : কলি ভারেদণ করিবেল সক্ষাধারণে পাছে ় সুপ্রিলেন বলিয়া খুড হইয়াছেন। ডিনি ' নাটেবন ভার্তে বিষ পান করাইছা। সদ সাল

करहन अविषय किहुहै कारनम ना'। अकरन अधिन निया मुख्य इडेब्राट्स किन्न छैं। उन्य विচার হইবে। यक्षमा चाछि भौक्र जातप क्ट्रेट्रव 🕫

হ্রকরা সম্পাদক কছেন কাছাড়ের অধ্য क शवर्यमध्ये निधित्राह्म अवात । धारम इइंटड प्रभ लक्ष हार्जित हा तथानि इहेरव अवर ভার বংগর উহার **বিগুণ চইবার সভাব**না মস্তুরের জনা কঠ হইতেছে, অনেকে পদার ন করিয়াছে। কিন্তু কেহ কাহাকে ধরিরা আ-নিলে ৫ ট।কা পুরন্ধার পাইবে এই প্রচার ক-রিয়া লেওরাতে একণে অনেকে ধৃত হইয়া ভাগিতেছে। আমেরিকার দক্ষিণ বিভাগের তুল উৎপাদনকারিদিগের প্রথা অব্দয়ন করিলে অধিক চা অধিতে পারে !!।

উক্ত সম্পাদক আরো করেন ভারত-বর্ধীয় গ্রণমেন্ট নিয়নিখিত তিন্টি বাটী विकाल क्या ८० लक होक। मञ्जूत कतिवाहिन : \ রাইটার্সলিভ্ডিং (কোম্পানির বারিক। পুন নির্মাণ পোষ্ট আকিস নির্মাণ জন্য প্রেসিডেন্সি কালেজ নির্মাণ জন্য ৬৫০০০

লাহোর ত্র শিকেল সম্পাদক করেন তথায ভয়ানক কভ রাষ্ট হট্য: গিডাছে। জার এীশ निरम्बन (कान कहे नार्टे।

গত সোমবার লেপ্টেম্ট গ্রণর মা দ্রাসা কারেক দর্শন করিতে গিয়াছিলেন। विष्णाविषदम मूललानांन जिद्याह 🖰 राज्य है जिल्ल জন্য তিনি অ'তিশয় শুধান আছেন, তাহা थमः बास्क कान्नेसारहम। योगके कनन सुनल ्रांकिट्रांत विल्डां जारत मरमारकाश र उर्घ वज সঙ্গ কথা নতে । বীতন সাহেবের আগমন खनः बाद्रामां कारलङ ७ कलिका **डेक्**ल ५ किन লক ১ইগ্রাছিল। বীষ্টন সাংক্রের জন্যান্য বি कतवाद्य ७ शक्य कहा कर्डक, :

৬ই আবাচ ঃহস্পতিবার।

.६ ° टक्काशा नाहिक करा, उद्गाप्त नानः। मा-ষ্ট নামে এক সালেবের বাটাতে ছিল। । চ স্পারাকে লাখ জাগো কবিয়াছে। পরণ্ডে-হাকে কলিকাডার আনরন করা হইবাছে বিনিস্ভালাল, গুলার ভাষার মৃত্যুর

बहेबाटड, खतिमित धरे श्रीकृत बहेटलटक का-बुख्यवीय भगन्द्रमेट्स स्मिन्ने अ उ मीह फारबम ना "म वास्त्रित कांत्राभारत तथा कहे स्थान চওয়াতেই প্রাণ বিদ্বোগ হইরাছে একথা স र्स्त्राधात्रन्त ७ जात्रज्यमीय श्वन्त्रकेश्य यो-কার করিতে হট্বে।

ইংলও হইতে এক একটি সৈনা আনমুক্ত कतिए निस्तत वाग्र वया। भव-दिन ने उधि देश মনস্ত করিরাছেন যে সামল সেনার কার্ডেরি স-मण छेलीन बहेरव छात्रात्रा विष भूनकात सना দলে প্রবেশ করিতে চায় নিমু লিখিড টাকা পুর্কার বরণ দিয়া নিয়োজিত করা হইবে। হৰ আটিলেরি ब्रम्बाल औ . .. के कि निश्व .. ye enva অখারোই ইহা লারা অনেক বাধ সংক্ষেপ ২ইবে ৩ উ ন্তম সৈক্ত পাওল, যাইবে।

হার্বি সাহেব এতিনিধি আকাউন্টাক **अमत्रः इडेटड्डन : डिनि अक्ट**न ७०० টাকা পাইতেচেন তদ**িবিক্ত 'শার ৫**০০ ট্রাকা পাইকেন। বোহাইরের পোষ্ট নাইর জেনরল ১৫৮ - বেড়ন পাইডেন ভার্তব্দীয় श्वरिमके अक्टल उन्हारक २००० हाया मिद्दम । त्रिविल थियोकः कवित्रम वाह अ - एकः भ कविद्याद्वित्सम् अक्तरम आंतांत्र नर्के अरह हित इड़ेएक । निन ।

ছরুকরা সম্পাদক বলেন এতকেশীল প্রার এক গহস্ত কোল মেড পালকের হঙগাকারী র ভের ক্ষাৰ ক্ষ্ম ইতিলোপীয় গণেৰ নতিও আবেসন করিয়াছেন ৷ আবেদন প্রথমতঃ বা ভেন সাহেবের নিকটে এপ্রণ কব। ছং, কিন্তু হত্যা তাহার সীধার মধ্যে হর নাট বলিখা ভাষা গ্রথয় স্থেনরতের নিক্টে প্রেরণ করা **इडेब्राट्ड** । मण्णाप्रक वरणन अञ्चलको एउदा अहे অব্যবস্থাৰ আক্ষুক কয়াতে ইংবাজনিংগর স হিত এতদ্বেশীয়রিগের বিশেষ সন্তাব জন্মিবে। ইউরোপীরেনা যা ১ছো তাই করিলেও এদে-শীরেরা যদি কিছু নাবলিয়া চুণাঞ্চরিয়া খাকেন छ हो इनेतारे असीन । अरे नश्व मर्मा हर मा विजिश्राहे भरश मर्दश विवोक्त वास्य अ.जनीय ়ৈ ডে এক সকল তাতিক স্থান্দর করিয়াণেন উট্টার s ? देखेरब्रांगीयविष्यत चाक्टिनव क्यांक्रिया

সিমুলা হইতে একজন হরকরা পরে 👼 🕫 ধরাছেন ভত্রতা বলক্ষিত্রর সেনারা সংক্রের कांत्रन **उत्तर रक्ष्य क्र**िश्न शास्त्र । 'ভত্রভ্য লোকেয়া বেন বুরিভে পারে বে ,प्राही ब्हेरन वनिकेन्नरत्त्रा ଓ शाविनारक २क्षनां प्रस्त पिट्ड शाहित्यम । अहे जनन া কেরাই'বিজোহকে হিমন্ত্রণ করিরা ভাবে।

भिनोरशरकडे मण्याक्य बरनन लाना त्यान s: প্রসাদ প্রধান গেনাপতির অভুরোধে তী ার সহিত সাক্ষাৎ করিতে গিয়াছেন! তাঁ-াকে পুনর্বার কমিসবিএটের ভার দেওর। হ-বে। জ্যোতি। প্রসাদ এ কার্ব্যের বিশেষ উ-শৰুক্ত ।

भरवाथा श्रारकडे मण्याहरू वरनन नक्का-াত এক ব্যক্তি মুব্লিয়াবাদ আৰ দশ্ব করিতে ।।ইতেছিল এহত সময়ে সে ধৃত হটরাছে। क्लाप्तक् अञ्चान करतन त्य विद्यारस्य अक ाम 'केरमा' ती]। हेवा शाहे शिटन चर्च प्रश्नीन क-

উক্ত সম্পাদক ভারও বলেন পাটনার उन्नं कविजनत देवात जाद्वव (विनि धक्रान কলের কার্য্য করিডেছেন) ভরত্য প্রধান াব ভাষিত্রের জুকরিত্রতার বিষয় প্রধ্যে-त भावत कत्रिवादक्त।

মাধ্যেষ্টয়ের ভক্তধাদ্দিনের সহারভার -এবাংনগরে ৩৩, ২১৮ নিকা চাঁদা ছ াছে। এখারেও চাঁদা করা করিব্য।

এবংসর ১৯০ জন সিবিলিয়ান *হইবার* होभा प्रिटरम । ৮५ अन छुड़न निवित्रीम ণ্ড হইবেন। পরীকারিধিগের অধিকাংশ ম ত ভাষায় শরীকা বিভেন্তের । সংস্তৃত াৈ ক্ৰেভারতবৰ্ণ জ্যাগ কৰিয়া ইউরোপে

के:डेसम अव देखिया छाजप्र के अ महाता-্য় জাবার সংবাদ প**ত্তের এন্তাব সকল** জা-ाम कविया मुखिष्ठ कविष्ठाः इन । इनिका-ার জৈনিক সম্পাদ্ধেরা এপ্রকার না করেন

কাবুল হইডে সংগাল জানিয়াছে আমীর क्षि तरकार की दिसाई जाकानन ना कतिया

क्रांब्र वहेरवन ना । स्वाचात्रात्र ब्राव्य केरिएक কুলভান কানের নহিত সন্ধি করিতে অসু-রোধ কবেন, কিছ রুছ আধীর ভাষাতে অস चक एड्डाएड्स ।

ত্রতবগরে অভাপিও ওলাউঠার শা-क्षि रंत्र मोरे । विक्रत्र लांक श्रांण कांश कति-**८**३८६ : व्यानां निरंगद्व नावछीत्र नगरत्त्व मिडे-निनिशान बरकार्य छान ना स्ट्रेस अहे मकल जनिष्ठे मर्सपा वहिंद्य ।

সম্প্ৰতি ৰভা হইছে মুস্তৰান্দিণের বি কটে যে পত্ৰ আসিয়াছে ভাষাতে ডত্ৰভ্য ই-ৰান বলেন গেৱিএল চুড পৃথিবীডে চারিবার আগলন করিবেন। প্রথম আসিবাঘার ব্লাদ্রা ও শাসন কর্ত্তায়া নিজ নিজ কৰতা হইতে विकिष्ठ स्ट्रेट्स्स । अवर मुर्क चाटम अद्रोजन ७ विभूथमा व्हेटव । विजीव बाद्य यञ्जानिकात ৰান্য ডিব্ৰু ৰোধ হইৰে - তৃতীয়বায়ে সভীৱ ধর্ম পুথিবী হইতে অগুর্নিত হইবে: সকলে वर्षकाहात्री रहेदर अवर इड्र्स बाद्य श्रीविश উৎসম ছইবে । মুসলমানদিগের ওণরিবার অনেদ বিলয় আছে

- 1ই আবাচ শুক্রবার।

নানাগাহেবের কোমর বন্ধ ৪৭০০০ টাকার বিক্রীত চইয়াছে ৷ সম্পায় এব্য বিক্রম ইউলে विश्वत है। का बहु बहुबाद महावन पारह। कुर्त विका रहकू अहे महनार बेधवा शाम ।

বণিক সম্প্রদার যাঞ্চেইবের অকর্মণা ছুর্ভিক্পীড়িত মর্জুর, দিনের সহায়তার জন্য চাঁলা গ্ৰহণ করিবার বিজ্ঞাপন করিয়াছেন। এজেশীর সকলের এবিনরে সহায়তা কর।

साबालभूद भगस्य छिनेन अस पुलिसी छ। তথায় পরীকার জন্য জাপাততঃ ছর দাসের নিমিন্ত একটি ভাকদর তইয়াছে।

किनिरक्तत अध्यानुरत्ते मध्यामाणा व নেন ভত্ৰভা ভেপুটি ক্ষিদনবেব বদ্ধে বাবভান্ধ বিষ্ণোহীসদার আত্ম সহর্ণণ করিয়াছেন, এক হ্যক্তিষাত্র অনুণাপিও ইংলভেম্বরীর অধী-नजा चीकात करतन मारे। भवनंत्रके एक पूछि क्षित्रनद्राक भूतकात्र निर्देश । क्षांध्यक्ष्मंत्र हेरांत्र कांत्रवा

স্মাচার বিশুস্থানী সম্পাদক পুনকার ক विवादक्त नद्यक्ति विद्यादक देव जानका

হইর হে ভাষার কোন মূল বাই _ব্ৰসভাটিট অভূতি ভয়ার্ত্ত সম্পান্তকরাও একরে স্থান্ত रहेबांध्यम ।

ইতিয়ান রিক্মার স্পাদক লব বার্ক্টের ক্ষার প্রতিবাদ করিয়াছেল। আবস্থা ক্রিইনা কৰিয়াছিলাম ডিনি ভাহার পোৰকভা করিয়া বলেন রভের কাশী হইলে ভারতব্যক্তিত ছু-ৰ্ম ভ ইংরেজের। এডফেলীর্মিরের প্রাণ খণ করিউড সাহসী হইবে না :

५३ जागांड श्रीवात्र। ईश्मरश्चनीत वाक्याफिरनरक विन निन-রা গত কলা করেকটি ভোপ হইরাছে।

নেনাপতি সাউন্নাস পুনৰ্বার জন্মভিন্ন পর্বতে গমন করিবাছেম ৷

গবৰ্ণৰ জেনেৰল জন মুক্তকে কৰা কৃতি-লেব না। ডিনি বিধেচনা করিয়া ছির করি-जारहर त क्यांत श्योक शोक तरह। स्वीप रम् अहेवाम ' रहीर मृद्युम , जरशा भाषा रहे-বে। সোমবার ভারার কাসী হইবে।

হরকরা সম্পারক বেলেন ছুরাজা বিলিন্দে मित्रक्र भारत क्षेत्र कतियात मध्याम अवन्य महत्त्रेत्र निकटे बाहेरन नाहे. किन्न जिनि व वासिन निकटें नरवाम शाहेबाएडन खादा व्यवसाय देवें बाद मुखारना नाहै।

श्वा बहेर्ड अन जन हेर्डेस्नानीय विका शरक निधिनांद्यन ३१वे बून क्रांकिट এক ব্যক্তি তাহার মালিকে এক ছুরিকা খারা ৰধ করিরাছে। থানা হইতে ভারার বাটা অপ দুর খাত্র / তথাপি হত্যাকারী পুত বর नाहे । कि फांटकरभद्र विका । क्रबंभ। मकरन-মুই জীবন ও সম্পত্তি বিপুলে পতিত হটতে থাকিল। মালির '' হঠাৎ ছুরিকার্যাত » নরত?

বে বে খানে বলদেশীর ব্যাক্ষের শাগা ব্রুরাজে, জথার গ্রেণ্ডের আর বড়া क्ष्मिति वाक्टिय मा।

हेरलिनमान नाजासक वर्णम शवर्ष्ट्रजल ব্লল এখান সেনাপজিকে কলিবাভার আসিতে **ক্ষাক্ষা করির ছেন। কারণ** ন

नित्र निषिष्ठ मृदना भवर्गस्य काशन विक्रीष श्रेटिकटा :---

৪ টাকার সিহা

HON. S.

৪ টাকার কোম্পানির

いなっつり

. Ci [[80c

टा डोकांव्य

३३९१३३२ '

114

एकर्त्री भविका हरेएक रेडेनार्टिड बरहेरे म्

ৰপু ভাষা অৰণত আহেন। কি-अविकास पुरस्त का क्षेत्रण हत रक्षे कार्य कार्यके महत्र । हा-न व्याप क्रेड़। क्रिश अठनिड चानन। अवस्थितिक निवस्ति। अहस 🚜 हे

न डेख क रेमनावती, मूत्रवास्त्री उर्वाक्रवी हुडीर जनगानी, जन्दन्या धनीर्च गुनरवारी है विवर्षन्त व मर्ग नीत शरार्थ मनम शाक-त्योतर रा, जार। हरेल है-**ब्रिटिकेड्न करभका श्रीवराधि ३ एक्न** दिनात जाक काम जाराण जाव मृखि श्राप्तत বয় না। জিন্ধ কেবল ইনুসৰ্গিত পরিমাট উহার इंक्ट्रिंग है जहन व অভ্যন্ত চৰৎ কৃত ক্ষ্ क वश्य श्राम छेर। विक अनुराम अमेरिक क्षित अवर उन्नायक रमुक्द ७ उरामका ई क्रांसकड़ उद्रामक म हानरवद्व आवान कान दिल। किन्दु अकटन डेहा কীৰ্ণ নগৰ ও জনপদে প্ৰিপু চিইয়াছে; ^{ভিতি}ক্তীয় শক্ট **ও ৰাক্তীয় লো**ত উচার চতুর্দ্ধিকে া করিতেছে, ভাড়িত বার্রাবহ অনুক্র স্থী **बाह्य क्रिकाकार्या निव्यक वन्त्रिहरू, ब**दः ও महत्रको (सरी भन्म रमनीव अज़्रकन a.a का की श्रीविधान स्वित्रा गर्यक वित्र स्थाना चारक्त । चहन्तर से स्मानत है,जिह्नस कथातरन - খুভাৰতঃই সকলেৰ ইছে। অভিয়া গাকে, বিশেষ-তঃ বৰ্ণ কোন সহ্দত বালি তাদুশ ধন ও জা। , नोरकाकिशत्त्रत एस घटना यह। लि म नद्रश्रेषी व्यक्तमस्य वर्ष। छतिहरू ११ र उथक द्वाद डीहा क्षारकत गाँवमीनः थात्य स. ध.: डाँहाव श्रू-**ट्यांक रेम्बामिश** रिडाफ अतिराजी बहेता :31

स्देणह बरमद्वत कार्यक काल गुरु ४४० ्म अ दमरम निजितिष्ठे म् मादम अक मान्यापर া। ভীহাদের মতের সহিত দেশীয় প্রচলিত र्षिय किथा किथा पार्थ भरितका हिमा के अ কাৰণভা পিউনিটান্দেৰ প্ৰতি প্ৰাচীন সম্প্ৰ রের লোকের। অনেক অভ্যাচার কবিভেন। धर्णाव थांकि शिक्षेत्रिष्टांनिवरणत वृष्टका 🐍 न हिल अक्षानंत स्टब्स क्थम क्थम क्षान्। हिन ভাছার বিপরীত আচরণ ক্ষতিত হইত। ফ্-া জীহারা এক/শারণে স্বীর মডাত্রবায়ী ধ-

र्ण्ड अप्रकाम महिल्लाहिएक ना । अठा र्काशांत्र वह जिन क्यारिक्षांत्र, ता धर्मात आवामिरणय पुरुषकी विक्रित आहर मानकाल ভাগার বিশরীত আঁচরণ করা অংশকা দেশতাঃ প করাই সহজ্ঞ ভাগদে উত্তর। ভদ্মসারে কায় क महात्रा जाकरण गहिलांग मुर्क्तक आं

র বিজন কাননে আসিয়া বসতি করিলেন : জন মে ক্ষেত্র ভাষাবিধের সন্তান সভতি ক'লাতে। প্রক্রিং। ঐ সভাব দাস কংএে शम बहेटल नाशिम । कम इक्ष सक्षाम मरशाही (मन्छे. देखेनाहिट्डेल अरकेहरनत सर्था का তেব অধীন থাকিতত হইল। অমন্তর ভাঁছার। म। ১११७ पुर जस्म ह है। कुमारे 🕆 खेराबिटर्गन-কেন। ইংলণ্ডের অধীনতা পরিত্যান করিয়া আ-ঘাধীনত। অবলয়ন করিল '' এই বলিয়। খে।খ-नागक श्राह्म कविद्या मिल्लान । देश्मधीव्रमिर्णव স্থিত ঘোৰত্বৰ বুদ্ধ ঘটতে লাগিল। পৰিশে-त्य मेर्च कानवाशी जुजून भरकात्मव श्व पक् बीन अग्रामिश्वेदनव बीवय अ महाया क्रीइलियन-व इ क्रिम्बः शकाद्य यात्रमिकान या मुद्ध सदी हरेलान ७ ४१४ अ आरक् हे॰ शक छह साव ৰাধীনত। স্বীকার করিলেন।

খোৰণাপত প্ৰচাস ছবিবাৰ পুৰ্বেষ্ক জামে-রিকার্র: ভিন্ন ভিন্ন ভেন্টা এমেশে বাস করিয়া আগিতেছিলেন। পবে ঐ তেবটা এলেশে মি-লিত হইয়া ঘোষণাশত্ৰ গ্ৰচাৰ কৰাতে ঐ গুলি-व नाम देवेनाहरकेल अरबेडे म् (विलिड शायमा) र्ष । किन्द उत्ताखन अस्ति-नःथान इकि इक-प्र.ए हेडेबाहेर्डेड अच्छेत्ग् अभाव कांड हरर ब्राका ब्रहेश डिडिशाइ । धर्मन डेशाउ अधी श्रासम । कार्विम अकुक श्राहम आरहे। •

. (BE (BICY) --

ছেটন নিউ হাম্প সামন (২) वर्वन

महानाहरन हेन (१)

(कथां्ह्रमंथ (२)

क कि के हैं () 5

(ANT BISH)

Tat 324 (17

^{(का}शिकदश्वतिकाट ८० ।

(1) 新年(1)

> 1 CBA: 84 (4 C &)

্ন ক্লিক (২)

कश्चित्र (इक्ट्रिक्ट्रे

HEE: WAS SICHCHE AND

Cमांस अध्यात नाहे शिक्त नगर अवही मनामक সাধাৰণ বিভাষিত বিষয়ের লাগিল ও মুডন-সূত্ৰ প্ৰশানবৈশিকেবও সম - ' নাগ এেনিডেন্ট.। ইংলওল্পেনি গৈলিলা উপনিবেশিকের। প্রা ভ্রত্ত উট্টেলন । কিন্দু সঙ এ য় গেট রুশ। । উৎসতে ক্রান্স দে यशिक की नाव। दमण प्रतास अविका अर्थ विवाद । ल'फ दमर अकः, अवर ताका अहे नकासन अक चार्थीन इहे. जन बट्ट ब्रेस्ट्रेंस् व्हेंस्ट्रेंट कार्थना-, मठ न १ वेटन रामन रकाम निवस विदेश वस नी विभिन्न। क्याना विकास कीशामिश्वरक हे॰ मा- । या । यथारम ६ उपनि द्वरश्चामार विकास मान े है। स्मान्य , अ स्मान्य है के इंग्निस क्रिया हैश्यक दिल्लात अनम अजाजात्व अभीकिउ हहे । जा न! बहेत्य कान मृजन निगम विधिवस ६६८७ পারে ন। ইংলতে বেষন ধান্ত কোন কোন कांगा भारतियारमञ्जेत विनासमित्रिक्क प्राप्त क्रिट्ड भाग्यम क्रमारम् । ध्यानि खान्तेय लाख तिहेक्ष क्षेत्र अहि । एवं एवं विवास हेश्म छ **अ** प्यारमिरिकात मानुना नाहे शक्क्या प्रदा छोड़ -আমরা এছলে বলি ও পরিলাম না।

> (P@e witer) ১। উ*জি*নিয় (খা

a i खेख ह (करहानिया ८)

६ । **व्यक्ति (११८८ वि**न्न र ८३

> । क्यांटायाँ

(Tife)

(अ, ज्वा कारम)

ami Brui

के किया म

इकिना देन

[4W[1

110mG15m

। दहें मिनि ১। क्रिनि भिनी

> । दलांशियांका

১। টেকুসম

३ । ऋतियमम fafent a

क्रिकेट महत्र विश्व

আটি এয়া

क्यां निक्षित्री

25 日内ガ

बिटबदम'है। কারিগন

(का हुक कोर कर्म)

事を 1

जिके दशक्तिहरू।

ওয়া নিংট ন

TOPESBOLE

 । अर्रे हिन्द् क कारमण क लिल्कियरम् अक्षाब क्रम्म। अ अरे ठिक्षि कारमण अभिरक पानजू आवा

MISEN WICE

श्रामा । विश्व केरिन किरिक् कर केरिक मुक्क करक कति १८४८म मानप् धर्या अविभाउ दिस, क्छ-व श्रीकार के किया मा । मामक अवा त्य अधि निर्केड श्रवः लोक्षवश्रविषयः तव शृतिक इर्लका मी-त्र म्बरम वस दा बंगा हैछत्र शंखर नाथ छा-हा मिश्राक यम्बाकाकाक कमायां ड अ अवा क वावर तातकात्र कत्रा (य विकास सम्बोध---वेषा स्थान--লান জানাজোকসপর বাজিরাও বৃত্তিক পা:-(यम मारे । कि साम्त्रग्ना एवं केन्द्रमिटिक, अव्येत् সৰাসীবা ১৭৭৬ ৰুঃ অংক প্ৰাধীনত। নিগড় ছুট্টে, নিকেশ করিয়া আধীনভা - দেখার শিষ পাত্ৰ হইয়াছেন ভাঁছাবাই আৰাৰ সক্ষণ কাৰি-८० वर्षप्रधा मांगद्व मृद्धाःम वक् कटियां दांचिया-'ভূন ' গে নহাত্মা গুলালিংটনের দাম কৰেও ক-र्विद्राम व्यक्षतीकाः शतिबंखा (माछ ः तमः, विकि অ। গীৰভার জন্য প্রধান পর্যান্ত শব ক্ষিয়াছিলে। म. जिमिल चीप कील मानविश्यक मुक्ति आमी टम गहराम स्टब्स माहे। किन्दु श्वामधाम व के স্থায় ক্রমেন লোকের জানচক্ষ্য উন্মীলিত ছই-८७८६. धरः अहिरुक्तंत्र मध्यः त्य, कालिहिकः CHCणय मांगव क्षेत्र शहलन कर्श महाक**लक क**-প্ৰতি ১ইবে ভাগারও সম্ভাবনা বইছা আলি- ৷ CREE I

অতি প্ৰাচীন কাল অৰ্থি লংসাৰ মধ্যে দা-मरद्रत अथ शहां का चारह । का त्रव्यर्थ, जीन, त्वाय अहे भगवा श्रधान ए धाम त्माम के हूं झ-পা প্রচলিত ছিল। যুদ্ধে যে যান্তি পরালিত হ-ক্তিত সেই ব্যক্তিকেই প্ৰক্ৰাত্তকৰে দংগৰ খী-কাৰ কৰিতে ছইডে : কথন হ যে আধৰণ কৰ প-विष्णां कविष्ठ व्यवस्थ वर्षे कोशंदक्त तम्ब প্রিৰোধ সংগ্রপ দাসত্ব স্থীকার ক্ষতিত চইও। कथन वा आरर्थत शासामन वलडा करर शूब श्रकृत्तिक विकार क्षिष्ठ ध्वर से विकीष्ठ वा-'ক্রুরা ক্রেডার নিকট চিরকাল গুরুপোতারি সন্ত্ৰ শৃঞ্জে বন্ধ ছইড ৷ প্ৰাস্তু মনে করি टल मात्रिक्ताक विक्रम क्रिएड गाँविएक। धमन কি দাসকে হত্তা। কৰিলেও পাজুব বিশেষ ৰও र्हेड को कलका जामहा भी, स्थ, स्पर अङ्-ণ্ডি পশুগণের প্রতি বেকণ ব্যবসাকরির वाकि, श्रुक्तित काफिरमय गर्या मार्गत्र ওদপেকাও নিকৃতীয়ণে ব্যবস্থত হইত। ঐ সমন্ত कांखिता कि या समीत्र, कि विक्रमीत, जकजाक है ন্ত্র করিতে পারিতেন, কিন্তু আমেরিকার প্রচ-लिए समिष् ता अकात महरू। अवात्म चत्त्रमीय विदेशहरूम ब्लाक क्षेत्र स्मानुका ना। ककानांक व्यक्तिका वांतिहा देशरण्ड मानच कार्या कतिया बाटक

'* विश्वविक्षणाटा चाटविकामका कांग राव-

मान करिएक शास्त्रम का, व्यर्थाय देशहा चग्नः कांक्रिको वरेटड काम आंगडम कविराठ शारमम দা। ক্ষিত্র লুমারিত ভাবে আবিকা ও অব্যানা रम्भ ब्हेटफ मान स्मानवन कतिवा बाटकम। इद-সর বংগর আন্ত ১৫ কি ১৬ হাজার ফাস ল্লাল্লা-वि इंडाइन हे हेमाबिएक अध्येष्ट् बाबा आमीक ৰয় বিশ্ব ভাষাতেও আমেবিকা নানীভিনেন কৰ্ম मन्त्रम ब्रेस कर्ड मा। खुळत्रार सहारक मानिक श्वर बर्म हाँक व्य. छविष्ट्र छोबादा खळाछ যত্নান খাকেন। ভার্কিনিয়া এড়িভ করেছটা अरहरणत लाक निग्रवह मामवान हा कराहे বার নিমিত্ত নিমুক্ত আছেব। ঐ স্বাপুরুষ্ণের मांभदरम अधि कत्रांनचे वावमात्रः। छीत्रांत्रः वान-ए सं र प्री प्रक्रायन मिलन कवित्र। त्रिया ब'एकन व्यवर अञ्चलका मध्यः यश्चि एकश्च प्रकाशीय प्रका हिन्दि गञ्जीवमा मा दम्बन, छद्व छोडानिशक পূথক করিয়া সূতন স্ত্রী ও পুরুষের সহিত্ত উদা (क्य विकास कराहिक्र) (सम :

देश्व (यम आंभानी गांदर कडिटव

১৯ এ মে পথা ত্তৈর কউরোপীয় স্মাচার ।

আনুমরিকার দক্ষিণ বিভাগের লোকেন।
নিউ অবলিয়ক ও ইয়কটাউন গনিতাগৈ কাররাছে উলা একাণে গ্রগ্রেন্ট্র হস্তগত হইরাছে
বিজ্ঞোভীরা পলায়ন করিলে গ্রগ্রেন্ট্র সেনারা ভাষাদিলের পশ্চাৎ ধারমান হইরাছিল।
বৃদ্ধ লোহাল সকল বিচমন্তের ১৫ জেলা মুরে রভিয়াছে। উত্তর পাক্ষে অনেক সেনা আছে এবং
ক্ষে ভূমুল মুদ্ধ ছইবাত নেম্কিলে প্রাথনা সেনা
পাত্তি বরগার্ড করিছ হইতে নেম্কিলে প্রথান কবিয়াছেন, ভগার দ্বায় মুদ্ধ হইবে বোধ হইভেছে। মেকন মুর্ব গ্রগ্রেম্ব মুন্ত হববে বোধ হইভেছে। মেকন মুর্ব গ্রগ্রেম্ব মুন্ত অর্লিয়ন্তা সাবেন
নিউব্রব বংলাট ও কার্নানা ওক্ত অর্লেয়ন্ত মুন্ত
করিবার প্রতিজ্ঞ। করিবাছেন। করানীল মেলীয়
ভার্যা কাব্য ইয়ার্শ হিন্ত ব্যানা করিবাছেন।

বোৰাই, নাজাত ও কেনেশীয় চিক্তিত সিবি-ল কৰ্মচাবিদেশের আংবেদন পত্ৰ কৰ্মা হাউলে অপিতি কইয়াছে।

নেলিকোন রাজ্পতিনিধিনিধের সহিত সঞ্জি বর নাই । সেনাগতি প্রিম্ব কিউবাজে প্রেরিড ক্ষরাকেন

বঁলাবিশের। শীত্র বুদ্ধ আরম্ভ করিবে বন্ধপ সম্ভাবনা ছিল। জোড়াত্রিক পর্ববিদ্ধকী ইংরাজ ও লোনবেশীয়দিবের সহিত সন্ধি করিছে ইক্ষা ও করাশিশায়িকের অভিবন্ধকতা করিয়াছে।

বেলজিয়খের হাজার একংশ আয় বিশিতি: শক্ষা নাই

থিকা নেপেংলিয়ান নেপজ্নে উপস্থিত ছউ-ছাছেন। মনিটিয়র সম্পায়ক করেন ডিনি কোচ নাজকার্যোর অনুযোধে তথার বান নাই।

হোডাইট সাছের হর্তনার চীন জেপের আ হার বিবার এক বক্তৃত্য করিবেন বিজ্ঞাপন করিয়াছেন।

হর্ষণার্ড, কাংগ্রাক স্বর্গ্র সিন্ধের বিভাগ্ন-কবিয়া শিক্ষান্ত করিয়াছেন বেক্টেন বেকটাল সাহের আপন কর্ম বিক্রের কিছা আর্ছেক ব্রেটনে, পরিভাগে করিছে পারিধেন।

নিনিলির লোকের অভিশয় আনন্দ এবর্শন পূর্বাক ইটালিব রাজাকে নমাজ্যে এবণ করি-য়াছে।

নেশল সহিত ইংরাজনিগের কার্যকারক স

কে হতসন সাহেবের কার্তিনাল আন্টো
সির সহিত সাক্ষাৎ হটয়াছে।

তুৰক সেনার। হারজি গোতিনার বৃত্তে ভইরাছে। এডাগুল জনরৰ হইরাছে। থের অনুকৃতে বে মন্ত্রণা হইরাছিল লিটারন বর্গে প্রকাশ হইরা লিন বংলা ডলভিড হইরাছে। নেনারা প্রকাশং গোলা নিজেপ করিলাছে।

২৬এ মে পর্যান্তর ইউরোপী সমাচার।

নেনাপতি বাহিলনের অধীনুত্ব আহে

র গ্রহণ্যেন্টের লেনার। উইলিরীন্বর্গ
অধিকার কবিরাছে। বিজ্ঞাহীর। নিকামিত
বাত পারে, পলরন করিরাছে। অনুনান
গিরাছিল তাবার। অগ্রনর কইরা রির্নত্তন
ললুবে বাহিবে। নেনাপতি ক্রাক্তিন উইলিরনস্বর্গে বাকিলনের নিভত এক ক্রিড ইইরাছেন।
বিজ্ঞোচীরা নরকোক নলর ত্যান করিরাছে। ইছ
করিবার পূর্যে তাবারা নেরিবাক কাছাত ও তর
ত্য অন্য অন্য তব ওনমুনার কাছাত ও তর
ত্য অন্য অন্য তব ওনমুনার কাছাত নত করি
রাছে। নিউজনির্গত অব্ধি ঘেক্ষিন প্রান্ত
নিস্নিলি নদী বিজ্ঞোহী শুনা ইইরাছে। নেনাপত্তি বরোগার্ত করিছে আছেন।

ওয়ালিংটন নগরাখিত অভিনিধি সভার ই'' নাইটেডটেউনের সীয়ার নথো জীত বাস ু'' বিষয়ে এবা উঠাইবার এক বিল বিধি জ ইয়াছে।

লগুনহিত আনেরিকার মৃত এবিলিনে-ট-লিয়ার জালাক কিরিয়া পাইবার প্রার্থনা ভ্রত-ন ক্লিড তালা অপ্রাহ্য বইরাছে।

মেকসিকোশ্বিত করাশী সেনার। তরতা রাকথানী সইবার জন্য জন্তবিধানগর অধিকার
চরিয়াছে। স্পেনীয় গবর্ণনেও সেনাপতি গ্রিমের
কার্যের জন্তবাদন করিয়াছেন। করাশী নর্ত্তি
সম্প্রদায় এই যুদ্ধ সম্পূর্ণ ন্যার্ডিক বলিং
হেন

ट्लिकारमहा देशकोत कार्य या ७ अलियां इ भवर्गार केंद्र अञ्चरद्वारथ जीव द्वारका ১५ ७১ च- | किएक के किएक मा नारक्व आंश्रहार कर्य वा-क्षत्र मानम क्षशामी भूमा भूगम भूजिएक जन्मक ত্**ইয়াছেন। ইলেটার স্থানীয় সুট্রেল্ল এডি অ**নাদৰ श्रमण कराएक श्रमित्रा ७ सुनीवात भवर्रामणे भवन्मारवत होन्यांनी परेट्ड निम निक प्रवस्थात এক্তাপদল করিছে আবেশ দিরাছেদ

৮।বভৰবীয় পাঁডিউ জুমি বিজয় সাইয়া হাউ-त अब क्वटका घटनक छई विषक् इंदेशीरह ।

माळाट्यत लिंदिका क्रीएवत नवादवत ग-ক্ষেত্ৰ আবেছৰ শ্ৰিয়াহেৰ ২৭এ মে বেলি গা-८इव श्कित व्यवस्थात्म - १४ । असीम कनिएरम ।

कात्रकार्य हीनामा ७ क'लारमय बार्यक **#'ক্ষাপন পত্ৰ প্ৰকাশিত চটয়াছে।** সুস্থন " कावि होका।

🐇 ২৯৩ মে পর্যান্তের ইউরোপীর সমাচার।

ইকার বিজোধীর। অতি অসুখলাবহার क्रिश्म राम्हाकांत्रम कविद्युद्ध । मार्कि-ীবিবের পচ্ছাৎ পচ্ছাৎ গমন কবিজে मंबर्धमा केत्र क्यांत्रां कतिरम्य निक्रि क स्वेद्रोह्य । यद्रात्रीक व्यवग्रीविट केरन शांत्रीवृक्षक कहिएकदश्य । विद्याशीया व्यवि নাশি লাহাত ও সহুদার তক নই করিয়া দার ভাগে করিয়াছে। জাক্তম ও কিলিপ वर्गट^{कर} खेत । समागारणत व्यथिक इतेशा-ছে। বিছে দীর। মেমিকস ও বিলিসিপি সদী क्षेत्र नकन दाटन जुनः वके कत्रियारह ।

যে সকল জাহাত আনে বিকার কনসল বিধে-द्र अञ्चलित गर्म नहेरद (१) अपूनांत्र जान तन द्रन क व्यक्ति मनदत्र वानिका कतित्व भारतित्व। जीख দ্বাস রাখিবার এব। উঠিয়া থিন,ছে। প্রতিনিধি গভা এই দিয়ন বিধি বন্ধ কবিচাংছন। নিউআ পালি বপরে ক্রিল নামবিক আইন প্রচলিত etrice !

गदर्वायक विकाशन। वाकानारकभीय स्वर्धनके वदारवद

व्यादनमाञ्जभाषी निदशांग ।

ব্যক্তিয়ার তেপুটি বাজিট্টে ডে, আর, चानाम मारहर को क्यांति चारित्र एक भा ্বাস্থ্যায়ে সেলিয়নে অথবা স্থত্যিম কোর্টে সমর্গ-स् क्षित्रोत्र त्यांकक्षमात्र अध्य विठात कतिव्यन ; बाह्य, प्रध्यकांक महाराष्ट्र कम्ला भागेरस्य ।

কল্য পাইঝের লাইট ছাউনের অপরি-ভিবিক क्षेट्रक क्षेत्र कारणकेश्वर मध्याविक क्षा क्रिया।

गव क्षांनिकोली महस्रम बाबू छेन्नवर्षाक घटछह অমুগৰিতি কাল পৰাস্ত্ৰ অধবা নতদিন অনা कांन जाका मा द्यं पर जातिहै। है परक्रम मधु-ठळ **इट्डोगोधा'इ उपम्**राकत हिक्किशाब कर भावेटवम् ।

नव कानियोके तड़कर नमानान धान श्रुनियांत्र म्इनहिक्शम्बद्धाः क्षां क्षांत्र अहित्या

निज निर्विष्ठ मुनदमक्या ১৮ ६५ व्यक्ति ५० আইনেৰ ১৫০ ধাৰা হুদাৰে ডে খুটি কালেকটবে-व कमाना भारे वसक नारहेरिया शासू जांधकि দেব ও সেরাজনাঞ্জ বাবু জীলোছন ঘটক। বা-करांगी। यांत्र अमृज्ञांम हत्यांभाशांग्र वि.ज. ति, अल, विकासीना वयमन निश्व व तू उत्शिक्तक ही शाहिक्य वाँछा भारत्वता किल छ।का । बद्ध वि.श्रेम, डेम्प्याः, वीत्रकृषि । बांयु टेवक्यास्त्र मान ८३)क्ष राक्तश्रम।

> राद् श्रीटक बाब ३४ ७० व्यक्ति ३२ व्यक्ति कामूम्हत गरन'इटनव कारममर ए एडमूहि काएन- विद् श्रीवस्त्रना एकवेची कृत्रवाहक्षर अहिनिक কট ব চটবেন। ১৯ এ জুন আঁচাৰ পৰিমা ও মন্ত্ৰ-मनी श्रेष्ट निर्मारभेग स्व कांच्या क्य कर्त्वा है। দ্বার: বহিত হটল।

->ব, ক্ন। কুমারশালিব ডেপ্টে মাজিযে,ট ख एक गृष्टि कार महोब ४५, अम, विभि महिन्द क्षिप्रभूटन वम्भी करेवा उथांग गालिएमे दछन मन्त्रा क्षत्र छ। शास इहेटबन।

ভেপুটি মাজিখেট ও ভেপুটি কালেটৰ বাবু भूतिक प्रथानामात्र क्यारथानि विख्याप्य ভার পাইবেন।

१वे जून- जनद्यवस थ, वेडडन वजद्यभीप्र श्वर्यदम्दर्भेषु अधिनिधि शिटकार्गेदि इहेटनमः ভৰ্তিউ, জে, হৰ্ষেল সাংহৰ বেহেনিউ:বা **ए** ब अणिमिथि कृतिशय म्हारकोशिक क्रेस्न।

है, এ मार्ट्य मनीवांत शिक्तिधि मोचि-८ के के कारशहेब क्ट्रेंदिन ।

五日北京大學者以西報班通道 5 人名马萨 北 टमकेव है, वि. लेखें बार्क विकी में पूर्व राजी बहेबा क्लिक्सानि व्यक्तिनंद १५ देशिक्स विकास क्लिक २२ वातालगात विकीत व्यक्ति वर्गन त विडीय व्यक्ति व्यक्ति माकि वृद्धिक किर्मार्की अधिका।

विवास श्राहत रहाभूति मालित्यु है व रहाभू-টি কালোটার জে, বি. প্রাট সাংখ্য ছার্ডায় मार्व धारमात्म वर् अधीन मामिरकेटहेत , इवेटबन। क्षाडा भागेत्वत ।

काष्ट्राटपुत्र स्नुदशक नांबू बासदशांनिका एकत म् छिट्छेट्रेस न अर्व कवाछ। गाहेरवस ।

त्तर्वेगले अम, जूने कांगारमह अक सम भश्योदी स्त्रिमसद् शहरवस ।

নিমলিখিত কৰ্মচাৰিবা লেপ্টনন্ট গ্ৰণ-दात को नियानय २৮ ७२ चास्त्रव ७ व्यक्तिस्त .৯ পরিভিন্তির ১৮৫৯ লজের ১০ ত,টনসং-क। इर्देशककां मात्र मालीन अपने कविट शावि दवन ।

ন্দ্ৰীয়ার অভিবিক্ত ক্ষিত্ৰকে চহকাবী श्रक, दविक निका माहित।

क्षियांव हाडि धानामाञ्चत कथ ८, टिन्न-श मारवन, माखिश्रावन इ्डियाम माउद अक्ष योज् छुवी **अ**श्रम (बाह्य ।

क्ष्माविष्याद्वत ८ हा**डे का** भारताहरू सक वायु च प्रकार शोध कांद्र :

क्षेत्रिंत कामुणीं वांशांगरकृत मुन्दमक वांजू ककित'ल'ल !

প্রতিবে অন্তর্গত অভবিয়াত মুন্দেক বায়ু ८शीकुल शिष्ट

পৃথিয়।र अध्यक्षेत्र कुल्मास्य भूग्रामक যুনঃসক্ৰয়ালবী লামনত চে দেন

८ हे जुल। बिभू लि बिड लक्षरमारमय भूभिरहरू ৰ সাধাৰণ বিদ্যাদিশন কমিটির সভা হটবেন।

क्रि, उर्रक्षेत्रे अमे जिनमेम गाहिन प्यत्रिक्ते, किल्ड (श्रीतिक मार्डिं)

৬ই কুন। চট্টাবের প্রতিনিধি ভেপ্ট माजिएके हैं व रहपूर्णि कार्क्टर बहु, खब्किडे, यात्रगत्र मार्क्य नल्हाभान्मिर् यम्भी वर्षेण कोक्रमंत्र आहेरनद्र "२२ धाराध्रमास्य धार्यम ध्यिषित सरीम शांखिरके एकेन कमका शांहेरसम्।

প্রথম স্থিত পুলিষ সেনাছলের লেণ্ট্রনন্ট णि, श्रद्धमात्रम केला क्षात्मम अन्तिनिध स्थापन

अवन ग्रनिङ श्रीत्रम रममाम्हलय महकावी रमभाष्ट्रेन वे श्राप्तक ब्यांनी खेळ मरलव अखिरि--पि च|चक्रिके व इत्यम ।

खिरक, विशापि महिष्य में भिक्तान निप्तमाप अकं अन महकाती कविननव इहेग्रा कि अमानि माजिटके देव कमडा भारत्या

ৰম্ভ দিন বুলনয় সংহেদ বিলার জডিয়া অন্ত-गिष्ठि वीकिटरान व्यवशा स्वया द्यांन स्वासः मः इश्व. कि, बन, रक्शान माह्य जानगाव रुख विवासी करेग: क्योक्सांति व्यक्तित्वत् २२ बोलांसूर्न का और्क ह्यांक्यांनास्तर क्यांक्र मिश्र श्रद्ध सम्

প্রেরিত ৷ গ্রীয় জ লোমপ্রকাশসভ্যাদ্দ बर्गित्यव ।

धानवल मन नका, हुःचं बांद्य पादन। हिरा विभि वीश बादक, जब्द काम शारन । मह नग्र । जांभनांत्र शांमधानां म प्रशाक-लि उ व्यासन भवस व्यक्तिम थ्रम ए हेवाइन मान्द्र नारे। स्तर्भ असरी ना निरात्र कतिएक अस s উন আৰু ৰাই ছউন, জাছাকে মনোধাৰ **উ**ছু-थातेम कतिकः विद्यां स्थम हमारेक क्षमन्न छात्र बहै-তে উন্মুক্ত হয়, দেইরূপ এ দেশীয় লোকরা াে শােচনীয় অবছায় নিশতিত হইলে যদিও শোমপ্ৰাশ হটতে সাহাব প্ৰতীকার না হটক গ্ৰাপি ডক্সাংগ কে,লক্সপে ডাছিবল **প্ৰ**কাশ কবিত। আপদানিগকে কুত কুতা ব বোৰ করিব। ব কেন। চি লোমগ্রহণ আবাদ বনঃগীত: অপনৱন কৰিতে সমৰ্থ চইবেন ৄ এমন ও জা-শ। কৰি মা। জখাশি খে তাহা '<mark>লাপনায় ঞা</mark>ভি ্ণাচৰ স্বিৰায় অভিলাধ ক্লিয়াছে তাহাৰ কাৰণ কি। কেবল মমোভাৰ কাম্বর করা এক मात जिल्लामा क निरंदन । महालेत् ! यहि काम उभाग्न वित्रा दिएक भारतम अवनाई कृतकाता শৃতি জ গ্ৰহণ কৰিব।

ষাশ্যৰ বিপদেৰ বিষয় জাৰণ কৰিয়। সাধা-रावा क्षांभाउतः वात्रा कवित्रा डेविट्ड भारत्व বচে, কিন্তু মিংস্পিক চিত্তে ৰ'লিজে পাহি সন্ধান ध र शब्द कांछ। तनन कवन है आयांव धाउ সক্ষণ ন। চৰহা থাকিতে পাবিধেন না। লোক ^{ন্মতি} আমার মহা বিপদ কানিবেন। ছয়। तम्हे न। हेण्यां क्या क त्रान क्या क्या का क्या ছিলেন, কেমট ব, ভাভারা টাবাকী বিদালের भगव कामन कविश्वम, (कमरे वा छाड़ांद्रा अ দেশের শুক্ত স**াধর সংক**য় করিয়। কুসংখ্যার নাশক বিয়া। শিক্ষা গ্রন্থানে প্রায়ত ছইলেন। চা পিতঃ আমাৰ এতি কি আপনাৰ এগাচ বেছ চিল ন। ? কেবৰে অৰ্থ লালত। আগনাৰ সেসকে সহকে পরাস্ত করিল আপ্নিই জানে-ন। জথ লোলুপ বইয়া বলি আপনি আমাকে देश्याकी विमानिया ध्यात्रम् मः क्रियक्त छटन छ आमात इक्लांत महारमा दिलामा। आमि यक भरक् अ अधानकमिरशत ह्यू क्रांग नर्या अटबन क विश्व भारत्रकः विश्व नाम्ब्रिटक्टे सम्ब दूर्णन निक्र कतिया वाबिहरू [शांतिकांम, वनि छारा-मिट्नत विश्व प्रदेशात क्षीतीत नानशत क्रमने चागात मुके शार्व जीविक इदेक, कामा बहेता कि

গৌজলিকতার প্রতি জালার জবিদাল জয়ে , তারেন সাংস্কাশর বলি ক্ষর বিধারণ ভাষা ঘটটো কি বিভাগ ধর্মের আঞার এবে তার্ব/তনা সমূহ আমাের গৌচর ? क्या चानि उन्नता हरेगा तकारे, छावा श्रेरत कि आंक शक्त कामात हिल कामर्शन शहे इके- कि अग वहे क्रमकारण काममारक तार CDम । भी समिकशन ' ८ होर वा आवात विकटि কেন এমন কৰাল সৃধি ধারণ করিছেছ, ভো-न 'रमर अर्थ न होने ना ठकेरल 'क चामान नन चारकुर बनिया निवाद चारणाम करत ভাগ, পরিভ্যাথ করিতে অভিনাতী হইও ন।। খাদিখের কি মুদ্দশা ব্রাক্ষ নদালে ৰে অভি দীন ধৰিত, ভাষার আঠি ভোষাদেব এত নিৰ্বাতন কেন > আনি সভা ধর্ম অবসহন করিয়াছি কলিয়া কি এত অত্টে প্রকর্ণ করিতে रह, द् आकारना भावि मध्य कतिशाहिलांग তোমার উপদেশ পালন ্তলিগ আপনাকে প্-ভত্ত অবস্থা ক্ষতে বিম্ফে করির। কিন্তু সোক सर क्षेत्रीय बटन धन्नि मृष्ठतक्राल वस्त्रूण र-ইয়াছে, যে আৰি ভোষাৰ আতার প্রচণ করিয়া वक्षा मानावर पूर्व कविष्ठ भाविष्ठिक ना। তে'দার অতি বধন এত ঔদাস্য কৰিতেছি: खनम आमात क्षत्र क दश्य शीक्षिक कडेटर है कल्लामरमन विका श्रीमाक्ये विवि ছিব আছে। হে বন! ভূমি আগনার পাছে আপনি কুঠাব এলার করিয়া কেন বিপদ্মান্ত দ্বীভেছ। নিশার জানিও বডলিন ভূলি সরল ভাবে সভাব সহিত আপনাকে অমুবদ্ধ করিবে, ভজনিৰ ভৌমার ছাৰ বালি কেইই মোচন করি তে পাহিবে সা।

घटमरक रजिल्ल बोरकम ८० गालांबा क्यटब সভাকে ব্লক্ষা কৰেল'এবং সাৰাজিক নিয়ন প্ৰি-পালনে বিষুধ হয় ন।, ভাহারাই একুড চড়ুর। वरामकः विकास कि छोडा जिल्लाव वर्छ कुला-পাত জীৰ অভি অৱই আংছে। ডাহালিবের মানদ ভূমি 'দিবু দ্বি আর্থনীয় বিলাদ ভান কানিবেন । বর্থন হিডাভিড জানের কঠোর অভুজানকল অবহেলন প্রিয়া কোন চিল্ফু डेरमदर डीइर्रेडा थहल इन, उपन प्रमाजीत मा-श्रशंनि आणित। कि छाँशांतिरशत क्षतरक कछ विकड करत मा । धर्मानश्रेख पुष्कि। विद्यान প্রতি কিচুডেট প্রকার উদ্ধানইতেছে মা, অবয় वीबुक्तित्वत अञ्च बळेक व'ट्किटशेट अञ्च ब्लेक বলিয়। ভাছার। প্রতি মুহর্ত আপনাবিশের চরণ ধূলি ভাগদিশের শিরোদেশে অর্পণ করিয়া আশীর্কাদ করিতেছে দেখিরা তাঁছারা কিছুঃগ अकारन अममर्थ मृत्यन गाम अस्तम असंस्थ অইরিয়া মধে না ? কডকখনি আসন্য প্রায়ণ, वर्षकाञ्चास्त्रित, कृत्वावद्वत कडेप्रांतक निर्का न कविनाव कता कांगनाहिकटक निश्रंत कार्य बारत बांधा व्यक्तित्रों कि केंद्रिता भरत बुरत क्रिक

ना करे क, छार। बहैरल छीवादिरवद भावि करें कतिजान ना। श्रामद्रावः इरे. ७१३ त्रशृद मध्य काशामा निर्देश हिटेंछरी (नांधुभनममीत्म निमां म कतिएक गाति मा। यथम गविज्ञ मर्या नव्रत स्वव नाधुन्न गविद्विक प्रेवा व्यापारक रोहरभवद्ध मनावाम क इरे. उथन नमा गारेश जासना हित्त्वत्र अवण विकृष्टि अन्नार्वेशः। त्य नमांव कन्नाध्य जानवादक क्षेत्र व नि मिरक एवं। प्यानम लोक क्षेत्रा क ক্ৰণ্য কৰিতে ইন্ছাছইলেও এক দির। জলধারা বি নিগতি চল্লা। (ए. (क्ष्मवः) **चेत्रक**णिता श्रेत्रा केश् निविचेठित वरेप्रारक्ष, देश नित्री देव কেবল জাপনাকে বিভার দ্বিতে ব 💘 সাধুপণ সমিধানে বাই, তথ্য আ 🗸 🥞 র্ভাহাদিশের কুপাদৃতি নিপতিত হেবি रवन अवद्रन कतिएक काकान क्षेत्रां निर्माणिक कि रक्त रहेत। गढ़ि। जानजात बीजां वर করিয়া ব্যাক্লিড বই। বাছ ভাঁডুার্ন গোঁতাগা জাঁহারা অধীনতা জভিতী ভিজন করিয়াছেন; কর্তব্য জানের পালন পূৰ্বাৰ ক্ৰমাণত আভাগ্ৰালীয় লডে तिरल्डाहम , ब्याप्यत कृतीकि । क्रमश्रकांद কৃত করিতে বস্থানীতা ধরীতেছেন : ক্রেন্সে क्षारत ७ वरपूर गांवजी वरेप्रारहम, अवर्, क जागनामित्वत नदात गा**देशक्षत** ।

महामन ! वहें क्रम मां. श्रीक्रिकी সজে থাকিয়। ছব উপলব্ধি করিছে পার্টি उम्बद्धान नक द्वारा नाविकास्य नवद নকি বলে পড়িয়া প্রাণ হার্থিবার ই र्वेशारकः। भी उं और पत्र मणि प्रभा नगर कि भन्नम प्रमशीन कांग शानन केंद्र। किन् मीत गंबि चुन अञ्चार ७ शासार काम ८ কেবল চিভাছরঞ্জন কবিরা থাকে। কিং গৰি বলে অংহিতি ক্রিয়া আসনা ক্রি হইলাম। হে অংহণীর আতুরণ! জাণন[,] यांत्र महून लाटकत कांव विद्यालय कति रोत अपि " " पृष्टि कहन । आंगनां

क्नाहिर हू। च 'खाद्राक्ष'त्रमा।

ার প্রীযুক্ত নোমগুকাশ্সন্ধা-, एक बहानम् बबीएशवू।

^{के} निर्माणां ! कि नतवाकत ! म शोहक रक्ष भवनक सार्वन व जिल्ली र फिल्कामाविष बहावि भीषा तिष्ठोटक, व्यत्नदक नित्रका निरक्त 🚉 , 🗷 भथाजार मृङ्ग् इस्व निगडिङ वांत्रा जीविक जाटबम चीवांनिटरावक गार्थि निर्केष श्रीकात वस वहेटछ ,) भारतन माहै। अवस वितन बहेन बि<u>र्म</u>शीत निक्षेत्रको भवत्रभूत ७ नागः-ं डेल्व नामारक बारमानशासि श्वाम महाम् स्टेरबाड विविद्या विवाह श्रीम स्टेशाम । हत्यकि वार्थि काशबर्गत छैगात नकन रबांद्य, काम ज़िला महबर श-क्षेत्रेटिकट्ट कान निर्ध जीटनाक वृद्धा मृद्धा र्नेन । मूर्यान्य कावाकि अवन क्या, छेनार वन-াণ্ডৰাৰী স্থান প্ৰস্তুত চ ইডেম্ছ, বাহার। ﴿-পভাবে আজিও জ্বের ছুর্লোচ হস্ত হইতে ্রজাণ পাত নাই, কোন কোন মতারারে, এরপ हैरका निक्षे रहेरछ छैर गीड़न के विशा अर्थ शर-**मंत्रित्याहम, एपि (कण उर्शाक्ति वर्षेत्रांत** ै। के बाबुक वर्षशास्त्र क्षत्र हरेक, छ। हार-আছাৰ কৰিতেন। মহালয়। ধনেব মীন। কি

कारत विकारकहि क्यांस वरकहे जांश- अक्षाद अवार्थित स्वार्थित किया है वर्षिक के विकार कारता स्वर्थ आवहत यो व्हेटनम मा। आश्वमांका लाक व्यादिक नियम सम्मदनह उत्पाद प्राप्त नाम । क्यार क्राप्त करेट अस्कृतिका नीटक शक्तिका न हेच निका नकरणबर्दी स्वरह जला- त्यांन मालिय क्या किकिश्लोद अल्य म्याक्तु "- व्वेद्धाः है। त्यासकर्त एक्सीस कला। हैंड महित्य क्रियों शांडेम, बर्र क्रम- मालि वन अस रहिय रहम, त्में उन्य साहित

७२१ छाण्डि ३१५१ णसः वराष्टिर सर्गतना

মানব্র শ্রীয় জ সোমগ্রকাশসম্পাদক बहान्द नबीद्रभव ।

मण्णातक महानगा वक्राम्टनम् स्रीम विश्वयुक्त नवांव व्यक्तिय वाष्ट्राष्ट्रक शबंदनी निवर्गन दर कि किश्नकरक निरम्नाकिल क्षिमाहिरमम, दिनि अ-ৰহ ভাষাৰ পত্ৰ কৃতিৰ টাৰা কবিখাছেল বলি। অত্তর মান্দি উট গড় লবিশ্বে দিলা ভূতীয় প্র ছনেৰ সমান্ত ভাঁছালিশকে ওলক কনিয়া কাছানি তে লইয়। শিক্সছিলেন। ভাৰাবপৰ নেশ্মহতব **गटक्य मारम्य स्मात्रमान ७ चार्याको मान्** हाम-ন্তুব্যর সেন হাজিত জ্যাগন হুইয়া পিত, ও পুত্র উভয়কে জানিয়াছন। এডান্ডিন টাকা কৃতিয় ক-বিৰায় শন্ত্ৰ, অন্ত্ৰ শন্ত্ৰ অভূতি যেখে ৰাক্তিৰ ৰাটা ष्ट्रेरे वृश्वित बहेम्र रहे। उनिमिन्स बाम्क रम ওয়া হইরাছে, মহালত: এটা বড় কম গটনা নয়। ৰোধকৰি'মাজিকে ট সাংগৰ কল্পে ছাড়িবেন ম चमा बहैगर्वास त्रहिन।

वरत्रभूव ३२ जून ३४-७२

মান্যবর প্রীযুক্ত সোমপ্রকাশ मञ्जानक महानारमञ् ।

সম্পাৰক মহালয়। গত ১৮ ট জৈছে। এই A ক্ষেত্ৰ গুণ প্ৰস্তুৰ ৰলপূৰ্ব্যক ভাহাৰ খনি বাটী কলিকাভাৰ কলুটোক: নিবানী একটা ভন্তলোক (बन्धानद्य विवा शांध्य देवाच कहेत्रा देनशक्रीत , ঃ! কি । আক্রেপের বিষয়। ইকাতে জুনু কি সভিত্ত ভালের উপায় মৃত্যকরিওে ছিলেন, নৃতা শার বলজুবা উল্লিকে প্রাপ্ত হউবে দিন দি- করিতে করিতে ডাহার উপপন্ধী ভাহাকে উপভান ইছাব প্রোরাম্পাকর কার্যা ছাব। ই জ এ জিলা তুনি আবাকে কেনল ভালবান বিষয় ব্যব ভাগিনী করিতেছে। হায়। বালগুন। স্থানী বুনি হলি এই ভাল হউতে লক্ষ্যিয়া ৰ বাদ মহাশ হয়। আপনাদের কি ছট নীচে প্ততে গাৰ তবে লাখি ভোষাৰ চিব-भूशिन अबन यह आहेरन ना २ त्वन अरबरक- कारमद मानी बहेंगा शक्ति। बोद्रशि अरक मान किन गांड मिन अबदेश हरे ,थाटक बनर | मह बानत्यात शतिनीय मारे, कीशांटक व्याचात

मिर्शत नाम ब्रधावकी बहेबा शक्ति- शकाम क्यू ३ एउन खाल्याम कि मान बा बडे विश् क कि पिन शाक्रिए शास्त्रन, रात्र कि छ द শকে ছিব ভিন্ন কৰিব। কেলুন, পৌ- বারিপ্রায় উৎসালিত ছইয়াছেন - বচারে কি বার্লির স্বকারি আয়ে ভার ছইয়াছে, কস্ত পদ ह क्रमांग्रेफ क्रेंद्रभीकृत क्रित्र। १८०म - गर्काम्पारम्बद्र व्याद्रमण्ड हिन्नू क्रमें, १७१, १०१ क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रमानिवादक, क्री-क् उ कतिया विकेत । आश्रमाविष्य न विश्वयदे आध्याम राक्तिय । द्या १ य प्रत्य वर मध्यव । विकिथनाटर्व क्लिकिशन

२ प्र'-- ग ७ २६० देखाहे (त्या) श्रीप्र १७३ कर्ष निकायन यात्रा व्याद्यकाद्यक किंग, बहेक्कण द्वा वाट्य निग्न क्षेत्रकात । कार्य क्षिकाद्यात वाटकारे, वीनद क्षामन । क्लम !- वन coinis कि aup - ए। अकि मक्ष मध्या कार्यिक नाम कार्या निकर किटामाहन हुतीय जामक अब शास्तिय . নাড়শ বৰীয়া স্ত্ৰী উত্তৰ্তন প্ৰাণভাগে কৰিয়াছে, জাননা তব্ৰদিশ, ভাছাব কাৰণ জানিলাস কে-करनाइन क्रुकोर काविषय श्रवमावाणक । १९६ काना हो लागा व व नामाहद० इद्देर ह दिवस ছটবাস বিমিন্ন অন্নবোধ কৰে। পাঞ্চিত্ৰ ভারে। ना एकिंग समीमा होत्य खडाइ छर्नमा क ব,দে ছত্ৰান, পাতিপ্ৰাৰা স্ত্ৰী ছুংখ মান্দ্ৰিক कार किष्ट प्रशास कवित्तक मा भगवित्र। वेस्त्रसन क्षा , रक्ष म प्रत्येत दुष्ट मधिय।दह्न ,

असः कवाहित शृङ्खान माहब्ब शीहिड ৰট্য। এইক্ষণে কলিকান্ত,ন শ্যির ছল্পিটানে स्रोतीक प्रवेश रहत । वेहान कालाह असीव स्र विदल । भा अर्रक व विजया कथामके दर्श्य क्या मा क्षमा हैर

क्रावर्ग केवटा

(अ त्र क्ल कार्यक क्रिका

3265 .

गनाञासि।

बीगक रुरेट्र विविधाल छात्रुंब बर्क्साव ১२ ७३ खांबाह सर्वाध अधावाद्य **भवास** (क.^५ । ঠাইরছাল সেল ক্রিছাল,

১२७৯ देवलाचं ध्वदिष ज्ञांचित्र **श्वीछ ट**लाए । इर्शहरण मणी कांभक्षा है।

>२७**৯ रे**श्नांच सर्वाच काचित्र शर्यांक कर्ः त शक्षां व व व वाकीश्व

३२७३ रेकार्ड कार्या कार्डिक गर्यास त्वा॰ त ८४८मळ नाथ ठाकूर मतिकाछ,

১২৬৯ জাবাঢ় অৰ্থি ৭০ জৈটি প্ৰাপ্ত কে: ১৮ कर्ड हेन स्थायाचा भटउगरू

५२७७ स्थार्छ अवधि अर्थित शर्वास स्कार व वर्षन्तं मक्ष्रहात क्रिक्कि।

>२७३ कारोड कार्य अग्रहादन गर्वास कार ह नवबीगहक बाक्यांची विकास

>२७७ टेका७ अर्गाप क किंक गर्राञ्च किं।° स् মাহশাচক বসু কলিক'ডা

3२७३ जांगांत जार्गाम व्यथश्यम शर्याख एकार ह

वर्षे श्रेष्ठ कतिकार्यात् मिक्न भूकी मोखना दक्ष स्टब्स् त्मिश्रम् व्यम्बन विकार हार विद्याचा आहम के पुन बांबकांबाय निमाक्षियत्व नाकेटक कावि नामवाब क्षीर्ड डाक्स्निडक्य ।

मियशका

" प्रवर्णतां प्रश्नतिश्विताय पार्थिवः यरक्षती जुतिनश्वी न श्रेश्वतः

_৪ জাগ । ৬৩ সংখ্যা

मन ४२७२ । ३१ जायाह। हे॰ ३৮७२ । २० इन

ではなりに作返げる

নাগিক সুলা ১ টাক্ট্ৰাড় ৰ'বিক আব্ৰিম ১০ টাক্ট্

मन्या प्रकृष्ठ विकालन ।

ক্ষিকান্ড। ভ্যানীপুৰ প্ৰাঞ্চিন্ন প্ৰাঞ্চন গকে কানান ৰাইডৈছে ৰতনাথ চক্ৰবৰ্তী নামে ' যে একেশ এন্ড দিন আম.পিলের সরকার ছি ধ্যুন আমলা ভাৰাকে 'বিভাগে করিলাছি। গভংগর ভার কেই ভাহার নিবটে লোমপ্র ক্ষানা কেন!

বিজ্ঞাপন্।

তাম " চেথ্ন ফ্ডিমেন্ট্ জান নলৈজ গ ন'না পুতারে নিনি কে (জাগবছি , প্রস্তুত ' কারো স্থিত ক্যিরাছি মুক্য "৯০ জানার নাহার প্রবোজন হ , ডিনি জানার নিক্ট অথবা ক্রিকাড়া প্রেসিডেলিডেবে মূল্য পার্টিল শাইবেন ।

न १६मा भूत निहित्तकः।

· हें जास ह म्बर्ट अरू !

औरदान कामांच क

दिखाशन।

নাই ইলিবাল লাইবেরি। বাবেল খ্রীট

না ৬ প্রেনিডেলি কালেকের বাললার ক্ষগ্যাপদ প্রীয়ুক্ত বার কুলু করল ভটাচার্য ফাল্যর
উচিত্র ও উচ্চান জ্বেরি রাজা শ্রামক্ষল ভটা
চাগ্য সহালয়ের ইচিজ্বে সকল প্রম্ প্রকাশিত
ইন্যাচে এবং ভবিষ্যতে গাহ্য প্রেকাশিত হই
বে সে সকলের মুল্লাকন ও বিক্রেকের সম্পূর্ণ
হার আমাদিখের উপর জ্বলা করির ছেন।
নাত এব উদ্ধা প্রম্ব ক্ষামকল ইলো
ভাগিলাকের প্রম্বালয়ে পাইবেল। নির্মালিথি
ভ প্রায়ু সকল প্রিক্রার্য প্রস্তুত আছে।
বেক্রের মুল্লার্ড (শ্রামক্ষল ভটাচার্যা

গংলা শুর ইণ্ডিহাস (ঐ রাড) . .

গুরাকাঞ্জের রখাজ্মণ (রুফকন্স ভটাচার্য্য কড) . . .

ですってか

বিজ্ঞাপন। বিশ্ববিনোদ নাইক।

প্রী কুজ বন্ধাথ বিএ প্রণীত উক্ত নাচক সংখ্যত যথে স্থিত হইর। বিংয়ার্গ প্রস্তেত আছে । প্রাধ্বন্য বিধা বিশিত বিকাশ স তথ্ করিলে পাইতে পাশ্চিন্ত মূলা গ্রন্থ আনা সংগ্রা

কলিকাতা ঠনঠনিয়া, ১২৬ না ভবনে সংজ্ঞ পুত্তকলিরে পটনভাঙা ৮৬ না ভবনে গুপুনাদ্রবাদিনের গুপুকালবে লাল বাজার ভিরোজারিও এও কোম্পানির লাই নেরিঃ

বর্দ্ধান রাধানগর ত্রশভার উপাচাণ্য। জীগুক্তা তুর্গনিক কবিরর মলাশরের নিকট

দোমপ্রকাশ।

54ई खासाम ह्यानवीय। श्राह्मीकार्थी

अक जिटान भन हाई काई (केळ न विष्ठानाम) इंग्यान ननम चानियाद । देश्ल एक्सी अहे मनम भव छिंदे त्याक है।ति हाता ध्यान कित्रमाण्य । अना कू लाई ज्याब हेग्न काया चान्न हरेगान महातमा चाटह । मुख्या कार्डन वर्षमान विष्ठान कार्य , मन्त चामाला करमान, कुई जम वानि छेत्र कु त्यान छ नुहै सांक

সন লাহেব বিচারপত্তি প্রাণ মনোন हरेशारहत । यातू त्रमाध्यनाम सांत्र चारतः লাভ করিলে এতকোশীর বিচারপতির ' সম এহণ করিবেল'। পাতাবিদ্ধ ব্যাসর হ ल, এ म्हल देश्त्राकिरशत त्राक्ष व शास्त्र, ज भगान चात्रक विवद्धके हिंद यकः विकास विवास वेक्ट्रामीत के के ह শীর বলিয়া ভেদ করা ইইভেছে! কলং केउदा जूना नगर, जूना कश्वानी, चूना अवनीम इरेटनच व दन्नीवरित विकास वह विमान्य रहें। चानिताहर क्कि मलाकि रेश्नर अवती चांस्वीकावावूनि शक्तभारमूमक धरे वमर्कमात्रेकी क्षेत्रहरू केलिकि अधानका चामानक म्हेले तिक कृतिशास्त्र । नका वन्तर्राक्षेत्रका है कृष কাল প্ৰদেশাক্ষুবিত ব্ৰেৰ্থায় मका ममाटक निक्कि ए छेलेर्निक क ए भारत्रत । जायता छेभरत रव कर्माम विवत केटलेच कतिलात, काश क्वल बे (सर्ग **केळका जामानक जागतक जाम**न मत्र, जामत्रा रेराटक धरे जर्मि व प्रिंट्स हेरद्राक्त काकित काशीतरकत नर्गक्ता है बावहादवब छेब्रूमनकाती जनस बिलाम व १मा कतिय। अहै भागानंत्र मश्यानिक क्रेन, अकृत्न अ त्मरण विठात ७ जारेन আভূতিগত যে সমত পক্ষপাত দোব আ हर, छाहा कारव छेवूनिय व्हेर्द गरमह बारे। याश रहेक, व्यक्त विवद्ध वस्त्रवा वेजेट्यानीम ७ म रक्नीत छेजसविध

রপতিই জুলা বেউন পা ्त अरहारक दरमञ्ज वर्गा করিয়া পাইবেন। আপাঁতভঃ দেব इ विटमन बहेरव, अकरण बाबादा नू । कार्डें विष्ठांत्रशिक शरम नाइका ারা লে বেভন পাইভেছেন, ভাতাই পা न । किंक कें हा किरशह छेखद्राधिकाई कि ह अहे सूक्त निव्यवद भवाधीन इंडेटड त मिनुत्व विव्रव छित्र जूशिय का रं विष्ठात्रभिविभारम भारे हैं (मत) के থি দেওয়া হইছ, অভংপর ভাহা রহিছ द्व। अहे छेशांचि व्यथमा ना व्यवसा लाउपनीत रेका।

नत ह।वजन छेड ब्यात अक विवदत वि व पूनवर्णिका अनर्जन कतिशारहन । जा রা ভাবিরাহিলার প্রধানকম বিচারালয়ে विकेत राषितिक जनां कर धनानशे मंत्रिटक शाहिद्यम मा । स्टिक बामानिद्धात म महकात कृत स्टेबाटक। जनत जानान ভর মুর্জমান উকীলেরা ও সুঞ্জিম কোর্টের विकेद्यको छेन्द्रपूरे धाँरै विष्ठाताण्ट्रप अकान ही क्तिएक शामित्वन । आज, व शामा देश भटंजिक कारमद्र वि, धम छैनाथि श्रांख है -इटरम छ।हाता अवर छेक विहातामर्वेद्ध व সকল আটর্নী প্রতিনিধিয় (মেন্দ্রীলার ক্ষার্য কোগাড় করিয়া দেওয়া) পরিভাগে ক্রিয়েন, ভাঁছারাও ওকালতী করিছে পা

ব্রিশিষ প্রধানতম বিচরালয় বেঁরী ক্রিক সংখাপিত হইতেছে, তাহাতে কা अनि चनारकाय अविवाद मान्या (मथा बेहिलेडाइ मा। जरून व्यक्ति लाकरे **ক্রিক আঙ্কিবেশিত হৃই**লাছেন। সর ্বার্টেন শিক্ত/ুসর চারলস জাকসন अ जात माडा के उद्यालन क क्रे कर वादि क्रित त्राज्यभूक्रायकत रेखेरतानी अभित्यत व किविधि चुक्श चाहित। किन्स, हिन्द श विवित्र अवित्र, इरेट्ड मानिट्डट्डन ,

बुंख्य सं, रूब रू

दिहात**श्विता .मर्**धा मत्था मकश्माल धारेत्वन । भूत्र हेज्यतांभीत अभ्यानिक क्षात्र अस्तानाटम विवास स्ट्रेंड मा । डाट'मि একে নানা স্থান হউতে কলিকাডায় সান। हरेड । डाहाटड भवर्गट्य छेड़ विस्त्र कर् करेंड, अपर य क्लिश के मानाकाम करेंद्र সাক্ষ্য বিচে গোসিতে হইত, ভাহালি ক্তি ও কংট্র পরিমীনা দিল ন। धर्में अंक धर्म का किर त्रशिष्ठ के देन স্থানে গিয়া ইংলভীয় আসাইতে 🕻 माग इक्षेत्राशीत्रिक्षित्र । বুকর্জ, দিবেগর এড দিবস্তার কেবল विद्वाः क्रियायम्। त्य त्रवर्गरमान्त्रेत्र वात्र मुक्षाक्रम स्ट्रेट्य अबन मदह, मूत्रक भक्षोंकी मत लाकि গের স্ঞিট কোটে আসিয়া সাক্ষা দিবার বছবিচ থাকাতে সাধা মধ্যে যে অবিচার হইত, তাহার নিবারণ হইবে। একবে। বিচারপতিদিশের যথানিধি নিজ নিজ ক र्ख्या त्रम्भ मन्दरे जामामिरगत अञीक्तगीतः हरेताहर । অপর, মফ সলের বিচার।লয় नकल वस प्लारण भूनिट मृखे स्ट्रेटकर । के समित्र फेलकर्ष माधन करा यन कोशांक প্লের একটা প্রধান কর্ত্তবা কর্ম হয়। বিচা ब्रामराज डेश्कर्व माधिक श्रेरल श्रेष्टेरताली য় ও এ দেশীয় ৰশিয়া বতন্ত্ৰ বড়ন্ত্ৰ আইন कतिवात चात्र धरेशका स्टाय मा। मरु पिन धहेबाश मा इहरव, 'छए फिन' अवर्गरम के बाबाणिटशत यक दिष्ठकत कि है। कड़ने, कुर श्या इहेटड शाहित्वन का

অত্নত্য কারাগৃহ ও বন্দী শল।

আমরা নীলপ্রধান প্রদেশের কৃষ্ক ও চাকোম্পানিয় মক্রগণের প্রতি অত্যা b'त अर्क्ड विषय नरेग्राहे दा**छ आ**हि 1 वह भारत समा समा त्यानित करकेत दिव র অন্তর্গ বিশ্বত হইটা যাই ৷ আমানিগের वैवाक्षणां वीत जावानिरभद्र अविनिधि नवाक्षण त्याव जावानिरभद्र नमार्थ वि

कूँ हो । उठ्टा एन । इंड किर्मात राज्य वामून किवारण मूच विकास कतिरकाछ कि स िवस्ति आवानित्त्रत्र यदशांहरू मत्नानि . तम इहेट कट्ट मा। व्यक्ति ७ व्राक्त च अप्रकि (वसर का बाफिरगत अधावकम फारकालामत বিষয় চইয়াছে । এতাদেশীয় এক জেশির काश्रंत निवर्ष का अन् निकास डिल्मका क বিবেছি। এই আেৰি কতভাগা ও ছ্বাচার वृत्तिम् प्रामात्क हेश्मित्मम् विषय अकवात्रः हिन्द्र, प्रदर्भ मा। अई कान्नद्रव देशता नि डान के शिक्षिक इंदेया दात शत बार्ट करी लाई (छाड़ कवर **हेर** मिर्शित हड़िक मर ने थरनः ७ क्यांम छेलात् इदेरठा ६ मा : ला क्रेट-अव र फायर अ अकाद नमीनावद वि बर केट्रिय केट्रिक है।

क्षक क्षेत्र विशास्त्र स्थाद हिरेडवी कहि शहरूत, एक भागमिनाद्दवंत्र छेटक्ष मि व्रम सरक . म.मामृश्वित कर्मण कविता धर्म নীতির শিক্ষা ন দিলে পাপগ্রহন্তি কিছু क्ट्रे मूडीपूर हा मा। समाय करी. जल বিসীম যক্ত্রণ, ও শুরুতর গণ্ড দান করিনে শোধী বাজি পাণকায়ে অধিকদর কৃষ্ थाहिक स्हेता छेठि । (अ मश्रुटक देवर नि র্যান্তন জান করে, বিচাব পতি ভাষ্।র निकरिं रख दर्गणा धर्णीयमान इन धर्र में व्राकारक स्त्रुष्ट कावाशावरक कनावेदरप्र লোকান বোধ করে। হ's 'র শ্রেষ-স'বন বরা त्य व्याहेन, शवर्गरम्के अविष्ठाव शक्ति अस्त শ্যা, সে ভাষা ৰুখো না। সে কি কারণে বুবে ना , जकुड ब्रेंका कि ठ.हात्र कारण ,मा, अना ली शावरे ७१६ अन्त । यह मिन धरे अवाली (माय महाकार है है मा इडेर्स, इड मिन अविकास किया माना काम मा रहेगा मा कि नामकियात पृष्टिक. क्रियों के क्रियों भाकित्ये. रम र. ७ व्य मित्रिका क्षार्केष एमटन करत्रिकिमिश्रक (क वन शांकिहिश लख्या इस मा, क्यांत्र काहा निरमंत्र मानाद्धित देवाच माध्येत के कि पृष्टिं वाथा रहेश। बादक । अवादन व्य अप किइ कहा रहा ना। क्वम बन्नीनगरक श्रीही

ইয়া লওয়া হয়। বে **অবিক থাটিতে না পাঙ্গে** ठा हाटक चाटमतिकात क्लिकात जर्बन हा काम्भ मित्र मण्डानिरभन्न नाम निमान्त्रभ এহার ৰয়ণা ভোগ করিতে হয় বিহাতেই कटकेंद्र त्मव रहेन था, हेशांत्र छेशांत्र स्थावा त बारादात करे। शांठकान स्विता वि শ্বৰ'পন্ন হইবেম, ভাহাৰা প্ৰেড্যছ ডিন পন্ননা त्यात्राकी नारेया बादका बदक बरे हुई दनात गमत्र, देवात असूपात्र छ।शामित्रात्र खान वाक इस ना । या वः खिन त्रक्तन करते. त्म किছू लग्न, চाপत्रामी ও बाद्यानात्रां ३ व्यत्न ক ছলে পুজা পাইরা থাকেন। আমরা न्धवीकात करिए शाहित नकत करवनी गृष्ट इंड्रेंट के कि भागाईट मा भारत, का চ দিগের এক বেলা আৰু ভোজন মাত্র ্র তাহাদিগের নক্ত্র, শ্বা প্রভৃতির ভ तथारे नारे। छहित्र, निर्वाष्ठ आह अक शृह बटक न्यानश्चा टलाटकत अन्दान विकासि भात था कर्क, छाहानिरगत कि वृक्ति मान वंकि हरे ॥ नाम कि ॥था वृक्ति अधिककत दल व ही घर 'ति महादन। मह - इसको हे इसक অ'র ছ্য়াচারই ইউক ভারাকে অনাহারে वार्थिंग मध्यत्री क्लान करमरे गुलि निक क्य न्या १

े प ः वै करतिक्कि श्रक शास्त्र ताथा

वा एत । वेश बाता इसे वान से बारिकार अक, वान वाजा, थाविक वाधाविक, वान उ पता अकरा, थाकार अनुमान नश्मार्ग अनुमारत्वत्र प्रजाय पूर्वित स्टेशा चाहिरद्य । विकीत, वलवान पूर्वित स्टेशा चाहिरद्य । विकीत, वलवान पूर्वित मीच अकूटिनिक व्याभ आर्थ वाजिमित्त्रत अनुमान नश्मार्ग व्याभ आर्थ वाजिमित्त्रत अनुमान वाह्य स्टेशा बाहिरकर । वाज्य व हे वि मह्मान कता व्यावभाक ।

र १ चांकारक करत्रविक्तिशत हित क क्षित्र मध्याधिक इर । किश्वरत्र कृषि त्राधा क्षेत्रिक । काका मा क्षित्र म क्षित्र कश्विधारमत्र बाह्य भाग मिनात्र क्षित्र क्षित्र ममर्थ कर्रावमा । भागीता किश्विर मक्केटा ३ व्यक्तिकत पूर्कका निश्वरत्य वहे माळ ।

৩। বাহার যে ব্যবসায় ভাহাকে ভাহাতে নিযুক্ত করা কর্তবা । আমরা অনেক স্থান দেখিয়াছি এক জন রুভ বিদ্যা ভত্তলোককে সুকি। খনন ক্রান ংইতেছে । ই-। অভিশয় অন্যার ও অনি উকর।

म। कर्रामिनिभरक भवाश थाना मथ,विथ वज्र ७ भवा (म७शा कर्छकः १ ठ। रानिशस्क मश्रम भागामा मिश्र हार्छन छ। छन्न अकृटि (म७शा छेहिए।

ा अकरन यथार्व जा छ इक्किना लाटकता वाद्यांशा अवृद्धि शव लाटेड हाइन मा। जीवाता यादाटा ८३ कथा था कांत्र करचन टिवरत है ६ बाद एम ३ ता कर्छ। या। श्रमाश्च त्रस्म ७ जानि केंद्रक शास्त्र सामा विदल जानास्कृत आकाम शृज्क धर्म किल शाहन कित्रियम।

७। छेलयुङ विचित्रः करवक सन जह कारी किल हैनएलक्केत निवृक्ष कहा कर्ष वा . हेर्हां करतिविष्ठां छक्षावश्रम क तिरवन ।

धरे श्रेमि क्या निकास आविशास । है । नार जाशा मरक्र नारे ; किस स्मास

नीन ध्यंषांन क्षांस्टलंड क्य

नीन व्यथान अरमरणत्र त्यानरवाम् जिन् रहेबात आकात ७ त्या नाहेएकी भवनायक विभाग व्यवस्था क्रिक्ट धवेश स ममल क्यानिहरू । अन्न कृति हिन, छ दात्रा **धरे विवास्मन मास्टि** रम, । न मञ्जादना नःहै। भामता छ। दिन्नाहिल काकमन ७ कारबल मारहर नीलकत ७ 🗣 আদিপের পরস্পর আন্তরিক বা হউক বাহ্য नकाव कतिता निटबन । क्षि छाँशाब्दिनप्र छे उग्रदकरे बहुरुकाया मिक्टिक्टि । की राता ए छेशात भवनवन कतिताहरून, ভাহাতে নীলকর ও প্রস্থা উভর, শুক্রেরই भगत्साय समिश्राद्य । भीनकद्वती त्य क्रि সাবে কর শইতে চাহিরাছিলের জারুস্থ नाटर्व छारा अधारा कतिताटर्क जावाह প্রকারা পরগণার হারে বে কর সিচে খ্রু छ हिल ७, श्रं अध्यक्ता रह सारे। कि भट्या अपिया शटक ११०) व्याना, १०० व्यान ७ ১१० कर्त्र, थाया कतिहादक्य । किमि बुद्धक कक्टन बावकी समया महाच एक ग्राटक आकार বিলক্ষণ লাভ বাল হইয়াছে, ক্তএৰ ভাহায়া किकिर अधिक कर्त्र मा बिटन (कन) व प्रतन चामत्रा कीकारक जिल्लामा कतिएए शाहि, व बाद विकास मुना इकि हरेबार है कर कांत्र कि शतिज्ञास्त्रत बूता इक्ति एव गारे ? क्रवरकत्र। किছू धकाकी महावात्र भूनित कृति कार्थ। निर्वाद कतिएक शाद्य वा; छाहापिश मण्ड थां ठोवेटक इस, लांक्टलंड वाह थां ছে, গোষহিয়াদির আহার আছে, এ নকনে त्र अना ভारांनिभरक कि भूबीरभक्ता जविक बात्र निष्क स्टेप्डट्स मा ? चात्र धरे जकल

লাভ থাকে. ভূদাধি দারীরইবা ভাষাতে भ'पिक इस्र । छ।हात्री कि श्रक्ताविनादक নকার্যোর উল্লেড সাধনের উপায় সক্তে का (क्म : दिकाता जाश्रम किरान गरें षा छ। म **रत्न जूमित या** किছू छे ६ कर्य ধন করিতে পারে, দেই মাত ৷ যদি মির উর্বরতা গুণ ১৯ন বিগণে জনী পারের জিভাষা না রচিং তেবে ক্ষমীদার ও দরগণ কি যুক্তির অনুসারে অধিকভর প্রার্থী হইতে পারেন > বিশেশতঃ ভূমি ধিক শস্যশালিমী ছইলেই অধিকন্তর ক ৰওয়া হইবে এক্সপ্ৰিয়ন ক্রা অভিশয় बमात्र '३ फनिकेंदर । तम निवम हाक। मा নসিংছ কি বলিয়াছিলেন : তাঁচ,কে ভুলা প্রভৃতিব কুথিকায়ে মনোনিবেশ করিতে ব লাতে তিনি বলেন, পতিত ভূমিকে শ্সাশা लिनी दता वड़ कू:नांधा नरह, किन्तु छ।हा হরিলে কি হ**ু**তবে - আনাদিগের জনীদারির कर बुक्ति हरें। द भरे भाज । अरे काबूट-, लाख কানিও অংখাধ্যা প্রভৃতি প্রদেশে চিরস্থা শী বন্ধোরন্ত ব রিবার সংক^{ত্তা} করির:ছি रकादरसद वश्माका ही कहा विद्यास नह গছা করিনো কি ভ্রান্ত উর্বরতা গুণের ।अधिक वृक्षि स्व मः

वर्षन क्रमीमारवर्. डिव नेल এकविध क्य मिश मुक्त हरे (ठा, प्रत्न अकाद ক্ষাত্র কি ১ ভাছারা ভাশের পরিক্রম कर्म कि काशान अव का नाथ - डा হারা ব্যান্ত্র ভবুব দির আবাসখ্যে পতিক **छति जकत्त कृषिका**या कविक ७ इ.८३ ७ **श्याल मना छेश्शामन क**तिहरू कि । कि छाहापिरभन्न वर्षमञ्च विद्वार नेवर ক্তি। আমন। গর্ণমেটের নিকট এই প্রাথন: ¦ না নুত্ত দালে বস্তদেশের ক্রকের। দক্ষি

কর ধাষ্য করিতে বলুম ৷ আমরা ব্রাথ্য ভি.হাদিগের যত্মে কি ভূমির উর্বর্জী গুল কহিলা মাসিতেছি সমুদার বছদেশ এক বার জরিপ করিয়। জুনির সীমা বন্ধ করা নিতার আবশ্যক। **নেপে:লিরন এই** বলিরা গৌৰত কৰেন, তাঁছার কাডাই বু অধাৎ জুমিব যথ ধ হিসাব ধাকাতেই স্থাকে সক क्षमात्र व्याचक हाम हरेशाह्य । यह करन हा स धकात्र कता म। इत त्यम > दाशामीमिशत्क মোকদ্দম প্রিয় বলিয়া গালি দেওয়া হই भा भारक: किन्तु एथन कृतित धरे व्यकात পুরবস্থা বাইলা, তখন মকন্দমা ব্যতিরেকে হিক**ংশ** ভূনির **শত্ব অ**ব্যাহত থাকিংগ भाद्य ३

পরিশেষে আমাদিসের বক্তব্য এই, এই বিবাদেব সন্মর মীম'ংসানা হওয়াতে প্রাথার ক্রমণঃ উৎসম্ম ছইতেছে । ব্রু **क्रिन 'अवधि नील मान्या लहेड़' नीलक**द्रक्रि গের সহিত তাহাদিগের বিবাদ চলিকে ছে, মকদ্দমায় মকদ্দায় তাহার৷ অম বস্ত্র ছ'ড়া হ্ইয়াছে, সকল স্থানে সুন্দর্রূপ শস্ত উৎপদ্ধ্য নাই। ইছার উপরে ভাবার কর লইয়। বিবাদ অবিজ্ঞামে লন। প্রজ্ঞালিগকেও কি সেই চিব স্থায়ী। যন্ত্রণা দিভেছে। এক উপান্তরে ক্ষুদ্র আণী প্রজারা কভক্ষণ ভিত্তিতে পারে : এই বিরোদের মীমাংসা না ছওযাতে পূর্র ভন নীল্সংক্রান্ত অভ্যাচার পুনরার্ড दहेत्छट्ट। सुनिट्ड भाउमः सहेरकट्ट. আনেক স্ব'নের প্রজানিত'শুনিরূপ যা হ हेदा (महे जनर्षकुल धार्तीन निस्ति मान न । शह्य कविराज्य । या अवानीत संग्रामन। र्थ ८७ का ७ इहेजा शिल, ६७ वर्ष वास হটশ্ বালাল প্রণ্যেণ্ট মিসনবিদিগের সভিত গ্রান্ধকারিদিখের কো প পতিত **१३८ल० लक्ष आह्हात्त्र क्लानाम इंडेल्.** भारत्विष मिक्षम পূর্বতন নবাবিদিখের ওলার বিস্কৃতির সা হব ভিরন্থ কটালেন, দেই মাম ভূরক্ষ ও পারসা গবর্গমেটেবই উপযু ় পর নী পুনর'র র কটতে চলিল। উয়। পু क्रीतिएडहि, कीहात्र। क्रीकमन मार्ट्स्वर का । ॰ ट रवा सन्य क्रीकमार्यप्रकार कर्णका ্তা রহিত করিয়া বিশার্থ পরগণার হিনাবে। সহ্যিক সৌভাগালালী ইইবে না।

এবুকেশন কৌশিলের পুন: স্থাপন

এড়কেশম কৌশিল সভা উঠিয়া নি যাতে। সভা যে সমন্ত কাষ্য করিছেন, *।* मञ्जनात्र अक चा**क्तित रूटक बाल हरे** नारक। काटक शब्दा मधी बाहेरहरू. হাহা**তে এটা শিক্ষাসম্বচ্ছে এ দেখের** নৌভ গোব বিষয় না হইয়া ছুৰ্ভাগ্যের বি यत बहेना छेठियाटक । "धक्करन विषत भि कां करा भूतीरभक्ता अधिक छाका एमध যা চই:ডড়ে, প্রধান প্রধান লোকেরা বি नात छेबछित कना यञ्चरम स्टेग्नाएम. অনেক যি এ, বি. এল প্রভৃতি বাহির হ ই, গড়েল, কিন্তু গছুকেশন ক্রিপার্টামেন্ট ान प्रयुक्तात्रभूतः कहेर ह् । भूर्य व्हो কি. সভাৰ ভালাকে একতা বলিয়া বিধে हमा भूचंक माना ध्वकाव ध्ववालीत हैहा নন কব্লিটেন, কোন বিষয় উপস্থিত ছইলে ভল্লভন্ন কলে ভাগাৰ প্ৰাণ কোন বিচাৰ হইড, সুভরাং শে বিষয় কর্ত্তব্য বলিয়া ত্বির ছইত, ভাহাতে স্বিশেষ দেবে সম্প্রক क्रहेवाइ डाफुम अखातना किन नः वितम ষত্য পূর্বে কৌখিল সভা উপযুক্ত শিক্ষক দিগৰে ক্ৰানুৰূপ পুৰক্ষার দি**তেন** , শি ফারেবণণ্ড উৎসাম্ভ ও আব্রাদ সম্বারে অ,প্ন আপন কর্ণা সুন্দর স্ক্রেপা বন্দায় ক ব্রিল্ডন। তথকালে এই একটি বিশেষ গুণ हिल. क्ष्ट केक क्रिक्टि अनावात्र मि ক্ষত্রণিপের উপরে আপনার নীচ প্রবৃত্তির **চরিতার্থত: সম্পাদনে সমর্থ হইক্ষেন ন**া এক্তে এই দেশে ঘটিয়াছে, কোন শিক্ষক প্রদানতম কথচারিব অপ্রিয়তইলে ছ'ছ'র মত কেন 🚸 । খাকুক না ভাহার নিন্তার थाटक ना। राष्ट्रावित्तात जन। विरा उँभाष না হয়, ভাহাদিগের পক্ষেই পতিত পাবন अप्रकार प्रिमार्टिया बार्टिन । महर्क त्कृ क दिशार्षेत्यत्के चानित्क हान मा ।

এই সকল দোবের প্রতীকারের উপায় কি - আমরা শুনিয়াছি বীড়ন নাহেব না কি পুনৰ্বার এড়ুকেশন কৌশিল স্থাপন

कतिबार शकाव कतिकारकम् । देखां के नकल रगारना व्यक्तीकारमञ्जू आनुमात केंगा ए। जिलाकुरेश और क्लिनिएलंग स्टब्स्डिजि इछैन, इनटक्नकविव्यक्तिभएक जन्में विष्यां (मञ्ज्ञा क्खेक, (डाकामिरशद श्वाता a श्वास तिर्मिव काया ७ मिथी यात्र नार्टे) कर्त्रक क्रम उहकाती हैनटकाकेत चांकिटलई श লীপ্রাসম্ব বিদ্যালধের উদ্বতি সাধন ক্ইতে भाविता। भवित्नत्य दखन्दा करे. अक वा ক্রির হড়ে শিকা সংক্রান্ত গুরুতার সম अंत कविया निष्किष्ठ थाका काम करवहे जाभामिरशंद जन्माभिक नरह। कथन कुशन अक्रभ (पथा बाब बरहे. अक् बाजित इन्द्र मण्यून कागाञ्चात्र थाकित्म कागा (य क्ष कुम्बद्रकरण अम्भन्न एत्, भैं क करनद्र হঙ্গে থাকিলে সেক্স হয় ন**া সেই** সেই গ্ৰান পাঁচ ব্যক্তি প্ৰধান কৰ্ম কৰ্তার কাযা স্মানন প্রের অস্তরায় বলিসা পরিগণিত इहे ।। थ'रक्स । लिख अन्धावन क्रिया ए থিলে দেখিতে পাওয়া য'য়, উলিখিত খুণ ওক্ষমতাৰ্ম ৰাজ্ঞির কাষ্যকর্ত্তর পদে অধিকান সুন্ত নহে ৷ আন্রা ক্রে ক্রে मिक मरकान्ड कार्यात छुटे जन भिरत्र हुछै यहकः मिथानाम । देशक मार्ट्यं कः मान ক্ষতার পরিভন্ন দি, পাঠকগণ প্রবণ কর্ম। अक्टाम्बन छिलाएँद्राटकेंद्र क्षतान अक्षा ध्यत् कथ रेमिनिक**आग**हीचीतः दक्यंनीव क्षर। क्रम्भाकिद्वेदव्य कर्ष स्ट्रा कन्त्र। ्मरूप बाइनम् दहिर्दम, क्षाया कहारी করিবে। শিক্ষা সংক্রান্ত প্রধান অধ্যতেত্ব মনেক বিধ ভ্রুত্র প্রকালীর উদ্ভাবন কবিৰে হব ভাছা অনেকবিধ চিটা ও সম া সাধা। তদ্ধিন কোন বিন্যালনে কিৰণ क्य इंडेटडटक् छ।हात्र छक्क्षाव्यक्त क्रिक्त र्खांकरण वहें मह नाश कविएक इहेटल जात्मक अगर जानभाक ^{न्द्रदे} न**ाम**६ मा**र्थे । किन्ह मुख्यून** र नाहरीन ^{छेन्}ड मार**हर छेनतिष कर्जुनत्य**ात्र विकटते िश्वितां किर्त्तम, अपूर्यम्ब जिलाउँ मर्क

त्र क्रम्या त्नव कतित्रा छात्रात्र कारमक सम क्र-बीटक । म! मिरिया मा स्वित्र) क्यूक महकाती कानटक बाकत कहारे कि श्रधान अशारकत कर्ष ? अशान अशाक अमहात्र क्रेश या जूक्तका विश्वाद क्रि তে পারিতেম, তালা কটলো মল্লিসভা ও বাৰস্থাপক সভা প্ৰভৃতি রাশিয়া রাজারা चकात्र वात्र श्रष्ट स्ट्रेटिन ना। तार्यत थाहीन कारलंद्र व कांक्रिश्व स य वाक्ति সেনেট সভাকে উপেক। করিয়া কাষ্য বরিতেছি. প্রমতী রাণী স্বর্ণমনী আমাদিগে क्विप्राहित्वन, कांश्राहोर शकात्रे अश्विष 👣 अविष्ठित विद्यालरमञ्ज नार्यमार्च >•• क्रेगिक्टिलन।

মুত্ৰ গ্ৰহ ও পাৰিকা

ल बि

আমবা ক্রতজ্ঞতা সহস্বাচ্যে থাকার कतिराष्ट्रिक, निमालिशिष्ठ सहस्र भुक्ति ५ পক্রিকা প্রাপ্ত হইবাছি।

ু। উত্তরনামচ্নিত সংস্কৃত, মহা কবি ভবজ্জি জনীত , কন্ট্রতে, নংস্কৃত कारलए व अवाक जिल्हा है विकार १ সাচেব নিজ বাথে 46-2 প্রাচ ब्रिक क्रियादर्धन। के कार एउट जनकात লাপ্তেম অধ্যাপক জীযুক্ত প্রেমচার তর্ক বারীশ মহাশ্র ইছার ক্রনে স্থানি চীব। ও তক্ষ**র শক্ষেত্র অর্থ ক**রিব। বিষ্**রে**জন। পুর্বের মুদ্রিও টারা চরিতের আংবক कारमात्र व्यर्ग विभागकराश क्रमप्रधान हरे है। ना। एक दातीम बदानएक वज्र स श्रदिख মে রকন মৃত্রিত প্রান্থেন সে দেবে পরি क्षा क्षेत्रातक । क्षायात राज्यक अर्थ किल्स्स संदर्भ मात्र, मात्र २ ००० छ छ दन व व है है है । (छ १ हेकाल अल. নিৰূপিত इहेरात्म १

২ । খার্পি জুস ৫ । প্রীয়ক্ত বারু फ्छी प्रति एक हो हो अ**प्रत कर्छ। हे** हा अ ছে,তার রাতিতে লিখিত হইয়াতে ৷ ইছার বচনা প্রণালী অভিসহজা এতন্তারা সহজে चारतक द्वाानित्र विषय कानिएक भावा यात्र ।

৩। চাকাবার্তা একালিকা। ইয म किंकाम करेएक मानुख क्रेड क्षेत्रुक बादू वाम्लक्ष (क्षेत्रिकः मम्भापन कार्या उठी स्टेशार्सन ! ৪। ভারতব্যার সভার হৈমানি 🗢 🛡 **थिदिन्दिन्द्र** विश्वति ।

भागशासि।

আমরা ক্রুভ্রভা সহকারে বিশার টাকা দান করিয়াছেন

विविध गरवाम ।

১-ই আবাচ সোমবার।

আগনা বরাবর বলিয়া আসিডেটি উভর लिक्टिश विद्धां वहेंदि विद्धां दि अब क्यां হুইয়াছে ভাহ, খায়ুলক। আগরার দেনাপতি বিগেভিয়ার ট্রেপ দেনাদিগকে সর্বদা অস্থ গ্রী রাখিণাছিলেন, এবং গিরজায় অজগারী ट्रामा लहेगा निपालिस्तम वितिष्य नाम स्मिने ভাঁহাৰ নিক'ষ্ট কৈন্দিয়ত চাৰিয়াছেন।

क्यक्तां मन्त्रीतम जिथियोदस्य " क्या र ইটার'পীর হওরাতে লাভ এলাণান ভাঙ ক্ষা ক্ষিলেন লখ ইয়া এডবিন এডকেনী া গুড়তৰ অপরাধ করিয়া সুপ্রিমকোট ्य म स कहेग्राटक् ।

কিনিকেন্ত্ৰ চাকাশ্বিত সংবাদ ছাতা লিখিত দ্বাগে তত্ত্বতঃ প্রধান কর্মচারিটি গুণ বৰ্ণনা করিয়াছেন। চাক্রীয় জঞ্চ ও माजूत इस मूर्थ। मासिटहे हे काउएक अध्यमाप्तिशतक मर्सका शालि कि।। वा. अवर ममग्रक्ष ला 4 (शो (बहाब्रा » क्लूडी-.. **८क मध्य प्रतिदेख शार** ज्ञारी मा । कारीय धर 🕟 छ भूषि भाषिरहे है आरहन. केंद्र इहेड्डा बिल्डारहर, अडस्मेनीत क्लिन नः में। कुडे शहरू दिया: विदेश प्राप्ता किर्स काश कर क्षांत्र होति वृतिया सहेट्ड इटेटर ।।। हे न **उद्देश अक कम कम मन् । दो लाश्यादेश वर्द्रग" >**

अखरकभीच जरवानगरत 🗀 छत्र 👬 🖰 **জাবলাকত ব বিষয়ে যা**হা লিখিত হয়, -

म्लामक बरमन कर्मा जनाति। क्रें एट-। त्र अहे गरकात क श्रिवा**टक्, 🍇 म**र-্লক নহে 📌 উরোপীয় হত্যার্ক্সিই वि। कामता वैवाद करूतकरि पृते क्र करिम कि। - शिक्क्षेत्रेल्चित्र मध्यात प्र

च अञ्चलक्षामान्य में अक्रिका में अक्रिका में कि करते উচিত নহে ?

रे (**निम्या**नमञ्जाहरू भ वितिहरून ্দরিএট জিপার্টরেন্ট প্রবান গোনাপতির इ.स. **लक्ष इंडेर**ी बोधाह ज**ीन** इ.डेक्ट्रेक्ट्रेक्ट्रे '+ রের প্রাভূর্ত।শ নিবারণ করিতে অনের . म ज, निद्य ।

ाष्ट्रभारमनीय लाश्डेमांडे शवर्यत्रेत्र का कि छ म न्यूरम पंश्यिक करणा इस नाहे।

লাহোর ক্রেণিকেল সম্পাদক প্রাণ করিয়া **इन काश्रीद्व (माख भक्त्यन धाद अरू** मन देन ना क्वामगदब छेपश्चिष्ठ बहेगारक । ५२ र पटा নজানের সহিত দীত্র সন্ধি ১টানে নচেং এক ৌ বোরতর যুক্ত হইবে।

ना **अ नारह**करक कामश्रुरव निहान र्य काम ें डोहर छ नहम यहा ्रम कक्ष द्रीयाद्यः।

करनाबग्रहाटकटेवेब वक क्रम गहाट्याहर দ ললা সভা দিন **বাইল জ**ামবাহাতুর ১ ০০০ চৰ স্থিত গলাখান করিবাব জানুনতি চা বাড়িংন। কিন্তু গ্ৰহ্মট গেত লোক ল জান্দতে ছিতে অধীকার কটিয়াছেনঃ 'শু অবেশ । নেশ লে:কেন্ত কট্ট ইইডে य। ८५-१ (५ ५ ८०) दलान कडेगा आजिन অসুমতি , শাছেল

हैक्क अध्य भाग नाम ১ শাংক্ষান্ত এ ज्ञान प्राप्तियो स , with 5 75 "d "

ুলাৰা **ভাজ**িদ্বাক भाग है हता 'छीन । छ, 'यत् প্রতিল্য করি।

कासभूदम् धक प्रमा भाषा । এক্রিড হরীয়াছে। ইছারা কোন কল ব िक्षां ७ अवस्थिताय প্রকাত করিয়া জীনে नक्त स्नारकत डेलटत रि'म क देवर ।

্রাণভাগে করিয়াঞ্টে ত্ৰ কি ভাষা आमा यात माहे

जीत्रां श्राद्धद्व अवश्वतानं वरनी न রীলোক আহার ভারের গুরুত্তে বর করিয়। (इ । क्रेन्स झेश्ड कांद्र । ।

উকু হালে সম্রোটি ছুইজন ইউ:রাপীয अनाएँ एक्ष्यरभीत क्षीरमारकत मृत्रवन्। वर्ष राक्ष काडी भाषा । विक देवना व खाला जुरू है । ভ্রমের ভালচিগকে নিবারণ করেন : ০ই ভুরারারা কার-কল্প লাছে। **ক্র**াণিও তাহাদিলের বিচার লয় নাহ। টহাদিলের প্র ्री विरूपण संक्षिपाम करा कर्जान्य ।

ড'ল। ,প্রকালের চ**ী গাবের সংবাদ**্দাতী बरनम कुभिन्ना जन्दि इन्द्रेश्वाय भवास्त्र (य गास्त्र) মাড়ে কাহা ওত্রজ্য কমিদনর পাকা করিবার । अन्योक्तांत्र खना शास्त्र े ८५वाच मि जान सक्त है'ता । त करत्व र कि ह াট্ড, এমনি ব্দশ, ১ । नाम जैमकांच । করিলে তথ্তা লোক' बहेर्द महमात्र नाहे

১১**৯ জা থাচ** "১৯৯৭"র চ

অন্যান সক্ষোহদূল নামক একপানি সাংখ্য াইডে'ই । এফালে ইহার দে'ব স্তা বলিকে এরে, নিজের ইজা নাই। আপ। **७७. अभिधा कड़ रांच क्**षि(क सं,धंड,श्रारक ্মে গ্রামি র'শি পদ্য প্রচাযিত হটয়। থাকে াহা পরিস্তার্যর ক্ষিত্রা সম্পাদক ধনি। সাম। নতেতি "ভোষ বিষয় ও কাজনেংক নে নিষয়ক হোস্তাৰ জিখ নে মনো, নিবেশ কল্পেন সমষ্টিক কেডাপত: नाव विविध्य भारतन।

> न - १०५१त कलिका १७५ निश्नि घड है। ं धानिगात् ।

শ মুদানা 45.0 364 1 জাপান চা ्र मञ्जूषिक श्राह्म ান আছে। দিবটেড়ন তাঃ,দিকের Б'द शेखान " "शे अईट्रें**ट** 門北海 य व पार्टि ८ : वीराष्ट्र है उप्पा**ष्ट्र** ্ৰ লগ্নি এক ভাষা উদ্ভে বীছে ন্ত্ৰী १८ र ५ १४ १४ १ ५ १७५ वर्ग, कालहा

मुक्त केव्याम । अन्तर्भ विश्वाम कति मा, किश्व पणि अञ्चलात প্ত'ব ছইরা থাকে ভাষা চইলে ভাষারা ভারতবৰ হইতে, দুরীভূত হটবার পথ আপ शकी | मा के ब्रिटक्ट इस ।

এওগাহেতের কারাবাদের আদেশ হইলে ভিস্তাবিদিধাের যে সভা হয়, হরকরা পত্রে তাং,র বে প বুলান্ত প্রকাশীয়ে ক্ট্যাছিল इका 'हेक गर्लाह कारण शांकिरंक लाइब উক্ত সম্পাদক ইংলভে যে পর প্রেরণ করেন, ভাষাতে জন রভের বিষয়ে কি বিদা-त्रतन्त्र **क्षात्र**ल अञ्चलनेत्रप्रिश्च ত_া ও এমজির **অন্নরোগে ভালাকে ক্**যা ব্রিচেন না । প্রাভাহিক পরে আধার লিখি १,८७३ वर्षकत धालम्ख निवृत्राक्षारत्वे वर्षे ্ৰু লাভ এলখিন ও ভাঁছার মন্তির। যথার্গ अन्तेत र एक्षाप्रनारत कार्यः कविषारक्ष्म ए যে পটে এই প্রকার লেখা হয় হিচ্চাপটি চট ত'হ ব যে থিকেবৰ (পাৰ্ন) দিলাভিলেন न'ान (स. व'हारात ! डाइत क्यांन कार्यहें जागळ हु हुए माहें .

> ঘক্ত কল্পাদৰ আরুও বাশেন এবংসার क्षिका भीत अकाम का छेडिएमध्यी भारत मुहुर হঠব: হে ' বস্তুত, এই ডুই ন, গুরু কলিক; ভাষু अभडे भीड़ा बडेट७८६। जलन, श्वापांडे अ 'কৃল্মি ন' বের শায় কলিকাতার ভাগ খ**ার** धव १७ विभाव कर्त्व द्वां श्री इक्रेर्य र

िसी प्रारक्षिरवैद्वालायसम्बद्धाः न गाम म, ा नरमः उटाटन क'स मिख्याः¹ विदेशा इन पर भवत्रमान भी व निवाहि आक पान कि निमा. ভেন: নাম্পালার পুর্বের হিরাণ্টের ভাগীলম্ব डिन : - वार्षे राश्व केशाव भवनाक ताला किरल ब ख्राप्ति ८० एर बर वस दास्ति 🗼 का पत्र च 🤊 .द्रामाना के उत्राप्तमाति २,५वर् दे जुल्लान ष्ट्रात्वत अस्टिक्सका किनि है ? अतः नार युक्त कर्यक्र एक हारकन जो । तक का निव्न अपेट 🗠 ক্রের ৭৪ উড়**ব দিয়াছে**ন স্থাতি ইয়েল কিন্দ ভিরাটেক কেলায় নমাঞ্ করিব भुक्त अक्टन ज्यान सङ्ग भीन कर जो।

हे है। त अर है खिदा राष्ट्रा इस वटनार युद्ध **ए**डर ४४ अलिक भी कार्डशान में। एक खूडा পুলিমা ब'हेशांद्र कथा ५ शिशा (ए 'अधार, न क-ব্লেন : ভাহা ডিনি বোধাই গ্রামেন্টের : গাচর न त्रिहारक्रम । यान खेल भवन स्थले खानारक -

विहू म। यहमन, कादा महेरन शाहनीता केलाई शहाद क्षेत्रांच क्षित कड़ियकहरूम। तात हिरू क्वाण प्रेशार्य प्रेशीस किलास कतिया अविवस वैश्वाकी स्थानकार क्षेत्रका করিবেন । পারণীরা **অনুক্র** ভারেন্ট বৰ্ণার সভা, অবোধ্যার শাঝা সভা ও হাজা-ब्लित नवरिलत् निरुष्ठ अक बांका बहेता कांगा कश्रम

रतको उचारार्य मामक (व एककानारक নানা সাহেব বলিবা যুক্ত করা হা ভাহার মৃত্যু র কারণ করনার খারা খির হইরাছে ে ভাঁথার প্রস্রাবের খারে পীড়া হইরাছিল। জিন এট ণীড়া বছলিবসাবধি।ভোগ করিতেছিলেন। এম্বলে ইহার উল্লেখ করা আবল্যক, বে পুলি-ম কমিসনর ও ভদধীনৃত্ব কর্মচারিগণ উক্ত পু রোহিত ও ভারার আভার প্রতি বিশেষ ৰূপে যদ্ধ করিরাছিলেন। তাঁহার ভাতাকে পাৰের দির। করাচিতে পুনর্মার প্রেরণ করা হই-**उट्ट** ।

আবেরিকার গবর্ণমেন্ট ক্রম্ম: জরু লাভ করিতেছেন , ক্রীডদাস রাখিবার নিয়ম উঠিয়া গিরাছে। বহুসংখ্য দাস সেমাদলে এবেল করিভেছে। িয়োহি রিপের অধিক সংখ্য ক্রাহাক ও বিস্তর অন্ত প্রভৃতি গ্রণমেটের হন্তগত চইয়াছে। ডাহা-য়া সকলে ভীত হইয়াছে: বিচমণ্ড নগরে-ব নিকটে যে যুদ্ধ হইবার সম্ভাবন। লাভে ভাষাতে যদি অন্ন হয়, ভাষা বৃহত্তিকট বিয়ো য ক্রীভদাস রাখিবার প্রাথার সচিত নির্মাণ হটবে গলেন্ড নাট। আমালিনের এই প্রার্থম। ।

নেডলিকট সাকেৰ উচ্ছে গলা বেৰ প্ৰতি निधि बहैराम । वाद् कुरमव भूग्यां भागांभ छा हात प्रकारी रहेएका।

रुननी जिनात अचन व नीमा अवस्रि यूय-ডি বিধবা আপনার ভিন বর্ষীয় একটি পুত্রকৈ ত্যাগ করিয়া এক ব্যক্তির সহিত্ত পলায়ন ক-রিরা বেশ্যা হর, সে গং হইতে অনেক রব্য আনিগ্লাছিল, ভাৰার নাবে নালাখ ও বিচার **ब्हेंडा खादाद छूड़े बान बिहान बहेंच**ेड्ड । अहे সকল দেখিয়া শুনিরাও আমা, দিনের দেখে র লোকেরা বিধবা বিবাহের বিপক্তাচরণ क्टबन कि आअगा।

४२हें :'अंबाइ ब्रथात ।

केंद्र क्षांबाद कानकश्री गांबादिक श्रेष्ठ कां: वीविदादिस्त्र । ছেঁ; এক খামিও প্রাত্যহিক গত্রনাই। সম্পাধ-ক বলেন, এই সকল পত্ৰ বোখাইছের অনেক देश्त्राकी शब भारतका उरहरे किन्न सबसा ইতবিষ্যেরা বেশীবপত্রের বধোচিত উৎসাহ हाम करत्रम मो। क्लरहरूम अहे स्वाविष्ठ क्रयमः তিরোহিত হইতেছে।

ুকিনিক সম্পাদক প্ৰস্তাৰ করিয়াছেন, সও-নশ্বিত টেম্পুল বারের ন্যার এখানেও একটি ব্যবস্থা বিদ্যালয় স্থাপন করা কর্তব্যা উভয প্রভাব। ইহা সুসিদ্ধ করিয়া তুলিবার নিষিত্ত সকলের বন্ধবান হওরা উচিত।

উক্ত সম্পাদক কলিকাভার পেটস্থরিত্র लाव छेटल व कतिया कप्रलाक्षिश्रक सूत्र-পদে নি বুক্ত ক'রতে কহিয়াছেন। ভয় লোক रहेटन आक्नां अपृष्ठि श्रीतिकातीनिरगद छेशाञ्च कि इहेंद्रव ?

বছলেশীয় প্রিভিং কোম্পানি অংশীদিশ-কে ইনকন টাকা বালে শতকর৷ ৭ টাকা লাভ দিরাছেন। গড শার্বাসিক রিপোর্টে প্রকাশি **छ क्हेब्राइड् इब बारमत मध्य १४०७७/८ है।**-কার কর্ম হটয়াছে। তুইলক টাকার মূল খনে এইলাভ দামান্য মছে।

জাপামের দুড়দিগের ইংলও ও ফুলি গমন রক্তান্ত পূর্বে পাঠকগণের গোচর কর। र-ইরাছে, ভাঁহারা লওনস্থিত ধাৰতীয় সতু ত भन्नार्थ, भिष्प क्षत्रर्भनी मङ्गः, क्षांग्रंख निर्माद्यात छक, চिकिश्मालग्र श्रुक्षि प्रश्न ७ উভयकाम প্রীক্ষা করিয়াছেন। দুওলিগেড সহিত করে-क स्थान कन्द्रीशुक्त 'अ'(इन 'अं) हो हो हो है। ষয় দেখিয়াছেন আলার চিত্র ও বিবরণ লিখিং রা লইসাছেন। অনেব বিশয়ে দুভের। বিশেষ পার্দ্ধিভিঃ প্রকাশ করিয়াছেন ' ভাগাদিগের সহিত যে একজন চিকিৎসক গিয়াছেন, জিনি ব্যবক্ষেদ বিদ্যা প্রাণৃতি বিষয়ক বে মত প্রকাশ कब्रिवाहिन छाहाटछ अदनक हेरताम विकिश्मक विभाग स्थान द्विगारहन। पूर्वत्र। क्रांटन व्यक्ति-জ প্রদান কবিয়াছেন। পঠিকবর্গ বোধ হয় होडियू म अब हे खिन्ना बाहता है। य मरवाम / শুনিहा कोड्स किहिर को दिन अधान हुए मधा- इहे व । ইপানিদেশ : देश विवास है . .

ভাধর সম্পাদক বলেন, আলিপুরে নিটেন-क मृषि, श्रीकात अकृषि कृति वहेताहर । देखें দিগের কেহ কেহ নামও খাব্দর করিছে পার্টে ना जनर करिक मरचा लाटकन विदेश व मारे। जामापिरशत त्वनम विष्ठात्र विकास कुण कृति श्हेग्राट्ड !

সম্রেডি হার্নিশমরণীর সভা ভারভবরী ज्ञान्तर रहेरकरह । नरकाता ज्ञानकान हिंदी बादू बाह्यीक्षमत्र निश्द्यत्र क्षत्रक कृतिएक प्रस् त्रिण नवाक ॥ नावक धक्छि वानि क्तिर्यम। हेराएड अवधि भूखकानत स्ट्रेंद । अहे वाँकै তে লার্ড কানিধের প্রভর্মরী প্রতিমূধি ও প্রাণ্ট সাহেবের চিত্রপট খাকিবে। লাং कानिर्देश व्यवनार्थ व्यवक होको व्यविद्यार मिहें होका शहरण वाकि नारहरका अका প্রভারময়ী প্রভিমৃত্তি না হয় কেন ?

গ্ৰণ্যেন্ট সাধারণ আহিস নির্মা क्रमा ७६,६-०-- होको विशाहन । इफ পোষ্ট আহিসের জন্য ৮ নক ও প্রেসিভেন্সি अत्र अत्र कांत्राखद्व जैत्र ७,१०,००० नकः होका स्वता रहेबारह । ब्राइम्निविक्षिर वबार्थहे अस करा वहेतारह।

ভারতবর্ণীয় রেইলওয়ে কোম্পানি জুডীয় জেণির শক্ট পূর্বাংশকা উত্তর করিয়াছে जूर्र (अभित्र भक्डे कतिवात् क छम् स्वीमी कू. द्विष्ठाइनं। अरे नरम विजीय व्यनित्र भंकाहे-র ভাড়া ক্রীইরা দেওয়া ক্রব্য। মুক্ষলাইট সম্পায়ক বলেন, নালা জ্যোতিঃ अभाव वित्राद्य पाण्या विद्याद्य जान-ছা করিভেছেন তাঁহাদিগের শক্ষা অযুলক। जिनि बिलिशाइम " अहे श्रुक्त चडेनांत्र अधा-বনা হইলে জামি পূর্বে জানিতে পারিব "। মুনভাষের মুখা ও বিছোহের পূর্বে নানা शवर्यकेरक मर्ड्क क्रिया जिलाहिरकन ।

১৩ই আগাচ রহস্পতিবার।

সক্ৰাতি ইংলগু হটতে ১০০০ ব্যক্তি নিউ শবু স্মানতে গুলাত হল। সমাট ভাষাবিগাকে জিলাও বাংগে উপনিবেশ করিগার নিবিত यहणान अफिलमनार्व अक्योगि कान्त्रीय आधा- | अतिष क्ट्रेयारक । सात करणक ल्हा कांस ৰাইৰে। উক্ত হীণ দীৱা ছাত্ৰ অভালিয়া

অভিতীয়। কিন্তু জাকেপের বিবর এই, তিশ-निरयणकाविनिरगत जाश्रमत जानिसमिरभन কঃ আর্ড হয়, পরিশেষে কোন কোন িশ্বলে ভাহাদিগের সমূলে উন্নৰ্ভ হট্যা वीदन !

कांचीत्र निवांनी अध्य मामक अक वाकि sৰম রেসম প্রায়ত করিতেছে। তা গার কে-র বিশুর শুট্টপোকা ও তুজগাছ আছে। द्भगव होन दम्बीय द्भगय चारणका छेरहरे। দ্বিবিদ্যার উল্লিভিকারিশী সভা ভারাকে वस् द्वीरमाञ्च विकास निवादस्य । क्रिडी स्ट्री ল এবেনেও^{ক্ষা}রেশম উত্তন ৰূপ জন্মিতে ारिय, क्यि छः दश्द विवय अहे आमामिरशब श्मीपाद्यता दक्षम " कत " नहेताहै वास. विविध्यात छेत्रि डांश्विराग्द शत्क " शा. ভাতের কাঠি বহা সমইয়াছে।

বৌদাই গেজেট ভত্তত্য বাণিজ্যের জীৱ-क्षि द्यान चक्रम करियाद्यन विकितिरगत्र हैत मरथात जानक तकि रहेवाटक वथ :---

প্ৰবিত্তন বৰ্তমান विकास ... te. ٠٠. পারসীর৩٠ গলাল দেশীর হিচ্ছবা বোঘাইথের হিচ্ছ-দ্বৈত অভকরণ ন। করেন কেন ?

পঞ্চাবের রেইশ্বয়েডে এন্ডার (সূ বের) অঞ্জ ১ল হওগাতে গ্রাবর্ণনেও পোহের এত্যে দিরাছেন। উক্ত রেইল**ওরে** :৮১• व्यटकत कारक्षेत्रत मारमत् बरण मार्ग्न इकेटन । आरम्प कार्षेत् करण आक्रिम माञ्च शास्त्र। व्यक्तवा कार्ष्य अरका गामरात कता मन्त्र रहा अक्तानसम् करत्रमः। माक्त रक्तत्र गवर्गस्मेते (के मारे।

ইংলগ্রীয় এক পানি নিবিধার্গ সংগ্রেই জন করিয়াছেন। ইহা জন্মগ্রহ নহে। निथिक इंडेग्नाट्स, श्रेटके अरम्भ्य वात्री निकाल विकास निवास प्रामीतन हिंत। उभाग ह মান অম বিভাগ অপ হট্যা আনিয়াতে পাৰ্ছ ८मक्स किस मा । तीक मानपा ते एक्शा टल মন্ত্ৰান্ত সকলোর কাজ পূথক পূথক ছিল , ডাগু ভাষারে পূর্বাতন কাষাহার অপুনামান কবিলে ! ें कारमण विवरतुष्ट्रे किंश्यर्थ माजि पृष्टे ध्रेट्य। क्रियुश्काचीमकाहे ज्वस्य भवन आंग स्ट्रि ं बाटका

विठात्रगिष्ठिगरम बाह्यिक विरुपारगत द्यांग ध्यतम सहेता खेळीबाटम । हेर्निमंबादनव धनस्य अवरश्चन स्टम्ब, उक्तामुल धक्रान त सूजन त्रकर्ज जामामक श्रेटकर्ट, वातिहेत ব্যতিরিক্ত মনা ব্যক্তি ভত্তপ্তা কর, উকীল अकृष्ठि इवेटक शांतिरक मा । भवन्तमके विष এক্প প্রতিজ্ঞাক্চ ব্রীয়া থাকেন, তাবে কি जन। अरमर्ग अक्षे राज्य। विमानम जानिए मा रत ? প্রতিযোগিত। शक्ति अस्मीयति-गरक कान विवरत्रहे विकेख बाकिएक इहेर्द

মূলনিন নগর ক্রমশঃ একটি ব্রহৎ বাদার হ ইতেছে। রেপুন টাইমস পত্রে ভনতা বাণি-জ্যের নির লিখিত বিসাব প্রকাশিত হট্যা-(F:--

जामकाती५२,७७,००० ब अमिरे १৮,১२, •••

মোট.... ১.... ১.৬-,৪৯.•०• देशा मध्य कार्च अभागत तकारी जान. क इटेटजरू ।

ठोतुन भिवयक नि९इ किन्नमियम श्रदर्श का-যোগ্যায় একজন অবৈত্তনিক সহকারী ক্ষিস্-নর হইরাছিলেন। সম্প্রতি ভারতবর্ষীয় গব-র্ণমেন্ট ভাঁহাকে অত্পযুক্ত বোগ করিয়া পদ চ্যুত করিয়াছেন

ভাক্তর টমগন নামক একঞ্চন ফিরিলি ও आमम भाषक अकसन दिन्ह हिस्टि हिकिश्त-কের পদপ্রাশী চইরা মাজে জ চইতে ইংল ८७ शिवां किरमन । किन्न श्रवर्तन है विश्वीष জন্মার আ'জা দেওয়াতে উ:১,বা ভারত ধর্ম शक्तिगटर विना शर्वे कांग्र मय 'कानिडे! के नव-

করাচিয় জেল ছারোগা কিনারলি ৫০٠ টাকা ডছনাপ করাতে তাঁহার বিচার হইয়া দোৰ সংখ্যাপ হয়। জারিয়া এট বলিয়া ভাষা র প্রতি ক্ষার অন্তরোধ করেন বে তাঁছার প্রণ'নতর কর্মহানীয়া প্রায় ছিলাব পরে ছুষ্টি ক্ষিতেন না বলিয়া ডিনি শোভ স্থবুণ ক্ষি-তে পারেন নটে। তারিবিত্ত তাঁহার এক বংসয় कविन शदिक्ष मह कांद्राग्रहमत्र खारम्म इहे-। वाष्ट्रिः । उद्य द्वारत्वयं व मनिएक भारत जाः

माणिरशत स्थित कि । श्रम्य क्रमांत्रधान क्रिम আমরা লোভ সমরণ করিছে পারি। মাই। विक्यादिम् प्रकश विद्या श्रीव्रक्ति श्रीत দল লাকাইরা উঠিতেন।

शास्त्रवावादमञ्ज बवादवत् मञ्जी जानाव्यक উক্ত নগরের পুলিব, মেওরামী ও কৌজলারী আদালতের সংশোধন করিয়াছেন । ডিমি विक्रा निकार अना अक मका निवृक्त, अकिं চিত্রশালিকা ও একটি চিকিৎস; বিদ্যালয় স্থা পন করিয়াছেন। সালার্ম্বন্ধ ও দিনকর বাও त्कान इंछरवाणीय बाजाब मि इहेरन हानि बाल ज भागवहैदमत महाव विचराज कहेरज পাবিতেন :

ৰাতলায় মিউনিনিপাল আইন প্রচলিত श्रेग्राटकः। २८भवनभातं शास्त्रिते हे निक्तार्ड किनवद्रभ, भियाद ए काम्भारतः भारत्यतः। ও বাবু ব্লামগোণাল ঘোদ এক সভা খনপ निरमाजिक कडेबार ५२।

আন্ত্রা ভাবিধাছিলাম, লার্ড কানিও গ্রা केमारहरवत् अम्ब नोकव्यवान व्यामस्मव कत् त्र**ाह रितराक आंद्रालय लाहेगा कास ह**हे. र ন। সম্প্রতি প্রকাশিত হইয়াছে ভূতগুর্ম নন र्वे क्रियेवल आंखेम(दश्यः विकटि ' व्ययाम्) ভার , এক কৈঞ্ছিত চাহেন প্রাঞ্জিলকে ভদ্রতার লিপিয়াছেল তিনি ভারতব্যীর গব ন্মেটেন প্রতি অভ্যন্ত প্রকাশ সরিদ: কোন भक्ष कि अस माई। फिल्म नावर्गमाने नाद एक খাহ! ধলিয়াছেন তিনি ভাল ট ারিখাছেন : निट्मिम्छ। ८० छटन चित्र शवर्वस्मानेत्र मध्य শে-নক্য হট্য'ছে তথায় ডিনি ভারতংশীর शदर्वद्यत्तेत आखादे माध्यात अहितानन করিয়াছেন। তথানি বজনেশবাসীরা লাভ कानि शक अब अखनमधी था उम्में अ इनक ब्रिक्टि के के के कि के कि कि के कि कि कि कि कि कि कि कि

कड़ाहेरपत सुरहेत सन्त निक्री ड हरेगा ., ৫০০০০ টাকা লক ছইয়াক, এক একটি জা-कवती (बाक्य क है।काम विक्री क क्रेग्रार्क्त । পাতিহালার রাজা ও কাদীর এক জন মার্থিক অধিকাংশ এব" এন্থ কবিশ্বাহেম ! . .

लिओनेने गर्दात्र जाना एक म्पूट्य नामक में कविद्याद्वार

बाह्याक है। इरत मण्डापक दावन क्षार হাব:লের নবাবের বাদীতে প্রতিহাসে ছুট স ছন টাকার বরক ব্যায় হয়। ভবালি সহাধের শরীর শীভল খাকে না কেন ?

দু ও অব ইভিন্ন বলেন, অন রভের বাঁনী হওয়া অন্যায় হর নাই। এতকেনীর সংবাদ গত্র সকলে উক্ত ব্যক্তির বিবতে বাহা
লি'বত হয় তবিহাঁয়ে উক্ত সম্পাদক নিবিধাকেন " ভাহারা (এতকেনীর সম্পাদকেরা)
থথাব পৌডলিকের ন্যায় কর্য্য কবিলাছেন। হ
এভকেনী গদিগকে কথার কথার হত্যা করা
থাতিরানের কার্য। সেই হত্যাকারীকে রাঁচা
ইবার চেঠাকরাও খ্রিরানের সলকার। শ্নীয় ধংশের যদি এই ব্যাখা হন, তবে পৌন্
ভলিক ধর্মাই ভারতবর্ষে পাকুক।

১৪ই আবাচ শুক্রবার।

গ্ৰণ্যেত উত্তর পশ্চিমাঞ্চল দল লক টাকার পঢ়লা প্রোরণ করিয়াছেন।

आयता श्रमिताय स्ताव शास्त्र आंत्ररक्ष वर्ष्ट्रमाटन अवस्थि अवानको शतीकः बहेरन ।

শুনা গেল ছারদরাবাদের নবাবকৈ ছুতন

होत দিবার স্বয়ে ডব্রডা রেসিডেন্ট কলেল
ভেবিডসন ও ৪- জন আফিসর ছুডা ড্যাগ
করিয়া সভায় বাওয়াডে গবর্ণমেন্ট কর্নেচেক
ভর্ননা করিয়াছেন। কেন্ড জুডা পারে
দিয়া না গেলে ভেরম্বার খার। ছুডা পার
দিয়া গোলে লিই হউডে কান্তার বা ম ম কাটা
কর। কি পক্ষপাত।

মাক্রাজ টাইম্স সম্পাদক করাশী উপনি-বেশে কুলি লইয়া যাইবার পুনর্বার প্রতিবাদ কবিরাছেন। এ বিষয়ের অপ্রসন্থ ন না হয় কেন

কোচিন কুৰিয়ার শত্রে লিখিউ চইয়াছে, ডিল'কুরের রাজা খীয় রাজামধ্যে এবর্ণবেকে র হ'তন নোট এচলনের জান্তা দিয়াছেন

ই শিরান বিকর্মার বথার্বই বলিয়াছেন নি সুম বহিত্ব ও প্রথাননন রেগুলেসন) অভিজ্ঞ হন। কম্মচারিগণ ভাল হইলে কড়ক সুখ হয়, নচেৎ এই প্রথালী ছারা লোকের কেবল কর্ত্ত। ভামরা কয়েক মাস পুর্বে ইছার প্রভিত্ত ক ক্যিয়াছিলাব।

উক্তেপত্রের একজন পর্ত্তেপ্তক ছালার বি. বা বিসাধের উদ্যোগী ও প্রতিজ্ঞাপত্র থা পরকারীলিগের কার্য্য বিবরণ আনিতে ইন্ড্ বইরা জিজান: করিয়াছেব, ইইরো এড জা-ছবর করিয়া শেনে কি করিলেন? এলেনের লে:কেরা এগকন বিবরে বা করিব। বানেন! কনার বন্ধ ঘটনার ভর বড়।

०६ हे जायांत्र मनियात् ।

• আবর। শুনিরা অভিশর সুংখিত হইলান অল্য বেলা দশটার সমর মাওলা রেইলওরের পিরালির পুলের কিরদংশ ওম হটয়া কতক গুলিহত ও আহত হইরাছে। শুনা বাইতেছে মতের সংখ্যা লশ ও আহতের সংখ্যা কুড়ি। পিরালির পুল মাওলা রেইলভরে ধ্যাম্পানি-কে ব্যতিবাস্ত করিয়া ভূলিরাছে।

পাঠকবর্গ ইউরোপীর স্বাচারে দেখিবেন কার্বের যুদ্ধে হস্তার্গণ করা লার্ডপামর্প্তনের অবিপ্রেড নঙ্গে।

বোদাইরে অভিশব্ধ কর হইরাছে।

ফিনিসের আলাহাবাদের সংবাদদাতা বলেন ভথার করেক ব্যক্তি অলফারের লোভে একটি বালকের প্রাণ বধ করিরাছে। এই অ নিষ্ঠ প্রারই ঘটনা থাকে, তথাপি এ দেশীরে র! সস্তানকে অলফার পরাইতে ছাড়েন না।

উক্ত সংবাদদাতা বলেন তত্রত্য গবর্ণ-নেন্টের ছাপাখানার ব্যব সংক্ষেপ কর। ছই-তেছে। বে সকল লিখ প্রাক্তর প্রভৃতিকে গব প্রনেট কলিকাতা কইতে লইর। যান, তাঁহাদি-গেব কি উপায় কইকে ?

টাইমস অব ইতিবার পাত্রিসম্ সংবাদদানতা বলেন, শিরাত নামক এক জন ইজিনিসানর কেবল জল । রো রেইলওরে শক্ট চালাইতে অতিশর আজাজিত হুইরাছেন। এফনে সামান্য পাল রেইলওরে নাম পাতি চালাইতে পারিলে দর্শন লাজের সবিশেষ মহিমা প্রকাশ পার।

উক্তপত্তের লশুনশ্বিত সংবাদদাত। বলে
ন ইংলাণ্ডে কেনে সক্ষণ্ড ১৭০০০ বল্ডি মৃর সৈনিক বইরাছে। ভারতবর্তের বলকিয়ারে
রা কেবল দাধারণ সন্তাগার খন্য করিলেন।

ভাল্য পূর্ববাদালার রেইলওরেভে পরী

কাধ বাল্টার শক্ট রাধাবাট পর্যন্ত বাইবে।
বাল্টার শক্ট ছইখানি, প্রবন্ধ প্রেলির গাড়িড়
ও এক খানি প্রব্যের গাড়ি গিরাছে। ক্রেক
জন ইঞ্জিনিতর আরোহী ইইয়া গিরাছেল।

श्रमात शर्बाई माधात्वत् बाहुरक् मात्रियम ।

নিম নিখিত মূল্যে প্রক্রেইন্ট্র কাশব্দ বিক্রীত ব্ইতেছে:— এটাকার সিহা ৯১ ব ৯১৪০ এটাকার কোম্পানির ৯৩০০ জ্বানি এটাকার ক ১১২৪১১২৭ ব্যা টাকার ক ১১৪৪১১৪৮

एक्स्मी शबका स्ट्रेंट केस् । गण सारात त्या ।

ইউনাইটেড এটেট্স ক্রিক ক্রে। ছব্দিণ বারে।লিং। প্রয়েশের একটা নভাতে

কাকণ কারে। লা নে প্রক্রের অকল, নতাতে কোন গমরে এই প্রজাব বইয়া ছিল বৈ। কাশবি-গরে উত্তর রূপে আলারাদি প্রকাব করিয়া অর গরিমাণে কর্ম করাইলে অধিক লাভ হব না; অভার আলার দিয়া দিয়া রাজ থাটাইরা নাজু আট বংসরের মধ্যে উহাদের আলুফর্শক্ষিয়া দিলে অধিক লাভ হয়। সভ্যা সহাপ্রেরা নাকা প্রকার ভর্ক বিভর্ক করিয়া পরিলেবে এই ছির করিলেন বে, শেবকল্লই অপেকাক্ষ্ড লাভক্ষক ন্যুত্তরাং ঐ কল্লাই পরিস্থীত হইয়াছে।

যে সম্ভ এলেশে চিনি ও তুলা লয়ায়, দেথানকাব লাসেরা প্রায় প্রত্যহ ২৫। ১৬ খুলী
কর্ম করিয়া থাকে । এবং সময়বিশেষে আহাক্রেগকে সমন্ত দিন ও সমন্ত রাজি কর্ম করিছে
হয়। কলতঃ লুনিয়ানা ভিন্ন জন্য কোন প্রায়েশেট সময়ের নিয়ম নাই। জন্যানা প্রচ্নেশর
এতুরা ইছা করিলে যড়কণ দান মৃত হইছা
ভূমিতে পভিত না হয়, ডাড়কণ পর্বায়
কর্ম করাইতে পারেন। সমর্য লুনিয়ানার নিয়ম
এই বে, দিবা রাজির স্বংগ দাসকে ২০ খুলী।
বিপ্রায় করিতে দিতে হুইবে।

বলি দাংসের কোন প্রকার ক্রটি ছইল তবে তাহাকে ভয়ানক হও তোল করিতে হয়। কথন বা হলে রক্ত্র ঘাজিয়া কুলাইয়া রাখা হয়; ক-খন বা লগ্ধ করিয়া কশাখাত করা বয়', কখন বা উপ্তৃ করিয়া কেলিয়াহত পান গোঁলে বাজিয়া দোঘী ব্যক্তির প্রাক্তি লাভা কর্তৃক আহত করা-ল তয়; কথন বা ছুরিকা খারা অল চিরিয়া দে-ওয়া, কথন বা পিন্তল খারা গাল আল বিক্ত-করা, কথন উত্তা লোহ খারা গালে খাল কেও লা, ইত্যাদি অভাবনীর ভয়ানক শাভি দানদিগ-কে ভোগ করিতে হয়। অল প্রভাল ভয়- দব্ধ উৎ পাটিত, কর্প ছিন, ইত্যাদি ব্যাশার ত সর্কাইট ৰাতরা থাকে। গত ৰতা স্ত্ৰালোকের**ও এরণ শা**ন্তি ছইতে তাণ পাইবার বিষয় নাই। ভর্তা সংবাদ शरक यरथा यरथा राज्यभ विकार्णम् अश्रीनिङ হইয়া থাতে, ভাহার ছুই একটা উদ্বুত কৰা বা-ইতেছে। পাঠকবর্গ জন্মারা কানলিবের ছুর্বস্থা-त्र विवन्न महरकहे जवनंक बहेरक शिन्निद्वन ।

" जानांत्र नांनी नाम--शनांत्रन कविद्यारह। षेशांत्र कर**ि अञ्चलका क्यांचार**खन्न, विश्वक्य विक बारह। "

" चानाव किंव कर्न'हान श्रुतायन कवियां ए. धक करमञ्ज शृक्षेद्रशत्म क्यांचाटकत्र विमक्त किक् चारह, ७६ ७ हिनुक विशक्त कठ। "

" আশার জিঞ্জন দান পানায়ন করিয়াছে। এক জনের ভর্ণ বাই, এক জনের একটা চকু मारि ७ वर घटनत्र वस अर्थ। "

क्रेस्ट्र कारहालिनात अक्षी निवय अहे रह, মাসকে লেখা পড়া বিধাইলে কি কোন প্ৰক পশ্চিতে বিলে শুড ব্যক্তিৰ ছুই শত ভালর জ-রিমানা ও কাজির ভারাবান হইয়া পাকে।

লাগদিশের অবস্থার বিষয় ব্রুত্থার অধিক লি-বিশার স্থান নাই; অভএন এম্লে একটা অভার শোচনীর বিবয়ের বর্ণনা করিয়া কান্ত হই।

·· अक गाँक नूरिहामा श्राप्तरण गिन्ना गठी-बांग्य त्नांदक त्वस्रण करिया थात्क, कात्मक वन कतिया ठान कर्त्व अञ्चल स्टेल्नम, स्थानहर एर ত্ৰপ উপাৰ্জন হইড, ভবছুত্ৰপ উত্তৰ-বিষয় দেয় পরিশোধ করিভেন। তিনি ভত্রভা আর এনটা সাধারণ প্রথা অবসরন করিলেন-একটা কান্ত্রি वरम्बाह्य क्षीरमास्कर महिल श्रवह सहित्सम । বেশীর নিয়মান্ত্র ওর কার বাজির সহিত কাব্ৰিংশ জাভ বনাৰ বিগাহ ছইতে পাৱে লা, ! भूषकार जाहेन जग्नगांद तारे कामिनी जांदात विवादिक भन्नी ऋत्रभ गरेन ना . किया नाम क মুক্তি লাগ সুনারে ভিলি উলিব সহধর্মিনী ছি-**रमम। ने जी**रमांकी दक्षिगठी, श्रमदी, खाम जन्मा ७ वार्षिक दिल्लन । डी शर हरे करन প্ৰস্ন স্থাপে বিংশতি বংসদ কাল তভিবাহিত **ক্ষরিলেন** । **ঐ স্ত্রীলোক**টিত বর্ণে কুফাব্রের লেশ ৰাত্ৰ ছিল কি মা, সংলহ , কিন্তু ভাহ,ন কাঞ্ছি **মংশ হইডে উদ্ভাগ, স্থানাং ভারার সভান সন্ত** खिता मानव-मूचन रहे. ७ मुक्ति गाहे: अ शाद मा, बारे पद्मा कत्रिया ज्ञीरमांकी चाधीनका आ श्चित्र कवा चांबीरक मर्सावां कश्चरतांच कतिएउन । **স্থানী আজি স্থান করিয়া ঔদাস, করিতে** ন अवदानाय फिनमें कना। नावितः इदे मध्यवदे

नर। गृज राक्षित बांडा डेराएक रेनड्क विव-রের বন্দোবস্ত করিতে আইসেন। তিনি জাড়-क्रमान्त्र विद्या युक्ति व्यथिता व्यकास गर्थे ভট্:লন এবং জড়ির ভাল 'সংখ্যা ভাষাদিগকে यत्थालकुक मन्नात्म जरेशा यहित्वन, अवन कामा ३.७१६ स्मूमात्म ३२.०७२,७२५ू। जैसर वृत्यन मिलान। मृष्ठ वाकित आखाझ वन दिल । উत्पर्श अतियानकल ७১२,८৯৭ वर्श माहेल आर्थार है र ल-हिरशत निक्रों पृष्ठ अध्यार्गत गांवजीय विवास कर्क विशास होडि हिन ; ज्वलतार जिनि जाशहें क्रिलिम । त्यांन , जेक्कि विश्वित विश्वित एक, । यूक्किविट्याह, उक्षत्र व्यवस्थत श्रितिएक है निन्त-ভिन्न मञ्जाह निवाहन केल्लाथ कात्रन नावे--- जि नि शास्त्रत शक्छ त्रश्या श्रामान करतन मारे, ভাঁহার ভাতুক্নাছের বাদ দিয়াছেন। এই কথা শুনিয়া ভিনি বজুাছতেৰ ন্যায় কৰা হইয়া রচি-लान। अनस्त जिनि अधूमांत्र ठेक्टवर्णत सारवर विज्ञा दिनी ह छार्य करून। উত্তেक कति वीत रहकी , अञ्चल मानवातका व अञ्चल स्प अ अवात विग-क्त्रिएक लागिलाम , किन्ह तमरे श्रीवांग स्मग्न वा क्तित्र। कविल " व्यायत्रा धनन रह भूगा जना ছাজিয়া দিতে পারি না। গ ওখন ভিনি অ/ডু-क्षमा। श्रामित शक्ति राज काला विकास वास नाम नाम সম্পত্তি দিজে চাহিলেন এবং বলিলেন ** হা-मिश के मानी करियांव करा लांद्य एउ भूमा দিতে চাহিৰে, আমি ভদগেকা অধিক দিভে-ছি আপনার। ঐ ওলিকে পরিভাগে করুব । " डांशांवा छेलत्र क वन, " উशांत्रा मानाहित विम অন্য কর্ম বিলেবের উপযুক্ত , ডাহাডে নিয়ো-ब्रिड क्रिक्स वष्ट्य लाड स्ट्रेरव। " जर्पन जिति क्लान इरेश मध्य मध्य विद्युष्टमः कति-লেন ৰে ভাদৃশ অবস্থায়িত করা অপেক্ষা উহা-विशास विनाम कहा है जान। धवरणरव अ।पूक-ল্যাদের অভ্টেকি আছে তাবা তিনি ঘঠাৎ काश्चारमञ्ज्ञ समायक व्यक्ति कविरामात्र क्षांशास्त्र त्य कि कड़ेल काका आंत कि विनित । জিনি বলিয়াছেন বে কালাকে পোক বজে, কা-ছাকে আৰ্দ্ৰনায় ৰংল ইভি পুৰ্যে তিনি তাহ। অবগতই ছিলেন না। ভাগারা দেই অবধি আ-হার নিজা পরিভাগে ক্রিল এবং বিক্রয়ের ल श्रेक ना। आस्तार निष्ठे अत्नियक रिशन <u> १९७७ छ। बाबा अपूर्क ब्रुटमा अवक्र से छेटमण</u> गाथमार्थं कोछ रहेगारम् , अर्थन छोरात्री स्मा-रांप्र त्यरहे कारन जा। किंश्व अक मिन जनमाहे ভাষারা পরমেশ্বর সমীপে উপস্থিত ঘটয়া এই न्युक्त्य -राशास्त्रक नाष्ट्रा निद्व । ११

বে বে প্রন্তেশে দাসব্যবসায় প্রচলিত हुकू। इनेल । क्या जिनमें गहन चूनती हिन ; , आहर उ त त शहरान शहनि छ नाहे छोटा | हिन । कथन व। अर शहरा क्या कथन व। जहरू

अक्षीत वर्ग se, अक्षीत se अवधित sp वर- शृद्धि छेखा इवेत्रांत्छ । अव्याद मराव्याल अव वना वाहराज्यह रव फेलब थएक स'नदावनात छ-लिड बाहे ; विक्थ बंद्य बाह्य। याथीन अपन-(न (डेहन चंट्स) रम डि आय ३३ ०३७३१७, मान श्राक्रमह काडि चांचीन ৮.०७२ ४१०, मान्यत्र ও ও কুল্ম একত্রিত ছইলে বত চর ও।চার বি-ख्द। बहे क.व १**हे पूरे वंश श्वक वरे**श शत्राचार लन, प्रक्रिन चरश्चर व्यक्तिरक है एवं जिन । यूरक्त কাৰণ নিম্নে প্ৰদৰ্শিত ছইতেছে।

' যদি এক দেশর মধ্যে পরস্পর ভিল্প সভাবলস্থী ছুই সম্প্রদায় থাকে ভালা ঘইলে বে রাজো কথনট অ্যুখ্স: থাকে ন: দক্ষিণ দেশের লোক রীত কথা শুনবাবাল অন্নি প্র্পছত ক্রিয়া छटर पानि बहे आवारण हे वाली कारण लिय-उ रहे छ छ। र य ४ घषन । काम श्राप्ता विकास স্ক্রিণ খণ্ডে উপস্থিত হুইতেন ভবে উ।হাব এগ্র मश्मात्र इत्ते अरम्बद्ध नाहि। साम वादमाराह्य वि-क्राइ अरू थानि अन्न श्रकाम कराया विद्वारक ষে প্লপতি ভ ব্যাছিল এডলে কালা স্মৰণ কৰা কর্ম্বর । সেগ্রত একজন দ্বা ক্ষণাভা কোবা , ডিনি मारमक विद्युष्टमा कवित्रः छिव कवित्र छटलन ८१ দ্লেবাবলায় এচলিত থাকাতে দক্ষিণ বঞ্জের চনশঃ অবনতি চইতেছে। চিনি উত্তদরূপে গ্র-श्व मुर्नाहेच। हिर्मित दश्चवरम मृक्तिन चंछ म .পক্ষঃ কু র উন্নত অবস্থায় ক্ষরস্থিত ভিলঃ বিস্ক **হালসহভারে উত্তব থতেব আছিছি চই**য়াছে আৰু দাস বাৰসায় এচ্লিড পাকাতে দক্ষিণখণ্ড ক্ৰণাঃ 🕮 এট হাইছে ছ। দাস ব্যবসাপুৰ বিকৃষ शब् श्राप्तंत्र कद्भारत प्रक्रिय प्रतिकृत (स- ' व्रवृत्क व्यानकाव क्रद्धा वे व्याप्तान क त्या ह-लाम । विक स्वकृष्ठ भागरकृत विक्राक्ष रकाम कथा कः হে ভবে ভাছাকে এই বদা ২৪ জুমি একব ব कांकरन अवन कहिरल कांव गांव। वीहादेश किं नमत्र गर्वास अक. हरू ईं अपरम्भत हरू व खडता- । विष्ठा व्यक्तिक गातित्व मा। अवित्य हेस्त था क् ह लाकनिक्वत सामवान्मात्त्रय आंड कायन ्रमान विदयम । यथम अञ्गी मू छन अदमन संस्कृत हुक वम छथम मिने नव्यूक शामाण मानवाहरू । अहलिक करान कि मा हैशा करेशा विवय हैं औ नद्यांन जेन्स्टिंड हरेगा छत्र। मिस्र'त । सूक कृतिकाद नशक विवासिक क्येगाछ है हरूत। নেই অৰ্থি ছাই পক্ষে ছোৱতার বিস্থান হুইডে-

लश्कत सम स्वर्थात् क्यंस मोत्रावन गरक क्यंस तो मात्रावन विश्वस किया विश्वस के क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया

मागद्धाहित धारमण माद्यवे य मिक्न ध
एउन १ एड प्याम विद्याद अयड माद्य । ध्यिन
एने कि मिन से मागवर्षी जारमण खिला क १ जान कि है ने हा या उमान उद्योगन कि स्वार्थ १ जान कि शाम से स्वार्थ कि कि के ल्यां के निया
एक या के नमंज धारम भाग खिला के ने स्वार्थ कि या कि में के स्वार्थ के स्वार्थ के निया जान निया महिता के ने से कि प्याम मिरान माद्य जान के स्वार्थ के निया है के स्वार्थ के स्वर्थ के स्वार्थ के स्वर्थ के स्वार्थ के स्वर्य के स्वार्य के स्वार्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य क

পূর্বে দ্বিং বিশ্ব বিশ্ব লোকের! আনেকবার।
কর লান কবিরালিশান কিন্তু একণে উত্তর্বপ্তকরীবাই কর লাভ কবিতে হ্ন। অভ্যানর ঐ

যা-কর সংবাদ শাগুরা কঠিন হইবে। উত্তর বতে
একশ বাল আল্লা ফইরাছে যে লোফে যেন আভ্যান
শার মুদ্ধের সংবাদ না পার। টাইম্স্ পত্রিকার
লাশানালাভা বলেল নালেবকে যুদ্ধ হানে রাইতে
নিবেগ কবিরাছেন, ইছার ডাংপর্যাকি ভাল
র্কা যান।

গ্রহ। ছাউক আছেকুল মধ্যে সমর্মিল যত শীত্র নিকাপিত হয় তত্ত আক্রাদ। শীত সঞ্জি ইউক, শীত্র স্থাসন্ধ উঠিকা বাউক এই আমাদেব ধ্যাও বাসনা।

দ কণ খণ্ডে তুলা ও চিনি প্রচুবরূপে জারিয়া।
বাংক : ঐ ডালা ভাইডেই পৃথিবীক অধিকাংশ।
ক্যোকের বস্ত্র প্রস্তুত্ত বর ! কিন্তু সম্প্রাত্ত কালা
থণালীরা কুলে মন্ত চইংল দিতেকেন মা । এ
থন ইংলও ও জ্যান্যের ভোব বিপাল ৷ আমেবিকাব ডুলাতে এই ছুই স্থানের অনেক লোকের
নীবিদ। নির্দ্ধান্ত ইবা বাংক ৷ স্কৃতবাং সম্প্রতি ।
নী সকল লোকের জীবিকার বিষম ব্যাহাত জলিয়া উরিয়াছে *; ইংলওের প্রার ২০,০০০

শ এই বিগন উপন্থিত ক্টবার আল্ডাফ্রনে এই দেশে পুলা ডান করিবার ডেকা ক্টবেছে। নীল বারা; বেরুণ দেশের কীর্তি ক্টয়াছে বোন্চারি কুলাতেও। শেই[রূপ হ্টবেক।

ওরা শুন পর্যান্তর ইউরোপীর সমতের ম

সেদাপতি মানিলন বিচমধ্যে করেন কো-খ মুরে আছেন। নিজোগীর। উক্ত নগথের সন্মু-ধে নিবির স্থাপিত কবিয়াছে। এরপ অনজাতি উাছাদিশের সমতিব্যাগারে অধিক সংখ সৈন্য আহে,

বিজোহীর। চির্মতের সাজে তিন জেশি দুরে দেশন নদীতে গ্রণখেনেট্র গ্রন্থির ও জ-ন্যান্য লোচায়ত স্বাহালকে প্রাকৃত ক্রি-য়াছে।

করিছের নিকটে অবগণেও কোন মৃদ্ধ ছয় ই সক্ষে অন্ধান করিতেছেন, মেরিকিল নগবের সমিছিত ছাইট মুর্গের নিকটে প্রব্যন-কৌর কাষানের জাহাজের সংহত বিজ্ঞোহী দি-গের কাষানের জাহাজের যুদ্ধ দ্ববার সম্ভাবন।
আহে

গৰণ্যেকের একজন সেনাপতি এক থোবণ। পাক ছারা। জয়ার্জিনা দক্ষিণ কারোলিনা ও ক্লো-রিভাব ক্রান্ত দাসনিগদে স্বাধীনত। এফান ক্রি-বার আজা দেন। সত্ত,পতি লিখলনতা সরাছেন বা বোৰণা ভাষাব অসমতিতে ছইয়াছে।

নিউ জালিয়ালোৰ লোকেব। প্ৰশ্বেষ্টের ক্ষরতার স্থিতেৰ অভিনন্ধতা করিতে ছ।

বোষনগ্ৰহিত ফ্রামী সেন। কংট্র। জ-ক্ষেত্র করা ছটগাছে। কাউনি ম্নিবেলে। গুরুত্য সেনাপ্তি মাইডাছেন। মজুর কাণালেট রোমে প্রত্যাগ্যন ক্রিয়াছেন।

का जिम कार कमरण हुई करण (क्षेत्र क की-ति) माथातम नाज कार्यमा प्रश्निक विश्वास क्रिन् रिवास की माम किलक मार्टिन क्षेत्रीय क्रिन्टिन क्षेत्र राज मरक्का क्षा पार्टेट भारत । मार्क माम स केम क्षेत्र शहान मर्टिनाथ क्षा क्षित्रका ।

ব'দ উল্লেক্স্ড গাংকবের প্রস্তার জন্তার হয় ভাষা কইলে ওয়ালগোকা সাহের লাভ পা-মর্টনের প্রস্তাবের সংশোধনপ্রাসক ক্ষি-বেম।

০তিন অব কমজো এই প্রাক্তার কইরাছিল। নৈনারতের আফিলরের পর কার ক্রিয়ার প্রথা আছে, ভাষা রবিত করিবার গুলাস্থলারে পর র-

किय सिश्य कञ्च। कईता । अध्यक्षाक्रमध्यादा एकै-वाद्य ।

হিরাটের সভিত আকুগালিছাকের বে যুঁও বইতেত্তে, হাউস অব কমতোঁ ভাৰ্যবাক কর্ত বি-ভর্ক হহরাতিল। ভার্ত পাসর্কান বলেব অসুক্তে বিংসাধের ভতার্পন করিবার আবশাকভানাত্রিশ

ভূরক নেদার। দন্টিনিরোর লোক্রিনিকে কল্পেক মুখ্য গুরুত্তরয়পে পরাজিত করিয়াছে।

गवर्धः के विद्यालन् !

वाकानाइस्थीय त्नश्चेनके शवर्दस्य

आरमनाञ्चनादी निरदान।

০৯ এ মে—বালু রাওভারক রায় রক্ষান্তরর প্রতিনিধি সদস্য ও ১ইগ্রন্

বাবু সদমবোপাল সোমারীজ্ঞার প্রতিমি-থি সহর আমীন ও সম্ভ বুনবেশক মন্ত্রেন।

১৭ই সূব—হার অস্তবাদক গোলাবী গোহ। টির সাধারণ বিদ্যাশিক:কার্ফের কবিটির এক জন সভা হউবেন।

১৮ই জুন--জে, নি, গেডিন সাহের থাবনা-র নাধারণ বিদ্যাশিকাকার্যের ক্রিটির এক ব-ন সভ্য ও সেক্টোরি চরীবেল।

১৯এ সুদ--জ, এক, কে, হিউইল বাবেব সংহাবাদের অভিনিধি কাইন্ট সাকিট্টেই ও ভেপুট কালেটার চক্ষাব্য।

ভবলিউ, এল, চিলি নাছেব নদীয়ার প্রক্রি নিধি ভাইন্ট নালিট্রেট ও তেপ্টি কালেট্র ভইবেন।

১০ই ভুন--- গাঁওঙাল পরণদার অন্তঃপাতি মুখকার সম্বারী কবিদ্যার কে, ক্ষট সাহের মাজিটেইটের সম্পূর্ণ ক্ষমতা প্রাপ্ত হুইবেল।

শীওতাল পরগনার **অভ্যাতি প্রাক্তরতার** গবর্ণনেটের একজন সেনাপতি এক ঘোষণা । সহকারী ভ্রিননর এ, ভর্তি**ট, ভ্রাট সাহের** ভারা ভিয়ার্ভনা দক্ষিণ কারোলিনা ও ক্লোম্প সাজিন্টের সন্ধূর্ণ ক্ষতে এইও হ্রিটারেশ এ

गाँउडान शहरेगांद आवश्यानि गेनाव गर्-कारी क्रिन्त्र कि, नि, क्य' निष् भारत्य है। का।ति अविस्तृ के भारत्यकारत स्वित्रकार उ ख्यानकार्ड गवर्णन क्रियाह स्वोक्सामात अथम विवाद क्रिक्ट शाहिरद्या । क्षर ख्यानिक् मक्त क्षर्यः शाहरूम ।

২১এ জুম—বিশ্বনিধিত জন্তলোকের। খাব-ভার বাওবা ক্রিকিৎসালরে কার্বারিক্রাছ্য নভার সভা ভইবেন।

चालानक्ष्यम नार्थ्य । यात् श्रीतांशांश भीनः

এন, সচ সাংহ্ৰ প্রেনিছেলি কানেনে। ইড়িহাস ও বার্ডা পাস্তের সহভারী অধ্যাপথ হুইবেন: কিন্তু বড়াদিন অন্যকোব লাজা না হঃ উক্ত কালেনে প্রভিন্মি ইড়িহাস ও বার্ড শাস্ত্রের অধ্যাপক বা ক্ষেন।

বারু প্যারীচরণ সরকার থেনিছেলি কা-কেলেন-ইডিমান ও বার্তা নাল্লের প্রতিনিধি সহসারী অধ্যাশক হউবেন।

कानिवश्दत्व स्नर्भं वात्र (भागीनाथ देग्द अक्टल कदक्त ३० काहिस्तत ३६० धातास्त्र कविष शूर्व ८७ शृति काटकदेरद्वतः कवतः। नाहर-

२ ७० जून---- (अ. करनिष्ठे मुक्त महरूत वा-**ट्रिश**ंद्रद्र सेन्द्रभन **बरस्ट केंद्र खर्किमिपि सम्बा**ती

ভবলিউ কেছল নাহেৰ ২৪ পরগণার মাজে-्रचे दुर्छेत्र मञकाती रहेशा को क्लांति आहे त्वत्र ২২ গাবাজদারে ভিতীয় জেবির নত্কারী নাজি-**ब्हिटीन कम्छा भावेदनम् ।**

निम निविक कहरनारकरा ३४-३३ व्यक्तर > अहिन ७ ১৮ · अस्मित २२ वाहिन, वाना ১৮-७६ चाक्त क कार्यन्त्र र धात्राक्ष्मार्टर रहणत धनार निषक छोकित खगतिरकेरछरकेर विहा-दत्रव क्रमणा शांदेदवन ।

टकपूष्टि माजिरमें है मोलने कारहन कडिक नियानमध्यक द्योननी अवाधिक निय निय

क्षि बोनरी क्यांन मध्याः।

পণ্ডিত মধুস্থৰৰ বাচন্দতি প্ৰদেশীয় পণ্ডিত। २३ व जून-- छश्म शूर्वत मानित्ते है ए का-दणकेत मि वि कियान मार्ट्स श्रम (श्रीवह मा-बिख्छ छ अंदलकेत बहेरवन।

পাইনার প্রতিনিধি মাজিকৌট ও কালেইব बाह, खर्गिक, आदमक काश्चाव जेक स्कार्य बाह गांविक विकारह, बहेमकम स्वित्व। अधः विजीव ध्यानित मालिएक्ट्रेंड अ कारनकेय इडेरवम।

के अ नारक्त मानमाक्त मानिएक । अ ना-লেক্টর বইবেন, কিন্তু বড়দিন জন। কোন আক্র। मा एव महीवात मालिखे है अकारनहार थाकि-(有前)

नि वि श्रीरवंडे माट्यव शांग्रेमांव कांक्रेनी मा-বিক্টেট ও ভেপুটিক্লালেটৰ ছইবেন। কিন্তু যত দিন খাৰা কোন আছা মাচয় ছগলিৰ অভিনি-भि मानिक्षेष्ठे ଓ कारणजेत था किरवन ।

उनिष्ठ बाल, इति नांद्यन विश्वीय अधित मार्वेनी माजित्या है अ तह शृष्टि कारलहेब स्टेटव।

वाडे जिल्हान छोल छेरेशांम नाःह्रवद्र निमान महेत. नहे 'अएक पाहितात अन व्यवस्थि स्वेटत ।

-প্রেরিড।

निवित्र निर्वत्न भव्तियः कुनः श्रकांण भू-क्र महीत कि शह शह महिला करिया दनांन अकारण धाकाण क व्हारत ।

আমি পুরের এড়কেশন ভিলাট মেন্টের বিবন্ধ निवित्रों है, धक्रान क्यांबन में ज'न'ना इव वि-रत्र **लिविटळल्याहरू वर्ष**्टिष्ट् , 'कष्ट्र शकरण शू-शित्मक आदिन गदिवर्ज बहेबारह क्र उनार शहा-ভাৰ প্ৰতিদ দেখিৱা আজি যে সকল সিংয় ভিত क्तिशंदिनाम, छ श्रांतिशाद्रथः। श्रः। इडेक. " अवश्मरमद ए**प्रे**ण वाकि के हिम्द्रशत कावा जती-· कार्ष अरु कर लार निरुष्ट १९३। डेडिड, ज वना छेगनिक विहासगढिन। अछ हा वदमानन भाषा इवे यांव स्थानित। शांभत्व अवांक्रिकत मिक्के घरेटछ देशक्रियत छ० क्लांदर्त विकः ख्रांवय करत्रक, छाष्ट्रा छहेता छात्र हव । छात्रि वर्षेक्षेत्र चारम व्यविद्यादि या व्यवस्थ एव गुहि बोद्दां जानस्थ कर्ता करतम मा, अश्र हेर्नाह-বের অন্ততিক ভাল নহে। কেঃ কেহ অভিশর ्य हैं। स्पेन स्पोपन क्रिया जाननात देवि

क्षित्रा सन, भारत कुश्यद शक्ति मृथि। १०१ विकि गाः। श स निवामी किंगुक नाबू दानकुमात्र कटब्रम म'। रक्ष रक्ष आर्च उन्नात, जानि 🛧 करावेग वाल, क्षाइक्ष आहिन्द्र है खाउ गाउन অভ্যন্ত লোক শীচন করেন, কেচ কেচ রগাভি मानी चापनान शत्यह स्मोत्रीय चारनक नत्या भी राक्तिस्कड (क्रम व्यव ।

দূরণ্টক আৰু জেপ্টা বাসুদিধের গুণ্কীপ্তন কবিয়া লেখনী দ্বিত করিবার আবিদ্যালার 🗸 है। अक्षा भूति वह का व बक्ति शिवश लिबि ह करेटन। मकखाल मिलाही देवत्वारः आहित्य स्तिदांचा करत, श्रीकृष च 'तः दलानकः'ण गांगिक क्य ना, व्यक्तवन अविन्द्यं अक्षे प्रशास জ্ঞায় উচিত আমি আচলে নেখিয়াছি বীৰভূম क्यांन बहुःशांडि विस्थाति बार्फ्स्य क्षिक त्मांक जेवान। डेडिया निवादकः व्या उप्पाधितात छ। गुरुमकल स्मिथल समग्र विमीर्ग करेम, गाव, त्कान त्कान शृक्त अटक बारबहे खुनियांची बहेबारह, काम शुरुद्र जिल्लि कार्क्तवर्ष करे हाट्य एकारा मित्रा कारलाक प्राची गांडेटडट्. क्लांनगु:श्व खेशदा खूनगाया नाहे. क्लिन कान ग्रह्द अम्रान क्रिका छा गुर्भ्ह कर्म ध्रारथ पानिशृधि हहेगा, किन्द्र कि कवि । काम ক্ষমভাট নাই, পরিশেষে এই ভাবিতে লাগিল। । সলত নগালের প্রাণা, বিষয়ে ইনাদীন এইয়া এই ম ভকাৰতে অপতাৰাৎ কেনে স্তাত। তবিষাতি ,) একাচে সমস্তাগ ভোগ ক্রিন্ পুণক্ষ মেট জগৰু। বাতীত রাকড়ভোর দে বারা ছইতে আমালিগতে কে বজাকরিবে।

ত্রীয়ন্ত্র সোমপ্রকাশসম্পাদক

मर्इ, नर्युष् ।

खिष्ठ अध्य अदेश अदेश विकास मारहत कि वुक्रांभेदे विश्वनीशूर्य आशंभन कविद्याद्वित्त्वनः তিনি এখানে পদার্শণ করিবার অন্তিবিদায়েই পীত। পিশাচী কৰ্ডক আক্ৰান্ত হটয়া কৰুব। কন্দ্ৰ এগ্র একদিনও স্বন্ধানে সম্পানন করিছে পাক হ ন'নাই এক যাস অভীত ব। হইতে হইতে হুগড় काम डीमारक करिन कि कतिया चीव कठरकाम . निहरू क्षिप्रारम् । मण्यक्ति हैसिप्राम विक्यात्वर কোন প্রত্যেরক জনতা স্থানিছ অ,নিটাঞী मर्कान जीवुका वि क्थल महिंदन प्रद्राज्यत् व किकिश्मात विवन्तन अकारक माना लील। সংব্ৰণ কৰিয়াছেন বলিয়া একবানি ছণিত পাচ शकान कराटा क्रियुक्त काखन गांदरय । क्रियु क উট্লিয়ন টেবি ফোখাছ बहेबी शक्कशत्रकर অভুসন্ধানে **প্রায়ুত্ত ভইয়াছেন। ভারাদিপ্রে**র স क्षिक क्षत देशकियां किया क्षिक नामः लिगानव माद्य माद्य अभग कविद्यद्यः । গংখ্য মধ্যে মিদনবি জীয়ক্ত বেৰখেণ্ড কিন গা-८३१ मध्यामसम्बद्धाः वाडाम्बन्डस्य वेन्द्राचित्रान्त क्षिण नक्षित्रिक अञ्चाभात वहेरलाह । ভনিতে পাই বিফরসৰ সম্পাদক বহাপদ্ধকে পত্ৰ লেখ। হটকাছে। ল প্ৰভাৱৰ পাইলেই একটি দি-बाशिराह्मत स्थानमा उवाशिक स्टेट्स । 🕖

महाशाब बामक अस भन्ता वाकिय अकृति अकृत कृष्टे कविएंड शहर ना, शहर कावा नकम कार्रा कि 'त्यींच महाम की आधानित नि के उला नीड জ, তীর চবারা। কর্ত্তক নিজ্ঞ দত্রাতে আছতা ८-१न क्षा श्रीवष्ट अति, बृष्टे हा तन मार्ट व राकामेश्वत विकाद काठा का विकास स्मार्थ : मधामान कडेबा ह्रवामानित्वन यात्रक्कीरन ही-शहर का का ना वादक्य करेत्र विवादक । क 1. क्षांग शिकांचे न अवधित आकारण स्थात-अर्थ पंडिठ स्मेरार मुसीकृत स्रात्ता तान-कृतांत नाष्ट्र काम काम बुक्षांत्र अधीमत करेगां छ रा ६ ६४। वर श्वामिकाद छाउँ किश्मान भरतारन भ न। कतिश छाइन इरख किइ है। १६ छम्। इंड वंक्यकी खरमन स्थाप्त से पूज्-आंभारक राज्ञां कविशां क्रियां के बालक शक क्षित्र । पूर्वा**कर्तुक सांक्**ठ क्षेत्र, शिखाव कास्ताव महिदाय फ्रमांका कि शत कर्दन श्रम का नियान গ্রাবার প্রায় করে। ভাষ্ট্রিলের নভিত ব স कला कराए ड कार्याला अक्रमाना न्यालां करहा তংখালিখের দে^{নি}র।বারস্তান্ত 'জনদেব লগে পোচৰ বিবিধা সলিয়া ঐ অবে, ধৰালক ভুক্তী এ ८क थमक विरक्त धारांका प्रे° 5 व हेगा, को लालकितिक ত্তাবিষয় অংশ বিগতে মিল্পান্স ক্ষাত্র করে। बद्रमणीर भनेत्वा वह न्द्रात् क्षांत्र मान्यता हिन्द्रा

> 224 BY 18 55 1 (मर्निन) उत्र ।

> > প্রবৃদ্ধি জনসং।

गमाथां थि।

১। अ**वीनकात कुछशूर्क काटला**लेव छ काक्कि- । दशांखांक्यांव तम्र विभागारमद काळणण शांवम। ১२ अफ्र देश (के बावधि वर्ज नेवम) थ शर्वाष्ट्र दकार उत भागुक वाजु मानिनामय द्वार यटक इंद

>२ ७ के देवनाचे जावदि काबिन शर्वाच तकार द **क्षित्रं काम क्षित्रं के**

১२७२ देखाके कार्याय कार्तिक श्रांतिक दकार द ছ বছর মুর্থোপ্রায় কলিক'ত।

১२७৯ देश्म व चार्या भाष्ट्रिय भाषास्य (क.१ त ८२ नदम् अ की हम महिष्य कशिका छ।

১२७८ देवाके क्रवंशि कार्जिक भर्यानु (का॰ ट् রাগনাবায়ণ দাব কলিকাত,

১२७७ देकाते कार्यस काहिक अशिक्ष (क[े] C ধনপতি সিংখ বাঙালুব মুবশিদাবাদ

ऽ२७**৯ देकाके क्षत्रि १०**देशमाच शर्यास ८कः ० ३० मिकिस्य यस्त्रानंत् वच्छः

১२७३ क्षां**के** क्षतीय कार्किक शर्गान कार् क

देकनागहस मन् वि श्रे ১२७৯ रेरमांच व्यवधि व्यामिन भवीक क्रिंश ह

कर्निक कित्रिकेन भारत्व अक्न ১२ ७৯ टेकार्ड **व्यवित्र १०टेरमान श्रवास** स्थार् हे

এই পর ক্ষিতাতার স্বক্ষিণ পূর্বে হা চ্যান্তর্ভারী त्नांबाध्य (केमटबड़ क्विक डा॰किट्टाक्ट्र) वांत्रक नाथ निका क्रमाटन वार्रिक ने क्षेत्रक त्यांववाई २ ! बहे क्रिमांव जलाशीकि थाना क्रमशूव म- । आरम् क्रमानिक वस् । 🔒 🖫 👯 📆

" प्रवर्णना प्रकृतिविनाय पार्थियः सरस्ति श्रुतिमवती न कांचनां ।

मन ১२७२। २८ छात्राहा है९ ১৮७२। १ जला

ৰিজ্ঞাপন।

माबि । एएर्न क्षिप्रकृतिम् कर महास्थ मामक श्रीसात्वव मिनिश्तुक (कार्तनहि। श्राह्म । কবিলা সুধিত কবিয়াছি। মূল্য দঠক আনা। নাচাং প্রয়েক্তন হব, তিনি আমার নিকট एकः। कनिकां जो त्यितिरूक्तिः धरम मुना ना द्वाकारण भाष्ट्र देशन यहवस्थात कारमञ्जू 中島 (田) おる 1日(おのか)

क्रीरेक्स के,मांच स

द्यावधकाण। ২০এ আখাল সোমবার।

< ग्लोड खूडि **अ मदर्शन** ।

ক্ষেক সপ্তাহ অৰ্থি ছপলীয়ে নয় वित अगव लहेश जूबन जात्मातम इहे তেছে। देश्वाकी मन्मानक विराध अस्त কে বাক্তবিক বোধ করিয়া ইছাতে প্রভার क्षत्रितात्स्य। ७९ मश्या ध्यक्तमाय बाशा জুরি হুইয়াছিলেন, ভাঁহাদিগের প্রতি দোবা (द्रांभ कड़ा **इहे**ताहा। किंख वाखिक जे घठेन। इहेबाझ अवश क्तिज विष्ठादत काव थ ।कवात मञ्जादमा न्याट्स कि मा, छाहात्र वि मनदत्र विकटि अहे विनशा नाही भ कद्र दर (बहुन) कतिया मारकत्र भरत य व्यवश्रेष्ट्र সংকার জন্মিরছে, ভাহার চুরীকরণ নিতা ন্ত আবদারু। খননী কলিকাভার অধিক ण्ड पूत्रक्षी बदर । **डिहा नेदर्गटबटकेनं** ठपूत **উंশরে রবিবাছে বলিলে হর। বিলেবতঃ** ठेगी मोजिए हेरे ७ छ। कार्रेडि कमिननत स्त्रमी ७ वर्षमान अव्विद्य (व अकान का केरनप करा भावनाक दर कहात कानीत

কাশ করিখাছেন, তাহা তত্তা লোকেরা আজিও বিস্ত হ্ন নাই, বিসূত হ্ইবার नखारनाथ नारे। अब्रुश चाल चाकि कालि नद्रदलि भिवाद हेक्। क्रमकरमध কি কাহার মনের মধ্যে উদিত হওয়া मञ्जादिक द्वः यांका क्छेक, धकर्व छहात আনুপুর্বিক র্জান্ত পাঠকগণের গোচর क्या इंटेंट्टइ भाठेक्शन ! हैशब छवा ज्या निर्गम कतिरंबन ।

कार्यन वारम ब्राह्मक्षेत्र वात्र मारम धक জন সক্ষোপ বাস করে। উহার কিঞিৎ ভূ সল্পত্তি আছে। ভগুলক (যেমন আমা मिर्गत्र अभीनात थ छालुकमाद्रश्ररगर म চরচের হইয়া থাকে) প্রতিবাসিগণের সহিত ভাছার সর্বদা বিবাদ বিসহাদ হইয়া शास्क । त्म निरम्थ छाल मानून नरह । क्टबक्बाइ छाहाव बाटम बालीन हरेशाहिल, ভাষ্যে যারা গুরুতর পাপ ক্রিয়ার অনুষ্ঠান पामद्वाविक बन्न । किहू पिन रहेश, करतक दाक्ति अकणद्रामणी क्रेश रेरब्रमायन क রিবার উদ্দেশে ছগলীর ডাকাইভি কমি রামেশর একটি বিংশতিববীর যুবককে আপ্ৰায় প্ৰতিষ্ঠিত কালীয় নিকটে সম্মাল क्ति छ होत एर वर्ष क्ष कतिहा नित्क न कतिग्राट्ड । कविनमञ्ज खरक्षां काश त वांगिएक यारेता काशास्त्र कृष्ट कातिता मित्रित्राय न वर्णन करंद्रन । अक्टन केश्रह

निक्टि युवरकत हिर्म मक्षक कुँके रता। त्रारम श्रंतरः क्ष्मतिक बलिया शूर्वं करकत मःका র জনিয়াছিলু; এক্ষণে এই ক্ষণবাস আৰম্ব ও তাহার দেবী মূহে ক্লিম্মুক্তক করিয়া णशास्त्र जनदाशी बाँगा अमेकान करिन व्यवः अवित्र निक्षे क्षित्रशास्त्र व्यवस्थ मक्षमात जुनद्ध वर्गम कतित्वम ।

ब्राटमच्टब्रब विश्वतक बाकाबा नाका निट्ड चारेटम, छन्द्रशा त वाक्ति अधान, त्र विलिल, ७३ हैक. के व्यवनान व्यात्र वाकि ५:० घष्टिकात नगरत ब्रास्त्रचेत्र विशेष भक्तिवर्षेत्र थकपि यूवकरक अञ्चलि विद्यारहा मृतिता विकाश करितन" पूर्शिक करा ति कानित्त ? • गाकी विजन " व्यक्ति विकास पर्णम कविवादि । तक स्थादक अभिन्य । य আর্নি কের্নি (১২ ্ হাড) ছুরে ক্ঞারনান हिलाम, क्षिशाहि ब्राप्सचन कर संस्थ पूर्व ককে ধর্মিরা জনা হতে ভাহার নিরক্ষেক করিয়াছে ৷ ু কিছু ছুরিরা পঞ্জিকা আনা रेता क्षिरमंदे करे देकार्फ चर्चावना। महर । অপর, অনাধ্যায় রাজি, খোরভর অছ कात, ३२० ए। उ क्त एरेट नश्नाम निर्ति भाग कड़ा कि जलादिक एत । माकी बाल. ब्राटमबद्धक निकटि खनीन हिल मा। রিশেবতঃ বিংশতি বর্তীর সুবক্তেরানেশর धक राज वंत्रिता अना राज वनि मिन ! त লোল শোগ অবহা আর্ত্তরক্ষার চেকী করিল मा! देश क्यंत महाविक रहामा। जलद, येली कुछ वास्त्रित सद्धक श्लामाकात ७ अम्रा

थात कित हुने कता शके कारक मंतिया च न इ.च (फारन क्रिएल स्नाहर म ए'दस बारे। शक खरत त्रां**टमचरत्रत श**की य माकिश्व बाल ७३ देखाई मञ्जात नमा তাহার স্ত্রী ঞ্রদৰ হর: দে ধানী আনাইয় অপেনার অপর একটা সম্ভান লইয়া নিজ शृत्क विज्ञा किल । ठिम क्रम मार्ची अहे व द कर्षितः एक । का भित्रतं स्वास्विम् व कि विस्कृति इस म े।

অপরাধী বলিতে পারেন > জুরিব কর্ত্তবা ! ? ৷ আমরা শুনিরাছি যুবকের স্থাভাবিক কর্ম কি ১ ইউরোপীয় অধান প্রধান ব্যবস্থা দ্বীড়ার মুজ্য হয়, তৎপরে রামেশ্বরের বি পকেরা বলিবাছের " জ্রিরঃ সাক্ষিগণের " পক্ষেরা ত'ংরে মন্তক জ্ঞেন করিয়া উলি ক্ষাৰনৈবনির অনুসারে আক্ষাত প্রকাশ করি । খিত তা ীৰ মন্দিরে লইবা রাধে। পীড়া ্বীরন । অপর্থী ব্যক্তির অপ্রাধ্তিই আর্থিত ব্যক্তির শব লইরা বিপক্ষকে কম কারে সঞ্জনাণ হইকে পারে , এক, ধর্মনী করিবার কথা পূর্বে অনেক শুন্ম গিয়াচে। তিৰ অনুসারে; বিতীয়, আইনের অনুসারে। প্রায় তিন বৎসর হইল চরিশ পরগণার আইনের অনুসারে যে বা জির অপরাধ সহ। ু মধ্যে এই রূপ একটি ছটনা হয়। যাহারা था याम्र । क.क'व व कादा कि नाटमात्र किम्न । अधिवटसत्र काडियांच कादस्य । मखक मनेत्रा ए शह वाली (जकाहे दारि । ≰ত পারে না - সে সেদিবদ বাল ছিল। এ **ऋटल देशं अ विरव्हना** कदा व्यादम्या. य द्रमाह्य यथन (श. भटन नव्यक्ति भिशादक विति । भाषालाख्य अक्छा क्रेशादक। जे निवरम द्वा कथा इरेटल्ट्स, क्ष्रन हारा अत्मा हो ধর্ম সঞ্জাত হইতে হইবে ভাষা। সে নকা বিচারাল্য স্থাপন বার্তা সর্বত প্রচারিত হ किल मदमह नाहे। याहात धकर्ण भारत तु , हेराएक । मणलवात अ कम विवासर्गात भ श्लिम तम त्य बहुद्धि मिहा तब दिख मन्द्रज सामीत बिर एवे त्राविश निल, सरमा सामित। शार हम । दावू त्रमाध्यभाम त्राप्त शीका वनकः क्षानातारम जिल्लाका भाग, देश काम करमरे े अध्याविष धरे विष्ठात्राम्हत अदयन कति

সম্ভাবিত নহে। এতজাক্সাপ্পার্ট প্রাহী,মান इस्टिट्ड, टाराइ विशवनान इस्टि टारा ह ্ অজ্ঞাতসারে ঐ কা ও ঘটিয়াতে সন্দেহ নাই 1 ष वाक्षि छान्। मनुषा ईँछ। कृत इहर কাও করিতে পারিল, সে কি একটী মক্তর গে.পন খরি.ভ পারিড না বরিসালে একবাৰ এই কাপে এক ব্যক্তির প্রাণমন্ত হব। সে ভ্রমীদারকে ওমা করিবার জন্য শ্বীধ ক গার শিরশ্রেদন করিবা হত্যাক বা **এৰপ হলে কোনু কৃরি এই বাজিনকে বিলি:**। ভুসাবিকারীর এনে অপ সে চে মাণ মা হয়, নিচারপতি কথন তাহার প্রাণ জুবি হন ও অ'পনাদিগের কওঁবা কর্ম সুকে দণ্ড করিতে পারেন না ! যদি এই নিয়ম হ েন, তাঁহ'র ই জানিতে পারেন জুবির কার্য্য ইন. তাহা হইলে হগলের জুরিদিগের কি । কেমন গুরুতর। বিচারপতি বলিভেছন দোষ আছে : ভাঁছারা কি এক ব্যক্তির পূর্ব ' বলিবাই যে ভাঁছারা এক ব্যক্তির প্রাণ দ ' ধি একবিধ দেওযানী ও কৌকলারী আ ফাব জুশ্চরিঃ হার কথা শুনিরা সংস্কাবকর [†] শুর আহল দিবেন, একণা হে বলিবেন -প্রমাণ বাতিরেকে ভাহার প্রাণ দণ্ডের বিষ**্পরমেশরের নিকটে কোন বাস্তি** উচাদি [†] উভর জাতিকে এক বিচারালদের অধীনক যে মত দিতে পাবেন - অর্থী কি ভাঁ, হাদিগের । গের জন্য দায়ী হ২০েন : পরিদেযে আমা । নিকটে রামেশরের সোধ স্প্রামাণ করিতে পিগের বস্তাব্য এই যে একপ থলে অুরি সিরি ছেছু আমাদিগকে কাল প্রতীক্ষা বলা হটিয়াছে রামে দিখাকে একের বটুবাকা কথা অনায স শ্বলের কাল্যার নি চটে । মা মার্কার পাও । কেরু মাই । জুরি দিগেরও মার্ড । তাঙারা

প্রধানতম বিচারালব।

গৰু সোমৰার অৰ্ধি সুঞীম ও সদর व जारुविक शिक्षि बादा अहे अधानडम उत्मेल इ:जित्म निहा यथाविधि भूभध कृति

🕳 भारितलय या। आयत्र। अभारिक ला त्मन निकार वादन कतिशाष्ट्रि, देश्वारक्षणी এতদেশীর বিচারপতি নিরোগেব ভার शवर्गत रक्षमतरकत रूटक निशारकम । मर्बन्छ क > कम विष्ठात्रशृष्टि निशुक्त इटेरवम ! देःल अन्द्रीत यह जिस देखा, विहात्रभित রা নিজ নিজ পদে এতিটিত থাকিবেন !

य निश्रम विठातामध सामिक स्टेरि क বং বে সকল বাজি উপতে ওকালতি ক রিভে পারিবেন, তাহা আমরা পুরে লিখি য়াছি ৷ আপাতভঃ সদর ও সুপ্রিমকোর্টে व त्य हुई वाष्ट्री प्याप्त, त्यहे के छत्र कात्मह किए प्रश्निता विष्ठाहरू थे। विद्या कि २। कल्कि। **डाइ ७ मक्स्यालइ इंडेरइ।** शीप फिटना विष्ठात शूटरीत साय **बकरनल मू**खि महकार हैं इहार । य जरून का का नाकी शांड য়াছে সদর আদালত অ.পাতত- ভাছার নি ব্যক্তিও আপীন প্রধণ করিবেন। যত দি ন একটি প্ৰশস্ত ৰাটা প্ৰস্তুত ন। হয়, ভত पिन **এडे क्**रिश कार्य। इतिराव । ईखेरवा श्रीध **७** धन्यानीह केला **क**्षित है के एत े हेत्वर अधीलपु इंदी के इट्टेंग । १३ मान कतः करेटलरे खाल करेठ । এই विषएसत् मू क्रिएड इहेर्द अस्मिक नार्छ। २:धानस्म विष्ठातालय केश्लखीय जारेन अनुमारत श्र कें भन्यावल मिनिट्या दिवाइ । एक्याडीत পরস্পরকে পরিজ্ঞান এছতি বিষয়ের বি हाबामि कतिर्देश । य नकल कोकमाबी मक्फमा अधमावधि धरे विहातालक परे ति, जाहात्र जात्र जांभील हहेत्व मा। जशक विष्ठाताल्या मध स्ट्रेलि ए भक्तम्मा क्ष धामकम विष्ठाताः एतम् आश्च बर्वेटन्, रेश्ल ণ্ডেশরীর প্রিবি কৌলিলে তাহার আপী ल हिनार्व । (मध्यानी विवरम य चरम > .. o मण हालाद्वत अधिक है। कात्र मुक् क्रमा इहेरन, त्म इस्ल क्यांनील इलिस्ट १ ইয়ার আপা টাকাঁর মকজনায় ও বলি জোঁ
ন বিষয়ে আইনের ব্যতিক্রম হাট অবধা
আড়বোকেট জেনরল রাহা
ভাষা হইলে ভাষার আপীল হুইনে, আ
পীন হইলে নথির সমুলায় নকল প্রের্থ
করিতে হইবে। স্থার আর নিব্য সকল
সমান রহিল

বিচারালয়ের কাষ্যের নিয়মাবলি প্র প্রত হইতেছে, চাহা প্রকাশ হইলে অংময়া পাঠববর্গের গোচর ক্রিডে ফ্রাট ক্রিব না। আনালিগের দেশের আনেকে শলা ক্ রিয়াছিলেন, প্রধানতম বিচারালয়ে মক দ্বমা করিতে হইলে সুপ্রিমকোর্টের নায়ে অধিক বাম লাগিবে। কিন্তু আমরা ক্রাট্র ক্রারে ক্রিডেছি সে কেবল উভালিগের শলা মাত্র। এতদেশীর অনেক উক্লি ড মধ্যে প্রবেশ ক্রিডেছেন; প্রতিবৎ সর গেনেক বি, এল উক্লি হইবেন। এমত দ্বের ক্রিক বার হওলা সম্ভানিত নহে।

र दित क्रेम'नवाड़ी छ तद।

े सु. डि दशनीटड धक लड्डाक्व गा পার ঘটিনা পিণাছে। এক ভদ্রলোক সম। द्वार कतिया छत्र । अभाग नाजीव निप्रते | জিয়া বিৰাহ কৰিছে গাইটেছিলেন ৷ ভত্ৰতা ण्डन'र्जी (क्यामवाद्गीत क्षा) लेखा वा मित्र मधुरच वत्रशाकिनिशतक वाला कतिरङ भिरम्य कतिरक्षमः। है हात्रा तम कथा धा हा না ববাতে করেক জন মুসলমান অংশিয়া ৰ বানারি করিল। বন পাত্র পরাইন। এক মিরের মুহে আজ্ঞয় এইণ করিলী পরে छ होता अस नक्टें क्रिज़ा व गिएल क्षता भारत कर्द्रालय। ভज्रका मास्तिर नेट्रांत्र नि रुट्डि वे दिष्टाव बालीन स्टेशएक । देकत কি কল মইয়াছে আমরা ভাছার নিশ্চন भवाम भारे मारे, किंख भामता अरु काम ণিক লোক মুখে সানলাম, ক্রডা মাজি ्रेट्रेडे भागव महरूर (विनि स्त्रेजीत लाक

ইগাঁছিলেন) ভাজা করিয়াছেন, এমান বা ভীর নিকটে কোন কিন্তু বালা করিছে সাা রিচেন না ও কোন আইন অনুসারে এই আজী। দেওয়া হউরাছে, আমরা বুকতে পারিতেছি না।

वब्र वामा किन्या विवाध कतिए याही ভেছিল, ইমামব;ড়ীর অধ ফ এই অপরাধে कांशांनितरक श्रहाद्व विदिल्ला, हेवा स्वभिन्ना भारेकश्वविश्वशाभा इंदेरवन मासङ् नारे। किस देवामवाड़ीत आगक प्रकृष ताक, कें। हात्र श्राम्य कथा स्विति विकास क्रिकार मखानमा माई । ये वाहिए धक जन वाक शांब, एर नमर्ग हेश्व, मिरिशंब माँव ह क वृ लित युक्त क्या, ताके मधारम तम डे॰न'फ जिए।।व **१क क्ष्र**ेश हारत्र व ना क्रिज़िक्किन । १४३ कारगत भूवकात वक्षण विष्यास है र हारक हैमामवाङीत अधाक्तह, शृष अति, ग करत्य। भी बाक्कि अधिनात्र मृथ ७ ई स्मिननत्राम्। स्म पथन नरम्प्रभव विभाग हर्ने; छ। त्न कागा व तियादश क्यम क'ण व व्यापन हिंदि विष्ठ ও वासभास्त्रवात्रात प्रतिक्ष शविष्ठाः रुवेगाटक । ठाद्वात व्यन शास्त्रांच कर्ण जा...क भामानिरभन अञ्चल (वाप ३८ मा १

याक, क्षेत्र, क्षणित्य सातः काक व सेक्षण काया कर्ता काण माहामन तक माँक। आमिणाम वा लालान्य का माहक माँक। आमिणाम वा लालान्य का माहक मामता जानूरमाध किलाई कि अदे त्रा है। सिम भावान वास्तित का काकाव क्षणातिक मक्तद्रक्षित्रत प्रमुक्ति का क्षणातिक मक्तद्रक्षित्रत प्रमुक्ति का का सामित्य, याक्षता और काष्ट्रीत वास्तिक यामित्य, याक्षता और काष्ट्रीत वास्तिक यामित्य, याक्षता और काष्ट्रीत वास्तिक यामित्य, याक्षता और काष्ट्रीत वास्तिक वास्

ৰাৱানভেত্ত মারীভ্ৰম।

ণিক লোক মুখে শুনিলান, ভত্ততা মাজি
বারাসত প্রভৃতি স্থানের মারীতার ক্রম
বিটুটি পামর সমূহ্য (যিনি ছপালীর লোক
বিশ্বতি বল পূর্বক রাজপথে ক্রল দেওগ:
বিশ্বতি বল পূর্বক রাজপথে ক্রল দেওগ:
বিশ্বতি বল পূর্বক রাজপথে ক্রল দেওগ:

यं हाता बीविक चाह्य, के बालिशस्य की गु ठ वलित्तरे हा। यक वर्षमहत्त्व अधिः करेल, ठॅ,हाता खर, श्रीका, सक्रथ अपूर्व নানা রোণ ভোগ করিভেছেন। পরেকে करे समत्वत माथा ४०। १० वात शीक. श्रेम । जरल वाणिएडर शीका, नकेंन कारनहे जन्मन बनि, नकन 'शूक्रविनीव कीरतहे वृक्त तह कुदी स्था। भवकार करत न, धक्ष लाक नदरलह मारे। याँशिक গেব দলতি আছে, তাঁহারা নিয়সিভ ঔবধ मिवन द्विया आदि वाहिंश चार्ट्स। किन्ठ वैं। किश कारहर अहे भाज । नकरनहे थात कीन, इर्बल ७ व्यक्तिकानिके! पत्रिक्तारकत क्यानक कर्क क्रेमारह ! धार मिरशत क्रिकार्यो व है भरत विस्तू का हा मिर शब्र कर है वे शब्दिनी मा बाई । त्वारश त्रात्त्र कीर्व रहेश छ। हाद। कार्या कम इन যা পরিয়া আছে, যুভরাং পীড়া ও দারিস্তা छख्य शुरु जीवन मूर्खि धातन कवित्र, एक । **षात्मक गृह (ल'क गृह्मा हट्टेशाइक । षात्मक** বালক ও বানিকা সাভা পিতা প্রাভৃতি আ खन दीन इरेग्रा जिलाशीनी अथना कृष्ट्रेन भर व भगायह करेग़ारह । कि बलदाम, कि भीत, कि इक, युवक, त्क्स्ट्रे ब्रात्त म्ल इंटेट बुक्ट नरहन । चन राम इहेरल ६ इ দিন ইচ'র প্রতিকার ইইত স্কেচ নাই .

বর্ষার মারীতা নিবারণের চেন্টায় আ ছেল। টালাবারা মত দুর হইছে পারে পা হারা তাহা করিরাছেল: কিন্ত ইহার বেণ নিবারণে সমর্থ হল নাই। তাঁহ'রা এক প্রকার হতাশ হইরা গ্রহ্ণমেন্টের নিকটে আবেদন করিরাছেল। লেপটন্ট গ্রহণর আবেদন পাইনা এবিষয়ে কনিসনরের রি পোর্ট চাহিরাছেল। গ্রহণমেন্ট যে আলান দিবেল, ভবিষয়ে সংশার নাই; িন্ত মতা লম্ব হইছেছে, ততাই লোকের নিজে মণ্ট গ্রা কর্ম জন্ত্রার গ্রহণে কনিসনর নিজে মণ্ট গ্রা কর্ম জন্ত্রার সংশার নিজে মণ্ট গ্রা



। कड्डन धरे व्यामानिकां स्रमूद्रहाथ । शमही शूर्वं किशाहिलाम, 'शूनकास ্তিট্রেছি, বারাসত এভ্রতির স্থানদেব -दिशहर । यादार्ड औं साब मरतना বৈত হয়, বারাসভ্যের শাখা ভাবতব্যী ৷ रक. 19 शवर्गस्य के **कर**श्रह कदिन्दम দ্বিশেষ যত্নবান হওয়া উচিত।

> **कारबाक्टबंब श**िन्द श्रीन्य व उन्नीक দিলের সুববার।

व्यामत्रा वर्षमारमत् चाग्रध्भाती 🧷 इस्थ পুর হইতে এক খানি পত্র পাইবাতি ? छैहा भारे कतिस्म क्विम य मास्मानदाव প্ৰাশিচনা প্ৰাথ বৰ্ত্তি আন্নৰ্গানিবিং লুমুৰ ন্তার বিষয় অবগত ছওয়। যাখ এ প নছে, সময়ে সময়ে আমরাবীর জকর্মচারিদিগের कारन एव जरूल कको शाहेश। थ:कि, **छ**ा ভার একটা প্রকৃষ্ট উদাহরণ স্বল। দা क्षाप्तरत्र रक्षम रैसवर्तिक व्यवस्था (छ्रहे গা ও বোলা বিল, ভংকালে উলিধিত ৫%,গানের এক্ষণকার শক্তাংশের ১ সাংশ ্ট ভিল না, প্রভাৱে দামোদবের পলি ७ ेश्वरके शांतरमक शांवा केलग भारत्र त ভূগি অভিশান শসাসালিনী ছিল। প্রতুব i न्य लाख (ला**८७रे (लाटक व्यनाज इंग्रेट**) অ,সিয়া উত্তাপাৰে বাস করেন :

यथेन फी मान्द्रव छ ७ व भ'त्य वीत हि দে, তথ্যও অনেক নংশে গে কেন ব্ৰদ্ধক ছিল। কখন কোন গাম্বর বাঁধ ভালি।।। रभटन हुई अक्षि आरम्ब अजि है दरेख এট মাতা। কিন্তু প্রতি বৎ ধর এর গামের व्यक्ति है हरेड सा १ त्य दरभव 🖓 🤛 🕸 💥 एवं और भेज निमा का कि हरेक कि कर । । ব্**ংসর সে এান জিগুণ ল**াবর ভাড়া, এজনে পশ্চিম পাশ্বাসিদিতের সাক শ্বক্**নাই। প্রতি বৎসর অ**বংগে ত হা বিশ্বর শাস্ত করি। থাকে। 🔫 ह्य न व गरा निष्टाच्छ *खान्त्र दश्च, रम*हे दर् সরই ভাল্রে: ছুই চারি সুবি ধানা পারে।

টী,বিকার স্বজ্ঞাক আই পোল - তাহা मिर्शत वात सूर्यंत असीमा माहै। वय कात्न বর্ডমানের এক একটি প্রাম এক একটি খীপ স্কুণ হয়, চজুমিক জলাকীৰ ভ্ৰি দ্বারা পরিবেষ্টিত তর্মু আন্তরের প্রকে জন উপস্থিত হটলে সর্বনাশ ; প্রামান্তবে ষাওয়। দূরে পাকুক, এক হাটা হইতে অন' বাটিকে পাওয়াও অস'বা সাধন হো ए (बाभ हर , खाम गर्यः बनाहि कल अवि ক্ষা হ'ব। হ'ব। ঘটা প্রেছতি নিতার कुर्रम करित स्ट्राम । कल्ला मा साहि व ज मन. वा भारक नगः मूथ, रकान मू খই নই : এত ক ই ১খ পি যে ভাছার। বাসভূমি পবিতাল করিছেছে মা, সে কেবল ভ,ছালি, বর লগড় হ বাদ ভুমিতে শত ছিক বমতার পরিবন কিতেই। এ দেশাশ্যর গে পৈতৃত বাসভূমির প্রাচি একাও পা'নক্তা, একী ভানার একটি প্রধান নিভাছস্থ স্থান। যাই। ইউকৈ, হুট ছালভাগ্যালিগের প্রতি গ্রণ/মান্ট্র किथ्निद कूण कहा क बता डेडिक। मार्स ভীব। পর্বত হংতে একদ। অধিক জল बाशवन कदाएक वर्षीत के भएषा कल नवा বেশ না হইয়া দেশ ভাগিন: বায়। স্থানে **क्वारम कृद्ध ब**ीध मिर्। अभीधांत्र श्रमण कविष्क मिटल, अवश ऋएम खारन श द कारिका ফল-নির্গ**মের প**থ করি: দিলে ঐ ১৩ लाश-मिटशत बङ्गान छ।श विश्वगीय के वेदात मुख्या, भारक्। शहरा असे मनि अहे नकन अत्यात वात मन्धा नार्थ । पा करत्न, शाबद लोकंपिरभन्न विन्दे हिंदर अस्मय ষ(ছাহ। লাভ চরুতে গ'বে !

ধ্ৰিক ম**লে,** দ্বিধাৰি **চাল**। প अल्ल, प्रक्र ब्राह्म प्रशास का अल्लाहरू हिन्दू सन ্ত্ৰ জলপ বৰে ভাৰত শিচ্য পাখ বড়া আইফুক্-। र[े]च्य ४१ के मधारतम् (च श्री**गत् प्रमु**गक्) पश्चितः ५ - १ 🔨 ४ विद्या

क्रांत्रिस्थित कानवर्धामकांच द्य क्षप्रंवन अधिकान সূত্ৰপাৰ ছট্টাছে, তাৰা জবৰ কলন।

अंख बहर्ति नाम क्यांमानिगटक खांत विश्व সালবে শীভিত শুইটে না হয়, ভাগনিক আমন্থ রশিক্তি জনীয়ার জীবুজ বার অবকানাথ মিত্র বড়াপুর কঁএক মাস স্নাক্ষানীতে হ'ল কবি-यः डी.क वेश्विनीयात्र वावश माजू कर्जनंत्र (शजू-ভূত কর্ণেল বিজেল সাংহরের সচিত অংনক বাদায়বাদ করিয়। অন্তড়া কর্ত্তিত ও ভগ্ন সৈতু कामन वादित करतम। उनक्रमादि व-क्यानक है लिमीशांत अनुष्क कीथ नाटनन कि इ त्रा ৮००० कांकांत्र ग्रीकः। व्यवद्य श्रीकेश्वरे करि যা কনৈক প্ৰ-উল্লিনীয়াত বাবু কেলারনাথ দেন प नद क्वररीयात मण्यम् एक ५८छ। भाषाद्वाद উপাৰ সেপু নিৰ্ত্বাংশৰ ভাৰ'পাৰ কৰেন এবং ল কুল বাতৃত্বে সৰ্মাঞ্চল লাখ্য আৰু উপান্ধি চ থাকি -८० अदर किन'व नीसूरक स्टामा सरभा का मास (मधु^{रार}निम कहेरल कोस<mark>्त्रम क</mark>हनम। जानके वाः 'ता राज्य य व म क्रीकुक्कपूर्य छेश्विक व्हेजा কাৰ্যা'নংখন স্বাডাংবি ক্রিলে স্কলেই ক্র্*ত*া-বাশ ক'তে দ'গিন। **এদিকে কুলী লোক** চ দ'ৰত হটম: কাকার বীশ কাবার গাছ ক'ৰার ভিটা কাটিতে প্ৰয়ন্ত দ**ইল এবং** মানাবিধ উৎ-१९१७ अ.व्युकतिल । वे.**स** इ**हेर्ट विमा अक्टा**ल्ये च ब्रान्धां भ त्रास्तील चरात्रित गराकतिन। महात्र बक्त इत्म मिठान पाञ्चलक ६ व्यव । विक्रि महाभाग । वक्का मुम्यामक कहा भुग करण भारभण कड़ेना । क्या स्माध मानू मारण क्षि ए.व क्षमाइमाथ (मार्गाल र)किनि धवर्गता से इडेटर सन्दर्भ न नियम्भ भाडेगा इटनन, इसी, আ - ,া ভিল (কোণা চইং চ দাৰ্থনৰায় ন ্ন এক जीर्यक्ष मध्यक्षित एकी क्रुअक्षेत्र। तम सक्षेत्र ६-নীকৰণ কৰিচলন ৷ ওদিন কভকভালি চপেৰামী मकामोन आकृष्य . कुष्ठत्यात मगर रक इ है। श्रम আত্ত কুত-ভোজন আরম্ভ কবি । কে কোল। कि करत, जादांव काचा मिन 'हेन क्षेत्रिय' (जल मा । मका करे जाकित जाकर रेवर रु दिर एक्वि व णिनिटक की शिल, कुकी ए-एक किमन्त यूक्तिए। ి। 🛪 ন , বীভিষও ক্তেন্স গ । হয় ম, স্তুহ্ন, " रु'क चार बारपांत्र ना, खातिर कृष्णी श्रास वृत्त स बिल, अविभिक्त लाक है का गांत अह १ औं कार्या क्षिया क्षाय ८०वीम धारिके धाकिन।

मन्त्रकार वार्षे । न वार्षा वार्षे । नर्भका कर्ष क्टिक छेगरि । याका हास थावक, मन्त्रांदर ठॉ-कार अक वार (मर्थ) मालका प्रमंत इहेन। गृति हे ्जंक अक्षापि देश मकेन विश्विभागकतम् देशिक्षक स्वाहम,करिर्दात् मुख्या रः कृतीत्मत्र काशिष्ट सम्बद्धाः कि काषणाक कर्य जरुल र अह अह दूब, मध्यांत व दार्स र समस्ती कके तो कतिय दशम हिंचीरसका भाषी संभव धर्मारम

ten gent gebitet weiter mette beite रूमी जार कर्यों किया योक्ट की महा जीवा है। मेरेका सभी श्रीत प्रदेश शासन श्रेक्स है समुद्री देखा राज भारता जाहे, मरेशा मरेशा के के बराब करे जा जान देकि से हि बाहियारे गताबिन करतन । किर्म मंदन कार्या सवाधा क्या कार्यात किनात वानशि-त्रव र। कथीनम् निर्मित क्लीहातिनिर्वात भीतिन वेश्व किन्न करतम था. क्यान नहीं विके विकास নাখন ভূজীর ভূজীর জতে ভূজিয়া সাম। প্রায়ত্ত মুমীচাৰ মহাশংহরা ভাঁচাকে ও লক্ষ্যৰ অবভান-क् क्र'ब्राकुवा मांचर्च बरवात त्व धार्थ क्रिक्ट कथा। ाष श्रञ्ज ४ व्हेरव जा। छ। हा व्हेरल अव्हर्ण जीन मृत्रकेटरक, किन्न दक प्रदेश कांग र थे , रक्लीत बांधू मान करने नियुक्त, बीकीत की जीत क्येंबिश्य प्य-रवर्धान ५ ३३। नि.डांक क्रमकक द्वांध इस ना वःहै, क्यु ७८क्टेब्रेक ब्रुडी क्वीहादिनन कि मञ्जा । कर् ৰয়। নিশ্চিত্ত ভাবে স্বাহিন্স ভাষা অভাবনীয়। এ ।म कि मोराव व बारक्षत्र क्षेत्री व। छत्त्वीवधान कि ा । व्हेन मा। क्रकेंद्र मधुद्रका क्रमा के एक्समा क मान नादक अद्यालक करवानी, प्राप्ता का खान ামের লাভিনী " ভিতর ভিতর লাভের অভি ध्या प्रविद्यारक, वीम क्षानिएलाई रन व्यक्तीकी निर्दे

क्रत्यंव विवश् अहै दव क्रमीमान क्रशाम छड **ंक ना (क्षण व बोक्स विशेष कामका क्षत्र** ৰিস্তাৰ এক লিশি তৈল 'ৰ্বন। মেন সামুখ ভাষা-5 ैं 5 5 रा वय महिन स्मिनिक छैक्क मान वा ध्यान नददश न**ाहिनी वश्यक्ति छात्राह निक्** ःवन माहे। शक्तिक आहत आहत वर्वा देश इस्क्रिकेल । पछ । के का बाह्य मधीर अवस्थि अह रवन दवला आ आवस निर्माण करिटास्ट्रम सावा ८० रहेत, ७६ इक्सींडियात मध्याय मॅत्रव त्य सर्वेत **अल होंच आवड़ •देश** सावि ব্রতীয় প্রস্তাহর পর হত্তকা বাদ আনাত্তে একে-रिर जनगृर्व उडन म्हिनस्टम स्त्र कहि-। जीवनत्त्रका आफारक आक्रमन कृतिका । जाम-হতাৎ ললবেকিন্ত ছইয়। ছাফাকাল রবে অকা-७ पुरः कण्यानिक जीवन प्रेकान समा गाकून ब्रैशाम । कर्णानेषद्वत्रं जुलात्र अवक्रमाणि पातः विक करके श ब्रह्मसम्ब के कार्यमानियान आन के। के तिवादि किन्न प्रशिक्ष अधिकारित बागवा क BILE!

वीय! गर नाथम क्षेत्रित्रं। यसि वाट कर्जुनका हा-त रहेटामतः, कार्यातीने कि कार्यभव सुन्दन कर्क-तिवार्ग नर्काताम कर्ण क्षेत्र कर्तिमा, श्रेष्टियटकार - वार्ष रहेका। क्षेत्रका स्वत्रहरूका स्वाटकत

जेल्लाइक वद्याल्या केकटन खाटबात कानदा श्रीवाल क्या बाब बादिया कावित के का ता । छोषन गर्कीन केह बनाशकि विलाम कान-क्षवि म [न कानीनवृद्धा प्रश्नम कतिद्धादः ग्रथशा काम भूक्ति नक्षम भूतरपद अधिकृत आज्ञावशृह . त्यांन कतिए उटक् । व्यानात नामू ताक्रण शत्रमञ्जाण छैनितंदन भूर्क ह की विकारक महायग करिया सिट्ड (व) अमन क अश्वान हाक क्रेब्रा आमत्र) त्व कीवृत्र महर्म क्षेत्रका जीवन बागन करिएजहि, छाद। फन्नराव कोटनेस, ज अल्लाक। बावादनत कलन्छ ष्टेषा आग्रिमाण् बहेरल छाल एटेंड । वहान जांबरखदे अके, मा क्रांनि जगत्। किष्ठ वर्गाक । व 'बामह ! मारकके:इव बक्त नत्वह माम्यानातार्व এন্দ্রীরন্ধিত অন্তরোধসরিতেছেন,আময়। ব दरमात स्थान श्रक्ष सक्ष्यन श्राहाटक वहे इन्छ। प्राविद्यक्षं कि अवर्गरारकीय धार स्मिनिक ৰী ৰাছেনের দিবের ফুল। কটাক ১য় এমত উপ।য विवास-कतिरोवन । दर धर्केमुर्जि जास्त्रभा । साम-माझा कि आधारमुक आर्फिन'रम करिया करियान भ न। ? व्यक्ति इत्रवर्ती केन्द्रत शाम्त्रवाकः म प्रकि ক উপস্থিত ছইকো আপনাবা আৰপ্ৰে সাক্-या नां । कतिया हिरमय, आधना आधारा हिरधन क्रांट्ड वनिश्वः अनुन विना भटान्न व्हेटकहि जान নালিপের প্রভি কি ভূক পাতেও গরিবেন ন। । এছ ভাব ভৰ্মীয় সভার গভাষ্টোলন্ত্রণ আপুনা-त्री मरिविक्ष्टबन्न अन्दिव गाटवाँ व वृत्रीके आवशक इडेग्राइक, व्यक्तिया भारतरमदावेत क्वास्टित्वका कतित्रः श्रीछिनिषादनन क्रिके, क्विट्ड आन्तु कंड मिन छैर।तील वाकित्वस २ त्वाती वृद्धिम आह खेयदम कि काम स्टेटन २ लोडिरणव्य, त्यू अच्छाः तक मंद्रशासम् । जाशमासिशदकः अस्मिदः क्षारिएड इ वागरांता अञ्जूल इरेडा वहानि व्रशस्त्र अरक स्थायी अकामन कर्ड्डम स्टब्स भरताहै कायता इंडन काब माधन वहाँ के जिला। य शाहि । बर्काका ३२७३ व्यासाह ।

> भक्तभावि । किन्न प्रदेशनी दक्षावत

रेश्वाची विकासका केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र की विकासका केंद्र केंद्र हर का जिल्ला केंद्र के

शंतरमधनवागात्म, मक्षानिक वर्णने क मक्ष्रदाउ वर्णमहन्त ! आगादक क्षे वामान्त्र क्ष्रक
मगत द देरदेशी नरम ज विमागदक क्ष्रे वामान्त्र क्ष्रक
गातिएक वस्त्र मिन जना क्ष्रमिक आगादक
मगतिएक वस्त्र दार्थ गातिएक क्षिण जिल्ला । दार्थ मिन वस्त्र व्यवस्त्र क्ष्रक विमाग क्षित्र
शाहाधी मदन क्ष्रमें क्ष्रक विमाग क्ष्रिक
शाहाधी मदन क्ष्रमें क्ष्रक व्यवस्त्र व्यवस्त्र विमाग क्ष्रिक
व्यवस्त्र विमागक क्ष्रमें क्ष्रक द्वामान देश के
व्यवस्त्र विमागक क्ष्रमां गक्ष क क्ष्रमें
व्यवस्त्र विमागक मानू ममानम क्षरमें क्ष्रमें
व्यवस्त्र विमागक मानू ममानम क्षरमें क्ष्रमें
व्यवस्त्र विमागक मानू ममानम क्षरमें क्ष्रमें
व्यवस्त्र विमागक क्ष्रमें क्ष्रमें । शाहिक विमागक व्यवस्त्र । विमागक व्यवस्त्र विमागक व्यवस्त्र ।

विक अभिनाश्यक जानदक आहे समान व्यवस्त व्यासनी व्यानि, व्यवस्त व्यक्त विमा बन्दित श्रीवार्वीविद्यम अस्य अहत्व क् निहा याणनाः वतं निकार निहत्ते कृतिका Gen. min'a Cola ferung wir winden धारे ठावि १९नइ काम शारेमालाह अवस्था कामात शिक्षाकृत और्क रहतीय गर्का वसाती व नक्षत्र वागिएक बन्ना विकास क्षेत्र वाज्या वाज्या है। क्षामा अत्य निवासं मिन्डे क्रूजिने प्रकास er alatens enter profes ales are मजूर। कि म तर स्वाधिक को के मुशानश्रक अस म न श्रुक्तक कीम वहित किम विकिक क्रम क्रांत्व गाउनामीत कारका श्रांक किन जिल्लाकिक कृति-शहिएमान, कानिक, वर क्यांनरफ केश्रिक नि-करें कुरुक्तका 'क्षकंतन कहिंगी विविधार्थका लीव कतिकाम । विकासिकाकी त्यं असमे स्वरंग छ क्षेत्र विद्वारक कारा क्या कृतिह अवि-माडि के जीवड गहिला है से विक्रिक मधा-वैभाष स्टबर्ड भण्णानिक दर्वशास्त्रं।

विकामित्रदर अकृषि झाल आरब कारहा दम्म अविकास केलक केलक कि लाक न नरक

,आमात अवगी मध्य ल्यास्त्रक स्वीत्रकीत इते इ- इ.स.च.च्यान निकाश्याम अभाविक, प्रः--শেষ ভাগ সম্প্র পদ্ধির আধারে এই প্রতিস্-कार विकायण कार्या श्राप्त कार्या देशांक छ-লক্ত করিয়াছিলেক, বিলি ছাত্রবর্ণকৈ অসাবা-त्र द्विमकात् अधिक विश्वपत्र विष्ठम, याँ धांम विकारकेष्ट्रे वणीकृट इडेग्ना हिक. विनि भेरे गाउँ ग्रह्त भेंद्रतागरणां शे अध्य है किमा नवल जिल औरम जास करिया का है स्मयः किनि चमा की विक वाले का नमुस्य नन-धीन कहि-😅 পারিকেন ম। ইয় 🤄 রতা অকেণের বিষয়া भिवित्र हुन एएकर मान भारत कहे का खाँकांद्र স্থিত প্রিচিত কোন্ব্যাল্ডির হুদ্র ন। <িছীর্ণ रत्र । य रोक्ताः, भटिमालां व वर्गकायत्रभ वा सारवत अबे देश्याकी मध्या विमालिक जोगांव ল' স্পাশনবিষয়ে যিনি বিশিষ্টরাপ যবাধান ছি क्षिकारक श्रवेश्य कील्यक्क स्मित्रा विकि कृत पाकित्यन प्रतिशिक्ष अति। र्वेष ियाँ करेग्राहित्यान, जीकांत्र व्यवस्थान गुट्यत নিন্দ্রীয় বেশিয়া বিনি আপনামের ব্যক্তের বহিৰ্বাটীর অধিকাংশ-ঘাহাতে কআল্লিইংবেজী क्ष मरकाशिक हिंग-शांत हातिरदर्गेंद्र काम व्योजनादम्ब व्यक्तक व्यक्तिका बहैरमङ, व्यंशाय নাদি কার্যের নিমিত নিয়েছিত করিয়া বাণি-शाहित्तन, दमके दम्लाकितेसकी श्रवशाशः देवकूर्छ-माथ नकीधिकांत्री क्लेबिक बांक्जिल अर्थ नकत मन्तर्ग कि करिएल **उँ।होत्र कि वाभोगा आका**लिक-টির। তাঁহাকে আহ্লালিভ লেখিলে আনার कि जागा नायांका जास्त्रां कत्त्रां । जयंद्वां बद्ध-भ^क्याहरूभ वहिन'त्रहे खश्यमाक्छ। कि ? अहे भाभ पुर्व पराउत्म ख्य ७ (माक च उप्रतिकतः-পো বিসিঞ্জিত ছইবং মন্ত্ৰামান্তেরই শ্লাক আ-করিবাব এট ভূলওলে কাচারট্ অধিকাব নাই।

ুনও ত'ছাব হিনাব হর লাউ নসমূল ম শেষ চ**ই**ল दम व्यापानारमञ्जलको नाइन जिल्लाम कवित ।

विशक्तिकार, काल विश्व कीशुक जायनक्याय म- विश्वाकरत्त्रेत्र क्षिण वीकार विश्वक विश्वक विश्वक विश्वक विश्वक विश्वक क्वीधिकांद्री महिद्रम्य यद्भ अवकारत शाधान निक्कः । व अवहाद द्वीरता व विकास अवि रोहर अवि रोहर अवि त्यं कारी निर्माष्ट्र कविशे ६८तर । भाग्यातहरू के कि एत्रज्ञा भाष्ट्र कार ६ समाधित जावरेड कांद्र आवन मांव केवीय लीव मात शर्कार आवश्य किया विश्वकत। कविरण आमारका वार्वे का-म भिक्कका केरिस निवृक्ष हि लग । नेनी व मार्ग्स विमाणिश्कां स कार्त्वात शर्वात्मराधेत मक्त अध्यान विक । यहणाहे विकास केरता किस अर्थ कि কৰ্মজী জীবুক অটিকিন্সন সংহৰ ও ছাতে भागवर्षेत् भवर्षस्यके स्ट्राह्म १.५ व निकार ३ ४ র্ফেন্ডিয়ুক্ত করাজে আমাদের এখানকার পঞ্চ ইন ষ্ঠে অগতা প্রিভাগ কবিতে ইউল। তিনি क्ष रम शक्रिक वर्धमान समाहरे लिए। ल-रबन्न कर्जुशकीरणहा<u>ँ हिं</u>न शुर्क्त भविरणव मशा-म'र्य महिल देकिनियद अव्य विमालावन श्वीन শিশক্ষিক কথা প্রহণ কবিছে ও জ্ঞান পরি পর তিনি ভাষাজের এখানকার যায়া পবিভাগে প विष्क अगमर्थ बरेग्रा डीबाएमर अवारम कन्नुता मण कांत्रक **काचीकांत्र** करत्रमा श्रीतरमाय, कि दाक्रियन वार्वार्थनात वामानकेंग्रीकर, ब्रह्तरः वि-ध्यं हथ मा बाह्रे विद्वहान। कतिथा, ब वर श्रुर्जाकण অলীকার পাংশ বন্ধ চইয়া তিনি মালদ্যেন कर्ष कीकाव क विशाद्यम । किंग तमक्रभ बुद्धि भाग् विकास अभीत. महतिर छ निकास -র্মো গঢ়ু, ভাগতে আমাদের এখানসার ছাত্রনীর যে ওঁলার প্রভি বিশিষ্ট শ্লুণ অসুৰক্ত ছিল अव अपना गरालहे ता छोडाता अका वाजिल ए क्या, प्रतिक, धक्या, देश्यम करा प्राह्मा माहा एक युर्त रा वक्कामत गमानत क्ष्रीय केव. एक कार धार्क्या के र भाषात्रक वादुवल धर्मान-कात्र श्रष्ठि । क्यानकांव हेरदनकी र ब्रुफ ति ! ভাগে যাব আৰি এটাপ মনতা কল্পাছিল যে , চেট কবিতেছি বোধ বা পাইতে অধিক বা िक शबन कारम व्यवस्य काद्य विन्हा विभक्ति [।] इष्टेरन मा। व्यामारमङ कोछागा करम विगी बांक, रुद्धा पूर्व व इदेश विद्यारहम बार वस्तुव । विकास अपूर्त वायु केरहन छल वासी विद्य প্রিক্ত স্থাবিত কবিছা গিয়াছেন। শাংলাচহণ क्रम कतिमा वाधिमा छ। तिसक अर्थ खेंगरकान वाकुत मेम्रासत शर करमक विरम क्रिया वान् ললিভানোৰৰ চুটোপাগায় বিশিষ্ট আগ্ৰান্তৰ পাঠ্যৰ নিৰ্দাণ কৰিতে কত বায় হটুল এখন সহিত্য বৈদ্যী হৈতনে এখান নিফকত কথা নিন্দ উচ্চিত্ৰৰ নিৰ্দাণ কৰি বান ত ব্যাহ কৰিবাছিলেন। ডালার লিকট, লাম:চনল, काबुक (जिक्के, बावर को नक दूर्वास्ट ्रिक्ट प्रजा পাঁটাই সংক্রান্ত যাহ, ৰাজনা আপুনালের শিক্ষালায়াপে কুন্তজন্ত। প্রকাশ ক্রিয়া ধার প্র নিকট তালা একপ্রকার নিবেদন কাবরাছি। চারাই আহ্বাছিত ছইটেছি। লালারাত্রতি **अकारन निकास सर्वा**गर्राहित्यार कथ शिर्दाहन क- श्राप्त का**श्रम किन कर्ण क**हिरास भारत्वे आध्याक রিব। আপনারা ছাত্রদিনের উৎনাচ লক্ষরার্থ করে কুক্তক্ষক **ভটান্তার্য নি এ এবা**ন শিক্ষা ৮-शक्ष वक्ष तत्र अवेक्षरण नगरवक कवेदाव आय एक ज अप अवन कतिया आंश्रास्त्र अवे विका अरमत ্লমান পরে জীয়ুক্ত বাবু শামাচবণ গজোগাগাল। হৎপদ্ধে। কি উপকার করিবাইক। ভিনি সং-नि, व. ध्रीमा शिकारकत भन अञ्च कर्ना क ५ ७ डेश्टनकी भोट्य विकाल ग्रीमा भिका,

্ৰালাৰ প্ৰেল জীক্ত্তি দক্ত ফৰ্য শিক্ষক ক্ষতি हिंदुक्षारी क्य । सामादलक अहै विशासदाद दर्गी। स्था कि हिंद्रभाग है क्षेत्राहर बाक्टिय। कुन्न-कवल तो हूं चात्र अवारम पाकिएड शाहिरवन मान चा बाबिर-व रेकार्क चर्च श श्रीहारक क लिका-তায় অবস্থিতি করিতে ত্রীখে। শিক্ষাকার্যের नवर्गमण्डेत्र नर्स् अभाग वर्षामञ्जा गरम्भात्र অভাধনার ভাঁছাকে ক্লেমিডেন্সি কালেভের অন্ত্ৰাত্য সংক্ৰী অধ্যাপকে শদু এচৰ কবিতে ষ্ট্রাছে। ওাঁছ'ব এখান ভার কর্ম পাবভাগ প্ৰিডে ডে ই-ছ: ছিল না আমি স্থিতীৰ মাতৃ-রোধ ক্রিণাও প্রাম্প দিয়া ভীত্তক -ক্র্ডী স্বীকাৰ সৰা**ইলা**ম। বুবিডেছি যে একপ কৰিয়া अञ्चलक अर्थे विकाशमाह्य भीमान्य करि व्यक्ति दिन्दन दि इत्र, वाम, सा इतिया। किस् अर्थातन गांभ 🖫 । जानि है।कः मान (त न মুক্তম কৰ্মটীৰ মানিৰ ধেন্য ৮০০ ছট শত টাকো।- কুলাকমল ৰায়ুকে এ কথাটি এ৮০ করিতে প্রবর্গনা, দিলে বৃদ্ধ মত ুকা জনা হুইয়া নিভাপ্ত স্বার্থপর বাজির মত কাস करा प्रवेश । याणाव अहमां कवि या कि नि मक শং শবীরে ও স্থান্য ধনে কৃতন কর্মাই ভারিত थ'ून तरर कमन'। के शान शाम हक्ति वहेट-थात्कः अक क्षत्र উপयुक्त श्रधाम निकारकः कार्यन । जिमि बदर कृतीप्र निक्षक अनिहुक वा চন্দ্ৰকুষার বিজ বুদ্ধিবতা, আগ্ৰহ ও বন্ধত ं मधकारत अधारियांना काची मानोपन कविए उर्ध्य বোগ পাইয়া আন্তাকে আমন্দিত কৰি তেছি জীয়ন্ত হিশ্বপ্তস ভৰ্মৰাগীশ চতুৰ্থ শিক্ষকেৰ পা बर श्रीवृत्त नवरश'श्राम रश्याम कि मिरन निर्मात गक्रम निकामक ग्रीहरू निवृक्त वर्षेत्रोदक उद्गिष्टिक रवक्षण कर्षक्य के धर्मनशावन वरि हा जामान मरकात जारह जागांट दर्शन की उत्तरक्ष व्यक्तिकाल क्ष्रिकाल क्ष्रिक क ८७ थोत्रिक्व।

भिक्रिक सन्भवविद्यान कवा व्याभागाविद्व एक्त्रिम गर्भाक्ष मामि छत्रम बाबू चाधमन ना र- काःना दब्जल की शहरूको छ गर्ने आधारमय करे । मक्के अक आकान बिरव्यम केने। बेरेस । अकर

कृत्मा कार गाउद केने किर्मान प्रक्रि विश्व निका बादम माशिमाहर्षे । कि रेव शिक्षक राजने क्षेत्रिक । देशीयशिक्ष क्षारवर्त পবিমাণ গড়ে যালে आहेत है। का मान प्राम बंदर है वहे वह कह हिल्ल क्षेत्र काचा वकान कि Cशांक शकारत थात हवांकत ऐकि चाहाई दह। इ जगरशत महिना ম্যানক श्चिम्बनाष्ट्र समाध्यमान नास क्रीनुक्तवान कांकीयूगांत स জীগুক্তবার কিলোবিদোহন চটে।পাখায় নিংগুক্তবার জগতক্ত বন্দোর্শাখ্যা आंत्रुक्तान् माध्यक्षं क्रमीनकात्र খ্রীশুরেশর খনমন্দার পাল गिएक प्रमाद नहानित्र ध्वायोग > 1 1 4 7 5 Games 18

अंबुक्तवातः मोशक्यम राकाः शासाय

विवृद्धः न शक्ति। म बालवात শ্রীণু দেবার র।সাক্ষর চটে।পাধার >5---> পিচুত্ৰ ও বাসকুষাৰ ৰাজদাৰ আনশিকী ১। প্রমন্টি। ৩৩ ছবট্টিট্টাকার সাং निक অঞ্জুল আছে। >• জৈটি ক্লব্ধি জাব के তেছেন ংবং কল্পপুন্ধ ক্ৰায়ন কৰিয়াছে भक् क्रांम व'फ़्रिटर अवर मा निक शादग्रव २**० लै**हिल णै।का हाकि ककेटरका। नां **लक्ति।**कहे-८७ -।.२ छेकः यूलन आंत्रांग बहेटड शास्त्र । ত ই হইলেট অবৈ১৪।১৫টকোর মুডম অপড়স -रेरन । भक्तांत्र औसूक्तवात्र ने अमिन क्यांत्र रा र्वक ५० है को मारसय अवर ब्रोध।सभेद्र सिर्धनी জীলুজ বাহু গোলামনাথ বৈত্ৰ দানিক চ কৰা প্ৰেন্ত, দ্বিতীয় শেলীৰ ছবিলাল কয় কোতি-ष्टेकि शत्मन्न अर्क्षाकात्र कविता**रक्**नः।

ए वि वाद्यत् कका यथम जिद्यालम् क्रिक्ट कि एयम अपने कुउनक्षात्र महिन्छ हैशांख निरंदछन কৰা কৰ্ত্তনাংহ পাৰিতেখিক ভাৰের নিনিত সভিলাক দৰ কাইলেন থোন ও গানাব'হণ भ्रष्टक भिक्रम **कड़ाटक** (व २०० हे।को काश्विधारस् ८ १४१२ मटना अयुक्त मैचरण्टा विस्तानांगव २००० हाज धर अबूक अभाग मात्र १० हाका मिन्ना-Cen, पात श्रेष्ट्रकान् सर्गाधानाम् श्राह **3** € धागन । १ देवलात्रमान मिक 3. कार हर, रूका मीनाव विक मान्त्र एक्रीकाच करिशांद्यन अव्निक्ट ১०० इल । यह माक् आमात्र हेश्ड छ-श्वाकित्रक अवश्व करा कर्डरा व अबूक क्ष कांसिक,भार पंछ अब कालीन ३० वन होकासा तत कत्रीकार कविशास्त्र ध्वर श्रीकृत्यवात् कृष् কনল ভটালাৰ্যা স্বীয় সূত সংখ্যার হুত থেকন

प्रक्रिक कर्त्र महिल्ली क्षेत्रक व्यक्तिक ५ वक्त स्टब्स् वर गर भोरम मारम ५ कर बेक्स बाह बिली के कि क्षांतक हिम्म

> वांभनोक्षत्र बहुम्हि इंडेटम अवस् बोमकः क्रिंग्य गाउँछ विया निर्वश्न क्रिन्। अथन दक्षितीय हारजवा भक्ष न्वरमय मर्ग्युक्त मकूक्षमा, ৰীয়চয়িত এবং বিজ্ঞান্ত্ৰী পাঠ কৰিয়াছেল। राजामा अका अवर देश्याकी क दिश्वविद्यान-त्र शारतम श्रेडीकांत श्रेडक गळल क्षतात्रम क-इटलाइन । भन्नमाञ्ज बीकारमन अथ रन हानि वश्यक् व्यथाप्रम करेटल्ड्स् । करे अभागात मध्य ভাঁগেছের অজুপারি ওভাগ, রখুবংশ, ফুসার সহ ৰ কিরাডাকুনীয়া শিশুপাল্যধ, বেম্ছুডা শ্-कुलना, बोबहर्निष्ट, विकारभाक्षणी अञ्चार'कर क्षात्रम् क्रेयांद्य। काषात्र अकारान्य अक्रमः-वि डांव मक्षम व्यथाप्रक व्यवस्थान हरेसारक । य- ! ভন্নাডীত ব্যাকরণ পঠিও প্রশ্ব চ্চাইইরা জ। मिएअह । वाकाला ड कुरभात, भागिर्धा छ वी-क्षतंतिक क उक्त हुद्र कराजन क हेवार छ। अर॰ म- ! ধ্যে সংখ্য কোন কোন বক্ষালা সংগত স্বধীত ক্ষিয়াছে। ভিতীন, ভূতীয় ও চতুর্থ প্রেনীর ছাল (क्रता क्रमापाद किंत, ब्रूडे e as वर्शन "र्-

जवारव वासक्रमिरधन भेटीकः। नावा जीवृष्टः। बान् कुक्ककणम् ७३०० थ। अ वश् आमि आमरी উদ্দেশ্য সক্ষম কৰিয়া হি। এনেকেই উত্তম পৰী 🐃 দান কৰিবাছের। উপেন সকলেই এক कृति । भाषा । एग्रास्था अभ्य (अनेत तिकृते, नृष ८४१ काजी विश्वनाथ स्थापनामा ७ रहनाव ४८४४ का क बाद हि, जामभण्य भाष, क र मालक देरल्या-लाभगांध, कुछीय (मनीय १२) न महत्त्र दि. स्थान बरेनाल ७ ८कावरकम्। १० वर्ष ४४, ६७ । ८ मेर्गीत क्षांभ्र हेक्कां कर विभिन्ने कर्ण अभाग्या, करिट अवद्रा श्रदम एक्रानेव रेक्क्रुकेमाध शास्त्रामी ७ विजीव ८अभीड क्यांत्रक राजाकातात्र मरक्ष गर्दे। ক্ষায় এবং প্রথম জেলীর ভিতনার গোলামী ইং-रहकी शर्रीकाम विकास १ ५५३। गामिस धारः क्षांभवारएव ब्रार्थित ", तहरू अपनि कविया-उड्डा विश्व विश्वासे होटा । १ डिट्डाविस्कृत क्षेत्रमुक्त अभिग्ना क्षित बहेदान्छ।

এখন খেলী ৷ नेवक्रकेनाच शासामी ्रश्रद्धक श्रामानी यहाः, १ मृध्यांशीयाकः ।

গ্রিম্বাব ংসু h স্বশ্নতভ্ৰ চফ্ৰান্তী चाचः जान मृद्यां शायांक व्हरकाम गणिक ছিতীৰ **শেৰী**।

इतिश्व वस् विश्विमांम वश्रे दायमध द्याव बाजागम बरका। भाषाम পারীলাল রায ब्रंमणांक्स ब्रंचीणीधानि প্রনিবাদ বস্ত खुन्ड कर्ताधिक वी নবেজ্রত্বার নর্কাধিকারী जनहर्देशांव गर्काधिकांत्री पृत्रीय (अनी

(योरभण ह्या निका अताम बर्डभाष दम्द्रभक्तमान विक्र अञ्चलक मूह्यालीयाह व्वार्थकाथ ब्राह्म वक् माथ खरी। हाँचा हरश्यक्षांत्र नक्षांश्कातो -রমানাথ বদ্দোপাধ্যায় শ'শফু ৰে সিজ प्रक्रमहस्य मिन कियुनाय (ग)व

हरूषं ध्यानी

भौत्र लोक प्रख माडिश्न (बाब र्वनानाग्रम नाम 全河外原司河 医海 भीनमाथ वालिकाम বাৰজাগন চটোপাৰ্যার वयां वर्षा व्यापार्थ का क्रमम्भाग लागामी रगराविकांस दूरवांभाषांत्र क्षत्रवन्त स्थ् विश्विणील निश्व

चांधनारक्त व्यवन श्रीकिट्ड भारत रा भड বৎসর বৈশাৰ অব্ধি আমাদের এখানকবৈ চা-বিজন ছাত্ৰ ৰাজালা ছ'ত্ৰ রন্তিৰ পরীক্ষায় দৌণ बबेबा नेपरिमले इवेटल श्रीविकाविक व्यवस् नादन मादन छात्रि होका कदिना हुँखि अ।४३। या ब्रिट्छ ब्रिट्सन । खन्नद्या रेयक् फेलाक त्यान्त्रानी ल क्ष्रकाद सुर्व 🖰 १०१३ हैं बाइसद हुई के नहें । 🔷 काति स्टम्हत निविश्व अवश् विस्तान-द्वाचानी छ नेनानक्स क्रम्बर्धी वैशाहम् चूने स्टम्प इक्ति अम् वरमहत्त निविष्ठ निक्कित्रस्य ह्वा । खन्नस्ताहत्त्र गाउ >> देवनाच खन्नश्चित्रस्य द्वाचानी चूनाहर्षि हाज वात भोवेदवस ।

দক্ষণ পশ্চিম বিভাগের বিদ্যালয় সমূহের ভত্তাবধারক জীবুক্ত হেনরি উত্ত্যে সংখাবর আন্ মালের এই বিদ্যালয়ের ভারাদিপের উৎসাহ বর্জনার্থ এই বিদ্যালয়ের জনাতন ছাত্র জীপতি নর্জাবিকারীকে মেডিকেল ফালেকের বালাল। ফালে মানিক ৫ পাঁতে টাকাকবিয়া ছাত্র মৃতি বিবার অক্সক্তি করিয়াছেন

जानगरम् मिक्डे विशासन महकान आह नक्षत्र कथा मिटवश्य कतिशक्ति आह बक्छी जि-दरमन कतिराष्ट्रिय । जाननारमञ्ज्यास्य भारत पाक्टिक भोदन स्व ताना विद्याद्यक अधि व्यक्तिकम् अया विरवहना कविया अथानकात्र क माधुनील ७ मर्जात्र देश्योणि मध्युष विद्यासदय वहे वह विद्यम ह क्रांतिक क्ये गांत रा अधारम अधारम करिए ३ क-तिएक पांचात्र निवास स्वेदन, क्षात्र मात्र कर्जन कता वरितक। अहे क्रटण वाहात नाम काहे। यद्दिरक, वन क्रेक्: क्रियाना मः विद्या छार्शस्य चात्र भूनक्षांव छर्डि कहा वादेश्वक ना । उस व-८७ ছि जरनरक अहे निष्ठम बण्छः चीव शूरकर विवाद त्रम मादे। देश अध्यक्ष आक्रात्तव विवयः। किन्न छाविति एटल देशांत वाक्रिक्स एपि-याद्भा तमान र उपाद्य प्राचित्र प्रदेशहि। अकुड ঠুপে পুত্রের কিলে বঙ্গল ভর আমরা কি তাহ। क्षर्यन भगाड रिवर वर् १ आजवर्ग कि क्षर्यात्र छ छच्च प्रशीलन कवित्र। क्षांत्रव म। > बांसाविनाइ ६-ইতে ৰাজ্যলা দেখেই কন্ত গড় অনিটা হইতেছে। ष्मामत्रों कि निश समीश स्त्राक्षण्टित्र मिक्डे हिंदक ल कहे करा समा जाना कानरवह शक्षिक উপ্ৰাস্থিক পাছিল লেক্স: ক্ৰি অন্তিৰি-**अस्टब अ**क्टबार्च बाला विवश्टकत छलाइ (कान कृति-তে বলনি করিয়া থেই খবালয়কে ভাৰত কুমি **মইজে এক** বাবে ভিতেতিত সহিবেল চারি क्षत क्रांट्याव विवास ६७६°एक रसम्बा पुर्शन हार রাছির আঞ্জিতিশর প্রমূক্ত বিদাং 🕒 চাং গাড়া क्षि, क्षांत्रे। श्रीकर्षात्र विभागितक मिर्निके वक्त २० ३४ -া**রত, ভেবন** না ছউক, কণ্ডক পরিম্পুর क्रिक्रक बहेबाहि।

काष्यम रणामारम मिनने जामात १८०० किन्ने मक्ता नार्षे। रणामना रणमा एडिएक र ज्ञानका महकारत विशासाम कतिर उद्देश रणना क्रिकेट योक करा सुमारिकांक मानावन वरका

পাখার ও বারবেশ্ছরেরারের জরজুনি খানাকুল क्कानपत सर्वाञ्च इस श्रेतकां के कार पत बर जागनांक्षिक बहुवा ब्रह्मा भवनीय पत्र । विशासिकारतम् अवस स्थितारम धरे प्यानमान अ **पत्र वेक्षण शास्त्र जात्रा** व कविषा कृष्ठ -र्व अहेबात प्राप्तक विकास खारक राज गर्सता अहे | क्वांक्री द्वांचारक्षेत्र भरत क्षांचत्रक चीरक । जान निविद्याप् रक्षित्रा धमकल भ्रष्ट्रांगायक 'अ जनामा राजियां श्रम्भा कदिश त्वन मिनिश्रकः रहे দ্বা আপ্ৰয়ার প্রকৃত আর্থ বিস্ফুত হইও না। তে भारकत केहा खड़ा शामाश्यांत्र विवेश नाम रा विवि विवि छोप्रोधित अधार्थमः कार्या निर्मात কবিস্থাছেল ভিলিই ভোষাদের আবেশ গুণেব कुत्रमी श्रमश्मा कतिबाद्यन अवः द्वांबादम्य मक-तित्व महार्के व्यवसारहत । क्यामारमन देवा अञ क्ष्रीक दशावक विवयं नटक रम अभवाक क्ष्रीमारमन বিনি খিনি শিক্ষ হইয়াছেন ডিনি অভি উপযু

প্রবিষ প্রেণীর ছারগণ ভোষাদেব নিবট

ভাষার এখন এই মার গজবা, দেখিও বেন
ভাষামি ভারগোপ মানে বিশ্ববিদ্যালয়ের
পরীলার ভাগতিত কটও সং এবং ভাষার কর

গয় আশাংক তাম রালি ডার। ছালিও করিও
না। ভাষাদেব এখনে লিক্ষণ করিতে বই
বে না। ভোষাদেব এখনে লিক্ষণ করিতে বই
ক্ষেক্যল ব রকে আদশ করিয়া রমণীয় বিদ্যা
ভূমির প্রবেশ পর্য পাছাব শবিক হও। ভান
বান কটলেট সহালে আগণাতানী ইইবে।

महाणि विकास व स्थानित महानामध्य । ज्ञानमारकम निक्षे कहे क्षार्थना र ज्ञानमाद। कहे मार्टमानाह केमद स्वश्व हाथित्वम, ज्ञान। क है एसके देहा गहम काकृषिक मर्न्टमक्तिकाटनह क्ष मारम क्षित्रको हनेटक शांकित्व।

शास्त्रता भावित्वादिक भूषक ब्रोख स्टेन् भाव गढा चक स्टेन ।

ৰিবিধ সংবাদ । ১1ই আবাচ লোকবাছ।

বণীউ নামক আর এক ব্যক্তি চা—কোঁকানির সাধারণ সম্পত্তি ভছরত করাতে ঐ
কোম্পানি ভাষাকে কর্ম হউতে বহিত্ ড করিরাছেন। রাজ্যের যত চোর ও জনও লোক
নিরা কি চা কোম্পানির দলে প্রবিষ্ঠ হইরাছে?

গত বংসর বললেশে সর্বাহ্য ৪৯১২ জ-নের গো বীজে দীকা থেওর হয়, ইবার মধ্যে ৩৪৭১ ফবের দিকার কল দ্বিরাছে। এক্ণে ১২ জন দীকারার আছেন।

আমরা শুনিরা সবিশেষ ছুঃখিত হইলাম র্মাপ্রসাদবাব্র পীড়ার উপশ্ব না হইরা আরে বৃদ্ধি হইরাছে ডিনি এক্ষণে চৌরলি-তে শ্বন্থিত সারডেছেন। ভাষার প্রধান-তদ বিভারালরে নিরোগের সনন্দ আসিয়াছে। হবে বিবালু সন্দেহ নাই।

কির্দিশ্রন পূর্বে প্রধান সেনাপতি আ-কা ক্রিয়াছিলেন, ওলাউঠা হইলে সে স্থান হইতে সেনাদিগতে কন্যস্থানে প্রেরণ করা হ। ইবে। কিন্তু সম্প্রতি আচেল চইনাচে মূর্ব অ-প্রাগাব প্রাকৃতি রক্ষণ সৈনিক্সিগের উপরে এ আজা বভিবে না।

ই লিসমান সম্পাদক গলেন, যাজালার করেক ব্যক্তি এছত্রিত হুইয় কঞ্জয় উৎপাত্রি করিবার সক্ষাপ করিয়াছেন। ত্রমিণিয় বেষে পিউ ব্যক্তি র নিকটে একটি চর প্রার্থন। করা হয়, কিন্তু লে প্রার্থনা এপব্যস্ত প্রাঞ্ছর মাই। মাজলার একটি ব্যাক্ত হুইতেছে।

करवाद्या (जिल्ला के कल्लाहरू बर्मन, उन्छ। हमाद्व (जिलाहर्ग्या) (मनामरणव ध्याव १२ व्य रेमन् क्रम प्रश्नाद्व बर्मा प्रम छान कतिवा लावन कतिवारक प्रध्य छ अक वन रेमनिक श्रीक कानशरव जिला भनावन कतिरछिन अस्य मस्ता अक वन मात्री छावारक पृक्ष क-त्व । त्य अक्षि राष्ट्रका धूनियांत अञ्चलि भ-इंद्रा कोष अस्य भिष्ठक याख्य कतिवा ध्यक्ती-त्क वम कतिवा लागोरेशाद छोडा भाव, किञ्च ब-क वन काकियंत छोडारक पृक्ष करतेन । त्या-वरण कि स्वया अस्य विश्वश्रमा पहिरक्षक নালের ফাশিংকল কান্দাদক বর্তন আ
নীর দোত বহুবাছেন। বিরাটের প্রেনারা করেকটী
প্র পরিভাগে করিয়া পলারন করিয়াছে। স্থানতান কান্দাদ একংশ নিজ রাজ্য রক্ষার্থ ব্যক্ত
কান কান একংশ নিজ রাজ্য রক্ষার্থ ব্যক্ত
কার্যাছেন। দোত মংশাদের ৮৪ বংশর ব্যহ্দাদ হইগাছেন। দোত মংশাদের ৮৪ বংশর ব্যহ্দাদ হর মাই। একংশ এই প্রশ্ন উবিত
কান্দাদ হর মাই। একংশ এই প্রশ্ন উবিত
কান্দাদ বাক্তি পার্শ্যাধিকারির কর্মান্দাদ প্রান্ধ বাক্তি বাক্তি পার্শ্যাধিকারির কর্মান্দাদ বাক্তি বাক্তিক বাক্তি বাক্তি বাক্তি বাক্তি বাক্তি বাক্তিক বাক্তি বাক্তি বাক্তি বাক্তিক বাক্তি বাক্তিক বাক্তিক

नशान नवर्गमके नारखीत कांकेबरमके निविद्य मानव बर्ध कांकिया माजिए केंद्र कर थेवा मानव बर्ध कोंकिया कांकिया कांक

তর্মত থা নামক এক জন ভূতপূর্ম বি
দ্বা ও সভ্যাকানীর মুগু কটরাছে। কাশ্দী
স্ব রাজাব উকীল ভোষাকে ধরি ক্রিকিবন

ক্রি করেন কিন্তু পূত করিবার সময়ে সে ক্রিকিব করাইন ক্রেকিব কুলি করে করেন কিন্তু পূত করিবার সময়ে সে ক্রিকিব করে ক্রেকিব বুল করে থেবা ভিন্ত ভাষা
থ্য কলী করিবার উপায় শুরু ছিল না।

জিত করিবার ব্যাকার উপায়ে উপস্থিত

मिलीरण एकंडे नच्यांकर नरतम, थाउन छ-।

टे क्ष. ए इनः रेनमामिशास्त्र करण कितियां प्र एग बहेररा अहे तुर्द्ध नक्ष एक ५० नच्च हैका था बहार प्राप्त क्षिण अहे, के क्षरवार मर्था रुद्धा एका क्षांकी हैका हिना।

টাইন্স খন টাওয়া খালেসের সৈনিক লিপানিসেশের এক রিপোর্ট প্রকাশ করিরাছে ন জানেন রল সিপানী তথার বাস করিছেন এটা, গলানিটা ভারাদিগাকে অগ্রিম টাকা সিশা শেলিকাটো প্রথমিত করিবাছেন। এই উপনি-শের শ্লাম্য নির্দ্ধি কর্ডেটে। কর্তিবার চ্যাং, সাঁওভাল,ও স্বলপুরের বন্যদিগাকে এই উৎসাহ না দেওয়া ব্যু ক্ষেত্

যে চারিজন ইউরোপীর নৈনা দল জ্যাগ ক্ষিত্র পার্ত্তর প্রতিভিন্ন, ভারা-দিগের শ্রেভাকের কঠিনপরিজন সম চারিবং শর কারাধানের আন্দেশ মইবাছে।

जानाटम इस कदशक व्यक्ति स्मानीमके नि-

काकरक वय करत, जाशाजिरशह वांवकीयन का-सावारणके कारकेथ बहेबारह ।

' কিনিক সম্পাদক নিয় বিধিত ইউরোপীস্থ স্বাচায় আও হইয়াছেন।

২৩এ বেঁ, নিউ ইয়র্ক। আবেতিকার গ্রবর্ণ মেটের সেনার। পোটররাকে পরাজিত হই-য়াছে। জনরব এইকপ বিদ্রোহীরা উচ্চ নগর অধিকার করিয়াছে। একট মধাবুল হইবার সম্ভাবনা আহে।

২ ৯এ বে সেনাগতি ব্যাক্তর পরাজিত ছ
ইয়াছেন। তানেক লোক ছত হট্ডাছে। তিনি
বজীনীয়া ও মেরিলাতে পলায়ন করিরাছেন।
বিল্লোহীরা পশ্চান্তাবদান চইরাছে। ও রাসিণ্
টনের লোকেরা উত্ত হওরাতে তথার সেনা
প্রেরণ করা হট্যাছে। বাল্টামোরের লোকেরা বিল্লোহীদিগের পুনপক্ষতাচরণ করিছেছেন। গাইমেন্টের সেনারা লাক্ষেইরের নিকটে পরাজিত ছট্যাছে। পট্টাক পুনর্বার
অবরোধ করা হট্যাছে। কবিছ ও রিচমতেরু নিকটে যুদ্ধ হট্টবে বোধ হট্ডেছে।

১ই ছুন লগুল। ভারতবর্ষার রপত্রিলল ক্ষাইশ দেওয়া হইবে। সেনাপতি জনউন আমেরিকার গ্রব্ধেন্টের সেনালিগকে পরাজিত করিয়া গেলোয়া উপত্যকায উপস্থিত হইয়ালেন গ্রব্ধেন্টের মুন্তত্রিসমূহ নাচেন নগ্র ফাপিকার করিয়াছে। ঐ দিবল ছুইপ্র হরের সমযে প্রকার টোলআফে নিমলিনিত ল বাদ আলিবাছে। বিয়োহার। ইঠাং গ্রালিটেন নগরের সুন্ধ খে আলিয়াছে। তয় ভারতির ভারতির ভারতির হয়াছেন।

কিনিকের দক্তপুবের সংবাদ দাতা ব-জ্ঞা, তথা একজন ইণ্ট্রোণীর রেটলওরে ক্ট্রোরী আত্মহত্যা ক্রিয়াছে।

কিন্তু পেটি টে একই অনিটের প্রতিবাদ করিয়াছেন। অনেক ইউবোপীর জীলোক টান্টা কর্জা কবিয়া লেখে আগনাকে বিবাহিত প্রী বিদিয়া 'বিষ্ণয় দিয়া লাখানতে অব্যাহ-তি গাইয়া থাকে। সত্সন্ধান করিকে অনে ক্যে কামী কপন-বাঁত্র আছে।

१५ई कावाह बक्रमवाह्न ।

গও বলা প্রধানতথ বিচায়ালয়ের বিচা-রপতিবিশের সনক লাভের বিষয় কাড়িবিড

भारति अवाभिक स्ट्रेनांट्स भारती विकास किया गर्नासकी ।

वरशत करतक शांक वाकाती नहीं के श्रेमात कथा हिन, किछ क्रांकेट व्यक्ति नक्षण कतिवारहन, जानावि जाल्हीति व्यक्ति गतीकात श्रुम क्षणांनी कतिरवन, जनस्ताका गतीका श्रेष्ट, जाव्य व्यवश्यत गतीकां स-श्रिक श्रेम । वन्नी पूर्णम क्षांनानी श्रुमा क्ष-जिम्म जायनान । रक्षणांना जेनीरमात क्षणांना जारेन मात्र जारमन, नात्रशा श्रुमांना गृष्टि व रेविशारमत विनय्त काशांना विकास वन्निका !

তনা দেল রেইলভরের কর্মচারিলিণের লেজন পাইবার নিয়ন ২ইরাছে। ঐ জিপা-টবেন্টে বে বোল্য লোক আনিবেন, এই ভা-হার একটি উপার হইল।

গানে প্রকাশিত বইরাহে, দেবী লাবক এক
চারার আগনাকে গবর্ণবেচনীর চর বলিরালিনরিচর দিয়া ছানে ছানে প্রাব কর করিছেছিল
চা উভর পশ্চিমাকলে সমর্য উর্টিরাচ্ছ এচাট সহযুতা রীলোক এককর ইউরোপীর
তেপুট বাজিতে চলে মৃত্যু কালে এই কর্বা
বলে বে গবর্ণমেন্ট বাবতীর প্রায় কম কা করি
কা ইংরাজনিগের রাজ্য থাকিবে কা। কেবি
নই প্রযোগ পাইরা চারিনিধ্যে অন্নভারে ক্রলাইবার অভিপ্রান্তে ক কাব্যু করিছেছিল চ
ভাবার লাভ বংসর বীপাভর বানের অঞ্জ্যশ
চুলাচে। ঐ কুরাভার আলো অক্ত কও ব্রস্থাণ
উচিত ছিল।

অন্য টেনিপ্রাক্টবালে বির্ নিবিত নবা- * নর আনিরাচ্ছ---

ল্পন ১৯ই জ্ল। " অয়াসিংটন নুনগর।" বুজার্থ সভাই উপ" হট্যাছে। বিজ্ঞান ইয়ার নিকটো উপাত্ত হট্যাত্ত ।

১ এই আন । বার্ড পাদর্শ্বন তার্নকিন্ত লাহেবের অভাবের বে সংশোধন করেন, ভাহা বহাসত। গ্রাহ্য করিয়াছেন।

পারিক ১৭ই জ্বন। সর্বিয়ার গবর্ণবেক বালজীর ইউরোপীর গবর্ণবেটেন্টর নিকটে বে লাজেড থিতে দুর্ভ সেনাদিশের সুর্ন্ধাবভারের ক্রমিয়াল ক্রিয়া এক পত্র নিবিয়াহেন। क्रिनोणिक वरेबांटर संग्र, माहिता के क्रमीया এ বিবয়ে হস্তার্থণ করিয়েল ও 🚈 🧸 🦡

गर्ना अकान मानाएक क्याननीय जान-कारीजित्मह कार्क्सिक विवासन असीव द-রিরা বলেন আনাক্তিপের লেনের ঘণ্ডো বাকর-शतक पारिका १म आलिकादीय नगि । दिशान-कांत्र व्यक्तिमाञ्चलां, कोकाहेख कांशाविदशत ज्ञानसङ्ख्या जाउँ कि श्रेटन ?

ं अल्लेक्ट्रेड हों होरे पूजक मिरिनियान गरमन **गहीकार्थी सहेत्रा हेश्मटल भवन क**हिहाटहन, উন্নাসিত্যর এক পত্র ইভিয়ান মিরারে প্রকা-भिक्त बहेबादह । बांदू क्यांत्वज्ञमार्थ हेर्नुक 🕫 ু উাহার প্রী ভারানিবের প্রভি স্বিশেব বন্ধ ক্রিডেছেন। আবাদিদের পরম যজু দর এও अञ्चार्क वादन अ अ। हे नारम्य कडे चीकांद्र क-ब्रिया जारामिरगद जजायमाम कदिरज्ञहरू । ' ভাষারা লিখিয়াছেন, ভায়জন্ধশ্বিত ইংরাজ-ক্ষিত্ৰের সবিক ইংলঞ্জিত ইংরাজনিংগর इनोबाङ्ग्गा बाहे । ख्यान क्वरकरे डांशक्रिका স্বিদেশ সম্ভান করিয়া থাকেন এবং সক-ু নেই ভারক্তব্যিক্তিকর ক্রম্য ভারভবর্ষ লা-मस क्या व्यवस्था वरतम । कैशाहा काहा कि ्र विज्ञाद्य अञ्चदक्रमीदक्रता यति वर्षार्यस्त्रदेशदेशक्र नकत डाट्य खाद्यं व्हेरण है शादक अवस कह ন। আন্মাত্ত কথা সর্জনা বলিয়া পাকি। ्योगरी भतिवर्गस्य अवधि विकाशन हर-विशे जाकांतिक रहेतांत, व्यक्तिनंतःहन-ক্ষেত্র চিকিৎসালরের এওফেশীয় রোগীলিগকে বন্দারি দেওরা হয় না, তমিমিত তাঁহানিবেশর व्यक्तियम् कडे रहा। करहरू अन स्मार्थिस्थी अक्रिकिक गाँवा कतिरक्रद्व । काशांता २०० ्रिका बाज गार्ट्स। देशात निविश्व मकरमात्रेहे

' ১৯এ আবাচ বুংবার।

লেওরা কর্তব্য।

্তলাকেশালারের কর্মপুন্য সমুরদিশের স-**होने को अन्या अन्य क**ना कनिकाल। इहेटल कें अप **शिया ब्यायन क्या ब्रो**बारक । वा-**প্রতিম্ন লোভেরা ৫.০,০০০** টাকা পাঠ ইয়া

अमा प्रमण, नम् संबर्धन केय जाकः हिन्ना-क्षा है वाच क्रिक्श्म क्रिक विश्व हैं जिल् ক্ষেত্ৰ তাৰালা সামান্তবন চিকিৎসা ক-

রিতে পারিশের দার বর্তনান চিকিৎসকের। বুৰি কেব**ন উপজিলান্ত করিলা** কেন্ট্ডেন ?

हीनदश्रम् व्यवस्थितं विद्वारी प्रधाद म विक क्यामी अञ्चलक्षामित्यत मुख वर्षेत्वर ।

ब्बाबोहैरव अञ्चल क्यक्कि वहेब्राहरू. ভারতবর্ষ হইতে সীননেশে নৈনা প্রেরিত इ**हेटव । हीमध्येष अवस्य कांत्रकतर्गत** नाह ইংব্ৰাজ অথবা ক্য়ানীলিগের হস্তগত হইবে সম্পেহ নাই।

ताब् नांट्य व्य मिह्न्य वक्रप्रभी ह या ক্ষেত্ৰ হাজ সাধারণ রাজৰ ও মোট প্রদান ৰাব্ৰিৱাছেন, ভাষাতে সত্ন চাল্লন্স উচ্চ বিবক स्रेता अक शक्क किथितारहरू। रहेडे स्तरक्षणाति विश्वत विश्वतिता क्षारमास्य क्षारमास्य क ছে, উাহারা লাভের ভাংশ লইবেন, কিন্ত क्षि व्हेरन नहमारहत्र हुहैरन। स्नामता शूर्का ইহার প্রতিবাদ করিয়াহিলাব

খনা ৰাইডেড়ে, পুৰ্মৰাদালার রেইল ওয়েতে আগামি সঞ্জীহ অবদি বাবাকপুর পৰ্যান্ত ৰাম্পীৰ শক্ট চলিবে।

ইংলিসমান সম্পাদক বলেন, লেপ্টন্ট্ नवर्षत्र भिन्न विद्यानदत्र ১००० होका म्न क्रियारहरू।

हेश्मरक कमब्रुव स्ट्रेबाट्ड गार्क्सानिक मुत ছারুক্স উত্তের পরিবর্ডে ভারতবর্ষীয় সেকে है। त्रि बहेदबन। किंहु जिन १८३ वहेदन कोन-

পাঠকবর্গ সর জেবস ক্রেকের নান শুনিরা शासिद्रवम, से व्यक्ति व्यक्ति बीएगत माताय-ब्राक ब्राका व्यक्ति बहेबारहर । हेश्मरकवरी जा शांदक चांचीन ब्रांकाननिवा चीकांश कतियांदकः म्। गढ़ व्यन्त्र अन्य मित्र आमापिशत्त व्यक्त णः त्र**का वृतिरक्षरक्षम**ः त्राह्मणि जिनि अन्तर्गत (बादब्रिवादक अहे. क्रिवादक्त ।

বালাগী সুস্পায়ক চাকার কিরিমি রেজি-ষেক্টের অন্ত্যান্তার নিবারণের অন্তরোধ করি-রাছেন। ছাকা প্রকাশে করেক বার ঐ প্রকাশা भिर्मा अक्षाहारम् दिनम् निविष स्यू । भन-र्वायके कि निविद्ध अहे " छिड्डूम योगपि । त मा जन वाधिश्राद्यम ?

> २-६ जान क इंद्र जिया है। সংক্ৰান্তি পৌয়াল পাকান্ত গো হড়ট্ট উপ-

नटक रिक् ७ प्रमाधारमं क्षेत्रका मान्। शहेशा निवादम् । जुक् काल्कि क्छ क्हेब्राटम् ।

ৰবীপুরের স্থান কমিসনর বাউরিঞ্ সা-एर निक कहेंचा कर्ष सम्भावन करिया गयः. क्तत व्यवनाज बहेबाटक्त। कांशन निट्या-भ्या नगरम भारतरक भारतक आकान विकास कतियादिएलम् ।

পিনাতে গত বংগর ১,৬৮,৮৭ ৪৩৪ টাকা त हरा जामनानी व २,०७,५७,७८१ संशानी **ब्हेबाटह। हीन्द्रमनीस महमक विश्व श्राकाट**ङ **এই वन्यवृद्धिः अन्यमः डेवर्डि ब्हेट्डट्इ**।

भातेक्बरर्भत ऋत्र शाकिएक गारत, शक বলেন, ব্যাক্ষকে অনেক লাভ লেওয়া হইয়া- ৷ বস্তায় অলুসন্ধান করিয়ার জন্য এক কৰিসন निरम्रारभन्न अल्डान । अहि-রান ভাবজরবরে লিখিত হইগছে, গ্রাণ্ট সা্-ज्य कर्णतः रिवास भिष्यं अहे कार्या वि য়োজিত করিবার সক্ষপ করেন। কিন্তু উত্ত কৰেলের মৃত্যু হওরাতে জিনি ঔপাস্ক লোক নিরহে নিদ্রনিরিকিনের প্রার্থনা জাহা ভরিতে ममर्थ हनुन्तु। है वीजन मास्य अविनम्न कि वि च्यू इंडेरियन : भिननविक्तिरशक्त श्वाकीव आ:-र्यम्भ कड्डा करूंबा।

हीनदिन्यास विष्योतिनिद्याद्र मुश्कि है रहा. अभिर्भात श्रमिकीत गुच वहेरारह। এक अन রণতরির অধ্যক্ষ ও আর এক জন লেণ্টনট ৰত শ্ৰীয়াছেল। সূত্ৰ ঘটিকা ৰুদ্ধের পায় বি-**अधिता भनातम करत** ।

निही शिक्षा अवस्थित क्षेत्राह्न, युन-তান আহম্মদ ভান বন আনীরকে বিনা কৃত্রে কালাহার ভাগি করাই**তে না** পারিয়া ৮০০-অভিনিক্ত সৈনা কইয়া রণকেত্রে উপস্থিত रहेबांटइम । व्यविमार्च अकड़ि यूक रहेवाव विम क्न महायम काटह !

मर्को नगरत भूनकीत ४) ४०० नगम है कि क जानकाञ्च शोक्या ब्रह्मेशाह्य। जारमहरू कवा-८५ श्रुवः अनम कतिएक्ट इन । वर्षाः नम् ।

এখান লেকলুকি বিবাহিত ইউরোপীর লেনামিলের সংখ্যার এক হিসাব চাহিরাছেন। क्षिकि गरमञ्ज, अना त्य करे विमान निर्देश ए-केदन । रेनंबालर्वज्ञ विवास वज्ञ, च्याटनर्व अब् अञ्चरताथ करिएक्टइम, किन्नु काहुमार्गर विवत (करें) अरमेर्डन फार्श्ना किरशह औं (धर्मा जार । কোন

থাকিতে গাঙ্গেক

त्न ब्रीटनाक इंग्लिन क्रियात के अंदिन वहें ब्राटक फाटा करिया कि कान कर का क्रिया

मालारण रहें देश का वाक्ष के कि स्थान रहें देश कर के निर्माण के कि स्थान के स्थान कर कि स्थान के कि स्

বোধাইনগালে গাড় বংস্ক হ, ২ ৯৩ টি নাতালের পুলিধ বিচারালারে বিচার হর। জাত তবর্বের সক্র ছালে স্বরাপালের জীহুজি হই-তেছে। ইহার জীৱজি ভারভবর্বের জীৱজির প্রধান জীহুরার সংক্র নাই।

সত্যতি বেংৰাই নগানি সময় জীব লক অধীনত মাজিটেই ট বিশবে আইনে জনতিজ্ঞ নলিয়া ত ৎসনা করিয়াছেন। তালামিনের ব-ধ্যে জনেকে দ চবিধানের আইন বুলেন না এবং অধিকাংশ জনন। বাজেনে প্রকরাজির ভিন্নার বিচার হন, তিনিবারই মাজিটেই ট জালচিত কমতা চালন করেন। নির্মুট্টিয়ান বিচার বাজিনের বাজিন এই সংখ্যার না ক্লিয়িত্ব বিবার বিচার বাজিন এই সংখ্যার না ক্লিয়িত্ব বিবার বিচার বাজিন এই সংখ্যার না ক্লিয়েত্ব বিবার করেনেই আবাজিনাকে ভাজাইয়া দেওয়া কটবে তজাদিন কারাজ নাজ্য আবাজিত গের গালালত সকলের উংক্রেল্যান্য করেন স

निर्णान्तत अवस्थित नश्याम गरं अध्यान विकास विकास विकास कर्मा क्ष्मी स्थाप कर्मा कर्मी कर्

विकास क्षेत्राम कर्ष मिलानूरम होत कोकार कर्ण सृष्टि स्ट्रिसरम स्ट्रिसस्य रहे प केवस्य स्ट्रिसस्य क्षेत्रस्य क्षित्रास्यम् । विकास स्ट्रिसस्य स्ट्रिसस्य क्षित्र । क्षित्रस्य and findaces a subscripely subscripe.

मानविक्त करिया कार्या कार्या कर्या कर्या करिया करिया करिया कर्या कर्या कर्या कर्या कर्या कर्या करिया करिया करिया करिया करिया करिया करिया कर्या कर्या करिया कर्या करिया करिया कर्या करिया करिया कर्या करिया करिया करिया करिया करिया करिया करिया करिया करिया कर्या करिया करिया

काषता क्षित्राहिनाम है, हैं, रहे बत नारह व वत्रावत कर्डन कारमङ्गत बांकिट्बंम, मर्ट्या क-रक्षा रक्षि वक डीवाल रक्षम इक्षि बहेरन और बाख । शक्ष करमुख रमरक्षाई केशारह । क्षरमार्क विके रवारकत स्वत्र क्षेत्र बहेशारह । क्षरमार्क मारहव क्षीत्र, शरम क्षरिक्षक बहेरतम ।

ইংলিননালের হারনরাবালের সংবাদদান্তা বলেন তত্রীত্য একট রাজগভনা অভ্যাবদার শতুসতী হওরাতে ভাষাকে নদীজীরে এককুদী রে রা বিরা আসা হয়। ভাষার পিড। ও আ-জীরবর্গ এই প্রতীক্ষা করিতে ছলেন বে ন-দীর প্রোভ রুক্তি হইরা ভাষার প্রাণ বিনর্থ হ-ইবে, এমত সমরে প্রধান মন্ত্রী সালারক্ষম ভা হাক্তে উদার করিরা ভাষার পিভার মূচলকা লইরাছেন। হিন্দুখর্ষে এই সকল ঘোষ থাকা তে হিন্দুখর্ম বিলোগোস ও হইরাছে।

किमिका गन्धांतक अख्याक्रमीयविद्यात हैं तालाम अवस्थित मिगातन कतियात अञ्चलांत कित्रार्द्य । जावणादीत खेलवर्ष गवर्गत किंद्र गाममा बाकिस्म नियातन स्ट्रेगक मंद्री वर्गा माहे।

वन्तर जनजान किर्याच नांव करिरास राटन तरणारम जानिएणहिरमम वक्षण मनदा करमक जन प्रश्ना जारात आग्रेस करियां करियां राच वस किर्याच गाँउस्स देशस्त्रक जानिक नक हरिया जानिएम, जानामा जिल्ला विकास वस्था विभिन्न करण करियां निर्माण जना करिया दिलाई के विकास स्थित स्थापन जानिएमम नरेगारक जानीकार्य भारक महिनादक

प्रसाधि कामस्ताधिकाक हो स्वाधिका व्याधिका के स्वाधिक क

्यवादेशीयस्य मा कि। द्वार पात देशिका गाउँ हैं पार्टका आर्थि त्याद विश्वतिक को साम आवादिक वर्षेणीयक व्यानी २००७ वर्षे अपने

THE POST OF THE PARTY OF THE PA

व्यानसम्बद्धिः व्यान व्यानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्थानस्य

"हिन्द्र के किया कार्याह है ।"

প্রতিষ্ঠ সাজনার করার উৎপাদ প্রতিষ্ঠান করার করার জন্মনি করিয়ালাল

অবৈধান ভারতবনীর সভা একটা বি ক্রিক্টানার ক্রিরাছেন। জারারা ভরা ক্রিক্টাকে বোৰণ। বারা জানাইরাছিং। त्व त्व वाक्ति गवर्गमार्केत्र मान कर्मा आध-आध-मक्ष कतिराज्यक्, कार्यात्रा क्ष्कि भाषा वे त्यावना शक्ति त्यरी कतिया त्यर । केर्सन माख्य वर्गमारमा व्यवस्था

रावस्त्रावादात्र नवाय क कल्लाक्ष्मिक्षित्र द्रिक गरेत्रा गयाच गर्ध्य कर्क विक्रक क्ष्मिक्ष्मिक्ष्म कालकर्यात्र क्ष्माम क्षमाम क जावोक्षिक वा-काल जाकरमानम् करतम माहै। क्ष्मु जात है क्षित्र सम्माणस्मय व्यवस्थ कार द्रिक्षित ग्राम्याणस्मय व्यवस्थ कार द्रिक्षित ग्राम्याणस्मय व्यवस्थ कार द्रिक्षित क्ष्मिक्ष करता क्ष्मिक्ष करिया किस्ति कर्मिक्ष क्ष्मिलाम क्ष्मिक्ष क्ष्मिलाम क्ष्

हेश्तिकाम मन्त्राक्ष्य वर्तातः नाहेन। इ सम्बद्धः सारहात नाहरूप निरम्भ कानि हराव समावनकी अक्ष्म करतन । जानि कानि हराव अवश्राह विवह सहसारह ।

এক জন পিরিলি ভাষার রজিত এক জন ইউরোপীর রীলোকের নাক কাটিয়া কেওরা-ডে ভাষাকে নেসিরলে সন্ধ্র করা হইয়াছে: : এই জুলাই সেসিয়ন খুনির্ভিত্ত শুরুবিশ পাপ ডিবা জয়লা বৃদ্ধি

্ ত্থা আবাই শনিবার।
ক্তি বংসর সিজু প্রেলেশে ২,১৩,৬৫০৫৪৩
ক্তি অসুকে আদাব বইরাছে। পুর্ব বংসর

स्त्रम् १२,२৮,७८० होन। अधिक जातात्र क्षेत्रारक् । जिल्लूरकम करन जजका गवर्गस-

ন্টের ভার বর্ধ সা শইরা সাধারণ ধনাগারের সহায়তা করিবে সন্দের ক্লাই।

ইংগিসমান সম্পান্তক আসামের চাকর জিনতে এই পরামর্ন বিরাহেক বে ভাষারা ন-ক্রি বিধের পর্যাপ্ত বেজন দেক এবং ভাষাদি পের প্রতি অভ্যাচার না করেন। গারে জ ধিক জোর স্বাহে, ভাষাই বে অভ্যাচার করি ভেছে, ইংগিসমান সম্পাদক বসিলে কি সইবে

রিচার্ড ক্রেম্স হল নামে একজন ইউরো।
পীর চারল,স নেকিউ কোম্পানির দোকানে
কর্ম করিত। এক জন পারসী উক্ত কোম্পানি
র দোকানে বিজয়ার্থ একট অনুরীয় রাখিরা।
যান। হল ভাষা আজ্বাথ করাতে ভাষাকে
নাকে পুলিনে নালীস হকরাতে ভাষাকে সে
সিরনে সমর্পণ করা হইয়াছে।

রুপ্রিম নোটের সহকারী অনুষাকক কর ব উহবিল ভছকণ করিয়া পলারন করিয়াছে। ঐব্যক্তির নামে প্রারই পুলিনে নালিশ হইও। ই ব্যক্তি পূর্বে কলিলা কুলেয় প্রধান শিক্তক পতাং ভাকার নর্মান কুলের শ্রিক্ত হই র বিল। শিক্তকের উপায়ুক্ত বটে।

আমরা অধানসা নামে এক খানি মাসিক পত্তিকা প্রাপ্ত হইয়াছি। ইহ র সুন্য সুই পর্সা মাত্র। অমানস্যা ক্ষণংকে বেখন আলোকনর নহত্তে, ইহা কি সেউন্নপ করিবে।

ক্ৰিছ লিখিত মূল্যে প্ৰথমেক্টের স্থাপত্ত ক্ৰিক্ৰাত হটুডেছে।

৪ টাকার সিকা		2310 1 2 : No	
ঃ টাকার কো'	भोनिव	ofee ! . c a	
८ डाका ब	**	3-3-1 3-840	
का है।कार्य	48	325 1 224%	

शवर्वां विज्ञाणन।

२७८ जून-व्यवस्त्रक आत, त्य, हेलिम वीय जुल्मव विशासक दहिलकेत बहैदनत ।

২৩এ সুন—উপুবেড়িরার মুখ্যেক বাছ যছকাপ মুখোপাধায়ে ১৮৫৯ অবসত্ত ০ আইনের
১৫০ ধারামুগারে মুখানী জেলার ভেপুটু কালে
ক্রীবরের কমতা পাইবেম। অপদা বামু বন্ধান্দ সূত্রভাগায়ায় আরও বন্ধদেশীয় ব্যবস্থাপদ গ্রহার ১৮৫৮ অব্যের ৬ আইনের ১৯ বালা ভ ১৮৫৯ অব্যের ১০ আইন সংক্রান্ধ নোক্ষমান্ত্র আব্রেদ্ন প্রহণ করিতে পারিবেন।

সৰ আনিটাণী সরজন ক্ষেত্রচক্র নদ্দী ববি-, নালের লাভব্য চিভিৎদালন্ত্রের কার্যা ভার প্রাপ্ত ছট্টবেন (

२९व क्य-विम् लिविड क्यंग्राहित। समुद्रिय भगकारी कविमनस क्षेत्रसम्

লেপ্টনন্ট জবলিউ, সি, এস, ক্লার্ক, এবং জে, গ্রেগরি।

२ ५ ख जून-इनजीव "शिकिषि प्रशिविष क्य है, जि. बार्ड मान्डव खेख क्यान कारमकेरव व क्यान थाल बहेबा बालीम खनिरक गार्डि

্বাসু মাধ্যতক্ত চৌৰুৱী কিয় ভিবনের ক্রি পাটন র সমর ভাষীন ভইবেন

৩-৪ জুন—জাগামন ডেপ্ট ছমিসন্ত্রী পোন টি, লাগ গোথালপাড়া বিভালেছ প্রতি প্রাপ্ত ইবেন

আপাদের অভিবিক্ত সহক্**রি** ক্রিনিটার ডব সতি, এচ, ব্রেণিলো সাঞ্জিপ জনা মওগাঁব ভার গাস্ত হুইনেশ্

আনোমের অভিনিক্ত নহবারী কবিব বিশ্ব এ, ত্রান সাহেব নজকনি ও পালামার জার নির্দ্ধ ভইবেন।

श्रुनीयाव आश्रम नमग्र चामोन नाक् देशां तका इक्ष को वर्षी देखा कानात च लाग ना स्थापनी दे दर्शको वर्षा करावन ।

क्षनद्वरूप कर, रेव ८७ वरता छी हान क्षेत्रिक क्षेत्र क्षेत्र कर्म वाक्रितिक वर्ग दिमदल्येत छनील क्षेत्र क्षेत्र

भा कृताहे—है, हि, हिन्न भारत्य को कि । बार्डिय अक सम अडिनिश्चित्रका क्षेत्रमा

জে, এ, কুলের সাংখ্য কলিকারার আতি নিধি কটন কাগেল্টার ছইবেন।

बुनाथाधि।

আই, নি ইন্টিডেস সাতেব পাৰ্ম। কি ১২৬৯ জৈঙিঅন ৰ কাৰ্ডিক পৰ্যান্ত কোও ৫ টাক। জীবুক্ত বালু নাগ চন্দ্ৰ ভৌনিক চাক।

भ्रुके **कांग्र** नर्वास त्क,० ्व वे

শনীনভাল বনাধ কলিকাজী ১২৬৯ বৈচাঠ অব্যি কার্তিক পর্যার বৃদ্ধি

क स्थित विल्लाकुत्रव मध्यिश्रव

)२७% **जावांड** भवीं भडादांडव शर्यासु (कः व

এই পার ক্রিকাকার ছব্দিও পূর্ব বাছলা রেন ওবের লোঁলাপুর উেন্তনর ছব্দিও চাংবিংশাতা প্রান্থে উচ্ছুক্ত ভারকানাথ বিদ্যাত্বদের বাণিতে জাতি নোমবার প্রায়ে প্রাকাশিত হয়।

(मायशकां

" प्रदर्भतां प्रकृतिष्टिनाय पार्थितः उरस्तिन श्रुतिमस्ती न श्रीवनां

৪ জাগ। ৩৫ সংখ্যা।

मन ১२७२। ७५ जायाछ। हेर ५৮७२। ५८ छनाहे {

মাসিক মুখা ১ টাৰ্ম্ব। বাৰ্ষিক অঞ্জিম ১০ টাকা

विकाशन ।

আৰি " চেম্ম কৃতিমেউস্ "এব নলেজ দু নামক পুস্তানের মিনিংবৃক (অর্থবিং) প্রস্তুত করিয়া মৃত্যিত করিয়াছি। মূল্য এঠা আনা । নাহার প্রয়োজন হন, তিনি আমার নিকট কাথবা কলিকাতা প্রেনিডেলিচেন্দ্র মূল্য প্রিটাইলে পাইবেন।

পহরমপুর কালেজ।

ं ने जात ह नमः२७०।

बीरेजरन कामांथ स

বিজ্ঞাপন।

বচলিন ছইল বলক'দায় কবিবর ভারচিয়ণ एक अभीष मध्य कांचा मार्ग एवं अक मर्गाहत পদ্য এছ প্রচারিত চট্মাছিল ডাহা- এইকণে দুলাুপা হও,াতে আমি উলা পুনমুত্রাকিত क्षित्र। जाधांत्रण अमगरभद्र भागतिर्दे ध्वार म করিভেড়ি। মুদ্রথ কাব্য অভি জননিত, ইঙার যণন, শুনিলে অথবা পাঠ করিলে সাভিশয় 5%२१७ उ**डेए**ड ०म् । **अन्तर्थ** क'रनाः करनक শুন পরিত, ক ও পরিবর্তিত হইবাছে বে সকল ত্রাদ অসংলগ্ন ও অপরিত্তত্ত ছিল, জ गकश श्राम, नश्मात्र ए नश्याभिक कतिशी নিডে সাধ্য মত প্রয়ান পাইরাছি। এই সুন্তব মুনোধিক জিন শঙ পুঠা হইবেক। ইহার মূল্য ্রাণনাৰা, **স্বাক্ষরকা**রির **অভি ১। • । গ্রহণে**ছ भक्त भरत्रता नितिल एकाष्ट्रेत्र व्यक्तिरत काराय निकर अपुत्रकान कतिहा थ्रा छ स्ट्रेंदन ।

त्नामधकान।

ख्येनवीमहस्य पर्छ।

কাঠ আছাঃ বোদবাৰ। লাভ কানিডেই মুকুঃ

পাঠকর্ম আজি সোমপ্রকাশ আপ নাদিগকে একটি দারুণ শোক সমাদ প্রদা

ও কুতজভার আম্পাদ পর্ম দ্যাবাম সেই মহানুদ্ৰ লাভ কানিও আর ভূমওলে बाई। पिनि अनामाना नम्ना, नाकिना, ना বপরতা ও সমপক্ষপাতিতাদি সল্যুদ্ধর **ভাধার হিলেন; যিনি বিজোহ কালে** বিপক্ষাণের ক্রুবচন বাভাছত হইরাও **শচলের ন্যায় খাকিয়া অবিচলিত চিত্তে** चक्रवरा नाथन क्रिशिहिटलन, याहात्र ख्र র সন্দিরে ভায়তব্বেন্ন উল্লিড সাধন চেকী নিয়তকাল জাগৰকছিল, যাহার যত্নে সেই উন্নতি বিধায়ক, বিধি ও উপায় সকলও व्यविष्ठ रहेम्राहिन, देश्नकु रहेरलक गा হা হইতে আমাদিদের ভাবি শুভ লাভের আশা ছিল, তিনি একণে আর নাই। তি নি ১৭ই জুন লাগুনে প্রাণতাপ করিয়া (इन । जाँड न यक्कर न्दी क वरेशाहिल । ভারতব্ব পরিস্যাগ করিবার পুর্বে তাঁছার শ্বাস্থা বিহুত হই:। যায়। পথে পীড়া বৃদ্ধি হয় ৷ ডিনি লণ্ডনে উপনীত হইয়া সুস্থ চিত্রে জাত্মীর বজনের সাক্ষাৎকার লাভ मूथ अनुखद कतिएड शाहुक मारे। नाथा ब्राटन के न एक साहेश आमम मार्क् ६ मनु বরিছেও পারে নাই 1

काय मानू त्वत की वन कि का व क्ष्मूत ! मानू त्वत कामा कि कि कि के । এই कामता कामा कति । कि कि कि । अहे कामता कामा कति । कि कामा कि का निष्ठ का त कवट्य बाकि ।। कामा कि त्वत का का का का माधन कि त्राहिन, कि कि विश्वकार । विश्व क्षात (य रथ विवरत कु कक । रया क्रेड का

ন করিতেছে। আমাদিগের স্নেহ, তক্তি রেন নাই, ইংলতে গিরা তৎসম্পাদ ও ক্রতজ্ঞতার আম্পদ পরম দ্যাবান সেই রিবেন। সর চারলস উত্তর পদে তঁ মহানুত্ব লাড কানিও আর ভূমওলে প্রতিষ্ঠা ? হইবে এই জনরব শুনিয়া গ নাই। যিনি অসামান্য দ্যা, দাজিগ্য, নাা কিগের ছাদরে সেই আপা অছুরি বপরতা ও সমপক্ষপাতিভাদি সন্ধানের হিলেন হিলেন মধ্যে সমু আধার ছিলেন: যিনি বিজ্ঞান কালে

आवाधिक शतिकात, हिन्दा ७ छैटा छै.बात सकान प्रकृति कात्रमं स्देता। छात्रक्यमं शतार्थम कात्रिता सार्थि हि धक किन नक्टल पार्थम कतिएक शहर मादे। शतिर्भारत च्यानरम व्यक्तिसम् य यात्र नमरत्र निक्क श्वनकी छ।मा विक्री स्म ।

নাত কানিও ১৮১১ খৃত খাদে হ

গ্রহণ করেন। সুবিধাতে জর্জ কার্নি
তাঁহার পিতা। তাঁহার সন্ধানাদি কি
নাই। তাঁহার সম্পত্তি ও ফুল সন্ধান
ক্রে অধিকারী হন একপ কোন নিএ
আগীর নাই। অতংপর তাঁহার নাম লো
হইতে চলিল। ফুলাগর্ল চইতে তাহ
নাম লুও হইতে পারে বটে, কিল ইং
ধ্রের সক্ষনগণ ও ভারতব্ববাসিনির্দে
হাদর হইতে তাঁহার নাম কথন বিগ্
হইবে না।

ভারতবর্ণে যত উৎকৃষ্ট শুণসম্প প্রবর্ণর জেনেরল আসিরাছেন, লাও চ ও তাঁহাদিগের মধ্যে এক জন প্রথ ভাহার ও লাভ বেণ্টিকের নাম ভাষা বীর্মাদগের জ্বনে পাবাণ রেগার ন দীর্থকাল জাগ্যক থাকিবে সংলহন দেশীর নবাধ ও রাজগণের দরবার
প্রনে ইংর জনিগের উপান্ধ 🍅 ।
ব্যবহার প্রস্তাব।

ক্ষেণে ভারভববে ব্রিটিস কাভির একা গ লাভ হইর হৈ। ভারভ বে এখন কাহারও স্বাধীনতা নাই। নেপালের वाश्च्य ७ सहस्रावादे अ निकाम के जाननाविभारक चारीन कान करतन কিন্ত ভব্ন প্রারোচনা করিলে ভা গের সে স্বাধীনতা নাম মাত্রে । তহা न काकित चनुआरएत छैभरत निर्कत :ততে। ভাঁছারা আপনাদিগের এই । मन्पूर्वदान वृक्टिक मां भाक्रमः किंखः हा इंखेरबानीविषदभद्र है। अविषिठ । निव्रडकाल अरे विवयणी मदन केनिक গতে অততা রাজপুরুবেতর ইউরো किरभन बर्जन छाव शतिवर्ष क्रेशारक। ভাৰ পরিবর্জের অনুসারি ব্যবহার প ব্যার্থর ও চেই। ক্যমিয়াছে। এতদিন তাঁ। ा अटमनीक्रिपरशंत्र किंत्राविक चावात्र -হারের যথোচিত সন্মাননা করিয়া আ য়াছেন, কিন্তু এখন সেই সন্মান প্রদর্শন ভান্ত অমহা হইয়া উঠিয়াছে ৷ ভাঁহাদি त्र कळनकात्र महतत्र कथा करे त्य नवाव রাজগণ আপনাদিগের পুরুষ পরস্পরাগ আচার বাবহার অবিলুপ্ত রাবিবার চেষ্টা चा क्यांन मा इनेशा कें वानिरशत रे (देखे ाशीशक्रितात) हेक्श ममृभ नावहाद करत । এক্স চেষ্টা হওয়া ঘটনসর্গিক নছে। इंकर कार्यामा लाख करेडल अपूरवह म रह सहाब अहेक शहे कहेता ५'८०।

श्रामित देश्वाटकता धरमकी ग नवात छ श्रिमारणत पत्रवात पत्न क्या धूलिन ध्र श्रिम वणत्म भिन्नारकत, कान कथा हिन ना ध्रिम चात्र ध्रिमे कान्यवर्थ मध् रहेत्छ श्रिमा ध्रिमेत्राबाटणत दिनिएक कर्तन श्रिमान क्रिका निजामरक कान नामक च्राम किंद्र ध्रमान करिवात मक्रत विका श्रिमारत खूका धूलिया शिवाहिरमन

বলিয়া করেক জন ইউরোজীর তাঁহাকে
লইরা হড়াছড়ি করিজেছেন। অনুধাবন
করিয়া দেশিলে এ বিদ্যুক্ত হার অপশ
মাত্র অপরাধ নাই। শভ ক্রিমসর কাল ব্রি
টিস রাজপ্রতিনিধিনা যেরূপ ব্যবহার ক
বিয়া আনিতেছেন, তিনি তাহাই করিয়া
ছেন।

উপানৎ পরিসাগ করিয়া কর্ণেল ডে বিভসনের নিজামের দরবারে গমম প্রসম্ लरेता यथन जाटकालन छेशविष इरेतारह. उथन এ विगरतत सीमाः ना नवर्गस्मर छै পরেই নির্ভন্ন করিতেছে। কিন্তু গ্রবর্ণমেণ্টে त शक्त व मौनाश्ता तर्म नरह । व्हणनी র্ধিপের চিরন্থন আচার বাবহার ক্রিক্র উ भूमन जनवा विसम्भ प्राप्तत्रन किश्विक्षेत्रक क्ष्मत विद्वत उद्भागमा है जेशा भन्ति करे के त দ্ৰতিপ্ৰেত নব। গাড় ডেলছ্*ন্*ট্ৰি ু<u>ন্</u>ৰদে भीप्रिक्टिशत मञ्ज्यामि अस्नतीकिन नित्यध করিয়া ভারতববে িছোহ বৃদ্ধি প্রজালিত अतिया यान । लाखकातिक आई था.हीन রীভি পুন: প্রতিষ্ঠিত করিরা সকলের চি खित व्यायाजन कित्रवारहम। এक्ष व्यत গ্রণ্টেন্ট স্বেচ্ছানুসারে জুতা পরিভাগে ক ব্লিয়া দরবার পদন গ্লীভি বহিত করিতে পারেন না ৷ ভাষা করিলে এদেশীরদির্গের ক্রিবিরাগ জ্যিবার সম্পূর্ণ সম্ভাবনা আছে। हेश बिरवहमा कहां आवश्वक (म. নবাব ও রাজগণ আপনাদিগের সভায় জ পৰারা রিক্তপদে लिপৰিট থাকিংবঁদ. আর ইংরাজেরা সোণানধক ছইচা তথায় शमन कतिरवनक्षेत्रा (मस्ट्रि: अमुबाह न त्कृष्ठ नारे। त्कवल त्किविदक्षः चार्मुश्वत्रं धरे गांक मान बन, महाद्विष्ठी। ध्यानीयः वा পনাদিগকে অপুমানিক ক্লান করিছে পা त्तर। विरमयकः अप्रभीशाः स्वान अ त्राक গ্ৰহণ্ম কেখিতে পান, ইংব্লুক গ্ৰণ্মে ণ্টের ক্লুছ সভায ভাঁছাদিগকে জুভা খুলিয়া ব:ইতে হয়, অথচ ইংরাজেরা সভাস্থলে জু ত পরিয়া পিয়া আপনাদিনের কার্ডীর ধ্যব

war and the Chart haris कार्य कर्मना । है स्वाटकार प्रकार है है विनिर्देश नवा स्वाच्या स्थापन विनिर्देश देश हो। BENG DANG TIMES BENGG MARI 'नानमापिटनहर के किंद्र में कार्य के क्रमान क्रकी करतक क्रिकार प्रश्न करिय षणिनात्र मनावका क्योदकः भीकः रिभएत পরিগণিত ছুরুল 🏋 আইছিল ছুল্লি শুরুবেতর रेजेजानीताल मात्र क्या क्रांस्त्र मत থার স্থলে গমন সহু করিছে। প্রারিক্ততেন ना। व्यक्तकर वाक्रतक केंद्रक्षेत्र काजीय वहवरात तका रुप्त ध्वा भ धक्की मी, मार्गा कत्रा जावभारः म श्रीयश्रमात्र केशात्र अहे. গৰণ্মেন্ট এবটা বি শ্য আক্ষাপার নৰ ৰ ও রাজগণকে এই কথা হা গোন যে ঠ'ভারা আপন আপন সভাস্থলে উপানং ব্যেহা র আগত্ত করেন এবং যে যে হুলে ইংরাজ मिटशब म्यवाब स्टेटब. मिथाटन अ मिनीटग्रवा স্থুতা পরিয়া, যাইবেন : হেনুস্থ সমান वावशाव बहेरल आंत्र काश्वाव मामशानि रुरेवात मलावना धाकित्य मा, मकल पिक तुका करेटव जटक्क माहे।

हारेनत्रावारमत श्रमण चात এकणि य कथा উठित्राहर निकाम के।तिहिद्ध लहे एक हारहम मारे, तिमिर अर्थ केत्रारेश्वरक था तिक स्थानेश अर्थ केत्रिशारहम, नि जाम चिम्नापूर्वक आर्थ केत्रिशारहम, क विवक्षम किनि हिंद्ध क्य कारण धरधाहिक किन्धिमर्णम करतम मारे। अविधास चामा विरक्षत किनि हिंद्ध क्य कारण धरधाहिक किन्धिमर्णम करतम मारे। अविधास चामा विरक्षत कल्या और, अव्यादण गांका देखे होता केल्यात्रहे निर्ज् किका आकाण बंद्ध होता केल्यात्रहे निर्ज किका आकाण गंका विकासित महिक चालमात मिकान च्यान विकासित महिक चालमात मिकान च्यान विकास नाम यावणत मा कित्रश मिखा ता-जात मान्न वावणत करतम, ज्यंम किनि

व हिंद्र जांगनात ज्यीन वासारक समाय করিয়া ভাষার সম্মান বর্তন করিয়াছেন, তথন সেই চিত্ৰ প্ৰাদান কৰিয়া মিত্ৰ বাজায় नचान वर्षन क्रिका क्या विस्त्र ह्या मारे। विकारमद्र निर्वे किया अहे. किनि जाशनाह ক্ষতা বুকি:ত না পারিবা বুধা অভিযান প্রযুক্ত আপনাকে স্থাধীন রাজার ব্যায় कान कतिया शिरकन ।

যে সকল বাজি এই আন্দোলন উপ ভ্তি করিয়া কালকুট পরব্রের ন্যায় অন র্গল কটু বাকা প্রারোগ করিতেছেন, ক্রেও व्यव देखिया कांशिनित्त्रव त्यतानी । कांशिन পের এইটা করা নিভাস্ক দরকার হইয়াছে বে এ দেশে আর কাহার কোন বিবরে অণু মাত্র স্বাধীনতা অথবা কাধান্য মা থাকে. সমুখার ভারতর্ব মধ্যে তাঁহাদিগেরই কে বল এক মাত্র স্বাধীনতা ও প্রাধান্য হর अवर भवर्गस्थे त्य त्य नवाय ७ ब्राक्टभरनव्र जिंक वर्ष ७ वना जन्दक त्य बटमांबल করিয়াহের ভাহা ভদ করিয়া কাহাকে কিছু ना राम । के नक्क बदाद ७ ब्राकाता नामा ন্য লোকের ন্যার গংগমেন্ট আফিলে রবি স্পন অথবা ডিক্রজের সোপান্তক চরণ প্রহার সন্থ করিয়া চাকরী করিয়া জীবিকা निर्दाष करत्रम, देश कांशिमाध्यत (त्रुध भव हे खिया 'अपृष्ठित) आहतिक हेका। কিঙ ভাষারা গর্বাস্থাত প্রযুক্ত বুরিয়া छेठिएड भावित्रहरूम मा त्य भवर्गस्यके अर्थ न य ताकनी जित्र अनुमत्रन कतिर जिल्लाहरू, 'ध्युनकरे टाँकामिटभन्न छेष्टात्राखन ब्राटका র জীর্জি হইতেছে। ইয়ার বিপরীত করি ल विभन्नीक स्ट्रेटन मत्ल्स् नारे। आठीन तारमत्र अवृतित्र नमत्र कथन् ? यथन इफू দিকে ভিন্ন ভিন্ন শ্বাধীন রাজ্য ছিল, সেই नगाहे कि जिहिक्स नगत नतः । त्राम यथ न करव करव मक्लारक निक्र भरीन श्राक्ता त नाति कतिशे जुलान, त्मरे नवरत्ररे कि छ। हात अञ्चरण स्टेटक चात्रक इत मा? (क कवि इत, छाहा नवर्गरमटकेत्रे स्टेटन! क्षांत्मत क्षित्यांगिका कि देश्लात्वत केंब्र

निनिश्च बढ्द । यनि असन जिन क्रेश म्ब, शृथिवीत माथा हेरलक किन चक्क ब्रांचा मा शास्त्र, उथम कि देशमध त्वाकःच्या चित्रभागीत न्याणित सात्र करम विक्रुड रहेता वाहेर्द मा । आमना क्रिके चन देखियात वियस त कथा करि लाम, मूत्रणिशावाच ও हार्रेम्ब्राशात्मव मवाव **७ हिन्दूनका**त्वत्र वश्नीधनित्तन्त्र क्रकि ভাঁৰার আক্রোশ বাকাই ভাহা প্রমাণ করি अ शिंदव ।

वक्रास्थीय गांक

वनरानीय वारकत अधाकतन छाँहा দিগের বাধাসিক রিপোর্ট প্রকাশ করি রাছেন। ব্যান্ধ একৰে সাধারণ ধনাগার रखत्रांट ज्यात्र मस्मात्र जात्रज्वरर्गत है। का क्या ७ छथा हर्दछ असूमाझ बाज हरे তেছে। তাঁণৰিপের যেমন কান্ধ বাজিয়া তেমন তাঁলারা আমের কভিরিক্ত लांक शाहरण्डका। अवांत्र कश्मीता हैन ক্স টাক্স বাবে ১৪ টাকা শভকর! লাভ भारेगारहन। क्षरणाक **भ**-भ 8००० **भ**विष ४२०० होकांत्र विक्रीक स्टेरकट्ट .

चामता शृद्धे थि जिवाम कतिलाहि লাস, ব্যাহ্ণকৈ অধিকতর ক্ষমতা ও লাভ দেওয়া হইতেছে। অধ্যক্ষের ক্রা এক প্রকার স্বীকার করিয়াছেন। তৈজ तिएक (स 8७,७०७ होका चाकिरमद्र बाग्र र्रेष, बारा बाहरक (मध्या स्ट्याहरू। ভাষারা প্রভাহ গত নোট প্রচলিত করি তে পারিবেন, ভাহাতে শুতকরা বার আ मा लाख न देरवम । अवर्गस्मरकेत कहिरल य मनम होका वाकित्व, छाहा छ हाहा বেভা পূৰ্বক গৰণ্যেক্টের কাপজ, রেইলঙ त्रत ज्ञान धारूकिएक चार्तिका नांक न हि एक शांतिरवत । शवर्गटमके तारे मारक्रव भश्भी नरहन । किस विक भवर्गरअट केंद्र कांभ নেটের নিষ্টিত্ত যে ৭০ লক ট্রাকা প্রতিক্ত

वन्तर जादर कारों के स्तित जीनमाहित्त्रत विष्कृत्रानुत्रादत्र शहीहेट्ड शाहित्वत्। নোট জাল ও চুরি প্রভৃতি হইয়া বে कवि व्हेत्व, छावा शारकत्रहे व्हेत्वन अव र्गायत्मेत्र शक हरे कर कथाक वीकिरवृत् अक कन रेनटमाक्षेत्र मंदश मदश क्यांव थान कतिरवन ।

राज्यक चारक चमका क्षत्रका सर् ग्राटक । विरामवण्डा चारमक विवदस चें.इ.कि भित्र दिल्लामा क्रिक्ट सिर्वत क्या करे ब्राट् । स्वाम बाक्ति बनिएक भारतम व र्कं शंद्रा जे कमणात्र व्यवस्थातिक विभिर्त्राक्ष कत्रित्वन मा । जाशात्राशत वर्ष धरे धाकारत करतक जम मामाना विविद्यत हरण विश काशिक्तित क्रमणात नीमा क्य कतिया मा विश्वश व्यक्तास विश्वास । व्यक्तिस দক্ষৰ শতক্রা ব র আনা বাাক্ষকে বিবার যে কথা হইয়াছে, ভাহাতে আমা া প্রতি वायी नहि। छेरेलमन माह्यदात महसूल विकाश ७ कमिनमत निरत्नांश क्रेटन है कांत्र क्रकुर्श न वात्र करेक। क्रिक्स स्मादकेत প্রতিকৃষ্ত্রপ টাকা ও সাধারণের স্ক্রমা होकात छेशत छ।हाजिशतक असीत क्रमण मिथता विरथत क्रेट्डिंट् मा । बाह्यत मश त्कता बटलम, संवर्गस्यक्षेत्र अवा है।का बात ररेटन कें। हाजा बाएकड छाका सरेटक शांत्र বেন। সভা, কিছু আপাভভঃ সাধারণ টা কা খাটাইটা ব্যাভ অপরিমিত লাভ করি তে চলিলেন; লাভ ভাঁহালিখের, কভি गर्बमाधात्ररगत । कई बरक्कार ख बाता खात्रछ वशीय भर्गटमत्ने वृश्चिम् अकाम इस बाई। नद्र ठावलन छेड की वानिनादक व विवेकांत कतिवादस्य धरे मिनिक छ।रा भ नाव इन मारे। जिनि धक जन किनांजि রার, তাহার মত লইয়া উক্ত নিগম कता के किस दिल। शांक वर्गत भगं स वा त्था गरिष धरे बत्मावस थाकिता। করেক ক্ষম বশিকের সুবিধার নিমিত এত निम तार्ब माधातरणत कि र ७३। मा गू

र्हेरडरह ना, नज़ ठाज़लन **केरड**ज़ सर्डज़ जनूनज़श कज़ारें कर्डगः ।

ইংগঙীর মহাসভার জারতবর্ষীর প্রতিমিধি নিরোধের জাবনাকড়া।

বর্তমান সভাত ৷ সময়ের রাজনীতিক निर्मात मक और (अरे मकरे विस्था) यथ न दे दिए स्टब्स कह निकारण कहिएक হইবে, ভাষেশবাসিদিগের মতগ্রহণ না क्त्रिक्षा छाहा क्त्रा वित्यत्र मत्ह धवः শেই কর বার করিতে হইলে তাহা मिरमञ्जू पूर्वता चैं:वामिरमञ्जू व्यव्मिषिभ ণের মত এবণ নিভান্ত আবশাক। যে অব ধি প্রতিনিধি ছারা মাসম প্রণালী সংস্থা পনের রীতি প্রবর্তিত চইয়াছে, সেই সব थि धरे नि म इहेता चानिष्ठ है। हेश्न ८ अ अरे नित्रम चारह ; रेडोलि डाहाद चनू সরণ করিয়াছেন ; করাশী সভাট অসীস ক্ষমতাশালী হইয়াও এ বিষয়ে বতন্ত্ৰ ও প্রজাদিপের মতনিরপেক হইরা কাবা কারী নহেন; সম্রাট আলেক্লাওর রুশী য়ায় এই প্রধা প্রবর্ত্তিত করিতে উদ্যত হ্ইর,ছেন। আমেরিকার স্বাধীনতা লা ব্যের ক্র কি । ইংলগ্রীয় মহাসভা তত্ততা লোকবিগের অসম্বতিতে কর স্থাপনের किंडी क्तार्कर छ हुन महीमाताका रहे তে বঞ্চিত হইয়াছেন ৷ আপনারা আপনা क्तित्रत व्यर्धत वाग जान थाल बहेतन कत দাভার কেবল যে সুখ বৃদ্ধক হয় একপ मरम, शवर्गामरकेंब्रेड मिरिटनव कलान का ষ্ইশ্লাপাকে। যে দেলে এই নিয়ম আছে, ভ খারু শাসম কর্ডা ও শাসিত উত্তরেই পরস্পর जहाद जन्मद ७ (जोडांशामानी पृद्धे स्हेश चारकम । य अमक हिंद्र बाहा मछ '3 অসভ্য কালের ভেক করা হয় এই নি ক্লটা কল্বো একটা প্রধান। অসতা রাজ। हा कर विदान्नशिक कारन श्रामात सूर व ছ্ল, মধের ভাব ও ইছ। এভৃতি কোন

বিষয়েরই অনুসন্ধান করেন না, উঁহোরা আপনাদিগের বার্থ ও ইন্থার অনুসরণ করিয়াই ঐ সকল কাষা করিরা থাবেন। পক্ষান্তরে, সভারাজ্ঞগণ সেকপ করে

আমরা উপরে সভ্য ও অসভ্য রাজ भर्गत्र ए बावहात रक्टानत विवत्र উत्तर कतिनाम, ভाরতববে कि मेहाव अनुगारी কাখ্যানুষ্ঠান হইরা খ কে: আমরা যে বর मिशा शांकि, ठाशंत्र वियत्त कि किছू वाल (७ भाति) वाटत्रत्र विवदत्र कि प्यामानिदर्गत হ'ত আছে: আমরা ও'রতব্যবাসী, ভারত वबीय गर्नात्मकेरे (व स्वयम व्यक्षाकरम মৃতন্ত্ৰিধ কর স্থাপন ও ভাছার ব্যয় সমা धान करवन धक्श नरक; जानानिशरक অন্য এক গ্ৰণ্মেণ্টের ইচ্ছাপরাধীন কই ज्ञा हलिए इत्र । त्य श्वर्यस्य देश्लक्षः । यक पित्र चात्रता हेशद्व अधिकात क রিতে না পারিব, তত দিন আমাদিগকে क्छं मक् क्रिएड इट्रेंब मानक नाहै। ইংলগ্রীর গ্রণ্মেন্ট ভারতব্দীয় গ্রণ্মে ন্টকে লোহিত সমুদ্রের টেলিপ্রাক সহস্কো व्यर्थ शात्तव व व्यनूत्रिक करतम, व्यापता পূর্বে ভাহার প্রতিবাদ করিয়াছি, ভবি बाटक याशांटक कांत्रकबर्द्ध त्रामय देश्त বা গ্রথমেন্টের বেছানুসারে ব্যথিত মাত্র, সে চেক্টা করা আমাদিণের প্রধা ম কর্ত্তব্য কর্ম। কিন্তু ভাষার প্রকৃত উপ্যয कि । कांत्रकबरवंत्र करत्रक कन कि जिनिधि। ইংলগুরি মহাসভার প্রবেশ করিছে না পারিলে সে উল্লায় ফ্রবার সন্তাবনা নাই। আমাদিগের দেশের ধাৰতীয় গুরুতর ক र्खवाकर्खवा हेश्नट्थ दिन्न इत। क्टनक हम अहेक वाकि ता क्या बाह्म, মহাসভা তাহাতে ' হাঁ > দিয়া যান। रिख जामानिरभन्न गर्वार्य धार्यनीत, वर्वार्थ ন উ. অসহ অভ্যাহার, সামাজিক ছুরবস্থা ও দেশীয় লোকের মনের ভাব প্রভৃতি বিষ য়ের প্রার বিছু কানিতে পারেন না। ইহা 🗯 🗦 ইব।

ক্ষকারে লোক নিকেপের জুলা হইডেছে। बर्गमकात्र कांत्रकदर्धंत्र कटत्रक सम अधि নিখি থাকিলে অক্তভা সুলভ এই সকল अनि है हिएक न ब्रिट्य मा । अधिनिधि था किटक देहिल छीत्र महामछा ७ भवर्गसम् चानक चामात्र चानवात्र करे क मूखा वर्षे তে পাবিৰেন ৷ ভারতব্বে র মন্ত্রের ভ ক थाई नाई। यावजीय विषयात्र प्रथायथ अव चा देश्लास्य वर्षिक इंदेरन व त्राम चरन काक्र इ मान्य विश्वासा पिटिय मरमह बाहे। ইংলগুরি গ্রণমেণ্ট ও মহাসভা ভারতব যের প্রতি জন্যায় বাবহার করিতে জনু व़क्क, ध क्या व"। धामिरमंत्र चि প্রেড নহে। ভাঁছাদিপের সুবিচার জগরি। খাত। অন্যরা তাহার ঐতিবাদী নহি। তাঁশারা ভারতবর্থের বিবয় ভালকপ জানে म मा रालियां है कैं। ह' निरंगत निरंक्तियां न কল সমাক কলোপধারী হয় না। প্রতি নিধি পাকিলে কেবল যে ভারত বে র উ প্ৰতিপথ পরিষ্ত হইবে এৰূপ নছে, रेश्निकीय भवर्गमार्केत ज्याका निवसन বে সমস্ত পানিষ্ট ঘটিভেছে, ভাহারও স মাক নিবারণ কইবে। পরিদেবে আমরা भूमजीत चानभी प्रविश्वास वा विवास सञ्ज বান হইতে অনুরোধ করিভেছি। কায়ম নোবাকো যত্ন কল্পন অবশ্যই অভীত লা एक जमर्च क्ट्रेयन।

मधन ६६७ (म, ১৮৬२ ।--

ত্রি। সম্পাদক। পূর্ব পরে লগুনের নিশা বিন্যাস নিকেজনসূবদ্ধে ১লা ম্বের ব্যাপার বংসাবান্যরূপে লিপিবল করিরাছি, অর্না উক্তে জান্তালিকাল বাবজীর অসংখ্য এবং অভুত পদার্থ সংগ্রহীত হইরাছে, তল্মধ্যে কভিপর বন্ধর সংক্ষেপ বর্ণন করিতেনি। তা নিলিকান্থিত সমুলার পদার্থের বথা বিহার বর্ণন করিতে গেলে বহুসংখ্য প্রকাশু পুত্তক লিখিতে হর। অভ্যান আমি কেবল কল্লেকনি সামগ্রীর নালোৱেশ মান্ত করিরা সম্ভাই হ

पार्डेशियांत्र क्षिणांयपूर्वि ऐश्ह्यूक ७ आवारि मा काफिन मरपा भवान बार्ल विकस्त, अवर हे रद्रमध्यत्र व्यक्षेत्रमा कि अवका हे रद्रमध्यत्र श्रापार करू रहेबारहा निभ पूरे क्षणाहा প্রম লাখ্য শিশা, ও সুশিশা। জন সাধ্য শিশা জাত বস্তু ত্রিবি্দ, (১) অসম্প্র সাম্ত্রী, वधा, धाकु खरा, जूना, शहे, खेनी देखांकि । (२) वश्च कार्याच त्य मक्न क्लेम्स्नव बाजा ত্যাম্পর সাধ্রী সকল মন্ত্রার ব্যবহারে আ-नवन करा बाब । अवर (७) जन्मात्र नामकी, যথা 'গলকাৰ, বক্স ইডালি। চিত্ৰ, প্ৰান্তরালি নিশ্বিত প্রতিমৃত্তি প্রস্থৃতি পদার্থকে স্থানিশ अ। छ वता वात । अपृष्ठे स्वत्न निरुक्तकार छेक्या विश्व विना विश्वतक वञ्च, मृत्रानेकन, काणवीकन, প্রকাষ শিশ আত বস্তু সংগৃহীত হইরাছে। এম সাণ্য শিপ ৩৬ খ্রেণিডে বিভক্ত > ১৬০০০ िरमणीय ४००० हेररवस, अवर २००० हेर रणभागत काचीत आडीत. गर्व श्राह २०००० ি পকর আগনাদের বৈপুণ্য প্রদর্শন করিয়া-**্চ সুশিপ জাত বন্ধর মধ্যে ইংরেজেরা** এক×'ত ব্যেত্র জান্তর্গত ২০০০ পদার্থ প্রেদশন कदिदाद्या अधिनिष्ठे ए। नक्त भए र्थ नः ग्र হাঁত হইয়াছে, ভাষা বিদেশীর।

খ্য সাধ্য শিক্ষের ,ম জেপি ধাতু ও আকরীয় দ্রব্য আক্রম্বইডে কর্মনা প্রভৃতি এব্য দে ৰূপে সংগীত হয়, ভাহার ক্তিপয় शिकिनाल अधानिक स्टेब्राहरू।

· য ্েলিয়ন্ত ব্লসায়নোপ·গাগী প্রাকৃতি বিবিধ এব, ৷ চিকিৎসা বিদ্যান ধাৰতীয় বস্ত ুটগালে এড চহাছে, এখানে তংসমুদায় থক ক্রিডে।

বন জেনি খাদ্য সাৰগ্ৰী, গংক্তিত ফলা নি, পানীয়, ভাগ্রকুট প্রভৃতি।

8र्भ (अपि भिक्षः कार्ता बादहांगा धानि **छ** তীয়দ কান্ত বন্ধু, মঙলা, রবর প্রভৃতি।

থম, গম, ৮ম, এবং ১০ম প্রেপিতে নিবিধ বান্দীর মন্ত্রাদি। কণ্ডক যন্ত্র স্থির, এসং কডক গুল চলিঞু। রাম্পুণ্ট্র নাহক শিপিবর भगक क्लेमन अकाम कति । द्वार स दिन ध छाउ अनुरम्भ म हि रम सन सकेरांद्र अना र्थाकरछ बहेरत ना । जात्रवरमध्य उर्दे ध्यम े लिंछ बहेत्राष्ट्र । जात्राध्यक्ष मध्यक्ष कतिया छेति. कीय डेमब्र इटेटल कता जाकर्यन कहिता एकः । ध्रमा जाकाभाव है। শিস্থি করে, উক্ত যন্ত্র সেই ৰূপ করিবে এতব্যতীত গুলালারী বান্দীয় বন্ধ প্রদণিত বানা

स्रेतिहा छारो हिन्तित नमंत्र भूव विशेष । शहेमत्य, वस्तन, वृष्टिकां वानव अकृषि ।-ब्रद्ध मा । क्यांभीत्मता छूहेछि यह आपर्वम क-बिटाट्टन, जाशायात आजारकत बन ७ - १४१-উক্তের ভূল্য। হচী দির্মাণ, অকর নির্মাণ मुझो बड, कूनोन ठक टाक्ष कात्मर विश्व दा रहाक्रमीत यद्वेत मध्या कृता पूक्त । कृति বিদ্যা সংক্রোন্ত কতৰ গুলি হয় সাভিখন উ. পুকারী : করেক বংসরাবধি কৃষি কার্ধ্যে বাজ্যার यद निरम्नाकिष वर्गारम्। युक्ष विमान छैल বোগী অন্ত্ৰ শত্ৰ বিবিধ প্ৰকার। ক্ষেকটি প্ৰ কাণ্ড তোপ প্রদর্শিত হইরাছে !

३३म . चम. २६म, अवर २ **७म (धानिएड** याना এক প্রকার চনৎকার বার্ড। বাহক বন্ত্র প্রভৃতি নানা বস্ত প্রস্তাক হয়।

১৪শ জেপিতে কটগ্রাক সম্পূর্ণীয় বিবিধ যন্ত্ৰ সমূৰ্যের আকৃতি সমান আলোক-চিত্র দকল প্রদর্শিত হইরাছে।

১৫म. ७ २४म (अंगिएक नानाविध वरिक. यक्षः अक्रवरमञ्ज किद्राष्ट्रिक श्रष्टे व । अभक्ष भ টিকা প্রদর্শিত ইইয়াছে , কোন ঘটিকার পু ধিবীর সমস্ত স্থানের সময় নিম্পিত রহ मांक।

তুণ নিশ্মিত কাপ্নজ্ঞ দিতে পৃথিবীর উপ কার হট্রে সন্দেহ নাই ; উদুস নানাৰ একার কাপত একত্রিক হটরাছে।

ইংলাও ব্যাক্ষ এমত এক ' লেটে ' প্রাদর্শন করিয়াংচন, যে কেল ভাগা রাজিম কল্লিড भाविद्यं मा ।

१७म (अभित्य माना श्रेतात वामा बहु, এবং ১'শ শ্রেপিতে শন্ত চিকিংসা সংক্রান্ত े नामा एक ।

১৮শ জনবি ২৮শ এব ২৭শ স্থেপিশ্র ু চুল শণ, পট্ট, উৰ্বা. জাত ও বিশিত বহু, স कल कर देव देवानर पृत्र के इन्सब करा।

২৯শ প্রেণিতে িকো সংক্রান্ত বন্ধ সক ल : एडन शुक्षक अञ्चलियात निका पितार क्षिशहरूव के छा कि ।

असामा (भनिष्क लोह ये नकन अन-

নানা দেশ হইতে इरद्राष्ट्रपत्र कार्र ্য আগত হইয়ান্ড हीनरमण श्रेरज

निश्रम कील इट्रेंट काकि, कालाडिनि, बुख्या-मि महीह रूप रीप प्रदेख छैदल्डे भर्कसा, क क्नानि। प्रदेशीना रहेए बाफिस्न, छेनीक বস্ত্ৰ, গোণুৰ প্ৰভৃতি এবং ১৮৫১ খাল অব-ধি বউমান সময় পর্যান্ত ২ : ৭৬৫ মণ পরিমিক্ট व्यर्था९ ३ ० ७ - • • • • • होका मुस्ताते (य वर्ग আকর হইতে সংগৃহীত হইয়াছে, ভাহার এক षर्ग मिखेज व्यक्ति मान एक ज्यानिक इहेम्राटक । নিউ জীগও হইতে ডিমি মংস্য মরিবার নৌকা প্রভৃতি : আদি কা ও আবেরিকার ইংরেজা-ধীন অংশ হটতে ভারুণ উৎতুর্ত প্রবাসি প্রে-ব্ৰিভ হব নাই।

ভায়তবৰ এখানে কি ভাৰ ঘাৰুণ করিয়া. हिन, डांबा आविवास विभिन्न आबादमस मा-ডিশ। উৎসুক্য জন্মিডে পারে। অট্টারিনার िक्रम श्रव्य मर्था ५००० हरूत्व की है जा-ষাদের দেশেশ কিপ্নির মিয়োজিত হইবাছে। अर्थमारे वस्तान कांच वस अकांक वर । ডিল ও সংগ বীজ, তৈল, এক্নিৰ্দাস, ডেবজ बख, ও कांकापि नान। खवा अकतिक इडेग्राटह-শাসাম কাছাড় ঞাহট, দারজীলিল, ডেরাছুর গড়ওয়ান প্রভৃতি ছানের চা অভিনয় প্রয়োত্ত जनोत्र यनिवा धामनिक बहेबाटकः। अधूबाटव थाव ७००० थकांत्र वश्व भागारमञ् स्मार्क अमर्थन क्रिएकट्ट । विक्री स्ट्रेटक स्थिमट्ड्य উপর চিত্র সঞ্জ আগত ছাইরাছে, জন্মধ্যে এক যন্দিরের অভ্যক্তম বিবর্ক চিত্র আনেকের্ वन व्यक्तित क्षित्कद्य । बरकोनशरव्र व नकत কটপ্রাফ খুহীত হয়, ভাছার কভিপর বিচিত্র প্রতিরূপ প্রদর্শিত হইরাছে। কলিকাভার विक्य कथा, छिब्रिटम् इ हु इंडिट देन भूगा क्षकांग করিতেছেণ কাশ্দীরেব বমাতের উপর পট্টক-न्म, 🤋 क्रिलोह जान चांजि छेश्हडे । नानां 🕮 -কার গালিচা ও তুলিচা, ও জীনগরের ও অ-মুতসরের **শাল পাতিশ**র মনোরে। গুজরাট ७ भश्रादश्च कक्रश्तांति कार्शय वर्ग निश्चि লৌহ কর্ম সকল প্রশংসা যোগা। পট্টারণপ্র বিবিধ প্রকার এবং উৎক্লষ্ট , বারাণসীর কিং খাবের ভুলন। নাই , ভাছাদের মূলাও সংচি-👿। পঞ্চাৰ, মীরাট, ও বরাহনগব (আলিপু স্ত্রা প্রতি কারাগারের বন্দীনিগের প্রস্তুত गामानिक वद्य अनिर्विष्ठ हहेग्राइह । माना अन

কাগজ্বে নমুনা, মুলেরের থড়ের কর্মা, ধ্বংরে- 🚶 টি চিত্রের তাৎপধ্য এই বে করেক দিন এক্ লীর জ রু নির্মিত কর্ম, লাহোরের পাকপত্তন কৰ্ম, এবং কৃষ্ণৰগৱের বাৰৰ প্ৰাক্তি ক্ৰি-इंडल क्रांक । क.श्रे, रखिल्ड, क्रांखन क्रांखन উপর খে: দিত কর্মের বহু প্রকার নমুস্কিয় একপুরের হত্তিগম্ভ খোদিত কর্মের ভূলা অভ किंदू नःव। विनि कतानि क्षेत्रकंतु दोनाः कथा দেখিয়াছেন, ডিনি ডাছার নির্মিণাদিত প্র-भ श्रमा बिसद्य काम कार्यके अभिन्दांग इहें दिन मा। जनका डेक्बिकिशा धरे धकति माज खन । हाकांत्र वरस्तत्र नारगरस्य माज् गर्थहे। বোৰাই প্ৰদেশ হইতে নানা অসম্পন্ন সাম্জী याजीज विविध भनादर्शन छेशन श्वामिक कर्य. कृषि यायबाद्यां भारवां गी यञ्जानित क्षांत्रिक श्रीतिक्षण। প্রভৃতি প্রেরিত হইয়াছে। মাস্রাজের ভাগ: অত্যুপ ৰটে, কিন্তু শাল, এবং চিরণ কর্মের মধুন, ও জান্যান্য কতক গুলি প্রব্য স্মাগত अवेदारकः अच्छरम्म, य**ब**्रे ः, ত্যকাৰ পুৰ্বা कासभीय वाम बहेटक था हू अवा. बिश्वस, र-**छम्मा क्षान्त, ७ वर्गम्मा क्षान्ति** भनार्य (क्ष রিত হটরাছে। বন্ধদেশীর কভিপর কোরুক क्षमक हिद्र लाटकंद्र शंदगुरिशानम कड़ि 1 **E**3395

করাশীশ জাভির শ্রমের নিদর্শন অবশ্য कृष्डि उपकृष्टे । उत्तादा जात्मगबिध बाह्र अन-শ্ম সরিয়াছেন : ভাঁচাদের বাক্ষীয় যন্ত্র সকল कुष्डाच बनिदन श्रा

জান্তি যা হটতে ন নাবিধ জনেস্থান সাম এটি। বীট্যাল'ড ল'বা প্রদর্শিত ফটগা-८४ । फेर्क (एटम थ्रिडि वर्ष ३,७३१ •०० मन शतिबिख वीडे मर्नही छित्रभव रहेग बाह्य ।

অসিয়'র অথব নিন্মিন যাৰ স্বাল ব্ৰণী हा सम (नारकर्ग वर्ष्वर राष्ट्र वर्ष দিকল প্রেরণ করিয়াকেন।

মুশিক্ষ জ্বান্ত নক্ষর এক ,শব 🚉 🧦 🗦 🧦 ब्राटक बिलादन क्य, कांद्रम ८४ व का यह विकार ও চিট্রাদি ছিল, তাহার শবিব 🕬 **ण्डियाटक् । तमरमात्र नर्यार्थ १४८८५ ३३ हर**्र स (क्या वर्ष भूमा भिष्म स्था भवर , ११७५ ८०-गांटकर :

अहे महर बांगाल मध्यक बक्त इंडे (य क्याम्राभारती यांग मध्यक शाब मानः अवान ্কে) ভুক,জনক।টক্র প্রকাশ করিডেছেন। এক

क्रिविगरम क्षरदरभद्र प्रकिश ३० डीवा हिन, **७ भर्**षा এक क्षित्र अक क्षत्र कांग वास्क्रि १ होक। किए। **अर-रमद्र ८०डे। कदिएखर** । जांद्र अक তির তাৎপর্যা এই ব্রহ্মাসিকাবুক্ত নানা সংহেব ভারতবর্ষীর এক্িবিশন্ প্রদর্শন করিয়াছে ।

অট্টালিকায় প্রবেশের ছার, যেকপ টাকা নংগ্ৰুত হইডেছে, তাহা অভূত পূর্বা।

সামেবিশা হইতে যুদ্ধের সমাচার আগত इहेब्राएक , निष्ठे 'अन्तिन्म '७ देश्व नगत एक-(फ्रह्म् एन्द्र क्ल गंख क्ल्यांटक, जाकीएन्द्र নশুখে ক্নকেড়রেট্রা প্রিব হট্ডে পারিডে 🖯 (इ न , इंशांटि अगड क्रि खत्रा व्हेटिटाइ যে এই যুক্তে গর্মাই জগ লাভ করিবে।

है छित्रन कोन छ शक्त मन्नाप्तर अब भूर्यक लिथिशाक्त य वर्षमान हैशिक्षविभात्नव कार्छो। লিকা হাইড পাংশ নিৰ্দ্মিত হট্যাছে, বস্ততং উठा उक्त थ'न बहेटड विद्रक्ट्र टर्डेन ना মক উপন রে এথিত হইখাছে।

ক্ষাশীশ দেশে যে গোল্যোগ ভ্টবাৰ সভাবনা হটরাছিল, ভাহা নিন্ত হটরাছে। क्ष क्रोनिः चरत्रः पेटीनं बहेदारहम । ভ মিচাদ গুলুমা

বিবিধ সংবাদ।

> ৪.০ আনাড লোনবার ।

আমরা ক্ষত্যের ছংখিত চট্যা নির শি খিত্র টেলিগ্রান্দের দংবাদ প্রকাশ বরিতেছি "লপ্তৰ, ১৯৩ জুৰ গতকল্যারেল বাৰি ঙের মৃত্যু চটগাছে। মিনিসিপি নদীতে একগী क्रमधुक इंग्रेस नियातक । जिल्लोकिपिटनव २० তরি সমূহ এক কালে বিনট হটবাছে। মেণ্ডি-म सम्बीरयुव। का'दासमर्थन करी १८७। (१८ व । হীর। রাইটছুর্গ ত্যাগ শরিয়াকে। গবর্ণনেটের ্সনার। মেণ্টিল নগরের সমুপে উপস্থিত স हैएएक । हात्रनम (है.स्नव मन्द्र) कत्रम उलाख िक शास कविदार्क्य। " गाउ म थरिक अग्री-चि हेल तथारबन विश्रासक मध्याम पाछा नरह ।

्रायाके महादय भारत (प्रभी व क्राह्स्करनव । াক বাব টাকায় বিক্রীত হইতেছে। নীৰ ্লালার আহিলেনের মূল্য বৃদ্ধি হইয়াছে ৷

মহীপুরের ক্ষিসন্থ বাউবিভ সাহেব 👁 द्राठा वानित होका हैठे।देश क्रिशाह्म । **फर**न-

त्क हेश श्रुविधा काम कहिर्द्या, किस वस्रकः তাহা নহে।

जामत्र निकत्र करन व्यवन कत्रिताहि छा-রতবর্ষার গবর্ণদেউ কাবুলের বুদ্ধে হস্তার্পণ করিবেন না। লাভ পাষরন ন মহাসভার ব-निशाद्य भारता सनीय सामा अयुरक्त वियः রে হস্তার্পণ করেন নাই ৷ ইহা স্থলভারে 💘 🔆 ও দোভ নহমদ খার গৃহবিবাদ মাত্র।

দক্ষিণ হেরালড সম্পাদক সর বাইল ফিয়া- श्वत श्वतां अववादित्व विवय श्वकां कतियादक-ন। উক্ত দরবারে এতকেশীর ও ইউরোপীয উলবুবিধ লোক উপস্থিত ছিলেন এবং সক. লেই শাসন কর্ত্তার যিনয় ও ভারতার সংস্তাদ লাভ করিখাছেন।

ङेक भाज जुने थन ति विषय कि कार्नन ত্রালি আত্মরকা হেড় চুইখানি পত্র প্রিক।শিত বরিষাজেন ' তাঁছার নামে নামরিব নিচাবলে-(त अत्मक **अभवीत (त्र**स्त्री क्रेड़। कर्त्रक अपन অ'ফিগৰ **ভাহা স**ভ্য বলিখা **শপৰ করেন** : কিন্তু উ,হারিগের কথা মিখ্যা দল্মমাণ হইয়া ছে। অৰশৰে দীকার করিছে চইনে ভুতপ্রশ্ন কোম্পানির আকিগরেরা বাজকীর আকিস্র লিগের অপেকা ভারলোক ছিলেন।

बिट्रोदशदक्षके अप्शासक वदशम, क**रश**क बि-म अर्रि करपूर्व राक्ति आंगताह नार्का. নয়েই মাজিতে টুটের বাটালে রাব্রিয়োগে ছিল ्कतिरुक्ताः मञ्ज्रीमक निर्धं कर्यक थानि ইট পড়িতে দেখিয়াছেন। ৯ জিটে টেব্ল গাচী (७ केंके भारती सम्म नग्र।

है॰ निम्हान मन्मीजन निचित्रहरू भट्टा कि धनिरादा एक अपन निशामीटक वर्ष कन्नि यारह खाका स्मारमाञ्च वार्किंगरभव स्म.रमब् খটিয়াছে। ভাহারা দেনানলের কতক রসদ क्ष्रेया श्रेडराक्तित 'अक्छे निवंदित अन्दि মান্ত্ৰ একক্লিড কবিয়া বাখিব। ভাৰারা কান ক্রিভে গদন কবে, এমন সময়ে বন্য জাতী রেঝ আসিধা ভাষাদিশের প্রাণ সংঘার করি-ব্লাছে। গারোজাতীয় এব দল সম্ভাতি ত্রিপু-বার বাজার ভারিবারে প্রবেশ করিয়া করেক शानि आम लूडे कनिहाटक् । अहे समाप्तिकटक । পর্যন্ত হইতে বঞ্জি ও বরিরা দেশের মগতে লে অথবা কোন খীপে বাস করিতে দেওলা क छेवा ।

गण भनिवास्त्र श्रांक आगोषण बहेन हाट १२ हि इस्क ्रेडि, भागापण बहेन्द्राट । प्रमाण माना भागा थ प्रदे भन वासिकेन देवान विहान एक माना भागा थ प्रदे भन वासिकेन देवान विहान एक माना भागापण स्वीप कर्म भन जेश्यू प्रमाण माना भागापण स्थाप स्थित कर्म व्हेड्डाट । भवर्ग एक माना भागापण स्थाप स्थापण वासिक वासिक भागापण स्थापण स्थापण वासिक वासिक भागापण स्थापण स्यापण स्थापण स

সোনেক কারবেরি ও তাঁহার ভণিনী দেটলিয়া হটবার আশারে আলালতে উপহি-তে হটগাছেন ৫ তাঁহাদিগের মাতা করেক বং-সর পূর্বে দেউলিয়া হওয়াতে তাঁহারা বল বিক্রবের কাব্য আগুল্ক করেন। এই সকল পেউলিয়াদিগের মবস্থা বিশেষ করেশ ভাষা-ত হওয়া উচিত।

পূর্মবারনার রেইলওরের এজেন্ট আ-জিগের এক জন পাগাওয়ালা ৭১১ ॥ ১৭ চরি জরাতে ভারাকে সোলর ন সমর্গণ করা হ-টবাসে।

বিশ্বমনোরঞ্জন পত্রিকার এক জন পত্রপ্রে থক সলেন মাসলছের খীবরবংশীয় একটি জী লোক ভিন বংসর গার্ড্ডারণ করিয়া সম্প্রতি থাংসপিতে যাত্র স্থাটি সম্ভান প্রস্নব করিয়া প্র'শতথান করিয়াছে। চিকিৎসা শান্তের অস্থ-গন্ধানের উপযুক্ত বিশ্বং সন্ধেধ নাই।

২৫এ আব্ছি মললবার: 🌩

মদিনী থবের অস্তুণপাতী দেত্রদা হই-তে জাঁবুক কৈলাসনত্র রাগ্ন মহাশ্র রক্ষমা-ছে দিবাই নিষিত্র আহাদিপের নিকট পাচ ন ক ও নিয় লিখিত পত্র পাঠাইরাছেন।

"সম্পাদক মহাশয় গ্রীক্ত আমার কনার।
আন্থা শন ক্রিয়া সম্পন্ন ইইবেক। ওতুলপথেদ
শুকু বান করিতে ছইবেক। বিশু স্বীন্ন আত্ম
ক্রান করিতে ছইবেক। বিশু স্বীন্ন আত্ম
ক্রান গ্রীকে ছাল করা ক্রানা কন্তবা
ক্রিকার দাল করা আবলা কন্তবা
ক্রেকার এই পত্রের ভিতরে হু পাঁচ টাকার
প্রেকান্য এই পত্রের ভিতরে হু পাঁচ টাকার
প্রেকান্য অভ্যাহ প্রকাশ পুর্বক উক্ত টাকা
বিকাতা ব্রহ্মসমাজে পাঠাইয়া দিবেন।
সমাজের নালা এই লাগ বার্তি ইইবেন

ं। नाम•त्रवा अव्या (नाइवास्त्र हेर्नाः

न्द्रमान । ... अस्ट्रमान সাংস্থাৰ প্ৰয়ের এল জ্বেড নামক এক দ্বার জারোগা ১০,০০০ চাকা ভহবিল ভালাও করাতে জাহাকে হাজতে দিয়া ১০ ০০০, টাকার জাহি ল চাহা হয়। সে ভাহা দিতে জক্ষা লাভ দিয়ে জক্ষা লাভ চাহা হয়। সে ভাহা দিতে জক্ষা লাভ দিয়ে ভাহার ক প্রাক্তি ভাহার যা তথার সে পাগল হইর ১৯ ভি ভাহার ছী গ্রাবহিনেকের নিকটে রা আবেদন করিরাছে যে কারাগা, লোক ভাহার প্রাণভাগে চল্ট্রাছে। ভত্রভা সিন্তিল সরক্ষন পাক্ষ বলেন এ বিধ্যা কথা। ঘাহা হলউক, আমানিকের এই আল্চর্য্যা বোধ হইজেক্টে,এক ক্ষন প্রীর্থিকারী ১০০০০ টাকা বই ভালে মাই, ভাহারিকারী ১০০০০ টাকা বই

একণে এডানেশীর রাজগণের অগবাল লেখা একটা প্রথা হইবা উঠিয়াছে অযোধ্যা গেজেটে এক জন লিখিরাছেন, জল ব হাতুর চারতববীর গবণদেক্টের প্রক্তি জনান্দ্রা একাশ করিয়া বলিরাছেন যে ভিনি শীল্ল জ্যোধ্যা জ্যাক্রমণ করিবেন। জল বাহাতুর ইউরোপীয় দিগলে নেপালের বনে শীখার করিভে নিশে ধ করিবাছিলেন, ইহাই কি একপ লিখিবার কারন গ

দিলী গেকেটের সংবাদদাত। কলেন, ম
হারাজ রণথীয় দিংহ প্রজাদিগের উপর আহাস্তে অভ্যাচার করিছেছেন। তিনি নিজে
কার্মানের প্রায় সমুদার বংশিজ্য একচেটিরা
করিয়ানেন। শালের তালিরা ভাঁদার ক্রীভ লালের ন্যার। রাজা সকল প্রবেদর উপর জ পরিশিত কর লইয়া শালেন। তালার রাজত্বের শেশ দকা ক্রপাহত।

२ ७।० छा। बाह्य पुनमान

াইন্স অন ইণ্ডিয়া সম্পানক ক'বুল হই তে সংবাদ প্রাণ্ড কইয়াছেন, সম্প্রতি দোন্ত দংশাদের গাইত স্থাতান জানের এক ভয়ন্তর যুক্ত হট্যা গিয় ছে। ইহ'ব কলাকস জানা হাস নাই।

মান্দ্রাফে যে সকল নোট প্রেরিড হইরা-ছে তথ্যগৈ তানিল ভানার নম্বর না থাকাতে ভয়তা লোকেরা ভ'হা লইছে অসমভ হট তথ্যসালে ক্রিন ভানি নে ক্রেন পরিবা শ্রীকো

234 21

গুল ছেলেশন '৮.শরী ভট্ট-বিত্ত প্রাদেশ সমূহের পরীমানত বিদ্যালয়ের

गातत जना अर आनात विश्वविद्यान्त्री भागन निर्देशकार । विश्वविद्याहरू निर्देशकार अपने अर्थन स्वाह्य क्षिप्रकार

কিনিকের হগনীপুত সংগ্রেরাজান, তত্রতা ইউরোপীর নৈনিক ক্লীকার্তিক লেলে প্রেরণ করা হইডেক্টে। বড় তারু । ২৭ এ জাবাচ বহুলাভিবার।

গত কলা একৰ্ম চে**লগুৰে বিশ্ব বিশ্বিত্** টাকার অহিকেন বিক্রীত হইবু**তের** ল

বাজ **নোট** বেহাবের ১৩০৫ : ১৮,৫৮,৩৮ কামী: ১ ১৩৫ : ১৫,৩৩,৩

ােঃ ী নগারে সভ্যতি সুনার নথাকন বিশ্বনের সহিত পুলার ক্ষান্তিয়ের একটা কালা হটরা গিরাতে । বালালেরা একটালার বুলা নির্বারিত কালাছিলের কিন্তু বহাজনেরা ক্ষান্তি হাতে জনশ ৪০ ভয়াতে জনের বালান প্রাক্তির রন করিবলালে এক ক্ষান্তে উল্লেখ্য ক্ষান্তির জ রানক কি তেও ক্ষান্তে উল্লেখ্য বালাক রানক কি তেওঁ লিক্তি উল্লেখ্য বালাক হানক কি তেওঁ লিক্তি

ইতিয়াস এক্সারে সিধিত হুইরাটের করাশীর। লোহিত সমূত্রে এক ছার্মীর কার্মিনি ছে। প্রমান্তার নিকটবর্ত্তি একটি বীপা আনুর্বিত গের হত্তগত হইরাছে। সমাট নেপ্রোক্তির স্থানি বিখ্যাত কলবার্টের প্রশালীতে করালী উপাই,

অবোধ্যা গেজেই সম্পাদক বলেন, জন্ধ-জ্য ১৯ গণিত অধঃবোহী সেনাদনের নেজর গক গুলিবারা আজহতা। করিবার চেটা ক-রেন। গুলি ভাঁহার বাম কক্ষ দিরা গমন ব[ি] রাচ্চে। উ.হার জীবন সংশর । ইউরে। গীয় নেনাদলে অস্ত্রসঞ্জান করিলে আজহত্যার ভাগ ন গোপনীয় কারণ বাহির হইতে গারে .

हे विश्वेरत अर के कि हात वाका अधिक महर्ग

ভেনিসনলে ভির্কার করিয়াছেন¦ ভাষণা নে৺

ं जना स्थान कारवाहे। जिन्न स्थान 1য় **অসম। ঐত রোগ**।'

एतिएक आर्थेड व्हेर्स्ट स्थापा । अति-তাহার আৰু স্বর্হাতে স্থাসীশাসন ন না নর উইলিয়ৰ ভেনিশনের নিকটে ভাহা-্ প্রতিবাদ করেন। ভিনি ওছতুরে আকেপ প্ৰকাশ ও কমা আৰ্থনা করিয়া অব্দ প্ৰত্যুৰ্গ । করিতে সমত হইরাছেন। এইসকলের নি ণিত্তই কি ভেনিসন ভিন্নভার খান।

নিয়লিখিত হুক্তন নোট এবং ভাষার প্ৰতিৰু ঘৰণ নগদ চাকা ও রৌণ্য প্ৰাকৃতি न्तरिक् ।

> **क्रामज** द्य. भा गर्नादर्वेद वीत्रक वे ७, १४, pe) প্ৰতিষ্ ৰুৱণ টাকা ১,১৯,৫১,১৯ ৫৮,০০,০০০ वह नंड जाड ٥٠٠ ٥٠ ١٨ ٥٥٠ ، ١٠٥٠ ٢٠٠٥ ، ١٠٥٠ ١٠٥٠ বোৰাই

मोखारम (नाठे ६ अडिप्यय होक) केण्य नमान। अहे काणकार सद मार्ग हावि **লোটির অধিক নোট প্রচলত করা** পন্যস্থ क्रेब्राइक्।

স্থলতান জানের একটা যুদ্ধ হটালে ৬ ড. বিশত হট্যাক্তে তালতে তিনি যে যুক্তের যথা তে লোভ মহমদর্শ। পরাজিত ভইয়াছেন। ञ्चाङ्गास्कारमञ्ज्ञ मुक्ति कृतिगांत्र कार्रियम 4772

লা চৰানিং ক্লাব্ড । জা मगदम विभिन्न नियादिकन क्टर्नल नाम क्ट " **চেটার বাই ভালভেবগের,** কার বায় প্রান হল শ্ব ছে। **ভারভবর্কে বালকোরের** ন্যার নিয়ত पूरे अक क्य लांक हाते।

वाखांच अवश्रवके जारमस्यत मिक्टे क्रे ৰাইনের বৃক্ষ ব্লোপণ করিভেছেন। সাঁওভাল পরুগণায় ছন্তন সিভোম। রক্ষের কি হটন। এৰপ জন জাতি কয়েক রেজিয়েও দীক সৈ-बा श्रेमकात होन क्रांत ,आहि कहेरव । विद्या-। दिक्षिनाटक प्रमान कर्ना हेकांच्र केटल्ला। त्यारम উপনাস লিখিত বান্য হার। বিহাল ক্ষের যক্ষমার নিশান্তির ন্যার উল্লিখিত বিবাদের मिष्णिष्टि मा रह '

কিনিক সম্পাদক বলেন ভারতব্যীয় গ্রু ब्यटकेंद्र श्रष्ट, बाग्रमाह्य रहेडे स्मरक नादि प्याच्या विवाद क्रम, उप मकल रैमसं ग्रह्म भूतं रहेल हेश्नर ७ य'हेर ७ ठाव्सिय जाशामिन्नरक ञिनिक होको जिहा अरमणीत स्निवाहरण द्व'थः इडेटर । इंडन रेमना कांनिएड निस्त बाह्र হর : প্রতোক ব্যক্তির প্রতি ২,১ :- টাকা প-তে কিন্তু পুরাভন দৈনিক্ষিপকে ব্লুখা চটলে ব্রিবিধ উপকার **৬**টবে । প্রথমতঃ পুরাতন ন্ত্ৰশিক্ষিত দৈন। ৺ ' এবা খাইবে, বিতীয়ত। ছ তন সেনা আনিবার ব্যয় সংক্ষেপ হইবে, ডু ভীনতঃ ভারতদর্ধের নামে বে ১৯ ০০০ সৈনং ইংলধে আছে, ত'হাদিগকে ব্লাখিবার আর প্রব্যোজন করিবে না। শেংবাক্ত টি আমাদি গের আশাসাল :

अब्बन्धः मध्यानम् बर्जन वट भोरत्रत् चारहे मारूक हें डेरब्रांभीय बालांनी विवत्त बहेश। टेक्कारक याम करता। श्रुकित कर्पानितिकरशत् এডরিবারণ অবশ্য কর্ত্তব্য , খ লাসীরা ০ক धक्री ज्याम अह, जाहा हिन्द्र प्रश्न व রাখিলে ভাহাব। ঠিক পথে চলিবে কেন।

कारवाचीरगरकरहेत अकल्य मध्याक प्र তা বলেন, রাওসাহেবর ভত্তাকানিতা প্র মাণ হটবে না। হেরালত পত্রে ব্লাওসাহেরের করার নিকটে আফগ'ন সেন্ডের স্টি'ড্.} যে প্রকার সাহস ও আলুবসাহের বিষয় লি

TO A COCO THAT PART WAS भाषा (१४५) र अभावति । ए। आहा ए उत्तरिकालामा । अपुनिह

五十一百二年11日 山東 阿伊丁

পুলিৰ কৰ্ম চারিয়া ভাষাকে মুক্ত করিবার অ' ন্য চেষ্টা করাতে নে তৎর্নমূলীর জানিতে পা-রে। একলা ছুইজন চরের সহিত ভারার সা-काः बहेरन त्म बनिन जानि जानि (धामना আহাকে ধরিবার চেটার আছ. সতএব তে। बाजिरावद अधारबद निकटि अहे हिस् सहैग्रा वां ७, वहें कथा विनिद्या छाशामिशक छन. বারের আঘাত দিল। সম্রুতি একজন কালেক্টরের বাটতে বাইরা তাঁহার স্থিত वाजव । विवाद शक्षि विषदम आत्मक कन करवी शक्त करत, कारमहोत्र कडक्कन शरन ভাহার নাম জিজাসা করাতে সে নলিল আ-মি িখ্যাত ভাক**টিড শ**ক্ষর্যম সি°ই ই কালে ট্লুল তৎক্ষণাৎ পাদ্যাতে কন্ত দিয়। এক বিনদ বার পিত্তিল কটবার চেষ্টা করাতে শক্ত সংখ্য বহিল সাফেব ভোষার লিস্তুল ঐ বেক্লের টু পর মাছে, বাহেব তথার বাইতে বাইতে শক্ররাম করি টোলা প্র বাহিদ 🕏 য়া পেল | জানারা ইংলগ্রীয় রবিণ্ডভের গ্র পে জ্ঞাবণ করির†ছি। কিন্তু ভারতবর্ণন পদ্ধর क्रीय द्वविम अर्छद्र निरुद्धे नरह।

গ্ৰহমেন্ট আছেল করিয়াছেন প্রক্র अधारकाव नारत्व अन्तारा होका ज्ञानभाव তাহার মতিরিক্ত দাকা ৮ ওচা হটবে না। क मारमब छात्वह छोका कामा बारम उन्हान হউবে না পালিক ওয়াবেৰ এপবাদ নিবা त्र निषित्र कि अहे (हड़ी क्वेंट एड)।

धिकिरत्वेत स्मिश्राद्यात म वांक्र माछ। व-लन, जिन्दर क्रांट कंदर सम सामा जिलाही. ब्र अक्टा उत्तरिक वध कहारक क्रेक्स द्रारक यूक ষ্ট্রার স্ফারন। চয়। কিন্তু ভিক্তের मिक क्लाकाविक्रिश्वत स्थादन १ % वर्ष र्रेंट महे कन्स्रव निय हुई।

केक मर्वानमाठा कावंड बदलन मर व क অব্যাহাত্র আগনার তুই পুএকে ইংলভীয় नामतिक विशासद्य विका मिराय कि जिस् कर्त्रिया भवर्ग्य (असत्राताद्व सिक्ट्डे आर्टन्यः क রেন। কিন্তু গদর্শর ক্লেনেরল এই দলিখা ভাঁচার कार्यक्रम शोहा करतम माहे था बाहाता कान हे मस्थ्रमंदीह स्मानस्य धारम्य क्रियन

্ষেল নেশাল স্থান্ত চ

্বাসি বেলাত ৩০ আহে শেষ একনি স্**ভ**ণ্ঠ কে। ছয় কানাপায় পু**ত্ৰি**গতে জ্যুত্ৰেৰ সন্তাটেও

निक्टि क्षित्रं कक्षम क्षांनीत्रवृत्ति काक्षांकिक इत्यः ज्ञाहित्रक निक्ष त्रांविक विकालक व्यादम क्षित्रक विकास । अ जेक्षरत्र तक्ष्म क्षिक हका क्षेत्रारक ।

२৮ এ कार्याङ खळागात ।

জান্য লার্ড ক নিধের মুহুস্থানক ২)টি ভোগ হটরাছে। বাবঙীয় ঠেসনে এই একা-র হটবে।

টাইমস অব ইতিরা এতকেনীর চি হৈছে চি
কিংসকের কার্টোর প্রাথিনিগকে ইংলগীর।
গাবর্ণবেন্টের নামে উত্তত্ত্য প্রধান বিচারালয়ে
নালীশ করিতে কহিয়াছেন,মহাসতা বেজাইন
করেন, সে আইনের বহিছুত কাবা জরিলে
বিচারপতিরা ভাষা রহিছ করিতে পারেম।
হর্পগাভের জাখাজেরা উত্তিবিত বিবরে
মহাসভাব হল নির্মের বিকল্প কার্য করিরা।
হ্রেম যাহ, হুটক বিচারালরে ইহার প্রতিকার
হুটনে না। সংখাত্র চোল অভ্যন্ত প্রবল।

ররকরা সম্পাদক তুর্বাত্ত হিলির করেক খানি প্রশংসা পত্র প্রকাশ ক্ষরিরাছেন। সে চান দেশীর বুবে সবিশেশ সাহস প্রকাশ বরাতে সর রবট মেপিরস ভাহাকে এক শ্রম সেদাপতি করিবার অন্তরোধ করেন। সম্পাদ দক্ষ কি উক্ত প্রীরত্বিকারির জীবন রক্ষার চেটা পাইভেছেন ?

এক দাসী বাবু জগভক্ত মুখোপাধ্যারের বাদী সইতে প্রায় ২০০০ টাকার অলকার অ-শাসরণ করিয়া ভাষার উপপ্তিকে দেয়। ভা-ফাদিগকে সেসির্নে সম্বর্ণ করা হট্যাছে।

विशान सिक्षत्र निरंग्डन। कर्त्रन अन्ध-क्रिनेत्रिति जानिहीले महस्रात्र श्रम बहेल्ड वहिष् छ क्रेंग्रास्त्रश्री इर नाई। हेडे-द्राणीय ७ श्रीयास्त्रश्री अख्यानीय विश्व हि किश्मकिशास्त्र विश्व साथनामिश्त्रत्र शहिक्शत्र क्रिक्श्मा क्रिल्ड ना स्मन, क्रमर्थ छाश्चिर्तित्र क्रिक्शा बाद्र ना । भृष्टेष्ट्री भूक भावाद्र क्रिक्शित्र स्मान ग्रमन क्रिल्ड विश्व श्रिक श्रीव-क्रिक्शित्रत्व क्रिक्शिक्षका इत्त, छाश्च बहेस्त वर्षावस्त्र क्रिक्श

२३५ भाषाम् अभिवाद्यः

উদিশার পুল ব্রুক্তর শেব হইয়াছে। পশ্বপ্রাকৃতি বন্যসাভীয়া বে উৎপাত আর

র্ক্ত করিবাহিন, সম্পূর্ণ কলে তাগায় নীরি ছ-ইরাছে। ক্ষরতিয়ার গোনবোধ কলে নাইবে ?

ল্যুক্য়া সম্পাদক বনের সুর্নিলাবালের লাকিলের নাবে নেকিটাকা প্রান্ত করিবার বে অপরাধ দেকার হয় ডিনি ভালা ধ্ইতে মুক্ত ঘ্ট্যাহেল। এই সুযোগ পাইরা কুন্ত অব ইভিক্লাবের চারিতে দোব বিশাহিকেন বাং

চীনদেশে সেনা প্রেয়ণ সংখ্যা অস্ত্য

नवं।

স্থাচার হিছুদ্বানী সম্পাদক বলেন স্ত্রেত অব ইতিরার হারদরাবাদেন ন্বাবের
বিপক্ষে এডাব সকল অন মূলক বোধ হর,
ননাবের অবহাননা করা ও কর্পে ভেবিডসন
কে নুরীভূত করিরা ৫ স্থেন্ডের ন কোন বিলে
টারী বছুকে তথার প্রেরণ করা ঐ সংল প্রভাষ লিখিবার উদ্দেশ্য।

আমেরিকার বৃত্তের ক্রমশং শেব হইরা আসিতেছে। গংগদেকের সেনারা বিয়োহী দিগের রাষতীয় প্রধান নগর অধিকার করি-রাছে। বৃদ্ধ শীয় শেব হইকেই ভাগ।

नित्रतिथिक मूटना शवर्यत्रक्तेत्र काश ह विक्रीक बहेटकर्टकः।

s টাকার সিকা	114e 16e
৪ টাকার কোম্পানির	nee — ive
৫ টাকার ঐ	7.84 18.C
en डोकांस के	2251: 250

:• ই জুল পথা স্থের ইউরোপীয় সমাচার।

পোর্চ বয়ালাশ্বত বিজ্ঞানী সেনাব, সেনাপতি ব্যাহ্বপৃকে উইংক্ট্রের নগবে আফ্রন্থ কবিয়া পটনাক নদী পাবে দেবিলাবে প্রবীভক্ত
ভরিলাহে । ওবালিংটনের লোকেরা অভিলয়
ভীত বইলাছিলেন। সভাপতি (লিক্সন) মুদ্ধ
সন্দর্ভতি বর্তি ভাগানার অধীনত্ব করেম;
সেনা সংগৃহীত হওছাতে সেনাপতি ব্যাহ্বের সন্দ্রা নেরার করা সৈলা প্রেরিভ হয়। বিজ্ঞানীরা
উইক্টেরে প্রত্যাগ্রন্স করিয়াছে।

সেনাপতি সাক্ত্যাল ক্রেডারিকন্নর্গ হইছে বিচ্নতের বিধে অঞ্চল কুইরাছেন। নেনাপতি মাকিলান থালবার কোট ঘাউণ লইরাছেন এবং একংশ ডিনি সমুদ্ধ সৈবোর সহিত ভ্রুতা ব.অধানীর পাঁচজোশ হুখে অবস্থিতি করিছে ছেন

বিনিমিণিবিত প্রাঞ্জন নাম বিনিমেন্টের হত্তগত বইরাছে।

देश जीत महानका अदे चाकियात अधिन के "
वित्रारक्त पश्चिमकाहत्वत अधि कैंकाविद्यक कविचान जारे। देशिन त्रारका चाक्कचालका शत्त चावक करेरकरक्त किन्न कीत क्षेत्रत चार्यक केवन केलात करका अदिक क्षेत्रत क्षारक चार्यक कार्यक किनात करका अधिक चार्यक क्षार्यक कार्यक कार

করাশী সেনারা খেলিকো নগরের খনেই কোশ দূবে অবহিতি করিতেছে। এরপ অবঞ্জ-তি ভন্তঃ সেনাগলকে পরাজিত হয়া হইরাছে, পুলে হইছে আছো অধিক সেনা শ্রেরিক হইবে।

টাটরলে অনেকে অন্তীয় নেনা সমধ্যে হইডেছে। অন্তীয় নেনাকলে আনো অধিক ইয় ব্রিকেড (১৮,০০০) নেনা প্রেয়িক হইছে:

১লা শুলাই অনবর্গে রাজস্থারী আলি নের নহিত তেনিব রাজস্থার পুইর বিবৃচ্চ হইবে।

বিসর কেনীর রাজথাভিনিমি পারিকাইট্র সঞ্জন উপনীত হইয়াছেন।

১১ই জুন জাপান দেশীর হুর্তাণ ইংগ জাপ করিছাছেন।

লোমিক সমূল ও ভারকবর্তীর টেলিএ কোলানির বিল ছাউল আর ভাততৈ ত্রিব বার পঠিত বইয়াছে।

३१६ जून जांच कानिहस्त कृष्ण व हैतारस्त विषयक्षिक विरक्षाणीतां असर्वदस्त क्षणा वक जरणहरू कार्यम्य कृतियां बहनम् भागाः , स्वा वचनक करतः। शतः विषयं श्रेमतितं । जात्व वकारक विरक्षारीयः। शत्वितां का विरमत विवित्र मर्था क्षिक व्हेतारस् । शः क्षित १००० रामक क्षण वहेतारसः।

বিজোহীরা করিছ জ্যাব করিরাছে। চি
পিতে জাহারিগের রণজরি পরাজিত হই
বার্ণমেন্ট ঘোন্দান দ্বার প্রাথিজার করি।
সেনাগাড়ি ব্যায়ন নহাবাত নেনাগানে।
প্রবায়ে গটনাত জলী পার হইয়াছেন।
গ্রবায়েনীর সেয়াকালি হটানত জিট

গৰণীয়েকের সেমাপতি বটলর নিউ জ্যের জীলোকবিংগর নিকাস্থ্যতম এক পর প্রকাশ করাতে ইট্রিরাসের মাজে: লোকে ভালার উপর ব্রিরজ হবরাবেল।

क्रांति रेनत्त्राहा वहा वृष्टे स्वकृतिकात राजा-विरवद जिल्ला अहातिक अवेदारक । श्रांक वरेरक कृषन स्वता स्वतिक अवेदारह ।

का साहि वर्षादिल ज्ञान व देशन जा-रमित्रकार काल कालिक महिरदन, कि मारत इरमक, कालिका कदिशहरून मानावकः व रेका महिका

পোপ রোর নথক্তিভগুরোবিভদিগতে তাঁহার বাল ক্ষরভালনাক্তা করিবার অভ্যোধ কবি-ভাষেন । গুরোবিভেরা ভাষতে নগত হবুরা এক বোধাা শত্র এতার করিয়াছেন।

ह ्मिक्सियंत्र वर्षात्रका प्राक्षाद्य अरु अरु प्रित्र स्व गट्ट्स - देवेश्वीस्तिरभव द्यारम् देशस्य प्रतिकार् कारक्।

क्षिक जन क्षांकि क्षणीयांत स्वर्गात विकास क्षित्रे, त्यांमध्येत व्यां म्हणा त्यांमध्ये त्यांमध्ये श्रेणांत्रम क्षित्रशांद्यः यश्चि जायांमित्रदेश त्यांमध्ये क्षणा या क्षणा व्यां विकास विकास विकास क्षणा व्यां व्यां विकास विकास विकास विकास विकास क्षित्रमा

া লার্ডপাশর্কন মহানভার নেনাগতি বটল-বের খোষণার অভি নোখারোগ করিয়াছেন।

वन्छ जन काकि भाग करानी वन्ध्रनकेटक । देशास्त्रन जिनि देशांनित बाकात निष्ठ निष्

जूतत्त्वत नश्चि नहविषात क्यांकविष्य । रहात्र श्लोकरवाण क्यांचिक व्यवाद्य ।

গ্ৰণ্ডেন্ট বিজ্ঞাপন ৷ বালালা কেশীয় লেক্টেন্ট গ্ৰণৱের

्रे विद्याला ।

श्री स्थान नांदांव दिन श्री विद्याला ।

श्री स्थान नांदांव दिन श्री विद्याला स्थान स्थान ।

श्री स्थान स्थान

है के जून-दर्शनरङ्गि कारतरणव शिवः सम्कारी ज्ञथानम रकः वलः, विक्र मारवन कर्ष करिया कियमिनरम् ज्ञान केरः सहस्राधिक के ज्ञुक्तविद्यान श्रीकिनिध रक्तकारी निर्माण करियन।

द्र कामारेकाम स्व किश्रीवरामत कमा ध्य-व कारमस्य सूर्या मारस्य अविनिधि व वेश्रीस्य। নিম্নানিক কণ্টাবীয়া ৩০ সে ও ব ই জুন সহকারী ক্ষিনন্দ্রের প্রে নিযুক্ত হবল। পশ্চা মিশিত স্থানে নিয়াছেন।

(मश्रे हे को के के कार्यक महर्म। " ब. बम, किविक्य (योग्रोमशीका) " बम, मुके, मसीश्रेत ।

এ, ডি, জোজ সাহের ইউলেও ও উসন্তির এডিনিপি জুপরিকেউঞান ছবলেন : ,

এচ, বেল সাহেব বলোচরের ছেটি আলাল ভৈর প্রতিনিধি জল চইবেন। অপব, তিনি বাধরা অনিদা, কোটটালপুর ও নডালেন হোট আলালতের প্রতিনিধিকটবেন

জে, গেগান সাহেৰ বছছেশীয় গ্ৰণ্থেটেই এডিনিধি অগুৰ সেকেটাৰি হইবেন।

এচ, এল, ডাল্পিয়র সাহেব ভাঁহার বর্ত্তমান কর্মা ভিন্ন নদীয়া বিভাগের অভিনিধি কমিসন রেব কর্ম করিবেন।

১লা জুলাই-শ্বর্ণর জেনরলের অন্ত্রতি জবে লেপ্টনটপর্বর ১৮৩০ অজের ৪২ আইন অনুসারে নিম্ন লিখিত স্থানে ছোট আঞ্চলত সংখ্যানত করিলেনঃ।

১ মুজেব ৭ মটোর ২ ভগলপুর ৮ পাবন। ৩ নেরাজগঞ্জ ৯ হগলী ৪ ভুষাবধালী ১০ চটাগ্রাম

e कविवश्रंत स्मानीश्रंत

वाम्प्रदाशंनिता >२ क्वेंक
 केक व्यक्तित > श्राताभूगांत केंक प्राप्तः

লভের ক্ষমতাব বিষয় নিমে লিখিও ইইলং। মুক্তেব---টছা সঙ্গর বুনলেকের সীবা।

खनमन्द	d
সেরাজগঞ্জ	4
কুলাৰবাসি	4
महिन्द्रं क	₽
বামপুরবোরা লয়।	9.
মাটোর	4
शास्त्रा	4
इनमी	à
क्रीक	3
দে দ শীপুর	4
	সেরাজগঞ্চ কুমারথালি ক্রিলপ্তর বামপুরবোরালিয়া মাটোর পাবনা হুগলী

: সংজ্ঞাই—হোজনী নহমদ নাকিছ বুজে-দেব ছোট আলাসভের কক হইয়া উক্ত কেলার প্রদান সহব আমিনের কবতা পাইবেস।

বাবু পারিমোত্ন বন্দোপাধ্যার সেরাল-গাঞ্চ ভোটআছালতেও জল হইলা পাৰন। কোনা প্রধান সদর আবিষের ক্ষড়া পাই বেন। वातू विशेषक विषांत स्वातवांतित हाउ-वांतानरकत कक वर्षेत्र। शांवर्ता क्यांत अधान नक्ष्य वांतिरमञ्जू क्यकः शहरवन । अ

বার্ উপেজ্ঞাচন্ত ন্যাররত্ব করিবপুরের ছে।ট-আবাসংক্তর ক্ষম ছইয়া উক্ত কেলার এখান সমর আনিলের ক্ষমতা পাইবেন।

वित् व्यानमहूत्र व्यामाभाषाः इ।समादिर हिन्द्रां व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त न नवत्र व्यक्तितत्र क्यां गोहित्याः

ড বলিউ, ডবলিউ লিঞ্চন সাহেব না:ট।বেব ছোটামাদালতের কল হাইবেন।

जननिके बाहें नार्ट्स भारतात हार्डका हो-माउर क्रक हरेता छेळ क्रमांच शतान नम्ब भारित्मत क्रमछ। शहित्मतः

বাৰু শক্ষানন বংশ্বাপাখ্যায় ছুগলিব ছোট আলালতের ভক্ত ভইয়া উক্ত কেলার প্রধান স-ভব আনিমের ক্ষরতা পাইবেন।

শোলবী বসিষ্কালন সংগ্রন্থ কটংকর ছেটে আদালতের জন্ধ কটনা উস্তে জেলার এখান সধর আদিলের ক্ষমতা লাইবেন।

বার কালীকিলর বার চটগানের ছেটে আলালডের লজ হ্বয়। উন্ত জেলার প্রধান বল্পর আফিনের ক্ষমজ্ঞপাইবেন।

নি,ডি, লিউম নাচেব লোচাড কাব ছোট আনালভের জন্ম হইবেন।

বাধু কালীখন বিত্র মুবলিলাবাদের ছেওঁ আদালতের কল কটনা উক্ত কেলাব প্রধান সদ্ধ আবিধনর ক্ষরতা পাইখেন।

২৭এ দুন-কানসির অবৈত্যনিক মাজিট্টের কি' বিশ্ব শাহের কৌজনাবি আইনের ২০ ধ -ব'ছল বে উক্ত ফেলার প্রথম প্রেণির ক্ষ্মীন নাজিট্টের ক্ষমতা গাইবেন।

उत्तर विভাগের সরকারী বেণিনিউ সব্ধি মার ১ শা সুনাই ভাবধি লংপুণ সর্বেয়ার বইবেন।

৩০এ কুন—বক্ষপুরের অন্তঃপাতি বনিচ খা লিব প্রতিনিধি মুনদেক বারু মধাননা রায় কুঁ, ১৮৫৯ অন্তের ১৫০ খার স্থানে উক্ত কেন্তুর্ক ডেপ্টি শালেউরের ক্ষমতা পাইবেম ।

्रका जुनावे—वाबू त्याविमा क्रा दि विकेश भूका क्यात्मत श्रामान नमत प्रश्लीत क्रियात है। वह जुनावे—क्षा समान क्रिया है।

কেরিকণ্ড কমিটির একজন সভা চইবেন।

लिको गाँकी अविकिष्ठ क्षिके स्थापन व्यापन व्यापित महकाती श्रीलय स्थापित क्षेत्र स्टेटनन ।

প্ট জুলাই-অফ,এচ. শিলু সংচেত্ বরিসা-লেম সাধারণ বিদ্যা, শিলুলুকার্যের কমিটির এব জন সম্ভাইবৈন।

ভৌরিত

মানাৰর **জীয়ু জ গুলামপ্রকাশনক্ষা**গক মহাশ্য সমীপের ।

অতি অল্লানিক ছইল। অত্তা থেড গোড়া নীলেল কৃতিছে ভাকাইত পড়িরাছিল। ছরাছা। বা ১৯১৫ টাকা অপহন: কলে। জাকর গলের লারোগা ভালিরা ১২ জন ভাকাইতকে ধৃত-ক্রিয়াছে। ভনিজান কৃতির উল্লানের হত্তেও নাকি বজ্ঞাত চইয়াছে। গাধু।

श्रीप्र ते ते वे वे गारित हो को विश्व विष्य विश्व विष

জীৰবিশ্যক্ত সিত্ৰ ভাবিদাগল

ত্রীযুক্ত সোমপ্রকাশ সন্দাদক মহাশয় সমীপেব।

নাবৈদ্য ভাষা আত্র করিয়া ধন্যবাদ একান করি য়া গনস করিকোন। এই সমাজ দুর্লন করিবা জি-নি অভ্যান আহ্বাদিত কইয়াছেন।

नां उर कां न उक्ति करन रहामान 'महान हिराब अणि केन्नना कर्डीक्स शास करिय ? करन नकरमान नरम ज्ञास्त्रपर्यंत्र तीन 'सामुद्धि हु हु-रक्ष ? करन क्रास्त्राच जनम अन्याद्धि केरक्स हमा आँख करेरन ? मांडः करने नः कानता अरे मानद मुख्या हुन करिन अनर नानिरका नजरक मानदि में सांत्र कांट्यमं क्राह्ममं करिएक जमर्थकरेन । जका धर्म्यमं करेत्राह्म । कर्षे भागा १२७०।

উল্পেত্রগোহন বিজ

মানাবর শ্রীপুক্ত সোমপ্রকাশনদর্পা করু মহাশাস সদীপেশু।

मन्त्रीक्षक महासद्ध । बाशस्त्रभीव सन्। चार्रिस অভ্যাচাৰ ইন্ডাৰ ভ্ৰিয়া থা কৰেন। অৱভ্যানি-मक ख्रुभवित्मिट्डल्पेय मृगश्य ग्राहिक्यन छ क छिणा धर्मानशुक् पूत्रभ श्राधिक। वस्तास्त्रा ल किकियां व नवन जुलायिक कतिकः नित्रहर পথেই অমণ কৰে। সম্য পাইলে কোন ব্যক্তির शुटक छेन्क जानव श्वांभारम वाचित्र। (मेंडे शृंहक -भीरक, अथवा कान निश्मक्त प्रचार शिवालक ক্ষাৰ ভাৰে। সমৰ্গৰ কৰিয়া মেই প্ৰিক্লকে, লবৰ অপত্ৰৰ কয়ার্মিৰা। অগৰান দিয়া- পুডক্রিয়া ष्टांडाइइए**वर श्रांटन किकिन्ट ऐस्टर्ना**ठ शरीय। क्षां जित्र। त्या । व्यामना हण्डु जिन २ वे ८० म लीम' अ हेप्नभाषक क्षेत्रक कांब्रड मा । धाकार कडिशीय खेरकांक्रशंखांत्र अख्तियांत्र करण दाज नागंख्यांन ত্ৰ আগত ন্যালপ্ৰায়ণ नद्धि (करनन क्षेत्रक भोगवि शीन महत्त्रम श्राम प्रशिष्ठ জিনুটি মাজিন্টেটেৰ সহিচাপে, ক্তক নলি অ-র্থলোলুল ক্ষেত্রকাতির দুপ্রবিশান ক্রিয়া, छिति थि छेपछर 'तहस्ताप बहेप्रांटन।

अधून। क्रजनीयारव गनकी शार्थन। त्य, जि नि केशवास्त्र ठेक्कभगांकिविस व्हेश श्रातिकात्र वाव: व्यापानाः श्रिक्ष भाषाम व्यवस व्हेस। २०० जुन २৮७२

প্রীযুক্ত সোম প্রকাশসম্পাদক মহাশহের।

व्यागारम्त धार्यान महत्वायिन माटक्टब्र

नारम छेर का अवरंगतः आंख्यात् म्यख्यारं फिन मरण्ये ७ फेंक्स आमित्रकाः किर्म कर्मकारि मर्थकाः वर्षेत्रारक्षम् स्माक्ष्मावर्ते अवनक निवाद वह नारे, निवादतः कात कामा निवादभर किर्मा कमिनमह मास्करमह आकि क्रम लिंक कर्मारक्षाः

আমানের কল আলালকের নেরেন্তালানের নামে উৎকোচ এখনের অভিযোগ ছইরাছিল। ভ্রিয়েক জীবুক জল নার্টের লোকজনা জিন বিদ করিয়াছেন। "

এক ক্ষম চা-কর সাছেব নীকার করিক উপা-লক্ষে অবজ্ঞা সদর মুক্ষেকের কাছারিছে বাইরা মুক্ষেককে অনেককটু জি ও এক,ক্ষম শোরামার্কে স্পাছকচরগঞ্জার করে, মুক্ষেক সাছেব প্লা-ক্ষীর বিধান্ত্রারে ভাষার (২০০) মুই পঞ্ টাক। রও করেন, জালাকের ক্ষম সাহেব ভাষা-ক মুক্ষ করিয়াছের। চা-কর সাহেব ইন্দ্রজ-কি না ২

ভানতে শাই আমাদের জন্ম আদাদভের অমুৰালক মহাপদ্ন লাকি উৎকোচ প্ৰহণ করেন, यनि अ समद्भवि ने नहां ४५ छटन किमि, सुनिक्छि নৰাজকে জপবিত্ৰ ক্রিভেছেন। স্বরায় লোভ সহরণ করুব। আধরা জীবুক্ত মহান্তা জল সা-**१६८२३ अञ्चार वर कर वाइवश्रक्त कर्क** बाजिएके परिवाहि। जिनि अक कम अधूर्य विठातक। जीवात विठात कार्या छनिएक एक कृ १४९कुड क्**रे**ट्य । किनि अम्बि **स्वित्राप्त स** আজি যাব এতি সময়, ভালি ভার অভি নিমন্ত্র ধাহাতে আজি কোন কর্মে নিযুক্ত করিয়া অর্থ-भागरत मध्य कतिराज्यामः, कालि आवाद दिना थशनात्य दनडे वास्ति कार्याक्र बाह्रा क्रवार्यर म्या । हेटल्ट्स् । -विठाहाल्यांकः व्यक्तिमात्रः निश्वं यात्री, अलिकांत्री जिल्ल जना वास्त्रित अरक्कर्त्र-बाद जांचा कि ? चांदब चांदब यबहुछ व्यक्तरा ध-হয়ী, এক কৰ সমুগত হুসলযান, কোন কৰিয়াপ-র্কীকে তাঁহার আফিলে গিয়াছিলেন, ভজানা সাহেৰ স্থাপয় ভাষার এক টাকা জনিবানা ক-तिबारहर । कियि त नकल कार्यकर शब धर्य करत्रम, खन्नाथ। एव नकल इवशीरस, छीवीय नि-জে হৰুদ দিবাৰ ক্ষমত। নাই ভাষাতেও ভিনি ইছালুবণ ছতুম প্রকান করেন, আর দেই দব-बाटक बाजिएक्रिए नाट्यावत टेवर्टक निविता উচ্চাৰ কল্পত কয়ান (সাচেণ কিনা তথে আৰু এতে দোৰ কি) আমানের গলিংট্ট मार्ट्स्ट मृद्रवीख एनियान व्हर्मन का । इति-श्रीरक् छ, देश कदेश स्था तरक श्रीकर्णाहर स्था नही

मानक हिन्छ हित्स अहि मक्त क्रिकेट के किन करि-शा (भन । जामश्रमित के के कि मिलिक है जा-ट्र अरात विमानी विमान शिक्ष । जिल न्यम अक्रमतीरक स्तिकिक विद्यान, कर्याः टम कारमहेत्रीह अंबे क्या कर्युष्ठाहीरक शास्त्र श খানার শৃতির আঘাত করিবাটিটার, তজ্ঞ क्षित् हरे शहिरकत। अवहिंग सन जनः खनिकार^{के प्}रिकात अल्लीरक श्रमबाद शांदे ए चा-माराज अध्यानभेती, बर्गनि जासाधिक परेवा-एन ८ ज्ञाड जानमें खरत जनर्ज नवन पू-राष्ट्रीक **जब्द वर्ष**क्षितिरखरश्चन , क्रिक्केवर् त्र भाषित्व अपूर कहेनडेर ए अवित्रे हे म द्यार में क्रिक्नीटफ माले ही महिवाब त्य अवि शिद्ध कारहादिलाम त्य कामनाव क्षाना है वार्णन রোগ বিক্রিসকাতি ওংহার শান্তি ২ইরাছে আ-ৰ আনদের দীমা কোথায় ডিনি এখন নিয়মিত नमात्र कांहांत्री कात्रम ।

কসাচিৎ জীছ্ট গাসিনঃ।

बायुक्त (मध्यकाम मन्नापक बर्भित्र नवीरभद्र ।

জাপনি ভাৰণত আছেন আয় একন, সৰ **इंदेश कार्याटम्ब अने कृत्य क्रम्मि अवर्ग्यामें** ३०९ ক্ৰান্ত ডিল্পেনসলি স্থাপিত হইপ্লাড়ে । এই দি-ল্পেনসরিব নব আদিউান্ট সার্জন স্ক্রিয়ার ধা-পু নৰীন চক্ৰ সিত্ৰ বহুপেছেৰ বহু/বছাৰ হ'ব। काल मा ७ अविक्षेत्र आदमञ्ज गर्कागधातरमञ्जान শেষত্ত, দীন হীন লেংকের অনিক্রচনীয় প্রাক্ कारः कवेट अका किन्तु सदालद्र । सुध्दर्भन विवन्न अहे त्य, देशव डेन्ड्रवासन खिहाक मा बहुत्रा क-শ্ৰদ্ধ ল্লান হইবাৰ উপক্ৰম স্বাটিভেছে। যখন ডা:-ক্ষাবপানা কাশিত চত্ত, ২ক:লো আংমের লো:-दक्द्रां कि के कि के माहाबा के विद्यान श्रीकार करि-श्राक्टित्सनः अकारनं कोशः (५१% दश्रद्धन नामकेशा-হি পুৰাৰ কৰিল টাকা ভাষাটন গতে এই নিৰি-स धारामा, ११६ मनीकृष्ठ होता (मा ह सम्बोक, ब **করিডেছেন । আ**র কের কের ব'লগু,বার্কে; **আটি আ**নংকিম্বা এক টাক, মান্তিক বিং ৰূপ দ্বি ८७ भावि क्छि निर्मान, राज्य 🕆 वरीय 🗠 ६ জো আমাদের বাসিতে অংগির: ; क्रिकिश्मा कतिराम ना । अर्थन कार। ६३ ६६ **आधन् वाष्ट्रिता एक मार्ट्स्ट्रिय वेर्ट्ड्रिय ५** १,७ ज्या विकासिक वास्तिक अभिके का शहर⁴र ' CB के विकास करें हो रहन । १ के कि शूर्टिंग के अपन नार **८७ भूमि मामिल्डे हे अर्जाम वार** प्रमीर 'বা;চেন্ শ্ব মঙ্গল চেটা। ন। পাইয়া ব্রাজননাক ও নিবন विद्यानियम् दिना क दिना लाह क्षिण कदिवन्त रे. १ ह १ '७ ग्रुक्त महाद उउक्रके क्षिताका रे कारक क्षेत्रानिक करें।

निमित्र मनशक दिशेशका। विशासक सागन कहा क्षम भागत जिस्की बाला, साध्यय व्यक्तिशेर बत्रे क्रिके करिया जीता कांग वर्षे किन्छ पिकित्ता श्रुवकरा श्री

धडाम वाह्य गहिल्हा जामारत्य व्योदन এক এন খৌলৰি হামিয়া জানিয়াছেন ! ভৈনি অন্থাৰা কৰ্মে বিজ্ঞান পৰিপান কিছ উংলোজ अन्य कारमा मा । खाँकारक पुत्र हा वालमा करे (६ व्हेर के इंडेर का शक्य मार्थिक अवर्गा के ्त और ज्यूद्र वि क्तिएडिंड, डीकार, व्यन अ তাপ বায়র মতে মাজিষ্টেট নিৰুও নাকৰে 🕦 - কিছু দিন গও খুইল আপনকাৰ পতি 🗥 े क्षिक्र मारम इंट्रामा भी के बना विवास ম্বাশায় এথ স্থাহেবের মিসক বাটাতে অংশিয়। ভিৰে। শৰে স্তালনাম যে তথায় ৮মিনস ভালি शमन क शारका चार कमद्रव प्रदेशार द्या (में , क्या ए तहा 'दल का का का का का का का शक्तिको - वयः आक्षित्राह्म त्य जनिहरिल বে ঐ াথালকে গেণ্মস্থ ভক্ষা করাইছা লাভি-। পর। আনশ্য ওরপ মৃত নয় করেও আনেক্র তে তুলিকে।

গ্ৰীয় ও বৰ্ষা কালে এখানে সৰ্পের অভিশ্র श्रीकृष्णिक क्षा श्रेष्ठ दनिवादि अस ग्रेस पूरा अर्ल ५ के रहेन्रा क्षांबाङ्ग्य कवित्रहरू । अर्थापन आ आइ इस्कि विकेश अहा । भन्ना व कन क्रामणाः इक्ति हडेर७१६, मान्द्रबाक्षरमह स्मोकाय सामगति **उत्न कलावे जागक बर९ प्रमामा करा पूर्यः।** পোলা ক্লাত মুলা হইডেছে । ছিচকে চোৰেৰ जल हाँक इदेएके इ. विरमहण्य आंति कालि की है कि हो वहीं किए अधिक स्वैद्याद । मशंभय श मिरवद कि मश्रमाधन इंदेर ना १ दाखोद कार्स विधान सना चालि कालि व विवर्षेट वादित व ७ क्षा क्रुकृत । आधिशमत क्षिकी अने सक्र सक्ष्यक्रिक किएक किएक आकर्ते। त्वास ।

वक भारत ।

মামবের জীযুক্ত নোমগ্রকাশ अभ्योतिक महाभारति ।

স্বিনয় নিবেদ্য স্পায়ত মহাশ্যু সংগ্ৰি প্ৰীক্ষাৰ প্ৰায়ন্ত্ৰ বি অনুষ্ঠিত হওয়াতে আদি মধ্যে। मरशा के , व निवास खार सु करिए। कि । के दे अकि ६ ल किलिका : अपनि कित्ये, आमिसाहि । इ. ६८% वृष्ठ्यपुरुष कि वि.व.) श्राप्तमण्ड (विकेश १३%) হা, গত্ত ব্যক্তাক কীড়োগ কৰিছ। এটিয়াছি উপ मान अस्थान आहेल करेलाम । विहेलक्षावर) अर्था (४८: श्रीडमण स्त्रीताकः करतः विस्तृतेखाः ধাৰার। ছুইটা জেবীৰ পাড়িতে বার ভাষাদি-

श्रकाम करता । श्रवकातः किन्तिक वद्याचातः हिन्दि क्षेत्र करिएक वस्त क्षेत्री स वर्षा भी ण्टिल किंव चूनि माधिको बावेटनय । विक ग्रहित्त छाष्ट्रांन एडक्टर्गिनित्र। विकक्षना हित्स विकारमञ्ज्ञ अकेसर्गिनित्र गावित छ छित्सि नमस চাবার বিলকণ গলারাতা থাইতে ধর্ম ভালরা ह निश्नम कारह ४ व अव अविद्युष्ट में इंडिंग्स अधिक छेडिएक शाबिदय मा किन्द्र क्षांबाका कार्या-কিব। এক এক পাড়ীতে ৬০। ৩৫ জুন করিব। প্র-রিয়া ১৪০, ভাগতে অত্যকার করিলে বিলক্ষণ উত্তম স্বধ্যম দিনাধাকেন, শুনিতে পাই আপত্তি করিলে সাহেবেরা বলেন খাহারা ভদ্রলোক ডা হাঃ তৃতীয় জেণীর গাড়িতে ব'র কেন ১

ars मंत्र जरून सञ्जाको कि नगान न**क**ि ম ল। জাত ধালবা ভূতীয় শ্লেণিৰ গাড়িতে বায় ং!হাব। সভুষাই নহ। মথুষা বলিয়া ভালাদিলে-· যে এক একার সন্মান ও অধিকার জাছে *ডা*-ः क्रिश्व डांबाल माहै, याद करेड असमाहे बिन थात एक लाक अनीव नवीनहरू मित्र फाएन्स কেন্দ্ৰ কেইলওফের গাড়িতে ঘটনে জী-रक्ष मानक बांगू प्रेन्न करण आंक्षांन किन्ना शाउँ। । कांच करिएकम मा। विसे बलिएकम अवासवासून इट्ट अर्मि डोडा प्रविद्ध गारिय में किय औ थ कर अब्देशक ही त्रांव राक कर. विश्वि न्य यथा ६८अ हि स्मारम छ वन विभारक विक् हर हो कार् कि महिनकि व कि (दिवस न है : क्या के के छ । थ'क:८ड 'ई'हात क्लाइ मानति, श्यांबी

ग्नाथा थि।

क्रिम्याव वाजा

१२ ५% को । इ. कहें एक १० हें सारे लगे हिंद हमा १०० শিবুকু বাবা িধা এলাল রায় ব্রিসাল कि का शिक्ष ১২৬৯ মানুল পর্যান্ত । भ मिनीश्रुव ण बाह्य य कटन्त्राक 'धा'ग ८कार ३० वी । १८४२ । १६ हे का लाम श्रमी ह (म मनीश्र " संचित्रक्तं मह ३२७२ देशां के कार्या कार्तिक श्रदांख वि (मिल्नी श्रेष क्रारशका,ज म भाज ३२७२ देखाई का वीस को डिंक शर्वा ड टका e खे ,यक्रिमी शूर ज्ञान्त्र, ज्ञा भी; कशीवाद .२७३ रे**का** ७ कर्बा कर्मा कर्मा करने व (कार ह वे (मिमोशूत " मही महन्त्र मार्ड २२७२ ट्रेकांके अवधि कांचि । शर्वास ८इ१ ६ खें १९ वृद्ध राश ज्यम ३२७३ देखाने क्यांच काखिक श्रवीत cकार ६ वी

क्षेत्र व (अक्ष अक्ष क्षान्तिन भूको मण्डल) द्रिणकएपह भिन्नाम् । क्रमण्डा प्रसिक्त होरहिलाका बाह्य **से**शुक्त ब्राह्मसामाच निकार्षभूषरवत् दानितक अकि न्यानवीत

मियशका

" अवर्षनां प्रक्रतिविताय पार्चितः सरस्वती शतिनवनी स दीवता ।"

র ভাগ। ৩২ এইখান।

गन ১२७२। ७ व्यावन। हेर ১৮७२। २५ छलाई

মাসিক স্থানা ১ টাকা বাৰ্ষিক জাগ্ৰিম ১০ টাকা

विद्वालम ।

হত নিম ছউল বজাতাবাৰ কৰিবর ডারাচরণ भाग क्षेत्रीक भणाच कावा माध्य (य एक मर्स्साव्य প্রান্তর প্রতার ভারত ভারত করিকংশ চুণ্ণা চওয়াতে সামি ইহা পুনম্তাক্ষিত কণ্ডি সাধাৰণ জনগংগর গোচয়ারে প্রকাশ ক,বিজেছি। মধাণ কান্য সতি *প্ৰ*বাসিত ^টুকাৰ সদম ক্ৰিলে অথবা পাঠ করিলে সংচিশয় हबरहुछ इहें एक स्व । बनाच कारना व कारनक কু'ন পরিভাজ ও পরিব ইতি চইয়াছে বে मकत फ'म 'अन्रश्तप ७ व्यंगति छ ६ हिन. म সংশোধিত ফ্রিছা नकत सात, भरनम দিতে সাধ্যমত প্রয়ান পাংয়াকি । এই পুস্তক : भावाधिक फिन मड शृष्ठे इहेरवक। हैरीय गुना । ১৫০ট'কা, স্বাক্রক,রিয় প্রতি ১৮া এইং স্ট্ ম্চাল্লেরা সিণ্ডল পেমার্টর আবিদে আমার भिक्षे अञ्चलकाम क्षित्र और स्ट्रिंग ।

ब्रिन्दीनप्रक्ष एकः

নোমপ্রকাশ ।
•ই লাবণ গোমবার।
ইনকম চাকা ঘটিত স্মতাচার।

অর্থক হওয়াতে প্রক্ষালিগের নিক
ট হইতে কিছু কিছু লইয়া অসপতি দূর
করিবার উদ্দেশে গবণমেন্ট এ দেশে ইন
কম টাক্স প্রবর্জিত করিয়াছেন, কিন্ত কর্ম
চারিরা আত লোভে উপন্যাসপ্রসিক্
বর্ণময় অও প্রসবকারিনী হংসীর প্রাণ
বধের ন্যায় একবারে প্রজামনের আয়ন্দ বিনাশের চে তাম আছেন। আমরা পূর্বে রাজকর্মচারিদির্গের এই স্থানেন্টার কবেকটি
উদ্যহরণ প্রদূশন করিয়াছি, সম্রাতি কুমার

কালি, পাৰনা প্রভৃতির মহাজনগণ এতথ সংকার যে এক বানি পত্র পাঠাইরাছেন নিমে প্রকৃতিত চইল, তালা দর্শন করিলে পাঠকগণ খাষে একটি উৎক্লক্ট উলাহরণ ভাগে চইবেন।

महाच्या (क्या । मन्यात व भावनांत्र व्यक्ति কুমারখালী প্রাকৃতি স্বানের মহাজনগণ প্রথম वरमध्य हैन्यम् डीटकाव क्वम धास बहेरत डे शिनिरंगत त ए राध्यात चारह नवृत्ताह क র্শের জার একত্র করিয়া উক্ত হর্মে নিখিয়া पिया कारमध्य वहां भगकिरात्र निकडे आर्थन करतन । छोटार्ड राइए अन्मी अ अन्सन्तां धी कर्पहारी है। बेह नाटक हो हो ना ज त्य मा নের কারবাব ভাহার নিজের যে ধথার্থ আছ তাহ'ই লিখিত হয়। জেলার কালেক্টর সাঞ্চেৰ ঐ রিটপের লিখিত আরের উপায় কিছু কিছু সাতিরিক ধরিয়া আনেসরদিগের প্রতি জা-দাধ্যে ভার ভার্প করেন। মহাজ্যের। ত্তবি ষরে আপনাদিনের প্রশিক্ষনাদ হইডেকের লিয়া সাপত্তি উত্থাপন ব্বিলে ভাষা অগ্রাছ চটবা কালেক্ট্রসাহেশের নির্দারিত টাব্দ আ ল'য় চইয়া ভাষার ১*িনিং*কেট ওরসি**ল পাঞ**-ए হয়। দিনাজপুর ও কলিগাত। **প্রভৃতি বে** বে স্থানে মঞ্চনদিংগর গদি আছে, তথাকার कार्यमञ्जलिरशय निकडे के मक्त मार्डिक्टिक्रो ও ব্রণিদ্ধ প্রেরণ করা হয়, কিন্তু কলিকাভার আদেসর কলিকাডার বাণিজ্যের আরু পাবনা প্রভৃতি ছানে প্রদানের প্রয়াণ ছবণ ই সক ল আনেসংব্রে কত নাটিফিকেট ও বুসিল অগ্ৰাছ কৰিয়া কৈবল মহাজনদিগের বাজার मधुरमद रेशद वृष्टि कदिशा अन्तरावकरण का

बाइ निकडे ६८० काश्य निकडे १०० काश्य নিক্ট ১১০০ শত টাকা প্ৰ্যান্ত আহান্ত কবিলা नरेमारक्तः अप्रिट्य प्रिनाम भूरवदः कारनज्ञेत সাবেৰ মহাশয়ও তথায় প্রেরিড ঐ সকল गांविक्टिक अ इतिल अधाय केन्द्रिश हेक् শ্বানের প্রতি ৰোকাৰে ১০০ শত টাকা পদ্ধি बार्ष कार व निक्षे ५ ००० काराब निक्षे ५००० কাহার নিজ্ঞ ৩০০০ আজার টাকা বল পূর্মক आशं क्लिशंटक्न । देशंत क्रश आहता विक्र বিশেষ ক্ষান্তার কাছে। বে সকল বহাক্সক उति विक होका नरना नरकार क्षिका विद्का अभवर्ष रहेवाहिरलन, डीशक्तिरनव याराव ৩০০০ হাজার টাকা টাকা ধার্য হয়, ভাহার প্রাত্তি লতে ১০ টাকা হিসাবে স্বর্জ ধরিরা ৩৩০০ মত টাকা পাওয়ানা কয়িছা ৩৩০০ भड वश हाडेन नीनाट्य विक्रम कहिला

ब्राट्डन । উक्त ठाउँ न शक्तिबादन ७० ৰণ, থলিয়া ১৩০০ শভটা। বাহাটের সমুদার विनद्यत्र जात्र वृक्षित्रो ३००। ৫.० ज्याचा १०० শত টাকা টাকা নিৰ্দান্তিত ক্য়া হয়, जाबाजिश्मा निकंडे बहुद्ध आह ४००१ হাজার টাকা অন্যায়ৰণে আছার করিরা न वर्षा करेगाएक । विरम्बन्धः विवासन्यसम् **हाउँटनद्र बच्चा बीलाय कहिया के हाका जाला-**র করাজে, মহাজন লাকেরা নিডার হতাশ হইরাছে। এক লক পচিশ হাজার টাকা আর मा बहेरन ६००० हाजांत्र होका होका होराड পারে না। কিন্তু বাহার এক লক্ষ্প পটিশ হা-জার টাকা মান্ত্র মূলধন, ভাষার নিকট হইডে ४-०० शंकांत्र हैं।को डीका जाशीय कतियां ग-ওয়া হইয়াছে; ইহার অপেকা অন্যায় আর कि भ्राह्म ? बराजनि कातुवारमद्र नक्षि धरे.

८४वास्ति ०॰व ४० बाक्र'न हैकिः सहेब् २४ | काऊरा द्यारक ৰবে বাগেতে ভালার চুট লক টাকার সঞ্জ का । ८एरल अहे मधुरभद्र छैनरम मुधिलांड ন বিয়া টাকা পাঠ্য করু আজ্যন্ত আনবেচন র वर्ष मध्यत माहै। अवश्मद्ध ७ भूक वर्मदात গুছী - টাকোর পরিষাণে এবং নিজ পাবনার কোন কোন ব্যক্তির নামে বিগুণ ও ব্রিক্ণ পরিষাণে টাকা এহংগর নোটিস দ্বের্য়া 👀 – राद्धा शक वरमस्त्र महीक्षम स्वारक्त्र काल ৰওয়া পুরে থাকুক, যুলানে ছটাডে ৶ আনা ১০ আড়াই আনা করিয়া কতি ছইয়াতে ' ইহাতেও ৰদ্ধি ঐব্য অন্যায় করিয়া টাক पर्शालीय क्या व्य, जांडा एडील महाअन वर्श আচিবাৎ উৎসন্ন হটকেন সন্দেহ নাই :

> কুমার খালি পানন প্রভূতিৰ মহাজনগণ

বহাজনগণের স্থানে স্থানে যে যে কার बाब जाटह, जाहांब्रा त्म मञ्जूषादः व जाह একত্র গণনা করিয়া ইনক্ষ টাক্স করমে निधित्रा निशिद्दिलन, এই छ।शनिरशत অপরাধ! এই অপরাধে তাংাদিগের মূল ধন প্যান্ত ঘাইবার উপক্রম হইরাছে ! ভাঁহাদিগের রক্ষারও কোন উপার নাই. कि काटलकेंद्र कि चाटनमद्र किन्हें छोड़ा । धामानिरंगत चंडाल आमर्यत मरमह नाहे. विराधत वारका विचान करतन ना ! आमता | किन्नु छे ट्रा किक्श करण के हैश अरणका म ্বে পত্র খানি উপরে প্রকাশ করিলাম, । তে,পকারক। ভারতবর্ষে রাজনীতিক্তের এ ভাহাতে বে প্রকার অত্যাচারের কথা লি ় ভাব নাই ৷ আইন বিবয়ে এতদেশীর অদি বিশ্ব হইয়. ছে, কিছু দিন এৰপ হইলে | কাংশ অচিক্লিড কৰ্মচারী ফিবিলিয়'নদি 🐞 শহাজনপণ কতকাল বাংসায় চলোইতে ; গের অপেক্স. নিরুট নছেন। সভ্যাকণ প্লাব্লিৰেন > প্ৰধান পুরুষদিগের কর্ত্তকা, বলিছে কি, আমাদিধের খনেক ' ডপুটি हुत, महाजनिएशत चार्यपन अवन कविया याजिए है है अ महत जाल। एकरण काक জাহাদিপের প্রতি যে পতাচাব হুইতেছে, বরিষা লক্ক প্রতিষ্ঠ ও লোকের বিশাস ্লেঞ্ছার শিবারণ করেন, নতুন এক কালে 🖢 ভাজন হইয়াছেন, অনেক সিবিলিয়ান সে ্**ইলক্স টান্স রহিত** করাই শ্রেয়কপ্প। শক্তের বিষয়ে এ**রপ নছে। ভারতবর্**ষে বি পুরুষ্ট্রের ইবংশ টাভের্ট্টিরুলন চেই। বর্ষের হোনু ছানে এভিনবর্গ অথবা পারি ্বিয়া মাজে ইরের বণিকগণের ও দেব ন্যায় চিবিৎসা বিভার অনুশীলন

ना तम् मुदिश अद्य वय क्रिटलम् !

हिन्दि हिनि अकर मध्य

লাভ মেকলি প্ৰ-ৰ্গ **त्रिक् वार्षिकः मिन्दिकः । इत्र**ा वेश्यदिश्व অধীশর চভুষ উই: মানৰ সময়ে মহা मछ। देश्मरस्य । वरीय बरयह क्षराः ८१.३ १५ शाहेताह अपि কার দেন ৷ তে^সান ं ६५७ क्या स् भी गिममारक विक्रिक विविध्यक्ति भागतः **ভেব অধি**বাৰ কৈটা ডলেম। ১৮৫: অ ক্ষের মুক্তন বনন্দ পারা ঐ অধিকার কেব ল যে দুড়ীভূত চরা হয় এৰূপ নছে, সি विम मर्निएमं अर्जनीधकात काम क्षेप्र ५ দেশীংদিগের জার এফটা কল্যাণ ছার উ ন্বাটিত ব্বিমার ৩রা হয়। ঐ সকল স্বন্ধ প অধি দারের মধ্যে চিক্লিড চিবিৎসক পদ লাভের অধিকারকেই অ'মরা গ্রাণান জ্ঞান করিয়া থাকি। মান, সন্তুম ও বেডন প্রকৃ ভির বিষয় চিত্রা করিলে সিবিলিয়ান পদ हैनक्य होता प्रस्कि करतन। अक्काल क्ष क्षेत्र भारतम मारे। किछ विकास কার প্রাক্ত কার্তিলে অভ্যাচারের নি । ১৯.০ খাত্রের অধিকতর উন্নতি হয় ন'ই। कृ पहुँदि ना। আলাদিগের এই কো ' অ: গ্র চিকিৎসা বিদ্যালয় সকলে অশ্প ব্ৰেক স্কুতিক্তে, লেও সাহেব এই নহত্তর । ম.এই শিকা দেওয়া স্ট্রা থাকে। ভারত

इंडेएडएड - ध राग्रमंत क्य कन ठिकिश्नक উদ্ভাবনী শক্তি প্রদর্শন করিয়। কোন মূ তিন্ত্ৰিধ বিষয়েৰ স্থানিন্ধিয়া করিয়াছেন -নিজ্ঞানশাস্ত্রেন্বিগরে তাঁহাদিগের बि दि सेनी प्रदेशाह्म - अ त्मरण खात । उत्थान जनमंद्र १५ कि क्युबा मा, क कथा অকিন্তিৎবন্ধ। বিষয় মালাচেব্র অধিকারর অনুশীনৰ হইতেছে মা, বলিগাই এডিতা গুণের কিয়া লেখা মাইতেছে মা ।

 (क्कीशिक्टिश्व छिद्विष्ठ छिदिष्ठिक भग नां छ भथ अक्रुक्त थे:कितन हेड 'व' हैं? गर्छ भिक्र कर्त्रिया हिन्दिस्मा भारञ्जनि শেব বৃং-পদ্ধ হইতেম, আমাদিণের এই এক মহতী আশা ছিল। কিন্ধু সেনাদলে প্রারেশাধিক:বের নিষেধ হওরাতে আমরা नि**ट इंग्लंब अल्ट्साबलाइ इंग्ले**खि । এখন ত'নকে কেবল বিদ্যালয়ে ছটখা हे॰लाएगमनाधी दहीरबन का, मैक्स शक, অধিক মান ও অতিক বেডার কাকে লেণ্ড विमाः निकार अक्की क्षशाः गैकीलम वि ভাব। কেবল বিদার জন্য বিদা শিক্ষা করেন একণ লোক অহি বিশ্ব ।

যে দিন ভারতব্বী ৷ র জ্বনীয় দেলা দল একত্রিত হয়, সেই দিনই আমাদিগের উনিখিত অধিকার হইতে বক্সিড হইলান অথকং আরে র জ জইয়াছে ৷ স্তিরা আমেছি গকে ব্রিণ্ড করিণাছেন, তাঁহার৷ আমাদি গের শ্বীরিক দেখেকে উহয় কারণরপে निरम्भं करतनः किन्दु चरनक ध्वयः श्रया न हिनिष्टमक । विवाद ए । क अमान क রিয়াছেন, তদ্বারা উলিবিত বাক্যেব অমু লকত। স্পাই প্রতিপাদিত হইয়াছে। শ্রী इश्रक अपहुँ हा यपि व्यक्तिक्यक सः हरेन, ভবে আরু কি অনা প্রতিবন্ধক 🗸 তবে কি वर्गटकम ध्विक्कक । देश्लटकमरीत स्थाय ণা পত্র এ বিবরে আমাদিগের সহায়কা করিতেছে। উহাতে খেত, পীত ক্লব্স ও লোহিত প্ৰভৃতি কোন বৰ্ণের কথা নাই। खाल इंडेट्संभीन परल खन ना इरेन, वि পাহী দলে চিত্রিত্ব আসিউটি পদ লাভ व इर् (क्न) धर्मन भग स धक लक ত্রিল সভত্র সিপারী আছে : ভাচারা ভ क्वित कात्रकरार पाकित. के मत्न कर क्ष्यनीय विश्वतक विश्वति कविता व्याव किः कतात (क्रमात अ क्रिमीत्रिमिश्र कि विल শুকুলন না ক্রাই বা হর কেন[ু] ইউরো की दिनदश्र कह कह अतम्भीत्र विकिश जक्त १८क प्राथना मिर्णत गतिव देत्र हि किंद्र के काइया बिर्माकिक क्तिएक जन नाह श्हेरक शास्त्रम नरहे, किंक काहाता अश्वतान जाधिक इकेटवम मा : गाँपरे दा जा ।तक इन. (अपि अपः अस्त्रमाय वित्नित्वत ুসংস্থারের অনুরোধে একটা জাতিকে ा क्यारित अवधि महस्त स्थित हेर्रह दक्षिक क्या दकान करामरे निरंधत हम मा। मध्यानी विषया रेखेत श्रीताता मकवन कामालाकत क्षीनदा है हाता अने युक्ति ়চ তৰে বলুৰ নাকেন যে এ দেশীঃ মুন দেকদিংগার নিকটে ভাছাদিগের বিচার मा इंग , शवर्गसम्बे कि इंख्रेद्वाभी अनिरशत কুসংস্কারতে প্রজ্ঞা দিবার উদ্দেশে এ দে नी गृष्टिशतक सुनत्त्रकि अम इट्रेंट विकट ক্রিবেন: আমর। চুংখিত হইলাম ইতিয়ান বিক্ষর সম্পাদক ইউরোপীর্ণিগের উল্লি शिक कुमश्कादम् धाळाग्र मिनारस्य। य রাজনীতি জেনিবিশেবের কুসংস্কারের অনু त्वाभ वका करत छ। हा निर्दम् व छ अनः সনীয় নছে ৷ যে বিষয় বিশুক্ত রাজনীতির অনুমোদিত, ভাহা কথন বিশুদ্ধ ধর্মের অননুষোদিত হয় না । যাঁহার। ধর্ম ভেদ প্রদর্শন করিয়া রাজনীতি বিঘটিত ও বি কলিত করেন, তাঁহারা যথার্থ রাজনীতিজ নছেন। যিনি ভারতবধের শুভাকাক্ষী **এবং विनि चरणभी विषयात्र अ**जिनिधि < नि রা পরিচয় দিকে উৎসুক, তাঁহার এ সক ल विवय विरवहमा कब्रिया (लथा कर्खना। হিস্থপেট্রিয়ট এই জনাই ভারতব্ধীয়দি গের প্রতিনিধি বলিয়া পরিগণিত ও আদ तित्र भाज स्रेतारहम ।

वाबांबेरम्ब भावती ७ हिन्द्रता छेन्नि विक अधिकारत्त्र भूमल छ वामनाव भानि রাবেশ্ট সহাসভার আবেদন করিরাচছন। মাক্রাজ ও বন্ধ দেশের লোকদিগেরও এ रियदत छै नाजीन थाका विषय नग । धव विथ विवरतत्र भिमिन्छ शालिग्रास्मरके त्य चादिमन कर, काहारक अकृषि महती क्रांष्टि बरेश बादक। किन व्यक्तित अक बिड हरेश अडे नकल घ'रवषन क्या कर्ड बा। बाहा इरेटल बारवनरात्र जाव श्रमका हरू। ভाরতবধীর সভা कि कमा বোনাই ও মান্তর হৈছের সভাকে এ বিষয়ে প্রামর্শ না मिन वर्षमान चार्यमन गृहार् क मिन् গাবতীয় প্রেসিডেন্সি স্টুডে গুগপথ প্রেরি ত হল, ভারভব্যীয় সভা ভদ্বিবৰে সৃষ্ধি কি গ্রণনেক্টের ধনাগার পরিপূর্ণ করা শেষ শৃত্ৰ বকুন। উলিখিত অধিকাৰ লাভে त कमा जामामिर्गय यह पुत्र माधा हिसी। क्या छिठिछ। यमि छात्रछवायत नमूमान লোকে একতা হুইয়া এ বিষয়ে প্ৰতিবাদ करवमः हे श्लेशाय भवन्याचे काम करमहे আপ্রাদিশের অন্যায় ও অনর্থ মু নক আক্রা अপतिवर्षिक ताबिएक न इनी इंटेरवन ना ।

পতিভঙ্গি বিনয়

এই বিষয়টা বেমন আমাদিপের অতীত शवर्नेतरअनद्रलाक त्यवावकास श्रीवृक्तिकाति । দিগের প্রিয় পাত্র করিশাছিল, তেমনি আ वात मूखन भवर्गव कानत्रलाक केमहाभूसप দিগের বিবেধ বিবদ কবিরা ভুনিভেছে। লাভ কানিডের সময়ে প্রিছ পুমি ক্রিয় প্রতিক্রা নিত্র প্রায় হই গ্রাছিল, ত্রীর বিকারি फिरांत चांनरकत शतिभीम किल ना। किंद्ध लार्ज अलगिन स्ट्रेंट्ड उँ।श्रामिरभन्न मत्नात्रथ भूर्व क्रेबात बााचाक कविशाहक। শেষোক্ত লার্ড আপাততঃ পতিতভূমি বি क्रम बच्च क्यिमा पिशांद्रम, श्रीवृक्तिकात्रि দলের কোপ সীমাতিক্রম কার্য়াছে। জারু তবর্বের কুমিতে ইহাদিনের নিভান্ত লোভ पृष्ठि शिक्षता: ह। देवीनित्शत्र धालाबाम्

স হৈছ লার্ড কানিও প**ডিড ভূমি বিক্র**েয়র প্রতিজ্ঞ। প্রকাশ করেন। যে দিবস লাভ এলগিন কলিকাডার অ'সিবেম, সেই সূত শাসনকর্ত্তা এইবিবারের বিল ব্যবস্থাপঞ সভায় অৰ্পণ কৰিয়া ভাষা শীস্ত বিধিবস্থ रहेबाज पछिभाग धकान कट्रब । এविध রের শীতা নিভান্ধি দ্যু, লাভ কানিত্তের अक्ष हेका हिल, किंद्र बाबा कांद्ररंग अ বিবৰ স্থাপিত বুজিয়াছে।

আমাদিগের ভূতপূর্ব শাসনকর্তা পচি তভূমি বিক্রয় করিবার যে পাজ্ঞা দেন, প্রীর্ত্তিকারির দল বাতিরিক্ত অনা সকলে তাহাতে সংপূর্ণ অনুমোদন করেন নাই। পতিতভূমি বিক্রয় করিবার উদ্দেশ্য কেবল অথবা ইহার অপেকা আর বিছু মহতের উদ্দেশ্য আছে৷ ধন পূর্ণ ভূমি সকল পরিস্কার করিয়া ভারতববের এর্দ্ধি नाधन कता कि सूचा छटका नता । पनि ভাষা হর ভাগ হইলে লাভ ফানিডের পতিতভূমি বিক্রয় করিবার আক্ষা নিদো ব নছে। গ্ৰাণ্ট সাঙ্ৰে অভৃতি ভার তবৰীর ভূমির বিশেষজ্ঞ ব্যক্তিরা বলেন, মালাকা, সুন্ধববন প্রস্থৃতির ভূমির নাার এট সকল ভূমি কি: क्रिश्र मधरत ক্রেভাদিগকে এই প্রভিজ্ঞাপাশে বন্ধ করি या लख्या दर्खवा (य, यिनि (य खूनि करे त्वन, कें। हाटक क्रांत्रक वर्गतात्र घटना कि भ्रमश्म প्रिक्ष्ण ७ कथिङ क्रिएड इरेट्न, महार अवर्गामणे कृषि बार्किमाश कतिर्वन, " **এ**রুবিকারীরা .. ইহাতে সম্মত ছিলেন मा अवर लाख कामिक्ष कें हा निरंशत था র্থনা পরিপূর্ণ করাই ভোয়ংলাধন জ্ঞান ক রেন ৷ বাহারা নীল ও চা প্রভৃতির উৎপ प्रम कार्या जुडी हम, डाहानिश्वत यह हु र धन बादक, छाहा अकटन काहात अविभिन्न बाहै। छ।हातू। अधरम किस्मिट है। क করিয়া কাজ আরম্ভ করেন, শেষে শাস हैं। अकृषित्र छेशद्रारे निर्कतः शाकी

তে পারে না; সুতরাং প্রার একতরকা जिक्टि इंदेश थीटक। नीलक मिर्मद 🛪 জ্ঞতা ও অমান্ত্রিকতার জুটি নাই। ক্রাই। দকলকে অপুনাদিখের ভক্ততা কেবাইবাব क्या करप्रक करमद्र मारा मालीम कर्द्रमः ভাহারা দাদন লইয়াহে, শ্বীকার করিয়াছে। পাঠকপণ জানেন তাহারা কে ১ তাহারা नकत्वरे भौतकरत्रत्र लाक । छाहामिरभन्न विक्रटक जिकि मार्क बहेबादम । किन्नु खाहा বিদগকে কোন ক্ষতি এন্ত ছইতে হয় নাই। ঐ হতত । সিগের কি কটের শেব। লিগম কথায় কোকের জরিসান। করেন। গঠেক বর্গের স্মরণ থাকিতে পারে, যশোহবের সহকারী মাজিক্টেটের ওলে ও পুলিব সেমাুদিগের সহায়তায় মধ্রানাথ ঘাচায়া ন'মক এক ব্যক্তির বাটাতে ছয়টি क्छा: **र्य: व्ये दाक्तिक बीलक्वपिर**शंव চক্রান্তে ৩০০০ টাকা করিমানা দিতে হই ষাদে। আচার্যা নীল বপন করিতে দিতে ए ना, चाहात्यहे कालाता मामन नर्शा করার ভঙ্গ বারতেছে নীলকরেরা এই কথা বলিবামাজ বিচারপতি ভাঁহার শবি यान। करत्वा भे वार्षि भवर्गसारकेत्र निक টে আবেদন করিয়াছেন। যদি সন্ধিচার এক কালে ভারতবৰ ত্যাগ না করিয়া পা क्नि, के रा**क्तित प्र** थित था**ी** कात स्ट्रेटन।

> বিচারপতি অধি অধবা প্রভার্ষির স हिष्ठ धक्ज वाम कतित्व एकामभीरवर। ভাঁহার ক্ত বিচারে অবিখাস করেন, ইহা व्यथान भूक्रावता जात्नम ना धमन नय. ७ থাপি যে ভাঁহারা ইহার নিবারণ করিতে (इस २), हेश अण्ण विकासत विवस वाह । এই अविषारमञ्ज विलिक्त कावन आहा। এৰপ অৰেক শুনা গিয়াছে নীলকর্দিগের খালা ও লাচ্চোন বিচারপতির মডিজম স্ক कार्रमा निमारक । लियाम कि कार्यका माल कृतीत्क काहात्रि करत्रम ? देशीटेंड क्षिप्ति-ব্যক্তি ভাঁহার পক্ষপাতিতা শক্ষা না করিবে म ? आमन्न निष्मत्र विगया शाहि करमत्र विक

कें अपन्तर है 'अनिके विदिव । भूवीय कि मिरशब चारिके अहे, बिहुक्तिकात्रिमिटशत्र (भोतारका हाहाजिरशत वाम कता छ त हहेरव अवर निवृक्तिकातिमिरशत कनिके अहे । श्रवी विभिन्तित गश्यार्थ अविकासिकामिता শাখীরিক ও মান্সিক উত্তর্দের বলেই क्रमणः भाग करेशा यात्रेरव ।

मीन अभाग धार्म्यक अञ्च

क्रिएशन वर्ड **र्टेटर ब**। १ दर शका संदेशी तक्त्र है स्त्र है वनाष्ट्रत छेरमञ्जन। इहेत्स दुवि। द्राज्ञध्यंक्र थाता फेक्सिस्ट शत विन दिएक मीमाश्या यदि বেন না / উৎসন্ন হইতে প্রজারাই হববৈ, रशरकषु काहाता हुईल। मील मश्का ह यक अकल्याः इवे गट्ड १९ वर्ट्डट्, डांवाव সমুদ্রেই প্রা: হিচারপতিদিবের পক পাহিচ; ও অনভিত্ততা স্পষ্ট প্রকাশ পা ইরাছে। आमता পূর্বে শুনিরাছি, এধনও শুনিতেছি কোন কোন ডেপুটি কালেক্টর অন্যায় করিয়া ডিক্রি দিয়াছেন, কোন কেন ম'জিন্টেট সামান্য দোবে অংবা विना (म। एवं क्विन नीलकरत्र कथात्र प त्वंक धाकारक कात्राक्रक कतिशास्त्र । (६१४) আদালতের বারিষ্টর বিচারপতিরা ত নী क्षक्त्रमित्भेत्र शृक्ष्टक्व छ। छ। क्षेत्रोपिश्रहक পাইবার জনা জীর্ভিকারীর দল অনেক আলাধা করিয়াছিলেন ৷ বারিউরেরাও প্রসূত্র হইরা তাঁত।দিপকে পুণসনোরথ ক নিয়াছেন। সম্রাতি বশোহরের অন্তঃপাতি ক্রেনিদ্রের প্রজারা তত্ততা ছোট আদাদ তের অঞ্চ লিভাস সংহেবের নামে এই বলিয়া নালীশ করিয়াছে যে ভিনি নীল কর নিয়ার্স সাহেবের কুঠিতে কাহারি ক রেন। মিয়ার্স যাহার নামে নালীশ করেন, তাহা সভা হউক আরু না হউক, -বিচার পতি তাহ'রট বিপক্ষে আজা দেন। অধি ११न क्षा कर मीमपूरीहर अवस कति । तहे त्य मकल माली मुख्या एक छारा नका

मारहत था इंडिंग सनूरम के विकास अथा अवलविक स्टेटल दक्ष्मी भी क्षेत्रिक कटमक छै।क। मर्श्वाद्वत चावनीक कट्य ा **য**াহার। সেই **আবদাক অর্থ সংগ্রহ** করিরা काट्या श्रीवृक्त स्ट्रेट्ड शास्त्रम, छ। हामिरशङ्ग षांतारे (मटलंद्र कलागि रहेवाद्र मखावर्ग). किष्ठ अवृद्धिकातियत्न ७.कृम लाद्यत সংখ্যা **অ^{শ্প}। মুডৰ গ্ৰ**ণ্**র** জেনেরলের मिक्किपिरभेद्र मध्या थ नि द्रा मध्यान इन् াতে লাভ এাগিন এ বিষয়ে সর চাললস উত্তের মত গ্রহণ প্রতীকা কবিয়াছেন! রাজপুরুবেরা ভারতব্বে যে সমস্ত মূভন **कृष्य विधि निर्देश**िष गरवन । शहा के ब ,अंग्रंगायन लका द्वि मध्ये । प्री इस, महिलाल बन्ना अहे अनुदूर्वाप করিয়া স্থাসিতেছি ৷ কিন্তু সঞ্জা রাজ श्रृक्रात्रद्वा मकल मबत्ता धरे निष्ठायद्व चन् সারে কাষ্য করিতে পারেন না। তাঁহারা জেণি বিশেষের ভয়ে রাজনীতির অননুমো দিত অনেক কাষ্য করিয়া খাকেন। এরপ 🚶 ম্বস্থান সর চারলস উডের হস্তার্পণ ভার গ্রেক মকল হেজু সন্দেহ্ নাই। সর চার ্স উড বলেন, প**্ৰী**গ্ৰাম মধ্যে যে সকল পতিত ভূমি খাছে, জ.হা সাধারণের সো চারনের স্থান ও সাধাবণ সম্পত্তি, **স্ত**এব ভাছা ক্রিয় করা বিংধর হয় না। ভদ্মারা नाथात्र-।त यच र वि इरेबात महायना ! পৰ্বত প্ৰভৃতি ভানে যে সকল বন পূৰ্ব ভূমি আছে, তাহাই বিক্রনের যোগ্য ! (আমরাও এই বাকে। অনুমোদন করি। শলভঃ আমাদিণের অভিত্রেত এই, শ্র্র্বত প্লব্ন কলেলে যে সকল ভূমি পতিত আছে, ঁ **ভাছাই জীর্জিকারি**চিপকে দেওয়া ভয় ं श्वर कादांबा कांचा लहेता किला। ना दा क्षेत्र । श्रीवृक्तिकान्निरशत नहत्राहन रा ক্ষ্ণিক্তির বেধিছে পাওরা যার, তাহাদি

গুলু এয়ৰ, নার ও জনপত্তে বাস করিতে

क्रिक्रिके सहस्र जातु । म

अर्दे। अकाता नामम लग्न माहे। पास्क न हेरल मीलकरबड़ा कार्य शाका कब्रिया लिखि हेन्ना सरेएकन सरकार मारे, 'काहाना मा याबा काश्रदक विना दिक्किविद्य क्रियांत्र পত लिथारेशा महेवात भाव बटरब 🎖 यदि वल विधान धाकित्ल के क्ष घडेगा इंड्रा चम्डाविष्ठ बटर, बीलचरिष्ठ भान যোগ হইয়া অবধি পরস্পরের সেবিখা त्र विवादह । हिनदे वा कि ? अवल चरन মিশাৰ্স প্ৰভৃতি বে সকল বলিল দ্বিতে ছেন, তাহা সহজে প্রমাণ্সিত্ম বিবেচনা क्द्रा कि.म करमरे मनतानूगंड मरह। ए বিচারপতি ইহা বুজিয়া উঠিতে না পারে ম, ভাঁহাকে এই দতে বিদায় দেওয়া कर्चनः ।

यर्लाहरत ७ এই हहरकर । बनीशांत्र विषय हिन्द्राभिष्टेष्ठ नवित्यव वर्षिक इरे য়াছে। নদীয়ার এক জন খৃতীয়ান ডেপুট কালেক্টর সম্প্রতি অন্যায় করিয়া এক মো कम्मगात्र बीलक्टब्रब क्या कवियां पिशाट्य। বে অজ্ঞার নামে নালীশ হয়, ভাহার উপা धि शाचानी किन्ह नीलक्दब्रद्र स्थार्थ मिन লে তাহা ঘোৰামী লিখিত আছে । উক্ত প্রজ। এই জন্যার পাজ্ঞার প্রতিবাদ করি तः एकण कम नूरे कार्कनमनादश्दवत्र निक **টে नामीम करत्र । फिनि नवि চাহিবাতে** দেপুটি কালেউর দলেক, ভাছা ভাকে প্রেরি क क्रेपाटक । किन्द्र छ।का कृष्णनगद्भन्न छ का । षामालट अँद्र वारी जूरे काकावता হেব গমন করিলে এলফিনটন জাকসন मारक्व रम्थिरलय वर्षि कात्राहेगारकः। अस खर अहे निष्ठं वक्तभागी विहात्रशिक शका র বিরু.জ ডিক্রী অপরিবর্ডিত রাখিলে न ।।। गर्भन ध्वंका मीलकरवत प्रलिल ফাল বলিভেছে, তখন এই ৰূপ আঞ্চা দান বে কভদুর অ্নায়, ভাছা সকলে क्षिएक शामित्रारहम । मकिन कारतानि নার বিচারপতিরা বিচার করিবার সমরে অধিক্তর মান্ত্রতা প্রিস্সান সুরাপান

कतिता पारकम । चामाविरभेत्र विष्ठातुन्ति রা বিচারকালে সুরাপান বা-ক্রিয়াও বু ब्राणात्रीत कःश करत्रव ।

धकरन गर्नायकरक हरे धकरी अनू त्रोथ क्या किछ । अध्यकः लिकामहरू धारे पटल मिशारमंत्र नीलकुठि छा। स क्रिएक व मून, ठाँहांत्र विक्रटक रव चारवमन करेता হে, উত্তমৰূপে ভাহার বিচার করা উচিত नाकी दात्रा यनि निवास्यत्र शक्कशांच नदा बान इत, छाहा इहेटल छाहाटक अहे मटल পদচ্যত করা কর্তবা। পৃতীয়ান ডেপুটি কা লেক্টর কে লাঠকগণ বোধ হয় বুরিতে পা রিরাছেন ৷ ইনি যখন আসেসর ছিলেন ज्यन रेरात नारम छेटरकांठ अस्टान्त नाली म रुप्त। रेनि धर्षराम तुक्ता भारेगारहन। কিন্তু ইহার আভাকে কারাগারে যাইছে ছ डेग्राट्ट । डेक मन्थन मध्यद एउन्हें का লেক্ট্র নথি ডাকে পাঠাইয়াছেন কি না; ভাহা কালা ৰাবা পাঠান হইয়াছিল ; সে কি প্রকারে হারাইয়াছে; কোখাব এবং कि श्रकाद्ध बाबाईल, अरे तरुल दिगरबब সবিশেব অনুসন্ধান করা অভিশয় আবশ্য ক। উল্লিখিত নৰি অগ্নি ডাকে যাৰ

পুশ্বক প্রাপ্তি।

ন্মামর: কভজ্ঞ চা স্ক্রণাণে স্থীবাব ফ্রি GS कि, अभ सारक शक भामि नाकाला पर ० क খানি ই বাসী এই ছুই খানি মুক্তন পুস্তক खा अ वरेंग्राहि , बाम्स यामित न म कुटता. ল।রিচর। কগুটে,গা এঞি ভুবের অনভের পশ্ভিত তীযুক্ত রাজ্যনত ভটাচার্য্য এডং अभग्न कविगारका। तालक्षिरभन्न लाठा वे हे হাতে সংক্ষেপে জুলোন हड़ास निश्चि हहे-अध्यक्त । हेहा अथन निकार्विविद्या छेश्रवाती হইপাছে: কটলভের যি চর্চের অন্যত্তর মিন बहि द्विवरम्थ क्रम (य)भन्ने मारहव इननीत्र শুটিয়া বাজারের এক সভায় যে বস্তা করে ন, ভাছাতে বিভীক পুত্তৰ বানির ছাষ্ট হট বিবর্গীর শিপাঞ্চান্ড যন্ত সক্ষা 🗤 বাছে। ইহার সারাংশ আমরা আগাম বারে 5 পাঠকলণের গোচর বরিব

मधन ४ व्हे सून ३४ वर । श्रिष्ठ गण्डीष्ठ ।

লখন একণে এক অপুর্ক ক্ষ্যুরণ ক-तिहारह। धाडीन कवि ७ श्रुहाइक लावस्क्री অবোধ্যা, নিদেবা, বাবিলন্, মেক্ষিস ও রৌ-মক পত্তন প্ৰাভূ ত নগরকে মনুব্য কুলের গৌ -রুব বৃদ্ধুণ বলিয়া বর্ণন করিয়াছেন ৷ সেই মনঃ किन्छ वर्गना नक्श क्ष्यम वर्षमान् मंध्रम স[্]সিত্ব হইভেছে। এই বহানগার বসুণ্য-ক্ষম-ভার হংতী কীর্ষি। একণে ইহাকে একটি কুট श्रविती विकास स्त्रा श्रवितीत सर्वाश्य बहेरक সহস্ত সহস্ত্ৰ লোক স্বাগড, ছইয়াছে: ১১ রোপ, আসিয়া, আছিকা, এবং আমেরিকা বেন একটি আধিতার্থিক কেন্দ্রে পরস্পর গা কাৎ করিতেছে। যিসর দেশের অধিগতি. জাপান দেশীৰ বাজদুউগণ, ভূতুৰ, কৈতী প্রভৃতি দেশের চুড সকল, এবং রাজোপা धिधांद्री मामा दल्लीव बङ्लेख व्यक्ति ज्ञादम विष्ठव्रभ कदिएछएएन। अधानकांत्र जनश्या महना বুঞ্চ বিষয় স্কল দৰ্শকলের নি মন্ত অভিযুক্ত হইৱাছে। **অৰক্ৰীকৃ**। সমক্ৰীগা, নে:কাক্ৰীড়া, ক্রিকেট, বিলিখর্জ, চতুরদ প্রভৃতি অংশবনিধ মামোদ সকল লোকদিগকে আকৰ্ষণ করি ভেছে। সার কাল উপস্থিত হইলে নালা স্থানে গীত *নৃত্য,* মি**র দদিনন প্রভৃতি** ধি নিগ সুখে লোক সকল পরিভুপ্ত ইইডেচে কীন প্রভৃতি জগবিখ্যাত নটেরা এভমগরীয य(नावत नाडी)भागांत कार्यनारमञ्जू का ५ फ मज क्षेत्रांच कतिरंक्ष्म । अकृति शतिन न অট্রালিকা প্রতিদিবস বহুসহল ব্যক্তিকৈ সা ক্ষণ করিতেকে। লাভ জহদের সংগ**ি**। विद्याप्त्रादिनी में के देवेद्याप्त प्रमाण्ये তিন সভা এখানে উপবেশন কর্রতে 'সংব বিখাত ব্যক্তি একব্রিত ক্টবাচেন भाभ इक्ष्मिर्ग दि कछ नाभात गेंगि তেছে, ভাষার সংখ্যা করিয়া উঠ ছব ৰ ক্ত করা উচিত, বরং লগুনবাসী স্বীক র করিভেক্টে যে মন্তনের সর্দ_্্ খর অভুন, ভারুতপূর্ম কথনতৈ 🤼 🕻

भाषि विक्षानं भरता (गार्शनं मः ४ ্ৰীয় স্ভাতি এগজিবিশনে গিয়, 🕆 ন্যান্য দেশায় ত্রোর সহিত ভূলন'

ंद जिल्लेका त्राम अध्यक्ष व्यक्षेत्र क्रिटक ! েরিলাম না। ইকা অত্যন্ত **জালেবপর বি**নৱ । गतिन'छ।त सिन्न विज लिएक्स का अदलत এত কোন কোন ৬ব; এখালৈ প্রেরিত হুং ্ট ও প্ৰিয়তে জনিপুৰ প্ৰভাৱ জ্ঞান বিগু » ^{कि} १नदरमत कामा **मनन (अवि**७ ४**डेग्राह**)। इस्के बालीरद्रद्र लाल, गांद्रांभनीत कि शांव চ'বার বজ্জের উপলক্ষে এই আভিপ্রাব! চাজ কবিতেটি মা । এসকল ব্যাপারে সামা পের প্রাচীন নৈপুর্য স্বর্গ বে তে সাঙ্চ বস্তু ए हिट्ट' जित्र विषय व कर छ कि। करानी शहनत क' नीमार्थ्य स्थामिख कची मा एक हेगा वि निप्सादि दास्यम धर्गास्त्रद । यापि उ कन्द्र নঙ্গদের ভেবিবংরর চুড়ান্ত শাল্রা প্রদানত শর তবে মহাদার ব্যক্তিমা অবশাই খো ভপা ६ १ ५ १ (, दन । व्यायहा आनिय क्या छ। २।४ শনে নিভান্ত অপটু । মিখ্যা গঠা করা 🤝 য .মা. রীতি বাটটু বিশ্ব তাতি লাপবিদায় माभा यथीय महासाद श्राप्त करिया शानि । হা ছবিক, যার সোমালের জেলীল কে.র 🐍 क्रम पहिला विद्यास विकास हिल्माई । हेर्न भागिताम क्रांड सिथ्या क्रिकेट स्ट्री आर्थ अभागित র দ ১৯ শোণি দ্রুন ক্রিডে ১ ট ভ

সংখ্যা ৫২০০০, প্ৰতন্তৰ সলন্দিখন সদল গৃহতি बहाजाह , १४८३ व्याजनामा । १६१४ ७ ন পৰাজয় করিভেয়েছ, ভঞ্চাই বন্ধক নিৰ্ভ না করিলে, ভাষ্ত্রং স্থানকে কর্ডলয় ও নিবার স-प्रक्रम मार्डे : कन.य ड(नडे टेन्ट्स) *व्हन*वा क्षांचि । बाध्य का संबद्ध के विभाग की जा वाश्या रितृष्ठरक्ष्वाहिः, नाम् ४१४ एएएकरम् अ म इ. इ. मी क्रीया हर एक एक प्राप्ति । क्यार स्थिति শাস সভা লেখ এইবে চিম্মাট কান ভানাৰ Cक'न शक्ष'रता म हैं उ_{ल्ल} भी।

त्रोर ७ पूज हो- २७८२ - १७ ठूम-१ भा / १८७८म **ख**्क प्राप्त राद्यागालको भिकासिकासिका क छान भर्ता व वर्षात प्रश्न कुत्रक स्थानस्य । वसी वांतर । इस इंटर शांशा विक्रिय নংবাৰ : ১, বিবাই নিমিত্র সাইতেছিলেন, | বিহিনার দিবত এ ধ্তাহক টোড়াল, বাডাইটো त १ को पा , १० (लॉन ,००) व हेशाहरू । यात्र । पण ने अप शुर्क किंग किया अस्तर

্ৰত ৰহুণ্টিকে ব্ অবিগতি এত त्त्व, भीतनाद सहरह भावानात ন্ধ ভেলন কৰিতেন, ভলে কান্তৰ্ক । ৬০০ ানত বনা এইলেম্বেলনিশেরে গ্রেপতি । রে এব উৎ ই ১৮৬ এখাছ কাল্যাত্রন लक्षांत्र कार्य । स्व : द्वा च हता व्यव

গাছ অভালের নালীত দার, আন্ত | বিপেণ টেডিল্লন

ধ'ব'নত,'প্ৰেদন ধ टा प्राप्त का स्वास्त्रमा क्यांच्या विश्वमा के बाह्य व 94781 3189 5 . (16) 1488 9 겠다"다. 경기 기계등 · નારું *ભે. ∴ સ્*યા -माज्य नाम ना है। 神神 医肠炎 法令

নাই চবিহাৰ 🕽 চূ প केरी । राम दल अग्रह अध्यवता । इन ्रीके १ मान वास क्षेत्र १ देहर की अंद्र राष्ट्र डेटक्ट न्य माणा. है, क शिक्ट शिल्य हम्।

AN IMP A BUNDS A

कारमविकास क्रम शह धूर, १५६५/६, िर्देशक रे ८ कम्रामाण्डको देशकातिका वा

Man of City of 1 तरकार **गण**ना । ্ হ 15 A সা [HORINGE & 201 16 12 11 A. 10. **5**1 79 cm | 18 3 kg ታ እና ብርቆል 💮 / 112727 378 के १६६ , १७ ३ हे गुक्रा एक वर्ष हो।

> স্পায় এত হাই লৈছে , ীনাল্য খায় 1" 34" of 11 574 5. 4 নাঠ -ইবাজিই বিভাগ গৃহি त न्याप्ति । इंदर्ग 🗷 १४ को व तृष्ट्राय सुङ्गे 🕴 ्राइच्या मार्थक व्यक्तित क्षे ·但 "新" " 有"的第三人称单位 ্শনৰ জ্বেষ্ট্ৰ ১৯বে

ভ 🗥 রে এটা লয়ে অলানুমানুন**্তের** তি এক্সিডে মুট্রাট্রে। কেটেবলটেনর সৈল, । এত ১ তথার নামের এরন্ধ্র তিপান্তিত হয়।

মনেক প্রসিদ্ধানক ও প্রসিদ্ধারক তথা य अक्रिक रहेशाहिल। किंग्रुक्तिम পूर्वादित युवा वास्तिता त्यांम त्यांकेक मर्के असी वहेंदर एके विषय शरेषा वान्ती जानिए छ हैन. (कहरे यान करह नाहे दब कालाइक्रेक्ट नामक अब काळा भिष्ठ एक स्थानामा सुविक्तां छ । यो है। बाद महत **শত**া করিতে পারিবে। বস্তুতঃ ঐ লোচক স-र्वे अर्थी के हेगार है। अक व्यवशास व तन है ए। **মধ্যে আরোহণ করিয়াছিল** । যোউকেং काशी ७:इंटक की गरमंत्र निश्चित्र मध्य है। या হক্তেন - ৪, ৭৫। প্রাদ্দীর লোকদের । বাণিক রঙি প্রবাদ করিয়াদেন।

ककरः क अरम् म्हार महास मिल उद्देशकर् कट्याः किन्म व्यक्ता दाष्ट्र वश्रम् । क्रेटेस् क्रिस কিন্তু আমানেতে লেনের ম্বিলারিত নাম ধানি অপু হান সহস্বা প্ৰতে হয় না , জনসংগল বানা कर इति - ० छा माहिए क्वेशास्त्र अयः एर কালেও প্ৰায় ক্ৰিলে প্ৰায়েশ क्लिक्ट अरहम, १५६२ र मा अर्थ अन्तर स्वी ষ লস্ভুস্থায়ে প্রতিত্যি ।

ापमाद्व पारेक्ट्रक क्षत्रांक विकिन् ४ ্লাভ্লাইসন কইট্ডিন্থ ব স্থিত | নাইছেভিডে বড়ি ব্যালাইন বাংগা বিজ্ ेडेजिएत अन्य महाराज्य है डिस्म जिल्ला जिल

क्षेत्र इनेएक अ१५ ।

The trade of a fire and and the 18、全国 St. 16 4、Pr. 374,14738 明显 अंड क्रिकि (लारावक । न्यं, क १४६ ६ जाका,जारम चयारम नेजिया पर्वासाम्बर ्रता ६ इस का'न, स' इ भग है। नर्ज़िया । १६ व्हा--रक्षके चामक्राफ क्या**रहज्ञ**ाय तमा किर,*स ८**ड**°* का कांक छ भारत विच करेग (इ.सहे १ विकास भूगद्रत्यमिद्रभन्न भगवा। अन्यास्त्रभावन। २५४। ८५। इड ग्रामा करते अदि >० वि सेपार हो। [इस] अवारत भी र स हा वर्ष आहे नवस् के**डे,रे**य. **(१७४ - इ**पेशारफ : महत्वन उर्दे पुष्टित वर्ष्ड निष्मम द्वाप क्या ५७० तहाँ के जिल्लाक वर्षेट्र-श्रारकः क्रिके मुशिवरम श्राम्य नाष्ट्र ना राम्य ्वः अनोवनायः প্রতিষ্ঠ সংখ্যা কর कहेंथा शिवारका त्याव दश्च अहे बारस मण्ड

লত মুনদেকবিগের বেড্ন রুমি কবিয়া ि कामक्षिए कार्य केरका करिएका। था ने ७ राष फेल्य अन्ति । अर्थर करवंकि আলা সদর্গানিন আলালভ উঠাটনা দিয়া | তে ব্রত্য মুন্দেক দিনেরে বেজন রাজিকর। ঘটনাছে, বিরা ভালা বেশ বুলি ত পারিতেদেন। ए र त भन्नत्र ज्यामानए जाना निमिद्य ह जानी-भएत मुक्त क्रिटिड अपि क्रिटियन औ । क्टिड निर्देश, कका छेडिए भूर्य ध्यवण स्प्रेक, कांग अनुसीएड व्यावस्थित छात्र सामगढ़ क. क. त: कि. श्न**रमक्रामद्र व**िचन इक्तिना क ा एड क्षा शामित व विकास व विवास व व्यासमा हिन्दी है या दातम , बनतामा भित्र ल क्षा है है है है कि सि ২৯(ওছে। এক বংগর অভীও ১ইন সুনতে ৮। কাপনাকে পৰাক প্রেরল অপেকাও এক গ্ৰ সিবিভাদারগণের প্রতি না ছবি া,ধ্য ভার পার্শিত হট্যাছেশ এখন চৌকিই त हे अ**चारा । राजन ६ कि. पद तम्**स्टिरा कि विक्रांसिक्त अफारिक है,का महान देशकिक । করে, এখন বি অন্মক সিশিস্ত সার (তাব-তে কি মুনপেকলিকোর প্রতিষ্ঠ কামাননার বিশ্বি হালি হালি । চেকা চোলের নামানত মাল হইয়াতে, সে বাজি ঐ লাখের চৌকিলার : वियम सहस्र १

: निदंडरक कारकह मेक्क शहेंचान कार्यहरू । 13.2 山村城市 a. 心臭 নাম বা পাণান একোজাতিক হাল 🐠 🎏 লোকাৰে জাগাতি াত্র হৈছে যে অন্ধি **ভিনেম্ব** প[্]ি ८का (भार एवं छेप श्रा देश स्था াও ইটালড়িয়া, নঙ্মান বংশিব্জ ছাম্মীৰ ४० के दरे हैं गिना है मही, निस् नर মে'বসমেশ্ব স্থ্য: দেখিলা কেছ যেন ক্ষে ক্রের পরিখাও জন্তমান না করেন ক্ষাণালত প্রিবিক্ত থালে সাবে भित्रम स्वरूप १० व्हाईम मः कः स स्नामीधक িছ ল জার মে'ক কথা উপস্থিত ইট্য়ায়ে। 'ব र्गस्यके ७ ११। हा कन्ब्रहानिय मध्याः विक नाउन লাই বংশনে নীল ঘটিত লোকদ্দার বং প্রাছভার নাই। ধোন কোন নীনকার খাডা। उत्तर माम्यत्व शक्ति विविद्या मन अनुब्रिक्ट मा ক্রমা উপন্থিত করিয়াছিলেন । ঐ বোকনশা ্রলি ভাঁহাদের অনুকৃলে নিশান্তিইটলে এতি कृष्टि ६३८७ पूर्वे अब श्रेष्टांत्र कविद्या नालिश **উপদ্ধিত क्ट्रेंड मरमार बाहे** । किन्न बीत कराती জাপনার নির্গের দাবি সপ্রমাণ করিছে না-

পারতে ই সকল মোকদনা ডিস্মিস কট্যা नित रहें। अहे रहां हे भागतरक तूरवद आकू-कींय नाडे। मनना विष्यतालास्य अदेवाण स्ट्रेसन

ে অখনে একটি সাহেব তেপ্ট মাতি। ৰাধিত হইব। ষ্ট্রে আছেন। গুলাবর কিলা এক ফে ভাহার উপায় নাই। উচি'র যাখা ইন্ডা ডাই।ই কবি हैं थर रेफ्क बद्धा कर्राया । कल्लामिक अवासत्ता है । इत्यादिना देवि मोणिकडाव कथा घः म स्हेट्स पुराराय गुला · (तः) मकर हा। हैनि २८ प्रदिन प्रार्थाप क्षाभागि होती विविध मञ्जाक । जाभव 4 35 ...वल १८९: • धार्या माक्योजिरगद ১০১ বিশেষ ভাবিক শাইবা | ১জাবানবনিদ দেখাইয়া লটয়া **লাকেন**, ও-অস্থানত কর্ম্মাবির হি ওপ পেতন, । দিশ্যে শাসন কার্যে তেপুটি হাল'পুর একটি ষ্টিলান। **ভাষার** শুভ শুসনোর প্রশান্ত্রি করে दालाना अस्ति कालायाङ फेन्स नार्या हेन्य हुन दक्षण जिल्लाहरू वरणाव ब्लंग इस् म है। आदा अनिह, रुए। १५ कास्त्र प्रश्ने कृति कार्यक कार्यक कार्यक विश्व कार्यक विश्व कार्यक विश्व कार्यक विश्व कार्यक विश्व कार्यक विश्व कार्यक

> **竹下の本事に対す** ALLE PART 6 জ্বা এবাদে এবল গাবিদ इस भी देश हैं ল, ল কবিবা খাৰেল ৷ এনেল ৷ ১০ মেট ¦ গুড়েছ, ভাছা হইতে অভিন**ত্য এক খালা** স-4 4晚多四时 前期 फार्ट्सन, दव, १ वस ह ार कालभारि २ श्रे**र**ा-টেন জন্ম , ১৯৬ ই के। इसायज्ञिद्यान हम अपे किया महान भारत সংখাঠিত দেশবৈং ন সহিয় इन छ। हो ८ कि है है है वह अपूर्ण क्य की है गई কটন, গরিশ-ইপানে ঐ ৰূপ কুকুৰ ১,ডিফালিডেন। মেই বিজ্ঞানি আটি ৰজ ছোট কথা নগ क्रात्मत् (सार्क्ट्र) असारमध्ये कार्टकम कर्निय्र) িক্ত অপুরাধ প্রায়ান করিলে পব **ভিনি স**ন ्रमास स्हेप्रा करणका इंड क्षमा **चारन** छ िंछ श्टबन। ८**७ शूक्षि मारि**श×4 भटन कहा है हि. ত, গত দীল গোলবেংগে বশেষরের লো-क्ता भवनंदबदके कारवन्न कर्ता निविद्याहरू। अधानकांत्र उत्कामभाक अध्यम अक

करः हिल्टिए । व्यवका क्षत्र संशोधरवन पर्व ও উপদেশে অনেকেট বঙ্গভাগার অলোচনার সম্বিক অধুবাগ প্রকাশ করিতেছেন। **প্রাচী**ন্ ললের শিক্ষার জন্য তাহার প্রভাষিত বাইট্র কুলটি শীত্র লংস্থালিও হ**ইলে আবরা চির**

ा अधारमान व्यात केवम नीम महेवा-হিল কিন্তু নিগীড়িও প্রকাষিকের অভি-্মপাত ৰশতই হউক অধ্বা জন্যকোন গুৰু नात्रण वस्फार्ट रहेक असामिक्काटम करमूक मिम ণ্টি হওয়াতে নীলের গাছ বিনাশো<u>ৰ</u> ধ

 प्रतिका। भन्न नीत्रश्यत् व्यक्तिमानः রভাত্ত এই বশোহরের জীযুক্ত রছল সাহেৰ भः श्रीष प्राप्तापिरगव नर्या अक सन्दक वीकि छ ,১৯নকে वांबक्कीवन बीश'खन्न अवर ≥ ज्ञादक धनवरमद कविया कांद्राक्रक क्रिवास व्यारमरण क्रियारक्रम । त्य वार्ष्क्रिय केरिन्य वि-क्ष्म विश्वेष्ठ बर्क् युर्वेश श्रीनिवास स्ता**र्जी दिनि** रितंशाहे बनाइ प्**उ**ह्हेंना धननिवाबक्क्र्योच क्र পিও হটয়াছে। কল্লেশ দিবল হ**ইল ভাষাং**ক ব্যশাষ্ট্র জানিবার জন্য ২০ জন বিপাৰি পৈতি ভইগড়ে। দেখা **ৰাইৰে বেডচতে** कछ। व कि शम ३

 । २८भाक्तद्र ८१ मूजांगक कामीक स्टे সাদপত্র প্রচারিত হউবে। অনা গেল কৃষ্ণন गत्न ७ केनाण खेलागुगन इनेटखरक् ।

 শক্রতি অত্ততে ছোটসার্গানতের नग ४.८२२ | विजीय क्रांक्ष्य वानांत्र क्रवांनक अवि हि इंडेज़ा निज़ार्छ। फामारमेन रखशूही नार्टिंग অন্তং দেখ়ানে উপস্থিত চর্যা উণ্নার কোড় পুরের এওটি সিনিলিয়ান গালেরে ট লোকের । হল চরিতার্ম করিয়াকেন । সহাশর। নড়াই'

का कि इस्टा अखा

मानामिक बर्गामा

১৭ই আশচু অবধি চুই তিন দিন এ^'.^ ক্তকগুলি **রাজন্ত্রৈন্য আসি**কা অত্যত 🔭 " उक्दा । य किशांकि 🗸 आयात हा। -मिकामिरक अक श्रेमा एक धाराहरू

ডিশর তর বলিতে হর। ইহাতেই শিশাহির। বাজারে কেবন দৌরাজ্য করে ভারা সকলে বুৰিতে পারিবেন। দোকানিরা জভ্যাচার ছে-थिया लागान वस स्थारक अथानमात्र लाक-किरगढ़ जारांत नामकी श्रूव क रह, कृःवि লোফ্রেরা বেগাব ধরিবার ভরে খরের বাহির **क्यु. मी, कि देखहा, कि फडा, श्रम्ब माटल**हे 🐃 পাড়ি ও প্রাণ্ডরে সণ্ডিত। নি পাৰিবিগের স্বভিষ্যাহারি অধ সকলকে রা-व्य भारत ब्राव्यादक मार्थावर्णक श्रममाश्रमध्येक्त नविद्याव बार्गाचा जात्य । के मियन देवकारन এখানকার রাজবাসীর হত্তিপক হতিটা লইয়া । বাইডেহিল। অবজাতির খভাব হস্তি দেখি ल नक कक कतिया थारक। ये रहीरक आ-নিজে দেখিয়া শিপাহিয়া নিষেধ করে। হস্তি-পৰ উপায়ান্তর না থাকাতে সেই পথে আসি-ডে বার্নিল। তাহা দেখিয়া তিন চারি বন শিপাহি ভত্তবিভ একটা বাশ নইয়া প্রথমভঃ **হত্তীকে বিলক্ষণ এহার করিল। ভাহার পর** নাহড়ের কর্ণযুগ ও বস্তকে এমন প্রহার করিল বে, সে হস্তা হইতে ভূমিতে পড়িয়া বুক্ত ব-শন করিতে লাগিল। দেখা গেল ভাছার মন্ত-কের একছান অত্যন্ত কত হইয়াছে, তথাপি 🖹 সুরাজার। প্রহার করিতে বিরত হর নাই, মুক্তপার বইলে ছাড়িরাদের । শুনিতে পাই श्वर्रावके हेगांपिशतक मास्त्रिक्षमात्र क्वार द्वाचि ग्राट्स्न किस मामारमञ्ज अथम अथन मन रह है. होत्री श्रांताहे जानमः नास्ति हसू।

গড় আবিনমানে পূজার করেক দিন ব
ন্যার দক্ষণ লোকের বাদী ধর রাখাই ভার হইরাছিল, সেই কঠের উপর আবার কতকগুলি

শিপাহি আসিরা বংপরোনান্তি দৌরাজ্য

করিলা সিরাছে। পরে শীতকালে আবার এই

ক্ষণ হয়। বোধ করি এখন এই রুণ ই কইতে

চলিল।

বিবিধ সংবাদ ৷ ৬১এ আবাড় লোগবাড় ৷

বাকেউরের তত্ত্বার মন্ত্রদিগের প্রা-ক্তার ক্ষা উত্তর পশ্চিমাকলে গাঁদা আরত ক্রামে। তত্ত্তা লেপ্ট্রন্ট গ্রণ্র ২০০ টা ক্রা গ্রেমাক করিরাক্ষের ।

न्यापन्त अवा वर्षात्रकात ज्याज्य मीन-

কর শিশ সাহেবের জনীয়ারি পরিজ্ঞান করি ।
রা জন্যত্র গবন করিয়াছে। ভাহার ৬০ ০০ ।
টাকা আর হিল, ভরখ্যে কেবল ৩৫০০ টাকা ।
বাত্র কর আছায় হইজেছে। আরও কর রবি
করিলে আর রবি হইবে ০

• আলাহাবাদে জুরাচোরের দলর্থি হইরা-ছে। অনেক ইউরোগীর বি-ক বাহু আচম্মর লেখাইরা ংবীর নিকট হউতে টাকা কর্জ করিরা থেবে প্রভারণা করিতেছেন।

দেউলিয়াজিগের বিচার সরিবার সময়ে সর মর্জা ঐ ওরেলস পার্চা ভিখানে কহিছ ছে-ন বাছার। কেইলিরা সর তাহার। পূর্বজা নিব-জন আপনাদিগকে নিংক বলির। পরিচয় দেয়, জাজএব ইহাদিগের বাসস্থানে গিয়া বিচার কর কর্ত্ত্ত্য। ঐকপ না করিলে শ্রেজীক রেরও স্ক্রাবনা নাই।

পারিসনগরে নিকুলি নামুক এক ব্যক্তি আছে, ডাহার দক্ষিণ গালে ৮ বুরুল লগা শৃলাকার একটি পালার্থ আছে। কভেনবোর নিকটে একটি জীলোবের ই প্রকার একটি শৃল ভিল। ঐ শৃল আদ্যাণিও পারিসত চিত্র শালিকার রহিরাছে। বভাবের কাও বলিয়া ভাদুশ বিকারকর নয়

কিনিক সম্পাদক অবণ করিরাছেন, উত্তর পশ্চিমাঞ্চল অতর একটি প্রধানতম বিচারা-লয় হইবে। সর চারল স আফসন ইংলণ্ডে গ মন করিভেছেন, অভএব সর মর্ভান্ট ওয়েল্ স ভত্ততা প্রধান বিচারপতি হইবেন। সর মর্ভান্ট ওয়েল্স উত্তর পশ্চিমের বোগ্য বি-চারপতি বটেন।

ি বিশ্ববিদ্যালয়ের পরীক্ষার্থ যে বাজালা
পুস্তক নির্দারিত হইয়াছে, উক্ত পত্রের
এক জন পত্র প্রেরক ভাষার লোনোলেখ করিয়াছেন। বিশেশতঃ ভিনি বলেন,
এবংসর বে ক্লংশ নির্দারিত করা হইরাছে,
ভখারা ছাত্রগণের কিছু বাত্র উপকার নাই।
বিশ্ববিদ্যালয়ের সভা সকলেঃ কথ র কান
দেন না।

উক্ত সম্পাদক বলেন, আত্রতা গ্রহণ্টেন আর লবণ প্রস্তেকরিবেন মা। আমন,নী লবংশ অধিক লাভ হটডেছে। তবে আর র্থা ব্যয় কেন?

সর চারলুস উভ পার্চি রাবেক সহাস্তা-

র ক্রিরাছেন , ভারতবর্গের উর্গ্ন অর্থ কালে লেও সাহেব হিলাবে এক কোণ ভূলিরাছেন। লেও সাকেবের ভূল হ' আনরা বারা বাই।

লাহোর ক্রণিকেলের এক জন পত্র প্রের্-ক লিখিয়াছেন, এক জন লেপ্টননৈয় বালি হইতে কিছু দ্রব্য অপষ্ঠত হৎয়াতে তিনি তাঁছার খানসামার উপর সঙ্গেহ করেম। খা-নসামাকে ঐ চুরির বিবর আঁকার করাটবার জন্য তিনি ভাষাকৈ এক মুক্তে বন্ধন করিয়া क्षक भाष, बाजा ध्यहां इक्तान । क्षक वर्ते। अ-হার করিয়া সাহেবের প্রান্তি হওগাড়ে আপ নি এক চৌকিতে বসিয়া কান্য ভূতাদিগকে প্রহার করিতে আদেশ দিলেন। খানসামা বরাবর আপনার নিদ্যোবিভার কথা বলিহা অসিতেছিল। এক ধন ভগ্ন লোক তন্ধনৈ লেপ্টনস্কলে নিরম্ভ ছইতে বলিলেন। কি 🛎 ভাহার কথা জগ্রাহ্য হওয়াতে ভিনি ঐ বিশ্রু -ভেপুটি কমিসনরের গোচর করিলেন। ভেপুট ক্ষিসনরের আক্ষাক্রমে লেপ্টন্টকে ধৃত ও कारी सम्ब करी बहेग्रोटक , इंख्लाना बानगा মা চিকিৎসালয়ে আছে, ভাহার ক্ষরি বমন ষ্ট্রজেছে, ভাষার জীবন সংশ্র। এট লেপ্ট. ন্<u>টু</u> আমালিগকে দারে;গার গুণ বিল্যুভ করাইলেন।

টাইমস অব ইতিয়া পত্রে বোণাটবেব করেক জন তুলার বিশিকের পূর্ত্তার বিষয় শেকাশিত হইয়াছে: তাহারা পূর্ব্বে এক দর দির করিয়া পরে ভাষার পরিবর্ত্ত করাতে অনেককে কভি এক্ত হইতে হইগাছে: পৃথি বী কি কেবল বঞ্চনারই স্থল ?

জন্য প্রাণানতম বিচারালয়ের কৌজনারি সেসিয়ন আরম্ভ কইরাছে। সর মত : ট ওয়ে-লস বিচারপতি। এবার করেকটি গুরুতর মোকদমা আছে।

स्थ करश्त विभाग्य प्रशिक्षणात्र विक स्तम् मानी तस्यमा प्रशिक्ता स्ट्रेगा व्यवस्थ सीरम मानायन कतियारहरू ।

হিছপেট্রিরট সম্পাদক বলেন সম্রেতি ক-রেক জন আবৈজনিক মাজির্ট্রেট হরিণবাদী দর্শন করিরা অসম্ভই দইরাছেন। ভাহার এ গালীগভ বে দোব আছে, ভাহা ভাহারা শী-অ পরপূষেক্টের পোচর ক্রিবেন। ক্র হড ভা- शाहिरशब अकि किश्विर दृशा प्रके कवा । एड ई

উক্ত পত্ৰে একজন লিখিয়াছেন ক্ষালগ্ৰ त्वर विमन्ति छ। हेम्स अवहि बालकरक नथा-बाउ कश्चिमाहिटनम बनिया विष्णालद्यस मन् सारा हाक "ब्रिट्रिशन मिला विम्हानम जान कित्राहि। धश्य बानक मामिट्डे एउँत निक-(हे मालील करत, विजयतित कार ध्यमान **१ हैन ভখাণি, प्रास्थित है वानक्षित :- हाका अति** माना करियाद्वन । अवन ना स्टेटन मानिट्डे.-E (# ?

भागता वर्षाञ्चल भरत स्वीतार ६ अ अ Prong नदण्नादात मध्य मध्या प्रकार कर है. ্ম প্রস্তাব পাঠ করিয়া সম্ভষ্ট হর্টধাছি। এই প্রবার প্রস্তাব আন্দোলিত হইলেই সংবাদ প্রতেষ উন্নতি হয় ৷

वर्शियान व्हेटड अक गुक्ति लिचिश्रोटइन, चतुना बाजिएहै है क्षाजुर कामनानिशतक वानि (प्रम ९ अदिमाना करत्म । छाउडा नक ्लाई रेमार्ड निरुक्त ब्हेबार्ड्स । आसांशन् শ্বে এটু সকল অৰোগ্য ব্যক্তির হাত এভাই-'दन ।

ংব এ আগাঁচ মহলবাৰ।

८टाक देशगृद्ध भाषवरणनीय व्यक्तिक : ৪০ তাকাপু বিএ**ীত বটবাছে**। এ**নিকে ন**র চাৰ্ন উড পালিয়ামেটে বৰ্মাছেন, ভা বতন্তে এক কোটি টানা অকুলান, গলিকে আশ্ব অভিক্রের একশত টাবা মুলা কমি-যা গেল লাবিক ভুট্ৰতে টাকা আহেছর উপথ हेमनभंडोका भूमद्राव ना अवस्थित हरू !

कितक अन्याहक हिल्लिशंकदबादश निश् লি:বত ইড়ারাণীয় স্থাচার প্রাপ্ত ক্টয়া-(FH ...

লপ্তল ১৪.**এ জুল** ৷ '' হাউস কাব কথলো कार करने हैं है। का **आनवन मध्यां है** कर विख- इत्रेश शिवाद्या शवनद्यके कुल छै:-शानन विषया मञ्जूषाय सुविधा कविशा प्रियन। अजीकांद्र कतिशास्त्र ।

है-स ७ ७ ब्रांटम्प्ट शतम्भद्र त्रशत् काटक . ७ .. ^९ के देश राष्ट्रमाञ्च कार्य लाग दिन च का्श्राहरण । ४ अर्थ । एवं छात्राल मार्थे छ अर्थान ताम कहिया

করেন। কারণ লাবিলে গুরুতর বিবরের আ-त्मा न बहेटक शादा

रात्रिममर्भ मनदत्र क्रियाकेर महिन्द काक्नरम-র বোরভার মুক্ত হইরা নিরাছে। উত্তর পঞ্চীয় বিশুর লোক প্রাণ জ্যান করিয়াছে। জাকসন পরে পলাবুদ করেন। অভিশয় হৃষ্টি হওরাডে গ্ৰথমেন্টের স্নোলল রিচম্ভের নিকটে ক্সঞ্জ-সর হইতে পারে মাই। ত'হামিগের সাহায্যা-ৰ্য যে স্কল সৈত্ৰ্য আ'সিডেছে, ভাহাৱা ভা-হাদিগের **প্রতীকা** করিভেছে। ভাষার পর চারল্স ভৌন আক্রমণ করা ষ্ট্রে। মেলিংগ कारत के केता मध्य कहा बहेबाटक किन दशांकी টাকার লোট বাহির করা হটবালে।

ল্প রিস। ২১এ জুন ' ভরানী সংখ্যপত্রে প্রসংশিত চইয় ছে সেনাপতি করি দশ সহত্র সংকারী সৈন্যের সহিত মেন্ড্রাফো মেলে ষাইতেছেন। স্তবে কি ই লেখের সৃষ্টিত ্ৰাব্দের সৌজন্ম বিচ্ছেন্ন সম্ভাবনা বইয়াছে গ

যেইল বোলে নিম্ন লিখিত চীনলেনীৰ সং. ৰ'ল আসিখাছে।

ववस्त्रकी वृद्धकरी नायक शावनी शिक्षान्त्र गरिन (प्रकेशिया इतेशहड़। एक लक्ष द्वावा ঠাহাদিগের ঋণ। যত্তর জানা বিরাজে তাঁহাদিগেব কিছুট সম্পত্তি নাই। টপিক নামক অহিকেনের জালাভের অধ্যক্ষ অভিনর ধূর্ত্ত-ঙা প্রকাশ করিখাছিলেন। ডিনি ২.৫০০ সি. कुरक्त पुरुष अबेद। अभिन्न दिन का का का का का का ০১**ট নিজ্ঞ দ'লে পাত্যা গিলাছে 'ই** পি (तर पाणुकारक बांचा (००३) ४३ हारहा ब्राह्मक भी साम्बद्धानिक ली कि व हिला निर्वाम প্লাহন ক্রিলুচ্ছন। জুহিনুসংনত সাঞ্চাত **বঙ** सरम्, यथा व्याप्त व क्षित्रगढम् । त

ষা ও সাহেৰ সম্প্ৰতি দ্বতি এ বিহুণ**চিলেন**, । खोकान कडियादक्रमः

ध्वद्दन्ति । याञ्च । श्रिमनविभागत **कास्ता** দিয়াটেন আপতি ডঃ পতিত বুমি বেক্লীত क्टेंटर मां। योक दा छूरि व्यथ कदिवाद जाति. प्रम दिक्ति विदिया छोडा नवा। इहेर्ट. · কিন্তু হাহায়া বেদ এৰণ ভাবেদ না, ভাছারা লাভ পামবর্ণন প্রাস্ভার পরিয়াছেন, প্রার্থিত ভূমি প্রেটনেন কন্ধীকার করা চইক্র ्रिल व्यक्तिय समा ग्रेका एकरा करोट मा. गिलि के शेन हैं का अहे , व हे क्युरिया पार १० १ के के वेशार करते किया है। अब अब

रून **गर्नारकत्र केग**बिक् सम्बन्धित হুপরবন প্রভৃতির ভূমি বিজ্ঞান করা আ गोता बढ़े किन अविषद्ध किनि मुंबई वे **८७३ टोकारवर अस् मारम असूरवर्श्वय**ेके नांडे। " अविकारीक्षण पन कि अविदा वना योज मान

किनिक शर्यात्र कश्मश्रूरम् अश्वीकर्ष वरमन, रमध्येमके भवनंत्र खशलभूरतात्र विकास ণয়, কারাগার বিদ্যালয় প্রভৃতি দর্শন শ্রী রা সম্ভই হইরাছেন। ডিমি কর্মনানা মহী পৰ্য্যন্ত রেইলওছে ছায়া নিয়াছিলেন। ভাষ্ট্রা লোকেরা তাঁহাকে এক অভিনন্ধৰ প্র কিটার চাহিরাছিলেন কিন্তু কোম স্বায়ণ বৰ্ণভাগুল **अत्रा रव मार्टे। याहा एकेंस, क्रथलश्रह शीर्कन** সাহেবের কার্ন্যের প্রথম খাস, তথার উট্ট বিভন্ন শুভাকাত্তী আছেন।

টাইবয় অব ইতিয়ার একখন প্র কে ও অব ইভিয়ার কর্নেল ছেবিভালী ভাবের বিষয়ে লিমিরাছের লেবেছের क अध्यक वजीय क्यां निश्चित्राध्यम है क्षे रमरण अकरण जूजनवान घरनाम रकान द्वारी र्याण नाहे। हेरलद्धभनीत स्वामना च मनरकरे निष्ठित चारहम । किन्न स्कूरंबन्न म তাৰ দেখিয়া ভত্ৰতা অনেক হডাইলা হৈছি ভীত ও টিকিড হইরাছেন। **ভারামিটা** গংখার আছে গাবৰ্ণখেন্টের **আলেশাস্থ**-সারে ক্রেড ভার ইভিনার অমেক প্রভার: तिथिक करा । जाराधा महेबाद शूर्य अहे -প্রকার করেকটা বিষয় বীবিত ছইয়াছিল। जङ्भव जारात्क मर्त्याह क्रिएडएइम्, हांब-দরাবাদের নবাবকেও বা রাজ্য পরিভাগি করিতে হর। লার্ড কানিধের প্রতিকুল লা-ভাষ সকল দেখিয়াও কি কেণ্ড কাৰ ইভিয়ার विषया काकिक लाटका केतिथिक जब का-कि ? बोरो २ डिक, रक्ष अब देखिया " रक्ष s এই নাৰ সইয়া ভারতবর্ষের অভ্যন্ত অপভার

উক্ত পত্ৰের লক্ষেণিছিত সংবাদদাতঃ बर्टन, खडाका विश्वित्रभारश्चित्र कश्चिमनत् का-বেল জাপনার রিগে'ট মধ্যে ভারুক্লার্ডি-शब अशक्षा प्रविद्यामा मिलिशे किला अभिन्यत काष्ट्रकारो पर .. म ३

फिटम'वर्शम , अध्यायका आर्थ , ...

^{प्रिक्त}्रका तक। कारबन स्मूच चव हेचित्रा-जन मिथक प्रदेशा श्रीका श्रीका

্ংলিক্যান সম্পাদক বলেন, আগরা বরু " প্রভৃতি ছালে ক্লাউঠার প্রাভূতাব হই-ঁহ। ওল্উঠা कি স্কল অভুই অধিকার। তে ভালাইরা সইতে গারি বন। ভাল হট ^{न्य} क्षेत्रा नदेश ?

रैटिशिश निष्मम निष्म नामक अकलन विकेष । বৈহা মুখ্য বইয়াহে। রাখা বান্সিংহ ভাহার <mark>জাবীন হইপ্লা ভাহাকে যুক্ত করিয়াছেন । সে</mark> আর ইংলভেখরীর রাজ্যে আসিতে পারি CT 41 1

সম্রাতি সর মর্ডান্ট ওরেনস একজন আ কিলব্ৰের খানসামাকে মিরাদ দিবার সময়ে ব-লিয়াছেন 'আৰি সৰ্বাগা গুনিডে পাই যুবক আ-क्निन्द्रिक्टभन् कट्छात्र। काँदाविद्यात्रहे ज्यावि ব্দশার্মণ করে। এবার বেভূত্য এই ব্দশরাধে **ধুত হইবে ভাহাকে আ**ৰি নিংসক্তেহ হাপা **ভারিত করিব > । সর মত**া **কওরেনস** উত্তৰ **ক্রপ স্থির করিরাছেন। এই সঙ্গে আর এ**কটা বিশব্ধ ছিব্ন করিবা রাখা **অ**।বশ্যক । যুবক আ **ক্ষিলরটিগের ঘাহারা কথার কথা**র নর্মত্যা करत, कोवांबिरमञ्ज किवाश विठात कतिरवन १

ভাত্তর সম্পালক বলেন, কুকের বাদীর ছুই জন সহিন ছটি ভাৰ লইয়া ৰাব্যাকপুত্র গিয়া हिन। एटे जन '' क्रीइविकांद्री " ভारांत्रिरणद নিকট অৰ ক্ৰয় করিবার ছল করিবা ভাচাতে আরোহণ পূর্বক ভাহাদিগকে এক পত্র দি-ब्रो बनिक" अपूर्व बाजिब शांद्रदावब्र निकार वाहे. े লে অবের মূল্য ও ডোমানিলের বক্সিস মি-निरंद " पुरख्या अडे करणा क्षाचान कतिन, স্থিসেরা নিদ্দির স্থানে গিলা প্রভারণা জা निष्ड शादिन । अरं पूर्व भू ई मृख स्टेशः (इ **ভাষাদিলের দল ব**ংসব ক ব্যোদের আ**দে**শ ब्हेब्राट्ड ।

्रमा खादल दुधर द ;

যাসভীর আফিস এক বাটাতে করিসার খা হাইভেছে। প্ৰলিক ওগ্নাৰ্ক ডিলাইডেই **প্রধান রাজকর্মচারিদিলে**ব নিবরে বিজ্ঞাস कब्रिपोर्ट्सन (कांन फ्रांक्टिन् क 公住 品に 例はればまり

बिर्मिकोदि किमान्य क्षित्रम अवस्था १५ । विश्वास है द्राप इस स्मिनी स्ट्राह्म

ছেন পেৰাইরেরা ব্যবহার সেনা সংক্রান্ত বেতন, পেনসৰ প্ৰভৃতির চেক আডিটব ও আকাউন্টাই স্বেনয়নের সম্বভির প্রাটাক্রী করিরা জাপনারা ভত্তৎ স্থানীয় ংনাগার হট कृरिहः। अद्भादकः श्रुष्ट्रम्भ कड्डे म्हर् कहिए।

চীমদেশ চইতে সংবাদ আসিয়াচে বি জোহীরা সংখ্রতি একটি বুবে স্বর লাভ করি রাছে। করাশী ও ইংরাজ দেনাগণ লাপনা ब्रिराजु निविद्यार्थ। अन अन्य कृष हिन्ही ছে। আমরা এফণে বুকিতে পাবিল'ন কি अन्य करतक द्वाकिएमके भीकरमन। हीर नरम প্রেরিড হটাবে গ

রাখ সাহেব কৰিয়াছেন, বিভোগের অ'র ভে নাৰা সাহেল ভাঁছাকে বিশুরের সেনাপতি **!** করেন। সেলাপতি সংকলক নানাকে তথা হইতে দুরীভূত করিলে রাও সাহেব ক্ষরেকে কুল্পীতে পলারন করিয়া সেনা নংগ্রহ বরি রা ভাতিতাতে।পির সহিত একত হন। কুণ্ नी इंश्वाकतिरात अधीनक बहेरत छाराता (भाग्नोसियदा शवन करतन । ७९५दि भण छी-तुष्डवर्स्त अनामुस करत्रमः। घाडेमाद निकर्छ ঠাভিয়া পরাজিভ হইলে উভগের বিদেদ ছ্যা বালীর রাণী কিয়দিবস উলেচিগের স্কিড ছিলেন কিন্তু গোবালিয়ারের নিকটে আহত হইয়া তিনি অন্যত্ৰ গমন কবেন। সমস্ত সৈম্য ছিল ভিন ক্ট্রা গেলে শত্র রাও সাহেৎ আত্ম সমর্গণ করিবার গ্রহণ করিরা ! ছিলেন, কিন্তু জিহার সহচরগণের অন্নরেন্ধ ভাছা করিতে পাবেন নাই। তিনি মাহ পরি वर्स्ड कृतिहा शकारव ६ का फ्रोस्त्र खमन करवन। भिद्रांतरकारहे की बहा व नाश्य धव कुछ। वाही হাইবার হল করিয়া ত'হাকে গৃত করিয়া দের। ডিনি স্পরীভিধানে করিয়াছেন কোন ইউরো গীয় ভাঁছার হতে হত তন নাই:

শুনা গেল, করা শীবা কোচিন চীনে ছয়টী त्य कन्नमा रह, क्रामनः जार ६ है। हा ना तः । तहस श्राहन शाख वहेत्राहर । नतानीबाना আসিবায় ক্রমে বধ্বমুল হইগ উষ্টিতেছে

हाक। बिक्रेंग मण्डाहरू बर्गम, बीक्टडेन ্ল ৷ জ্বা মাকে স্যাহেত্বের নালে বে উৎকোচ ১ গেশ্ব ল লীৰ কয়, কাছা আন্মলক বলিয়া · चल्रा करेत्राहरू । मान्यनहरूत दहस्री

উक्त मन्मापन ननाव मारवरवर्व भविवरसं बाइ डायकनिष्ठे (चा क्यू निर्धांश प्रभटन जिल्हा-লা কঃিয়াছেন লালার লাহেব বিদ্ধু দিন हाकार नन्धान विल्यानायत व्यवान हिटनन जिनि कार्यास नियाहम्म २ व नानात किकिर डोकः कर्छः कतिया इन्स्मनशस्त्रत पिरश महिया ংতিয়াছেন ।

रदा আবণ রহম্বতিবার।

ফিল্স পত্রে প্রকাশিত হইয়াছে ডিব্রুৎ ८ रोजी:ब्रेड अर्फाड अरुव अदिश कहा हहे-**उद्याप्त करवर अन किन्निक हैश कन्निएडाइ**-ন , প্রধান এখান শুখের উচ্চতার পরিমাণ নিয়ে লিখিত চইতেছে:—

এ यदब्रहे	२%,००२ किंद्र
কেন্দে	* \$15,236 A
का भाग र क्र	\$ #1.5 2 W
ধৰল,গৈৰি	२७,४२५ व

দানাপুতে এক জন ইউরোপীর ব শুর্কক একটি ইউরে পীর ঐালে কের সতীর ধরণ क्रियोक्ति अया क्रि अर छ । निवेतियास्मन ভারজ পুর: সে প্রথমতঃ সেন্দেরে এক ভন ुल्लीन-७ फिला है जाए। दल धक च्छा यश्मीव লাপী এ^{য়}া ডাঙালিবের সহিত আ**ইলে**। লেপুটনটেব স্থীবে দিবস স্ভিনা হতে প্র বেশ কল্পেন, দে দেউ দিবদ ঐ বা শিকার ছুর वन्द्र। कृतिशादकः। वे कानद्यक्तिरस्तर क्रमण्डस एश कर्न करेगा।

বীবভূচের কষ্লা কোম্পানির সংশীরা भाउकता १ होका शास शाहेत्राटहर । वदाकत প্রায় ক্রেটার প্রয়ে চটালে গ্রাকালিনের অধিক ত্র লাভ কটবা। সভাবন। আংছে।

भावनीद्वना को अहे कविया, एउन, काम मर ক্ষেপ অভিপ্রায়ে যে সকর কমচারিকে ছাড়া हेत्रा (प्रश्वा केहर र छोड्राजा विक इन्हांन दिक ब बारकन, जादा वहेंदन जाहा विश्व के मह खुव विका भूतकात अवाश मिलता करें बरहर नरहा

বিশাপুরে বাজ্যার আবোক হইডেচে , १ वे भूता है फ विशे भूता मगद्र दिशा হর । স্থাপান স্ভার কার্য ভারেস্ক স য হৈ ৷ প্রামাদিশেন ব্যবস্থাপন সভা এক P 237.

ज्ञान किंग प्रदेश, अंथ चानि कालांक मान बाज व्यक्ति बीटगढ विकटि अमे का व्यक्ति श्राटक चार्योचन-केंद्रियां ७० कमटक रक्तीत्र्युक्त করিয়াছে। বোটেটীয়ারা সবিদেব সাবস্প च्याप्रतादे महकार्त्त वृत्रे कतिहाहिन । छारा-CG कदाय क्रम क्रमणांच जाकिनम वंख वेदेशा ट्मा अनुमाम । इत्यादमदा विनिया अपे पूर्व एक्टिश्व बाना कालिया किन ।

नव कन कहानीयगढांगी देनना कार्या-क्षित्रोच विद्यारीविदशन अथान रहेन्ना न्यानंदर भीत्र शवर्गव्यक्तेंब्र विकृत्य वृक्ष व्यक्ति विज्ञी-८१ । अहे क्टब कडाणीजा वा ल्यांच न्यांचरकः (भव रचाम् न नरहन ।

वाचाइरम्ब अक कर रिष्ट्र वनिक क्षात्रम क्षिक्ष विद्राट्य, य गासि है स्त्रानिएड यन जरकास छेश्हडे व्यवच निषिद्ध शांत्रियन, ভাষাকে ২০০০ টাকা পুরস্কার দিবেন। ভত্তত্য উইলিব্রম নিকোল কোম্পানির হতে ঐ টাকা আছে। ত্রবিখ্যাত ভাক্তর হর বেখার পরী का कहिरवन।

সর চারল্স উচ্চ প্রধানকম বিচারাসরের বিচারপতিদিধাের বেডৰ প্রভৃতি বিদ্ন করি-রাছেন, অভঃপর শ্রেধান বিচারপতি প্রতি বংসর ৭২০০০ টাকা ও অন্য অন্য বিচারপত্তি | এ ব্যক্তি ১৫ গণিত সেনামলের এক জন কে व. co, oo है।का भारतिया । मिकिनियान বিচারণভিরা সিবিল সর্বিসের নির্মাল্সারে বিদার পাইবেন। সাধারণ কার্ব্যোপলকে - इत्र मान विभाव (म-७ग्ना क्ट्रेट । এक र॰ নরের অধিক অভুপন্থিত, থাঞ্চিলে কর্ম ৰাটবে। প্ৰধান বিচারপত্তি বন্ধ বৎসরের भन्न ১৮,००० है।को वार्षिक हिन्दि शाहेरवन, কিন্তাহাকৈ অভভঃ এই বার বংসরের হর বংলর প্রধান বিচারপতির কাণ্য করিতে হটবে। ক্ষন্য ক্ষ্মা বিহারণডিরা নিয়মিত সময়েরী পর আর্ফ্রেক বেডান পেনসলে व बन्न गाइँदान । है रमक इहेटक दव द्यापान বিচারণতি আঞ্জিবেন, তিনি ১০,০০০ ও অন্য जना केन ४००० होना गाइवन गहिर्दन।

रमक्त्र कार्स्तनं विभि महक्के कार्या विद्या-रकारम अवस्थितके कार्यक काला मूटमा अन् क san, Spites unger wei nouten

नाक्ष्मध्यक्ष विभागक कृतियात भरतन

कारफर्व जान प्रतिशासन । विनित्न किन-रबाई श्रुटी बद्धानटक वाहेटक रमक्या बाहाब श्रीत बाहे अना व देवैतादह । बद्धदलक क्रहें अन क्रूजा द्रीनांचरिक ७ अक्क्स्प्रद सेनी हरे-ब्रिट्स् । "

भविष्यतिव कित्र कित्र बेगांशाया मित्र निक डोका क्या कारह।

ভারতবর্ণীয় পর্বমেক্টের	2,28,86,+49
नकरमभीत्र में	3,63,00,000
উত্তর পশ্চিমাক্তনের	4,00,10,000
शकादनम् 🕸	r.7,44r
বোৰাইছের	0,24,er,42e
वया जात्रजन्दर्वत्र वे	44,30,432
দক্ষিণাত্যের	Re,55,041
माळाटमत्	0,54,00,700

ৰোট টাকা >> \$4,29,*49

গভ ৰাস অংশকা এবার ভহবিলে অধিক होका चारह।

ब्रुटनन के हैं नव्यन भावन अन बन है रहा अ ज्यानमादक कारबाम ब्रह्मम विश्वा निर्देश तिया बाज है ७ नात्वारकत करहक गाउक : २०० डेकिश्र क्थि काम मतिश एक बरेबाटक, क्टेंबल्ड । क्राचनः फ्रेक्टबराइ इंडेरतानीय मरनव बानवादिका अविदे गृहे श्रेरफर ।

नारकात अभिरक्त मन्नावक वरमन व्यक्त দিন হইল দোভ নহত্ত খার পুত্র নহত্ত্ব সরি-क चुन्डानबादनम् अक तम देमनादक भर्ताकि क कविशा करब्रम्ही छूर्न अधिकार वित्रारहन। धवात 'श्रवानकम निर्मव'नएयत मिन्रत क য়েৰ্ট্ট বাবালনাকে খুডবা খাওয়াইবা ডাছাদি গের অলকার অপহরণ করিবার দোকদবা ষ্ট্রাছে। সর হও 🍞 ওরেনদ থাবতীর সো ৰী ব্যক্তিকে সাত বংসর করিয়া বীপান্তরিত क्तिका विनिद्राद्धन, अतान जात त्कर अकास ক্রিলে ডিলি গুরুতর স্থবিধান করিবেল। गावकीय कृतिन्त्रा वांब्रांत्रनाथ्टर बानीकुक है हेवारकः। अक्रमण विधानवाडी करम क्रांसाह निराद्रण क्टी क्दा डेडिंड।

আগাদি দৰিবার ভারতবৰী বৃদ্ধানী ज्ञात ज्ञाबिद्यमा स्ट्रियं। अधानकेन विकेशी

गर गरकांक निवयकुर्वा की व्यक्ति केरणगा । अकार देव केन्सिक , क्रिक नक्टमरे क्रिकाको कार्य विद्यासक

क्रियकारमञ्जू क्रिक्टिकारक गर्ज रह र, कतका हाको एकोनिएको क्रोबान भिवासर्वत बेटमरन बहुतकी सूचे क्षेत्र मिन नविरकारण । श्रीनाम नगावंत्राष्ट्र भाग भाग क्षायत्वाम क्योक्ट पूर्व क्यान्तामि गिनावि COLUMN A MATERIAL

वय र बडाव्या विनिद्धात बायक्का स्वातीसम्बद्धाः नरमाय ৰাতা বলেই, মেশ্টুমত গ্ৰন্থ কৰাৰ প্ৰম महिन्ना भवामतीह मनद। प्रतीम भूपीए नीपेंट রণ বিচারালয় আছুতি স্বারাজনিত ভারিতার गरकक विशिद्धित । के गवन वाह्ने कविहार चन क्या स्टेटन, बेक्जिने चना गर्ने मिर्चिर मा बहेरत बाजांगा पद्धा विकास काहा बहेरन है · वाटकडेटबर वर्ष्युत्रविद्यात नशासकातु अ मा गर्वस्थ (७,১७०॥० जानात ब्हेडीहरू)। अकटकनीय कामारक स्थान। हैकि सिर्फ त्रम ।

जारगाशास्त्रक मन्त्रीवर बहुत्तव कर् নাশার সেতুর একটি বিলাদে চিড় বহিরারে ইহা অত্যন্ত শবাৰু বিষয় সংগ্ৰহ কি নৈক্ষি दारेन अरहर अमिनिक त्र प्रम वहेरकार । तिहै थून कुनाहेगात निविध है जान नीका रह, जाराह अक्षेत्र विकार्य जातिक क्ष के कि निवदस्त्री बद्धा क्रिक का क्षेत्र की स्वताहरू क्टाक जन लाएका जान मुख्या हरू है

इकि निश्च कर्रास्त्र केकोलिक क्षेत्रीस्त्र कीनु नमजात निकारी , मैलाइ.दर्ग माहक स्टेड्स । इंशाब क्या २৮ मक् हाका कहि ब्रेस्ट्राहरू । हा-ভুর সাভটি শিলান মুইবে।

देखियान विदारत्व सक्त्रग्रह नर्यान লাড়া বলেন ভৱত্য হোট আদানতের ভিন का विधात পृष्टि बांबू ज़ानीयत विख, पूर्वीय-ज्ञाक्तरम् ७ हेम्प्रमे अदिस्य जर्म नार्यस्था जिंद भोज व्हेसीरहरू। जीन करतना के 'जीवी-क्रिक्त विधारम्य काम क्षियु व्यक्ति व्यक्ति ्रशीक्षक था। देशेका फिन कंट्रनरे नवतामाना िहिलाम, आपर किंग कार्याई २००० है कि विकास अक्रिके स्थापित विष्ठांत गाउँ बहैत्रारक्य। मीन क्षेत्रवर्ति कामाविद्यात्र विशवतात्र अमान गावित

भ तिएक मा शाहक। विश्व की विश्वितिक के कि कामको गटनर महि । 🧠 🖰

14

चेक राज श्रमाच क्रिके सर्गन क्रिका सारमन्द्र याद्र प्रकासि बहुतानाम्बर्गः सर्वरत CDR जानका विकास जाता करणा करणाम अ ব্রণার প্রেক্তর, চতুত্বি ইন্নয়রোক্তা আলার महीतारम्म । वैदर्गक महिला जीवारंग अ जोर्ग वाहित्क विदेश पृथिक्षा क्रिया । निरम्प क्रिया क्रि.सह. नवर्धावदेश क्रिक्ट अक्रिम कि हारे कि मा।

क्षा साम्य खल्यात । ्रांचावम् ब्रांकि इश्रीवित्र हैवान गाउीस नग्र **८च नेटबर**्माक्रिक रव कालाव नवति निविद्यो क्तिया अध्याना विकास का का कि स्रोक्ति स्ट्रेटक मिथिता शांतीवेशांद्वन, विशादक गांवाच वन িট্টু ব্যুপকীয় এক প্রধান ব্যক্তি বালা উপ-ক্ষি ক্ষেত্ৰিয়া আগদি বে গাড়িতে বরের अक्षेत्र अक्षेत्र वारेटकहित्तम, वहरू वारे ह विकास आह्यां रच क्यांदेश विवास चटन ना हिंद्या अब धान का का का किएडे एडेड निक है बाम । बाबिटहै है बादबानांत छैनदत बाना व्यक्तरभन्न जन्मकि दलम । जोट्योभी शत्र दिन ৰ্মানক লোক কৰ দাইৱা ইয়াৰ বাড়ীর সন্দুৰ্থে ইপৃষ্টিভ থাকেন। বর স্বারোহ করিয়া প্র ह्माध्यम् सरम्ब । माजिएडे इत्ते मामान्टि अरे रबद्धम् नाजीन वरेशाटह चाकि जावान मेलकि स्थ मंहि।

के शब क्षियम ज्यादमा बदनम, क्षेत्र गासिक াথৰ বৰীয়া একটা বালিকাকে বলংকার করি গাছে। ভাষার মক্তমা হইভেছে।

আৰ্মা কালন। ষ্টডে ছুই থানি পত্ৰ পা हैशाहि, बूरे पानिएडरें स्था शान, छपांत्र व क्ष अवारतारम नावदेवादि शूका बहेबा भिन्ना क्रिंशक्टब्रात्का। উच्टबरे चाटच्य कहिना देखीं बदलगीरवदा यहि जेने बन जनर्यक जर्य श्रीकृषा कविता कन्यानकत कार्या व्यर्थ व्यव कर्मने, क्षरमञ्जू जीन'क रहा वीशका नांत्रहे-ক্সিলার মত ভারাদিণের কি কল াণকর জি অব্যান্ত কার্ন্তের প্রভেদ করিবার क्षाका जादह ?

क्षर्रेट्टबर्ड महाब्रुका क्रिका विद्याह को है वाद क केंद्रे संस्थित हम, खारामिरगढ भर्या जरनरक क्षा भारताहरू । क्राइक सन विक क्षेत्र १६,००० होको स्वतियाना व्हेत्राटकः।

श्चन्रके बहुद्धनियात बाजा ना वक के ब्रह्मक अविक श्रेष्टी स्टब्स् कर्जन विक्रम बीम सरमक। वरिम , हेरा श्राक्षक अध्या मान्य कि वाकृति का बात करेंद्र के लाग निवास ता यात

निविद्यान गाउँ अवेशेम कात निवृत्तम बहेटक करनक शहास्त्र कार्र इसीनी स्हेटफ-क्षा निश्च बहनक चीरत व नकन इर९ इन जारिक अवादा दहरेंन क्टब अकृष्टिक निरमय সহারতা হইতে সাত্রে :

লাহোর ক্রশিকের সম্পাহক বলেন, আ बीब्रह्मान्ड बर्चन कड्डा नश्रह जाक्रमन क्रि-রাছেন। পুরভাব জাব বরর রুক্ক সেনাদি-পের বহায়ভার ক্রা সেনা প্রেরণ করেন নাই: সুভরাং করা দীত্র শক্রহতে পভিড হইবার সভাবন।

ভাৰবোগে বাহাতে ত্ও প্ৰভৃতি নিয়া-भाग जाहेरन अक्वासि छविवत्रक केंविशिक स्ट्रेट्डर्स्स । ड्रांकांत्र शतिबाद्ध कि मिटन हुन विरुक्तमा कतिया छाहास मासन अवसा दह त्व । छाक्रवार्थ अथन द्वरकर्षत्री कतित्रां शब **अत्रम कत्रिमान नित्रांगल नाहे।**

কিমিকা সম্পাদক সর বার্ণেস পিকককে यक क्षित्र ज्यान विष्ठातालय नमूट्य छेत्रि সাধন করিতে অন্তরোধ করিরাছেন। আনলা গণের পরিবর্ত্ত না করিলে কিছুডেই আবাদি গের ব্যব্দের বিচারালয় সমূহের গোব मरामाधिक स्ट्रेंटन मा ।

8ठे। आयम भमिषांत्र ।

लिल्डेम हे शर्बंद्र इह बारमङ समा कनि কাভার শিশবিদ্যালয়ে এবং কয়েকট বালিকা विम्हानम् ७ व्यम् व्यम् विम्हानस्य वाष्ट्रकाः क्षणांच कविषाद्यम ।

ৰালালার দক্ষিণ বিভাগের বিদ্যালয় সমূ ছের ইনিস্পেট্টর লল সাহেব মাসে ৩০০ টাক্ পোলৰ পাইবেৰ। এই টাকা ভারতবর্বে জাহা-म लाम अकिमिधित निकार एकता वर्गाव

्रनिवेश्वत । शबकात नवरणतः भागात गर कारतम कमा शवर्यक ३००० होता क्रियार ন। বিষয়পুদ কেন। করাচি প্রভৃতি স্থান হই তে বে লবণ আ সিডেচে, ভরিমির করেকটি इक्स भागा स्ट्रेटन ।

ৰাৰ্চ ৰ এতেলৈ যাসে দিলীয় স্তপুৰ্ব বাদ गाटरत क्या १४० है।का राष्ट्र ४ अहाटक र्शवर्थ-तिके के बामगारश्व करत्रक जन भूकारक छात्री देश प्रित्यम अवर वाक्ष्माहरू आरम्भाकृष किशिव चोरीमणी (मक्त्र) इहेरन। कार्यन विकास स्वित्यम केरणां भी हिल । अक करनत (खिनिन डीशांस क्यांवशांसक स्वेगारहन । इक নৃপতিকে অধিকতর অঞ্জে রাখা কর্ত্তর।

कांत्रकवर्षीय शवर्गदानी ज्याच्या विश्वादक्त তাহা হ'ে।র আঞ্চা ব্যক্তিরেকে ছানীয় গ্রথ-ষেঠ কোৰ হ'তন প্ৰকাৰ ব্যৱের আক্ৰা কিছে शाबिदयम मा । करक्रकी विभागतक वाष मंदि प्रकारिक कांग्रहनीति अन्तर्शक व्यक्तानीति

कि जाटक कार्य सामाजिक क्षेत्रान कड़िएक निवर्तक है कि कार्या है। লেবে কেবল আটাআটি সার মুইনে।

> माञ्चारमञ्ज करम क्षेत्रमति भूतिय अस्तरमञ्जू चारणका वक छेपहडे मध्द । छडाछा नावर्ग रह व व्याइत्ये कारकोति यथम मीम्भितिएक बाइएडिशिटन, जिर्बाल कार्य स्म सहा कृष्टिक अवाकि सुदे 🤏 जाहादक अशक्त कहि-शांदर । सञ्चाहा ध्यंत्रांन शुक्रविदेशह देव अना नामश्री रहन कतिरखद्ध, व जान स्हैबारस, वित छावाबिद्धाद देह छन्। ध्वेद्धा, श्रुविद ब्याव **मरामंदिख देव** !

विविशिषक वृत्ना भवन व्यक्तित कानवी विज्ञीक स्ट्रेटकर !

HEE HEE ৪টাকার বিহা מאב בו כב ৪ টাকার কোম্পানির >-411->+8 H **e** होकांब 5 5 5 M- 555 M en Biala

हीम (क्टम व्य विनय स्मिष्ठ वाहा बर्वेसाएक्स তাহাবারা এখানকার হাকাণ্টাইল খ্যাক্ত ভুতির অনেক কডি হওর তে কাগলের বা-खात नवन स्टेग्रांटम् ।

म्लाञाखि।

জিমুক বারু প্লিনবিধারি গেল বছরদপুর >२७३ रेकार्ड अवस्थि १० रेक्नाब श्रीड स्का >९ अभिन्न कि क्षांचाल वस्त्रमध्र

১२७७ रेकार्छ व्यवधि कार्सिक शर्वास त्वार ४ क्रेनामहत्त्व बाब वनव्यपूर

३२७७ देवाछ कर्या कार्जिक भर्याछ त्यार ह् भागमम मृत्याभाषाच व्यवस्थित

५२७३ देवाछे व्यक्ति कोर्डिक गरीख कार कर रेवरणांकानांव स्व बर्बनगूर

5२७a टेमार्ड भववि कार्तिक गर्वाय कार द. क খ্যাসাথ্যসম সুখোগাধ্যার রামপুর

३२७३ टेकार्ड करवि कार्किक शर्वास स्कार द রাধস্কর সেন বচরবর্ত্তর

১२.७७ रेकार्ड जार्रथ १० रेवनाय गर्वाछ रक.१.५०, বোৰিষ্টান্ত দাস কলিকাডা

১২৬৯ আবাড় আব্ধি আপ্রহায়ণ পর্যান্ত কেৰু হু, निकाम बर्गानाथांव क्वामा

)२०७ रेगार्व अवांत्र कार्किक शर्वास रकार का

ণ ধোশালচঞ পাল কলিকার। **५२७७ देशांक काशीं कार्जिक गर्राव्य त्यांव व ले** ण घटम्सानाच तात कोम्बी नसंस्थेता,

5845 रेकार्ड जर्बाच काज़िक ग्रांस त्वरं के से न महस्त्व मात्रोहन मिलक देवसार्थ्य ३२७३ कांबाह बबेटक कवाबावन नवीय ट्यां है

क्ष भर क्षतिकाचा इ प्रदेशन मुख्य बायता है। स्वता त्याचानुह त्येनाचा प्रक्रिय शेर्यात्यां श्रीत्य विशेष वाह्यां दोन विनाद्यसम्बद्ध श्रीवतः स्थापि स्मानकेह and by The way white mailing and



मन पर क्रम । क्रम जारत । हैं। ५५०२ । २५ कत

माहिक मुख्या ३ हे।क. गाविक पश्चिम ३० है।क

श्रिकातिकः श्रीकरम् द्वावध्यकान् द्वावः १९१५ विश्ववः

व्यक्ति पूर्ण मा नाईदन नंस्कृत दनति दानान दशक्त नहां चांच ना । हैश्रीह पादित हना क्रील नहान नंदनक ५० व्यक्ति व शासित १ होना विकासिक चांदक । हम् बादनह क्राल व्यक्ति हमान वहान वहा वाह सह । तन्त्रदान रहि हमान वहानिह त्यान व्यक्ति क्राल विकास

বিভাগন ।

সক্রতি বাজাল। লগাল বিদ্যালয়ের হা।

কিনের নিমিড ইউস্ কাব দি পোব 'কা

বাধিত হইরা " বোলোকের উপবেশিতা

নামে এক থানি ক্র এছ বলিকার্ড। ই্যানট্রা
প্রতি মুক্তি মইরাছে। মূল্য রং জালা
কলিকারা।

२४६२ ¹२० खुनाई ।

Aratoracos arastorista

সোমপ্রকাশ । ২০ই আবন নোনবার । গাড়া কি মখন যোজা হয় ?

स्थारमहा कि लामात करक समयहान विशेष कि लिया हिटलन, स्थानियांत स्थ कि कि कि कि लिया हिटलह ने मां स्थान कि कि कि लिया मांकि स्थान कि कि कि लिया मांकि स्थान कि कि कि लिया मांकि स्थान के मांकि स्थान के मांकि स्थान के स्यान के स्थान के

शब लिएंबन, स्मर्कानक बंदर्ब कावाद (य विषंत्र विज्ञासम् ककाता वाकीतमान हरेएक दंद, जामाजिएमत अवर्ग्यक के जिल्लिक त्यानी बदश्च विका काम विवदत छेशातीय सदस्य। किं कामना कावित्राहिलाम रायल क्रथान वैभिन काटलटबर्च चया। भवनिद्यात (राजः वृक्ति ७ वाणि निर्वान क्षण्डि कारण है बद द्भात अगल हाति लक्क है।का बाहिक क्केटव भाष्टिकन गार्ट्स्य बेखारानुभात त इंन्क्रेनके शर्वर्गदत्त्र पारमम करम य विर बृष्टि वित रहेताटह कटनानशातिका चः (* ইছা অপেকা বড় নিক্ল ট মহে। সে বিষ্ **এই, श्रम्भश्मरत्रद्रा गाँउ हाका दृष्टि शाँ** वां वर्षील विचालाय क्षत्र दश्मत्रकाल जिल কভা কাথা শিখিবেন। ভাছাদিগের যাব। अञ्चलिकि काल देनत्यकेरहता ३२ होव घांत्रिक गुरुषाय अञ्च अञ्च अर्थाल है দ্যাল্যের ছাত্রকৈ ভাষাদিগের ক্লন্ত পা भानात्र ध्यत्रव कतिर्दर्भ । श्रुक्तमधाभरत्रः भरीकात केकी व हरेटल केशिकारक व ह्याद्व भूतवाय काई काई शार्रकाताय शार्र केमा त्या । बड़ीता धड़ेब्ल करिया ८ ट्यांक भन्नी:अत्यत् विष्ान्तरतत्र वाव वा विक १० क्रिका इंद्रेसिंह हालिए शाहित्व शास वांत्रीया जना जना वास मिरवन छेर छ। माट्य ध्वविथ श्रंथा चवलक्य का दा क्रक्रमा इरेग्नाटक्रम । श्रदर्गमणे छैर विषय मञ्लोषन कना पालाककः ८८.०० होका निवात नक्ष्म क्रिजाटक्स । अवि

त्य हो का बाहित्य, जावा स्टेस्ट

अर्थहरूके क्रूपक के क्या क्या क्रिके राजिकिस्स किसी से किसी स्थित (इन, काका वाकाहिएक कार्य आव (गत्र दिवत्र मध्य मध्य मध्य मध्य **डाहानिश्वटकः धनावाय वृद्धिकादिः। अ वेथ्** नह नाहाची सामें विवस्त १७,००० है कि रमध्या स्ट्रेरफर्ट । रेमा अ स्मामप्र निर শেব কল্যাণ্ডর সন্দেহধীক ? কিন্তু ভাষা त्रा त्य छेशात्र व्यवस्य कतित्करहम, छन्। वा त्य कंकिक कम मान्न वहेत्व, अनुभ त्वाथ क्रेटफट्ट मा । श्रम महाभटाना भारत পদ দুর্থ ৷ তাহাদিগকে কুশ্মিক্ত ক্রিকা অতীক সাধন করা কোন ক্রেছ্ পুরুষ্ণা त्वाथ क्टेरजरक ना । भाका बामा ध्यापान यात्र ना अक्षा अभिक क्यारे चार्छ। जामानित्वत्र निका मश्कास कारणं त्र जय. কদিনের অবস্থিত নীকি মিতাক চুর্বোধ कारांनिरभंद्र सरमक कार्या देशद शतिका शांख्या शिवारक। **जना बक्**षी छेनाहतुः अमर्निक स्टेरक्ट् । वाजनात मिक्न ि ·छ.रश्र देनरम्बद्धेत छेर्छा नारहर विभा अर्थ स्त्राटक स्मालक मारम्बरक छ। भरू **अविविध स्त्रा इर्रेग्नारइ**। स्प्राप्तिक ভুকন্ধ বিষ্ণায় পারদর্শ, তিনি শিকা ল ক্রান্ত কারের ক্রডিজ নতেন, বিশেষতং ই भनां कात्मन मा। जवह डीहाटक हेन्टन्स त्रकता रूरेल। वाषना न जानितल खे कार क्रिकि शांदि मा अ समा अक क्रमरिक । "बात को होते सम्बद्धीत स्वीति हर्णका वरे म ! निका एनकान स्वीति स्वीटकार का करेकरण एते स्वा को स्वीटकार का, वर्डे सका स्वाप ! के स्वा के विवास गाउ कर्जी कर का किएक का बेहत कि के है। के नके करेक ? कहा स्वाद क्षिण हैं। कर की क्षेत्रा निका कहियांत क्षार्य गरह ।

क्षिक नायन अनारे किलानारात वर्थार्थ केर्या नायन अनारे किलानारात हात केर्या नायन अनारे किलानारात हात किरान मध्य के वर्णान विमानारात हात किरान मध्य किला विमानारात निर्माणिय किरान निजय करारे कर्णना था था न न अनिकास निजय करारे कर्णना था था न न अनिकास किला करारे कर्णना करान वर्णना वर्ष क्षिस क्षाम करिर्यं । किल क्षाम काम क्षिस क्षिति के विचास के होता । का क्षाम क्षाम करिर्यं । क्षाम वारस करा काम काम क्षाम । क्षामा अस्म्यक्षाम क्षित्र स्थानियां क्षामा करिर्यं ।

शदर्राष्ट्रकेंद्र संबंध क्षिक क्षित्रहें

ারাস পরিজ্যাপ।

दानिकाशंड वांधीनका ना धाकित्न क थन उहात नमाक जीवृद्धि हर मा । अहै नि সিত্ত সভ্য কালের লোকদিগকে যত্ত্বাস ছইয়া ক্রমে ক্রমে পেই স্বাধীনতার ব্যাণাত काती विच नकः दर पूर्वी कुछ कतिएछ ा था যায়। অসক্তা কালের লোকেরা টিছা শ্ব বিপরীত বিবেচনা করেন। ভাঁছারা হলে करवान वानिका अकारप्रतिश क्रहेटलाई खाँउक क्य लाटकत दर्द हम । १ ह लिशन शहे ভ্ৰমান্তৰ সংস্কার নিবস্তম ই প্রাচীন ক'লে द्र व्यथिकाश्म अकटहरिए स्टिक महस्त শ্রমিতে পাওয়া যায়। কিন্তু বিভিন্ন বাসপ্ क्रावता मछा कालित लाक स्थाप मर्ज ভোজাকেতারভববে বাণিকেত্ব একচেটিল भाषा পরিত্যাগ করিছে পারেন ন है। ্ প্রার্থন ব জাদিবোর অধিকার অবহি 👫

व्यक्त के स्वास्त कार्यों अर्थान्त कार्या करणावित्र विक्रा कार्यान्त कार्या करणावित्र कार्या कार्यां कार्या करणावित्र कार्यां कार्यां कार्यां क नवर्याः कार्यां कार्यां कार्यां अर्थाः प्रारं । किन्न व्य कार्यों कार्या अर्थाः कार्यां कार्यां करेंगां के वित्र रहें। य नवर्यां करेंगां के वित्र रहें।

निवस्थान, स्मान व्यक्ति दान वर्ष अधिक अधिवादन जनदन्त्र आमगानी क्टेरन थारंयतिकात ध्रवितक्त रहेवात भूता निवत्रभूत ब्रेट्ड बेट्ड्यम् प्रक्रिय विकास विख्य स्वन वार्षे । क्यका अवन्त्रकी । किन विकंद्रश्रेष वसंद मक्स जवस्य कर তে সেই সমুদায় লবণ এক্ষণে এ দে शामितकरह । यह नदन कि वर्ग कि शाम : मन উভয়বাই এ কেন্দ্রে পাস। ও বরক ह উভয়বিধ লবণ মুপেকা উৎকৃষ্ট ৷ স্থাঃ ब्रार वन म्हिल विरमवकः केखब श्रीका करम धरे मदगरे अधिक केंकि वरेरकरा। ध्ये कांत्ररंग अवर्गरमर्लेन लवन भूरवा नाप्त विकन्न स्ट्रेफ्ट मा। वन्द्रमणीतः । व नरमणे अहे कात्रन चवशक हरेया द्विवि ह (४.८७त निक्षे किकामा करतम, भवर्गीक है ल १५ के उन्हें कहियांत्र कार्या शतिक ११ व हे তে পারেন কি না : বোড তছুত্তরে লিখি it ছেন গ্রবর্ণমেন্টের ক্রত লবণের আর আ শ शोतव नारे। शए**ए क (मर्ट्स १८ लक्क** ब लवन लाभिया शास्त्र । अक्टन भवनेटमर्ट ब्र किन किन शालाय ५० लक मण मर् श्रुष्ठ चारह । এতন্ত্রির ক-িকাভার है র পুল অভৃতি স্থান হইতে ৩৫৫০০০০ াবৰ আসিয়াছে। এই সকল কা । । গ্রোট সাহের প্রস্তাব করিয়াছেন (প্রস্তার ইয়ার পূর্বে বোডের প্রধান ' চা िनकार्थ मारहव करवन) हर्रधाम हि s.লি ও বালেখারের পে,ক্তান বন্ধ কা !!! ম প গরিমাণে লবণ গ্রন্থত করা কর্ম

जाप्रमाजी सदरन **ए सुक्त लड औ**

चारात्व साक्षातः शाकारणी इ. विट्यम् भाव और तान्यक कः सकः चानम् अस् स्टेटर स्टेट्ड स्वन् इति सुन्ना चारणकः सर्वे सात्वस् बादे ।

त्मर्किको अवर्गत्र स्वारः ক্ৰমে আপাড়তঃ চইয়োম হিজা ক্ষে পোজাৰ উঠাইয়া দিজে यदा दक्तन अक्टन लाकान करें कापि काह्न - बनका समि देखांक नेपटनह भागनांगी वस रहेश वाल, अरे किसिश्व গবর্ণমেতের মোলার এক বৎসমের উল युक्त ৮৭ शक्त वन सदन महीना मेंकिक पंक्रिय । सर्व प्रकृष स्त्रा रंग्न १७ ब्राटक त्य नक्त मलकी सर्वहास स्ट्रेट्स, তাহারা ইছা করিলে লবণের ভুমি সকল চির্বাদী বন্দোবতে শইরা ভাষাতে ক্রবি कार्या कतिएक भावित्व । य जक्त विक नेंदग कर क्रिट्य, छाश्यित्रक आजाहे वात्र क्या मवटवत्र स्मित्र व्यक्तानिक स्ट्रेट्व। পূৰ্বে কেবল বিক্ৰীত লংগ্যে হিসাৰ প্ৰকা न क्या रहेक : अकटन गर्दरमध्येत (का লায় কত লবণ খাছে, প্ৰাণ্ডি মানে ছই বারু ক্রিয়া ভাষার এক এক হিসাব প্রকাশিত श्रदेव।

प काम वानिना क्षेक, जनाटक विक करिता नवर्नमध्येत यहाय ताथा जनाव जनात कर्य मानिकात नवर्नमितित ताज यह अथान छैमात विनात जार्नमितित ताज यह अथान छैमात विनात जारा जारा जाता यह अथान छैमात विनात जारा जारा करित यह भातिक्ट्स मा। भन्न दूरमा अस्य यह क्षाम्यानी नवर्गत मुक्त अन्,१०,००० भावां २,१७,१००० व्यानि क्षाम्या व्यान अन्,१०,००० व्यानि क्षाम्या व्यान अन्,१०,००० व्यानि क्षाम्या व्यान अन्,१०,००० व्यानि क्षाम्या व्यान अन्,१००० व्यानि क्षाम्या व्यान अन्,१००० व्यानि क्षाम्या व्यान अन्,१००० व्यानि क्षाम्य व्यान व्यान

भैठि क्वांचि" मा.च क्वेन्नाट्य । स्वातकार्ती नवरन अर्थ क्रीका मचा कर्वति मखाबर। चारह कि ना > रेश लंबीका दरन उदिन। व्यामितित कर महोत्रज्ञ मानिक की ত্রৈস'লিক হিলাব ব'হির হয় না ৷ ভাইা হইলে আমরা এক শ্রেকার সংশার জঞ্জন করিতে পারিভাষ।

নৰা সভাদার কিবলে কাজ করিছে **बरनरमन उप्रक्रिक्र माध्यम मन्ध्र** इडेर्यन ?

. क्षिप्रणिहे प्रहे, देखियान किन्छ, हे खिन्नांव निकर्मन ७ वाणांकी, अहे कन्न খানি পত্র আমাদিগের ধর্ম ও সামারিক আচার ব্যবহারাদির পরিবর্ত প্রসম লইয়া करप्रक नर्थ र जारम्यानन द्विष्ठाइन। क्रमर्पन कदिता जाना पिटादित क्रपटा केश ति केल अभ केविक व्हेटक्ट । अभूति যেমন সৰজ, ইছার মীয়াংসাটা তেমন সহ क्रम्बर्ट् । त्य जकल् दिवरस् व्यथान व्यथान व क्लिइ ७ मर्क्ट इस इस य. य.विवस्ति ७ ভাষ্ট্র অন্তর্নিবিফ-। ইবার সমাধান বিদ রে ঐকসত্য দর্শর্ম সম্ভাবিত নহে। কেছ बलन, व्यानितित्र क्टल क्यार्ग ए नमल भागात वःवरादानि व्यक्तिक मुक्टे हर, नल्पूर्व करल अक्कारल छोशंत छेटक् দ করিছে না পারিলে উন্নতি লাভ সত্ত। वना बाहै : किए किए बलन, छेनिरिक ती**िएक अश्वित्रयाकात्री**त नाांश्र कार्या कति ल हेके लाख शुमाधा इहेरव ना। काहानि भित्र अखिरक्षक अहे, अक्षकारल अविन গের প্রাচীক আচায় বাবং।রাক্তির পবিষ্ঠ না করিবা উহার অনুমোদিত প্রথা অবল वन कतिया खर्म-(कार नश्टनाथन कतिएक रहेरव । रक्रांकर् जाशामित्रवर वाठीन , আচার বাৰ্হারামির বোধনী শক্তিতে এ काड बूप रहेता छेहात त्यांव त्यविदेख भीन मा, ब्राह्मार कीश्राह्मा करात शहित AND AND ASSESSED.

नृथियोत्र मत्या थयः त्राक्रकीकि, नामतः स्त्र तर वाक्री है अर्थ कि व्यथानी ७ मानाकिक निःस्त्र यक स्टिश्कर्य ७ भनिवर्ष मृति इत, तम मबूनावरे आह প্ৰবিষ্ঠিয় এক বা তদ্ধিক অলোক সামা मा थोष्ट्रिकाकः मन्मन गाङ्कि वाता मेनना निक इरेब्राइ । किन्तु त्म मकल वाजि म्थाबिथ छेशात्र व्यवस्य कतिया क्रुक्ताया र्देख भारतम बाहे। कें.श्रांत वह करन् তদানীত্বন জাত্তিসভূল কুৎসিত প্রখার केष्मुलन क्रिका कतिशाहे क्रव्ह्नका हहेगा ছেন। প্রথমতঃ তঁ:হাদিলের কেহই জনেক नश्या जमूहत आश्च नम म है ; ज्यायनात्र ও সাহস সহকারে কাষ্য কলাতে ভাঁচারা ক্রমশঃ সম্চর ও অনুচর গ্রাপ্ত মহয়া স্বলে लित त्यांत्रःगांधान मचर्च इन धवः श्रविदीत মনা মনা লোকদিগের সংকর্মানুষ্ঠানের मुक्तील ज्ल करेश बान । लुबंद, अन नक्त, कालविन, উইक्लिक, प्रश्यात প্রকৃতি এই ৰূপে কাৰ্য করিং। মহ'নু পরিবর্ত্ত সাধন করিরাছেন। বিস্তু ভারতবংগ দিনি যুখন कान विवरगत शवि र्ख क्रिये। अ'हेगारहन, সাদসের অম্পত্য প্রযুক্ত প্রায়ই তিনি মধ্য বিধ উপায়ের অবলয়নে যত্ত্বান্ চটযাছে म, मुख्दार टामुन क्रुटार्यटा ल्वाएक नमर्ग কন নাই। আময়া রামফোছন রামকেই উদাহরণ শ্বপ এছণ করিলামণ উ.ছার দারা আমর্ণদধ্যের দেশের যথেষ্ট উপকার हरेब्राट्ड. এ कथा आध्वता धर्धीकांत कति না, কিন্তু তিনি অপনাৰ চিত্ত শুদ্ধি ও সং ক্ষাব্যবুৰূপ একটা বতন্ত্ৰ পথ করিয়া যা हेट , शारतम माडे । छिनि था हीम बन विषाद्योगितक भूत अल्बन कविशे व शनाह वक जश्हालन करहत । किन्ह अनुधानन কবিয়া দেখিলে তিনি বিষম জ্ঞানে পঞ্জিক इदेश्रोहिलान । किनि बटन क्रिशिहिलान, खाडीन ७ नवा छें उग नम्हरूके को नम जन्म बाधनात मन्द्र महेगा बळीके माधन-कतिर्वत । किस धकारन एएकण राष्ट्री पहि अत्य कारात् मा के ताथ क्रेडकार की

शारकः शाहीन पत्र अधिकेष बलिश काहारक क्षाविक इंदेरकर् আর, ইংরাডীতে সুলিকিত বাজির **দাহা না বাকাতে ক্রমন্য ক্রমত** পূ वितिष्ठाहन । युत्रः अविकि स्विकि हर वर्ग नलागीरशत कंड्क्सिन द्वांकी হাকে আদর্শ করিয়া এ দেবের উল্লেখ্ অভিবন্ধক কইয়াহেন। " কাপ %, সমাতে त अवका वृक्तिः। इल व धरेका क्रीकानियः कारपात्र बूल सूकि स्वैत्रारक । किन्न प्रश् वा कर्ण काल कारमुद्र अविका बहिती कारणात्र काम करव वरेरव !

छनाउ रावन अविक स्रेम, क्रिक् भरतरक अवश अनुसाम क्षिएक निकास त्य जामता नवा कंतरक अर्थ अनुद्राम् के তেহি বে তাঁহারা আনামিনের জি জ্বালী বি মন্দ বাৰ্তীয় আচার বাৰ্হারারির জিল্লাই করিলা স্তনবিধ আচার অবসায়ালীয়া র্ত্তিত করেন। একপ অনুরোধ করি শক্তি 🗸 (शत अधिक्षित महर् । के कर के कि क्रता व्यविद्युक्तक काया महस्रक विशेषक वडः अक्रमाः नगुषादम् अभिन्ति शित्न नमार्क्त विवत वि PRILLIPENTE DISCONSISSION वाब किया नावश प्रत्या रूप मरमार मारे, क्रिक विरुक्ति सहिए ब्हेरन त्यहे महासानी दि स्वादिक हैं मा । भूताकम वरेलाहे ता अवि भ विभिन्न खना बरेल करती निकायनामा के क्रिकेट र केक, जावामिद्रमञ् रक्तरा अर्थे, नेक्कियानावाव मार्रात के लाका कामक्रमा कतिक स्तिक्रिक मार्र हारका, अवनी परशासक क्षांकि अन्तिन । अव बलकः अरुनाव आहात वावशतीनि के जिल्हिर्य विकि दाविशात के । करतन, विशेषक्रित अवाय शतिकान क्यान, धरार श्रीकृतिनन विचटता मरणायका जिनका व कार्ति विदेश मा अ अविके बहिटकाय, अवले हैं कि किये पर क्षाहर्ष च हात्र राज्य जरहनायक श्रीकृति । त्व

हां वंबालनटक अहेबर्टन करेग क नुद्रार्थ कन्निहरूहि, छाष्ट्रांत्र अक कार्य चाटहा चार्यानित्वत त्व ভার মাৰ্টায়াৰি সংলোধন কৰি विषे के व के व निष्मंत्र छेगात भविक हरे बंदिर इंग्रह सकि क्वन आहीन मरमत्र নভের অনুৰোগন করিয়া যান কিবপে , ब्हेट्व ? काष्ट्रांड्रा यकि व्याक्तिसमिटर्गत रिशका ना कंत्रिया अक्शके ও সেং ह किएक के लिकिक का शादित कांका करत्रन াচীন সম্প্রদায় তাহাবিধার প্রতিবন্ধ नार्त्र वावश्वामितक विश्व मिटक महेश किक्ट हो नित्र दहकी कत्रम, थाहीतम्ब कि मश्मन ক্ষাত্র উহার পূর্ব সীমার রাধিবার बान्नन म वितिद्दिम । अहेत्राल छ उपछः आकृ कीता बांगीत हरेटन त्य त्य चाहात बादह वाकि क्षेत्र में बार्ट्स, कांका नश्रमाधिक क्षेत्र ক্ষিত্র পর কোৰ গুলি আদৃত ও পিরিগৃহীত क्षेत्र है ज लिएन चांठात्र वावशत्र ७ धर्म क्षा जनका करोग का वि वस बूत श्रेगारक। ্পোৰ উন্নন করিতে का क्षा करें में नटनइ और वरमाद के अबि केमको प्रविद्यात अविदेखि रामे के স্নান কারী কোধার ? কাজঅন্থে অন্থে হউত, তাভাতে কভি আই। ক্রমণা সহকা রীর দল বৃদ্ধি ভাই, ভাষা হইকেই কাত্য অএসব হুইবে। কিছু আন্তরা দেখিতেছি, সক্তেই ক্ষেত্রে জন্মন্তরান আছেন; কা জে কেছই হন্তবৈশ ক্রিভেছেন না।

বাঁহারা স্বস্তু ও স্বসন্ত্য সমধ্যের প্রচ লিভ মতের পরিবর্জনে সাহসী হর্মগাছি लान, आमानिरशत मदा मन्त्रमात्र छ। गानि भित्र नाम क्षानगरम ? फिड नत्स्य। हेश्या এ বিষয়ে **পরম জীড**াগালী। স্বদেশের मरकाव बावशांत्राकि शतिवर्त्ततः शृत्क वरे त्रा रेशिमिनक काबानात्त्र शहेक इरे व मा, माक्रम शुराइ ७ मझ कतिए इटेटव ना । भागित मरलद्भ महिन्दुण भक्ति वायरा विस्कृत इति क्हेब्रीएइ, सदा मध्यकां म মাজ ও গুহ পরিভাগে না করিয়া বা করুন ত,ই.জে তাঁহারা আর বঞ্চ কিছু বলেন না, খুমতপরিত্যানী সন্ধানকে বিষপান করা हेता हजा करतम, अवम शिका क आवानि भारत अवन ७ नयना नाहर इस नाहें। वि শৈষতঃ ইংব্লাফী শিক্ষা ও ইংব্লাক সংসর্গ মৰা দলের অনেক সহায়তা করিতেছে ইহ দিলের উদ্ধাৰনী শক্তি বিনিয়োগ করি বার আর পুয়োতন নাই কেবল কিঞিৎ **উৎসাম ও অধাৰসায়ের সংযোগ হ**ইলেই ইচারা অনারাসে অভীষ্ট সংগ্র করিতে ৷ भारतम ।

उत्तरकात कारल मश्तकात आमानि भारत क्षाना धरे, क्रान्त व्यक्तिक निम त्वत मान्त आमता धककारल वावणीय निव त्यत विम नाकाकते महि। धावृत्त विमय क्षत त्यत्यत कला।कात्री द्य मा।

वामने भारतरत्व क्षांचान ।

ভগলীর খুঁটিয়া ৰাজারের ' ধুবা বা থি দিপের সভার ,' ভত্তভা নিস্বার জন, বোমণ্ট দাবেব যে উপকেল প্রাদান করেন আনহা গভ বারে: ভাষার উল্লেখ হিশাম। বোমন্ট সাহেবের প্রস্ত'বটি অন্তি मरमात्रम स्वेतांस्य । मिरमात रेममेलिक स ৰভা 🕯 সমাজ প্ৰাভৃতির মনুব্যের চরিত্র ७ धर्मापित छैभटत मण्युर्ग बायुष् चारङ्, जिति देश धरे थात्राद छेखमस्य अपि পদ করিরাছেন। পর্বতীর লোকেরা প্রায় সতাধৰ্মাৰলথী হর না । কটলতের হাই लाया । अ अ मिर्णित महाता है क्षेत्रकि हैना র দুক্তীর হল। পক্ষান্তরে, প্রায়র ও সম তর্কেত্র বাসীরা এনিজেজ ও বিলাসপরা ये हेत्र । बन रमन, क्लांक ए हेडेलिंब का म्प्रितश विरमव बर्ण हेरा खन्नान कहिला দিতেছে। বিস্কৃ শিক্ষা ও অভাস বারু ইচার বঞ্চন্ন পরিবর্ত্ত হইয়া থাকে। লাভ বেকন অভাগেকে বিভীয় স্বভাব বলিয়া निक्म क्रियांद्व । भृषितींत वा मण्डाह त्व जदक्।, ७ त्व नमरत्न त्य ध्यकान केविक **रहा. एनरे नकल गर्भम ७ दिस्कामा कब्रि**डा লোকে ক্ৰমণঃ যদি সভাতা সোপাৰে चाद्रांदन कतिवात करें। लात, भूई चक्की नित यक शतिवर्ष इत्र जालक बाहे।

वामणे मार्ट्य आर्यरमंत्र विकासिका ও ধর্ম পরিবর্জের বিবরে যে মত প্রকাশ করিয়াছেন, তাহাও প্রশংসনীয়। ধর্ম পরি বর্জের বিয়পে ডিনি বলেন, " ভারতবর্ধ अहोन्छि अङ्खि शैरशङ नाइ मरह। **यस** क्यभी विराज आहीय खर्च, प्रवर्ध धर्म ७ খতত খাচার বাংহার প্রভৃতি খাটেই, সে नयुपात्र अक पिटन शति । ई स्वान नत्। ক্ষমশং ভাহার পরিবর্তম চেবী করা নিভা इ पारणाक । अभाव मांगरतन घटमक बीट्यंत क्लिंटक अककारम वृक्त धर्यायम वन कतितारह, यंथार्थ : किन्द्र छाङ्गक्टिश्व পূৰ্বেৰ কিছুই ছিল না ৷ ভাছারা বেমন गर्टक पृष्ठे धर्व व्यवसम्ब क्रिज़ोट्स, ए६ পরিত্যাসও তেমনি তহাদিগের সহজ। মাডাগ'ডার, জাপান প্রভৃতি কি ইডার্ট केरक वृक्षेत्रकम् नाव । विवक्तितान अवाधिक वर्षक. विद्वा अववाधिक एक के

The standard water season of the standard sea

विविध जर्यात । क्षेत्रकार सामित्र

বোধাইনগায়ে বালমদেশীর অবিক্রের বাজ ১৪৯- টাকার বিজ্ঞীত হইভেট্টে পত সঞ্জুহ অংশকা ২- টাকা মূল্য রবি হটুরাছে।

শশুর প্রতি অন্ত্যাচার বিবার্থী করা ইশার কণে শক্তব্য থাব্য সম্পন্ন স্থারিতে-ছেল। তাহাদিনোর তুই জন প্রতিনিধি সর্মলা শালসন্থান স্বরিতেছেল কে কোপার পশুর প্রতি অন্ত্যাচার করে। তাহানা ইহার সংখ্য ৬০০ গাড়রানকে সাবধান করিয়াছেন।

কার্ন হইছে সংবাদ আসিয়াছে, লোভ বহণাদ মান ক্ষায় সম্প্রকিনীত হইরাছে নালীজনভান জান পুনর্বার সন্ধির প্রভাব করেন) কিছ পুনর্বার ভাষার প্রভাব জগ্রাহ্য হইরাছে । স্নভান জান পারস্যাধিক্ষতির নিকটে এক মুক্ত প্রেরণ কবিয়াক্ষণ

विने श्विष्ठांत्र करतन जिनि क्षित्रविका
तीत मरणत काव्या हम, छावात क्षश्मन कात्रभ
वारे, वक मदामि गारवात्र क्रिनियम गर्व निश्वारहम, काम देवरताणीत वज्रावानीत्र काँम पृष्ठारक व्यवात्र कतिरम निष्ठम गारवं (क्रिकाणात्र व्यथान वाक्रिक्त) जात्रात्र क्षक करतम । करमरम क्षक कर्णक व्यवण देवरताणीत्र कार्रहम, जाराता स्वक्रा पूर्वक वरमणीत्र निगरक व्यवात व वय करतम, क्षित्र मारवस अक्रिक्त देवात, अधिवाक्षक वनि वाहे निर्मात अक्रिक्त देवात, अधिवाक्षक वनि ताहे कार्यक्रम क्षक्र वाह्य ।

मनसमारे अन्यान कविकारका रेखन श-कियाकारमा प्रक्रिक निर्माणनी नामात एउस त्य प्रका कार्य, कार्य सार्वकारका समावित्यात मनावर्थात कम् स्वापन समावर्थात केवन अन्यान महस्त्रका क्षेत्र क्षेत्र कांक्र रागन स्वतं श्रीकृष्टी कांक्रिक का

The state

কৰ্মনাশা নদীর অভ্যন্ত জন র্ছিং ওয়া তে-ভাহার উপন্তিশ্ব সেতুর একটা গিপা ভর হইরাছে।

পঞ্চাবের লে'কেরা হতন নোট সটতে সম্মান্ত নহে তথার শতকরা ২০ টাকা হ'াটা নিরা নোট ভালাইতে হটুভেছে।

বিলীগোড়েই বলেন কোড নামক একজন
ইউরোপীর পূর্বে ধরর।বাদে একজন শিক্ষ
হিলেন। কোন অপরাধে পদচ্যত হওরাতে
তিনি কারুলে গমন করেন এবং ছুছবেশে তথার অনেক ছানে জনণ করেন। জেলেলাবাদে
তাঁহার ছুছবেশ ও খুরীর ধর্ম প্রকাশিত ছওখ্
রাত্তে করেন জন তাঁহাকে প্রধার করে। এই
কলন কালে জিনি এক জনতে বধ করেন।
তত্তত্য শাসন কর্ছ। তাঁাকে ক্রম্ম করিরা
পোলোরারে বিচারের জন্য তেত্ত্ত্তি করিরা-

পোসোয়ারে একণে ওলাউতার কিঞ্চং শাস্তি হউয়াছে।

নেপ টন ট প্ররি ভিণ ডিল আনিসে কাগল কলন প্রভূতি প্রোপের কডকগুলি নিব্য প্রকাশ করিয়াছেন।

হাউস এব ল ও ল'র্ড কানিশ্যর মৃত্যীতে শোক প্রকাশ করিয়াছেন।

वर्ष विमानित रमका गृति है, है ब्रार्फ मा-देवन दिन्द रमके मेंद्र निविद्यादक को के मेंद्र मारदेव काराज निवासित के कार्यक के कार्यक नावि बाहतम मोहे काराएक बरमार्थानी कहि-बात संग्रा किनि नव बीलि किशिय नांद्र के किशाहित्सक । बाबा के किशाहित संग्राह्म विमानित के बाबिट के किशाहित विमानित के बाबिट के किशाहित केल भगाविक काम केनक्षेत्रीत्माहर्थन वाह के द्वारा कहिलाहर्थन अपूर्वका स्टेटर !

9 & mine

विवाधिकारिक देशकारक के कार्या प्रशेष की श्रिष्ठ गयम अस्ति के कार्या देशक जात्रपदर्शन कि विकास कार्या पृष्ठि चांदर कि कि विकास कार्या म के कार्निका गर्या के बन्द्रसमीय गर्या के गर्या आवश्य केंग्रा

े ना आरम्ब के महत्त्व है कि महत्त्व हैं के महिला के का महत्त्व की महत्त्व की का महत्त्व की का महत्त्व की का महत्त्व की का महत्त्व की महत्त

विश्व परमंत्र मा प्रांतमम की विश्व की वार्यों जानीतिकरमा पारम्भिक स्थित का अन्तर प्रांतिकरमा जानाकरमान्त्र करने स्वत्रीय रहेड स्मरक्डिति का श्राह्म क्रिक्स करने क्षियास्कर । जेक मात्र क्रिक्स करने सामित्रिकरूक देशों अन्तर्भ करने वार्योग्यास महस्त्रीय स्थानकर्म करने व जार्योग्यास महस्त्रीय क्रिक्स करने स्वारम्भीत्रास महस्त्रीय क्रिक्स करने साम्बारम्भ

के कार्या के क्षेत्र के कार्या कार्य

The state and colored or the state of the st

্বেহ্ৰকে আপনাদিখের সহবারী সভাস্থিত tretes finis fraite. | Agfterial नाहरकतं क्रमनः व्यक्तितं प्रदेशक अनिन।

केंक्टिय न व्यव देखियां यहनमें स्वामी देवनहत अकृष्ठि देखेरतानीम बीरणाक अस्तर्भ प्रतान न *** করির। তাহার স্বাসীর সহিত**্যবিবাস করিত। अकर्ता का चेद्रावक केन्ना वहेंद्रा अक नि खन बाह्य जान्यकाः कविदारमः निष्टानिय , इंदिराणीय बीरमायनिरगद कांत्र अहे साव दलका बाद ।

खबा श्रम जागतात निकडेवर्कि चान नगू-হে নেকড়িরা ব্যাজের অভিনর উৎপাত হই श्रीदर्श । त्रः विकारम गांद्य प्रत्यक मिल मलामी

ৰাজুকোড় হইডে লটয়া নিয়াছে द्वार्थिक वटनम अवि बीटमांक जानम নিকে বুকা করিবার জন্য ভাষাকে খা টর ্হিত যখন করিয়া রাবেন। রাজিতে ক্রন্দন ৰি অবণ করিরা তিনি জাগরিত বইনা, সিতেহে। গোলবোগ করাতে ব্যাপ্ত পলারন ^{के देश}, जिल्ल भिक्कित व्याननका कान हरे. दहं ।

चानाश्वाम तार्केंड बर्जन, उक्त पर त किंछ मार्का रहते, कडेबाक बत महेना या बना रेरव । अक वित्र खादां वेश्नक स्ट्रेरफ गनाहेट उट्टन । शांतिरम्त्र नाति चात्र खर्दि छ हेशांक बहेरज्य ।

উক্তণত্ৰ আয়ও বলেন আলাহানাদ ক্ষুক ও ভলরার পাওয়া পিয়াছে। ভত্ততা आमानात > • • • होका उरकार नहेना समीमा-্বিক্তক কাজ রাখিতে দেন। 'অজ সকল ছুৰির প্রধ্যে প্রকাষিত ছিল। এক গড়েকা তাহা বাহি 🧺 করিরাছে। থানাদার ও অসীদান উভরেরই क्ष स्रेप्नाटक् । निरुष्त कतिया विद्यात निर्वा-्ब्रहेन्द्र क्रही इचा । अश्चित्र शर्शको स्था-প্রিতিত ঐ প্রকার করিয়াছিলেন, তথাপি ১৮ ্ঠ ৯ আছে গারিবালডি ডক্রড্য হবকলিগের ম্হার্ডার অর্থাণ ক্লিনকে **মু**রীভূত করেন।

(सन्वेद्धिक्ष्ण वंद्रमन उवात ख्यानक कर क्षत्राटक अवसानि काशक गानिक गरिउ अभाग सहस्राह्य ।

डेक शत्र व्यक्तिक बंदनक तकरमरण महा इस्ति मुान श्रेषाद्ध । क्रांका कारोड नियांत्र र्भ विद्मान बहुबान बहुबाएक्रमे ।

उक्त भट्ट निविद्यार्थन द्राष्ट्रत मश्टमाः कत् इ.अग्राटक अकरम वित्रक इरेबाटक **जानामिरशत शर्यध्यकेल भणात कः कतित्र** धीवव्रक्षिरगव अधिव सम्बर्धिक ।

উক্ত পত্ৰ খায়ও বলিগছেন ভত্ৰত क दिनेत्रवर्के शांक्राह्मे दिव क्षेत्र महकारी শেরাণী তহবিল ভক্তপ করাতে তাঁহাণে প্রাণারতর িচারালয়ে সমার্প। কর। ক্রীয়াছে **चत्र कि १ त्वहारतत्र (जनमारत्राम। मुक्त दहेत्रा** (इन । इंडेरहाणी सन्ना जनकन क्लांक श्रीड ৰণ্ড পার না ভগে র**খা কেন এন্ড ছুর দো**নী দিগকে আনিরা সাধারণ ধনাগার চইতে दाव क्यू, रव

আমরা সমাচার হিন্দুস্থানী পত্তে একটি প্র खांव प्रणीन कतिया विरागन प्रथित हड़ेनांव। ্ৰিলেন এক নেক্ষা ভাৰার সন্তানকৈ ইংলিসমান অবোধ্যার সভাকেগালি সিয়াছি-লেন বলিয়া স্বাচার ছিল্পন্থ নী ডাঁছাকে পশু প্ৰভৃতি শক বারা কটু কৃতিয়াছেন। আনাদি গের লখনশ্বিত সংবাদ গড়ো বলেন এট मकन मर्भम कतियां हेश्नधीय लाटक विव्रक्त হন, বস্তত। কটুডামীর সহিত কটু ভাবী ছওয়। কোন মডেই উচিড নচে।

্ ই আবপ বুধবার।

সামর কডজডা সংকারে খাকার কবি-তেছি ভারতবর্ণীয় সভা " ত্যাকের উপর লাবার এক অনীয়ারের বাটাতে অনেক বাস্ক ছওয়া বিধেয় কি নাম এইনাষের এক গও পুস্তক জাসাদিশের নিকটে প্রেরণ করি-ब्राह्म । । आभावित्वत पृष्ठभूक वाश्वेनके शवर्गत चात्रक्रवर्गित शवर्गवर्गत चप्रद्राध পর্যন্তর হটয়া ভরাকের উপবে কর গ্রহণ ক. রিবার সক্ষকরিরা ভারতবর্ধীর সভাকে এই কর কাছারের এক অমুরোধ করেন বে দী সন্মুপার নির্মারিত করিরা বেন। ভারতব-शें र मणा खाबात आश्चात्रात्र तार्थन अहे कर সংগ্ৰহে বে কোন উপায় অবলবন কর। ইউক ত হা কোন জনেই অত্যানার নির্মুক্ত হইবে मा'। वित्यबंद्धः अंद्यवाद्याः वित्रवादी वर्ष्णाय-त्य द्वे जिल्लार्थिन सदी स्ट्रेस्य । सामन सम्बद्धा-त्न राव जरगणा काव विश्वन नाव का अवन

पूरण जामरण खर्यारेक्स मार्थि विनारमई क्यस केना कर मध्या जाविरवह । बंजालेनी के संवर्ध ताके मधात्र धार्मिक्य है पूकि संगन के हार-न कतिता में क्य धारन सहीतः नतिकान वृद्धिः शास्त्र । यमरमम छात्र उपने ह ने काहे निकार अविवास क्षेत्रक मान्य मान्य

অদ্য পূর্ব বালালার রেইলওরেডে রাণা, ঘাট পৰাক্ত ৰাজ্যীয় শক্ত চলিতাছে। আগাৰি वृषवात कृषिता भगाव गाउँदव । अना व्यटकायत अविष जायांग्रद्ध 🖣 गाड़िएक बारहाक्व कहि-তে পারিবেন সংলহ নাই ট

हाउँयून जार देखिया भूगा अनवड देख প্রকাশ হইতে নিমু লিখিত উক্ত করিয়াছেন। ইন্দুঞ্জাল বলেন পু-ৰ্বতন নহারাষ্ট্রীর রাজাদিগের দক্ষরে রাজকা ধা, যুদ্ধ দৌতা প্ৰভূতি কাৰ্য্যসংক্ৰান্ত সনেক ৰাগত গত নাচে। বোৰাট গ্ৰণ্যেট ভাহা বিনত্ত করিতে কালেশ দিরাকেন। কানর। ইন্দুপ্রকাশের সহিত এই অসভ্য জাজার अভिवास कैंद्रिएक ।

দিলীগেলেটের কার্পছিত সংবাদাত। ৰলেন সুৰ্ভান জান ও সর্লার সাম**ংশীল** ধ্বী করা নগর রক্ষা করিবার জন্য তথায় উপ-किं करेशांदकन । मिल महत्त्वत दिशांके शयान क्य कद्भित्तम भग क्षिप्राट्सन ।

উক্ত পত্র প্রেরক জার্ও বলেন কর্ডকণ্ড-नि पूर्वभाग दिशारित निक्टेवर्कि धक्भानि গ্ৰাম কৰ করিব। অনেক জীলোক ও পুরুদকে धृष्ठ कतियां महेता निवादः। शांत्रमादनशैय সেনাপতি নুরাদ নিরকা এই বন্য জাতিকে বোরাসান হট্ডে নিশ্ব করির। দেন, তথা-लि जाराजिएला सोनाचा वात मा।

त्त्रभू कानिदक्त यहान बन्दाहरू छव। क ও পানের আবাদ করিলে বিশ্বর লাভ হয়। किनिक बर्गन महाँहे (मरणानिक्रन गर्थनक लिक व्यक्ष्मं स्र मर्गतार्थ प्रवत कतित्वम ।

অবোধ্যা গেজেটের এক জন পার প্রেয়- जिन्नां नक्ट छात्रं, वाकिएंट्र एक्ट्रे प्रकृति क्या सूच नविशास्त्रत मुद्दीक आवर्णन करियाद्वन । वह वाकि अन वांने काका नहेंग्रेडिटनमं अह क्रीराजितक वर नाम शाहि नामाटक क कर्म क्ष विक अवस्थ प्रतिही सागदक निविश्त

कारक क्षांत्रका कर्य प्राप्तका विकास कर्य क नवारक समित है जिल्ला कार्य हैं क क्षारक समित है जिल्ला कार्य हैं कि क्षांत्रक क्षांत्रक गांदक मां क्षांत्रका कार्य कि क्षांत्रका क्षांत्रका कार्यका कार्यक क्षांत्रका कि क्षांत्र क्षांत्रका कर्यक क्षांत्रक ना कार्यका कार्यक कार्यक क्षांत्रका क्षांत्रका क्षांत्रका कार्यक कार्यक कार्यक क्षांत्रका कार्यक क्षांत्रका कार्यक कार्यक करिया करियांका करियांत्रका कर्यकर्णन करियांत्र ।!! नियमा क्षांत्रका कार्यक्षित गांत्रिका करियांत्र ।!! नियमा क्षांत्रक कार्यक्षांत्रका व्यक्तिका

सत्तकता बरमन ६६ भन्नभाग सम्म मार्टीत गांद्रव गर्म गांद्रद्वम व्यं क्रिनिय स्वाध व्यथा-गांद्रव गर्म गांद्रव व्यक्त सन विष्ठास्थित हरें-ग्रांद्रव । गर्म गांद्रव भीकावमकः हेंश्मरक भन्न सतिद्वाद्रव । २६ भन्नभाग चांद्रकांत्र व्यादे गांद्रव मार्टीत नावस्थ्यत् भद्रम विद्वा-क्रिक हरेगार्ट्य । बाहेंग्रे गांद्रव जांभगात्र भ-क्रिम एक प्रवण कांद्रकांत्रित व्यक्तिय क्रिमानी क्रिम एक प्रवण कांद्रकांत्रित व्यक्तिय क्रिमानी क्रिमानाम महिक महेना वाहेटक भानि-

केक गरजब चारविकात गरवान नाका राजागिक वहेन रतन विचाक स्वावनात कातन ध्यकान कतिया निवादकन । निकेजनिर्वारका का राज ''जका क्रम जीरजाक प्रवर्गयर केन्न राजां के राजागिकिविरात भारत पूर् गर्वाक विचादक म। राजागिक वहेनत अक्रमात्रभावं केक खा-वनावाया गक्नारक अहे क्या कामाम विक्त कान धीरगांक करून वाकात करनम, कांचारक ख-मात नाम बाकि रक्षा वहेरव। राजागिक विकाद विखाविराजागिक व्यक्तारक जीरक वर्षक गाहेत. केंन्राय अकि वर्षक जानाम धानमीन क्षित्रारक्ता है हैश्वक राजागिक वहे-गरतत क्षित्रारको । हैश्वक राजागिक वहे-गरतत क्षित्रारको । हैश्वक राजागिक वहे-

চাকানিউস ভত্রভ্য বিচারলৈর সমূহের সাক্ষীর ক্যান্ডলিয় ধ্যুরের এক জিলাব দি-বার্তেম।

नारकात ज्ञानामध्येत । २ है। छ। नामक ज्ञानामध्यक विकासमध्य २ है। छ। नामक ज्ञानिकात विकास

The state of the s

STATE OF CONSTRUCTION OF THE PARTY OF THE PA

व्यवाणिक इरहिया करावदाक अवता था. विम करने अवन गांव का सामित्य (का 1

व्ये आयम इक्लिकिश्व ।

गाउँकर तर्व गाउन वाकिए गाउन, क्यांने गटरत निकट किन जन शुनिय निनाही पूर्व जन क्षणाटन दिशांत पतियाद कार्यावरणा गरिक क्षांत्र गांत्र पति हो। कार्याक क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षणा क्षण कारक क्षण क्षणा क्षणा विकास क्षण कारक क्षणा क्षणा क्षणा विद्यान क्षणा क्षण कारक क्षणात क्षणीत क्षणा करेटक प्रक क्षण कारक क्षणात क्षणात विकास करेटक प्रक क्षण कारक क्षणात क्षणात विकास करेटक प्रक क्षणा क्षणा करेटक क्षणात विकास क्षणा कारक क्षणा क्षणा क्षणा क्षणा क्षणात क्षणा क्षणात क्षणात क्षणात क्षणात क्षणात क्षणात क्षणात क्षणात क्षणात क्षणा क्षणात क्

ইংখিনবানের পেসোরারের বংবারখাত। বলেন বজাতি ১ব গণিত পঞ্চাবী, সেনাগলের সহিত আঞ্জির আভীর করেক ব্যক্তির বালা হওরাতে উভর সংগ্রেই করেক জন বভ হই রাছে। পঞাবের লেণ্টনক পর্বার আন্দিনি-দিগকে ঘোবা বির কারো ভাষাবিশের জরি মানা করিরাছেন।

বোষাইথের স্থাবিধাত পাবসী মৃত ধের্থ নজী নর্জাণসজী-গুলাদিয়ার ক্লুরণার্থ পার নীরা এক দিবস আপনাদিগের ব্যবসার বন্ধ রাখির।ছিলেন। শীঘু তাঁহার স্বরণার্থ চাঁছা। ব্যবহা

চীনদেশে ইউরোপীর বাশিজ্যের সবিশেষ
ক্রীরত্তি হাইভেত্তে। নাম্পের্ডরের অনেক মন্য
ইয়ংসিকিরাক নদী ভটত্ত স্থানসমূহে বিজনিত হইভেছে। চীনের অনেক লোক বাশিজ্যে
প্রায়ত হইভেত্তেন।

চীনকেশীয় গ্ৰথমেন্ট আপনাবিধের অং ধীনত্ব বাৰতীয় কর্মচারিকে অবিকেন ব্যক্ত পরিত্যাগ করিছে আজা বিসাহেন। এক ব্যক্ত কি ইয়া করিবেন তাহাকে শেলগাড় অনুধা নিয়পকত্ব হইতে হইবে।

नकारम करम रहमानम् छान पहेरके आहि छ । नक्षारी यमिनवर क्रामेनके स्वीतना अक्षर नक्षाय वयनस्याने क्रिकेट हैं क्राम्य

शांक प्रकारकार्याक्ष शांक प्रकारकार्याक्ष शांका परिवर्धक वाचीतात् प्रक् वा शांकित देखे क्षेत्र शांक प्रकारकार्यः प्रकारकार्याक्ष

करमहरू हरन श्रम्म करतेत्र क्या क्षतिरक गांवकी वारमहोतिरक स्मार्टक हामां वारिरात श्रामक गरकाक स्मान क्षतिका इ.ज. विवास विराग्य करन होते क्षति क्ष

माखारमा स्थितरगारी अने वर्ता संस नमनानसंदर इस बान नोस्तिकारी रहा राज अने जन कर्ताहरू हैंगा निर्माणि। रिम्मिणि एक संस्कृति राज, स्थितियाम् जादेन स्थापि अने रहेताह विवाद क्रिक्त क्रांच्य स्थापि राज, विक क्रिनाहक क्ष्मक्रम मास्ति रहेता। क्षित्राकात क्ष्मक्रम संस्कृति

নাগপুর ও ব্যৱস্থার এক নার্য আহাসক স্থাপিত হট্যাহে ৷

নাগৰ্বনেঠ আতা বিভাগেত নিয়তাৰ সংখ্যায়াৰ প্ৰাণি নিয়তাৰ যে ১০ টাৰা কৰিছা হৈছে ভাষা কৰম আৰ্থি কৰ্ম কেন্দ্ৰয় হৈছি ই টাকা অন্য সাজক বিভাগে ক্ষমণ গামিয়া ইয়াকে আন্তৰ্ম ক্ষমণ নাই।

व भागत

क्षेत्रहरून । बन्दकः शवर्गतन दाकी शाक्ता छेडिए रह बारे। क्षेत्र, अध्यक्षिमान्य विद्या स्वयाच्य बाटक हिस्स मध्य कोजगाहित्य गानील इ-মান্ত অধ্যয়েন্দ্ৰৰ্ভাৱনৰ করিয়াছেন क्रिकेश विद्यागिका अःगरिवार जना क्षेत्र त्याटक टेल्क्सिक स्वत नाहै। बीमक्रेडीक अधारकत हत्रिरकत अञ् ভ্ৰম্মনে বাবে ও কাটানকে একপুত্ৰ वियोध स्टेटन ।

व अवस्थि गार्ट्य पूछ3र्स कार्ड जार ইউরে বদীবার কর রভির প্রতি বাদ ক্লিই প্ৰভাবকরেন। তিনি বলেন, এক कि ••• वर्ष दिवर गत्र अप्रांगा (म अप्रां ক্রম নাই অবিচার। তাহার প্রস্থাব 🎉 । किंड जांकर्ग वहें, जांशकि में मधरम चाकिया। अहे मकल ক্ষাধীয় লোকের গোচর করিতে

জিলাক্তবন্ধ টাইজরে ভত্ততে কার্প্তেন লাইছবের বিরুদ্ধে একটি প্রস্তাব क्षिक मानामरकत ००- होवा स्वि. क्ष्मिक्ट्रस्य इत्र यात्र विद्याप स्टेताट्ट । क्ष्मारक व्यक्तिवाँकी विकार पुरू रहे विश्व (क्षांत्राटक विश्वोत्र नहेटक स्टेन ? क्षि_{श्रा}म्भ यथार्थहे निवय गरिष्ठ

" AVELOW . C. .

कारनद रामानका विकासका के स्माप कृषि कर कड़िएकगा किया थे।

विद्रशां कारम क्रियाशिक शादनगरन ধানে যে সকল ইস্বা-ছিল্- ভাৰায়া সকরে देवांदक् ।

क्तिक निश्व निविध के बैद्धां गीव नवां गो व्याच व्हेबाट्ड्यः---

• निष्ठे हेश्रर्क २०० जूम। तिहमट७ (कान विषद्भव शक्तिवर्क बच मार्डे । विद्यादीया ऋड क्ष्य रण महेवा क्याबर युक्त कतियां शवर्यस्य है সেনাকে বিব্ৰক্ত কব্লিডেছে। স্তাউপ্ৰল্ সেনাণ ডি যাকিলনের সহিত একত্রিত হইয়াছেন। চা রলস টোনে জুমুল সংগ্রাম হইয়া গিয়াছে 🤉 যা द्यां गोर्फ दिवस्थ गोर्चे बाह कोटन ब**के** भया देखें সহিত একত্রিত হইয়াছেন। আধ্সন আনেক সহকারী সেনা পাইয়াছেন, ডিনি গেনাপর্ডি কুৰ্ণকৈ গুদ্ৰুতৰ কলে আক্ৰমণ করিবার চে-बीत्र भारक्त ।

मध्य अंत्रो खुनाई । सन्देतात्र शवर्गप्यके ব্রাকা বিভ্টর ইমানিউএলকে ইটানির ভূপতি वनिस् बीकान कतिनात्हेम। नाकक्षादी जा লিলের বিবাহ হইরাছে। সেনাপতি ক্রম প্রা-ৰক্ষাণ করিয়াছেন। ভুটার বাজার বড গরন।

क्लिक बुरमन वरीय स्त्र बाक्य का गरान ব্ৰিকাৰ্থ বে কংগৰ্ম কৰ দিপাহী ছিল ভাহাদি भटक बाह्य मेश्टकटलम् विमादव क्रांसिया ८४-**७ग्ना एहेटव । शर्वटब**के ब्रांककुमान्न निगरक मिक बादम निलादी माथिए अञ्चलि निर्वादकन। अवर्रकोर्ड द जिलाबीय रक्डम मिर्डन, मिर्ड कि रचनारतत मामिन नत्र ।

केंक्र नाम जाद क वर्रमन मनिश्रासन हो-জার জাতা তাঁহাকে পদ্যুত করিবার অভি প্রান্তে শেনাসংশ্রহ করেন, কিন্তু ইংর:জ গাবর্থ-ब्यालेव करवक जैन निशाही छीहात ताहे छू-র্মনোরথ সকল *হইছে মে*র নাই। সণিপুরের মার এক জন ধর্মার কান্তা হু হইডে সেবা-न थ्वार क्षिया ताळात विकटक बाद्धा अधिवार्व সংক্পা করিরাছেন। সেনাপতি সাউল্লাস 😻 विगाप विद्याप निर्वाहरवद्व सन्तर अञ्चार्कटक क्ष क्ष धृष्ठिमी कविद्याद्य ।

cold till a la sellence elect भारतम कि बना है बेबारियोश मिनाएक एक्ट्रीर দলত্যান প্ৰভৃতি পালের বাবি ব্রুডেন্ড 🛊 🖰 कृत्याधा (भरको नर्यक्र, महेंकोर्च 🔾 🔾 अभिक ्रामामरमार अव किनिमश्रम अवि পুরবার ও অধিক রাষ্ট্র পাইবার আজা পাট্ট ক্রিক পু তলয়ার লইর। নিবর হটতে পালা-गरन त्र छूरे जन अखरणनीवृदय क्रांत्री मार्ड करत, स्थाता वक' ग्-कित विश्विक्षण स्वादक । त्य प्रक ७ क्रक दरेक रहेन व्यवसा मन्यालक उठे रवना छिन्नेवा अधिका विश्व व बहेनानि व स्टेश व सहेनाटक

> আলাহাবাদ গেলেট মলেন, ভন্নভা ক-क्षिक अन रेडिट्रांगीय देनना १रे अपार्ट छ-এডা এক ব্লিকের লোকান কুঠ করিবার চে. ষ্টা কবে। ভত্রতা পুলিবের সহিত ভারিবির काराजित्वत लामः रहा श्रुनि । (होकिनाद्वता অভিশর সাথ্য সহকারে সেনাদিশকে দুরীভূত धक्रम्मदक ४ ७ क्रियार्ट् । यश्कारम माना रुद, रेखेद्वाशीत भर्भत्र रुख बकुक हि-न, श्रुनिव निगाहीब्रा क्वतन खादामिरशत्र ना-वि गरेता यूच करता त्रहेन शहर अव जन प्रजिल्लं क कारोती त्यवाशनरक (मग्रा

कताभी ७ देशमधीय गर्गासके जैसे ক্ষি করিরাছেন পরস্থারের রাজ্যমধ্যে বভ 🤻 हैके क्षेत्र क्लाम्स्ति चाटक्, जाकाविद्रशत्र स्वतः পাওনার বিবাদ হইংল পরন্পর রাজ্যের আ-षांगरक नांगोन स्हैरवः 🎉 व काकि रंग ब्रांट्का পাকিবেন ডাহারু নিরমানুদারে ভাঁহাদিগের विठाद व्हेर्ट, चार्ड अन अक्टर हेरल १७४१ही ह ब्राम्मामरभा _स्मिक्षेतिया स्टेश्वः कतानी ब्राह প্ৰায়ন কবিব বু উপায় গেল।

क्षा क्रमिकि, स्थारमान व्य হাল ভালিশা প্ৰবাদত্য বিচারালয় द्य । छाडेन कारमञ्जू सन्तामि मञ्जू भूक्षकालस्य (सडेकाक्यर्क) व कि नापात ৭ পুন্তকালঃ কাষ্ট্য কোন স্বাস্থ্য त्रत्र जना वाकित्व । त्य श्र डाहे मा 🐃

क् अवन देखिना गा াৰ সভাতৰ **अधिक कृषि विकास है**

तिएक संस्थाप किताहरूम । ना करणान छार्न गढ़ा हा कड़किएनेस यह कक् बर्धन रगाय व इरकट्टा

उक्त भद्र अञ्चलनीय भूनिन मरण्याधन स्म-भट्न बनिवाहिन भ्यजिन विस्थानिक्तिश्व । गाव बानानीय। आवाटिक श्रीवर्ध नावाडि ता कविरवम जडिन, श्रीवर्मश्याधिन डी बाक्तिया काम छेशकाय बहेरव ना श्रीवर्माः है हेन बन्दन भाषे रक्त बर्मायस बहेरजह ।

গ্রণ্ডেন্ট আজা করিরাছেন চাক ও মুর-দিদাবাদ যাভিরিক বক্তলের আরু সকল জ্বানে গভবংসরে যে শরিষাণে উনক্ষটাকা ধুওরা ছইরাছিল, ভাষাই প্রচলিত থাকিবে, ভাষার আরু কোন পরিবত হইবে না। বদি একণ হর এখন কোন আবেসর ঋন্যায় কর ধর্যে, করিলে, প্রজাগণের তৎক্ষণাৎ গ্রণ্ডেন্টের গোচর করা কর্ত্বা।

১०३ खावन खळावात् ।

ভাষরা একটি ভাতি শোচনীয় গটনার সং बाब् आ अ बरेबादि। बितामभूत्तत अधःशा फि थाना दित्रशास्त्र अधीनम् भाषायता देवकू वे**भूत शास्त्र अक शंद्रम अं**डि करिकां जात কৰ্ম করে। ত হার স্ত্রী ভাষার বাসগামে খা কৈও। লীলোকট অভিশয় অন্ময়ী ও অপ বয়ধা। ভাহার ভাহুণ অভিভাবত হিল না। তিনটী ভর্নেজিয় যুবা ভাহানে কুপথ গা-মিনী করিবার অনেক চেটা পার : কিছ কিছুভেই হুভকাৰ্য হইতে পারিল না ৷ এক দিবস ঐ জীলোক সান করিয়া রক্ষন করিবার জন্য কণর এক বাসিড়ে জরি আ निष्छ शता । ताई स्वारा के स्कृत प्र কেরা ভাষার গৃংং গিয়া অুকাদ্বিভ ষ্ট্য়া বৃধি ন। সে রখনাগারে অবি রাখিয়া শর্ম হতে कान क्या आनिएक शाम । ने पूर्व एकता ने অবসরে ভাহাকে ধরিরা ও ভাহার মূর্য বন্ধ করির। ছুরবস্থা করিল। এই অভ্যাচার কালেই তাহার প্রাণ বিরোগ হইল। বুবকেরা এই प हेमा हिर्मिया कीज बहेबा भनायम कतिन। शरत खडाका समीवारतम भमका वसन क हो। किशाबदक किहू छैश्टकांड विश्वा ह्यीत्नांकवित गनदारम सम्मू तिया, त्र क्रेस्स्टन खानजान कत्रिवारक, अरे समझेव जुलिया मिन। बहिशी

लिश बारतायां क उपकरमंत्र कथा माजिरहेरिय निकंटि विरंगिंध कतिरम्भः छाति विकरम्भ गञ्ज मे कृष्ठ स्वर कीतामश्रद्ध जामीष्ठ स्वेणः किह्न मिन गरत प्रांकि जाशम याग्रेरेष्ठं जानिया। कार्यात कीत्र मृज्य श्रद्धक कात्रभ जानि एक गाहिया कीतामश्रद्धत्व माजिरहे हिन्द निकर्छ माणीन कतिन। बाजिरहे हे रेक्कामाणित बारता गात जेशन जाशमधारम्य कात्र विरम्भः। मे बारहाशीय बर्द्ध मनुष्यात कांश्व श्रद्धकानिक स्टे बारहः। इतिशारम्य बारताना, गमखा मधन क कारतानात पुरु स्टेशारमः। पूर्व स्वयुक्त कात्र ग मान्न कतिवारमः। मे न्यांमणा यमि मका स्व, श्रीव त्रांचित्रा गवर्गत्वरकेत वथा गात्र बोकारत्व श्रीव त्रांचित्रा गवर्गत्वरकेत वथा गात्र बोकारत्व

কিনিকোর বোরানিবার সংবাসসাতা ব-লেন, উক্ত নগর প্রায় প্রভার গর্ভত্ব হইন। সরকারী বাটা সকল ও ওয়াটসনের প্রবিখ্যাত অধ্যালিকা বিনপ্তপ্রায় কইয়াছে। তত্তত্য সা ধারণ পুস্তকালর তথ্য হইয়াছে। সর্ব ৬% প্রায় ৪1৫ লক্ষ টাকার সম্পত্তি নপ্ত কর্তত্তি বসিয়াছে। এত টাকার সম্পত্তি গেল, পুর্বের একটা বাধ দিবার চেটা করিলে কি এ সকল রক্ষা হইত না ৪

ইংলিগ্যান যদেন, লয়দ্বায় সেনা নিবির
থাকিবে কি না এই বিবরের বিবেচনার্থ এক
ক্ষিণ্যন বসিয়াছে। সর হিউ রোজ এই স্থান
জ্যাগ করিবার প্রস্তাব করিয়াছেন। বিজ্ঞান
ভাবে লগম্বায় বে সকল বারিক নির্বিত হই
য়াছে, ভাহাতে লল সহত্র সেনা ক্রমেশ থাকি
তে পারে। গর্থমেন্টর বিতরেব্যর হইরান
ছে। লয়দ্বা ভাবাস্থাকর স্থানও নছে। ভবে
কি কারণে ভাহা ভ্যাগ করিবার চেঠা হইন
ভেছে ? গর্থমেন্টের খনস্থানে কি শবি হইন
যাতে ?

উক্ত পত্র আরও বলেন, পূর্ব বছালার রেইলওরে উসনের নিকটে একটি বাজার হ ইবে। গবর্ণনেউ ভরিষিত্ত আড়াই লক্ষ্ ট্রাক্

কানিক ভার নিত্নিরার ছুইট বানর আনিয়া অভাত উৎপার্থ করাতে লগেন ব্যক্তি পুলিব কনিসময়ের নিকটে এই বিশ্বর লানাই রাহেন। ছুই ফেলিনেন্ট ক্টেন্টেগ্র

নাহা হউক সাধারণে কম্মিনে বিক্রিটের সভের অসুযোগন করিবেন হা। আবর্মানান বার কবিভেছি নথি হারাইবার কারণ ক্রিটের বান করা আবশাক।

উজ্জ্যতান্ত নিগ্ৰার ভাইনের সাম্প্রিক লগরাধ লয় করিবার চেতা শহিলাকে। নি বে চেতা কচন পাল অধ্যয় লয় করিব জন হউক চরণাঘাত ভারা স্পান্ত করা বে লোক নয় ইয়া কোন জানেই জনমান করিতে পারিলাধ বাং

সনাচার বিদ্যালী বলেন প্রতিত্তি ।
এক বেগানের বাসিতে হল কান কার জানাবিক হল কান কার জানাবিক হল কান কার জানাবিক হল কানি ।
উচ্চ পাত্রে ভিনাট কড়াজানের ইবার জিনাবিক হল কানি ।
উচ্চ পাত্রে ভিনাট কড়াজানের ইবার জিনাবিক হল কানি ।
এক বাজি জানাবিক হল কানি ।
ইবাহে । এক বাজি জানাবিক হল কানি হল জান কানিবল জাকাবিকা কানিব হল জান কানিবল জাকাবিকা কানিব হল জান কানিবল জাকাবিকা কানিব

যদিপুরে গোলবোচার সভাকর স্থারাত ভবার এক রেভিচনত নিশারী একটিভ মুই-রাচে।

हे रिनिवास कारन कहितारको मानू कारन-कारनावन बोक्स वाजिडेस्स नहीं कास खेडीर वर्षेत्र कारात्मक विश्वविद्यानस्मानकार कासक्यवीत काहिएसं कार्यानक व्हेडाएस्स र

्नित्र निविश्व मृत्या त्रवर्शका मानव विक्रीण क्षेत्राहरू

850

৪ টাকার জোকানির . . ৯খাত

・・・・ 3-8日かー3-84かの時間神経

ভারতবর্ষীর ব্যবস্থাপক সভা ৷ ১৯ u: चूनारे'चनियात्।

গবৰি ক্লেনেরল লভাপতি: সর মুখাইনেপি-तत याति रहेन, व्याक्रिक, त्था, विषेश देहे निद्य, **७ मापेरे नारहर प्रेमंदिछ हिरान**।

প্রধানতম "বিচারালয়ে ফি, ও ইরাম্প माञ्च जांशांच के ३४०० जरमत ४ जाहरतत , কর্মেকট পারা দ্ববিদ্ধ বরিবার অভিপ্রায়ে **क्षेत्रिकेन** महिन्द्र अक दिन जर्गभ कहिरनन। এই বিলের মর্মা; এই, স্থান্তোর ও সদর কোট ন্ত্ৰীক ত্তুৱা প্ৰাথনিতৰ বিচারালয় হইয়াছে ক্ষিত্রিবনের জন্য স্থানির কোটে অংশে পূর্বের एमाञ्चाकि मुख्या बहेटर । मप्रदाद जरूरम ५० গ্রারাস্থ্যারে ইটান্স মাসুল আ

क्षा स्ट्रेट्ड डार्डिस्ड क्षेत्र दलन हुत विकासुमन्नदर्व नवदेवस नाम हैहै। সাধিতে কিছুটিৰ সক্ষ যে কদৰা পূৰ্বে স ৰ্মনে আনিজে পান্ধিত না, ভাষাতে ইটাম্প লাগিবে ন। বিচারপজিরা ১৮৫> অব্দের 🗜 অন্টিন ;অভ্সাত্রে আপনান্ধিগের রার আ ^{। नामाद्री} निषिद्दन । अंक्र (१ क्यांगीरनद्र कान 🥐 বিৰুদ্ধ আছে কিন্তু প্ৰধানতম-বিচারা-ेग्रह विका भूक्त हैश्रह भतिवर्ड क्तिएंड भा जिन्म ।

এ কুম পথা তৈর ইউরোপীর সমাচার।

प प्रवर्गाय क्षेत्र क् 🔻 कविट्डएक्। अक्षि गुक्क कहे-प फ्रांगात्रा करो १ देशास् व-THE PARTY. व विद्यारीकित्वत रहा-" 51.

चानिश्रदह । श्रीमा अधि-विकासक में भर असान कत्रियाद्यन, वास्त्रीत्रणात पूक् जेशी महत्र ७००० की-'ৰ ভ গাদিগ-क्र अन् योग स्वेशाह क्ष करा कहता। करे स হাসভা বি-

ाक्ष्महोंके नीवारद्रत करवक क्षम श्राक्तिक नह BIEM में डेरखन महिक माक्श्य करिता क'तर गर्म थ्यतिष वृद्धित अन्य ब्रेटोरेडा विवाद कार्यन करिय हिटलम । यह हायम म छेछ धरे निवार । ए। कांव छेड्व शांन कतियाहित्सन स खे छ। धेन त्याक करा वाहित्क शास्त्र मा, खरवजुक छ गडदार्थ अवस्थ अक कारिक के ना चारवर चानतान रहे-प्रीटक् ।

ইটালির মহানতা তত্ত্তা বাজাকে এক অ-जिन्मम श्रेष अक्षांन कवित्रा (त्रांमाक हेहिलिय ज्ञासभानी कतिबाद सञ्चादाध करतमः राष्ट्रा छ। । কালিবের মতের অনুমোদন কবিয়াছেন।

जब होब्रम म अब है छित राजितकार अवर्ग स्टिन गर्ड अक गिंद एवं। विश्व डांगांड भूर्म्मकार श्रेक मिन्न जिल्ला वाकारण दे निर्देश

২১এ জুন আবল কানিওকে ওয়েট মিন্টব আৰি বাটীতে সমাহিত কর। হইয়াছে।

ल्यांभिक करत राज्ञाक। विक कवाणी रेग-त्माय खभाक बहेबारहम । कर्तामीया अमरिकायः मशरत विकास निका महकारी समान करा अ-ভীকা করিভেছে ৷ ১০,০০০ সহক্রী দৈন্য, কে-হ কেহ'জবৰৰে ৰজেন ১৫,০০০ সৈনা প্ৰেৰিড क्ट्रेंट्र ।

গ্রীক ক্ষেৰীর নব্রি সম্প্রকার এক বোৰণা পর ছা-क्षा आकाण कतिप्राटक्क कीकाका यथार्थ वास्त्रान्त्र-দানুসারে দাসিক কার্যা নির্ব্বাং কবিংবন ! বক্ক-ক লেনা সংগ্রহ ও সংগ্রন্তার প্রতিনিধি দনে -নীত ক্রিবার জন্য শীয়ু করেক থানি বিল অর্ণ-न कड़ा इहेटन।

कारतान अन्वत्र ६ वात करग्रह कन देश्ता-# अ फिनब्दक जांशन किर्मव तन करण अ-धाक कहिरात समा होन समीत शवर्रक है य शक्तांव करिवारहमः वेश्मधीय अवन्यवि छाण्।

चारविवात भवर्गस्य अकान कवितारहर। जन्मिक विकार अब निकार ता यू वे वहेबाद छी-इ.८७ ६१:३३ जन इड, जांडड छ कहूना इहै-

देश अक श्रमात्र निष्ठत प्रदेशास्त्र सुनीयाव शर्यायकी विकेत देशांगिष्ठेशांक देशिनियं त्र-कः बनिका चीकांत्र कविटवतः।

गवर्गामक विद्यालन।

वामानारमभीव (मरश्रेमके शवर्रवाम जारमभाग्रनाती निर्द्याग।

बाब (वनीवांभव त्यांभ स्वन्नीशृहस्य ह्यांष्ठे আলালভের কর চইয়া উক্ত কেলায় প্রধান স-**दर आंगिरनद क्या डा शहिरदम ।**

বাৰু লবীনকৃষ্ণ পালিত মেছেবপুরের ছাট यां पोला ७ इ. क्या करेंग्रा नवीता स्थान स्थान गत्र वामिरभद्र व्यक्त शाहिर्दन ।

নিম্ন লিখিত প্রধান সদৰ আ'নিনের। প্রথম (*'विव अधान मनत आभिन प्रदेशका।

ব,ৰুভারকমাৰ সেল ২৪ প্রগণা

राष्ट्र अभिनान विभागनानीन विश्वक

ব.বৃজগল্ম বল্যোপাধ্যার ত্রিপুরার প্রধান अमृतकारिय करेश, উन्ह स्वामांत्र श्रेष्ट्र ध्यानिय खतीत मः कि छ एउन कम् का शाहरवन ।

वःयु टेक्नांभएक ध्यः २८ भवत्रवाह शक्षान প্রব্যেক ডাহ। প্রাছ করিতে অসমত চই-। বদর আনিন হইয়া উক্ত জেলায় সালিক্টেটের স্পূণ ক্ষমত প্ৰিবেল।

> क्ष. ' अवके, नांटकर काक्रमाधिय ममूत्र काश्रिम ५ रामद मुन्दरमक् इनेद्वन ।

> यांन् कुल्लनान बरम पंशाधाय सूत्रभिनांबारम्ब সদৰ অংশিন ও সদর মুনংস্ক । ইবেন।

> নিযু লিখিত যুদ্দেকের। এখন ঞেণিতে প্রাবিণ্ড চইর ছেন !

> ब;बूद्रविकलातः ७ व<u>:बू</u>शक्राह्यनः अवक,व । মৌলবী মালি আজিম বেছারের প্রধান नमृत आधिन स्केटनन ।

> कोन ने देतामक यानि माधाबारमह अधान नम्बल, मिन श्रुटिवन !

वांतू व्वक्रम हटग्रेशिशाश शिक्षम वर्क्साद्यस श्रभाम नहत्यः, मिन्र इट्टेर्टन ।

योग हो हैमहान यांनि विष्टु छव अधान न-सत्रकांचित हरेया **उक्क (क्रम**ार अथम (क्रानिर अभीम मा किटकु छोत्र क्रमक। शारेटबम ।

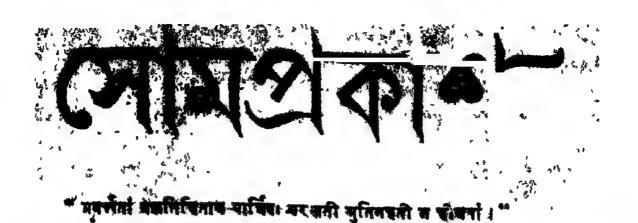
रयोक्तरी देवल स्थारमन माद्युराव आराम म प्रशामिम क्षेद्रन ।

त्यालरी सारमाधी अलि पूर्वशह अवान मन्द का मिन इक्टरन।

बाबू छ।हाकास दिल्लामानव बाक्बन्धक श्रभाम मनद चामिन वहेटवन।

वृत्त् अक्षांच्य्य रमाय ब्रक्तश्चेरव्य क्षांचा नमय আমিন হয়য়া উক্ত জেলার এখন তেনির ক্ষয়ীন লাজিকে টের কবতা পাইবেন।

बाबू बत्रदशीती बच्च क्लिआंटमत, अश्राम नम्त क्षांत्रित सहैदस्य । 🕫



তার্গ । ৩৮ সংখ্যা ।

मन ३२७७। २० व्याका। देर ३४७२ । ४ व्यागके

বালিক বৃদ্ধা ১ টাকী বাৰিক জাত্ৰিস ১০ টাকী

বিজ্ঞাপন । সক্ষরতে সোবপ্রকাশ প্রের পেয় নিয়ম ।

काश्रिय युका का भारति वसवाम मार्थ ध्यकास दक्षान कर्या यांत्र में। हेराँव यानिक मृद्धा ध्याक प्राक्षण भारता ३० क्षांत्र व श्वाणिक के क्षांका निवालिक चारक। इस यादम्य प्राप्त चालि क्षांत्र वांत्र क्षांत्र वांत्र मार्थ वांत्र क्षांत्र वांत्र क्षांत्र वांत्र मार्थ वांत्र क्षांत्र वांत्र क्षांत्र मार्थकाम धारत्व हे कां वांत्र क्षांत्र वांत्रिय प्राप्त मंदिक मंद्र किश्वित्व हैं भाहेरक शाहिरका।

বিজ্ঞাপন ।

সভাতি বাজান। নার্যান বিজ্যুলরের ছাত্র দিলের নিনিত্র ইউস্ আবানি লোব 'জাল বাদিত হইয়া '' গোলোকের উপবেণিতা দ নামে এক খানি ভুর গ্রহ্ ফলিকাত ভাষেহো-প্ গতে সুক্রিত হইয়াছে। মূলা, ॥॰ জানা। কলিকাতা।

अन्ध् २० खुलाहे।

औरणाशासकता वस्त्रांशायाव

সোম প্রকাশ ।

--এ লাবন নোলবার ।

হায় - মাস্থবের অভাব কি

বিহুত হই এটছে !

मीर्च कांटलत जजान वज्ञान देवेक.
जनात्र पर्जाद देवेक.
जनात्र पर्जाद देवेक.
प्राप्त कांटलते जनकांच्या कांच्यांचात अर्थ
विक्र कांत्र नांच्यांचात अर्थ
विक्र कांत्र कांच्यांचात कांच्यांचात अर्थ

আমাদিখের চিড় নিভার অসুধিত ও चविनदा च्थ्यकीकादत्र छेशात चरचगरन व्यक्ष रत। किंद भागारि नेत्र क्रिक व्यवस्य পক্ষৰ উপায় গ্ৰহণে কোন ক্লমেই উৎসূক रत्र मा। मानूप जनअवाहनद्र चाकद्र चल । জৰ প্ৰমাদ পৰ্যা স্কৃতা বৰ্তঃ মানুবের भनात्र अवृष्टि अभिवात भन्छात्रमा न.हे । **अरे वित्वक्रमा कतिया मारामागाय वृकारेया** দিয়া আৰু, প্ৰমন্ত ও সজ ব্যক্তিদিগকে নায়পথে প্রবিষ্ঠিত ও সাবধান করিয়া দিবার নিমিন্তই আমাদিণের প্রাথমিক চেন্টা লক্ষে। কিন্তু ক্ষোভের বিষয় এই, অনেকের এবাগ ক্ষ্যা বভাব গেখিছে পাওরা বার বে তাহারা সেই সেই বাকো আত্মদেৰ সংলোধন চেী না পাইয়া অস্থ্যুত খলত্ত ভূতে বারিবিন্দ্ একেপের मात्र माजिनम् अमीख रहेश छेर्छ।

অশ্ব নিন হইল আমরা সোমপ্রকাশ

হ রা অনুচিতকারী কয়েক ব্যক্তিকে সাবধান করিবার চে ব। পাইরাহিলাম, আর
একদল অন্যারকাবীকে গোপনে সর্ভক
করিরাছিলাম। কিন্তু উত্তর স্থলেই বিপা
রীত কলকলিয়াছে। এক দল আমাদিগের
নামে অতিযোগ করিবার ভয়প্রস্থলমন
করিয়াছেন, আর এক দল আমাদিগের
আরীরিক ও সামাজিক অনিত করিবার ভয়
দেধাইরাছেন। আমরা কর্তব্য কর্ত্ত করি
রাছি বলিয়া যথন আমাদিগের চিত্ত আ

मानिरभद्र कारपात अनुत्मामन তখন আবয়া কিছুতেই বীক্ত মাট क्रमान कि देखा क्रिया क्रमा वि निर्विश शास्त्र । जानीक छ । जानूनः निधिश जाजकालयत पूर्व समा दि व्यकारमञ्जूद्वान चारह ३.व्यक्तिः वारका चश्रुमाज नरमक् महम् होस क्थन ভাষ্যবিদের ববিভ জ্পুর विषय्रत्क ज्ञान गान करत्र ना विजिन्न कम विषय व्यवान कतिका सिह्यू একণ সভাব-। পাছে, ছালাই ७ करिया वं कि । महन्त्रक ब्रहेमा अथवा सूचार्कि नाम अस्ति। क्रिनाक्षत क्या त्यामकाल स्थाप क्ला मरह। य स्त्राम् अक्राइ क, गांधामू गर्देन क् विवाहन क्रकीहै था । दिवस विश्वास करणा । वृद्धांतर एक अरे कामानि क्रेटन विन्ता दि के ब्रुह्मानद्वादक चारीनका अमार . नारे ? পाঠकशव ! चांजि नरकरक् 🛰 विश्वतक किंद्र कार्नारेश, प्राधिनामः প্রয়োজন হয়, পশ্চাৎ ইভার বিভ विवत्न कानिएक भातित्वन । अ

পরিশেবে ভয় প্রবর্শনকারিণি প্রান্ধি আমানিধার বজাবা এই, তাঁ লোকসমাজে অপনানিধার প্রতি রক্ষা করিবার নিশ্রিত যে উপায় ন রম জান করিয়াছেন, তাহা পরিঃ ामता मुख्यकर के करिक्टि, का नम अत्यदे क्रक्तांक व्यक्ति भा मा। जामता दिए कर्मण कृति। भरक अवसी महस्र कृशात कृदिशे दे, के हाता जाम्बरणाव क्रश्लाधन गरुटक क्रुणार्वका लाटक ममर्थ हरे । जाहाता निष्ठत कामिर्दन विस्त्र हर जामता के हामिरशत जनिकाहत्व क्रिक्टि

সাকৈ ইরের ভন্তবারবর্গ ও ভা ্বি রক্তবধীয় হলা।

त्रकवरीय दुना । ^{† ।} নচর দেখিতে পাওয়া যায় স্বার্থ । दिन्त्रा चानवानितात करेतक शृथि कारभाव, कांब्रेश्वरण भेगमा करते, লমনে তাহারা অল্প হইয়া থাকে, ानिरमञ्च्याकेत ममत डेशव्डि स्स् হারা বদি অভিনত আঞার না পায়, * ইলেই ভাছাদিগের বাঞ্জা ও কো तिनीमा थाटक ना । जामता माटक व्ह्यात्रिकारक धरे छ।वाशत्र मिथि যখন প্রচুর পরিমাণে আমেরিকা হু শা আসিত, তথন তাঁহারা ভারত ব্যয়ে উদাসীন ছিলেন; ভারত্ব া উৎপাদন চেকা করিলে ভারতব াৰ্গম ছার বিবৃত হইয়া আপনাদি खारतालाञ हरेरव, जै कथा उथन দর্গের মনে উদাহণ নাই। কিছু ি কুটোলিশ রুদ্ধ জুলা দগ্র 🛴 এখন ভা; ত দেৱ প্রতি তাছ।দি ৰুক্টি নিপতিত হইবা'ড়। ভ,হবো এত . এ চেকা প.ইলে এখন তাহাদিগাকে । काजत हरेट इंटर मा। वार्शनका ' ত্য়াক্তিৰ উপাত্ত না হট্টে সভ্যাদ্য ्रुडे दिनम दिवरत अतृष्ठि करवा न', ज् रेगिनीसन अङ्खि तिथि। मास्यो ध्री **कडिनाग्रिमारक पृत्रिक** कर्ग राज मा ; ্রীমিক আমরা সুধিতও করি তিছি। **ারা পুরুষ্টের** নিশিত **আছাহিত** চেন্টা

कड़िटकट्यम बर्झमें, कुल्लाहरू बाइन कि है केशाता चारर्थक विकित्तारम जागाविद्यांत चर्चि क्रिक्टिक्ट के कार्या कर् कविरण्ड । शाहकंबर्स्ड गाउन पाविर्क भारत, भूटर्व जाटक्येट्यूत ज्वतात्रवर्ग⁴ ভাঁহাদিগের প্রতিনিধীভূত কলিকাতার বণিক সম্প্রদার সাঞ্চেইরী হজের শুক্ ক্ষাইথার চেষ্টা পান। লগুনে কয়েক बन चन्नवात प्रवात मत प्रात्तम के:जत সহিত সাক্ষাৎ করিয়া ব্যের আমদানী क्त्र ७५.रेम्रा पिवात व्यनूद्राथ क्टतन। সর চার স উত্ত তছুত্তরে কহিয়াছেন, আঞ্চিও ভারতববের ব্যব্ন অপেকা আয় व्यक्ति रह नारे , व्यक्ति स्ट्रेग़ट्ट बलिया বে হিসাব কেওঃ। হইয়াছে, সে জমমাত্র: অতএৰ এমন অবস্থার মাসুলা রহিত করা সমত নহে। অভএৰ তিনি ৰণিক গণের প্রার্থনা পরিপুরণ করিতে অসমর্থ হইলেন।

হাউস অব কমসেও মাঞেই রের প্রতি
নিধির প্রতাব ক্রমে তুল প্রসদ লই:। যৎ
কালে তর্ক বিতর্ক হয়, তৎশালেও সর চার
লস উত্ত যথা বিরাজনীতিজ্ঞের ন্যায় প্রত্যু
ত্তর দান করিয়াছেন। তিনি বলেন তত্ত্বা
য়বর্স ভারতব্য হইতে. তুল আনয়নাকাজ্জী
হইয়াছেন, অতএব ভারতব্যীয় গা,গাঁমেন্ট
তাহাদিগের মনোরথ সিরির নিমিত্ত সবি
শেষ যত্রবান হইযাছেন, তুলার সুবিধার
নিমিত্তই পানিক ওয়াকে বিতর বায় কঃ।
হইতেছে ৷ কিন্ত তুলার জন্য ঋশ করা
অবিষয়।

শামরা তন্ত্বারদিগের ছুরাশা দর্শন করিয়া বিশ্বগাবিই হইতেছি। তঁ.হাদিগের ফতি হইতেছে বলিয়া কি আমাদিগের গবর্ণমেন্ট আরের একটা উৎকৃষ্ট উপার তার করিবেন ? ঐ আর শেলেই তৎপুর গার্থ আবার মুক্তন আরের প্রয়োজন হই বে সন্দেহ ন ই ৷ অপর, রাস্তা ঘাট প্রভৃতির নিমিস্ত আনাদিগের নিক্ট হইতে জত্যাচারের হেন্তু ভুক্ত মুক্তন কর প্রহণ

कतिएक क्रेटन ! क्रम्याद्यका लियम्बर्गाटक विका किया चारक कुना सर्देश्य । देश कि कारामा चार्नमञ्जन । क्या कि जानदा कित्यंत्र के के वृत्र क्वियांत्र विभिन्न अहरक कर्वे विवाद क्रिकेश बद्र क् व्यावानित्वद्र शब ৰ্ণমেণ্ট উ,হালিগের সুবিধার নিমিত্ব আমা मिर्मन निक्षे रहेरक कर अर्थ मा करिया कि ताला माहे, याम्बित विशिष्ठ देशमध म ইতে টাৰ: আনিবেন : ভারতবর্তের সম্পত্তিই ভারতবর্ণীর প্রব্যেক্টের সম্পৃত্তি, ভাষ্টি গে। বতন্ত্ৰ সম্পত্তি নাই। মতঞ্চৰ যদিতত্ত্ব বায়গণের আত্ম কল্যাণের ইচ্ছা থাকে, ভাহা द्रा यत्रः काम्मानि स्ट्रेश ताखा वाहे अकृ कि विवदत बात कतिता चकाया नायम क्रिया कब्रम । जात्रकराय भागमानी कत पृशीक र्उतारक कारामित्नंत्र कवि स्टेटक्टर मा ।

সর চারলস উড উ.িখিত তন্ত্রার গণের অসকত আর্থনার যে উত্তর কান कविग्राट्य, ভাষাতে একটা আটি ল শিকত হইতেছে। ভারতববের আয় উর্ फ रा बारे, फाछ धर फिनि द्वाह बाजून त्रहिष्ठ क्षिट्रक भारतम ना, अरेक्न के क्षत না দিয়া এক ক দে সুল বুজি ধরিয়া তা হার উ স্তর কেওয়া উচিত ছিল। সে যুক্তি **এই, देश्लटखब्ने (अनि अधवा मस्क्रमात्र वि** শেষের সুবিধার নিমিক্ত ভারতবর্ণের আর পরিত্যাগ করা বিধেয় নহে . ইংলও इইভে चामनाभी वर् अत्र ए मात्रुल लखता वर्रास्ट्र चनुषा न कतिया पिरिल अपनी अपिरभन ক্ষেই তাহা পতিত হইতেয়ে, অভএব সেই माजूल तिक रहेटल क एएटमतहे जूविया, अ तमीताता मूलक मूरला वश्च भारेरवन, ভবাপি যে আমরা এত আপত্তি করিভেছি. ভাহার কারণ এই, অসাক্ষাৎ কর রহিত হই লেই আমাদিপের নিকট হইতে সাক্ষাৎ স बद्ध कत्र भृहीक इहेरव अस्मह बाहे, दिख সাক্ষাৎ সহজ্যে বর এছণ এ দেশের মিডা क विविक्ते, विषय कक्तिवात विष्युव कात्रव এই, সাক্ষাৎ সহজ্ঞ করে আতাত্তিক অস্ক্রা

्राम जन्दंबर विविध सरद्यास मी। water the state of the

woning faces perally wall-GR 4 8 44 44 1 " वर्णवंदाः क्रिक्टिंगरप्रदे । " त्व द्वाच अवन देवेश ठेटी फाटा काश्र

िक्निमा क्योंक्टिंग जन्मकि : अस्मरण रेजिरबानीयमिरमेड चलाहार चल्या कारण करेता चेठितारकी देशव बार्किकांत्र छाडे राज्ये नकटल व च जबक जारहर । सुकतार जानानिरनंत्र रव भाव व्योगात्रविद्याः भागकिया । विद्या চারের জাঁভি কেছ বড় দুর্ভিপাত করিছে रहत वा। केश केकरन करकात चाक्त रहेश चारक । बहाकारी न क्यांनिक स्ट्रैल ক্ষম অনীপ ভাষার নিমটে দীবি পার মা। অত্যত্ত অসৎ ইউরোপীয়দিগের অভার্তার ক্রমে ক্রমে আর সকল অক্যাচারকে চাকি রা কেলিভেছে। কিন্তু পাঠকগণ? এবণ चनुमान कतिहतन मा त्यः *व स्मानी* भूतान পাপিরা (অবীদারেরা) সকলেই সাধুশীল रदेशास्त्रम ।

এक वः क्षि वर्षमादमत् अक् अमीमादन चठाठात बृखाय निवित्रा चार्मानियात निकटों भागिरहारहेन । जानदा छेटा गर्था স্থানে প্রকাশ করিলাম শ পাঠকগণ। আ भगाता कि यत्य कतिएक्टबर, जबूमात्र वर्ष मान जिलाज स्था क्रेंट्स अहे, अक्की माळ श्वन्यूक्रक भाविष्क् व्यक्षातंत्रम । क्षेत्री महा असे यून चार्यसे क्षेत्र श्रूषण केले हिं। व चाटरत । सूर्यन नेपट्य क्रीन केरिकेट मधाराह अवस्थातंत्र । अस्थि वर्ता महित निम चित्र क्रिका सर्वात चार्मिकार्यक च्यान

क्रिके के बाद मार्थिय प्रकृति स्वात करि । अक्र नगर वर्गाव वाहित भौतिक पान भन नाई भीवन कतिक का टक्स । फर्टन निर्मादन मरेना वर्षे स्टेनार्ट्स कृति अधीनारहेका नेवनमरक कामाना व लिहे , अभागगरक अधाराति कतिएक, अर्थन नाइ ट्रेंडिं। २७ करतन ना।

बंदीचात्रविदर्भत मत्या चात्र अक्छी म र হইয়াছে: ভাঁহারা বঁড় পাকা লোক ! ীকারা কুকাবা পরিপাক করিবার উদ্দে **मि औरिदा दिगामनं ७ हिकिश्नालन्न व्य** ভূমি স্থাপন করিয়া খাকেন। আমাদিখে वं अधिन परमव अक्री मच्चवाव वहेरच कांशिक्तित अरे निकारी स्रेग्नात । जे সন্তাৰীয় গোপনে বা করেন, এমন কুকর্ম बार, अज्ञानाजभमन छेश्टकां खर्म ह क ভ্ৰমতা করিয়া পরের সর্বস্থ হরণ প্রভৃতি किहुएकरे श्रांष्य भरवन, का निर्मात वह मक्त कृतिया जीर्ग कतियात मरहीयथ चारक । त्य जेवह अरे. शर्याक्राम ७ मार्गा बनी वाज्य १

कवीचारत्रत्रों कि हित्रकाल व्यक्तित्राधि क करण करें कुण चार्गाहीत कतिराव ? ইবার কি নিবাবণের উপায় নাই দিউপায় আছে। সে উপার এই অধ্যবসায় সহকা দ্র श्राकशृक्षविरशत अनुमकाम कहिरी कृषि शा वाष्ट्रित कतिवास क्रिकी अंबर अ टेन्ट्नेप्र मधान ७ फडी ह त्यां नेत्रांको की । मधा न ७ सुनी म अनी एक अस बहैका करेगा समी गांत निरक्षते यावजीत स्थाटका विकत व जन्मसमिक्षक शास्त्र कडिएकं क्रेटन । कीक्षित्सन नक्ष ग्रका वाक्रिकेटक बाक्श्वकार्यको अनेबस क्रमा या हुनेत्र न्यादित्य बाल क्रीसदेत मुख्यांक m of the section of t What the six cases have a second THE RESERVE OF THE PARTY OF THE THE PARTY REST THE PERSON NAMED IN COLUMN

I a statement in MET . RESIDER THE र्का पूर्वाक्क एरेबाराक भार कुछीत । स्थान स्थान रिरम्य देवनि मार्थः सम्बद्ध त्मत रेर ता ना स्रेट्स क्या त्न देव मिनंदक नडाय दन्निकालका **ए वर्षा । जामानिकान अवनीयाने** स्तत्र नविर्मन नहात्रका अक्टिन नारे । तक माना कार्याक्षर क्लाकीम्बर्

धारत के जिल्लाकि माने त्र रत, त्यरे फूल पाकि कार्य रेट्ड भारतम । शर्त्रक क्षेत्र श्रणाणिय नार्यक जिलिक स्ट्रीस নে বমর্থ হয় ৷

भागाणित्वत वर्धानिकार् क्ष भश्टम वयम क्षिक्ता महिल जभा च एम कें र विश्वेष कि बार्ट्स । के हानिश्रदक किसीका নাৰ পতাচারকারী ব্রীক্রা नर्व पूर्व कारिका दिल्ली

A DESCRIPTION OF THE PARTY OF T THE PERSON NAMED IN PRINTED TO THE PERSON NAMED IN निर्धात वागर विवक्षमा । विकार क्रिया ता वाक । क क्या क्ष्मित क्ष्मित वाक । इक क्षित क्षमित क्षित क्षित क्षित क्ष्मित क्ष्मित क्ष्मित क्षमित क्ष्मित क्षमित क्षमित

ক্ষা আসরা দে বেশের কথা কহি তে ছি: কিছু দিন হই । ঐ প্রতার ক জ কাছার জী কামাবাবাদে আসিয়া অবৃত্তি করে এবং উক্ত তারিণীচরণ সর ক্রুড় ভাত্তি পরিজনগণকে আপন।দি

রিরা উহাবিগের সহিত আনু
করে। ভারিণীচরণের বিশাস
নিষিত্ব বেদে নানা প্রকার কৌ
ত লাগিল। প্রভারকের নিকট
বহিল, সে ভারিণীচরণের নিকটে
রাখিল। এইকপে বিশাস পত্র
কিলির সে এই কথা কহিল যে
একপ ক্রমতা আছে, সে কপার
নানা ক্রায়া দিতে পারে। ওদিগে
দর এই বিশীচরণের ত্রীর নিকট
ইাদিনের ভাত্রহ লক্ষ্মী আছেন
ই লক্ষ্মী ভারিণীচরণের ত্রীকে

निवांत ७ कश्वा होका त्यांवा निवांत १ क्ट्रेंग । निक्शिष्ठ विनित्री छातिनीहनत्वत छीत्र त्रा कहिल. त्य लक्क्षी स्वार्थित. बात शिवधान ७ सलकात तेत्रा लक्की स्वाना हेरेत्व मा, निक्लात्व मण्यत ७ क्राप्तः श धाक्तिस्य हेरेत्व । सनस्यत, छा सामस्यात स्वत्य । सनस्यत, छा सामस्यात स्वत्य ७ कनात स्वत्य गात्र हिल, स्वारा भूलिया विवि वा ७ नित्य स्वारिक्ष क्राप्त स्था सामस्यात क्राप्त क्राप्त स्था सामस्यात क्राप्त क्राप्त स्था सामस्यात क्राप्त क्राप्त क्राप्त क्राप्त स्था

ইয়া আনিলেন। সার্থকার উপস্থিত হইলে णात्रिवी**हत्रव डो**शंल्**श्वनि भू**हेनि वाथिय नरेग निर्मिष्ठे स्रांट्य श्रवत कवित्यन, शर्जी রকও ভবার আসিয়া উপস্থিত ভ্ইল। क्षा वार्का स्ट्रेट काञ्चित । अमिरक विभि নী মুজন ৰত্ম ও ভারিনীচরণের গুরু হইডে আনীত অলভার পরিধান করিষ্ট লক্ষ্মী লইয়া ভারিণীচরবের গুডাভিমুখে গমন 😓 রি । কামরাবাদ মাতলা রেলওগের ধারে। নিক পথের উপরেই তারিণীচরণের একধানি দোকান খাছে ৷ সেই দোকানে चानिहारे धरे नकल काछ रहेटडाइल, এমন সময়ে পাড়ি সাসিয়া উপস্থিত হইল। त्नहे शालर्यात्भन्न नमन्न चाशनान्न मरनान्नथ निक्ति छेख्य व्यन्त विद्यन्त कत्रिश क्ष छात्रक छोका शक्ति छाहिन्ना लहेन धवः मिर लानत्यात्भ महित्रा शिक्त । जातिवी চরণ মনে করিলেন, যদি নে ভাঁছার গুছের দিকে গিয়া থাকে, ভাঞ্চাভাড়ি সেই দিকে श्तालम, शिहा त्मिलम, त्वाम ७ विभिनी नारे। अदक दृष्य वत्रम, काशांदक ममल पिन উপৰাস, আশাভদ, কড়ি, এবং ত্ৰী ও क्लाज़ देवथ्या मना स्टाक दिन एक मर्नन अहे शामि कांब्रिगीहत्रत्वत स्थात गालात माहि वाषा कपारेट लाजिन। नशतिवा প্তর হা হতে। হলি করিতে লাগিলেন।

সচরাচর দেখিতে পাওয়া বার, বেকে ও কান প্রভৃতি এক এক উপাদীৰ প্রামে शिशा मर्थः मृत्था वान करहे. किह विव वाकिता कथा रहेरक अश्वान करेत्र। अक्ष वाजञ्चका व्यक्तिमश मना । तारे तारे आहित त अि कार्गानित्त्रत रक् ७ अनुवान बादक ना, श्रांत्मत एउई रुके बाद्र ब्रांक्टर र छैक, छाहाटक छाहामित्रात हर्वविवाच बाहे, প্রামের লোকেব সহিত আত্মীরতা অধ্বা मोक्ना इत्र मा। धंक्ष व्यवस्त काश्कि গের হইতে সেই সেই গ্রামের অবিষ্ঠ হাই বার কি সমধিক সন্তাবনা নাই ২ কোন কা রণে যদি আমবাসিদিপের সহিত ভাষাকি গের বিরোধ হয়, ভাছারা নির্মন ও নির্দায় र्देश माझन रेवत्रनिर्याचन कतिर्छ नारत । ভালদিগের বারা চৌর্য ক্সুডা প্রভূ তি কুজিরার অনুষ্ঠান অসম্ভাবিত ও বোধ ररेएक्टर ना । जाहाता निक्या नुकतीर ভাষাদিগের কুকর্মে অধিকতর অনুরাপ জ विवाहरै विलक्ष्य गढावना । वित्यस्कः भ কি বধের অভ্যাস খারা তাহাদিগের বিদ क्ष धनु विका रहेश बाटक । वाहा इकेस পরিশেবে আমরা পুনরার অনুরোধ ব্র कि वि. अवन्यान वक्षी विरम्य दिश् के गुक्स राजिया माना जान जनव बिरूप करिय़ दिया जानावक जातक र्षा क्षेत्र शहिमाटन कुन केश्नांबटनत महिलाक्ष्म स्रोताहर, जे वस्ता वास्तिहरू IN PROOF FRONTING WAY,

)मा मुनारे ab-७२ मार्क्य अटरे भारताल क्षकाणिक व्यवस्थित आक्षांक्रमान्त्र कालविवके পৰ বি ছোট ৰাপপুৰেৰ নিমু লিখিত স্বাহৰ ১৮ ७) आकृत क्यादेश (शृतिय अ'रम्।धनी प्यादेश) क्षक्र करिएलन ।

চাজাবিদাগ, লে'ছারডালা, মানভন ও সিং

১ল জলাই---মেজর বাণ্ট্র প্রথম প্রেলিব (जग्णि केकारशक्केरवह छात्र आश्व क हैरवन ।

লেপ্টনট, টি, এচ, সুইস ভ্তীয় প্রেণির क्रमा मुश्रविद्वेशानी एवेद प्रकादिवारण वान-विकि कविरतम ।

खर्बनाउँ, लि (फ्रिंग माद्यम माह्यमा कार कृतीय (अविश्व (कला ख्रूश ब्रांकी शहे-

लाभड़ेनके धम बा, हि. सन जिर्द्यक्रम चिठीय (अशिक्ष काल अभिवासी श्रीने कडेन्द्रेस ।

কাল্ডেন এ, ভবলি উ, পিবসলি বিভীয় ঞে-निय (छ भूति हे भारण हे व (कायका व हेवा व क्या) নে খাকিবেল।

প্রথম প্রেণির ডেপ্টে ইন্লে ইন জেনবল त्यक्षत्र तक. ज्यान, शिक्षे, शाहिमानिकारशत् छात्र व्याक्ष वर्षेत्वतः।

कारश्चम, छि. अह. अन्यवन वर्कवारमह वि ষ্ঠি য় প্রেপির জ্বপরিন্টে ও।টে ছউ বেন।

কাণ্ডেন ভবলিউ. টি, কেগান খীবভুগম দি ভীয় কেলা-সুশ্বিক্টেন্ডান্ট ভইনেন।

हे ८ अ अहे अ ३ हा थे अ १८ इन हैं पूर्ण के अध्य এম পির সভাগানী। প্র**পারিকেটার** কৌ ভাষা উদ্ধানি खाँदशक कोच अपन्य अधिकार

্রেলির সভকারী অপ হতে থাতে ইয়া উক্ত উলের মপেক মুগোবদিশের করা করিব ও সল-क्लान कान भारेतम।

कात, धारा, जिसस्य छेल्लाककांय कांग्र शहितम । क्य-पि. श्रीवेश मीरएव म्राज्ञ व क्षेत्रम (ज्ञीनत महरावी सुभद्रितिकांनी व्यवस् छेळा (स्वा:त खात आश्च श्वेत्वम

नांका कि कि कि निरामन का ना का माना का दिन निराम हिना काशक इडेटरमः

১**६ हे क ल**ारे --- निम्नलिशिक (छश्री मार्कि क्टिए हेर्ने १४ अट चारम्ब के साहित्य व वर्षका अ シャンカ 回(中す)。 かげずれ らりかっか マイデオ シャ णांचैन प्रश्ननादम निशक ८० किन्न प्रशनित्का प्रशनित्का प्रशनित्का । त्तीत्र विकारणाह भाषातः भाष्ट्रदेश ।

मोलवी खादब्राहर्या वास्त्रकृत बांद्र क्यारमाध्य द्वांग करेक

वाकू नवनिश्हाक कांत शृहि वाज् कावित्या हरके।शांधांत श्रूवक के हैं।

^{>१के क्लांक---वीत्रकामत महलाती नाकिट्ये} हे अ कारशक्तेत्र ८६ अस कांत्रियम आदश्य : ৮३० कारकृत ७२ छ। देशम ७३ बात्र ह्याद्व स त्र क्रमण शहेरकम ।

खरिलाडे हे अगः । मार्टिन बांडांबारसम् मह-कारी माबितक है अक'रमकेव महेश बिजीय ब्या-निव 'यशीन य कि: के छित कम डा शाहितन।

नि व क्वित मारहर नक्षमारमय जनकाती मर-किर्मे हे ७ काम्बद्धेत इक्षेत्र किकीत व्यक्तित व्यक्ति थीन माकित्छे दहेव कमड़ा क हेदब ।

১० के अल्लाहि याद अल मार्डेन माहिन सिक-अ शृंखी विकारभड़ दिला सह अधूर हर कि ही है है है-**्लाहे**र इंदे(बंद

क. बि. विषक्तिके गारक प्रक्रित शर्का वि-ভাগের विधान्त भहरकर जुडीह केमान्त्रकेस ककेटनम क्षेत्र, फिन्मुर ना,क्टवन निमास कांग्रीन मधा विक दिश्व अन्य अनुभा करेटवस :

১৬ हे-- इक्ष है जब का निकाली जन्मन खन-सोठतम कोहाद्धि मेगोर गाढि ि करने कास्त्रव छोत्र आ छ कहेरदत .

প্রেরিত।

¥रकार कि.संर श्वाहत अक्र रम (कर १ প্রীয় 🕫 সে:মঞ্জকাশসম্পাদক

बर्मित्यव ।

সাস্থান ম সভাগার। বেপি বহু সকলেই জীকার (सन्देशकोर, कि सम्बोधन हम्प्रदेश श्रामा कित्रदेश वा एड प्रेष्ठी मा कि छे ड ८ ड प्रेष्ठी कारक विक अनम था, किस कि काराब अवदासक लाए-श्राथम श्रामित महकादी खुर तिर हे छन्ते । ट दरभम अभरमहे पूर माड है का ख स्मारक्षक भ-(भन अक " क है'का फानशाबिक क्वेब्राटक, केवा निर्द्यम् कर। जायात्र नात्त्र क्षात्राष्ट्र वाकित श-ক্ষে অভিনয় ক^{ৰি ন} ावाय कर्जनकीरहरू। ले अकार प्रत्रम विद्यु का कविश्रा के काल स्टब्स् >>३ क्षाहे---कारकः खर्वाले म'क्रापा म, व्यक्षिकाण मुक्तालक एव साहेरत्य विश्वासक-७ ए रेंगे कारावेग्नद बदः कान कान चारन-व सूर्विक्त एक गुर्ज सामित्रके हिंद्र आमका विद्या खे এकः इ प्रोक्ष शाक्त नाग्र **डेक्ट्र शरदद्र कर्म** व मेरे हैं। महेला हम। हे हातहे वः कांत्रव कि. जा-্ৰ'ও বুৰিতে পারিতেছি না। **খেদের কথা অধিক** कि करिय, लोहारा दिवसमा छन्त्रीमहादश्च कथा क-ারবার নিষিত নিযুক্ত ২উ্চাছে, আবলোয়ালে তাহার।ও ছব শত টাকা বেতন পাইছা থাকে। अकरम शम्म श्रेष के विवाह के किए शाद रा आ- । आधाक कृतिका निकार के प्रतिहास अवना

পিকু বেডৰা ছওয়। বোগাজা কি পাছিতা नहरू, को बाह्य क्षाता अवर्शक के का अधिक कांत्र गाहित्स्टाहम, खादाटक काहे शक्ति जन मिहजरबन । हैं।! अल्ला बका बाहि चहित्कम ७ अवन जिलाविद्यारकेम अर्थे, लगात लेक बहनमत्र अकृतित व्यक्त विके शांत है कार्के अभाव भावता तार्वेदकरक, ! कोड़ अञ्चल बटन शक्ति। शक्त द्व आंबुरिह রণারারণ রাজা পিডার অল্লণ বইরা কং लात विषय तिश्रुक परेका मामाना पालिना कि अधिक ও अझ डेशार्कमकाती शृह्यम् भिका कतिबा ट्यांगाशास देखन विद्यास की न ? किन्न छोषां हे ते, किश्रामा है। পারি! অকলঃ বর্তি ভারাই প্রকৃত হয়, 🕸 ब उठाशा सुरकारकता रक्षत विवास अवस् वि व्यवहार वाकित्क गांद्रम म , कार्य केर मध्य प्रतिरम्ध हैकान्त्र ७ स्त्रीयांगः স্থান কল্পে মানিক ভিন্তত্ত্বীকা म्द्राक्टिक जालाव व्हेश बाह्य ।

२ म । अवर्गरमकी इक्काश्रा भूटर्गिके रे अज़श जनाव विरय्तमा कविष्ठारे कांच ह ভাঁহারাও বে দীর্ঘদাল পরিতাম করিয়া माजिविष्क परेटबम, तम शह्यक काँहै। चारमी पूर्वाकरमञ्ज नः था। ध्रमारत् मः भिन्न मर्था। जोकांक मणारामक **श**कार ভটবেক। ইচাতে অনেক **ব্ৰুক্তেক পো**ৰু গা চইয়াও উচ্চপদ লাভ করিতে পাছে नामा विध्वक्रमात्र पश्चि यज्ञ या वाल्य क নেট উচ্চপদ লাভ করিতে;পারিবেক, नगंत्रमण इ कथ। विनित्र शिक्षितिक श रत ना । कांत्र**न फेक्टरफ नाहे अ**शक्त दा অংহে এবড হলে কে ডাই অভ্যন্তার धरः कतिरमहे कात कमकि ? श्रेमकित गर्का के ब्रिट्शन मध्या कांद्राटक क এলিকান্টী কর্ম করিতে দেখিয়াছ অধ্য दम्ब मदश्र कार्राटक खरलाए वाकिया दर ৰণ কৰিয়া ৰাটা গলন করিতে দেখিয়াল जांबा ना इरेन, जांब व रजजार नाता हि ८वषन ७ श्रमहाक विवदम निवित्न मर्द्धा के क अम्बद्धाने खनीय वन मश्क रे शाहरवर वा।

ওর। ছোট আলোকত সংক্রণ্ড মুগে निष्णक्ति शाक्यभाव सम अत्रहत्वतान **च**ेगीन कित्र भारत जागीन न हे बर ब्याकक्षमानभृतक मुद्दका करा छात्रांत छ। निष्मिति क्षित्रका कक्ष महद्दर क्षा गर ह

नारे। अष्टल विस्तरमा कर ककार्युत गरीकांग एल शक काटन ह देख कहिन उ कार्बा इन्जाहर कि मा ? अमज अरमे-ाहित व अवस्थिनीय श्रीका कृतिएक मा (कर वा बाहाल डेकीनाएत बाक् हाजूबी-পতিত হবর। একে জার করির। বনেব, নিদু আলালভের নিপ্ততিকে রুম এবং ৰ অংশাৰ বলিলেই,কেই আলেশ চুড়া-त्वस धमछ वावस्थित। क्षांन स्त्र नाई।

> क्षांत रमाम লাং লাভিপুত্র

পরসপুরবীর তীবুক্ত নোমগুরুশ अन्योक्क भग्नाभरम् ।

न्यान्य मरकात अवस्य वावका। देवणांचे मारतव एच्रवाधिती शक्तिका-नगड श्रम्भाम, जोक धटकांव अष्ट्रकाटनव श्वष्ठ इंदेरवक । गृंशांत्र त्रान्य **अन्ति**-ত বাসনা আছে, তিনি এট সহাদ প্রবণ यात भार बाह्य थाञ्चानिक इवेरबम महनाव किंद्र बात महत्र अवहीं आ। नहां इंदेरजहरू, रिना जाक्तर्यरित नक्षीं अहुन क क-ন কলিক।তাত্ত সমাজে ছুই চারি জন। इत रहेक् रावका शत्रक क्टनम, छोटा সমুদায় বিকল ছইবেক : অভএব ে প্রার কবিভেছি বে কোন ব্রাক विष् विषयम्बद्धाः विषयम् । । গুৰোধিনী পালিবায় প্ৰকাশ করিতে का चारमव जाका रेशम अ माला नम्क ें हेबिटफ एके:व, नियंभित प्रमाप्त कर्ताक विध्यास्य निवेश विध्यानः कविश्वः টিপ্ৰ প্ৰান্ত বি সকল তথপ,ৰ তুৱা

क्रू वर्तरकात लिशि का शर रिक केंद्रेरित, काका कड़ेरिस अभाग fe de Migal Bigere' et निवाक्त हो अपित काल वाक्य है भ्याभनाविके व्यवसम् त्राविट हरू देखा विकास क्षेत्र श्री मान करिएक नवा-कारी प्रमाद्ध उन्तामा का प्राणक विवासक्तिहिः छ व्यक्तित ना भिनार छ ्रक्तिकी संबंध वहेसारक । " वें। काव

शक मछ।त्र मछ। इवेट अशित्रद्वम ब्रुः। " वथन कि कि बाहुके न करिटा उद्देशक छोड़िये अभगात मेर्गान केशाह कविजीव कमका क्षित्रें। दिन मा बकार वर्षे जारांत्र मानका शक्क वर्षेत्र-**. इ. १ के एक एक शामान क्या कि एक है** शकार्य कान। यहिएड शार्य । वर्धम क्षेत्रीय छा:-हाई। ८ महाणि वर्गमत्र व्यवस्थानित दन फ़िल्म क्षां कि जिस क्षेत्र का का का की अपने क तिष्ठाह् -. उथेन कांशांक वा खड़ शेरन खकर बिलाहा श्रीय माध्य कहा । इंडेटबका जाभागि श्रिटशंड প্ৰাধান্য স্থাপন বাসনঃ যোগ প্ৰাকাংভট জনে " कुछविमा कहा नेय राष्ट्रिः द्वांक मर्नः (बलक्षे) वर्ष য়াও কলিকভিত্নি সমাক্ষেত্র অসীন কইছে রফ্র करत्त्व सा. धनर धहे अता विदर्यात मनने प्रक भवाष्ट्री पक्षात्रभग्न दोलात लाहेह. हो समाझ " क विश्व बीटकर (कर्ममध्य ग्रावक्ष) अन्यस २०७४ स्र এট अर्थायु करोहा, कि कि जानदा स्रोग्ड का प मान जिस्सा अनुगर करिएक स्मयं में भानन कत्रिबोद्ध दोष्ठवः दक्ति ।

, काम द का

·可;4°5

≹ংকাঞ্প্র,ন ংস্কে র ফেছিেশের 715 IN P 4 314. ख्री के भिन्न निकास के का अध्यापिक

भाइक जिल्लास

सक्षामण । धा,मामिरणन कुछश्का सामानर शवर्गव श्रीयुक्त ८क - वाद्य क्वाप्त baruवरीय कद्रदेशक समा शासायाक्ष्मला है। के निष्कृती कर है।। ছে। শুনিলাগ ঐ ট কা এণার গতি সুর্ত্তি নিশা। त्व विद्रश्रीकाष्ठ ककेटव ,कक को है 'क' सकि बाउन প্ৰেক্ষা, একটি মঙলৰ কাৰ্যেণ নিয়েশিক র কর। হয় करमद्रमंत्र भारतभाकाय जानि कनेएन ५

কিছুদ্ধিন হট্ল সোমপ্ৰাণে লাল্লালিগেল ! ট্রতিনিখিভিখের সমতি পাইবার কাল । তংলগু গমমের ভিনটা প্রাদ্ধরার লিলেন গুট क्या एवारमा क्रिकीय है । अक्र के लिंद है लिंश है গমনে বিলক্ষণ স্মুৱাগ আছে কিন্তু অৰ্থসক ভ मि चित्र कविष्ठ छडा वक वन (अहे। विद्राष्ट्र कृष्ठकाशी ककेंद्र अहिद्राष्ट्रहरून महे अहि भग् (न'हमीब अ ब्राथावर । यशकत राज्य अर्थी राक **देशमध शमक बानमा भूग करिएक भौ**निएउं एक र , हैं।इ*सिट्सर कर्ष १६ किंद दे*ण ।य कांदस। ৰ্ভ ব্ৰাক্ষণণেৰ সম্মতিতে বাস্যা! দিবাৰ একটা অবসর উপস্থিত ঘট্যাছে। সে এই क, मिन सरक दश है। का अर्थुकी के करेब 'दब्द, बारस-ৰীয়ের কালাত আৰু কিছু কিছু চীনা দিন क शासिकार्ड्ड क स्वतः विश्व श्रेष्ट्र होत. उ'रु १५ धन व कतिया धक्री क्ष कार्न कड़िक ... १४४ प्रिकेट मृशिक्ष सुन देशनश्च यहित्य भा नला है १ - ८५ स. अध ५३ ६ ६ मी हार सब मार्ट्या < ইংলাদেশেক শ্বাধ দিয়া, **নিবিলস্কিনি এড়ডি**ট াব কলা পাই।বিয়া স্কেন্তর ছেউক, এত এব । ফুর লিকট ক্টতে এইক্লপ লে-शिक्षेत्र लक्ष ६ डेन .य. ८थन और जिल्लाक नि-्र अस्ट हैंदिन व्यक्त में होता नानवा- निस्त ताना हा । १००० १००० निवास वाक निवास ।

मेश तारे हैं। काल अकार्यन कविरमन। अहेक-श करिटान व्यर्थ अवस्थि वेरान वांचानियान वेर्-ल्य अभन गांधा चार्षः, दीश मिश्य व्यक्तिस न। बडेक, बूबे जिन्छीत्र वाथा धूनीकृत बहेर्द कंता । उति कर्तिष्ठा व्यानक श्रीत कहेरन माम-

र्ग क त्यांचा छ छ। ये क ए वियस्त र्थ अक्ट्रा अहा कडेमार्ड् छाष्ट्'व शहिवाई मधा सम्जिया बद्द ७।इ। इटेट्स खांव अक्षी खड्ड होंस। बाहित कर मापु छ, श्रेणाक !

গ্ৰীযুক্ত সোমপ্ৰকাশ সম্পাদক महाभग्न नवीर भव्।

গত ২ব' ছাবৰ বছাপ্তিৰাৰ অংশবাছ १ था कांव मभन्न व्यवका हिटेकियों नवांत मक्ष भी वरभतिक कार्या । ह जाक क्लांडांबाटका कि ाक्तमभाष्यव क्रिकींग कल गृहरू भक्तमना इस पक बाबु दम व सम, व टेक्किन मनो गाँउन चा -मन अभिक्षा कर्यन । मध्य वासी विस्तन मार्फ हेरक भर महात मन्त्राक्षण तीयुक्त राष्ट्र कामाहे ् नीत भारत महानद श्रीचेम, विस्तव अक समीच প্ৰকল এই হা 🐃। লগার সন্মীলে শর্মনা হি 👣 री क्रिया विकास अका के खिला अवस्था भारते व डें! केना, क'ब'हें माध्य ±ाथ शारके मछाथ मक ित्रके कामरम् अटनाम श्रम म व दिल्लम । कहे हि-ট মিনী গভর প্ৰেন চংজ্লং এইয়ে যভাৱ স-ভ দিশেল দাৰ স্থাৰ শেলখনিয়ালীত দল ক্ষাৰ সংস্থাপন দলৈ ছুৰখা বাহ্নিদি লয়ৰ বিদ্যা निकार्श हार अविति छात्र अविति । काक । राजित के केवियाओं (उक्त । क्षीकित मीति माओव आर्थ) न्तास कन र टाकार इहेर,दक्क दमी। वहें नकड़ें शकी कि , अर्थ मंत्रीत छोडि खानाहात निरादः भी ে অৰ্ণিদ ও জন্মান ভাগেৰান ভেটাগের আই সে— - ればはず とき マーマ さいけまた

नकर्नु क्रम्बक्त,

る ** すい * とみ が、新事 ** 5 **

यसाञ्चा अ।

পিপুক্ত বার জয়কৃষ্ণে সংখ্যপালার উচ্চনপাল ^০ ১৯ কৈট জন কোড়িক পদাস্থ কোও ৫টাকা ध अवद्भ म म के किया

-७३ माहीर हार्गाय वर्गाय वाहा स्वरं

गि वह का महत्त म वीत्रस्थ ८७% अनि छ छ ते भे पर देखा है कर हे ब्राह्म है है। क्रीवर 'दास्य अधिष्ठ वज्र वस्युव

रत सर, ६ (भोग गर्गाष्ठ (क) २ त औ ° বেংগালভজ্ঞ সঞ্চোগাধ্যায় ৰাবাক্ষয়ৰ ,२४५ कि। के उपविभाषत विभाषा विभाष का का ३०

देश आकामाथ सम्ही कामा पूर ५२ / ज रेकाक २०°शि कर्ग्यक श्रवास ८का० १

कर्ष भाग कतिक छोत्र व्यक्तिक स्थापित संदर्भा (अस्पर्यंत्र स्मित्र भड़ र गेररजन प्रस्कित हारचित्रातांचा आत्म विशुक्त वाजवीत'न विमा ह्वाटनं वाणिएक आकि स्नाथवान

हि वाक्षित्द्र देवेद्वा ज्याकाकात संतिद्वादास्य, **छचन मृनदेशस्ट**+द्र निष्ट् ना कहा छ।न द्विश्वास्त्र मा ।

विष्ठु (णहि यह बरमन, खात्र व्यवसेंट दिल. কৰে কোন্দাৰি বৰুল খুনের বেশগুমের বি-बिंख पूरे क्लिक क्लिक कविरक्र हम। श्र তি অংশ ২০০ টাকা নিছাব্রিত এইরাছে। गवर्धमणे मण्कता e, होका सूक भुवाहेग्रा ब्रिट्यन कालीकांत्र कतिवाद्या ।

উক্ত পাত্র অবণ করিয় ছেন, ২৪ পারুল ।র व्यक्ति मिक्टिडे व ब्राप्ट भारत्य जवका প্রতিনিধি কালে ট্ররের ও কার্য্যভার প্রাপ্ত হত-ब्राट्ड रवर्गस्यरकेंद्र निक्ते काम्भन स्राहेके सा बिरहे हे हारियाहित्सम किछ भवन्त्रके छे उत দিরাচেন যে তাহার কারীনে একজন ক্তি उगयुक्त ७९१७ माथित्रे हैं जाह्न, धार्का षाताई कन्त्र निर्काइ इटेटवक । दल्लीनके जः বর্ণর কৌলবি জাবতুল লভিককে লক্ষ্য করিয়া ঐ কথা কৰিয়াছেন। আবিসূল লাভিক এই কথ छेलयुक दताकहै वहहेन।

উक्ट शत्र (अनिनरशत्र रहें के जामानरकत्र : अ নিকাৰ সাহেবের অবিচাবের পুনরার প্রতি वान क ब्रह्मा क्रिका के स्वाह अव्हास विश्वतीय কাৰ্য্য করিয়া কেকের বাটীপ্রভৃতি স্থাবর বস্ত সকল বিজ্ঞায় করিতেঃছম। প্রায় একশত প্ৰাঞ্জা কেবল যে গো মহিং লাখন প্ৰভৃতি হইতে বঞ্জিত হইরাচে এরপ মতে ভাহা-मिगत्व द्वान ज्ञांग क्रिटाउ कर्त्राद्ध। अडे विहात्रक्त कारशत श्रीक विशेषक विशेषक व्यविकास विदेशन करण मद्यादगंत्री भावन তাহা হইলে মহান ,অনথ ঘটিবে সন্দেহ माहे।

পরিদর্শনের এক জন পঞ্জ প্রেরক কলিকা-७। इ. बारुवा जादब्रक लाकिक्रिशब ख्वांशान ! थात्रि । नाम्भागे प्रात्मक केटल थ कतिया मा- । देशाय है। है एक क नाम अक अन देखेला-ক্ষেপ করিয়াছেন। তিনি বলেন রাজধানীব এ পরীতে সভরিত্র ও ইতবিদ্য লোক গ্রা शांख्या वाद्र मा। इन्छविना न बर्छन नर्छात्व লোৰ মাঞ্খানীতে ক্ৰমণঃ বিশ্বল হইণা আ ুক্ত কেছ তাহার উপর সুপিত হইয়াছেলঃ निरक्रद्व।

(क छोड़ नरक्ष के तेत्रो शांदर काविया क्यूर ্রক জাপার জ্বাক্তা বারা ওক্তর প্রহার করিয়া। हिरमन, त्वांके बाहमाल फालंद विकास बहेरव। काई बादमान विচादित अध्यक्ति स्ववारक पृष्टि नांच कहेरवा अक, अन्तांकिट्य अधिव ८क.टर्ड कानिएक भवर्षभरकेव कारनक बाब्र ध्वेष छाहा व कित । विष्ठीत, कमाहरहोगान भरशक्रात्रत्रा त्मश्रात्म गाईरङ शतिस्यम मा

किनिक कर्दन, आंडे डांक डेहेलमूम मारह-ব কলিবাড়া পুলিনে ফেগান সাহেবের প্রতি-निधि इहे. यम अव (युगमत मास्टरवह अम्मक्ति-তি কলি পৰ্য্যন্ত কেগান সাকেন ছোট আদা-नटण्ड ভाराय कांग्र निर्मार कविरयन ।

नारशंद्र क्रिकिन नुम्भानिक करहत, अहा-নগর দোভমহমদের হত্তে গ তত হইরাছে।

উক্ত সম্পাদক আরো কৰেন, গেলোরা-त्य चनाडिते:व श्राष्ट्रकाव स्टेबाट्स, इंडेस्ता भीत्र मिनाजिनदक हेउलाउः (धत्रव क्या सह-যাক্ত চ

णारेट कारबंड मन्यावक करहन, दाहेन গুরের গাড়িতে এক জন আফিসর এক জন ন্ত্ৰীলোককে অপনান করিবাছে ধনিরা বে মন রুশ উঠিয়াছিল তাহা विद्या। এক জন গার্ভ এট কর্ম করির ছিল ভাষার শাল্ডি হইরাছে ৷ विनि अभन मकतिल याक्तिक वाहनी कतिला গাভের পদ দিরাভিলেন, ভাষাকে ধন্যবাদ বিতে হয়।

ডिक् अभाग धक वाहि आहे । स्वा ভিবে এক ইঠকদাব। চক্ষে আঘাত করিয়া হিল বলিয়া ভাষাত্র পুলিলে ফুট টাকা করি थान। क्षेत्र १ हटकत्र भूटा कि पूरे होकात অংশিক নয় ১

) ध्रे आविश मनगराद्धाः

উত্তৰ পশ্চিমের সংবাদ শ্বিমে প্রকাশ 🕫 «ेव द्रांश्वनात्भटणत प्रेकोन **रहेत्राट्स्न। छ-**त्मार के कि विकास करें दे आहम माहे, हैं। हैं त्मा**७ डेकोन ए** बतादउ खेड्डिकाडी म्हानद আত্তপক রকার বজপ্রকার উপাত্ত আহেছ, शीवेकशर्वत चात्रव वाकित्य भारत तम् । अभवाधी शाक्तित्व विष्ठांत्र कात्म मान नके कार्यम नाइम त्याकि आश्वन थानगाय।- | वर्टेक विक्ष्ण कहा वित्यम सम, अ निम्नमी

जागाविद्वात क्षेत्र किलातीता कादक आंगांशांक त्मारकडे वदमार मान त्रव आसाशिक **क्षीक्षिक** आस्त्रक क् पूडेंक कार्यकिकि कतिरक्षक्य । वेश्वी नाइएव " लाट्या व शाहेबाटइम महत्त्व आहे

किनिका बहुका, छेकियानि क्यून मध्य पूरे बांका विवास क्यांटक कथान रम्बाह्य উপস্থিত হইরাছে। ১৩ **গণিত এতচভূ** দেনাদল তথার প্রেরিড হইরাছে। এই সঞ্ क्ष युटक मित्रस्त गृत रहेटक जानिक कान गालि थक गाँ विकास किया है ঠিবেন। ভ স্নতন্তন্ত্র ধনাগার কি আইছ ै

त्रीकारेटव्रम बाक्यांगक मका अरे अका व कतिप्राट्न व्य काखिन अधि कतिम श्रीक অসসহ কারাবাদের আমেণ হইবে স্নাহাত হততর বাবে লোহপুতখনে বছ লাখিত रहेटन, **अकल निषम कद्रा नाताल्लक मह सूक्ष्**र লে যদ রাখা আর না রাখার ভার মাজিটে हे निरंगत फेंश्रदा स्वयाहे कर्बना : केंग्राता विद्यान। कतिया यःशास्त्र जायक जानस्थि গোধ করিবেন তালাকে শৃথালে বন্ধ সাবিধেন

हेरिम् म जाव देखिया बरमाम जिल्ला दिन বাৰায় ৰ্যোভিৰ্মেডা ৰম আগান্ধৰা नाइन्व देश्नकीय त्रवाम लानादे के के किटबंद विकास शाहेबाट्या किये महिल्ली विशाष क्यांजिक्कानिश्वत वृक्कानार्थ धक क्थ ताचित्रा नाम : ब्रांडिन - **माह्यून अला**ब श्**छन जाविकिया क्यांटक कहे त्यक्षान** शाहे. हारकन । जिशाम रहत हाजांत्र स्कारिकेलांत नविर्मय अञ्जान आहर।

स्टेट्डं छंटान नायकं अक सन स्टड्डी क्तिनवाजी क्**ट्रे**टि शामायान करेन, केटेनियम টি কলো তাহাকে বুকাইরা রাবে, ভাহারা উভনে প্রধানতহ বিচারালনের লেসিয়নে সমর্গিত হইরাছে। এইনিবিভ আয়ালিগের শান্তকারেরা পাপীর সংসর্গ করিতে নিবেধ कत्रिवाद्यन !

66 हाक। निक्रेत्र रहनन, २८७ खुनाई सूर्क्छ रजानाती हिनि बान्तीत जारास्य विका-कांब व्यक्तिक रहेबाटक । कांका निकेंग व इंड णांगा विदेश दिनि , अदेशन निसिन्न छोडाह नचाम क्रमा कतिहारहम । विह्यकिक्ीह नाम

ब्रमा क्या कर्डवा, मरणरकि : किन्नाका विक्रम) वात म॰ स्मार क्टेर मरणर नांके । किन्न कां-"এতি গড়র লেজ্য ধরিয়া অর্গে বাইজে চা शिक्टर्म मा ७ ? १३

উক্ত পত্ৰ আল্লে বলেন ডব্ৰডা জন্ম আ বর ক্রম্মি গাছের সম্মতি একটিন হঠাৎ সদর আলার বিচারালয় দর্শন করিতে বান। কাজ 🕰 उंक मा ब्रेंक **अट**क्य र अवन सुम्राज, हेरा ७ जाकारमत्र विषय ।

Se इ खायन वृथवात ।

বশোহরের অন্তঃপাতী রাছুলি চইকে अक बाक्ति जामानिरशत्र निकर्ते निश्वित्रा शा विदेशादहन, वे आववाती अवीवाद सीयूक বারু হরিশ্বল রায় চৌধুরী তথায় একটি বা কিকা বিদ্যালয় পুন: প্রতিষ্ঠিত করিরাছেন। <mark>জানরা জানি বে</mark> বে কাণ্য ছারা স্বগ্রামের স্থিতেশ্য উন্নতি হয়, সেই সেই কাৰ্ম্যে ছবিল बाद्रुत विमक्त वद्र ७ ज्युत, भ कार्य ।

বক্ষানের বিদ্যালর সংক্রান্ত করেকখানি পত্র আবাদিগের হতগত হইয়াছে ৷ ভাবের ব্দপতা প্রযুক্ত সেগুলি প্রচারিত করিডে পারিলাম না। সেই সকল পত্র পাঠ ক্রিয়। ভাংপধ্য পর্যালোচনা করিকে ইনস্পেক্টর ও **८७भूमे हेनटम्मकेटब्रबा छज्ञावधान विवदः** नि তান্ত স্থাদর, ইহাই স্পষ্ট প্রতীন্নমান কর। । লিক্ষেরা বিদ্যালয়ে বেক্ষামত বাবচার ক (स्व। পाठिय । निवय नार्टे, नमस्त्रत्य निवय নাই। তত্তাবধান না থাকিলে একপ হওয়া অসম্ভাবিত নহে। তাপা বেতন পান বলিয়। कि हेन्द्रणकडेंद्र ७ एडशूरी हेन्द्रणकडेंद्रकिरगद्र কাজে গা লাগে না ?

আমরা একখানি শত্র পাইরাছি, তংপা টে জানা গেল, হাবড়া জিলার অন্তঃপটে ৰৰ্হটি প্ৰভৃতি কয়েকটি াৰে সৰ্পাহাতে अब याख्या आन विद्यान वर्षेग्रह। भन्नी আমের রাভা ঘাট ভাল নব বলিরাই গ্রীক ও বর্ষাকালে সর্গ ভর হয়। গ্রামস্থ জ্ঞাতের। कामा क्रिया यमि द्रांखा चाँठे शतिकात द्राट्यन জ্বালে কালহন্তে পত্তিত হয় ব। ।

এত দিনের পর ভারতবর্ষীয় যুদ্ধ ঞাধ জেন সংখ্যা কামান হইতেছে। ৰোখাই গৰা-মেন্ট সম্প্রতি অনেক জঃহাজ বিক্রের করিব:র আজা দিয়াছেন। আপাডড: ইহার বারা।

মরা দিবা চব্দে দেখিতেটি - ইংকংবিড ভারতবর্গর সেমাসলের > ন্যায় বে সে 'এলে र किशारे करवक शांति बासकीय जांद के की বুভবর্ষের ধনাগার হইতে বার লইবে

प्यामानित्वत्र शृंक्तस्वत् कि कथन्त्रं हैं है। उ क्ट्रेटर ना १, लाई भाडेत (अनत्त् अरुन प ব্লিয়াছেন, বোধাই প্রেসিডেন্সির তক ও নগব। নামক স্থানের মধ্যে জত্ততা তাক হঠ হট ब्राट्ड ।

নিউ জিলাও হউতে সংবাদ আসিমানে ওটেগোর বং খনির কাক শীতাধিকা প্রাক্ত । ५ म्बर्ध ७ निर्म नीर्डंड आपूर्डार उत्तर **ছে) বন্ধ চইবাছে। স্তব্ৰস্ত্য আচিম** নিদ, [া] ভুই জাতি ভুমি শ্রহীয়া যুগ্ধ করিতেছে . 'ন ছ এৰ্শ স্কাৰ্ম ছাঙে, ভত্ৰত্য শাসন কৰ্চা हेहाइ श्रीशा ना कहिया फिर्ट्स । य म धारा त बडेक, निष्ठ जिलादश्य आहित्र निवाशी हि গের লোপের কাল অ'সিরণ্ডে :

मालाज है। इंद्रन बरलन नक्क कि करवन जन पुर्ड वास्त्रि कहेबाज़ब (डेम्स्नब निकर्ने विशेष ওনের উপন দোহ প্রভৃতি রাখিনা আরোসী मिरात शान मार्भन करी माहेनाहित किस मोकांशः क्रांस स्कान विश्वप्त चहेन। क्य नाहे । बरश बरश अहै क्ष का वाहरहरह, दिल ওয়ে কোম্পানি দুৱাস্বাদিগকে শরিষা গুন ছও বিধান করিয়া তাং।দিগকে অপৰ সূত্রেন प्रतिक कामन क्रिएडएक ना ।क्रम "

করানীরা কোচিনচ নৈ ক্রমণঃ সংগুল; হইতেছেন । আসাদের রাজ। তালাদিশের স্থিত সন্ধি করিয়া প্রতিক্ষা করিয়াছেন করাত भी भवनस्मरकेत नव्यक्ति नाकिरताक डिर्म काम विक्रणीय भवादमक्षेत्र मणि । तान क्षकात्र मिक्क वा मक्क क्षिरियम मा। छात्र हु বর্ষীর ব্লাক্সারা হোটিংস ও লার্ড ওয়েলেদ্বির এই কুপ কৌশলে পডিড হইয়া সামান্য জ योगांद्रत नात्र करेत्रादक्त ।

भाषाधिरभद्र भाउक्वर्श मङ् शास्त्रतः। বিলাভ যাত্রকে কথাই শুনিয়াছিলেন তা হার পর ভাহার আর কোন কথা শুনেন নাই। তিনি সম্রতি একজিটরহালের এক সভান উপস্থিত হইয়া ধৰে চিড স্থান লাভ কবি गाइन । डेश्लकीय अधानश वास्ति न्लोडीकरव

कविशादहर, ठाँहात व्यक्ताय प्रश्न क्या क्रेतार्ड. श्व क्रम निष्का य यहित **अहे अश्वाद क**रियादिन त्य । त्राम् ७ वर्षः मार्चः कार्यसम्बद्धाः श्री 🗷 प्यानाः র নিশাশারীর দশু ঘটিত আইন প্রচলিত হয়।লভ সাহেব খীত্র নীলঘটিত এক পুস্তুক अकाम किटियत । नीजकात्त्व यथेन এक सन बहाराच्य शहराविज्ञात कहे विद्योदक्रम, खर्च মত উৰ্বেছিনের ভুঠান্যোর বীক বপন করা

ই লভে নিয়ম আছে, কোন ব্যক্তি মৃত প্রীর ভাগনীর পানি প্রাহণ করিতে পারেন না। ए। न उनर्रव के "बाक लिए व है भन्न अहे शहिन বাউ না বৈবেচনা ব্রিয়া এব জন আফিস্ব बर्डे अनीय (१३ क्यांटिड कॅलिक) डाब्र निमाण প্রক্র দিয়াছেন ভ্রিয়াতে কেচ এই রূপ কিবাহন কয়েনে, যখন পিড়িয়া ও লাভুনের वन्यादक निवास क्या सञ्जासामित हरे (उदह. ভেপন মৃত পারীৰ ভানিবিক বিবাহ করিবার নিন্দ্র করা হাসকের সম্প্রেম নাউ।

দান পুৰেব বিবেচিয়াৰ নাট্যশালায় গুক স্বীনোকের ঐতি কন্সটিত ল্বেল্য করি গাড়িলেন গলিয়া, ভালা,ক নিজ পদ ভাগে কভিতে ভালাকে।

करवाना कारक वरमम भ मेमार अक गाँकि उत्तर्भव करेगा जात सन घे वादस्य বাঠিতে উৎপাত করা ত উক্ত ইংরাজ ভাষা নে বৰ কবিষাভা, জঙাকারী কাবাকজ কাংৰ ' সে ধলেছত ব্যক্তি যোগান কৰিয়া खाङ'त र न च'ल वध क तिबाद (5%। क्ताएड ভূত্য ভাগাৰে বপ করিয়াছে। বিচারে লানা बाइएव ।

- ৬ই জাবণ রহম্পতি কান।

द्यादाङ । वर्गद्रवलेशनाद्यव (विकश् कू-মির। বলোবান্তের জন্য তত্ত্য বাবস্থাপক ^भ 🖦 🌣 🌣 कि कार्यन कविंग्रोटकन । निश्च **का**रन क लाक हेर्नांच कांच्यात्मत्र क्षेत्र 'दवत अखिता है। इंडेचार्ट्स

লাও হোলভাপ সভা বারিউরের নিক ्छे शद्वावर्ग शिकामा कदियादकन, भवन्यासे পতিত ভূমি বিক্রে করিবার আশা দিরা ক্তব্রিপের জন্য আগামী টাকা গ্রহীয়া তাহ: किताहेसा निष्डिएकन। अस्त स्टाहोका ना ल ইয়া গ্ৰ-মেটের নামে প্রতিজ্ঞা ডলের নালী भ क्या बाब किया ? वै। बाब, जीतविकाहीकि त्तत्र निर्माय ज्यापत्र मृत्यु कालेत्म जात् छ । ब्राधिया निर्वाद्यत् । अहे अपूर्णाय अन्मिष्ठि ধারা, প জিছালা প্রকরণ ঋমসারে লাভ এল গিন ও সন্ধ চারলুস উত্তরে ছয় মাস ফাঁশী इहेटड शास्त्र .

মান অ'পন উপপন্নীর পুরুষাত্তরে আসক্তি । লি এক সভার তাঁহাকে ইহা প্রসান করেন। অন্তর্মা করিয়া ভাতত্ত ও তাহার জালীকে। নর জেমদ আইটরাম অদ্যানিও তুর্নজ আ-तम करत । छ ,बाद संभी बडेशाटक ।

दाइयान व्यव देखियां व्यवन, नि॰६न ! ীপস্থিত জিক্ষালী নগরের সন্মুখে আবা টিলিঞাক কবিবার যে প্রস্তাব কয় তলিকরে লামক বে জাহাজ ইতিপুৰ্বে জলনগ্ন হা, ভুবরি বিভাজ রাজ জলগত চইলাছেন নিস্কৃতিস দাবা ত হা হটতে ২ ৬০০০ টাকার এব্য প্রলান । নিজে টেলিএ।ক করিবেন সক্ষত করিবাছেন। ত হাছে। আরও অধিক টাকা উঠিনাম স क्षांबना जारक।

ল ও।পন নিশরে ড।লভে,দি সভার এক এ: , এই কর বন্ধ করা হয়। র পার আবেদন সমূ স্থাৰ হউয়াজিন লাভ এলগিনেত ন বিধায়। সাত্রে স্ব চাবলস ভার উ।হালে এই ট্রের সংপূর্ণ ইন্তা আছে নলা উত্তরদিশের ভাষনও 📗 গুনর্কার দিবার আলা দিবাছেন 🕫 এদেনীয় ্য স্কিন ও অধ্যেস্থ ডিক এপন্ত তা शंके आद्या

সম্পাদক কন্ দাস মূলজীর উপ্যাস বর্ষ । উদ্ধেব অভিত্যেত নতে। এই নিমিন্তই আঞ্ নার্থ বিবাধাইদেব সর জালেকজনার প্রাট ্ডিকাসিনিকের ভাশব টপরে ২০ আরে জা क्षाङ्गीरु यह जान्न। कर्त्नमः। कालांतिरशय 🖼 👝 নেকে লাম্প লনে র মোক দানায় সাধ ও মহা । প্রাণ্ড হটয়াছেল রা ওসাতেবের পাঁচটা বিষয়ে । ताम पक्षनोध को द्वा नियम भिग्य श्रीतक करि या ज्याक्षण प्रश्निकान कृतियादिका विविधाय । ज्याज्या ६३म.८६ । (तोप्रोर्ड वोकाल) (प्रम कार्शका वाकु वहेला ।

বোষাই প্রেনিছেন্ডিব হুডার জ্বেশিব বেইশভংগ শকটের আরোধী দলের ক্ষেব ব ্ পাতিয়ালার রাজা কলিক'া ছইলত সাপন नम लहेंगा अद्भक्ष द्वा लड्डांश इहेंगा नियां है. ठक्कण काष्मानि श्राष्टि मक्छे ०० करान्त्र । १४५०,३८क केश्यारक ए भवनदे छानवदान् অধিক উঠিতে দিবেন না স্থির করিয়াছেন। আবোটাদেরের সংখ্যা মিদিষ্ট করা নিভান্ত -व्यविभाव । किन्नु क्ष्मानयांद्र, द्वलद्रयूत् वह - । श्रुक्रस्त्रा म्याद्वाचीत् श्रुविधा चुरक्रम म. ।

কর রা একে ভারতবর্ষীয় প্রকাষেক ও লাখার-। রিশো করেন। বিজ্ঞ কর্মচারী পাতিয়ালার ণে বিশেষ সন্মান করাতে গোষালিওত্ত্বর রা था। किथिए जामखसेक्हेब्राइडन। भहाद्वार मि फिया कि 'अंछ निर्द्धां पर शार्थक यर्थाहिल | वर्ष्या अंडे लेडब एम व डिनि अंबाण कथा পুৰকার দেখিয়া অসম্ভ ইইবেন?

বাৰ্ড কাৰিও বিংশতি নক টাকাৰু সুশান্তি ভাঙার বিভীর ভাগিবেয় পাইবেল।

व्याचा हेटब्रुब व्यादनचा मह स्वाचन का छेड़े রামকে দে এক খুর্ব চাল দিয়াকেন, ভালা বোধ ইরে ট্রাহিন নামক এক মুসল তিলাকে দেওর হইগাছে। ডিউক আৰ আর্গ

পারন্য দেশের বধ্য দিখা ভারতবর্ষে

निकित्यद्व प्रत्यक्ष भारत्यकाचे व गर्यद्वास्त्री व নিকটে দাক্তিলিভের করন্ত্রকণ প্রতি ব দর कलिय" जार शुनक , उ नन कियूद (भन) २- । ४००० होका छ। ४ बहेर छ- । मछ पुरक्ष छोनात विका अन्तर्भविष्ठशास्त्र जिल्लानिक खाला विभव হউত্তে ৰাঞ্চ কবিদা ভায়ত্ৰবায় ক্ষণ্ডেট-বোদাই গেছেট গলেন, নত্য প্রশাদেহ । কে সকলের বিদ্বেশতাক্ষন কর। সর চারলস

वं शिवनोने १ उ कहा । हिल्लाहरू न वास रामाध मधाबान २७% "र जिल्ला संभेत्र कहेतातु

११के भारता संस्कृतिका

ট জিসমান সম্পানক জিবিয়া।ছাম্মন ্রেম্পে প্রেভিগ্রমন কবিধ এক দর্ভাপ করিয়া সভা কোলের নম মান্ত্র প্রতিযে প্রিপুর্ণ । এতক্ষেত্রীস্থিপাকে এবংগলা কবিষা সমস্ত यन हे १ हर्ट कड़ेन्। राज्यांके के मजान लेएक-. 🚉 🕫 अर्था देश अर्था वर्षेत्र होते । स्थिता **अन्तर** ইপ্লিদ্নান অবশ করি। ছেন্ রাজন দিন কের ক্ষিদ্নাতে ই শার বাধাধা অনুসন্ধান ক-। प्रध्ना, अरक उतिका बादा के कथा कि स्वामा ক্রিয়া পাটার। মহার জ এবণ করিয়াত মধ্যুত্ত কখন কৰেন নাই, এৱপ ভাবও ওাঁছার মনে

फेनव रव नारे। खादाब बदन ना रहेके, हैरानि-नवादनत नदन शहेताहरू । अहे. अवका अवका मन्भावको भ त्रवादम ভाরভবর्द हैश्हाक स्रोध অত্ব লোপের কারণ হইবেন সংখ্যত প্রাই ।

किनिटकात पर्शासित मश्योह होको क रुम, राष्ट्रमके अवर्ग २०० डेक प्राप्त छैन चिष्ठ रहेग्राह्मा क्षराम क्षराम लाइकहा উহার জাহাজ বংগা আসিয়া সাঞ্চাৎ করি-ডেছেন। লেপ্টনট গংগ্র কিছু কাল করিছে भातित्व छ ? मा त्क्वन अवन्त्वत्केत काव করান সার হইবে ১

উজ পত্ৰ ফালের ক্ৰেন ৰে ভাগলপুরে धक श्रामि मोन। १० साम्यक व्यक्ति ला-८क्त नश्कि अनमध स्टेब्राइड नास्ट्राः প্রাণ রক্ষা হয় নাই। তর্তম প্রবটনা। এত कांक मंडेरळ (मध्यः म्यू (क्य ?

পুন। অব জনবন্ন কর্ছৰ গোৱাইলে ছুলি-क्षान नारम अक कारन अक व्यक्ति विकृत कर-শক্স প্রাণ ভাগে করিরাছে। বিচ্ছু है शीर्ष पूजे देश व अन्यक्त रम् हेम्। ३३ पहिमा भगाल बद्धभा किल । 🖨 नमरत्रत्र मध्या 🖨 मह-जिन मृत्रु रहा। अस्माक निरिक्तरह, ले वि-क होटक जटर्न प्रत्यन कविशाहित। डेस्प्र श-किम अरमरण विक् व उपाय जाना ज.

लटकोनशद्दाय ब्राट्स अक सम इंडेटब्रांशीय ক্রান কণ্ডি ভালাইবার চেতা পাইরাছিল। किष्ठ वराक जींबांटक पतिशा श्रीमहरू व्यर्भन করেন নাট। ভত্রভা গ্রথমেন্ট কর্মচারিয়াও ইছ:তে চকু সুদিয়া আছেন। এডকেশীয় হই-লে অবোধ্যা গেজেট ঘন ঘন ছন্দার ছাত্তি-८३न ।

आहरू गर्भव छेपमां ह साम विवृद्ध मध्यम র্খন পত্রিকা উটিয়া বাইবার উপক্রম হই-शंदछ । से शक्तिका दूकि आहंकशरभन्न निकटहे **উ**श्नाहिक। श्रेत्राहिरलन ?

: ৮**ট धारं**ण भनिवात । স্থাসরা অভিশব্ন ছুঃবিত হইরা লিখিতে ভি, গভ কল্য বাৰু রুমাপ্রসাদ কার প্রাণভাগে করিয়াছেন। বৃহস্পতিবাশ ভাক্তর ওপ্রেব ভাঁচার জীবন রকা বিশয়ে হত ল হইরা ভানা ८६ भवकाल हिन्दा कत्रिएक रामन । ७५वःदन ছারিওটন গাছেব প্রতৃতি অনেক সন্তুত্তি

বের্ক জবার উপস্থিত হিলেন। সাবু বিগবর নিত্ৰ ও রমাঞাসাল বাবুর জী জানাত্র-ৰ পভিত্র অচি হইরাছেন। তাঁহার সু**উপুত্র, আছে**। বল (पन अनक्षे डेनव्ट श्रुष्ट शक्त रहेरान ।

गरवाम जानियाएं क्या नारम्यय अम् আরু বার বিদাবে বথার্বই ওলক টাকার ভ্-स हरेब्राट्ड । हीनरमनीय युरुवत राष्ट्र । दाइन এরে সংক্রাম্ভ ক্ষতিতে এই টাকা কন হউতে E । ठीन दलनीव बृदखत बाब न। हेश्स थीय शव नंद्रको क्रिट्वन ?

विश्वितान प्रश्व बाद्य हैंद्रीन्त्र आकित्त्रत अक सम रकतानी मसत वस्ताहिता रक्षांगरम हे हे। ম্পাবিক্র করিও। সে সম্প্রতি ধ্ত ব্টরা-ছে। জাহার ৰাটা হইতে করেক খানি ইটাম্প वाश्ति एकेशांद्र ।

আমরা শুনিলাম গবর্ণর জেনরল অট্টোবর মা**প পাঁয়স্ত উভার পশ্চিমাঞ্চলে** গ্রামন করিবেন। ডিনি ছুই বংসব তথায় অবস্থিতি করিবেন। । আগরার ভাঁহার বাসস্থান করা হইতে 🚁 ভারতবর্ষ পরিভ্যাগের অব্যবহিত প্রেই मार्ख खानशाउँनि ७ नार्ध कानिरका यहा segics লাভ এলগিনের কলিকাভার থাকি-তে কি সাহস হইতেছে না >

মিমু লিখিত মূল্যে গ্ৰণ্মেটের কাগল विकोण शहेड उट्टा

५ डानाव निका .. .

8 होकाब काम्लानिब

हेक्सिक के 2080 - 10180C

, दश् । होकांब अ 223---- :5110

ভারতবদে ্র নিমিত আরু দিব লোটি টা का कक्क कड़ा हरे.व जाउ ०व कांव्र(अह मांखांब, भन्न क्ष्रेवान अञ्चादन

७ द्वा कुलाई भगा ८४व डे डेरवाशीन সমানার

इ.स. च माडि हैरला अधिन करा क नहरी-व अञ्चर्रण (क्षांभव दक्षिकृष्टा अहर अहर ह भंड कार्या जल्ला ब्हेग्नाहा।

ब्रिह्मार्थ कृष्णियाराभद स्थापन द्राक रेमसा भगाम जा क्रमा क्रिका बारसकाक -জ সরিয়াছে, ভারতো পুনৰতা অধিক ত

मान्या आश्च वर्षाट्या জ্ঞান দেনাপতি ফ্রিট ক সেনানভেছি ব काळ्यन कवियादस्य, खीराय स्मनामन धूटल লোনাগতি সিল্ভস কে বিপংলিক সুর্কেপরাজ- । বহানন আনা কোন আক্রা না বর বেবে- ট के कतिशास ।

अउद्भि समार ८४ डिक्क्यूर्रभूत बुद्ध करियाद षशास्त्र खब्द हा विवृद्धिताली व्राविक विकास त्नाव **ज**ना लि**विटवस** ।

अभिन्माराम अवर्रावारकीय (अवार्त पार्का पार्का पु-क्षि विरुक्त के क्या (साम्बिक क क्षित्र अ^{हे} के छे छ ं कारन अविश्वि कहिराहर । विश्व ७ ०००० रेमना मह मिनिकिबीटम कारहन।

बेजेनाबेटिए:केरेरमब माराजीय अल्ब ह **(उ मान**्द्र क्रिकेश क्रिका मन आहा हा १६ क्षर विद्वादिनियात्र मामनवरत रजन रहि । १३१ क्रिकास का का, स्टेश्रांद्र ।

क्रियांच भवर्गावनी दिक्रेय स्था एक्साय हैते। लिय ताका बालक एवं जीकान व दिनाइका, रा का अक्रीत करेग्रह्म । अस्ति आह कर्माहत्व स्वीत। स्व (स कल्डा । नाम, अवन्तीय: अन्दर्श हि पुरस् श्वाबित इंड्रिंग्रेड्, अवाबीला का का প্রায় এটকণ ভাব প্রকাশ চইনা ছ"।

ছট্যা আ'লিবে ক্ৰিয়ার জংগ্র ক্ষণং रह्। और म और म के चूं च खर । इसे क्र' क्र' स्टोनर्श मनारक र केमल ५ है। इतः अपन्य क्षा ५ है। त

ইংল্ডিটির সম্পালন্ত এক ি ম পানে এচ ট ইছাতে ক্লেড সংগ্ৰহ্ম ডে সেডবস্থ আহাৰ ব্যাস क्रांश्च त्य क्रिमान एक्स कांक्र १०० वेश वर्ष ।

क्रांदकरा**र्वा काक**णांकी अलगोक: ४०१७ | अमा के करें मार्डेसा इस शहर दश्रावर्गमाने कार एक बारायु पारि कुरू नगे भना।

अर्थमिक र पृक्ष माञ्च दमा बर्धन तः अभितः मा अक्षां हा जिल्हा (शिक्षक कुल मध्य प्राप्त पर महि ক্ষ তথ্য শাস্ত্রিত চট্টাইছে।

भवर्गामक विकासना

बाक्षण्याटकमीय स्वाध्तन व ज्ञाव दिवत

कारमन, धुभादी निर्मा

b-हे कुलाके--- a. मनिशादकर, 'म ीन प्रेडिश किश्वित है कि : লেখ কৰিল্যৰ ভাগৰেল, কিন্তু বভালিন কোন আন্তর্জ, না হয় ভগলার্থা ও সাধত লা ১৮৬। আনুদ্র ২০ লাইন অনুসারে কলিকা প্রগলাব ক্ষিণ্নৰ ছই

सिमक होकित छाडिनिधि किश्वानश्चार मरब्रम ७६, वि. (प्रवस्त्री मन्द्र) अवाक छात शाल बहेद्दन।

ট্,জাৰসন সংহোগ নদীয়ার দিবিল, ও সোঁগ भन अञ्च प्रदेशक, किया ग्राहिक अन्तर्भनात क (का वा इत कर मिल की दान धक्क भक्त विकास । ्राश्चरक शक्ति, गरा

ब, ब, खुडेकेन भारतत विश्वतीय मिलिल ६ (मिन्न अस इहेर्दन ।

डिबिमिडे,वि, वक्स विवि अक्स विविध स त्र हिमारक्ष्म बाक्क श्रद्धाद किविम ए कि.स्प्रिम कि.सि.सि.

ट्यापूटकर निमद्दवन अटकके छि,रुव, नक हार किलासिय प्रसिद्ध के प्रश्लेष प्रमेश विश्व

ार्थावन प्रात्कारते हैं ए कारलाईन वहेरवन, कि ि व्हारक्षत्र क्रिकेट व्हार्केट वृद्ध भाष्य व्हार्कित्वन । । ७ एक्ट्रिकेट व्हारकेट वृद्ध वृद्ध विकास विवास

मिनियात्र माजिएके व कारलके नि. জে, মেক্জি সাহেৰ তথার প্রথম প্রেণির মা-किएक है से कारनकेर बहेदबन।

थतीत अधिनिधि माखि। के हैं । कारमकेत बि.बन, नाबर मा मारहर हेल्ला दलकाह नि (अनित माजि के है अ कारलके ब एके राम।

माहतानव अधिविभि मालि के है । कारन-हैन अक माकन हिम मा दिन देखा । समान मा कि (के हे व कां: लक्षेत्र प्रदेशिया ।

ৰী।বুড়ার প্রতিনিধি সালিটেট ও কালেইব खर्शनिष्ठे, धन, अप्रयान भारत्व केंग्ड (समाव सि जीव (अपित माजिएको है & कारणकेव स्टेटनम ।

है. अक लाए है कि जार इस इस इस होते में किए के है ७ कारणहेब बहै दिन । किथ गड हिस खना चाला। নঃ হয় পাটনাত প্রতিমিছ সিবিল ও সেলিয়ন क्टक र कर्ण कविश्वम ।

हे जि. काक केंछ मोरधन वर्क्तमारमञ्जूषा के के मा किला है अ एक पृष्टि का मिन्द्र व है। रस । किन्द्र গ্ৰহিন প্ৰাকে(ম জাক্তনা হ'ব বীৰ্জ্জানৰ জা-किल, श्रा भा के हो है अ का लक्के रख के ही करें। (88)

क्रि. 20, जिल्लीय नारकर विजीय तथावर काइके बाकिकार ५ ८५५ वर्गा हैन

এ. এ.ব. ন.ক.প্রবে লাভব ছিতীয় শ্রের ব अन्द्रेती अधिकारान्ति । एक्यू है कारलक्षेत्र करेरवन ।

ar, (वहा श्रह्म बद्धारमणीय अवनंद्रमण्डेव ≉নিচ সেংক্টোব ভীৰেন। বিষ্ণভীন জনা ा, क, जो ध्य र (मा) इरवन का भाग (छ, है का लान-তে প্ৰতি । জক গাৰিবেন।

ব্দ্ধানীয় পৰ লোটাৰ প্ৰতিনিধি লাও্য रসংশ্রেটার আছে, বেবান সাহেলৰ আন্তর সেহজানি-वित्र म शांच कडीका।

まって、 c面 34 / 455 、 26 m し さにある コア 明下 हैन अम्बंद कोलड़ाकार 'नकन विःन

केड कुलाई--ाक, कि भड़ खाँछ मारहर क्ष र अक्षरून निरम्भ क मानम्ब करेर भाग

(बा के, शाकिशक मानका । यक्तिमेश्वरत्य मान Vice tarifum'a भी चित्र अक कर अस

कि चिलि 'यह संबंहा हैन। 56 देश सिस्मित है। क कें। जार र १९४० ३ छ। देन १० का देन ११ -৮৩৮ এক্টেম্টেম জাইন অসুস্থে নিমক চো-किर बहार कार कार्य के देश रहा ।

সুসভার প্রতিনিধি নামিংটীট কে পি, THE PROPERTY

stasia জেপুটি নাজভূচ নৌহাধী

ओराम्पूर्वर मधकारी मामिको छारिति छ. ्र क्षेत्रशिकी भारक्ष ।

नः नहा का अहार मान १ १५ भू है कारमहेन क, कालिक, प्रार्थन मारक्य महीकार अन्त नारू श्रीष्ठक राष्ट्र के क्लार १००० जात्कर a बारेन क्षर्गारत ८७ किं कारलहेन क्षेट्राम । २ अ कृत - मार्बर्भ एउपू हे माजि के है

Set : कुलाके -- द्वांके वांशपुरम्ब महकादी াসনাৰ ভাত্তেন ও পি.এস, মনক্ৰিক পালামে — গ্ৰের ভার প্রাণ্ড ইব্রন।

१६छि साम्रम्बन महकानी कविनवड टम-हिना है अपने, रियनि लाहावछान। विछात्त्र ाक्षरम ।

) हे ज्या वि-मा त बन, विषय कार किए वह अपिक के कारणीय का है का है की बाद्या है है ए कानकाहि अभिन देवेदछ है दरम।

ক্ষানগাৰৰ চোট আলালাতৰ প্ৰধান ক্ৰ धम, ०६ डिममस माटक्व (क्वीक्या कि आहेरनड़ J प्रशासनात्त्र श्रथम दल्लान्य कथीन मा**क** ्रेष्ठे अ sbea बरम्ब ३० आ हेन आस्त्रकृष एउल् ने का लहेत्वर क्षमञ्चा लाहेत्वम ।

नमीय व एड'इति म'क्लिक्ट्रित खर्शति कः-्चनेत महमन मिश्टक बन्नले कहेता उथ'ह माजि-েই 'টব স'প্ৰ' ক্ষম ত। পাইবেন !

(मनीय हिन्दिमक आस्तितिकात्मन विनास भूदगत माउना हिक्शनातायत होत टोप क्टिबल ।

CHबीय विकिथ्नक वाकू वाम खांद शिनने व দ্ব ভবা তিকিংল'লবেব ভাব আগু চুইবেন।

नन का निकेषि नवसन भागावन साचानी-भाग इंगनान जिस्मानामन अ'ते थ' उ रहे 172 1

১৯ ছ লাই -- ভেপুন মালিট্টে ও ভেপু-টি কালেই ভেবলিউ ছেবি সংখ্যা স্থিত নগ त्वर '%'व शाक्ष करेड़' कोकशांत्र क केटनव ২০ ধানাপুৰ হেৰ প্ৰথম প্ৰেশিৰ অধীন দাকি 💆 रहेर कामड¦ लाइंदरम्। एक वि ≯ इवर वावित क्र आहेरनव अन् श्रांता स्त्राहित क्रिक्टन मधर्मन कविवार व्यावसमाद श्रथम विशेष करिएक भी हिर्देश ।

নদিব লংবের ডেপুটি মাজিকেটুট ও ভেপুটি क टलक्रेट स्त, मि, क्लालीट मारहर कुछीय अथवा पूर्वा विकार के व्यक्ति के अवस्टरक देमली विकेश ১৮२२ अ. १९९ वाहित ७ ১৮:१ व्यस्त्र ३ वान টন অনুগাবে ঢাকা, আচটা, মনুমন্দিণ্ড ও বি-भुनाव कोरालकेरतव मण्ड कम्छः लाहेरवम।

अक (क का मारक्व मिठीव अवदा भीका) विकाशित ग्रहारव स्मातिति छानीव व्यक्ति 古家とであり

लद्ध फिल्म हैं। मर्दिन निश्च लिथ इ क्या दि-

त्। द्वेशक श्रृद्धनः क भिका जाब साम (एंकिंग सूनवह र केंट्स के

ছিলীয় জেণিতে। हुए श्राह्म अन्याती निम्क अध्याति छ . डे-ব্ৰম সাংহৰ ভূজীয় প্ৰেণিতে

लिमान अति हेषुर्य द्यानि है।

क्रोदकर महका दिक्षित्रियक दाक्रिकी

七江神(野 足草水 (現(水)至)

आगारमंद महकारी कभिष्ठत जिल्ली वर्ष এ, এন, কিলি পদ ডেক্সপ্তৰ ছিছ হইবেন ৷

প্রতিনিধি নিবিদ্য ও সেনিয়ন এব ১ ইবেন।

বর পরস্থার প্রতি,নমি ম কিন্টেট জে লি, वार्ष करार्ष मारा हाक क्रमान शक्तिम का-(अक्ट्रेड क्रेट्रबर ।

ৰাৰু ঈশ্বৰ্ডন্স কোৰ'ল বল আৰের ভাব পাৰা। প্ৰচরৰ ভাষা মাৰী কা অপীতিত পাঁৱল লোক

प्पणि या जिल्हें । अ प्पणि काल के बाद म बिमाध्यम शाल वाश्वारिक लाव स हैय. इक्न-क्षपानी साहित्यवार भारतः ७ १७४८ अस्मृत ১০ আইন সমুসাংহে প্রথম খেলির জাগীন যা: জিংকীটের ক্ষা চ' পাইবেন ৷ বাবু মহিমাচরণ পাল দেশিয়নে সম্পণ করিবার মোক্তরত্ব প্রথম বিশ্বেষ করিছে পর্যিবেম ।

জেপুটি মাজিকেট উও ডেপুটি কালেট্ৰৰ বাব कांसिक्स उत्प्रोगायाय कोस्नारी साहित्य ৩৮ গাৰণমুকাতে কেলিছতে সম্পণ কৰিবাৰ (माक्कमान अथन विहात कतिएक ^शावितन ।

२) क जाहि जिल्लि मर्जिला है ला है। भारक व किश्रकित्वर जना जावजनवीत्र भन्निय ल्डिक क शीन कहेरवन ।

প্রেরিত।

জ্বীযু ক্য সোম প্রকাশসন্দাদক

भूतः भूत्मे<u>त</u>ु ।

'মাপনকার ৩১ আম(চেড শোষ একাপের 'বা-মতের মানীভারের ইয়াও পাঠ কারে। আভার দিখুর পত চইলমি। জামাদের বিন্ময়ের কাবণ डहे (य अक रश्मद अठीख प्रदेश खुत, श्रीरा थ-পুতি উৎকট পীতা বাবাদতের করেকটা প্রাণিছ গ্ৰামকে একেবারে ভ্রম্পুরা কবিল। গৃহ সকল লোক/ভাবে বনে পৰিপুৰ্ছসক মৃতদেহ সকল भरब बार्ड भडिल वं किंग्र, अभय अस्मरणंत्र सन ধারু ক্রণিড করিল, ভথাপিও গ্রণমেন্ট কিছুই क्षत्रित्वम ला। (वाधक्य आंत्रोसिय क्षेत्रे कछ अंश रक्रकृषि न। इंडेन्स ८७ पृथ ७॥ वर्ष मात्री उरहर ক।বৰ অংশাই নিৰীত হই ১ । ছাছ । আনাৰি-পের বি ছুর্ভাগা, খাঁচাবা আমাদিগের রাজ। বি-দেশীয় ব'লয়। ভাঁহাব। আন দেব আতি প্ৰসা-वरमन मा पहेंची छानातम्य विशव छेत्यका क-तिया थारकम । देव मछत्कत्र कात्रम निर्मेश्वर छै।-লার। কি কবিকাছেন ৮ নিছারা মধ্যে সধ্যে হয়-বিশিষ্ট কমিদনৰ নিগের নিকট বাইতে বারীভ-न, काडबर तर्गटबटलेंड डिडिंड ता क्रूडेकन दि- क्रांडाटक सुक्छनाम क्रिडेड क्रांगिक, पूछ पार्ट-

- इ केरहा रक्षणांत वा करके रिव क्या मारे- २)य-- मूमारे कि मारेड में एकत २८ मदनवास | एकन छा करत महत्व महत्व कि विकास निर्मा क्ष सदयम । अध्यवस्त्र अभितेषकी क्षेत्र काल्रिकेय ভাক্তরকে হাতীত্ত নির্মান্তবার্থ নিযুক্ত করিছা স্থানে স্থানে প্রেরণ করিয়াছিলেন কিন্তু বিশ্বনীয় खिर्हे मिकिए ए उप्ति कालके । जाएन कार्क्ना ना वाकारक के कार्तिका की-দিলের যথেও উপকার হয় নাই, ২মণ কলিকাতা अक्षान विकास का का का का निवास के किया । চাঁহা সংগ্রহ করিয়া স্থানে স্থানে ভাক্তর ও উব-ধাসর স্থাপন করিয়াছিলেন ভাষত্ত্বে বরিত্র পী-ডিড লোকের অনেক উপকার চইয়াছিল।ছার। कामाहिरमत रहरमत जहांच रहारकत्रकियां कडकाल अनक्त विवास উপ्लाकः क्रिया पाँकि-(वन । छोडापिटगत्र धनवशामका क्लारवर जाना-विरुप्त रूप छेरमा प्रहेरकरम्। महीसा परणास्त পাৰনা প্ৰভৃত্তি কৰকটা জেলার সহজ্ঞ সহজ্ঞ এ-का दुर्माख नीलक्द्रविटनंद व्यक्तांतरंद व्यक নৰ্মাণ কৃষ্টল, যামোলয় মলেয় জানানক কলাৰ ধ-क्रिशास्त्र कथकार थानिक आध्यक स्मान की-रत्रहाङ बदेन करः राहामण विध्नेश असूचि चारमञ्ज मध्या मध्या लाग नातीयात निमेचे रहेन उथानि डांगद्ध किंद्र अखिकार बुद्दैन मा। ज्यामानित्तव दरत्यत्र ज्याक्ता दुव्यम ज्ञाहरेताहिः नुकात छेन्। एक क्षेत्र स्टेश सार्व परिव वर्षक के अर्थ न अह कतिया अनद कार्या वर्क किसि-ह। बारकम । इन्ह ! बाहरेशाहि शूलां दम देशनाह প্রধান উৎসাধ, সে সেপের লোকের সংকর্মক থিক বে বেশের লোকের সভ্যতাকে বিক । क्लाहिर ब्रह्मा ! । 500

अयुष्ट मावधकाण जन्मीहरू ।"

मह्यानम् निर्मादनम् ।

সন্দাসক মৰাশৱ! প্ৰভাৱকারী কোন আৰু शांकित निक्दते निक्च कर्तुक वर्तनाति अवन করির। অভিশর আকর্ষ্য বোধ হইল। ধানা সা-ও পুরের সমিহিত পোপাল পুরু নামক প্রানে, अक शृक्षाच्य शृद्ध अक्षेत्र श्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त शांन कवित्रा स्रोपन शांत्र कवित्रकार छ पिन २ केलन स्के भूके,स ४ हेरलटक् । धनरवह ५ । इ श्चित्रतम् श्वतः वरगणितं वाका द्वानाव्यकं स्वेता আৰু ভ্যাৰ করে, ভৎকান্ধে গৃহত্তর বাটীতে এ-মেলনী খনের নিমাৰের স্পরিনেট্রনি বাব বিশেষ্ট ছ'বিয়া বাজেন। ভার ' ছেবিশিউ কটা আশ্ত বংগা কুরুরী ছিল। ভালারা কৌশল সম্মিদ্ন লোৱা মডাকেব কি কাৰব নিশ্ব করিবেক, জিলে, মড়েবীম বাছুবটাকে ভারতই ছুওপান কন वारा के अव्यास्त्र ,कान कृष्ण विश्वम विश्व कृति । वालेखा सम्या । शव्यक्त, २ । ७ मिन अहे श्राकात তে হইকে ভাঁছারা বরং কৃত্তকার্যা চইতে পাছে- , ক্রিণাছিল, তৎপরে কুথুটীটা জাশুমা ছইতেই बात कमा बाह्रश्री काशाब निकार भारत कतिरकारे । दाक २०६ हुनाइ किछाकारक शिक्ताका नामक | कि.मि कामीक सरे ल मनशासामाखि आकार समय त्म मध्य कतियां चार्त वर्ष्यक्ष मात्र प्रदेशान । शतीर श्रांक में न मर्रामां ब्राह्म वर्षाव्य करेगा করাইবা থাকে। এইরুশ মুখ্যান ছারা, বংগটা वीक्टन का के बारमज स्वेत्रायस । देव। व्यक्त व्यान्त- जिला वास्ति इस्तित वयुत्र स्थान विदेशीय करा ध्यान विवन्न महस्।

व्यक्तिवत् कृष्ट व्यवका कारक्त । अधानकात वे विनम कात्रक पूरे अक शास्त्र करे दिन । उ जन्मक कृष्टिया **बाटकम देनि ज**ि आठ आठाक लोक एउम कहेवा विवादह । बह मांज ६ स्वरंका। बाह्य क्केन, श्रांक भनि अक्त अब अन्य अन्य क्कियां के स्वरं एक विश्वास बात बबादन चंद्रमक श्लाककरमञ्ज (व्यक्षिकारण काका क्रम्पूर्वक वार्किम कहेर न क्रमार्थक श्रीर्लारक्य) नवांभन इदेश बारक, अरर अरमरक অনেক একার বানস করিয়া বায় (কংক জালীর नार्व) राष्ट्रीया निष्क बदनावन एव खाराजिशदक ययंदिनि लोशकान देनदिकारि चात्रा स्वीत पूर्णा ७ निवारणाथ आजाम कतिएक सह । निया- | नीत सूच किम सर्वा केंड्क জোগ অভি আশ্চর্যা কাও। তথাকার পুজুক जान्य केन्द्र वर्षाम्हर केन्द्र सहराक्ष्म शहर कतिहां स्रभा सभी" बहैनाम अहन श्रुक्ति आ:-. व्यान कतिरामान निक्षेत्रजी वनत्रश स्टेटफ करहरूकी के जबाद जुलान जार्गमन करिया वरू-ক্ষম সময়ে নেই নম্বত আহার গরিয়া বাছ (এ **क्ष्मक्षा सर्वारमञ्जूष्ट्या अवाण अरम्बर्** माचे) विजित्याद्व अधिवृक्क वक्क अणि वक्काम | क्विमा वर्षमात्र विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास ভূকাৰশিক বাৰা কিছু শড়িয়া থাকে প্ৰদান ব'ল হাভজি পুর্বাদ এবণ করিয়। আপনাকে চরিতা। ৰ্ম্ম বোধ করিতা বাকে। হা! আগরা কি ছানিবার **মুনংকারাবিট ও অধার্য। ভার: কড়জিনে, এ- | এক স্ত্রীতে নিভার আগজ চইরা চাছার প্রি** ख्यानी विश्वत खढाकत्रत केवृत विकृषि कार्या नक्षांत्र सूर्याच । इशांकत विका व्यक्तीत्रयाम **ष्ट्रेरनः कछ भिरम छोशीमरशत्र जक्कानमोत्र मा**। ब जम ७ कूनरकातांक्त्र क्षत्रारकत्व मध्य धर्मक्र-न हत्काम्य वर्वेदव ?

৩। বর্ত্তনাম বর্ষে ফুডন জাঞ্জিকার বেছের नाम भूका, श्रक्त माम अनगरिष कृषिकीवित्रम अर्थहरत्र इक्तर गाति" बहे छाविशा गाँव ड छ न-শ্বিষাৰ ঘটনাছিল পানত সম্প্ৰতি অভূত বারি वर्षेष विश्वा, जाशकित्यन त्म मध्यात हुद्ध इ अक्षिक्षांद्र । अक्षरं बाहर आस्ट्रां केंद्र वर्षण कृ विकार्या हिनाउः ह।

8 | आमाना वर्षत अ:शक, बदरमह, त्कु!-चारक चारिक ल्लारकर मृजू पार्गेटलटर, अहे ला- | मकल वास्तिव मर्गवल कीवान स्मीम्मा वनेग्राहिक। দ্ৰপীয় সংবাদ প্ৰায়ই জাতি দলে প্ৰতিট ছইতে- | দৈন ছুৰ্জিণাৰু বশতঃ এক দিবন নাৰু দেখিলে ছে। আলু দিবস হইস- সাওতা প্রায় নিব। নি যে ঐ ব্যক্তি ভাষার উপশল্পীর বাটাতে বনি व्यावरमाञ्च कोशूरी माजक अक खालारवड राजिएक के प्राप्त में उत्तर प्रकार विकास के प्राप्तिकार के ब्रमुखा क क्ष्र- **डाहारण ज**िल (न. इनीह रहेन) म - - ' चा नर मध्य कथा वार्छ। ७ अहि (उरह न ৰ্থা**টিভ হটনা গিলাছে। উক্ত চৌধু**নার অক্টা । ইছ দেখিখা ডিনি জোধ সম্বরণ করিছে লা শা-

প্রাণ পরিভাগে করিয়াছে। ত্রিক ব এ ইউ-। भगन कब्रिएड(इ.स. द्विश्वस्था कडे जॉक 🚈 🦰 🧸 रे!, ब्रिके कांक श्रेतका के सूत्रका नारम । यहेना वरहे। कि क्यांमक कांव: कांग 🗸 हरेंग वर्षत्राक्षरक जानिय द्वांका महश्रः लग्नः वियोदस न १० अवीय मरभूर्य चामूलक द्याथ इंडेंग्जर-এ একার মনজাতির কারণ চি

र्थेर ३४७२ : १ क्लाहि

ৰাব্যস্থেম अक्रिका नाहन करें।

প্রায়ুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক महाश्वय नमीरश्व ।

ৰহাশর। প্রায় এক পাক আতীত চহল সংগ্রি **জনিজান্তেৰ ৰাটাডে গৰন ক**ৰিয়াছিলাম, বিশে-ৰ অন্তৰভানৰায়া কানিলাৰ ঐ চলিপ বংসৰ बञ्चक हुन्त " महासा " मक्किं अन्यगोरन अन्यन **व्यक्तिकृत्र कतिश्व। विश्वरिक्त, अवर ध्वर** बब्रम क्रू लाका नर्माका है एन्डे जनवारा ७ . १६ हि স্তাতেই কালকেশ কলিডেছেন। মধানঃ ' বা'ৰু इह हैनि धक्कन अकुछ हिन्द्रभन्निः रक्षे निवन विश्वाक किन के द्वीरतारकत्र गांका कर जाता -ৰ মন্ত্ৰকে চৰ্মপাছকা এটাব কটয়া গিয়া ছু! **क्षांटक कटल बांबु कि उक्ष !** कि प्रश्नोत्तु ' अश्मश्र | चालभात्र शक्ति भारत्य निक्षे डाँगाय छन्। ता **७ वश्रामुखात्र भावनिष्ट्र श**िष्ठः श्रीमान कांद्र

अक कम कांब्रफ एक मखान रेमनिक आवा-**रहाणरबाधी अवासि अन्द्र क**विषात समा थे छ। যে বাডায়াত করিজেন ছাডানা প্রানয় প্রায় **ब्राह्मका श्राह्म आन विकास प्रिमाम । ब्रह्म** । ब्रह्म । क्रिया के दाखिएक पृष्ठ करियात ब्राह्म क्रियात । जीएक व्यवानिक रेप्रे ।

कर नीहर क्षित्र बाह्य क्षांत्र हाथ है करा নীয়া ভাষাকে আনি চইচেড বৰিক্ষুত ক্রিয় ইঞ্জান कांगांत कर श्रीकरण क्रांमक भावि । केंगा भिरं^दरक् । अक कि रम बस्नमोरशंदम् के मीद्रमाकः 'फेर भ, क क विष्: ज्याना छैथा आहा विषे जिला कन ला। क नगरक बांबू बक्कन कृष्टाह आहि जाताक ^{নবন্তু} কনিবাৰ আছে। দেন। দ্বারণ সম্পাদিত্ত करें का नव है के मृश्य के खनन। क कृषिए नरम क्वाहेश **ए**क्स कांद्र **निवेदछ त्वधने क्र**क्त क्टेरलाम वर्षनाधूक' शाबात बहैन, रग मोह-कता क्वेग्र। कृष्टिल । क क्षामक अवालकः केवा अ (राक्ष) अञ्चल अमग्रालुङ आहारि परेक्ष आन কে আৰাৰ নিকটত প্ৰতিস কৰ্মচাৰীহাও নাৰি ভুমিতে পাই গ্ৰামেটের উত্তম ব্যেষ বী, যদি ংন এক হি ডাভিড ভানপুরাঞাকমিদকের অংচালৈৰ সভাসতিতে জনমৰ্থ ভুইয়া প্ৰায় ভাগ शंकित्युः शंकायुम करह (६०१ खास्तिक अकाशः न कर्नत एक्) करव नावुर अगरवारम अ अर्थ र-टल श्रीमत कर्षशिवा भिष्या **वर्ष इस भा छेशहि 5** करियां कोशामिरभेत श्रेमताय ब्रह्मको करि ।व फना ८६ के नित्कार करमें व्यक्तिक देवन मा भारामध उक्रा । वह अथ। इ. केहार छ यकि वाबूब छ बिक्र मः उनानिक हम्र वर्गम स्वयंगीयक विश्वास विवास या व यदि छ। इ. स. इ.स. स्मर्थनीय भून श्रद्धा करिया া, কিনুত হটান: কুংসি যে **বার্ব ৩**৭ বনি। कड़िलांग कीन लाइन यशार्किक, बानास केन्द्र . हता र्शक पतित्र, कारमा

५ क लाहे

गनाथा। थ।

জীযুক্ত বাবু বুলল'ল বায় क मालग्र >२७७ ३० हे जात इस्टेटच '५१ हे जबराय । गराक CATE & BIT

कुकारन हुद्धन छी। ५- ५% खोतन इक्टेंग्ड (श्रीम श्रीम द्वार द ले **इस्कार राज स्थान, देख्डि**

१२०५ व्यक्तिक हरे १५ व्यक्तिम निर्माह ६ के बबास ब्रोप भारतमा परका आविक करेटक त्यीय भूषी के त्यार क्रिके

८ में दिया हुआ विज्ञाना द करें है। > ५% ज्ञावन कहेरछ १० जाताक भर्तास ५० से

्योदशक्कात्म गर्च महकाय रछछ। .२ ७**३ ज**ित्न इहेटक २० **चार्वाष्ठ गर्यास ५०** जे

७३ २६ वरिकाश । मिलीनीयी बाउरा (३६ ७०५) रमा बायुद्ध स्किनरायत्र प्रक्रिय प्रोक्षिप्रयोजा अहम की कुछ গারকারার বিদ্য তুষণের বালিতে জাভি লোমবার

(मायशकां

" प्रवर्त्तां प्रकृतिशिष्य पाधिशः सम्बनी जुतिनहती न बीचतां

भन ५२७२।२१ आवन। हेर ५४७२। ५५ जानके

মানিক মুদ্র: "টাকা ু বার্কিক অগ্রিম ১০ টাকা

বিশ্বাপল :

भक्यरत रमाभ धकान र अह

ণের নিসুষ।

অগ্রিষ দুল্য না পাইলে মক্সলে সেন চালান প্রের্থ বরা যাল না ইচারে বাহিল মূলা ভাকনালল সন্তে ১০ এবং বাল্যাদিক না ইকো নিক্সিড আছে। ছর মানের মূলে অগ্রিষ মূল্য গ্রহণ বরা যায় লা। মক্ষলের যদি কোন বাজির পোলপ্রকাশ গ্রহণের ইবা হর, তিনি অগ্রিম মূল্য সহিত পত্র লিখিলেই পাইতে পারিবেন।

विद्याशन ।

শক্ষতি বাদালা নর্মাল বিদ্য লবের ছাত্রদিখের নিমিত্ত 'ইউস ক্ষর দি পোব্ ক্ষর বাদিত ক্টরা দ গোলকের উপবোগিতা চ
নাবে এক বানি ক্ষ এছ কলিকাতা ট্যানহো
প্রয়ে বুলিত হইরাছে। মুল্য ৫০ কানা।
বলিকাতা।

: ४७२ । २७ खुलाई ।

विशाणांनाज्य वरमानिश्वात

বিজ্ঞাপন

वसर्व कावा मूजिए वर्षेत्राहर, देवात काका स >२ (शकी कत्रमात १२६ शृष्टी । मृत्य १४० चाक्तत्र कात्रीय क्षिष्ठ १० बाज । सक्त्रव अद्यो-र्शिश मूलात मुख्य काह्या कर कामा छाव माल्य मिविश (श बार्बा) काशिय, काशित, कामात्र मिक्त श कार्षेत्र क्ष्मियारक शृष्टक शाहिष्टे हो मित्र।

अभिनदीनहरू गड़।

विकाशन । कर्भद्रम्यो ।

ভাত্ত রক্ষাত বন্দ্যোশাধ্যান প্রণীত উ-ভ কাব্যের বৃদ্ধান্ধন কার্য্য প্রায় শেব হইল, গ্রহণেড মহালয়েরা প্রিযুক্ত নামু বাজেপ্রালাল মিত্রা প্রীযুক্ত এর্বেশন গোজেন সম্পাদক সাধনা উক্ষা কৃত শোসাইটার প্রীযুক্ত সেক্রে টারি সাহেবের নিবেই অস্ত্রসন্থান করিবেন। মূল্য কাগজের নলাট ১ টালা, কালিকো ১০০।

विकाशन ।

গত ২ ত প্রাৰণ সোমবাব ঞীবৃক্ত বাবু দে বেজনাথ ঠাকুর মহাশয়ের পিডার বোড়ৰ সা-ঘৎসরিক প্রাক্তবাসরে যে এক সংসং হইরা-চিল ভাহার বিবরণ ক্ষুত্র প্রকে নিবছ করিয়া ভাহার ছই সহস্র খণ্ড বিভরণের জন্য ভিনি কলিকাতা এক সমাজে স্মর্শন করিয়া হেন, বাঁহার প্রয়োজন হয়, ভিনি সান্ধে নি কটে প্রার্থনা করিলে প্রাপ্ত কইবেন ইভি।

> ঞ্জিকান্দ্র বেদান্তবাগীশ কলিকান্ড। র'ক সমাজের সম্পাদক

> > বিজ্ঞাপন /

মুজেত হটয়, গটনভালা কালেজের নিকটে হয়িক্তম ভর্কালকারের লোকানে বিজ্ঞান বইভেচে। গুলাগত লানা বাজা।

লোমপ্রকাশ।

en a union contenta l

সর চারলম উড় ও লেখ শাবেৰ। ভারতব্বের রাজস্ব সংঘটিত কাথে।

ण्डा शिष्तारम्, कथन य रेस्य जूनिया स्टेरन, अक्षा गडावता राषा साहरण्डम् ना । क्षायम हेश ज्ञक्कार्य जाञ्च हिल । छेरेननम गारस्य हेशस्य भार ज्ञकार्य स्टेर्ड मिर्च क्षा करियार क्रिया शाम, किन्न णाहार करत्रकृषि स्ताप थाकार्य जिल्ला क गाक्करश्र कृष्ण्या स्टेर्ड्स शास्त्रम नाहे । स्ता गारस्य थारत्र भीरत्र कामा करिया ज्ञास्त्रम ज्ञासम् छेड गर्यस्य क्षाण्या विभित्तान कतिता जाहारक विश्वक करिया जूलियारस्य । जिलि विज्ञक स्टेश बीच श्रम कान करियारस्य । देश क्षाण्या क्षा

तम, छाहा हरेट हरमधी प्राप्त ३२९७० ७० होका ७ तिल्ड महत्त्व ३१७७२३० होका हाफ्या लख्या हरा। रेस्क इरे एक क स्ट्रिंग लख्या हरा। रेस्क इरे एक क स्ट्रिंग ए होका चारेल, हाराज श्रीक होका हिमान यह हरे मिनिश प्रति ग्रा मख्या दिस्म स्प्त, किन्ह छाहा मा नरे ग्रा क्षक मिनिश प्रमा लिक्स छाहा मा नरे ग्रा किन, छाहार क्षकि होका था ग्रा प्रमा प्रमा मा कि इप्त। क्षित मारे हिमान करन कार्क भगना करन मारे। वर्षमान वर्ष मर्ज स्ट्रिंग हैनिया करना विनियमन वाज स्ट्रिंग किनियक क्षका विनियमन हिमार चामानिश्य १८४७७७० होना কতি সহা করিতে হইতেছে . এতা কি मारहर देशमधीय अवर्गदार छेत्र मिक्के आख (हीनामणीय युक्त अस्ति मेहिक) होका वर्ड मानु वर्गात्त्र जात्का महिल क्षेत्राहरू। नत हात: न केल बालाक कार्याक्य ता कतिया नि। निविष्ठं क्षत्राप्ति क्षेत्रकृतान प्र थारेबाटहरू---

রেলওমে कि 847/2/2/60 চীন কেলীর যুক্তর প্রাপ। 8601000 ইংলগ্ডীর মুদ্ধ ডিপার্টবেণ্টে 928883 चमा पना थकात 3828.00 ভাৰতবৰ্ণীয় ধনাগার হইতে কর্জ ও তাহার সুদ **Ceeees**

শোট \$300C990

रेशात्र मत्था ब्लंड नात्स्त्वत्र हिनात् त्य ১৪২-২১- টাকা উৰ্ভ আছে তাহা বাদ मिट्न नम हाइनन छेएड मए >०>৮৫ ৫৭৬ টাকা অকুলান থাকে। সর চার नम 🗣 हेश्मरश्चेत्र वारतम् 🕫 🕏 🗸 টাকার হিসাব পাঠান, লেঙ সাহেব সে হি সাৰ প্ৰমাণ না করিয়া ৪৯৬১৯৮৩০ টাকা '**ইংলত্তে**র ব্যয় ভির করেন। ইহাই ভাঁহার। লকাহিত লেও সাহেবের বিভেগ হইবার করেণ ৷ সর চারলস উড গড় বৎসর মৃত य भाकित्त्र क मा २० लक होका लहेता हिटलन। तम मसुमात होका वाय एत मारे. সুক্তি অনুসারে লেড সাহেব ভাষা এ বং मद्भाग रेश्मरथत्र वाय इहेर्ड व.प पिट्ड পারের, কারণ আফিনের ভাষ্য ও ব্রসর **লৌবার টাকা দিতে হ**্লাড়েছে। সাংচার 🅍 উত্ত ৰঞ পথ ধরি ৷ বেৰপ হিসাব **শীরাহিলেন, তাহ**রে সভির উলেখ विकल। धरे मांच बिलिटनरे भगाश क्रिक जिमि बाप : किंद्रा अञ्चल एश क्षाक्षक चकुमान क्यारेग्राट्न । लाख क्षि निका कार्या (४ ३८७८७० होना

मर्वात्य व्यक्तिमानिक कर्ता चाक कर

সর চারলস উন্ন কেখা। যে নত্রভাবে भन्धव क्षान्तः क्षणम्भ कतिया कारु हरे বাছেন এৰপে মতে, স্থাহায় লেভ নাংহ वटक व्यमाध् शयाच बला इरेशाहरू : कथ (स ১৮৫৯।७० **व्यक्ति क्**षि शास्त्र अक আনুমানিক হিসাব ও শেবে ভাহায় প্রকৃত হিসাব হয়। লেও সাহেব পূর্বে ক্র বিসাধ অবলহন কৰিয়া আয় বাদ গণনা কর চে **खें है (महक्र है) दि बल्पन ''यथन** कक् नर्ग ह র নিকটে প্রব্রুত হিসাব রহিয়াছে, তথন **ভাঁহার আনুষানিক হিসাবের** উপন নিচৰ কর। অভিশয় অন্যার । অভএব লেঙ সাতে ৰ যে কোন কারণ প্রস্থান করুন না কেন ভাষা আদর্যোগা নহে 👝 আমবা একণে নিগৃত কথা বুঝিতে পারিলাম , ভারস্বাথে যত বায় সংকেপ ইউক না কেন, এখানে আমরা যত কর ভার বছন করি না বেন. আমাদিণের বিদ্যা শিক। হউত, আর না ইন নাই। হউক ভাছাতে সরচারলস উত্ত ও ইংলগু त्र मिं निकामारियत कि वारे. शांपरकीन সাহেব মহাসভা ছারা আপনার বজেট खारा क्वारेट्स्पितिटलरे क्रणर्थ हरेटना আমরা র্থা র্থা ইংলগুর ১৪০০০ সৈনোর বেতন দিতেছি। লেও সাহেব **এই অপব্যয় নিবারণ করি**ছে গিয়া **অপমানিত হইলেন। স**র চারলস উড **ইংল্ডের ব্যয়ের বিবরে** যে ছিসাব প্রদান করিয়াছিলেন লেও সাহেব তাহঃ **(वायर अभाग कब्रिय़) कार्या करत्न २**१३ ব্রিয়াই সর চারলস উডের যত আক্রে া। বাহা হউক, লেও সাহেব আত্মপক রক্তা করিলা**ছেন, ইংলাজীয় গ্রণ্মেণ্ট** কিবাপ মী'াত্সা করেন আমরা সেই প্রভীকা ারিখা বহিলাম।

लिक गार्ट्स देश्लरकत्र होका अ स्म त्य खापादेवात कथित विषयत कटलम, द्राम

ত করিব'র আজ্ঞা বিটালের ! এ আজ্ঞাটি | বত হয়, তগরুসাবে ইংলও হইতে প্রেবিড টাকার ছুই শিলিও ধরিয়া না লইফা ওক निनिक नम श्रिक श्रीत्रा नरेगाः হর, সেই নিমিস্ত তিনি ভাষা গণন। ক.,-नारे। विकीय, अब धातला एउ यहन চীন দেশের যুক্তকালে ভাষতব**ী**র ধন গার হইতে যে টাকা দেওয়া হয়; ভাষা সেই বংসারের ব্লাগ বলিয়া গণিত ছইয়া ছিল, তাহা পরিশোধ করিয়া ই লগুীয় % वर्गरमण्डे त्य है।का निवार्ट्स, काना चा বার আরু বলিয়া গ্রানা করা হট্যাছে. ইহা অনাায়। লে**ও সাহে**ব ইচার যে **উত্ত** াদান করিয়াছেন, ভালত স্পর্ফ বোধ গমা म्हेरण्टा मा. পুৰমোক্ত বিষয়টির উত্ত রও প্রতিক্র ংইতেছেনা, যথাগ বটে, কিন্তু লেও সাছেনকৈ অনুমানসা করা অনুচিত हरेबाटह । बाबूखब अय द अझ चरित्र विंक নছে। তিনি পদত্ব খাকিলে ভারতবধের त'कन कारगात चारमक मूर्विथ[।] हरिक मरम

মহান্পন্নবর্।

প্রধান লোকেরা যত্নবান্ চইলে এ দেশের ধর্ম ও সাচারব্যবহারাদি দো ৰ সংশোধন হইতে কত নিন লাগে। নিথে যে একখানি প্রেরিড পত্র প্রকটিড েল, পাটকাণ। অভিনিবেশ সহকারে ৭ চ কর্মন, ও 🗒 ১৪ পারিবেন, কন্ত প 🕡 े 'ह क्षेत्र, जा वी श्रुप्त, दटलप, लांजि अ ... अनुभ क्ष्यदा कार्ट्य प्राप्त किंग् एर उ पा हात प यहांत्र मि भांत्र ্ৰবা ভাহার অণুমাত্র অভিকাশ ातन, . ात आत्रमण्डे केशिक स्य, ' के त्र ८० इ.स. १

क के दे जिंद्र करें।

মহাণঃ। দোৰপ্ৰকাপে প্ৰকাশিত জীগক चार्वानस्तर हत्वीनाच्यात्र क्यांनर ,र ६४-

ব্রিড পত্রে আপ্নকার পাঠকবর্গ অর্থনিত আছেন যে আথানিগের ভাতাকা বিদ্যালয়ের রচভাষার প্রধান শিক্ষক বীযুক্ত পরিভ ब्रीव बुद्ध प्रदेशियां भाग बर्गम्दान व व वर्ष যথেষ্ঠ ভক্তি থাকার জাতিভেনস্চক ব-কোপথীত প্রভাগে কর্মাছেন এবং, ড জ্ঞা এই প্রামবাসী রাক্ণগণ তাহাকে স-মাজ্যুত করিতে চেটা পাইরাছিলেন। যদিও পু নিবোর্থ হইজে পারেম নাই বটে ভত্রপি তাগার সহিত এক চকার ধুমণান করিতে কেহ কেহ অসমতি প্রকাশ করিতেন এবং উচ্চার বারীর কোন কর্ম উপলক্ষে ভোজন মন্ত নাক্ৰণ নিমন্ত্ৰিত **হইলে গোলবোগ হইবেক** ইহাও কহিতেন। সম্রতি তাঁহার পুরের অ-রপ্রাশন হইরা গিরাছে। সমুদার ভাষণ কা-गद्र श्रञ्जि कप्रस्ताक क्षित्रमधि कं हुद्री नि-মন্ত্রণ করিরাছিলেন। এক্তনে দলাদলি প্রির প্রাচীন সম্প্রদারই প্রারু সমুদার, পরা নিষ্ঠ । চিঙাকারী ব্যক্তিরও অভাব নাই। মনে দলে যাহার যাহা খাকুড়, কৈ কেহত কিছু व्यवाम क्रिटनन मा। द्व बाच्यां जागा। अहे **खण्मरवाम कि ज्यां आप्रजनक मदद २ हेबाट**ङ कि ক্ষাৰাদ্ৰের বাহস **ধন্ধি করিতেছে** না ১ খাহারা যশ্ম হইডে শাল্পের শাসনকে এবং শাল্ড ২ই-তে বঁটম ন ব্যবহায়কে জবিকভন্ন মানা করিয়া থাকে জামবা কি ভাহাদিগকে ভাগ করিয়া ক্তব্যাসভানে বিরুত্ত থাকিব স

> এক'ড বৰ্ণছা জীৱাখালচত্ত্ৰ বোৰ ভাস্তাভা নিদ্যালয়ের বিত্তীয় শিক্ষ

खाकरन यस्कानवीक निर्माण करि ति **पर**् जिनका जाक्रव्यं मक्षावस নাদি না ক্লিলে কাঁছার ব্রাহ্মণত্ব ধাকে मा। यरका विशेष अध्यामा अ अना विक नामि खोक्तर द्व कीरन व्यूषा ड० शह তাগৌর সমিত যজোপধীভধারীরা সংমা किर नित्रवाह्नादत अक्ज माध्रताकि करि য়াছেন, ইচ্চ জুলা হি-ছুস্মাজবিপ্লানারী পরিবর্ত্ত আর কি আছে ? ইহার জুলা আ **চ**ात्रवावकात्रीकि शतिवर्षक दिगदत्र अटमनी प्रिंगित अनुरमासन कियान छेरकुर्य छेमा र्ति स्वात कि व्हैरक शादत है

জিবুক বাৰু হারাণচন্দ্র চটোপাধ্যারের भूवे भज बाता आमानित्मत त्यवन मश्का त्र कांबेताहिल, कसाता न्य है ताथ स्दे তেছে, ভাতাড়াবাদী কমীদার ত্রীবৃদ্ধ बाबू यटकाचत्र निश्टरत यटक्ररे के बााना विशेष व्हेटक वृत्रप्रदर्भत्र ब्रामकीत विवरत्रत রটী সম্পদ্ধ চইয়াছে। যদি এক জন প্রথা न ल्लास्क्र युष्ट्र थक पूत्र रहेशा छेडिन, यावणीत अधाम वाद्धि धहेबश समुबान रहेटन काम्बिया मण्यत्र वा रूप्त ? क्षा न बाक्तिपिरशत्र पविकाश्तमत्र अक्ष क इंकि नारे, नदकियानाइन मारे, जूनिका ও অধাৰসায় নাই, ভাষাতেই আমরা चर्चरणत्र रेमबन्तिय श्रीदृक्ति पर्णस्य विक ত ও হতাশ হইতেছি। আমরা বদেশীর প্রধান ব্যক্তিদিগের অধিকাংশের চলিত धर्म वक्षे जिल्ल ७ व्यक्त मिरिकहि না চলিত ধর্মের নিথিত্ব কার্ব্যের অনু कारन कार्शिकारक भन्ना असूर्य विकित मा, व्यथि काश्रीमिशस्य विश्वक्य वर्ष ७ व्या চার ব্যবহারাদির অবসহন অথবা ভভোৰ সংশোধনে বত্নবান দেখিতে পাই না, ইহা আমাদিগের জাঁতান্তিক বিদায় ও ক্ষোভের विवस्र १

मा रथकाम।

মুত বাবু রমাগ্রনাল রাব। 📆

वण्डमणं जात्र अविग लाकवरञ्जत जा भाक आक्ष सर्देशमा । व्यापदा शहरादा राद् ब्रमाध्येमाम ब्राटब्रब त्याकावर मृष्ट्रा नवीन मश्चारण भारतकशास्त्र स्थाउन स्थित । ভিনি যেৰূপ গোক ছিলেন, ভাহাতে সং কেপে ভাঁহার মৃত্যু সমূদ লিখিয়া আমা क्रित्र हिरखन ज़्ल ७ इ.स निर्चि इत् ভেছে ন। । ১৮ই আবণ শনিবার হাঁ। हात्र पृष्टुः प्रमाहात स्वरं कतिय। कनिय। তায় যিনি জুংখিত না হইণাছেন একণ লোক অভিবিরল। এক মপ্তাহ পূর্ব অবণ্যি আমরা তাহার জীবন বিষয়ে হতাশ হইরাটি লাম, তথাপি বধন তাঁছার মৃত্যু কথা আমা मिर्गत अधिरगित स्रेल, अधःकत्रभरः

विष्ठाणि कतिया पूर्णिण । भागमा वि पिन भूदर्व ता राजिएक जानिविधना अपन केळक विश्वानत्त्र विश्वास्त्रीक वाधी নে শাসীন দেখিবার বাসনা করিপ্রাহিনার সৰিলেৰ মৌরৰ লাজের আলা করিয়াই नाम, निर्मत हुच्या काहारक महेना श्वन । স্থাসরা মনোরখ পূর্ণ করিতে পারিলান বা :

वांबू ब्रमाध्यमांच ब्रांच ब्रांचा ब्रांचावांच्य ब्रोटबब क्षिकं शुंख दिलांग । किंगि ३२२६ चरका ३२वे स्रोवन कद सक्न करतन १ ०६ বংসর মাত্র ভাঁছার বর্গজ্ঞ হইরাছিল। শিশুকালে ডিনি পেরেন্টাল আকাডেনিডে ও করেক বৎসর হিন্দ্কালেকে অধ্যয়ন करतम । त्रांका त्रांमरकार्य त्रांत्र देश्यदक পৰৰ কালে রমাঞ্চনাদকে তাঁহার (রমাঞ সাদের) জোড জাডা বাবু রাধিকা প্রসাদ রার ও হারকাশার্থ ঠাকুরের হতে সমর্পণ করিয়া যাম। হারকামার্থ ঠাকুরের সবিশেষ সংসৰ্গ হওয়াতে আভি অংশময়সে তাহার বনুবা পরীকা করিবার ও বছকে ছ্য়বগাহ বিষয় সকল ভুকিয়া লইবান্ত সৰি শেষ ক্ষমতা অধিয়াহিল।

১৮৩৮ শব্দে ভিনিভেশুটা কালেকব্নের शर क्षांचे इन, ১৮৪**६ चन्द्र शराय अहे कर्व** क्त्रिवाहित्नन । अरे मनदत्र वायुक्षिकाकुमात्र ঠাকুর সদর আদালতে ওকালতী করিয়া यरथके बार्कि ७ वर्ष छेलाक्यन सरद्रम । द्रमाथनार बाबू उक्कर्यक नगरद्र अकालडी করিতে গেলেন ৷ প্রসন্মুমার বারুর নিকটে তাঁ**হার অনেক নাহায্য লাভ হই**য়াছিল। পরিশেবে তিনি বীয় পদ ডাগ করিলে ब्रमाध्यमाम भवर्गस्यत्केत्र व्यथान छेरीता बर् **লেব। সেই অবধি তাঁহার গে**রি.২ · ট্রি ररेष्ठ नामिल। नाउकामिड ७ वान्छ সাংখ্য জাঁহাকে সৰিখেব অনুগ্ৰহ ও রেহ क्तिएक । १७ वर्णा वाले मारहर केंही কে নিগাল রিমাছাভারের পদে প্রতিতিত क्रत्न । किनि नक्का नहतात ८७५ कीरात अस्मितिस क्षेत्रक क्षेत्रस्य । व्यक्तिता इ.स. व. शास व्यक्तिक स्थापन क्षेत्रस्य इ.स. व्यक्तिक सम्बद्धित स्थापन क्षेत्रस्य स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन

বদদেশীর ব্যবস্থাপক এডারু चत्र गडा भार क्षांचित्र इरेग्नाई প্রমানেও তিনি আপনার বুদ্ধিনতা শ্বিশ্বে পরিচর দেন। তিনি সভার ক্রা রাজা দিনকর রাও ুসকল বিষয়ে পারদ শিতা প্র পারেন নাই বুটে কিন্তু তিনি ह द्राक्त्रीकृतकत्र राष्ट्र निकृषे शिरमन मा । ভিনি যক্ত কোনো আকাস্ত হইয়া তিন होन करे भारेशहित्यत । अथ्य मा ক্রির নিম্নিয়ার বাটীতে হিলেন, ইয়ে টিকিৎসার সুবিধার নিনিভ চৌর **পিড়ে গিরা অবস্থিতি করেন। তাঁ**হার চিকিৎসার যে চূড়ান্ত হইয় ছিল একথা ৰণা ৰাহল্য, কিন্তু কাল এমনি ভুরত যে कि धनवल, कि लाक वल, कि हिविध्यक दल, जिल्लाक के शहरक मिरापूर्व कविट नमर्थ इस्त ना।

আমরা রমাপ্রকাদ বাবুর জন্মাদি মর ণান্ত রুদ্ধান্ত বেমন সংক্ষেপে বর্ণন করিলা ম, তেমনি সংক্ষেপে তাঁহার বভাব ও চ রিত্রাদির বিষয়ও কিছু বলা ভাবল্যক। ক্তিনি অতিশয় বৃদ্ধিমান ছিলেন। তিনি ক্ষেবল এক বুদ্ধিবলেই এত দূর সন্মান, গৌ बाल ७० लक है कि।) बाईन कविशांकि লেন। ভাঁহার স্থাব বিনাত ও নম্র ছিল, **এई छटन** कि हेम्पतातीन कि **শীয় অনেক** প্রধান লোকের সাধ্য ক্রি **ब्र मिंदिलेव आफ्री** ग्रह: ५ ६८ हा इस्य, কিন্ত ভাষ্ট্র পভাবগত একটা অনুক্তা **(भाव मन है लिक्क इरेज । धरे उन् কভা দোব নিবন্ধনই** তাঁহার প্রকৃত ননস্থি ভা, ভেলমিতা প্রভৃতি করেকটা সদসুদের সমস্ভাৰ ছিল। এই কেব থাকাতেই তিনি

হৈছিল কোন বিশেষ শ্ৰেয়ঃ সাধন করিয়া ৰ্ণাইট্রিক পারেম নাই। তিনি যে লোকের সমুদ্রি, ভাঁহার নিকটে ব্যুদেশ কি অধিক তর প্রত্যুপকার লাভের প্রত্যাশা করেন নাই স্তীহার অপ্সমাত্রও স্থতিরাস। হ त्र शिल को, अकर्थ! विल्युस त्यांथ रहा भ জুক্তি হয় না। তাঁহার পিতা হিন্দু সম। কেখ্যাতি লাভ হ'সনা পরিত্যাগ ও অন্য অন্য ক্ষতি স্বীকার করিয়াও স্বদেশের ধর্ম ও আচার ব্যংহারাশিগত দোব সংশোধন চেন্টা করিয়া ইহাকে উৎক্রন্ট অবস্থায় লই বার চেন্টা পাইয়াছিলেন; তিনি অসার, व्यथमार्थ ७ व्यम् छत्र निम्, ७ क्री वार्या কর্ণপাত্ত না করিয়া অকুতোভয়ে যে সংক্রি য়ানুষ্ঠানের পথ প্রদর্শন করিয়া থান, রমাপ্রসাদ ভাঁছার পুত্র হইয়া কেবল এক সৎক্রিরাসভস বিরহে সেই পথের পৰি क হইতে পারিলের না। প্রত্ত তিনি সেই প্রাচীন পক্ষম ভগ্ন পথের পথিক হইয়া বিশেষক ব্যক্তিদিগের স্থার পাত্র रुशेशाहिटलन ।

তাঁহার চরিত্র বিশুক্ক ছিল বলিয়া আমাদিগের সংকার নাই, সুতরাং বিশ্বক্ক চরিত্ত লোক বলিয়া তিনি আমাদিগের তক্তিভাজনও হিলেন না। তিনি যেকপ পদস্থ-ছিলেন, তাঁহার যেকপ বুদ্ধির্ছি, ক্ষমতা ও অথ সভঙি ছিল, তাহার সহিত্ত যদি চরিত্রের বিশুক্তা, প্রেলানুরাণি তা ও স্থানেদিতৈবিতা থাকিত, তিনি যে কেবল আমাদিগেন অবিমিশ্র শোকের পাত্র হইতেন একণ নতে, আমরা প্রধান পুরুষ গণনা কালে তাঁচাকে বিতীয় পদ দানে উৎসাদী হইতাম না।

বড় লোকের চারিতাদির বিবারে লেখনী প্রকণপূর্বক ঘণায়ধনতে অকর্ত্তরে সম্পাদন করির কৃত্রপতি ল'ভেকরা বড় সহজ্ঞ নয়। প্রস্থাতাদি নানাবিধ ছার্নিধার কারণ বখ ভঃ চিভবিজন ক্রিবার সমধিক স্ভাবনা। আমর। ব'রু রমাগ্রসাদ রামের চিরিতাদি

বিষ্ঠে প্ৰসন্ধ করিয়া অপক্ষপাতিৰথে चकः अवा माधरम अमर्थ इट्लाम कि मां, এই চিতা করিভেছিলাম, (গভবারেও এই কারণে আমরা তাঁছার বিবরে কোন প্ৰস্তাৰ লিখিতে সাহসী হয় নাই) এমন সময় ইণ্ডিয়ান রিকর্মর আমাদিগের হস্ত গত হইল ৷ আমরা কৌতুহলাক্রান্ত হইয়া আত্রহ পুরানর রমাথানাদ রাবের মৃত্য বিষয়ক প্রস্তাবটা অঞ্জে পাঠ করিলাম ৷ क्कि शांठ कत्रिश आमानिटशत्र इय वियान উछत्र উপश्चिष इरेग । इत्यत्न कात्रन धरे, রমাঞ্রদাদের বিবরে মামরা গেলপ অভি প্রায় প্রকাশ করি গ্রাছি, ইণ্ডিয়ান রিকর্ম त्र परिवा क्रियारहर । अञ्चाता अक् थेकार खगान रहेन य द्रमाखनातम् वि বয়ে আমালিগের যে সংক্ষার আছে, এটা জনাত্মক নহে। বিবাদের কারণ এই, ইন্ডি বান রিফর্মর চিত্তের অনুদারতা বৃশ্তঃ বি**ক্**পেট্রিটের ভূতপুর্র স**ফা**∤দক মৃত र्जिन्क्स च्रंथि। शाधारत्रत्र चरम्भ हिरेक বিতা গুণের অপলাপ করিয়াছেন। উক্ত পত ভिन्न चान्न करू अक्षा करून ना। আমর। যত দুর জানি, তাহাতে স্বস্তব্ধ কহিতে পারি, এবিষ্ধ উঁ.হারে বাক্য কে৷ন ক্ৰমেই গুমাৰ যোগ্য নহে।

্নিকণে কি ফি আমানিগের নিডাপ্ত আবল্যক।

ভারতভূনি একণে এক বভূতপূর্ব এ ধারণ করিয়াছেন : একণে দিন দিন অনে করিধ পরিবর্জ নধনগোচার হইতেছে, তাঁহা র সন্তানগণ একণে নানাবিধ শুভকল ভো গ করিতেছেন : কিন্তু জামানিগের আজিও খাবতীয় অভিলবিত আবশাক বন্তু লাভ দারা চরিতার্থতালাভ হয়নাই : আমরা দুর হইতে সৌভাগার্থীপ দর্শন করিতেছি ; শমুখে অনেকগুলি ভ্রতিক্রম প্রতি বন্ধক রহিয়াছে । সে সকল অভিক্রম ক রিয়া ভ্রায় গমন আপাততঃ অসাধ্য বো ध स्ट्रेटकट्ट बटडे, किस. यनि अधासुनाहा बार रहेशा छथात्र भागम दहन्दी क्या व.व. किया नकत प्रदेशक मन्पूर्व, मजावता जा इ । चित्रकत अगद्भ, छेदमाह ७ व्यापना तात भंदध कि किहू अधिवस्तक्रकारण कथा রমান হইতে পারে : কাপুরুবেরাই আপ (मह प्यानका कतिया भन्नाव्य स्य ।

चात्रा कि एडचे। शाहेबा चार्मारकत त्थ যুংসাধন করিয়া পিনের পাসরা কি আনার मूथ क्षजीका कतिता त्रहिब ? कथनई ना । সে মখল বিশ্রম্প ও স্থিরতর নহে। আপ নাদিলের মশ্স- আপনারাই চে টা করিয়া লইতে হইবে ৷ আমর৷ যে ফাতির অধি কারে বাস করিভেছি, ভাঁহাদিগের দ্বারা মনেক সাহায্য লাভ হইতে পারে সন্দেহ मारे। कें.हाजा जायाजिशस्य अर्थ अन्तर्भन করিতে পারেন: কোন কোন বিষয়ে র্ভারা কাষ্য ছারাও আমানিসের দুউার दल दरेशारहयः, किस कारात्रा आमापिरश র যাবতীর কল্যাণ সাধন করিতে পারেন না। ভারতব্ব একটি কুদ্রতম প্রদেশ নতে। সমুদায় দেশের উন্নতি সাধন বিচ্চেশীয়দি গের ধাবা সম্প'দিত হওয়া কোন ক্রমেই महाविष्ठ वस् ।

আপনার ভোরংসাধন আপনারই কর্ম वा विलिशा यथन दित इहेन, कथन त्महे ভোয়ংসাধন বিষয়ে সাক্ষাৎ সমক্ষে কোন শুলি নিভাস্ত আৰুশাক, ডাগার বিবেচনা विध्यत्र स्टेरफरह। कृषि, भिण्या, वानिका শারীর ও মানস উভাবিধ বল : এই পাঁচ णि विषएत्रत क्षित्रक्षि माधन मर्बाएश प्याव माक 1

প্ৰথম, ক্ৰুবি ৷ এক্ষণে গ্ৰহণমেন্ট পতিত **जूबि विकास कतिरहरहत। जारतक देखे**रता পীৰ সেই সকল ক্ৰয় করিছে উদ্ভ कारा क्रिया व राजी। क्रुयक्तिगरक छेर क्रके क्रिकिया क्षानासीय निका एम देवा मजरलज विवयं मुरम्ब मारे। किछ प्रकि

चानुवादम कतिहा (एवा वाह, व एक्टनह कृति यक व विभीविष्टलंद्र क्यील कृषि ग्रा छैदक्कं दानानीटि काहात्र कृषिकाका সম্পারিত হইবে, ততই প্রিক্তর স্প্রের विवयः। ভाরতববে क्रयत्वत्र ज्ञाब आहे : क्वल द्वविकारगात छेश्कृष्ठ क्षनालीत्रहे भागांव ; यनि धरे त्मन छेर्बंड ना स्टेफ, जारा बरेटल वर्डमान क्रवरकता व्यटक मना७ উर्भागन कदिए नमर्थ हरेख मा। थ महा यपि हिनिकारका त जैशक्त कानी শিকা কবিয়া দেশের অধিকাংশ ভূমি আপনার। কর্ষণকরিতে পারি, তাহা হইলে चामानिरात्र यथार्थ (मोखाना माख इत । नजुरा इफेद्राशीर्याम्(शत् हा, भीन अथरा जुला क्लाक क्वल मक्त्री कतिल क्रश्क দিগের এখনও যে দশা, তখনওঁ সেই দশা धांकित्व। जशद्र, जामद्रा यकि जाश्माद्रा जुना धानुकित छेरभाषन विषया नमर्थ हरे, यात्रानित्वव छेनाव देश्लाध्यत् विर्वत् क तिएक स्ट्रेंद्र जल्लार नारे। यह भ स्ट्रेंस कि आमानिश्वत पुर्कितर्छ आर्थना मकत এখনকার ন্যায় তথন অগ্রাহ্য হুইবে : তথন কি আৰু অসাৱ ও অপদাৰ্থ বেধৈ ক विशा रेफेदबाशीरबबा आमानिरभंद्र क्षिक **উপেका क**र्तिक भावित्व । अक्ररण चरम भी । विद्यात निकार वामाविद्यात किया मा এই, आधार यक्ति भाशनातारे सुनित व्यक्ति कावी ७ क्राक अ छे छात्रत कार्या निर्वाह कत्रि, देश्लश क माणिएशत व्यक्तीन इ इरे বেন: আর যদি নীলকণ প্রভৃতির মধুরী कार्या (महक्रम क्रिंत, व्याम पिश्र के थएका क चार्थभन्न हेर्डे द्वाभीत्मत मान हरेल हरेए, ভারতবর্ণীয়ের। এই ছুই উপায়ের কোন वि अवलब्द क**ीट**क कारबंद २ - **४०**० विकीय, भिष्ण। जामामिरधंत्र भिष्ण रेमभूताः स्रेगारक्त । रेखेजाशीरम्मा क त्यत्न कृति । विज्ञुश्च व्याग्न स्रेगारकं । रेश्ताक भवर्गरमकेह **এই সো**র্বের কার্ব। ১৮১**० অব্দের সমদ্যের** शृत्वं हादा, विक्रमशूत्र, व:दश्चद्वःकाङ्खि

विराध विराध यह देवेजी विराध धार्मान नीव एरेख । किंद्र बार्सनी वासी है। कांच अकृतित आह्या ७ मह्या महारा है লণ্ডীর ভত্তবার বর্গের সুবিধা হৈছু আইছ र्थत्राएक जायानिरशंत स्वरणतं वर्दाक् নিকার্ত্তক কালে লোপ পাইয়াছে গবিলিয়ান त्रसानी कता कृत्य बाकुक, ब्यावत वेटकटर्निक समा अगास अविदार । व व असंस केंद्रि ए गातिएकि या। मर्बनाई आयाणिएकई नवर्गतम् ७ जमा जत्मक देखेः द्वाली हे ज्यान **ভৰবে ব্ল অৰ্থাগ্ৰের উপার উদ্ধা**ৰ্ক 🛴 🗱 कथीत डिलाय काबिया बाटकमें । धरे कथाँब यथार्थ वर्ष कि ? जात्र क्रांटर्य अकृत क्रीं উংপন্ন ও বস্ত্ৰ অভৃতি প্ৰস্তিভ কৰিয়া পূৰ্বি बीड़ महानांत्र चंदछ ' ध्यातन कहा कि देशहें' मुन्। जर्व नहः नदर्शमणे खरम ७ कि कंचन **अक्ष रेका अश्रम कतिहारहर एकारक उ** दाब मात्र अवारम वाक्तिम क्षेत्र क वाम. विथ कल कत्र २ व्यामहा देशमटेला विभन्न बाश्चर कमा मिर्फन्न मा कहिश देशक की मानिरभन्न छेलर्ज निर्मन कतिर्यम, भवन्ति के कि कर्मन अवन कवा सूर्य व्यानिशास्त्र । यनि काहा वा हरेल, क्टब मालाविटनक स्वीर्ध श्रीदृषि क्यापातः वय पित्र धारकनीरहातः निर्वारण निर्व दरेश अरहरण मांना विष सवादि উৎপद्म खन्न क्रिए में शांतिरका, छावर अर्थाशास्त्र बांच केरी किक रहेशास्त्र, अ अवागि त्रमा वाक्षा भा आनू नारत जनक स्ट्रेटिक महित्र मा ।

कृतीतः वानिका विकास अञ्चलका कै॰ कार्ड क्रीकात वानिका क्रेस्ट्रिस । दि ভ ইছার কত অংশ আমাদিগের প্রযন্ত্র मन्दापिड इटेट्ड्स्ट्र भाव छ्ये इटेस्ड क्य भामि काश्य विरम्दन गानिका क्रि **१क भागम क**न्निया शास्त्रकः वाश्राहरातः क র্মেক ক্ষম পার্দী বাছিলেকে ভারতববে ৰ্থাৰ্থ ৰণিক কোখায় ৷ পারনীয়াও পুৰি

नेक्ष प्रश्ल बाबिका कतिए अपन **अटबल नक्ल किन्द्र बलाइ क्रिल। जामा । क्रह्म वो। जा**मानिकाद वावनातीता रेडे ब्राभी प्रविद्यात्र विकटि संयाः कृतं क्षित्रा परमनीप्रविभटक पाधिक - भूटला विकास क রেব। ভাষাতে ট্রাবা হতাত্তর দুশ্ব এই बोंव। दिरुष इरेट हामा चानिए ना शाहित्य त्रामंत्र यथार्थ थय दृष्टि इत वा।

याविक:विविधिनी केहिक करों। कि भा भाषिरमञ्ज मिटांच कांचनाक मन् । क्रमीतांत्र अथय शिक्षेत्र अवाधिनंदक वानिका विषदम া স্মিলেশ উৎসাহ দান করিতেন; ভরি जिल्ल काक्ष्मित्रक विरम्दन वानिका कामा निकार्क त्याप्त कहा एरेक। अक्षाद्य कि শেকুণ করা হুইভেছে আবরা কি চির কাল এইৰূপ অবস্থায়ী থাকিব। আনর। कि जानवाहा बाबा त्वरण वानिका क्रिजा। श्राटमहाधम ७ तमोत्रय इक्ति कृतिय मा द्य राज्य वानिरकात्र गविरनय क्रेबिंड इत्र, चटकानी प्रकिटकेंद्र जाजून वन ७ जाजून ना इत इत्र । चारलक्काश्वत्रस्य कागारहत्र न ব্যুং ৮ সান কাল সেন্ট্রিবেশ করিয়ে | থাকিতে হুইরাহিল। তেরায়নকে জর ক ब्रिएड काराब यक करूँ ना ब्रेडेब्राहिन, ले बन्धा अहन कतिएक कर्राच्या बस्थारन म थिक कर्के एवं। वानिरकात बरमचे मानुक्रम **থের লোকেরা স্পেনীর বিজ্ঞীর কিটিটগর**ু क्छ रहेटच युक्त स्टेज़ादिल; वानिद्रकृत बरमरे रेश्तारखत्र। यहांनीत व्यटमानित्ररंबत পক্তন সাধন করিবাছেন। ভারভব্বের क्टिक्सी भूजनाएज्डरे राम अरे क्या महन बादक ।

্চতুৰ্ব, বুৰিবল। বেৰূপ খল প্ৰভাল। क्रिक्क बिरक्षण ७ बाहामानि व डिटहरक औ क्रीक्षिक बन ७ नारमानिवृद्धि मञ्जादिष -सन्, दुतरेक्ष गविष्य ठालना वाश्विदत्रक ्रिक्सिन इक्ति गडावना नारे। वृक्तितन কৃষির একুমাত্র উপায় বিদ্যাত্র সবিশেষ

मस । अकर्ष विषात भागकाकृत वृङ्गिक अनूगीलन वरेएकरक, व लगीय क्रिक्षंत्र ,रेनमञ्ज्ञिम पूषियमञ्ज्ञिक मृक्टिशा THE PROPERTY.

गर्भाषिक स्ट्रेस्ट्र । केन्द्रताचत्र क्रथ्मर পোধনের সমধিক সম্ভাবনাও আছে।

शक्त, भारीप्रिक वल वृक्षि । धरे विव রটাতে এ বেলীয়বিগের অত্যন্ত অসপতি খাছে। সর্ব এবংশ্ব এ অসপতি দুর করা निकास जादनाक। ध जनकिति यादर मूत्रीक्रक ना इन्टेंदर, ठावर अ मिनीरगतः अञ्चल अव्यामारक अवर्थ क्रेरवय वः । भा ব্লীব্লিক বলবৃদ্ধি ব্যক্তিরেকে সাহসাদি বৃদ্ধি সন্তাবিত নর। যে জাতির সাহস নাই, ভাহার নতা বিভ্রণ মাত্র। এই শারীরিক বল বৃদ্ধির উপার করা অতিশয় অংকণাক । গৰৰ্ণমেন্ট ও এ দেশীয় লোক উভয়কেই कविषदम् बच्चनील हुरेटक रहेटव । तम छेन। म्र करे, भवर्गरमध्येत मिरकत विमानित ह फेक, चान्न जांक्या क्रूफ विमालिन इंफेंक, সর্ব স্থলেরই বালক্ষিণের ব্যায়াম শি কার নিয়ম করিয়া দিয়া উপযুক্ত শিক্ষক নিয়োগ করিতে হইবে; বিদ্যালয়ের অনা **খনা কাৰ্যের নাংশ অ**খারও তত্ত্বাৰ্যান ও উৎসাহাদি দান করিতে হইবে; বালক विरश्न कुछविमा क्रेज़ा विमालज क्रेफ वाहित व्येवांत्र नगरत किंदू निन टाका नि পকে অন্ত্ৰ শিকা দেওয়া কৰ্ত্ব্য। বালকে क्रा विष अहेबरण भारीतिक वल गम्भव, ক্লভবিদ্য ও শিক্ষিতার হয়, ভারতব্ব আর **अक्की मृज्य की शाहर क**हित्य मत्मह नारे। এই চেন্টা কৰ্মন নিক্ষল হট্বে না, কয়ে क्री महर कल लाज हरेत जत्मह नाहे। আপদ উপস্থিত হইলে এদেশীয়েরা কেবল व यान्नत्रकात्र ममर्थ रहेरवन धक्त नरह, সংশ্যেটেরও সবিশেষ সহায়তা করিতে পারিকের। বিশেষ লাভ এই, তথন আর ইহারা ভীম. অসার ও অপুদাধ বলিয়া **उट्टिशक्त इंट्रेंट्स वा ।**

चामता क्रुक्मभन्न स्ट्रिक नित्र निषिष ক্রিশ শিকা বা । পত্র থানি প্রাপ্ত হইরাছি। বক্তভোটা আ

ব্যের লোক লাজিত হয়, ভাহাও ক্রমশঃ ভাত শীর্ষ হইয়াছেবলিয়া ভাহার কিয়দংশ এবং করেক জন খাকরকারির নান মাত্র थक्षित्र स्रेग।

পর্য সন্মানাশ্র ক্রিক্টিনের क्षकान गन्ना के विश्व

निय किथिउ में में में विश्वति, जाश নার ভুবনোজন গট্রভাইনে ভান লাভ পূর্মক ৰান লাভ করে এই আয়ার একান্ত বাসনা।---

সক্রাতি এক দিন ঐীগ্রু বাবু বাবতমু াহিড়ী, স্বীযুক্ত বাবু উদেশচক্র মন্ত ও স্বীযুক্ত वात् कीनवसू विज बाहे क्या महावय समहत्वक হইরা মৃত নদাঝা হরিশক্ত মুখোপাধ্যায়ের ন্মরণার্থ কলিকাড়া নগরীতে এটার জাইা-लिकांत्र मांचाया क्याल्य मञ्जूषा करत्रम । होमक्यू বাবুই প্রেধান সম্পাদকের ভার এহণ করিয়া নকপট বন্ধ সহকারে অত্তো মহারাজ বাহা मुद्रद्र जालगाञ्चमाद्र अके गाणाद अञ्चर्छ व क्रज़न। २७७ खुलाई मनिवाद (दल) २ है। द्र ,সমন্ন প্ৰলিক লাইৱেরিডে এই স্ভা সংস্থা পিত হয়। ক্রকনগরন্থ বছজের ভন্ন ব্যক্তি। স মাগত হট্য়া এই সভা মণ্ডণ মণ্ডিত ক্ষিত্ৰা-ছিলেন। ত্রীযুক্ত বারু তারিণীচরণ বোন মং।-শর সভাগতি গদে ব্রতী হন। অনম্বর দীন বন্ধু ব'ব ৰে ৰক্তা হারা সহাগত সভাগণকে আয় করিরাহিলেন ভাষা নিমে প্রকটিভ করা ्यांस

" ब्रांजिन बोद्द (एक्सन दम्म ब्रिटेंड वी ब्रिटेंजन, व्हिम बाद् (बद्रशः गर्डागकाही (इस्तनः व्हिम रांबू राक्रण स्टालबक हिटलब, बढ़िय रांबू चाह-শের উম্বত্ত জন্য যে পরিঞ্জন করিয়াছেন, ইবিশ वार् तः मधुक्रविष्यतः (य मध्याः व विद्योद्यतः ভাগতে ভাঁহ'র অরণার্থ কোন চিহ্ন ছাপন করামা করা লমাল, ফারণ ডিনি ছিরপ্রণীয়, किनि आकश्यनशीत, दिनि खूलिशत स्थाना मन, जीवारक कूरमध कालां काला मा। व्यक्ति वासूत्र चत्रवादर्व, कान चित्रवाद्यां अवस्था अवस्था मी • के किनि योगात्त्रस व्यवस्थान करोनिकांत्र সভত বিরাজ ক্রিভেছেন, হরিশ বাবুর অরণার্থ কোৰ ৰশাৰ প্ৰতিষ্ঠিত হউক বা না হট্ক, ডিৰি कार्याटकत क्षमन कन्मिटनम् क्षात्रांशा दक्ष्यकः व्यक्ति আছেন, হরিন্দ নার্ছা প্রতিমূর্ত্তি কোন রাজগণে क्षांत्रक वर्षक का अवैक, किश्व क्षांतारस्य समान गर्य राष्ट्रीशायांत यथायांत कारहरः। विक्र.

अवस रार्थ है बहुल बंद क्षणा आहेत् हैं। देशना अहि, इहिन्छक सर्वकां कहिराह समाहित्यूर्ण-हिएकाडी जगाधारन कनमन्त्र बदराज्यत नद रिकाक प्रदेश कीकात स्थानार्थ केंग्रिस स्थान कात करिया करता विस्तरगितियाँ कात कात कात स्थान महक करिएक स्थानियाँ करिया लाटक काम क्रिक चालन कतिहा नाटक, धदे शाहित्यन, छिनि वयम ১०० होका त्यकन शाम; प्रकारकी महत्वात लाक महके वेदेश हिलाता क्या " वृत्रिण्डाः मर्थाक " मामक कर्षानिकात अथनदे दिन्द्र्रणाँ वार्षेत्र अथम वृत्ति इत किश्व क्यानिवारहम वहे काहकवर्ति। नेका काहकवर्ति। अपूर्वाम स्विवादम् ।

মরিশ্রম শিক্ষণালে উপায় হীন ছিলেন। ভাষার শিতা সাভার ডুারুণ সভারি হিল না বে ভাঁগকে স্কাল্লজপে শিক্ষা দেব, বিশ্ব ভাঁহা-त जमाशात पुषि दिल, जिनि अव्यक्त देखेनि- दांत जदार नत् जार्थत वित्य वृत्तिभांक नति है नां, वान कृत्म विभागाम कतिवादितमः। उत्त পরে আগনি আপনার শিক্ষ ঘর্ণাছিলেন, আপবি আপনার উপলেউ। হইরাছিলেন, विमि अंडार विविधान भरतिक लाहेद्ध- विविध्व भारत हितानत स्वया द बकरात 'রিডে গিরা সকল নংবারণার এবং নারা- পড়ে সেই বোলিড হয় এবং তৎক্ষণাৎ ওীছার ¦ডেব। কিছু ভারভাষীর বাভার পজা বণের ক্রি বিশ প্রক পাঠ করিয়া জাসিতেন এবং জনংবিখ্যাত হিচ্ছুপেট্রিটেন গ্রাহক হয়। डाहांट उर . क्रूनमिन्यां छ विका तथा का का किरान माथा विकास विका ৰ্কন করিবাছিলেন ভাষা ভাষায় ভূবনবিশাত গেটুগাট হইতে ৩০০।৪০০ টকো লাভ হইতে विष्यूल देविष गरवार भटवंदे श्रकाण आह्य । जाविक। विकृत्यद्विवांके, विकृतकु प्रक्रिकाळ्य পিতা মাঙা পরিক্স এতিপালনের ভার উচিব কোনসভাছে পাতিত হওয়ার তিনি অভি অল্লাব-ছনে টালার নিলামে এক ক্ষুত্র কেরাশির কর্ম তেতি, ভারতবর্ষময় কিন্তু:পট্ছাটের গৌৰব ভাষা আৰম্ভ কথনই জুলিতে পারিব না ৷ বে ক-গ্ৰহণ করেন। কিছু দেখানে তাঁহাব অধিক দিন । ইয়াছে। কি নাজান ' কি বোহাই ? कि । খা বনে করিতে গেলে আবার অন্তঃকরণ আর वीक्टिड रह माहे। विकिता व किताब क्रिया क्रिया नाइन क्रिया क्रिया क्रिया महामाहे विकाशिय রেল জালীলে ২৫ টাফ। বেডানের এক কর্দ্ধ ছটিকে জড়ি সংখ্যী সংখ্য শত্র বলিয়া। थांनि म्हरम किनि नवीका किना के कर्य आक्षा भेगा करता। हैश्मरूक विन्दुरगिष्टिवारिय হন। ছরিল্ডল শুরুক্তে মিলিটারি আভিটার অভিশব আদৰ হটয়াছে। ইতিয়া কাউনসেলে टक्टबरहासर चाणीरम अट्रम कृतिहाहिटक्य। चाहर स्टेशहिम, मनामक गामिशर्याक चा-ঐখান হইতেই তাঁ। ার উন্নতির লোপাল হইল। দর ছইরাছিল, তীবি কাউলবেলে আ-ভাঁহার কর্ম দক্ষতা দেখিলা ভাঁচার সনিব সা- সব হইছাছিল। বিলাতে আবওরিজিনিংস रहर बड़ा का जिमा महा के क्षेत्राहित्सम अवश्यवन तथा देशार देशान नामक अव गढा थारह, विमार्किय शयः। भाष्ट्रिः। श्रिक्तमः जनने इतिराज्य त्याज्य हाजाधीन या मा जार्द तारे नकन स्मरणयः। ইঙ্কি করিয়া দিয়াছিলেন। অভি জল্পালের याथा के कामीटन इतिरमत क्रांतिमक क्रीका ट्वक- कता ता मछाव क्रेंट्रमा क्रिंट्रमा क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट - CEC-T न एरेशा हिल।

निख्यान इरेट्डर प्रतित्वर भरताप गरत - পাচার গ ছিলু, কারণ ডিনি আনিডের সংবাদ भवने क्राप्तत डेश्चित कृत्र, मश्वामश्चाम ब्राटाने स्टिम् नकाकः माधन स्वेटक शहब, मन्ताम পজের স্বারাই সেপের উপকার জনত রাজনিব-্ৰ কিছু সভাষ্যক্ষেত্ৰা তাঁহার সকল পত্ৰ ছালিতে নাই, লেপ্টেন্ট গ্ৰণ্ডের নিকটে, গ্ৰণ্ড জে- ইংরাজলিখের সভকে থণ্ড বন্ধ করিয়া কাটিতে আপথি বিজে একথানি সংবাদ পরের শতি টারির নিকটে,ত্রিটনইভিয়ান আনে:বিয়েলানের বিভা একেশারে নিরাফুত হইবে এবং ইংরাজ-

क्षांकि कारक वीकांत्र मान विकास मा क्षत्र वर व्यक्तिमन, शांवे नश्वामगरवह बांव विकासि-श्रित्र कि आठांत्र करत्रम माहे, त्करम चाकानत्र छन्। छाया छात्रकर्वत्र मस्त्राक स्थारकेते छात्रिया दर्शन रकत ? खांदांत्र चतुःकत्रव चाक्रि महत्, ची-क्षित्र चरवरमञ्ज छेगमावडे शतमार्थ विश्वा का-निउ। इतिमध्य व कांगरह दन्त्रभी त्रकानन ক্রিডে লাখিলেন সে কাগতে লোকসাম ক দিন লেখাৰ কৌশলে বঙ্গদেশে অভিদয় আছর-্ৰীয় হইপ্ৰছে। কেবল বছলেশ কেন বলি-আজিম বাদেশ্য জোকজিপের টক্তি সাংল এইসভাব চকু স্ট্রাডিল ত্বিশ যে স্কল

अवागित क्षि कामभी। विशेष विशेष मात्रम वी जार्चनीत गंगात क्षानीका क्षम के शत्य मारम १० होका कविमा यह वहिरक्ष श्रीनिविद्यक्षके वहेशास्त्र । 'काञ्चलवीक अकारी निटंड रहेड, चरवण अञ्जानी दक्षिक्क छात्र नका मध्यानस्त्रता प्रतिस्मतं विकास्ति एकिन्सिक के करमा अविद्रमत खरतक काजव इस बाँदे। काछत्र । ब्रांककारका गांतक, विक्रा विरुपंत अपने स्वाक वि-त्मन, कीशता शतिभाष भूरवात वक रहाई कति-তেন, কোন সহৎ বিষয় স্থানার করিছে হট-লেই ভাষারা ছরিপতে ভার নিভেন, মরিপ त विषय वर्षाय मनाथा सन्निष्ठम स्थापनं गण-म इमरकुष पहिरक्षम अपर प्रांत्रम हेनीय जीवी एउक, जनवीयरतह विकटी की बार्यमा कति-इश्वरे । बीहात्मत कि शतिकाश ! बीबाहा करि-च्या वियरमञ्ज्ञ मध्याचे अजित्यम् च्यापान्त्र गरा-ছত। হইতে বঞ্জি হইলেন। 👑

शक्त ६९ मारकाह मिक्केमिनिय मनस दर नवस दन পাইগৰ হাল বিজেছিতা করিয়াইলবে নময় হ্যিশহারু বে ক্ষতা একাশ করিরাছিলেন, কার নতার নমুদার লোকের অভ্যকরণ ও ভারত ধর্বের সমুদায় লোকের অভ্যক্তরণ কৃতভাতারসে আত্র হয়। দেপাইদিপের অভ্যাচারে ভারত ব-র্বের প্রায় বাক্তীয় ইংরা**লজোকে রাপাত্ম হট্যা** ভারতবর্ষের সমুদর লোকের আপ সংখার করি-शंत्र कता ही श्रेषांत्र श्राति केतिएक साजिएकम्, **उपन कारोब गांधा डीर्वास्थ्य वर्षे जगरबंड** म एक निमक्त करता. क्षत्रम कीशोरम्ब मक्तम कामा।-प्र, नठ निराम केंगि वक्ष, खबन खादारम् वि-इत्दा अस्मे कथा कहिएम खबरथ माण्या क्रिका आध्यता क्यांन की है मा की है । अवर्गता कारण म লাভ ক্যানিং ভাষাকের বতকে অব্যায় মত ব মৃত্ত শ্ৰুচাৰ কৰিতেন এট সভাৰ শতাপৰ দেউ দিয়াছিলেই বলিয়া আহাতে পদ্যুত কয়িবাৰ मक कार्टिनियम दिना प्रेमा कार्य कार्य - कार्य- कार्य क्रिका विष्ण । अहे क्यापर ममद्रम आमा-काख्य द्विषित देखियान धा'ताजित्यतात्मत् देशकात्रिकातः व्याचादमत दिन्त्रुवस् प्रतिकात अकृत्य ए १६.इट प्रविद्धाहरू, १४ १४वर आमारम्य मास्त्री रविष्क्रम हुन कवित्रा वाकिएड হাবশ্চপ্রের দেখনীয় ছোরে চইগাছে 'ব্রিটিস পারিলেন না। এক দিকে তিনি তাঁহার দেখনী ब्बर क्षि बहेटल शाद्य । জিমি প্রথমতঃ মংবাদ । ই-৬িঃ ন আনোসিয়েসানের ছার। ভারতকরের ছারা আদেশের লোকদিলতে মাতৈঃ মাতৈঃ পত্তে অংশবের মন্ত্রনাক্ষরক পত্রতার করিতেন বি উপকার কলিডেছে তাকা কাছারও ক্রিছিড আক্সাহস ছিতে লাগিলেন, আর দিকে বাগান্ত मांक्सी क्षेत्र जा, बहे करता जिति विवक्त करेवा । तरदरलव निकटि, देखिया क्षिमरमरमद राटक- क्षाविरामन बदश या महुन क्षावा प्राप्त विराहा-

ুনামপ্রকাশ ৷

ामा जातज्वरवं मरशोहरम व कारात अवार पतिहास आविष्टमाः। जानाः रतिका विदेशांब बार्यन भना कतिराज्य वा তিনি কেবল সেবিজেন কিলে অলেখের উপকা-त व्हेटर, किनि-क्टब्रान्त केनकारतह कारह छैं।-লার জীবন জভিত্তম_ুজারুকরিতেন। তিনি विसम्ब स्विट्छन, त्रहे छहारह बहुहा अर सन हेश्ह्रांटक विक संक्ष्म कड़े गांकि जानारम्य अभ क्षी बामाह जाँव क्षीशत प्रदर्भार कान বিচার লা করিয়া কোন প্রবাণ না লইব। ফাঁলি दश्य, का बदल कि इजिन्छक शिक्तभी बददम, का-वरन कि व्यक्तिगाळ वंशार्थ कवा विश्वित्क नक्ष-हिन्द क्रवन, जिनि कानिएक्स जीवा निमा বেশের যদি কিঞ্জিৎবাত উপকার হয় সেই তাঁব पर्यक्त नाक क्यांनिर वर्णमान, अहे नम्द्र हि-म्बूर्शिष्टिकारे भरवाम गतरक अधिनत सामह क-রিতেন, তিনি রাগান্ত হন নাই, তাঁহার নহং শন্তঃকরণ চঞ্চল হয় নাই। তিনি তাঁগার মহাত্র-चन छ्याम काउनरमास्य महाभरतन भागामा বেরূপ ভবিভেন দেউরূপ ভিন্মপেট্রিয়ট সংবাদ প্রের পরাবর্শও শুনিতেন, তিনি তাঁবার সভা-র সভা গণের ছারা বেরূপ উপকৃত হটয়াছিলে-ন, গেই মূপ চরিশ্চন্দ্রের হিন্দুপোট্রিট পত্রছার। উপকৃত হইচাহিলেন। লাভ কানিং প্রভীকা কৰিয়া পাকিতেন হত্নিশচক্ৰ আগামি বাবে কি कार्यन। धक क्रियन विग्वरश्रीहेन्द्रे शोहियात সময় অতীত চইয়া গেল হিচ্ছুগেটুরাট না আলাতে লাভ ক্লানিং ব্যস্ত হটয়া ভাঁহার क्षाच्याके स्माक्षेपित्रक विवासन अर्थन श्रद्धान বিন্দুপেট্রিট পাইলাম না ইচার কারণ কি ? धाहेरको तरकिविद यहे कवा उदक्रांद विष्युत्शिव्याचे वस्ताकात (श्रीदानान करण पारि-करह जिन्छ शति गृष्ठे कानिः मरकामस्यद वक्ष शक्त प्रवेश । त्रहेमः हा लांड कानिश मारकरवत ্ৰাৰই আমাহিদ্য চলাখন ভলো আমাৰ আ काशि अनगृष्ट्रा ६ रेग्ड रक्ति ३ ५ हेग्र हि। इति मह-है सा आभारतय कारणह करना उक्तराहर. আশেরাফি ভালে করেণার অকিলিংকর কি **किर धर्षमान कड़िट**ड शानिव हो। तो अञ्चाल हरा, **। অর্থনান** কৰিতে পারিব কি ন। পা 'বৰ বলি। हा विकास कहा चारात असार अस , इतिहरू জ্যের দান সাত্রে আমাদের আ;্ থ্যুত্ত চয় চয়ন আন্যক্ষার সভার কথা শুনিবামার ৬ পনক পান की कारक सामक्ति छ छहे सन अवर छेरन'छ व्यक्त वेष्ट्रम मेखात्र यात्रमन क्रिजारस्य छ।न

থি উৰেশে সভা ধইয়াছে ভাছা প্ৰসম্পন্ন হইবে ভ'ৰার সন্দোধ কি।

নীনবন্ধু বাবুর এই কথ কাক্সগারনাখিত বজ্ডাজবণে সভাস্থ বাবতীর লোক সুগ আর্থ ও সজন লোচন হইয়া উঠিলেন। অন নম্ভর স্ব স্থান্তি জন্মারে যিনি বাহ। প্রাদান করিয়াচিলেন ভাষাদিগের নাম নিয়ে নিনি ই

মহারাজ সতীশচক্র রার বাচাত্র	7.0
বার ভাবিণী এগাদ সেন	300
পূৰ্ব প্ৰসাদ বার	4.
বামগোপাল মুখেপিখ্যায়	e p
উम চরণ মুখোপাধা भ	
বাৰগোপাল মিজ	
उपनहस्र मह	€n
मीनम्मु भिन्न	90
এলমী ও মধুৰাপুরেৰ অসাগণ	37
যুদাৰ বায়	₹¢
মং হল চন্দ্ৰ পাল	≥ @
অভয়গ্রবণ চটোপাধ্যায়	₹€
धात्रकं। साथ एक	> €
কার্ত্তিকচন্দ্র বাগ	₹ €
ব্ৰস্কার সলিক	> ₫
লাশ্যোহন খে:ৰ	⇒ €
रग भिनाय रख्	>•
গ্রন্থতি	
टम, छे ≥०६	1128
कमा,हिर कुक्समध्य	वाजिल

निविध मर्याम्।

२०भ खोरन त्नामवाद् ।

বেলিইসের ছোট আদালতের এতমেশীর বিচারণতি তর্তা প্রশান র্ম বিচারাল
রে বাইতেচেন। আমরা গুনিলান রমাপ্রশার
বারর মৃত্যু হওয়াতে বার সরচজ্র ঘোদ ধরা
নকার প্রধানতম চিচারালতে বিচারশতি
হইবেন। এই সমালটা সত্য হব আমানিগের
প্রার্নীয়।

লগুন হ লি স প্রদর্শনগৃহ দেখিবার নি
বিত্ত একলে প্রভাৱ প্রায় ৩০০০০ লোক গ্রম
করিয়া থাকেন। টিকিটে বিশুর টাকা লাভ
হউতেছে। প্রদর্শনগৃহে একটি উন্তই আছে,
ভাহা হউতে সর্জনা স্থগন্ধ বারি বিনির্গত
হয়, আনেকে ভাদর্শনার্থই স্বিশেষ কৌতুইলা—
কণ্ড ইয়াছেন। সম্লাট নেপোলিয়ন ভন্দর্শনার্থী হইয়া আলিভেছেন।

মাংগেইরে একংশে ২.৩০,০০০ বস্থা দার তুলা আছে। ভালা অভি দারই ক্ষু প্রার্থ बहेरव गर्णक बाहे। अवाह हा समूहतिबीक जनावादत वाकिएक बहेरव, तरहद कारविक्त कात गुक वक कतिएक बहेरव । हेरलक क क्षांक बधावकी बहेता गुक् केगात बाहा। कारमहिकांत युष्कत नीमा रन। कहिता ना स्वत स्वत १

ইংলিসমান অবশ করিরালেন, হারদরাবা দের রেসিডেও কর্ণেল ভেবিভসনের মৃত্যু ঘটরাছে। কর্ণেল ভেবিভসন এক অন উপায়ুক্ত সাহ্বিবিঅধিক ছিলেন। ভিনি ন্যার পথে অ-লাঞ্চলি দিরা আনিক্রিলারিদলের মনোরঞ্জন করেন নাই বলিরা ঐ দলের প্রিরপাত্র হটভে পারেন নাই।

নিশ্ব নদের সভালে পঞ্চানী সেনার করেক
লভকে কর্ম করাইরা লভরা হটভেছে।
এক জন নার্কং আর করেক জন নিপাহী
ভাহালিগকে ও কুলি ৮ প্রাকৃতি ঘণাস্টের
বাকে। বিজ্ঞাপ করাতে নার্ককে অধ্যাপদে
নিরোজিত ও নিগ্টোলিগকে বংগাচিত ভির
কবি বাং হই নাছে। নিজপের ভয় না থাকি
লো এদেশীরেরা এত দিন জনেক সুন, হার
পরিচ্যাগ করিভেন সন্দেহ নাই। বিজ্ঞানা
রীদিগের গুরু দও বিধান বারা উনার নিবার।
নিভাগ জানশ্যক।

ফিনিকের আলাহানাদ্র সংবাদদাতা বলেন, অতিশর রটি হওয়াত বঢ়নাব সেতু নির্মাণ কাণ্য বজা র বিয়াছে। তাহার তিনটি বার বিলান হর্মাছে। এই সেতু হইলে এককালে হাবড়া হইতে আগ্রা পর্যান্ত বা স্নীয় শকট চন্তিব।

উক্ত পত্রের বোয়ালিয়ার সংবাদদাতা নলেন, ভত্রভা রাজা বোণেজনারায়ণ বায়ের সম্পত্তি কোর্ট জব ওয়ার্ভের জ্বীনস্থ ছবল। রাজার ভূতিপূর্ণ দেওরান জ্বীদাবীর সরস্বা করিবেন কথা হউভেছে। যেন ও্যাউনন পুনর্দার ঐ জ্বীদারিতে প্রবেশ করিতে না পারেন ?

বার সভের নিকটবার্ট কদলগাছি প্রানের বতুনাপ বংশ্যাপাখ্যার নামক এক মুবক খ্রীয় ধর্ম অবলম্বন, করিয়াছেন। ঐ বালকটি বারা-সভের বিল্যালয়ে অধ্যয়ন করিভেন। কিছু দিন শ্ইল ঐ বিল্যালয়ের এক শ্বন প্রভিনিধি শিক্ষক হন। ভাষার ভাষিক পড়া শুনা হয়

(गामश्रकाना

and specify at a part

लाहे दिन्द्र क अक्रीह केंग्रज भटकाहे कि जा सम मा। वृत्ति समात्र मुख्य वृत्तु अवही कुछिह হৰতির পাণি গ্রহণের ইফাই ভাঁহার বিশ্ব ধর্ম জানের কারণ। ইগ সভা চটক ন হ-টক **অধ্যেক যুৱক জানভিজ্ঞ জানস্থাতেট খ্**টী-शंग हरेश बारकम, धश्या जनका नरह। थि-গনরিরা এবিষরে দৃষ্টি রাখিবেন সচেৎ তাঁ বিক্তুট জানায় বে জ ন ট সত্যন্ত জীর্ন शक्तित्व पर्यात ७ नविन्यारम् कारमान-या दहेदन ।

लारहात जन्मध्यल वरहान, रम्ब्राभा कि सीप्र गाथे हिंडे इंदेशोटि भागात निकल स्विधा **इहिरोह्म । किन्नु सद्यावत्म जात्मक ध्रांपि** तदे कतिशास्त्र !

शिक्षी रगरक है बरमन रगामा गर्वि की नामक अरु अन विदर्शकीय विष्ठांत्र बहुता नाह **७९मद कांद्रावारमद आंद्रमण इट्टेबाइड । के** कुल्क अब गए द्वा नगर द्वा छेनीन हिस्सन ।

व्यायाचा भाष्यक्षेत्र कानशुक्तत मर्थान খাতা নলেন, তথাৰ একটি ইউলোপীন বালি কার পাশিপ্রাহণাণী হইয়া ক্লাকে শ স্কুণ্ড । পেবাদারা অভ্যাচার করে। করেক বংসর খনী " ব্যক্তি ভাৰেন্ত চেটা পান বালিনাট ंपिंड सुराद्री किन्नु एम कांबोर १७ घरमांनी उ करत्र माहे। अतिस्थात अक निवस मुख्याकारन लकानिक इतेन, अब अन मीध कांत्र छन्नत মাখানা সৈনিক পুৰুব ভাহাৰ প্ৰশাসাজন ইইয়াছে। বালিকার পিতা মাতা তাহাকে এপ্রকার অস্চিত মীচগামি প্রেম পরিত্যাগ করিতে অন্তরোধ করেন।কর দে নিভূতেই দমত না হইয়া পরিচলৰে প্রিয়ক্তনের সংকিত পলায়ন করিয়া ভাষাকে বিবাহ করিয়াছে। একণে ভাষাকে মৃত করা হ**ংগাচে**। থালি কাটির বরংক্রম :৫ বংসর মাত্র অভ্যান (म वशः शास क्या मांडे। मखिविषत ए। श्र সারে গৈনিক পুরুষের সাত্রংসর কারা-यात्र ष्ट्रेटफ शास्त्र । तम अकरन कृष कारक এবং তাহার প্রথম বিচার ভব্রত্য কান্টেন-(भक्तै 'क्रांके मा 'क्रांबे (हेत निक्रिके व्वेटजाइ। প্রের কুজ জীল মানে না, ভারসিত আমন **हिन्दिक महि। जामानित्यम हिडा करे के वार्जि** कार्ड अहैनका छे । य कप्तियो छ। हात भाना मीख शक्तित महिल विराहम कड़ीहेन्न। यनि कना পায়ের হস্তগত করা হয় ধর্মাত্সারে ৮ এব जी बहेरन कि मान

भतिषेनीक सरम्ब, यहदाकारतत ११६ वर বালতে বেক্তি নামে এক জন সার্জ্ঞৰ নাস ক্তিত। ঐ ব্যক্তির নিকট এক নাবের ভাড়া পাৰনা হইলে সে ভাৰা না দেববাতে ভাষা কে ৰাজী ভ্যাগ করিতে হর। যে বৈধ্যবিধাত नाचीं बहेता विख्नेन गणान कत्रिमसद्वित्तत ভররাছে। ভরিমিত ভাল চম করা হয়। বাটীর অধিকারী নালীল করাতে প্রধানতম निष्ठाङ्गालक विकि निशाल कविश्वतक्षितरक ্' টাকা ক্তিগুরুণ ও উত্তর পক্ষেত্র যোক **দ**ার ব্যয় দিবার আছে। কবিয়াছেন। তাঁহা-मिट्रशत निष्कद होता निवास का दसन प्रहेता-ছে ত ? তাঁহান। কলিকাত বাসিদিধের টাকা লইরা যেন লাজ ন'রেন না।

जिन्छ अन्यानिय अन्य अन्य अन्य दश्चलक नि ম্ক চৌকিব লোক।দিগোর অভাটোরের নিষয় লিখিবাচ্ছন । এই কর্মচাঙ্কি বিশেষতঃ পূর্বে ভাষারা বাবাসতের চত্নুঃপার্যন্তিত আমে জ্য়ানক ভত্যাচার করিত কিন্তু ক্ষ **एकत्रा करत्रकात्र मातील ६ ५८५। वर्ष कर्त-**চন্দ্ৰ বেশাৰত কৰিয়। ভাৰাদিগকে শান্ত ক রিরাড়ে ৷ পূর্বাভালায় এঞ্চার করিলে

িঞ পত্র জাবণ কবিয়াছেন কুমিলার अष्ट भारत होता से नोनकू हिएक अक राष्ट्रितक शांख्यायकांन अमास्य वक् द्रांथी হয় ৷ সে কোন কৌশলে পলাগন করিয়া না-লীল করাতে কুঠির গমতা ও কয়েকজন খা-माजीव जर यह हाका कविशा सरियान, दहे ब्राह्म । अध्यकार एकछन् स्म द्वतं अहे मध्य ! नीरमहाज्यभाषा ,क ज्याहेन १० देशा याद्य ?

रिक्ष मा बाता प्राप्त, याहेटलट्ड, हांकांत कारतुत्रा दशासायाच वार्वा प्रश्यन्तित्व अटेइ-, তন, করাণ চুদ্রি কবিতে ভারিত করিরাছে। ভবে বিমান চোব বল '

बिद्धर्भिष्टे वह निकामश्यां छ जिमाहित्य , होत्व शक्ति भव दिवदक्षेत्र व्यवनथान**ा**त्र विश्य প্রস্কু কবিয়, ভাবেশ করিয়াকেন পরিত্রত वर्गीन मुखाङ अदलमीव्रष्टिरभव निष्म कार्या जाहम बरनारगाची मरहन । फाहाता बरनारवा- । मा स्टेग्ना पारवत स्वाय विरम कि स्टेरव ? নী ষ্টলে এ ডিপাটবেওের অনেক সংবর্ণন হইতে পারে।

रे व धारम नमस्या स्वयं

विक मञ्जान हिमिश्रीकरमध्य विश् विक हे केरबानीय नवालाय आधार हेवादस्त्र

लखन ३१ हे स्वाहे । हेरबखीर सूर्व अस्व পুঁচতর করিবার বিগ ক্ষমণ ছাউন্দের আছ टुरेशांटह ।

क्रमीदत्रत्र, विकड़त्र देश:निष्ठ अनदक देशे जिल्ल बाजा बनिवा चीकांत्र क्षत्रिक्षांद्रम् ।

र के ठोतलन डेंड लाब **नीस्ट्रें**स्क चान्। ব্যব্যের হিসাবের প্রতি দোবারোপ ক্রাতে তি নি থীয় পদ ত্য'গ ফ্রিয়াছেন।

निटेहेबर्क : १वे जुनावे । ब्रिट्मप्रश्व निक्दी करवनि जन्न वृक्ष स्टेवार्ट् । २,६ औ सून অবৰ্ষি সাত্যিন পৰ্যান্ত যুদ্ধ হয়। এই যুক্তের শেবে মাকিলনকে পরাজিত হইয়া ৮॥ ক্রোখ শশ্চাকাষ্ম করিতে হইয়াছে। তাহায় কতক बुद्धवा, २६ हि कोशांव ७ व्यक्तिक रेत्रला विशक्तः २८७ भरिड स्टेब्राइहा

গ্ৰহ্মটের দেনারা জেম্প নমের থিকটে কামানের জাহাজের ছারা আত্ম রক্ষা করিয়া পশ্চাক্ষমন ক ব্রাচ্ছ।

সভাপতি বিশ্বলম আর ডিন লক সৈম্য हाविषाद्रहर । हांद्रलानहेटनद्र व्यक्तिम्य छ।। श कदा व हेप्राट्ट ।

किनिक कारण कत्रियादका विद्यासमाह যথাৰ্থই সুবাডান জানের নিধিয়ে 'জৰম্বিজি করিতেছেন। ইহার পূর্ব্ধে কিরোজপাহ কেপা त्म राज रहेबादहर अनः शिवाहित। पूर्वे भए वरमञ्ज शर्का देश्मरश्रद्ध लाक्ष्मिरभन्न ब्रहेश । दिवान हिन, छ।इँदमद्र विकारमञ्जू महाँग कीवन আছে। কিলোজ সাধ সেই এক প্রকার বিস্থা-ल इंडेटवन !!!

डेज शरबंद क्ष अन शब् क्षित्र बरनन, ভাৰত ৰথে বেৰুপ খাৱে মধ্য বিক্ৰয়ের রীডি আছে, এৰূপ আৰু কোন স্বাদে নাই ৷ কলি-কাতার বাৰতীয়ে ই টাব্লাণীয় ও ফিব্লিলি বাষ্য आफ्रवत म्बारेगात निमित्र कर्क कतिया यह माध्रमी करान। अहे कानिष्ठे नि विश्वार्थ शब शियात क्षेत्रां कतिवाद्याः जाश्मि सार्थान

छेख भद्र छेक्त्र भक्तियान स्म हिम्रा री बहुम्बानद्वात्र अजिताम कतिशादक्त । विवास মতে এই বিশোষত যায়। পাষ্ববিষ্ণ করি । কেবতঃ জগলাস সাহেবের আনব্ধ নতা
কটবে। বিশিক্ষা ও টাইসল অব ইতিয়া উত আযোগ্যভার বিবন্ধ প্রধান বিচারপতির
কেই এই জবে পতিও ক্ইরাছেন। তুমির টে এক আহেবল করেন। শত শনি
শসা হামি নিবছন বালিকা কৃষি কি সাধারণ দেউলিয়াদিগের বিচার ক্ইণার দন্ত
ভাতারের ও কেনের ছপকারের বেডু নহে । মতাতি প্রশ্নসন্ তাঁহাকে প্রমাণ

निकुदमभीक्ष चाउँबात (शशत वरनन, नध সরোর এক জন মুগলগ্ন রাজ্ব সংক্রাপ্ত কর্মচারী ভত্রজা হিন্দু-িনের উপর অত্যন্ত ব্দজ্যাচার স্থারত করিয়াছে। ত হাদিগের বাসতে ওক্রেপের নিকটে গোমাণ্স রাখিয়া **(स्यू । व्हांन गृमलयां (मंद्र मार्ट्स क्हांन हिन्द्र** नानीभ कतित्व छारा आय रह ना। मर्पा बद्धा पूरे धक नहन्त्र मुनलबान हिन्त्रप्तिराज বাটী হুঠ করিয়া নানা প্রকার অপমান করিয়া ণাকে। প্রায় ৩০. হিন্দু একত্র হইরা ভাহার क्षित्य बालील कतियारहम। यह वास्ति खळनारहे व देशीक । अक्षान् जितिनव्यदिनव न वाट्या अहे কর্ম পাইয়া ভাঁছার অরুনার ভানার এইরূপ ব্যত,চিল্লক।রিতা একি হইয়াছে। নীগকর দ भाव द्य अंख अख्याहोत् स्तथः संह, व्यक्ति । শ্বনে সি বলিয়ানের সাহাব্য ভাহার অন্যত্য প্রধান কারণ বনিরা পরিগণিত হয়।

তিক পাত্র আবণ করিরাছেন সর বার্টন কিনার শীর সিন্ধুলেশ দর্শন করিবেন। আন্ট সাছেব বেরূপ নদীরা ও যশোহরের লোকের ও বীভন সাহেব ভাগনপুরের লোকের প্রায় পাত্র হইরাছেন, সর বার্টন ক্রিনারও সেইরুলা সন্ধুদেশের প্রিয় হইয়াছেন।

্ নির্দিখিত ইউরোপীয় আফিসর ও সেন গণ ইংলও হটতে ভার তবর্বে আসিতেছে ঃ-

31-1 8 1-1 C 4	460 9	14 0 164 Allistand
ত	া ফিসর	দেন
र, ऋदम्बदम	9 4	₹69₩
याखादन	b	400
বোদাইয়ে	5 4	>:09
করাচিতে	•	700
ৰোট	F.79	1 0)

कृष्टन किलामा बहेरछ ए जान उर्हा क मिनाइ अरझकन जारह किलाइ जानमा रचनित अनिवाहिताब कम (ज हैं) है है। इन्होंब कांब जानमाक नाहे। कांग्डी नरन कर कांग्डिय बलाडाएंच मबर्थ करेंब है

্ষিদাৰ সাহৈত্ব নামক এক ব্যক্তি এপান ক্ষিত্ৰক তাস কৰিয়াৱীয় বি

নেশতঃ জগলাগ সাহেবের আনব্য'নতা ও
আযোগ্যভার বিবরে প্রধান বিচারপতির নিশ্
টে এক আহেবলন করেন। শত শনিবাবে
দেউলিয়াদিগের বিচার হইনার দনরে সর
মন্তানি অংশনস্ তাহাকে প্রনাণ দিতে
বলিয়াহেন। ভগলাস সাহেব অনুপর্বিত,
ভথাপি সর মন্তানি ওরেলব্ ফিসাবের প্রশা
প প্রন্থ করিবেন আগামি শনিবাব এ
িব্য বিরু হটবে।

চাকাবার্ত্ত। প্রকাশিকা বলেন তত্ত্তা ক্ষক আমলাগণের উৎক্রেচ লঙ্মা বন্ধ কবিবার চেষ্টার আছেন। যাবভীন পুরান্তন কর্মচারী-কে পোলন নিরা বিদার না দিলে হাং ভাষি কভার বেভানে ক্রভবিদ্যা লোক্দিগকে নিযুক্ত না ক্রিলে এ চেষ্টা রখা ইহবে।

২২এ আৰণ বুধবার।

সভ্পতি হাজাজের এক কম নিথিনির নিব কনারে বিবাহ সমরে এক প নীর্যামে এরণ জনমুব হস বে ছেট হার পুষ্ট বাল কে বলি দেওগা ছইবে। ভরিমিক তপ্রভা বাবাহী র লোক হলে গোলাবন ফরে। বিভাহ কই লাভ হোরা হাইে প্রভাগিমন ফরিষাছে। ইংরাজিলা হোলিকর আজিল ভারা জানিতে গারিলেনা, ভগানিতে আমাদিবেল মাজপুরুবেরা উৎস্কিই প্রভালীতে সাধারণের শিকা লাল চেষ্ঠা কবিবেন না । এই বিবয়ে ভারাদিবের যত নিভবারিতা। জনারাসলভা শুকুমহাশর্দিবের উপরেই উপ্রেই ভারি

চাক র ইউরে, নিয়ান রেজিঘেটের জেপ্ট-নন্ট মাকনেধরকৈ কোন অপরাথে কান্দী করিরা কলিবাভার সামরিক বিচারালয়ে বিচ. রের জনা জানাজিয় । তিনি গারাগার্গীইউভে প-লাংন করিয়াছেন । এখন কি কারগো রর প্রাচীর এত অশাক্ত হইবাছে গাক্ত প্রাহরী আছে সংক্ষেত্র নাই '

ভূপান হটতে সংবাদ আসিরাছে তক্তও। একটি বিধনাকে উচাব কনিকার ভাষার মৃত পতির কলভিতার আরোহণ করান হইরা-কে। তাহাব কুটযেরা গৃত হটুয়াছে।

শুনা শেল, হঠা আগত বাবু সার্হ্ণ মুখোপাধ্যয়ের মোকক্ষা জিবি কৌশিলে বিবালিত ঘ্রবার কথা সাহে।

ইভিরান বুরালর বলেন বোসাইয়ের শির্ক কার্যারের পিতেবেটার ছাত্রনিগতে ক্রিটার ক্রিটারের ইনিখে কার্যার বেটার ক্রিটারের ইনিখে কার্যার বেটা

ভাক কর্মচ নিরা মধ্যে মধ্যে সামান্য পামকুট সকলও প্রস্তুকের ভাকে প্রেরণ করে-ল। ত্রিনিত ক্ষনেকের অস্ত্রবিধা হয়। সম্প্র তি গোর্টমার্টর ক্ষেনরল সাহেব আজ্ঞা দিগা ক্রেন, জয়তোগার ম্যান বে কোন পুরুগ হবৈ, তালা গংবাদ গানের ভাগে প্রেরণ করা হবৈ এই কাজ্ঞানী প্রতি পালিত হয়, এই আ্যাদিগেব মনোবধ।

ফিনিক পত্র বংগন, ত্রিপুর র রাজার মৃত্যু চইয় ছে। এই রাজা অতিলয় ইতি র প্রায়ণ স্তরাসক্ত ছিলেন। একজন গোষা মারাস্থা শাসন ও প্রাণা নীয়ন করিয়া জান সিতেত্যেন।

উদ্ভ পথে আরও বলেন ভারতখনীর গব-নামেট রাজা প্রশাব নারায়ণ দেবকে মুব্দিন। বাদের নাশবের নিকট হিদাব দিবার জাজা দিয়াছেন। আমাদিগের বরাবর এই আশ্চা, প্রান হট্ডেছিন, প্রসন্ন নারায়ণ ভাতা হইবা নবাবের উপার এড ক্ষতা প্রকাশ ক্রিতে বিরূপে সাহসী ইইদেন:

মহারালী ব ইন্দুপ্রকাশ বাসু তারকর'ণ
পেনের ২ও গারণাগার প্রতিনিধি লভের পদাভিত্তের বিষধে বিশেব আহ্বাদ একাশ কবিষা বোলাই গ্রন্থেটকে বলদেশীর গ্রন্থেটের অলুসরণ করিতে অলুরোধ করিরাছেন।
তিনি বলেন এতন্দেশীয়দিগকে উক্তর পাশ্
পিবার বিষয়ে খোগলেরা ইংরাজ দিগের জা
পেকা অগিক বদান্তা প্রকাশ করিয়াছেন।
ইংরাজ দিগের অল্যাশিও অক্বারের নায়
লাসন প্রালী শিকা করিতে বাকী আছে।

বাঁটএর পে বার্ডর কাডের ক্রেনি ল বিচা-রে লোবী হইরা গলারন করিরাক্ষেন। সেনা-ললে এক্ষণে বড় বড় লোকের ভাবিভার দেখা রাইডেকে!

रामुण केविनम नामानगरनम अक्षे पूछ देशकरहरू क्ष करेरन जारा आसामिरमम विद्वारम्य कथा मिथिशारकेंग । अक्सम भारकें, ট পীড়ার ছল করটেড ডাইার্ফে চিকিৎসলিটের প্রেরণ কবিবার আজা বয়। সে ভারা স্বাঞ্জা-क कतिया करतक कर महत्रदात मंदाबूख व छि न प्रम जाकिनहरू वृष्ठ थे क्रव करत । खलू व-इट्ड क्टब्र कन केंब्रेट्सांनीस स्नमा जाणिया जाकिनइक्षिणरक मुख्य । विद्यारी विश्वरक ऋष् कतिब्राष्ट्र। अहे भरवाने ब्रह्म वर्णार्थ इत्र एक-থা বাইডেছে, কর্মচারিমিগের পরস্পরের উপত্তে একটী শাসন শুধুলা আছে ভাহা क्राम क्रम स्ट्रेटक ।

बरम्कन विद्यारी कृष्टीत्वय निक्रि प छ দইগছে। ভালারা দশিপুরের রাজা চঞ্জানি বি হকে পদ্যাত করিতে আণিয়া আগনারা ধ্ত হইনাছে। আৰম্ভ বোধক্তি ভাছায়। চট্টপ্রানের বিজোকী নিপারী।

শাইব পাড়ার বিদ্যালয়ের জন্য প্রতিমানে ১৪ টাকা চীদা দিবেন অশীকায় করিছাছেন। - স্থাছেন ভাগার এখন বিচাব বেন ংলোগেরে না ांनी वर्गमंत्री भष्मभी आष्ट्रिक करवस कर जी ्यांक विष्ठा विषद्ध मुश्रिट्शन खेश्मा क्रिएड-(FA |

২৩ গ জাৰণ বৃহ পতিবার।

कें.भिन स्विथां छ विस्तारी अ प्रमा गर्म म भिष्य य**े दहेग्राट्ड** । काटल्डन संयोग्ड रहेरे ভাষাকে আক্রমণ থরিয়া কম্মেক কর গছচর সভিত বধ করিয়াছেন !

श्यमत्यारात्मत्र नवान् श्रीत त्राक्षर् श्राहेनात् । शिद्यम् । कामः कछवा मदण्य भारे । অপক্রম করিভেড়েন। ভাছার বেগম গ্রাম भी निरम्ब सन्। ऋषन होरबूद अविवल द्वीभा याजिवाण कदा वहेश हि।

नागोत अन मिक्टल ुनाव हाटमत कांस्ता । विद्यादक्रमे ।

यतिमस्म शकरन ७, २,००० लाक आहरू। ট্রার মধ্যে ২,২৫ ১০০০ ভারত্তবর্দীর। তথার ८०,००० माञ्च सम्म आर्व क तमार्छ। यन् छः উপনি বেলিকের সংখ্যাই ভাষক।

েইর পশ্চিমাঞ্চল পঞ্চাবে গভ বংসরে त''निट्या ५,०१,२०,००० होका शब्द श्र नेश जाणांत्र इहेश्रादमः धूर्वा वर्गव जार्भका >भ शक है। का काविक प्राथा शाही । त्व

कारिएड परिन

कार्ट्यन चानिम त्यापाहेमनद्व पुष पहे-রাছেন। বংশর, বারে তিনি পলাতক হইর। हिंद्रजन ।

हेश्मधीत शवर्षाके किथि डेशबीन ममू-त्यत्र त्राचन गरेएक अनुभक्त **रहे**ब्राट्य । क्रांटनत् वहे वह स्राधाः

কাট্ট ক্রি আইন ক্রাশ: অপে অপে এ-চলিত হইতেছে : ভাৰতবৰ্ষ স্থাপক লভা শীঘ্ৰ মধ্য ভারতবর্ষায় প্রক্রিক ল্লার্ক 👁 রেইলওরের মসুরদিশের নিমিন্ত এই প্রহার अक्कि काठेन कतिरायन , नर्सनाथान्। का कि दिन हेश द्वरहत्र चाडा ०.º' । कि 3 त्मारथ का पु

व्यान् वास्कि वटनम " अक्षिकाद्वीद्व व े महा देखेरहां भी ग्रांटिश भारताह व्यापान महता. खना भाग गमन्त्री मानी (ब्राममनिव कन्त्र) ही नद्दन ? छुडांच्य विति मनिकाछात्र अनिन विद्वि महिस्छ क्षिर्छ हिन वात्र शृत्य करमक अन वाद्विरेन आर्यप्रन कति-**६ग । क्लि को अन - यर्गाइरह इट्रेंट्स श्रह्मक** अभ्रष्टनीय ध्वनांव প अभा बांडेरव।

> গত শুক্রবাৰ শ্রীবামপুরের নিশটে ডাম্লা ইতি কৰিসনবের, অ্ধীনস্থ এক খানি বংশীয় নৌকার বইলর ভাগিরা স্থানোসংকর मुद्रु इजैबाद्धः।

এমত অন্মাতি প্রেশ্ব আয় ওয়েল্স আ গামি শাত্তবালে ভারত্বর্য দর্শন করিতে ভা

ब्रिश्मभूद्रवेद रहेम। यात्रेत वालाव (अक अन के द्वास) ७०० हे ना मक्षा १ २०, है न ए इस्ल कविला भनारन ये नेश जा गड़ाय हुड हरेग्राद्रक । 🗃 ,कि र हो रि ,गर असे में नीम शब् बालन ' डेव्ह म ज़िरन ५० डेकि बाज ८५७न (मध्याटा मध्ये कांगा कविषाद । कांडकर ্বইলওড়ে কোম্পানিরই দেনে বলিডে ইইবে।: कांब्रुक्तिशे विदिश्य , बलावे " कत्रवाका म "স্থালকারিডাই প্রজাতিবাছির ইইলা পড়ে।।

वश्रामिक वहारकत्र व्यवहरकत्री उंकि महश्रद् मिक्कोरि प्रिकिशन मास्वरक ३०,० शिम পুরস্বার দিয়াছেন। এই পুরস্কার বোগ্য পাত্রে अण्य स्कृत दर्ग

वाक्षांक अविभिन्न वेटनम्, "क्रार्टकारम् ता जान गन्याद जनकातामि अंद्रार्णन स्मार करेटन । रूपन करतकति बीयक श्लीका बहरक-(इ) त्वम ? त्य शक्त कांक विवास मा कि ? नहेर्ड हहेरल जकत न ब्या कर्डवा , बहुहर অভিশব নীচাশরতা প্রকাশ হয়।

रेजिनियन क्रायक मुद्दा एरेबार्ड । अरे म का ब्रेडिद्राणीत ए अक्टमनीविद्याद मीख मा वर्शनित समा रहा कि म मधीई निष इहेन नः। भागांक्टिशंद्र स्रोक्तिस्थान 🕫 हे पै রোপীর্নিগের অহংকার সাক্ষবিদে পরকা- 🗥 ८वड विजन स्ट्रेटन ना ।

ৰক্তনাইট অৰণ ক্রিয়াছেন পেলোয়ায়ে র সেনাণতি সর সিডনি তটন খীর পূদ জ্যা श कविराखराज्य ।

কাবুল হইডে সংবাদ আলিরাছে সানীর দোন্ত ৰহম্ম হেরাটের ৭৫ কোশ দুরে অব

एए अब हे थिया बरनम शक मान चापीम ইলে বালালীয়া সমুৰাত প্ৰভন দেখিয়া এক कारल भारत इंटेर्स्स । " का,बालिएगद्र वर्डकान ভীরুষভাগ অনৈক্যড়া ও কুসংখারের বিশর বিধেননা করিলে একথা অসমত বৌধ

शक्त कता अकारहक शृष्ट विश्वनिधिक का किरकन विक्रीफ क्रेबारका-

সিম্মক नृ ना ie the त्वह द्वंब ३००६ का नामीय 3504 \$**e**, **\$**e,**\$**?* েহারের ক্রিকেন গ্রেছ ए कानीत अधिकन 5 28 = May বিজ্ঞাত হইয়াছে। তথাপি সর চারলস উভ क्रकृत्रादन इ अपू करत्न !

ভাত্তর হরণ ক্রক নামক একজন ইউরো-পীর ২৫০ টাকার নোট চুরি করিরা ভাষাতে জাল স্বাক্ষর করাতে ভাহাকে নেসিখনে সম-र्भंग कड़ा घडेशारह। 700

३८० व्यायन ककरात्र।

নিয়ন্ত অভুৰ্ত মটনাটা কোন আজীয় বন্ধুরু নিকট আবণ করিয়া অভিশন বিস্ময়৷ পর হইলমি ৷ চলিম্পার্গণার অন্তঃপাতী ধ্বধনি নামক পানীতে এক সংগোপের লৈ

हिएस अवही काली द्वाप्त २५हे। स्वाही **अत्र इर्ट्डाट्ड** ।

বোখাই প্ৰেসিডেক্সিডে এক জন পৰি 🚴 গিভ ও ভূথির ভূডা উত্তা নামক এক আমে মনুব জানিতে গিলাছিল। ভত্ৰতা লোমি त्रित्र **अड्डे अका करक रा गर्छ**्तिक वर्ड नि श्यित सन्द्रात क्रम्य क्रम्य क्रम्य क्रम्य क्रम्य ध्व करवक के कि अकड़ रहेवा छारांदक नध , कतिहारकः। केव्यात शक्तिर्ध् हे करण्य जनस्क ধরিত্বা সেপিয়নে সম্বর্গণ করেন। চার ভাষা-मिर्गद्र **मध** विधान कतियाहितनः किः जला महेर्ड छाराता मुख्य मन्त्राहि । नद्र रिलेर्ड আখন্ধ জন্মিখার কারণ কি ০

भवर्गद्यके व्यक्ति कियादकर तम मन मार्ग চারী ২০ টাকার অধিক বেতন পান ভাঁচ'দি भटका लिएन नार्वात नायदा का सामात बेडीच्ल ब्रिंगिस सिट्ड क्टेरिन! करम ऐंडे? 🖰 काहित्वत शताब्ध अवाभ हहेएडएक। अभव এট প্ৰান্থ থামিয়া থানিলেও নপল।

১৮३१ ७६५ म्न विद्याह केद्रिः क्द्रक्रास चुहे जन हे डेट अभीत दहरेग छ या है नर 📆 १८४ वध तरवा अहां पिरभव कराक मन नःश्री ५**७** ∌ेशास्य ।

शक्य शहर है दिन अक कन म नामना को उदल ম, ভাতের মৌএট ভাতর মানিলভের পরি बाब अधान धिकित्त इनिटम्लारेव स्मावन क्रइट्टबर फ क्रन भोज । एस इंगरणाहिर वार्यभा दशास कातिक स्मित्रांड, अम्बन ুৰালিটে "ট্ৰিট্ৰেটা

क्याहित राष्ट्री, भक्डे अडेस्बाद शविदा প্তিত জিলিকা, অভিনাধে **লোদেন নাম**ক এক ব্যক্তিন্ত খাটি টেইকাজা রাণিয়ে त्तरा । किए दम । अवस्कारी स भूख इतेषाटक । क्षानिक कर्न अपन स्थेत है दिखा ।

२१० श्रीय मालती है।

किबिका नहनर १८ हो है। इस गुजुदका त्वा मिविन वीम गातिक पादन व २,२७०-14 काम करें तिहें विकास करें तिहें

স্ক|

T3 !

केल्ड भाव कारन करिए इस डेएम्स्ट्रिक क्षिण एकेयांत्र मधानन। अ १ .७ .०। त काटप व स्थानक दोन्ना जन्ना छ। तिरहरह । ताला निज का न व है। ক্ষিষিত্ত ট্ৰাকা লিডেছেন ল প্ৰা मिवात. बद्र नामा विभ छेणाय कर्त. ५ ै, क्रिज़ीय मद जामिलीक मह 'न . द्यांव अन्न निहमस निधानव । ्वतार्क शकारवत्र गवनस्यके जन्म AIS PRICE

शतिप्रनेटक विश्विष्ठं इहेशटक किछ्मिय थ-र्क्ष रेक्कर च होता अब छाकाहे जि इह, हो निश পুন্তের দারোগা হানিক খাঁ ত কাইতদিগতে ব धिविश बाङिएक्किएक कामान कतिय एवन, शैंकि পুর্মে ডাহার এলাহার আর যে তিনটা ডা-ৰাইডি হয় তাহাৰও ডাকাটত দিগকৈ ধৰিয়া (इन ' अम्ब्री दानिक्य दिनक्या अमरनः निएउ भारे।

निक्र विधिष्ठ बृद्धाः श्वर्यद्वराहेत्र कांगञ्ज বিক্রীত হইতেছে।

בולפ --ילצ ७ है।कान निका ह है।काम त्यांन्यानित المازود اا. د 300 - 3-3110 高少清 フンター・フタツ (影像)

> -2/17 উবোগাঁব সমান্তার।

तिस्मित्राक्षणा अ सिम्बासिक दे**डेरवा**लीह সম্, 'বু আলিয়া'ছ।

ल पन ३৮ हे स्थारे दे दल्ख भी दिन गई छ। दलन खिर एवं क्षीटन व्यव मन्त्र किना मा। मन क्ष ल्म উक्त वर्त मेर्च वर्त्त छ। मायद्वा श्र दिग्य मण -अक्टर व क्रांनाबेग्राटक में ।

কুপদা ও কুমিরা ইউবোপে ও আমিটা লা क्रांड कठकछिलि । यात्र कर्डन्त्रकर्डरः । स्व कवि-সেপ' উদ্ধ ৰ'ণ্ড জন্য এখ সঞ্জি কবিছণতে म त्य क्ला क्लान स्टान स्टानिकार स्थिति । भाषा व शहलभाग मान वर्गात मिक्टिकाटड बक का इंडेटर्स्ट्रील दे। १ के क বে মার্লিফ কিয়নিং মের জন্য একটা নাতন

मानव वाली वहेर हरू। लांद्यमाग्राद्यय :लाक ब्रिट्शत विस मित्र करें। ब्राह्म क्केटलरक् छाडे एस्पूर्ण भार किए हिन सक। मका , कार्या कामान ।

গানিৰকভি এক ব সূত্ৰ কৰিয় ফৰ দী সমূৰ্ণ टिंद निका क्य. एक है। जित्र अवस श्वास से दिवय करेंग्र कडिया आत्मा गान हरे आफ

भक्षत २४ व खुदा है। ल'र्च भानरकेत ५ हाम्र भूक्त, शक्तिम विकासिक स्मारकदा कवा कि की গ্ৰহ থালাতে ইংল্ড ডাগালগৰে স্বাধীন িব্লিখ জীক্ষেক্নি, ১৩৮ন নঃ। সেনাপতি মা-(কলন ২০) গভাৰ বচনাওৰ নিজাট প্ৰাফিত इडेब्राम्बन ।

बिडिइक है केन्श्र शत्मने यक्ति विक्रमीह दका ब श्रेद दिश्की ज्यारम, एक १ मूट्स इक्षार्थन करद्रव क इ. इ.इ.स. कांग, जित्यत शत्य काञ्च स्मात्यां

ষালট, ২২ এ জুলাই। সেনাপতি মংকিলন रि.अपेक्षेत्रियश्च करण आहा अमर्थन कवित्राद्यन । दिल्लाक क्षत्रिक काला ये अलल्हे।

> প্রিযুক্ত পেশ্বপ্রক,শসম্পাদক यारक्, जरद्रस्य ।

इं इटफ्लीय दल्ल एक्ट्रिय करत्य भज्ञा कारक अव्यानक भया

विवास केवकि व्यवाद्य, कावा किल्लुक्य निर्वत कवा यात्र !

च्टेडपी ३५-६१ पुकारण आमीरतस श्रीतू क व्यास्त का नावादांचा का में कोश-मा जीवन रानिकाभितान हिस्टक 📻 मार्क क ष्ठां असम अस्मिनाद अवर क्षर म्हार मक्षा-क मन्द्रिक हरी के बहिश्रुत निर्माहनीय द्वान चोकाह कविक्री चीप्र वार्षशास क' उर ना इदेश, अधनीचे दबर असू शहर कि हरू विजन भर काश्व छिनींगै चालिक दिनालग अश्वन করেন। বালিছ-দিংগর সংখ্যে সূচনাধিক এছ শত, বিদ্যা নাৰ গুলি স্থাপিত চণ্ডা পৰ্যাপ্ত আলা-নধি গ্রালকারা অধারনের পুরুদ পাইর। প্রক্রেন। ङ्ख्यि रेमिक किथार किथार शासूर्य । चारक अवर रेक्टनस्था अवस्थिक रामव दूरी সংহস্থিক ছুই বাৰ বস্তু পাইয়া আহুই, এই टमक भाग्य दल्लीत वालिकाता हास विदे कुछ यान प्रेणित वाद्याम्य यस दशानि कृत्याः थाएक । किन्दु सङ्ग्लास द्वराण र विषय अहे रंग गर्भागात्राक्षां महामाण विकारणव रिका छात्र क्षेटिएक मा। मा हरेवात नियुक्ति-গিতকার্কটকরিন পাছে।

अ कालनाव त्यातकर विष्यृतिवटण अष्टनः श ाहे कि का इस । विश्वविषय वालिकान ्र (अब अङ्ग विका_{ष्टि}कत्त्व, हेप्टि श**विक स्**रि ্ৰ'ক ভৰ ব্ৰক্তনাতি বাতিবেচক কাছারও অভিe ក្នឡ '

২৷ সম্ভান সম্ভিব মনে৷ ৯৫৮৷ বিজ্ঞাবিখনো क्षण्या १ व्या १-िक्रीता कर ि का प्रमाशिश पञ्चा निर्माण करें देवदन अधिक कालन है जाबादम खजारी होने -/ছ , মাৰ পাল অপমান্তৰ মেণীয় **জী**জাতি আৰ कत हासूल की फूनवलाग्न कालनाभाम कर्निटरमः] आहार, कि करा निम्नादि स इ ४६८६ (इके) र स

आव्याः काञ्च ना करेटको वना व स्वेतः थाटकः। । অনেকেবি কুস কার আছে যে ট্রীফারি विका लिका करिया भीख दिनव क्या, त। निहा निक्षिति । अरु व व निकट अस मन स्थार देशपूष्ट क्ल निकात स्ट्रिकें विगर 明事 梦

गनाथाशि।

औषुक बाद कालीकृत्यमङ कतिकाछ। ১२७३ कार्छ अवि कार्किक श्रवास कार्य के प्रीका

जिन्ही जुरम्परी वस दारमध्य ३२ % म : ब इं ब मा छ च रिंध se दे लोग मही छ द वे সংগ্ৰাম প্ৰিক। এছণ এই চক কভা মজাইর SE क खीरन सद्धि (पीप भर्गास क्लान के

अस, अह द्वेमध्य महिन्द कृष्णमध्य >> ४% आत्रक कार्वि (भीव द्वार्शम् दक'० तः वे

এই ৭,ত কলিকাডার ধন্তিৰ পুর্বা নাত্রা বেল চেইর অপুসংগ্ৰহ সমুখার। হেলপা সীক্ষাদিক্য নিশ্ব তেগৰাপুর টেসালয় মাক্ষণ চাং হিল্পাংশ প্রায়ে জিগুজ ্য, সেইস্কুপ্ ব্রীজ্ঞাতির ফাবত অংশে। জন করি টু বাচনা বধ বিস্থাতুমধের স্থানতে আহি সেশ্যর

, मायशक

' प्रवर्तः प्रकृतिदिताय पार्थिकः सरम्थती यृतिसन्तो न होसता । »

8 जाग । 80 7" WI!

সন ১২৬৯। ৩ ভাস। ইং ১৮৬২। ১৮ আগফ।

मार्थिक मुना ५ है।का বার্ষিক অগ্রিম ১০ টাকা

বিজ্ঞাপন बरुवरण (माम अकाम (१) द-(धरा निद्रभः)

অপ্রিম মূল্য ন। পাইলে থকরলে লোম-প্রকাশ প্রেরণ করা যায় না। ইখার বার্নিক ফল্য ভাকনাস্থল সমেও ১০ এবং নাল্লাসিক ৰ উ:কা নিৰ্পাত আছে, দৰ মান্সৰ গ্ৰানে ক্রিম মুল্য একণ করা ৰাধ নাঃ মুক্তবের বলি দেশে ব্যক্তির দোমপ্রকাশ এইপের ইক্রা ছনু, তিনি অগ্রিম মূল্য সচিত পত্র লিখিলেই शाहरू भावित्रम ।

रिकाशन । व्यद्वाधना क्रून ।

पुनाइव, भ नाकित्रण दनवनागत काकटत भूमिक इंडेब्रा भीष डाधा वास्तर्वत निक्रि ধ্যালিক ভার্কালকারের দোবানে থিকার মূল্য ৮০ বার কানা ৷ ब्रेट्टर्ड ।

विकाशन । বাসবদত্তা ।

॰ মদনমোহন তকালখার ফুড পদা বাস वल्डा आवनाक श्रेत्राष्ट्र। यिनि आयादक উহাব এক গশুসংগ্রহ করিয়া দিতে পারিবেন ভাছাকে ৪ টাকা পাবিডোবিক প্রদান কর। যাইবেক ইন্ডি।

बौद्रामणां । त्यन ভা° ২৫ জাবণ সাং বহন্যপুর সন>২৬৯ নাল

वाचला मकुरलि अञ्चलत अ ममाहात अवर् **माम**सिक् পত्रिका शाहेश्रहः বাহায়া হাওলাত করিনা বাললা এছ করিতে থানস করেন তাঁহার৷ নিম লিখিত

নিয়ম দক্তে সমত হটরা আমাদিদের টারা পুত্তকে স্বাহ্মর করিলে পুত্তকাদি হাওলাত (ए ७ ता बाई (वक

১ম। আনকগণকে প্রতি রান্তে আটিকা नोइ हिन:दन क्षेष्ठि नोटन होना निट ७ स्टेरन्स खद॰ छोड़। मारशह क्षणस्य लिए**छ ४**३ स्वक, এক মাধের ভাম ফুলা গ্রহণ কর। বাইবে

২্যা এক মাদের কাব্দে কেল কোন এছ) রাখিলে উচিচকে ভালার মূল্য বিভে হই (वक र

ওয়। বিনি থে ভানত্র'য় পুত্তক লইড়া বাউবেল, তাঁছ ১৮ সেই 'শবস্থায় স্পেরত দি एक इहेटबन खाशाब कामाणा कब्रिटन शृंव रक्ब मूला प्रिटंड २३१वक।

৪র্ধ। অপ্রিচিত ব্যক্তিকে পুস্তকের মূল। জ্যা ব্ৰাখিতে চুক্তি অথবা এক জন পৰি-টিত ব্যক্তিকে জামিন দিতে ইউবেক। ভাহা চালে তাঁহাকে পুস্তক হাওণতে দেওৱা বাই

<ম। স্বাচার ও সমারিক পত্রিকা **সকল** আহাদিগের এছালরে আসিয়। পঠি করিলে कान मृन। है नाति (वर माः

> क्ष व उपन निई हे छिन्नान बाईरबिब करमञ्जूषि है नर ४७।

সোমগ্রকাশ।

০ " ভাজে লোমবার :

अक्रयदेशत क्रिके अक्षिक्त ७, बीधकत्र अक्षांत्र ।

र्वत्र हिष्ठ छैत्मन क्षित्रा ए। मक्न काळ. 🥫 करतन, क्षित्रीहरू लाक मरनानीक कति বার শোবে ভাষার অধিকাংশ কলোপধারক 🕴 रत्र ना । मक्चरण (हाँठे जानामक चुनिन একটি মহোপকারক কাব্য সলেই নার কিন্ত বিচারপতির কোবে ভাষা প্রাঞ্ कन क्षेत्रव कहा हुटह बाहुक, चार्की विषया कल फैर्शामम कुद्रिएएएं रे व्यवर व्यवक्राक्राक्र ज्ञाक्रिकारमध्य वर्षानंत्रा वन १ मूटब्र १ वनमबभूति कांत्रवी

এই সমূদ্র রচের আকর, ইবা ধ্রীকে क्त्रिवान, धन मुद्द थांकूक, कांद्रवादि দুখ পরিপুরিত হইন।

যথন ব্যবস্থাপক সভায় মকস্টল 🐠 हे जानामण अजिहात 'ऑनन' महिता, क्लालन इत, मारे नमदबंद जानता करि हिलांब, ए नकल बाक्ति नवह आले কার্যা করিয়া পরিপক ও লব্বপ্রতি ग्राह्म, तारे तारे वाखिएकरे ने বান করা কর্মবা, কিন্ত রাজপুরুত্তে खेत्रिक्तित थिंडि चंडिनम् छक्तिमान् ३७ शांटक नकल चटन व्यामाधितात्र मदनोमक . বিচারপতি নিরোপ হয় নাই, ভাষাতেই এ कर्ण शास शास वह अनर्थ विक्रिक्ट । আষ্ট্রা বে এক খানি প্রেরিড পত্র পাই রাহি, ভাষা আমাদিগের বক্তব্য সমর্থন করিতেছে। সে ধানি নিম্নে প্রকৃটিত হুইল।

म्कानप्र! आत्मेनाटक व छ छि प्रमाट १व अस्-ख्यां किर्मात क्राक्र शुक्त करा । छात्र छ व र क्रिका क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया

मिन्नरक मानेद प्रवेटड छेकाव कहिन्द्रि रहते। बरर | गन्नाव कृत्य विस्मापन क्रिकेश मध्मारक्रवय कः-বাধাৰ ও হিল্পুলেট্ৰিটের লেখনী ধাৰণ সমু-भग हवा ब्हेल! अन हांग्रे आंत्रांतक स्राधित ६-अमारक सीमका शिरात पूर्वावर मोताबा छ भागागात श्रेमहीशयम यहिष्ठाटकः। यक्ति वाद् या শীৰ্ব মিত্র কিছা টস্মন সাহেৰেৰ নায় নিব- ছিল ওছউড্ডেছে, ভাগ লিখিল। লি জান, চব। পেক বিচারপতিথণ ছোট আদালত সনলের क्षाबात भाषा व्यक्तिविक व्हेट्डिन, व्यागिक्षान पंज चूत्रवृष्टा च्**हेल** मा अवर श्राकादा त्य चापी-म जा देशार्कम सरिवादिम छ। काल-कालादे उस । असम्बद्ध क्या वाहिकेत्र विष्ठांत्रशिक्षश्चा कि है। कि क्षेत्रारक्षेत्र, उत्तरथा कृष्णिकात जन मकामणि बीएक **क्षिणान गांदम्य गर्जा श्वरण श**्वाचित्र । सिल्बेस: श्व जिश्हामि निध्यदेवन मिक्कान महान्यात अति जिल 🛴 नारे। क्षेण्येन मारबंद देशात्र ७ डेशात्र हरतन ! ূইনি বজাতি শক্ষণভিতা বিষয়ে সকলকে পৰা का निवाद्वया देउदानीत व निवादिस देश छिनि आंशिष्ट विदान करतन मा। विहा-म्बान्टम बहिबा न्नाचेर बनिबा पाटकन रव नाटक ्रीकाक करक विका कर जा। अक्रम वार्ग जः-ক্ষার,,ভাষা চইতে সকল্যার ধ্বার্থ বিচার হই-• বার সম্ভাবন। কি ? কোন নীলকর নালীশ উপ-श्चिष कतिरम अम कम देश्ताक माकी शाकिरल है त्र मकस्याम भीमक्दबर निम्हत क्य रहा।

केल क्षम मरबावन अरबणीत ६ बेक्टरतांशीत **উउद्भग मक्क्यांटा अक्ट्रे जांद्रेटनद्र छिन्न 'छन शर्थ** ক্রিয়া থাতেন ! অততা ছুরস্তু নীলকর এক প্রকাব माद्य, गांक काणिया महेबाटक, विश्वता छाहात मुका भारेगांत्र नानीम करत । श्रीख्यांशी श्रीका बहे यांगडि कतिल, त्य ३८ आहेत्मत र शाहां छू-লারে নাবেবের নালিশে ভাষারি ভটিয়াছে। কিছু इष वर्गी गिठावशिंड शक्षा ३३ आहेत्वद ३७ बाजा बाँगेवेचा अकान अधिकृत्न जिल्ली किटनन

নি কেনি সা ২০০র গৃহ দেবত েকেনি সাহে বের चात्र वांन धानः किन नारक् नव चान काकाविक করেল। ইছার সহায়তায় কেনি সাচের অনেক আশার বিরুকে মিগ্য। মালিশ করিয়। ভিক্রী গা-देशारक्त। कि आभागीं ' अकते। एक् व शार्वत मू-ला ७० है। वेश कि बरानत कथन अवन कवि-कृत्यम ? दर्भ म महिम्ब शिर्ड के शास्त्रव चानक-नर्था अधान अभाव नाम धरे अकार क्षमान्न किसी शांश वक्षमार शक्षात्र एउ:न इ-🏂 देश भीरमह मामन खीकार कविश्राह । म 🕒 । मह अञ्चलका भावेत्वर्ग किन पोटवदर विज्ञासन काटसम मान्यह माने, किन्नु डीवार म-

हम नाहे, आरहह कामान क्यान अने मराज প্তিও ছুখে **হউতে ধো**ক ধ্বিয় স্টয়: চ^{ংগা}ং भिट्टाइर। व्यानक अव्यक्त विष्युष्ट । वेटा टार्नि थ्,क्राम् कदिएउ द्वारम् ग्राप्त२०। ३० ४ क-বিয়া বেশু হৈতেছে। এড ক্সিল এক এক প্রকার বি रङ्ग कर भ ५ मिथा। सामिम 'ऐश्विष्ठ' ४ हेग्रोन ध्रम् **ब्रिटशंद ब्रुट्ड नर्गन कविट्ड ८१ ल** छ। भ किन ব্যেল হাল্য় লিটাৰ্থ হয়। পাঞ্চাৰা চাৰ কৰিবৰ " কি মুক্তমাৰ কুওখাৰ লৈকে, এই চিদ্ৰাণ বাংগুল कृष्टेशः कानरमाध्य कावि मक्त करिए इ.स. श्री परा राइदिक भटन्। राष्ट्र कडेशांग्स । स्वीताह राष्ट्र (क्रेम्ब्रह्म क्र्राइट३व विक्राङ्क अनुगरमा की ठ∤ दे गड़ क्रवर्षाख इस्याट्स । किस् अवर्गम में श्रेणांद श्रीत कृष्टिशां र करिरदम् (श्रंब बद्ध मः न अग्नि ≧ाइकि कारिद्रा (कान राष्ट्र) त शक्रिया विद्राप्त एवं क्षण क्रमधान्य कांत्रदेशका हिन्द प्राटम हि श्रम-छाछ ४डेटएण। शक्कारव श्वर्गरमध्योत सिकंगे अहे आर्थन, मान अक्षाप्तिमान कि एक एक मान्या । रशन (आयुः कहा भ्यः, पूर्वरातक सक्कः कवा उँ ६ -मिर्श्व कर्तना कर्मा हम, उत्व श्रक्तां प्रियंत भाग দ্বেষ প্রতি প্রথিস কর্মন।

টেম্পল সাহেব কেনি সাফেবের গৃকে वाम ७ काष्ट्राति २ तत्व । । १३ । किन मार्ट বের সম্ভিত প্রদানিগের বিশ্বাধ ভঞ্জনার্থ **रहेम्लाल भक्ष्यरल निर्वाहर न। र्व्यान शहर** ৰ ৰাদী ও প্ৰকার। প্ৰতিৰাদী। এনপ इटल हिम्मालं किमित्र शृंह वीम ३ कः ছারি করা যে কোন র'জভীয় আজ্ঞা, विधि अथवा युक्तिन अनुमार्थी. हहा आ मास्टिशंद (बाधशंमा क्वेटक्टम मा। अवग মেন্ট এক্স অনভিজ্ঞ লোক্দিগকে নিযু ক্ত করিয়াছেন, ইছ'র প্রত্যবায় ভাগী কে ध्हेरबन ह

অংমাদিপের পত্র প্রেরক টেম্পলের বিষয়ে যেত্ৰপ লিখিয়াছেন, তাহা যদি প্রভ্য হয়_ত (ইমার সত:তা বিষয়ে সন্দেহ করিবার কারণ নাই, পত্র প্রেরক লিবি গাছেন, ইফা সপ্রমাণ করিয়া দিবেন) रविध निष्ठ व कर्खारः धूर्च ख नवादिगानव ग्राविकाद्र कारलव विष्ठांत्रकर्णाण्डियंत्र 🕶 क्ष्मव विकास स्वीतामा । नाशांतरनव स्थापत क्षिकः जिल्ला जिल्लाहक नाम्बर

र'रे , छेकु नवावनिरशंत अधिकात कारत विहार दांग्रेजा माकांच महत्वा धाकांत्र म র্রন'শ করিছেন, ইছারা অসাকা**ৎ সমুদ্রে** করিভেছেন। বিচারণ্ডির এব্যিধ ব্যব হ'ব দেশেৰ উন্নতির প্রধান প্রতিবন্ধক। যে দেশের প্রজাগ স্থাপীনরুত্তি হইয়া क्ष्यापि कार्या कविष्ठ ममर्थ मा इस, तम ্ৰের কখন জীয়েজি হয় না। একপ ব্যব শর বার্ত্তা শালের নিজ জ বিরোধী। জান को दाउँ कित लिश्चियार एन " एवं अ'हेन छ েবার র এক লোগির **সংবা** এক সম্প্র মারের অফিনী করিমা **অপর প্রেণি অথব**ণ এপর সম্প্রদাথের ইউ সাধন করে, যাহা কচক্রনি প্রশার আত্মহিত চেকার এতি রোধক হয় তাদ, বার্জালাপ্তের মূল বৃক্তি र मिना व दिक्सक , यो मकल चारेन ७ दा ब्रहर्ग मा धा किएल एएएनेझ नीयावएगा एए উৎপদেন শাস্ত্রি থাকে, ভাচা কলিয়া যায়। ব্যামরা বেশ্বলের করে করিছেছি, े द्राल आहेत र मार्च मा थे। कित्ले दि চারণাতিব লোমে বাৰহাব দোৰ জন্মি

বিখনাবিধাই :

ভামরা ভাবণ করিয়া পরম আহ্যাদিত হইলাম ছগলীজেলার অফুলাডী বীর সিংহ আমে ২৪ আবণ শুক্রবার মহাসমা वाटक अक्टि विवानियाक क्रेक्स शिक्षा ছে। এই वीव्रमिश्ह विश्वविवाहव्यवर्षक প্রীযুত ঈশ্বচন্দ্র বিদাদোশরের বাসকা न। १ जिपूर्त अहे आत्मन क्लू फिरक क ন্ত্রকোনা রামজীবনপুর প্রভৃতি নানাস্থা त विवाह इटेंच्डिन, वीवनिःह आंत्र **এই अध्य स्ट. १**.७ इड्ल । बीत्रिलिः इ রাধানগৰ উড়পালা বছপুর লক্ষাণপুর উ महश्रक्ष मीर्वधाम विक्तिसभूत (गःविक्रभूत প্ৰভৃতি এ'মেৰ ৰাখ্টাণ ভদ্ৰলোক সভা क् इड्डा कर्ब नमां क्रियाद्या ।

जे अक्षरम श्रेष किंग उद्भारत कर्म

क्टम २०। २२ छि विथवात ब्रिवार स्ट्रेनाटर किछ कान विवादको अक्षेत्र मनाद्राक् ও একপ বছ গ্রামের সন্মতি ও বহু ভত্ত लारकत्र अव'शम रच्न मारे। बरत्त्र माम चैपूठ द्वामज्ञक शाहेक. दशम् २> वस्त हा अहे हेर्दात व्यथम विवाह। कनात नाम अवडी कामहिनी (मर्वी, कीव्रभावे निवा दानी जिवुक हात्रांथन চট्টোপাধাरः व ক্ষা। পাঁচ বংসর ব্যসে চক্রকোনানিব। দী এ দীভারাম চৌধুরীর দটিত প্রথম विकाह इनेश के ब्यूनदार देवथवा नक्टि इत्त । अक्तरः, कार्नीवनीत्र बगःक्रम क नत्र বহুসর মাত্র। বিবেচন। করিতে গোলে अ। দেশের লোকে সমধিক যতুলীল ন। চট্লে मालि कामहिनीत विवादहत शक्क वत्रम् हत न.है। अरे वगरमत मरशा विवाह देवस. या प्रकारित ७ श्रुनतात्र विवाद दरेल !

ধ্বর্ণমেটের অধ্বা মিসনরিদিলের কারণর বিদ্যালয়ে তাশিকা क्यू र

जारक वर्षी ग्रिपिटशब्र जमां आ. वर्ष. ब्राक्त ख পাসন প্রণালী প্রভৃতি যে গে বিষয়ে নিরুষ্ট 🐠 ও সদেশতা দৃক্তিগোচর হইয়া ধাকে, সে সমু नाम्छिलि এक कात्रर्भ भयावित्र हरेर्ड भारतः ভাছা দুবীতৃত করিবারও এক মাত্র উপায় আছে। বিদ্যাশিকার অজাবই আনাদিগের ভাষৎ কটের কারণ। আমাদিনের দেশের प चःटन दिनाव भगविक नमानव हरे য়াছে, সে খুল হইতে কুস কার প্রভৃতি शलागत्नाच्य व्हेशाटक् । त्य खटल प्लाहात्र সভাব, সেই স্থলেই নানা লোবের প্রছুর্ভাব। एपि আমাদিগের ক্লাকেরা লেখাপড়া জ। নত, ভাছা হইলে কি ভাছারা প্রভাক कृमाधिकाती ও बीलकदब्र मान क्षेत्र ধাকিত ৷ মধাম ও প্রথম জেণি ঘদি প্রকৃত **ह**्विमा इरेट्डिंग, जात्रामिटगंत जात्राक्रिक मित्र कि कालिक अरमभरक धवन पूर ব্যোপ্তক করিয়া স্থাবিতে পারিত। ইংল द्वीव प्रदेशिका कि जामानित्यत यथार्थ चय

७ व्यक्ति गात शतायथ हरेट शांति তেম ৷ কেব্ল এক বিখ্যাশিক্ষার অভাব কি चामाचिरभंत्र चौनका, ७ मध्यामा माइ मानि वित्रद्व अथान कात्र नदह : अट्रम भिव अधिकांश्म लाटक यनि क्रुडविमा হইতেন, আমর। কি কানাড়ার ও অত্তে निश्चात उपनिविध्यकाति पिरशत नाम को ज्ञानांनी इरेट शांत्रजाम मा ?

व्यामामिरभेत भवर्गस्मन्ते । जामद्रा व विवदस कड मूत्र क्रुडकांग इरेग़ाहि, अक्रटन ভবিষয় বিবেচনা করা আৰশাক। বে:ध रत. এकथा नकत्वर बीकात कतित्वन, কেবল গবর্ণমেণ্টের চেন্টার দেশের সম্যক উন্নতি লাভ হয় না। বিদ্যাশিকা বিষয়ে এদেনের লোকের তারুশ যত্ন ও অনুরাগ मारे, मुख्याः शवनंत्रके या किছू क्रायन, হাহাই প্যাপ্ত জ্ঞান করিয়া থাকেন ৷ किंद्राप्त अवाली अवलयन कतिराम राम मा ারণ থাবতীয় লোকের শিক্ষা কাঘ্য সুন্দর রূপে সম্পন্ন হয়, এবং ধর্মনীতির উনতি गांधत्वत्र छेशांच विधान वाज्ञितांक त्य भिकाषान अवाली, डाहा पूर्व ७ अमन्त्र रीय नय, अ जरून हिन्तांम आवानित्रंत्र ্যায় গ্ৰণ্মেন্টও ক্লেশ স্বীকারে বড় সমত । হেন। ধর্মনীতির সমধিক চর্চা ও সং ধণালী অনুসারে যে সুশিকা চইতেছে া, প্রধান পুরুষদিগের কোন লোন ব্যক্তি । मूर्यं अकथा क्यंत कश्य मुनिहर भा 1201-३३१ शांश ।

(बाष.हेराव भवर्गत मत टाउँम कि बाब ঃক বিদ্যালয়ের পাবিভোবিক দান সময়ে ›হিয়াছেন, প্র^{ক্}মেণ্টের প্রতিষ্ঠিত নিখ্যা য়ের অপেকা মিসনরিদিগের প্রতিষ্ঠিত [गालात डेडब निका इडेग़ा शास्त । अहे [बर्दन बीप्राश्मार्थी क्रेशो मश्वाम शक अ ान पुरे मत्त विश्वक रहेबादश्व । **अक क**न वर्गरमध्येत्र व्यवलविक निका धार्गालीएक র্গে লইয়া ঘাইছেছেন, মৃশন্ন দল মিসমরি

विनालरत्रत्र निका अभागीत्क कार्नुहोसे के त गरेश गरेनात ककाम चार्ट्स । क्रिकं जामता अमिना बानात ता ह छक छकत्रिय সদেব শিকা প্রথালীর একটারও উচুক বন পত প্ৰশংসাগানে উন্ধ নহি। যে শিক্ষা প্রণালী দারা বৃদ্ধিবৃত্তির অধিকতর বার্জ ना रतः त्म प्यराम शवर्गामके विशामारबंधः राजिपरभेतरे व्याधाना नवन (शांतत रहेक्) ধাকে। সাহিত্য, গণিত, ইতিহাস, বার্জা ু भाज, व मधुमात विवास भवनीयक विहास লয়ের ছাত্রেরা আর সকলকে পরাত্র ক রিয়াছেন। থেলিডেশি কালেজের বৃত্তি व्यथन विद्यालतात ७ जुलवारे एव वाँ 1 কিন্তু ধর্মনীতি সংক্রান্ত শিক্ষা প্রাণালী अनम छेशिक्ष स्ट्रिंग यामना अवर्गनिक विमालरमञ्जू हाजभगत्क व्यापाना शहरादन Beमारी महि। श्वर्गरमणे विशालात ख इत्भ कार्या इरेग्ना शास्त्र, जारांट खेळाड চাত্রগণের এবিবরে নিকুইতা হওয়া কৰতা रेड मन्न । लिकक्शन (क्यम हात्र विनदक গ্নীকোন্তীৰ্ণ করাইবারই চেকা পান। গতেরা ছুই হউক, আর ছুশ্বরিত্র হউক, াবিক পরীক্ষার সময়ে প্রশংসা সাক্ত ারিলেই শিক্ষকেরা ভাহার সমুবার বোৰ राज्यमा कासमा १ कर्जुश्राचना । अह हिंड द्रीकिटक छैंदनाए मोन क्या व्हेंगा 'কে। অধিকসংখ্য ছাত্র পরীক্ষার 🕏 हैर्न इरेटलरे छै। हान्ना कुके इन । अ भरत्य মসনরি বিদ্যালয়ও সমধিক সৌভাগ্য ।ली नरहम। मिथारम वार्यम भावना য় বটে, কিন্তু তাহা ছাত্রগণের চরিতা সং শাধন বিষয়ে ভাতৃশ উপৰোগী হয় না। কান ছাত্ৰ গৃহে অথবা বিদ্যালয়ে কিৰপ त्राष्ट्रप्रकृतिकः, वास्वत्तवः केशत्रभानू गादव लिल कि ना, त्रिमनति विकासिएयत व्यथ ऋहा चर्चवा भिक्ककश्व कि य नकरमह बनुजक्ति कत्रिशे भारकते ? अ नकरलत ममूनकान वाजित्तरक कि ছाज्य वर्णनी ভিত্তে বুংৎপত্তি জন্মিবার অথবা চরিদ

केक विमानासम दिख् बाजनियम ग्रह ৰাইবলের উপবেশানুৱণ আচর্ত্র হওয়াও সম্ভাবিত নয়। ভাঁছার। বিদ্যালয়ে যে श्राचंत्र व्यनुगाती केशरम्य खर्व करत्रन, পুত্র মিরা ভাষার বিপরীত ধর্মানুসাবী আচরণ দেখেন। উঞ্চ বিখ্যালয়ের শিক্ষক भरवज्ञ । क्यम बाहेबम भार्रवारक पृथि, **ুল্লের ভাষার উপবেশানুরণ আ**চরণ क्रिकिमा, रंग विवरम् पृष्टि बारे। रक्शन कि सुक भक्तीत बाह्र श्रीक्क वर्श्वरलत ৰাক্য শিখিলেই চরিভার্থতা লাভ ব্যু

বে- প্রবালীতে শিকা করিলে সমূর্ণ শ্বলে কুতার্যতা সাতের সম্ভাবনা আছে, कि श्वर्गस्थक विमालदात कि मिननति विषामद्वय कांग विष्यालद्वय वधारक ্রাই ভদনুসরণ করেন না। সে প্রণালী **बहै, विमानतात्र निर्दे ट्यानि स्टेट** चात्रह করিয়া প্রথম এই নী পথাত ধর্মনীতি সংক্রাপ্ত **উপদেন क्षेरिक निवय क्षित्र क्रेटर** । हा व्यक्त के पुर कि विशालत कार्यात कि कंश केंद्रांत्र कत्रिल, निक्किलिएशत्र एदि বল্লের সবিদেব অনুসন্ধান করা আবশ্যক। शार्क मा इहेटन निकटक्यां अथन रामन इ।जिन्दिशंत क्थिविधान क्दब्रम, इब्रिज क्यांच কর্শন করিলে তথন তেমনি স্প্রবিধান ক तिर्वन । यठ निम धरे मियम म। इरेटक्ट क्रक भिन्न कि शवर्गरमणे विभानम कि मिन মরি বিখ্যালয় কোনস্থানেরই শিক্ষাপ্র নালী माण श्रेरफट्ट ना । जकल विषद्युद्ध वाला। ৰধি অভাস চাই, অভাস বভিরেকে **দুচ্তা জন্মে না। সে অ**ভ্যাস কোথাৰ ১ यादात्रा मिनमति विमानत्यत अथवा भवर्ग स्य विमामरत्रत पृष्टे छ।ति कन अफविज शांत्रक क्षत्रांग चन्ने अम्मान कविशा **তত্ত্ব বিদ্যালয়ের** শিক্ষা প্রধানীর উৎ क्यं ७ जनकर्य ध्यान कतिवात (हरे। भाग, फें.हाता आव गरक्व नाहे। हुई हाति अस्मत् नकतिम्बन्ध चाता निकाध तस्म निक्ष नवस् । दक्ष स्टान्त कृतित स्व

भाव मर्गाविक स्ट्रेबाझ मञ्जाबन। चाटह ? गालीज केरकर्व वा कशक्य श्राम स्ट्रेबाज मञ्जादन, बाहे।

विद्वाही बद्धावन्तः।

नत हात्रम्त डेड अक्षित इ छेत अव কমকো কহির'ছিলেন গুলি চিরস্থানী ব त्माबल थाथा चात्रकदार्वत्र मर्त्रदाल क्षत र्खिड कड़ा यात्र, छात्र ठबार्यत्र यथार्थ अनल হইতে পারে। সর চারলস উত্তর এবসিং উদার চেক্টার সহাদ প্রবণ করিয়া ভূটা কারণে স্ব মাদিগরে স্কুতিম সামন্দ क्रिकार । अक. अहे अभी अविश्विष्ठ हरें ल ভाরভব্যের সবিশেষ 💐 दुष्कि इरेट्य । विजीय, अहे क्षणा क्षत्रक्ष्म यू खिन । मा য়ানুসারে নিভান্ধ আবশ্যক। এতদিনের भव এই अधाव छन नव ठावलन छएउव क्षमग्रम्य इहेशाटह । यम्रामान कित्रहाशी বন্দোৰত থাকাতে দেশের যে মহোপ कांत्र लांच इहेबाटक, अक्था अप्नारकके त्रीकात कतियां भारकन । गष्ठ वर्गद्रत ছডিক কালে খনেক প্রধান ব্যক্তি উত্তর क्तिवात चनूरतीय क्टब्रन । मट्या मट्या মূতন মূতন বন্দে বৈত্তের নিয়ম থাকিলে क्रुवक ७ मभीमाद्रत सुमित्र थाटि वशार्थ मात्रा अरम ना । कत्रवृष्टित छट्य परनटक ভূমির জীরুজি সাধনে বিমুখ হয়।

আমরা চিরতারি বজোবত্তের সপ্ কতা করিতেছি বটে, কিন্তু আমরা বদ (मर्भक् बरमः वर्षेत्र मर्भक नि । धरमा বত্তের একটি মহ ন লোগ আছে। এত ছারা জমীগার্থিপেরই হল্ডে অধিকতর ক্ষমতা শেওয়া হইরাছে। কুবকদিগের স্বত্ন ও षिकारतत विषया ए: मुन यज्ञ कहा इत्र मार्डे । शांठेकशत्वत्र श्रात्रक शांकिएक भारत, आयता मूर्ट्स धक्वात ध्रमान कति म्किताम, क्वरकतारे जुनित यथार्थ भ धिकाती। क्यीमात्र ७ ब्राकात क्यान

ৰূপ ৰ'লোৰত কৰা ছইয়াছে, তাহাতে জনী मात्रमिरशत्रे खुचामिच चौकात कता हहे য়াছে ৷ লাভ কণ্ডয়ালিস গ্ৰণ্মেন্টকে ভূমি त अधिकांत्री विशिश श्रीकांत करत्रम माहे। व्यनुवादन कतिया शिक्षित देनमर्तिक निहम ও বিশুক যুক্তির অনুসারে রাজা ভূমির अक्र पानी मार्य । উक्त लाउ क्रक मिश्रांक केरशका कहिया यमि क्यीमाहनि भारत हरक मर्बद्ध अञ्चा अनाम मा कति তেন, তিনি ভূমির প্রকৃত খামীর জাবি सत्ता नमर्ग हरेत्राहित्यम, आमता अद्या যুক্তকণ্ঠে দ্বীকার করিছাম। ডিনি ফদি करीमात्रमिरभन्न इरख यरथेक् क्रमणा जा দির। কুবকলিগের সহিত সাক্ষং সহছে চিরস্থায়ী বল্লোবন্ত করিতেন, নীল প্রধান क्षरणट व इवकितियत इश्वन कुक्तभा कि আমানিগের দুর্ভিলোচর হইত ? মীলকর িবেগর সহিত জন্তত্য প্রজাপণের কর্ঘটিত विवान नहेश भवर्ग अलेटक एक कहा शहरक হইবে ফেন এই বিবাদের মীমাংসার্থ माधातरणत है।कार दा बखे रहेरव (कर : भिक्तमाकरल উतिथिक अकात वरमावस में किन्न नत **हात्रमान जिल्ल एक एक अका**त वरमाव তের সম্পা করিয়াছেন, তাহাতে এদো যের পরিহার সম্ভাবনা আছে। তিনি समीमात्रमिशाक सथागकी मा कतिया छेवत পশ্চিমাঞ্জের ক্রবক্দিগের সহিত সাক্ষাৎ সহজে চিরস্থায়ী বন্দোবন্ত করিবার মনো त्रथे क्रिज़ाट्डन। **७३ वटकाव्य अक्**काटन नर्बत क्षवर्षिक कहा हहेरव मा। नमर्य न मरा य ममल बरम्बावल व्हेबार ह, छ। वात बिन्निक जमन्न छेन्दीर्ग इंदल विद्वहरू शर्म क ित्रकाशिकारण कत थागां कता करेटव । भूईरुवि विवयः मुगादि नकल एल किछू धक्कारम स्टब्सावल इस्र नारे, चल्यद मुख्न নন্দোৰত সৰ্বত্ৰ প্ৰচলিত হইতে প্ৰায় ৬-बद्भव माशित्।

সর চারলুস উডের অন্তাৰ পালিয়ামে के भुजात चापुर के भूकीक स्टेश विधिवक क्ट्रेंटन मित्र लिबिक क्ट्राक्ति महान छेन

काव लाक रहेरव । अर्थन, इंब्रह्मका कृषा श्री क्ट्रेटन काक्षाविष्यंत्र कृषिएक अवका क জিবে; সুডরাং ভাগরা আনগবে জাগব আপন ভূমির উন্নতি নাধন চেন্টা করিবে ৷ বিতীয়, ছাহাদিগের স্বাধীনতা ও সৌভা ন্য লাভ। ভৃতীয়, ভাহাদিদের স্বাধীনতা ও সৌভাগ্যলাভ হইলেই তথুলক ভারত वरपत विरमय जीवृद्धिलाख वरेरव । इकुर्य, এक्ट्र बीलक्द्र अभीमात्रगिरभद्र गरिष हुन कणिट्रांत्र निका विट्रांष बाकारक काश्रह मीमाश्त्रार्थ शदर्शरमध्येत्क वः चिवान व्हेशा त्य व्यर्थश्र ७ क्छेबीकात्र कतिए७ स्ट्रेस्ट्रस् काहात व्यटनक लाचन इहेरन। शक्तम, अ कर् केश्निष्ठ दिस्त्राध्युमक कात्रक्रस्य रा मिश्रा व्यवक्रमाणि क्यांच व्यवस्थि पृष्ट्रे इंदेरहरू, डाइ। जन्मुर्न्दर्भ मा रखेक, च त्नक चर्टलं क्रम इरेट्ट । यर्ड, यनि मिन्।। প্রবন্ধনাদির সূনেত। ও তল্পক মকল্মার <u>कृत्य करेवा शवर्गरमध्येत्र विक्राह्मकारवा व्यर्थ</u> ব্যায় কমিলা যার, ভারতবর্ণের অর্থসভূল हरेबात चात्र अवजी खेलात स्टेटव । कलका দর চারলুদ উডেব প্রস্তাবিত চির্ভায়ী ব লোবন্ত প্রথ। প্রবর্ত্তিত হুইলে ভারতব্বের বাজনীতি, সমাজ, ব্লাজৰ প্রভৃতি বহুতর विषया नर्वाणीय समामाज स्ट्रेट्य मरमास नारे

शहरणाद पायानित्रत पात धकी विद्या पाद । उत्तर शिवत शिवत विद्या पाद । उत्तर शिवत शिवत विद्या पाद । उत्तर उत्तर के कि विद्या विद्या कर के कि विद्या विद्या के कि विद्या कर के कि विद्या कर के कि विद्या विद्या कर के कि विद्या क

वर्षकात रहेता निवादक । अवन कीशानिन त्र तरे तरे क्यीगाड़ी ररेए बर्क করিছে মেলে অনেকের সর্বনাশ হইরা वारेरव । गडा भवर्गस्यके कि धवन कतिरक शास्त्रकः । चित्रकः, भवर्गायान्येत्र क्षाविका ভদৰণ আৰু একটা অনুৰ্থ ঘটিবাৰ সন্তাৰনা। তবে গ্ৰণ্যেটের কিৰুপ क्यां क्ष्या । अवर्गस्मात्केत्र क्ष्या अहे, की श्रा व्योगात्रिश्य मध्यारेगा क्रवकि গের নিজ নিজ জোতের ভূমিতে অংশ হা রে যৌরসীপাট্টা দেওয়ান ৷ স্বীদারদিগে র এপ্রভাবে অসকত হইবার কারণ নাই। क बरकावच कत्रितन छ।शांकरभन्न स्था चार्यकाकुष केर्यक्रका क्षत्र मन्त्रम स्टेरव नदक्क बाहे। कें.शक्तिश्रं क हावं पि **कृतित छै**शस्त्र निस्म किंदू केत्रिवात रेका ধাকে, পতিত ভূমি বিক্রয় হইবার প্রস্তাব स्ट्रेटक्ट्, छोडा अन्त्र अथवा अनुनामन ভূমির আবাদ করুন। মৌরনী বন্দোবত না থাকিলে প্রসারা ভূমিতে স্থায়িরূপে কিছু করিতে চাহে না। ভাহার কারণ **बहे; त्रक्र किंद्र क्**त्रिल क्रमीमात्रमिरशंत हाथ डार्डिश डेटरे। जामना वक मिन चक्र्प स्थितिलाम. क्लाम क्लीपादत्र अक शमखारक अरू क्षका करिएकरइ, " जानि ২০ বৎসর যে ভূমিতে বাস করিতেছি, ভ হাতে ২। ৪ টী পাছ বসাইয়াছি বলিয়া ভোমরা, খাজনা বাড়াইতে চাহিভেছ, আমি যে আওলাত করিয়াছি তাহার কি ष्ट्र मूला नाथ छे.ठेसा यहित।,, अमीना (त्रता नार्चभत्रकः वमकः धाकामिरभत् कर्क ও হিতাহিত বুরিতে পারেন না।

পুত্তক প্ৰাপ্তি।

আৰৱা হতজাতা সংবাবে বীকার করি তেতি নিঃ নিখিত পুত্তক গুলি আমাদিনের হত্তগত হইরাছে।

সাহিত্য মুক্তাবনী। শান্তিপুরুত্ব ইংরা জি বিদ্যাসরের পথিত শীবৃক্ত জরপোপান গোরামি প্রাণীত। সংস্কৃত ব্যবিভালপতি হই-

त्व देश शक्ताव नश्वरीच वर्गेताहरू

<। রারায়ণনার সংগ্রহ। ক্রিছত বার ক্রানের পাল রাবায়ণের নার সংগ্রহ করিয়া বাসনার প্রণয়ন করিয়াছেন।

ও। ভানিনীবিলাস। সংখ্ ভ প্রস্থা। ক্রি-ভাভা সংখ্ ত পাঠনালার অন্যভর অধ্যাপক ইবিলুনাথ ভর্মর ইহা সুবিভ ও প্রচারিত করিবাহেন। ইহার তুক্ত অংশ ও শঞ্চ সক্ষ-লের ব্যখ্যা করিবা দেওবা ঘটরাছে।

है। यमध्यप्रभाव है किशाम । विश्वेष्ट मानू विध्यमान काष्ट्रवी धारताचन धानानीएक मकर धानन कतिनाटकन।

१। व्यव्यक्तिक व्यक्तिक्वकाति । इस दिक्ककातिमी नक। इसे. रामक कि ना । इस दिक्ककातिमी नक। इसे. एक मृतिक क व्यव्यक्ति स्ट्रेशिट्ड । व्यक्ति व्यक्ति नमक नरह, व्यक्त व्यक्तिनाम नहें व्यक्त व्यव्यक्ति स्था केटकमा ।

भ । यत्रथं कान्य । छात्राष्ट्रत्य कान्य व्यवीखः । जीवुष्य बांद्र नरीनव्यः कक्षः नश्यापम कवित्रः। देश त नुजनकांग्रंग नत्मत्र कत्रित्रांत्वतः ।

वाव।

शक्रवता ।

" গাগা কি কখন ৰে'ড়া হয় >

बारे निरम्नामा विद्या शक्त ५० हे साम्यस्य नामध्यकारम श्रम्भ महामहात्रिनारक निविद्ध করিবার ড়েডা বিবয়ক বে একটা প্রস্থাব প্রকাত निछ ब्हेबाट्ड, 'अविवत्तक मण्यूर्व ,मश्वात क्ष-पान क्यारे जागुकाय अ अखारनम् यूथा केरण-শ্য। আষাধিগের ভূতপূর্ব লেপ্টন্ট গ্রন্ত গ্রাক সাহেব পার্কশালার গুরুমহাশর ও ছাত্র-त्रिशत्क शांत्रित्काविक विवास क्षत्रा विकिश টাকা প্রবাদ করিয়া খান, কিন্ত নিকা সংক্রাপ্ত कार्यात काषारकता यासारक के ठीका दाता अक्रमश्मित्रक्रिशस्य निकिष्क कृतिया नाध्यः। হর, ভাষার চেরার কিরিতেছেন। প্রার এক ৰংশর গভ হইল, উড়ে। সাহেব কভকগুলি कर बर्गकरक र है कि वृद्धि विका मुनली न-শ্বাল শুলেপাঠাইরাছিলের এবং ভারাদিগের ক্ষতপাঠশালার ১২ টাকা বেডমে এক এক न नर्मान ছाउँकि निवृक्त क्या स्ट्यांकिन नार्यस्य वास कारतम, छेराजू । नारश्य आहे প্রথা অবশ্যন করিয়া হাডায়ার্থইয়াছেন। বিস্তু এ রহন্য কাহার কাছে নিবেছন করি।

গভ বংসর উত্তো সাহেতের সরকুলার यानमा अक्षेत्र अधिक देवदान्त्र इति । एक्ष्यका कार्या अर्डेड्ड ब्हेरन, स्वयन शन्हेरनद्व स्वशास्त्रत निशिष विश्रेष निशाशीस स्थित कृती-লোক খীক্ত হয়, সেইবুপ গুরুষহাশরেরা कोछ क मुझादिछ हरेन, कांत्रक ऋता ४४१ জনমুব উঠিল বে গ্রেণ্মেন্ট গুরু মহাশয় দি গকে মায়া গিরা কুলী বা ভারবালী পভর কার্য্যে নিয়োকিত করিবেন। স্তরাং আর कान (छश्री देनएम्बहेत्रे नर्पात्व एक शा-ঠাইতে সমর্থ হটলেন না কেবল বর্ষমানের খুৰোগ্য ভেপুনী বাবু ভানেক যম্ব করিয়া প্রান্ত ৮,১০ চী গুরুকে নর্দালে প্রেরণ করিয়া প্রভুর আজা প্রতিগালন করেন। কিন্তু একংগ বি-त्यंबद्ध अवगं इश्यो गिराद्ध व के नकत. शुक्रव मरभा २'३ जन वाजिरत्ररू आह रूप्टे বাস্ত্ৰিক গুরুমহে, কাহারও গঠিশ।লা ছিল ना , एअपूष्ट बांबू टालाउन, छक्काहेन, बनी করণ প্রভৃতি হত্র প্রাপ্ত বারা আবের অ-পর লোয়কে বলীছুত করিয়া ঐ কার্য্য সম্পা-মন করিয়াছিলেন। ইহাই উত্তো পারেবের ভূতাৰ্থতা লাভ।।

সম্প্ৰতি উক্ত বিষয়ের জন্য যেবাপ প্ৰস্তাৰ 🕛 হুইভেছে পঠিক বৰ্গ তাহাও অবগত হুইন। ্লু এবংসর গবর্ণমেন্ট উক্তর্মণ কার্ব্যের নিষিত্ত ব্রিশ হ'ভার টাকা দিবরৈ সংক'প করিয়াছেন। 'শিকা সংক্রাপ্ত কার্যাের ক্ষধ্যকেরা প্রভাব ক্ষুতেছেন যে ঐ টাকা ভারা বহুনান, কুক্নগ্র 🛥 ছাৰ্কায় এক একটি নৰ্ম, বিদ্যাপন্ম স্থাপি- 🚶 আ করা বাইবে। যাহাস, বা স্তবিক গুরুষলালয় **ছিল, বা বাহারা গুন্মহালা চইতে অভিনান** क्टब, खोहांद्रा ६ है। का ब्रह्मिक क बन्धारन का निता अक वरमात्रत जना कथायम कतित. ৰাথায়া সাটিফিকেট প্ৰাঝি পূৰ্কণ প্ৰিগত **ब्हेड्डा शक्रमशानास्त्र कार्य, वर्गग्छ बहर्व,** न्यदिवाने ভाषामिश्यक यात्रिक एक होका প্রালাক করিবেন!। পার্থের ব্যাগ সমেত মালিক ५०० भाष होना विषय दि पूरे कर नव एड क्षेत्र है विकास के दिवस के दिवस के दिवस के মুক্তু পাঠশালার **জন্মা**নধান করিয়া যে সকল हाञ्च 🖝 चम्रावराजम् दिवरक् चम्राव दर्शवरतम

ভাগবিগকে ৰব্যে ৰহেব্য কিছু ব পারিভোবিক প্রদান করিবেন। একারে পারকবর্গ আনারা-সেই রুকিভে পারিকেকের্ন বে উভো সংক্রের রুভার্বভা লাভের সহিতে এই কার্যোর, কলের কভার্বভা করেব্য থাকিবে।

কলতঃ এবিবল্পে আমানের গবৰ্ণনৈ ক তাচ্দ দোৰ দিতে পারা ৰাম না, করেণ তা হারা টাকা দিজে নিভাস্ত ফাতর হইতেছেন ना, किन्न मिका मरकान्त कार्यग्रत कार्याकर्ता বংজে সৰ্বীৰৰ প্ৰাত্মতা পাইয়া ঐ টাকা বাধবা एम बाह्र कहिएक एक । अहे बाल के । एक हो ना नडे कतियात मृडेक्षिम्सण मिनिकात का नारव व विकास निष्य निर्मालक विकास किया निर्मा নিরোগ এবং তাঁছার খাখালার জনভি-ক্ষত। প্রযুক্ত এক জন বালালিকে তাঁহার नरकात्री क्यांत्र विषय है निषिष्ठ रहेश्राहर, छारा वाध बन्न जान बन्न नाहे, कान्नम हेवा जादन খড়ংসিদ্ধৰৎ ধরিয়া শাইডে হইৰে ৰে বালা-লিয়া সংস্ৰ বুৰিবাৰ ৩ সম্ল কতবিদ্য হই रम् इंबर लहेति अष्ट्रिं वड्ड वड्ड शह क्यनह ভাহাদিগকে দেওয়া হইবে না, খলাভি গাগন ধঝান্তরে ধে উহা ইউরোপীয়দিগকেই দিতে इंडेटर, इंश गयर्रायर्थेंद्र अरू श्रामेत्र चित्र সংৰূপ আছে দেখা যাইডেছে। ৰদি তাহাই म्य उदर व्यक्तिकहेक हेनव्यक्तियी विश्वा क्तात्र बहेबाटक बना बाहेटक शास्त्र ना। किन्न खन्नरथा ज्याकर्षा अवश्चारथत विषय अहे त्व অপরাপর ইনজেক্টর সাহেবেরাও বাজাবার शावामिं विवास विकास के प्रमानक इहेट्डम, किन्नु गैंवर्थाय के जागामा चारम हैन-ক্ষেক্ট্রনিগের বাকলা কানার অবশ্যকতা পুৰুত্তৰ করেন নাই, কেবল সৈড লক্ট সাহেব বাললা আনেন না প্তগাং তথারা সমুদায় সুনিৰ্দ্ধাৰ হইডে পাবিৰে না ভাবিরা এক জন হৃত্বিল্য ৰাজালিকে তাঁহার সহকারী করিয়া जिश्रास्त्र ।। याद्यं बंडेक "यूफि विक बहरताहै ভাল হয় ৷ যদেই কোন কার্ন বলতঃ ভাহা না ংয় তবে উহার একটি লাজুল বোজনা কয়িয়া प्रथम छेडिएड » देश त्व अफ कित्नत्र शत গৰাবেকের বোধ হইরাছে সেও আনাদের **এक ध्यकांत एक ज़हक बलिएक ब्हेर**व !

'পরিশেনে আর একট কবা নিধিয়া ঐ। তাব স্বাধন করা বাইডেট্ছ। গ্রথকেই আ

नामिरगत नियु स्मरीय लाकप्रिता विशासि-कांत्र करा त्य अष्ठ क्षत्रांत्र शाहेरखरस्य खळा-ন্য তাহাদিগের প্রতি আবরা সম্পূর্ কৃত্ত তা প্রকাশ করিভেক্তি। কিন্তু আমরা বাদালী, व्यामहो अरहर्शक्क व्यवका विश्ववद्भाव वानि, व्यामन्त्री निक्तन्त्र विगटिष्ठहि, डीव्यंत्री के कार्यर मश्मोधानत जना व क्षेत्री क्षतस्य कतिएउ **एन जाए। क्येनरे कार्याका**तिनो स्ट्रेटर ना । य-क्रि अरे के या जेख्य करण मरमाध्य क्रिएड তাগদের বাত্তবিক অভিপ্রেয় থাকে তাবে উ.হারা পূর্ব্বোল্লিখিড প্রস্তাব সকল পরিত্যা-ग कड़िया माहाबामान ध्येषाटकहे अश्टमाधन कहन अर्थार अफरन अहे कल निवृत्र आह বে ছাত্র দত্ত বেভন বাদে লেকেরা বভ টাক। দিবেন গণ বেষকী ডাড টাকা সাহায্য দিবেন, ছাত্ৰত বেতন লোকেশ্ দ্বিক্সিন ৰূপে क्षैतिगनिष्ठ बहेरन नः। शवर्यस्यकेः अहे नियुष র্থিত করিয়। ছাত্র দত্ত বেতন ৰত হট্বে তা. হাই লোকেন সৰ্দ্ধি পান বিবেচনা করিয়া ড– ए होका मः हारा मान कदिएए जाद्र इक्सा । ঐ বেডন স্কল সমূহে স্মান খাঞ্চে না খাকে **ওজ্নন্য সম্পানকদিশকে 'নর্মিত টাকা দিবারু** জ্জীকার করাইয়া লউন। গুরুমধাশর্লিদের পাঠশালায় আৰু সৰ্বজ্ঞত ৫ টাকা বেডন উঠি-त्री थीएक, बिलिय क्लान द्वारन ना केंद्रों कांद्रा क्ट्रेटन किकिए ८,डी कब्रिटन्ट्र ६ होना कब्राह्या नहेट्ड भारा बार । योशं बड़ेक, खबादन क টাকা নেতন উঠে গ্ৰৰ্থমেন্ট তথায় ৫ টাকা সাহাব্যদান করুন। ১০ টাক র এক জন ট্রা-মান্য ৰূপ নন্দাল ছাত্ৰকে বা নিক্টন্ত কোন শাৰাৰ্য হ'ভ বিদ্যালয়ের এক জন ক্তবিদ্য ছাত্রকে পাটলালার নিযুক্ত করিয়া দেওয়া বা-ইতে পারে। এই ৰূপ নিক্ক প্রাঞ্জি নিষিত্ত ज्ञान निर्माण कृद्रम क्षात्रास्य नाहै,वर्डवान स न्द्रांग बद्ध किथिए अधिक वाद्र निवरण विद्र-बा फिलाई इंडेएड शाहित्। किंश्व में नकन चूत्र महिष इंड विक्रोन्ड्यत उद्योवधारनत बना त नकन उन्त्री हैनिमला हेन्न निरम् विक থ।কিবেন, তাঁহার। সেই সেই আদের ২১ सन पुषिवान मुक्काल नकारन शांठीहें एउ रहते। कब्रिदेवन । कांब्रण आववानी कि:न वास्कि क्यां-পদ প্রাবে ১০ টাকা বাসিক পাইলে জীহার -अक्श्रकात प्रतिरक्त भारतः। अहे नकत पार्वा

ल्याना विद्यांत्र निविश्व है रहिक्को च वाणाना-एक विद्याय त्रणिविश्वामी अक क्षत्र वाणानिएक हे न एन्यत्रेत्र निवृद्ध क्षत्र निकाश कार्यमाक। योगानि कित है है रहिलिय बात्रा अकर्या नि-व्याह क्षत्र द्ववन काष्ट्रवर ख जीविन्यम बाद्ध है रहि है कि।

लक्षम व श्री खनाई अम्बर् ।---

ক্রিরস্থানক । লগুনের সমারোকের কিকিলান্তে হানত হয় নাই । পুঞ্চ পুঞ্চ লোক
সবল আমোদার্থী হইরা নানা ভাষে অমণ
করিতেকে।

ট°লভেমরী একণে সূত্র আছেন, শ্রেডি | রিভেচে। দিবল অস্বর্গ নিকেজনের নিকটে শ্রেম্বরে আমি বাছু সেবন করিয়া খাকেন। ধে ভূমিরুগ

्रणान बादबाब क्यशेचद्री अक कम्। धानव वद्गिवादक्न।

প্রসিরার রাজপুমবদু (বিকেটারিয়ার ছু চিতা) গর্ভবতী হইরাছেন।

ক্রিটান পালেনে বলাসমারোকে হাতে লোপনৰ প্রার্গিত হইরাছে। ৪০০০ গাধক একব্রিত হটর। হাতেনের রচিত কভিপর গান করেন ভাহাতে ১০০০ ব্যক্তি উপস্থিত ছিলেন।

গত ১৪ ই কুনে জাপান দেশীর রাজ
দুজের। হলাণ্ডের রটরজ্জি নামক ভানে উপ
স্থিত হন, তাঁহারা নিজ ভাবার লিখিত বহতর পতাকা নিরীক্ষণ করিয়া চমংহত চইরাহিলেন, ভাপানের সহিত হলাপ্তের বহুদিনামবি যানিজ্য থাকাতে জনেক চলাগুর জাপান
দেশীয় ভাবা অবগত আছেন।

শেন দেশে ঘ্ৰকা পেরেখ নায়ী এক জাজকাবং রাক্ষণী বাস করিত, গড় বিংশতি বর্ব
যাবৎ সে শেশনের অন্তর্গত গালিসিয়া এলেশের পক্ষে মহাতীতি বন্ধপ হিলা কতকথলা
অস্চরের সহিত সে নানা স্থানে ভাকাইতি
করিত। এবং কোন পৰিক তাহার হতে
পড়িলে আর ব্রাণ পাইত না। সে বংপরোনাভি নিচুর ভ্রমা। এবং ব্রুকান ব্যানিরা
রাজ্যার ব্যবস্থাকে তুলবং ক্লফ্র করিতে হিল
সংপ্রতি সে গুড় ছুইয়াছে।

विनन्न स्मार्भन्न करिमकि अधारन माना कू-

भीरमञ्ज श्रंटर जाविशा शोकात कत्रिएक हम ।

করাশীশ ব্যবস্থাপকসথান্তে শক্ট ঘোটকান দির উপার টাক্ষ লইয়া এক গোলকোগ উপা-বিজে কর । উন্তে বিষয়ক বিজ সংশোধিত হইবা গ্রাহ্ম কুইয়াছে।

ওয়ালাচিয়া রাজ্যের মন্ত্রিসমাক্ষের সভা-পতি কটার্গি সংগ্রতি নিমত হইরাছেন।

জাবেরিকার কেরর ওক্স নামক দানে অপ দিবস পূর্বে এক । । হয় তাহাতে কন্কেডরেইট্রর পকে ৮৯০ হড, ৩৬২৭ আহত, এবং :২২২ জন সাক্তি নিরুদ্ধেশ হঠারাছে। কন্কেডরেইরা প্রাণপণে বুল ক-বিভেচে।

আমি পূৰ্বকার এক পত্রে নিখিয়াছিলাব যে শৃষ্টীরুগর্মের রাজনিক মতের বিকক্ষত क्षाइंच कताटक क्ष्मकृत हेहैनियम म् धवः উইল্গন্ সাহেবের নামে ধর্ম সমাধে আভি-বোগ উপবিত হয় : উক্ত বিবর লইয়া এখানে महान् आत्मानन इवेशावित। देवेतिजव्न् ७ ६ वेत्रम् छेष्टद्रहे ६ ६ - व-३ १ वट्टा পাদরি : তাঁহারা চলের মত প্রচারার্থ বেতস এইণ করিভেছিলেন : অবচ তাঁহারা বর্ণেক ,बंदश वाहेबदलङ्ग बााचाम करियादहर । विठात •ঘারা উভয়ে নির্দোব হট্যাছেন : আতএব वांच बहेरजरह रव एर्ड काव-हेश्नरश्चन मावाहे দিয়া এক্ষণে লোকে বিনা সলকে বৰ্ণেক ৰজ অবলয়ন করিতে পারিবে। অনেক ইংরেজ ৰে এই ৰূপ অবস্থার অবস্থিত, ভাষাতে স-(नाह माहे।

ক্ষত্তি হইরাছে নে র-সিরা ও প্রসিরা আ বিলবে ইটালির বাশীনত্ত হীকার করিবেন । গারিবাল্ভি কাপ্রেবা ীশে সীর ভবনে প্র-শ তিগ্রন করিরাছেন।

বেল জিয়মের রাজা রোণ ভোগ **করিছে** ছিলেন, একণে স্বাস্থ্য লাভ করিয়াছেন :

কানেড়া প্রদেশে হার্টর স্বভাব ছেছু লোকে মই ভোগ করিতেছে।

চিন্নীর নিকটে বয়না উত্তরণের নিক্ষণ্ড মাঞ্চের নগরে এক প্রকাশ্ব লোহ সেতু বি-শিত হইডেছেঃ তথারা বাস্পীয় রখ ও সা नामा नवने कि नवम कहिएक नाहित्य । केंद्राक्षं विनादमह मरवा। ५२ : कार्कादमः २,५ क विनेष्ठे नीर्व : अकीपनांत्रे करकत कामास्त्रत्र महिक के नीर्व कारक अकाजिक महिस्स, मिक्स वीर्वाकाः मर्क क्षेत्र अक नाहरमात्मत्र कावितिक है.

শ্বগতি বইল থে ভারতবর্ব বইতে ১৮৩১ শবে ১৩১৮২ ব্যক্তি মরীর উপান্ধিশে এখন
করিয়াছে । জীলোকের সংখ্যা শতকরা
৩৩'৩।

আবেরিকার পিরু প্রবেশে এক ছুবিকন্দ কইরাছে।

বত্তেতিবেরা বৃত্তাকা পাথা ছারা মুদ্রে বার্থর পর্যাক্তর ধীকার করিয়াছে।

অন্য কোন ভায়ল প্রয়োজনীয় সংবাদ
উপলব ইইডেছে নাঃ আধারত ইংলন্তে
অবস্থিতি সেব হইরা আলিরাছে। অচিরাধ
এলেল পরিত্যান করিরা খনেলাভিয়বের্ধার্রা
করিবঁ। কিন্তু ভরনা করি, বে লোনপ্রকালের নিবিশ্ব শেষ না হর। আনি নানা কার্ব্যে ব্যাপ্ত
বাকিরা পাচ বাস খাবং আপনাকে পত্র নিবিশ্বছি। কোন ক্রেই উচিত মত করিরা
লিখিতে পারি নাই; আবার নিপি সকল
স্করাং ক্রেব নোবের আখার বর্ণ হইরাছে। কিন্তু ইবা সম্পূর্ণ ভরসাবোগ্য যে
আরার অবস্থা বিবেচনা করিয়া আপনার
সহার পাঠনেরা আবানে কনা করিয়া

जाक कतिया वरवाष्ट्रिक वरण काल्यान शार्टन् नगान नगरन अशाह शर्याक करिना वारक क रहेर्द्य । स्थान का रा রিজন্স করিয়া জ্বলা অস্মর্ক্রার লোক বে के रहार छ। या या व क्रिया क्रा क्रा वा व क्**न अंछीय प्रेट्स्स्ट्र** । अहे स्ट्रान कालि 1 : ইংরেজনের সর্বাদ করা ভারতবর্ণীর্গিন্ধের मजरगायिक्षुं अर्थ क्षेत्रात छेशाच । वीव दश्त यहरू जर्मीहरिक, बीबादकर कर्व नश्यक्रि चारह, बेंग्स्या क्रकतिमा, काशरपद चिक কিং কর নোক তর পরিত্যাগ করিয়া এই बरनाव्य अवस्त्राकाञ्चा बीरण जीवरनद्र কিয়দংল কেপ কয়। উচিত। তর ব্যবহার করি-লে অৰ্থং, অভয় ব্যবহার না ভরিলে ইং दासदात विकटें आपदात सके गाँह। जानि ৰালশ্বাসের মধ্যে অভুক্ত চরিত্র লোক গক (मह महिष्क भाषार्थ कवित्राहि) कीरम (र 'अ: সার পদার্থ বহে, তাহা উদৃশ চরিত্র সকল अश्रयक कतिरत विशक्ष अजीक दत । जावि 'ধ্বেশাভিয়ুৰে বাইডেছি, অৰ্ণচ কডি ছ্'-বেঃইংসভ পরিজ্যাগ করিতেই। বলিতে কি, এখানকার দেশ বেষৰ শীতল, এখানকার त्म रक्त्र धारत फटलांविक केंक । नकतिय ব্যক্তির এদেশে আসিতে কোন ভর নাই। লোকাপৰাদ তম্ন কেবল আৰাছের বছ অন ধ্রে মূল। আপনি, সম্পাদক মহাদায়। আ-যার সহিত একমত হউন আর না হউন, खाबारक अदमा क्रिकामा क्रिएक विरम्म (र কল্ড দিন আর প্রবৃদ্ধ ব্যক্তি, বালকের, দৃটি যুক্ত ৰাক্তি অফের, গণ্ডিত ব্যক্তি মূর্বের **नव व्यव्ययन क**तिया हति। यस २ व्य**वन नटब** ছলিরা আমরা কেবল চির্শাল পরাধীনতা শৃধলৈ বন্ধ আছি। অতএব শ্রিশতা পরি ভ্যাগ করিয়া আমাদিগের এককানে ৰপুন্যের স্থান্ম কাৰ্য্য করিতে প্ররত হওয়া সর্বডোডাবে ইচিত ইতি।

कि इमिहाम खन्म, ার্ড চলা ইংলভেশরীর বিভীয়া ছুঞ্ **ভার বিবাহ সম্পাদিত হ**ইয়াছে :

विविध गर्वामः २१७ व्यक्ति भाषयात् । क्षिर्देश कार्रिके शक्तिहरू कामना,

ভাহাতে ভক্তভা লোকেরা তাঁহাব নালে 🚜 व्हेनमें अवर्द्धक्र निक्दे नालीन कांत्रशास्त्रम कांद्रीका खान कान्नरमा लामन कान्न रकन

আহটের সদর আমানকে ওরতা জন অনেক গোপনীয়া কৰা প্রকাশ ও করিবার ভয় । দেশের ভূমি সকল কবে স্কারণ চইবে ১ প্রদর্শন কবিরাছেন ৷ কম্ম ভাইরের ভাই না

উक्त ० क्यांक्राज़ अक थावि शद्य पृष्ठे इहेर करवक जन 'किब्रिक निकक्छ। क्ट्यंत প্রার্থনার ভব্রত্য সাধারণ শিক্ষা কার্থ্যের ডি द्धिकहेरत्र मिक्ट्रे जार्यक्षम कर्त्रम । क्रिन्न जा-ছেব ভাষ্টাদিগের আবেদন প্রাথ করেন নাই। जिति ठाशंत्र धरे काहन क्षत्रनंन करत्रन रा উাল'দিলের ^শ সামাজ্ঞিক পদ নাই_দ বোং হর আসবাদদী সভ্যানর, সভ্যা কটলেও এ-খানকার অনেকে মারা যান।

२६ शर्वाशीय कर नार्देश मार्ट्स (विनि শিছু দিনের জনা প্রধানতম বিচারাল্যের বি চার পতি হইবেন কথা ছিল / পীড়া বলডঃ ছয় বাসের বিদায় লইয়া ইংলত্তে বা**ট**ভেছে_ত म। अर्थाभाग मार्थम जार्थ्य अथवा स्मिन-নীপুরের রদেল সাহেব তাঁহার পরিকর্ম্ভে নি রোজিত হট্নেন।

बाँद बांबानपान रानपाद (हैनि किंडू जिन शृर्क है श्रास्थ भवन कविद्योहितन। भंड भ नियांत्र व्यक्तान अज्ञानमन अज्ञिनारकन । हैनि যোগ্য ব্যক্তি, ইহার একটা যোগ্য শদ লাভ হইনেই আমারিগের আজুশর আনলের বি-

ইংলিস্থান খলেন, প্রিল ভাষ ওয়েলনের अरमाल जातवन कर्ता छेठिछ नटर, छाए। बहे-লে তাঁৰার লেয়ার্ড ও রুসেল শাহেব প্রভৃতি-त्र नात्र मरकात्र वहेटवा द्या व्यक्तिकाति-দিগের কার্য প্রধালী সকলে জানিতে পারেন দেটি আল নয়। নিংহ ব্যাজানি রাজুিও জ-क्षमंत्रहे 'डाम बारम ।

চাক। শ্ৰেকাৰ বলেব, ভব্ৰডা বিখ্যাত জ-मानात श्लोभम मारहर अन्ति होना सन्निर्ध र्मा खडाका कारनारकत करंत्रक जन इन्छ-

८७ गाँडोरेगांत्र निविद्य मुल पन मध्यार क. রাই ইবার উদ্দেশ। গোশন সাহেব চংকার ক্ষানক ব্লাপনাগৰ প্ৰবাহেন। ভত্ৰভা आक्रिके बाबिरहे हे निनितिहान ७ - आंध्यमन ्तिहासका अही ति डोशह निविद्यान नश्यका करत्व अहे कार्याण्टनत्र व्यक्तत्राध।

> উক্ত পঞ্জ প্রবণ স্বিষ্ট্রন কাছাডের ভূ-भक्ष्यु क्रिब्रास्ति। भार भारीम " अस्त्र । "ते अदिश आह्रक व्हेद्रास्त्। नीमक भाम ध्र

> > হিন্দ্রণোট্রট প্রধানতম বিচারালয়ের अक्षि क्यारीत आकात व्यक्तिम क्रिगट्स-ন। সম্প্রতি ট্রেক্স ও বর্গাণ পাহেব এক মো-कक्षनांत्र फिल्ल क्लिट्डिट्सन, ज्योगादलक् मादलब ও গ্ৰন্থায়া যৌদ্দি পাট। গিজে পারিদেন। धकल निराम सर्टल (करण त जमीन। दिशाह বিপদাপম হট্তেন এবংশ নহে, ভার্ভত্যে জালকারিতা ও প্রবর্থনা প্রভৃতির জার अक्कि कांत्र जिल्लाके कि कि.स. (१७५) बहेरवा

> > শ্যাম দেশ হইতে চীনলেশ পর্যান্ত একটি तिर्गक्षा कविवास अखाव क्रेडक्ट ।

এক রিপোট তংকাল। বইয়াছে। এক্ষণে সং र्स एक २.२-२ करतिम जारह । हेगान बरधा : ৮ २७ जन श्रुक्त ७ ३१६ कि जी**रता**क कारह **बो**टनारक्यां श्रीय विवासिका । व्यानटक विया-ফ করিতে ইঞ্, বাদ্ধুরা বিবাধ করিরাছে তা হারা খতত্র বাস করিবা বাধীন হইয়া জীবি को निकार करिएएए। एबोन अधिकृतरभा ज्ञोत्नाक (अन्न कन्न कड़ रा । अत्यक्त कनि-कार्जा क्षण्यास्था करिया करिया करिया करिया करिया লক্ষেপণ করিতেকে , ভাষারা পুনর্বার গৃহতা-खान द्वारण कतिएउ किनावी बहेरव मान र नारे। क्योन भवन्यको बाङ्गतित्रात छैननि-(बर्लाब लाक नःथा। इधि कवियात अहे छेनाः म अवगधन कृतिम एकतः

টাইমূল অন ইভিয়ার এক জল পত্র প্রের-ক বলেন ইমাস নাসক এক বাক্তি ভারতিব... र्व विमानत ज्ञालन इन कतिया नश्रद्र है हा করিভেছে: এই প্রেবঞ্চন এক বার না কারা क्रम स्थाहित ?

भूबो कारजायुवद वरमन, कारमणा^{ता}रभद কালেক্টর কাভিওরারের বেসিডেন্ট হইনেন। ভুড বুর্ন রেশিডেক ভারত্য মবাবকে অগমা-

a vinninger STATE WE - STATE OF S (S WIN PRICE TO AN the print the printing of the इटलर्म !

उपरमंगी शांडे कतिएकन । अध्यक्तिको द्वाका काशांकिकः (२ (द्याप करतम र शामकान विशेष वर्ष manan mitalica i miffice gini bini मिनाटन चटमंदन काष्ट्रानार्की कतियात कार्या मिश्रोट्स । अभन प्रान चैत्रवेदमध्येत्र कर्त्वतः दयन भ् श्रीत भन्द अवश्रीमहादय बालदक्क्का निशीक्ति मा स्म ।

गंड पनियांत्र नत वर्षा के बेटप्रम्दनत व्या-😘 जन्द किमान भारतन छनामान भारत्य 👁 প্রথম কোটের জন্য জন্য কর্মহাত্রির লোকে-त निवत का काम करत्व। कर्महाब्रिया केश्रकाह धारन करवन कि मा खाँचा अथमक व्यक्तान वह নাই। তথ্যাস সাহেৰ আসিলে ভাষা আনা राष्ट्रेद । किन्न चारमक मनग्र चर्निक्छार्नि कि-(शह तथा नितय ७ क्षे इस फार विकास न-প্রমাণ হইরাছে। সমু মতা কৈ ওরেল্স উক-भ बाद्या जारम्बर्क पूर्वावशाद्यत्र मिनिस जि রখার করিয়াছেন। জিনি কিসারকে ৮• টাক। त्र काटन ५००० डीका बाब कदान । कैकिन जि. ८गंद्र भावना चात्र विदेश ह

गवबंदम केंद्र किय कि जानादर निश्व नि-भिष होका करा आदे ।

श्रीत जनवित्र वितरिष्य १,४३,६४,३२० रभरननीय के 2 .4,50,450 উ রর পশ্চিমাঞ্চলের ७,२४,०७,३१५ **गकार्यम्** 2,25 36,209 বোখাইয়ের 0,80,0×,e0× मधाकां ब्रुड बढ्ने द्व **ቴ**ኔ,ኖ৯,ና৮ገ দাণিশ:ডোর 50.30.35 मांखाट जब

Cat. 2 2 200 255 55 |

रहेबाटक ।

ক্ৰিকাড়া		2,80,00,000		
বোৰাই	_	3,44,00,000		

profes or a cantil बाद्य क्र बादि प्रथम माबादिक देख की नह की वे रहेगाहि। बरमनीप दर्शन हैं निया गाकि देशी क्षेत्रीय महितादमा देशह व्यक्तिकारिकेरका विश्वादक किंव देश मक्ता अवस्थित वहेरम अधिकता देशको त्वच निविष्ण प्रकेष

राज्यायन मनगराह ।

जानमा वर्षमात्मम प्राप्तानाची जोशाय रहेए अक्वानि थ्याति व विशेष बाट्ड निश्चि बहेबाट्ड " कमिनाब, शबीबांद्रव शांद्रांशांत्र लक् अकवाद्वरे छेळिता क्षण । इहे कियते शृतिक गरेवां अक अक कर हैनरणाईव नियुक्त बहेरवन । जांबाहरे भाकासमारह श्रृति व मध्यांक नमुबाद कांद्र निर्द्धान क्रेंट्रकः। कि क्षण गाणि व बेशहम निवृक्त स्हेदन सावता ভাবিরা কিনুই খির করিতে পারিকেছি না। ब्योक्षांय निर्वारी स्वात चाषुनिक प्रतीत शूबरक পূর্ব্বোক্ত পদের উপযুক্ত পাত্র মনোনীত করি ह। वर्ष्ट्रिट के क्षामधीन चार्यहर श्राह्म क्षा রিত ইইরাছে। আমরা শুনিশা অবধি বে কি-ৰূপ ছঃসৰ ছুঃৰ অভ্ৰৱ্ত করিতেছি নিখিছা কি কানাইব। তিনি বচি সভ্রিত্র সাধুনীল অধবা কোন প্রকার সকাপ সক্ষা হটডেন **जारा दर्गण अवग क्या** भूटच जाना हुए। सा-কুক, অন্তঃকরণেও ছান প্রদান ক্তিছেল ৷৷ পত্র প্রেরকের। এত ভীত হইরাছেন কেন? গ্রামক্ষেরা একবাক্য থাকিলে ভাহারও অন্যায় করিয়া ক্রডকার্যা হট্যার সম্ভাবনা নাই।

मक्त्रमार्के वरमन, मियाई शहेटक अता-छेठी चान्नि उ बहेगां है।

« ইংলিসমানের এক জন পত্র প্রেরক সেঙ ৬,০৭,৩২,৪% | সাহেতার হিসাবের এম প্রায়ল করিব। বলি वारहर " फिनि (लब्ग' इन) ल्लाहा भूकी क मसमाधातनक भूमाई । भवन्द्रबट हेत्र काम स्वाह নিমু লিখিত প্ৰ-মেন্টের বোট প্রচলিত ; মুলা রনি করিলাছেন। কেল বণিকসমাক चानमान्टिशत घरम इवि कत्रियात्र पाछि थी-द्ध वृति विश्वा चात्र व्यक्तम क्षिटकृत क्राष्ट्रा रहेरन कि आहेन अञ्चनारत छै।हासिरगत स-

जाना गीनिए उर A Printer to meet the m argie nearces estile क्षेत्र व विनान बर्ग कडावास अविन क्षिप्राटक्षे । विमान स्टब्स के

करनेन रखनिकनरमा नर्म अन निवानं निवृक्तं वहेदने कथा क्षेत्रक निर्क मुझरवड़ी भागन क हो को कारकार्ड म्पूरण, कारा जावकररेव बरवर ब्रेस है मक्त मक्तवान स्रेतिहरू । १ विकास १० क्षेत्र

वानीवात मारकतो क्रिकिन्स्यानिकारिका वर व करिकात दा क्यांने किया स्ट्रिक्ट व । ण्डेणा गरवांत शब अंका, क्योंगोडिस्ट्री নাশভিগণ পর্যাত জাতিসাধীয়বলত चांचीम भागन बाबाजी वाची रहेतारहेंम । जि-প্ৰীক্তি পোলাচকত প্ৰশাসন অন্তৰ্গান্তাৰ্থ त्वत कहरताचे क्या प्रदेशकरहे । अंतरिक को का क्वडीक्रोडेम सांवीत गरम नेक्वनाक्षी सहसा-रहम । बनीवंत्र अध्यक पूर्ण विद्वारियेत , श-कन देनचा याहेरकरह । कीर अर्दाकं चास जविनश्रतार्थ व्हेटक्ट्ड क्षेत्रिक क्षेत्रकृ भवन्त्रके की उ वहेशारहम । मारक मही के विषाम् वहेरमं देवाम् शवनदेवद्वेषे व्यक्ति के (अकाषांत्र करवंत १

मिनीरगः कर बर्द्धान ३७३ आशिह केन्द्र गन्तिवाधारमञ्ज भवत निकायदेखे बी स्मीरहरमञ्ज (माक्समा श्रेट्स ।

এবণ সন্মতি লাভ ভানরিকাতে র বি-তীর পুত্র লাভ কানিধের সম্পত্তির সহিত ভ-मीत छेशावि व्याच वर्ष्ट्रामा । अहे वर्रामत मा-म विज्ञ मा रह हैंदा चाजाक क्षांनगीहैं।

টেলিআটে সংবাদ আসিয়াটেছ, লেও সাং **१**२न मह हात्रमम **डेरखन्न** विशरक अक शुक्रक প্রকাশ করিরায়ছন । ইংলভীয় সর্কাশাস্থ লোকে নৰ চাৰলন উভেয় নপকত। কৰিছা

উড়িব্যায় নম্নবলি ও বালিকা হড়্যা নিবা-चरनम् जना ता नकन कर्यात्रको हिर्दान, होशो ্ৰিগকে ছাড়াইয়া দিয়া এই কাৰ্য তত্ৰ গুপু-

निर्वत परक "प्रकार क्षेत्रका अध्यान

SINTALOR TRANSPORT ME SERVICE All state there was not a season

काराज कान किनाम हा कार्यक विद्याचिकात रहीकात स्थर पारित । PURE WIFERIES SALATIONER & THICH affeit mitte bereift meine wien BEICE CHAIR AR CHIAN THEIR DI-दानिश्राम् अन्यक्षितियाः श्राप्ताः वर्गाः ं व क्षा अवे क्षेत्रका प्रत वर्षेट्ड गारत ।

किया राज्या कर्मन अर्थ थानि नश्यान नदेश निविध प्रदेशांटक, महत्त्वप्र माटन नावनंत्र ব্যেষ্ট্রারার নামান সেনাপতি ও ভরতা লেগ্ট-্ৰট্ৰাঞ্চির আৰম্ভান বিলিভ বইয়া নথ্য ভারত-अंदर्ने श्रमेन कविद्यन । देशक कविन कामा बाद ना-है। (म) महत्रम्य- वयन्त्र क्षात्रम्य काणीयाः सं द्वारेक्शारम पूर्णिएनम ।

আৰৱা কুংখিত হইনাস, বালাণী পত্ৰ পু-**ন্ধার রাজ্য বিবাহের পশক্ষা করি**রাচেন। **अक्टन व अक्क कुटोनीय जाहरतीयन रुख़ी वक** धनात्र व्यक्त व्यक्ति धाननेत्र नाळा ।

३> এ ज्ञांचन चूपवात ।

বোষাই নগন্তে নালব লেন্টার অধিকেনের बाका ১৬०० होलाब विक्रीफ स्टेश्राइ । ताथ বরি এক অধিকেনে আকানিখার অবুলান দুর कतिदय ।

किनिक ध्वर क बेब्राटइन, ब्रांडेनां ध्वर्म मारहर उँउद शन्दिन, करनद - क्षेक्रिनिधि च-ৰণ ভারতব্যীয় শভার অন্যন্তর সভ্য হট-বেন :

উক্ত পত্ৰ আদ হটৱাছেন, হারিসম সাহেৰ मीम देश्मक शहेराज शालाश्रमन कविहा सम स्वरणम् एकपूर्ण आधित व काकांक्रेक्रोके . क्षेत्रकंत्रन स्ट्रेटरन

निविष्यंक बद्धान शांड के हे लियाल महस्त्र र्हेन्टम । भूकी वाष्ट्रांशह तर्रज्ञ अर ^{ে ব্যক্তি ছালে চিন বলাইতেভিল এবত সৰয়ে} দে **ভূষিতে পতিও হয় ।** ভাষাবৈ ভদতে ্ **মেডিকালকালেটিল প্রে**য়ণ করা হইল কিছ ्रिक्रिक्षण बढ्याहे काव ते वान विद्यान इहे-, Tie

METERS THE WORK, PROPERTY AND PROPERTY AND THE PER परनार के करने जिल्हा कीमें बहेशीरह । पार्च क रमा क्रिके दिसार जेरे होता क्या एक रे मी त्यव महाता नेपांका विश्वत पूर्वा क करता है केन 種を

े निक्रुरश्राणं वित्र निथित पृतित कर्त को बन्द ब्हेब्राइ ।

	25-5-132	JE 62 (45.
क्यांडि	4,00,020	4,88,004
वात्रमञ्जागाम	3,63,689	2,22,244
শিকারপুর	54, 11,463	36 82,036
উত্তর শিক্	>>,৮1>	279.584
পারকর	300,012	2,84,020

খাল খনন প্রভৃতি ভারা ভূষির শস্য র্ত্তি হওয়াতে এই কয় রবি হইয়াছে।

38609,45

त्यांह

90,40,44.

बोल शिद्धिएक हा व्यक्तिय बहेब्राएक । व्या-ব্রাকাবের চা কোন কোন অংশে জানাবের চা चरणका खेरहर्डे स्हेतारङ् जावाशिरवन्न जः मीम(रहाइ) ४:इ ठांच करहम मा दिन >

পুনা আৰম্ভাত্তৰত্ব ৰলেন, ইংল্ড বইডে ব্যাহ্মর বিষয়ের মন্ত্রী আনাতে ও মালিগের द्भश्म क्षि ७ कडे स्ट्रेट्ट्स । উद्देशमन गास्य এক ভবানক কর স্থাপন করিয়া গিয়াছেন লে কু সাহেবও আমাজিপের কট চুর করিতে भातिराम मा। अकवा वक विकास नगः।

গত সপ্তাহে টেলিপ্রাকে সংবাদ আইনে আবেরিকার গবর্গবেটের এবার সেনাপতি মাকিলন পরাজিত হট্যা আত্মসমর্গণ করি-রাছেন। কলা ইংলিগ্যান এক টেলিপ্রাক পা-वेद्रारहम, अ शरवान विचा । वाक्तिम द्रिकः মতে পুনর্মার অগ্রসর হইয়াছেন। সভাপতি মিক্সন ভাঁহার শিবির দর্শন করিয়া সভ্তই 🕶 हेर्बाट्डम । अथरमहे च्यामानिटगत अहे সংगटन अविवान हरेबाहित। (तड़ नक देनना नव-ডিলাথারে এগর্যস্ত কোন সেনাগতি আর ममर्गन करतन जाते ।

ৰহুবাজারের এক জন সন্থান্ত ইত্রধর তাঁ-शत्र विश्वा कमान्न विवाह मिद्रवन मक्षण के বিয়াজেন : আম্বা কোম কামুণ বশস্তঃ এক-(० ठाँशत मारबारज्ञथ कब्रिशब को इ कारबक । ভূত্রণর এবিনতে লখাও প্রা**র্থান করিয়াছে**ম।

Beeffe mild alexanders

The state of the s

क्षेत्रिक विश्वासम्बद्ध काई संस्थित MAI de Wie Biel Renten ! af megh गानिकात्मक रक्कि मुक्किनीक बार्या बीरगढ मात्र वाणिक । का अवस्था के वस्तावित्र क केषन अन्तरात्र अन्तर कर्ता ।

" तिक शारण 'अ वंश्यह १००० वटा कूमा रहेशाद्यं। खबका मश्यांत गांव वदनाम, जांभा-ती नंदर्व हेराम् किन केन कुना अम्रिटर । बन्छि व्यक्तितम विवय कहे व कहे वाभिका सम वानोषिरगत राखरे चारह। नक्न विवस्त अहे अंश्रेष रहेलाई जान एवं।

वकांत्र अक्टरन जानांतिथ खनिगुर वानी इहे छ्टि । अक क्रम श्रीत विनिद्याहरू बहुआह छोशास्य परश्र नियाहरून, श्रीतेश्वन एफ हेवाम मःविनारमः ५৮७७। ७३ च्यान व्यवसीन हरू हा नम्मात्र भृष्टीयांनरक वेथ क्यिरवन । क्ष्टी. यादनता मका महत्मह छै।शिष्ट्रभेत छेटक्क क्टेंदर । विष्णा मुनलबांमण्डिशद बरशु वड क्षर्य-শ কবিতেছে না। 'সভএৰ ভাহার। অধিক কাল পৰ্য্যন্ত এইৰূপ কল্প দেখিৰে সংক্ষেত্ৰ नारे।

দিখার ইউরোপীর সেনা দলে ওলাউঠা হওয়তে তাহানিককৈ স্থানান্তরিত করা হই-.

हीन ज्यान ब्रांक्शांनी शिक्टिन निरम्नी-বেরা বেকামত বাইবার অনুমতি পাট্যা ट्रन। नद्यारहेत्र शिक्या त्राक्षक्रमात करवत यदारे अरे नकन एट्रेफ्टर्। हीम प्रत्नत विद्यांगीया एकवल एडेगाइ । बाबिका শীত্র সমাটের হল্ডে পভিড হইনে। অভএব উক্ত প্রাচীন রাজো পুনর্বার শান্তি ভাগিত ब्हेरव क बाद्ध मजानमा स्मर्था याहराज्य है।

বাঁলাজ টাইব্স বলেন, কালাপার বাজি-<u> বেট্ট এডবরণ সাহেব সম্মতি মাজাজ গ</u> वर्ग्य केंद्र विकड़े कहै विश्वा क्षा करत्न, এডফেলীয় খাত্রী ও কবিরাজেরা অভাতা व्ययुक्त कारनक ब्लारकब्र ब्यान नहें करतन, ज्य-ख्याय हेश घरमञ्ज अस (मस्त्री कर्डगः निर्जा-ख शहक हैवैं।किश्वटक नीवधान महिन्न (मंख्यू:

MAN ALMIN ANGEL AND MAN WHEN worde that been property been De Calental Cuellance Calific fo किरमा निवास्थात महा उनाह उडारम कहि-क्षाचारिकारका । अक्रिक नीवन गाँदन केले-जहांभद्रमिश्टम " शक्तिक > महिएकट्म । मन উইটিয়াৰ জেনিস্থ কবিয়াক্ষিপান্ত বিজীয় मह जामनि कुगांत्र व्हिट्यम । जामि कासि वर्षाविर्वाहर महस्य !!!

ত্রিবস্থায়ের রাজার এক খন ভুটার এক शास्त्रिप्त रूका। क्षिएंक जांका क्षित्रारक ভারার বাধ্যমীবন, কারাবাদের আঞা ২ই-बाह्य । बर्धार्य क्लाकातीय भाषी व्हेबाह्य । ब्रियक रबूब्र क्रांका कारनक विवरत मीमरमञ् উৎকৰ্ম সাধ্যমে বিশেষ আগ্ৰহ প্ৰকাশ করি-CECET !

ভারতবর্ধের হারতীর রেলনরে কোন্দা-मि नर्कमार्थास्थ्यत्र मध्याम होनिशास्य भाउ। ইতে পারিবেন। পূর্কে তাঁচারা কেবল আগ-বালিগের সংযাল পাঠ।ইতে পারিভেন। क्षता क्षता भरवास गवर्यक्षर केंद्र किनितारिक भाकेष्टिबात निराम हिल । **भर्यटब** के 👁 दिल प्रदेश क्वांच्यानिह क्षेत्रियांगिका श्वहारेक न-ৰ্মসাধারণ অপ বাংল সংবাদ পাঠাইতে পারিবেন ভাহ'র উপার হইল।

हीन क्लान्त्र विद्शारम् शवनदम् व वर्षार्वद হয়ার্পণ করিভেছেন। এক রেজিনেউ বেল-हित्व ब्लाइन क्या बजेरकरहा। मर्स खब हात्रि द्धिस्थिते अख्यानिय त्या हीन स्मरण भय-म कदिरव । अहे बाब ल्यार जात्रजनर्दन करक প্ৰতিৰে সক্ষেত্ৰ নাই !

७: कुलोबल्लाकवात्र ।

ইতিয়ান মিন্তুর ভারতবন্যার্থিলের সার্ক विवक्तिक जेवाबीरमात्र विवस्त्र आरंकण कतिया-८७म । ७ फाटकश मिसांबर मह ।

चेक श्रेष्ठ राजन, और मजाब जीरनार ইংলণ্ড হটুতে এক জন বালালীকে ৰজ ভানার भव कि चित्रार्ट्य। नस्कृति वर्षात्रीकि थे-होश कहा बरेबाहरू । अवर अकत श्रीन खोर काश द काक्टबंद कांचि । मन्याक्क **अकटक्नी**व त्रम्भोतिश्रतक अहे विवयमितक मृष्टिगर्य साथि-या त्मचा भक्षाः गरनारव भ केतिएक व्यक्तांव कत्रियाद्वार । यमनी विद्यात कारणका दौरावि গের পিজা, জাডা ও খাষীকে বলাই উচিত Bn s

हीनरहण ब्रेटिक शरवान व्यानिवारह वि **ह्याबीया मोटक प्रदेश्य नज़ावेन क**विवादह । काशास्त्र अक वाक्षि हे श्राक क्लानरक वर করিবার চেটা পার। কিন্তু ক্রবিবরে রুক্তকার্বা वर्षेटक चाटन लाहे. ज्ञानक हुई नाकिएक जार फ महिना निर्म क्ष क्षेत्रीरका होनएमार्ड मायक हर महिल मारिदक्रमंत्र साम अस्मित क विकारिक कार्यात्र कार्त व्यक्त विकार करेंग ्ह । इक्ष्मकी इ शहर जनानिक प्रकार सम्ब मा का गाउँ।

अभियाकात विकेतिनियन कविननात अर्फ क्रिका नम् जानतिक स्वेताद्वय । नोर्क करमान अकारक कारकरे डीवाना नार्क व कम दिवांत कास्ट्र कर्ते क्रियांत्रदिक्षक वि জ্ঞাপন কিয়াছেন। আপায়ন্তঃ পাঁচ খায়ি शांकि श्हेरव । अध्यहे जातक हंदेरव वा कि १०स रीकोन शोखांत्र जन विरोध छैनमूक अवस बटा े

শর বিউ রোজ কবিসরিএট জিপার্টমেন্ট गर्दमाध्य कविवाद चाकिशात्य देखा किलाई বেক্টের প্রধান কার্যেন কিউলাছাল্ড ও সেনা करमा कर्नन थिडेनीरक क्रियुक्त करवन । अहे भूटे क्कींडाड्डी विवास कडाटक काटबाब किडे-कांबोन् छ ध्यमंत्र त्रमोगिडिए शक्ति (वद) ভামিনিত ভাঁছার পরিবর্ষে নেজর রাউটনকে निर्वाचिक नहा क्षेत्रारह ।

পঞ্চাৰ গ্ৰথক্টিট ভয়তা অবৈভাষিক মাজিট্রে ট্রিনের মার্কের এক রিগোট করি-बादक्त । वाक्रिक्ट देवा वधानिव्रक्त कार्या करिया भर्ग बार्केंद्र मध्यान वर्षम कदियादय-व । क्यांन विनंदत कायांत्रिरनत अधि कारह । তথাপি আময়া জীৱজিকারি সঙ্গের মন গাই मा ।

বোৰাউত্তের বাাক উনকন টাকা বাংক **भारभी प्रिशास अलक्ता > डेंकि विद्योरहम**। मह हात्रतम खेंछ. त्मक मारक्रवत बटका वरस बचावंहें क के बहैरड शासन

কেণ্ডিনে জোনেক নামক এক জন যুগ্ত केंद्रेद्रांभीय पुष्ट बहेग्राट्ड। देख व्यक्ति व ক্ষেত্র অবিক্রের কৃষ্টি ছইতে করেক সহল होको इति कतिता आनिवाहित। एम अक निम এক ছোটেলে সুৱাপানে উন্নত হইবা ঐ কৰা ৰবিদ্ধা কেলে। ভাহাতেই ভাহাকে গুড করা

অভিনয় বৃদ্ধি কওয়াতে সিদ্ধ রেইলওরে क्षत्र इहेबाट्ड ।

ফিলিক বলেন, তিক আৰ ওয়েল্য কোন ভারণ বশত: এবংসর ভারতবর্ষে আসিজে भातिरमय मा ।

त्वाबाहरसङ्ग बाजा पुनिवास क्यांनरका-लाइ व दिवरम रव कमिनन मिमुक इन, छोडांडी বলিয়াছেন জ্ঞা খোলা পার্নীযর্মের বিগ-हीज : विश्वीक वर्षेत्र वस कि, अरमगीराधा क्षा पूनिया देश्याकरिक्षात काट्य कार्यस्त चात देश्यारस्था क्या गाविता अस्वनीतानि-त्वत्र प्रत्यास्त्र पश्चिरका, क्षेत्रेण क्याहि प्रकार रहेब्राट्ट ।

- 39 The same and the BENDRAM ARCHE -TOTAL PROPERTY

. 1

THE OWNER OF THE PARTY OF pall with the fart fartungen. d dieng vilnes friengs of क्षांत काम कार्रिक, कांबाद कांब कर क लागांत के जा का जात लागांत का जाता है। जातांत्र के जाता का जाता जा जा जा जा जा जा ज Male date the Landson

SALANCE AND SALES AND MINISTER किशाबाद त्यांक व इ.टम सकिन सहिका-व गाँतवा बरम्ब दाव देख ज्यान बहुत्त मिक स्वीतारहर !"

निव विकिक प्रदेश भी कोड स्ट्रांडर

ঃ টাকার নিজ

· FINE (PINIAL - 344-304

e টাকার 🛴 **८ होकांब**

3-3-3-3-3-4-18 cm 236 10

गवर्गयने विकासन गोकांकारकनीय 'कारकीयके नावनीयक

कारमणाजनाती विष्यांतप 😘 रवा भावके त्मल्यानके के क्यारे, क्या-क्षे जागारमस् अक सम्भागाती क्षित्रकृष्ट क-4H 1

काके वर्गामा अस्ति एक स्थापनी व्यवसाय क व वायवस्था ३३-८३ मध्युद ३५ माहित्स । बाह्यक्रमध्य दक्षत्री कारमक्रमस क्रमका

23 Wift - AR Miffell aum Bate TITIBLE CHIMINETERS INTRACES I AID SEEDS !

 श्रीविक्तिक्रमाण्याक्ष्याः क्रांकिविक्रमाण्याः वित्रके, कह द्वार्तिक सार्थिक प्रकृतिक सार्थिक कारेन करानाता वेक क्रबार विस्ता क्रि-मरका कामका कीता. क केरनक । करे, कामका per ment of the medical caracter al-HERICH ERCE!

- 45 mitte fie cat niere Ginn-एउन मक्काकी माल्यिक छ आएगकेन हरेगा क्षेत्रशासि भाषित्वत्र २२ भाषाक्षणादत्र विश्वीप क्षांतह करीय वाकित्य टेंडर करका लुद्धित्व । ्षेत्रे आधर-वित्र निवित्र राज्ये स्थि-के हैं न रक्षांचे कार्यकेरहरू। मन्मू इक्ष्मांच गिलिसके के इक्ट के विकास करें कि गाँउ **KRR !**

नाव नामाचन गरकारानाम · 神文 古典教教 不下 काक विश्वकान स्थाप

কিপুৰ। बागीधाः

य नेता:

ৰাত্ৰ কহিমচয়ণ পাল नांबू ब्रह्मकान स्नान

TETRE OF शर् काजिकातीन संस्थ

थह, करनिक, बाक्षान जोरकेर के क्षे बावके-कि विश्वास मान्य किया व त्वत्री अविकास अस्त्रके व्यापना ।

कर्गाने, बहु, काम्यानाई मारहर मारा-बारक्ष अन रखन्ति अकिरकेन अध्यक्ते क्षेटनम । জি, ব্ৰাট্ডল লাবেৰ জিহুৱে নৰ ভেপুটি অধি-(यम बायनी इन्द्रियम ।

at जावके-रे. हि. हिंगा जारून महिंका नकाम अक कथा जन्म स्ट्रियन । अ

M. d. vall vices ugunfretig affe निकि महिने नामित्रहै । क क्यूनि नामिने

द्यमिनीनुद्रवंत टक्केल याबिरके हे च टक्कि লালেক্ট্র বেলিবী সহস্ক আলি হলগঁৱে বছলী वहेडां अधिकाहि करियह २२ थात्राक्यांक वि-कीम अवित्र क्वीन माबिट्यू होत्र कवकः गावै-देवन । हेवा खाडा कांकात महीतात निर्माण प्रश्-

3) के ब्रायक-- वि. है, दिकार माट्य जि-পুরার কাইটি বাজিটোট ও জেপুটি কালেটর BELLEV.

ंद्रामिनी अभिक्रवित महत्त्वन किरवित्तम अ-সা ছৱালীয় অভিনিক্ত এখান গ্ৰন্থ আনীন বই-CTT L

প্রেরিত। ***** এবুক সোমগ্রহালমক্ষাবহ बदर्गित निर्वादन्य ।

আপুনি ক্ষিদ্যালিগতে পুৰাণ্ণাণী বলি-ছাৰেছ। কি আক্ষরী। দিন দিন কি কলিকাস উপাহিত চইল। ভজনোতের আর যান থাক। ভার। ছুংখন ভুলা টাখাছ আৰু দণ ছিল; এখন न त्मन ৮ त्मन वहेशांद्ध , अकारन नक्षमीसूनत्मन क ब्याब खुबरे मारे, या दिन जानेन जानेन প্রাক্ষা ও থাতকের নিকটে, তারাও ইংরাজ বা-श्रीक्षेत्र अस पन कारेन वाहित कतिहा छैदनम क्षेत्रिक्षे। विद्यारध्य । आत्मद्र स्मारकदा च्यांनावि-संदर्भ अन्य कार छातृन जनाम करत मा । कछका क्षेत्र अरा छत्र अन्य व्हेशास, छारात्रा ना म-খ্যাজিক করে, না পিতৃ যাতৃ আত্ম করে, আবা-स आंवाजित्तव स्वश्क्रं नगरत मृठा श्रीकांत्रिक खाद्रमाञ्चन स्मित्र। देवनकर्षःक ठामनिक रनि-क्षां क्रेशकांत करता विन विन क्रिक क्रिका विकासि क्रिक्टिक्स । वाहेटलस्य, स्माक यस प्रकश कि थ-र्क विक्री कि साराधिक निवर कि उन्तर्माडि-दिवह सम्ब मृत्मदे छेखात्रांत्र मधिक चापुठ क्षित्वतं । बहे त्रचित्रः छन्त्रः मान कवि श्रीम, मर्चमक्रीमणीतिनात्म आमारमय बरन খ্যাপুর, উচিত র কেই জন্য আর বৎসর গৌৰ wire mife mieffe au winn alen anbi कृत करिए क्षेत्रस्य कार्याक तकाम व्यक्त-दक्षके को कि स्वितिक अवदेश मान विश्व स्टान-

भागनात द्यामञ्जूषे । पूरे वक योगा देश्याणि वर्षाश्रीर लेक्क्किक्कि अन्नवर्ण विनः जारि वर्ष कहिलांच व अवन दिवस्त जननारक मकुछ बावा कर्तवाह अलंबर आवाह बाउ त क्टिके मा ! * •

খাৰুৱা ভোনাৰের নিকট কি খানাগ করি-দাৰ্ছিটে আমাদিবকে জোৰতা প্ৰাৰণালী रज ? आंवता कि कृत करि महिः आंवत। कि ब्रिटल्लब्स्ट्री क हैं बारे, वा आवता कि कति नारे? ব্লাঞ্চা, আন্তা প্রাথম্ব, ভিন্ন প্রাথম্ব, সকল পাক্ষকে সম্ভূতী করিতে চেটা পাই, তরু কাবারও বিল পাম হট দা। কি কলির প্রভাব! বাহা হউক. ছোৰৱা সকলে একত্ৰ বিলিয়া আমাদিণের बिन्हा कतिएक क्षित्रहेंह, जावजांक (इके) नाकेत, वाशास्त्र स्वामानियमित्र सर्ग हुन वस । श्रेतान পাণী! কি ? খাড়ক ও একা সাইছা কাল করিছে ষ্ট্ৰলৈ, কাছাৰ ন। সমৰে সময়ে স্ত্ৰিধান ক तिरुष्ठ पश्च? जरमान धर्च कृतिरुष्ठ श्रीरुष्ठ, विषय অ'শ্র রক্ষা করিন্তে থেলে, কাইান না কোন্ সময়ে মুই এক থানা কাগল প্রান্তত করিয়া লাই-তে হয়। প্রান্ত অধ্যক্ত মুইটো ভাষাকে कि উপায়ে जानन करा बाहेए शाद ? छात्रांद গানিলে বছবে মা, ভাষাকে চুৰের ঋদানে পু-রিরা রাখিলে হইবে না, ভাষার গম বাছুর খাল Cकाम'न, किरोगाति नवसह विका कतिहा अख. কিছুভেই নে শাসিত হয় বাঃ এক্লপছলে ভাষার পরিবারের উপর ফৌর জা না কবিলে নে শা-নিক হর না। ভাষা বলিয়া কি আমরা নর্জনাই এইট্রপ করিও ভাছা নয়; স্বীক্তিকর সময় আছে; আর অল বঙের সমর আছে। কুঝা-ৰী বে ব্যক্তি হয় ভাগায় সকল বিচাৰ করিয়া খ কাৰ্থাৰ হুইৱা হাজ করিছে হয়। বিচারে কথন क्षेत्रक अबूचक व्या कार्यात वा कल्लाव ছুর। আরু এতার পরিবারাদিব উপর জনিষার বিলের লৌরাজে।র কবা লটরা ডোলরা যে जारकातम कर, ता नदूसर चानीक। अञ्चल पूरे পাঁচুটা কৰন ঘটে। আবার বিংগ্র লোক অনেক আছে; ইহাব। ভিন্তে ভাল করিয়া ভূলে ভোগরাই গ্ৰভ মন্টের মূল ৷ এই ভূমি নোগ-श्रकाल कांत्रक कांगाहर उक्त. कृति कांत्रीय आधारितात यनण देव लोल पूर्वादनपानित কুৰাজি দিবিছা আমাদিদের বৰোয়ালি দিব্ चित्रकतः वाशी कतित्व, छात्रा ना कतिता कि কল্পঞ্জা অসীক বিখ্যা বাখ্য প্ৰয়োগ কৰিব। (करण कियार है वह आह। श्रावशांनी क नगत ? कि चाम्ध्या! बाका पूर्वित त बढ़ोहन बारकोटिनी त्रवा विज्ञानगुर्कक धक রাজভুর করিছা পাশসুক্ত চরস্থাছিলের ভাষ্ कि कांव वा ? वा कांवडा लोड बात वा ? क्य-शांत्रता लाम कविरक्षात् पूर्वादनव कविरक्षात्. हारम्क कि कथनः गांवांना अकाशीस्त्र क्षांतक अकाशिक एत ।

त प्रकाश के अवस्थित । अवस्थ कृत्व गाम छात्राविष्टमत महीदत्र चार्केत विद्या गारह ? जागनात क्यां जानित चानेरव जाते.। म-वि क्षेत्र व व्यक्तिकृष्ट्रसम् विहिष्ठ गोरमम युक्त ग-क्रिक, कारा अहेरन कांनिएक गाहिएकमें कांगांड जानक भीर्ष बहरन कहिराह भर्ष अक्ष मा। रक्षण, अवर्गण कार्या क्रीकान कडिएड कहेंग। कानि मां बारमारवता ख्रकारक कि करत : किय क्षि व्यक्तिक कि इत्य है त्यारकत "मन । गामित मेलानत्कारण त्य मनतपू शांकि। केता शिवादम ७ क्यार्था (व क्रोडिश नाकार क्रमधी বিশ্বাস্ত্র করিতেছেন; আমি শত সরহত্যা ও শত कुमकाविनीय मजीव मेरी क्रिटमंड आवात विमिटक गांग धारम कहिएल शास्त्र मा। कम कि कारमम ? मरमात बाद्यामात । कार्यत नरीकः काशद भाग, काशद गुंगा व मकनवे मिथा।। खाव विश्व कांभव वाकिरम मानदमंत्र क्रमा कछ-क शता त्यांक क्रम द्राविटक वयः वन क्रम क्रीकि भागन एवं म्यू जांग, जाव याजनांचा भवतां আছার করে। তবে আপনি নিজ হতে जानक करा दिवा छोक्त बांकर कि करत. ना करत, का बाह अक्ष का महा मर्काल, हा बिटक भी-वि को। भागन भागम माध्याहिक ७ ४% कर्फ नहेब्राहे नर्दाषा बाख ।

अविद्राष्ट्रि कार्शिव मा कि मर्वाबद्धांगाधाः। প্রিত। পরেছিতকৈ জিলাস। করাতে কানি-CB शांतिनाम अ'शमणात मात्र मार्क नाहे। अरदमञ्ज आसामी भागनीय मदाश्रुका नमस्य **अ**ध्यक्ष सर्जन लाख क ज़र। शस्त्रज्ञ कार्य वष्ट-हुव जाकार बहैरक शहर, छोड़ा बह्धा बह्धा कडेटव । किन्त जामामिरभहेत्रेश मिकायासास कदिएम मा देखि

:> व्यादन ३२ ७० ।

ग्नाथाखि।

अपूष्ट बाबू बांधानाथ बांग क्रिम्रशूव **३२७७ । ३०दे जागांत ग्रहेरक ३०दे त्लीय** 0 क्ष त्यार व होका

ণ ভিতলাল বিজ কনীবার 智慧所等者 C#12 >0 खे ३२ ७३ देव्य शर्वास ৰলিয়াত। चम्डलांज निव

३२७७ देवर्ड व्यवस्थ केल्डिक गर्वाष्ट्र एकार ट्राये বহরস্পুর

भाषां हरण अके **३२७७ टेमर्ड जन्मि कार्जिक श्वास एकार है से** मगीया

बहुनाथ हत्लेलायांत्र 5२%» देवाके व्यवधि कार्तिक गर्वास स्वाद कर वे Dr. B

WESTERS AIR cate so, a ३२ ७३ हेव्य नवास

রাসকুমার দাশাস্ত >२७७ फोक जनविशाप शरीष कार €् से

क्रिक्की वामाञ्चलही व्यवी 41441 **३२७७ जारांठ जर्मा जज्ञातात्र गर्मेड त्यार क्**ले

এই পত্র কলিকাডণর ছব্লিণ পূর্বা মাতলঃ রেলওলের जाका क्लाक्ट कराहित्करह, मान शांत कति- मानानूत क्लिनमा मक्लिन प्रक्रिमाण आत विकृत ट्याक, बार्कि हाँच विटक्टक, अनक्षांत वर्षाकृ- वात्रकातांत विकास्त्रहतांत्र वाक्रिक कावि रमायकात कारण



" प्रवर्णता प्रकृतिविताच पार्थिवः सम्ख्ती मृतिमहती व श्रीवतां। म

85 45 4 1 1

मन १२७७। ३० छाउ। है९ १८७२। १८ छा। गर्छ।

मान्सि मुका ५ ग्रीका বার্থিক জাঞ্জিক ১০ টামা

বিজ্ঞাপন ৷ मक्सरण मामक्रकान (अस-(भन्न निव्या ।

क्जिम तृता मां भाईरत यक्तवरत साध-व्यक्ति क्षेत्रज्ञ क्या योज मा। व्यक्ति वीचिक मूना जानवाज्ञ नाम**छ** ३१ अवर वासानिक a नोका निश्वनिष्ठ कारक । इन्ने वारमन क्यारम अजिब युक्ता कार्य कर्ता यात्र मा। वस्थरकार एकि र्यम गामित्र लोग अकाल अवरलत है का ৪য়ু ভিনি ক্ষমিন মূল্য সহিত পত্র লিশিলেই পাইতে পারিকেন

दिखाना

भु बदवाभवत्रक्र ।

मृश्रद्धां राक्ति (प्रवर्गान्ति कान्नद्र अफिड स्टेश शतिष्ठ'क। नोल्लाक्ट्र निकास रतिका<u>त</u> उन्हेनकारतत (शांनारम १**३८७७**६३

विख्ध: शन ।

वानरमञ्जा

मनन्द्रमार्थन एकानकार क्रुड शह राग वनका कारमाक इवेदारहा विनि कामारक। উহাব এক গণ্ডসংগ্রহ করিনা লিভে পারিবেন ा । १४ ६ हे । भी ब्रिट्डिंगिक क्षेत्रीन कर्ती अवेशकार्किति ।

का के खायन खीत्रायम् । (मन मन्द्र - हे भारत गां र वहतूब नुत्

िक्डाभग ।

াৰ্কা, বকু লেডিং এম্বালয় ও সনাচায এবং সাম্যক্ পত্ৰিক। পাঠগৃহ। হোৱা ৰাওলাভ করিয়াবাললা এছ পাঠ

করিতে মান্স করেন তাহারা মিএ লিখিড নিবৰ সকলে সম্বত হইব। আমানিগের ট্রাছা পুত্তক ছাক্র করিলে পুস্তকার্মি হাওয়াড क्लिया बाईरवक ।

১ম। আফকগণকে প্রতি গ্রন্থে আটফা मात्र दिनादव अधि बादम हाला बिट्ड बहेरवक, এবং তাহ। মাসের প্রথমে ছিতে হটবেক, धक बार्यंत्र छान गुला अष्टन करा पात्रेख

२त्र । अक मारमद्वा कथिक त्वक त्वाम श्रष्ट् রাখিল ভাঁহাকে ভাহার মূল্য দিলে কট

এয় বিলি বে ভাৰত্বায় পুক্তক লইয়া য, চংচন, ভাঁছ চেং সেই অনস্থায় কেবড দি তে হইবেক, ভ হার খন,পা কবিশে পুরুকের मृता किएड दहेरवक।

াৰ্য। অপনিচিত ৰ্যক্তিকে পুন্তাকৰ মূল। জমা ব্লাখিতে হইংৰ, অথবা এক জন ১ বি চিত ব্যক্তিকে জামিন দি**তে হটবেক**। ত**া**। হ্টানে উহা ক পুশুক হাৰগাত দেওশ বাই (7F 1

৫য় , সম্পার ও সম্পুতি গরিক। গবল आबाफिरशब अञ्चलक आिश भारे कविरक কোন মূলাই লাশিবেকনা।

> **(3) 4 (3) Flat** निष्ठे इ दिशांग र है। गवि करश्राम के हैं है

(मायकाना।

১০ট *ডাল্ল* সে,ম্বারু। ८का है। धिनाइतत मिग्नम विधा

थारमा ।

ठक व्यापाल (यिनि भूदर्व भाविभूदर हि त्तन, अकरन नमधारम भारहर) भागः निरगंत मक्तिकामु हरेता चार्याहरसर् निकटि धक्यानि युक्तिक चाद्रवण्यः, भूत ७ একটা আইনের পাওলেখ্য পাঠাইর। দি 👢 য়াছেন। আনাদিগের মত এই সোমপ্রস্থা শে একটিত হইল, পাঠকগণের সঞ্চিত তিনি ष्म् अर् दिश। नर्भन क्षिर्दन।

जे चार्तमत्वव्र सर्व जहे. हिन्दुनान्नानु माद्र ज्ञावत विवदस्त दक्षा विकादधन নিশ্ম থাকাতে একেনের প্রাচীন ও 🚟 ब'र धां**नदश्य मकल क्राम क्राम क्राम क्रा**म खाख व्हेशारह ७ स्ट्रेटिंह, वाजवाद क्रेस्ट्रा. বালে যাহাতে একপ না হয়, ভাছার এক ी डिপाय दना कर्षवा। ति डिभाय धरे. ভাবের বিঘয়ের ফুল্ল ফুল্লে অংশ না হটরা कारेहे नम्माप कान्य विवास्त व्यक्षिकाही **BA 1**

এৰপ একটা নিয়ম হওয়া যে নিভ স্থ व्यापमार, डाइ। जानद्रा श्रष्ट द्रावहा ; (३२ ४४ नारमञ्) ३६६ मारधन्न रमभा কাশে বিত্তারিভবতে প্রতিপাদন ক্রিণ্ড हि। পরিদর্শক ইবার প্রতিকৃল 'পক व्यवस्था क्यांटि जे ब्राप्त २०० भारपा শোৰপ্ৰকাশেও ইহার পুনরাকোলন হব। पाँघ द्वा सिंहे सिंहे श्रेष्ठ कहिल इट्रेंट वर्ष्ट त्र क्तिमा क्लिवाद क्रम श्रीर दव शहाँ देश **१६८८म, व्यथेया ग**ेंश्रीमिटनांत्र **१८**४८ (१६४ एक पूर्वि माकिर द्वेष्ठे अध्यक्त वाबू अभूत \ं परे शब मारे, टाँगिएशत सूर्विधात निनि

३ २०३ मार्चत्र भीमञ्जलारमह कियमश्य -यात छम् ७ कत्रिया रमध्या रमानः।

'श्रामरण कुमाबारण विवस् विकास नाः ' म' एकर अख अनिद्धेत्र सुन्त रहेन, ana अठ कथा^{है} डिक्रेडिया सिंहा अडेक्ल भव्य क्या डिडिंड (वं, क्याई कारेगाही - ७ तरहाराज स्वित विमार अधि ो वजेदवन, कर्निक आशास व्यश्म प्र.इ. 'न ना । कनिर्हतिकिक्षश्चावव भित्रमङ्क 'अस्ट अ म कतिया कड़ेरबन, धमक खारक विव দেব উপরত্ত ব্টডে ব্যাহ্যোগঃ শেশন भारीतम। अक्षण क्षित्व इवर त्थ्र पृथा **বিবার এ'না খণ্ডে বিভক্ত স্বয়া ভাহার** বে বিলোপ ২ইডেছিন, ডাহার নিবারণ क्रवेदन धनः श्रमनम्ब पूत्रकान्तित्र कारिका বিরা গ্রহুতক भः केरम विद्यागानियाः তুষ্টনারও সম্ভাবনা ভাজ ছটার দেশের জুমিসম্পাতি আসংখ্য মুর হাত্র বিভক্ত দুই হণ, তাহ্ৰত্য সংক্ষণ হৈ সহ पुर्ववश्वाद्यक्ष क शवनस्थ तरक मनः विदेश ह শশার **আফুল হট**য় ল'ল যাপান ব বড়ে नगा स्वारम अञ्चलक्षेत्र चाकार७ उपाग 🕫 हा है विवर्ध संख्या है है देखार प्राप्त स्था म्म अस्तित् व्यक्षणा के अस्य न्यान '5' P डिलभ्रव चरिया भ .५ । १ दन्द्र भ ने वावरम्बाद्य भन्न एथम व्यद्धारशान प्राप्तान्त्रात् यह विद्यास मनक उन ा ६ । । । व । अहं श्रुट्टां हो है ने दे पहरुषिकादी क्रिक्टरब ৰ নিগতি ল'ল ক্ৰণ ^{প্রাব}। বিভাগ স্থাপ্তামে প্রচলিত বিষর এই गर्भ क वृत्तनात ।

বিক্স সমান বার্য । বর ব ব ।।
বাকান্তে আনসার নেধন । নব ন ন
ক স্বান্তবাদ্ধারী চলতন ।
বাইতেকে, এবং সার বার ব ন
আনসার আন্তে এতানগার বার ব ন
ইকা নিসন্তান্তিশেল বিলা

প্রত্তি শিক্ষার একটা প্রধান প্রতিষ্ক্রক
হুরাছে । তারারা জীবনোপাদপর্যাও
ভূসস্পত্তির অনুব্রুলারী হুইনেন বনে করিয়া
অলস হুইয়া পাঙ্গুলারী অসনের বিদানিক।
শেষন পুরুষ, কুকারণ শিক্ষা সেরপ নকে।
তাহারা অভি সহজেই কুক্রিরার, রাণ
শাং হুইরা উঠেন। অপর, ড্ডীয প্রেণ্ডীয়া
মধ্যে বাহারা কেবল ক্রম্প্রীয়া, রাথা
দিগকে সদা নানা প্রভুর অস্ট্রানর্থ হুইগা
নানা প্রকারে হুডসর্বাক্ত হর।

ज्यानता छेगात ता विधि विधासन कर। ভাষা বিধিনত্ব ছইলে কেবল **ब्**नाधिका ब्रिक्टिश १नी ए व मरभाष्ट्र'म निवादिक रहेरव धवल महरू थाने राश्य कमिन्ने नथारमयः करू म अंबर्टीके नवीन कारणी इंग्रेटिंग ना थ. इक्टेडिन । ଅଞ୍ଜି. **ଅ**ବଧାର ଟେଲ ଅଞ୍ଛିମ ଅବଶ୍ୟ के। भी व ल एक व विकास माण वनी कहात अप क्रम रहमस्य धाकराज 🚉 🖛 🔭 प्रेरकेन এতান ২≩া,০ বছদিব্য পাণাড ছেব र वीष क्षा मार्ग्य अविष्य अपेत्र प्राप्त 114 त्क तत देवेद क्यरण 2, ते हरेगा त॰ जीव व - हे नए" ने । कापारिड, भट कर कर्किंड, उई दिनिध किन्ड माधरम भवर ^१ टिनम । 🐠 🕫 त्यार्° कार्त्शको तत्र स्मारकश्च कार्यकार धानच्च कड़ेरला ""४१ ए° १२। नराम" किर् बाद्यके भी बहें दिन म विद्यम् रः भुक्तः, - ६० - वंद्रमद्देषु अञ्चलका क तथा 'का निर 'न क्रांबिर्धन **WAYD** े जाना शंकादमारकीत हा, भागना है हो द श्चर्यं इंग्लिंग न

উক্ষা বাবু আই নৰ যে পাঞ্লেধা ই ব্রিষাটেন হছিলয়ে আনাদিলেব যে নিজু ব্রুবা আছে তাহাও এফান ও কন গ্রীছেচে গ্রাম, উকার বাবু এন। বিহুলে ইন্সিটিক লোকের এঞ্জিক মন্তিত

कहिरक्रहरू । किंद्ध स्म स्मर्थाः (नाटकत्र समय कूमश्कात পুণ কইয়া রকিয়াতে, ভখা न कड़ा चार ना कहा जमान देन क्यून अरमरमञ्जू कर म विश्वी क्रिक्टिश देखा क् बाजानिक (कर्मिन ररेदव, कदव काम मुक्ति । म्बलात भाजीत निरंत्र लक्षरम वि-गर्दिन, जारेन ঐकिक পাতের যে ৰূপ স্বাৰনা, लिए (महेक्न महाववा । हि किम.कात प्र डारा इरेट्स कि খ্যানির সম্ভাবনা আহে, এ**খনে ভা**রেদে त्र[ा] विदिशमा क्रमा ज्यानभाकः। भा_या नित्म अभाग कब्रिट्स कृति समिक्ते शिंगर भ दत । अक, योशामिद्रशय माद्राह्म, विकास अ (इ. शह मिना माजू<mark>स-पर्यक्ता अ</mark>क वाद कविद्व । चित्र, अश्राक्तिरम् । ध्यत्रवास्य चे द्वान स्टब्स्ट्राह्म न्यूस्ट्रिक्ट्रिक् व र कत्रम, अत्वर्गन्त्र क्षांत्रमान्त्र क्षेत्र क्षेत्र विकास इकेन्द्र : ।

अथ्याक कारा व किसार क्रिक करा, व विष्कृता करें, भक्षा वक्षमानि मिन कर्छन्। कत्यारं अनुष्ठं,नविवायक ता २३ व महाः া ডে, তছুল্লজন করিলে কেরপ প্রয় বায় ক্রমে প্রৈক্সমনের ভাধিকার শিং मर मान्य राज्यन कतिरान भिक्रा इक्षा कामकारमङ मध्यिक माह । यू का महिन বিবৈচন। করিলে অনুমাত্র প্রস্ত বাস্ক্রানুধির शक्ष विषय मा। लाटकत स्का में विद्युज्ञ अतिष्ठे लालभूतगृत् । बेद्ध्युज्ञ रम विकाद करें कि एक, काकांटक कन्या र रेके विना अनिके नारे , कि अवार १३% टाइ। इरेटल अ अ म म्रावना कि विद्यार (পিছ। गिर्मा विशेष प्रमा अक्र नांखितः দিয়া ফেনেন, দাছা অপাস্থীৰ হয় ন এক্রারা স্পান্ট প্রান্তীর্যান হটাতেছে केलिशिक भाभाका अकिश्विदक्ता **ए**

भता विकीय प्रतिके निवातर्थत शक्की के श्राय करिया किटाइकि, कन्त्रम्ब क्रियन क्लाम विश्व क्षत्रियां में महावम। शक्तिय मा। এবিষয়ের নিমিত্ত একটা সভা করিয়া যাবতী যু জনীদার ও ভালুকদার প্রভৃতিকে তথায় नियञ्चन कता र्डेक, डॅं.हाजा नकरल धक्रवाका इहेश के ब्यार्ट्सन शर्ज बाकद क्रिया राज ত্ব:পক সভার অর্পণ করুন। এই হপে কাষ্য हतिया यपि छैदा विधिवस कता दत्र, श्यन ্মন্ট আমাদিপের শান্ত্রসিক আচার ব্যব हातः कि विवरत इंडरक्श कतिया अनुहिष् कर्व कब्रिटलन विलया ज्यादकत विद्वय क বিষয়ে যে আশকা করা হইবাছে, তাহা ्रहास्ट निवाकुछ इहेर्द । जकरलर नमाडि ভ্ৰত্যা কাজ করিলে ভাষাতে বিৰেঘ জাত্ম 🕶 শন্তাহন। কি - এভদ্বারা আর একটা 🏿 अभकात्र लाख ४ रेख । 🛚 हे:लखत्र ला ^{৴লহা হ¦হ'র বলে রাজত্ব সমূক্ষে স্বাধীনতা} নাদ করিয়াহেন, প্রথমেন্টর প্রজার সন্ম তি এহণ পূৰ্বক কাথানুষ্ঠান ৰূপ সেই স্বস্থ ্ন গ্রামে অমাদিগর হ্রপত হ্ইবে।

বিভীয়, প্রস্তাবিত পংগুলেখে:র এক शार लिथित इरेगांड, काम वांकि छ। ার পিজাব মৃত্তুর পর যদি ধর্মান্তর প্রহ া করে, সে আপমার পৈতৃক বিয়মের অ र्भारतम् व्यक्षिकाती इटेट्स, व्यवदार्क छाङ्ग्रह িশত ন আল্লিড পরিবাহনিবার তর্ণপো া গ থাকিবে। এখ্যিধ বিচিবিধান এ . मन्ती । माञ्च ও युक्तित बिष्ट ख दिक्का 1 িক্লাজ্বানুসারে ছিদ্ধর্মণরিত:গীর পৈ जक भटन अधिकांत्र बारे। गुक्ति विद्राध এই, যে ব্যক্তিকে পৈতৃক ধনে অধিকার **मिंख्या इहेल, जिल्लामा भरत्य अ**विका ी मा इस रक्त ? जामा जामा भविवासन्त्र यात्राष्ट्राप्त विवाद निव्य विधान वातः है हिंतिकार्थका लाक क्हेरक शांदत ।

ভৃতীয়, প্রস্তাবিভ আইনকে এজিক করিয়া ভাষ্যে রেজিউরী কী প্রভৃতির মে প্রেরার করা হইষাছে, ভাছাও যুজিসহ र्रेप्पर्मना । छेश बाता अक्षाहारत्त्र धक्की भव भोलिक कहा हरेटव।

> राहेटकाटडेंत अञ्चलिटगत्र बांब বাললায় অসু বাদ করিবার

অ'বশ্যক্তা

व्यक्ति क्ष्म िन इहेग, मनद्र **७ जू** व्यित्र क्लिंग अक्त इरेश हाइटलार्घ नाम প্রাপ্ত হইরাছে। এত দিন সদর আছা লতে এই নিয়ম ছিল (আঞ্চিও উচায় পবিবর্ত্ত হয় নাই) कटकता আপনাদিগে র রায় আপনারা ইংরাজীতে লিখিতেন, তাহাদিগের দেই রায় উদ্ভে অনুবাদিত হইয়া সকৰলের আদালতের গোচ রার্থ কানে স্থানে থেরিত হইত। বাজ লা বিহার প্রাকৃতি সমুদ্ধে প্রাদেশেই এই निश्रम जुलाकरण अनुगृष्ट इहेड। दिख অনুধাবন করিষা দেখিলে এ নিয়মটা কো ন জেলেই ন্যায়ানুগত নতে। বাখলা খেলে বাসল। ভাষা চলিত, মেধানে উদ্দ ভাষায স্তুত অনুবাদ প্রেরণ। সে কি প্রকার युक्ति । व भना अक्षा कृष्ठ अरमन गरह। ইশতে চারি কোটি দশ লক্তল কের বাস। সমুদায়ে উনচ্ছিশটী কেনা আছে, क्यादशा त्केवल विष्णु, शांग्रेना, बुर्ण्य, भारत . ভাগলপুর, হিছত সাহ'ব'দ चारह । डेस् अथाः अजन्दिशत तारतत अनुदाकुत हाति त्वांति मन मका ला। কের কালার সহজ ও সুবিধার নিমিত্র उ चार्थ करण करेंगे ध्रवत्म कांब्र हरेंश त्मम मा, योहात व्ये तास पूर्विवान व्यक्ता ! কৰ হয়, ডাহাকে ডার্মিড কর্থ ব্যয়, क्ष्म ७ करमात अनुकृषि कतित रहा। অপর, গ্রহ্মণ্ট ব্যয় করিয়া যে উল্লেখ के तारगत अनुवाम अकबरलत अर्बेक ब्योह ণ করিয়া থাকেন, ভাগরও ব্যাথাত জিছি

त्कटर । त्य जाता स्कटन स्ट्रिंड्ड, তে কোন কাক করিয়া সামান্ত্রী भणीय कम मारका मेंद्वारता कि

नगर जागामक व भारीताक्ष महिला कतिशाद्यम । देश अक्टल शर्द्यमुहिन् রিণত হইরাছেন। আজিও ুকি উল্লিক্ডি অবিভ্যাকারিতা পুবিত বুজিনীয়াই বিশ্ব অপরিবর্তিত থাকিবে ৷ সময়, আমালতের त्रह शतिवर्षत्र मिक क्रि देशात्र शतिवर्ष स्टेटन मा - श्राहिटकार्ड ने विनदक्षत्र शतिवर्ष করিয়া বিশুক্ষ বাদদা ভাষায় অনুবাদ वाथा व्यविष्ठ करत्रम, तारे अनुद्राध कत्रि वात निमिष्ठदे भाषा भागता अहे शास्त्राना क्रिताहि । शर्रकार्षे व्यक्तिक स्थाएक य मिट्न बरनकथित मोजागानाक है রাখে, আরো অধিক সৌভাগ্য লাভের স ভাবনা আহে ৷ ঐ আগালভের এ কেলকে সর্বত্যেত।বে উন্নত করিয়া ভূলিবারই চেকা: क्टि य मार किन जे क्वीह वहहाह रहेश ब्रश्सिट्स, एकमर्टमाथम वास्त्रिक्टक **छेह। नक्न हहेवांत्र मञ्जावन। नाहे 1**

कक्पिरशंत तात विश्वक वाक्शांत क्या वाम कतिवात थाया अवर्षिक श्रीतन हुति मट्शिकांत्रलाख स्रेशत मजायमा आदि है अधम, नश्टक शवनंदबटकेन केट्रक्नम् जायन हरेटव १ व क्लिन्ब नक्एनरे जमान्नाटक के क्रहे क्यूफी क्षालाय हिन्सि जाया अहिलाउ । शिविक चानूबाव त्यादव मनर्थ व्हेदवर्थ । वि তীর, উহা বাদলা ভাষার সীমৃত্তি লাগনের **এक्টो अधान क्रेशांत्र इन्हेंद्व**ा द्व कारा আদালতের ভাষা হয়, স্থাইয়ী বলিয়া हरेशा वादकः अजुन्छ छेश लादकत कके | ए० निकास स्मादकत अवस्थि यस हरेशा शास्त्र । अहे केटक्टबरे लाख शांजिक्ष अरु বুহিয়াছে। এ বেশের লোকে উদ্দু का। শক্ত এক বাদলা পাঠশালার প্রতিষ্ঠা ও **बहे अधिका करंद्रम, याँ हाद्रा वार्णना** का वाब जुलिक्डि मा इट्रेयम, डीहाविशटक कर्ष विषय मा। किन्नु छेरा शवर्गरमध्ये ख्या ख्या खरमक दिवस्थि। अधिकात मात्र कल अनव कतियात शृद्धि विमीर्ग या गाता। (य क्लान खेशांदत्र श्किन, वः

্য ভাষার জীবৃদ্ধি সাধন যে গৰণবৈ াব একটি কর্তব্য কর্ম, বোধ হয়;" ভাষ্ नामानिरमंत्र ज्ञासन्त्रम्बिरमंत्र वर्षमध्यहे वीकात कतिरदन। छेट्रेलियम "कि कंप्रतद्र? देश्तरक देश्ताकी जाना निमुख क्रिया করালী ভাষা প্রচলিক করিবার যে রূপ - রুর্যনোর্থ করিয়াছিলেন, আমাণিগের वाजनुक्रमिटमञ्ज मत्था त्मरेकंश इपटना त्रथमानी दक् भारत्ये, ध्वश भागानि গের বোধপন্য হয় না, বলি বাকেন: তাঁ काता मश्याप्त निषास व्यंभी मरमार नारे। একণে আদালতে যে ভাষা প্রচলিত আ **८६, जार्श अक अब्दूष का**ना। ए काही **अवर्धत मात्र अकाधारत मगूमात्र जाग**री আছে। রত্বাকরের সহিত ঐ ভাষার সা कुणा कब्रिटन त्वाथ रूप्र नमधिक नन्छ इत । जश्झू छ, ज्यात्रवी, शात्रजी, वाषला ও ইংব্লান্তী, ইহার বে ভাষা উহাতে দেখিতে **इां डाइाई स्विंग्ड शार्ट्द । डेंड्। स्व** (क्यन छावा, नामानित्त्रं ब्रामभूत्रत्वत्रा ৰদি বুৰিভে চান, সংক্ষেপে এই মাত্ৰ विताल भागा प्रेटन, वक अनुमकान করিয়াও সাত হাত দীর্ষ এক থানি কব কারির মধ্য হইতে সাভটা সমাপিক। ক্রি ন্না বাহির করা ভার ।

त्रिष्ट् कर् बक्षा कहिए भारत्न, बूटकत्र अकृष्टि करत्रकति अटमरन किमी প্রছালত, অতএব কেবল বাদলা ভাষায় ব্লায় অনুবাদ করিবাব নিয়ম করিলে তাফা किटमंत्र सूर्विधा व्हेट्य क्लन / हेवान छे बन স্থলে আমাদিগের বক্তব্য এই, হিন্দী তা বার রার অনুবাদ করিবার নিমিক ২।১ বাক্তি নিয়েকিত হউন। কিন্তু ৩৯টি কে লার মধ্যে মুদের প্রভৃতি সাওটিব সুবি थात निमिष्क विज्ञिणित चामूविया कः मुख्य निक मृत्र सा । तारे गांठिए ७ डे कु । शांवरे अर्जू । वात्र अर्जू । कावा इंतिक बटर । भ चटल चात्र धकि वक्तवा धरे, यनि दिनी छहा अवर्षिक ्, इस, मित्रम्भत स्मारत यम ए:इत अह े देना शतराश्नाकित क्रेनाम । हात ! निमि क्री क्री क्री क्री श्रक्य इतिछ।

बार अथा जातुक कता रहा। अथन व्य উদু ভাষা লিখনে পার্নী অকর বাবহার चारक, छाहा चानत्रीत सरका भावती व्यक्त कित निषंत्र भंद्रेस महत्त स्ता উख्ड शन्त्रमाक्टलड् कथा जुलिया (कःव वाशिक क्या अक्टल यूक्तिमह इटेटिटर ना। आमत्र। छेशदत ता काक्टकाटर्वे अ मक कदिलाम, रेंड्। वाकला क्रियंवडे . ए ম্বর পশ্চিমাঞ্চলে শৃতন্ত্র হাইকোর্ট প্রতি **बिंड** इन्हेंद्र, हेहा दित निकाय भाष्ट्र । । हत्त मा । कामहा এछ , भहाधीमा रा कामा তাহা হইলে তথায় সে কেশীয় ভাষা প্রচ लिङ क्ट्रेंट्व । त्र अमूद्रबाद्य ७ कांक्टकार्ट ৰাশনা ভাষা প্ৰচলিত কয়িবার বাধা জন্মি एक भारत मा।

---ভারতব্যীয় রুমণীগণের তুর্বস্থা -মোচনের উপায় কি ৮

আমরা আজি একধানি গ্রেবিভ পত্র পাঠকগণের গোচর করিছেছি, পাঠ করি লে আ্যাদিগের ন্যায় পাঠকগণও প্রম প্রীতি লাভ করিবেন। ইছা এক জন বি দ্যাবতী জীলোকের লিখিড ৷ বোধ হয়, | তাঁহাকে অনেকেই ছামেন, আমরা তাহাকে दिस्थय करण कानि। छीशांत्र वाकनः लिथि ধার বিলক্ষণ ক্ষমতা আছে। আনেক পু क्रांच खमन औरलाटकत नाम निया भाग নাদিপের লিখিত পত্র সন্থাদ পত্রে প্রচার क्त्रिया थारकम, देहा त्मक्ष मरा । हेडा यथार्थरे कामल क्य स्टेट र्वितर्शं छ हरेप्राटक् ।

খাসী ও তাঁহার সামীর এক বন্ধু উভয়ে। মুদেরে পিরাছিলেন। তথা স্ইতে তাঁহার স্বামীর বন্ধু ঐ স্থানের বর্ণন করিয়া ভাঁছাকে এক পত্ন লিখেন। প্রস্তাবিত পত্র খানি তা

वश्वष्ठः कद्रर्श्यू---

স্থাপনের অনুমার লিপি খানি **প্রার্থ**

খানি পাঠ করিতে করিতে বে গভ মঞ্চপাত ষ্ট্ৰ, তাহা আৰু কি নিৰিব। বহাশয়। জা-নিনাসে আনিশাখাকি বিবাদ্যখা আনপ্র नारा युटकदर्र शिया नाम। अकान त्रमनीय शकार्य नकत प्रश्नेन करिया हबरहुछ ७ व्यक्तिकहनीय আনন্দলাত করিতেছেন / শিব বারু ৷ আ-এবা দেখিতে তো পাইতই না, মন্তব্যের এক টা কাশ্য থাকে, ভাষাও কাথারদের নাই । এ সকল বিষয়ের আশার মূলোভেরন আমাক त्माद्र तक कवित्र रङ् ३ छ। । । ज्यांत्र त्वचन। যাহাকে বলে ভাছাও কবিছে পারি না, ৪০৬ द'ह तक न अक्षी दिवस्त्रद्ध काला कहिया मा जुड़े त्यम क चत्र बड़ेएफ (क निवस) छेरडे " 🛰 नहरू । शराबीमः इडेशः ध क्षरः र बस्र दिस য়েৰ জাশাকে মনে স্থান দিও না ৷ যে চেড়া sacran আন্দির্দ কেশে কেশিতা হট্যা ং ্ত্র পিত। অ হার্দিগনে শিশ্ববদ্ধ। কনি-রা রাখিণার ভাগ ট কি হাছি বরিরাছ। মাও । পূৰিতি। ভোষাৰ এই ডাখিনী ছহিছাদি গের প্রতি সময় ইইনা কিঞ্চিৎ নিস্কৃত স্থান প্রদান করা, আদ্বা তথার শিবা সাধিতি ক্ষি 🕟 ধ্রুণ জ'ন নয় জ্যুন্, নিজান্তই # 4"तुभ २ गांध्रय"ल **म**न्द्रश क्रमंत्र, क्ष्ट्रेग्राह्न ্লাম্'নিগ্ৰে এ এসক্ষী দ े। रूप्राप्त वक्षणः कहेत्त्व प्रदान मेखान नहा । भिष्टः। व्या मातरमञ्जू अन्यत् यञ्चलः च गुक्ततः कतिराज्ञ भारतः, এ পু,পিধীয়েছ ভাঙুক ম্পুন্য একটিও নাই (ভা। লার এইপ্রেবার সংখ্যার) যদিও জুনি মনের অবস্থা সম্প্রট অবগত আছ তথাশি ন বলিয়া চুপ করি। থাকিতে পারি না, অভএব ভোষাৰ নিকটে किছু कोई রোচন করিয়া মনের যন্ত্রণাকে কিঞ্চিৎ লধুভাব করিব(রু সন-বিনি এই পঞ লিখিয়াছেন, তাহার ও সংযোগি ইছা বাতীত আন্তান্তৰ সংগ্ৰ উপায় ল'ই। পিড- ! না হব ভোষার কিবন मृ ह्यारक मीड (अत्व क्व, आयोगिशहक अट्टब হটাত উ**দার ক**রিবার উপায় **তি**মি

> निव बांबू : छाज दशाय चान्य विशेष একটা কৰিতা পাঠ করিয়াছিলাম, তাহার সর্ব म्बर्ग निथित इनेवाद्य " ज्यूर्यंत स्वकाः

अध्यन्त्रीय क्लान सम्बो इहिन्छ करे ३, छारा হইলে তিনি অয়শাই বনিজেন বে " তকু थ्यंत्र तमम अहे राज्यांभा वातम महीकृतम जम अश्वना , अभ्रष्टामहा उन तम बाह्य बदन হয় যে পড়িতে শিখিয়াছিলান কেন, বলি প ব্রিতে না, পারিভাষ ত'ছ। এইলে নান। ल! तन देखां । जानिएड ७ "विषाय ना, णा जिल्द हेकां व हरेंड जा, मन अकटानाइ लस्त् मान कड़ेया प्रक्रिक कान क्रमड़े अ-গুড়ৰ করিতে পাবিতাম নঃ ক্লেশ হইতে मूख बड़ेगात कम डा यादारमञ्ज नाहे सम्भरत ्रह्म विद्या द्यांत न, 'मधान छ'शादमङ शदफ तारः जुर्थकत् विविद्या कतिया (१९/० ! मण-मह । अवारणम् महाग छ । जी त्लाक गमा दक्क কি আছে? বদি থাকে ভাষে বিশিক্ষন, তা-। तन्त्र नदिक पूर्वभा महिता यप्ति किङ्कु छन्द eটতে শারি। সামিতি 'নখিতেভি খনোর ा अ कानु निकास कवित्तम १ कि **कु** इस्ते विषयु । ভানার , দং জানিছে পারিরা কি বীয় কেব बालिक इन्द्राच कविटा भारतियः वा छ। । करामहे शानिय ना छो। आभिमा दमयश छै-শ'তে ক্লেশ সমূহকে বিশুণ্ডর স্বিত। "ইলিন জেওএৰ মন। এড উভলা হইওনা विद्वहन। कविशा क्ष्म अ वज्ञना द वच्छीनन (७) १। वित्राच्छ इडेटाक, एट्स विवास कवि हा दक्त बद्धना वाज्यं है, है, कि कि, मी त्य যালার ।নবট বিদাপ করিতের তিনি এই ষ্ট হ'র ৮ শের পুরুষ জাতি। তিনি তে মাহ দু যে কুলিত ছটাকে ভাৰা কি প্ৰকাৰে জানিত পারিলে স্ত্রী চ ডিব্ল ছ বে বলি তাহারা ভঃখিত বটাতেন, হবে ছত ও গিনী নেব এন্ত করভোগ বরিতে হয়ত মা তাঁহার। फु.चिक र्केट्सम (कम १ डिकाटम्ब कानदानीत म अ, तर्राद्य व तर्क अन्तात्रीरम हिमया या हे ८७८६ । छ।शता कामारमञ्जू छ यत्नाहरमन (इ.स.) क्षेत्रका १ था क्षेत्रक लिशिश सिव बाबुटक कर किर নিভাপ অধীয়া হটথাছি এ প্ৰবস্তু ৰত এ লাপ ও লিখিয়াছি। যালা হউক, দীয় বাংগ का छान (हार क्या कड़िरवन। मिर्वहन हेन्डि। সন ১২ ৬ল '

9 35.734 1

बाबाब नहीं

এই পত্ৰ খ্ৰীলোকে নিধিয়াছেন ৰলি | রা স্বামর। এক কালে ভাবে গলিয়া যাই। লে কেবল যে স্বামানিপের बारे, व्यामाभित्यत त्वत्यत जीत्यात्कत्रा त्र्थमत हरेत्व वक्षण बदहः 👁 मूर्व, त्राहे मूच करलत अक कम बाक्ता ! शहम मोखांशामानिनी हरेता है खावांत्र स्थार्थ द्रीकित धनुम, एत ८३० भन्न | व्यामामितात क्रामात स्थ विकेष लिचिएक शाद्रम, ६ कार्यः व जाम हरे नाहे, व्यावाणितात अह असर्वे इहेरात का शामत सूर्वक है काहात अहिंगे। व्यथ त्रव करे, बरे अश्किश अब ब्रास्थ करमधीत त्रव। श्रीकारिये आह किमा उ খ্রীকাতির ভুরবন্ধা ও পর ধীনভার বিষয় भविखन्न विकाद करेताहरू।

'' ङ विक्रवतीय तमनीवर्गत ज्ववयाः । মোচনের উপায় কি: ইবলিয়া আমরা উপরে যে গ্রন্থ উধাপন করিশছি, এতৎ পত্র হাব: ড'হ'রও উত্তর ও সিদ্ধান্ত করা बब्देग्नाद्य । बादला ब्राट्स जीक्राठित विमा। मिक. **३ (म**े **উ**भागः त्रमनीशर्दशत्र विष्णाः निका करेरजरे कें.ह हा काधनामिरान क्रम बन्धाव विश्वय बुक्षितः शानित्वम, बुक्तितक পারিনেই তথ প্রতীকার নিবমে স্বিশেষ চেন্টা কছিবে। উল্লিখিড পত্র মধ্যে পত্র রচনা কারিণীর যেৰূপ মনের ভাব ৰাক্ষ হইয়াছে, সুশিক্ষ প্রভাবে যদি অধিকাংশ খ্ৰীলোকের মনেব ভাৰ এইকপ হয়, স্বা महा कि जात के हानिशदक शक्षवय लाह नीय व्यवसाय वाशिष्ट मनथे कर्व : उर्थन ভাষরো আপনাদিগের তরবস্থা মেচনের উপ্যে আপন'বাই কবিষা লই.ত প'রি

আমাদিধার জীগণ খদি চির কাল अञ्चलाञ्चकारत्र आव्हत्र स्टेश शादकमः অ,মরু গভ ভাছাদিপের হিডচেমী করি না কেন, আমরা যত ভঁছাদিগের উল্লিত माध्य हिन्ही कहि या क्या, भागता यस উচে দিগের সুখ স্বক্ষক করিয়া দিবার চেন্টা করি না কেন, আমরা যক্ত ভাঁহাদি গের স্বাধীনতা প্রদানের চেতা করি না কেন, তঁ. ছারা কোন ক্রমেই সুবিচ হইছে म स', धांजूष कें।शिमाश्रद (महे (महे वाधीनक्षाम क्वम सम्दर्भ निर्वेष्ठ 'इहेरव ।

व्यामानिर्भव खीर्भव कू वृद्धेरवाहत रहेरल्ट मा, आमानिए थर्ग उ अ ि मझ्ल चार्हात वावस्त ' অ,প্রায় স্থল ছইরা থাকেন।

> পতিত ভুমি বিৰুগ্ন ও সর্ চরদদ উভ।

ক্রমে ক্রমে ভ'রতব্বীয় গ্রণ্মেণ্টে সহিত ফেটাসেকেটারির একটা অস্কুত ্ वक्ष करेश के हिल। चात्रका भवर्गरम है देव কিছু ক.জ করেন, সর চারলস উভ কে नमुमान आन एम एम कतिया विद्युप्त क त्रम, अवर व्यायहे किছू किছू পविवर्ष क রিরা থাকেম। কাণ্ট্রাক্টবিল, ভারতব্বীয়ু ব্যাক্তের কহিত বদ্যোবন্ত, আয় বাবের ফি সাব, এংং সম্প্রতি অগত পতিত ভূমি বি ক্রের সংক্রান্ত আজা ইছার প্রমাণ । সর চারলস উড এব্রিধ বাব্ছার করাতে ভার व्रज्यवीत भवनीत्मर के बाबीमका वार्षक হইতেতে সন্দেহ নাই। স্বাধীনভার একপ বণবাত কালারও অতীক নবৈ। ভারতঃ বেই ভ'রতবাবের শাসন ক্রিয়া সম্পন্ন হয়. रेरारे धकार धार्यनीत। युक्तिल धरे कथा विश्वा किरकार । किंद्र चनुश्रवन कब्रिय़ों रमिरित की हात अरे इसकिश पूर्वे, এकि विषय व किरत्र क वामानिरात्र जन . र्थित निकित इंटेर्डर मा। अधिका न । । यत्त्रहे श्रीय त्नशा याहेरङस्हः छ।ब्रेडवान्त्र হিত সাধন তাঁহার উক্ষেশ্য। তিনি যে **वहेक्टर्ल इस्टरक्ल** वरहम, छःहाद करत्थे कि : निहर्वकित अञ्च अपर्णन रि ठोड क्र के क्रमा : छ।इ। इहेर के का ह। व करी। গুলি ভারতবাধর বলাগেকর হইত না ুস্ক मामिर्भव की कारायान क

,রই অধিক প্রান্ত্র্ভাব, অত্ত ৰি আছুৰ্ভাৰ প্রাধীন হইয়া म, नद्र চांत्रलन केड बहेब्स बर्म

चेत्रकारबाद अंड चत्रकात कतिया । याद्य दक्षेत्र, यदक्षत्रदक्ष करे উপर्दिष रहेग्राट्स, अकरन उद्दात ात्रभा क्या यारेटक्ट्र ।

ह्याम कानिक ४१३ चटके वर गावडीव ন্ত ভূষি প্রতি একর (৬ বিষা) ২।।০ ৫ টাকার হিলাবে বিক্রের করিবার অনু ভিবেৰ (আমরা তৎকালে ইছার নি মাবলি প্রকাশ করিয়াছিলাম, একণে টাহার পুনরুজেবের প্রয়োজন নাই) সর **ठाउलन উड अक्ट**न **ड**:इ इ क्ट्राक्टि वि পেত নিরম করিয়া বিতেছেন। ফ্রিনি বলে ন, পর্বত্যের উপরিস্থ, নদী তীর্ত্ত ও প্রে রের ভূমির অনেক বৈণকণা আছে। সক ल कृमि अक्षिय बूटना विकीष इंदेरठ शांद्र मा ; स्व बास्कि अधरम न्याद्यमम ংরিবেন, ভিনিই ভূমি পাইবেন এ নিয় মও নাায়ানুগত মতে; আর লাভ কানিভ আজা করিরাছিলেন কোন পতিত ভূমি মুজন ক্রেডার হত্তগাও হইলে যদি ভাহার পর কেহ সেই ভূষিতে ভাহার স্বস্থ আছে বলিয়া আপত্তি করেন, ভাহাকে এক বৎ সরের মধ্যে আপন বস্তু সপ্রয়াণ করিতে ! स्टेर्ड, एक भुभाग स्टेरल १ किनि

भूमाध्याख रहेरवन मा, छ। । एक छ। हात्र মুল্য কেওয়। হইবে এইমাত। সর চারলস উক্ত এই আজে। রহিচ করিয়াছেন। ভিনি রলের অন্য অন্য ভূমির ন্যার এ সকলেরও শ্বভাশত নিৰ্বয়াৰ্থ ১২ ৰৎসর মিয়াদ দেওলা কর্ত্তবা; আর সেই ভূমিতে সপরের বহ আছে এৰপ প্ৰমাণ হইলে ইচ্ছা হয় তিনি मूना नहेर्यन मजूबा जूनि लहेर्दन । नव চ্যুরলম উত্তেহ্ন্সাতে লাভ কানিঙের উক্ত ि प्राक्तित स्त्रीय विक्रीय स्टेन ; विनि

म'क्षीन क्यिमा विश्व चुड् क्षत्र'न क्रितलनः, ভাগকে মূলাকাইতে ৰলাভটলা কিড क्ति इ**एड अनंबर्ध इ**हेटला , अकः খনে বিচারপতি ভাছার ভূমি প্রভাপ-করিবার জাজা লা দিয়া আরু কি কাজা দিছে গাবেন ৷ সর চারলস উভ এই দ্বাপ এ বিষয়ে যে কথা গুলি কহিবছেন. 🌯 বিকারি দল ভবিষয়ে শেরপ বসুন নি-স্বাথ স্থিরবুদ্ধি ব্যক্তিমাতেই ড.২, অখ अभीय कान कतिरान जरकह नाहे।

স্টেট সেকেটারি আরে: বলেন, ক্রেপ্ট নশী গাণেরেরা সকল স্থানের ভূমির ভার क्या विद्वहमा करियः এक्षे मुख्यक्त्र মুলা দ্বির করিয়া রাখিবেন। ধে ব্যক্তি अथरम कृत्रित्र करा कार्यक्रम कृतिरवन, ভঁ হাকে করিপের ব্যন্ত জম। দিতে হইবে। পরে নিকটবন্তী আম সমুফের প্রকাশা স্থানে এক দেখিন। পত্র দেওয়া ভইতে। अवेक्ट्र जिन मान व्यक्ती व बहेरल भन्न यान পলীপ্রামের কেচ কোন আপদ্ধি না ক खन, छार। स्टेरल जुमि भीलारम विक्रीड ষ্ট্ৰে। নিৰূপিত মুলেণ ম্যুনে তীয়া নি ক্ৰীত হইবেনা। এখন অ্বেদনকারী থ'ত নীলামে ক্রয় করিতে অপার্থ হন, এক্র হইলে যে ব্যক্তি ক্রয় করিবেন তিনি এল म आदरममकातित अन्य कवित्रभव स्थ প্রদান করিবেন।

সর চারলুস উড জার এক স্থানে বংলন बाझाटक अधिक अश्वा इंछेरतः शीश कटफरन वाम करवन, रेश जाशांत मालन रेखा, किन्न তিনি তরিমিত্ত দেশস্থ লোকের সমহানি ক ব্লিতে অভিলাধী নং ন। "আস:ম প্ৰভৃতি বন্য ক্ৰাচী দিগেব আপনআপন পৈতৃক ভূমি ্য উপৰ অতিশয় সায়া আছে, তাহাদিগের कृति देखेरत्। श्रीष्मिश्रादिशास्त्र (पश्चरा व्यवासि । থকাপ স্থানে ইউরোপীয়**লিগের বসতি হই** লে গ্রণমেটের সছারতা ছওয। দুরে পাকু আজা প্রচলিত আইন ও যুঁজির বিরুদ্ধ। বি, উ চালিগের নিমিত্ব অপরিমিত বাষ । करिट इट्रेट्रा ? किनि मात्रा शक दारन । गर्कन करा प्रामिख निराज वर्षता नरा

लिभिताटइव " इयटकद्रः मणु छे थ।किटलई ावनत्मरन्छेत्र यथार्थ प्रकल् । र ल्यां उन वा কাটী স্থমিয় জফরে ভারতব্বীয় সভা গু ের ভিত্তিতে দিবিয়া রাখাই বার্ছবা।

লাড় কানিও লাও হোলডাসা সভার ুঃকে পড়িয়া ভাছাদিগের সস্তোদ সাবনা থ .৭ ই অক্টোনয়ের আজা প্রকাশ করে ন। ত'রদবনীয়দিশের স্বার্থের প্রতি তৎ कः ल उ.एमा पृथ्वि हिल मा । मह छाहलम ঐঅ্বারো ইহিত কবিয়া উত্তম কার্যা করিয়া (बन । ज'तुक्वरी। श्वर्गरमणे गृद्धांभक अलाग्न छैका विधिवक्ष मा कृति । अ अत मा বলস উড়ের লভ না লইনা কাষা আরম্ভ এ বুয় ভাগ করেন নাই। অ^{প্তা} মুল্যে ভুষি জন করিয়[,] হা**হাই আবার অ**ধিক मुत्ला विक्रम कविया गायमात्र कता ज **्रिक्ट्र हेका. यह इ.इल्य डेंड डाहा** বুঝিতে প বিরুদ্ধেন 🗁 🚁 রা ভারতবর্ষীয গ্ৰণ্যুটকৈ প্ৰতিজ্ঞাতদকাণী ও অসংসূ বলিয়া ও লি দিখাছিলেন, ভাঁছায়। পতিভ ভাল বিজ্ঞানৰ চারলণ উত্তের অনুমো निष, अन्तर स्कृतिगां क्यांचे हत जू है कहे ই,ছ:দিগের অসম্ভোগ জন্মিবার দাবৰ এই, সর চারল্স উও এদে ণের স্বার্থে উপেক্ষা কবিয়া কেবল

विविध সংবাদ।

দিপের স্বার্থ সন্ধান করেন নাই

ठ हो का**ल भाष**ीहै।

নড়াইল হটতে এক ব্যক্তি লিখিয়া শাঁঠ हेबारहर, एअडा हाडे चामासर्ड्स सम অস্কু বঞ্চ, জনাথ প্রভৃতির ছু:ব িয়াবণ ও मांश्या नागार्थ अवकी मणुणात् यात्रवाद मान-য়ে২৫ এ খাবণ এক সভা করিরাছিলেন अवितिध क व्यवहरिष সাধারণ कला, शक्य कार्या प्रविशेष निर्देश किया है। यह किया कि विशेष এবুপ নতে, আপনাদিশের লেখা পড়া জ্ঞানও मार्थक बग्न, जमात्र जामणार्च गृथ्, दूवीता . शरह त्रमुणांत स्रीवरनत प्रेशार्कन ও विम्रावि- হাইও নালে এক জন ইউরোপীয় দিলী নাজে টাকার ক্ষিত্তত টাকা করিরা ভালাইরা এইনাছে। সে গুড ক্টরাছে, আজি কালি জাল কাবো কোন্দ্র ভারি স

हे (मधीय शहेन जन कर्मण क तार्किन्द्र त तार्किन शिक्षण हू जियात ता नाकि वया को कार्क नाकिन वार्किन व्यक्ति व्यक्ति वार्किन । निवास कार्किन वार्किन वार्य वार्किन वार्किन वार्किन वार्य वार्किन वार्य वार्किन वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार

শিশ প্রদর্শন হছে দর্শকিন্তুগর নিকটে
প্রাচাই ২২০০° টালা উঠিতেকেণ অক্টিনির মা
স পর্যান্ত উহা থাকিলে প্রান্ত ৭০,০০০০ টাফা
উঠিবে সন্দেহ নাই। চিত্র ও নানা প্রাক্ত র ক
ল, বিশেদজঃ বান্দীর লাক্তল প্রকৃতিতে থাকি
প্রধান হইরাছেন। ১৮৫১ আন্দে ইংলও খে
কেন্তে বিনরো প্রাধানালাভ করিয়াভিলেন। প্রা
তিহোগিতার এই লাক। সলিকাতার কবে নিক, প্রদর্শনের হৃত্তি হ হব ? এ হৃত্তি হইনে বে
একটা উর্ভির পথ হর।

গৰগৰেক জন্নজিয়ায় যে সকল কুলি প্ৰেয় গ করিয়াছিলেন, জাহালিগের জনেকে বেড ন না পাইরা পলায়ন করিয়াছে। ঐ প্রেলেশে একপ ঘটনা বইবার কোন নিয়ুভ কারণ আ ছে সক্ষেচ নাই, ভাষা আমরা লাক্ষিও জানি তে পারি নাই ?

গেও সাহেব অত্যন্ত পীডিও বইরাছেন। তাহার পদত।তিগর ন্যায় পীড়ার স্বাদ ও-নিয়াও সকলে ছু:শিত হইবেন সন্দেহ নাই ?

আসাব কোম্পানির গত সভার মাকে, কা
ট'ব ওমনি সাহেবকে জগাক পদ হইতে বচিক্ত করা হইবাছে। ছাল সাহেব (বিনি
প্রথমতঃ মাকে ও কাচীরের নামে ভছকপের
বানিন করেন। ১০০০ টাকা বেডনে ঠ কোম্পানিব ভত্তাবধারক হইরা জীহন্ত ও কাছাড়ে বা
টিলেছেন। কোম্পানি ৩০ কক্ষ টাকার একচার লাগিচা রুল্ম করিবার প্রস্তাব করাডে জনেক সংশী প্রভিবাদ করির হিন্ন। জল সা
হেব বেমন পরিজ্ঞান করিরাছিলেন, ভেমনি
ভাষার শীকার হইল ভাল, কিন্তু ভালাকে নিধুক্ত করা চা কোম্পানির পরামর্ণসিক্ত কার্য
হয় নাই।

व्यक्ता नश्राम शाहेशास्त्र गां नार्ट्रिय व क्रिनी व्हेबाव आर्मन व्हेबार्ट्मा कर्मन विद्यनीरक्ष क्रिमति क्रिनेन्न व्हेर्ट्स हाजान व्हेसार्ट्स क्रिने व्हेन्द्र स्थान व्हेसार्ट्स वर्ष क्रिने, जिनि जश्मराव स्थान नर्ट्स।

দিলীপেকেট বলেন, ফিরে ক্রাবারের বে ছুর্ক্ ও ঠেনন মাঠার ও ভাহার সহচবেরা এক-ট জীলোকের সভীত মই ক্রিয়ারিল আগ-রার সেসিয়ন জন্ধ ভাহানিগের ক্ষেত্রক জনকে-গাঁচ বংসর ও অবশিশ্রকে ছুই বংসর মিন্তুল দিয়াহেন। আবরা অনিলাম ঠেনন মাঠরের লাঁচ বংগর চইয়াছে। একণে বলাংকার বভান্ত সচরাচর আবাদিগের জাতিগোচর হটরা থা-কে। অজিভেজিয়তা কি সভাতার একটি স্বচর ধর্মন

উক্ত পত্ৰপ্ৰৰণ করিবাছেৰ বাদ্যীতে ওদা উঠার প্ৰান্ধৰ্ভাৰ হুইধাছে।

আনত। আজাদিত হঠ নাম, হিন্দুপেটি, বট দুও অব ইতিয়ার গেড সাহেবের প্রে অংসার কারণ এনিতে পারিয়া নিশিরাছেন "আবরা ভারতা করিয়া বভ দুব পারিয়াছি নেত্ সাহেবের বর্তমান বর্ণের হিনাবের গছাযুতা করিয়াছি। কিন্তু আগরা সুংশিত হইতেছি. জিনি গতবর্ণের ও নোটি টাকার অনুলান গোপন করিয়া অন্যায় করিয়াছেন। বর্তমান পত্রে (অন্য কারের পেট্ যুটে) আমরা ইহাইত দোবারোপ করিয়াছি। এ জানানিগের স্কলেরই এই সিহান্তলী করিয়া রাখা উচিত, ক্রে অব ইতিসা প্রশংসা অথবা নিক্ষা বড় সর্বা লাঘনে করেন না ।

এক জন কিছু উক্ত পত্রে লগুন হইতে

কিখিয়াছেন, বোল টুন নগরের লোকেরা ক

গাঁটের নকাবের রাজ্য কিরিয়া দিবার যে আবেদল করিয়া হিনেন তবিনার লাড এলেন
বরা কট ক্রি করাতে ভত্রভা লোকেরা তাঁহাকে ক্ষা প্রার্থনা করিতে কহিয়াছেন। যিনিযা বহুন আনাদিগের গ্রন্থনৈটের উদ্ধার
করিয়া ধেলা রোগ নাই।

দেও স হেব সম্রতি দর চারল্ স উত্তর প্রভাতর বৰণে বে পুজুক নিধিয়াছেন, তা-হাতে তিনি তারজবর্ধের ধনাণারের জঘা টা-কা প্রভৃতি থীরছির লক্ষণ প্রধর্শন করিয়া উ-গসংহার স্থান কহিয়াছেন ও বদি জানার আ-

র সংশ্বাধের আবশ্যক খালে জান ভাহা ইহা কটভেট হইবে, আমি শ্রেণি কেন না করিয়া কার্য্য করাছে বর্ধের যামতীর বুদ্দিনান লোক জীকা: হেন বে ভত্রভ্য একজন রাজকার্য্যকার আমি নির্ভয়ে সাধুতা অবলয়ন পূর্মন করিয়াতি। আমি একথা বলিভে পা। নার পূর্বে কোন অক্তি এ প্রকার কার্য্য তে প রেন নাই, আমি বাহা করিয়াছি সভাবিত বলিরাও কেহ হবে করেন ম লেভ সাহেবের নিজের সুবে একথা ভাগ নাইভেছে মা।

ভাকাপ্রকাশে বরিশাল হইতে এক জন্
বিরাদেন, তত্ততা উকীল বাবু বিবেশর লা
র বরে ওাঁহার বালীতে রবাপ্রদাল বাবুর প
নার্য এক চাঁলা হইরাছে। ইহার বংগ্য ৮
চাকা উপিরাছে, রবাপ্রদাল বাবুর পর্রন কি চিক করা হইবে, সভা এখনও ভাকা বি করেন নাই। এই চাঁকা ভারতবর্ধীর সভার বি করেন নাই। এই চাঁকা ভারতবর্ধীর সভার বি করে ওপ্রায়ে হক্ষ। চরিশ স্বাজগৃহ নির্মিট্ট হইসে ভল্লগে রমাপ্রদাল বাবুর এক চিক্রিভ প্রতিমৃত্তি, ভারও অধিক চাকা সংগ্রীভ ব্রু ইলে ওাঁহার প্রভর বরী আর্ প্রতিমৃত্তি কল্প কর্মিয়। হরিশ সমাজ গৃহকে আ্রাক্রিক্র লাভি সাধারণ মৃত প্ররণার্ম গৃহ করা ক্রেক্রিল

৪ঠা ভার বল্লবার।

नवर्गायरकेत करकत प्रशतिहरूको विकि নিয়র বাইস সাহেবের কর্ম অন্যাক্ষাক জৌ र अर्थारण अवर्थन के बाब मरक्का रहा এक कारण ३००० डेक्ना श्रृतकांत्र विद তাঁহাকে বিদায় দেন। কিছু এদিকে আবা ডকের কর্ত্তপক অপর এক অন ইঞ্জিরিয়য়ে জন্য গ্ৰণ্ডেটে লেখেন। ভারতবর্ণীয় গ্ৰণ বেক্টের মেরিণ সেক্টেটারি ভাঁছারিতার পে শক্ষতা করেন। একণে গ্রথমেট ক্রিকা: क्तिप्राटक्त यकि अक अन हेकिनियुद्धय वर्ष **শ্রেক্তালন, ভবে বাইদকে পদ্যুত করা হ**ট (कन ? बाहेन नाट्य अकरन निकु नहीं हि ভব্নি সমুহের কার্য্য করিভেছেন⁾ এদি আৰার গ্ৰণ্ডেক তাঁহাকে টাক। প্রভার্গণ করিজে বলিয়াছেন 🍂 কার জল কোপায় মতে !

न रहेश १रा**लिश्रुद्वव काब्रा**शाव अन विश्वास कड़ा शनावस करता

इ अक अन पृष्ठ वहेक्रांट्स । निकाराय दिनिखारक निष्क निष्क व नश्वाम श्रीश्र स्वैद्यादहल :---্রিলা আগাই। হাউল অন কমজ প । **कर्जुशकाविशास अवर्रायान्त्रेत्र क**ार्ड কলিবার অপ্রবৃতি নিয়াছেন। এই द्रक्रियादतम् मञ्जूतनिरभन् छेशकातार्थ अ शिक्स व्हेटन ।

के हेवर्क ३२७ व्युलाई । ब्रिट्मरश्य म-काम विषय्त्रज्ञ विरम्प शतिवर्ष एव मार्चे । अ ३५वे खेमारे किव्यक्तित्वस्था अना नय 🗽। लबाबरनात्र कना क्रूपन रेगना न १-कार्य प्राप्तभ चारणी वहराजरह । हेराज कर्न क्ष गढ्य । मुखाशिक विद्याधिनिरमञ् হৈ বাজেজাঞ্জ বিলে স্বাক্ষরিত করিয়াহে নেদের দীমান্থিত অধিকাংশ প্রনেশের किमिया हैशाब क्षांक बाल क्षिपादहर ।

বিদ্রোহীরা কেওকিতে করী হইরা সার গ্রীন্ত্রসালে সেনা সমবেত করিতেছে। এমত জনশতি ভাষারা নাসবিলের আড়াই ফোল থাত্র খুয়ে আছে। জনমাতি সেনাগতি জাক খন হারপার কেরির অভিমূখে বারা করি.

দিলী গেজেটের কাবুলস্থিত সংবাদদাতা স্ক্রের এক উদাহরণ প্রদর্শন করির।ছেন। কোহি স্থান নিৰাসী এক ব্যক্তির জ্রী অপর এক ব্য-'ক্লিব সহিত ব্যভিচারিণী হটগা পলারন করা-LE श्राहां किरशेष के उद्यान आप ए ए एके गार है। काहिनानवानिएक भूनमांत्र विवादश्त समा ८० টাকা দেওরা হইরাজে। মহত্র আলি শা আমেক চোরের প্রাণ দল করাতে সভ্রত্য शादक छाडाब छेलब वड़ मछई रहेग्रारहर ।

কাশ্রেদ আলিদ বোদাইরের পুলিসে আ क्षि बहेबार्डन। दननामरमत वर उभाकि दिव स्ट्रेटक्टर

करबंद का । बोबारिक देवी देव अर्ड । (एन अवकी श्रावान कारल)

उँ। हात्र (5र्ट) । "महम्म पहला फिलि यत्रश्रीत । बुक्: कवाहियां शास्त्रमः। माक्षीविद्यम अवान वन्ति भूक्षेत्रक महत्रिक्रिश्त बाहा स श्रा हरेहा থাকে। রকার বিশয়ে 'আয়ালিণার তাদুল সাপত্তি নাই ৷ কিন্তু কবিবরো বাধিত বর্ অনার ভোক জবান ধন্দির ও মুদেদের গা লি দেওয়ার কণা যদি পড়া হয় কবীপেরা কি জনা বারাসতের শাখা ভদত ক্রিয়সভাকে अविवास मार्गायां भी क्षेत्र मा बातन ?

নামা সাহেবের করেকজন ভূত্য শোরালি ब्राह्म ५७ क्षेत्राह्म । खात्रानिरशक्ष 'नका है छ। লেক কাগজ পর বাহিত্র ছটরাছে। বিচারের জন্য ভাষাধিলকে কামপুরে প্রেরণ কর' ই हैंदैर ।

क्लिश कतियारहर किर्माद शुरु 'अमार्राहें के उदा তে ভত্ৰতা কৰি কাৰ্যের ব্যাপাত স্ববিয়াছে। পতে বংসরুত তথায় ভানে শস্য হয় নাই। ভরিবল্পন ভানেকে অমাভাবে কর পাই- ছিলান ওলাটা দ ই কার মৃত্যু ১টাব্ CECH !

উক্ত পত্রের যশোচনের সংব্যালদাতা ব *लम चुत्राचः दिनि गरमञ्चर खालद्र ७.३* উপরের বরে বাস করিলেনছে। তথার তাহা কে যাৰতীয় প্ৰয়োজনীয় ও বিল লেই জীবা (**मध्यः इटेरफर्ड्ः मिलीव मधा**ष्ठे शंरा ७ ना কেবেও ৰেলা কি ফইয়াছিল > এক জন প্রত্যঙ্গ লেভা শাসন কর্বা নহম্মন আজি খার বিচা-। ছুই আনা খোলাকি পাইডেন, অপরেব ন্নীর্ত্ত ব্লে বিশ সের লৌহ শৃথল ুঞাছে ব্য ভিন **बित्र बहेशांटक: जामाना करधिमिन्टिशव नांश** আভার হটরা খাকে: এই স্কল সামান্য কা রূপে গুরুতর ভানর্গ ও কলতেই উৎপত্তি হয়। আबत्। विकित्क सुबाम; ७ डेल्म दान मिराव প্রতিবাদী নহি ৷ বাবতীয় সম্ভ ভি ক্রেদিদি-োৰ প্ৰতি এক প্ৰকাৰ ব্যবহায় না করা হয়

e है छोत्र बुधवाय।

ফিনিফা ঘলেন ইন্সোরে ভীলেরা পুনর্বা র নৌরাজ্ঞা আরজ করিয়াছে ৷ ভাষারা রা बी**जामराज्य महत्र मृत्ररमरक** कोलीनाञ्च । किर्मारण सूत्रे करत्र । बाँछे **एड्र**ड अक प्रव **বিষয়ে উকীল আমাদিগের নিকটে এই । স্ট্রোগীয় দেনা ভারাদিগকে নমন করিতে** 🏻 क्षेत्र निविद्यादक्षेत्र युरम्पक रकाम मक्ष्ममा । श्रम्भ क्षित्रगटक । अहे मक्ष्म क्ष्म युद्ध धनक-

আউবার পেশর বলেন এব জন যদিংকর and क्रीका पृति बाबा छिमि छाहात वालक ভূত্যের উপর সম্ভেছ করিয়া ভাঁছার এক জ. व शृतिहान कर्फ हाविष्क सनिएनम छे क था. नाम्ब्र मीरम छ।श्रंत । खानु निकार भन्न स्मर प होक' नैक्षियारक किया । चहिंदाम स्महे প্রকার করাতে বালকের গিড়া লিখিলেন টা-ক প্রছিয়াছে। সেই পত্র হালকের গামে আঠনে কিন্তু খুটিয়াল ভাছা খুলিন্'ডিলেন निमा है। इत्क कादानारम **याहेर** उड़ेय. D । क्र'त पहिचान समा के शक्क भूता इडेश िल, ए.समार के कार्यश्रीष केवांब (गार्ड र त्मक नाष्ट्र । क्या**क जा**हित्यह कामगार्थ कास-मरण क्रिया भ'क्ष क्रिया **क्राइक**त वृक्तित ड দিক প্রকাশের এব জান পরেপ্রেবক আনি শিতা প্রকাশ পার । বালকটিও ক্লান্ন ছইয়াছে ।

> থুট আন্তর্বরের এক কর পত্র প্রক্র रहमन कर कि ५५ विष्ठमन जानकातु द्वारक थ -ণ ভাগে করিরাছেন। কিন্তু জামার। করিও

नारहीत , दार हर हैं । वर्ग क्षेत्र होते दे , वर्ग नदेशन को लेक्शवादलय िभाराम प्रश्नामध्यत् ग्रह সিংক্ৰান,পিঞ্ধভাৰত লাউ বে নাণ্ মতের পুলিষ কর্মান্তির কেল দ্বিষ্ণ ভিন্ন 🖯 त्र विक्रोद्वालाख्य क अरम भार प्रशासन करत अवध्यक्ति छ छ 'हाइन य छ विद्यान कालः 'हा নেন প্ৰকাৰ দিব'ৰ ঘোষণা ইউনাছে তথা ন লে যাত হব ন ই। সে কাল মইলে শক্ষাম हुमः 'वकुत बहुधा धन सम्बद्ध ५ '

গত শনিবার পুনিবায় কর্মদ সংক্রম बोलकृतित विरोध हैनान माथ अने अस नह বারী কলিশক্তে,স জালিয়া বাধার সন্ধান ক ब्राटिक हाब्रस्य न वक्क्य नात्य अक विकेश्व े क ख:**डाटक कालन वाजिएड** सहिता यात्र । हेर स ভাহার নিকটে ১০০ টাকা নগদ ও ২০৯ টাক র নোট রাখেন। রাত্রিতে বেকার উ'ার্ক সুরাপানে উত্তর করে। পরে প্রাত:কালে है। का दिवारक दम किंद्र जात्व मा यिनया উল্লেফ যানীর বাহির ক্রিয়া ফেশ্য তিনি भूमित्य बाधीम कतिदारण है।का ख ब्वाउँ वाहि त्र इहेश्री. इ । दवका कब व व्याह्म भ कार्य ४ के প্রকার ধ্রাত হারি হইতেছে। করেক দিবৰ ere miniferein fante au mer Paret

পীর খালাসী রোলন করিছের করিছে তলিল, ভালাৰে মুবার পৰিত অন্য জাত্যান্তিক তে অধি ৰাজক প্ৰবাদিয়া ভাষ্টান কৃত্ৰিয়া ও। क्षेत्र ४ हेकि। क्षेत्रकृति कृतिहार्य । स्थानका । @iCag कृत दश्कित भक्त अप्रारहादस्त वा कष्ठा । श्रुक्तित्वम् अधिवासम्भ छ्कं वृक्षस् व्यक्ति । 🖟

विद्रादित अक सीच त्रवाक अकाम कतिया ' लाउडात माउडात अविगत अम्मकामेमन क विल-ছেন। তাঁলার মিণ্টে ভানেক টাকার এ,নীন[া] য়াহিলেন। ত'লার পুত ইংলক্ষে লোমনীন हार्विवाहक किंगि जाबाहक अक्रम स्म। भर । कारायुक्त । इस कार कार कार कार एक

ৰ্সকরা টেলিপ্রাকে নিয় ল'নত সংশাদ ा थ व्हेगार्डन .--

লগুন ওয়া আগাই। তুলার যাজার প্রি:-পোকা ভাল হটয়াছে , আবেরিকাব 🤗 ায অবংশৰ ভলার ভার্ম ংপেনি ম্লা আদিকে জই

निर्देश के हैं कि का कि विकास कि विकास कि ন প্ৰ কোন বিশেষ ঘটনা হয় নটো ভাৰত ! বিভাবোৰ লোকেরা গত খটব্রাটত সভাও খিক:পুৰ ভটবাতে। সেনাপতি গাবেলক গা न भारतीत अधान रमसाक्षा इनेगारक्रन 🗎 महान ীকা প্ৰচলন বন্ধ সমীতেকে . এ মূপ জনপ্ৰাতি मालिति विभारतम् मामावम् इत्रेत हरू।

ছাকা নিউস ইংব্লাফী ভাষণৈ অন্ভিজ বংশক ভুগন সঙ্গর্ম জ্বালার ১৯০ট - জ্বাধ্যেটেড্র ক্রম হইয়ার কারণ যুগি ত পার্বিতেছেন না 🖟 শংখাৰা সহ হিচাপ্ৰতি এই দাসৰ গ

দুৰ্গুত্ত হিলিন বিশ্বেশ্বামানরা পাবহাসক্ষ भिया लिथिया हिलाम, देखन भारा कि "अं एम श ক্ষ লেজ গরিয়া স্থেপ যুক্তে চালেনু: তিনি हेरणा कहे जिल्ला निवाद्दन ''दिश्वहन। ५ विक य থাবাদন রমিকত্বা প্রকাশিত 📦 মারছে। তা भना बलिएके हि अगुसाह यमि दानाली, जल दर कारी दहेरत भाषत्री क्रिक्सिक शाहेश पकारा । कहा । श्रामी यो वेहाँ। बुँहा विशे कार्य कर्षेत्र मा । कामा भिरवर्त देशिक नेहरियातीय करवेरीयाती ्रिट्राम्य **एक्ट्राः श्रृत्ति**केद्र, त्रश्**लमः क्रिट्रा**तः शक्त ८० अ 'क्षान भेनिया बाल्य के लिये कर्क हिन् অংশ দাত্র থাকে। স্থানুৱা ইহার বেজ ইন্নি इन् रहिएड शाहिता : मनगप्रक क्रिक

कहियादहर ! बारबदा छात्र इत्पद्ग त्याण् तिवादक्। कि के व्यावश्चा अवस्त्रव कथा वित मारे। छूई हक् मीलवर्ग, अक्रमुक लाहित व चारात्र इभावतः, विश्ववस्तित्र स् विदे नाः इक्कार्व शृष्टि मर्कत्रः शवनंद्रमके वृत्ति त **६ अगत्रके** 'श्रीत्र कर्न गृष्टितंत्र विदय थ। জালবিমিত করা দেশমেরও টিলা একটা কর । ক্রি ক্রের পেন্টি বে গুলীক্ষরের (৮ কানিট্র रे। हेम् म काव : 'किया कारक्षम मालिश्नक । छ'दमन मीन " माहिएक रम्थमं बुक ब्यू । 'इन किह टा 'त निमान थन कहे जे नाह যখন বলোজন নজী একৃতি প্রিনর সাটে চৰে বত ক্লকের কেন তাহাতে সংলগ্ৰ হটর। লোমের ক.ে.করে। এই গড় যখন जारक, खर्चन ' मीला, हा " डीमहि, अझा পাৰ, ও ভারতকা^নগ্রহ, ক[া]্ৰার সাওচ এইপ্রকার য়ের বাজিব ১৮৮ কে এবাজেক জা রারট পক্ষতের মহিনের কোল দোসামুদ্রা मार्थि। काश्रमः हाकानि विक्त करे अनित कामाधात्रम (११] यान्या खड्या बालेड्ड ক,ইয়াছিলাম >

वारमुहानादमय संगत नानक हाका इत्रेडाडी राष्ट्राकार्गी कर्त केंद्र है। विद्यादिका

লিখনে ১৫০০০ টাকা বাবে লাভ ক'নভেন্ন একটি প্রতির্মন্ত্রী প্রতিসূতি কবিশা স্থান্তন ভাৰত বৰ্ণীয় ৰাজীতে রালিকায় প্রান্তাই কইয়া-है। अवाहित क्ष कि निष्ठ 21° . 1,200 होता नर्प्तीष क्षेत्रपट्ट एकात बद्ध होईन्याचाः ২০,০০০ টার জালিবে, লাবী চাকা হইতে धार्कराहरू वर प्रस्ति । अस्ति । अस्ति । शतम > जिल्लाकार्तीय सन्। अदिवस्त्रत्ने किः महिट्डाइन '

हाह्य म काव है लिया बदलन मी किशादका অনালটি হওরাতে তুলিখ কইবার সভাবনী

गुर्छ नव अभिनेत्र कि जिल्लिक्टिया এবটা পিড়ালার প্রতিবৃত্তি নিবিভি চ্টীয় উ बाडा विधियान कार्याद्रविय मन देश देशिक श्रेष । वेशक्षा प्रमान श्रेष्ट्रा श्रम महित्सी स्थान भूदि मागात्र विद्वा चाना भन्छ कालाकते প্রভিত্তি ভত্ততা টে নহানে তাশিক ইয়া 🔆

কুলিয়াজার-লাভকুটাটি জোটোরবার কা

वीक्षांनी किंभ न्हें हैं ७०० विद्वादमश्का ইরি গিয়াচে। অপচ এইগু'ল পুরি बीदन दिला।

> মাজাজের ব্লিক ভ্রেমার্ক ৯ बक्तिविदः त महागडात क्षेत्र होता व ब्रिटाएर । इस सन श्रेषीय विवक दे ३० - है। श क[्]त्रा विस्तृष्टका

छक्तित्रातं नत्रहक्ष्मात प्रवास्क्राक्ष् নিশভিকটণাছে ট্রেবছাঞ সঞ্জীন গ कें में तरनरवत भाग सकत कहिया ४% व ষাবন্ধীবন দীপান্তরিত ও মৌলজু ক্রাণ্ नारम এक सॉल्टिन क्रांभोड़ा ज्यांक विक्र भाकित्रभ न्याङ्केष्मात्त्र कव्याहरू । कुर्म कु अक इक कटन प्रकाशकांच साकिता शहर वाखिरक-छ। व कतिया 🗢 🖝 कर्मा 🕾 आहे कारबाटक ' तम निरम्भ <u>जी</u>रकाम्ब त् क्रांग्का ड माना आगात व्यक्तिकार क क्टि। **ए**वालि को नशस्त्र लाखान हा क्रिटम शहर मामावित दिलाप एर १ त्यांकि बिक्रा माध्यस्य देवाहरू ।

नशीन गाउरव एक द्रशीक्षांत विद्यास ন বংশাহরে বাইতেছেন। করেট্ জন্মে त खुति देरीहरूम । यति ७१७, व्यूय,८५५ कू मि बोविड शास्त्र, दिन्ने सिक्स हि त ना मट्ट भाजिह्न ्यहुद्दानुकृतिहर

गर्वा इस्ट्रिक्ट वर्ग हिन्दू होते हैं। श कतिहा नंदर्बभूत उद्देश क्राक्यर

किकोणिय चुलिकस्थित्रह লাহের বরাইনগার গ্রান্ট জি কলিয়াভার क कीम निकेश्वेद्ध भूमिय हिल्ली है थार जिलारेहमें। केई मुलिय बचन देय क ना विवामी विद्यामकः श्रृक्षंत्रम आध्याह ভীষ্টেই) ভাষার প্রতিবাদগরেন কি मैंदिती के पेट पेट महिकादिन रामादा आ न वेटिक्के देव निकटकर जिल्ला किट्नाव कार् है देहेंब्राटहन । खंत्रादंकाण मादंहर बर्जन कींकी के क्षिकेट दीमभेडन हाइका छिरि के छ। वेन्द्रिकत अवान जाक्ष्त्र। करियक बेंगारक धुक्त कंब्रियांट्डन, कि उ न्यू । জা মকে ধরিতে বাকী আছে। তিনি

্ক করিয়া ভারার অধ্যক্তা <u>প্রা</u>-াছেন। তাহার অন্তরোগ,প্রাচ্ছ কর।

। निनकत हो । जोत्र उत्तर्वत्र मौनन দংকা**ত এক থাকি,কুত্ৰ-পুত্তক** মৃত্তিত *চন*। হিল্*স*়প**ন্ন বলেন, ভাষ। ৩**+ কা श्कु । जिनका प्रांच धाखान कतिगारहन, ক্লুন্য বৈদ্যুক্ত লম্পুন্তি বিক্রয় করু, উচি है। जिनकेष बांक वाहा वर्णन, जाहा র পূর্বাঞ্চ আবন ও প্রহণ করা করিব্য। তাঁ नावि द्वायनीष्टिक गवर्रत स्थानहरमह य जान महि।

ক্ত অৰ ইতিয়া ভারতবর্ষের রাজব ८७ अभवात कतियोद विषय क्रिके क्री ·ও লোহিডসমূহের টেতিরাক্ পারসা म हिनिआक् अवर इंडन जान उपरीत या-মন্য বে অন্যায় ব্যয় হয় ভাহার প্রতিবাদ রা লিখিরাছেন " ইংলগ্রীয় ব্যক্তে আনা-ার (ভারতবর্ষের) রাজবের চতুর্গাংশ প্রাপ্ত হটতেছে। আমরা যথা সময়ে বথা हि ७ छत्र छत्र दिशाव हासि यात्रा खांदा च्या हिर्माद ७ कथान क अ कि न জানিতে পারিব, কিপ্রকারে প্রতিবংসর কাটি টাকা ব্যব্ধিত হয়। মহ।সভার কো-"াব দেওরা হয় মা। যে ব্যবস্থাপক সভা া আষাদিগের উপর শতকরা চারিটাকা টাব্দ ধার্য্য করিয়াছেন, তাহারাও কো वि व्यक्ति स्न ना, अहे अविद आयाति रखद्र लोन धरे हरेरव " हेश्मरथद्र बाद्र आंत्र छात्रजनध्यत्र हैनक्षडीका छैठे। है-, ৬ আমরা বহুবার এবিবরে আমাদি ংকলের লোক ক ঐ সকল অপব্যব্ন নিবা **টেঙ্রী করিতে অ**গুরোধ করিরাছি, কি ार्चाकिरभन्न कान कारमधे जिल्लाटक कड़ेएछ 11

े कि शक्र बर्सन गत्र द्वां विकेशवादि अब रममामन क्याहेबा ७ जना जना श्र-' ৫১ লক টাকা বীচাইরাছেন কিন্তু ভার म बर्गदबर्क जाननाविद्यात व्याना भक्त कि हाका महत्म अधन व नकारवह २० हा-म जरूनांन पारक । ज्ञानक नानमा कहि लेका बहुत भीक वानिका वस्टार्टन

প্রকাশিত হইয়াছে, ডিনক্তি ভটাচার্বাকে ভাৰার বৃক্ষিত বেশ্যা শোলাশ বধ করিয়া जानिवाहिन। जीरांबरे लाटक जाशांक के বৈদ্বিশী ও তাহার আধা এক উপপক্তি ছুই জ ৰণ করে। ভাষারা **উক্তরে নে**সিয়নে সম প্তি হইয়াছে। বেশ্যাসর পাশের আলয়, ঐ স্থানে পুলিবের সবিলো চুষ্টি থাকে না কেন গ

ণ্ট ভাত্ৰ শুক্ৰবার।

ভারতবর্ষী রেইল হয়ে কেম্পানি প্রকা-ল করিয়াছেন, গলার জন ও স্লোড কমি চও রাতে ভাঁছারা রাজি বোগে পারাপারের বা-भ्लोत जानांक हानाहरतन मा। खरव पूर्व माहे রেদিগেরই প্রভাপ ব ভিন।

র্যাঞ্চাদ বারুর মূর্য হওরাতে কানিছ পারণীর ফণ্ডের আর একজন সেক্টেটারি মণে নীত করিবার জন। আলা তারভবরীর সভ গ্যহে এক সভা চইবে।

হর্করা প্রবণ করিয়াছেন কলিকাতার हे डेटब्रांशीय बाह्यमाना क्षेट्र । आया

পঞ্চাবের তুর্বান্ত লেপ্টনত জাজনের বিচা व गुनलारमव नामविक विहादानरव स्टेस्कर । আমরা দেখিব স্থোন্ স্থানে সরিচার হয়।

শিপতাংশনী সভার পুরকার দেওয়া श्रेतारह । शांत २¢ ००० वास्ति सवा श्रापनिम कद्रितारहर्ने। ७) ध्यास्कि स्वयान भारेषारहर्ने। हैशी विदेशक बद्धा ७२৮ कर है । बद्धावतीक थाया 🛊 २४१ सन विदश्भीतः। वातु उञ्चनुमात म अर्डाक्ष्मीय खेवर क्षाकृष्टित क्षाप्त्र क्षा जूरि विजंग शाहेटकद्द्रम।

कितिका धक कुन भवरक्षेत्रक्त्र शर्कत्र निद्ध निविद्यादक्त "शूटर्स है.की नहेश किहुहै मा त्मक्षां अ. त्मरणंत्र त्मारकत् चणाव। " हिक क्या। अहे लारबहेड अक शुक्रत नामन नहेरन जिन भूत्रदर निकृष्टि शांत मा ! बहे अंतरवरे कर्क व प्राप्तन ब्यकृष्टि नय कथन ब्राह्महमू লোকের জাতিগোচর হয় বাই : সুপায়ক जात पूछि पुःबजारयङ कथा कहिएक पुनिन्ना-निय रहन। धक, क्लान सबीजात क्यू वृद्धि क. রি:ল একেশীরেরা লোপনে ভারার জাব সং-रात करत अवर दिवार कतिया वरण विवाह क दे नहिं।

५ इ. जांब भनिवात ।

ত্রিবাত্রের রাজ্যর বভরের আজানুসা-हा के बड़ वांका कृषि विकास कड़ियां coo हैं। वा अव्यवाहित वंख वहेंगारिक । अव क्र क्र क्र क्र क्र क्र উপরে তাঁহার এই সম্বেচ হর যে ভাহার সহি ভ ভাষার জীয় প্রদিক্তি ব্টয় ছে ৷ অভএগ তিনি ছুই তন চুৰ্বু ভ দারা ভাগার বধ সক্ষা-লৰ করেন। বিচার ছইয়া তাহার ২০ বংসর कात्रावादमञ्ज चाटमण स्टेब्राट्ड । जिवाक दत्रव तः को वर्षार्थं द्रोक्षण्यात्रं कञ्चनद्रश् कतिहारस्य ।

किनिका नामब मिलीत चुक्रे सहैटक इड সেনাপতি উইলসনের ১,০১,১০০ টাকা প্রাণ্য चित्र बनेदादम्। अमे होका छाराज शक्तिवादतक म बदा करेदन मार्केट माहे।

डेक्ट्राज २८१म, प्रष्टे बारमज मस्या निवन्न. शूरनाः तवर्ष २० नक होता ७०० छेन्निशास । २० व जानाई ১,२४,००० डोका जानांत्र इत। এ প্রকার শুক্ত আলায় ,স্ইলে লবণের গো कान छेठाहेडा किरन किछ स्टेरव ना।

निम्न निथित मूरमा शवर्यस्थित काशक विको उ वहेटल है।

> ८ डोकांब जिला व डेक्संब्र काम्भानिब्र

र है।कात द्राकृति ॥ 9

22345--- 275

गवर्गामक विकाशन। वानानाद्रमनीय (मार्ट्समके श्वबद्वय

आंद्रमाञ्चनात्री निद्यांश। ১১ই আগউ--- লোগার জালার সংকারী ক্ষিত্রর জেপ্টনাঞ্চ আর, নি, স্বণি প্রথম ডো-नित्र अभीन मासिटकेट्टेंड कमा आह हरे-द्यम् ।

১২ই আগত -- এচ, দি, আর, দি, রা-नक नाइक्ष कित्रक्षितरमञ्जूषा संवद्रोहरूच सः ह अ'हर बिठीत अधित अधीत मासिटकेटित अ-यका नावेद्यम ।

টি, স্থি সাহের মন্ত্রিয়ার লাভি 🗟 ট ও কা-मिकेरब्रम मनकारी सहैता विकीय जानिय कशीय नाबिश्चे दिन कनका नावेदमन।

লে, এন, আরবন্ধ নামের কুমিলার গাখা-अन् विका लिकः कविविज्ञ अक क्षेत्र अकः हरे-टबन ।

ब.जा सारहर अस्ति आकार ३ मानेन बाह-নাতে চলিকাভার প্রতিনিধি, নিশিৎ নাউর ধ-दिएका । का जार कर के का का विकास है शांका कुमारह অভ্যতি পত্ৰ হিছে প্ৰবিধেন 🖡

5-38 जाशके क्य निष्म निष्य कर्णाडाडिया वक्रावणीय वावचूं विका मधात । ५,६२ व्याकृत क चार्वेदमम् ३७ मान्। ७ ३५०७ सरकर :० चार्वे-म अञ्चलार्थ वरलाक्रतह स्थानकतांव मानीन अ-६० कदिए गाहिएक।

মাওবার ছোট আছালভের জল জে, ও এ-केन मार्च

এড়ালের ছেটি 'আয়ালতেও কল বাবু ছাত্ত-श कुनाब कहा।

Lक्रिकेंक्ष्युरवज्ञ रक्षि कालामाख्य केक बाबू टाउँक माथ बांग ।

যাওয়ার মুলেক বারু তানিনীয়বণ মুখো-शांशांब ।

व्यक्तिमंद्रित ब्राक्तक वायू प्रमुख्यन एक ।

निष मि वेक कर्यहातिका वक्षाविकार वावला-भक् महाद्र ३५-७२ व्हारका ७ व्हाइरवन ३३ व(व) ७ ১৮৫৯ व्यवस्था ५० कादिन व्यवसारक व्यवसाय-ারত অভঃপাতী সাঁডোর, নলছিছি, ও গঞ্চাপুত শ নগণায় এবং করিকপুরের অভঃপাতি রতক্সা-हि, ब्याह्ममाहि, यसियगाहै, स्वमधाहि, श्रदश-नांत्र अवर मानमांत्र मामीम अव्य कविरक मानि-J4 8-

ধলোধর প্রভাতির ভেপু টি মালিটে ট ও জে-পুটি কালেক্টর বাবু কাদীচক্র ব্যক্তাপাধ্যার ধ-শোষর অভৃতিৰ অভিনিধি ভেপুটি মালিটেট ও জেপুটি ক'লেটার বাবু কুঞ্চবিলানী মুৰোপা-ধা'য়, ৰয়দাঞানাৰ মুক্তফী, আৰক্ষৰোহন মঞ্চ-मायः व्यवनान् बर्यगानाथा । वान्यकः हवान्ती **अ (मोनवी मध्यन नाहिक)**

২৪ প্রগণার অভিনিধি ভেপুটি কালেকর वांद्र संस्थाहतन नतसात्र ३५७० सारमञ्जू ३० स्था-ইন অনুসারে উক্ত কেলার অভিনিধি ভেপুটি মাজি: ই ট চইচ। ছিত্তীয় জেবিৰ অগীন সাজি-८के रहेर क्षत्रक, लाबेस्टन १

প্রেরিভ।

জীবৃক্ত সোমপ্রকাপসম্পাদক

मदकानदस्य '

কিয়ফিংস অভীত ত্ইল, জনমাধনগ্র ने वाजी जी यहनदर्शाहर म अटलंड वॉनिटङ अरू णामाहिक इरेश विश्वादशी ह्यांसांसा के मध-८शह अक्षेत्र वालिक। समाध्य काठान यञ्जन वि-मारक्ष । वरकारम जे भूजाकांका केवान वाणिए क्षारण करव छ । कारण के सामित्र कर मिकिए। प्रह्या अखिरहरक, शांत मक्टबरे अलाहेका याय । मुख्यमा बामिटक कारबन क्रिकारि के वा-निकार जानाहिष्ठ कतियां किस्तान। कतिन " ডোর বাল কোবা ^শলে কৰিল আমি কিছুই कामि मा। अप्रे कथा दलाइक प्रशासा एका-मत्त्र माप्त त्यारथ अबंशिक पर्वेशे हिर्ता-ষাব। জালার অন্ধ ক্ষতবিক্ষত করিলে মুর্ভাগ্য-वणका के वृद्धिको वृद्धिका १० त जानारक र को सर्वश्**रमुक्त हिटलस् वरहे किन्न का** जिल्ला

अवसाम स्थार्वेटक निरुद्ध स्थारक सामि वर्षा विक्यां क्रि गडिड हरेल ए क्रम अव्यक्ति न्य, कळ्ण स्कार्य दाव कठ व्यवः छोवीका ভয়াকে বে ক্লপ ভয়াৰক বস্ত্ৰণা বিল ভাষা আই मार रमधनीय मिनिट मक्स नरह। नरह দক্ষাণণ আফ্রিনাৰ পূৰ্ণ করিছা প্রস্থান করিলে ভাষার শিভা ৰাজা আদিয়া কন্যার এরপ ছয়-वडा धर्नाय अभीव प्राथान्त्य मध ब्रेज, बाक শর্মান্ত ভাষাকে আবার বন্যার এরপ চুর্ববা। हैर, वर्णान के भक्षण विज्ञानात नवस विवन काबाहरण, विकित श्रुद्धत मार्थाशात छेशात के विवाहन खबालम्बादमद छात् हत्. किन ले छ-भीज जराशा से दांदन शत्रम कविया विकास कान्नरन बिलाक गाँवि मार अञ्चाम बम्दान यहामध्ये है जादब-रवड़ निक्छे डिर्णार्डे कड़िरणन त्य क्षेत्रना। खकेः, উহার উপপত্তিকে জন্ম কলিবার আগুরে এইয়াল জাকাইডির ভাগ করা হইরাছে। ["]বালিটেট शारमञ्ज वे कथाइ विचान कतिया मानस्या ভিৰমিৰ করেন। মন্ত্রাই হাতে উৎদাহান্তিত ছুইছা বৈষ্ণবেঘট। প্ৰভৃতি কতিপদ্ন স্থানে ডাফা-हेडि करदा। भारत से कता। हेचंद आगांगांव कि-किर चार्यामा नाउ कविरान ने मन्न डेहारक সম্ভিব্যাহাত্ত্বে লাইয়া বিষয় এই বলিয়া পুনায়ায় প্রথমা করিল বেসপ্রথমর্থীর ক্যার কি কর্মম বা-ভিচাৰ দোৰ সমূৰ ছইতে পানে ? উথাকে কৰ্মন कतिया वाक्षिक्षि है मोरहर खबर सम्बंधनगढ्न উপস্থিত ঘটজেন ও তংখানের সমস্ত সৌক্ষ উপৰি উক্ত মধ্যমেৰ বাটাতে ভাৰাইয়। আনি-त्वन एक्स्था व काइक्कन देशा निश्व हिन खाशांक्रशत्क बेंन्ज्रांतिका प्रमादेश विवासांक्रहे ८श्रश्चात्र अविरागतः किन्न विकिश् छेउन मधान গোচ आक ना हरें। कहरे चोबाह वा छाहा-विरंगत अना अना नग्हत वसूबिदात नाम कतिन मा : अकार मण्डल है शुक्र दहेगांदर, किन्न पारवाचा মহাপার বে কি ছইয়াছে তাহার কিছুই সংবাদ शांश क्षे लाहे। महायत्र । बेह्रवांशाहित्यक व्या-बारबान करा हवा। एति जामानित्वत्र स्वरमह भूमिय मश्रमाध्य कर जाका कहेरन असूरी আলারতন চইতে হয় ন!।

क्टब्रिविविद्यत्र श्रूतवश्चः। পরবপুলবীর জীযুক্ত গোমপ্রকাশ जैक्लामरू महान्द्रवृ ।

अविस्तर सिरवज्ञन मिन्द्र। व्यानदेश गढ ३१ वे आवारक विकास अवका কারু:গৃহ ও বন্দীপন বিষয়ক একোনটি পাঠ করিয়া वाकास महाके प्रवेशाहि । व्यापि अविवास प्रयोगाः वर्किकर अञ्चलान करिया सिविया ह ता कादा । विकित प्रवेशा अक्षावा काश्वीय शुट्य बांग कविता बन्हीजित्यत चाळीव मश्टमाधन क्षत्रा हु:त बाक्क वहर सुर्वारनका अधिकसन ছ'বত হইছা বাছ। অভাতা ভাষাগৃতের প্রাক্তি वृतिनाड कविरम त्वाय एक एका बन्दोमनरक छक् क्क दिवान सकाई देशह एकि प्रदेशहरू विश्व (करम दिल निरंश कथनुष्टे विद्यालाय नशामाध्यः विरायत माथा माममान्यदे विश्वि " बहै होना | ४४ मा, भरमामाथा हि लेकेस का शरण बाहक,

त्न है नवा तहे बन्तीशन प्रकृषि के किया किया वि-इंड बाकियां उर्काद श्रीतीय कुलववानी क्या वदर किंद्रकाम विद्रारभद्र भद्र क्यीबर्टके क्यांकिये। थहरि जाभिक्डम श्रायम च हेमा फ्रेटर । 'अधिकंड व द्रान अधिकत्रका अमृहः, शक्ति अक्षाः, महन करत, खनाव क्वाम खाँउ स्ट्रिक विव्यवस्त्री जारमाहना बहेबा बाटक, जुञ्जून, काहाविश्वद्व क्षरक विज्ञान द्वारशिक सरक्षा

काडियियास स्वतंत्र व्यक्तियाम व्यक्तिक रम् वर्र छ। शहा स्कूल , व्याष्ट्रम : व्यक्तिम बंदिक, काशास्त्र कविकारत्वत कावानके द्वाप. अभिन्ना ज्योग विद्धान एक। च्येन्स्यात सामन करनाम के आनाम आरमकटक जांच विद्याल कर ब क्षेत्र क्षेत्र देशनिक वर्ष कछ ज्यापिके भृतिगी। वन्त्रिक वेदेशा भारक, त्य प्रक्रिकः व्यवित्रा छ। ৰমত নিৰ্বাহ কৰিতে অনুসৰ্ক চুইছা হ'ড় সন্মিশণ ভারা কতক সমাধ্য করিয়া লয় স্কুডর তৎ বিনিষয়ে ভাহাবিদকে আপন আপন নে अकाझ कोशांदेवस किस्परण विश्व श्रह । uct মুর্বান, ভালাতে জলারিলিত আন, ভালাই জা गांव क्या वाक्षाम्य विवयाक, वेदावय स्वाप হওলা বস্তাবিভ, জাৰা সকলেই বুক্তিভে পাছি-**उद्यम**ा धरे अमाधायम रहना इकेट प्रका शा-ইয়ার কেবল একমাত্র উপায় হাঁসপাতাল ৷ ড-পায় প্ৰেয়িত বইবার কৰা পীডিড মা ছউল্লেক वारमध्य माना श्रमाद्व कावानमा प्रविद्या পীড়িত বলিয়া হাঁসপাড়ালে থাঃ। শুনিহাছি ইহাৰা এখনতঃ অবেক্ষণ পৰ্যাত্ত হল্পছায়ি करण कियारेबा प्रोटब महीदा विकासन भोकर बहेश जब जिल्ल हक्षीरि कृष्टिक बहेटक दक्ष उर क्लाकिंश स्ट्रेशस्य मिला कांकरश्रम नि জাতল করিয়া ডাকিয়া জাবিজে করে। ছা আগমন করিলে বাছভূলের লাকী টিপিছা দ রা লাশালার মধ্য বিভা হস্তব্তিপতি ঋরিভা जानम अन्या अस्थान- देशानीरेक शांकी रम्बिका नगरकरे एक्ष्मिक्षेत्रका नारक्षम र

व्यानां विक्रमध्या स्वयुक्तीप रद ग्रही जरशका जरहत अधिक। अवस कत देशांत करे कांत्र निर्द्धाल करवस र हीत्र। नीष्ट्रिक **द्वै**टन देशनना**का**टन वर्ष निव्यापीन पाटक, किंद्र छंचा बिहेरछ व বে আর আর ছব্দ কর্মের বিধের ল্যা नाव, स्वतंर ष्टांष्ट्रः वेकन सान न হওয়াতে ভাষারা প্রয়ায় শীভিত ব बरन चःत्रक करवृत्ती बांब्रहाब्र श्रीकृष न काल करहा।

পূৰ্বে ইউন্নোপৰতে অভি बार्थ कीती बहेज। त्वहें विश्वेत অচলিত হইয়াছে। কিছু বচি शिहे बाहान हुनारे परेन ভাঙে ইয়ানীতন আইন 🕈 विभिन्ना अजिमाधिक व्वेटक श অকাল মৃত্যু অপেকা কা िहिन, जांदा इहेरन देह कार

ना ७ गतेकारन एवका कुनश्त्र ্ডাগ কবিতে চইত মা। कामांव विद्यवहनांत्र कांद्राश्चरक्ष वर्ष्ट्रमान है। বৰহাৰ ছুটা অধান কারণ আছে। "

क्यानकात कथा विभएत श्राहिता कि विश्व वानि विश्मम ऋश्म सामि सामीटि आहेत महिल स-श्यक खिब शिखिंख बोरक।

আপরিষিত পরিতাম। করেদিবিধেন। रीविक मौकि विद्यामा मा कविया नक्तरक ान आहोता. कड़िया अधील अधिमाहन कर्य अम्। सम्, क्रेमा प्रकास व्यवाम । कामि वाहान-ৰ কাৰাগ্যৰে ধেৰিয়া আসিয়াছি, যে সকল -শ্বন প্রাঞ্জাতিক পরিবাধ করিয়া দেওর। গাইতে रित को फांचा Cami 8 महिमान ममस बक रहा। क्क अहे नवश्च वर्षा जिल्ल जिल्ल शकाय कर्माव किमडा विषय एकान विकास का ना। कर्म यह ·धिक व्यर्थन। श्रञ्ज व्यश्चिम माधा वर्डेक मा दक्त क बटल कि इर्ज़न नक्श्वित राहे 8 वर्षिक क्रजीक्ष करी करिएक क्षेट्रक किन्नु एए अकल कर्लान প্ৰিম্ব নিৰ্দ্ধিট হুইতে পাৱে, তাহ্য স্থাৰ্থ ই-লক আৰু বাজি ৮ ৰটিকাই হউক সপুৰ্ণরতে। तर्श्व ह न। इंदेरन क्यांशिक न है। एनिनाम या वा जिल्ह पानिशृष्ट चूत्रावेषा टेड्स अञ्चल বিভে হয় তাহাদিগকে প্রার্থ সামি ৮টা क बनायह मान प्रतिरक कर।

> । दक्षीननटक दर एवं काञ्चरन श्रीत्र अञ्चलका भक्ष, छ। दन्त्र मिट्य मिट्यं भिक्त विद्यादक । तीश-एक नार्वाक्रक अवस्था अञ्चल कर्या-গ দেওয়া উচিত তে গোলাৰা কৰিথিকৈ भूक प्रदेश अनक्षात कुकर्य लिश्व न। इ।श्रीया व्य की देशा डेलाई व करिएड ইচার প্রতি বিশেষ দৃষ্টি বাধা, জাবশাক

> > भारक् भूराहित छात्र। बहु नः। शुक्र कार्क्स निविज्ञे न, वादिशन अविद र्रम्बनाभी क्याः

ম্বার্কা। প্রমিত পরিক্রম , ক শীস বিনত হট্য। থাকে।

द्वशास्त्र कांत्र कांत्र वाह वाहरात्र द्रश्रम कहा दिशन धनाविध करत ^(के) क्**रोहिन व**[बह् मञा कहा १/४। के. देश दर्शनकत्म से अक्षानिक भूकता दिवार की में दर्भ कि के में हाबीन ए ্ৰেটা হুটা ডিনি খনশাই क दक्ष के कार्रीका निवर्गदमान्त्रेय दिशा रिकिश क्या पड

द्यम गरमञ्च काहे, श्रामक क्रांसक्काल विस्तरमा कतिरें अरम करति किर्मा के वा वा वा निर्मा बरकार जेगाई भवर्गास्ट्राईड इस्ट्रांस्थ करिन र कि क्षा कारह २ ज्ञाना, ७ देश्या क्र क्यांणि ५ वर्र ः। स्थानितिष्य ७ कावी चार्राहः। व्यानि स्थाने कर्यामहित्यत् काविष्ठ प्रम श्रुष्ट्व करण्य मा। कामानाव क्षेत्र शुक्त क्षेत्र देशाना S भाग करी शाक्षण खाँछ जाडेक बालाव सरक. छ। वर्ग विषय मिन्द्रे कि किए कर्ष वाकित्त अभ लः कर्त्यात्र ६६क्टै। कृतिया सञ्चलाद्य कीविकः निक्षां कविवात सुविधः बहैएत शास्त्र। १ वर्ष बला हुन: वर्षरमञ्जू अभवारत अठ है।क. क डि एक श्रांदरकेन मात्र वाका क्रकेक ग्राप्ति काग्रामि দিখেৰ বাস্ত্ৰিক উপকাৰ কৰিবাৰ নানস পাৰে ভবে করেছিকিগের প্রাভ্যত্তিক কর্ম নির্দ্ধান करिष्ट! एए छन्नः ए। एव कर्म्य व छ शक्तिम व नि उ হ্য ডংপ্ৰতি দুটি বাখিছা কৰ্ণেৰে পৰিমাণ ছবি-র। দেওর। উচিত।

> कर्ष्याम् हिरशय बन्न ५ माशिवक व्यवस्र বিংব দ। ক্রিয়া পবিশ্রমের ইতর বিলেগ কর:

হ। একংশ এই ব্রীতি আছে কংমুদিবা ছক্ষবিদ। ছইলে ভাছাদিগদে কট্টসংখ্য কর্ম ফরিডে বে-२वा इया अ ब्रीडि यन नहर, निध मुक्ते धर्मेक्ष শান্তি দেওয়া অংগক্ষ। সচ্চ দৈত্ৰ ঘটলে পালকাল বেওলা ভার, কাতএর বন্তি। ক্রি:গৃহ মধ্যে দিনের অলেব পাপানকারক পাগ্রেব হান্ত ৰশ্বীগণের আছাৰ ও প্ৰিপের দান ৫ জুট বিষ র ৩।৪ শ্রেডী বিভাগ কবিড। এরপ বকে:-ब्रम्ध कन्ना अ प्रदार बन्दीशर नंद रग जन्मरा परिकर চৰিত্ৰ অংশক্ষ কুৰ উত্তৰ ওয়াহাৰা পেডে ; ৰ্ব্ন গ কর্ম করিতৈ গ্রহন্ত হটবে তালাবা অপেকাকুত্ উত্তৰ ভোজাতি পাইৰে, আৰু ঘাহান, অধন ১ই বে, ভাছারা অধন ভোগ্যাদি পাউবে। সিঙ্ েই क्लिका मिट्ट व भीगदर्ग मामाञ्जळ । १९५१ र মহিব্রিক ও নিতৃত্ত সংগ্রুকী ও প্রীভ্রোর্ড माक्षा छोड़ी बहेट्स व्यादाव त्याम दश वंशी अर् ७० काळ कर्यक स्था भवार शत्य माडी त्रक व्यवस्था ध्रमादशक। क्षत्रक जान प्रदेश्य गाइता ।

ा व्यक्त द विधनहरूषि दग्ते ग्रीटन्य कुर्वनकृषि ড় দীয় কাৰণ এট লে ইছ।দিখিয়ৰ সংনারভিব চাল न. १ में रिष्ठ कारण वय ग!। मानक श्रेकुद्धिन अदि मराक वृष्टि करिटण लाके दराद वग दन मानीविक ও মান্দিক পরি আম অধ্যো শিক্ষেণ সংস্থাস্থ अहर विक्रियां महिला शक्ति और प्रति के विक्री व्हेटल महावी काराम बहिया चाहा, कटन खंगी मिक्क वावी तक अन्त्रवासूत्र वृद्धिक बंदबहुत्विच्च कून् मार्ग वृद्धि इहैरानं दक्षादे वा शीका खेलेकिके

मा क्रिट क आमिश्मिगदक मार्ग दिक वा शहर निश्वाकित हेर्त बाहात, क्रिका छ। प्रश श्री अपना कित अपना तीर । कार्य कार्य कार्य दलोकि ক ও বাৰ্যা**জিক ধৰ্ম অভিপালনাৰ্য প্ৰ**ভাৰ অ-त्तक विष्यात्रके छातवा कतिएक एता कि इतनी मिटीद थार्जुर करेटलहे, बाबबा मान्यू व काम बिक 'उन्न म। इहेरक हर्देरक, कर्मा शुरु मानेरक अगाग्रमा आद्यमन मा आद्यमप्र स्टूडन । त्यक्षी कतिया मध्यतं कार्वि कविवत्य प्रश्नात्म कि । अभव के जित्र भार कारणाह के क्रिया 5,2 .. সমস্ত বিশ্বৰ খোৰতর আছের পর জীবালে নিজা যাল নতুৰ সেই সকল অসহ সকীৰ মহিত অসহ म'नार्ट्य मिनवांश्रम १८४, खळ ६४ श्रीतः । श्र करार कारिया श्रामंद्र हे कुरु क्रिया बहुए श क बदर का व किटन है वा सन का देखन कटन বিশ্বস্থা থাকিৰে ১

िटनास व एवा शहे, दक्षका प्र शिव्यान आ प्रीष्टम हें खब विरम्मग कविशः अन्य Cलाही है। अन्य कविर व अभाग के अभाग अर्थ (स अहम्बाह: १८). िन्द्र यान छैरमाङ हो लरान महानम स्टू । ত্ৰন ভাৰামিলের চনিত সংখ্যের ১ 🐯 सङ्घ ७ वर्ष यह भ तिमारन कारी करियात केला अ शिष्ट भाषा । अहा हरेला उ। हर्गमा महास्थ्य ভাবকটিভাষীন নিম্পুদ, ও নিধ্যেট *ভল*্লি काष क्रमण्ड मा मार्थिष करोए असीवटर छ । १ গণাং কটকে এটাল প্লেছণ্ডিত ভেডিলো ভাছা क्रमण क्रियम शहरा अनुभारतम श्रीक रश्रामान-বোগী হওয়া সংস্থাবিভ সচে 🔻

विकित्तं ।

गला था थि।

জাসুক্ত বার সানিকু াণ সায় ३२७२ ज्ञानन चार्याद स्थान भक्ता**ड** कार **८** ६५७ " भाषनात्म **एक कर्** कर् : ১৯ ভাৱে অৰ্থি নাঘ প্ৰাপ্ত কোং " इतिकृष् महिन 4 14 14 " C不好可有可以 E[[] [] [[[] [] [] 25分別。無以表表 心則論 EFIL C ⁴⁴ छानक्षित्व (५) भर >२७३ ज छ दाव प म य शर्वा छ CHIR ! ए ८३।लामस्य मृत्याभाषाण याम वर्गाहि ्रका व्यक्तात अर्थि अर्डातात्र श्वास द " अन्यत्राम् अस्ति। ·泰行司司行, '8 ५२.७৯-अ:वन् व^३८७ (न[ा]च नदीश स्कार, स*े*ट

्बक्तिक कलिए। ब्रोडिक्टिक्ष 'लूकी' ब्रोडिक्स रेहेको ठेर वर्ते, ैर्फानरपूर्व अक्रमण्यकः स्रक्तिमें शिकादिः लां का क्रियमें की गुक्र बाक्काकाव्यक्रिकारिकेर्रे । भरेगिर्देश कर्क रमावित्र' । व्याद्रक



" प्रवर्षना प्रक्रतिस्तिस्य पार्थिनः सरसती मृतिनंदती न दीवर्ता ।

३ ख्रांच । ८२ मध्याः।

मम ১२७२। ১१ छोछ । हर ১৮७२। ১ म्प्टिबन

मानिक कुराई है। शहिक कुरिया के कि

্রিক্তাপন। মদহালে নোম্প্রকাশ প্রের-পের নির্ম।

অপ্রিম মুল্য না পাইকে সফরতে নাম প্রকাশ প্রেরণ করা বায় না। ইবার বানিক মল, ভাকমান্তল সনেত ১০ এবং ক টোকা নির্দাণিত আছে। ছর মাগের ছানে ভালিম মূল্য এবল করা বায় না। মন্তবলের এদি কোন ব্যক্তির সোমপ্রকাশ প্রেরণের ইক্ষা হয়, ভিনি ভালিম মূল্য সমিত পত্র বিধিয়েট পাইতে গারিবেন।

विकाशन । दिनि (महत्रो

বিবি মেয়র এ কেনীয়দিগকে আনাই
ত্রেন্সন্ বাহার। কটোগ্রাকিতে আপনাদিগ্রেন্সনী প্রশ্বন্যাদির প্রতিমূর্ত্তি করিবার ইন্ডা
ক্রেন, তাঁহারা তাঁহাকে স্থাদ দিলে তিনি
অতি উৎকৃষ্ট ও সুন্দর্ভাগে ভাষা করিব।
ত্রিন্সন গ্রেন্স কর্ত্তের (সালনিরজার) পূর্বা
দিকে ভাঁহার কার্য্যুলয়, তথার অগ্নসন্থান
করিবা স্বিন্সের জানিতে পারিবেন।

বিক্ষাপন।

বাললা ংকু লেটিং এছালর ও সমানের এবং সাময়িক পত্রিক পাঁচগৃহ। বাংহারা হাওলাজ করিয়া বাদলা এড পাঁঠ করিতে নামস করেন জাহার। নিয় লিখিত নিয়ন সকলে সমত হইরা আমাদিশের টালা পুত্তকে ভাত্মর করিলে পুত্রকাদি বাওলাও বেওকা বাইবেক।

ः व । आद्यान्त्रवर्धं श्राप्ति आदश् कार्तिक। मान विमाहन श्राप्ति बादम होता निर्ण स्ट्रेटन्स्,

এবং তাহা মাসের প্রথমে দিতে ছইবেক, এক মাসের হলে চুল্য গ্রহণ করা বাইবে-কুলাঃ

হয়। এক মানের অধিক কেছ কোন এছ ক রাণিলে তাঁহাকে ভালার মূল্য লিভে হই-ক ্বেক।

্া যিনি বে অবস্থার পুস্তক সইরা য, ই নে, তাঁও চে সেই পান্তঃর কেরড জি-তে ন্টাবক ত'হার জনাথা করিলে পুস্তকের হুল, না, ই হুটবেক।

তর্গ প্রাণারিচিত ব্যক্তিকে পুতকের যুক।
জন সালিতে হইবে, অথবা এক জন পৰিচিত্ত ব্যক্তিকে জামিন দিতে হইবেক তিহা
হ'লে ত হা ক পুত্তক হাওসাত কেওৱা বাই

ে ৫ম। সমাচার ও সমায়িক পত্রিকা সকল আমানিগের প্রস্থালয়ে আসিয়া পাঠ করিলে কোম মধ্যই পানিবেক না।

> গুণ্ণ ত্রাদর্শ নিউ ইপিরান লাইতেরি কলেজ শ্রী ই নং ৮৬।

সোমপ্রকাশ।

হাত্রৱন্তি

नाह वरमत चडीछ हरेल, छेट्छा मा एव निकार्थ वालकणिएमत छैरमाह वर्ष मार्थ चाममं, हरतायी वाणामा ७ वाणामा विणालदान भूजीरका छीन हाळाणिआएक करतकारी हाळहुछि नियान छ देनहे हाळ वृष्णि खाल राष्ट्रिकारक विकारविष्णा भ वर्णाम् विगालदा अधारम क्रिकेट किया

त अखाय करत्य। क अखार्की नामह मारे। देशक क्रिकां कार्यः। एक्षां भ डात्मत्राहे शाहः तथा क लार्यके म डात्मत्राहे शाहः तथा क लार्यके म डात्मत्राहे शाहः तथा क लार्यक क्रिए ज क मंत्र मा हांक्षत्र वित्रम स्थताए जात्मत्र केशकात्र का एक्ष्मा मारे। किस् किविद वि मात्र त्यारम मारे। किस् किविद वि मात्र त्यारम सारे। क्षां क

उपिटक अक्टल ओप्न गांवजी ट्यानित नवर्गटमके विन्यानद्व सहस्र कतिया ल्लात्व विश्वविशालास्त्र व्यट्ड वीका निवाब निवास क्रेब्राट्स। क्रिकी? विगालिय नक्टान्ड नाड दरनप्र না করিবাংশবীকা দিবার উপার ব ৰূপ ক্লে নিভাৰ গলে ৰূতে নাভ भार्व ना'क्क्रिक क्ला_य हाळ था **भद्रीका किएक जनर्थ हम वा। किछ** চারি বৎসম উদ্বংখ্যা পাঁচ বৎস বেক্তন পাঠ করিতে পার। ভাহাতে क च्रत्म कहे दलाव घटने, च्यत्वकरः বিশ্বহে অগত্যা প্রবেশিকা পরীকা পূর্বে বিদ্যালয় পরিত্যাগ ক্রিট সুভরাং ভাহাদিগের শিকারও करण । চाরि পাঁচ বংশর মাত্র অধ দ্বিয়া সুশিকালাতের সম্ভাবনা কি লাড়ের সমরে তার্ারা ভাষা হইটে

थि नामामा विकास हा भटनाका निर्देशका कि लहिए है हाकरे हैं दि यथमा साथ स्थादन अर्थिका गडीकात केंद्रीर्व बरेटक मा । केट्यून आरहर ७ मिकाबेश्टनक केंद्र कि अविषय कार्यक सहस्य ? यकि রা জানেন ভাষা বহুলৈ বালক एक्ष्मा विका निकान जायावन " ক্ষাইয়া ইঠাৎ ভালা হইতে বঞ্চিত ক कटकत र सर्वि भू ी आहमत विमानत म বু উন্নাতি ও স্ববিত্ত বালক্ষিপকে অধিক গ দেওটা শিকাসংকাম কর্তৃপদ্মের শা হয়, 'র্ডেয়ান চ'রি বৎসরের রু**ভি**র र छेठाई 🛫 हेन्रा च दकः चान छ्रेदरजन । দেও । উচিত। তৎপরে তারারা बर्रवार्कि निका रेनशुवा अपर्गन क s পাট্যে, ভালা হইনে যত দিন ভা**হা**রা विका/देशनिंदछ मा राज ७७ मिन्न वि "ন ্াঠ করিবার অনুসতি কেওয়া । এ क्रांच छारानित्रदक करिया সাবশ্যক যে সাত বৎসক্তে পর यमि भरीकात छेखीर् स्ट्रिक मा ছাত্ৰবৃত্তি পাইবে না।

ার৷ বিলক্ষণ বলিতে পারি এই वश्यादात्र यदभः मक्टलई फेल्क्स ত যাইবার যোগ্যতা লাভ করিতে ৰ ৷ এইৰূপ নিয়ম করিলে **উ**ভেণু লা पाछीके निक क्षेत्र अस्म ह नाई । s बाद्यला **कर्**ल भक्**यत्म** (स्थालकाब त त्म विवदम छे:जु। मास्म्यत् व (कर्रे अधिकछत यञ्चान नाइन াঁট্রবিত দোষ বশতং তিনি সশূর্ণ श , ब्हेर्ट भातिरबद्धन ना श्चापल डिलमान धानिक मेर्केल क्षा क्य ७ निर्मा अन नाट्टत लाक वालकनिरणत विज्ञान रेक्कांट्स ।

লেৰ্ পাৰেৰ প্ৰীহাতে অভিনদন

विक त्रकार्गात्र व नाथरशान्वर्ग न्त्रज्ञा त्मञ्जू मार्टस्ट्रस्य अख्यिममान श्रे पि বার অব্য কলিকাভার সরিককে টোনহালৈ এক সভা করিবার অনুরোধ করিয়াছেন ! ভারতবর্ষীর সভাকেও ভাঁহ:দিগের সহ काड़ी हरेए बलाब, किंख धरे गड़ा डिव ৰয়ে অসমত হইয়াছেন। লেঙ্ সাহেবের পুদত্যাগ ভারতবর্ষের ভূর্ভাগ্যের বিষয় बिलाटक इंट्रेंटन, व्यष्ट अत छात्र करतीं ह সভা বণিক সম্প্রদায়ের সহিত মিলিত হই য়া যে তাঁহাকে অভিনক্ষন দানে উল্প চইলেন না, তরিনিত অনে ইমুস পতে একাশ করিরাছেন, ভাহাতে কেই আপাততঃ তঁ,হাদিগের প্রতি অস্ত ভক্তভা দোহের আন্যোপ করিবেন সন্দেহ नारे। किन्त यमि छाहात। अनुधायन कति য়া বেখেন, উক্ত সভা সংখ্যিকনারই কা র্য্য করিয়াছেন। লেডসাহেরকে অভিনন্দন পত मान, जात देश्लखीत भवनिके ও नत চারলুক্ত উত্তের কাষ্যের প্রতিবাদ করা नमान । त्यादि व्यथवा मरलापाय वित्यव चा র্থান্ধা হুইয়া যা বসুন ন। কেন, সর চার, म म উত্তের काया এত चनाय द्य नाहे य क मिनीरम्मा काराम कडार्शिक अनश्यः ও छाँहाब कारम ब्र अधिवाम कतिया अि হইতে পারেন ৷ ডিনি লেড্ শাহেবের জম | উত প্রতি টাকান ছুইপেনি ক্ষতি বীকার कर्जवा कर्षरे कतिया ছেন। अप সংশোধিক **হইয়া প্রকৃত আঁয়** রেন। সে টাবা কিছু নগদ ভারভববে প্রে বায় ছিব্ন না হইলে শ্রেয়োলাভ সন্তাবনা নাই । অমাত্মক আরু ব্যর প্রনার উপর निष्ठंत्र कितिया वाशांकि काषा अभ्यांकिक कहे ल शतिनाटम माझन कत छेदशब ईख्या यत्र यात्रिक सरह। करन की हात्र कहे साम ভইরাছে যে ভিনি **লেঙ**ু সাহেবের প্রতি व्याविभाक क्रम ३ कर्कनवाका श्राद्यान করিয়াছেন। কিন্তু এ অপরাখে ভিনি মৃত্যা **ए ज़लाही ७ खादखबर्ट्स मूळ बिलिया** श्रिशिधि । विक्शि इंदेर शास्त्रम् का ।

लिख् नीरम्द्रतत्र कुछ चात्र बाह्र मर ক্রান্ত হিলাব, সর্চারল্স উত্তের ভবিষয়ক পত্ৰ অবহাসভায় বজুতা ও লেঙু নাহে रवत्र चाच्छभक ममर्चम, अ ममुकाव मर्च সাধারণের গোচর হইয়াছে। অপক্ষপাতী নিঃমু.র্থ বাজিরা এ বিষয়ে কি অভিপ্রান্ন थकानं कब्रियारहर्नः लिख नारहर द्रश्यक्र रहेब्राह्म, दिब्रहिन्छ (कान व क्थि मा श्रीका র করিবেন : রেইলওয়ে ঘটিত ইংলভীন निनिड ७ अएमनी व ठीकांत्र विकास अवः চীন দেশীর যুদ্ধের টাকার হিসাব লইবাই विवास स्ट्रेरफट्ट । लाई मार्ट्य मध्यकि भाषाभक तकार्य ए व्यक्तिक व्यक्तवित है। লিখিত হ্ট্য়াছে প্রতিব্ৎসর গতে ৬ কো पि छोका ताइन अदाव समा वाव वहरा थाटक । त्महे राज्ञ बूश्यम स्टेटक स्टेवाज्रहे कथा, ब्राक्ष व स्ट्रेट महेनाव कथा माहे। যথন একপ হইল, তখন ১ কোটি টাকাই द्राम ७८३ व चार्चिक वास विमान ध्रिक्त লইতে হইবে, ভাহার মধ্য হইতে ৫০ লক্ষ টাকা রাজহ কৃতি বলিয়া প্রণনা ক্রা সক্ত इंटेंट शादन।। (क्वल नियम ध्रिया विद्यान कतित्व त्मं मार्ट्यत कथा व्यरं अभी म विलिक्ष। (वाथ एम वटेंहे, किस का क्ति छोहां किथिया ब्हेर्फ्ट्स । नत् इ इतन न क्रिया (ब्रहेमध्यत बमा होका कर्क क त्रव क्रा इस मा। छारा देश्ला वार्यत জন্য রাধিয়া সর চারলুস উড় ভার कदरव केहांत्र विल व्यात्रण क्रांत्रम। त्महे होका नाथ देश दाक्य बहेर्फ (मध्य ह्या। এক্ষৰে তিনি সাডে পাঁচকোট টাকা কইয়া হর কোট ট্রাকার রসিদ দিতেত্বেন, আমাদি शदक मण्युर्व इस टकाणि होका मिद्रुष्ट इहेटक ट. जाशंत मूटनत क कथारे बार, के कटन অবশিকী অর্ডবেনটি রাজস্ব হইতে না ছইরা चात्र (कावा स्टेश्क विदान मधाव 🗗

神学 對學 數文 「相談」演 थं। पूरे विकित करें स्निव स्वित्रास्त्र कि म करा, काला क्रिका कविवादक कामानियाह नाज प्रदेश । विश्वदेश भागागित्वक वक्षांवा না, স্থায় ব্যক্ত স্বাহত কৰিবাৎ মরিয়া স্থায়া कृत्र विरंत्रहास्त्र मा । 'कविचाकत विश्वतं निर्कत कंतिकार रेगानीयन जन्म संबर्धनिक माह्यादे विकास नग मा कतिक किलिका तुनि जन्छ स्त, छ हा हरेडम (तर्ने बटबर्ड मूटनब चंडने विकास शवान वक बाद इरेबाटब, छाटा समा है। কার মধ্যে পরিক্রিভিন্না করা হয় কেন ১ त्त्रहेमभद्रतं मन्तुर्व व्हरण विश्व किंग को म्मानि कमन् वर्शनिविश्वत जूरवत होका . ह क्षजार्भन कहिर्देश । अवरूश कांग्रा कहा जादितान नाता जन्यिक मरह । नत्र ७ जान लाल इंदेरक्टे अव्यथ्य अरे खाखित मुक्कि হা ৷ ক্ষত বেঙ সাৰেব ও তাহার অভ সহকারীরা যে ৰূপ বলুম না কেন, রেইলওয়ে র বিনিমৰ ঘটিত অত্যতা প্রণ্রেণ্টের ক্ষতি हरेटक्ट मत्मर नारे। छीशत क्वल वर्क শক্তি আদর্শন করা হইতেতে, কিন্তু সে ভ का शक्तका अ मात्रवाका मारे। अवृत्य आ वाशक ब्रकाब क्रिका मा क्रिया छिनि यमि শ্ৰুকীক্ষরে সাহস পূর্বক বলিতেন যে ভা र अ अकार कार्ड महा कार्रिटवन । मत्त्र श्राप्ति हो हो निमिष्ट रेटबन, काहा स्टेटल के सात यथार्थ । · ननीत काषा कहा हहेड । विभिन्नत्य

क्षा (कदन कर्कनाट इत्र आकृ माज । মেন্ট দৈন্যাদির বায়ার্থ ইংল্জীয় গ্রন্মে গ্রুই একটা বিষ্ঠে তিনি মীলকর প্রভৃতির िएक अब व्यक्त रव छै। एक बेश्लिशीय । महायूका करतम वर्षे, किसू या शास देशमहत्त भन (सक्ते छाहा श्रांत त्थाध कतितारहरा। देव टाइत्यः पश्यक्त विमाणिकात छहि । असा लिए बारस्य त्मई होका चात्र मध्या भगना বরেন। সর চারলেন উড ইছার প্রতিবাদ । ওঁছার আন্তরিক ইচ্ছা ছিল। এদেশীয় ও

महित की वह का निक शिक्तिकि पुरेटच शांद्र ना । रेश क्षेत्र शांकि त्नार मात्र । छट्न क न्दरमा करे चंदरी का तम रेकेस, वनित्री देशारक पणि जांत्र महथा वनमा वना करेत्रा बाटक, काशाय किह वित्यव कि स्टेटलंटर ना । देश आह विनिश्च हे हे के, जबदा कर्क जानात विन बारे र्फेर, व छेउरमूत्र सताचन्ने या विशेषा পরিপণিত হউক, তাহাতে ইকানিক নাই, তাহা গণনার ব্লীডিভেদ মাত্র।

राज बादन है। इन इन्हां कर्या करवा শেও সাহেব ৰাব্ৰবার কহিতেছেন।তিনি খ वर्षिं। नक्षेत्रांव कतिवात विशिष्ठ क्या है।का (कागवामान) अवर्गन कतिरण्डित । किंद नत्र ब्राह्मलन छेछ करिएटएम नुके ब्राह्म है। কাও নানা অকার কণ্ডের টাকা একত ক্লমা হওয়াতেই জনা টাকার বৃদ্ধি হইয়াছে ৷ ৰনাগার অ<u>ধিক</u> টাকা থাকিলেই যে আয়, वाग्र-व्यापका व्यक्ति हरेल अक्था बीकांत क्त्रा बाहेटक भारत ना। कि लिंक मार्ट्स কি সর চারল্স উড় কেহ্ই উলিখিত জনা টাফার সবিত্তর রুত্তাত্ত প্রকাশ করেন নাই। এক্ষণে ধনাগারে ১৯ কোটি টাকা कमा मुके क्ट्रेंट्ट ! चक्क क विवतः সর চারলুস উড়ের প্রতিবাদ করিয়া লেঙ मः द्रियत्र উलिখिত कमा होकात्र कात्रन बिरक्ष कड़ा व्यावनारः

আমর। পূর্বেও কহিয়াছিলাম পুনরাযও কহিতেছি, লেও সালেবের ভ্রম হইয়াওে সন্দেহ নাই ৷ কিন্তু তা বলিয়া তিনি উপে क्षि इस म। विलाश हिशादित मातिएगँ। कात (याशा न्द्रूहम । समभूमा लाक কোখায় > তিনি ভারতবােয়ে এক জন যথা চীনন্দের যুদ্ধ কানে আত্তা গবর্ণ : র্থ চিতেধী ছিলেন । কট্রাক্ট বিল প্রভৃতি णना थकारत अ'स्मा अहिकि हर, हेहा

रेक्टबानीजिक्ता क as seem toll welled THEFT I STILL WAS THE किनि केरेलनम नाहर्द्यक साम स्था गटना किनि विक त्यारका नामिन अस्त कीतेश कारा कराम र व कोन्होंने करे अस्तर्भ जारभाकः। कराज्य क्रिय Win Printing with Affice হৈ সলেং মাই! তৰে তাহাকে স্মা পত্ৰ বিশ্ব বিশ্ব ক্ষালুন উত্তেপ্ত প্ৰথম क्त्रां ज्यामितिका जिल्ला महि

পৰ্টিক ওয়াৰ্ক জিলাইয়েক 🖟 ভারতবর্ধীর গ্রথমেন্ট ক্রিংবারের প্র লিক ওয়াকে বাবের হিনা ইঞ্চলশ করি ब्राट्स्म । ब्राप्टम ७७९॥ मा ्रीकान कर्म इत्रं, क्खि चार् २०॥ लक्ष छोद्द् निक्रारः সৰ্ভাৱ ওচচ লক চাকা ব্যন্ত 🕬 🦈 ক্মটাজ্যের শা হরা এক টাকা ই ধরা হয় নাই, ভাৰা ধরিলে ' तक व्यथिक रहा বেস্থানে ও বে यक क्रीकी (नवंत्र) इहेत्रारह, कार. लिचिक रहेल।

	**
মান্ত্ৰাঞ্চ	* ***
বোছাই '	CE'
वकटमन	621\$
উত্তর পশ্চিম	- Doll '
भाषांत्र च .20	¢>
चारवाधा।	34 .
मधा कात्रक्वर्य	।१६८
कांग्र क त्रां वाक	No.
बक्द ण	noc
নিদাপুর গ্রভৃতি	8
चना चना	NS
(त्रहेम अरम	201
र्तिकष्टिक सिनिधारः	412
পোষ্ট আফিস	>
क्षम	>=1

८५৮ लद

S1ई छोड़ देशको।

देश त मार्था दनमारदक्त सम्बद्ध ७०.० a,:>> होका, कृषिक क्षेत्रकि निक्कि (या ल चनन टाएकिंग करों) उपरारं क्षेत्र अवर स्वारिक क्षेत्र विकास करा 3,03,89,800 क्षेत्र क्षेत्र स्वेत्राटक १ RETRICE ! ाकी है।का प्राथमा कि कार वाहिक

क्रियांकेत है। नमक चात्र वात्र विजाव किंग्लिक स्ट्रेश थाएक, कंबर्स जाएमम वि विता वकरमर्टिनेतरे कथिक छोको रमधी हो। क्षित बाइस्त ख्ला त्र बन वह । डेशद्तत दिवाद गर्मम क्विटल्ड नकामह खादा सू न्धारी क्षेत्रपत्र १ रेटर । अक्टन शटड़ क ৰি বংগর কে লওরে প্রভৃত্তিত ১২ কোট क्ष्मा बात्रके रेटकटक् । क्षेत्र मध्या थात्र ভারি কে । সাধারণ রাজপৃহহতে দেওনা

बीत मर्था (कान, १ देशरमणे अफ ' এ বিষয়ে বায় বু^তিত পারেন केंद्र रेश्नंत चनून्वी कन लाज मरमक मूरत जारक,। कि अतिमारन ল ভোগে আমরা সমর্থ হইব, তবি রেনিশ্য ও বিংস্কিশ হইতে পারি ता । तामनथ अकृषि अञ्च रहेता अरम भन्न निवर्णय छेन्नछि स्टेर्स, अई मध्न , ধনি কেবল অমৃতবর্জির নাায় কর্ণের আন मा अर्थामन कतिरहर । भरे नकम विवदम आक्रातिष हरेट ए । । । । वादन वात हरेट ् दर, जामता त्य उत्र लंभ कल जानी इह भिन, काहात्र असावना अभिना गारेरकरक् ना । क्षेत्र व्यक्षिकात्यारे तार्वेत्र ७ कर्ग्युक्रिमाद्रद्र अन्त्रमाद इन्टिएइ। अमान स कन्द्राके অথা ইইয়াছে, আম বা স্পানী কারে কহিছে পারি, ভাহাতে লাভ হওয়া দরে থাকুক, এ कि कार्या अ मूहाक करण मण्येक हम ना । क्षे के निवाद अर्दि धरे "क महा वानना ता अधिकारण शए , आंत्र किथिए गांक वा मुक्ता । " राषादान राथारम कर्ने छे. राहे था दमेर आह दम्भिट शावमा पाम, छेल काम करण करें भारत, भाव तमें अप अमका मिर्कृत वावश्टतत विम्नान

अप विकार में स्थाप कार्र में हिंदू । ये हा त्रं शक पिशा करों हैं बाहित की जिस्हि त्म करकीर केरकेत किंक रहेल के हैं। ता क जिल मार्टरे। कर्ने हिमार कार्टी मान विद्रा है की कफ़िलहेश वि व व है ना स्ट्रेड तारे काटनत वातामक क्वारेवाँन নিমিন্ত পাবার কণ্ট্রাক্টপার অবেণ করিতে হর। যাঁহার হাড দিয়া এই কংগ কাজ **रत्र, डीशंत्रथ कवि मारे, कन्ट्रेक्टिमा**रत्रथ काकि मार्रे, काकि क्वल अवर्गमार्थेत । श वर्गमार्केत कि इंदेवनहे समानिश्व কণ্ডি। এই বংশ যে অকারণ ক্ষতি কর' ररेएएए, छारात्र नात्री त्न । व्यातरे स्ति তে পাওয়া হয়, অনেক ওবরসিয়ার বিনা भी कतिशा करो है नहेश थारकन। अहे न কল কারণে আমরা জিদ করিয়া অনুরোধ করিছেছি গ্রু^{গ্}াণট এক কমিসন নিযুক্ত कतिला भवलिया अहार्कत्र हार ध्या দিয়াৰ ও ইঞ্জিনিমন্দিগের কাৰা প্রশালী त्र शंतीका कत्रच। शवर्गस्यक्षे चात्र कछ কাল আমাদিগের শোণিত দিয়া ঐ সকল পূর্ত্তকে পরিবর্ধিত করিবেন।

অনুৎসাহ দিয়া চড়ক উঠাই: দিবার শাজা

সর চারলস উড এই খাজা কবিয় পা ঠাইরাছেন যে, ভারতব্বীর গ্রন্মেন্ট কর্ম **চाরिक्शिट्स करिया एमन, के.राया अनूर** गाइ निता हफ्क केंद्रोहेश निवाद (हकी शा न, किंकु रकाम करन यम अरममी श्रमिरशंत भटमा रुख (क्लामा कल्ज्ञमा मह ठाइलक উত্তের এত্যার এ কটা যথার্থ রাজনীতিজ্ঞের कार्य कहा इरेब्राइ। अजात सूर्य कृत्व সন্ধানে উদাসীন হ্ইয়া কেবল আপনার त्रुथ वक्करकत्र हिशात व्यवस्थ कतिहा काला তিপাত করা রাজার অধ্বা রাজঞ্তিনিধি क्षथान भूक्ररवत कर्षत्र कर्य नह । अभात

महान क्षानिक " क्षे क्षारिकारतय लवन ए | द्वारे करकेत क्षेत्र का कारति वा कि मुखामू नुर्विकेरण कारोब स्वया विभूतकाचे कविता क्षित्राक्त्र4 क्रिकी क्ला जनमा कक्ष्या। किस्प्रेमेरे छन्। कतिए विश्व क्लाभगरक ज्यत । दाणनांत्रदेश निवाकिक रत्र ना । अनुत्रकृष्टि ६४ प्रशास नवा मान्युचि क्रिकेनरे व्यक्त स जामाज जाइन देशा बादका । कारतत विद्यांची स्रेता केंबक করিতে গেলে ভাহাতে প্ লাভ সভাৰনা খাৰিলেও প্ৰালী এইৰপ चंद्रेना हरू।

अ त्यरण यक भूकात कंपना वायक्षेत्र পুচলিত चाट्ट, ठक्क कामन मर्था केंकिन প্রধান। অনুধাবন করিয়া লেখিলে সকল বিষয়েরই প্রায় আংশিক দোর ও আংশিক গুণ ৰেখিতে পাওয়া যাঁয়, কিছ অ'মান विश्वत जाविहा मिनिनान, क्र्यांशा करम **इज्हारु अरू अश्टामल अरूमि श्रम मिथित्य** পাইলাম না 1 নৃত্য, গীক, ৰাণা পুতৃতি ইভার অল পুতাল সমুদারেই অপরুষ্ট। वामा धमनि मधूत व किथिए अधिक काल अवन कतिरल कर्न विश्व रहेन्ना यात्र, ए হাকে পুরুতিত্ব করিবার নিমিত্র চিকিৎসা कतिवात शुरशासन करेता छेट्छे। 'नृद म बिटल व्ह्वल व्य कृषां अच्य अवश में हैं. উহা অপ্লীলতা লোগ বারা একান্ত দুবিভ উহা কোম क्राटम, काराज्ञ विट (भन्न मर्भवरणाभा वरह। भीट, मात्र चनूक्षा । अष्ठस्ति, हानका ५ ক করা ও কাপ খাওয়া পুভৃতি কতকগু। नृनःम ७ रीज्यम कांश पार्ट ।

कलकः व केर्नेवर्धि व्यमका कारलाहिन. वामामिरशत मिरमंत्र मुख नीह लारकतारे हेरात बड़ी। हेरा त्य हेरानीसन कातन অধিকতর অনর্থের নিশান হইবে, এ কথ: बला बाह्या। हैश यह भीख व दम्भ हरे তে অভহিত হয়, তত्তरे महत्त्वत क्रियं

ক্ষু চারদান উত্ত যে উপায় অবস্থান বিয়া উলিখিত জননা প্রবার উল্লুন্দ ক্ষুট্রা অনুরোধ করিয়াতেন, ভারতে ক্ষুট্রাই নতাবলা আছে কিনা,

क्षित्रदेश वित्रहा करा वाहर्ष । सह हारतम के व्यक्ता कि विद्रा करात निवाद के देशको करिए करिए एक्स निक्ष क व्यक्ता करिया करिया करिया स्वाक माणित व्यक्तिय करिया हुन्य हुन्य वाह क्षित्र व्यक्तिय वर्ग हुन्य क्षित्र वाह क्षित्र कार्यका कर्म क्ष्म निवा वाह क्षित्र कार्यका क्षित्र क्षित्र क्ष्म क्ष्म

त्व क्षणहासक कुनेशकात करोड़ रहेन विक्रिका निवारण, क्षणहास नदायमा कि विक्रिका सम्बद्धिक करेगात गढ़ायमा कि विक्रिका सम्बद्धिक महर्गट्यम अर्थ हरा क्षणि क्षणित सम्बद्धिक हार्था है क्षणि स्त्री व्यक्तिक क्षणित क्षण्याकी हार्था है क्षणि स्त्री

THE REPORTS TO SERVICE TO

THE RESERVE AND PROPERTY OF THE PARTY OF THE

ক্ষিত্ৰ । কৈছি যাহেৰ এ ৰংসর ক্ষ काहरी का विक अ शक होता विवाह अंड्रेमिक केत्रिक्रीस्ट्राम्य, किमि (नह अन्त ल्ल केंड) कीश रक्त कतिता क्रिसंस्थ । पता श्रीय वर्ष . ७ , मरामण , करिया छ व नाम व्यक्त केहिए। अक विका श्वाद ভারতব্যের দিন দিন যে কিবুগ ক্রড शतिवर्ष हरेएछाइ, नत हात्रमन छैउ क्या নে অবস্থিতি করিয়া যদি অনুভব করিতে পারিতেন, কথনই এ বাহ বছ করিতে म मां। अधिक त्रिटनत क्यांत्र कांत्र मार्ड, किति अभ्डड किया निका नश्काद स िठि गाठीन, छाश्य भटबर भतिर्दे पर्भ न क्तिरत्त्र कें। हारक विश्वताशत हरेरक र्वेदव नटम्बर मार्च। खवानि देशा मत्था किटबारकण अवहि वहात वित्र रहेता नि

भूषक बावि।

শানর হড়জাতা সহকারে খীকার করি তেরি, নিয় বিশিক্ষ প্রথক গুলি আনানিলের বজুগার বইয়াছে

প্ৰথম সংস্কৃতি ক্ষুত্ৰ নামৰ বিদ্যালয় কংগু জ বিজ্ঞা কীৰুক্ত ব্যৱহা সেন কৰা প্ৰথমিত বংকু জ গ্ৰাংশালিকা। ইহাতে ব্যাকীপ্ৰয় প্ৰশাস্থ্য কৰেন্দ্ৰী বিষয় সংগৃহীত ক্ষুত্ৰীয়ি ।

বিতীয়, শিক্ষাদেশ। চাকাজেনার অন্ত-গতি পাচলোনা নিবাসী উদ্বৈশ্ব হয়চজ্ঞাসেন ইহার প্রশেক।।

্ ভূড়ীক ছাক্লিবাসী ক্রীযুক্ত বারু হরিত ক্লুবিক্স হচ্চিত্র হাস্য ক্লডক্লিনী। ইহা পদ্য-ক্লক্

ক্ষুৰ্য, চাকাজিলার অন্তর্গত পাচলোনা মিবালী জীতুক গিরিশচুক্ত সেন প্রাণীত ব্যবভা বিমোধ ব

नक्षत्र - मा त परत त्व २० हेवां स विश्वता बाद होत्रिक्ट विज ध्येनोठ । हेवां बोडकेला देव हेट बहेबाइक । हेवाब बोटकडे तो पे बेब नाउडते हेटाब खेन द्विपट नोविद्यारक्ष वर्ष तिक्रामार्थनी । हेवारक नोविद्यारक्ष

कर्रवार्ष ग्रेड क्यानताच कांत्र संस्था क्रिका. १ केपूक गाँउ चांत्रकांताच संस्था क्रिका क्षा कर्या।

कार्यना विकास अवस्त हैं जियुक्त वायू कामारेलाल लाहिन केंद्र अवस्त जोष नगाटक शांठ करते हैं क्यांच के कीर्य स्थाना अक कार्यन स्रोत कार्यना अकालिक स्रोत

wini sean fund bullen menginger नावे ६ किनि कांचामिश्चन मक्नामक महस्र यह है जिनि जा बाजिरण अस्त तर्जन के सरि-बार मकल कारमात कि कही के का मिर्देश हैं . किकित्याम। विरुप्त अकाकत क्षेत्रके क्षेत्र के विर क्टबर । शार्वनात शुरुक्त किनि कोमीनिहण्य অভাব নিৰায়ণীয় উপায়-বিভাব স্থানীয়ায়েন ৷ ল-वित्र गरक नहक किनि कास्त्रिक्रियेह सकेस तिथा-ভক্ত নিজন বিশ্ব করিবাছেন। প্রেক্ট্রিকাল উলা-शांक्यम् ७ तन्हे सक्त निवस व्यक्तिम् क्षेत्रिका कामता वांगाविश्यत स्थ ने क्षेत्रक कत्रिक्ट পারি। তবে কৈন আমরা উস্ক্রিরিক্ট প্রার্থন। করি ? ভাঁহার নিক্টা আর্ক্টাইট্র করিয়া নি ছা--नवाः चाना विश्वतं मन्त्रं , माध्यः अतिहरू सहितः मा १, अश्वानाविद्याधिक्राध्वरकान त्या व्य द्वा है-चावामीय क विक्याचीय करेडा कामान रहिसाई तार्वे राज्ये विमायायमध्य कार्यदेश विद्या सहित गावन क्षिता प्रथम बाद्या राष्ट्रिक क्षित्र पीचान विकास कार्यना के बनाई बरिशेक्स कि. क आर्थना महिक्द्रिएक क्लाक्क विवेशक अस्त्री के कि edien mi deift bi fin einer gefenfrie rice views areast mile mathers जिल्लान। कृष्टि द्वारकार्यः ने बरकर निके किरोध was mindipolity of Ancar alls afficiafor Bundliceleant Breis, and which of the proper and the state of the property BER STANKE MEN, WELL COURS BREET the string of which division in the string teres ordert state feat ; tall The state of the s अस्तिक क्षेत्राची अस्ति करण विश्वतिक वरे-

্ৰীনিক যে সকল বিষয় সংস্থাপন ক ১ এইবিনা ভাষাবিধের সম্ভৰ্যত। প্ৰীক

वरेरलेक्क्ष्यकः माजानं वेषय क्षेत्रकृत्रकृतं स्वतन उ^{'5} विक्रीम, शामदाच प्रविद्ध **कीवा**त प्रक्रि मार्कार्च बेहिबँमा कहा स्वत्रक्षता क्षेत्रका निवस (पंत्र) क्यान क्रिका क्रिका क्रिका वीर्थना गाउँ व बर्धना क्रिक्ष कृत का : आर्थना , শৃতীত মেই ভুমবুর্জাকার কার হয় লা; প্রার্থনা भूता हेशामना छेशामस्हित्रहर ।

जेपद्वत एक्स्स, दुश्या, क्यान, क्योमन परिवा ইড়াছি বিষয়ে পদ স্থাধান করিলে কিয়ং প্ৰিমাণে গ্ৰীভিত্ততি উত্তেভিত হয় ৰটে, ভিত্ত প্ৰাৰ্থকা ব্যক্তিভালা ক্ৰাৰ্থ পাৰ লা। কোন माप्रम <u>धर्म मिनाकाणि</u> अभक्ष क्लालि দুঞ্জিলাত করিবেন নানাবিধ জ্বনত্ব পুল্ল-भ इक बांद्रा खुन बाहर कामन मर्दर खर्बिं। क्रि নে,অত্যক্ত পর্যাতপুলোপরি বথারবংশ হইছা চতুর্নান্ধ নেরপাত করিলে, কোন শৈক শিবর চইতে জঁল প্রপাত নিরীক্ষণ করিলে, নরন তু-क्षिकट माना पर्य दक्षित छ माना श्रमाद्व प्रतिक शक्कार्तित व्यवसर्वे व्यवस्थायम कविरम, व्यवस्था समात्र दर्शकेत स्वयं क क्षत्रम्थरम् अति विवि feath feut wieten a Materian wirber ei-विश्रीरहेत क्या खेने क्यित्त, खन मगरिक कवारा प्रभारते अञ्च अक कास क वर्षेत्रा गरी। (लांठ-मा क्रिका प्रथा कश्चाक्रमकांत्री क्ष्मां वाक्रि मिन् स्मात कहानी, स्रोध, स्कीमले स्विमा के स्थारमह ভারি ভারি পরিভয় আধার হইয়া ভাজি রাশার্ক সা विश्वतीय प्रदेश क्ष्म (वर्ष-वाविका प्राप्त कि श्राचांत्र करने क्षेत्रके अपने क्षेत्रके क्षेत्रके क्षेत्रके গিতার আবিভাব আপন অন্তর্জ অনুমান স্থানি का, डीशटक प्रमानाच अव्योग के ब्रह्म , के क्रीवर्ड নিকট কুডজভা প্রকাশ করিবৃত্ত কি নেই স্বাজিত্ত यकाव उदे देव्या वश मा ? तम देव्हा व्यवद्वार्थ क तिरम कि छात्रांत्र स्थानहरित क्यू जिंबकी बेह ? কোন দরিত্র দশাখিত কুথার্ডবার্জি আনার্জিনে-ন্ত্ৰ ময়ৰ পৰে পভিত কইলে আমাজিনেয় জন্তৱে লভার উল্ল হয়, কিন্তু আগবরা বলি ভাত্তিক 🐀 🗷 क्षांभिय का कति. जाका क्हेरण कि स्वामाणि-दर्शक महाक्षेत्र रण शास १३० मा नक हीना स्वेता-त्मक्ष्मण श्वमार्थ विश्वा विद्यापि बाजा क्षा के बेरल, आर्थन ना कहिएल छारा ক্ৰিৰীল ক্ষুদ্ধ বাৰ । আৰ্থনা ব্যতীত ভজিত क्षान कान महनामध्या उपन प्रदेश महनदक्ष ब्रेक्ट महा चारताव द्वाथ प्रकंत त्वन का कार्य अवदेशन महरमंबद्धक माकारकात wei diete find gemal dein et. ME STEPHEN MERCHEN STEIN FRAD

त्वत्र कार्या । अश्रीक्ष स्थात जन्म १४ छन्। इन्छ बहैदका न्यां कारत किन्द्र तथा किन्द्र स्थान कारत कर चांचात्र मुक्त्य अत्र महित्रां चांचरा राजमं अति। त्य नामांना नगरिनिक पालिक मान चींचात्रः बिरमह बड़ोड़ कि वर्ष कहिए। गाहि, ताई समावा क्षणा गाहि। क्षणा के स्थान हरि ही ল্পানি মধ্য বর্জা হারা ভবংশিতার সাক্ষাৎ সাবস্থাত পাকিবার উচার ধর্মকা মুর্কালার कांत्र माध्यकतिका कांकाव निकत शार्थका कति। शास वहा देश मित्रीकुक बारह रेप अर्कत क्त- कामबा कामामिश्यम एकि व ध्यमप्रति के तिश्कूमारक समन कामपान क्रमा क्रिकार छतिछ। में करिट्छ नमर्थ हरे। धारवक मनम स्थाता किहतिस वरण समिता वसाने वसीनाम हैंहै चार्याप्तराह महत्र लेशद्य कान, मझहा दशमा-वित्र कार देखिक : हा, आर्थमा चाहा ज्यावता वह इदेख शाहि मा। धर्मनीकित निक्षे 🗮 व्यामामित्रात्र महमामःथा छ । कालीम छेलिछ - लिका शाहे दर दाव व्यव कछिकां स्वतंत्र महत्व ভাষ ভাঁছাত্ম নিকট একাশ করি, প্রার্থনা স্বার্থ ক্ষানর। অভারে অভারে তাঁগার সহিত্ত বাজা। माभक्ति, चाँचांत गण्डि क्यांमाण कति बदर **उक्ताने उ** विम्लानम लोग कति ७ धर्म वल উপাৰ্জন কৰি।

বাঁদারা ত্রীকার পান বে জগদীর আগাদি-গের অন্তরে ডভি ও খেদরন্তি রোগিড করিরা - रहत, चर्यक परमान त्य तक्ष्य केमकाहक कार्या भिक्तांत्रम कतिरम, गतिर्द्ध नांश्राम ब्रह्म श्रीकरम वार्जिटक्ट माध्र कार्याकता एव. चामि छीवाहित কে জিলানা করি যে টাখ্য বখন ভিন্ন ভারা সংখ্যোজেশে আসাদিখের অস্তুরে অভন্ত অভন্ত इति अलान जीतप्रारहन, खेलम मनल ना बडेक व्यकारक क्षथान अथान कविनव इति छतिकार्य आगाह आछंत्रन कहिरकटवृत्त । अनेवस विवय दि व्यक्त बच्च वृक्ष मा वहेत्म किथाकारत आधारा था- किएक विस्तरतमा कतिएम आधि निम्मत विस्ति र्जिद्वा महोत्र कावी कतिएक नक्षत्र करेत ? आहि খীয়ার পাই বে কম্মন্তি ডেম্মনিনী হই ল ডা-হার বলে জগর কোন কোন হৃত্তি কিছৎপরিষা-এৰ বলীয়নী হয়। এৰ ব্যক্তিৰ মুদ্ধা অভিশন্ন প্ৰব-मा, व ग्रांकि भन्न इत्य नियात्रवार्य कांशन क्या वर्षात्रिक्तारम केंग्रिया मान्या कांग्रिक व मन्त्रीं विभक्षत क्षत्रिष्ठां है। नाजा वन इन वहेगा। भागतिहा व क्षित्राहत क्षेत्र कारिकेक महिकान करिया है बदहरण अवस क- दनके महिकादन सामित्रक संदेशक हैं है। विष्ठिरंदें। गाह क्रेंच विवादन कवा वास्त्र क्रवत জন্ম করিকের, ভাষার গ্রেমরতি কির্থপ্রি सर्गि मन्त्रवेदी,वह जानाव कि ? किस एकि क ह य श्रीव लामुब्रेसरम केरक्षिक क्षेत्रम प्रश्नाम गढीतः बेहात छ निक्रम जान नरमामुद्रश निमास नरहः राज्यम महाहि परण राम्छा छोर असमेरे वैशह रत मा । क्षान्त कानु नर्गन चल्ला हाँक कर्मा भना विश्व हर्षेत्र वरेण क्रियकारत कालाहा परकान ठिक करने आक विके श्रेरक नाहत ? दकान मार्थ-শীল বিভ অভিভাজনাদারী ব্রান্তির স্থিত राकाकान कृतिरस कालबाहा कार्क अस्टिवन क्ष त राजित पंत्रक केवरिक बंदीत विशेष होते हैं। CONSIDERATION CONTRACTOR

अवश्वतंत्रका नाकं कहा देवादि कवित्व देश- अदिक वदेश्य हम गामि कांचा आगाम श्रवीक भावनीयांत पांतरः वृद्धि निक्षे वसाह मान फेडिज, क्यारका मक्त माथम कर्मा क्यारका कर वरे कर्तना जावता कि जल जाहारन कूँलां कतिएत नमर्थ हरे। बाहा निष्णाहमार्थ स কি বহুল পরিষাধে ভক্তি ও এটাভির উপর র করি না ০ ভক্তি ও এীছির বল বাড়ীয় ক नाथरम ल्लांटक कि मधर्व वड ? क्लानवाहित क নাধনে অধিকতর নমর্থ বয় ? তাজি ডাক্সা রী কি আঁতি অধানাৰ ভারী ? এক্ষণভার ভুঠ किक पूरविमाल हाकि पूर्विमाल कहिर नाता । अध्येत नक्ष्मतः 'आकारम अकाव । ভাঁহারঃ কি প্রথালী মন্ত্রাদে লিকাল্লাভ স্থান . इन. कें। शक्तिमा काम काम क्रीत कि कि भ त्रिमार्थ दिक्तिक प्रदेशांद्रके अवर कीमांत्र। वि हि काराम्या प्रक्रके ,चीनाह-वृत्तित्व. क क काम्या काही बर्गका मीवित एवं र्ववामाध्य व्यक्तिका नेवर्ष स्त्र । क्या नकरलेहे कारबंब दर गाम किया खेरला वाक्रिक, त्वहे अस्त्रहात्न ,व्याचन व्यक्ति। गमर्ज परित । काशांत महाद्य कालहा हैते विवाद मन प्रतिक प्रतिक करिए गाहि। Terren du merech benfer wid au हम महिन्द्रानकान कायरण आश्वाहिक के सेथ है fren freier, berimit nint fem beitel fie THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE THE PART OF THE PARTY OF TH CO'VERT WHEN BY PROPERTY OF महा मारित करें। ब्रीजिंग स्थान (क्योंक) का with the same of the same of the same of The state of the s THE RESERVE AND LABOUR THE PARTY OF THE PART

महेरात समा आर्कीहं समाहता अदन क्लूम ह প্ৰথম ৰাজীয় নীতি বাগায়িক মণে উত্তে-किंक एके विकास

क्रमणे क्षमणा।

वि मश्योम। : • हे साम शामवात ।

প্রধানক্তম বিচ্গ্রোলয় বারতীয় করে, সমুত্র-আলা, সময় আমীল ও ছলেকছিলের বিকটে शिवरभव अक विशास कोवियारसन । विवर्ध मा भित्रलिशाहुः विशयन मात्र देव । छ। विश्वतिरशत तिजम थाया क्रिया बाकी होकां व अक्षी कथ করিছা মুক্তেক দিবের বেডন রভির উপায় ক सं कहरा ।

মুজন মঙৰিধানেমু আইন প্ৰচলিত হও-शायक अरमरण त्व भवन्यक आरक्त, अछ वि-নের পর লোকে দেলি অপ্রভব করিতেছেন। इश्रंत करें करके विद्यान देशकांत्र स्मर्था बारे ८७७७, विश्रा माकीव कथ आंत्रध स्टेब्राइ । गामिरके देवें अखारहे आये शांत गांख या-জিকে সেসিয়নে সবর্গণ করিতেত্বে । এত্তলে ভাহাদিগতে সাৰ্থান্ত করিবা দেওয়া আৰ্শা-ক যে উ হাদিশের স্বাস্ত্রাণ ও অধিকতর উৎসাহ হেছু মধার্থ নান্দির বেন ছও না হয়। गामित्रे रहेना हेररकाइ अर्थ मरकास बाताहि जामना नात्वत्र के नात्र बाह्य हेटक द्वा ना कन ?

প্রধানতম নিচারালয় অধীমত আহালত मन्दरक जीज नीश जानीरमञ्जू मककरा व्यवस কৰিছে কৰিছাছেব। আপীৰ গুনিবাৰ অন্য कर्तिकस्य चन्द्र स्वत्र निर्द्राक्षिण स्टेबारड-ম। সর বার্থেস পিকক বৃদ্ধি এত ভাড়া ভাঙ্গি-করিতে লাগিলেন, এডমিন ছুই তিনপুরুষ আ-भीरमञ्ज भक्षमञ्जा शक्षियां वाकियांत्र व्य कार्यक व किन मिलि अथम छहन मिलान वाहरवा

जिता न मायक जंक जंब किविनि शक वि-जी बदालाद अरु चानि स्म्राप्तता काविता गर-गांद्र जाबाद हर बान विद्यान बरेबाद्य ।

मृलविद्यत् विद्वास्त्रा नादक्षकेदत्तत् वसूत पि-भाग महामुख्यां समा २२ १ - डेंग्ला डीला करि-

হিন্দ্রপেটি রটের এক জন প্রজ্ঞারক কু-थ विश्वाणिक वाजिए है है दिनि गाँएए वह जिल्हा-**চাররদ্ধ কবা বিশিষ্ণাট্ছন । ইমি এক জন পরী**- ्मान्ति विविधित्रात् । ज्यात्रवानित्व केन्नम बामिना गारेमा बहे नहांनकि सजका विमानक बामार्थ कार्रेताम अना विस्मव छाडी भाग, विकार् লয়েয় কান্য সম্পানকের উপরে এক পরওয়ালাও, क्षेत्रांडिन, स्वयन वेनत्यांडेन वाहिंग नाटक्ट्या निविक इक्कांबा श्रेटक शास्त्रम बाहै। इक्स निवित्रियांनिकारक कि आंक्ट्र है।निएक्ट्र .

দিলীগোজেই বলেন, আমীয় লোভবৰ্মক थीत मात्रा दिवार्डेव अखिनिक्टडेनिवार्ड । खिनि निरम जागीनित क्वारफ जारहन, भूत তান জ্বাল পুনৰ্জায় সন্ধি করিবার প্রার্থনা করেন কিন্তু আছা অগ্রাছ হইরাছে। একুপ অনম্পতি ডিনি আনীয়ের হরে আস্বস্থপ্ করিবেন। এরিকেন্সংবার আসিরাছে পার-স্যাধিপতি হিয়াই আক্রমণের প্রতিবাদ ক विश्वारक्त ।

जांशतात मनत निकायण तां नाटर বের বে দিবস বিচার হয় সে দিবস ভাঁহার উ ৰীল ছুঁ।কোড সাহেৰ উপস্থিত ছিলেন না। তাহার নিমিত্ত এক দিবদ বিলয় করা হয়, ভ-খাণি ডিনি অন্তণশ্বিত খাকাতে বিচার প-তিরা নৰি বেখিরা উাংার সূত্য রঙের আ-का निर्मादश्य। है दिनार्क अध्यक्त प्रकाशक উঞ্চীল হইয়া কিজন্য বহুদ্দবার সময়ে উপদ্ধি ড ছিলেন না, ভাষা সাধারণের জারা কর্মনা। বেমন ইক্ষা লোখী হওঁক না কেন গুৱালি জগ হাথী কাজিকে আত্মরকার বধের সময় ও জী. পার করিতে দেওবা কর্তবা।

আলাহাবাদ গেজেট বলেন, অক্টোবৰ হা স অবধি বন্ধন পুরের রেইসওরে আরম্ভ হট त्व, छतिषित २६ मक होना वाह रहेत्व ।

অবোধাগেজেট লাও হোল ভাল' নভার বিষয়ে লিখিয়াছেন " আমরা এতদিন এই দ ভার কাপনিক বাব্যে মুখ ইইরাছিলার, ভা र्ष डेर्ट किर्ताम कार्यन्त ७ शक्तिगारमञ्जू मुण ।. সম্পাদকের এই সংক্রারটি এপন বাকিরা গেলে 222

श्त्रक्षा वरम् " कामद्रा मच्छे दहेगाव বে বিত্তার হিলির বলোচরে বিচার করিবায় কপলা পরিভাগি করা হইরাছে। ভারাত্র এবৰ হুৱাম্বার এবন কলিকাভার আজিমুক जात किहू वह ता। अधन क्लिकाछात्र वाछा न कितियार्क ।

गंख नानिबन्द्रनीय मध्यक्ष स्थान नाव्या निरम्हण गांवु समाध्यनाम साहस्त गतियदं अद्भविति यदा स्टेलंट्ड विश्वीणः कि केक्ट:व नाटक्व मुख वायुत्र क्षेत्ररंगा के की-बात जकाम मुहात निविष्ठ जाणांचे त्यांचे सा-कांन कतिबादकत ।

किविक बरमा, चात्रख्यवींत्र अवगटकेत्र गर्यात्व अपार्ट्य मध्यमानि विर्ल्हाति हा-क्ष्मोतित पूना ७०० डोक् विसन गरिएको

केक शब रामन देशनिमा म अ सुध अव ইভিয়ার বর্তমান সম্পারক পারিকট মইডেচেছ। अवान हैत (अहे नक्टम देशनिनमादनत नश्यो-লনাডা হইবেন। কিবের সন্দালকভার কে গ্র चर देखिनानं आहरकतं नरवा। क्षिता वाक-ब्राटक डीवाटक कर नम क्यान कहिएक वह-त्करहा आमत्रा सूर्विक करिताहिसान, अथनक करिएडहि, अद्वानदेव (बडे क निवर्ष सावकार्य ভ্যাথ বা করিলে এলেশীরবিংগর সাইভ रेक्टबानीविक्तित महाव स्ट्रेट्य मा ।

>>हे काब वंबल्बाह्न ।

বোখাইনগরে ছক্তম মালব দেশীর কাহি-কেনের প্রাক্তি থাকা ১৬০% টাকার বিক্রীক্ত হ-हेटकाइ ।

बक् जन वाळाजं डेव्हेन् न शहेश जिल्लिश-ट्यन, शाकिनाटका शुक्तीय जेलाडि श्रीमध्य-(ह । विटवनमां श्रेक्त केंद्रे मरबादमे विचान क्या क्षेत्र । अंद्रे द्वीयानि बहुनकाद्वीह क्षेत्र या-माणिक क्षायम् चार्टम् । हेशास विकारमञ्जू शय-कृतिक अवस्थितिक स्वा ?

वालाय देवित् म त्रवटनमञ्ज्ञ अववन वा-खांची क्षात्रं व्यवस्थान विषय शिवहारहम । এক অম কোন্তানীয়ে মাউন্ন প্রধান গেমাণভিয় जलबंकि अवन वोक्टिस्ट जिलाहीविशटक श्रुक्तिर्विष हेन्द्रि-शामन पहिट्छ ब्रह्मम असरन निनाबीकिराम निविद्धालय मुना काश्रामिरागत दर्जन बहेरक-कर्तन कृता बहेरज:इ। छाराता ক্ষমিত একবাকা হইয়া মুতন ইপি এংগ क्रिक अनुकार रहेन। क्षाराहेर्य बाहेर क क्षिकांचात्र दिश्होर्थः सामग्रम् क्षा बहेर्सः। हस्य समारक इत्य कर्तारक मधुणात् द्वाजिएयने ্পাঞ্জাসর ঘটকা কৃষ্ ঘটতে চাহিল। গভবিভোহ श्विकाश्म द्वारत व्याकिमहत्रिहरू ह्वारवहे एउ। अञ्चव एउन क्षात्राहेत ब्राह्में हैतर ना-ातिक विष्ठां वा**लद्दा क्यान्य क्या** क्या

দিনীগেজেট বলেন লালা জ্যোতিঃ প্রসা । অতিশব্ধ পীক্তিত ইইবাছেন। ডিনি কাশী-उ चार्डन।

उक्तगरबंद ५क सम शब्द ८८दिक वर्गनः भिनीएक पूरे जन क्रिंडेदाां भीत देशिक श्रद्ध धक जन नक्त्र देखेंद्वांभीय ७ अब जन तजक क वर्ष स्त्राटक मामहिक विहानागदत छारा-निर्वत निर्देश विदेशकर । स्मृत्रे के कार्य नद कि रहेन ?

শাজ্ঞানের ব্যবস্থাপক সভার সভ্য যোর বিভ লাবেৰ ডব্ৰন্ড্য বিচারালয়ের বিচার প তিত্ব পদত্যাগ ক্রিয়াছেন। সোরহেড সাধেব টপর্ক্ত লোক, সর হেনরি ওয়াভে র মৃত্যু হ-ইলে ডিনি **কল্পেক মাস প্রান্তি**মিধি শাসন কর্তা। हिटनन । मोद्यारक्य कारक्यो जाँक्षेत्र छैशस्त्र নন্তই। বোধ হর ভিনি কর্তৃপক্ষের প্রিরপাত্র নংখন ভাষা হইলে ভাষার একটি উপযুক্ত পদ লাভ হইত।

গত অফৰান্ত অৰ্থি ৰোপাইরের প্রধান তদ বিচারালয়ের কাব্য আরম্ভ হইরাছে।

ফিনিকা প্রবণ করিরাছেন কমিকাডার আ রণ রহৎ পর**্ঞালী কোন কাজের ২ইল না**। ইহার ভাষ্টকর্তা ক্লার্ক সাহেব 😉 মিউ নিসিপন্ ক্ষিসনরের ইহাকে যে কেবল নিভান্ত ক্ষ-कर्मण कान क्रियारहन अक्ष मस्य, हेश हा-द्रा निकडेविंछ वांनी मकरतातुत ज्यानिहे एहेबाह्र সম্ভাবনা চইরাছে। আমরা পুর্বেই এ আখ-ক্ষা করিয়াছিলাম। সাধাবণের টাকা বে রখা ষ্যায়িত হইল, এখন ইহার দারী কে?

উক্ত পত্রের ঢাকান্দ্র সংবাদ ছাত। বলেন ्छक्का कारेके माबिरहे है नश्चाद वह नश्चिक ইছন দিবস কাছারিতে আইসেন, এবং সুই ,এক, ঘ**ন্টা থাকিয়া শ্রেছান করে**ন। সেরেন্ডানার अदर्भ नकी बहेब्राट्स । काहेके बाखिए हे है नि बिनियान छ। कोइंबिए पूर्व अरु घरे। (ग इक्तांत भवपूर्णि भएक स्मान बर्थ है।

 ক্লাকাঞ্চালের এক জন পত্রপ্রের বলেন ক্ষ্মিক পুরের ছেটে ক্ষ্মিকারডের হতন জন্ম अपू करणा वस नामका त्रीका विराह

यदाता वरना नहेवा अवर दिनाता प्रशासन चाकिया महलाहत्र्य कत्रितारह, अवस्थित अरस র **অভিপ্রার স্থারে বেশ্যার।** ভাষার কানায় राष्ट्रेया किहू किहू प्रकिश चानियारक। खट्यत ন্তে করেক জন গায়ক ও ভাঁড খারে ' ফরিছ পুরের জোর কপান, তাই এমন জন্জটা भाडेगार्डन ।

উক্ত পত্রপ্রেরক লিখিয়াছেন পোউ নামক এক জন নীলকর ভত্তত্য কৈ। জদারের না ক্ষিবের নামে বিখ্যা নালীপ করাতে ভাঁহার २৮- हेर् अब्रियानी व्हेत्राटक - केंग्रेट्सालीटम त्र (यता अतिवाना अउद्यक्तीत इंडेल विदास रहेख।

५२३ फास नुधवात् ।

भूटर्स व्रेमिस्सित बट्ड शिंड १वेग है. ভুর পশিষাধ্বগামী পশিকেরা ছাত নর্সয इहेटलन । अक्टब के जूता सांसिटनव प्रमन १० রাতে উহারা আরু একটা হুডন উপার উভাবন করিয়াকে। যুখন কোন মেদা বা ভীর্বে বাত্রি-রা প্রম করে, ডৎকালে প্রার বাবতীয় সরা-ইয়ে ২ ৪ জন কুলরী স্থীলোক দেখিতে পা প্রবাহার। ভাহারা কোন ট্যাক ভারি ভরনে ক্ৰিব্ন ব্ৰক্তে দেখিলে নানা ছলে ডাহাব স-হিত আলাপ ও ভাব করে। কেছ বা তীর্বে बाह्य दिलाव क्रीर कामीत मक काता है। कि वित्रा इस करिया यूवा श्रिकत नक्टरी इस । পৰিষধ্যে এ কথা সে কথা হটগা ভরলেক্সিরে রা বে ভাষার প্রাণয় পালে বল হয়, একখা कहा बीक्ता । अहेरात्म (श्रवारणा रहेरा **मिर्व अहे भागोग्रजीत्र शिवकरक अवन ए**रा ভৌজন করার বে সে ভোজনাত্তে খোরতর मिहार अखिकूड़ रहें, প্राज्यकारत जानतिष হইর। দ্রেবে ¢ এপ্রেনীর > সহিত ট্যাকের है।का अक्ना क्रेग्रास्क । वहें छक्त पूर्वका নিৰাবুণাৰ পুৰিসের ছতন সতৰ্কত। আব-سيرا المؤلد

বারাসভের অস্কঃপাতি কাঠানিরা প্রাবে धक अध्यक्ष वानिर्द्ध अक्ति छाक् के कि वहें. सा भिन्नादक । सन्द्रासा वाने बदया व्यविक सहैदन शृह यांची बांखुन अरु विक्रांनित शाहां बहुना লুকারিত হয়। অনতর সন্থারা তাঁহার স্ক্রীকে

মামিবার সময়ে মত বোদালা দ্বি ত্য ও ধী- (বিষয়া করিয়া ত্রবছা করিছে উলাভ চল। ত্তখন তিনি আর ত্তাইরা থাকিতে না পা-तियां मन् धर्नार्ड अक धानि वहना सहस्र मिक हैवर्सि वैक्तियु भाकत्य क्षब्देय यम क्रब्रिट्स । ভাষাৰ পর যে ছট ফর্ম জাহার জীর ছর 🐗 কারিতেছিল, ভাহাদিলেরও আৰ সভার করিলেন। দর্ম শুক্ত তিন আন্ন হত ও চারি জন আহও চইলে দত্রে পলীয়ন করিল। ভাচা দিগের করেক জন গুড় হট্যাছে। আমবা শুনিরা আহ্লাদিত হইলার, ভারণকে পুলা (मक्या करेंद्र ।

> টাইদুন ক্ষৰ ইপ্রিয়ার এক জন পার পোঃ क बदनन, नील शिक्रित हो फोलाट्यत है। भारत का उरहड सहसाटक।

গভ ছয় নালের মধ্যে সর্বান্ত .০৬০ **छन बज्ज ब**दिनरम शबन कैतिवारक केश्व घट्या ७५७ क्रम श्वर्गायट हेंद्र ७ ००० क्रम च्य शर्मा(भिद्रशत् दारश् शंवन **च**रतः छ । जि গের মঞ্জী বরিবরে মিয়মিত সম্য উত্তী। श्रृहेरन **डांश**निगरक **डांत्रडनर्ग** श्रूनः ८श्रवः করিবার উপায় করিনার জন্য সর চারল্প উদ ২,৫০,০০০ টাকা কোন **এক কণ্ডে জ**মা কবি ८७ कविशाहिम । कारतक वर्ण्या द्यक्षार्थकंक ख्यांच वाम कब्रिट्डस्था मिश्रादेन खरन रहाप ह्य जीलक्ष्म ७ इं-क्ष्म न है।

আব্রানিবের দেশে+কুস**্থারের** ভাতি -ষ্টি+ প্রাপুর্কার ধাকাতে যে কড জনগ দ क्रिटिक्ट भूमी कारकतेवद्वत्र अन क्रम धाउ **अप्रतक जाहांत्र अंकती मृद्धीप अप्रतंन ग**िष्ण -इन । कांद्रकी आध्यद्व अक कश विक्रय कार्रिश खीरनाक्तक अक्षिम अक क्लंडेरडे गांदण न "-भन करत्। करब्रक अने आंक्षित्रह खोर्डाक रेत्र-निक हिक्शिनाहर साहेट्ड व्याप्त । किन्न जाना অন্য সকলে ভাহাকে এক গণেশের মন্দিরে যাইরা মন্ত্র পাঠ করিতে বলিন। সে তাহাই क्त्रिम । किंड > विनिष्टित वर्षा छोडात मृज्य वहेन। अहे नकत कूतरकात हुत वह गाँव এক মাত্ৰ উপায় আছে —বিদ্যা ৷

हेक नब (ब्यंद्रक कांद्रक स्टाम, एडे मूच दिभिहे मर्ग चाट्ड विवाधिय मरकां माट्ड क। छिनि मिटक भन्नी कहिना क्रिकाहरूम दर विक्री मृत्या मान त्याप रह.

with the same of t

চাৰা ক্লিউল বানে, লেণ্টনন্ট নাৰণত্ন আহি টো বাইবার প্ৰয়ে এক বান্ধ ডিল ঘটকার জ ন্য চাকার নামিলাছিলেন। ডিনি ভাজতা টি কিংলালয় ও বারিক দর্শন করিলা আহতেই গি মাছেন। আমরা এই পত্র পাঠে আক্লানিক হইলাল, বীডন লাহেব আনৈক স্থাহ ইইছা ভেন।

ইংলিগ্ৰানের স্থানীত সংবাদদাতা বাসেন শিপপ্রদর্শনী সভা ভারত্ত্বর্ধের বি-নিড নিয় লিখিত বেডাল ও অবংসা শক্ত দির ছেন:—

		,	
	বেডাল	क्षभरमा	পত্ৰ,
दक्कदुल्लाः			45.
উত্তর পশ্চিমাক	F>2		4 .
लका व			
'সবোধা			
সিলাপুর	8		٠.٩
नाचीम टालन			. • 5
মান্তাজ		• • • • • •	78
कृत्रम अस्मन			· ર
मही इत्र	• • • • •		8
45	15		٧.
न्यमा जना	. >>	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	50
বোখাই •	. 58 •.		٠ ٩
(atg	><8		34

বভাদেশই ভারতবর্ধের সকল ক ন আপেদ। প্রশান হটা ছেন, তথাপি, প্রপ্রেরক
চা ক্ষেপ ব রিয়ারেন এতকেলীর সমুদার বস্ত
ভাল করিবা পরীকা করা হর নাই। নিশা প্র
দর্শন সময়ে ইংলাওখরী উপস্থিত হিলেন না
যত বিলেলীর রাজকুষার ও স্ক্রোভলোক কা
নিরাহিলের, তাঁহাবিশ্বের আবাসস্থান নিরো
ভিত্ত করা ভাবা অন্য কোন প্রকার অভ্যান

নি না ক্রাচত রাজার নিশা হটর হেও বি ন বিজে কোন কলজ। না পারন বিলে কা কলেক বাজহুলারগণের আগর করেন নাই কেন ৫

১৩ই ডাত্র রহস্পতিবার।
গ্রথনর শ্রেষ্ট্রনার আদা মুগ্রের হইতে ক্রি
কাতার প্রত্যান্ত্রন করিয়াছেন।

्पूर्वराक्षमात्र रहरेनश्रात्र २७ व त्मरण्डेषत्र बाज्राणाका भर्गक्क श्रीतर्थ वयर ५मा लहे।-बत्र कृष्टियां नदीस श्रीतर्थ, क्या स्ट्रेट्ड ।

্ফেব্রগারি অবধি এপ্রেল পর্যন্ত ইন্তর ই কা ও ইত্রীশেল নিম লিখিত চাকা আলায় কইরাছে।

ৰোট টাক	त्रांबाद्य व	यांखादर के	21.414	^{क्} रबोक्कटमञ्	नीय क	ठ व भवन्द्रक	हें य	
63,10,138	3.24.20	4,65,63	₹ 7 , ∞	ध्वाधारमञ्ज : •, ५७ : ४৮	04040	9,54		
011.84.64	4.40.34	254,452	7.8.60 \$	1,52,501	46 24 ac		**	

এক্তে সর্বাহন ৩৬,৮৬,০১০ নণ থাকে।

নানণ জনা হইয়াকে । ইংক্স মধ্যে নিবরপুল হ

ইডে ০০,০৫,১২৪ খন আদিয়াহে। কালা

শিংহল দীপ ও কেন্দা প্রকৃতি স্থান হ
ইডে বাকী নানণ আদিয়াহে। গবর্ণনের এক
শে নির্কিলে করণের এক চেটিরা ত্যাগ করি।

তে পারেন। ভবে শুভারত্মি বিন্ত কেন গ

কার্ড হানিলটন, মামনবরি, প্রাশ্বিল ও সর চারলদ উচ্চ লাভ কানিছের একটি থান্তর মনী প্রতিমূর্তি কবিবার উদ্দেশে এক নিক্ষাপ ন প্রকাশ করিয়া সর্বাদাবারণের িকটে হাঁলা প্রাধ্না করিয়াছেন।

বাদ্যেনগরত নবাৰ ইকু বিউজেলি জাল করাতে করেক নাস পূর্বে ভাষায় ইক্ উনি কা জাইনানা হয়। ববংগ্রেট জ্জুবে, জাজি। করিয়াদেন ডিনি জার নবাৰ উপাৰি ধারণ ক हिर्छ ७ क्या कार्ड ने बार्क कार्क कार्क हिर्देश में । एन वर्देश कार्क कार्क कार्क मा कतिहा छाटात कार्क प्रकार कार्क

भवन्यके जाका करियांका अवन कर्मा भवन जान है कान महित्र कान अविक कर्मा स्ट्रेड वा । श्रीकारत्वा क्षेत्रका अविक कर्मा ग्रमा जावित शाहरवत । क्षित्र शह कर्मा शुन वान भागा वादित करियांत आविक वाद्यक ज्ञान करियांका साह क्षेत्रका शाहर महित्र शाम जीमां विरक्त शाहित्यका

गत हान्त्रकृष केक आका करिसारक्ष ग्रंवर्य (सर्केत कर्यहासिनिएक्स कर्यका कार्यका हर्क न श्रूणात्र निकंप गांव क्रियो कर्यक कार्या केंग्रेड्न " तिवात रहते करत्रव, अक्बारक क्रीक्षित क्रांक्शा कर्म पर्यात क्षेत्रक क्ष्या क्ष्यक्ष व्यात्रक गारत्रव वा वर्षे किक देश वाद्यारक अध्यक्ष यात रा रहतेत्र चाका कर्यता। ज्याना कर्यका तरक्ष्य महि।

গান্ধ বর্ত্তন লিলাপুরে ১৭,৪৪,৩০০ টাকা আর ৩১৯,৫-৫৪৯ টাকা ব্যার ক্টরাছে। এই আড়াই লক্ষ ট.কা বলজুমিকেই লোহন করিয়া গঞ্জা ক্টরাছে, আরো হইবেন।

निक्रमणीश वित्रशृत आंत्र इणश्रीयन याता अक कारण उरमद सहैतारह । अंतिरंग तात्र-शृत स्वातानियां गाहेरक मनिकासका ।

অমৃত সরের কোনের মাহকরীরের কর্ত্তর দিলের সহারভার অন্যান্ত, কৈন্দ্র ক্রিকার কভাবনা করিরাফেন। ২০০০ টানা ক্রিকার কভাবনা

देशकीय (अन्दिक्षेणिन यां अवस्य पूर्वाभाषारम् आशीम आशोश करियारह-म । डांबाबा डांबारक शवर स्थानहरतक विक्षे स्था आर्थेश करिया विवास । डांबाह आंगीक डंब निकास निक्य एस नाहे। डि-'क-अवन शवर्यस स्थानहरस्य निक्षे आर्थमन करिया कथा शहरेड शांविरक त्यार र

হ্ এ আগই কানপুরের যাজিই টেন কালারির সন্মুখে রাওসাহেবের বাঁনী হইর। ছে। ডিনি প্রাণভ্যাগ কালেও আপনা ভীক্ষতা ও কাপুত্রবভা প্রকাশ কবেন নাই ডিনি যুক্তাশালেও বলিয়াছেন ভাঁহার আজ त्रशास्त्र काम केंद्रशाणीस्त्रक काम वर्ष कर्मा श्रा बाहे । ज्यासक केंद्रशालीय अवस्टानक ७ मण्ड एक सीरमान कामी स्वास्ट्रिक श्रीवी-किटमम ।

সাধিবলৈ সাহেব বুরুই মেন্টের আজান্নসারে হ'ল প্রেরণের এক মার্লাবনি প্রকাশ
করিরাহেন । প্রের্লি বেষন যত ইকা তত
টাকার কতি প্রশ্বেটের ধনাগার হইতে পা
ওরা বাইত একণে আর ভাষা হইবে না।
গাঁত টাকার অধিক একগত টাকা পথ্যবেরী
কতি রাজ্য রেকরা হইবে। ইহাতে পত্তরা
এক টাকার হিনাবে বাটা লাগিবে। এই
লতি দিবার জন্য বজনেশে সর্বাহ্য ৫০টি
আফিন হইবে। ইহাবারা সর্বানারণের ক্
তি ও বণিক্ষিপের ক্রিবা করা হ'ল।

व्यक्ति किश्वकियम शृद्धि खंदन करिया চিলাম মানাগুরের সেনাপতি বিগেভিয়ার বণাঁ কোন খ্লীলোককে অপমান করাডে উ बाटक शक्तांत्र क्रिट्ड व्हेडाट्ड । देशीन নান ভাগার বিভারিত হতাত প্রকাশ করি-রাহেন। বৃদ্ধ ত্রিগেডিরারের সহিত ভত্ততা कर्नन केंद्रेयमकरमञ्जू जीव विरमव क्षत्र हि ল: এখন কি ক্রিকেডিয়ার দর্মদা ভাষার বাট তে অধবিতি করিতের ও তাঁহাকে নামা প্রকার উপচৌকন দিতেন। বিবি**ও নিজ তা**-মীর সহিত গমন না করিয়া ত্রিপেজিয়ায়ের भक्टी जून। विद्यालन। अवदा क्टर्न बाह-জিলিতে পমন করাতে বিবি অতি হুকু বস্ত্র পরিধান করিয়া এব নাট্য শালায় স্থাগখন ंक्ष्या । তাহার বক্ষত্র বধা নির্বে আর্ড **লা ৰাক্ষতে ত্ৰিপেডিয়ার তাঁহা.ক নিলৰ্জ্য ব**-क्षित्र। शत्र मिनम बिराधिय व विविव निकर्ड क्ष्म आर्थना कत्तन। বিবি সেইপত্তার উত্তর 📲দ্ধপ লৈখেন যে তিনি তাহার উপরে কুপিড ৰাষ্ট্ৰ। কিন্তু একজন বুবক আফিসর তা-शिक्ष विवक्त शरेश विद्याखितादात "त कर्न-विकास क्यांत्र करत्न । कर्तन अधान ক্রাণড়ির নিকটে ভাষা প্রেরণ করাতে সর ক্ষেত্র বিভেগভিয়ারকে পদ্চাত করিয়া-বিদ্যাভিয়ার কেব্রিজের ভিউকের নি-क्षेत्रक्व भवित्रोद्धम । त्रनीवत्त थण-्र भाषा जानां को इरेटक्ट । त पि.

वन निवर्ण निवर्ण वक्त्रेन जाकिना "जुन-करन, अनेत श्रीरिकारका पृथक्त क्त्रारक जीरनारका जानी जाने अंत्रान रामागिक्टक जानारेडा हिर्मिन्। अनकन प्रकारकात रामा-मरनत नजुन्ति जाकिना किरण्य नरण हुई क-का भ्राचन विवस् ।

আলাহাবাদ গেলেট বলেন সম্রতি ত-থার একটি মুন্দর জনস্তত হটরাছিন। এখা নে কর্মিন যথিয়া একটা দুমকেতু উঠিতেছে।

कुथ जब है थिया शासपतायात्तत नयाय क्षित्री महात्राज शासपतायात्त पतिप्राहरू मा यह ज ल, त्यन भकत्महे ज्ञानित्य शास्त्रम कुथ ज्ञामानित्यत क्षमन कुथु।

উক্ত পত্র বলেন তুলা টংপান্নন ও " ভা রুজবর্ণীর তাঁজিদিগের জর উঠাইবার জিন্টি উৎস্কৃত্ত উপায় আছে। ইংলগুরি মূলখন জু-ল। পরিষ্ণুত করিবার জু ও কান্ট্রাকট আইন আমরা আর একটা উপায় হলি, সেটা ইহা অপেকা উৎকৃত্ত , ভারতবর্ণীর্দিগ্রনে পেট ভাজার খাটাইরা লইব র চেঠা।

উক্ত পত্র আরও বলেন ক্রেণ্ড অব ইণ্ডি রার সম্পাদকের পরিবর্ত হইবে বলিরা বে কথা উঠিয়াছে ভাষা অলীক। সহাদলী সভ্য হর অনেকের ইকা।

का महा हाइडेंग क्टिश जनहीं श्री का मिला के का क्रीन क्षेत्र क्रीन क्षेत्र क्रीन क्षेत्र क्रीन क्षेत्र का का क्षेत्र क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र का का क्षेत्र क्षेत्र का का क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र का का क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र का क्षेत्र क्षे

१६६ जात शक्तवात ।

নকে বিভ ১৮ গৰিত ইরেপ্তনর অবারে -হি মনের একজন নকালার বাহাতে সেনার্কি-নের জনতোম কবে অভশংকনা কহাতে তাহার দুই খংসর বিবাদ হইয়াছে। একথিয় প্রবাসন ব্যক্তিসিংগ্র ক্ষতন্ত্র স্বভাইথান ক্ নাই উচিত।

वाक्षावकीरेम् म मन्धानस्य नार्य कर-युवशतमा नकाती यनिका साणिय इतेतारम्। अस् व्यक्षे प्रावश्य स्वश्री मानिस्ट के व स् द्वर क्षम वानिहेत कर्षी बहेतारम्। स्थितः कार वाकाम बाक्षारक्ष भिन्नारम्।

কোটন কুরিরার বলেন ত্রিবারুরে এড দিন ক্রীডলান রাখিবার এখা ছিল। তর্মজা রাজা লক্ষান্ত ভালা উঠাইর। বিরাচেন। মৃ-ডা দালের: একণে বিদ্যাশিকা করিরা আণ ন আপন অবস্থার উন্নতি সাধন করিছেছে। অনেকে খ্রীয় ধর্ম অবলঘন করিয়াছে। বিশা হুরের রাজার অনেক বিনরেই উদ্যুর বঃ-বহার স্বাদ গুলা বাইতেছে।

সন্ন বার্টন ক্রিনার প্রস্থারপ্রনার্থ সবিলেশ চেঠাবান্ হইরাছেন। বোখাই গেজেটে কির-দিবস পূর্বে কাভিওয়ারের রেসিডেন্ট নেজন্ন বারের বিরুদ্ধে একটি প্রস্তাব লিখিত হওয়া-তে ভিনি তংকণাং রেসিডেন্টকে পদ্যুত করেন। আবার সাইজে বিবিউ প্রকৃতি বারে-র সহারতা করাজে শাসনকর। তাহাকে ছুত ন পলে প্রভিতি করিতে সমত হটরাছেন। এরপে কাজ করিয়া সর বার্টন ক্রিনার শেষে

বেকার নামক বেব্যক্তি এক জন নীলকরের টাক। চুরি করে, তাহার সেসিয়নে সূই বংসর বিয়াদ ব্রয়াছে।

বিবিক্টি জরাক্ত আপন বেং রার না-বে এই বলিয়া নালীশ করেন থে সে রাত্রি বোগে তাঁহার গৃহমধ্যে প্রবেশ করিয়া তাঁহার সতীত্ব নাশের চঠা পার। উক্ত বেহারার চা রি বাস নিয়াল হইরাছে।

३० हे छाज भनियांतु.।

ৰণিক সম্প্ৰদায় লেও লাহেবকৈ অভিনক্ষ ৰ পত্ৰ প্ৰদান করিবার যে সক্ষপ করিবাছি-লেন ভাষা হইতে আন্ত হইরাছেন। গণ্ড কল্য এক টেলিপ্রাম আসিরাছে "লেও সা-হেব ও সরচারকাস উত্তের পশ্বশার স্থাব ছই-হাছে। লেও্ সাহেব আর্ভবর্ষে প্রভাগনন করিভেছেন। গুলা স্থাহলী সভা হয়, আনা-কিংগর বাঞ্নীর। ভিনিকা আৰণ ক্লবিয়াকেন বাৰ পদ বাৰ প্ৰিড প্ৰধানকৰ বিভাৱালকে অবেশ কৰি-লে এক জন বাহ্মিত্ৰ অধিকতন্ন ক্ৰেমে গৰণ নেক্ষ্মে উঠাল ছইকেন।

উক্ত পত্র বাঁলেন ভূটানের লীেকের। ইংল থেশরীর প্রকাদিখের উপন্ন সর্ক্রা অভ্যাচার করে, প্রকাহেই ভারিবারণের অপ্রক্রের করি-বার নিমিত্ত ভারতা রাজার নিকটে এক জন দুত প্রেমণ করিবেন সক্ষণ করিরাছেন।

व्यातामश्रद्धत्व इष्टद्धाशीष्ट्र व्हेमन मार्डेद्धत्व त्याग मध्याग इष्टेशाट्ड । विश्वत्रशिक मर्गाम प्रामाशिक क्यांन च्यांच्या एवन मार्ड । वेक रहेन म मार्डेद्धत्व बच्चा र स्वक्यांत्र त्य व्याच वेष्ट्रमान रम्भ गार्डेट्ड मा ?

নিয় লিখিত মুলো গ্ৰন্মেটের কাগজ বিফ্রীত কইতেছে !

দ টাকার সিকা

দ টাকার কাম্পানিব

দ টাকার

কৌমার

ক্রিকার

ক্রেটাকার

ক্রিকার

ক্রিক

ইউরোপীর সমাচার।

ভিন্ন সংবাদ পর হইতে উদ্ধান ।
লগুন ৪৯, আগাই । মহাসভার কার্যা বর ছইলাডে । ইংলতেখনীর বস্তাতে বিদেশীয় পরামেন্টের ল'ছত সমার সংস্থাপনের অভিনার
ও অংগেলিফার গ্রু গ্রেম জন্য আছেপা প্রগ্রা কর্যা ক্রিছে ।

यान दे। 8 के। जान है। नाविरम कि ७५ के रानाहे शाना गरम। छात्र कतियां कावनरकारम ग-. न जावस रहम। छश्चा जारमक रामा मरपृश्कि । वेट्डाक

পারিস ও ই আগত। ছাজ্টানিপ্রো, গালীরা পুলস্থার যুদ্ধ আবস্ত ক্ষিয়া আদি ৫০০ জুরক্তে ২০ ক্ষরিয়াছে। নগা-রায় বিজ্ঞাহ ক্ষয়াছেন। এ বেলপ্রেজের সকলে শালিও ছট্ট্যাছেন। ট্রাজিসে এজা এক ছোৰণা প্রকাশ ক্ষিয়া ভ্রাবেশে গৃহ সুদ্ধ ঘটাইবাব চেণ্টাও জাছে ভ্রাবেশের নিকা) ক্রিয়াছেন

পারিস ও ই জাগত। ফোবেলা ও রেকি-লা, ড বড় পোলালাও ছইডেছে। পারিবলাজি পানীজেবে বলিয়াছেন তিনি গ্রাহেন্ট্র ক-থাপুসারে কার্যা কবিংক ন।

লভন ভাগ আগতা। আংমেধিকার উত্তর বিভাগে কাল কগে নান। স গৃহীত ছইতেতে ন।।
হ'লেক প্রান নলাপাতি ছইছাটোন সভাপতি বিছোটী দংগার দাস্নিগতে মুক্ত ও ভাশাদিশের সক্ষান্তি নীলাম ক্ষিমার বিলে সাক্ষা
স করেছাছেন। পার্মাছিত আদেশের প্রতিনিবিয়া কছা ব প্রতিষাদ ক্ষিমাছেন। উত্তর বিভাগের লোকেরা ক্রমান্ত ভারাৎসাহ ছইতেভোগের সোক্ষেরা প্রকাশাং ভারাৎসাহ ছইতেভোন। বিশ্বাহারা প্রকাশাংশে জারী ছইলাছে
ববং ভালাদিগের সেনাপতি জাকসন হারপার
ক্ষিত্রে প্রান্ত ছইডেছেন।

্থারিকন্তি জাঁকার সভ্যানিকক এ স্থান দ ভাইতে ক্ষিত্র নাই। ইটালির কাঞা আঁইরেল ভাহার বিষয়া নাই। ইটালির কাঞা আঁইরেল ভাহা বিষয়াবিক্স বলিয়া ভাঁছাকে সমন্ ক্রিন বার ইন্ধা প্রভাল ক্ষিত্র কোনা ভাগিরা ছেল নের সীনার নিকটে অনেক নেনা ভাগিরহাছেল।

-বিল্লীয় পুঠ প্ৰাঞ্জ টাকা ১ লা নেপ্টেব্র ভারতবর্ষীয় আফিনে বিভরণ করা বইবে।

এরণ জনজতি অভিয়ার গ্রপ্থেট রোম রক্ষা করিবার জনা প্রসক্ত চইন্তেছের কিছু সং কলে ইভাতে অধিয়াস করিয়াছের।

हेश्मरक्षेत्री गीए भाषात एव छाटा नमन क्षित्रका।

নেশল্গ ৪ ঠা আগন্ত। ইটালিয় বাজার খোৰণা নর্মনাধারণে আগর পূর্বাক প্রতণ করি-বাজেন। ইটালীর ও কয়ানীর রণভারি দলের সমিত মিলিত ভইলা ইংরাজী রণভারি দল কারা করিবাব আজা পাইয়াছে।

৩০০ ০০ বিজোহী জেমস নহীর নিকটে আ-নিয়াছে। পর্যমেকের সেনার। ছক্তিগে পরা-জিত হইচেছে।

गर्वात्मक विकाशना

ৰাজালালেশীয় নেপেটনউ গ্ৰথব্ৰের আদেশাগুলারী নিয়োগ।

: ৮ই আগট --- নিম্ম ডিপাট্মেন্টের নিম্ন লিখিতে কর্মচারিরা উচ্চ পদ প্রাথা ব্রমা-ছেন :---

জনেশ্রের নিষক চাকির সংকারী জপরি-কেন্তাক আন সিজেয়ার সাকের পঞ্চস জেলিতে বাক্ষরগঞ্জের নিষক চোকির অপরিকেন্তাক এ, ভিজারিশোর বঠ জেলিতে।

সাহরবের ভেপুটি বাজিকৌট ও ভেপুটি কা-সেক্টর জে, নি, মাকলিয়ত সাহেব উক্ত কেলার মাজিকেটির সম্পূর্ণ ক্ষমতা পাইবেন।

১৯এ जाशके — ८क, ७५, এ. लिह गोह्ब व्यक्तिकाल कारलाकर जाश्रवकारी बहेग्राट्स ।

২০এ আগত --- বাব্ তাল ক'ছ বিদ্যালাগৰ বেহাৰের অভিনিধি এখান সদৰ আমীন ছই বাছেন :

এল, ভবলিউ, শৃচিন্দন সাংখ্য বাদৰগ-প্লের প্রতিনিধি আধান সম্ভ আমীন ছইয়া-যুদ্ধন।

২১এ আগত -- াতু বামাক্রমাণ আচার্যা চক্ষিত্রি মাত্রা চিকিংশালয়ের ভার মাঞ্জ

्लश्वेताने भन्दरम् श्राहिष्ट शहेरडोडे त्राक्ते । भन्नम् स्थान गाँडेरडाने त्राक्ते । इंडेररम ।

करे जानके--- नकी भूरात जरेस्ड निक् था-जिल्ले हे द्याद है, जरिल है, प्रिश्न क्लेकश-हि आहेरबात २२ थात खुलारत श्रेषण, त्या वह ज्योत वाजि है, होत क्ला श्रीहरूम ।

३०६ आंधि क्यांता ७ क्यांस्ता श्रक्तिक कर मिनवारत्त्र महस्त्री (स. वि. गासक्ति शस्त्र

তোৰে ইইতে উচ্চশত শাহর। ততুৰ জোৱাত হয়। ভাততৰ।

२०० जानके—बरनाइरम्म ज्यास्तानि सम्मित् त्यत देरजर नाम् विमुख्यम् स्ट्रमानापनि स्मित् रम्भीत रावद्यान नजात २५७२ जरस्य अवस्थित रमा ४७ थाता ७ १५०७ जरसम् ३० जादिन स्मित् स्मारत यक्षमात नाजीन सर्वेदक नामित्रसम् १

২১৫ আগত জে. এখ, ভবলিউ, ত রাইনাই। নাহেব লক্ষীপুরের অবৈত্যিক লাখিকেই নাইনাই কোল্ডারি আইনের ২২ থক্কা জ ১৮৫৫ আইনিই ১০ আইনের ১ ধারাজনারে অবস্থা লাউনের।

হওৰ আগতী—ভাবোদ এ, ভূপানাৰ প্ৰবীয়াই বিভীয় জেলিয় জেলা পুলিব ভন্নাবৰ্ণায়ত উক্তি বেন।

নৈৰ্থকৰ ভোষেত্ৰ ১৮৩০ আছেন হও আছিল ল অফুনাৰে চাকার আনুনেনর ও কেনুটি কাতে উন্ন ছবংবন।

প্রেরিত।

নোমগ্রকাশসন্পাদক্

मद्दानद्वान् ।

स्थान खुरियाण अध्वाह कहिहाइस " बड़ कार बाद्यमीय श्रामक श्राम महनाई महिया किंद क्षेत्रात जेमकन स्ट्रेट्ड्ड । जेब्बर या-कार खुरोजिन महिराई खुनीजि नर्द्यांचिक नामत, मार्गित कर्माहर न्या मंग्रियाचा छ-किंद्र। जानांत्रिय न्या जानारक मार्गिताचा क्ष्मा जात क्षितांद्य जानां नन्य

চিত্র। আখাদের সংখ্য আনেকের শৈ কুসা
ভার অভিনাতে আখরা সদসং
করিয়া অনা আভিন বাবহার অং অরিং
গ্রেক্ত হই। " এখনকার কালে ব " সন্ধ্র
ভারের ব্যক্তনেরা এই কথা শ্রবণ
হইলে ভাগারা আখাদের কেনে
ভালি চিরাগত ত্রীতি চেথিতে "
সমুদার এবাহ পৃথিবীর অন্য কে

वश्वत धवार श्विनीत जना दह क्षित्र के बग्न मा। क्षांबान क्षेत्रन रात जामक कांग शरी है स्केन्द्र प्रकार के केरमाहित वरेटकाइ। अप अ अमर्था, धाका ও ভক্তি , দয়া ও দাক্ষিণা অস্তুভিত্ন কার্বাক্ষেত্র श्रवादम मामन गरमद चहमक शक्तिमद छेरन क-विशास । अक्रवादे जामता द्वाचिट अदि, जार अभिनेत रहर रहनी चन्नल खांडविडीहा देन পিৰ গিততভিদ্ন অভিনায়ৰ আৰু, এবং জান क एक स्टब बामारे यहीत जानम विका वर्षात्म शह माड चारम्। वनकम चारनाह ক্ষিত। এতীক হয় বে উপর্যাক্ত অত্তীতি সকরে । প্রচাৰক্ষের কেবল অবেশীর দানব প্রকৃতি अवश्रका व्यवधाहरण अमर्ब इत्रेमीहिरणम है स्थित विकश्च विक्रित कि अक थीना वाकना नर्वात्रभव वंदेख कारक्य बांद्रव नवश्चनांनीटड কুত বিক্লম পিড্ঞান্মের বিপক্ষ কোন অনুর দনী लब्दकत अवस अञ्चान कतिता चनीते गर्क প্রকটন করিয়াছেন। ভাষাতে বোধ ষর ভিনিও ভাষার মতে বিশেষ অভ্যোগন করেন। ক্ষান্তঃ শিভূ ভক্তি প্ৰকাশে বে কি ফোৰ আছে আৰি ভাষা বিষয়ক। করিতে পরিসাদ না।

Č

. आंव विशव किंग किनि क्षान क्रांक क्रांच रेटड शादम का सान शामिक्षाकां करन. हवाज्या अथवा त्योकिक अञ्चलेत्वक तथ्य-य बाका। ज्यांकि कामि ह्यादश्यक्षेत्रश्चेत्रं ज्यांका कान जारकात आंख कारकी अनुसंग किहेरे गाँदे। यांव स्थापन काल शक्तिकास्य प्रदेश करन व्याव क्षंद्रमाना त्र कि निविश्व गतिवाना क्षेत्र कि-E TELE PIRCUTE HI I CAIN ER BEIR श्रम्भारमा मार्ग्य कराहे किंदू त्थानावान थाक्टिन। स्वीति स्वीति महामा जान 3 लिए जिल्ला शांतरमंत्र स्वीति स्वीति होन स्वातिक चिक्र शांतरमार्थ प्रथम विकेश होन कारात्कर गार्क कति का त्कम, त्कमी केरीन कानकी में क्य ८इड अनगद्धि स्ट्रेटन: ८कना कारम फार्कारक कार अकारमञ्जू काम वाजिक्तम वर्षे ना, व्यना জালে ভাছাভে আনার ভভিত্রোত প্রবাহিত बहेटक महिन्नां अका बटिन जानारवन जनक जन-नीता चानित्र। किंद्र चार्नानित्वर चिल्लांना উপহারের দৌরতে আমোলিত হইতেছেন না। কিন্তু ইহা অন্ততঃ অবদা দ্বীকাত করিতে হউবে त्व जांबारकृत जक्दरामारम त्व वहे कृत्य महरू টা আরোপিতা আছে অভাবের অলক্ষ্য নির্মে भणाम भणाइ अञ्चनका इरेट्ड स्टेट्ड । अक-बाह्य क ज़का खेरशख हरेतन, जाह कि छारा প্ৰক্ষান্ত হইতে বিধারণ করা বাইছে পারে। वन्तु: अंद्र (क्वा जाञ्चान कहेटल योत्र किन्द्र (न ক্ষিত্ৰতাৰ এক্লিড চটনা অপতা দানে বিৱস্ত भाष्य। (ज जिसे यनमानी मन्त्रीमन करिया)

उम्मारनय त्रवशिवाडा साधन'७ जेका जब इर्प डीइन्स मझलारक्न नमा-বিষ্টা -। जामा हिर्मद्र गरमञ् उक्तर, ন কবি वक्र निम समन्तरमान अधिकांन 131 1 भा वि द्विद्वन, बर्फिन क्रांभारकत जनद्र উপ্কার রাশির সমাস উপলব্ধি Elf. कित्र चंड भिन आमोरसर विक ্বতই কুডজ চা উচ্ছ নিড ছইয়া

क्षाक् उर नियम। अहे जिस्टात

ता वारप्र-' वामञ्जा। ৰ গোৰ কা । আমাৰ বলা উচিত, বে विकासिराय प्रमास्थित। सिंह छा-**এলটে বেজা**কে ধার্মর প্রতন্ত করিয়া ি বিজ্ঞানের স্থিতি সম্জ্যাভূত করিয়া বাবেন, अध्य कारक कारक दे ए हैं मि शिर आ के किर ह क्षित राष्ट्रिक राष्ट्रिकार्ग राग्न मराग्न कराव छे -'हैन कहियां चाउवे अञ्चित ध्या न' करन ी क्षीक कृष्यम आहे। जागरण प्रारक्त विश्वास मार्थ । " देखितान निकायकाद " कु:क **প্ৰিছ লহায়ত। কল্প**ৰ বা বিপক্ষত। ককন উন্ম बोर्डक्ट डाक पिरंगर माता. मह गडा करिएलंड क्रांन्ट्र। विक सामग्री दरेकाल ध्र रा.व.क क्षाक विदेशक स्थान अञ्चेशन वियाय साम हैं। क्रिक्ट्रेट्स अमून अक्षन अश्रीमश्रक जिल्ल किसीन कतिएक वाकित्व । अञ्चा द्वारकत क कुक्काका कुक्क नशकाव शामान वय-अब्देश जिल्लाह : । ध विद्यक्ता क्लून (4 -'कान करा छोडांद्र गरफ ट्यांग्रक्त । धरे

बन दिखारचेंनी वाक्षेत्रिकांगनके किन छाता। द्वम माडि शर्रकाम बन्दर्शी करेग्रा कार्य करते। काश ब्हेटलं छास्क्रियात्र छेरकुके तृति गमन pfawies: जाक करत: जाक मरगत वर्ष छ हेके माध्य इष्ट । ध्या अवदीन ! म तद त्य शर्प गाउँक मा एकम स्मर्ट भाषाहे छात्रात्र अञ्चलक

अकस्य मुमर्थ छ। ही।

হীয়ক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক ्रीता है एक अवालत मनी**र**भव

क्षेत्रश्रह अद्भादक अत्र अन्तर मार्टक व विश्व क क्षेत्रांटि चानता (एत्रण चाका नित बहैका ছिलाय, এখানে अध्वत अधिकांद्र अञ्चीए बढ-ছাতে সেইদ্রপ সমুষ্ট চুইয়াছিশাস, কিন্তু মুর্ভাগ্য बच्छ दावन मन ५ मन उंख स्मन नारकरिय হিসাবে কুল দুৰ্শাইয়াছেন, তক্ৰপ এখানে হাডু- किकिश्माकरा करक स्वाप्त करिया स'-सिम्री हा। शाम काननांव व्याप्त ग्रीक स्वय हां हा बाबे, वाहात के हाजुरक्रम निक्र स्थि भारत करबन शांत्र जीवारमय काकारत मृजा वहेगा थी-त्म, (क्षे मुद्दे अन्त्री छेड|rur मृत्र ब बेट्ड बच्चः गांग्र ভাষাদিপকে প্রায় কাছ্যুম যাব পর্যান্ত ত্ব কো-भ कतिहा कथा भर्गरश्ये अहे कृष्टिकिश्यक्टम्य विकिश्मा द्वारि सिरादण कतिहास कि छान कर मा। কালমাৰ অন্ত' পাতি জলপ্ট নামে একটা পলী प्राट्ह, छंशां उप्पानक छ ल देखव लाकि वान क्षतिश्वी ब्राह्म, उ.हारल्य चार्णय वावनाव अक है भारबद्ध बड़। शाय डेश्राक्षय जकलक, दृष्टे अकरि একটা সহাজন আছে, ঐ মহাজনেরা ভাগচি **८भव को**बिकांत्र अन्तर्ग कष्ट्र क्रियः भौरक धरः के बाब, आरबाक वर्मम शांग्र आविद्वार १० है। स्टेट्ड ख!वटनर त्मक गर्नाय भक्ताय किया देश ना श्विता के कार्य अनियाश करता किन्न प्रकर्ता बण्डा बहे नदमम् कृता हाम इप्राटि छोर्चया ুলুম প্রে পরিশোভিত করিছে | e ভিবনের অধিক জাল পাড়িছে পাবে বাই করিছেছি আপনি অভুএম প্রকান ভাবি চীল জুত্তবাং কর্ম শোধ করা মূতে থাকুক ভাগাদেব ! ১ছিতে প্রান দান ক্রাইতের পরম জীতি আগু मिन गाउ रखा क्रिके देवेगांटक

প্রত্যান্ত যেরপ বোষীয় পেটি সিধনর কলে ' समा स्निविशामासून अस्ति वारनाव अन्तिक रुक्ति नित्न कावता शक्तिका निवा क्षण हो महासम वर्ज जार कि भव थाँ इ वारकाव कविटउर्छ ।

क्षामा **३% जाशके ३५**-७२

TE SIBA .

श्चियुक्त मामध्यकाम मन्नोपक

-

বহাশ**য় সমীপে**য় 🗄

ग्रह चत्र । अथारम अक्षी अनिष्य देशिक क्षेत्रा प्रशास्त्र दिश्रास्य कांच कांच्य, हेकान आध ব'বি ভালাদের ভূপানী সমানের মহাত্রাপ ১৯৬৯ কার্বিক পর্যাও চঁ দ , কিছু আখালের ভূতাগা বলঙঃ ডিনি ঐ ष विक्री कहरता न , ता चन्न ! अन्। दल्काकरक **वे**क्न[क्र] शिगार्डन अ हेक्शवदाव गर्दा इन्यान्डिविन्दर च.प्र कार्याञ्चर्त कहिताय कांकशारक्ष निम्न निर्मन प्रता मक्स अक दर्रिया कविताद्वित, जाना, जानु, । क्षित केंब्र अम्बर्ग के जमरम करे करे ' श्राम, पून, दर्गकाल, बस्तम, विश्वाम केंब्र्य कर्म । ३२७३ कार्किक श्रवास

श्रीव्रदेशक एवं कि 'गर्वाख क्रमकाव स्थास हे बहुक, दिल्लवका विकासालक विवासिक भक्किं व वाजीड व्यवस्थित हर्णवाचा नहा कहिंद्रके रह, उचारथा श्रयांनतित्र मात्र " ट्यां" वहें सेवल चलाहांत्र प्रतीकृत कतियात कता वश्या कान देखि शृंदर्श्वत शांदर्शिश शांद्र श्रीत्रांतरुक स्थाव महानत क्रुक्ति। त्वर माजिये है अक्षान क वाक नारहबरके अवन ७ कवान, किन्नु मा करके हैं पहि . षरमत्री अविवास किए भी भीठ छात्रन माहै अवः ন করাও আশ্চরের বিষয় নয়, কারণ ভাঁচার: ্ষাট। মাহিলী পান, ভাছাতে বিভিল্লন, कैंक्ति। कामनात कहा (कींकू:क कि किशात करत म. ना मिथात्रशिरशंत श्राट्य श्राची सम चिम डेरेलनन, वा अधिन, विकृत्किन, महस्कृत, अधिकृत क, व्यवकातम बेजामि धक्रकाष्ट्रे कृदिङ जाहा बहेरन केंग्डिश कि हुन कहिया थालि। इस ,

কালনা ३६ई स्थानिक ३४-४२ 🕴 जन गाउँक :

ইযুক্ত নোমপ্রকাশ সন্পাদক मः, इप्टिश्यू ।

क्यार्थिय है के अवश्री इंक्रिक होता वि মতে 'লয়গ্ৰ আমাৰ পাস্তাবিটিতে ভাল্ড লাকৰেন मां । (द क लका उपनां न नवा व का का वा निवास के ल গু প্ৰমেণ্ড প্ৰায় হৈছিল, দুৰ সাহংখ্যাৰ্ছ চীলে, ব,চ বংলিৰ কৰিয়াছেন। জোমর'ও আবে একথ নি ব,বিব পবিল, ভাঁচালেল স্ত্র মিলিয়ে লা के बाद ७ देव देव वाल ८ छात्र (एक दर्भा मा न देश छ ४ ० -ार बक्केश मारू गाउँ जातरबार्य है असे लेखा न क्टेर्ट वर्ष्ट अक अक्ट्रा इब ब्यागार्म व गांडुक्र[4 वर्तास्थन नगरुक क्षेत्र । हात कृष्ठभा छ ४३-(न । जन्मानक महाभय । जार्शि वाटकाटाक शर्क किय लक्ष्मि किल आग प्रश्नीय अकाके दत्त ্পম্ভাগিক এই ধহদামান। পঞ্চলং মান 😭 ¥ ₹ ā ; आध्यत है का क्रिया निवास हैं के क्रिक्ट भी-

गुनाथां थि।

अधिनुक्त वार्ष कावाभन कविवास विवास। ; ১২৫৯ ভাত্ত কৰ্মি নাম পঠাত কো, প্তাকা 那,妈*** " (पार्श्वाम प्राम (मन ১৯৬, প্ৰোৰৰ ক্ষৰ্ধি পৌষ প্ৰান্ত " হবলাল মিত্র 本[二十] अर्थेत श्रामाण श्रामाण श्रामाण **"西性化"** '' प्रका भूभी बद्ध ७ शास মেদিনাখৰ D 9 9100 4 F 1 ' कीन रक्षांगज हे अध्यक्ष व्यक्ति व स्व Ser. 3 20 ल क्लिक रहा। " पिरमाण ध्र (4.7 C M >१७**> आंदन अ**वधि स्थीय शर्वास गुर्भ व " अनम्बार्गाद कीश्वत (₩'ર જ હે

(मायशकाक)

अ प्रवर्तातां प्रकृतिविद्याच पार्थियः सरस्रती मृतिमहती व श्रीवतां

৪ ভাগ। ৪৭ সংখ্যা।

সন ১২৬৯। ২৪ ভাজ। ইং ১৮৬২। ৮ সেপ্টেম্বর

गांकिक कुना 3 है। का गांकिक व्यक्ति है। है।

বিজ্ঞাপন । মক্ষণে সোমপ্রকাশ ৫৯র বোর নির্মা।

ভাত্রিম মূলা না পাইলে মকগলে সোম-প্রকাশ প্রেরণ করা গায় না : ইলার বার্নিক মূলা ভাকমাপ্রক সমেত ১০ এবং ধারাকিক এ টাকা নির্দাণিত আছে । ছয় মাপের স্থানে ভাত্রিম মূলা এছ। কলা হাত্র না । মকলনের যদি এখন ব্যক্তির লোমপ্রকাশ প্রহণের ইকা হয়, তিনি ভাত্রিয় মূলা স্বিত পত্র লিখিলেই পাইতে গারিবেন।

বিজ্ঞাপন ! বিভি বেয়ব !

বিবি গেয়ল গ দেশীয় দিশালে জানাই গেরছেন য হার। য টাগ্রাফিডে আপেনাদি-নোর দী ও কন্যাদির প্রতিসৃত্তি শবিবাই ইছা লোক, টিবোর ইছিছে লখান দিলে তিনি ভাতি উপ্রতী ও সন্দান্তেশ তাহা কর্য়। নিবেল। গের কানের (ধালানিরজ্ঞার) প্রস্ক দেকে ভাত র শ্বালালয়, তবায় অপ্রসন্ধান করিবো শবিশেষ জানির হ পাবিবেল।

त्नामथरान।

२४८ क ए १४(४०४४)। पट्ट भीष्र के कीमा ७ (४) का ब्रांस नाम ४

প্রিরামেন্ট সভার ইংলপ্তেমর চতু
র্থ জন্তের দ্রী কারোলাইনের ব্যাভচঃ
র দোনের সধন বিচার হয় হংলালে
লাড ব্রাহান ভাঁহার পক্ষ সমর্থন করেন
ভথকালে ভিনি বহিলাভিলেন আমার
নক্ষেনের জন্য যদি র'জনিজেক্টেবন

করিতে হয়, ভাহাও আমি করিব! > এই व:का बाता के कील अ मरक्रालत शतकारतत যে কিন্দুপ সমন্ত্ৰ, তাহা স্পাঠ প্ৰতীঃমান হইতেছে। কোন গোপনীয় কথাই উহালে तु निक्' छे चर कि शाक ना। এक अन इ ভাৰারী ভাহার উৰীল ফিলিবসকে বলিয়া ছিল " অামি হত্যা করিয়াতি দথার্থ ; তথা পি আগনি আমার রফার্য যথোচিত চেডী कत्रिरवन । " देवील ७ गरकरलत्र अत्रम्भ রের কিব্রপ বিখাস বকে। আবশ্যক, এভ म्हाता न्याके मध्यान इटेटलाइ वटि, किंद উदीत्लय कर्जुर। नय त्य किमि जाशमात्र । गरक्रतक जरमाय कानियां अर्थनीजित विभवीडकादी बहेगा ठाहातक निरमांव বলিয়া বিচারপতির দশুখে পরিচয় (एन।

উনীলদিগের কর্ত্ব। এই, তাঁহারা অর্থি প্রত্যধির সাফি লেখাদি যে সমস্ত প্রমাণ থাকে, ত হা যথাবীয়ি বিচারপতির সামৃথে উপস্থিত করিবেন এবং অর্থি প্রতার্থিত বালা গুলি বি শাদ করিব বিচারণ, হিদিপকে বুবাইগ্রাদিকেন । মানা প্রকার মিণা সাফাইলা মক সালা বিশ্বত করিব ভূলিবার ত কথাই আই । উকারোল একার বিশ্বম বিশ্ব উপস্থিত । ইনার হিদিপতির বিশ্বম বিশ্ব উপস্থিত । ইনার প্রিকিট ব বাছারি । কি লোমী কে শিচারপতির হলে সমর্পাণ করিছে বিহিছে না । ক্ষত্তা উনীলের কর্ম্বনা এই তিনি, মঞ্জেলকে রক্ষা করিবার নিমিন্ত বিশ্বিষ নিম্বাদ্ধি

ন্যায়ানুসারে ববোরিক ক্রেন্টা করিবের কিন্তু কথন ধর্মনীতির প্রাক্তিনালিক করা আঁশার উলিক নার। ইনি কথা র কথা আবণ করিবেন বাটে, কিন্তু কো ক্রেন্টে পাপের প্রকার দিবেন বাট করিব ও ইপরের নিকটে উল্লের বে কর্ম আছে, এবিক ক্ষমিক আর্থির ক্রিন্তি ভাষা কথন বিশ্ব জ কর্মা ইউরোপীর উলীলেরা প্রাক্তির প্রক্রিক নিয়ন প্রতি পালন করিয়া খাকেনক ওের টেম্পালবারের ইতিছা ক্রেন্ট্র ভারতা বারিন্টর্যাদিনের সম্ব

केकीमिपियात (य श्वनमुहादनः 🌿 তাব বিষয় আমরা উপরে উল্লেখ করিট এ (मर्ग्य डेकीनमिर्ग्य हारा चार् ना । मठा कथा बिलिएक कि कुछिल्झ की वाडिट्सटक अटकटलंड केवीलिकरशह केले শাধু বলিয়া আমাদিগের ভক্তি নাই। ব कीत्मत्र कारम् याज्य। जामोनिरशत नरम রোগীর নিম্ব ভোজনের ন্যায় হইয়ার কি ক্রমা লোকে তাহ দিগোর প্রতি 🐯 खाका मन्नव नहरून हेश कि बादनाहै **লোধ : ন' স্থভাবগত কোন দোব স্থা**ছে: रादमारत्रत्र अथवा यखारवत्र स्माव हरे ইংলডের উকীলেয়াও সচ্চরিত্র বলিশা: প্ৰতিষ্ঠ হইছেন না। একটা বিশেষ নিং চ (मार्व्ह क्रिक्स चिवार है। (म रम.च क्रे क त्मरम्ब छ हीर मुझ नकप्रमात

रामामरण वज्रम्भ कतिया अर्थि कवा इत्यक भगवंत कर केवत कांगा महिता ाटकन । देशमाद्वी प्रकार स्वाहाटमाङ् का ছন। আটবারা মকক্ষমার ক্রোপাড় ।৫ বা व्रेक्टरवर्ता विष्ठात काटम कार्थि क्षकार्थित शक नमधन करतन । और कातराई वात्रि উর্বিদের চরিত্র খোৰ খটিবার সভাবনা Stabl 1

े वित्माचः किम्मानवाद्वत चात्र **अक्**रि विकास विकास म्याहरू। त्य वाद्रिकेस वावमारा मुद्देश क्षेत्र व्यथंत मंत्राक भवत्व द्केत, ंद मीचिक्किक्क काळ करहान, कांशांतक विश्वासिक त्यानि श्रेटक दिन হু ক্ষেত্ৰ কৈওয়া হয়। সম্প্ৰতি এতুইন বেশুক ক্ষিথিত খোবু স্পৃতি হওয়াতে ইংলভের বিচারালয় ত্যাগ করি হৈ। বারিষ্টর্শির্মক সকক্ষ্মার क्तिएक इन्न मा बनिनाई माउ -- া কোন কারলেট ও আড म विश्म भठ होएड बहर লাড কোক শ্ৰভডি বারি

> ^{अ.६} ५इ:-- मन व्योनिष्टिंगन **चनक**निवरा क्रिश्चकर्षे व्यथान कात्रन चाटक । चा নীয় আদালতে যত উক্তাল দেখিতে ইংছাদিং ব্যু অধিকাংশই ভাল লেখা ত্ৰিৰ ৰা, কেবল অ.ইন প্রীকা किनोत ररेगारकत। मुख्दा कीन्। শৰ্মীভিতে দৃত্তর ভক্তি থাকা क्रिन्ट्। यामहाटि निवा शद् विक त्य श्रीकृष्टीय पृथ्वे हर, के व **ন্দৰভিক্ত উ**ফীল ও মেক্তেশনুবা ্রিলাতর প্রধান করে।। মে কুটুর **क्षेत्रटलरे मुच १ पूर्वछ, छाइ**तिमाश्रद किंगा 🥦 बावनात ; नाकिमिशतक किया डॉलिमी ह्या छन पना अदः ল সাজাৰ এবং নিৰ্মোণ **ও**

विट्नय श्रिका नाड कत्रिश

धनी अरक्रम * शहेरल नामा इन की শল ও তর প্রেশ্নি হার ভাষার শর্য দোহন করা ভাহাবিগের গৌরব। এই বহামতিবাই আমলা সহাপুরুবদিগের छेशार्क्सन दोन । मका बट्डे मट्टा मट्टा

এক অন সং মোজারও নেখিতে পাওয়া যায়। কিছু তঁ,ছারা মরুভূমির यथः विक हुई धकथानि कृष्ठे खुमित नगत । বদারা বাল্কামর প্রাস্থরের ভয়কর তারই অধিকতর রুদ্ধি হা। ফলতঃ অজ উক্তীল ও মোক্তার দিগের দেবে আমাদি **(शंद्र (मरम्**त्र महस्त्र व्यक्तिके चिक्रिक्ट । ইছারা কিঞিৎ স্থার্থের লোভে স্থলন্ত অন লে আছতি একানের নাায়লেকের মকক্ষা প্রারুত্তি সঞ্জিত করিয়া দেব। কখন কখন শুনিতে পাওরা যায়, উল্লিখিত খুর্জেরা वामी ७ প্রতিবাদী উভয়ের নিকট হইডেই শর্ম সংগ্রহ করিয়া খাকে । এ শনিষ্টের টিগ্রাল, সর টমাস ভেনম'র, লাভ । নিবারণ না হইলে লেগেলভে নাই ।

> একৰে এভনিবারণের উপায় নিদ্ধে निक इंटेर्फर । देश्वर खेत रहेन्वन बार्यय मात्र के कील मिरात्र अकति मंछा कहा अवश উহাদিগের কেবল আ ইনজ্যভার পরীক্ষা मा स्केश बाहाएं विष्ः विकेश महित्र ভাদি জানিতে পারা যায় এৰপ পরীকা প্রহণের নিশম করা হটক। এই সভাগ विठात करेता यांशानित्शव हतिक त्माव ध्यमा न क्हेरन, जाह!ता वहिफ़्क हरेरनम : छे।] समिराने बक्ति क्रम अन्यामाम वर्शमक দ্মা গুচাইর দিবার নিমিত অটণীদিংগর একটা স্বতন্ত্র সম্প্রদার হউস। সাঠমগণ। अक्न विद्वष्टना कतिरवन ना य यावेगीता धिया मकणमा शाकाहेगा नित्रकरे थाकिटव न, এकवा बला भागानिका पासिका विक्षा उ अवश्वांत अनुदनार दक्षा है। श्वापिरश्व अ वजी क्षांत्र कर्डवा कर्ष বুল মেন্ডেরেগনার আ**ল্ড দুর করা আব**ল্য < ¹ বাহ'লা ছিৰ্ভাগ শ্ৰেণির ওকালভি প্রী

कान के जीर्न रहरवन, के शाना किन बाद त्कर त्याकाति कतिएव शाहिएवन मा ! फेकीलिणिशंत मात्र कान बाखादार धर क्मा विकि इरेटन कैं। शटक कक्ट क्ष দালত হইতে বহিষ্কুত করিতে হইবে।

चात्र अकों। विषय अनम ना वितिया এপ্রভারে উপ সংহার করা বিধের হইতে ह्या। किलिश् अधिक दिख्य महतिज লোক নিয়োকিত করিয়া আমলাগণের উৎ कां अर्व अत्र मा क्रिल जानाम् एवत मन्पूर्व करीक भशामिक इट्रेट्ट मा १ छ्ट्रे বৎসরের মধ্যে জামরা অবেক গুলি মহাধ পরিবর্ত্ত দর্শন করিলাম, কিন্তু উটি থিত दिवस्ति य अधि ७ अश्रीवद्धिक वृद्धिः হে, ড'হ'ডে কেবল যে দেখের চুর্নাম ও यनियं हरेट्ड ५क्श नटह छैड़ा अटमटन র প্রীরুদ্ধির একটা অধান অন্তরায় বলিয়। পরিগণিত হইতেছে।

नील व्ययानस्वरम् ।

अरमभीरमञ अर्थन कि कहिस्कृत्वन हिन्द (अिहरिंद नीलश्रधान श्राटमरनत त्रश्योगमाणा दकार्थाय शास्त्रम - ध नगरम এ জাদিগের বঞ্জান কোথায় আন্দেশ शामिरशत पा कान मेक बाहा खनिएक भा ওয়া থাইতেছে না। ঠাহারা কি ভাবিয়া ভেন, নীলঘটিত গোলবে।গের শেব হই য়। ছে ৷ প্রকারা বি অভ্যান্তরের হল হইতে मुक्त रहेशाइ - थाँहाता अक्श हित कति য়া নিশ্চিত্ত আছেন, ভাঁহারা ভ্রাম পঠিত क्रेशिट्ब प्रत्मव् बारे । शुनर्वात मकरलत ব্দ্ধারিকর ছওয়া কর্ত্তবা অভ্যাচাবের ক্র मनः वृक्ति इट्रिक्ट ।

এক জন সে নথকাশ গ্রাহক পাবনা इक्टेंड लिथिशाद्यम, " ब्राम्स्मन मेलि কর্দিগের সৃষ্টিত প্রজাগণের বিবাদে रकेरव । यान श्रीम स्टम्नांत्र दिहातालात्र हरेएक व मीमाश्मा इस मारे. अथन अ ममस्य जबरय विवास विश्वाम शूर कर्याम श्राम পাওয়া পিটা থাটক, সম্প্রতি ভাউডাখান पृतित मारम्यका महिल अधिनाम्भारमा हि साम प्रदेशकारीमात्र मधीत आह यह स्माप-१० भार असे सम

आमकारमा मुना विषय क्लिम मेलमाम आमता लग बाम वे विषय केलमा क्लिम क्

নাই) কর্ম করিছেন। ভাঁহার क्रमा ७ अवा चाटर । बीरात व्यवाता नील वश्रम करत्र मारे विलक्ष कुठित कर्य कर्छ। मारहर कीहान बार्ट बाबा श्रकान मिथा नामीन कतिया बाहारक वर्णस्त्रा নাত্তি কট দেন। ভাঁহার করোবান ছুর্দানা প্ৰাপ্ত হইয়াছে। তিনি রাজনাহির ক্রে র নিকটে আপীল করিয়। কোন কোন বি বয়ে নিজ্তি লাভ করিয়াছেন বটে, কিছ ৰম্পূণ **ৰলে ভাঁহার আপদের শান্তি হ**য় নার্চ ৷ নিম্ন পত্রের শেষে তিনি লিধিয়াছেন ' নীলদ প্ৰের বৰ্ণনায় যদি কোন সহাস্থার সন্দেহ থাকে, ভবে বারেক এ প্রেকেশে স্থাপ মনকরিয়া নীলকরের অভ্যান্তার ও বিচার थ शाली ७ अन्यटक्त्र अवज्ञा क्वकान अवटला कम क्तिलारे वर्षिक श्रृष्टाबन्न अक्की क्यान প্রতিও অবিশাস করিবার অধুষাত্র করিণ थाकित्व वा। १ अहे जक्त (मधिता स्विदा कि त्वाथ क्य, बाज शूक्रत्यक्य के केत्वाभीत्य या कृदनदभन्न अनुष्कि कनिएक व्यवना करन म अश्हात्र कतिराध भागियारका ? मीलकात्र हा अथन व्यादात काकगन नाटक्टबन नहां यणा आख बरेनारहम ।

जीकता नार्ष वाहरतत मन्त्र विभ त्व म हुन भाग करि जीकता हो हरेगा श्रिकानिरमं कर हुन निक कि वा वण्यानी कतिराम्ह्रम् । ১৮৫৯ वरमद् ३० वाहेन वारक ति का वण्यानी मनूमार्ग्य ना इकित विकासन मूर्च (४७३। दिन कतिर भारतम । क रमर्थ विकासन हा विकास क्रिया क्रियान भारतम ।

कारा काकी हाता चारपाक् मात्रक कीलका जाता. विद्वे सदाह माहै। अकार के दावितात क्यांत केनाज 'निर्मन कतिमारे काकजन गार्ट्य कर इस्ति व्यक्ति विष्युत्स्त । एउन्हि कात्नवेदः लात्वत् वावायक्। व्हेत्राट्यन । श्रेकात्रा नक्त्व প্রধানতম বিচারালরে আপীল করিয়াছে, अक्टन नव बार्टन शिकक योश करतन। किस अवाता नर्वचाय रहेन । वाहाता छा राषिभटक रेमनिक अमझीवी कतिवात रेका करत्रम, खाँश्विर्शत्र मत्नात्रम भूनं करेबात्र विलक्षभ महाबना स्ट्रेशांटर । भागानिरात्र খারো খাত্যবিক্ হৃংখের ইইতেজে, যে বৰ मिनीय अवर्गमण्डे अविवास छेगानीय इकि ग्राट्य । यूक्य लान्क्रेयने अवर् अस्ति।के दिलात क्यांव कतिया एमनु केर्यक्रियात्री শলের অনুরাপ লাভ চেতী করিয়াছিলেন, श्रकाषित्रदक् नीलक्त्र मूर्य जमर्गन क्रिजा কি সেইৰণ অনুৱাগ লাভের চেনীয় আ ছেন > যদি ভাঁহায় সেই অভিসন্ধি হয়, षांश ध्राजिमध्य गरमाह ताहे। अवारक উৎসল্প করিয়া কোন রাজা অধবা রাজ অভিনিধি কখন অভিষ্ঠা ভাজন হয়েন नारे। बार्चकाणिक रेजिस्त अदिवास आक्रा প্রদান করিকেছে। লাভ কানিও ভারত कृमिटक निटकांय त्यानिक बाह्रा श्राविक क রিয়া জীবৃদ্ধিকারীদিদের সম্ভোব সাধন চেকী না করিয়া প্রকারক। করিয়াছিলে ন, ভাহাতে হিনি প্রতিষ্ঠাভাজন কি অপ্রতি ঠা ভাজন হইয়াহিলেন। সেই প্রীর্জিকারি রাই কি শেষে সেই লাভ কানিভের **অ**শংসা शादन छेन्नू व कम मारे ? रकान जीवृक्तिकाती कि आके नार्ट्यत नामन्त्रकात जनना (भ जाहनी इरेटफ शास्त्रम : कारूमन जा হেৰ দে 📆 ধাষ্য করিয়াছেন ভাছা নার निक कि वा वजरमजीय शवर्गस्यकी आह वाटकरें कानतरमत्र यक सहेता वानातरम পরিলেবে বগকেনীর গ্রন্থেকটুক

अशादित छेनार होते आहे।

(क ना । जाकनम क साहको निर्देश कि निर्देश कि हरेगा जाका कि लेका कि लेक

হারসক্রানার ধ

মনুবাসাত্রই প্রান্থ বার্থপর ে স্থার্থস : রতা বর্তমান সভাভা ও নাংনারিক ব্যাপী त्त्र अक्षी क्षांन असूहत । अरे रक्ष् चांथशत वाक्तिरक वर्णन कतिहत कांसानि त्त्रम् विकास कारण मा । नक्षांक्रम् , निर्देशकार वाखिएकरे वार्थनाथनाथ किन विभिन्न व्यवस्था कतिएक राज्यों यात्र । किन् वर्ष तिहे तिहे शिक्षित्र तिहे तिहे वार्षिक्ष् बाहा शरहत्र समिके काथिए से एक स्कू क्ष्र कारात काकियान करते मा ने किस वर त्र वार्थलक्ष्मा अर्थनायुक्तस्य विविद्धित (रजू रहेता छटं ; यथम बांबनात वास्टि जानम ज्लीके जायमान निर्मात छ निश्ची र राक्षितक केरला क्रसियात क्रकी गांत : यथन त्य है किया नाथातरवत्र विक नायनः **व्यापन क्षेत्रक वर्षण ७ अधिकांत्र धावर्षकांत्र** इन क्षित्र क्या इत, अधनरे चार्यवस्थ একান্ত দুণাম্পদ হইরা থাকে, তথনই তত্ত लाक मारवाहरे काराज अस्तिवास सन्ता क र्खना । करत्रक मानावधि करत्रक कम भाष ন্তরির একটি স্বার্থপর জনৎ চেন্টা স্থলন कत्रिया आधारितमञ्ज अवस्थात् अवस्थ

क्रीस्टबंद महानार द्रांका अकेंद्रात स्त, ার নামধারিদিপ্তক বিভাগ করিছা দেওয়া বিভ ছাড়িয়া দেওয়া ক্টগাছে ৷ ভীক্র ার। ভারতববৈর 🕈 💐 🚜 🚜 শক্ষটি । সহিত এই বন্দোবক বাকে যে সেনাগণের

७ जन रेखिन्ना करमक बाज जनि श्रम व नर्ड क अप क्रेल, यथन मधाजान्न कर्य রাবাদের কর্বেল ডেবিডসনের চরিতের ! স্বতপ্ত কমিসনর নিযুক্ত করিবার প্রস্তাব প্রাঞ্জ কোনারোপ করিরা আসিতেছি-েন, বিয়া, তৎকালে টেম্পল সাহেব নিজামের তিরি উপরিছ কর্তৃপক্ষের কোপোদীপন क्तियांत्र क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं करत्न मारे। जिनि ৰ্লের, ভত্তে। মৰাৰ ভূতন সমান চিব্ল বাস । স্তৃতক ব'লা পড়তিতে বায় কর। ছইবে, कट्कं कतित्रा महेतारहर ; अवश् कटर्नम एड ! अवश् शूर्वि राजन अहे अरमम विकास एकि विकास पूछल छेनविक हरेश रेश्त्रा । র্শেল ডেবিডসনের বন্ধুগণ এবং তিনি নি ' তে বৃত্যুকালে স্পর্টাক্ষরে কহিয়াছেন. क जकल मिथा क्या, ज्यांति छक महाम ভিরা বিরত হন নাই। জুনিরস তদানীখন 'ধান সৈনাপতি লাভ আণ্বিলকে এখনতঃ হ গালি দেন, শেবে তাঁহার হত্যুর পর ोटक निरर्काय बलिया क्यानिएक পाद्रिनः ভাঁহার অভিশয় পরিডাপ হয়, কিন্তু i

জানিতে পারিয়াটি। তাহা এইঃ---্র প্রসারেণ হেন্টিংস এতদেলীয় রাজগ শুকে দাসত্ব দৃত্তালে বন্ধ করিয়। রাখিবার ক্ষা কৰ্সিডিয়।রি সালাধাসের হঠি করে के देशंत्र पृत्र छारशया करे, य य वाका क्रीकृष्टि, बेदान नशक् बहेरव, डाँ बात हारका **ब्रेट्स वर्ज रेम**ना शिक्टव, रे॰दाक स्म লী**পরিসাণ ভাছার অ**ধিনায়কত, করিবেন, केंद्रानितीत বেভনের জনা সেই লাক। আ क्षेत्रादकोन्द्र क्रिनर्थ ए। जिया नित्ति । के जिल्ला देवना बीकाटक ताका बहिः मद्भव

ামাদিগের 💐 বিকারিদলের সে হভা

मरह । य कात्र । श्रीवृद्धिकात्रिता कर्तन

अविडमान्त्र ७ शास्त्राबारमञ्ज निकारनञ्ज

উপরে এত কুপিত, ত,হ' এক্ষণে আমরা

'श्राद्य । देक् जित्मा देखां अदे, । छेशख्य कर्मा क्र क्रेट्लम यटि क्रि छेहात्रा चावात - এছরী স্বপ রহিল। दर जीवामित्रक ताका महेता , बिद्धिका निकारमत ब्राह्मात एवात अरमन धरे नि हेशक्तिम् अविद्रभाग महाश्रका कब्रिएक्ट । ' (बक्त अकृति किहा ८ ग्रे का के गृख बांकि गाउँक्शरभन्न चार्त्रेन वीक्रिएक भारत एक हैं (तृ. क ह डीहारक अकार्णन कता हरेरन। निकटि श्रेष्ठाव करत्रन, खत्रादत्र केंग्र्फ **छे.का निकायत्क ना मिश्रा (मर्ग्य अहिक्** হতে ছিল সেৰপ না থাকিয়া বতন্ত্ৰ কৰ্মচা अक्ति अवमानमा कतिशारहम । यानि १ क तित अधी । इहेरन । कलकः किमान मा रहरवत्र अकादासरत अहे कथा वला क्हेल যে বেরার প্রনেশটিকে ভিনি ভালার ফুডন ক্ষিসন্ত্রির অন্তর্গত করিতে অভিলাধী হইরাছেন ৷ নিজাম ইহাজে অসমতি এ कान कविरलन !

विदात महाताची श्रीमदभन्न निक्छे ह रेख भारतक करके लक्ष्मा इह ; रेश ভাঁহার পৈতৃক রাজা ; এতৎ পরিত্যা ণ কৰিলে ভাঁছাকে কেবল প্ৰজাগণের निक्ट ने अपना जाग ताक गर्भत निक **টেও चृनिक ও निम्मिक कहेटक इत्र । अहे** সকল বিহৈচনা করিয়া তিনি ভাছা পরি छात्र क्रिए मण्ड स्ट्रेलन मा। शहेक **१०! शिवृद्धिकाति क्रिश्न कि अस**्ड वृष्ट অভিক্রতা দেখুন! তাচার পর গবর্ণমেণ্টকে व्ला इहेल, (ब्रांट्स र, द्रांशयुक्त आय इव का , जाशाजन श्वाताज्ञ इहेट व्यानक টাকা দিতে হয়। কিন্তু অনুস্থান খারা প্রকাশিত চইল, তথাৰ প্রায় 😂ক কোটি | होकः जाम इहेश केटक । बाय वाटक कटम क लक्क होका छेर् खर्व। এ पिटक जो लाभूत विनिम्म कतिमः शवर्गस्यके निका মের নিক্ট হইতে গোখাংরীর ভট্টভিড

कियान महेबारहन। देवारत्र छेर् দ্বীকা সোদাবরীর গর্জ হৃদ্ধি করিবার শিমিত क्रियाजिक क्षं, देश क्रिकाल जार्थ वर्ष के शित करणक कम विविधकाति महार्टीक रेका हिला। किंद्र अथेन आह रलभूर्वक ত হা লওৱা সম্ভাবিত নয় ৷ লাভ কাৰিত বল প্রকাশের ফাল মতীত করিয়া গিল্লা ছেন। विरम्पण कर्नुत् छविष्यम निका মধ্যে সনংপীড়া দিছে ইসমূত হন, ভাষার अनुत्राथ अनुनास केर्नुत्यक रहेम्मन ना र्द्रवद् अकार आक्ष्यं क्रिक्न मा। यह জন্য কণেল ডেবিডসমু ক্রেও অব ইতিয়ার দলের অথিরপাত ছবলেন। ইতিমধ্যে নিজাম্বের কার চিত্র গ্রহণে অসমচিকাপ मूरगान जेनिविठ इहेल। जात कि: अम नि निकामटक विधानवाकक, विद्वाही প্রভৃতি উপাধি এখান করা চইল টিউনিয় তেবিভসন অসার অপদাধ ও স্বীর কঠেব: ক র্ম উপেক্ষাকারী অভূতি বিশেষণ দার। निष्मिण ग्रेट नागित्सम । छ। मात श्र র্বের সাহস পৌরুত প্রভৃতি সমুদায় গুণ্ विकल करेल।

ইহার অপেকা স্বার্ধপরতা আর কি আছে ১ এক রাজা পৈতৃক রাজা পরিচাগ করিতে অসক্ষত হওরাতে " জীবৃদ্ধিকারি भरत्र , पाकीके निक इहेल न. । हेहार ভুল; অপরাধ আর কি হইতে পারে: রেসিডেট বল পূর্বক ভাষা লছলেন ন, फ्छ **अब अवहार्किक्ष मश** विश्वास सामाजे কি কেবল ভাষার এজপরাধের পরিশোপ হওয়া সম্ভাবিত হয় > জীতৃদ্ধিকারিদলের বি অস্তুত বভাব। কণেল ডেবিডসম গদি বঞ পূর্বক নিজামের রাজা লইতেন, এবং তথ लक विद्याह चिकित कांका इहेंद्रल किंस 'श्वरणद्रश्रद्ध (कोत्रवर्षन, आधात्रर शत्र ि ଓ कर्छना कर्म मुम्बद्ध करण माधन कविशास्त्रन विल्या डेंह्र अनश्मात मीमा थाकिन मा, किनि भनाम कतिमा अक एवंट अधि। इंकाइ नर्वशंख कांत्रहा मन शिक्ष

टिश्व । जानजा ना यमिशा व्यक्तिश्र वक्दन रेशोविरमङ अक्टियान वृक्टिक ना शिल्या कृष्णि वृष्णित निविष ज्याति ७ मा । वालावियां व्यथा । अट्राटन वालावियां व्य काक्षात क्रिंतिम काश हेशाविद्यंत निकटके मर्ख्या कर्ष बेलिया भवित्राणिक व्येत्रा बादक

मानिका क्रीम देवतिक दचनीत भग्ने क्षिति क्षामध्य धार्था अधिवर्श कड़ा केल्सि ... कि वर्गि ।

क्षे विवास क्षेत्रक जानकारक विकास नानीम् अक्षा अखाव निविद्यादन । अखा ्री लाई कार्बाम सामानित्यत सन्दर्भ यून शर बाबाय व प्रमाकान उज्जा उनिह क होतेन । क्यारमद्भ विषेत्र अहै, किनि क्षक व्याप्त क्रिक्का निकारम् । वसन ्क्ष्म क्षिण अवनेनी क्रेन कुनऊमात्र**ठ** কুইসিড প্রধার দোবোর্লেখ ও তৎপরি ৰ্ভুন, চে টায়, সাহস্বাদ্ স্ইয়াছেন। অনা कारमह विवेत्र अहे, किंत्रका कूनश्कादवव প্রাত্র্যার উংহার অবরকলয়কে সম্পূর্ণ ৰূপে পুরিভাগে করে নাই/৷ শান্ত ও যুক্তি बातुनारत कुल नवर्षात यह कृत श्रीवर्ष क दिवात गढ़ावना चार्ड. अक कूर्णश्कात ध **जार्द किति कुछ हुत गरिएक गारितन मारे**।

भामता भूटर्व करवात अभिविक देवनि क आंत्रीह कूममबरफाइ विषय अनम कतिया दिमाम, त्याथ शक्त, शांठकनात्मत नातन वा किएव । धार दर्जनी से त्याचा नर्ट भटक नवस क्षेत्रा शांदक । महत्रुक्ति चट-शृह्मदेख (क्ना भरपात (क्रमानं भरत) विश्वान किकी बिह्नी के की विकि चालन कमाने करवन मा सरियन क्रिके केशिय क्रिके क्रिके दर्बी भक्षा कर्य अवन मन् विकित है। इद्वी केवार निकान बाहर केवर । कि स्ट्रेट के जिल्हे स्ट्रेट का स्ट्रेट अवक के क्रिकेश का वा ना का कि त्य ता जानिक वा CHREN PIETA . W. SCHOL SERVICE SERVICE

ह मीन कार्यक्रिक कार्याचम गाँद, दू

किनाम बाक्तिमारबरे छा । समाग्रारम बू বিভে পারিভেছেন। ইটা একটা নিঃ **চলিভ व।क्टि भंदीत, नमाम ও तृ:स्त्री** जि সংক্ৰান্ত যে ঘা অনিষ্ট ঘটিতেছে, বৈদিক **विरामत वाक्षाम अवात त्म मक्लक**िन 'আছে। বিভারিত করিয়া দে সকলোর জ सिथं करा 'जागा अ। यागिरगत जीवर १०

अक्टन अक्ट नियरश्चर चनुत्रत्। कत्र। बाहेरजद्र । कुकरन रम्बन थना थहलिए আছে, বেদান্ত্রাগীশ ভাহার পরিবর্ত্ত করি श अहै क्रिट काहिएकएक्ट एग अधन एव মন অলোচান্তে ৰাগ্দান হয় সেৰপ না °ইয়া তিন বৎসরের পর সাভ বৎসরের बर्धा दोकनान क्हेर्द। ভिनि ए युक्तिव अनुमात्री इरेश এই क्य नियम कविटक ় জহিতেকেন লৈ এই--

্ৰামানিগের কুলসণ্ড প্রথা এক্ষণে হে बद्ध निञ्लातिक क्षेत्र। भारक, यनि छोहात्र কে ন অংশ ক্ষমণ লাল বিৰুদ্ধ বংগ পরিণ্ড रहेताटह किया पूनभावर रहेता ठेविताटह अवक ह्वाथ रहा, खट्ट जावनाठे शोबान विद्याल रहेटव যে সে আংশ পরিবর্ধ করিয়া বিশুক্ত ও শাস্ত্র সমাত্র কর্ম কাত্যাবিশ্যক : 'শুভাগৰ কন্যা পা-**रखद्र कछ बद्राम ७ निवास्त्र क**रू जिम श्रुट्स ৰাগ্**ছান কয়া ক**ৰ্ম্ভব্য ভনিষয়ে শাল্লে বি নি য়ৈ **আহৈছ, ভাষাই অভসন্ধান করা শ্ল**থিয়ে। ত হাতে কাগর প্রমাণ কলেচিনিত मक्ष' वश्व, वची,

জাল্পান্ধর চড়াস॰ বত্র বন্যা বিশাস তে । अक्षेत्रः स्वीहर करवावज्ञ मतं नर्त्यपु निाडामाः। कटलाबान् साबेशवाः वावत्वकः भव हि । অন্তঃ পরং প্রবন্ধান হ নিবাত্রনিতি নিশ্চরঃ। ৰাকপ্ৰসাৰে ৯তে ডব্ৰ জ্বেরকোড়েরতপ্লাছং। ि होता ह उर्फाल्डामार कर्ने स्मृति ।

ক্ষা জিল ভাৰাধ চুছা কাল পাৰ্য ক্ৰা बत्राटन महाः ब्लोड हेरा मई वर्ता हरे बिका मा-প রণ বিভি। আর চুড়া অবংগি বাগ্রাজ भूर्व अकार माज्ञ कालोड । बाज्यांन क्षित्र विश्वासम्बद्धि वहराहे वहरूति कार्यामान किरा

निष्ठत । अहे बाज् मारनत शत्र क्रिकें । रहन है हेश भिष्ठकुण । वतकूत डेस्ट्राइट स बेहर चात नः अवातित शत रचवन चिद् है स्क्रिए व्यक्तिहरू हमा।

बेशिक अकटन बान् माट्यत काक प्रार्ट कर বিৰূপিত নাই, তথাপি চুডাকাল 🤏 🦻 খান কাল নিণীত হইলেই ভাৰাৰ বৰা ৰে যাল্লানের কাল ভাষা স্কল্পং নিৰ হট্লে। অভএৰ চুড়া কাল মি-ব্রে ময় 🤾 क्रार्ट्स वर्गा,

हू जानमा विकारिता १ मर्द्यगायन पर्याप या कर्तवाः - म व्यथसम्बद्धं कृषीरम्

अथा, जनक्षिका कू कार्रग्रेय दीनाः

मध्यादार्थर महोत्रमा प्रयोक्तानर यथा त्राचारणत् च किंद्र देवणा नकरनाड বিধান হৈছু ধৰ্মতঃ প্ৰথম বৰে বা ক্ষুষ্ট त् इ। कर्म कर्मगा। जात क्षीतिरगत्न-সংকারার্থ পুরেবাক্ত বথাকাল ও বর্ণা মগ্র ক্রিয়া করাপ অমন্ত্রক সম্পন্ন করিবেক।

আগভাৰের বচন বৰা, অবাভন্তীয়ে বৰ্ষ চুড়াকরণমিডি_{ট্র} অনেশর জ্তীর বর্ণে চূড়া ক্ষরণ ক ব্রেনক। চুকা কাৰ্যে। ভূতীয়াক। নৰ্ব গ্ৰাভিন্তভ: है চুড়া কৰ্ম ভৃতীয় বৰ্ষেই দক্ষ গৃহ।ছি নাক্ষ

को नकत बहरत जिन बंदनमें गर्देख कांग विश्वीक एडेब्राइक अवश्विवादक শ্বিকে অভিন্তেশন কটনে বিশ্বিশিক স্ कडेनम् कद्दश रशेष्ट्री सर्वयं। ह स्तानिन प्रभक्त कराका (आका काफ्टेंबर राष्ट्रश क्रमाद नगरनाता आदेश समाप्त कराको तुरे लामाकार्या क्षांबरक्षम न स्मायः कामदर्शि । म् अन्तवरमञ्जूषिर निवादः ३ ৰমটুয়াঃ শগুতে হাজ্যস্থ। ধৃৰ্বসন্ধিতঃ

व्यक्तिम् क्यानास्य भीवीयात्र, भ्दर्भ द्वारिक्षान क्ष्या कनामाज्य हरें, हेहांद्र शर्द्ध इज्लंबना क्या फाउनिय एक न्यनीर नरक्षणीय भवात विद्रांक, हैंसी । खुन्न जान बानसाय स्ट्रेसिक मा जार

THE PARTY SHAPE

সংসা. গরে সর্বাগরেই কন্যার বিবাহ প্রদ ल दिश कर्ना ए को हो हो है। से बहु दिन है ं कर शास कशिएम धन्द्र शर्दि 🐯 कर्मिंड हेर्।

.इंसण ज्यामा वहत्वक हि दिन्द्र अहे 🛷 निर्गेष्ठ प्रदेशास्त्र । जाखान्य यथन जिन ात गर्वाच ठूडाङ्गाल ७ काठे वरमर अ.ए. रम वरमञ्ज পर्याप्त विवाहकोमा माटज विदि **হট্ল, ভখন ভিন বং**সরের পায় ১^৯ত বং-। পর্যন্ত বে কন্যার বাগ্দান কাল <u>খাজ</u>নি এত, ভাহাতে আর লোন শেল বাল 11 1 2

धाकरण अभावितात बङ्ग्या धरे, त । बीन " चाकवनस्र पृष्ठासः यक करा নতে হৈ ইত্যাদি শাস্ত্র এমণে করিয়া বৎসরের পর সতে বৎসর প্যাস্ত বংগ্ রে কাল নির্ণয় করিবার চেক্টা পাইনা i, किंख अनुभावन कतिः! मिश्रिक अ ना जूनकठ व्हेरच्टक ना। हूज़ात शतह ग्रंब क्रिएक इरेट्न, खेख भार ह व म्हा अहित्यहर मा। अत्व, त्व अनित्येत जिनाहर ८६को घरेट्डाइ, रेक्का कश्चिम तम িতে পড়া কেন > প্ৰভাব নেৰক কুসং লারের প্রান্ত ভাব হইতে যে সম্পূর্ণরূপে মুক্ত হইতে পারেন নাই, এতে ফীটী ভাহারই কল। খন অশোচাতে বাগুদান না হইলে যেনন क्षा ७ वच्छे छेनव्छि इत्, नक्षम द्रवर् नहें कुल हहेरव, छाहात लाज मनम वरवज ार्था विदाह कि:। मन्मन्न कन्निवान कर्छ : এত কন্ট স্বীকারের এযোজন কি: িবাছের हरे का गात्र शूर्व राश्वादनं निव्रम क ুঁরিলে শার ও যুক্তি উভয়ই অব্যাহত क्षाटक, व्यथक अक्किं। विश्व क्षेत्रकृत भाषा । रेका भाषा ७ युक्ति छ व्हाइत व्यासूरमापि েশক ও যুক্তি বিৰুদ্ধ বন্ধন চইতে মুক্তি লাভ হর । যাহ।তে এত নাত, ভারাই ्रकता कि कर्खवा सर्ग -

্বেশান্তৰাদীশ নিতীয় পাতে কলা ! शास्त्र वृद्धिक शहिक्य हरेवात महावत.

मारे ! अव्रालात न्यातं अक्की वधा चौता নিগের নিভাস্ক অক্লচিকর হইতেছে। এ क्षांच लावक क्रकवांत्र भारत क्लावादनत গ্রুমে।দন করেন বাই। খন: খনা ঝেণীর ल्लाटकत्रा क्रूककात्रभादत य क्रमामान क टिटिट्स, काहा कि व्यभिक्ष ७ व्यथ्या इडे তেছে - বৈশিকশ্রেণীর মধ্যেও কি ক্লত দার পাত্রে ক্নাদান এধা ন'ই : কুতদার পাত্র স্বীকার না করিলে সম্পূর্ণ রূপে কুতা ৰ্থতা লাভ সম্ভাবিত ৰহে।

(यक्टन काया कविदल क्रुक्तिया इहे बांत्र जमधिक जञ्जावना चाटक. ब्रह्मक লেখন ভাষারও উদ্ধাবন করিছে পার্যেন नारे ! क्वल दिनम् वाटका देविककिपिशदक **এই विषात शत्रुष्टिविधान कविवांत्र पान्**रता ध क्रिटल अञ्चीके मिश्रित महादना करें : रा श्रमत कुष्रःकात वाता बका । উপहड হইয়া নিভান্ত শুক্ক ও কঠিন কইনা ইনিয়া (ছ, ठाहारक कथमडे अहे चनुदर्शाध 'उ दिन य नाका श्रादम लाख कवित्य मा। जामुमा কুণ•কাবাপন্ন रभंत धक्वाकः চইবার সম্ভাবনা কি > কুলসম্বদ্ধকে গভিত বলিক হাহাদিগের দৃত্তব সংস্কার জন্মি:1 छ। श्रीका निक्त । नेटक क्ष जावल क्य ন , আপন আপন কনাৰে বিবাহ দিবার খন্যৰভিত পূৰ্বে বাকু দ ন করিবেন, গভি ऋ) बड़ हुड़ेन । अहलिंग कुलमबद्ध शहिबर्ख कतिवात करो। विश्व'विवाहानि अहिलक করিবার চেন্ডার ন্যায় ছ্বহ নহে ! এবংপ গহিত বাৰহার অন্য কেনে ক্রেনীর নাই। ত। ইহা পরিবর্তিত দইলেই শাস্ত্র ও বুজি উভারের রক। হয়। এ কুৎসিত সক্ ন্ধ পরিবর্তিত করিলে ব্রাহ্মণা ছইতে হীন बहेबाद्र अथवा कालास्त्र मखागर्गे। , मार्ट्यत एवं अक्ष'त कवियार हन, आमहा 'नाहे; कोलीना भग्छ प्रिक्क वाकित्यत वर्षाचःकत्रात् काहात कार्रान्य कतिरः विश्व अहे कुर्शिक थवा अहित्क श्रीकार् हि। विकेश श्रीक वीकांत ना कतित्त कूल । या मरुष: व्यक्तिक विकिक्ति कार्रा क्रिकित क्रिकित के स्थान वर्ष क्रिक र्रेट निक्ष व रहेरने। त कार्य अपनि में निक्ष में विकास के

थान, दश्चकरताना सम्बद्धाना दक्षेत्र नुमत्रदेश व्यानम् म्हेरण्डम् मा, हुन मा माना त्रहास ७ विकारहा विवत्र नटर्क कर वित्यानी चात्र कणकाल चत्रुमक मार्कि शिक्ष कर लाक करत की क को बालना भिर्मा कार्युक्रवणा । काम ध्यार बार्यामीन **७ चटमर्गित मानक करिएका** । **

व्यार्थना विरश्नक कावस्त्र १

(পত থাইয়ের শেষ ১) 🦠 🏸 : কগদীখন আগদ প্রাক্তিতিত নিরুদ্ধ কল कतिया काम: प्रिम्पत कार्यका औष्ट्र काम की ज क्रम विद्यान क विश्वास । । । विश्वास विश्वास विश्व . । वाथी कंग, स्नावि हैं के निशक किस्ताम। क्रिश एव , व्यागता रामा व्याप कटनार सम्बद्धान क्रिका छो। र्चन। कृष्टि, धाः कृष्टा कृष्ट्रा । स्वामहाः सम्बन्धः स्वाहित्व ावयः कीर्यन कान, डांकाल निकले आंशाब्रिटशब কৃত্ৰজন প জন্তাপানি আকাশ করি, জীচাকে व्यामानिकाक भारत स्थार स्थान कांत्रप्त आर्थिकाः कार' गर्थन और ह निक्र वामाहित्तम के केटहरू क्या वास करि, उन्न चानाविध्यह आसेमः एंडीठ स्टेटन किञ्चलारन छीड़ीन निष्टम छन्। ৰ্ণালান মইটো বাগ, গাইটোক ন জন্মৰ পিত র धन की उनकता, खीशाह जिनते कुर्वेद्धा अका-गकता अंडेटबटन कांबाव मिथादन केंक्र कांतर প্ৰদৰ্শন করিয়া প্ৰাৰ্থণা কবিংড কোন আপত্তি वियाश्रीत कहा क्या स्थान सहये बहुए। निक्क प्रस्थित त कना श्रीर्थना कतिएक श्रीर्थमाविद्याचित्रा चाशति देवागम क्रिडा पारकम। द्वीशांश व-टलम, नर्कामा करार तकुत करात्राम कर्न्द्रास्त्र, प्री-शंदानिकते कृतकार्णा अविश्व कृतिक, क्षीत्रात रक्ष अने पूर्व कतियो दल' र क्षेत्राहित किया मान बहेक मार्गित्य। अधिमा वक्त कर्णनार धर्मित-देन कर्ना व्यापानियान मध्य बत्तवाम इष्ट, कटर रकाम धर्मगरकात क्षमा क्षांगाद क्षेत्र कृति । यह अञ्चलिक वर्षमञ्जनमा मैक्स ख्राह्मिल मुक्किन, वthe are around whitely alle market as I'd अ जिलेश माखबरेन ? केहोर (किसी संस्कृति उत्तन कृष्टि अनुनि वित्रक भी हि। शार्की विक्रम के बेटक नाहित्वमें धर्माव माने क्या आहेका । एक-व के बना करतन करें। शांश निकेत्र के कि श का-विक्री कि विक्र विदेश हैं। स्था कार्य कार्य कार्य

। विक विवेदक के किन के किन की एक १ अंकू GIT ALL SHE WASHING ALLIES WHEN PROPERTY & MICHAEL AND PRINT OF TAXABLE THE PERSON NAMED IN देश सार्थना क्षेत्रक काल ATTENDED TO THE WATER WATER ना केंद्री जा क्या के किया के बार्क रहना से की का क ना अविकेश अविकास विकासारत ह सावता थानि winds with party or divise the किया, जारन समयनकृष छन the state state the second state we can, to initiation with water with within कत्ति । विका क्षेत्र क्षेत्र क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क क्षांच्या महिन्द्र में क्षितिका प्राथम देखें, रहेदन-क बार राष्ट्रिक क्षेत्र का गांत्र व विद्रा को न्यक्रिक् नाहित्वम मा । छक्त छ वहाँ सा वारमञ्जूषिक नाविस्त्र त क्यांत्रम गर्वाटन THE WAR PROPERTY WHITE THE PROPERTY WHEN A PROPERTY OF THE PROPERTY AND न श्रीका अवशिक्षा का कार्या कार्या वार्या विकास कान बाह्यकार्था व्यक्तित्य स सर्वनक वाजी min min inen latern wat faft, was fre Explanate a sign officer of proven THE THE MAN SELECT STREET WASHINGTON AND THE etel elejat कारो क्रमण करिए mand previous a second second second second When spirit the spiritual facility CANADA STATE OF THE STATE OF Maria dinera in tera anne क्षेत्र सन्दर्भागानिका सन्दर्भ औरित er ber ber bei ber beite de falle nure sien aben, unn affete मानके काम निर्माणिय रिवार केमा he state that the sale property of the St. of St. व पार्थ का अवस्थार HINTER ! WHEN AND LOUIS

the sense has been be lated to be an expense. अं क्षेत्र अं अविष् । युद्धि शाम क्षेत्र विश्वास अधिय नार हरते अले १० कि विद्यान समिता सामा महिला होते की बाव बावत विवास माहिता कर्ने के क्षाना नार्थनामाई विवादम हेने क्षानक समा दाम्प्रसिद्धादण कतिए स्थाननाम माक्रमानि गारमंबारकाम् सङ्गातत काम कीच काले, माब्रिक विशिवकामक अन्यक विश्व छ एवं वाविष्ठक, दक्षीन निष्कृष्टे र क्षित्र कार्कियन व्हेट्ड शतिकान व्हेट्ड व्यक्ति वर्षमं क्वाबीम वहे जबन कि आवते। वा मा अवना भूता वर्षेत्र। निरम्धं वर्षेत्र, ना कानंत्र नवांचा आविन् अतिन छत्न क्षेत्र गेलीक का त्र काकार्त्ते अवीरलप्ताकावार्ता वाच दे। कतिरक नीकि उन्हें किन एक वाकि विश्वत ৰ ভাৰতঃ ইবা বৃদ্ধ ও কৰম কেই নিয়া মধ্যে কাঞায় সেই बङ्का मीरमङ्ग बङ्का, तारे शिष्ठाम'ड। बीरमङ शिष्ठ। ৰাজা ব্যক্তীত আৰু কাহাৰ লাহাৰ্য আৰ্থনা কৰি व ? खबन डिवियाखी उ जान दक जानानित्यन मुख वन अवाक्ष्मकृतित्वक ? तम नगरम जावानित्वस चांचादिक्षिकां वे नगाम ४ देवा छ। सात्र निक्षे প্ৰাৰ ন। ক্ৰিলে কোঞা চইতে যেন জামর। বল धार्क होते. इकुद तक कार्वाविद्यत मानत कृत्रकी वृष्टि क्रियो त्वम, क्रांभी तृत्वत क्रमुत विश्वक मिलिएनं द्वीं के किया दिन्न ।

Siempf wechte wieninfon wer aff म् क्रिक्किं पेश्किम । क्षार्थमः क्रिकांक् वाकिका वृत्तिहरू वर्राद्वेशक प्रकाशका आंक्ष्या वसूनी-माना बेकेटा धर्कररमात्र समा आर्थमा कतिरम स्म ঞাৰ্থনা বৰল মহজাুণধাৰত তথ না ভৰ্ম জন্য বা क्र वर्षाप्रदर्व अहम जारह किया छोटा या आ विका विकासीरें क्रांकान पर्यक्त हिंदिएकु शान र्जना कहा बंबिएक लाएड ? विविध हाबडी कावि-त्क नीति एवं रमवाकि कर्डवा नीवाम बच्चवाम আহৈ তৰাপি ভাষাৰ ধৰ্ত্তৰত হ'বি খেতু আমাদি इत्तत व्यक्ति। कतिवृतिहै के कित्यावनाय ? वहाय क्रियां विक्रि कि गाणि, कि ग्रांका वक्रमंदरे अविका कतिकाम गुमाम व्यक्तिमात व्यक्ति विकास কাল করিতে ও হাচ্চা করিতে কেন্ট্রাই बार्व । करा कामार कमा क्रीमान विकास मार् व्यक्तित्वा कि वास अर्थ कर कि वास क्षेत्र है । वा बावान क्षेत्र स्वाह क्षेत्र के अने Al Migage Pores with the state of क करेना केनदरश महस्त्र manufacture at a ser se service de la contra del la contra del la contra del la contra del la contra de la contra de la contra del la cont The Miles Miles Ban (sin 160:4 to bear which the

THE WAY SPINISHED प्रकार केटल कर कार केटल क्षामा विस्त्रम् क्षिणे मेरच क्रि.विस् 李阳 日本地 中海北京 मात्रांगिक वृत्ये द्वान वामाना स्थि · 有种种种 中国作业专用 中。" क्षरण सकान के सबके हैं सा क्षितिरण जानन्। योगता नोकि ८६ व **व्यक्तिक ज्ञानिक्षकात्र के अधिया है** क्फ करम वजा स्थाहिक विकीश स्थि म्बरम् देशांनात दक्षम स्था नाम प्रवेश्य । जांच कक्ष विक्र शहर हो वेगकित प्रदेश की आवंग पाताः विक हेकांगजीय बात किहूरे अक मा, रथम इस्ता वाकिएक मुद्रशासू रेरक पुरेकृति कथन कानमा पूर र किया ना किए हम क्रम र लिखे वत्र विक्रम सम्बन्ध कहिल्ला अवेशकार्य egen an i Bi'r Gainta 3 रदेशम जासका क्लिका हुः शार्थना अपन अविशा अर्थना उ रहरात ४ ट अरे अविश्वा The same ferrein fand at 7. en alleige Binific & wolfe यात कि वान्त्रण शाहिता । 40 जन जोक वीशाह करिएक क ander where Service 1 to the पं शांका जान भर्त नेकार जान क्षा कामान्य का दर कामाना My William That William STATE OF THE PARTY OF THE PARTY OF STATE करत्व विष नेष् भारते । स्वामान पर

मध्यक्रम त्यम हवा मा म विश्व कि एवं महिलाक के लेख हैं। THE PERSONS THE THOUSE WE । वंदी श्रम को चामका कांचि अधिकारक बाव

हित्य का, जुवाई केंद्री महीदेश शका मित्रा कृष्टि संस्थिति मा। शा ्ट्यम क्योग्याजिक्षेत्र हायञ्च अवन्ति कार रहा अञ्चली करेगाह अनुसन द्वाक র্রাছিলেন। তে পভিতপাবন : ভাই। 'क्षा क्षार्थंडरन क्षार्थंड क्रेस् क्षान कर अश्वादितर वीर्यशेष पर विक्र क्रिक्षिगरक क्षांबाद क्रियां मंगाम क्योंके। आर्थना किळाविपारगर िकांद्र क्रम विवरश्वत केरमन कतिरकति क्षिति नहरमपत्र वर्षक विका-क्षिप्रिटनत अस्टब्र, वाविट्ड नक्ष क्षि भीम बादम क्याम स्वद्य वि ेखिन जनिश्चान नारे जनह हे अक्रीक्यांनि मध्यमा अक्रांत क्षत्र श्राप्टम व्यक्तिके"— कर क्लामाह कतिका जा न पुष्टि जन्दर बक्रण शार्व THE NEW YORK जार नर्वे हैं जा देवरतिक मार में हैं इरन काय के क्रिकेट अनुवास जाक क्षा भवर्ष के वा श्रीवर्शन आगावि कि। त्रष्ट्र कंकिंटिक व्यक्टिस व्यक्टिक ।। केक्सरण आर्थना क्रांत्रस्थ वाकि आर् ান থীতি হবি উভেতিত বুইলে ভাষায়

िविविध गर्वाम **>१** छोज (शाववात ।

मिक्स कहि। ' ई

<u>ক্রিটপুর হইতে এক জন লিগিয়াছেন</u> वी वाश्वाक

দী অভ ড ৰকজৰা উপস্থিত ছেইয়া-कि जान रहेन अक वादिक अक सीह ক্ষেত্ৰ কিন্তু ভাষার শাক্ষরী একংশ ক্লীকার করিতেছে , ক্লারীয় विकेशमञ्जू सहेराक अधिक विक स्वास्त्राहि। त्यनुविश्वास्त्रि हे अहे कि वालिएकत्र क्रवानवकी THE PROPERTY AND A । वाबु नजीवाक

হওরা ।ত. তালিয়ার নিটিএই , বালিগনি ও देश्य अनिविद्धी के**श्वर्त कंन्द्रीयांत्र**ः ८० - कर्न्द्रम वुकिराक भाविताम है। शिवर्रेशा विवरिवर्त इंश्वेष केल्ला

গঙ্বে সম্প্রতি অভ্যুত্ত ভত্তামক পারি পাও नहें व्हेगाहरू । *

बावयांशक मणाब चुर्द्धक बडा ब्रिटक-है मेमार्ट्यक सूछा इहेबार्ट । निविशिश्त ছিগের মধ্যে ডিমি এক স্বান উপত্ত লোক क्टिंग ।

क्रिकिश्च शहस्त्र विधारिक गद्धर अञ्चल 'डा-ভার ব্রেল ক্রিন্ত পরের ভারতবর্ষ সংক্রান্ত विषद्वत जन्माक्षक स्वेतारस्य । हेरक्धीत्रजर्भ क्षांम भट्ट कंछ। भन्न छोन्नछर्द्धम् विनन्न व-बार्ब करण वर्षिक क विस्विष्ठिक क्रेरंव नरम ह माहे।

वरामणीत वीष कालिया भूमवाथ जन मा বন হইরাছে। তিন খ্ণসর কাল ভনিবিত যে अर्थ बाग्न क्षेत्राटक छाक्षेत्र कि कन बहेन ?

शक कमा बहे बोल्ली जीव जिम्ही अम या-জির উণার দিয়া একখানি পাড়ি যাওয়াজে ভাৰাছ আৰু বিৰয় হইয়াছে।

विक्रियाम सारम अक वाबाजन। सं विक्रिन অঞ্চল মুদ্রা মুইমুরেছ। সে বরং বাইরাছে কৰবা কেই জাহাতে বাওয়াইয়াছে তাইা शिक्ष बंबे बेडिं। वंश्वरके रमभगामस्य अहे नकन পালের রংখ্যা ক্রমণঃ রাজ হইতেছে। 🏾 🎉

ক্লাফার ক্রিছানী বলেন, অবোধার Martine acult ania erte : Baten | Bat Grain Bat una affent wat fin a-बाद्यक्तिक्षक क्षेत्र बाह्यक काबादिशक वाह्या द्वार्थको स्थापित प्रकार १२७४। परेट्रा मुनाइक्कि विकासी के अध्यान करतान हैराइक विद्वार सहिते बहैरन, बाबन छनाय अधिक अवदी वादिश आकारक वा मा-वार्वारक व William Beite bei ben mit allenen भूटकाक क्षेत्रक क्षित्राटक्ष

अपूर्णना दशर्मकोत गरबाब माका जानक खेनाह क्षेत्र हिलान निवासन केक्श की के काउ के हिट्लाई ^क हो। म कः विश्वास अविकास कुलक काळाडाहरू मिल्ला अधिक के विश्व

क्षतिहम्मक गाउ कांबाकिकिट व हा-क्रवाया जा-थ प्रांत्रणार्थ न बाह्र मात्र महाता विकृत्यन -नीमनवर्षाट्याय अहे मकाय अधिक अध्यक्ष जा THE WHENT THE STATE OF THE PARTY OF

ingrama catala attala ar ing an an हरेता आह २°क्र वर्षित । विखद २०० दि वि-) विक्रिका श्रीकाकाक व्यक्तिका वानकामा अ विश्वेश करेंड्रा नीमविश्विक श्राम स्थितित ।

त्मंत्र माध्यस्य हे श्रम्भ बहेत्वर विश्ववाद्या क्रामान सम्बद्ध द्वारामा निर्माण के शित त्यतानी महरन मश्रीक्रेक्ट केने दिन्ह श्रीक्रिका ाण निकादरङ क्रांक्स्टिड अवस्त्र क्रांस्ट्रिस-स कीन का देशारणन किशानिरक्षा व विकास दक:-न कातन मारे । सारास क्रिमिन्स व्हेटका छा राता अवन्यः देवक शक्तां क्रिक्ति विदेशन । कारक **करे जल मिरिक लाईएनड्रे वह छाउन विस्त**

त्रवाशक व विश्व क्योंकी के कहिया वानिवित्तरिक्षणाम् वार्षित्तर वेहे बोद्धान का करा (इन, जरु कांडन स्वास्त्र स्वामा करेंग्रे कांडा के. ণোর বাবতীয় কার্টের ছুর্ম ক্ষমিকার করিবা লওরা কর্ত্তব্য। জার ছাবে ছাবে এখণ জেনা ताभिटक परेटर वा केंग्रामा अन्योत्सीका सि त्मान के शहर कृतिकात कही। शाक लगावा किय-क्यार जारात निवासकारिक केरिक्त । केरू अचार मान्य मान्य क्रिक्ट मान्य क्रिक्ट चाकात शामक क्षेत्रकाती ज्यादा, किसी-त्रनार्थ क्रिकर चाक्काक ज्याकीक चाक्काक र

प्रमाणि जनारम् काविरकश्मक मुना ११० -कार्याक्षेत्राक्षिति विवादाता चाकुसारमञ्जू क्या क

Batter ster attent with the A PRICE OFFICE STATE OF STREET THE PROPERTY OF THE Gran alle authors, didner

क्त विश्विताल करिएक शिक्षक अधिया क्षेत्र व्याप्तिक व्याप्तिक व्याप्तिक वि अकास कांगा क्षेत्रांट्य-। वेशांट्यक प्रश्नीत मुका नव प्राव्यान केर पर का বিৰাস কৰিছে কাল্ডেৰ চ

रखननंत्री नकाद क्षांचाहियांच. मांग , कि स्केश १ পুৰায় বুলা উক্ত বলিয়া বিশ্বীকৃত

केन्द्र कारण कतिहारहरू '८क्कमार्क जान द्वरकेषु अस चामि अराध माम्ही। नीकारम विक्री उ बहेदर ।

म्नात अवन कतिश्रोद्धन, फुनाटलक क्रिय क्रीय नायक नायांच हिन्द आर्थ 'जिब मंबाप क बहें का बनामवाद्यां क (बाषाई न डेक्टन शक्तियाकरमह मां जा भन्ति क कडेशांटक्त । अवण कत_ः की किद्रमन्। बहैरक विषय्राद्यन । कि

महाविध क्षा क्षा भी भी राज्ये के बहुत का अव्यक्तिया अधीन क्लाभी व्यक्तिका টাত্ৰ বিভিন্ন বিভিন্ন পোত্মসাৎ করি व । बक्रद्रकार वार्ष अञ्चलात वार्षिक

विकारक विकास मारमारम अमा है । बहेबाटक। व्यवज्ञादबक अहे द्वांश एक

· महे जाब भवताताताः ।

रक्षत्र क्षेत्रेरहाशीय रेगनिक शुक्त तरको र्ध्वेद्र स्थारम भावता उरमपुष्ठाह माटक

। हिल्लास्य विवासिक । इ.स. यक्षा कार्या अञ्चलिक समेदन हैं। क्रिक्ट अंखन ब्लाइडेड भार देश्यरक्ष

क्षेत्र 'य है क्षेत्रि, हि 'य एक भागत किएन लि चिक्क क्रांक्क जरू है। को इंडियर १० १३ व्हर द हेवार केल् केल्य अन्तर्भ अन्तर्भ श्री श्री । प्र खन देशका 'क्राबिहरू कुन्ने बटेंहे। किस केशएड **खे**काम्लाबिद काशहर के क्रमधात केटाड कहा है দি ক্ষা মাজালা ও উন্ লিখিত ১টল না., তে ভাক প্রেরণ করিতেন । সত্যতি ওকংগ ভাষা আহার। বুকিন্তে পারিতৈতি ন। ।

महाभी दक्ष अवस्थि न वर्षादम दक्षेत्र जनार वजे (कर) । एक के कि की कि का कि व्यक्तिप्रक्षेत्रां क्रमाय याग यहिया विशास्थित। PERMIT

· 表示描述 集 · 集 · 在 · 集 · 大

मका काम्रिक भारत्य · Parintaces we are

र्न र्सिटनने अधिविधि विद्यानिक वर्षेत्रम ।

'तर्व रक्षमुद्ध बाजि ह है भाक्षीक होतेब रखेंब नेन्याबरके बहुक बाजीन बरहर, जिसे करें টাকা কৃতিপুর্ণ ও ভানির মন্ত্রার বাব स्ता वे वहेशारक्त । वाति देशपरचंत्र वाली ।

बाकाशी क्ष्मांसक त्याडीधिकार्यय क्षांकि यांच कतियार्ट्सन । कीणांड त्यथान ग्रांक अहे আৰাটিগের মেশের ক্ষে সদেশের হিও এই-বে ভাবিরা গৈড়ক সম্পত্তির স্থান কংশ হ हे॰ छ विकास कहें एक है के बरहर । १ विकास त्करण त्व चीर्वगहफा क्षाय प्रतिष्ठ करूब सहक मिठोस्ड काकिकिर कहा। आमाहिराद राज्यत ইমিখন গোকের মত ন' হটাল আটন ছওলু উচিত নয় ৷ কিছু কতবিলা বাজিন তেখ্ট দে है या अदिवाद हाडी भारण है छ ।

ইভির'ন বিরায় অবণ করিয়াজেন, আস্থ म ना कांत्र विरात्त कडांक्का श्रात्म । त्वत्र ताका कांक्शक अवस्था अवस्था अवस्था

फेल्डन व व वन्नचर्माच स्वास्त्र आहे अक चानि शत अकाम महितारहम । जिमि नुनर्ता ब डे भ्याची व काम जिल्ला नवा विक वानडः । क रमनीत वाकिमिरशत खाँछ नवामा अवन स्यत कथा निथिताद्वारा है। तर्थन अधिकारम लाटकड निक कशानन यांने माहे बालग्र, गहान ভাজেশ প্রাথ করিবাডের।

fiel Cormibe mienfets ner's or ভা লিখিব'ছেন, ভেরাটের নিকটে জলভান भाग वाञ्चिमादश काश्रीव मास मन्य प्रत्य औ ক্ষমণ করিছা পর জিজপরিছ'ছেন। আখাতে व विख्य देमना के करहक सम विका ए (अम) श র্য় অক্সর্যাল্ডির স্থার স্থার স্থান প্রাচান। 🕞 েড বঙ্গাডে ডিনি পিটিরা প্রিয়াঙ্গেন

একণে অনুষান করা হটাছেতে কলিফাতা हम अकात है।का वादित बहै बाँद है है । यू (छ रश्यू बमा ৮) अक है।का बाय कराँद । क्षुर्र्क अञ्चल है।काब कन्नश्रास कर्ना हत् । कलि ক্লান্তাবানীদিশ্যর বিশেষ করিবা জানা ক্র वा के ৮१ सक शक्तिगार्य बाहारक क्वम भ? बाह्र मः ह्या छाहात्र प्र'वी क्वेदनन एक ?

शास अव रिवके (वाबाई वा की का का का बीव क्षांच्यांनि केन्द्र क्षांत्र क्षा महेत्रारहन। , शुरक्षाकु काम्मानित काशास्त्र केरणांख ग িশ্বাছেন, ভাষাভিগোর পরেক টাকা তছকী BUN · 克斯代賽 :

अक्षाना हे वे कार्य कार्या कार्या है जा मार्टन है दि पाकि साम गारहेन्ति क्षेत्र विदेश तित । श्रीकृति प्रशास वित्र । श्रमकी, मुस्क काराह केम्रट बक्ते अलि मार्ग काश विक्रांकरे वा विद्र कर नाहें। अधिविश्व मध्या बह्य आवाह প্রাণা হয় আপাত জং উংহার নামারোর প্রায়া

के केन्द्र कार के विका नरकार, प्रशंत केरपूर

विभिक्त बाह्य समा सं भ आर्थ के हैं। कामित्य धमि दक्तानिम र्न क्षां हे हैं। जिन ह सबीर देन के LE PLY fin effentig वर्षित्वा भेर्निम संकत्तः । 📜 आजारीय के आदक्के बेटबार, बे अन अ जिल्हा ने एक ही कविनकेंद्र विद्याय काशीम करतक व्यक्ति क्षत्री य गृहिष्टं बहेशाह्य । यहिन् का व (रवके कालक म न न्रंताः क्र eggice ;

है र जनवान करवानीय केंद्र त्व अवनि केरकेट व्यक्तीय विश्वित विश्वाहा दिलाचिका अनुवा अने ব্যাপত নাৰাকালে কাৰ্ছে ছ वन व किसिट्ना कर व नी रावाहेवा बार्टका अहै असी। कारम हे कि बार्ज अंड के में य मण्डात काहिति वहके अधिकार **ब्लिकाटहर्ना है देनिन्नाने देने** कारण , जिस्ते द्वेस, লিখিলে একজেনীয় 🐢 💐 शतकात महाव 'हरेगांस अवसे वे अन्द्रक्षा निर्मात्रापत अने मात्र के विश्वावित्राहः।

7 সন্ধু কাম উন্নালি

रमण्डेनांके चर्चाह वर्षे दमश्री **जांच क्षांजानम् क्षित्रम्य ।** महेटल दाहेग ब्राह्म भक्ती

भविष्याः अस्य विक्र भी गांक कार्यक अञ्चल क्रांकिक वार क दिवानां क्यारकः नामकः क्या है करिया साहित्यक यान कि किया अमेरिक्स 21, , **MG47 A BRA 计解除图 成年 智和 表於** जि गांकि शकान मेर्डे रू मुक्ताहर 《河南 明江河中 中 福 河南海江道。 明年《南南 न । प्रते अस विम् महिताओं न अदि हैं। थक को कालिका, बाबेटर महसूब महिन

and Blanca of Contactal and कारण क्रांच कड़े अन्त्रमा व**्याम अहेर साम**्य क्षान क्षात्रिक वर्षेत्राप्त : क्षात्रा, प्रवाशिक वक्ष क्रिक्षां हो बहनां रक्ष क्रिक्सिक्सिम निक्ष बंद्रेटक देश्वर क्रांबर क्रांक्निकी ए বোধাই সউত্তে দিবিট ব্যাস केंद्र कंद्रका निविज्ञित्राविक्रित्व कंद्र क्षेत्र क्षेत्रक क्षेत्रकाच्या काहिन

मृश्चे स्थान क जेलमकरण कश्मिकात कांका प्रियोद्देश

े प्रधान वरतम आह्महिलाम् युव्ह छ । ेक व्यापाकेरस्य वशिरकद्या आवाः व्यापाकीय व ेक आश्रीक्षणाक्षिक सांच क्रियारस्य । डी कार बारकश्रीरस्य वस्तुक्षणाह सिविस १०००

্টাকা দিবাহেন।

ক্রিন্তির প্রেইলির্গ্ডাড়া কাথেন প্রেইলির্গ্ডাড়া কাথেন প্রেইলির্গ্ডাড়া কাথেন প্রেইলির্গ্ডাড়া কাথেন শেলর নিউলির্গ্ডাড়ার ক্রিন্তির ক্রিন্ত ক্রিন্ত

বিবাহে। প্রিক্তি গেজেট বলেন তত্রতা লেপ্ট বহু, সিধ ১৫০০ বিবা পতিতভূমি বেলু কুড আজাপত্রের নিম্ব পত

্ছন। স্বল স্থানে পতিত বিভাইইভেছে। বলদেশে কিপদিবস বিজ্ঞা:ভই লাওে গেডার্স (নীলকর) বিশ্বার ভারতবর্ণের স্থাবস্থার হয় থ

जब है खिन्नात छेक् छ " भूना प , भटजन अक श्रास्त्र निषिष्ठ केरिदाभीत बकोनभटन नोह मृथ विक्रकत हत मा अववटन क्रास्त्रिक क-क्रिकाइ। मकन विवटन स्नाटक, हैशटस्टि (स्वाम वाकी है

লিখিয়াহিলেন ৫ ফাসিরার লোকেয়া যা হাংক ভয় করে ভাহাদেই ভাল ব সে ৢ ইহা-ভে'কি প্রকাশ পার ১

ইন্দ্রাকাশ বার ন্যাপ্রগাস রাষ্ণ্রের বিষ-রে একটি উৎস্থি প্রস্থান বিগ বিয়া বংগত প্র শংলা করিয়াছেন: মহারাতীয় গড়ের মধ্যে কিই থানি সর্বাধান। কিন্তু তত্রত্য প্রার স্থ কুল গুলুই ভাল বোধ হউতেছে:

পুনা ক্ষমারখারের এক জন সংখ্যান হাজা বলাম বাউন পিলি এ বে সাত বোকা বাপাটি বাদিয়া • ইণাছে। মণ্য ভারতবদ ও ম ক্ষমায়েট্য বিশ্লোম স্কুচক পত্র ও চাপাটি চ বিভেট্ডেন ক্ষমানি ইনকম টাকা রচিত চট ক্ষা বলেন বোলাপুরের নিকটে ৮গ্রের। গবর্ধন নেন্দ্রের ১১০০০ টাকা কুট ফ্রিকাছে, ওদিকে মাজাজের গবর্ধরের প্রাট বট মেজেটারি ও প্রধান বিচারপ্তির দ্বন্য কুট হটগাছে।

ষি নিজের, এক জন পর প্রেক বলেন
৩১৩ আগত সন্ধার সময়ে । গ পত ইউরোগীয় বেনাদরের মাক্তনার নাদক এক জন
সামান্য দৈনিক জাপনার নাদক হাবা এক বনিকের প্রান নই করিয়াতে তংকপাৎ প্রনিকের প্রেক্তা ভাহাকে সূত্র ববিধার চেই
পার। নিজ সে প্রায়ন করে। তার্কেরে সে
নিবিরে গত হইয়াছে।

উক্ত গড়েব দার এক জন পত্র প্রেরণ বলেন সপ্রতি ভার্মণ্ড হারণ্ডের নিক্ট ছুইখন নাবিক এক বাল্টায় প্রাস্থ্যের নিক্ টে বাইবার সময় জনমগ্রইখাছে।

২-এ ভাত রহম্পতিবার ৷

উন্তর পশ্চিমাঞ্চলের একবানি সংবাদ পত্রে নিবিত বইরাছে আনাহাবাদের দা কোশ দূরে করেকটি প্রানের লাকে অদা পিও উন্তর প্রিকাঞ্চলে বিয়োহ ঘটনা বই রাছিল একথা শুনে নাই। কর্ম জাবন করে নাই, প্রীপ্রামন্ত গোলিকের নাম জাবন করে নাই, প্রীপ্রামন্ত গোলিকের। বিশেষতা যেপুনে সংগাদ পত্র নাই এপ্রকার অনন্তিজ্ঞান দ লন আকরের বিষয় নাই। কিন্তু আকর্মার বিষয় এই বে অনেক মহামতি আজিও বহি রা থাকেন, ১৮২৭ অন্যান বিয়োকে প্রসার ভারতবর্ষ নিপ্ত ছিলেন।

হরকরা ও ইংলিসনানে এখন: হাত হাতি হইবার উদ্যোগ হইতেছে। ইংলিস্থা ন ত নরকরার নামে নিশাকানী বলিয়া নালিন করিয়াছেন। এখনে উভরে উভরের বিপজে বে সকল প্রস্তাব কাড়িতেছেন তারাতে পুলি বের হস্তার্গন করা অসম্ভব নছে।

ध्यांनस्य विवादांनात क्षेत्र सामी शवि स्वात स्वाति की शविद्यांग विवयन व्याक स्वात विवादां विवादांनात कोरवा नद्य स स्वात विवादांग का स्वाति स्

কা কের কবিসনর সের সাহের সুখলপুত্রের করেজজন বিশ্বোধীকে ক্ষনা করাতে গবগমে কী উথিকে অনবিকার্জনত। চালন ক্ষনা ভংগানী করিরাছেন। বলা জাভিত্রিরাকে ক্ষ মা করাই শান্তি রক্ষার প্রধান সংগায়।

মরিসদে একটি মন্দির স্থাপিত হট্যাতে কিছ অনেক সুলি শ্রীয় ধর্ম স্বল্পন কবি-তেন্তে।

লেও সাহেবের উপর এডাকেশীর সর্বার্থনি ধারণের বিখাসের কেট বিলেশ প্রকাশ করে। বর্ণ বাইজেছে। তিনি গল তালে ক बहे मरवान क्षानिक बहेबाबाज मह किया बाद किन्छ जिसि क्षानाग वस क्षेत्र मरवादम भुना इकि बहेबादन वाह कालन ३:० डोक म विक्रोफ स्टे

कताि ७ श्रहानातत घरण गर्छ र करत्रकृष्टि कार्टश्रह गर्क कार्ट्स कार्टश्रह कार्यह नाग्रह कर्नन कतियां कक श्राम कित्रबार्ट्स । कहे गर्कक हतेरा क्रिक कर्मन वाहित क्रमा भग्नारकत कार्य क्रमारतन मसस्य हेशन स्थात क्रांकि ह

नादशंत जनिकन अक राज बाता इत्याद्मन नत (जन्म नका विन गुवना जात आंक्रेस महाताल महा हिंदी ए गांद्रम । नत हात्रमम हिं निकास ताक त्वत कर्ष कहेटल छैरमूक जाटक्स । ७ इस लाटका बाताहे हात्रध नटस्त विटला हम ! किन्न छैंशांनितात जानसम जान

रेटक आगर्ड मह बाहित हिनास श्रू द्रिक्त महाराह कहिनाहरू । के मह अत्मन महामह क व्यान २००० मर्गक किरत्य । क्षिक ट्यान्ड स्टाम द्रीरमह यह जाका क्ष्म महें।

উক্ত পত্র বলেন সন্ন ফরাজ খাঁ ন ক জন বিশ্বোহী ও হত্যাকাবী খারও ত কইপাছে সে বাও সাচেবের ন্যা কথাবাদে বিশ্বোহ খ্যাইবার জাল করিয়াজিল:

বস্বলেশের প্রলিক ওরার্কের বিস্ কালিত হইয়াছে। আল্বা আলারী এবিশয়ে কিকিং বলিব।

शिव्यक्ति खेवन क विद्वाहिन अकः नमान की क स्ट्रेडि शूव वाचित्रा विद्वा मन करतः। छारांत्र सम्भावितिक्तिकारम् जातिरमत्र परेक रहेता के औरमहिक्त सम्भावित्य महिक स्ट्रेडा के औरमहिक्ता स्ट्रिड श्रूकरण्य महिक विवाह स्वयुः प्रतिस्था महि मन रहेर्ड का उपाधमन कवित्रः अवित्यम् मर्वद १८ शृत्रभाव महिक्द होत्र निकर्क मानी क्तार्ड का निरम्ब के के जीरमारम्ब इं वःमत का वा वारम्ब स्ट्रेडिंग रहे हा द्वा प्रा

वितारहेत रण काश्विक्षेत्र स्वतानी गांध इन होको काश्विक्षेत्र कित्री ह्या वित्री खांब त हम नव्यक्षिक्षेत्राच बहेड्स्ट्र । कात्र अक स स्वतानीय क्षेत्रत विरुक्त मरक्ष्य स्वताद्ध र वारक नामक्ष्यक्षेत्र स्वाहत्व स्वताद्ध र

ক্ট্রাচ্ছ। আবোগান্ত ভাষ্ট্র অরণার্থ একট্রীকারে ভারুত্র ক্রিব্র বি

হন। বাহায়া আজিগর হয় ভাষারিগ-য় কালে ভিকিৎ প্রশাসন করিছে কর্মার

র্থ এলার্ডিন প্রীত্মকার্কা দিবলা পর্যতে বিভ ক ইবেন। ভবিনিত্র একটি বার্টি-গ্রা হবীয়াকে।

প্রের একজন বনিক রাওসাংহ্যের জন সুই লক্ষ চাক, বিচাত চাকিনাছি-রাওসাংহ্যের উজন বিচার কালীর ন-লামতে উপস্থিত বা হইর। টেলিপ্রাফে লেনেরলের নিকটে কনা আর্থনা ক-লোন বিভা কোন প্রান্তালা প্রাঞ্জ । এই ব্যক্তি ববি কোন কক করিপ্রা-লারিত হইরা বাবেন ভাষাহইলে তাঁ-কার ওকাল্ডি করিতে কেওৱা উচি-

वाकः है मधरत कृष्णिम किनिया सायक थे-र महेनिक क्षाम कतिया पुक्त बहेदारह !

২১এ ভার ওজবার।

নাগণুরে বছকালাবধি চিনি গুড় প্রভূ উপ্র মণ করা এক টাকা গুজু লওরা সম্প্রতি ভাষা উঠিরা গিরাছে। উঃ গাচার ছিল।

अधि तप्रणिति आदमत निक्दि अक्षांत्र वाशं व वनमा ७ व्य स्ट्रेत्रादः।
नानाते ७ करतक्षम हें उदांशीत छनिवाश्त व्यानित्व हिरमन। मुर्वश्य क्रम मा हिन, हेरात नर्पा ध्यात ३३०
वाष्णांण कतिसारस्। प्रकृता बाकिर्द्धनिवाशीत की विक वार्षिक्तरस् वर्द्धाः
नाश्या ध्यान कतिसारस्न।

का त्या गार्यस्य ५८९ म विश्वास सम्बद्ध चे शांक मणा स्वेट्ट करत्व कर अख्या शोत पूक वि ७ जाउँमाँ विश्व जांत्र त्यर छन्। विग्न मरस्य।

विम् ने गाँउ महत्त्वम्, जिन्नानः गर्नाना ज-विमानिद्वादः । कृष्णमित्वम् एवरे व्यास एकं व्हर्डण्डः। स्मान व्यक्ति -कामाणिकः प्रकृष्णकोते ।

रवाद्रानीत गाहण कक्दन महाराह ৮,55, कि. १ ते १०/१ होना चाहरू, देशम बहुण मन-इते हैं के १७/१ रे, १०/१ मना के १०/१० १० १८० के तर्म कार्ट्स कि के कार्य करना रूप शास के कि होना कार्य कर्मा के स्वार्थ करना कार्य देश के कि होने कार्य कर्मा कार्य करायों करना सहित्याह । सम्र हारामर केछ जहे संहरत जान सम्बद्धाः जानकारमञ्जास्य प्रधानि स्ट जना सहित्य भौरतमा हिन्स

क्षित्रीय विक्षित्र वावाहित्वत्र व्यक्त काम व्यक्ति काहित्वत्र वर्णनाचात्र देशवर्षक्र क्षिकाखोत्र वाहित्वरके देशक्ता कहित्राहु-म। नाम काहित्युह प्राप्त वर्णित वाह्य क्षित्रित्व । वाह्यक्ता माना क्षिल वर्णन कहित्य गाहित्वय । क्षामाहित्वत्र वाह्य विष्युत्त वर्णकात्र नवाह्य निका कहिताह काह्य विषय काह्य ।

२२ मात्र मनिवाद ।

नव हांबनम क्षेत्र आक्षा-तिवादिन बक्क्टन व ह्यांडे आधानमञ्जत नमनिशद अक्टबनीट्र क्षांक्र नहींका निरक्ष क्षेट्र । अहे वांत्र वांत्र हेट्डमा विभोदक मिल्टनन ।

গত কল্য এক সচেম্ন হাহে নিয়নিখিত অধিকোন বিক্ৰীত হট্যাছে।

বিশ্বৰ টাকা বেহারের ১০০২ ১৮,৪৫,৩০০ কাশীর ১১৩৫ ১৫,৪৮,০৫০

भवन्यके निवित्त कार्क्टिके च गावित्तन हैकिनिश्रदक्षर क्यांकिन अक व स्मित्र क्योंबद्ध कतिरक्ष्टक्न । हेबाटक किकिश्यक नश्रक्षरभव नक्षांक्यों।

वर्षावरत्र अक कर नीत्रवर अक कर करीवांतरक वृष्ट करिया वन्त्र्यक छैं। शे-त निकटी अक करीवांत्रित है बांता नहेतारह। पूर्ट्स कांत्रता यक्टनावरत्र अने मरवाव क्रिन् तांहिनाय कि इ एकन भुनर्सात भित्रवर्णक्रम अक कम गढ़ा स्थान निविद्यारहन कथन हैश्-त स्थि कांयाविस्तृत कांत्र मस्मर बाहे। अ-करण यांचान गर्यवर्णके यनि अविवरत्रत्र निरमव कर्मकान मां करत्न क्राहां हैनेस हैश् स्थानकः कांत्रकर्मीत्र मां कर्मका क्राहां हैनेस महात्रम् म करकत्र निकटी कांवाहरू हेर्द्य। क्राह्मन स्मिन कांग्रकारम् अक्टक्मीरत्रता अक्का क्राह्मन क्रियन क्राह्मना क्राह्म

देशीनमादनद्व गातिमय मश्यां बोळा व-त्नान, कथाय अक जनवय केंग्रियाद मधाहे वि कि नश्दत अकेंग्रियांना इतक यांनाव मश्कि अक गांवभांनाव मृळा कित्रांद्यन । दक्ष दक्ष बदनन के क्रीनिश अक इवादनश्रातिनी कृतीय वश्योग्री क्रीतिशंक। दन्दणानिश्रांत वश्योदश्रक्ता क्रीतिगादन क्रियोग्रह्में पूर्व कर्षेत्रांत्र गांक्य क-दन्त ।

उक्त मरवान नाका जातक वामन लाहित तम राजात मरवा। वक्त हवि वहैताहाक रव क्या त ज्यात जावानिमारक कर्नत क्या वाल त्र व्यात क त्यारकता जावानिहानत क्या किया किया किया करेता हिंदा मधीक क्रिया असी हिंदा काल्कीय क्षाम सम्बद्ध TOTAL COME OF STATE STATE STATES OF STATES OF

व्यक्तिक विश्वासम्ब

ক্ষাণ নামেৰ বিচারণাকৈ। ৰতি কৃষি ১০০ চাঁকা চুৱি ক্যাকে কান বার তিন কংগর ক্ষমিন শ্রেমানার সাইছে নেয়ার ইইয়াতে।

সের জীবন্তুন ও দেব নামুক্ত কৃত্যী কৃত্যি। এক বারা নাম ক্ষাকাত চুন্দ্র ক্ষাক্ত ক্ষাক্ত। নিব্যের কৃত্যি পরিক্ষানের সাইকে শ্রাই সংগ্রহ কারাবাসের স্থানেক ক্ষাক্তানের।

ाच निम्न बायक अस्य स्वतिक कार्यक सामित ग्या होते कार्यक कार्यम अस्य संदर्भ श्रामक हरेबाटक।

वीवधन कार्यात क महिला जातिस स्था-विका कार्यात कार्यात कडाएक व वार्यात अवस्थि गाउँ क ३४ डीको जा क्यांटक कार्यातिहरूम बूटे वश्यत कडिन व्यक्तिसम्बद्ध महिला उन्होंत क्रिकेट एक्ष

বিষয়নাথ স্থাস এক বারাজনার ক্রান্ত্রান্ত্র চুরি করাজে ভাষার ক্রই শংসম্ভ ক্রিক নিঞ্জি আসের সহিত মেরাল কইরাছে ব

क्रमान प्रतिनाम क्रमे बागाह शाय करा एक कारात प्रतिन शक्तिकारमा अस्थि का अस् नम व्यक्ति प्रतिकारमा अस्थि का

रकात नावक रू केंद्राताला केल नावकरतर नाका हाते करते कार्याटक क्षेत्रिय सूर्व करनत नविक पूरे करनत क्षित्रमानिक स्थापि रक कोर्या

वान् वसवासायक कांग की कांग्री क के हैं। व वृत्तार कर जान की वासकित क्रिक्ट कांग्री की वासकित कर्मार करवाद किया वाहिस्टब कर्मार कर्मार करवाद किया वाहिस्टब कर्मार क्षांग्री करवाद किया वाहिस्टब्स

मिकालि देर क्षेत्रण कोती क्षेत्र कार्राक्ष्मात् कार्यकार्य क्षेत्र क्षेत्रक कार्यक क्षेत्र कार्यक क्षित्र मेरिक होते वश्यक क्षात्रोम क्षेत्रादेश

বিশারীবার্ল হস্ত বাবক বে কেয়াণী ইটান্প স্মাতিকে ভাল করিয়াহিল আহার সাম বংগর স্থানার মানের মোকা হইয়ারে।

वेद्याकर्णक लाग क्रांशह अस्तु दश्यान इन्हें ज्यानिक ७०० होका क्रमीय क्रमीय क्रांश इन्हें क्रांशिक क्रम क्रिया शहियांच्य क शहा-देश क्रांशिक क्रमीटका

क्राकान नामक त्य दक्षेत्रत माहित क्रिकेश्वरत

क्षरेकिन के हैं बन करत का बन्दा विशा निवास ভিন বাস বেয়ান ঘটবাটো চ

ক ব্যাহ কৰা নাখক এক জাতি ক্লিটাক,র নোট ও নগন ৩০ টাকী প্রতিক্লায়ের ভাষার **३৮ गाम त्याप हरेगांदर । के ह**ें

कारान्य बन्नवंद क् शायक क्षा के के हैं है है है। ac Jinin लाडे क्रकि करक काराज विकृत्य (कर केशनिक मा नकादन क्रांशांक वृद्धि दशक्ता रहेबाद्र । 🖟 :

THE SERVICE MAINING I

জিল ভিল পত চইতে উজ্ঞা हरके के बरातकांत्र कावा कीय वस स्वेटन। दिश्यक्षेत्र विवर्धनान शिवरम्य कि शकारत कार्या केव्यक्त कवियात भगामकात वर्षे विकर्ष स्टेश-CE । शांक शास्त्रकेय जीनशास्त्रतः विश्वाधिक-क्षित्र विश्वास अक्ष देशका महाना कहा कर्य । हे १-कर्त्तमहोत्रीक कर्मशेष्ठ ब्रावेश्वन । किनि निष्ट क्षिय-द्यांची मनदम् वाम क्रविट्यम । जिल्ला व्यव श्रीसूनकर्त्वास्त्रास् महिल्ल माध्यायः कश्चितः वात्राज्ञरम वस्यो विद्वारम् । व्यादक्तिशासम् यक्तिसम् कुछ क्षेत्र) होति वदेशकाह । खबका विक्रितिमा वृत्यम् प्रित्नक्ष मद्राप्तकात्र निर्वित ग्रेक् वर्क

क्षाक । ध्वल्विटकांटक क्रायक त्रमः क्राय कि कित्रेत्र व्यशीदम दर्भात्र ने कता क्षेत्रे हिंदा नम्। है विकि मनदब अवेचिकि अविद्यालया।

चंद्रिकेति अञ्चलकि न्यां स हेन्द्रारहत ।

ইটালি। গাড়িকাতি গৃহ খুম্ব উপস্থিত করি-बारक्षा अध्यक्षित रममात्रा ग्रीक्षात्र मक्त्रप्रमाहक श्वाक्षिक अविश्वाद्यः। योशियम्बि क्राकानगरः। चौरनि कि के इरक्टबन । वैद्येणिक अर्थानंत्रावरन हामाह क्यांक्रम क्रिएक्ट्सम । वेश्वांक व्यक्तिम अशोक बोकाद नशास्त्री कडियांड ब्यह्मिक आह वेष्ट्राटक्ष्म ।

'অন্তিয়া। দ্বান্ত বংগর পারবর্ত্ত হাইবার সম্ভা-क्षेत्रका १ १ कि वास्त्र का वास्त्र विकास मीच अक्षिक प्रदेश

🕈 🔁 নিয়ী। মধাসভা স্বাহার বিপঞ্চার্টরণ ক- 🖠 বিশ্বভাৰেন। গীহার। ভরতা হাউস অব লাভ ক্রত । sum विश्वास विश्वास किया कि विश्वास को बिलाइनि CENT

্রিক্সিয়া। নালা ছানে অলা শিও অগ্নি লা-প্রায়ের। প্রানেক জাকিসর ব্যাটের বিশক্ত হ-हाटक। विध्यत शामालाहणक अन्तर

कि कि कि विकास निम्न ने के अर कुरु भार कर वरेशार । समजान जारा-A Mille dabel mitte mina.tau i al क्षितिकार विवेद्द्य वर्ष विभाव श्रवाण क के क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक स्थापन स्थापन व

the best of walks charge a strang of nich actions attended to be said

श्व (म्यानिक स्टेड्ड्ड्ड्य) कामान्य ও নিউ বাবেটা, অন্তিকায় করিয়াছে। সভাগতি र्राष्ट्रकाय रशिवां:इक, यदि मीचु जिम सक् राजfichtig bung bei mitten wir beter an श्रुक्त काता मध्य ही अ अवदान नकरण विकास कामके कु तिस्कृतान्, व देवोद्यम । नथन है।का अन्य चंत्रना परेवान्ये। कृषि मह पूरे भवना पू लाइ कारकर विकित देवान ब्राह्म हिन्द है। नकरमाने केथि। अर्थन के प्ररक्षतंत्रमा (अन्वरका-क्ष करानीते। शक्त कि कात्रकृषि कृत्र पुरस् कर कांच क्रिया है।

गवर्गायक विकाशन।

वाकालाद्यभीव (लटक्टेंसके शबनंद्रब कारक्ष्मानुजावी निरदांग

২০ এ আগওঁ---নিম্ন লিখিত ব্যক্তিয়া কাম-ক্ষণের ভেপুটি ম'লিকেটি ছইরা কৌলদাবি लाहित्मत २२ थाता १६ ३৮३२ जास्मृत २० १ वि-त्वत्र ५ थात्रास्त्रनाटक स्थिति स्थित स्थित मान । क्यांक्यादि सामानाटकेर इनःतस्थायाद किरवेदवेद क्षेत्र है। आश स्वेदनन ।

बाह्य बच्च दलन काम क्री पृत्ती , लक्की जिल्हा क्री पृत्ती নিম্নলিখিত ব্যক্তিরী ১৮০০ আলের ৩'-

इ कविनवद व्हेशंद्रक

সভাপতি --- এ প্ৰাঞ্চ সাংগ্ৰ সভা। ভিক্ট है बन, खद्रारकांश, छवति हैं; बन, किए क डेवेनि-इस. मारक्व अवर मालाश्रावागात्रक जिरह छ (योगदी व्यवसूत्र म उप।

९७ क जारके—समनी शृंदाद अन्य काणिन बाद् भूर्र इक्ष दृर्वाभाषांत्र देख रक्षनांव क्लीन क्षांदिक्त द्विकित वर्षेत्रमा

१६ व जानके-- त्रक्ष्रावद विक निक ब्राल क ১৯৫৯ आएकत ১० आहेत अधूनांदर दक्षेत्री-कारणकेरतर क्रमणा धांश स्वेतारस्य।

বাৰু জীলনাৰ । ৰুখোলাখায় বভচারি।

भ उस क्यांड विज कुमश्र ।

· क्षाकांक वःग्लांश्वात वहत्त्रक्ष

भाकाम ह्यांके जामामराज्य अ'उमिपि अवस सम्बद्धिता

अ हेबाक डेहेज्यन क ज्ञान छ। व वक् जन अक्षिति श्रीकृत माजिएके हे बहेरबन ।

क्षांत्राद्यक मिन्द्रिक विकास कालिक विकास है। शका विश्विक देश मनकरम वाकित्वम ।

क्ल्यकी बन लियेन, मंचीपूर के. क्षेत्रि শিংসামৰ

·* 4.44, (6) (6) 7 -- 148 · ''डर जेडे ति. क्षेत्र, अवि--- अर ध म

** 何, CF智信 - 新田斯門

" 点、意、 举行有两一之物时势 "付割"

" To the series of the series 2 WHEST PRES. 1-75 W.

अनुरक्षिकः । विश्वानीकः स्वतंत्रात्रात्रात्रा हरे- । (स्रोतनी स्वानीक्रम्य प्राप्ट स्वाप्ट स्वाप्ट स्वाप्ट स्व स्वाप्ट । वृद्धिकार्यक्र क्रिक्स शास्त्र देशकाः । वृद्धिकार्यः स्वाप्ट स्वाप्ट स्वाप्ट स्वाप्ट स्वाप्ट स्वाप्ट क्षोलकी ब्राविकिकित अधिवत:३५३७ वर्ष नरक

कार किल्लामध्यकः सम्बद्धानाम् वर्गाकः । श है।सम

ধ্যেৰিত

সাঁনাৰর ত্ৰীযুক্ত সোমপ্ৰকাশিস্পূ वहांजंब वसीटन्यः।

दमद्वाच व्यवस्था दस्रोते च्याकाश्रयस्थाः भाषीरमाध्य बरक्तामाधास कीत श्रेष म बहर क्षक कर कड़ेश'क निष्ट श कर्यह निवृक्त किया थे शकत वाकि व चीत अवर कृष्टेश फान्य स्मान्य क त्रिश अ शवनत्यदली ब्रिटणाई क्विश्रीत्वस । काः है क्या वाशित्व शहान्त्रशत ज्ञान प्रकेश त्व विद्रारमकारम समाप्तमा स्विधार क[ब्रुट्टबन मंख्य क्रिक्टिं।

कानू नक वस स्तार थिमि जनसाह তিনি সম্প্রতি তাডোটেনকথ টরাকেণ ছ ब्रहेबार्ड्य । त्याप्रकाश शास पास. ভাষাকে আমেরা বেরপা,ক্রানিভান ভ আইন অনুসারে পুনর্কার কলিকাত। রাজ ধানী। তাহার আসেনবী চওরাতে এজোগণে भक्तदात्र कांत्र शकांव कि. ।

भारतात महत्र आभित ह्यांमधी नहीं ua अ'त्र सम्बा अन्याहि काहानि कात्रमः भ वि घान सम्। क्यांकरक धारवण क्रिंग्ड सिम को व कारद यम क्राप्टिक मान्य भागी जिल्ला स्ट 为他,我可以可以CT。C本何 海遊 C有付本 年性 "" शहरण करिटक केशक बहेरम स्ट्रां ह रिका क कतिया राष्ट्रम, स्मध्यक्ताक व काकाः इक्ष अकृत व्यवश्रीहरूम । दमदब्रक्षीमान केशराउदे श्रीक्रेटकारा बुविरात गारियन পৰ্যন্তে স্থানিটাৰ ঘটতে ছে 🗵

অভতা ছোট আদিখিতের জন " बाबेंग्रे जोटक व देखन हारी क्या न नामन क Cक्षा करर की कार्य के ब्रिकेट मणा नाम क्रिक कांत्रि विटगह दश्लाय कि शकांत्र अवकांत CR4, 413# 1

क्षि प्रस्तानाम् अस्यानास्त्रतः । अन्यानास्त्रः 29 5% व्यक्ति के की में अहे वि देश के कि er and the straightful at the straightful er 5२ ७३ कोदन **भारत लोगे भरीक**्रेड १. PATE " 學(中國) 東海區 医丹 के अध्य कामा दिया जा है। ६० असी कि प -क्षा करूर के नी W 71 -1 अर्थक काम चीराय मान व्यक्ति CHT: F. " property child was and with crit E POL F

प्रवर्तनां प्रक्रतिक्रिताय पार्थिकः उरद्ात्वः म्हर्गत् व वेष्ट्रम

मन १२७२। १ व्यासिम। हे॰, १५ २२। २२ (मण्डियत

mary 19 year 有大型性 化二进二进 电电路

मंशिष्रभाताः । ५ ईट्रान व्यापादता । स्मि मार्थ्याण कर्याचीय ना । इंडाब्र व दिक अभागा जीवन कहा वार ना । कडाइन विकित्त इन्द्रेशन বলি বোর বা কিনু সোমপ্রকাশ প্রহণের ইফা क्ष्म, विश्वेत माश्चिम पूजा भावाज शक्क जिल्लाहरू विसम्पर्छ ५.७ (अधिन ६ स. मार्थेरव र " કેંદિક 'ક્લિક્ટન ,

> বিজ্ঞাপন : निय ,सगद्र।

. J.

निधि स्वयुत्र क क्रिमीक्ष्रिक्ष श्राहरू क्षावाहरू ख्डिल, ब'शङ्ग करहाञारिएड क्यांपर्नास । গেব খ্রী ও কম্যুক্তির আভিয়াও ক্রিশার টার্ভা করেন, উভার। ভারাফে দ্যাদ দিলে ভিনি ভাতি উৎক্রন্থ ও **সুভার**রণে ভালা কবিয়া जिट्टाम : १६० कटर्मन्त्र (मामाधित्रसाद) १ म निक्कि केंग्सन कांग्रामण, कथान अनुमन्त्रीय 🕶 इंदिन गविद्यम आमिरक शांतिहरू ।

विद्यापनं।

মামাৰ ক্লান্ত কালীয়াখিপত্তি " শিউবের। জীবন কভান্ত সপুশুক্তরে সত্ত আদি বিক্রাঃ শ্রীনবলবন্দী া মুলটাকা ও ভাষা रहि.१ डेक् क जाहि। अहे भुजाकत अधन अगाम्बद्धान्त ५००० चटकम् मृद्दश्च ४० च । मार्च পা ক্রীষ্ঠ রহিরাছে। ইবা ক্রিকাভাত চিত্র ^{। १त} ७ मस्वरमञ्जू नान। विशासर नावश्ड

गरियोत्र क्षमा नहां ह हरवह,

प मूलाकामक समा ११ ७५ > १४(१४ कारबार-) ক তে, গ্ৰামি নৈজে ক, ?।। দিব। প্ৰত্ৰা प्रथम रक भारीकांत करता . . यह महीका हु प् ্রাহত সন্ধিলে হেক্তন বংসাধ্রের যে বড়ার ভারেন द भूष्टिक (प्रकोश्त इत्या । मार २ क्वा प्रकास ভাগমাধ্য সংঘত ১ । এবং সংখ্যাসি ১ বিশেষ, ক্ষেত্ৰসমীয়া নৱতে, ক্ষাধান স্বিচ্ছ বা নিকাপত কাছে। এই সাম্পৰ কুলেন । পাৰিত ইটা লাভি কা নালা নালা কোন এই e. stata i किन्द्रम् कार्य ८ ५ वर्षम् अन्तः स्ट्रान

> की "तक्षामान वरम्याः । शाम्य (中华下海) 中华山 1×50米(

> > ٦

15

10

510

শিক্তর পূর্ন ।

निष्टे हैं लियान लाहें। बह ५७ मः नास्य भे हैं।

क्षाचा को सा छेगातो. खीवक ध्यानम টন্ত্ৰ বেলাখনাপান উ'চাল না প্ৰেৰুণ্ড প্ৰস্তু সণ্ডত্র বিক্রেরের সম্পৃণ ভাষ আন্দেরিকের উ প্র অপ্র করিয়াকেন কভতার গ্রাহ্রণা के प्रभाव महिला मिलिया कि के देखें के निरम शास बजेरस है ह

প্রকাশিত পুদক্ষে নাম বেদান্ডসার ভাতীয়বাব হুলেও পঞ্চনী দিজীয়বার মুদ্রিত रहेठक निकाल अङ् বেদান্তের জবিকরণ প্রতি সংখ্যা ৰহাভারতীয় প্রজলোগাখ্যাল इंब्र डेलिन्बर्

লেভি দৰ্শন শারীবিক সুৱেদ্ধ প্রথম পাদ 🛬 खश शामर्भ

विकाशमा

ाक क्षा कर ।

क भन्ना बर्धा नर्धा छनिर्छ शाहे स्नि-কাত্ত, ভবানীপুর প্রভৃতি ভানের গ্রা**রকণণ** निरागुन ७ भाषा व गाँग मा, महकारब्रह्म व्होके-বা কৰে - সভএৰ উভাচিখাকে স্মানুৰ বাই-তেচে, বিনি কাগজ না পাইবৈন, ভিটি প कर्पार कार्यक्रिकारक स्नामाहित्यम । अस्ताहर কেব লামে কলিকাড়া সংফুড কালেজ ব্লিকা-ना विद्रा किंत्रे शाठीहरतह जामहाश्राहेदत

বিজ্ঞাপন ।

हें अ वार अ देग्द्रकी आर्द्द नहिल বাক্যানলী নামক পুঞ্জক চলিত 🕫 বহুতত্ত্ব অ-ठिलिख क्यांत्र इंदर क्यूबांत्र ७१ शुटके सूतिक क्षेत्राह्म, देश स्मिन् हेश्यकी श्रीक्षनत्वत्र शास- काधिक वं तक्षिं। भूका । ले॰ इत काल। ষাত্র। কলিকাতা নিউ ই ভিয়ান লাইরেরি कारताम है कि इस अर अराज किया जानजा-खना श्रीहरलामिक बरक्ष ३२ मर खबरन खबना नित्रवर्धन नेक् मन एना क्षित्र क्रिटिन मक्त श्रुष्ठक द्यां के बहु (क्रम ।

শ্রীন কুমার দাপ (町門、山田田)

বিজ্ঞাপন।

मक्रम त्थ ए १६ भाषिता क्रिकाफी स्थानित ক্ত । প্রেমেশা বিদিয়ের গ্রী**কা গুলী**ত **গ্র**ীর ৰ। দ্ৰাতি তেই ছাত্ৰছন্তি তালি আই 'बाद है। है। बादि इड्रेबाइक मुखारम' साह যাহারা হতিআহিছাত্রহুপ অক্ষা হ ন। পাইয়াও **তথার** পাঠ করিছে। দভিত করেন ভাঁছারা উক্ত ভিন দিক ष्टिकांद्र मनमू कलिकान नमा १ 🔊 🔌 🐪 📑 श्रुद्ध द्वारण्य कर न॰ फन्दन) रें दिन : बीक्शेक्टिशत वयुः अभ 🔑 व १८८७ १ में 🕴 🕏 श्राह्मा विकासिता १८ १४ ५३० २ ८ । हे 🖽 🕕 ना । यकि क्वर काश्यमाः। निजा । biनेडार्ग ভাষা শইরা আদিবেদ প চুলি, গড় বিষয় বু **সম্বান্ধর পরীক্ষা এ**জ , এলা ১ জিলেক দ रभागका वका वाक्रिय আলক্ত লিখন ভুগোল সমূদ'র ও ম নচিত্র লিখন। ৰাজ,নার টাউচাস গ্রথম ও স্থিতীবভাগ : আৰু বচরাশিক ও সাধান; কথাংশ পাছে। तन, भि त्यक्ति तहे बाक्र लाजू बन्त विकारशंत कृत हैनए शहेन्द्र ১•ই সেপ্টেম্বর मम १४१२ नाम

> निष हे लिए न म है दिस्ति न्ध्र कर्न्छ हेर्ने हैं। कान्ध्रय व किल्ला ।

জীগুক্ত বার রান্ত্রন স্তেখাপার্যায় সহা খুৰু পৌৱাক নিত্যানক প্ৰভূপ হ'ল হবং প্ৰচা **बिक्ट देवक व परभेत** भग्न कि नव अ अह र विका देवी देवित शांध अताह तर १६२। अ इनि अतिका शामसम्बद्धान स्थापन व्यापन ब्रेड्ड चुड्डक विक्रगादर्ग जाशानि ग क्षाण्य अविदारक्षण । स्थापन हे व अ हता জ্বাস্থ পাত করিছা দেখিল'ল লে এচনও अविवस्त व्यक्तिमा मिनिया । इस ना " । वि वन इस्त विशव मान विश्व गातन न के कथा क्षा । व्यक्ति वर्ते , व्हेतारह, । टा ० वर्ति ५ वे किक विभिन्नांत्र गांडम रहत्रे विशि

भूखरमब मुना भः यक्ती क

(मानशकाँग)

वह का जिल (शास्त्रका)

पूछ मधीर (मामधाराज गग)

সোমপ্রকাশ প্রাহ্কগণের ব্রক্তা इ इकेंबा दक्तन एवं जिन जिन जिन्ह की क्टर् अनुभानाह, जातान-४ व्याहत. २ নেকের জীভির, অনেকেন শক্ষ'ন मञ्जूक कान अवश्यां भाड भार । थाएकन छाउँ <mark>कियातातम् । जिल्ला कान्याव अहे</mark> होता ह । ता । ধানে এত উৎসাহ, স্বেৰণেন এণ্ডিক্তর শ্ৰ**ষ্ট কৃতি** কৃত্যু প্ৰৈস্থিক নুছ। সে मध्यकाम बहेन्द्रभ धार्यम शहरा क्रा का পনার জন্মকানীন সহ ও আধ্হার জা থ নায় উৎসুক হইগছে: সে অধিকার এই---সোমপ্রকাশ **ভূসেং-সং**বর সময়ে মুই সপ্তাহ आक्न भटनत्र मिक्टि क्केटच दिलाम अहिया **অ:সিতেতে। অধনকার দিন সকলেই** আ পন আপন বিনষ্ট শ্ব হু ও অধিকারের উদ্ধার धर्वश्विमामान चन्न ७ अधिकात तकात **(इ.स.) अक्षानवान इहेड्डाइड्न. अक्ष्म ए**र **মোমগ্রকাশ আ**পনার বৃত্ব পরিতাল কবি त, नजाविक नरह। हैका मिहे बहु ७ व्यक्ति कार सकार्थी रुहेश विसम् भूर्वक आहरू अवरक क नार्टिकरक. है। इ पिरंशव महिल हुई मश्चा হ আৰ ইহান সক্ৰমি হইৰে নাঃ

ক্তপ্রাণীর শৃত অভান্তীয়।

য'ছার থেমন ক্ষতা, থেমন পদ, শেষন দন্ত্ৰ ও যেমন বুদ্ধি, তিনি অত্যা ট্রী হইলে অভাচার সেই পরিয়াণে । ज्ञ ७ त्रू रहें इं। बादक । अहे कात्र <u>থেই জগতে সামান্য ও অস মান্য ভে</u> দে নানাধিধ অজ্ঞাচার লয়ন গোচর ক্ল, লগতে ধর্মনীভির তামুলা প্রামুক্তাম ও भाजम थनालीत कि स्व मा का नहें

ভারতবদে অভারান্ত্র ातानकान कारनद्वरे और भटन मान दिन " 'दक । श्राम प्रार्थकार किया मी किरात नक्षक स्क क्रिकी उद्गताल কেবল একজাতীয় অভায়েয়ে দৃতিগোচর इटेड। विश्वनी कित्रात्र अस्परण अस्वन লাভের পর অবধি সজাতীয় বিশ্বাৰীয় না - প্রিণ অভাচার আরম্ভ ছইরানু বুলু ইঞ্চ . ब बात प्रतिता विकास के

> धामता छभटत भटका से किएक ! উভাগ্ৰিধ **অভ**াগতিরর গণন করিল वाहे. किश्व विस्मनीतिमस्मत्र ज्यला জানকতর ভয়ন্তর হট্যা ভরিশারে। 🕏 ाण अलोकात इव ना । व कीकात इवे % महाम् शिवितक्षक आ इं धक, वि নালে। অভ্যাদাৰ করিলে আছাদিলো विविधान विवास छर महाखीस विवास িশংগর লা'রপরতা আরা ক্ষুর্তি পার না। विकीय, अन्तरीय त्य मकत उपक्रि विकास পাত পাৰ অধিন্তিত আছেন, ওঁ হালিকে चारता मारहरदत मकलमा छेनांच्छ हो व्याय टोहात भताकव स्त्रमा । तिलक्षक अ ভূতি ইউরে পীয় কর্মচারীর। ইছার উপাচর-ा इत । आमतः अस्मक वात्र अवन कतिताहि तिमाश्रद्ध गारहरवतः अरमनीय पिरशत 🔩 डि यांश्रंत शत मारे सकाहात कतिहाटक কিন্ত অভিযুক্ত হইরা আগলতে উপস্থিত रुरेवामात अमिन अवाहिक भारेत्र रहते। क्षेत्र क्षेत्र अपन चहेनाथ इप, याहाइ विशेष्ट সাহেব অভ্যাচার করিলেন চালার কি त र ७ जो पूर्व के कुछ छ। हार बादा है দালতের দও লইতে হয় ! সেট দ্ कारेन वर्ष क माप्तनतर्छ।" अपृष्टि কর্ড কে পরিজ্ঞান করিয়া দুরে 💝 🔻 दा । **अरेकेश** वावशास्त्रक्ष अकेषि कांत्रशण टह करमनीश विष्ठाइएकक्। ज्ञारस्विमभद्भ बा शाहितक क्रायाम मा । आरब्दरका कृतिन प्रक

মকস্থানার আলোকতে গে মাণে কলে হয়।

আজি আময়। বছৰলের জঞ্চ, মাজি-ট্রেট ও ডেপ্টি মাজিট্রেট প্রভৃতিকে নির লিখিত বিশেষ গুলি উপহার দিলাম।

-)। স। কির থালিরার জরণ ন জীর সুই প্রেচ্চ ছাই ডাকা ও আসামীর বালিরার জরণ ৪০ খানং লনং
- ২। জাগামীর কামীন দিবার অপ্রমতি কইংল তাহার নিকট হউতে নালীর অতকর। ১২০০ টাকা লইয়া থাকেন।
- ৩ ৷ দরখাজের সকল কইভে শেলে পে. ভার ৪০ আনঃ লন ৷
- ৪ । এজেহার বিজে গেলে এ আনা দিতে হয়।
- ে। দলিল কেরত সইতে গেলে পেকার ১ টাকা না সইরা কিরাইর, দেন না।
- ৩। পেরালার বেরার জমা দিতে গেলে এক জানা অধিক দিতে হয়।
- া গোকোর নামা ডক্সনিক করিতে হ-ইলে পেথায় ৪০ জালা মাইলা থাকেন।

कि । बहिनका एकन सहैद्रक शास्त्र श्राप्त श्राप्त श्रीक नकरम् हिं जिस्स्यापित के जाना नहेता पारस्त्र।

»। বাহার। বাজার জনান বন্দী নর, তা-হারা শ্রেকি সাক্ষিত্র বিকট এইতে এং স্থানা করিয়া লয় ধ

३० । श्रिकामा किंद्र करेगात जागरह कोर जह क्राक्ट्र क्राक्स क्राक्स

The of Society from a constant

वश्रहत रहेक जात जनाश्रहत रहेक, नमलक्षणाटक जनात ७ जनाति त निवात्रगार्थरे धर्णाधिकत्रन श्रहिष्टिण र रेत्रारह। नात्रकाती ताका ७ ताकश्रहि निध्नन जमात निवात्रन्वारम जान शत्र विरवहना करतंन ना।

> ৰম্পনি ৰাজ্ব ৰখী ন ৰহানা স্বধৰ্ণ ইত্যেন নিম্নত্বারণঃ। গুল্পনিটেন বিশো সভেষ্পি বা নিম্ভি সঞ্জেন স্থান্যবিশ্ববং ॥

রাজা ছইলেই জোধ লোজানি পরি ভাগে করিয়া বিলা পক্ষপাতে স্কর্ভবা সন্পান্তন, করিতে হইবে, এই বিবেচনা করিয়াই রেই রাজা হুর্যোধন কি পুত্র কি শক্ত হিল্লিকাচরণ করিতেন ভাহারই, দগু বিধান করিতেন।

वाका इत्या थन चना चना च त्य च जाजाती इताचा विलय व्यान चित्रक्षण किंद्र किंद्र जिलि गंधन क्षणा भागम चाद्रम गांधानुगारत चक्र ७ सिंद्र च बर्द्रस्थ चुंचा जात्र पूर्व कर्टण विलावन चाँत्ररचन चौत्रक गांधानुगारत चक्र ७ सिंद्र च चौत्रक गांधानुगारत चक्र ७ सिंद्र च चौत्रक गांधानुगारत चक्र ७ सिंद्र च चौत्रक गांधानुगारक चित्रक चाँत्ररचन चौत्रक गांधानुगारक चित्रक चाँत्ररचन चाँत्रक गांधानुगारक चित्रक चाँत्ररचन चाँत्रक गांधानुगारक चित्रक चाँत्ररचन चाँत्रक गांधानुगारक चाँत्रक चाँतक चाँत्रक चाँतक च प्रत्या कर्षता अक्षा प्रमा कार प्राप्तता छेशदा प्राप्तामक नवस्य विवरतात करमथ कतिमाहि, कांचाक्र र हि मामिनिकः (काम प्राह्मित विक्रि स्य मानीत, श्रिकात अक्षिताक्री क रीत निकृष्ट स्ट्रेस्ट होका लोहरूक

वे नक्न होका कि नवर्गद्रमध्येक हुई चूक् करो। जन ध माजिर दे दिवा वसकाता न बांशन बाहालएका अवन व्यवस्था के व्यक्तिक चनात्र निरात्रात् ममर्थ एकेट्सरक्ष्य मा. स चन त्य कें शता व्यवस्तातः व्यवस्तातं क्रांक व्य नगरत्रत्र चवार्थ शासवंद्यासम्बद्धाः विवासन क प्रिटबर्ग, कार्यक किन्द्रभ अकार करे त ? केंशाबार विवक्ता केंब्रिकी र्वक्ष मा त्वम, वर्षि क्षकार्विता क्षण पारी। স্বিচার লাভে সমূর্য হাইবে ইলিয়াই নাম अकात चतुरुम चारेरातत मुख्य वर्गाण्या । किक भागना जिटना अरेवश अर्थ अर्थ अर्थ বারিত বাকিলে আইমের যে 🗣 শুলা 🛵 क रहेवात्र मखावना कि 🗁 गतिसमाह्य आधा पिर्भन्न चन्रताथ धरे, विश्वासम्बद्धाः अ त्नरमान महिया त्राम केलान्स a wining balan make and व्यवस्थि स्ट्रेटकर अस्तितं अस् प्राप्ताः कानिएक भारतान जनमा क्रिकेश एकाटम व्यक्ति नटर प्रतिस्ति अस्ति अनुष्य रहेने

THE PERSON

नक प्रार्थन निकार करकारण करण निकार स्थित प्राप्त निकारक स्थान स्थान कर्मिका करण करता. स्थान स्यान स्थान स्य

लक्ष । हे:लंख ब्रम्भि भाटक भ के अथा व्यवस्थित एक कि इति । के करीयाना क्रेट्कर । ज कतिरम खेश रच वाकी स्थाप अक्री ल ष्यीषद्र बहुबत विकृष्ठे हरेएछ । उदा अभीमादिका यसम् तम्पूर्वक माभून **जिल्लास्य जनमः जन, ७६ कारण क**्षिण विठाइ अथा व्यविष्टं कशिवान असे। विरमव कतिहा निर्विद्या मध्या पर्वेगीविन। দালের বিশ্বকালেও তথার উচা এব र्केक इत्र । यस कियाबीन है। लाखर हमा है विशिष् ग्राम । म रहकात मन

. जामानिर्गत्र ८० व जूति हरेवात त्याका ध्याक मार्च अवन महा (करल मक्षरता वि ্ৰাৰ্শভিবিদের ৰে'বে নেই ৰোগ্য লোক माखं सरे टब्ट्स् मा । कीश्वित्रात्र कार्या ७ सक्ति एक्ति। नासे साथ वस, दौवादा क् ब्रे व्ययात्र वित्रव विशव । अ व्यथाति मकदम हरेट ब्रह्मि इ.स. किया निरंत्रत हेरा जन कीके नम्, अक्षा विलिटन त्याथ स्त्र पाजा कि रमाप एवं बा १ जानेता कंटबर बान शृद्धे ख ৰণ করিয়াছিলাম ২৪ পদ্ধাণার কয়েক জন **मृनिए प्**त्रित भ**म काल देरेहाटह । प**्रभा एकः दशनीत कम ज्ति प्रितानं विनेदत अरू की चन्द्र ज्ञावकांत्र ज्ञातक कावितारका है क ক্লাঞ্চ ৰাহাদিগকে জুৱি পৰে মনোনীত ফ ক্ষিডেছেন, ডম্বধ্যে মূদি, গোয়ালা প্রভৃতি হকারী জাতিরই আয় অদর্শন নাই। সূতন চ্বালীত্যেক মকলমায় এক এক দল ভূরি বিচাৰীত করেন। সুরতি খেলার রীতি-के क्षेत्र बाहनी बहेता बाटक। वीहाता अ क्षेत्रं मिने मदमानिष्ठ न। इन, छ। हा निश्रदक नी नी कि किम किमिक्छ, बाकिए इस्। विश्वविद्यालय केन्द्रवर्णास्त्र श्राम नारे। उं:हा क्षिकि बहुने कि जन्मान करा ३ र प्र के बादका एक अवस्था है एए बाल निकासि BOR WEST WAS TON MARKET THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE PERSON OF THE PE

कार्य हो हो कि शत निक् कि न ्यास् अ प्रति इंदेरक अन्य नाहः **णारा न्यके व्यक्तीसूबास हरेएवे । बे**ल्ल िक्श्रिलीएक विकास स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक हुन चिटिकट्य । १६ व वावक दृत्व कार्यव कि । धक कोइव प्यानाविध्यत्र पान शस्य প্রতিভাত হইতেছোঁ সে এই – পিবিলি ब्राम विषात्रभिवता भागमात्रः मार्चमर्वः इरे (७ हाएइस , छैं:इ। मिर्गद स मह, उपतुमा ति विठात इस, इंस्ड्रे ई'इ'लि'शेन अखि প্রেত। কুরিরা সকল সময়ে ভালদি:গর মতে মত দেব না। সুতরাং জুদ্ধি প্রাথা তা शामितमा विविधि मा भहेरव क्रमः अहे কারণেই বোধ হয়, উলোরা সুশিক্ষিত, (यांना व अनक्षांनी स्नाकनिगार क् বির পদে মনোনীত করিতে পভিনাবী बरहम । चरपाशा लाक बिरशंश याता क মে জুরিপ্রধা সকলের অবজাত হইয়া केंद्रिया त्यरलाहे के शामिरधंद्र करीक यात्र ।

বেৰণে কাৰ্য করিলে অতীফ নিদ্ধি হ্ইবার সম্ভাবনা আছে, একণে তাহা নি ক্রেশি**ভ হইভেছে। এতক্রেশ**সাধারণ্যে स्त्रिश्रका अहे स्टन व्यवर्किंग स्रेतारह। सूजन विनिद्या चाजिल जकरम हेरात गर्य अरह नजर्य इन बाई। विटमवकः करबटकत्र এক্শ শ্বভাৰ আছে, যাহাতে সাক্ষাৎ সৰ-क्ष चार्च मबस्र मा बाद्य, छोड़ाटक मानू द्वान क्षत्रिक करक ना । यथन रेश्लर कृत्रि थवा अवन अवर्षित हत, क्षेत्रक शहेबन बंडिया स्ट्रेसाहित। प्राप्ति स्तितिहा छेशदत सूत्रि निद्यारभव कि में कि इरेटर कंशिक्तित कर्ड्या, केंश्त्री जूनिकिक स्र्वाथ अनुबक्त ७ डेश्नाश्मक्त लाक मिरिशिहे कर्मारम बिरशिक करियांत्र क की करतन । अवस्थि महातून मण्यम ल्याक পৰিক মিলা ভার, ভাষা সামরা সামীকার कति मा । क्षिक्क स्थाना कि वि

कि अक्समाप्त कि समा मूरन मूकन नित्याद्विक कवा ब्हेटक इ । यक्तराति वेक ে প্রতি মানে এক এক বার সেমিয়ান दनिष्टाइ। ध्वर मन विति चात्री कि धक ्राजियदेवतं सकल्यातं विठातं छट्टन व १ প্রত্যেক মহন্দমাধ ৭ জন করিয়া জুরি ক রিলে এত করি কোধার পাঙ্গা বাইবে ৷

भावित्मत्य वित्मव कविदा आह अक्नि 🍂 कथात छाल्लियं ना कतित्रा ध विषत्त्र छेशम्ब कात कहा विराध क्षेत्रकर्क मा विद्याल है পতিরা যেন কোনকপে ভুরিদিশের ক্রুরী जानमा मा करतमा सूब्रि अथाय यथम कर् ভবাৰ্য বাধীনতা ও অপূৰ্ব একটা বন্ধ লাভ সমস্ রহিয়াছে, ভান জুনির অৰ मानना इट्रेलिके खांत्रकार्यात्र व्यवसानना **३**ইবে । আমর। স্পার্টাক্ষরে কচ্ছেছি, ভারতবর্থ পুনঃ পুনঃ দে অপ্যান সম্ভ ক-विदिन नाः

শবিভাক শিলার আজায় গ্রেব লাবশাক্তা।

গত বাবে মিখ্যাসাক্ষা এই শিরোন স দির। যে প্রস্তাব লিবিত হয়। পাঠকগন ভাছা পাঠ করিয়াছেন সন্সেহ নাই এবং व्यामानित्रं व्र त्यानं विधवाचित्रात्र कृष्णा बुं अक्षी केनाइबंध काल इंदेशारहर । अ দেশে সতী ন্ত্ৰীর আদর্শ বৰপ অনেক विश्वा चार्ट्स, चायत्रा सूक कर्छ अक्या খীকার করি , কিছ এলেলের বিধবাপণ বে बुल क्यारा रखना महा क्षिएरहम क कांशक्तित व्यवस्थान व वर्ग भाष्ट्रका चळान चन्नकारत चाक्त रहेश चार्ट काशांक प्रकरमंदे स्व अश्वरकश्चित्र स्वेत्रा जर नथ-अमरन जमर्व स्वेट्य देश स्मान. करमरे गडाविष मरह। चारमकंगःथा विष-का जगरामा धारताव्याम निरमाहिक ० देthen contained during soul more

नाह शामित वक्कार dicifectes processes. The min क्षित क्षित्र क्षादिक्षण देव प्राथमित्रहरू न कड़िएकटक, केंशिका कावा क्षिएक लीति (可能的 科) 山地 阿米 阿米特 斯斯阿尔特 ७ महारक्षत्र पत्रका बिला, जानिक होने दन चारक, वर चारिक्त केंग्राहा क्रेमानीय र्देश चार्ट्स । क्या कार्यात पति अक बात मनमंबिद्दयक क्रम् विश्वासक कतिता हणूकिक विद्योक्त करती, त्वेबिट शारे-तम, भूबकात महमात विकासकी मालिम-त देशकिक इंदेशरिक । अहारिका वात देन-भवका नारे हैं इस हाजनिवेस शक्कि ता कि कात मारे दे तो भूलिम मारे तमार्केन बटन-त त्म कारक शार । शुरु ग्राक्तित्रमणक रा नमस लाव किला काका सम्मन् नश्रमी-पुरु एकेटबरक : निरंद दिहातकवाता टा-काबीन वार्यशास्त्रकारणम् असन वसाक कृत्य वा इंडेस, कोशांत्र महत्वक निवासन स्रेशांद्र ; केशब्रिक् कर्कुगटकक्र : निकटके णिवस् छ. एवँटछ एकेटक, अधनः केंद्रानिर्गत गत्न क्ष्म क्षा भाग अविशाहक । पूर्व भूमिन वेरिक्ता । जिल की भूमिन कर्पा त्रीता सूर्वक विश्वाव के कि पूरत शहूक गर्मा वर्षा के किया किया विभागन क्रिका कृतिशादिल, अथन ठाए।

CHAMPAN I WE SANGER the beat hand, have all the The Part of the Standard की क्षेत्र । के स्त्रम केशवर मार्टिन क्षामाहरू क्षाचिक इन्य कतिहा हरियो त्व. क्षेत्र कारण कारक कारण भावन नाटक विता जारा द्वारिट गारेटजाइक ना । तमानम् राजिनिरंगत् वृष्यभव सार क्षेत्रा जिलाबरमा त्र सेश्वर केशात चारह. चीकाता क काशात अनुमत्रात केनूच अहे (क्टब्स मा: क्ड किस्स त्य केंग्स्त करने गत्रर्थ वाटा स्ट्रेट्स्स, काराह्म विकास माहे है कं निमाल रेगात कार स्वित्रक रेने-शी कि अवाविक माकित्व ? अवर्गतमके स्व भारेश क्रिप्राधिन, एक किन काश्रे कि क्षिकातर् भगाव यनिया गतिमनिक वर्षेत्व । सहनेत्यके अनुवन्ता निनाहरनह कातीत जारेन कतिशाहक वर्षार्थ वर्ष किक अञ्चल देशं विद्युष्टमा क्विट्य स्केटर, वाला गल खड़ भारक, रक्तम अक जी क्लंबिंग मशाधिक खप्र**व जा**रह । विषयात्र वर्ष- धकाण श्रेटन अक्षात्र वर्ष-एक श्रेटक, अक्रमती जामाना कड मना। अ ভন্ন সত্ত্বে কেবল দণ্ড ভণ প্রদর্শন বারু৷ य जन क्लाह ममाक मित्रुत्वन क्केटन, केला द्यान करमरे मडाविक मेर्टक ।

व्यवस् अक्टनः चाम्नानित्तानं मास्त्रेष्टः वर्षे, याद्य विश्वना विनाम क्षांत्राच्या मा स्त्रः, स्राद्य सान स्काः निनान्नत्तान् स्राप्ते अवस्रि

est est o class

single state o class

cult, and and training state

all a class of all alleges state

sitts

A SECRET SET 1. WINE CONT. THE SECRET SET OF SECRET SET OF SECRET SET OF SECRET SECRET

केल गीतकात प्रतिकाश अक्यार्थ कि। इतिहास कर्माको समाज्य शकावत कारा, कि विवस्ति क्रिक्ता सामा, क्या स्वयोग : श्रीत क्रिक्तिक महिंक, स्वरूपन साकृष्टि स् यात्रा श्रीतकारका प्रयोगनाम स्थान क कार्यक्रित स्थिता स्थाप क्रिक्ता। १

आविष्ण इति ग्रीष कार्यम अरमा प्रथम विक्री कार्याक्रियात विकास समझकत र ज्ञानीक्ष्म यक्ति विश्विषय के करणकर्माण मा क्रिकेट विक्रिया के करणकर्मण मा क्रिकेट माम कर नय कर्मक अ स्माप्त । साम हिस्स माम कर नय कर्मक अ स्माप्त । S ALCHE ME TONS

WITH ALES AND THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF

THE MARKET STATES THE REAL PROPERTY OF THE PRO

स्। वर्षेद्रस्थी । हैसा ज्यानि शता अस्।
जिन्न यात्र सम्मान करणाशास्त्र हैसारक
प्राचनानित अस् मानी कीत नवित्र वर्षन करिया
प्राच । हैसा शक्तिहा जेशाचाद्रतत महास्त्र ।
हेसा जनक्तिमां शक्ति किया निर्मा ज विकास असीन शहित किया निर्मा ज विकास असीन शहित क्षत्र निर्मा ज विकास असीन शहित क्षत्र ना । जिनि जन

কর্ম দেখার কবিতা গুলি পাঠ করিয়া বে ক্লিন্তে প্রক্রতালের পাজিয়া ক ভার্কভার সবি পের পরিচর পাজয়া পেল, ভংগরকালেই ইবাধ হইছে লাগিল, ক্লিভাগুলি রুল্লাল বারুর দেখনী হইছে ক্লম্প্র বিনির্গত হয় নাই। ইয়ান প্রপর্মার্থ টাছাকে ক্লমেন প্রারা-স পাইতে হইয়াছে। এই প্রত্নে আর একটা ক্লোন লালিভ হইল। কবি ক্লমেন অংশে ভার-ভালে প্রভিত্তর ক্লম্বর্গ করিয়াক্রে। ক্লমেন গুলি কবিভার গলাগন্তও কবিভেছে। বাহা ছাত্রক, আয়াল। এই প্রত্নের গুল বর্ণন বিষয়ে প্রার্থনিক প্রক্রেণ কবিভাই। আনরা ইলা পাঠ ক্লি্লা লাগন্তই হই নাই এক্ট্রেগরি আন ও বিক্লা ক্লোপ কবি নাই।

हरत भी अस्ति स्वाहतिक प्रकर न्याप्त स्वाहतिक स्वाहतिक स्वाहतिक स्वाहतिक स्वाहतिक स्वाहतिक स्वाहतिक स्वाहतिक स् चानिक स्वाहतिक स

का विश्वासम्बद्धाः विजीपकान । विकृत थां प्रविद्यास अपने देशांत्र मण्डारम ही। जिन्हेस বাধু জুবিকার বংগা লিখিয়াছেন শএই পুঞ্চাকর প্ৰথম জিম অধ্যায় ডাজের এণ্ড কোৰ সাজ্য-বেছু ট্রাক্তিক এড (কিজি চনজিকেন এজ महत्रमः (महत्रमञ्जूषके न्यांव हेन्दक्ति) रहेराकं, চুতুর্থ অধ্যান্ন শেইয়েনাজাইরের নিতাশিকা বি-महरू म्हिन प्रदेशक अवर त्वर हुई ज्यानि कि बर्ल सहित्र एक है हैरिहर के नायक शृक्षक बहेर क तरस्वीक बहेंबाहरू :> जामना खेगात है जिन्ह गांदब्रस् विषद्धः (४ वक्तवः वासः कविशाव, देवांब ওণ লোৰ বিৰয়েও গেই বন্তব্য, ছক্তন কিছু মাই। উহাত্ত উপজেলায়দ তে বালকগণ ছাশি ক্ষিত দুট্টো হিন্দুস্বাজ্যের বহোপদার লা-ভেদ্ন সম্ভাবনা । খাল্যকানে বধ্যীতি শিকা ब्द्र मा बनिहाई बंबपूरि इछविया गुक्तिप्रित-इ मिक्टे व्हेटक व केनकांत्र गांटकत्र काछः।-मा करतन, जाश सूर्व स्ट्रेस्टर्स मा।

ा विवृक्त भीत्रीमाथ भाग क्वित्रक्षम व्य-ণীত শারীরিক ছাত্মবিধান। ইহা অমিবেশ, গৰভাই, ভ্ৰম্পাৰি প্ৰভৃতি প্ৰসিদ্ধ পৰিছ गर्भत क्रम मरक्ष क वीई स्ट्रेट मक्तिए दहे-ब्राट्ड । सरकृष्ठ अङ्गादाता हिन्श्मा गाँउव বে কত মুদ্র উন্নতি লাখন করিয়াছিলেন, এতৎ পাঠ যাত্ৰা আহা স্পাট মানা বাইতে পাৰে। কিন্তু আমারিলের মতে এগ্রহণানি সুরিত্ত ক क्षांत्रिक में ब्रिट्स के जान करें है : ब्रह्म कर निष तारे व्यक्तिन कारकात मरणत महिन केतानी सम भटाउत यह देवशक्ता इदे व्या विभागीसन गफ বে সম্বিক বিশ্বক, তাহা সক্ষেত্ৰ স্থীকায় ক্ िता बार कर । किंग्र अंडर श्रातंत्र बाह्रा अहे धक्र मह कविते श्रीवात महास्या भारत, अर-दि हेश विल्फ अप विश्वता हैगा आह-् ने कार पद आहत्रन कतिएक शास्त्रन । वि-,শংকে উল্লাহ ভাষ্টে স্বাধ্যে বেশ্বস্থা বিজ্ঞান্ত স্থান্ত ०८क इक विशिष्ट स्टेशास्त्र, क्वांस स्कृष

है जाटिए, की मुंबदका मुझ्य क्रिक्ट अध्यक्ति नाफ प्रक्राण, किये क्षांत्रिक पर्यक्रिक्ट अध्यक्ति देश, नाह नाम क्षांत्र रहेश, जना क्षांत्र क्षांत्र क्षांत्र नामक जानीय क्षेत्र क्षांत्र क्षांत्र क्षांत्र क्षांत्र क्षांत्र वर मानाहर्षक क्षांत्र क्षांत्र क्षां क्षांत्र क्षांत्र क्षांत्र क्षांत्र रमान वृत्रकी परभएक रेशक्त क्षांत्र क्षांत्रक क्षांत्र क्षांत्रक क्षांत्रक मानाहरू सार कार्विवृत्तक मनोहन व्यवन क्षांत्रक क्षांत्रक मनिक्ष

া ভানিকাতা রাজসমানের বজু আ।
বীবুক্ত বাবু নেবেল্লগাথ ঠাতুর বিন্দারি বইতে আসিরা রাজ স্বাক্তে বে গরেভটা থ
ক্তা করেন, ভাষা পুত্তকাকারে পুরিত ও
বাচারিত বইরাছো।

ণ। বলোষরের জিয়ক বারু নর্মন্ত্রার না-থেয় সংস্থীত বাব্যাবনি। ইহাতে এখন কর রাজী শক নিবিত ইইয়াছে। ভাষার পর ভা-বারু বাজনা অর্থ আছে।

৮। রাষ্ট্রকপুর রাখা স্থানের বজ্জা। ১৩ই আবিও রহস্পতিবারের স্বাংকে উথার সম্পাসক জীবুজ বারু ব্রীন্ডরা বজেগাপাখ্যার এ বজ্জা করের। বজ্জার উভদ হই-রাহে।

বিবিষ সংবাদ। ৩:এ ভার দোলবার।

ইংগিগ্ৰান অবণ করিরাছেন ব্যবস্থাপক সভার অবিবেশনভাল সমিহিত্ কওরাছে। গ্রহণর জেনরল আল্লয়ারি বাসের নথ্যে উত্তর্গ পশ্চিরাঞ্চলে ঘাইতে পারিতেছেন না। ইন্ধি-বধ্যে ভিনি এক্ষার ব্যেরারালক্ষরে বাইভে পারেন। ভবে ভ্রহণ করেছিনিরের কর্মন ভালান হ ক্ষার সন্থাননা।

উত্তা পাত্র জিকাত চইতে গংবাল পাইর। ছেন ভত্রতা লালা চীনলেলে সেখা সংগ্রহ করিয়া শীয় রাজ্য পুনর্শিকার করিতে ক্লা-নিজেছেন। চন্তান রাজা ও ক্ষাক্রের লালা ন'-

विश्वास्त्राम् मगर्नियः तमान्यस्य कानीः

इ निर्दे वर्षेणे हें, नोष्ठणेग प्रतिविक वर्षेण्यस्य
जावान् अस्ति वर्षेण्यस्य (अस्त अस्तिव्य क्ष्रिक्ष्यः)
जावान् अस्ति वर्षेण्यस्य (अस्त अस्तिव्य क्ष्रिक्षः)
वाणित निर्देशः, तथि वर्षेणार्वः । वास्तिनः अस्तिव्य वर्षेणार्वः अस्तिवाः वर्षेणाः अस्ति वर्षेणाः वर्षेणाः अस्ति वर्षेणाः वर्षेणाः अस्ति वर्षेणाः वर्षेणाः अस्ति वर्षेणाः वर्

जना वृद्धिकां छात्र व्यव श्रवः श्रवः वाना नीतः। (क्षुक्षिः) निक्षेत्रवि अव वानेत (व्यान गक्तिः। अव कृतः व्यक्तं श्रक्तक्ष्यः । जनाव्यः व जनत अव जन व्यक्तं व्यक्तिः। वृद्धाः च ना-गाना क्यां, केष्ट्रः नाव्यक्षानीयः व्यक्तक नेष्ट्यः गान व्यक्ताः, अवे जन व्यक्तक वन व्यक्तिः गाना व्यक्तिः।

কিনিক অবশ করিয়াছেল গর মার্নেল পিকক প্রধান্তক বিচারার্গরের বিচারাপতি দিনের নিবোর্গ ক আনাত্তর্ভারণের ভার বহুতের
আনা করিয়াই কেটাই আহ্নেন। এজন্য বক্ষ দেশীয় স্বৰ্থনৈটোই স্বাইত উচ্চায় আনেক
তক বিতর্ক হুইয়াছে। এত ক্ষেত্ত কেনি

विनिध्यम् कानग्रस्य ग्रेवाव्याक य-त्मन गर्माद्र (क्षनग्रमं क्ष्मक) अवकीत विद्या-गर प्रभूत करिया अकिना गर्थक रहेता निद्या रामकविद्याद्व अविद्या करियाकिका आके क्षानिय क्ष्म अविद्या विद्या विद्यास गामग्रहा क्षितियां अविद्या कि मानगी रहेद्दर विद्या करिया करिया न विशेषिक वर विशेषिक वर्षा विशेषिक विशेषिक वर्षा वर्या वर्षा वर्षा वर वर्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा व

विशेष योजीय क्यानायम् जयानायः भार पर्वे कार करवंकी विराम केशानंत व का निक सहैशादक । बीरांग्र संदक्ष कार्यांत्र जात হিল, ডিসি এই কয়লা ছুই বার কোন্দানির नाटन क्या जिस्र होना नहेबाटक्न । जिल्लान बाबम देवान्नावित्र होंका नोहेंबी बीहरूई केरेन निर्व सेव संदेश गांच जानीन गरेबारक ক্তির বৈলা ভীহা কোম্পুটির নামে বর্ম निधित्ररिक्ष्म । जार्षियत्र हिनद्र योगय अक् सर्व गाइनी अर्भी और नकन पूर्वका नावित क्रि ब्राट्स । अहे दर्शन्त्रीमि केवित्री वहिरकदेश, अकरन अहे क्षत्र हरें एक एक जनक कि-रगत्र मारम स्वाक्तांत्रिएक मानीन बहेरन कि ना ? प्रेर्डियों ब्री क्य क्षांत्रना क्षिप्ता नी-पू क कि विद्यान करत रहा प्रदेखां ।

नित्ती (गरबाड परान जातीत रहाक वह पत्र की गण्डाफि करतक जन हुक रखेडले जाते हा समझान जानरक जाजनकर्नेन केंद्रिया जाररहाथ करतक । किस समझान जाती असि एक जानकि स्टेशाइक । जातीरहात विविद्ध बानर तथा कुन्यांना स्टेशाइक अस्ति केंद्रियां के

Der richt fremiten biefen mit der eine Wild':

the property of

Ting to the great of solar and the solar and

्षा च्यापित स्वर्थीतः केरणकीतः वरापणादः वेष्णेत्रः अस्ति वर्णेत्रः वर्षा पृष् क्रेडांत्रकः अस्ति वर्णेत्रः क चौत्रः, स्व पर्थाने च्याप्तिः स्वर्थे द्रशेष-क्षण्यास्य चरित्रात्रस्य

्रान् है बंके चंचांड श्रृक्तदावकात रह बरना कि केरिएफ्रन्मार्थक कारे, जा शाहिरांड छ क-हि स्वारंड, क्यन प्रदे हुम क्या दह वा।

টাইবুল পৰ ইতিয়া ইথাতীয় ব্যৱস্থ বিষয়াস স্থিতাহেল। সমুদার পার্তবর্ধ এক প্রাইটাক্তির এই অপব্যয় নিবারণে বন্ধবান

্বৈদ্ধে পে যাইর সালিসের অছু-এশ বোৰ সঞ্জাণ ব্রহাতে ভাষাকে সেলিয়-স ব্যর্গণ করা হইয়াছে।

हो भूनी व्यवसाद रहा राजन विश्वहित नामक ৰুদ আহে ছই ভাই বাস করিত চুনাক অন জন ্বীক নারিক , ভাগারু কিকিৎ সক্ষতিমান্, ছিল। নরিত্র জাতা এক দিবল জাহার জাতার নিকট হইছে কিঞ্চিৎ শন্য আনমূহ কয়ে, কিন্তু খা বার আত্ৰণু তাহাতে বিরক্ত হইয়া ভাগা কি-बारेबी बहेबा **जारेल**ा **डेक** बा**रिक ल** हिंद-न निष्ट्रे परिवात किन मा। अध्यक्त अहे जि. ছুরভার অভিযাত্র ছংখিত বইরা শে ধনহইতে এক প্রকার বি।তি গভা আনিয়া ভাষ্। সি ক্ষেপান করিয়া আপনার জী ও সুই পুরুকে নির্মা স্কলে প্রাণত্যার করিলু। **অণার জাতা** किंबुर्कन शदा जातिया अहे नामः व मर्नटम ब्लोकार्ड इन्द्रा ताहे वित शांच कतिहा लान-ে প্রয়ার করিল। বে জীলোকের লেনে এই করে ক্ষ্মিনী প্রাণভ্যাণ করে ভারাকে হ'লভে आचा क्षेत्राहरू। मधान्त्री यति मङ। ३५ छाङ। क्षिकारकत विषत्र। देश प्रथात धनते यन। े हैं रिनिमनान शांत्रफतायान बहेटड मनान नीहेंबा'निविद्यारहम । आणणाव जेनन्तक नाम अ अप्रिक्ति विवि मस्त्र नांधी अक स्वन अमध 'শ্ৰিক্ষৰ কাঁদ্বিশী জীৱ সহিত যোগ কবিয়া বি'ৰ িজৈবিভাগলৈর নামে করেক থানি জাল পত্র ক ্বিল্লা ও এক সক্ষ টাকার এক জাল হুভি ভালা-

हैता एक निर्देशिक छिनिकनन कुछ करनेन क्विकारिक और, किनि धनिनासक निर्देश कारमन को । और केरिक के निर्देश कामा-निक किन्न वस नाहे।

বাভানী পত্ৰ হালের প্রিক ভাব প্রয়েলস ভারতবর্তন আন্তর্নক বিহেন না।

नामिक्या कर कर कर वर विश्व क नामिक्या प्रिया क्षेत्रमायिक करें न-१ क्षित्र क्षेत्रका मामिक्या करिन क्षित्राहि-यान, हैंद। क्षेत्र क्षेत्रमां केष्ठित्यक । क्षेत्रमा क्षित्र क्षेत्रमां क्षेत्रमां केष्ठित्यक । क्षेत्रमा क्षित्र क्षित्र मामिक्या क्षेत्रमां क्षेत्रमा क्षेत्रमा हेंद्रक्ष । क्षेत्रक नाम क्षेत्रमा क्षेत्रमा क्षेत्रमा हेंद्रक्ष । क्षेत्रक मामिक्ष क्षेत्रमा क

চাকা বিষ্টিল বড আক্লাজিত হইপ্লাডেন।
কেপ্টেমক গৰ্গৰ চাকার এডকেশীর ভরলোক বিগকে বথোচিত সন্মান করেন নাই। বী
জন সাব্দের গণিনিয়ার গাড়ি না এইগ্লা এক
জন নীসকরের গাড়ি নাওরাতে ডিনি বিশেষ
আক্লাক প্রকাশ করিরা বিজ্ঞাপ করিয়া ননি
রাচ্চেন ও ভারতবর্ধীর সভা সভক ইউন্ন। উ
জ সন্সাক্ষক এড পুরিডে পারেন। জীরভি
কারীরা আজিও ইবাকে আপনাদিনের পালের গোলা করিলেন না, বড স্থঃবের বিবর।

छेल्लख बरनन हैं नाष्ट्रा स्टिंग्स कर छ-एक्टिंग्ड वृक्ति अरु जन को-करतत करत हहे-एक छारात वृग्त स्वर वास्ति कतित्र एक। शर-बंदक अहे नक्ने ब्रांक्टिक वृश्च कतियात जागा ১०० च अरु जन को-कन्न २०० केल मिर्टिंग को बना कतियारक्न । कार्का निकेश अर्थ देशकरक्ष बिक्च च वृश्चनानिक्षिण्य भागि निवारक्त । अरे वारत कार्का निकेश्य आहरू वृद्धि हहेर्द स्टिंग्स नाहे । केलिसमान च स्तकता अहेक्स्म आहरू वृश्चि कतियारक्ता ।

ও রা আবিদ রহস্পতিবার। গড বর্ষে দিংহল নীংগ ৭৫,১৯,৯৭৯ টাকা

चाड स्टेन्स्का चाड जहा ४३,४१७० केल डेन्ड इटिडाइड । क्रमका जेक्स्का जाराहर कार्या करनक डेका चाड क्रिक्टरका । ति एस कील चाडक रहतंत्र चाडक क्रमका

নেশালছিত অনেক্রী আছি আনিগর বালি ভাবে বহুণ্ডা এবা পুনাইটার রেল অবি-ব্যান ভারতা সন্ধানেটোর ক্রিক্স হালি হৈ ত লাভে রেসিটেটকের নিকটোনে বিশ্ব জানান হয়। ভিনি আজা নিয়াট্যন আবিসরিটিগেয়া কোন এবা পাঠাইবার জারোলন হইলে ভাব। প্রবাদ নেশালের গুল্ক আলার কারী কর্ম চা-রিকে দেখাইতে হইবে।

রণবীর সিংহের অজ্যাচার করে নিবারিত হইবে ? তিনি আজা করিরাছেন, নীজকানে ইংরাজ অরণকারিরা তাঁচার রাজ্যে থাকি তে পারিবেন না । সেই সমরে প্রেলারা লগা কাটিরা বাকে, সেই সমরই তাঁচার অ-তাাচার করিবার সময়, অমণকারিরা পাছে ই-হা প্রানিতে পারে, এই নিমিক্ত তিনি ঐ বাপা আজা করিয়াকেন।

মাজালে একটি নাট্যপালা স্টিবার জনা

,০০০০ টাকা মূলখন সংগ্রীত স্ট্রাছে। ক
লিকাতারও একটি ইউরোগীয় নাট্যপালা ক
ইতেছে। আমরা কেবল কেখিতে ও শুনিতে
ভাচি।

জগন্তিখার বিশ্লোহিদিগকে ক্ষম করিবার খোগণা কয়। কট্রান্তে। চুই ক্ষম রাজাকে ভাষ্ঠ দিগের নিকটে প্রেরণ করা ইইয়াছে। ওদিকে বিশ্লোহিদিগের পরক্ষার গৃহ বিবাদ উপস্থিত ক্ষতেএব ভাষ্টানিগের জিল্ল ভাগ্য করা ভাগ-ভাবিত নহে।

১লা আটোবর প্যার্থ জেনরল রেশুণ, যুল । মিন ও নুেরার যক্ষর জর্শলার্থ গমন করিবেন। ভিনি এক্যাসের অধিক কাল রাজবানীতেও অনুপশ্চিত থাকিবেন।।

अवरमञ्ज ७० जन मिनिनिश्च अदहारण न्या-मिराज्यक्त । ग्रेंशिलिश्च वयुम : ५ । २०४४२५ वरमद्वित जामिक नयु ।

শীকলিবের গুরু বিব্যাল সিংহের মুহ্য হইয়াছে। তাঁহার চেটায় ১৮৪৫ জালে শীক দিবের সহিত কোজ্যানির মুখ হয়। বি ক্যান সিংহ স্বিদেশ সাহসের সহিত যুক্ত স্থি রাহিকেন, যুক্তের পর ভারতে ভিঞ্জিৎ দেশনন निर्माद वर्ष । चिकि विकास महा आहे कर्म प्रमुख क्रमा निर्माद वर्ष परिष्ठिया । स्त्री कर्म प्रमुख क्रमा निर्माद क्ष्माद चिकि क्षांत्र प्रमिकाण क्षित्रा (१८मन । प्रमुख क्षांत्र क्षित्र क्षेत्र क्षमा क्ष्मा वर्ष करतम है जिल्ले क्षमा क्षांत्र क्षित्र क्ष्म हशी छ क्षित्र क्षमा क्षांत्र क्षमा क्ष्मा क्ष्मा क्ष्मा क्ष्मा

(बाबाई (अंगिरकिंगरक अम कब्रक्त वा जानात वरेषारक् । द्वमञ्जादमत् अप अन केनी न जाबात पुरेशन बरणस्यक्ष मारम अर्थ बेलिया ন'নান করেন বে তাঁহারা তাঁহার বেডন দের্ নাই। বিচা।পতি বেশর জেবসন উক্ত ছুই বাজিকে িনা বিচারে ছাতকরি ও গেড়ি ছি-ব্লা এক অপ্রকার বরের ফুকাইরা রাখেন। আ-व डीएक्टिवंड भीट्य ८० ००, है। कांत्र अन খার প্রস্থৃতি ছিল ভাষা ও এই "গাহদীযোগ" আত্মসাৎ করেল ভাষারা বিনা করেণে রুক্ত হ রবাহিলেন এই শাশীশ করাতে নেজার e. · · होक। विश्व विश्वव विनय कत्रियां द्वां विमार्था क्वारेयारस्य । अकरन अने अन सरेरखरस् गत ब हैन शिक्षात यहे पूर्व ए कर्षातीत कार्यात क्षां वरमारवांशी व्हेरवन किमा ? अहे नकन मजाहादत्र कना जामना देननिकन्दिशन स्टब्स विচারের ভার शिवांद्र विगत्य अख अखिवांगी।

রেবিলিট বোড়া কনিসনর দিগকে পাউন্ত ভূমির মূলা নি দ্রণণ করিতে আজ্ঞা দিরাছেন । বলদেশীয় গ্রথকেট এই সকল ভূমি বিজ্ঞারের যে নিয়মাধনি প্রকাশ করিরাছেন ভাষা ও ভদিধয়ে আনাদিনের বে বর্জন্য আছে ভাষা আগঃমিতে প্রকাশিত হইবে :

नवत जामान जाना नित्रप्राह्म स्व न कल कारमञ्जेत जाना व वक्षणिक्त निव्यक्ति जाना जिल्ल अक्षण, जामानिकात जाना वास्त्र सित्र जाना निक्तात क्षणि एवं जाना व्हेटन जीना निव्यक्ति काली वहेटन जिल्ला व्हेशाहम, जामता नर्वामाहे अपिक्त जिल्ला हेलाया लिल्ला जामानि आसहे नीमकत्रिकार हेलाया लिल्ला जामानि कासहे नीमकत्रिकार हेलाया लिल्ला

নাজেষ্টবের মন্ত্রদিনোর সহারতার জনং কলিকাতার ৯০,০০০, নোজাটার ৭০০০০ ও নাজাজে ১০,৩২০ টাক। সংগ্রীত হট্যাছে। লর বার্টিস ক্রিরার বোজাটারে এবিবরে একটি

नकी कहिन्दिक जातनिविश्वा तृत्व त्यांकावित्वा कित्याम कहिन्दिका करित हो कहिन्दि तहन, जब कह नीहिंदि पंचेत्र जब क्याद्रांक वर्षा कंद कर्क हैंदेश शांक करान है बाहित त्यां क्यांक हैंगा त्यकाहेक्छ्या

पू विराम रंगाम अवस्तिको कि कि। विभागास नित्रतिविक जीका स्था हिन्

कात्रकन्त्रीय संबंधिकत्र	4,58,54,548
रकरहेगीय के	3,28,33,060
केसन राजिनाकारणन	4,2125,030
-catcag	440 St.00,t
বোৰাইয়েন	464 50 00,0
भरका क्षांत्रकंबदर्वन	40.00
য়াজিগাড়া প্রভৃতি	÷>,21,848
माद्यां म	5,53,88,538
ৰোট টাকা	33,84.:3,483

अख क्या है।का जात स्था बहु बारे।

লাহোর অনিকেল বলেন অনুজনদের ১০ জন সম্রাপ্ত বাকি পঞ্চাবের প্রথমেন্টের নিকটে এই বলিয়া আনকান করিয়াছেন উক্ত নহর অবধি শতক্তি নলীব ভটবিত কিলো জপুর পর্যন্তে একটি খাল খনন করা আবশ্যক, ইহা হইলে জানুত সংগ্র পশ্চিমাঞ্চাবর প্রথান বাশিক্ষাভান লয়।

২ % এ সেপ্টেম্বর অবধি ১ ং এ আট্টিবর পর্যান্ত প্রধানতম ও জন্য জনা লে এরানী বি চারালর বন্ধ থাকিবে।

জিলস পত্র বলেন দেরাস্থের আনেক জ-মীলার ২০ বংসবের কর পূর্বে নিয়া জনীলারি নিজর করিতে ইন্ডুব স্ট্রেটিছন ।

विक शास्त्रतत श्रीव सन। २०,००० है।कांब्र स्मिक हैं। कुल्कु शास्त्र । ना श्रव त्वन रे अ वाकांनि हिर्दित ना । श्रीन गयांक च्र क्यां-शिक स्मात्रक हरेन ना ।

আলিপুরের বেশবিভিয়ার বাঁটার স্ং. ভার হইতেছে লেপ্টনান্ট গ্রণীর কিম্নদিবস ভগলপুরে অবস্থিতি ক্শিবেন।

এবংসর সিশ্বি ইতিনিংগ্রিত্ কালেক।
হইডে এগার কন কতবিদ্য ছাত্র বাহির হ
ইয়াছেন। তিন কন সহজারী ইঞ্জিনিয়র ও
৮ কন সহকারী ওবরনিয়ার হইয়াছেন। সহকারী ইঞ্জিনিয়ারের মধ্যে চুইক্সন পূর্বে বি.এ
উপাধি প্রাপ্ত হইয়াছিলেন। গ্রন্থারে আ-

जानामण्डक समझ विन्न निर्माण नाम कि नि नञ्जि अर्थ कृतीमाद्वा क्यांना विक द्वार मध्य विनादक न नवन क्षांना नामक नान कियां क्यांना कर वर्दे अर्थे द्वार (जाना देख) मध्येत्वा क्यांनानीत नराम्यां करवन, जामांश्रम क्यांनानीत नराम्यां करवन, जामांश्रम क्यांनानीत नराम्यां करवन, जामांश्रम क्यांना नर्वन जयोगांत विनदक वर्म करवे.

el Cha waris

पूर्णाटमं एकपश्चिति विद्यानी हेण्यः विषय आप युक्ते पविद्यालयः । देशका स्वयः वित्र प्रदेश्यः १

পাকিরানার ঝলাউঠা পারত হইরারে গম-হৈন্ট পাজ। করিরাজেন, লোন ব কিসর কেইনিরা হইলে বলি ভাহার ভূতি: কার্থ প্রহর্ণন করিছে না পারেন, ভাহা হুই সে জিনি কেনল সৈনিকনেডন ভিন্ন জন কোন বেজুল পাইবেন না

বোৰাইরের এক খ নি পত্তে চ্ঠ হইব জাজর সেইন ব্যবস্থাপক সভার সভ্যের প জ্যাগ করেন নাই। তিনি অফ্টোবর বাসেব মেইকে ভারতবর্ষে আগমন করিবেন।

विकाषात्र (कुर्त क्यांतन क्रान्य र ए

क्षित्राम विकर्णत वाणांनी कालित भारीपूर्वाणण क्षित्रा अहम्मा विवय अन्य कित्रा
हिन्दा क्षित्रा अहम्मात्रिकारक वर्गा केत्रत
हिन्दा क्षित्रात क्षित्र क्षित्राय कित्रतारक हिन्दा क्षित्र क्षित

টানিরেশ হইতে সংবাদ আসিরাহে বিরোহীরা গুনর্মার বুক আরক্ত করিরাহে ।
কাহান্তিগের চারিটি ক্র ছর্গ ইংরাজনিগের
ইত্তগত হইয়াছে । একজন হতন করাণী
রপ্তারির অধ্যক্ষ আসিতেছেন । শিক্তিনন্থিত
কান্তি দুলে গাইবিরিয়া হইয়া কালে প্রত্যা-

শ্বন সম্প্রদার গবর্ণর ক্ষেত্রকের নিকটে

শ্বেদন করিয়াছেন যে তিনি প্রবিক্ত

ক শৃংক্রাছ অপ্রথত সমুদার টাকঃ দিবার

ক বরেন ভোগতবনীয় সভা নিকা সং

ভালান বজ্বেব প্রতিমান কবিয়া আবেদন

করেন কেন ? এদেশীয় দিনের অগলান

ইং বিশ্বাস বনেন, যোগপুরের রাজন ক্রডার সৈতেওঁকৈ জ্তালই ে ল. প্রে ল ক্রিতে আজা দিয়াছেন। এদেনী থেরা -ক্রেটার স্বায়ে প্রতিয়া ক্রিডেছেন না যে ক্রানে বাইতে না পাইতে না পাইতে ন ক্রানে বাইকেন না।

উক্ত পৰ আঁছুৰ ৰচনৰ গৰণৰেও এৰপ আজা করিবেল প্তেমেণীয় কোন বাজা অ-পিক লোক অন নাইবা আয়ত বটায় কাৰণ্ডৰ কেন্তু সীনান্ত আসিতে পারিবেন না।

হরকরা লিখিরাছেন লার্ড এলখিন এই কবা হ্যকর বর্থাকালে বেছার বন্দ-র না শাইরা আপান্তভঃ মাল্লাকে বাইবেন।

বেলপ্রায় ও থাজোরারের মন্যে টেলি প্রাফ বন্ধ হ-য়াতে এখার ইউরোপীয় সমাচার স্মানিতে নিলব হইয়াছে।

জোনেক মুবাইসন দুই ত্বন মুসননান ও ত কে বেজন না দিখা ছাড়াইবা নেন। ও'হ' রা বেজন লইজে খালিবাতে সাংহ্বেন সহিত ভাহাদিনের বিবাদ হল.। তিনি ভাগাদিগকে ভারমিত বাটার ভিতর জাসিতে বলেন। কিন্ত ভাগারা প্রহারের ভরে ভাহা না করা তে সাহেব ভাহালিলৈর নামে পুলিনে নালীশ করেন। আবৈজনিক মাজিটে ই ভাগিদিশে ছুই টাকা করিয়া জবিশানা করিনাছেল। অবলা। কুমীরের সঙ্গে বাদ বরিয়া জলে নাম করা হবানা।

(हे माथिन शनियात ।

व्यवस्त्र विक्रशास्त्रमाहिका महेगा महादशील যোগ উপস্থিত হইয়াছে। কতৰ গুলি 'ৰখা'-পকে কহিতেছেন, নৰমীপুজাজে বিস্ক্তন হইবে জার কভকগুলি কহিতেছেন, প্রদিন अहे विषयात भीमा शार्थ जी वृद्ध वा मा त' न'कः স্ত দেব ৰাহাতুর আপন আলবে ২৪এ ত'ল এক স্কৃতি করেন। সভ*কংল অন্নেক অ্পাণিক উপ স্থিত দ্বিলন। তীবারা প্রাণ্ড সকলেই এক वाका रहेता श्रुकंकिन विमर्कान व वडा निवादका कट कि जिनत किम तक न विद्वार थाय न र्कतानिमण्ड रच मा। धविषद्य अर्थिय महेत-প মতটাপ হইছাছে ভাহাতে আস্মান্যা বিশা शालत बि । आभामित्यत विन्यत्यत विनश् अहै। देविथिक नामाणिकशर्वत मर्द्या त्वह त्वह à क्रिस्ट द भूदर्स (व वा बड़ा। क्रिसाहित्यन, शहर অবি, ' ভারার বিপরীত্ত বাবস্থা দেন। অধিক भूँ तम स्वित्वेड क्षेत्र क्षण वश्च । क्षण अन्तराहन . ध दक्षीः संकन् दहि ।

হি নিকা জ্বৰ কৰিয়াছেন, ৰাবু র্মাঞাবা শেষের পদে ৰাট্ শমুমাৰ পথিত স্থাতে

ক্ষা ন্থাৰ ক্ষাৰ কৰা সভ্য হই বেৰ।
আন্তাপিও ক্ষিত্ৰ বিচ্ছালী কৰা প্ৰচাৰালী ও
কোনাৰ কাৰাকে বিচ্ছালী কৰা কৰা কিনামিত
কৰা হইল না

নিয়নিৰিভ মুনো গ্ৰণ্ডেট ৰূপ্তি

· 是

- ক্ৰীত বইতেছে। ৪ টাকার সিকা
- ৪ ট'কার কোম্পানি
- ৫ টাকার নিকা
- া টাকাব কোন্দানি

ইউবোপীয় সমাচার। টেলিপ্রাক্ষেপে আগড়।

বেওন সলা সেংগ্ৰৈছ। গায়িব দ্ভি প্রিকৃ নিও প আহাত হট্য পাৰতীয় সংক্রণ স্থিতি প্রা হুটিয়া জন। সভাসভায় প্রায় বিকাশ হুট্রে

প্রিক্স সন ওয়েজ সের দেন্যাকের বাজকুল বী আলকজাতি নান সভিত নিবাছের সহজেন নিয় গুলাল কার্যা দেওয়া হায়াছে। আগাঙ্গি বসভ্রালে বিবাহ ধ্রানে।

নিউগ্রন্থিত গমন কবিয়া সোনাপতি পোপেয় গতিক গ লিত ছইয়াছেন। পোপে বন বনাইছের আন্প্রি লাইছের আন্প্রি লাইছের আন্প্রি কবিতেছেন। বিছোর্থনি দক্ষিণ পান্রে আছে। এবং ভারারা বাা জ্যোল পর্যন্ত কাল্যান পাতিয়াছে। বিজ্ঞোনীয়া অনেক বার ন্ত্রী পার ছটবার চেই। পায় কিছু কুড়কার্য্য ছইডে পালে নাই।

বিজ্ঞানীর বিচৰও হইতে পর্ডন্সবিলের চিগে বার জিনিবার উপতাকার প্রবেশ করিয়া-ছে। ভাহারা- ভয়ারেটেন ছইয়া পর্ববৈহন্টের লেন মণের পশ্চাতে আসিতে চেটা করিছে ছে। উভয় দলে একটি খোব সৃদ্ধ চইবার বিলা-

বিজে টাবা কেন্টজিব নামা স্থানে আবেশ ক-নিশ্বী ক্রমণঃ থাগ্রেসর ছইয়া বাটন রোজ হস্তপত ক্রিয়াছে।

প্ৰত্থিত বৈ সম্প্ৰে অংশক সেন' আ'সিত্তেকে । ১লা সেপটছৰ আৰ্থি জনিছু বাজিলিগকেও লৈনিক পাদে সংগ্ৰহ কৰা আবাদ্ধ হয়। তে

an, for fares will profes for in conwar durated winimical Barmes utera lafa seso men so mith munich टबरम् नरका को बिहुके छित्र कर्मका आहि व है-CER !

क वें त्वरण्डियत--ति, वि, बारवर्षे बाहबय २३ शत्रवरात आंक्रीमां कार्यमा कि क (क्यूंकि का: महित व्हेरवेन।

क्यांत्रके, बन, न्यायं नारक्य में क्षिम राज्ञ-चन्द्र अप्रयाती क मनमञ्ज वेदनव ।

टबर्डि मानियों है व क्रम्पि कारमहेश क. कुन मार्थ्य न पुसुन विद्यादनीत छात्र आखे ज्वेत्र। ভগলপুর ও পুর্ণিরার মাজিক্টেটের সভার্ণ कत्रका आस प्रहेर्यत ।

 वे त्वरण्डेश—नांद्र स्थानंत स्थानं शाबाद्य वांचाबित विवय को वित्र जूर दिखें हैं च केट बस ।

चान, नि क्षत्रोत्र मारबय कुमुबान अजिनिधि 'नवक क्रोंकि सुनहित्केटकके बहेदबन।

 वै 'दंगटगृष्ठेशत्र—िन, ब, वत्रक्ति गांदश्य **इंग्रेशात्वत अलिथि बाहिने वाकिएके हैं उ** र्ल्स् हिन्द्र को वर्ग ।

ভবলিউ, বি, ইভ্স সমুস্থসিংছের এডি-निधि यांचे वे बांकिटकू है । कार्या कारन है व

भागांचारहेत्र मध्य चाचिन नांबू बहुनांच वाष चालमाय कावी पाकि ब्राप्त महकारी कृतिम-वर ४ एकपूर्वि कारलक्षेत्रम व्यवका शहिरका।

প্রেরিত।

খ্রীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় ममीद्रभव ।

यात्रि कलिकाञा इहेरेल काणिकाव नवरव " (शान का भाग मामक त्य अक्षी कांचे कारक. া ঐ হ:উটা বাণী নাখমণিৰ) কথায় হাতিতে ^{(न)का} वार्थिगोद्दिलांग, किंदू गरह लिखिलांग रा ^{এकळ}न सूमलगांन आमिश्च पूर्वेशांकी बिनश्च गटडाक (न)क। इहेट्यू लीड शहना बालांड कति-13'e. जटम आगांत कोकाटड आमिन डेग-

frett uter uffe. and effects their fee chair with applied by the state of th में किंक कोन्नहें करियां. साथि करक्यांद संबंगा श्रीक्री विश्व विश्वविद्यारक विश्वाप कतिशा विश्वविद् ल वांक्रिय क्या देवांच अविदय शहरक ता अवंश मोका चारब रामसूरात रहेरकर बहुन कीलाह क्रिक जिल्लिक ।

आर्थि प्रथमहत्र मां बरबाद निवरते वादेश विकास महिलाम मर्गामह! बर्गास लोग हाचित्र भक्षमध्यात असम् २ मान्यस्य प्रशासन्त प्रयुद्ध वा<u>यस्</u> ছক্ষ দতে আহরা আলায় গরি, ভূমি ভাহার কি চাঞ্চ আদি বলিলাৰ বে এই প্রদা হার। এ-थाद्य किन्मी अहेररक ? उद्युख्य माध्य प्रतिद्यान বে লপুর বাবুর নিকটে লিজাসা করিও, অধিকধা ভাৰাতি **ভৱিলো দেইবাত ভ**ৰুত্ৰৰ আগত আতে बिनटकाम दब बदवेरी कांत्र नविने लांकरक विभfest fect !

शरप्र अभिनाम से माधायत ताम ज्ञानांच ब्लाय, व्य बूजनवाम गरून, जाना। यदा जानाइ माम कनत्रकी।

मन्नादक महाबद्धा-जानि कानि मा दर बे প্রকার পুটারাড়ীর পরনা কোল আইন ও রাজ নিয়নমতে অ'ড়ার হইডেছে, আব ভাষা আনার क्षेत्रांकि क्षाः "

वित्यव अवती अवे प्राचितान एव प्राक्तिएक का विश्वामा श्रीकरण मर्क्षण हति वह अस्थामा বৌকাতে ঐ রাভিতে ভাগও হইছাছিল।

विमम्बूरांत्र व

জীযুক্ত সোষপ্রকাশসন্দাদক

बद्धापदशब् ।

छाइटेन्स कारल (११) अवर्गन । এডুকেশন ডিগাটনেন্ট কি ভয়ত্তর স্বান্ই रवेबा छेठिबारछ। अहे खिलाप्टेरमके इंड क्लाम কোন কৰ্মচারিক চরিত্রের বিষয় স্থরণ করিছে इस अज्ञापि मकत छेवत मरशा अविके इस, बाक्-শক্তি শুদ্রিত হয় এবং ইহার প্রতি এত মুণা কল্পে त्र देश्त जिनीमा विश्व के चात कराय देखा दह मा। दाह ! अवर्गनि मान क्रिएक्ट्न दह कीशांत्र क्ष्यूर्वित्य त्य विशासीय निर्णाण विन्त उद्भन छोर एक अमुख्यम कन छेर्यन इहेरन

CT FART PROPERTY ক্ৰিবিদ এই ভিগ্ৰিয় **अवैद्धा**ती मरकस । क्रिकिश क्षांक जम्म २०० केला wight to B fenginens बोर सेंदार छैंगर अभिना POTETT PROPERTY THE वनीक प्रयानिका क रही है नि सम्मान परेक्टर । किकिए में লোবাৰ উপ্ৰবাস্ত্ৰ, কোবাৰ নাম্য জাকাৰ, কো বার বছ বছ ব্রাক্ত ও কোনাও কা প্রকাশনীয়া वाकिए वरेता विशिष सार्ग्त्र प्रतिक्षय प्रकार ৰণট বাইবেদ বাৰায়ণ ক্ষিত্ৰ ক্ষিত্ৰ প্ৰ-टकम, कावा 'क्रकामा' एकाम सामी नेका महित्यर ए नाः किन्द्र किनि विद्यत्र प्राकृतिके प्रदेशो हर कररना চারিত্র ছবিত কবিতে উবাক ক্রিয়ায় , কা্যা কোন দ্বংশ কৰা কৰিছাত্ব বোধা নাড়ত্ব ভিনি ব্যাকন্দেরের এতাবুশ ঞ্জিয়াক্সম হটুয়াকিটিয়ান ম বে ঐনেবের অন্ত নার নিবিত্ত প্রক্রিক কর बूदे डेक्स् क्य केंद्रात निकास वस मा । अनक हिराद चकारने कहे त्य, बीहांदा चालंगांदिर অবলয়িত সূত্রন ঘর্ণে অন্যান্য লোকনিগট जानेत्रम कतियात वर्षाहिक क्रकी कृतिया बारक ন। উক্ত সংখ্যাত ঐ এখার প্রতিশাসনে কে ज्ञात्महे कवि कति।क्षाहरूम मा । मसामह होत कीव বালার পদন করিলে আছু কাছাকেও ডিকিলীন वेक्टब्रद्वम बागांव लाग मा कहारेगां शाहि दशम ना । अक्या अक क्षम जेंद्रमाई देखाँगे दश ভাষার বাসার পদমক সময় জীক্ত প্রথ ভাগ বলানত ভাষাকে চাকরী করিয়া বিভান লাক। शहर्णन कतियां मानाव नाव कतिरंक केविया। भोजा रनेता बतीर स्वकाता क्यन लाज क्या हा 🤏 क्रिय नारे, क्र अनियानाव एक्स्कि । विक शाह रहेका गढ़िला, अलखह ग्रंड श्रंड बंध भागांग बहेत्रांक वर्षम स्मान चटकहे आगा काक्की बरेन मा, छत्रक छाडाटक पूर्वजात शिवात आणा विका से कथा कांद्रांबल विकार ... কাশু কৃরিতে, বারণ করিয়া ছিলেনা। !

পাঁঠকগৰ ! আযায় উত্তরটী ছাকা বিয়া বসুন स्मिष वाक्न्रस्वरक वक् छात्र बारत रक :-- वी মগ। প্রত্যাং বিনি ব্যাক্ষ্যের ভারণ অনুরক্ত खिनि वीनरमन्त्र शिव्रभाव क्या मा वहरवन। क्ताउ३ कामाना अक् बाब्ध देख स्वीव स्त्रह ি হৰলৈ, পদ্যা দাও বলাতে আনি জিজাস।) কিছ ভাঁহাদের জনবধানতা কোৰে তাহা হৰছে। মন্ন ভাবে এচাবৃশ মুগ্ধ হইয়াছেন যে ভাঁহাৰও

वार्तनात्र विविध परकाम आव मक्स कार्यन क्रिक्ट केश्राक क्षेत्राच्या । क्रिक्ट कार्यमाहर्तिक REIN PROPERTY PROPERTY OF STREET, STREET, as bet since their the best of the ग्रेक्टल नवन कविता क्यान क्यान नाही जान व्यामुक्ति क्षेत्रिक्तिक केल्लि आहे. स्टिक क्षिक कहा किहिया-स्थानीहरू व्यवसंदर जासहित कतिराज भीवरिकः मेर्द्रका नेत्या क्यारक भाजित्व sis, all mai contras land Gierce conce म्म-विक्रिक क्षेत्र शामतीय क्षि रामका की त्या कार्य सिंगात केशन जारिक जारह—त्या-त्मचार्वके बोक्क कांगात वित्राचन कर्मनान कामिक वाक्रमांची प्रदेशक गारम कामूनवृश्यक जिनिः अभिन कविनद्य क्यानीवार्गिक इदेती 'अधिकायक जूना श्वरवंत्र, आवारत केक रक्ष वेवेदीस मेरकाच्याच कविता वारकम ! !! किन दर्भग विकारमध्या निकित कर कर स्थान त्य अञ्चल स्थाप करिया महत्त्र महिला दिला-ইতেছে হৈ ভাষা লিখিলেও লেখনী কলছিত।

এবং আহন কৰিলেও পাপ হয়।। श्रामी केल विकाद त केल बाद बांतिक १००, क्षेत्रा केलाका करिया बारकत, कि ात मर्क नटबंक क्यांत्र sie क्यांत्र होक। दनना शहर । भारत्मका । ब्राम्य विद्युष्टमा कविद्यम त्व के कर कीशात रेशकृष का स्थान नद-। ज्ञापरमञ्ज निर्मित्र जात्रकुष्ट स्वेत्रश्रह : व मृदे शृद्काक्त दहर ध्यतीह व्हाद्यशृज्नीक्राण अ হইয়াছে ; ইহার পর আর বা কি হয় ভাকা-वियं कि। अन्याप कांद्री कतित्व वीवानित्वत ে তাঁবার কিছু ব'লবার ক্ষতা আছে, বাঁ-গকে সময় বিশেষে কিঞ্ছিৎ অনু প্রায়শন করি-क्ष क्षामा अक्टर व्हेटन, जीवानाव जीवान वर्षा क्रिक्ष प्रशासनिविध का विवास कर विवास क्षि बद्धा कीश्रा होका होस्या वितरमंद्रे हक्ष् श्रद्धित, भूखद्वार शवर्यदम्दलीव कांदा अधारणा शासक किनि बहाकनविशयक बाँहों हेटल नां विदेश भारत्व मा।

रम असार वाजिया छै। हे अञ्चा असा ানুই বিরুত হওরা গেল, কিন্তু একণে নক हम विद्यवंत्री कतिया स्मृत, त्य खेळकृत शक् क्षित्र हुमाहि क्षेत्र क्षान फिल है (१ एक कार्मात्र कार्यक्षी वाकित्म छात्रात । सन्म শ্বিত্র হয়। ওয়াল চরিয়ের লোকের প্রতি শত क्षित कि मार्थ अवश्व मार्थन । कि आंक- छात्रि वा स्थाय कि, बाल मार्टिश करें, खात्र विकाल्यर के विकाल्यर के कि शाया अवश्विक एवा

वी । व रशा वक कार क्षाम दलाएक व्यवकार to all use the time again from the gen-क्षत्र कारत कशनांत्र अदिक्षत्र बाहुबाँव वेहारबन र्वना चे रेपारपुर कुर्तिक क्रिकेटिय संग चे रि ces outenie" & day Chaires allans छ । भविष्येत क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र এক বার নাবধান করিছা বিহতাই--ভিনি পান मान्<mark>यानको ७ वनसम्ब द्वान ग</mark>रिकान क्रम्म, निक्रशिक्ष कारो श्रीकृत कर्पत्र गाँव त्याथ क्यान এवर नव्या छ गांधु वावश्वात अवनवन कश्चित्र कर्नुश कादी जन्मकात बच्चवीन, इंडेन। फिनि देश निकास कानित्वन वा, शांशांता क विदा (कर कथन हिन्दमान सूबी व अमृश्विषं वा किरक लारत जा, गांदबंद कम कंदमा है क्लान क fat . witte Elle :

चामाविष ३६ शिवन वहेन वधारन चरब -बाब ब्रक्ति इंडेरफाइ, जनार्था र । ७ जिनम रन-क्रम बहेबाट्स मा अकाब अवश्मत हत माहे. बहे इंकिटक काममात्र हजुःशार्थान् मुनक्तित्वत व शक्ति वहेशांक छात्र। यहिनात मध्य। अप-बक्तः कांदारकम् शाका कांद्रियान मके द्रेषा-ছে। খ্রিডীয়তঃ আমনধান হেজে বাইনার উপ-ক্ষম হইয়াছে। অবংসর বে তাহাবের কি.এ-कारत विमलाच इंदेरन छात्रों नला इतन । मना-नेत्र बटक काशास्त्र हात्वत्र बहै वक्ति, वेशंत উপত্ন প্ৰায় ভাহায়েত্ব সফলকেই /০ এক আন্তাৰ জারগার। চারি আদা চৌকিলারি টেকা বিয়ো হর। বিশেষতা বাধার। টেক্ল আলার কান আঁ शास्त्र मृत्रुत्वत कथा अक्थतीत, छार ना कर्षे, ছ কৰাৰ বলিৱা বাংকদ "এখুনি পয়না দি-বিভে। দে নতুবা ভোল পিটুই 🌉 বছ লয়। ই-ছারি নাম মড়ার উপর বাঁড়ার হা ''। বদি হগ সাহেৰ বাহং আলিয়া এই টেক্সের বিষয় ভদা-দ্ধক করেন এবং সক্ষতান্ত্রণারে সংস্থাপিত করিছা ्रांक डांका वहेटल हे नर्सनाथां ब्रह्मत मकन, नष्टु-ণ' বৃদ্ধিৰ লোক মাৰা বাছ।

वयानकात मीमकीम कारकता व्यवस्था মনে করিয়াছিল বে, শশা ভূমড়া হইতেই লুগ आब बांशतका खर्डारशिवत छात्र निरक्त कता. रिक्निंग स्टेटर किन्न सामिति ना गढ़ित गढ़िन कि अध्यादिकर केत काहित्मत कारण ला. ममर्गन | उन्हें विहें हरक ह्यादि विहें काहिता वाह, करने हैं अक्षा देहरकाम ना ? शर्गायक कियात प्रतिकृत वा ना त्वन, छो कियाव त्वा को किएक आदन ना,

RIGHT WITH WHITH Total Marie शहर, विश्वकता शृक्षक क्रा काकं स्ट्रेंटर । क्षीवृक्ष बाद सांबहस बद्रवानाशांत व्यक्तिसर ১২৬৯ আছিন ছট্টাড়ে কাস গুৰু পৰ্যায় CHIL e. Firs " পলিভবোষৰ বাছ চৌল্লী টোলা ১০৬৯ আপিন চইডে কালক পৰ্যান্ত Cate ⁴⁴ ভগৰতীচরণ ছে र्व अपन ১২৬৯ আহিন অবধি ৭০ ডাঞ্চ পর্যাস্ত क्यांत्रवाचे बरन्यांनाथाव छवरनाक ১२५३ ভার অবধি ৭০ জাবণ গর্বাস্ত ** व्यागधन क्षीयुरी _শিৰমাগৰ_ ১২৬৯ কাৰ্ডিক পৰ্যান্ত CHIER & • বছমাৰ দাস **में एका** देर ५४%२ दिन होता है अप कि कि एक स्थापन CTIL E 3 वांशांसभ ১२৬৯ जाचिन जर्शि मामधन शर्या छ कानीवाह " दार्गाणहळ च्छोहांचा **3235 । 36ई खांदन चर्चाप 36ई माप** टकार e खे " ब्राक्षा काजी शतक ज्ञान व्यक्तिनीश्रव **५२७७ छाज भववि याय गर्गास दक्ष १ द के**

> श्चिम्म नाथ छह CTC! 8 ১২৬৯ ভাতভাৰণি সাম পৰাত वे नक कलिकांचांत्र चुन्द बांच्या (वृत्तकरनद एमा-कांत्रवास्त्रकारमञ्जूषा हाकांत्रियातात्र विवासमानार

वातकाताच वरणहानावाच वक्केन

इशिष्ठित्र बरनगांशीयांह

১२७३ आधिन अर्थि कांचन गर्वास

खनरखी हत्य दम्य

১२७३ चाचिम चनवि १ है जात गर्वास को१ >०

১२७३ जाचित भवीय १० जाजनयास त्वरी ३०

বুক্পুর

CHRT &

中国可可以再

রজ প্রয়

अविक्रिका

प्रवर्तनी प्रकृतिविद्यास वार्तिकः वरसती मृतिनवर्ता स स्विती

जन १२ छ। २४ महिन। देश १४७२। १० वर्ड विक

東西 よがま-

ता क्षणका व्यक्ति का क्षणक वाक्षणिक क्षण वाक्षणिक व्यक्त वाक्षणिक व्यक्त वाक्षण्या क्षण वाक्षण्या व्यक्ति देख नाम विश्वणका

> विकास सामाह-करण सांग्यामि-इति कदिवास हैका त्राम किर्मा किनि ग जारा के त्रप्रा सेत्रकात) वृक्त सांग्र काश्चरकान क्रिप्रमा

ভূরোর সদ্ধায় ও বাস্ট্রির বিশব। বাখ-লার ইভিহান প্রথম ও বিভীরভাগ। ভাক বহুরাশিক ও সামান্য ভরাংশ পর্বায় । তেন, জি, মেড্রিকট

वांचामात क्या विकारमत कृत देवर करेत १०दे अहर क्षेत्र

भक्ष १४३३ जान

तिके देखियान गरिखिति ४७ वर करनाम देश्वीते।

अविश प्रवत ।

विद्यास निकारण अपूर वस वर की.

विक देनका पर्णा नगर विद्या मन्त्रिक के.

विक देनका पर्णा नगर विद्या मन्त्रिक के.

विका विद्या नाम्यकाल मारम का नाम का निवास कि.

वा गुण्य विवास का मारम का नाम का नाम

The second of th

Print Proper williams

and particular desired desired and produced and produced

CONTRACTOR DESCRIPTION OF THE PARTY OF THE P

कार्याची २५ तम के २५ तम कार्याच्या

प्रयोग क्षांनी नन्धान विष्णामध्याप्र कार्यानार्थि विरागत महीका स्टिन्ड के किया विकासिक नदम श्रदीक अहेदन । श्रद्धिकांक विशेष नाजाना अवैना स्राम्प्रत किश्वित चाक ७ प्रत्यांना

जार २ हे और स्मार्टियन २৮ ४२ । ৰাজালায় ৰখ্যবিভাগত বিদ্যালয় সমূহের অকিস এটিং इन्ट्रणहेत्।

> ্ৰে।মপ্ৰক।শ। २७० पार्टिय त्मामबाद ।

আঁম্রা ক্লুক্ততা সহকারে স্বীকার ক-রিভেটি জোড়াসাঁকোর প্রসিদ্ধ দাভা क्टब्बहिटेडवी जीवुक बावू कालीअनव শ্রীংকু সোমপ্রকাশের উপতির নিমিত্ত ২০০ টাঞ্চা খান করিয়াছেন গ

িভামরা সানন্দচিত্তে প্রকাশ করি-ভেছি, বিশানুরাগী তীযুক্ত আনন্দচশ্র বেগন্ধ বাগীল ক্ষম আরুত্ত হইয়া পুজার পুরাবৃহিত পূর্বে আমীসিগের আমের বি-ब्यानरवद नदीका अर्व कदिवा नरस्थ প্রকাশপ্র চল্লিশটী পারিছোর্নিক দান ক-संबितारहेन । शांतिरणांविक मान कारल **খনেকে** উপস্থিত ছিলেন । হ্রিনাভির মযুক্ত বাবু নবীনচক্র ছোবও বাসক দি-্ৰৈয়ে উৎসাহ বৰ্ষনাৰ্থ তৎকালে কিঞ্ছিৎ খান করিয়াছিলেন। ইহাতে ছাত্র ও পণ্ডি-**क किट**राइडे मितिया छेशमाह दुखि हुई-

° ১২৬৯ সালের মত তুর্গোৎসবের আ:-क्षेत्र के लाव करेल। यदारत करुक छिल अर्थात्मक अधिन्तरम वावदात कतिगादछ-अं विश्वोत्रा अक स्पूर्वलक जल एस अहत **শ্রেমা শ্রুক্থানি লোককে এক নি**রে क्षा का मारा के अपना भारत

ট্রব অকাল মৃত্যুত্র-ना इहेटल गर्ब छ ७ जरामका मा दिएक रहेक।

ছুপ্ৰেৰ সৰেট্ৰ জুলা হিন্দু জাতির মহা-মতেংখনৰ প্ৰীপ্ৰ'লাই ৷ হিস্ফুলাক্ৰকারেরা उपन्छादम बद्धालम आउ विभिन्नारहर । किस बावजीत दिन्ह अध्यानराजाशी नरहन । दिशांत श्राटमम भार्त एकेटल क्र्नाथिकगांत महिक बक् अव्यन्ति इतं ना । य य शासन व्यक्ति उज्ञास्त्रभावनारमञ् मिहे स्वार्थ क्षांत्र क्षांत्र क्षित्रात क्षमर्थन। बाजालिवारे क्वल धरे उरमवंत्री धक চেটিয়া করিয়া লইবাছেন। ইহাঁদিগের এক চেটিয়া করিয়া লওয়া বিশাবের বিষয় नदर । देर्गद्रा त्रवन भादीतिक वीर्या ७ मा**द्दम हो**न, माननिक मार्ट^{मी (}एमनि अकास कीन । अस्तार देशीता की कारण সেই অবিভীয় পরমেশরের সাক্ষাৎ আরা-धवात्र काङ्गी हेर्हेट्ड शाहबून ना।

धरे विश्वकरीन करानत्मत्र जनएग्र ष्यायद्वादे दक्षम विश्वष द्वाषाविरभव महिल बिद्राम्हक कालएकश कदिलाम । छुर्छा ६-नेव कारलब जब चान, बश्च मान, ७ जना-विश्व मान व्यवस् शुका व्यवसी, व ममन् विवर्षत हिन्दा स स नमद बामानिरणत श्वमा व्याप्तान कविन स्टेशिए, तारे अहे **সময়েই আমরা নিতাম্ব অন্ধবিত হ**ইযাছি। जामानिरमन् रमर्जन लाएकना रमरे गर्न नि য়স্কা, সর্ব প্রস্থা চিক্ষর পরম পদার্থের আরা-ধনার পরাত্ব হইয়া অকিঞিৎকর নিষ্কির চেভনহীন জড় প্ৰ-থেঁর পূজা করিং। অপিমানিদের অশার্কা ও ক্রাশয়তার পরিচর প্রদান করিভেছেন, ইছা দেখিয়া **डिटखंब नूथानूख्य मखारमा कि**ः अहे मु<u>र</u>ू त्मन ac 1 30 1 39 है और किन कि.म विस् পনা দেবের অন্তনক অর্থ কন্দ্রীভূত হট্যা-क्षेरिकारेक ब्रेक्किक करिवारक्य । दि उ प्रशि (क्षा) व्याप अगर्श महिला ह्यारक जे किस मिन कार्यकारक करियादमम विभिन्न हर्रा १ मन के पत्र भूतिया मानाविश्व स्वता उन्यास करिया नत्रम कीकि अपने क्षतिमार्टाकी अर्थने भागा

कतिहा दार्शकायाः লাভ অতি দায়টো ৰ ইবে স**েল**ছ নাই। পঞ डेनकादत डेनकात करण त्व चामश्या प्रार्थ यपि चित्रकृत क्राप्त्रभूके क्या एक अमितिए हैं। উপকার ভোগে অ আশীৰ্ষাদ ৰায়া বাং ना । य कार्य चात्रा উপকার লাভ' সন্তান অধিকতর পুণ্য সঞ্চ जवकालीय क्रांत्यः भाष अर, लांटकत मनारमान विकित करे প্রভৃতি সমুদার সক লুপু হইয়া যায়।

(खरु

এতহত ভিৰাদ ত পত্ৰ আমাদিং कारम अक्षिक र ধিকার প্রস্তাব জ ত ছইয়াছেন, পা कांश हिंदू मर्ना

३। अवस्या সকল পুত্ৰই সম' नाम विवासित च ल डांश स्ट्रेंट ভাব বৈদর্গিক পিতার পুরগণে হার শে 'নিতাং क्षिकर में अमिन गार्टिएर्ड काम्। त्य (कांन कांटन खुलाः शांत्रम्, चु क करेंगा ज्यानाव का सुरी वर

किन-मरनावृद्धि प्रमान कि चाटह, मि मकल्टक নরব্রিভ করিয়া ভুলা लित नकन् नगरग चिन-। जाशास्त्रभंत्र शत्कान रत परनक दिवस बहेता र्थ मन्मिक्तिर मधानना अर्थ थाट्ड. (मरे भुता। ग नकत्त्र सिक्ट हेरे छा-मित्र, क्षांश्राहर कथा चाट्य क्ष करता जेपना वान वा-ৰ বিছান ও বুজিমান হন, শান সর্কাশীন উন্নতি লা-रनः आह्य। अकं क्रम गर 'CBA.

(क) न*ो देशाक शक्त*ः । ট তিত্ৰ বাসং ন কার্য্রেং গ্ ৎ অর্থাৎ পথ্যিত, মাজা, े भाइ अन स दारन वा वित क्या कर्ता गरह। র মধ্যে ধনবান লোক ध्य के बादक ना । जाया-त्र्य क्षत्रीपादी नकन । यूर क्ष भश्यम रि मा दर्भ धनीत मश्याः ान्नद्र मरश्रा

> विकादिश ক্রিয়া দে बस् काश्रम र सूमि न र्भक इहे ्रे**क्श**िक्श , इंक स्व क्रस्य गा ,श, क्र ८म

क्षा जनीताती विनकी द्रेवात मीलाम व्यक् कि त्व नमल केशसव चारक कारक का फ़िल्क काकात निवातन दरेगा छेडिएन। स्मरम। हरू सभीमात्री गकल म्यास्त्र स्थित सात कविकःका ७ कविरक्तत स्ट्रें मान-इ नाहे 1

পত্র প্রেরক লিখিয়াছেন, " পিডার हाति वा लीह भूटतात्र मत्या धक वाक्रि शि इपल मस्याध सभीमातीत स्थिकाती াইয়া সুখ সক্ষ্যেক কালাইতিপাত করিবে, मगत करस्कृषि कश्विक चत्र्वित नाव राज्याला बुखिया ती स्रेमा हिन्दीवन ्रिट्य कालारेत्व, रेश नात ७ वृक्ति नक-। नटर् । " कमीमाजीत पश्य ना भारेटलर् াতভোলা খাইতে হয়, পত্ৰ থেবুক কি ाटश अवश शिक्षां कदिरत्त ? अ तर्मांत्र कित लाकरे कि क्वीम'त्रीत अश्म शाहे-া থাকেন ? জমীলারীর স্পান্ধ ব্যক্তিরিক্ত হ অর্থাগ্রের উপারাত্র নাই : অনীয়া-ोत्र विकाश निशम त्रहिङ हहेरल **जात्र अ-**कि बद्दाशकाव माञ्च स्ट्रेटर , शब ध्यात्र-ः छाहा चानुच्य करत्न नारे। समीवाही া তে,গের নিয়ম এ দেশের অধিকসংখ্য । गंदका थे माना श्वाम अपृष्टित का-। ৭। আভাগ আভার বিরোধ করিয়া কভ । भीमारत्रत प्रत अध्कारम छेरमा स्हेशा शिहादकः (काकेशिकात निःम व्हेटन ब ং থপাতের অনায়াসে শান্তি হইবে।

२। शज ध्यत्रक रालम, व परण वा-ः विवादहरू षश्चिमा वा कुर्ड व चारह, प क्षा विवादहार भन्न अधम भूर उन्न निर्वीर्य। ধ হতবুদ্ধি হইব'রই সন্তাবনা, সুতরাং ভা मृतं भूरवात करण इक्ट कभीणात्री शक्ति कि रिल वहल अनर्थ यक्टिव नटनाइ में है। हे "त जेखत् मान घटन चात्राविटकेन चिन-क राज्या मार्चे, अ रमराभ बाह्य विवाद देव 🌡 🗷 ি কাল একাধিপতা করিবে, পত্র প্রের্-तः। अक्षण निकास , समित्रा जाना पुरिकान-

म्प्रकारका व्यक्तिका मृत्यू अ

कानगाववार विद्वारी तथा वारेटण्ड की वानाविवाहरे व भूत्वत निर्वार्थकों र्डवृक्तिकात ध्रक्यांव कात्र्व, काक्षा व्यावसा वीकात कति हो। यथन बुरूर स्वीकाती কোন ৰূপে অন্য পরিবারের ক্রণত না रह, तारे क्षिश स्टेरकाइ, क्षेत्र धनीत এখন পুতের নির্বৃত্তি ও অক্রথগঞ্জী (£À

()

म थ

712

टर

P 1

ोर

'4]]

|বৃঃ

f

13

4

(?

1 1

5 1

7

স্পরের উৎসম হ্রবার সভাবতা ন ण हेक् काटन व्यानगाट्याश्रा विस

क्षि क्षाकं भूटवात रहक विषय जन-

कतिसं गारेटवन यनि अवना याद्यां

१ इत, छाहा इहेत्स चारबाः क्रकः। m বুলির বেবিটে পাওটা যার, লিক্তা প্রায় श्रित श्रिक विरागन काइन वणकः गरि-(पार गण्येत्र द्म । (पार्य पाउः व धरे कृष्णेक्षन पावस् निक्षं न वाक्तिरुक्षक महो क्षेत्र गण्येत्र विक्षं न वाक्तिरुक्षक महो क्षेत्र गण्येत्र विक्षं न विक्र कृष्णि विव-क्षा कर्ष्य कात्र शिक्त हरेवात गडा क्या ।

ি ক্ষাসার চা কোম্পানির সভাপতি প্রাকে সাহেব।

10

े द्वार का विश्व निष्या निष्यान, भटकानाक-টার অথবাচরণ, বিচারকর্ত্তর প্রথান 📆 मिक्के दिवशा गएकत लच् अवस्त्रन পুৰুং কুজিয়াকারির আত্মসাধুতা প্রতিপা-🖚, এ গুলি কেবল অসমত নর, নিডান্ড ব্রুত্বসূত্র। আসার চা-কোন্সানির সভা-लेखि बाह्य नारवरवत्र विवरत्र मच्छण्डि अहे क्रिक्यून क्य कांच विज्ञास्य। शांवक्तरवय क्षेष्ट्रभ बोक्टिए शाद्य, चान्ना २। ७ वात्र - जिन्दि ग्राहिलाम, बादक ७ कार्षेत्र मारहरवत्र न्यादय किमि विगरतत अखित्यान छेशक्छ **হয়। এক, এই ছুই ব্যক্তি উক্ত** কোম্পানির ্রাকুর দারা আপন দিখের ক্ষেত্রে কাজ ক শ্বাইয়া লইন,ছেন। বিতীয়, উহারা উক্ত এলাম্পানির চার বীজ লইবা নিজ ক্ষেত্রে স্থান করিয়াহেন। তৃতীয়, উহারা কো-্লিটানির কাগত পত্র ক্রতিম করিয়াছেন। क्षे अपे विषद्धत अनुमक्षानार्थ अक क्रमि-্রিক্সেছিত হন। ঠাছার। যে রিপ্রেট ক্রিন, ভাষা মাতে সাহৈবের অনুকুল হয় सिक्ट । अने दिलु माटक माटक आञ्चलक **সামর্থন করিয়া উত্তর** প্রচার করিবাছেন। रम्हें क्षित्र स्मिन क स्टल गरदकरन के कृष ক্ষিক্তে লোটকগণ তাহা দৰ্ম কবি-क्षिके अवाहीएम दुविएक भातिरवन, कहा-आहरू कार्करवत्र भिटकं।विका क्रमन श-

क्षांत्र सामग्र अनुवाकिन्दारंतर और

छेडा विशास्त्र, दिनि ए नका मण्तरक যে সময়ে মিল কেন্দ্রে বিনির্ভাজিত করে-ন, আনাম চা-ধোম্পানির তথ্যালে ডা-হাতে এয়োজন ছিল না; তারায়া অনি-যোগিত থাকিলে হর প্রায়ন করিত নতু-বা কোম্প'নিকে ভাছ:দিগের নিনিত্ত ক্ষতি-अस प्रेट प्रेट । जिनि मसूत लहेशा दत्रः কেম্পানির উপকার করিয়াছেন। এ ফলে আমানিগের জিজাসা এই, মণুরে যদি काम्भा निव वाखाजन हिल मा, (वाम्भानिव নিয়োজত লোক ভাছাদিগকে সংগ্রহ ব-রিক্লা ভপায় আনয়ন করিল কেন: প্রয়োজন चारह कि ना मारक व कथा का गरद ि छा:-ना क्तिशाहित्सन > काहात निक्रें हरेएछ वा अनुविध नरेग्नाहित्तन । कल ३१ ७ द्वा-त्र कर्षकर्छ। इरेन्ना अग्रर बावनाती इर्टल वाहरे धरेक्य चडेना हरेता थाटक।

ই বিভীর অভিযোগের এই উত্তব প্রদক্ত ইইরাছে, মাকে চার বীজেব জনা প্রার্থনা করিরাছিলেন, এবং তাহাকে ঐ চার বীজ বিক্রম করাছে কোল্পানির লা-ভ ইইরাছে। বেদা ব্রজকে যেমন ভোজা ও ভোজা, হবা ও হোতা, কার্যা ও কর্ত্তা বলিরা ভব করিরা থাকেন, মা-কের বিষয়েও সেইকপ ঘটিরাছে। মাকে স্বর্মং আবেদন করিরাছিলেন, আবার ডি রেক্রমের আসনে উপবিক্ত ফ্রা সেই আ বেদন প্রাছ করিরাছিলেন।

कल्लकः बादक नार्ययक गांत्र वीक वि कत्त कड़ा कर्डवा कि बा, यदकारम अर्थे वि वहमा एउ, जदकारम जिल्ला है ते मजात बारक, कार्षेत्र ७ अरू जन मिस्का ग्रेडांत्र वास छेशियक शिरम् । बारक अर्थे में में में गठ महेशा कि नाएरम गांत्र वीक काल कार्यों स्मान कि कर्ष्म जिलि चित्र केंद्रियम स्म देशियक गांत्र वीक विकास कार्यकाल विभाव काम्मानिक मार्थ हरेशारक । किस्ति ७ कार्यकाल कार्य

ভিরেক্টর ভৎকালে কুণ্
ভা বলিয়া ভাঁহার ভাগ
ধের হইতে পারে না
সভা আনান করা উর্নি
বভঃ কোম্পানির চার
বার এবা নাম্পানির চার
বার এবা নাম্পানির করা বে
নুগত হর বাই ৷ বিস্তুর করি
বিভাগে সভার উপস্থি
মন্দ কোম মতই দেন ন
কোম্পানির চার বীজা গ
ভাছে, তথ্য ভবিত্রণ ব
লাভ জান সন্থাবনা কি ।

ত। মাকে সংকর ব বিষয়ে বলেন শেন্দা, ক্রিম করা হয় নাই, দে ব্যক্রিম ঘটিয়াছে। মা কন কর লোক, ক্রিনি বে পল পর ক্রমে করিয়াছে আমাণিপের নিভান্ত ধূর্য ভবে কেবল ২।৪টা ' ২৫বের পরিবর্তে ১২৫ ই নিরম ব্যক্তিক্রম ঘটিয়াছে

> পতিত জৰি কি ক

গত ছব কাতে আ করিতে প র্শন করিং দেশের ব লাসাবিধ

ধারণের ব নিভাগ্ত দূর হইটে পারের তা পারের এতি সমধিক দৃতিপাত করিয়াছি- | নেকে পতিত ভূমি করে করিয়া তৎক-ন্ত্ৰত চিনি কি এতকেশীয়দিবের সংস্কৃ ्िं डे शिका क्रांत्रम सार्थे । सास कानिस इतित ६ वर्षि में ज मुना निस्तर्भ करिया 🧎 ्रत्न, किन्द मत हांद्रलन छेड नयुगाय ু বি প্রকাশ্য নীলামে বিক্রয় করিছে আ-क निराप्तक्त । शृदर्व ना जा कहा कर, तक हान अंतिर कृषि कत् स्टिल अक रट-ের পর আর কেই ভাইর এতি দাওয়া ক্রিছে গ রিবেন মা। ভাষার পর কেফ নিজ শত্ব সংখ্যা। कतिरत गातिरता विभि छू-भित्र मुल्। काक लाहित्यन । वा अता उरकाटल । इत्य । दियोग कवियादित्य । जत ठातrr केड अहे धानाग् था.फा तन्छ क्रिया । य छ। कारहर अतः अता जुनित छेलात খৰণ বংখা চলে, এই সকল ভূমির हल वक्षा इंक्स इतिरव । अवस्थि दक-🛌 🗠 क बदबक सुनिधा कर, व्वेसप्ट्या 🚶 उ ्धाः। ल प क'निः। ७র যে আচ । ছিল ১, শুল অপরিবর্ত্তিত রচিয় 🗥 কব করে - মাত বৃংলার দশবাংশ ক্রম: ্রিতে 🖫 া গত লাভ বাবলৈ টাব প্রভাৱ। ২০ লক। मुक्ति । बद्दारहरू ४८६ किएट इस न , प्रतिहरू (क्वल आभत् कि**ड्रू** समाप्र किर्माकीर । यान त्कह त्कान जुनि माचित्र त प्रशिक्षक किया। **जी दवनम** न दान, आदि হার বার কা**ছ**কে অধিনো^{নী} ব ভির হন ८ । इस् न । मधे क्षित करिए ५ 📆 চনাৰ নামান্ত হৈ হৈ আৰে আগেছেল কেন্দ্ৰ ा । त्रांत इंड (त.स.) अवस्थि व्यवस्था सहारा ্ব 'ব বাং শালীয়ান নাম তৈতা হ' ं त्या का क्षा क्षा । व्याच्या । भाषा । स ् र कर्नक्षित । स्वांच र हा स्वांक्ष ्रेड देखात १ भविष अरि भिन्य · · · , बिष्कः . रः त्य प्यास्थानेश वि । । । সংক্রিছে ভারার কিবেন্ছর্ प्रकर्भ - यमस्यत् सर्वा स्थल्य व्याप িরিছে, তাও কাখিতি কবিবার গতি वर्षिक्षा मुनद्रा दहेल मा दिन

় গাঁৎ তাকা অপেক্ষক্কত অধিক মূল্যে বি-क्षा क्रिया अधिक मान्य कतियाव क्रिया कतिर्देश मरमार गारे। कलडा रेश वरन-। কের ব্যবদাব স্থল হইয়া উঠিকে। ভ.হ'তে নেশের কি ইউলাভ হইবে -

चार्त्रक चांचाचित्रक के.चला व्याच्यर গুণ দোষ বিচারে অনুংসুক দেখি। অস-্দ্ধাৰ প্ৰকাশ করিয়া পাতেন। আমানিল ा ७ ७। मार विफान्न पानिका नार । (त्राम करिका । কিছে গ্রন্থকার দিশের ে ্ সকল সমপে प्याः मत्नावर पूर्व क्रांटर वर्ति मा। विविध क्रियां महत्व क्रिक एउन क्षार्यं क्षेत्रकारीय सम्बन्ध र प्रजासन । সংখ্য মুজন মুজন পুত্তর চিগত হটতে । ছই আংশে বিভক্তে ব রিষ'ছেন । প্রাথ ्ष् बट्डे, किस क'्टेट बा शहरे सामन । कविक, टाबीत वर्गता हता हरेताता ्रीय पृष्ठे हरू। मार्टिट वाका, वादी, ८-३ वादम सम्प्रतारकात्र मानात हालास वाशक साबिदः ६ (१११ कर्नाः वाधीन | क्षेत्राह्यः आम मिटशक क्षेत्राहिक वर्तर हे भूतर स्मृत अज्ञाति । ति प्रमात ११- । अब कार ने अविकि कुर्शिक आबाजी ba क्रकेर, शास्क । राजसीति । विकिता । यस क्रिया बाह्यस । शास्कीय बाका নাকে ঘটি । মিলার্থ এক জ একত কাক ্রান্তির নিশেষের হীখন চরিত আধ্ ন্টিকা। প্রাংশ ্কিশার প্রিড সা । লাভাষ্ট নাবিধার েম বিধ্রা

्री. . ८५ े 📭 १ प्र २ 🕝 १ १ १ व । ६ व विष्ट काटवा थ माच मुक्के इहेर हुको १४८ था १५ व १ के हो। कि । ए। काबा थानित प्रकाश सम्म हुन्न ह व्यद्धा सम्भावता चामा चामा एक और अहत न हिला है ते न कि व पृत्रीत क्षेत्राहक **करते, तिस्ह** ए ্রিক বছা শালা, ব. হা হার মাজার রাহার কারত সান্ত্রীক হটসাছে। ্ক্রিয়ান বিশ্বদর্গে মূল সম্বর্গরের গ্রাণ ইবা হইছে উন্ত বাংকটা Print a statement of the contraction 🕶 ्रतीय - १५२, अबादी इ**हे**(ताडे पर नाप घरता विधीत. या रामस मृत अस् । यस कारतान, पूर्व का उपन পরীত হাইলা সভরাহর প্রচারিত হই।। ১ তে ভির্তিন, পানবর্গ 🗆 ।

থাকে, ভাচার অধিকাংশই অস পদার্থ, ভাহার গুণ লোম বিচা ক্ষমে না। তবে যে সকল প্রছে গুণও দৃষ্ট দয়, িশিষ্ট কারণ না আমরা প্রায়ই তালার গুল সোম গরাভত্বর হই না '

मन्द्रकि एहे थं कि राध्यार মালিরোর ছব্রগত ইটন্টে। ছ ভাষার গুণ দোষ বিচারে ৫ বুর একের নাম সার দর্শন, থিতীরের দীত শতক। স্ব. মুখান ৫ দেবার

एक म रहत १ थण आह विश्ववि ८० विभारतत वर्गनाई का विक्। एक्ट विष्ठ इहेगा थात्क । जात्मरक रव् প্রাচিত্র বিজ্ঞান কৰি । বিশ্ব আবগত হইবার জন্য ইয়া १० 🔧 , ७२१ भटका चना अवस्त अस्ट्रह्म ७ मधार करून।

क विद्यास्त्र वृक्षनी क कि । के तः

त, पाकि द ब्याभित् क्द्र कड़िएक संब । । হ'ा, सभी ब्रमबत्री প্রেয় नी निमान मौन। दम, १८७८६ वस्म. নি করি ভিত্তি গশ্বর। गोदांत भएड अभिनात्. র জাসনীপর। কাৰে প্ৰেৰে শক্ ভার, াক্রিকে পান। राज् अनाक भीयान शि सूच, कतिएक म्र'म । नडी (अब अरंग कर्न) म .६ ए नधानु कार्बर াঞ্জেশ করিয়েতছে শোষ । वधव भी वृत 🔧 🤛 वेर' गरभा भरभा गरवा कवित्र व्यक्त या व साविष्ठ इस्टिए । कवि क्षत्र माला कर्मानार्थः १५वर १९वर र मिश्रीट्या । বেলী দলীলত হোলেশছ খেছন, ত পিন্ধুর করে করে গোট গমন ⁶ल द्वितिहार्ड सम्बन्धन्तः ^{নিং} চলিম্মি হরে তাম গাড়িতে াৰ শত্য এশ্বলে গো এই সম্বোধনাস্থ কু স্থাতে কৰিছার সমুদার बिर्ग करान स्थाय हरेशा वि টা ব্যু য়, ভিনি এ**ক্তির যে গ্র**েপ ্রের বিশ্বন অন্তিলকা নি ডিফাদেন। নে আগে কেবি ১ ত বা জনাগায়, 「實」用「予切であるとなれる」 धनि याच राज राध्य । व थाए.कणः र . . . मिश्टर अक एक के किए किए के किए किए के किए के किए के किए के किए के कि **प्रमृतिदक्** उत्ती , हा दर्गनाची निकास अ 🛴 । इहे

ভ সেই সেকেক্টেডর ্ত্

क्रिक्क भारतमः द्वार ।

क क्रमण बाह्र य चारतिय

হিংস্ৰ ব্যাম্ৰকে ভাহার জাহীর কভাব পরিভাগে করাইতে সদর্থ হয় -

বিতীয়, সনীত শতকে ইযুক্ত বিহা-রিলাল চক্রবর্তী ইগায় ধনন করিবাছে-ন। ইল অনেক অংশে উৎকুক্ত ন্ট্রাছে। পাঠকগণের স্থানার্গ দুটা স্থান্ড উদ্ভ হটন।

क्रांतियी विद्यान। Bie antentt, ८७ द्विष्टि कुचनिः 医有极病毒 (アティン অধ্য কি ডিছ ান **জ্**লিটেডটের মন -पना है।क**्**डाइ कान សក្សិស្សែង ក្រ ्षां¦शियां के नि€िक TO I FA THE M (भरत (भरत का का का का চাজিতে - পুলা সান मुला "द्वारा पुरु हक .कारत हैराकां जस -८चंडक ८६६क व्रद्धा वर्ष **भक्ति वर्**भ°≃ ४. **医数据 电电路 英代思尔 引力中心** 1148 M A 12 1 ভূমি নাধ্ধ क्टबंद अधिकाल नह ब्राह्म . .व किन्त्र क्षित्रिक कारिक 발발기가 왕들은 그가 কেবাং যে বে, ১ 人名英格勒 人名英格兰 电流

क्षांतिक्षे क्षांत्रकातः । इति क्षां क्षां क्षां व्यक्तिका क्षांत्रका व्यक्तिका क्षेत्रकाक्षेत्रका क्षां विश्वाक (क्षांत्रका क्षां विश्वाक (क्षांत्रका क्षांत्रका) व्यक्तिका व्यक्तिका বার নের কেইই ভারা
কান্টে নাই জার।
পাবন ভোমার ভারে
পোক্ষর গান করে,
জাননী ধরণী কোল
করেন বিস্তার।
কগাবাভ, বুফুপাভ
করেন; কেনি জাবাভ,
ভর্মিক স্তর্ম প্রায়
সমস্ত্র সংসার। ৮২ ৪

বিবিধ সংসক।

पट्टे का: चन (मामगाः

এক প, কৈ জানোনিব আনু পাতি ভবন নগরত স্থাতখনার ভাজ্জার ও চ তারু ভাগ বরণ প্রাণ ক্রিয়া লা, শন, এবং দ্রাজনাতি ভাগার গাসন করিয়া লা, শন, এবং দ্রাজ্যা বহার এই ক্রীড়াল উৎসাহ দাল করেন। গারা এউক কু লোব বিশার এই, ইপরেণ্টার স্থানার স্থাতি জাগুলি ছালো, শহতে, নিকা এ নিগতেন, শিলু তথা আজিও কন জাতা

कर्ष पर भ क्षाका श्रीबाक स्काइके बार र क्षेत्र, बर्ग्य प्रश्तिको व्याप्त क्षेत्रक क्षाक्ष के क्षेत्रक क्ष्म के कि जिनम क्षेत्रक करा द जुलिय कर्ष कर क्ष्म क्षाहरू

১ মান দিলের পরীক্ষাত জন্য বান
 তা নিবন বনি প্রকাশের সংস্কালে ভিক্
 কা বিষয় গ্রাবিধিয়ালেনগ্রেকক শ্রাক রুক

কার কাল লাকটিক।

र । क अंदिय असरक आसवास्त्रीय क

লেও সাহেবের অক্সমিত মূলা অংপকা ৩৬ हाना काधिक दिन्दी याजिएहरू, छथानि कि विष्ठा निका नरकोड मान वस शंकिरत ?

पिनिका धर्म करियाद्या गत क्ष्रिक রালিতে তেওসাহেবের কর্ণেম **আসিতে** চাহে-র। জাগু ছইলে ইউরোপীর বেহালার শুক্ का अ किया या है दिव

নিপ্রীনেজেটের কাবুলবিক্ত্রশংবার দাতা लि, खेब्रोट्डन, क्योबीब स्मान्ड सक्चम की एउ প্রতিক্ষ বালে থেরাট আক্রমণ করিয়াছেন। ৰে এফট ছার খোল ছিল তাহাও কৰ হই রাছে। ক্ষামীবের লিভিরে খালা এবা মিলা ভাত্ন হইগতে , প্রণ চান জানের কোন প্রস্তা 'ভাষাৰ স্থাৰতা কৰিতেছে না।

मारशत क नरकः, तरहम भारक्षेत्रह बाबुद्रमिश्लय नः गालाय कथा शास्त्रिरामात्र म वर्ष ३०० । भारतम् सामा ३००० छ मानात्र त र १ तार र है,या विष्याप्रस्म । इक्षांश्य कारनक plant টি ত ৬(জনীত চাৰণাৰে অভ্য अ छ ५.८५ 'वरमाठी व तथा भावि विराज 수 가지에 뭐 !

हेर्नेश माध्यय क्षीन'लेश'र्नी प्रदेशक व्यक्तिम दबेशारक्रम । ७ शुक्रमात् विनार्क रहि प्रदर्शन ্রনাহাতে জনেভে ক্ষমিশকা কইবা উঠিয়া (कता ' ८न'र आयोगि। धय दीएन माहरूत के छ र्बंच दला

प्रता भूषा अस्तितिका वेदेन मारश्रकः ्राच्यां के क्षेत्रक है देश अप कड़िया हाराज ३ १९ व व्हेट इ. श्रुटक्य मा**ंडना विमान्दिन क** একেট হাত্রটিট মেলান করিবাছেল।

 इ.त. १थव वक्त कीए गांतक विकास के श्री को । जाटक कहेर्य। लाग् नाम बाद्वराष-্ৰেপ্ত পেৰ উত্তাস জনতের পক্ত বস্তুতেন। त्य तलाल द्यांचा, मार निष्यांचे कहेंदलहे काः-क्षा २ व्या

५३ का जिन मलक्षाद्र ।

रमभाषरमञ्ज व्यक्तिमात्रभाषात्र अक्री रुन क्रकाल इड्राट्ड। इयन्यवाड्डे बेर्टेलर ज নেক সেনাপতি দায়ানের খোড়া সৰল জাব্য-वश्रदि विक्ति वर्गायामा ग्रुटमा नीनाम कः धीमा भीदानो **७ कीहां पिट**शत वश्वभण धी.र

कर्कान्य विकास १ । । हो काम विक्रीक शहे शांदर, त्यांक स्पोटक खाराता २०००। २००० डोक। छैनार्क्सन कतिहारह। त्ननामरत अहे न क्न पूर्वात्वहात करत निवातिक क्रोटन ।

किरिक बर्गन भवन्यादिक ज्ञानामी क्ष , ভৃতি ভৃত্যগণ স্থানাওৱে মাইবার সমলে বে ভাতা পাইয়া খাকে এখন দ্বংধি কেকড পাইনে তাৰার একটা নিয়ম ভির বরা হটবে

सिक्निरिका मात्र करहेर अ'रत। ह स सरे ভেছে গৰ ফেন্ট ভাষিদায়ৰ দ্বিপেট চাহি-शास्त्रमः कृष्टिस्थ क्रायमितं होता के मान (मश्रद्धा इतेक ना *(का*ः

है : निम्मारमङ् अक् अम अक्तङ न वाप দাতা বলেন এক জন করালী লিপা প্রদর্শন গ্যাহে বরুষ প্রান্তত করিড'ব এক আবু জ কল क द्वियात्क्रमः अपि ७ अस द्वारा कारी द्वार শ্ৰীৰ কলে ধৰক প্ৰস্তুত হইতেছে। তুন ইনান कर भरतक। हेशाउ ६६७ व पाषिक हो।

4.5 द्रिकेश कापासदल जा**हेगी शिश्व** भ न पुत्रे स्वय भारतहाल भिकाने हैं।को हाईसी দোৰক্ষাৰ সমৰ উপস্থিত হন নাট বলিয়া শর মঙ্ টভ্যেলস উভার চরিজেয় প্রতি मि।वाद्याः अद्भिष्यं भटक्षां स्थादक होका 🦓-গ্ৰহণা স্ট্ৰাৰ জনা ছেণ্ট আঘালতে নালীশ এলিছে ব**লিয়াছেন** েএই স্কল ব্যাপার স্ ৰ্জন। ষ্টিয়া খাবে প্ৰশাস সৰ্ভ্ৰান সোক্তায় ও উপীলমিধের চরিচ্চেন তথ্ববৈধান জন্য টে-ম্পলবারের নায়ি এবল সভা কবিবার বিবয়ে . कहरे कथा करवा । (

भारत क्षेत्रक होग्यदाम स्थापन विकेष **সাহেত্তর ম**কুলে সংবাদ - ক্ষেণ্ডের। **বিউম** भारहर अन कम दिवान ७ अरहर**मन हिए** कांब्री किएला ।

বোষাইয়ের সাবহার লাভার **লেলির**ন वक्ष ६३,५,८६।

तरं ज्यारित वृथवात्र ।

(बार्श्वरेश्वर क्रिके जालंगाज्य अहे क्य-**छ। त्य**कत्। ६वेसार**६ त्य व्यक्तिमञ्जूक ३००० है।** ३' अशिएकत साकक्षा कब्रिएक शाबित्वम। এই বিষয়ের বিল ভক্তা ব্যবস্থাপক সকার कांश क्राव क्षत्रिशं बादवन। १५ म क्ल मन् विधिनक क्ष्रेगाइ। ए हे क्यांशाकारका वर्षमा

গত কলা প্রধানতখ বিদ্বার্গরের কৌভ गांति मिन्नान यमिन्नारकः वर्गानं गांदश्यः वि চারপতি। প্রতিবাদে মেসিগুল ইওয়ারে **এবার অপই লোকদলা আছে!**

वनन्दित्व भागावदन्त्र विवेदन्त व्यक्ति যত প্ৰকাশ করিয়াছিলাখ, প্লাইউই ফ্লেম্ব চ राटक कक्टबानन वा कतिन। सगटबीन अवस्थे भ कद्रिद्राट्सः। जन्मानसः करियानमः अद्रिः मिर्वित्वन, वक्षवित्र अञ्चलक्षेत्र मेर्टियन महिन्दि वन क नारत्मत्र इकि ना सहरद, के प्रस्करण রোপীয় হলে স্থান লাই।

यादेशिन नशरू क्रवनः ज्युवःशदर्क री.फ ए । क्लिम क्षित्रात सूनकात अविवास सं_र কেপ প্রকাশ করিরাছেন। গ্রণবেটের ভা^{ত্} त त्रकार्य कडी कतियां वित इन्डवारी व्हेशत সন্তাৰকা লা পাকে ভবে মূপা টাকা নই কয় ব-न दक्ता।

३०१ जाचिम बर्ग्याजनाता

পুনার বাবতীয় শগ্য অগ্নিমূন্য,হরৈছে। ভাজতা ইউল্লেখীয় ও এতদেশীয় সক্ষা স্থি त्र कतिवाद्यं विद्याति अक शका सहस्र अगा

ै १ पूर्णा क्रूर्यवाद्यतः। अविष्यसम् क्षण्णनश्चान ' ' उपर्वरातें

ानहात मनाम्यान विकास करिया कर

ক্তর আগুরিসন গ্রণ্মেটের নিকটে স্বারিপো । করিরাছেন দারজিলিজে প্রোনা রক্ত ছইডে পারে। ইলার চান ডেডেই ভাল।

ৎহল বাঁপের লোগেরা ডারাত্য ভূতপূর্ব কর্মা সর কেনরি করাভের অরণ গ ক্রিলি শিল্পরের প্রতিমূর্ত্তি স্থাপিত করি-লিলীপের প্রতিমূর্তির কি হটল প্র লিলীপেডাই বলেন ইয়ান নিয়ানে পুন-হ কলাউঠা হইডেছে।

क्षणात्राचे हे श्वाक्षणात्रक क्षणिका वर्षः इ वर्ष्ट निश्वनिथिक वानिका बहेबाट्स --

भावशाने इस्रोमी

6,45,48,435

৬, ১৮, ১১, ৯২৮ আসকল স্থোন বিনয় বটে কিছু কথে বল-নের ডবা স্টতে এইসকল প্রচেত্ত্রের ব্যৱের তথ্যসূত্র

১১ই জানিক ওফ্রার।
ুপেল প্রিটনাকে ইটনাতেট সার বিস ুপ্রকাবিনের) হইতে হতিত্ত করা হ

সাধরা আখ্যাদিত হইলাম ভারত বর্ণীয়
বা ক্রিকাডার ইনকন টাকা কমিসনর দিলেব
ক্রেকাডারে বিক্তবে ভারতবর্গীর গ্রন্থনের করিয়াছেন। ভারতবর্গীর
ক্রেকান করিয়াছেন। ভারতবর্গীর
ক্রেকান বে তব হইলাছিলেন ইংগ্রু

ाः ी प्रेड्डे चार्तियः चनितातः। जीनिकाः क्षेत्रिकारक स्व वेकस्ताशीत १९বাল আবিষাছে, ভশারা জানা বাইভেছে, ভানেরিকার গৰপদের ইয় পোনারা ক্রনশা পরাজিত হইতেছে। ধেনাপড়ি পোপ পরা জিত হইয়াছেন। বিমোহীরা ভয়ালিটেনের নিকাট আসিতেছে। আমরা ডামিও চইলাম গারিবলার সম্প্রতি গৃহযুক্তে বে আঘাত প্রাপ্ত চইরাছেন, তেমারা ভারার জীবন সং

ावर्गश्रके **आखा विद्योद्ध**न २ देवस्य विश्व रिम्निक श्रक्तवता श्रम्भन शाहेत्स छ। इ. हे १ ८ स्ट्रिकीय पादक म **वार्त्या** को हेल्लिक्ट शाकिया क्षा से हेर्नु शाहित्यक

> १३ - व्याप्ति ।

ইংলতের ভাষাংগাঙি নট তাষের থবা সেউয়েরির গুরোজিত কার্টরতির জাল কাঁ গুত ছইয়াজিলেন। তিনি বিরক্তার রেডিটি জনেক বিবয়ে নিখ্য করিয়া লিভিয়াতের ভাষার সেটিটেলের বিশ এক, ভারাকে অম। করা ছইয়াডে একোলেনেকায় একল অলক শানিতার উপ্রাসকর।

আহে ধ্যার বিচারসংক্রান্ত ক্ষিসনর শ্রীবেল সাহেব লক সাহেবের পাববটে বলি -কাডার প্রধানতন বিশারালগ্রের এক জন বি-চারপতি হইর'ছেন -

भना श्रुकं बाकानात दार्रमकाग प्राणांव है शरीक श्रुक्तिहारिश प्राण्यात कार्यान्य कतिहाहिरनम्। किश्व प्राण्यात अर्थे दक म्ला-तित्र वानिरकात नारमत निमास मिल्डि रहे-रक्ति। इ.का निजेम श्रुवकीस विशासिन, इं कितात हड़ा शिक्तिरक्ष उथात इसी ८ कांगा स्वत्र व्यवस्थि यहिंग्य में . यातामक क्रेस व लावत्र क कतिमश्रास क्रमिंड नाथा मा कतिरम श्रुकंकिरमंत्र वानिका दार्क्ट क्रामां कांत्र।

করাটিতে মাজেইরের সজ্বদিগের জন্য ২০০০ টাকা সংগ্রীত হুইবাছে:

এমত জনজাতি কর্ণেল প্রিটাবির বিধর লট্না লার্ড এলগিম ও সর হিউরোজেব মনোতল ঘটরাছে। এবিষয় স্থা চারলস্টতের নিক্টে প্রেরণ করা হট্যাছে। লার্ড এলগিন এশকন ত্যাগ কবিয়া সর্বসাধারণের নিকটে নাজপরিচর প্রদান করন। আমরা অস্যা-পিও তাঁহাকে চিনিতে পারিতেছি না।

১६३ जात्रिन मक्तरात्।

দিলা গেলেটের কাবুলক্তিত সংবাদদাতা বলেম দোল মহম্মদ খাঁ, এদিকে হেরাট আ ক্রমণ করিয়াছেন প্রদিকে পারস্যানিপতি বলি, ছেন, মানীর বদি হেরাট অধিকায় ক রেন, তাহা চহলে তিনি আফগ্রমন্থন আ-ক্রমণ করিবেন। লক্ষি অস্পানে হেরাট খা-নীন থাকিতে পারে। ভারতবলীর প্রন্থেট ত্রিপরে বেন লক্ষ্ণ। কন।

उक्त भाउत द्वाशिक मार्गामणाको वाल न. गर वार्षम श्रिकात वाल को नगर नारक है. तत वर्षाको वाले हैं ना नहांत्र काम काम कि विस्कृत ति वर्षको भाग निविद्योदक मान वाले कि विस्कृति कि विश्व कि विद्यालि कि व्यक्ति कि विद्यालि कि विश्व कि विष्व कि विश्व कि विश्व

হরকর ভাগৰ করিয়াছেন থেটেনক আক-সন ংবে ব্যক্তি এক ক্ষী খ - সাগালে একান বরিয়া বধ কবিয়াছি। অসগাণিও এখ জাতে অসমাপিও ভাষাব বিচাহ হয় নাই।

माखादिक देन्स है। का र बन्तर्यका श्राः संभाषाद्वस्य । त्रां क कृतियुद्धिम । द्वांबाद्वा है देखाली प्रक्रियाद निगर्त कुड़म क्ष्य्य एखन स्त्राद्धि मक्त्रम प्रमाय हे उत्तर हुक्त । क्रियंक्ष द्वाद्धिम के स्वादी । यक द्वांबाम भारतात श्राः यतियाद्धिम के वेनस्य हो का खेठे दिया मा विश्वा स्वाद द्वांम क्ष्य है है देखा दल्ल्या के इंद्रलंड स्वाद । वे स्वाद्धियोग भारत्यको क्या महिद्दा विद्रलंड १

১৬ই আখিন বুধলার। লেপটনট গবর্ণর ভাগলপুরে গমন করি ট্রী ব্রাহেন। শীতকাল ভিনি তথার অভি যাহিন छ करिएक। ज्ञार्ड अम्बिन भीख मीन्त्रिति न प्रतिक श्रमन कविद्यम । कामाभित्यम भवनंत्र क रतक्रीम है धर्नद्वमा कि क्वरत मंख्या था हता दवक्रियम ? शासम नाट्य पूर्वाकारम ্লিঃভিনেন, কি করিয়া লাইলেন বিছুত क्ष ना क्षित्र मा । क्षेत्र क्रियान शास्त्रम् । ্ব ভালাদিশের বিজ কেল্বু-ইড়ে সম্পর

त्राबाहे (श्रिमिटङ्किएक १ मार्च अंबर्ड- । CB (अञ्चल नव शिम्नी अ शिक्षा + अगकान şবিডের ব**লেন কিয়া কে**হই তাহার মুধ্য মে ताय एकि रिम्न मन्दर इन नाई ।

इ.इ.स्ट्राइटर मार्ग देशीय वर्षा कर्जा अध्याद है 🥸 প্রভাৱত পারেন ভারারইবে সাংগ্রে । ক্রের্য স্থে কথানা প্রকাশ ार्थर देखें करी माठ गरेक कर समझ आहे.

WAR HARTHOUGH, STA THAT THE I কাল জ্ঞান্তৰ বাবিটা লেডিভ প্ৰেলাল এই জেলালুডার বিবাহন বিশ্বন मा युक्ति मा (असा रीत) है। लाइन निवृद्ध पर्व বাৰ বোলি বলি কিইবেনি চঞ্চলাদ किया प्रतिहास विचार १६०४ र

4-黄芩 "似颇然"从"3。

र इत् अक दिल्। धका मि इनेन एउ । जा-न व शहर हो । पान आधार वर राष्ट्रपः ए के ब्रायान होता अर्रक

ा भक्ति नार्वे न मान्य श्वास विकास ি বুলবির মান্দান বিশ্বে ন বিচেগ গ্ৰ-र पुरुष्टका दुक्त वर्ष एक जहाँ न केन कर्म कर्म क

ने १ ६८१ भाग ये ६ इति ने भूषे । वि ० এং হ্রের সময় আরোলতেও গ্রাক ৈ ৫৫ ेत्र किरणन । माजन गरिन तर्गी े अस्य करेशादक्त । केंग्डिशर्श फैक्क ध्य নডেকিচের এ একায় পদ দায় লে লা খ वन माहि। आधाषिरशत हैका करें, एवं डाव के नीच रामन २३ श्रामनाज का उदय अध्या শাদ প্ৰাপ্ত হন।

় ১৮ই আখিন শুক্ত বাব।

नक् दर्दिन भिक्क दिल्ल प्रदूरमञ्जू क्यू इकि ७ सामग्रत मारम्। १ २ । १ तह का- | क्ला बहेंगुरा । तछ अछि बाम क्षात्र विवरम् व्यक्तिराज _वकाम कहिन्नोरक्रम । | ১००० हे।सात्र वासील ॥ **छवानि (व** ज्यामत्री हेर्रा ज्यादिवाश स भारे करित्रा शक्ति । अभारहरू वह विभाव व्यक्ति हेर्ना क्रिका क्रिका क्रिका গণকে ইতার মধ্য ভারগাড় করাইছ।

रम् अभव है खर्प नरतक ३५% (मश्रीवय र किदानि दक्षात अवदासायन सार । जिलाहे एता अकान अक क्षेत्र अका हो स्वाप प्रामाधिकेनगर, १०० के त्रेष्ट्रका नरनंक इक् भीव कि अह । भाव का भाव करें कि विशेष करिय हुई জিকোর আন্তঃ লও।" পাঁতত শ্রানেন ন

खेक १.ज.५.१३७ व्यानन १.१इन दक्षानि । ব্ৰপোলপুৰের নিকটে এক বানি শাল্মি বার্থিন্ট লেক্ট নহ্নছব্ধ নলিব্ৰুচ্চন কি 🗎 য বিজোহীয়া পুনর্বার পোর্ভ হ भन कहेंगे दर्भ ने १ व शान महे कड़ेगि हिं। यांच दहत है आति । उ शना व्हान एवंच रे महिंद प्रां च वेक्यात्रारण्यम रे कि निया कि कि मार ते । को दूस निव्हार के कांद्र कि जा कि लिए मार्ग स्थापन र ्यान सन्दिर कर मार हो इत्यापारचे वा गरी है। इत्यापास आभी । एक्कान के एक्कानीय राग विदेश के कारणा कृति वी महिल ामदलेख सम् अस्तान के लिए १५ । १५,८३० वे नव । बाह्री १८८० उपादः ্ৰিক্টা কোন্ত সংগ্ৰহণ কৰণ লেওকৈ কিব্ৰা নৰ্থনীয় ১০,১৯ अवभ अवस्थित देखत भाष्टिमा । दिन्दै । उ . १५ ६ द ग्रीमा का अध्या । वाका । वाका । वाका मह इष्टेंद्र काल कि हाउन वन लड़े त्यार

५६७ अधिकाम रहात्र ।

মাং আমানাজিলাবক **ম**টো বাণ্ডিকীম সাংগ্ৰহ 💮 ৮ জ্লোলাক গুলিকাভাগ্যা ভাগা স্থায় ন 人物的用酒水子的日本 一次 如此 1 一 次 1 至1年 黄红区 भ एडेन्ट्र म चित्रुत्वयः मानियाः ७९सम् । महार्था एक केल्क লৈতে আহিছাৰ কোনত নি ও সাচুধৰী সচুব্ৰত · あんきむ ぐった ボ , 3 472 Gi 五五篇篇 二五五章45月4日 100 PTANS, ALL OF 3 P. 鄉鄉 明月十年四日 * 8"("3 TTLE * \$1 \$ " " XP " ' M \ " " 現中門 海野 かいこ 1

THE RESERVE OF THE PERSON OF "糖剂技" 医二进 墨

👫 ন ৫ ১০ চাড়ে ধর্মতল্যে আকর हा - 🗁 चिद्रशाद (पाक्रम दमीहा ४ कि.स.) 'दक - 'किहाबिशी कतियान भीतरत 'हिन क े २०७७ ७०२ र मारम पालीम हे बादक

र . अ क्यांचित्रातः

मालद रमनीयें चा क्रमा चारिक MICE!

वर्षमाध्यत् ताला वर कहेआः धन्यदमके धन्यमदन् नारसङ्

धेसदश्य श्रेटक मध्यक्षाद्र

मि,बिएकन कांचे अविनास का

िन्दीर गढको रहेशारहन, जाः ब्रम् भग्नामेनीक भिक्ति विद्विवाहः । भाग दे गर ख २ ६३ धारिहर

मिली: ह ह 15: ADTIC क् : क्ष्रियाम कि , जन्म य लक्ष बालिका किद्रभाग् ह का अप कड़े थाएक ।

कृताचा विवाह अ ব্ধরাজে। ভাষার লো कडेबार्ड 'इंग्डाटक भी ं रही करेंग्र । जामन, का त दाद्यानात करा 3.CE :

> : 13 C 1514 इशीशहर कार्रिक

म्म्योनियः "तिन मः

हिशाब भूत ए बहेबार हा जान पिन ! वा श्रीय भक्ति। अबः बक्टलटक् ।

कदा म

ात होदल्**ामरश्चय**दीह जा क ह ITEE 1

স্থাস প্রাণ ইউহাদি | এবং প্রতিক্রাক স্মান্তনত

भूर्वहता नामामाण था वितम निहित क क्ष्राव । ্মাইপথান্ন

> क्षा देखी : जिल्ल ७ (अव् TS 45'81 ¦भएया *छत्र दव*ि

Ť, 3 6 × 2 (5.2) কুঃ কাল শুৰু (म ्यामन् कट्टा ग्रं*)

্যু : প্ৰত্যেক লাই এক ৰদে ৩ এক সী-'केंब ककर्षका थ। अपने अखाद हा- । यात न एक दहेरत । एवं माहे (कान नहीं वा त वि वाद फोरावाचा अ**ड अक देशांक्ट**क । 'शोड गांचथिक स्ट्रेटन, 'आ'तम व अडेटल , मडे নদী বা বাস্তার পাঝ কখন প্রান্ত কুমির कते हि भूमकान्न जारकालन अ: यत करकरकत अधिक इन्द्रा ना । शहर्त . इ. १७६६ विश्वक कहिवाद काला दिन का अवस्था मीमानक मा दिना पार्थना ार स होता का सहस्र का कार्य है है के पन बादक मा इडेटर फार है है है है अवर्तत तम कि शिवारक्ष ताकी ना । गराटक कृषि मध्यक हिन्द्र कारा गाय उनवींय पात क बाव्यवारक्ष अह । उए पुरु माड अवश व्हेरत । अभिरः त सह । दाश्चिर 'दर्भद्र अवदश्च अद्भाग । यक्षि जनवा नात दर छन्। कि द दाश्र मृत्य उ अतिशां अक्रमात आलबार जेन में विक्त (अमार ००३० विशास । श्रीवत व्हेंग्याक स्विक्षांकर भारत्रत केंद्रमा करा | डांका क्रिकेट केंद्र का महिल्ला कराया है। एक किनाज व्हेर्य मा

আমেরা বিনা লাব্যাত বাজনা। ত' এর্থা ক্ষতিক ভূমি যান কবিষায় ২০০ भासात ने, के अक'बा भरोका'न | 2 मानात काटसक्रेटल्ट विक्रेड उनिहा कि लिला किया दिवास ब्रह्मिया--

রাজধু কারুমা । ১। মার্টি জুমের ফ জি ।

anten ক্ষেত্ৰিক্তাকা : ০০ খনে ভূমিব নৈদি ট্রান ও গাঁব, স্পূর্ত

 मा कारक होना निष्य का निष्य ने अपने का প্রশংসনীয় স্বিভ ভূমি বিভীয় ৩০ ইটাচ নিন্দ্র ১.০০ विक्रमार्थ बादशम्य नना रहेगाहाः ্;হার श्वाम प्रजीवा निकिन्ने हता. ल फी व्हेरल जिला न खिति क्या विरागर क्रिके खार्च भारतक । । में किमनत क्रिक्ति वारतक वारतक ति । त्रभविति | विन: १०७० किक्रय गविवाद १९७७ कविष्य । । तित्रवाद आखाः क्रिएड शाहित्यमः शाहित वर्ष भे भाष । यामी कर्षाताहि, अ. ए. क. कह भाषा के देश । ते ६ अवटाक भाषाताहित । एप क्रिमनह ८० र भारतर नार्डे बालाइ इ.हे श्राम कड़े. त र

बर्धा क्षि कारमक्रेटक्ष काक्ष्मित्र काक्ष्मित्र काक्ष्मित्र व्यापन है है । १० कि अप । अनेरवा बादणकुत कांबनाव ब्वाप कविद्या प्रभा । १२ मा पूर्वि आह दहरम . अडादम या. करू अविशृह को प्र**देश**का ।

> 🖰 , प्रमा वसम कतिराष्ट्र ऋक ध्राक्रम भा ; "সাক্ষ্

(बहसवादित सिक्टड अहे शाम मुरना विक्रम क्यां शहरवा

৮ম। ভূমির চু" শুর মুখ্যাংশ ৩ ভাছার ভরিপ এড়তির বা এখা করিয়া **দিলে** কা मिट्टेंब क्लाफांटक अव प्रमान मिट्टम (अहे प्र লিক শীন্ত রেবিশিষ্ট বোড বারা অঞাশিত হইবে) ইহা ছারা এই ছুমি ভারাকে পুঞ পৌতাদিক্রমে নিক্স ভোগ কবিতে দেওয়া হইবে। কিন্তু তথ'লি ফ্রেডাকে ব্যবতীয় ছ-जन माधाता कर फिड्ड कहेर्टक्। अवश्यक्रि कीण क्षेत्र उनद अवन्याक्षेत्र व्यवन कता क्षित्र वास्तित वास्त्री शास्त्र छोड्। इहेरवा नि-ंदिन छना छेल्युक विद्वा । अपन बाबीम इ-তে পাৰিবে ৷

इष्ट मीलारभद्र शुक्त निवस एकि स्वक् पू भिर छेणत मांच्या करदम, छाङः यपि कारत त्रिक्षात्र विषयः मान् काञ्चलक (स.स. **एक छोडा इ** Die (a) a Come places attaced i

ম , ক্রমসন্ধানের গ্রহ্ম এ প্রকার ध्य मध्यान क्या ज.स. स्ट्रेट्स मः े हेन Ca मेर लगारकाम माधीक अवदा (अडे 'बग्र के जनवर्ष देशक है। अवस्थ कियुर्ग ार्टिश्यम चार्चनम्म (द्याष्ट्र) उत्तरम् (कार्ट्स) ্ৰতি তেৱৰ নিৰ্দেশ প্ৰেটাল ক্ষয়িতে পালি -

প্রতিষ্ঠ করাছে প্রশাস্তাই হ'ক। ১৬৬ খাতে ভিন্নাব্য আধ্যা প্রতি ১২টালুলায়ের বিক্রাং ां कारवालेब (क्रांत ४ १,० १०) । अस्य योग देखाः करतान का प्रशासन जाना मा . . र भार ज क्रांस स्थायरे भान वाहिला <u> ५८। (कामन) इंडर के प्रशास र अपराध्य अपराध्य कार्यक, एक इंडर्स अल्डांब कवि</u>

िमान मुख्यांक सिद्या किंकु निरमव अन्यु कि क्या ति हा जा का का का समामित सिना मिना मान ं ५६० ९ वृक्त शांका शिट्टम व्यवस करता स्थान

्र उम्र । अध्यम जादवसम्बद्धित असिया द ात अर्थ प्रशेष्ट द्वाष्ट। क्षेकामा भीकारम दि. | यक्ति जमा काम नाव्यि पूर्वि केयु करवन 'कांग । कहा युख्तिक रण - ए र राइव किन्न ज्ञान चुरत श्रांत विचा_र व्हेर्स श्रामाक वाकि व्यक्ति के वृक्ति समा ८० भारत, १८न विक्रीक क्षेट्र मा। त्य हात. सभा कविताहित्सम् सार्थाः ं दन्य, श्रमण ज्या | निजानेश दान्यश सर्वेदय । 👺

১৪মা। ক্রেডা জেভারসারে ভুলির সনুধার इत्य अवकारिन पिटङ शांतिस्वन व्यवना जिनि (ताहाय मणब^{*}रण **जवा** कतिश विशे वे के के ्य दश्मादाय घटवा किश्यिम महिद्रा लिएव-ा किस अवष प्रांत छारात के वाको हैं: काब अधि बरमञ्ज भएकत्रा एम वीकाउ दि-मार्थ ज्ञाम मिरा हरेरत। छोगांद छो। अहे नकात अधिक चनाम शानित्व जनः किनि [अ. फिडे अयदब्ध प्रदेश हे'ते। न पिरल काटन-কুত্রি পুনক্ষিক্রয়ের গোমণা করিছে পা

sam । विजीव (श क) ए मि महेवा किन व त्त्रव बाजा यकि ्रांस य प्रभावन्त्रम छ करिल एक डित्र है। का का ना करदेन ए श बहै ती • যি পুন্ধ নিয়মালসালে পুনর্মার চিঞ্জীত ^ব डेटरा किश्च **अवल करन जिल्हा रामका**त कर्म ८ के बाह्य क्यांक इंग्रेटन ।

১৭ , সাবভীয় লাটের মূল্য প্রেডি একান্তে अ_वन कट्रण ३॥ ठीकान किमादन खित €ेरेर वर् दकास कांब्र्टन • एएकांब्र वास ट्रांक्टन, ३३ न्नाः किन्नु निरुक्षम प्रात्य कार*सङ्घा व* मिशन ুর মনুষ্তি অপুন্ত অধিকতর মূলা বি ন প্ৰবিষ্ঠেৰ বিলেখ বিশ্ব কৌন স্থলে পত্তি একার দল টাকার অধিক গুলো বিঞ্জীত

रकेंद्र सा । ্পৰাং আদি ১% পুমি অম কামে নালা ो बिली उरप ए। श स्टेशन 'डाहा अध्य इ.६ । ।।। इ.६० । । में मा ४ ईंद्र दिस्स 'उराक्ष क्षेत्रं', संबद्धाहे , उक्तकार कार्यक्रम धा राष्ट्र डाह्य हैस्त का हिल्ल ্রিডীয় **ও তৃতীয়** সার সিপী**ড** प भाषा क्वेटल ज्याह मार्ट्स्स अहीदा ं शाम्ब्र कथी है।वात अञ्चलका सब देवा ा व प्रत्न कियानेगा भाई देवन ।

· भ · अर्थ । श्रीकिंग्ड क्यांच किव्नीह ें के कर्मक करमें द्वाराहर दा महात शहिए। THE THAT ALLEY BEING CHASE TO THE

• লাভ কানিড বিল, কণি, *এ*লভিটন नेपा मुला निक्षिण कविबाद फाइन (एवं) -জাভারা দে সমুদাশ পৃথিক অভগত িলালনা করিয়া ভানিত্র সহিতে এক নুকো বি-नाज इहेद्य: (मार भर

छामा **धाँ विका**ञ्जाहरू हो छ। विकास विकास कर क नाकि कान करा कहेरत। अहे भूतिह बानी | मात्र दर्श महिला भावनि प्राचित्र राकः शूर्वक छात्र त्रिका कृत्र कदिएक शादि " विकास किंदिक प्रकार किंदिक ফরিতে ছটবে যে ড'ছ ব 😗 শভকরা পাঁচ हे'कोह दिनादक य मा क निर्मालक हास बादन. विक करतर तथ' व हब । विश्व ,शीव शहर शक्ति अकारति व गुला २१० 'हे ड्रोक"। खान बहे. (य मा ।

क्रमा। शक्तिक का शिक्षीय क्रमेरन स्व मयमाराम अव िमार अविवास स्वादनिष्ठ ब्बाहरू व निक्टि स्थिवन हथा इत्रेहन । दशक এই চিপাৰ প্ৰকাশ 🚜 🙃 চিপ্ত বোন উ-क पर विश्ववर्णीय अवे निर्मायनात्त्र कारनहेत् রাঙ বিক্রা<mark>রের পরিবর্ত্ত</mark> করিতে <mark>পারিবেন ন</mark>া

২০শ । গণামেকের প্রধাশ্য অনুস্তি বাজীও পৰালি ১রপের ছবি নশর ও জেলা व निकडेवर्सि अन्नाहेवाद कार्डिंद्र फार्सि वांत्री নিশাংশৰ স্থান পদানের ও আফোলের ভুদ্ধি भिन्नी के के के स्वता के स्वता के कि स्वता के स क पुलिय अक कियान क्षाकांन कविद्या । के कि সাধ প্ৰ।(মটোৰ অপ্সোদিত ১ইলে থেৱে ্গা',দ্ৰাই গ্ৰনালিত হটাত

२ ४ में १ ३ ४४३ जा कहे १५३ छा८ को नहसूद क क्षिप्रमादि (य मक्त क्षित का दिवन द्व-जिहेत्रिक्वा देवारह ए'दा उप क्रास्त्र निकील उर्देशमा 'केश्च अर्थ वंश विषय अर्धां अर्थ का है-कित निश्नीष १०(अ.स.)।

१२मा धडे नित्य दलि अप िछ हत्रेहरू े सम्बद्धार प्रदेश को देशक प्रदेश क

-

95 'E ! #1 -

्रियान क्षांत्रभातमा । अ १ त्या भीमा **आया**-দিক্তের নিষ্ট ২ এব এটা প্রের্ডিড পরে পঠ, গ্ৰাডেন ভাসায়ত যা বিষয়ে ভাষার স্থিত আমাজিলার দে মতে তেনস এই ছেছি यदश्य त्या र कथा निर्देशक रह नाहे वालेहा ज्या-দৰ তাহ, আলে করিলাম নাঃ

यथार्थ वर्तान भएत काम मधास धार्न्यक वाक्तिय विनाः निर्विक व्हेन्नोटक, भक्त व्यक्ति ্বাপনার ন'ম প্রক,শ ও বিশিষ্ট প্রেমাণ না দিলে আমরা তারা প্রকাশ করিতের পারি 31

भार्कार्कार केलान

का भोत । हम कामाहित इतिवान म রাতে পরিতা গ করা পোল

वस्यन ि १८६३ इक्षमी स्माप्य কোন মুতন সশাদ নাই।

कार्यागाद्धः ध्रत्रवस्थात th state भामध्यकारम अकाम बहेमारो ।

कत्रिकश्रीतम् शक्त स्थाप्तकं विशेषं वि रिटर्श्व कतित्र, स्मिद्धकद्व ६माळ गर्द्धक्वी वि का शय कदम !

জন্ধকারী বেষণ পাছ জিভি শাস धकाम (यांगा बदहा

मरमञ्जान वर्डीश्रेटमान मनि क्रिकि अर्थ गनि अवान कामकविद्यंत कार्यानास्य, कार्यान त पाता डिक्शिमान्स प्रतातिरमहेड महम्पन छेरशारखब्जाकि वह

अड देत, जांब के क शिक्ष क्यांब लेखेंडे प् हिका ७ कालक 🖰 २इस, क्टब्रक : त विवन आश

खवा हिकिश्मा प्रकाश करम रे च हैवाब मञ्जूतः সে ও অভার এরগ অপ্রক

এই শিকিৎসাম প্তি বাজ, খছ পেছতা শীৰ্ষ্ম হ' এনেকাৰি সংবক্ষার সমুদার বেডন মিয়মিত স্কার্ণ দার क्विया थारकतः अवर्गमाने क्विया 🗷 बाह्याचि 🗷 श्राम क्रिस्ट्राह्म अन् वेष्ट्र-बर्ग्ड्राह्म, अहे िंवरतालायह विविद्य निर्म वार्य क्रे ही उर কুট অটা'নকা অন্তত ক্রিয়া বিধার নিনিক দতুদতি ক্রিরাছেন, বর্ষাসামে ভাছাও আরি इ स्केटन । (करना श्रीहर कर ग्रहनत त्वछन छ जन तांशीक चांशांक (शंकांक मृत्कि नुगम व्यर्थे । विश्वास्त्रां निर्मा व्या । द्वानीविद्यस जानात श्रमान क्यों हृद्य बोकूक वक्टन शक्ति इतिरुक्त । अ दरखन शिवि प्रद्यम मा। जीवादा है का मित्राबादकन खींबादम कट्या बात्मदकरे ब-बन प्रकारक रहत दर, जे म श्रांत जाताराहर न्यांची कि ३ योग नव् धनि । भि नार्केन जाया निरम्ब भीका हरेला विमा त्रकत्म गणिएक याँ मित्र, हिक्टिमा बद्रान, खदा है। हा आहान करि বে পারি, নতুরা জামরা একপর্যাও বিল

(374)

1

#

श्राम किन मा, मणावक व्यामक । अक्ष भन्दक व्यामि विभी ए ए १ रू के किन ए । प्राप्त मां । इत्मिक्ट अवेतर, श्रामानी क्रिका टा बाद क्रांश केक्सला कारतका मुर्गा के वह म-एक काई। **है। रक्षांत्र क**त्रियः, नहंबन । अक्यांने केंट क्रांट्रान्य श्राप्ति क्षांत्र किन्नु शक्तवा नारे ।

> *** (*** क्य प्रतिहीत्य। १

कु (जोबक्षकां महत्रकां भाग

क्रक्षामान महीराज्य दू -গৃংহাতি কৃষ্টিয়া বেলপুৰে ইনত দশ নি ्रदेश करियुत्र महेटक । उ के द्या ना वार्थका विश्वाप के कहाय केए स्वामीक स्वीवाद शका-स्मितः तक लाउरलाम जिल्लाहरू हरू, गर्नामान रे क्रियात का आक्रिक्रण अवदेश का का दि नहीं हैं, रे 治・男とことでしまれ 市民情の内容者 ピーバル だっ टाम हिन भेज कड़ेको खनिन्धि म इन केर अधारे। প্রায়ায়, গাবে স্কোনা হলে প্রক্রের 🕆 ৃ 🕫 ব भाषा के सम्मान के सामक की स्कृति । उत्था छ। सम्बर क्या (क्रिश्कार अञ त्वविकाण, जाकुकित सम कार्के: धनकुः। सर्गात्र विकास अकृतर १७० वही व कार्यस. ,शामनभूरत आर्गिया वर्ष्क्षिक अक्ष्यकरण वर्ण्याणा स बारक क्षायान परिकारित क्रमारिक देशकिए । । र क्यांनी क्रिक्ति सामिक मध्याम विदर इक्षाम् दर्शनलाम तम् देखनाम्म समारि टेंशक, रहें होत काला (अ दश्के क्वेश तह भेष कविश्री अक्तर्क छन्छ ४६गः ३६ 'दश'र चेत्र'र'ः रथाकमान उपन्तिक कर्र भारत हैक्सा कर थामात खेशन श्वकाम, शिश्चा साथ अङ कन CU-याद्य विका अञ्चिष्ट ए, निर्छ इन, ्राथ इनेस निर्देश होताहीत, आश्री व वर्षा शत्म वाहार वाहा महीद म्हित्याना विश्वासम् धार्यास व प्रतासम्बद्धाः पर्यास मक्षत भूमिया कोफीकारत । शक्षिता निर्मि उत्ह ल, किन्नु महिक महिक छा । । । यह न महिक न विकास भीव कवित्वत । (आकरवांत कवेटल्ट्स् , कि ए! क्यां प्रति । वर्गा है । वर्गा दे कि मा प्रति मा प्रति वर्गा अवि मा হলালর উঠিচা, ত ল সংব অধ্যাপিও পর্যা। ্রাজাগেদ না, । গঠাত অভিতে আহিছে একটা কাছাবি ধর 'काब है। केंद्रिया | Color कांटन च गांक किया नमार्थन कृतिया प्राप्त चूरेशक्द्र चुरेहेर्स मध्य श्वास्थालीरक रूप्यत । सर खाँक छा। है। अजिला है अस्टर्स के उल्लेखा न भागा किन कार फिल ुपन दर्शनक किया है। के देखार गीरी कविकारिक किकारों में बनाव श्री राजीश्रव कि ए कार्फ लिकामा एक्कि सामात वर्णन र विकेशनदेवत् नेत्रेक्षः १,१ ली अवत्याद्व मा,वनाम । त्याम विकास श्रामकः विकास व क्या एविवाहे अति। ফুলচিতে বিচার দেখিতে কছেলী পানে চলি भूकेल्य- काशिक के करेश पक्र व तातू काछ । शाम, १४३। दमनि बाबू कार मिनिक्ट कि कि निकास कारिए, कारता अकरेरे हि है कामीन শ্বাস্থ্যান্ত গ্রেখন সকল ভিজাস তিনা বিচাতের কিছুই জান ও সংনিল স র তত্ত জ বাংল টেল নি, প্লে, ম্প্রের খানার এটবেশ ৭ বিচ ' দে' ांकि माकिन वाकिना तिविधः एकव्यक स्थान ार कड़िरका इन कार किस्मा क भिर्मान भविष शांतिक अवश्विव में हैं ए छम, श्विमाध . अ थ आडे च्यानाह काम काशक काता अकता | व शिष्ठा चीकि छटत समावधालिए । किंहू मिन विक् कर्षम र नरावि शिवितीया र देश । अन्दान आहे अन्य तक एक सम्रोशित करी। या लाके द्वार कि स्थापन विषय अवर्गरम है 🗠 অভিবেধ এও শদ ও বেভন কৃদ্ধি করিব' क्षेत्रे क्षाप्त विदेशक यहे विदर्शक र १०१६ इ.स. उपाइ बह्ना कंछग्राहार क्षाप्त था, . ध क्षंत्र रिज्ञानगिक्यः किशार भागीविक्ष

भ वार्थिक श्रेष्ठक्रिया अध्या कान्यक्रि ात वरश्चन काकन । वे श्वाहा वरित्र हिंगाति श्तिष्ठा वर्षि रख कानाधिक २००० है। व तिया बारक, बदर बाजा व् इंथम्छे. न्तर ा ७ व्यवनी किरम अहम विमान मान-गर्थ रन। १ कि किसाना कति छोट:रक इब चार्च कि ३ (बाध दं र स्वरल कुना ह ু-বার । কলা ভারারের প্রাত আমি পিন, ১। ভারের বালতের ভাষারা সাধারতা পরি রাজ क्षित्र। अप्रे मा प्रश्नात्म विद्या वरेख मा प्रिन विक्रिय। क्षेट्रे कि. बजांबरश्र महत्र भरत्य ही तपूरशी में माचि प्रांत करें हुने। विस्त राह्म ता-भेद्रक १ एक्टब् देश्ट कि खेकार, छ। विश्वी वं यम मा ? का नाहे श्रेटनम । जीवन बदशा ८ र मानिक हिलां. ८कड् १० कामा क्षर किथि आधिक मा कविया शास्त्रता क्षेत्रेश माम दिया अववयम् अव विश्विति मार्कित। **क्रीक्रिया द्वार्थ के रक्ष्यक क्ष्रीए एक्ट क्ष्रीण** काळा ।

ক্ষান্ত্রি এক মাশ্রের কথানেবিয়া আমান।বিয়া-

क्षित्र घरेड्ड स्थिता देनि वरे जायनियांनी

উপ্ৰশ্নৰ গৰহে।খাঃ 'ৰপঞ্জিঃ ইনি ও ঐ

क्रिकेड लागा स्टबंश मा व है, मा माना विवत्त है

SALLER HEALTH LICEN

g抗腫藥。 《存出器》 | নালত্বেৰ টামা क्षेत्र) एक जिल : ছে ডভ দিনেব शांग जाहांग्र व :नरक्टर्स टब्र नर, मन्द्र বাকুত্র ওয়ে ।

दिश क्षेत्रध के र अथा अथा जिल्ला छ छिल्ल तम निकार विद्यालन, खबा हेरा हेरा 1 5.21. Q1

व्याम करेता छ वर्षणा र यह । नहा **्रम है विश्वेद नगर अ**धिक के रू 🖘 🖘 🔻 क्षा करेगा मा, उपनर भार ११ल শ্রেক শ্রেম্বাল নাম ভেটে করিলাং क्ष्या क्षेत्राध्य मदीन गढा शक्त । १८८१ थामनादलादकर गढ नाक्षांवाण क्षेत्र

उन्। इहेटल याहेट माहेटल वासाव श्रीकृष थाव क्रिया अक थानि आविष्ठामध्य कलक्षाति च्छ विश्वत शक्त कविद उद्दिन, द्विरेश्व शहरेशः পোত্ৰ ভাষাকের পদ্ধায় ওপায় গোলাম, পত্র बद्ध पद्धा रक्षीत्रमाती कहातिय कथा किसानः करांच एक कम विकादनमा, या महसूत्रांच एक हो। मामिट्ये है त्या त्यति मात्या छिम मात्मा विका-य अअवाप भारत' दार्गी नामित्रे वे वान ण हिन्स बरक्ताभाषात्र हैन्हांबा स्टेबारस्त , किस फिनि भारतात राक्ति है व पहरूमान

र्दरके इस्तिन, अक्षया लास्क ज्ञानक করের প্রতি সঞ্প দরাপকাশে এক দ্বিন কুমা-- খালি ভ উপ্ভিল দুইয়া বিচায়াবয় ক্ৰিয় নাক, আনাম, অবিয়ালি ছালির থাকিতে ও কাৰণে কোন 'গ্ৰাপান্তি ন। শুনিয়া ২৫ টা মৰদ্ধ। গলেনাৰে মধ্য পাৰিজাও ভিষমিধ কৰিয়া পান িদিশ প্ৰত্যৰ প্ৰভূষিক গুৱ আগতি আৰক। গ্ৰ সলে ক্ৰিয়া শীৰ্নাল গ্ৰন কৰিলেন यश्चाम व्यथम निरुक्तन असमाभीम विद्याहरू ्यः क**्वतः (स**र्भूष িলি কেমন জনাংহ দ্যানীত প্ৰক্ৰিন **প্ৰা**ৰ **কট দুৱন**গুণাৰ আন্ত্ৰানে ক'নি স্থানস্থাণিত স্থিয়াছেনঃ 'क्य अव्यक्तिक छ। छूद अधिक, वयन कीवर **७इ.सिक . ३८शर कथ अ.सि.स. ११ करबस, अ**घ ন্দীপান হাইছে ড্লাফ্র সক্ষ্ম কবিংও তে ধর। তথাত উপস্থিত ছবিয়া ওলিজাম, ভারুক क रव राष्ट्रांकि, दश्के बादन वर्शक्रीके व द्वा मध्य ্যাছন মন্সমান চেপ্টা কালেক্টকেত গুণা ্যাছ বাৰণ গ'্লাম, পিন্ধ স্থামূট ৰপান্তঃ জীপান দশ ংশাইলাৰ ন': এবা সুমারখালিতে জাগ अकादमकी काशांत्रा कुछ है का लि, बार राजा क्षां लाग विकासका, किन्न सम्बाद । इस्त अधानसः रल रहत वाहै, महालग ऋल रह शह जाति है क क्ला प्रशाहित क्लाम त्रांथ क्रू सर कृते प्रहे-र १६। अकार- कृतियात्र ४ तमान, रहिन्द्रभाग खर्वाविधि कवित्र। कृष्णियात ५ वर जूनिकिय भिन्नि स्विद्रालय कालामध्य आहे । का, देव देकि --

> " Might ! क्रमात्रथं न कमाहिर सम्पन्। तिवर 388 Wind >►७२ माम ·

्क विवेशमान्त्र, स्वामी बरणां क्षेत्र ५३ दे दल्लाहरू-" **用面分析电影: 小袋小牛 - - -**

अल्यातक महानेश । जानि व्यक्तिक प्रदेश या विषय वर्ष केम्ब्रहणे जात चारम केमिक्क neurn den bis marfe-त्य क्या बादम अवृति भवक्रमा बहुब्राहरू

দিব অতি শম্বিদ খান বলিয়া ডৎকাংল रेडाई वित्यव प्रकास कार्यक स्टेबाइ स्थान क्र त्यांत्र कियो ना । वद्यांनद्यत्व व कार्यस्य द्यांत्र াদ দান্তা দাটি, আমি সেই ভার এচণ কfar र देखां काम। बांधल बक्का आखार कर। आं-মাৰ পালে অফুচিত নাধন ৰাজতে ছাইংব ाप कति ये क्षांन सम्बोध पटेना सकल छ हैवाह निवंदन वश्यालयां भारते क्वर विवासि स्वाम চটাৰে মা বৰুং ইছাৰ সুখ্যমন্ত্ৰ নিৰন্তন ভৎসন্থ-मत क्रांनिटके कट्नटक्त्रहें क्रोक्रक क्रिन्ड प्राटन शुर्का बहे यान जनश्या प्रसाद जानान ভূমি ছিল, স্মিটিভ নগর ও পলিতে স্মান্ত क तिहा काराजा आन थात्रम कतिक, शतिद्रमध्य क्षांक है कि कविजन बर्गन क्यूंक उद्यारधा आहन-্ষট পুত্ৰ ও দ্বীপত্তিবিত হওয়ায় অভ্যাচার অ-*। तम* निरातन क्या, योकांता दकोमान कारण आक्रम 'লা'ব ছিল এইকণে জেলা বঙাৰ ভাছায় गांगांगांत्र चांध्रक्त अनेगांद्रम् । यहे क्राम देख्यां । · ^{की}त वाम औरत अवश्विक, य**ाशक मनत है**-ার ১০ জেশে দক্ষিণ প্রতী। প্রাথের আয়েতন त.न २ (अनेष्ट, धामरख ५ (काम क्ट्रेटर, अहे ं '' में चुंदनाधिक ১००० चन लाहकत नाम, खन्न-ा ११५ ७०० घर मुठी, मुहीत संस्था। व्यक्तिक ५ नगः हम्। भाष्ट्रमा मधः। नटम-अवस्थाना स्मरमह शहीर माथ्र केवाता क्ष्यांत वारमांत्र भावता सुका अप्रद करव मा। कृषि करकार बावाहे वेदांशहर र ल्लावन इत्सा उक्क वर्षक स्थान

उ घन्न, जत्यन मरना। जन्दर्यकः। कान्न करः क् इरिया का अर्थकीक वालि छ शांत्र शांद्रशा गण नः। हिनि ७ छ**एव यामगान ७ दक्षा**निद र्रा अदे अ द्वांस क्षतिह, ३६०। ५० है। द्वेंदेश বিভিত্ত চিনির কারধানা **আংছে: শীভদালে** ं पारत है। ७ जाक विकास किन ए अब करा नका व्या थ'रम, अबे सारक क मारत वन रकारमध्य अम्रा अ रहमध्या दलाम मगरदे हरे । ा क । विश्वविश्वश्वाय व**वे**टल वद्याव्यास्त्रा वर्षत्र। ा कविट के नवांशिक स्टाप्त, आधिश्वित वर्ग र-इंटर रेड्ड जान गर्नीख के नमस स्मांक कर्यार म ान करता, अहे करवृष्ट मान विक्षृतिका स्तार्थन अ राज श्राह्मकांव वृत्र, सम्मत्, नक्ष्मी वृत्रिक छ मा-'तकशार्मण क्यांना वहने श्रीवृश्य वय वय करकेत े देशीया बारक भा। अक वर्शक चाडीउ व्हेम यथारन वक्षी दशके कामानक द्वानिक प्रकेशन

क्की क्षित्र का किरके देवें का का कि

Angles which wavev lottes महिन भारती (धीनकार श्रांकणक WINDOWS THE PROPERTY OF PERSON NEWS क्षा कार्य अधिक विश्वास क्षिप प्राप्त नामक क्षावांक क्षेत्र वृक्तिक क्षेत्र कृत वाकाय क्रीक कारण पाकास केंग्र क्या भीवकारन स्व प्रकश इंक्रकां कर्या है पारम बकारम राज महरू क बलाकीर्व महेबार्ड । मर्र्गन कार्ड रूप काराव । मधि निकास्त्रान

हमा क्षाइटम बामर्टन विष्ठांत्र कांची क्षांत्र कांची-

পত্ৰ প্ৰকৰ্মে নিম্পন্ন কইডেছে। ছান অভি

अरबीर्न बिलका वांकि औ कि गाँक अकारक आक्रा-

लक चरबन्न वांदिरन मधात्रमाम वांकाज हर,

ब खरिया बहीयद्रभाषं आत्मय भाग्नम आत्य

श्रीत व्हेंबहिया से विश्व के धन श्रीहर नहरा

क्ट्राक्की संस्था कर्णालका निर्मित बहेटकट्स,

PROPERTY. TERM WIT. CHICAR BIC: The differe WENT FOR अर्देश के सम्बंहर

fie Ager. Mente कारि निक्रीलय क्षेत्रका आधितांक प्रांत क्रिक् **与新国工艺、李明集** · [47年 日本 日本 日本 With S. Person of the Party of विका अनमञ्ज्ञरामा से ब्राह्मा महिल महिल

श्चिमुक्त (मामधीरण मन्त्र) गक्

बहान नबीदभव

माम्ब्रकान व्यन्तिका अवसि जात्रदा जाविद्याह काक् नमामक्ष्मकारेन भग्ने व विद्या थोकि । विभिन्न करकार-सामन क्रमिए। देनस-कित क्षेत्रकि अवकाद्य क्षत्रद्वर समोदण श-नीवकान क्षेत्र रक्षका विश्वास्तिकार या कार्य बदेवादिन दर बाजना कांत्र अस्ति और स all anaces to animal attentions Nated Spelled in লোমপ্রকার 📜 ... 进制 神神 軍 गारठे जानि গোৰ প্ৰকাশ 344 A4 44 Bein fr. -इ थि अल्लोबर्टरिय न्यारको नदा वृत् क्ली मार्ग को एक परिवर्गन सर् मद्रश | क ब्रुट्ड शकांभ मगर ভওয়ার ভা≑

ब्रेडेजिक शरमा भरधारे मिन्धान कावा नाक वरे-एक मारका संस्थान होता है एत्रांना मना বিকার করে, আংবারীর বা পানীর ক্রব্য বাল मुना मरम, केल मुना- मिरनक मिना कांत्र । ब खालात ल्यांक कालाख चंत्री 'क क्लाहे, तिक हि-एक मिनिक के निक्क ना शास अमन कूक्स नाहे আর্থের অন্তরোধে কায়ারও প্রাণ বধ করিভেও देवथ करत मा। शर्द्धांशकांत्र । अनुमा वादकांत काहारक करह खांदा देवाता अधकारम कारम मा, क्षकांत्ररंग मारकत निकाशक क्ष शांति कहा देशक्तिम बार्जादिक मरकार । आवाद दक्ष কার্যার জ্বখ্যাতি করে না, মীচ কাডীর লোক ष्य ५ । अर्था । अर्थित । अर्थ । व्यक्ति । अर्थ शृष्ट्र बात्रकूर्क ७ धर्मा स्थान विकिता विकास मन क्यांडि अक्षी माह्नदा कि करण जाय छ अवर्यस्मारी नाशका शास वक्षी केश्नाकी विमानक छोड़े आंक्षोश्राधन सम भारताश्रकाति, विक्षाश्वनाशी विकादत राष्ट्र चानकामांथ नाम वीमाहरतत अ-कांस रुएक के जांकारण ग.्याणिक बहेबारक । हैनि कवि ब्रामा धरेर माधानक विक्रमन ना-भीरत देशक घरभारतामा छ छेरमांव ७ ऋछतान, विक्रांत्र कंट्रांट देशक ग्रंथि स्थानित विक्र व्यक्तिम म्हेम्ट्रिम ज्यागि र मध्य मात्र भ-विश्वभी। अ क्षिणिय मोछाना बिलाइ करेटव यक्ति देवां कार किन्द्र मिन अथान थ के देता। विश्वास है। फिल्क्स ना कविशा कां अभिवास शांतिकाय न, दर बधानशार श्रे भग मारतांना बाद शासी बीहबन बरमार्गियात्र ए अङ्गामत क्षत्रीमात्र भ्रष्टाणयक्तिराध्य (मा १%)य बांद्र एक् बन । बाइब ब्राय बहानायन। खेगान डेफ विमानाय छ চিকিৎসালয় সাপনার নিগিজ বর্থেন্ট আন জ আহাস শ্বীকার করিয়াছেল এ - বাহ্যতে চির-बाबी वह काकांप्र मिनिस महीत, मन अ आर्थ थिए। देशकार कतिरकाहन । अ स्थापत अवस क छेरमान स्मिथिक ए योग्रह बहाकात के वार्य आक्रा त्यांचे तम्पणत करणा केत कित्र तिमाकन महा रसक्ति । काका कित शाम, बनर बम्झी जाकवन्न कारह, बन्दी देनकम । बन्नाकवान रक्ष्मी माकिर्दे हे बन कम मारवर्षे

(5) 海運 事事事實施 क्षित्र यंत्रि

क्रांग (२) क

टबर एउट्ट^ह

'ৰাক কছ না

क्षेत्रा वश्वरक्ष

क्षक वर्षाण्ड

wenten . "

পরিভূতী বই

四年 不有

वर्षे बड जो

発育 明神

क क विका

ं अ जारममात्व काहाति हिना ने छा । उसे । देने दे छ शुर्ध्य बड़ कर मी ने नह दिरान्य किंद्र लोह केवरि

न व्यक्ति क्षिणंड व वर्षे कर के शकांत পরিশ্রম স্থী-इसम्ब इतेहा क्ष श्राप्तानी

भजीय जातत गांभी बहेशां उप्पाद के कर्म **१**डन रावजा--1ক্তির অম্ব-न् भूजनरवय हियांत्र मित्रम क देशमाल STORE ENGLA खांबकाती हैं। रमञ्ज कर्षाणीत ল ভাষা আদ চ জেপ্টা ৰাকু r **ক্রিরাছে**ন येक्टिक विद्याग ্ৰই বন্ধ। ভবি **एम खन्डि-**क निष्म समा

क ? वेक्सांब-

র ভিস্কামীগণ

क्षि शतिवात्र

শাবেন তৎ-

। शक्रिक्ष

म श्रुप्तश्रास्

ক্ষ ক্ষিত্ৰ গুৰু

वर्तन आडी-

এক। ল্ডাৰ

HE # 3

र्रात कडिटका रक्त अमृति TRIP GISTS FIT BE FIF

क्रिय राक्ष उड्डेटर अज

जाबश्चारम कतिरम अविकास वृद्धक शारक हकि स्माश रह को **बालक करिया गर श**र्फ भारत त्व अर जाता मानवा पर जाता गर्मा का जाता वा जा जाता वा রাবেদ ক্রির রাজা নির্ভি কাল এভীক্র রিয়া প্রসংগর সমেন্ত্র বিভাগ করিয়া বিভাগ GIR PIRENT ्व बेटलय करहर सी ceta es cos E alemia W. II

मारत हांचे विकास के हिमा क्षि जारह रर कुक्क नवसंप्रधान ঐ রার জাপন চরৰ কালে "হইয়া ইঞ্ছিলারে সহস'র पूरवात घरमा त्राचन भिरहक्करक नाडवर उपरी गायु या वेष्टिक चा-প্রিনর অভুরোধ করিবাছেন ভাষা करमाभवाषी (वाथ व्हेटकट्ट मा।

्बिंडरक्टमह मामाजिक मित्रमाष्ट्रित स्थेय केडे টিশ ক্ষেত্র সামে পরিশোধিত মা ছুটাডেই ব্রেলের লাভ জাঠ পুত্র ভুললভিত্র অধি-गंडी बंबेटम यांकाजिकंड कम जांक इरेटबर्क स्याद्वाष्ट्राच्या मार्ग कार्या अकटमान स्रोगि কারিগণের বধ্যে অধিকাংশ ব্যক্তি লেখ। পড়ার অস্তিক ইণা বলা ক্ষতিক। বিভীয় ঐপবাশালী विकामीमटका मध्या शंकाविशंह त्य अक्षशिणका করিভেছে বোধ হয় ভাষা কাষারত অবিদিত নাই ভত্তৰ পুত্ৰ খেলার ন্যায় ভাছাছের क्रमाभारम वांभाविवांव षाठीव छन्नावह । ऋछ-बार दनहै र नक वाजिकान महरगर्श वा मकल সন্তান উৎপত্তি হয় ভাঙায় ৰখো প্ৰথম প্ৰায় যে নিৰীয়া; ছুৰ্মাল ও খডকুদ্ধি চইনে ভাষাণ্ড আৰ क्षाम महामह नाहे। ध्राप्त क्षाल क्षालेश्वारक ব্লইমান্তনের কলপাত্তিৰ অধিকাৰী কৰিয়া **কি** ता कि समहर्षत्रं रश्कु इवेटनक मा ? शक्काक धर क्र उट्या के प्रकार अनवसामकाय वे विनय नके एडेका अन्त श्वभरवत्र क्रम यात्रा वाहेटक PITE !

हेश्मर्थ के निषम अवस्थित भागात अवस्थ निश्व कांत्रने कांटक खार्च बहैर--- वयामकाव मात्रि खर्चाकांत्र क्रमीकांवर्गन मग्रदत्र गर्भात्र दाक कड़ बिट्ड वाथा नटक्न, उथाकान क्रमोप्नांनी कत শুন্দ এ কেশে কর্ম ধর্মে চারিবার ক্ষরধারিত দিন্দে ক্র্যান্তের সহিত ক্ষ্মিনরের প্রাণ্ড कक क्षेत्रं चाटक। अवक घटन क्ष्म्युक्तश्यक्र উপজীবিকা সমূপ কেজমাবারী ভাষার কর্ত্ত-শ্বের ভার এক বাজির উত্তে রাখা উচিত সংধ।

পরিপেবে আমি এইযাত জিখিয়া এই গুলু: रवन्न केलनश्च क्रिएक क्र यनि काम्बरमानेन यथा-महत्रका ऐक दिनहत्रक आहेन प्रकार आर्थिन। मद्रन भाग मधाराज इस जार कि क्रेक्स व्यापन विश्व करेक्स कारेन एउटाई आर्थना क्रम द त्रव्याप्रक क्यो**मा**टज्ज नद्यानवर्षण गरशा ८४ श्रीव मर्का प्रमादि जिल्लाक क्षेत्रक जाश्रम गर्हीक লইয়া পিতার অবর্ত্তয়ালে ন্যুলার বিষয়ে টু वत्रत्य क्षत्रका काम्रास्त्र कावश गाउँ শর প্রথণ ভার্তে বিকট ভ্রতে টু र्विडा अम-कार्श करेटन माना म देशेनां इनेटा भारतिया

बाद श्रीके केश मध्यापन महिला कार्यनक गरेजकगारण बाजबीरम किवासिक कविरवन

> क्षांच स्थान White the same of the same of

- সামপ্রকাশ कि मश्मिद्रम् ।

देशविक जिल्ला कर्ष बाजिएस का-मापिरशंव मित्रमा व गांच मरीमध्य मिड महानव कालवा बीची बाकांच स्य स्व पारन भागरणाः भवतः विवास्त्रंत वातां भागातः कांडे अ अन्त इत्र कार्। श्रृंदीका कृतियात जात. गर्बहुत्तकी स्टेटिंड आत्र स्मृ। किंद्र विस गठ हरेल भावता क्रांक हरेलांव त्य बचान्यात छन श्रीकर (गांकारतक) वर्ष (भाव आवस वाञ्चितक ख्यूषि मानिस्कृष्टित निक्षे मानीम कृतिए**उ** त्मिक, करक्यार के पूर्व क्राकारबह: केंग्राटन ও ভাগার অভিপক্ষ লগকে পক্ষান্তিবিত্ত আৰ-ক্লামালে জ্বীকৃত কবিয়া উৎকোচ এংও ক্ষিতেন। বধা বিয়ালি কোন বাক্তি লাটাব ৰালা আহত হ**ই**লা নালীৰ কবিত, ভাষ্<u>য</u>ক कछक्छनि मोखारिक बनिक, यमाणि जुनि कि व्यर्थ मान कारी बहेरम अवानकात कार्केंद्र वार् क्षे आमान कतिया मिध्यम**्ट्य काञ्च**त माना क्छ रहेगाएक, ७ छ। हा इहेरन ट्यांना अखिनानी-দিগেৰ গুৰুত্ব দুও ঘটতে পাতে ওদিকে জা 🕛 ৰভক্তলি মোক্তায়ে এতিয়াদিকে এই প্রালশ कि उ. यहि कि हु है। का अ छ दर का एक जा जा केश मानाना जावाड राजद्वा रकामारवद्व गरक क्रयोग कतियो मिरवम । अहे अकारत अवासकीय ভেপুটি বজিউটের কাছারির মোজারের উল্লিড ভূড**ক্টিনিকু**ই কৌশলের ছারা আর্থ উপार्कत क्षित्रत्व । किन्नु अञ्चित्रत्व भव गरीन बाइन स्मोखागामध्य स्मोदिन मामक जन নোজার গত নত 👺 শীয় কানে পতিত চইনা अपन अपन अपने विवश्नी मदीम द्राम्क प्रदेश गाँउ के शामनत्क कहित्सम १९ के शिक्षित दमम मा थाछात्रका श्वास्त स्क्रिक्ट वि ESIG ER " | PICE & PROSE PROPERTY nifece bee managen auf den कविका द्वानान भा राजार का निर्वे कार्या मध्या । वृद्दे केराकात कार्या कार्या । क्रिटरम कार्य

(मायशकांक)

" प्रवृक्तां प्रकृतिविद्यस्य पार्थिनः वरसती सुतिनहती न श्रीयतां। "

। जन १२७२। ८ कार्सिक। हैर १४७२।२० काक्टोवत

मानिक गुना 5 हैकि। वादिक अधित ३० हैकि।

m

বিজ্ঞাপন। বলে সোমপ্রকাশ গ্রের-ণের নির্ম। মূল্য না পাইলে মক্ত্রনে সেমি-

ণ করা বার না। ইহার মার্থিক পুল সমেত ১০ এবং হাঞালিক পিছ আছে। হর মানের ক্রানে চা গ্রহণ করা বায় লা। বহুয়েশের ব্যক্তির সোমপ্রকাশ গ্রহণের শৈকা বি অগ্রিম মৃল্য সহিত পার লিখিলেই পারিবেন।

विकाशन ।

त्तनामि २५०३ २३.४ ७ ७० १ फाउँ विद বুধ ও বৃহস্পতিবার কলিক'তা ব क्रम धारमानिपिरणम् भतीका श्रीक इ ে সম্প্ৰতি . এটা ছাত্ৰবন্দি খালি খাতে, ज गाजि स्टर इंट नड़ोंको अहि. মুমিগ্রাহিছাত্রকপে অথবা রভি *ট্যান্ড ভবাম গাঠ করিছে আভলাশ ন তাঁহার৷ উক্ত ভিন দিবস বেলা ৮০ वि नवत्र कशिका है। समाजि कुरल (हि-রোডের ৬৪ সং ভবনে) উপাধত 🔑 । बीहाफिरभन्न वन्नःक्वन ३० व्यमत्त्वन क्रान ाता विकालाम धार्विडे स्ट्रेट पहिन्तम र्कि । तक जालतात निष्णा ए हविज ि s का क्ष्यानश्मा भक्त गांहेश। थास्त्रम उदर सं अहेशा आमित्वन। शक्तकिणिक विमन दम्य शहीका वार्व कहा वार्ट दक উপক্রমণিশা 1434 河 南部. दर्शन महाराम क मामिक निर्मन ।

বাজ লার ইভিহাস প্রথম ও বিতীর্ভাগ ।
আঁক বচরাশিক ও সামান্য ভ্যাংশ পর্যন্ত ।
আঁ, জি, মেজিক্ট
বাজালার মধ্য বিভাগের ছুবা ইনজ্যেটার
১০ই নেপ্টেম্বর
স্ব ১৮২২ শাল

নিট ইভিয়ান দাইবেরি ৮৬ নং কলেম ইঙ্গুটি। পাষ্ঠ দলন।

ब्रीगुर्स वाद द्र'भनान प्रत्र'भागाम नरी-শর গৌরাল নিত্যানক শ্রেডুর কল এবং গচা-রিভ বৈক্ষর ধরেছর সমস্ত নিবন্ধ সংগ্রহ ক विया औटीय नांबू कामाय नात्म ब्रामः उ मृद्धि ভ করিয়া পাৰ্ভসন্ম মামে এক শানি অভি बब भूक्षक विक्रमादि कामानिया द्वीं की-न र्गन करिनाटकन। आगरा छेडाँद्व व्यादन्ती-भाष भार विश्वित ज्ञानकाम त्य, अष्ट्रक्टी **৯০** কল অধিকল হিলিখাছেন বচনাৰ নিমিত্ত ুণ্ল বিষয় জুপি গুলি করেন নাট আখত ় বোগ করি এই बद्धां अलिश्वन दर्गे भूष्यक धर्मिकळाच ताहित्र (अद्वरे व्यक्ता-ভনীয়, বিশেষতঃ বৈক্ষরপর্মারলম্বি মহালয় গণের অতি যাবশ্যক তৰ' গ্রহণকরা छिटि अर्ह्ड वर्डमानमास्त्र ेत्रकारकरां नवतान कारमहरू के यू शर्ट्य न वर्ष्य বক্ষিত ' পুস্তকের সুনা । বারে: আনা বাত্র। গুরু ব্রামর্শ

किसान्य ।

काशामी २৮ त्य ७ २० त्य व्यक्तीयत् । ऽ२ वे ७ ५७ हे वार्डिक मक्त ७ मुख्यात् हारे

मिरान क्तानो नकांक विकासिता ।

पिरान क्ताका पर्यसूत्रक छेळा विद्यालक ।

वटन क्तीफ करेटन। क्तीकार विवय क्तिकारी

कांवा वात्रकां किकिर कांवा क क्रूड्यांक ।

हेडि।

कार २० व्या करियां अभ्यर्थ।

ত বাজালার স্থাবিভাগত বিজ্ঞান্ত সমূহে আছিল এটিং ইনশেকীর।

বিজ্ঞাপন । মিঁই টুণিবান সাহিদ্যান ৮৬ নং কলেজ গ্রীট ।

বাৰ স্থান্তের উপাচার্য জীবৃত্ত পারিক্ত চল্ল বেলান্তবালীল তাঁহার বারা প্রকৃতিক প্রা সন্মর বিক্রবের সম্পূর্ণ ভার আমাদিশের জী পর অর্পণ করিরাছেন, অভ্যন্তব প্রাহ্তক উল্ল গ্রন্থ স্কল আমাদিশের নিক্ট ভল্ক প্র

প্রকাশিত পৃত্তকর নাম।
বেদান্তসার তৃতীরবার সৃত্তিত
পঞ্চলনী বিভীয়বার সৃত্তিত
শ্রীন্তগ্রনলীতা সুস্টাকা ও কাবা
বিউচ্জে নির্দণ প্রভূতি
বেদান্তের অধিকরণ প্রতি সংখ্যা
নহাভারতীর শক্তলোপাখ্যান
ভ্র উপনিবস্ধ
সাধ্যবদীর সন্ধ্যা প্রয়োগ
বেদান্ত দর্শন শারী রক স্তেরর প্রথ

¥1 (

त्रायथकाना । < है। क/सिंक स्मानवात ।

, विश्वाद एकिंद्र करें कि निग्रम ए र । निःमक रहेशा मूर्य कालयांभन कृति-**एक भोतिरद मा ३ जामद्रा आ**ग्रहे त्मरिएक পাইতেছি, এক একটি ভর তাঁহার পিক-বে লামিরা আছে। বদদেশীয়ের এত **বিৰ মন্ত্ৰা ডক্**রাদির **ভ**লে নি গ**ন্ত** ক'তব हिस्त्रन । त्र अत्रिष्ट (यम न किছू कवित्रः । আসিয়াছে, তৈলন ওদিতে মার্রাভয় বা-स्ति मात्रीखरतत कथा थायरे व्यामिरशत मिरमत खरव व्यक्तिः पूरत व्यस्त करत स - केडिझाटक विकाधन क्षा अत जन्मना वक्क- खादा शतिभूव बाटक, असन काटन के का ्धान महिन्छ आम म्दरान्त्र **ाण्ड**त्रत ক্ষ পাঠকগণ ত ্ৰেইট অনিয়াছেন, সাতিশ্য কেশ ও বিকাঠ জন্মে । এ সং ওকিনে - দীয়া জিলার জ্বর্গত দেবগ্রাম . अर्ड्ड य. तम्स्या आहर ख्लाख नाती ত্ত। হইনাতে। এই মারীভয় সংক্রান্ত এক খানি প্রেরিভ পত্র পাঠবগণ যথায়াৰে বাভারা চিকিৎসা করিয়া কে গণা, ভাতার वर्णन कविद्वतः।

मद्धा भर्षा विशिष्ठ भाउता गात, मा রীত দ উপস্থিত হইলে তৎকালে কোন কোন স্থান প্রাপাচতঃ দংগ্রতীকারের किছू किছू किछी इंदेश धगर दिख छाहा नवाद करल्यावादी हत्या विकास है **खाँहात छ।वि भानी छ**। १ वर्गमा १ वर्गमा क्रमका मारे। याहारह ब्लिंग र आहेरिका **बा इब्न, तार्ट (महे फे**र"र यद, अब कवाने **সর্বভো**ভাবে কর্তব্য । সার্ন্নীভাগর ভূতে।-আত অনেক থালি কারণ আছে। দ্ শেষ অনুসন্ধান করিয়া অজ্ঞাত ব বন ক লির সাবিদ্ধিয়া এবং জ্ঞাভ আঃ **র্নিরাকরণ চেক্টা করিলে** মারাভারত আ ्री व भोडि हरेवात में अपना कर्ता व ं क्र[ं]से श्वट**मटान**िक खा दस्तानाता र ना देशाव

উভারেই সাক্ষিত্র বস্থান হওয়া উচিত, খনাৰা **কুডাৰ্ঘভা লাভ** সম্ভাবনা নাই। ে অংশে **গৰণতৈত্তী**র আৰ যে সংদে দেশের লোকের বন্ধ আব্দাই, তাহার **डिट्स वर्गी गाईएकरह**ा

वर्षावनाम नम्द्रप्तहे आहा अभी व्यटम ত্যা বিকারাদির সাতিশর প্রাত্তাব হয়। ইহার কারণ বিভাস্ক ছর্কেন নঙে ৷ অনে **ৰু প্ৰান্তে পোন্ত**্যা যাস, প্ৰশাস ও ারিছ, ত রাজা, ঘাট ও সরে;বর দি নাই। চতুর্দিক বনে ও জলে পরিপুণ হয়। লঙা क्रियातम्। आम् ए समलम वित्य-। পाखा अकृषि शिव्या केर्यः। गंडा करा व-अधिकामित इरेग शाहक। दात्रामक क्ष- तथा ७ शृहस्य भारत कक्षाल । मलाक कृष्टि करत्रकृष्टि श म गरमत्र वाश्वकृषि इहेद्र, | भ करत्र । भर्ष मकल कम्र एम । धूर्म ।। ্ব স্বাধিকার বিভার করিতেছে। পাঞ্- হইতে অভি অদ্বাস্থাকর কৃৎসিত বাসু নিঃ मुख इस, छाइति स्थानाश्वास्त्राहरू शक्ति क कांब्रटन श्रीड्रा सः ५३८८ (सः) व्योडः ६३ ्ल डोहात थारीकार्वत ३ छ^{१२५}त छेलाम् मारे . भामक जाता मुहिर्किश्यक मध्दे, নিতান্ত অনজিক্ত, তাফাদিশো দাবা পী कात भावि १७मा मृत्र पार्वर १७३ व्याटता বৃদ্ধি হয় ৷

> শিপরে পীড়ার যে কাষণ গুলি বণিড क्टेल, आद्मब त्यादकत ७ हा हरू की द দিবোর যদি স্বিশেষ যত্ন থাকে, ভাছার बिताकत्व कृष्याधा अया मा १ द्यारम्ब १० हि गृरुष्ट् यमि यथानवकि धर्द हेिट्ड किहू किছु मान कत्रिया आत्म त्रथा मत्यामनानित किंश् कर्य सम्भामन क्रिकी क्रा न, छाडा सङ् एक र भाव करेता है है। जिल्ह बाबाफिरशब দেশের লে'কের এননি কুদ্রুকার যে সে फर्के भूदूत चाकूक, धावाय विक्**डे हरेएड** वित श्कास्त्र लिक्स, श्राष्ट द्वा, दूवा राष्ट्र েরিয় কেলেন। যা**হা হাউ**ফ, **পঞ্চাপত্ন জাঁ** াং এই ছাল্চেক্টা পত্রিক্তাল ক্ষয়িয়া লা-

त्मत्र ताका, चाउँ । भूकतिनी अ मख ७ পরিছন করিবার এবং ক প্রভৃতি কাটিয়। পরিষ্কার করিবার भाष्म अवर गाहाटक आत्मत्र मटः हिस्थितक ७ डेस्स डेस्स गूरं ८ दन, फारांत्र उच्छी क्स्रम ।

भवर्गरमान्छेत्र कर्खवा कहे, निय कर्महातिनित्तर अकि मृ न इ जा छड़। अमान करतन ब्राट्स द्राटन यम १६ अल्ला তাঁহার। কাটাইবা নেন এবং এভৃতি অপরিষ্ত দৃষ্ট হইলে ত। হ। পরিক্ষার করান , রখ। দিং সংক্ষ র ক্রিশার নিসিত্র প্রথমে। ्त्र अन्त कतिरुद्धिम् र का जव ही छ। छ। मारा छ । छ इहर. कृष्ट्या विनित्याकिक करा कर्छवा ्या एयम भूतिमक्षक हि भिटनः তেগনি কৰ্ত্বৰ থোৰে ঠানাৱা যদি এই क्षायात अनुष्यान दतन, जाव इहेर ्रोकी कि दिस म श्चानना । कि भी सं, शवशहर अवस्था २ व शहर हि त्रिशालय ^{নি}তিকোর সংখ্যা রুক্তি করিতে হত্তে। ৫ স্থানর বোকেয়া নিভাগ নি সভাগ त्नचे ऋहत्वरे हुएन हिनित्ना खिलि १ कि विकास सिर्फ । हैर का लिकी र अ १८वर्षेत्र मार्यः भ व ः विदाहिकि एपः ६ कि है क कहिबान त्य विष्टि व्यादक ए ह পরিবার করিতে ধরীরে। এক্ষেনে প্রায় দ ध्विध निवाद निगरमञ्जे हिकिश नालम १ ষ্ঠিত কর। হহ'ব, খ'দেছ। এ নিয়ম প্রিব निविद्या धार्वभूषान्ति अभि य छोद्र शहन क এব॰ ঐ স্থার গ্রন্থ করিয়া প্রায়স্থ (ক্ষে ক্ষে অংশভার নিক্ষেপ কর **इक्स**. दशन ता साधा माही अस হইবেঁ. মেডিকেল কমিসন নিয়োগ ছ ভাষার মিদ্রে মির্ণায় করিলা ভৎপ্রতীব क्रिकी करी कारनाक

। जना इकित सम्भवा ाख अब इत्बीप क्य ! भूडाबन এত পরিবর্ত্ত, মূতন আইনের এত क्षत किन मूखन कुछन पाईरनक াা হইতেছে কেন > মানুষের খ-विके कि (कदम छात्रांत कांत्रण? মনি স্টাশর ও ভট বভাব চই-

ছে হে ভাছার ছুমভার নিবারণার্থ वात्रकाशकान्य मानाविध कोणन व्यवनpa করিঙে হয়, সুভরাং ব্যবস্থাশাত্র रवम अ पूनासक्रेश छट्ठ । वावकामाट अत त्वारण 'व अतिवर्धन भीलकात अरे अक तंत्र कानः राग, बावज्ञांशिक्षिकः ७ वावज्ञा भरताकिथर किराह सम अमानिक छा-्त धवती ध्वतान कात्रभः कें हाता जन ় ও বিশ্বন্ধ যুক্তিত অনুসামী इक्षा शत्या श्वास्त १३ कारम् । कविमरगाः-पत क, नण्ड शाह्म- मा, काटक काटकरे পুরাজ্য আই মের বছল পরিবটন ও নত म भूतः, व्यक्ति मृद्धेत पुरुषं पुरः । १९ क्रम ान , क्रण्यांक त्लारानन कर्मानीयम वर्के देल्या १८ १ १ व्याप्त । अस्था वि द र व्याप विकास सामान्य अधानस्य विकास्तरः १३ कार्रा , तिकक कालवा वृक्ति करकान धर -पि सात्यमात्र **ला वि**लाट विलिण्डास्य, ए ६. केंद्र के हुए। आकारताव करी विद्यारण র্ণ - এইবা প্রান্থাত চ', দ্ধিব করেণ श छिटियात अञ्चावना करेश के वेगारः महक्राणि अरे -

िलिह दुर्भारतन जीत कुरत नर्ग सन्त মুস হিল্ম নদীয়া জিলার ভেত্তি रशकेव भीतवी हेश्राकाकान (हाउनस्त्र कट्डे अभव व्याध्यव सार्य बास्त्र एकि । क्तीम करब्रम। एडभूषि कारन 🗸 💝 🐃 দ্বি ডিক্রি করিলে পর ঐ জিলায় আ प्रमाण प्रमाण पटा दिल्लिको अध्यासम्भाग मा बन्न निकारी केंद्र या का भीत हम । ३ क करण भी पन्दर । शहक किया असा गुल ६ १८ अस्य अर्थ, वेज्यन कि ।

म म बरमान, भूबीरभका अमेरिन चरमात मुला वृक्ति स्देशीरम ; ১৮৫৯ जरकत >० चारेटनत्र ३१ शांत्रात्र चाटक, यथि शकांत्र পরিতাম, यञ्च ও অর্থ সাহ্যে বাতিরেকে ভূমির উর্বতা গুণ অথবা শস্মৈর মূল্য বৃদ্ধি হয়, তাহা হইলেখাতন, বৃদ্ধি হইতে श्रीविद्य । अञ्जाव यथन भी मात्र मूला वृक्ति रहेशोर ए. ज्यंत अध्यतात दृश्चिता स्ट्रेट्स क्ति को मुक्ति मिनोहर। किल् म दिशा कृषि बक छेका कति । हणस्य । शूर्स के সকল ভূমির খাজনা কিঞ্চিদ্রিক সোর र्गाह काम। किल ! कक जीतकदर्व अर्थ मोक्श चांक्रम दुख्यि मः कविया जाराःव मूला विश्वन हिक इटेबाटक धटे गृह्यि धति-য়া পূর্ব খ্যজনার ভিন্তণ বুলি করিবার ভিক্রি **দিলেন**। গ্রান্ত্র বিচারণসমুদ্ सिंहांत्र के शा कहेता अस व न्या विद्यास হৈলৈ ও বেম্পা সাহেৰ ডি: গামান সি-য়া লী নিৰ্মণৰ ভাগ মীমাংগণ কৰিবলৈ চনং १८ न म गरहर तथा इन्हार्ग एट्ट वा<mark>हेस</mark> व्यक्तां व यागा, नहम माठे । किन्नु सर्गा एत वारिकास 😘 । भारताय ग्राप्त विकास 🗱 क्षरेपारक भी संभाग है। इ.स. १ अपर को विश्वेष कृदिना, जनकाति 'भागिष्टरः जन्दर आहे-्रवत् व्यत्भावी सरका या.हेर्य हिरान ७। दिवानपुष्ति। इत्या करहरू ४,८५७ अहे রাবে অ'ছে ওখাকে বিশ্ব যুক্তির चनुष्य िक इते (व) तीक हे आहर कृतिहरू ध्डेंद्र . ब्हेंक्श विष्ठा के तहा दिलाम मा সাহোৰৰ প্ৰমন্ত্ৰ থাজন। রুক্রি चितिः भिद्धाः स्।

अविवास ७ ॥ जा जा हा करशक है। छि-का का अ ब खुका। के अब बहेर हरहा 2'-थम, भारत व कृता पृक्ति हमे्रल शासन दुक्ति इन्द्रा ध्वत्रभव सह । भरमात मुला थ छ । अधिक ल क अन्यादमा ।

ত হৈ । অধিক পাত চইকা ভাগেরা ভূ-इ'भीतक अबिक को चित्र (कन र किन्न ध-अन्यवाचा कार विषय किंद्र **अव** शक्तिका । विषय प्रश्निक समिता हो। सार्

द्वि करा ता किक्टल विश्वक पूर्विका के नूरमानिक करेरकरण, काशा स्कान करवंदी, चामानित्त्रत (वाधनमा इहेरकाइ मा 🐔 विष्ठात्रभितः। धरे युक्ति ध्रमर्भन क्रिक्रि ছেন, বোধ কর ভূমিতে প্রকার যে 💆 সত্ত পাকে, ভুসামী তাহার ভৃ**তী**ৰ **অংশ**ি পাইরা থাকেন যে ভূমির উৎপুত্র যে শ ন্যের মুলা পূর্বে তিন টাকা মাত্র ছিল, धकर तरे भरगात इस होता मुना इहे-য়াছে: এরপ ছলে উপক্তের ভূতীর बर्भ कृषामीत काशा हरेटन हिल् म मारहरे িঞ্চিপ্ৰিক এক টাকা সোয়া পাঁচ আনা भारेरक भारतम , कि**ड जि**मि चयः अर्क টাকার অধিক আর্থনা করেন লা, অভএব মধিক পাইতে পারেন মা। এছনে আ-নাগিগের বস্তুব্য এই, বিঘা ভূমি তিন চীকা रामन भारत यूना तृषि हरेगारह, उपन भूर्व रभक्तु हरिक्शर्यात वाक्षः दक्षि व्येशः ছে। পূৰ্বে যে ভূমির এফ বিঘা কর্বণ ভাছা-रह वीक्षणन ७ धानातकानन ७ वहनानि किः। ১। ট.কায় সম্পার হইত, এখন ৩ টাকারী स्तात के महाराजनका निर्मा **र ७३। कठिन्।** এৰপ খলে ভূষানার ঐ বৃহত শস্য মুলে:-इ माया जुकीशाश्म शांश्रा विकाश इरेटि शारत - क्वन रा **कृषि कार्याह** वाच दक्ति इदेशाटक् अबन बत्त, कुवटक्ब निरे-সারিক ব্যর বিশুবের অধিক হইরাছে मुहुत्राः शूर्त्व यक कृषित्र स्विप कार्या कतिशी এक वाञ्चित्र निर्द्याष्ट्र इहेड. अधन छ हात्र দ্বিতাণ পরিমিত ভূমির কৃথি কার্যা মান-রিলে ভাছার চলিবার সম্ভাবনা নাই। त्महे विश्वन जुमित्र क्ष्मानि निर्दाह धटकत नाशाहरू नरह । छोडाएट यथेन पूरेकरनत পরিশ্রম ও বিশুণ অর্গ তার অপেদিত इन्स, उथन भरमात दिशा मुगा हिक रहे-ब्राटक बलिया श्रकात मिक्छे हर्। ह जुलीगाः म अञ्च स्किएन देश्य स्ट्रेट गाँदत ।

कलकः त्या । ६३ विषा ्रिय

कवितम धक्षम क्रयनदक क्रेक्स वाध कतिए इत । ७.श हरेला बुक्ति अनुमादत भटनात मूला इचि रहेन देकू ? एटव द्रय এ-भेर जानता क्राक्षिशटक चटलक कुछ कि किर मक्त किरिक शाहर उहि, काम्य वय-क्रिविटनय कात्रव चारक। शूर्ति कविक क्ष्मिश किस ना । भंगा विकास ना २७,1,75 अद्याद मूना मूनछ ७ क्रवत्कत छ्तवदा मुक्के रहेछ। धकरन भगा प्रभा प्रभासात े ब्रेक्टिंग्ड इस्त्रप्तारंड मंत्यात्र म्ला द्वि । क्र কৃত্ৰী, তুরৰস্থার কিঞ্ছিৎ অপ্শত্ত হুইণ চয় अहैं के । किए जबूश देन करिया त्रिशेट भूति वर्षी वर्ष के र, यस का स्थान केष्ट्रिक्ष (पथिता, नृत्यात स्वत्य होन एके अहिंह की गड़ा ८ इस एक पटड़े. किस अन्त क विकास गाइ।

मानुकारत के मानुका का अविकार प्रति । परेटा, मानुकारत के मानुकारत विकार प्रति । परेटा, मानुकारत विकार प्रति । परेटा, मानुकार विकार मानुकार विकार मानुकार के मानुकार क

ক্ষান্ত কালে ব্ৰ'ল্ডিব কালে ব্ৰ'ল্ডিব কাৰে কিৰিত হয়। কোন এক ব্ৰাক্ত

র দিয়া এক পানি প্রত্যাতি কোর নিকটে প্রেরণ করিলাডেন। প্রা শ্বাস্থানে তারু প্রকাশ করিলাম।

नित्र ध्येत्रक ध्येष्टम अहे छ। या हि वित्र ध्येत्र खोक्सियांत्र शुरु विष्ट्रम हा

where the state of

東・本 湯き

नाहे. बदर क्वाटिंगका विश्व म अ कार्त्यारक र्धकाई मृखे स्ट्रेख्ट । आक्वांतमत विषत्र। खान वर्ष क्रेटिक शामाना मानार समिति ল.ভ হইৰে, আমাদিগের মনে একপ প্র-বল **আলা আছে, য**দি কোন কাৰণ বলভঃ কাৰার উপুলন সম্ভাবনা ২০ গা সরং মনো भरका चिक्तित वारा अ है। जामता भूरई भनिशक्तिमः, अयुरु ातु कातस्मान ঠাকুর পিতৃতাক কাতে ধানক ব্রাপ্ **इंडिया निग**ट्यन, জগ্ জামরা ব্রাক্ষদিশের খুছ বিজ্ঞেন এই শিরোনাম मिया आद्धाः विश्वियाधिक मा । हाहा चिम मा इहेमा ए'एक खंजामान दिला मामा हाई। लेख प्राप्तका / कथा कांचराइता, व. 11事) ALPERT (金) भारता ता खुराहरे ें न संबंधितिक, व मांचे न्यानिक क्रिक ्यांन खारका चरण सहस्र

रेग़ारह, ६ कि वर मन तमहे जित সর্ণ করা স্বাভাষিক ও সঞ্জ। चामामिरभद्र बक्कवा धरे, म्लारह व्यक्त कहा यमि बाङाविक इहेर, ইলে মৃত্যুক জালা না থ কাতে অ স্ত হওয়াতে বাঁহারা সে নিন विष्क मा भारतम, क शांपिकाएक : म्भी ७ व्यवस्त्र, एउ व्याक्त क निविष्ठ भुद्रादिक निवास अभिन निविष् रहे अ। । भारत' किट मिरा विनिवास मू हिंदे (महे मुठ्डिशि आहरू हो) अपने ब निहा छेनिहित हो है जाएवस बादा। लिक जन म পविकाल दर्गताः देशस ग्रिन शिक्षांत्र अभागत्मिति कृतान्यमा विकार कत्तितः हात्त्रमः अक्षाः अभिकार्षः अमूके त्रांत करार सामान्यांच्या सार्वाच्या । त्यां इंग्डलंड, ध्रांकाम १०० क ० व १ व्यक्त पांत्र वर्तः भक्त वादां हमेत्रः, त्र शहरा পৰ ৰাদিকোর আপাতি মাই চু

कुकीय, भिराट धाबाद केम्रोटव अन्द ं शंका करा। जना किया, केंग्री (शास्त्र) शा जन्मनात आधार क्यांक वार्यन मकर १ केसरमा भाषका, विस्तु (१६वा व्यास्त । यहकत्र कृत्याम व्यवसात थेखन मङक इहेता है, हिंदर (किला वि**गरता** विश्व इंडर (क्षेत्रह ए के आह ्र 🗝 বস্তব সভিত্যপাল, লি গা। এর ভাগ যে । मन्द्र विकित्ती कर्ताः प्रथमः द्रण्याः इति एक व्योकति स्था । जाकाद केंबरिक्र र लालीकरनत निरुटी आर्थन संध्या स मार्थ, आधारा यानि व ग्रीना कर्त्वत छ द्विया कारा कति, आधना बाहरूअ याधन, करोडिहे जा पात्र केनिक करे উठिति । अर्थना नैयस्यत शांत्रवृहे इन. हेरा यू जिम्मण गाइ। हिनि व দিগের ভূত্ত প্রার্থনা আব্দ করেন रवास क्या कार्रेशां, कार्र्वात स्था । त्नाम वा का महाभाग अपि माधा

ংপাপি ব্যক্তিকে দেখিলে উপেকা ও চাল ক্ষমং প্রভাব গোনিনা দেনাক উপস্থিত চয়, এবং এই ক্ষমনুত্তি দ্নাচনা দর্শন ক-রিয়া জগদালোর অন্ধৃত লোশল ও বস্তুত শক্তি প্রভাতির বিদ্যা যদি অনুক্ষণ চিন্তা করা দার, ভাঙা চইলেই ক্রান্ত আত্মার ক্ষম তি হইরাউটে। বোধ বর, এক বাজ্তি নিল্ল ভর কুকর্ষের অনুষ্ঠান করে, লে যদি অহ-রহঃ ক্রায় আমার আত্মার ক্রিছি সাধন কর এই কথা মুখে বলিতে বাকে, ভাতার কি আত্মার উপতি চ্ইবে স্থা বাজি কু-করে, লে ক্ল নাজিক, নাজিকের ক্রিয়র

। मार्क् बुद्धावना कि । यथन बाबहर

বিনা বিনিধ আপনার অ আর উন্নতি

ক্তিকে দেখিলে নিজ্ঞা করিবার ই

লাজ সম্ভাবিত হইতেহে মানুজখন পুত্র স্বত প্রার্থনা খারা পিতার আছার উন্নতি লাভ সম্ভাবনা কি ১

উপ্তসংকার হলে আর ছটা বিষয়ের विष्ठांत्र करा कावनाक वरेरजाह । अक. आहि धरे मरसत्र विष्ठात । दिखीय, स्मरव-ভ্ৰমাণ বাৰু আদ্ধি ক'লে যে মন্ত্ৰ পাঠ করিরাছিলেন, ভাষার বিচার। আরা পূ-र्देक भिछात छुख में ए किंदू (मखत्र) यात्र, ত হার নাম আছে। এখন্দলি পৌতলিক্দি পের রচিত। আমি মনুক ত্রে কান করি-त्म भिका कुछ : हेरवन, करें ५रन कतिशा स अगुर्थ इग किंद्र ना निरम अप्त ख না। বেবেন্তার উলর পিচর কৃতি কামনা কবিয়া কি কিছু পদ করিয়াছিলে-न १ (मरवस्तु वृद्ध शिशंतु खोक्क कतिस्त्रिय, একপু না বলিক পিতাৰ নিকট কুডজ্ঞতা থাকাশার্থ সারৎসরিক সভা বরিলেন, এ-প্রামার বলিলে কি ভাল লানাইছ না ? দিলীন দেবেক্ত বাবু জ্ঞান্ত কালে যে মন্ত্ৰ পাঠ করিনাছিলেন, আন্তা তাহার ব্যাখ্যা করিরা দিতেকি, পাঠকরণ দেখিলেই বু-কিতে পানিদেন, দেবেক্স বারু ত্রাহ্মসর্মা-(इत व्यक्तार्थ) इहेश व्यवक्त गत्र शांठ क-রিয়া কেমন অসমত কাজ করিয়াছেন।

अध्यक्ष म[्]रिडा ।

মণুৰাতা শ্ৰতায়তে নধ্ কর ভি সিন্ধবং । নাধীন সভোগৰীং : ৬ ।

প্রায়ণত পাতং হ এখা হন ইছতে বল লাংল থাত সংশ্বো নু সাধুহোলেতং কর্ম হলং করংতি বনংতি। প্রক্তংতী চার্ধঃ তথা নিজবং সাংলেনখালা নলাং সমুদ্রা বা মধু নাধুগোণেতেও ক্লীয়েও রুসং ক্রংজি। এবং নোক্ষ লাখোনগী ফলপাকালা ক্রমে ভাকে নালী মাধুগোলেতাং সন্তঃ ভবজ্ঞা

वाबू गरत वक्षात्मद्र निश्चित्र मान् र्गाहिश्याः क्षाणेन कानान कद्भिराजस्य जना नदी व्यवस्थाः गयुत्र थकीय तम व्यवस्थाः क्षित्र जन्म व्यवस्थाः दि भवन मोध र्गाहर्गाण स्टेक

मधूनकपूरकावरमा मधूनद्रशांविवश क्रमा मधुरकोत्रक मा शिका ॥ १ ॥

ताजि जागांतिरगत नषरम नाम् रद्यार स्था रुक थाना रहेक, श्राह्म नम् विनित्त स्क्रेंक, नृथियोत्र शाक जा भाषिरगत नषरम नाम् क विनिधे कम बुक्त स्क्रेन, तकि श्रामान मात्र। नक-श्राह भिका ज्याँ भागतिका सर्वरंगीक मध् बुक्त रुके

र्मपूर्वी जास स्ट्रीर ।

महीनादा खरह मधी है।

নোহৰাকং বনশ্চিত্ৰ নামাং পালাবিক।
বুপাভিমানী সেবো নধুমানু মাধুহব্যাথেতে
কলবানক। ভাতৃশন কলব্যকাং প্রকাশক।
বাঃ প্রাঃ সর্বায় প্রোক্ত স্বিতা হ মন্ত্রামক
সাথেংকিলোভাক্তি বেনবন্দ্র প্রেক্তান্ত্র

বনের পানরিতা বু পাতিনামী বের নামু-ব্যোপেতকণ বিশিষ্ট হউক, বুর্কলোক প্রেরক হার্য মধ্ বিশিষ্ট হউক, আনি হার্যকের কালো-ক্রম সাধন গরু সকল মানুহর্যদেশক ক্রম বুকা হার্ম

जनविष आर्था वृद्धि भक्त व्हेंबाह महा-बता चारक, चाह रहक, वर्ण रहक, हेंछाविका क्रिज्य वा द्य रहे हैं वाहा हेंडेक, चतिर्माव विभोक कार्य चावाविर्मात कार्यन जहे, बाब कारी अपन्ता चाचरवाच करणायन करी कहन, हथा विक्रिक्ष चांखान करणायन कर्मा

মুতন এছ।

আমরা ক্লডজ্তা সহকারে স্বীকার ক-রিডেছি, নিমু দিখিত গ্রন্থ গুলি আমা-বিগের হত্তপত হইয়াছে।

হরিয়া যে পদ নি**ন্দার হ**র, **এডভারা ডা**-शंत जानक काना वारेएक शाहिए।

২। ত্ৰীবৃক্ত রমানাথ জাৰ প্ৰণীত এক वीनि कुछ अइ। देशांक आक्रांकता वा सू-তৰবিধ আৰু করিরাছেব, ভাহার সপ-क्षा क्या स्टेबाट्स है.

ির্ভা ক্তম পেঁচা। ইহাতে ল মানিলে त्र अत्र दक्षत वर्षमान व्यवस्था मेरिकत वर्षिक विद्या कार्यात व्यवसा वर्षता वर्ष BILE !

পাঞ্জানিক সভার বক্ত তা

🏰 ত্রন্থভাত। উপরি উক্ত সমাস धिबेरी इरेट छेन्ड कदिया रेश क्षिण कतिगारक्त ।

विविध मर्वाम !

২৪এ আখিন বৃহস্তি বায়।

আইরার গেণরের এক জন পত্র প্রেরক बर्तन नद्य छ दक्षित सगध्द राज्यात आनि माहिन। ভাষ্ট্রী काश्व हार्दिक म बालिया क हेरन। त्येहै येगरेश क्रीफेनब श्रीक बहेशा

. . শুনা পেলু ভারুত্রবর্তীয় চেইলওরে কো-्नीरिक .क है नरवचने जाताशृत गर्वाछ दाहेल ७-**अ प्रशिद्यम ।**

विडेनिनिशांस क्विननत्तिराज्य अछ.पिरमत् পর চৈতন্য কইয়াছে। বলিকাভবাসীর, বা-হাতে ভাল অলপান ভালাস উপার উত্তাবন পুর্ব 🕶 **भवर्ग स्थाल्डेस निक्ट**हें 🗟 भार्क कड़ियार हन । া বাজান্তের চোরের। ক্রমণঃ অধিক স্ক্রী ৰী ইইভেছে। ইয়েক মান গুৰ্নে ভাহারা ভ बांडा अधान विश्वातभाष र शवन एत्र 'বেট সেঁক্টোরির অর্থ অপহরণ করিয়া চল। গভাঙি গর উইলিয়ন তেলিগনের নিজের ्रेंच**े डोको सनाव ५ अवडि व**खूक हुति निराद्ध । े जनपंपान छ। दहारशह अहे अक्षि है इस

भिन एक्नात्र। क्षा बाटक हेरज़न बक्त ্রিকা করিতেছেন। नेट शत्र इन्ति व कर्नटन

कान वाकि वशिष्य केविकित्भन माध्य ज धिक मश्बा कश्रद्धांक च्याद्वत? तर्वन वि.' ষ্ঠলি বলিয়াছেন ক্ট্রিসারীএট ক্ষিণন বলিবার স্মাস বেশ্বর ভিট্লারালয় প্রধান সেন পতি त विश्वा कियाहितान केल क्षित्रावर अधाम बातन त्म क्यां विकार।

কার্প্তের স্মালিদের বিচার স্মার্ভ হট্যা-ছে। তিনি **৪৮,••• টাকা ভছ**ৰূপ করিশাছেন

📲 क्रमुट्डीला आब সমাজের বিতীয় । এই আজা করিয়াছেন তাঁহার: এখান ১২ বি িচাবালরে ব্লায়ের ইংব্র*টি*ল ও বা শল: সূঠ প্রকার নকর পাঠাই সাছেন। দেনিয়ন কাল, गाउ कामनः हैरहाओं ६ या क्षत्रीनंड कराहे देशा केटमणा।

२७७ जाजिन म नेवर्र ।

মহীসুব রেফার্ডার বলেন সম্প্রতি বাঙ্কম **ব্যিরে কলেক জন হন্য উ**ৎপাত ক্ষরিয়াছিক কিছু পুলিবের হত্যে ডারার নিয়ারণ হর্লাচে भाषायद्वीत योद्याद कार्या मांशश्रुद्धक किन्न त्यव राख त्यावश करेरव।

डेल পত्र भावतः यहमन भन्न वार्वेः के यो বের জাতা করতা প্রধানত্য বিচারালয়ে ৰবিচাত্ৰ পাজির পাদ জ্যাগা কলিবেন ।

া বোষাই সমতে বিবিট প্রবন করিয়াছেন শেলের সাক্ষী মাভব্লিকুনগরে মিডাপ্রসর্গ म पद्भितांत्र जना अक क्षित्रम नियुक्त कृष्टिए "इ 'ন। স্পেন জন্মশং পুনর্বার গৌভাগ্যশালী

२५-७ व्यक्ति (मामगत्।

নীল গিরিষ্টার বলের লাভ এলগিন শীঘ উত্তথামুখে ষাইবেন। তথা হইতে ভিনি স র উইলিয়ম ডেনিসনের নহিত 'ত্রবফুরে গম व कतिर्वत ।

अत्रांकोभ मार्क्य ३६ ७३।७२ अस्मत्र भृति म विट्रमा है अकाम क्षिप्राट्डन। (लंगीनानी श বৰ্ত ভাষাৰ কাৰ্য লক্ষ্যাত্ম সভাই ব্ইয়াছেল। ৰহাতঃ ওয়াকোণ সাধিধ ক্ষিপ্নর কওয়া আ यथि क निकालांब श्रीतिसंद अदनक छेव्रकि करें-

व्यादाश्वाह शाहकडे वहनम किहु विकेशहरे এক জন বুসল্যাল এক জন ইউলোপীর रेमनिक श्रुक्तरमञ्ज बूर्ड बूध् विद्यां काशमान क्रि

बाहिन छ बाब धन वपनुत्र उन्हांब को 'क्षिन्न नाजिशन भूदत्र अध्यप्त निक्टेंडे ল করিয়া দে মুক্ত ধ্র। জরিমিত প্রধান পতি কৰের উপর বিরক্ত হট্টা লাভ नदक खादा खाना देशारहत । ब्रैननशान কোন গুরুতার গোব করে নাই বে ডাহ क वरमह व्यक्तां स्टेटक भारत ।

বিবিজ্ঞান নামী এক বারাজনা পুলন্ম ক'এক জন দি নিকিকে অভিনয় ভাল বাং मन बार्ध न शिक्क रानियम अर्थामगढक शूननम किङ्क्षिन छ शांत खिछ छाई ह न . मश्रिष्ठ मि विवाह कवित्व श्रीमेश मि बेल्प म निव श्रांब कृत्ता। विम श्रांब क्षिता प्रश्वात क , छ পর ক্ষম হয় এবং এনিবর তাহান্ধ এতিবাসি গণকে বল্কে । ভদস্পারে ভাষাকে টিকিৎসাল ्य वर्ध्या राज्या रस किया पूरे परिकात बाधा न रात मृङ्ग स्कैर फि

> किनिक अन्त कतिशट्य स्ट्रिक (एड) त राजि लय कवित्रः अधानाइम विद्यापार हान भन जन्हिं घर इसी अद्धार करा एवं रा ভিতৰ টেডুৱট খলেন লেপটনাত গৰৰ ৰা বাসতে অভূতি স্বানে উমধ ও চিকিৎসৰ 🗝 कवियाद अ.४०. (अद्योग्ड्स अर्थे, अवस এত দেখাস্থাকর এইরাছেট্ডেন, তাহার নিংয়াৰ্থ শী ভকালে এক ছবিদ্য ৰ দিবে . **पद्यट**-वेद्राच्याङ्ग स्थाप्तक शूटक्षे अभिव**र**य ह गय कड़ोरे उठि हिन ।

সম্প্রতি বিশয়পুলে জায়িয়া,।য়। वि बाति अार्यसक त्यादकत ज्यान स्थे इतेपादा धनकी गानिकां के मध्य जातात क्षांण सूका রিতে গিরা প্রাণ্ডাগ করিয়াবে ।

क्षेत्रिम सकत दात्।

कि विकायतम् । भवत् तमभ महिन्द्र 👢 🍱 दिश्वद्र केश्यक स्टेट्ड वाका भ अक्षेत्र्य । देनि मुद्ध विक्रि मारम्ब्यत कर्ण मिक्क क्षे

উर्फ शह बर्दान हमान नगरतात क्राह्म दक **हो**रहाइकड़ शांध नाम कतिश्री}हेंश्रेश हैंग করিয়াছিল। ক্রানি ক্র্যারিরা ক্রাট্রার খুত করিবার নিমিত্ব কলিকাজা পুলি**র্টি**ট্র हार्तिकहे विभिन्न दिलान, खद्राकाण ना खाश विश्वत्य भूक कतिका ब्लाइन कृतिहास

निहीर्शास्त्रके करून अकाइन व्यवह विक्रीत वीवनायक सुद्धा विकास । की वतः अभ > वर्गत व्हेषाक्ति। वालगावस्य थरतम श्रेरक वरिकृष्ठ कहारक बल्लाकृत्यहे श्रानजान कवित्र एवं ।

মাজ্রাজ টাইম স কছেন লাজেসারারের बजुबहिराध मधायार्थ व्यावहित्व २ नक हैन शिवारह क्षेत्रका व्यक्तित बहुतादक ।

উক্ত গত্ৰ আরো কংকৰ কাদাপার সার-क्रम फड़ेल जारहरवन ध्वडादव छवान ३८ हि ब्रोह्मक व्यमन क्याह्मात दिनाव निक्छि इडेब्रा गरीका विग्राहरू। हेडाया क्**डे**बर्मायलकी, কৈকে ভাকেরের সকলোগে গত দিন টবাবের

ज्ञान के इस अवन्द्रक है शिद्ध नेत प्रदेश ७ व्यवस्य मृद्धा घरचा = १० है। कि कतित्री क्रिंद्रम क्यांका कदियाद्यम । এইছণ দাইদিগতে শি**কা দেও**রা করিবা। ভাগদের মূৰ্যতা নিবন্ধৰ আবেকের ঞাপ नाम इंडेग्रा संदर्भ ।

সিঠন নামে এক থানি জাহাজের চোং খাটিরা এমতাদ আলি নামে এক ব্যক্তির क्ष'न बिरग्राच स्वैद्यारक च्यांत्र ७ क्षम अन्य তি কিংসাধ্যয় অবৃদ্ধিত করিছেছে ৷

७०-अ व्यक्ति वृष्यात् ।

मालाज डेविम म द्वार एवर मर्ग-৯ দাভার নিকট জবণ করিয়াছেন শেশু পুলি (मृद्ध प्राप्ता कारण्डेन के कारकिक पार्टरवृद्ध ন মে পুলিস গেনার৷ এই বলিয়া অভিবেশি ক্রিয়াছে যে ভাহারা হর মানের বেতুর আ-ও হর নাই। ওড়ির ভানান্য টাকরেও বিশা ৰ গ'ভগা যায় নাই। তিনি পুত বট্যাছেন श्वताय विष्ठात एक्ट्रेंब ।

, খাসিয়ায়া এখনও ক্ষান্ত হয় নাই, পুনরা-মু উৎপাদ্ধ করিবে একপ সম্ভাবনা আহছ फार्मका करन कानारमंत्र नामा एंडिया ना पि त्म काश्रामा काख बहुर्य मार्व माना अकरात गरेरन कि कात्र स्टब्स बाब ।

किविरक्त अक्षत नश्यात माछ। करहन मन् कात्रक वरवत्र क्षित्रकत्र रहेल्लंग नारवरव-त यदम क्रमानात मुस्टिनय केमकि १३८क. इः তিনি মাজা খাঁট এছিডিয় উৎকৃষি নাগলে নৰি व्यव यहनामानी प्रदेशांद्यत । तर ह्लाट्यत -

व्यापाद प्राप्त माना स्टब्स

ৰাক্সরার এক ভয়ানক ক[া] হইয়া নিরাচে अनेत्रक करत्रक प्रत का किना कि हरेग़ हिना, भरत्र क्षांत्र विकास विवाह एक अशानि अध হইরাছে এবং-খনেত সগ্ধা এ পত হত্যা হ-

উক্ত পত্ৰ আৰে, ক্ষেন প্ৰধানতদ বিচা-द्वानात भार प्रथम सम्बद्ध किह पिरमद स ন্য নিযুক্ত করিবার জন্যবেল কবিয়া প্রেধান বিচার পাতি গ্ৰ⁴মেন্টে টি.পিয়াছেন।

हे। इसम कार है दिहा करश्न सहत्रत स्थारन म नारम अक दाकि विद्याह काइन > अस हेरे (त्रांभोत्रतक पृष्ठ कवित्रा संध्यतोदत्रत्र (दशस्य র হতে সম্পর্য কবিয়াভিল, বেগল ভারাদের খীৰৰ ৰাশ কল্লেন, হাল্পল হোনেৰ আপন না ষ পরিবর্ত্তন করিয়া নিখুক হোনেন নাম এছেণ করিয়া নিজানের অধীনে এক ভারুক লারের

निकास्त्र अञ्चलि गरेत्रो कारसन ব্ৰেডার অধিবয় অহুসন্ধ ন কারতে গিল্লাছিলে ৰ কিন্তু সে ব্যক্তি এই সমাচার পাইয়া প্রস্থান করে তাহার ভূত: ও জ্লী ধৃত হয়, পঞাৎ স্প-নেক জনসন্ধানের পর দে ব্যক্তি ও ধ্ত হই য়াছে অভি নীত্র বিচার হইবে।

खवातमाख निष्टेम भएक मृहै स्हेन हे भएक এক কাগলের করেখানার জাতন নাগিরা জ নেক ক্তি ইইরাছে। প্রায় १००० টাকার সাৰ্থী অগ্নিসাৎ হইরা গিয়াছে।

जाशत क अन जी लोक जायन ह र है শিশু সম্ভান লইবা আপন ইন্ডার জলমগ্র হই-मा প্রাণভ্যার করিয়াছে। প্রথমতঃ সম্ভান মুট-. क् करन निरक्तन करत्र शस्त्र जाननि तित्रः পঙ্কে, সকলেরই মৃত্যু হটচাছে : কারণ অলুন-আন করিয়া বির হটখাছে বে ঐ জীলোকের স্থামী তাহাকে অভিনয় কই বিভ গেই স্থানে त्र आवडाव कविवाद । अहेरल मुन्दन कारतक जारह है

আর একট্ট জীলোক মরাবারে প্রাণড়ান न क्रिवार्ट । 'डाराब बाबी धारारक करबक जिल काराज ताच नाचे । ता करन कुछ्शांच के ইৰ্ম এক বাজি কৰিছে লাগন বাজীতে সং देश बाब किन्न जारीब कान बना मुसिएक क वर्ष एत नाम ।

ত্যত্ৰ আ**'বিম গুহুল্পভিষা**য় ।

হরকরা কৰেন হে সর খেরুল অভিটরাকা অভাৱ পাঁড়িত হইয়া বাইছিল জবাৰ্ছিট 🖦 ब्रिटक्टइम् । भ्र

कानावाव व त्यार के स्थान असी वरवस्त অলিগড় হইতে হাট্রান পর্যায় এক দার্থা दिश्चान्यस्य मुसिद्यः।

क्षा चर देखियां करश्य दशकामधी नांशयार्थ वोनमित्रं ७३३६० अवर ७) ८० होना मरश्री छ बहेतादहाः

वतकता कैट्य वाशाविद्यत पूर्वका न अन्त मत वर्ष क्रांक फरेनटल जनविक्ति क्रांतिने महा त्वक सुद्ध स्वेतारक्त ।

কু ৬ কৰেব কোচিতে বলচ্চল আপে ক্ল विवन इक्ट स्टेब्रांट् ।

আলাহাণায় প্রেক্টে করেন নাহাবাংক্র নিকট কৰ্ম প্ৰোৱা ইট্যা অহড়িডি ক্রিডে । এক জন মুনুল্মান এক ইউলোপীল লেনায় ्र गूरण पूर्व विकास कार्यन किला किला देनकि निक वाक्षिक कानाटक : वरनातक विविध कार्याचारमञ्जू का का विश्वविद्याल क्षेत्र क्षार्थ-कात अब जाररव देन आबा दक्षि बहुनाएक हम। अपान त्रमानकि देश, वस्तु करिया शवर्षं मारस्वरक मिथिशारस्य और स्ट्रिके বের এতায়ুশ চক্রিনার উপর ভৃত্তি লিট (तन । टेमिनकिरम् <u>विश्वतिका हेकार्य क्लि</u>क प्रशास नारगा है।

कि क करवत, विनिक नामान्य समाप्तिकी शर्रदाहरू विकास अपे निवास नादिश्वस स्थित ब्रांट्स स् शक्त वानित्र बांट्साराह्मसे स्वयं **७**क बाद श्लोजस्त्रीय क्रिक्सिक्त, शूनशंद तिः क्रण कड़िएक में शहर अवक अन्त्रे। हेशाय नही ৰক্ষাৰ (আনাজিবের সাংসারিক ব্যাপারে কার े कि अञ्चित्रा आहि, नव्दिक छोगे कि क्षपतिका हिर्देश । अस नाफि त्यांक निर्मित रमहे क गीरकाजारमत नक हुन यह

व्यक्तियात्र (भागव करका पूर्व वरमा वर्गान-व अवही बालक कहा हिटल कानवम बहेगाविन, ভাৰাৰ ৰাডা ভাৰাকে ব্ৰহ্মা কৰিবার জন্য আলমি অনে কলা দিয়া পতিত হইন, ছনের क्षांव बाब ब्हेबारह ।

न नकी पं प्रिक्त भाषा कि अध्यक्षादन । शादका । शादका । शादका । पत्रक । बैक्टिक व्यक्तिप्रदेशकरका हैना। सः देशका प्रशादक कारमध्यके ह

े किराटम ध्रमिक के लिएक के इंडाइट । है के का कारता वाल्य है पर के लाहे हैं . एक पुरुषित्राष्ट्रियम द्या है । दावीलय अण्यत है सरक १९०० का ्या हुन हो है। हा महेर के होता है विश्व के होता है। A 54 Montelly and offered in A Alle Bergereite Bergereite ben fen bie be

केर शिक्षांक्र प्राथमिक क्षेत्रमा । व्यवस्थित का विश्व प्राप्त का प्रति वर प्राप्त का प्रति वर प्राप्त का प्रति 100 A

म त्रिकेश्वर विकेश कर्ष क्षेत्र कर्ष है। एक का विकास कर्ष क्षित्र के किन्द्र के कि स्ता आस्ति अधार्तिक शिक्षा अस्ति। अस्ति क Terrant an Malinus hafas Labor THE THE PARTY

TARIA ANTONOMINATION OF THE PROPERTY OF THE PR मुन्त म के कार्य 'कार्याम' के लेक बादिक के किए हैं के कार्या के निकास के कार किए हैं कार किए हैं 1232

ार्थीयाः गाउन प्रेमिश्चार्यक्षात्म । जाताव शह मानवाद कासनव मा, ठ भाग ए । विकास पान नियुक्त बाह्म कि से बायस कर

श्रासनी बानी दि । · 路:大道模型。

* Fg - Fg

है कर्राह्मप्रकार क्षर्विक्षाता । जाता वाहर होता है । 🕠 🕠 🔻 🔻 📆 की व्यापन अर्थित्यास्य कोत्याद्वाच्च अभाग्य देशका

वर्षिकाक है के दक्ष के नोर्वकारिक दिने अही भी पर विकास निवास का विकास का का . वेक्स प्राप्ताक मानिकार देशको हरेशातक । जा का मानिकार है एकीशा गर्काक किस किस किस किस किस का मानिकार एका मानिकार मानिकार का किस का का मानिकार का मानिका

Street its married its mer also THE STATE OF STREET, S

र्ति कि विविश के ज शतकात गासिएका कांद्री ^भापना कदिएसम्

" : २० रमभूरोयन - फ-लिये · 3. सब्रम १८०३ मान गर श्राविभिक्ष के के बार्टिक है के CB भूगिकार गहेन कहेंगान।

कें में में हुन्त के राउन्हें - दबवी एन्ट्रें के के दलांग्रेस नश्रदणभूत ० मन् सह सहस्य अहत्। स

一口 养牙 "别明明"" 新代集者 化聚催散方案 कार राज्या रहेर में सम्मान देवाल के केंद्र

are in eigne en abart et in gu. ··· 新中山野山 八次品級八年公 田原山人山市 無一部 P. W. ない間に W計算数14年毎日 P. 日本書-

अर्थ अर्थेश्य -- का शंद कियानद (स. हि. Site a Bar fiell reimige in einige for im ift in utfiele micharte cuffe.

74# 1

विश्वकात अप हे मा स्थित । कि ्रे भारतीयक्षेत्र अकार ६८ वस्तात व्यक्तीय C. Milde District a section क्षिक अध्याम मानम महायहरू

翻到时间和188706—1 PROPERTY OF CASE **国建筑 全国中国的 1**章

্ৰাক সভাব

されては食物を食べて、大学をはない。 できれる できない विक्रिक के कि स्व में विक्रिया ।

क्षा, जन्मिक, विकास बाचन शहा शहान हो में भी के बेरेसमा औ मर्गारम्भ क्रिकिमि अधिकेत क्रिके क्रवर्थक गाँवक

aft catefra

देन अवास मानिहासम Burg Cult



श्रीण करणेक्षात्रावका विधास-सकी दश्य अवस्तरंग कतिश রে প্রীসাত বৎসর প্রায় गान काल अहे जिक्कांच कड़ि-क की महाँम बहरत्व धर्म अ থ অনুসন্ধান করিল দেখিয়া . भरे अन्तर्भ रवाथ इहेर इटक्ट न। रव माञ्चल व्यव)विष्ट भारत् वेश्वमा ंट **चात्रह इहेश माउ दश्मा**त्र रत। बहरम कहिरकत्त्र, क्रमावनि शिष्ठ कम। भदरन महार ल्योह, ह য় যুছ দিন বাং ুগলৈ লা হয়, তুছ काह आदशोह, व्यामायनद्र भारति हिडिड भटवर वाल्याम न करते, ध ने ह विश्वान विकल हरेश घर ।

.धा 'अद्भुष (तरे हैं) संदवन क्रिक्ट (हाकि ते ানক। ,প্রান্তঃ অভাউর রঞ্জন প माक्षा गरेशः ग्राप्तरम् व्याप्त स्ट **ड**ा: खबर '

चित्र , क्रमश्राक्षान्त्र ्राप्तिक विशेष विशेष

वर्ष वाश्रेकारमञ्जीमा राल ना क्य दक्त । अभिवारक, कुळणात शास्त्र कनााणार्विकारिक अक्षत्र वर्ष चिक्रियम करिए। यो एम छ सर्थ-মে হাওরা বাইতে প্রেনা, েম দুর্গীশ एकि अबल निरंबरक निरं ने ने ने हैं हैं है नार्त-म, अर्थमि विवाहणय तमा इसेना शाकेटन, र्टाहांद्र क्रुंट निकास्त्र क्षा है। अतम है निरह्माधार्या कविद्रा लब्द । ६'इ: व. कद्भिगा खुक श'लि बिहा डाँहाद े हिन'ड अग्रायम' कि न दशरकटल अवास र दिएए वाहे दिन-ल भाभ , अशांलि भिन्न फर्ने स्हेन त एउसे। পাইতেন !

विद्या त्रभावतातीम लिखिगात्कम বিতীৰ পাত্ৰে কমাত্ৰলোম ক্রাপ্ র্যান্ত পিজু চুল ও গল্ডায় কুল উক্তর 🖟 প্রে নিদে . 🕝 কেবল কুতলারে নিধেগ ্রিবার আন্দেশ্য । ঐ বচনগুলি ; আছে। গর্বিস্ট সালিক বেলান্তব'লীলের গুরুলনের আরম্ভ ও অবসান এ উ- । নিকটো এট এলা করিলাভিল্যে । অন্য क्रांस कारलहरे निरम हटेएका ह सार क्षांस क्षांस लाएका करमात्र भारत यह द व ज्ञान अ'खे बुना बाहेटलट्ड. े १व कमाणान करिए एडम छ।टा कि व्यतिक **क्षेट्र** हिन्द, हुए।त सदमक भटत । ७ स्वर्था क्षेट्रकार २ देव प्रकार अनीव म-च्छेल , (य'स क्र अकरलेटे याचि । (वाड कि क्राप्टांड प देव कवाणिक थ्रेश साहे । **१ क्राडम**ात्र भारता करहाताम सि**न्द**श्क । वहन छेक ठ रू व ; आमाधिना, क निक्छन হুৱাই বেদাগৰণীপের ইচিত ছিল। তি ित ज्ञाही सा अनुति। क्विता वार्ष्टान्यश । এইবং জে এয়েওে কৰিছেছেন।

> পাঠকরণ অপনার বিবেচন করিয়া দেখন, কুড্চ পাত্র ক্রাদান যদি ध्यानिक इ. कार कहेरल एक स्थाप बगारक वि कतात है हिंदी, एवं विवाह कवियाए, याशा थ-ক্ষিয়ালেন । জাত্রীর স্ট্রাড়ে জনাত্রীর বিবাহ সিদ্ধ (टाइ मा । कार्किन मा क्षित कित'र नावनकार धर्माध-कितो इस मा : अहे कहे विवादश्य अब **छे.इंड** विक्**यतक्रम शास धन** द रहि स्त्रीक लाला। एवं स्म करवं स्ट्रेंटक शहर । -खामान अधिक क्या कता। वीच मूह कताह अथना मूझ खाना क-विष त्य त्य- विष वाला अव्य करतः, विषा त्वरं प्राणादक । विकास वाक, त्महे त्महें विवाहार शक्ष भ. श्रात्व कि रेशकूक धरवड़ अधिकाहर वर्ष-(व) कल्कः अविवरत्र विवाहनीतिराम्त्रं अस्य । कामामिरगर स्मना विकाल कामा विवेश : ?

त्य कतः भा त्रकात्रिशित चित्रिक्ष बहेर ভালুক পালে কন্যালান অঞ্চলত হৰীৰে धरे माउ !

्वभाद्यवाशीम 8 राज्याचिरत **रव १६**५-विठ शत व्यक्षिति अप्रतिकारि शाउनिहा (मन, ठाहार में हुई निकास केवर पर अया कडेगाएक कि सार के किया

মানাবর <u>শীযুক্তা</u> সোমপ্রকাশসম্পাদক भक्षान्य मभीदश्व ।

क्षीमुक बाबकाराच विकास्क्रवन त्य मान्धिनाका ए जीन देशीय वेशा की कार कहादक अकार कार म'त अलाविक्षिया नाथरमा आरम्भ क्रिका हेल। अक्टब विकास के _{हैं।} का है दर भड़ा-क्रि. डा क्रोन रेगीक अभीत अप्रतिक कृत भ्यत श्रंत भविष्य ह्या किहिक कि माभ्यक-चित्रक अञ्चाद भूजकाकारत अहात अन्तिकालि, ভাগার ভাগার্যটি কেবল কুলীন বৈদিকে उभाव बाटि, कि कृतीन स्वीतिक श्राप्त नाराहर देव एक ट्यांनी माटका छेलदा बा देशांटण क्षणामा कृतीन मक विद्यावन, मरभा कुलीन नक विद्रमावन, अवर ट्रायक मक विश्मवन धाकारण केंगळच, केंग्रंबर्य शकांग आरमाध्या क'त्रहा ककि निर्देश জিও বুকিলে পদৰে যে উহা কেবল ক্ষুট্ৰাল क करीर शह हिताई कुल जन्म श्रेषी श याग्क, कावाभित्रवह केन्द्र बादवि को लिक कि राजक यार बिटनेत खेल हैं। या ए जिन्न न के. काइ विद्याल के लेट्ड बार है था। **च**ळ १६ कृतीन देश्विच (**ध**ीन (১) कुछए'त शादक বাগুলান নিৰেধ প্ৰতি পালন কেৰিয়াও ২৪ ভাত विक्रीत मामक्षकात्मत के ৮ भक्ति विक्रीत श्रद्ध दव विकास्त्रवरगद्ग उपकारत सञ्जूति सञ्जाह क १९ देन क्या ८ अभीत (२) मध्यान क्या क्या कार पार्टी

⁽১) কোৰু বচনে জুংবা জোনু চুণিক এইবুল বহিছা লিখি জি যে দাক্ষিণাতা कुलीन देवहिक दक्षती कुछमात नात्व कनार বাস্ত্ৰাল করিতে পাবিংৰন লা ? বেদাত बाबीन् बाब माने बहुबा छेन्छ क्रिया ংকের, আনের। পরমোপকৃত হট্রাস।

⁽ २ : वंश्यक ७ स्थितिहरूमा कि देवितक ध्या-ब्री-सम्भ् व्यापाक्षित्यव रमश्राप्त कि कुनीन बड़े ग-रेंक्षिक (आदी भारतय विस्मय हिल . ए १६

हेंग बा, दिवल ठाँहात जन्मानवार्य दस्यान वे श्रहात कता हरेंग ।

果

1

जकरल गरबद्ध जाव शीर्चकाल शामन क्रिया द्राविष्ड भारतम् मा । छोहाँक भद्र তিনি এক প্রেরিড পাঠাইলেন, ভাহাতে कें.हात्र भटनत मञ्चलात्र बात्र के काणिक पूर्व হইল ৷ উহার কুলা কবনা এেরিড পত্ৰ লোমপ্ৰকাশে কথন প্ৰকাশ হয় तारे । वे श्रीम शहेर्त वामहा छाविनाम. গোঁছবানীপাঁজনুত্ব হইয়াছেন, তিনি জে थवन्षः निर्मं भटजत्र श्रभः माय दुविद्ध शास्त्रक बाहे, किंद्र जायता यकि छोहां < কাশ করি, ভাঁহাকে সংলে অবজা क्टिद्बर े जिनि स्वक् भवद, रोहाद लिएक निकार मधारिक कहा भागा विरमंत्र कर्ख्या नग्न । करे छावित्रः व्यामदा त्नहे (क्षेत्रिक शब क्षकान क्रितान ना क्रिक्ष रेख्युनियांक्रम ध्यत्रिक रामाध्यांमी-শের জ্বরুকে একান্ত কলুবিত ও হিতাতি বোধ পুন্য করিয়া ভূলিয়াছে, সুতরাং किनि जांबानिरंशत जन्दरेक्द्रप्त छाय दू-ৰিছে না পারিরা সর্বায় বলিয়া বেড়াইতে मानित्नम, छिनि । हा चाचित्मम ध्यतिक शक्त बन विषयात छेलत मान क्रिज़ायकन. অবিশ্বা ভ:হা গ্রেফাপ না করিয়া সন্যায় কর্ম क्रिज़िक्कि। ये मग्रामंत्री व्यामाविरशत्र व्यन्धि প্ৰধ প্ৰাৰ্থি হইটো প্ৰথমে এই ভাবিষা পা-মন্ত্রী উপেকা করিণছিলাম, বেদান্তবাদীশ বিশ্বসম হৈল উপাচ হ' হইয়া আপনার क्षिकि भटन त्य दर्भा जित्सन नारे, कार्य

রাছেন বলিয়া সর্বন বলিয়া বেড়াই-ক্রি, ইহা কোন ক্রমেট সন্তানিত নছে, বোর জন বাছ রা আলাদিগকে সমান বি ক্রেছা, আহারা অকে আর ক্রিডেছে। ক্রেছার আহারা ক্রেছার ক্রেছানা ব্রাজস-ক্রেছার ক্রেছার ক্রিছার বার ঠাকুমদাস ক্রেছার ক্রেছার উলিখিত বিষ্ণ ক্রেছার ক্রেছার ইয়া দেন, তাহা ক্রিছার ক্রেছার ও বংগ- রোনাতি কৃষ্ণ ইইয়াছি। বেদান্তবাগীশ সভা গভাই আমানিগোর অকাবণ নিদা করিয়া বেড়াইডেছেন। সে গত থানি নিয়ে প্রকটিত হুইল।

ममकात चुर्काक मिरबधन ।

शंकरक व्याचित्रक त्याक्यकाता किथित কবিয়াছে কে আপিনি জীযুদ্ধ লা'- মাহলে বেদায় ৰাণীশ মহাশয় বে গ্ৰেমিড পত্ৰ পূৰ্ণ বাংকেন हैं। होत्र अंक्रिक का भागांव एक जिल्ला 🚉 लग 🕸 .**হাছ, ভাষা**দে ভাষাত কোন বিচন ৩, সংকা-**তে আ**''নি ভাৰা ১১.মগ্ৰহণ শু মু দ্ৰ ১ বৰ্ণিলেন न। । किन्न (बमाखवाओन महासंघ प्रस्त कर्फ र र्स क बाल निवास क्षेत्र ए। विकास ब्रह्म मिन्द्र व्यानान व्यक्तिकी विषया नक एकत् वर्षे उत्कृ कारा आंगान दर्भागत गता देहिनि उ आहर । थपुष्ठे दरम व्यामदा कांडांत्र कथा। रिश्वाम क्यि-व । आखाक विवद् मर्थ क्षेत्रप्राटनरहे व। आह्यक न कि । यक्ति देशे सुक्षित्र करः थात्रेनात छनः छ **८मछल वष्ट, उपाणि हामि धकारण अकाम क**रिय, व्याचामित्यव मान्यक श्रुद्ध कर्या आस्माच व्यक्ताय कारणान, दरन कराशीन महागढ रत्मत, धा-ं निक्तित्व प्रदेश मात्र विषय महत्वम, क्रांत्र, ब भिनारमन काल विवरष्ट हिन्हींग लुक्क दूर शहर वांधकार निरंबध विवर्ण हर्नाट्य व प्रवेति विवर (युवरे वि.चिकेशण केरमध चार्ड ।

> ডাং ১ কার্ত্তিক ১৭৮৫ শাস। অলুটেঞ্চল। জীউপ্রিধান জেন

আশিন্য নিকট কলুটোল, ই পাক্ত স্বাংকৰ | ছিন্তীয় সাধ্যম নিক বজু চা এবং দ্ৰুল তেখন শীঠাইতেছি অনুগ্ৰহ পূৰ্মক গ্ৰাহৰ ফলিবেন জীঠাকলৈ সময়

क्लूद्रीमां उच्च भग्नाक्रव में विक

प इने विवास विवासवाती भार गहिल भागानितात गर ८० व वनेशाहर है कृतना-ग वानुन, शजने जाना कविश मिर्फाइ। " श्रथम, वानुनारमत काल विश्व, विजी-स. स्रवतात शार्ज वास्त्राम मिर्द्य विवस, धरे हरे विवास भाजामिर्गत शक्रणान त्य मण्डल इत, शांक्रमात्म भारतीर्थ छान्। श्रीमाधिक मुख्यम धरे सिकांक कविश हिर्द्यन नामी किमक्ष्रम्य स्वास्त्र क्रिकांक

७ जाविश्मत्र क्रमान्य क्रमान्यक विश्व कार्न नाट्य विश्विक জিন বৰ্ৎসর্বের পর সাক্ষরতার ক্ৰমাৰ ৰাগ্ৰখানকাল প.চত্ৰ বি তে স্বারু কোন সংক্রি রহিল मत्रा अहे जिक्क ए इ अमूरमानन ২এএ ভাজের মোমপ্রকালে লিখিঃ " বেদান্তবালীল আক্রণ্ডান্ত চূড়া কন্যা বিপদ্যতে, ইত্যাদি শাস্ত্র-করিয়া তিম বৎসরের পর সাত अर्थ्यक वाशमारमञ्जू काम मिनेत २ हिकी शाहिहादस्य, किंद समुधार्य प्रिंतित ५ क्यों मुनक्क इसेर्फ्र চুড়ায় পরই বাগদান করিছে হইট भ. ८ अ॰ शक्त अविष्ठाहि स्रो। **उ**र व्यतिर देत निवातन रहने। हहे। ইচ্চা করিয়া সে অনিক্টে পড়া, বিবাহের ভূই এক মাস পুর্বে ব त्नत नियम कतित्व भाञ्र ७ मुक्ति है व्यवसङ्ख थारक, व्यथेष्ठ अक्छी विषय कें कह मार्ज. (माक, अ युक्तिन " **३ हेर्ड मृक्ति माउ इग्न।** " বেদাকবাগীনের উচিত হি

তিনি আমাদিগের এই সি াতকে বচন ও সংযুক্তি ছারা অপসিদাক ৫ তিপন্ন করিং দেন, নতুবা এই সিদ্ধ 'কার করিখা ১ সূত্ৰ সিংগ্ৰুপ ब्रोक्षेत्रकार अम् विकीष्ठ भूक्षक वाल्य बिनी किया भावज व वर अहे, दिनि कहर ना, रक्षम जि.यभक्त अस्य क्रिकेंड व्यव्ह र ठेक्शन मधान स्टेश में का हि निक्षा समर्गान का अवस्ति के किए भाषाः द्वानिक्षः करमः प्रा ভটোৱাকাৰ পায়স্তৰ HOMES ASSESSED

" अवर्शती प्रकृतिविताच पार्थितः सरस्यती श्रांतमहती व श्रीयतां

8 614

मन ১२७२। ১১ कार्लिक। हेर १०७ ২৭ অক্টোবর

वानिक युक्ता 🤊 देशिक गारिक चांत्रिक >> है।व

क्षेत्र मर्था

বিজ্ঞাপন ২

भक्ता भाषा अवस्थित ।

(अञ्च विश्वमः ।

च्यक्कियुक्त, मा भाउँदा नगरण रगम धकाम दर्शतम कहा बाद मां. हेमांच वाति ্লা ভাক্ষাত্তল সমেত ১০ এবং বাঞালিক e টাকা নিক্রপিত আহে: ত্যু বালের প্রনে अजिय मृत्या अवंश कर्ता योष्ट्र ते। संस्वरत्त्र বহি কোন ব্যক্তির সোষপ্রাকাশ এবংগর ইক্ষা দৰ, ডিনি শুগ্ৰিৰ মূল্য সহিত পত্ৰ লিখিলেই পাইতে পারিবেন

रिक्षांभव । आर्क्शर्यक् थकि।

आक्कनवरक के मांग वाहेरखरह, ज्यादिन ম'স অভীত ব্ধয়াতে অনেক্ষের এবত সো मध्येगारमञ्जूना निग्दमयिक व्हेंसारक, कार्किक নাপ আড়ীত ঘ্রীগেও অনেক্সে নুল্য লেব क्षित्र, व्यक्तम् वाराज्ञां यहा यहिना कुल भा-ঠাইরা মেন। উক্ত দুলা কলিকাতা সংক্ত याद्युटक जानामिद्रभन्न नाद्रभ वाजे।हेरकेहे जा-यश विक्टिप 🏓 भीश शाहेश।

त्यांगश्रकान। ম ই'কাডিক গৌৰখায়। ৰাক্ষা পৰ সভা ৷

्यान्यानिक मामान कार्याः आविक एडेगाः। भाव एक जिल्हा महि । क्षेट्रे महत्रपत क वालका विराधत पूर्वित क नार्ष रिवर्वेश क्रांक्शांभक स्कांक बात केव्याविक प्रकेटन क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक क्षित्र ि किस किरनवंत्र अक्तिक्ष CTA TOTAL NI GON MA

স্থাপক সভার সহিত্তই আন্দাদনের অভেক पिन माका १ का नाई । अदमा पिन दहेत, আদেব। লোন বিদয়ের আখনা ভাব, তাহাদি-गहर निव्रक्ष : विष्यं है। 'महनक हिन । बद्धीब কবিষা ভাছাদিলের চি.জন লেভনেন্দ্র প্রশ্মিত হইয়াছে : এখন গমি জামরা কোন विवास आर्थना आनारे, जीवातः नविक्रजिहिएव আবাদিণের ধৃষ্ঠতা সহা করিবের সংক্ষে না ই। স্মতএৰ আমবা বিনীতভাবে নির নিষিত करहकी विवस छैक्षि हरनह श्लीहर कहिएछ ष्ट्रि । 'डोहान्नी खतन विवदन देवांशीना आवलका नां करवून।

ध्येषम, ध्येषांनस्य भाषांगरस्य भन्न वार्तम শিক্ষ এড়ভি বিচার পতিগণ থিল সাচেবের चोजना हिन्द्र भक्षमात्र एवं होगारमा किन्ना क्रिन, छोड। नीम क्षधान क्षांक्रिमय विवासानस নির্বাদের কামুণ ল' চইয়া আরো ভাছা এ ৰালিভ ৰবিৱা হালবে: ভাৰাব শান্তির উ भाग विश्व मारुष्याभन नाका बार्डिस्**इटक (म के**-शांत्र कवियान चारमात क्रमाना नाहे। शुक्त सु-वज्ञांभक भक्ता ५० जाहेन क्या अवज्ञी विकास मर्खान क्षेत्रव कविद्रा िग्राटिका। अने स्वाटक जात्तक जातर् वष्टिष्ठाकृ। क्रवदालक मुका नो कहिएक एक महारमन स्मार्थ कान्न है। भरत्मांथन कतिहर १ औ आहेदुनक् अ**क्** शहात जाटम, वांगाहा श्रीवंशांक हार्याह श्राता प्रतित पानिय गांक कृतिवारस्य, प्रातित

भेरतात् रूमान्यूच्यानि वेन क्रान्त्रमी क्रान्त्र Ben fine sing rents, man et nein place i re-cipia format भाक्त भाषात्रक कवित्रां, स्त्रभारत पास्त्र हार कहिया विश्वेश कहा चाह, दम् शहित ত্ৰণ কৰিলেন। তাহাই জীহার স্ বৃক্তির অসমারী। এইবংগ বাহার १वि, अवस्थात्त्र विश्व वृश्वित्रः रप्र, कार सहरत क श्रमात्र मीता मान् अ शक जाता अक्षी शोबा विकिते हैं। (मक्त्रा केतिक। **आवर्शियात मरक**्षान्त मृत्। तुकाविकथ दर क्टब्स्की वर्जीकी আছে, তাহা রহিত করাই কর্মাই छ क क्षरमञ्ज लाहक बाजना विवर निष कर नषस्य किथित अधिक विद्वार লে বার পর নাই কাজর হন, ভালার जावांत्र हव मकत वास्त्रिक की कि **कृ**भिट विविधिकाम **विविधिक अ** ात निकडे ब्रेट्ड , व्यक्ति अवस् তাণারা অধিকভার আছার প্রায়ের লা वना वाक्ना । स्वावः हो स्वत्न क्या हा ज्ञात्र साम श्रीहर महत्त्व महि। ५ न्या देश्व के बालामिस एक अन्यानुस्थान वर, अजारा बाबन कान में ब्रिसेट्ड बाजन मिटनंत्र त्य केंकि के अन्वान हेर्सिए, कार्य-ता कामा स्वेन क देवह नामन महिहा मेर्बेटन ह

े विकीतः विद्यवस्थ समूतं दर्जतन । रत्नभावत कर्रेट बन्न जानस्य केंद्रिया आयोग जानन केनिहित्साहि क्रियाः 'चार्थमासम द्यक्य छै-द्रमान्त्र, द्रम्हण्या ह्रा 'বালাবিতা স্ক্রান 'स्त्रित्र नद्य । मुक्तु व या बाह्यात शीखि ड র্গ্রহার হারাই স্ট रक्षां विरात । अवि न्वविश्वका न्याडे लह उद्देश शस्क। जुः न ज्याहेश महैशा कुरक बसुन्दरक क्षार्क र्वाचेश्रो स्मः शरूरणहा ভাৰতে পাৰয়া বাৰ हेकाम दक्षेत्र ना सिंद यम श्रीसंक्ष विशेषा

া থাকে। প্ৰিমধ্যে এক এক
ক্ষিত্ৰ আৰু পদীৰ্বের নায়ে বহ
ক্ষেত্ৰ ক্ষিত্ৰ লাইলা বাৰছা
চাণানগের পাখ্য জ্বৰা হয় না।
গ্ৰাহ্য নাত ক্ষিপুত্ৰ করা হয় না।
গ্ৰাহ্য নাত ক্ষুত্ৰ ভাষারা ক্ষ্যপত্তি
ক্ষেত্ৰ পাল্লিলে প্ৰাণ্ড করা হয় না।
গ্ৰাহ্য নাত ক্ষুত্ৰ ভাষারা ক্ষ্যপত্ত
ক্ষুত্ৰ আৰু বালিলে কাপাল্লিলে তে'লা
ক্ষুত্ৰ বাকেনা। শুনিত্বে পাৰ্ট্য কাপাল্লিলে
ক্ষুত্ৰ বাকেনা। শুনিত্ৰ পাৰ্ট্য কাপালিলে
ক্ষুত্ৰ বাক্ষাক্ষ ক্ষুত্ৰ না। এই সক্ষ্য

মুক্তেক্সিগের বড়ন হৰি করেক্স প্রাণয়িত্য এবারে ক্ষেত্র গারাভৱে ব্যবস্থাপদ সভার ক্ষেত্র ক্ষিক্ষিক্সিক না

क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विवश् । छ त अस्ति जन्म प्रकृष भाषा कर्डवा क्षा बर्गाम्बर्ध हेर्द हो ज्वर भवन अभिक्षिति देशाद्य ता , भाष Eriffen mir teil enter millenin · अवाय सविवीदि । के दरका में इ. इंट्रान, क्या है है है द्वित है। एक श्रीक हानि ্যে তা কাণা বুনিছে सिंभ हा हा। द जिल्ह इंडेक, एर्ड - ब्रिक्शनी एमसिटल ছর; অবৈ ঘাছারা াৰুবার নিনিত্ত ত্রতী **মাত্রহার পরিভাগে** ইউইনের যে কি প-की रिलिय जानान

कीक्षाक्षितात कथा करिएकहि वा ; य प्रमण मिक्रानाम प्रभावक व्यक्षात्रभ व्यक्षात्रभ मान्यत्र मान्य प्रभावक व्यक्षात्रभ व्यक्षात्रभ मान्यत्र किर्मान प्रभावत् न वामना कर्मात्रभ व्यक्षात्रभ व्यवक्षात्रभ व्यक्षात्रभ व्यक्षात्रभ व्यक्षात्रभ व्यक्षात्रभ व्यक्षात्रभ व्यक्षात्रभ व्यक्षात्रभ व्यक्षात्रभ व्यक्षात्रभ व्यक्षात्रभ

श्राहित्रमीक जन्मी नक्टक छैलिशिङ जन ा जन्मापक पत श्रविक त्रिका चामा প্ৰেয়র **আত ত্তিক কোত ক**নিয়া হৈ। अ मना कथन डीशांत समिके कहि नाहे, ाः देखे नाथम क्रिकें। क्रिक्सिंह, त्न करी डिनि स्थूरवंदे बीकांत्र कतिगारहन । कि তিনি যে কেন আমাদিগের অনিই চেই। পাইতেছেন, আমরা বুঝিছে পারিকেছি नः । श्रीकात व्यक्ति आमानिरशत क्षितिएः বিভা নাই, তাঁহাকে আনরা প্রতিযোগী আৰও করি না। কিন্ত ৮ই কার্ডিকের পবি-वर्णटक अहे सारव निविष्ठ इहेग़ारह (य अ महा अबुक्त बाबू कानीक्षत्रक निश्टरह नि কটে গিয়া এই অনুরোধ করির। আনি-য়াছি বে রেমাছবামীশের প্রেরিড পত্র भवितर्गटक अञ्चलकि ना रहा। आवता এত মুৰ্খ ও নীত দহি বে কাহাকে এবছিধ क्रमक कन्द्राथ कतिय । अ कथा कामना গভ বারের নোম্রাকাশের ,প্রেরিভ স্থান লিখিয়া দিয়াহি। কিন্তু পরিষদ্ধি সম্পা मक कि अभारत ७ कि काइटन एवं के जि-দ্যাত কৰা লিবিয়াহেন, অবিলৱে তাহা काशिक्षात्क कानारेटवर्ग. क्रवाचा कार्वे-कार्क केंद्रात निक क्यानिताव नाकाश रहेरवर्षे जाश्रता बन के खान जटनकाछ **हित्रिक्ट कार्यक हुनी काम क**र्ज़ि । श्रीत्र-र्भक मेन्स्रीतिक स्थानहिंद्रशत तारे निर्धन कित्रिवाक क्लांकिक क्लिएक केंगार्क व्हेशा-(इत । क क्रिकेटि कार्क व्यक्तिकानिका-हर वह, क्षित्र है शहर बाह्य विषय यानिक गायरमह क्षिक्याद्वर ह्यूनको क fill Birles artis fellenicus i me ाव काराय के बाबाइग्य दिसी करते A 18 CAPAS ACRE

ক্ষীপুক্ত জানশক্তক লেবাভবানী শের ক্ষেতিত শত্র প্রকাশ করে 🐰

अस्य भावे (क्य ?

পাঠকণণ ! আজি আমর। আপনারিগতে কিরৎক্ষণ বিরক্তি করিছে চলিলান ।
আপনারা অন্যা করিবেন । যে বিষয়ের প্রসদ করা ঘাইতেছে, ইয়া যে কেবল আপনাদিণের বিরক্তিকর এবাপ ন্যু, আ্যাদিগের ও নিভান্ত আরুনি) অসুখ ও কে:তেকর । কোন কাম এতংগ্রাচারে আ্যাদিন
গের উন্থা ছিল না । অগত্যা আ্যাদিনকে
এবিয়ে ছতক্ষেপ করিতে চউত্তের।

ফ বিষয় লইয়া বেদাস্করাণীলের স-হিত আমালিগের বিবাদ ফটভেন্টে, পাঠ-কগণের ফলি শারণ না খাকে, নংজেলে। সঙ্গু ভান্য উলিখিক হইডেছে।

প্ৰায় তিন মাল হইল, বেলব্ৰেৰালীল খা-কিণাতা কুদীন বৈদিক কেনীয় কুদসমধ্যের ফাল পরিবর্ত্তন সংক্রান্ত একটা একাব লি-ধিয়া কতকণ্ডলি পুত্তক মুক্তিত ও প্রচারিত করেন। উহ'ব একখণ্ড আমাদিপের নিকটে প্রেরিত হয়। স্থামাখিগ্রের থেকাণ নিয়ম আছে, আমর। উহায় গুণ দেশে বিচাচর के इस इरेलाम : मिसिसम असू पासि गा-त्वाम रह मार्ड : जे आटब त्व त्य त्यावः द्यांथ वरेल, आवता छोड़ा ,२८० कारतक সোম প্ৰকাশে জিখিলা শিলাম। বেদান্তবা-গীৰভাৰ বিদ্বাস অপমিদাৰ হইয়া পঞ্জি मा किति प्राप्त भड़ मारे, कृशिक ()) क्षेत्रा के हिटलम अवः रेवहनियाचन क्रिकी रच्यिर माणिरमन। किनि अधरम जाश-क्षात गरमञ्ज्ञ क्रीन स्थालहरू ज्ञानिक ज्ञानिक গের নিষ্টে এক বানি মেরিক পান পা-रेक्ट्रिय । अर्था शहर के विच्छा देश करें मा राक्षाद्व कुर कामाद्र सावाजिए तम रेका

CALL AND AND COLUMN TO THE PARTY OF T

सिकिद्देशक ३ के वे दमले हिंदे । दमकामन गाँउ ८७४ स्मनारकामिक्स वेणाविक बहेबारबंग, शृत्क ८व बृह्या क्रमावय पंत्रेष्ट्रीहरू, छोर्न प्राक्ति हरू-ट्य । **केक्षत्रार निरम हैनेसमात्रा क**रन**ाम** स्मृति हरू-क्षेत्र क्षित्राध्य । क्ष्मिनार्थभार क्षामक रेमना डेक्डिए क्ट्रेश्राह्य।

म्क्षम २७ रम्प्रवेषम् । मिल्पीररमेन चरमक देनमा विकासि अविविधि कविएउएए. चर्याचीह क्षांत्यक्षां क्षांतानिन्द्य जयाहर शृक्षक शवन कः PICE !

नव श्वाद्यंत क्षेत्रि ।

क्रांब्रवानाननिवानी कर्ध वंश्राहीक नि রা স্বান্ত্র পশ্চাৎ প্রামাদিগের নিক্টে পত্র त्वात्रव**क्तिर**यम् मा कानिया छनिया स्काम কৰা লেখা ধুটের কার্যা, আনরা ভাষার উ-श्वक जाम अजिएक हांबि न.।

জীবুরু দোষপ্রবাদ সম্পাদক अश्रानंत समीदशब् ।

जन्माक्षक चेश्रांचक्ष । त्य जनन नक्ष्यं । छ नीव् कारवह समा सामान तावधानान विथान वह अस्तर्य सामा दमक लेकारीन धर्य मध्य। छेवा-शारहं भागक्रमां कि हा का हो इ वर्षा अवसे अवी-म । ह्यू किंद्रकृष्ट्र परेगांत माना मुनाक मन्त्रिक बील लिंबाइ बााइ पाएड वर नटडेंडॉ अंडि विव ধাকে ভাষার প্রতি সমুখ্যের কেনট না আছ-ঃ ইংখ। কিন্তু বিগত্ত ৩৩ ছাত্ৰ নিৰ্মীয় সোৰঞ্জা-त्व अक्तिर्वत वृष्टिरक्षक कर बन्नांक आवार विका बूख्य व्य आखांबनि कि थान करेन दिन कारा भारे कृतिहा क्षरद (वन कि) चांचाक नावित्र । व्यविके अविविद्यां निर्मा निर्मा (क्य क्यू दिस स्मिन ७० मिनी मा कदिशाचे जान्त्रभवाद्याती निक-ब्याद्यम् व्यक्ति विद्यापी वहैत्र। प्राप्तन-क्राही भाजित्र। दय वर्षाप्रकृति ज्ञान्त्र ज्ञारताच्या स्वता श्रीकृतिहासः म इत्रिक्षा है है। किया नहें कि अध्य देश है है। बासाविक क्षेत्र ने मान समाप विश्व केर्य COCK MI 1 7 1 1

खाक्ष्माध्यक्ष अवाम चाहार्यः मरानम् क व्यक्ति देव रिक्किशांक अतिप्राहित्तान, जारा दव शकान कार वस मा व्यक्तिका करिको बेदकक मिल्लार का क्रोबिंडा बराइ बड़े मांच छति।है खुरबारकक बद्ध द्व बटकक् क्षेत्राहिक, अधिराय कर्मक प्रदेश काँचा अध्यक्षारम वृत्त स्वेतः निवा-क्रिकार मिनियक का क्रिकेट दकान गरमक माहि। men gaffichen ben ben alfen daglenan विव विवक्तां विविध्य विविध । विविध विविध MIE TO BEAUTY STALLE !! THE LEGIO

এই ব্রাক্তবর্ণের অনুষ্ঠানেন সময় মুখ্য পড়িয়ত। 🍴 নিভাগ, প্রাক্ত থাকা, নিভাগ্ধ আনুষ্ঠানে পুরুষ त्वम आगरा नामाद कार अना किक मात्रथ किन मात्रथा का अन्त प्रश्न मुख्या अन्तिमान कुल्यान विष्य नाके हो। दक्तक ८४ - में।वृद्धिय सम । यो शकान शव मध्य व्यापीरिक ए सन्यक्त कर्म अभाग वर्ष गाम छातुन का श्राम दश अहि, ही कि स्थान आहे किति अवस्थित स्वाकाक केंग । भागतान अधिक के जिए पादसम किन्नु की प्राप्त तह द का एक किन्तु विकि र किन्तु का किन्नु कुछ आहा। नाकी विक आहरून अन्ति कोश्रांदर काउगमा नामु तिक मान्त । उस मन्द्रम छ खनाका जारह, किंद्र निकास अर्थ अर्थ को दब व्याप्तक उत्तरभा श्रीतक करिए । विश्वविके 🖎 मां. 🗟 সম্প্ৰেল প্ৰাক্তি প্ৰতিষ্ঠ কল 💄 ন্য জেখা 🛊 ইটাৰ ভাগনি आविनाक दर सेखा चार्राची करामाधा लिंड नाक किन्न महत्राह **डेगलएक** कि जिन्हाला १ डी ११ ह स्राद्धाना केंग सन्। चिहीम ० विकास क 5, धक्र'म, फु नैवड ि, डॉड ४ 'इ, 58 57 कामा विषयुत्र मिक्ट अर्थमा, प्राप्त । रेप्टर मिलाइक प्रदर्द ष्ट्र अवस्थित आरक्ष अवस्थित व्यक्ति वा

(५) अव्यक्त देशका । वर्षेत्र हुन । द्वान । क्षित्र विकास मिर्गत बहे अवाव कका बन्द मन नहीं वहें । उने कि वे दूकि। क्रका थाका क्रेडिट, रम सीकांबर हा एक न कर्प किया माकाब्र नवफ्राः कारण गक्ति जेर्णकाछ प्रधानि स्वानम । शास्त्री - श्रृता पद्ध पात लाडि का तिक रकान कार्या केवरमय देशांगमा कतिका केवयरक क्षत्र बान्य क् क्रेबंद्रद्रंड मर्राप्त क विद्या गरि कुक्क ४४ महा **एक शृंद कार्याय गर्भा 'काजिएक देवेरव 'कांका- |** त्यत्र व्यक्तील केर्नास भरमाद्वार मध्या को नेप्री अकारात्रेष्ठ करिएक इत्रेश्व, करवेषे उपलक्ष्याच्य गथार्थ रभोद्रतः द्धनाम गाउँ र अञ्चलाव मा द्य-हिराम बुध्यपन कीन्टनर धर्म प्रवेटक शा र य', ह्मांब्र धर्म ३३.७ भार को क्यूम्म अधिकीय धर्म प्रदेशक शाहर म । जात्कवा गंक जेपहरबब्र निसंहेन्सी बहै (७/६० कउई का निजाइन व কৈশ্ব হুটাকে নিম্নুন চ্ছলৈ ডাম্বিলের সামু कर्मा अध्यार्थ भेट हो अकेप्र, भेग्य ।

(০') শিন্তার প্রতি কৃতজ্ঞতা প্রকাশ কর, শ্বহিদাছিল। শিতান প্রতি ইত্যের কুবুলত। একটি উত্ত হয় না, আগন্য সাধুইনে অতি অভিত্র निर्मुश मानप्र क वटल करेरन। क्यांकांत्र क्षेत्रदेव नवश क्षमस्याती कर्य कवित्रा (क्टन, क्राह्म वा-वारकः बाग्रं कृषिविक क्रांट्रेस ब्राह्मक बा परेश नान्ति गार मा। वृत्रा गार जन्मका स्थानत्त्रवं दन परेएक स्था कृष्टीत निकास स्थाप dont and fie ging gmilen ibn. न्तर कर्त करते हैं। है इस्ट्रेंडिक के क्षेत्रक के क्षेत्रक के कि कार करता अवस्थित है कि निक्रिक विरक्षित ने का अपूर्ण द्वारिका है क्लिनिन विद्यात । प्राप्तिक का का का वा अपे अपाप द्वारा

ट्यांस कार्रेस निविध वनेत्रारम् त्य महा

· あれば | しん (を) 出 金油 া কুত্ৰ : ক্ষেত্ৰ জ সাব : रम मृद्ध संस्कृत সমিত পৌস্কলিং

> ल्ला विभिन्दी व देख waste at atoms

नाम वामा मिश्वी

राना किन्न कुरावस गवनि स्वतिस्त् वहेरव Ter crea asile univers, with fire tim-ত্ৰ চকলি প্রিভাগে করিতে ব্রুকে ইয়াইটাই for outer many generalist to establish the कार " करे नकार नकात नदस महिला निवर्त डेर्डा कि बाह्न अव्यक्तित्वतं अस्तिहाले केन्द्रकार nes, a Bei fficiel giemm enfuffen वहेटर १ दर्गक मेरकता नजरकीरत कुर्ग करते है-জিৱা ব্যক্তিৰা কিন্দাৰ দিশৰ ভাৰীৰণীৰ জীয়ে क्षणा बाहुत हिन्स्हरूकः केनामध्य क्षित्र स्था-(कर केशागुन: महिस्के नाजिएक का ? वनि के-! उ के अंक्रिकोडिक के कि ब्रिटिन कर्म कर्म कारमंत्र नामास्त्रीस कान दनवादम विका छेगानना Party Cris fer

, रेक्ट दक्के हैंदलन ज़ोकार्याका मश्कि बाह्यिक व्यक्तिः निक्रित्रार्थं मध्यारक उन्तर्भवं वागविक रेन्द्रकार्यः। अधिकात्रतः विधान वरे, व्यक्ताध-भूषि मंद्रानि प्राप्तित क नाश्चिक प्रमृत्तिनत कि कृता क कारक विश्व व्यक्ति विश्व विष्य विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विष्य विश्व विष्य विषय अध्यक्ष विश्वासीम धर्च नाम ता कार्य व्यक्ति-

15

था निर्दे द्वसम राभागा भौरी गार्भका चेतिए . इय[- प्रथान जीव प्रभाव कहा क्रिके।

७। लिख्य माधाः हेबेडिय न्या चार्गरः । श्वानम् मेचन अमेरिन आर्बिस्_{रिक्}नि कि:सम शिनोत्र नियात्र कालाह देवें किया हिन

किय भूरि का दि⁶न ध winds matter-¢ 5. €€ 」 化酸二甲醇 वंद श्राह अल्यानी वर्षे 4 1.1.22 B

PRINTER BY क्षित्र है । अपने किन्ति है के

्रत ७ (माज ११ म का अपने किंदि मीनिकेंद्र C ने जीविद्रत के काल अविदेश रहेता. व्येष अनुस णि अर्थ निकार माधुम्लाय केन् वार्ग - कवित्रा कवि-८६८मान ६६ ८४ (श्रिकेड फुर्टिक निमान क्रांगाहरूप) यक्षानं केंद्र, खन्नम कीक्ष्माहरूम । अध्य हेन्छ। प्री देवेदन कः CST आदि के बांच आ। डीवाहा केवल किया के रूप राज्यान का शह ा-कटिके का बाध्य कविरायम । १९ २० गाउँ जिस् हें के मुद्रमंत्र भारत अवश्वास १००० इर अ,स्रम किष्टू मन्द्रमार । वाक वर्ष वाब भागवान है 🕟 🖒 🗠 औ **श्रीक ग्राह्म (क्रीझर घर)** र ्रकेन **मेचे**द्रस्य खड्नार्थः । .तरश**द शोधू हैक**िंदा, ध्रार १ १ १ वर है है अरन के साम रूप , के शेकृष्टे । ४०० ° ० , ० "有样""哪个说明你说,我们一个一个一定,我是什么 高端式、**用整整 "维拉**(275)。 基金技术可 ·智慧·養養養 成門海山田市。 · 市场中部日本 म बहुरी स्थापन हिंद स्थापन कार स्थापन है। लाक्कात्र-विकासिकायम् अर्थः नःमाग्द्रनःश हिन हो है है है है जो देशमान मन, के उन দুক্তি লোগুৰাতি আৰু দুলি বুভৱত विकास के होते हैं कि उन कर का उन है। उनके उनकात THE MET MET HE ্ভউক, জাঁহার ब्रिह्म किल्कि हैं। इंदर्बिय किल । द्वी रच भारतः । प्रशासिक में कार के कि के कि कि में कि में कि में कि मान र्वे विभिन्न स्वतिक क्षित्रकार प्राप्त का विभाग कि Their all markets as a cit of क्रिक्सिकी स्थान देश हरू दन

नश्की थ डीइकार " केंच्या नीय क्षेत्रंटनक त्वमुन, फ्रांशक्तिर्वत बर्म व कि कि सुख्य हार्क-८०व केमत इस जात पनि छो०१त। साहितिश्वा शोक कांचात्र कांचा विद्यान दशके कांद्रनामात्रामी-কোৰ কথা পাছ ভাৰে কেই পুৱান্ধৰ কথাকৈ,ছং ातः क्षित्र आधारम्य गरिक साम्य कार्यः अ भक्त जनाक शांतन करवा जे तथा आंभ तानते व क्ष्मर शृहासन मश्कुष भाषात स्थान व्यक्त वं नर्गाहमीत त्यर ७ व्यक्त व्यक्ति जानाई का-यातिमभटक रक्षण, अञ्चलात्र छात्र्रप्रवर्गीतिमभ्दकहे न भूरतर श्रीत शक्ताको करन।

আপনি বলিয়াছেন পোওলিক্লি গর সভন নকলি বটিল। কি বহিল, জাগতে বুরিটে পা तिल्पांच भा। व्याक्त संग्री महिल परहे यक मिन ''প্ৰহা '' শক্ত মানিষে ভতালন সিভ্নাছ শক্ষার বাবসাত্র হাইবে , সতুষা ভিন্ন অভিযাস ক্তিকরিছে খয়ঃ ভিন্ন ক্তিখান ক্টি করা विकासिक समा नाम की श्रीत में विकासिक -ो नरकत, क्यां रम एक काल कहेर क **क्यां** र्वे कावत्मन काव वास्ति क्रविद्वं भावित्वाहे हरे-ल, ६४ क्लाब आकारवेड्ड वेख्न क्रेबर्रवं प्रकार वर्गेष्टाम कविटा अतिहास के ब्रीहास्तर मकल कान भून बहेल, जरम'त्वत्र कांस्य कार्या केंच-त्रक व्यक्तिता शांतितम् के विद्याहरम् की वंक हिन डार्व बहेता।

कामा वर्षः विवृत्तः । अनेन अकानेनक्शीभक

বৰাপত আৰি অন্তন্ত অনাত ছিলা সৰ্বাণা यागभकार गाठकाशक सञ्जूषि , अविश्व शासि । পুড়ার থাকা জাপনধার নিবিধ সংঘটি মায়ে शास्त्रभागः, क्यानन भागी करमेत्रः विवसः भारते सक्कि गण गलाद्य केल कारम जैलाबिक बहेदा जाती रवेत, स्थानक भू जि रमाध्यक्षात्र । व रिकं, व व के मात्री का स्रोतक करेशा श्री महत्तक मृति महर्गा स्र poten according the on a specie, principal मुद्दा व मरमा बड काविक वर्ते कार्य है के बुद् AND STATE OF THE PERSON AND PARTY · 阿爾拉爾斯斯 (BCME) [阿 斯斯 # 斯特 AN INCHES AND ALLESS WITH MANY AND AND ADDRESS. हिंदे क्रिक्रिक शिक्क्रिक हैं।

्यार्थनी, वागरनिष्क सङ्ग्रिक स्वानित्र त मार्गिका वश्च कर मह स्वमित्रिका स्वानित्रक स्वानित्र शिवरणाद्य, स्वनित्रक स्वानित्र स्वानित्रक स्वानि

नामान हमनाम जानर का त्या त्या का नाम मन्ति व्या का प्रमान का व्या त्या का प्रमान का व्या त्या का व्या का व्या

क्यामण्डामः। २७६ प्रांचित ३२ ४० विश्वासः। श्रीतांशान्त्रस्य एएके सामाःच

न्ज्रवानी सिन्धन कांब गांड मार्टि :

と

উনুক্ত সোম প্রকাশসম্পাদক মহাশদ সমীপেরু।

মহাশার এবং জীবুকাশ নিক্চার বেলাছ-বার্থাশ মহাশার কুলীন টানিক জ্ঞোনীর জুলাব বন প্রথাপ্রিবর্ত্তন বিষয়ে প্রায়েই আংক্ষালন ক'নাডিছেন দেবির, আনরা অভিনয় আহলা-গিও আছি। খানাও এই কুনিও প্রথারতিত হয় ভাহার আমানি পার সম্পুদ্ধি তলাস কিও লাল্টা বিশার দেবির। শুনির, অভাত সুক্ষিত ভব্ত ছা

श्रवेग । विश्ववित् श्रीण महीण यह कहिछ काशान महिछ कारिका इत्या है है दि क्षेत्र प्राप्त विश्विति है (১) ब नियं, करे कि कबा का जाता कारिका कार्य कि है है । स्वाप्त से हैं है । स्वाप्त से हैं।

দ্বিভীয়তা কোন বিশ্বস্থ লে'কের মুখে ও-নিলাম বে, আগনি বে কট্ডিল গুলি প্রকাশ করিয়'ছিলেন ভাগা অসংশত্য ক'বয়াছেন

(०) विश्वास्त्रशिक्ष द्व निकास क्षित्राष्ट्रम, वास् व्योग विश्वस सुर्देशक भारतीय सहत्वत्र कानुमारी नयः ' विश्व के स्थान सुक निकास्तर सुम्बदकान विश्वसिक ' विश्व को सामित्रस द्वार्थ स्था, माम व्याप्तक काल कि-वास्त्र सुनेशकान स्थान स्थान काम काल कि-वास्त्र कालि काले कि

विका स्वाहित निकार (२) नमत्य त्याहर विकार विकार स्वाहर सिकार स्वाहर सिकार सिक

.*

(६) 'त्वाक्षणीत्रक िक वर्षे का उक्षिक्षिष्ट भाष राजक स्मानकामा प्रतिकृति के विकृति के दिन क्षित्रका अनुमानी पर्वत । रवक्षकामीत्रमव निवित्र कार्कादवर अन्तर्भातिकाचु त्यात्रकात्रम् आक्षा निक्षकारम् (दिन (विकृति वात्रोम्) क्षित्रम् (क्षांकृति वा

वाच कारका । (कान ६८'न २१कि क'नां∫-१६५८ क्रे करा, क्रिका क्रांक्स क्रांटिसार १,३६ टर्निया (लेखास) नः भवत अनिकाशिक करिन्दा देशनाञ्चनश्रीकान् अन्तक muffe mingt biefe at Wie- fente, erfnit. भीरमद रिक्रोच सर्भाम⁴र। हे. ·witari dieta ब्रह्म कामन्त्रमान वर्गनाक महिला में वर्ग के वर्ग महिला ! का क्रम क्रिक्स आरिकोनम हरू । नाज नामहा दरहा हा ्रताल धक्रमां के मिला के किलान है ভ পীলেৱ द्वाराच्याचीलटक कुमरफानाविक वृतिक। (अथ) काम इय मुन्हे, दक्ते कथा इंटोच मार्कित बादाबुनीए क्योंबहर entucuntes, विविद्या (तर. किंश वैद्यान का विधे दश्क कर्त जिल्ला को कहा कि कार विशेष के के कि का कि का कि श्य प्रमाने वेशूम कातू.आ care Erice रखन ।

(०) अब ट्याइक लांब आकाभ को क्रिक्सिक वर्षे कर निवित्रारहका लांब आकार कुर्ज़िल भारतिक लाटक करावा के कवा आकृतिको क्रिक्स अवस्था निर्मित्र क्रिक्सिक क्रिक्सिक अवस्थित क्रिक्सिक क्रिक्सिक क्रिक्सिक क्रिक्सिकार्यों क्रिक्सिक क्रिक्सिक बी निर्माण क्रिक्सिकार्यों क्रिक्सिक क्रिक्सिक बात निर्माण क्रिक्सिकार्यों क्रिक्सिका क्रिक्सिकार्य क्रिक्सिकार कराइक देवान क्रिक्सिकार्यों निर्माण क्रिक्सिकार क्रिक्सिकार

का वर्गत अन्यान्यत प्रदेश के विकास कार्यान के राजवानि अकार का कार्य अवस्थित राशीय अधिमर्थ क वर्ग र स्वीक्षित वार्किन हित्यम् । प्रिम्पंक मणाकुरुक्काम् अ अकाम कविश्वादिस्था (चै) अहि निरंख नक्ष अथाम की वारते हैं कि मन्ति अन्तरिक्षक महित जान्त्रेम् विक ais)o are Dog ange wiefenie fi महित शहरामा । मण्यामध्यक विश्वत वाकात निर्म न माकि निर्म (क) मा व तो अतिका के अभिनिष्ध के के के कि कि ८२न था। स्थानकाम क्लिश्कामान गर भा अंदेरवन के। बा दबन 'शिविषणिक नेहकिए 中国 · 电1 : 医影 包针对了 有神经原则。海(道) 电影曲影曲曲 मून डेम्प्रम प्रदेश करर का कारकृत करिक्र मान ভোষাৰ অসম্বিশ্ধ সন্ধাৰণৰ সঞ্জী डाराशिताहरै गाउम वहें पता केनाहर ८कामा मन जान कुलो क यह हो। हेवा के नहिंदी लांचे स्वीचे दश्य ही बाहन वर्ष है जी है সংগাদক মহাবয়। আপনি **নাকি**্রার कर अहे ज्यान व्यवश् विश्ववन्त्रव्यान्त्रवाहर केशीर मा। बहें जि कि कार्यमात श्रेष्ठ के कि करें की uifen er. wert mit mateit. (1), feit.

ু কুণ্ডা মন্ন খেউক বলিকে বনা মান্ত (১) ১০ চনা ব লৈ কৰিলে কেবল যে ক্ষাৰিকাৰা দ্বালি কান্ত্ৰিক জনা চাৰ্ব্য লোকের নিকটে ক্ষাৰার কান্ত্ৰাকার মন্ত্ৰিকারের ক্ষার্থ ত তইকের ক্ষান্ত কান্ত্ৰিকার ক্ষান্ত্ৰীকার ক্ষান্ত্রীকার পদ্ম কোন ব ক্ষান্ত কান্ত্ৰীকার্যাকার ক্ষান্ত্রীকার ক্ষান্ত্রীক্ষান্ত্রীকার ক্ষান্ত্রীকার ক্ষান্ত্রীকার ক্ষান্ত্রীকার ক্ষান্ত্রীকার ক্ষান্ত্রীকার ক

(०) नवण्यंता प्रविद्या क्षणा क्षणा हिन्ना विद्यांक गणिता काषा वर्षणा हिन् (१०) नव वर्षणा प्रविद्या क्षणावा प्रविद्या क्षणावा प्रविद्या क्षणावा ने क्षणावा है। विद्याना क्षणावा क्षणावा क्षणाव्या क्षणावा क्षणाव्या क्षण

MAN FO

हर । यादावान अवाह केवे गठ-ोड विक्री के जिल्लामा अवर अक-াল্যাক্তাৰ, মানি কাশ্যাকি জাতু এই \ श्रकारण देशे का संबक्षेत प्रांचा व देखा। िक विका दर्शनिक विकास व्याप्तिक 'स्वेशारक्ष किया ३ श्रीक खिनि ३ न र शहर मेहेर्स स्थापक कारक स्थार ** WINT : 205 +

अञ्चरद्वाप है। कि नहा ? ~ं**ंक्ष्मांकर एक्षाञ्चनक**ंक्षिन,र ।

, भी भीज श्रिवकिष्णिव निकारि व-अंतर्के त्रमानुवासीरचंत्र मध्क प्री (दक्ष आधानियमंत्र भएकत अनिका हरे है। अके किसे निकास कतियाहरू, म रदर्जरबंद्व भारत ज'क वर्षणातीत मार्थ। शांक बाबुमान स्टेटन, चामता निकास क-मुद्धिः विव दण्य चवावण्डि शृंदर्व क्यात च्चाम कहा कर्छवा। िछीत, जिसि कि इंडेशंड शर्ज कमान्त्र नाट्य বৃদ্ধানে। ভাগ্ডে আমরা জিল্লা मित्रहासिम थ, थक मारक व वि देव विवाद क्रिटिटाइ, त्म मरम विवाह वस्थी व्हेटकर ? अहे हुई विवत्र गहे अति क्षेत्र विकास अ सुक्रिन्त छेखत मान हम, जामहा- निर्देशकार्य क्रिया गरेव পু লেই সেই পত্ৰ সোৰগ্ৰকতন প্ৰকাশ हरेक में अर्थ करेंग मा, किस विनि अ क्या महेश जायानित्तव लाउनश-ए दिव्यक केविवाब किया केविविवत, की-**शब अकामिछ एरेएव मा, जिमि नि**-मन्त्री वर् कानिदेश है

।।। अवानहा अन्य श्रीत कृष किलांत्र अ ু াভা ৰ'ভিডা প্ৰামৰ চৰকৈ উ মাৰায়কুত सङ्गीकोजातम् विकास ३। कार्या भयूक क्रिने यः শাল্পনি ধইল কথা ১ইতে পা বৈক্তিত চইছ। ন বিলা বিলার অভর্ত বাটুকা কুলে আনির ছি ক্রি অতি ভার প্রাম । এখানে ভানেক ধরাটা। कार्यक कामन अववास (स्टोइक्स वामन्यान अरर करेका प्रयान, महर्वित, सुनिक्षि सार्वित विद्या । क्षांबरक शांदे बाजाय सर देन " रेड **वेद भौताबि आप २**२६म इत्रास करेटन, ो क्षित्रांषु प्रतिष्ठ रहेता एक्षण व्याप्त क किंग देशारबंद क्षापूर्वीत र अगेरक व अवना-मानिकारि पालक गरिक छू-। भारे।

तम। के बिटल के क्यांचार रेग हैं वहुत में शिक्ष हैं है -भ ४४ मा । घकासूह, कशरमानंत स्वयंशीय कर्ष लिबास्त प्रायोग्य प्रशासम्बद्ध प्रशासनाम प्रशिष्ट त्वित्य नरम्बं भाषा ५० कर शीलाव वस-मृक् মক্ৰিয়গৰীৰ কোষ পাওচা কঠিন হটছ টাঠে কোন কোন বাসির জাবাস হছ সপরিবার সক-तहे द्याम महिवाह २१५ वन गाउँछ नमानू जीवन इत **श्वास्य स**त्र ७ बीका (वर्गन कामास) उ.क्षक्रित्वन सम्बद्ध अ शता क्षित्र है। सिवियद स কম **বাই তো**লা সকলের সংজ্ঞেই অসুভূত ভইতে-ত্ৰ। আপ্ৰতে আডিডিন্স ও বিৱস্থী হটয়া शीरण क सार कालशहीतः कराउद्य । काल वेस् कि: नर कमांच > खर्म के आक का कि संवानक बह ब्यार्थ प्रकीर अविष्ठांचे विके क्यां महर শীৰ্ণ কলেকৰ অসংদাৰত চ্চিত্ৰ ৰোত ব্যক্তিই অসুঃকরণ শ্বিষ্ঠাল প্রি। জাধিকতা भुश्चित कातृत करें 'ए त्र क्षे 'हेन क्षेत्र (वा' शव बद्दान्य स्तितं नर्तातः पति । स्त्याप्तः नाष अन्य श्रीमशीका हरेस उत्तम द से व उन मधर्ष बहत । दर्शभ वह च १ ११ व व प्र १ १ काल बहे श्रमाह नीकाद लायू है वि व भाग है है है । कि काम काता छरकाहन अहे देश विक्रिकेटी छ। म शक्रतारक क्रमणूना व्यवसाधाम वर्षेत्र, स्कि CALLACAL.

अविकारक কান্ত থাকিলাৰ

নিস্কুপার বিষয়ে আছেও পরাও বিশ্ব। একরে अश्रामीषात्त्र कृणावृद्धि वर्गकालाक छ।। धनान

श्रीकृत नीकृति काडिनामा । वामकाव कू अप्रि राष्ट्रभ बीकांवण बनेशार्क उधिवत विकि लिबिटक्कि । हाळिवि:शत डेलिक्डिय सरवी' ध-क्रम खद्ध कड़ेगा फेंडिकाट्स तम खन्दांत। शावरान्य बाक्रार्द्धात मन्धिक बान्धाल ও राख्यवश्चा बहेटल ्हा कि लोकारक ऋषिय कहे कर शास्त्राणी-ा ५० सम स्पन्धानकरमा ११७ सम गांज हे वर्गक-न वस । अवस वीविडीस (अनीव सनाडः (अनी ८० ७:8 सम केईगर्या व इ सन मात्र हात लेग-कित दवेता थाटक, कावात खना गाडाता है। विक बहेन बन्दर मानासूरकाम कता जानाम छेन বিভ্ৰইজে পালে নাঃ সভাগর করেব পরেও এখাৰে ফুড়নগুকার। কাহাবত ১৫ দিন পৰে डेल्ब्री अब्र अभिन, कार्यत में कारत ७ होन स करने क्रिष्ठ देश थ निय अक्षत ? निम हे जोति क-द्य शासाब जिन्हा । श्राटमाञ्च श्राप्त शार्ति शासा स्तृत पाणिन, काव विशेष वाल्यावर अर्थन न-ক্ৰান্ত কৰ্মত হৈ ক্ৰুত্ব উপৰ পৰ্য কৰিব। ामा बरवा निक्रक चरनब्र छहै। न उद्देश थी-क व आहि बाद कड मिनिन । एक देंड मण्डा छ ज्यातिक कांत्र काक्ष्यका माहि। का । अहे क क्यांशा ी गरमार पूर वर्षात कि सार्व सदमान केवेटर मा ।

र । अला करतक विका अहीय हरेल अहे का बीहरा थ बड़िक्छ रही त्यारडी- व्याहेडाब्राटम्ब डेक गहीक अन त्या विक्रमण क्षिक्ष क्षा विवत मृत्या (म'मश्रकः । शक्षा म कृषिका आमान करिता कर्कण कीय कर्षा। हिंद अविधिक वर्षेत्राहिण दरर त्यार । त्यान कविक वर्षेत्र कर्त्रत कर्षात्र कार्रिकारिक विक्रविद्याद करा विकिद-। कोर्न भरमक। भएन महिकामा करामक क्यारिक के कहिंछ आप नवन कम । जातिहां बादादर्व दांत्रानदंव नार्वाहरू विद्राहरू विकालक प्रेडार्ट त ह। क्रांत व्यक्तिकार बच्चेक साथ क्रांक क्रांक

क प्रशासन ! संभाषात्र, जार्गारमम् स अहेराजी मोटकामें। जोतुक औरम देवान जा (म्याकि मान) जानमें निकृषि में में में द्राष्ट्र श्रीम महिल्ला हात्। त्यांभव श्रीतांत्री क्षेत्र काश्रीस अब क्षत्राटल से सीमद्री (हांज़ां) - ब्रिट्स श्वामर्भ स्वय (व : भौति। क्ष बोह्न हेक्कोबाटक जटन व। " जाहारक स्व के श्रूषाक्र माहित्यकातानः देश दिवा व्यक्तिका व्यक्त जारशंक के महिद्रकारांचा था व विकास हरित.

 বঁণাশর ! আবি দাঁতকা হইতে আনিবার সময় একটা সকৌ তুক্ন্যাপাল শুনিল্লা জ্বানিল্লাছি, ভাষিবরণ এই বীরজুম জিলাব অন্তর্গ ও স্থায়ক। अरियत जमानिक्षत्राची करमचत्र बाह्य बक् है श्रीम काष्ट्र के अभिमाश धनकि ऋषारकृषे हत. মানিলে কারেখর নামক একলিছ জাল স্থালিত 😘 त्मन ये बादक क्षत्र हा ममल त्माक कामानि व धन প্রথ দেবছা সমিয়া ভক্তিপুর্বাক পঞ্চা দ করিছ। वाक्षात्र छेन कि विभागाय मा स्वति कि कि भवनाथा बन्धन त्यांनी महीक अवस्थि क्रिके. ्यके रकारी जे आस्थानरथा जगाहक दलिया था.-

--- a farmi Aiflam. d'd'al. ला बाराहक क्वेटला अले क्विट्याटमार स्माद কিছ উপাৰ্ক্তন কৰিয়া কিঞ্চিৎ সংখ্যাস কৰিয়াছি त अधित वर्ष जात्रात स्थानात अक्षांक द्वित म क्षेत्रम, श्रां ब्रुडाक्षक क्रिक में गाना खर नेपन करि ला उपराग करें हो। यायांकिए मधनारित नम াত গ্ৰহণ কৰিব। উপপতিকৰ্ম্যক কোন জনিছি धेक्रांटन मीछ। वह, शदद क्रु शिशामार्ड व्यागिर्द ভিক্তারটতে প্রত্রাগর বইবং শুরায়ত অবলো कम क्यू । धरकवश्य । स्क्'स्यक्ष भाग्न क्षेत्र कि म की बांच की श शकात है के के बाद के के जिल में क क बाक्याद्य क्षान्य स्था दन मिम्स बहेल। आहे अपकारत घर भारत माल्डि खर्चित प्रदेश थ कि करत येथा हा उर ना दनविश खनविस्त । িৰাত কলেছৰ ব্ৰিচ্ছ । হলু। ¹⁷ বিয়া বাৰিল। বিবু লিংগৰ নিকট ^কভে কে'ন अक्षांद्रम्य मानाक्षांक कार्य सक् व स्थानम वद स् भ ३ वनेप्र' वस्त्रुप्तिक त्याकृति स्वाद्यास्य कालकात अध्यक्षारम पूर्व कतिहा (कतिकारकः। क्-লেখনের এইক্লণ অপুখাং ও প্রানম্ব ধর্মকীক্র সময় লোক খেত হতীর মৃত্যুতে ধর্মান নি করের মান সংক্রিত নাকার জ করিব। প্রাথের জীবজন গণ্মা कांब्ररफाइ। करणवरवर क्रवीशंह केंब्रुक क्रव्युक्ति कृति व कृता अञ्चलका क्षत्रवाह वा हुन स्वत्र नवृत्र कांभवम श्रुक्त र आंगर् मुख्या अवस्थारण छ। बाह्या निव तरकात्रका वि क्या त्यानित्क निके-चित्र ज्यानित्व, अवा नहाँ इन्छ विथि स्थानकार्य सर बीटन ट्याइन स्टाइन कहिएम ना बहानम् व्हाइन्यह विक्रम क्षारा काउ महि। अपने क्षेत्र अपने अपने नाम

at an effection of a sub-constant THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH

THE CHIPMEN

أندا

计 的现在分词 地位 AND CAME OF IT श्रीक्षण पश्चिक शर्क ांहै। छाल ना क्यू विषाः चीव छात्राह ्कं अभिरत्न, का विदेशका भाष्याका तातिरक्षा एक् लेक ब्रेगांव वामवः वार्डः ग अश्वादति प्रदिक्त न्**श्रम, अञ्चा**श क्वांच स्वांच छ।

> द्र भोरत क्राप्ति · 通知[可 : [[[]]]]。 '田 (4) 南华 山田河 अभिक्षित्राच्य दश्य ^ह कुलीय शास्त्र **(वें** कुउबाब त

मार्थ विश्वित्री कता क्षेत्र ए, नद्रा. ध्वार्थः वेद्याना बद्धः। व्यक्तिवानं क्रे उन খ। এচ লত কাৰে জন্তৱাং উচা যাত্ৰীক १ १ जिल्ली प्राम्भाग अभिनेत अहिता गर्का-रा॰, कामात अवा विक संवेद्धन कू- े (' H 18) क्षांज्ञीस कार्यारम कुळशांत और कम्पा

(५) स्थवा असा असी विष कुळकोड स्थाउ ान कृति क न्यादिशमा, रेक्ट्रिक छात्री

टमें बर्क विकेश राष्ट्र के के विकेश के विकास के कामार्थको त्यांन कारमेर मधन मत्य। जनवर आ महिन राय्नाव केर्नावर्ध विश्व निरम क्यीन देशीक मेरेश कि कि कि का के क्रम निविद्याद्वीन बुनिएक गाहि मार दलकारी त्मचिरम लागात्म प्रशासन्त त्याप का ना बक्द मार्ड स्मारेक्सन ! विक्राक्रकार्य की मार्थायात वार्यात वार्याम मनाड मार्थ। यात्रा व्यादिन विवत विदर्शनिकारिकार्यक श्रीक विशासिका कि बेकाजित जारान श्रदारम-क विश्व कि हुई। आ के मध्यम ३ छिन निरक्षा छ। नारक भारत जिल्ली विवाह पनिवादिस, अथवती कुल महरक कुलीरमह समा वि शेष ८ फर्जीब्रीम क्योबिक्स कता । वहिक्तीन व्यक्तिक ध्यानी 🔏 मर्था कृषकार्य गाँउक कनामिन अने अर्थ कि ८ प्रवत्न कालारभेर । बाक्किन, फांक्। प्रवेदन जीवात अपन दिवर्गन कृतीय क्यांति वैद्य प्रदेश १ वर्ग किंत कुछश्र किक्षरभद्दे वः अञ्च । व्हेज़ोहिस्स्ततः उथम आहे रकत पूर्णेश्वर कर्ता आंश्र क्रीरम्भ २०२ हेड्,व किंड्ड मरवाप्त कि বিশিক্ষাত নহেন ? অতথা জামিবার স্কত উপাধ সভ্তের যে বাজি অভাণির ভিচনাত্র जन्दान आंख क्षेट्ड शांदा हो। १४७ वाद्धि दक्षि भागातिन प्राचीम नाट्यक जन्नग्रेमकोत्र खाँक श्रवन करन, अष्ट् । कवेरक प्राकात १२ कव्यूट प्रश्नांव-দেহ কৰ্ম ও সৰ্বা সাধাৰণেৰ যে কিয়ণ নান: বিগ বৰাৰ্থ সংখ্যত্ন পাইবার সভাবনা, তাৰা शक्तिक कर्राणरक्षत्राष्ट्रि विश्वसमा क्राहरवन ।

> का केन्द्र । विकास्त्रका प्रकार है बान छी-बिट्स निरम्ब भी । जातपुत करवम अञ्जलन शास्त्र समार्थिस है सब एस १ हो है कि वेड है में में कि आयांक अवार शंखाक वहें शंघा व्याप दें गीर-सिंख कुलगम्ब अथा श्वित्वं करा फेडिए कि भा शबर धाविणाशिक शतिवर्धत वर्षेट्ड गवि

affen wines die i fentige City as altasta & men वर्ष के कर कि जारी २ व कारतक लोगानकारक विश्वादक लेहत नार वास्याव अधिवाद अभा अवस्थि सं करवन, किस जाजनार नगरत महत्रके, महिन नेम श्री वह ४-वस्त्रत सहस्त्रत (०) मध्य पूर्व प्रतिकृति

 । त्राव्यान मास्कृत चर्च व्यक्ति कृति তাহার অনিউ ফারিতা শক্তি কাই, কেন্দুৰুল্ त्म हे नाम्माम कविरक स्वेदन, नाम कानान है र्वत्र वृद्धिक विद्यास्य वा। अक्षेत्रक क्रामीकार् वान्वादनव एवं विकृष्ठ आवीत् তার। অভিশয় অনিউক্তি रही करा जानामिद्रमञ्

ষ্টাৰ সন্তাৰদা 🗗 🤉 🕶। (१) गर्ड नर्ड अथवा सामी है नरा त कडाड गरिक करें, कार्मिक can wear wear gegennale en मन रम। जनगणि जानि वहे महा वह कति, क्षक कहा बहान महात के पूर्वक दिशाह विका निका क्षेत्र हैं कविव मा। चा ाह अवृत्र राष्ट्र भू क्ट थामानियात सादीय क्यांस्त्र nen witte muchte wind थायात भूक्षकृष्ठ अधिका विश्वास 不可以不知: 日本的 对 1 一大大樓 海湖

रिश्वास क्षासिएक मिद्दब गीक " करें

ी गएमच विकास बहेटम ? ज) देव क्रिक दक्षकी घटका क्लीपनत क्रमीन क ्त र राज्य केमाकाम-अवा माहे. जनमू ्याक्ष कारम् । त्यक्षाका कृत्म नण्ड वर्षेत्री ব শ, ভাষতিভ এইল প্ৰকাশ কৰিবাৰ সভাবনং ः कृतीन कुलबाद भारत क्याशांत कृता र र का, स्वेमां बाबीरणवे नाम क सामा 'शा । ता विशास विशासिक का साहित किछीत एक कमान् व्यक्तिम वीम विश्वनेत्रक दव-त्रांत 'रिट्रे सेर्डिड देवल २ बेटे विष्ठ हिंदी केल-र देशाहिल शिक्षिक क्रम्यक विषय विषय । - १-। : 'रीक्र अक्टूब दिना के कर है। हारा देवन 小, 对理解

मार्थ आधान क्रिंग कार्याः

ুক্তিকে কৰিবোৰ ! পৰে ০১ জগতুত কোৱাইকে ! শে অংমি লিখিশাম, ছিলি এই প্ৰথা গৰেষাৰে

(৫) জিম বৃ-নহেধ পৰ নাত বংগৰ পৰ্যান্ত राब्द्रामंत्र काल क्या एउनेव गास वंगाव क्षेत्र (ज कद्) बांबेटक न्युटल क्षित्र कृ वृत्रीह्र गांदन ugi uften mira mie mitt auf minutere মানুক্তি বেষাৰ প্ৰাণীশ **উত্তপ অ**গৰ নিয়াৰ कहिंगार अहिंगारिक्त । वेशाट पूमरकार अवना जर हि-कृष्टिक विकेत कार कि एका नक्षक स्वेडक गारत ?

व्यापन योष प्राचे व्याप्तित क्रमान । व्यक्ति क थातः व्यक्ति जनसम्भित्रं अनुस् सामुक्तः \cdots वहेरव, खर्चन आंभान श्रूरवेंत्र 'काव ! रहत बहेरर, बहुल जनस्य करि अहि। टबरमा क प्रश्नी महण्ड क्या वह । जाहे प्रमान के ने मोर्सन कर मेन महिन स्वाप सन देत्रिक बादमेश बद्धा क्यम देश नाहे fater alleg fien egalte ! महोत्राहिक जारमा अधिक वेशक भाग प 有 1000 · 10

সোখপ্রকাশ।

है सहाव क्ष्मिक कवित्र। गाउँक मुक्राम्हास्त्र। गीन् है सहाव क्ष्मिका गड वाद्यत शरत मिक्सिकासः शक्ति खरकर संस्कृत शर्तिव है जार कक्षि मक ग्र इन स्थान के बहैसारक, जड मा श्रवण्ड स्थान राजक श ना क्ष्म । श्री शांक्यात्म र्दणां द वर्गीण ह क्षांचित्र १९५९

्रकार्टकननः त्वस्य तमाच्यांद्रीः अह भारत क्री मृत वना । १ केन्द्र दन क्री क्रेग्राटक, जिर् १६ । व श्री स शक केरहर गारे, विको किंद्र म ् कां । याद्रका न्द्रके विक्री क्षेत्रकार १५१ लाइव र प्रातिमा नावि 's दिश्वादिशीहरून !'A 'ग्रेशन का कुलीन हेरी देवह अविक विषय के अने छेनिक वि महाप्रकार का बहार के बना व्यक्तित नामक के र बार्क का जा ना न कि मा-अकारकेंड्री कुम्बाचे शहरत कमाणारमञ विशि कि अने ति कि मारण महिला विश्र दक्ष्म अपूर्व कि तक्वल कुर्जीन रेवलिक शत अव्यक्त वेद्यां (आगीत विश्वाद माजक): विदशक कि 'विश्वय दिश्मुम द्विशक्त भी कावित्राक्षान्यं कुनीयः, देशिकेन्यविद्यतं कुनीः ● anii おには・」、 本部 海紅 山山 、 のよ

(क्र) आध्रया तमाने। क्रिकारण आकर्मणेख ८२-मास बाबीरणय पूर्व शावित ग्रह विमादेश cम् चिलाय, जिलि (ब.चवः मिथिशः ह्यमः चादः वर्षाचे । आभावित्यन करण्यक्तिवेशक दशक्षि প্রের ফরেকটা জেন এককাশ্র ১৯ ত করিয় विश्विष्टाहरू । धीर्याण स्टाइ अक्टि वजाते विवाहित्वव । ठाणान्ड मा १ भ हम्बन्धव मा मन्त्राह्म महानद् गर्नी भारत । विदेशिका व প্রীপের শ্লেষ্টিত প্রাণ । লোমুক্তান্ত্র করে। महानदम् " कहेकल निविष्ठ 'मून्स व है न भू उन नम त्यांन करेडारक : विक्रीय के क्षेत्र भील भिषियाद्यम भ जारमामद्रवेशीको भेरीमा न क सद पंत्रिक स्थम अपोरक । १९ महरूपा समाने त-रमत गाउक " बाल नि " बहै रु में बारिस्क " मह " बेंके किया कालक वस करे विश्वपृत्ती दिया भगमा अवैद्वार कतिया विवाहित्सनी शकः कंत्रकः त्यमच्य माधीरनंतं त्मन रंगपारकं

का किया करी ।

केटल भारतक करी ।

किरल भारतक करी कान

हम. ट्रुकी वानः

किया बारेटल भारः

किया बारेटल भारः

किया बारेटल भारः

किया किया का । के

निविद्या किया का

भारत करा। का

की व देविककृ

ভাষা ইকন ভাষনাতীশনে আ কোপ পরিত্যাতা ইক্সন, এবং হু ভাজ সারস্ত কা নিভাতের অনু বিলে আমরা যুক্তা করিনার্ড

त्रतेन्द्रकत प्रक्रिक् कारके ।

The state of the s

and the state of the set of किते देशक दे विकार के अवसादम है-जिल श्रीकरण दिना महत्व चार्छ पूर्वाक्ष क्राचित्क अवर्थ क्षेत्राधिल, टाजी সুংগিত ভাল লঃৰ প্ৰাৰণ ्याँविधिविधिती। यासगढ ८५कार वन मह दियो देशक छेशाह माहै, दमशाहम बार-क्षि बाँचा भर नेके निक्र करा कि वृक्ति ামাদিগের শিক্ষাও অfig umnice, mingi क्षेत्र काहबूटनव काकीव कार के नाम कि क नव-क्षित्र जामानिरम् से ।। पर्किम्। यउ हर र, आंश्री अस्टरहरू CVI IN THE TELL आवियां यांच श-प्रयोगमास विव-_{प्रकृ} कृष्य हरेयो चडक्क हरे, नवार जर्न श्रीष्ठ कामाप्ति-देशक त्य कर्त्रता सम्ब खाटक अम्बन्धमात्र प्रदर्शाधरम-আৰ:দিগের সামর্থ। থাকিবে সা, প্রভরাৎ ওঞ্জ करार भाग तात जानी शहरत शहरत। अवस्म (व-मार्खें दा रें। एक अभेज कथा कियात्रा कहा है। बनाक याला विश्व छिठायेश प्रकृत अटकह १**ए**व, १९७७ ८८१ (छ. **मात्रीन कि मर्बर्ग**

য **এই** জৌখালি জানালিখন জ্বাৰ।
ভূ**জুবাখন** নিমিত্ৰ হুইছে,ছা। নেলাগু
ভূজুবাখন খাজি নজিয়া লক পতিওঁ
বিশ্বনি জোলই জীহার
হুজুবাখন

क्षि वाला विभार छेटाईम, मितार

शिक्षिक र ग

1-11, AL +C क वनवास व अना-१ की, का काम देवला अकर क क्षिता सुभूदम्यः कार्याः कदत्रनः।

कार्वदिकात गरे। अखःदर खिलिनेन । भारतिकान है त्व त्नादक्का क्यी व्यवाद्यन, गृह्व हताए च व त' सुमा टार्ज के कियार सह तार कशिरोट्स्नी अदेवद्र अत्र भत्राक्य । व नेर्राविकटमें मामामिटमव क्रान्डिलव १६ । हरे केट हैं भी अदय क अनल नि क्ष्री हर्दे, श्रमण जाकात्र स्वयं वाहरकरण इताथल विद्याप भूटल केवत शक का में का प्रेटन करिया प्रतिस्ति परेश क शक ध्यान में कि तेन रीन न कथन अक्रमाना स्थान । . व्यक्तिका व्यक्तिक मञ्जान र ५ मध्वित जनभाव एक, काग्रकाकी 'अक्रशाविकी स्ट्रिं! शाटकम १ डेल-इत्र केळा भाग कुर्रा वल, बीबी, बाड ारमार्थ न क्रियमाना हुक श्रेटक्टबर्म । म अनियम सर्वित्र वर्षिक कुक्रभा-মুদ্রের ভারে ভিতর **প্রকরেই উৎসম**

िक पत्रि व्यञ्जयाद्य कवित्रा श्रासी श्रास াশ ভেষাবল ছুৰ্জনা কইবার সম্ভাবনা ः ४८७ । इँदै।निस्त्रत् क्रुशानुसाम চটরা ইক্রিন যদি ভাপনা ि कास मा इत, देखरतारशत काराम् ान दाध्यानरक व्यवस्थि क्षेत्र। वृद्ध क्षे । पात्रा रेशांनिबंद्रुं । भोतः स्तिर्क दरे-गाकत माहै। "विकास विक स्मानन ^{९वनः} भागा संकृत विद्याप्त विद्या एक रम प्रमा करेंग्री माध्य । आकृत " गक्ट गहेर विशेष भाषा महानवान रू^{म तिकाह देक्यन असे कून स्वास्त्रक रखा.} . करें के स्वार्थिय किया किया किया निर्मात

情不要事件

महाराज्य में दिश्योग प्रमान उभाउन ए क्रिकार विकास कर्तात्रन छाउड-र्थ वर्षाक कुल स्वता से कठिएता करि बान रेव कानी कहिरमाद्यन, अन्यून कारन थ श्रीय कामा केरमधी स्रेगाउ महा-यमा नाहे। श्रीटनकं सिम्न चादकः। ताहे म-कम विश्व चिक्कंब कडिश बाल हैरे नि-শ্বি করিবার সভাবনা, কি ১ পতিশার বাত হরীদে শেষে ভার্ভ বেরও আনুব্দিক अभिन्दे चित्रिश्च के दिन।

कन्नकः व्यावद्राः निवा हरकः विविद्ध लाईएकहि, ईंश्मरश्चेत्र महिन चारमविकात बूंके क्रेमिक इंदरने व्यवत्म खेनात लाव स्रेशंहित, चारमहिकांत्र धृर यूक्छ लाहे कर्प त्यव इडेरव। केन्द्रत शर्मत गवर्गस-स्पेटक ब्लाटर मिन्गोश्टानत मानीनका आमान করিতে হইৰে সন্দেহ নাই ৷ উভয় পক্ষে-त जार श्विबीव क्रमा क्या बेरसद वक-का का क रहेल कर बाज । हेश्लाका अ-रिक मारमहिकात कुरसत धदश मारमहि-কার গ্রহ যুগ্রের পরস্পর বিলক্ষণ সৌদা-मुना जारक १८कर काराज छेराजीन नरधन। है : मंबी प्रनिष्मंत्र महिष चाँटमतिकान पिरश-त्र रचन्त्रण निक्षे नवस्त्रः चारमञ्जिकानविद्यात्रश <u> शत्रक्षत्रं रेगर्डेक</u>भ भश्कः। ग्रक्टल्के बाक ষ্পন্ ষ্টুটিছে ও এক শোণিতে উৎগন। পোচান বাৰছার, ধর্ম, জাবা, বুলি, বিদান। অভূতি হার একবাণ :

১৮৫१ व्यक्तम् निरामाण् कारभाव मह-দ্ভব্ন অনর্থ ঘটনার পর থেরপ তাবেতবর্ণর केंद्रिविधात्रक रेखे क्ल लाक रहेत्राहर, चा-দেয়িকায় যুদ্ধ অবসান হইলেও সেইৰণ ष्टेवांब्र अञ्चानमा प्याटक। भारमतिकात्र मा-नेंब व्हेंनानीशंक एवं एवं प्याप्त चारक, व्यवस् त्यत्य त्याव बाकाटक शृहतित्यक्त चाँवेशाटक, লৈ সন্মান লোক জাতিরাৎ সংশোধিক ক্রীবে नःसह नारे । निक्तारन चारीनको शक कार्तिक के बहार तम्ब्र अस्थि केश व निर्माद-

व्यक्ति नतन्त्रका वर्णका कर्व वर्द्धानीसम् एकका स्ट्रा भन्तीर्थ माना ने बाजा कर करिया (केंद्री) क को अहैरान क निकास महत्र ने महमानकात नाम स्वेटन, मा रात्र अधिकात ए अवस्थिता आर्थ शना वरी करे केशानित्यत करेगा कविद्य क्षेत्रका क्षाबिद्याक भी पेन्द्रश्चित स्वताकृतिक नाम

693 विविध गर्यात्र क्ष्रो कार्डिक उपानदाके ।

আৰৱা ভাৰিয়া <u>ছুম্</u>লিক, **ধুইপান্** শ্বীৰ ्रकियाम भूषीका विमालक ग्रहिकी । niferen, Greint mintering गरकात व्यक्ति स्वतिक महिला विष्ठ देशावित्रीत्व केनाम् अस्ता विश् भाव विराम का विश्वास कार । बहुकर ने হারা **ধর্মের বিমিত বা করিছা কেন্দ্র** क्षत्र निविक श्रुका करतम, छोबांबिनाको भ कतिया चाटकम चम्रीहिके खाकारमा प्रमा । चाकितिरमम, भूद्रं के "श्रीके किति असारवर अर्थ श्रिकाना, श्रीवादिक अस्ति । THE REAL PROPERTY.

ভাটর। হইতে এ**ল ব্যক্তি** বিভিন্ন : গত ১০ই আৰি তত্ততা আনুৰ্বিশ্লট কৃতীয় সাধ্ধারিক পারিকোর্ট্র সাম্প্র ক্ট্রা নির্ভে। সভাস্থলে উল্লেখ্ क्षा भिकारी जीपूर्य वांद्र, मीवर्ग अनेहरू के स পাশ্যার ও সাজকীরার ক্রেক্টি বাংলা क्षेत्रक रात् जिन्छल विशासक व्यक्ति कर CO STORES ATTAINED BUTTON BENTTE AND TARTER OF THE PARTY OF THE PART

भावता आहारिक स्ताक बूटक स्वित्राव नारेश (ना महत्त्वाक प्राप्ति क्रांतिक पातिक केश क्रिक व्यक्तिक हैं केल्लाक्ष्मक का मासिटन प्रत्येष किन्ने हैंगाई गर्फ क्यांन्स वर्की ज कार्यक मनावास व्यवस्था करिनान, फराका वा वानीमा अभिनेता हिलाइटनर अवति अञ्च । नीर अनुस्तिम के इबीच (5)। कहिएउरहर्न न्य क्षेत्रियानिका स्कृत्य । व्यक्तिया विका विकासी क्षेत्रकात्राज्यमत पूर्वानायाच व्यव

নেটেরার বাদ এই চুটাতের ক্ষানরী অধ্যক্তি করাল লাভ হইতে পারে। ক্ষিত্র করিন ক্ষিত্রকীয় সভার অংশ ক্ষেত্র গাণ্ডার বার্যকারী ক্ষানাল ন সকলের পীর্কিত বাজিনিংনর সালাব্যাপ বে ও চিকিৎসক থেয়েণ করিবার আর্মা

हिर्द्धित । विश्व के स्टब्सः योजिएको होटन ज्याप्ति । विश्व के कि के हैं यो निर्द्धा विश्व है । विश्व के कि वर्ष कि के कि वर्ष के कि

क्षेत्री वर्ष । व्यापादां वाच द्याचा करहत खशावात इत्यापादां के नवस्य वात जाटह छ। रा विश्वापादां जोच्या श्रेत्रारह ।

क्षेत्रकात वास्त्र व्यक्तिकात कार्यव्यव क्षेत्रकात व्यक्तिक कार्यात है: ता किटल क्षेत्रका, कार्यात कार्यात कार्यका कार्या कार्यक व्यक्ति भागारात केर्याह क्षेत्र के केंग्रह कार्यका करा हरे-

পরিমর্গতিক সুঠ ক্রীপ, রাজ সাহেবাকে

বৃত করিরা বিজেব প্রবর্গনেক জাণাতক

ব • টাকা পারিভোকিক কিথেন কবিয়াকি

কোন, কার পরিষতে গেই মুল্যের এক জানবিশ্ব দেওয়া ভির ক্রীয়াতে, এটা কক্ষের প্রক্রি

পেন্তি হাই গতেন লাজেসায়াবের নাজার্থারের ্বজন্তের ২০০০ চাকা সংস্থান্ত করীরাহছ। প্রতিষ্ঠান্তেন্য গতেন্ত ক্রেড ভাল লোক

ক্ষিত্র পাত্র করেন গাহিনারতা ছার্ডি-ক্ষার্থায়েত সর বাটল বিয়ব নাকেন সকল ক্ষার্থার ক্ষাত্র দেওর বর এক্ষণ আত্রা

क्षेत्र के के बाद कर में का

त्र अवस्थित क्षेत्र चा 'गण व्हेरप्र'ह । आह्मात्र विक्र मुख्ये आहा अनाया हृष्यि ना व्हेरके और ज्ञान विक्र मान्य

্থকার্ড্রের নিয় বিধিত সুন্ধের অধিকেন বিক্রম ক্টগতে।

रव-दि.... ५ ३ ३ ६ ३ ६ ० की

ে পেট্রিট ক্ষেন ক্রেবহারের রাজা নয়ে-শ্রুনারারণ মহাবাজ মহাত্র উপাধি প্রাঞ্ ইইবাজেন।

खेल नक जारतः नर्धम शर्भस्य मण्डम ल निमानिकात कन्य दर्भ यथ्मत जारनका ध्यात ५१८०२५ होका जनिक निमाहकते। स्मर् नार्यय स्व होकात प्रमा निभिन्न क्रियांक स्म नाम्मात आहा हम माहे। निक्क न्यार्थित मार्यय करिमारक्त स्य देतिथि होक गार्थित हा यि जात क्रिक होका ज्यायन्त द्व छोड़ा व स्वस्त्री हरेस्य । निका मरकाल श्रद्ध मारक भ क्यां स्वति कर्याहे विरुद्ध नम् ।

वहे काश्विक बन्दर नात ।

विनिक कर न शवर्त क्यान्त्रम केर्न्स कार् किन आवरण योग्डम योग्ना देशम शवर्त्स कार्ताह कार्यक चाकिएक कार्यक्ष कार्यहर्

अवधा जनवर शिकारक में के सिंह किया है। गांकिल कृषि अर काल इस किया जनवालकर हैं त्या गांक गांववंदेश क्रांबाहरू जुक्त नेत्रका

for the proof of plant.

· 有作的 医阿克斯特氏 中 风景 ं अन् जना बहित्स कियं वर्षेक्षाटकः। जाका करक सार्थन विश्वतन विकास क्षेत्रक जिल्लान जिल्ला वे कार्यामक। एवं मकारका गह अकि प्राप्त स्रेएकः।

त भौगे में करबंग मांगबीरण कड़ अन्यत्नाक जनमाप ब्रह्मादङ्ग् थानिव ६० सन लादकत्र बद्धा रहेतारह ।

कुविदेशक करस्य अमुक नदस्य (।त ब'रब अक बाक्कि- त्रोकांत कति अभि मंत्रिष्ठा अन्य गालिन्द्र श्रीन वय शार्थ्य अखनाक्तिक महिनात বৰা সিয়া বল ক্রিয়াছেন। গুলি ज्या क्छा। कहा कि । क क्हेरब मा। श्रुवित्वद्राक्षरे ए उन निष्य बरे-বোডা রাভা" শব বার দিরা रिक्तिक किया अध्यान करही पु

ी**ड व्हेरन । शंक** संगं, अप अध्यक्त अ ার ক্ষ্যু ও টাকা অংশান, মইয়াছিল बक्क म्थारक १ नियम कम् काम **পর্যজা ন**ইরাছে। নিম্মারী খালো ভা লালাইটা লোগে লগু করে। কা ।। क्रिक बर्गम कुछ बादु स्वयन मरखव ्य बाद विक्रिलंडक रहत भीडेपकान ा विमन्न च्यायता श्रद्धके व्यक्तान कत्रि

करण व गाउँक्यार १५ क्रा**क्षार व कि**श्वि , রক্ষে বার্চ জার এক পুরু বার वस नाज मन्त्रकारम् भगविवास्त्र शोडे जिन करियार्थम । अक्षाद्वस स्वरूद्ध देशिक्षित्रक सः कार्ज करत्य।

" 中華,明顯市 犯罪引责! ' भाग देवे कियोक देशकारहा न वि क्षेत्र क्षेत्र स्वाप्तिका क्षेत्र साव साव सा कि न किया विश्वादिक अविदर्भय अवस्थित नाव बारे। महिन्द्र अंति में प्रदेश । रमस्मित्रं न्यानाय लाविकास के AND AND A PARTY

THE PROPERTY AND ADDRESS OF THE PARTY AND ADDR

असे तम्हणदेन क्षत श्रीव इ क्क्रिक विश्व देशकांत्र वर्तिशास्त्र । कव श्याप्त ने हातिय वया नहें द्वारत वदाव कर् के किल्लांक दिना अकरन (म नका हुद्र हरें। CB हरेंग्डि विकास ध्याटकहारे टेमना टबनेबट विकित्र महिलाई । एकि विक वाविया छ।

২৯ নেগটেবর আহামর ভালের ওল ৫০০০ সৈন্য সাইয়া আখীর যোভ বংশদের रमनाम मरिक अन शांत्र छत्र यूच करतन, छ-**च्य भरकडे जांतक ला≠ २७ रहेग्राट** । जन-क्षत्र ज्ञांबीत क्ष्म्यं देशमा त्यात्र कित्री एक कती बुहेदादस्य। अकत्य कह सामान की। रहत। आहायल जारतव तहधनिंदी কালে প্রাণ করিয়াছেন ত ক্রার স্বত্তা স্বাচার জ্বল করিয়া স क्षिक श्रेय एकतः आधीरत्व सी क উঠার আশ কাৰ্যন করিবাছেল কতক দহা একত হইয়া পথিক সিনের প্রাণ করিত কামিরের পুথ তালাদগকে। क्षेत्रप्रदक्ष्म अवः काशकिश्वत्र में जित्र का रहेवांटह ।

भूनी व्यवसायवर्त्त करहार : अ वश्यद्व वर क अक बाजक कानकारवत ल्याटा कार्डम क নৈর একটা বালকের আণ হত্যা কবিয়া সে গুত ইণ্ড্রাছে এবং ভাষার ধাঁ,নি গুটবাস জা का रहेशांटह ।

रक्ष करका अभाग भारत अनेतरका है। **८ ६ चात्रकवर्ष ५ ६३) अन्न १०**१४एक निकास -লাম করিয়ারেকন ভান্যাংড় কলিকাডা: विश्वामादक वाक्यरम र्यात्राहेरसम् व श्रमात महारि ह

अकुरन Vels

ভারতবর্ধে ও খালেরিখার নিজানার **খ** मा २ ४ > २४ व हैं। के का व रहेशायक । अवस्थ ভারতহে ইয়ার চক্রমীশালা ক रीक परेशादक ।

THE WITHOUT HER THE PLANT SE

नाडि कवितादका मुक्त, यक्नका है है कद्दन जि भव बावभावसिर्वत विकेष्ठ नेविद्यातिर्दर्भवः अवश्रद्या नक्त चीकांत करतम क्रिक तिया श्रम्याके प विशिक्ष के स्वाह विशा सन्त्य फार्स्ट अ विनोदिश्विति का का विविधान विवयं कर १० वाक है।कार्य नरवार भव भागा वृद्धिक भागिन विशिन्न रहे पूर्व केला ँव च्यवन्दिरहे<u>न्द्र वाचीमं अर्थाः</u> . रकः क्ष्मिक्सिका स्त अधिमध्य स्टूड महर

4124 वरेंद ্মেট मान ' THE

विकास के किया बरकर किर्वास्त्र सामी है श्रीकाम्बादमंत्र अब कर ने विक काका करिक मिन्न जात कात करत अध्यक्त मोत्र में निर्देश के बीला आटब निक्राहेश अर्थ नेशान कार्य ।

त क्यान क्षेत्रकार जाति है। जाति वसानि निद्यत्र क्षान क्षान्त्रक विदन त्वत का क्षेत्र कार्य अवर का क् मानम की जिल्ली त्यान जन बारक कारा है amend with steel als. With the शिकि व्यक्ति ना । भागवा विभक्ति हार्कि किः द्यानका व विनी द्यानाका क्रिकेट क्ष्य किर्मे प्राचीक माहे कर देखा है। : affengen ", ca fevena coisi affice per special six is a special property श्रीर, न्यानारमञ्ज्ञ कन्मरन रवस्त्रे व्यक्तिका मा । स्थापारमक बारम वड कर्के शिक्के क्रिकेट ाहा साबहे यह छउका ,मोक्स्फ्रेंड हीका त्वाक्रमधात्र क्षत्राव विद्वार ट्राप्ट कर माहि अने । श दब द्यांकात्रदक वित क ते. केल व्यक्तिक हैव खब्कवाद जाका क्रिकें । के हैक्सी किये তি বিরক্ত করেনি মন্ত্র পার পদা করিয়া हाका खेकाल सरके शहें कि जानामा असे किस र रमान अलिए जिल्ला जीलका मार्थकर আৰীয় ও সঞ্জ, স্তুত্তৰাং ভাষাৰ নিক প্ৰধাৰ প্ৰভাৱ পাইছ। উঠি না। বিচা अविषय कः वाकित्य कि मीलकर नाटक , এছ ছত্ত অভ্যাচার কবিতে পাছর / বহা े कार बन्न कवा करिक कि विवाद, कामोरहन मगाम ७ एएटम शक्त भरी स माजिया नहिता প্রোক্তে আমরা আধার ও চাল বাস করিতে शिक्टिक है मा। यह अक मिरनद निविक कारांत्र १७१ मान कोका 'कतिया सामित्र' होन करिएड वाचे काकां क कार का किया कहेंगा वाहा अहे रक्षाय जामहा अहे ममक्ष विवाहर मिनिस वन्धी ब्याली सहसीक कतिशामिताय, जामान देवह काशिकार्रेष्ट्र। १ , यथा वत्रवारम्बत्र हुवक अ नव नंदनदर्भित्र जेखन गार्ड के देश दम्बिमान त्य मनी का किलाक कविभवन भारतरवा है अव तक क्षांक्षांत्र क विहाद

्या व्यवस्थात । स्थान व्यवस्थात । विश्व व्यवस्थात । स्थान व्यवस्थात । विश्व व्यवस्थात । स्थान व्यवस्थात । स्यवस्थात । स्थान व्यवस्थात । स्यवस्थात । स्थान व्यवस्थात । स्यवस्थात । स्थान व्यवस्थात । स्यवस्थात । स्यवस्थात । स्यवस्थात । स्यवस्थात । स्यवस्थात । स्यवस्य

२१--- (अक्तिन नम्होत् (श्रद त्मः कनकिकोद्द्वदेवस् वृष्टिगाय्यत्र व्यात्रक्षात्रक्षात्र्यः (कृम्बेकि स् वात्र व्यात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्ष

ক্ষা কুলা প্রতিষ্ঠাক পার হব।
বিষয় উপজিত হুইয়াহেন বেরিলা
বেরিজন কং প্রান হুইয়া তর কিনিছে
ক্ষাইলাকে বিষয়াল কুলা প্রকাশ ১০
ক্ষাইলাকে বিশ্বাসক উল্লেখ্য হুইয়া তর কিনিছে
ক্ষাইলাকে বিশ্বাসক উল্লেখ্য হুইয়াকে বিশ্বাসক ক্ষাইলাক ক্ষাইলাক বিশ্বাসক ক্ষাইলাক ক্

্পন্থি-বিভাগ

ুনা-কেন্দ্রোর ক্ল.কবি-

व्यान्यासम्बद्धाः कारः। व्योगमासम्बद्धाः

शासिक नियं नियं नियं के लेखा है। शासिक में शिक्ष के स्वारत है। दे तन नेपर शासिक के लेखा कि स्वीर अन्य मार्किय के स्वीर्थ के देर शास जीव देखा नियं सभीन ना साम देहित कहा है।

मः वर्षिरियमं — हपा निर्वः । अक्षेत्रकः — महिमा निरदः ।

भार धारेशे-- ब्राह्मिश्य । अपूर्व देन -- विज्ञालमूत्र

. 485. MIN-CAUSISTINGS

. या, क्यादान आटम्य - २८ लाखानाह १७ तम् व्यक्तिमधि व्यट्टियंगः

किशाब व्यक्तिमित बाबिएके कारण के, दक्ष, नारचव केल कारणान वाहि व व्यक्ति कोर्युक :

्रें कर्राव है, देश, काष्ट्रका आहर वेशिनाई वैशिनाई के कारकार्कन क्रेटका है। यह जिस कार का का का का दाराविक देश है क्रिया राजकीविक का विविध वैशिकायमा

े अक्टेरिय कि, हिंदु हेमस ए पर हर-पूर्वत म कि के है के मार्ग के देश करेंद्रमान

क्षेत्र विभाग भा स्व त्यक्ति भागपूत्र दशायात्र कृति व्यक्ति अवश्रीत अवश्रीत अवश्रीत व्यक्ति व्यक्ति अवश्रीत व्यक्ति व

PARTIES TO THE PARTY OF THE PAR

THE WATER PROPERTY.

THE REPORT NAMED AND PARTY OF THE PARTY OF T

के अधिक प्रदेश बार क्यांका है आहे। किन्देर बार्का २० बादेन । २ अधिन केव केव्य अधिक क्रिकेट क्यांक स्थीत बाह्य केव्य अधिक क्राकेट क्यांक स्थीत बाह्य केव्य क्राक गुरुक्त

वांत्र प्रकारवांत्रम सव

रगोमनि बालकुणित ३५ ७० मास्य ३ कारिस अरक काकात रकश्री काम्ब्रोटनत स्राजितिक स्न

्रेन आहे। यह-- अन्देशनी, स्व सम्बद्धित कृतन्त्रीह अथव दक्षणीत श्रीवास्त्र एक्स्सी स-भाक क्षेत्रता

्यथान पर विश्वासामात अवर्गामा है। निधि मिनवर केकिस कांग्रू पश्चाथ मुख्डि विनिवर केकिस केक्स्प्रमा

क्षिण्य विष्ठात्र वाद्य प्रवाहराहरीत शक्ति। विश्व क्ष्मित्रत के कम बांचू कश्मानक मूर्वाली-वाहर क्ष्मित्र केविस व्हेरकन।

२५ वारकेश्वर-क्रवीय स्थानीय श्रीवरवद्व म-इक्षादी व्यवस्था, वि. कि. व्यवस्था क्रवेशन मास्वर स्थानामान क्रेटक स्वराह्म व्यवस्था

क्वोब (अवीव श्रं कारतव नरक हो अधाक क्वांबंद्धे, क्वांबंद्धे, का कि मारहव नतः वहेरक भाकांबंद्धाः क्वांबंद्धे क्षेत्रकाः

मिनितिहरमा एउन्हें में निर्दे हे के कि हो। कारणहें में कि कि कि कि हो। अवर वि. अमें वाकानाक वम में क्वेरवम अवर क्वेक्वांति, वाकेरवह ई ३५-७३ नारणह २० कार देश्यम) २२ वामां वर्षा केल अवरण अवय ८४१-वीम अभीम मामिरके हैं र क्यांना ना वेरवम ।

वास क्षेत्रेक्क त्याच वानम्बदक शिक्षिणाः स्वतः त्योविश्वतः अविमिति वदेश्वत अवः केळ अञ्चलक मानिक्किकि जम्मू व्यवक भावेत्स्यः।

३६ वर्तितत्र—ग्रामात क्ष्मिति महिल्ले हैं व क्ष्मिति ग्रामित कर अन्य कियम महिल्ले क्षित्र विश्वासित कर साथ क्षेत्रमाहिल्ले क्षमित्र वाचित्रके क क्षमित्र महिल्ले ग्राम ग्रामित वाच विद्यासित क्षमित्रके क्षमित्र साथ क्षित्रक काम स्मित्रकारि व्यक्तिकार कर गरमा ६६ महिल क्षमित्र क्षमित्र महिल्ले अन्य वाचित्रक क्षमित्र

(2)

we the Ermsterill En 海里河南京 田門所 小教育 海外 海南 SAN E CHALLE SAL FALLES भागा पात कि त्यानार के क्षानिक नोत्स देशि विष्ठात सांगरने शिक्षा है सिक्षा है के हैं। क्षेत्रक कार्शिक द्याचारको भी कार्यक्रिका हो। क्षारम कित्ते। मन्त्राक्षक स्वानिक विक्रि COM ST SER STREET STREET CHAPTER CHAPTER THE PERSONAL PROPERTY AND PROPE महिरदमान्त्रा १ शाम् विकित्त विकास Chain aidainis, durages and THE THE ME BETTER THE THE PARTY AND THE SE THER STREET COUNTY SERVICE 本面に日本本の日本 東京 本語 (日本) 大山 THE STREET STREET With the state of क्षणात । बार्का भी काम कि विदेश हैं करें। बार्का PROCES MAN STREET OF SHIPE नीत करकता जान्यांक महिन भार To sold with the world to eiffice minte ward fing bole हे। जाह बातिक स्वमाहरके रहेरकाई किक्रो का नाम के

order after a state of the stat

本を行るとは、本本に本がはます

क्षातिक । जाति योगर्न १ the land makes of the state of No season with the street wasters will make at what it was a miter war wa a beschaffe with the बन भारी बाद हे रही किया जात वर्षमा एक। वर्षा। क्षा वर्ष क बद्धन चांदर कर ६ गःचर्डम व्यक्तियात्रका की मुक्टेस आरमाडि × बननार लेका है। बालाक आरव वारे। विनव विरेडि का जामा एकोपना कि कारमध्ये के उन्हें अक्षेत्रका अवक्ष क्रिएटर । क्या क्रिन में विक क्रिक्स समित्रकरण अख्य श्रापः व इं ? जान ক্ষুত্ৰিক কি মন্ত্ৰাক্তন নিবস্ক কৰিব ক্ষুত্ৰীয়ত कार्य। बाह्र र बहेक्क्र वयानी विकास वर्गीरक लाख मर्बास विभिन्न सिनि देनाच अ शास्त्रीम विदेश नी कीश मान कि बोहबाय जर साथ रकति कि जिल्ह

एक दिल्ला मना विमें सम किन्द्रेश के किन है तार मन तार किन क्षिति क्षामा प्रमा बहै। उ वि कृषि के विश्व कि कि कि कि कि कि त्रजा अभिने भुक्तिक देश के विश्वास शाः 'अक्षा के अविक वहनाम के अवादनंद स्व देशक मेरिन इंग्लेस खाशाबात ए क्षेत्र विभिन्नेत्रात क्षत्र आकृष्य अतिहादिक क्षेत्र इत त्वविद्यात स्वतं के में नेत्र विभिक्तिर क्षिर निहरि इहेरडरके मा। बढारेडा কুর্ত্তির ছল বৈত্রপ পরাক্ষান্ত ভাছাতে क्षेत्रेष मदद एवं छोवांत्रा गितिरमदव था। िक्षेत्रे शरिका एक्सिका। एक कनटला पूर्व क्षेत्र पन्नि कृषिएड शाहित्र। दवा अतिहा क्षेत्रिक्ष विश्वश स्थारह । स्मीमक की क्रिक्ट प्रदेश निवर्त रशहे कहा है। सिर्न क শান্ত্ৰি আংলাচণের পূর্বে জিলানিত চ क्षिकृष महामादक प्रण महा काकाण क्षक्षित्र व्यक्ति कार्यास्त्र कार्याः कार्यः प्त कथा आरत कहिए। कविमा भ ही चंद्रभव शतियोगांदर्ग दिलांगक न्य रम् यहब्रह

প্রতি দি এপ্রনেশের অধিনাটো কর্মনার কার্য রাখিলাক: ইন্স্ আট করা অব্যি সন্তা কার্যার ক্রিনেস ক্রি কাই চেন্য নাউক ক্রিনিটি ক্রিটি সম্ভা ক্

THE RESERVE THE PROPERTY OF THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IN COLUMN TO THE PERSON NAMED IN COLU

A SECTION TO

अविक कर्षाकात व प्राप्ता व के एक्ट, बोरोड़ा कि

শারীরিক ও বাননিক कृत्व विश्व सामर्थे किया । ति अक्रम संक्रि प्रचार के सम्बद्धित प्रदेश स्थान त्याच ्य विशिष्क केलिंग, काया करका केल fect factiff & me was with factor व इ तर्राट्य के राज्य । व विशेष के ना १ एक विकास के किया अवदर्श कि विकास में नम्दं निम व्यवस्थ লভে উপস্থিত शिर्व अंग करता गानि नडनीत कारकंड भारतम् मा, जीशांपि-विष: इं क करें जिल्हा । जानी B अरे स्टेम । देशमें ट्यामन व मरक जा ' अन ७ एंद्रशंत शर्द | 東京 本・1

্দের দিৰোয় এত আৰু কিন্তু ভীছাকি र्व - है - त्रकात :40 क्रोंका । कुरुक्ति ग रह कुछ त्या । ह तकत ১००, चीत्र त्यवीत्र ১৫० का। वर्ग वर्ग । व मानिम शक्तिमारक, बिएड >०० विकास के बार केंद्र होंगे-न्द्र काम करेंगे होते से । 20 क्येन्स र्च म्राज्यभिदेश्वते देव देवकम विका, क्षेत्र-ः महत्रभ काहि निक्ष जीवानिक 17 TE 2

व्यक्षक दल्ली है त्या ३६० में श्रम की किंक स्त्रेशरेंह । को 精神 特 被 放 (种) महेशा २०० क्रीकेल विकास । कलका पूर्व mirera dis returbs realis रचंतन चर्नाको हुए हेर्स्ट्रिक्ट्, चेमा रहान क्षकातित क्षेत्र क्षिण बहर । क्षिप क्या कि: नक्कींब मेंक्बरन ता नवड़ रहाहे जा पानक कानिक स्रेडाहब, कारोत अवान (क्झानिहा >० है।का तक्य भारे क्टब्स् क्षि विकास स्वामित मुर्गादक्र वक म त्का वर्षिक भाव था । जनह देशवित्वत रत्य अस्टात वाच एर्डेजार्डि । अरे वरना योषात्रा वार्षिक, वधार्ष विकास कामा व्यक्त दिवसित है किर्सिली एकता स कि मा. जीशविदेशत 'मदम मना अर्थ । त्यकि जानामक्रदक जलेली कविता बीटक प पारक दर्शम कर्रवरे हिटकत शति-। म । छेशतिक कर्जुनक देशक्रिशत व्यवत वृचित्र विकृत्य निकाह अंगानीन वर्षण जा ह्मन, अमर्गत वना चारेटक भारत हैं। के कि मार्च रचन के मार्गतित अपने अ स्रोव क्त, करकारम बरणकनिर्गत २६० होका (संचामत अवः २००० है क भया থের যক্ষমার বিচার ক্ষত। হইবার কথ बुद्धः क्रिक्क बुरानक प्रतिवर्ध कराने अध्यक्ष करण ४ चाहेन निवित्त प्रीत. व्यक्तिराज्ञ क्रक्त वृद्धि व्रहेत वृ । पुक्रांका जान स्डमान में नेन मिन जन्मर के किया है।

के विकासि सेन नुसा निश्चमान्य बाद कर्नवानि निकात समाविकाक इत, जन्मक के सक्रिक के मा किस तारे श्रेस विशे बाह्र केन्नम 'ए वर्ष शत्री गर्जका', ভহ্মত পিও সানাকি দারা পিছুর **इत्र वर्ष । पांश्रह, क्री बाजिह** पूर्विक इरेटन कालार्का क ৰক্ষাৰি ঘটিৰার रेक्न संबद्धा के होन र ७३। विधिय কলভং ৰাছায় ৰাভিচার খোৰ মিং **ंच्**षिक FIRM -विदेशक খ ভাগী

व्यव कार्या क्रिक्ट कार्या का

अवदम रेशाउ विद्राहें क, रक दिवास अध्यातमा भावित्र कर्ष मह, धन कुरनिक कोनीना दर्श -लांद्का कान नानना स्ट्रेंक्ट् का इक् व वरेशारक । ब र । स भारता म ब्यानमं वृद्धं बाकुक, र भवा भवा रिलाइमा का त्रमान श्रीहर, हेंहा चन १८ वज्र मि हा विक्रम् । नाम्मकारत्रत्रा 10, 785 s स्वित्न क श्रं स्वि লাল প্ৰায় मुक्तिका विकीत भा বিশ্ৰন্থ কা विव:८६

नित्रक व जानी प्रम मा। प्रम मा। प्रमान्त्राम् महिलाम महिलाम नित्रक क कारम

मथम क्रीया हि

THE RELEASE OF THE PARTY OF THE

ाणित चेक्त शर्ते, ख्रीत्वाकतिरम्त कारा १२ व्येटम अवर अक्रतिक बाता कावात च्याक्ताम जिल्ला क्रे साणिरमञ्ज ठिल्लाम च्याक्तिका रमाव ति मन्त्रायमा कि

विश्व अगरण विश्व विश्व

क्तिएक क्रेट्स :

2 feet aller gleicht feine en bemeinen ? जाशाविभारक जामाजानिक लीक प्रशिक्ष पहेतात वान्द्रने मूर्जियोक वाद्यस्थला देव अहे - वार्टरमञ्जू का कार्या कार्या कि अमारिन विमानकृषिरेशंत क्षेत्रक्षेत्र वीत निष्टि ? क्ष्मन त्यांका क्ष्मी त्य कावांका पुरिवाक गारतन ता, देशहे वो क्यिएन वर्षिक शांति । **क**रव কি তাহারা আনিয়া ক্ষমিয়া নীলকরের ক্ষতি-ात शृक्षमार्थः, व्याचानः, सर्वमानः केविरक्ररक्तः ह ाजका अवात- अविक बारक किकी बहेरम क्षणाता व साता क्षित्रक शास्त्र ना स्तीतान म रहरवन्तरे होत्या निकानक स्वाद्यक स्वादिक प्रादिकत । दिन जारहरवन्न मन्त्रमञ्जूतान प्रतिह पार्टवक आधा नीत इतिरक क्षांक केहरेंबाटर, जीवाबा कर श्वित वाक्ष्यक्षिकक अम्माविक नावेत्रारह। जिन महाक्षेत्र कार्यक कार्यक कर बहुत कर बहुत कर गती वरिप्राद्धको वर्ष कार्या है बंदियान जान en se feit witte den glan face mis तनी बाबक हिन्द सहित्य हो। मण्डाक वरानक। जानि मिन्किकरण जानमारक हा a stale design that there there PER CHARLE MENT . WHI TROOPS WILL BE . IT ONE THE PROPERTY AND WAR PHISING MANINE WHEN MY AND THE PARTY PROPERTY. ITC24 福禄·秦城市 北京 明清松野 明清社 THE REAL PROPERTY.

विविध गरवाम।

विक् गढ सर्वत बरके बैंक गांक नेवक क्षेत्रकी, ान कतिबाहुक । त्यस्ति त्य न कोवति वामे स्थापन, जोगा निर्माल स्व नाहे।

वरत्रवश्चतं क निकारकारमा शनायः ८००० व्यक्ति व्यक्ति । जनार अध्यक्ति क्षेत्रारकः । जनार अध्यक्ति क्षेत्रारकः ।

नोट्संत्र क्रिक्टिन अध्या भारति श्रात्र वैद्यान मूनाजान व्हेटंड नोट्संत्र भारति द्र का का चाटक, खांका व्यामाणिक जनमश द्रहि-वाटक। माजक नोगीत चाटन कि कड़ेगा।

অক্তব দাকিবাতের প্রচ্য পরিবাবে রাষ্ট্র ইতে আয়ুল হইয়াছে। তথাপি অনেক উ.. শহার দাবিবে।

- '' किनिका-अर्थ कहिडाटक वाहाटवह दि-दवारीहा कड़कबर्टनह किनिवामोहर्मिटकह देटल क्की क्केटकट्के । '''

हेक नाम मोनन्त बहैरक मरवाम नाहेबा-हेकन क्याम नाबर कानामी श्वेदा नवीक मिन्द्रम क्रिया का प्रकल बादमहिल १० होना किरक बहुता। यदि जुलाका का वार्य क्या वस काना क्रिया का प्रकल बादमहिल १० होना का काना बहुता। यदि जुलाका का वार्य क्या वस काना क्रिया क्या का कानाम

मान्य वार्षान् व्यवस्था सन्तित्र श्रीकानां मान्यास्य अस्य अस्य अस्य वीका सहेरकः व्यवस्थानां स्थानां व्यवस्थानां व

विश्वाद्यवर्गी जाका विद्यादन हीन तानी इ.स.चार्ड झांगीह गांनकीह जानगंद नत्या द्वा में अश्वाद कवितक गांतित्या । देश्य कोह इत-देशकी बहुत कांकारतांकात्म हीर्ज्यस्त असे कांक कवितक प्रतिस्थान

आरही देवर अस किनेन अंदिर वह विशेष आर्थि प्राणि पर निवस निवस किने आसि द्वारिक गर कामकिर गर किने किक क्रेनिक गर कामकिर गर क्रिनी केक सम देव जना स्वक्रमान कामकि क्रिनी मान क्रिक्ट हम, निवस स्वक्रम क्रिके किन मिने क्रिनी विवस क्रिके दिन मिने क्रिनी विवस क्रिके दिन मिने क्रिनी विवस क्रिके

ध्य मश्रीर गर्ग महिष्य अभिद्र अभिद्रम त्रीणियक गावि हिण्टिय मा । स्वर्षेन अद्रम द्रमान् न्यानि कप्रम इत केंग्य स्वर्षेन चमाहिला क्रीक क्षारस्वित्रियक करेंग्रा वार्षेयात स्वर्धकारित क्षा स्वर । क्षाणाकवा श्रीका स्ट्रेस्ट मुद्दित क्षा क्षणमभूत स्ट्रेस्ट भूरमञ्ज गर्भक साम्बीय मन कि

पूर्वनाममाद द्विमक्दा स्थानीय । इ बरवदव पूर्विया गर्वाच द्विमक्दम प्रतिद्वम । वर्ग श्राप्तक क्रिक्टम बाम्ब्रुस च्यांसक क्राम वर्गिया गांक्सरक पाल्लीय मध्ये देशा स्थापन इस्तिया ग्रांक्स ।

कावत क्रियान शकात क्रियान वर्ग माच मारम्य निर्माणात गारिस्टा गारिस्टा स्वरतंत्रीय गुरुषांगय ग्यान अक्र स्टेश्यम वर्ग गरम वर्ग मेरिस्ट्रिय क्रियम वर्गिरक्त वर्ग कारोज क्रियम

and all confine one of

१. १, २११ वे को लिमिन । प्रतेषान श्रीहरी म निक बजीय बाह्य श्रीहरू ५६,००० कविया विद्यार कर । व्यक्तक मेहा यहा खितिक केश्मर बही १ विश्व है ६०,००० ब्रांख बाद क्षिक्ष एमन । जुजू सुन्न में १००० क्षिक्ष भर्म स्थित क्षेत्र (एक)

निवीश्यास्त्रके अक्ष्यक तिविद्यादक्ष्म निवार कि वीदक दक्त ।
निवीश विकित क्ष्यक निवार मध्यापि हिम्स वादश्यक का

উ জপত্র বালের সম্রাতি এব জন হর: বা ভাষেত্র আনেক চিটি বহুনাকে রিক্লেপ করি-রাণ্ডে। আল্যাপিও গৃত হর নাই। হরভরাবি গোর এবিবরে গুলে বাটি মাই।

আউরার শেশর ব্যান তথার পুনর্বার শচ গান আদিরা কেন্ত্রি, করাচি প্রভৃতি ছ-ল পড়িরা বিভয় শস্য মই করিবাছে।

>७३ कार्कित दुधवात ।

চাইবল্ মৰ ইজিয়ার বেকলারাবানের সংবাদ বামা-বল্লান এক বুলা আক্রিয়া অলার
এক আক্রিয়ার ক্রীনেক পুনধা কলাতক জাবার
আনি সাধ্যে
লাগি সাধ্যার
লাগি সাধ্য

ইংলিসনান সর বিউল্লোখের ইউরাইনীক সারবিশ্ রুবে প্রেরিজ এক পত্র আ প্রার্থার উত্তর প্রকাশ করিয়াছেন। সর বিউরোক্ত ক লের, জিনি উক্ত গভার সংগ্রুক করের বিক্তি বিলে বহিছ জ করিবার পূর্মে উল্লেখ্য কড় কিল জালা করিবান দাই এই হেড ভিনি সভাপতিত্ব জালা করিবান। সভা ভাষার গালভাবের প্রের্থার করিবানে। সভা ভাষার গালভাবের প্রের্থার করিবানে। সভা ভাষার গালভাবের প্রের্থার করিবাছেন। সভা বিউল্লোখ্য

कार्या क्षेत्रक सामान, उपाप अञ्चारित कुर्व कार्य कार्या क

্রত : ৫ । উন্ভার প্রাণাম এই বিজ গর নামে পুলিমে মালীল ২০ । বালীল বিভ, ক্ষাতে রছবিছে। বা জারিমান। ক্ষাতে । সকল গ্রাকিন রেয়া বোলেখেল করিছেতেন, নাজাল বি-ক্রিয়ারে কেন

वाद्यं क्रिक्न वर्णन, मञ्जूषि वर्गात महत्त्व अक क्षम देशनिक क्षण क्षां क ब्रह्म लगा स्रम करत्व । फाशां विक हे क्षर-क स्थावत हिन, शद्य क्षांन का क्षि जाशांक वथ कहिता क्षम क्र क्षांन नवेशांटक शकांदित क्षमां लिख केक क्षांटक।

ঠেরিপ্রাকে সংগ্রিক আসিরাছে সভাপ-ভি বিশ্বন নিরোহিপ্রদেশত বাবভীর লাককে ভাষীনভা দিবার এক ঘোষণা পত্র প্রকাশ ক-রিয়াহেন। নিয়োলীরা একণে পুরস্কার পরা-জিয়ে হইভেচে।

अहरे कार्त्तिक प्रकल्णिकांक ! .

निनिश्चात अर नव म्याहि का विश्वसारत करां नक करू करेशां शांत १८०० होति क्षत्र है विकृत रत्नीका क्षण वर्ष क्षेत्रारह । अव्याह निकृति आ-राम क्षांस्थ्य विश्वते करेता ।

व्यापता वाका।वित्र परेकाम निविध है हि-विश्व शोधन बारका पाकारक पारमक वारमा कहिबाद सम्बाद कविवारका ।

कार्डरका किएट कियुनशीर्ष से क्षेत्र व-केटलेंड्स कार तथ कविया भीका एके दिस् कार्य लाग कार कवेश आदेश अपने तथा क्षेत्र कार्या ! (स्पादक्ष कि कश्चिका कार कियोगिक गर क्षित्रक कार्य ?

THE PROPERTY OF THE PROPERTY O

नवतक नि व कुष्टे सक्त स्थारकर किन्द्रिक । अपन्य करमान काम्याका कर्म के विकास कर्म माहे. किन कार्यकाला विकास कि विकास माना का म शहरान पार्किक परिश्व कार्यकार माना किन मित्रकार कार्यका परिश्व कार्यकार माना किन

রাইর ্ক কুেরের সম্পাদক পরিবর্ধ ক ইবে। উপাদ্ধ লোকেয়নকে পাড়ির বইর। অভাররপ কার্য নাশান্তির বহু এই আনাক্তিবন্ধ নাঞা।

वित्रकं प्रत्येत, वर्षस्थातं व वृत्याचात् वृत्यः व वृत्याचा पात्रवातिरकः निकार क्येष्टे विद्यान त्व नाव्याचात्रं वृत्याच्या । वृश्यिक्यं क्येष्टे वृत्रि वृत्याच्याः देशाः व्यवस्थितः वृत्याच्याः व्यवस्थाः वृत्याच्याः २२०० त्राचा वृत्याः व्यवस्थाः व्यवस्थाः वृत्याः २२० वृश्यः व्यवस्थान्यः व्यवस्थाः विद्याः

ALEMANT A TRAFT AND THE STATE OF THE STATE O

af:

८क बाहियमा कविशासिकात । वेदसारकार । स्रोप-उत्दर्भ होता अवेक्षा छ।वा कि क्या किहाबिहा fraics# ?

क्षिकारता वार्षिका क्षेत्र काश्वक क्षेत्रक ांत्रहिरात समा कत्मकि क्याँ वहेटकाह । क-ंबिक क्षेत्र (सः क्लाबि कविदयन)

>ल। मरवन्त्र अभिवात अविश्व क्षाका व्दिश्व क्रमेट्य ।

विष्विभागितरास राजिनेत के विष्य भारत्व भी ग्रांचमात्रः केशमान मनाटक स्माहक स्माहता के किया क्षित्रामा, के श्रोदांच भीव नहर्त ७० विद्यान era Giela M'Sfa'a begiren :

रामात्र अन्यक्षान्याच लाज पृष्ठ व्येष्य, · ग्लांडि म 'रक्षकेंद्र अस मक। श्रेमी किन प्रहेश-😘 নালানা তাল শুক্ত কৰিয়া জন্ম বৈশ বস্তু এইড कर बाहा अ भारत । निक्क शक्षीनी भक्षांक व्यक्ति १'ग 'उर्च १ कर्म इस ' स्नीजर जो अस अस अस ্রবার পাটভারা উদন বস্ত্র প্রস্তুত্তিরভারেত ৰতি পাট জুলাৰ কাৰ্য্য কৰিছে পাচৰ ভাষা sates aprilam mattalit alfami ma celegi के विश्व म भएगाएं का है। "

१का मार्तिक सक्ताहर

क्षिक: जोन कवनाव वन्त्रे मारस्य श्रीमारवह 'দ্ঠীয় ৰাজিটেটুট খটাবন। কেবাৰ সাহেব। ·• हेर्का ८२'ड८म अथम मध्यिक्ति **ए हेरद**म । , ব ৪ যত জিল যুজনায় সাহেব স্থীয় পাৰ পুৰে · •ল মা ক্ষিত্তভেন কত দিল ভিলি **ভোট** w mimics wifecent

ল,কেস;ছাতেৰ নিজৰ্ম: সমুব্দিবেৰ ক্ষম্য কে णक वदेरकद्व मा. · यक्षात्रिम छ। वाद संबाद्यका ः नरवनः अरम्^नः 'ना **अहे मगरम कालनामिर्वम** 🕶 वाका भारति इ श्रीत्रवेश अभारत के है सा करहेस, ः । अभित्रिद्धन्त याञ्चरणा ।

कामरा खनिया क्यायक महिलाम मिथिक के अविश्वारित कारमध्य के हिंद्रा का देश हा कारम दशर शविषदर्भ दर्श ६६ छ। मादलाक करियाह क मन नार्म अक्टि मान कहेंद्र । अक्टि क्टिन- श्वास प्रेज, धर है झाएम कि खाड़ा चहै-व व मध्रादमा च्यार६ २ व्यालत जे झामही अणि टा 'मा कार अहसाब । का अ पहिंच विश्व वि

देखियान अण्याना म्यामी विष्यात विद्यारक न अभाव कविमनय ८ त्यां ख सार्वन वक्षात्रभीक काः नेश्वांभार मं जोत्र आधि "नय राजित्र। दर समहत स्ट्रे ५''इन, खंद्रः अञ्चलको सङ्ग्रहस्य राज्या खंदा.

ल इ. महरहर वर्ष महरहत क्रमा शहरा कवित्रारहम् । है। का कहाम, कवित्रारहम ।

विकास क्षेत्रप्र विद्यास्य व्यक्ति । व्यान वहान्छक्षरे खाँदा अञ्चलन व्यवसादिनात ।

केळ गत्र जात्रकार्यीत मर्ज व वैष्टावित्वत्र माया जल बरर सिर्जिकिकारण मधाम जिलान-ডিম এব আন্তার অভি বাদ করিতে অভযোগ महिलाहरूम । अहे चाळाल वर्ष अहे बादाया हिन विद्वत (कांक्लीक क्लिके) बरवा वाम कहिरकेने कीशांत्रा यहि क्षत्रका निवदयंत विक्रम कावी करत व, कारकीयरमध्य माजिरके हैं छीश्राविष्णत e. দেলায় যিতে শামিবেন । যে সকল বাভি रेमना सर्गंड मूत्र, बद्रण बडायनीय व निवित्त-'बटनय छेंश्रद से आहेन्छि बर्न्टिय । मह विके त्राक क्रमणः **चत्रकः पूर्ति** धात्रण कृतिराज्यक्तः। व्यास करे कामा हरिक के त्रराव करें। कता कर्नशः ।

हे दियम चय देखियां नरमम विवि मिक प्रथम हेरकाक नगन करवंत्र. खबन नम् द्वारमहेशि कि कि काई कांबारक इन००० डेका निवारकमा

३७वे काञ्चिक गनिवात ।

कार्वे वेदेशियन पुर्थ भारतह पश्चमाय द्मित्रम् वर्षे । उत्तर्भ प्रमेश्व नार्यम् । मा আলিপুরের বেলবিভিয়ার বাটাতে হাইবে।

ক্ষিকাভান্থ দিল্লী ব্যাক্তর একটি পাবা বই-गार्टि । अदे दर्शक्तिक जनमः बीदिक वहेरण्डह । रम्भेषके बाक्रवद्यारवंत्र (विजि करवकाव क्रम अन्यात के किए। गमात्रम करव्या) नामहिक विहास कार्य मन्द्राचित कारक क्षेत्रांट्र । स्ना ৰণাৰ অধ্যাপ ছাই প্ৰাৰ্থের নতা বইছত জাণিল।

মুক্তিৰ জেবালাভ বজেন রাজ গুড়নার লাগু-मुक्त होता। दिरायाची करूबांट काकांत्र विकर्ध क्षम प्रमा प्रमाप (असिक्त कड़ी वा अबे बाला क्षेत्रक পুরের রাজার অধীলন্ধ। ই ন ভিমনিধের সহিত क्ष भद्रासर्भ श्रेष्ठा विद्यां ही बहेबाह्य

श्वकवा बरलन में हिर्द्या क्यु श्वक्तीय नि-र्जिक करियारक । देव। अकारन कारकेत करेवारक । mame Bebg ufen ,

विश्व लाह बरमान सहैनी ... व व्यक्तिक अञ्चलाटन मन महीके अस्तान रखानाती इंक्ड হিলিক কলিকাতার আলিতে আজা দিয়াছে-ल। क्या के हिंदा है के बिन के बन का का

मान्याम प्रेरियम बर्णन, जिबास द्वार प्राका 'कमिक्क स्टालम, मह अत्रशाम । काटककेटयत ममूनिर्दात सम्माता अवा करण्ये सामिकाम गरित्र केटिएएक ।

for foliage print defried with Alte agenes ! क है। कांत्र निका क्षेत्रिकात् काम्मानित e Bials fre el Pivis Colvillar

াপীর স্থানা ।

द्यारमञ्ज विवदः दर नकान महत्त्व हिंदिलेक्क काषिक कर्माटक जाना करेंग । शिक्षांस्त विक्र प्रदेशका अन्य प्रकार केर् भवे दिवके द्वारण का भी देशको भेरिका क्रकियान क्षित्रारक्षम ।, अंक्रोनिक अस्ति वेद्रीनिय प्राप्ता पाक्रिकाकि से स्ट्रीय मेंक्ट्रे भाग कवा कहिएक। वेश्वाहकको शहिनकी প্ৰতি নাজিবৰ বেৰ অস্থাত ক্লাচৰ বিচাৰ शत काता देश्याक कार्यक्रम, समुक्तान कतिबारहरू, नदाकतिहा सहै।हा हुई अब निधि देशमारकेषुत्रीतं मिन्दिके भारतिका बारा क्रमीशांत विवारक अवश्वित क्रांतिक

विकेशक राज्य (सन्दर्भन्न) बेकाली সম এক বোষণা পাত্ৰ ক্ৰিয়া ক্ৰিটো › লা ভাছৰাত্তি ভবতি ভাৰতীয় বিজ্ঞী त्पत्र मीरमधा चापीम एक्ट्स, ५७कि गामक कड़ीकां को काल्या परम क क्रियासम्बद्धाः जिल्लाम (द्विप्तम कर्मा प्रतिक क्षिणाद्य । प्रकाश वास्त्रीकी क्ष्म नवर्गदमके भाग € भाभ द्रांत्रक्ति । nimi fecen i guld Dag cuntage নধীৰ উত্তৰ পাৰ্ছে **অংক্রিড**ুড**ি**ট্রেড্রি कान गुंच वह मादे। बेचक क्रमार्टिक वह **े एवं दननाता भी बंद्वान अंडी में**व क् त्व अविक्रिक कविट्य । शाहित्माकिटक e Baje E

त्री करके व नाटक विकित्तालक अस विक्रिक লালীন বলিয়াছেল ছব্দিৰ বিভাগেয় জোটবৰ্মী जरणारे जागनाहित्यद अवधिवाद साम कृ ब्रिट्युप ,

aim fante brife. ना नाराह मध्य गर्ने भारत्वत जाकात , श्वाप क्षेत्रारेष हैं कैंगोर्नि हा देशिका सामा क ल्याजाहैमार्विष्ट मकान व्यक्तिक मा शाहिका निवाक वर्षेत्री क्लिक विद्यास्थित । अवक कर्मक कि किनि कार केंक्र हमेरह अक्राध्यक कतिर्वय गर्ध । च्या प्राप्त

शवर्षायके विज्ञालन । यामानादकः । इ त्यद्भित्रके अवस्त्रक चारत्रभाष्ट्रमात्री विद्यार्थः।

১৮ ६ रमरम्बेचिम-स्विति कांग्रह सित का क्षेत्र का नि कांद्रविनिष्ठिक दशान देशहमू हि-करमामदबन खेंब्र आश्च प्रदेशका

२२ ब कांक्रोवर--- दे.हि.हें वह शास्त्र तहरन-बंधे व्यारक में बंध क्षेत्र शिक्षितिष में कर हरे-

লে,এ,ক্রফার্ড নাবেব কলিবাভার এভিনিধি क्षित्र महिला द्वा प्रहेटयम ।

कृषि एक का बारकर नेकान्त्र व व्यवनादिय ष्ट्रशासिकाक अहेरवन।

দাৰ্কার ভেপুটি মা'লক্ষ্টে ও ভেপ্টি কা-लिके इक्रमान कियेन मारहर २६ भारतनाय किनी व्यक्ति को अन्।ति व्यक्तित २२ वाहान-शहक विक्रीय (कानिय संधीन नाकिएके एकेर कान-MIMINITER !

২২এ ছাটোবন। ত্রিপুরার নিম্ন লিখিত কর্ম विश्वित ५ ७८ व्यक्ति ३ व्यक्तित ७ थातः क्रिकेक बहुबर > बहित ७३५७५ बहुबर २३ মুক্তির অন্তুলাবে নিষক ছৌকির অুণ রক্টেবেল

और जिल्हा मनवारे करका शक्टरका काष्ट्र, क्रम, माद्रमान, माजिएमे है। दब्र, क्रश्न-कै भूगवबर्धे । अভिविधि बार्डे के बाकित्ये हैं । ८५ वर्गनी दंगालान दशहमन दलपूर्णि नौकिरके है। ্ধিয়া জাটাবর-আর, ডি' ভাইব সাহেব কি-जिल्हेनम् ज्ञा क अधित्व छात् शास स्रेपः विष्येत विक्रमाणां वाहितिक ১৮48 मा कर ३० क्षेट्रिक्ष > बांबाल्यमार्थ्य क्षयका लाहेरवम । होरिय गार्ट्य कायुक क्लोक्स्मीय क्लिंग्स अन अञ्चालनारम्हिन निवरंग क व्यथनकम विश्वासक-त संबर्गन कहिराह स्वाक्त्यकात अन्य विश्वेष क-

প্ৰিবেৰ জেপুটি সাজিকেট্ট ও জেপুটি জা-,শ্ৰেষ্ট্ৰৰ পি শি কাৰ্ট্যৰ পুৰীয়ায় ৰদলী ছইয়া दिनेक्याति व्यक्तित २२ धात्राञ्चादत विकीत रिकेपित वधीन मोकिस्क्रेटित क्रमका शाहरवन । अब्रेख का छो वय-- छवशिक जि (छेशक वृत्रवनिश-श्रीम् व्यक्तिक्छ कशिक्षित द्यापती ह हेरवस ।

বীবস্তুশ্মর '- র লিখিত সুনীসফের। বল্পনে-দীয় ব্যবস্থাপৰ সভাৰ ১৮৬২ আক্ষর ও আইন **ज्ञञ्चन[त्यु ८७ देवि क' इस केट्यूय कामक (शांबेदनम**) , ৰাকু ৰাখল,ল খেন आयमाञ्। िह । क्याट्यमेन व य গোপালপুর - अनिमनाच हरकाणाथ । ग्र ৰ†ভিন্ন The property of the state of th [4.0.ft.48 1 404 W.E. मप्रमन 'नश्रण्ड श्रास्त्रिति भ अक्रकेरिकारकारके, वार भटरगांडक राम क्षेत्र -कारीय श्रीकृतक दुवेत क्रमडा शाहरवन ।

্ৰীৰ্ষাৰ পিংকাৰ প্ৰতিনিধি ভেগট কালেইব मंद्री अकिकार्गा विक ३५-४० वास्त्र ३६ छ।इन मा श्रीक क्षित्र कि में कि कि कि कि कि कि चार्ति सम् २२ च्या मान्यास्टर विकोश दर्शानत ज-क्षेत्रकृतिक्षास्टर्शक समुद्धाता हैदरन ।

वांक् विकासक व्यक्ता सर्धाःस्य मृत्यास्य सः है(यम ।

भेडरशेहरका क्रिः

व्यानका औष्ट्रका देवक्रकेराच गुर्व्यक्षीर श्रीव बरे, शामक शक्कि क्रिका क्रिकाहि, 'बमां वांशी-শের প্রতিভূপ কর্মদ, আর অন্তকুল স্টক, কে:-ল **পত্ৰ লোক প্ৰকাশ প্ৰকাশ ক**ৰিব না ৷

भाक्षेत्रमा १ अहर साक्षतित शहर गाँव १६: यां चीकारक खकाम करा रशन मा

म्म्बिनाबीन कर्तना धारानान बक्तना छ। अ কর্তার খোচর কল্পন, তাগতে যদি কা বিষ লা ছয়। উপন্ন স্থায়পক্ষে প্রকাশ ক্ষিত্রন। ষর্ভাকের পালে কোন ফুন্তন কথা নাই।

প্রেরিত।

প্রবৃদ্ধ সোমপ্রকাশসম্পাদক

महाक्ष मनीर भर् ।

क्षिप्रक कांक करेंक जानि शाननाव भारत हि-लाम । क्यांत्र भिन्ना क्लाबनाम, क्लांत्रहिल्लर পরম বান্ধ্য দেশছিতেবী জীযুক্ত বাহু গশ্চি **अ मर्का भरकांक्ड मिक वार्य छ बल्ला उन**व प्रश कारब अवसे वाजिका- विकास्त्र प्रश्नाम करिन श्वारक्षम । अहे विशामित्वय दामिका । प्रथा नि-म्राप्त निका शांक प्रदेखाइ । अका नवात विकाश मध्यक पत्र शास इ क्या माहे. छै। कांत्र वाँकी-ভেই বালিকাপৰ বিদ্যাত্যাসকরিতেতে ৷ উল্লি-विक बांबुत की क्षीत्रक, महत्र अन्य, बामान्यक्षि चन्द्र निका अवाम कविराज्यका । विस्त कि व दि-शांधकः । दशांभावत बिह के क्षेत्रका अध कांक अध्या वालिकांच मन्या। ७ २० कि बडेग्राह । अडे श्रीवना अन्द्रत थात्मक धरा हा ना कि कार्क म बर्डे किंद्ध कि कांट्रका खेश्रात्रिकात गर्था चारकके चामरणह केमिक राके करा हरर ! बाकुक, बाबारक बार्ड्सभ नवी अधावत्यस्य व- 🖟 मार्गिकत महत्रकेश्व पद्चित्र व्हेट्ड मा लाद्य, ভাষায়ই বন্ধু পাইভেছেন। জীযুত বাসু লোক-माव रेम्ब्र बरामम्ब छेन्छ विमालित सेन छैमछित **८० व लेकांडिक ब्यूबाम फाट्डम : अमिलाय** ইলার স্থায়িছের নিষিত্ত ভিনি অনল সংখ্যসূত্র। असारम मन्बर इत्यारहूम। खेलाव श्रीक गाँम कांगरनत निका शाम गरक भवन अनवडी । ५२७% वांचिन वर्षेट १० छास कार अभिन्ने यांचाक्रक बोटक महिराम महारा कहि- | ==

क्रवरकाम शक्किक क्षेत्रादक्ष अने विकासिक हैं। विकासिक विकासिक

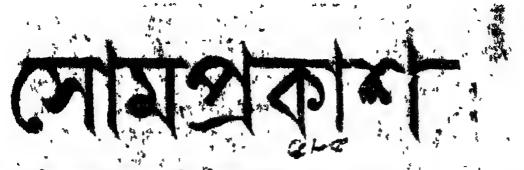
क्षा काम श्रीभवांक व्यवस्थ (विभि शृहर्य के পাৰমা বিদ্যান সমষ্ট্ৰালেক্টারি পলে অভিবিত্ত ছিলেন ।) ৰত্নে নংক্ষালিত হয়। তিনি এই ছান শ্রিভাগে কবিলে বিদ্যালয়টা উত্তরে ভাগ शांश वदेखहिल। अर्थुनी क्रियुक्त वित्र वाबू अकाम कहिरक निविधान क:। ठांकांत्र कांत्रक व नवानरम, कांत्रज्ञा छेवात सेविक आठांगा किह-एकहि। **इ**डिन शोबू धारे विशासद्वार भूनक्षवि-त क्रमा चार्णनविध यद्भ श्रीतेर उत्स्म, चिनाः ग बाहे विद्यालिय वालक्षण बाहा ह हे एसकीएए छ लिकाक्षाक करेरवन । बहे महसूर्द्धान स्थानक ४-विवाद अक्रियाद्य मणाणि अक मधा करेगाविम. खालाटक जारनरक वाहे मानायदन्य शिक्षकर श्रम्पार्थं मधाजि श्रकाम क्षिप्राध्यम । बहेक्स्। काबरा क्रमीया स्वीत्न क्रमीय क्रमीय क्रम ৰ্থনা কয়িছেটাই এশংক্লিড বায়ু অস্তাৰিড সময়-क्षेप्रस कुरकार्दा बडेस । ऋभिष्ठ छैलिथिङ वाद बनेब्रिन बन्धी मृत्या ग्राह्म अरब्रामान कुछ माक्य रहेशास्त्र । बेसान निवामी खेरूक वान होबस्नाम यात्र समागत से धन्तामस्त्र स मरव. গরের অধ্যক্ষতার করের নিয়ে। জন্ত দইরাবছন। क्षेत्र अन्यानात्त्र काँद्य निन्दा र करा जीवाया वर्ष সু হরিশক্তর শর্মা, জীগুড় বারু ব্রহ্ম চক্র বজাবরী शिव्य द्वान बामधम हानी क खेत्र वाद वण्डन স্থাতঃ মতে।দ্য অভুঠাকুগণের অভিকৃতি আগ্র ७०००. ठीका कृतक्षम अरपृष्टीङ कहेताहा। ४४ भावमा तभरत (म व्यवस्था मध्याचीत अपर्शः इडेंट्रक, डेड: (४० व्हाइत कहनम

> जिर जिल्लाम समाव निरम CHIMN

मुला भाषि

জ্ঞিয়ক্ত ৰাসু ভগৰান চন্দ্ৰ তে যিক কৰিছ ১२ % अ खात्राहरान क्षेटक देनमार्ने शतास (क' कादिमन मादक्ष एक्टरे भूर कार

- फिल्ली माजिएको है दाकुनेश्व दर्भाव निविभादस मुस्याणीया व **)रक्षत्र कार्कित क्ष्येटक रेडक शर्वाय कार्** 🐇 बाका खगीयब मध्यक वाहाइव करिय
- अहे शत कालकायां अर्थ्य सायकाः दक्षण**्ड**स्य टर्गा-र्ग (वकाक बावका विकासकरी मध्यक्ति अञ्चल अध्यक्ति कामूब क्षित्र काकारमा विकास काकारमा विकास काम काम काम काम काम



प्रवर्णतां प्रश्नेतिश्विमाक यार्थियः वरकती स्तिगहती न इ'यतां।

1 2:27 ् जर्मा

मन १२७२। २४ कार्षिक। हेर १४७२। अनातात

मक्षरम भावाधकान (११५-

. (५३ निव्रम । ग्रेम मुन्तु मा शाहरत मक्त्ररण लोग-अपूर कर्ता बांच ना । तेजांच वार्विक আখুল দৰেত ১০ এবং বাঙ্গাদিক স্থাপিকে আব্দে: ভুর মানের ভালে · अक्षेत्रं कर्ता वांच् वर्ग । एकव्रश्लिक् किन्नु द्वामध्यकोण अव्दलक हैको युत: महिन्छ श्रम निचिद्रमहे

· \$65 91146

f. গ্রাহকণা, एउ६६ माविन! 双"是是对中门市 海"中。 ख अन्य भा अ प **कडीफ इ**छत्रां€ रू शहर के सिक ष्ट गारमञ्जू कुला शिक्ष मिर क् मुध्य दल्य अखी ७ वहंदर ३ क ८ ১১ ক. আন্তঞৰ তীক্ষা 'য়েৰ্ कुल गुना 🖘 ,लटक कामांभागाव ं निकिंद्य कर्नो छ

(भागश्राम्या ut . We calante 1 जात्रक्रवरीय धननंत्र (सन्तताहरू या नी एए। द्वाराम द्वाराम ।

्येहें अहामहेर्गत मत् ह तुरु म फ्रेंड | मादब रायातीर B.त. छवर्षक क्रिक्ट किका दिम लात क्रिक्ट कर क करेशाद्वार । जे एस आधार लाउ काबिड-কে পদচাত ক্রিবার নিমিয়ে যে ৰূপ প্র পপথে চেকা। পাইয়াছিলেন, চার্লম জ । ফানাঞ্চেৎ কেল দও না হর : রাজ্যের। হাদিত

क्षेद्र विवास अवस्था (हर्के। कविरक- हराया वर्क अवास अवस्थ (इसी। चनताथ केवरत्रवरे अक्विश : काउं। क्रिंबिड व्यथरम श्रीवृद्धिकादिमालव मानावा क्षा भूर्व कतिया अरमनीय्रमित्तव यन्, अपि- त्वत नात कीशावित्तव नक्कों है। किर्मा कांत्र ७ च टर्च केटलका करतन नारे, छात- । थारकन । श्राकाश्चरत में राजनीत्रकिरतः वार्ष मन छेड कतिरहरून ना, वर्र वागताव । विहे, देशीती बद्दमानंदिर करो स्थित व अहिकिशातिमत कि अ व्यनताथ मह क वामा व्यक्तित प्राचाने बनायी व्यक्तिकारी बिट्ड भारत्व

कात्रवर्ष अकारन जाकारजारक हे:-লত্তেশরীর শাসনগত সংগ্রাছে। এখন चात्र (मरकरल हेने नेविया (काम्नानि केरहर अनुहारण याहे। जे काम्लानि। প্রির্থিকারিকালের উৎপতি প্রাণ দি हान । कांश्तुः ६ । गडन, स नहत्र शकाश्रम स जिल्ला किया के अहार मा र्थ अकविभ सञ्च अ १८५१ द हास दिस्का । औवक्रिक'तिकिरगेत भागमा ४ .५५। ±ई যে গ **দেশের** যাবছার জ (अंद कक्षण्ड ६६ , माडाब्राडे छ (ए.स्न म (र्च नती हम, बद्धार शकात्र वर्षाम क् किया कार्य है है जिल्ला असुराध क्रीय य वानिकामि कण्या विस् । त्यात्म क्री-होता जबरुख मधुमान कार शाम करिय क्:इएक ब्रायद'ग ५ क होम क्षेत्र'ः ध्व कार्बर, । तक 'एड्ड किंग्ड मा श्रीरतमः हि E,Bie Bie a. COTH CONT FEE प्रवास्त्य सः पंस्तासः । 🚓

शव बाद्य ता महत्व बिलानित्त हुक शक रत्र, अ दक्षनीटाही स्केशन नीहिंगह र त ने किया चालमानिरभद्र अपे**र**

मन्त्र सर्देश विशेष्ठ আর সে আবীন**আ বুলিজভা** না**ই**্ क नाहे, ता नाहन महिल का मनकिन नाहे त दिना गाँदे अवसर विस्तान श्री बरेशारक ; ता शांकात केवाल काहिए और रव , जेकान कतिएक क्ट्रोल **चा**टा क्रिकेश बरण विना मिकाय छेशात्र कविता निर्देश इंटर ; जूमिका वाडित्तरक एड दिखे। মনবিতা ও বাধীনতা রসজভা প্রভৃতি কোন शर्गत्रे व्याविकांच गत्रायम् सुति । अन्तर डेंडेटब्रा भी रिभटनंत्र महिन्दः किंदि

> क्रिएड बरेटर । नि धरे नक्स जानि--ভারানুৰ্প কড়ক । छोडामिताः जेवनः ফী বিমেশৰ কার্বও शर्भना स्त्रिएकः वकाठाः इस्टर्न हेटल अत्यह सें नक् ज्या काहा-

विश्वाद के दा हाई रहेगा हिएनन, अभागे हथानार छारा-केरें। इंदेरिन, ए हो स्थि जिल्हास द

1. 1.

क्षांत का अरे श्रिक्ष में की की centra from en, Carea, THE RECEIVE A COM STATE OF HE WAS THE THE REST AND THE HE STATE OF THE PROPERTY OF THE REAL PROPERTY AS के क्या है एक राज के कब्रिट जे कि। क्षिक्त कि स्त्रीत केलिन करता क्रिकेट (क्षेत्र । नेत्र क्षा जुन ६३ तिकार प्रकार विकास करते हैं। अभिन्ति की क्षा के अपने किसी मा निर्मा पति मह होत्सीम प्रश्न मानगृह्य एक कार्य प्रश्ने-रमार्के सम्बद्ध करण कोव ते देशकियां एका अवर्शकार्द्धाः भारतः । बाजाशं नगर्भे करेताहे १ विक जोताने के सम्बद्धित देश कि नगर संक्रम स्वेमीएम, कल्म न्या स्विता The feel was a series of the last land Property Acres to the state of THE THE PARTY OF THE PARTY OF

र्षा करिया है के व्यक्ति है कि विश्व करिया है कि विश्व करिया करिया है कि करिया है कि करिया है कि विश्व करिया है कि विश्

1、强力 / 6 /

भग्ने क क्षित्राहकम ! शिवस्य अहे कार्या-हारक्षेत्र नमरश्चाक अन अरेग्डामिक नार्कि CR के किसीका, स्मर-केम के मान्य किया एकेटक कांकान काम कांक्रिया विद्याला कि स्टिक्स । !!..

शिविका विकारिक प्रतित करे अन्तर्भ क्षित्र किमिन्द क्रेस स्टेगारबन्ध किनि वटन-ল হিন্দুপেট্রিটের পত্র থেরকবে বৃদ্ধান্ত लिवियासम, काश वर्षार्थ महेंह । और दशकू िवि छेशत अवसी चन्छ द्वांक जिथिशा- रिश्त शत विन स्रितिक चरुत अर तक (दन) त्र करे:--- क्या क्रिके सांश्रीतित्व त्रिक्ष्ट्रज्ञ सूक्तिएक क्यूक्रिक केथ करत, स्वति ज्व कतिम अध्यक्षित्रमा राज्याहरू উক্ত চা-কর আহার গাঁচল এক চলেটা-घाक कतिया । स्टब्सि बादक्य विनिता कर मा कतिया अक प्रतीक विकासका आहेता णावादक व्यथातः समितितः क्रांत्रेकः शहित्रः। का-का तारे कुन कार्या महामान अवाद वाजा काशास्त्र कृष्णकारिकारिकारिका र रन्द्र जारादक क्षणीय अधिकतियाँ जानका मान বিশা সাম্য Carrie of काम न मामिएक केल्या - पियमम निरासन " त्यातिक अने वृद्धिक अनुविष्कि नेपा CA SUPERING HERE COUNTY W May. MICH WINCHAM fruntum warendere munite mit THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF STREET THE REPORT OF SHIP WITH SHIP WAY AND REAL PROPERTY AND ADDRESS OF THE PARTY ADDRESS OF THE PARTY AND ADD where our waster in their strain a continue with its water a line w

त्यक्षे विजयदंशत्क विदर्शन विदर्शन क्रिंद्रिय मा, बद् दिस्माद्रम सम्बद्ध भागी बिन्हा ल्लाटकत निकट्डे अधीतमान क्वेत्व। जे शकावण लिविता दक्का मा-त्कत्र घरशा धारे रहेल, किलिक विका शक भारक अक्ष विवर्त्तव मथायथ बुकाब वर्षम कतिशा पारकम विलिश, टेलिंग या प्रापि हिन, डाइ। लाभ इरेट इतिमा किए-ৰজেল গিৰ্গনের অনুমতি লইয়া বিধা-লাকে, ইলাতে কি ভাতার অপরাধ লায় स्टेटक्टड > यकि हा-स्त्र व्याधकता कुरू-ब्रिटक करकवांट जज्ञानक व्यरात क्रिक. क्रांक्। क्षेट्राम आहेटन ना क्षेत्र, कृतिहरू ভাষার থেবে কতক কমার বোনা হইও। किया त्म कारा करत माहे, अन किया मुक् ब्रिटेक अन्य कतियां बाटचे; देशव अट्या ষ্ট্রার কোন্ধের শান্তি হওয়াই স্কার্মিছ। निष्कु राज्येथ मान्द्रिया करेश दार्थामक्रम क्र-প্রতারির সহিত পরামর্শ করিয়া মুক্টিকে भूमेरणा नगरक त निकृत अस्ति स्वा महत्राहरः त्नके रम्बरकाश्च स्रेताहर म-(भार नारे । क्याना निवमन ७ निकनहरू क्यान्त्र प्रकार १ अक्टोकानकानिकान हारिहर्मं शतिकत्र स्रेडाट्स ! ज्दा मुल्ल:-नक बलिद्रक, बुचिति काशोत केलद्रास देखा कर्ष के के के होता जराभाक के काल करे मारक । शहरिका व्यवस्था । १ % के मान ধ্যম শ্রুতি ভূকভার » কামণ্ডিক স্থানিটিক क्षेत्रिक काचित्रारम कि त्वर मध्ये जानिया।

इंन्समञ् वाखिरक अवस्था संदेश रे अपि महो जनम हिंद हिएस सहिएक महिएस शरकेन दर दर्शनव दर्गक हैं स्थानिक

रीन क्षत्रचंत्र करिसी वस्त्रकार

वावहात कतिता भारक हुना है एक मन्त्रमाम स्वाह अरुग करेंग्रेर কোৰ যুক্তিতে কৰিছেছে গুৱা तिकाश क तिर्माह क नेव्यक्त শান্তি হর। পরিত্যার স্থান रत रहेश कि बना बढ़ाह-निवातर्थ अवर्ष स्त्र मा ? एक त्यात्र धारे श्रमात्र म्यान क्रिजातारे क्यम जारामानिक क्षिण क्ष्य अन्यास संबंध बर्दक कारांत्र क्रंथ विधास आ त्य त्म पनि पन्तक में भा करत. भवर्षासकत वाकिना ४३

चामना किसिहेंगत छ। म विक्रा प्रमध्य प्रदेशहि व अवरक्षणीत समीकारत्वा कांक जनांकाओं अन्यास स भरमध्य चार्क्स्पर व करे के शाकित है औ नामरकता क कि क PART THE MENT CALE BOOK TO शाप्रमिष् स्टेश्य ३

"我们就对有特别" क्षेत्र अध्यक्त व्यक्तिक MACE SOME व **देशका**च्या न बर्धार्थ ग्रह्म । ए व्यक्तिक वर्ष

AT THE PERSON

रेडोएतत शिंड मकल मेंबरप्र वाद कतिएड भारतम कां। कीं-भा ७ ल्मीतिमालक स्ट्रेंड अप चडाहात विवातिक स्ट्रेंड राहेरवाक सेडिसामारवंडा चा-लित, नर्वाटबढ़ा चालिय गा-त प्र चडाहात स्वाटकर है। डितासम ७ चंदासमारतम स्टि लाह चडाहार क्याटनर

नाम काणाहात वर्णा गरमिति । याणाहा कर ग वसारमः निभागी विरक्षांक कार्कित्वत मिरक्षत नकरमम्, नेकक्षां, वाणाहे अमासाक त भर्गकारक काणीत काम हः धक्यात सम्मित्र काम हः धक्यात सम्मित्र काम हः धक्यात सम्मित्र काम हः धक्यात सम्मित्र क्षात्र हा जिल्ला अस्ति स्वार हो विद्यात्र कि स्वर स्टेड्न हो क्षात्र स्टेश भागिक्षात्र हो क्षात्र स्टेश भागिक्षात्र हो क्षात्र स्टेश भागिक्षात्र

তির বেড ন চুপি।

বিভাগে বিড ন চুপি।

বিভাগে বিড ন চুপি।

বিভাগে বিড ন চুপি।

বিভাগি বিভাগি বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভাগি

বিভ

ম : জীকা ন একপ ভাপ**মানকৈ আ**পনান বেৰি ক্ষেত্রিজেন না । একংশ মুখোক্ষিয়ের পরীকা कक्षिम निरुष्ट है कि है देहेंब्रोट्ड । स्मेर्ड निरूष्ट भाद्य भवीदक' वीर्न वास्तिवाहे ब्रह्मिक भाग श्र स्ट्रेंग्डिटन । दर्शनाम कारल प्राचारकः P'in' ব অধিকা"শ বাজি বিভান ও বৃদ্ধি दांत हुई इडे:खट्डम, शूटबाह बहाय आधान, পালি ৰ মুক্লেকের সংখ্যা **আতি** বিরল *হট* हेरियरिक । अकरन ब्रेस्टनक करनाय अस्टि স্কি প্রকার শ্বক্ষামা প্রাশ্বণ ক্ষরতা কেওয়া क्षेत्राटक । के शरमंत्र क्षेत्र क्षा मान ६ तो त्र हिंक इन्द्रमादक विश्वविद्यागासूत्र छेशावि आ व शास्त्रिकात वाहे (क्यिएक व्यापन রিচর আরম্ভ করিয়াছেন। এবংগ ছলে পুর্ব ৰাৰ স্কুচল্মানিত্বস্থা ৰে' চুক্ত টাকা বেজন ছিল' वर्कभाग बुनाइम्ब्रेबिट्सब्र शहक स्मर्टे विख्य स व्यक्तान अवर अविष्यंत काष्ट्रविक, खविषदा

वर्षे कारण निविधित्तात्तिहरू सहस्र अहे विदेश हिल एवं केलाही आगरण अनिहाँ के बीकार है अनिहाँ के बारणहेंद्र के बरकार का बीरण दिकारेखा कर्षे करिएका उपस्रक अहे क्रियों के के के दाना आपन वहेंद्रक का बीरण करानी के गर्म करिएका कर्षे किया करिया वर्षे किर्म मेंचन करिएका गर्म दिकारिया वर्षे किर्म मेंचन करिएका गर्म दिकारिया वर्षे कराने करिया विद्या अविद्या कर्षे किया करिया वर्षे कराने करिया विद्या अविद्या करिया

अहमार्थ कि है अधियेष साम्बद्धार केम स सहशाहत

भाके, विरंशम अधामधान विकास नाइन विकास

क्रकिया अक्रद्रेनचाक भवनरमञ्चल छ जाह-

ब्रांच कविशादहर देशेच स्थि छोडा जिल्ला

ত দুশ বৃত্তিমান লা হইতেন ভাষণারখার ক্লিক ট আমলার ক্ষমতা চিত্র দিন সমান আক্সিত अकरन ३४४० महिनद्र ३० आहेर्स स्वीतात छ এজার বিব দ গটিও বটতের ফেব্রানী হক-भाग कारमहोत्रि काकादिए विवास करेंगांत ন্ত্ৰ হওয়াতে সিবিলিয়ান এলিষ্টাক কালে ক্টা ও ভেপুট কানেট্ৰ পুৰু কালেট্ৰয় সা-ट्र-विष्टवात रम क्यांनी व्यानामिटकम कार्या कि-कांत्र अरू अलुवाब वहेग्राटक वर्टन किल अल्डरमानीय क्षाप्रके बारमानेय क टल्ला वा कित है है कर ने दूर का बहा में महत्वा के कि थियो । महालाह अवः कविषाद । संवर्धानी আলালতের কর্ম পাইবার নিয়ম না করা গ वर्गायकोत्र व्यक्तित्व सहसार विकास बहुरेर-का ले . जाहरनह ०७३ धाराइड बहे छा-দেশ হইরাকে বে, ১৮৩৩ সালের ৯ আইন मटल दर मेकन टंडलूडि कार्टनकेंग्र मियुक बन শাৰাকের প্ৰাৰ্জ বান্ধি পৌৰিব সংক্ৰান্ত কোন লমতা গৰপিত হয় আহৈ উলোৱা এই আই-ন মতে বিচারপতিয় বি বান্য কোন কাছা-क्रमारक कार्या चिक्रिटेसी का । क्रिकेसावी व त्यावित्यम् अन्य अवस् अवस्थाः अन्यस्थान APPER OF A STREET STREET

THE RESIDENCE OF THE PARTY OF THE

विवादत्व अन्तर पृथ्यम् निर्दार शक्ति कामत हा-टेटफरे क्ले ब्लाकी वजन भारतकेश महत्वास ৈ নকৰবাৰ বিচাহের ভারতিন করা হয়, ছেনে के मुक्त स्क्रभूपि माजिए हैं है ७ स्क्रभूपि की-जिहेन कर १, प्रमानहान्त्रा मध्य विवास स्थि-क्लिक बहेता अदियो एवं अन्य क्षकारत स्थानत छ थानसभी बहिटक शांदबन अवर कांद्रा बहेटन खबियादात दक्ष्मिद्रियम् इति भी भागान अस्त अ-वर्गमानेक क्यांक्यांक महात्र मक्ता महाद्रा मक्तु বিষয়েরই , বোগ্য প্রাত্র ক্ষরায়ায়েশ্র পাইতে गाउरम । समि त्यस् विद्युष्टमा कट्यम हा अक्ष्म निषम रहेवाब नहांकन बाई खालना हेशाव यानानेत्वहि त्य भक्तन थात्वाक जिनाद्व आइ अव कि कतियां नव किविधन स्ट्रेग्राटक । ভবিষ্যতে সেই সকল সৰ জিবিজাৰ ভিত্ৰ भना चारत प्रकारमञ्ज्ञकाकाद्वि श्रेटरक मा। मन जिन्दिस्तित एकपृष्टि कारमङ्ग्रेष्ट । एकपृष्टि माक्रिटहे व कार्यक्रमानित्रहे दहेवा कोक-माही । काइन्डेडी नश्कांक मक्का नकत प्रेरमक्षिरभद्र निकडे चतुनि क्षत्रिरम युरम्रह्मुद्रा जनावादगरे काराव विक्रांत क्विटक शाद्यम । प्यात एक मकत वास्तित व्यास श्रीतिस्वत स्व छ। बारक : । धार्मेन महेकान नक्सवान हि চারের ভার জাহাদিখের প্রাট্ট অর্পণ হইলে कि जानि विमें छारात्र। छाराएई । लानित्वत्र ক্ষমতা অকাশ করেন বোগ করি ঐ আলকা क्ट्रि भवन्यके देशकांकिशतक देलत्वाद्ध अवक्-गान विष्ठात कतिराज कवाका त्वम नाहे । किन्न चावि वाधिएकहि हैंदे। एक्वन बस्ट्राई प्रदि ्यत व्यक्ति निर्कत्र करता अभन्न जिनिक्यान क न्यानात्री प्रदर्शत किनात्र श्रेष दिवाणि दम विवर्द्ध श त्याच करवेन मार्के क्रांचन कार्योक्ताह क्रांके ही-हिटमइ के कि दन महाचल मेहा कार्न भारतान ने বিলেষভা একলে সভাক ক্লিনাভভাই কড ८णो निय वन्यकारी विवृद्धाः एकप्रकृष्टिक देणा निरमन त्य कि तकीवारांकी किन्नेप्रकृतिरश्य केर्नुश्च माहे ।

a couple of the state of the couple of the c

महिला क्रिया के की विद्याल मानिहरूम मा, অপ্তা বেদ ভাহারে পদচাত করিচত হরিল. देशास्त्र दुक्तवश त्मारे वास्त्रिहरे विद्याव क्षा क्रमेश्रीय क्षेत्रक बाद लाटक निरुप्तान केवी-বেও এজন্য নিভান্ত অনিবেচক বলিভে প্রটার काविकत देनके कारवाना भारतन क्या केली बाह्य गामी व्यक्तियात्रितिरगर व्यक्तन व्यक्तिके বন্ধ কৰি। মনা বাদ না । বনি তেপুট কালেইর ভেপুট বাসিটেট আবং সুটাক ভ डेक्नेन मिर्गद्व गृहीकांद्र अवहे निवृत्र कहा হয় তথ্য ভবিষ্টত আর উক্ত,গ্রহার বটনা ৰইবার সভাবনা ও বারংবার পরীক। লইবার व्यदेशक्त चादक मा । बूटकक्तिरमञ्ज व्यामाणा দুর্ভে ক্রচকর। উত্তথ রিলোট ক্রিলে বেবন क्रम दर्व की वामिरगढ़ नाम इकि वेदेश। बादक ভেষ'ৰ কালেক্টর ও ৰাজিরে উরো ভেণ্টে কা লেটর ও ভেগুট শাসিতে টলিগের কর্মা পূ.ই শ্বমণ রিংপার্ট করিলে তাহারিগেরও পদ বৃদ্ধি মইজে পারে, একণেও ভারা না হইকে ट्र अवस्य बदर। चर्चादके यति बहान अवस्था সময়ে আধিক পরিমাণে তেপুট কালেটার ভ **क्षित्र में मिर्द्धे रो**न्न जानगर हरेरछ शास्त्र ह किंख अञ्चल शहीका महेरम शहीरकाकीर श জিনা সংখ্যা সেৰপ বা হইতে পারে এবজ नदव, दक्षण। बोहेटखदह (य चुटमाकि कि जामा रवाचा भन्न मा शास्त्राहण शहीरकाही ६ करंत-🍀 ব্যক্তিকে নান। আহালতে ওকান্ডি করি टि रहेंटिए ११५५ मिरे गर्म कार्मानंदर अख व्यक्ति क्रिके क्रांटिस एवं डेकीटलड संस्थ्र कविता रंभरक जाणिकराज्य कर्णात्र शामि हर्षे-बाक् म्यावम शक्ते छात विश्व क ब्रेट्स नदीरकाष्ट्रीन वाद्यित समान बेटेरन सर्वा का थन विश्वास क कृष्टित म हमांक वाहाँन क्विश्वा विवा शरीकांध (कान (कान व्यक्तिक केवाहि ,वाकिर<u>के</u> है व रकपूत्रि कार्क्सरतम् अध्यानिक युक्त कृतिरम स्कान स्वीत स्केटक शास्त्र के।

ा त्य सबस राजित सूर्य कोवाना व्यापं त्यांन माना करका वैद्या त्यांन प्रतिक परित्रों किया कि त्यांक अधिकारण व्याप्ति पर्वतिक विद्या अधिकारण व्याप्ति विकास विकास विकास सीटका छोन । यहाँ जानामाटकास के कि नाटकास दश्य आर्टक सिकास के काम्यास के दश्य के काम्यास के स्थाप के की क्षेत्र के सामानिक के सिकास काम्यास कार्य के काम्यास कार्य कार्य के कार्य कार्य कार्य कार्य के कार्य कार्य कार्य कार्य के कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य के कार्य कार्

· J. PENT किर्म जा मानहर क्लिम नाफि स्थ रहेरक भारतना किए मार्ड, व्यंख वाणि विशेष्त्रर काक्यद्रण नि नद्यंद कि के গোলা বারিজ্ঞ बागायम विक मकाषि व में .ट्राकार्य और SUPERING CHIE हें हैं जा जान के लिए क्रिलास आफिका प कासन कोई व आहेत । वीर्र कामा र "प्रदे

केंक्न रमा दक्ष्मी BOOM WAS MINE PROFESSION OF STREET क्रिकारम् अधिकारम किस्ति यात्र मण हैने बाह्यकांत्र कारत देत मान रामाना ने वा वृत्रदारकत कि बीकान कड़िद्दन াৰালডের কোন गर्वा चीकांत्र कवि-গ্ৰেট ভবিষ্তে ালা আছালতের रे किंबानिशदक न ं जानिद्ध मार्था ্গিছারা ঐ কর্ম रा धन्छ म-ু পদ ুলা দেও s, water mi-महिटा रहेटर जाटन्य कहा ুল ভাষাৰিতে. न जनर खनाम र्याणि विक्रिय শিক্ষার্থের, সম্ব-

> "माम अख अर-4WEA चित्र ह

उर ३६० होना जिल्ला (लाडे , अक्टन क्षांजा । मरबा क्रिक क त्यांडे ज्यां थ हुक क्रिएंड एव 何. C刺la Chia

व्याणिय छन्। वर्षाम् अद्यामा विक्रीमः अवश् मद्द्र्या मद्द्र्या कार्यद्रक्रम् इक्स्याह्महरू श्रञ পোষ্ঠ আপিবে উপস্থিত আৰু আনুষ্ঠ বার্যান जिम पिन गर्प गर्प व्यक् बर्देशन, कथन कथन কৈৰ তুখোঁতো নিয়াছাত্ত্ব খাছতলার বসিরা बाजि अगुष क्यांका वह कर्म राशांति ए কিরিলি ব্য**তীত ইউলোপীর কোন** ভর সভা নকে থীকার করিডেছ হেবা বাছুলা, বোধ করি এই কারণেই উক্ত শ্যাক্তিবিধের বেতন অভা ल व्हेबारक क्रिकिट्लाडिश्लाई वार्डावित्वव नाव शक्तिम के श्राम चीकांत्र कविएक अवर्ग-মেক্টের অন্য কোন কর্মচারীয় যে 1 বার না, শোষ্ট আ শিবের প্রধান কর্মকরায়িণের স विरवहनात्र व्यक्तिक वृद्धि कत्रम । जैनिरक्शकिर পোট্যাই:রাইবের প্রযোলন পাইবার সময় উপস্থিত মইলে যালালি বাবুরা বিলেব বোগ্য शक्तिश्रमणांगी व्हेरणक कितिनिता चाटक অবোদন পাইগ্ৰা খাটকৰ কৰক যাঞ্জি বালালি | জের প্রশিপাল কথন বা হেন্ত মাইর কইডে ইনিশেটিং লোট্যাইছের স্বিভ আঘার পরিচয় আছে। ডাহারা ভয় স্থান অভি मुक्तिक अपर अंबंध विदान क द्वियान বে আহাদিলের সায় বোন্য লোক অভিকর পাঞ্জবা রাম্ব ও বোধ করি সধায় পৈতৃক গ্ৰসম্পৃতি বা থাকাতেই ঐ ভত্ত সত'-নেয়া খভাপ বেছনে এখণ পরিভাব ও কট चीकांत्र कतिरक्षरक्षेत्र, देवीविष्ठतत्र व्याना कांग नमं नार्विकृत क्षणाना माहे, विक्रा कार्या बाष्ट्रीय प्रवर्गतारुवेत पान्त एवं नकत कर्ष 🔫 क्षात्र विशेषा ना नाने जन ? वारा व्हेन रे-शामिरमा विकास हिंदि कर्तिका दशकरा प्रकेष कर्त्वता । कृदस्तां (अनुमे देनिदल्लिक विदयन श्राविक्रम के क्षण केविटलाकेंत्र श्राविकाकीत्रणि-(शह, निक्का: क्षांत्र पूजा:। वेष क्रिंडनंत्र मात्रा त्मरामत्र राष्ट्रं खेशकाञ्च केवरेकरक् सवन्यस्मित्र जना दक सन्दर्भक्षाक्षक, बीको, दन कल, सहेताह नट्ड, ८७ मूर्ज इतिहर्मक्ट्रियुष्ट्री, अक्टबर्ड विवास जबर कारवा चारवांचा क चालकारणांक त्यांग मा है। देवीता जा अकार के अवस्थि हिंकी विकत भादेश बादकनः देनिद्राणकेकं महित्योक्स्ताव भागिक रक्कन १२ के बाइनेक विकाद साम नरव, माध्यक्षिक न्याप्तिका

निविद्यो बङ्के चार्किक रहायन नाष्ट्रिमान कविद्यो बारम्य कृष्णत रव किंदू जनातक कि उनकित क्टिं। जाहा नमुबद रचन्त्री हैकिरणहेक्त्रवा करहत । अवस्य व्यक्तिविद्यक्त वंबीटवांना श्रास्क्र विक कतिया रमध्यां कि लयर्गस्केषु कर्स्या নতে গ সম্পাদক মহালয় । একুণে উভয়েনীয় : দিলের ব্যবস্থাপক সভার সংখ্যার ও প্রথাসভার বিচারাল্ডের বিচারকের পদ পর্যন্ত পাই बाद्र निक्ष्य बहेशारह, सन्धरनके कारमस्यत व -कांनि विक्कितरभन्न कांना कि बत्रावनके पाक ৰূপ থাকিব ৷ শ্ৰেনিগনের পদ পাওয়া দুরে ধাকুক এপৰ্যাস্ত কোন এক ক্যক্তি বালাকি নি-ক্ষকে কলেজের কেন্ড মাইরের পদ্ পাইতেও क्या राजमा अपे कितिकिनियात मह्या क्लान या किएक कथन है निराणकेंद्र कथन करन लया यान, कितिलेश कि यालांनि निकेत्रि-रगत करणका विकास क लिक्क्षेत्र एक्षाक सारवी (बानाः -

বিবিধ সংবাদ।

১৯ अ कार्किक हमामयात् ।

रगरके हे क्षेत्रान स्हेज्ञारक, बाद ज्ञाबरना-পাল পোৰ বন্ধদেশীয় ব্যবস্থাপক সভায় অ ন্যতির সভাপদে নিজেক্তিক স্ইর্ডিকন : রাম গ্ৰোপাল বাবুকে অৰ্ডে- ব্যবস্থাপক সভা এ:-दन म्। कड़ोरक व्यक्तिविद्यत स्व भवःदकाक कविद्योदिन, कार्य पृत्रक्रेन। उति धक सम ৰবাৰ্থ যোগ্য পাত্ৰ। ইহাঁদ্ধ বিষ্যা বৃদ্ধি ও ২ত ভালি শক্তিরনারি বকরেরণর হিত্যাধনের 'व्याचारिक हेसूब 'व्यादक । क्रिक्र ज्ञाका प्रकटनदम् रमान मुश्या में काश्रीकन इतिया अरक्षोप मकास्त्रम् करिएक्टक्स्म मे। दस्य १

ंशक्तिमुद्धः प्रमाति दशकि का मार्गाण के दिशि-क क्षेत्राहरू । भू विकास समय का मा बार् वाकाpan from Campanille actuations.

THE REPORT OF THE PARTY AND ADDRESS. OF THE PERSON NAMED IN COLUMN

(मायशका

" प्रवर्तना प्रकृतिविताय पार्थिवः बरंसती युनिववती व दीवतां . >

8 **कांश** । ४० म**९था**।

मन ১२७२। २० कार्जिक। है १ १४७२। १० न्दब्बन

वाजिक वर्ग वाजिक वर्गि

िकाशम ।

গ্রাহকগণের প্রতি

এাহকগণকে ভানান বাইন্ডেন্ছ আখিন
ন ল লভীত ছণ্নান্ত অন্তেকর প্রমন্ত সো
লপ্রবালের মূল্য নিংলেণিত হইয়াছে, কাতিক
মাল ভাউত লইনোও অনেকের মূল্য শেল
ভউবে, অভগন ভাঁহারা হুর' করিয়া মূল্য পা
শিইলা দেন। উক্ত মূল্য পলিকাতা সংস্কৃত
নালেন্তে আনাদিপ্রের নামে পাঠাইলেই আন্
নরা নির্মিল্ল ও শীত্র পাইব।



निकाश्य ।

নি কুক্ত কলো প্ৰদান সিংহ বালেছের অধীক পুরাণ সংগ্রাহের ভাষ্টম খণ্ড কীমা পর্বা ,

প্রচারিত ইইয়াছে। নির্মিষ্ট প্রাহকণণ তা বং প্রহণ কলে। যে লক্ষা মহাশর প্র-নান, গিতীয়, বা ভৃতীত থক্ত মাজ লইয়া নিন্ বাচেল আর ম্বার খক শন নাই, শুহারা নেয় পানল সভবে গ্রহণ কলন ক্রি পরে কোন কেই সার পাইকেন নাঃ

শন্তা বোংক্লিক । প্রাধানাথ বিষয়ের তাং ২১ কাড়িক ল ১২৬৯ । প্রধান বিভারিত

द्यांग्यक्रांग ।

ক্ষান্ত ক্রেন্ট্র বেলাক্র নীশ ২০ এ ক্রেট্রক বৈশিক ক্রেনীর কুলসম্ভ ঘটিত আর ক্রেন্ট্রক প্রান্ত হাইলাভিয়েক আরম্ভ ক্রেন্ট্রক প্রান্ত

मधकारम धोठांत कतिलाम या। छाहांत्र का-রণ এই, আসমা এডিজা করিয়াছি এবিখ-रात विठादत अवृष्ट रहेश भात गाठकश (नत्र वित्रांत स्थानम कत्रिव मा। दिवास बानीटनंत्र यनि अ वियरत्रत मीमाश्मा कता चिंदिए हर्त, चामता धक्की मर्श्वामर्न ৰলি, আৰণ ও গ্ৰহণ করন। উভয়ের এক বাক্য হইরা কলিকান্তা সংস্কৃত কালেজের # जनमानात्र वर्ष शकानम, जनकान শিরোম্বনি, গ্রেমচন্ত্র ভর্কবারীশ্ এবং ডা-রানাথ কর্মবাচন্দাতি এই কর মহোপধ্যার जनानंत्रत्क वधारचंत्रं भटण बत्तव क्या इंकेक । ই গারা উভয়ের এমর্শিত শাস্ত্র ও যুক্তি 'संबंध कब्रिया या श्रीभाश्मा कब्रिया निर्वन, ভাৰাই আনরা সোমপ্রকালে প্রচার করি-हा निव अवश कम्यूनाती कार्यात चाइ-त्रदेश भारति वर्ष क्रेंच मा। ऐभान्द्रात क्राल -পুদরতা কলিভেছি, রণা বিচারে কল

भादी ६ य ।

मान्य कर पानि भव जामानिएमेन करण जान करे पानि भव जामानिएमेन करण जानियाटक प्रधादात छेटा क्षकिक करे-ला जनावन भव व्यवस्थ भौतिक वास्ति निरम्ब गांदायार्थ भौतिको निरम्भ जामानिएमेन निरम्भ भौतिको हिनाम निर्मा वामानिएमेन निरम्भ क्षेत्रिकमान्यामानिक नी मानानिएमेन जारे, क्षालिक वृद्ध मारे, त्वव्रशिकात निक्टके व्यक्ति । शक्तादत कलिकाका जान ॥ मा जवर जीवृक्त मानू दक्ति। विवटत क्षयान केन्द्रयानी स्टेस जवादत कामाटक केन्द्रयानीका त्यदिक्त नानू जनादन नानि। नीकिक।

ना विदिक्ती । भारतान हिन, मार्ग कारत वर्षाक है डेनिविच सर्वेद्रीटकः गरका अन् मन अकि स्त्राकृतिकाविकारमञ्जा সাহায় কাম করা অভিনয় আৰু শি কলিকাভা ও খনা খনা ক্রিকার अकरन लाटकनाइसद्वात कार्रके क जूर करेग्राटकन, कीक्षाता करिये उक्रायन ক্ষিয়া দেশৰ শীৰ্ষিত মানে জিলাক द्वम, काशास्त्रिशम यहमञ्ज केनकाम हरेटन । चामहा अद्भिक कविद्यादिलाम भूमहात कहिएकहि, शक स्थानिक भाग भाग भाग क्ट्रेंटक दर खुन अर्थेंड अस्तित्क शासन, महान किन्न केंग्रियान क्षेत्र ज त The signer bridge strice, most त्माक विकासक और महागर्म तक दर की संबंध संस्थित के नाक्षा नक्षा का उन्हें बीमा क्रिक्रोब अवर आम शतिक्र छ तारि

> লাকে লাহেরের সাহায্যার্থ টোন-থালের লকা।

होत बादत चत्रका हिनिश्दन अक ब्रक्की সভা হ'রা সিয়াছে। সম্ভাব উল্লেশ্য লা त्यमारहत्त्र माश्या भाग । बिरनिर्हाहर, निनिन विषयहि, विषक अकृष्ठि नर्वित्थ रेकेटब्रा होत्र ७ अट्टजीश रिन्ह, स्मलमान শর্মী প্রভৃতি নানা জাতীয় লোক সভা काल के अधिक हिल्ला भेरगंत्र किनतृत छ

> (मण्डेनणे श्रवर्गत्र जानन সভাকে অলহুত করিয়াছি প্রধান লোক গমন ক্রাতেই াজা হইরাছিল, এৰূপ নছে, াবিধ রুজিল বসন ও ক্রুত্রিম

ाकिए व्हेग्!हिल i থেমে সভার উদেশ্য ব্যক্ত াহার পর ক্রমে ক্রমে লাভ अधिक्य औष्टि ७ एक नाट्य ीर्ग वर्क्तुका करहत । जकाव

বাহি চেন্ত্ৰ পরা ও ব্লালাভাশব্রির अकुक कुतादे 'तारे तारे वास्तृ कात्र शूथा फेटा ११ तम **केटल**मा निका स्टेनाट्स। नकः ब्रहे बद्ध ७६काटन लाएकगारवरव्य विना नम वाकिनिटमत संग्रेष स्थ दाध ও তদ্ধ বিনাশের ইচ্ছা কলে। সক-েই ক্তৃতা অবণ করিয়া উজীবিত ও উৎসাতে হন। লাভ এলগিন বস্তুতা কালে ই অনুরোধ করেন ক্রেউছর পশ্চি माक्टल इंडिंक नगरम ए धन नक्षिक इरे. ्रे तिहम, काशंत्र करिनके त्य होका कारक. ভাছা ল ভেলারেরে পঠোইয়া লেও. ব হর ঃ मार्की होगात दक्षि (८ इन कतिहा धन व्यक्ताव धवश (महे धन व 'मर्कर् अभिन्न कार्किटक महाभीण कतिहा রের গার সভা ভাগ করা হ-

बेग.1

ঠকগণের গোচর করিয়াছি সর চারল্স উত্তৰে পদচাত করা "প্রীর্ত্তিক:রি ঘলে-त्र ॥ धकास शक कर्देत्राद्य । कलकः खे पन ভাঁহাকে" পেছাকেওঁ, করিয়া তুলিয়া-ह्म। छेश्निरशत्र बारका वियान अतिया। हेश्लरअंद्र भरमक द्राधान लिएकत् अ क्ष अर्थीं इरेशांट ए छात्रक्व कि । जी नक्व विवास वाटन दकान वाखि १ क वेखेदाशीम कि अ प्रभीत जकत लाक । किरणंद्र वक्ष्वीकति । ছिल्का अस्ति स्व बरे नत हात्रलय केएडत कार्यात शिष्ट था । अर्थवरल हित्रशापी वर्यनावश्व हत्र. अ भाष ভাবিক বিরাণ জ্যিয়াছে। এবপ সংক্ষার । রিক ইক্ষাটা কার । পতিত ভূমি বিক্রা স क बिवान धक्के विनिधे कान्न ७ कार ह ! ' চারলন উত वरीनुद्वत तालकुमात्रिभादक eo नक होका पिटन शत थ क्योरतहा अविकातियनथणातिक स्रेश (छोनका লের সভার ঐক্ষতে ঐ কার্য্যের যে প্রতিবাদ করেন, চতুর শিরে মণি জীচুদ্দি कांत्रि मन अकटन छाहाई अ समीविण्यन विद्राश लक्क् बिला अमाव विद्रा #1-(क्म।

शहा रेंडेक, हेश्लट अब श्रथान वास्ति দিগের উলিখিত অমূলক সংকার খাকা ভাল হইতেহে না। তাহাতে ভারতবর্ণের স্বিশেষ অনিষ্ট ঘটিবার সম্ভাবন। আছে । যাহাতে এ সংকারটি দুরীভূত হয়, একপ চেত্রী করা অভিশয় আবশাক। ভারতব त्त्रं त्रश्नमात्र अमिर्डिकात लास्क धरे नमद्रा धक्काका रहेश नव हात्रनन केउदर অবিগমে এক থানি অভিনন্দনপত্ৰ প্ৰদা न क्यून। छाहा श्र्रेलिटे थ (मर्गद्र ला কেরা উক্ত সেকেটারির প্রতি অনুরক্ত कि विवक्त देश्लकीरववा अनाशास वृक्ष एक भातिएकम ।

जब हाबुक्तम छेड ब दंभीव्रक्तिसंब क তক্ষতা প্রবর্গন ও অভিনক্ষন পর সাতে त त्यांना भाव अत्यस्य याहे। खात्रककी য়েরা যে খ্যায়ায়ে খ্যাতা ব্যবস্থাপক স कात्र वास्थादरम प्रेताएसंग, तम् काश्येत

লেন, ভাষার অনুকৃশ করিণ কে: কোনু वाङि यञ्जवाम हरेष्ट्र अञ्चलनीरमिश्राक বছ অনর্থমূল কণ্ট্রাক্ত বিল হইতে রক্ষা করিতেছেন: এদেশীয় পদচ্যুত রাজগণ ও श्रधाव वास्किमित्गत श्रार्थिक भूतर्ग कतिहा মনংকোত দুর করা প্রধাম উদ্দেশ্য কাছারও बस्त य (मनी किरान महस्त क्युत्नान छ प्रभिष्ठ करेवार व महाबन इर्शिक्ल. কে বা ভাষিকাৰণ কৰিয়াছেন ২ এক সন্ত্ৰ চা दलन छएड माम निर्फल क्षितलई वर्ड श्रेत्रं खेलिह महस्त्र हरेर्द मक्तर बारे। य बास्ति अ लामत अयम हिटेक्वी, जिनि কি অভিনন্ধন পত্ৰ লাভের বোগা পাত্র नर्इन -

नव हात्रस्य पेष्ठ ८ करें हैं। रिक

त्य याखि मुद्राणामानिक्त प्रमानह रामान भागक इप्त, अक्रमात्मक शक्ष्यांनि করিণ বলতঃ ভাছার ভৎ পরিভাগি চেন্টা कविरत त्य रामन धक्करित ऋषारशं मह र्थ मा रहेगा अक्राह अ मानक स्वा त्रवन धक्वात । शामक छवा त्रवस कविया थ वित्रक्तिक्क । धमर्णन करत, कले कि विल लहेडा कड़डा अ**ठकश्राम हेर्डे** हाली-(प्रज त्महेक्स मन। चरियादक। जो दिल केंक्.मिरमञ्ज यानम चम्ल इहेब्न:८इ। हैं-शता कामकृष्णदे छैशंत्र भावती माजि विक्ष क इंदेरक शाहितकरहम मा। नह छा-ब्रम्म केल वीस्म मार्ट्स्य

क्षेत्रके विल प्राचारा कतित्वम, ब्रिकि ना-रहर काशास्त्र कर कर्नार रंग काली मरकांड कतिहा वावकाशक मजास विशावक करि-रमात्र, किन्दु कोहां प्रश्न अह 'हान्निम' केट**ए**ड भाविक अद्भार भी के निक्ष स्मेतार । पानुबाटर : देर प्रमा का क्लांककर्ण प्रामानः किसि बारा मुक्ति बाता पान विशे पेक प-

Companies of the state of role not plan, with this in-

ম প্রকাশসম্পাদক

अहा अस मसीर भर्ग । Maine faceum fene met-। श उबारब माहीकाइव गर-ार्विय संबद्ध द्वाब क्या कविद्या वं कर क्रम लाव ३ इहेबारह । क्षिता जाक नवाक वटर क्षेत्राह्म । याध्ना अक्षा अर्थन कर बाम आमान का मन लाकिमांच का। न. विशेष श्योषिक देन कारम बकति उथाय क्षेत्रिक हे से सारा गर्भ, चारमक अलेशी वाकार्यक क न (前," (中)" 西洋電源 東有"-. । इंग्ड भी द बाई, मुक्रम किंत्र छह्द । जुन्देनक वर्षे-निड राष्ट CATT पृष्ट । नकु क स्टेब्रोटक . १ । रहे जाना जीवन वालियन ল কথানট প্ৰিচিড বলিয়া जागाःस्य श्लेकां अवस प्र विश्वास कि कक्षाद आशि। र १४ औष्मक केंग्रेन क्र्य সংগ্ৰহ! উজ ঘোষিত্ৰ-क दर्ख शासि क्षेत्र दि-र अक्षेत्र मान्य क्षेत्र विषय 1-#, CB:# 1 7 44 5 48-। किर्देश विश्वकर्शन विन के देवेंड क्षेत्राकाद्व ग्रह एवं अस्मानिक के निव े क्यानिक दिश्व के ब 海柳 医毛科 李田川五

ल सब्सा मुख्ये सुर्व कवितादस । ANTERES MENT BIRES went very at a siche 35 (माबदे १ व मीम । अवन्यान उन्न क्रमा ruce a find war as no fail रल. ३ परिकार्श्वयु, वर्तवह हैक्कांद्र 4 4:1 KISTARE THE MEN CATE IE. Tay fair at the second of रवन मांडे, " विश्वा

क्षा अस्त्रीत SIA SINGLE STATE OF THE STATE O श्रीयद्वाका का का का का

38 Mg 31

আপ্রমার ও আর্তিকের বোরএকা ল পাওুবার ভয়ানক সাবীকারর বিজেপ পাত ক ব-का क्षाविक कुर के के करेंचे हमान। मरश्रीक धारकीय बाकारक किलिया अधिकार प्रस्क অধার বজন করিচাহিলান। পাঞ্যা বছকালা-वृद्धि श्वासारा विश्वास विश्व के विश्व मा है है । स टाम्ब्रियम्बर्गाः कार १: १०००, चन्त्रास्य विन्द्र त्युरु क्रांच क्रांचि क्रांच क्यारे प्रशासीन शिर्मत मध्या मध्या मध्या महानद्ध । मध्या मध्या मध्या । शी. केवन कि ले जाजिक नहां प्रतरम मध्य प्राधित, योक्षति 🐞 मङ्ग्र-प्राधी पात्र दर्भाषीके बाउ पृक्षे दश्र मां। भाक्षात विशास म निरुष्त निक्षे विश्व खानात खेळा. ब बहुव दम्बिन्ना इक्षरकृष्ठि व वेलामा । ए मालाव छहा दवा-प्रशा कृष्यानिकाने प्रशासी कारण निर्मित रहेश। धकाल गर्वास नामन केल्योगेड् पाविका कत्र करिया जारन व्यविद्यारत । किंक के बिहर व निक्ते हथ,इक्स पाकिश विनेत वापीत सक अकर्ष प्रायात गहर अहब डेलाहिड करेंग्रे, व्याध अब से जबन वह जीति वर्णन कविष्ठा चान्द्र। क्षमार्थे नहरू वे कि काम कि करिएक शहित मा। পাঁও হাতে একটা মুখ্যে কিকাছা হৈ একটা স্বাক্ষর अक्षी थानः, धनर अक्षिकांशराकुउ देश्वाचि ना भाग विकास खाल्या किय क्रकीर नाम हिक्द-तामा महि । जानार महि द्व अक कन चारहन ভাষাকে ভাষ্টাৰ ৰাল্যাল খলা ভাজ ৰ বিংগ্ৰ व्यापनानमा सक्राह्म। ८७ मूझि द्याचित्राचीत बाजूपि का केलड़ 'कमान के लगेड्डे! में कीउड़ें। स्थित। म विश्वन्यप्रकृतिक वीमार्थक भएका ५०। १६ 🗓 मा-क केशकिक अंशिक, विमेशिक क्षेत्र चाहियेदियह (जोकना क विमानिक के यक देशिया साम्य-भी क्षेत्राम, काटलाकत विद्या चेत्रन ଓ खावात मका दम नेवा के फिल के किए में किए विकासित पर क्तिन दिश्व वंडा-छंनिकाञ्चर्यान्य समय स्थान লনভার পাঠসমণ চ্বৎকৃত ১ইবেন,ডিনি নি (क श्रामिकक अम: केवानि श्राहिमार्ग विहा न-(क्रम काणानानान्य-पृष्टि छ। क्रांस कहिंद्र। बाटकस-धन: विक्रमेश्राहित गाउँदि लेका ३६ व है कि धारी-ताम कामीकात अ तिविनिक्त, केविनेकिरश्रंत दर्गरम्य विशिक्षक रेप्यूरा विशेष वृद्धारवर्त विष्टर वि क्षेत्र वर्षाकारका शब्दम्ना वृत्तीवृत्ता मात्रह व विकासिको कि कि कि कार्य कर में कि A Priceces faber ette Affine eife Month & wante wat willen with fa वरमार्थिक देशारका ने का नवे वा का की की की लिक्स अवस करिहारहर) किन्न करिहारहर Bann afteln mar in a fereil bel Gefet AMERICAN SECTION AND SECTION OF THE PERSON O ness enform fanten minter dan mellen. HIT IN THE PARTY OF THE PARTY O

র লিখি শহন যে ভেতুল ও বীল গৈছে ছ कार दर्शन यह माहै। वीन यम स्वाही शक्रदिबी खाया विध्यय रक्षस्त्रीयात्व रा लिखा र, इ'रह, अमन आम माडे र्यथात्म क्षेत्रका मा दब्, खुळबद के नकल पूत्रीकृत नः कति। तिरम द्वार्थक्य मानिकार व चाराम्य ह थ ন। কালোগা বাছ জাবার কৌত্রল নিরা विशाह में जिलादक आमीटक शाहात शाहाता र्शालम । वहांभयं: बहे बंधन जिल्लास्य रा त विश्वित्म भाषात सम्बद्ध विश्वीर ७५। का या जेन बीलिन भवनशा भक्ति व देशोट्स, टर ওবা অভি ও বস্তুক পুঞ্জনীয় চতুঃপাথে श्रीरकाष्ट्र, स्थापाक वांश (स्क्रीरत प्रतिक स्मारकर रणास्य व नीकृष्टि क्यातीकृत प्रवेता नहरून है विद्यादम्, दर्भावाक वा शहरकाकी जाका नकत द्व 'कामादन अकामान अमान अभिनादम् । जीव । जनमे दावित्म कामाचक दाव वह दा क ं वानित्यत स्थल हाका । अहावान स्मार्क माहे 'এট করেড মানের মধ্যে প্রবর্থনেন্ট ডেখ।য় এং क्रमक कालांत गाउँदिस्मम मा। क्रांमा प्राप तमान वन'का लाएकहाँहै वाकि करवस, दीवा চাঁদ্ধ করিয়া লাভিয়াদ কৰেক ভাস্থার পাঠাবী शास्त्रम मा शुकाक्षी करियाकिटनक्क स्मर्टन স্থানি কণ্ড ও সমটো লোক থাকিবেশবিম বে कवित्वह विका क्रिकिशीमक कृष्ट्रा क्रेटिक (इस् कत्रक कावकारमा अवस्थित मान दक्षा अव विश्व औरमांच क करमक वसु में क्ष्यू में ता दमाकनिटमंद्र क्रिकिस्मान समा के है है। मा अन कतिशाहित्। जागिति जास्यक्षेत्रुक्षक अहत क त्म काशा करिना व थिय वर्ग। THE ROLL OF REAL PROPERTY. উন্তর পার

> in States 🖢 THE THE PARTY OF T Distriction of the state of 出公司公司 · 李龙帝山 · 张海林春春中夏日歌山中山山 A 元 [195] 等"好也" 新國國際國家的分本事件等 LAGRICUA AND BRANCH ... 产业

क्रमानिक समानि स्वास निष् निचिक (Marie के के के किएक) का नाम वहें

न शादन वश्चात्रक्ष 635.3CA 437. C. O.C 7,28,244

李明 清明

अवात हैनकाडीका अधिक प्रदेशन कान्न ह चारतक वांकी है।का चाहार रहेर हुई स या किय बादरक क्षेत्र क्षत्र कालाव दा हाई।

egantiem waster व्यक्तियां बादकक्ष अंदर्भ आदक्षना हत्वरक्षेत्र जी-> • • के क्रीको स्थापन कवित्रार्थित ।

हरित्रवान वर्टने, द्वामादि वरिन ना-अन नज कार्यक्षात्र नामा व्यक्तिका, कंपात्र नज जनामाकिक कंपायिक क्रम्यक, अपन all full a walkite havis after

केल नाम देशक्षां की क्षेत्रक में साम की शारहत रा कोक्सिक क्यांक्रांगाड कार्य के हिन, ८१ मूख व्हेत्रादेश श्योक्तकामात्र क क् াৰ বধাৰকৈ স্থানে 'ক্লাউটা' জায়ক মই

ুক্তিট পত্ন অবশ্ করিবার্ডেন আকুত্রনীক্তি क्ष्मराम्ये विश्वीत निध्य त्रांकश्रह वश्योत कार्य महाबाद वारमहिक --- जीका वर्षि क्रियाव क्षिताहरूम । एक जाराटक जीवटना

And in Children and Allers is ्राम निरम**ा क**्रिक ··· (STATE

मिनांड मिनिक काउ उपर्द का निवारहरू, कान रानिद्वा आधात मरखत कथा कि ?

९० व राष्ट्रिक मनिवाद्व । रेजिन्स्य अक्कि विश्वालय स्टेडोर्ड हिरो তে ইউজাপীয় ও কিরি ল বাল্যেক্স অংখ্যারণ ं अवृश्यके छविषित्र १,८०० है।का

बोर्टराइ के दिका बरमन, जलकिरमङ्ग म अब स्वार्ड पक्षणब कि अब अब अब अब अबिया कालक अने अरेक्डिक माजिएते हेंदन स्थल-क किलाका रक्टकभीक कार्यमध्य शहरत व नक्का शंभ वारम्य मे।

किविक पहलब क्षधान्य विवाहालद्वर আপীল'আলালডের (পূর্বতন সদরের) উ कीरमहाकाटकमाटकटत्र्व मश्तकात्र सम्मा सूहे বছর টাকার অধিক চাঁস, করিরাছেব 🛊 🕆

विशं विश्विक बुटना चनर्यस्टिक कांशक बक्रीक श्रेटकट्ट ।

... डे केंग्रांत निका 104---্ শৈশ্বর কৌশ্বানির 3: -304 क है।काव के 7-8-2-81 e इ डिकान के 334-133214

रारक्षणक गणा।

विकास मृद्रा अवस्था-अक्षा करेता सिंशमी-क्षत्रदेश भराच कविटलक ।

সিলেই কৰিটা নিয় জেনীয় ভিক্তিনক জি-र्भव क्थ केंद्रेशि काका बनाएकाता स्थादन विकan main face to facous-westigen ou-द्युनीह द्युनियोधी वहाह आहा आर्थन कहि दक्षमा

ু মুখ্যু মুখ্যা এমতিত ও এখ মিছরায়র্থত ত-विशेष विकार मिटमके क्षिति एवं विकास करिया ছেব ভাষা আয়জিন বাবের সভায় ভর্নন Witcom !

Bi Begress for for ment both জ কাণ্ডিত ক্রিবার বিজ জগুল ক্রিবার জ क्षेत्रक स्ट्रिक्टन । अञ्चलकि **(सक्स क्षेत्र)** १ केंग्रे तथा व्याप विश्वामिक विश्व अपन the morning - book only failured in दस त्य गाम्या त्याच्यानात चार्यीक प्रवेड छ the are four ten for favorage to feet wind in Mangh Stades supported

CHE TANK AND AND THE WAS THE Charle Law

And the singers with the same state. ren much mighty be where from

GRE MINER IN CHAPTE PER WE WESTER COUNTY विशा देशकात्रा वाक्षित्र अधिका निष रहेरत। ज एक विश्व क्षेत्र मधारत कार्याचे एकहि हो। रहेरत। अत्र १००३ विश्व हो।

· रेडि:डामीब

मध्य ११६ घटकेश वर्ष विकेश्वर ।

o a Boses lattel will will विश्व का वास मान्य काल श्रमाकिय ह strick | Alecality Chain! "A मकार भावभाव वहेमारह। विद्वार कार्य पहिला जिल्लाका कर्मान्य एक: इ । तम दिमद्गिष्ठ दमनाहा क्यांकी क तिही स्रीकृत करेशांट्स । अवेशांट्सर इक्षि श्रेटकः इ । अर्थदेशद्रकृष्टिकाः উপৰাক। জাগ করিয়াহে। বিস্তা णिक गुरेनिम मद्दाः वेशकंत TE WARN'T

name interes with কৰাতে বিজ্ঞোহীয়। অভিনয় किरमा कविशास इत्यापना कः निकारी अवहारि द्वार पुष्ट हेरे बोप्न माहै।

क्तांनी विश्वनक्ता शासक चंदम्दनम् पर्वकाशं करा क र मञ्जी वर्षेत्राध्यम । महाक्षेत्र क्षितकत्वम । अभिवास अवा ভব্রা সাধারণ লোভভিত্র बाका ब्राह्मां विश्वन क्रम क.

श्चर्यम् वि

सामगाटम-हेर त्याः

衛中政 आक्षात्राहिताहै।

244 metten-9 fennfentug बरकांच कर्षशकी तकते हैं, क्लानिक शा west fan ston, france sing : कार्य सकासन क्रांस्ट्रेस कुछ ३००३ व STORES OF THE PARTY OF SHE

चना जुन

यक्ति ग्रिक्ति केलाएक मध्य प्रकेशीय ना, जाश्रीक सरक कामक्री नामप्राप्त के वि-ब्रायास्य अन्य : क्रिया । क्रियाम् के विका वित्ताः कृतः वृद्धिः वित्रीः श्ववान विवातः कः क्रियाद्य, का दिवलिंदन माने अनीत्रमान हहेता. किनि अटम्डन्द्र चामानदेखन चर्चा ब्रीवृक्तिकाशिकारमञ्जूषाम् अपन् अपन् अपन् अपन वाहेन विविध्य वर्गा आहमिक एरेटल अटम त्मात त्य भक्ष **अ**भिके चर्डित्यः जाहा व्यक्त काल वृक्षिप्रारक्त । त्यामता पूर्वा द्य संगी कहिवादिलाल. केंक्र बाजन विश विधिनक ফালে একেলে কণ্টু কি আৰা **উ**ত্তিয়া খা-हे: १, किलिश रत भक्त कहितारक्त । चैंन र'र এक शकांक व्यक्तिकारतरे करी करेत्री-१६. त्य भूत युक्ति व्यवलवम क्रिका है य हेर बत्र क्षाचार कहा क्षेत्रहरू, कार्य विश्वत्र महार १ (या यहा, अव वाकि अंक काइ। क्षा क्षिप्रा नित्र दनिया किह्न গ,গন লইয়া কোন কৈন প্ৰতিবন্ধন বশতঃ দিতে পারিল না, কিন্তু সাপনকাতা অসার वर्तिया मिटलम, स्य सुक्रिका क्रिका क्रूका-, भ्य वर्षे, विष्ठांत्रकार्था काषांत्र क्षांकि अक वर मदत्र काम्नाबादमञ्ज कारमण कविद्याम । ট্যার জুলা কু**জ্মিনিয়ন্ত অসমত আইন** আর কি ছইছে পাছে? ডারলুল 👼 😜 त्तम, त्काम ब्राटकाम् द्रमान, प्राकेटन अक्रम নাই 🖠

Anteliga guffgelent Ligit.

THE PROPER PROPERTY OF THE PRO

वाह कर्मकी केंद्रके देखाँद क्या है हमान विरंत्रक पूर्वत क स्वाहत

क्त्री कारकारीप्रविद्या चर्चा कर्त्वरा । अकार कार्न निर्देश अकारिक स्टेरकार ।

বৰ্ম। এককৈনীয় বৈধা বাকিনিবের চিন্তিত টি,কবসকের পদ লাভ।

७प्र । बहरमणीग्रावरवह विकिन गा-विस्य करवम ।

वर्ष । त्यं मक्त कर्रीकांत्रत्य कार्यात् क-तित्राः क्षत्रीकार्ति क्ष्मेत्वं कृष्टिक् कं क्ष्मों क्ष्मे-त्रार्टकः कार्याकारता कार्या कृष्टः व्यक्ति ।

ত ম । বে কাণ্ট্রান্ত বিল বিভিন্ন হই-লে ভারতবর্ণীর স্কুথকবিশ্ব-ক নীলকর প্র-ভৃতির ক্রীভ কালের নাইন হইছে হইছে ভাহা বিধিয়ক হইছে না'পার।

७क्टं । अव्हासनीय स्मीनंत्रिकंत्र च स्टेबर्कक्र मानित्ये दहेत अरम मिल्लानं ।

हैशाह मधाना हाँ। क्षान जानानियन जन्दानानी र रहेटाट ना। जरू, या ननन जन्दानानी र रहेटाट ना। जरू, या ननन जन्दानान जना जनावित है रहेटा र जिल्ला क्षा र रेगाट हैं जिल्ला विवास महामजान जाटनका कना जनावनाक। का राज क्षा क्षा जा जावाना का राज क्षा क्षा क्षा जा एउनानी जा-काला के जावान जिल्ला का निवास है जाना जनावित का जावान कि । विज लेक्स क र अवस्था का जावान कि । विज लेक्स क र अवस्था का जावान कि । विज लेक्स क र अवस्था का जावान कि । विज लेक्स क र अवस्था का जावान कि । विज लेक्स क र विवास का जावान कि । विज लेक्स क र विवास का जावान कि । विज लेक्स क र विवास का जावान कि । विज लेक्स क

THE CHIEF AND THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF

Antipopulations

(a) one of Calebration

(a) one of Calebration

(b) one of Calebration

(c) one of Calebration

(c) one of Calebration

(c) of Calebration

(c) of Calebration

(c) of Calebration

(d) of Calebration

(e) of Calebration

(e) of Calebration

(f) of Ca

THE DAY SAID

できる。 ひまれてす -A WINE FUNCE OF the series were THE WEST BEFORE THE PART POPING विश्वविद्या अशास मण क लाक बारह । जशाब क्षा करिया भागिरकालन भेता करेका व्यक्तान नुसर्गन विन सम्बंध राष्ट्रिक व मामा विषे हिंगामा । छेणात बात कतिया सर्वे करावन न्यं कामकारवंड निम क्षिक श्रीक को THE THE WATER HALE THE WIT THE PRINT THE PARTY रने रनेना गाँउ हैता

भ रहत । जीव चनावि जन

THE PROPERTY OF

*

रेरक्ट देश कारि कार्य गामिता क्रार्थ क्षिक बहुता का का का दशहर का है हा ক্রুপ্তত প্রিমান ক্রিয়ার চেডা ক্রিডে-एम । प्रति विक्रम यथार्थ न्याप्रशाहन इम. ডিবি কর্মী নিউডা পরিত্যার করিয়া স্থ किंक्ट्रें और कथा कहिएबन " यति छो-यात्रिक्षण्यक्षा अपर्णन कतिवात जनमा পাঁটৰ, বৈ ৩০ লক্ষ লোক (আমেব্রিকার अनिक भाग) मुखल यक हरेशा त्या स्व बर्डिकार्कित मात्र कामानिएशक कर्य व दर-বাকি সম্পাদন করিতেহে, তাহ

অভি সেই দরাপ্রকাশ কর: আমি খণ্ডেশ ,शिक्क बरेग्राहि, यथार्थ बटब्रे, विक न्यानि मृज्यंगयक महि। + + + + प्रृत्रदक्त जुल्लाम क्षेत्रीटक त्रका कतिरण्डाच्य ।+++ चानि स्त्रेर कानां पिरभव अवि स्त्रा अका-म क्षित्रा चरुरज्ञार, क्षिटकरि, रकावज्ञा শব্দিন বিকে (শক্তিন ফালোলিয়ার কাল विश्वाप क्षति । पुनिष्यंत क्षत्र । वेदर ब्रं**का न्वरंदर्शः ऋ**षिब्राहित्मयः " यान्यक्ति के इंदर्गंत्र की कर। यश्मिक्टरात्र अकिबि क्षेत्र मानिद्रक, भागि केंश्वरक प्रशर्थ. कार्यकरतिक क्षेत्रक नार्यक विद्याल विदेशकी विश्वा क्षेत्र का । "

्रिक्स विकास साथ वाका श्रामा अ-क्रिक ब्राइक । " काइयबर्ग इ क्रिक्ष " क्षे जनक पूर्व जन्म शक्ति वित्रवत्र कावा-जिल्ला अवन दिवस्त कराय कतिर्वर । किंग हिमाना नाकि व तनी हरितन বিলেক্তা কুন্দ এ সমূর্দিগের সাধীনতা नाक क्रमेंड नहार बाकरेंग क्यू क शामित्राच केंग्याहर विकास समाधीन कवित्रा BIRATE COME WHENTED TO THE WITH BACHA P CHAIR AND

द्याम नाकि नाक्नकातिता विविद्धाना रक्ष्या के कांत्रक देवन के क्रिकेट स्ट्रिकट्ड : देकान मञ्जूषत्र वास्ति कटत्रक क्रमे जित्रह मीनका के हो क्टब्रेड चोर्डेलाक्टक काल बर्द में श्रीवृषि बिलिया गर्नमा अविदेश हैं नीही हरेरवन ह

सर। समर्थ अहे कात्रम डेग्सिक स्वा वरेपाटक, त्य करेंग-शब ब्रुलाई बार्ट्य हि-क्रमहित्रहेत्र जानामय त्रश्वाच माणा शि-विताहित्त्रम, विस्तादस्म नात्म अक सम नरकाती हो का क्यहाती वाशवात वरी-নছ এক ছুত্রিকে এক বিষদ আভানিক প্র वात्र कटड अवर भी विवन काशास्त्र अस श-कारणत गरमा वर्षः कतिना द्वारथ । शन्तार जूनतिरकेरथके जिनगटनह नगाडि कटम পর দিক্স ভাঁহাকে বাবতীর বস্তুরের সম-क्कि कामत्रम कहा क्हेंस अवश् अक शह माठी तक जानियां काशाद आशात कति-তে অন্তিও করা হুইল া কিছতক্ষ্ম পরে त्य काविशा- त्यम ! क्यक्वाद अक्रो रक्षण अध्या क्रेल । अवाह विषम हातक अस्तर प्रकृति क्टेंडक्या हरे । अफ़िल। রিভক্তভো নতে করিল, কুইরির আপ বি-**रताय व्हेज्दर । छाहात कुल्टमह समा**हिङ कतिनाह अनुवादि प्रेम । विक् क्वडनान गारत रंगले त्यान, काशांत स्थान विदेशांत दर्श मारे। जन्म देहलमा स्टेश ब्रुहि किसिन तुर स्टेडन काश्रदक जानाम काम्मानित क्रमिति प्रकृत्य कृतिक स्थिता स्वतः। AND PROFECT WHEN THE REPORTER BERT COUNTY PROPERTY AND THE

व्यन रमप्र हा कर्, विक्रुश्नी क्षेत्र ७ किशिका १९५ हुए र

क्षेत्रम पारम कर्युप, कामाशा आकृति देख्या वाडिता माकुकृति स्वा-ক্রির খানিকা ভাপনে অপারগ ও পরা-विश्वादक भागावन कविद्या नुरे-अद्भवनेत्र थार्ड बादन-क्रमुध्य बारमद्रि-

31 4 5 5 3 3 बानम्, व्यक्तिकः विक्रमाई जानवाशकारिक After Bridfeld wief face toat went हैवार्गा नवार कारिकार हुन । जेन्द्रा कन क ि नरहरे नहेंसे चीतवारिकार आविरकार (人)有 对代明教 ·學科學學 學學學 (日本)學 (文)的 रेत्रकार बाह्य कर्षा कारण करिया है करिया

नित्रं व विकारमञ्जू को के विकास स्थापन स्थित PRESENT AND PROPERTY OF THE PARTY AND PARTY. atā 初晚年海中下西南部中海南川南南 山南市 山 कान कारिया । कार्या करेंग्स । कार्या प्राप्त

THE STORE

· ·

एक बार्डिक अधिका जैमन कि संग्रिटक: ब्रिड्ड क्यून्डान कि कामिटनाव करक अ [agg. t was hear we

्यू राह क्रावंब गरकत नेश्माह गतिगहहे करने क्रांस परी । पनि जनवन शतिला । व्यवास नाड निविष्कृत गड, गटन बहुक्त कर कुराविवाद्य प्रविद्याय बहुता किरमम, जलाजि बृद्धि द्वाहित्युहास सम् हेस्स पर्य अवस्था क शिक्षांद्रकृतः। प्राथवा श्राविद्यापि, कर्वानिया ५ शास विचात हिया। केंग्र वहकिरणत की रेण 图 (图14)

्र आहा अक्षान तरतम् छत्रका काश्मीयश इतिहास मृत्युष्ट्र क्रिज्ञच्छा बहुन्यावत अवन **ভারাদিনের সম্পত্তি নীলাম করিব**টি ^{ক্রন}্ विकि अकि जासा केर म महिराद्वस । अस वर्षे । नवर्षेत्रिय विश्व क्या क्षक्रिक रव वाद व्हिट्ट, काँवा ट्याक माथाइच समागाह ३३:७ कियोब केलिं। स्मया किय देशहरू ४३०० है। नाम के अवेदिक प्रमाण कामियान वक्रमाध गोर्ट्स कार्च साइविद्रशावनिकार कटन निः र्ट्सिन विविधित क्षेत्र श्रीतिक एक न्यान्यात्र महि विकित्ता क्षेत्रां अंदे अस्तरात्रां स्था सहित के स्थान के के किया है। यह के किया में राश क्षेत्र, रक्तां के नाटब्रह्म बाबनी कियाcalles ereife us नक्त लाम रायचार्य हारमहे अपन भार

मेर क्षेत्रके देखा कार्याच्या होता करिया है। THE PROPERTY OF SPRINGER

क्ष अञ्चलां कडेड ल किश कर में या ठान कि बीम बीडिंदन, शहद कार्य कार्याकें दि ? ति संख्य त्वानांक्षण्य वर्ष स्वर्ण वर्षात्त्र २ व के का का मिलान को शहर का है का गर्दकरिय बांगक का जैनि गाहिन व कि बांस टाकुन कामुक्ति दिवस्य ए कार्न कार्न त्यांत्री महेंद्र," काह्नव्य 'दे वण तह , में। यावाकींत 11 41: 60 CAR E. BEERICTY, -द्रे अवंशि ह-3-16E

हेरज्द To a म्माटकम् विके 8# 27 mil. व कारिया करिया সেই বিশ্লালে केन्द्र सम्बद्ध यांचांच

GEG TAN विश्वदेश वा सक्ता (य कहिनेस Acat Gr पानियाकिर में ग्रेट-विंदा देशक वं र त्यां है जीतांव विट्राइ के विशेष-नश्टक्श करि प्रके कविनम ではまべきので 後き as also with BINER

有限 計 神

्रवाष्ट्रम देन गरेक जाकि मार्किन PERSONAL WINDS वर्षे क्षेत्राच्या स्थान

मिन्द्री क्षारमहे गहतून

क्रिक्ट अपे अधिकारि · 阿里科斯科 本 · 准算程序 / 撰 5147年11 मारे बेट्या के त्रक THE WORLD まれるない ないと Unigera Bib Lacing of

उंग्रिहें क

र व्यवस्थात

ांगा नाहि देख रगणन पेट गणन पेट गणन पेट जिल्हा पेट प्रकार की जादेश पेट प्रकार की प्रकार पेट प्रकार की प्रकार पेट प्रकार की प्रकार प्रकार की प्रकार की प्रकार प्रकार की प्रांध की प्रकार की

TOTAL WAR

"祖祖子" CAMP LANGE ALL THE PRICES AS WANTED THE PARTY NAMED AND THE WALL AT BEET "机"体制制制 tres nicht ermitte THE STREET |अवांचाच **वर्त्वारह**ं ३ गाम राष्ट्र करिया है। POSICIO BIEL जिक्रा ह अवनीहिन्द्रात अक्टे वर्गमंत्र स्टेट्ड A SCAS LAMPS AND 4444 रंगागुर को क राम जान केला विदय द्वाभी व

अंत्र केन्द्रों (सन् क्रिक्शिक क्लाब केर्क क्लेक्ट्रोंक) क्लोडक्ट्र ह

उक्त नव श्रासन्यकार वृद्ध प्रकार व्याप्त करिया कर्या कर्या कर्या करिया करिया

रेपिन्नवाम स्टब्स, हेश्वन वास्त्र वालीय जाराक २०० व्यव स्थ्य गरेश जानारम वारे क्षित्र । व्यवस्था व्यवस्था जानारम त्रीय स्टब्ध कार्या केवाड, ६०६६ महानित्र म इ. ध्यम व्यव कार्याच्या कर व्यवस्था होता वरे हा बार्या क्ष्र कार्याच्या कर व्यवस्था होता वरे हा बार्या क्ष्रिक कार्या क्ष्रिक कार्या कार्या कर्या केवाका क्ष्रिक कार्या क्ष्रिक कार्याच वर्षा है वर्षा कर क्ष्रिक कार्या कार्याच कर विवास क्ष्रिक क्ष्रकार्य क्ष्रक क्ष्रा क्ष्रक कार्याच वर्षा है

College of the operation we say

केर जिल्ला , बार्ट्स मासक क्षाणकेर का ता जानियह जान मास क्षित्र किया हर तुन का का द्वार ध्यान क्ष्म किया जार का का का का ता वार्थ क्ष्म का का कार्य के की का का ता कि मास का जारेन कारत है

विती देश्यादित और अंग महामानाण वर्णन क्यादित में के के का कावित वर्णन क्यादित में के का कावित महिल्य का कावित क्यादित के का कावित क्यादित क्य

त्व चाहे आंद्रेटक हि चंद्र केट कि जिल्हें केंद्र कि कांद्रांकक कर चाहे कि कांद्रांकक कर चाहे कि कांद्रांकक कर चाहे दिन है जिए कांद्रांक कर चाहे कि कांद्रांक कर चाहे कि कांद्रांक कर केंद्र के कि कांद्र कांद्र कांद्र कि कांद्र कांद्र कांद्र कि कांद्र कांद

नारेना, क्यानशृत अवदान दश्ये वास्त्रश्च व जानारमञ्जू श्रीमद्यक्त कावा वास्त्रित्व होते. त्यार एक रहेरक श्रीमनक्त्रश्चेशावित्यक रहक निर्मारक श्रीकरमेंड अंग्रेस स्वर्धन स्वर्थीय ग्रीम

The state of the s

water the table

量 50000

শিক সক্রার ব্যারভার জ ক্রিকারেন

कार विशेष विशेष

> विकास मेल जी-

(मायायकाक)

" प्रवर्तनी मक्रांति विताय प्रार्थिकः चरवाती जुनिवचती न चीचतां। क

० फान ।--**२०** > ज़रबार 125

मन ३२७७। ७ व्यवस्था । इर ८६७२। ३१ नदम्ब

विभिन्न सुन्या है कर्न अविद्युष्ट प्राप्तिक के कि

रिकालम ।

धार्कभरनत् अछि।

প্রাহকগণৰে জ মান বাইজেছে, আনিন দ ভাতীক সঙ্গাতে অনেকের প্রানত হোঁ থবালের মূল্য নিংলেবিত স্টরাডে, কার্টির দ ভাতীক ইউলেও অনেকের মূল্য নির্দ দ ভূতিপ্রস উপ্লার হ্রা করিয়া মূল্য পা-শ্বা কেন । উদ্ধান্তা করিকাতা সংস্কৃত নাজে আশ্বিকার নাবে পারাইলেই আ-হবা নির্দ্ধিয়ে ও পাম পাইব।

विकाशन '

চালড়িংগান্তা নিব'না জীবুক্ত বজ্ঞানিধর নিংহর পুত্র জীবুন্ত কালীকুমান্ত নিংছ ক্ষত্র-কেল হারাছে। ইহার বর্ধ মোর বরঃক্রম ংই বংসর, সক্ষিণনিগের জ্ঞানির নিকট হলটি ছোট আনচিত্র আছে। যদ্যানি কেহ উফা লক্ষণাক্ষান্ত ব্যক্তির ক্ষত্রসক্ষান করিয়। নামপ্রকাশ সম্পান্তকের নিকট সংবাদ দিতে গারেম, ভাচাকে ২৫ টাকা পুর্কার কেওৱা।
।তিয়ে।

সোমপ্রকাশ।

"इ" कार्यश्वातम् । नामवादः "

धनः क्रमणेषद्गदक धनावाण पिवात धवः लाध्यमारमञ्ज्ञ विकटलेक्षकका धनः मं कतिवात चिन क्रमण्डिक इत्हेश्वरहः । क्रथमो-धरतत्र क्रमा ध लाध्यमरमञ्ज क्रिमाह नाटन प्रे ७ लाविष्ठ क्रमा लामध्यमा म क्रिमां क्रमाहत्व इत्हेल । स्वास्ता स्टम स्टबं हेल्ल साम स्टब्स क्रमाह ८ क्रमाह

বিৰয় অৰ্গত হুইবার নিবিক্ত নিতাত উৎ-मुक् क्षिएं भारे। भार्रक्शावत सार्वे কৌভূ:ল বিনোপন করাও আমাদিগের অৰণা কৰ্ম্মৰা। আয়গ্ৰনায় সম্পাদকের স্বিশ্বে বৃত্ব নাই ৷ আয় অধিক ছউক. भाव भाग रहेक, जल्लीक नाशासूनादव পরিজান করিয়া ঘারজীবন সোমপ্রকাশ অচারণৰূপ অধীকৃত ত্রত প্রতিপালন कतिरवन, अहे के हात क किसा। चक्रवर चारत्रत्र विषत्र क्रांतिक। शांठकशत्वत्र विरम-व रेखेलाख मारे। जाद के ह वा अहे बाज व्यानिया तार्मन, यक चात दृष्टि करेरन, कठहे ইবার জীর্জি তাহাবিপের নয়নগোচর स्टेटन । बारमञ्ज विगरम बक्कना अहे, लाम-প্রকাশের নিভা ও নৈমিত্তিক ব্যব নিভাস্ক व्यक्त मरह। आहर्यशत्त्र क्षत्रात्र नकत्त्र कारा प्रतिमा बारेटक्टर । (वाध रम, अविध-বে কোম বাজালা সধাদগত্র সোমপ্রকাশের मान मिक्नामाली मा। अक्टन आहक গণের এফটা গুণের বিশ্য বিশেষ করিয়া উল্লেখনা করিয়া দৌলাবনালন কর। বিধেয় इंदेर्ड इ. । (मामायकार्याव वाश्किमित्रव व्यात (१०१ मृजापात्म क छत्।, क्रश्नका व्यथ्या देणातीमा आपर्धन करत्न मा। क क्टल भाग अरुकी श्रद्धाय उ केट्रिय क्या चावणाक, राष्ट्रांत्र अक्यांत्र आहरू इस. র্ভায়া আন্ত ইহাকে প্রায় পরিভাগে ক

উष्टि विवरत्तत् विष्ठांत्रकर्छ। आग्रता अस्ति, क्षण्यानमाँ अश्यक्षणांकी भावेतस्थवहे

ভাষার বর্ষার্থ বিচায়কভাঁ विवरतार विक एतत अधिकाशक आटर्स भागनी और मान निमान भागति, नेर् धकानै (पनकार्ष कीटकेंद्र नाप्न बश्नी थ बार्विनीक्रिकत खेतंन, गिंबदेत माप्त विवक्षम थ इसँग मंदर । गक्त निमक्त रामिकं ७ अकुम (भेरेसिन) भेरे मक्ति परेटक्ट । देशं से किसी পদাৰত হইবে, ভাহায় সমূৰ আদিই ক রাহে ৷ পাঠকগণ বৃদ্ধি **উল্লি** 'গ্রাটার বীকার করিতে চাহেন, আর একটা উ किमकन अहे, भारताम देशांत्र वेंगप्र भग कतिया विचाविक व्हेशास्त्र । दीक् সর্বদাই দোবানুসন্ধান করিয়া বাঁকেব তীহারা যে অভিপ্রায়ে হোব সম্ভাব ক তাচা মহোপকারের নিমিত ভূট্ডি ए । देश कुरुकारिक स्देश हारे नम मारवर या अरहानाथम क्रिकी क्रांतिकत्वा ७७३ ग्रात **स्त्राजनाय स्ट्रबद्ध** । **यश** উন্নতি লক্ষণ এই, সোমগ্রকাণে খবন টে বিবল্যে বে ক্ষতিপ্ৰায় জাকাশ কয়া হয়, আহ विख्य यूक्तित मनूनादत्र राक्ष कवा हर য়া থাকে, জাহাতে ব্যক্তি, সন্মানার অথব काकिविरमात्वत अनुरद्वाध वा मूथारशर्या बाई। बाह्यद्रंबं ब्यानटक त्रामश्रकात्म्त्रः क्रेशन बाज शत बाहे कृशिक हहेग्राटिन देश क्याकरव्य इहेटल कर्वन स्वारक * কোশে পরিত হঠত না। লোকের কো क्षेत्रक्षित्र राक्षन, हेर्ड व्यथिक बाका महर

করের। ব্রু ক্রত গুলি ইউরোপীয়াকে চটি টাকা ইরাজা লেখা নার কেন্দ্র থাপি ভাররাবিদের স্বরণ স্কর্ভতে, বে

वानि जासाविरात चन्न स्टेंड्डिंट, तान
वर बानन नवान सम्हानवाका करवान

गत इस्टिंड्डान मित्रदात

अ अवह महान मोण दन विस्तिविवादहन,

वर्गमनेन रेक्डिंड्डानीदिन क नवान रेक्डिंडा
वर्गमनेन रेक्डिंड्डानीदिन क नवान रेक्डिंडा
वर्ग में इस देनलेक्या निक्छ हत। व एएटन

वर्ग मार्टिंड्ड नमार्न कित्रारे निकास इत।

वर्ग मार्टिंड नमार्न कित्रारे निकास इत।

वर्ग मार्टिंड नमार्न कित्रारे निकास इत।

वर्ग मार्टिंड किट्डा कित्रा थाटक। वर्ग
वर्ग के कि वर्ग वर्गात कित्रा थाटक। वर्ग
वर्ग के कि वर्ग वर्गात कित्रा थाटक। कर्गा

হুর্যার প্রতিগোচর হয়। তত্ততা ইউরো-

লক্ষণাক্ষাত্ম অনায়িক ভাব; শান্ত প্রকৃতি

क्षेत्र रावरती गंभीक केंत्रिया चराकांत्र हुत अकास चार्च करेश रात । ৰিপরীত ভাব দর্শনের কারণ ়া ইউরোপথও কি অর্গ ধাম ৷ মনুখ্য-रहत्र निकृष्ठे अवृष्टि नकल कि उपा इरे-া শন্তর্হিত হুইয়াছে ১ তথার কি কেবল নিত্য আমন্দ ও অমারিক ভাবের ভ্রোত াৰাহিত হইতেহে : বিধাতঃ অন্য অন্য াশের লোককেই কি কেবল নৈসর্গিক াব সকলের অধিকারী করিয়াছেন -াঁহািগকে তাহার অংশ ভাগী করেন ই তাহাদিলের জনমদেশ হিতীয়া চ-**্বস্তুর নাায় কি নি**ৰ্মল বিগতে, যদি ভাছা ै **नगरक अरे**क्श দেবত্বর বরিষা দৃষ্টি ক-ক্ষাথাকেন, ভারত ভূমিতে পদার্পণ মাজ **क्ष्रि व्यमा**निष्ठ वर्ष माल हु । इर कार क्षिक्षा कि बंद्या का किया विकास ু**লবিদ্ধ ল্যায় এমন** কোন গৃত প্ৰাৰ্থ জ্যাছ 1.सर्मार्ग मान देखें (ताशी महिरात शह-ं शक्तिवर्ष स्टेश याव ?

्राह्म क्षेत्र है होता अरे कातन निर्ण्य राह्म है केरतान बरुखन यक अन्यक्षि छ का लोक जानकार्य अस्टर्स, होई नि- গের সহিত আছে বিশ্ব কোনের সুনা সংসর্গ হর, তাছারা ক্রিক্টাল নিজ হতাব গোপন করিরা রাহিতে হাইছাল নিজ হতাব গোপন করিরা রাহিতে হাইছাল না । তাছাতেই ইউ রোপীরবিজ্ঞার ছারাজ্ব চাব সচরাচর আমানিপরের নাম গোচর হই রা থাকে। এই ব কোর ঘাথারা বীকারে জামরা সমর্ভ নিচ। একেশে ভত্রলোক আইসেন না এ কপ নার, ইউরোপথতে অভত্র নাই এমনও নার। উলিখিত বিপরীত ভাব দর্শন করি বার একটা বিশিক্ত কারণ আছে। এদেশী- মুজিগের দোঘই সেই কারণ।

ইউরোপধতে বিশেষক ইংলতে স্বা শীনতা ক্লবজ্ঞতা নিভা বিরাজমান। এতি-বেশীরা পরস্পরকে আত্মসম রূপে সৃষ্টবা थीन कीर यनिका कांन कतिका शास्त्र । जू-ভরাং কাছারও উপরে কাছার অসমত এতু-य केत्रिकार हैका नारे। त्वर ता रेका कति লেও ভর্মান ভাষার প্রতিকল পাইরা शांटक, कांट्रक काट्यारे रेक्श-निक्र क वित्रा "রাখিতে হয়। এখানে সেত্রপাহয় না। ইউ-*द्याभी* द्याता विदलवकः हेश्लखी द्यता अटकटल । उनिहरु करेटलरे काशनिटगत चनुःकत्रदर्भ अटमनीयमिन्नरक निक्र हे 'अ चारीन अजा ध्वर ত্ম প্ৰাদিগকে প্ৰধান ও প্ৰভু বলিয়া এক টা বিজাতীয় অভিযান জয়ে। এদেখীরে রাও আগনাদিগের পদ ও গৌরব বিশৃত হইয়া অনাৰ্যা কাৰ্যা ও আচরণ ভারা সেই चित्राम बङ्किएक धार्चाश्य करिका (एम । **अटर करे कल इब. रेकें**द्राशीएत्ररा छुताका व्हेश छेर्छन, ब्रह्मणीय्रमिश्रास्क (सह मी-রাক্সা সহ্য করিতে হয় ।

ইউরোপীর দিগের অধান ও প্রভু ব-প্রিয়া অভিমান ক্ষণি ব র এবং ভালাদিগের অত্যে এদেশীরদিগের দীন আচরণ করি বার কথেকটা কারণ আছে। ইউরোপীস বিগের প্রেম করেণ এই— ইংল্ডীরেরা মনে করেন, ভালারা রাজ জাতীর, ভারতবর্ধ ভ লাদিগের করনত্ব এবং ভারতবর্ধীরেরা তাছালিগের অধীন্ত্র त्यत्रं मात्रं वंशिक्तः अपूत्रा गालि विस जात अवातं कर्तनः, बाहाता विकृष्णि कृति-एक गाँतित मार्शिकृष्णि कृतित्मरे ज्यन्त्रं। ज्यका भागन अगानीत लाट्य त्मरे ज्य-र्वत्र नम कृ नियात्र्य हम मा, जूकतार ज्य-र्वत्र नम कृ नियात्र्य हम मा, जूकतार ज्य-र्वाखत कृष्णित्रित्र क्षित्राचा कृष्णित्र मदन कर्र कृत्य व्याखनित्रत्र क्षित्र मत्र, ज्या ज्या रेक्षत्रां शीरत्रत्र मदन क्षाक्षा मरकानिक हरें। वाद्य ।

এ দেশীদের। ইউরোপীদের অত্রে বে मील चांठतन करत्रम, छ हात्र बूचा कात्रन रेशमिरात जीइका थु काशूक्रवणा। व्यव **पृक्षि ७ (अंग्रेजन अद्रिशन मिरिलरे** हे-शंता त्मव कान करतम । त्मवका ऋके शहे-ल भाव निखात नारे. अरे छाविशा मनि শেৰ আনুগড়া ধারা ডাহাদিগের চিন্তকে স**ব্যো**ণিত রাখিবার প্রাণপণ চেই। পান : অপমানই হউক, আর লাঞ্নাই হউক, कोबारक केवत क्या मार्थ । भारक्रवया हा লার জাতি, ভাষ্দিশের রুত অপমানের পৰিলোধ চেতী৷ কৰি ণ্ড ইউলাভ সম্ভা-दमा मारे। একে ७ जाभनावा दीनवन ७ কীংদেহ, ভাহাতে আৰার রা<mark>জপুরু</mark>বের। উচাদিগের পাক্ষ, কি করিছে পিয়া কোন विभारक भिष्क, भारत शहे हिंदाहे छैं दिक इत । मूलवांश काशाश्माक इरेबा अ जीकात राज्योग श्रदृत्ति करम मा।

SA, WIN & MUNICIPAL PROPERTY STREET, पराश्राक्ष अविदेश किया जाटक कामाजिक स-क्तिमार्किका क्रिका क्रिका अक्टलाई हा ब शर्राहिक मान के जोहर केरक ! अका-व विकास अधिक चेना पाकिक चेनावन। লাভ বেৰা ক্ৰামাৰ নিকটেও প্ৰকাৰ প্ৰ-(गाहिक श्रेषाबंबा एक विन वर्गगा । पिनि व-উন অর্জান্ডাভ করিবার বিবরে কার্যারও व्यथिकांत्र ७ कमका महि।

व्यक्तिकार क्यांकर विवास अहे. आग-भीरबद्धा क्षेत्रांशीविष्टंगव व्यव्यव उक्ति कतिश अमेनि कतिया जुलियः एक (व शक म'न, मख्य स सन धक्कि मर्बार्टन क्रिके এপেশীয় কোন' ব্যক্তি কোন সামান্ত হউ,ৰাপী গ্ৰহে প্ৰথাৰ কৰিলেও গর্বপ্রয়ন্ত্র প্রতিপ্রধান করে না, কিছ এদেশীর নিতা নমন্তার কটতে বিরুত কর না। একবার যে বাজি প্রতি প্রণাম করিল ा, डाशास्त्र जात क्षांक क्या रकंत ? है-উরে:প্রীয়কে প্রশাস করিলে কি স্বর্গনো-भाग मध्यप्रिय कहा एक > (समर्थ-कार्य वां क्षि क्षि क्षशारम् सामा ? तम यमि क्ष-ধান না করিলে ফুপিড হয়, ভাছার সংস-র্গে প্রয়োজন কি ? জিডেক্সির আলব্যহীন उम्राथान ७ व्यथावसायनाम नावित्र की বিবা বার সার্ব্যাই উ প্রাটিত আছে। তরি বানি কোন কেনের নাবস্থা সংগ্রহে ত মিত্ৰ এত শতা ও কাতৰতা কেন্দ্ৰ?

दिकि मारमण्डम माने नहीं किया व 'नद हास्क्ल केस ।

সর চারদেস উক্তান্তান্ত্রকারীয়া ক্রবক্ষানি-शत्क जिल्लि क्रांकिस एशीयरबयुः अहिक सूरे বাব রক্ষা করিলেন : বীক্ষম সাইন্তৰ্য কৰ के कि विश्व थे 'ब्रिकि जारवादक, क्यार्क क प्यत विम् विभिन्न वर्ग क्या और जो जो जाता विश्व विवि तास्त्री विश्वेषा विषय भाग आसीच अपनेत वृत्तिकार्यात् श्रीकालास्ट्र निम सम्बद्धिक नार्विकाल काउना आकार.

भारत अस्ति हैं। विस्तृतक साम्य THE PROPERTY AND STRAIG COURSE वित्र विक्रि मास्या के विद्रम् मान्य हुन्छ

क्षेत्र मारेन स्टेटन ता शक्ति क बाहरूक क्रिटकर, बें.हाहरे काताबात बाहर वर्षेक । किंदे विक अनुशासन कतिया कथी यात न्यां का की तथान प्रेटन, क्रवरकता क विरामा क्षा माना । जाहाता वृक्ति मरशा वाक्ति अहिक कांद्रिक्टलत रेक् यह नमू-नाज कार्य। निर्वाद कड़ित्त. धरे के कामाने जेवृत्र विजवृत्र कारेहत्व श्रकार कवा वरे-शकिल ।

नत हात्रम्य केड क्लकीकरत्र यह विलियां जात्रक्षम्बित् अवर्गदम्बेटक अनुत्यः श कतिशारक्त त्व भी मतन्त्र 🕸 व्यक्तांशर्यत्र वि-ৰাপ হইবার পর হ্বেমি জাহারা প্রথমেক্ত প্রত্যাচারকারিগানের সহায়তা ও বানে।-त्रक्षम कतियात्र निमित्त विरामन माहेम कति वात्र क्रची शांक्टबट्च । तिि गांटबट्वत अखाव विशिवक स्केटल गर्वविध এडिका क्टलबरे कथ भ्रेशक बढ़ावमा, त्रांन वा-जिन्द्र शक्तिवान नारे । अरेकाल जातक করিয়া বর ছারল্য উত কিবিরাছেন " করি **धरे बिरमक वृध के नामिक हरेक, कारा** रहेटन देश देशक ७ जना जना (मरम्७ थठानिक करा अनात इरेक मा। किस क्रकात च रेन एबिटड शारे मा। "

ু : জিনি জারে৷ বলেন বাৰস্থাপ্ৰ পঞ্জার যাবভীর সভ্যোরও এ বিলের विषया धेकमणा मुखे द्रा ना (वर् (कर रेशांदकप्रविकाण खवा. (कर वा एकदल एक रमण्ड दक्ष वा वाविका क्रवात वियदेश के लिक-क्रविवात असूरताम क्रिक्शाहरूके देखें। विभिनम क्रेटिन एक एन सिक्रांस्थानिक एकं काब व क्रिक ट किसाइमको विकास इस्ताम अवनि कुर् प्रमह नावाक अवन HAT COURT WAS TRAINED TO THE (1) THE THE PROPERTY AND THE

tag sistem sas THE PERSON WHEN THE PERSON OF

िक दिवस प्रकेश चर्चना । कराह छए कतिरहा चा বাহার শক্রের বিষয় নিবিছ: সক্ষ করিয়া সর চামুলুক বিশীর का व्यवन व्याप्तात विद्यार कि द्रवादिक मार्टर स्थिति देशकी के शादक्षेट्र किंग आया गर्ने (SEE RI | 1 SEE, 12 RES चारामध्ये क्षांक्रवाची इतेता सहिता से कर करियोदिक किला केवार केलिएक महात्र मा कड़िया विकास संविद्ध मा, काशांक व्यक्तिश्रीत वर्षक जवना क्षेत्रके जातक स्टब्स विकास नकार्य कड़िएंड एवेरक करकारण नरके चानक गत्रक द्वान त्यर गेन्न अक बान क्षेत्रक त्य दिनाने भागकिया निवादगार्थी कर वह मी. है.

এভাবিত আইনের লিভিড ভার্মিট त्वत कारण किनि विक्तारहरू, किवि थिक रहेबाटर, क्यांत्र कर विकास বে ক্ষতি চইয়াছে: ক্ৰব্য এই প্ৰাক্তি जजावना हिल, काहा भूतन कहिला जिएन शहेरर । क्लाप कड़ा: काम का किल्लामा जिल विभाग २००१ किया अवेग, ध्य-मानी किय शाहिम मां । पना न्यंतिस स्वित्स का

मान रहेच : **व्याप** चटन -कॅ.स.स Te- Sies Granden Star, Siel W ब्रिटिश क्रमनकार्य स्थानात्र केंग्र, १८ माना रवरका न विकास अनुभा कार्य के निरंत स्रेटन हैं कि आया मा कर्य कर वा शाह सरव ६ र में शक्त श्रीक कीन कविनात्त्व विशेषार्दिश क्षिक्र केर्निका किना स्टब्स केर्निक अधित क्यार लेख शिमानेश संख्या रह

करे डाँडाईकिनिशंटक श्रेक बात छूरे रांच रुत्र, निशा क्रिकोल बाँडारेबा लग. ररेटव जा क्र चरशस्त्रि रुव्य मा ।

বেশা বিশ্বস্থ বৃদ্ধি একশন করিইতে ন্যুলন উর্ভ প্রভাবিত বিলকে
তালই করিরাছেন এবং ভারতবর্ধীর
শাস্তীর এউকে ভাষা রহিত করিবার
শীর হুলরাছেন। তিনি বলেন " বাণিজ্যা
শির্মান্ত প্রের সুবিধার জন্য বিশেব
করিরা আর পক্ষকে ক্তিএও
করিরা আর পক্ষকে ক্তিএও
করিরা আর পক্ষকে ক্তিএও
করিরা আর পক্ষকে ক্তিএও
করিরা আইন অনুসারে আপন অপন
গারের উর্ভি চেন্টা না ক্রিলে বাণিশ্রীর্ভি হ্য না। যাহাতে শীত্র বিচার
যা সম্পন্ন হয়, নেই ৰূপ আকালত থা
কলেই বথেও; কোন পক্ষের বাধীনতা
লাপ চেন্টা মুজিনিক্ত নছে। গ

পরিমূর্ক সম্পন্নকের বালকডা। ": উক্ত সম্পাদক আজিও আমাদিবের াকোর উত্তর বিলেন না, তিনি আমানি-धत् थि (व बाचारत्रांश कत्रिवाहित्सन, বাজিও ভাছা সঞ্চল্প করিলেন না। তিনি रिर्व फेक्क ७ व्यविश्वाकाती वर्षेश्र वर्का-। বিদেব করাতে আসাদিলের সনে বে কাভ ও কোপ ফা-্বিয়ুছিল, জঁ,হার ইদা ীৰুম তীক্ষতা ও অব্যক্তিতা দেৰিয়া ভাষা मांगना स्टेरक रे पूरी कुँक स्टेरक्टर । जिनि बियुक्त वांबु काली ध्मक निः एस्ब एसहाई क्षिंश क्षेत्रिक करन षा क्षित्रहरू, विश्रो-**पाँगी क्रियान कर्या शाल्या, इटन, किस्र** निर्दे निर्दे निर्देशकराई वं शहर मिथावानी নিৰ্মান্ত্ৰ 1 কালীপ্ৰসন্ন বাবু নই কাৰ্তিক बोब्देशिक्ट निकरि यह रहिर এक शानि প্র পারিটির কেন। শামরা এছদিন পরি শৈকের ক্রিট্র ক্রিকার তাহা প্রকাশ ছার নাই। পুৰু ইবাছানে ভাষা একটিত য়া, পাঠকপী বিশ্ব হৈল বীকার করিল।

वायता भूदीभन्ने महत्त्व भवी। द्वाक्रिया व-রিয়া দেখিলাম, পরিষশ্ত সম্পাদকের নি-তাত্ত ৰালকভা আক্লাল করা হইয়াছে। ৰাল-কের উপরে ঝৌকের ক্রোধ করা অবিধের, এই বিবেচনা করিয়া আমরা আপনা হই-তেই তাঁহার অপরাধক্ষমা করিলাম।তিনি বে কিৰুপ অনিষ্ঠগাধনে উদ্যত হই ঘছিলে-म, बालकका अञ्चल कोहा दुविएक शास्त्र र मारे। बाशास्त्र आमानिरगत (मरमत ला কের অনুপ্রমাণ ও অন।বিধ দোব সংগোধিত हरेंद्वा के.हाता मध्नातं निवं निवं हत, यागता अन्भर्त अहे रह है। भा हैं। है, दि छ बारता यकि विश्वा क्षत्रक्षम कि वन प्रविष्ट हरे, क चान चामाचित्रात छेशः বাক্য ভাবণ ও वृक्ष इत्रवन ह প্রহণ করিয়া উদর্গবা

> শ্বানি ছাতার ক্ষিতে পারে ; হ

चटवरू जबदत्र यू जा नक्ता, जर-व इश्रेष কার ও অভাসের কি য়া যাহার । जुिक्छ-क्ष्म **ध्यान** कि गढ़ा हरे. मृचिभः ध পতিত হইলে ভ এত শীঘ क्षे विका-कीत ७ विचा कि वे काश्र में मार्थ केन-विक इटेल । विश्व यपि अनुशायन कतिहा কেখা যায়. কেল স্মুক্তাধারির মৃত্তিত মৃত্ত-**(कं विश्वणों काम क्यारे जनक रत्र। युक्ति** ক্ষেশু শান্তামারির সপক্ষতা করিতেছে J জনদীশ্বর হার্থন পুরুষকে কেল ও স্মাঞ এখান করিয়াছেন, তখন তন্ধারণ যুক্তি विक्रम कार्या नत्छ। स्माना मन्नामन इक-ক, সার অন্য কিছু হুটক, ডাছার একটা केल्प्स्य बारह । बद्धात्रन मा, कृतिरह रा **উटक्ष्म जिक्कित गायाक करने। आ**र्मिश्न रेश्ताकी जूला भाव छ भिन्नाम नेत्र देहता, **এरे जनतारम काकाटक " क्कील म्बला स्वत** क्षि त यति किञ्चामा क्षेत्र, देश्योदी क्षि नाम के निमान नाम रिकारी है।

भृकेष भारत्वत जार्ष । क्राप्ता महोदल जादका অন্ধ্ উপুত্রিক হয়। ছলিদ বলি নিক্ষিত্রণ विन्द्रा विभावक्रमादकोणमा अवर क्रेप्रदेश অনন্ত শক্তি ও অনন্ত মহিমার বিবয় চিট্রা ও তাঁহার গুণ কীর্তন করে, আরু রস্কোন-্রতীরে অধ্যা মসিষের মধ্যে দ্রার্থার ও মুক্তিক-নয়ন ঘইয়া এক বার মুত্র প তিত ও একবার তথা হুইডে উন্মিত হুই-য়া নমাজ না করে, গোঁড়া মুখলমানেরা এখনই ভাহাকে নাক্তিক ৰলিয়া ভাহায় সহিত আল'পে পরিতাগে করিবেন। পিক্র यनि मितित अधिकृषि गुरह ना बार्थ. এণু এভুতি এখনই ভাহাকে ধৰ্ম ছট বলিনা মুণা ও নিন্দা করিবে। ফর্মের্কর যদি জনসংখার জিয়া না হয়, তাহার সহচের-ता अथनरे ठाराटक हिन्न नित्रानायी बनिया হির করিয়া রাখিবে। ভাচাব অরপ্ট नेबद्रकाकि महस्विद्यान मध्य कल्कान्यन সমর্থ হইবে না। কলিকাতা জ্বাস্কাসমাজে র আচাযোর পিড় ক্লান্ত প্রসংগ, প্রার্থনা বারা আমার উন্নতি হয় না,এই ১ এপবেং রে**হাতে আ**মাদিগের বিষয়েও ঐবপ घडेना इस्त्राट्स !

षायद्रा भद्रम्भः । स्वतिनाम, केलिबि इ थ ন্তাৰটী বাহির হইবা মাত্র কতকণ্ঠলি ত্রাক **এक काटन एक दश चारीज़ इहे** हो **के है** दिलन । রোষাবেশ বলতঃ তাঁহারা আম:দিগের ৫ যুক্ত আর্থনা, ৩ উপাসনা এ উভয় শ **ब्युट्ट एक अंद्रहर्ग मधर्य इटेटलम मार्ग छै।** हाद्गी अवज कार्नहें प्रामाहिशदक सेंगाजन!त चन्त्रीकांत्रकाती सांख्यिक बालिया स्थित करि लाम। किंग क्यांभरका भाग हरेला यथन कैंक्षित पश्चितिहरून भूतिक अखार है। शांक्र कड़िरमान, काश्वीवरणात ज्ञा पूरीकृष हरूम । समा ७ जाइस भरत रहता गाहरण त्र, जन्म कार्थमा व्यक्ति कार्यमेत कार. शेक्षाः भारतरसञ्ज्ञ संस्थानमा तस गाउँ । P. S. LIMP, PRINCIPLE WAS INCHED **建筑 化水流 京东地 河东河河 中东中**体

উপদেশ দিতেছি। আমাদিপের সৈ উদ্দেশ্য নহে। প্রার্থনা ধারা আত্মার উন্নতি হর কিনা, নেই বিচার উপস্থিত হইয়াছে। ফিন কেই আত্মার, বল, নাহস, ও উৎসা হর নিমিত প্রার্থনা করিছে চাফেন করুন, ত হাতে আপত্তি নাই। কিন্তু প্রার্থনা বারা কাত্রে প্রার্থনা নাই; আমরা পুর্বে একা, কহিবাছিলাম, এখনও কলিতেছি। কংগাপধানী হয়, একুপ দুত্রে

ালিলে ব্রং শান্তার ও লগতের নন্মতিবই সম্ভাবনা। সমুদায় শীতার্ত্ত বাজি দ্ল সংগ্রহ পূর্বক বস্ত্রবয়নের উপার উল্লা वन ना कविशा यनि अहेबन आर्थना कविशा িন্দিৰ হইড " হে কল্পানয়! আমাজে ±हे कु:जह भीक राजना हरेटक ब्राफा कड़ है ,ছা চইলে কি বজের হার্মি চইত > মাজুষ যদি গুচ নিৰ্মাণ চেটা করিয়া শীত গ্রীয় ও বর্ষার উপত্রর হইতে আত্মরকার চেতা না পাইনা নিরস্তর ঈশরের প্রার্থনা-ণ্যারণ হইড, এরপ উৎক্রম্ভ অট্রালিকা সকল कि आभाषिएगंद बद्रब शाहद इसे छ - '' कशमीभात्र । सामाद र कारेशक सर्धा कामीटक लहेशायां के अहे व्यार्थना कदितन रिम मानूरवत आर्थना पूर्व इहेड, इसन तिल बराब य कि महेक मा।

আনার ও তথ্তের উন্তির কারণ বঙর, প্রার্থনা সে কারণ নতে। প্রার্থনা সে কারণ চইলে মুর্ব, নীচপ্রকৃতি, ও জার কাল্য বাজিলিবেরও আতার উন্তি মুক্ত চইত। জারক্ষর ধনস্থতার মুর্ব লোকে। কিন্তুপ প্রার্থনা করে। শুক্ত বিলাভ চই যা অ'নার প্রভাব ও এখিলা বৃদ্ধি হউক , এই কি ভালার প্রার্থনীয় নয়। সেই বিস প্রার্থনা পূর্ব চইবার কি সন্তাবনা

প্রার্থনা পূর্ব কইবার কি সম্ভাবসা পাছে। প্রার্থনা দারা আন্তার উন্নতি হয় না, বরং উহা দারা আন্তার উন্নতি পন্নতি কানা বাইতে পাছে। বাছার আন্তার করিছা, আন্তের সক্ষা ক্ষিত্র

ভাহার মুখ হইছে কি কথন একপ প্রার্থনা নির্গত হয়। কলতঃ খেনপ বিচার করা গোল, ভন্থারা স্পাট এতিপদ হইডেছে, প্রানা স্পাত্মার উন্নতি সাধিকা নথ, উন্ন ভির অনুবাপিকা।

> শটিফিত কর্মচারিদিনের প্রতি জন্মকুল মাজা।

প্রথমে কর্বণ বিনাপের সন্থাদ পাই
রা আর্ক বিনতি হুইবাছে এই সন্ধাদ প্রচাত
গোচর হুইলে যেকপ ননের ভাব হর, বুহ
পতি বারের গ্রন্মেন্ট গোজেটে প্রচারি
ত সর চারলস উত্তর আক্রা প্রবণ করি
যা পদর্চত অচিক্লিত কর্মচারিদিগের মনে
সেইকপ ভাবের উদর হুইবে। প্রন্মেন্ট
আফিসের বার সংক্ষেপ হওয়াতে অনেক
কর্মচারী পদ চ্যুত হুইয়াছেন। ভারতবর্ধী
র প্রন্মিনেন্টের প্রস্তাব ক্রমে সর চারলস
আজ্ঞা দির ছেন, ঘাছাদিপের ২০ বা সর
কর্ম করা হুইয়াছে, হ্রাছারা অপার্গতা বি
যরে চিকিৎসকের স্টিকিকেট দিন আর
না দিন প্রার্থ না করিলেই পেন্সন পাইবেন।

আমাদিণের প্রাবে বেলান্তবানী শেব অসমতি।

भागना मधाद मानिता (दमाद गानी-लिन महिक दिवालिय मीमांश्ला) (व श्रवा-व किन विनि भागाणितात निकटि क्रिक लिखिन जिनि भागाणितात निकटि क्रिक लाम गांठारेन्नाहित्तन, कांग श्यकाण (यांना दाध ना रक्षण ८० श्रव्य किन्ताम ना । दव माखवानीण भाग भित्मत्र मानिक मधाद्वत श्रक मीमांशा कांत नमर्गण किन्नक श्रवानिक मधादिक मधी। जिनि बत्नन, श्रवानिक मधादिक मधी। जिनि बत्नन, श्रवानिक मधादिक मधी। जिन बाह्य किन (क्रा नीत लोक, कांश्रा देविक (क्रिनेत क्रा

কিঞ্চিৎ কর বলিয়া প্রতীয়া वृक्षिमान लाएक य विष्ट्यु ৰ অবগত নছেন, তাঁচ'বা সে বি नकारन . अवृष्ठ स्टेश्न छाहा । थवा बुबिएक शास्त्र मा, हेहा मू माम। चामद्रा मानिकाम, वृद्धिम हुरे अविवन्न नारे। वाश्वनात्मन कर् न कान्छै । धवर कृष्टमात्र भारत कान अधिविक कि मा । अरे कृषि कि मीमाश्नार्थरे मधान माना इटेएएए -ছেরা শাক্র ও যুক্তি অনুসারে তাহাঃ **ठांत्र वित्रया भीमाःमा क्तिया मिर ब्बर्गीविरणंत्वत श्वहात कार मा** 👊 ल भा उस्य दास्किट्टा कवियरत जनवर्ष हेरवन, अवधिष वाश्विनाांत्र कि काल ना निक स्रेलंट १ व युक्तिक किन जि শ্রেণীর ভিন্ন ভিন্ন বাবস্থাপক স্বাবশাব इत । अरमरम कि अशैविरम्यत्र वात्रहांश ৰ বিশেষ নিৰূপিত আহেন ৷ যুদ্ধি ও भाव व केंद्रहे हे निक्र अनेत अनुभए नदर् ।

বিতীয় আপজির বিষয় চিস্তা করিয়া चावता निवाद विच्हांशव स्ट्रेटिडि धारहता व्यामित्मत्र महिल व्यक्तीतला क्षत शहर शंकशांच दरतम, खराई-বাগীশ এই শন্ম ক্রিয়াহেন্, এ শনা किक्टल महत्रमहर्थः केविक इंदेश हे केविल बाक् १ द्वान चारा मधा क्षित्वत द्व्यल कर-मानन्। कटा व्रेसाटकः। नामानाः वाश्वित উপরেও যদি কোন বিধয়ের মধ্যস্থা ত:-द्र नर्भाष्ट्र इत, एक्कारम फें:हात्र प्रात शक्तभाष्ट्र अवस्थि अदय ना, आह उत्तिन মুহাপাৰ বি মার্মিক বাক্তিদিবের তাদুশ इन्द्रिक्षित्र, रेश कि महाविष्ठ इहें है बिरम्बक की शांकरभन्न कुछ भी मांश्मी स्माम-ক্ষ্মিন প্রকাশিত হইবার কথা আছে। শ্ৰণাক্ত মীমাংসা এচারিত হুইচল বি कासमित्यत मुथाणि इंदेरव ? द्वमार वाशी OF PERSON NEW RESERVENCE -

ুগর জুগতের তাহার প্রান্ত-ন্দাভর কি ভরিবারণে সমর্থ

বোগীশ বৈদিক শ্রেণীর মধা হ
ত্ব প্রাহণের প্রস্তাব করিয়াচেন,

বাহারা বিশুদ্ধ যুক্তির অনুসারে

বিচারে পারগ, ভাহায়া যে শ্রে
ত্রন, ভাহাদিগকে মধাত্ব পদে বরণ

র বিষয়ে আমাদিগের অংশজি না
থবিবরে আমাদিগের এই মাত্র ব ত্ত
গামরা যে চারি ব্যক্তিকে মধাত্ব পদে

ানীত করিয়াছিলাম, ভাহাদিগের স
সপণ্ডিত লোক চাই, আর কোম আ
তু মাই।

পুত্তক শাঝি টু , আমরা হতজ্ঞতা সহকালে খীকার করি হি, নির নিখিত পুত্তকত**ি, জাও বই**-

্ । কে আদারী গাইছের এখন ভাগ।
গারকপুরের ভেপুট নালিছে ই ও ভেপুট
গালেইর জীযুক্ত বারু গ্যারীবোহন বল্যোশাধ্যার ইহার লক্ষ্যন করিরাহেন। ইহাতে
-শং অদ্ধ পথ্যতের স্তবিধি, কৌজ্বারী

181

অন্য অন্য বিশেষ বিশেষ আইন
এবং কলিকাতা ও আগরার সমর আমালতের সরসুলার প্রভৃতি-সমিবেলিত হইয়াছে।
কলিকাতা তি রোখারিরো কোম্পানি ইয়া
স্থান্তিও ও প্রচারিত করিয়াছেন।

२ । क्विमिनी छेलाचानि, ौ

ইং থীযুক্ত বার ক্ষাস্থা ংশে বিশ্বিত প্রথমিত প্রথমিত

अभाराताः ;

ইয়া সংখ্ ত এছ। চানক নি সী জীবুক বালে জগরাণ বিজ্ঞার উরসে ও লচী দেবীর বালেচাঁছ লিরোমনি ইহার রচনা করিয়াতেন। ইহাতে নক্ষতুলাল নামৰ বিজ্ঞানের বিজ্ঞান ওছাবিত্র ও ধর্মপরারণ ছিলেম। উলিছে তিনি আডিলয় বি
ভোকবারা করেকটা তাব কবা হটয়াছেন। নিবোকবারা করেকটা তাব কবা হটয়াছেন।
বোকবারা করেকটা তাব কবা হটয়াছেন।
নারারণের ক্ষতাল বোধ করিয়া ওাহার আ
লোক গুলি বজু মুক্ল হম নাই। এখন সংখ্ ও
গ্রেছ বিশিয়া ক্তার্থতা লাভ সহল নহে।

ক্ষিত্র প্রথম কোন আয়ান ক্ষেত্রহাস আ
ক্ষিত্র ক্ষেত্রপ্র লাভ সহল নহে।

৪ । মণিহরণ ।

শীবুক যজেশর ভটাচার্থা শ্রীনপ্রাগবতের অন্তর্গত মণিহরেশের উপাখান ভাগ ইকাডে সঙ্গলন করিয়াকেন, ইহা গোডীর যথে হিছে। ও প্রচারিত হইরাছে। ফুলা তিন আনা নিম্নপিত দুই ঘইন।

६। भाषक महान ।

প্রীযুক্ত বাবুরামনাল মুখোপাধার এই প্রস্থ বানি প্রেসিডেনিপ্রেসে মুদ্রিত ও প্র-চারিড করিয়াছেন। ইছাতে গৌরাল ও নি-ভ্যানক্ষের সন্তিম্প জীবন চরিত প্রবং নেড়া নেতি ও কর্ত্তাভলা প্রভৃতির বিষয় নিশিত হইরাছে। আমবা গ্রন্থকারহত বিজ্ঞাপনের ভিরন্তংশ উদ্ধৃত করিয়। দিলান, পাঠকগণ ভ্রারা গ্রন্থ প্রণয়নের উদ্দেশ্য বুরিতে পা-রিবেন। যো এইঃ—

॰ अव्यान अरक्षान देशका धर्म बांडा वा अक क्षांत्र कामिके वागिरकाह स्वाथ एव जान। नक-मिरे अपगढ चांद्वत । निकाशनय वह अर्पात अवर्त्तका। किनि शोशास्त्रय धक्सन शत्रक व-ছু হিলেন। গাৰ্ছ বি শতাদী অতীত চইল.এই भक्त अञ्चलिक करेगोरह । वेशंत कर बीहर्क एके-তেছে, তত্তই ছেলের অনিউ ঘটিতেছে ; তাংগর কারণ এই, অধিকাংশ ইক্রিয়গারায়ণ জলস ও সম্ভিচ্নত ব্যক্তিরাই আপস আপন বাসনা চ-বিভার্বের নিবিশ্ব ইতার জাঞার সইতে অএনত इय । जाहांत्र। " अदिलेश कहा देवक वयर बहु वि-में कर्ष म वह रशियां क्षांशक अवास्त्र के এবং ভিক্তার স্বায়। জীবিতা নির্ম্বার করে। বিক कात बांबा क्यांबाटम कीविका निकाय दश र-शिक्षा कारहर अवस्थित बादस मां. व्यवकार वि-त्र मक्टबंस विकडे मनाकृष करेंच, किरमे कार्याः रहत पूज प्रथम शहित बरेश कि संदर्श है जो जाती-হিপতে প্রভাৱিত করিব। স্থাপুর সংবার্থ নিয় करिय करे विद्यान मध्य तथा गाएक अन्य हुन। with the permitted contributed married

৩৫০ বংসর আভীত হট্ল, গৌরাল না बीट्य अनवाच बिट्याइ खेतरम छ नही दण्यीत গর্ভে জন্ম গ্রাচণ করেন। জিনি অভিনয় বি অবোক সামান্য গুণ সম্পন্ন দেখিয়া অনেকৈ নারায়ণের অবভার বোধ করিয়া ওাছার অ अध्य देश । समा वथन प्यक्कान काक्कारण का ক্ষু থাকে, তথৰ কোন অসাধান্য লোককে একপ জ্ঞান করা অসভাবিত নয়। আসর। ভিন্ন ভিন্ন দেশে ৰজ অনতঃরের কথা শুনিংক गाहे, **बहेकरण तम मम्मारहत स्रांडे हहे**ग्रारह। গৌরাত শাতিশন বিজু পরারণ ভিলেন। তাঁ-হার সমন্ত অবধি বৈক্ষাব সম্প্রান্তব্যের প্রাত্মভাব ভয়। প্রাথমিক বৈধাবে: 1 বিশুত্র চরিত ও ৰবাৰ্থ গাৰ্শ্মিক ছিলেন। কিন্তু ক্ষিকসংখ্য गूर्च लाटक के मक्कागा अविश्वे श्वारक अ-करन छेरात व्यक्तिमत अधना मना छैनविछ হইরাছে। বে সম্রেদার হউক, তথাগ্যে ভাষিক. সংখ্য কুডবিদ্যলোক না কাকিলে কখনই তাহার গৌরব ও উরতি হয় না। শৃষ্ট ধর্মের এত. উন্নতি হইয়াছে কেন > ইউনোপ খণ্ডের বিদ্যাপ্ৰভাৰই কি ভাষার অসাধারণ কারণ নয় ? ধর্ম দুর্ঘ লোকের হস্তে পভিত হইলে বে ভাহার অধোগতি হয়, ডবিবলে অণুহাত্র সং-मत नाहे। जायता महताहत स्विट्ड शाहे, 'ৰসৰ বন্ধা কোন কোন পরীগ্রাবের বাবতীয় मुर्च हेज्य दलाकरक प्रदेशम्बायमधी कतिहा (इन । किन्नु छेशानिटशत्र क्षेट्रेस्ड कृडे भटकात উন্নতি দুৱে খাতুক, কেবল আইমাননাই হই-८७८ए । पूर्व देखेटताभेरवना ७ देशत अवनी क्रमानाम इंडीक क्षेत्र।

्ष्मात्र, मञ्ज्ञात्रक्षवर्ष्यम् श्रीकृष्ठ वण विश्वविद्यात्रः । देशाः व मृद्धाराहरः जन वर्षतः अवस्ति श्रीतां कात्रः। एश्री वर्षतः। विश्वक वर्षेत्रं क्षेत्रं क्ष्यं करततः। एश्री वर्षतः। पर्यक्षं क्ष्यंकीतः वर्षाः के द्यातं काम्यातिक विश्वविद्यातिकातः। विश्व काम्यात्रः करियाः नार्षक वर्षतिहरूनतः। विश्व काम्यात्रः करियाः द्यात्रः कात्रः, देशाहे के मृद्धानारहत् वावकीतः

and all supplies to the or other to

. 3

fau वस्तार्थ धर्मक्र एडि खेनेत्रारकः। टार्क धर्म ता जामाविकांक केविक सूर्य विकास করিয়া হারি লোপ ক্রিমায় এবর্ষিত করিবে, हेश कात कामरे जनशिक्तत अधिका নহে। বৰ্ষমান সময়ের বারতীয় গুরুব সংসা त विवास हरेगा भीतारमञ्ज नारत विम भाग ावेखां भ अ नांत्र भविठार मा करत्रम, अभवी . नरत्व एडि कि व भकान घरषा विदेशान आंब ১৭ না ? এডমারা ম্পার প্রভীয়বান বইতে-৮, সংসাধ ধার্মে জ্লাঞ্লি দিয়া বৈরাণ্য ভিষার ভাঁছাকে জর্ম করিবা নয়নের হতা ज्ञवलद्दन कदा केथरहरू जिल्हिंद १ के-চার অন্তিত্তে কাব্য করিয়া কাছবের ভূ-গ্রাপতা লাভের সভাবনা (ই গ বৈশ্বেরা যত भार मरमर्ग भविष्याची स्ट्रेड नाशिन, छण्डे वे मत्न भव्यमीखित बद्धम इब स्टेट्ड मानिन। an প্রীতে অহরক ধাকিয়া বিকাশ নাংগা-বিক সুখ কোগ দুরে গেল, ভাইন্সাচার প্রবেশ नात्रम । गत्र वात्रशत्र के मञ्जाबादत्रम भारत-कर पूर्वतिशास्त्रज्ञ निकारि शक्ता शाहिएक ना ··ज। आधिरकत शर्था को एडेम, अरमहरू কণ্টপাটৰ শিক্ষা কবিলেন। প্রকৃত ধর্মের मंद्री (वाद्य प्रमानवर्त इनेहा विकृष्ठ वर्षा द्याव. দিত করিলে বে এটবাশ ঘটনা হয় ট্রা টতিহাস প্রাসিদ্ধ কথা। হোমান কাথা**নকে** াত বংকালে পালনি দলে পরিশন্ন প্রতিবেশ ्रही शाहिशीविद्यान, देश्मक अकृषि जातन 'ব্যাহ বিশুক্তা ব্যৱহার উপস্থিত হইরাছিল। ংগতন উপপদ্মী রাখা ঐ দলের প্রার স্পার भशाने बनेता केतियाहिन।

कतालः शावक प्रमनकात्र देनकात मुख्यकात्र करेत अ कारणब त्य त्य अमिक्के चितिष्ठतक শ্লিষা ধর্ণন করিয়।ছেল, আমরা বত চুর ५ 'न म्मेश्रेष्माद्य करिएक 'ोदि, जाहाँद धक भे अ अशिक नेहरी

প্রস্ত বিভ ক্রছের গুণ দোন বিষয়ে আন अभितास वर्षात्र अहे, अद्भव ब्राम अविका .त्र अयभू तक्षित हरेत। छविष्यत अप्रमत्था ध्यात्म शिनि जमश्रामाम चित्रभाष्ट्र । ब्रह्मा छैर-पटे मा रहेक, **नीतम ও बांचना** छानात तीडि ি কন্দ হয় নাই।

21個1

(वयुम भागाई। एम म म काश तम्हनत् का छत् रम शांवि-

यो ज्निकाक द्यम पूराय श्रुनवाब दिश्न শোলাইটি আমাদিনের সমতে উপস্থিত क्षेत्रारक्ष्म । विदेश सूचन भारतक विवन पुत्र লেশে শাকিলে বেমন বন্ধু নাগাৰ ভাঁহায় इन्नार्थ बर्गकुक इन, अवर जिनि हे निष्ठ इ ইলে এডি বিশ্বাব্রিত নেত্রে ভাংকে আ-निश्व कतिराज भाषमान हन, कतिकाला वा সিরা বেথুন সোসাইটির নিষিত্ত এত দিন সেইশ্বপ উৎকাঠত ছিলেন এবং ণত রহাপ र्यक्ता नाम कतिवारहर । 43 मन कारावन অপ্রীতি ভাজন মহেন। গবর্ণর জেবেরলের প্রকাপ্ত সভা ভাঁছাকে তুক্ত জ্ঞান করেন নাইন वक्षांच्या वावदांचारकता । कावव्या कात्रत মাই: কালী, মহারাষ্ট্র ও কলিকাতার রাজা লাও তাঁহার সম্মান বর্ছনে ফ্রাট 'দরেন নাই > বিসমবিত্রা ভাষাকে পার্থিক ও অপবিত্র বলি ত্রা হ্বা করের নাই। সংবাদ শত্র সম্পাদকে-ৱাৰ তাঁহাকে অপ্ৰীতিকর বলিয়া হেয়জান কর্মেন নাই। জন্য খন। লোকের ও কথাই नारे।

রাজি ৭া ছটিকার সহয সভার কাণ্য লা ब्रक्क न्हेंस । अकाव निश्मिक कर्ण नवायन सह লে ভাকের নর্ম্মান চিবস একটি বক্ত ডা ক রিলেন। শাধীবিক স্বান্ধ্য বিধান শান্তের প্রা-ধান্য প্রতিশাসন করাই বক্তার মুখ্য উ-टक्सा। हिवस क्यांनिशत कुछम विह भिका प्रिटंड शास्त्रम नः हे बढ़े किन मुक् कर्छ श्रीकात कति एक इंटरन एप जारनक श्रीक भरहाभकाति विष्यु आभाषितगत जा्िशस्य ক্লৈছ করিয়া দিখাছেন। তিনি বলেন, পরি-দ্বৰ পাকা, নিশাল বায়ু সেবন করা এবং নি র্ণাল জল পান কর'ই আমাদিগের শারীরিক সুত্র পাকিবার প্রধান উপার। কিন্তু ক্লিকা তা বেমন অপরিক্তন হইয়াছে, ইহ র জাল বারু ও তেমনি মন্দ হইরাছে। জল লবণাক্ত ২ওরাতে খ্র, উদরের গীয়া, কাশী প্রকৃতি ্রাণ কালকাড়ার মৃতিমান ধইরা বিয়াল করিজেছে। বায়ু সূর্গক পরাণের সহিত মি ' आए रहेश नामा बरखु स्टारम अविदा नी क्षात्र बात्र केनवाणिक कतित्र मिटकार । कनि-কাডাতে বত জলাশহু আছে, ভাষার এক-

हिटल केरकडे अन गान्स बाह्र मा क्रिक गर्गाक क्रम ज्ञाहत्व ज्ञाहत्व কোন গুৰুদ্বিণীতে পতিত হয়, কোনো श्रुकतिनीटक वा कृतिक विकास क्षेत्र अर्थिक शरह । शानीत करमत कना कुछत कर्मिनी यमन क्या कर्डेंग जबर त्यहे शुक्रिकीरक स् बाट्ड विस्त्री विशे हिंदा इतिह स्मानिति है পতিত হয় এবপ উপায় করা অভিনেত হ छरभारत छिनि बरनन अहे जनन विश्वह्म विके निनिश्त क्षिमनद्रविद्यत्र नाम क्लिक्क वानिविध्वत्र नार्भ्यत्भ महनादां मे स्था উচিত। শলিকাভাবাসীরা বন্ধি কার্ম্প অস্ত্র-সন্ধান করিবঃ কার্য্যে ,আইড হন, ভাষ্টা মুইটে আসার বাকোর ভাবপদা তাঁহারিকের শ্রন্থর कम बहेदन मदलब माहे । छाब हा निरंबहमां क तित्रो रमभून कनिका बांद्र मध्य कर्मानक यासी-ভর কি নিবিত্ত উপস্থিত বল্ল চু ইংলাখেট বা अफ ज्यान प्रत्या त्याहरू हुन्। स्म किन है কৌন রোগে কর্ড লোক আপজ্যাগ করে ওাহার। প্রথমে ইহার নির্বর কর্মন, ভাহার পর ভরিবারণের উপায় ভাষদ্য করিবেন বু

ভা'লর চিবসের প্রভাব পাঠ স্বাপন হ ইলে পর রাজা কালী,ক্ বাহাছুর এবং वाको विन्यत वास अधाव क्रिकेटक व्यवसाह । क्षेत्रांन क्षिर्णम । श्रम्कार व बुकानीसुबाद क्षान् চিবলের সপক্তা করিয়া এই একটা ক্রিয়া क्या विवासित व्य चाटकास क्षेत्रि व्यवस्तादमास कार्यामिरशत कारमान्धकरम् अवस्थि अध्यक्ष ज्य बताब सहसारह। जिलि कहे बालाबी विकास খান্ত্ৰীয় প্ৰৰাণ দ্বারা সকলের বিরক্ষণ ক্ষম্পুলৰ করিব। দিলেন। তাহার পর রেশরেও লাল-विश्वित एक गार्ट्य के व्यक्तिक वन वर्डी रहेन्ना अखर महत्य किंद्र किंद्र केरिसन ! নেবে ডঞ্চ সাহেব এক সুমার্থ বস্তু তা করিয়া সভাভত করিখেন। তাঁহার গত সে**বনে**র ব্যুক্তার সহিত্ত এ বক্ত ভার বড় ইতর বি भिर बाहे । इंखरनद्र बर्धा क्वत बहे मा শুনা মেল কাকাশ প্রদীপে বাললা দেল क्षिक ठीका बाब इतेश बाटक।

> विदिध मर्वाम १ २१ व कार्डिक लावबाद्र । आयश शङ्खादत निविद्वादिनाम,

- বচন্ত্ৰ মিত্ৰ পেদান লওয়াতে ওঞাইন স্মিপ • • एर निवृक्त रहेशां एक्न, किञ्च मुविद्रभम जा-रक्षान कात्रा काना **भाग, जाकिन क्**रभारन ा, > निर्णे उ हर् बाहे। अदक श्रवंदमके मि-ধ্য, সংক্রাম্ব কার্ব্যে অপষাত্র দিয়াছেন, ভাষা হ'শার **অবোগ্য লোক নি**ছোগ ছারা অপ - গত না হয়।

ব্যেষ্ট সাটত্তে রিবিউর সম্পাদক মাকলি া গ্রেষ্ট্র ১০০০ বিশা মালিক ,বেজনে হরকরার হ'াকেই, মুইডেডেন। মাকলিন গালিদান ক _{र म} । ७ इर्ड्स्-क्रीच ८३४ हेड स्कार्च मरकालतः दर्शा া এই বাবে ইংলিসমানকৈ ছাব্লি মানিতে ESCA !

১লা ডিলেখর লেডি এলগিনকৈ সুএল হ-িতে জানিবার জন্য কেরোজ নামত বাস্থীর ¦ নাজে নানা সাতেবে। এব জন অণ্ডর হামদ শ্হাল প্রেরিড হট্বে।

-,, बहा अभिनान ध्येषान छम दिहाँ निय काळ। कशिवारहम এक मार्ट्स मत्या व डेकी . াকে আর তথার ওকালতী করিতে দেওয়া হটবে না। সরু বারেপি পিকক আপীলের সং भा वमाहेदात ७ अछ्डामभोग्न छेकीनपिशतक व' हित्र क्रितिबाद्ध छिडोग्न च्याट्स्न ।

লঙন টাটম্স লাভ কানিভের ভূনি সং-ह ' अ आ आ त था डिवार कतिया विन्यास्त्र उ उलाता काम्मानित नयस्त्रत खांशा ब्रायनी ভিজ िरंशन धन नतीत त्राधनी जित्र, जांचक के, कांत्र इवर्ष का'बाजिरशत तालनी जिन्न अक शेरण भारवन्त्र कर्या रहेरळहरू । व अभित्क ্য়ে ব'ট্স গ্রিয়া, ধীন মত পরিবট্ভ করিয়া, লি**ছাড়েন, সব**্ধলৰ উচ্চৰ ভূমি শং**কাত** श्री 🗯 छ। त्र ७ । तत्र च । बढे के शकान कहिरद । शर्क किंमिक, महाचार्डन हिंता, उच्छामान ইলের মহামতি বীড়া সালে তংগাল क्षां क्षिता क्षेत्र कार्य कराई अन्तर्भाष ाउ आशाम कर्तवा विद्यानमा किथा के दलन । ইশ্লিয়ান বিধানে লিখিত হঠয়নটো বল্ধ। র হা**র্ছার মারজিলিঞ্চ** বার্লীর ক্রমন ভদুর্ প্র ন্যায় এক প্রকার খুলি ক্তিন চটগা । রা**তা ভাইর কিঞ্চিৎ ক**লিকাডাই ৫১ সুপ'হানবি' পঞ্জিপুণের নিক্তী প্রেব nicea i

অযোগ্যাগেলেই বলেন, ভত্ৰভা গোল क्षांस त्रनामरमञ्जू अक सन मार्ट्स्ट्र के अक चानवाद्य ऋष इष्ट्रेबाहिन। स्न नाबि,पिटनव অজ্ঞান্তসাহে এক কুপে ৮িলা প্রাণত্যান করিয়াছে। নরহান্ত্রা, আত্মহত্যা, দৃংতক্রীধা, প্রখানের প্রতি স্মরাণ্যতা প্রস্তৃতি বরেকটি দ্বোষ একবে দেনাদ্বলে প্রাচর পরিমাণে প্রবিষ্ট इठेग्राटकः। वेदात्र मृत मः दनःधन व्यावन्धनः।

डेक शब चांत्र बरनन, मिन्नुद्र कविभनत्र ष्यांचना कतिहारहम. य याहिक नक्षणान मह कविवात व्यवाचित्रित डेशाइ सिक्ष्यम कवि (रम, डीटाइक ६०,०० होको शूर्वभवि (७० १ बाहेरव।

हिडियम क्रव है, खन्न बत्ना, यमिन छ রাষাদ্দে পৃত্ত চটবাছে বিদেট্ছের স্ফাট্টেরা क्रक क्रक मकरलड़े ५ उ इहेर उद्ध्या।

আমরা ক্ষেক সপ্তাহ আবধি চ কাব দেশ 🕴 প্র আহিটি খাস আপীল অগ্রাহ্য হইবে, তাঁ। হিতৈদিনী সভার কথা শুনিয়া আসিতে, ছ, চাকানিউস সে দিবস বলিবাছিলেন সা ছবর পরিত্যাগ করিয়া সন্তা অধিক সান্ধ কনিংভ (इस ! किन्न होकाक्षकारण अस्तर विवतः भारे করিয়া বিক্লয়াপর ক্টয়াছি, সভাব বেবল আড়েশ্র বার সড়ে,র। বছ চলাইব'ছেন। বাঙাল দেশে সংক্রিয়াসাল্যপ্রবেশের সনেক वितय जादन।

২৬এ কার্ডিন সঙ্গনবার।

शंक कमा है स्वाधिमदीय (बाह शायव ! বন্ত্রাপ্রির উপদক্ষে যে ৫৯ ছন্ন ত হাতে বতলোকের স্নাগ্র হুগ্রিল।

গত কৰা বিঃ বি খিছ 'অতি কৰ বিএইও इनेशारक ।

মোট দৈক। 1 15,18 C = 0 1 েহ রের 70.4 কাশীর 2201 30,85,640

জ্ঞার্টিশ হোদেন নামক এক জন ভূত পুর্ন বিরোধী ও মড্যাকারী গুড ফইরাছে।

वित्रीरधर्**ष**े वर्तन, **क्यु**य इवेट७ क 6-क 'इला काशहेदवस फिटक दक्षति'क हरेंच -ः। माज कहेरन १ क्षरकत्रा चलः आव र हैया इला छिल्लामन यात्रिय, छोर्चामिटभत निविक नामाक दिल अथवा अवेक्स काम केशाय का निर्मा बनेला व्यन वाजियानाति आर्थ

ৰলগন করিবার আবেশ্যকত। নাই। যাহার। बर्किकिर निद्रा कृतक निर्णाहक सामवर चाउँ। देवा नहेरड हाव डाशक्रिश्वबर क.के हिन क्। वभाक ।

উক্ত পত্ৰ হেরাট হেইতে সংবাদ পাইয়া क्रिम এक अम श ब्राम्म एउन्न बर्ज (प्रोप्त बर्च. দের সহিত ক্রলভান ক্রানের সন্মি হইয়াছে -

উক্ত পত্র আবন করিয়াছেন, ভার তবরীয় शवर्षाके मिक्क नतीत एक कहिएक स्व नि ্বধ করেন, সে আজার পরিষ্ঠ করিয়াছেন। শী**ত্র তথা**র ক'ন্য সার্**ত হট**বে।

७क इन गाउँ वय इहेटड जिनियागड्डम, क ক ব্যাপ্ত তথায় ছুই ডিনটি বালক ও বালি কার প্রাণ নাশ করিয়াছে।

২৭এ কার্ত্তিক বৃধবার।

আগামি দোমবার ভারতব্যার বেল্ডায় পাটনা পর্যান্ত খুলিকে। জাপাতকঃ এই নিন্দ कत इटेगाटक ज्यादबाहिणिशस्य अक्रवास छ थान क्षेत्रं या उत्ता स्ट्रेट्ट बा, अक किएम ज् ক্ষেরে থানিতে হইবে:

এই শনিবার পুর্মরাক্ষানার বেইশওতে तुः 🕏 प्रोभभास भू निदयः । अ**उ**ङ्ग**लदक** अय ्रकाख अभेदतः।

আলাগাৰাদ গেছেট নলেন ভাৰতস্মীয (इहेन€.त (काण्यांनि वसनुत्र धानी कारहा शैक्षिकात स्विद्वात जना करवास स्वन भक्षे कतिरवन क काव भर्षा नगः। भ निद्य आस्मितकार्य (युक्केन छन्छ भाकती के अन्तर चरा कहा है।

श्रीका निवेशकत हमेश्राद्यम द्वारि भार शांता काना बार्ड उट्ड दक्ताल माड्डर्व भाजनार्थ कक वांडे क क्रक श्रेष्ठकानव ४०६७, हैं হার জন্য ২,66৯ টাকা সংগ্ৰীত ছটাংগন, बारेणि मानव बाटि कवा कर्डरा. नेवाद ब्रिकिट म दश्दाव था.हेंद्र नाःश कान नक्षतिस्ति हेन त कहिटल मिंबरलाव केलकात प ब्रीवर्जनी । प्र हा बडेक कविषदत्त है है बादबत देवीकिथिया है ঢাকার সমাজের অংশকা আহহ[্]∰শ*ক' করিতে হই 1।

किनिटका अव एवानी शह उस एक अ हाराट करिटार तमागि गाहिए

कुछ हिरमन, उत्कारम श्रीका विक्रेष वेगानिक विश्वितितात छेगत काउमय नरमाम क्षराम एक अक्रिका देशिक भर्ति के शिक्ष के किए निवाकित्व । हेडी विकास्त्र नरहा ताका खे शतिबालिति अक्षण्या अभय ज्यादक् । द्वीम लहेवाज्ञ विगरम हा अ. 'अ त्मवांभिष्ठ देख-গুরুই মত স্থান এবং ট্ডায়েট হলানী সমাটের উপর বিরক্তে। এইনিমিক গারিবা-शक्ति हेडांसी भरगरमणे कर्ड क निनी हेज ह हेगा अ नामान डेलर अन्दर्भ अन्ति कर्तन । हैरवन

है का भव शांतरहा वादनत घटन घडिल खुना | एकरक চুবিদ প্রকৃত্ত স্থান্ত প্রকাশ করিথাছেন। ঐ ৰ।ক্তি বিৰি ডেবিভসনেব নাম ক্ষিয়া ন্বাৰ हेल्याहा इन किट्न विकार करेंद्र अकन । कोको तथ । संशोध मोनागाजभरक १एड्राज क विशाह क्रमा होका दलम दलिहा था क्रमतन करा ।-ভাহটিখা: ময়ে একজন দাজাজী দিনিজি, হ সুদরা দের বাঙ্গরে গনাতম কণ্ডারী। अहेरह : 'का पाछ वरेश शव। रखाने जाहारक नि गारबंद इदय विद्यावारी ऋथव कवित्र छन। এক জকের মধ্যে ৪০,০০০ পাওয়া গিরাছে।

১৮ a কান্তিক হ**হস্পতিব**ার।

আনরা ভুঃবিভ হটল ম, টালিয়ান এলগ -দ্যু স্থাদণ এ ইটিয়া ঘাইতেলে।

त्राधाव्यवात छावि सम इंडेटराशी ह कि-कि अक छ उड़ा अनुगरिन । ७३ निकटी अहे द লিয়া সাংগ্ৰেম কেবেন শাংসক কলপাইভার ও थनस्माधद हो। ।मछिकास नाट्सरलय हे ज ISकिरमा कार्य। ध्रावस्य कनगारक प्राप्तस्य स নিই ঘটিতেছে অতএর এংকাছিগকে চিকিংস। করিতে নিষেধ কর। বঙ্গ । সরা বাটল ি ग्रांत उक्त्रहरत विस्थापन, विभिन्ने मुक्त हि विध्यदन्त (त'स निःसम् स्माय अपनिष्ठ इतेष ए हा इहेंद्र फिक्कि शांत्रशस्त्र निट्वहरू। क्रि-তে পানিতেন। কিন্তু যখন দেখা যাইতেতে, গ্রাহারের স্থারা লাল্য লোকের স্থানের ব ট্ৰকেশ্ব ১৯ তৈতে, ২ পৰ তাহাদিশার ব্যবস बाल नहिंशी कियां कागुक्त का के कि का का ्रभगार । क १६ हैवा के निया स्मार्ट मा भाउत. ए इंडेर्ड्स् मा भाव नार्ति (जुड़ाय याटापन লাল্লিলেনের সানর ক্ষাম টুকিটেড পারিয়াকেন

भक्तिक के वाक्यमंत्रित है दिने ा द्वारक क्रमुक्ता माजिएके हैं क्या (द्रश्व) कि नहें। পুলকার দিবার যোগলা প্রিরা উৎকোচ জা'-नांबर्धात ४ ७ कड़ियांने कोको अहियाराज्य गोहांद्वी बुळ बड़ेरव, जम्होतियांद्व रूट हेरिया क बद्दाम क इंग्र : भ (बनाब इट्रेट. ।

श्रुकता वर्णम्, कार्डोत्त् भित्र धक संबि न्धा तुत्र खाद्यक खुन्नद्य इंडिट्स कम ५ वदा हिमन नावक पूठे अन आएक, है प्याप्त के बाबाक उ मानिकिषिश्रदक सक्ता क्यांट अ (वालेन के भ्वत्य |

क. यादिन

बाबाइएवव ৮ वाकि अविधानएक ডাইন জ্ঞান করিয়া তালার নাসিকা ছেমন করাতে ভাহালিগের ৫ ৩:১ বংসর করিয়া মেয়াল হইগাছে। মূর্থতা কি বিভ্যমা ?

দক্ষিণ হেরালভ বলেন মহাবাজ সিক্ষিয়া আগামিপুণিমার ৮ক রাখণ ভোজন করা-

নিয়লি পিড় মুতন নোট প্রচলিড হই-

6 4 43 53	প্রতিভূ প্রান্ত কাগ্য	প্রতিকু রে পা	क्षां उप १३,८३ ८३	विजितियां है २ 80	ক,লকাতা	
					4	
			.40		2	
, d. c. e.			763		<u>a</u>	

ক্ষেত্ত অব ইতিয়া ংলেন, মনি নামক এক छन वाद्विष्टेत्र भारण्डेत्त्व अभिक अध्यक्षास्यत নিকটে প্রস্তাব কবিদ ছিলেন ভারতবর্ষে তু-ল। উৎপন্ন করিবার জন্যুপ্র।,১৫টর তুলকর प्रिक्त क. यांच एक वटरव ক্ষতা কিন্ত্য উচিত কণিট সকলেয়

वश्रक्तात्र अञ्चलित हिंदादिन्त । ४ इ नित क्रक भे उ अनाम क्रिडिंड हुन कि है कि देवें विश्व

े प्राचनमा अने केंग्राउद्देश सी । ब'ा व विविध्य ात्मा, वाकिशात्मा वि-(अन्छ । शूर्व विकादि एक्ष इकित माजिनन अप्तक्षात कर्ने भारत । "सम कडीने हैं बीज कार्यन । ভারতঃর্বের সকল ছান কালেকা বেরারের

ভাগিন সংখ্যা নতা। 'মাছে, বোপাল'। ই**হার**ি পৃথিবার বাবভার দন্য অপেকা চতুর।

ब्हाए समिष्ठ धक काबीएकत गर्व अक প্রকার খাদ করে, ভালার কুলায় উত্তৰ বস্ত্র **इट्डिइ.। क्षित्रांत नगरह अक धनी निक**

ইহার ব্যবসা আরম্ভ করিরাছেন 🖼 বোগ হয় তুলার অনেক গৌরুৰ বাইছৈ ব २३ व कार्डिक श्रक्कवांब्र । ..

ৰাহারা লাকেগারেরের অর্মনিট হারভার অন্য সভা করিয়াছিলেন উ ইহার মদ্যে ৩৬০০ - টাকা সংপ্রহ করিয়া এডডির জর পুরের রাজা ডাক্ত সিংই 🕫 क्रोकः श्राम्य क**दिवं एक्**म । व्रो**क्षश्रक्रमाद** ' े ক্ষন্য রাজারাও শীর চাঁলা লিবেন। ইডি এখান হইতে ৪ ল : টাকা প্রেরিড হইরা

সংখ্যতি নলগাট টেসমের নিকটে ১ वाक्तित थान नहें श्हेतारह। धक कन भूरि हैनरम्भक्षेत्र, इत्र सम कन्द्रहेवन ७ अक स सर'तात्र अव दिना शाकि जाए। कतिया दिने अरब निया याहेरलहिरमन, अवज नबरब मुर्टेन রের বাস্ণীর শক্ট আসিরা পড়িবাতে ডা-हाता तकरम अक क.रम हुर्न हहेता विदारहम *।* व गुक्ति होना गांकि काको पित्राहिन छोहा কে রূপ কর। হইরাছে।

ইংলিসমান আৰণ করিরাছেন, সর বিং রোজ এক দিন আখারত গইয়া বাইডেছিলে আতপ তালিত হটরা মুক্তি ড ট্যা ভুতা পতিত হন, এখণে ডিনি কিঞ্চিৎ সুস্থ হইং CER I

১লা অগ্ৰহায়ণ শনিবার। 💎 একজন চক্ৰকোণ হইতে লিখিয়া পাঠাই शास्त्र, किहू जिन स्टेन विजिनी गूँव जिलान অস্বৰ্গত নেড়ালেটল নামক সরাইমের কিঞ্চি-মূহত্রে গোবর্ছন খালের তীরস্থ ভালা ভূষির উপর হঠাব এক আশ্চণ্য দ্বর পঞ্চিন্নাছে। দ্বর্জী অতিশর গভীর ও **য**ং। **অনেকে বলৈ খো**ন পাচড়া গুৱাতন ৰৱ বাত প্ৰভূতি অনেক প্ৰ-কার রোগাঞার লোক ভাষাতে রাল ও ভা-हात कम भान कतिया खाषा बाक कतियारह ।

प्रक्रिय . इंडान् छ यहान अने क्या कार्किः স্মু বিচারকার্ব্যে নিয়োজিত এক কর্মচারিয় খ্ৰীকে ব্যাকিসারিণী করাজে ইহার সাধী তাঁহ ক্ষে অভান্ত প্রহার করেন। জাফিসরকে ডিমি বন্ধন কর্ম ভ্যাপ করিতে হইরাছে। সেনাদ্র हि मुनुष् औरम्ब नाष धर्मनी डिटन छुछ 'अग्न करत्रेन ?

भिन्न कि बिख्य मूरला अवरिष्ठानेत नःशक विक्रील व्हेरकरकः-

#8 डीकान जिसा 11 Se- 22 8 होकान क्वांच्यानिव्र #34-- 56H e हो शंत्र गिक्स 203No--33 en টাকার কোম্পানির 27510-775.

প্রধানতম বিচারালয়। অনুষ্ঠ ও হেমর এ ৩০০ টাকা চুরি করাবে ভাহাদিগের ২০ বংসর মেয়াদ হইয়াছে।

रीहबून ए तिविधाती अक भंड है। कांत्र थानि लांहे हुद्रि क्वांट्ड खांचानिरगर्ने भव विद्याप स्टेब्न्ट्र ।

.श्रिशिष भाग এक विभाग करत्रक चं नि ার অপহরণ করাতে তাহাকে তিন বং-नवानारव.वाकिट्ड इट्टेंब ।

श्तिमान नायक अकवारिक अक अपनद नाही পঁদ দেওয়াতে ভাহ র ১১ বংসর দ্বীপা বালের কার্দেশ হইরাছে।

গম নামক এক ব্যক্তি কন্তক ওলি অলকাৰ · इक्षिया नक्य नायक अश्व अक वर्षिक्र য়। ভরিষিত্ত প্রথম ব ভিতৰ এক বংসর ও **जीदब्रब जिन वर्भत भ्याम ब्हेग्राट्ड** ।

जानक मांग अक एशं कानांत रान हुति ব্রেয়া বেণীয়াধব চৌধু বাকে দেয় ' ভার্মিন্ত তাছার ৭ বংসর দীপান্তর দানের ও বেণীনা গবের এক বংসর কারাবাসের আক্রা হই

মসন্মনি শাহ; নেতয়াবি নটিক ও খে ছা একখানি কাঠিশি মলমল চুরি করাতে .हांक्रिशत छुड़े वश्यत मित्रांव करेग्राट्ड ।

দিননাথ সেন ১০০১ ট কার নোট চুরি ক-শেছিল বলিয়া ভাছার তুই বংসর মেয়াদ व्हेब्राट्ह।

ইউরোপীর সমাচার।

(मर्गमन) ७ हे आक्षितिन। कारतक शामती ও বোৰধন পঞ্চীরেরা রাজা · वेक्के इसानि वेबल्लन विक्राःक वक्षणा कतिया ষুত্র হইয়াছে। যে সকল কাগজ পত্রপুলিবছারা খুত ক্ষয়াহে ভদাবা বোনীয় গৰ চিমন্টের क्षांच नश्यांच बहेत्रहा

मध्य ५०वे खट्डेबिय । -

মারিলন গটমাক নদীতে এক সেতু করিয়া कितारीया यूक दिरा परेया छोशव शक्तिया य बहै वन । श्वविवाद (क्कीय अक्तिक क्षेत्रोटक्

बिडेकांत्रदा प्राप्त थें। माद्रव दलिकार्कन বিজ্ঞায়ী সভাপতি ডেবিস সেনা ও রণভরিদল শংক্রছ করিরিছেন, অত্তার তিনি শীভা আ**ন** रीत्र स्ट्रेटबन। बद्धण कनऋष्ठ हे लड़ीह भवर्ग-अहि भीज एकिन दिलागरक व्यायीम दलिया बीकांत्र कविद्यान ।

ল্ডন ১৮ই অক্টৰর—অংমে বিকাও ইটালি-क्षिम विद्यष्ठमार्थ এक विद्यार मञ्जितकः इस । ३१० माहे रत-४ है दक्के किए छन्। नक गृक्ष हेब्रार्ट्ड । विद्धादीका धामारू इंड ५ शर्माबंड बेब्राह्म । सर्वदम्दलीय ७००० ल्यांक इक वडेग्रा-. ८६। विक्षाचीत्रा महेनाक शांत बहेना १६६न नर्ग । तम उक्तिम अब कामिकाकी अब्रक्त नामू कांत-अधिकात कतिकारक । श्वर्यमानै का कि उन्नित्र িশের হৈছাৰ ভাগে করিয়াছেন। বিভোহি দিগের िंछ केर्रेबोक्टन अवाक्त क्षेत्रिक्टन काचना विवयक

निडेहिक अदि काङ्गीवत । निडेहे वहक निधान दल(क ज़िर्दाव अक नका क्षेत्राणिक (६६) अल'ण-ডি লিক্ষলনের খোৰণা পতেৰ প্রতি দোলাবা-শ কর, হইরাছে। বিজোধীর। পেন সল চেনি-शांव वस दिवेशका मेरे कविशाहर ।

गानिम २१व चछिरद्र-छि. लाउँ व चरार्शन (बर्ट्स, টो लिब्रांश बांबलियन ও माउँटकम टिंडे-तिराव ब्रुज इहेबाद्य । बाटहें € इंडे। मीर मंजि ৰ'গৱ মধ্যে রহিলেন।

शांचित्रकाणि भारतक सुद्ध बहे मृत्यू । औरत विद्धान वर्षेत्रांट्य । देशांक वर्षा विभाव आवाह क्य इड्रेग्राइ।

लक्षन ३४-१ चक्केवब--श्रवरमञ् श्रवसाध क वियादमा । जुटक्त जिलकेत अभीत भटम नियुक्त ছ্ইয়াছেন। কোলড ও পারিসিগিনিব পদ জা। ८शव अञ्चारमा ।

अनीय भवनीयकी श्रेनकीय बाह वाराव হিসাব পদ্ধিবৰ্ক কবিয় ছেন। মহাসভা তা অগ্রাহা করাতে ব্লাক। সভঃ বছা কবিয়াছেন शांतिवांमधि चाझ चाझ चारवांमा व्वेटिङ्का किमि खुड बहै क देश्मध मर्भ न कतिरवत !

विद्याभीया कतिरहर निकाम सर्गामण राज-म। प्रभारक जाक्रमण करवा, किन्न कृष्टे प्रिन्त संयोग मृद्ध्य श्रेष श्रेष्ठां इतेमां इ। यात्रकम (इ. তে সম্প্রতি গারিবাস্ভির বিরুদ্ধে এক সভা হইয়া च्यानक मोको इंडडाटड अवर्ग्यको ज्ञासन छ म-ছানগারর থাকাশা স্থানে সভা করিতে নিবেধ कतिष्ठारश्चम ।

गवर्णान विकाशन।

वाक्रमारम्भीत कारश्चेनके शवनावृत व्याक्षणाञ्जाती निरम्ना ।

ওর। নবেছর । নিম্নলিখিত কর্মচারীনা লারপার ফেবিতে পার দইবার চেটার জাছেল। আপেন আপেন জেলার ফেবিকও ক্রিটির মো-

रबक्त ब. बाउ. भ'र्डनंत्र, भारतंत्र मू लावत कि कि कु श्वितिका विकेश

কাল্ডেন বিবাস কিছতের लात्सम, निवादे नाहांबारमम काटलम नि. छि.अत्र क्रःक्, विश्वादित टल्ल्डिम के खाव. अव.क्तिमांत मध्य विव महको-की भू मन क्लिब्रिक वर्ते।

881 मात्रकृत । मामकीबात बुटकाक वायू न-द्धांतम प्रक्रिक वक्तमणीय वावकाणक प्रकात क আইন অনুসারে হাতভার ভেপুটি হালেটাবের क्रमङ अहिरबस

্টু নবেরর। যড়ফিন ছাজার জুনা আদি-क. माथ अक्रेन्डाचा खनमण्डम विकासमारवर চিকিৎস'র ভার পাইবেন।

क्षेत्र अरवध्य । श्रांत्र, त्य, क्षर्रेमाश्चय व्यक्तारतम एक विशिशास्त्र ति किनि वसानुर्वात क्षण का । निर्देश त एमिनान सक्न प्रदेशन किस वस्तिन

क जुलात वजा देखेरबारण विकाश र्थ देश क) अनारकान आक्षा ना स्व हाक्सरीय अजिपि क जिल्ला व व कि स्वत् ।

शहिनात शिक्तिथि तिवित्त छ गितियांन **सम** है। शक, लाटिंग्र मारक्ष उथाय म मूर्प मिनिम 🕏 भित्रियम सक इदेश्यम !

ब.चाव, हैशनन मांटबन शालपांव में 🕏 है क्ष कार शक्रिक ह है दिन । किश्व चक्रिन खना (का-स खास्त्र, मा वह महीयाद श्राधिमिधि मिविम अ সেসিয়ন ক্লম্পা কবেন।

बद्दित्राज्ञां भारका वाक्यांशिक श्रवं (अभीर माजिएको छ अ स्था देव करेरवन किन् या किन सामा देशान का का ना वस नाश्रान रहते अञ्जिमि निविम ଓ मिनियेग सम थ।किरवस।

त्या.च.त. अम्झाउँ मारक्य तीक्षमा.कीव शक्ति-निधि मालि। के हैं अ कारल है र मालिए बन ।

এচ.সি. সদ্বল্ধ র'ক্লা হীর প্রতিনিধি আঃ ইন্ট মাজিবেটুট ও ডেপুট কালেফ্রর ঘটবেন।

वात् क्रिक्द्र विश्रांत सूर्व ग्रहाव। एवं ८६ छे আলালভের এতিনিধি জল কইয়া উল্লেখনা-ৰ সদস আলাৰ ক্ষমতা গাইবেন।

भाष्ट्रनात्र एकाष्ट्र कामान्यर कथ अवनिष्ठे, ন ইট সাছের নিজ কর্ম্মরাজীত কুলার খা লব त्। उनिध क्षक कके त्यम ।

दिवदवक कात्र मृ। छ भन्नकावि शूर्य हिं क है-

বেৰবেশ্য অবিভিন্টে এয়বেট গৌহাটীর প্র-(हा कि इ हो देन ।

পুৰিৰ প্ৰতিধি নিধিল জানিউটি লব-स्त्र श्री के विस् कार्टन देखा द्वारण मध्य न निष् इक्रेटनम् अग्रयम् जिल्हास्य द्यानिसिधि जिल्हि का महोती महस्रम थाता बानवित गरिवन उपाय भ रा न शहस कहेरदभ ।

में का कि है के जबसन वांचु खन्न। देश की ভুগিলি বহিলাগের ছাত্রা ডিকিংসালা,য়ব ভার नाइटकरा

३म्। मध्यम्य—स्थि हैनानी अक स्थातिम পত কালুছ বি মা'পন ল। অবেধি কামরংগ এব क्रिकार केंद्र अस्ति निधि । १६व है। के देशास्त्र ।

चानारमञ्जूषा महाकार्य । वर्षकी व चार्कियक मक्तारी कविमसद्र था. शि. लांद्यल लांद्र व मनत क्षांबिदमञ्ज कमञ्जः शहियोट्ड्न। अ

बारकचरत्रत शास्त्रितिथ एउन्हें विकास है। ए त्राभिक कारण है। स्थान है कि विकास मान्य जिल्क स्थल विश्लासकारकेत्र विश्वादिक स्थल था -श्च वहेत्र(स्तः ।

वहें महत्रव्य--- हमल्य खांबी धन्त्र हेमलब ३ श नि उ बन्द्रवर्णीय छू. नव स्त्रताल्यात् आश्राम वहे

अविमान न'न:वन एक पि हिन का हैन एक-ात् भित्र स्थलप्रकृतक्ष । उन अंश्रेष 💯 🥱 सन्त्र स्टेटनम् ।

, दहर दक्षरण श्रथमद्या व-निहार्थि एक इस्ट्रिम

बिकीक (अभीत ने महकारी (明朝 1411年) श्रीका समित्रिकेट हैं क्ला है मार्के अद्यक्त म माधावस्थ वश्मी श्रीवादस्य ।

भारतात्वस महत्वाती श्रीती ज्यान्द्री देखी श्रीकृतिक क्रिकेट किंदिक काल्कर प्रमुख्या । च्राल वरकीर धन्ते हैं, ए ६४ (मा) हे हैं मर्गट के जला हार , 🗝 भी शहरा 🕃 न

भग्रः शहरकत अहि ।

भा । अंशुरस्य स्रामन शब्द वन सं कार्यनः 倒古 百多不

'ৰ ক. প '' এডং স্থাস ব্ৰিড প্ৰ দিন ক্ষেড়িড বচন'য় পা≐

कार्डिक्ट इविक स्तियात । **अ**श्वरक्षेत्रीय धर्डित्रक्या व्हे का उभागिता कहि पा 😂 💢 भागक (अधिक द्र कर्ति) कर्ना स्ता । ७८५-१ तर् ताङ्किरामात्रा भाग । जाङ मध्यांका कतिया উঠন পশ্চার জ'ডিজেল রুজত করিবার ८६ दे। अ हे 'दम ।

वक्षविरक्षतक व गर्राह्म (काम अञ्चल) °ক'্ষা আপনাৰ ডিভ বিচা**লন বৰু**ল।

এমাব্ধ লিং জীশক চন্ত্ৰক্ষার ভক্ষাগীৰ য়ে পত্র প'ঠাইয়াহেন, ডাঙা জাপাড়ডঃ জপ্রকাশিত ব্রিন ডিনি কেয়ালবারীলের পঞ্জি অমানিগের বিচার উপস্থিত দেশিয়া 'শামাদিলের মতের অপ্রযোগন করিয়া যে ব্যব স্থা প্রেরণ করিরাজেন, তাহাতে লামারা প্র ৰোপড়ত ও অভুগুৱাত চইল'ৰ ৷

পাৰবার প্রয়েশ্রন ভব্তা করেন ছন समीरात्गुवरकत् सिक्श कतिहा स शत शारी ইবাছেন, ভাষা আমরা এই ভাবিয়া প্রকাশ কবিলামনা বে মুখের ভাতৃণ লেখি স্মাধ বি भाग्रमञ्जानाः ।

23

প্রেরিত।

প্রীযুক্ত সেমেপ্রকাশ সম্পাদক मक्षाम् मञ्जीदशब्

, हो। का.किंटबर काथश्रकारण जक्यावि " কেবাঞিৎ ওল্লাসুসভায়িনাং 🚜 আক্ষতিত পঞ পাই কৰিয়াজনে বইয়াছিল ভাগার উভয় জিবি य. किन्द्र निकास सनदकानं मिनसून छोडा स्तीता উঠে नार्छ। खनाथात मुक्ते कार्तिस्कत्र अविश्वर्णक ोठि रुतिसा बात वाविट्ड श्वातिकाय मा।

वैकि श्रार्क देविक क्लम्स भवेषः और । व्यानकारम त्रकारताचीलात्र महिन्ने व्यागनात मदकर परेनका हर क निरम्भेन आश्रीन दाहात व्यक्तीमरक क्रमरकादाविक रामम । कारांट ेख देग (इस्ति महामध् (३) क क क क

(>) प्रक्रिप्त काविकांप्रताद्ध दवान दवान परण 4(4 5; gr 2(3) 93

নপ্ৰতিৰ ছাপ্তিত ক্ৰা া, আৰ্থি ভাত, श्वारणन माहि, खन्दा ध * 🐦 + 🛊 🗷 दशकृति प्रभाग द्वारणकार्य प्राप्त प्राप्त कार्य स्व म्ब करिश्राष्ट्रित अनः स्टिन्ड में १८ तरु श्रेत-খানি সে,গ্রহারে হ'লত্তা ড'হ'ব চেইট করিজে ক্রিকিলেন ৮ 🔭 🖰 বের্বারিং তার ७ भयाबिसारण संदर्भ कहा राज्य र उन्न करें कांगना क बिनियः ६३ त्य अस्तर वार्णास्य क्षित्रच श्रेष्ठ क्षित्रक्षक्षित्र क दूर शहरूर स्व अवन माङ्ग्रह कालगना भाउत्र (राज्याक प्राप्त (राज्याक प्राप्त সিঙিপাল'দিন্ডি নে হ', ভাষাটে সংক্র यञ्जाम् स्वाटस्य, नक्षत्रीय ७ ४५१४ व्याटमर्गन ध्यात्र प्रमाणकरक निका वृद्धिकः व्याप्त स्था छ। द्वात्राष्ट्री २ े करिएक स्ट क्लिएडिएक । महा -নশক সংক্রিকৰ সভিত এক বিশ্বাম আল ছ श्राम्बर राष्ट्राप्ति विश्वास्ति हो। ४०० । विश्व কেট্র রাজতে, (৬ । হর্ত এর খিলা । ওৎপার হীবাছে, ডাছা আমি ব্বিতে প্রিলাল না। ষত ছব ন্বং হয়, ভাষ ভেসাহস সংবয়। বলি-CS शांत रा, क्यांति मन्दर्भदिव श्रेष श्रीकार्क भिष्यान मांभार कवि ६ धामिन्न, ब्रिट्स । ८रा-र व्याप्त अवस्था अपार का ना का भनि स्थापा प्रकास निर्माण एकः करन ७ काम व eक बान ग्रेडम शिव्री (कोर्ज कि मा दे हैं देन ग्राह-প্রেক শিশিস্ক দ। বে. এপনি কোল ঐ অভ্যােধ কবিশ্ব নিনিক্ট্ সংস্পত। এ স অ'নিয়াছিলেন, নতব, আৰু কৰাল স্বয়ং আয়া ছিগেৰ নিকট আংগন নাই।

আপনি দ্বিক্তংগ্রামে অংগিপে এবিষ অংশনিব সহিত জ্যাৰ বাফালৈ সাহিতা ও नमाक विवास करवा भारत्यम ध्या भारति। भारत व्यासिके कालान । र रेट केल । शामा १० शत कथ বিজাদ। কবিরাছিল ৮, ভাগ ১০ অবংশন বে-कान्द्रभूभीरमाय **डेग**त का ता रहार शामाल हाब शक्क मा नक्ष ६ वर्ष रा स्टब्स कविशाहित्स-स व सामाप्यत घरधतः (८) रिवान, ८४-

< एकोपी । मा व स्था ड विष्ठात मनित्स स्टोहन चातुक म नी विकास शहाददनस सा । विद्वा राजिति ने कि प्राम्य पत्र विश्व आक्रिक कार १ कर र मार है। देश मन देश का महिला में भीवृद करती क्षेत्र, जिल्लात्त्र श्रीपुष्ट एक्स ेमारिक, कंपूज अभागा। एवं,सह छ बाव चौरक डिशन सनाशक केलर - - --म । ई भार बित्यहमाध्यम ६ इत्रु थांत्र शक्ष भे नर्ज द्वारय करत्य निक क्लगः श्रीत व्यान्या सम दय 'থাৰ উপদ'হ'ছ' নতে, ইছা বিলান *श्र । तम नगरंच टरम स्व ।। श्रीटमाम नावग किक्पृष्टाम्। इत्रेमाम चक्रीहामा हिंद्यम् ।

यान्यव ४४त श्विमर्गहरूनावर প্ৰদৰ্শকোত ১৯ শিক্ষ কৰিয়া। एउ निम के श्रेष महाय श्री खास हरे एड करमबर्द श्रकालिक मा बरेट्डाय নিমিত্ত সামিকবেডনে শিল্প সামেলে ক **ছেব। একং**ণ পরিবর্গকের বিশ্বতি সাধ নগ विक आविहे माही। खड़ांग आगम अभासी গণাৰ প্ৰভুত কৰিবাৰ নিনিত কাহাৰত অসু-त्त्राच जाराका करेद म । तिकृतिम **ट्टेन, त**्त-माध्याकीनात्यानिष्ठ अक यानि रायाः स्थिति। क्षित्राहिलाम अवः अवियत दवसाक्षताधीरमणः क मुरक्तार प्रतिकार मुद्धि भड़िकमाँ के कथक सा-बारमा निज वया शास्त्र वहे मानामा विस्ट है कमन्द्र कार्त्यालाम श्विम्बंक शांक्रिक गर्ने वभागा वयः तमके निविक्षवे आति दमके मितम् व्यव्याद्य समाज्य मण्डनी क्षीशुक्त संद्वा कानीक्षर् भन्न जातरक काकिन्नो इनाम त्यः, नाहिनमान् म का झात आहित हैं। इंदिन किटबन, अदिकारी त्क अधिक द्र कमर्थः श्रीम अका मिछ न। स्त्र । रुवर्ध अविवृद्ध ए।त स्थान क्यात्रहे छ।लथ वश माहि।

नश्चनी शृक्षांत क्षित शक्तिमर्क जन्मक्रिक न.र वाक्षाधारम चाहिएमम विवक्कारमके मिरनव किरा आयान चावि छै। इत्त्व वीम त्य. 44 मामश्रमान সম্পায়ক আইনিয়াছিলেন জীয়াব পাত্রের উল্লিড निविश्व काश्विद्वहै भाः होतः (१। शहनाःकदिः

⁽ २) किटके १ गहर क्रमेडबीन कामनी (अक्रीक विभीटनान भन्न काठा विक करान भागितिहरू के का जिल ই ঘটিব'ৰ আশক্ষ' দিশ ভাষাত আৰু। বুৰিকে পারিক্তেরি লা । সেই গত্র এক্ষণে আকালিক ক্রমান্তর क्षांश्रीत एक कि कार्निक श्रीवेशास, काका क क्षांनिहरू

 ⁾ लोडे शाव । करे क्षेत्रके व्यक्तिवास श्रृक्षिक भार्क कड़िरदम । म १

⁽ क) कि कवा करेशिका, किहुमांत चार्त नारे । िक्षांबाधिरणेत् अपि यात्र महिन के अरम्बाद कार्याः আময়া বেলাভানবীলেয় জোৰ কৰা কচিতে আছু मारे. डीवां इन्दी देशिक प्रदेश काळता जाती अहेशी 🏞 🌞 🎮 बादक्षेत्र बादे कहर्या श्रव शिवियां त्यां- रे बादराव करि वर्षिः कथा ७ व्यक्तिकान कव याहे । विद्या क्षक दिवासियो।हिनाई स्थितिक श्रेष्ठ प्रश्नामक हमा स्थः वानिया करा परिष कि मा अनुव आवडा कार। रिड ক্তি মাইন্স 🛴

⁽ e) क्षक विवस भागता ११८० व्यक्तिक निवा निश्चामधरततः विश्वास्त मा । यसान व्याप्तिः असन निष्ठाः अवस्थाम् वाकीकार्य विष्टात व्यवस्था गृतिक अवस्था अप्रवाहत कर्व लका । कर्मन्य। करे कथा प्रतिका आमिन ই ভবে এক চিটা নিলেন গ যে কাৰী নামন বাৰু সোধ-ब्राक्रीत्मत के।जिह निनित्र तृष्टे भए देशका बाहति के क्रू बार्ड्य । वर्ष कथा खनिता व निहा स्मृतिया आमानिश्यक क्षण्डिक इर्टर बाहे दिन है क्रिक्टिक क्षण करके.

a care ica cating distor . र रम दिश्मित एकित **अ**रिम्हली ट स तारवण्ड्म, प्रदेशी वाहे। ार्थ(सर्च प्रश्नेष्ठ ल्डिटन विकास क प्राचन, श्रीत ए या (बान क्षा कड़ेश र दश्हरा. कासिमांक न राष्ट्र र e to a rear, whether faith the 's to t े कि स्वाम स्वाम स्वाम के रहे । है कि स्वाम स्वाम के कि स्वाम के सार भ भाषाद्वान कर प्राटर के " एट्निट्न का कि व श्वाप कर ।त खरेर , अरस दिनक इंग्रेंग लाल 'ভি. স্থান ভাগান ব : - - ' 43,2 4 strie elm min. कु भी कराम अर्थन कर्षित है। उस्ती क द्वत्यत्र अपूर्ण ५ र १ त्राहरी पुरस्कर, कार्रक्षांक प्रदेश 🗈

> ाड विकास कर कर हरा 1 41.00 in 10 i ंस का का विकास स्थाप राज्य प्रदेश हैं।

-म्भाग्या ।

वर्ष्ट्रकः १३

लियुक्त (मामध्ययः भगम्म) मक মহাশ্ৰ সমীপেয় ।

CRIM क्षांत्र समात्र । हेराज्का मा माहे . इ ्र **इंडर** संपूर्ण सः विकिट्श च लिक, नग्न रखीन बासक दर्ग च पन लगा। पूर्णिय संगात रे ं ब्रहेगतल (प्रचितः, १०१०) क दिव्यक्त तर्हितः नीय क्षात्राच्या दक कुन क्षित्द व कार्ट व 477 TIL TE BOTT मशब्दांब (अ ११ र *उत्दर्भा*ताल के. शास वन्ते . इसे रव शक्ती , श्व डेश्टबक्की कृति ६ । ' रेज . ক গুলুকী অভি क क्षित्र कामन अ स्वतं क्ष्मा (यो) स 海州市 東 611 . " 1

अक्रीब सूचि अंख के ला बिरकार नाम व 1170 4141 Comins when in fafe toge ! मा । दिनि दंभ तम अपे माळ - दिन १० बन यानि बाह्यसन सम्बद्धिया कि बागवा क्रिक विनाम, बानीवामक र दे महर क क किस शाक्षिक प्रश्न सामित विशेष कर रेट में मार ध्यामक्षा क्रीक्र न विश्व अक्र विस्त विदेश वि = === १ भाषाद्वी वर्ष पर्या । अभिनेतात्र मान्त म १६० क ब्रिट्स निकातिका ए। जीवीय सामित्री स् पूर्ण स रण अन क्ष्मिक, मुख्य निर्देश कोशन क्षातिक द्वानुका वृत्ति wa's fechte, u glast fagen fiet a

さら(計画) (本語) P (**) ক, হাড়ানিছা হান তেও^ক

्रामा । इत्या । (हे श्री स्वरं राज् त क्या अध्यय दक्ति, हेट⁴ हे · 当1、在水本上五次。 2 水水水 1 医胡克维氏菌科 (夏时) 1917年末 ন লোচিত সাংক্রিক আমারিনিকটি চরীত্র ा गुरुस र माना प्राप्ति । व रत क्षाड्ड १५७०मण अस्मि ट°राज गर , ८ ्र १ (स्मिन्स्य स्वल्याः । १ ५४१ ह াল জাতার লিজালদাভার র্নিচ্প ম পুৰু এইটা। আনং ডি কাছবৈ। প্ৰিপ্টাৰ _{নাত প্র}ার সংক্রি সাস্থানি সাহ কাল। २ क्राप्ट्यम् अक्षार्टीष्ट्रस्यकः विश्वकः विश्वकः -সংক্ষঃ সংব্ৰিষ্ণ কবিষ্ **অ**গিলাক জানি 羽養 医中毒酮 如此 明明明 家 日本 湖水 人名西斯特 一年,避过村里明十五年,下了

গ্ৰশতুৰ সংখ্যাস্থল কিন্তু সংলিধৰ হল িলস্কল হতেও দীৰ্মাঞ্জনীত সংসুখ নিকট এ বি 祖 いはな オン・苦傷: 海井 (本中 生) こ い ご res & 6 4 97/15 - 15/8 31 312 73 । ॰ ॰ अक्रमक्रीया। ≛ाण **का**रा ठ(ट**बर्म**िष्ट । ली ্লাল লাব বছুন লটা চটাতে পাৰে আপোনিট シノーコリックト おきなちず寒できて傷にする痛です ७ ६, १.वर पृथित्र, व देशक माधिम ए । ए। हो। त १ अर्थ में असे हैं। विश्वित के विष टार । এলিয়ে, প্ৰশোসাম । সম্ভাৱ এ ৰাজিটী আ ভ ক-, म्या, विकार, गाइक्षांच कामू कांत्र मधित। ' জ'বছাম এ'ল ৰ পাৰ**ে ডাড়ি**ল ক'লে ন भड़कार का केर हा का का वार्ति । ए अर इय अधिक । शक्त वानिवार्ष महिन ्यम त. जागन्या जिल्ला वर्ष । सरीय के : क्रियान ना'शर प्रथ'नि आका व्यापात वक्त विक एवं क्रियान वाहित व्याखानित नाहित সামার পাছিত । ও বলাস। গাইতে হ ইং 🌬 বাজ বলি ভঞাগদন। জি সী কি গ্ৰাণ এখন हुबर्गिक किए दर्भनो भ रसमानीय ना स्व (1) कि व साम दशादको निवाबाधि अपने इतित े । जभन भरत धनः श्रीरकाकिक्टलन महा स देव कि एक दिख निश्च अध्यमः । श्रेक स १ दम्भ पा-चांब ए.म अन्य करववा। शक्तश्रातमातः रिमा 'सदाकेत्व अभा यामावित्यूत श्रेवित्युत । श श्रीसम्बन्धि अध्येती यात्तरम कविवे कृत क रयाज विस्मर कलाश्रमाधिनी अवेशाल वाध इंडेल २। ! स्थानाम वहत्वन्य शहिया विश्वीतं क काम । मध्यमिश्वा विश्व, त्यावायाणी काँछ सूपा-व वामित्यकश्रकतिम उथोग्र किलांग अडाव है क'रमक (मधिट गार्चेडाम । हेडाव कारा) श्रुक्त' পোন্ধা অনেক ইংকুত হুইর্ণত প্রনিজ্ঞা

श्रीध. हर, उ" ३० है व विम 聖祖司

ध्येयुक्त (मामध्यकाम मम्मोपक महान्य भनीरश्रम् ।

२२ कं बिद्धा श वन्निक्त शास्त्राहित के लगा गाहिर शांकेश्मा शांकोंब्रक अप असिंदिक कि

्र १, टिलः Ca विभागूर प्रार्थ र १७ १ क क्रिकेटा श्रीम कर तथः मालकाश्चीराक्षाद र स्विक । क्षांत्रव अकटा छि। ५ छ मान विषय निर्धिष ছिलांश नंगारहे अलुग्युन किन्न हुशायत निष्क र ६डे ए मा वानि श्वारे की मा विष्युहरू। हेक्स (", (लां- क्षु लगह सह भग्न मृह्य १ हत्र) ,राद, ग**'ल्**पान् निकारणः । अ**वश्विता** छ । अस्त ्राभवेलि ५ खना,*ना ७:०* कष्ट्रामन ५ ४ विक् क्ल ं क लिया अंदियों के श्रीत करीर कर्षिक लिया हे दर दाप वर पहिल्य अन्य प्राटन इ सम्म भ ा 'लवेक र गर्नेमाक्षक गर्ने कुरुरत कर्यम ' , इस सहस्र ्राहे ज्ञापत एकिन बकेटन नामरिक वर्ष प्रमुद्धे म क्ष भारतपटात रक्षाः वृक्तिक करियानसम्बद्धाः

> अन्। ५ वका न पार्यात रक्षात्र व भगान ५ ালাপুৰ কৰিছেনত হলেই - ২২টিছ লাং च प्रकाश के भाषा के अक्षेत्र की किस्त की की किस्त की की किस्त की की किस्त की कि किस्त की किस्त की किस्त की किस्त की कि य करिकाय में लेख रेजा । र क राज्य पत्र होत्र (यक्षापाल रे) वर्षण्यात् । यांच द्धारवादडे अक पर्छ र 🖹 कि 🐧 वेक्ष र 🗯 🛵 🦡 र देश एक प्रभागितिक व्हार प्रमुख्य करें है है केन २६० देश्वीत धून व स्थला र र क्किस लक्ष र १६३ क्षाप्र र र प्रक कोल (देवन कार्स) माध्यम वर 📳 এক ল'ব বিজয়ৰ ল'ল **ম**ংশ্ৰেল **ই**ল, [†]4 এক ्र हे नरहर चाहि स्य शृक्षक इंद्रक्कि द्वारताह किंग अंग्रहाच्यम जिसिहा हिंदी म के शहास्त्रामंत तरभव दक्षण कर कि » विषय संख्या विश्वासर्वातः मानाव हाट्टेमांत यर्थ का "श्लिकांचे द्रकारण माठेक उरवर के क समिति हर भी भीन

ক কবিংৰেম। क लाग । रसरब्दर ५ 💝 के 🧎 በች የተነራች ነ

1/3

कींड, कार्र दिश न ATTEN OF THE PER

(मायशक

" प्रवर्शनां मछनिद्दिनाथ पार्थिवः सरसती मुनिनहतो न हीसतां। "

२ मर्थाप। मन १२७२। ३० छ अस्या १ वे १ १४७३ १ २४ नित्यमन

Maria Kall ? Ale राहिक वार्तिम > देश

विकाशन ।

काइक्शरणत अकि।

প্ৰায়ক্ষণপৰে ক্ষমান বাইতভাছে কাৰ্ফিক চ স অতীত হওয়াতে সনেকের প্রায়ত সো बर्धकार वि पृत्रे विश्तकविष्ठ वर्षेत्राह्य, कार्यका हुन बाज 'बाडीफ बड़ेरब क करनरक व वृत्र (ना इडीर्ड काछ कर डाइन्स प्रवा कतित्र भूता भी-শ্ট্রা দেন। উক্লাক্তিকাড' দেক টে। ভাপে করিবে। बर्गताल व्यामाणितात माध्य भावे हिल्ली मा-नहा निकित्य अभोध शाहेर।

विकाशन।

हान्निराशंजा निवामी ख्रीपुष्क इस्मिर्धन ने दहत थ्रा जीएक कालीवनात्र निश्र मह-यम क्टेग्राटक। नेवांत्र र (राज, रग्न क्य १९ २२ बल्यात्र, क्राकिन्द्रिक्टश्व खुरुलिय निकेष्ठे क्षि (छाउँ कानिहन आहि। वस्तृति (कर हेत्क सक्कव'चा **४ वा**क्तित 'मग्नमक'न दक्षिश সামপ্রকাণ সম্পূদকের নিকট সংগ'ন দিজে গাবেন, ড'হ'বে > চ টাকা প্রকার ন্যওয়া । हेटन !

त्रागशकाना । ५० के भाशशायः अभावतीत् । অম্ভিয়ার বিভোগ

ঢাকা নিউদ লিখিয়াছেন ক্ষরিয়ার ব্যঞ্জাহীরা অন্যাপিও অন্ত্র পরিভাগি ক त मारे। आके नारव शृद्ध समा ए मर्ग विषया क्षित्रा विशाहित्स्य, यीज्य, म व्यथ सहर जान्याम भवन करिया मुत्रमात नगरक कुरु मन्नवीदन चाकान करत्र।

धानर भूनचीत्र क्या धानभीत (यावन) क- | अवर्गस्मे कर्ष्का त्रिकिटमत भाषांच भीतेगा एमन, किन्द्र किस्टे क्रेरकावा रहेन्छ एक हाहिएकए मा वा स्थम हैं। शाद्रिय बार्रे। शाप्त मण भव्छ विष्यांही कर्माहिता ए वाशामित्सव किस् সমবৈত কটয়া জাতে ৷ তাহায়া গ্রগম- ৷ চাব করিরাছেন, তবিষয়ে আনগ্ জের বাক্তের বিশাস করিতেকে না। ভাষ্টা- । অণুমাত্র সন্দেহ জনিক্তের না। আ জীয়ন রা কৰিতেছে, প্রথমেণ্ট গদি নিম্নলিখিত করা উত্তাদিশের একটা রোগ আছে। চারিটা প্রকাশে সমত হন, তাছারা শক্ত । আমাদিদের অবিদিত নাই।

চারিদিথের হলে তলেদিগের শাসনভান্ন ममर्लिङ वा इर्था मनुष्यतिरक्षत्र श्रष्ट म-मर्लिख इरेटव । ,

धिकी, नर्दथकांत्र का डिटारेगा पि-(४ इडेरव ।

कुठींग, क इंक्टिशत (क्टबंच गर्दर) जिलाही बाकित्व है।

চতুর্থ, গ্রথমেণ্টকে ভাগাদিগের দক্ষে भावना कि मनर्गं करिए इन्ट्रेन

ভাছ রা যে করেবনী প্রস্কান নাবিচা-ছে, জন্মারা ভাষালিখের মনের ভাষ ও विकार धार्यक्त कात्र न्म है। वीष्त्रमा হুটকেছে। গ্রণ্মেণ্টের কর্মহণপ্রাস এব॰ ভাচার তদ্ধানে অসমত হইলে ক-ব্যারিদিগের অভাচার করিয়া ভদাদান क्ति। **এ** रूपे काशमित्रात स्पदन वि-त्वाह्यक्रि अणे, भिक्र क्तिशा विशादक्।, क्षकांत्रविष्ठतंत्र यकि व्यक्ताहांत्र ना बाहि- नवर्ग्डमणे नात्रगानिगटक जावादिन श्रीत रुट्य जयर्तन कात्रम्, बाहाद्रा । अवस्थ चनुद्राप कतिएव त्का । चनुत्र, फाक्शा

क्रिमिक वनाकाकीटत्रहा अक. क्षाक्र्य क्षणम, अहरवरी स अवगामान्छेत कर्य- | शाधीमण लाएकह आर्थमा कतिसाह ! । दार्थना करेनमणिक नटर । मानुस्क थ्यू স্বাভাবিক স্বাধীনতা প্রতৃত্তি ভাছে। যথন অন্তুত সভাচারৰণ বাছুৰ্ क्रक स्य. खेळीलिक स्वेता क्रेड । जिली श्वर्गमण्डे व छेशान्तित्र कार्यमा अतिह त्रत्। जमर्थ इटेर्डिन, त्यांच इटेर्डिड्ड करें া যদিও ভাষারা ভূমী সমুস উপার্ব্য জ্ আহি नीमका बीकारत केमूब स्का जीवनी ठाँहानिगरक छिष्यस अमुमिक धाराने तिर्द मा । **खात्रकेदर्द कें।** शाहा वर्त्रावत्र. ' পনারাই সন্ধিনিরত একাদ করিয়া পর नहिंछ निक्क कतिया जानिहारस्य, जा ৰে ভাষায়া শত্ৰুক্তৰ নিৰ্বীন প্ৰকাৰে সৰ क्रेश मिक् क्रिट्रिंग, क्लान क्रायरेक्न বিত নহে। বিশেষতঃ খসিয়ারা অভি मासा भंजा।

करे विक्र लच्छा जमाठात अब नक बद्दन जूदन आत्मानक क्**रेश्राद्धः।** चटनटक पेक बनाः भएक अक्रकारन के गृतम कान्नि विरक्षाहरू । के जारा नामान्या व्यवस्थ বানকী ক্রিক্তি ক পোনা করিয়া বেজু বাদ ছলে
সপ্তথ প্রদর্শন করিছেছেন। গ্রহণ্টেশন
সেই অলীক বাকো ভীত ছইবেন, এত
অসার নহেন। বিপক্ষণ ব্রিটিস জাতির
নিকটে খণ্টোভ ব্রুপ। ভাছালিগের না
বিহে অপ্রথম, না আছে শিক্ষা নৈপুণা
। আছে সেনাপতি; তাহারা কতক্ষণ ব্রিটিব পর্বর্গরেকীর সহিত প্রতিযোগিত। করিতে সম্বর্গ ভূইবে :

क स्वन्द्रके अनुवात्तिक अंत्रक्षणता-विविधिक व का जन्म का जिल्ला का कि म् शम कृष्त्रम, रेश काम कृष्मरे चामावि रनेद्र अनुद्रमानिक मदह । कॅ.हाता आखर्दशी দ্ব র্কুণ করিরা উলিখিত ব্রাজাতীয়দি-গকে আংশিক স্বাধীনতা এদান পূৰ্বক যা গাতে বিবাদের শেব করিতে পারেন, সেই कीं क्रमन । ए शास्त्र औराभिरतात मह त इकि विना कुंजि करेरव ना। यनि छा দিগের এবপ শঙ্কা থাকে যে বন্য জাতী -রা সময়ে সময়ে ত্রিটিস অধিকার মধ্যে .विके हरेश छेभेखव कतिरव, बारकात ুৱা শীমার নিয়মিত সৈন্য রাখিং। দি-লই সে শহা দুরীভূত হইতে পারে। আ নার রাজা অধিকার করিবা স্বাধিকার ুদ্ধি করা এবং অনা অন্য জাতির উল্লুলন চন্টা করা বিশুদ্ধ রাজনীতির অনুমোদিত हि। थाउँ कार्या वा । रक्षकत कामर्थ व ্রিক্র থাকে। ব্রিটিস গ্রণ্মেন্ট বৃদ্ধ काणात क्षां थाय रहेगारहर । जे ারিখাছ রাজনীতির অনুগ্রী হইয়া ক্রেটা কাষ্য ও করিয়াছিলেন বলিয়া क्षेत्राहा मक्ल हरेट পানিতে

> রাজীপরার আজাচার করিবার অক্টাত্তর্ভাই উপার। অকটাত্তর্ভাই উপার। অকটাত্তর্ভার সিদ্ধার্থনির বাত্তর অকটার পার মাই অভ্যাচার করে।

এতৎ সংক্রার যে আইন আছে, তাহা জ शिक्त विवर्त भेषा क्षेत्र का वा अक्रिय-খন চতুৰ্দিক হুইছে ককুণ ও আৰ্ড বিলাপ **अ व्यादक्य हिंग्लेक के कि शा**कत स्टेश णारक । त्रांकशुक्तदेशता थङ य धनामनक, তথাপি ঐ কমুণ্যুদ্ধি ভাঁচাদিগের শ্রুতি भरबंत छेटबनकांत्री इहेतारह । गठ > ६ रे मदब्दद्रद्र वश्रद्धनीय बावद्दाशक मखःव खे न कथा छेवानिक इहेन्रा शुद्धं बाहेन मः रशायन পূর্বক একটা মূতর আইনের পাওুলেখ্য कता बरेगार बबर के भाग ताला जिलाके क्मिणेत्र वित्वहमार्च अमर्लिक इटेशारक। च.जर्बाटकडे क्वज़ल, बाबू क्षत्रमञ्जूम व ঠাকুর, মৌদ্রী আবচ্ন দতীক এবং আ-লেন সাহেব ইইনরা সিলেক্ট কমিটির অ-স্থানিবৈশিত হইরাছেন : আলেন সংহেত এই আইনের প্রস্তাবকর্তা। প্রস্তাবিত আইনের ভুতীয় ধারাষ এই বিধান করা हरेगाट्ड ए क्यांगाती आहेरनत विक्र क ব্যবহার করিবেন, ভাঁহার ২০০ টাকা অ-वेदा क्रहे मान काहाबान मक्ष हहेरव १ दि-खाशिन काटन मामिट्रिये ७ काटनकेश-দি ভারা বলপুর্বক শক্টাদির আহরণ এ-खाविक बार्दानत बननूत्वाक्नीश नरह।

নৈনিক পুরুষেরা মকস্বলে যে প্রকার
অভ্যাচার করে, ভালা কালার অবিশিত
নাই । ভালার পরিচয় প্রদান'র্য অধিকতর
প্ররাস পাইতে হয় না। গোরার পল্টন
আসিতেহে শুনিলে প্রামের লোকেরা গৃহ
লার রুক্ত করে এবং ঘোকানীলা লোকান
বন্ধ করিয়া পলারনপর হয়। ইলাই ঐ
অভ্যাচারের উৎকৃতি পরিচায়ক। বারু
প্রসরক্ষার ঠাকুরও উল্লার বিষয় সভার
গোচর করিয়াহেন। সৈনা অধ্যে এই নিরুষ আছে, সৈনোর যাআকালে কোলাইর
মানা। যে বিষয় বে ছানে ছাউনি হুইছে,
ভিনিভালা ক্রেম্বিক ক্রিয়া ক্রিমেন্ত্র প্রক্রেম্বানির্মানী ক্রেম্বিক ক্রিয়া ক্রিমেন্ত্র প্রক্রেম্বানির্মানী ক্রেম্বিক ক্রিয়া ক্রিমেন্ত্র প্রক্রেম্বানির্মানী ক্রম্বানির ক্রিয়া ক্রিমেন্ত্র প্রক্রেম্বানির্মানী ক্রম্বানির ক্রিয়া ক্রিমেন্ত্র প্রক্রম্বানির্মানী ক্রম্বানির ক্রিয়া ক্রিমেন্ত্র প্রক্রম্বানির্মানী ক্রম্বানির ক্রিয়া ক্রমেন্ত্র

गः अर कात्रन । त्मरे मः अर्थ काम्बी क কাচার হইবার একটা গ্রেম কাল । কে वार्षेत्र मार्केटतव अमूहदववा थे वम**टव**ंकाः कंब्रेखिएक मुम्मत्रकाल हित्रकार्य कवित्र नन । ভাহাদিদের ভদানী इन या शहात अ মনি মনোহর যে ভাহার প্রশংসা করিয় শেব করা যার না। বোধ কর, ভাছাদিশের मक्ते क रशक्त करेशात्व, छशिता जनत्व यगाथी इरेश वहिर्मा इरेन ; किंम्रेक्ट (मिल, क्रांकशीन भूचा भक्ते ଓ क्रांक थ।नि जवाशूर्व नक्षे चारुदक्राइ ; त्रां পূर्व अक्टित पिटकरे मुर्द्वाटक छाहामिटशः पृथ्वि निर्शाष्ट्र हरेटवः जमवागाभारे कः হারা নিভান্ত ব্যথ্রমনা চইবে; খুলু সক্ট চলিয়া গেল গেল, ভাগতে ভাহাদিগের क्छ बाहे। भूग मकते क्रम हहेरल एएसा মির। কাতর হই!। ভালাদিগের শরণাগ্র হয়, এবং ভাহাদিগের প্রসাদন ও **এ**ছি मन्ना मत्त्र त्य छेना इ चाहर, छाहा क्रिहा मुक्ति लाख करत । खौजनपूर्व भक्ते मुस्रि পৰে পতিত হইলে উক্ত অনুচর্দিগের আহ্নাবের পরিসীমা থাকে না। ইন বারা ভাহাদিগের রসরখ প্রবৃত্তি ও অর্থ क्तांच छेखरग्रहरे हिंद्रकार्यका रहा।

क्षिशिक्षं मार्चेद्वत व्यन्त्रक्षित्वत श्रम के विकाल के वित्र के विकाल के

क्रिक वाकिनिर्धत वादमय के विश्वत क्रिक्टियों के ब्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट महान महान क्रिकेट व्याप्तिकारिका महान मकरमा क्रिकेट व्याप्तिका महान मकरमा क्रिकेट क्र

रेमना न कान कर्मनातिका व अधि-ব্যুর অত্যাচার করিবে, ভাহা তাদুশ বি-भारतत विवत मानु, त्राष्ट तका कतिराज्य বলিয়া ছাহাদিগের একটা বিলক্ষণ সতি-मान णादकः वाकिनद्ववाक नभग वित्नदव काहानिभएक व्यवस्थ ध्याम निय पारकम । क नकः रेजना मध्यायः व्यक्ताकारत्व विमय मर्वरनरम ए नर्व सारिए कित अगिक आहर ! कि अ जीन. कि नदा, यावधीय है-। ৪৯।সট এত্রিবুরে সংক্ষা দান করিতেছে। ए। एनटम विख्या हे जिल्लाम म हे, एम एनटम-न कांश अब भारे इन्त्रां इ हेजान मीनटमन পরিচর পাওয়া ফার। শিশুপাল বধের धकक्रान दर्शिक इत्रेग एक, कुक्क शक्षम गुन्धि-विश्वताक्ष्य गाउड याम, जरक त्न भ-भक्षा देशमा कीवात अम्बिदाह दर किल, কিছু সেনাগৰ কোন গ্রামের কোন ধনিউ अक्षा करत्र म'है।

> निःदलवभाकः, प्रमशेष्ठाका करेश क्रमम मभूरष्ठावितः मभूकि विश्वितः । श्रादमभू देनां महक्दद्वास्यादिदेखः क्रियम्बद्धाः हिनदण्डाः ति क्रमनः ।

সমূত্র প্রলার কালে বখন চলিত হয়, কল দারা সময় এটাতল সম্পূর্ণরূপে আ-ক্রমণ করিয়া বেলা রূপ মর্যাণ, উল্লেখন কিনে, কিন্তু কুষ্ণ আনংখা সেনা ছারা ভূতস ব্যাপিয়া যাইভেছেন ভ্রাপি প্রান বানিদিনের বিষয়ে মর্যাদার উন্তেশন আ ধ্রি কোন দৌরক্ষা করেন নাই।

ক্তপত্তি লিখিত হোক বারা ক্তকের

প্রশংসা করা হইতেছে। এশংসা এই।
পূর্বকালে এলেশের দেয়ে দান দিরা সেলীন
ধণ গমন করিত ভত্ততা লোকনিগের উপরে
দৌরাদ্যা করিত, ক্লের দাসন ও নৈপুণ্য
বশত্ত সেনাগণ প্রামীণ ব্যক্তিদিগের প্রতি
দুর্ববিহার করিতে প'রে নাই।

बाहा इंडेक, व्यक्षिक्छत्र निक्यत्वत्र विवत **এই, यে धाटन द्राह्ममञ्जू (महे धाटनहें श-**ৰ্বিত, উশ্বত ও অত্যাচারকরিত ভাৰ নয় . नत्भाष्ट्रत इम्र । यिनि म किर्से हे जानानरक त्र भगाडिएकत्र भग भारेत्वम, छै. इति मरन মনে এই অভিমান জয়িল, তিনি যেন গ্ৰথ-मृत्र भग भादेशास्त्र, उँ।हात नहिंछ जुला ज'त्व कथा कटंर नामा कातः शीफ़नका-। রিভা ও অর্থ সংগ্রহ চেকী কাঁহার গর্বের কোন অংশে মান নছে। ফলতঃ বাজস मक्ष निरक्तन महन बहन हा शर्ब ७ व्यक्ता-চার শরিতা প্রবৃত্তি জন্মে, এটা কিছু সুভ न कथे. नरह! वर्ष २७ लारकन्न इन्हें। शास्त्र। विखेम अलिएअस्टर्शन व्यक्तित বননাবসরে এক স্থানে লিখিনাছেন 'গ্রাদ্য দ্রব্য সংগ্রহ কর। বহুকালের অধিকার ; বাজকর্মচারিগণ ঐ অধি গর বলে রাজসং সারের নিমিত্ত সন্নিহিত জনপদ হইতে আ-প্রাদিগের ইচ্ছামত থাদ্য সংগ্রহ করিতেম এবং তাছা লইং। যাইবার নিমিত বলপূর্বক প্রস্লার শক্টাদি গ্রহণ করিতেন: ঐ সকল खरवाद प्रमा निर्षिके दिन वटेंगे. क्सि खवा স্বামীরা প্রায় মূল্য পাইত না, যে পাইত, সে শীঘ্র পাইত না। * * * প্রজাগণ রাজ गः त्राद्वर अहे अधिकात्रक प्रेरणाड चन भ काम कतिए, धवर शांता मर**्वा** शांक কর্ণচারিদিশের ঐতিক হওয়াতে ভনুলক भारतक विश्व भाषाति । इति । कलकः भा मापित्वत न्याचे ताथ श्रेटकंटर, असित्क व्यक्ति कर्महातिता के हात महातिनीस अर्थ শক্তির বলে শতাচার করিতের। শেরে कमन राज्यमम् अधिवाहनार्वे अवशे यार् न कता निवास का बनाक महेता छे.ठेल । "

ভূতীর এডওয়াডের নিবারণার্থ দলটা বিধি বিশ্বানী ক্ষয়াছিল।

N.

স্বিশেষ আশ্বেষ্ণ ক্ষিত্র এ তিন শতাজীর পূর্বেবাদুশ র ইতিহাস মধ্যে লিখিত ক্ষুরাটো, আলিকিও তৎসজাতীর অভ্যাচার হুরাও আলাকিবলার ক্রুতি পথ প্রবিষ্ট হুইডেছে। কেলা কালো কি ইহার নিবারণ হুইবে না । ক্রুলেক্স কি ভয়ন্তর! ঘাঁহার যে প্রক্রিটো রাজ্ সমস্তে প্রাধানা আছে, ও ভাকে ক্রেটার মাণে অনায়ও অভ্যাচারপ্রার্থ, পাওলা বায়। আলি-শুনা শেল কিন্তু অযুক আলালতের অনুষ্ঠিতিল লেন, কালি শুনা গোল, সমুক্ত অনুষ্ঠ ক্রেট্র টি নাজিন্ট টকে প্রহার ক্রিয়াছেন

তিপসংহার ছলে মানারিবের বার্
এই, রাজসহল বে পরিমানে রাজ
রিদিথের গরিতা, উল্লেড ও মানারে
তার সূল, প্রধান পুরুবরিপাকে সেই ক্র
বি প্রয়াসবান হইর। তল্পুল্ন
তেহহবে। সৈনা সংফাল্
কাহার উপর মানার্
বি ব্যক্তির বাহা প্রাপ্তঃ হল
ব প্রান্তর বাহা প্রাপ্তঃ হল
ব পরার ক্রিয়াব্দি
ব করিয়া দেন, সাকটা
দিগের নাম অবনে
ক্রেম

পাতিরালার রংজার স্থূল্য ও তথ্যকৃত্য সভ্য নিয়োগ প্রস্তাবণ

শাসরা হৃণবিত হইয়া প্রকাশ করিছু
শীতিরালার মহারাজ নরেন্দ্র নির্মাণ
শরিত্যান করিয়াছেন ৷ তাঁহার কালতি
সক্ষরবৃত্তী হইয়াছিল, তিনি তালাল
শানিকে পারিয়াছিলেন ৷ এই বি
শুর্বেই ভারতব্বীয় ব্যবস্থাপ

५. 🕫। करत्रम नारे। नरत्रस्य जिश्ह ১৮৪৫ का मृतीनश्हामदन चादबाहन केदबन। अहे ১' বংশর কাল তিনি খীর জাজা সুন্দর कर्षा गा मा क्रिसाहित्मन । कूमश्कात छा-अध क्रिमानवंश अना अना क्राकात नाव ক্লান্তক সম্পূৰ্ বিশে বপরতন্ত্র হই ন, জিনি ভত্ৰত্য বিধবাদিগের আংশিক क्के निवादरभद्र अभिद्रक रा आंखा करा न করিক্লাইলেন, তদ্ধারা তাঁহার চিডেব উ-দার্ভবের পরিচয় পাওয়া গিকছে ১৮ল অক্সের বিজ্ঞাহ কালে তিনি নিজ बार्नुद्रु भाष्ठकाद्य द्वाविषा भवर्गरारकेत যে বুঁছামতা করিয়াছিলেন, তনারা ভারার রাজনীতিক্সভা ও প্রভুতজ্জির সবিশেষ প-রচর হইরাছে। তিনি অভিশয় বলবান ও 🎒 হিলেন। সাধুতা ও সরলভাব ভাঁচার

ह्य. ভাষার বয়স চতুর্জশ বর্ণ। কু:ছারাজ **নরেন্দ্র** সিংহ ভারতবর্ণী র ব্য র্ধেক সভার সভ্য পদে প্রতিষ্ঠিত ছি-এ। ভাঁহার মৃত্যু হওয়াতে তৎপুদ পুনা ্ৰা একণে কোনু ব্যক্তি তৎস্থানে নি-্রুজত হইবেন ৷ এই প্রশ্নের সমাধান ্ৰাক ইইয়াছে। কেহ কেছ রাজা মান-ক্রেক্তের কপ্রতলার রাজাতে ্রিরভেছেন। কিন্তু আম:দিগের মন मामामश्रहा १ वि श्रक्षश्री हरें-वाङा अक हेखे **ট্রিনের কন্যার** প নিগ্রহণ করিব।ছেন। **ইন্টে,ভাষার অ**কা কলিয়াতে বলিয়া दक्क विकास क्षेत्राच। ८४० वृत्त कि पिष्ठ राजा भाग १ के इंडर क्रिक्न किंदित्क मध्येशम प्रतिरु प-

প্রতিষ্ঠান কার্ ভাষা, এ প্রস্তাবের অপ্রাস नरहा अहे भवसदा छि के के वाच । (मर्ग्ने अक का

প্রতিনিধি গ্রহণ করা অভিশয় আবশাক। । ছে ১ না, ২ক দেশে বর্ণমেটের কোন এতদ্বারা কেবল খে বাসলা দেশের চিত द्रक्षत ७ व्योकि मण्णामम कर्न इकेटन अ क्ष नत्क, देश अहे आरमत्मत जालतिक ভাব অবগত হুইবার এবং আনেকবিধ (खब्द मान्यत्व दाव चक्न इक्ट्रेंट । मञ शियों द्राविष्कु शाद्य नाहे। भ भ मिन । इत्त गर्थन एवं अदमरभद्र शुक्र शुक्र शिव ধান একাব উপস্থিত হয়, ১২এদেশীয প্রতিনিধিরা কি অশুভ পরিহার ও শুভ मिश्रियात्वर व्यान शन (हमें) भान मा দুণ অকপট চেষ্টা ব্যক্তিরেকে কি সমাত कर्ष हेरोमाञ महावना जारह । ३१म७ अर्डि शास करि किनात विटिनिधि গ্ৰহণ রীতি প্রবর্ত্তিত হইয়াছে কেন > বা कला क्लीटब्रहा ভারতব্যীয় बाबकाशक সভাকে আত্মীয় ভাৱে দর্শন ন। কবিয়া উদাসীন ভাবে স্থান করেন, ইহা কোন ্রুইনিন্দ গুণ ছিল। তাঁহার একটি পুত্র কৈমে প্রার্থনীয় নহে। কিন্তু যদি প্রতি নিধি গুলীত না ছইল, ঐ সভার এতি এ এদেশের আগীয়াভিমান জযিবার সন্থা বনা কি - এ ছলে স্থার একটি চিস্তা ক-রাও আবশ্যক। ভারতবর্ণীয় ব্যবস্থাপক সভা এক্ষণে প্রবর্গর জেনরদের নিত সভা दिला अभिष्ठ ७ म मानिष्ठ इहेवा थारक। এখন উহাব উপরে গ্রণ্ব জেনেরলের সর্বতোমুখী প্রভূতা আছে। উহার এই व्यवस्थि कि विव्रकाल नमान थःकिर्द । व्यक्तिया यायः अहे कावरन, वावरकम ক্রমে যথম উহার উপরে ভারতব্যীরদিগের প্রভূষা ও আখ্রীয়াভিষান ক্ষমিয়া ভারতব ধীর বাৰস্থাপক সভা এই নামটি অহার্ণ । মাতলাকে সেই বন্দর বরিবার ও তথা इहेर्द, उथन ६ कि वामना सम विभिन्न থাকিবে। ৰাজনা দেশ কি ভারতবর্ষের

माज नारे, हेश दिवल छैर शाह चन्न हरे हा चारह, वरे विरवहना कतिहा छौहाता रेगत উপরে বিরক্ত হইয়াছেন > কিন্তু আমরা স্পটাক্ষরে কহিতে পান্নি, ভারতবর্ষের 🖰 णना चना कृति वन मानत गान याना প্রতিনিধি লাভ সহল নছে। ২ল দেশ शवर्गत्मर**े**वेत উপकाती कि मा, ७ विषर्ग আমাদিলের অধিক বক্তা লাই, এইলাত্র বলিলেই প্যাপ্তি হইতে পারে, যথম ভা রত ব্যার প্রথমেটের আঘি হ আত্ম রংয রতান্ত একাশিত হয়, তথ্যুদ্ধের বসদেশের जार मर्खार्थित क्षमाम महल (महीलागान हरेता शहका

कार, म्य क्वित्र स्वायम्बर, म्य

গ্ৰান চড়া পড়াতে এখন ভাগ পুৰুৎ तुहर काहाक कलिक रूप व्यक्तिराज भारत না। এক শত বংসর প্রের রণভরির হা धाक अयाष्ट्रिय क्लाइंट्यंच अ'हारराधी इहे য়া চন্দ্ৰ মগন প্ৰাস্তৰ সুৰু যুৱে জাতা क लहेश शियाहित्त्व। भित्र कांगित्बत् সময়ে মধাবিধ সওদাগরী জালাক মুর্সি-দাব'ল প্রান্ত গিরাছে। কিন্তু এখন ব্য' কাৰেও সামানা বাস্পীৰ জাছাত চড়াব হেড লগুনের যেত্রপ কলিকাভার এত্রপ একটি বাছির বন্দর আবশাক চইয়া উসে हरेएंड दिल करते वात्र ज्या नामश्री जानि ৰার একাৰ হইয়া রেলওয়ের কাষ্য আব-चारम नरकः 'अहे नमरत छात्रात स्वाभाष सुक्ता स्व कत्र । ओ कामा काम स्वेता सानि ना हरेल उरकाल कि जानत छाद्रका सारह। खना विश्वता अरे कानूसाति খীয়ের। বন্দ দেশকে উদাসীন দৃষ্টিভে স্নাসে মাজলা প্যান্ত গাড়ি চলিবে। এ मर्भन कि दिन ना ? अथान श्रुक्रदात्रा दम जित्क का बात्कत अधिक आयमानी पिथि-দেশের এতি এত নিরমুগ্রহ হইয়াছেন রা গ্রণ্মেণ্ট কলিকাভা ছইলেডারমগুহা-কেন : এখানে যোগা অভিনিক্তি নিয়ে না । ব্ৰুবৰ পৰা ৰ একটি পুডাল রেলওয়ে একত विनिया कि चैन्हासिद्धान संस्थान क्रिका क्रिका क्रिकान क्रिकारका । य विनद्धा 🍇 ३५ मा**श्र**ीक को ८० मनदा न । ज खादा विषयम् क्यांक क्यांक्रिया व्यापन १८० माम स्थान धर्नाक्ष्य - -LE FOLKE PIRMA か 出本にN美 多の दक्ष्म ख'रा इवेटम उ 4.2 । प्याचि असे महोस्य -व क्षेत्र केरियाङ कारण विकास आकि अध्यान भगान सा लिटक क्ट्रेंटर अन्त र लिए हरे असि लाड कडिर - अ क्यार्थन **१ड**'वबः । अहे थित'एउ घानातरे विकादक नाहरू नाहरू , खो**रांव चान्ना**च , ४ १ (४४%) ाष्ट्र काशिक छ। श्रियाहरू क नामिन शेरक, धवायम्द्रत द्वनम अन्दर् रत वारम्य श्विष्टम अभाग करिंदन के बार्रीक मा कं के कि कि वान। या हिटल भाविरका। १७ अन विष् শ্ৰে চাৰ সিংছ ভিৰখনি লাগৰ 'त्र वांच्यांत्र करते क'गर पूजा 'व निमा किएल माप् । नि 🐃 ाको कारश क.चात्र वैक्षा !» নিষ্টিভে এত্যেক বার त भाग कातिएक पू अम केटन व किएक देशिया স্মাহা কাভিয়েন কৰ ५ - ४ कि अखुदत्रत व वश्यव दल चन WITT. ta.

他 14 (時) 电影引动 电管 化性的 电 क राहक सामान काली The grainesa dies Belle. **७६ । जेब्लिक श श्रीय अधिक। 'अडि** थक्ति भी छार एक महीन सम के त्य थरा व ७ हि यमा। इस, अरे ५९मड · 特別 東京市 安全部山。 (年 九年 北京 北京市。 1. थादकः ुः अञ्चल क्याः 🗝 । ५६ वंश्वटतीत्र ६० किम सम्भाग । त्यकि नम प्रामानाकः स्थन v आ करता, शक् विदेश शर्मक वामा कारि विया के ८२। उनहां कांग्रेड़ 'क आण जिल्ल क रेश्यक्ति /> अस् विकृष्ट गामिक श्रीत वर ना क्रांत्रि काडोटफ अक व्य के अहिक एक्टिक अक विश क्ष । चूटके अक न चरिनात करने हू शकार अधिक दिया गा १० व्यक्ति व रामा कृ केश्वापूर्व नाक्षमद्व । क्राका का । विवादिय के क किरानि स्टू नादबाब नीट्स ट्य व्याह द्वित्र, जुल देवी स्थाप कांका कांका कांका कांका बाक्षादेश बारक, ब्लाइन, बिलेब हुद्द । ख्री ्। -श्रातहार करून, में जीवा वात लिएन से बा A first me with Langer at the rise with काम हेटल वहेंग, रेजवृद्धिक बांच-, म्हांच्य- प्याद का जांचन करण बरने निक देवसंक्रियः।बंदिनं कृतिहरू अस बर्ध करे जनगर्द मा १,११६ है, त्यात्र त्यात त्यस्य यांना महन्ति हैन्स मामुले हैं कना । वास नग कविया भार १३ भाषास्था क्षाद्य क्षांसमित पूर्वि बदले । ६६ लामा करिएक व कि लिए में महिला है। 1. 4 7 1-满

ALTERNATION OF THE PARTY OF THE

्रितिक स्टब्स् क्षिक्षेत्र क्षित्र के स्टब्स् क्षित्र के स्टब्स् क्षेत्र के स्टब्स् के स्टब्स् के स्टब्स् के स के अभिक्र र कार्यान्य कर । १० महान प्रदेश य राजि हेर्नुहरूत कुछ भी स्थारक काम १० वार्ष अंगर कुछियात रह रेप्ट्रान है कि सामाध्यक्त करेंग कर the state of the state of the are transfer to the same of the same 4 4 7 7 7 7 7 3 10 2 10 2 1 637 कर्ने हैं है असिवशम जार जा रहे स विनिक्षी मिन्नोकारी किलादर कर न म संदर्भ क्षेत्र निमा निकेत् कि कहें में अक्षान राज्य व क्षांने भाग करियां कर अक्षा किंद्र तमा जाती करिक्त के के के क्षेत्रक निर्माण निर्माण ना । नाउर नर वा के दन क्षेत्र के कि के के के कि के किया और के किया और के । द र्भ क्षेत्र , जन्मी र क्षित्रों से में स्थाप के ं ५३ क्या अध्य निर्वात सोमान के · च ' भा तिहे : क्ल सरामश्रेष ८ अर ते कि का ुरुन, "एउट्ड दुक्तन जोशास्त्र मार्ड क्रिके े ... द्वा डासिंद्रिक डाव व्याद 'राज बहेत्रा छेतिकार । विष्ठात्र**ण**ि क्रिकेट उत् अवात का उत् कि गृष्टिगार्क शहरा केंद्रवास मान्य के किया जार

· contract in the second of the contract of th ं श्रेष्ठामा अक्षाक्र २ १०१ ুয়া, **প্রক্রার বদ**্যি সাবিদ্য अवस्य गहरू, के की हैं। १७०० ्राष्ट्रिक ८५१६८५ कार्यसः ५ वि । प्राप्तः १ ।म विकाश करिया अला शास्त्र करिरल रवाभक के । जो ।। कड़े शांकेट इ.स. " कि मिनिक काक्षण त पूर्र किन्द्रेष वाक्तिहरू छ। छ "उ हर । कन्न अंख किन्द्रिशास्त्र छ । वि "क नह १ इन ६ के महिलाबु . १ की है, ही।

लिक स्थित मिलको के दर भटमा स मूला दमान सरमा -क्षेत्र के विकास के जान राज्य राज्य राज्य

THE PARTY OF THE PROPERTY PROP Bid alah agaramata la my minimata भ्य नहि। स्थीतात नाहरक्ष्म के जन समान 117. £उद्धिम भव*रियटलिक्न मिन्नोशिक्य* वर्क क-। मात्र । कात्रव स्थान खीवाता काट्याक्टलतं श्रकी गार्थ अ निजार नेये अ निजम नार्थ हुँ इस्थ paiar syrein acmaics gent sife-हिन, उपन वेद्दा कतियाँक अद्भावन हब छेर' ह कहिएक विनद्दादक्त । स्वीका, विक हिमास अप अस्ते कतिहाः व्याकितिन स्मरणा (विधा कविवाद अधिकाद कतिका शास्त्रत, केंस हाशास्त्र अर्थन माके। किन्दु यथन अर्थन्यन ्मित ए निव छ है छ। क तेवा बहेजकल द्वाप-्रत क बराइरएस, खर्चस बड़े व उन्हावा स्वरण ·ल'कमि' भव (कास क्षेत्र च कत। खें।कासिरशस 5% प्रदेशकरण्या विद्यायकः अञ्चलका वियाम (तर्भाग वन्त (तन्त्र कहा) आवेषात कर्षवत होत्री-১১, ৪০ ল'এ'ল'ই ৷ ভা**ল সন্দায়ক নহাল**ছ ार्ति हे विश्वकृतः कतियः विसूति स्मृति मिर्गह r- श्रुटी वश्रम ेक वश्र कावी कतिहा खेलानो कविरासन लयन छीडामिनाक किन्नेन · · , স র'ধন কৰা উচিত !

ं भ नहें अध्यन नितृत्य,बेट्ड य,बेट्ड द्य ध्य श्रम्भवा **स्वटलाक्य कतिस्राह्मित्यः १ दि**न ৰত ৮, ন, নিধিয়াও কান্ত থাকিকেইপারি শত কালীপুঞাৰ পর দিবৰ নৌকা 15' क लकांड **क्रेट्ड वाणाल गाँउ छि**र स्ति शृक्षत्र मगद्र राज्ञश्र उद्यासक श्रंषि भ एक ए हा वाजिमाहबरे अवश्व च दह-शहात वना नः स्वित्राद्धम छीवाताक अut afac e wit, gean ca, ber gebafft we-ना ५ छत्। २ द्वत । आंगहा कशिका**छ। वर्षे**-উপুৰেভিকাৰ খাল দিয়া দৰিব ক্ৰীৰ্থায় উপ-उरवेताम (मुक्तिमाम शांदगांसन ऋषि कीवन । धार्वक कविशादक म् व्यक्ति करके बादवानन गाँ रहेल म शाद चांश विका खादेशक चार चा-करण्या सात्र चुल जाता गम्छ नमू इ दिश्याम े १ ५ वरनर शाहत स्वेदात मानिक, कार्यात ाण हरे जन्मी करिया दक्षांका वाषा प्यारहा। जि. इ. १९११ वर्ष **अकेश ८वानीयक सबै**श ३१६५.३६, जाबांका व्यवस्था व्यवस्था throng eifent micht neut neut nie भें ने पर प्रक्रिक अहिबा शिक्ति प्रहे ६ वर्षेत्रका क्षेत्रिक देश्रीवरक क्षित्रः वर्ष-

the state of the second state of the second व्हाः कृतिकृत्याक्षेत्रः अक्षेत्रकृतिकृतिक स्थान सङ्ग्रहित्यक क्षेत्रक्षेत्रके काल वस्त्रक्षक स्वर्ध नाशित्। त्मवै प्रितंत्र अध्यक्षक कृतिक स्मातक। बन्छे। गृनदक् त गाँगएक केञ्चित्री चारु होति कतिमान, शहत र्तीमा इष्ट्रियों शति दे से माम्क्रक्स खनिएड ক্ষাৰ হাইটট লাগিলাখা আময়া বজনীতে বেছালে পিলা অইন্থিতি করিছে সামস করিয়া शिमानः क्यांत्र मा महिरंक महिरक स्थारी छेश-चित्र प्रदेश। अन्यारक्षत्र गमम श्राच बन्धी जूबीर्र ষানাও পতিঃ হইমাছিল। তঃকার ভ্রোতের ফ-था कि महिन अब बहुटक दम्बद्ध क्रम्य काना-क बहेश हिंदे । आनारकत क्ष्मीका कहे थान मित्रा वारेट जनमें करेन ना। शहर छारा कि बार र्श्यक्ष काव अन्ती कामात्र भक्त कर्ग (शरहत्र हरेता, यांकिया कि विकित को मा मानावेट मानिम क्षिक खाराजक लाहेजन जशकर जन दर्शनंत्र, श्रुक्तिक्षंत प्रदेश। अक्षर्य चार्यापत स्वाम् म् अ বাইবাৰ উপায় নাই ; ছুইপাৰ্ছে ছুই স্থবিত্তীৰ্ণ इ।म. गाँछ उ इहेबा अवल खर्ग अर्गा के उ करे-८५८ , अन्दर्भ कामिक वेति वानश्राम नाटक. अर्किमहर्षे क्लम् ७ नवम मदय, स्वारं रम क्ष मी दश्मे कारमन भारम त्मीका भारभावेता धनावा-द्य कार्याकृष्टि क्षिएक बहेल। अटक क काञ्चाद्रिक करके निक्षः इक्ष्यः क्षत्रहरू, खाश्चादक क्षांत्राय अ-দ্বন্ধ বিশেষ জলাব মধ্যে পড়িয়। অলের ই হ শক ক্ষাত্ত : ইচাতে মিজা হট্বার বিষয় কি ? मध्या मध्या कि क्वित्र वर्धी स्ताक विश्व शृक् শন্তৰ শন্তের সঞ্চিত ভয়নেক কেলাংল ও আর্ছ माल, अवर खामांब्र मध्य था, मध्या विमाल्यत्र कथा दुल दिल मा, कुब्रार राख श्राम छ। सामग्र कुःदब धुर्श्वाक ६ हेब्रा कांक्रे क्रांचे नाटक द्यापन कविटक क्यानिक। अहे नेवटच हर, बदन बहन कट-প্ৰাক্তির বিভর্জন উপস্থিত হট্টাহিস, ভাষ্টার্ক জেতে পান্ধি না। অসম্বত ময়ন বালে বিগলিত इक्टेंट्स मानिक, क्रवे नमद्य प्राप्ता निवास स्माना-व गरिक संबद्धित दिशासन गामृगा स.छ इदेव -कार माथा मार्किकीश्यक् देशम स्वतंत्र अक हिम । अहेमारा क्यानी व्यक्तिशहर क्षिण आहम स्थानक निका (रहा, छात्रिका वसरक क्षंडिंदम देश एक इरेजाम । द्विकाय किना-बळील विश्वकृष दश्यकी बहेग्राह्म । वेहांद्र हुई भाष' त्यान प्रश्न क्रम् क.व.८५८क्र, त्यांभएकं त्यांभ-टक चीछे।टलक्र मिल्फिक्स बील छालिय। ८० म : बहे भन्दत दर बक्ति खुम्बद देकानाहरू केथिय बहुता दिन जाना स्वीतरम लान, नव , क 51 प्रति सामान विवासिक अवेकारिक कि विकृत कहा सामना क्षम द्वाहरम विश्व करू

PRINCE OF THE PROPERTY र्भ रहा भारत स्थानिकार वाली सामा बरन अन्ति हो अस्तिकार के किसी चाक्क बहिट महिट्य के विश् नमाहेगु व्यक्तिकरम् । जायान देखाने जराष्ट्रांच प्रका कंडिएड देख । क्षांबर में। डेश्य विश्वा बोखांक देवियाचे एंश्विक्ट्य नि हत जाकात त्याकेत्य कत्याच व अहे विनिहा का'न कतिएक आंशिक " प्रीकृ देव नेती win el fren wie, wi-wie of ge af a नकति ए:व श्यम । अधिक बोव्यम रहता विकि कार ८६ के की कांच कांच जान कांग्रेस की माहे * अहे विभिन्न, यथम द्वापान करिएक बीडिमिन ए पास सक्या दबन विक्रीन शाम प्रकेशके सम्प्रमान है অঞ্চেত্রক কোন দ্বংশক্ত সময়ণ ,করিমে রক্ত্রি ইট देशांच ना । कांत्र दमके महाह जटहा , मस्त्रांद्रक , औरहा लक्ष कहरे स बद्ध गारेडक्ट्रि मां,। में इड़ द बाब्ध वादि बाजा श्राविक बहुत। कर् ल। मानामक महानम् ! अवैकावन वेकस्तानि लिंद कि किष्टूषे उभागांचेत्र नाहै ?

বিবিধ সংবাদ।

ওরা জগ্রহারণ লোমবার व्यानदा २०० का डरकेत हाका काका रमिश्रता बाज शत बाहे कुस दहेंगाम । केंके किछ वं शिक्षित्व मन्नि डीहादा निखि के चूक ষোচিত ব্যবহার করিয়াছেন। পূর্বভর্ম সুন্দর্য চক ভত্ৰভা দেশহিত বৰ্ণী সভাৰ মধাৰ্থ রভাত ব নি করিয়াছিলেন। ভাষাতে ও মড়া। मना मण्डामारबद्ध करवक राजिक मान बन्ध वावशासन विवन मिथिक बहेन्द्रिकी। अहे कि পরাধে অধ্যক্ষর উথিতে ছারাইটা বিশ্ব (हत। गण्णासक कि विश्वा क्या हिल्ला हित्नन ? हाकाटीकान कावाहित्तक है। वानिवात श्राम कामा ने नेवाल भारति Bella, Cour prolla bes form fiele अनाम इन्सारक जायता क्रांत्री क्रांत्री कर नारे । क्यारकता बोहर्षेत् चंत्रदेतास्य कार्यम অন্যাধিক অন্যান্ত্ৰীয়ে ক্ষম নাৰ্যাপৰ পাৰ্থ-ভাৰি কৰিছেক ক্ৰমন ক্ৰাকাপ্ৰকাশ ক্ষতে বে केशमञ्जूना एकके अक्षेत्रका एवं वाहिन, उनित्त त्व व्यानको प्रकान व्यक्तिक। कारास्करा विका शक्यारक विकास स्मित्र समाज्यात । कार्यर াই র ব্যবহার ভাহাভিগ্যের বোগ্য হইয়াছে কি
না : ২৮-৭ চাকা প্রকাশ পরিয়া আবদা "বথার্গ
ক'ধার আহাত্মক বৈজার ' চ এই প্রাসিক
বাক্তার জার একটা উলাইরণ পাইলাব।

কুনারখানি হইতে এক ব্যক্তি নিখিয়া পাঠাইরাছেন, উহার সরিহিত স্থান গকলে খার আত্যাভিক প্রায়ন্তাব হইরাছে। পঞ্জী কুনুন্তু স্বৰূপ আছে, বিনা চিকিৎসায় আনে

श्लीनजान कहिरलट्ड्।

চীনদেশ হইতে সংবাদ 'আসিয়াছে ইং
রাজ ও করাশী দেনারা সম্প্রতি বিদ্রোইছি- ।
গাবক পরাজিত করিয়া কলোরা ও কালিও না
কৃতক্রইছি তুর্গ অধিকার করিয়াছে। ভিলোহীবা শেবোকে নগরাধিকার কালে সবিশেষ
সাধস প্রবাদ করিয়াছিল:

कितिका धारण क्षिप्तारहन हाक। कारमारक है। हे अन कार्या कितिका कितिका कितियाँ कार्या ना वक वर्णात कित्र कित्र कितियाँ कार्या ना विद्या कित्र कित्

শ্বি ক্রেড়ে এক জন আইনের অখ্যাপক হ টাবেড়া তত্রত্যা অধ্যক্ষেরও বেডন রুদ্ধি করি-বার প্রভাব হইরাছে। চাকাবালেকে অধিক সংখ্যা অধ্যাপক নিরে, ক্লিড়ে হব, টহা প্রার্থ-নীয়া আমালিগের ইক্ষা হগলি কুকনগর ও মহরস্পুর কালেকেও তাল তাল অখ্যাপক রাখিরা বি, এ, উপাধির পুন্তক পাঠনা ও প শীদ্ধ এইণের নিরম প্রবৃত্তিত করা হয়। তা ই : লে দিন দিন বি ৬, র সংখ্যা রুদ্ধি হই-শৈ ঘাকে।

ই কি পত্র আরও বলের রস সামক যে বি থাতি জালকারী জেল হইতে পলায়ন করে সে হাবডায় ২ ত টেলছে। বন জনামান্য লোক, উহাতে সামান্য বারাগৃহে রাখা উচিত হয় মো। উহার থোল একটা শত্র কারী গৃহ মির্মাণ ইঞ্জিত।

লিছাবেশতের কার্লভিত সংবাদ দাতা লেইড অব্যাদ করি দোবের প্রলাদকাংকর স্থাদ করীয় পুরু জাবজুলা থার চতু গভার এক ভূটাল জাবলান করিয়াছেন। স্থাভগালাইনির জীয় সূত্র ক্রিনো ক্লাবজুলা খা ভাগান মুভ-ভেত্ত স্থানিক করিবার জন্য কেরাটের বাহি রে এক প্রান্তরে প্রান্ধ করেন স্থানিয়ের

विशेष की स्विध केनाहिए हरेंग आधीत जान विशेष की सिंह नेनाहिए हरेंग आधीत जान वर्षों बीद को जिल्लामां केनिया आमिन्ना छीशाहेंग कार्यों बीद के लोग जिल्लामां केनियान " इनि आ नात्क आने हें , नालक वित्यान " हो। जाण नि आनाई बाल वह। किन्न आशानात स्विधान न मार्च । शानमाद्यानीय नाला जामानिशाल य नांचा निन्नाद्यन आशान छोश नहेंद्य छै-नाल क्षेत्राद्यन । हा सालम्हण्यन की नांचान मुख्य में के सहित्री निहित्यन ।

উক্ত পত্রপ্রেরক সারও বিলেন পারস্য সৈন্য হেরাটের নিকটে আগমন কর রাছে, আমীর এক প্রকার যুগ্ধ অগে সন্ধি করিরাছেন। যে করেণে ১উক সন্ধি হট্যাছে, অগ্নান্ধের বিশ্য।

টাইম্প তাৰ ই ভিয়ার এক জন পত্ৰপ্ৰে বৃষ বলেন দক্ষিণ নহারাতে ব এক স্থানে খণ বাহির ফুট্যাছে।

আইবার পেশর বলেন, কোত্রিছে বে ইউরোপীর কালিকালৈ এক জন ধীবরের নি কটে পাওয়। যার,সে ওয়াটসন নামক এক জন পাদক্তি বাজীতে আছে একণ জনপ্রতি কন্যাটির পিডা নাডা উভরে জীবিত থাতে, পে আরল বলিয়া তাহারা একার তাহাকে ধীবরের হস্তে সম্প্রপ্রতার। ব্যভিচারের এ

3.F

ইংলিন্মানের গারিসত্ব সংখ্যা লাড। বনের, ক্রাস ও জার্ম পিতে জনরব উঠিয়াছে ইংলতেশ্বরী লীজ সিংলাসন পরিত্যাগকরি-থেন। প্রিস্ত জাল্লমটের মুধ্যের পর জার্ম উক্তিনি একস্থানে তৃত্তিব হুইনা থাকেন মা, গ ভাছাই শেষ হয় এই জান্তবের ও তাঁহার পুনরার বিবাহ চেটার অন্তল্পনের কারণ।

भवनरमदलेख जिन्न जिन्न धमानायस निम्न सि

चिछ है। या ज्या जारहा—
छात्र छवरीं है भवन रेम रहे दे
वक्त जानियां के
छेखा जानियां के
जारवां दे
देश है जानियां के
जारवां दे
के
जारवां दे
जारियां के

হিছ পেটু টট বলেন সাক্ষিত গাছে। বাবেছ কান্তু লাইজ করিয়াকের। এত দি নের শার হালিতে নাকেব প্রকৃতি প্রে দাক। ইয়াকেন।

উক্ত পত্ত আলামে কুলি-থেছেনের কলিন.
নের রিপোট প্রকাশিত করিবাছেন। রীতি
নত কুলিদিগের তথাবাঁদা করা হয় না।
কুল নৌকার ও আলাফে করিবা তাংগিগকে
গো মনিবাদির নাায় লইবা মাওয়া হয়। কা
হালিগের আহার নামগ্রার প্রতি চুটি করা
হয় না। বল্লানীর বাবস্থাপক নভা এতং
সংক্রেণ্ড বে বিল করিবাছেন, ভাহাতে যেন
এ ককল বিধায়ের বিবেচন করা হয়।

8ठे। व्यवहात् वेशनवातः ।

টাইম্স কৰ ইতিহার নিমচের সংবাদ নাতা বলেন, গুজরাটের বণিটকরা জন্ত। সমুদার কুলা ক্রা করিয়াছেন। কুবকেয়া ইয়াতে বিহার লাভ করিতেনে।

" हे शिनमान नियम। इंग्रेट मध्याक्षणा नियम। प्राट्स. मन विके द्वाम के खन्न का सक्त कर है मार्थित है मार्थित । निक टेशनियम कि तिर्देश मण्ड व्यवस्थित । निक के अनियम के विवास मण्ड व्यवस्थित । विवास मण्ड क्ष्मिन कि स्वार्थित । कि तिर्देश के स्वार्थित ।

किनिका बर्धन, कालीत रहरेन बर्ध थूनि बाद पूर्वे मखीए शर्ड निर्देशाश्चिम शर्माण या जीत नव हे थूनिया। यहूमाझ उत्तर्ज निर्मिए मा रुप्टेटन कर्मवादानारमञ्ज मस्टिक रहण्य कर्मा-रक्षण रुप्टेटन मा । ज बदमाइ खारा रूपमा करिन यमूनात मानू मिल्लान कदिएक रमान खारनाम क्षिक्कान बान रहेर्य। सिन्धकां भूद्व यां भी मक्के क्षिरम वानिटकान विकासन स्थान ह

ক্ষাত্র মেডবের পুর জার্মন্তার সেউট কালেকে প্রবেশ করাতে তলার জাতাত বে et watte systa !

व्यवस्था द्वारको वर्णकः वृथ्यं कृष्ण ११ । ११ छ त्रास्त्र व्यवस्था व्यवस्य व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था

नारशंत अधिरंको चरणने, क्लेनिकी लिनेन काकमर्गत नामतिक विद्यानीकरंग निन्न वेहरन राजाबेरम् अधिक वेहिनेन जार मण्ड प्रावान कालेक्स क्लेक्स वेहिनेन ल कुछ फावान कालेक्स क्लेक्स क्लेक्स वामिन गात साथ वर निवरम निर्माण करेसे, फावानि-गरक नाक्सिक कालिन केस क्लेक्स करेस भावता स्थित नामतिक विद्यानिक विद्यानिक विद्यान

उत्राज्य अथ वर्ष एक मिन्नीय श्रामीत उत्राज्य अथ वर्ष एक मिन्नीय श्रामीत अन्य भारती अत्र क्ष्मीक क्ष्म विकास अर्थ भारत प्रित्ती विश्वासम्बद्ध स्था क्ष्मी क्ष्मीत्र क्ष्मी भारति क्ष्मी क्ष्मी कृष्ट अप अर्थ क्ष्मी क्षामी क्ष्मी क्षमी क्षमी क्ष्मी (ह) की एम क्ष्मी क्ष्मीत्र क्षमीत्र क्ष्मी क्षमीत्र क्ष्मी क्षमीत्र क्ष्मीत्र क्ष्मित्र क्ष्मित्र क्ष्मीत्र क्ष्मीत्र क्ष्मित्र क्ष्मीत्र क्ष्मित्र क्ष्मीत्र क्ष्मीत्र क्ष्मित्र क्ष्मीत्र क्ष्मित्र क्ष्मित् कारण क्षेत्रकार स्थान स्थान वाहरण साहरण त क्षिति कारण क्षित्रकार, जावि क्ष्याहे वाहरण क्षित्रकार कारण जावित जावाहरू सामका विज्ञान कारण जावित कारण कारण सामका विज्ञान कारण कारण कारण कारण कारण क्षित्रकार कारण कारण कारण केरण कारण कारण कारण करिएकार । जालावाह यांच जाला

ক্ষেত্ৰ ক্ৰেছিল । আপুনার বাব আগ-বার কাছে। আনুদ্রা বক্তাে বহি আপুনারিবের বান বঙাালা বুকিয়া চলি, ক্ষম কেহ অপুনুদ্ধ

अविदक्ष माध्ये शा

কিনিকৈর ভাৰতপুরের সংবারদাতা ব-লেন, ভারতা একখন কবীবার করেনট পর-গণালার করিরা কর রখি করিবার চেটা পান আঁলারা পূর্বতন যোগল রাজানিগের সনক আঁছড়ি বা হর করে। সর্ব কর ২-লক চাবার গাবিতে নালীক হইরাহিল। তত্রতা প্রধান গাবিতে নালীক হইরাহিল। তত্রতা প্রধান গাবিতে নালীক হইরাহিল। তত্রতা প্রধান গাবির আঁখন এবিবরের বিচার করিরা জনী-লারের কার্থনা অগ্রাহাক রয়াহেন। নীলকর প্রকাশতী বিচারক্রিনের নিকটে কিন্ত আন্দেশ সময়ে সমন্দ্র পচিয়া বার।

उदे ज्ञाबायन वर लिखात व क्रमीय नवंदर के तिल्लांक क्ष्माटक । लिखन नवंदर क्षेप्र क्षेप्र क्ष्माटक । अस्टिक क्ष्मायां नवंदर क्ष्मायं क्ष्माटक । बह्माटक । ज्ञाबाविटमत नाव्य द्रमीय है ज्ञाबक नक्ष्म क्ष्मण क्षाय ज्ञाबक क्षिमा-

स्व कर्तात के मारकावारत वामाता क्ष-रुश्न कारक्ष्मावारत वस्त्र मिराया मार्गवार्थ रुश्न केले विवादक । भग्नेत स्व वस्त्र मुन्दी त्र १९०० केले विवादक अने सक्त गर्देश के विकासा विक ग्रामात क्षेत्र अने स्व क्षेत्र शास्त्र विक श्रीका स्व क्षित्र मार्ग स्व क्षेत्र शास्त्र विक श्रीका स्व क्षित्र क्षेत्र स्व क्षेत्र स्व क्षेत्र क्षेत्

निवाद्यस्य अवस्थितं न्यातं प्रस्ति हरे एरेच, नावावशास्त्रस्य सामा स्ट अवस्य स्ट १,०००, वस्त्र हेम्स्य स्टब्स देशनस्थानी A CHE MARCHA MENINGER DE DE MEST MET PROLETA MENINGENTE MEST MET PROLETA MEST MEST MESTE MET MESTE MEST MESTE MESTE MESTE MEST MESTE MESTE

व्यापं आन्य स्व वे प्रतानीय है। प्रभी म नवादीय स्त्रमां परि परिता निकास निकास भवन परिवादित्वस विभिन्नप्रदेश के प्रवा स्थ परेशस्त्रमा सामाना स्व व्याप्त करें स्त्र वर्षणा है भागात के सम स्तर स्वाप्त ने निकार साम ३०,००० प्रविधित विभाग

निया ग्रेस्ट मान्य गरकोटक स्थानम् वास्त्रस्य गरकोटक स्थानम् वास्त्रस्य गरकोटक स्थानम्बान् स्टेस्ट्र प्राचनकारम् स्थानम्बान् स्टेस्ट्र

Attende von Green Tens & Ten Bucher within Tens & Ten Bucher within

THE THE PERSON AND TH

THE REPORT OF THE PARTY OF THE

वि नेक निकित्यर से सिवार्ट्स, नव इंडिन है विनिद्धन सि नार्ट्ट्रिक नेस् नि इंडिन स्ट्रिन सामिर्ट्ड्डिक विन नार्ट्डिक स्ट्रिन इंडिन सिवार्ट्डिक सिवार्ट्डिक विन नार्ट्डिक सिवार्ट्डिक स्ट्रिक सिवार्ट्डिक सिवार्ट्ड

ं। देवन जब हेशिया अवन कतियोदक्त, क्षिण (त्वन पर्गंड मानान पिष्टें)। विवि क्षित्र होर्बेच । निःशानन 'मर्रेशिहिटनने') 'छनि चांत्र रकां चंत्रित्तरहेंमें । चथांच क ब्राजा भीत्र वीष ब्रोजा कार्टरका । क्रियास क्लालस वटनने, चेत्राकिटच हरि विवेद्याणीय जनाव जातकरन देवा के अधि । निक्निशिरनाम जात कि करत ? जा-देशक्रियनंत एक प्रदेश्य प्रका क्या-ভিন্তান্তে এখন মেনাপতি প্ৰভাব न, व इमान्यांनि अपने दय यनिक : **र रशक प्रेटक जानतम क**तिरवन वर्ष 'कार्राक्षणाईक 'कार्याक के किएक वं केरिक देव दर्ग दर्ग दर्ग केरिक देव म निया दिश्मीटेख आंडोदियी देवन । प्राप । बारादक अर्थ व्यक्ति ह-. ভাত্তৰপ কাৰ্ডের অসুভান হয়, 'जरना कर्दता। अकर्षना देवेटहर्ड अविषयमित वर अवदर्भत हुन स्ट्रि

> ारे ज्यावात्रण एकतात्रन न वरमन निष्ठ मिथिए वास्त्रिता के क्षिरमद्ग रमध्येत्रके संबंध नाम व्याप्ति र वादिएमन, प्रश्नित, केर्देशकिम्ब, स्व ७ मत्र वाद्यापि अस्त प्रश्नित । विक्रिम मार्ट्यस्य रवाभा विस्तृत्वा ज्याबद्धाः काव्यात्र भन्नरवास्य व-

প্রায় ক্র কাশনা এক, ভারতখনীর

केशंभ कड़िबारकन हें हैं हैं विक्रिकामी बरनन, मराबार्क हैं हैं

विश्व देने रक्षेत्रिक्षेत्र क्षेत्र क

स्त्रकता विभिन्नारक जरवाक श हैवारहेंग, कंक सर्वा कंत्रिया विकटी त्मश्रीयके नेगांतरक कार्याक्षक कतिया कक दशका बार्ड, क्याबार्क कतिक्रोटक महा कुछ करेतारह ।

্ । দুল্লই অপ্ৰহাত্তৰ পৰিবাৰ। ইংলিগ্ৰান বলেন উল্লেখ্য সিংহ নামক

হ বালস্কান বলেন ভলন্তনাৰ । সংহ কাৰত আৰু এক বিজোহী খুড হইরাছে। সে মুদ্রাও বৈর একসন অন্তর।

किनिक बहुतम्, द्ववात नक्षाकात्न अछ দেশীর পুৰুত্বদ বস্ত্র বিক্রবদারী গড়ের বিজ (इ. वळ विकास क्रिएक बास । अक्क्स देनिक ख्रांद् अक् यूनि बाडांदछ स्त चरेठकना स ইয়া পাণ্ডের নেকেডে পড়িরা প্রাণ ভ্যাগ করিয়াছে। হত্যাকারী ক্লম আছে। আবয়া खनिमान, बद्ध विकारणांद्री एर बर्पा ध्वितिके ৰ্ট্রা দেখিল, গোরায়, বাজাল ব্ট্রাছে। অভএৰ সে আর অপ্রসরীয়া হইয়া পদাবনো-ৰু ৰ ইন। গোৱার। ভাকিতে লাখিন। নে त क्यां ना चनारक व्यक्तम भावा कोकिया भानिया जोड़ांदर अर युनि मोत्रिम्। त्म ज्र-कृतार कूजरन शक्तिक वहेंग। कारात स्व লোৱা চুই ভিন লাখি নারিল: ভারার্ভই 'फाशांत्र आन निरहां गर्हेस । वचन ४क वृत्रिटफ খানিয়াছে শুলিয় কাগ্যে উটিয়াছে, তথন व्यावादिकाष्ट्र विमामनाध्याप वर्षेट्छाइ, विज्ञान भरे वर्षान लं हेरात वहर कीछ बहेता हुता वरेवादक ।

केल शक् चात्र करमा त्मर मारस्य भागरभात्र व्यक्तियि वहरू भारतम् प्राहे। चिति त्यस्य रेग्ड्रीशास्त्रात्री व विद्यक्ति। चरम्य चल्रात्राय त्रमानी वहेशारस्य, जांदारख जिति ग्रिशारमध्ये व्यक्तिम महिला जानस्य-रम्य चार्मेर वहेंगात्र महायम, चारस्य हर्गात्रम-वारमञ्जासम्बद्धाः महायम चारम्य वहेंगः।

श्रीत्रकारों व वार्यकाशक सकते । २९० केष्टिक पूर्वतिहें भोता कार्यक टाक्स के क्षेत्रक आहरू

मेगव जूर्वक गर्की अंग खारन कहि-सामिएक मारक्य जाड़ीमांकक दिन म कांग्र कार्गन कहिना कार्या के ब्रोहिस्तन स्मान्त्री सामकाचा कहिना कार्या कर्ण्या ग्र भाग्य दिवहक विद्या निर्मास्त्र कर्ण्या ग्र निम महरणायम दिवहक विद्या

• हे 'माअशायन प्रवास है

নিচেলিন উপনিনেত্ৰ উপনিচৰণৰ বিধি-গৰে প্ৰেরণ করিবার বিলে নিচেন্ট করিট বে রিপোর্ট করিবাছেন, গারিংটন সাহেব ভাষা সভার অর্পণ করিলেন। তিনি ভংগরে নিয় বিধিত বিল গুলিও আর্শণ করিবেন্দঃ---

े ১৮%) जारका ५३ काहिन नरस्तारंत वि. वहक वित्र ।

तकारमण्ड (मक्डानी कामामाका कर अ मिश्र कतिवाह विव । "

ি নিয়ম কৰিছু ড গ্ৰান্তেশ বউতে গ্ৰেনিকে। নিলে আগীক কৰিবায় বিল।

ক্ষণকেনীর লেপ্ট্রট গ্রণ্ডের প্রতাহার গারে নিম কোশিত চিকিৎসক্ষিণের ক্ষ সংক্রোম্ভ রিল বিধিক্য হইস।

नात्र विभिन्ने वनिका नका कत् बहेन।

रक्रतमीत यार्याशक गणा। २०० वर्षिक मृतिहाडः।

हैद्रकम क कांग्रमक माइन्स कहा स्थावित मामच भूक्ति माम्य शह आहत क्रिक्रमम ।

কলিকাতা ও করিকটবর্দ্ধি ছানে করা প্রকার কারখানা আছে ভাহার বুলে রে অ নিষ্ট ঘটিতেনে ইয়েক্স সামেন করিবারণ বিব যুক্ত বুল অর্থণ করিবারণ

देशको आकृषि गडेश पदिवास अन्य गारि आकृषित आही विश्व कृतियास अ आ-रात रव-गात पतिस्य कृतियास सक्ष बहेबास विवास का-स्त्री शाविस्ता । हेरकम गास्त्र क्षाणाय शं क-हार ह कृति अंग्रहस्य अक विश्व गंकास कार्यन कृतिकार क्षाणा । हेरकम गास्त्र क्षाणाय शं क-

पतियां प्रशासिक शासिकाम् । पारतमे मारश्य शासिकाम् स्रोप्य पाणाः पतियाः विवश्य अस् विश्व महास् स्रोपंत कवि

and the sound from the sea

न जनारमनीत क्षेत्रिकार नेवर्गर नवर्गरत त्रे थानात वक **एदेशाटर । आन्छे नाटर**व টে অভিপ্ৰায় একীশ ক্ষিয়া বিভাছেন য সোন।পুর ইইছে 'ভেলা রেল'ওয়ের এক শাখা বাহির ক্রিয়া কুন্গি, অংবা ायन करात्रवत्र भया क जे त्राच्या लहेता था-ওশ হয়। সোনাপুর হইবা ভারমগুহারবর भग ह जिम्बद्ध कतित्य ३५ कि न %-थय व्य**धिक मूत्र वश मा, आह कूष्णि भया-**: নবিলে ২২ জোপ হয়। ীড়ন সাহে ব हाले गारहरवत धेखारव अनुरमाणन मा পর্যা'কলিফা**ভা হইতে এককালে ভায়-**্রদাববর পদা 🐒 একটি বতন্ত্র রাস্তা করি গাব প্রস্তাব করিয়াছেল। কলিকাতা ছই-ে ডায়স গুড়ারবর ১৪ কোশ মাত্র। পো-ল প্ৰ হইয়া যাইছে গেলে ১৮ ক্লোপ : , বীভন সাহেবের প্রভাব গৃহীত হই-" । রি জেশ্প পর্য কমিরা যায়। একাণে 🗗 উভাবিধ প্রস্তাবের শুণ দোৰ বিবে-**हिंड इरेस्ड्स्ट** ।

অামালিগের মতে সোনাপুর হইলা কু-িপ প্যান্ত বেলওয়ে করিবার প্রস্তাব্টিই जनविक यूक्तिमङ् द्राध स्ट्रेटकट्या । विटक গেনন পধ কিছু অধি হ হ্র, তেমন এ গিকে गांच व्यक्षिक हहे.व्। और निर्कर व्यक्ष-ক লোকের ব্রচি। লোক সকল নিভান্ত नित्रमं १ नत्र। भोत्राष्ट्री ७ व्यता अना वानिका खवा, केक्टब्रबरे आहुका श्रदेवांब दिलका महावस काट्य । अकारत्य, कलि क है। इहेटक महता दहनीत अक्कार्टन छात्र-্গারবরে রাজা করিতের নিংসংশয় এ লাভ गाउँ हरेरव । स्वित्र द्वणक्रमा ंग्न कतिबात स्थाना आक् व्यक्तिक नाई। जाना, कृष्णिहरू वाम्मा श्रीरम क्यांत वक् व इ काराम व्यानिटक शांतित्व, जान्नेन खरा-वनद्व रमक्षण अरदेव हो। संबंदिन करा A. 18

भावता भावत किनिया क्वर्यात्रके गूर्व राषमात्र एक्स बहुतन्त्र वदम्बक्तिमाथा | किनि मामानी सर्वतः। सङ्गिर्वादका भा-

ক্রেবেন । ছুরুসিকামাক পথ্য স্ত লাগা করি ৰার প্রভাব আছ হইয়াছে এবং তদর্য वैशिमित्रत थाकृष्टि मिटग्राकिक व्येश्टर्स । यटणारुत रुरेताः कतिमनुत भगान भावः अ-ন্তত করিবার যে প্রস্তাব হয়, ত,চাব কি रदेश > कृष्टियांद्र मागुर्थ हड़ा शिंद्रशाहरू एका ७ जानात्मत्र वाविका कतिमधुत ও वर्णास्त्र मित्रारे कतिरक स्ट्रेस । এ **क्तिक भाषा मा क्रिट्स खिल छह काम्मा** নির লাভ হইবে না। কলিকাভার বার व्यानी एमाक ७ छड़ वातामक इहेट न ইলে। যশোহর হইতে ধানা, তনাক, খ্রুড় সৰ্বপ প্ৰান্থতি নানাৰিধ ভাষের আমদানী कता यणि कारात वानिका शूर्वत साय कलशर्थ इंदेख धाटक का॰ भारकरन গৰুর গাড়িতে করিখা বারাসাত ও যশো হরের দ্রব্যের আমদানী হ্রা, ভাছা হইলে পূর্ব ক্লাবলার রেলওরে কোম্পানি কি কেবল রাজসাহী, নদীয়া ও পাবনার স্র-ব্যে লাভ করিছে পারিবেন?

> পরিদর্শকের স্থান্যক পরিবর্ত্ত ও करणबद्ध हाथि।

এই অগ্রহারণ মাসের প্রথম দিনাব্ধি পরিদর্শকের সম্পাদক পরিবর্ত্ত ও কলে-बत इकि र्रेत्राष्ट्र । व क्रुप्ते ने आमानित्त्रत थानरमत रहेच करेताह । श्रीतमर्गक रेप-নিক পতা। পাঠকরণ দৈনিক পত্র ছারা वक्ष विषय अवश्व इहेगांत्र यात्रमा कटत्रमा किइ এक निट छेइ.त या बण क्या व्यवस्य हिल, डाहारल डाहामित्शत मरबात्रथ भून হইবার সন্তাবনা ছিল না। এখন উহার व्याकान दुखि हरेबारक । अथन खाखना व्य-त्वक विवन्न छेहारक अमार्ट्यामक हेहेर्**य**। विकीन भारतारमन विक्य अहे, जीवक बाद কালীপ্রসম সিংহ সম্পাদক্ষ্য ভার প্রস্তুত্ कतिबंदिन । बक्ताबाई डेब्र्डि कार्क कीशंत्र विविद्या पहिलोक के के पार्ट में विविद्या है के पार्ट में कि के पार्ट के पार्

রের মানতা দর্শন করিলে ভিনি যোৎসাচ হইবেন, সে স্থাবল রুহ্লাকার পত্তের নিভঃ কাষ্ট্র সমাণ न्त्रीवाम नाधा वय, कशनीयदात सन्ती হার তৎসম্পাদন সমিগ্রেও আছে ৷ ব व्यथमान्धि कटहरू शामि शतिमान क निरवर्ष शूर्वक शांत्र क्रिज़ाब ÷> ए। रर काव लिखिक इरेगारह, नाम काराब দার গুলি অতিশয় ক্ষর আই। বহুয়াহে । नवामापित वियात भागता कि सुन्दृति তৃপ্ত আছি। এৰিবরে সাপ্তাহিক প্রায়ে ন্যায় পরিদর্শক যে পরে। ছিউ-প্রাহী ক্র ইবা আমাদিণের অভিপ্রেড মহে ব সক্ষ मन मक्बरत ७ शहरकार्ड बाव्ये ब्राह्म সমাদ সংগ্ৰহাৰ্থ লোক নিলোটিত ক্ষুণ **এই जागानित्त्रत्न वित्न्य जनूत्त्राप । व्यवस** विवरणत शतिवर्णस्कत्र अथव अन्तारण कित्रपरम फेक्क कतिता पिलान, जन्मा मिर्हेण अत्रव कतिया कारा करत्त्व, আনাদিপের বাসনা। ভাহা হইলে বে বে আমরা পরিভোগ লাভ ক্রিই এ नम्, रक्टक्टलम् मूर्यक्ष केम्ब्रल स्ट्रेट्स !

" जाजात्मभीत व्यक्तिकाश्म लाक मुर शटकत छाष्ट्रण नमावत करतम क्रि, फाइन्ड्र লার কলোপাধারকভার বিষয় ও স্থানুরায়ে : न । बाहाजा है रहा की जावाब नुस्कृति जा कतिबारक्त, काशायिकारक समिक मध्या है পাঠে ভাত্তহাতিশয় প্রকাশ প্রিক্তে थात वरते, किश्व हें तिली केंद्र गार्केंडे 🤭 मिर्वत सन्भूषं स्वत्यका विश्वकि हेक्स है ाज ना शाहरतक केल्सिक्स नाम गाउँ पविदेश एकि पान मा। व्यासन अवे त्र वास्तु गरनांत्र महत्त्व चर्क अमार व पार्टिना, तक हुन्। वेशन श्केटक कर बालक गुनाच्य नश्माप निवा कार्यक के अधिका बादका, टर व के किया नार्विक नाम क्यांन क्यांन भारत क्षित्र कार्याच्या व्याद्ध वाद्याच्या वाद्या क्षा है देन के र हैंगी देनवन शाउकवा, संबद्ध विरोष्ण चारहन । इरदाव

সৌমপ্রকাশ :

भी नदर अवाग वांकांका जस्वांक शंज है विद्रमध्यः हैश्त्रांकि शर्यत् वक एव সংগ্রহ ও বডরুর স্থাবিধা হয়, বাজালা তত দুর সংবাদ সংগ্রহ ও সুবিধা চট্ शार बाइ, हेरब्राखि कामालिक अधि गासिक है डेस्ट काद्राल बाजाना मरबान रहे चांक्ष चांका श्रद्धन करत्न मे। : जेवा डिहिन्स मण्यू (सब मार्व वा किरलात के ि, मोकि, काजात, न वहात माप्यापुर हेश्बाक कांडि व्हें ए मन्यूर्न विकि ह हे बारकदा काम दख वा नामाद्रक निजा य मन्त्रीय व्यथना काम्युनीय विद्वहना करत्न. চয় ত ভাষ্টা দেশ ও অবস্থা তেলে ভা**হা**র मण्या विश्रद्वीष विद्वहमा कविदा थाकि। वि. দেশতঃ অষুক জাহাজ অমুক ছাবে অসির:ছে ; জ.ক দিন অমুক জাহাল কলিকাতা পরিত্যা ं श कतिया है श्वारकः वामम कतिएव है बाजी भट्ड कहे जबस भार्छ कतिहा हेश्द्राटकत চার হর বটে কিন্তু ভাহাতে বালালির প্ৰায় হুইতে পারে গ হুলভঃ বালালা वालां शिव छे शर्या ी यक छे इन छे उम दि ঃকাশিত হয়, ইংায়াজি পত্রে তভ দুর तामा कता बाइएक शांद्र मा । देश्हारकहा লিদিগের ন্যায় বাঙ্গালির রীতি নীতি াক্রতি অবপ্রত মহেন সুভবাং দেবভিত্তৈ জালি সম্পালক ৰাজালিদিংগুই মন বড ·আৰক্ষিত করিয়া সংপর্গে ছাপন করি गारतम इरहारकता ७७ मीज गाहिया ना । विद्मवंकः व जामा नामात्रदगत्र ামা হটতে পারে, সেই ভাষাতেই সং ত্রে প্রচার করা উচিত্ত কারণ কোন এ ভকর প্রস্তাব উপন্থিত করিবে সাধার श् अविमास अरग्रन्थ कवित्रा (भाव श्वन क्रिएड शास्त्रनः जात्रा वक्राप्तरम ता थानि वानान। पत अष्ठात स्टेटलट्ड म्**रमञ्जादवर्**षे भागप्रय कृत गुण्डत्रार अक्षांत्र भटाव डेशस्याती मध्याव भाजिक बन्या सेन हे क्षेत्रा अदस् क्षां भारता अने शतिपर्वत्कत् करन-্ত্ৰীক্ষা বাহালিদিগের উপ श्लेक क्षेत्र कताना एउ वालाना अवस्था के जा कार व केश-小湖南 中部 中海

যাহাট্তে সেই স্ফল কারণ সম্পূর্ণ করেণ জপানীত হয়, ভাছিবরে স্থিপের ব্যুবান হট্ৰ। আমুৱা প্ৰতিজ্ঞ, ক্ৰিতেছি যে, জ্ঞান पूर्वक मुख्या श्रथ कहेत्त विधिष्ठ कहेर मी. বাহাতে কোন বিষয়ের জাভিব নে ল' হয়ু তা-बिष्ट्य महिटन्य यहान कहे। प्रति श्रीविशे-র কোন মন্তব্যুক্ত পক্ষণা তের হাত আছাটাতে পা রুম ম তথ্যপি আয়ৰ অধীকাৰ চৰিতে~ ভিবে জ্ঞান প্রকার বখন পক্ষপাত লোগে किश्च शरीब मां। याजीएड स्मर्भात वानि निवाहक अन् जिन्दित नियं के निवाल था ক্ষ্যু দেখের জীবুদি সাগন, সজানাত্ম হ ডু-श्राप्त कानरमञ्ज धारान कर्ता, भद्राभकांवि s शक्षांशी एक एवा छा। मिरशब अमेगाचा निवा রণ এই সমত্ত কার্যাই আমাদিগের প্রধান **ंडेटकमा । भाषत्र। शाठेकप्रिटशत्र निक**ष्ठे निस्तान्त আপ্রিচিত নতি, আহরু শিশুকাল হটতে বালালি সাহিত্যের যার পর এই দেবা করি তেছি পরত তাং তে কত দুর কৃতকার্না হই-এই মাত্র প্রত্যাশ্য করা বাইতে পারে বে ব क शि (नमहिदेउनी बहासब्राम आवारिताक সাহার্য ও উৎসাহ প্রদান করেন, ভাষা হইলে আৰাদিণের অভীষ্ট সিদ্ধ হইতে অধিক কাল विशव इष्टेंद्र मा । १

প্রাপ্ত।

मरमञ्ज निक्रमिक्स विकृति व १० निमा-वाली महीत शुक्त प्रकृति दलाक्ष्मित्वत्र वृक्षमाः

शास्त्राप्त नम् दर किन्य क्षत्रत जाना कान-क्षे क्षित्र कार्यम । दास अस्त त कान कमा देशंड छंडालांट्य पुरुष्तल बीप ब्वेडाटक लेकिन आवे बद्यवादेशके पीम गुना। मत्था बदश बहिन रकाम त्यांन प्रांत वीम हिन, शांदह दब्रमखाबद बारका बारकाक देव बक्रमा धवर्गत्यातीय दला-क्या काण **बरक्यादहर विकृति क**त्रिवादह । नीमार के व पान मनी नर्या है का कि शामित गार्थ नवर्रक विकामनारम के के के कियाद A. WE PROPER TO STREET AND STREET, AND Borte aufen en ellera et fent bein. ■ 東京書かり 春日

वाकामाः शहस्र आधातरवत जनाना व्यविद्यात्व, . त स्ववनी निविद्य स्वानीक्रीण अवर्ष दश्व माः

क्षे मधावर्डी दानकी वर्षाकारक श्राप कलना इदेश बादन : हेदारक आहे स्थान सुश्राना एक वात महावया नहि। ए छ नःमामा वना। वहेल 3 ইছ। প্লাবিত গ্ৰন্থ বৃদ্ধ বৃদ্ধ চাৰিমান প্ৰভু क्य क्रांश्रीव र जिल्हा क्रमचीम क्रिव शाउत्थाह कविटङ शादि मा। अयामकात प्रदिकारम ('+ वरमामि जन्माछात्व आवशांश करत, जाविकी যাতঃ থাকে ভাতাও ভোল কোন সময়ের প্রচল नमीकटल अनिक्दिए चंद्र। मध्याविश्वत १ क्ष अवका बहेशा वाल्या अवस्ति मना मा हुन দাব আব কি পরিচয় প্রদান কবিব, প্রায় কোন शृंव कुनवारा आकामित सरह । अक्तिरात ३-र्याटड अ'त नकस्टल्डे आंशन चांत्रन बाह्य हो इरे बक राख डेज लिक्स कुछन श्रंव निकास क-विष्ठ हेव। छ। वेश दक्तम दनमा ७ छ। लगा ৰাব। আক্ষান্তিত। যদিও কোন কোন গদ্ধে এ-कांत्र कांग्रहाम धामा वास्तिक कांनााना (कांन क्रश परिकारियोजन करते. उन्हां स्टब्स्ट स्टब्स् দাবেৰা সমুদাৰ আত্মনাৎ ক্রিয়া লয়। ১১.০ বে বাহা উৎপাদন করে, ভাচারা ভাছতে 'ন-किन न अ आश रहाता। स्थीमाद्यका शकान-রাফি তাহা বলিতে পারি না। তবে একণে। গের দিবে শত, পাঁচ শত, দাজার এড়ডি বাহি-ক্ৰিয়া রাখিয়াছেন, স্তুত্বাং ভাছ'দিবের সেই नमून्त्र अदिव्यव शक्ति होनात खान्ने छ छेशरक हर मा। वर्षाटम खर्चा वित्र खाहिम क्यांत श्रीम मा। शके मकल कांबरन शकादा बरकतारत करा महि कः अधिकारकः । अथानि समीकारतकः काश्रीमध्यक क्षांद्रज्ञ मा । बाबुका अकशकांद्र मीलक्षकृतिरशव महबाह्य व्हेष्टा अव्याद्यंत ।

> वरे श्राम्यान कि काम्यात कार्याः माधारा माजिएबर्टक व्यक्ति श्रामा क्षेत्रा बारक क्रमीकंश्यम बेटमांटवांने कतित्व क्रांट्र्या करण्य कांट्स केका बाना बहेटक शांदतः। बाबूतः विति किर महिला चौकात बंदर कर्ष वाह करिया नमीत्र कटलव बांका श्रक्षा क्रिकटक द्वात थाः न'त pie egin, wief telm Gieffectige मान वहेरक भारत जनर काक्षक क्षेत्र हैं। अभीक्षक वाक्षी क्षेत्र के पार्शिक्षणम् सी । इन्हेंनेम् वामान् इनिवन दगरव मत काशिकीकोशिक विका को बेन को बार के किया है। कृति रक्षाम् करण रक्षाम् क्षास्त्रके मन्त्र विकास रहर कार्यकः प्राथितः पाटकार्यके निर्देशः समृत्य हो। कार्यका प्राथितः प्राथितः विद्योगस्य स्थानः स्थानः THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE OWNER.

201 中國國際中國國際

ব্যালাকে স্থানাক্ত্রিক করিবার কালে Cart त बहिवाह विण्, कारकृष गाँदश्व ध-स गामुनाहत क्षयनगांत गाउँच हदेश है.

ইতেন সালেকের আন্তানপ্রসারে কলিক:a saftable within him and his स त्रांत भटनत मान्स तम व्यक्तिके स्टेटजटस, क विवाहन विवहन-दिन अधनवात गाउँ वहन। कारमब माटसरवंत्र आक्षावाद्यमारस वाक हा। एक महेबाइ विम खेबबराइ नाहिए इडेच ।

था इटराटकर ट्यमप्रतास श्रीमाना स्नारिक একখনে রেমিউর ও ,ভেপুরী ভরন্দিউর নিরো त्रात तिल विधियक सहैन : ' ..

भार वाद शामध्नानाम 'स्वाय वर्षाविधि লগণসূচিক সম্ভাগদ গ্রহণ উদ্বিদ্ধাহেন।

भवर्षमञ्ज विकाशन।

वाक्तादमभीक आदर्शक अवर्थक . चा बनाइमाडी निष्धाच :

७ हे तर रहत -- अनेव आधिक नवकाती रहरन-िंडे प्रश्न रक्षा कि. अम. कंपकीम । स्वाद्यन काश्नीक-নিরের পভিত্তস্থানি ও সমুদের ভার আগ্র হ-Bern .

be negen befrent fecht auser fe-नगागान्य अक्षण मन्द्रदेशक्षणिक श्री क्रिक्टी हैं, क्षेत्र । colorife without an extension fully. (अ.नित्र वाशीन कार्शकारकेटकेक कामावा **पर्वेदनय** ।

निय जिर्दि । वर्षप्रातीशा विक कियाँ सोना व मानित्के रे ७ काद्यक्षित्वम् अवस्ति । बहेम् दक् weife mitten to uinfming finde ein-शिर अभीन मालि: क्रिक्टिस सन्बर्धः शृतिस्थत ।

ce, fa mille vices fe, win melle " . niered for a forther with with the same

318 ACARS | CHIEF OF AN CARLE STORY शन्तित श्रीमात्र अर्थानित हार्गितिहर दिशाह नश-कान क्षित्रम् स्वर्तिक

किर्देशिक, विक्रो दर्देशिय में माददर शूर्नियात मा-किर्दे है थे कारण हैन वहरतन। किन्न वहानिका क्षेत्र काम कामा मा एवं राजवशस्त्र शक्ति मिषि निर्देश । देश विश्वय क्रम याकित्वम ।

बन कि देवेकि मेरदब्द वक्षदक्षीत अवर्गद्याकी म अखितिषि कविके लाटकेटा के केटवसा

de, em micermiais nices w micht कारिक नाविश्यके ଓ प्रतिमें नामकेत हरे- नारन्यक नहित्र नाकार करिया, बीह्नार देशम ।

विकीत व्यक्ति मण्यादी द्वरनार्के पर वन ब्रम व कि. काई मादबर जा मादबन माकिक कवि-त अविद्यात कर्णा मित्रुक क्रेटरन ।

बाद अवक्रवीत बटका क्रियात जिल्लाई म-ब्रु ब्राविम के मेन्द्र ब्रुट्मक प्रवेरेबेम ।

क्षांक्रिक अर्थ, कर्य मार्जे प्रवर्षित वस्त्रम्भूत्वर निर्माणिको क्रिकित क्रम सन देवपुन स्वेद्रश्त । होंकि वार्यप्रम विकासिक ग्रेट्सर कोड गाह-पार्च । यो वें वें वें वीन क्षेत्र को सकी छ ३५-०३ वाकर के बाहितक के बाह्य क्रिकार्य के कहमदान क्रिक का नावद्वतं । '

ं शत्रकारका व्यक्ति।

" ক্লাটৰ পাঠিলাভি" পত্ৰ থাতিকা मशार महि।

शकांत्र शक्ष दशक्ष की विका द्वापूर्य, जाकार्य क्लाबाब कारबीहै हिस्टाबीबेंगा हत वह मा व्यक्ति हैंने के 'दिन महिनी' नायुक, जारकन विकास बिना विवासन दुर्ग्यपट्यत स्त्रीत्रव गाँत を開始する いくで、 だ

ं शैक्षािर्देशको लेकेट अपने केवेना क्रीकरपत किंपियमा क्रिएंकि प्रमानेकांत्र विषात निविद्या दर om with Buiteur, "wie, Gloin felde nu-चिक्रकि के सिक्षित दुविरके शाहिलाय में।

ं बांक्रवेलंदंदं राष्ट्रांबरातीन चटित गत बाहिर श्रीवाधान विका वस्त्रीय श्री कार्रा योव सान्तिकार्मेश केंग्रा गाँव ।

वंशांत्रः वाराज्यस्य अवस्थानमः स्रोत का क पालका नक्षके लेख प्रश्चिक वाल १ १ व्हरण WATER THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PARTY. tions whereas the same stone is

কল লাভ কৰিছে পাছি নিছে ভাই क्यां अव्यक्ति क्षेत्रक । अवश्रीकेत की है क्यानशहर बकी शक्षा ने दें। रवि वर्षात मनरव क जनव अवर्गी विकेष अन्द छतिनक्षम कानाम प्रक मकाशक " কট গাইর; থাকের, সংগ্রতি চন্দ্ররণর जिन कर कह लाक क्यांनव नाबिटके हैं क्रांटन क्यांभवन कतिएक क्यांटलोश क्रांत्रन, क मा क के हैं नारश्व अक विवर्ग शास्त्र प वेगक्षित वर्षेश ने संबद्धी अवस् करिरामन त्र त्छात्रात्रां यत्त्रके व की। मध्यम् कति छ मा शांतिक सामि अक्षा त्य मरकांत्र कतिएड श्रेडि, छात्रारक व राजि करिएमम एवं कांग्या विशेकां के कि के का किया नाकि च्यांक क्या कार्याक क किहेंगे ना क प्रत्य आवश्व हाथित हरेश र को अवस्थित कि को बांगी देशक प्रतिप्र मार्ड्य क्षेट्र केम्ब्र क मध्य दश्माद्र रेगाई परेका दन जिनम क्षा जानमा के दिल्ली हैं। अ करे हैंदर गारबन, राक्षाति वरेंसे निक क्षि व गार क्षारक स्वतं अवल्या अर्थानीत रक मोरमन ३२ कि बामक 'स्थानिक कि ^के विकामाप्त मरकात कहरेक्किक्क गाजिः नवीक क्षणा प्राप्तः अक्षेत्राधः-गढिर । वैभार अमानामा अस्टार्स स्थापिक এই প্রকার উপান্ধ আবলার আছিলগালালার 明何利何來 建议研究 可称 可语 测电路 法海绵的 भारतम । विक्रीक भारताते स्थानक होती रकारंक क्यांकांत्र श्रीत्रकारमाना अस्तित्रक cuites wing valdet uffa in mit हिकिस्मान क्या प्रश्निक प्रश्निक See alfai viste ferme birton . cuin buil and arrive manufe the feets distance and water to the state of the PRINTER : WEIGHT WILL BOTH TO THE THE RESIDENCE WHEN THE PARTY OF THE CA our engrant proper want in rea, tall-CONTRACTOR WANTED BUT BUTE TO CUIE. कार्याच्या कार्याच्या नीच जा तानासर PARTE OF BYTHE CONTRACT THE MERIE & THE PICECON FRUD the the six secure project secon

वेश्राकः गत्र कृति विकारि i wi kat mittanti i in the the tree winds there frame wi to winte wate ale acti near near and an feare near when

काञाति।

क्षिपुन्त बमक बहु मारबद १२६३ भारामान विदेश वर कार्तिक भवान बाद्ध मध्यम् माना स्थाद : **३२ ७२ 'मं अन्दिन परिट १० मोहिंस शहाय**

गार्फाजनोड विश्व **३२ ५७ कार्डिक क्ट्रेडड रेडब अर्वास** 传节河 अधिकात काल हमांका सहस्र नर्पशांका भारत

३६३७ व्यक्ति वृद्द हेत् । अवाद e 20 श्रीपुक्त बाबू निमाहे इत्य बटाहा । क

३२७**३ जांसे वहेल्ड १० साचित शर्वा**स ३० त विश्वक वासे मध्यक्षे एक वि वासिक (क्षा) ऽ२७३ **च्यानाक्षा वहेटक १० कार्जिक ग**र्वा**स्** ३०ओ

शिकुक वाक नाम: इसन कियानी ३२७৯ कार्डिक व्हेटक देहत गर्वास् BETT TIT BITTETTER OF THE STEEL OF

अरुके कार्डिक किया के कार्यिक गर्वात अर विश्वक वर्षेत्र केन्यक्षेत्र विश्वाम स्थादन्त

১২ এছ অঞ্চায়ৰ পাৰ্যমিলত বৈলাপ পৰ্যাত্ৰ ৫ ই किएक याचे कारकमांच एक । विश्वा ११७७ **प्रतास्था**य अमृतिः २० देवेणाचे शर्तन्त ८ हे.

ज्यापा कामानामध्यापाम्य । स्थाप कामानामध्यापा ১২৬৯ অঞ্চায়ৰ অধ্যি ৭০ ইৰলাখ পৰ্যান্ত ৫ ই

किएक अध्यक्षितिकक नामित व्यवस्था SEAR MARCHA MALLANGENIA LANGE OF THE

建设理 阿里文即李明明 图明时 1年79:0 图 ३१७३ **वर्ग क्या कर्गन दिवस्त्र कर्मा**

विश्वक राष्ट्र वर्णनक्षा विश्व में अर्थ के व स्वय STATE THE PROPERTY WHEN NOW : Bem nit madber enfangit bernebini resident and the state of the contraction of the co

THE PROPERTY. (本、引)

३**१ की अध्येष्**रवर्षे क्षेत्र के कि दिख्याल अक्षेत्र व के CHARLE CHIEF OF BUILDING & WINTER

THE REAL PROPERTY AND CO

नम करिश्वा थाटकत । उपयोगः रखनाम । त्य आहम माहीखन देश विक वहेबादक ग्रांटमय क्यांटकप्र व्याप्यट क्यांदेशः(≥) न त्थानन कड़ाईदाउ भा कुटम् वस् नश्याक त शांध तका कतिएक गांत्यम । राजा ३३ नव्याच ३५-७३ । करहिर ।

क्रिया रमविक्यां नम्मानक भश्यम् नमीरनम् ।

🕯 দৰদত্ত নিমক অভ্যাচারসংবাদ 'कि चर्ननारमञ्ज कर्न रभाष्ट्रज

।वेरमकी काम्टलक सहितका कि अक उपक्रिका-शक्याद्व माथावस्त्र स्वक्षण व्यक्ति करे-वारा मा जीनात करत्व अवन शांकरे. লবৰ সংখ্যাত আইক খলীক লাখানা ग मठश्च. त्रांका श्रदेश। नाविश्वन सरहस्, अव-प्रतिक अस पा.फर्मा । किडीस. असम्बद्धा अर्थादांकी अञ्चल कहा वह जानाकित्यंत्र ्किष्ट स्थापिक क्षाप्त महा वेदावक PISTE WEDERE, HOWENE OF व श्रेषात्र अहोताका मध्य छ प्रवास-**कर्मा कार्य अन्दर्भीतः। जामानिय-**

and metallic and the state of t TITE COME MATERIAL TOPE PROPERTY शिक्षां के जिल्लाक किया निर्मा निर्माण के कार्यक के के किया कार्पाटक विश्वक्षा कविष्याहर । अवस्ति अञ्चलांक रणत रहेर्स मर्का अध्य करवा अवस्थानसम्बद्धान ্ বা করি হা আর্থ লাখন ও একালীকুন করিছে: वं रक। स्थान रकांक क्रम अवस क्रमेशक अधिक। Git, er dwan gan alfare faften nant ৰি জঃ ৰাই ভেছে, প্ৰদিন এ!জঃ **লাজেই স্বাচ**নীয় वाशित्व कार्य ८३ छ।त बरेका क्रासाटक "विकासा-,महत्रव न'यहच डेशनीड वनेट्ड वनेशन अध्य -ध्यक्षांकि कोशाह विन्द्रविगर्भक कार्यक्षक महसूर

ক্রিকলিতের জ্বল বিচাপর ভাগার করিন জা ्रदेशांकि विकास कार्या क्रियातिक अस्त्रा (अर्थे) w comme an fine of about giving and the कर कार्किकांकी कर्मका हैशानामान अवस्थित-

() किसानिका विश्व की करणा तक्यन गर्शासार्थ अवस्थात मार्गास कीय काल हे छ-कारका नमा कार कार

विकास कार्या बटक ! बदर्गरगरके स वक्षायश्व सिय-कटहीकीटकं अब अबबन हाटबामा प्रक्रिक अब ८५ ७ होसीत देश्हत ब्रक्त ५ हवाण विकारिक व्यक्तार्था केंक्क क्षित्रीर वारमाण बक्क्स कड़ि-इ। श्रिक्षांत्र बारकः श्रिकाद्वर्गम्बद्धारे स्थ मह-विश्व था कामक दिल कहेरत, धामन क्या कथा है महि। चारमहत्र मक्त प्रत पार्कर का भारत मान्यक कि ? किंद्र अष्ट अपक्रम अमृति प्रकृत रण, जारेश्य त्र भृजीकात्र विवयम् दिरमय अभागा को सतिम चाका वाह या। मध्यकि वामास्मत बाक्केश्रह মুহক্ষ্ম ক্লি সামুক্ত যে একলন মুসল্মান শে-कात्र जानियाः व चगक्ति वे ट्यांशेर शतीरका-सीर्ग (बाथ, वह । वेदान हः लाकी श्वन्द्रजावे महा-भव्न अवर् द्रमृष्टाकारभव्न गावेक्शन व्यवाह रनहे मृद्धिक गाहित्यम त्य अहे उसी गारवहुक्कमम अभारतभीत चुरकोमश अन्यवस्य क्षितिन्तिन। व्यक्ति दर्गन दर्गक दन्त अनुक्त कालाम का-CE (व. अवन वावमाहि कथटक देशपुक अवटक ছাত্র লিখিয়া দেয় মা। কিলেও ছাড় কাতি ছুই अब अवता हा दिया करेया बारक, कर्डका खादा-তে যাতা এটাত। উত্তরেই উপদার আছে। किन बांक बांदव दन की यह अभिकेश । राज है भूत्कत मञ्चल उनी, क्रेक्ट्रायत अवव्य गरन विटक्काटक क्यांन महिन बाहुक मांक ना विद्या मार्प-विकास, महिएक स्थितमा व्यक्तात्त्रक व्यवस श्राह्य कवित्रा भारक ह्यूडे श्राक्षात्र विकास कडिएक-.क्रांशिक । आकी भारत्य काब्यू-बारकान बनका केमी शाकेषिय। दिवा। साहक विरामन क्षत्र दक्षका-ः इ.क्श्रिम । क्ष्म्यक्षत्र वद्य क्षे (क्षमाश्रीय श्रीह) त्रशां निया। कर्यकातीया 'जाराम स्थितवक स्थितक । ज्ञान कार्या कार्याक करिया किया सम्बद्ध सर्वित्री क्षेत्र विक्री विद्यातार्थ आहित्य। क्षात्री utferen fent gefant, ent unt geb may panica famy play maca may's · 医大胆素 生 利用大型 (基本) 2000 年 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 1 मध्यक्रियां । कांग्रह्म हारे महन क हो. अहीन नाहा करिन तहै असीरी एक विकार केला। त्य, विमा एसपु अर्वन

the sit of the most of the order when with the said of t wird on a station of the same नतिर्वाहित सं वा बेसारी वर्षणाह । बीबाह ALCOHOL SERVICE

সোমপ্রকাশ।

्रंबोक्, विकास (प विकास करिया करिया

বগৃত্ত আন্তাদন পরিবার, মুনুর্রকালের ভাষার অন্তচন কর্মান একট্ট অন্তর্নালে ভাষালে ভাষারা প্রধান্তরে বাইতে পারে, নাৎ ভাষালে বাহা প্রেক্তা করুন । এইন-তে ভাষালে খোরাজর ক্রেন্ডাত করিরা ন। ভাষালে দের জাভিত্রল বান মধ্যাদা

英雄: 自日前! 夏春草! नकाहरलक दक्षां आज्ञांनर जन अल बाद अल হাতুলার লছ:১)বহুজুউরাগাজাত কইবা দান यलोना मरवद्रभ कविद्योदहर, नात् जाजि देश बुक्त बाक्ति हिटलन। बरमास्टलन क्रांकोर्टे ७ कविजनदेवत १४ द्वेष्टी नात बाद की बाहत्व छक वर्ती छेरदभाष्ट अंदन ध्वनद्वादन प्रतिवृक्त र-ইয়া সেসৰ জন্ম সাহেত্বর বিচারে সমর্গিত হইয়াছেন। ধলোহর জেলার ক্সন্তর্গত তিছো হানী থানায় পুলিষ চায়েয়াগায় উৎকোচ এবণ कार ब्राय मध्यमान सक्यांत्र जिन त्मरकाहेत्र नारम म काशास्त्र भागंकु,क क्षिका २०० होक। व्यर्थमध इक्काम कांकाबादलव क्यादलच निवादकः । जारम नेटन रव हैंनि श्रुवांछन भागी वर्ष विन ধর্ম জাল খুনা খলিকিড লোক, উক্ত গুদ आ अ प्रदेश एकतिन अहेन्। वहेना वहेन मान्त्रह महि।

क्षणाक रहेटा हो बन्द परिष अविधि का भक्त गर्थ कालक रहेडार । भक्ति कि तान कन गर्थ कालकारन दिनक्षण प्रविध रहेन । प्र कंशर कालकारन जीनका क्षणिन गर्थन प्रविध कालकार कालकारका गरिएक रक्षण कि क्षेत्र कालकार क्षणा कालकार कालकार क्षणाक कालकार क्षणाचे, जवांत्र क्षणा कालकार क्षणाक कालकार क्षणाचे, जवांत्र क्षणा कालकार

क्षेत्र कि विश्व विश्व के प्रश्न कि कि विश्व के स्थान कि विश्व के स्थान कि विश्व के स्थान कि विश्व के स्थान कि

्रिक कार्यक हम उद्ध विश्वि बजूब शिवि व मी। व्याप इप हे अ स्माति काश्राता मावधान। स्केरमन केंद्रिक प्रभावता

निविच मः बाम !

इ. जब-१४५ / मानवाद्वाः

तम देग निम्मास नायम बाकि र इस्पाउत उन्ने भागित हो तम दायम मा दिन स्मादन माजाहा । यदि अस दाति ह भाग प्रतिष्ठ कि गिर्देश ग्यामता विश्व दान के प्रति खान में, उन्ने प्रति माखि हो के निर्देश के निर्देश

্ সম্প্রতি লড়েন্সনগণে " এবার্গন্স যে ।
রার হা গুৰিনীর মেলা চলাচন বে এক মেলা।
হয় ভাহাতে লাজেনায়ারের মজুবদিগের
জন্য ১২০০ টাচ, বার্র ইরিয়াছে। বজাত্তর ।
রাসু ক্রিয়া ইং। ত টিয় প্রানিত আছে।

गवर्षमे १ म्थाइट्य म्यापिएगर वि-गार्ट्स बना प्रयाय विश्व इस्मार्ट्स । माळ्य-ज्ञिन विश्व दिल्लांसर द्वाधिक हरेगा द्व न गति गतिका दिल्लांसर द्वाधिक रेमिनक्रि-ग्राम विश्व गतिया है ज्ञास क्ष्मार दिल्लांस-शिर्म विश्व गतिया है ज्ञास क्ष्मार विश्वास-शिर्म विश्व क्षिण गर्म क्ष्मार क्ष्मार द्वाधन गर्म के जल्लांसीस माना क्ष्मार द्वाधन गर्म के जल्लांसीस माना क्ष्मार द्वाधन ग्रा को मुक्त के जल्लांस क्ष्मार क्ष्मार श्रासक्त व्यक्ति साम्बद्ध क्ष्मार क्ष्मार श्राम क्ष्मार क्षार क्ष्मार क

नवर्षत्र त्यवस्य क्रांका विकासके रिकार

काराक क्यान आरकान को ब

এক এক শক্ষ টাকা পুসক এট বার বোধ হয় হোটোক এক শ ব'ব হ রা কোন্সামি

पिती शिरकों, कार्मकों सन्त्र गाहिक क्षेत्राह कार्मके विकि कार्यक श्रीकारका कोर्य गाह कि द्वाक स्व गर्मकों कार्यका

ए प्ल भरतात काबुकरि काय गांशिक्षंत्रं छतिरतात्र रि नृशेक कामन्त्र मतियादका। काइरताटम मिल क्या किन्द्रं काल खनिरक्षत काफ मक्याई काल खनिरक्षत काफ मक्याई कालादनत । क्रिके भूस काम्य किति इस कामीतरक शक्क काम कतिरक्षत । के क्या क काम कतिरक्षत । के क्या क काम कतिरक्षत । के क्या क काम करिरक्षत । के क्या क

। यही **देनिडि,हंडेड क**र नद्र**न छंबाड अवडेंडे इर्**ड विनो**र्ड बर्डाम्डिसेडि अड**ें

বিশ্ব পোটা বাট বচলম ডাকারী বিশিক্ত প্রদ আরুত বঁইৰে :

চাক প্রকাশের প্রচাত ব পক্ষ স্থান করিবাঁ এব প্রা প্রকাশিকার মুক্তাক করিবাটো কাশ করা ভাল কর নাই। মুক্ত ভৈনিকা স্ভাবে পুর্কেই ভিনিয়ানে

र जूब इया वह जिल्लाहरून जा र व्यवस्थित स्वतादक प्राच्या स्व र वह र विश्व न प्राचित का का का का का स्व है कि जिल्लाह क का का का का का सर्वादक। देशादक हो स न व्यवस्था के विश्व स्वारह है स्वारक है स्व

भावता भाका विक वर्षेक्षेत्रं ने लात त्रहेगकत्व त्या भाषाति वेद्याने भाव उत्तरीत शकावे भाष्ट्रं ति त्या । त्यानिकां त्राक्ष्ण ने दकाव करियोदा ा भाग कर्या ।

त् उ त्या अक धर्मा ।

त प्राचित्र प्राचित्र ।

त किलि भ मान खर्मा ।

किलि कर्मा ।

০০ চুটা ও ১০০ পলাবে দম্যার কি দশা দইল ১ দি থা কইতে বিজর খাট, ভাল জানা কটতেছে। পে ঘারি টেলর সাফের বার ক্রেমোকন চার্টা বিভাল সাহেব শী । প আনাউনীকি ভারবেন। যার পুনর্বার তথাক প্র-নাইর ক্টবেন।

ভাগ,লা হুইডে সংবাদ

चक्क लि॰हरूद्र दर कार्न

의 교 소주 의학

महागिरहे।
श्री तम दिन गृष्टमाश्राद्यह द्वार कार्यमे । भारी स्था छेश दक्ष यथन मर्क है जान कर् महिमान स्थाप । सम्पर्धक है स्विद्ध विसर ना मिन्न श

क्षेत्रवा वरमभ उत्तर करण प्रतिका वर्ष दिन र प्रतिन क्षेत्रवा काम विकास करण प्रतिक कर्म मुख्य करणन, उत्तर सहज्ञात क्षेत्रक करणन, उत्तर

है नार्डे, विम्नु जारमन कार्यनिकात 'त्र करमहै चिन्हीत विक्रित्रक अन् होन विभिन्न हे श्रीतिका कार्यक्रिक त्रेतारहम । है श्रीरक्षी कार्यक्रिक

लिक निकार महाराज। क्षित्री कानिएड १६न, व्यक्त देखन निकाल मामक निकारण यन गान। या मागव व्यक्ष है श्रादेखन किहे हैं। कि गांकिन। उनि निकार वक्षमान है श्राक्त का कि १६८० मान १८व मन कान करना ना कि। भक्त नी नकरतना क्षमक निवार कान्य मुख्या रक्त करियाय किन्नी भोड़ेन्ना क्षमकार्य के हैं। स

রাকপুতদান্থিত দালরারের রাজা লাখে-গায়ারের এক্সর্লিগের সহায়তার ক্ষন্য ১৫০ ০০০ টাকা প্রাণান করিয়াছেন। এতাদেশায় ধনীনাতেই এবিষয়ে বিশুর টাকা দিভেচ্ছেন।

किनिक वर्षान, श्रुक्त अहिरान क्षांक हैनात भाषाचे काककाण बहेबारक कालाच्छाः ,भारेरकार शर्जाके खन्नारम ताचा व्हेरव : स्टूब्न स्माम कार्यक बहुरत विश्विष्ठ १४ : र्याः वर्षेन क. जुड़ाहेया विभात अर्थारक धनानाम । प्रदे भाग मा भाषेरक शाक्षरक छाडा छिङ्क चाहे-बार मा

উক্তে শত্র বেজুণ করতে দংবাদ পাইয়াছন, দেশ ধহিছ ত ভুতপুর্ক শিলী ১৯।
ব ধালান্তর লাকের মৃত্যু হইছাছে
বশ্যের গোরৰ ইছাভেট শেষ হঠা,
পাতিশে এ চ কঠ দেওয়া বে জান্যায় শান্ত বিভিন্তি বিশ্বস্থা হটা ক্রিয়াকে।
ত্যুৱা ভারশাই স্থীকার করিবেন।

চাকা নিউনের আসামত সংবাদ দাতা বলেন, ক্ষান্তিয়ার বিদ্যোষীশা প্রায় ২০০ কোক লট্ট্যা লও জিন্তি নাসক প্রায়ে এক তুর্গ নির্মাণ কবিতেছে। ২০ কন সিপাধী তথার থেনিত চট্ট্যাছে।

अञ्चलके अरमनीय विधानकानामी म्रक्तां क अकती केरकते अक्षांन निविद्या एन कृतिया-राज्य एक विस्त श्रुक्त निविद्यारमञ्जा अक्षर्यक् भीय नाभाव शतिश्वक मी क्षेरका क्रांकिन का क्रांनगर्थ महकाती बालिएडे रहेड क्रेमस्त्रक भाग भाग राज्यता क्षिक नरहा क्यांग्रह्मा अक्षे धान रव मन्नार्थ अञ्चरमांक्रम कृतियाम।

টকা প্রকাশের এক জন পঞ্জ প্রের্ক বৃথেই, ল, কালীপাড়ে প্রায়ে হিন্দু ধর্ম রক্ষা ও প্রাক্ত ধর্ম কেছের এই বি এক সক্ষা ভাগিছে ইইনা-ক্ষো ৭৫ প্রথার অক্ষাপ্রাক্তী বার্ক্তিকার এ হা भटन वा निंदा। किलाफात वर्षा गफ. 📉 म दश्र नाहे १ फटन का त उह्न हो। दश्र २ २> है का अहाइन बुधवात 1

निवृत्ता नीत् भंगोठदन देमण ७ सामनाता-সান বিত্ৰ প্ৰাকৃতি লয়েছ বাঞ্জি গভ তল্পা ক दक यन देशीयकात दवता छात्रि पूर्वक्रिकाक असत थी। क पार् द्वीज इयः गायिक वाजिए अंक म छ। वाँता । 💐 म औ अभी अभिनीत 🕟 अबसा অধিক বাৰ সাক্ষীৰ লোচন রায়কৈ এক আচি-ন নন পৰ প্ৰদান ক্রিয়াছেন , উহাতে স্থানী-न नर्न हमरकातिनी साग्रमविष्ठामाश्र ত দৰাপ্ৰভূতি সদ্ভংগর বিষয় স্বিস্তঃ किथात 'हेशांटक।' का बंदानिया आधिया' र পত্র থানি এক্সে উদ্ভে করিছে পান্ধি न। अन्दर्भ ता बीव वादुरक बर्छा स्था ডিনি অভিনন্দন পত্ৰ দাদেৰ ক্ষয়োগ্য পাত্ৰ कि । जि.मे मुक्तिम म्, विश्वित पीर श्रेति छ । बद्यानी ध्रवण जयकार्याट डांग्स है मन जेश्नाम (संख्या अ'दहः।

বোণাই সাটতে বিবিষ্ঠ বন্দেন, ত'্তা ভুলার কমিসনত্তের সম্প্রতি , 'ভুরা পরী-,' করিরা দেশিয়াহেন, ভুলা'র প্রায় নিকি , বাজান থাকে। ভুলা বাজান করিয়া-

বিষয় একজন ব্যবসাথীর ছই বাস বিয়াদ ও তাঁহার সমুদ্র তুলা দথা করা ছইয়াছে। তু লার ফুরিছত। নিবার্ণ আবলাকর্ত্তব্য সন্দেহ নাই। বেই উদ্দেশে ব্যবদায়ীর মেয়াল দেও গাও হইরাছে বিস্তু গুরু বিষয়ে কোন বুজির আহুসারে দিস্লিত তুলা লগু করিবেন

उस गत्र काल को इस्तार अन कतिया।
पूर्ण । त्यांसक होन (अस्तान सार्य क्रिका)
विक विका (कालामित स्वाहारण महाहिर्छ
हे व लाग्नेहिर्छन । किस शोलाम सार्य महाहिर्छ
वरण नियमेपिय होना निया कालामितक के
क का छान्। किस शोलाम सार्य ना गील स्वाहिष्ठ केल्यांनी क्रिया क्रिया सार्य ना गील स्वाहिष्ठ केल्यांनी क्रिया क्रिया सार्य ता गील साम बार्य केल्यांनी स्वाहित्यंत मानास्था के --हेंगा विकास केल्यांने स्वाहित्यंत मानास्था के --हेंगा विकास केल्यांने स्वाहित्यंत मानास्था के ---

TO THE REPORT STATE OF STATE O

याचा मुक्केक, चामता सम बीक्य्य क्रिजान, रेनक्म है। स पंचित्र मिनिजे कार्नेस कविशा তাঁহার কীর্ত্তি কলভিড ছইরাছে। কিছ छिनि त्य त्मारे काक कालत्म मक्स हरे-বেন, ডাহার প্রমাণ কি ? উ,হার অপ্তক রণ স্বাধীনব্রত্তি। কার্যাকালো ভাঁছার সা-ধীনত। রুভিই বলবতী হয়। ভাষিবন্ধন উ ম্পুপক্ষের সহিত পুনরায় অসৌ-

तात्र व्यमञ्जादना नाहे ।

ফদতঃ, উপব্লি হণিত কার্লা লার একটিও আমাদিলের জ্বর্সম ৈতে ছে না। আমাদিধের এই বোধ হইতে ছে, ছিনি অসামান্য প্রতিভাগ্তণ সম্পন্ন लाकः छ इत जनाधन्त्री जिहासमी अक्रि ও ভারতবংগর কলাণে সাধনের আন্তরিক ইক্। ও চেষ্টা আছে। তাঁচার সেই শক্তি ইজ' ও ভেন্টা সকল ও পূর্ণ করিবার গুরুত भून क ब्रष्टवर्ग। कल्लब्द्रशांत्रक हरेगा निन এ দেৰে আগমৰ করিতেছেন।

न्य धात्रम्य विविधिशास्त्र निरहा-श अञ्चलवरीविविद्यात स्था अ.त्यात विषय সম্ভেদ মাই। दिया ভারতব্ব রিদিনের क्ति, मक्त खानिहे बक्ताफिट वहेर्दन। वृक्ति, दिशा, कार्यामक्तका, छ त्क्वराय त অবস্থায়তথ্য ও ব্লাজনীতিকেড' বিষয়ে সর চারলস টু বিলিয়ান ভারতব্যবিত কোন रुषंहाद्रिव निकृषे नर्दन । शिनि मालास्क श्रम्य मार्ग्य अधिक विराल्य मा, जामान मर्था क्रांशांत्र घरसकदिश मेश्क्य माश्विक इत्र । देनांम कृतित वदनावक, लामावतीत धाई दुन्ति, विहात अवामीत छेटकव, विचा শিকা, খগর পরিছ, ত রাখা প্রাকৃতি করে कतिहादक्ष । এত कि नी प्रस्ती प्रस्ती पात ७ मञ्जा कु लामनिश्रादक अपद्य हाथ। केंद्राट धका किनिहे अवस्थः मांड कानिएकत क्षिक्र महत्त्राच अकाव करतम । केमकम छोड़ा ध्वाबिक एरेटम राष क के क्षेत्रिक अनिता

निक भूकरवत नगा किनि य बारकात छै-পনাস করির। যান, ত'ছা পুর্ণ চইয়াছে 1 धरे इनिक कह निवस्त विद्याह घरेन। इह माई, यथ वाट किन्दु मकल (अभी है। তে निद्रक इस्नाटकन : आत्मनटद्रवा ता ৰূপ অভাচার করেন, বিজ্ঞোহ শাস্তির অব্যৰ্ভি উদ্ভৱ কলে বলিয়াই পুনৱায় विष्डांशधि अञ्चलित इस माहे।

সর সারলস ট্রিলিয়ান এ কেশে ই केरवाकी केनिर्दर्भत जक क्षेत्र -अधान मशक, चिक्र व एम्बीरप्रकार देशंभीत किरशत मान करेत, यादकन, अथवा छेरत्रह इस्थ्रा गांच, हेश हैं। हार खिल्डिक महा। নে অভিনেত হট - কিন্তি ক্ণী কৈ বিলে । इष्टाद्वाभीध क्षण धन विभित्ताश बाद्रः जोव व्यटर्वत छैन তি সাধন সম্ভাবনা আ'ছে বলিয়াই তিনি উপনিবেশে। সপক্ষত। করিয়া থাকেন। के हात अवस्थित्यक मठ समाज्ञक कि मा, (म चडता कथा। कि**ड के। गांत छे**. समा च त्रथ गरश . यांधा इकेर, अविक्रिकानिया कैं। इंद्र निकार गर्थाहिक माहाचा आश्व हरेटवन महस्तर बारे। किन्द्र लाख नाएरदिन मा य किमि मीलीवटम यक्कम कदिरदम मा। ভ রতবর্ষের ব্রিকৃদ্ধি ও ভরেত্রবর্ষী বদিশ্যের कलात माध्य छ इन्तु कथान केटचना । , ৰোধ হয় ইনকন টাকা যে স্থান হইছে আ সিষ' ত র গ্রহের আধিঠান করিরাছিলেন, চারল্ম গ্রিবিলিয়ানের গুভাগমনে ভারা কে দেই জন্মস্তানই জাআর করিতে ररेटव । व्याधामि अटअल माटमह बटकट्रिके পৰ আৰু আনৱা ভাষ কে দেখিতে পাই व रा। याहा रक्षेक, कारपात कि करेंका। रा उहेनमा मारहरवड़ कारवान अधिवास কলিতে বিদা তিনি প্ৰচাত ক্ৰীয়াৰিলেন विमि (अहे केंद्रेश महत्र कहन विश्वक इहे लग । ए तम बहिष कतिवाल क्या जिल पूर्व व्यानमार्थ क्रिके माहित्रहरून, व किल द

BIR

कर्ष

कर्त

चले

স্থি

बह्य :

Win.

বে:

धक्व व माकित्यो एउँ निक्छ के काशासिकारक লাই গ্ৰাই ে ধইৰে এবং তথাৰ ভাষাতি গের গন্তবা স্কান, ক.মা. বেতন প্রভূতির विनय स्त्रके कर्तन्त दूसाकेता मिटक करेंद्रत । ओ मकल कृतिया या**षाता व्यमक्तक** कर्वेटर ভালাদিনকে ১ইলা শাওয়া হুইবে না। তা छ , इति गरह माजिए ुँ **कुलिविस्त**त तिकि

कीर । तिया छ। हात्र अक नकल निर्देश ! ं इहेगातक मान्यव नाहे। किन्न हेहा उ थिटवन, आह धक श्राम कर्ने छिमाइटक

ाद्व ,याक्रांटक কস্ট লা হয়, ভ্রেমে উপার শিব দিলের সুষক্ষের লেব হুটল। কিন্তু তথায করা হইয়াছে। , আভ্উর্ল্টি সংগ্রহ ; তঃহাদরোর প্রতি যে অভাটার ও অন্যায় কারীৰ স্থিক নিত্র ভাক চল বিশস্ত **ः**लाक किर∙न লি ভব্তাবধায়ক অল্যেক পথে সে কোন কট পাইমাছে কি না পে । অন বে ন উপার চারা ল িতে পারেন নিজের গন্তব্য স্থান ও কর্ত্তব্য কার্গ প্রজ্ঞ- তিংগদিগলে নিষ্ট্র প্রভার ও অসমত কির বিশ্র ভাল কলে অবগত হইয়াছে । পরিশ্রম করাইবা লওখা ২ইতেছে, ভালা कि मा । उथने अ यान किह । मर इरे । इहें मि जिल्ला जिल्ला का कहा के किव ভাজাকে কণ্ট্রাক্ত দারের বাবে নি"এবাটী | শ্র লিখেল ভাছাতে যদি ফল্লা লগ ভিনি .ड भावाहेचा मिएक स्टेट्य। अध्यति भा द । टिकिश्तक मकरमत घरणामित्र भद्रीकः य-ित्यम । अथोका कता ६३८म व्यक्तिकाः ाज अञ्चल कड़ा बहेटव । नै। हरू नरहर এধিক কালের প্রতিজ্ঞাপত কৰা চটবে ঞ্ডিজা পতের ভাৎপদা ও স্থ ्िविकशास्य बुकारिया (मधर् स्टेटन কর্মা রে॰ হজুব্ধায়ক ভাস্তে िपद्य*द्वास्त्रम* ্বে মৌকা বা বাস্নীৰ

ইবে পুরিরা জাহাজে いべしご क्रुं राष्ट्र সংশ্ৰ ৰ এক এক ভাৰুলভি প্ৰ F (१,७) है। १ के का किनाएक खेळा का स् 6 य · भ) स्टार्व अस्त्रवाध क्षिण 4. 67 निष्ठ इहेन कुलितः कर्षक्रास्म श्रेक-की कहा के

THE PARTY

ংল ৬০ বুলি প্রেরিঠ ছটবে, তা-

". : जि. १^{, क}.८श्रम**टर अनुम**हि

अ:वाम मिटनसः छा-कः अविनाम कुलिमि গ'ক নাধী যাগ্য স্বাস্থ্যকর বাস স্থান मिरदेश भिक्ति विलय करत्म, मार्क ইেটুট নিম বাজে তাহাদিগকে বাসা দিয়া पर का करतत किकट है होता **आना**य क-१११ तहेदबस ।

कर विलोग घरनक चाल्या क्षाम्लन्मनीय-२८३ 'न जुनसङ्ग स्मरङ्ग नागा पूर्व कि विकास कि वि वा ात कवा इन्टब, डेंग्ड बिराम डिबिवाइटना পাথকিলে পন । কেনে উপন স্বরং হয় নাই। এবিয়াংসু ভাবি । নিমিত্ত একটি স্ব**তন্ত্র** থার। **কর্ম**বা । **যদি** कृत्विनिनाक हा करतत बारस आशाबिरशत िक निक इन्त्र ८३१ इन् क्तिएक्स । अहेक्स একটিনিখন ন' চইলে ইডেনসাহেটের বিল इथा इटेंदर । भरथंत य के छ हुई मांभ नाक, ए करल ० वरमत शाकिएक इदेएब, ख्यात কেনে বহী মা ক্য, খাৰ্ডাপক্লিবের ভারি घटन अनिरमध राष्ट्रमील इ.७६१ व्यवसा सः ৰ্ক্তব্য ।

> আর একটি বিশ্য বিশ্বেষ যুক্তি ও বাঙ। শায়ের নিভাস্ক বিপরী ভদুন্ত হাইতেছে। नदर्रायके बदलन, काहाना चानीम काहिए ७ म र्शन शक्तिआरमत विश्वतं स्वार्श्व রিষা ভাষার 'বাস্বাক চেইটা কদিন্দ্র কিছ এক ব্যক্তিকে এক একার, भाक्त बर्जिक्ष काम क्षाप्त विवास 等行門 श्रीकीया जो हैं।

भ्याशका

ं प्रवर्त्ततां प्रकृतिविताय यार्थितः सरस्तीः मुक्तिनंदती ह दोवतां। ?

ৰ ভাগ। ও সংখ্যা

नम १२७२। ३१ छ शहासन। ३१ ३५७२। ३ फिटनपत

ৰ:মিৰ বাৰিক

িজাপন ৷

গ্রাহকসাথের প্রতি।

প্রাহকণণদে জানান ঘাইতেতে, কান্তিক

ম ল অতীত ই বহাতে অনেকের প্রান্ত গো

যথকাপের মূল্য মিন্দেবিত হই য়াডে, অপ্রথা

য়ণ মান অওঁতে হইলেও অনেকের মূল্য শেব

ভইবে, অত্তর্থন তাঁহারা হয়া করিয়া মূল্য পা
ঠাইরা দেন ব উক্ত মূল্য করিকাতা সংক্ষ্

কালেতে আনারিকের নামে পাঠাইলেই আ
মরা নিকিয়ে ও শীগ্র পাইব।

নে ম প্রকাশ।

১৭ট জনাগান গোলবার।

নে ক ল বইলে কি রেলগুরের পাকী
রা নিস্তার পাইত

ক্ষা রোগ থেমন ক্ষমা ক্ষমা বহু রো গের ক্ষান্তর, প্রতিক গুরার্ক বিশেষতঃ' রেলপ্তার ভাষ হুইয়াছে। এখানে ধর্ম ও ধর্ম নীতি ক্ষীণবল হুইয়া একাছ দান ভাবে কাংবিপভা করিভোছন। নামানা চৌয়া ক্ষমি বিশ্বর এতিপার্টমেন্টের প্রতিক যারতীর পাতকেরই এ ভিপার্টমেন্টের প্রতি স্বিশ্বের বিশ্বর এই, স্চরাচর দেখিতে ও নিশ্বের বিশ্বর এই, স্চরাচর দেখিতে পাওয়াযার, এই ভিপার্টমেন্টের প্রধান পা পীরা পর্ম ও ধর্মনীতিক্স কর্ম্ক ভারা ক্ষম্ম ক্রমা বিশ্বকণক্ষণে আপ্রাদিধ্যের ক্ষম্ম ক্রমারিক্সের ক্ষমির প্রক্রিয় প্রাদ্ধির ক্ষমির ক্ষমির ক্রমার বিশ্বক

दिन्धर्य कर्षातिभित्र चाहत्रम् ७ ৰাবহার রক্তান্ত সতত আমা, কলের আন্তি भर्व अविके हरेगा शास्त्र । **साम**त्रा श्लामहे उनिर्देख भारे, अयुक दशहाती अयुक मारजत অযুক তারিখে বেলওয়েডে প্রবেশ করি वाहित्सन, धई षाण कात्मन मर्द्धा थक টাকা সংগ্রহ করিয়া কর্ম পরিভ্যাপ করি দেন ! উলিখিত ডিপাটনেটে অর্থ দ্যুপ **रहा कतिहा की शिवात विलक्ष मा**क উপায়ও আছে। এক গুণে ত্রিগুণ ।। য লিখিগা দিলেও কেই সহসা ধরিতে পারেন मा, धविदवह वा तक ? छेष्टा य इ: मिट्नुंब अन्मिन्ति, काँहाता क्थेन हत्क त्मर्थन नी ; क्षेत्रविभिर्वत छेश्रदिहे निर्कत । अधान कर्याती यनि क्राव्यात्रा (माट्य मृ।यस क्रे লেন, তাহার ত কথাই নাই।

स्वधान नाम जात अन्ति (मारवन सम्विक अहिता नाम जात अन्ति (मारवन सम्विक अहिता क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रय क्रिया क

अरपूर क्लान अधिके हैं ता रहेक, व्यवसी स्था णानुभवः। कि विक्षाः (केंडे **च मामिर** केंद्रेक् र्याभ कर्त्वम मातः तिकिटभन्न निक्टी थारे विकल हरेडूप म, ७६न श्रदर्गमाहुः देक ? जिलक्षा है वत्रः मधः विश्वाद्यः विशेष्ठः द्व रहेशा श्वर्धा किय वि कार्राक्ष পাইল, ভর্ম -প্রথ न्त्राक रहेत् । अवर्गाय त्नाहरे या अकान कवि 😭 देशसद्भ मध्या है द्वान विकाद प्रतास मितिएक शादान । हेर् वर्ग भारक, कम्द्रशृ রেলওরেডে হোট শিক, ছোটা দোৰ কর্ম করিতে স্কু কাংশ সুৰ্যা निकटने अधिकान

্র এক 😮 পরাধীম ग्रत । मुख्याः छाहा विश्वक वावकारसम ं भारत मा। बिकीय, न्त्र विद्नष्णः देखेदता नुकर्ण एक एक मा। রিরাবদি অসভারা रेटटन, मिका भारे यम्बं जानाता यनि . जन, जन्म कर्यहाती র্থ করিরাছে, তাহার विका हिल, भन्छार शेका रहेशाहिल, किंड cooo छोका वात्र कति 4 আৰশ মাত্ৰ ভাছার বিষ कांत्राक्ष व रहेच गरमह ' গর্বদেন্টের অধিকার র ভাঁকাইতেরা নিতার

खाल हिण्णितमञ्ज जाक हे जी निर्मानि । जिन्यदम का বর্মর প্রভাক কথচারির निर्मात वागानी वार्वाक्ड াধীন কর্মচারির এতি অ নি অনুরাগ কেনন > তা बै किए मल्लाह दात्र कि ব্ৰুপে সময় অভিবাহিত है निदिलय अनुभक्तान क्र जरनक निवाद्गण इह

নিবিশ্বানের ভারতবদে

1

কিন্দান নোমপ্রকাশ के क्षेत्र । इ सार त क्षेत्र भूमतान विद्यान । क्षेत्रियान राज्ये। के शाम संस्था क्षेत्र ।

नमरत कातकरार याशमन केतिरवन, रवाथ क्षत्र खरमध त्वर अवेश^{मेश}ब्द्रीय करंत्रन सारे । अख्याव देशात्र जातकवर्ण जानमन ममाहात क्विलाहत स्टेक्न भावस्थात्त्र किए हम्बक्ष रहेर्द मरमाई कि ? किंदू দিন পূর্বে মান্ত্রাজ টাইম্স নিবিয়াছিলে-ন, সর চারলস টুবিলিরার দেও সাচে (यत क्टर्म नियुक्त स्टेज़ांट्स्स । आयहा उरकारल अक्षाप्त वियोग कन्नि नारे। বিশ্ব গড় সোমধার যে টেলিপ্রাম সাসি-রাছে, ভাছাতে ভাঁছার নির্মোগ - বিবয়ে चात्र चार्मानिरभेत्र चश्यां जः नहेंबाहै।

যে মাজবর্গ ভাঁচাকে পদচাত করি রাছিলেন, ভিনি ভাঁহাদিপের অধীনেই আবার কর্ম খীকার করিলেন কেন ? चार्मर हेहा वृक्तिए श्राप्तिर हर मा। ই, বুঝাও সহজ্ঞ 🕶 । সচরাচর तारक त्यार काव**र बाककर्य शैका**ब क्षेत्र, धारात छारात्र किहूतरे अभक्ति মাই । ধন, মান ও পদ কৌরব এ সম্ব- তাহার বিচার হইভেছিল। রাজপুরুবের। রাই আহে। তিনি খরং ধনিলোব্দের স- ইনকম টাজা এখাবের প্রতি পক্ষপাত स्रान क्षेत्र स्वरूपात्र भूसक अपृष्टि नन्त्र निवस्नन स्वयः। हरे:। यपि छैनकात्र ७ स ভিন্ন অধিকারী ভ্রত্নাছেন। কেই কেই, পকার গণনা করিয়া উচা বিধিবন্ধ করিবার करिएक्ट्यं, माञ्चारका अवर्षेत्री कारम किनि चिलाय कतिर्कत, कथनरे छेश विधितका केरेलनैन क्षवर्किक है। क्ष्मा विद्याची रहेश , हरेक ना । हातलन हि विलिशान की हानि र्व विनिष्ठे जिथिश क्षेत्राहिक कर्त्रम, क्ष्या शाह क्रूककाकाका कर्रेकम जर्माह রা ভাঁহার অবিস্থাকারিভার প্রিচর হই নাই ৷ এভাসুল হলে ইনকম টান্স বিধি য়া তাঁহার কীর্ত্তিতে যে কলক আৰু হই বিধায়ী রাজপুরুষেরা ছোৱা না হটয়া ग'्रहा उरकालम कतिवात केटबर्टम्ह किनि किनि विकास कारी हिर्देख सार्वन न পুনরায় ভারতবর্ষে আগমন করিভেছেন। किन्छ এ कात्रव कि आधाषिरभन्न अनम्भवि ट्यांक्य स्ट्रेफ्ट मा । अध्यक्त विकित्ते চার কর। অ'মাদিবের ইতে জীত্ব বো (पत्र निमित्र हम् बाहे । जिलि अक सन की त्रव्यस्त हिटेक्वी क्षकाती है कार्या

ৰারা ভারতংকের অক্লিট বটবার সভা

वना कार्ट, यका नवका समारण के के क

যতঃ বর্ত্তমান মন্ত্রিসংখ্র হৈরের জিবিকার | তিনি মিনিট এচারকেই ভংকারিরোগের উৎকৃষ্ট উপায় ৰলিয়া ক্লবলম্বন করিয়া हिटान । किनि देनकर्त होका क्षर्वकिंह मा कतिशा वात्र जररोक्तन बाह्रा बाह्र वाटहर नक्ष दिशास्त्र नतामर्क निराहित्सम । **এট পরামর্গের অনুসরণ করিয়া কার্যা** অনুষ্ঠিত ছইলে বদি আয় খায় সমভাবি ধান সম্ভাবনা না থাকিত, ভাষা হুইলে किनि लायी इरेएकम अत्माह न है। किन्द यथन अमारकं जरे वात्र मश्राक्त ৰূপ উপায় অবলয়ৰ ক্রিয়া আর ব্যয়ের সমতা বিধান করিতে হইয়াছে, তথ্ন তাঁ हांटक मुधिक कहा आया हहें एक्ट मा। তৎকালে ছব কোটি টাকার অসমতি ছিল. हेनक्भ छात्र कि कद्भूतर्य नमर्थ इहेना-ছিল > এ ছলে আর একটা বিয়ন্ত্রেও বি-(बहुमा बन्ना व्यापनाक । हान्नलम हि बिलि ग्राम यदकारम अधिवामी इस, उदकारम हेनकम छोका अलाव विधिवस इत गाहै। जे अन्ताव विधिवश्व कता कर्चवा कि मा, অনেকে এই বলিয়া ফীছার এতি গোয়া द्वा भ करतन रहे यहाँ मानन समान क्षेत्रीन तांक ज्यूतरंत अक्षाका वृहेतां अकेने काम कतिएक हिटलन, क्यन दिक्क वाणी हरेगा काराज **७८ शिंद्राय क्रिकीयमा विद्यप्र केश मोर्टे।** हेकान केवल करना काकानियान वंशना अहे, नकात होत्राच या पश्चित्री योग अवसे च

बरक् । दील छेरनब स्टेन त्कन : हिन्ने मारोह्य क्षिकि वार्किक चारि चाना मिटक हारिया क्रकारी करेरलन मा तक्म ? श्विकारमञ्ज शक स्थ (व्यव्य प् विक्रम जदरात थक थकात प्रमा निकातन क-ब्रिया ताबाद व्यनात । अव्यटन क्षकि वर-मत्र जेक्दरांखत खात्मत ज्ञा इकि वर-एटर । छूरे वदमब मुर्द ए मस्तरक थ-ভঃত ছয় পরসায় খাটান ত্ইরাছে, সে আফলে প্রতি দিন চারি খানা উপার্জন कविद्युद्ध । अवश खुटल वृर्थ ७ विद्यीष বাজিরিক্ত কোন ব্যক্তি পাঁচ বৎসরের कता अक्विथ (वज्राम वक्ष चाक्रिक म-किलाबी क्हेटब ? स्मरव बीलकर्रानरभन जात्र बहेना इंडेर्ट अस्मह न'है। जन्मनः নিয় খেণীর লোকেরা আইন ও আদাণ্ড अतुकायुक्त कार्या वृतिरच भागारण इ। কুলিরা বতদিন নিতান্ত মুঢ় ধাকিবে, তত-দিনই চা-কর্মিগের লাভ, কিন্তু তাহার্মি-গের দীর্ঘকাল বিমুচ্তা দর্শন সম্ভাবিত महा । अञ्चादिक इहेरलेख कि काहानिशरक ক্ষতিগ্ৰন্থ কৰা গ্ৰণ্মেটের কর্ত্ব্য > এফ अन वृक्षिमान मध्य हुई सन जिस्स मञ्दर्भ ক'ল করিছে পারে। বেডনের নিরম এফ বিদ থাকিলে আসাম গ্রন্থতি স্থানে বুরি-মান মঞ্চরের গ্রম সম্ভাবনা কি ৷ আমা-দিগের মতে কর্ম স্থানে অবস্থানের কাল निश्म कहा नित्थम नाइ अवर स्य वर्णत यक्त वंकात क्रेट्र, उम्मूनारत म्लून ছিগের বেতন নির্ণয় করা কর্তবা। এই নি क्षत्र शक्ति मा इहेटन है. तिक क्षाविक वि-লেয় সোভ্তমাত ও সাত হইবার সভাবনা बाहे ।

> कारित व क्रेंब्रेस्सानी एका अटकनीय-विद्यात कास्रक्तर वर्ग वृक्तिक भारतम व है।

২৭এ নবেশবের েও অব ইতিরার " রাজা দিনকর রাওণের তারভবরীর প্র-

र्वायक्रिक मध् अद्वासम्ब संसंक असे मिन त्रोबारमत् अवकी अञ्चान स्वीवेश जामा-पिरमत अवःकतर्व कुनुश्रद हुई ए दिन्म-दात्र केनव वर्गन । जालान क्रिक्त का-त्रथ धरे, त्राका विश्वकत् साम्य अक्कन च সাধারণ বৃদ্ধিমান ও ভারভারতীয় গ্রহণদে-**ल्पेत्र व्हिटकी। हिटेक्सी कृष्टिलाल वास्तित्र** রাজেন হিতার্থ প্রব্যেক্টকে বেক্সপ প-রামর্শ দেওয়া উচিত, রাজা দিনকর রাও সেই প্রকার প্রামর্শ দিয়াছেন। ভিনি বলেন ''এক শতাকী পুৰ্বে এদেশীর ব্লাজ-গণ লোক রঞ্জন করিয়া প্রজা পালন ক विशाहित्स्य । वित्यवकः चाकवद्वत् क्षि সকলে বিশেব সম্ভুট ছিল। আক্ষর ছে-सित ब्राष्ट्रय मध्यान केश्क्रके बान्सावक , क्त्रिशिहिटलमः; धनाविध क्या, क्यारेसा क्शिहरलन ; यदः शक्षादेख कथा व्यव-র্দ্ধিত করিয়া শাসন কার্যা নির্বাহ করি 👵 ন। কিন্তু ভাঁহার উল্পরাধিকারিগণ ভ দর্শিত পর্বের পথিক বা হওয়াতে ং द्रा चनुसुके इहेल : चनुकु इहेन्नार्थ রাজনিগকে রাজ্যরক্ষার্থ আধান কৃষ্টি हेश्त्रास्त्रितिक भागन द्यनाली अला অঞ্জিকর মহে। ই হাদিশের রাজ্য क्रांब दरकावस छेख्य ; नमुख्यत्र। स्म म । पारनत ती ह फैश्करी ; कारना है-क्ल अकृष्टि चरनक स्ट्रेग्नाट्स ; ख्रिल्फ्ट्स नियान ७ थे'छापि स्नन करा इहेबादह ; अवर हेशांकिशत ? किन्ना श्राविशासन्। वि-शर्श मुक्का चार्ड । वस्य का ब्राइ कर्य-नी श्रीपरशत जिलिम भवर्षस्मरकेष व्यक्ति অসংখ্যাব কমিয়াছে , দিনকর রাঞ্জ জ্ঞান্তার करमकरीत ७ के जिये कि त्रिशाद्यम । देन म-(त्रक्री कर्-रेनक्स्क्रीम, अपूर् मानिक অপ্রভু ভক্ত উভয়বিধ লোকেই নিজ্ঞী र्देट्टरे पूना बटन चल सम्बंधनः चन-विक क्रेश किन किन कुर्दिस श्राहिस श्राहिसका ।

विकार का विषय के जा का विकास का किया कि का दिनका क

14 0 (A) n() 1 (19) (1) # 1 to 12 and the first the same of the **जित्त्रिक है । दिल्ला । तन,** विवेद अहडारा कर . विकास अपर गी द अप हा विभि उत्तर कि **阿**维克尔尔 数。予導 1

भरवाम विश्वदह महोत्र दलचनी अख्यांका विश्वा. म चंत्रिशद्य, जानुना ७ (कान जानाम्यो न्या-শার উপন্থিত নাই, তথাপি সন্ধিষ্ঠিত নগায় व शती बहेदछ गार। किहू जरवार स्तिश्लाहि, फांसा व्यवस्था दशक्षा मान्य থাকিতে পারিল'ন ন। সংক্রপ ছুল্মন্ন পাই-য়াছে, কি জানি আনার কোন পার্থিব জনজন भक्तियादक् अञ्चल भ्रामा महामदव्यं बदन छेए। **२र , क्या ज्यानर/शज्ञ इंट्रेग्रा यहां मरप्रज्ञ** शाउंकवर्गदक अरमनीय **रकाम रको कूकव्य**नक या হিতকর ব্যাপারের জ্ঞানলাভ হইতে বঞ্চিত द्राभिन्नांक् अस्य करत्रम, त्यहे व्यामकाय আমি অসময়ে লেখনী ধারণকরিলাম। এবং বর অন্যান্য দেশের প্রতি ধর্মরাজের ধে ৰূপ দৃষ্টি, এদেশের প্রতিও ডক্রপ , ধর্মরাঞ্জ, ৰত্নত বিকারাদি আিয়বনুস্গণকে সহায় कतिया गरमावाद्या भूगं कदिएएएन, निम কোট চাদপুর যদিও ভাষার দৃষ্টিপবে পতিত কল নাই কিন্তু পাৰ্শ্বভিপদ্দীনমূহে ভাষার ার দরা। গড় তুইমানের মধে। কড পরি বে ছারু,খার ২ইগ্লছে, শুভ রষণী অনা-ইয়াছে, কড পণ্ডি প্ৰাণাধিকাৰণ প্ৰতি मरमद्र मास्त्रिमर विमर्कन मिग्नाहर, कड ার ক্রোড় পুন্য ব্ইয়াছে, বত পিতার क्रिकाभा ४३ व्यवनयन छेन्छित स्हेग्नाट्स র আর সীমা নাই। মহানয়। দৌলতগঞ ।। मश्रुत ७ वस्त्रा अप्त आदम नित्रस्त्र शश-कात्र भानि अफिरशास्त्र एरेएउएए। मृजूा श्रश्यत बाद्र बाद्र जवन क्रिट्डिंह, नक्न ग्रह्हे जा হার বোড়লোপঢ়ারে অতিথি সংকার হইতে ह्न. खथां नि खांचात्र त्रत्वामत्र भूनं च कठेत्रामण

নিবৃত্তি হইতেত্ত না।

গত বুধবার রজনী বিজ্ঞার সময়ে এবা ।

নের এক জোল অন্তরে তৈরবী নদীতে এক

গনি কর তরী জলমগ্য হইরা একটা প্রীলোক

গাংব প্রাপ্ত হইরাছে। ঐ তরীতে কোম ভর

লোকের পরিবার ঘাইতেহিল। ৩ টা কুলকামিনী ৩ টা ২ । ৩ বর্ষবর্ষ লিশ্য ছুইলল হুবা

পুরুষ তল্পধাে ছিল। পোভল্লানীর অবিমৃত্যকারিতা লোকনিবন্ধন পোত জলমগ্য হর।

জলমগ্য হইবামাত্রট উলিখিত শিশ্যদিগের

স্পর্কানের মুংলিত্তের ন্যায় মদীভালশারী হট-

बात विज्ञान मञ्जानमा हिन कि का भागास्त्र তাংক্রের প্রাণরক। হইর,ছে, ভারাদের অ-बना जनकारबरर पूच रहेग्रा जानव कीस्टाह মনতা পরিভ্যাগ করিয়া বালক ওলিকে বক্ত ত্তে তাপন করিয়া কেবন পদস্কালনের দার। বস্তর্থ দিয়। নিরাপদে কুলে উপস্থিত হধেন। করেক দিবস আভীত হইল খালভুল্য।.. नियान कानीकुमांत नद्रकात बारम अद्वराज्यत একজন প্ৰসিদ্ধ স্থাসংস্থানী অখানকান জিলু-টী .২০এইর কর্তৃক ধৃত হইয়া বশোহরের কেম্ন অব গাংহবের বিচারে স্ম্পিত হয়। জল সা ংশে তাহার १ বংসর কারাবাসের আয়াঞা দিয়া क्रिन । अथारन अ**न्य जनमार्थ (व पूर्व** क्र्**कानी** কুমার বিভর লোকে**র সর্কনা**শ করিরা**হে এ**বং এ ৰূপ নীচয়তি অৰৱখন করিয়া জীবিকা নি-বাহ করিত একথাও মিখ্যা নহে কিন্তু উপস্থি-ত বিওয়ে সে দতার্হ হয় ন। তাহার নহিত অভিযোজার বিষয় শক্ততা ছিল, দেই मध्यद्ध छोडारक विशास्क त्कम हेथ्रोरहः त नकत क्रक्रिय माटर, कृतिका, मश्राधात धक्षि দ্রব্য ওাহার গৃহ হইতে বা।হর কলা হয় ও ব'-হার বলে ভাহার ফারাবাদের আচেশ হট্রা ছে, বে সমুদর তাহার নিজ্যে মছে, নিজের ৰ্ইলে সে বিলক্ষণ নাৰ্গান ক্রিয়া রাখিও, বহিৰ্নাচীন্ত গোগুহের কোন প্ৰকাশ্য দ্বানে রক্রক করিয়া মুলাইরা রাখিত লা : ভাহ,-व विश्वक द्वविभाजनम्बदम् दम्हे नक्त व-कापि कोषन करम श्रृकारक्षे उथाय ब्राधिया আসিয়া তেপুদী যাজিপ্তে টের নিকট ভাগার मारम अक्रियांशं करतः। शक्षं १ ख्राहारक नदम नहेवा निवा के मनम सरा पि स्वया हैया দেয়। বে শুরে ছউক অপরাধীর শান্তি হঞ-ब्राइ अक्षादमब्र विवद्ग। গত পরৰ বৃজনী-र्याटन अक अन मिन्नावानि हरवव यास्त्र वि-খাস করিছা ভেপুটি অপর এক জম মালব।ব-সায়ীর অলুসম্বানে পথন করিরাছিলেন। ख्या **बहेटड अवस्री क्ष्म ध्या**श्द्र अवस्री नक्न क अवश्रिकीर्ग दशम आजिश्राद्वम । अवे । जिल টি প্রব্য ভাহার কথামধ্যপের কোণে এক ৰুড়ির ভিত্র ছিল, গুনিডেছি এয়াজি অতি ভদ্ৰোক, কোন কালে ইবার এবণ योशांकि नार्हे, 'श्रेषाक्ष अव कंन क्षकियां गर्



I MANAGEMENT AND A STATE OF ATTEN, **[新山湖 湖湖山** 1 is whatle constalls we

वि क्षार्थको अस्ति। महिल्लिक व्यविधि म ब्राउद । जात पक रहेग्रीश महेम, अवटला-ৰতে বাউভার পার সংকেপ 'ইইকে সঁলেহ 明天本のというできます。

' উক্ত শাৰ্ম বিক্ৰিয়াল ঘটতে সংখ্যাল শাইয়া क्ष्मा कत्रका रक्षेत्रकात्रित गार्कित क्षेत्रि व ত্মাবে আগন ভূডাকে আগুন আনিছে গাঁঠা-देव। स्टब्सारक स्न अक्टबोकांव बाहेबा स्नि म ४६ अन्य 'दगांक निक्का पांकी प्रमुद्दक्तु त्योकात (भारत क्लिक माझ अविकारक । हा मा विकार गरमाम म्बन्नारक किनि स्वरूपनेर श्रीनिद्रगढे <u>कांकविषदेक काटक अहेडा.-क्रांक्शियलक बची</u> করিয়াছেন বরিসালে আব্দি ও সেনেক 'বিধ क्षत्रं वाबु र व्यक्ति।

পারিদে এক ব্যক্তি এক প্রবার ছাত্তর দর্শনের আবিদ্ধিয়া করিয়াছেন। ভাষা স স্থাৰ ধরির। সুখব্যালান ভরিতে গলার নলী ও খদরের কির্দংশ দেখিতে পাওয়া ৰ য নিৰাস প্ৰধানের সময়ে সে শুলির স্থান পরি वर्ष रहेश केल्य क्रिया ह

দ্ধীতব্যুর রেক্ডব্রি বালালোরের আফিসর বিধের রুক্টরিক্সজাবিশ্যরের অতিবাস করিবা रक्षन *ज्यान करि नांग्रेमाना फारक करें* বহালভিয়া ভথাত্র বাইয়া প্রৱাপান, সারসী अवर जनगत्न। कामिमीक्रिरशत जन .नी क्षात्रन। अनक्त खनु ना चीकित्न चार्कि रव्रत त्याका शहरन रकन भ

আমরা গুলিলাখ গাধন্মেক বিয়ালট হের টেপনে মৃত্য ও ভোজ দিবার বিবরে বড় সন্ম ও মহেন। রেইলওরে কোম্পানি ললিতেছেন a विकास १०,००० है कि बाज इंक्ट्रेंच । शवर्यक ৪০ % ই কাম অধিক দিতে চাহিতেছেন না। ব্দাপাতত। পূর্ব বালালার রে'় 'esর কোন্দা নিয় টাকা অধিক चल्य भवर्गमान्द्रक ध व्यक्तिकः व्यवशिक्ष प्रदश्

১৩ই **অগ্ৰহায়**ণ ব্ৰশাডিবার ৷

धहे वादत क्षेत्र ुताबतिकात यूक लिय इत । क्रिका 🚁 🕻 क्रिक्स विकारण टारवन कर्दि तक बहुबारह । छारा बिरगत ज-र्व ७ दुक्कना केल्यदानुष्टे चाटाकून स्टेनाटक ।

निकास करिक होत हिन क्वाएक दिखारेखा व क्विम्सायह श्रदेशंदम् । व्यानाविद्यत्र शामनीवृ अहे कुल्बन मृद्धिक द्वन डांमरस्त्रक त्वव बद्धा

भूगारम्ब स्वयं मञ्जाक वृक्षेत्रामीहः व শ্তুদ্দশীয় অনেৰ সভান্ত লোকৰে এৰ ভো অ দিয়াটছন। রাণীর হতন হার অনুবার गांवरगतिह विकास अहे त्यांच त्यावह कृत्। কোঁজের সমরে ডিনি সগরিবারে ভবার উপ-ছিক্ত ছিলেন। বেগম কি কেবল বাম আক্ষর ৰাৱা প্ৰতিশক্তি লাভ চেতাৰ লাচেন ? নিজ রাটেণ্যর অভ্যন্তরীৰ উন্নতি লাখন খারা অ नियंत्रत्र वटमांगीरकत्र े गारेटलट्स कि मा ?

विकारकंत्र अक चानि जश्यात गर्व मुद्दे व्हेन व्यक्तादार शर्यां शक्ता ३५ जन करवारी কান্স করিতেহিল, হঠাৎ ভাহারা প্রহরী पिटभंत्र नम्बक काड़िया नहेवा शतायन कतिस -হিন্দ। পদার্থনি ৩৭ জন ব্যক্তির মধ্যে ৩৭ जन पुनर्काय प्र इडेवाटक। भूतिम कारते हा चामाजिनात्म १७ विवास यत्योतिक छाडो : एक नाइ यनिश खाराजित्यत पूरेवश्यत कतिश वि-वर्षेत्र रहेकारकः। जुलिरचरेः। क्रुणावृद्धि वाखिद्धः-क्यांत्र त्कान क्रकच वत्र वा । क्यांत्रे वृत्तात्र श्रुनिय कि करत्रन (मथः योहेदच ।

রণবিং সিংহ অমৃতস্তের বিখ্যাত দী খির নিকটে এক নন্দির করিয়া বান। ভত্রভ্য ल क्व बहेरून मरबाद सार्छ, के मीविट्ड স্থান করিলে তুর্ত আরোগ্য হয়। ক্রমণঃ তথা व प्याप्तक कुछेरताची नवरवळ घहेतारह । ইহাতে পঞ্চাৰ গৰণ্যেণ্ট এই ২শিবুটি এক আত্রালয় করিবার মানলে মালে ৮০ টাকা দিবেন সংখ্যা করিরাছেন। সর রুবাট্ট মুক্তব্যারি প্রবংসনীয় সম্পের নাই।

সম্ভাটি আলেকজঙার আন্তা विश्रोदाहर, काणीयां ब्रांटकायः विश्रोद्धशक्तिक त्तात्र श्रुमित्तत्र केशद्र क्षणकः चाकित्व सा । कद्र । क्ष्मूब् नर्मान, कवार अमनाल्यन व जात्रजनर्दे । अहे बन (इ.ह.) बहेर जह है। के भी-वाटक कि कांब्रक्षियद्वत गाव भूमियमं भेटक উৎকোচ প্রোক্ত প্রবাহিত ক্লাচ্ছে, ब्यान् दमहन्य १

क्रमण गोरस्य जानांसीबीरम् अवस्थि अस्

ি বিশিখাৰ এ আখ্ৰাৰ্কাৰ भीरवद्या निक्रमाथ शर्रेषा प्रारेश

गुरुष्ट्रायक गुरुष्ट्राय अस

दिनांत्र गरेवां हे शास्त्र महिन् अकान गई हाई जाहासा CF । त्रिक्किश्म (श्रीवृद्धि र कटके अर्थ साराम जनावस अक्रो नाविकविशस्क वश् कविकासक मानक व्यष्ट्रम जानामा माना क्रिक गर्म वर्षेत्राटक । ब्रह्म वर्षेत्री विकार ह र, निक्क क्षित्रकर्भ हबस्क, विवर्ध পুৰবাৰ জাৰ এক থাকি জাহাত वाषाटकर व्यानकिश्व अक

द्याचारे दम्यको क बाबक अक्क्रम हेरानि । नव निर्मान कड़ियांक ऋ नियु स्पेर ३०,००० हैं।क टक्न। हेबाटक २०० जिल्लाक, काल रहेरर । तह राष्ट्रित कि बाब जार एक निया किकिश्मानम निर्माण कहिनांत । निया हन !

गणादात् दश्चीन ए अस्तन सम्बद्धा नाहा बानाव प्रदेशन का किया का बान शकि। विकृत्य त्यांत क्या वातान कर अकिनव जाराजिएसक स्वीदक होते हैं ात वेकडे श्रम विस्थान । क्षात्रकाहरू प्र जाकिएका किश्रीकरम् स्टूब स्टूब्राहि। गत सिंद्रांच कि अप भीता किहेंची श्राणादक्षिक्ष्कितिकारक्त् १ / भू

३ व्हे कि वारावन के क्या व न दनामबात हीशाख्यात वक्ष र बावबादिकादक । जिलाब दबाव छ ८१ न्याक हा भाग कविया अक ' दिन्या ग्रह ভাব্ৰি ইচৰ ভৱতা একান বালিকাচ ধরিলা অংপনার इतिषाक्रतः। कानिकानितः व्यक्तिक र । " वाबुक्ता ग आहे. कर्माञ्जाकणि दिन्तारिक है।

> १५ भनियात् । ही विक्रिकेशिक्ष प्रदर्भ

লব আলোক দেওৱা হইবে।
নাবের রিজ্ সভেলের অভ্যাচারের বিষয়
নাবেনীয় লেপ্টমন্ট গ্রন্থরের কর্বহাচরে
নিপ্টমন্ট লোপটমন্ট গ্রন্থলানিকে এক
ভিপ্রায় জানাইয়াছেন, ছুলিদিগো উপ
নি প্রশার অভ্যাচার হইকে ভিনি ব্যাভিন্নিয়ার অভ্যাচার হইকে ভিনি ব্যাভিন্নিয়ার উপিছিত হইজেহে, ঠাহার
নিত্ত কাপ্টার বিল যদি বিষয়ের হইজ,
হইলে কি ভিনি কুলিদিগের প্রভি জনার, নিবারণ বিষয়ে কেঠালান হলা হজহইতে পালিভেন দ

वक्षे जांकी रखा कर रहा जिला

इट्**लिक्सि आकःनार**म केर ४:६वव

श्री विश्व क्षिप्त के अपाप के क्षेत्र के अपाप के अप

क लाउरमें हैं के क्षेत्र । ह लाउरमें हैं के क्षेत्र के क्षेत्र के लाउरमें के का लाउरमें के लाउरमें लाउरमें के लाउरमें लाउरमें के लाउरमें के लाउरमें के लाउरमें के लाउरमें के लाउरमें के लाउरमें लाउरम

ा चात्रकर्वी समस्यात्राशकं गका। १२ के चात्रकाम समस्याः।

হারিংটন সাহেব'১৮৯৬ "অংকর ২১ (আব-কারী) আইবা সংখ্যাবর বিবয়ক বিল গাঠ কবিবার অনুস্তি ক্রতিক্ষেম । তিনি আবত নিপ্রসিধিত বিজ গুলি গুলিয় অর্থন করিনেন।

সাধারবের 'ব কোন বাজি ব।
কোলানি জুনি লইজে পারিবেল এবিবরের
এক বিজ। ইয়া আগাতেতঃ বছরেশে এচলিত
হুইবে। নিজাপুর, হলজাগ্রভৃতিব প্রনিব সংপোধন বিবরক বিজ। এই উত্তয় বিজ নিলেই
ব বিটিয় বিবেচনার্থ অপিত হইজ।

शक्तिक भारक्रवन अखानास्त्राटन निर्व हि १ आकृषि, वेशनिरमण वेशनिरमणांत्री ध्य-तर १२ विरम्ब व्यक्ति निरमके क्रिकेश जिरशाहि शक्ति क्षेत्र !

আরক্ষি সংখেবর আতাবাসুসারে স্কর্জ-বিষয়ের বিল পঠিত ও সিলেক্ট কলিটির চল্ডে অর্পিড হইল।

ব্ৰদেশার ব্যবস্থাপক সভা।
৮ ই অগ্রহারণ পনিধার।

ইংজন সাংখ্য আসাধ ভাছাত, ও জীনটো কুলি প্রেবণের বিল অর্পন ভারিকেন। নটার ছা-দ্বা কুলি সংগ্রহ, পথে তাহালিপের প্রতি বাবলা র প্রকৃতি বিশ্ব 'ছিরীফুত ১ইয়াচে। নেট-লাও সাংখ্য মৌলার আবস্থালাভিক ও সেপ্ট-লাও গর্বনি ইছার পোষকলা করিলেন। বিল সিলেট ক্রিটির হয়ে অর্পিত হইল।

> रेडिट्सानीत जमाहात । स्थान असे तरक्ष ।

আমেরিকা ২২এ অক্টোবর বাজিলন অঞ্-গন হন নাই। মহানভার সভা বনোনীত ভারি-বার সময়ে পাধারণভার পাকীর অনেক লোক। সভা পদ প্রাক্ত কর্মান

PRESENT ACO MAZDINE

পুৰ্বিত কৰাৰ ক্ষমান পাল বাৰ্ত্তান ক্ষমান ক্

मधम २०३ व्यापिक चारवित्रकात में क्षेत्र नेवानकरेली केलिएंडरका। रगोनिएक प्रतिन्तु स्वीता विश्वादक । वार्यहरू-ঠের সেলারা জন্ম ব্রহাতে বলিভেছে। বিভোগ গী সেনাপতি উন্নাৰ্ছ তে ভাষাত্মত ভাষা আইলা গ্টমাত পায় ইইয়া বেবিলাও, পেলবিল চৈকি-য়। ত বায় জিলিয়ায় এবেশ করিয়া এক স্বজ **अयः ७ विस्तर स्वा अहेत्रः विद्यारस्यः। मान्यिम्य** চারলগ টোঁচন অধান দিবির স্থাপিত করিয়া-एक । विद्यादीनकाटक अन्तर्भ कहा वहेशाल्य, रण नक ५७। छूका क्या जवना बल शूर्कक लहे-क्रा है उरबारण विक्रवार्य स्थाप क्या के हिन्दा ही त्म मान विश्वय परिवारेष्ट ! बाका अरथा जिल्हा नन जानि कृषियां भनावन कृषिश्राद्यम् । कृष्य গুলি জ্বান ব্যক্তি কিছু দিলেব জনা এক শাল-म श्वामी क्रांशिक करि शरक्त।

शीख़ांत करा देशको तनवही क्षण यान्ति शतिकान करिया गाँदेशकिएक गाँदेश काखा शादेशका । करानी वाल्लीय काहांक दकाव्या न वार्यालाम काबी काहत कतिशाद्वत । कर्मनी द्वेटक श्रष्टाशनन करियाद्वत ।

प्रानानम् स्मान्यः सम्बद्धाः स्थ

distribution and the second

"To the property designate region of the Pers gest & ates affen wie festwin cem dien deine mit tell'e mit wedituring antilities when I want frem a un ductura fin men entre क्रम के महरम नद्दशामिक हरेखात हैले क्त वृष्टिक्षारकः। वार्ष्ट्राम्य वृद्धिवात्रावद्वा विश्वित्तः क केटल बबाव" क्रमबिट उसी समाकाशियसम् आह केरमन मा करिता कांचे पाकिएक गांति मा बमा क्रीयूक्त वाजू बाक्यूमांत बांब क्रीयू कि नव् শর বঁথের অবিচলিত বন্ধ ও কেউবোর: বারুই श्रोदकः वर्गेदवहतीकः माण्याकृषे क्रेरवांकी क्रिकान भव वदयो^रलंब क्षेत्रास्यः। ता विकास्तव वरयो निक वक्षांरक वेश्वाकी छ वक्षांका विकास विजयन बाद्याहरून क्षेत्रहरू । अवस कि बान-ৰ।এমধ্যিতেতি বে উক্স বিষয়ালয়, বংগদ বংগদ তুৰ একটি বস্তু আনন ক্রিভেছে । কলাকৰ দ্বা-নয়: প্রাঞ্চ পাঁচ মান কভীত চকুল এই পরীংভ अवधि जांकमधाक मध्योतिक व्वेहारका अकरन

নৰভূঠান আনাধিংগর সমন প্রেণ্ডিড অন্তঃ করণ অপার অনেক্ষাগন্ধে উচ্ছায়ত হংগ্রা উঠে। अनुष्य पान बारकळकुमांत बाबको बुबि-কেও খনাৰান, ভীছার হলে ৰাক্তবৈদ্ধে ক্লাক্লকাক প্ৰতিভিত্ত হ**ইয়াহে। যে সমাজহা**রা কও বছে জ মাজ ব্যক্তিৰ অন্তঃকরণ কটাতে চন্তুত্র কৰ লাকল जिर्वाविक वरेत्रा मकाभर्मात्र अक्टूबं स्वार्थिक व्यक्तान महारमा क्षेत्राह्म करूर निति नामा अ-कांत्र त्राच नक्ष केत्रियां श्री चारत्रव्यक्त व्यवस्था चंद्रणत कार्यम । अकटन कामतो प्रकृति क्रिक्ट কৃতজ্ঞারা সহকারে পর্যা পিতা প্রচেম্বরের मिका विसीख छाटन है जित्तांक्त कहि स वरे विमानात । अध्यानमाम विश्ववादी वर्तेक अन् दमने प्रमाणीता कित्रणाती स्वेम, नीमीदम्ब यत्र ७ क्रिके बाहा वह विज्ञानकारी कर्डि उ क्रेग्राक्

बरे शक्तीत वर किएक जावगांच वृद्धि गांक्र 🌤

रमञ्ज विकारमाक्ता, अभिविद्यात महाना

राक्षियेश्रक Benfelten arme nur श्चात्व इत्यावायाम् ।

नक रमावस काण्यकामिक शिक्षाना नवीदश्यू । न्यान्य केरिकेट उपनीति क्योर्यना क्योर्यन

क्षित्र अविका का का करित कि ने क्षित्र माना क्षिक स्था भारत अजीक वर्राकार के अभा बर्टका अधिक। (১) जागनि गरिएमत् को क के। कांभीर त त पत्म वार्यमा आशा रवेदक मार्थक मा चनित्रा पृथे. Tren, chan वर्षेत्रं वर्षे हाद्रि बहुबादक थाहेत्व जावित्वतिहे नीकार्व बहेश राक्षत्र करा क्षावना केंद्रांति और श्राम श्रामिक आत्म । राजन चाचिरकोशिका श्राम मा केन्न्रहे बहेर किश्रमीता है वीर्षम, बेंबर जीशम त पृक्षाच विशिक्षणम द्भ केने बोकि बेलिक ता है तरहे भौशाहबंग करव^{्द}ें प्रतिमक्त्र हरणंच गांव) वर्षध्या अस् वक्क सार्ट्य में जब कहा, बशकात आर्थना राखनू । वह व्यक्तिक शार्वमा मत्क, देवातक आरक নৌখিক প্রার্থনাবলেম। কিছু ববি ভারার না-र्वता वर्षार्वदे आखतिकवन्न छत् त आकृता कांका ववार्थ केमकित (१) विरु है , एकेन अवारात अवहात महिना रकरब कांशास्त्र मण्ड मण्डा कि ? जारकार का हम নেইভিক ও কোঁ। বহু আৰু । প্ৰতিঃ বহু আহি त करंत्रम मा । जाकतिरशत बरक कार्यः, विच र जाव दिक वार्यकारे आकारतेश बार ६३ आर्थमा विवास आधानिताच मक'च विवा ध र्जिय खेंचान च कांच अच्छित्र मार्डक्सरन्त र १-व्यादि क्यांनि नशक्ति छ न Hala a निक्टि अवस्थ स्ट्रेशीय। ८ कतियां अञ्चागनविष्यंत्र आर्थना वि त्यांत्रक करेंद्रक शाह्य ।

জীতিই আর্থনার এখন সাপান ক্লেব্ৰেড এতি সা থাডিলে ভাঁচাকে পাইবার ক্ষমা প্রা-

(>) वृक्ते वकावनविद्या वार्गाटक ** श्रिवद वरनव. अध्यक्त पत्र कार्यात !· बार्यना ,, वह अञ्चर्न-ष कतिया बाटकर्न, कांचा करेंदल कामत. आसून कुछ अर्थना बुक्टिड भा है नाई बक्दा अवदार्थ मत्ह । " (अवन " উপामनः ও आर्चना उँछन् भू-টিত। কিছু আৰমা বধনও কহিতেছি ,আৰ্থনার (স্বার্থ হউক আব পরার্থ হউক কোম স্বার্থীয় विवादात वाष्ट्रकान) कश्य नकत इक्षेत्र नहारिता माहै।

(২) পাশকারির অবশট প্ৰাপকৰ্ম পৰিভাগে চেউ। পাৰামা, মিকুট गांभवियत विख्य के किवारान्य के क्षिक felbig o Guer feech fichtfür war Durch with vist mivile buffe vist freit. 神神(本・海神寺 一 पेसो (क्यूक्टि व अस्ट्र शामिराजिक --戰行

A) (4) Landing Alberta 1 (4) (4) THE MIR CONTERN MINE PROPERTY श्रमण का बाबिकार कार टम आर्थमा किस्तु ग्रेमिक्स स्टब्स T carle nein chair and ्रात जारिका थे। जातक क्षीपना न् के शिव होते । अवस्य स्थाद क्षा with cale as, to a stolers with aria in without a national district त्य हेरिक्का । वस्तुका क्षा क्षा व्यक्ति छा है । विवाद पत्रिया बाटक दर केवंड जावाटक हासब्देश आहे था वर्त का का का का शां चलीकित नशांत्र 1 210 ales : 1/40 (1 4.41) श्रीकार शास्त्र का । स्मृत अदिक नामान नमान क्षित्र प्रति कार्य क्षित्र क्षित्र । स्थाप्ति क्षित्र । WEAR ! WIN STOWN MIN WHAT THE WAY न्योपित रमक स्थापन का के किया में के किया महार विविधित हो । क्षेत्र मार कवित कार कें। किया विक्रमा महिल क्षरण भ तक केंद्र क्षेत्र क्षेत्रिक्तिक tate antiglating both

> नत अंतर् व्यापासक के के का वार्षात वार्षात मा करिया करियार कार्या माने भारता है। cor mar, Clotte and Arthur beit the within with and a winter more than IN MUNICIPAL WAS THE THE PARTY THE PARTY IN SAIN STATES STREET, ST di stre sti ser men film i ere fo nieder ifte file someth dien नावेश विकास स्थापना कार्यक सूर्य क का बहित है के किया के किया है जानि से MAIN BINE DESE COME OF THE PARTY OF THE PART त्मकाक केन्द्रक मामाका पर्यता त्यत । A VAN A SIN C —केशः। गाहिका ।

to have differing भाइनाह दर्श के अंगात सार होता . . यादा न्या क्रिक्न व्या अहे 2 उत्तरस्य APPRICA COUNTRY OF WAT WEEK Mallery ? want & fall के के अपनि नामादवी महिन्द्रा । अने का Eman Cantant Mice

कार्यक्षिक कार्यक्षिक के विकास कार्यक कार्य

शिक्ष विश्व विष्व विश्व विष्व विश्व विश्व

करणात जेशायांथी ধে উৰ্থকে ভাগ ভাছাৰ পাৰ্থনা बलदम कहा क्रेकः कांत्रव व कीशास्त्र श्री श्रे प्रमा : जिल्ल .१ कांद्र्य " बाक्रवांका अवस्त्रत थका म रक्षमा आएकम् अनुमहेनन प्रकृत्य . के , दक्षन मुख्या है। नवशावा विश्वन बाहा र त्यका स्थाना का क्साबाव बाहा ভাগাকে প্রার্থনা করে নেই ব্যক্তিক প্রাপ্ত কর। করমের বিষ্ট জাপনার সকলে গার্থনা করিছে शाहि क्षे बण्डि व्यक्तिकां क्षेत्र वक्षि व्यक्तिकां प्र बहे तर क्षेत्रप्रक त्व प्रशंक क्षेत्र कांवाव न दक मयकार क्षेत्रां त्यांच विद्या क्ष्मितः चौकार म कि

副智护 河東 15 9岁 李江西中 年

वक्रक गांक कि सं है के हैं के इस्त विशेष कि स्वेशित हैं को विशेषक को बीत की कि स्कर को बीत की कि स्वय को बीत मारे। के शासिया का स्वित कारे । के शासिया का स्वित कार्य हैं के स्वयंत्री कर स्वार्थ हैं स्वयंत्री कर

es an algerial a

मिश्रका

" प्रवर्ततां प्रक्रतिष्टिताय धार्थिवः सरस्ति। सृतिनस्ती म हीयता।

त छोश । इ. जर्भगा

मन ১२७३। २८ चा शहास्त्रात्। हेर ८৮७२। १ जिटमधन

मानिक मृ 3 है। शांकिक खुब 50 है

विकाशमा

গ্রাহ্কগণের প্রতি।

প্রারক্ষণণকে জানান বাইতেছে বার্তিক ব'ল অতীত হওরাতে অনেকের প্রদন্ত দো নপ্রকালের ফুল্য নিঃলেণিড হইরাছে, অপ্রচা রণ বাল অতীত হইলেও অনেকের ফুল্য শেষ হইবে, অতথা ভীহারা হরা করিবা মূল্য পা-ঠাইরা দেন। উক্ত মূল্য ক্রিকাভা সংস্কৃতি কালেকে সম্মান নিয়েশ কাল্যেক স্থানি মান্তির্ম অনুষ্ঠিত স্থানি

विकाशम ।

मानि कांग निर्गत नात्न शक्यांनि ज्ञान कांत अह याण्या जाताह अत्यान भूति पृति । पृता : होका। किताबा कांत्राहि । पृता : होका। किताबाज पद्ध ज्याया नरम् ज कांत्राहि विद्यावय पद्ध ज्याया नरम् ज कांत्राहि ज्ञायां कांत्राहि कांत्राहि ज्ञायां कांत्राहि कांत्राहि जांत्राहि कांत्राहि क

जियांगरमार्थ कड़ीडार्ग्य ।

विद्यांभम ।

এই ব্যালমে নিয়নিখিত পুত্তক ওলি বি-ক্ৰাৰ্থ আছে।

रक्षणाण परकारेत । ३ व जान गरीक गुना ।।। २ व जान १ विकासिको नक्षण केल १ जान १ व उ विकासिको नक्षण केल १ जान १ व उ विकासिको अधिक गर्मकार अधिक একেই কি বলে সভাতা । ২য় বার মুদ্রিত ॥॰
শন্মিষ্ঠা নাইকের ইংরাজী অপুবাদ
সীতাহরণ
বাসবদন্তা
গাহিতা রুক্তাবলী
খুণোল হল
আফি করি মান্টিয়
লাক ০ ব

ন্যালোকেৰ উপৰোগিতা ইনক্ষটাকোর আইন ব্যানহোপ ব্যালর বং ১৮২ বছৰাজার রোড

कियत हुआ बन्न कार

<u> १</u>९ ----

শাষার প্রণীত ভারতবর্যের ইভিহাস ঘাহার প্রয়োজন চইবে, আমার নিকট মূল্য দেশ আনা মাত্র। পাঠাইলে অথব। ছগাল প্রেনে অনুসন্ধান করিলে গালতে পারিবেম। প্রীভুক্ত চক্র রার, ভাটপাড়া।

সোৰপ্ৰকাশ।

२४० कथर्षिक स्मायकांत्र ।

সর চারলস উত ও শ্রীর্থিকারিলল।
পার্লিরামেন্ট সভ র আগান হেলন
ভারতবর্ধের রাজকার্থা সম্বন্ধে একটা
নভারনকেত হইকেল বোদখন এই অন্ধ্র রি রণসকা ক্ষানিকভেম। শ্রিষ্ণান্ত আহত ও নাজিত হইকেছেন। শ্রীষ্ণান্ত শোহত ও নাজিত হইকেছেন। श्रीविकातियम । जन करेन्द्रम् कार्या क्षणामी यूटकन मार्थः श्री मल के कार्या क्षणामीत क्षणा माटकन । जनस्टल त्य श्रीक्षण श्रीकार , जिनिहे कर्ष्यः कार्या कृतिमाटकन हो। कार्या कृतिमाटकन हो।

ন্য নিজের বলাকা চিক্স করে। লয় লাভ নিক্ষাত করি জে ছয়। লর চারলুল উডের আ ক্যাতিরী ব লন্দেহ নাই।

व्यक्तिकातिगटनत प्रवृक्ष शक्षात एक वामी (क्षुष पर रेखिक्र महरू। विश्वाप कारानक व्यक्तिकाल विक्रिकारकारकार

া নিমত করিরাছেন এব॰ লেভি । লাভ ভইতে প ক্লি । বিভুত্ত পরস্পারেও থার্থ ान उर **(वर्षाहेगा**/प्रतः) अथेन 'কে'নু হ অবলয়ন করিবেন ১ বলস উদ্ধে কাৰ্য্য প্ৰণালীৰ প্ৰতি এই জার।ে ভাঁছার কার্যার প্রতি ার ভার ধর্মীযদিগের স্বার্গ পরি ब्रिया ई वृक्षिकातिषदलत वार्थ म দানুরেশ, এ ছুইই এক কথা। অভ ব্রু উত্তের বিপক্ষতা করিতে রুত্ব র্থন বিপক্ষতা করা হইবে। 🕱 জিকারিদলের সপক্ষতা না খি পালি খাইতে হইবে। তঁ:-द्यन, अरमनीरग्रहा व्यक्ति उ পত্তি লাভ করিতে পারেন हेर्गमित्भव कर्जवाकर्यवा আঞ্চিও অক্লুতজ্ঞতা ইহ'দি रेट मूत्रीकृष रत्रवार, रेर्। ্ংরাড াতির প্রসালে মানুবের মত হন, ভাহার ই বিপক্ষতাচরণ করি-र। याहा रूके क, बाबूबा आहे शालिब গর চারলস উত্তের বিপক্ষতাচরণ । বৃদ্ধম ভূমি র খনিষ্ট সাধনে প্রবৃত্ত ্ন, ইল কোন ক্রমেই সম্ভাবিত নতে। क्ष्ट्र क्ष्ट्र वाटनम, अर्थम रामम रहे है ह्रिवित कात उवार्यत्र कार्या नर्नक्य हा चाटह. अवस्थ ना अकिया यणि है আম্পতা হব ভারতবর্ষের সবিশেষ ্ল ংইতে পারে। দেও সাহেব সেই বি কল্যাণ লাতের প্রমাণ ছলে লাই-

ভা ও ইনকমট কের কিয়দ শরিতা।

क छेनाइतन चक्य निटर्मन कति ॥ इह

া, ততই জেক্লেতব্যীয়দিগের কল্যাৎ

। কার করিরাছি। किन এখলে আমাদি

ाव अकृषि वक्तवाक्षात्रह, रववादन जीवृषि

काविमालके महिद्ध विदयनी प्रशिद्धक चार्च

वामात्र किश्वमः भ छेत्र छ। एक इत्स विके मा किश्वम निर्ण परिवान শীগ্ৰে প্ৰাণ্ডি সম্পূণ সম্বাৰণাৰ इ अवग्रभट्रिय । কারিদলের মতই 🐠 किंग। (महू मह নিকটে সম্বিৰ थ्यकारवात् अवल य**ॐ भ**िराह । त्र यञ्ज हेश्ताकी ममाजात शक्तः। हाः शुक्रविष्टाः त वारत्क अरमभौग्रामिरशत भएड या छ। करत्म ना । ज्यानारकत् अक्षेत्र भःषाविष चारक एर अरमनीश्रमित्रात्र अकार्षे अर्थात्र মত নাই (এটি সামান মুর্ধ চার কথা নচে. আমরা দেখিতে পাইতেছি এই সাধারণ মতের উপরে সমাজের অনেক গুণাগুণ নির্ভর করিতেছে) ভাঁহবো জীবৃদ্ধি করি मडानुनारत চलिएश्न नासक माई। जाहा हरेल अस्मिनीमिन्स्भित देखे শক্ত ও স্বাধ সিদ্ধির সম্ভাবনা কি -যে মত যথন প্রবল হয়, ওলনু ' (त्व कार्य) इंट्रेश शांदक, रेश विवधिनिक चारह । देश्मरखा चथीचंत्र मखम् एमति-त नमरत अम् नम ७ उड्लि मारम छ्हे क्रम कर्माती ब्राकानूरमाषिक हरेशा ध्यका পীতৃন করিয়া অর্থ সংগ্রহ করে। এজা রা ভাহাদিশের উপরে খড়ুপুহত ছিল, অর্ত্তম হেনপ্লিয় রাজত্ব হইলে ভাহাদিগের প্রবিধান চেন্টা হয়। কিন্তু পীড়নকারী विनिज्ञा काश्विरशंत्र मास्य अकिरयांत्र के त्र য়া ভালুশ কুভার্থতা লাভের সভাবনা না ধাৰতে এই বলিয়া কশ্চিত অভিযোগ क्या इर्न य काशता मखनर्मितत पृष्ठी-

র পর অভীম ছেনবির প্রাণসংহার করিয়া

সহতে রাজভার গ্রহণ করিবার চেকী পাই

তালাদিবের দণ্ড হর। জুরিরাও ভাষাদি

ঐ কম্পিত দোবে তা 'কিগৰে অপরাধী

করিয়া ছলেন। আজিও ভারতবর্ণে যে

र्षेद्राणीत जनजारीत यथाविथि क्रक क्ष

। ভারতব্নীর প্রণ্ডেট্র যত স্বাধীনত। | রাছিল। এই অভিযোগের বিচার ছইয়া

্তের সম্ভাবনা, আমরা বছবার একথা, গের দণ্ড হওরা সকলের অভিমত বেধিরা

प्रक क्ष प्रदेश, लहे क्षाक्षि दनके कागा। | ना, कावाहक काहन अहे । देखेंदिक क्षि

भारक जम्बुके इस, भवर्गरमन्त्रे अहे छन्न न्द्रज्ञ । व्यञ्जव यात्र क्रिक्नीयम्द्रशत् মত ইউরোপীয়দিনের ভুল্য ভাবে সা দৃত না হইতেড়ে, তাবৎ ঠেট সেক্রেট-রির ক্ষতার হ্রাস করিবার চেফী ভাল माथक नरह।

> সভা অন্ত কালেন্তেও বি এ উপাধি লাকের পরীকা প্রহণ রীতি প্রবৃহতিত করা উচিত।

সম্প্রতি ১৮৬/। ৬১ অক্টের এডুকে শন রিপে,ট প্রচারিত হইগাছে। পাঠক वन हेरू द कृल गर्भ अस्तास्त्र कर्मन किट्रिन । रेश आहे किन्न मार्ट्रिन दि-चीत बरवर्त्त कारय ति विवत्तन। अहे ह्रहे दर-मदत्र मदश्य कामवा दै। हात्र निकटि क्यान-কৰিধ ইউ কল লাভের প্রভ্রমণা করিয়া-ছিলাম। কিছু অনেক বিষয়ে পূর্ণমনো-রথ হইতে পারি নাই। তবে উ.হার বি-বয়ে এককালে হতাশ ছওয়াও হয় নাই। বোধ হয়, তিনি দীর্ঘকাল আর আমাদিগ কে কোত প্রকাশের অবসর প্রদান করি-त्यम मा। यहा यात्रहा अहे क्षत्रहा है। क इरे अकि नद्भामम मादन अवृत्त

वणापाण यक विमाला श्राटिकिस क्षेक, एर अर्थास अक्टब्स्नीय विमार्थिश-ণের মনে বিজ্ঞান, নীতি, ধর্মনীতি, পদার্থ বিদ্যা ও বার্কাশান্ত্র প্রভৃতি দুয়তর্ম্বপে वक्तभूल ना रहेरव, तम नर्गा इ क्रक्र कलाा-ণ লাভ সম্ভাবনা নাই। সামান্য লেখা পড়া শিবিয়া বিশেষ ইফ লাভ সম্ভাবিত नटर, दब्रश्टाश व्यनित्केत्ररे रहकू एव । এক जन সংজু छ कवि निविद्यादहमः--

का अ: कुषवाद्योषाः कृभक्रमाञ्चाचारक विद्यानकाः। कानगरम् विश्वार **बचानि महर म हक्षेत्र छै।** कुर्वदक्ष क्यांत्रीटन अक्की क्यां यात्र विकास समित महस्ता मादन चक

जरम कर्व ; विस् त्य सामि प्रकिश्व कारम, अचा ७ फाहांत्र मरनासक्षम कडिएक शास्त्रम मा ।

(भाभव कर चारन कर जारन निवि-

অস্পজ্ঞান অনর্থের কারণ, পেথিরি-हान निर्वत कल भगांश भतिबाद शाम ना क्तित्त खेवान करवा।

कलकः काणा अवश्वित्वारं कात्रवरार्वं प्र उन्हि लाटका थापान व्यवतात्र स्टेशाट । ভারতবর্বাসী অধিকাংশ লোকের অংপ ख्रठ। निरम्भ य अनिक विटिक्ट, आन-রা অণুক্ষণ ভাষা অনুভব করিছেছি। ভবে অ'পজ হুইতে এত বিম গ্ৰণ্ডেকেটর কিছু क्षेत्रकात्र लाख हिल बट्डे। क्ल्यांनीतिति श्रकृष्टि करम्कृष्टि कर्म अनात्रोदन छनित्रा गारेटकहिलान क्या वक्टन भूखागट्यत मश्चिक প्राप्त्र्डीय स्थमारक तम केनका-कत्म द्वान इरेन्ना चानित्वत्ह ।

पक्रत् विरवहना कड़ा कर्चवा अ वि-শে বিজ্ঞান শান্তাদির সমধিক প্রাতৃভাব হইবার উপায় কি : প্রথমতঃ এতজেশীয়-मिर्शत यम्, वर्ष माहाग्र मान, अवर शदर्व स्मर्केत चानूक्या। याँवाता वन्दन-भटक छेखमबरभ कारनम, डें। हाता सम'-गारम बुबिएक भादित्वन, अरमनीरमुद्रा चा जिल अडामृभ क्रमक शत का नाहे रा এন্ত্রিধ বৃহ্ কার্টো হস্তার্পণ করিয়া স णूर्न**करण इन्ड**कार्या इरेब्रा केटरेन । भक ७० वर्ष्त्रत्व मध्या भरनक विश्वयां व स्रेवाट्स, (मन्डे **व्यानकारक श्रृषिकिन्ड** कतिवारहरू; व्यात्मक भवर्षप्रयागेत्र वाजादम विकासिम भ.८ **अ जिंदिलय बृादशम एदेवारए**न । जीत क्वर्य दक व्यक्षां नामकात्र स्ट्रेंटक खेकात्र कति बाज व्यत्यक्त रेका ७ हुन्छ। कवितादक । অনেকে নেই চেক্টানুক্প কাৰ্যত আরম্ভ क्तिवाद्यत् । किन्द्र वीहानिश्वत नाराया । माना मिन्नामा केश्रासाम हरेगात मजानमा । स्टेनाटक क्षेत्रीटक ब्रमान संघटन पार्व मिक

चारहः त्रे किकाविभित्त मत्या জানুশ ধনী লোকের সংখ্যা ছতি ছেম্পা इंकामोश्रम धर्मिपर्यत्र व्यानरक विद्या-मग्रत्थिकिकेटिक धक्ति व्यागवादवन मर्पा बांध करत्रन । कलकः व (मनीरम्रता चा ক্ৰিও বছৰাবারাসসাধ্য বিজ্ঞান শান্ত্রা-क्ति अनुनीलनार्थ विमालगानि अविश्वीत्र नमर्व इन नारे। गंदगरमणे था छिछ छा-मुर्ग विमाल्द्रावत्र जश्यां ७ व्यक्ति सन्न । त्य हुरे अरुषि श्रांतिष्ठिक इहेगार ह, युष्प কাল মধ্যে তাহাতে জাশাধিক কনলাতও क्टेग्राटक् । अके मन्द्रा ज्यामानिद्रशत्र विषय-जम देवक नारहत्वत्र कथा मृजिशस्य छेनि-ত হইল। ইয়ও স: হেব তিন বৎসর পূর্বে त्र. छेथे कलिका खुटेहे वितिशा निर्विशहि-त्नन, शदर्गरमणे यकि अकरन निका मान का-যো পরাধ্য চন, ক্তি হইবে না, বালা-लिता अकटन विमान नज्ञ हरेन्नारहर এবংভাহার কলোপধায়িতা বুঝিতে পারি-স্বাছেন, ভাঁহারা একণে অন্য সাহায্য নির-পেক হইঃ৷ স্বয়ং শিক্ষাক!র্যো গীক্ষিত इट्रेंट भातित्वम । त्याथ इतः देशक नारहर ত্রমেও কথন চৌরবিরঞ্গীমা অতিক্রম कतिया त्रीमालक्षम मार्प पृथिक हम मारे এ फ्रिट्म विकासि भारत्रत नमिक पानू-শীলৰ না হওয়াতে এ দেশের কড় অনি-के ও शवर्गामर्णेय कर कि इंदेरकाइ, ৰাঁছারা মকজল পরীমা করিরা দেখিয়া-ह्म, छ। हातारे दूबिएड शातियाहम । আসরা বাইলাকপে যে যে বিষয়ের শিক্ষা একখা আমরা অবীকার করি না। গবর্ণ কান প্রস্তাব করিতেছি, কলিকাভা প্রেনিয়ে-লি কালেক কেবল এক ভছুপৰোগী মাছে। भवर्गतालीत अवर्वतः अगमणि निवस्तत इ-क्षेत्र, अथवा निकासार्या है, स्प्रान्निक-গের অনব্যানতা বশক্ত হট্টক, আ রু বে ক-·রেকটি মকস্বল বিস:লৈর খেলিডেজি কা माद्या नगरका नाजाई विश्व इंदेशी. हिंग, काराविद्यात छम्म तर्व अन्य मेंग्र

क्षांच (गई शनि शुन्तक ত হয়, এই শকায় ডাই সাম্প্ৰ दरगढ़े का हात्र क्रूबन अस्ति অ.ঘাত করিয়া থাকে-মার্কেপরি बाद्र दान ना**रे, मक्त्रात्म कार**न धकना ध्यतिर्छिनि र छन्। विक्वास्त्रकारक न्मर्थ छेरखक्रमा कतित्राहिल, শঞৰ্জি ছও ম किता माउ। भारकम्ब : कतिया >৮ea अस भर् शक्तमा ७ व्यमी कार्य খা ছিল, একবার দর্শন? ১৮৫ - কামে ৯ মার ব্যক্তর পান, তথ্যে চাকার ও বৃত্তক २ ज्ञन, दशमीत **এक क्य**ाटवाल ब्बर र जम । ১৮৫১ चट्यी हैं। णकात २ जन, दशनीत c. श्रीक्रिक 8 जन जरर रिष्ठ कारमार स्थि इष्टि भारेताहिरमन्त्रीप मद्या जाकात २ कृतः, । नमश्रदेश रुगनीत ह कम अवर्षि कारमदक्ष कन नहींकारक केंद्री एट्याहिए।व 8 कर, अबर कशिकासी १ सम अर्थ है। १६ मन शावदृष्टि काम रत्। 3 of andill angerals strucks as परनत्र कारमञ्जू कृति हुन्त्र कार्र में सिन कारतरणम् निकृषे विकास । स्टब जेन स रियास्त्रकः कामकः विकायभावातः क्रोहः त्वतः। सम्बद्धानिक प्रदश्च ७ इश्राम्पनि रेवाइ कार्य बटर) बदन मने राम धर्म व पहर्शक अनुवादि अन कात्र धमर्मन क्षत्रिशक्तिम्, अध्य ए श्वेश स्क औ

> TICE ! अक्षको ७३ मारक अहे रजरमान् अर न्टबरकेंब्र ३७ कोषि होत्। लाख इरेडाउड केंद्ररथा निका कार्या कर्तन ४ मक 'मा वाशिक हेरेबाटक । दिमार्ग कक्षियां देनविद्ध

वाकित्व मन जाता शक्क ता । देश्न श्वित त्या कह त्य मजा, श्विश्व क्षित श्वि हात्व २०० मिट्ड । वस्त जी त्य वर्ग रमणे निमाविवत्य क्षण्या क्षित जिल्हाम जामत केट्ड शांति जहि ना । देश भवर्ग रमणे कि जा न क्ष्म ना १ क्षणे श्वित व ज विशासित होता श्वित जाव श्वित व होत्य तिया श्वित जावाणितात काहम मांच मांत्र हरेल्ट । काहम मांच मांत्र हरेल्ट । काहम मांच मांत्र स्वेत्य हा व काहम मांच मांत्र स्वेत्य हा । काहम मांच मांत्र स्वेत्य हा । काहम मांच मांत्र स्वेत्य हा ।

हरका वावछीत बाग्र निर्दाह

क्रिंदिक जरूज नटर । यनि 🕏

কালেজ থাকিত, ঘট্

रे जकल कारना

हिक्ति कारलाक वर्धमान

ৰাইলাদেশীয় হিছুৱা এত অলম, বীশ্ৰল ও হীনদাহদ কেন?

 भार मार्ग चलन की बन्न ७ जीनगार्ग स्टेर्डन गरमार्थाहे।

काणुक्रदवत्रा (पक्रद्रश देशदवत्र छेशदत निर्कत क्तिंशा चाटकम, स्वर्केश चामना क्वम अक रम्दनंब रमांबदकाकात्रण सुद्धा निर्गत कृतिया निक्टिया करेता यशि काना काना काना काना অবেষণে প্রায়ুক্ত হই, বাল্য বিবাহ, অসার ज्ञवा जन्मन, जूनक कीविका, जारभव जन ভাগে প্রভৃতি অনেক গুলি কারণ আমাদি পের বৃদ্ধিপথে আবিভূতি হইবে সন্দেহ नारे। अमा व लाविवाशांभित अनम दता আমাদিদের অভিত্রেত নাহ, প্রমের অন-ভাষি, প্রবেশর অত্যাচার, পরাধীনতা, **७ ए त्रु अवस्त्रहर्भ १**६० शहा ४७० वर् ৰী করাই অভিপ্রেস্ত। ক্ষ্ম শারীনিত পবিঅম অভ্যাস नती है जे है इहेश कथन वन, कि के क्षेत्रकार कर मा, दिस यह শৈলৈর ছভাগা তথ্যস্থাৰচার দোবে দেই শারীর আমের মহানুহিবল্প উপস্থিত হইয়া-एवं मन् व्यक्ति थाहीन ताकशालत अधिकांत्र कारल क्ष्मिनामि वर्ग विखान थया अवर्षिक र्यू क्षियर राज्यत त्रोक-या हे त्वरे क्विंतित छ। मना १ छ । काल वाबगाय ७ कार्या ष्णा ष्राणन षाणन वान-जिक्न वंश्तक्हे वान्।।-ল করিছে হইত। প্রমাভ্যা-দের য়ীতি ছিল বটে, কিন্তু সভন্ন সভন্ত **বর্টের স্বতন্ত্র ব্যবসার নির্বাপিত থাকাতে** भातीतिक यम बीर्गाकि विवटत रक्छत है-**जत्र विरागव मृखे ६२७। जाना (कान वर्गरे** छविवदत्रं कवित्र वटर्नत जूना हिन ना। क्रकिटतता रेमनेवायुधि चन्न ७ व्यासाधानि भिकांव कालरक्षण कतिक, मुख्तार जना যাৰতীয় বৰ্ণের অপেকা ভাহাদিগের ৰঙ্গ, वीया, छरमार ७ मारगानि खरनत केरक र्व माख इदेख।

যাহরা অন নাধা কাৰো বাবিলয়ানাণ না हम, ভाषातां अ नातीतिक वल वीया किन व्यक्ति ७ वर्षन क्रिकीश श्रीश्थ मरह। रिक्षानीय बाह्रवादनतारे हेरात अभाव वकत्मत्म हेशात अन्तृत् देवभतीका ल-ক্ষিত হইতেছে। এদেশের কোন শ্রেণীরই প্রায় প্রকৃত ৰূপ অমাতাাস নাই। এলে-শের উচ্চ ত্রোণীর লোক ব্রাহ্মণ ও কায়স্থ। बाराटक भौतीतिक वल वीया क्रित दक्षि राम कं. हा विरागत का मृश्य खाग नम्मार्क वह है। ষত্ৰতা ব্ৰাক্ষণ ভাতির জীবিকা যেৰূপ मूलफ, फॅं.इ:फिरशंब यमा कमाडिश य খদচালনা হয়, ভাহাই অনুত। এই জা-ठितक चकीविकात भागतगार्थ आत्रामसाम् रदेष्ट रहना। चना जना त्यनीत जेशहत्रहे हेर्। भिरतंत्र की विका चार्कस्मत्र छात् । चना चना व्यनी देश विशव लीएताहिका कारवा बत्रण केंत्रियाटस्य । देहाँ हा कीशानित्यत शत्रदलांक्धरत्रांक्य मीष्य कतिहा (गर्न, कें श्रीत कि किनिमर्स केंद्र विद्यान औरिक

व्यद्रशासन ज्ञापन करतम । शतन्त्राद्यत वम

अकरन कर्रवाहे विषय अधिका कावणाः । विश्वकाकी कावणाव काव परेशारक, त्य

काश्टलक विकासित वानगास विकास माहै।

के खड़ शिक्त व्यक्तत र्गान कर्, धरे वि-

अब न्यकं महनदर्गाहत्र हर्दे । यक्तन, या-

कन, ज्याप्रन, ज्यानिन, जान, ७ व्यक्ति-

अर् धरे हरिंग रा खाद्या अधित कर्चरा

वर्ष वित्रा निर्कित हरेग़ाहिल, अकरन

নেই জাতি বহুতে লাগল ধরিয়া ক্ষেত্র

কর্ষণ করিতেছে; ুদৌবারিকভা প্রভৃতি

অতি নিক্নট কর্মণ তাহাদিদের অনাদৃত

ও অনবলন্ধিত নহে। যাহারা কর্ষণ বহনা-

দি করিয়া থাকে, ভাহাদিদের জাপুনা

र हेर्रुड खबाखान इहेग्रा छेट्ठे । जे नकल

দেশে এমনি একটা রীতি চইরা উঠিয়াছে,

হস রাসি বিজ্ঞাপ, বিপ্লব প্রাপ্ত হইরাছে। কিছ ভারতবর্ষের জন্য কোন অংশ বাজলাদে-র্ডর শের ন্যায় অসৌজাই, শালী নহে। জন্য

मही अवसे प्रकारीत ता त्यार काम काम कंक्ष्म केंद्रिय करनाई विकित्र सामान जाब कविएक परेरवत केवृत्र जुलक कीवि-का जिल्हा में बाद मनाथा कारवा क्ख-(कर्णा जडावना कि ? वन्रामर्भन्न ज्ञानान वंदर अमाशास थान आश क्रियम, जवानि बहुर इस होसन क्षिर्यन मा १ েক্ছ ব্রাক্ষাণের হল চালন প্রথম করিলে ভাষারা সহস্র মুখ হইয়া লাপ্তকভার প विष्ठत मादन छेरभूक क्म, किस छै।वापि-গের অনুষ্ঠান্ত্রান পাত্রনিধিক অন্যবিধ कावणात विश्वय अञ्च हवेटल पूक प्रेश बाह्यम्ब

ह्रेरब्राक मध्मर्ग ७ देश्याकी विष्णव शकीय गरल मिन मिन विष्युधरण लाटिन অনাস্থা, ব্রাক্র দথের সংখ্যা ও ভাঁচাদি-গের বিলাসীরতার বৃদ্ধি মণ্ডয়াতে প্রাদ্ধ ণ ফাভি শাস্ত্রপ্রতিবিদ্য আরু একটা যে सूचन भी विंदा अवनवन कतिप्राद्धन, जा হাতেও বলবীয়াকর আমের নাম পক্ गाई। (म कीरिका हाकड़ी। ठाइ। एक मिन मिन वल नी ता व अन्य महायना दिना वृक्ति সভাবনা নাই ৷ কাপ্ত্ৰিগেরও চাক্রী উপলী।। ভাঁহারাও বল্ণীয়াকর জ্ব माथ, कार्या इन्हर्टनन करतन मा

অন্য অন্য শ্রেণীর শ্রেনিরক শ্রম অভ্যাস व्याटक बटडे, किश्व वन्रामानक कृति ने बैद বলিয়া জীবিকা সুলক ছওগাতে ভাষাও यर वरिष्ण बरह। वर्ष्टाभीत्र कृषक मिर्नत विषय अर्थारलाइमा एदिएकरे चार्माकरण वक्करा भावकारशत क्षतामम स्टेटन। अ-वंशकः अरक्षीत्र द्वाविकार्या भर्याची वल প্রভৃত্তি দ্রব্য সাত অতি সামানা ও নিত:-ন্ত লমুভার। ভাছার পরিচালনাঘ খ্রমের ভাদুল আবলাকত। হয় না । ভূমি স্বাপ व्यक्टपूर्वे भन्ना छ नेना क्षणांन करत् । एश न এकण मुर्विश क्रीक्शार्य, उथन क्रुयरन वा व्यालगाश्रत मा विदेश (कम , जलार नत चित्र के भारीनेकार्ति स्मिनिस्टिन रामना

, अन्नम नर्थ विश्वत थारव ना । समानूध मिन्ना कोई, ব্যক্তির অধিক পরিয়ানে ক্রব্য ভোজন সন্তাৰিত নর। বাচ'র আতাব অত্যা, সে भुःभवीर्वा वा क्ट्रांव (क्य : भ्यम्भी-অতি সাহস অব্দ হওয়াও অনৈস্থিক 'अ जनेव छ बट्ट । आवश्च विक्रकार शतीकः क्षिता ट विशाहि, धहे वाणतारमध्यत स्व বে স্থানের ভূমির ক্রি ্বর্ম আশিত্র का निधा, रमहे (महे जारमञ्ज लारकता বপেকারত অধিক ভোঙ্গী ও অধিক্রীয়া। এই ৰাশলাদেশের পূর্ব ও পশ্চিম ভারা শর্শন কর ; পুর্ব ভ'গের অপেকা পশ্চিম **जारभन्न ब्लाटकन्नः बलवीर्गामिः विषरत** বিলম্প প্রাথান্য লাভ করিয়াছে ৷ ভাহারা षरिक अम करन, षरिक षाश्रीत करतू, সুভরাং তাহাদিখেন বীষ্য বন ও সাহসা-मि त्रकरारे अधित । जाम, ष्यांहात ७ वल বীয়, সাম্সাসি প্রম্পারসারেপক 🔻 व्यधिक थे। किटन करम नात्रवान खवा (की-करन्त्र अधाल धार्याक्र कर्मा करते।

উপত্নে যেৰূপ প্ৰদৰ্শিত হইল, ভদ্মারা न्भको भृद्धश्रांग २३८७.ए. वत्रामरमञ्जू কাদিশ্রমজীবি গোবদিগের শ্থোচিত 🛪 ना धाकार्ल का वीर्या मास्मापि विवदत्त सूप्ताका क्राधियां हिं। अवस्थित, अव-লের ক্লুত অত্যাচাব সহিষ্ণুতা ও চিরপরাধী নতা একৃতি আর কয়েকটা এই স্থানভার कात्र भारत्। क्रन ह'ि त' ी दिव्र हित পরাধীন হইয়া বরাবর এবল বাজিনি গের অত্যানার মহ বরিলা আসিতেছে। भूकतार कार मिरशत नेपंत गढ ता किहू रेनमर्जिक भारुमानि खन दिग, करा ब्रिक ৰ এাপ্ত না হ^টা ক্ৰমে বিশোষ গাপ্ত হ**ইয়** (छ । (य (र अपरेश कांक्सिकिक जांक्सिकि क्षत कत्रामा व एवं, अवस्त्री व्यवस्ति छा কৃতীৰূপ অল্পেচন, করেন তৎফ্রণ্ড কা रां निर्देश करें,। यात्रा (वाक हरू प्रक्रि) কেছ একটা বুফ রে.পণ করিয়া কল্লেঞ্জ **एक् मिर्क किछि िर्माग उ उपदा श्र्म**

करिशा (मंड, त्मं इ लि उ कि चार्गमात ৰারা আখা স্কাবের क्रोद :

প.ঠকগণ আমাণি পাঠ করিয়া একপ ম वकरमरभन्न अल-वागुः এक्चा वला जागामित मा व्यामितात वख्नव सम्भील प्रधावनागः ম্পান হট্না সেই ब्रिया व्यामनाएक छ.व तिवात (हसें। शाहे, इंड নাই। আসমা পরিভাপ: (महे (हरी) कन्नाहे कईदा।

ভারতবংশর লি গ 🗷 বাং 🌁 🦫 े का श किस हाता आए हाराज्यस ° ফেরেলারিস ইম্পিরিনার ই च्हि। कार्क कांच्यानित् वार्गिक व्यक्ति तक पिर्वाम कहानी व सन्त महत्त्व में কাৰ্যা কাৰক মৰুৱ জ্বোক্ত গৰিয়ে ট্ৰেক্ট্ৰেন্ট্ৰ मम वश्यद्र शूटर्स कु.एकद्र हर विका दिरा, शकरवकाराम स्मृत खर है। थिक इक्ति रहे।एइ। देके क्रिक्रेश हिंद्र तिक', छ तक्षर्भ वि**ष्णवकः होस**्य ह या दशिएकता हेश्हाल दशिक्ति धरा है गीत কোন কোন ছাল ক্ষান্ত বিক্লা কৰি ১ ক तरकरक्त । द्वा कुरुलक लक्ष स्ट नक दिएक " निएमा प्रमानामा भवता हिना हरी अक्टब्रुड . ७ ८६ वि विश्व विकास **বিলাস জ্রোর ভ কথা**ইনাইন – ইং**ল্ডের** भवक्षक मार्च है, एक कविक श्राकृतिक नहरू। व रणराय नमा २० तम् भूतर्व स्वाहरू क्याम भाव तारे - sc.i हिस, डाह्। क्रेंब्रॉ.कर् स्मीक्सप २०१ तहा गाउँ दृशिक अके रिक्रेड श्रीवरभाष (व ल् ं त्यानकाविम^{क्ष} (इस्

म्लानिः पूर्णे इ शार्मान । वाहास्थ कर्ते ।

मानि वरगक शासि । া গাড়িও বাস্পীর ो ছिলেन । ১२७२ ক্ষেক্ষ প্ৰান্ত ব धत्रम कतिहा देश्लक्षा श्रम्भावित जुलाककरः विकास, निःश, वानिः है विभविदें आग कु अधानत इहरण्यस् কিনিপেৰ রাজান্ত্র

मतिः। कतामी देखिन्य

ाफि इराह यून कार्रा

ধ্য মু**ল্পান্ন** করিতে সমর্থ চন র্যাক হার স্থান্ত সম্পাদিত কোন্ড ইহার উর্ত্তর দান 🕍 সম্ভাট ভূতীর েবেংকিংন

অৰ্থ দৌজ্ঞ, নাতে চবিতা ना (कत : अंडे न्द्रा युक्ट है हिने। व्यक्ति न र । धनः । धनिहान सुम्ब िनिद्यारण आवृद्धि ত্রের রাজ্যের উম্ভি া खेशदर नि ईत कत्रिद्रक्टा स्थामता निटक कित्य दर्शकरमान्द्रभाषी अववा विद् দ্রব্য প্রস্তুত্ত ব্যবিতে পারিতেতি 🔏 🖓 भेकी

ই সাংখ্যের এই অভন্ত **্রিক্ট**িটি, ^{ক্রি}ক্টোও **রাঞ্**টিটে বিলের হা अक्षेत्रके कि अक्षेत्रक के बार्टिक सहारम প্রিক্তি ক্রিন্তের ভারতকর্না বিদিশের रिठार सम्बद्धि या ५७ व मरु गरम नृतिशाहिदः 🙀 🙀 नकल मिथे हेरच 😙 क्लाटहत्रा द्वितियट्ड शादहर ना र एव ভারতবর্গী মৃদিপের ায় তাহার শ্রিকা কারো পটু অভিজ্ঞাপ

> पात्रक धारमभीत्रमिशत वानिकापि कार्या अज्ञा । बंद्रा विषय के हि. च कति इ। আক্ষেপ করিয়া খাকেন এবং ইচার এনা ा च्छा वह जेगास्त्रन धामर्गन करत्रन त्य अरमभीरगदा तलकरा अङ्डित अश्म कन्न ত্রিতে উনুধ হনন। ক্রান্সে কি ছাদশ বর্ষ पूर्वि धरे क्ष भनाका हिल ना ? किस ध ফাণে কি এক ক্রাসী কোম্পানি সুইজের খাল यंगरम माख इस मारे । देश्याम काखि वह कांव, क्षिमाधा दिवस्ता कविद्वांकि तम्म ।

ও बुक्तिनिश्चित्र निकृत्वः अक र । भ-र्गरमणे यकि मूल क्षेत्र कि स्वाह त्यम, छोड़ा इन्ह किकात महिहा भए का ই কোটি টাবাৰ ৰাণিছা लिए उनुयों स यग काम विनिक्त की क्षेत्र विश्वा । १ (कवल त्वाब्र हेद व क्रायक व म ्रिक्तिके विकास वास्त्रिक करिएक एक এই নাত। এতাইশ তারতবর্ষের সমুদ্রায় विकटक मिकामनात ও नुम्राथात बेलि ल ४% । इंडेलाली। प्राक्तार अयुपान বাণি জাতিক চেটি?: কৰিয়াহেন, জালুক্ত वतीय अवर्गमणे कर्य यथार्थ छेगाय अवल त्रम कतिरवस ? कत्व छ।त्रछवकी रहाहः विश्वष भी। वारिएकात अधि यञ्जवान क्टेरवन: বৰে আমনা বাৰ্বিক বনিকলিগকে জাইঞ্ क्ष्म कड़िहा माना (कटण बाविका कड़िहा (पश्चित / (य शुङ् जित्न छोत्रक्वरवंत्र ना হান হইছে বন্ধ ও লৌহ ফ্রাং প্রভৃতি कल रहेरक धूम वास्ति हहेरत, भ जिन्हें ৰ' কত দুৱ ঃ

क्ट क्ट अपटन अहे बिहा। अकि च. शिक्ष केर्या शब कित्र के श. हत् न, काका जियाम करणभीविष्टिशत व:वजीप निज्ञ निका ও विरम्दन वानिका कारण व अकछि मर्गन् जलतात्र । किन्ह जामानिरशत निक **টে এ पानिक प्रवंशनीय बिला**श करीत मान स्ट्रेट्ट् ना । जाथनाक म्यायना थाकिया भिका ७ डेवमार खाश्च स्ट्रेस हे হারা ছাডাভিমানকে ভাষুণ গুরুতর জান करतम मा । व्यक्तिकाल क्यांत्मारका द्वाम जाना बाज यक्तकाकीक भवदक्र न राजा येथं वरेएकद्रक्य ?. क्लिंग वास्ति हादतीत

যাহা

(इंट । ध पणि मो कड़ेश, टाव लिश १९ ना खिलिस कि । निका न्यान कांचि काविमान क्षेट्र बनिया ५ अस र अधः ए विश्व थ: विद्यान न

्रेनका है।सा भटका वड़ा

গ্ৰাভি পাধিক প্ৰাকৃতির ক্ষাকা লিংখ বিষ - च अन्यभाविष्ट कहेंग्री मालका को उत्तरक ३ शुरु । प्र क्षांत्रा इन प्रदेश देश एक विना स्मान ∽ যে িভাল পুঞ্জির ভাষ হেল'টিভ ড প'বীন , दिल्लान क्षेत्रिक्ष, है के जिल्ला _भ्ज, है के जिल्ला प्राप्ता व भाग्र व्यक्तिक तिर्घ का विषय है कि है - इ.४ इटेंग्ड शास्त्र माहि दग ···· 43··-

ক্লাৰতীয় লাক্টা ভিন প্ৰেলিয়ত বিভিন্ত तया वस्त्राहरू। इहातीन अञ्चार शक्षांत्र भागि এপ্রে খেলি ভুক্ত চটবে চলার জাড়ার বি २ करे हरू निक्षे । 4 खतित स्थाद मक्त का ही ্রতীয় ৫ ডুডীয় শ্লেপিডে বিভান্তির স্টবে। সিভীয় শ্রেণির ভাড়া প্রতি ঘণ্টার বার আনা প্রতি নোলে আট জানা: **তৃতী**র এখনির এ প্রকার চারি আনা ও ছুয় আনা নির্দায়িত रवेगार्छ। जीर्ष्णायांनिक्षित्रक अक अक काणवान व'चित्र बहेदन, धनर द्यां जिन्दम्य ३ होको क नेप्रो कि भित्रा दिखितेन कहिया सहैएउ हुई। ८न, "डा भांत्र निमरभंत अन हि केंद्र भांित करथा राशिएक स्केरव । भीएक्नियांमसिद्धात्र (कश्च यक्नि অবাধাত। "প্রকাশ করে অথবা লালি দের ाशत नारम मानील कविवासात प्रश्त बहैरव उँ ८५ (८६। इ.जि. शास्त्री अ का अ निर्धा-নিত ভটয়াহে। ভাৰারী কাজি জিম আছ क्षिर्द जिस जाना शाहरकः।

গাঁচ বিশ্ব ও বেহারাখিলের ভাঙা বহা - ণট ব্যবসায়, রাজাবিধি নার, ভাছা নির্বর विधा अस्त्रा यनि मरायां ख युक्तिमिक स्केत, अंवेत काहेन अवृक्तित बून, विश्वनय काउना (र अप्रोध सब सा (क्से र को का निवी क सहस्त ८१० माडकक्षेत्रि व्यादिक्य स्वितिश इत्रेटन, हिन प गावित्र प्रवेत विक्राणिक क्षेट्रमं ।

क्षेत्रर में के स्वाहित के इसे मान के दर है किया निव

का की बाकरान किया के बहुए हो है । के एक बरात्वय अवस्त्रिवश्चिक धार्किट-**क्रीटेवाद अवश्र**क्ष (सम्बन, भागा, र বুপ পাকা লি ইটিত 🕫 🦠 **अवसील वॉकिलि**, मद प्रशास ें इंटिन्ड् क्यन्तिकक्षक स्ट्रीस 🔑 . ই নি বিভে ৬, সংগটি সাহক : > কেন্ত্রাধ ক্রেট কর্ণা চ প্রহালে যে জন্ত্রাচাত হটালে ভালা त्त्र म**्या**व संधितः (वर्षाद्रमः 🗠 चीरन करुत्ति वेन्द्रा अग्रह

ال:

भूखक गांख ।

ক্ষেত্ৰা ক্ষতভো সম্পানে এক ছে,দি, নিশ্ব নিষিত প্লয় ১,,ন পুঙ্গ (स्ट्या हे । एक स्वाह्य । स्था 👵 রগ ভিত্রাদ্ধি প্রগাত বিশাবদ্য 🗤 ১,১৮৮: িছ,এদি গেব পাঠা বাদলা পুস্কুতন চিন্ত । দিতীয়, মাজ বাৰ ঠাকুলেল দেব প্ৰাংক ध भीना विहरा पिष्टियां व भागा है बाढिए ज्यांनरी किङ्क् छन्छ। किसिंग शाहेलफ भः लि**डेरभर्भ कविद्व**ि ॥७क्तात्व नेत्राहर हिश्लामन कहां विद्यम बहेटाउट्य म । रूप्टन

अव्यक्ति किवादक्त आर्थक यक्ति । भगमानियानिकी जो क्रम, त्यंक्षराम्बद्ध कारूक দশ। উপস্থিত নলিখেছ হ'বে। আমন্চ হণ্ড **डोरलर्या (बांदव ममर्य क्रियम मा)** चौरांकरा द्धान पर्यात कीयम कारम नहरू।

थाय:

अञ्चाहित्य क्रिक्ट क्रिक्ट व

ज्ञानक बर्गन्त । १ .८.व 300 ভ্ৰমুক, ও চটুল্লাল প্রভৃতি সু'লের লবেশ **পো**र्यान बद्ध कविश्वाहरून । ७७ ते। ज्यांवर कारम् अवश्रीकृते । अत्र साहे छुर्सना व है-वारक् अन्तिराग धाव कारिकारमह अविवा ভাৰতে বেৰূপ আত্তাৰ কাটান চইয়া লবং

িড, ভার্বাতে লাবিল্যু বিশ্ব আর कि कम अभिटिक शादम ? यशामा निरम्भा " नाम्योजना । अप निश्न निकार क्रिका, जाबादा दिवाकरस्त चत्रकश्चाकरहेमान-की क्रीक्रेस मान्या जोव, छोटा | एक बटेया, जनव विवोद्यादि क्रायह जासकार्यः

ুল ক্লান কবিছে ভাগাৰ শংখ্যাটত মুখ্য আ कर हा कर व्यक्ति है। यादा वाहिष्ट व्यक्तियुष्ट नक्षा म व्यक्ति व वहार अर्थ भिनाइ (भा-क्षांद्र नाश्य त्रक है जिल्ला प्रतिके हिन्। ,कवल , १ एए व का अल. , उस १६ की है ११४%. का १७३५ क्षाप्त व अवद्य गर्ग किल की छ। लाख जाइमारता कर । ति मही এই স্কল ভাগেছা প্রায়ণ যোগা সম্জী क्रिकार पार्ट्स करती अस्तिक, "रोजी होर्डि প্রান্ত ও গল প্রিশাবে নি শেষিত ক ভা ব্রে.ছার' ব্রু পার ধান। বাল। বা ্ৰণাকা কাৰ্ডাৰ কাৰ্ডার এবং সারের ভারের

्राभ प्रशेष्ठ पर्दर्श रिक्ष प्रशासक्तिक एकः । राज्य मा, धार मात्मत चहुत्स्व द न क . ় সাবতে হইও। পত ছাৰশ্ৰৰ বাব শ্ৰের घटा ११४ इ.६४१६७, १४२ धन-दश्चे ६ मण् २ का १४ कर अस्ता के दब्र लवटनक पूना श्रीत अञ्चादक यक्ष में जिल्ला भारता व्यापना का क्ष बड़ेश हिला। अव्हल कांग्र कि 🕫 🖰 এংসৰ বৰ বে খল ফ**রিতে হইত**, উণ্ড কিয়ৎ অন্ধিয়াণে পরিত্রাণ পাইছ নিয় নি প্রি**তাপের বিষ**ণ । ক্রী প্র (प्रचेष्ठ भगः • के: ३ मा स्ट्रेट्ड्ये क्यारतः . अन्न कावरा, खारार बाल धनवरे, .. সন্দায় আশ, আছের করিল। গ্রথবেটা পে ক্তান উঠাইবা দিয়াহেন, স্বতরাং ভারা अन्य क्रिकिन्स इक्केश अधिवाद्य, 🌬 दिरंद कि क्षेत्र किछूरे किंद्र के दूरक शाहिएँ एक में। श्लोफ्ट'न इश्कि **स्वेम स्वीत्रः छा**र श्राहर भाग काम वन्त्र कतिग्राहरू, अवर क्रांक আণ্ডন পুর্ক প্রাণ্ডোর নিমিন্ত সক্ষাট ভাব न। निर्दिट्ट । अभिदेश जानीय सभी मान । ाह कर्पातियम योक्समित्र केना कहात मूर् पविशादक। अभिदेश क्यांक्रांक्रिटशङ्क गाँद्वितादन ने अभाषात् क्रिके देकति कत्वत्र ',वटाउटह দীন বীন বলসীকা এখন কোনু চিক রু करत । विष्टनवेषाह अवदेश भारतानि भंगा छ। न ना बर्गादक सूर्ककोर छचाता नाम दङ्गा शिक्षकं शीकका (शानाय कि मा, भएक) नीत्रः अद्वेतरमः व्यञ्चनं भिष्टात्रस्य कृतिया ক্ষু ক্ষুদ্ধাৰণ কৰিয়াও বকা পাই के ब्रोके के लेक्स किया है। के बिद्रा किया के

न्यादः कीनिर, १भा छ घडतुकि बहेग्र छ। 4 कका तमग्र (कथिटाउटह । द्वा**क** शुक्रतक प्रक्रि अथभागीय अहे भेड खाना। भिर्मात व গাটিত লোকন নিভেন, ত হা হইজে কি ইহা हर्त व • क प्रदिशी हरेक, शहरता सकि समीन न्। प्रशिक्षा कंप्यक्षेत्रि मिर्छाण करिएउम न्त्राच-रश कि छेकार पर भ शिनकर्या छ -इन्के स्थात गरिए अटमरा स्ट्रिक्ट ह्यू र हिंदूर ड अवा क्टेटल कि कुली का है कि

क करना ह स्वास के विकाधना भनक। ্ত ব্ৰহ্ম পায় এৰ প উপায় অংগেনৰ কয় 👍 নি ধর। আমানাৰ স'মান বুজিতে ভাষাদের ণরি**ত্রাণে**র একথা**র** উপাধ দুর্ম ছউল্লেছে : ন মহ – রাজপুর্রারের এক্টের্ল বাস্ক্রেরেণ িণ ও রাভা লক্ষ্ম পুরুষ পাতানি শ্রম লক্ষ কৰি শীভ ভাৱ य सम्मीता । व कार्या | विकासारत कर देवनका । ''डोहा स्के'न (क्रमः किट्र े शिकांग मर २ महत्रव ३ है একার্ন।ই। আন্তর্বর চন न ए का कि **ए**टे दूब स. ভূমি স্কু

विकास महत्वाम । ১৭ট গত, যেং গোমনাব

Z--11

- विश एकेरम विसामने डिक्स १३६८नक,

र्राप्त्रते के मक्त पृत्रिय विक्रम र। हित्रहा

, ৰন্দোৰত মনিগঃ ভানেক লাক কৰিতে পা

मा कि रवाय अप्र भावि 四朝7.5 李章 न, ६० अक वासिक · "你,亦 【布度 伊 TES STORY ेक्ट्रोका हुन्स है। इस्ट्रेकिट 5 BATTATA + 2 धु,कुट्युन्। श्रीवटन में कहा मा छ। व विन्द्रकाको निन्द T-18 18 19 70 70

কৰী ভাল কটে, প্ৰা প্ৰেন্ত আংকাপ কৰিয়া | क्रम, मा अधि के जान अन अध्यान ना वार्रि भे माजकरमत भक्त भाजिबारे कार्यक विक श्रंह वाधित पुरित क्त कतिया दश्छ शाविया कानाय कारेग्राह्म । किश्रा में के एवं का वजान क्रियान में मक्त माखिएके हे काइन आलाइ अंगान मा। , कि किश्मिक महेगाएक, धक अस हिकिश्मक পত্র ক্ষেত্রণ লে ক্ষেত্রত করি ; খাল ঞ্চি কন্ধি

Siene Bille be grat fine in eine falle (मंद्र १४ कांग्रास : अन्तर शास खावा | (मङ्ग्र) विस्ति (१) ८० ही अभिक्र हल, श्रीहरू পত্র প্রেষক কি গেই। তেরিয়া কিচ। ছেন ব ु भूटर्भ समाहत्वाक १ सदक्ता व्यवस्था জ্ম কাহাৰ ১০ জৰু উচ্চাৰ অৱস্থাৰ পাই ষাচ্চে চন্দ্ৰকলে ওন, ঘটিচ্ছেল্ড, ১০০০ টাকান শুক্র ব্যাপ্ত হট্যালে। ভের কর্মে কার চা

ভ ৰাব্ৰণে বাজবিধন हुहेश्वा ह । या त्रा ७ ५. हो द्रमतिन। बीटन शवन করিলে পত্ন ক্ষেক জন শৃত্যুত্ত বাহিল কাংগ্ৰ মার্দিংগ্র হতে শাস্ম ভার লই

शहरू कि कितिहत्व । अदर्श तिमा विरहारण नि । कांश्रह को से कहिसा, का कि पास भनारान कहि ्रिक्र : प्रिक्रेडिकार्यातमा वापन कर्या বধাধ রাজ - অভ্নাতের রাজ্য লাসন করিয়া-क्रिकान रहते किन्त किन और व हाना स्टि করিবার চেঠ। পান মাই। যদি এই কারণ वास्त्रीके इब, लाछ (डक्स) देति सीवित था কিলে প্রীস্থেপের সিংগাসন আ প্রার্থিইতেব श्रदेशक बाहे ।

, जाबिरम । म आहित रहेतारक हेर तरसमय काश्रीकृष्ट अन्य कार्यकार्यन कडिय'रहन । देशिय মাজাভ লোৰ কাৰ্ছে অফ বংল অহৰ্ প্ৰিয়া ण : विकटि किन्त्रमा । अनुस्ममग्रहमा अक्किनारेषुः न न छड़े। दे मा । देश सर्व माविक वाश कारि में कि ्रीरमारंकता खास कारा है कोते र त्या अक

मक्ति दशाय इ अवकि मिहनीय प्राप्त शिवि े कारक प्रारक्त कर गडका अवस्थित निक्र है है। कारका

SIEIR WING HI GEBRU WEREN भाषाकृत हो संकृतिहाउ এনি আনেত্রিকার পরায়েন क्रिकिया नीरवादकत ना ने अवनार्थी इस जिनि ত্রীতে সামত না হওরাতে চি ইংগক তাহা-ক্ষিত্র কর্মার বিশ্ব কর্মার । তার কর্মার করে। তাগতেই ভারার পর ্নর পো নিরপরাধ উক্ত পালরিকে লোট किंद्र स्केष अवस्थित का बादर भागायेका विकेष्ट किंद्र के नार पारण आकारक समानारमा नारह र्देश ब्राट्य । ন্ত্ৰাধি কৰি-শে মুখ্য কালে অক্ত পিত क्ट्रेब। बीब र्रम, नाक क्रियादः । कि छ ता बाड । ६६ व छ .क बहिया .

्राष्ट्रे अञ्चलालम् भन्नवाहः **.**

बहरत°त्र श ७ • व्ह भरवात ब्हाका (बल कर्ष স ু কাণান কুডানিবগার প্রতি ক্ডাাচার ক রাতে ভাষারা সকলে ভা্ছালে সাবধান হট-ুখ কহিয়াছে। এডমেশীর ভূড়োৰ ভ আগন कार्ट्स्, मध्यात्र जुङ्जिनितात्र जना धानने गः ्रोही काहेम कहिएड बहेरन में कि 📂

डे। हेम् मः ज्या देशिया बटनम ५५० मध्यस्त ल्क्ष्मिय् सनाद्य स्विकल्य क्ष्मेया निर्माष्ट्र

সিশ্বদেশীর একজন মহারাত্রীয় টাস याम्बर्क कद्विवात कर्क कुँउन डेशामनावित व विवादक्त। अन बास्त्रि देशहां सिन्दरे कर्गे-हिरमन । छावात्रे निकटी क्षांन क्षकादा है छ। আলার নাহভয়তে সহারাষ্ট্রীয় সিন্দির্ন गरम अव विकाप । निया होको हारकार है हो बना अमानभाक काबादक मिटीयम है। क्षांत्रम विद्वार मह गाँहे हैं ... स्थित

ारचारक शास्त्री मिक्किश्रीरेशी कि नेप भूके देशान करान २० मार्ग होसा सिंह कति-शंद्रका । कामती, श्रमिहक्दे 'काहि: अस्वर्पह. पंत्रीका क गानिएका ब्रेक क्षेप्रेयन न

सके देवें के जो का ने जनारका कु बार्बर के के मा किए अधिन को है। A TO THE PROPERTY OF THE PERSON OF THE PERSO

वित्रकार प्रमान है जेती गांकाम जब बाह्य हैद्रक गांकामार्थ है के के किया विद्यादका ।

विवश्यों नेक क्षेत्र क्षेत्राच नेव क्षित्र नेवा कार्य क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र

१० व कार्यसम्बद्धाः ।

ভার নবার রেইনওনে জোলানি জানী-লি ধাশীর আহাজ ক্রের করিয়াছেন। এই জাহাজে উত্তর প্রিবাজনে রেইলওনের হ-ব্যারি বাইবে।

রণভরির আগ্যাক বীর জেমস হোপ আন্তঃ কলিকাভাত উপ্নীপ্ত এইলাছেন !

তপনীর পরা সাহাাদিত বইন।

গবংকেট ৩০০০ ছতেন ইউরোপীর নৈনিককে
চূচড়া হইতে বিশ্বান বিনালে কাইতে আন্তঃ

দিয়াহেন। হুবালীতে ইনলের। কভার অভ্যাচার করে। কাহাদি সালালীয় নারী অপেকা নীকের ভর্নাইয়ের কার্যিক হব করিবে
সংক্রে নাই

টাইন দ কৰে ইন্মিয়া কলিকাটা ও বোধা ইবের যাণিজ্যার বিশ্বলিখিত বিলাব প্রকাশি-ত ক্ষিত্রতম্ব (বোধানীক্ষম প্রোধান্য দেখা বাইফেকে

Caleign And Alexand Simi of

প্রতিষ্ঠ প্রতিষ্ঠ বার্থিক ব্যবহার করে।

ক্রিক্তি প্রতিষ্ঠ ব্যবহার বার্থি ক্রেক্ত

त्रिक्षणां के बार्गन केवन शिक्तां करणां द्रिक्षणां अवर्ष गाम कहिता कहाता हुना-द्रिक्षणां में किया करिया करें गांद्रव निर्माण कार्या में किया करें गांद्रव नार्य निर्माण करें द्रिक्षणां के नार्यव कार्य निर्माण करें द्रिक्षणां निर्माणां करें मूक्त नार्था हिस्स गांद्रे, किया काहिएक गां-क्रिय नार्था हर्मा कार्ये, किया काहिएक गां-

रंग्स व्यवसंदर्भ इह लाखियांत ।

বোৰাইরের ব্যবস্থাক স্থা ভক্ততা ও করাচির ছোট আলালভের ক্ষড়া, হবি করি । বাস বে আইন করেন, তাহা প্রবর ক্ষেত্র-বাস বে আইন করেন, তাহা প্রবর ক্ষেত্র-বাস বে আইন করেন, তাহা প্রবর ক্ষেত্র ক্ষড়া বিভে হইবো লাগীলের শির্ব করা বিভাঃ

धनात मा तुन्रदम् नष्टत्र कृति वरेतादकः। भाक वटन ६०,००० कृत्यस्य धनाम ৮०,००० वस वरेत्रादकः। अ १०००

वानी श्रीकारत समा विकीय तानामांत्र व्यानी श्रीकार्ति । व्यान हैर सम्बंध क बचानी श्रीकिति व्यान है श्रीकर्ष हिस्तन। ताका के हरतांशीय केशनिरवणकाति विश्रास्क कृति औरांन करियारकन, किन्न कार्या-रेक्क विराग्य वस श्रीमान करतम नाहै। वानि-व्यान अस्त सक्ता कार्यात व्याक्त स्थान महाँ। व क्रीतिक्वारिक महान वीकन मारस्य श्रीकृतिकारिक महान वीकन मारस्य श्रीकृतिकारिक महान वीकन मारस्य

माआप नावनीत्र एकण्र, विष्ठिविभिनाम क्रिन्नवृत्तिश्चरक लाक नश्चर कृतिबात क्राइक्ट विद्याद्य । क्षेत्रक्यर्थत लाक्नश्चर्या विद् क्रिक्ट कटन क्रां क्षेत्र वा व्यविवृद्धत विश्वित्र क्षेत्र क्षेत्र श्वराचन विद्युक क्षां क्षेत्रक ।

ুনক জন ইঞ্জিনিয়ন ক্লান্তী স্থানকলোৰ কৰম জন কৰিয়াবেলঃ সাধায় পাঠানটো কহিতেতি উত্থপ স্থানী সম্বোদ্ধিত নহিং ক্লি ভ্ৰান্তবিদেশ্ব বেল বাস্থা বাহত উৰোৱা আজি শংক্ষাকৃতিক নাম একটি বাহী অসাপিও The few size of

निवासन वर्षेट्य मरसेकात्वा भारत्य हेर्नेसून गड्याय भवाय त्यां ज्यायामस्याप्तां विद्यानीकविट्या महित वर्गिका वीविट्या व्यावित्या हित्या महित्या व्यावित्या हित्या महित्या व्यावित्या हित्या महित्या वर्गिका त्याया वर्गिका महित्यामें विकास त्याया हित्या

प्रश्नि वर्षण कर्णां दर ग्रुक्त कर्णां १ हृतिहान कार्षण, स्रीत हो विग्नितिरगत्रं क्रम्बर में विद्यां काल्लावि कवित्र। १ क्षणण कविद्यांक्ष धर्माराके कार्यक होत् जन कविद्यांक्ष कार्षण हेर्निति स्थापक कर्णां

पुक्त रहेरान, क्रांशांश कांगांत कांगा

fend mien eingig

ইন করিতে হটভেছে। চাকা নিউস বলেন ভুত্রতা ইউলোকা নেনাদল অস্তিনাত কোরিত হইবে। ক্রাক্ত আনান।

नित्र निर्वित सरकार जाति रिक्क का ह चित्रा सरेटल सरीच स्टेक

গালিপুরের কল বিশ্বনিষ্ঠান এই ব্য কিন্তু দশ বান্তর দেবার আই কেন্তু ইন্তা করি বানা করিবকেন। কল ভত বতু কি পদত্ত মইয়াও বুলি কাইন ও আলালতের নিভাত প্রাক্তির ইন্তুক্ত, ভাষা মইলে ভাষার ক্ষতা

জালাহের জরুংশাতি নগাঁতে পাঁচ বাঞি ইতিহাঁ বেটা জালিয়া একট বুবড়ী জীকা কি বানক সেহন কয়াইয়া অহেনের ক্ষতান জীকা ললায়ন করিয়া এক মান্ত্রিক সাংগ্র गारव प्रदे वाकि जोसीनियन एक स्ट्रेट के बीरमाकीरन हेका कड़िएक विद्या एक स्टेग्रा-ए । जबका रेक्पूकि कंतिर तक ट्रांगरण मा रवर कर्मक कर निर्मादी कर्मग्रा जांशीरियाक रवर्ष कर्मक कर निर्मादी कर्मग्रा जांशीरियाक रवर्ष कर्मक क्षेत्र जोगांशीकर मह बाबों एक स्टेशा रिक क्षेत्र कर्म ग्रांकि के जांगिरमा निर्मा क्षेत्र कर्म क्षेत्र ग्रांकि के जांगिरमा निर्मा

নির্ব দিবিত চাত্রেয় বিশ্ববিদ্যাল বর প্রবেশিতা প্রবীকা দিতেট্যু—

विका पूजनामान श्रीकाम जाडि

स्कृष्टिक २२० जन कांत्र नि, क्षेत्र वित्र तत्रीका किरकरका"

किल नज नाइन व किला है अशाहि नाएन निवित है किलिशाहिक क उन्नित्र वाहेरव वित्ता ६० ट्याहर हहेश: वित्रा हो है। गर्डारविक किलाहर किला है। व किलाहर किलाहर किलाहर के गर्जा गज एक डॉ बहेशाहर, नाइन स्वर्गतिक

प्रकारक वर्ष हिएक भारतित मा ।

केंक भारतिक मध्यम् मश्वीवर्षाण । वाप्रवान गाएव) निश्चिद्धारक देश्वरध करत्व केंक्किल पर्यक्ष करत्व वावजीत देवरता भीत विश्वरक क्षात वारतित क्षेत्रव वावजीत है केंद्रा भीत विश्वरक क्षात वारतित क्षेत्रव वाक्ष निर्माय वादि वारक । जादा वर्षण क्षिरक । क्षावादि कांत्रिक कर्ता जादात्र क्षिरक । क्षावादि (शत म्माहे (याध इतेरक्ष क्ष क्षत्रव क्षत्रिक । क्षारममस्त्रव कि विव् वाकी वाधितारक ?

निहान नेक किया किया कार्य प्रक्रिक प्रकार कार्य कार्य

केश कर्याव परमान, करनायां व क्रिक्ट कर्याव परमान, करनायां व क्रिक्ट कर्याव परमान, करनायां व क्रिक्ट कर्याव कर्याव

করেক জন বিসাসী কাঝারে জাঙ্ ডা করিতেকেন। রাজ নুধনীর গতে জন্মতি জি

অধীবার বিশেষ করিবার চার বেলে নির
আনীর উৎসাব ক - ক্রিনার বিশ হউতেছে।
লম্পু জি বোলা ওব করিবাছে ' জরা
বিশ বুল ইউতেছে। বলীগের জরীবার প গনীরা অভিগর ইব্রিয় গরকা সূত্রা অসম
অত্যাহার ব্রুয় অসম্ভাবিত নর।

ক্ষিতিত বলেন, সর চারল্স উজ বার্ জ রুক বল্যোপাখারের ক্ষারোখের বিবরে এক পর্র লিখিরা বলির ছেন, প্রিবি কৌলিল জাহার অন্যায় ছুও ছইরাছে বুবিতে পার্টিরা-ছেন কিন্তু একপ খকজ্বার পুনর্বিচারে ভাহা ছুরীভ ভব্নপ্রইয়া কার্য বাহ্না ১ইবে বলি-রা আশীল প্রাক্ত করেন, নাই। কলডঃ জর-কৃত্য বার্ নীয় বৃদ্ধে হইবেন।

উন্ত গত্ৰ আৰু ধ্ৰাৰণ কৰিবাছেন, কৰা-বাৰা কৰ্মা পাৰ্ড কাম অবসংগ্ৰহণীতভাছ। পুথাবহার পাৰিম কামণ।

१६० जाजरायन नेवियोत्। क्या वाद्राव्यादः १ के किरमध्य सम्बो शवादः स्वरम्भवादः प्राण्यात् १४ कमा विक प्राण्या चानाप्रका चित्रके सम्बोधः

जारतान कान्यान प्राप्तिक प्रत्योत होत्या ताव जारत ज सावन अन्योतिक स्थानिक प्रत्याना न्या करेता जिन्दार स्थानिक स्थानिक प्रत्याना ज्यान कान्या अने जातानात्वा स्थानिक स्थानिक

Commence of the second of the

The way we have a first differently and a supplier of the supp

निवाद करा भारति काराजक्रक विवादान एव विवाद कारक करेवाटक । मह महाके करवस्त्र विवाद क्षित । असाद क्ष्म क विवाद विवाद स-रेटन।

कि जिल गर्मन है स्मार्थ क्षेत्र विद्वादक्ष मार्च क्षामिन नी क्षामक्षकः की वृत्त का काम महित्यक । काम विद्यात क्षित्रक के महिन कि पृष्ठ वेहे तम । भवनम् क्षामम काम मामार्थि भीक्षिक कारक्ष । क्ष्यक विमन् विद्यादक कहेरव ।

ब्हलाइटलके—भ, डा॰ ३३ व लेखाः , वश्याप्रक हे लोबाद्य हेक—मि,हां—४४५ल

व (कार हो — >>> अन्य — व्यवस्थि — > ऽप्नीहास व (कार हो — >>> अन्य — व्यवस्थि — > अन्य क्षिणीय व (कार हो — >>> अन्य — व्यवस्थि — > ऽप्नीहास

क!इक्वींववाक्शणक आस्त्रः।

उन्ने व कार्यकः विश्व ।

नेकाद कार्या श्रामीय विवदतं जिलाके कति
स्मित्र विद्यार्थ कार्यकार मान्यक्रिक कार्यकः भकार्य कार्यकार विद्यार विद

क्या कविनात विम मक्कां क्यांम कहिएलम। हैंगेरको किसी कार्ड मक्यांच्य सूर्या अन्यि-त्य ब्रिटमार्ड कविरयम।

-

THE RESERVE OF STREET

SHAME WAS SERVED THE an diffigen beimennent betrag mign Gin Blick ann Brein i an albeit faan were appares apparent of the said मूख वर्षका विकास मानीज वर्षकारके । कारबन मान स्तिक्षेत्राच्येक्के निवास छात्राव निवर्ते गर्दि भाका स्थिक हराइन । इत्तर स्वाप्त्र कर कि प्रवित देश्तर्भी के क्षेत्रेशन कतिहाँ हिन । श्रीनिन कई क छारत्रत बार्माणामांनी कर, जाशास्त्र के-क इतिह स्वाताबीक माता भगाना वस्तिक ह तर बालक क्षित एईडाएं। मृज्यक प्रम्-দীর বারার ছকার দল এছতি ও কলেজের ইচা-छ हैजाबिखं डेंक कारतब विक्रे आब वडता বিরাছে। এ বাঁকি সামান্য চোর মহে, কলিকার্ব छ। इत्नीवार त । प्रानायाँ अवृत्व चारनव চুরি করিয়াছে i হোরের থানাড লানীতে ভা হার একথানি কুম বাভাবৰি বাহিব বইরাছে, धवानि निकारत्वन क्र, वर्षार चत्रभाव वहि। त्म दरबाटम दरबाटम हृति कतिका यात्रा नांदा दख-গত কৰিয়াছে, ভারিব সহিত ভারা উক্স' বহিতে উংরাজী ভাষার লিখিত আছে ৷ বৃদ্ধি লিখনা ভূত্রণ সভল বিষয় কবুজও,করিছাচেছ। পাঠকথন অনেক চুরির হস্তান্ত শুনিয়াত্বেন, কিন্তু এসন একটা ব্ৰশিক্তিক চোলের কথা ক্ষমত ত্ৰিতে भाग माहे, कड़बर भाड़ेक्शर ! कालमांबिटनंद्र বৌতুহক বিলোদন নিমিত্র আমর। ছারকানা-रचन जिल्लादाक्षणमा अधिका अञ्चल निदन এক'শ করিলাব ৷

) । जुलाके माल ১৮६२ । महत्रावदा दवला। देन्सामध्रीय जाना १।। छत्रि 3910 35

। क्षांत्रके यात्र । प्राक्षांकरमस्क्रत वान्दिल्हें

७। व्याशके प्राप्त । इति (विश्वप्राप्ती व्यापाल-८५३ त्यद्वसामान अकुरक्ष मुन्तीत नामा एवए दम'न्य मार्ग অ'রকদান সংখ্যান ইন্ড্যারি

8 : रनग्रहेन्द्र यान । **रक्त**ा मुन्नमीपायान पातकामाथ मन्तिय निकृष्ट स्ट्रीटक मन्त्र 20

৫। কলিকাভ , রেপ্ টেবর মাস। রাজনো-वन क्रिजायहादस्य मध्य है।क् 74 역생각

७। हाका हरकत सिक्डेच (जाबह्वकानिना) कारा कामरीक् कार्यात किया र । रह की

१। कनिकीफ निम्मासायक् अन मान्ड वि-CT 31年 時代第4 9·特殊 可可付的时间 美国 3 國際 9/. नामार्थि । इस्रोक्षा 240 न मानिक्षेत्र के कि इ देखा।

可養者以學 नक्षा अध्या अध्याचन प्रति—विगे हे रे की म 214 CT 1. 71 कारर्थ है 5 है। रक वंत्रयान किल्लाना ह हरांच बन्हें ******* * * | I

 इानाचाँक दक्तिमाम स्म क्लिब्रीय अवाच्यं डिम्लमाति > चान भाषित्वत (कांग्रे) है। पुरस्त्र ह व कहा *

> । शकात व्यक्त निक्षे धक्यन गुन्नगा-ৰ চাক্ৰিল লোপার শিকি একটা नशक 9 10 क्षणीड वह 51/0 গল্টাভর বাক 2/.

3 42 .

देश'रत त्याथ इत, बातक,माथ कुल कांड़ि-রাই চৌর্যা রাজি কারত করিয়াতে, কিছু জ্বতীক বুদ্ধিবলৈ এচক সাবীচিয়া আমিয়া ছ'। আমরা নিক্ষরবৃদ্ধিতে পাবি বলি বাদীরাম পাচনৰ ৰম্ভকে চজাৰ্গৰ নংকরিত, এবং অব ডা জারো গ) ৰাসু ৰম্বি প্ৰাণপাণ চেই। মা কৰিছেৰ ভাঙা হইলে ছার্কামাধ অবাধে এড়াইছা হাইডে পা-विक । व्यापनीयाध्येत वयस्यम अवस्य २० वर्गद्य-त अधिक बहैदन मां, धेजात मधी आमाना श्रमान श्रभाम कांद्रकर्ख स्मार गणातीय मारद्राभा मध्-শর বিবিশ চেউ। কবির পরিয়াছেন। ঐ সঞ্জ कात्रक वितिवास समा शंदतात्री वाबू या नकल क्रकोणल क्षरमञ्ज क्षिय्। हिल्लन, क्षारः। क्षत-का व्यापका केंद्रिक भगाताल आहोत अदिन-मात्र । "80

ইউরোপীর সমাচার।

मध्य पर्वा नवस्त्र । मक्तिनय सर्वाप्य प्रक्ति-তে পাৰেন নাই। ভাঁধাকে সেনাশা ভত্ত হইতে विषक्ष छ छत्रिवास विषय गरेश। वछ अर्थानस्यान व केरजरस्थ । भवनीय के बस्त श्रृक्षक स्मन । मह अस क्रिया करास्त्र जनका अखिरक्षका काविरकाह-म । किन्त रममाधाता देवांत निवायन सता क्षेत्र उ-ছে। বারজিনিয়ায় এক কাক্সি"বিজ্ঞাত 'ব টিবার बांगका व्यवादक। मृत्रि, देश्यक, क ख्रिया গ্রীনের বিষয়ে স্বস্থার্থন করিছব্য জা পাণ ক্ষায়ত कार्यक्र । अक्रमण काष्ट्री विकेशिया है के-क्षिक प्रदेशांद्यमा विमित्न अर्थ क्क्वा कृत विक्य अक्षाणिक प्रदेशायक । ३१ वन व्रिक्टनक शाक्ति-रमण्डित नहीरतह खरणाह विवस विदेशका कहित. त्रा काहात चारतांका जाक विकास कतिया। वा कार्याक्षिके नाटक विके पिरानत सना नाक्षा-देश्मधीय गारक्त ब्लाटके क्रांबटक हुनि व काम विकार मह कान गाउँ रनन।

what wince his addited had बद्र रिवर्क कृषांत्र हारकृष्ट केश्वक स्थान कर बना गढ बाहित क्षित्रकारका १८ हारकारका निक श्रीवर्धानाती काकिश्रियक के विश बद्ध श्र शिविधि) यात्रकारका आर्थि। रमनात्रे अन्द्र मखात अधिक वार्ष विकेत्सात्र AV WICHTANIE FOR TENN IN THE BE प्रवर्श रहे रोहरू आहोत्य नगम काम आहे हुआ वाक क्षणीय विश्व मार्केषु महारवस् विश्व नावण पूर्व क्या कविवादस्य । त्वामुद्धानीके महिल व्य क्या मिन्द्री कि विभाग कार्टी से व्य व वेडारक् । करमह क्रुष्ठ क्रामाक्षतिक क्राक्रेक्य हैं। ति। किंक क्रेडाएक्न । यह स्थानम विक्री हो क्रिके ने व वहेर उ जावकार है। वहिर जार में व बुकांगन वाब्राह्मक वाब्रिक्टक्स । आफ मुंब्रिक हैन विकेतितह इक्ष् व्हेतात्स्त । अलिक्क्रित्स्य त्रम कड कटकत गर्म गांडेटवन । त्कामिं मांकामेनां नावक रव जीरामाःकन्न आव्रामा अवस्त्र हेकाली त्राटभ काँनी एरेर व साहबाद वता कारात कार् न्य किए मिर्नद्र समा क्षित क्षेत्रांट्स्

ক্ষেত্র ডিউক, লাভ নক্ত লাভ ভাই योग न छेशांचि । हिस्स माहेदतय । यादक्षिक र्यात्कत अभाक ३३ ताक ग्रेशका कर्रीतेन हेस् त्यत्र क्रमंत्रात्थं भृष्ठ इदिश्रात्स्य ।

निष्डेवेद्धार्यक्ष जनिक जन्मानाह विकासी कार्न क कानवामात्र प्रवादकत कार्त्वात अधिक विविधारस्य । असे कार्याक स्थापन सेखन विस्तृत बारमक बाजाब निम्नचे स्रेश संबद्ध क्रिक्ट पटनाम देशहास सर्वार्तिका जाता विशेषिका ज्यांकि विका मार्कि, करतम । अवर्थक के क्रानेकि मानव तमान्त्र, वाह किनियांत्र काश्रमह व्यक्तिकार विराम , विकित्यात अक हरूर तामीवृत्य दर्ग स्वाहत cal was the colors fice palage at-

मनिर प्रशंभक रामण, क्रमित्राम संस्थान क्तानी चर्वटबटकेत्र आखाराष्ट्रमाटक व्याद्याहिन कात प्रत्य मधायका जीवादत अञ्चल व्हेन्स्यत्व । देश्नारक्षत्री मह हाहमम हि.सिनहाइमह सिरहा (म अञ्चानम् क प्रवादक्त।

जनम ३२वे वह वस्त्री

विशव शेरम् अह द्वारण महकू भीवस्थेव micanicacan wiffigma fean Genta wfast. क्लांड क्षणं कविवादहर कर कविवादहर सा मित्रकात पूक्र कील एकर केंद्र शहा मुझावता माहि।

वर्षि एक्सेनक मरनज, क्षेत्रक हो रनत श-कार आधाम कशिक्ष अस्तिति गांत पूर्व एक: कर क्षिद्रक मा 🔊

गेर्ब्रुक्के विज्ञालन।

वानमः विनीतं क्यारिमके शवर्रमन व्यक्तिनाञ्चाती निदद्रां ।

उंछी मेर रवंद-नाका वारमञ्ज अिविधि का. Beiffeles & caols efcugal care

১३६ नत्यवत-- प्रविश्वि, **त्यः जा**रसन् मारह-व ১৮৬० व्यक्ति ७१ व्यक्ति वहनाद्व कलिका-ডার এক জন বিশেষ কবিস্টার ভইবেন।

है, त्व, गरेश ध्वार्ष बाद्दव बीकूज़ांत जावा-त्र विकाशिकां कविष्येत्र अक कम शका बहेरवम ।

निव निविक सःसहस्वतं वकृत्वनीष्ठ वाववा-शक मछात ३५-७२ चारकत ७ आहेरमत ३०४ थाताल्यादत क्वला शहरवनः---

वाबू मरीमध्य (चाव। वाकः, छाका।

বার রাবকুষার পাল চৌধুরি। বাজিউপুর वक्रमम (जिस्न।

এতঃমূলীয় চিকিৎসক সাৰদাপ্ৰসাদ গুৰু बिहाफेत माठवा कि किशामात्रत छात आश क केटबन ।

এডখেশীয় চিকিৎসক শীজন সিংহ নৰগ্ৰা-त्मत्र माउना विकिৎमानस्त्रत जांत्र शांश्च हरे-द्वन ।

३६वे नरववत----८४,चात योजन गारवव े कामनीश्रद्धत श्राविष्य माखिर के है । कारमहेत क्केटनम ।

ं ् छि, दे दब्दबण्य माटक्य मारबद्धक आहे है मानिक्ष्रेष्ठे ७ क्षित्रीं मारमहेश व्हेरवनः विक ুটত দিব বেজর বিধর না আইনেন ওত দিন *ছ* ुक्तन्। गुल्तिक नीयांत बदयकोत कात्र आश्च इके

क्षति, ककुम जारकर छोस्राह आदिनिधि स्राहे-अपने गाहित्ये हे ७ एक्पूहि कारशक्केत कहेर उन ।

কি ন, ছমপ্রি নাবের চউপ্রামের সাংগারণ (सम्भा निका कविष्य द्वारक्षेत्र कि कि दिन

্ আসামের নিম্নলিখিত কর্মচারীরা ১৮৫৮ . अध्यव ३० चीरेत्वत ३ धात्राञ्चमादव क्षेत्रका शा-केरदम ।

মহকাৰী কলিগনৰ

লেপটিনাণ্ট ই,এ, কাছেল পোছালপাড়া। लाश हैना है जनति है, ति, धन, क्रांक नश्जा-

म। ध,धन किलिश्रम हुद्र।

তে-বিশিলি —শিবসাগর।

धन, सहन- (मरक्रमड :

অভিব্ৰিক্ত সহকারী কমিসনৰ বাবু গুণাভি ্রাম বস্তুরা পোয়ালগাড:

मार्च भिवशाचेत

পিক্ষমুখ্যের তেপুটি মালিকেট 3 তেপুট कारकके कांच्या क्षेत्रमहत्त्व मार्थ (को क्या विकार) त्यत्र ७৮ **वाक्षास्त्रक्षत्र त्यानिक्**रम मध्येन कवित्र।

वहें बटवबद्र--- (का.णि, आको महत्वन कानदवत्र / मू कि चांछत्र। शक्कि का मा: व्याप চৌশির মাজি নিখি কান্টোলার বইয়া ১৮৩৮ काल्ब ३३ काहिस्स्य ७७ शाराजुनास्य क्याङ् शाहित्यम । (श. हेमानपूर्वत अवक:ती कमिनमन के देशांद्र वट्टे खवालि व्यवह व्यक्ति हैं द्मिण्डेमारी श्राह,ति. यति शामायाउँ विका-श्वत चात्रभावेद्वा म कि:शु हो व न मूर्व क्रमडा -शाहिएवन ।

ल्लिश्वेमार्थं के ब, किलिश्य (क्षिमाश्र)-द्रिय अक्षम महकाती क्षित्रनय इहेरवम ।

প্রেরিত

প্রীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক मक्षिय भनीरशबु।

अड बिटनक गर्व जामाध्यन आहमन छेड्डा-স্তম জীয়দি ও উমতি সাধন মইবেক তাঙার পুর্মালকণ দলিত ভইতেছে, বলা ভিয়দিল গভ হইল আমি মহাশরের পতিকায় লিখিয়াছিলাম व अवानकाय को किमारह्या आह को किरकु आहेरन ना, किन्न भूमिय चात्रिर छैले चुरादिन क्लिकारों दत्राम नाटक्टवत खळाशम्नावधि कथा-नकार को क्वांद्रहा ७ जनग्ना श्रीमध नश्काः कर्षकादीयाः चीत्र, चीत्र, कांग्रा नवल खुकालदृश সম্পদ্ন করিতেছেন।

কিছু দিন গত হইল মাজিটেট দশ সাংহ্ৰ बशांत चारियाहित्सन, धरर चारिया धरान-কার ল'ডেব্য ডম্পেলারিব ভুরবস্থা **অ**থগত হ-ইয়া অভিশয় কোভ একাশ পূর্ম্বক ভংগল-मार्थ अक मछ। क्रिया अवर खागमिन के मछाद সভাপতি হটয়। বছারার শীত্র ডাক্তরবানার वंबह शब छहांक्रक्राण हरण जाहांत विष्यं क्रण ্রপায় করিয়া গিয়াছেন।

এখানকার রাক্তা ঘটের বৈ কি অভিহাল, ब्दः वर्वाकारम बनाती स्रेटड स्रा गर्नाटक शमना भयन क्रिडि इहेल विकि क्रिन छान ক্রিতে কয় ভাছা মহাশয়কে আমি ব্যাকালের शाहरह,रे अदम्ब कवादेता विश्वास । किन्नु बद्दा-नंत्र का वता प्रता कति स अमिक विश्व है ब्राक्ता चांटिन पूर्व बहेट उन्होत बहेट शाहिन, कार्य अवीमकात जनाइ। ति मालिएके है नदः में) जजहांग्य हहेर पर वासिक गरी है। स्कार रेन्स व्यक्तिक अवकाती कमिमनन बहु, स्काला । बन ९ डिज्ञिब्डि व्यवाहिन् दिस्की हाक बहे हुई महाया तांखा रणतांबल कतिवाद कता च्याला गद्ध गंत्र विष्य (क्षा । महालक्ष, अक्षान्त्राह की व नाष्ट्रांत मरकात ४७० मा ना बडेक देशक छा-(नर्गमन इत्याटाड**रे कामना महिटकान आ**श स मानवामात्र व्यथम विकास पतिएक शावित्यत । इत्र साहि, त्यत्रम क्लांटक दलिया व्याटकर्त अ

बक्ल बराज नेत्वत चित्रम स्ति क्ष माहे। क्षर मृति क्षेत्र प्रदेश अवस् माल नत्था पूरे बन्धा क्याक्टीत साहा काम काल क्रिडिटहा

२१ व महत्वय इक्षणाविश्वास धर्मामणाह क्रि कर्क-मिनन मर्कास विशामित्यत सामग्रद्या<u>न्</u> मार्थर-र्शनक भतीका प्रदेश्यक, अवर अक्रम क्रमेंबर हरे शांदह त्व, जाकत कका नाह्यत से नहींका वर्ष गमाधा कतित्वन । महाणय, को समद्रवृति वृति नला क्य जारा बहेत्मके आसारकड माजिनक जानरकत विश्व।

क मारकारक अविवर्ध अकारन अक मुखन ८७ मृति मा किटके है जानियां हत, जामका करना कति हैनि अछ। न बाबूर मछम मिथा। कार्या जबब बाव का कवित्रों आंक्लोबिश्यंद सक्तन (50)। राष्ट्रियम जासह माहे

२७० मरव.हा ১৮५२

गुना था। थ।

श्रीष्ट्राक बाबू श्रह्माविक बाक्साक मालिशनश्रत। ১२७२। ३८ माश्रहावन करेंदिक १० । ३३ जा अवस्ति श्वांस CALS POPLE

क्षिणुक बाबू बाम त्याणाम ब्रियः समिर्हेर ১২৬৯ অঞ্চারণ হইতে৭০ শান্তিকপর্যান্ত ১৮ ট

" টমৰ ক্লেকিল ভগণান গে;ল। ১০৬৯ আৰাত ৰ্টতে অগ্ৰহায়ৰপ্ৰাস্ত। কোং ৫ টাকা ত্ৰীগুক্ত ব্যব্ধ ভারকনাথ ৰক্ষোগোধায় বাস্তিয়। **>२५० भाष वहेट रेक्के भराब का॰ व है।का**

এই বুজ বাৰু ভাষ লোচন খোৰ ক্ৰম্পন্নৰ। १२४२ जानके इडेटड ७७७ जुलाई श्रांस ३० स

जीपुष्ट याच्य रहमाम नाष्ट्रा कुक्तमगर। १२७३ 'धार्यस्वर इहेट्ड १० काकिक 'धीर'। בשום שם פושי

" यूजी राज्यक जाती मारमधा वक्षध्य। >२ ७३ कावाह क्वेटल प॰ देखाई शर्यास । >० व

खीयुक बाबू पूर्वाहत्रन थश्च बिडेके छिप्रान मा है दक्षित क्षार ३० हाक!

জীযুক্ত ৰাষ্ট্ৰ চায়ডক্ত খেবে সিমুজীয়া ১০৩১

अधिक बाद्य विशिव विद्याती छात्रकि दावडा **>२७७ क्याहाम इंडेटड ५० टेंबनाथ ग**र्याक

at na smetals बाह्य त्केमरका विक दिनका हुबरन हे पर्कार.

সোমপ্রকাশী ২৪এ অকাহারণ ১২৬৯।

विज्ञालन १

নৰী সাধারণোর জালাবে জানান জাইভেছে বে শ্লাশ ৰহাল ডিহি ৫৫ এানের স্থাবিত নিয়ের লিখিত হোলভিছে আপিন ক্লাপন জন্মবার বাকী আদার না.করার সন ১৮৩৫ সালের ৮ আইন ক্রেন্ডেন্ড সন ১৮৬২ সালের ১০ দীক্ষর ইন্ত ১২৬৯ সালের ২৬ অগ্রহারণ বুধধার নোকাষ আলিপুরের ডেপুট বালেন্ডরি সাছারিতে নিলাম বিজয় হইবেল থে বিরিষ করিছে সালস রাখে ভাছারা এ ভারিতে হাজির হইরা নিলাম ডাক করিছে গারে আর প্রকাশ থাকে বে ছব निन प्रे अर्द्धत नमह काचिन कतिएक क्रेट्रक।

3 98"									7 845
म्ब जिक्छान महत्र	(द्रावित्तुः	वाकि सारत्रत्र नाम	भा जिल्लाम	त्याष्टे बाकिह	(ड रकान	74 (5)48a	्राव हिः	वाकि मादब्रह नाव ।	
٠, ٩	256	प्रभागांश यगांध	10-	140	1 3	1 3	3.	মনোচৰ ভাস	
9	6.0	भाविक्रास्य बड़ान	% 5	40		a	· ·		2512
b	> 540	मञ्जूलम्म हालामा	No	1/2	3	>2	256	1 •	1
À	३७- ३	বশির্দীন সর্কার	> 110/2	1 2:03	4	1	>8•	5	O sports
> ₹	>>•	मश्रूष्ट्रमम श्रांबामात्र	השום	Wo	à) >2	565	মুক্তিক হাজনার মুক্তিক হাজনার	1/0
30	>2	बटकार्य कामान्त्र	34/0	Na.		1 4.	550		314
>	19	তরাধাকান্ত ঠাকুরনেবা বংলীধন ভিত্র	e = 000	:0W.	3		- 2 8 F HQ,	1	2/4
۹	20	दितानान मक हीर	3 ,2	2,2	خ	वि	345	新;	100
à	>¢	•	80	8 %	Š	4	288		V.
3	45	*	د,33	660	<i>\$</i>	(2)	১৬৮		340231
\$, 88	, a	राष्ट	si?	3	ই	2 30 70		400
*	8.9	4	(the o	ewo	<u>ن</u> ه	fs.	>2		5 100
	. 42	*	२/७	2/0	3	₹,	:00	j	She
3	9>	प्रमामा छ ठाकूतत्मनार	व्यक्ष	610,0	4	क्षक,	>>	_x'	1910
٠ ﴿	356	वरनावत । जळ वित्रामान प्रख्यीर	2240	290	8	1	5	1	640/2 6
\$	p 6	রাশাক্ষণ নিত্র	२१७/५०	31475	\$	4	303	· ·	110/9 B
*	25	জঃনারায়ৰ পরামাণীক	81%	8100	à	ئ م-	209		8-12 8
	82	विद्यार्थ इस्कीर	> 2 P P M & C	3424	\$	a .	>85		\$ 343
S-	223	अनदक्षंत्री 'बानी	Salna	9125	4	ا ج <u>د</u>	•	क्रांबीयांच वर्षः।	>> > >>
. 3	24	म्भूक्षम रामपात।	· 4.	J-	à	*	566	· ,	230
	,92	*	42	43	a	*	25		28"
		द्विमञ्ज मामख्य ।	.>.	s.	*	3	353		W & 54
	2.1 M	ৰ তিন্না পঢ়ারী 👯 🎺	asja A	1016	*	>	>2	* *	13
			र २२० व्यक्तानां वर्णाः ० वर्ष (गाविकाद्यः बद्धांना ० २२० व्यक्तिमान कार्याः ० २२० व्यक्तिमान कार्याः ० २२० व्यक्तिमान कार्याः ० १०० व्यक्तिमान						

100 E	नव जिस्काय नष्	्द्।जिडिर्ग्यान नषत्र	वाकिमादब्रह्म भाग ।		भारता ।	forant ares	त्रत जिल्लाम् सम्बद्ध	द्रान ि विष्णान बर्द्र	and a three states of the stat	E STATE OF S	
*	चारे,	>28	कानित्राहर नतकाद्र।	1/9	142	8	à	D•,4	ত্ত্ৰগত কাড়াল।	10/4	* 34
	কে,	45	ৰিৰি পদ্ম।	60	6	•	ডি	₽8	পতিও ক্ষাকার।	2.9	24
Š	७म,	>4.	ब्रामधम विखा	ર ૄ્⊌	5 40	٠ 🚁	À	र७२नि	বিশ্বসই দেব্যা ও	inter !	106
		>49	कानिनाथ एउ ।	w/>•	31/6			t i	কাজিকনল ক্ষ্যোপায়ায়		
, .	*	266	ia e	210/a	२५5 •	逐	\$	शक.	ছুৰ্গাগতি ভটাচাৰ্য্য দিং	२०	₹₩*
•	47,	88	ৰুনদী কঞলেরহ্যান	260/3	२१०/७	*	ši	۸	• વા	8448	- 8148
å	2	89	শুন্দী গোলাম রহমান।	440/2	Shot 9	4		70	à	le/ n	14-
۵	এইচ,	320	ভূসান খোষ।	340/2	240/4	à	46	30	₹	३०/२	>0/2
À	*	280	কালীযোহন সরকার।	178	310/8	3	ক্ষে	२५१	কৃষ্ণমোহন মিত।	lo/ o	No.
à	3	502	मकू थाँ।	21/0	21/20	4	কে	242	⊌ প্রীধর ঠাকুরের নেবাত	94/8	140
à	C# .	5.	প্রসর্কুলার দে।	1¢	פוב ו				कामीकान्त इत्या पिर		
¢	G.	520	কাভিকচরণ বহু।	Bhyla	ששוי	वें	কীউ	29	রাধানাথ বহু ও হর	>9/>>	>9/8>
₽,	Arya ঽ	650	मश्रूक्षन शामानाः ।	1	> 510		•		গোবিন্দ পাল।		
		83	क्रकञ्जाम रखः।	20/2	20/2	4	4	3.9	कानाडीम मधन मिर	લ્પા /ર	en.
P	4	>25	दिक्तानहत्त्व जात्र।	8 %	h.	à	44	₹8€	क्रकक्षामाम दस्।	ورداد	3:00
ż	পি	ده	मनीत्रकीन नवकात	#/-	W-	4	"	२११	কাশীনাথ ঘোষাল।	1/0	10
*	আর	6.0	नेभव्यक्त बल् ।	155	1	4	*	२ई	(कांग्रे निकांतिनी स्थि	0	>2
Š	*	25	এলাউরা।	2.2	ه , د	4	श्राव	>>	कटकान्यम् क्रकार्यकं निः	10	19
\$	4	, 5-6	নেৰ জোনাৰ আলী।	8800	81,0	4	*		का अंतर इक्तरार्ड नारा	2010	>61-
ية ر		A02-	সেখ জোবান আলী।	20%	30/2				ললের অসি ও খোদ বাং	·	
A .	à	>8¢	मधुळ्यम दामपात ।	j 519	9 9				क्रमात्र ठळावर्षि । विमयः		
P. Lan	4	>45	্রমানাথ ঘটক।	+1>+	450	A			बरम्भागिधाम् ।		
	3	30	*	1	210/4	4	. 4	90,90		210/2	28003
		•8	Ž.	81/-	9300	4	4	৬৩ছি	मिर	Heir	10
		₹ 🖘 :	5	12		*	₹\$.	80	जामकुमात इक्वर्डि विश	444	140
		320	दूक्शशाम कश् ।	באב			₹ 3 ,	120	बाक प्राप्त कोनी	hola	no
	1	204	मसू ये	الحاد إ	. 3	3	*	. 323	कृतन त्यासन मक्ता	10.	616
	उन		নৈএম গোলনে আলী	1 488		*,	*		देवामानका भाग ।	دنياد	

A

मियशका

" प्रवर्णतां प्रकृतिविताच पार्थिवः सराधनी श्रुतिनवती न वीचतां।

द कांच । द अश्यामा

मन ১२७२। ১ भोष। है। ১৮७२। १६ जित्मयत

মাসিক মূলা ১ টাকা 🚉 শাৰ্ষিক অভিনয় ১০ টাকা।

दिकाशन ।

গ্রাহকগণের প্রতি।

গ্রাহকগণকে স্থানান বাইতেছে, কার্ত্তিক ম'স অতীত হওয়াতে অনেকের প্রান্ত গো মপ্রকাশের মূল্য নিঃশেষিত হইয়াছে, অগ্রহা রণ মাস অতীত হইলেও সনেকের মূল্য শেষ গুটার, অভ এব তাঁহারা দ্বা করিয়া মূল্য পা ঠাইরা দেন। উক্ত মূল্য ক্ষিকাভা সংস্কৃত ক'লেলে আমাদিগের নামে পাঠাইলেই স্থান্ন মরা নির্কিন্দে ও শীপ্র পাইব।

বিজ্ঞাপন ।

আমি কাব্য নির্ণন্ধ নামে একখানি ক্ষাল-কার এড় ব, সলা ভাষার প্রথমন পূর্বাক মুদ্রি-ত ও প্রচারিত করিরাছি । মূল্য ১ টাকা। কলিকাতা মূজাপুর বিদ্যারর বংগ ক্ষাপ্রা সংক্ষ ত কালেজে জীম্বুক্ত গিরীলচন্দ্র বিদ্যাল বন্ধ মহালয়ের নিক্ষিট অপ্রস্থান করিলে কা ইবেন।

জ্ঞিলালমোহন ভট্টাচাণ্য :

বিজ্ঞাপন ।

এই ৰঙালয়ে নিম্নলিখিত পুত্ৰ গুলি বি
নেত্ৰাথ স্থাপিত আছে।

মেমনাদ বগৰাৰা ১ম জাগ স্থীক মূল্য ১০০

ই শ্ব ভাগ ১
তিলোভ্ৰা সক্ষৰ কাৰ্য ২ম বার স্থিত ৬
বীরাজনা কাৰ্য
ক্ষকুলারী নাটক
প্রথাবিতী নাটক
গ্রাহ্ম স্থান্তের রোঁ ২ন্ন বার স্থিত ৬

এবের কি বলে সভাতা / ২ব বার দুপ্রিত ৫০
শন্মির্ছা নাটকের ইংরাজী অপ্রসার ৩
বাসবদ্ধা ৫০
বাসবদ্ধা ৫০
বাসবদ্ধা ৫০
বাসবদ্ধা ৫০
বাহিতা মুক্তাবলী ৫০
তাকি কার নানচিত্র ৫
প্রাণির্জান্ত ৫০
বালেকের উপবোগিতা ৪০
বিন্তবান্ত আচন
বার্তান্ত আচন
বার্তান্ত আচন
বার্তান্ত বাজার বোল
ব্রান্তান্ত কার্তান্ত বাজার বোল
বিশ্ব ক্রান্তান্ত কার্তান্ত বাজার বোল
বিশ্ব ক্রান্তান্ত কার্তান্ত কার্তান কার্তান্ত কার্তান্ত কার্তান কার

विकाशन ।

আবার প্রণীত ভারতবর্ণের ইতিহাস বাঁহার প্রয়োজন কটবে, কামার নিকট মুলা । চল আনা ধাত্র। পাঠ ইংল অধ্ব। হুলালি প্রেসে অন্তসকান কবিলে এইতে পাবিবেন। ব্রীক্ষ চন্দ্র রায়, চাটপাড়।

विकाशन ।

সর্কনাধারণের গোচরার্গে প্রকাশ করা
ঘাইতেছে ও গলিশতাক্ত গ্রন্থমন্ত ও গর
বিদ্যুল সাধারণাত ওবং মাগর বলবিদ্যালর
সমতের বালকগণের উন্দাহার্থ গরন্থমন্ত
বার্ষিক যে নয়টি কবৈতানিক ছাত্রহান্ত প্রদান
করিয়াছেন জাগামি ২৯-শ, ৩০শে ৩১শে
ভিসেশর গোম, মলল, বুখবারে কলিকাভার
নর্দ্যাল কুলে জ সকল রন্ধানান্তিকদিশের
পারীকা হইবেক। ১১ বণসরের জ্ঞিকবর্মীক

বালকের উক্ত পরীকায় গৃহীত হইবেক আঁ।
কলিবাতাত ভাৰতীর বালালা পার্টিন
লার বালকগণ উক্ত পরীকা দিতে পারিকৈ
কেবল ভালাদিগের সকরিয়েরর এবং ক্লিক
ভার এক বা একাদিক পাঠনালায় অন্তর্ম দ্ব
নাস কাল অধ্যর্মের বিশাস বোগ্য প্রদ্ব
বাহার। দিতে না পারিবে ভাহারা পরীং
দিতে পারিবে না

বে বাগত আত লিখনে এবং পৃত্তক প্ অপারণ ইইবে ভাহাকে অন্যান্য বিদ্যু পরীক্ষার গ্রহণ করা বাইবে না।

বে যে বালক পরীদ্যোগ্যাৰ ছইয়। এই
কল ছাত্রাজি প ইবে ভারারা হিচ্ছস্থ্য
ভানং গ্রণমেট জুলে বিনা বেজনে শীচ্
সর পাঠ করিতে পারিবে।
কলিকাভা

:৮২২ সাল স্থা**বিভাগের ইন্দের্ট**া ১১ ভিসেদক

विकाशन ।

সর্কাগণারণকে জানান ঘাইতেছে বে ব যার সাতৃলপুত্র ৬ নীলকও সেনের মৃত্ পর ভালার লোন উত্তরাধিকারী না থাকা ভালার পিভানহ ও জানার সাভামল স্থান ৬ তারাটাদ সেল মলাশারের ধন সম্পত্তি ব্যবস্থালিশারে জানার জাধিকার হইয়াছে জানি একলে প্রগনে হাবিলিগানে কুনার হ গ্রাহিত্ত জানার মান্তাগ্রেশ স্থান বং বারি পুত্রিণী ও বার্ণন ব প্রভারণ সভা বার ইংরাজী ৯ ডিল্লেখ্য উল্লে গ্রামনিবাদ বারুক্ত বারু প্রোপ্ত জি লামনিবাদ বারুক্ত বারু প্রোপ্ত জি লামনিবাদ বারুক্ত বারু প্রোপ্ত জি লামনিবাদ বারুক্ত বারু প্রোপ্ত জি লামনিবাদ

त्ररकर्रे शहर, दिशाहि विश्वक केंक লক্ষ্য ক্ষ্যুত্র অনীরা বিশাভার সহিত ক্ষেত্ৰত । বিয়া যে যে গান্তি আ**মার মাতা**--শালু এমারত ও ইউফালি ক্রব্ন করিয়াছেন ্সামার জন্তাতে তাক্তি ধানাতর করিয়া জাবাদ করিয়াছেন উপ্যক্তিগাক বা তাঁচা मिर्। त अग्रोतिमानरक स्मेडे स्मेटे निवस्यद्व मा व আগালে বা আখার প্রারিণনেকে আইনায় সাপে শ্রাইয়া দিতে হট্নেন। প্রথমতঃ উক্ত नण हिर्छ ⊌ नीलक्षे (न्रुवन विभाष्ठ द दकान क्षिकांद्र व है, श्विष्ठोग्नकः प्ययोः औरमारगद्र শ্ম বিক্রায়ের অত্নাধিকার নার্ড আনভাগ তা ত বিক্রার করা নিভাপ্ত অফিছা

क्रियागुकानाथ वाग

न, १ अद्विका त्र ३०४३ मोल হিন্দুর, সংস্কার পাতিতে। 一四 南江美村村村

(मामधाकाका)

aলা লৌষ সে'ম**া**'্। बल्दल्योग्र ग्रंबद्धातम ५ छ। अक्री 'अवनःशक कोलन क_ि'लन ।

প্রতিভাগুর্মন্দার ব্যক্তি, নি:গর লেখ बूध इहें एट नवरत नवरः (य नवरः व ৰ্ধ ৰাক্য বিনিঃহত হয়, ক্ৰেন **দেৱে** ও নে কালে ফলাংলে তাহার অণুমাত্র क्रिक इस मा। यहाः क्यंन क्यंन व्यक्ति বও দুইট স্টাশ থাকে। পেশপ কহিরা न ' कान्य' विक्वास्त्रियानी 'इस्य' **एकन** र्व भुक्त-र्राष्ट्र । के किट्टीय । या **य रातिएड** ন আনান চাহৰ 🗦 মেবাও ঐশ্বস বিজ্ঞ शास्त्रियां ही हरा प्यार शास्त्र निर्दिश ाध कहिट्य । · है। अन्यक्षांतिक श्राह्म द्या मद्या कराहरदा । १ १ । जूरादी । व्हिंड इत । व्यामहा ञ्**कत के**म।इद्युक्त हुन्हें 🕶 🧸 **य वादश्रांशक** भाषार १ । . य ० क् व्ये विधित्र क्षर्या महत्र 📪 राजीय स्थार्थ (य कावह 1, उद्भारत, व्याप्त ध्यक कान ठ १ भारत साहित ।বিরঃ ব**হিত কাতিতেছেন।** বিজু দিন গুরে আমাদিদের ভুতপূর্ব ব্যান্ত **সামের সভাপ**তির আন

मदम केशविके हरेशी. अहे काहेन कतिवात क्रवार मंत्रित्राहिट्सूम (त वक अपन क-য়েক ব্যক্তির স্থানে যদি কোন আনে দাখা উপস্থিত হয়, নেই অপরাধে আমের मम्बात वार्किक म् इरेटव । अकटण वी-ভন সাচেৰ স্ক্রীপতির আসনে আসন हरेशा भे अवायकि ब्रह्मि कतित्ता । आणे मारहर रा कि कांब्रान ए कि युक्तिर ध क्षण जनाव विधि विधानन असान कति রাছিলেন, এখন সে চিস্কার আর ওংয়ে জ न नारे। बारशांशक प्रका 'घठीर्डि श्रेरड **এবং বৃদ্দেশীরেরা অন্যার দণ্ড চইতে** स द्रका भारेत्वम, बेरे अहे डार्ग प दिवत ।

वि, अ, देश पित महोका

আমরা পুনরায় এবিষয়ে হস্তক্ষেপ कतिलाग । खनली, क्रकमग्य अपृति क লেকে বি, এ, উপাধি লাভার্থিদিগের পা-ঠোপযোগি পুস্তার পাঠনার রীতি এবর্ণ্রিভ हरेटन व्यवस्थितिकाल यथा क्षेत्रकल विकास লয়েৰ স্বিশেষ উন্নতি হইবা উঠিবে সন্থে ৰ নাই। খেসিডেপি কালেজের বর্তুমান ইভিদান'গ্যাপক জীয়ুক্ত ই, বি, ক,উএল मार्क्टरात मृत्र मुलखिङ, महातिज धीत **्रकृति, मयावान् शर्विक वास्तिश प**नि অধ্যাপক পদে নিয়োজিত হন, কোনুবাজি च्ख्र दिगालरात जीवृद्धि निवातन कतिया ब्राधिट अमर्थ इटेर्ड २ अधानिकैनिएनव গুণেই ৰাজলাৰূপে ছাত্ৰদিগের বিন্যা ও চরিত্র শিক্ষা গ্রন্থটি ধাবকীর সদ্ধান অ--রাচর শুনিতে भारे, अधाशक उ उच्चावशाक डेक्ट्य মিলিয়া অনেক বিদ্যালয়কে উৎসন্ন দি-তেছেন। একপ হওয়া বিচিত্ৰ নছে। ব্যা थिके देववल महिकाशिक नत, श्रेन्टकायश्र েক:মিক হইবা-ধাকে।

(यस इट्टिश्च न! । शर्व कि लिकानक्क स्मिटिश्व अक्षे महिल्ला स्मिक इट्टि

ति चलान्यात्रं नीन स्थानी मुक्तान्हे व जाटकान कतिहा बादका । अन्ति कुर् कि, निका कारपा है क्षेत्रामक्ष प्रशासन किनाम नाइक्षण ता किसे ३৮%। ७५ में रकत्रिका मश्कांक जिल्ला मरका व वि ব্যার প্রসাদ করিয়া আক্ষেপ করিয়াছেন ! जिनि वरलन, २४७३। ७० परम क्वन এই এক বছদেশে ১৩ কোটি টাকা স্বায় প্র ৮ लक्ष मान राज रहेशांदर्श । व चांद्रश्च ज. রোদশ অংশও (এক কোটি) যদি শিক্ষাকায়ে প্রদান ভার-ভবৰ কি ফুতাৰ্থ হয় না ৷ পাৰ্ণমে **्षेत्र क विषद्त्र इस मस्क्रांम क्**रा कि नात्र मिप्त इरेएजरह ? यनि क्टर वक्न क्षत्र किळामां करत्रम, यह रामत्र छावि मर्जा লীন মদল লাভের মূল কারণ কি 🗧 চীনদে র্দারক্ষত তার সমাটিয়েরপ এক গৃহস্কে পুত্র भोज, कताल करी, शूजबष शक्ष बद्दकत পৰিবার পরিবেটিত হইয়া সুখে ভালাতি পাত করিতে দেখিরা বিশ্বহারিষ্ট ছইয়া ক্রিজাসা করিয়াছিলেন, ভোমাকে ভিন্ন বভাব অনে হবিধ পরিজন পরিনেটিত দেবিতেহি, অগ্য ভূমি গ্ৰপ সম্ভৱন কাল हतर् नमर्थ इहेर्ड्ड, डेडाइ श्रेक कि -গৃহস্থ উত্তর দিনেন, সহিঞ্জা সহিঞ্জা महिक्ष्ण ; आमहा असहे मण केंद्र करायह উত্তর শানস্থলে শিক্ষা শিক্ষা শিক্ষা কিন বার উচ্চারণ করিব

निका मरका इया मराकश दाहाड **এন্ডাবিত বিগয়ে ব্যাদের আনুকুল্য**ু হইবার স্থিতেশ্ব সম্ভাৱনা আছে। শিক্ষা কায়ে। এ**দত সর্বের অ**ধিকাংশ তত্ত্বাবধায়ক ও व्यथक्तितात जैनद्रमाथ स्ट्रेश बादक। ভাহাদিদের সংখ্যা ও বেতন স্থান করিয়া मिहे छे ह्या व्यर्थ यपि निकार १३ व्यथानर पिरशत विवरत विविष्यः किछ। कता रहा, रह व अभूक्तराता यकि वारमत कथा कूलिया कि एक प्राणित क्षा कि विषय सूति । विषय के व

।। अरे छिनाईरयर्ड बक्डी विश्वीत ेशत व्यमुण मुखे प्रेटिक्टर । मानास বেডনে সামান্য োককে (অম্প নেডনে ভাল লোক পাওল ঘাইবে কেন >) শিক্ষ ক পদে নিয়োজিত কৰিয়া অধিক টাকা বায় কবিয়া ভজ্জাবধান ক্রিয়া সম্পাদন করা क्ट्रेट्टर् । यांश्यां अहे वावक्राद्वद्व श्रद्भन কর্ন্তা, তাঁহারা মহাত্রমে পতিত হইয়াছেন। তাঁহার৷ মনে করেন, তন্ত্র'বধানই শিক্ষা मः जान जिल परिमालित कीवन सक्ता। व'खिंदिक छाष्ट्र। उद्भाष्ट्री निक्क नि য়েগেই ইহার জীবন। 'শিক্ষকগভ দোব ধাকিলে তত্ত্বাবধানকেরা ভাষার কত সং **लाधन कतिर्दन : त्म (मार्यत मश्राधन** মেন্টা করিয়া যে সম্পূর্ণ ৰূপে কুডকার্যা ছওয়া বাদ না, অনুদিন ত'হ'র অসংখ্য এমাণ্ড পাওটা ঘাইতেছে। কিন্তু উৎ কৃষ্ট শিক্ষক ও অধাপক নিয়োগের এখা যদি এবর্দ্ধিত হয়, **তত্ত্রবধানে**র ব্ডু অ পেका पादक मा। उँ जनित्त्रत क्रमत्य क्रक বিশুদ্ধভাব স্থানদৰ্শী হত্ত্বাবধায়ক (অপক্ के भिकारकत क्षराय लिएम च्युविधाराटकत প্রায় আধিপতা খাকে মা) আছেন, তিনি नियुक्त काला क्रिकिए ए कार्यक्र इन्द्रा ঠাহ।দিগকে কর্ত্তব্য সাধ্যের প্রেরণ করিছে (धन। वाहिर्यंत्र **कञ्चावशा**यकिरिशंत स्मन्त्र कासः क्रवाईवात्र क्रमका माहे । कं.शहा मृद्र थं: दिक्स, मर्जना उद्धावशाम क्रिक्सिक शास्त्रम ना, मकरलव आवात स्था करण कारा कर्न न कहियात कमफ १७ मारे। এই मकन काव **११ महब्राहत क्थिए शास्त्र गा**र, य मक्स निकारकत चायत कल्वधातरकत তত্ত্বাৰধান নাই, তাঁছারা অবসর পাইলে भारहे कर्जना माधरन जलता । थ वारकन ना । এতছিল, ভারতব্বের টাকার কড় ই ল তে, কড়া, জ্যারণও অসমত যুদ্ধে, কড়ক শ্বৰত বেভন সামে, কুতক চোন কৰ্ম हातिभिष्टचत्र केन्द्रित, कक्षणे व्यवावनात्र रेन ्रिक्टिश्व क्रिकेशिक ज्यानिक स्टेश

शांतक १ अरे नकंत भनव ८ ८ अश्वात निवं'त्रिक श्रदेश कि दाजभूत्रायहा उदक ৰধী হাদিবের শিক। কাফ্যে দানকালে मुख्य क्ष करेटड शादन ना हरेशांवरश्र বিদ্যাশিকার অনুরোধে ধর্থ/চিড চেন্টা পাইয়া সেই সেই অপৰায় নিধারণ কি বিধেব নয় > রাঞ্চ পুরুরের। তারত ভূমি**লে** কামছুখা বোধ করিয়া নিবস্তর অর্থ দোহন কবিতেছেন, কিন্তু ইছাৰ সন্তানগৰ অজ্ঞান वक्काञ्चरम मध हरेश वित्रम व्हेरल्टाइन. ইচা অত্যন্ত ক্ষেত্রের বিষয়। এই প্রসংখ সংকৃত আরবী ও লাটিন প্রভৃতির বিষরে বি, এ, পহীক্ষার সম্বন্ধে কিছু বক্তব্য আছে। এক্ষণে ইংরাজীতর ভাষার পরীক্ষার কলা কল বিবেচন। কালে বাখালা এভৃতি চলিত ভাষা এবং সংস্কৃত প্রভৃতি সচলিত ভাষা উভয়ই জুন:बट्रश সমাদৃভ হইয়া থা€ে। किन्द्र रिक अनुशावन कतिता (मधा बाज চলিত ও অচলিত উভগ্ৰিধ ভাষার ভূ-া नमानत विरथत स्टेरक्ट मा। अहिन्छ ভাষায় বৃহণ্ডি লাভ যেৰূপ পরিশ্রম ও ক্তুসাধা, চলিত ভানায় সেৰপ হওয়া काम करमरे मडाविष्ठ नटर । खळ अव के छा छे छ । यात्र भद्गीकाकाः विषय कनाश्या अमानुक्तभ भूतक'त ए ७गा क्खेंवा। त्रहे পুরকার দ'নের ছুটা উপার আছে। এক य नगरत भंत्रीका हव, भंतीकरकता চলিত বাৰলাদি ভাষার নিবিত এতে त डेखरवत महिड फहिन्छ मश्कृणि ভাষার লিখিত উত্তর জুলামুলা বলিযা नग्ना ना करत्न । छेनाइ. দ্বারা আমাদিগের বক্তাব:টা সমধিক পরি क वे बार्थ शांठक शर्पत्र सम क्रम क्रिश (मध्या गहिराहा। (व!व क्क्नन, अक्क्नन বাধাল। ভাগার আরু এক জন সংকৃত ভা বায় পণীকা বিভে*ং*গবেন। পরীক্ষক উক্ত য় পরীকার্থিকে পাঁচ পাঁচটা ক্রিয়া এশ निर्मम । के अर्थर विश्वक्रित के इन्छ क्रिक र कविद्रास । भट्टीकर श्रांष श्रांत प्राप

नवत कतिया पित्रा आकारण का तिया नवत पित्तन । भूगी का पूजा मूला ना कतिया याचे नरका पिछल नवत त्यन, अवर त्याचे का चना प्रमा विवत्त कार्ड का छाहा भूतन कतिवात नियम कार्य हरेतारे मरक्रण भूतीका मुख्याने हरेतारे

বিতীর পুণকারবান চার্কীরি কর্মন, এককর্মপ্রার্থী হইর। ক্র্যুন্ত উপস্থিত হইয়াছেন । মুই পাধিধারী। কিন্তু^ল উহাবিদের বাদালার আর একজন সংক্রের তীর্ণ হইর।ছিলেন। একপ ক্রের্ছ তাকে কর্ম দেওয়াই উচিত্র। আরু তির বিষয়েও এই বিরদের অনুষ্ঠ

31

শারতবর্ধে বর্ণ দুর্র প্রিক্তির ক্রি

वानिया ७ वावस्ता कार्य ब्रा ७ लाई श्रम ग्राट्य । अटब्राक्टनाश्रद्धाः खना बाह्रा काबाह्र हुना निवासिक থাকে, ভাষার সংখ্যা, ভাষামুদ্ অথবা আকার কৈট্যাকি, কার্য পन कता एत मा । **भारतक ता** প্রকার মুদ্রা এইলিক স্কর্মান বিদ্ ८कात मुखात गमन कर्मा स ना । अरे जातकार है और नाम है है निष माहेर, विषे हेरात कार्याच्या भटनक भगटत भटनक सञ्जितिया बाटने अक कर्णन क्रेट्स ६ रमनास्टर सूखा मेरेशा यारेगात चारभाक्छ। एर अक स्वतांत करों छेशहिष हा। किंदि भू मुखाद जीविटनय छेन्ट्याविका ह क्षिक कामक एवं रगरे चर्च क्रमा बारे । छ हा अहति करा अकि की

কালিকগীয়া ও অত্তেলিয়ার স্বর্ণ ধনি ्रित इडेशात शत **अवधि** धक हेश्नट ७ তিবৎসর দশ কোটি টাকার স্বৰ্ণ স্থা দিতেছে'! ফুলে ও আমেরিকাঘ ইহা আ भका सकं मूल नरह। अहि दरमत्रे ন্ত্র্র পারিমাণ রুদ্ধি হইতেছে। অনেক মর্ভাশার**্থিই এই আশকা** করিয়াছিলে ন, লেৰে বৰ্ণ অংশমূল্য ও হতাদর হই বে কিছা অক্ষণে এ আশলা অমূলক বলি हा अधि श्रम इहेश्वादक । विश्मिक वश्मत रूप व्यक्त अर्था वर्ष मूखा किल, তি ৰ্থসর তিন কোটি করিয়া ्टिहा अक जारमंत्रिकात ग्रेस . ज्ञुन ज्या इरेट इंडेट्यारण आंग्र ्राक्ति वर्गम् वर्गम्**का वा**निशास्य ! विक विक ७ गर्वगाधावरणव , वा इक्षेत्र, जारा स्टेरल कि देश চলিত 🖫 ত 🤈 উইলসন সাহেব बरवं वर्षक्षी हा अप्रशतनत त्य दानाव , छोहात । , स्टेल : धक्राटन ্য প্রায় ছুই কোটি টাকার গিনি, প.উ जामी कृष्ट अपूर्व अरम्भ वार् ক্তি ছুৰ্ড।বাৰপ্তঃ ভাষা এনেশীয় गत्रमित्मत्र कोर्चा ७ छमत्रद्योना করিতেছে 1

ওজন না করিয়া ইহার এক রতিও এইণ করেন না। স্বৰ্গ মুদ্রা প্রচালত কইলে ত.ত বা বিশেষত ৰণিকেরা হাছা ভবির দরের কিম বে লাইবেন। প্রসার ভিসাবে টাকা, ভা-থবা টাকার হিসাবে নোটের নাম তাহা शृङ्गीक करेरव मा। व्यक्तव अवगरमा हैय 🗬 ছাপুৰ্বক ৰণ মুদ্ৰায় মুল্য নিৰূপত কর। অথবা ভাহাতে খাদ দেওয়। স্থান্যত इट्टर मा। क.सिनियन, प्रजाति धार्तिमनि-ধিয়ান এড়তি কংশকলন ভূপতি নুদায় খাদ দিয়া শেবে ফুঠিও অপমান গ্রস্ত इक्सांब्रिक्त । शहा इंडेक अध्नत आंशांकि গের বক্তব্য এই, প্রধান প্রধান বণিকদিগকে ভাকাইয়া কত মুলোর খণে মোহর প্রভৃতি প্রান্ত করা কন্তব্য ইছা নিৰূপণ করিয়া স্বৰ্মন্তা প্ৰচলিত কয়া উচিত ৷ ঠিক যদি ১৬ টাকার খণে মোহর হা, ভাহা লইয়া ১৬ টাকা দিতে কে অসমত হইবেন : বাঁটার ভয় কর। অন্যায়। টাকারও কি वैष्ठि। लार्शमाः विश्वभाष्टर्गत्र मुखा स्ट्रेटल ७ যদি বাঁটা লাগে, ভাহাতে ক্ষতি কি : টা कांत्र मात्र हेरात्र के जानि अधीम कता কর্তবা। ইহা ছারা যে বিশেষ উপকার লাভ হইবে, ভাহার বর্ণন করা বাললা। একণে গতে প্রত্যেক ভারতবর্ষীয় স্ত্রীলো-क्ष्म शास्त्र eo होकाद वर्ग चारकः वर्ग মুক্তা প্রচলিত কইলে অলক্ষারের প্রতি करम अ (मनीविष्णात्र जेमानीना क्रेट्स, क्टिन्त धनवृद्धिस्टेटन, धनश्भवर्गत्यरकेत्र् दिलक्क मुनिधा श्रेट्य ।

u+ লাকিণাডা কুলীন বৈদিক ক্রেণী পুনর্কার ।

বিতি ২। ৩ মাস বয়ংক্রম কালে পুরের সামধ্য আছে, তাকুশ মধ্যক যেন মনে
বিত্ত এবং অপৌচাতে কন্যার বাপদান এখা ত করা হর । আমরা বেলভবাপ শকে
বিত্ত এই প্রেণার উপ্রতির একটা প্রধান প্রতিক্রিণ বক্ষক হইয়াছে। প্রিয়ক্ত আনসচক্র বেকর্ম করিতে কৃষ্টির ছিলান, গুলুন্দ
বাল্ল পারবানীশ নেই যুক্তি ও পারাহিক্ত ভাইছাল কাড়তি এসিল সার্ভিতিক।
বিত্ত প্রথম প্রবৃত্তন ক্রেইছে প্রক্রম আছাই আইন্টেন্টিক ভিনান চক্রমে

हरेशा अने ट्यांनीत मरहालकात नापर इक हरेशारहन, किस डांहात थारी खम इक्शारड माहे किसी मकल हरेगाः महायम रमधा बाहेरडाइ मा। माहे खम मर्ग्याधिक हरेना यणि अहे खानीत डेलकात माधिक हश्. अहे जालाश जामता भूनः भूनः अ विगरस्त यारकाल्यन श्रद्ध हरेरड-हि। शांत्रकान जामाणिरात अ व्यवसाध खहन कतिरवन मा।

<u>এরা অগুছায়ণের সোমপ্রকাশে মধ্য</u> ষ্ঠ নানিবার বিশাৰে যে অভিপ্রায় একাশ কর। হয়, বেদাপুরাগীশ ভদর্যায়ী হইয়া ৩০-এ অগ্রহারণ ব্রহম্পতি বাব আমাদিশে র নিকট এক পর প্রেরণ কবেন। ভাছা তে मधे इरेल, रेविषक खानीत २७ वाखिए র নাম লিখিত ছইয়াছে ৷ বেলাস্তবাগীশ উহ'র মধা হইতে মনোনীত করিয়ামীমাং ৰত নিৰূপণ করিতে কহিরাছেন। সাম वा अथरन एव कम्र महाश्रीधावास मधान ননোনীত করিয়াছিল'ম, ঠ:হার৷ বেদান্ত বাগীশের মনোনীত হন নাই। অভএব আমরা আরু মনোনীত করিবার ভার এছণ করিতে অভিলাধী নহি, এ ভার বেদান্ত वाशीएमद छेलदार नमर्गव कदिलाम। जिनि साहारक देखा मरनानीक कतिया अवर কোন দিন কোনু স্থানে সভা হইরা এবিধ রের বিচার হইবে তাহা ছির করিয়া পুর্বে পত্ৰ লিখিবেন, আমরা সেই দিন সেই शारन छेनविष्ठ ष्ट्रेत । किन्न अन्यता अक ही क्षांत डेटनच कता निकास आवभाक হইতেছে। উপব্যি বিষয়ে স্তিশাস্ত্র नहेश विठात छेनविछ। योहामिटनत रेनहे गुकि माद्र शांकिश ७ काश्रत सर्वश्रद गामधी चार्ड, टाकुण बधाय (यह मरनानी **७ कहा इसं। भाषता (बणास्टरान, भएक देव** किक् टबनीत वाश्वाम विवटत है। अब 📆 लक्ष्म कृतिएक कृष्ट्रिक दिलाम, श्वनुवासम ভট্টাচাল্য অভুকি এসিল্প সার্ভনিব্যয়ত্ত

कार एक महिल्क तमर्थ हरेटक । तम महिल्क तमर्थ हरेटक । तमर्थ ह

मंग्योक्षक वर्षानंत ।

ভৰমীয় লোখনিত, সোৰপ্ৰকাশ পঞ্জিকাডে (नशंक्तानीम वदानदनक् महिन्छ निष्ठाहार व्यादम स्व क्षात्रम् क्षाम्बद्ध नवेषादम्, त्य व्यक्ता ন্তাশৰ্কা বিবেচনীয় খনডিপৰ্বাক্ত শান্তা্ৰ श्वकेदन अवस वहेगांव। वदानवः । व्यक्तिक श কাশিরা অবস্থীর অধাবিব্যাত শীর্কিনতে ভাক श्रमादम नाविष्क कर्रियम मण्यामिक वर्षः भव । ্ৰহাত্তৰানীল মহালদের সহিত স্মৃতি লা-দ্ৰের বিচার উপস্থিত বিধার স্বানরা ত্বী **इडेशांव जा। वैशियां अहे स्थितिक स्वीणानाम** गरशाहरू चकारहुक कंद्रुक्व गिहा दंश कामकात्रियां शास्त्रम्, केविरसङ सम्मन शाला-न कारणत अस अ अमें भाषामा सम बरव । व्यर्ड-वना करवरमधीती विकासि नाम वाँव विवासक कार्यापक वस अवर चार्वकाव पूर्णकर ৰত্ৰ ফন্যা বিশহাতে ইভ্যামি শান্তও ৰদি वाजानकामस्याधक वेत्र, खट्य व्यक्तकांकील मञाभाग्रत वेतका विष्ठांबार्च १ वेटक लाग्रत विश्व নেট পাল, বুজি ও ব্যবহার এই জিডা বি रवांची त्याच क्षेत्रकरकः। बान कि व्यक्तिमाः। श्रीहोत गश्चिक्रक्षेत्रशंतकृष्ठ विद्वर्शक अवर ারসভা ঐতহ একং আর্ড ভট্টার্য কর্যানরের -एकिक्साति अ.इ. क्डोक्ट गांड मां करिया रवशास्त्राचीण असामस अमे जानून विवास উপজ্জি ব্যৱহানেন, অভঞ্য পায়বার্থ সেই नकन नाम् , विश्वकारन अक्षेत्र कशिनाव प्रक्रि পাক্ত-করিবের টু

कासम्बद्धाः हुतायः हैकाति (>) यह नवनाकि नहर हैकानां ब्राम्योदन नार्वः। कारनहर कासकानामांबकाकः नारं हेका-मीनकिमापं क्षितिकं कारकामांबकाकः।

(১) জীবালুকার মানিক পানিবিংশ হত বে। বিজ্ঞান জানুকার কার্যান কার্যান কার্যানত পা-বিজ্ঞান। नेलांदुर्गाणमंत्रिकेनंगानस्य श्रितास्य वि-वैद्यास, व्यवसाय क्यादिनास्य स्वादी-विद्यास कालक कुणनत्त काल केकि व्यवस्थाना वृत्रस्थिः न पर प्रश्नाद्यस्थानस्य स्वाद्यस्थानस्य स्व वर्षाक्षः न पर प्रश्नाद्यस्थानस्य स्व वर्षाक्षः न विवादनात्रात्र वालानकात्रस्य स्व वाक्ष्मिक केकिंगाः न वा विवाद काल्याः वाक्ष्मिक केकिंगाः न वा विवाद काल्याः

বান্দান্য বিধাহপুর্বস্ততাত্ত্বাৎ বিবাহস্যয় পরক্তব্যস্থাৎ তয়োঃ পৌর্বাপ্য'ংং বিদা এক कानमध्याद्वर म मखब्छ छ। बार मीचानाय मरबांः लीकां गर्वावित्रभार जांगाः बरवारक्रक काराध्य वीजांगटणन शृश्यांशामा वेदब्रवीर्गाणः (क्षेक कटका विवास्थवारू । वादानवादावादि ইজানেবৈৰ গভাৰিখাৎ ৰঞ্জ। বাশানিলা 🧛 বাহসন্ধারকদ্বের বিবাহস্য চ অক্সর্থন প্রীমূক र्वग्रद्धन निर्मित्रेषा० रकामान्युकारि विस्ति। **लंबर विवादकांनार श्रक्षरतिक्यर**्वामांनर কৰিব্যবিকি স্থিতং। অভনবাচাৰ্য্যভূত্যাৰণিং ৰালানভালোধি চূড়াকালাববিবিবাহপাছকাল-नर्राव १ देखि। क्यानदर्याणां प्राचिक्तां विद्यान ি দালানস্য বিশেষকালাগ্ৰণদেশাৎ বিবাহ পুৰ্বক্ৰাৰাক চুয়াকালাং পরং নিবাৰ कामभुवासर वाकामर विविजिमिणाव। कार्क-वक्ष कट्कर लोबी त्रवर्गाठ त्यांविनी वेष्णांति শাল্লন্য বিবাহকালনিরামকতে জিংগকর্মো बद्ध कार्याः सन्। सन्यानगतिकी र केकानि সম্বচনস্য তিংশক্ষঃ ব্যক্ষবর্ষাং ভার্যা-বিশ্বেষ্ট নবিকাং ইজালি নহাকারত,বচনদ্য ष्ठ कोशिदिखानीय शिकृष्टिक छ या करेगी **वर्षा** পৰ্যান্ত্যসংখ্ ডা জণহত্যা শিব গুসাঃ সা ক महा अपनी लक्ष्य केंद्रशक्षिकहैं वक्ष्यक हा শ্বস্থান প্রাণ্কালএব বিবাহকার। পরি। वर्षा करम्प त्रीमी केंकांविकमण्ड त्रांनामा व'स्थात्रं -- व्यवाचा वश्रवाच वर्षाकात्रक व्य ন'নাগ্রহমার গুড প্রনাবীকৃত বচনারাং বিজ্ঞান क्विशि गतिस्कृतः सः अकुरक्षः । अकि बादमा विवादत्कर निक्कि माज्यां विविद् हर अपूर शत व नामां अपूर्णकर देवलिया क्रजविविवासम्ब क्रजूर्व विवास विनामा स्मीमा बामकानिक्षिय गावि महि विविध्यक्षिका क्षिक विवादः नाक्ष्यकृति । विविधिकारि विवा-

रमा, श्वाहक्रक्तम् । नमस्य र माहित्य

Astrono.

दक्ष रामक নিশীয়ক মনে পরকারার शत अवह शत कारहे (भ) जाकः शह गरमञ्जू जोका ज्यार हुर्ज्यान रहेशी 'सीर्ज् रत जाशान, भन्न अहेशान - हेन्द्रा क्ट कर अविशास सद নকিতকান কৰি করিয়ায়ন ১ 🐣 সেই বালালোপৰাজ্য কাল (त्य नवटत्र शृदक्षत्र जेनवत्रत क्रिक् रत, त्नरे कांनरे कांगति विधारकां त्रक केव् क कड़िया जाई केडाई का चंधम सविवाहम्म, विक क्रिके कर क्यांड विवासकात विविद्ध क खेशमञ्जन **१९कांत्र नाहे, खावाजिए क्या** यायगान विकास निर्माण अवेदेश । Car to treat and the world! रेक जिन्नकोत शहर । जाह रव पाकानकार्ग काशानुहै में क्या वाटका भूषक्षा बाक्सक महिल डेटरइड जम्मिन क्षित्रिक्ष कांतव देशन रनाकामार्व्यक्र ही sácacs : a gaintiú -PERMITS AND INC. विवादि हुन्सिक्ष भावन विदासकील का प्तत्र शृक्ष विभिन्न <u>महत्त्व विश्वित्र प्रश्</u>या भून पुरुष नेश्वेस नोक्षाविनास्त्व जानाव ह विश्वासी स्थानक कात छविवाग गटकर । वकार कार्या र न्या र शासायी वार्के क्षेत्रीक विवादनांत निविद्या " निवाद मिनुहीक्षा , व्यक्षि व्यक्ति मिन्द्रेष बीहर्त विकारमञ्जू रकाम विरुग्ध विस्तिक

क्षेत्र क्षेत

कि से , त्रशासनाशीरणत निविध श्राटक स तिवरणाहत सन्द्रशासन श्रीधिनिय विताश रा । दशी स्रोत्तासिक, कविषय इत्याद्रशास कर्त वर्षस्ता व्याप्त सम्प्रमात शास्त्र वित्र सन्त्राणान रेक्ट्रस हिन्द स्रोत्ता स्रोत्तास्त्र राव क्या क्रिट्ट वर्ष इत्याद्र सिक्स्प्रक राव क्या क्रिट्ट वर्ष होत्रम स्रोत्तास्त्र क्या स्टेप । जास वर्ष होत्रम स्रोत्तास्त्र क्या स्टेप । जास वर्ष होत्रम स्रोत्तास्त्र क्या स्टेप । जास वर्ष होत्रम स्रोत्तास्त्र क्या स्टेप । जास

काशादकरे जेरगावदाक स्वेशक रहेरन मा, अ कथा मिलाम देवाच स्वेशक्ष्माच्या हत मा।

विशेष, विशेष भाग कीकात्रकार त्यान काम कामम कड़िएक स्टेटन मा। श्राचम श्राचक काम कमा। शास्त्र ममरग्रहका स्टेटन नहीं, किस काम क हान कड़िक स्टेटन।

कृष्णित्र, अकारन या चानाश्वीत अ च-योक्तिक वाग्रहान व्यथा ध्यविक चारह, काक्षा प्रक्रिक हरेता चाजीत व्यथा चन्न् क हरेदन। चात्रिरमंदन चाजता भूनतात्र करि-क्षित्र, बौद्धाता अहे नक्त विस्तृतना करि-क्षा बीजांश्या कार्या नमर्थ हरेदन, रामाच ब्रामीन काप्न या कान नथा चानिर्दन, चार्यता विक्रिक ना करिता कार्याक्र मानिर्दन, चार्यता विक्रिक ना करिता कार्याक्र मानिर्दन,

भुतकशांवि ।

अ-मधारम् निश्चनिषिण भूखनवत् जामः-प्रिरुगत् म्खगण् बहेबारम्।

)। धनविधान। हैरवाकोट**७ " हेकि**। १ त्रक कार विभिन्न हेर्न र बादन दन आह जाराह, ৰাপ্তাসভেত্ৰ আৰুংশতী ব্ৰিৰাণ্টৰ জীবুক্ত সাত্ৰ क्षाणां क्रांच पर किविशादम्म । ्राट्या गण वद्ध ८म्डी। क्षांत्र विकामित्रम ब्राइका । इंग्लैंट क निवयक्तिक भवे शिक्षाक क्या है है। ब्राह्म बारणाक नाइडेरे न जिल्ला कारमक क्या कार्ट्स रे भने, रहित्र, के बातिकारि 'न प नाम्बंदिक शिवसीय गेम विशिक्षांत्र चन्ना विक स्रेट्या

र तिवास अवस्थिति हैन नेपा से बार केर्या प्रकार महिल्ल हैना अन्यक्त हेर्या प्रकार महिल्ल बार प्राप्त नेपा नक्ष्मन नहीं हेर्या है। नेपा प्रकार कार प्रकार केर्या है। नेपा प्रकार कार प्रकार केर्या है। नेपा प्रकार केर्या क्षमा है से नेपा के स्था केर्या क्षमा है से नेपा के स्था केर्या क्षमा है से नेपा केर्या केर्या

विवि" आमा

২০এ জন ুন্ধ বেশবার।

ক্রিক বলেন, সম্রোভ আবার, প্রার্থ

ক্রেক ইউক্লাগীয় সৈনিক ও ভালানিলের

রি ইউরোপ ক্রিক নামিরাছে। ইবারা জান্
পাততঃ ক্রিমে নাহিলে। এবার জাপেকা

হত জ্যুদ্ধ সেন্য জাগিতেতে কার্ম ক্রিক

े अ चाइ ० वटनन के शनि व ्या भागक है इस्ट्रांस अहि सम् के चाज १ । हेबादह । अल्लेस स्ट्रांस वाक १ नव ना

स्क्रणगर्थः, श्रांका स्वयं स्वयं विवादा विक्रीं शास्त्रक असे हार्यक कुरतारे स्वयं क्षत्रिक अस्तरण स्वयं के त

Committee of the control of the cont

्याचारे शहरत कर्तात जन्मात्रकार द्वाप्त क्रिक विक्रीत ज्यानिक चान क्रिक क्रिक ब्राइ) ग्रहेश क्रिक चान क्रिक

free sails to only privated. The sails of th

प्रशासनाक राष्ट्रकार अन्यान कर्णा ।

प्रशासनाक रिवास क्षेत्र क्षेत्र क्ष्मा प्रशासनाक ।

प्रशासनाक रिवास क्ष्मा क्ष्मा क्ष्मा क्ष्मा क्ष्मा ।

प्रशासनाक क्ष्मा क्

्रहानवीकात् विराजीः, जातुनान्येनारं , विक (अ गांकि असे राजीवन विद्यात जांकुन्त् क) व्यानमान विक्रिक (विनेशन के नत विन्नुक बहैन) क्षीबाटक अवनकटन "इन्सने कनेटन नर्वेडा निक्रा मर् नेत्रिवर्णि । स्थानात मुनाव क्रिका वाशक कविनात नगरंत कारोत कार्निक बर्क नाथा-दर्व का बाबा का निवास जाएन स्केटना ब्राएक, श्रीवर कर्यहातिका द्वार्क काविएकत ट्रक द्वेष घट्टपा व्यवसांच बीटनेत 'औक शब नार्वेश क्रोटारम मृष्ट करिया विशेषार्थि मुक्ति करेबून । করালী প্রধানতন বিভারালয় ভালায় আৰ मर्कत्र कांच्या निवार्द्यम । क्रेमकांची नार्किन নিটের আগীল করাছত জীপতিত: ভাষার आने क्या देहरफेट्स मा है क्यों में असे दान जवाब विद्व मा वर्षेट्य त्य नेमाव स्वर्शमिक्टन्य निकेष्ठ व्यक्ति क्षाप्ति । ने

হিন্দালট কৰিছে নিৰ নিৰ্দিত সংখ্যাৰ মানি মুখ্যৰ কৰল

त्वनिरक्षि काकारमध् श्रीवन्द्रशासम् मा व नारमः जीनक प्रवेशाय कर्ष पा-चित्रक प्राथिको विश्वनामध्या कालीन मा सहस्र श्रीकोत क्रोपन केवन क्राप्त क्राप्त प्राथिकारम् वर्ष प्राथि (कार्ष क्राप्त क्राप्त क्राप्त

वक्षतिकार श्राप्त जानाराज्य क्षत्र गाउ जर्ज कराव मरकत क्षत्र व्यक्तरह देनि कर जर हे जिससे ७ काम यक क्षित्रक । यदन ज नर्गिकार क्षत्र श्राप्तका क्षत्रीक नश्ताह ज

THE PROMISE CHE COUNTY OF CHIEF OF

The sector falls sport

্টজাগতের পারিসহ সংবার ছাতা প্রত্তন চারক্রটনহিত ইংরাজ ক্নস্প থলিছাত্রন রাক্ষিণ বিভাগো একানে ৩৯,৫০,০০৮, ক্রা ভূলা আছে। ইয়াও শীত্র কর প্রাঞ্চ নইবার ক্রাকান।

कृतिक समाप्त केत्रियाद हेश्मदेशक का देनत्रिकात केन्द्र विकारका गृहिक शुक्ष प्रदेशक भव्याक्त्राहरू । क्वाह्य स्टेटन सार्थ, स्पानी कि क हेश्याकत्रिकात विचा क सामीनकाश्चित्र-कारक कर समिद्र ।

্ৰাৰরা অবগত হইবাব এ বেবিয়নে তথ্য বিকার বিচার হইন না। বংশানর হইতে কে সকল্যানি আমিয়াকে তাহা ইংয়ানীজে কেন্তুবাহিত বা হওয়া ইয়ার কারণ।

े १६४० चाऽाशासन मृत्रमासा ।

नाकन्ताहर रराजगाताहर कालन करक इ. शामना किमानरात गरीका घरेगा निमा-इ.स. भागना करकत वित्रार गरीका घरन इ.मि.क स्ट्रेडि जरर निक कि नाम क नर्ना इ.मि.क गाँउ जारे कालन सकान गाँक गर्नाकरण उगलिक दिलन । मार्गालक करि जानरात किमान वर्षमार्थ श्रामक मिनावाहर इ.सी. क्षानी क्षेत्र स्वाना कालनात हैने उन्हें

হিত্তেরের না। ভারতিই অতিরিক্ত আনঃ कान प्रतान शास्त्रिवहस्त्राह आयोग महस्रोहह हेशास्त्रव भावता सर्व मी उ

कता (यता कृष्टे ध्यश्रद्धत्र नवरह धक्की इक প্রালোক চাঁপাড়কার দীবিতে ক্ল আনিতে तिया जनमञ ब्हैन व्यानकाति कतिवादक। कार्टको स्थ्या श्रिम श्रेमित वाकारम अक वर्ग-बुद असरि चामिशाह चार्न रक्ना हिन । क्रांच् এক জেলেকে লেই খানিখাছ তুলিরা চিতে करक । अरम् अरम् पूर्वियां स्वयत पानिशास्त्री কুলিবে অন্তুনি গাঁচটি ব্রিরা ভাষার হাতের উপর গভিত হয়। ছাত আইছিয়া বাওয়াতে উঠিতে না পাল্মি। লোপজ্যাগ করিয়াছে।

আৰ্য়া ভালাৰ লাভ এলগিনের গ সভাবেদর হ' ই জ্লাক,'ডিনি জাগাৰি কে क्ष्माति बादव इत शक्तिबाक्टन भवन क्रिन ৰেন

र्वेश्वर्ग (अब्रोद्धन वृथ्योत्र এও কলা। সিঙ্কনি কটন কলিকাভার উ লা ভি খ্রীরাল্। রণভারির অধ্যক্ষ লার জে

बक्षतादेव क्रियान क्रेंद्रन, जुन्ध नारहर अन्वनंदर्शेष मादश्यक करण विवृक्तन

· উक्त गढ़ बरलन, १२ शनिष्ठ हेर्डेरज़ानीय रणनेपारशह रह नांद्रत अ**य जन टेर्नानिक अय** क्य वहाद्वरक दथ कित्रा शनीयन करते। अक् বশিক ভাগানে ধরিবার চেটা করাভে সে উি राटक छनि । स्टब्स, दश्चिक छाजाँदछ विदर्भव आचां छ द्यां । न' इहेश अश्त धांत दक्तां-ক্রির সাহায়ে। তাহাকে ২ ত করিয়াছে। अहै क्फिका वर्षे क्षित्र मिहाएँ का भी बहरव।

শিশ্ব শিশু পতিত ভূমি চালা নিমিত্র WE WELL T

AT A	क रिक
শাসাৰ ক্ৰি	22,52
1514	6.261
इजिशिक रेजिक	
7 7 7 7 8 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7	5.7000
SILE S. SER. LAWS . 44	कृषि (मन्यः
ernice Beigin m.	नीय क्रांट कर्ड

वहेबारक प्राथानि अविदेशिकातियन गाउँ ठ-कृषि २ विवर्ष शिक्षेश्च कहिएउ छाट्य मा : !

इ,क्वंबिक्रेन क्टबंब इ.स्फा नवान प्रतिवाद च्यादिकम स्कटन रिका क्रिके अवनेत्र छ। यात हैन-वय डीका अक कांट्रमृत्य हु कि होको शांता कति-शांदक्त ।

সম্রতি বেলিরা ঘাটার একটা বাটা ভঃ र्शिका करमक काश्वित्व थान विनर्ध प्रतेशाहरू । देशात्रा नक्टलरे मतिश बसूत्र।

গ**ভ পুর্বসির্নের শেবে প্রা**ওসুরি দব মর্ড**া** के अरदमन्दक विद्यारहरू, माबिर हे रहेता अणि সাৰাৰ্য সাৰাৰ্য মোৰক্ষা সেনিয়নে ওপন্ত করির। ভূরিত্ব কার্য্য বাভান। ভারাদিগের विद्रम अञ्चल मकसमात्र निर्णाख कर। कर्त्रवा । न्द्र मर्खान्हे अदयनम अविविधान मटा अह ৰোমৰ করিয়া প্রধান বিচারপতি ও লেপট मुके शवर्रद्रम निकट्डे 'ठाराजिएशव शद्ध द्वात्र ক্রিয়াটেন। স্কলেই আপন আপন কটের रूख रहेटड मृखिः नाटकत कडी करत ।

টাইম্স অৰ ইতিয়া ভাৰণ করিয়াচ্ন मन द्यांन ज्यास्त्रभावी ब्रहेटड याजा कतिहा । मत बाटर्नन निकक जात अक्की कहरिक नर-कां हर्क कुलाव वर्ष मण क्षाना कविद्राहित ভাষা হিল্পৰটিত ৰোক্ষৰা কালীৰ প্ৰকা-শিত হতেশ্ব সম্পূর্ণ বিশরীত ! বিশুদ্ধ অঞ্সয়ণ করিয়া কাষ্য না করিছেন এক্পী कार्नशक्त जातीत , अनाम वाकार बोटक ।

> क्षांत्रज्यम् बहेर्ड क्रमभा क्रिक गहि-बीरन जूना निरत्भूतन वाहरेका ॥ वस्नाइ : ७, ००, ०० वका निवादक, जालीवि वर्दक व्यक्ति वाहेशात्र मधावना व्यक्ति । अहे ह्राक्त के त्मरण प्राचिया अञ्चात्त्रके सक्का काल म विग्रिक्षा क्षा विश्व मान्य के व्यक्त ।

कुल अंदार वन सम्मानि होते ।

Spiretral stary forth to a di-तीय जग क्या व्हेरव । जानका अ**वे क्यां**क्या हिन्द क्षेत्री जुड़िस्त्र कार्या अधिका निर्देश वि मा । रावर्गरमंत्रे कितिर्वाद्यान्यानिके कार्य-न ? यक्ति छार्रास नकावेती बाह्य वाकि के बी-होत कत परित्रों कविष्टे गुक्राम्स वर्गे हैं वदश कारात अधिक है नकी कर्या ।

केक गढ चारडो मध्यम गढ विकेशसाम हो।

च्यु चि लावानिवरत वर्षानवाद्यक्रका आहित श्रीक श्रेताटकम ।. ४

श्विम न गटनम् अकृष्यम शक्त स्थाप्तम नरसम्। निकु बरला भूवल वर्षी डेडिड कि में नवर्ष्ट्रव के अविषदम्ब अक शिर्मा हो विश्वादक्य । इसक-य प्रक्रियन ७ कर्नम हिनद्वास विद्रशास्त्रीय क्रिश्न त्र बहे कार्या विस्तृ क्रिटिएट्ड । स्थन सुक्र आव्रक क्षेत्र उरकारन कि शबर दिव**े आक्ष** है.

সম্রাষ্টি বোৰাই নিগরে জয়ানক কড় ও २३ वर्षमा मधान वृद्धि बहेशा निशास ।

वाचाइरत्रत्र व नक्त निविश्रतम, शही-কোন্তাৰ হইতে পাৱেৰ নাই, গ্ৰৰ্থমেক ভা-रामिनाटक कारफाविमरामाटक छैन्यहँकम कार्यन् করিবার অসুষ্ঠি দিরাছেন। সিবিলিয়ানেরা माठि माजा बान (क्य १

अक्षानि है:बाबी लट्ड वृद्धे ब्हेन, १४२६ আনে ভারত বর্ণের নানা[,] অংশ **২ইডে বন্ধ**কে লে ২৬.৬০.০০° ব**ল্লা** কলা আইলে। তথ্য স वृशाप्त जातजनार्व 5,50,00,000 वस्ता कूला হৰজ। এতি বস্তায় চান্তি মুগ ডুলা থাকিজ ? এক্তে ডুলার চাব অপ্য হইবার একটা ঞ্ল খান কারণ **আছে। খান্টেইরের বন্ধ সর্বাক্ত** স্থ হাত ও দেলীয় বন্ধ কান্সভুক্ত হট্ডাছে, হা-(**एडेड जाताड पांत्रक्षम महेटक** मा कहेंहू: আমেরিকা ইইডে অধিকাংকা ভুকা আনন্তর करत्रम । "

होहेमन चार देखिलाल चाटनक्का**ं** सा প্রিত সংবাদকাতা বলেন, সিক্তর্র পাসা স্ট-रक्षत्र थान थनन गोर्गाहरू कि ना, कंक्सिए**ह** गणिक्ति वर्षेत्रा अक्षत्र हेश्त्राम वृक्ति नव्हरन खिवहर त्रिरणाई क्तिएख मनिश्राहरूम । त्यान रया, है,स्लाटच बाह्या; गानाई:अहे अरकीय कि-विकारकः। त्वरमञ्जूषाभी सन्न अस्त्रमः क्रिनी-इ. लेकिबियु विशिधक्य माहितगरम करे चान भारत अन्ता महिटल नाजित्व े अन्तिराज्या व्यक्तकार्वकार भारतः काली क्लेक्सिनिय THE THIRD OF THE PARTY OF THE P

CHIER MANTE WORK (BATT CHA REST कीं क्षेत्रमा करिएक कार्म के किया वा पता केन-Induced was paracely finds building পাকতা করিবেন না। কাল। উৎস্ট উপায় कारतक्रम करियादक्त ।

शर्यस्मद्देख जिल्ल जिल्ल ध्वानारक नित्र Calling Plant and restrate

क्षितिक क्षितः स्त्रमा स्तारकः	
ভারতবর্ণীয় গণামেটের	४,१०,३२,० ७३
वक्रामीव	: 60,00 229
वेल्ड्स शिक्षां कदसद	\$ 84,26,4-
শঞাবের	F. A. 6.8' 6.007
্বাঘ!ইয়ের	२,७३२०,४०३
গণ্ডার্ডবংশ্ব	\$0.75,228
क्रां किनाटकान्न	15,05,300
শাক্রান্সের	\$.38,00 bet
्यांके डाका	>6,58,55012

हेश्नाचीय अवर्धम हे कर्यक नामांविध छ-जियादन ६० नक कबिबी नहेरजाइन। मञ्जि ত্ৰাক্তৰ পুৰ আভূতির ধৰাও কিঞিৎ গি ब्राह्म। हेबारफर्ट बाब व्हेरफर्ट व्हेर :> शिक्षि हरेटल ३३ का कि के दे<u>वाद</u>क् । वो वो विकेक शवर्गरमध्येत हेशात कार्त्री क्षणनंत कत्। Fig.

<u>रक्ष अव्यय देखिया बरमन है डेम मारहर</u> श्राप्रवातारमञ्ज नाश्चितिव्यक्ति स्टेग्राट्स ।

উক্ত পত্ৰ আৰুও যালন আপঠার সদর ভজেরা গাজিপুরের ক্রের উপর অসেংকো-य अवाम कतिशारध्य । अहे कि प्रश्त । अखराह नीर नवाज कि अरे पूर्व छ निवित्रशान विहा ব প্ৰতির নিষ্ঠু রক্তা সম্ব করিবেন ?

১৮এ অপ্রহারণ শুক্রবার।

সর বার্থেস পিক্ষ জাগীল সংক্রান্ত কা ৰ্ণ ত্যোগ করিয়া সোমবার অধ্যি তান্য কার্য্য कतित्वम । मन् हात्रमम आकान आंगीन अ१-अ" ख कार्या याहेर छ इस ।

পুনা অবস্থায় বর বলেন " আফ্রি-কার নিজ্ঞ আছে কোন যুবক বত দিন পর্যান্ত যুদ্ধে শশ্রুকে বাদ করিছে না পারে তত দিন ভাহার বিবাহ কথবা ভাহাকে মুলুজ্ ব कियां शभा क्या क्या मा । वैश्वर दक्तादनत । अधि कि अ निज़ब शास्त्र का ? यांत्रा ध्वां वाका লির স্ভাব ও ক্ষরতার বহিত্র ভ। কিন্তু আ-महो अल्लान करिएछहि, चछतिम गर्वास नवा বালালী: এক বিষয়া, মোলনাবা উবাপিত करियों क्लान जिल्हा, विच्या गांकी ७ निरम

कार्कक विका विविधा वावाडीव विवासामारह ও কাপীল কালানত গ্ৰান্ত স্বাহী হটছা आश्रमिणिश्य छेरदकांत्र निरम् किथिर লইতে না পরিবেন, তত্ত্তিন ভাছাতে বিবা ह केतिएड लिख्य । ७ हिन्स महक जिल्हा कति য়া সক্ষামায় ক্ষুলাভ ক্রিবার অধিকাল্লী এতবিন বাকালিলি:গর হলগত দ্বিন বৰার্য वटि शुना भारत यात भिना। वट-न नहि, কিন্তু জীবন্ধি ক'বড়া বল্লাসেলে স্থাসিত্রা বা ক্ষালিলিয়ের ভূনকাত্তির স্থিত এ অধিকার্টী হরণ করিয়, শুইমাছেন পুনা অবভার্ষর नीनकिनास्य विद्वारे (विश्वरतके भाषत् मछ। कि मिथा। व भिर एकि झानिएक गाविस्वन পুনা অবজাববর ওরণ প্রস্তাব মা করিয়া यपि धक्राण अस्तोत कविष्टम व वांका जिल्ला যাবৎ ঘন খন জেজনান ও ছারাব নারে আ-মুগত্যাদি ছার: বিচারপতিদিগকে ভুলাই-তে না শিখিবেন, ভাৰৎ বিবাহ করিতে পারিবেন না, ভাষ্ট্রেল ভিনি নিঃস্ফের 29 धनाराम शाहरतन ।

গতকন্য নৌনহালে একটা ভোজ ও মৃত্য হট্যা গিয়াছে। প্রায় ছয়শত ব্যক্তি তথার উপন্থিত ছিলেন**া শাকেসারারের এজ র**মি-গেল্প সহারতার জন্য এই ভোজ হর নিমন্ত্রিত वाक्तिता अध्याप्त ११ । होका कियादिन। ম্পেক্ষ ও উইলস্ফেল কোটেল হ বৈতে ভাঁহায়া विना कारत जारावीय प्रवा शाहेश्रारक्त ।

क्षांडे मांगायुक्त क्ट्रेटड अक्सम विनिका পত्र कि शिशास्त्र निषम विश्व छ आरमपूर्ण स कामहोद्रमति श्रुकिय व्हे उउद्या । फ्रिक्स वक-प्रात्म हावड़ा ॰ वी ४ डेक शूलिय करेब्राटह ।

উক্ত পদ্ৰপ্ৰেরক সাধ্ৰ ববেন ছোটনা হ ওরাতে উভরে গবর্ণমেন্টের নিকটে আহে-। তেওঁই মললের বিবর। सम क्षियाद्वा । आश्रम जित्न एर विदास আপনারা নিশান্তি করিয়া লওয়াই ভ মুখ্য কণ্য ভালা পানিলে বান, মধ্যারা ও স্বাধীর ত। প্রাকৃতি সম্মান রকা হয়, তাকা না পারি-रमानक्षात विवास भवित्रों छैश्यम मा सहेवा आहे 134 छेशांत व्यवनायन कर्ता वन्त नरहा

টাইনস অৰ ইতিহান সলিকাডাত্ত সঞ नांत्र लोका बढ्यम होन्य सिम्हक्ष्म होन्छ शहिका

म गरकारत है १३ जो जाशाहम लाहु के विवर्ध एम। ब्रामा अष्टल गाडी मोज क अंक्ष्मी তিখটত পুত্তক १। ঠ করিছেছেন ।

बादराज होतेन परमव, मध्यकि कर्मक बाजिया (देवांद्र) अकटलाई काब लिक है है है **शर्क डेशनत्क द्यारिएक ब्रह्मजबाद्धाव, धूर्केल** निविव से नगर्निय शमन कहाएक छ।कालिह केंद्र সহিত অন্য অন্য শ্রেণীর- বোর্ছব গাঁকু रहेबाटक। क्षित्र बांब्राजनक किन्न व्यवहार्क करें वाणि अकरन शर्म बडेवा क्षांत्र विवास समान्त्र बन्नारम क्यम अक्षे क्रुमान चाटक्य मर्बेन्स थात्राक्ष श्रामित्रा विश्ववश्रात स्ट्रेश्य शास्त्र काम रिक्त बाममा बामाईका बाहरभई फानर्ट वृज्ञकारमञ्जा क्षेत्रः क्ष्म्रस्थ ।

विश्वम मानादेषित्व शरहकता बाद् किल्ला রীচাল নিজ কা श्रि जीरमाक्नर्भक्ते करणांत्र विगरत केक य लाठे स वदारहरू व्यक्षाद्वय कांग ऐसी ট্রা কার্বের স্বাহ करण जातिस १

२**३ जडारांब॰ अ**निवास ।

किनिक रहनम, कांत्रकर्वीद अवर्धस्त्री आज़बरमम स्टेटल २६ क्रिकेस जात आक्रिस: র জন্য কাথেন কুপার ২৪ একঞ্চন আর্থ চিকিৎ-गनरक्नरदात्रन कंदिवार्ट्य । वाहे जनक कारच्यू অন্য গৰৰ্থয়েই ছ্ৰ,৫০০ টাকা প্ৰেদাম করিয়া, रहत। अहे अथवाता <u>अंदलल्य स्रि</u>श्हर्त आहे डेरलामन कता कहे क्रिकीत पूर्वा हैक्सूना। अरमान्य लाकरक यमयान क ब्रमान किए १५ ई

ৰাজাৰ টাইবস্তৰেল্ভন্তা ভাভৰি-्निरहे हेत क्लिटमस्टलक् केंग्स अक्टन विवस्त र बहार के के शकः के बिद्धा हो है रेग। व्यवायनाः शश्चरवत ब्रामान चोड्रान्ट्रबह निरंक विश्वास , क थम केंग्रिका विक्री का नाइका नाइका है,

> পত্ৰান্তি ৰাজানেজয় প্ৰেণনভাষ বিচারাল-दब्र अनिवासमञ्जू को बात अवटन नव भाष्मन वित्रिहिस्स अवाह कार्कानहरूत मध्या जाता. **क कृति क्षक्रकेत्र** श श ति । जन्न विक हरू : त्रीदक्षा, esites कर लाक বেশ্বা ও ভাহার উপণতি खिन्द्रक् वथ कतिहा जारात शृ भर है। बाहिशा म्राट्य । अक वनिक अक

मक् किएड यादाः दिख (· अ·, ८क भक्तियाँ व रण মূন্ডন কার এই র করিয়া ক 母取 शेरराञ्च डिट्रफट्टम किर्देश क्रिश ्''त्र वाया कांग्रिः ें हार हों ता है अभाव 不包门 ्या ल १८७ मक्डेहा अपन गर्भिष শা তালৰ হট্যা 1 71 ব্যাং হ। এত। দ্ব ्र : - छेटेंच शका ह्यार्थ आह्य। अधा শা নামা হুরি প্রস্থা धाग्रदक्त, चरा-ন কিবেশা**ত ভে**ট लेश एजन बर्ग डर्-14. UTBBS #54. व्यवद्या नर्वा व म्_{रा} व दिल्ला**ञ्च**ा क रक ब्लंब कार्टि भूव व । रज्ञदल्दलः दिक बट्डा बद्द उन्हें व कार्य बाह्न क বাটিকে জাসিতে "

বিষ শক্ত উপটিড ধ উদর্শের ত , ह । विम्नशतकारमा का ८एचा ५ हेटळटक। भेड कार्स, इंद्र नक त . ११६व वाङ्घट क्ष: व बटचा बिलंब एमन ক্ষাপ্রবারী পোক ছুই ब नक रेम्रा उपांद एत्रंत करते। उन्ध म ।त्र त्माक कावनाई নিডাড পদে ২ । এছ লোক কোন भाकिता । प्रदेशियाः शहेरंड शास्त्र मा। इ.८५ निषिष्ठे जान শ্বিত ৰপ্তনীয় কৰে জা গৈল শতাশীর : वशिवा न्याडे निविद्या टक च क्रीश यक्टक यान किन्तु कर्यभी 🔃 निगक्त मञ्जात বিশাবিত হট্ট ে র পুনর্কার পূর্ব সং ৰ ফা'বাৰু স্বাণীৰ চি-कर्षे क्रिके जिस्ह শ্রা আর্ড করিনে हेःलधीय तिरिन त्मानाहरी निकार्ट ধ তীণ্ধদেম্ব জনার क्षु मध्यमान कतिहाः ু ডাডাহ**উক বাঁল্যা** त्व भट्डाब्र छेणात्रक 'र यथन दि**शक**ा कशिर्क नाजेल कारे ,६३ उथन च हे श्टब्स त अ । श्रम् चढ्रामधी नही भमा बड़ेदव म्लाडे द्वाप क्ष्रें कर्ड विक्र मानदः रिव हरका त्रिक्ट गोहर ब्रिट्नस्य जान्य राज्यरहे क्षेत्र व्हेट्ट ।

ताशन्त्रके प्रश्न द्वांकी श्रवकात कीय यानीत मस्यां^{ति} तिहा हो मण्डेख स्टेब्स्ट्न, 公司其中1回 主律 美国市门

णाबारक अंकार्य अवद्भाश शास पडे इतेन शासा ক ভিয়া 🖟 ইমানিউএলের ভিতীয় পুত্র রাজ্যুষার আমা **লবস এটনের রাজা হইবেন : ১৯৩**২ জনেন 🕻 राजात महे निध्य ज्वलनारह सूच्य हेरल छ असी हान हास মৌর খাষ বিশীর কেই উক্ত ক্রেবর সিংহাসন পাইতে है कि जिल्ला ने भी विद्यान यो । की महिल्ला आह । लान चन्यमी कर्युक क्षत्र (क लडेरबन मा । हेडाजी अक्टूब डे॰स , ण्युनारि বাধীন অভএৰ ব্লাশকুৰার জালচ্ছেড বিং कानन न। भारता कामक्रियरमञ्जू द्वार শসম্বাধিত নহে।

বৃত্তদেশীর ব্যবস্থাপক সভা

২৩ এ আগুলায়ণ শ্লিবার।

অ'লেন সংকেব কলিকাডার শুক্র অ'ল'য় जरवास विरम्भद जिल्लाकेक विधित दि^{र प}र अर्था । क्रिएलम् । धरे विक्रमिलन् हाकिन् । । व २०६१-তে প্রিডাক্ত ইল।

मञ्जीतारम अस्त्र अवन करमक गास्त्रिय अभ । वाद्य काक्र, क्वेटल भारमञ्जू मक्त्य टलांटकर करि माना करिवान विस्तार विकास निरमक्के कमिछि उन বিপোট কবিয়াছেন,ইজেন সাংহৰ ভাষ্: সভায় পাৰ্পত ক বয়। বলিকোৰ এখন ইছাৰ স্থাবশ্যক। छ। अकि। स्टिमांश ७ शिवेश में मंदरव वेद्रांग शितिनाम क्रिटिनमा क्रिक्स मध्येल्ल ए समा क्या नका अक्षत्रक इंडिशिष्ट विम अधीय हरे-। সাংভব কুলি প্রেরণের বিলের সিলেক কমিটির धक्र सम बखा इंडेरजन

ভাৰতব্ৰীয় ব্যবস্থাপক সভা ৷

८७ व सार्यक्रावन प्रथनीय।

मिहेन नांद्य क्यांत ज्यान विथ्य निथाते क विषिद्र विस्नोष्ठे अवाय कहिएकत । किनि देगा-द विद्याप काम अपन विश्व है विज्ञासन ना! क्रिंस आवर्ष ३६-७३ व्यक्तित २०वाहेन मध्या-थन विवयम अम्ब्रिश कर्मन कतियात मास्यापि क्षांबितन ।

द्दाविश्वेस शाद्ध्य द्वावश्वामि मकस्या कविया-त आहेरनद्र,मध्यापन विवक्त निम धर्मन करि-

माधारण कार्यात कमा कृषि महेराव विरमत त्व जिल्लाके कश्मिति प्रदेश करेंग. विवेक विदेशिकम श्रीहर क्षेत्रक केल जन नेका वहेरल मा

रेडिइंग्लीय नेबाहात ।

वेरल**छ। देरलटक्यंत्री चत्राटला** व्यक्तानंत्रन , क.विप्रारह्म , क्षान्त्रीच समस्य क्षेत्रम कृषद्वीप्रकृष ं विशेष प्रेटरण । श्रामकृषाती चाटलण अधिया त्राचीय मिनावे गांत सुनिष्ठाद्याः विश्व व अस्ति । विशव में बंद , फर्जिन हाकी प्राक्रमुबाहरण बहु-

क विद्राष्ट्रमा । प्राक्षकृषांत्र छीक्षांत्र क्रविकी । छ-विभीगणि अकान हैंगेनीएक आह्मा। अवक कत्रन विकास कि अभिनित्त शक् छात्र कट्टबर, र⁻ जत रांत्रजञ हि विश्वतीय म**रत**े आंत्रशिरसङ् क्षिके डेक्न्भाम चकि रक्त बहेरनमः मधान चन जिनात ए खाळक वहेत्र रहा :

क्षा मम् । हे दबल्या जिस्स प्राट्य दकात वृष्क इंखार्थ : कविवाद सना प्रामीता छ दें लाखा शवर्षायात्मेव विक्र शक्षा के ब्राम, किंव दी-দাৰ ভোগাতে সন্মত দম মা

অনিয়া। র'জাব এজার সহিত নিবলৈ আগ্রেছ र्वेग्रोहा व'कार क्षांके भूत खीरांत कार्याव श्री छ नाम करियार हान । छे छा स्मान श्री हा विद्वार चरिवात महात्माः

वीत औरतर बार्क्टवाकी ना ब्राह्मां त्रम्-नाम जाव जन्दक अन्। कविमादस्य। दक्ष ৰাজি ভত্ৰতা ৰাক্ষা চল নিশ্চৰ নাই। বোধ হয গুলি দেশীয় রাজকুমার ইপলিলাটি বাজা श्रदेख शांदमम्।

केंग्रेजि। सन्दर्शन्ति अस्मक श्रृष्ट् कडेट्रा-। ছেন। ফুলের সভিত ইউলিন পূর্বারত সো क्षास्त्रके । मगुष्ठि स्मर्त्यास्त्रका स्वाप्ताः শিশার বিব যা ভূচুকাভিজ্ঞ ছত্ত্মগতে রাজা বি-तेन क्यानिस्थल मुक्ति शहर सन श्रीकृति-धितक म्लाका किया हिया हिया हिया है का स्थान स्यान स्थान स्य ও জাবন পর্যাস্ত হারাকৈতে হয় তিনি ভাহাতে शतकार्य वादत । कवान केंग्रेक्ट अर्क उद চারি লক্ষ্য সেনা । ইয়াছে। জ্যুতগতি বলন্টির্ব मा। (यहेना ଓ मारकरवड़ श्रामाञ्चारच लिएमान) आमिराउटक। आ'रमविक। हाँहराउ काम विस्तान तः शक् कांकेश्व आहे।

भवर्गामक विकाशन।

कांकन (अभीत (लटक्टेंब के श्वर्यद्वस

आरम्भाजनावी निरम्भा।

२०० बरनवर--- मङ्गीय (छण्डि मिक्टिके हे ६ (छ पूर्वि को अहिन को सबी होने बब्लन कि मील्टर मामिल्ड्रिकेत क्याडा भावेरवत ।

२३ ध न दब बहु---- ब. दक दछ । जि ना : इव स-भीत्राहर त्छत्री स्वित्रमह ब्रहेश्या ।

कारक्षत, है, मांच सूदरक्षत्र रक्षश्री क्षित्रस्य श्रुदेशन ।

रमप्रेमके बह, स्काल केट्स (श्राक्तामा)-एति श्री दिनिधि ८७ भू ति कानियमस कडेरदम ।

थ्यम चान्ड वक्राम्नीव श्रांक्ष (सर¹क्स पु-कः च नवम कवित्रम सिक्ष मिश्रिकः आकिमध्यतः खन्नदर्श कावी क्षित्रताम---

दल्लाक्रेयके अक, छन्तिके वक्र अञ्चलका

·· fr, ap, buriu.

** 45, 45, 4m, 31, 11 1

"何, 如, 难得;

काकान का स्थापित का किया है है के कि प्राप्त कारण-क्रित कर्ने बोचल्यात एक केक क्षात्राह गांकिरगू-देवेत्र कर्भा क्षेत्रको भावदेशक। 🎄 अना किरनदम् -- निद्यानदम् मु व्यक्तितिक

cou se with annier could mimit. · इति। क्षित्राधि कावेश्मत रहावाद्यानारह विश्वीत देशनीय व्यक्तिय वाक्तिरकेरकेन व्यक्तिया পাৰিপেৰ।

श्रुवीत सरकाक वाचे विन्द्रां नाम निर्व देखा त्यमात्र प्रमिण प्रयोशेत्यत्र श्वेतिकेश वर्षेश्वन ।

थता जिल्लाक -- जि. लि, यह क्षिण गाटकर লিলাল বিষাধ্বতার ও প্রথমেটর এডিনি-थि केवील इहेरवन ।

car, fri, an weit wirae miereiten व्य जिमिष माणिएक है । कारणकेत करे देन ।

cm. ति. देख जारवय **कांत्रकांगांत्रज्ञ कां**त्र आश्र व्हेश क्षित्रका के चाक्रिका १२ श्राह्म-जारत अथम राजनीय वाधीम वाजिरहे हरेत छ Shee चा:क्य 50 वाचित्वव 5 शाहा वयर 5500 चारम् ३० अध्येत अञ्चलादा रखश्री वारमहेन इटेब्रा ८/ विवरण मयर्गन करियात डेमयुक्त व्याक-क्षवांत्र श्रथम विद्वार क्षत्रिएक माहित्यम ।

त्वन्ति वाक्षिक्ते व त्वन्ति कारकते व वास् त्राधार नावित्व बान वक्त सन्ति काका के कि कवित-भरतत अधीरम मर्क कर्द्धिन चर्च परमाञ्च, २३ शहरावाः, वर्षनमाः, क्षांबुक्तपुत्र क नाकद्रशरक भाकि के देवेद माम्बर्ग क्या भावित्वया

के, कि, क्षेत्रिका भारक्व कामालश्राक्त काथ शहिता काममा व कावेटनव २२ शहाक्रमाटक संबद्ध (अनीत महकारी माक्किकी हरेक के अन्दर कारकार ३० माहिएसस ३ थाता ७ ३४०० मारका ১০ আইন অনুসারে মরননসিংকে জেনুটি 🚁 स्थादिक जान अधिमान : जिनि आधा अभिक ८म भग्नि कवियात व्याक्षणमाह आयम विवास शक्टिक भाषित्व ।

Cक, अन्त नारधन छात्राज माखिएके है छ का-(लत्रेरवय महकः श्री व्देश्यम ।

46, बाम, काञ्चिमम माद्रक्य बांबाग्रहाय दांव পাইয়, ২৪ পরগদার মান্সিন্টেট ও জেপ্টি 🗃 दशक्रेटरम छ।व भावेटरम ।

अड़, भि. दि, मि. वर्गम सोटबक ८० ५० ० खाउ शादेश हल्लांबरन माखिएके है **व का**रलकेटनन कमा शहिर्दम ।

त्वरावक प्रवार्षे शहित अधिकारी विवाहक दब्धिकीय बहेरवया

(त्यामध्य दक्ष, क्षेत्र, दशक्त व्यक्तिमध्य नियाम La mela etten i

abi किकाबब-- अन्तिहे. (अगम मार्ट्स ध्यिमिए कि कारमस्यव धर्मवी के अपनावि-स्थान अ नाम मारक्षत्र श्रीडिनिधि स्थापिक ६ है-CER!

निश निष्ठि छल स्माटकता हुछै प्राटमन म'भारत विद्या: निका महाद्र मेखा कहैरवनह---

बक, ब, बक्किमरक्षेत्र, छ स्म द्वीत्रणमाना-**C**\$\$

कार क्षेत्र दल, जन, दलुकाम । CH, Parimo Alega!

दर्वी में हैं। विश्वासिक व व्यव ज्विश्व (क्यू-Brafferd's a confi viculantel die क्षण व श्रांचय असमीय पादीस पाविष्ठ है है व पर-क्यां शाहेत्व।

क्षे किन्मक्ड-कर्गार्डिटक, कारमन मा-ধের কারীক্ষক বংগর সভাক্ষি বট্টবের।

के है जित्मक्त -- मिल जिल्लिक कर लाइका विशेषक प्रकार प्रकार हित्यतः---

खबिल्डि, अम. एझांटकान मारक्व, मि. वि । P. D. cist nices

क, नि, बाने माहा।

cw. an, wingabie nices mania n'-थांद्रव विकार निका मेंछोत मात्कोलि कहेरवन। नित्र किथिन अप मानिका कतिकातार **ब्राटिश किल्ली के केर्ना क्रिक्ट**

क्षिडिक का नज़र नार्क्ष डेडेडियम, निश्व सन, तको

बांद्र शिक्षिणकः द्यांव तक्षश्रद्धव महत्र कांनी न ও সদৰ ब्राप्तक बहैरवत । किन्न यत किन धाना कोन काको वा वष्ट वाकरशहरून अडिमिध मध-व चाला पीकिश्वम ।

প্রেরিত

ব্ৰীযুক্ত সোমপ্ৰকাশ সম্পাদ্ক 2ª बर्भिय मबीट्रिय ।

की वस एटिस अहारिय दर्साथा (सम्बद्धाः ।

व कानम्बारम कीयन हिन्द कहारन शहा গ্ৰহণিত আছে ভাছাৰত সৰ্কাতাত্বতী উপ্পত वबर यथाय छोटांन आजांव छाउनतरे आद्याभिक्ति मह्याह्य दहाँचा छ भी अपूर्वाहर

वित्राकालीन जाकाक गांबाना सन्तरी ब्रमनी-शंदन्य ह वटा की गार्क करता खनीय खालाहर करणन्त्र श्रेष्ट्र के छ । अर्थ निक्र करें। भरेख प्रमानीसन महिना:"(वत की ईटकााडि: धरा উলে অদেশী অপ্রতিহত দাশা বিরাজস্ব ৰ হয়াছে৷ কতপত সীৰ্ভিনীগৰ অসাধানা ধ্ব প্রভাবে আ আ পিড় কুল ও প্রত্তর কুল অল-ल % करिया लियादक्षेत्र । यक्ष्मित इक्रेश छीक्षांत्र श्वा इंड हरेश्रा कर. धर्मनल डाइग्राह खडरिख त्री १८७४ 'कहमाजर्'। एवं गाँचे । क्या वर्षकांमा अबाच अरल क्रांतिय हरिया अह। वर्ष क्रम वश्रार्क পুলের প্রেটিসত বর্জনা প্রার্থ। প্রাঞ্জিত না পাক্ষারের রল্পীরন প্রেকানক পুরাবভীর **অব্ঞান** रि व नाम भः नव गर्नाटक क्रशांक क्रमिहाटक । अकारन रम खनवडीत की नम हिन्छ जिथित प्रके-८७'इ जिनिहें डेइ ति श्रम अस्मान क्या ।

১৮৪० एर करकेत क्यानक वार्य कर्णा জেলাৰ অন্তঃপাত্তি ক্ষমীয় বাগাটী মামক প্ৰাংশ ইণীয় লয় হয়। ইং বি'লাল নিস্তালিনী ছেবী। देनि डेकिनिड आधनियांनी प्राप्तनम् परकार-

STREET, SPECIAL PROPERTY. राजागाशाह का क्षित्र करें जिल्लाहरू, कि winer an. The guilte ander TICH THEIR THE THE THE महाभव श्व निर्मित्यर क्रमा अवस् नम कतिहाहिद्याम । मिश्वाक्रियी क्षेत्र के क्य कारम क्षेत्र चाकि मामाविक व्यक्ति ebufferma | Cirta febult gin कांवन्त्र कीरमध्या शतिकाह्य दुवर्ग निष्ठ अविजीत कर्गामालक विकास Gla d beub tafe it wie **मिन** 1

निशाविनी कुमानदार विकासम् क्षिमी प्रतिश क्षित्रहर्म सम्ब हरेगा। स्थ তালপত্রে বাজালা জৈখা কোলাল হৰ 🗥 वरात्रम ४९वरं कडीक संदेश क्या অৱশোতী দালবাধান'ড় বিশি 🚉 ৷ নাৰ চটোপাখ্যায় মহাসং CALL S. TISTABLE BEDFOTATION 64 41¥ उन्ना विवादकत्र श्रीत भी वर्ष यांच चंद -वाक्टिक देशस्थित। ऋष्टरः कीस्रवः कः राम ७ मध्यारकम मारक वे अ अ विश्वा लाजना र**णव**डी क्षत्राटक हिन्ने करण विकासभाग अधीर मनुस्क मिनुका के नोहांप्रभ र एवं क्रम क्रांत अक्रम हैं, खब्रा हिटेडविनी शावका व्यक्तिका शहर छ मारवा अधिकारत्मवर्षे बन्दरक मेशान मृत देनभूषा माठ कतिबाहि। महार १ स्पृष्ट अइंडि सक्त बड़ाइन जात ४ स्टेसर् ভিনি ঈশ্বর আভিপাদক দে দ্রাঠ 🍲 मानक नवत्र यानम कतित्रभवा विक्रिय कतिराहम । विश्वाच प्रश्न के विश्वाचित्र विश्वाच कूमरकात्वर कशीन दिल : का जिल्लि किश्वर करे महाबादकात 🚾 नार्या स्थि द्वित्रा हित्सम् धरः उत्ताद्भु । स्थात का वृष्टकाल क्वामाहित । स्ति देशमा व्यक्ताः श्नादत डीशत चलत नश्ना च ल लाहीत कर डीशाक (मल) अवन्य निरंड कूट ৰাজ্যার করিলে তিনি ভাগতে স क्षेद्रा अक्षांत केष्टत्राश्लीकामा प्राप्तः क्रिशंहित्सम्। डिमि अक्टम्स्कृष्ट्रे मृद्ध करा कहिएकम धवर सामीज जिस्हे याह অৰ্থ পাইছেম ভাষা দীম প্ৰিক্ত জাভুগ भिनादक मान कतिया अदर्शक गार्थकछ। ला एक । जात गुंबई गड़ी. कीरन मह জীগাৰ স্থিয় ডিজান্ত ছিল[ি] ফলতং ডি बीय बादस्य वालिहाक है से मामना, 4 H1 1

विकासिदीय का बोका दी। शलाक **८** शूव शवस कविरत छ।इन वर उर्दाव वर्षेट् য়াছিল। তথার ডি'ন একবার খোনজর क्रिकारहारमाञ्च, क.घ हम। व्यक्त रोशाव शतमस्यू श्रीषु इन्दर । भाग स्थानासः मिकाली मवस्रानय '।। कश्मीय उ की कु अध्यक्षत् का केन ए जी गुण्ड मार्गियोग हिर

SAMP I

পি^ত মাচাত অন্ধি **জীহার অগাচ অন্ধ**া ও विक्री उर्फ किन । किन वश्मदम चूरे जिन ংশ ভাৰনে উপজিত ক্টয়া সাধ্যাপ্ৰসাংখ

श्र त्या संभागि कविष्ठमा महिराज মধর্মের পান্তক বাবি পরিভাগে করি-

इन का । न्म वर्ष श्रद्धाक्रय नगरम डीकांस अपन गर्के बच्चा के कलाणिक नाम माछ्यनि। ্পাঁচ শ্ৰমৰ উত্তীৰ চইলে ডিনি ভাষার भरत राष्ट्रभठी बहुमाहित्समा अक्षमनवर्ष ामग्र जिमि धक्ति श्रम महाम अमा क-প্রতারি নাম জীমান সভাগ্রির। এক-বিহাসে তিনি প্রক্রিসভ্রতী চন। ' কয়েকখান ডিনি অভান্ত কন্ট সহা ধন, কিছু মাত্র আছার ক্রিতে পা-ा, प्रक्रीका नाम क्रिएम । १ ४७० ारम अवश्यास्यादश्याद छ है कार्जन at cated काक सकता श्चीय विर निष्कामा निराजी सदेवक THE TE , কালে েন্দ্ৰ ছাত্ৰ ছজাক পৰিপ্ৰাৰ পূ র চিকিং 'ভ্র: চরিয়াছিংকন। কিন্তু তা-हू यांक १३ शिवा वय माहे। श्रीकृति বলে বে 🌞 ুট শহলের সময় তিনি े लिल हो होन परेश चामी चंछर िक्के विक्रम शार्थमा कवित्म खीराह शास हि है है। कविद्यान अथन का-স্ভাৰৰ 👫 ব্ৰুণ্ড ভাৰণতে ভিন্ন 🕏 श्रम : साम्मात क्रम वहेत्यक कात-हिंद्या है । अवस्थि शकारत नेपादित প্ৰিত দ্বাদি । ভাষাতে ভাতার আনু । প্ৰকাৰ^{ৰ কা}ন্দল দিয়া কচিলেন কে निक्षे भ । इ इ क्षा कान करनहे ावा अटक विकिए का स्थादशत है विवत्र का हि ज्यात ^{अप्र} शहजव<u>न्।</u> शहत ८७।माह 'न वा न ^{का} ए कि मा धड़े कथे जा।-विकात स्वित्व जिल्ला स्वर्धी अकः क्षिरिकाका अल्लामा क्षित्री क्षित्रम क विकृष्ण में कृदिल अवर आधान छाला ानि करारकाश्चाक विकासित कि. লাধা মংগা অ'মার প্রতা ল'ডাই कृत करित " इ.५. हा भटवाश्वास्त्रहरमञ् इन्द्र जामी है। इन्हरू क्रिलन ? धाराजा क प्रथम कि ति ७ १ (क्षिण ना। घडना ম্বালে সম্পাণ কৰিল ম, ইপোৰ ভাষ্ড্ৰয় शिया द्विक च (नाम न न न वक्कि) শোক বো পুণপুণিব ন বংব কেন। কে **আবিছে এ। হ**য়, প্রহেশতে বিকট **बहे बकार 'शार्थना कर । न किं**न तभाव दक्क माहि खरे कथा है। निवाद क कृति । कि क्यांभादा सूना , तारे मृत्रा नय, 39 इत्रेम् **भूमध्य लाग व**रणमण कार ্জ ইত্যাদি, জাতি পাই কৰিলেন : এই বিগলিক গেতি কৰি, ৰদিও পাৰাণ । · क्षत चार्यत्र अक्षाम्ब क व्यवहानः क्षा . চথ্য আৰু বিশ্বাসাক্ষাকে পার্চে নাল ক্রথের পর ছিল ভার গতি ই , कांच जामका कवित्र। **डीकांटक** मला ही- | कांद्र कर निक्षा कथा, केलिनडी इस । ् । के शरीयम् १९५६ व महिरामां के टीक वं व्यू कीय अरु मिन, आनि मना सह ।

्रिक्षित वर्ष्यु कार्याचा लाख कविशाहिरस्य । योखन वश्याव व्यवश खीवां स्वर्श व्यवस्थान कारटक खेनाज कहेदलम् ख्रेन्स्य काँनाव वासी बहै विशवः खाँवाविश्रद्ध विश्वात्र कदित्वत व्य भिक्षरियद्य छ। स्थाप द्या क्रियम रक्षाव क्रिय क मनव ভাষাৰ বি**ল্লভ'ছখৰ কৰিছা ভাষাকে** বিৰুক্ত করা **डिडिड मरक। बहे अधिमननंदा उँ। हात चंएर** मरागरणम् अञ्चरका विकास कीशाह काथी छान्छन । वीमरणकारका विकासिका दलका सहाजेटलमा कियरक्रम भारत साथै क्षेत्रसम्बद्ध क्षान क्षान विष्य-ৰ হঃ প্রস্থিন রাজিনত ভাঁচার গর্মপ্রাৰ সভঃ তে जकरमाने घटन कहिरशान दर फिलि धराह १ का পাইবেন। কিছু সংখ্যাপা মুগড়ফিকা রূপে। श्रीत्वक परेन। शरप्त ५६६ कार्निक माध्य ভাঁছাৰ মৃত্যু চইল । সৃত্যুদ্ধ কছেক দিন পার उत्थात पत्न शासूत्राणी छ। शत अन्य पत्न वानिय विनियद्य 3. छ। का विकासिक विद्यासिक स्मा

এডকেনীয়ের। পূর্কাপেক। খ্রীলক বিবীয়ে यञ्चनाम बलग्रास्ट सामकारमेक छन्न गाउँ गाउँ रिशावजी बयबीद अश्या इक्ति इकेट करक रहते. किन्न विल्लावरक जुनश्य व व केंड, गार्किलड के, खूनीम, ७ विरुद्ध धर्मात श्रीधन विरुप्तातः ५ ५१ সমরে পুত কমা। প্রভৃতির জন্য ক'ওস না ইইরা প্রমেশরের এডি অবিচলিত ভবি এদর্শন ও विमानित आकृष्टि मध्यार्था मान कविष्ठ অভিলাপ কৰেন এক্সপ উলাবপ্ৰকৃতি কানিনী वास्त्रः अहे अलम सम्रम द्याद्य कहिलाय ।

पर मध्यभ्य ३४ be be ।

व्यागम ,

क्षीत्रामनः वर्षाः। निर्विद्ध (मारकद्र कथा, फुली जूनि करवा। क्षित्र जुली धूर्य छत्त्व, आह्न बाहि गर्य ॥ ৰায়! আমি কিন্তগোৱে ক্রিব বর্ণন। সচনাৰ আগে জ্মি, কেশম কেখন u ্স যে নায়ী গুৰুবজী, গুৰুত্ব সাগ্য । गटन ट्रांटन बाज छन, विस्टत भाषेत् १ क्'न क्षा ^१ बङ्गाल, क्षा क्षेत्र होत् । वर्ष शहन वर्ष हाट्य, रू.४८७ अहात्र ॥ স্বভাবে স্বভাব তাঁর, এমন নির্দ্ধ । मध् स्टाब केन्द्रीवय, यवी छन छन ॥ क्रारभेड कि करत यात्रि. खर्मन याक्स । कथान प्रशिष्ठ गाँउ, क्रिंग शायन 🛊 क्या हात्र, क्या काम, मामी वाक्या । आक्ष भाष अक्षत्रांश, लांचित कमन । ভিন্ন ভার স্ঠান্ত, ব্রাহ্ম ধর্ম ধন। खादे कृषि कर्नश्रदा, हिम न। य**र**ा। कड चिक्त भरत्र शहर कड चिक्त घरत । क्रमाधा । काजाव माधा, वर्गम तक करत 🤉 🛊 (महे बाल क्लवजी, ल्लांक गहिलक। क्ष छिशुद्द इस प्रयुद्ध श्रीकार भारतण ॥ क्षिष्ट धार्मात्र कथा. धिभिएक धमन । एश कर्य खुलाकरह, खुब। व निवन ह হায় তেন ক্মধা ক্লান, যে কবেছে পান ! হিল ক্ল পুৰুদান, পুৰুষার মতি:

क्रमा प्रातित पनि, प्रशास प्रका वे क्षित्र मध्यम दिना, यटन दिन प्रमं (म बन्न) मीरमन हाथ मीन बन्न) चकदिनक वर्ष (अधि, जक्क मध्य ह করিতে ছাংখর ভার, বোচন ভাষার ৷ ক্রিডেন নাধ্যমন্ত, তাম এডিকার 🛊 याबीदा कविक थान, व्यानमादमकीया। मक्कित मिली यथी, कांग्र। कांत्र कांग्र ॥ क बिरु उ विक्री दिल, मा बर्ट कि क्यांन । उञ्**रांभ काम्म संदा, व्यक्ति** शक्ष भ न। ८६ 'न एकन, अर शरनक महिल । ख}िल व्यक्ति दर्गारतः, त्य ख<छ'वृत् । শ্বর্জনত প্রকাশিকে, ধবি প্রভিন্ন। यथा ह.न जलाहरण, विशू मृह्दत ॥ जनका कालक कर, क्यांन् विक विदय । क्किंदिक निम सूचे ह क (क्यारम है। निरम ॥ द्वान इस पक्षतंत्र, धुना नहि स्वा व्यवानात्रा वक्तकत्राः, कदत्र कांबानः ह अ करि क्यू जिल्ल हम्न, कत्राव खादव। मरमहाङ डेमग्र व'क् , १४१८ड:इ क्यां । অধন এ মৰ্জ্য লোক, জনাৰ জনাৰ। এড কেন কুধ। কোড়িছ, এখালে বিস্তান ह यक अहिमार्थ देवा, इकेन अख्या। আলাৰ অভীত ভোৱে কৰিব গণৰ 🛊 ভেবে দেখ ভূখ কেন্দ্ৰ হোগ ভাব পতি। হল ভাষা অধানত কোলে ভাব জোভিঃ। আর লা লিখিতে পারি, লেখনী না চলে। निविष्क दलस्ती काँग्ल, प्रतिगाक स्टल ह ब्लाय कि'न त्यांत्वांत्रन, अम्मि धारम , হায়। বিধি বল কিংস, হট্য দীওল।

> 古明书• 兴省 শৰ্মা

लाआशि।

अध्यक्ष वांक् अवकृषा स्थापि शांत । ১२ on व्यवसम्बद्ध को देवलाचे शर्वाष क निष्क शियुक्त बाबू जीवाम शालिक 484 314 ১२७७ काबिन बहैएक काबन भ्यांख कार ब श्रीयुक्त वायु कालीनाय एक "SHOP STATE >२ ७२ कार्तिक क्**ष्ट्रे**एठ रेहळ अर्थास्ट कार क शियुक्त दाबू जीनाय ठाउँ।लायाम कोवाकार ১২৩৯ অনুষ্টেণ খটাতে ৭০ কার্ডিক পর্যাত। अभिगुन्त राज् हतिस्थाहन ब्रोह ভুকেন ছিট ১२५৯ कार्डिक व्येट्ड प॰ जायिन शरी छ। (कार ३० ঞীযুক্ত বাসু শচুচক্র বাস ভাড়| **>२७७ काम क्वेटल १० लाउन गर्यास दकार ३०**

এই পর কমিকাভার গর্কালাভায়া রেপকানের কৌ-माञ्च दक्षेत्रध्यप्र कृत्यन प्राथित्यायाः विवानकार्याः विकारमुक्त्रमञ्जू मुक्तिस्य व्यक्ति अर्थामिका स्वयानिक एव ।

(माय्यव

" प्रवर्णतां प्रक्रतिविताच पार्थिवः सरसती सुतिनहती व श्रीवतां।

७ मःभ मः

मन ४२७२। ৮ (भीष। हेर् ५৮७२। २२ फिरमध्य

1100 THE 20 PR

. " বিজ্ঞাপন ৷

আমি কাব্য নির্বিদ্ধানে একবানি আনং আর এছে বালনা ভাষার প্রশাসন পূর্বক মুদ্রি-ত ও প্রচারিত করিরাছি । মূল্য > টাকা। কলিফাতা মূজাপুর বিভারের বত্রে অথবা সংখ্ ত কালেকে জীয়ুক্ত গিরীশচক্ষ বিদ্যান রা মহালরের নিক্ষে স্ক্রান্ত্র করিলে গা ইবেন।

क्षिनामसमायम च्ह्रीठार्या ।

विकाशन ।

এট মহালয়ে নিয়লিখিত পুত্তক গুলি বি-ক্রবার্থ স্থাপিত আহিছ। **व्यथनोम वधकायः ১२ जोश नशैक गुनः** ১।० र य जारा তিলোভ্যাসভব কাৰ্ ২ র বার সূত্ত বীড়ালনা কাব্য 100 চুক্তমানী নাটক शबावकी नांक्र বুড় সালিকের খাড়ের বেঁ । ২য় বার মৃত্রিজ ৶ একেই কি বলে স্ক্রাডা ১২ র বার সুঞ্জিত গ্রু भन्तिका माहितका देश्वाकी ज्ञासनात . সীভাহরণ N. বাসৰদত্য माहिका मुख्यापती 230 पूर्वांन उत भाकि का भानिह J. প্ৰথম পাঠ 110 ঞাৰিয়ন্তাৰ शामदक्त केम्द्रयाभिका ii. हेनकाडी दलाइ जारेग देशसम्बाभ प्रकालक

'क्रोकेशक एख वह (कार

मरे अन्य यस्त्रीकान हाक

বিজ্ঞাপন।

गर्कगाधात । शाहराहर्ष श्रांता कर्ता वर्ता वर्ता । शहराहर्ष वर्षा कार्य । शहराहर्ष वर्षा । शहराहर्ष कार्य । शहराहर्ष कार्य । शहराहर्ष कार्य । शहराहर्ष कार्य कार्य । शहराहर्ष कार्य कार्य । शहराहर्ष कार्य कार्य । शहराहर्ष कार्य कार्य कार्य । शहराहर्ष कार्य कार्य कार्य कार्य । शहराहर्ष कार्य कार्य

কলিকান্তান্থ বাৰতীয় বাজালা পাঠশালার বালকণণ উক্ত পরীক্ষা দিন্তে পারিবে।
কেবল তাহাদিগের সচ্চরিত্রের এবং কলিকাতার এক বা একাধিক পাঠশালায় জন্মন ছর
বাস কাল ক্রাণ্যনের বিশ্বাসংখাগ্য প্রধান
বাহারা দিতে বা পারিবে তাহারা পরীক্ষা
দিত্তে পারিবে ।।

বে বালক প্রণত লিখনে এবং পৃক্তক পাঠে অপারণ হটকে তাহানে অসঃনিয় বিষয়ের প্রীক্ষাৰ গ্রহণ করা হাইবে না।

বে বে বালব পাঠীকোন্তী (হইয়া এই সকল ছাত্রহাত্তি প উবে ভাহারা হিন্দুভূলে বা
খানা গাণামেট কুলে বিনা বেডনে পাঁচ বং
লর পাঠ করিতে পারিবে ।
ালিকাভা

১৮৩২ সাল স্থাবিভাগের ইনুপেটার। ১১ চনেবর

विकाशमा ।

ं नर्वमाधात्रशत्क जानाम वाहेरसद्द व्याप्तः मात्र वाष्ट्रमधूल ⊌ मीलक्के लागत पुरस्क

गत **डाबात स्वाब स्वद्यादिकादी** स তাহার শিভাবৰ ও আয়ায় বাছারত ারাইক নেল হেলিয়ের মন ক্রা गुरुप्रीस्त्राद्व जाव व जारका के मावि अमरन नवनारने शाविकासकः আনস্থিত আ্বার অভাবদের করা 🙀 वाज नुकतिनी के महत्त्व ३० महत्त्व বার ইংরাজী > জিগেশুর উক্ত 🗃 व्यक्तिवाद स्थानाकान बरक्ताला শয়কে বিকল্প ক্ষরিল, ২৬ স্থান্তর্গাল্প 🖰 करना एइटबडेनि करिया क्रिकेटिक ⊌ नोलक्कं त्यामन वर्गका विकास गार्थां कवित्रा द है या कि स्वासी মহ সম্পত্তি এবারত ৮ বর্ত্ত ক্রাই बर भागात जन्माए द दांची वाताबत जी भाषानार क्रियोट्डमः लागिकिन्द्र के क्रिय निर्गत अवस्तिमानरेक देवते देवते विकास कामादन क्षेत्रकार्यक उन् विश्वनदक PICE SALEN TOWN AND COMPANY गम्ब्रिटक 😾 नीमक्द ल्याना विवासात्र र अधिकात वाही विकासका अवोहा छोटा शान निकारतक अवार्तिकांत नारे पाछनः হার বিজয় করা বিভাগ্ত অসিছ।

নৰ ১২% বাল সাং গারিছ ২৮% সাক্ষায়ণ হৈত লোভার প্র

করিদপুর জিলাত অতঃপাতী বাইটে বাইকভপুর নানে বে পাছনি ভাৰুক ক জালা দরপতান দেওয়া অথবা বিক্রা বাইবে। বাঁলার সেই ভারুক দরপাত্রী বাইবে। বাঁলার সেই ভারুক দরপাত্রী কলিকাডা য় সাড ব কিংখ রভাত জানিতে টে আবে দন করিলে সবিধে গারিবেন

দোৰপ্ৰৰ

ক্লা প্রান্ত বে ব্যবস্থা সলা পৌবের প্রান্ত কালা প্রকাশে প্রকাশিত হয় ক্রিক্ শানা লচন্দ্র বেদাত বাগীল তহুস্থার কর্মানি প্রেরত পর আমাদিদের নিকটে প্রেরণ করিয়াহেন, তাহা ঘণালীতি ও সংক্রেপে লিখিত হওয়াতে অ'দরপূর্বক গুহীক ও গণাছানে প্রাহাতি ছাল । অক্রান্ত ও রথা বা বজ্ঞা না করিয়া ঘণালাল্ল উভালা করিয়া ঘণালাল্ল উভালাক করিয়া বিভালাক করেয়াধানা

লোগ লোগপর বেলা ১০ ঘটি

নেরে নির লিখি পত্র থানি আলা

হস্তগত হইরাদে। পত্র পাঠ করিরা

রে নাই বিক্লণাত্ম হইরাছি। আন

রু নাই বিক্লণাত্ম হইরাছি। আন

রু নাই কিল্পাত্ম হইরাছি। আন

রু নাই কিল্পাত্ম হইরাছি। আন

রু নাই কিল্পাত্ম হইরাছি। আন

রুক্তি নাই ইন্ন নাই পাঠকরবও তাছার

ক্রেপ্রাইটি ক্রেটন এবং বাঁহালিগের হতে

বিলোবত করিবার ভার আহেন
ও দেখুন, দেমন ব্রুক্তি অর্জন

হচ্ছেন। সে পত্র এই—

त्राभद्यम् ।

নাগামি শনিবারে প্রফোপনকে আমাবিদ্যালয় এক ম স চারি নেব জন্য
ইবে, এবং আমি ও নিজনাটাতে ঘাইব।
বি আপামী লোমনার হইতে আমার
বিশ্বস্থাত মেহেরপ্রে না নাঠাইয়া

আম , আরো একধানি সংক্ষিপ্ত পর লাশ করিলান। যদি এতৎপরা কার্যা আনুষ্ঠিত ক্র, ' । নেকের অ-। মুর ক্ইড্রেই পরা এই---

সম্পাদক বহাবার : পূর্কবাললার রেলওয়ে কোম্পানিয় বে কএকটা দোৰ দুই হটল, তত্ম था क्षांत कक्षे कता है तिथल दर्खता, তাঁহারা অবগত হইয়া সংশোধন কর্ণন। বে সমুলায় টাকিট মুদ্রাব্দিত হইয়াছে সে সমূল: बहे हे १६३ कि कार्याव मुख्या गार्थातर श्रेत चनमा मदर, नमरत ममरत है कि विति वर्षका विता पूरतक हैरडेनरनक भायन नहेश निकरण-त है दिवेनदनत है कि है प्रिया है दिक्क का बाय অনভিজ্ঞ লোকদিশকে ৰঞ্না করিয়া আপ नात्र। विनक्षभ नाफ कतिएउएसन । श्रविकेष লোকেরা ভঞ্জন্য অপয়ানিত হইয়া খিওৰ ৰাত্ৰ দিয়া আৰু পাইডেছে । * ইহাকেই वटन नारम कड़ि मिन्ना पूरव शान " এक्टन কোম্পানির উচিত, ভাষারা টিকিট ইংরেসি ও বালালা ছুই ভাষাভেই মুদ্রিত করেন।

ब्यान चारतारी क्यांत वाली

श्रव श्वितक स्य निवित्ताहरूम, अक हेकेन्नरम्त्र मानून नहेश मना हेरकेनरम्ब्र
छिकिछ राख्या हरा, अकथा भ्यथार्थ मरह।
भागता नहींग रामाध्यारण भागताभागम क
वित्रा थाकि। श्वातहे राधिरण शाहे, हेरवामी गम्बिक भारताहीता, कान हेरोजन हरेर काम हेरकेनम श्या व छिकि
छ शाहराम्म, भागाणिभारक छिकिछ राथाहे
त्रा जानिता नहेशा थारकम। छिकिछ स्थाहे
त्रा जानिता नहेशा थारकम। छिकिछ स्थाहे
नामाध्यान हत्र जाहा छ हेहाद बाह्य हे स्थाहे
नामाध्यान हत्र जाहा छ हेहाद बाह्य है स्थाहे
नामाध्यान हत्र अहि रा अवस्था हिन्दाना स्व

जन क्षेत्र गोधाद्वा ग टाव्यक न विश्व त्रेष्ठ त्रदश्

STR GOTHE CHEST

হইরা থাকে। বাহা হউক, পত্রপ্রেরক ইংরাজী ও বাললা উকর ভাষার টিকিট ছুত্রিক করিবার বে পরামর্শ দিয়াহেন,, ভাষা উৎক্লুক সংক্রুক বাই। রেলভরে কোম্পানিদিধের এ পরামর্শের অনুসরণ তরা অবশ্য কর্তবা।

> সক্তৰলেব্ধ বিচার কর্ত্তাদিগের কাষ্য ও চরিত্র দর্শনার্থ জ্বাবধানক নি-

> > গোলের আবশ্যকতা।

অদা আমরা আরো চুই থানি পত্র এই স্থলে প্রকাশ করিলাম। প্রধান পুরুষের। অতিনিবেশপূৰ্বক পাঠ কক্সন, দেখিতে পাই त्वन त्र नमस्य विष्ठात्रकर्छ। नक्तिज्ञ, श्रीत्र 2:-ক্লভি ও ঘথাবিধি শ্বকর্জন্য সম্পাদন কর্ত্নিভে (हन, फं.हाता अक्काशत्वत्र क्यन चनुत्रः। ভালন হইতেটেন, আর ঘাঁহারা ইংার বিপরীতশভাৰ ও বিপরাতকারী ছইতে-ছেন, লোকে ভাঁহাদিসের এতি কিবাপ বিরাগ প্রকাশ করিতেছে। প্রজারা প্রা-ভ্ৰিবাকদিগকে যোগ্য গ্ৰৰ্ণমেণ্টের যোগা প্রতিনিধি জ্ঞান করিয়া তাঁহাদিগের হত্তে ধন, প্রাণ ও মান সমূদায় সমর্পণ করিয়া নিশ্চিত হইয়াছেন। কিন্তু প্রাডিব্রাকেরা যদি ক্রোধাদিরিপুর একাত পরতক্র হইয়া তাঁহালিগের সেই সেই অমূল্য পদার্থের त्रकर्त वाध्यमना ना रहेश ७, हात रखा हन. প্রজাগণের বিরাগ ভাজন না হইবেন কেন? व्यन्धावन कतिहा (मधिटन धरे विज्ञांश কোণার পর্যাবসিত হইতেছে বলিয়া প্র-कीत्रमान एरेटव ? जात्र, आण्डिववादकता উদ্বত্যাদি কারণ বদতঃ প্রজার প্রতি অ-मार्ग कतिरम उक्समिक अवार (प्रकारी) है दा तक इंट्रेट्स । शवर्गरमणे कि सिर् वि-क्रांत्र ७ अकाराव्यांकी बरहम । नाजांका क्राय क्राय च्छाच हुए० व्हेश शिक्तारह. প্ৰাৰ্থন সাহীৰ সভাৱিত ও উপযুক্ত 🐞 🕃 ব बार बिर्द्राचे महाविक यह, बक्रव

ণাছি গড়ের পড়ে। " ুর্বন, ভাহা ফইলে ব্রেদন ইভি:

TEFF.

"ইয়াক অন্তের অবাবহিত পরে এক দুপ্র দার বনিক ঐ ও'দেশের সরুভূলিতে হত "ইইলে পর উহার অনাতর বনিকের সাজা গজনীতে উপনীত হইয়া ঐ বিষর সুলতান নায়ুদের গোচর করিয়া বিস্তর বিলাপ ক-রিলেন ৷ নায়ুদ বলিদোন, রাজ্যের তত দুরে শান্তিরকা করা ভাঁহার সাধ্যারন্ত নর । তাহাতে জ্রীলোকটা নিঃশঙ্ক চিত্তে এই উত্তর দিলেন "তে মার যে দেশ শাসন করিবার ক্ষমতা ন,ই এবং বিচার দিবসে তোমাকে যাতার রক্ষণাবেক্ষণ কাথে। র অবাব দিতে হইবে, সে দেশ গ্রহণ কর কেন : ই

স্থানে স্থানে বিচার পতির দোবে বে অবিচার হইতেছে, তরিবারণের ছুটা উ-পায় আছে। প্রথম, প্রাঞ্জিবাক নিয়োগ কালে সক্ষরিত্র ও উপযুক্ত পাত্র দেখিয়। निरम्राज्ञिक क्या ; विशीम, निरम्राज्ञिक वा-ক্তিভিগের কাষ্য ও চরিত্রের তত্ত্বাবধান त्रीकि व्यवक्तिक कता। अरे छूपि केशारतबरे অবলয়নে যত্নবানু হওবা উচিত। কিন্ত প্রথমটার অবলয়ন নির্ভকাল সাধ্যায়ন্ত इटेएटर मा। भन्नीका महेना शाहि बराक नित्रारशक ब्रीकि चारक। किन्त महत्राहत ा मिसिटक शाख्या याहेरकाइ, विमात्रहे क्टबल भतीया इहेता शाहक, **इतिहास भ** রীকা লওয়া হয় না। সুজরাং যাহাদিগের हतिज शंख भाष थाएक, कार्या दारल जाहा ध्यकाम इरेश भटड़ । हतित भरीकात নিয়মও সহজ নহে ৷ দ্বিতীয় উপায়ের বি वटम आभासित्वत्र कत्यक्रि व खुव्या आहर् **প্রথম, যাঁহারা ভঞ্জারখান জিরা**র নিয়ে क्रिक रहेरवन, छोशांपिशहक जनलन ए পক্ষপাতপুনা চিল্লকে সহচর করিয়া চতু किंक अभव शूर्वक अर्थ शाहनत विहातानाः কর্মান করিকে ছইবে। ভাঁছারা যে যে বি চার পতির কাষ্য ও চরিত্রগত বেংশন विवास विभिन्ने कामन शाहित्यम अवद्या :

जैशिक्यिक नार्थान कृतिया किर्यन किंद्र कीश्राता मान्यान ना रहेता शुक्त विकी त्र नात्र केंद्रश करतम, कें.हानिशरक क्यान कृतिक कृतिरक रुकेरव क्षतर केंग्लिक्स नाम व्यवशर्यक वृहिरक क्षेत्रथा निथिक रहे-रव; केंद्रश्य क्षणान कारन क्षेत्रात्र क्यान कृता रहेर्द । काशरक्क मा स्थातिया क्रिकेटन कीश्रात्र। व्यवश्राक हरेर्द्रम । श्रात्र क्षत्र करे-

বহাশয়! রাজা ও প্রজাতে রক্ষা রক্ষ কল্প এবং বর্জা বর্ত্তকল্প লাছে। তর্ত্তবা বর্ত্তন পেদা রক্ষণই শ্রেরং। কারণ রক্ষণাভা বে সক্ষনগণও অসং ব্যবহারণবাদশ হউতে পারেন। শাল্পে কথিত আছে -প্রস্থাং সংরক্ষতি সুপঃ সা বর্ত্তরতি পার্থিবং।

বর্জনাক্রকণ থেনা প্রকাশ করেন, প্রকাশ করেন। কিন্তু বর্জন আপোলা রক্ষণ ক্রোক্রা করেন। কিন্তু বর্জন আপোলা রক্ষণ ক্রোক্রা কারণ বৃক্ষণাভাবে সংও অসম হক্ষ

ग गत्र :

সেই রক্ষর নানা প্রকারে উক্ত হটয়াছে ।
নবর র নামক প্রছে লিখিত সিংছে—
উৎখাতান্ প্রতিরোপয়ন ক্যুসিতাং শিচহুন্ শিলুন্ বর্গ্যন ।

প্রোত্ভার নময়ন নভান সম্দধন্ বিজ্ঞান্ত্র সংহত্তি

ভীরানু কটকিনোবহিদিখন : য়ানাল যু সেচয়, খালাকার ইব প্রয়োগণিপুনোবাজা চিরা

নন্দ ভি

বেলন ব পর ব শার্ পুনর র বেলিশ, ম, ব্যালর চারন, বালরজের বেলন উচ্চ রংক্তর নগীববন, নত মন্তক রক্ষে র উন্নথন এবং প্রাপার জানিত রংক্তর বিভিন্নী করল, জীবজনের যুক্তর হলের বাকৈরণ ও লগন রক্ষের ব্যালয় সেচন করিয়া ক্ষমীয় উল্লেখ্য ব্যালয় সেচন করিয়া ক্ষমীয় উল্লেখ্য ব্যালয় প্রায়োগনিপুল রাজা চিন্নকাল ক্রম ভোগ করিবন।

আৰশ মুক্তকটো কৰিছে বৈ ধর্তনানি গ্রেশ্যান স্থানি শ্রিকাপ্তকাকে প্রেশ্য করিছা আলাকানের নাবে এতক্তেশস্থল উপস্থান মৃত্যু

यप्रवान एड्रेडाएएन । क बीपुरू का ने शहरू বিচার মৰুৰ শা चत्रकत्र किया दिव অভিশয় মৃক্ত নছে म छ विथा । म यांवर्ष জনীতির নায়ায়ণ নেটের তথাসমের হ करवान इहेब्राट्स् 🛶 এহ াহৰি বালি জ শ তানেক অংবে চুরী खीरकाकप्रभाव शत সালান প্ৰেলান (বাছার রার প্রার গ্ডান্তর स्ट्रेशायाः जिलिव র সবিচার করিয়া মহাস্থা আনেটর সুপ वाकाव नाव नर्स जन इहा है बात राजागम দক্ষতার ঘটনা হয় চ । মান সন্তবের দিন বি विख्यात्व ३१ अविक् होत्र कति, अनगरि ার দৌর ভাগার ३३ जिनदेश गर भारताः अक्र का हैद निवानि

ंग्द्र। .तसारम्य सुर्वत कार्यः

ৰ, আগানিয়ে মাত এই ক্টা ১ এই চা ইয়া ১০ ১ তবেৰ

ल्लाङ देवडानार

्या द्रीक नेकि, विष्ठां धनानी विवदस मि
श्रिक काक्रिक, क्लिका नी बीद मात मानव वारद निके हैं। विद्याहम । द्रांध व व देने हे स्त्रक्ष हरे का भागिताहरून । श्रीका को मानश्रीक को मानश्रीक को मानश्रीक को मानश्रीक को मान-

शःरह । ন্দ **বেডাল প্র**াই এবং ভাষ্যা হোড় > , ज्यपूर्व य अक गण कि गांका ্য তাহার দক্ষিণ হস্ত कौद्रदन विदमव श्रद्धां-1 华金马 নশু খীন হইতে ইক্ছা ৰ উৰি। বি, ডাডে ভাৰার किन ? जाबादमञ्ज मग्ना वाहिया ध्यकातकन नि वि ^{के} बाहिया शाठीहेबा अट्रागटक এগ্রহর্ণন শীর গুলি है । विः रिष्म ! कांत्र मिरशत चाहेन যুদ্ধ সভ জাল ডা ৰোট্ৰান, সভাৰৰা আ-শাউ প' কা প্রাহণ করি থানা এই।।র ¢ व खात्रहें ने नाटर বন, ভাহারাই এ ধা পরিচভাগ হই ांद्र रकोश कर अ**क**ि विष्ठांत्रांनरत् स्था षु वे कतिए७ ग्राट देखन, विश्वा श्रीका बिटल मा भारित हर लाहाता मालाती रहेटड

গোরিজ হইনেন কে কভিপদ্ধ দিবস হটান ই উপাধি প্রাপ্ত ই কইতে রাজা দির বাসাবাদীতে গুলির । ভতুপলা গুলির হটা।

वतः विवाद्य वहेंगापूछ वहेंगा विद्याद्य । द त्रि वहेंगापूछ वहेंगा विद्याद्य । इ.स. व्याद्य व्याद्य वहेंगा व्याद्य । इ.स.

্ত্ৰ প্ৰাপ্ত স্থাৰ শ্ৰেষ্ট্ৰীনভা।

रेशंत वाशीयका दिसाह रूकाम हरेगाहि-লাম। স্কুজারা হস্তুতা কালে আসন হই-**ए छेपिक स्ट्रेंटक शाहित्यत मा** ; शवर्गह **(ज्ञान्त्रक रचका) क्राय्य यस्त कर्यन ७ (र** चारम मार्चारम माना महिरक शाहिरवन . তাঁখার অনুযতি ব্যক্তিরেকে, কেছ কোন विम मखाय धार्मन कविएक ममर्च इहरवम না; ইত্যাদি নিয়ম দর্শন করিয়া অত্রতা বাৰস্থাপক সভাকে স্বাধীন বলিয়া জ্ঞান করেন, এৰপ মন্দমেধা লোক অতি বির-ल । बाहा इंकेंक, आमता छ:विश हिलाम. প্ৰথম প্ৰথম যেত্ৰপ হউক, উ গ সভা. ज्ञास श्राधीमका लाएक गमर्थ इट्रेयन। किस क्लाएकत विवश अहे, क्रांस नवाधी-নভারই জীরজি নধনগোচর হইতেছে লাত এলপিন সে দিনের সভাগ যে বক্ত তা করেন, সভার স্বাভন্তা লাভ এসখ দুরে थाकुक, ए जार अवमानमा कताई इहेगा-**ছে। ভিনি বলেন '' সভার সেসি**য়ন অর্থাথ নিয়মিত সময়ে অধিবেশন হয়. পার্লিয়ামেণ্ট মহাসভার এরপ অভিপ্রেড महरू। शवर्गत स्मानतल स्माहा करमें त्रका গণকে সভাত্তলে আখান করিবেন এট माज। परिक्रिक मछा अवन विवास यक्षात्रका त्काम न्यक निवस करवन नारे * * * কোন বিল সভায় স্বৰ্গণ করি-বার পুর্বে তাহা গেটেটে প্রকাশ করিবার ्कवल क्षेत्रकी पत्नवरलाहरू व्यादह। ,

বাহিরের সভা গ্রহণ যদি পার্লিশা
মেন্ট সভার অভিনত না হইল ভাঁহালিগের যদি কোন কমতাই না রহিল, "বা
ব্যাপক সভান বাহিরের সুন্য গ্রহণ করা
হইগাছে গ্রলিয়া একটি আক্রমর ক্রিবার
হিপে জন কি সভাগণ আপুন আপুন
নানীয় বিশুক্ত জল বাগু পরিকাণি ক

গ্ৰ বু অভিক্ৰেত ৷ আমরা অধিক তর ক্ৰিত হইলাম বে মেইন সাহেব মনী লাভ এলগিন উক্ত প্ৰকার বস্তু

मान्य भवमानमा कविरागम ।

स्वर्भ मार्चिति स्व अध्य भारे देवर विश्वा कि ब्राह्म । कि कि के दिवर विश्वा के ब्राह्म । कि कि के दिवर विश्वा के भारे मार्चित मार्च मार्चित मार्चित मार्चित मार्चित मार्च मार्च मार्च मार्च मार्च मार्च मार्च मार्च मार्च मा

আইন শক্ষের যদি এটকাপ ব্যাখ্যা रुहेल, धकरन विधार्य अहे, हेश्लरक्षमंत्री ভারতব্যের রাজক্ষতার অধিকারিণী ছ ইণাছেন। তিনি আবার আর এক জনকে আপনার এতিনিধি ক্রিয়া ভারতংর্বের প্রবর্গদে এতিভিত করিয়াছেন। কিছ সেই এতিনিধীভুত বাজি শাসম কর্ত্ত্ব ও ব্যবস্থা এণ্ডেম্ব উভন্ন কাবে। সমৰ্থ না ছণ্ডয়াতে ব্যবস্থা প্ৰবয়নাৰ্য স্বতন্ত छिनिधित अद्यासम् इहेगांदङ् । व्यक्तप्र गथन श्रुष्ट किनिधि कहा इरेन, उर्थन ভালকে অপর প্রতিনিধিব নিতান্ত পরা ধীন করিয়া দেওয়া হইতেছে কেন > এবংপ করিয়া কেবল হৈ যুক্তির বিপরীত আচ-त्रव क्या व्हेट्डिट्ड अक्ल स्ट्र, योक्झालक সভার উন্নতি গগৈ কণ্টক বিরোগিত হই তেছে ৷ বাবস্থাপক সভার উন্নতি লাভের अक्रुष्ठ केमान कि । एवं क्रमान से गकारक वाधीनका व्यक्तां क्षांदिसम् गणानगरक CHA GET AN LETTE CONF नदेखाः प्रकेशः व्यक्तित्वाः । एव वहा edit. Was with the very al-

किर्द । मेखाई केनेकि वर्गमर पर्णामप्र क्षेत्रकि। एवरे केंद्रक्रियाधरनत के सर्भ कि बाहिएत्रत गंखा अहन कता एत मारे ? किछ राषि (महै महाअव) अवशाहीन हरे দোন, সে উন্নতির সন্তাৰনা কি > ভবে ইংলতেশ্বরী সভাকে এতাবস্থাত্র পরাধী নতা শৃৰলে বন্ধ বাধিতে পারেন, সভো-ना यथम खानि व्यवदा जन्धवार विस्थित्वर স্বার্থসাধনাধী কইয়া অপর শ্রেণী অপবা जल्लाकारतत भार्विवरताथी भारेन विधारम উদ্যাত হইবেন, তথন তিনি তাহাদিগকে निर्विध कतिरद्वत । त्यहे निर्वात्वक्षम्या खिंहे (मदक्रहे। ब्रि भवदा शासिंगारमणे म ভার হলগত থাকিবে।

रेश्मर अथवी याम এरेखन महल जाव আবলখন না করিয়া বক্র পরে গমন করেন ভারতব্যীয়লিগের অনুস্থাগ ভাজন হইতে भावित्वन ना । अक्टन देशपिटभंद हक्क भौतिष करेशार्द्ध ! रेश्त्रा मनन पुकित्व পাবিতেছেন। আমরা কি ভানি না ইংল গ্রী য় গ্ৰণমেণ্ট ভারতবর্ষের মাম করিণা এখান চট্টে প্ৰান্তি বহু সন্ন কোটি কোটি টাকা ইংল ८ १ व मुविधाद क्या लहेर इत्हा । प्रामधा कि स्नामि सा सा के हात् है स्थाप प्रशास িব অনুরোধে অঅন ও বৃদ্ধিরীন ব্যক্তি দিগকে ভারতবর্ষের প্রধান প্রধান পদ দিতেছেন। সে মিনেও আমর। অবগত মইলাম জাহার। দীগ্র ভারতবর্ষে ঋণ প্ৰিশোধের নাম কবিয়া সাল্ড লাক বেল্টি টাকা জারুণারি মানেশ পথে लग्दिन । श्रीवरम्द्य धार्माप्तरणन व हवा अंडे, **रामन फिर फिर्म अ**प्रज्ञ निषद्म । वि े भारत्या अस्मिनीयभित्रात्र सामः 🚉 পরিবর্ত্ত স্থাধীনতা প্রকৃত্তি প্রভৃতিব द्रिक क्हेंटिए, एकमि डेश्यालीय 🕆 ः 'रूपे अधिवक्षक श्वन्य म' रहे , 🗦 र्या, जेइन रुद्धिया अके १४३ अर्ड ठ कब्रिकात एक है। द्वारहरू

्र**क्षित्रक्षित्रकात्र "ाठा** निर्वत् श्रद्धान हेल (कन > 👢

- न्थंन य ब्रीडि व इलन इस, चार्यना **स्य विषदः अ**धिकाश्मात्मारका कामकाति-ভা ও স্বার্ধসরজ্ব কর, ডাফা নিভাগ্র জ্বাত অনাবশাক অনৈস্থিক ও যুক্তিবিক্লক **इटेरल७ चानुड ७ প**রিগৃহীত হইয়া পাঁকে, ভাষার দেখেতা বিচারে প্রায়ই কাৰাকে উৰু খ দেখি। ত পাওয়া বার না। षिन कड काल वेक्सकः हजूकिएक पृष्टे হইতে লাগিল, ইউবোপীয়েল টুপিডে धक भका कड़ाहेगा वहिनक हहेर «एकन। **এখন** এচলনটা **অন্ত**হি ত हहेन एक । सर्था मरमा भाष्म भारत ही। ठी पृष्टिभरम माबि र्ज्ड इंदर अहरू। यामानिक्षत्र *त्वर*ण অনুকরণ প্রস্তিত তাদুশ বলবতী নয়, তথা भि अक्षारम भरनक मुख्य वी । अदयभ क রিয়াছে। এগন পেন্ট লামধারী আর উপছ্তি, ও ভংগিত হন না: পুরে মুক্তি | ভ মুত্তের পুঞ্চিত্রেশকে দেখিলে উপ ন্ত্র এখন মুশ্বিতমুখে। এজুর দাসং বলেন। क्रिक হ'র সহি। वारे फेल्क्फिक करेट्रिका । किंग्का श विवास केल्किक इस । दक्किक विवास ह चित्रकरेंबर्टि कात्मर क काहिना नाकि छ । अकति **छेनाहत्रन त्मबदा स्मिट्टट** । পালকি ক্ৰা প্ৰসংগীত তৰপ ংক্ৰা 🗯 বেখে করু, এক বালি সলিকাভারৰ क्रिकियाद्या के अला के व्यारमां काला है वि , जो ज्ञान मने एक मामन स्थान माहितन । कि भारत अर्फि एक त करा, ७३ मिन्स भारक । तत्वाकार क्रांकि लाखा करत 4.2121 बिराहर चार्याक्ररहाता ह युष्टिनिक्त नक्षेत्रका वक्षेत्रका, व तू भागवाकारत्व या विकार द्रार १०१ मा . का . का सहा मिश्रत विकास कर वातुत्र करन करण कार शहराम कविवारिनाम शक्ति । आसरक क्याबर्गनत्तर 🤄 हार्गी रचेपराध्या 🕻

सन्दि (५५%) इस्टब्स्ट - विया हा कृति व्यक्तिक है। क्या भवतामा केत् है। किए, कहा बांगरा जामहा (य पुन्स ध्यनमीक ক্রিপ্রান্ধিলাম, বিশ্বাধিলিংপ্র ক্রছ কেই काइ'व पार्थक्रमीयका 'ईंग्ल'व मात्रपाहरूम । नियम हरे हरा । किए व्हें हातु, है। जन्म मुख्यामाल प्रशिक्ष के एवं पर पर ক্রমান কবিল উক্লায়ত ক্রমানত আবে । সংক্র

नारका अकिनांतरन नहांक्ष एक की ইংলও প্রভৃতি স্থানে মে কোল ইক্টি क्षथानि कडिलिक चारम, द्य अपूर्वी विश्वक युक्तित अनुरमानिक, अंकर्श वीकात कति मा । विरम्बकः अर्भु थामि नर्दरमरमञ्जू ७ नर्व कारमः रच ना । देश्लखीत्रविदत्तंत्र निष्मा, মত্যাৰ বৃতন্ত্ৰ। তত্ত সাধান্য ৰাই এমনি শিক্ষিত যে চালুৱা প্রায় करण क्षाइंड क्षेत्र मा . श्राचीत्र, ব্যক্তিদিগের অশিকা নিৰ্দ্ধন পৰে প্র নিয়ম জন গুৱাতি দুর্ভিলোচর হয়। ইঞ (५ कह द ^ल गाडि क की की को कि ভাহার স্থি . (र काक निवरास का থাকে সে র অভিবিত্ত কাল 🕷 না, এত্ত ভ ক বাতিরিক্ত কাক্ ् काइन ना। किस वर्धात ইহার গ্রিপ্রাক্ত ঘটনাই হইয়া প্রেক্ষ্য 🕰 ভতাকৈ আৰু নিয়**ৰাতি**বি**ত্ৰু কাল ক**রা

ए शएभ ना। मुख्यार द **कृष्णः कि**क्ति।

প্রথলক ও ন্যায়ণর (প্রশ্নাক্ত 🖣ণ্

क्रामदाकार । याण्य , अहे बोळ दल्टिंगन मामियाकारवव क्यात स्थारस स्केरवर अक्ष खटल यकि भा द्वारा मा."। त.इ.ट्र at the track of the second of the टाश इंट्रेसिट् वाबुद र । हं गाउँ छ ষ্ঠিত। একদিন দে च कर हा कि ब्रि পাছরানেরা চিচ া হৈ, কিন্তু এ द (151द) र ्र *ह*े देखे । यूप 看好 事实

·· পর্নে প্রস্তাব কারিদিগের কর্ম্বরা এই ণরা ফলিকাভার সর্ব ছানে মাটল পাল বির ভাড়া নির্বর श्रम करदम अवर आरब्राधी ও मक-रं^क्क किछ पिन निगम शाला, वह

🔻 े महर्भ ने जिल्लाम वास्त्रित ६ क्षेष्ठ , कृत (मृत्यून) ... केल अलाव विधि निमान हरिएकरका अ,कृत्य ८. विकास क्ष इहेटल चाहिए। च चडाइन्य घडे 'बा हा। नकार किल्हिस, बिट्डाधिता था नटह । धहे श्रेष्ठाव विस्तर्भाव अभिन्यत थमा मा अप अपूर्व में मार के शिकाब का भाषात अर्थित कि मिंड इहेटम अह त्वर बाहे, कि से किया ार्वव जन का अध्यक्षित का प्राप्त में मार इस्क कहेंद्राः * वण्लाको **क्र**ाइमाजा तमरे ११३ अभिक्री कृषिशारकत । यह इकेन - मुक हिएल अलिनियम भूर्वक भारे करि ः अवश्वनः वेषे **कतिराज्यकः, गुर्भानर**शत ংখ্য প্রাণ বহিতেছে, ভুমি ভিঞ্জি 🖰 া া : ১ জুল্ড বল্লারা সাম আকা ि 🕝 🔭 । व्हेमा कहिरल ' व्यक्ति | शक्त ग्रन्थ व्यक्ति । व्यक्ति व्यक्ति । **西北美国内内**和 明朝,多湖子 · 中新海洲神村:

. KAMA 1 4 . 11 . 11

A PER STEEL BOOK 4'S

"" 外国的事情。 第

क था. किमादकत शुक्ति वा समा शाफि थ किति मादस्यत करे कि विद्यास विवदस দদি যুক্তিনি क रहेल. मृष्ट्रिश जिलाह छ छ। निरास करा ন, হ্ইতেতে কৈন > গাড়ি ও পাল কি বাস ি তিবের আপেকারুটিয়ানিবের সচিত 🗷 ्री आयाषित्रत प्रकरित्ताथी इके विकामत्था लात्कित मन्त्रकं कर । वेकामित्रा । अ अरेक रिल्हित (भेरी अपन कतिशादक । त छाड़ा निर्म क श्रेटल अधिक लाएस्त्र मूचिव इहेरव। कलक- युक्ति केन्यनाटकहे पिरश्व **कारलका स्**ष्टिनाहः कविक ः अध त। इंग्रेज कुल भाग भाग भिर्मात इस्राउ इ ইল। আমার পাড়িও পাটক দেড়ি সং ার অভ্যান্ত ব্যাদ্ধ প্রসাধের শিবোভাগ দেখিলা উৎ , व्यक्ति विद्याधिनित्तरत नियन्ति एक आर मुक्तिनाय, व्यक्ति क्षेत्र क्षेत्र करेनाम त औ अल्ले के कि की होता के जात मान भागा के भाषात्र आरम अखित सन नाई । া গ্রাম্প্রাক্তি বৈদ। বেখে কর, আবন্ । কিনি আনালিগের ন্যায় উল্লিটি গ্রাম্বা

के में 13 किया

ध = व बंदीन पन्द कारेनन्तित ग्रंत अर अरु मेरुदिशासी के कामा, दिया कामापिशास सम्बद्धाः ্ ইংকা দিয়, ছোমা ! ভগ্তর প্রাইন এমৰ করেন যে নাম ক্ষমি त कि के कि महि । महि अक्षर के भा भूकर सुक्क किये । वि । ে। শন্ত ও কা সাধ্য বছণোলাগ ব্ৰেছাপ্ৰণত। প্ৰা क अक्रमाज । आह्मार क्षां भागात विधि १ छ त्रज्योग া ন াবে । ধ ৰক্ষাপক সভা কণ্টু কৌ বিশি এই চুটি ি ' ব' অস্কুত আইন এসৰ কৰিবরে উপজ্ঞ पार्थ । एविशाहिस्सान, धरेक्था स्थानिया अका ্বাবের মনে অভান্ত আত্তঃ উপস্থিত ा मार्थाङ म कृष्टी छेर भारकत्रे াম, ভত্যালয় । আমিরা গল বারে ্র্নিশান্ত ফবিসানার বিল প্রি**রা** ে প্ৰাচ ৰ প্ৰথ**ংগংগ্**ৰ প্ৰচেষ্ট্ৰ কৰি ि । ५,३५वरीय व ब्रुक्षाम् व मुक्कान्न

न, कथन केतिथिक क्षाव विधिवक कति । क्षेत्रारणन केनमरहात यत्रे । । श्रेटकार । कक्ष । नक व्यवित्यन मिन्दन, निद्धके अग्रिपी तित्मार्गे क्षमान कतिया .**ए०** श्रीतकहात्मन অনুরোধ ধরেন। সভাও ভংগরিতার क तिमारहन । सब्देन, दीखन शांतिश्वेन, णात्रीयन ७ क. छे हे नाटबर तिरशाउँ आपान करतम । छ। हात्रा क्षथम छः अविदलत क्ष्रं সর চারলস উড়ের অসম্ভির করা উল্লেখ क बिशा विलिधन " कान क्लान वादक. गर्धाङ् अवितिध नियमटक जान धनान करत न नार्छ। । अक्टन केश वक्कवा बीएन मारह ब्दन मण भानवर्ड स्ट्नाटकः यकि कान्तवः नेका इस शहन नाट्डव क्लिसानी अल वादयं क्लोकरादीमख्यिशासङ् अधान विश्वके धारे माध्यकारण धार्व वटयत ३ छ छ हे हैं , ननामन १ है। एक । भूसदात ेश्त वाकल कंटल फेटल फेटलकवा कवादक हा।

> েডিক'ন শ্বেশিংস্ক সাধলালাস ও उद्र अ शिकाभाव ।

व्यामद्रा स्टब्स्सिक हरेन ग मिक्नाल काला क्रिक्ट कि निकाय अधीरिक कत घटेना इहेब्राइम्ड्रिव कला क्राप्तित अध म, तिर्पात्र ७ कुरीहर मुख्यत रावजीश छाड (ফ্রানাধিক সেঃশ্রহ্ম),ওড়ক হিলি প্ল ন্ধানু চীকল সংশেধিক লৈমন্বাৰল র ক্র दक्षे इन्या कार उन्ने असिका, व कविराद्य मा थ बतः आमारिः । त्राम्म पूर्व शनिनामः गीरम्ब व'लाकि'फेहेर्स्य में भएव এकडे सा ভাবিক বিবেশ १ कि *भादेश*, कि हेशाकी कि नामना क्वान क्रिक्ता । एकत्र जिल्हा जिनि श्रीष्ठ त शत्रक्षं अपन्यु विदन्यक, रः कला अन्य श्रीहात क्षिक्षक स्तुता यसप क्षेत्रातक : उद्ध ब्लाइक क्षेत्रके सञ्दर्शत श्रदि अ राजभा रावक मु : क्लिएं नक्कि वावश्रदेशकां कि वाश्र अधिकां के अनुकारित ड डव्स पाटकन, (ड स् भू**श्लेस**) छन्। লকুধানিকে এ সকল ভালের ক্রি छित्रीक बारदात कराई है एक नाई है

वक्तिवाबि इजिम्टिश्त मान विद्राश विद्र প্রধূমিত হইতেছিল, সম্প্রতি একটা ঘটনা ৰূপ ৰায়ু সহবোগ ছওগতে সেই অগ্নি - উচ্ছিধ হৃইরা প্রয়লিত হৃইবা উঠিয়াছে। त्म च डेमांडी अई----

বাদলা ক্লাদের ছাতেরা তততা নিগ मानूनादत अधिकिन अधिकारान भगा त कृत्य हिकिश्मालता छेलच्छि हत। छ। छ। ्त्रवा त्व क्षेत्रथ ७ भथा बाबजा कंद्रब, ठा ত,রা ভাছা দর্শন ও হবেণ কবিঃ৷ সুলত্তে ताशिषिश्रास्क खेवर (अवन कदाई या शाहकन। ছাত্রদিখনে কুভক্বা ফরাট এ নির্দেশ উল্লেখ্য, ইয়া এখংসনার সন্দেহ নাই। किंक क्या. एक विवत थहे. कडक खिल व्यवित्र्याकाती व्यक्तिमानमञ्जासक अस्ति अहे উक्तामाणि विषाष्ट इदेश मदम करतन, शव 4C : के शादन भटक के शिक्तित अ त्योभिक्ति গের পরিচ্যার্থি নির্মানিক করিয়াহেন ! यांडा इंडेक अक विवन वसमानी हटडें। शासात নামে এক ছাত্র আপনার কর্মব্য করিতে यान । जे चिवन कह्ना अक পরিচারকের সহিত ভাঁছার বিরোধ কর ৷ তিনি চলিয়া আইলে ঐ পরিচারক বৈর্নিয়াতনাথী हरेश करतक त्याम कुरेमारेटनव धकति य जा **चटल क**तिया अथम देश्ताकी क्रारंत्रत এक युवरक्त्र निकटि शिक्षा कहिल, वनमाली हूरी क. ब्रेश लहेबात छटमटम अडे जूडेनाहेन श्रञ्ज क्रियाहिल, लहेन याहेट शाद्र न'हे। युवक जिल्लामा क्तिरलब " जूनि কুইনাইন সৃহিত্ব ভাছাকে ধরিলে না কেন > পরিচারক সমুস্তর ক্তি পারিল না। **चनध्र (म लिक मार्ट्स्वर्न निक्ट्डे** भिर्श थे क्या कहित। (मक्छ हीवटन व नगर राजला ज्ञारमञ्ज शक्ति और ए अमूब नरहन পরিচারীকৈর কথাই ভালার বেদজান হই 🎳 বিনি বন গালীকে চোর দ্বির করিরা जि. अभारति निर्देश दिएगा के किरिनन ै प्राज्यस्याम् हा कि निश्नामा विरम्द चतुराक्षाम मा क.तेक्का क्षेत्रकम्याणि भूतिदय

পाठीरेश पिटलन । भूलिन केक भारतातक / का बाकिटलं बारिट्स क्रिका ও সেকের বাঁক্যে বন্যালির দল দিনের কারাবাস কর করিলেন। প্রিজিপাল यकि नवित्नव अनुमक्तान क् त्रद्भूम वनमाली कथनरे (माधी शरेटबन ना। वि.न डाहा ना क्तिया वर्षन धक क्छकारी श्रीका রকের বাকো এক জন ভত্ত লোককে বিমা পরাধে কারা এক্ত করিলেন, তথ্ম কাছার कि इपंचा घटि, बहे मंत्र। क्रिया बबर বাৰম্বার অপমান হইছেছে, তাহার এতী কার হইতেহে না, এই ভাবিয়া বাদ্যা ক্লানের অপর ছাত্রগণ এক বাক্যে কালের প রভাগে করিয়াছেন।

আমরা অনুসন্ধান করিয়া জানিলান, यथाय ब्राह्म को अहे ब्राह्म कार्य করিয়া অ মাদিগের কোম রূপেই ব্নমালি (क चनतावी विलय्ग (वाथ इंटेरक्टक मा। বনমালির কুইনাইন চুগী করা যদি অভি প্রেত তইড, তিনি পুরিয়া এক্সত করিয়া (क, नग्ना चातिर्न क्न : शतिष्ठात्ररकता তাঁহাকে সেই পুরিয়া শৃহত ধরিল না क्नि ? क्विल । धक मरम्बर्द्ध **डेशद्द निर्ड**द्व क्रिया बनमालित प्रश्विधान क्या क्रेसाटक चंडण्य आयदा भूतिरत्रद्र छेशस्त्र त्रक्र रहेलाम म । तमाली य म वाखिक्ह हती कतिवात अञ्चित्रारम क्रेनारेत्वत भू क्रिक कि तमरे त्याय मध्यभाषात्मेत कार्य ब्रिशा वाधिय बाटकन, अवः विषाृ कि काटम অথবা সুযোগ না চওয়াতে তাহা কালে क्ष किलिया भारतिया शास्त्रम, छाहा इहे লেও ধরন পুলিস বিশিষ্ট গুমাণ পাই लियं मा, छर्चन स्वरल अक मामार्ड्ड त्र निर्कत क देता एध विश्वास आहेब अनू गात्व नावानुभंग रहेए भारत मा। वन এই, দে চোর হইলে >৫• ছাত্র ভাষার प्रत्य कृत्वी स्देश क्यम् कारमञ्ज्ञ शक्ति তাপ করিভেন না। জন্ম লোকের ক্রা দুরে পাকুক, ছোরের করিছ চোরঞ্জন इन्क्यूपका अव्योग करहे हा ; कड़ियाह दे

যাহা হউক, আমরা উপত্রে भूगतांव करिएछहि, वनमालिक দ্ওটা ছাত্রদিগের কালেক निमिक माळ। ही बटन ते जानकार त वाखनिक कात्रण। अकर्रिन सुना মেডিকাল কালেজের প্রধা একবিন একটা কবিতি কবিয়ানিট বাধ্য বলিয়া সমুদায় ছু.বেল্ল- নাস कं शांतरभद्र व्यवधातिक वर्षेत्राटक १

नर्थ नु होदर्ग ७ शहरतंश विकास या रे जामानित्वत्र निक्ट शिक् मी था वी त्यान स्रेटक्टर । जामूबा औ জনীন ব্যবহার দেখিতে পাই, দুর্নী দেরা হাত্রগণকে পুত্র নির্ন্নিশেবে करतम, किछ हीवर्ग छ शक्तिशह জান করিতেছেন। কোনু ^{১৯} কিল্বা ধায় কৰে কোনু ছাত্ৰভে পুলিয়ে পুলি रहन : डीवर्ग ता शासनि शहक का मर्जन करतन, देशहे क काहात अली ধারণ এমাণ। হাত্রেরা, বাচ্ছে, ক্রিট্রি मञ्जात कर्षनाकर्षका त्याटन महार्थे शरक शरम काशाविद्यात अश्वात अवस्था नजावमा जारह । श्रृतिहन दक्ष्या त्र नाहे ? जिल्लाम मुख्या अपन यमि चत्र चलवा व स्थातक कार्यक्र द्वियान वर्गा नाम् कर्षम् सम्बद्धः स्वाहरू स्वाहराज्यः वि तिरे वृकीक वर्गक अविद्या आर्थन आर्थन रगाय मश्रामा कु के बिक्का महित्स मा? उन्न वि निर्णादनक्षी कि क्रेंब्रेन ? दर्शन वानक चरण ৰুম্বিকা শ্ৰন্থক বুকিডে না পারিয়া কোন নালী যে নিকোৰ, তাঃার অপর এমান / অপকর্ম করিলে তাঁহারা এথমে হিতমর্ক ট প্ৰেশ শারা ভাছাকে সাবধান করিয়া ফুট্ন কাহাতে নাবধান না হইলে অর্থ কা নাবিবং बाब क्खन करतन, किस जावा विर्वेश हैं। क्षकृषि, परालुक्ड र, विस्तृषि । हिन्तर जारहर ज्ञानिष धनानी चरनक्ष संत्रिता

ছেঁ_{টে।} খামরা শুনিয়াছি, চীবর্স সাহেব ত্ব দিকে " হারামজান, চোর ও ।দি অবণ মধ্র সুললিত বাক্য ात्र. वान वन कतिया चारकन ! यणि व হু গা গর া হর, ভাহার জুলা অপরুষ্ট क विक्रिशालात मर्पा त्व इ गार्टि: भागानिरमञ्ज ७ अक्न ताथ इज না। ছার্মেরা " চোর ও কুলি ' তাঁহার এ जःकात्र काथा श्रदेष कश्चित ? पूर्व अक कन इप्रवत कोर्या त्रिशा कि छ।हात धहे जश्कांत्र जिल्लाहर । छ। हा हरेटल छ छ। हा র অন্তঃকরণ অতিশর উদার ও বৃদ্ধি নিতা स जी म वंलिएक स्ट्रेटन !! अटमरामत राम म क्रम गोंकि २।८ क्रम रेफेट्स श्रीयटक अन्द विशा बावछीत देखेरत्राभीत्राक अत्र व লিরাছির ক্রিয়া রাখিরাছেন, চীবস ভা-হালিকৈ কিবোধ করেন ৷ ব সালা ক্লাসের श्राद्ध रिप्नी दे अब अबावनक स्थाव माहे, একথা আৰগ্ন কৃষ্টিতছিল। কিন্তু আনগ্ৰ यण कृत जानि क्लेकोक्स्त कहिएक श हि छेशावित्त्रत व्यान्यक्त्ररे हित्रज छेश्क्रके ध्वर चरनरकरे छा गुर्र क्या शहन कति রাছেন, তবে পিতা নাতার অসদ্ভি প্রয ক্ত কাল ৰূপে লেখা পড়া শিখিতে পাৰে न माहे, कारे वाचनां क्रारंग क्षतिक इरेगा (इन ।

ছাত্রদিগের প্রতি আমাদিগের বস্তুব্য এই, ভাঁছারা কালের পরিত্যার করিয়া র হিন্দ কর্ম করিয়াছেন। চীবসের অসন্তাৰ क्ष्मकामि द्वाहाविद्यां व्यमञ् हरेगाहिल, ভাৰাল্লা কালেজে থাকিলা উপৰে জানাই लाने को दक्त ? कें.हाई। कि धरे महा के दे गाहिएका रव छेनटत्र कर्जुभक शिक्तिशा टलक विद्यार्थी विभिन्न कै। वः निर्णत चाटव ভাতি। প্রিশিক্ষার ছত্তিন, পার বিনি হউন, व्यक्ति कार्ति देवह या हैकी कार्र करता भाव शाहरक भीरवन वा । देनांबी व छेश "र क्षेत्रका विष्ठात्रे बोर्ड लेखक छैता

म वृक्ट् बट्ट । अश्वादशाञ्च ७ भेग्नाः भटक गर्हत क ब्रह्म कार्र्सा श्रद्ध इन्ट्रेशन गर् লেই কুডার্ম লাভ করিছে পারেন সংক্ষ नारे।

हेराव हत्रम कल कि रहेरव, कानियांत নিমিত্ত পাঠকগৰ অংসুক চইবেন সংস্ক मार्डे किन्द्र धर्मन निम्हत्त कृतिया किन्न कथा बला धामाणिरशत माधाः छ नरह । धकरण मञ्जाश विवश त्मण्डेनण्डेभवर्गदत्तत्र विटन्हन त উপর নির্ভর করিতেছে। শুনাগেল ছাতেরা আপ্নাদিপের কালেক প্রিচ্যাশের বিষয় জানাইয়া গ্রিলিগালের নিকটে যে আবে খন করেন তাহা লেপ্টনন্টগবর্ণশের নিক টে প্ৰেক্সিত হইষাছে এবং তাছাতে এই बुल लिक्डि इरेग्नाट्स, हाट्यता अक कन চে'রের, সহিত সমত্যুখতা ও অবাধ্যতঃ श्रकाण क्रिंडिटर, चटजब एाश्मिरत्रव নাম কাটিয়া দেওয়া গেল। এত লোকে कारलक भी, तेषाभ करत (कम) हेहात ज विटमंद चनुत्रकान ना लहेशा लिकेनके গৰণৰ কেবল যে চীৰসেৰ ৰাক্য প্ৰমাণে বাদাল। ক্লানের বাবতীয় ছাত্রের নাম্ काछिता (मएक कहिर्दम এवः यङ मिन মূতন ক্লাস কা হয়, তত্দিন অধ্যাপক দিগকে বসাইয়া বেছুন দিবেন, ইহা कान करमरे स्मानम स्रेटिंट मा १ यान **6िनि व्यनाम व्यन्तायवभवकी इरेश**े। श्चिलियानम् भागवकार्य हाजिमरभन नाम কর্ত্তবের অনুষ্ঠি বেন. অত্যন্ত অন্যায় করা इहेरब १ क बियरत्र मृत कांधी विकाशील, ছাজেরা নহেল। विनि यून वादी, ভিনি दिना मटल व्यवाशिक शाहेशा विज्ञान कृति বেন, আর সেই মুদ্র লোবীর দোব যাহা দন আলাখ্য ক্রিবেন ? লেটা তাঁহাদিগের) দিগকে অনুচিত কার্যো প্রবর্ত্তিক করিল जीहात मिलक इंदेरबन, देश कि कथन नातानूशक इतः भाषानित्शत्र मरा क्रेज्यहे न्धरीत् । *द्*मन्द्रेननेधर्नत् केळहरू ब बाज गावधाम कृतिको जिल्ली क विवादको हैं।

টিত আছে। ম্যায্য প্রার্থনার ভাষতে প্রবে / মাংসা করিয়া দেন, এই আমাদিলের 🌞 ভিত্তেত। তাহানা করি : যদি ঐ ১৫০ 🐠 ত্রের নাম কটিয়া দেওয়া হয়, বাদ,লাং म्परभव अक्षी भर्डी काछि हरेट्य । डेहा 🖑 ता नि.चार बहेत्त वाकाला (मरनंत्र कुछि किरम करछेव भारतक निवादन इहेरव गटनार्वारे । भाभा निर्मत (यक्त भाक लाय, वाकाला क्षारंभव हारजवा कमनुवान সুশিক্ষিত না ইউন, উহঁ।রা যেৰপ শিক। পাইতেছেন, তাহাতেও বালালাদেখের অনেক উপকার লাভ হইতেছে। উপক র म्हेरण्टम व नियारे जामद्रा मत्या मत्या के क्रारमत्र छेरक्य मन्नापनार्थ भवनंत्रक. काटनाका कर्त्तु शक व्यवः निक्रकश्वासक **উट्डिजना क** विश थाकि ।

> পরিশেষে আর একটা কথার উল্লেখ ক্রিয়া প্রস্তাবের উপসংহার করা ঘাইতে श्रिम्मार्श स्था (ग्रम, अहे बहेमार পর অব্ধি নাথান চাবেস অনেক শিক্ত र्देशांट्य 1

विभवाविवाह ।

গত ৩০ অগ্রহ'য়ণ রবিবারে জালানাবা দের সমিথিত হাজীপুর গ্রামে বহা সমারে হে একটি বিধ্যাবিবাচ সম্পন্ন ছইয়াছে। 🔊 যুক্ত রাজারান মুগোপাখ্যায় বর, বরের স্থাক্রেম २ वरमञ्जू अहे जाजात अवस विवाद । कनाज নাম 🗃 মতী ভর্কিণী দেবী। ৭ সাভ বংসর वद्गार खत्रकिनीत क्षेत्रक विवाह ७ ৮ काह वरमञ्ज वद्यारत रैवधना मध्यक्रेन एक आकारण উহার বহঃজ্ঞাস ১০ দশ বংসর মাত্র। জিলাব কুড়ার 'মড:প ডী পার্বডীপুর নিবা. নী ৰন্দকুৰার চৌধুরীর সহিত ভরজিণীর 🚓 थम विशास महिमाहित।

विश्वादिनाइ निर्माण इहेग्राहरू, उँदेशाख गि: दि: बदन कतियाँ बीबाता छेड़ानिछ इहें-बाहित्वन, अमाजनीय नवान डाँइ:विरमद्र तिगांत्रकत्, कांत्र वीवात। स्टक्षारताव व्हेषा क्रिलन, केंद्रिकिश्व क्रिशामक वर्षेट्र अध्यक् वर्षिः। श्रीकारम म्यन व्यक्तिका विकास नवरिकारिक मार्गाम किवारिक छन्। ये वेशास विव निमानिक्षिः विदेशिष्ठे छ । जिल्लामा जाना । निमानाभाग । निमानाभाग

सिविध मर्वाप । ज्या शोच लाविष्य

हैरत क्षोड़ जिल्ला अनुस्ती मक्क. कम ब्हें शादक। ज्यादकरणत बिनत कहें क स्वना ६৮१५ फारकत जनाम नहांक्र नर्वक्षणादत छेरहर्व व्य माहे।

নদীয়ার এক কান ন সাধার এক প্রেকার বদার্থনিক গুলামে বন্ধ করেন । ক্লাক গুলামে বন্ধ করেন । ক্লাক গুলামে বিজ্ঞানী জেপুট বাজিরে টের নিকটে না নাল করে। নালকরও ভালাকে চোর ধালারা আজিবোল করে। জিল্লারিসহার প্রজার নালাল অপ্রাক্ত করিয়া ভাগাকে নিকটে নালাল করাতে ক্লাক নালাল করাতে প্রথমকার বিচারালয়ের নিকটে এরিবর জানার হয়। প্রধান বিচার পাজ বাজনু-সাহের ভালা না করিয়া ভেপুট বাজির কার্যাভির ক্লাপ্রচরান করেন। ক্লিক্লাক্লান্তর ভালার ক্লালান ব্যানা করিয়া ভেপুট বাজির নালার ক্লালান প্রান্তর বাজার বে পূর্জন্ম বিভার বিজ্ঞান করেন। আনার ক্লালান পরে ভালার বে পূর্জন্ম বিভার বিজ্ঞান করেন। আনার ক্লালান পরে ভালার বে পূর্জন্ম বিভার বিজ্ঞান করেন। আনার ক্লালান পরে ভালার বে পূর্জন্ম বিভার বিজ্ঞান করেন। আনার ক্লালান পরে ভালার বে পূর্জন্ম বিজ্ঞান করেন। আনার ক্লালান পরে ভালার বে পূর্জন্ম বিজ্ঞান করেন। আনার ক্লালান পরে ভালার বে পূর্জন্ম বিজ্ঞান করেন। আনার ক্লালান পরে ভালার বাল্লা।

আলাবাবাদ লেড্ছেট বলেন, এডমুকু

জিলে পত্র মান্তবের বিশেশতঃ দ্বী জাতির
ক্ষাবি চাঞ্চল্যের একটি উলাহরণ বিরাহেন।
এক ব্যক্তির ইউনোপীর) এক যু ক্রীর পাণি
প্রহণাথী হইরা উহার পিজা মাতাকে এবিহর জানাম। তাঁলারা তাঁহার প্রস্থানে সম্বত্ত
হন, কিন্তু কন প পরিটার মধ্যে যাস কর্মান
ক্রমণ কনানীর এমত প্রিয়া প অ হইলেন বে
সম্পাতি হঠাও ভাষার পিজা মাতার মত পরিবর্ত্ত করাতে নারক নারিকা গৃহ জ্যান করিমা পলারন ,করিরাছে। কোটনিপ প্রথা
আর পিতা মাজার প্রভ্যা ক্রিন।

कारवाश्वारमध्ये वरमन, वीमात विश्वाछ बह्य मण्यूर निरम रख बहेत्रास् । अहे खाना-हेड विरम्खि वरमत गर्धाच केक का करमत खात श्वाण करेत्राहिक । तम मध्य छ नगीत निक्रिक विक्षित किन, अन्छ मध्य करत्रक सून वाक्ष डाहारक धतित्राहरू ।

বি এই বপঞ্জনার স্থানীয়ে ।

বাজাক টাইবস
বিলিৱান ৪ ঠা জিনেবর ইবক্ত
রাজেন। আল্লারি নালের
ভবরে আসিবেন। বাজাক সাল্লার
প্রিবেব সমারোহ ও আল্লার
বিবেব সমারোহ ও আল্লার

বিজ্ঞপেদী হট বাড় হাইছে সংক্রী
হেন সঞ্চাতি রেলওয়ে সংক্রাভ স্থান
হাইছাছে। করেক থানি আনের
ভালিয়াছে, অন্য কোন অনিট বছ পর, হানাপুর ও মুলেরের ব্যান রেইলওরে বনিয়া নির্মিট

उक्त ना जागाव हरेट नेवां ना वादिन, अन जन नहनाती हो को जा का नगनात हराने के जा नगनाती हो को जा का नगनात हराने के जा का नगनात हराने का जार जाना के जार का नगनात हराने का ना का ना नगनात का ना ना नगनात का ना नगनात का ना नगनात का ना नगनात का नगनात का

বিষয়ে বিষয়ে

किए गट्ड ४ए सन इनन नगृह एक्ट ब निर्माणकाट्टन, वाहोगटा (अमा बाह्ममान मट्ट) हाजिल सुर्व ह अयदि त्वातटक रथ क्ष्मि के कुछ बहेबाटहा अडे शाल्ड कहाना शक्ति हरिकट्ट।

ভিয়ান মিরার অবণ করিয়াটেরন জন্ম বা বিচাট ক্ষেন নগরে করানী ভাষা বিজ দিবার জন্য করেন্দ্র বিশ্বস্থার কাণ্য করি

उन्हर्ना मुन्हि निवस्टा अकि स्थेनत अक क्रमीक्ष करहर राहि के कारण विश्व भिका raitige war eitelliterna, ceren ab राज क्रमंत्र **वाकित द शास्त्रता निकास** रिकार्केटम बेश्मेस शवर्गावादिक वर्ष कतिरहम । गरा के नवांके जानक विवदत आंबोबिदवंद व्य गरम् । अनाम कासम स्रेशासम । जानानि-रशह बत्नाहर अहे, हेरमशीत क चात्रकन्तीत গৰ ব্ৰুৰ্ক তাঁহার স্থান্তের অভগামী হটয়। टार्कियश्त्रम् करमकानटक हे श्राटश विद्यानिका-र्व स्थातन करहम ।

্ডিডালাতের বেলিনীপুরত সংবাদ দাতা ধানন, সম্রতি ভত্ততা মুইজন জন দার পর-স্বার দালা করাতে করেক ব্যক্তি আহত হইয়াছে। কৰীদায়ের। একভাব জন্যাণিও जान क्षितिक में !

বারাসতে এক " ভাউ'চাড্যের পুর্ণ সক-की बाबा अक्षेत्र क्रम क्यांट का बाद अक নংসর বেরাল হইয়াছে। ভটাচার্যুবক সক নী বাহির করিতে না পারিয়া এক ছুরি ছারা ভাষা বাহির করাজে প্রকৃতির মুত্যু **হর** গ

আষয়া ভাষিত ছইয়া প্রকাশ করিতভঙ্জি উত্ত দানের গীড়াজিনবা অল্যাণিও বার নাই। একণে বিভন্ন লোকের মূলা হট্ডেছে ্ব'বোরা আনাহতে ছুই বংগর ছারজোগ করিয়া লানিতেছেন ভাঁহারা একণে কিঞিৎ শ্বয়া ्धिता आव छात्र विद्यालय । जुव तेवीत পাড়ে সৰ দাহ ও ক্ষেপ্ৰ জ্বারভ হইরাছে। नावनंद्रकृष्टे जागाणि । क्षित्रम नियुक्त जार्थवा खेषच अधूष्य कतिरमन मा १ ...

१३ (क) व मन्यवाहा । . .

বিনীয় গ্রণ্যেকের সেন্টোরি मिर्डिक मिल्टर बीय करफांत छात्र शुन्ता हन क्षाक करका नाटक वाटल नियार

শেশাৰীক কোন পত্ৰে প্ৰকাশিত कर्पाटक कोई स्वाटकाक काम एकन एनत ক্ষায় অনেক কৰিছিল্লাক বটার। অধিকতর क्षेत्र बाह्यस्य क्षित्रं बाह्यत् वास्त्र । हेर उ प्रशास विविधः महिलान स्थापना करिना । ।। ।। िमादिक महि त्यांन प्रतिक बहेबारन क्षिक्र मामास्थारम अक्रम केरिया निव क्रिया the state of the state of the state of the state of

স্ত্ৰহায় ও আৰু অক বাৰিয়া সভা ইটডে वहिक क क्या शहरव

क्षिप्री रगरमंडे महसूम शंभादन कांत्र कंछ ৰণ্ডলি ভোট আলালক স্থালিত হটবে:

উদ্ধান পার আরও হলের পাতিবানার স্তন রাজা বছেল দিংছ প্রাথ বর্ভ নন र तिया करबुक्बन क्षेत्रिनिषित्र करण भागन ভার দেওয়া হইবেং অপর, শভরর পেংস কের) কবিস্তুর প্রৈকেণ সাহেব একজন প্রক্রিবি ছইবেন । বালক রাজার বিদ্যা निकांत्र व्यथ धक्वत उंशतुक हेर्द्राक्टन नि हुस क्या कर्तरा।

क्तिका खरण कतियादका शर्गत्यके पृत स्कृत ৰ নিৰাভাৱ ৰুণভৱির এক আড্ডা করিতেছে ন, বোহাই হইতে লর্ডেক জাহাজ এখানে আ দিৰে। ভরিষিত খিদিরপুরের তক পরিষ্ত করা হইতেছে। এবণ জনপ্রতি রণতরির क्षशुक्त गढ़ जिस्म (इंशि अविवास निविष्ठहे কলিকাভার আনিয়াছিলেন।

🐔 শীত্র মাতল। পর্যন্ত রেইনঞ্জুতে খুলিবে। শিরানির দেও প্রার প্রস্তুত হ**টুন।** বিবা ড स्ट्रेटल कटब्रक्थानि आशंक अनाव अक्लाटन ৰাভনার আসিতেছে।

শাখীরেব রাজা প্রবার উপরে অধিকজ্ব কর কাইতেছেন। পাল লোগ নিবারণই ভাঁহার অভিপ্রেড। আরাদিগের মতে এ উৎহও উ-পার নতে। সুরার মূলা ক্ষবিক হইকে বাডা নেরা খাবার চাউল বিক্রত্ব স্থারিয়াও প্ররা क्षत्र कतिदव। ८६) १३. क्यू क्षांत्रिक नाम्, अस चाडा छेरात नियातन क्रडी जिरमहा -

७वां दलीय पुषवाद्र १

३३७ फिटमबब अभी नवाक 'तारेम अरब पुलिएक समा बोबेरकरक्।

हिमामन व्हेट्ड मरका जानियाद वाव-তীর সন্তান্ত লোক ক্রেছেটা নবর হইতে লগ-विचारत अश्वास सर्तिएकदंबन । विद्यारम् मन्त्रे (ग्रहारमः। निकास काम सामस्याम माहे। রত্তৰতী নাৰক বে পাছৰী অবিহলনে স্থাচুরি করিয়াছিল, ভাষার ক্লা-বিৎসর নেয়ার বাই-

क्यानीयुटक वश्र कतियादिक । नामतिक विशेषी-नाम अविष्ठांत्र आंग्र एक ना । किक लाग्हें ना है काम्युवाद कि वर्त ?

শ্ৰণান লেৰাপতি একণে নানা স্থান ज्ञभग कतिशा त्रवाणित्यदं व्यवका एमन कति-তেছেন। তিনি শীল্ল জাঁশীতে গমন করি.

भविष्वर्गक मन्त्रीप्तक वर्तम, ८२ निरङ्गि कारतरक्षत्र बांक तो काबात् काचेन काशा गरू शटम अवुक्त क्षेत्रकाल कही। दि, विकीत शटम রাজহন্দ বল্যোপাধার নিরোজিত হইরা-ছেন। আমর। ৫ শবা করিরাছিলান ভাষা

৪ ঠা পৌৰ স্থলপতিবার

बाउनाहि बांदगत आहटक वानिगंत्र श-गांख दारेन एदा पूनिया। जांब २२॥ दानान **बहेरन जानांश्वान ज्य**ि हिन्नी **नवाद दिने** লওয়ে হয়। যদি ১৮৬০ পেপ্টেম্বয় পঠ্যস্ক ৰমুনার দেতু প্রান্ধত হয়, মাগাৰি পূজার সম-द्ध ज्यात्म स्वकृषि विकिष्ठ महेन्रा विजीएक নাগিতে পান্ধিবেন।

লেণ্টনতী সাকলিন বিভুক্তকৰ্ণ নামক এক অন ভুড পূৰ্ব বিহোষী ও হড়াকা-রিকে থার-ওরারে যুক্ত করিরাছেন। ঐ ব্য ঞ্জি যানসৰ সাহেবকে বধ করিয়াছিল

वरावाद्वीय देख्यकान बरमन, अक सन बाचन हेरताथ शहेरणाइन। अवविष वृहीश्र নিভাত্ত আৰ্লাক।

পুৰাভাৰজায়বন্ধ বলেন জেনিছ সাজ্য ৰাষক যে ইছটি পুৰাতে একটি চিকিৎসালয় क्तिरक्टकन, जिल्ली अक्कि वेक्निविन्दितन क्या ६० ०० होका विदादकत ।

वाक्षाक ठावेवन बर्गन, नारनात्वत्र ला-(क्या अक्षि हैं।वक्ष कतियांत्र समा अक त्का च्याकि क्षत्रित्वव । वक्षद्रमधीवृत्तिः वैद्व अवनवैत अविक मार्डि (क्ये ? ना

मोलाटक स्थापके रामादेः प्रतियात करा चानिवाद्यः जवात्रा नीय चार्यः व्यक्ति त्रा नाहै बहेबा बारक। जास्यक्रियों के देखारक **を持ちまれる。 日本の大学、日本の大学は日本 ままっこ**

मध्यकि चाक्रारक्त ल्यारकती खेवाह अक्क्र वा बंकीय निर्मालिय प्रांतिक कहियात खेळाव कहारक स्मार्थ करें गर्भव विद्यारक विद्यारक ्त विभागा मा स फालिए बहैरन मा नावनेदम-के देकरम 'आञ्चलका स्तिद्रवम अहे माळा जन का धारमान (क्यन मानुक्ना दोषा धाराविष कतिया देहीन चड मसायमा माहे।

फुर्लाहरूद्र दिशम श्रीम ब्राह्म हैहाँ म्ल श-হশার আরম্ভ করিয়াছেন। ঐ সজে আযকা-दी । (वन प्रति !

নিৰ লিখিত টাকার নোট প্রচলিত বুট 4 37.5

> THE PARTY F13 त्मा होगड़ त्मी ग्रमा कथा विकास 在我一个人的一个人的 一个人的 4 क्षिक्ष अहित अहित केवा

वण्डानीय अवनिक अंदोर्क दिन गृहिरवर्दक निव कि चंड के बड़ा विनान ১ প্রথান ইঞ্চিনিয়য় ७ अनिहरूनेकिर देशिवस्य अथव ८वनी

व प्रकाशिक्षिय है विवृद्ध

नारमञ्ज्ञ समिद्रका स्थान केवियारका छन **जान कार्य समझेन्द्रीय कान्य कियोग १**न किया ७ न्यानम् न्यूकारकः क्रियुटन व्यक्तिकः चक्रशः प्रोतिः क्षि रहित्र महत्त्वाः क्षीरीट र अनवद 'महैसा

क्षेत्राधिक र [ा]क्षाकिनाटमता दरतारकेते छ*्रविद*र्क बर्दिवरिक् । शासना सगरिक नव्यापी केर श्राम जुले जिल्ला गणायनार्थ द्वार्थ सामि

भोक्षिरदेशम् अनुभाति मरनाम नर्दा पृष्टे स्क् 'শ জিবাঞ্চরর স্থাক। তথার বিদেব স্থানট্রের महिल चुरीक बहेबाट्य । साब्रह्म मार्ट्स्टर व्यवस्थि ३०,००० हे.कः हैं कः व्यक्तिय बहेसा-ছে। লাভ কানিও ও হরিবের ভাগো কি ব্ট্যু

शवर्षा के शिक्षा कतिवारकन हिस्स के চা বিয়া খকৰলে বাইলে খেন্দানত হয় থেডিটি नाह डोका नरहर क्षांड क्यांच अक डोका नार्थ य नरेएड भाग्नित्वन त्व मदन हिस्छ क्येंडांडी **০ টাকা করির। প্রত্যাহ পাইরা বাকের তাঁহ।** রা বেক্ষাবত এতি ফোলে চার্ট্র আন লইডে পারিবেন। বাহাটিগের অধিক বার মকস্বলে া বাইতে হর ভাহাদিয়ের লগ্নীর ও আর্থ উত্ত त्राह्म भटक है जुनिया।

रेशमधीय भवन्यके कांत्रमत्नावादका हीस দেশীর সরাটের সারতঃ করিতেছেন। ইং-निमर्वान बरमम २२ गनिष्ठ भीक स्मर्मा कर्न ক্ষিকভার আসিবাৰ সময়ে চীন বৈদ্যা দিগ क भागमानिद्रभव अञ्च निर्त्ती आतिवादक । करत्रक केन हैं रहाज आकिंगड़ हीन त्रिगटक ত্তলিকা থিতেনে । এক ক্লিড্ৰ আন্বরিকান मजोर्जेन धार्माः दभनाः छ इत्यक्तिमा ।

मधा चात्रक बर्दात्र নর ব্রহ্মী পত্তিত স্থানী বিজয় করিবাঠ ।वंशि ७ काम कनि. স্বাছেন। কোন কো এদেনে ৩০০০ কোখার या १००० अकात द्या श्वितारह विकृति हिस्त । প্রতি একার উর্দেশ্বা আড়াই টাকা ব স্থান সংখ্য এক টাকায় বিক্রীত হইবে। সংয়্যারত: বর্ষের সাজ অংশের একাংশ বাস্ত্র কবিন্ত জা:-ছে। আৰম্ভা দেখিব গড়িছা, ভূগ পাইন্তা म मा पनिया क्षितिकि क्षित्रीश त्य सुद्ध क्षित्री. हम ता दव वं कवन गत्र हाद्रमा है करके दि ब्राक्त कतिबाब निवित्त ।

ব্যক্তি সম্ভোৱার সম্ভাবিত পুলস্কার ১৩ होना नारकगारबरहरू वक्षक्रीर वह मुख्याना व कना रहाईन क्षित्रहरून 🖰

"नेवार वर्गकारी वाक करियार

PARTITION OF THE PARTY महेटड विके पाना

্বাবর আকারিত কর্মান क्रमारप्रदेश अन्यत्म चार्यमा विश्वेष করিব্য স্থাবিক্তভেষ। সম্প্রতি সম্পন্ন এই কারের প্রবাব ক্ট্র ছিল সকলে ক্লাক प्रदर्भाषय कतिहार्यक्त । यत्रह्मर्थ्यहे । क्षे e ভাজনিতীত বাতেই ইবার <u>জাবণ্</u>য খীকার ক্রিয়াছের, ছবে এতাইবন্ধর্ক क्याद विक्रम स्ट्रेटफट्स द्वस है

ेकि.विका प्रदेशम *द*्यांकार्वेदवडः इरेका वा जानियां जानको निम्न जातिएकै क शूर भगास राज्योध नेक्ट्रिकेस वक्रवित्रच नाहे, उदन देखा बार्ज कर्मन ত্ৰ কাৰণ কি ১

मधरनत पूर्वाच्या द्वाचेयानहरू की शादकः। श्रीक्र वाष्ट्रीय भवति असिर्वे । बर्ध बद्धाराई सार्कान द्वारमा क जाना बदलां बच्च बहे सांदर्भ हर , जादिन है जिल्हे रकात कड बहेदन मा । सिला, च विकादन

रबादराक क्षेत्र देखक्षेत्री क्षत्र किरदा दर्ग चाडे अहरक हिस्कि स्थानमाने स्थानातः अ कुक्त जन्मद्रक्षणीयनिवस्य । भावित 'दयकारा ब्रांक तरेका किलिया हिटान • चटन है १३ अ अविकामीय अविकिर्गत निकटे अर्थ हावि विश्व क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र महाविश्व महाव महाविश्व महाव महाविश्व महाविश्व महाविश्व महाविश्व महाव महाविश्व महाव महाव महाव महाविश्व महाविश्व महाविश्व महाविश्व महाविश्व महाविश्व महाविश् উভিক্তিপ্ৰকে গালি দিতে কারত করেন > স इंदे दिवि वन्त्रामक मान्तिन देशाया कि क्षेत्र विकास सामा स्थानिक विकास बहुनं आवाम जिनि विषे दार्शना स्ट्रण कं र्शिको काना।य बनिया धीकांत क क्या दशक वा क्रांत्रन छाडा रहेटल अंशत नाज कानी

হটবে। রাজগকভার সম্পাদক বলিলেন, তিনি বাহা লিখিয়াছেন লো মর্লার শত্য কিছ তিনি যে জেঁপীর কথা বলিছাছেন বল্পখে माक्तिन मार्ट्यरक अथमा करतम मार्के । हाहि

अहेन्द्रथ अवटि सोच्यात निधियात समा व्यक्तिमा (बनोट्ड वार्यन ना इन्हरून **ভেছিলেন । किन्ह** विश्वविद्यालकार प्रश्निकार ভারতে ববিদ্ ত করিরাছেন। এ ছীধ্রাকৃত্রি रहेरक अक्षे नामाजिक ब्राह्म र তাহার মীমাংসার আবশ্যকভা त्र। क्षत्र **वरे, जीत्नारक्त्रा क्रिक्रा**सांब निवित्न श्रीमां की व निवस्थ देशमात्र नाभरम नमर्थ बरेरवम कि ना ? शी प्राप्त कारन श्रीरना-কদিশকে সম্লা পরিজ্যার করিয়া পুরুষ চিকিৎসকের হজে পরীর সমর্গণ করিতে হয় দ্রীলোক চিকিৎসক ষ্ট্লে নে লক্ষা পাইডে रहेटर मा।

धरे लोग भनिवास ।

भवर्रमके जीनदा स्ट्रेटड क्टब्र जन स्-শিক্ষিত মুর্জিকে আলিপুরে আনিবার ধন্য সেনাগিলের ব**ল্লের ভজাবধারককে** ৪০০০ होका क्रियाद्या

त नक्त भक्षांची दनमा हीनदम्दल एक दश এবং বাহারা ভত্ততা কারাগার হইডে মৃত্ত হইরা আসিরাছে ভাহাদিগের পরি াব গণে-म नारायहार्व चात्रकवरीय अवन्द्रमञ्जू शकाव शवर्षाकेष ५,२०,००० होका शिएक न ल-ब्रोट्स्न ।

ভাক্তর কোলিয়রের মৃত্যু হওরাতে ডাক্ত ब्र इंडेब्रां है व्यक्तिक कारमास्य खरशरम् थाः **जिल्डि रहे**दवन ।

লোলেটিশাস ডেম্বণাল ঘটিত বিবর महेका अवनः अधिकजत तानतान केन **হিও হটুক্লেছে। বোধাই** গেলেটের সম্পা-भरकत क्रिकेड अक नास्ति ३०० होया क्षित्रीः क्षिणि क हता विदारहरू हेरदान क अनुस्त्रकारित बावछीय विभिन्न ভাড়ার ভাষাে আধিক 'টাকা দিয়া 'তা'ল টাকা বিখাটয়া খেন চ ভিত্তি বলিয়াছেন, আগানি মেইল ভাষাকে বে সক্ষা টা্ট্রি बाक्त फालिएन छावा चूनिएसहे रक्ष्मी बाहेरन, ं होताम फोरण्या बारका कारिक होका जाएक বলি ইটা লা হয়, ভাষায়ইলে ডিনি ডত্ৰতা ব **िक मध्यमाद्यसः विकार के प्राका शाहित्यम** अवर छोटा नाटकमारहरद्व माहावार्थ ध्यति क रहेरव । विविध, मकाबाद विक आशनामि रम्य मामकानन क्षिएक हारहत् के कण वा अ द्राधिका ज्याचारताच कालम कहन ।

ক্ষিনিক্স পত্র বহেস, লাভ এগগিন अएएमभोग वार्थः उ मन्नादन्त श्रुटक শক্ষার্থিগতে পত্র প্রেরণ_ুকরিয়াছেন। তাঁ **ইবি অপ সহচয় কইয়া আই**দেন, গ্ৰণ্ড (ब्राप्तक्राम्य अहे हेक्।।

ভারতব্যার ব্যবস্থাপক সভা।

ওয়া পৌৰ ৰূপবার निरमके विधि नकांत्र कार्या खनानी नः त्ना-ধন ক্ষিবান্ন বিষয়ে রিপোর্ট করিয়াছেন, সভা পতি ভাষা অৰ্পণ করিবার প্রস্তাব করিয়া ব-क्षित्रम्म, अध्यक्षित्रा च टांत चा श्रीमंडांन अखि इखे अविद दम **ब्याग करा करे** एउटक् मा। द्विरशार्षे अञ्चलात व्यक्ति किंद्र बहेल ।

মেইন সাহেব করার ভলের বিলের অভি जिल्लके क्षिरिक ब्रिशी अमान कविरम्। किनि कात्र अञ्चल्यानक विश्वानक केने:-म्मात बंत्रह जाहे सूद्ध विधि ३४-७७ कास्य **२**३व स्मारे गर्वाक देवियात समा अक दिल धर्मन করিলের। বিভিন্নারক বিলাপুর অভৃতিতে নিউনিবিশ্র ক্রিবার विश्व चंगी

शांतिर्धित गार्थः 📑 रक्ष्मीत पृथीवानवि-त्त्रज्ञ विवाध 🐞 च्यावन ही चारेन मररनाथम दिवतक पूर्वे दिश कर्णन कतिर्देशक ।

, इंडेरक्राणीत नयांगत।

मक्षम अन्ति अरबद्धाः विका कर करवम राह्मभा जिन्दा नानकीत सानिमा के गर भादेशास्त्र । क्यांनी **प्रदश्यके जा**रमहिशांत गुक इत नान काल नेश्व कहिंदे हैं है व अकान करत -ন ইংলও ও মুলীয়া জাই। অপ্রায়া করিয় হেব । আবেরিকার বালালা জোঁকবিগের ক্ষরতা র্ডি वरेगारक । विके देशक व्यादमा अवस्थि नामानिहर्ना त्रिक्सिरगर **गच्छ ५३ व्यव ७३२ व्यव** प्र उद्य द्वार व्यक्तिमि परमामीक प्रमुख्यमा जैन TI CHENERA MINISTER MY MINISTER WAS MUNICIPAL TO THE PROPERTY OF THE PROPERTY

वदेशास्त्रम् । वेश्काः अवती विवेशमास्त्रीतीयम् । मक्षम २६व मदनस्य। वाक्षिमक, श्रेक्टा ठ व्हेंग्रोट्स ७ वहवन है ए एही इ भटन नियुक्त ষ্ট্ৰাছেন। ইহাতে লোকে অভিনয় উৎসাধিত ब्देशांद्यन । गवर्गस्यत्मेत्र देमनात्र। यानार्शम् व অ গ্ৰনর হই:হছে। বিজ্ঞোনীয়া মানবিল ভই: 5' গ্রম করিয়াছে। রাজকুম'র আলেক্তের প্রীদে-त बाका महनानीक व देशन, हेक्: परनटक बि-क्षित को कर्षि हिन्।

গ্ৰণ্মেণ্ট বিজ্ঞাপন। वाक्ष क्रमीय क्रिशीनके सर्वस्त्रह आदिनाञ्चाकी विद्यांत।

३१६ नरवश्व--- (₩, us, प्राटक्षणा, माहावा-एत कानिको है माखिएक है । कारशहर बहै-त्व। जिनि से शहमान यानिएके हे ७ त्यम् हे कारमक्रीदश केन के। शाहेरबन । किंद्य एक जिल वाना स्कूम ना इच्च फालिन के शहराम काहे हैं मा चित्रों है है देखती कारमकेटर बार्क विक्रीह

२वा जिल्लाबन्न-वाहांमण्डल (ज्ञांणि मा ज रमें हे उ एक मूर्ति को लाहेन बाबू सहन्नहन महिक **एक्सिनाइ मुद्धांत मनत्र केम्स्य उनमी व हेम्रास्थ्य** এরং ডিনি, কলিক্লের ডেপুটি কালেটবের ক্ষর। পাইরাছেন। g ...

३२६ फिल्म्बक्र--नि, नि, सिक्न् बीबक्क्ट्रम्ब कानिका के माबिएके छ कारक छेत्र स्टेरवन अवर क्षिम्बानि व्यक्तिमा (১৮७) व्यक्ति ७३ वि हैन) २२ थाडा श्रमादत थे अ.रम्हण विजीव ब्यानीत अथीन मांच्या होते क्या माने-

त्य, अरब्रकेमांके बर्लाबरब्रज चानिकाने <u>ग</u>्रा-बिट्यू है । कारनंक्षेत्र व देवन अवर क्योबनादी चारेदनत् (১৮७১ चटकत २८ चारेन) २२ ४)-त्राष्ट्रमारत विकीषुक्षास्थानीत संधीन विमानित्यू -द्वित क्षत्रका भारेद्विमा

সাহায়াদের প্রজিনিষি জেপ্ট মালিটেট के टक्क्यूडि कारमक्केत्र पानू बत्तमानी (मध्य क्योस-वात्री जारेरवर (১৮७) चटकर २४ चारेव) २२ शाहाक्ष्माहत के शाहबरण व्यवस हवानीत क्षतीय गाकिएके दहेत क्षत्रका गावि दनम ।

कि, अध्यक्षक वृत्रभूदिन विकित्ति विकित्तिक जानिया एकरवन the way in a fig.

३०दे किल्लानिक विकासिक पश्चिम क्र बाडेस पाक्समादत जिल्हा: क्रिक्ट. वहनम्बिर्ड চাক', ভাৰত পুত্ৰ ও শাৰ্ডবঙ্গে তেপুটি কালে ^{হি}দেৰ সম্পূৰ্**ক্ষাতা হোৱা** ৰ ইংবন।

(स' दक' जन अधृष्ठिक जम कि' उद्विशायर সিবিল এসিটা ট সমজন ছইবেন

(लहस्य बनाहिया कि स्थलकि कार्यात्रिक बना টামি, জুলজি এট সকল বিষয়ে প্রতিনিধি আধাক इडेटवन ।

क्रमान्द्रवा **(कर्म**ण माक्रिक्ट्रें अ (कर्म्स क रमक्रिय भोजवी जाजात केल एक वाक्रमार्थ <प्रति प्रदेशार्म्य । जिमि के अस्मान पानिक्ये हो र ज मार् क्रमा डोक्स मार्थ को बी कि विदयन।

বাকরগপ্তের তেপুট মাজিবৌট ও ভেপুটি পের মিউনিদিপ্দ কমিটিন দভা ইইবেনঃ---কাংসেইর বাবু প্রভাপত্ত চটোপাধান্ত চম্পা-ब्राट क्यांस कडेब्राइम । किन जे शहरान की कर्माती व्यक्तिव (১৮ ५) अरक्त २८ आहेत) ! तात्र पत्र : मराव नेपर्य वाकि आणि थे। : वि ेर श्रीवर्श्वभारत को अरहरण अश्रम क्विभी व मनव-खिटने मालिको टेंग कमन शहिर्दम ।

खपूर्णि बालिटचे हे उ ८५ पू है कारलकेत हमी। लवी मुजीज खेकीन कांडांक्स रमधात जतकित-শ্রমের ভার আগুর কইয়াছেন । তিনি নদীয়ার माकिर्केटित माभून क्षम ए नाके नन !

नारमध्दत्रत चारममत् ७ एउश्री कामकेत्र नाम्नगारन । य यू क्रोमिवहाती भाग त हरमरण ५५०७ क-(अत् a चाहेन चल्नाद्र (छशूष्टि काटनकेंद्र सरे- | বেন।

कित्राक्षणात्रत एक्ष्रिया का का के विकास कारमक्ति भीमधी चावचूम शकांत्र हा अवाह व-मिन इडेग्राट्म अवर (कोलन ने जादेरनत २२ भागास्त्रादत से शामान शामा (अ-ीव नत-कि तिमें बाबिएके हिन क्षत्रका उपके बहैन -(इस

পাৰনার ভেপুটি মাজিক্টেট ও ভেপুটি কা लक्षेत्र बाह्य भूर्यक्रम बरक्षक्रमाण वाकनमस्य दम्भ इदेशारक्त । जिति वे वाक्रा गानि-क्ष्रिक अन्मूर्व कामक शाहित्वन ।

নগোরার কেপুট বাজিট্টে ও ডে গুটি কা-लिक्टेंब द्योगरी खत्राजिक छेवीन भारत प्र वनगी र्हेबारक्त । फिलि के आस्ट्राम कोजमार्थी काहे-भ्य २२ श्रां**त्राञ्चनारत्र अध्य ८७**कीत्र गर्नार्गास्त्री माजिरमेद्रदेश क्षत्रकाञ्चादत्र कार्या कति वन ।

नि, अक, घटले नम् छ सानगरगनात माकि-स्मितिरतीर्श्वदेशिक श्रम स्थास स्वेषाद्यन । · भेता विदेशकेष--विश्व शिविष शक्ति । सेन ভাষ্ব, বিউনিসিণাল কমিটির সভা হইবেনঃ---* राष्ट्रियात्मत क्षित्रवर अलाग्रहा

খাবড়ার মাজিটেট ও লিবিল আলিটানী **গৰভাৰ, আপন আপ**ন পদ পুৰাৱে।

শি ভি নিব'ল; জি ১ইচ ট্রিন, নিকল মা-खास्त्र (क' के बार्ष अब' फि' त्यांस्त्रकत का- किनकत , कम के बार्ष . टेडे लाउन के कार्ष , स्त्र व क्षम बर्शम, तक, धव, त्यमती छ करवल महरव-रववा , अवर वोद्ध व'क्राभाव वर्ड, शांशांकहळा চৌধুরী, ও ক্ষেত্রণাছর মির।

> ৮ট ভিদেশন - বাবু কাশীনাথ গাণ্ডিভ ১৬ই मदरश्त्र व्यवस्थि जिस्टलम व्याटममत स्टेशांटस्य।

> केषे फिरम्बन - मिस तिथि इ वास्क्रित beco व्यक्तर वाहेन अञ्चार राक्ष्माही विका-

अवशिक्ष अस्ति।

अब ,द क्कानदाक्षय अध्यक्ती. हाम्यः आगन्न ना-कर्नाले डेमियम मारक्ष, व मू ध्रमाल मिरह ছুগড, এইচনি कक्त्र(हर ७ कि क्त्रपात की व श्रेष्ट्राच्याप्टन दशकारी नि ।

वश्यमश्च ।

ৰাবু পুলিন বিহু'নী সেন .

উক্ত স্থানের অভিনিধি কেনাগতি স্থীয় গ-

क्ष्मीच्या

थ थम के बार्ड , थम थम छार्जिन माटहरदन्ना , बांबू बदलाल मि इ. मृङ्गळब एकवर्जी, ब्ल नि গেন্তস সাহেব শীর পদাতুসালে সেকেটারি।

बह, है, यक्ष छ बाबू प्रश्लेषांतु व्यक्त वामधंद (बाम्रा नवा। मधम ।

হারু নারায়ণ এসাল দেন। महरूपश्रण तक्ष्मीय मुन्ति क्रिम सम्बद्धः। शायन

(इहि चामांलाउ इक्स , बाबू भी वर्गावायाव बाब, कालाहान अधिकाती, जाम छक्त भागा; গুরুখনার নাছ , ব্রুলার্থ নাছা ও হরনার্থ সাহা ৷

क्यांत्यांनी।

(इप्ति काए)मटाउद क्रण शि दशकी मा<u>द्रि</u>-र, बाजू टेक्टर रुक्त भक्ष्मभातः वश्मीभन्न तममः ৰদনমোচন মতুমদার।

CHITTHE

हार्षेणांशांनरपत्र करू चात्र. वह, श्रीम ना-(द्व, श्रंयू जांगर्रेषु ६ श्र[ं]लङ्गावन बहै वि-रक्षेत्र कृति गछ २८.व. त्रिश्टिका व्यवधि केंद्रै-CE CE:

नारश्रम्

द्यां का नाम एउन क्या क्यांन क्यांन क्यांन स्था बाब की पूरी मश्यम चालि हो। किन्द्र 🏃

নিয় লিখিড কর্মচারিয়া আশন্ত অঞ্চিক্ बनाकार यत्था चीत चीत शतास्त्रादस क्रिक् जकल कविधित जका बहेददम ह—

क्यिनन्त्र : अकृतिकृष्टि देशितिवृत्र के विद्युष्ट भवसन : मालिए हैं चीव गवास्माद मकारहिक

>• वे डिटमबन---थः, ब, बाटकैंग अष्टबंद कहें 🗝 ক্লাব নিবিল আনিটান্ট সরক্ষম ছইবেনা

मनीश्रात अविमिधि एउन्हेरि कारमकेत कार् গোপালয়ন্ত নেৰ বংশাখনে বছলী ভটনা ভন্নায় अफ़िलिक क्षिमजरबंद क्ष्मीरन कर्न्द्र क्षित्रकर अन्य क्लोजनाति जाहरतत्र २२ बाताञ्चनारतः हिन् ার জেনার অধীন নালিট্রেটের ক্ষমত। পা-

ऽ२ के जिल्लाहर—एक, नि ना नाइक्य वाकिन्तः প্ৰেৰ প্ৰতিমিধি সং জেপুটি অধিকেম্প্ৰয়ে

্১৩ই ভিনেম্র---ই, এচ, লানিংটন প্রয়ের वक्रामणीय गवर्गस्मध्येत्र स्मातक्ष्मेनाहि वहेर्द्यम ।

८क्ष, नि, एक्सने **ও ए**वि**क्रि, जिल्ला**न शं∗ (भर रहा: महमम मिराइत (कहिक्क कि मिनित मक)

निवाणिक क्या क्यांक्ष्यां वर्षावादम्यः অবংপাতি চকদিখীর হাত্রতা ছিল্পিশালয় চা-लाहेबांत्र मस्रात्र मखा व्हेदबन ।

वर्षमारमञ् अक्टिक्टिने म्हानित । वर्षमादनव निविध भागिका के अपने में

ৰাৰু মুখ্যবনচন্দ্ৰ হায় ; ছবেকলিয়াক পঞ্জি, मेचंबह्य विशानांगत, बांबू बिताम क्रेडिशना-था। ७ दिवातमार्थ दमन । इक्लिकी किना-गरप्र अथान निक्य । योषु नात्रकाकानाक याष महा च ल्याकि ।

रवर्गात्वत रकश्चित्र कालिएको के एक श्वासीय के र लिकेत त्योमधी व्यक्तान काश्यक किह जित्यत निभिन्न मानुक्त एक्लाज नीमा निर्देशन क्या मन त्व क्रिमाईदम्बद्धे ववली बुद्देश अस्टर अत्यन १ महिन ६ ३५ र ए अस्ति क्र के बादिन क्रिशास्त्र षोषात्रियान, त्याशायणामा, मिन्छ्य, नीर्युष ख व क्रिकृष्टिकार स्थापन क्रमका लाहे-(44) 1 12.

३७वे चिरमध्य-छा गलभूत विराध ଓ में। ভাল প্রগণার তাতি নবি ক্ষিপ্তর ভালীস্থিতি आहेक्व मि, दि, উक्त कारमद मन्त्र किमान्द्र RECENT.

अज्ञाहर के इं कि 1

অ'নরা সন্তিলেধ অনুসন্ধান না করিরা পাৰনার রামসুন্দর বাবের পত্র প্রকাশ করি .च शार्तिनाव मा।

কান্দির অন্তঃপাড়ী গোণীনাথ পুর শর-গল নট্যা মেহিদি আলি খাঁর সহিত নবাৰ শক্তিমের বে বিবাদ দালা ও তল্পক অত 🛧 চাৰ হইডেছে ভাৰ্যটিভ প্ৰেরিভ শত্র এবনি प्रमुक्त अकरत ७ क्षार्य छात्रात्र निविध वर्षेक য়'ড়ে থে ভাষা কোন ক্ৰমেই প্ৰকাশ ৰোগ্য ८लाव इहेल मा ।

ছাতিরা কান্দির পর ঐকাশ ₹রিলে জগর শত্র প্রের্কের সহিত কেবল বিবাদ শক্তি জইবে।

र्गास्त्रिक पर्यायमधी कान अक उपारक ্বান্ধ্য করিয়া ব্রাক্ষান্ধিপতে গালি দিয়াছেন। এই 🙌 ভাঁচার পত্র পরিভাজ হইল। সোমগ্রহাণ अक्ति । देवहानिशीखन यह नटक् ।

এনণ্যাল্লী চাপরাসীর নাবে উপরে এক 🖈 নি আংবেছন ক্ষ্ণীন কেবল তাহার নর আর कारात जनात बाचन नहेगात जांग भारक, ভাষার **প্রভীকার মই**বে ।

'ক্যাটিং ক্রল্যোডি গ স্বাক্ষরিত পত্র প্র नाम बदार्शन ना । हैशेएक हैनक्वेंगिक जरब ক্লারের অভ্যাচারের কথা লিখিতে আছে। এ পুরাণ সম্বাদ।

রোসনা নিবাসির পত্র জত্যন্তভীর্থ বলিয়া পরিভাক্ত হইন।

প্রেরিত

মাল্যবর শ্রীযুক্ত সোমপ্রকাপ সম্পাদক महानग् मभीत्नव ।

विक महिनीय श्रीकांत्र कारकारम जाता स्राटन অবশ করিয়া পশ্চাৎ জেল, নদীবার অস্তঃপাভি खेला आहत्त्व नवानाती क्रांति हु प्रत्ना क्रिक्ट तिश्र दिलाम । मर्गमाती कता कांगोर थीत छेउन खेडक बाह बहु आहि लांक मूना ७ रताइड , क्षेत्रारक्षः रहा बंद्रा वश्योद्धरमान बार्ट्स, उत्तरात्र। बार क्षित्र कविक्रक्रदक्ष । बाब्रै सकता मानारक बान-भाग ता बार में में में में में में में में में मान, उपन जायात (नार्केशिय किस्तिक केरेडा केरिका आमयानि पाकि उपने देश वेदनत शुर्द्ध देश रे जीयम थ आवर्ष धूर्व दिल, उर्जू क्रि

ভাষাৰ বিলক্ষৰ এলাৰ পাইলান অভ্যান্ निष्ठाति मध्य वः भक्ष नव्य प्रता कर नम তি ছিল। **সাজপ্ৰের জক্ত** চেৰিয়া বোধ **হইল পুর্ফোইয়া আর্দ্ধি পরি**য়ার ভাল ছিল: विश्व बकरण ह्युक्ति सम्मास श्रीतशृत कडेरा. ह । हरू द हरू व ही मकल शक्ति करेट उद्द (कान कारन हुई छात्रिकान बसूबा बनिया थाटह । अश-तांगव आदिम आदिम कहिता गत्र । कुत्र कुत्र বালক বালিকাথণের জীড়ার উলাস দেশিতে পাঁওছা বায় ভাষা এই আংদৰ কুত্ৰাপি দে'খতে পাৰিলাৰ না। ভাৰাতে যান জাগ হইতে লা-গিল। এক ছামে প্রায় ৫০/ বিঘা পরি সিত এক-টী বেরা স্থানের দধ্য কইতে কোন প্রাচীন ৰশাভিশালী বাজিৰ পুৰ,ডম জউ সিজাৰ ভিশি म्म रेकेइन् विकास विशेतलस्य कि! नावि कर्तुक উৎপাটিভ চটাতেছে। ভাগার স্থান স্থানে অ ড়াফ নবরত্র শঞ্চরত্র অভৃতি পূর্ব্য নমুদ্ধির পবি-চর সিডেছে। এই বাটার ভিভিম্নের চিহ্ন ত অৰ্থনিষ্ঠ অংশ সকল দেখিয়া আমি ৰ্সিয়া পঞ্জিলাম। জনপেবে দ্রংবা সংয় করিতে লা পা বিয়া মাথায় যাড দিয়া ক্রন্ম কবিতে লা -লাম ৷ এমত সময়ে কোন ভক্ত সন্তাম আৰাকে क्लारनम् कावन क्रिकामः क्रियानः चामान अञ्चल अवत्य जिनि आबादक " प्रथम प्रेवा-बरे विवय बटछे, कांक्तिवाय'रे विवय बटछे " बिलया बदबंध माधुरान आमान कहिता लामात लहित्त কিন্সান করিলে ভাঁছরে সভিত জালাণ কইল। দেশিলায় জাঁগার শরীৰ আৰু আৰু নীৰ্ণ ছই शांदा । शत क राष्ट्रपत्र कीन, केंग्र की उ ७ जून মণ্ডল কালপিয়াতে আক্রম চইরাছে। জাঁচাস নিকট আবের প্রকা সৌভাগোর ও বর্তমান पूर्वपात करनक कथः अभिनाम। अभिना जा-यात समझ विनी पहेरक जानिन। अस अरल र्वमा अवकी अवधि महार भर्वास आरवन प्रक्रित পূর্মা ও উত্তর ভাগ বর্ণন করিয়া পূর্বা ভাগে वेंकीर्य प्रदेशाय। शूक्त उत्ताप्त अय पारम विकृ मृत याम पूर्व बहेम । हेर्जु स्ट्रिंग चार्का निका. छ यथा जान विशा ध्यकांना प्रांखा। प्रतिकृतन देव-ট্ৰপানার লোক গন্ গুরু করিভেছে। **ছেপির**-বিছু সালন লইল। জিলানা স্বান্ত ভাত হইলা-व के कांग्रेस चाकी अकरन ब्राट्यक महश्र श्रमान थनी। श्रीकात क्यीपाडी, विवश्न विकथ बाह्यक कारक । अभिनाम त्यहे वाहि वहेरक ७६ सम লোভ বৰাবারীয়ে বিষ্ট কর্মান্ত্র। প্রেই স্থায় गतिकाश केंद्रिया किन्न इक्टब्ल्युश्किन्दर्भ नीहरू

করিতে করিতে পথি মধ্যে ছেখিলাধ কডক-ষ্টাৰ। এক প্ৰকার নিজ্যন্ত ক্ষিলায় পূৰ্ণে ইয়াছে। গুলি কম নত্ত'ন গোন সভায় প্ৰন্য কৰিছে এ-म। कामिनाम व्यं दम विवन श्राम मध्या 4क्डी खेवशांत्रत काणन कतियात खेलाल कांकाता अक मका कविरवन। आधि श्रामिश्रा कीश्रामिश्राक कविनाम त्व वष्ठ विन अवीरत छेवशीलय इन नाई क्ति । जीवाता कविष्यता अक विष्यत विश्व अयनि छत्रांसक दिल ७ उच्चना आभगा आश्नेत ष्यांशन महेत्र। अ उदे नाख दिमान, य खेत्रशामक কি এক জন কবিবাখ ভাকাইয়া ভিকিৎস। क-बहिनात अरकाम कांश गांदता बांच माहे। अक-त्व महायांती स्रम अतम इन्हांनदमम् किंदू नार्वि प्रवेश रहा, कांकाइउद्दे सामना गारमन मधनादर्थ अउ मि नव पत्र छे स्मात्री कडे एक छि। का छाना তাঁহাৰা আমাৰ পৰিচয় জিলামা কৰিয়া জাহা।-न कविटल कामि छोबाद मध्यद मध्य निहे मही-य अवन कतिकात । हे के शारमक बुक्काकी नवान-खरमिरभत वांजिए १ के अछ। इहेल । मुखाकी भ-श्रमप्रक्रियत माम कामान शृद्ध छना हिल। ্ৰায় বেই পৰিবারেয় কোন কোন মহালয়েত বহিত জালাপ হওর'র অভিশব্ন **আন**শিক व है मांच ।

> সন্ধাৰ পর ৭ ঘটার সময় সভা আরম্ভ ছই-म। किन अक क्षण महान श्रवत्न महानम गा-किविनंदक महबाधन कविशा मछ। ब्राउँ समा मध-क्ष अरू वस्तुः । कहिरम्भ 'उर्श्वाद श्राह्म श्र-कीवना ७ वर्डमाम ध्यन्। विषया धम ख्रुमीच প্ৰশ্ন পাত ক্রিলেন । তংশরে অপ্র এক वाक्ति अक वस्तुष्ठः करिराममः। अवन्तरम महाद कार्यात्र दिवतन ७ दिश्रमाति लिपि वस् ४३-त्म शह ब्रांकि क्र परिकात मगत मखा एक बहेन। करे गठात कांचा रक्षिया आयात्र मध्य कडान आस्तारमत नक्षात्र इंडेम । इंशोरक द्य मक्क पूर-क उनिवध हिटलम डीडाइर आशिमात्रदास्त्र मः यज्ञ खनिक करिएकेनिहिट्स औरवन शहरवाश-कांब्र स्केटबक ।

আলি যে বছল সহাপত্তের সন্থিত সভার দিন ब्राह्मिक काराजा आमारक वस्करहरू अविड त्म हाजि के शाहिमरभन्न वामिएक महेका रमरमान, अवर कावाब आर्थना अध्य हेक्क च कुछाही का-मारक चानिया पिरम चामि क्रांशांस अर शिंड लिनि नरेगान। जातांत्र और मुन्न ह्वास नरा-नरबङ्ग अवृत्रा महान शत्य अकानिक देवेरम भागीत वर्शनदरम निष्के के प्रश्नुका शाहादेश है। कार्या नाउँ कार्या अस्तित असी से समय- यfar the grown of the grown or aकांत्र प्रतिकृति है। विकास क्रांक्त जावात राज्यों लिकित देवर कितार भारत की है का का करें महीने प्रमुश सूर्क का हि और गर्क याति ्रान कतिक क्षेत्रियक विजयाविक कतिए स । 3141

र दियांम ३६६ चार्थापन 32 6B

ত্রীযুক্ত নোমগ্রকাশ সম্পূর্ণক वहालंब नवीटलब् ।

বক্ষলের ছেটিআহালত।

विचारम विचारम अवे चालिमर विकासामन क शिक बरेशारक, आह तम मबूबारहरू दे द्वारवह কথা ভানতে পাওয়া বায়। ইবার ভিনটি কারণ প্লাছে। এক. বিচাৰপতিগণেৰ পীত্ৰ শীত্ৰ নি-লাত্তি করিবার প্রবল ই**ন্ছা,ছিতী**য়,বিচারণতি-গ্ৰেৰ ক্ষুত্ৰে অনেত কাৰ্য্যের ভার সৰ্বৰ্ণিত ঘট-য়াছে, এতিদিনের অপরিবিত পরিপ্রমে তাঁ-১ ব. প্রভরাৎ অভির চিত্তের নিকট কিরপে **শ্বিচারের প্রান্তাশা কর। বাইকে পারে ৮ তথা-**পি যে লে বিচাবপতিব অধিকাণ্শ সহিচার বার: লামানিবের জাতিমুদ্দ প্রতিষ্ট হয়, জা क'र | कारणाके व्यार्थ धनावातमञ्जलका प्राप्त । कृतीक (बाहे आयोगाउत कुछ मिण्येवित छ ्राट्य आशीस मा बाकाटङ स्टनक्: मक विष्ठात-<ि अभिरंश राष्ट्र अकडे भरनारगात्री हरवन ना। कात) काता व्यवस्थात निरम्य बीटमारयाती स्वेरात पाश्चार्थक्रेश बक्ति विभिष्ठ कात्रन चाट्ट, ! ें शासित कुछ विवाद छेक आसामाना छ अगाँव वार्डित बहेरम क्षिक्ते माच ए भग हक्षि बहेगा शहक, खुळ्डार स्य मिरश कम भ.ः । म मिरश हाकि भविष्ठ महा। अधिरशामीख गांख दह मर्था भागितमध् वान সক্ষমায় নিশ্পত্তি 🐠।, कार्टेन विषया अक सकाव अभाव। शास्त्रम् रिक, क्रांब दक स्वांत उठ श त्रश्रम करते। हात रात्रे आह्नवस्थी विकादशंख केंद्र कि विद्युक्ता काइम मा, त्या त्यारे प्राप्तामा कर गर्ना कर वासि গবের হক্তা, কর্ত্তা, বিশাতা ভিনিতী, ভালাদিবের ष्णाव डेगांच नाहै।

বিশ্বে কালে লেই সেই ক্'নীৰ গেছিতৰ বিজ্ঞাছ_{ল।}।

बुवेंचा विशेष केविरण गरणात कामधान करेगा वक् तक्षावनां वाटक वा :

्रशामक्षकाच गम्भागम मर्मित्रम् ।

वंक अना व्योक्षित व्यामध्यकारण कृषाहर-वानि निरानि श्रीनुक इक्क्यूबार एकराबीय छन উচিৰ্দ্য মহাশ্ৰের বাগ্যান কাল প্রভৃত্তিব নির্ণ-র বিষয়ক বিচাবে এর্ডিন দেখিয়া আন্দ্রি পরি-ভোৰ লাভ করিলাব। আবার অভিলাব ছিল, क्लान अधान चार्ड घरराशक अविवास अहस इ-वैद्या फन कन कतियः विकार शृक्षक बोमांका 🕸 🥤 बिन्न, बिटन, जान ा । वाल विद्यालय वन्त्राभीत्क ख'रा प्रतिकृत वदेश्य। वर्वशामा बर्गनरत्रत्र निशि कोलन क्षित्रा खीशांक अवा ও প্রাচীন উভয় শ্লিপারদর্শী প্রধান আর্ত্ত অ-্যাপক বলিয়া ব্যেষ ছইল, অতএৰ ভাঁচার নিক ট্ট উক্ত বিষয়ের কোন কোন আংশেব প্রায় করি-हार रहत क्तिए बजिसाद कति। **स्ता**र्यात मानः एक मण्य अर्थ के वाक्नारत जिन्न-লে ৰাজ্যা জন। পাছে সোমএকাণ সন্ধারক ও ভাষার এছিক্ষাল বিয়ক্ত চয়েন, এই কেডু रान्तर इस कविरक शहक वहेनाम, अर्करा-দীৰ মহল্য বেন কুপাপুৰ্বাৰ ভাছার উত্তৰ भिन्न आर्थना शर्व करतम । जिनि. जिन नर्यत श्र विवाद कारका श्रृक्षणवीख वार्वादनत काल (5) अथि क्रांश निर्दर्भ कदाइ आमात्र थे दि-ध्यति निःम्बिष धरेगाहि, काउद्य किव्यस्य আৰু কেনে এছা নাই। কিছ ভৰ্ষণাগীল মধাগয় अञ्चलका श्रे कालक दर विवादका काल (२) क्वित करिया लिखिक्याहरू । उचित्रक सामा-व मरमाह हुर हरा गाड़ि; क'रन, मिछ अल्क पूर পুर्द्धकाल कि कास अञ्जव भूर्व्धकाल । विभि क्ष्युस-र्भन बहै अकति। h विहा वैश्व कपूत्र पूर्वकामान विदाहक स विश्वत मिन्छत करित छानः बहैरस

(১)---> रा अोदिय मामश्रकात्मय ६७ প্ঠ'ব ২ দৃষ্টে টা কুল চন্দ্রদার ভর্ষাদীশের পত্ৰে 'ল'ৰত আছে, " বিৰবাৎ প্ৰথ বিবাহ ক'লাং পূৰ্বং বিহিত' ৰাগ্ছানং কৰ্তামিতি ছিতে ., '' বাগ্দান লালে।তি চূডাকালাবৰি वाक् क्षेत्र, सर्गरमातिर अविवाद अकृति निवाद आकृतास वर्षासु .. ' हृक्षाकास গতুপার **ভরা অব্যাত,** আসংদিধের বিচাচনার পথত বিভা**চনারণত** বাগ্রানত বিভিন্ত

ा. रहत व्याप्त है अर्थित । है। में श्रांकान्य अधिकारीय रूप वि रहतान्द्र

नकन कनान अवस्थ वहस्त्रक कारण अ ny va n', worit feciality finities a fiele wert i wiede femien Gifte न्य कि मीट्स कमान कर बन्नाम मेन्स् विश्वीत कु नम यह बिलक्षा निर्द्धिय स्वयंत्र हैं कि

वरे ब्यू वंत्र विकास नवीतामामा क्रिके बंबर रमधानिक व्यक्ति स्थापन व्यक्ति व्यक्ति বিভাতে লোকপ্রভাগ সং গৈড় হা জীয়ায় প্রতিষ্ঠ बरवय विक्रक्षित स्कान च द्रावा होते। ৪ পৌৰ ব্ৰহ্মাভিব'র ১৭৮৪।

अव्यानकाम विशेषवातीम् ।

अर्क (गांवश्रकाष्त्रकाष्ट्रक मराभन्न नमीरभन् ।

(১) विशव ३५-वे कार्जिल्या लावअक्सूम मृत्नकिम्दवत्र दिखन इहि दिव अक्षेत्र अक्षेत्र अक्षेत्र দেশিয়া ভবিষয়ে কিঞ্ছিং লিখিতে ইঞ্ছা হুইল। ब्रूटक्किनिया विकास होति अस अकास विकास श्राणांत मान्य परेप्राष्ट्र प्रेक कीश्राम्द्रवन् कावा कर्जुनातकत व्यवस विवदत श्राम काल केर्री करेफरन फरक कारहत न<u>ृष्ट्र</u>्कीश विरचत्र (काः भीरवन नक्षां**म पद्र**ष्ठ কাল গ্রহণ জু-টিয়াছে। আনালের পুর্বাছিক ভেগুটা বর্ণস अमरह अमरह का का निर्वय काना विकास करें विकास आती मारवा बांग्यस द्वाल काम की-বার ন্যায় মুদাকি আবালভের আন্তর্যুক্তরিয়া আয়লাৰ ব্ৰেড়ন বৃদ্ধি করিছে সিরা সালিক ৪ টি ' क। नक्षां व चंत्रण भाषा कद्रिता निर्दारहुम । ६ जगरत मारम २०मि योकसमा निकासि कतियात বিধি ছিল অৰ্থচ প্ৰভ্ৰেক আমালতে মূল টাকা नक्षांत्र पार्वा हिन, ब्रेक्टर पटक व्याखान नव्-কুমার এক শত মোক্ষমার কম নিক্ষাঞ্ছ হয় मा। अकल कि इ होकांड तमहे बद्रह मरमू क हेटक नारम ?

> मुलकि य शामरण कुर्दिन थोकान प्रथान बोजिबा शांश्रां जानगर कांश्रेटक कुरान्द्रश अक इतिक देखदलकु व्यविशाक के विजादन मन আনার তৈতের কর চটুতে পারে না। কছে।রি यद्र भी ब्रह्माद सना स्मिथे द्राप्त थक ग्रीका किटड वड़। कोशी कलरम 🕪 व्यान। वाग्र वन्न, नवी নীথা ছতা ও লাদ। এড়ভিতে ০ জান। তবং कार्यक ७ है। काल करन दक्षान नरछ है का है। बाद अखिदिकं मध्य वीष' है शका आवशीरमा विभाग विद्यान, राग्य वे वेथिवितास चंद्रत चार्ट्स

() अहे १८... (१९४२ **म श्रीवास्ट स्वे**जा क्षांग भागा अध्यक्ष स्वतंत्र प्रकार्य दिवास्य

काथात्र भारतत्रा बाह्र, देवांकि वर्णलाग ह- । वर्षाका व्याव व्याव व्याव व्याव वर्णाना ्षिशरक मिट्ड स्वेख्यास् ना. यस रत्तन भव । य भाख मयद्व वार्थः एक मादत व किट्ड ट्या देश कांच बर्ड्स छ। इस् बर्स । व्य विरायत । कृतिया छ। वाहर कृतिया कांत श्वरूष नदल यान स्ट्रेंट ज्ञान स्ट्रेशिक b देशांत व्यक्तियाम ना पंचतारण है। जूनि माहि निक्कित, स्वेट्यून प গ্ৰণবের অভিশাস এই যে এ খন্ট সু-ः क्यां नित्रम्।

> MEIN- AMEN अकर्णभाग यामाभाषां वा

প্রযুক্ত সোমপ্রকাশসন্দাদক 1 1 अध्यानदश्रव् ।

াওকোত। বিচয়া বীর ৭ চির আনব্দের ভোড। व्यक्तिस्था कांत्र कडरे वर्तन খীব্ৰ বেদ সাধ্য ভাষা বৰ্ণিবানে পান্তে ০ *চেৰনে বৰ্ণিৰ ভো*ষার মহিলা মূঢ় আনি, পারে কি ক্রান্ত পড়র নগারে ি ব্লগিতে নীমা "ডি আকালের নীমা ২ ভোষার করুণা নাথ অচিত্য অসীমা ! ভৰাব পোভায় ভাতে ভোষায় গোন্দৰ্বা , पह्न पह्न करत अकृत कुछ्रम ;

a जानत्सव जानि मृद्द् बन्सरवर्श रिखात व्यानक मार्टि, नगरत, श्राहरूर, ्रव्य, घारके, बहीकूरण, कानदम डेक्सारम ফুলাঁচল সমীরণ, কার না যুড়ার ঞাণ ? তুনি গুড়তি সঞ্জল, স∤য় যুৰে 'খীদল বিলৈ একডালে সঞ্কুঞ त ना चारम, मानरमान (खारक) (वीश्वन) (तथ, यह व शुल्व व कि কে পারে বর্ণিতে তার জনন্ত মহিনা প্ৰ**ভৈছে পা**ৰীৡল স্থান ::"ন ৴ শহিমা নিক্ষে, ভব গীতি হাগালা,

रिष्टें भारत चारत चारत मालाकेन **अक्षांत सून क्ष्र**ण्याद , यशु ल' क ·श्रदाणि क्र**ाष्ट्रम शर्द्धा शि**श्रदाख्य स्था भी **हेरफटक्ट कर चन, चन, चन,** भन, भन्ना नि यात पुषकी विशा इतिहास पुनि প্র- বুর অরে **বাঠে পর** পন্য ক্ষেত্রে योक्तिः व.कमा मन्ति कर्गविद्याक्षिप्रः निमान विद्धारम हाक शाहर मनीन, গাবেহিছে জন্তাচল লভিতে বিবাস ल म बहुत करवी मुक्ति कुर्म

कतिका नगरिक रकका क्रुटिनंदेन रहानाय ? च पूना व्रष्टन हिंद भी जि अञ्चर , ভুকি চিন্ত বিনোধন কানণ রঞ্জন। অংকা কি জানেদা জ্ব। বরিব এভাতে। खुश्रम्मत, त्य भाग्य वर्गिएक त्यरथ छन, वस्त्रमर्श्व ५२७৯ २८७ काराबाह्य । | स्वयासम्बद्धाः इविकालः स्वर्षः গছান, উদ্যানে, জলে, খলে, রক্ষে, मुक्राज, शहरद, क्य गांधन छेपान, **উপজে बाजिधित क्या "व्यम कर्णान** । 🚜 উবার শেংভার জুনি . 🗚 🗈 শা বে দিকে নির্বি দেখি ভোম'বি অপ্র कांकि करन चटन मृंद्या ट्यांमांवि कित्र।। ভোষাৰি ফিরুণে মন মানন জাকাশ প্রকাশি ছ এডাক্য করে বর্ণ। বঞ্জে मक्क कुप्त, कुति जनत्र स्वराधक्री। এট কে সন্মুখ স্থীওল বাবিপূৰ্ণ জোভস্থতী, বাবিনদা মুদ্দিন সানসে কল কল কৰে পরিভূপ্ত কর্ণভূগ धारेट्स क्षवल दर्श शांकेट्स दर्शमाव গুণ, কেনা বভ সহা ভোষাৰ কীৰ্মনে ì अर्माख जगरत, मोर्डिय तम श्रीक्षपण তৰ পান্ধি রুগে থেট্ ডুবাইয়া মন धानिष्ट् कोगांव धना तन्त्रे श्रामाद्या । তে কাম বস্থা সনীরবে প্রকৃটিছে লালয় সধলি ৰম কম্প কুঞ্ৰ শইয়াছি ডাগা পূজা হেতু ওচরণ প্ৰাও ভজের বাঞা মনোবাঞা তুমি। कि धन मां मारण कि व एक भारत क्रम क्षाण क्षप्राधात लादिक शकारण। उर अभक्षा क्षा (इतिह। अन्। ध क्षे**क्ष्** मध्य रूथ का तमः मान्रद क्**ल वस नव इ**.व. चन्द्रश्रीम धना भाग स्थाप कि क्षा कि क्षा कि क्षा कि कि वित्व (हामांव मन्न) भागिनित्न भीभी ললে ছিয়া থেম ছায়া কৰি দা সক্ষতি ও-চল নিকেত্ৰণ চিব মধু সাধা धर्वे गार्चिका ठा**ष्ट्र श्रेक्सिक छैय**। ^{२ है।} यह इ. दिल क्रश्नम महमारका। छ। हिन्दु (राज (क्रिया) वटना द्वार 📑 🥆 माहास) পদা নৰে'দিত ভাতু কয়ে দ 'বকাশে মজিনী ভাসংক্ষা ভূষ্টারীক कारणहरू १५३ तसरी कवाइयी

व्यक्ति दहरन ৰন রাজি পির গৃহ চুড় শুসা কে জে। कः में करम प्रभा जिस पेहेश क्षकांम । विंद्युंग केमात्र मनी श्रावित्रा अधूर्य Cका अध्या । जाम केडिए कामाहिए मार्गाद भाषी छेड़िम की मिटक महैया त्थ. माल त्संपर्क शाहित्स तांधालल नमा नकरव क्रिकीवि वावनावी कर्य कृत्य बांत त्यांक यह त्रांका शका धनी मीन वृथ मुर्च हल, वालक मकल कर्म न करें हैं बन्ध मनदेख कादक CB नांच CBE श्रमांभड़ा यह विश्व डव ভাকিছে সংগার ফার্বা কাধিতে আমার शार्थना शार्यन मम अहे शिय कार्या क्व याहा शांति स्या नावित्व **जहा**त . সুখে থাকে যেন মন লক্ষ্য জোৰাপ্ৰতি (यन क्षिष्ठ भारम खें क्षणदमवाश्विष्ठीश्वर । কলিকাভা ঠগনিয়া 🕝 এ অপ্রস্থায়ণ शिवाहकीमार्थ ७ छ

म्लाक्षां थि।

अध्यक्त क्षत्रज्ञकूष'व वटकाश्याधांग माहिष्कशय १५-५२ कांशके बहेर क दकार क्रिका * भवांमक श्रूटबाभागाम तीन सुब ३२७३ व्याच्यांत्रम इहेटल १० टेबम्योग शर्वाक ८का १ ए ्ये ≥ द्वितश्रीक 66 यानमध्य रख १२७३ व्यादन इहै उ ६क्ष ६ व " नवीमहक्ष (योग ছাৰন।ভি क्षार ह वे २२७३ जात्म वर्दछ والديان · ° (क को इस) चे स्टब्री शोधांक "' र ४० देवमांच भवास ३२ ४३ भा शहा CTT R. G • गडीक्सरभावन शेक्स লাগু। বছাট। : ২৬৯ অগ্রহায়ণ ১ইতে ৭০ জার্নিক পর্যাপ্ত (कार ३० जे

७वे श्रह कविकांकांत्र श्रीक्र स्टांडमः इतः वर्धाव दर्धान नोश्रंड क्षेत्ररमद मध्यत माणाव्यवास्य की . बकामार्थ विमान्त्रवातम् अधियक् शाहि कामवात मान्। नाम १०

(F! -18) (A) (A)

वनर्गहर मेश्राक्त स्वास परिवर्धः स्टब्स् के क्रिक्ट के ब्रह्म

ত ভাগ। গ সংবাশ

সেইনত মুলা ১টাকা। বাবিত কমিন ১০ টাকা

সংশ্বস্থার বিদার অহ' পাতী সাইক্রারি মহন্তপুর নালে বে পর্যান ভার্তিক, ভাহা দরপত্তনি সেওয়া সুধ্যান বিজ্ঞান করা ঘাইবে। বাছার সেই ভার্তিক সরপত্তনি লুই-বার- মধ্যা ক্রয় করিখার ইক্ষা আছে, ভিনি কলিকাভার আভান কিনর কোল্যানিক্রনিক,

१ विकालन।

के आदिकन कवितन गवितन हुसास सामित

भारित्रकम ।

সোমপ্রকাশ।

·बंदे स्वीय मध्यमातः।

আনরা আনন্ধ সহকারে পাঠকগণের

নিচর করিতেতি, প্রিয়ুক্ত বারু শুরু নাথ
প্রিত প্রধানতন বিচারাগরের অন্যতর
বিচারপতির পদে অভিবিক্ত স্ট্রাজেন।
রমাপ্রয়ান বাবুর দৃদ্ধে ইওরাতে ও বেলীর
অপর বাজির হুরান্ত ওপদ লাভি কেবল
যে বিলহুলাধ্য হুইরাভিল একপুন্তর সন্দে
দ্বনও হুইরা উন্নির্গ ছল। এক্তেন আন্তঃ
দিপের সে সন্দেহ হুর হুইলা

वावस्थानक सक्षेत्र के प्रभीवानकात श्राह्म विकास नाटका सन्त के अपि क व क्रिन्त मोकाना स्टूक्त क्रिता क्रिक क । व स्टूक्त क्रिक्त स्थास नवर्ग्य क वात्रकारी प्रमिद्धात स्थासन भूतीका क वित्र कर्माद्धात क्रिक्त भूतीका के वित्र कर्माद्धात क्रिक्त कर्मादा भ क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त भ्राह्म क्रिक्त क्र

प्राचनरक चरचुआई द्वानगर्म स्ट्रांट्स ७ छन् পদ লাভে ধঞ্চিত করিন ব্রাধিরাছিলেন। ধ্নিত্য বিচাৰালয় প্ৰতিষ্ঠান প্ৰটিৰ কুমুগল रत, परकारम, शवनरमण्डे हित्रक्य मरका त्रकृत्व र्रेट ब्ला हर्य क्रिया केशन सर्व क्राच्याचेन पूर्वक अटक्योजिनिशीरक क्षार भव थेवाँजै नवर्ष क्हेरको कि.सा. **जा**.स. रंकेन बेरन अवैश भरनन केलेक्ट्रिक क्रेना-হিল্ ু ভাচুল সংশর জনিবার বিশিষ্ট কারণথ িল। অধানকম বিচারালয় अधिकाञ्चानकातिहा ज्याच मध्या निव गेथकांस्त वाचक अरमनीतिमगरकः भगना क त्रम मारे । कारात शत यथम क्रिममीयि भटेक फार्टकत अन धानान केंद्रा स्ट्रेटक. क्ति अता- रहेल, न्धन अतिक्रिक्तिती अकाम्बिद्धा अक्रकाटन चक्र भरूक रहेता छेट्टि ब्राह्मित्रः। अवर्गस्थिके स्टानक नुमान अवृक्षिकातिविश्वास्य भंदी वैत्रियां हर्दान, मूक्त्रार आधारित्रत्य महात छेवत । खड़ा बहैनम, र्शक सरक्त वाश क्षेत्र, अवर्ग् मिक दिन नवात कामृ क्रिक्न मारे। कास् विटणव आह धक्की महीकांच बरेश विहा (ए। a (क्नीय विश्वा श्रीकृता वार्य वार्य . वि क्यानि वियत्त्र हे केंद्राशीत क्यानित्सन मे रिक देखत बिर्म्य कड़ा बन्न मार्। . अरम्भीप्रविष्मत भन्नीका और एक वि

राज्यि वार्यानम् व अयोग्यम् यामनिएक

श्रीकृष्टि इरेम्स्ट्रिस, कार्यास वृत्ते स्थान महिला स्थानित स्थान स्थान

नमानात भरवत नदायहे कीवम चवान ह किय तारे जन्नाव स्वीत स्वतीक वडा, स्वीतः त्वेत क्षेत्रकर्य दश गरकार बाहे। सर्वाप् দাতা ও পরত্রেরকের দেয়ের সময়ে সং गर्म शटावरे कारे जगमा वृतिसादिक इरेता शाटक । किन्द जन्मर्जन-अञ्चानक्ति-शाप्त वाकास क्षित्र क्षेत्र वे व्यवस्था प्रतान স্থাদ দাতা ও পত্রতের কৃত্তির বিশেষ करण सावधाम एक्डा आविष्युक । रम निम লোমপ্রকার্শয় এক ক্ষম পর্ত প্রেয়ক কোট है। मनुब स्टेडिं शिवूक नानू चाकाकृताई न्द्रचन्न क्रमण्य नयोष्ट्रांत्र. लायशाहिदनेन । चात्रका ७६कमूल्ये व महारूप विचान कृष्टि प्राची भारतार प्राप्तान करिया जंबावकी विथा। ('अविदेश्य वा भारतिको अउटअत्रदवत्र बादका कतियान क्षित्रक्षीश्वित्रम् व्यवस्थानानम् वृत्त

এই ভাবিয়া কেবৰ नवाक्षेत्र - क्षेत्रांद्र ग्राहिलाम । आयहा वीन के नवाल्य निर्माण कतिकांम, भात परेनामि निवर्ष रहेक পত্ৰ প্ৰেত্ৰক আপদাৰে জুবুৰানিভ क्रिता कृषिक वर्षका मत्मव मारे। बावूर र्डेक, काराता क्रेड्स काटन गावुशान स्नेत् **बहें जामाणितंत्रत जनुत्ताम् । जीकाना** शृंदर वित्रशा चात्रद्यार्थकार्यत्र मुक्ते हु ज जवाब ब्रह्मा करतम मा, जार जार त्रा विनक्षन .कानि । जारात्री कुतर् व्यवदा वासिः विदर्गतन शुर्वे मा केलि कान क्या काद्यम ना म्यार्थ किये प्रथम তাহারা লোক মুখে কোন সমাদ অবণ ক রিবেন, সহাদ দাঁতা কিবপ লোক, ভাষার बाटका विचान कहा यांत्र कि मा, अरे नकन विद्यक्रमा क्षित्रा त्यम कांक कर्त्रम । जाय-রা পত্র খেরক বিগকে এত নাব্ধান করি-कि काशात के अरे. इच्छात्मका नक्ष ্থ বাাদান করিরা বলিরা সাহে । তাহারা কশিত বোবের আবোপ করিয়াও জ্ঞ-लारकते अनि ७ त्मत्रकत् कार्यात्र निम् कतिवात टांकानं कार्डि करते ना, चाने वर्णि ালারা একটু প্রব পার, ভাষা ব্বলে কি আর নিভার রাবে : মহাক্ষি স্থানিদার मिक मश्रकार भाषात प्रकार जुला करिय वर्गन कविशादस्य ।--

অলোকসামান্যকচিন্তাংশকুকং
বিদ্যাল কান্তে ক্ষান্ধনাং।

মহাখারা কি কারণে কিন্তুপ ব্যেহার

ক্রেন, খলেরা ভাষা বুরিতে না পারিয়া
ভাষাবিশের অলোকসামানা চরিত্তের

दिश्राद्रक 🏞 .

মুনিরশি নিরাগদ: কুডোমে জন্মীজোম ন জুডামে তথান: । শার্মীশুনকম্পারাশাং

শিক্ষা করিয়া পাকে। মচাকবি ভারবি ক-

ক্ষিত থাও সুক্তা ব্যাসনা।

অক্ষ্যান তপ্ৰা। কালে এক বুৱাহ্নপী

কালে ক্ষিত্ৰী, স্বানী সাম কালে তথ কি,

কিন্তু বিশ্বীয়াৰ, আনম তথ কি,

Allan Arrival allers and described and

THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH

- नत्योखि कामता-" द्वन मौमूक ? हेश-লগুরি পুরু সমাচার পত্তে " তারভবর্তের আত্ম শাসন > এই শিরোনামান্তি ক্রাইটি অন্তান পাঠ করিয়া অপরিক্রী 🗱 প্রাঞ্চ **इरेनाम। त्नमक हेशाल हुश्नुद्धन (वं त्य** কর্তব্য ও ভারতব্যবর বে যে ক্ষাব্যুক कार् केलन बर्भ वर्गन कतिहार्रहन । करत न्य वेश्यत्रन्यातः व्हेल, भएवरण (ब्रह्मेक्टरें), त्राचा, । रुन् क्षण्डि हरेएड चाइउ । वर्षा-८इ। दिनि , बरलांग, हेशात मूटर्व ", यकि भागता छ।तस्त्रवं सर्देट विक्रिक स्रेक्ट.म, काहा हरेटन व्यामानितात वातनार्व क्रिक् গৃহিত না ৷ পুরে শিদিও পানানী क्रमात्र जात्रज्यस्थित्र केरियाधानत्र हेक्। विस बटि क्या बामा बाज़ कुमान तासनी किन चनूनवरीकि हिन मा। जानवा अब निम কেবল আনাবিশের ব্লিজ্যে, লাডের আ-শরেই ভারত্বর্ধ শাস্ত্র ইন্মিয়া আসিছা-हि। यात्रता धर्वीत शार्यमञ्ज क्रिमात्र . त् खात्रक्वी प्रविधादक **के. वालिटल अ** भागत मध्यात साता क क्षांक क्षांक ग्रह

্ত ব্রিক্তন ব্রাণ মাবিয়াছিলার। ব্রা-বানিরের অনুধ্বাক্ষণাধন আনানিরের বে-ক্য অবিশ্বেত জিল, উন্নতি সাধন সেরুপ, জিল না । ১৯১৯

अर्थ कित्र विद्वार सामामित्नत राजन अधिका अकितिशादा, त्यानि महत्त क्षा कियार । शूर्व वामग्र WALES. वाका समय हुन नाहे : क्षिम अधिनेन, धारिके रहेगा দুরো তাহার সাধুর্য রুসের আ-मर्थ : इहे मारे । विद्याहर है देश "प्रत्यक्त देहण्यानक कृतिग कि । अञ्चलकी प्रमिश्वतक चूना कड़ा हिंदी करिंग्जी हम किया ना । असे क्यारकात कि इहेगार शब्द अविध श्वन्त्यके वास्त्रिः क्रिक्षाने मानवर्षान यञ्चनीत इस्थारकन ; अव्यक्तिनी विकारक वावचानक क्षेत्राप्त क्षेत्रनीकेंद्रशित पादम मण्ड-हरेग्रा-त्क्रत अवश् शवर्रायक वाधीनच प्राक्रश-८ न ताका सहेता खताका हाँका कतियात ইক্ছা পরিত্যাগ করিয়াছেন। তথাপি জা-महो अक्षे अवस्काद क्विक्टिश खात्रकर-र्व चाणित अवश् अक नमं चारहत, सी शक्ता गर्बणा अकुटकनी गणिरशत अनमान क রিবার চেন্টার কিরিডেছেন এবং আমাদি পের দেশৈর রাজা, নবাবু ও সন্তান্ত বাত্তি विश्वदेश ब्यायक, त्यांनीत पूलाकक केत्रियात रम्बीम म्यादस्य । " जात्रज्यस्य अवृति " अहे जांकति 'ठाई। मिरशब क्रांक्ट काव (श भटन वाश्चित्रक अतर् केवेंद्रक "जुलादेवात श्रिकामक वरेकोटक i. काशान्तिक मन्तरक ৰুৱ প্ৰফুড ভালু কি ৷ পাঠকখন জানি প্রবিশ্ব উৎসূত হইতে পারেন। আ महा दियामीतम कारमुद्र मईक्षणमा व छ । क्ष अक्षम् छेशयु अ इत्सनीकिरकात वाका वेष् कृ कतिता कारा शास्त्रभारनह स्वत्रमम क्तिका विट्रण्डि। वर्क बटनंब " चनका दक-क्रमन विकित्र काविएक स्था क पार्शनान

हीत क्षेत्र, ब्राज्याचि, बाहेन क बाहान वायकोष्र विश्वाविक क निविक्तिक कार्रिक विश्वविक विश्वविक कार्रिक विश्वविक विष्ठिति विषयिक विश्वविक विषयिक विषयि "बार्ड एडरें। भाषा विकास महामा विभाग य क्यो. जांधांब्रहरू पातिसाकृत्य सिकि श कता प्राक्ता के महास वाक्रिकिशहर नाई बढ़ी, क्यांनि वृक्तिका व ब्राक्तना क-व्यथःशांकिक कर्ता करें गर्कत विवरहरे का हा मर्डेड यञ्च्यान एत । त्य मक्त दिवत বা বাজি ভারা ভাহাদিসের অভ্যান্তার বি वाडर्यत महाचमा शारक, छाहा क्रेम्स्य বরা ভাষাবিধের একার অভিত্রেত। "

चांबाण्टिमंत्र खिव्यधिकातिम्हलत् कि धरेम्भ (हर्के न्या के श्राह्म कि अक्टबनीय রাজগণকে পদচাত করিবার ও সম্ভাত্ত ব'ক্তিদিগকৈ অৰম'নিত করিবার প্রধান फेनरगानी सरहम > य जक्त बाकाहा शक চুত হইয়াছেন, ভালাদিগের নাম প্রাপ্ত লোপ করা কি তাঁখাদিনের অভিথেত নয - আমাদিগের দেশীর জ্রাত্তপর ক্রেভের लिखिक स्तिनिकायांक ७ क्षेत्रकत्रावाटकत् मवारवत विरद्राधी अधावश्वाम भारत क রিলে **জানিতে** গারিবেন।

डेक्रिकिड अखाद लिक्क करवाशाज কাবতবর্ষীয় সন্তার প্রশংসা করিয়া ভত্রতা ত লুকদার্মিধের হতে কোন কোন ক্যাতা দিধার প্রস্তাব করিয়াছেন এবং তথপ্রাসলে বিধিরাছেন " এই সকল লোককে আমরা পূর্বে অপসান করিচা উ,হাদিগের নাম প যা হ লোপ করিবার চেকী। পাইরাছিলার তথ্প ১৮৫৭ অন্ধের ত্যান্ফ বিজ্ঞাহ উপাত্ত হইলোবৰৰ আমরা ক্ষমতাহীন ও উপায়লীন স্ট্রা হতাশ প্রায় ছইয়া জিলা य, अरे त्यावीत मधा बरेटकरे जामता वि मन्द्र रक्षु अ महकादी शाहेदाहिलाम । ? শাভিরালার রাজা ইহার দুঝাগু হল, ত यानि अञ्चलकीत हैरहाकी भाव के हारू विश्वानवाडक शर्या ह समा हरेताहर। अन कत क्षाचा रामक मह छात्रस्म केप्रदर चट्यांधात्र ४ स्त्रा स्तर, स्टाटन वित्रकांधी वरणायस काम निका क्षित्र व जन्द्रसम्

'लिंदन मिथितारहम " व्यायाधार র ভর্ক বিভর্ক করিভেছেন তন্দারা ব পথ रक्क का अक्रित भाग कार्य। धान विक क्य ক্ষতার পরিচর পাওরা গিণাছে ৷ তাঁছারা त नकत विवत्य छई क्षिर्ण्डाच्य, ए श र्वि । लुखकत । युवन क्रे मलात क थाकार्य কার্যা সক্ষ্ণাদিত হইতেছে, তথ্ন আমব। न्यक्षाच्यतः कहिएक लाति, छात्रकावी व উচ্চ শ্রেণীস্থ লোকদিগের এক সভা করি हा माजन ও आहेन विवदत शत्रामर्ग तलहा कर्खना ! छात्र छवसी तिनगढक भागतका-যোর অংশ ভোগী করিবাব আমাদিগের त हेक् जाहा, ड'हा जापना वह खेलात बांद्रा मम्मानन कदिएक ममर्थ रहेत । म

छैलिबिङ अखावत्तरकरक समावान मिया अरे श्रिष्ठात्वत्र छेशत्रश्हात् क क्षां भाग একটি জাতি সাধারণ স্ভা করিবার সময় উপস্থিত হট্ य'एक। सामवा बाह्रबाह हेहात क्षान्यांव क त्रिताहि । **भागा**णिरगद्र नुरुषत विवत करे, যধন আমাদিপের ভাবস্থা । সভা নি **क्रिक चार्**कन, अविषय हेश्लास्य चारम्बा लिङ इट्रिंग्स । यङ जिन हेहां ना इट्रेंग्ड (इ. ७७ कि व धार्भावित्तत्र वनार्व वाकीस्का 3 येपाथ फेर्माठ "डेरजरह मा। प्रकल वि যয়েই গ্রন্থমেন্ট্র বল'ন্যতার উপর নিষ্ঠ त्र कविशः शांकित्व क्वित आश्रवांवित्त्रह অলম ও নির্হ্ শভাবের পরিচয় মেওয়া হর এই নাত্র। চের্তানা করিয়া কোনু শে (मात्र सम्मान हरेग्रा थ'एक - देश्लाप **प्र** रेके जीत पिटक पृथिषाक कविदलरे आभा मिट्राव नाकाणी न्यांके क्षण्यक्रम इंहेट्व! অন্মাদিশের দেশের লোকেবা কি এখনও

ভারতবর্ণার সভার এও নিজা

আগরা এবারে ভারতধীর সভাচৰ এত শতিপুত দেখিতেছি কারণ কি? व कांब्र काल के बाहा समितक शारेत ना (कन) ला श्रहाल प्रवृत्त स मानिया कि छै. हाह भन्नीतरक क्षा কেবল শ্ৰোধাৰ নহে, সমুদান ভাৰতন- শিলস করিয়া পরিশেষে নিজাভিত্ত করিয়া তুলিরাছে: বছকাল হইল, সম্ভার ক্রি विभाग वार्षः अथवा कार्या विवत्न शामानि গের অংতিপথঞ্জবিকী হর নাই। अकर्ग स्टमकश्रीत सक्तंदलत स्त्रीमात्र क दिन कि कार्य के कि निर्माण के कि निर्माण ध्वभ अवभव्रिक्ष्य कात्रकः मा अस्ति কোন নিগুড় কারণ আছে 🖟 জনরবে শুনি তে পাওয়া যায়, সভা পুর্বের নাায় কেবল कभीमात्रियसंद्र मदनात्रश्चन कत्रिद्यन मक ^{रण} कतिहारक्त , 'अकु<mark>त्रक अभीमाहसिर्</mark>गत वार्वहानिकत काम विवेध छेशब्रिक माहै, मखा कि कि इहेगा चाटहन ; काहुम वि वग छेनिक इहेरलहे नचा निका हदेख ইখিত হইবেন এবং স্বরোশ্বিত সিংছের नाए सूटन दल काल हरेता अनीम नाहन नक्कारत पूक्टिक जातु कतिरवन । देखाई कि दक्षण कात्र :

याहा इडेह, जामहा मक व भूदित নাায় তেজবিকা ও উৎসাহশীলত। দেখি তে পাইভেছি না। এখন কি ভাঁছার উঃ সাহ ও ভেন্ধঃ প্রকাশের বিষয় উপস্থিত মাই : অনেক আছে। সভা কেবল নিত্রা ৰিজ্ঞে ভাষা দেখিতে ও ফানিতে পারিতে श्रहम मा। कात्रकवर्षीत्र दावकाश्रह मछात् ৰিভার অধিবেশন হট্যা গেল, তথাপি ভৰায় ৰাখলা দেখেও -হিনিধি গৃহীত **ঘট্টোন না** , ভারত গাঁবি সভা কি তাহার **क कियोग** कशियारक तत्र वार्राज शिक्स जोरे मश्किक नांधान भद्राव्य बांकित्वम । विका नारहत शिंह कर नरकार मकानमात বে নিশান্তি বিয়াছেল সভা কি তাহার व्यच्चित कर बालनाभिद्रभन्न रगः गा विवस

एंद्र कि अकृषि नाथात्र यूक्ति अनुनत्र । महर देखे लाक स्त्र नरक्ष माहे । छात्रक র প্রতি প্রত্যাচার হইবার পথ নির্থিত বিপ্রবেশর বব্যক্তির টেক্টা পাইমাছেন। क म नाई > आम हित र ना परेल, वाता । विष्ठीतिक ७ भावना मिरवाद स्थाद स निव गार अकृषि द्वारम मादी कर इहेम्राट । । ए उत्याक सम्बद्धिक, बावकरी में मधा विर्यात ଓ अवादन शीफा क्रम इहेरहरू जात्रक्यों है मजा कि चक्श है हिएल है है। র প্রতীকার চেষ্ট। পাইখ্রাছেন : সভ প্র থ্যে গ্রহণ্মেন্টকে উত্তেজিত করিয়ানিংস म यथार्थ वर्षे किस शवर्ग्या विभागन নিয়োজিত করিয়া ভানাদাযের নিদান মিণ্ড করিবেন স্থীকার কবিয়াও গ্রন भौनावमानन क्रिंशियन, राजन के अला के विषय केंग्डानिशदक मार्य कवाहेशा निया ! ছেন - মা**ংজেন্টরের তন্ত্র**াট্ন সম্প্রদান লেড সাহেত্যর সহথেতী ভারতবংশ ব হিত্তবী क्टिं रादक होति अतं होत्रमुत्र উछत्र प नगर करिया जाशनक कतियांत याथा किक চেকী পাইতেছেন, ভারতবর্ধী ব সভা কি হঁ হার সহারতা কবিবার চেন্টা পাইয়া ·ছন : আমরা ভাঁহ র কাথোর গুণানুবাসু-কৰিয়া এক খানি অভিনন্দনপত্ৰ প্ৰাথমি করিবার প্রস্তাব করিনাছিলান, সভা কি ভদন্দ্ৰণ কৰিল ছেন -

 क (करीकी ग्रहाद केन्स्यक्षत्रमध्यक्ष प्रमान (新春 時間 也 4 年 14 日本 ্ ' ১১ পরীকা धर्ड कांड (व चर्चक (यात्रा २ , १०१० - लाक वृद्धिः) ত দেখিতে পাওয় 🔩 🔭 🕬 एकि अहीका अवाहि अवाहि । 12,200 **धक्ति बद्दाभकात काल का अवस्थान करने** । खात्रकारिक माखा कि न्यांत है है। जि िक्षे (हकी: क्रिशिह्म , अपन्: , . . क गणि ख व**क्टराई व**्दक्ति कि की होत ল্লে প্রা ভারতবংগ্রাম ব, এলংক क्टा, ७ शार्ष्य प्रकृत इ.स.न भाउन जान

विश्वा विश्वकता अदिएक एक ना र केहा | व शाक्षत कतिया खेर जायन करें। करवन्त | चन व नाई अवनं वय, किन्नु अवे किन्न स्माधी वा। बंक ও ज्या मक व्यविकत-वा त्या कि वर्गी श मका कि देशमहत छापून शकिविधि किया विकास यूकि स विकास कार्यक्री दिना क्रिकिश्माय अयुर्धा त्लात्कर थान । यक् अअधारमायुर विकेतन कि एसिनाइर्ग भनर्थ इन ना - अधादमारमुद्र निकार मनन ्करे नर परेट्ड इंत, जला है हा कारनम न ্ন্তহ নাই। যাহা হউক, সভা সচ্চান্দ নিজ্ঞা মুখ নোগ করিতেছেন, আরু আঞ্চি আমরা ত্ৰীহাকে অধিক বিব্ৰক্ত ক্রিলনা

সম্ভ ভ্রমনুথান।

कि कृषि, कि वानिका, कि वाकर्गांडि, কি ধর্ম, কি আচার ব্যবহার যে কোন বি ব্যের উৎকর্য সাধ্যের ইক্ষাক্রিবে, পাঁচ জনে মিলিয়া মা ক্রিনে কপন্ই ভাছার বাঞ্চানুৰূপ উৎকৰ্ম লাভ হহবে না ৷ ইউ রোপ ও আমেরিক, প্রভৃতি স্থাতে যে এত শীল্ল উন্নতি হইতেছে, পাঁচ কৰে মিলিয়া হাক কর। ভাহার একটি প্রধান কারণ। 🕍 ঐ খণ্ডের লোকের। একটা সামান্য काक क्रिएड इन्ट्रेस ७ अक मखा व्यक्त এক কোম্পানি ন। করিয়া ভাষাতে হস্ত क्किन करतन मा। अधिक लाक धक्य र

कार्या कविरल एव छ। हात उक्क छत न विद्मार केंद्रकि लाख इहेर्ब, क'हा व्यक्तात জ্মদেম করিয়া দিবার নিমিত্ত অবিকতর अवाम शारेट क्य मा। अक इसी ए ख শ্লভার দ্রব্য স্থান।স্থরিত করিতে অসমর্থ এक गाँदक उरकारक। निरम्भिक कविद्रम फाइ। स्थाप्तार अ मार्ने ६ इहे যাধ্যক। এক কাৰ্মেট্ট অধিক লে। ইর इति, विकान, यञ्च । अधिकाम विनिध्यामिक करें ता सम्भाकाल प्रदेश काहान छेदकर्य जा

त करते व CYCA विभ का अवस्थ अप्र, को मांग्र ब्रांशिविक क्रिकिवि क्रिया के ज

गढ़ांड नम्बिक चमुनीनम नाः बोक्स गांत्रिगी रहेशा मशक ऋलाश्रामी नाई। श्रहीक्षार्थ महन्नोहरू रा यात्र, श्राम माधारकः आसी रहेटल आमवाभिता धकता रहेशा कर्छर র্ত্তব্য ছির করেন: কাক্টেক সমাজভাত क्तिए इरेल अथवा नमस्य क्रिया नम्हें क मध्य वार्व कांत्रक स्ट्रेस्स नीह कटः একত इस, कि**ड** मकरम अकब इहेन्रा रर[ी] आरमत क्रिय वानिकामित छेन्नछि विधादि নী সভা করা অথবা অ্নাবিধ ভোরংসাধন (इसे दहा तम जक्त माहे। तम दास्त्री ति महत्त्वा छात्रकवर्शी व मका ध्रवः भव न वटक जानमाम এই हुए नरा क्राहि क रमरभन क्छ छेत्रकात बहेत्र रह । बंदान স্কৃষি ও বাণিকা সংক্রান্ত সভা ও সম্প্রদায় कद्भियां यान कांक कता ग्रांत, अ (मरानंद মহোপকার লাভ হইতে পারে। আদ করিবার প্রাসদ করাই আমাদিলের অভি (25

এक पिरम छूषि कुछ्दिमा **बाक्ति**त्र म हिरु भागापिरभन्न व विवास भाग कराव প্রথম হয়। উঁচে,দিপের এ বিষয়ে নিল क्ष जानुतानं पृष्टे रहेल । जीकाता बटलर. बाबू बामरभाशाल (घारवन्न महुन कार्य)कर बांकिया छेर्टमानी ७ व्यत्क इहेश यमि ध विवास कहा इस, निःमश्मन कार्जाध भिक्ति इंटेटल शास्त्र । এथेन बारनरक हेर है नवंशाही इटेग्नाइहत। > ॰ छोकान क्की जःभ क्रिक ज्यान ज मी भ ७३८ बाइटव । दब अशानी**रक** कार-कतिएक इरेटन, फाहात्रक क्या हरेल। म न्ध्रमात क्रेटल शह या मक्न कुर्कावण वाक्ति कावाकक, हुन्अविका ७ व्यावनाय भाठ कार्य मिलिहा काक कविवाद ही। भीत प्रतिक्षा मध्य विके क्षेत्राष्ट्रम, अ-४

দৰ্মণি ও আমেরিকা প্রভৃতি স্থানে প্রেরণ कतित्वम। अक्टलं कार्या चात्रस स्टेटल ধনেকবিধ উপকার লাতের সন্তাবনা খা तह तह तिर प्रतित महिक मिरिया সম্পর্ক ছইলে পর পরস্পার বাধ্য বাধকতা হটয়া উঠিবে: এ বেশে যে যে বিদয়ে জ্ঞা श्रद मध्यारबंद आंद्रकार मारह, करम छा হার হাস হইয়া আসিবে, লোকের উৎসাহ अक्ति मक्तिक इहेशा के किए वर अख्यान ক ক্ৰেৰে জাহাজ চালান শিকা ও কল প্ৰভূ তির এ দেশে আনয়ন নির্মাণ ও চালনাদির শিকা কাষ্য সহজে সম্পাদিত হইয়া উঠি त। अर्थ लाटकत क कथारे गारे। यांवानित्रत অর্থ সভতি আছে, উাহারা এত দিন নি রীচ ভাবে কোম্পানির কাগজের সুদ খা ইয়া বেশের যে ছুর্নাম করিয়াছেন, ভাহার আৰু কথা নাই। কিন্তু এখন আর ঐ কপে प्रमास करें। छेठिक इंदेरकर मा । केंश्री অভ্যপর এবরিধ কাবোঁ হতকেপ করিয়া অর্থের সহিত আপনাদিগের সাহস উৎ नाव बन बीमा विक्रमानित वृक्ति कन्नम । चामदा चमा अधिवस्त नसुरात्र व छवा स्मव কবিতে পারিলাম না।

(मार्गलबर्म (मार्ग)

(बान्युक्तवा **क्षे जातकन्द** वर्कान द्विव ল প্রত্যেপ সহকারে রাজত করিয়াছিলেন। **क्षेत्र क्षार्थ (भोर्थ) बीया भागी 'अगामामा सम** ात्रकाह करहाक व्यक्ति **क्षत्र अ**श्व करहान, डाइ। मिरागत खरनहें कहें बश्यमत मिंबर न है-इंडि ड्रिया क्रिया किंख अक्नोब्क खाउन अक है। मुक्षा त्याय श्रेष्ट, क्यांचाया व्यक्तिमध्य मःतदर्भ द्वा**कत्री स्वयम केळ्ला हरे**का हिरहेन. তেমনি আঁহালিগের বিনাশ হ'লেট হীনপ্রত চইয়া প্রত্ন। অগস্তন রাজাদিগের কাপুক্রত। निवस्त मे पर्दान्त करण हीन वर्ग छेन्दि उ स्थ । अरमार्थ देशकारका नवशास्त्रिकं रहेत शत के पराशत शासक त्यवन नाव घाटक वर्तर वितिष्क रहा । १००० कार्यस् विद्यार व स्थि करे बाह्यक्षत्र आद्यत्र मृक्ष्य दश्कारक ताहे शाव है। त्यांच दं बीवहरू ब्याह्य त्याचन करिए।

ষাঁত্ৰ ব্ৰাক্তৰের সহিত রাজনংশেরও লোগ रहेड़ीटक्,। व्यावद्वा जागा के बरदनंत्र मरक्षिक र्देखियान नार्ककतरनत त्नाहत कतिएक क्षत्रक रहेनाँव ।

যৌগল (১) রাজ বংশের আচিম ব্যক্তির নাম বাবন্ধ। জিনি কৃষিখাতি টাইমুল ও শ্ৰদিল খীন্ন ৰংশোন্তৰ। তিনি অভিগন্ন গৌৰ্য্য भानी, मार्गिक ८ अधूकिए हिल्ला। छैं।-राज माना व्यक्तज्ञ सना निभाग रहा। किन ভাঁহার 'সসামাস্য খুরুত্ব ও মনবিভ এই চুটা গুণ থাকাতে জিনি কখন কোন" অবস্থাতেই **ज्यारितार ७ भिषमता १६८७**न मा। कथन বচনংখ্য সেনার অধিগতি হটরা সুবিস্ত ত রাজ্যে আধিপত্য করিতেন, কখন ব। ভারার वमरन मात्रिमा मभात करतात तम्भ महा सह-ভেষ। ডিনি বারখার নানা কট ভোগ করিয়া পরিশেবে দিরীয় সিংহাসনে অধিষ্ক হট-লেন। রাজ্যের ভার্কন, বর্জন, ও রক্ষণ কার্য্যে ভাঁছার বল, বীৰ্যা, ও অগ্যবদায়ালি যাবভীর श्वन विनिर्दाणिक स्रेतिहिन । वसुनिर्धात প্রতি ডিব্রি সময় ও গ্রেহবানু ছিলেন। ব-টোর কর ভোগ কালেও কথন ভাছার সরা ও ্বাৎসদ্য ভাবের অশুমাত্র হানত। দুট বয় নাই। ভাঁছার দোধের মধ্যে এই ছিল, ডিনি जुत्राश्चित्र किटलन। किन्तु प्रका शांन कतिथा है-शांबीक्षम चत्रांशातिक्षिरशत मानि जिनि जैना হইতেন না। তিনি নদীতটে, ভরুমুদে বা অন্য গোন মূৰ্য্য স্থানে প্ৰিন্ন ক্ষমণ্য বে-ষ্ঠিত হট্যা পুরাপান করিয়া আনন্দ স্তথ জ প্রতার করিতেন। তিনি নিয় হতে আশন জী যন মুক্তান্ত লিখির। বান তাঁচাব রুলো লালি-ত ও হাদয়গ্রাবিণী সাজ্যের জীবিদ কপে শ্রীহার সবিলেদ বত্র হিল। ভারার অ'বকার কালে সামেক লাগী কুপ তড়াগালি **খনন** করা क्षु। ७৮ वर्णन श्रीमध् कतिया किनि मुद्रा সুখে পড়িত হইবেন।.

ब'यत बाबबलीला नयत्व कत्रित नत्र जै-

बात श्रेक ब्यावून जाज्यसम्बद्ध हर्ड हैं। দেশ শাসলের ভার সমর্পণ করিবা রিওচার্ল चारताचन कतिहास । क्षेत्रांत हासून वस । कात माधारमहे नदीवनिक बहेबानिका भारत ताळाडूाछ स्ट्रेशन । फुल्लूका के चामक कई स्थान कतिएक सरेका करहेत नवरत कशिक्षां जाक्रांत्र >७ वरनत शस्त्र विकि अस निजीत निरशंतन आंश्व स्ट्रेटनन । क्रिक्के गत जिमि जिम मिन की विक विद्यान ठीशांव नृक्षकारम श्रीका चुकि विक् थनां वक् हिन । फिनि २७ प्रश्नि स्रोक्षे करतम । अहे कान बरश ब्यान ४७ वश्मन ब्राह्म हा व बहेता थाएक । वयाता बाह्यत्व स्टूक मूर् जि । थीजि न भार मह, ब्राइस्त्रह कार्यन विरमय श्रम हिम मा, यह र स्माम स्मान दिनाइ তিনি আপনার যানসিক তুর্বল্ডার প্রার্থিচয় भित्राहिटल**न**। ्≠

े दर्शहरनत ह द्वान शत है। राक्त्रिक सा वत निरशनाम भूभकृ वरेत्वन । अवस्तर्वत छारात वहासक्क कि कि विक स्टब्स् स्टब्स् माज हिन । एउता र केशात महिन त्रवृत्ति सेत ৰভে রাজ্যের বার্ডীর কার্যা ভার প্রতিভ रहेत । कडीवनदर्व वद्रात्म्य काहतः काहत्वास **एवर हार, जांदा निर्वाद कृतिएकं काहक केहि** লেন । রাজ্যের শালবভার_{ণ্}রাহণ ক্রা**রি**লাই ওাহাতে হাজৰ বৰ্তন নাত্ৰালোক ক্ৰিছ**্তি** कारशत शुनत्रविकातकत्व, आक् अवकारक मंत्रीक र्भुवन। यागन हेडावि मुस्स्न्साम गाँ-शृष्ठ वहरूष वहेन। जिनि निक्त वृश्चिम्बाहर् चनका ७ शुर्भगत्रोहमका चटन करने केल र ল বিশ্ব অভিক্ৰম্ব করিয়া-উটিলেন। ক্রিছ ভিনি जीननारशाम विशेष निःगङ्ग, निर्माण्य ३ প্ৰিয় হইতে পারেন নাই। কখন জবাধ্য ও धनरमांद्रण शुक्रकिरशत महिष्ठ युक्, कथन आध्यविद्यादिनिशस्य स्थन, कथन वा श्र्वाधिक **७ इत्याद शुम्बस्या हेजामि कार्या की**पर्रे নের শাবিভাংশ কাল ভাঁহাকে কেপৰ কৃষ্টিয়া হটুরাহিল। তিনি এবাগণের ক্রেড্রাল্ त्वात्र चाम्कारन डेव जीन दिरम्य मा । तूच वहें তে ক্ষৰদুৱ পাইলেই ডিনি ডাইবয়ে ব্যুল্যনি বেশ কৰিতেন। তিনি বে উপাদানে নিৰ্দ্দিত

⁽১) ভারতক্ৰ[দির। ভাওগান জাতি ডিল উভার অলেশত বাবতীক ছুললবানকে বো-तम क्रे नक बाजा विष्क्रंत करियां शास्त्र। बाबरबाद समारी बांगम संक्षीत विरामन विश-

াছিলেন, জাঁ- নিজ পছোপৰোগি ণদিগের হিডকর কার্ফ্যের অনুষ্ঠান না श जनम बहेबा बाका मझाविछ नहरू। ্রাজারিকের অধিকার কালে পর্যাক্রিয়া ্ৰে ৰে সম্ভ কর নিৰূপিত হইরাছিল াহা ডিকিঞাহিত করিলেন। ডিনি অভিশয় ুশহুচিত্ত হিলেন। ডিনি কোন ধর্মের বি-(वही व्यवस क्षेत्री का हिरमन ना । जिनि अरक भद्रवाही हिटल्क । विश्वष्ठ पर्न्य ज्यवस्य कर्ता তে ভাষার ঞতি জোড়া মুসলবানের। অভ্যন্ত বিরক্ত হইরাছিল। পরবার্থ তত্তর্গপানে নাক नरतम् न्न् श अञ्चल नमक्की हिन इव छष्ट्रशर्म প্রবাদ্যার ভিনি আর সমর্ভ ট্রাট্রি জাগরৎ कविटा शाहिएका रेके विकृति हमात्रान, कि খনীয়াৰ সম্বল ঘৰ্ষের আনোচনা করিছে৷ ডিনি ভাহারপার ভাগ এহন করিতেন। সাহিত্য ও विकासिक मारमूह चारमान्य विकास विकास की-मात जन्नहारवंत्र क्रामको हिमामा। मरक्ष बंदेरक सक्तिय सहया, वर्गम, बीमनानिजापि পার্নীক ভাষার অভ্যাইন্দ্র হয়। এটক ও देश्योको कामा बहेहक अरक्षालकावान वि-বরে ডিনি বরধান ছিলেন। এই সকল বিবয়ে কেজি ও আৰম্ভা কজন নাবে মুই সংহালয় উভার সবিশেষ সহায়তা করেন। বিশুর ম র্মের ভাষপ্রহণে জিনি ক্ষেপ সম্ ক্ট্রা চিলেন, ভদত্তবুপ কাৰ্ট্যের অন্তর্ভাবেও জিনি উদাসীন ছিলেন না। জিনি সুসলবান ধর্ম निर्मिष्ठे क्लिम्ब अर्थोक्तिक वर्षा कियान विरमाण माध्यतः क्रही शाहेबाहिरम्ब । विश्व 'বৰাছিলের ভাষতে স্বানীর স্বভাছিতার [্] স্বাহণ এবং অপনরসে ত্রীগানুর বিবাহ निद्वयः सुद्धन । विधवाणिशदक शुनकात विवाह व्यक्तिका व्यक्तिक स्ति। जुः १ थत् विश्वत्र अहे ৰে শ্ৰীৰায় এই নকল শুক চেপ্তা উচ্চার সরী-(ब्रेड क्रांट्स निरम विनाम था छ इतेवा बाब , ভিমি অধি কাছ্য়া ছগে বিদ্যাশিকার উপায় । यथान कश्चिमां व्यक्तिका एव लाटकत समग्र कन्त-া হাইডে জাতাবার্ত্তার মুরীপুত করিতে পা-विश्वास अवेदा प्रदेशक केवान वक्ताविशान प्रमुख्ये मुल्लिहीए। जन्मात वर्षे अरमर नाहे। म्जानीय विश्व किनि ब्यामा विश्व विश्वति रेक्क्ष्र के अक्षेत्र शह पाटन गरायन हिरमन

में। ब्रांकांब्र अवशक्तिकांब्र कार में बहेरम जिम অতির প্রজার কি কখন তুব সাধন হর ? সংগ্রাম স্থলেও উাহার সক্ষণ নেত্র বাসা उद्ये अवश्व इहेछ । दनकान वन्ने मिन्राव গোলাম করিবার এখা ডিনি বুহিত করেন। थाशरफ कुर्न चडेशिकानि निर्मान किरांत छैर কৰ্ম হয়, ভাষিবহে ভাষার স্বিশেষ দৃষ্টি ছিল :

'कांकवड ब्रांकव नश्कांक विवाहत (वान नश्रमायरमञ्ज दि किन्ति छैनांच करणान कत्रि-রাছিলেন, ডখারা ভাহার প্রডিডাশানিডা, উদ্বোগদীলতা ও কার্যদক্ষতার সবিশেষ পরিচর পাওরা বাইডেছে। সে এই-

প্রথম। রাজ্যের সমস্ক ভূমির বথার্থ পরি मान ।

দ্বিতীর কোন কেন্তে কত শস্য উৎপদ হয় ও সেই দলোর কড অংশ রাকাকে দেও-বা উচিত্ত, ভাছার নির্ণর।

ভাতীর। বাজার প্রাণ্য সল্যের মূল্য নি-

विठाब क्षेत्रामी भारतिक भिरति दिखन লানের ব্লীতি ঘটত বেসমস্ত লোব ছিল, আ-क्यत छात्रांत अ भरत्यांचन विषया केमांगीन हि লেন না। জিনি বে বে কার্যের অন্নীটান করি তেন, তাহার বনুদারেট তাহার দরাওণের नवित्नव शतिहत व्हेज, किन्नु अक्षी निष्यत्मत विषय को एवं काम काम जानहार कामा कविकात कारण श्खाननानिरङ्गम बरखत विधि छेत्र किंड स्थ नाई।

प्याक्तवत्र अवेक्षण मामाविष मार्था मरनार्याभी রুট্রা প্রায় ৫০ বংসর ফাল রাজ্য ভোগ করি या शायवतीला जबबूव करवन। छात्रांत छव (प्रार्थक विवय अव्यादनाइना क्रिक्त व्याहे धा-ভীৱৰাৰ ছইবে ৰে ভাঁহার নয়শ ভূপতি তুম-विसक्त भूकी । बसरान् हिटनन । फेंश्रिक भ স্তঃকরণত নানাবিধ সম্ভাগে ভূবিত ছিল। তিনি ইঞ্জিরপরারণ ছিলেন না : অভিনয় প রিশ্রমী ছিলেন। ভিনি ভিন খন্টা বার নিত্র। বাইব। পরিভাগ ইইডেল। ডিলি কথন কথন शतकारक ३६। २० दकांच शब अवस्तिरमञ्ज महत्र ठलिएखन अथभटके ३ :+ Casta शंत्र हारे कि-বলে গমন করিরাছিলেন। ভিনি অভিনর शाला हिट्यान !-

त्थव न्यांच्याचि चार्या प्रदेश्य ।

সূত্ৰ পুত্তক ও পঞ্জিকা।

कानता कलकाला नश्कारम श्रीकांत्र कहि তেছি, নির লিখিড ছুইখানি পুত্তক ও এক गानि गांकक। यात्रोहित्यत् व्यक्षत्र वहेत्रोहः।

🕽 । जीपु कार्या अनुस्थित वहाकरण । 🖼 वृक्त বাব বিষ্ণুচরণ নশী ইগার প্রেণসুনক্ষা। গ্রন্থকার পরিজ্ঞম পূর্বকি ভানেক বিষয় ইছ ভে সমাবেশিত করিয়াছেন : বাজধা ভাষার গে সমস্ত ক্রিয়াপদাদি ব্যবস্থাত ভট্ট্রা থাকে उद्योत सूल ७ नभगकि कता हहेगा**८** । ज পর বাদসা ভাষা সংখ্যত হটতে ব্যুৎপত্র হ नैश्राष्ट्र, हेशाया प्राप्तक प्राप्तिक्रक मा ४ ७ শব্দবাৰক্ত হয় গ্ৰাংক্ত ব্যাকরণ না জা निरम छोराष्ट्र माध्य क्रक्तिया जाना पास ना अष्टे विद्वहर्मा कृतिया सुद्धां न्याकृत्वकात् युम्म ब्लाट्स्य कारमक एक अञ्चलिक क्रिया कि श्राह्म । यह वर्शक्तरभन्न कारमक काम काश निर्मंद बर्ट्ड পরিবর্তনীয় 🕫 পরিভাজা বোপ বট্লা প্রত্নার এক স্থানে লিখিয়াছেন " শুদ্ধ বৰ্তমান এবং ছুড সামীপ্য বৰ্তমান कार्रल आह की विकक्ति बहु : बबा, किनि बा-ই:তছেন, লাবি নিধিতেছি, তুনি দেখিডেঃ, वापि धरेमाञ व्याजिए छि। ३ अहे कुल क. दिक्छि एक ७ केमार्ड्स चार्ड । वाकस् वः कत्राप अ (क्य >

२। भनार्थ खख । देश देश्यांकीय कान-बाह । किना इननिव अष्टःशांडी परम्यामि मिवानी 🕮 क्रि वाद बादकानाथ लाग असवाश कर्छ। हेराएक जानक श्री के नवाही विश्व महित्वनिष्ठ बहेग्राह् । युक्ता निष्ठां व निर्माव मा इडेक, मीहर ए करून इस माहे। जायहा करवृष्टि विवय अधिनिरयम भूर्यम शाउँ करि শুলে সচরাচর জনা এইণ করেন না। ডিনিক লাম, কোন কোন বিদর অসম্পূতি কোন त्कान विषय हेशेटक महिरवन्द्रमात्र व्यव्यागा बिलाइं बांध बडेंग। अथरम "नाई ? अहें भिद्रायांत्र किया धक्कि धाखान विश्विष्ठ वहें রাছে, ছাহা আরো কিছু বিস্কারিত করিয়া लाबो ब्यायमाक हिल। योबसायमा बनिया व প্ৰস্তাৰট লিখিত হইয়াছে, ভাষাতে প্ৰাৰ্থ क्षित क्या क्या थ च्या क्या क्या क्या binfen nenten waren der Gien feconsidered affection was the vertical color

नवार्थ छक्त बारकन छन्द्रवानी वनिद्र। स्वाव क्टेटकरक् मा ।

ও। ১১१০ সালের ছড়ব পরিকা। ইহা লেওার্স কোম্পানির যতে প্রশারকণে সৃত্তিত इतेशारह। यांनी निवानी खेक्ट के केटल वि मानिधि वहे शक्ति अन्यन कांत्रवारहन : काबतः सानि स्माछिनभारस बैहरसस विज्ञासन गुरुशिक फाएक ।

विविध मर्वाम। **५ हे (शीव शामवाद्र**ा

অবোধার ভারতবর্গীর সঞা বাবু ক্ষকি-ণার্থন মুখোপাখ্যায়কে এক বেভাল পুর্-ভার দিয়াছেন। সভাপতি রাজা দিগ্রিজর নিংছ প্রকাপ্তবংশ দীকার করিয়াছের, উক্ত वाबुद कार्यापांत्र गांउद्गा कार्यक कांबुक्तांटइ-রা উৎবাজ লাসনপ্রণালীর বিবয় অবগড় হটবাছেন। ভারতবর্ষের স্বাজ সংখ্যার ও वासनीषि परिष प्रश्नम सम्दर्भ स्ट्रेटफरे

ইবে সংক্ষা নাই। কিন্তু **ভাতে**পর বিষয় **बड़े, क्लरहभीरद्रश्ना निम निम यन प्राप्त है** र् तिचिक कार्यास्का धामर्गत्न न्याक् मन्यः। यथन वानीतक प्रशास स्वेन वित्रादक छ ASCUCER-AL:

বেখিছিয়ের অধানতদ বিচারালয় এক क्षत भावती आंश्व भूतीरक देश्वांकी खावा আনেন না বলিয়া বৰিছ ও করিয়াছেন। এক क्य वासिक्षेत्र बरमन केल शासनी देश्यांकी जारमम अवर व्यासक वर्षम अहे कांचात्र वरहा. डा कहियारहर । डेंस्ट शहिती यति बाद विकर्ते देश्याकी मा कारमम अधम एवं मा का निवा ভাষাকে জুদ্ধী কর। হইল কেন । আনার জণ-मान क्याहिया (कन १०

भाकिनः । प्रक्रम निविज्ञादमहा अकार्य **भगअंख क्षेत्रा जानमात्रा कड शाम ७ म**ा नात अभिन्ने करत्न विश्वा ने तीछित व अ-ডিবাল স্বায়িয়াছিলোন, ভাষায় কল বইভেছে : मक्षणाइँडे ब्रह्मत, क्षश्चन दमनाशिक व्यवा-दाशे भाषाम्यात्र चाक्रिमहिनाटक कानाहे-बाटकृत, विवि चाटकेन चांचित्रिक राग कन्नि-रक्ते, केलिक हानांभाग चात्र पाकिरण स्मध-मा महिद्देश को । मात्र विशेषक्षा का बावकीय क्यांकि

मात्रम अरुवन क्षा दिशाव हादिवादक्त, खनारका নহাজনলিলের বাক্তর থাকিবে। অনেককে বিপদে পজিত হইতে হইতে সংখ্য নাই।

किनिक व्ययन कविशाहित मानारका व শিক সম্প্রদার বড় জিনের উপরক্ষে আপসং वाभिक्षा कांगा ना उतिम तथ ब्राधितम । कति কাতার কেরাণীরাও চারিদিন পাইতেছেন।

বলদেশী দ্ব্যবস্থাপত সভা কলিকাভাত্র ৰিউনিশিপাল বিল রহিত স্বরিয়া স্থতন আর এক বিল করিতেছেন। ফি নকা বলেল ভারা রা এক জন বেয়র (পর্যতম সংস্থ কোতোৱা-নেন ন্যার) সহকারী মেয়র ও প্রতি বিভাগে अस असे सम देवलानिक क्षित्रनम् इहेवान श्र স্থান করিরাডেন। কলিকাতার স্থান্যে এত स्टक्षं अग्रहर । गणा लोका खिक्कें कहि-বাস্ত্র বিলও জ্যাগ করিয়াছেন।

লাহোর জাপিকেন জ্বৰণ করিয়াছেন, ভা-ब्राफ्यवींक खाडेमक्ट्य काम्भाति विज्ञी विज्ञा ना कतिया थियाँ किया दिल्ला अपूर्व करियात न ক্ষপ করিভেছেন। বোং হণ এ কনরব বিধ্যা, খন ভাছা ভুলিয়া পুনৰ্মার মিরাটে লইবার कांत्रण कि ?

আলাচাবাদ গেলেট বিখ্যাত দত্য বাৰ নামাজ সিংহের সাহসিক্তার ছুটি উদাহর-न विदारकन । मञाखि श्रीकरमद हैनरम्मेडेव ब्रामनाबादकम् अक कन नक्षम्यक भूक करन्ता ভাষাকে এক মল পুলিস দেবার অধীলে গাঁ चित्रत् ध्वत् क्या रह । यावनावाक अहेनर-বাল পাইয়া সহচরকে মুক্ত করিবার জন্য এক লাখীৰ উপত্যকার ভারাদিগ্রকে আক্রমণ স্ব আষয়া বেখিতেছি সর বর্তান্ট ওয়েল্স, जिल्ला আপন অতীর্থ সিম্ব করিয়াছেন । এক तियम अहे मञ्जा किरतन (राम अक गर्भ न-গিরাছিল, এবড সময়ে একজন পৃথিক একটি इ:डे इफ़िना वाहेरक वाहेरक काशास्त्र श्वाना क्रियान । इष्टाननी क्षित्र फास्ट्रिक अप ६. ইতে অবতয়ণ পূৰ্বাৰ সেধাৰ করিছে ব্যান न : गोधक खादा नेद्वाटक बार्चमानीय किकारे मा क्षिम, क्षिमाद्व स्थावत्त्व विशे श्रीविक श-লিনেৰ চাকা + স্বাধনাত্মক কৰে। ক্ৰিনাতে फिनि संगिरनंत संक्रिया पार्टीत आद्रामन

कि । जयम प्रवासनी क्षित्र व्यानमाञ्चः हः गतिहर मिन । गर्षिक विश्ववाविष्ठ वंदेशः ফেলিরা আৰু লইরা' পদারুল খারীল भाग कामी गर्भाव दिहेत शर्व वृत्तिवादह । गिन्धांकरत आवित अवस्थ वृत्तिक व्यवाच (नरम ।

> উক্ত পত্ৰ বংলন, সম্ৰান্তি কামপুৰেন্ত্ৰ 🚉 कटी इस्। दर्शनाम अस क्या क्या विश्वन স্ণীর শক্টে বড় হইরাছে। প্রাঞ্জি সকলে চরবি দিডেছিল, বাঁদী বাকি त्रकटरा शमादियों ट्रशम, अर्थ वर्शक सुक त्म भगावेश मा, हेजियरथा भाषी संब তে নে চাণা পড়িয়া আগড়াান করিয়া

विकीरशरमदेश मरकोश्विक मध्यान वर्णन रव जुड़े हुई ह जाविनद्र क रेक अवि श्रीशास्त्र वेषद् गणत्र वार करत्र, काशामिरभन्न स्त्राक्तरमञ्ज करको ह ্ৰ ভানান্তরিও হইরাজে কিন্ত জুহারা কৰার-ম **ৰ আছে : অয়োখ্যার ক্ষিণনর গ্রণক্ষেক্টার্ছ** किकानी करियांद्वम सम्बद्ध कर्मनी क्य विठायांन्य स्थापात । देशाविक्षण विद्य इडेटर माथा कि विधाना नहरे कारा विश्वनेहते केशवुक्त विहास पान ।

रिश्वरभति ग्रहे बरमम, देरकम मार्थकम महिल् धनम সাহেত্বর পরিবর্ডর বলকেনীর ব্যবস্থা-প্র স্ভান্ন প্রাধেশ করিবেল। 🐣 ৮ 🚈 🖰

উক্ত পাত্ৰ জানুত বলেন বেপুন জাবৈহতাত वांकिका विकाशनाध्यम यानिकांत्र मध्याः स्वितकाः ८७ अपर अपन्दान क्रिया विद्यासार वेदेविटणन विजया दर व्यवस्य सहसाहिक्यां व्यवस्थानस्थ विज था। अखबार ५० के अधिका विका अवित 24

-वाका क्षाकाम बरमान अक्कान दक्ती अवि शही आव द विकासिक्षक नेदांबकार जना ৩০০ টাকা প্রধান করিবাছে অব্য ভরতা क्षेत्राहर क्षेत्र शहराक तक गारे । देशह क्षांभेगी जीनमा जानमिहे धनानित हैं Truck i

के किंक क्षेत्राच्यात अप जन मध्यान पांचा पर **ें ब्रेस्ट्रें बरुवाब्द्रबु ज्ञान्तः भाष्टी क्टब्रक्टे** अस्टिक् प्रकाशक प्रश्न वहेटलटक । अवकि आद्ये ब्याक अंकर्णक लाम करतक जिन्दान बद्धा अप-क्यांन क्रियाटकः भवन्तिके क्षिम्सक बताबे.

मा. अध्यक्त किरमान ना । कायकवर्षीय कि निमा बाहेरलटहर । डाबाझा चरमनीह ात कानताना काञ्चन शहेबाब जात कि छ-র পাইবেম ?

১ই পৌৰ মজলবার ।

পুনা व्यवसाययम् चटलयः व्यापः हेटसम् द्र-'क्टे श्रेटक नर्सको सन्ताकि वृति यात মুখ্য রেইলওরে কোম্পানি গ্রপ-'লিব ড্যান্ড কৰিয়া আপনারা পুলিব नेशक क्षिट्यम । अभि शवर्रमध्येत র সংক্রে নাই। কোনু থিম আসামের शक्त नावि पत्रिया पनियापिनदक पूत्री-द्विएक गाइएक रहा।

अक्षांनि नश्चादिक हेरदाकी नरवान াছির হটতে আরম্ভ হটরাতে। ক্রমণ: था चात्रखनदेशक केम्बि मुख्यानम स्टे-बद्धा

चारवाध्रादयरक्षेत्रे बरमम, चानभन क्षती, नारक अक्कान कुछशुर्त तिरहाकी गरको গেরে মৃক্ত হইরাতে। এই ব্রিক্রালার ভিন জন সহচয়ের সহিত কিটল মামক একজন ইউরোপীয় কেরাণীয় পরিচারককে বধ করি क्ति।

এড দিলের পর কলিকাডার 'লক্ষ্ম কোম্পানির খেব চ্টুল। টালা সাহেবের স ৰয়ে ইহা যাবভীয় নীলাৰকারী কোল্যানি অপেনা প্রধান ছিল। অধ্যক্ত ও কর্মছারি দিলের দোবে কয়েক বংসরাবধি ইছার্ডলাক क्षिया जानिएकिन । अक कना यानकी কেরাণী ও সরকারকে ছাড়াইছা দেওকাঞ্জিই. ক্লাছে। ছারিজন যাত্র বিদাব পরিভার সরি-याम् निविक चार्टन। कान्यानित कोछ:-र्शाक्ष विवयं काशाहरशत यन नाहै। खना बाह्यक्षरं वार्ष देशविष्णक्य भाग शेवानाम भीज के जानांद्वां।किश्यामाम भूमकात्र के कार्या आद्रेष कविद्रमा आमत्रा अनिनदा छाँशह-ত্যাগ করিবা একটি বস্ত্র প্রাক্তজনারী কোন্সা-कि करूम । कामा बहैदन के नपंद्रक फटमदनव मारमक क्रिक्षि सहैदर ।

बाक्तीय जार्शासक अरबाहार्व ३२०-३ ४ द्धारान कवियादकत । अवश्वाद्यात्मेन धरेक्श কাৰ্যাই অংসক। ভাল ভাল লাভাল বিক্ৰয় मिश्रा शक्ष होका वर्ड क्रिएडएडन .

গেজেটে করেলখানি পত্র প্রকাশিত চক कृत्क : इकेशास्त्रक जिवित चालिको ने नहमन ভাষ্ণের বিট্টান ও নিম্মের সম্কারী প্রণরি-ভেন্তাক ক্লম সাহহব ভক্তভা প্রতিনিধি কৰি गनदूरक कि विदारक्षण, इन्हें शाब अर्परण फेलम कांकि कहा केंब्रिएक शादत। छशाय करवक थामि हाम क्या वहेबादा । अक क्याज हा क्ष्मन केंसन एवं मध्यमद्र अवस्था विधाय व-शबुद्ध - स्थाकांत्रजनवीत है। हैन है (विक बुद्धान, छाड़ा कांत्रखनवीत वानकीर होत অপেকা উত্তৰ। পৰ্বস্তের মধ্যে আনেক স্থানে চা আপনি অনিহা থাকে। ডাক্তর বিট্যন আরও যদেন, তথায় বন্য আরাকট নামে এক প্রকার মূল কলে, তথারা উত্তর কাপ-তের মাক হটতে পারে।

> ফিনিকা বলেন লেপ্টনত গৰ্বত্ব বোডের जाइताथ मा श्रमिता देशे आक्रिया था ভাश्रित विख्य २ ७० व्हेर्डि • • है को कित्र বাছেন। বীডন সাহেব বলেন, বখন খাডাঞি-কে অধিকতর টাক। ভাষীন দিতে ও গুরুতর कार्य, इ. म. में इटेटल इट्रेक्ट एक, जन्मन जीवांत विक्रम हक्षि मा नहा जनाम । यथ.र्थ विष्ठात !

উক্ত পত্ৰ আৰুও বলেম, ভারতব্বীর भावर्ष्ट्रवर्धि कांच्या मित्राटक्य अवर्रद्युट-ठेत यख शक्ति थाना चारक छारा छेडिका बाबेरन। भवर्षमनी बाजात बहेरक शक्ति अन्य केंद्रिरवन। বক্ত নেদী হাতি আছে সে সমুবার বিক্রম করা হটবে। হাতি খাদার বক্ত ন্যত্র বয়, তর প্ৰৰণ লাভ হয় যা। আগৱা ভালি চইপ্লানেত্ৰী थामान शवर्रायक्षेत्र क्षित्रक क्षित्रक क्षेत्र क्ष क्षत्र हरेशाय । क्षेत्रते क्षत्रातः साहि बास चारमः । अम्हास्त्रहा अक्षास्त्र अन्तर्भ विद्याची ।

जनाकार हिनिसारम गरनाज जानिहारह. श्व कंश्रद्धावन कृति का, छोत्रादा व क्टरी हितित मिन्न क्या क्रांश कतित्राह्म। यगणः द्वाःहेकि क्षश्चाम मही एक्या व्यवस्थि वेवानीय अन्बद्धके क्रमायुद्ध क्रम्मक्ष्मि विर्मू-िणात कार्यः ऋतिहारकत् । दक्षामः अभाव णात्राजनकीय भवनीरवाके कारशासिकांक सामक । त्वारम विद्वास वह बाके 4 आहे श्रीकांक को किए

बुद्ध क्षित्र विवास प्रदेशायान । दक्षा द्वान ছিলেন তাঁহার তুলা লোক একণে ইউরোপে नाई। नमामे न्यानियन निष्य विद्याद्वन করিয়া প্রশ্বেক একবে পঢ়া জাহাজে তালি " ইউরোগৈর মধ্যে বত লোক আছেন ভাষ্য-क मर्था आबि दक्षत्रक अब कवि , दक्षरत्व मुकाब शब धारम् द्विरकर्माण देवेनिय मधान অব্যাহত রাখিয়াছিলেন, ফরাসী বড়বড়ে डीहारक शप खांश कड़िएड हन । किन्न यथन সমুদায় ইটালির লোক ও রাজা একলিলে হট্য়াছেন, তখন রাটেজি আর শাসন করিতে পাৱেন না :

> আর একটি প্রখের সমাদ এই গারিবলৈ-ভিব্ন কড স্থান হইতে এক জন করাপী চিকিৎ नक अविधि खेलि वाकित कतिग्रोट्छन। रममाश जि भीक्ष भीख एक अहरजरहर । श्रह्मति किस विशिष्टिम्ब, अक निर्मानियम इक्षिण महत्र উত্তৰ সেমার হুল্য , সেই প্রেকার এক গানি-बाम्डि अधि व भव-रिवर हेन छन्न अ हेहानिय নাহসের কারণ হইছাছেন।

> > ५-३ (भोव दूधवाद ।

माळाज गवर्रमञ्ज जिवाक रवत त्राजारम ঞাতিশর সমারর সহকারে গ্রহণ করিয়াছেন। रिक्, मुगगमान ७ हें उदाभीय नक्स (अर्थ একত্র ব্টরা তুল্যকণে রাজার মধ্যেটিত লক্ষা নৰা ক্ষেত্ৰ। শাসন কৰ্মা সৱ উই নিয়ম ডেনি: गम चत्र माञ्चाटकत्र क्षराम अधाम लाकर्षि. शदक ब्रोकांत्र शतिकिक कतिया निवादक्य । জাতিবৈর ধেষৰ ফলিকাডার প্রথল, এমন क्लांधां श्रह ।

आशामि अक्रवाह देएक वाशास्त्र अक्ष (वर्गामशान जैतिरव । जिन नारम धम व्यक्ति छ: হাতে সামোহণ করিবেন আগর, আরও ও निमान, विष्टानंद्र काशाक समह दमन की धेनरक डिटिट्स ।

व्यक्षकान भारत्यहरू वृद्धे वहेन, बोबू क्या-ब्यायन प्रदेशियाच्याच श्रीमकीच वस्ट्रम्मीक शर-कारी मिनिक देन माउँद्वर, करफेंद्र कार्य अस्य स्तिपारक्त । कार्यम् , केवंत्र शक्तिक छ शका-द्या निवितः त्य पार्डद्वातः गाम् भूताः स्ट्रेटम्हे किनि के शह शुक्रावस । "

ें क्रिक्कार्वी स गणा आहि शाब रीत दिल-क महाराष्ट्रा करिया क्यांत दर्गाम करिया का जानक क्षेत्रकरिक व काशाल विकेशिक्त नव कविन्त्रवाक्षिपक्ष क्षाः ए व्यक्त द्वाकित्वर काञ्च गरेनात कीकान कांग्रेसीटहर । तकि निर्-য়ের বিষয়ে সভার ভারত। ভারতমুবী র স-ভার ভাবে বুজি আজি ফালি নিয়া তল ক্ষয়া-CE, द्यांथ स्त्र अथमक यूरमह त्यांत्र काटक म-कृया शांकि गांकि किंद्र कांका मिन्द्र विवास वक किट्मम (क्य ?

र्वामिन्डेटन नार्ज सरमरमञ्ज्ञ अक्यानि शब क्षकाणिक बहेबादक जाबादक वृद्धे बहेक क्षत्राभी मझाँहे अहे अखान निवाहितमन, ए।। পাতিতঃ মগ্য কইনা হয় মান কালের িছ कारमहिकात युव वक्त कतिवाद रहते। कह नार्छ दरनन फणूखरत ननिवाद्यन, र উত্তর বিভাগের বলফর ও অন্তরাপের 😢 🖂 हरा मोडे, अध्य मदायु मानियोत्र आंखारिय यन र्गिन्दि मा । आंद्रश् किंद्र किंग वितय , श्विया अश्वात कहा कर्डवा । महाभी शवनद्वक दे के माराम विच्छ विवास देशमध्यत व मश्रात्रका करत्व, छतिषिक हे रमशीय भवन्तिर वेत्र करते धनावात शाहेदारहरू। सभीत अवर्रक हे वनिदार्द्य हैश्नथ थ कुष्य बधाय बहेरन छैं-हाता महकाती इंगेटड शार व, किन्न त्म नवन व्यक्षित नाहे । व्यक्तिकार्यानियः स्मर्गन हेरनकींद्र नवर्गामके केशानक के देवा कार्य । करतम ना। यादा इंडेक, क्यांन नहाडे अ इ नाक्षित्अदिककारांची शामब्रहेत्मव निक्रिक शदाक्षिक स्टेबार्डन ।

कला त जिर्ड म्टलरत्त निट्रश्च माविशाति ८डेमरन बारलब गांकि जाकिता निराटक ! वि শেষ হুড়ান্ত প্রকাশিত হয় নাই। এই ইনা ণিকিট গাড়ি সাজি সাচ্ছ আত্তার সময় না आ निया नाटक जिन्हीत नगरत आनियादक। 'ও আনা হটগ্ৰ'-এই भक्ते पात्रां पद ভে ৷ একণে ভারতববীয় কোন্সামির রেইল स्टाइटड क्रांक्स पूर्वहेंना এड वहिट्डट्स (क्न ?

১১ই পৌৰ *ব*ম্পতিৰার ৷

. भिन्नीद्रशस्त्र हे बरतन, त्मश्रीनाचे अधिनान য় বিচার আরম্ভ কট্যাচ্চে । কোবল নাৰৰ जनमन वोष्ट्रोहेरत्र वाद्रिष्टेत्र छाञ्च शक प्रवर्ष**य कतिरक्तह**न। पूरे खन विविक्ति न'गो ৰলিয়াছেন ভাষার। বানসামার গ্রহণ দর্শন করিয়া য়েপুট কমিসনরকে সংযাদ দেন। किश्रमिन्द्रमञ्जू समा किहात वश्र शिश्राद्र '

अव अन इतिहाशीय क्यांकिट सूर्वा पृत्रि कृतिक्षा विक्रु है। र नेशा शतायन करिया রাজপুঞ্চনার গল্পু কলে। তথার সে আপ-मारक मधमविष है हिन्दु देख कथन निष्-সের স এক আন সংখ্যাসাজা ও চিত্রকর ব-शिक्षा भविष्टत स्वतः। अधिविष्ठ भारतक हेडे-

क्षांत्रीक कहानारक ज़ारारक नवाब करतन. अवर, स्क्ट स्क्री किंद्र है। कोच ि.ब्रोटहरा পরে হঠাৎ করাতি হইতে ভাষাকে করী করি বৃত্তি পদ্মবহানা আসিয়াছে। সে আউয়ায় গ্ৰুপ नंद्र अन्नाविक्तरक अहे यंत्रिया नद्य निर्विद्रोहरू ¢ শহালর। এয়এই করিরা যতপুর পারেন সহারতা করিবেন : আমি বাহাতে নির্দেশী হাই এ চেটা 'ফাপনাকে করিতে হইবে। ++++ ৰাহাতে আৰার বোখাইরের প্রধানতর বি-हाबागास विहास म्य कामि त्म छहे। क्रिन, কাস আমি নিভয় কানি ভত্তভা জুরি জান त्यभावी वाला '। व देश्लाकी नवा ।।भट ॥ भागी इंडेटबारीवरि চার পত্র গোর সহায়তা করেন এবং স্থারিরাও ভাহা विश्वतक पृथ्क कवित्रा विद्वाद किहा करतन, हैरा কেবল বে ইউরোপীরদিংগর ক্রাপজিবা अविक्रि इक्षित कांत्रन अवन सरह, अञ्चन्नक अर्जभी द्रष्टिराय ७ अहे मरकात जिल्लाहरू (व । ब्रास्त नुद्भरवता शक्तभाष्ठ निवचन केकेरबाभी हिंडेरबाभीय देनमिरक्ष केली व्हेडा निवादक है बुलिटगढ़ प्रश्न विधान करहान ना ।

वक्यनार्डेड करतन, व्यायाधात कवित्रमञ् केंहे बिक्क नारहर बत के किन्निका करनत খাসন কর্মন্ত পদ পাইবার সম্পূর্ণ সম্ভাবনা।

অবে ধ্যা গেডেট ফলেন অসগারআলি नावक विद्यादी ७ इड । यात्री अर्छ पिन व । व माइ महरसम् बांगेत रमख्यान किन । असना विनार "ेक्कियर ११७मा इट्रेम्नारक छिनि া প্রকার পোককে কি ক্রার আপন 🔽 ৰাজীতে ক্লাপ্যাছিলেন: সদর ছরোগাকেও अतिभिष्ठ यहना . अ:श कतिए बहै (व।

बार्शक हेहिक में महत्व पर बावनम किनि निवानरतः समानद् ८. 🚜 अस समिष्य-। পথালয়ে নহাসমারোহ হছবে ৷ এ৮১ लाम कहा इहेगाइ डाइ एउ हेरलाखबरी, ला ५ 'अल्डिन, मव छेड़ेलियम एडनिम्म, जिया কুরের রাজা, কণাটের নবাব ও সব চারবস हैं विलियानिय नाम लिया ७ डी शिक्ति गत ध भ रत्। कत्रा इडेंध्राटकः। भव्र होत्रलम् हिं,विशि-यान गाजा हत नी छ । अउदस्थीय सर्वतायां-বংশর ধ্যাপ কিব পাত্র।

ফিনেকা বলেন গড় যঞ্চলবার নিশ্তলার . कलम भने: यो कित योगित मन्तू चन्द्र मदहमारा একট পাল গা ওয়া বায়। তাহা খোলাতে এক व्या % व्यव गुरू त्मक नाहित कहेगात । तम কে, ও কেন্ ব্যক্তি ভাষাকে বদ করি^তিছে ভাষার অনুসন্ধান হয় নাই। পুলেষ কর্মচারী আিণ সাংচৰ হত্যাকারীকে ধৃষ্ণ করিবার বি **(म**भ क्रिडे) कविद्यहरून ।

देखा शत वेशमधीय अवस्थित मानस र-ইতে একট হিনাব উভুক্ত করিয়া স্বিরাছেন। এবংসর ভত্ততা সংবাদ পরের নিষিত্ব জ

CHAIRS MAN SELM MICE रे हेर्न क्षा के अस्ति का का RESIDE ! THE O CHIEF PORT WAR No. a must aller miles as I will बर्टन नाहे विद्या आहर जान हरिक क्यार्थ, हिक्शिम केवीम क महाहा गण्णांतर शक्षि गण्डे वेश्वमादिकरे विक की बहर्त्व नवक बहर । अवन व कांत्र पूर ७ ब्रीटन ब्रिजिय प **खट्द आहम मिन (स्न**ी

३२ हें त्यीय खळवांता

গত प्राक्तिक क्युटिमांड वार् क्ये देवी -इन महिक जाशनात होंच स्ट्रेटक क्रक नेमानिक त्र शिवता मृख्यातः स्टेबारस्य । विकिश्नरम् क्ष करिएक्टकम छाराज क्षेत्रिक माइनकार

আলাহাৰাত গেডেট হলেন, সাত্ৰ আনং-हात २००० प्रजन रेनना रेक्सिक बेरेरव ।

উক্ত পত্ৰ আৰুও বলেব, ভাষাৰু এক আৰু

উক্ত পঞ্জারা আরও জানা হোল নামুক্তি छपात्र अस्ति माजू कर बहेशा , बाह्या स्के ब करतक ज्ञ राजावन करण जांचक बहेक्स हैं

डाका निके- वर्तम मध्यकि हिंदी देकिये ক্ষেক জন সন্ধার বেজর হউলের সহিত সা-कार कविद्यान्त्र्य अञ्चल भाविकार्यः क्रिकेश्च क्या विश्वासक्ता । स्वयः भीकि मासूरे पूर्वा শেব হয়, ততাই ভাল।

५७३ भीव भनिवास । গত শুক্রবার অণরাত পাচ বটকার ক ময়ে ইডেন বাগানে বিৰাশিত সময়ে জিল কা বেৰ ভাষার পুত্র ও বঁয়াৰ বেরিয়ান প্রবাদ बाटन ज्याकानबादर्ग 🕏 चड स्ट्रेडाहिस्सन

াৰধান ক্ৰমণঃ পূৰ্ব ছডিলা ভালে স্মাৰ া চৌরক্ষি বিকট প্রাঞ্জী প্রিয় रहेत्रायह ।

विद्योदशस्त्रके बरमम्, अब्र न्याय कांटन अवन्द्रवे कि श्री श्री क स्टेबार्ट्स । ১৬०० भन वीक विकृत्यन हाडी दस, किस विन वत ६०० वन विक्रम क्वेत्राटक । कान्बीरतर्व मशाबाक केंद्रा कर्ड कतिलाटक्स । १९१७ - बरवड . मुला ३०४ में मी।

केला म शामक स्मायक बाल- हे नारकर् বরীর দুইখন আফিসর মান্সির 🦯 🔑 থিড়ে अभिन्नाहित्तमः। जिल्लिसातः ताद्यः "छ'द'निन् त्क वन्ती कृतियाद्यन ' काकाता - CF 'शूर्क'त' ভিতরে কাহারও হাই ।রে অসম্ভি নাই। अखबानक (र'व मा अक्रिक्ट क्रिक्ट के वर्ष कर् स क्रिएड था ।

क्रोड'ङ्ख द्रशास्त्र वालन मात्र व्राक् अ हाई एक जलते 3 कूटेन्सान बांध्य कि बल ते यह शाली बादिएक निहाकिन रिविद्वी

A STATE OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE

All a series and a series of

ে প্রাক্তির ক্রিক্ট (রাক্ট বিজ্ঞান কর্ম ভর্ম ক্রিক্টের করিবার বিজ্ঞান বিজ্ঞান াণাতে ভাষ্য পরিভাক্ত করিব। ভর একাবাভুলারে ইকেন লাভুন শোভা, রাক্ট সংক্রাক্ট বিজ্ঞার বিজ্ঞান

' अक क्य मका इवेटमंत्र ।

रेष्ठेद्वाशीः नमाहात । हुक कर्नी दुरुवर । यत्रज्ञाते — भार মুলভান করিয়ালে ाग्यान् व्यक्तांत्रत् १९६० ६. श াতে বাবে, কিন্তু বতা মিউনিলি-14 छ । १८७ अम्ब इ क्रेब्र्स्स । , .सफ, मन्द्रम नगम्द्र सिविय र १ इन । १८ १ ना लीर ८४ मान था हराभ्य डिस व ६ १३१७ (६७ हे.सहर-ि भाषीय समीर व र क्य हे ज़ादम । ्रीन दममामित्यव व्यव नः विश्व विविधान रद्भारका इंद्रिक्षण इ. ११ । १०१४- । शिम् अपिन समा लक्ष रह जुन १३ विश्व विकार कवित्त निवा < । अ**च्छिरक्षत्र** निक्षे दुष्क हरेन्त ini Wich !

" ম ম বি সম্প্রদায় কর্ম তাপে ক্রিয়া।
" সুলা রন্ধি চ ইতেছে।
" ন পদ্যান্তির লক বিশেষ পোল।
" । ংশক্ষানি পত্র প্রজালিত ।
শ্বাকান, শ্বীতেছে ক্যেক লা-,

। शान कवेटल बालक, हिटल्स, किन्छ

গ্ৰণ্নেণ্ট বিজ্ঞাপন ৷

বাসনাদেশীয় নেপ্টেন্ট দ্বারেশ

সাবেশারুলারী নিয়ো ..

२६७ नद्दश्य-निष्ठानिशिषु क्रवंशिव। २४-७२ व्यक्त्य ३ क्रवेश क्रक्ष्माहत्त्र क्रियं विश्व क्ष्माय क्रिकिंग हिर्मा

中军 例, ", 有法是不得 ! ब, ब मार्केश, शांकारव । भागती खशां के सिम, जनमध्या बांब द्रशानिक हजा हो भूती बीम छन। काकत्र दक, वि. काम्यन, दश्हाव । था थान, पेहे जिल्लाम्, रक्ताम। वीय इंद्रठक हरकिलाशाइ, वीकूका। % इन छविभित्र, वि, विहेशन, इतिशाह । (मोजरी सजिक्काम गरकार, कड़ेक। षाक्ष व, निमनम, क्राका धन, ति, सामन्ति, मिनाजन्तः। **ब. ८७ दिमम भारतक, छपली** । 48. बल. क्रांकिकां के महत्वन, य'नांक्यू। या, प्रशिक्त विज व्यक्तिशीतः। erm: 18. g me/memm वा प्रकार किया किया है। कि वा विकास मा (भे भने बरुकान नारिश्व, क्षेत्री शहा कि बोद्र ८९ भी बाच बळ्. बन्नीया । व बुं ७। इकसाथ (मन, २८ भदनमा । ^{3 काम} (क महत्वात, श्रीवेद्रा । भिष्यां कार सामान आणि, श्रुपितः। ए इन इस, कृषां ३, श्रंती।

ं है लोशिमाळ स्थार, होस्यारी।

AND THE PROPERTY OF THE PROPER

् चार्यक्रम् अस्ति व्यवस्थाति । चार्यक्रियक्षेत्र विश्वस्थाति । भ. कार्यक्रिय विश्वस्थिति । चार्यक्रम् चार्यक्रम् चार्यक्रम् चार्यक्रम्

ंत्र किलि हृद्यानाशांत्र, कवितन्त्र । वि. कादवर्षे नाद्ययः कावका। वि. कादवर्षे नाद्ययः कावकाः काकः नेप कः प्रकार प्रवृत्तिकाः कावकाः वाकः वि. प्रकार विश्वतिकाः कावकाः वाकः वि. कावकाः विश्वतिकाः कादकाः वि. कावकाः विश्वतिकाः ।

AND THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NAMED IN COLUMN TWO IS

र प्रकार के क्रिकेट के क्रिकेट के क्रिकेट के क्रिकेट का मार्थित का क्रिकेट के क्रिकेट के क्रिकेट के क्रिकेट का मार्थित के क्रिकेट क

ः धरे किरमन्त्र- निम्नुलिश्व वाक्षित्र मन द नर्थन मार्थादक निम्ना किम्नुलिस मका करे दनन।

क र लिये, अठ, कि कारेशित अ आप आ आ शिक्ष जि न क्रिय व्यवस्थात्र क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र

निमु संबंध नाष्ट्रणा श्रामदश्र की केल वि-मानिका क परिव अस करेदवस

পাতা আলোং আচনার, বারু ব্রুটের দ ল্লাবালকর বিভাগ, বেলিনী শ্রুটির বিভাগ

বার কুক্তমন্ত ভট্টাচার্যা লি কঃসজের এক মন অধ্যা

नि काः जरमान अक सम समान्त्रका क्रिकेट के गोतः त्र'सम्भक्ष अस्तानानाः हात्रका क्रिकेट नि कारमरकत्र अक समानमाती सम्बद्धाः क्रिकेट कारमा

वारामदक्क मुरुषास मृश्चि स्वित्रक ह्यामन वकारामीत कार्याणक कार्यत ३७७२ सहस्र ७ सावेरमञ्जा अवशासक , य २३ शहरागात (स्वर्यू-क्रिकेटस्थ सम्बन्ध शहर्यक्षम् ।

३६ वे किरनवा — वहः कि. देनकी है खादन व विकारमा वा करके हैं क काटनका '' वे वकारी करवान कुर वेका दक्षांत्र वाकिकी' के दर्ज कृति का कि क्षेत्र क्षांका गाविद्या ।

क्षत्री कि कि, किसर मार्टन विकाद के काष्ट्रिय महिक्दा । अपूर्णि कर नक्षेत्र व के त्या. किन संस्कृति कामा रमान कांग्या मा बन्न, बागर भारतिष अधिनिधि वालियो है । कालिय रा-किटम्ब

यक्रमिय विश्वास्त्र एक्ट्री मांक्ट्री है है एक-पूर्व कारमकेष कोमनी आधान अध्यक्ष किरमंद क्षां कुरद्रार्थ ज्ञांभू भी प्राप्त का विकास क्षाबर्ग वक्षाविक कामा स्काम का का का क्षा प्राप्त है। वो अव्यक्तिका दर्शामा ३५/३० चरमञ् ५६ आवित ७ : ৮ ३३ जास्य ५ व्यक्ति अञ्चर दिव उपोत्र श ि विधि क्यों में बिट के हैं के क्यों कि कार महित वाक्तित्व अवर क्लिमानि माडेटन व २ व द्राप्तः जगरत क्षायंत्र दक्षनीय वाशीन नामिरकेट्रिए क्षाक পাইবেৰ।

्ना किरमच्य--- वे ल्लाभान नार्यस वक्रक भोध श्रीकरमय अन अन अथम (अश्वित महक्षि) प्रवादधातक क्षेट्रक ।

२८७ मध्यम्य-न्याम् मश्रद्धानाथः सक्षे ठल्लाः बर्गत (छश्री विकित इंडेरवम ।

--এ ছিলেছৰ—নিসু লিখিড কৰ্মচায়ির। ∆ायक्रल (व'ब्राट्सरके । वावाष्ट्र) युद्धार्थ शमन क-१ . इ.१) अर्था कविटनशर---

कारधन टक है अल डेकेटल/म । (क्रम:डेशरी म!बेलन माखिन।

उद्भार कि दम्हें शास ।

वे मलका

১৯a (क्टानचड़--मि, दि, शांदत्ते नारकर रिक्र मिटमन सरा २३ श्वसदान सावेके नासि-टाउँ छ अ अपूर्ण कारकष्ट र वाक्टिका ।

इत्रकांद दल्लू है साकित्यु है व दल्ली का टलकेन है, बक, अध्यक्षाम जिल्हाम महाजिलाबाद रमनी एकेका स्थाप माजिएकेट केन मान कम-**ड अक्टिश्त**ा

८वध्य है, हि, छान्हें न ज'लेन वस्कूपाय कार्या वहेटक अनमन बहेन आहि 'न अब अविध ए । । जिल्लेट या क**्षणनद्व क**ेंद्रे वर्ग

अयुष्ट मात्रज्ञकाणमध्यानक महान्द्र नमीरभ्य ।

সহ শয় আমাৰ গড় বাবের প্রেরিড শত শান অপেকাফুর সাবধানতার সহিত বুজিত ाति सामात अर्थ अध्यक्तित शतिवह स्वेत विश्वरिक्त । ३५ च्या श्री व स्थितिक (अर्थन कार्यक ०० ीं है। है है। इस अपर क्रम **पर्याप्त कि** मिन महे-ग्रांह, • जारका प्रकार के व्यापा आयेगा व्य इति काषाव स्वाप्तक श्रीवस क रूपा देगांक Pal Chen I mate gire beat gente I fan Ca उध्या कि वह मांगा अविना ? आंकित थी-वैन। क्षेष्ट्रे रवं कृषिक्षिश्वार्थायं स्वाहरक अगित कविष्ठः

(भे हे वे व्हार कार्यक्ष विकासिक विकासिक मान ो महत्रम् कार्यायकोषाकोषा स्त्रीककात्र वरिशेरक् । म बेक्ट्रिक दिना दिन ११। स्वित् वशका वृद्धिक मा एक्षार्स्य क्ष्मपंत्र क्षमन विभवीत अर्थ करेंद्रा मैं जिन्देशोरसः अविवादक वांशास्त्र आक्षकात मा মা আপনি গে বিবৰে অন্তঞ্জ কৰিয়া কিঞ্চিৎ बहर्वादवांकी वहेंदन चन्त्रिक ग्रांच हरेगा

^৬ প্রেয়র ^৬ বেরুগ নাগাবণ ভ বে গুণীত হয় आर्थमा रमञ्जा नरम्। आर्थन, क्रेशाननात्र अक्रि আকু গাঁল। উহাব কৰ্ম নচকা। আপ্লি বলি-बारक्त ' केचंद य।बारक मक्तम अरद अलाह कद बद्धरा ब्यार्थन, (चास्रुविक वके लक्ष) बाह्य নীলকর সমূপ পাপি ব্যক্তির আখ্যাত কর্মট देवां बहेटर मा "। किन्दु इत्तल आर्थना वान चार्डातक एव खरवदे ता शकान न देखाइ व তাৰ্যৰ নিজ কুকৰ্মেৰ প্ৰতি স্থা উপস্থিত চ্ছাডে ह्म स जावा श्री बडा।(श्री क्या (त त्राइछिड(१) धारधा भारतव अडिह कुडेशिवड मा व्हेल ए १९ वरेट मुक्ति शविश्व सता, आहुत्त व-जनভारि जन्मद कतिश्व कमा शार्यमा चार्यम चौद्धविक कि श्रकारक कहेरत ? जान नवन कान মন্তঃহাব কোন একটি পাপের প্রতি দ্বণা উপ-बिफ करेबाट्य कथन देश बना बोहला मात्र व त्र हेश करेत इत्व श्रीकट्ड क्रिकेट खाला। क्षिक काराव मि श्रीकारक मिर्वर हरहा त পালের স্থিত বছ দিবস পর্যায় সংবাস করা-(ड डांकांव आंखांव वर्ताव अटनक गांत इके-शांद्र । धावन वर्षाम चालनात्म प्रक्रम । दरभ कत ত্রানি অভাবতট সেই অভাব মেচিনের জনা ইশ रक्ष निकार शोर्षना कार । ज यथन आरामाहक हर्माण (मधिया जैक्षावर भवनांश्रेय वस्तु, (श्राचीमा कवाद अर्थके नावश्राम क अकि । त्मे हे नावंग, शक क्छन्दछ अब म बक्षि बहुन का मध्य द्व दन्दे-कारमक्ति क्षेत्रक क्षित्रक स्वाप्त ए मनु करन विदश চেন্স, ও উৎসাহকে (৩) শতগুল মুক্তি কৰে। সে

(२) कायर श्रार्थ करियोधिनाम, अध्यक्ष क हर बेह कुनार्याद शंकि इन अ अध्यानिकान ्टकोडे ब्याद्याच हिंदिकगाथन, श्रार्थना नरहा चाल बयुटन अकति कथा किकाम। कर्वायांकेटक Che रवांच कक्रम एक वास्ति शार्थमा भवाउ सूच হুট্ট্যা কেবল ও , গ্ৰেব আঁত গ্লৰ ও ভংগদি-जाश (रुक्ते। बाबा व डेब के शायम **(हकी** करिए उरक्त, का व नक वास्ति कूकार्यात शिक्ष স্থাও ডংগবিভাগে চেউ। ন কৰিয়া কেবল शार्थनात्र छेण व निर्णंद कवित्र। शारहम, बहे छैत्रा श'क्षा वे अपन्नात उपित मान ब्रेटर कि मान निवृद्धित अव्यागानिक वनि व्यक्ति केर् ना क्षत्र आश्रामि विकास अभाग अविश्वम स्थ कार्यनः उपछित्र भाषत ? म।

(5) दहीर्था, क विकासिका कि साहित्या-र्थना मिनिक कर्ण नएक ; शार्थना विशिष्ट भाग साम, अध्यात त्यह काल आहे. कवाता पनि कारात केरमाने हुक्ति कहेवाह" महावसा बंदिक, किंत्र क्षार्थन केन्द्रन जाशकि वि । किन्न जानता

उपम जानमारक मेंबरहर्त छाह এক প্রকার প্রদান্ত ও গড়ীর স্থা क्रिक्क बाटक। क्रिक्क कावि बाह्य ब्रि श्राटलकारण गत्रीकात विवस्त, श्रा নংকারীরা যে শীক্ষ ইকা বৃদ্ধিক্তে भागात विश्वात वश्व का । द रदेश क्ष्म आर्थमात् । **छ। हाइ क्यन आधृतिक औ।** তে ব'বার মধুলা র্ডিজ ১, देषा किन्नाम प्रदेश । संख्यार हर्यो। षांवा दन जेपोबटक त्या श वेरेटक अप शार्थना वारकात कालुक्रम साव प डेबिड ब्ह्रेंग करन जान आंब्र কোৰার রচিমার আর আপানি বে বে স্পূত্ৰ ও ইন্দায় গহিত আৰ্থীয়াই क्र4 उचारह कारा पाक्रिक (४) अवस्थि नेपंत्रक निकार एका जात्र में साम है क वर अवस्थिते, नेचात्रज्ञ निवर्षे अवस्था है। थात्र नवान । द्वथन त्याच केन्युनिक क्षेत्र मन जारेरन लारे अवाह व्याहर जारेरड व वेटका वे स्वयं के स्थवंति आर्थित कृतिहा णिख व देश। आर्थमा बाबा भ्रद्रम् अर्थक्रेक स्टेंड्ड बाटक। ज्ञारकार्य (क्यांनीक क्यें য়াছেন) কু ভলতা ভাতি আঁডি ইভাটি न दि छ। प्रा भरकत भरकर भरवह मू म। कनकम स्वेटक किया। आ (विमार्ज पार्ट कांगनि बनामा निमानाहम दा क्रिस शार्थना नत्र केउन्न मा दश्म साथा क का मा। किन्न कहि है। महाबाद क्षेत्री मः अञ्चरवात व्यवस्थितिक व्यवस्थ कार्यन केर्न বোৰ উচ্চিত ভাৰে আপুনি আৰ্থী शक्तक। करकेन कि ना[®]? ब्यार्थकः क्रिके र्रेटर्केट कवियादिनाय, अयन्यः।

উৰেলে প্ৰাৰ্থনা করা বাহ, ভাষা ছাঁটুটু क स न च केळा कि राज वार्त क्षकां हु हुने कि वेकेमान महानवां सारक र सम्बद्धां स्रविधा क्रिक कि करवन अकुक है बाटक ? आर्थनाइक केम्रण केक्स्निक् दर कम जिम स्वाक्त लाउ एक महर्मि (३) शापना देखालया। शास्त्रके हे

करा करक को र मश्रेष्ठ कार्यक्षे । *या*क्षा स्रोता जनम केल्ट्रा देवलकाना गरिव अक्षाने ८क कहि। गारा गरेक, भी महा विनीक पाटका आव नश्लाहरू सीमविद्यादि, जान विश्व कर्मा क्यून्स, अ विषय क्रिकेश कारणांक्रम बाह्र बहुत जानमहिन्द्रको देखा नाहि । जान भारत्वत व्याहानी क्षत्र का कि जीक भरतिते हैं आह अवाह कर्यात करा कर नामकी खन अभ्यत्य अव्य १ हेराश्चिमान निषय के के बिक चन्न। यदि दनके सून्त stew. Wie satet miniferen. ergite, a foble wiffle in Bemille

व विक्रंच कांचा महत्त्ववांचाचे। आह विक् शार्वन। चार्य निश्व दश्व फट्ट दय क्रेयन मण्डलक सनावे जानाविश्वतक आर्थमाटक अधिकाती कृतिवादकम् कविवासके द्रशाम मध्यम वीकिएक शास्त्र मा। विव रणत समाचे क अधिनटक आर्थनांदछ अधि-ह प्रदेश का जारे। वेचन व्यापानित्यन ही, क्रिक्टा कर्मा करत आर्थन, क्रिक्ट विश्वहंक काँवाह सामध निवादन वकार। मिर्देशकाएँ वर्षा स्वाबा ऋला निर्देश करिएक भारती मिहेसमा विविध किमि स्वाम मिन्निक নিচত অধিকারী ক্রিয়াছেন ভবাপি কোন

131

विश्वित जना दर आनता आर्थमा करिय देश क्षित्र विदयक्रमात्र विशव मिर्छत्र कतिरकः है। ৰাষ্ট্ৰপথকে জানতা এক অক্ষেদ্য কাৰ্য্যকাৰণ मुक्तांकर रह प्रविष्टि कित वाशिक कर-अबरे दक्षण बर श्रीजित चार चारीमतात चार উপ্লবি করিডেছি। আয়'তে আধীন ভাব ৰীভাত্তেই একজন আধীন সাধু বছুব্যের সভিত অপ্ৰান্ত আৰীৰ সাধু মুখ্যমান বেল্লপ নম্বৰ পিতা शूर्त विक्रेश अवस् जैवन क मामारक रावेशन नवस् कृष्ट्रीनेस्क व वेष्ट्रांट्सः वसूत्र निकटके स्वय केमवारिक वितास खरत कात स्वतं नहे दर ধর্মাকা আচাবোর নিকটে আপনার পাপভার बाक् क्यांक मक्का श्रीत छोडांत ह्या वह पत क्षेत्रिक्षेद्र गाम वदेटक इटर वास्तिगत (ठके)

म नव्यक्ति स्था देवेदमय मिनक्षेत्र व त्याहे ্ হইতে পাত্র ভারতে আর বিচিত্র টা দি। देश बादा नार्डेड कड़ीकि क्षेत्रकट्ड ल जातिक शाका बादीन बहिका खीडिक ब्रांका है बाबा-श्चिम क्षाबना मात्र केविटल भारत बरश बन्धार्थ-बैद्धि कस्त करनारे काट्ड। दिनि लिखन जान क्षत्र देशमध्यत्र क्षता भाष्टात क्षत्र चूच विद्यातः বিনি আমাদিবকে ইঞ্জিয় দিয়া ভত্পবোৰী ्विवंड मुख्य क्तिताला, विनि क्या विष्ठ। कामन मुखन ह तरमन, विनि छोडिन महीरत र जनार ब्लाइन क्रिडिट्सन, डिमिक जासात जनन, क्रांचार कृषा वर्गार वाचार वार्मना व्याहन कतिर्वन ना ? यहि आर्थना वार्वनिक एक. छार केचबरे आर्थना कविराउ चारमण कविराउ-ব্লেন, অও এব তিনি আপনি প্রার্থনা করিছে প্রাধেশ করিভেছেন অধ্য তিনি ভাগা পূর্ব ক-क्रिकेन को देश अग्रहत कथा। जित किसूदे क्ष्मन करतन नाहे, खठनार शायनाव **建筑市 4(4)**

ইবাংকে কুডমতা বতি ীতি দেওয়া ও क्षित्र क्षित्रहें शार्यना क्याई डीधाव छेशावन्।। क्ष क्षेत्रका वशार्थिक आश्चरिक प्रदेशन शिक क्षि प्रकृति केल्य वहाँ। क्षेत्र प्रानात बरक्काव

हत, कर बार्शन विद्यारी एवं। वेस्ट्राह चला वयत तार सम मंगमं चन्नतंत्र त्रीकरा लागा-তে প্ৰতিভাত হয়, তথম খ্ৰীতি নিয়া আশ্ৰা वहेरवहे केंग्रांक क्षेत्रांत्रका कात्र । वथन हीकि कांत लोकारका किकीश वह खबन कांव मिन्न कार्या अष्णात्र करिहाक क्षांचाक्रिटनम् स्मान वर्षे वर्षे বৰ্ষৰ ক্ষাপ্ৰায় ব্যুদ্ধায় বেল একত ক্রিয়াও कं'त्र शिष्ठ कांद्री नाष्ट्रम अनमर्व हरे, उथन जाति अधि महत छेटलागत वृद्धि, हेर्'दवरे औं-ৰ্বা বলে, আসমা বলি ভূচে ভূষ উপদিউও क्षे त्व श्रांबना कन्नक्षांचनी नेटर, कांत्र के क्रण करका करते रव रकान कक रवानजब नहां भारत भक्तिक हरेया मेचद्रक क्षिएक मा गाहे. विक अन्न वानका करहे दर काशनात कर किह रम क्षेत्रा कतियात केवरतत क्षांग धक शित कादी। जोश्रदन व्यवश्वत इहे. उथन महभन्न रहन ভৰ সত্ত্বেও আপনা চইতেই প্ৰাৰ্থনা আসিবে নাথা আৰি মহাপক্ষাপকে পভিড ছইনা কৰ **হটমাঞ্জিলানার পাপ মার্ক্**ন। কর, ডোমান থসর স্থুৰ দে বিতে আমি অক্ষম হটয়ছি, কুপা বিভয়ণ কর, তোষাব 'গ্রের কার্যা লাধনে জা-मान महमान का शताजिख वहेटउटक, कामाव उरमाह जगम पूर्वकृति मना व शर्मान कर আলার জ্বায় পত্তত্ত বলের আদান বইবে আমাৰ চেউ: শতগুণ ক্লি হইবে। সকলে বি-বেচনা ক্রিয়। দেখুন বে এএকার বাকা আঞ্চা-বিক উথিত হুর কি না। যদি একটি পুরের মৃত্যু, इष्र जात व में €िक्सान वक्तवाक्तवता छाटाव माजात्म पूर्वाहे 'उ क्रिके करते त्व जुनि त्वन हथा। शांव डेशत ह्यांवारतीश करता । आर्थना त्व छ-জন্ম করিতেছ, জনান করিলেই ভো ভোষার श्व कात श्वादईह कतित्व मां, बक्रण चूकि बाहा कि तारे बाँछीय क्रमात्वत डेशनम हेंग्र মান্তার তথ্য এরণ বলিবার অধিকার থাকে व खामानिशाव यनि कानाव मात्र कावरा करेट, करर कृति उर्कनमाध क्रामानिगरक बाहे क्रम दिलाग कहिएड घटेंड । शूर्वात वासाव स्ति अस्त क्रेस्ड व द्याप्त छैचि व्रेटट्ड त्में एक वक्त कड़िरव । क्रन्सम कि वा काल विक श-वल काउहारा धार्मामा छात् । वर्षम वालक অল্লাবে পীৰ্ণ হট্মা সাভার নিকটে কক্ষন : করে তথ্য মাড়া আপনার মুখের অলও সেই क्षांत्रस्य इत्व जेटबामन करिया हिन। किंक वित्र अप्रस वृद्ध व वालक होत्रित कतिराजस्य, जन बह बाठांत निक्षि किहुई बाई, बब्दन बाठा वॉल न्द्रिक बरलब, त्व वश्रम खात्रांत्र निकारे छ। किक्के नाहे. देशांक कि श्रामत कावतकात का रहेरक नारत, बतर महिला क्षित्रे वन । फारान गमक भागा भारता सहर्व हर, कारात रनर विष्यत्वत वाम अभिना यात्र। वेशम किछत व পাল বল করিছে কাকে আৰম্ভ আৰম্ভ আন্তা ক্ষা সংখ্য কাৰাকে বুল্কে পরাজিত্ব করিছে जनवर्ष प्रदेशका, कथन खंकावडारे क्यारतत मि-विश्वास केंद्रा महत्र क्षेट्रेस्ट नथन क्षात्रका। कार्ड आर्थना बाब, दर केंबर ! छुनि ने विश्व शीर কে স্থানীত কুওজান্ত কিন্তাল কৰিব। এবং ভোষাত মুখজাৰ একাশ কৰিয়া আৰুতি কুজানুতি কুডানুকুজিলালৈ বিশ্ব নিয়লকভ। উৰ্বাহ লোৱৰ কয় । বৰ্ণ আনুক্তিক আৰ্থনিত

स्मिक्टिय क्षत्रवर्ष क्षेत्रक शाबित वाक्षा वेषक जिल्ल क्रमान कात्रम, खर्चम मिहे शत्रम मार्की कि था-शामित जनाम अनिवा जातात कृषा महिक-ब्रिटनम मा ? निका परमा श्रीशाक चार्किक्क व्यक्तिहरू क्षत्रवर्ष वहेटल जावाटक कि नवावजा केंब्रिटनम बा ? त्यहें अंतर यांडाइक वर्णानत समा लाग:-ब्रिक्त बहैदल लिमि कि मर्जन पिटवन मा ? अक्न बोका शाक्षांत्रा व जिएक हैन्द्रा, क्टब्रम, बजूम, क्टि माथु सम्म हैव। अस्यात छाविएछ७ शास्त्रम मा ৰাভাৰ ক্ষেত্ৰে উটি বি জন্য শিশু হয় আনারি-ত করিলে মাতঃ দি ভাগাদে জোতে এছণ করিবেন না, ইছা অপেকা অনুরতা আরু কি আছে ? কিছু জাবার দেশ, বভক্ষণ পুত্র মাতার तिकारी वाहेरा का अधिमान कात. **स**ञ्चल তিনি যদি জাহাতে বেছের সহিত্ত কোডে লন, দে তথ্মও মাচাৰ স্মেৰ বুঝিডে পায়ে মা, ম.ড'র জোডে পিরা তুখী ছইতে পালে ম'-क्रमनदे क्रिएड बादक। जेन्द रमहे क्रमा अमन जवन द्वाचन कामामिन्य श्रान्त कटवन, गर्थन कांत्राविरगद क्षत्र मित्र कांग्नाएंड भूर्न न। बाटक, वसन अगुक्रवाधि आमि। किरगढ़ शब्दक श्राम गाउटेड शहरू, यथन दीवाद्य गा**हे**बाद स्ना व्यामामित्यत अकाष व्याध छ आर्थना छेम्छ बड़-তে বাংক। বাঁচারা আন্তরিক প্রার্থনা করিলে त्म क्षांचंत्रा आश इस ना बरमन, वासंसा क्षांच-ন। বিলোধী ছট্ড: ওৰ্ফ করেন, ভাঁচারা সমূবাদ্ श्रीवर्ष कृतिएक हारकम । खाँचात्र। जैनारहरू करू-भागनांत अवधि आक देश बातारे नेपदबंद नविक चानात्वत चमिलेखा वस मध्यान एवं। सार्थना আকাশের ভাতীত ঈশ্বনকে নিকটশ্ব ক্ষিয়া रक्षा अब्दार्थ व भवन जोकाविक छात आहरू खारा जरूब अपर उर्ज साहाय समारू रहेगाह बहर । एक्टि श्रांकि रहेए श्रांत कि मा-ব্যের সময় প্রার্থনা নিক প্রকৃত্ব বিস্তার করিবেই। কোন এক ব্ৰাহ্ম।

मृनाशांशि।

बियुक्त रायु घारकामाथ द्यार E14B! **३२७७ कार्किक बहेटक देश**कीवास e Birt · · · গলামর ছাত্র 🤌 州田文章 ्रक्षक अञ्चलारंग स्टेटक में। देवलाय लगांक व से an n पक्रमान ग्रहकी उर्वक्षं मुख्यापुर स्वेटल १० मार्किन शक्रक २०वे ग भ अपूर्णनाम रेख् रेशक त्योष वेषेट्ड १० वासवायम गर्वास २०वे ११ वे वस्त्राम प्रेजन्त्रात १ वे।वेरवासा ५२६% व्यक्ति प्रदेश्य कर देखाने अवास क र द्यालाक्ष्य नाम अस्तर बाजवासन् वरेटक कारेशनान गर्दास व वे

প্রকৃতি বিশ্ব নিজ্ঞান বিশ্ব নিজ্ঞান প্রকৃতি ক্ষাৰ ক্ষাৰ আনুতি কাৰ্যা ক্ষাৰ ক্ষাৰ ক্ষাৰ ক্ষাৰ ক্ষাৰ ক্ষাৰ ক্ষাৰ বিশ্ব নিজ্ঞান কিছে নিজ্ঞান ক্ষাৰ বিশুক্ত কিছে অভাব নিজ্ঞ ক্ষাৰ ক্

जन उद्देशक ११२८ दर्शन । हेर ५५७२ । १ स्वास्क्रांति

विकाशन ।

क्षिक्षम् किलान क्षान् शासी सहिएकानि प्रदेशकार्यक मार्ट्स हन अपनि कानुक जीरह, कारा उत्रश्रहित (कंक्ष्म) व्यवना विकास स्त्रा शहरका बीचान मिने कांच्य अंतर्गक्षी मह-राज क्रमेंचे जन्म क्रियोन देखी क्रीएंट, क्रिय के आदंबतक पहिटन अविद्यान बच्चां है जो निर्देश

क्षित्र विकास

tea colla columna !

नामक्रा व नवादर महित्यर वक्षी त्यांक नवाम विद्या भावनभर्गत विश्वतक ममुक्ति कतिएक क्षेत्र्य हर्देगाम । दिनि अ:दम नवीम क्रांनितारण, रे लाएँग्रेज माट्स्य-त प्रकृत रहेशादार है में क्षित्रों देखें हिट विटनप बर्टन कारमम, अरे महापंत्र छनिता चीवा हा परिकारत प्राचित्र प्रदेशक मार्ग्सर मार्थ । विधानका विश्व केर्या जनित्व ना इस् भंडा किंग। स्वाहरका विशा प्रक आमिना देवीन एटक पान पिता व्यात अही रहाक ना इंदिक्त मा। देनि रचन 28 स्वाप्तिक महस्त्र सहस्र विद्यान, स्वाप ता मन्त्राम कार्याक कार्या विकासिक कार्या

কুৰিয়নের অত্যে ডিনি বে বিনা পক্ষণাডে माका नान मद्भन, छातारे व दिवद मद्भ ষাণ করিয়া খিতেছে। ঠাবার স্থা অধিক हिना। त्रव त्वव ठावाव अठि और विनन्ना त्त्रवीदब्राभ कवित्रा पाटकम <u>त्व</u> क्षपटनात्र क्रिमान स्वयंत्र स्वयंत्र প্ৰায়ি তাঁৰার একটা বাভাবিক বিৰেব বুদ্ধি খ मन्ना व्यक्ति दिन, अरे हरे कांत्रान , किनि क्षेत्र क्षेत्र ध्रुंटलाइ शक् हेर्निका विकास কুরিকেন, ভাষ্তে কখন কখন এবলের भरक्षिकात वर्ष । धरे कंगवार कर हुत নভ্য, তাঁহা আমরা নিশ্য করিয়া কৰিছে शांति ता । विद्वारकार्यक्ष अस्तरम् अस् सूप स्टेश्य अवन पहेंगा एउता व ममहा বিশ্ব নয় ৷ যাহা হউক, যে কারণ প্রকৃতিত ब्देश काषात अधि के क्रेसिक त्मव चार्क्षा শিক হয়, কাষাকে অধিকাংশ রক্তমানু त्य अक्रम परेना गरेनात महानना हिल मा, काक्ष चामता लोकीकरत निर्देश कतिएक गांति। धारम ' इर्वाम मध्य हरेला (स क्षरण शक्ती कतात्र करतम, देश कक्षरक शूर्व व परेत्रज्ञातिक वाका नाम.।

ं नक्स लाटकारे विका विट्यंटक अर्थ अक्री विद्रमय जब चाटबं । क्रिक्सिन व निक निरंत जानक जनक विकास विरम्बद्ध वीकात कर्ष्य के कार्याच्या বিক আছৰ, ভাষা-ইইটেড আৰিক धारेवाह महावया । बोकालाहा विकासीका

त्यांत जैनाविक स्टेशार्क कांद्र निर्देश अक्रिकिशी अम्राटक व्यवस्थान गर्म निये परिवा जिल्ला नक नक्षांक काला हरेंद्रा कार्या अनुविकं व्हेशीटक है

गचाचि त्याना त्यानी रेकिमित्रित विकिश्व 36 कदितारक्त । जानात त्मन विवाहकार पूर्व हरेएकर । ক্রত নাবের করের র একটার नवत्र निहरू, निश्चित्र

ं देशकानि (वं 28 श्रम्यक

वित्रात्वन, क्रीक्रानित्वनक क्टनक्रित मार्थ जत्म निर्देश दर्कानक क्षेत्रक्रदर-

13

>1 . मर्च

रण । विकाशनाम

৩, ব্লাচরণ

8' र भवने

क्ष वृद्धिकाम देखानि

्रहे अहा**ता के जाता है। जाता कराम कराम कराम कराम कराम कराम कराम** क्षा । एवं पूर्व व्यवस्था । अवस्थि स्वर्णन अवर्त । भरीका करतन बारे । भूर्व ७ जाल व्यापिक मार्क बाह्य मीरह त्याल दक्य ? त्य त्य শত্তৰ পালি ও কিবিদিতে এতিবোগিতা ८८३ भ् त्वहे चरलहे भावता वामानिनि भाग, वाद्या शाक सहित्य व्यक्तिक भारे भाग पा कि नारश्रक करण देशात विनी तरक के में कांबन कि ? बाक बाज शक्कशंक गिर्काक साम द्रमान नात्र नात्र सामा । दान के ब्राह्मण दान व्हेटकट्ड मा । बाहा - केक, कि जिला निर्मा अस्त नक्षाण থাকা অভ্যন্ত অনদলের কারণ সন্দেহ बाहै। (वं रव चून अक्शारका केन्स्ता-र्व अविविध इहेबाटह । ते त जात প্ৰকাত দৰ্শন, অনুন্ধ কোতের বিবয় AND THE REAL PROPERTY. अटमह मारे।

ी लाउ' शामतहेन ७ बार्क्टरहरू

্র খনিক সম্রেলার।

্চলিত ভাষায় যে কছকওলি প্রশিক্ষ বাক্তা আহেন ভাষা করেন জ্বার করেন বাজা হয়, অনা কেনে উপায় বারা কেবিশ ক্ষাপ্ত ক্ষাপ্ত বেমন বুলা ওল ভেমনি বারা

ত এই একটি প্রসিদ্ধ বাকা আছে।
ইয়া আনক সমরে অনারাসে আপ
আনিকার অনাবাত নিগৃত অভিপ্রের সক
ল আনে অসমার অব্যাহত করির।
লেওয়া প্রসেদ্ধ সম্বাভি মাজেন্ট
রের ক্ষিত্ত সম্বাভি মাজেন্ট
লেইয়া ব আবিষ্কাল আনিকাল করির।
বাল সমীকাল স্থাহত করির।
বাল সামীকাল স্থাহত করির।
বাল সামীকাল স্থাহত করির।

वान करतमः काही के काहीत कत शहिक शर्वत स्वत्रपथं पृतिश्री विवाह निवित्त चा महा कार्मावर बहुतकार्ता जो करिया केर क्षत्रिक प्राचित्र क्षित्र स्मार्टना निर्वेदर बाठकर्मन केन् पूर्विति अधित । व्यन्त विन হইল, বাঞ্চেটারের ইবিক সম্প্রধার লাভ भागते वैदिन में दिस मिला करिया ध्येक चारवक्क भाव धामान भूर्वक । नत्र ह दशन উভের কামোরি প্রতি দোবারোপ ও ভার ভবর্ষের শাসন প্রণালী পরিবর্ডের শনু त्राथ क्टब्रम । चार्यममकाविवा चार्यमम मत्था अवस्थिनीयमित्रात्र प्रथम ও ভाরতবৃ বের উল্লেখ্য এই ভূমিকা করিয়া পতিত कृति विकंत्र ७ ७६ महस्स धरे दिनामा मार्ज কানিখের কাজার প্রশংসা ও সর চারলস **डे**ट्डिन निका केन्रिगटहर य लाख कानि ভের আজা সর্ব সাধারণের প্রির ও সর রারলস উত্তের ক্লত তৎপরিবর্ডন সকলের আঞ্জ হইয়াছে। ভাষার পর কণ্টাক্র বিলেয় কথা জুলিয়া বলা ভ্ইয়াছে খে करे दिल प्रशिष्ठ कहाएक यह क्रांत्रकार केएक्स " অন্যারকারিতা, বিশেকালারিতা, ও নি वृक्षिण अकाम स्रेग्नाटक् । व अकारणाव बन्न धक्या अस्त स्रेज़ाहरू.त्य दर्षे हे নেকেটারি ভারতবর্ধীর এখান পাননক चीत काट्या मक्क इक्टब्लम कतिया भवन्त्र रवम्ब्रमदन रमभीत्र स्माद्कृत मिक्टे विभाग वक् ७ (स्त्र क्रिशा क्रुंनिशाह्म । पक्वर छ त्रक्रवरमंत्र मामान्तर्भ विवत्र गाफिरतर्क मात्रामा विवदम स्केष्ठे दमहत्क्रकेन्द्रि ७ कीक् त्र जकात एको मैंने कहा कांगा वर्षेक्टर का। পরে অনে তাঁখাবিদ্ধার সার্থপরতা উচ্ছ लिक प्रेता केडिक । काश्रका नामास अव ति विद्यान, मह उत्तान विद्यान स्थाप काइक्वर प्रदेश कुता व्यानिस्पाद, ना व्यर केंग्स्क्रिक्ट स्वयं क्राइस्टर्स मुहा TONY WASHING THE BOY रहेशास्त्र ।

MINISTER .

व नाम कतियारकमः वाहार रिक व्यक्ति 'सामन क' तामन क्यांकि 'विकि: अके कार्य केवा विरामन हा जामनाहिए। শ্বী সাংগ্ৰহণ ছারা নর চারল্য- ইত্তের मामि अधिकाश क्यारे छे क्या विक আৰি থিলকণ বাংগ স্বৰণত আহি, 'সর চায়ল্য উড এক জন উপাযুক্ত লোক, **जिनि व विगरता गरकारकत जैका-मारव** नवर्ष क्रेटेंबम नरक्र मारे। कार्यात्र अन्त তিনিজ্ঞারজকরে দুশাসন কান্য সম্পূর্ণলপে भवर्गत रक्षमत्रत्मत्र ७ जनवीमच् कर्पहा है শিগের হত্তথত করিয়া শিবার জলক করি श्रा कहिरत्व " यविश्व (मारक दें दब्र) विक नल्लापादन्त देश केका कण्य बेलिया त्वाध इदेशा बाटक, विश्व देश्यदक्षत आह क्र ७ महामका देशांत अनुस्थानम् कृद्ध न मा । भूषभूदं काम्यानि वानिका विक রে অধিকতর বাত গাকিতেন, ভাঁহারিগের রাজনীতি বাশিক্ষের অবৃত্তির পরাধীন হ रेबाहिन, जूककार, जीराक्षा नामका दिनदम रकार्णन क्षिएक भौतिएकन यो । , अबद्रन সার সেক্ণ নাই, সভ্তব এরন আর উদু न क्यान जाएज्नीय स्टेटक शास्त्र ना 1 -बुक्त बढ़ी कारता वरनम, " कामि रमनिएक शहरे, आश्वाहा तिवह्मभूत स्टेट कुल 'अक्षुणि चारन निकाशर्थ जुल्। (अञ्चन कति তেত্ন, কথাপি কি কনা আপনারা তুলা भारेसाम का ब्लिश (म हीक्लाज क्रिटक-(हन कार) दुविसक भाकितकहि मेरे। "

पामना क्या नाइना कहिए शानि पानका किन्निकातिसमान प्रमुख्य के साहिता के स्माहित नाफ शामनित के स्थान के महिता कार्या किन्न साहिता है के राम महिता के साहित संस्था किन्न वाम महिता के साहित के सहिता किन्न के किन्निकात सम्बद्ध हो सिन्निका किन्न के के साहिता सम्बद्ध हो सिन्निका किन्न के के साहिता सम्बद्ध हो सिन्निका किन्न

· বাকে শেন कार्य की वासिएका वर्ग में सून क्षिण करिएको किला विकार सम ना विदया करें, जामानिंदगर्मे विकासिका यार्थ निवित्र है लेक वह क किनाम केंद्रावम े शंख अकारम लागरक कुनी , न माईयात (ह दें। शाहरण्डास्त, আনুগতা, অনুযুদ্ধ ও অনু वजीकृत कतिरक्टम्ब, 'क्ष शहरण्डम, किंच किंद्ररण्डे क भातिरहरून मा, क्यांनि

ज्यादमार परित्यत्वम मा : अच्चाक वक क्यात्रावाव वहेरकावन क्कर की वीवानितन व छेरनाइ। येशावनात च पुरुक्षाविकाणात विक श्रेंडिंट रे

व्यन्त्र विवादग्रह विवाद करें, कांशांकि-গের দেশের লোকেরা অনুক্রণ এই সকল त्विद्याद्य, क्यांनि मुचित्र वरेता का ছেন চালের মধানেশ আলিরা উঠিয়া CB. कीश्ता शृह शारता त्रहितांटबन, कथानि থার রকার চেন্ট। করিকেমেন না । এই किकादिश्ल अन्न जुमित ३ वन् वाश्वरवद्र মানা পরিতাপে পূর্বক কত বৃক্তর নগন্দী ও ছুক্তং সাধর পার হইয়া এই দূর লেশে व्याशास्त्र कतिशाद्यमः कीर्वाचन मध्य कति । ॥ ज्ञाबिटशत ७ त्राकशृक्ताविटशत हरक দাল দিয়া আলাদিলের ভূমি বিনা বারে লইবার চেক্টা পশ্চিতেছেন; কণ্ট কি বিশ नुभएत दक्ष कंत्रियात (छ्छेत्र, व्याह्म : मः आहि: आक्रीनिश्ना एक त्यान विश्व : वालम, विद्धांत्र रमदा अदिरक्षति । वामदा

या रहेते विक्रा निवाही न शप १८ वेड नाम कान्य হরণ করিব ঠ'ব্যবরা আর কভ নিয়ে জা भगामिका विकादार्थ नगर्थ हरेकाः वाह वाबिद्धीत कर्ष बक्त कि िक्टिन, इस्स क्ष क्रिकंपीक शक बाहा निविध व्हेहाइक.? देशोह कि क्षेत्र के मजिल ? महत्व हरें बाह्म मखायमा नामे > दिशका कि खाशांकि शटक वृष्टि दण्य मारे > जामतः कि रेश्मटक जाबाजिएश्रेष्ठ दाणिनिधि शाहाहेगा वाक्तिक অংকেব করিছে পারি না > এরপ্ত আ। माक्रिरणंत्र स्मरमञ्ज स्मारकतः खेनः गानी क क्रेम, बाजुबा नेहात शत के जामिशाएर अहे करत्रकृष्टि क्षाद्व के करत्र मानी हरें एक ह इंद्

गारकादित्र डीविक ,

३४७)-७२ व्यटकत दिह्ना वाहा জানা মাইতেছে, ব স্পাদেশে আ বকারি-त्र मत्रदक्क भूज १६मत क्याराक, ७०७५०० क्षेत्र अवन्द्रमार्गेत आधार कि क्षेत्रपृष्ट । এই আর হৃদ্ধির সাল সলে গ্রাচ্মটের भागतमञ्ज बुक्ति इतेगा के मास्त्रह जाहै। किन योव वानुशायन कहि। अथा याद, न्यामी कहा पूरत थाकूक खालाकमा किनिह व्यामित्वत नम्भ २ क्षा जिलारी मुख्यकी । अध कतिशा क्षांम क्षारम केंक प्रदा ११देव क्षाम बाक्शावन मान कार्व विवरत क्षान प्रकृ ात करकार चामर संभी कृतिया ও ठाकि तिर्देश चात्र करत्व, केशात्र आकरे मण्य तामककाती शर्जाभगरक विमितिष दरे

· शिवसाटनं दशक्त क वितरे के विश्व काराता केरातक विकास विकास गटका । **এवन चानकि कविना** कांत्रभ जारह । यक, वेश भारतार्थिके श्री व्यावनाक ७ महीत तका विवाद होन मटक् । योक्षात्रा क्रिकात दमका स्टामेन् হারা ভালোচনর নিমিত্তই করিছা নামে সুত্রাং তঁ,হাসিংগর উহার বিশ্বস্থ সেবন সন্তানিত ময়। মিশুমিক বিমার প্রজান चकांच अपने कांच एक। स्व करम छेरान चारमास्क्रमधी भेरि क्रेश यात्र अवर विम क्रिन क्रिन इक्ति श्रेत्रा बाटक । विक्रीतः अटब्र्ह भावक कवारम्बिक्टशङ्क अवि मार्थ । जारा, मरबद्ध स्थाब सर्व क विदेश दिवन वासक अन्तर कीरम क बहुमां आहि इसमार ब म करत । এই विशिष्टरे काहा मानक दनवम आवनाक इहेगा শায়ের। এক বার মালক সেবনংশারের

शवर्गायानीत शविध व्यवस्था कार १- का विभाग मियानत कर व्यवस्था माहिनी क्रिक बान्क श्रीत'न रकान क्रामने मध्य मिकि बाहर, बामाभितात हिकिकी नवर्ष-विलिया अलीशमान केटेटव मा । मानक अवा े जाने पा कि कांत्रदेश , कवानकाटक कांत्रकान स्वता कृत, बाधक वृत्र ही विता अता भन कारेसा कविष्ट के काक मास करिन-किहू मारे। विक्लाका केर अध्यानीक निरात । ट्राइन, कीरी जासका बुक्टिंक शांतिक-विविश्वक कर्निक्षा आज्ञानिन्नदक मात्रव्य निर्माणीय अवस्त्रतारक । दावन छेमः । क्षिणा व्यामानिद्यान निर्माण अवशा शवर्गत्र त्यासद्र माधीम कात्रिया ड अन्तमहे अथा मधः हेन्य मुदा (मदम कदि । जाहे ना किक्ट्र नला याहेटड १ ए। धातः **आणवाणित्यात्र मत्यात्रथ भूर्व क**ृत्याः ! तम तमल तम भवीत वार्ग्वमाणित करेता ! य'कारक श्रवियत्त वाजूधमाक तमाउधः क्या. लडेबाइ (हकी श हेरकाइन : किन्नु मामया विदेश करण गट्ट. बल, बीगा, दुखि अहं की हान्ना महथा महथा धन्ना वामा कवि-विक्ति । विक्रम कार्य मुद्र माहरम विम किन करम खश्म हहेर बारक। महना मा व्यवकारि मश्का म मानू वाकारेवान চর আমরা দেখিতে পাইতেদি, অতা- তেই পাইরা খাকেন। চিসনবিরা এবিখ-এলেনের বাঁছারা মাদক প্রবা বেছন क विश्व একটা চনহলার দেখিতৈছি। কোন

রিলে ভাষাকে নিভান্ত আসক্ত মুইয়া লিছে

विलियाहे अरमा नव नात्वकारक्षक्षी कीक्षक्षित

त्र। यक् क्लाब क्लोब्रिक्टिक्ट जालदर नेवन করিয়া অভিযা পর্শন ও আহাত্রাসি করেন গৌতালকভার উৎসাহ কেওলা হইডেছে विना कें,बाड़ा कृषिक इतः। व्यवका चवर्न राजे रिक्र रहेका बूजनमान राजकात किर ্যের বজোৰভার ভার এছণ করিলে মিস नहिता दक्षां वर्तन, बटलन (भोजित्सक शत केंद्रतान् (मध्या नरेटक्टर। निष कीश्रता यति च्यूपायम कतित्रा स्टब्स. (व्याप नार्ट्य, नव्यक्त मानक ন্ত্ৰয় শ্ৰন্থত ক্ষরিবার এবং ভাষার বিজয়ক त्रिवाह अपूर्वकि विहा धर्व, धर्वनीकि, प्रया क्र क ब्राक्क्य बावकीय नियम मध्यन विवटत

> गाङ् विरक्टहन । आकि सना ্লাপানে সম্ভ চইরা আত্ম রে-िक सहस्र माणित वनम ह्यब ेति श्वना ताल, जनूक प्रकाप ঃ বলাৎকার করিয়াছে; আ-रिक्षांग अभ्योग अतिग्राहरू।

এई का**क श**नि कि क्षेत्रकुरु, ब्राष्ट्रकुरु । जशांक क्रुड जिल्लाबन विक्रम नटह ? भाव-कानित्र छेरजाई नाम यात्रा कि धरे नकत कार्या केश्याह काम कहा क्रेरफर मा > नावदादि किरिया (कार्याक वहे भवत कुकर्णक्र प्राटश्य प्रश्तिन'वर्ग एप्र मा ?, উহা উঠাইদা দিবার চেক্টা কি ধর্মপরা র্থ মিলনবিদিগের কর্ত্তব্য কর্ম ন্তে:

शवनाभने '५७। जिलान स'मूल र कि कतिया गण क 🕬 (मध्य व्हरिकत अनूध শাহ দিৰার ে দেব্ট পাইতেছেন, ভা क्षेत्र नकन ब्रह्मात । त्रा, कार्यक् सि सा ७ विषयम् २ विषयम समू साम्दर ছে। ঐ উপাস্টি ও ছ গ 🖘 धन्यन क्षिक सदस् । क्षेत्र, भारतः । त्वत मानक सन्। क्यम

दम आरम् बढ़ी किस ग.र मि Ø 87 **তেতু লগতের অধিকতর** কালং ১৯৮'ছ मञ्जादनाः काक्षानिराज्ञ कथ्मिन्हः ब्बा लाहे। सामामिर्श्वताक अहे, १८- राज्ये

मायक जरशाम केल्लामा ७ काराम मामूल | कारण अवस् विकास क अस्य केन्द्र गानिकामा कापन अवर अरे वित्रम क्तिया क्षेत्र (वे राप्ति कर लागरन काश शक्क केंद्रक 'दन भवनीत्र एरेदन । काहि केंद्रियां स्थारम ७ (कारान ना पाकि লে বাৰক নেইম সুতরাং পবিভাগ করি एक व्येष्ट्य । अथर्नेट्यर्ग्णेत्र शनिषदत्र रव कि व्हेटब, कीवात्रा २ मि बात्र नश्टकारी ৰারা ভাষা পুর্ব করিয়া লইতে পারেন, পদ্ম মললের বিষয়, বদি। একান্ড তাহা वा भारतेन, बानिका अत्यात छेभात मानूल तृष्टि कृत्रिया काका भूत्रन कृतिया मध्येन। अट्डमॉड्स्या माकार महस्त्र करवृक्तित नहां लखित्नहे समस्य हन, (क्छ समा कार कत्रद्भभएक रामुण द्भभ निम्हा शंगमा करतम मा १

ইউলোপ চইতে সুরা প্রভৃতির বে व्यामनाती इत, त्र भयांच तक्षि मां कति লে আর এদেশে সম্পূর্ণ রূপে মাদক সেব न मण्यकं वृश्चि इहेन त महानमा नाहे। शवनंद्रमको एलमूत्र भगान्त कतिया छेठिएक পারিবেন না: তাছা হইলে ইউরোপীয় मिरागत कारण शिंख इहेरख रहेरद। पांगता अ त्व प्रमूरताथ कति स . किन्ह আমরা যে পুরামর্শ দিলাম বলি ভাষা অনুসূত হয়, ব'ছলা পরিমানে স্মানাদিগের व्यक्तिक मिन्न इहेरद महम्मह नाहे।

मञ्जूष-अषुष् ।

সর্ম-সমুধান যে উন্তির একটা প্র ধ'ন সাধন, গভ বারে ভালা এক প্রকার গ্রেভিপন্ন কর। হইয়াছে। পাঠকগণ বাদি টহার মুল ফুঞ্জিল অনুসৰণ করিয়া অনু-भ बन कतिहा। (ना.श्रेम, हेब्द्रि छेश्रायाशिका नूष्णके करण क्रवयनम इहेर्द मरमाव नाहे। শলামের মত জীয়জি হয়, ' ভত্ত মানুবের 'दो के निवर विवह्यत जानक किंद्र **जाबुक्ट** केवह ' अञा ह निकास वाज राजी ७ शहराजन इकि व्हेंट शास्त्र । क्रिक्ट रमकानि , फर

क्टा ते रहता मानिकार TIVI WIRT WITH MANUAR मा । युक्तार अवश्वासानी राक्ति नामराहिक क्ये। कि क बन्न १- त्यारे मामकाशिक कर्न भवें बर्ध्हीय ना बहेरतथ कारेक का महिल्ला, महारमा बहिल हो।

लोक करन धक्त हरें!

धन गःबार भूषंक वरि छान धारुक मा स्ट्राफन, आयहा चारमहिका ७ जाइज्वर्षटक . ८ আক্ষা মেধিতে পাইভান ? রে হস্তরাতে পৃথিধী মেন স্বপাকর ধারণ क्तिग्राध्यम् : गर्वत मकीवका लक्कि इहे তেছে; নরত সভাভা বৃদ্ধি হইতেছে; স र्वत लाहक अपनीत ७ कार्या एक रहेश केलाळ्य नहें स्ट्रेस्ट्र ; अर्था वानिया कारण व केविक छ क्यूनक क्रवानि क त्यांत्र निर्दर्शकं अञ्चलि स्ट्रेक्ट्सः । अन-क्ल कि जर्भूकीक विभाग मूलध्य ७ जा मबासिक क्रिकेश करा नटर । देशकीटग्रह. কৃতৎ সুল্ধন বিনিয়োগ কল্পিয়া ভারজববে त्र अधिकाश्य फाइन खंडमाना विभाग अ জিক্সা করিয়াছেন, বৃদ্ধ পরিয়াণে ভংকা र्वा जनमञ्ज क्रेसा ७ व्यामिसाटक । व्याम नि ि (भंत (भाष्यंत क्योदकत «विच**रञ्च भा^{रक्}। म**ा ৰক্ষাৰ্ক আছে। অ^ৰপ মান্ত লোকে ভত্ত **उन** ७१३व चर्च कत क्रियारहर । हेर्र ब्रिट्श्न कि अथन अ जम्मेटकं बाहेवांत जार छिए व बाह्ने । देहारा अक अक नर्छा य कतिया मूलधन अन्धार भूषीक नावा ८८ লওয়ের নির্কাণ কারে। প্রান্তুত্ত স্**উন**। শাগ (इन उटराइ **जटर क कारणाक**रा काटछ -विद्यानीय क्यांटक्या त्य छक्ष्मभूमात्र मञ्जा क्तिया कुलिएक, काइन्स मकावना भारे तिमाश्रद्ध कि साधकत वाविका मटर शवन्द्रमाणे कामात्रकृत मूदनक्क सूथ हाहिर शाकां भटलेका जकविष्टाः अवृष्टि विशाः

महाम खार के का कर महारा है। आर ने के का कि का कि का कि का कि महारा के का कि का का कि का का कि क

कामानितात त्यत्यत लाटकत्रांबर का 'इ. ९ अविश मंद्रशानकात्रक विषद्य छेनानी म ७ जनमूत्रक ब्रहिशार्टम, जटमट र देशेत कार्यात्रकारम कोष्ट्रकाविक क्रेरवम मत्म ह माहे। दक्ष् क्ष्यू कोई कोईन मिर्ग्यन करह न ता के हैं 'ब्रिटन स्थ्वीकि विसरत मुख्का নাই, চরিত্রগত্ত লোৰ খাকাতে কেই কাহা-কে বিখাস করেন না, নিশস্ত লে:ক জাঞ यां ३ प्रकशः । किंग्रं अ कातन चार्मानित्संत्र লনুলোলিক নতুৰ্ব প্ৰতি কেছ কালাকে বি-भाग मा क्रिटिक्स, अक्षित क्षातंक्रवटर्ग कर्न-म दावजाध हिन्छ मा । आत्मरण अवही अ-िन कथारे जाटर, कूछ रायमातिनिध्यत रिवि या अखातमां कत्रेन, महाज्ञानता क-ाम भगनात ह कुरील्यक व्यवसमा कति-ं लग मा। विद्रभुवका इनामी कन कुछवि-मानालक महसाम्बद्धक विश्वेष स्ताक शास-ानाम । ंदि

व्याम निर्मालकं स्वत्राविक कात्र वरे,
वामनीरमात्रा मानासंग्रिककंत्र कार्या उ
नाम महिन नसूचारसंत्रक अवस्य महन्म।
उत्पासक मान्यक्षीरकं सीवात्रा करकारमाः
लीक व व्यक्तियात्रत्र ज्यात्र कृष्ट क्रम। देशत्र
१९० वहि क्रीहार्तिकालकं स्वत्रस्म १९७, ठा१७, क्रम्य साक्ष्यकं क्रम्यम मान

ে । মোগজৰংশংলোপ। শেষ্ট্ৰান্তের শেষ।

ঋঞ্জিবন্দের দৃত্যুর পর ভাষার পুত্র দেলি-ৰ সিংহাসকো আরোহণ করিরা আহাসীয়া (बाही दे क्रेनंन विश्वयो) हे शांचि अहन क्रिटनन। ভিনি শিভার বোগ্য পুত্র বইতে পারেন নাই। বাজ্যের প্রারম্ভ কালে ডিনি বে করে-ক্ষ্মী প্রস্থা হিডকবকার্ণ্যে হস্তক্ষেপ করেন, ভাষা ভাষার নমুশ সমাট বারা কলাদিভ स्वयां त्रकाविक नरस्यनित काजाकि स्व না ৷ স্বতিপদ্ধ বিব্লক্তিকর গুল্ক, গৃহস্থদিগের बांगिटक ब्रामशुक्रमणितात यसश्कीक बान, म-দিরাপান এবং নাসাক-ছেদনের স্থ এস-ৰম্ম ডিনি এককালে বুহিড করিলেন। ডিনি শ্রেলাদিগকে দদিবা পান করিছে নিবেধ ক-ব্লিলেন বটে কিন্তু শ্বরং অভিনর স্থ্যাসক ছিলেন: গোপনে প্রধান প্রধান রাজপুরুব-দিগের স্বিত্ত সুরা পান করিয়া আবোদ ক ব্লিভেন। বাদ কেহ সেই আনোদ ঘটিভ কোন কৰা প্ৰকাশ করিভ,তাহা হইলে ডিনি দঙাই হট্তেন। লোকে ইফামত রালসাকাংকার ছাত করিয়া আপন ছাখ প্রকাশ করিতে शांत्रित्व अहे.डेस्करम जिनि निष्ठ 'आवान श्रह कर्द्धकश्चिति पूर्वश्यत्र घडोर अक भृथने वस्त ক্রিরা পুথবের অগর প্রান্ত প্রানাদের বহি-क्षीरण अमाजिया निरमन । यात्रात यथन व्यद्धा-কৰ উপস্থিত হইত, দে দেই দুখল নাড়িয়া ঘটাখনি ফরিড, সম্রাট জানিতে গারিডেন বে কোন আবেদনক রী তাঁহার সাক্ষাৎকার লাজার্য জানিয়াছে: ডিনি স্বরং পিডার স हिछ विवास कतिवाहित्तन, धर्म मार्थ की হাৰ পুন্ন ও ভাঁচার সহিত বিবাদ করিতে अक्री करतन नारे । ताल्या छत्तरकत किहू নিন পরে, ভিনি নানা কৌশলে বিখাত হার জাহানের পাশিগ্রহণ করিলেন। মুর্জাহান काडिनम् द्रविषेठी । अन्यकी हिस्त्र । न মাটের সহিত বিবাহের গঙ্গ তাঁহার হরখাহান (जूरनाजााजिः) क्षेत्रिशापि नाज वृद्धे भगार्टेब डेशस्य दौराव विमानक्ष्यकृष दिन्। मद्रारहेत मार्थ्य नहिक्क जाराम् नाम प्रति पृक्षिक बहेन। अस्ताना क्रान्त भेरते जीवांत निशंकत श्वा क्षता मकि क्षिता केल्डा

नारिक गहायन मा कार्यक कर्म कार्यक कर्मायक कर्मका के क्रिकेट कारमक नावि हम । जीवाहर्य कर्मका वर्षेत्र कार्यकार कर्मका कारमक नावि हम । जीवाहर्य कर्मका कार्यकार कार्यकार कर्मका कार्यकार कर्मायक कर्मका कार्यकार गामिक कर्मका करम्म (कर्मका गामिका हम्म करम्म (कर्मका कर्मका करम्म (उ. तक्र तक्र स्टाम्स जीवाहर्य कार्यकर्य (गामान जीकाहर्य

बाराजीरतत शक्त क्रीकी जिले हुन नविरमण अञ्चलीकान, सरेशाहिक के हैं द्धां क्टबन, खिनिश्लेक विका_र नहीं ভৌৰন বৰুপ একখান ছবি ও আইছি विक्रोडिटनन जन्मक्ति विक्रिक्सि **७ वान फून्छ बहुर अवदश्यात क्रिक्** গুলি চিত্ৰ ও পক্ট প্ৰকৃত বৃদ্ধ বৃদ্ধি শাসন কালে কৃত্তিকৰে ক্ল रात जातक । सिविष स्वेत्रां ब्राक्षत कारण श्रीतः श्रीतः श्रीति किंच केरिन वर्ग नके क्षिप्रकाल करिनेक পাওছা বার রা ৷ ক্রাবায় মাজিপ্রাল ভাষার পৰাতৰ পুঞ্চ পর্য এইকি ই आदम जब गांच क्यारेज को बाह्य সাজাহান (ভুবনাবিশক্তি) উট্ট करत्व । भाषासारमा भाषा स विद्वार हिंगा । 'उद्दिश्यम अनिकार शामिना कविद्या मुक्त वह । नामिन 不同语 可证 中部 海南大型新疆 CONT IN THE PROPERTY OF THE PARTY THE राजीकः भागानकः लेखान कंतिरसुत्। विनि এংব্ৰুত ক্ৰমান জীকৰ ক ইয়াছিকেন 🗸 👢 अ जानानाना करूप नृदयः गरमः प्रशासना नारम् अर्थालः विकारिक दरेग । याचार्यस नि श्राम्यकः ज्यानीन परेश छारात राजीर्थ की रिक्ति । अकाशत प्रत्यावान विकारि अंश्लेख-बीतिक किलन । नामाबादनक निष्मी महरू जाक्ष प्रदेशाह शूर्व छहराह हुए का-कांत्र कृतुः दश , जीविष्ठ बांका विद्यार

প্রবৃদ্ধ হওয়াতে ভিনি ভাঁহার আন সংহারের আক্রা দিলেন। তাঁহার রাজ্যাতিবেকের अथव मायरमाद्रिक विवद्यं छैरमय कांद्रवा आय সার্ক্র কোষ্ট মুত্রা বিসন্ধিতি হয়। প্রায় ৩০ वरमञ्जू बीका भागामञ्जूला मोब्याचान करकडे রোগাক্রান্ত ব্টবেল। ভাষার চারি পুত্র হিল, আরওজেন আপনার বুর্বিচাতুরো ও সাবস र ११ शिका च किन बाका नोविष्ठ शंकिएत है ्रहान्द्रव न्यारहाह्य कद्विरतन । निर्धारक रात जानामुक्तवद्रभा ऋच नतित। वाभि ন ১, বছাইৰ্ণালী জ্যেষ্ট আডাকে রণে ^{भि}राभाग क्षेत्रा भर्गकाविद्यान क्षित्रा निशङ् क्षा : विक्रीय क्षीका वलरहरून

कि के कियाँ। मार्कारीय का बावाबर्ड वरेगा मार्क वश्मव क्षेत्रिक द्वित्व । छक्षेत्रकान चात्रकटकर शरीय क्षाक्रि काक्रि । नगावर अवन्ति क्षेत्र करत्व वाहे हे , जीवांचे सांकालांगवणारकः जा-वज्यकि बाहुँका मोक्संब्रहनानिनी परेवाहिन, मः भौके विजनमान निर्मादिक नवरप्र कावून প্রতিলাভিনী কর্মাই। ইতনি ভিন্ন রাজার সহিত वेर्ड्ड्डियां केरब्राइन मिन बहेताहि स्मन किंग केंद्रिय विके शर्दका आहे कर्नन नास्ति রকার ব্যাখাত বর বাই 💢জিনি ব্যানানজ্ हिरमन वर्ड, 'विश्व मिर्ड भानरमः ' पूरे नवरम जानवहिष्ठ हिर्देशन मा । फिनि चन्न १ क्यन क्ष-**अ'ते निर्] इन करतन बाहै। जानाशास्त्रत** ্ৰুজী সৰ্দ্দিশপাৰ সন্নাট ভাৰতবৰে চুট ্রি। ত্রপ্রনিধ মনুরাসন বারা তাঁকরি পত্ন क्रिकात विशासन भतिहत ब्हेटखट्ड । डेक স্বৰ্দ্ধালন বহুমূল্য ধীরক মণি মুক্তালি ছাল্লা বি-**चिन्निः हम ् निर्मा**र्शित राग्न be जक्त होका। अभिनेता जिल्ली रुप्ता निर्मात शहर वर्ष क कि स्टब्स् के जिल मिलीट अक्त प्राप्त मनाम् क्रिकेंग्ने क्रिकेंग्रिकिलन । आहीन नगर् जार्गको वैद्यान प्रोक्त थानाम निमन । वाक लवानि मुक्तिकरूप उरहरे। ववकाछ-प्रकाशी खाइजि हेक्सप्रकी विक्रीत नवाचित्र स्ता जाडामश्रद्धे अस् जिल्लाम वागम निहित्य बहुने देवाएक खाबाएक के जा अभवत । गानको बादको " जिल्लिका च चारशका क्षेट्र अधिकृषि कि बेहिद्वाण कि बातित

कुर्वाणि नवनदक्षेत्रक्षेत्रक भव भाग नामान्त রাজনামার লোকা ছবির নিমিত অনেক व्यर्थ क्षेत्रक्षेत्रिकाहिरकत । फिनि दशन ब्रोका कृष्ण क्या क्षेत्र बहुतान छोड़ां व बनाशाहत वाहि-गक, रक्ट बरलाम खांचांत्र प्रज्ञुश न नगन है।की ছিল : ভাইন ৰণি, মৃক্তা, খণালকার অভৃতি जाम भा बक्ष्मण जवा जोकरकारव मः श्रीक হইরাছিজ ৷ দাজাহানের অধিকতর প্রশংসার दिनम् अहे ६४ फिलि अफ कार्य मध्यार कतियां ৰান, কিন্তু কেহ ভাঁহার উপরে প্রস্থাপীকৃ-নের ছোবাঁরোপ করেন নাই: ডিনি মুডন গ্ৰাভন ক্ষ্মিলেন প্ৰসং কনিও আভাকে বিধ করেরও হাই করেন নাই : কেবল নিয় बिक ब्रोक्य बहेटक कहे जर्व निकित हत । **बहै इन बाजा ख बाजाहे धार्तीय महत्त्रह** नाहै।

আরওজেব সিংহাসনে আক্র হইরা ছলে ও কৌশলে আত্ত্রয়ের জীবন নার্শ করিলেন বহারাষ্ট্রীর ও রক্ষঃপুতদিগের স হিত মুধ্ৰে তাঁহার বছকাল অভিবাহিত হয়। বুদলমানেরা তাঁহাকে মহান্ জাক্বর অপে কাও শ্রেষ্ঠ বলিয়া জ্ঞান করেন। ভিনি শিপা কার্য্যের ও বিদ্যাবিশরের উৎসাহ দাতা হি লেন। তাঁহার অধিকার কালে অনেক বিদ্যালয় প্রতিষ্ঠিত হর। বিচার কার্য্যে তীহার পঞ্চপাত ছিল না। এত্যহ প্রভাবে গাজোবান করিয়া ভিনি প্রার চারিক্ত বেলার মধ্যে সভারত্তণে আসীন হইতেন। তথার স্কল প্রজাই বার্ট-তে পারিত। তিনি সকলেরই অভিযোগ অবণ করিতেন। কোন মরিত্র ব্যক্তি বিচারাখী হইয়া সভার আসিয়া যডকণ আবদ্ধ থাকি-ভ ভতক্ৰ কৰ্ম করিলে সে বাহা উপাৰ্জন ক্ৰিভেণায়িত সমাট ভাষাকে ভতুণমুক্ত অৰ্থ দিয়া বিদার করিছেন। ভিনি বিলক্ষণ দাভা हिर्दात । जिति विदेश अधारतांत्रशीत छी सन्ति कांनामक टेमगानानी मावनी 'कां ভূংপরম্ভি ভক্তিয়ান্ ও পরিশ্রী হিলেন. সেইবুপ বলি উলার সলাশর উলম্ভ ও আদ-অননা গ্ৰীভেন, ভাষা এইলে ৰথাৰ্থ ডিনি धवक्रम द्यानः नमीव महावि वहेटसम् मटलक् নাই। কিন্তু কোডের বিবর্জনী, জীহার করেছ টি বিলেষ লোব ছিল। ডিলি স্তুৰ্ত্ত ক কণ্টক। खान किरमान । खेल्हान 'का श्रीनिक **मामसिक कुर्या**-ा गडा ब्लेक किने दल्या का

चुच गण्यामध्य व्यवस्थ हरेस्राहरमय अञ्चल व. (र, माध्य ब्राया विसंदे श्रेयांत्र एळ श्रेष्ठ कवि রা বান। ডিনি সভাস্ত গোড়া মুসসমান ছি-লেন। হিন্দুক্তিবার প্রাঞ্জি তাঁহার, অভিশন্ত विरचव किया। व्यवहाना मधीरहेद्र नहांत्र जिति **डीहां विभाक्त महोड ३ डेक्क्स सम माहे।** काक्यत छोडामिरभन्न मिक्ट बहुर्फ रव कत-**গ্রহণ** রহিত করিয়া যান, ডিনি পুনরায় এছণ করিতে জারম্ভ করেন। তিনি জানদানি ও ब्रुसीनि प्रवाक्ति छेशत अप्रमान निर्वास अ **भिक्न हिन्तुलि**रगढ़ निक्**डे इंडेर**ळ क्षिक मञ्ज अहरनव क्लारमध राज्य। िश्वकिरशाव भी कु লিক উপাদনা কালে বাহা আহমবের মিচে ধ করিলেন। এই সমস্ত কারণে রহাঃপুত 👁 🐇 ছারা**জীয়ে**রা তাঁছার প্রতিক পাতির বিরুক্ত হটর। তাহার বিরুদ্ধে অল্লখারণ করিলেন্ড ভিত্তি কাছাকেও বিখাদ করিজেন ন. 🔻 দেছু জীবার দ্রেনাপতিগণ তাঁবার প্রতি 🕸 इक रहेन्। वर्षाविधि ज्ञालन ज्ञालन सक्ता क ৰ্দ্ম নিস্পাদন করিভেন না। এই দোষেই ভিনি কাহারও ঐতিকাতে সমর্য কর নাই। প্রভার-ণা ওঁহোর আভারণ ছিল। সাহনী হইছা একপ মীচর্ভির বশবদ হটুতে আরু স্মাহাকে লে-খিতে পাওৱা-যার না। ভাষার ব্রাক্ত কা লের শেবানত:য় তারার অর্থের এঞ্চণ ভাগ-লতি হইছাছিল বে তিনি রীতিনত সেনাদি (शतु (बज्जन कारत काशतुःश इहेब्राफ्टिसन। গালাহামকে যে কপে ডিনি বান্ধ্যয়ত করেন পাছে তাহার পুরেরাও তাহাকে নেটৰণ ভুরুষস্থানিত করে এই আশকা ভাঁহার স্বসংহ महा कांगबर किया अहे अकांत्र रहनात ल्यादक " भारभेद्र कन " करहा वांचा कंडेन **अहेत्रारण १० वर्शमा ज्ञाकरवर्त्र गत्र किनि स्मर** পরিত্যাগ করিলেন। তিনি আলমনীর উপা-वि धार्य कतिशाहिरेलयः अहे नवस कारण जना तोच वस मुनममोदनमा कि विदिक्त का-कर्म कारशका दशके काम करते।

भूषकशीकि ः।

व्याज्ञेषा वृद्धकारण महकारत व्यापन करि-रणिक कि विभिन्न पूर्व मानि एकन शहर क १ और इ. का यो विशेष के क्षा के विशेष ।

১। নিছুলিয়া নিবাদী জীযুক্ত বারু বোব্যাল্যাৰ চটোপাধারের হ'ত বাললা বজুতা। নত ১১ই ভিনেবর বে বেলুন স্বাক্ত হয়,
বীসুন্ধা বায় কিশোরীটাল নিজ ভাহাতে এ
কোনর প্রীনিক্ষা বটত একটা প্রভাব পাঠ
করেন, তংগ্রালক আনক বক্ত্রা হয়, এ
বক্ত্রাটা ভাহার অন্যভর। বোনেক্র বারু
সমরোটিত ও সুন্দর বক্ত্যা করিরাহেন।
ভিনি বিবিধ উত্তেজনাবাক্যে এভবিবরে
বিন্দানীর্দিনের উৎসাহ বর্জন চেটা পাইরাভেন কিন্তু বছকালের অভ্যংশাহ দারা ইতাদি
গোর ক্ষান্ম এমনি শীতন হইয়া নিরাহেন বে
ক্ষান্ম উত্তেজনা বাক্যে উষ্ণ হইবার স্ক্রাবনা
নাটা

३। डाका (शानन विन्नानदात, शिक्ष तिवृक्त वाववहत्त इटडोशाधांत श्रमीक कातक श्रमक । दिन्दू मूजनवान क देश्लाकविद्यार्थ मानन कादन कातकवर्दन्त द्यान कावंदा हिन उ बहेशाया, हेशाया कावात वर्ग कहा हहे-ग्राया । अश्रमकीक कावात वर्ग कहा हहे-ग्राया । अश्रमकीक कावात वर्ग माथा व्यक्त म नाया शिक्षं हत्र । अवस्त त्रहसिका नश्यम्य अश्रमवाद काद्रमा आत्रका करिया देशाक्रमणा आत्रमंत्र काद्रमा कात्रका करिया देशाक्रमणा आत्रमंत्र काद्रमा कात्रका करिया देशाक्रमणा आत्रमंत्र काद्रिया हमा। त्रहमानिक मत्रम हदे ग्राया ।

বিবিধ সংবাদ ৷ ১০ই পোৰ দোমৰার ৷

নির্নীগেভেট বলেন, চিহ্নিত আসিহানী সর্জনেরা আপনাদিগের বেতন র্যন্তির নিনি-ও গ্রবংসভৌ পুনরায় আবেদন করিরাভেন।

उक्त मन्यानम् आरत्। बरम्म, नवर्गत्मे उक्त गन्धिमाण्यात बाम वक्त कतार्छ छवात्र मिन्द्रार्थात् आकार्य आज्ञानिया मिन्द्रार्थाः आकार्य आज्ञानियात्र मिन्द्रार्थाः आग्राम् स्थानियात्र मिन्द्रार्थाः स्थानियात्र मिन्द्रार्थाः स्थानियात्र मिन्द्रार्थाः स्थानियात्र स्थानियात्र स्थानियात्र स्थानियात्र स्थानियाः स्थानियात्र स्थानियाः स्यानियाः स्थानियाः स्यानियाः स्थानियाः स

नेपार्शिक विन्द्रभागी। वहनन, अत्याभाउ व्यथन कविभेनक वैदेशिकाक भाटक प्रकृति। লোগ্টমন্ট প্ৰপ্তিয়র পর্য প্রা হ হট্বের। ডিরি ঐ পত্তে মিনুক্তা কট্রেন তত্ত্তত্ত্ত লোক্ষিপের আহ্বালের পরিসীয়া থাকিবে না। উপ
যুক্তা বোক উপযুক্ত পদ পাইজেই ভার হয়।

দিলীটোভেট বলেন, পাতিরালার রাজপুত্র যজনি প্রাথবয়ত্ব না বইবেন তভ দিন
গাংশদেউ হইতে নিযুক্ত এক জন ইউরোপীগ্রের হতে উবার সমস্ত নিয়ের ভজাবধার
ভার সমর্শিভ থাকিবে। সেই নিয়োলী বেন
ভারার বনভরের আর একটি বারস্কুল না
হর।

সংক্রী প্রচেশের জন্তঃ পাতী বোধপুরের এক জন গড়ান্ত ভাগুকলারের পরলোক প্রা-প্রি হটলে উব্বার স্ত্রী সহগননের উল্যোগ ক-রেন। পুলিস কর্মচারীরা ওঁহাকে হতকার্য্য হইতে দেন নাই।

সোলাপুর হইছে হারম্বরাবাদ পর্বাদ স্থিত ত্রিকার বিষয় করিব সাধ্য করা হুরাছে।

গত শনিধার ই 45 স্বিংটন সাহেব বিলাভ হইতে প্রভ্যাগমন পূর্কক ভারার নিজ কার্যভোর গ্রহণ করিয়াছেন। ইডেন সাহেব-৫ ভারার পূর্ককর্মে নিয়াছেন।

হরকরা সালাদক বলেন, বক্ষণের এক জন অচিহ্নিত সদর জামীন আপন কর্ম বধা বিধি সালাদক করিছা পোলন সাইরা ছিলেন, পোলানের টাকার তাঁহার পরিবার ভন্ন পো বধ না হওরার প্রথমেন্টে আবেদন করেন। গ্রথর তাঁহাকে জন্য এক বক্ষল কোর্টের উ ভীলের পদ্ধ প্রদান করিয়াছেন। এই স্ববোগ পাইরা জপর পোলনধারীরা গ্রথমেন্টে আবে লল করিতেছেন। এই ত রোগ।

গুলা বাইডেছে এডজেলীয় সমুজি ব্যক্তিরা বার্ জয়ক্ষণ সুখোপাখা যতে সুক্তা করিবার উচ্চেশে লেপ্টন্ট গ্রন্থরের নিক্ট আবেদন করিবার চেঠায় আছেন। এখন চেঠা সম্মা ক্টবারও সভাবনা আছে।

विष्ट्रशिष्ट वह रामम, धक कम अवश्रमके कर्षामी धने श्राचान कमियारकन, विष्य नाटक लग मार ना स्टेश गाल श्राच्यम द्यान वाटि वह, नियकना गर्धास नमस बहेर्ड क्रिके व्हेशन क्षिकारम्य स्माहकक जानक बाकु-निमालके

केक गणांत्रक जार्रहा प्रसंहत हैनेहें के त एउथ्रा जय गार् कानीपुत्र, विश्वहरू যাবুৰবীনক্ষণ পালিকে নিযুক্ত ক্টেম্ট্র নীলকর মহায়তিরা ইহার **এতিও আন**ম म । गवर्थद्वरकुष क्रिकि क्रिन क्रवाब अक् नीनकत्रमशंब क्रकटक शक्तिका अवस् চাকা প্ৰকালনৰ খুলনাত্ৰ সংবাদ লাকাঃ ন, ভত্তা ব্যবস্থানি চুৰ্মান জিল প্ৰ রোগধারা গোহত্যা করিতে আর্ভ ক্র त्र अन पन पुष स्ट्रेशांटक, अञ्चलकात संद्री লে অন্যান্য পাপীকারাও বৃদ্ধ প্রইচছঞ্জ गर्नरवंटकेषु व विवंदय विद्यालय রা হত্যাকারিবিধের জিল্প कर्तना । जानद्र। घटना महनाओ धारन करिया शाकि। अ अधीर्य क्रम में के

ना अवे श्रीय व्यवसाय ।

गांत्र व्यवस्था विविधित का विविधित करहा। वर्षा वर्या वर्षा वर्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा व

পুনা স্মৰজায়নত্ন বলেয়া, লোকাপুরি, বেলুসী ও গাৰওয়াতে গোলাই ব্যাহ্যের সংগ্রাম নং-থালিও ধইবায় কপ্রা আছে

निवर्णाक एवं क्षेत्र, क्षित्रांकाः क विद्यां ना प्राचित्र बक्षीरक व्यक्तिकारमं स्व नक्ष्य क्रा-राज क लीका व्यक्तिय का अवस्थानम क्रि-रिव कारात्र क्षित्रमान्यम व्यक्तिना ना मिटन नाक्षित्रम् क्षेत्र अक भक्त होका क्षित्रांना क्षित्य।

विक निक भाव परमन, त के गुरू भा-त्यांचीताम श्रीकृतामी शिखात गृहाविन भा-स्था क्रिक श्रीकृत श्रीका श्रीकृत श्रीकृति क्षरम भग्नम के द्विगाच द्वांचन क्रिक कृषि विकृतिरगत रिज्ञदार्शनक क्षयाञ्चलीता विकृतिरगत रिज्ञदार्शनक स्थापनिक्त क्षरिकृत क्षरमण स्थित द्विज्ञक संवृत्यस्थानी-क्षर्ण विक्राण रिज्ञाच स्थापन स्थापन स्थापन

क्षि क्रांस जीवा आब मन्नत कतित रहत। कार् छ नवीन । क्छे वेशा बुवर्णनिरशंत कार्य कि छेलक्ष के छेलन स्वाद्ध क्षेत्रकल वहेंगाँउ नरक ?

কলিকান্তা বেভিকাল ক,লেকের প্রিণি-1 1 S REPORT हेरे विनवादन अक. अधि कांच्य कवितारहन। 3 (3) र रहार के सिका का। वर्षादर त उक नारमदास्य नेत्रका क्राइनच साटबंदा त्यान एकत संक्षा निर्मा के का बनाब विद्या हिए वहे शा का क्रिकेट के किया है के किया है कि कार्य दर्भ का कार्य नदगर का जिल्ला का कर्त इस्ति क्रिकें जावाविद्याद्व यह त्यांच তেছে, পৃথিবীর সকল লোক চীবস সাহে-वह आहे जहरू कार जरहर, अ क्यांत्र कारी का विश्वास कतिरवन मा। से शख थानि श है করিয়াই ভাঁহাখিগের ঘবে এই ছাট আৰু क्षित्व क्षेट्रेट्य (कःविमा कान्नर्थ कि त्यव कार्यास्य কুমন্ত্ৰণা কেন্দ্ৰ? আশ্ব মেজিকাল কালেকের ছা-ব্যেরা কি ছুক্তপোন্য বালক বে ভাহারা পরের মুদ্রগায় ভূলিয়া ভালবাদিগের ভাবি শুক লাডের আনা পরিভ্যাগ করিবেন ?

>११ दिलीय पुषयाताः

আমরা এবারের বাজালি পত্র পাঠ করি হ! অভিনয় আনক্ষিত হইনাম এক্টিক্টি बरमन, परमन्दिरेखके क्षानिक नीकि কালীপ্রসর সিংল ঐ পত্তের প্রিক্তি TO THE REST PERSON आश्वादि मान क (व में कि कि कि कि स्केट्य । कालीश्रमत शत्रुव कुना नेश किटिंग শ্ৰাতা দোক অতি অপ ৰেখিতে यान ।

্রীনদেশ ইইতে সহ'দ আসিরাছে, সম। क्षेत्र भएक कर्म सुविध क्षेत्रहरू । विद्वाकी-त् मार्क्षद्रं नियते परेएंड आहम कविवादक। रिम्मानकम ब्राम् किन व्यवस्ताध कतिवात छ। हा লে একর হুইতেত্বের মুক্ত স্মাটের অন্থ कारात के विदे नवी जिल्हारन मी जू रहेगारह। गुमारकेत त्रामांभून विद्वासिकिरगत रख करे. एउ निकरणा अहम कृतिसाद्य । 👯

freig gr wiffe ? Big nare Gigwalla

>७ है *श्रेश हरू*क्षियात ।

बानारमात्र व्यक्तांत्य बरमन, डेक दान अकरण ५,२०, ६०७ मालिय वग्छि मारह। हेरात ब्रह्म ४५७७ झम हें ईद्वाणीय. ३३४७ किदिकि, ४%, ४६६ विष्यु ६ ७३,३६७ मूननमा- । कतिबादधन । न । छच व चहेमानि हैश्यामी नव्यामणा क्षणाभिक इस्र। भाषा द्विहेन एदा वहेन व मशरत्र कारा अभिन्ति श्रेटन ।

कांशिक स्ट्रेंट व करतक का एउ है है রোপে यांग की इता कलारखत्र श्वन्यस्थ বলেন জাপান ছইতে ১০ জন ঘুৰক তথায় বিদ্যা শিকা করিতে বাইনেন , বাজা তাঁহা-निर्वात क्षाप्त जिस्ता अंकाता अञ्चिता अहै-मा सरमजीय अवर्शनार्गेत्र विदश्चनार्थाः कार्या नियुक्त कडेटरमा एदाभी मुमाडे जरमण · स्ट्रेट श्वकतिशत निष्यास कृति विमा निका कताहरू कहिया बाइरङ्क । जाना सित बाका ७ अधिमस्य दुकिमछा अकाम कति-रमम । छात्रखनमीय अवन्यारि स्मन हे शामिरगात्र पृष्ठीरखन अक्रमत्न कतिया अद्यानीविधितन हेरलक नेहर्मत शर्भ यूक्त कतिया। तिरु

हार्थक्री किनिद्यम बरमम, मध्यक्ति ब्रोकेन ক্লিট্টিক পালপাল আসিরা অনেক শস্য বিদ-

🏨 ইট্রানিউস বলেন, আসাম, কাছাড় প্রভূ क्षिक्ष के जन वर्ष क्षिए भारत कि अस्ट्रेस नत् धरे अक्त क्षाणी क कवितिष क्षेत्रभाष्ट्रीकिक स्थाद्या मनिश्रद्धत द्वितिएक ভাক্ত ভিলিম্ন বলেন, তথার বিশুর প্রশন্ত ও উর্বয় উপভাষা কাছে। মণিপুরের রাজা करत्रक समरक कृषिविष्ठा निकार्य से स्मरण क्या त्रभ क्षिएक हेक्क क श्रेष्ट्राटकम । खबात ज्यासक বুলে। টা গাঁছ আছে, বুবরও বিস্তর লভে। তুতত্ত্বৰ ৰশিশুৱে যে জৈকার বর তদপেকা यमप्रतानत स्थान म्हारन मिथिक क्षेत्र मा। कडी कतिरत का दिक हा ब्रेस्त क रहने में তে আনিতে গাঁৱে 🗗

अनास स बाहिश मिंक भागात हिनिसांक र ज्यारक। अभाक्षेत्रां जानेत द्यान्योति विक्रही कामदा यक कामनिक महें मान, कारम निमा कात नाकिक कहितार मेंने । संभीत नमार्गेश करून कि महकार्य के से के

रहेट अब जाद जाहे विदिश्न भवाई आर्थि-**ब्बाह्म । जारा बहेरम अक वश्नुरम्म बर्ग** १००० क्लाम किनिजांस कहेर्य। सुनीय शय. र्वायक निरम २००० क्लिम नेवास किनिश्च क

वक्षणाहे (हेर् अक स्रम शब्द (श्रद्धक बर्गम इस केत बीटि भवात चाटनत नाथ कात्रिया हा বিদিয়ে নিজুত ব্রয়ায়ত নিকটন্ত খু স্ ক্ষেত্রের মহতী কতি হটতেছে:

३०७० करान निरम्नकीरण विश्वक्ति गक লোকের সংখ্যা করা হুটয়াছে: ইহালিগের মধ্যে ১৮৭৮ - জন ভারতবর্ণীয় মজুর তথাষ ১०७ कि शवन्द्रमञ्जे विज्ञासम् ४,५० १ अस्य काञ्च এবং ১৬११ 🏗 काञ्चतना आंश्व निष्ठानत् प्यारह ! वक्रमादन हान्नि कािं लादकत वन्नि उथां भि करमर्थ नवर्गस्य होत्र कह विमा मग्र

क्षित्रीरगरक्रादेव कार्यमञ्जलका मरवाक प्रांखः च्टलन, ज्याम'त्र लिखिनस्थल भी दरतादेव ह-कृष्मिक विरम्बद्धः श्रीष्ठष्ठि यात्र अवश्य क्रम क. ব্লিয়া শিবির স্থাপন করিরাছেন যে নর্গত হয়-एक क्य निर्किट्य वर्षिनंड दहेरक शाहितक एक मा, नगरतूत्र भर्षा निमक्त थाना कडे स्टेन्ट्र , ভবাশি ছুলভানজান আত্মসমপণ করিছে हेक्कुक महदन ।

नरामादात शंकिम विद्यारी र श्वीद वाचातात्र द्वामा छेन्द्र धारमञ्जू यावन्त्रीय ध्वारमञ्जू ध्यान विजडे कतिवार्त ध्याधना करतन। राकित करतक स्थम अस्कि अफिनिधि क्रिया ब्राजात क्या शास्त्र। क्रिएड ' ट्याइन করাতে ভুপতি আংমার কারা। রবিত ও कांकियरक एक च्यका अ शाहिएखांनिक किया-टका ! निवास हैटकोमा किविना आनिशारकन

्र प्रविख्णक्ष्याम्बास्यात् स् व्यक्तित কালাপুন্তিন টোনটোলে ক্ষড়িশর কাষ্ট্রস ও জ. **प्रमात्र । क्षेत्रपंत क्षाहरू । प्रमात** केशास्त्र क्षमायाम् । व्यक्षायास्त्रक्षामः । अगाम 李信前在8月: 1 有时间,**向**时间 第四面)中国国际中心 महान्यमा करतक वहन्ति हैत्र धीतकियक नती ह मुन भारतक का समित्रक मार्ग अवस्थातम काना Almain at most softwar my my me person i



THE PERSON NAMED IN COLUMN 1 COLUMN 1 (4011) THANK WHATCE DE MIN. (शह कार कार अर्थ औरम अर्थ चानि हैं सामी लाहां का क्षेत्र करें। यह काशक हा किया पिवाब मैंबर्ड कार्र्डिन विनेत्रार्ट्स के किछात रेडर विकादन वर्ष आशास आदह ता नम्-ए। इ किनि सर्थ केतिएरेन। ज जीवार्व पूर्याना दथ महत्त्वह महि।

इंश्वरक समझन फेडिया है नद विके त्रास-ে শীক্র ভারত্বনীয় প্রধান সেবাপতিস্থ াাগ ক্ষিতে হইবে। আয়ুও জনক্ষতি এই, টালভীয় যুখনংক্রান্ত প্রথানত্ত্ব কর্মচারী শ্য জর্জ বৃহদ গদত্যাগ করিতেছেন, সরা া-इतन केंख जीवाद कर्यों व नार्ज आनियन अब हारत्म कराइन कराई जिल्ला कहेरवन। াৰে কি ইংলপ্তীয় লোক দেওসাহেৰ ও কয়েক धन चार्थभद्र हेडेटबाभीय भीतकरदद्र कथाय विद्यादिक स्टेबाद्यम ?

সম্প্রতি নর কিট রোজ ইরেপ্তলর অখা-্যাহি দলের করেক জন আফিনরকে সভ দি ग्राह्म । जीवाता द्यानात्त्र विकितिरंगत निकार कर्फ कतियाहितन ।

হ্ৰকাঃ ৰলেৰ, জেনন নামক একখানি सारास बाजारेक्षत्र पुष्ट्रेट्यान উत्तरत मनुद्रम मन इडेग्राएक । अधिकारण जब अवर नाविक ख 'आ'दारी ब्रक्त भारेबाद्रहरू ।

, ১৯4 (१ व खजनाद्र ।

शवर्यन है है कि निषुत्र खेडेममन मारहरूक भिः लाहर स्ट्रेट गंजा नवास देवरेन ध्रव कर्तनात् व्याच्या विदारक्ति । शतिविद्धे भाग भावभागि कहाँ है। है हैएएना । वस्ता अन-শাতি শির্গোর ३ ই তে পাল। পর্যান্ত রেইন ╌ া ব্টবে ৷ তাহা হট্লে কলিকাতার পাল अकर्भा क्षेत्रा **शक्तिक मरम्ब** नाहे।

हे किनवास बरमन, ब्लामा व भागपा "। देशना **या बहादाद अ**निमाया ज्या अहरी া-বশঃ অধীনজা ছীকার কয়িতেতে । বংশ ব উ আহমর সন্ধারের। সেনাপতির নির্ দ বজি আপনা করিয়াকেন।

উত্তর পশ্চিমাঞ্জের তলাব কবি সংলোধ তপধানি পঞ্জ বেজেটে গুকানিত হইয়াছে। তদার, জানা - গেল মিরাট ব্যতিরিক্ত অন্য

काना-कारण (सामार्थाक कुना काविद्यार । यात्र विवटनत मही (वासीय के इक बादशंक मेटना कवी बहेटक कमिनाकाव ১. इंक् 'बंबर्ड सर्व खुशा आंत्रिशारह । এक खुके-मुखर्बर्ड इंड्रेमान क अरू नदारस्त्र बरम् विक्रेप्ट्र वर्ग कूंगा चाना वरेतारह । जनरकत्रा ক্রমণঃ অধিক তুলা উৎপাদন করিতেছে। ভারতন্ধ শীত্র জামেরকাবিরহ জোভ নিবা রুপ করিখেন একণ বোধ হইতেছে। কটাট্ট विन विधिवक कड़िया इक्किन्नरक नाम कड़ि-यात कडी यति का यत्र निःमरमञ्जू देहेनिक

दश्य निर्देश मुद्रे क्ट्रेस, मार्ज शायत्रहेन লেও সাহেবকে কোন উপনিবেশের শাসন कही क्रिया ध्याप क्रियंग। अवि छेन निध्यम जाबाद निकाय कतिया न। मिरन किञ्च উৎপাত্তর শান্তি হটবে না।

८ हे देनदक्ति विक्रिया मुक्त दाव মব্য দেনাদলে বিভক্ত করিবার আজা দিয়া

মাপেউরের মন্ত্রদিগের পহারতার ক্ষণ্য के मशदत जन बाक है।का हाँका सहैग्राहर। লণ্ডৰ হইতে প্ৰভাষ ৩০,০০০ টাকা ৰাই ভেছে। সকলে অহুবান করেন, বড়দিন পৰ্যন্ত এক কোটি টাবা সংগ্ৰহ হইতে শারে। এবিবরে ইংলণ্ড অনিতীয়। আমাদিগের त्मभ बाद्ध छेरमा हरेखाइ, एतु (सर्च नी क्छ है;का ज्याम स् इटेन।

सक्षत्वत्र द्वायकीय विष्ठातालस्य धक्षि আশ্বর্যা হক্ষম। হটয়াছে । অর্থী সাজেট লোবার এক জন বারিইর, প্রত্যথী করাসী গ্রন্থেন্ট। যখন মত্রর পাবসিনি লগুনে কয়।-শী দুন্ত ছিলেন, তখন ক্রামী গ্রণ্**ষেটে**র সহায়ভাব জন ২ি এণিংগল নামক সূত পত্রের সম্পাদক জ্বান্ত্রকে তিন লক্ষ টাকা । ह्रदाः कथा इतः कार्यः जानिक क्यामी স্থাটের ৮% সম্বন করেন। করাশী গব-बंद्यके छिन हाक होता भिन्नाहित्वन किन्छ दम हे का नामा हो उ किवारफ भोनरबंद रेख ৬•় -• মাত্র পড়ে। তিনি বাবি টাকা পাই राज अन्। नातीन कत्रिप्राट्म । बाक्समात्र কারণ ইংল্ডে হওয়াতে তত্তা বিচারালয় मञ्जू शतिनितिक (धक्रदन क्यांभी तम ब-

बाटक्न हेराक अभूकाय व्यवस्था তর অভুন্ত এই বে ধোৰমুক্তি ষাটি হাজার বই পান বাই া 🧌

नञां कि करवन जन हेडें। नीकी हेट्क वय कब्रिवाज क्र**डे**। शह । क्र তৰ একটি রাস্তা পুলিনেন ব্লিয় करतम । अक्षक भनित्रं मण्डस्य स्व 🗟 त्र निरशंगन जानिक इत्, क्षांश्राह পিপে বাৰ্ম্ম রাখা হইগাছিল। ৪০ नीय १७ स्ट्रेबाट्ह।

প্ৰিল ভাল্ডেড এীলের লিং লেন না বোধ হইডেছে। ইংলঞ্জ ত'হাতে অমত। <u>কুলি</u>ল ও <u>ক্লু</u>রিল বাদ করিবার সভাবনা আছে 🖔 সের রাজা হইর: গ্রতানকে জীয় র চেটা না করিলে ভাঁহাকে আহি रहेटर । हेश्मध खाँचादक करांच्र क्षेत्र সাহায্য করিবেন না।

' बाज्रांक हे।हेंबरन्द्र नन्नीहरू ' मृद्रा परेशास्त्र। हैनि अक अने छेशव पक किरमन ।

টাট্যুস অব ই,বিয়ার এক অম পঞ্জ বোর क वर्रान, मांकरण्ड हेमान चीत्र सारकार बन्त-त्त्र छ्विभात जना नमूब कृतन अक्कि भक्ष (পিয়ার) করিতেছেন। ইবা ব্রিক্স ক্লান্ত দানা ইবার ও নগর রক। করিবার একটি উত্তর উপ। य । देशांन जिमिल क्यों हि दहेटल क्ट्यूक जन मत्रवद्वात महेवा याहेरकरहन । वानिका विवदम भक्षत्वेद्व हैशान क भागाय**ावरमञ्** द्वा**का फा**हिल वाय भएका विथा, । महेबारक्रम ।

लिक्नारहर मोक्षारकर्त्र सनिक महाध्रक्षरित्रक 'अधिनम्बन शटबंद फेंड्स' विद्योदहन। किनि ব্যক্তি ব্যক্তিক বৈত্য ই দ্বাপীর দিগকে प्रात्ति किरश हो**डे** साथित। समञ्ज बुकिसा काव्य क. রিবার অপ্রেরাখ করির।ছেন। কাজই কর আর সর চারধন উত্তকে ত ড়াও গবন নৈউ करे क्रिविन विधि वस कविष्ठ महिमी घरेरक मा ।

সম্প্রতি বেহার ও কাশী হ'তে বিস্তর জ किरकंटनय किन्छ जाभियाद्य । त्वारखंद म ভায়া ও সেত্রেন্টারি তাবা দর্শন করিয়া থা-नश्मा क्रियाट्डन । ममुनाय छोटन द्वांत्रिक-क्रेंट्व। हीन दिन रहता अक व्यक्तिस हैर. সম হট্যা

a পৌৰ শ্নিদার !

कि वालम किलिका इहैए াখ্ৰ শক্ষাট ১৯ খনীয়া পিহাছে ীয়াড়িটিউ বিশ্বর নোক তথার িশকট য়ালি সাতে ডিনটার স ह स्त्र । देवहेश एएश स्थामा ७ अ-• কালীডে প্রায় ৪০ লক লোক

, १ ६ + वरमदर्शेत घटवर उर्वास ७७ बेड इन बाई। "

हि जारहा बरवन, मध्यद्वित भिल ्रिश्व बाग्न मांछे । अवर्गत टक्कत्रटल • প্লাৰপুতনার হাজায়। নিমন্তিত

তিজ্ঞ কাশীর সংবাদদাতা বলেন, শাতী গুটু জন ইংরাজ আ-्वदश्यं कतिहा नगरवत हज् किरक ''ছিল, তাহাদিলের মধ্যে যে ন্যক্তি ্ৰহাকে স্বশ্বংসর জার কয়েক জনেত্র ্সের করিয়া নিষ্টে হটটাছে। বচা-क्तात करे कार्य याता निज अध्ययः वियोदक ।

विक्रिक्स सरका राष्ट्रीर है छ। चारतब विशासिक स्मित्र इहेर्नाइ । अंशाह जेकी ল উত্তৰ ৰাপে জনী। পৰা সন্ধি করিবাছের। ! , , दरम्कस दाल्य , ६६०० मृत्र मानगानाप्त ক্ষীত যহৎ থাকাতে ভাষার মৃত্যু মুট্টাছে। প্র ণ ত গোলয় এনত প্রহার হয় নাই। ফালি কেন ভালেশন করেন এই ছুর্ন্ছের দুই বংগর . भाराज्य इत्रेटवा क्षणा या देन । এ जिल्ली समिद्रश्चेत भाग हे मेराशीमधिर भग्न निकट है क्या क

কি বংশ্য লোকটা: ইমিডেচ্ছে •

নেজর পোণ নামক ভারত্তনগ্রিললের একজন আফিগর এমলি ন'নে একটি অবিহা दिखा युवडीरक वर्ष क.ेरा क्रिव न जिला जा ধনার গুড়ে লাইনা কিনা এখন্দ। সুরাকান কল্পেট্রা ভাষার স্থিত ও প্রেল্য বরে , প্রের किस्त नरेशक्यांत्र (मण. १, ४ . .

র গর্ভ একটি মুক্ত ক্রেড হ करहक जियम डेक्टइव नावि वर्डेवर्गाह তি ভাষার পিত। নালীল বলি । তে आब भाड क्या ब्यादिक स्टान हा: त्रव रहेदर । जे **बटलक गर्शमा**भागः अन्य "विएड एम मिलास्त्र वाद्यं 🛊 सम्बद्धाः में दर्ग मानामहत्त्व हर्गात्व ।

ज्याति ।

ালকৈ উন্নাৰীক বিভাৱন কেন্দ্ৰ বিকল বৰ্ণে কেন্দ্ৰ विश्वतिक (क.क्षेत्रमधिकार्क एक मार्च । क्राव्यति । था कथामात हर अन्तियानी व तमानन अधानर बर्वेटक मीबिटकाइ वा । रिन्छाबीनः आणमानि (नेर मिन्द्र वेश) वर्ष क्रिक्ट । जावाहा मिनिनिनिक्र अंभ्यू में अक अन्य का छी व कड़ियान शास्त्रकां क्रिका व्याप्त क्रिका विकास क्रिका व्याप्तां व स्थाना के कि के छ है जिल्ला श्रव विरामवाहर (मारवाक - एक: मात्र कांच वित्रक्ति अकाम कहिः **उद्या**त । , ,

२१म महरबार म निष्डेयुक विकियान निष्ठ ছবিয়াছে, আলেবাম। (বিজে'ছিদিলেব যুদ্ধ মাছ্যা) ছাবাবে লুং চইতেছে, ত্রিনিভ कारत्रिका कथन ना कथन है लट्टर निकटी क्रिश्चेद्रव कदिया लाहेरवन । मंत्रापति चर्छिङ विथानं व्यक्षिक क्रिक शांकित्य ता। विद्राराभव मन ৰিড যুদ্ধ উপস্থিত ষ্টলে ইছ ব শেষ চৰলৈ : আপেরিকার বিশালের সমায় ইংলাওের যত माशा करमांगमा करियारहर, दवर एक मिन अक्रम स्नार्श्यक, नश् वीविष्ठ "किरवन, एउ बिन हे लए देशद क्या चित्र कहेरवत । (भी-निका इहेटच स'लिएडीहा अधिक अक यान्त्रीय बांश्य पूज नहेश, याहेरङ्क्रिल एक्षा व्यापन-दिलांस अन्त्री का,कांग्यत अ'त, धड करेगा छ ।

निटिवेग्नक्षी २२ श सत्यक्षतः। **त्रिम श** खिलयसत ্ৰেডাবিক্ৰ্ৰথেৰ মিউনিসিপাল কথিচাবিদি ণাশ বিজেপিরিবের সভাষ্ট। করিছে নিবেধ ও উ/ছাৰ হুল্তে নগৰ্ডি বন্দৰি। কাৰ্যন্ত ৰহায়া-रहम । विकेशितिकार्य श्रीतशास्त्रः केलाका বিজেপ্তিদিশেষ -ছেয়েভা। করিলেন না, কেন্দ্র মগ্ৰটি জাণীন ধংখিবেন। সেন্পতি ভাঁছাছি-। शत्म विरम्हमार समा ५५ चरिका रामग्र एएन ছেৎপাৰ নগ ল ধোম, নিফোপ কৰা এই ভাছে। ল্লীকাক 😼 শিশুদিংকে মধ্যে ভাগুৰে বিনিত্ত এত মলে মমত লেওয়াতে মানেকে মস্ভুট চাই রুছেন। দেনাগতি লংকিট নগ্র অভিনাদ कतिनांत समा नगानत निकार हो जिल अहि 到: []

গ্রানেটের সেনাস।ত্রাপান হক নম পার इन्डिल म शार्टक, ब्रेडि है। ये म दिश्वाकीय महस्रव क्षं क्षिति कामाम क्या है होतह । अवर्ग अपने व रममाबः कालकोर्य चारहा (मन्नाविद्योग ওয়াল জাত্রমন কি কবিকেছেন "মে" পিও জানা। যায় নাই। নিমিলিপাৰ নিকটন্ত থেলিভিত্ত युक् व हेराव मन्त्री महारतः, धक नाक्षत्र ६ व्यक्षित शव रिमाणे रमना भी क्षिक ४३४.८६ । मिक्किय निकारः य भाग स भाग रामल दिन करि गर्छन राहकण भारत्व प्रत्या दिशास ह शरक প্ৰিড, ও ভুংস ৭৫,০০০ লোকেব নৃত্য ক্ট-

नत्र िक्क.स न गः (छ मिडें-ইনকে ভার।র বিচার চলিতেছে।

मधन १०वे जिनम्हा । भारमहिना १ फ्रा

and the state of t < । अ क्रमणाच्च नागानाः चरिक्रमत्र बाज कक्का 5 काशक व वालि अक्स निवकी वर्षेत्रेश्व

मधन ०५। जिल्लाम् । महन्त्राकेष एवर्ट । केन काश करिया (क् ए दिनम् वर्गरक मुन्तक क्रमधान क तिर्द्ध मनश्च क त्रवार्धन । युद्ध क्षेत्र वा निक्षाः बना आहा। क्ष्युक्त निक्त्र नेभ छ तिह्मा छन मध्या विद्वार विकास व अवस्थित सम्बद्धा लांडाहा विकवर्त नवेड का क्रमन कविवाद खेटला:-গ করিভেছে। মালিলন নিউইরকেপায়ন করিন য়া অভিশব্ন সমদেরে গুড়ীত স্ইলাছেন। ইউ. বোগীর মুলগনতা মর। রিচনাও বিজ্ঞাতি দি-জের বিশুর কাগত (গ্রামেট) ক্রম ক্রিছেন, নিউইচুকে অমত মা অমতি সভাপতি ভেনিম দশ লক্ষা বস্তা তুলা বি এ ক্ৰিডে চাৰিয়াছেল. গ্রীসের যাওড়ীয় লোকে শালকুমার আলকেছের দি হামন পাজি বিষয়ে ভাগ্ৰহ সহসায়ে স্মৃতি দিয়াছেন। রাটেজি মন্ত্রি সম্প্রদার লদ ভাগে करियुद्धाः खुनायः प्रवृद्धाः स्वाधि निवातः व ये मारके केटब्रामा है। ५० मुख्य है। ५० मुख्य है। ५० ीमा व्हेयारहा २३ जन क्लांक राष्ट्रक तांचात स्मार्क अवस्ता अवाद क्यारिक मेड वहे. र. एए। यह वाकि या एक्ट्र के एन निर्श्व हिन ্ৰসম্ভাৱ ক বিচালাৰ্থ লম্প্ৰ কৰা ছট্ডাল্ড। हुन क्षा उ व दे जुन त्य क्यांनी मनानिद शाव সংশ্রেষ চক্রান্ত ছইডেছে। লায়স আধাংক क्षेत्र विश्व काहादकत कानि अवेताला। 'जाइन्ड नर्वोत्र रमनाक्रालय रम्ख्य रर्भ अक्र⁸ थ्री-क्षान्यक नामिका विभी कराइ के का का विद्या ষ্টাডেছে ! জুরির গড় টেজ মঞানিত মুভেন করি ব্যির ছেন। সভাসভার সভা ক্রিলিও সাজের कारी **व्याप्त श**्चा विश्वविद्यानिक सम्बद्ध । स्कल्द इद्याद्य । तांककृषांकी सारमण कांध्रम एकः পোন তেল্পেল প্রাস্থাপ্রম ক্ষিয়াছেন। নিয় ्रिक्ष के दक्ष कार्य अस्त असे के के स्वीत हैं। ---

कांद्र इवर्धीय सहा रशहम ७ चान पंतरकाती, भिक्षत्र (ट्रोड वाञ्चान (ট्रेडियह) , भाउन व्यहेन ५१३। अ: क्षारिकेय क्रमा (अपन ७ व मा मनग मध्य)

প্রেশপানি।

शदर्ग के विद्यालन।

ज्ञानवारमधीय स्मरम्भेनके भवनदिवस कारमना अभिने निरमान

২০এ ডিলেবর ৷ সোলারভালার মুক্তোই क्षिक आविष्कृत कविय क्षिक्षण दि काष्ट्रितव २२ श् नय - जित्तिकार्ती (कृतिकि निति द्वित । भागाम् भीत्य केल विभारत अभेन व्यक्तीत व्यक्तीत

३ के ब फिरन्यन । खश्चिक, बह, धर्वे लि

टबम अभिन्त के सिक्त स्थान क्यांक स्थान का अक् केक क्यांक अभिन्तिक का केक माकिटके के एक व्यक्तिकारणके व व विद्यान

कशिकि (१ क्य सन्देशस महस्रम विश्वास स्थान नी मां करके है क्षेत्रस मां करचे है छ एक मूछि कार महिल्ला कमका गाउँद्वस । किस बास निक कमा क्यान आजा। मा ब्रम्न छेन्द्रस एक मा आक धिन कार्यक माकिएक है छ एक मूछि कार्यक स्थानित्यम ।

টি এই বিগলও সাংগ্ৰ পটেনাৰ মন্ত্ৰী মালিট্টেট চইয়া মালিট্টেট ও তেপুটি কালে-টাৱেৰ এইডে: পাইবেন : কিন্তু যক্ত লৈন জনা কোন আছিল ন। মুখ উক্ত জেলাৰ এতিনিম জাইক মালিট্টেট ও ভেপুটি কাল্টিৰ পাকি-নেন।

পি, এ গণ্ডি সাংগ্ৰা ছট্ট প্ৰামেন সৰকারী মাজিগ্ৰেট ক্টায়, কৌজনাতি আগতনের ২২ ধাবা-ছুসাবে এখন কোনীর অগীন সংক্ষিট্টেই কা মত, পাইবৈল, কিন্তু হন্ত দিব জন্য কোন আ জানা গ্রেটক কোলায় এন্ডিনিবি জাইন্ট মা-জিটেট ও ডেপ্টি কালেইয়ে ধাকিবেন।

(७. ०१. व द्वा के र शांच्य विश्वतात एक काशी मां किए हैं है का शहित करेंडा एके स्वाति प्राहित्सन १२ धार कुम इंत व्यापन (क्षीन क्षीन मांकि के छिन कमका शाहितक ; किस्त बर्क्ड निम प्रमा का मां का के स्वता क्षीन का किस निम का के मां किए हैं के एक गुँछ का का के स्वाति का किस्ता

धक, तम, तम, विक्रिकेट मार्टिक मार्टिक्स निक्रम कि कार्या मार्टिक के कार्या मार्टिक कि कार्या कार्या

७०६ किटम हो। है, जन्म मा इन मन्छ ना-त्म कृतीय ८अनीय मध्याती श्रीत व क्लिविटन्टे-द्वारी व क्रिया।

অ, এচ, জাইকা সাংহঃ বর্জমানে ছুতীয় এঞ্চ নীয় সহকারী পুলিষ স্থপরিষ্টেগুলি ২ইবেন।

है, रक्षरका भारत्व श्रुविश्व क्षित्र व्यक्ति । - क्षित्राची श्रुविश्व श्रुविश्व छान्ते श्रुविश्व ।

প্রেরিড

জীয়ুক্ত ,গোমপ্রকাশসন্থাপক । সংখ্যাসক্ষর

(मरवस्म मिर्कर---

कां कक्का विश्व के विश्व क्या कि के के कि निष कांकीय प्रांत्रिय देवता क्या नियाहरू । देवा निर्वत क्या विश्व क्या क्या क्या क्या क्या गुरुष विश्वक विश्व क्या क्या क्या क्या क्या व्या

पृति , द्रवेक चार्यक गुरमात क्षांचेला , कहिता किंद्र क्षा काजह चरह शो'क शेरक क्षा , किंग्स्ट्र कर्म कर के स्वाद स्वाद क्षा । किंद्रिय के वेस क्षा कर के द्रवा रहे सम क्षा क्षा करेंग्रेस

ইনিবাসার দিশ বীদলেব তের কেব হাটের দিন সোণাৰ- (বমাতি তুর্ব:) বাদার চাত্তর এ-कुण नांचामा कानत्त्र निक्षे विक्रुक करता। ?। ৪ কিন পারে ঐ কাশড় সহিত য ছবিক পায়ে शंदांत्क धतिय बान बावर ⁶ व आसान, कार्नाडु. ভূমি ঘ'লার নিকট কিনিয়াত ভাগাকে জেবা ইয়াদাও . বলিয়া ভারি হার্কা করে। ক্রুন लाजारन थिय। किंदू मिनव ना, नांव छा बिटन नक्त रव निक्क कृषित वा पूर्वजी वारक, गृशकात भ निनदर्भ लेका के चित्रा काले क, किछ काल भाव। ने। इन क्षेत्र वह इहेत्र आ नितः भागीनीरमं आ অন্ধণ করে এবং ভাগার (মিপান্টর) পুটলী কা ভিন্ন লাইয়াশছ এমত ভান কবিয়া পৰিলেবে sw: কামীৰ সৰ্কাষা ও প্ৰাপেণ্ড কৰিয় ছ'ভ। এপ্ৰ कांब श्रीमहर्याटण पूर्वत धर्याकात धक्कन करी खप्रीलांग िष्टांच ६८ल शुप्रेमी कांड़िया में था. मधान (श क्षेत्र २० होक। मध क्षेत्र'टक्ष ! · ! 🛳

 के रमण (स्थित) छ निश्च कामरक म्हास छ-विद्युव शादिक आवारमत कि शासा साहि ? की। আছেন ! ভদ্ৰুগলফে ৩মা পৌষেৰ বিগৰণ সাঁত सिनिटउड़ि। बो निन कश्कान किनाड़ी बालाउ भिन्न। क्षांत्रमा मा मित्र, हे मांछ अहेत्र। य'त्र, साम छाहि ना छ स्थानत अर्डि छेडच मधाम आहाग हता। পানৰৈ একজন লোক নিগাণীকে মাচ ছাড়িতে बान, के जनाथ रनक: देश्य दन ८ है। व नित '80 । त० सन् मिशाधी महिन्द चाउनि चन्नद **इ**प्टेड कांधिरणमः। तिशा-ौतः साग्राटक अमुलीव किंकि (वाधान) उप्टर्कि ध्राक्षान करना आर्थ-रमहे मारहा भीरक कलग स्मन बद्द कृषि आधार्त মাচ ছিনাইয়া য়াৰিয়াছ, ছেৰীয় লাটি লা স্কা-विवाह कमिनावरक्त्र, नरक व्याभ क्षा शुः खेत् भक्छे:ना द्यार शक देवगरम्बद्ध (शब्द्धेमद्यम् अर्थ) माप्रिक्ष को इसियाम लेक्सा विद्यास । व्यापि द्धित. त्वयम कृतिष्ठ (छ। यहा, **व्यवस्थ** हाक्ष्मा क क्षके शकान जुड़ धनमंदनन गहत्र ब्राइनेखर्डक क्र. कात नवान आप वर्षेत्रका छ. बाख अस्तिकार्वन राश रहेक के नवता कीमादेशम एक शूरी माहित्य के राज कार्ट डेम एक कहरनान किस सम्बद्ध है। इस ाशतामी विकार है है। योहा जिल्हा अपनि विकार वय जनतारी (निगारी) पुत हरेका जारेका (भोक्षांशा बहे २ व्यवदक मात्र कार 外部海岸河南 聚烷基 市山 山東 直接市

ना, वर्षाः अवस्थाः वास्त्राः ना, वर्षाः अवस्थाः वास्त्राः বাৰ আমাৰ বিশাবীৰ অভ্যাত্তি ভাৰা ক্ষিত্ৰ কৰিব জিলা ক্ষা জিলাৰ ক্ষাপ কৰিব। ক্ষ

वंशिक्ष के जो है। विशेष के विशेष के विशेष के जो किया के लिए है। विशेष के किया किया के किया के किया किया किया के किया के किया के किया के किया किया किया किया के किया किया किया किया कि

বীযুক্ত সেমপ্রকাশ কর

पनपती - अहंबन तेनक हुन हुन हैं। मानोन (२ : पांट्रक हिन्दी के पीट के महिला के ग्रीहिन, कड़कारिंग देशक जिल्हा के प्रमान के Givela! पत्र हैं आधारों के के महिला के निक्ष के कहिला जिल्हा के महिला के (बोगन महिला देशक के हैं। देने महिला के हैं। के हुन महिला पांडिक

किक्क्षेत्र व काबू केन् ! विश्वदान कियाय सूर्य नक्ष्मक दिवासन कहा जानांत्र विद्यापनांत्र कर्मुक

१ इस्क मा । ब , कि निम्म मुकासीटड व्यक्तन क्षा । जनाजान साक्ष्म काह्यहरू अभिन्द्र केत क्रम , अ क्षत्रकर वक्तिय प्राची अक्षत्रकाल है हरित होता है। देश प्रमुख्य किंग विश्वादा क्षा क्षा । वाष्ट्रमा । भाषात्र मध्य शूर-भूतिक कर्णाम कर रेडिक ।

क्षेत्री आरक्षी प में माने मा। विश्लिख ७ मान-कृषः वारवात्रहे । सम्मारमात मक्कात्र व 🎉। क्ष । त्रश्रामक थान मुक्क छन्ति।

ू (ब्याक्षिकः वदेशा वेग्युरका अवान अह क्याबर्शन अहम ब्यून करिया मी TA BLOS OF CITY

एक। बहार स्थिवत्या पवि वि Ber macist i

न्द्रा च्यानारस्य आक्र अव्देश रेड के रियम ं क्षा (चश्रक) क्रिड, चांचांत्र **उ**त्र-वस बाक्रम जानारक स वस स्थार नप्रकर्ष व्यक्तिकांश कलाक है वर्षे प्रक দ টিক বর্ত্তব্যাস সময়ের কতকত কি বাজা-

शक्ति मा स मार् । स्टेमा । baj (वास्त्र न क केन हैं दिया) वर्षतान अक्षि करवर्की वांभाक्षांत्र स्वतान कृत्रांतर्छ । जा-গুর মুডিনিরয়ে আপুনার কৈ আজা হয় ?

मन् । प्रांता (क ?

हिंदि । जामा। बंदर्ड प्राथी बर्वकर्त चण-में करते हिंगे, जान अस कर्ने 🥫

क्षित्र। अस्य वि गाया स्टब्स् (पद्या ? য় ওকে ধাৰ্মিত লৌগনিবিত জীমূৰি

्रिक्षां निविष्ठ क्टब दाना घटहरह । 💈 " वाशीयातीय कार्यण ७ वस्यवं नगादय मिगात प्रेयांनी मनाम ग्रंत दा बार श-

१४ प्रवन कृषिर पालका कर सम्बंह (विक् ৰ্মাটৰ ও পাত)

प्रकृ! अपूर्वात करतन क चार्वि ब-

क्षितिक स्थाप । विकास स्थाप केन्द्र हैन करहरू. गारे करिएक का अवस्था।

मभ । व्यवस्थानिकाम द्यापित्य । द्वेश क्य व **उत्तान् गात्र वं स्थिति । अस्ति । असे आ**मादनत

1631,0 THE THE WAS .

थम । वि एकेंद्र कथ व्यक्तिक जिलावेदन-्रामा विकित (BROS) 731 4. T

चारमणि है

मा । था। अशास्त्रिक विकास मी वर्ष क्ष्यक बरमन बाकी जाकित। किनक्ष ! अरमन द्वनदर्भ म्युजेन्द्रीयकुड कार्यक लेखा। वृद्धि করা কেল। আর জৈনের পাঁচার লিবে রেখে त्रक बनारम बहुम बन्नमारक मुद्रीगांक महरक (मध्या एटवे । (विदेशाबात) वतकत्र। कृतका

किम । यश्यासाम । पुर्केश क्षमा कतिरान भागंति अधिकात विद्व रक्षण भारत।

यम। क्षांक्। कि वम।

किया आधूकान्! म भाषरकंत्रा स्वरणय रि-खर्ने, ब्राइक शक्त अयम निमान्तन एएनियान केत्र। क्रेंडिक १४ मा। निरम्परका थे सूद्दे कम चार्टि ্রিছুক্ত ক্ষেকে। ফেলের বিভসাধনে আগ পাৰে বন্ধী করে বাংকেন। গোষগ্ৰাকাশ সংগবিকের विश्वक्षमणात्र ७ कथांके बाहे । वर्तमाम हिन्हू, শেন্তিরট সম্পাদকও প্রশংসা বোগা। সেমিক क्लार लिहिइ:हेर इंड मलावक कर्मुद्रीत है-सह विंक चूर्य महरम दश्रहण कतिराममः। वर्त्रमान जल्महरूक छाहाइ प्रकृतकुक विवशंधिकाती মুদ্রে ৷ বেশি হয় কোন প্রান্তারক পর খোরক স্থার। প্রভাষিত হংর এক্লপ নিধ্য। সরাধ একাশ इंदब्राह्म। काम्रथं कामात्र विद्युष्टमात्र अनि बद्ध वय स्वया छिवित बद्धा

ৰন্ধ নাৰে না তুৰি ৰেক্ষ না ভৱা নৰিলেৰ व्यक्तभूतिमा मा क्टब्र अमन श्रम्भ ब्रह्म, मिथा। नवाम (मार्थ (क्य ? त्यरमां मरत वार्थ करवें व्राप्त क्षांत्म बार्ड अर्थावकृत्य वार्थाचींयु कत्रटक क्ष्मा बदन बढ़ि किन्द्र वदमद्र अक्तिम करत जीशनम् ध्यारकत् मूच वर्णन कत्र्य ६६४।

्यनाथां है।

श्रीपुरः होकः रक्षणश्र त्यावाम कृतिकान । ২৬৯ অগ্রেনারণ ধর্তে ৭৮ছাছিক পর্যন্ত ১০টাক্ষ

· বালীসাধান দত সংগালত -জীংউ :२७३ ३८८गोर स्ट्रेटक १० **३**६८गोत गर्वा घरणी

त्मय आकरत आही शायमा : >२७ तमा विक इवेटल देशंब गरी**ल** हेको । स्ट्रीन के द्वरद्वश्च शिद्धम् सीत्रम १०६२ क्षांक्रमानि व्हेटक कुमलावीक स्मान्त्रने म बीमहद्धा साम % १२७७ अस्तिक के द्वारत देखा गरीक वर्षन ह

seen क्लीई केट्ट १३ विकार भेगीय वर्ष 7 de la ministra de la companya del companya de la companya del companya de la co CONTENTO RE <u>३२७३ प्राक्षक एवं वर्षेट्स के देश के भवित्र के से</u> और के बाबू बहुमान के ज्ञाहाना > • का माहिक प्रेटिक देखा गरीह ' द के · " 444 वर्षेक्षात्र भागाम आहेरक्री १४-३७ ब्राह्म्याती हरिएक 'खरनवर्त "पी है ३० जे . सामग्रह ना वा अवस स्टबानावास >२७७ च श्रहातन स्ट्रेटक व॰ देवणाच अशीस स से 43.A शिवजी कृत्रमध्री वस् ১২৬৯ পৌৰ বইতে বৈদান্ত পৰাজ CHIP & C 唯物物性 विश्विष्ठ अं दर्भे स्त्री ১२७৯ लोग इंदेटड व॰ देखाई **असास** स ने TO PARTY OF और्य पाउ मर्टमानक पर्य)२७३ (भीव इंदेरड १० देकाकेनशिक क्लां**० ६ के**

त्यांबर्धकांचे जश्क'ख क.ब्रक्ति বিংশ্য নিয়মঃ

वाजिय जुला मा भारेटल अस्यान दर्भागः कान ८ शहन कहा बाह मा ।

र्याश्वा मामक्रमध्य मुला केल्प विकिष्ट প্ৰতিক্ৰিয়ার।এছ অথব। আগ আনান অধিক मुरमात्र ७ त्रभीरम् हे कि की का ब्याह्म करका।

यथव रिवास सक्काल क्वेट , म्यास्ट हिन्द ञ्चला काठीवेटवन काका दिन दिन कि कि कि CHA !

পুৰ্বাগৰৰ মুলোৱ কাল প্ৰতীত ছইলে মু-आ गाउँ,है८क दक्ष दक्ष क्रमक विमाध मा WEST !

र्याश्रीकृष्ट्रभन्न मुक्ता जिनात नमग्र काळीक दहै-मा बहिरद, मध्य कड नमम ध्यक्तीका कतिया अथर कि कि शिविद्या अभाग के देवत, विष का-ब्राटक रकार देकत कथन। मुन्ता न। পাदका राज কাৰ্যক বন্ধ মইবে। ছুলোর নিনিত চিটি বাস্ত্ৰল न। विश्वा नाडीन वेदेल : क्लिकांडा नरक्ष कारकारक प्राथमित्रमा बादव किकि माहित्स मा ह्या भीव भावेत।

ক্ষাৰ্থাৰ দ্বান নোনপ্ৰকাশ পরিকাশি ক্ষাৰ্থান ब हैका प्रदेश किंडि मिलिका ना संमाहरण जांका आक्र मेहा पृत्तिस्य मान

क्षांश्व हिंदि नेशावि निविश्व औरशक्त इरेटर क्रिकेश'ः। मध्युकं कार्यक्षःक माहावेदन আনত্তা দীয় ও নিৰ্কিন্তে পাইব : - -

्रक्षक द्वारामकारण विकासन (प्राप्त ने का क्रिक क्रीअंदन अपन नाज को ज नेश्किक मान, विश्वीप के छात्रि कोई /१० विश्वी केंद्रिका विशेष अंक्षेप्य बाक्षीन नार 📈 कीना कार्यका

at entertain en affection des pares

" प्रवर्शनी बर्शनिशिताय पार्थिक परसती पुत्तिवती में श्रेयती।

के कृषित्र हैं। केक्ट्रेक्स्स्

मन १२७२। २२ द्रशोव। हर १५७०। ३१ काल्यापि

Affine And The

বিজ্ঞাপন ।

> द्रमिक्किकामा । एक लोग स्मानगढ

: विकि वर्षि मानेकिकीरनंत्र चांत . तत्त्वा बाकारेबात क्रकी केंद्रि-कि । कहा दिना बेटमी क्रिकार्ग रहेर्ड भातित्ववि मा । क्रमा नाजित्ववे तार्द गरण गरण अक्का विवासिक्ष वात होति क-रेटव । औं कें, जार्र र जक्तु जरवेड़े कहि-**एक हरेर्द । विकीय, कार्यक, काली, क-**क्लाबिके ७ करें। जन नहें क्रांत बोज़ा-रेटल इंदेरेंस्। ज्ञाय, वर्ग मंदरनाथक क रम्बद्धका मध्या होकि कतिएक इन्ट्रेस । जेरे गरक महत्व अन्यापरकत्र रच गतिकाम ७ चा-शानकृषि वर्षे वर्षेत्र काँछ हरेटव, चामता कार्य अवेदिन ननती स्मीतिकहि जा। जात्र न प्राप्त अविक साथ पाकित्तरक गम्बद १७ म महाविक गरेंचे। किस त्य जात हेसित " रही बेक्स कार्यक्र पूजा दृष्टि किल बार्किन मान्याचिरवड मन्द्रिका

त्य अवंति त्यायश्रकार्त्नी वानियं व्यक्ति स्वित गार्थिक क्ल शिका पूर्ता कही हरे जारम, क्रमुस्विव मक्ष्यालेख बामक्षीलेख निकंडे वरेट डाक बाजून खेर्व निक्रि क्या शिवाद्य। त्यस्य क्षितात्र कार्य धरे, क्लिकाचात्र केरिक मक्स्टलाह वेबदे मचना चाटह । वशहवाविद्रा विविधिक्त विता भारतक विका भवतक स्वेटले नार्वा चर्डिय जेपारेम जाबाक्यकान कर्माहित चारह, जासदिश जवशाव काली हो बक्षमं केनिविद्यात व नकते मूर्विक्ष क्रिके **डीहानिएँगर्र (स्वतं अक् अक्षर नर्द्रप्र** র নির্ভন্ন, সক্ষতেরি অবস্থাও আল বয় টো व्यक्ति वार्त कतिना ज्यान भव अर्ग करी म । धरे गंकंस वित्रक्रमा कहिला आवर्ती क्रिपिक निग्रम भारतप्रमें कर्जि । जेस् আমার্গিলের সে নির্ম'ব্যক্তিক্র্য' ক্রিছ मक्षान्त्रामी बाजक त्रामध्यकाण अधिक वि शतक तर्वे लाख जात्व विकि कृष्टिका रेका नारे। छत्य पानितिक रेका क्ष र्याहाता नवर्य क्रियम, छाराह्म वी পূৰ্বক ৰতন্ত্ৰ ডাক সামুগ্ৰ বৈন पार अने अपना रहि महिले हैं। महिल बालमानिका कि कतिएक नाहि । जानेक्स एकशनरक केवरक न

ethicile, ethin acient acient ing en large attachment ethin iffentione and ethin iffentione and ethin if a commentation

ाषकाहर ज्या ने किरानाचंत्र गुरु तहानत करिया नियानाचंत्र । इन्क दहानत करिया नियादिन, वे वाहा प्रवादि तनक करिया कावा अवन वर्षिक

মন সংক্ষে অধিকা সংক্ষে অধিনাতে, ভারাদিনের ক্ষিত্র ক্ষিত্র ।

A SHEET BISING COMMENTS OF THE PARTY OF THE

क्षेत्र किया कि स्थानिक अवस्ति विकासकार अन्यासका अवस्ति विकासकार व्य प्रकृतिक कियादक, स्टब्ड कारनक कि अवस्ति करकेशोरी क्षेत्रास व्यासानीत

बरे गर्द् क कारमरकात क्षांच शवन ্রতটা বিষয়ে অতিশয় অনাস্থ बाहा बाबादिशंत म् विगर्द करेता अधिनत क्रमाकांड समा ट्रिक्ट्र त्राज्यभूकः तामा वृक्तिएक वर्णन भरतम भाः " का-हुँ शह्ममद्र > रेखानि डेशानि बादारे विक्रीश्रमान वरेरकरक् । कुक्ति नश्क् রাজপুরুবেরা অবভা অখ্যাপক ও विराजन वर्षा हेक नकामना कृतिश ব্ৰেন, ভাষুত্ৰ ভাষর। অব্যক্ত বেখিতে क्षाहे । दि 🍱 वक्षाशकविद्यंत्र दव द्वलन ব্ৰিব্ৰণিত আহে, তথায়া বৰি কেব্ ইবা-भविष्ठत अवन सर्वन, नावांनाकृत स-रमकांच रेशास्य निकृषे क्यांन कतिरमा। मध्यक कंक्यन स्ट्रांत अथाय निकटका श्वम २० होका ; किंद्र अवस्था विवि न्द्रश्यात । यह मार्गामाधात कीवाह त । सन् > है। ज्ञानात : देवकाडीराजा क्लारिक किति काहात नक्ताव जाकरकाव करेएक मध्यम् अज्ञित्व भारतस्याः अक विव या वरे गारह, का हरेगारह और चनिरक्तमात्र कार्या है। अथम , जांच सक्त क्वेंटल्टर मा । जाटना मनाव राष्ट्र, विवासका बाक्यमा कारत द्वा वधानस्था नश्च करनस्य नक्षानदस्य विक्रम् स्मूत्रं न श्रापन शारेश नारक्षा । अवन्यत्वत्वेद्वानपुत्रा कारमरका मारिक शिक्षण स्थाप कर ब्राह्म का मारिका मरिक्ष अवस्थितः चात्र का रेका विज्ञा CHARLES CHARLES THE TO the distriction address of

বার উল্লিডিসালেক, সংস্কৃত ভাষার অস্থিত। সংজ্ভ ভাষার লাগন শীলনেই যাধনাভা-श दिन किंग नित्र में ७ रहननीन हरेएड -ए । এই कारमहत्रक मश्कृष विभावित्रक त्म अमिन एक वांची त्य देशा অন্তর্নিবিক ইংরাজী ডিপার্টবেক্টের সহিত প্রতিবাগিতা করিছেও সমর্ব নহে। मक्कि पावका प्रशासक । निकर्मितिसम् (बठन इसिन्न (द ८ छात स्रेन्नाटेंड, छना গেল, ভাহাতেও উলিখিত বিসমূল ভাব चनकिछ इरे(छट्ट मा। रेश्नाकी निकक निरमत दर्भ २०१२० अपृष्टि होका वाषाह वात्र चनूरताथ करा स्रेतारह, किस् नेश्कृष व्यशानकारितंत्र व्यक्ति वन वाक्ति छेडि (क नेरित्र मारे । जामानिरमत विका, जन-क्रमाडी, वंशार्यकर्नी जशक बरे क्रिन दिख চনা ভুরিয়া ইগার এভিবিধান চেউ: करतम अरे जामानि अंत्र जनूरताय ।

ভারতবর্ণির সভার বিহা ভর্ম।
এই সভা নিজা ভঙ্গ কা ব্যালার
ইত্তে উলিত হইরাহেন। ১০
ভারা বহু কানের পর পালার
এই বারা সভাগৃহকে পরিত্রিক
হেন। সম্প্রতি সভা অধিনার
কর্মনার নিজা
পর হিবার নজাপ করিরাহেন
বাহি সভা হর, ভারার যাদর্থ
বীলিতনের করিবার।
পাইরাহিশার, ভাষা আহিনি

गकात (र निका कर र कामात काम करकी देश विद्यारगढ़ियाँ कर विराध क्रम करताकी क्षिता जासामाक क्रम क्षित रामान क्षम त्वत सरकार निवासकार पाकित वहकरने सर्वे स्थानिक विकास प्रकार के विषय संग्रेस सेनारिक विकास किया के कार्य किया पान की सारका, यसन किया कार्य गांतारण पाककारना क्षाका स्था सर्वे कार्य पान की सारका, यसन किया सर्वे मांतारण पाककारना क्षाका स्था सर्वे मांतारण पाककारना क्षाका स्थान सर्वे मांतारण पाककारण सर्वे मांता सर्वे कार्य की स्थान कार्य प्रवेता मांता सर्वे कार्य की कार्य कार्य क्षाका स्थान कार्य सर्वे किया की सार्व कार्य कार्य कार्य कार्य कार्यात कार्य किया गांताल सार्व कार्या किया की स्था क्षाका मांत्र कार्य कार्य कर्म क्षाका स्थान कार्य वास्त्र कार्य कार्य कर्म क्षाका स्थान कार्य वास्त्र कार्य कार्य कर्म क्षाका कार्य कार्य वास्त्र कार्य कार्य कर्म क्षाका कार्य कार्य वास्त्र कार्य कार्य

कावत्मात बुद्धियाम समावश्यक्ति मुनिक सरेटल एत प्रकार श्री व्यक्तिक मन्त्र म-सामुक्त ब्राक्ति (से व्यक्ति श्रीम मिन्निक सामुक्ति ब्राक्ति श्रीम स्थान दक्ति। स्वित-साहित्मम, किन्न कामरा सम्बद्ध दक्ति। स्वित-साहित्मम, किन्न कामरा स्थान दक्ति। स्वित-साहित्मम, किन्न कामरा एन महासाम विक-साहित्मम, दिन्द्र । स्थान ब्राक्ति करित्सम, साम स्टेशा देना विद्यापक्षम क्रीस्टिक स्वित्सम, यह विद्य स्केट का दक्त, प्राण्यात माहित्सम, स्वाम स्लाटकन प्राप्त काम, श्रीकृत्यान

्वानुष्या विश्वविषया विश्वविषया नीरितः कात्रका विश्वविषया विश्वविष्ठ नथाः। विदेशः श्वनः भूनत्रभि, अविष्ठनः गानाः विश्वविष्ठास्त्रमञ्ज्ञास्त्रविष्ठायायम्

भावत होता स्वाह करेट कर कार्य भावत रहे : भगम गाकि कार्य भा तक कर रहे कि दिश केंगदिक हरे कार्य कार्य शहरां करत : ये हाता देव कार्य कार्य कार्य कर कार्यात समुद्रीय कार्य क्षेत्र कार्य कार्यात समुद्रीय

建设,中以中国中国的 क मार्क स्था अप। ना स्था और परंज रिवासिक्षी इ.स्टूब्ड इ.स्ट्राजन क्षीरा स्वाहरू न्यक्रिकेश अवना हुए का शह क्रमी आहे अ निवृध एक हेश एकाव कारवर भागा । क्षेत्र 'चत्रुरमानिक गरन् । कं हानिस्थान स्मान बंदन जारक विकार सम् विकास केशना जाणता स्टेटकरे जनूनात जाहक नार्वत्र व्यक्तिविदेशाः क्षेत्रमाह कतिनाहरूका र्व एक'व केलारत (त्यद केलाहत महत्वर संदें) रहेक, याशरक कात्रकारका क्यांच एत, व्यानवरन काशानिकस्य एक रहन्छ। संब्रि ८७ वृदेखन अधानगातमान वृद्देश क्रणकार्य परेटवंग नरमप्र नारे । चन्नका ५ अवस्ति काहि रहा ? किवाश क्यावंगाप्रटक अवंत ক্রিয়া সার্বনাধন চেতা করিতেল্ডের, ভা-साहा कि बास क्षिएक मानेद्रबद्धन मीन काराजित्यत यार्च न्यात्राज्यक न्य, कर्वाहित ভাষারা পুরং পুরং প্রভ্যাব্যাভ ছইয়ার षाः समामिश्रास्य शिक्षक श्र व्यवसंख्यिक জার করিতেত্বে না, আরু ভারতন্তীর সভার সভাপণ ন্যাম্য প্রার্থনা : করিয়া ছুই ध्यक बाज क्षणायां व हेजारे जानवारिक-কে অৰমানিক জান করিরা ভারতবারের हेके माध्य रहरे। महिन्हांच कहिन्छद्रहरू हैका कि विश्वदेशक विषय क्लार है देशाहरू कें,कानित्सन धरे नावशन त्मिना कि महत केत्रिरव ? जात्रप्रदर्श त्रामा नाम्स जी रामिश्रम् जानदिक वन्न, तम्मार्कः हिं अरे रक्षात्र कतिद्व मा २ फें.काता- कुक बाह्र जाहन कब्रिप्ता (पथुन (पथि, अविश्वीद्वाद्वपुत्र सुत्र ক্ষেত্ত পার্লিয়ামেণ্টের কিন্দ্রশ্ , শ্রহন্তা হিল। কোন-গভা, রাকার সাক্তপ্রান্ত বিভ্র क कान नाया थाईनाक क्रिक नामनी करेरका ना, तक भावती, करेरकात कि रंदक्शार क्रिक्क समस्य स्थितिक विकास MINCH CHE PROFILER BERNE भा क नव किए सिंहर के निहार के कि

শ্বামরা এয় বিদ্বৈ তাব করে। ক্ষিতি তার সভাক সামের পীতার নিক্তম

भीति असीत गरिए विद्युप्त सी कार्याहर है

ेतारक्ता ध्यानरभत अविक क्रिक्सित ्यनावर्षेत्र विद्वय हा परीस्थ क्रुपेन क्रिके र्ग राष्ट्राञ्चल त्राकाभागातिका सहैत ं। नाष का १० हानिक दूव विकास सबी जनमानिक विस्कृति स्टलानकानिका टनन. सुनीचाइनम् इनीएनः इन केटलना कित साम्बाक महित्साहत । उस केटकचा े वामार वालि प्रमाणित निवास । गिराहि दिल्ली केटब्र कार्यक्रमध्य के कर्यक्रक रना श्री परिता काशानिता पूर नक का मन्तिक्ष । किंदु बाबद्वा व्यक्तिक्ष र व द्रानीत कि स्थानक केंग्राविक स्थीता दहरे अकारहात्र पुष्टिकटक् मा । समीना तरा का बाद क्या क्या गाउँ एक पानिया का ाह क्षांकिताक दाने सहरकरक ना। मणान्त्रक विकास निवास स्थाप रवसंक क्षेत्रकारम् मा । एक महेत्रा छ। हा eville & Free Com waterif & (10 to 10 to STANCE WEIGHT PRINTS रगक्ता जान किहिया महर्च

व्यवापित्रकं भाषां कर्ष भागेन भागात भागात करियात कीशांपरता रव भगका दिल, ১० चारेन काश तक कृति गाटर बार्डे, किन्न देश क्षेत्र विवादत भग के निवि मा रवश्वारक व्यवाहा भागा हात्र कृति संदर्भ भावित्यक्तर मा

स्वादित व्यक्त विवाद जानावित्त व स्वाद निवास त्य व्यक्त विवास विवास त्य व्यक्त विवास विवास त्य व्यक्त विवास विवास त्य व्यक्त व्यक्

र्पाश्रा त्यन प्रमुखी नास्त्र. त्यरेवण पास्ता कीराम स्थान के अपरेत र कंडरित एक क्षा विकासन, एकरेवन वाकारिकारक कालेसिकाली क्रिकार स्ट्रेटक एक परिचार कार्यी अनुसार कार्या पाद ना । व्यक्तिकारमाहि कारका किपूर्व केवर्षि करतक अस्ति हैं विकार कार्या जिस्सेत चनतिकिक (चार्षिक), विकार, जाराह्य गर क रना अहाति क नवीं विद्यासीका काशांत्रि रणत विकास कार्ति जरम् । इसेक विराजत श्वरको कार्यक्रिया क्रूटक्ट्रीप्र करा। अ ৰূপ ছলে ভাষ্টিগের সভাচার বিবার रवत व्यक्ताव इक का समिद्रवय ? व्यक्ताविद्यन বহিত চিত্রহাতী *বলোবার করিলে ব্রা*ই ৩ वाश्वितकात क्रविद्रभव श्रीकृति व्येष्ट्रव मरम्बर नारे । काराता काशसामिटनहरून निव ताक স্বিয়াও ভূমির বর্ষণ্যাশালিকা ঋণ ব र्कटन-वच्चनीन स्वेटन । अध्यक्ताता चात्रः अहे अवंदि मान श्रेट्य (य मयाम ७ मीह स्थानी কালে প্রতী ও সভ্য দুইয়া স্বলেশ্যে উরভি जाबदात जातर्थ क्षेट्रका। असे अस तास है नात्रं चामाविरंगत वृक्तिगरने चारिक्क ररे द्यारका और संसद्धि मूर्ज जावता नह ব্যুক্তি শিক্ষক বাজার প্রতিবাস করি जोहिलाय । निक्य गार्ट्य क विवरत गरी श्रीत मुसारका कालम नाहै । क्षित्र काहात्र fecenal wat \$ 50 feet, gran verta ी चर्चान्ये स्वरंभद्र करतान बात । चार्यापि त्वा इयास्त्रा 'ववि वावाहित देशाह वाष्ट्रं एक गृथियेत पटवा क्यांजानामानी रेरेटर्ड शाद्या । भागा भागा देवराना क्षत्रक पिरंगक् मात्र देशविष्मक निवासिक क्रिके विक्यातिकार्थि त्याप व्यक्ति । त्विष्या अक क्षेत्र न्यक् वंडिक त्यानदर्शन व्यक्तारकर देशीयाँ व्यवकाषिक वर्ग्यकत्वः । अ विषयः जागारि रमत बाह्यकरत एकटबर्ग विका इंश्लि ।

AND REPORTED TO THE पांचाकृत साथ, ज्ञांसायम् तार क्षाप्टर ति देशनहरू जिल्लाम् alfrens con gugt huntlerin nife मीर्यकांम ब्रोक्स क्लिंटिन नेवेर वेस मेरि नर्सक्क कांत्रन पर्नेत्र जान नाम कार्या ताका भागन करवर विके कार्या कार्यक्रिय ग्रम्टक के निर्म ()) के वर्गका विक्रिक महिक मरकदिन क्षेत्रिक दिक वहा। क्षेत्रका ভাষারিগের অধিকার কালে রাজ্য বিদ্যু স্ক্রি हे व्हेशा-भाहरम्। भावनस्थन समिपेक्षिकारः, क्षरका शहरा । विक्रिक्टिश व्यक्ति विदेश नगढ़। ब्राम्य मार्ट्यंत त्य विकासमा कृतिया বাৰ, ভাষার উল্লাহিনাবিরা আপ্রায়িদের न्यारवानाणा । वानमानाकि स्मारव वावा रक्रम्ण कृतिया जान निक केतिया प्रतिमा

क्षारकार नायमस्थान अवस्थित आहे.

पर्दर नेवायणां वाका आहे हम जवर छैंदी
क्रियाद इट्छा जावरमार्थ निवेत आहे हमें।

क्रियाद इट्डा आहे जावरमात गांद्र वेवका नार वाका क्रियाद क्रि

काराम प्राप्त नामान्य व्यागमान विकासना मरथा अम विवाद विकास केना विक दश, कांदा त्केहे त्याचन जाका अवकारक विकेटना-म् व बहुता। श्रीतमादकरणत विच्या जन-পঞ্জিত নাৰির নাঁথ বিশ্বীনগর আক্রমণ করি-श में मनदात यात शह शह नाई अनिहे मदान : त्थर वहनम वह तथाहै, त्यर वटाम जिल त्याहे डामा महिता गाम्। अवस्ति ब्रम्स, कास्त्र, मन्, प्रकारि निर्मित , तक्तुमा अंभि वानि जनाति क मध्य भक्त वसी, त्यावैश्विक शहेबा লিয়াহিলেন। সাজাহালের জাসিত্ব মৰ বাসনও नाविद्रक्षक रेखने के अपने नाविद्रक्ष टेनरवाका अम जिनम कविद्वारम मनद्वरानिहिरशंद्व जीन वय करतः ह जीवास्त्र त्वर बरमान ७०,००० त्वर बद्दां ३२९,०००, व्यानिश्वमं एव । व्यक्ति-ৰমন কালে নাৰিব্ৰ হজভাব্য সংখ্যা নাহকে নিংবাসনে পুনঃ অভিনিত করিয়া ভাহার সহি-ত এই নিয়ৰ করিয়া বান নে সিভুৱ পান্ডা-ত্য ভাৰৰ ছুভান, পারুষ্য পঞ্জির ভাষীর রুষ্ট-বে। এই শোচনীয়া ঘটনাত্র ৮,। ৯ খংসর পরে वर्षक गाँव (मानावक शब्द संविद्यान ।

ৰহমৰ নাহৰে, বুকুার পূর্ব আবেদ সাহ, विजीह जानुमतीह, ता जावन, जाक्वत तार व नाबाहरीयार स्थाबा जनामात्व नवाहे छेना-वि अर्थ कर्मक अवश्वत शासक क्षिक जारमकार बाजाबाक महेरातम अवर देखांब बद्दनबंद केरणांकि हरेगा। द वर्त्रह नामक कतिका विक्रीय माजियकीय, बीव् मार्ड ंद्रवत रदण जिस्ता क्ट्रेंटर्नन । ज्यानकप्रीरतत म् ३४व नवे बारफेंबरन एक्ट्रे जिस्हानस्य जाः-त्वार्व कविएक गर्बर हम बारे। मा कारात्वत मित्रीत महाहै केन्द्रीय तावन कारण, काकवान, वराबाद्धीय स्थान चूंक, क हैरबाइकुत शक्त शह कात्रजनम् अवस्त्रात्म महेनाव दहेश क्रिकार हि त्तम । केंद्रे त्वदेशक्षी स्थानाव हेर्द्धाक घटनक राज शक्तिक हार हे है रक्षाहरूको की बाद गरना गदरानि वाजिए हारि देखाने एक र गत नक्षी क्षेत्र कार्य देश है के बहुत । दीश त व काम मान कार्य कार नाम के के जारिक वादन क्षेत्रियान क्षेत्र क्षेत्रक वस्त्रम कावान 3 El es Little gener- eming alei-क्षत करता (१००१ **कार्यक्र किला**क करेगर । सक

রাতে বিয়োধী বলিরা নেপুণে গ্রেরিড হন। আর বিশিন্তার সমবয়ংক্রম কালে নমব নমকে অনুক্রমান্ত্রম ।

व्य क्षेत्रियरण नमुनाष्ट्र चात्रु चन्द्रक अहंको प्रवेदक (३) मृद्यीत सम अवस्थितक িং হ'ৰ' কৰা পৰ্যান্ত বাজৰত বাজৰ কৰিয়া হিলেন, ধ্য রাজ বংগের শাস্ত্রভালে ভারত वर्ष जायुक्त, केलर्गाणांकी वृष्टेशांदिन, उनदे क्ष जाशांविक संसदरम अकरादा विमान आंध वरेण ! तावे चांतीन हाक रश्यम कवित्र। एक णांगा वांबाह्म मार विद्यादी वितश्च (स्कूटन ন'ড বইরা আৰম্ভান করিলেক। কি আকর্ गरमारतन विकास मकारे गहिनक्तनीय। '' চক্ৰৰণ পরিষ্ঠিতে জ্ংখানি চ স্থানিত। ভ नेचरतम् विमयं हत्यान् गणि स्मार्थे क्षाणिरत्राप कॅबिट्ड नवर्व वय मा। मछ। बट्डे, अहे शक्ति-वर्धनवील अनारक विद्वारे जांद्री नार, विश्व कांकि महत्वन अकि गका कड़िया विश्वका भूर्वक काँग्र कविएल त्म काँग्र जीवेकाल कांग्री बन्न गंदाबाद जाहे। मध्यानुन केतिक एक मध्यम त्रीत कर्डमा मांगरन भिष्मित्त त **कर्यासम्** वा एवं ६ वर्गत ज्यांवडा कार्टाहर क्या दकांच করিডে**হি. ভপ্ন কর্চ**ন্য রাখ্যন বসমুক্ত না ৰঙ্গা আবাদিগের ফডাত অন্নচিত। ব্যক্তি উখন প্রতিষ্ঠিত পরিবর্ত্তন নিমুখামুলারে কাল নিশেতৰ ৰোগন ছাইজ্যৱ নিধন অবধারিক ছিল বটে, জুৰাণি বদি আন্তঃত্ৰৰ ও উাহাত্ৰ উদ্ধ: बाविकातिनिरगंत शत्रभवंदवंत, जानमा ७ दि-লালপীয়ভাগি করেকটি লোগ না পটার্ড, ভাষা रहेरण ३१०० कृत भरनेहे जानन ब्रामनत्व লোপ বইত বা । ব হার পিভার রাজবৃদ্ধান ভারতবংক সমূখির ইয়তা হিস না, ভারার নিক নাগদ সময়ে কি করা রাক্ত নালের স্থা পতি : মুইল। আয়ওছেন অভাত সন্দিশ্ধতি। Bu feminisch figna i al pu পাৰ্যাতে ক্ষাহাত্ত সেনাগতিগণ ও হিছুলী अन काशांत्र केनरत विद्वास का। काशांत्र हैंगां-भन् बाजा करवन निवास रह । जिसि कृति है

(1) wire of wire finds from

বাহতৰ আক্ৰনের ন্যায় নামান্য । ব ব্য প্রদর্শন করিছেন, ভালা বাইনে লানন কালেই কবন প্রান্তা নামান্য ইন্দ্র না ক্ষত না। কলভ: ভিনি বাই ক্ষিত্রের উচ্চণকত রাজকর্মচারিবিধের জীবি না প্রতি লক্ত্য করিয়া কার্য করিছেন করিছ লে কাহার লানন কানে রাজ্য বিনালক করি নাশিত কক্ষা হবে বাকুক, হাক্সালাক্ষিত্রের হারী ব্যবার নূল মুক্তিয়ের ক্ষত স্থান্তার করিছেন ক্ষরিব।

व्यानगरिकात प्रामा विद्यालय কটি কারণ এই, কোন একু পরিয়াট যজিৰ অভি —সে, ব্যক্তি রাজ্ঞা হটন আর বা হটন-রাজ্য খানারের অপিত হইলে ধ্যেন মতাইছাটা ছি रत, लादेवण क्षक्षाति व्यक्तिके থাকে শাসৰ কৰ্মায় কলেই কাৰ ক্ৰ व हरन, हेरडेड जान व्यक्ति ,जान जरिक वाकिएन जानिएहेंद्र जो स्य । है और स्थाप जनायार मेरे हैरक नाम्ब । किस कानिएकेस दूसा क्ष क्षा अधिना क्षित्र बारमात जिल्हा प्रश्न है। अह क्षत श्रीकारक भारत सम्बद्धाः स क्षित्रा लोकारमात्र त्यांगीस्त व विशा वाम । किन्नु व्यक्तिक ने স্থবসভার সুগতি সুমধ্যে সুঞ্ के बाह्र अपूर्ण अहाहि वृद्धि वानिकाडी एदेएकते जाने स क्षा क्षा करा करा है। अस्ति पुर्वा क्षा करें रहा व्यक्ति क्षेत्र क्षेत्रक स्वित्त प्रविका करेनव वर्षेत्र क्षेत्रका के हरेन बाबानर चलनाव

हका, कि क्याहिकान है। इका, कि क्याहिकान है। क्रिकार्यकान देखारिकान दिवस्थान

् (१) ब <u>े</u>

अभीतम क्या भारे। विकास श्रामात्मात । विद्या श्रामात्मा श्रामात्मा क्षेत्र कामात्मा कामात्मा क्षेत्र कामात्मा क्षेत्र कामात्मा क्षेत्र कामात्मा कामात ह शक्कां विराज्य बनावे काव्यात वन । विमान व्यक्तिर्ध बेर्नियं कि प्रमद्भाष्ट्रकृ वि ब्री अन्छ। प्र कें की श्रमाणिक निक्षे, कि विक्रमणकी बरण क चित्रकीछिय निकंडे मकंत दार्य का भन वा उद्ध मंक्तिय भारतिहत् क्षेत्रांन कविराज नव रे इव . अविशिविद्याम सहेरन ताथा, कि नहिव कि था क विवास कि मिश्रमें मध्यालन कहीं कि लाए। देनमाथीक नक क्षेत्रकात्र क्षेत्रा क्षाक क्रमान त्म श्रीक्ष विदेशक नाह्य । क्षामाता विकान क्रिके वानित्यातः वेवाँकी सम्मन्त कृतीकि मर्रेशियन, परिश्रंत विश्वणकी केलानि वराजा श्रीक कार्या शैकल जीनामा इटेरफड़े मन्यह कृष्टेका कुँद्रके हि स्वीतिकक्षिरशत अधिक त्रकारल लिहे शब्द कंन्छानकाविनी विलाब नम क छनीत्रम दिल्लाची देश छात्रानिदगत श्रामः শীর উৎসর ইইবার ভভীর কারণ। ফিলার जनदिव में बर्रामंत्र जिस्कारण व्यक्तित्व निष्ठे में अ "ब्रेडोडांस (>) ' स्विटिंड मा - 11 नावः श्रीवर्त प्रश्नीकात विहेदम जाना हाती The Parison Is

त्यानी अविराग प्राथम कारन किम किम শ্রী পুলেশের পাইজ ভারভঘরের বাণিকা সবস্ব । वे अहूँता हेश वं केवां के वह वह वास्त्रिं "अवन ताथ" (रहेराजरह ना। सा रहेरात कात्रभंत निक्छ। ^{হউতেহে}। এক দেশকাত ত্রব্য কান্য দেশে ক্র বা তদেশ **লাভ ত্র**ণ্যের স্থিত বিনি योवा नानित्यात विविध रहा व तम्दन न পরিষাতে বে দ্রব্যের অভাব পাতে, সেই চলের _{কোনে} নেট পরিমাণে ভিত্র দেশ ত্ত অৰ্ণি ভারা জাগনাদিলেই জভাব भूतरवर्त (उद्देश क द्वा हे कार ७ 'आबामरना গৈৰোগি নাম৷ এবে)র অত্যস্ত অভার অস্ত .कुळे इस्र, क्षिक्यां हे स्वारान्त्री जनकतम् आ .. (.) বৈশিষ সমুটেনিগের প্র সকলেই

क्रिकित क्रियम मिछाद हैरमका । ।। डाद आव इरक्षांबन बदल नरशासे क्विताहर । अरमक ৰাজকুৰাৰ আৰ্মিল আপন পিডাৰ স্বিত ৰুছে काइक व वेंबर निकृ करिया, विशासन প्रविष्ठण विशा (६ व ! ठक्क विकाशिक्षा कृष्णा एवत मेगी ठेव कर । CHIPMINES PER HER PINCH NO! of Marin Water States all 1

कतिया जनाविक कामानिकाक कति। जाउन अने क्टू (मड़े (मड़े क्ट्राइ, विश्वका मंश्टिकान धीनिक वर्तेग्रोटक । काक्कबर्टन आद्याबाद्या श-বোগি অপন ৰসমানি প্রচয় পরিমানে উপগর उहेचा वादक_े खळाता जावज्यक्तांशिविदशव किन (एएन) किनार्थ अवस्त्रत उपन देखा स्वाची क्षेत्र के स्वाचित्र के स्व मार्ट्स वार्तिक स्थान के स्थान ना ना ना त्यात्रं विकास के विकास का कि व्याप्रकार ना थाक्तिसञ्ज्ञाकारमञ्ज्ञा व्यवसाय व्यवस्थान क्रिज़ोक्टिसम्भ किन्द्र हे तोक्षक्रिश्य मेंड भा গলেরা ৰ'দ ভারতবর্ষে বাদ মানুকরিবা ভারত বৰ্ষ শাসম ক্ষরিতেন, ভাষা ঘটলে, উক্ত ধন मध्यको इकमा. াশি ভারতবর্ষে কণমই গুডরাং ভারতবর্ষবাসিরা ভাষার ধল ভো-११७ मधर् ब्ट्रेट्डन मा

এই প্রস্তাবের উপসংখ্যা কালে পাঠক **प्रिट्संत अवशार्थ अक विष्ट्युड छेटलथ क**ता बाँ^{डे} ইভেডে। ৰোগল সন্ত্ৰভিনিগের অনেচকই থ্য नगानिक नात्र्व भीर्षकाम भीविक दिलनः ব্যসন্ত্রক বা হইলে জাহারা আরো কড कात जीविक शोकिएकम बना वान मां।

नुखक्यांचि ।

আম্বা কুডফ্রডা সহকারে থীকার ক্ষিতেটি নিহুলিখিও পুস্তুক ও পত্রিকা व्या थ करेगाहि।

১। পদা পুশুরীক। ভূমারখালির বাঙ্গা-লাপাঠশালার পশুভ জীবুক বারু হরিনাধ मॅक्ष्मप्राप्त । ७९ क्षान्यम कवित्राह्म। जहे भु गरक गरमा कलककृति भोखिनाई हिंगरमन वाका महिटानिष्ड इहेबाट्ड। भागकति वाम-कतिरभव भारताभरवाची हरेशारह । भूजाश्रुव आतात्र नत्कि जात स्त्राहरू विद्यादर्भ गरह मुक्तिक । देशदा मुला 🗸 जीना ।

২ ৷ বাফ্টিক **দ্বাবায়নের আয়ণ্য কাচনত্র** नामाना अञ्चाम । नामम्बद्धाः विदेशनद्वां म एक जो बारिया की भूतम जा बार मुख्य जिल्हा हुन व्यक्ति । देश के जिलाजा जापेत्रवा प्रक्रिक PRINTED ! THE A WINE

कर, अब्ल पश्चिका मानगा-पश्चान करे क्रकत अंडोकिक क्टेटलट्ड, कक्कांड्री ब्रुट्डान्ड्राज् লাভ সম্ভাৰণ আচে। দিন্তীয়, ইহা অভি সং क जारात ७ अहम ही विषय किलेक एई-.क्टर् । क्रिकेश का वाजकाता का क्रिकेश के नन्भी नक्छो - चान ठार्न क्लिस्ट्रक्न त हैश ফ্লিকাডা মুখ্যপুত্র ক্লওছেলন লেক ১ নম্বন वाष्ट्रीयक्ष्यां नक इड्ड्रिक्टर्

ह। अब्ज्ञानादिनी। बश्चित नाकित ।। जिका। है हिंछ विकासीन गरिक विदिन विवत् विभिन्न क्रेस्ट्राइ : आयाः वन्त्रव्ह्रेस्ट (क ना। कामहा विशासन कामक कांत्रस নে, খড়েছি अथन करेन्द्र विषद्ध छ।ल नारक श्वासन निवर्द्धन । सम्ब क्षांतिनी यानांस्क्र वरेएएकः सेसा असम त्मत्र धकति **शक्ष मध्मन** 'बलिएक स्टेसन। अङ निन बक्दान केपून विवस नक्षात्र व्यक्तिका मखारमा हिन वा।

विविध मर्वाम। रेश्य लीय मामदाता।

कानोड़ात अब क्षकात रतनार क्षा क বিষ্ত বইয়াছে। ইবার আঁস তুলার অংশক, मधा क लक्षा केम्बन काल विकास है है। इत नव व नाहिन करनको छैरकई।

वाचारेरतत देशेंडे जानागरकत निगंत र्शिष्ठ बात् बानकाम क्ष्मिनहेकी केंक्र मनदहर गतिकं व्हेर्द्वन । कर्ष जंहे वृद्धीय रचन कृति क'णाइ जांत्रक्ष दग्र।

केल (अगिरकेसित यावद्वार्गक शका क शोब माळदम्ब्रे करेवछनिक माबिद्धे हे कंप्निया अक विम कतिहारकम । अस्ति। किंड जमीशास्त्रिरगत् जत्मरकत जीकिए एथ का प्रतिकृष्ठ दश मेंहि । जाहा यक किन ना वर्षेटकरह, छर्छ किम अ अखाद विधिवध स्कृति वर्ष अनि विदेश गढावन। जार्ह !

कार अने कर्षन जानां के बेरफ के निजात Pfanices, Bled | and & widma fe CEIDI FRIE NE CETILER

14 (11 41 MA) 41 MA क्रिक प्रकारिक विक

" ২০০<u>২শীৰ সমস্</u>বাহা।

শুনা গেল বোলাইরের প্রতিনিবি জার-জিন সাহের বাবস্থাপক সভা তাগি করিছ। উল্লেম্ময়ের প্রধানতম বিচালালয়ের জান্য-জর কম ফইডেডেন। আর্থিন সাহের জানেক বিশরে এতক্ষেনীর সংগ্রহ প্রিরণার 'ইইরাছেন। তাঁহার ব্যবস্থাপক সভা পরিজ্ঞান গুজাধানিকের ক্ষেত্রের বিবন।

গত কল্য নিয়লিখিত টাফার নহিকেন | একাডেগ্রখহে বিক্রীত হটগাছে:—

নিৰ্দ্ধ আতিনিৰ্দ মেটিটাবা বেৰাহ্যেতি এ, ৯৮ ১১ ৭ ১ ৪০/১৫ ১ ৫,৫১,৭৯ ৫ শাশীৰ ১৪১০ ১২,৯১৪১৫ ১৮,৫২,৮৮৫

निर्विकारन्तः गत्र हास्नमः छैरछन्न विकार कर्षे व व्याद्यक्त क्रिक्षः हिस्स्य छिर्द्यस्य छिर्द्यस्य छिर्द्यस्य छिर्द्यस्य भारत्यस्य कर्षे था निर्देशस्य भारत्यस्य छिर्द्यस्य भारत्यस्य छिर्द्यस्य भारत्यस्य छिर्द्यस्य छिर्दे छिर्द्यस्य छिर्द्यस्य छिर्द्यस्य छिर्द्यस्य छिर्दे छिर्द्यस्य छिर्दे छिर्द्यस्य छिर्दे छिर्द्यस्य छिर्दे छिर्द्यस्य छिर्दे छिर्दे छिर्द्यस्य छिर्द्यस्य छिर्द्यस्य छिर्द्यस्य छिर्द्यस्य छिर्दे छित्तस्य छिर्दे छिर्दे छित्तस्य छिर्दे छित्तस्य छिर्दे छित्तस्य छिर्दे छित्तस्य छिर्दे छित्तस्य छिर्दे छित्तस्य छित्तस्य छित्तस्य छित्तस्य छित्तस्य छितस्य छित्तस्य छित्तस्य छित्तस्य छित्तसस्य छित्तसस्य छित्तसस्य छितस्य छित्तसस्य छित्तसस्य छित्तसस्य छित्तस्य छित्तसस्य छित्तसस्य छ

সরচায়কন্ উড ভারতবর্ধীর রণতরিদল উংক্রো দিবার আজা পাঠাইরাছেন। জা কিসর ও নাবিকেরা পেশান পাইবেন। এপ্নে ইন: বলা আবলাক পূর্কতন কোম্পানির সে গাদলের ভাষিসরাধিকের প্রতি বে প্রকার কবিচার করা হইরাছে, এবিবংগু সের্গ্ কট তেন্তে না, সকলেই যথেষ্ট রুন্তি পাইয়াছেন।

সক্ষাতি হাজাহমার নিকটে জেনন নামক' বে মাজীয় ফাহাম তার হইয়াছে, ভাষাতে লেভি এলামান কালিভেছিলেন। ভাষার ক वानगारि का गाउनिक जार स्थाप क्र

ক্ষিত্ৰান ক্ষায়া হইতে সংবাধ পাই মাজিকা সকাজি গুলোৱা এক ধন কুলিকে ব

্ত্রাক্ত করিয়া এক কর্ত্ত হত ও জ-জ
ক্রাক্ত করিয়াতে ভ্রিয়াতে করিয়াতে বিশ্বাক্ত করিয়াত করিয়াত করিয়াত করিয়াতে।

ক্রাক্ত করিয়াতে ।

ক্রাক্তিরা প্রায়ন করিয়াতে ।

া বাঞাজ টাইন্দ বলেন ওৱাড়া টোমহাল পর চারদদ টুনিলিয়ানের প্রতি হুডালড়া প্রকালার্থ সঞ্জতি যে স্ভা হর, ডাহাডে রাখ-ভীর প্রেণির লোকে আগ্রহাতিনর সইকারে উপস্থিত হইয়ুছিলেন। সকলেই পূর্বধন শা-সন করার প্রতি ক্রা ও ভজি প্রদান করিন য়াছেন। উক্ত নগরে কথন একণ সভা হয় নাই ভগাণি সর্বলাই বলা চইরা থাকে, ভা রতবর্ষীর্মিণের হুডালভা নাই।

দরকরা বলেন লাটোর সাহেবের মৃত্যু হ নরাতে সাহাবাদের মাজিটে ট ও ফালেটার হবহোগ সাহেন - ও পরগণার জল হইছেন। ভাইট সাহেব পুনর্কার ২৪ প্রগণার ফালেন ইবরের পদ পাইনেন।

আল্টোনান গেডেট বলেন মাল্লাজের প্রধানগদনাপতি সব ভেন্স প্রান্ট উদ্ধর প্র-ভিমান্দলে অমণ করিতে আসিবেন নাম্ভীর সেনাগতি ও গ্রাবরি ক্লোর্ল যখন এক স্থানে ক্রিডেচেন ডখন ভার্রে কোন গোপনীয়

নজে র ই টবে। শীল স্থাধন করা ভীর ভূজা শিক্ষা করিবার আ ভগ্রায়ে এক সভা ক বিষয়েদেন। উচিত।

जानता मकण क्रिक्ट गाँदे, देखेटहालीब

जानता त्वित्वहि का विश्व जार जर्थ : के क्ष्म करेंग्न का का का बरेगार : के क्ष्म कि के का बरेगार : कि क्षम कि के का बरेगार : का कि का को का का के का के काम क्षम मानिक के का के का के का कि का का का का का करेंग्न कि कि का का का लाइ करेंग्न कि कि का का का लाइ । वर्षमी कि विवद के का कि का का जार । वर्षमी कि विवद के का कि का का लाइ । वावार का का का का का वावार का का का का का का वावार का का का का का का का वावार का का का का का का का का

কিনিক ক্ষাণ্ড ক্ষুণ্ডেন বিন্দার আছিল টিয়া ক্ষুণ্ডেন কি কাকিনের আগানেরা নাক্ষ্যানিক ক্ষুণ্ডিন কলম প্রভৃতি ক্ষুথ ক্ষ্মিনানাইক্ষেত্র বার কংকেশ হুইনে ক্ষান্ত্রভাত্ত্ব

रे रगट गणांड अन्य विकास अधिक विकास की रणकी विकि क अपने विकास की विकास की एक निर्देश भारत विकास की विकास की निर्देश कर का विकास की विकास की विकास की विकास की विकास की विकास के रहे राज्य कि स्थापक की विकास की वि

गट्यकि श्राहित क्षणान विद्याद्वणि व तम् क्षणाव्यक्ति व्यक्तित क्षणान कृतिपादक्ष क्षणाव क्षणाव्यक्ति क्षणान कृतिपादक्ष क्षणाव क्षणाव्यक्ति क्षणान कृतिपादक्ष कृतिक्षणान क्षणाद्व क्षणान व्यक्ति क्षणाव्यक्ति क्षणाव्य गानुषि विवादिक का यह महानकी क्यू विवाद जार 3 के जर के विदेश । के किंद्र के शाबरे स्ताचारिकात निवासीरमा केन्द्रके व्यागं वा

देशनीतं वर्गनकं जिल्लानं वनिराप्त क कार हरियोद्ध ! शाक्षा द्यायमध्य अधिकांत्र करियोसं वृत्र क्षेत्रिक्षां कत्रिवादक्त । शाहित्रक कि क्रमण काकी नाम मंद्रिरफर्टन ।

जारबीचा त्यस्म वद्मम नट्या अन्यम मानामान रेमिन अर्थ जानिमस्त्र यश्च व जाने ধ্যে কর্ম অগহয়ণ করিয়া পরায়ন করিয়াকে, के शाक्तित स्मान अञ्चलकाम वर्ष गाँदै।

ক্রেক্টিবলাখনি কলিকাভার পথা ব্রুডে-ইসিব সংস্য আসিতেত্ব। মুটিরা হইতে द्धमन्त्रद्भ कांत्रः आदि व्यक्तार पीनद्भवा वनना गरेषा चारेल।

२०७ (भीव वृषयांत्र ।

গ্ৰহাতি ভাত্তিত বিসন্মিদিশের এক সভা स्देशांकिक । जांको विषय क्षणंटकम गाँव करत्रक জন এজনোধীয় খৃষ্টিয়ান বিসনয়িবিধের নিশা ষয়ে । একমান বিনানী ক্রিবিভ "ভাবারিণ (व 'क्र' अवा: कतिकारक्षेत्र हे "कतिक्षान विराहत त्वामत्वात्र क्योचिक बहेवादिन । वादा व्येक विज्ञानिकित्वत्र क्षेत्रश्लान विषय करे छ।कात्रा यक्तांशिक्षक एक्ष्म कर्मिन कितारहरू । अकारक्लीत श्रांतकोतं ब्रुक्टितात्मत्र व्यवसामना कराति बारे। अरलनीय पृष्टियोदनश्चावर्था वर्षा व्यक्तिपरभव मिन्दा करतम । हेशांव क्लान इय नारे जावा बरभद्र उ अक्न दर्शय रह 👫 । ধৰি কারণ থাকে, সিসনরিয়া ভাষাত্ত विशेषिक की करतन दकन ३

বাকেইর গার্ডিয়ান নামক এক খানি উংস্থালী সমায়ার পত্র সর চারলস্ উভকে এই वैतिको नामि विचारकन किनि क्षेत्रक्षकोष (इ-ইল-উদ্বেদ্ধ জ্বন্ধ অমাগত ইংলও হয়তে নগদ টাৰা এটাড়ৰ জােৱৰ করিতেভেন তথার इंश्वरक्षं, वानिष्णु, वानित्र गडावना। आकृ ধর্ব।র বিষয় ইন্ট্রের্ট্রের নর চারণান উচ্চের পঞ गर्भन क्षित्रहासकाः जिलि बटनम दाईन स्टाइ मुख त्य मर्थम क्रिकी क्षाकृती सह प्रायः हे त .स्ट्रियाल १६६५ मालकोति वस्ता उत्रजा ात्रकदर्भ श्रद्धां व व विश्वाद कर्म । जिनि

त नका दिन स्वीत काल जारात सांस নিকটে টাকা ক্লাই ইন্টালয়ান কলতা পুৰ্বাহ विविद्यासम्बर्धः व अविवेद्यः सम्र हाम्रामः छेछ निः क्षिपी, क्रीमांक्ष्मिक्षा वह वह मन महिला र्च दिवस प्राप्त स्वित्रात क्षत्रीय पाएक्त । व रहे । अवन विष् निवर्त (पन ।

এক জন জন্ম কিব্লিখী বাবণ না তানিয়া अवनंदिक वानीएक वाहेरकहिन, कांशांक पतिका भूनिद्ध भागतन यह। रहा छाराह बद्ध अरू वानि वकु क्रुद्धि हिन। शनिदर्धे है कांग्रेस कियाना कविश्व रन केंद्रप्त किन कांबि শক্তি নাবেরকে লেলাম করিতে প্রিরাচিলাম। পুলিৰ কৰিলনর ছুবিখানি নীলাম করিয়াছেন, अवर बाबिरहे है छाहारक मकर्क कतिहा हाकि मा विषाद्यम । क्लोहे विश शवर्ध (क्लब्रमह ৰাসীর কোনু কোণে জ্বান্তি আছে, বোধ বয় এব্যক্তি তাহারই অসুসম্ভান করিছে ' शिवाहिकः ।

কিনিক ভারতবর্ষীয় প্রব্যেক্টের আছত **ক্ষতা**য় একটি উণাহয়ণ প্রস্থাব স্থায়িয়াছেন। विद्यारक्त्र महरत् वथन मिनानिः बादनारकत्र কাশপুরে থাকা সামগ্রীর অভাব হয়, তখন শালা উপন্নীঞানাদ বিজ্ঞান্তব্য ও নগদ টাকা বিরাহিকেন। নিপাহীর। তরিবিত্ত ভাঁহার बानि सूठे कतिया ५२ जक केंक्स नव । हेशंब शूरके कांबाज़ा अक्यांत १०,००० हांका कहेंग्री क्ति। चर्चरमने गांभात्र व क्विधूतन ना कः ब्रिया आंगोशाकीरतत्र निक्ट ठाँशास्त्र १००० আৰ দিতে চাহিন্নাছিলেন, লালা ইখরী লালাদ हैवां गहेरक जनचक व्हेडा केरनरक जानीत ক্ষিত্রাক্তন। প্রক্ষেত্র ক্ষান্তিপুর্ণ করিবেল স-त्यह मार्डे। कि**ख** काहासिरगत ७क्से विरनव लाव अहे, विशव क्याटक कैश्वितात्र वर्गमा-ভার আর্থেক কল লোপ ইয়।

२९८ भीष हरणांचियांत्र ।

वैश्राममाहमञ्ज अक क्षत्र मश्चा माठा परण-ন স্থলতান আৰম্ভ আজিছ কিপ্ত'ছটয়াহেন ! ডিনি বাৰ্ডীয় দেবাশক্তি ও গৈনিকস্থিত অপবিনিত কৰি বাস কৰিছালেলা একটো শিলা त्र अवकी खोत्र गतिबदर्ज ६० है। इसेमारक् । का रा अक्षा अहै अध्य स्वाम भा

Burdimeriniene cunfent dete afwismadi'n nadiona meneng afanteens i nabe mangacu miner lighten. Inthe यम क्रीडकारम मक्कान धार्मम कश्चिम स्थापन रस्य मेक्स प्रारंत अस अवहि सक्षा प्रश्ना अंदश्यन भीव व देवे।वृशिषक वृत्रदानी देवारक सांवृत्र करिएक। आदिकारप्रदान मकुनिएकत सुक्रांक्रकात marbini uni Ginin Generi, Efficient नांकी है।काल कि बहुत ?

भाषाप्र नर्ज् विक नानवकर्षा केल बनेस्टर একটি ভূজার ক্ষর করিবার বিলেখ চেউ পা-ইভেছেন। ব্রিটিন অধিকার নীয়া কব'ব ^{বি}ৰাদ गर्भाव अवनि प्रांता प्रदेशहरू । कालक कर है।-ताल' । भारमधिकांत पूजानते विख्य पूजि चन्न करत छूना कर्षानत समा माहितारहम श्रीहर्फ अक्टर्न अक प्रांटन निक्रम मटन्।

নিউজিলাও চইডে সভাত অসিয়াছে ভথার . अमांशिक व्यक्तियात इजिल्डाह् । क्लीब का क्षित्रंत चारमध्य अक क्षम श्रम्भात वाकान क-বায়ত। করিভেছে। পাসন কর্ত্ত। সং জর্জ ঞে কিছুতেই সম্ভাব স্থাপন করিছে পারিছেছেম^{ত্র}

कर्ने कि विभिन्न में श्वराद्ध अर्ग्टम-**के ১৯৫৯ करकड़ ১७ क्य**ेंबेन वक्**र**कर्मक करबकरि ও উত্তৰশিচৰাঞ্চলর অনেক জেলার এচলিত করিভেছেন। অত্রে টাকা কইয়: বে মজুর করার ৰত কাৰ্বা ভৱিৰে না, ইৰাম্বারা তাঞ্জু নেয়াদ क्**दे**रव । आस्त्रत जूना इकि क्लबाट नर्ज्वस्थितः त क्रम क्विया वरेबाएक, प्रस्कृष केलविक मा करेरम आंत्र कांचन महेराच अरशक्त एवं ना ।

भारताक क्याकिं। भारत व्हेन्टा र गर চারলন ট্রিলিয়ান নথ্টগরিভাগে ভরিংব বে সকলে সকুপান্ধ ক্রিয়া যান, যোগ লয় সে मकरलब्र अवि मुख्य भर्गदर्श कछ मःवाररः।। माहै।

भित्रात प्रदश्न शकांत्र मीज मीज आहत वहे-८ इटस् । दब्देन अरब्दकेनरम् मान् कानाय विन-त्र क्षांत्र के क्ष्मोप कोम कडेटन। हेक्। मीटक अन 福 衛行者 自治計 東部 1

क्षभागण्य विश्वासम्बद्धत्र विवास वाहिकेद ক্লাৰ্ক নাংহৰ ব্ৰেজ্বে গুড়াজতি ক্লিডে ব্লিডা-**८६**म.। ১৮৫৯ चारमङ ৮ जारेन के निहासामरह अविभिन्न बहेब्राट्स । शूर्य जल हेक् है, व्यक्तिया मा बाकारकरें वाश्विव दरगद डेल किना वर् नामाक स्हैतारस्

बक्रदबनीय बादक्य थेक बाबाशिक क्रिलांड कामान शाहितारेष्ट् । कारणीयः। मणकारः देशम्य हेक्कि बारक १२ है कि आक्र.श्रादेशांस्यतः।

To good at lang bend ning a fileri calle goog a mingen agaming a placecalle goog action the space at lastcales and a mingen the space at lastcales and a mingen the space at lastcales and a mingen to be a special of the allegate and a special and a special of the special allegate and a special and a special and a special and a allegate and a special and a special and a special and a allegate and a special and a special and a special and a special allegate and a special and a speci

भवादि हरप्य कार्निकाविद्यान्तका गडी-कार्यकार नेकि में कार्यका कार्यका प्रतिकार कार्यका कार्यका क्षेत्र कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका विद्या विद्या का कार्यका कार्यका कार्यका विद्या क्षिका का कार्यका कार्यका कार्यका विद्या कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका

विज्ञीद्रक जी जिल्लाह क्षत्रभक्षेत्रक वहरकाह. मगदन इस्त क केश्यभारत मीक्षति विद्यालक क-केस्ट्रेड शर्क द्यालक्ष्यक कि विश्वभिक्य विद्याल-द्य केश्यक प्रमा भवर्गद्रक विश्वभिक्य विद्यालक मानक क्षावनाक।

विश्व शिक्षित्रम्य अक क्य नध्यक्षित्रं अक्कार्यः केव्य अधिकारः विश्व अक्षित्रं अक्षित्रं अक्षित्रं केव्य अधिकार्यः विश्व क्ष्यान् अधिकार्यः विश्व क्ष्यान् अधिकार्यः विश्व क्ष्यान् अधिकार्यः विश्व क्ष्यान् विश्व क्ष्यान् विश्व क्ष्याः विश्व क्षयाः विश्व क्ष्याः विश्व क्ष्यः विश्व क्ष्याः विश्व क्षयः विश्व क्ष्याः विश्व क्ष्याः विश्व क्ष्याः विश्व क्ष्याः विश्व क्ष्याः विश्व क्ष्याः विश्व क्षयः विष्य क्षयः विश्व क्षयः विश्व क्षयः विश्व क्षयः विश्व क्षयः विश्व क्षयः विष्य विष्य क्षयः विष्य क्षयः विष्य विष

विशास परमा कर्यक्रम होना आनियां विशास महीनर्थित निर्देशितरक मह्म करेश कामांडाम कामिरकरक्त । किन क्राक्शमीरक कामीक क्रमीय शूर्व्य सर्वात क्रमा रव केन्द्रिक क्रेरियम । क्रामीया क्रमी 'पर्या कर् निर्माक कर्मन क्रिक्र मानम क्रामी क्रिमा क्रम कर्म कर्मन क्रमित्र ।

निश्रामिक प्रयोग क्षीन ट्यूक वर देविहा

•	व्यवस्थानी	म जिल्ला
থে নিচ্ছে সিক্ লেক	4	24
इननी *	•	53
1=1	•	>
कृक न पत्र	5	*
रहत अनुप्र	•	>
च्यां पंत्र)	• _ *	२
कन्द्र क्षेत्रक कांग्रह		3
७ १ हेन	*	8
दनके गरेश विश्व में उर्ग	>	>
可以 事 有技術學	•	2
निवस देखिनियाहिर	>	2
कानी	16	9
me steacan at at .	•	•
COM CONTRACT.	4	3
LAMPHANCE ME	W W .	10
রাশপুর		•

लियम जुड श्रीविकेत काणावि अश्मिन मियान भे होना जान विद्यादन । श्रीविक्तित मक नणांक, नठ व्यासक नाकान मेहि। यूक्ष थन व्यास्ति काणि क मार्ग्य जिल्ला काणि हेश्याद क्षय व्यास्ति व नगरंग कीश्मित्रक १,२२,०३० ३५३ होना व्यास नग्न, नाम नाक्ष्य कीश्मित्रका गश्यक्षिण व्यास काश्मित्रका गर्क विद्यो व-मार्ग्यका व्यास वाश्मित्रका गर्क विद्यो व-मार्ग्य मरहा।

ক্ষণীয়ার সংগ্রেক ইংরাজ ও করাণী ছিলে-ই সহিত চীন ব্যাটোর সহায়তা ক্ষিকেছেল।

केंक्रण व वेक्षांकरतम वह आक आन विश्व स्थान मार्क कार्यान महात्र सम्बद्ध कर्षा निवृत्त वस । कार्य ''कीवादिश्यत कर वृद्धि नावे कार्यय कीवाद्य कार्यवर्गीत स्थादिन केंद्र (कांद्राव कीवाद्य कीवाद्यकारी सरमात्र) शता मर्लि व मर्ययाः, । कार्याक करावे वर्षात्र अव-वाद्यकार्यक कार्यावर्षय महासाम क्ष्मीविद्यक्ष वस द्वाप्तर वाद्यम स्वर्ध करावे द्वाप्तर व्याप्तर

হ ৬এ পৌৰ শুজুৰ

নাজাৰ ও ভাৰনটবাৰ্টি প
তি শুড়াৰ চাই বইরাছে।

কৰ্মৰ বইরাছে লে শুকুইাডির গ
ল, সমুদ্রের কুল স্থানে স্থানে
এবং এক স্থানে টেলিপ্লাকের পুঁলি পঞ্জিন

নিরাছে।

নাজাজগ্ৰণ্ডেন জন্ত। প্ৰান্ত্ৰের পঞ্জি গেল অবস্থান দি সুবিধার জন্য ৩১৭৪ টাকা দিয়াছেন।

केरिक्न कर वेशिका व्हावकात नश्वन वर्षाम गांका इक गर्यन गांद्र वर्ष विमुद्ध निश्चिक्ष 'एम, अरे एकन गर्य (व्हाक्ति कार्य म-क्यांवरन) किम क्योंकि कार्य मेहिसार्ट्स । केशिस अर्थन क्या कथा कार्या कार्य अर्थ-कार्या अर्थन क्यांकाती कार्य वर्ष । कर्म-भागिरगत मरक कार्या मान कार्या मन्त्रा-मिलिका मरक कार्या कार्य कार्या मन्त्रा-मिलिका क्रेरन रेशा कार्य कर्मा कर्म क्यां क्या कर्वता, क्यांक्य क्रांक्य विदेश स्व वर्षा केरिकाणीय कर्मका सिक्रिक्श अर्थ-क्यांक्य केरिकाणीय कर्मका सिक्रिक्श अर्थ-क्यांक्य क्यांक्य कार्यका वर्षा क्यांक्य । 'श्रीक्ष वाद्या क्यांक्य क्यांक्य कार्यका

वज्ञानिय नर्दायने वाजा कविद्राहरका, निवासम्बद्धारक डीक्शास नदाख हा स्मीता-काव स्ट्रान कार्य स्ट्राटक सूत्र मिनीय स्ट्रिक मा । सक्ष्मम क्षूत्रक फिक्र हार्वेग करूब क्रूप्ट-क्रित मान देशा हम क्यूनमा कांगाम बहे

कारण । कुन्द्र विशिष्ट किर्माणका । कारणकार्थ सम्बद्धाः क्षेत्रका विश्व क्षित्रका कुन्न क्षित्रका किन्द्रका किन्द्रका

किविक समारकः समय विकित्याः इक्षिणां प्रदान सम् पन् वाचि स्विक्र विवाद वर्षात्वरकेष्ट शार्षा क्रिकेन इक्षिणां सम् प्रमुख्य शास्त्र किस क्रीका जारणां समयोक्षक प्रदिक्ष व्यादित हिंगा

२१आ दलीय मित्रशह

जारकात्र जानिरमके भाषन कवित्रहर्ता के ब्रांच राजिन किर्द हैं श्रम्भ के क्षित्र केनात्र भागि अक्ष केवित्रक । स्राह्म कत्र स्टर्ग देश्यादिक मुक्क क्षेत्रक अस्तिक

नं अंदिवर ने वृक्षाता के कार्या को व दावे कार्या कार्या वार्य विद्यान वृक्षात्रं कार्य वार्य वृक्ष्य कार्यित् व्यक्षित्रं कार्य क्रिया वृक्ष्य कार्यकार कार्यकार कार्यकार विद्या वृक्ष्य कार्यकार कार्यक

मधा मधित सन्दि महिलाहरू सम्मा सहित्य वास्त्रीत वेदेश क्षेत्र १०० सः मानदान क्षेत्रकारिकाहरू १ अन्यार ३३२ सः

विवेदहासीत नवाहात ।

 वर्षातक विक्रमान कतिरहरूम देखा क क किय विकास क्षेत्रकार ध्रम विक वर्तेन हैं। में CON लहिक पूर्व कहिश्यम । वाक्सिएमत लेक्ड्रा-क्षि अधिकार करा अवेशाहा। माना श्व शक्ता, विजवतियो । बद्धांत्रा म्बल भवत्य स मक्षत्रादम देशमध्यत्र श्रीत मक्कान अवाग कति-ट्याइन। ट्याधक के किश्वितात क्रमुद्रमानन कवि रक्तरा, करम् नाम स्विक्त मक कतिनात करे. क केवारक र १ विस्तारीका अभिन अहरता जानक weinig प्रक्रिकाई स्ट्रेट श्रम्कार डेवर 'विकारण लोका खेवा मध्याकार्थ आरम्भ कविया-विम। नारमाहा नेशकिकान गत्र बरमन प्रव कतित सर्वाक-कर्षेश्वयम मानन कर्याद आका मा भागिता अने स्वाह खरान । अने सह महिना करि नान बावम असीन करवन । किन्द रनदेव क्रिके केन কুল হটতে এক নামুদ্রিক লিগ (আর সুইজোপ) हरत अवस्थिक करतम। वाकिताम भक्त जानक मार्थम खेळालकरमञ्ज काविदरणरमञ्ज मञ्जून दिशम् छ आद्यतिकात महाज वृद्ध वहेटक महिंद्र ।

जिनक्षेत्रकी क्षेत्रके किर्मानन । है लाव व काल दलाई नारका केल्क्सकी के कि नावर के वीतन निरक्षामण नाक्ष्मक केल्कि केल्किक निरक्ष राज्य । देनके निकान क्षेत्रक केल्क्सिक राज्य ।

enn cuffe et ites

जातकार्वीद क्षांभागक गणा ।

tan enla guata i

নিলেক ক্ষিত্র প্রজ্ঞান্ত্রীয় দেওবানী জা লালত নস্থের ক্ষর্থী জারা প্রণালী বির ও উক্ত এলেকে ক্ষেত্রিলার ক্ষরির প্রচলিত লারবার বিজে ক্ষেত্রিলার ক্ষরিরাহেন হারিং-টনসাংহর ভাষা সভার ক্ষরি করিলেন। তিনি লারও নিলেক ক্ষিত্রি নিজুলি গও রিপোট প্রশান, ক্ষিপ্রস্কৃতি নিজুলি গও রিপোট প্রশান, ক্ষিপ্রস্কৃতি নিজুলি গও রিপোট প্রশান, ক্ষিপ্রস্কৃতি নিজুলি গও রিপোট থ্রান, ক্ষিপ্রস্কৃতি ক্ষান্ত্রান, গোক্ষা-যার আপাল ভ্রিবার।

्र जिल्लार्थक शक्षा श्रीकारक विन ।

নিজাপুর গ্রন্থতি স্থানের মিউ.নবিপাল ক্ষিসমর স্থাপর ক্ষমত কিছু ক্ষমিক দিন বাখি-বায় বিষয়ে বে বিল ক্ষরাকে তিনি ড'কা সভায় অর্পন স্থিতিকন।

्श्विकार्र 'भिनिद्दम ग्रिड कानेट क्रिन श्विद्दावन वि अ स्मिन मार्ट्ट्ट्य बादः अ-र्गित ब्रेड्स

ৰং' য় ব্যবস্থাপক সভা।

ं ५...च लीय मनिसंग्र ।

আনুভাষাকেই জেনেবল বলিলেন নিউনিলি-পাল বিমেন্ডিলেই ক্ষিটির সভা ভেদ হওয়াতে ভাষা কিবাইকা লওয়া স্টাডেনে।

ইভেন সাংখ্য বলিকেন এবিবরে এক সুত্রন বিল হবতেকে, ইলারাধা অবৈত্যিক নাজ-ক্রিটেয়া মধারের পোঞ্চ রাজ্যি উপারে কর্মুন্ত মরিয়ে পারিবেল।

ভালিকাজন্ম ধুন ছারা লোকের কট না হর এবিধনে যে বিজ ছাইয়াছে ডাছিবরে সিংলাই অনিটির ছিলোটি ইডেন সাবেৰ সভার জার্পন ভবিকেন।

माजन'त एका वादात कविरात विक विवि-वद्य दहेन ।

गवर्वद्यके विकाशन।

७५० किटमबर -- ह विश्वणात्रशीमां क स्थ-जित काकिनम्ब क्षेक्ष है कि द्वित गरिवन गर्क-वारमत पूर्वक्रिकारण मिकिन करकत क्षत्रक क्षत्र है। क स्वेशास्त्र ।

যক্ষিত অবলিউ আপ্নিউ নাতের অকুণ-ভিত প্রিবেশ ভভারত এচ এন বিবার স্টাইট্র অংসাবের জু ভাসিয়াল ভাসিনর, প্রতিবেশ ।

विशासिक त्याप्ति महिलाकि क त्याप्ति क'रमकेक त्याचा चाका ने मार्टक अस्तिकंड ant Tebnentille martiget

त्वर्षे व ब्रह्मे हैं के तक्ष्में क्षित्रहें भाग कह कि भाग गम मोरक दक्षांत्रहें क्षिति क कर्मा क्षित्रक आंत क्षेत्रांत्रम अवर अन्ति भागक के भावेरमय ३ भाग समाहत्व्या क्षित्रहरू काम कि समाहत्व अन्य सावा स्विहरूमा

श्रिक्ष का जिसि क्षित्री को बिक्के हैं । उ कार्य के कार महित्र को का महित्र के को बिक्के को कार्य के कि कहेगा हुन। कि में के बे बेवर के को-कारी विद्यान (25-65 का कहे हैं है के को कार्य की-रूप वाला कार्य के कार्य कार्य के कार्य के कार्य कि कि कार्य कार्य के को है का

(छ गूंग्रि वाक्षिरक्षे छ (छल् छ कारक्षक्षेत्र ८६)-मनी व्याव्यक्ष क्षीत्र विद्युष्टकंश्व तत्र छिविक्यत्व-त कात्रशास व्येक्षारक्षत्र शास्त्र (वाक्षिरक्षेत्र-छित्रै नच्यू र्ग क्ष्मस्त्राक्षणां क्षित्रक्षतः)-

ও র জাভারাবি—ভাগ্রন্থার প্রতিনিধি মা-জিন্টা ট লি ক্টোর লাগের ১৮৩৫ আক্সেও আইনের ২বার্নিডে নিষকটোকির্জপরিক্টেও ক্টের স্তিনিয়াল ক্লিড: গ্রাপ্ত চ্টরাছেন।

নি পি চৰ চউন সাল্ডন চৰিত্ৰ প্ৰস্থানার সিবিজ ও নেগত জজ হউতেব্য ।

এক গি কাউল সাংকর সাত্র বারেন্দ্র বারি-উটা ও কালে ক্টর হউবেন। জিল্প বচলিন্দ আন্তর্ হকুন না দর ৬৬ দিন ঐ প্রবেশে লিবিলা এ নে-সম কাল থাকিবেন।

রাজসংগীর অভিনিধি মাজিটেট ও ভালে-ক্রীর এক, লি, সনপ্রাই সাংস্কের প্রধান ক্রেণীয় মা-জিটেট ও কংলেটর হটাংবন।

गुनिन ७ धनानग्रहान आतिकाली धनावित्ती-धाली दक, कारकान गांद्रव आनाद्वत आवर्षक मकीग्रह वर्षान प्रदेशहरून। के भूजिन ७ मकीग्रहाद आजिकाली धनावित्व अलिकाली वाली धनावित गांवित गांदिर धनानग्रहा स्थान प्रते-

कार्या।

के कार्यानि—क्विनेश्वय आध्विकेने

कार्याके के कार्यक्वित कि. के. भाकिक आदिव अभ्यक्षित के कार्यक्वित कि. के. भाकिक आदिव अभ्यक्षित कार्यक्वित कार्यक्वित कार्यक शाहित्य ।

.जी फेलान लड्डमनात आंशिको के विश्वतन क कर्नात के कर्नारत है जारक २५-७० आरक्त ७२ काचिन आक्ष्मारत ताक्षमहान किंतर तन के किंदिन क आरम्बद्ध ७ रक्षणी कारलक्ष्मरत्व का आश्च क्षेत्रमा

প্রেরিভ

ক্ষিত্রক সোমপ্রকাশসন্দায়ক মন্ত্রোক্রের ।

महानम् । स्वांति कर छोत् स्वि प्रतिन वर-शांतिक १७३१८७ छोत् स्वात्तिक संस्थात । नाज कतिसंद्वत । नाले आसत्त नितीत स्वकानन् सं छात्त्वसंत्रकृत द्वा नाम स्वीकान्य संदर्भ विद्या नाम कतिस् स्वत् सात कालात सामने स्वत्र स्वतिन स्वात्तिक स्वति स्व alayanin dinan spiece (2)

The state of the s टामधीक पीर्वकीक क्षीरक जनका अर क एत व प्रान ाम **बाइनेड क्यारिक शक्तानम क्यानिकरिक क्यान**क भारत केला केला का विकरिय शर्थ गरिक उर्थ गर-क्ष क क्षिएक कांग्रह कविराह । अवस रक्षारम গন্ধক কৰি উন্নয় প্ৰাচে পৰা প্ৰথাৰী বিশিষ্ট প্ৰ-मक्षेत्रेष क्षिप्रकं माहि : किन्नु अकाशन वा अ-कारन का का का कान किन्द्र का का किन्द्र का क्ष्मा सामान जबकात काका श्रेसंक्षेत्र गानिन उ इक्ट्रेटबक सरमान मानि, छ'क्। मिनन जानन जाड क्षाक्षक मानु मान्या देशाया क्या देशाव शहा शर्भ विके सा, खानामा खान करने वाज पूर्व करिया-८६ छोड़ारेखरे छाराविश्रम विसन क्रिंड खंड इहेटड अपर माझे माझ कानिएक बहेबाएड । ताखा बाबाटख प्राप्ती इस अनर्गरमञ्जे (२) छ। हात्र छेना-म् कार्याष्ट्रम यकुराम स्टेम ।

धकांक क्षावल आकारी क्षाताः। दर्बनाम २७ किरमात्र ३५७२ माल ।

H-144 H-14

গত্ত ৮ই পৌৰের সোমপ্রকাশে প্রকটিত প विकास कामा मि विवसके विकास सिक् क अक्षाप्रक द्वप्रक्रियाचीन व्यामाहक काउन्ह डेरत इ कर्नात शहस अटकान काक **महिलान** । আৰি কতু দুৰ্লনের পুর্বাক্ষকে বিবাহ কাল · बाजबा कि लो का का का कि का किया है। विकास का का की मा নহাশয় যে নামা ঋতুর প্রস্তৃকাল কৈ অক্তর্কুব পূৰ্ব্যক ল এই এল কলিয়াছেন ছেছ্ডৰ নিয়তা ८१ शक्किक व्येमध राज्यकातीन मध्येनत प्रयो থ্যকাশে পুর্বিপাক করিব। আমান পরিক্রানের शकलाक विश्वादम हतिकार्थ कल्पना

खदाहि। गःवस् कमाक्ष्यस्य क्षां स हेरेलाक जन्मामामान्य गायमानार । श्वाविष् अभि इशिंग काशाह नि মাজাপিভূকামিতি ধর্মগানঃ 🛊

हैकि विवास शकत्वीय विक् बहरन छ। वृद्धि कु क्रांनि 'इ इतिष्ठाभाषामा श्रष्ठमेना कृष्ठे, र्यकद्वम धर्म । भनीकृ इक्षां करफारकार्य अर्थ अर्थाहरू कर ह-यह प्राचीकृष्ठ वा । काकादब्रु विवाद काल नि-श्रामकष्र मञ्जू धश्रुकार्थ कजिल्ला गानिकारिकान स्र १ दिया । अवस्य विष्यास्त्रीय । व्याप्तमा वीर कार्याः। विद्यापक मञ्जिकेनिकि नश्री कोटल काटन क्रिकाफिकि विध्ववद्गारामान मन्द्रवाहरना। । (बाग्नाक विद्यो कुमारक) क्षराव दिया महिर्दर मध्यक्ति 🖟 🔑

द्रवस स्वाभीम प्रशासन तिर्मित्राहम द्रव नव-म मनावि मनाम प्रकृतिम काल दाका के हैं दी

(१) संस्थात काम अधिका सहैता । म

.(१) क्षेत्रम अवन स्वातिक सूत्र कावितः नामा वाश्रीकातम् अवश्रीमा वास् । म।

नाके कार्य प्राप्त कार्य महाने क्रिक क्षिण वेष्ण्याचे किंद्र की दाववेदल दे केंद्रकेशक. के लेकिका कार्य के दिन कार्य के कार्य के केर्दिर में महिता काथ। पृष्ठ वत्र मः। यक्षा मुख्य महना ক্ষাৰ অভ্যাতিৰ নানাকাল কয় তথালিও ক্ষ मार्शिक मुक्तिमाना करने वरू 'छ वहसास थ-**जिल्ला भी द्वार कामक्ष्मक त्याप मार्ट ह**

বেহাজ্বাণীল নহাপর ভিজাসা কৃষিধাকে ध्य च्या जिमारिक्ष के गांत कड़ नगरम विवादकते **द**े श्रोक्रोल देखिए। बिर्फाण कार्यक्र रे मुक्ताहरू महानिष्ट क्ष्म्रिम्राट्सम् व्यक्ति व्यक्तमान्यास्य व्यवस्थाना স্থাৰ্দ্ৰ ভটাতাৰ সহাপদের এই অভিনেধ চৰী-श्राटक (य प्रभाव, जनव, काकिव वर्ष कनाग्य विन्धित्र शाम्ख । में प्रकल काशायरे द्वा पान कहा 平河 1

म'रश्रक्ष कश्रिकार्थ वर्ष करेब्रास्क त्य प्रार्थिक বিষ্ণু সভলে ক্ষ্যার কত্রকলিব পি গালির লট্ট াতি জ্রেডি খেডুক সপ্তবৰ্ৎসরাদু ছবি বিবাই अर्थ्वर्वान्त्रः अञ्चय नर्वद भाष्ट कलूब श्रुर्कक म विवाद काम नारस निर्दिष्ट स्ट्रेन हार्ट्स जाकार भरवा कार्यथ नवत्र मणम केलावा প্ৰশক্ত যাত্ৰ ফান্তম বে ফাল লে গৌণ কলৈ ; ইভি ভারিব ১৩ পৌষ

> कुरा।इथालि निर्वापि শ্ৰীচন্তকু ধাৰ ভৰ্মৰাগীল

জ্ঞাৰুক্ত সোৰপ্ৰকাশ সম্পাদক महाभव नमीर १ ।

शक्तात कि कुनमृत्ते, कृतिया शर्याख रहण शहर छ पुणिल डेलमांशायिक धुक्त कर कहेला करणा क्ष्रेट्ड क्रिश्चात्र सम्भारत माल्यान व्याप्त मेलागान मामि मनी चिकित्व छविशा हिम, कावन हैका वांवि नहीं स्थान कारक के ग्राम नव अव खे भन्नी खाना ए का धरेटक कविषण्डत प्रके बिटन लोक्कुमान । बेलगामान त्व भारम शकामकी-তে পড়িয়াছে কথ বছতে কৰিলগৰ এক এছ-(इह वाखा । कांद्रमधन क्टेंट ड मच्चा उक्तरक गाउँदक थाकृष्टि निम्म मर्गः। ध्यम्य रा सम्माप धाःह তন্ত্রা কৃতিবার ঘাইতেও ঘত্রবিন ক**লিকভি**র ধাইতেও ওওলিন, ত'ব কুষ্টিয়। ছইতে স্থানর न राज राज्य महा क्षित्र क्षेत्र स्था सा। कृष्टित्र स्थित ভ কান্ত্ৰ প্ৰথম সভাল, কাৰণ প্ৰাণ বাৰ্ত্তাল এক-টান। একণে এড যে যুবে কাসিত্তে হয় জৰাচ অন্তৰ্ক এবাৰ সহকাৰে কৃষ্টিয়। চইতে ভাৰার नीष्ठ किटन व्यामा योतः। छोत्रान कवितवत् रक्षाञ्च राहर वाद्यान वानानाता स्व काण्या विकास स्वेदात स्व काल्या स्व काल मार्ट्स मर्ट्समञ्ज देलकामाजित सूच काणिका विन्हेंत

बाह्य जनगि बाका दिल mid telat altred (रक्ता, दशक्तापश मध् नेति अस्त असन स्वेशकत केरिए ग्रंड श्रीका जीवा है। दर्भक के श्रीकाड़ी ब्रोडिंग केरिया सम्मावन करा भवनीयहरूके BILL PRIS EGALOS CAN ना है. जारणा प्राध्यक्ष , करें e bis en | pointing क्रम राष्ट्रा च द्व प्रमन्त्र नावपान गर्वास राज्य है egen dafanta agus sie bire cial senie बन्धं काहात ह्यान ह्यान nie vienicum, for wie RIGI CIR'S PERM CONTENT MEN IM. CO MENTS OF STREET * \$14 4NG HTE, BINNE क्षत्रीकृत क विद्व है...

pints and friel feet प्रणाह मि छ।कार अहंपक लाउर अर प्रचासकार नियानातान पश्चीनार्थ अनुसार इ के द्वाक मशास्त्र कह অভীত, মটল প্রকল্প শার বার্য হৈছিল। ক্লিপ্র বংসর বয়ংল বিশ্ববা, ভালি क्या क्रमप्रोद रेश्वरा क्या क्षेत्र है। सार अंद्र कारे स्मार्की क्ष्म क्ष्म SICE, CHIST TEN NA LENG. AND १८९४ मिकारी विश्वती कार्या CHON'S MAN MINE OCCUPA MIN AICUS ABOUT AZ CENTRA dista of all thempion NEI 518 45 318 185 3 वह मारे। ित्यव क्षामा करी में DISTRICT OF SAME OF SA 7 41-704 , 7-11-41 (49-12-74) 7-14 en wallally within the said वाशी करेंका हिमार्ग्य जिल्हा में PRINTER PRINTER REPRESENTER

1 11 mm विकास चेमान्त्र श्रिमान स्मित्र अविवादस्य rative. সেয়াপ 🧖 ट्राम्बर्ग है। उसके के बाह करने है। कर्मा क्षेत्रक क्रिक्ट कर्म एटन वसका हक्का कार्यकों कार्यको कर-कामक कर्म केश्वास विश्वाधी कर्म करने कर दक्की क्षेत्रकों के किस कर एसा का कार्याहरू विकादीका मनाव व्हेट्ड क क्षेत्रक हरका किन्द्र करवान वाहर स-त्वकृत्वी का अवरत्य मात्र अञ्चली द्रश्यक्त विश्वितित्व मा। जनग्र स्मा केल कार्गावक के मानिक जरवार Ramille Affantistes (anten eram The strike on | un fatican post eter eifen die fen egn हिन का किया। अकचनात वासूत कृतवी मिर्देश क्षेत्र क्षित्र के स्था कारिया है। ्रिके स्कार रोष्ट्र कित कतिमाहिएलम सम-ক্ষান্ত্ৰাহিত্ব স্কৃত্তৰ নিজ্ঞান কৰিবেন, ভা-की बाद्य मानिएक साहित्य कथन है अकर्प विद्यम का क्षेत्र क्षिण किली एकिस विद्याल क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विद्याल क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विद्याल क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र मश्रक्त कर्वक बागर छ। कारे क क विकासी करावा विषया विषया विषया िक्तिकास्त्र मा गावेशः जनकात्त्रव क विकासिक करें किय बाकिएक प्राचान क्षित्रक अपरे बामांत्रल कुलतायल किंग्र. वस बक्त विक्रम कतिया दवन दय किन शांव पहिंच्यांच क्षित्रात कि शांचा इ क्लिंग स्टेंबर संबगीत के स्टूडिंड न नां खंडहार रिश्वा कवाइटक मध्या यात्राक्ष्य् व इंदियम । वक्षाणि ३३ है मा-गारक व्यक्ति चित्र करे। क्रिम क्रिक कृत्यम् काक्। स्वेटम द्यान वाकाञ्च व-विक ना। जिल्लामा चाह् विधवा छतः াত বিভে অপান্তৰ এইলোম বলিয়া ডা-र्जमा कता निर्मात अवर क्यूनिकेनकतर वत्र त्व चामि कहे मात मिलक गाहि त्व

ह यांद्र कहे दशकात्यादमङ्ग, शह त्य त्य नमन्त्र विश्व काल्यिला व कुछ कार्या ा अपन कार्या किन्न कार्य किन्न कार्य किन्न कार्य ছারা একর্ক-আর কথসই সন্পারিত क्षा हरिन मा, बडे क्रापाई दक्ष क्ष क्षानं अध्यानिक प्रशासक कि वा विभागा मुख्यमुखात्व अवर महस्र व कारकाणांक चारमाह ।। क्षित्रा रम क्षिक प्रवकार चीका कविद्यम त्य धेर देशके अध्यक्षकां के साभारत आह-ग्रंगीन जैन्दे कंशिंगहका ग्रंग हिटलन, किन किस्ता किन्दरहर परिशा अक ग्रंग ग्रंगत के कहिलान के बना के बाद कार धारत के सहिरणन, वि वर क्षेत्र निका के का वर्ष के किया है। यह इव विक वर्षेत्री विश्वा विकास खन्म अन

प्राप्त प्रवास प्राप्तिक गाउन्ति प्रवास क्षत्रीम् साम् शास्त्रीमा स्था विश्वास्त्र मनमा का-क्षित्र, रक्षक्रमाञ्चीक्ष भाषाक्रम क्रान स्थान करा काम जाता जाता समार्थ स्थान वराम करा.

विषयं करणाव्यक्त काल विद्यंत्र कविरणन । क्षित्रकात कालाविष्ट्रिया र्वाहरूपा व के बाकार्त क्षेत्र क्षेत्रकात क्षेत्र मान करम अक्रमाद्य केम्बाट्य आहित्य अर नम्प्रात . क अराजि क्लिक्के सक्के मुना डा द न नहमा गतिकार्व केंक् मुक्कक्ष मध्यद्व - वाकिटके हैं आदय-दश सिकाई क्षेत्रिक के द्वारा समाप्त इत न। वाता-का चिक्रासिदी ध्यक्षतिथन मोका गाव मा । वक्रीय-न क्रिक्ट अर्के एके अर्थना प्रकार उपादक क्रिन-मर्का है क्रीक अधिक है जार हव महत्र गरी है किंद्रक विश्व क्रिकेशन, क्रमाविद्यानन कर्ना स्मान क्षित्रकृति माण्डवन वाकि.केटहेव व्यवस्थी মুক্তির্বিত্ত আলু নাই ক্রমতার গেলাইবার আভিলয় क्ष्रीत्राष्ट्रा कृष्टिकाक्ष्रिकः । क्षत्राभएत् का कवः स्वत-बाहक अवार्त अविद्याष्ट्रिम अवर एक गुणियांकि छि-प्रेटक महेर्दिक खेलाफ इन्द्रेश क्रिया। कविष्यप्रदेश क्क दोकू रमहकरम शिक्ष । किम विश्वविवास विरुक्षी जर ब्रांक्षधन्त्र विरक्षांत्री स्केत्यन व्यान्त-बी मक्ष. छटर प्रश्रं के निवब करे दर विश्वातामध्य ध्यमकत् विषय मधाल उष्टान क्षत्र केसाला वया : ० अक्रिक खामा क्षेत्र क्षेत्र महत्र क्षेत्रक क्षेत्रक क्षाति लाई बहै संहत् हता अहेगबद्द क्युनल चलवाकामधी केकिस उंदिश्य कामहिलेग १ धर्मा बखाद बरे जुक्क्युक्त चीव विवता क्यादि वि-बाक क्रिट्ड बेटकवांत्री प्रदेश प्रकास " कहे अब श्वीमांगांज क्या नांच मृथ बान जिल्ला है वि-कांग्रे कहिया विशंदलम, आज शिक्षण करेटन का रबाका शिवारस । क्षक बांसू कविष्णुरस्त जन्मवाश्रीकिरशत अवेशां धाकाल आवात करत-म कि मा छाए। विशव एतवादमभ वाधा कामि-বার জোল উপায় চর নাই।

MIZWHI I

सहस्रका क

725 यमाञ्जास्य

জীবুক্ত বন্ধ রাধানোত্ত্ব গোলালী ভেজপুর " ১२७३ लीर इंडेल क काश्याक गर्वाक कार ३० होना , শিৰ্মাণ ৰল্মাপামায় CHAMIN " >२७३ व्यापासन बहेट्स १० व्यापिक निर्देश cals so à म ७५ मिन बहुनांब छट्डोंग।शाक " ১२ ५५ व्यवस्था स्टेटक ५० टेरमायालाईक् टकार के ले ৰাদীকৃত্য বস্ত निवेशांकि कहिब म " >>७७ व्यवस्थित अवस्थि व॰ देशम्थि शास्त्री (年)

ब्रुक्त क जिल

सेन रहा सक ices the April 14 in Least bides CALL DE A ३१६३ कार्तिक व्हास्त १० CHIC S योगमान अस्ति " >२ ०० व श्राहाकन वृहेटक देवनाच नामान है । AND WATER PLEASE. " ३२७३ मधराहर स्वेटक १० कार्षिक सर्वाह CHIE SO & # . . [河南南南 南大西: 西 中: 東中部 विध्याम मिन्ना ।

चाजिम कुला अं। शहिद्दश मक्कंटन दग्विश्च-কাৰ তেন্ত্ৰৰ কলা বাহ বা।

देशांत काञ्चिम कुमा शार्षिक ३० धवर बान्या-जिस दह छ। जा बहु बारमह सूर्य सालक पांच काप

वीकांत्र। त्याम श्रीकारणाह कृत्रा केरण विकिष्ट भाकेत्म कीवाहा अक काववा **काव कावाह क**विक पुरमार ७ व्रमीरक्ताणि कडे मा राधान करनम।

वर्षम किनि संकल्पम हटेट ३ टमामश्रकारमात जुना गारीहरवन छावा त्यन त्रक्रिके में महित CHA!

र्था शबक कृष्यात काम क्छीए बहेरम छ-मा गाउँदिए एक एक सम्बद्ध विमान TEAR !

र्वीश किएवड मूला कितात गमत करीक परे-हा बाहेदर, मक्कामक मनव अक्रीका कृतिया शब्दकृति जिथिया काकाम क्रीएर, वर्षि 'डा'-बाटि कोर्न डेसर कथना मृत्या मा भावता या कांगक वक कहेटव। कुटकान विभिन्न विविद्यमा-हिर शाक्षाम कहेरमा कलिकांडा मध्य करा-ल्लाक आंकाबिरशत मार्ट्य विक्रि कंदिल का-बड़ा भीज शाहेद।

ৰী হাৰ বৰ্ম মোৰশ্ৰকাশ প্ৰিক্তাপ কৰিব: त केव्हा ब्हेटव किंदि निर्विश मा सामेरिक कार्। आब कहा काहेरव मा।

देकर लाज्यकारण विकार्णन विरक्त केक् ক্ষিকে জীকানে প্ৰথম বাদ প্ৰতি সংক্ষি ৩০ সান। ছিডীর ও ছডীর বার /১০ আলা করিয়া বিষয়ে বইবে ভাষাৰ পায় /০ ভাষা কৰিছা मको सहित्य।

34.51

with the my course or contract the of or without the nimes commenced. >2 0 % (eile uften de turb mater mitte tenten bimbertein meine fin

(मायाशकाक

" प्रवर्तता प्रकृतिवितास पार्थियः सरस्तती सुविनवती न वीसतां। "

द छान । 307147 F

मन ১२७२। १र माधा हेर ১৮७०। ১२ क्रांस्साति

বিজ্ঞাপন। मुश्रीद्रीकन ।

১৮৯१त अर्केटलस् निविष मूर्वास्थान পুনঃ ৰোধিত হইয়া কলিকাতা মূৰ্কাপুর বি-मात्रिय वर्षा ५ होका भूरता विक्रम स्ट्रेस्कर । বিদেশীয় গ্ৰহীভাগণ ভৰার বা সংখ্য কা-रमदक्त अधिविद्याष्ट्रक विष्णाद्यात्र विक्रहे ला-**(हेक क प्रमा) भाके।हेस्म भाहे**(बम । क्षर्काक में।उ भागात एवन धक दश्र ।

জীগিরিশচক্র পর্যা

विख्ड'श्रम । বাসবদত্তা।

কবিবর 🗹 শদম্যোহন জর্কালন্ডার প্রণীত পদ্যময় উক্ত উৎকৃষ্ট কান্য অতি উভ্যন্তে পুনদু ত্রিজ করা হইতেছে, জটিরে প্রকাশিত रहेरवक बीदाव व्यावमाक एम लिनि चीत्र नाम भाम चाक्त शुक्तक वश्त्रमश्त्र निवामी श्रीगुक्त रांदू द्वामकांग मामद्र निकड़े वृक्ता गर शद्ध भि-चिरम श्रुक्तक भवत धाः थं क्टेर्स्स । मृत्य ५ এक টাকা মাত্র। বিদেশীয় আহকরণ পুস্তক ভাকে 🕽 थ्यंत्रभ कांत्रभ माञ्चलत् अमा √° जामा अिंड বিক্ত পাঠাইবেন ইন্ডি।

> कार क्या माच। १२७० मात। ख्यीबामगान दमन ৰহরমপুর

विकाशनः।

বিচার শহতি।

केरनक अपृष्टि (मरन्द्र अधान श्रधान निर्दान करात विकास लागानी पृत्के व नक्त মহামান্য মে ভবলিট শিল সাহেবের প্রণীত ধৈ বিচার পহুতি প্রধান প্রধান আগাদভের बाबशातार्थ हे वाजी जागांव वितिष्ठिक सहैता निक्षिण रहेशाहरू, जार। रहेरज अ अर्थ-त्मत्र सारशंत्र जेणः वांगी ७ श्रात्वासनीत अवर বন্ধারা বিচারের নিয়ম বোধ পদ্য হর, এমত বিবিধ বিধান ঢাকার ডেপুটি কালেট্র জীবুড दान् बलस्याहर प्रदं । कन्याना वाकिशन क-র্ভুক সরল বদ ভাষার অধ্বাদিত হইরা क्षिण्ट बार् श्लीव्रशास्त्र मत उ विषुक बार् पूर्वीकोश्व ठळवर्ति कर्जुक अवाणिष श्रेशिट्स, গ্রাহাস্থাণ ক্ষোদিধ্যের গ্রাহালকে ভাষ করি-ल आब स्ट्रियन मुना ५ जन है । की बाज ।

श्रंश वामर्ग

निड देखियांन नार्डेखरी ्रहे कायुत्राति ३४ ४०

বিজ্ঞাপন ।

ক্রিবপুর ফিলার অস্থঃপাতী বাটকেনারি মহস্তপুর ন'মে যে পত্নি ভাষ্ক আছে, ত্যে দন্পত্তি দেওয়া অথবা বিজের করা शंडेरव। बाहाय त्नारे जांबूक मत्रशक्ति नहें-বার অপণা ক্রেব করিবার ইন্ডা আছে, ভিনি কলিকাতায় জাড়ান খিনর কোম্পানির নিক. টে আবেদন ব্য়িলে স্বিশেব গ্ডার আনিতে পারিক্তে

> त्माग्यकाम। **ণ্ট্ ৰাখ লোকবাৰু** 4

১৮৫৯ অন্দের ১৫ আইন। म किवन वामना क्लान स्माप्तिक বিনার পাছতি আকৃটিত হইয়াঙে, বিশেশভঃ গাবর্ণর আছে৷ করিয়াছেন ভাবড়া, রাজসা-

री, प्रतिपादाप, कार्यी সাগর, পারজিলিভ, बर्गास्ट्र ३४०३ मटम्ब निक स्टेटवा अहे चार्टिक ब काम मजूद याप कर्नाम नादी जानालएक अक्सवां 🥸 मक व विज्ञान इस्ट्रें अवर्गस्यद्धित विश्वि **उत्तर कि, विश्वा मा** नकरन वृत्तिए भातिर বিল ভারতব্বীর (श्रवंत्र थित्र श्रुक्त र्वतार्क सर्गरम्क ५५ नरेफ्टर्व। छेख्न निर्म জেলায়ও এই **আইল ছা**ট্ कर्णगर्मात्र । नह व नाटस्टब्स् नेजान स वना वास्ना ।

क्टब्रक वेश्वेद संबद्ध (सर्वेट वारेटकट इ. बाह्य के सामिक का जीन बक्तनटक व कुटबंड व्यवचा ग्रह कहित भेन किकी भारेक्क्ट्रन । रेश्मर्थ ৰাৰ এবেটো জাতিসাধার সভাৱ শেশীর্ষিপের স্বাতাবিক স্ব 🖫 🔻 অৰ্থৰা বাজনীতি সংক্ৰাই স্বাধীনতা अवाय रह. जमनि मेरानुबर्द्धा बरमम, छ। ज्वरत देश्मरश्रम न পারে না ; বিত্ত কাপি হোল্ড, 🌉 প্ৰভৃতি ভূমিশংকান্ত যে সমস্ত ৰাজ্যে এক দল মাতের ভুমাধিকারিজা मक्त न रहा, रेशिनिट में माड हरा का क्षित्र का का का माड़ । मा क्षित्र। गर्नेश ६३ का कत ३० ६ इनके कि सब क्षित्र के कि निम्मित क्षित्र के वर्षमान कत निम्मित क्षित्र क्षित्र मुख्य क्ष कति संस्थिति क्षित्र अञ्चल क्षित्र संस्थिति क्षानिट के स्थापन करिया कि क्षित्र संस्थिति क्षानिट के स्थापन क्ष

। सामग्री के प्रतिमात्र व्यथन ७ विकीत विद्वा कर कर्राम आमानितम् अक्तम हिंत्रोहिक य क्षांचावकातितः भक्षि क नश्कारत्रक्ष शताधीन इहेताहे के की क्रिक्ट्म। किस अथन मा-পঠ বৃশ্বিতে পারিতেছি, ভাঁহাদি-मि मह दूर काम क्यार करेक, क्र ाटक (ध, रनटन, चठत हमक ७ चठत गारे, इस्स्क्रांचे मन्द्री करत) कात्रा नामाध्यकारंत्र शीएन क्तिश भीत यान स्तिता द्वध्यारे कीरामित्नत थर्क । निर्मेश कि जना ब्रिकि नाटक त्मत प्रकृति भेत्र करवर् ३७ वारेन ३ हा वैथाई अटब्ट्न कहिन्छ कहा ছে ৷ বিশেষ আইনের আবশ্যকতা ধারণ দঞ্বিধি ছালা কি চরিতা जित्र नडाइमा मारे : अडिमम डिज्ल मण मकरम धरे चारेम क्षप्रमिक नाई, धक्तिन कि छत्त्वर, श्रीम विश् कर्ष वस फिल > यमि बल ईश्ल [स्क्रा 'बड़' छेर भाउ करा ; अकी चार्रेन मु, कतित्त छ।त्र व्वत् के श्रामक करिक भारत। धा अग्न मा श्चित्रक केकामा कडे डेल्ल,८ धुन्न क्षेत्र मन्द्र कि मन ... श्रेष्ट्रा भागूतिकारक जीलकर. रा-मर्कुरवृद्ध सामा 🔻 क्रांट्स छ,.. तेशा भागमुङ्गीष साम्राज्य । गणन রের ? বৃদ্যাবহার ক্রিলে ভারত বেরা প্রার প্রভুর স্বার্ক্তি, সমহাব क्षंत्र क्षंत्र इति विद्वल्य २। ६

सन्दर्भ त्व हुई क्षितिहरू भाषया मात, स बीमादात शब्दा अकृषित सापरे जारात व्यविकारत्नित काल्ये के क्टब्रामा। व्यक्ति व्यंत्र क्रवरकत्रा चण्यान्यः । भीतकत्रितात्र বিরোধী হয় নাই ; ভারারা বছকাল অস-य अक्रांतां नय कतिता (भग नीनक्तं न পার্ক পরিত্যার করিয়াছে। নিউপোর্ট, গ্লানগো প্রভৃতি নগরে নজুরেরা বেতন ৰুক্তির **আশহের একবংক্য** হইরা যে প্রকার প্ৰভূপিলের ৰামি ৰশ্ব ও প্রভূপক অপর মজুর দিলের প্রাণ বধ করিয়া ভয়কর অভ্যা চার করিরাছে, ভাষা এ দেখের লোকের क्थन आदम ७ मज़न भर्ष भवकीर्ग इय নাই। এখানে কোন দল অত্যাচার সহ্য करत ? नील कमिनम, अठरकभीत नश्वाम পত্র, মিসমারিরা কোন্ দলের অভাচা तित्र कथा बलिया शास्त्र ने नीलक्त्र ७ ठा-करत्रवाई त्य जन्माठात्रकात्री अवर्गरमण्ड कि व कथा अवीकांत्र अतिएक जारुजी इरे-বেন ৷ কোনু চা-কর বা নীলকর এ প্যাস্থ निक इत्रक अथवा मक्द्रत निकटि श्रहात সহ্য করিয়াছেন > কোনু নীল বা চা-ক্ষেত্র মলুরদিগের অসমত বেতন প্রার্থনায় উৎ-जब इंडेग़ाइ > भील छाव शतिकाक रहेल কেন : ক্বর্কর দেব না নীলক্রের অত্যা-চার ভাষার কারণ : যথন ত্রীর্ত্মিকারী দলে तरे अज्ञानात नक्ष्मान स्टेक्टर, यथन क् বক ও মজুরদিগকে ভয়ানক অভ্যাচার হ रेट इक कुतिवात आर्थनात हकुर्लिक इ रेट क्रम बनि छेथिछ इरेट्डाइ, एशारन षाण षाजााचात्र व्हेटनरे भवर्गत स्मान्त्रता পर्गा व छरक्नार आनिए भारतम, तमहे কলিকাতায়ও যখন আইন লোবে নময়ে ममाद्र महान् चलकात्र स्टेल्ट्स, क्षेत्र अव भागते कि माइटम निर्वाद्य मील अटमरम अध्यार्वेन अफ्रिकि क्रिक्रिका ? जाल ! श्रां वर्गस्थि मङ्गुत्रणिरशंद्र क्रूबवद्शंत विषद्र एक हिंध मः कतिदलम, अन्न हान्नसम छेट्डन

किनि त्म त्मरे केक जानम प्रतिक कारक बर्द्य महत्त्वाक कार्या रे क्या क्या स्वीका स्वितिकरूम ।

চাকা নিউস ও এতকেশীর স্থ্য প্রামির স্থানীসভা।

विट्यांट्ड विटमपकः मीलगाँछ (भा नद्रगारभन्नं भन्न व्यवि व्यत्मदक्त्र अहे मर कात क्रशिशांट अक्टबनीटम्मा, विटनवका বাদালিরা ইংরাকদিনের অভিশ্র শক্ত र्रेरेप्राट्टन । मत्था मत्था क्यान कान हैः রাকী সংবাদ পত্রে এই ভাব প্রকৃটিভ रुत्र । जन्मानरकत्रा क्षेत्र क्षेत्र व रमनीय णिशत्क विद्यास्त्राती ७ देश्लाद्यमंत्रीत এতি প্ৰভৃতিভিত্ন বলিয়া খ্যান বৃদ त्न गानि निशा थाएकर । आजहा ७७ मिन কভিপৰ ইউরোপীরের বিধেববিজ্ঞিত यिनता अ विवर्श फेरशका कतिशिक्तिक. किन्छ यथन अहे न कात रें छेत्ता नी फिरमन मद्यामद्वार क्रम्यः वक्रमूल स्टेटक्टर् उथन केक्। इ. क्ष्मिक कतिया थ रमभी विषया অভিথানের সাধুতা সহমাণ ও ইউল্লা পীরদিগের কুসংস্থার দুর কর। অবনা ক खेवा क्षेत्राट्य।

গতশংখা ঢ কা নিউসে এক খানি বাদ্যা পুরুকের সম'লোচন কালে বলা क्रेज़ाटक, बाक्:ी; अफ्टरन अवर्गटक:केंद्र श्रिकिताश श्रम्भाः स्त्रिएक्टक्रम्, क्रीहः দিগের প্রণীত ও এড বিভ সংবাদ পরে गर्सनः भवर्गस्य तिमानाम मुख्ये हत्। भात कृक कटल किवर्ग माटकटवन्न निधदन लिथिक करेगारक, केछेरब्राणीय कर्मात निरमंत्र (काम मर्मान क त्रास्ट्रे अञ्चलकोत খাৰতীয় সন্ধাদ পত্ৰ ভাষাকে বিপাকে কে नियात कही भाग । छाता विकेश कांन **চেকে ও किंक्**श व्यवस्था बकामनी व तर्वाम পত্ৰ সকলকে বিজোছানুৱাণী ও প্ৰভুত্তক্তি चूना किविटलम । शवर्रमणे कर्मनी मनिर्मन समिके ७ स्थित कार्या त अनु े दे १ वर्ष प्रका प्रका विकाल अकाहित्यम ? किम कहितन काहित कि विकास कहा कि

विद्यारिको सेक्स है सर्वेदमान्छन वार्यका छात्र नियाति यक्तिमा ज स्थेनीम्मिट्सत्र देन भित्रिक श्रेष्ठ च अधिकात प्राप्तेक कि रेश कि हे लाट अमेत्रीत अधि विज्ञान व्यनमान किया ! यानि कीट। इत, काहा वरेटल के देशमधीय महामखीत मात्र विद्धाही मछ। ७० हैश्य र्शेष्ठ ध्रधान ध्रधान हेरद्राजी मभाष्टात न তের জুলা বিজ্ঞোদী সন্থাদ পর আর না है , ई लिखबाजिनियात ग्रंथ ७ व्यक्तियात्त्र অধুমাত ব্যাহাত সম্ভাবনা হ ইলেই ভাঁছারা ভারস্বরে ভাহার প্রতিবাদ করিতে আরম্ভ करतन। ১৮৫९ परस्त विटकार कारण কোনু জাতীয় সংয়াৰ পূত্ৰ গ্ৰণ্ডেটেয় भविरमध महायदा कतिशाहिरलम > এ प শের যাৰ্ডীয় লোক বিজে'হলিগু বলিং! অসুসক অসমৰ তুলিখা দিয়া কে.ন জাতী त्र मझाम भाग भवर्गरम्केटक नित्रभन्नादश्त নোণিত দৰ্শনে প্ৰবৰ্ত্তিত ও অধিকত্তর বিপদাণ্য করিবার চেডা পাইরাছিলেন? আর কোনু জ তীর্ম সহাদ পত্রই বা তিদি बटक संबर्गरंबर्गेकेत क्रम ज्ञान कर्नेहर्ग एसन > মীল খটিত গোলবোগের সময়ে কোন क्रांडीव यहाम मैंक क्रांश्विभेटक विद्वांम প্রমুক্তি হুইছে নিবর্জিক করিয়া রাখিয়া हिटलन हे विमा क्रक्क शाटक देन विवादमत व শান্তি ক্ইয়াছে ভাষা পুলিস সেনার ঘারা मय श्वर्यस्टिं चात्रा मरा हाका निर्देशन ছারা নম্ম জামরা পান্ধীজনের কহিছে পারি रक्ष्यल खेळरम्मीत महाम भव क्रेतिर म क्लामिक इहेतारह

कार्या विक्रम चात्र अक प्रतम अ त्यापत विश्व चात्रम स्थापत वात्रम श्रीका त्यापत करिया व्यवपत अपनीम प्रता गरजात वार्याम हो स्थापत करिया व्यवपत अपनीम प्रता गरजात साम अपनीम स्थापत करिया स्थापत अपनीम प्रता वार्याम स्थापत अपनीम स्थापत करिया स्थापत अपनीम स्थापत स्थापत स्थापत अपनीम स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत अपनीम स्थापत स्यापत स्थापत स्थापत

कामरक अनु ग्रह ো স্বীকার করিতাম, किंद गाँदाता हार ल दुबन, चैं। इ.निद्धन्त । निक्टते हेका जान अह विद्रा अधिगशास मा क्रेबा काजानिक एक दनिया अकीश्रम म रुरेटव .काम् ब्राटकः का खेशनिरवान कृष्ट्रा गर्व : चापी**नका नार्ट** > त्य भवनहरूके स् । ए त्रिक्ट सम, ए.इड्ड कि व्यात्मार अपीनमा १३० कड़िशा विखाक विर्वे ७ करिय प्राचित्र शास्त्र । क सम्बी स्ति । एकि भान्यानिका स्वाधीनका समा काक्ट्र महर्थ सं ६३ए। आखत लात, क् নোৰ নালে, অপদ ধ্ৰিৰ নাম খাকেন, ভাহ, इटेटलमें कि हेरु हा, याका निकेशमा निकरिंग © বুতাজ সম্পায় বালায় প্ৰদাদ্সিক ব্≹ त्वम : श्रामा महामा महामा स्थापित स्थाप चाकिरत श्राहिककाति गटभव यरचेकाति इस बा. धहे बिजिया है कि छादा विखेश छ चरत्रमुण महास्रातः य ८५%। स्र स्था बट्यह वाधीनका स्त्रदेश छेमाछ इनेत्राद्यान । यहाँन कार्थ विश्वा जरे, रेश्हाकी अम्हात अहत्व क्षंत्रीनक। इन मा इन्ति कार्त्र (१६ ६ **मिनीय मुक्त यदञ्जत अ।वीनका श्वन हासी**। कद्विश क्रुडक्ष्कः इहेट्छ शास्त्रम् मा । अस्य भः व (मनीव, इंडेर्ज़ाशीय ९ इंश्वास व मित्रा जिल्ल कांव अस्टिस्ट क्ट्रेड्डिस्ट । ग्यन मत हारत्रच जेक्स श्रेखाद कार्यन, कर्य गरम लंड नाट्य यथार्थ कथारे किशाबिद्रतन विकि मुक्तायरश्चव नाशीयला गात्र, टाका करेरल লোকের মনোগত ভাব প্রকৃশি শ্লা প্রকৃত্রে इन्दि। भूनदीत ठाभाषि हिन्दि शाकिरंग। २ विलाश अञ्चलका भारत सक्ष व्हेट्ट त्याक, द्वापूर् भवीरतत वियम विनिक्षेकत हत्र । अ क्रम जामर। हाका निष्टिगत निकटहे आहि अक्टि शहा कविरुक्ति, समीह वाँध बालिश विक्र বুকি করিয়া ভাষা বন্ধ করিয়া বিশ্বের कल अधिक क्षाचा जन्मदत् व त्यस्य हे केटबायी है, अस्त्रको

निस किए निक के रिकास दिखा के निकास

ह्यादक पिन दिन क्यांशन काशन काश

न्य - व्याहर्य समर्थ : स्ट्रेटकेट जातिया, मर्पा ७ जीता प र्कि 'स्ट्रेट्डर्ड , मन्द्रहाई । क्रां लक्षशटक्ष सहिता. भिन्न विकास सेट मुकंस्ट्रेट्स्ट कार् मारंग स त्मरण नकल निर, এনত হয়, ভারতাৰী রাষ্ট্রী धर्मा राजिलाव स्ट्रेस्ट्स के অপমান, অভ্যান্তার ও নিশ্ব किन किन दकाब निकिश्वरिक्षाली क्रम नमास त्र वास्त्रि अहे. म्य 內學 學家 學園計 實際 भारे , दिनि स उपक्ष अपन A ROME ATE ME मर्'न शका धारा भ समिति हो PIR ं कथा कथन, अति **å** ' कारा ७ राज स्था 43. to strike an employed CHIL TO A MAIN WITH च्यका आहेग. মুদ্র ক্রং 五支出位 小母女女教教 海海 新 वाहिकः नी अभिनेत क्रदास्त्री दलाक विभारत के प्र त्यक्ति भार स्पीत क्विति त्वानेत क पह एक का ्कन, देलाही वेलाव प्रमार्थिक त्त्रं मान्त्रिक कामा महिन्द्र है। SICHA RESIDENTE CHARLE (STATE OF THE STATE OF THE TAKE STATE STATE IN STATE अविश द्वा मामान्ट कारण के समाया की गरिनात हो असा Men de aim de gen ge Ma gaite THE RESERVE OF THE SER हैता कड़ाकी ध्यथवार क्षिक क्षेत्र चात्रहा भारत काल



महा । बल्म हि मिनिया । हे महार अब अवा माच करिकांडाड ठ हरेशा पंचीविधि भणवणूर्वय राइ-त्वतरकः मधात क्यारुत मका भर ि इतेशाद्यम । व्यामितिका (करण-তিনিধি ভারতবর্ষীয় সভার ও কমর্স ুসুগাৰ অভি শীল্ল ইহাঁর সভা-क्षा कतिरवसः हेवान मकामनार्थ वर्ग रहेरक कालश्रम वरे वार्ष : শও বৃদদেশের প্রতিমিধি হুইয়া नळामा बाह्रां व्यक्तभड़े कर प्र हे-ह्या कडिएएएए। अरमर्ग रभन्न ाक विरास क्षणमध्या কৰ্ম-नी त् रेर्रात खुला को गर्भ थिता योत्र । व्यन्य व्यन লকর্ম-जारमध्ये छिश्मीक ह नम नेष न जन्छान नाता हर विए । कतिएक रहा, किंक हैनि ' ।धिरे उलाकन ए हेन्रा चारहर । .मटपंत्र ाकता देवीतः क्षांकि जमनि ात्र (य देनि " हत्य अवर्गत्र क्या अत् शर्म

अजात योगन करतमसाहे हें हा हहेएक एक्ट प्रांची कार्य, कार्या कार्या कर्ना गर्म कर्मा कार्य कार्या माहित्य मस्त्र गर्म कर्मा कार्य कार्या माहित्य मस्त्र करियारका राहे किर मर्यात्र मुर्व कर्मि वात्र केन्द्र शी केन्द्र माहित्य क्रिक्त वात्र केन्द्र शी केन्द्र माहित्य है है है क्रिक्त क्रिक्त कर्मा कर्मा कर्मात्र करित्य में क्रिक्त कर्मा कर्मात्र करित्य में क्रिक्त कर्मा करित्य करित्य में क्रिक्त करित्य करित्य करित्य में क्रिक्त करित्य करित्य में क्रिक्त करित्य करि

ाशं क्वेटबन गार्वका धारे चाला ।। कति-

अक्रुवमीटेशका व्यवस्था । तन शीवि

दश्म ।

शः गणि श्रक्षां देखेलायम क्षितां देखां भःटक. छः ए। भून इंख्यां कृष्टी इन मा। छिनि यनि भूकत्वकारण आतं विदेशम नियम करिया। आधिक आत्र देवधां किटिंग गाहिस, आधिक आत्र इंग्यां क्षेत्रकी कथेम श्रक्तां किर्माह साथमार्थ ताद्यां काळ्यकः ६ क्रभ्रहां कविट्यम मा।

क्षिट्यम मा । कि कि कार्या है अनुष्ठान करितन **अस्मिन्द्रीमात्मात अस्टिल्य छेलकोत रहे**ही প্রতি ক্ষিবার সম্ভাবনা আছে, ভাচা कैंग्हांब्र खामभूषमा कृतिया निराय निर्शिष्ट অন্যকে প্রবাস পাইতে হয ম ৷ তিনি अट्यटमा खंदराक मिन जिल्लान . श्टमदमात বিষয়ে তাঁহার স্বিশ্বে অভিন্তা করি-ग़ारह। उथानि भागता छे हारक पक्षी বিষয়ে বিদেশকপে মনোনিবেশ করিছে অনুরোধ করিতেভি, ড'হা সম্পাদিত इंदेरलई अरमदमंत्र यथ्यकीय विषद्यत छेत्रकि काञ्च कि ह्यां कि क्रिक्ट मार्क मार्क। तम विमान-निका। इने हातिण काइ, हरे वाति ही ७. दबरचंत्र नाम. ७ इसे हातिही शक्य निका स्टेरल्ट य निक' नन्श्व रह, म भिकात विभिन्न कामता नत होवलून हित लिशमदक अमुद्रश्रीम क्षिर्णिह मा। छारा अक क्षकात विश्ववधा वंशिटेल इस । (र मिका बाबा अटबंबीइनिटंश्रं धर्मनीकि व वृक्तिइकि প্রভৃতি যাবতীয় বিবর মার্কিত হয়, ভাদুল শিকার্থই আমরা অনুরোধ করিতেতি।তা দুল উবার শিক্ষা ব্যক্তিরেকে কার একপ जाबदी चारको हु हिंद्रकारमञ्जूषा जात्रग्रहक र चल रेडि कतिया अध्यक्ती लाटकत्र हिन दि रुम्। **উৎসাই जन्में क**्षमान्त्राह्मा व कृतियां जु.मा.च नार्ख ? कांत्र अवन नाम र्था चार्ड देव चनक्षत्रकेत्र क्रीक्षकारक पूर्वी ভূত করিনা সাত্র ও সঞ্জিয়াসাত্রক क्षारत वक्षमुन कर्निम विदेश भीरत ? कांत्र ध्येन जामना चाटह त निक उ कार्याकि विविद्रिनी विश्वव आहि पार्टी নতা প্ৰায়বিকে উল্লাপিড ক্ৰিয়া ক্ৰিয়া

्र प्रकारका कृत केंग्र निकासन रक्षा ह विनः भ्रन्थत रहेवात महावना सारे, का कर्य दकाश इंटरक मानित्य । य दर्श র র্যাণান প্ররাস পাওয়াও আবদাক। চারলুন ট্রিলিয়ার লাভ বে কিছ সভা দায়ের লোক। বে কিকের গবর্ণরী পদ कारमः किनि अरमरम हिरलम। बात मर क्षित्र कार्या कारात विलक्षन अधिना चारक । बाग्न नश्टक्षभार्थ कें|होटक चनाज मुखित्कभ कतिएक इरेटन मा। जिनि अक बाब, देमना मश्या ७ देमदमात बाब, প্रतिकथशार्क वरः हैश्लस्थ छोत्रक्रस्यंत्र विक्षिया त्य बाग स्ट्रेटक्ट्स : कास्त्र कि গৃষ্টিপাত করুন, এই সকল বিষয় সংক্রাস্থ ঋপৰায় নিৰান্তি ছইলেই বৰ্ষাকালের গৰা ভ্ৰোতের ম্যার আয়ের ভ্রোক বৃধিত अ क्षवाहिक इंदेख बाकित्व । बाक्शाक्रल क सम्बोध रपांचा काञ्चिमिनटक केळ शन এখান করাও বায় সংক্ষেপের একটা উৎ

उनात । जेनसरहात हरन जात अस्ति विवस्त जिल्ला कर्या जायनार हरेट्ट । विवस्त कर्या कर्या कर्या कर्या कर्या क्रियार क्रियार क्रियार अस्ति कर्या कर्या क्रियार क्रियार क्रियार व्यव क्रियार क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्र

er finn office finish making of other office finish making of other office and colors fill as other colors of the colors fill a finish other colors of the finish and file office of the finish finish office at a other colors of the finish office of the other

वर्गा गर्भ और HAM HE SECOLULAR IN A SECO ME OF A COMPANY MINES, MANUAL আনা , বিয়াৰে নেৰাণ্ডি ব্যৱসাহিত अक्रमक क्यांक सहेता वाणायक महोत when here were many to the THE WINDS PACE CHAPTER VICES IN शामित्र शामानकि हेन व व विके पनि इटिन देवेंबानांकि वहेन्द्र न्याहरूत । जन्यादक die And Coultant Ballinger aus प्रका नरिरफ्ट्र । (न्द्रीनिष नीक्न एकि न गरक रमन के क्टब्स शांवि कोबाटनड त्वीका करिया प्रक्रिन जिल्ल विकारक्त 1 के जात मन दुवं एक कहिलान र कामान जन निरंक विद्वारी स्वतिविध नाविध । भागत निहम स्वयास्त्री कि ४०००० रेन्स गम विकास होता. स्वीत अपन स्वीत स्वात । केक्क प्रमाने जानात्रक नरीत मिनाने अप वक्ष कान्द्रिक्टक्त न । एक कान्निक वर्ष जाति कार भूजिक खोरा पूर्णक पूरा कार कार्रिका यत्रभनीरेण विष्यक्ष ज्यानामनः कविश्वतः की निर्देशका । रेड्स बहुबब नकान्ति निवनंत्र महत्वारेट्ड अस्टिनाकार एडि श्री कारारक सूर्य जन्मता स्वीप सुरम्म । कर्त्यात विभिन्ने का साम का विभीन न भवित्री प्राणावके शक्षः महित्याः विद्वा क्षेत्र में कार के बाद माजान करिने, पूर बाबरे क्राविक के अबर क्या करेता हती क्रु ररेल । के नाम कारोबा निया पूर्ण बना काश केनेट्ड प्रत्यक्त करें। परिकार महित्रा नार्कको भू त्यान चित्र विद्यादि विद्या तुम्बा पुरस्कातकारम् सहित्यम् । A STATE OF THE PARTY OF THE PAR के बीकान स्थान कर बर्गाटर ! वात तमा हरे मार्थिक विकास मान्या है जातिक विशिष्टिक नाम स्केश श्रेष निर्वित्त विश्व प्रक्रियार्थन । जीस्त्र विश्व विश्व कर्य के देखा निरूप स्टेगर्ट्स क्रिक्ट स्वेश क्रिक्ट क्रिक्ट स्टेगर्ट्स क्रिक्ट स्वेश

बारा रहेक, जावता जात्वीतकात करेक क्रीक नाडि नड क्या क्येंबरहर्षि मा বিশ্ব নিটোপ বে প্রকার নাত্স গ্রহ্মার্কার वर्णन रहिरण्डन, चार्डक प्राक्षा व ভাগৰি ও সেরাপ্তিবিসকে ক্ষতিকারী त्यकः अभिरुम् कतिएक स्टेटमाटम्_र क्रीस् विष्ट्रणत कि अक्षा ! कि मोहन । 'तक संद भक्कन र देनभारना करन्य कतिएकहरू कर बाबर्वे अताबिक परेटक्टर ! अकारहें क्रिकी পঞ্জি লিক্সন বিভন্ন দৌহাইভ জাইভে সেনা সংগ্রহ করিয়াছেন। দক্ষিণ বিভাগ अक्कार्टन सन् , रहेब्रोटर । एकका बीजिका अक्कारम वक् श्रेत् तित्रार्ह । बाबा ज रबाद चन्न क मगनकि अ नार्वन मि भगस्य रहेशास्त्र । देशल अध्यक्षित सुर লিভলনের ঘোৰণা অনুসারে কাম্বিরিয়ে स्क्र स्वित्र स्थवा स्रेटक्ट्रा ।, इत्रेक्ट्रिक लिएन्डे क्वांकि स्मना मश्त्रकी अवैद्यादक के रेराता विलयन नारन व्यक्तिय भूक्त प्रश्न क्रिएएटर । स्था बार्टरण्डस् नर्व साहनरे क्षां वारमहा अक्रिक्त वाले मुक्त क भवन्त्रमान्त्रेत्र (नमाचान क्यान क्यानिक **८ए। काका विद्याशिक्तिक श्रिविध अव्यक्त** श्राक्ष्यन ग्रह क्षिएक एक्टकटक । सर्विट्रा रकार्यक्र विवयं करे, क क्रक जनस्वाक्रिक विकेश रामशांतक स्टेटकटका रमसामान वाक्नीक केन केन विद्यारी देनहाँ के व नेत्र वर कडाएड मडान्स द्वानित ब्राह्म, गाँव भारतीलार केशाह स जबर्गन कहा ना रहा, जारा स्ट्रीटन स्व बर्श्टबरकेत चालिकृत के शह देखी का बाज ब्यानिशटक्य वर्ष स्था निवसन रेश्त्र अन्तिनात् म् तरका हा बाबका । बाक्टर अ बुक्त कराय अने बंदि बाजून कर्त्रल । क्या-ी विद्यादक्त जलदेत । काहा

अर बीमको मनियानिक स्ट्रिय संस्था माने वाहि कारि नक्षेत्र वार्गिकात्रका FILLS, THE & FOR MERSO, WHEN वानेनवा प्रवृद्धि कृतको कि एकेटवर्ड. तम बहात परि प्रतिमाल स्थित क्षेत्र कार्य स्व, काराटक ए क्षित्र के क्षिति देशका व वार्यक का द न कर्षा अवन मटर, हेगानीकर न्दारी श्रीकृषा अत्रिका प्राप्त the state were the livery शाय व पश्चिमात्र करिया मनूष बंद यह विकासिक करें। कर्पना । कार्यंत कर्पन ाटक्षण, क्यांटर माजिए गानक िश्रक विकेश स्टेश ज्ञान राज्य वार्ष विश्वापन क्रिक्ट , देश र्व नक्षाक्ष विका गरर ।

CBE . विविध अर्याम श्रेक दर्गाव व्यक्तिकार ।

₹हे

णि । शत्रवर्षात कार्यः शासी के के हे गूटिया था। चा कामकसी है नकी के किया है जीवृक्त बाह् बाक्कांत्र साम कोर्य व्यक्षात्र बेटमार्थीः । त्यक्षे हर्माः समाप्त का क जनकिया, कार्य अपूर्णिक व नेवान्द्रवन्न द्वारी। अन्नित्तन्त्र द्वारीकृतः अन्नि काम करिएम खमान हैहेगांक हानाप श्राह, काशाहः केशानन् महिला कश्रापत ারিতে পারেন, সম্বিক এতিরা ভারাক

क्रिक्रांबदकडे परवज, यह विडेट्डाके गर्कर ক্লীক্লাক্রিতে নিয়াভিতন্ত্র কর্মার क्रिके कतियात जान क्रितं क्रिकेश किया विक्रीत थात्रीत जग कहा होने क्षेत्र के विकास के किए जा राजवर ने स्व 71

कि क निकास स्वीताद्वन दव याकि प्रता विकास सम्बद्ध करियाहिन छात्। प्रता विकास सम्बद्ध सम्बद्धा रहेतारह। क का राज सरकार जिल्ला किया देश पूर्व नाहिमग्रदक गृष्ठ कहा जिल्ला काश्रीव अक िक करके अने मात्रिक मेंची बहर ।

THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH cate cutrit es sie denne . Gietal क्षा द्विता वर्षे क्षा क्षा है। क्षा अकृत्त रहित्र क्षेत्र स्थापन स्थापन का विश्व कर्मा कर ।

११ शनिया दनमामदम्ब या करेन प्रत् नामक त्य रेश्निक श्रेष्ठ कोलंड बार्ट राजकियो बाबेक कर्यकार्यहरू क्षेत्री केंद्रिया बाह्य कवित्र मन्त्री स्ट्रिक्टि स्ट्रिक्टि स्ट्रिक्टिन राजन्त्र (कान-बूक्ष के क्षाबाद में मुक्ता मानिक विश्वास **《京都 电影响 《京都市图图15岁年》**

े दिलिशियां कर्मण निवस देशिन अक्षिक क्रांक्सक अंक काइन प्रतिश्रा साहेरन कि मी क्षेत्रक महत्त्वम चारह । शवर्रवके स्व का দার ইঞ্জিরিয়র চাংহন, তরূপ কোন হার श्रीक क्षेत्रकरक्ष मा । देशांत वटशहे कृतिकत श्रीबद्धकृतिक नियामिद्धक्ष देशिनियत अधिष-वर्दर् हे बहुद्वा जिन्हाया। अस्त्रं क्षेत्रं अक्षण जाना बार्ट्र । कक्ष्मव प्रभाव यति विनागानि छैव-क्षेत्र कर्षा कर्ष, क्यानात पुरमारक्षम स्वेत्री वा इंटिंग ।

ें क्षेत्रेय म क्षेत्र केलिया बरमन जानानि वन बोदम मुक्तांत देवेटतांटम निव निविध प्रमान मानिक ब्रोका अकर्त ब्रद्धां 🛶

19 · 中部 17 · 17 · 17 · 17 · 17 · 17 · 17 · 17	401
A SERVICE MAY TO	4,00,000
कोडामर्ग कोहाड के नोज कोहाड	3,40,000
वितार कार्यका कामुद्रिक	

> 10,000 液工学 介则则有更称为。 the spiritual internation of the left the simplicate a los de con again nife fig. with a primarico se fire अवर समीवाहः जनुसान क्या वर्ष बहेराहरू जारवातिकात प्रकारक जानिक किंग्र कांग्री औ (व, खुंबर खेंबरहायंद्र माहना ना

উক্তগংকার স্বাভায়কবারিক शंको सरका होन्या महिरूप कहानहः क्रिकि कर अभ महीदार आको जिहादान।

de action in a said inches said cata and satisfaction again also हाक्टिका महान करेंटेस शास्त्रक ।

that withing upon, with the पुरस्य पूर्व वर्षेट्ड सन क्षेत्र स्टब्स् क फरत । जिला दिश राजाकी विकासकत, "त जैक क्षेत्र गाँउ देखी दिस । अक्ष अवस्त्र व त्रामित्री क्टबेंक बीचि खन्त्राचे केंद्रेश धार्यकेल का अन्य के क्षेत्र है के विकास के अने हैं कि किए कि प्रेयमणी विद्यासी के बन्धिया में स्टेश के स्टेश निकारिक्ष की व्यवस्थित है। मानुस्कर प्राक्षित **《美国》。 山田、田村市、山村市、北京市、田村、東** न्त्रभक्त निर्मातीय भूषा । प्राप्त प्राप्त । रुक ७ अने जनान जारिक सहिताको जन् भिन्ने करवक कन शन्तिक कविवादक ।

feifem wird wifellen finis bein नीक भन् । निवंत्र) कहा घरेटन । काक्सक । छात्रकर्वीत जिमानरमा प्राचिएका और कार्य न नरेरकत हो हा स्ट्रेबाटक । "उठ्डेब स्थालक यग केववर्षिटमात्र श्रामात्र विद्या विद्या विद्या अस पक्ष का करिया गणिएन अस्ति विकास म बहेश कुक्का गाँउ क बहेद तम स्मिट्स किंद्र विर्देश प्रदर्भ केलिक आने विष्यान अधिकार CE 1 WHEN THE PART SCH. BUTTON WHEN eredit mean in the fire and equipment are कारतेला अवस्थितहरू अन् याने निरंतु विश्वास ।

·) of the section ं अविदेश अविद स्वाकाय अधिक दी क होने nich dictar ficiality with with MANAGER AS INCHES HE WOUND HE **《神》中的**

stablished believed hear and महार्य कर्मको क्यान क्रियानित चंड कार्य नर्व नम् चार्डितिक चनाकः निवन कार्यः। कार्यात् कविष्यस्य रक्ष्मीक नाद्रव A STATE STATE OF THE STATE OF T

THE RECESS OF THE PERSON कार देन जिन्हा है अधिकार ने प्राप्त विश्व । विभिन्न विभिन विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न

ध्यानांशांनाम त्याचे क अका नाविएहे हैं পাইয়ার স হেবের ওয়ানক কড্যাচারের এক प्रदेशि खन्मिन पहिलाद्या । के बाबिटरे है अवीक्षांत्र वांचू केयती निरम्हक विना केंद्रितन इंडाकाडी विका हुए करबन । आहे बान भवान केश्वाटक न्यके कारकान साथा करा। क्षेत्री निरंप नाजवात विकारता बार्यमा कतिहा जानकार्य प्रकारक वर्ष सम जारेगीटक ितं नव मोर्चन कहिएक बहुम्म । क्यान्यः माक्षित्वे हे जिलादन हवाकांत्र पश्चित चौकार करबन महि। मामिटर है मानगा वाहिए माभीमिटभव अवाममणि महेबाद्यमः। सामी-त्यम् काला विशा काला वान महिं। कारेगी এবিবারে কবিস্করের মিকটে আপীর করেন। क विभवन वर्ष श्रम कड़िया सहस्राहक रवेग्डेवले गर्नेटक्क निष्यु क्यांट्याम कर्ष । ब्रेट्स व्यवस्थ ताज जाना मा स्विधिकार अल्लान करियाट ন। উদ্ধান পশ্চিমাঞ্চলর স্বর্ পাছারতে अविवासम् मानीन वरेत्रास्य । भाषित्रे हे त्य cula alkaiten fin G ace hei weit secuntiffere wie Francisco utel Well fritte affecte). गत करि देश क्षानीय । क्षेत्रि से निहरन परिवास बाबसाय निवासन बहर्ष मा

केटकामाः क्रिकेशांक्षेत्रवयात्राटम् अहोद्दासः साम्हा-प्राम्त्रात्रः

े विशिष्य ब्राम्म, कांत्रखर्शन शार्षमाहेत्र क्षित्रकार विका गानिमानगणा गार्थमाहेत्रकार श्रीक कृषि कर्जियात शाक्षाय महिलारहम् १ १००० हेक्स हिन्द, २००० होकात क्षांत्र कर्जू-सारम् । कांच्या देशात स्कांत कांत्रग श्रीक १७१६ का । १.

जाता नड हांद्रमन है निविद्यास, स्मास्त जैमेनियां के देखा नारस्य स्निकाचाद्र आणि-गोरस्य ।

र जो मांच व्यवद्याः

अधिनिष्ठ गळि अस्ति श्रीत्माहकत्त हात्रहें गढाम करक। देशहा हिन्स वनीत्र मत्या करक व जाहित्र वित्य माश्र कीतिक बारक। बी लाकहित काकिर्दर्श शांतिक व्यक्ति करेशिंदर। क्रांत्रित विशाक हिकिर्यक शांतिक वर्षे कालांश हिक्तिम करिशाहक।

नारमात्र क्रिक्न बर्गम मनाह्य हार्थाह्य जल्लाव जल्लारत स्वर्गक स्वर्गह्य स्वर्गह्य हेमार्ग दिख्य खेंचात्र बढी मंद्रिया स्वर्गव जाहित बारम्ग । स्वर्गहें दिख्य द्वाचात्र मिक्ट क्रिक्स बारम मन्द्र होना स्वयम ख चत्रव स्थानस्थि जाव वाहरमात्र विकास मनाह्य होना क्रिक्स बक्ती क्रम्म मध्याह बरहे ।

श्री विषेत्र खळाडाँ वारमध्य कांने क्यां-श्री वार वार वार वार वार वार वार वार वरमझ खार विषय श्री कांच हाका अवीत हार अवाद मक्या कार वार वार वार वार वार का विषय केंगरत कर्ष गरक कांच्या कि कृष्टि क्रेरव

नखरनेत कहा वृक्ति क्रम्पः वृक्ति क्

THE PERSON NAMED OF THE PE

THE STATE OF THE PARTY OF THE P

माण्ड व्यक्ति । स्वास्त्र के स्व

विश्व की दिश्वाप पर जन गड़ दर क्या के कि कि कि महत्म जन जन विश् कि निक्कित के कि एक कि जन जनेता कि मिल्लिक के कि कि दिश्व करा है कि क्या जिसे का जिसे क्या कि कि नता बाक्षित एवं । किया त्य क्यांने एक बहेता-व्य हिन त्य क्यांने अटन्य बद्धाः क्यांत्रेश ब्यांन वि-म त्यांन बक्किन क्यांन्यस्थाः क्यांत्रेशः

व वीत्रकार काली द्रवांच्यांक करनेति-गरम देव विकास गाउन व्यक्तिका गांच विका रहन ।

नव्यक्ति विकासमा स्मारका नव हात्मन व्यक्तिकारक श्रद्ध श्रेषांन कविष्ठ विकासिक स्मारकात अकटन आर्थ स्मारक अक्षान काल स्मारकात अकटन आर्थ स्मेरा काल्यकात अक्षान स्वयक्ति । अकटन तह हावनन विकास आर्था स्वयक्ति काला नाम काला हावनन विकास अक्षान हिस्स

न्यान क्रिया प्राप्त क्रियो सम्बद्ध नाहेगा अपृत्ति क्रांस्य सम्बद्धाःसम्बद्धाः

TOTAL COLUMN TO SERVICE STATE STATE

হিনাৰ অংগৰা এ নি প্ৰাৰ্থ জন্ম হাৰ্যাৰ উভ সমেতি শুন্ধীৰ শুনুৰ জন্ম

ति विश्व कांडियर्डन अगर शिव कडिया । हिंदी को र जिल्लाह स्व कांच कोर्टकहरू कर्मी कि वस्तिक जावादिशस्य अब्दिर्ड कर्मिक किंदि जात विश्वस्ति । क्षिति जात विश्वस्ति ।

हैं कि निवास न पांच शहे शहिन विद्यादी एक काश्रक का नामा न्यांक शिन कर उद्यक्त निवास कर बादि चारमहिना नवर्ग-रमाने के प्राचित का कार्यक करेंद्र करेंद्र है प्राचित्र कार्यक कार्यक करेंद्र करेंद्र मार्गितिनात अन्तरम्भी कार्यक करेंद्र कार्यक इस्त्री कार्यक कार्यक करेंद्र कार्यक क्रिया

্ৰন্দেনীয় প্ৰথমেক পাখা বেইল্বনে ও ভূলার পাখা রাখা সকলের বিবরে করেক বেলি পাঁত প্রকাশ করিরাছেল। নদীয়া জিলার করেকট পাখা রাখা হইডেছে। বারাসভ ষ্ট্রাবিলোকরের শংখার কড দুর ?

্ৰে,ও অব ইণ্ডিরার এককর সুরসিদাবাদ হইছে নিশিরাহেন, যদিও সিবিলিয়ানেরা আগন আগন সীমার মধ্যে ভূষি কর করিতে পারিধেন না আইন আহে তথাপি বীতন

come de les la la casa de la la casa de la casa del casa de la casa del casa de la casa

ন বা নাম অনুবার।
নিয়ালয়কের টেন্নের নিজার বে বাজার ও
পুতরিনী ঘটতেকে, নেই পুতরিনীর বৃদ্ধিপার
বহু নিনি ঘটতে । ভারেক্রন মতুর নেই
কিনির নীকে বইতে রবিক্রা খনক করিছেছিল,
হঠাৎ চিনির নাথা আজিয়া পারিক বইবা দুই
কান বজুর হাল ঘট্ডাকে। বল্লেরাভ আহামক ভারাবারকের ও কি জন্ধ হিলেন প্

ইভিরান রিক্সারে দুই বুইল ছারভবনীর লভা ছালোকনিবের জনা অভন্ত গাড়ী করি বার প্রার্থনার রেইয়ঙ্গে বোম্পারি ও গ্রণ-

शास्त्र । जाना निरम्ब नुनार्क्य अकरण (व श्र नात जनको, कादारक कुटानात जनके निकास जानकान, किस, नकाद, जार्यक्रम कुरूक द्वम करे कार्यना नुना देश, द्वनातो के जनकी ना केटिएक शास्त्र ।

द्राचांग्रेद्रस्य अच्छान है। त्रांच्य उत्र का गांद्यमाद्रस्यस्य क्रांचित्रांच्यी मुख्यस्य दिना करत १०, ०० है।का कर्यस्य विशादका काल अच्छान कर प्रकार भगांद्रस्य कालक स्थान स हाति है।का कर्यस्य भगांद्रस्य कालक स्थान विद्या काणांस्य केणांस्य स्थानित कालकियांका कर व त्यांच्यांस्य कालका कालक स्थानस्य साचे विशादक कालका कालक स्थानस्य साचे विशादक कालका स्थानस्य त्रांच्यां

water to the same

य गरता क्षेत्र क्षेत्

जारवितिशंत के विर्वा जाकि कांग्रेक कियम जावात मां के तिया जाकिएक लीटर्स । मामकि हुई श्रेतिहास कुम जाकि के कियम जार स आहा रह गाँदे क्यांनि जारासिंदशब्द इमकि विन्न, किय कांग्रेनिटशब्द कुमूर स्थान मुख्यास स्वैद्याहिन । विकासिंदश्य कुमूर स्थान मुख्यास स्वैद्याहिन । विकासिंदश्य लीक हा-श्रेन श्राटन बांग्रास कि सिम्हारहम लीक हा-श्रेन श्राटन बांग्रास स्वीद्याहम्म स्वीक हा-श्रेन श्राटन बांग्रास स्वीद्याहम्म स्वीक हा-श्रीन श्रीटन वांग्रास के विकास स्वर्धि स्व

मध्यत्व अक द्वर्शक्य स्थाण्यां व्याचा-म मन गांकिम गांद्रवादम अके हानारेगांत्र हा कतिरक्षदक्ष । हेवादक क्यिन ख्रायांत्र बाहे। कहें क्षेक्षियकांत्र ५१३० हानां बाहेद्य। कामका करव शिल्लाह्य बाला शक् हानांत्र साथि करें।

ফিনিক বলেন গাড রখবাব লর চারন্দ ট্রিবিনিয়ান পোষ্ট আফিল ও টাকলাল লগন করিছে গিরাছিলেল। ডক্তা কর্মচারিকা ইনাডে স্থির করিয়াছেন ভারাদিনের জনে কেয় মর্ম ইন্তিল। সর চার্ল্য এলনিখ বিবরে বেন প্রথমে হন্তাপণ না করেন।

हे भाप भीनश्व ।

खांद्रखर्गींद्र देगानात् अक कर कर्षाणंते सक्यनार्दे नयाणात शद्ध विक तिथा निर्णा नव्यर्गत कल्याप्टरूद याद्य श्रीनात व्यक्षितांश करत्व, जार'टि प्रदूषन शाद्धर व्यानात्रीत श क रहेग्रा चित्रप्राद्धत द्य जानात्री अकरण क नात्रथ विद्या निर्णा करा वर्षेत्राद्ध द्विटि श-तिश्व क्षण्य जाल करिज्यक्रम अवर बानीत यादा गांद्र बहेत्राद्ध खांका श्रीन क्षणाम क्षिट्य हैमा-ख जाद्धम । अञ्चल्लाक्ष सार्थ भाग्य ।

প্রেশায়ারে পরপাল টাউরাছিল বিস্ত কোন ক্ষতি করে নাই।

क्षिटिकटकडे बर्जन कांत्र वाडिठात क्षांस बता लाइटिक खीत मखक ७ शुक्रत्तत क्षक पृथ्व कतिया खांशिरजात ज्यांत्तत विन्त्र मगद्र क्षांठ त कतिया क्षांत्र ज्यात अक क्षम ह्यांद्रक एक क्ष्मम क्षा एथ वहंद्य। कांत्रक कांक्षित तिष्टे श्रीक्षकान कत्न कत्रोहेंद्री विटक्षम् ।

গজান্তান উপারকে মানঃ এনেশ হউতে বল্পান কাল্পার কোলের বল্পান যাত্রী কালীকে প্রথমের হউসালিন।

शक बारबह करबडेमिनिडेन दिविछे मानक

गमामक गाः धात्रखरगीं विक्रांत कांदी गाँव खेल मह गोंगा कर्क विक्र क्या क्षेत्रहार है। ब्राह्मकार महत्वा विश्वत चाटकाशम ब्रह्मकार साम्बद्धकार मान विश्वत करेटक गाइत।

্ ইন্ডিয়াল বিষয় বলেন, স্বালালা নেত্ৰয় লেপ্টম্ক পৰবর ১৭ই অপ্রয়ায়ি পাটনার য'আ' করিখেন। প্রত্যাগমন কালে কিছু বিসং গায়জিনিতে থাকিখেন।

উক্ত পত্ৰ আহ্বো বলেন ত্ৰিবাজুরেছরাজা নিজ রাজধানীকে গ্রহন করিরাছের এবং কো-ক্রিনাধিপজি দাল্লালে আসিবের।

ेक शक्ष चाद्धा बरमन बांदू क्रम्पड्स राम वाक्षणीञ्चगाद्य जाश्मर्यक्रम जावक्षीयम विद्रार्ट्य । जाश्मिरशङ्ग अक सम शक्षरव्यक्रम विश्रित शक्षित जाह्माद्यक्रम, क्रम्पट्टम स्थितिक विराज नराष्ट्र मासू सांड, विश्रात व देस्त्रापि व्यक्षित क्रा ब्रम्माद्दिन । स्थ्यस बांद्र अक्ष्म प्रतिरंग जामाप्तिरगद्ध छ अक्ष्म स्थाप ब्रहेरक क्रम्पत

ভারতবর্ষীর বাবছাপক সভা ।

- নই ৰ। ছবাৰি বুধবার ব্রজ্ঞানীয় কাজায় সভিত অনত্য গ্ৰহণেটোর যে ল'ছ কটাছেছে। মেইন সংঘৰ ভংসংক্রান্ত এক বিল সিজেই কাম্যান ভাল অর্থা, কবিরী ছই সপ্তাহিত্য। নাম বি গোট দিকে অক্সাভি করিয়াছের।

তি। ব আগত সামিলিও উপনিবেশের বাজ-কার্ব্য বিচাবের উলিওব মিল সিলেক্ট কনিটির ১ ক অভাপর করিয়া ভিন সঞ্জাবের সংখ্য বিপোর্ট বিজে বলিয়াকেন।

নারিংটন সামের রটবাবিক্ত ব্রভালেশের

দেওরানী লেকলাবার কার্যা নির্মানিক করিবার

হ বালানীমান্তর্গত বিভাব করতা বিধিকত

ন নার, আহ উক্ত প্রধানেশে কর্তনাকী লাইন

গুলাক করিবার অভিনাতে যে বিল করিবারি

লোন নির্দেশ করিবার বিকার্তে আরা নালে

লোন বিধিক হইতে ন্যান্ত্রীর নিকটে আ
লিবা করিবার করা হারিংটন সাহেব যে বিলা
করিবার করা নালের করিবার করা ভিনি যে বিলা
সিলোর নাম্পানর করিবার করা ভিনি যে বিলা
সিলোর নাম্পানর করিবার করা ভিনি যে বিলা
সিলোর নাম্পানর করিবার করা ভিনি যে বিলা
সিলোর নাম্পান করিবার করা ভিনি যে বিলা
সিলোর নাম্পান করিবার করা ভিনি যে বিলা

ইউরোপীৰ সমাচার।

स्ता १० दे जित्तवत वृष्टि चित्र स्वर्गामंत्री । प्राणित वृष्ट्र कार्यावर्गेन विश्व क्रिक्ट कार्ये क्रिक्ट विश्व देशि इंग्राह्म क्रिक्ट्य । क्राइ दर्गान ग्रें शांद्राच वृष्ट्र क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रि स्तायका अस्य का स्वयंति कार्यान्य त्यकी नकाम का विरोधनाम क्रिकेट्स १९३३

त्यानवस्य विश्वासम्बद्धाः स्थान विश्वास्य व्याप्त विश्वासम्बद्धाः स्थान व्याप्त व्याप

শ্বিক আৰু ওংমন্ত্ৰি ইংসাৰে প্ৰতি ক্ষিণ্ডতৰ উইন্দান প্ৰৱেশৰ ক্ষাৰ্থ কৰিব অনুসাদী আংগ্ৰহণ হৈছি স্থানিক সম্পন্ন ক্ষিত্ৰ

তুলার আমর্মনি না আর্থের বহাতত উপস্থিত ১ই৮:ছে। পারিবলী আছা লাভ কবিবেই।

विश्व विश्व है ने स्वत ने स्वत है कि स्वत ह

भा तम-३०० क्रिक्टका शिक्टका राष्ट्रकात क्राव्यक्त श्रुप्त निरश्ताकी विक्रिक रात निविक राज्य पहुंचीय श्रुप्तिस्ति

मध्य-२३० विक्रांत्रं १ वाकी केंद्रित विक्रित केंद्रित विक्रित केंद्रित कें

मधन-दे के जित्यका 30 के जित्य काक पूर्व आरंगित्यक छेउतार (१त . १ का क्यू का विकास आंध्यान कि इस प्रत्यान किक्क के प्रत्या अवालियां छ यूक कि विका के पूर्व प्रत्या त्यालिक काल करता ल कांत्र के का कांग्या क्षेत्र दिन कांग्या भूवार्ताच यूक क्षेत्र हिंद्र कि विश्व कांग्या क्रिक क्षेत्र कांग्या करिंग्य (१)

জেশ্যাল নরশ্যাইত রেপ নক মনীর বিশ্বীণ কবিলা প্রপাবে আনিয়াছেল, ই কল্পুত্তে প্রাত ক্রয়াছে। ক্রেটারিকন্ ২ প্রতিকন নাম কর্মেক্ ক্যাটারিকি স্কর্ম

्र के पूर्व केवलक्ष्मात थ००० देवला आव ्रेबाट्स । अंक्षतंत्राचे नार्वित किविति गां-क्षिकांका विक्रीतरकत्र लाट्य विश्वक वर्षेत्र

लक्ष--- १९वे किटनश्त । आह्वकिया केख-१८गत्रः स्थारकमा २००० रेशमा वस वर्तकारक ्रीकृष नवाकित क्षेत्र। स्थानक वदी ्त अलोक्स कतिकारक.।

गर्वादयक विकालन। बासमाहत्रमीय रमन्द्रेनकेश्वरदात् ्र चारक्षाक्ष्मात्री विद्यान ।

ः है बाक्रीरम-विश्वामिक कारणातका भूत्रविष्यविद्यालय विश्वाचित्र विश्वाचित्रक विश्वाच-शीकर कवा नांधातन विद्या निका कविष्टित नेका 5岁(4件 私

वाका क्षत्रमात्राक्षण (सर्व। = दाव देशक काकान का सीमा। मनाय देनेक व्यक्तिक माली वी। कि बागला व गाउँचे व

: २ अते हिंदरमध्य-कि: कर्गनेते, विकिश नाट्य

शामानी विकास का कार्य ? : hu क्रिकार - क्रविति, धन, क्राविकिलन ्यत दर्भन विशासिक्य तथात्र अक्सन नका

TA GENT PROPER PLENERS NA 5 शतीरकाषी वीरवर्ग वाकारियात वि-्रद्रवित्रे महादेश के बीत्र क्यमीत भवी-

मर आर्थिश में बंबेटरेन र व्हराद्वित बन्, बि, जिन्

THAT WE GE ! अधितिक नक्कारी कविनवर्त्र बका, नेरक्किन, ्र क्रामाण बहेर्स्ड मर्जाटक वस स बहेरवने । र स्ट्रिकि अरेडव अल्बर कार्कर के पार्टिक कारते विकृष्णियरमञ्ज सामा कृष्णि श्राटमञ्ज सामीन ्रत्यात (वृक्षिते) इंडेट्रबंग ।

वह् आञ्चाहि-वे. ता देलिके माध्या असिधि निमन्देशीकित करने । इ व्यक्ति २५ वर्ष १३ धारेत्वम ७৮ श्रीमाञ्चलादर १ में बेर्ल्स्ट - कमकी शाहेरबर।

कें काक्ष्माहि—ये. शहेड Cक्षमा नारवर्ष भारता अभिरयन कुँ शेत हवानीय मक्यायी Hate Berten

२ वं अध्यादक मान, हि. अक क्षामनन हरा अस्त अस्त के जारेशनर प्रकृतात

क्षेत्र के किया है सके हैं है है जिल्ह न मार्थि हिंदी आधिकात मान्दिय गरor or transmitten film and an oben at-र १९ प्राचीनके भी बनेड क्रिनीरह मामकृत्यन क्षेत्र दक्षनीय अभीत दक्षका के दक्ष a region a

· · miggiffe die antique affert-उक् महिन्दिशास्त्र ता मनदेशके मिल

क्षार्थरकात व्यक्तिकात्र रवक्तियेत हरेशासन । क्षेत्र क्षाप्रशासिक-नानिशास्त्र नवकाती ता-क्रिकेट क्षाप्रशासिक-नानिशास्त्र नवकाती ता-क्रिकेट क्षाप्रशासिक क्षेत्र क्षाप्तिकात्र क्षेत्रा-क्षारस्त्र क्षाप्तिकात्र के स्वभूषि करमहेन क्षेत्रा-एक्ष्य क्रिकेशिक्ष ३६७६ व्यक्ति ३ व्यक्तिक ৰ,পাঁরাদ্ধ অন্ত্রপাত্ত নিজেভিড কর্মচারীয়। ১৮-धक्षेत्रकेश के व्यक्तिय व अन्त्रेत्र व्यक्ति अन व्यक्तिक्षां विश्वकरके किन स्थानिक के रकेत समावा आब रहेगा निम निविक प्रार्थ किन्न वहेश्वादन।

शि में इच्छि माह्य माविविधिका छै । তেপুরি কলেটবের অভিনিধি হটরাছেন।

ভব্লিট সারখ্য সংখেব ও বাবু ভগবানচক্র त्यांव त्यापूर्ण त्यांवरके हैं व्येशीरक्य :

खान्न, शाम्बद्धि मारङ्ग विकारमञ्ज बङ्काडी निविध नक्षाराय अधिनिव क्षेत्राह्य ।

(म, मि, (कुथ देवनमांत्रश्यम अक्कांत्री ति-विक जरकरवन शिकिविध स्त्रेशांट्व ।

(क्ष्रहेन है जि, दर्के हे बारबंध अ- ७६ मेरल द 5. काहेश्यत उम श्रांत कामारक कामतराभन्न मह-কারী ক্ষিস্থয় হইরাছেন !

তাৰমণ্ডদাৰবারের ভেপুটা নেকিট্টে ও **एक पूछि काटलक है है जि. जि. जि. दब्छे**न नारम्ब बीबकाम शहन बहैका जबला मानिस्मिति সন্ধ্ক্ৰে প্ৰাপ্ত হইয়াহেশ !

इं के अध्याति -- त्मकत 'उवकिति का' क উদ্ধান সাংগ্ৰ ৰচ্যমপুত্ৰে মিউনিলিপাল क्षतिहित अक्छन महा इडेग्राट्सन ।

ক্ষে, এ, ৰণ্ডভিনন সংখ্যের বেছায়ের মেকি होत्रीय के करमकेरत्य सन्वादी वरेया अल्का आरक्षत २४ भा हेलाइ ३२ भा ताक्षमादद विकीय दिस्तीव दमकिट्ये छित्र कमका त्रांश ४ वेश्रांसन ।

क्षेत्र क्रार्क मान्यव राष्ट्रकांव मान्यक्ष्मे । कारमञ्जरदेव महणाही बहेश लेख आहेरनत अस-मार्ड किडीब दर्जनीय वाक्तिकि एति क्रमण, टार्ड व केंद्रबन्धः।

(म CB आहे अम मार्ट्स प्रतीत मा कि रहे हैं : कटलकेस् व असिमहर्शकालीत महकारी वहेता जिला आह्रिन बाह्यनाथ पित्रीत ध्यानीत मानित **्रेक्ट कवला मार्डिश्टरमा**

बन्द्र, जितिभक्ति त्यांत त्रमधेरतत अर्थान मसन क्षांजिन क्षेत्रका क्षित्र व श्रीमाह्यका काम अभूमिक माध्य करुपिन वाचन्त्रेरकत क्षाम मन्द्र आदित्वय क्षांतिति थाकित्वम ।

जक्त का वटमत अधिविध दमक्ति विम म-शिक तक्ष्यक्षात मन्त्र अधिम । मन्त्र छैनरमञ् शुक्तक व देवां हन ।

म्बालि वादिनव विक्रुमिः नव समा न-मन कर्मामं इत्पादक्षण ।

বাহু বাহৰণক ভৌহুৱী বাক্ডার সদর আ श्रम ७ महत्रक्रिमरेशक में लिय परिवारक्रम ।

「用る」で有來 **等等 中東大学中海第** 电复数12更可 1

भार मादकीय पाणिका बाह्या कानी करकेश दश्य वर्षात्र वृद्धाः प्रवृद्धि वर्षिक वर्षा वर्षा वर्षा-ৰ ক্ৰাৰ্থি বৰি আভাৰ ভৱিতে প্ৰায়িত কেউ লাত केता विकास । सीम अभिकास कितान गाँउ जा क . " A &

काचीत विकास वाद्याः यहचानामाहाः हेव জাপত্তি করিত্র-৫৫ ম. অফিব্যে রাজ্যা এই, পরিfor a farm affir forfant at mixities कामडा मक्क विषय क्षणाम कति मा।

व्यक्तिका मान्यकाल विकास का विवास का विशेष ইন্দা করিয়াছেন, ভাষা ঐতিহ বিষয়, ভাছাতে भागका भागका: उन्न महस्र प्रतिष्ठ शादन मा । »

मामीत देश्याणि वियाशक क्षेट्र स नह व्यानिप्रारम् । कार्यस्य स्थान श्रीहरिष्ट वास्तिव जाकर मा बाकारण अकानिक स्वेश है।

नांचंद्र नरक्षत्र रकांस ब्रह्मारकत् । त्रायंत्रं का ख स्मित्रांश कतियां भा श्राह्म वासित्रियंत्र विकटते অেরিড ঘইনাছে, ভাষাও উপরি উক্ত ভারতে প্ৰিডাজ কৰল।

व्याभीमान भूरवय हाजात परित्र शह उ मात करहरू थानि भाव धरांदह ब्रह्मि]

आर्थेन, विवयक काटमक शह दश्काशकाटन अठरेनि व वृद्धेग्रीटक, अञ्चयनश्या स नाम अव्यवस्थ कार कार्यामिश्य हेका माहै, बड़े १३% · किशानांन हवा हम वर्षी 4. वर्षे चाकति । পথ খনিভাজ হইল।

नगरभागान पस्त भाव खडाछि स्ताव काटक दर्शाच ५ छलाटक अभाविक कहेल सा ।

উरम्भ हट्स मार्क छ या विषय लिबिस सम उदि!८७ च्यामापिरभग मर्वय १ अशास्त्र च्यामा शकाम करिएड गानिजाम मा।

भ त हम , अहे व्यक्तिक श्रेष्ठ श्रीके करिया र्गः क्रेफ्नियम् अहेरिह काटाउम् अक्षारमा माहि ।

अध्वानकाष्ठ पठ मात्रायम भटलुक लांगभान हाः শ সাক্ষিয়া দে পত এখন। ক্ষিণাছে। স্ভা शक्षित बडेस मा । अधाद कार्र बहे, प्रसृतिः চিত থাকি কৃতনিদাব লায় অৰণসাত্ত कार्याहि अंद हिन्तु मर्भत्रमबाजूल व्हेन्न थाटक ।

পোরত সোৰপ্ৰকাশসন্সাগক

मर्काणात्व ।

वृद्यानग्र । क्यांक्य। इस्यायश्यकाने पार्टिक निभि-क अधिमा छेरनुक किय निवृत्ति नगरम सर-मार्क कामामिक्स समृद्ये प्रतिश क्रिके मा, क्रम क्रिकेट एवं कारकत छ नहें जोजिएमंत्र भाव हुए र्वेश इंक्ट्रे ब्यावितन छ ३१वे कार्चितका एक जन्म. দীয়া সমু লে দিবলৈ ও ১০ আর্মারনের ও তলা-मीक ३१६ कि बनीब अब युग्नार २४ (म स्वित्स श्रांखि इहेश्रद्ध। मामामाणः नर्खात काल ध-स्ट्रिंग मा क्षेत्रल दमान भाव क्षान क्षान क्रमेक्ट्रा जोरक्टकर क्रांटक सक जातिया विदेशी। ক্ষুটিং সঞ্চালভারে কোনপ্রভার ১ইলে 東北京衛星 一緒北南北 東北北 東北安 海山 一面風水 Manage Company Com Palance with Cally

मर थे. क्योषु अधिक हैंये अधिकाशीर रहा व शाव- । भूनो स्थानिः क्रिक्सिक्सिक्सिक्से प्रतिकृत शास पार्टिक मारक्षिकियाचे विद्यास्य विशेषिकः व सिर्दे प्री-मना लाक्षि मेक्ष विभूत्रामात्र कर गाउ कातन. कवित्रकाना दशकु दक्का भटक । व्यवस्था देशांव अ'ब्राइड इंक्क्को अहरहासम त्य महिक सरकार दर्ग-महामन्त्र, भेर्न ५क्किन विकासको मा चार्या के बार्यात का ब्राम्बद्धं क्षेत्राह्म व वस्त्राहित १८५२ माहि इक्तिन शत्र व देश। बादका. वार्षाच बाताच छा-क : जार ट्यार्थ क्षा प्रदेश के देश दा भीते क्वित क्व महीत्र क्ष भिष्य यह। एक व्ह क्षण विषय बाजार देशांगीया पंचरा विषासं क्षताम बाह्य कांत्रव है बार श आंदकत अब विश्वहें लाहे । बामान दर केबलेसे महा श्रक्त चारक्ष, लाह भूमा कार्या कीक्स्प्रम व्यक्तिमध् सङ्ग्रीहर उत्पारमा श्रम म्हाउ स्थिर केलग्याहरी। व्यक्ति विकार द्यान वाद्मिकामांत्र श्रामांत्र क्रिका क ईंडिन अंशायी चित्र काथा और अंदर करवन जा. ए। इ मर्द्रा होको का निका प बार्ट्स एडिस्ड है न बुत्य, क्षिप्त विका क्षारम वर्षन। शांत प्रवेटक का ६ '८१' जाया माहै, रक्क कड़िशाचे एक्टा भेत िक्र अध्यास नामाना विनेत्र भणना आहि सीता

रिप्रोजेके जिल्लाकि वर्षेत्रा बन्दण । स्कान रिक 《 4 B [衛生治療に過ぎ 心 オカナ質 単常に何 治 症・例: रमंद्रस क्रिक्षेत्र ८ वड्यांक ० ग. दन मक्त्र क्राइट्यूड के उपनिवासीय महिक मरान गटम आकृत्व सर्वग्रा usca, সে সকল শুৰেষ কথা বিস্তাবি ক্ৰবিছ। নি रि इ प्रवेशम श्रेष्ठ छ। इ। प्रोप कार प्रवेश है। ण प्रकारकारणम् विकार हे द्या सः विकास है। 山山, 有者 斯吉斯特 山湖村 新江省 医神经 斯克兰特里 "今年 ± भी कांग्य ८ की ए करवन वर । फीकु ड', (नरसंख-का ना व्यक्तिमार्थ मेंद्रमंत अन्य ध्यक्ति दर---' विशिव्य किया। ६३ ३ अ। अक्षक, क्ष्मीया ७५-र त (स्क्राह्म 'बीडके डाकाय करिन्छ काउम डाब भारतहेष के संबंधि रू सरहत प्रश्निक विकास प्रश्न-री, यो । स्रोतनाम कि विश्व भारतनाय के बिरान-'र कटम प्रश्नेत्र का फिन नवा हैतान कार्य के कड़ ८ ३१ % श्रीकृष्णावयं सम् ६६ व्यक्तिक प्रे. ७ व - १ । १६वे अभूनक्षाम कटबम नो । प्रोबद। य नाक गरकरह केवायरक विवस्त्रक ५ विर्वह नेव 'कल सन्नाव श्वाकादवय अंदेशिक्टव अग्य के र देशका के जिल्ली होने नकरनाय गोन न वार्ष प्राप्त के द्वार के प्रमुख्य मान्युरी व " - जिन " शकीकारबर राष्ट्री हरत माहान र १०८७ । १ वर्ग सहित्य अपने सूर्य रहक करिटक के से दक्त के 'का रामा अ अपने कहिएक करे-मा'ाइ के जब भा । विकास सह महाद्वार गरिक र . . कर्र १६४१ व्याम्स्विरणात् त्यम् अ इता वर्षाः अकारायात् अकारानः ६ वत्यामात्रम् अतास्मन एको तीन बर्गा कर विज्ञासान कहा थ एकाल एडि और एकता क्रेडिंग करण जान के वटकालान खोषान क र।रण-मन्द्राधादय श्रीहरू व्यक्तिम ७ केव ेरकृष्ठे हु, संजनन चाह्या एकांचनी प्रवेटन या र अया एक । 👺 मानाबर्ग व वेदकृष्टिक करक म 😘 इर्ट ६ वेदमानी दश्र । शक्तांबरन दम हिस्स িৰক্ষাৰ কৰিনে ভাছাৰ অপ্ৰফুট ছানিনদান স रण मक्षिक छ कल्मिन्न स्ट्राइ धाट बरा स्ट्री भा । माधा<mark>रवरेनं स्थान</mark>की श्रीवास श्रीत देवट भ मह थाव , विष्ठ कविष्ठ केकाविक (श्रीकार्विक) विष्ठांत्र विदेशांत माला क केंद्र करि करि करि

विश्वकार,) विश्विषे बरम्यान स्थादमा आंच के म काम । त्व काष्ट्रावेडक नवानम ! बोबा कि किस-दिश्वी विकास कार्या कि सूर्विक्रमान आहरवीयां वहेरवक मा > दम दबादनंब कि छन्। पूर्व इत्रथ नाई ? बारक्किन क्वेट इ अनिटकाई जीन-र्लन मृत्यमञ्ज वर्गनानम् प्रदेशकः, आश्वामा वर्ष-रमा विकास नारे , किन्न काशरक अस कामा-व त्म द्र्यारिक कांकनव नः करतः। द्रमधन---संद्रिन नांनिही शक्ष्मि किहु द्वावे नतः व्यवित व्यवस्थ ৰদ ময়, বিশ্ব কণ্ডকণ্ডলি স্থবিত লোকে সে পদ্ जिल्क धर्माम प्रविद्ध कवित्रा क्लिकारक स्म जन लांदक गांधा माछ त्म श्रम भी काव, कवितक है मह करव वर्ष, ब्लिटक महामायत र लागा बाउक महाब-र निवी कर्ण वक्षकरात निवि किवास इस अवर क्योह क्यान मम्भा। ने क्षेण्ड क्ष भ क्षि कवि-क क्या कोवणा मधाणाह्य हो दि का का का का मान एक ब्रेब्रास्थित, खाबा (प्रवृद्धे प्रमुप्तिम करव-HIT

18 (9) 4 1 1 Mag 44 .c. कराहिः एकांक विकादभावासमा। क व्या

প্রবৃত্তি যে।ম একাশসদ্যাদক মহাধ্য मभीटश्व ।

म्मान्य । इत्र में मण्ट्याय श्राप्त कृत्य अवर एको ने धरकीय दश दश होक करिक्रा बादक । बक्कीक्र ने कर शांडि शंभीने पासिकारण नारका स्व 'भक्षत्र मृत्मिष्ट' इंगोश्वर याचा उष्ट्र' मक्षणाचन ব সংবি ভাষাৰ প্ৰব্যতৰ প্ৰথম 😜 ্ৰুংল প্ৰেছিডিব সময় উপস্থিত ছটৱা**ছে** এবং भूकि भाषित क्रिक मन्द्रक्ष पृष्टि अधिकाद्य. বিশাং গ্রহ গর্ভ ছুডিকা উপলক্ষে ত্রাক্ষ নবাংলয় क्षप्रकरणन । नक्षभी सञ्चान करेवा केका जरशक *'>ম্বা ছডিজ পীড়িত বাজিনিখেব নাছায়াার্থ ्रीप्र'हेब्र ६५० कर् ६ ४६६ ती. बात्र'मक ब्राध्नमध्य ८ इन्डि मोरन पड रश्याद खग्नानव माबीपण छै-शक्तिक र त्म बेह्यबारे अध्यापी वर्षेगा वीता जन्भव क[्]रण कहिए ७ लीकिव गाँकिविश्वत हि-किद्र : ६ वा १ ज व दन मंद्रश दिनियम्स पुरुष । असर ज एकान कारका के कार कार्यके जुल्ल ब्रायान रु कि कामत्त्रव धन एए कुके बहेता-CE । कि द्वा का भागीर दम शाम में मेहार जान अहर (के जिल्लाम ६० जिल्ला अक्षेत्र देण का अमे प्रा-वक्रवरा ४६ कविय त व विक्रिक्त स्था शृथिबीह ः क सं ,ताम, उपक्रश भारता खेगांचिक प्राप्तिक .स. १ व्यक्ति अधिकाशकात्र जिल्लेक्किटमञ व्यविक सम्बेक कर कि । हा नि । हा ने बर्डिक (भी-कताबिर बरक्ष र त्थेव. ३३

अयुक्त (मामधानाम गर्मामम प्रकाश्य स्वीर्भन् ।

बाषु मञ्जूनांच भारत्छ यवर्गकाराव्येव १ बान

SICE GRAPIES alaticaa, i mink BIANI AUTHOR La cata high सः वीगीपराप्त । कार क्रिकार'। अवस्था निर्म नश्चीय मिस्टिक्ट प ब्राजीक केंत्र अवर्गरमा, ब्रानिक Patite saturate at Alex Bong mirmie Ber e nig i Briti नाम कांद्र । कांसरा देशकां के ब stellam uig fice fefen befeite अवासम एकेटन बटका नटम सिकुक की न बाहा जामाजियक माह । जीव CHEOR CHAN WE BONIE MAN करनम् दर्भायन अवस्त्रमधः, दर्शका मि 321. नंत्रन्याम्बाह्य रक्ष

मध्यान भावन

वर त्यांगीमावक्ष्मीमक सम्बद्ध लिथिए करेटम विकास्त्र । शास्त्रीति देशदश्रम कि कि इंग्ली में 🖓 (धर्मकात्मम दश्य दश्यी। FIF STATE निमामिएक वे कविव्यः क्षत्र करदम) ७ छ। होत्र 🤻 म्राचाम काम्बर्भ डाक्नी मान जेमकाम केवाना कर छोड़ । मका है। भन मारकर पर मुद्धा कर पर है वर्षत्म । विकास उज्यान में नेति कित्वा भावेगाक व्यक्तिकांकी वीरकेक है किन क्रिमाति व्हेट्ड (विकासि क्रिमा) हैं बाल करवन । जनम शहें दर्भागीन मिन्द्री मिन्द्री हिल स्वजार जनारकान अक्षत वर्षेत्र, कर् बनक दरेश देवात्रशहर चरान क्रांटि श्रादि अब क्षत्र (श्राक्षत्र महिल सह रत्या गर्वा कडिहा सम्, अ महामा कृतिके हैं fa me foren dirette glandinge if (कार वर्णगायमें यार शक्षिक्षाति। करवम अञ्चार माहबन त्यम्ति केम्सान बर्द्याति मन्त्र कड़िएक क्षणि कद्वम सन्दिष हमनी क्षणि वर्षभाव वर्षवरेटक दक्षाकीवाष्ट्रक मनवाण का र्देश (इ. ज व म देश द्या सक्षांक महिलान व व आरम्, किर्वाशका अवज कविरकार्यक ? ब ब त्यात्वम कामनः विश्वहै महातम मिटड भारी। परन अदेशका विकास भीति । वि शांद्र याच क्षत्र मनाम् ६६ ? प्रधुनः वे विवह परिष अवः दशक्काणा काथ का मुस्माकी काशामा**क वैनि**ह श्राद्धः बृहश्रम् वृह्य स्वतान श्रावकात्रक थ कि क सार श्रद्धां अ वरिष्टला एवं वर्णतावे अन वर्षेत क्षिष्ठ पंत्र शांकहाँच वह उत्तर जार जारिय क्षा ट्रा किष्टुके कवित् छ भागित्य मा। किस् कि प्रदर ह्म विषय अमानिश्या विश्वास विषये माहै। वि Print Jain o .v a mistace a" Alme किंद म ्हि : जालका देखन माराम की

कम्पदि नाष्ट्रांश नn weibicke wice 41'3 BERT WHA! गत्र अवाग्यांच अवा-उ शिक्षा के स्थित C श्रमादकादकप्र खेशक क्रिडाइ, स्र्वाच कर । जाबाज विकारिक स्वाद्यक क्रावास ८ % । विष्णप्राध्येत बहेटवन न ज्ञान दरी बांचा व हैंद त जाने क्यांचाया वर्ष के हि स्वर्गाणा ! यन्त्राचाता अधिका चानिति वर्ष के हि स्वर्गाणा वर्ष ार्ड में विश्वासिक महि, विश्वा अ खिवक कर-্বাণ বৃত কৰিছ। কৰিছ। স্বাইতভহে। ভাৰাব। न ও नियानाका सन्देश छैगांत्र धरणका कान केंचि विधामार्थ कहेन आह वहेटकाइ. रेशाहे महरूब डेश्मा मिनिएउड कम्पर्व दशा चरष्ट छविस्त्रेति ।

नाम ।

5, ম, স इरम्बी विमानम

काकी ! १३४ फिल्मन ३४७२ -

-• চাল সম্পাত্ত

बहानदम् । ख्रथांकदब्रव मश्रा-कि प्रिटेश जरबोस शा क्रिकि विश्वयंद्य मार ो महिल्ला मामनप्रक 神道学 神经 电平小 णांपनिविश्वितारस्य व्य भागा स्थापित सर् रवाजन कांग्र मिकति । जाणवाननाकः क्षिणे विकास के प्रतिक किया । विकास विकास विकास अनिदिक्षामि करियारकत पर्देनक क्षा वा ठेंगा श्रांत कर्द्यत, जावा केत् वात्तिक विमानित्यत विशिषाच्य आश्वदात्रम न अवर तिहै नकल हो-। विकासिकारकार काम हाटकी वाचिक क्य ना। ওএৰ ৰাহারা ট ছা লেন ভাছারা বিদ্যালয়েব क्षांटकत चाकतिक प्रज अहेता है। सन । হাহাত্তিলে বিস্নালয়ের ধর্ণার্থ লাভান্য করা क्षा । ११ किन्न कामांव आम जिल्लामा वहे त्व छै।-

श्रांश (म शर र'स मां शंहित माम कि ् विशेषकः एक वालिकारिकान्यक नाम-क्रिया (कर् मिन, लन टा.म क्रू वेदमद फाउं, करे - 'अ अवैनि कृतिक' हि (धनिएक कि कारता कर श्रीवादन ७ यम्। । इस मय महाराज्यात्रक , क्रिक्कि क्रेट्स थाना मान्य प्रच व.न. वाम-म शामिकामिटगर दिना, गान्ता कि खनाना क् **विश्वेष** (व्**रेडरमञ्ज्**या में दर्ग भे श्राट के नेग्रा में-अकिम्पूर, वहवा क के प्रति छ हो - द्यार नव नि-सालक स कथाकाय प्रविक्त नाग प्रिया न विमान जिलान्द शांधावस वास कविका अ' २८०६ । अरभा दमास दक्षांस विद्याभागात कार्या देशत रहत . भावित्काविकक दशक्या गाम । दशका - ० ० विक्षांगदम्ब अर्थामः खड़ा (अर्थाद अत्रद-व श्रीकृति (वक्तभ्रव्यक्तम्) भावति । व नामा

: हेट्रब्ला का महरू। ७ श्रु शिका विश्वासि प्रश्ने राय किन्द्रे भाव ... । ख कड़ाका ca नि के दे श के की मुख बाद रिशन । Ch. E L. C Slandatte 48 Millale.

त्म मनदश्च ७ व्यावश्वासम्बद्ध हेस्सिवन कविन्द्राम की-भार मिला देश प्रदेशक बार्ड । व श्रम का जीन मान अवितिवालिका विकालिक बावलव नाहे ही-নাৰস্থায় পঞ্জিত হয় পরে ইট্রিক বাসু সারাণচজ্ঞ वित्र प्रक्रांत्र कहियां केक कारणान कांत्रतान वहिरासम्। अकार्य स्थाक्तवत् यक्तिमध्रवः गर-वामना वा अक्षरण वाहां म वाहून अहन । व विन য়াছেন না কোন কল্লিড অধ্যক্ষের মুংখ তানি-क्षा अहे मर्शक शहात कविशादिन ?

৪বঁ৷ স গুণীত টাকাব কিণ্ট বালিকা বি-शास्त्रव कमा वाहिष्ठ हय नः हैशांभ । कि वि-वा। वाणिका विभागतीयम वक्षाम मण्डाभक আযুক্ত বাবু চাৰাণ্চল নিম ইছ।ব উভৰ বেদ अवे काथात्र अञ्चरत्राधः

मण्डाहरू महागय शक्त कामि विमन्न श्रेकीक भागमाःक निरंद्धम क बरड हि । विरंद्यमा कति क्षां क्ष्यूम अविवयुक्ति वङ छेरशकाव विवय सम्र। উक्त स्थाकत मश्वापमा मा सामान हितास कर ছুর কলবিত করিয়ান্ত আমি দেশের বিভাগধ न समा सं'लग तः अरु कवि अरु ता वार्थ कवि बरम् भे ब्रिक लगा है। त्रांभाग स्मारवय कथ माइ। मामत माणा । भाग नाई स्थापन म कामक देशार अमांग ଓ मन्द्रीय साफार साम আপ্তি স্মধান্তৰে শক্তী কৰিয়া লিৰিবেম ৷

अक्तांब्राक्त्र क.या ५.१२ अक्टन । विशे वर्ण । শলাকা বা ' চাত ক'পত দীপ শিশাঘনালৈ 🕬 ভাবে সক' ভিত্নুধ হওয়া অংকাক স্পাটালয় **पर्स**र)

এনুক্ত নোমগ্রকাশসম্পাদক बद्धानदेशव ।

মুছ শৃষ্ট গুড়াৎসর এতমেশে বাণ্ড্রে নে কত বস্তুব্য বধ করিছাছিল ভাঙা লংখা: কবা নচিন। এবংসরও হায় ভক্ষণ শ্বীৰার উপক্রম চটয়াছে मच्च कि दर्भ विक विकासि श्रीमिश्म शाबिक क्रिएक्टि। क्टि गलक्षा शतु क मञ्चानवली-एक श्राटनम कतिएक शारत मारे। कि उक्र कि वास-क्ष नवरकारे पूरे अस नश्च (यम। गांकिएड चीत्र স্বীর কর্ম সম্ধা কচ্ছের।সন্ধ্যার পর কের গুছের विक् न कर ता। (नहें कता) है अञ्चलीय मरकांद क्विक भा बटडर्ड ना

4 41E TIVE शिद्यामाना नाथ काइकि ्क छिक्ती

यमाञ्चा थ

জিবুক্ত বান্ধ বাগাবলভ সিংবংহৰ স্বচিন্ধকোল ১२ १% व्याविक क्षेट्रेस्ड १० व्यादिन वर्षा इ २० है कि · म्ध्रणास कृत्योश्वाता विश्विता, विश्वित चाउत क्षांक्रमासून विरुष्ठ केंद्र र । ४ ३ (मोय प्रवास १० आ। हिन्द्र। गर्वीक ३० वे · कृष्किक जानाम मञ्जून निरम ७३ भी इ दर्द १० अनु शहर वर्ष है । जे ♥ क्रोडकोड[™]ए प्रश्चारका क्रोनेस क्राइनेस है

the state of the s काम १२७० माथ महत्क पाव प्र भवांच है के " यज्ञ'च दर्गम य लाउति का ্বভার অপুৰায়ণ ধৰীতে ৭০ বৈশ্লাক, পাঠান্ত ৫ জী ত ত সংক্ৰম বায়ণ ৫০। হুবী জলেশৰ २२७५ अभूगाम वर्षेट्ड १० देवणाच श्यास 🛦 से * भेश्वर एका एक (व) वाकाव। ২২১৯ মাৰ ভট্ডে ৭০ পৌৰ শৰ্মান্ত " केश्यक्रमाश्रम इसकी केमारीय नगर 3२७३ ल्योब स्वेटन ४० देखाके गर्वास दकार व क, के अ व व कि, क कारमटलन मानान ३२७७ व्यावायन वर्ट्ड १० वर्ग क्रम महीत १०

লোমপ্রকাশ সংক্র'ড করেকট बिद्रमध निगम।

चाजिय मृता मः भावेत्व मसम्बद्धाः त्राप्त अ-कांच दश्य क्या यात्र म

ইছাৰ অগ্ৰিম স্পাৰাৰ্থিক ১০ এলা ফাল্যা-निक देश के का का मारने कारन ने क्या गांग में विषयि साम्या ५ ५ मृत्य योग्न हिन्हें।

भाके का इंद्रोहर्त के में प्रमान का प्राप्त का निकास की ्याम् क्षेत्रक्षेत्रकृति । यो न_{्र}्षेत्रव्य कावस ।

संबंध क्रिके मुन बच महेंद ५ रश बम्भ कर र श्रामक सम्मान के सामिक के स्थापन स

भू देशक्षा पूर- व काल चार्त र स्हैती गर 👥 र केशी 🛦 (क्षेत्र (क्स अनुग्र विस्त्र न *60

🚁 🧱 र र तमत्र अधीय है। লাক্ষ্য ব প্রস্তু বর প্রীক্ষা হরিছ म प्रकेटन, याचि ह क्षावंदम भिन्नि भेन्योश्रम श्रांदक दक्षान खेखन अथव इलाना शाल्यागा क्षेत्रज्ञ वतः बहेदव् मरागाव "निविक्त प्रिक्तिताय।-विः गाप्ति । हेरव । कजिकांचा मण्डु ठ०। क्लाक चान विरुद्ध नारम छि चा देखा ह बड़ा मीअ शहिब।

ৰীহাৰ ৰখন সোমগ্ৰহাল পৰিভাগে সবিং अवेष्णा इवेटर किठि जिल्हिश मा काम देटल खांचा आब कहा यावेटन मा।

Cकर ट्रम्पश्चाकारण विश्व प्रत कि: B वर्ट করিলে তীহাকে এখন বাব প্রাক্ত প[্]র ৫০ काम। विजीत क क्लीत वांव / ३० का.स. र दे हैं। বিতে হইবে ভাষার পর /। মান। ক্ষি अक्षा नारेद्र ।

व्यक्तकात्र चीवांत्रः नमर्च । देश्यनः, छ। हो

कदे नम क्लिक्को श्रे शहना (भ्रमक्रम त्रा-भागुंग दंखनारेखाः वास्मिन ज्ञांसाहित्याचात्र श्रीवीहर । १ रिक्शाबूबरवह संबद्ध कावि स्थानवन्त्र कथानि क र ।

(माय्यका

" प्रवर्ताला प्रकाशिकाच कार्यिवः वरकारी जुतिसक्ती कृ व्यापार्थः । 🚓

ip win i Litherace

जमः १२७७। इ.५८ मान। हर १४७०। २७ काह्यावि

ATTOM TOT STORE

বিজ্ঞাপন J. স্বারাক্তি

्राह्म वर्ष १ है। वर्ष प्रदेश सिनिस सुसोदाकन पूनः ब्यादिक-वर्षको स्विक्षाको स्कृतिहार । पूराह्म वर्ष १ है। वर्ष प्रदेश हिक्क व्हेट्स्ट्रह । विरम्भीय धारीकात्त्र १ या नःकृष करो-ब्याद सिनिहिनेह्य विपासित्त्र विक्रे भा-रहे क व नुमा भागित्र मुगासित्त्र विक्रे भा-भाह बानास कमन् अक रहा.

ঞ্জিনিবিশচনা পর্যা

বিজ্ঞাপন । বিজ্ঞাপন ।

विकाशन

कतिकनुष किनाव करःगाठी बांग्रेटका वि बरकाणमूत्र नाट्य वि शहने छात्रक भारते छात्र भन्नश्चमि त्यवद्या जवना विज्ञा है कहा बांग्रेटव । बांबान त्यते छात्रक प्रत्ये छात्र स्वीत् बान जवन क्रम्य पतिनात केना जी है हिल्ल क्रमिनाचान जान विवन त्याण्या है हिल्ल तो स्वाटनम क्रमिन गरित्य हात्रास के विद्या भारत्या

সোমপ্রকাশ।

Strates where the second of th

कार कार्या विश्व तिहास्त्र तथ सम्ब हरेल कार्या कार्या विश्व हरेल विकार हरेल मा? कार्या कार्या पण हरेल विकार हरेल मा? कार्या कार्या पण हरेल विकार स्व कर स्वान्धाः कार्या त्राक्तकीत कितास लहेल कार्या कार्या कार्या कार्या पण सन्दर्शनकाः कार्या कार्या कार्या पण सन्दर्शनकाः कार्या कार

नत होतनम् छेडाक किलाना किताहि लग गवर्गदाँरकेत हिक्कि निवित्त कर्महा तिता क्षान किता काक्यानित करनी हरे कि महिताहित करने कात कितात महान के निविताहित करने कात कितात महान कर विवाह करने कात हितात महान कर विवाह करने निविध कर व करण कर विकाह करा निविध कर व करण कालानित काल हिताहित्य मा। कोत्रकवर्णित नवर्गदाके हा, नीता, जुना क्षात्रकवर्णित नवर्गदाके हा, नीता, जुना क्षात्रकार्णित कर्महात्रीता कृषि कार्यात करान क्षात्रकार्णित कर्महात्रीता कृषि कार्यात करान कार्यकार्णित कर्महात्रीता कृषि कार्यात करान कार्यकार्णित कर्महात्रीता कृषि कार्यात करान कार्यकार्णित कर्महात्रीता क्षात्रकार्णित करान कार्यकार्णित कर्महात्रीता क्षात्रकार्णित करान

मामाबदा बातूक ८ एडि : रक्त । चलरकत्र मीन ७ हा मारह। यक् रेटा नका स्त्र, प्राही बीन ও हा बडिड जाताहा क्रिक् तात्रं विषय भारतः। धारणीयः विश्वासन्त गकत चपानित चि एवं के महिल्ली मारह । जाहात्र छेणत्र कर्याः विद्यान सूच नात्र नशक्ष शाकित्ल चठा हाई के विदेश रकत । **भवजन ज**नर्गत्म केंद्रिश क्रांक कीय कर्यातित निकटि परे श्रीन्य अध्य क्त्रोहेश लग (व, (व त्य व्यक्तरू क्ष्रिया) कर्ष कतिरवन, कक्षर इस्त काहातिरामह कृति व्यवना बावनारमञ्जू अञ्चलके सा बोटक । बाहाजा क मन्त्र शिक्षका केंद्रियक काशानित्वत्र केत्र ह अन मा दशकार साबि ाम कार्ति **गर्**के गरहः जाहानिक क्ट्रा क्ख्बा।

संश्वा क्लांन यकारत वावनातीत कार्या स्वा क भारित्वन मा। य श्वाक्तम कान्या क्लां क्लांन क्लांन कांन्या कान्या क्लांन क्लांन क्लांन कांन्या कांन्या क्लांन कांन्या कांन्या कांन्या कांन्या विकास कांन्या कांन्या कांन्या कांन्या क्लांन कांन्या कांन्या कांन्या कांन्या क्लांन कांन्या कांन्या कांन्या कांन्या कांन्या क्लांन कांन्या कांन्या कांन्या कांन्या कांन्या क्लांन कांन्या क

क्षि चायता कानि चन्निता कानि कर्मातिक चारते । क्ष्म त्रिक्ष के काम्मानित चारते व्यक्त कार्यो । क्ष्म त्रिक्ष कार्यो । क्ष्म त्रिक्ष व्यक्त व्यक्त कार्यो कार्य कार्यो कार्य कार्

क्तिकाछात्र विकेशिकामा विक नर्बनाथाद्रद्यक तक कारलह कि कार व्यवन कतिया धर्यद्वानी अक्रिकाश्वात विक निजिलाल कांचा क्षणांती अक्रिके कहिएक वच्चान वरेबार करें के कार करने रावशायक मजान विभाग कर न िक जारतकातु । . CR FICH 3 COMPANY AND THE য়াতে ভাষা পরিতাক্ত হইয়াছে ক্রিক্তি স जान जानिक स्देवान नमदन जाहान भाना गक्रमत्र मश्राक्तभ विवत्न निर्विक ऐर्हेन्ना-कृत, चन्ध्य ता गकरलात धन्नारन भूमस का का कमावनाक। दावकानक प्रकार कि क्षिरव्यम विवरण हैर्डिंग नास्व कर्तन क्रिकेम विद्याद क्रमण वृद्धिश्राह्म । रेबात केरलचा भरे, मानुकामात करेनकनि-र महिन्दि, दिया पार्वीय त्यानीय श्रीविन वि प्रस्प हरेका भारत जुला अतिरदम । विक्रामक प्रामिक अनुक होता त्रका विक्रा कि विक्रि HARMON OF N क श्रीकार का की अपूर्वती परेटनः देवीत रवस्त वानिक ३६०० छोड़ात वाधिक परेटर मी १ अकि वर्गातत आतरह गरा পতি ব্ৰাক্থানীয় শোজা বৃদ্ধি হেছু এক শ্য বাণ্ডের বিনাব ও নিউনি, সপাল কর इक् व्यक्तित व्यक्तात क क्रेट्सन १ केंद्र याक्षित्र हे जाडा अहे श्रीन विद्युष्टना के ब्रे-वा बाग्न अश्टलम वा इंकि, अथवा अना कान अतिवर्ष क्षिएक शाकित्वम । वित्वय প্রয়োজন উপস্থিত হইলে সক্ষ.পতি সন্তা 'भटक जलाक्टन मार्शन कहिरवन, अवः নি ও সহক্রী সভাপতি আর পাঁচ क्रम जला अक्ज स्ट्रेट्सरे जलात कार्या रहे (य। शक्त सदित मन् सम मस्ता क्षक यह হইলে সভাপ ডকে সভা স্বায়তে বলিতে পারিবেম। যদি তিনি এ অনুরোধ রুফা मा करतमं, काश स्ट्रेटन के मन वा कि धन অ'' সভাবিগকে আঞ্চান করিয়া আপা ৰ টি করিছে পারিধেন। সভাণতি ^প হকায়ী সভাপতি অনুপযুক্ত অধ वा व्यथि कथा विक किन करणा पूरे चरम नक्षा अक भड क्या बटलम, छारा **११८म कीशानिभटक अमहास कड़ा रहेटव।** সঙ্গ,পতির সহায়তার হাম্য এক জন ইঞ্জি নিরর টিকিৎসক ও কর নির্ভারক নিযুক্ত इरेटवन । भटकाता देशीनिशहक निवृक्त व्यथवा भवकृष्ट कितिष्ट शासिद्यम । य मकल क्षेष्ठादित (कन २०० है।कात मू.न ওঁ হাদিগাকে সভাপতি নিযুক্ত অথবা প্ৰ इः क्रविरक भादित्वत । म्रास्त्रा नमात्र नगरश्न कान सूचन कावा वित्रहमा कडि बाव अना वित्नव कमिष्ठि क त्राष्ठ भारतित्व ন। কিন্তু এই বিশেষ সভা কেবল পরা मर्भ किर्दन ; काम विष्रात्त श्रिवाम क ब्रिट्ड शाबिट्डन ना। त्नर्थेन के शवर्षत्र যদি যোগ্য বোধ করেন সভাপতির হতে ब्रामधीत भूमि। वत छोत्र । भाग भावित्व म । नश्रद्भत्र (भाका कृष्टि कर्दिशंत्र कमा তে তে[°]না আবেশ্যক তাহা নগরবাসিছি भटक विरक हरेरव, क्वांबदाल महत्या है वे हा हा का का का का

याद्रश्र द्रायम् प्रहेटक (ए ७३३ वर्ट्स सा । बारे द्रावान भारतक चार्य केंद्रक स्देशारम मरमार मारे। किन रेहात चार-लिक अवदीनठाटवावड वृद्धे इहेटब्राह । এক্ষৰে কলিকভার শোভা বৃদ্ধি হেছু এ-कारन लक डीका कर बदल आशांत्र हुत । ইহার মধ্যে ইনকমটাছোর শতকরা এক টাকা আছে। কিন্তু অংপ,ডভঃ যে এক ভেন হইভেছে ভাষাতে ও অনা অনা বি ব্যের ব্যয়, আর অপেকা অধিক হইকে ছে ভার্মানত প্রায় দল লক্ষ্য টাকা কর্জ্য क्तिएक इहेर्द । इहात मूप अवश निम्निक बाब निर्दारहत छविवार छेशात कि ? रेएकन সাহেব ভাহার করেকটি উপায় প্রদর্শন করিয়াছেন। গবর্ণমেন্ট গদাতীর (द्वीख) ছাঞ্জিল দিতেছেন : তথায় সভা কয়েকটি গড়। করিবেন। যত দিন গড়া না হইতেই। ভত দিন তীয়ে ৰাণিটা ক্ৰবা রাখিলে তহুপরি এতি টনে ২ টাকার অনিক কর लख्या इहेटन । जे क्षकात अवर्गतम्बद्ध ্ লিকাভার খালও ছাড়িয়া দিতে হইবে। ্.হার ভীরে দ্রব্য র বিলে কর লওরা হন্তে। আপাততঃ ধাপার যে পরিষাণে মাল লওবা হয় ত:হারও কিঞিৎ হু জ रुद्धा य:हेट्ड शादत । इहाट्ड विम तात्र কুলাৰ বা হয় মুটে, পাইকেড়, পোকাৰ দাল প্ৰাকৃতি কুজ বাবসারিদিগকে ক্রতি वरभत हरे है। कार्य व्यवसिक कन्न मिट्ड १३१८१ थक हम य नरल क्छ क्छ বড়ুত, মরের ও কুটারের কর নাই ভাষার কর লাগিৰে। গাড়ী, ছোড়া প্রস্কৃতিরও कत मरभृशीष करेरव । २२९ ভারতব্যীয় সাধারণ ধনাগার ছইতে

কোন বিলেব স্থানের উন্নতির নিষিত্ত টাক বেওয়া আমাৰিখ্যে নিভান্ত অন্তি যাহাতে ভারতবর্ণরি গ্রব্যে फाड व्यावभाक अवश व्यटन

वह इ.स. (मामन करें वाश्वितः কুদ্ৰ ব্যবসা ৰে প্ৰস্তাৰ : পের ব্যক্ত वृद्धिकाः , कामुः नारे वटि किस रहेटक कत्र शहन " चिक चलाहात क नकी आम हरे. रहेरव मा। करवाद छेशर चित्र अक्टी रे মিউনিসি

र्वदं नित्र এডাৰ ক্যা : चन्द्रमानिक ' त्यप्रदेशक मा कि निधि ए করিলে কি ত ভারমানব যে ক্ষমতা म:किट में है ৰ করা না 👡 আর বয়েক বং অবশ্য জাতিস: व जरमह नार्दे त्रिवात ट्या औ निक करा कि বিয়োগ ভার চ [dem of

4िन्द्रा (य হত করা বৈর বায়ও क्टेंद्र । हे সভাপ 14 লিখ শ্ন উত্য বৰ্শ হওয়া ছুৰুছ

্ সভাপতি, যুদ্ধ উপদক্ষে বিশ্বর বার আবশাক হও য়াতে গ্ৰৰ্থমেন্ট ৰোট প্ৰচলিত করেন। ये त्यां विश्वर्गरमण हिल्ल है। कात्र नात्र নিজে কর পর্বাপ গ্রন্থন করাতে ভাষার मूरलाम दिर्लयं कठि इस नाई। दिश्व दरा বর কাঁগজ অচলিত রাখা যুক্তি নিঞ্চ ন্য় বলিয়া তিনি নগদ টাকা আদান প্রদান করিবার প্রস্তাব ক রলেন, পর্ণবা বলিলেন मूखायथ किছ পরিবর্ত্ত করা ছইবে। এক **প্রেমারিকা**র প্রতি বৎসর ১১৬ কোটি টাকা বায় হইতেছে। সভাপতি শাসন ध्यनानी विवयक करमकृषि शतिवर्षित्रध এবার করিলেন।

.य य विव তি জিখনৰ র সহিত্য সূত্ नन भूटर्बन द मारे गरे ংশ ছুরবাছা न ८ भद्रिकात চছেন ডাছা রু ক্রীভদাস যৈ সন্ধি ाठि नद्या বিভাগের ' लिलिन लिख WOATCH TE ग्रावना हिल ना. ज्ञारी काश्क করিতে সমর্থ -টর বিস্তর যুক্ত च वालिका का

া মহাসভার

দাস্দিগের বিষয়ে লিক্সন বলিলেন খা হারা এই যুক্তের সমধ্যে স্বাধীনতা লাভ করি বেন, তাঁহারা তাহা চিরকাল তে গ করিছে পারিবেন। দেশের যে সকল প্রদেশে দাস রাধিবার প্রথা ১৯০০ অক পূর্ণ হইবার পূৰ্বে উঠিয়া যাইবে, তত্তো লোকবিগকে ক্ষতি পূল্য স্কুপ গ্ৰণ্মেটের কাগল অ थवा मध्य होका स्वादा कर्द्र । अ श्राक्षा বে, বিশ্বসনের উদার্য্য প্রদর্শিত হইয়াছে बहुरे, किन्छ जिल अगः शिक मकिन वि ভাগের মুখাপেকা করিতেছেন। ভাছার थमान बरे, ठिमि बलिएलम, यांहाता शवर्न बिके कांश्रक विदेश मामिश्रीक मुक्त कित त्त्रन, छ। हाता यनि भूनवीत भे अबात अन् मन्न करतन, ७'इ। इहेटल छै। शांकिशदक व्य कांशक व्याखार्यन कतिए इहेरव हेश्र अर्थ कि > ভবে कि मानमिश्रक भिक्रभा ধিক স্বাধান্তা প্রদান সভাপতির অভি (१६७ नत्र × क्षेत्रं सूक्त मात्रमिशंटक कान्य দের বাহিরে স্থান প্রদান প্রস্তাবটিও আ ৈগর নিকটে নাায়ানুগড় ৰলিয়া প্রতী नद्भ का ।

> ाम विकास ५३३,००,००,०० च्हेशांटकः। बुद्धाः भाषं क

>०८ वीनि शांकि रम्ख्यां काश्कालाहरू । लोशकुर्व आशंक ७ विषय कामास्वर स्थित क्षा क्षेत्रकार भागे तक त्रमा যুদ্ধক্ষেত্ৰ আছে ৷ এত টাৰা, এত আছ 'ডা ৬ এড বৈন্য থাফাডেও গ্রন্থনিটে, ্জর হইতেছে লাও ভাছার কারণ গ্রণ্ডে ণ্টের এক জনও উত্তম সেনাপতি নাই। তাহা হইলে দক্ষিৰ বিভাগ এত্যিন নিঃ সংশয় পরাজিত হইত। মেপোলিয়ন নিজে धक कारल थंड रेमना त्रगरका कथन क চ্যা যান নাই। সভাপতি বিজেহ নিং রণ করিবার নিমিত্ত দুচ্তর প্রতিতা করি য়াছেন। 'বিশ্রপ্তাহিদিপের গুরুতর দণ্ড বি ধান কথা তাঁহার একান্ত অভিজ্ঞেত।

সভাপতি লিক্ষলনের বিপক্ষেরা যেরপ. বলুন, আমাদিগের বিলক্ষণ বোধ হইতেছে ্তি,ন এক জন বথাৰ্থ উপযুক্ত লোক। निक्क उं हांद्र प्रधीरन छेश्यूक द्वासनीटिक অথবা সেনাপতি মাই। গারিবল शाल डिनि. लार्ड क्रारेड ज्यारा मार्नाल लिलिशियारयय नाम अक कम त्ममानाक वाकित्म भारमहिक। एक अ मृह बूरक अव काल मक्ष स्टेट्ड श्रेड वा।

अक्रियर्पत अधिवधः।

यकरमरम स्ववते (रक्षभाक्षेत्रा द्वरमाणिक যাৰতীয় ধৰ্মী ক্ৰিল্লাকলাণ বিস্তুত্ত প্ৰায় হট वाटक । व्यक्ति दन कर्नाट्यानियान गांक मध्ये, त्र अधिक्षित्र नाहे, त्र काल्लाहे माहे. समूका ब्रहे लाग गाहेबाटक । किन्न कव्लिश्र ट!रक्रद यदभ्र भिष्टे ख्रीनत भूम क्रियाद क्रियान क्रिशकाम पृष्टे रहेटल्ट्स व नट्यांज, जाकन्यास्त्र दत् बियुक्त गृहि दर्भ कहा दित्त है विति तका नाम উপানি পাইয়াছেন) পুরেম আডকণ বইবা গিয়াছে ৷ সাত কর্মদ্রেশকে পরিভাগ করিয়া এক দুলে প্রস্থান করিয়াটে বে নামন क क्लाब बेर्नुहा जानदर्श केहे किहान केंग केलिकी क्षित्र। यथार्यके विकासी शत कहेती रहत। अधिक कथा कि इंखितान विदेश के आभानिता-कार्यम् निर्म कार्यक्ष वर्ग मिनि

क श्रीवृद्धी जीवाविष्णत अहे जब जीवतां हिण देव हैराहा जब कावूक जह क्षाणंत जनस्य जानकर्ता जब वाहा केरहाव वाहातारहम । किंक जनस्य ज्ञानहा गविष्णव जाहणहात वाहा जा-विष्क वाहितांत, ज्ञानाविर्द्धको जब स्टेंडा-हिन, क्षणव वावूह एट्ट जारकांद्रेश शृनःम १-कान स्टेंडाटह ।

जीनांक्टिंगर जागद्वाध माहे, जानद्वा अहे বলচেপের কাহাকে জাতকর্ণের অনুষ্ঠান कतिएक क्रिक्टिक शाहे मां। यहरमञ्जू बर्का जाः নরা শুনিরাছিলান, মনলাকার বিল্যালভার করেক বার জাভকর্ম করিয়া করেকট পুত্র श्रेत्रोहिन्द्राहिरम्य । ८४,४ एत्, प्यायापिरभन्न मा-ঠকগণেয় অনেকে কাডকৰ্ম কাইডেড গিয়া বি-ज्ञानकारत्त्र शब्द विवास स्टेम रक्त, पुरिएछ পারিভেচ্ছের না। শারে আছে নাড়ীভেচের शृदर्भ जाएकटि कतिएक रहा, यक्तक्ष के किया স্থাত না হয় ওড়ক্ণ স্থানকৈ জনগান क्यार्श्यात्र निरंदर चाटह । क्यालाकांच विद्याः-লভারের আরব ক্রির। পরিস্থাপ হইতে বি-লৰ হওৱাতে অচিরস্বাত শিশুরা অধিক ক্ষণ ক্ষম দুৰ্ব না পাইরা নলা অভাইরা প্রাণ ত্যাগ করে। অতএব বে প্রাথগণ উদুধ চুধ त्र व्याजनस्थित्र शुनः मरशाय महिर्द्धरहरू, काशाबिरशब विकटी वनरक्रानद गढ गढ बाद ' ৰে কুজজভা প্ৰকাশ কৰা উচিত, ভাষা বলা राष्ट्रमा । अध्यक्षां चांत्र अक्षेत्र कांच्य कांत्रश यक्ररण्यम् द्य जेशकान् कविद्यारहत, त्याथ स्त्र रक्षरम्भ क्लिकारम् । त डेगकान्नभ्य स्टेट्ड मुक्त वरेटफ भावित्यम् मा । भारतः माफीरफरभव পূর্বে কাডেটির বিধি খাকাডে সভানের অ-मान पृष्टा सुन त्य अनिहे अका हिन बारकद्रा फाए। पुत्र कतिशास्त्रन । जरहारिश्न विस्त বৰঃ জন্ম কাজে কেখৰ বাবুর পুত্রের কাভকণ্য रदेशांद्रकः अञ्चलः । जांद्रकता कल जानिया कति रनवा अञ्चलक कालामा मानाव पना बारभव शास मा स्वयंत्र ।

আৰম্ম গড় সভাবে ত্ৰাথদিনের স্বৰ ঘটত মুহ্বামি শত্র পাইরাহিনার, তাহা এ-সভাবে করা স্থানে প্রকটিত হইল। একবানি কেশব বার্ম পুত্রের ভাতকর্ম ঘটক, আর একবানি অন্যত্তর তাক জীযুক্ত বারু অবো- या नाव नाकश्मीत जिल्लाक यहिए। ल-याक ने अध्यक जिल्लामा करिताहन कर्माशानाव वाद् जाकन। किन मन जिन का-न के करिताहन के करिताह जान करिताहन जो के करिताह जाकश्मीत्र महिला करित-तान के करिताह जाकश्मीत्रमंद्री निष्ठ्र जाक करित् तान के करिताह जाकश्मीत्रमंद्री निष्ठ्र जाक करित्र वाद करिताह का के कर्म मन जाकि करित्र जा वाद करिताह का कर्म क्या मिल्लाह जायक ता जाकश्मीत्र का क्ष्मीत्र का मिल्लाह जायक ता जाकश्मीत्र का क्ष्मीत्र का मिल्लाह करित्र करित्र करित्र मिल्लाह करित्र करित्य करित्र करित्र करित्र करित्र करित्र करित्र करित्र करित्र करित्र

अविषय बद्धार्थ विषय हाहेदा भाग व्यक्तिक ঋণ পরিহাস কয়। বিধের হটতেম্ছ না। কডি পর রাজের আচরণ ও কার্ব্য একবিয়। ক্রিবর। ৰধাৰ্থই অভ্যন্ত ভূমাৰিত হইয়াৰি লের কিছুমান্ত্র হৈডান্য আছে, ভালারা কখন একণ দুব্দি ও পূর্কাগর বিরুদ্ধ কাধ্যের অই-ষ্ঠান করে না। বোধ বন্ধ ইহার। মনে কলেন স্চর্চির লোকে জিয়াত্রতাবহীর ধর্মাপণ্ন-बाब नवर्ष रह ना । अञ्चलाक न १ काल सन-त्व अवह स्ववाटक वेदावा विकास वामध्यान সহিত অবিশুল ক্রিয়াকলাপ বিজিও করিয়া ঐ পৰিত্ৰ ধৰ্মকৈ দিন দিন অপথিতা ও সভু ড কবিয়া ছালভেকেন। প্রাচীন ব'লে বাকা দি तात बरन विश्वय तमकान क्षेत्रय अपि-कांक क्ष्व, कें।बाहा कि के निवित्र गण्य कि গেছ নাৰে জমে পভিত হহবা বালকাছি প্रবৃত্তিত করেন নাই। এক কম পরি! কবি কহিরাছিলেন ।

च्यता प्रदश्यप्रज्ञतादर्थ किः किश्य कि क्रक्र यहा । पानतीयिक वारक्षतीर

नासंबाधि शुद्ध शृद्ध ॥

এই গোড়া উষরের জালাদ আবি কি কি না ভরিলান, আনি সর্বভীকে কইছা বানরী র স্যায় গুলে গুলে নাচাইগা বেডাইভেছি।

বাব্যোও একণ বিশ্বস্থ বুজিলব্তত হ হুইয়া আর কড নির্মণ রাজ্বস্থাকে বানরের नाम बाह्याक्रिका । बाटमान बाह्याक्र बाटनमधान्त्राक्षाक्रका । बाटमान बाह्याक्र काला क्षेत्रिक विक्रम बाह्याक्र बाह्य काला बाह्याक्रका विक्रम बाह्याक्र काला बाह्याक्रका । बाटमान बाह्याक्र काला बाह्याक्रका । बाटमान बाह्याक्र

> ধাণ ক. ন্ম মাজেন ত চুঠ হুই বজ্যাসিচি

বাহাতে বজবার আৰৱা অহোৱাত্ৰাৰ ৷ श्रक्षारभक्षा जवज्ञकश्रद व्यविषि ध कथा च्याच्या श्रुविदमंत्र वैश्रवि शाहि, साह्यवार्थम् - हेसा सहित्यार्थः भारेनाम अभिक बन्दनंत केंग्रिके प्रकार कि.श्रु एके करते कीकृति आत देश प्रक बहेशादन करिन क्रिक वाको शक्षिण का इंटडिंड अवेद मेंबेर अथम भक्रक क ब्राजि विकास भक्रिक (म्बि.ड भाववा वाष्ट्रधः क्रम्स द्धार्मास शविश्वम म महत्राहत वृद्धि धरे शतन विका अवास्त्र पूर्व कर्क शास्त्र वालिश विशासक : आहे बहुदेशिको के महिला गर्भत विमात्रिम कांग्रह बोलाई कांग्रि श्रीतभं वृष्टे बहेटलट्ड 13.5 WILER **सहर्द्धश्यमदश्रकेर** न "मुक्का वर् अर्थन " विकार शाबाहिन खां. হটতে পার্ভ চ व'नीता श्रद्धंत्र व मिक्र मिन्डि किकि बहरत ताब क्षा, व्य न তে উন্ত স্টাবেন अब् छिन्य व्यवनत् । अद् मन बड़ेश य'त य क्रिकृष्टि स्थान्ता देश : 'हारा बहेदस व ् (५ क्षावना "'वि नीहा-छ I CHA SILO SINKES देश 'दिएक मां मन्त्री forther or not what

कांत्र (कांद्रक क्ष "

८६० रे ही. कुडन ड बा कुडे ब्राम् । कः। माँ व्यक्तनात्वाह स्वात प्र े देशिया व भतिकारम् त कृष्य सूत्र ्राः केंद्र सम গাপ অভ্যন্ত رسرع ر विश्व भारतक ** pr =1 रित्र दलांदकता । उपनीम जन्म स्माटकत ভাই ভাবিহার। পরে'রডি । ক্ষতি হর । হৈ, আর খারাই বে উমতি ংগ পরতমু ইংবু নির্মাধিতার কং . :मचिद्रं भारत म् मक्षिए कुमश्कात गंजत जहिरियाहारकन, जमनीतिह ंत्रा त्रव क्ष व्यक्तिक उन्हिला ' प्र**प्राटक त्मर् शास्त्र अहे** खाईन গ্ৰহ'ড অণক্ত হয়৷ খালে চরিতার্গ क रूम श्रुक्त वस

ेंद न्द्रमञ्ज मान्या भागमा भागमा व्य न्द्रमञ्ज मान्य इत्याद्र स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्

ंक स्थल कांत्रदरकी खंकित कहेंगा कहेंगा का कथन कांत्रदरकी खंकित कहेंगा कहेंगा वाहर कांत्रिक कांग्री किंक करवानी भाग कांत्र कांग्रीकर करिएक कींग्रेस, भाग श्रीय कांग्री कांत्र कांग्रिक किंत्र किंग्री कांग्री कां

विविध गरकाम।

१ हे बार्च (सामसंख्रा) ।

কাছাতের বিবোধ জনাও জন্য জন্য স্থানে বিজ্ ত চইডেটোঃ লোকরা শুনিলার সাধ্য ও ত নিকটবর্তিশ্বাসনার লোডের।ও জন্ম গাবণ কনিয়ণছে। ওসকল ভূম বৃদ্ধে জার কিন্তু না ক্টক লাখারণ শ্বাক্তের বিলক্ষণ ক্ষিত্র ।

কোপেন তেগেনের এক জন: জ্যোতির্কিদ এ ৪টি ছাত্রন এই জাবিভূত করিরাছেন।
দৌ্তা হটতে ইহার ডি আরেই নাম হই
বাচে

भीकारमध्यम् अथाक द्विनाश नारहरवन्न विकास स्वि देवेदारम् । अथात् अक कर गात-स्वीभागक निरम्नाकिछ स्ट्रेट्यमः आवता श्वीन स्वाम केस्क कार्यस्य बालागात्र अक कर भूथक आया श्वेक क्षेट्रमः आवाहिर्यात् अकिनाव अस् भावत्र से क्ष्ममध्य स्वाम कर्मनी अवस्त्रमभूरत्व विद्यास्त स्वाम स्वाम स्वाम

सनके प्रश्नित श्रुवर्सात त्याववात छैति।
गाँउ छित्रे व फालिक । श्रुवात छीवात सरमक स्थि व्हेगाए अवात त्रास्थानीत नकता गाँउ व्हेश श्रुवात स्थात श्रुवन करता, अहे धार्यनात्र हिन्ने अक विकालन मित्रारहन । त्यनस र्यम्पनत हेलान प्रनंग कतिता लाउकत प्राप्त क्ष्ण काल तक हुक शांकित । असन तक्त्रम हानाहेगाड छोडे ए पून ।

পারনান প্রত্থ বার্ত্ত করিছে পাতিত ভূমি বিক্রীত হইছে
পাঠীত করিছে আবন্ধ ল্লীয়াতে লাভ কানিকের আক্রান্ত্রান্ত রে যাঁকারা ভূমির প্রার্থনার আবেষন করিয়া
প্রার্থনার ভিলেন। তার্লাদগণে ভূজন নির্মান্ত্রাকার করিয়া
করিছে কলরাতে ভক্রভা চা-করেরা গণ
রেপ্ন করিছে কলাকের নিকট এক আবেষন প্রের্থনার কলি করিছা
নির্দান করিছা এক আবেষন বে ভারাল হইবে

শানেশীয় ব্যবস্থাগৰ সভার গভ অবিৰে নি কৈ সাইজেন সাবেৰ চটুপ্তাৰের কিয়ন্তং শানা নেৰ অধীনস্থ ক্রিবার জন্য এক নি সাধ ক্রিবার প্রস্তাবি ক্রিয়াছেন।

क जरूर कर के मिनिशिश निर्माण विक् कर कृषि क स्वारमान चारम, जानाम निर्मा हो में के कर कि कियान हेरेस्ट जानामिरमन स्थानव मा र क्षेत्रक विश्वपदिष्ठ क राज्यक क्षेत्रक क्

केरियम् जर है जिल्ला बर्गाय अवस्थिति । अहे बर्ग जर्माकः, किरतां जमाव मानिकारिकः रममा जार्थरतत् हरण गण्डिण हहे हो मानिकार्यः हेशार हन । किरतां जमार मा रम्बारिक विकास । का दमिक प्रकार मानां वा रम्बरिक विकास । कि किरतां जमार स्वारत करभक मरहम १

भूनी ज साज रह नरमम, छाउछा तरिकः खर दर्शनाम् ७२ गासि साम छिकि । क्रिश्ने त्राजि स्थापन स्थान स्थान सम्बद्धाः विशेषाः रहते क्रित्ता पृष्ठ रहेन्नारह। कि. क्रम्यान अक्रेशे निरुद्धे स्थापं, क्रित्तां, स्थान स्थापनारमञ्ज्ञ अक्रेशे रमस्थान स्थापनारमञ्ज्ञ स्थापनारमञ स्थापनारमञ्ज्ञ स्थापनारमञ्ज्ञ स्थापनारमञ्ज्ञ स्थापनारमञ्ज्ञ स्थापनारमञ स्थापनारमञ स्थापनारमञ्ज्ञ स्यापनारमञ्ज्ञ स्थापनारमञ्ज्ञ स्थापनारमञ्जञ स्थापनारमञ्ज्ञ स्थाप

রেপুণ টাইবন বলেন জাকান নামক ক্রেটা ব্যক্তি তথার পাবর্গনেক্টের তথাকি তছ্পঞ্ করে ভাহার বিচার শীত্র কলিকাভার এ,বাইটা তম বিচারালয়ে হইবে।

আগাৰি মাৰ্চ প্ৰথমিতম বিচারালবের। ক্রিলারি বেসিরন আরম্ভ হইবে। এনার্চ ব

এক জন চৌকিলার এক গাড়রানের নিম্ন টে চারিপারস। বুস বাওরাতে ভালার হর মাজার বেয়াদ বইরাছে। পাহারাওরালার। সর্বলা এ প্রকার বুস কইরা খাবেছ।

বিশ্বপেটি হট বলেন, চউপ্রামে টেলিগ্রা
কর বাকোরার নামক বে ব্যক্তি এক কর্ম
বাজিকে করে নিকেশ করিয়া প্রশাসকর ক্রি
চারালর হইতে বৃত্তিলাক করে ভালাকে প্রশাস হাত করা হইরাছে। গ্রেন্সেট ও বিচারালক্ষ্ম
হত বীলাংসার কি একতা ২

केल नाम कारण करिया है कि नामिश किंच जात है कि निवाद नाम केल शांदरन कारमान मार्थ कर्म कि नहें सावादकन, अविषय अक देशिका मानटक मध्यमान बहें बादह : नाम केटकत केनत वावकीत कि विश्वक । अवादिक आहे माहर वात्र कि निवाद केलि कि नाम कि कि निवाद कारम कर्म केलि कि नामिश करमा कि कि नाम कि न

शक्तिकाम अवस्थातिक गात क्षान

कतिबारसम्भाक सन किश्विकाती करवन सन च्युक्तां की ब्लाक्टक कि का का विकास हेर्राह्म अक्डानरेट्ड वडकतिया जानिका fam siewem grifen fen i & Diffe कावित क्षितिक अक श्वासी केलिकार क. দীপার করিবার হলে নৌকার স্থানিরা এক यां भीत साहारस का शुक्त वर्ष मंत्रेश साह । शहर केशिक्षा इतिशासिक अक गर्काक बादक চা-কেত্রের লোকসংখ্যা রঙি कविशाय कां के अंदित अकार्या कहा व्हें वाहिल । क्रम कार्यामा कार्यक्रियम्बद्धः ख्याह निया अरे ब्रुडांच चानिया तिर्शांडे क्रांत्र । औ लाटक्या युक्त बहेबाटहर । चात्रक वर्ष अध्यक्षः प्रांत्रन कार्यानिया व्हेर्ड इतिस्थ्य, यपि य. বাদ গড়া হয় ভাষাহইলে চা-করের রাব-क्यीयन कार्यासारमञ्जू काक्या (संख्या कर्षया । छुत्राश्चीय अव्यटन सम् मध्यमा स्ट्रेटन नकत हे देद्वा भी देव स्थाप । चाव उपर्वन निमित्त व अवियाम अधिद्व ।

इ बाच मलकातातु !

ন্দিনিকা শুনিয়াছেন ২ং পর্গণার মা-কেন্ত্রে চৈর ক্ষীন করেক পানায় নানিক ১৫ চাকা বেজনে কভকশুলি ভাক্তন্দি নিযুক্ত ১ইবেন স্কান্ত্রেই এই রূপ ধ্টালে ভাল-হয়।

থেছে সাট'ডে রিজিউ বলেন যে ২ র।
'নিম্নাবি বিজেখী কিবোঞ্চনার ধরা পতিয়াছেন। পেনে নানা দাহেবের ধরা পড়ার
না'ব না হয়।

व्यानीहात्। प्रतासने नहस्त उथात्र नवर् (य-केण) निका ७ दिसिश्रीय व्याक्ति नि व्यापार्थ है रसकीय गवर्राको ३६ स ह है। का २-वान कविशाहक

ডিনি আরক মলেন যে আগরা পোর অফিলের করেক জন বাবু বিশুণ নাজল লক-য়া ও অল্যান্য অপবাধে কারা ক্লম স্ট্রাচেন চৌগাই প্রার কতক গুলি অসক্ত লোকের বাবুলিরির উপার হইয়া থাকে। তই দকল ম গাপুরুষ্ট অলেনের কল্লের কার্ন হট বাহেন।

আমহা আয়া নিয় নিখিত প্রথানি এ'র কট্মা বস্তু ভা আংশচী পরিত্যান করিয়া এই- আনে এবন ক্রিয়াব। আমি নাজিশছ জা জান প্রকি সর্বসাধারণের লোচরার্থ প্রকাশ করতেছি বে বর্ত্তমান মানের ২৭ এ পৌন মাজেরা মহরবার আভোলিয়ার প্রাফেলীয় রং-মি লোকদিগের সাহায্য জন্য আর্থ সংগ্রহার্থে এক সভা হর। ভাষাতে প্রায় ৩০০ শত টাকা সংগ্রহীত বইয়াছে। ঐ সভার আজভ্য বিল্লা রুণ্ডের প্রথার শিক্ষক প্রীযুক্ত বারু প্রিরম্বন্ধর বোর বে বক্তৃতা পাঠ করেন ভাষার সারাংশ গাঁঠাইতেছি অন্ন্যাহ পূর্বাক মহাশরের বিধ্যা-ত গারিকাগার্থে স্থান দান করিলে ব্রোচিক্ত বাধিও হইব। নিবেচন।

ৰণৰপৰাসিরা এই রপে স্থানে স্থানে স-ভা্কবিরা আগন্দিগের গরজু:খকাভরঙালি-তাগের গরিচর প্রেণান করুন।

> वे बाच बूधवात।

কিনিক বলেন লার্ড এলগিন ও লেডি এ
লগিন উভয়ে এবলী সভা করিবেন। ২০এ রা

ক্রি ৯ টার সময় ঐ সভার অধিবেলন হইবে।

তিনি আরও বলেন কেনালিয়াল নেখর সর

চারলস ট্রীবিলিয়ান খনিবার নিনিটার কিনাক।

ডিগাটনেউরে অব্যক্তবিশের আকিন কেনি
ভেগ্যাভিলেন সোনবার কঠন হাউস দেখি
তে ঘাইলেন।

व्यक्ति । जार के बर्गम त्य, अनाश्यास्त्र न-करमाणि । जगिराके एकति । एकति । एकति । काम्मादन गार्थन अनाश्याम । व व्यक्ति मुद्र द्वित्र कर्म के कि । विषय निक्ष हरे एक नामि क २०८० है । का त्वाप्त नाम्या । हे । कि मा दिव्यक्ति व्यक्ति । विश्वक स्ट्रेस ।

তিনি স্পান্ত বলেন ব, আহামদ আবির বিপক্ষে হত্যাক্রি বলিরা বে অভিযোগ
ছইয়াছিল একণে নজেন ডেপুটী কমিসনর কা
পান সাহেবের উপর ড'হার ভ্রত্রাহ্সম্বানের
ভারপ্র ছইয়াছে, গুনিরা সম্ভাই হইলাম।

জিনি আরও বংলন বে মারকুইন বিভাহ-বেহনর মৃত্যুয় পর লেগ্টনট নবলিট সি কা-ক্লাবেল সাহের জাজান প্রের ও সম্পৃত্তি, ই ক্রাধিক: ট হইলাড়েন। ভাগের সম্পৃত্তিও ক্যান্য ব্যাহ্ন টানার অধিক ছইবে। কাম্প্র বেল সাহেব এই অভুলা সম্পৃত্তির অধিকারী

वर्ग असे लग्न क्रांत्र के कार्य के कार्य के कार्य कार

कार्यन चन देखा हैं। वरण्या गांगांक गांहामूं नावण जिन सरव जंग शा १७ वर्रश्रास्त्र अस्त गारे, सामग्रेश के स्वास्त्र अस्ति गारे। नवर्गर के स्वास्त्र अस्ति निजास अन्यस्त्र ।

এক জন মালালবাকে ইাম্ম লইবার উপজে জনাত্ত ইল পরে আহাকে-প্রশিক্ত কর্মান নে ব্যক্তি পুলিক-স্টেক্ত প্রধানন ইবাতে পুলিক ক্ষিয়ারী ক্ষমের ব্যক্তিক আর ক্ষিয়ারী ক্ষমের

विश्व विश्व क्षेत्र क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र क्षेत

वादशालक शकात अक् क्रम सिति क्रम द्यम : इत्योद्ध शवर्गप्रक लि रिष्ट्रम है ज द्रम्म जिल्ला अस सहस्र म म सहस्रा अवर्गम द्रम्म

क्रिशहर बाउभूत

जार । जिनिराद

है। बन्द्रांस क्या निहित्यक है। वा स-हा बहेरन, अवर द्विणकानन स्रेणदन स्राप्त अवशः **वर्रेद्रव मी, है निक्रतः क्षिल्यानि** वन , এলে কৰে কাৰ্ব্য আলেক করিবেন।

ाराचारेलात अधान ट्यूट 🗂 मा हेरे-ক্ষিয়া মাদানিলভ সম্রাতি ওজরাটের রাখার মাজিত গাকাৎ করিরাছেন।

उंक्रुशनारक गरेवी जातक 19 Jan 18 বিশাস্থ্য বলাভ भागनाम र त्रामः **अवस्थि कान्यामि मृ**तिस्त्रिः हिं विस्तृत क्ष रहान्यानिसं मारव कहे लाजिया कार्यमञ्ज विश्वाकारक मानी प करतम ए अपा श्रीका STATE OF STREET विकास परमम । बाखरकारनम ्राक्ष विकास किल किलिका मामान पर ३. १८म परनम प्राप्त ब्रेटेक्टिंगत त्म ध्येकात मध्य 🗸 🙉 क्षेत्रिके 🛊 🕸 अवाधु देवबारय अर्ज्जाक क्लान्त्र केल्कि वैदेशीह। मह ब्रह्मान क्लिबहुनहरू প্লাঞ্জার কাপড় বিজয় াশ্লিতে নিবেধ করিঞ্ की मीप्रवातः श्रीविक क्यान्यानिक । देशवा हिस्से गार्च जान हिस्स्ट (श्राप्त करतन) विव-(মৃত্যুগরাছেন '**' তাহারা অভি অ**ন্যার করি भौ भूगात नामि चावशात क्रीतमा मा**फ**ट्टान कि कि कि कि कि कि विश्वास्त्र । जायता मन्द्रित्त्वह मन्त !

<u>(स्टिंग्ने भवर्त्र जांका क्रियाट्स्न क</u> লিংক্তাড়োতিন ম' শেস্তর বা হইয়া প্রতি ALEES ? ভিত ভূমি বিক্রীত 1

विसी । को _{नट}े, डाउँगणिख **रहेर**क विश्वासी विश्वति । अर्थान भवति । किन्न अविनीत जान (- दशन का । त्नान कि हत । छार्न्ति यशन शान करव आतीन ला विकेदन इटेलाइन। नटम उनिका अटेल मद्भान मुना इकि न स्त्रिभार्यन ।

PCक है दशरका के वाजन भूमात एवं कमा निवास में कुल्बी केस्टर्स केल्युका (शृक्षाति । ई बाहा। जावापि नेशाक देवता **व्याप्त** । जन्

s **म**श्याम ानेब्राहरू । तर त. गाणिक महिना · 你在下班 海海南山 海, 山山山 新 事 THE PURPOSE OF THE PARTY OF THE षोरण ८ अन्नम कहिएयन । बीक्षी अन्तेक, बीक्षी लंब चारीमकात लग रहेग।

द्भिष्टबाटक विश्वत क्यूमा आट्ट, भूसे केर नत्र भूर्त्व अमाज्याम मारस्य अन्तर योष्टिक **চিনেন বির্জাপুর হইতে তথার এক রাস্কা** করিলে **ভত্রভা** ধনি হইতে অনেক কর্ন चानिरंख भारतः। हैशंत्र १००० होका वास नि दीतिक स्ता। तिकात ताका भनित स्विधी समित्राम् निर्देशी के शामकात्र छात्राज्यवीत क्ष्मिर्द्रकृति स्रोत्तर्भ कृतिहरूप, व्यक्षीकृत वरेशारवन । क्षा विश्वक के द्वांक्ष राज्य कड़ना बर्प है वहार में दिनान के कि बहेरल क्यूना land after t

च्यासिकारमञ्जूषके करतस जानवीत जानी भूता भूतिकार है का बाज गहर है और कर का की काजीव क्षेत्रा इक्ष्म क्षेत्रारङ । फायल हेन्द्रा वा नीप्रवर्ग ज्यानक न्यानीट शाबी वा अविष् राक् जान्यकि व्यक्तिकारम्म । क्यारिश कामारिका देव, ब्राह्मां वर्षा के लावित के देवता गीव कार्या क विभिन्न के स्मिति कार्य का को दिन के कि विशिक्ष एकि ।

क्षित्रा में अंबर्ध कि किए के मेर्ड क्षेत्रकार केम्ब्रेड्रिकेट उत्पादि कामध्या कविराधिक ब्रोक्टा श्वाद नदस्यां निरम क क्यू इत्तमान मुक्ति नं भारत राकति ॥ यति व केम्बर्ड राह्य होने स्वाद भवानी कि व्यक्ति कवा कवा कि कि हो हो व के जिल्ल भार्ति के जिल्लान । शिर्द्धानीय किर्याद्ध का कि की बांक क्षित्रमा कहा चारक, जेनर हें क्रिज़ में मुकाका र्थाहारक भर्रभरन अञ्चल द्र हुन के बाह नि बांस केस्प । बनाम जोगाक जिलिके दानरजी कामहादक्षम जनम अच्छा काफ केशम देशक देशक भटनाव नार्षे । पुष्पात्राच भन्नाकाका हि निमिन्त रिक्र शामक्रिकेशनः कारणका अमुद्रम ्थारमञ्

निर्मात हेन्द्र क्लाम बर्टकर्ग, स्वत्र देशक्रांकः, 要 かしら 引きない。 声の と 強強 南 が 、 対機 、 ・ ・ त्वक विषय कराव अधिकारका । । स**म्** -- --

COLUMN TANKS AND ASSESSED TO THE PARTY OF TH A KING SHIP OF THE PARTY OF THE PERSON NAMED IN THE PERSON NAMED IN THE PROPERTY OF THE PARTY OF WHEN SHIP OF SHIP PARTY WAS HIM STATE & SCHOOL ST

क्रियार, के का न सर्वास कानी क्षेत्राह । चिति विश्वकातीय य नगरीहरूवन मारवाशा बिरमः बार्के । इस्स् विद्याद महिता है। जबा-भि शव-रिष् में क्षिम जैक कि मादबाशाहक नक्षां क देशा बहुबार क कदिशाद्यम । अर्थ जात्वत दिसाके अर्थमारकेत जाकि नम् च विभवनिष्टि स्रि तम् द्व ।

मिली इस्त কণ্ডের সুলভাবত্ব সংবাদদাতা বংশদ ক্ষুত্ৰ্য এক জন খানদা-ষ। এক আরার নারিখাতের। করাতে ভাষা-त । वरनत स्वयं प कर्यात्हः । अपूजनावाहः न क्षित्र भाषात्र कूनसङ् किन्_र। हे साहित गाउ ৰ্থসত্ত **ৰীপান্ত**বের অন্তঃ 🅦 নিৰা 🔐 ক্ৰয় अवंश्व वरत, खीरनारवत्र वाहिकारकारत अञ .इप वृद्ध दन कानिङ मा । भरतावणाङ, वरनम के प्रक्रिक वामी स्टेशंड काळा समग्राटक भीका संबंध शक्य जीवन रिनट, व्यव ! बे ৰাজিল চাক কাট্যা জানার নাক করি ন কি শ্রুকা ৮ জোড়ে হলে ডাভার সাহেব এ कांचे कतिरण भारतम्। मार्माविद्यस्य द्याम दर्भाई तकाको १९८७ कड मुटडके काटकत ।

व्यवस्थात प्रकृषि अक स्वित्यक क्षेत्रः ্ীৰ স্থেন আহিত হইয়াছে প্ৰণ্ডেই ভঞ फा श्रेमी अंकृष्टि उन्नार कतियान का का निर्द

र पुष्किक्कि । जिन्न मिन मान्य जाशास्त्र क्रिक्क विकिन्न अपूर्व नाइन टाफानियन क्रिया अस्टिल्लो_वारकित समागरकि लख्या करूना ह

ब्रिकेंक्त अव वेश्वियात मध्य द्वाराह्म का राज्य रामहत्व । अ ार्था अपिक कर्मकें के प्रतिक भी दिने दशादका नव क्रियादन अप य मुख्येनुतं । यह विकेद्वां मध्यमः अमृकुद्वः । PURPOSE NEWSFER PARTY IN

> अपि इति अशिष्ट नेशिक्ष रिम कार्य (र किता का विश्व किता करें किता कि निर्मा है निर्मा

कतिवादस्यः चना कवित्रः निवास स्टेटकटें । **८६% अने हैं शिक्षा अध्यान करवन अपूक्ष** काञ्चक्रवंद क्या अरु क्षतात द्वकानी काहै। कतिवास दर कविनन एम छ। बाह्य चाह्यकरामेंह হাৰত্মাপক সভাব আগত অধিৱেশ্যুৰ অগ্ৰা प्रिट्शंड ब्रिट्शांडे अकान कतिरका । छाउछ ৰবেঁৱ এক আকার কাম ভাগ হওমা আলউৰ ভবে জ্যেষ্ঠাবিকার গ্রাচনিত করিছে পারি

वक किन मछानन। बाटक ।

के कर्भ में नव हांबनन केर हत निविधियांन क्रिकः पूर्वि । वहन्त्रारत्त्र विषद् आंक्षात्र क्षक्रियाम क्षिश्राद्यन । मत्र ह ब्रह्म क्षेत्र बाह्य করিবেন বিরামপুরের মহাবতি তাহার কিছুই काल व निदयम मा । अधान कथा ।

ফিনিক নলেন ৱেবিনিট বোডের হত্তে ইনকৰ টাকোর কার্য্য বাইডেচে। ক্লিকাডার कवित्रमह वर्ग विलाग गाईहदम अवर छांहालि ात कारकोतित शम केतिया बावेदव । कान ক্তি মাই।

केंक्षणा विद्यान काबूद्य रतिब्रास्क्र मह ाजना है विनिदास मीत देसकाडीका छैठीहेब विद्या । जान्नजर्व जीवान निकार को आजा के स्थित ।

१) हे बाब खळवात ।

चाद्रवर्गोद्र भग्नाद्यत्केत्र चलुद्धः धाल्लगाद्यः नद्र চांद्रमान केछ प्याच्या विदादकन ১७ नक টাকা ব্যবে আলাহাবালে হ'তন আফিস প্রভু कि इड़ेरव। कार अन भाईन यह कांत्र आ श এইয়াছেন। ছুত্ৰ কটাক্ট কেল্লানি বাটা প্রস্তুত্র তার লইবেন।

वेक्न शिक्तांकरमञ्जू भवत मिक्तांनी जा দানত ৰাজা দিয়াছেন বে কোন বিচারপতি কোন ৰাজ্যিকে মিখ্যা সাক্ষী নিতে গুভ করি वन, छोड़ांक बढ़ मोसिट्ट देवेंग निकटते . अह শ ক্রিবেন **নচেৎ নিজে অনুস্থান করি**য়া সে সিয়নে সমর্থন করিবেন। সকল স্ময়ে এক। স रव करवहैक।

देश्निननान मिक्य करण व्यवश्व रहेवां ছেন এডম্খ টোনসাধের পরত্যার করিলে दांति १ हेन मृत्याच अभीय शास निभू क स्ट्रानन क्षामा विदेशपूर हैक क छाहे ।

विक्वीत बर्गन सक्तावीत अक जन माना

बी कुँदेशात नुकेदनर नवात जानिएकहिनी कीराहरू रूक कहा रहेडांट्स असक त्यान सरे शाहिण ।

रहन नव विकेरवाकरक शक्ताफ क्या व्हेरव ছির ধইয়াছে। ভারতবর্ষীয় এখাদ সেনাপতি র শদ উঠিয়া বাণরা সক্ষ। প্রভ্যেক প্রোস ভেশির এক এক প্র ান সেনাগতি হইবেন। সর রবার্ট নেপিরর বৃশ্ব ভিগার্টবেটের সেক্রে है। विकाश मकरमञ्ज हैशस्त्र कर्कृष्य कतिरवन । त्मि बात छिडेक अनि नद्र विवेदानिक नि চারের অনের জন্য বদি পদ্যুত করেব ভাহা श्रदेशा हे रणशीय त्राना अन अन की वहां होता हैरवन । जुनी ७ क्रिडेनी चंछेक विवय विश এত দোনের হয়,তিউক অব কেছি জ ইহা অপেকা গুড়তর দোব করিবাচেন। ধর্মনী फिन विवरत हे रक्कीन क्षणान त्रनांगकि विश्व ! क नद्भम कादिक कि ब्रांगीत शिकुता मः स्टेटन িতিনি নিজে এত দিন পদচাত হইতেন।

हेर्डियम चार है खिना बरतान मनीण मिश्टह-র তত্তাবধানক সার কন লোগিন বোদাট্রতে

किनिका नरमम किछुनिम शुर्दा छोद्र उन्हें बु दिहेन अरबड़ अरबर-छेत्र जाकिरन अक नका द्यु । তথার চতুর্বধেনীর প্রটের আবশ্বতার विवत्त छर्क इंश्वाट्ड अधिकारण अच्छा हैरांब विक्रम् मञ अवांभ कतिबादक्त । खंडेम बदव कालानि जालनामिरगङ्ग शाह जालनाहा कू ঠার মারিতেছেন।

(ब्रहेन करवरण जो नाक विदश्र अक्टो विमांकिनात्क बाँगेट्ड एम्बन्नः छेडिछ मट्ट कारबा धरे वनिया या श्रास्त्रां कविश्राहिनाथ ইভিয়ান রিকর্ণার ভাষা ক্রীসক্ত ও হাস্যের উপयुक्त विविद्या विकामा विविधादक , द त्रमा, त्र जन्नभंदता, हेवा किटाकादा जाना गाइँदर ? जांड जांड़ां कित (वनाता किना ना चना यना औरलांटकत गरिए ,, अक अकट्डे বাইতে পারিবে? বিক্রির এ শ্রেম এড क्याति मधान वर देवेद्राणीय विश्वत्क कति-ब्राट्म ? हेर्छेटब्राटल शहा क्डेक अट**लटन द्यम्त** ए एउ छीत्मक अधिया बाह्य आना शाह ৰমি ভাড়া দিলে এক প্ৰকার সন্ধ্যন্ত ভাবে প্ৰা

COL THE WAY THE THE THE PARTY OF नगरका कि त्यस भारताह विकास भक्ते वंचन जावगाक, जनत दब्धी विचट्ट व केक शब मध्य रहेट नश्योग शाहेबा- विकृष्ट कवियात आधार आधार विकृ व न विक्कीब स्थानितन स्थानक विक्का গম্বদ, কিন্তু আৰৱা এক কালে মুক্ত খুণা ও অগতৰ বোধ করি।

আহরা হতভাতা স্বকারে বীকার্ কার্ট্ট नांबादन विकासिकांत किरवक्टिक वि एक वर्षमान वर्षम माखानि को क र्वत पूरे वानि विभाव आंख बहेबाहि च २० जन निनिश्त ७ ३०० जन जुलिएक वृत्ति गाहेबादर । निविद्य त्यानीर व कि कारमहाम महिकारम काम मारक क्रेरत क्लूरडीना विन्तानत । क्लेनी जीव প্রথান। হিন্দুল নারাসভ কর্ম 🗳 करतका छक्त वित्रांतम अवास अधिका रहेबाटक । आयरा जाकिक्सम्ब महरक कोष क्षिएएहि, विकानिकां में मुक्तिहर किर्लाष्ट्र क जाना जाना कांचा कांचा विर्कार ক্টে নিরমাহসালে প্রেরণ করা হয়

नियानिक शास्त्रता विश्वविदरास्त्रात्र केन नवीरकाठी विका छात्रह के साथ विकासिक

उप त्यांची ।

बागविकाती त्वाब ধ্যোগি ভোগ্ৰ লাখ্য काखिङक वर्ण्यानावास 7 14 WOLLE रकम बनाथ विभि ' व्यनिटक विकास উমাকাত চাটোপাখাল व्यिनिटक के मार्कि व्यमान क्य হোনিভেন্সি এয়ক ঃ ठक्षकां कान ध्यिनिक्षिति कर्तक का नी छत्र वटनारां निवास कि छत्र है में कि हैं विश्व जुरमः भोजन ल्लीरमुक THE THE PARTY (नोविक्ताक्त दर्गान প্রেনিভেলি কলেজ

र म त्यानी। कॅमिका डाविकाश

विभाषां व दक्ष প্রেমিডেসি কলে वत्रक्य क्यावसी तरक उ करकेश । **चर्यामंडे, ८स, मित्रका** ভব্টন কলেপ্ৰ विवादमहा सूर्यानाथा। प्र এপিডে সিক্সেক্ णाणीक्रवं इक्रक्ती প্রেসিডেব্রিক কলেক क्रमि विकाश !

८क्भ विका द्वार र्भ नक्रमण বোগেশ্বর, চন্দ্র রুষ্টপ্রসম সিংহ

5 .98	
A supplementally annulument	
कृष्णमान्य विश्वास्त्र	
ভেষ্ম সুমহান্ত	AMAN ACAM
निकृष्य व्यापानियाहेत्र	ः सुरक्षाः द्वस्थार
चक्रद्रशंत द्वाष	Maid 4: Ma
कानी शतम बूटवाणाध्या	कुक्निया कामक
यण्या भूष विश्वीत	
_	准、沙河电景的效应等2两等
प्राम्प्रीमध्ये .	
(गाञ्चन ठकनकी	চিলা কা শক
,श्रुरमाह्य (मन	李]李] 年 月曜
ি নৰা থ লেন	प्रथम सहलक
fumfalum minera	Sales and the sales are a
নিমুলিখিত ছাজেরা বিশ্বনিগলতার্য আন্ব- 'ব ল পরিকায় উত্তীপ হইরা' এইনায়নি আইবে-	
	रवत्ता शहरतश्या स्वास्ति । क्
५०४†८ च्च ।	1 14 12
५म ८७ ने ।	
A CONTRACTOR	७ महिल्ला
জ, ভৰিলিট, ভেছি	wife wichm
হায়ণ রণ নিত্র	कन्द्रदेश हो। स्टेशक्त
स्थारनाम यनाक केनिय	ाठ। कि करेनांग्रिकेशन
व्यागानाव स्वागाया	ांत्र कनूटिंगिकः आकृष्यु न
्वण्यक्षमाच वस्	बो
५०% क्ष वरकाम श्रीका	হাৰড় জুল
जार, अनोन जोच	शकाकारनिक्द्रि अून
A-4 = का क्रिशाधांत्र स्थित कारक क्रियं के क्	
y भारत प्रशासन रख्य	रैममनशिः क्रून
্ হ জ জেনী	
কলিকাতা বিভাগ।	
क. डेकिन **	কলিকাত। মারাস।

সাম বহারী ২লিক क् इक्ट्रकि विदेशन ð े कर्नकाम् श्र वस्त्र कुला भागा । जा बाह्य বোলুটোলা ব্ৰাক্ষ্ত TO MEST CA जर्डेन करमञ 四十二年 日安 কোলুটোল: ব্ৰাঞ্জুল ই ভুসচন্দ্র চাটা শাখায় কেনারেল এসেবিজ-ইন্ডিট্টেউশন निकास बाब कोबुटी (कानुरहेक्स) क्रांक्क स श्रद्धताच मिळ ग 500 है ने कि विकेशन হরিবছাত বক্স (4) To 19 Crit'बुक्स व्यक्तांस होत्र ביון אודה בפודים an, wis, नाकातकिन उ रहेन का लक यारः श्रमत **राष्ट्राशिधांत क्लिन्** होता अलक् পে:পা:ল মাল শিল अविकास मिमिन्ति কালিকাডাট্রেনিং জুল 主要活动 明哲 क्राइडीश्राम निरम् कि इक्टेनिकिएडमन इंदर्ग श्रिवेद्रसम् रमनीयारमङ य न

ক বিভাগে সাক্ত বি। 型,4点类 集品(金 হুগলিবিভাগ। উত্তরশাড়াম্ব क्ज़नामक बरकार्गभीकार्थ जिटकार्यत बद्यसार्थीधाः प्र হুণলিবাক বুল इशिक्ष करलकिरका के क আ্মিরআলি উত্তর পাড়া কুল वज्रभाष्ट्रस्य वटन्द्राम्भीवराज् है। कि शहर के जो विवासधानांत्र वस्र मक्त्रक्त हर्दे शिक्षांत्र **ছ**वनि द्वांकक्षक्र ৰনম্বালী ব্যালাখায় ছগলি কলেজিয়েটছ ল But Bib A F किरगातीनान को प्री व्यक्तिमानक हत्कालाशास वनाहिका क. छ ७

स्वति कामिकारे प्रत्यक्षणांम लाम देश्य श्रीकाक ल द्यमात्रमाथ हरहे।शायाः जिद्वारित वि दिशायमाथ शांत क्षतीत होटन किर्धि अहु है। क्रिकाल जान रेमश्रीवर्ग अरक्षक ल मरमञ्जामा धर्य क्रम्भ मशद्र विकर्ण

नकाल (एक्क इन् भा । मनान एक कुर्कनगत्र करलिक्टिय कृत निनिम्हा निर् কেদার নাথ খোন भाषिन्त अरख्य कृत । भारतः, श्रमाम रमन नव त्राभवञ्च बदन्तांशीशांत्र रभा क्रिक्ट महर्कान जनजारें के का । अर्राट्स निव Cक्षक्र भाग म जान কুক্চল পান্যাল

চাকাৰিভাগ।

होकोश्रामांक क व मजिए। योच्य द्रोह মেছিলচজ চড়োপ।খার কালিপাড়া এতেওঁছ ন করিদপুৰ সেরাজুল ইসলাস ष्टाकाशरशांक वे बद्धविद्याति अख ৰাজনোহন জে हाक करक स्टाइंड बे भाषाज्यम (मन টাপ্ৰিয়, এক্ষেড এল रेवक्रेनाथ बाब विश्वाम बे কালী এসদ ৰঞ্ इकि अरशक जे के बे व कर्या ने नार देश क विष्णुत थे ভাৰানাথ চফৰঠি

তমু শ্ৰেণী :

কলিকাত। বিভাগী।

कन्छोन। उध्यक्त প্রিচুনাথ স্বারিক ar a, fusab **७ वर्डे न क्**टिश् कम्:होना द्रांक क्रम তুলসীধান শীল কলিকাত। ট্রেনংক্ল ८वनीयां घर प्रश शिप्रमाथ मृत्यांग भारेत कि करेम किए छिएन। শতিলাল কৰ कल्टीलाज्ये कहा হির্লাল বিশান क इस देन कि ए जिलन क्लुटिंश अ'सम्मून क्षावनाथ वस

कानी स्था है ने ने ने कि শগন বিকলেয় TO HE WIN COLUMN · Page alcom काष्ट्री ग्रह देशक क दिलाना अध्यक्त क्या है। बार्डा के ब MITAL NEW JORTH कि इस देनकि विदेशन Catte के किए के किए के ব্যক্তিপ্ৰান্তী দিল্লাশ Chilesta Baltua **电话事的,对他们等了的证据**, भः क् उकारमध मडीकार मंद्रार्थः ..कलिशंद्रान्द्रिपरधकारकवि नि इक्ष देनकि, वनन THE PERMITS 电声引引 计行为数据 · 中国四十二年 TETOWA. नियांके हता वर्ष नाम नरत्सान भी हार्र थे में 刘年] 五 世代 , 風 起 कुमान्स बदमानग्रीश 'दक्ष' सर्ज र्द्रायम् स a. 数1的信号可可 "h शोनांग विक क कि हो दी हो थिए ब क्षेत्र कि होतवाच बरमार्थिस्याय विश्वन कि कार कि তৈলোকানাৰ পাল্ক জলিক্যকা চট্টানিংএই ক্লিমি एशिक विकास

क्षानाहत्र क्यां के लीमान उत्तिशाशका देशमध्य अध्यक्ष क्या 4 4 4 M. A. C. WIN WINGERS ATT পাৰ্মা ঋ্ল ি শাকুক্ যোগ THE DELT WHEN (河河)河 (河) 夏(河)河)、河 斯(東京県(河田 場所 क्षिकि स्थानिक माने वर् ব্যিকলাল ভ্ৰাব थागसक्यांत्र (मन (本)祖司引发 水(公) 至 山 কর'লীচবণ সংকার शिक्षनीश्रह कु (有)可问证证 平海 त्रिहर्ति वर्ष्टक भूक क्रमांक फट्का,क्रियं है या भट्डिमांग बर कालीकुमान रगन 本教 中なる 本 科 রুক্ষর স্থাব कार्डिक ठड़न गाम एम ल ब्रांकक -भवक्क बदकः गांधाव र किथ उप कन अक्षानिक सिक्टबर्ड के स वसनी नाथ गिज क चित्र और क क क গিছিশচন্ত্ৰ বাৰ कः विश्ववास्त्रक्रः স্থা:শুদুষ্ণ ৰায় मोल्टक वट्डब्र तुन ध्यमध्यान र १४ शंबक क ल अविकारत्य बटमग्रेशांशांश्र বিঞ্চলাস চটোশাখার खीद मिर्गु करल्य च, महें बद्ध सम् म मिक्कुर्व स्टब्स् श्रीप्र यात्राकश् सक्त रष्ट्रवाच वस् शिवनाथ बरमानिश्वांव बादांग उस्त विणातीमाम घटके शिथाप বোরাএ.ভভজুল (मिमिनीश्रीय व विभिन्नविष्के क्रि देश (इश्वामश्रम्

WALRA & W.

विक्रमध्य स्त्यानांगांत्र

- MARTIN SEL न्छ।ल बाखर क्रम वर्षमान गराव काव कारन क्षत्रमाथ । करवी कुक्षतिकाती अवकार का त्यां। १६ श्रीनिक्ति, तन वानकानांच छिष्टाचा कृष्णंनश्य करणांचरप्रवेश्व क्षीमनम् रहाद्रशी मरमारगारन अवसाब वीवकृष्य स्मा शीकांपर देशपांत व 'कुड़ा अ न

के दिवन य ल m作写性不由64.5元m नाधारहरू हे करेंगेडी क'लना लिक देनि खिछिडेन **ब्रि**श्चेन हत्स् (अअ र _अभवत बरक**्षि**वते सुध खे:अम्महत्वः सदकः १ ছবি ধ্যান বৈত্ৰ क्षा प्रशामि अरक्ष कृत

ि जनकर माद्रा इंलिडा क्ल इक्ष्मित्रीक अभागपुर क्र कानमी गांध भी हा वह रश्या लग्द महिल्ली का न ,有异"之时(时。汉兴 स'बन्धिक क गण्ड बहुन्छ मुल्छ कि वह मञ्जान अ दल निर्मेष्ठ के ल ोलकक्षा (बाव 名學 斯博 有漢 व्यापिक हो मान Mangal Rid शक गारिक्स वर्मीकाम भगनपूर या म 'लल'म अ अस्मि कालभारि काल वर्डमभूत मध्यामात्रकेषु म । याहेरवन । BTOW ACRES. ा ह आ देश का जिल পাটনা কালেজ क्षां विश्वता

Bear marten? *. दरिन, शक्र क्रिक्रियां काक्रीका भारत व क्रांकावाद्यां के क बीनाश भिन प्रकृतियः अध्यक्ष का सि अनक रही धूर्व ধবিশালক ল नकी बद्र भन्दाः मिन्ने भार ভগবন্ধ ভাত বাঙ্গালাবাজার **ब्राप्ताच्य हर्त्वाभाषात्र** क्षंत्रिया के माध्यन। ब हार्किशाधारि 16. it. A einem gir িম্মুন**্স**ং

লগৰড় লাহা हाक, क:शक्तिरहें बाबदध्य श्लाकाकी ে শারী प्रशासीय कथा किनान: त्रप्रक्र क्य শিশসাগন্ত প্ৰগাচৰণ বিক न दशकाशिक के

১০ট মাধ শ্লিবাৰ

গত শুক্রবার সংখাত কাঞ্চালের পারি-তোৰিক দান ক্ৰিৰা নিৰ্বাহ বইবা গিয়াছে। छेक कार दक्ष की कहे, वि, कार्य क्रमारवय चत्र के कार्या निकार कतिदाकित्वता जिल्ला है। ধ ভবিবিট এস, আইকিনসান, সাহেব ও উপৰিও হইয়া ছাত্ৰগলেম ধ্ৰোচিত উৎসাহ ৰৰ্ছন কৰিয় জিংলেল : অধ্যক্ত মহানায়ের প্রায ত্রেই গংখ্ত পাঠণালা রত্তপ্রস্থনী নাম (वांशा करेबाटक।

এপ্রে বিবেচনা করা উচিত যে সংকুত কালেজের ছাত্রেরা গুরুত্ব পরিজ্ঞন সহ কারে পাঠ্য চলৈও সংস্ত পুক্তক সমুদ্ধ পা वीबजूब कुल | के के देश भारत खारतिका भारतिका सना खासक হর জাজএন ভাষার ১৯ বংগর মধ্যে কিপ্র কারে প্রবেশিকা পরীক্ষোত্তীর হাইতে পারে। অংব উক্ত পরীকান্তনেও সংকৃত বাসালা বা राम। क^{्रम} विस्थान क्षरकत मा**ह**, कर्नुशकोन्न रेश किथि र महनादर्शां ग कहा जि क द संविधा ্দ্ৰ : কোন প্ৰতেম না থাকিলে हा नगरभन्न भिषितक उरमाङ इहेरव स्कन ।

> स्त्रक्या प्राप्तन य छेड्डेनिनाद्वल एएएका স্পানি নিয়, ঘাইবার যে'গা ১ ম পেনীর পাড়ী প্রস্তুত কবিতে হনস্থ কাশ্যাহেন :

^न स्मात्मा बितिला थडे बहुन्त . मत्री दक्षक रेग्गा १**८०व** महिए माधार

छिनि काइ स बरनन १४, भागानिधरहरू ষহারাল গ্রহ সন্তাহে কাঁদি পরিস্তাাগ করি-HTS# 1

ট*লিসমান বদে. : বিগেতিয়ার ক্লেনের্ল ু সাভিয়াস সাংখ্য ক্লক্ত। কটতে মুল্লসিলাবা म शियोटक्रम ।

वाल्पक 'डेमम वर्णन वहीश्वरत्रत्र ताका र्व अदि ^रनेवराड्णात अधान मानन क**डी प्रहे**न श्वाप र .

दश्रमणीय बावशा अक्स है।

e हे बाब निवास কলিকাতার ধুন বিধারনের বিজ বিশি ক্ষ TAR!

३४७० जाएरत ७२ जाहित्स क्यून র্ত্তের বিল অপণি করিখার অসুসতি বৈশ্বরা------ प्रानात जन्मक देश देश क्यांन करीती।

ह। छाना श्रेनक्षंत्र माधान्ने .मण्य विठातामध्यक्ष व्यक्तिक क्षेत्रम् ।

ইডেন সাংধ্য কলিভাতার স্কুলন বিশ্বী পল বিল অৰ্থণ করিবার অভ্যাতি প্রার্থী

त्योगरी जावज्ञा निश्टक शक्तिवाज्ञी ঠিকাগাঞ্চীর ভাজাব বিল বিবেচিত মুক্তা 🗓 আহ্বারি পর্ব্যস্ত সভা সম্ম রবিল হ

o किनिकाका सारे को । 4) २०४ काञ्चाति कामिश्रमात्र त्रोष क्रथ मे মুলোৰ পাৰ্য চুৰি করিয়াছিল ব্লিয়া ১৯ কলে काता सम्ब क्षेत्राटक ।

७-६ होका हुद्दित जना लोला द**र्गीकाक**्रिक् मात्र कातांशत वरेग्राटक ।

ভগিরাত চুনিলাল কেতিব ১০০ টাক্টি कतिहा दिल विशिष्ट ३৮ मान की यह शायन मिहि SICE!

" नाम। नामी दननाम शृंदशनकि **सं**क्रिं<u>क्षिकि</u> बिनियश्य अन्मागद्वादम स्मृतीम २ वर्षेत्र कर्न बाराटन निवादसम्।

भाजक्रिमी दरमा। ७ महुत्रस हरकानाशिक श्वारियामातम्ब सर्वे कार्यान्यानिकार्वे के मान् ক্তিয়া কারায়হে সিয়া**ছেব** ৷ 👘

नारमा नारम अन कम दनकाम् है अक्टू है।का कोर्याशकारम अन्यान कार्याक्ष्म क्रिक् BRICE I

শিরু ভাগলি অভৃতি করজনেই ১৬ - ই বিলি त मार्ड इतिह जनहां थ किन वदनह व्यक्तिकों कावांनान बहेबारस ।

কলিকাতা ছোটখালাক্। -

२०० कालगांत्र त्यानकच्य विव काली ক্ৰীৰ জুবিৰ উপৰিদ্ধিত গৃহ অগ্নুদ্ৰিক প্ৰলিৰ্থ ক্ষিন্দীর ওয়াক্ষ সাহেহধের নালে ১২১৮ আবং वारीएक वाणिय कतिबादकः

ক্ৰিকাভা পুলিব আফিস।

अक कन नांद्वापारनत कछ क्या र हाने श्राप्ती वाषि ठालाहेनातं कमा २ धूरे छ। का व्यक्तिका egaica :

हारिक करण जालम मामक आवासी शिक्ष कारे हिटन। नारबरवद नारम ज्ञानिहास त्वांश करेशांहर, नाकी ও आग्न **कश्रूका** है दिल्हें कि इस का बाद मा विश्वासकत देखा है है

जिथक जारतारी अहरात कता आप के के किया, জিয় ৩ টাভাও আর একজনের ১০: ইটিট আন FEBICE!

अक्यन कृतित नारम अल्यास्ट्रेरण अकता ণাডল লইয়ছিল বলিয়া অভিযোগ হও-াতে দালিট্টে সাংহৰ গুরুতৰ পরিজ্ঞানের েছত এক বাদ কার্বাদের অভ্যতি দিয়া

उद्देशियम नियम मार्थम किंद्र केर्नाम जिल्लिम ूर्विक्तिहारक् दनिकां अक्जीहमारमनानित क এ বিব প্রমাণ ছওয়াতে তাহার গুরু शैरिअंदयन महिन्छ ७ माम स्मन्नाम **३देशाट** ।

ৰ্ম **এপন্থি লাহেৰ আমার** ১৪০ মুলোৰ नारांच চুরি করিয়াছে विज्ञा भीत वश्चारमुद नात्य माञ्चिम कहांत्र माजित्यु है जात्वय श्रामान শাৰ্ষীয়া ভাৰাত্ৰ মইমান কারাবালত্ত্বিত করি-東代な寺 !

अक क्ष यूननमान अञ्चलां कि करे तारहर क् वर्गमान कतिशाहिल विवश छारात प्र क्षेत्र वय स्ट्रेशंटल ।

व नाष्ट्र (भूराम नाटम अक अपन देखेटजानीय नीनरीकारत्रवे ल्याबारतत्र काकारक "का त्याकात्र वात् केवः परकः स्वाव का জে ৰাটিজে বাওয়াতে সার্থন সাহে- ভাষাকে ইলিংৰ আৰিয়া ছিলেন। বালিংট্ট নাংখ্য ্ৰামাণ ক্ষুৱা ভাছাৰ এক মাস বেয়াল দি-शास्त्रम, बुक्तज्ञानीय कि ना ?

गवर्वयम विष्यांभन। ब्यून्याद्रम्थीत् द्रान्धेनकेशवर्दत्त्र चांदनचाजनाती निरद्यांश।

नवे वामुवादि -- त्वः वि वत्ववे जादस्य नि- क्षेत्रीक खगांत्रत्मेशात्मेत्र महकाती छ वैक्षित कारकटेव ६ व्यंश्वाटमद नक्टवद अधा-東東東北區河 1

ু স্থানেররের নিম্ব এজেন্টের সহকারী ভব-कि वान गावर वर्ष्ट्रानीरक देखिङ BEET !

क्षिक्ष स्थापनाहि --- तक्रांटन व शकिनिधि आ बांक मृति कानिय बाद् जानकनान विमाणांत्रक **वे दिल्लान मुल्लिन मकार**नरकर अधिन्ति। द feita eggicen !

अधि बाह्याति— क, क्रींब मारवर हतु. आरम्ब बालिएके हैं । कारमहेद्रिय महकादी ७8ब्रद्रक्ते। ३०७३ जिल्ला २० जारेरनत २२ धारांक्ष्मादर क्य स्थापीत प्रधीय माल्धिक्टिक क्रमणा यात इंदेशाहन।

ন্ৰীয়াৰ অভিনিমালিক্টেট ও লেপ্ট কা-रमहेन्द्रे ब**रेड. व्यक्तिम भारत्य वस्त्रीम प्रदेश** (अभिनियंदन विश्वादक्त ।

ति। कि किन्त नाटचन ১৮-७১ व्यक्ति २६ व्या-देशमा २२ प्राप्ता ७ ५৮०३ व्याप्त्र 🞾 ५ था**डाञ्चलस्त्र महीका रक्त**ाह FINE PIET. >व ८व्यगीत व्यक्ति माझिरकुष्ठ व इय । व्यष्ट हेल थाडेरबन्न ७৮ बाजायुमाव्य के विरूप वि-श्रामात्र व्यामियात देशवृक्त व्याकस्य न व्यवश লোৰী ব্যক্তির প্রথম তত্ত্বভূসজানের সমস্ত ক্ষ-मका आश्च स्वेदांग्स्त।

58के **काञ्चना**द्रि--का हिम्रायानीय (स्निन् নিংবলেৰ') অভিনিধি লা🗱 মণফটেট সে-कत, बन कीत निष्ठ जारकत बातांकलत्व कान-केमरम्ब्युक्तिक माकि के हे छ उत्तर अन्तर्भ-ब्रोन क प्रतिम्बन्ध-अ इक्षार्यन ।

५७दे स । श्रेष वि-निधा निष्ठ । ७२७ मा-त्मपूषि कारलक्षेत्र। इम cae राज ferb t कारमान्य गाउँ हेशारः।। ভৰ্নিটা, আৰু, ডেভিস গালেৰ ভগলপুৰ भि भि भारताक भारत

किकीय अनीट ड CW. 位, 195. 中間 明代4 4 नार्डे यापः Bei ma. টি, এ, ডবৰ সংক্ৰে २३ भरगप. क्षव जिल्हे, दिश अ गार न · 山市 C平1时 节托市本 " खब्बिड, ध्रेष्ठ, मृण्येगतः ए नेव दलवीटड

বারাহপুর

शरकन

বিশ্বা

ৰশ্বসান

नंत्राच कि वैदेशकी

भोशनि देशस्मिः সিউয়ান क्ष्यक्रिके, ও द्विम गा.स বাজসাথী ৰাৰু সৰ্বানাৰ ক্লেন্সা নায় मान्यम (म) जनी जारमन जारमन २8 भवभगा ! बाद् श्राद्रिकामांचे बद्धा श शाच PIREG खब्लिंड, मात्रमन गाउँ र সংল্লে ভিপার্টদেও ভবলিউ, ছে शकाजिक ग ৰাৰ কালি कांक्रे अर्थ व **८भोत्रहर** अध् (क्षणेत्रजन) ति, अवशिष्ठ, छेड्रेलपरे मार्ट्य ò 🏃 🙀 সাান সংতেব নড়াইল हि. हेड, के महिन्द त्योगिः चांश चारम् वा বংশাচ ব अम, भिन्छ भारहर ৰ জিমান বাবু সুৰ্যাক্তমার মুখোগাণভূম र्थ के किरके म रांद्र में बंद्र हैं का मिन . का सर्व रोत् अवर्ष्ठद्रभ वस् वंद् मात्रमानम ब्र्यामाया কামুরাকাশি চতুৰ্ঘ শ্ৰেৰীতে

बहेठ, एक जिल्ला मोर्वन

মুনসি ছবিক্লাম

Lनान् मरस्क्रमाथ पश्च

(मोनवी रंगामाय स्थारमन

weines, for Walfa niche জে. এ বিকেটস সাংহৰ **८म, प**छ माटहर गास्त्रं । CO E PIECEM SITTER 1 क्रवांगंड स्मरमक्रम मार्ट्स **जीवम्स्य व**रे कोच् क्लिक्स द्वांस 4,5,80 ক্ৰিলম্পল শৃষ্ 张 (李 n ब, जि. वि. दश्हेंश**क** जुगायसम विक् इत्याधिक कोन , कर्षक बक्ष कि कांच छग्नकार म'रइव नित् का शक्ष बांद्र जामनिबादी बद्ध 本 配象 क्रांबक्यांत वर्ष **514** क्षां अभावास्त्र वर्ष 4 बहेड धमा त्राहर কুনারখালি है, बदा कि, किनाम भौतित मुज्जिक्षा वाक वाय बाह्यकाल करकेला वास वि. व 事[制計] बांबु नाभणक्षय स्त्र किट्र वश्र धम, मि, शाष्ट्रीय भारत्य 31199B (भे कदि एगानिम क्या क नांबानाम नाय प्राथाः जार्मकाम् < "শ" ছ ব वाद मिनमार आर्राङ ह न किया है, हि, शक्कि, महरूब নাদ।বিপুর ৯ ইংনিপঞ্চ 백화학

वात् अवद्यः द्याप कें हक्षा भागा खयम्बायम् सः ३, মেছলিপ্র यक्त'स वर् द 通: 意 (मोलरी क्रिम भृत्या, of 17 याव । ताबु नामान्त्रण का है।शाधाक **당시**기 4 ক্ষিডি নাবাছৰ শিংক সাব-মৌলবী টপ্ৰল আলি 事業 イ/教育で ब्रिक् क्षित्र हा एक एक চট্টগ: भी बीगिसाकल अहमत के देशिक (_{प्र}शक वाच किनवच्च देशक्षिक W CAMPY & ⁶⁶ শবিচৰৎ স্থেষ क्रिक्रि) নিমুলিখিত সাজিলা তেখ্টীমালিটেট্ট ও

टिल्ली कोटमहै। नद्र शक्तिकी । क्रिक्राह सिशा बरण, इस २८ लवणण :

राष्ट्र व्यक्तिस्यार्थ भक्तमनाथ नविका परणां कर हुन श्वत्रवा भारम।।

नोन् प्रभानाम दर्भान " কালিচরণ ঘোষ A (8 1. निमित्रं यहनीस्त्र २४ शत्रवन भारत्य , कदिस्थून

कुकदरहाति सुग्यांशाभा प्र ३8**रे जालुक्।ति--- ७ म**ा इम्रास्थ्य कालेबर#ब मिखिएकम क्यांगितिव श्रीशिविध धरेश्रास्त ।

se है काल्याहि--(मश्रीमाने (क (म. गांव मार्ट्य नियमागरतम् भवभिक हेते क्रमरम स्मा-কাল কৰিটির মেখন ঘইয়াছেন। (क्रे. वक्त शरहान नांट्य देवमन निश्रष्टत क्यांकः, क क्षिष्ठित व्यवस बहेसारस्य

 क व छित्रोति—स्वशास्त्र अछिनिशि , व-পুলিবাজিকেইটাও জেপুটা কলেকটাৰ সংগ্ৰহ क्षत्रका नावेशांद्रत ।

STATES THE STATE OF THE STATES OF THE STATES

भवाद्यात्र तत् श्रीष ।

জীব্যবচন্দ্ৰ আমাণিক স্বাক্ষরিত পত্র থা-पाम् अत्रा आविणाक द्वांच घडेल जा, शहरशहरू िक किन त्रभून करिएव गणि भूनत्राम छेशस्त्रव करव. भूनवाद्य ब्रांबदर्शाहत कत्रियन, व्यवमा लालीकात इन्ट्रेंग

औशंद्राक्षात्रमात्र वाय कोपूरी ,, धरे न्या-क्षतिक शटकव सिथि ३ विवस (भौभक्षकारमञ् अभरवां भी भटक ।

· क्रिनिशिष्ट्रम सूरकाराधार्यक " ८ छ-बिड भाजत रक्ष डा घरना है। शीर्ष बांगामां श्रीव-उच्छ इरेम धरः मूल शब विविधम्शन इटम गरीय सहस

दक्ष अवशार्ष अविदिश्वहरून, निष्ठय कर्ननटड ना शंदक्ष 🕶 औक्रांलीक्यल द्रांग , ध है जाक्किल 🖟 পত শ্ৰুটিও ইংল **ন**

बर्रेगो्टलब अर धकांच प्रदूर ट्रिल को. छी-क्षर कारण अहे, डिजि ता खाँउद्याप्र श्रम्भ क-িছাছেন, তাছা সকলের অনুযোগিত চ্ট-

हैनहात भरान है न.श्याकुछ विद्यानन ষ্টিত পত্ৰ যে **উদ্দে**শে লিখিত ১ইছাছে, সহাৰ भाज अठ"त कत्र, आरम्भा बादनक्षनां स्टाई (गा-हर करिंग्स एक्टिएस धार्थिक जेगकान सर्जिटन।

ভাৰত্তৰবীয় সভা সংক্ষান্ত পত্ৰে ৰে বে বিবয় ्टाचि ५ व हेब्रांट्स, फ्रांसांत्र अपन अयुक्तान्हे । अपन কোশে একাশিত খুট্মাছে, ভবে প্রঞ্জেন मान्या मञ्जाब प्रश्नां अकाम बंध जा बिलिया दन ড 'কেপ ক্রিয়াছেন, ডাছ। অমঙ্গত লহে, লাখঃ নতার কার্ব্য বিষয়ণ প্রকাশ সংবঃ অভিনশন্ন জাব-

^{ছ (লিল্ডর নিয়া বর্ত্তার বস্তুর) এই. .b)-} किसारी है। त्य इक्षेत्र: य मि दशुष्टे आर्थ वास्तरकाव ं व न। करेगा आध्यक छन्न छित्र निधिष्ठ वाश्विक বয়- এ টাক্স ছওয়া জাসকত নয়। ১বে বিসমুখ कारा विद्यादम् विनिद्या शव व्यवक ८ क्यांन विकार्ट्सन, मास्त्रिरकेट्टिन स्थाप्तक क्रियान াথৰ নিৰাৰণ চ্ইতে পারিব।

পোরত

পরমপুজনীর জীযুক্ত নোম এক শ मञ्जी करू अङ्गिरश्र् ।

^{क्षित}ान आहि ज्ञांक[प्रशंक डेस्राह पिहा भाषम व जानमात्र पृष्ट् मरकात बहै स विकि िर्मित भारत अस्परणम् अविश्व एचेटर अभि क-

কার প্রিকার লেখিতে গ্রেনাই। এই সকলে সংবার পাঠ করিয়া বিক্তি ব্রিলাখন ব चारुशांदन कवित्रा प्रिथिमाम (१ ज्ञान्त शक्त लोह जन्द श्वांक जाक शक्त मान्त विक् व्यामीत्वत्र अपने किङ्ग करिएक शाहितकाद्य मन्त्र कहिलाद्या । देश याँग महा वस्न, न्या কি অংশলীতে গৈড়ক অদ্ধিকরিলের ভাষার সেন ? তিনি যদি লোক**ওলে এডই জী**জা <u>র</u> (फा जानि चन् प्रोडेमांन मा। मन्धं क क्यांत क्रिमन, कान जान मान क्यांक महिएक स्मृत् थार्थन। एनिनाम किन्न जान धर्मान गांचारन **श**ंकृष्ट्रमान रव " चायदा शोक्तमिक्षिश्वद प्रक कामू ध्रम्भ प्रमा क्षेत्र कार्यमा कार्य। केनि कार्किएक, खाक्रम्) सम विन क्राह्मिस् ना। अम्बन किन्दे हिन कहिता देहिए शाहिलांच देश कहिलान देश है होते मुख्य हैनायु अस्ति शायोग निष्क मिट के केंद्र शकांत्र वाका शावाय দ্বিষ্টিকেন তিনিই আৰাৰ কেশৰ ৰাম্বর शूरवात कांक क्या देशमान की श्रामान सामा चामि यथन और मकन চিন্তায় ব্যাক্লৰ আছি তেখন আবার কেশৰ ৰাব্য পরিবারত্ব কোন ব্যক্তি জালাকে সমাটার বিলেন বে 'প্রিয়তমা বাহিবে এই সকল ধুনবাদ দেখিতেছ কিছু ৰাটাৰ ভিডৰ পৌন্তলিক ক্ৰিয়া अञ्चलादत करें। शूका मण्यत एक्सेट्र " वहै; ৰাকা ভূমিয়া আমাৰ কেম্ব এক অনিক্চিনীৰ ভাবের উদ্যু হুইল, স্থিকাম ব্রাক্ষণিণের সকল लागाडे क्यांडे व्यक्तिक शाहे।। स्थान बादु--गाँ হাকে আমব। নিশ্মল চৰিব ব্ৰান্ধ ৰলিয়া জানি, धीशांत्र दामिएक अर्थे अकांव बाव्यांत बर्देश । कां বার দনে করি শান্তিয়ত বারত প্তের বে দিন অন্ত্ৰাশন ব্ৰাক্ষ ধৰ্মায়সাবে ইট্যাছিল ভাষাৰ দিন ছুই পৰে ভাষাৰ মৃত্যু স্বয়াছিল বলিয়া ८क्षण विद्यासाम्बद्धाः विश्वास्थितः विश्वास्थितः विश्वास्थितः विश्वास्थितः विश्वास्थितः विश्वास्थितः विश्वास्थिति । **कुड हरेग्र: वधी श्रृका क्वाहेटलन अवर वाहि-**(द आक अञ्चर्धान कहिरणन)

8वा भग्म श्चीविनगंथ भन्ता। > b & 4

ক্সযুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক मदश्मदश्रम् ।

পহালয়! আপনার ২২4 পৌষেব সৌদ-

খনই ব্ৰাক্ষিণের নিশ্চ দিয়া কুৎসা আপ্তৰ- এফানে বিবিধ সংবাদ মধ্যে একটা স্কাৰ্ কাৰ্ব্য ছবি বিশ্বকণ প্ৰক্ষীয়নান চইতেতে বে বাব অবোধানাৰ পাকড়ানি কছালয় জীয়ী আপিনি আৰুনিক ব্ৰাক্তিগের অভ্যাণ করেন। শিতার মৃত্যু দিবনাবধি দুশ দিব **গর্মার উ**ধ্ e जोकिश्यत अक कन रक्षा जामित्र शृहर्य क्रीय भावन, शाहका श्रीकान, कारण नक्षा আপনকার বতপ্রবিক ছিলান, সম্প্রতি বিলক্ষণ ছবিষ্যার ভোজন প্রভৃতি হি**ন্তু ধর্ণাকুলুণ** ট্র नां ७ जाक्राविध्यद कार्या अन्। कं जायात्र चञ्च- करे बस् क जरवांच जाक्य बाहि । बाह्य िनेहा বুকিংত সমীচীন বলিয়া প্রতীরদার ছইতেছে তালি সহাশর ছই জলের বলেরকাঃ স্কুট্রিয়ের ना । किहू मिन करेक चरपात्रानाथ शाक्कानि शिवा कि निर्मात द्वांक धर्म कनकारहाने कहिं বার্ব প্রেব লাভ কথ দেখিতে পিয়াছিলার কেন? ব্রাক্ষেরা কি বলোরাশি বিভান্ধ নির্দ্ধি দেখানে 'বিভাৰ আৰুত্বেও জীবেও ইভানি । বার জনা জনুঠাৰ করিয়া থাকেন ? স্ত্রাচুত্তা কি অলাপিও লোকভল্লের এড লাব 2 সুম্প্র नवानतः युनि गोनकाति वयानतः (स्वीकः अर्थ ना। ए एएरवस नात् कमिकां जाक ममारक Joe निम, श्रुष आरमान कमाम आरमीक वा कतिरवम, देवांत्र अञ्चरत्राद्ध आकृतिगरके अही त्वर योगात महित्य व्हेम । बक्**र**े सार्थ्य বিবয়। সন্দাসক সহান্ত্ৰ সুদ্ধা সংখ্য আলোট त्वत वधनात कार्याच विमुच्छाम् आस्त्रिता हा रक्षे जान धर्मत श्रीक निरम्भ कार्न स्थान क्षित्रा बाटकन। किन्न खाँबाना विक विदेशहरूत कृषित्र। स्मर्थम, देशांमरकत्र स्माहव क्याह वेर्ध्यक्तं

चनरभरन जानकाणि जिनस्य निष्के में अनिवाह भेग धरे अखारवत केननश्वाक जानिक मेरिक না। বাহাতে আৰু উপরি উক্ত ঘটনা গা ইয় अवना जाकतिरमत नांबर्शन बांका विकास क्ट्रा।

रहा माप

মান্যবর অবুক্ত নোমপ্রকাশসন্ধাবৰ बर्गित समीत्रित्।

मर्शनम् । चेक २२८म कित्मचन्न त्नामश्रक्रेश्च শত্রহ করিয়। আমার যে জমণ হস্তান্ত প্রকাশ বরিরাহেন, ভাহার লিখিত প্রতিজ্ঞা অনুসায়ে উলাঞানের নারীভয় নিবারণী সভার বজুজার ভাৎপর্য নিমে লিখিলান। একাশ করিয়া বা-विक कदिरवन।

" छेला " धरे आरमज नाम दर्गाथ वर्ष महास वक्षरामिश्रवे छनियादस्य । देशांत श्रुक्त सुवामी- শ্ব সহিত ইহার পুর্যান্ত্রেরও কব। বলি-

" डेमाब्राय चीत्र भूक भूक महोनगरनहा बीवय निरक्षन बीवनगर नात्य विचाउ। बहे त्रव कृष्णमभरवव ७ क्लान पिकरन जीवी पी मानः हुने नामक समीय जीतुक्को । देशाय रेमका উত্তর মক্ষিণে ২ জোল, প্রক্রিকী পূর্বা পশ্চিমে ১ জোল। ১২৬৩ বঙ্গান্দের পূর্বেই ইচা আরুমা-নিক ছাত্রিংশত সহজ ব্যক্তির আবাসবান ছিল। इर्स्ट्र पर्छालिका, लाकाकीर्य इक्ष्यपं, राख-ভাপরিপুর্ব হাট ও বাজার হাবা স্থানাভিত ছিল। নিতা উৎসবের ও অফ্সতার উলাস-ধুনি ছুটু ডিন কোশ পথ লইয়। প্ৰিতেন মনঃ আকর্ষণ করিত। ইহার নিবাদীবর্গ কার্থপরত। विश्रीम, बाबुन्धिम ७ मनामन्त विरागम । कि स्व-**द्धर कृतियः कि वनीय आग्ने।निकी आ**खिवाद्यर নিরোজিত ছিল। ইংগতে শত শত সহক', সভা, জুলেবক আনী ও ধার্মিক লোক ছিলেন : সমস্ত প্রাধের স্বধ্যে একটা অব্যুক্ত সৃষ্ট হইত। বিষাসিধণের সম্পত্তিরূপ সরস কমলেব প্রিমল अस्य क्रमा श्रीविश्रं स् नियं वे वर्षा व व्यापान क्षतिएका । जरुष्क्रभेष्ठः अधिगृवदे शत्र । म-(सरव च्यान दिन।

 १ इ.स. निकाल विशेष क्यांत्र क्यांत्य क्यांत्र क्यांत অন্তৰ্গত ছউয়াছে। সে স্থানলিনী মুদ্ৰিত চইয়া शिवाद । देशंत कथना उक्ना वहेनाद्म। नगर।शित लाग्न अनल गरामात्री देवांत्र अधि- ! कारण निवानी वज कविद्यां छ। देशांत्र कोविड शांकिमगुरक अवसंगा ७ मृडवर कतियां वांचि-

॰ अस ३२७७ वक्रास्क् अध्याहरू अङ्ग **খারী ক্লপ** ভীষণ ছ'লামন ছলিয়, উঠে। **শে** जनत्त्र त्कांन गृष् बहाय दिल न , त्यश्वात प्रार्क्त व्यानना श्र विज्ञान दांगीन यार्जनाम ७ गुजा सना अन्यस्य शरीविनित इत्र माले। श्रीतमाव अधिवान ब्हेन्स्, शृक्षात जिल्लाम क्लेट्डाइ अंत्रेष्ठ अभोद्ध अश्मदित्र जकरम बरक बरक क्रा-कांस इंदेरना । सीहारमंत्र करणान भूरत छ।म किन्द्र इहेट्ड मोशिम । श्रमांव मार्ग्य वार्गः उ **इहेल।** वालाकर्भन वालमा श्रीविज्ञान क[ि]रु আমোদ পরিত্যাগ কবিল। ছব ভিন দিনেব

ভুরবন্ধা কাহারই জ্বর আকর্ষণ করিভে পাবি- । হইল। কিছু লিমের মধ্যে ১ ১৯ ১৯ ব উপার (तक मा। अकना हेरांत प्रश्वाती कनिए प्रत- | दक्ति मा। **एक्न द्वास्थ्य, साम, त्यांस्**, क्रज़न. मुज्ञासरह गिलिपूर्व प्रक्रमा भूषिनाम भूषील छ शृषु अब खोष अधिकांत्र कविता । (प्रदेशही कननीत व्यक्तिल क्रिक्ट व्यक्तित इक्ष्मान नहान । ম্বনীর বিকৃতাবস্থার বিকৃতি পাপ্ত সইয়। স্বী ৰন তাগিকবিলা কোন ছানে ৰং অংধ অংশ बारका अननीरक छ कि । छे छे इ " हैन ना ন্তমা ছুক্ক ও আছাৰ অভাতে গৃত সংশ্য কানিয়া कान्सिक्षां दिखाँदेवः। ध्यरणस्य कार्क्षकः। क्रमनीतः। त्कारण जीम इहेल^{ल्}ट्रेंटर जनजिनिता गहा ভাষার অভিনৰ প্রক্ষুটিড কুক্তম সর্গাণাডিৰ হত্ত কবিছা লটল। ছোন ছানে কোন বাজি পীড়া ছইভে একটু আবোগা কাত করিয়াছেন, এখন সময়ে গৃংহৰ আহি আরু সকলে কণ্ণ দিয় भिक्तिन। कें।।एक भेष, त्रव धमक क्लिन न किस मा। दिनि भेषाक्षीर क्लामनीमः मध्दर्ग করিলেন। এই কণে চতুদিদপে মৃত্যুত 🖾 🕃 🤚 প্ৰবৃহিত কইতে লংগিল। ৰতশত গাজি দেশ विकारण श्रेमाञ्चन क्षित्रकान अभि श्रीमाश्रीमान ত গ্ৰহ মুৰ্কি ধারণ কবিল। বিল্যালয় সকলের ইফাল আহি জকণে সময় জেপাণ কব। আহুতি ৮ कार्रा प्रशिष्ठ बहैत । युरमाकी कोहारी कान'-মুৰিত চইল।

গ্ৰৰ্থমেন্ট কল্পেকজন ভাতনৰ পাঠাইর: দিরা আনক উপড়ার করিয়।ছিলেন। কিন্তু ভাঁচারাও অনেকে ক্ষরান্ত হটয়া পলায়ন করিলেন। এট কপে ভাজ অব্ধি পৌৰ পৰ্যান্ত পাল মানের मर्भा अञ्चर्भन शंक नक्या ना कि गंड बहेरमन माथ मान अर्गन बाबीक्षाप्त आकान कि मास कहेता २००। ३०० कविषा त्यांक মৃত্যুর্থ পতিত হইতে লাগিল। পুনরায় वर्षाकाल लेडिएड शिंडिड शहीगांतीं अनन জ্লির। উরিল। ৫। ৬ বানের সংখ্য জন্মনান ছিনহত্ৰ লোক কালগ্ৰানে পতিত ছটল। তাহা-व शव अञ्च इदेश: उठिक रा विलाश निरमणी भवार्गन क्षित्वहै भीषा बहेर्स्स्मानित अवस् कि डावृन चर्मेटक टलाक जीज, महत्रवक कविन्जन সেই অৰ্থি এক্ষণ পৰ্যন্ত প্ৰতি বৰ্ষে কাৰ'ড় আনণ হইতে পীডাব উপত্ৰৰ আৰম্ভ হ ইয়া,জ-এগারণ পৌষ পর্যান্ত থাকে। ভংগারে অবলিট করেক মাস কিছু আন্ত্রের সংক্র গত হয়। এইঞ্চণ इंट्याहिक शृष्टा, शृष्टी केरमान, बालक विलिय। अध्यक्षित अध्यक्ष आता कि किय सूत्र वृत्ते कहे-

্লু ন্<u>টাম ক্লা,</u> স্বাস,বিল্যু গর্হের ধার, চিডাব[া] ছে। ইংক স্টোলিকা সকল পরিস্থাক স্টলাছে,

@tenia विवतन मा क्यांनिटल वेहान वर्षमान : व्यश्रिष क्रिकेश इकेल । क्रिकाभूटम श्रथम व्यक्तकात विवाद ग्रंथ नमूब मृताल केलावत व्यवान वह-शास् । तांक्याचं वनाकी । अवेश्वरिष्ट् । शक्ति वांकाव ब्लाक भूना ७ উरमवानि कारमान भूना बहेगा- (क) अक्षेत्र कि विश्व विश्व श्री, वक्षकत् निमानीन स्थला हरू এट खन्नामा कपूर्ण 🤄 ড়িরা আছে। সম্ভাব শন ইত্যার রাক্তামাটে আভ লোক বাডারতি করে না। কিন্তু সন ১২৬৩ সাল অব্দি সন ১২৬৬ সাল প্রয়ান্ত চুবি বৎসর বে खाद गंड करेगाद उपालक, क्रांस खोल प्रथा वाबेटकटब् । जी छ न्यमान आध्यात वाजि । সম্ভাল সংখ্য নিৰ্বাসীৰ সংখ্য সপ্তমুশ সম্ভা লোক কালের কবংল পাড়িত ছইয়াছেন। অভুযান প্রাধ্য করে লোক স্থানান্তবিত হুইয় ছেন। জ্ব-শিট দশ সহজ ৰাজি মানা চবেকে ৰেংগ ভোগ रहिराक्ष्माः व्यवस्य व्यवस्य विश्वीमरश्रेष्ठ भवीत् भीतः भवेगोरक किंकिश्लोव द्याय र कार्यक ल्ह्हाजान केक्षीया सिक्ति क्षेत्र। शिशोष्ट्रन : "अस्त्रहरूत अरक स्वीविक निर्माण कवा ध्रमाना क्षेत्राहरू

> ^{এই} এট ভার্নক ভুবগত র আন্তর্গির সংগ্র फिल्म्स्य अर्थ मान् क्षेत्र (क्ष्मा फा) मन् अन्त क्रिय **क्रिक्स क्यों भर क्यों और अहिंधा ताल किलोगा** व्यान। वरणेन गण्यूष शांत्रक क्रीविक दास्तिर এজন প্ৰায়েণ্ড নিয়তে আহল তেওো কৰিছেত লন " क्ष्में विश्वास सेम्ब्र क्ष्में विश्वास क्ष्में क्षे ्या भागविकामिक स्कृतकरहा अने क्रम बकात आहे. ক.ং 'থ আন্সং সন্মুখে সুদি সম্ভপান দেশিতে दिश्राक्ष**क प्र**'रमन **सक्का** भावित । गाउर धक्छ। क्षेत्रप्रामा चानिक कता। विश्ववे े विवस्के एक्काइन ७ मिडाल श्राप्तांसम्। धकः वर्ष क्रुके रिकटबुके व्यापा क्रिटान क्यांना अन्तर्महम्बन । अहिशा काविभागः। अकरता बहुदान इकेप्रः ''दर दगर-छैद जिक्द है जी बेमा कहिए न बामा मि अर थार्थनः मिक्कम प्रवेदक्रम म।। मच्छा वि । शानित मक्रमार्थ आंगोपित्यद विदण्य महसारवांगी १०८

" अन्नात १९ भी कल फूर्लक वार्तिभून (छ।रा न मध्य गरिक्ष'त कहा यहि ३ छट छन्न कार्या । निष कामा भवारयरकीत मामाया वाडिरवरक धरकर রেই হইতে গাসিবে না। বিশেষভঃ ভাই। जान वाह मधा । धक्की अध्यालह विश्वातः নায় তাথা সুসভ নহে। বলতঃ একটা ঔষণ कित भिडाद कांग्रनक बहेता छेतियादह। यह मक्कलकर कार्या माथ। तर्यन छेरमार आवमा व टम्भ विरम्द्रभव धनिभद्भव माद्यार्थ । कर मत्था काम काम शृष्ट व्यापान इदेश: ८१ ल । 🍑 किन्न देशा प्रत्यकामध्यकान व देश शिक्षा थात्राका मानूना कामानिरणत आम दहेर 🤊 क्रकर्ताक बहुत्रय पात्र निर्द्धार छ छ य: प्रवाहे।

अस्ति आंगरा वहे छेशांवछ श्रकार निवित वाह द काल त शीव नाल। अटक यञ्जव'म ह**ें** विश

राजिया दातीय मदात स्वयं नियुक्त वहेत्वन

उरश्दं बम बम वाष्ट्रित क्रिलाद, बम बम হা ক্রি পোষ্কভার সক্ষাতিকার জনা নিমন্ত । तथ्य गक्त अवश्वति छ इवेल ।

)। धडे मछात्र क'र्या विवतन धक्छी विका ाम जहकारत सुच्चित करा। योग्न धावर छोवांत नहक क'तम का विरम्दम ध्यति इत ।

a । हामा अरधक् क्या नियाद लिपिङ वा पान्य व सार्य सार्व कर्माठ ही निवृक्त हन । জীৰুক্ত বাবু ভাৱানাথ মুখোণাধ্যায় প্ৰভৃতি

। গামলাল বিত্র প্রভৃতি কলিকাড। প্রভৃতি च्रांदन वर्धमान पाद • চক্ৰাপথৰ বস্তু প্ৰভৃতি ০ চন্দ্ৰার মিল আভৃতি तकश्रामि अस्मान - ब्रामम्बिरम् स्टबोकी शक्षा स्त्रजीक्षा वाक थारमः ज

कृष्क सर्व। मिटमरण " शत्रसद्भाम मृत्यां की ৩। উক্ত কৰ্মচাবিগৰ বে টাকং সংগ্ৰহ ক্রিবেন ডাহা মানে মানে কলিকাডাছিড কর্ম-हाबिव निक्षे गाउँ विद्या

৪। কলিকাডাখিড কৰ্মচারী ঐট ক কোন লাল্পে জনা কবিয়া দিয়া জাবশাক্ষতে সভাগ-ণেৰ অভুমতি ক্ৰমে টাক। বাছিৰ কৰিবেন।

 श्रीकार कार्या नर्व्यास विनद्गण मृतिङ ् उन्ने श्रीकार ५७० कृत करून। ংইলে পৰ ভাছাৰ একখণ্ড শান্তিপুৰত্ব ত্ৰীযুক্ত ভেপুটা মালিকেট মহাশছের নিকট পাঠান

এই প্রান্ত জন্ধাবিত হইয়, রাক্তি ৮ ঘটকাব मन्द्रि मन् एक इतेश ।

বৰ্জ্যাল ्डब (भी र ५२७३

ত্ৰীযুক্ত সোমপ্ৰকাশসম্পাদক মহাশর সমীপের

গত ২৯০ পৌ্ৰের সোন্ধানাশে यानि निर्देश कर्षाप्रदर्शीयात्र ग्रार्ड व्ययान াৰ প্ৰীপুজ চক্ৰকুমার ভৰ্ষবাগীণ ভটাচাৰ্য ৰ-^{ড শ্র গত ৮ই পৌষের সোমপ্রকাশে প্রকাশিত} মানার প্রদোর এইক্লপ সীমাংসা ক্রিয়াছেন দে ৰাম কতুৰ পূৰ্বাভাল পৰ্যান্ত বিবাহ কাল বলিয়: অমুগত করিলে শাল্লেরাখা, দুউ হয় না বটে, क्षि थातीन अस्मात्रभारत । जाई उर्वेतियाँ-व लाके किन्द्रात्र कहे त्व, के अनुवास कारमव माथ। करण खरीम, मनम ७ मनम वर्षके कनाह निवादश्य मुधा माम, अक्तिम वाम शहूत श्रंतिन ।

उर्वदांशील बकालाल र रिका वर कि न मुन्ति वक्षा नवां शिव श्रेत केंद्र आहार वह का का विकास विकास करें में बरम का वार वार का के নার বিবাদের মুখা কাল ২টল অবে ফ্রন্তন-धवेतुमा चित्र निकास था'छ मध्या गाउँ छ छ। गाउँ छ छ । (जन वरमत गरी हु कृषात पूर्ण काक करणाव कि स्थापन के अपने एक एक व व व न বংশর পর্যান্ত বাগ্দানের মুখ্য কাল ভদ্তিখ কাল खादात दर्भाव काला। बनार आके र, जारत ७ हमन (.त. क्रोप्टल एक्ट्रिका उन्तर स्कूत हाचि कर्त्त गरुम भीव कारम कहियां। बारक धारण क विद्माल छोड़ा अभिकृष्टम न। वृद्धि, किनु सूचा विभिक्त समीत्। म महाकृत अकृति देवशालम क्रांक-कारण कराहे अनुस्ता उर्कराधीन महाभागम अन অপক্ষপাত্তী বৰাৰ্থ শাস্ত্ৰীয় সিভান্তে আমাৰ সং कान शक्ष नाहे,

व्यामि कुलमारत्र कना। व वाश्यान निरमधन । বে ৰন্থকন প্ৰমাণ দৈয়ছি, স্বৃতি ল'ল্লে উদ্ভ অন্যান্য ৰচনে দ্বিতীয় ভূতীয় চতুৰ্থ বার বিবা হেৰ্নিধি দৃষ্ট হওয়াতে ও অনেক ধলে বু ১৮াব গাঁহে ক্যালন এখা প্রশ্নত থাকাতে, ম-। ভূব ঐ নিষেধ ৰচন্দ্ৰী । জ্বাধান্ত পৰ বল বং ইতে পাৰে কি না ?।

> श्रीकामचाइक्य दिमाश वाशीन B क्री अपेस अक्रमेश्ट १०७६

প্রযুক্ত সেন্দ্র প্রকাশ সম্পাদক

" हवागवात वि विक्र कडरमा सक्ता (इटल) भू चरवड मोननम् 🗗 विश्वमधासमञ्ज विकायता विज्ञितिहानमगामिकः कन्। ॥ **चन्न इंग्ले अफुट्यन शास्त्र हैं** और उस्

গীলের পতে লিখিড আংছে, কুডদাৰকা বিষা হ**ন্দে**ং নিষিদ্ধ সাং ইত্যাদি।

नाइक इस्य ही করিও একগানি প্রোবিত প্রা ्रकालि: करणार : ठेकारक राज्य वाहा श्रीव वित्याकति ६, । वर्षक्ष्यक्षात्रकाल भावनाष 354 া কম পিছতম কৰি-जेबाबूब विक्रेक महिल्ल अम्मानाः स्मी**वादमान**

छाराज भी काल. ७ जिस वर्ग-दन शत म हो त्मा सारी ल प्रोत्स्थ के - र श्रीतम ताद्व हरिं-्ड दि में रेन में कर्तवार र एन शक् न्यालक्षान-वश्यत्र कमात्र विशेष्ट्र ब्राकाम छन्दि करवा महत्त्र बन्धम त्रहः मीर नद अन्तरह ভাষার গৌণ কাল বিশেষতঃ দেশকে কর্মান কাছত গল উঠা লেগের কাছেল,ব জয়া কিছ होता केल प्रक्रियोग्रीय प्राप्त के में स्क्री

इके इर्फ जा। २०० व शक्त भन्नेका विवास ेर हो। ६ अ० 'सा । मर्बाक् पात्र राज्य, अक्रम ल्ली नःस्थान क्रमिशाञ्च, व्याध्यात क्रमित्य धार । "१० क्रम अन्य एका प्रथा जार्थ नाम क्रमित्रका । ্ভিত্যান - মুচৰ জড়িপত সল্প - ধাৰ্কিক ध्यक्रदम् अख : का, क्ष्रीदेवव : नामश्रकात्म (इ.स.) वान्ति थाः १०० आन्य याहेन । क्षित्रः नाथात्रत्मस् त्य निर्वित्रोद्दिन, कृतमादद्रद्र विवाह एपि निःवम / ଓ कोशन विरंगर विकार विरंगर क्षेत्र हरेन ছইড, ভাছ, হইলে ১ডীয় চতুর্থ বাব বিবাচ 'দ-। প্রকার পাব চাঁবা করিয়। কিছু কিছু উষধ ছামান ধায়ক মুনি ৰচন সকল অসলত চইত (১১এই টিয়াপ, গল' এচাসত ভাগাৰ, চালাক বৈয়া विवास आवाह लाहा अन्न आह आहा एका एका नावनाय हरिन वान व विवाह स्टेस्ट हिंहू छेवन कतिराङ्कि, उक्तांत्रीय प्रशामात्र कृता पूर्वत है। कानाहि। कि लन विकास विकास ्राधिक भारति । हिर्माण मा। **উष्टा अञ्चात अञ्च** ংকে কেন্দ্রগলী। জাতি উৎকৃষ্ট ব্লাক্তি, স্কেক্ত प्रकारक (४८०) मा अह गावि गम्बिक मान-ক চা অংশ ছিল ন। বেশেষ হয় আখিক মতাভা 🚁-মায় না গলিয়াই ভৰণবাঁৰাৰা উক্ত ব্ৰোধি কুমি-भ विर्देष्ठमा कवितः इदि न विक्रिक हरिटन श्रीक्षः ८मान मिर्भाष्ट्रका कि उम्रोटकरणात विवस किना बार वि.वहना कावग नाहे (ब, अनाखेशह कि कल प्रित अपरमाक जि**र्द। मिकियान कालाटकत्र** कृति करित र १८ विकास सा**रशका खेखमां ऋरण व्या**-ৰগাৰ ১ চেন্দ কেন্দ্ৰ বাবু লিবিয়াছেব, বে · - जि र दि भड़ीक धर्म **कान जान** रा ० ८४ भाष्ट्रपादेश हिस्सा क्रिक छात्राव

क बन्धि 🕫 कि है देश व 🔁 । कि अमधिक व ুক্ত কেশৰ বংৰু জি বু প্তি জারিতে সম্পাতা-ान कि कि विद्योग उठ काश्वित्व स्वाटह २ हि हि करण नाक्ष विकास क्षेत्रक **करवार्थ द**्यास लिया িভাগের বিষয়ইংব ১ মতাপায় 'জামি নিজা রাগে ভাবপ**ত আ**হি যে ^{কিন্}ু ৰাণ্ড কণি বিজন। (১) आ लीत्वत्र लावध्यकात्त्रत्व १७ तहेल्य विषय इडिक छविष्टार र ११ तत् राम स्वाम स्व २ बाह्यत मित्र कारण व्यक्तिक कत्रकृतान करता- विकित्विकित्व हरा विकास विकास कारण म । केश्रेट केंद्रिक के राम वार्ष माधन हरे (व मा १४ कामण अभित्य के ग्रेशि**म नेड करें**

् १ वर्ष्यक , विश्वतम । व्यक्षार १ ५ कति- । विवर्तिमामक्तिरहात् एकः है देशकारम्य सम्रा-2 (R 4 1 27) 2 (4) 2 2 (8) 5 1 ... 43 (8) िल र ६७० किए ए स्ट्राईप सामुद्ध भूक्ति 4 当行行課 "枝」 さ でつ す (用)中村・ मार्च अधिकार का राष्ट्रिकार का प्रतिकास सिक

> F # 1 C # 14 P. L ॅम्(२०) सङस्**क**ञ्च

व्यक्षतः १, १% SOL C 11 B % 1展39年。 62

क्षेपुरू (म म श के भ मणवा) भक भः इपिरगव्।

षद्दांबार। প্ৰব্ৰেশটিৰ এইভি স্বলু সহস্ত ধুনা। >১৬৯ পে! হ ইশত ৭০ জৈ। ই শবাস্ত ल कुलकार्या नहिए मक् मध्यक्ति र कि की धन ন বৰংশকৈতেছে, যে পুন্ধ আন্তঃৰ লেজ আছেল ए.स.न्ह ट्रिमटान्स् कः का शास छ। आ १ १ १ १ मध्य देख्या भारत अवस्थित । जी निम्नालय र निस्ति ড ছবীয়া বিগতে ১৮০১ সংগত ক্লাই হটাত একান পর্যান্ত ওৎপ্রায়েশ্যর কলগণস্থান, সুবন্ধি त ६ हेया ५ व्हांक इस्कानक्षर श विश्वाकार कडेरल हि ा। भरत वर है।का याभिक रोज अधिक खेंग। গৰং, মেক্টে আৰ্থিনা কৰ, ব্ল. পৰৰ্থমেন্ট পাত ২৭০ भएतक्षय जिल्हाम धान श्रीय कृति। क्हांसा जिल्हाम श्री খন : পূৰ্ণ ক্ৰিশাৰ অভি প্ৰায়ে কৰাৰ কৰিয়ুছে-ज। शक्र १ विक्रां **लग (यम्**।श ग्रंड न क्यांटक्क क ा व्यक्तिमर जानाश्चाकतः, ७,७६४ प्रकृतिका का"। ग्रेड्नियांग विषया किंकु जाकाया कदित्य ভাষৰ গ্ৰামেক্টের অহাখনে চির বাণিত A 2 3 1

अशंभाग अधिक छ अति न्हें रूप स्था स्था स्दर्भ भी प्रतिकार के वह । अनुवासी भी द्वा-व व्यापना द ।। विः 'दःचन यु क्षेत्रधाराम् ६ १९० हिना, प्रत्, १ महाक विक् अन किं दिवशालाय हर्ने में : अर . १ १६ विकेश सा त क्षण अष्टे प्रक्रिया के प्रश्नित का किस्त का कि त्व मुख न्य। यांचर में . - १० व श्रीकाव कतिहरू इंदेर द्य प्रशास्त्र । लाग क्रवे अभि व्वेश राजन ६ १ कि १ क्रू हो मुसलमांत्र एक्टिंब ८ 🖆 ५ ५ ३३, विद् क्_रता स्वत्र किक्र कर्जिक द्वा स्थान र र । प्रस् वादा ७ मध्य मना अवदार १५ छ। বএকটি লোক সায়েছ ভিন্ন ইন্তিক 🕡 লিক

वन माहे (१)

मला आखि।

भाषा वा प्रश्नानी (मर्श MITAI : ১৯৯ পের ছইডে ৭০ জৈও পর্যান্ত শীগৃত্ত ব্যাতৃত্ব। গ্রকার ভগরানপোলা ১२७२ च अवायायन व्हेटड १० कार्तिक शयास ३० अपूक राजू आरमक र हो धुरी वाइकां है। ১२ ५० क अहांबर हरे '७ १० काखिक श्रेगास : 50 '' '' স্বভিদাল ভটাচাযা

माजन कनकारमञ्जूषा छ : श्रिष्टे " नागर 5 कि **ह कर्न** कि বাৰাপুত্ৰ ্ৰংখ্য কাৰ্দ্ধিক হ'লডে চৈত্ৰ প্ৰান্ত " प शिशालिहरू (मन চোরবাপান ১২ ৮৯ মাত চইতে আগ্ৰাচ প্ৰায় · " मरक्ष्णहरू मिक् '২৯৯ কাৰ্তিক হইডে চৈত্ৰ পৰাপ্ত * ' देवटलाकानाथ (म २ ५३ खनुबाग्नम् बबैटक देनमध्य भ्याय ⁶⁶ " উम:हज्ञूश भटकाशाधाः। ः ७৯ वर्ष्ट्रिक वेष्टेख देवज श्वास ¹¹ " नामधन सूर्भा**भगा**ष्ट्र २२:३% **अध्यासन महेट्ड १० देवनाच गर्गस**्ट " " গণশতি ছো**ষা**ল ं ५% अञ्चलका १० देवनाच अर्वाध " भरमान वै । समीमान নাড়াকোল

১০৬৯, ভালুখায়ণ হাইতে ৭০ বৈশাৰ পৰাস্ত ं अवस्थाः शांकानी क्रांप **बह्दमश्**व भ - % दाश्चिम व हैटल का**लक्षत श्वास** ** গোপাসভুক ৰক্ষোপাধ্যায় বেংৰয়পুৰ ১২৬৯ অগুৰায়ণ বইতে ৭০ কাৰ্ম্তিক পৰাস্তি ১০ · • * • तिहरू ब्रुट्यामाधान .মলেটারি আডিটর আফিষ

্ব ৬৯ কাৰ্ডিক ছইডে চৈত্ৰ পৰা ও · ' ' दरदात कारणक कार्यात केंद्रग जारक विश्वत चलता कांक्यां कारण कहेंदर। वर्षमान ্বত্ন অপুৰায়ণ কটতে ৭০ কাৰ্ত্তিক পৰ্যা স্ক ১০ " '' अकारमाहम महिक

>२०० चपुर,वन वरेट**७ १० वार्जिक गर्या छ** >०

(১) জাতরুহ **ভাগ পরিভাজ কটল) স**।

" दशाभाषि भोज ১২ ১৯ মাখ হউত্তে ৭০ আবাত পরা & " অভয়াদান ৰস্থ धमहरवर्के हिंह ১२ ७३ अनुवासन इहेटड ५० **कार्डिक** श्वासि ह " अगाथ मिज मक्त दाशान >२७२ माथ **व्हेट्ड १० आविष्ट लिए** . ०००

आंग श्रेकाण मरकांख काञ्चकि विष्णिय , संग्रह्म ।

कान (श्रांत्रण करा। यांग्र मा।

ইহার অত্যিম সুলা বার্ষিক ১০ এবং ছাগ্রা-निक क्षी है कि। इस महिनद्र सुरस्य आहेत्र भाग सा।

ন্বারা নোৰপ্রকাশের মূল্য উল্লেট্ডিট পাঠান ভাঁহাব্য এক অথবা আধ আনার আধিক মুলোর ও রসীদের টিকিট না প্রেরণ করেন।

यथन विभि चकचल इहेट ड त्माम शकादमह भूमा गारे। हैदन छाए। एवन दविक्रीत कति।

पूर्वाध्यप्त भ्रानात काल कडीड इड्रेन प्र ना गोडोबेट राव राम जनकड रिमा 🖦 क्ट्रबंग ।

र्थेश्वितित युक्ता भिवाद मध्य काठी उन्हे-য়। বাইবে, সক্লডমত সময় আতীকা কৰিয়া आधरम विकि मिचिया कानाम घडेरव, यान 🏗 गाँक कान कि अथवा मुनामा शांख्या गण कोशस रक्ष प्रदेश। भूटलात निमित्त हिटिश्श-ति: शाक्षेत्र व**हे**रवः कलिकाठा मध्युष्ठवः **टमरक प्राथाहिए।** त्र बार्य किठि कावेरम प्र. महा नीख भारेब।

যাঁচার যথম লোমপ্রকাশুপরিভাগে কবিং प्रक्रेफ्। एटेरव किकि जिल्हिला वा जार देरत उद्धा आह कहा नाहरत मा।

रक्ड लामहाकारण विकाशन मिर्ड हेमे क्रिल डीशंक अथव बाद श्रींड शर्क १ আনা বিতীয় ও ভূডীয় বায় /১০ আনা কবিয়া मिट्ड हर्वेद छाहात शत / जाना क^{र्व} अवहा यहिट्य ।

स्कृषालय यांवांता मन्यं व्हेर्यम, छीता

बिष्ट श्राप्त कविकाषांत्र श्रुप्त बांचमां द्वामक्षरवर ^{(sf-} जानूत क्षेत्रकाल कृष्णिन काक्षणित्रणाकाल श्रीषात्रकार्या विकार्ष्यस्त्र रामित्व कहि स्त्रांचरात्र अस्थित रः

प्रवर्त्ततां प्रकृतिश्विताय पार्थिन, धरस्ती अतिमहती न श्वितां

4 EM ! S. NOUT 1 मन ১२७२। २১ এ योष। ३९ ১৮७०। २ त्कब्बन्नानि 🖠

विक वासिय ३० हे कि र

त्माम अकार नेत्र अवग्रव वृश्चि मर्जास विकाशन।

ভাবি ভাবদি নোনপ্রকালের জার এক দর্ম: हिन হইল। সতংপর বাহারা বাত্রা 'नक पूक्त कान कब्रिट्यन, जाशक्तिशहक क्या-ा ए गाह देया क्रिएड बहेर्र अतिक फा গ্রিম ফুল্য (১০ টাক^{া ।} ভাপবিদর্গ্তিত বৃহিল। মকবলের প্রাত্তদিপাকে অতথ্য ভাক মাসুল পিতে হটবে। ধাৰিক জাক মাজ্ঞ ৩।• হয়, क्षित्र वो हिता हु। अञ्चल नाकान्छ हिति स (अर्थरी कविश्व किरन्त्र, छैक्ति, डाइन्ड बार চাবি আন·) যান পাইবেলী : গাঁচার: খড १ प्राप्त बाजन निरक 'ध्यमवर्थ इंडेरबब, काबा ইবেন আৰু দিগের মুৎপ্রকাম কুটলে তাহা-मिराएक भी लग भिर उ वजेदन नः १

বিজ্ঞাপন । मुक्तीद्वाकतः

. ४४: त अदेने दुम्य विशिष्ट भूजीव कर क्षेत्रः (नाधिक इतेशा कलिकाना मुख्यान्त्र वि भ जे इ राज्य ३ के कि जुरला विज्ञास क्हें एक क বিষেশীয় প্রহীতারণ স্থার হা সংস্কৃত ক'-टिएक ब्रिनितिमहस्य विमात्रद्वत निक्षे ल्या-্ষ্ট শুলা পাঠাইলে পাইবেন প্রত্যেক পাচ খানার ওকন এক গের।

ঞীগিরিশচন্ড পর্যা।

विकाशन ।

বিচাপ্ন পদ্ধতি।

केरमध आकृषि स्टब्स् क्षाप्त अपन िरावानरकत विकास व्यक्तानी मुद्धे त्य भवत निए'ट भक्षि अक्षेष्ठ रहेशांह. जिल्लवकः, र्मन क्**त्रिएक शांति नारे, स्मन स्मान विव**-

महामाना क छवनिष्ठे चित्रे जारहरूवत क्षेत्री उ বে বিচার পদ্ধতি প্রধান প্রধান আহালতের ব্যুখনারার্থ ইংরাজী ভাষার বিরচিত রুইরা নিৰ্শিত হইয়াছে, তাহা হইতে এ প্ৰে-त्मंत्र का का के पर्याची के आदि। स्वीय अव वन्दांव विवादिक मित्रम (वाथ गत्रा वयु, धम् ज বিবিধ নিধান চাকার ভেপুট কালেক্টর জীযুত वाद्र तक्षरभारम प्रक 😙 जन्मामा वाक्तिमन क ফুক বর্ব বলভাগার অনুবাদিত হুইরা ভীগুৰু বাবু পৌরমোহন দত্ত ও জীবৃক্ত বাবু ছুৰ্গাকাম্ব চক্ৰবত্তি কৰ্ত্বক একাশিত চইয়াছে। श्रद्भाग का मामिरण्य श्रद्धानरत उस कतिरत **क्षान इहेर**क गृश्च ५ कर होको बाँछ।

> चश्र क्षाप्तन निष्ठे हेलिगान नाहरतती १६३ कायुर्गित १४४०

বিজ্ঞাপন।

क्षत्रित्रभुव जिलाव कामः भाउर वाहे (क्यावि ষহমতপুর নামে যে পড়নি তালুক জাছে. ভাছা দরপথনি দে এয়া অথবা বিক্রব করা যাইৰে: ৰ হাত্ৰ সেই আধুক দর্শভনি লই বার জবশ ক্রং করিবাধ ইফা আছে, তিনি किकाछात्र काछ व किवर स्थान्याधित विक-के कार्यक्रम बहिन्स मिर्टिशन ब्रह्म बानिएड शांतिद्वम ।

(मामश्रकान।

२१व स्थामवात्र ।

আমর' গত বারে কোন কারণ বৃশক্তঃ त्रायक्षकात्मत्र मसुमाग् कार्या कार्या क

বে সহক:রিদিধের উপরে ভারীপী हरेगाहिल । छार्गामित्नंत्र ज्यापन গড় বারের সোমপ্রকাশের ক্রিক্টা रित्रानिक्चन रहेका छेडिबार्ड । **जिमिस यात शत नारे क्या क्रिया** বোধ হয় পাঠকগণ শাপনাদিমের গুণে এ অপরাধ মার্ক্তমা করিবেল

वाबारेतात ब्रामहत्त्व वानक्षेत्र **৬ে গমন করিবার সক্ষাপ করিব** व्यायदा अख्यादत व नमाहात निहित्स লোচর করিয়াছিলার, অধারে 🕾 चाचीरवत निकट्डी काहात हैश्यक प्रवर्त केटकनामि अपने कत्रिमात्र । क्रिकिका मारम रेश्मरक गांजा क्षित्रक िकास्त्र রের করেক জন পারসী জীহাতে আলো कतित्रा भागारेकारमा स्वा लोक, কাতার কোন কোন ব্যক্তি ভারার কি गार गाटन छ गूर्थ करेशाटरूक ! किंदी की वानत्मत्र मधाम । अटबनीत क्लिक्ति वर्ष विन धरे बुण धरकने ७ क्योजिनिव इरेना रेफेरवाण चरल नमन भूचक कार्या निर्दार मा क्तिर्वे, एक किन अरक्टनेत्र कार्किक मडीके मान मंद्रावमा मारे। यामता अव-বিধ বিষয়ের বিভিন্ত কেলীয় লোকসিপটে **নৰ্দা উদ্ভেজনা ক**রিয়া থাকি।

রামচন্দ্র বালকৃষ্ণ উপযুক্ত লোক্ট **जात्रकवर**यंत्र अवस्था मः स्थापन विवटत कैं-হার সবিশেশ যত্ন আছে। ভাঁহার অভ্যয় রণ উদার ৷ তিনি ইংলঙে অবস্থান করি-

खातक विषाय आधाना माम्रादन। कांट्र ।

तत्र करें क् कु ला ला महान अर्व করিয়া আমরা যে মন হুই হইযাছিলাম, হ্লাদিত হইলাম। শুনা পোল কারাবাস দ ও এখনও তাঁহার নিরুষ্ট এর্ডির দমন ! কাব্যে আচাৰ্যতা করিয়া সম্পূর্ণকপে কুডকার্যা হইতে, পারে নাই; এখনও তিনি বৈর্নির্যাতন এবৃত্তি পরিত্যাগ করি তে পারেন নাই; এখনও তিনি অসতের পরামর্শের বশবতী হইয়া বিপক্ষগণকে ্ভের বিষয়। কোভের কারণ এই, ক্যক্তক ' র ছেন। बाबु स्कवल मनुषा अमारकात कर्णक अवश অকর্মন্য ও অপদার্থ নহেন। তাহাতে প । করিবার তংৎপ্যা এই, এদেনের ভাগ। সার্থ আছে । ভাঁছার জুলা অধাবসায় नीत हजूत के मक लाक अरमभी सकती विकास करते विकास विकास परिवा शिक। 🗡 না থাকিত, তিনি এক জন মহাত্মা বলিয়া 🕴 দেশের মুখ উচ্ছল করেন : আমাদিগের 🕴 ঐ দোৰ তৃষ্কুতন্ত বিশ্চু মাত্র গোমুতের े माप्त छ। इ। त्र अञ्चलात अरु कि बानुकान दक विकल क्रिया जुलियाएक ।

ক্ষণকালও কাতর হই ন।। কারণ তিনি কে **রেল মনুব্য সমাজের** কণ্টক স্বৰূপ ছিলেন ৷ क्डि य त्रकल वाकि इहेट एएएनत উপকার লাভের সম্ভাবনা আছে, উ,হাটি

मरण त्रभा इय का व लाया काकारक मत्रकि किहू आरमालय १ विकास कति ; कि शा (चहिरकतमात्र) मिक्किक कतिशा शाहे । सूबनविरकता गटकाश्रदीक धातन कविरः। हा व्यानकाश क्रियाटका जिल्ह महाजास ' कशस्त्रत या कि इंग्रेल'क इट्टा किछ्ने বারু জয়ক্ষ মুখোপাধ্যারের করা ব এইকাপ একটা ভাগের জনবরও ট্রা। ছিব করিয়া উঠিতে পারিলাম মা সুতরাং ছিল যে কালীপ্রসম্বার রুচ দেখিবার निमिक माम प्रदाक्ता, विकाइश मिया তেমনি আর একটা জনতাতি শুনিয়। জনা- ! ছিলেন । যাহা হউক, এই সহাস তাতি গোচর হ্ইবামাত্র আমাদিনের প্র কবন यरभरतामान्ति श्रीत्र हात्ति ३ इवेल । श्रीत्रहा পের কারণ এই, কানী প্রসন্ধ বাবু হইতে লিখিতে থিতে আমাদিগের একটা ভঃ वषरमरभव करमकदिव छैलकात ल 🖰 🥫 । তেছে, তাঁহার আলয়ে একপ এবসি অন র্থকর কুৎসিত ঘটন। হছল। শাহ্রি রুধ্রেক র। ভাঁচার এতি সন্দেহ করাতে হাইর ভার প্রাকৃষ্ণির করিতেছেন। যাহা হউ বিপদ ঘটিবার সম্ভাবনাও চইর হিলা এট क, এসভাত যদি সভা হয়, অভাত কো। হল দের বিষয় এই যে ভিনি নি দেট্টা ১ ব

गार। क्षेत्र, अमा अविष्रुप्तत अपन বানদিগের অনেকের অসৎসংগঠ প্রভা मात्रवाल जन्म मुक्त इस रे किसि प्रमार्क है है.शांक्रा के काउना है.शांता मा सर्मा श क्र भारतक मध्यित्रात चानुकान कतिशाहर । दिकाश करिया मध्यतकिस्य इस अवर न। छाँहात यनि छुटे धकति व्यथान नाम , जीहाति नामन नश्क्रियात स्मृतिन कतिया পরিগণিত হইতে পারিতেন সন্দেহ নাই। ' অস্থ:করণ বাদিগের প্রশংসাবাদ তাব (१६ तरह डिश्तुक, निमावाण खबरन नरत ।

कि भाषात करम्ब अन् जासह रा শিবকৃষ্ণ বল্যোপাধাায় যে দ্বীপান্তব । কেবল ম ্যা ভাব নেখাইডেছেন এরপা ৰাসী হইয়াছেন, ডাহার নিমিত্ত আমর: মব, আচু এব ফল কেপিয়াছেন। কর্ষেক कन সুद्रश्तिक राज्जाभवीक शह्य करिहा रेवणा रुकेट : ८५की शहरण्यक । भरतक भिन व्यवधि এ वियर बद्ध शालासां अ धात ह इहेगाइ। ५७२म का स अकृति वाद श्रंख গের দেখে ছুর্মাস অবণ করিলে ভাতু-কব े প্রকৃতিত হই লামে। এই সপ্তাহে আমাদি-ে অভিশয় বাধা জন্ম। আমরা মধ্যে। থেব এক অ, মীয় তক পানি ব্যবস্থা পত

ে কেবল বাণিকা বলিয়া - ' ভারতবর্মের । সম সিংছের চীৎপুরের বাগানে এক ব্যক্তি ¦ হার মানস এই, আমরা এই বিষয় কং হণ विषयाद्र विष्ठातः अञ्चलिकिमा गः। भ মুরোধকারী আন্ধীের প্রতি নামাদিগে বক্তব্য এই, অনেক জুটিগাছে, আমাদির কে এই স**দে** কেলিয়। **আ**ৰে দল ভাৰা क्षित व शरशंकन माही। महे असावती वना दिशविष इहेल. (य काल्ल ए विषया স্বিশেষ প্রান্ত্রার হয়, সে কালের এক একটা বিশেষ বিশেষ নাম ছইয়া থাতে. गथा-- " महा, त्रका, बाश्रंत के द्वार हैका भि देश्वाकी खायात्र (शालुटक्रम १६६) খাইরন এফ প্রভৃতি আছে, কলিব তাত এট হার্তমান অ্রস্থাস্থাক ভেমন একটা কি নাম কেওল' হ'ল। প্রিরা পারক্রতে य हें भरतहें (महे नायंग्री महानी र कविबाद ভার অর্পণ করিলাম ৷ আমাদিগের মনে ्य मामणी किन्य बहेश्टब्स, आंध्रहा छ। वास्क क्षिएं भारमी करेलाम न ।

> भव ह तिलाम हि विद्यानातम छ। अ 시작과 성질 등 '

কমস দেশবের সভাপতি জে, এন দুলেন সাকের প্রাকৃতি ব'ব্রুসম্প্রদাবের ও ভিনি थि इतेता > रे भाष भनिवात ध्वर कात्रह वर्षीय म्हान मन्त्रभिष्टि वास्य वाधाकासाम्य व'काष्ट्रत अपूर्वि अटकली मिन्द्रश्व अविश्वित्त यक्षणहरेका ३० हे मललकात नत हो। 🗥 ট্রিলিয়ানকে সভাক্ষন করিয়া এক এক अफिन्नन श्रेष्ठ मान कतिहार्द्धन । उ^{हे} উভগ্ৰিধ অভিনন্ধন প্ৰ অনুবাদিক इहेश दाना छत्त अक्टिक इहेल।

সর চাবলুস ড্রিবিলিয়ান উচার যথ-যথ উত্তর দাম ক্রিয়া অভিনন্দন পত্র লাভুগণের সন্মান ধর্কন করিয়াছেন। উভঃ এক দিবস আবণ করিলাম, বারু কালী প্র আমাদিলের ছব্তে আমিয়া দিলেন। তাঁ-। পত্রই অভিনক্ষন কর্ত্য ও উত্তরভাতা 🕫

सारहे स्वाहा ७ केंद्र है हहेशाटक। लेटिना वर्गतंत्रके व्यक्ति हहेर गत हात्रजन हि. विकिश्ताम निर्वितियाम गत्न व्यक्तिक हहेशा करणाम निर्वितियाम गत्न व्यक्तिक हहेशा करणाम व्यक्तिक हिंद्र व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति कर्मा कर्म कर्मा कर्

नत होतलम हि विनित्ताम अरमर्थ पा গমন করাতে অভিনক্ষম পত্রদীত্বগণ কে-বল যে পারু তির আহ্মাদ প্রকাশ করিয়া एम अब्रुप नश्, टीइ। इट्रेड खाद्रडवर्स्ट्र বিশেষতঃ শ্ব সম্প্রাদারের সহাতীত লাভের যে সম্পূর্ণ আদা আছে, ভা হাও প্রকাশ করা হইরাছে। কাহার কি वाक्षिक विषय, अधिमस्मम भाग भारे क तित्ल क्रेन्ट्रेडिस स्था **स्व**त हम ना। বাণিচ্যা ভ্ৰবোর কর কমিয়া যায় এবং াঞ্জ খাট প্রভৃতি ফুল্বরূপ হইয়া উহার मिंदिश्व উन्निष्ठि २म, देशहे विश्व मन्ध्रम। (यत्र अधान आर्थिक विवा। क्रांत्रकवर्धी । मजा अरम्दान्त श्राजिनिधि ; देनक्य है। ज श्रामभी विषया विषया विषया भाग : व টাকাটা বৃহত লগ, ইহা যে এই সভার প্র हिनिधिशर्गक क्षधान क्षःर्यनीय इहेरव धक्यां वरा! वास्ता ।

চারলগ ট্রিকিয়ান হইতে উভয়নিধ
অভিনন্দন প্রজাতৃপ্রণেরই যে মনোরথ পূর্ণ
হইবে ভাহার বিলক্ষণ লক্ষণ দেখা গাই
ভোছ। তিনি কলিকাভাগ পদার্পণ করিয়া
অবধি কৃষ্ণির নহেন, বিশেষ বিশেষ
কাষালিয় দর্শন করিভেছেন। কর্মী

হতিগ ও ইনকন্ টারা আকিস উত্তয়

হতিবি উহার তুলারণে দৃতি নিপতিভ

হইরাছে। তিনি ত বরংই ইনকন টাজার

গ্রেটালী, অতএব তাঁহার যে তত্ত্র্লন

চেতা করিবে, তাহা কিছু বিচিত্র নহে,
বাণিলা প্রবাহে, করপ্রেই হইকে মুক্ত করাও

তাঁহার অভিত্রেত। তিনি ভারতবর্ষীর
সভার প্রদত্ত অভিনক্ষন পত্রের উত্তর
দান কালে ক্রিজাকরেই ক্রিয়াছেন, অ

অভ্য সমুদার প্রেণীর বিষয় তিনি ভুলা

রপে দর্শন করিবেন।

ষে উপার হারা এতদিব্যালী অতীক मिश्चित गर्जानमा चाहर, जनवर समा याहे छटह, छिनि छम्यलम्न क्योश छमात्रीन नरहन । माञ्चारक कनद्रव উठितारह, रेभवा क्यांहेश (मक्ष्य इंहेटन, क्य ट्रन्क बरनटक কর্ণাকর্ণি করিভেছেন যে সিবিলিয়ানদি গের বেতন কনাইয়া দেওয়া হইবে। আর পঞ্জিতা গ চেন্টা করিতে গেলে ব্যয় সংক্ষেপ ৰ'তিরেকে তছিবরে কুতার্থতা লাভের সন্তাবনা কি > প্রয়োজনাতি বিক रेमना ७ निविलियानिर्देशन साहा वक्तक जाब्रजनवीं व रक्षिण्य एक ७ चूना कवि তেছে। অ'মরা বরাবর সৈনা সংক্রান্ত অনাব্দাক ও অসমত ব্যয়ের বিষয়ের প্র তিবাদ করিয়া আসিতেছি। চারলস ট্রি विलियांन योग श्वलिक्छशार्कत विरम्पकः রেলঙরের ডাকাইউদিগের বিবরে কিছু मत्नादयांश्र कदवन, चातक वास मः दक्तभ ক্রিয়া আনিতে পারিবেন।

JH.

ছিলিন মাস্ট্রমা, সাক্ষির স্ববান বন্দী ও বিচার।

১৪ই মাঘ সোমবার ছিলির বিচার আরত্ত হয়। যাবতীন পেটকুরি, বিভর দর্শক ও অন্য অন্য লোক উপস্থিত ছি-লেন। বেনা ১১ ঘটকার পর বিচারপতি সর চারলুস জাকসন আসন পরিগ্রহ করি লে জার্ফ হিলির অপরাধর্ভান্ত পাঠ ক-

तित्म । रेश्न (अपनी वास्त्री विके श्रीकाणी । देश्न (अपनी अपना कर्मका पांजरवारक के स्वरत्म के स्वराम कर्मका श्रीकाणीत शक के ले कर्मक श्रीका कर्मका रहत । वानीत के की न पांजरवारक के स्वराम तन का के दे नारहत श्रीका क्षिका वक्ष का क्षितिसम्बद्ध

কুরি মছাপুরুগণ ৷ আমি আইন্ট্রি क्त त्य मक्समान विज्ञात कतिएक अमेरिकी করিতেছি, তাহা অতি গুরুতর। সামুদ্ वियरत ए कान देवलकना बाकुक मा इंक्स अवश मश्वाम भवामित्य स्व किहू सम्ब डेक ा कन, यानि आईमा कृति यान नाता यथार्थ क्रमान वाइन क्रतिशा निवटनोक ৰূপে আত্মত প্ৰকাশ করিবেন। ভিত্তির विषदत वाशनागिद्रश्र विष्ठाया अ के वाकि सरिश्काटक २४ कडिमारक वि मा ? ১৮৬১ - मटमत २७० मटबम्ब क्रिय রাত্তিতে কতকগুলি লোক এক পারাম শী रहेश वहाशामिकाम याज्यम महद्वे । क्रिके মণকারিদিগের বিশ ত্রিশ জালের হতে বর্দ্ধার্ক हिल। छाहाता थापरम अक ताह शिल् दि রাতে ছুই জিন কর আহত হয়। ব্রহিছ लां के नमरत आर्फ रहा। त्व आर्थि ररेश (माकिता त्यमन विद्याद्य कारि কেবল তদনুসারে বলিতেছি } আপুন আ ন্তঃপুরে গমন করে। তথার ভার্যর বংকঃ কলে এক গুলি লাগাতে তাহার বৃত্যু হয়, পরে ভাছার মৃত দেগ এক নৌকাতে করি प्रा कानागुरत लहेगा याश्रमा हता छ रान मृठ (षष्ट् जागाभित भावता गांत्र मारे। **जरु**का क्षरम् कहे शक्ष स्ट्रेटराह (म व ধার্থ প্রাণ্ড্যাগ করিরাছে কি না > বিশ্ব ভাষার এক ক্ষম নিকট অংশীন বলে লক্ষ क्ति श्रील लातिका ठाहात मृज्य इहेपारक, अक कम इंफेट्सानीय ड ए.टक वध कहि द्वाटक हेदाल माध्यान विलिदाटक किछ प्रके হাজিক হিলি কি না তাহা বিবেচনা করি তে হইবে। াব-বৈশ্ব ভালাকে হভাকোরী

বলিয়া বেবল অপরাধী করিভেটেন। সে त्य आक्रमान्द्र मयग क्लि, धदः चनारक हता व मूर्व अकृष्टिए अतृ जि प्तर, य विष्टा भवर्गमणे वामी सर्वत । पाछ अव জালামারা যদি দেখেন সে নিজে হতা ক্রিখাছে, ভবে ভালাকে দোধী বলিবেন, क्ष्य अककारम मुक्त कविवास अनुदर्शन द दिएकम ।

काष्ठेरे मारहर उद्भारत मुठ अक्षित दिवस छेट्सचं कहित्लन किन्तु स्था वादका िलात थाडि काम कायादान कितनम ा। श्रीतरनट्य विविद्यन शिल सुक्त स्टेटन ভিনি সম্ভুষ্ট হৃষ্টবেন। আয়ে। তিনি এ ক गांध वलित्सम नाकि भिरात व दका वस े नकाना जाटक धर् माकिभिरमत नकटन িভিক্তে স্পান্ধী হত্যাকারী প্রমাণ করিতে িবে নাই। ভংগরে নির লিখিত সাকি ं तात क्रवानवन्ती हरेल।

হিলির ভগিনীপতি কু.কিন বিযার ম[ি]নেন হিলি এই দেশে ক্ষমিরাছে, ত হা া চুতা পিতা উভয়ে আবুরুমধ্রের লোক, অ গ্রমী এতেলে ভাহার ২১ বংসর ব্যস र्षं इट्टा भारत अक कन अक्टाकनीय শালী বলিল গত বৎসর ১২ই অথবা ১৩ই ^অ-গ্রহণ্যণে যে দালা হয**় ভাহাতে রহিসু** বার পানে এখনে ভলি লানে, পরে সে বাটার ভিতর প্রায়ন করিলে বাহিরের দার হইতে হিলি বহুতে তাহার বক্ষঃস্বলে क्षानि करत । चाह एवं अवहरू शृज्य हम এই সেই হিলি ত,হার নদের নাই। সে তথ**ন শেভবন্ধ প**রিধ ন করিবাছিল। ডই ন সাহেবের অস্থা নুসারে সে বলিব হিলি ীরেরঙ দের নাই এবং সে আর কা ा अ बुद्ध भाषा (मर्द्ध नाई !

া আৰু ও পূৰ্ব সাক্ষীর ন্যায় স্পন্ধতি । কোন সন্দেহ নাই।

धारम बलिल, रम् बर्दतलः बारक्रदेव करहरू কন লাঠিয়লি ও সিপালীকে দর্শন করিয়া ছিল। আর একলন সাকীও এরপ লপথ भृजीक रिजिटक इन्डाकारी विलिश निटर्जन क्त्रिल ७११ हिलिटक हिमिशा पिल । केनी বনিল, আমি বহিমুলার বাটাতে থাকি ভাম। হিলি খনুতে রহিমুলাকে ৭২ করে, পরে তাহার মৃত্ত দেহ ও আমাকে এক (क्षेत्रकांत्र सकेश) यात्र । किलि अथरम स्मरे নৌকায় ছিল। ছিলি যাবতীয় দসু:কে লুঠ ও বধ করিতে উৎসাহ দেয়। বড়ও এ প্রকার সাক্ষা দিনে। রচিযুত্তার স্ত্রী ফলগা বিবি বলিল, আক্রমণকারিরা বাটী त निकटि जानित्ल तिहमूहा श्वर्रमणे अ हेश्मारश्यद्वीव माहाहे मिया हिलिएक व লিল " আমাকে যেখানে ইচ্ছা লইয়া চল तिह जामारक आर्य नहीं कतिल ना. जा মার অনেক পোষ্য পরিবার আছে, অংর यमि ७ मार्टक वर्ष कहा होमानिरगत अ কান্ত ইচ্চা হইয়া থাকে, দোহাই জনবের আমার পরিবারের স্ত্রীলোকদিগের কোন अकारत अभगाम कति का। हिन व इ.ज ब्रहियुज्ञारक शिलं करत । शम्हांध ভাষার আজানুসারে আমাকে ও গত বা জির দেহ অন্য অন্য ব্যক্তির সচিত लरेता याख्या रस । तिर्मुलात अकि भूव ও কৰেকটি জীলোক গুলি দায়া অ'স্ড **इत्र। कान अकारत शिलाब (लारका) विम** ্য শ্রবণ করে নাই। সে সময়ে পারি এম नि की छ इरेशां इलान ए हिलान कि अ বার বঁদ্র ভাগে দর্শন করি নাই।

ভোবি বিনিও 🗳 একার বলিল। সে হিলিকে চিনিতে পাল্লেমা, কিন্তু নিশ্চ ग कर्भ विलल कर बन हेजाबानीत उदात्र नशत गाकी गतिक्रमिए के ८कार ! छेनच्छि हिला। तथहाँमए के बार दिल ा मा का जिल्ला हिलिएक वर्षार्थ इन्हाका े ल। विस्माद्यत मध्या अहे विलल एव हिलि ः विशिष्टा निर्द्यम कतिल । त्र माणात नग त तु तु राथत कियमः म ति सियारम, अवः ं : रिम्रजात निकटि प्रशासान दिल । टिन एवं मदददलत सूर्शकिएके शामि शिवारत

माफेलि विलित, मि हिलिए प्रहास গুলি করিতে দেখে নাই, কিন্তু নিশ্চয় ক রিরা এরপত বলিতে পারে না যে হিলি स्ट्रेंट अकाक स्व नःहै। उन्नूषि माकि र्क्षे हे विश्ववस्य हर्द्धाशाशाश वित्वन আমি গত ব্যস্থের অগ্রহারণ মাসে বরা বালির দাখার কথা এবণ করিয়া তথার গমন করিয়াছিল'ম। তিন জন সাক্ষীর करानविक लई, एक्द्रि मद्धा अक कन गुरु थोत्र हिल । ১२६ फिरमभू सूस निम्नात হিলির সহিত আমার সাক্ষাথ হয়। মরে লের কয়েক জন এজার উপর সন্দেহ **হ** ওয়াত্রে আফি হিলিকে ভাহশীলকে ধরিয়া দিতে বলি। হিলি বলিলেন তাহারা निरम्भंधी। हिलित नौ हिन्छात्रः कहादर তিনি ভাষা बलिएलन मा। मरत्र अत वाहात विভन्न प्रदेश पूरे वाख्नितक वाहिन कर-হয়। ৬ই ভিসেম্বর হিলিকে গ্রেপ্তার করি বার পর্যানা দিয়াছিলাম ৷ ছিলির এক क्रम एक भूकाई माहम बह्मम बाहर्हरू হিলি বলিয়া ধৃত করা চইয়াছে সে বস্তু 🕟 हिलि नटह । हिलि (व क्याकादी अक्थ। य নেক বাজি ওঁ,হার নিকটে বলিরাছে।

भूलिय क्यांनाज मीनवन जिश्ह दनि ल, अपि हिलिएक चहुरक मानाचरल प র্শন করিয়াছি। ভাছার পর সে ছিলিকে क्रिमिश मिल । कुम्द्र क्रीकिमात्र केंक्श বলিল। ছেনেরি লুই মিচেল ছিলিবে আসামে মৃত করেন। ধর্মন সে মৃত इत, ज्यंन रूप अवस्य क्यान कतित्र উঠি।ছিল। পেৰে সে আপলাক হিলি বলিয়া পরিচয় দেয়। সঞ্চীর জনানবন্দি শেষ হইলে যিনি কুরিছিগের এখান, ডিনি दिलालन हिलात शक नमर्थन काती है के ্লের বাক্য প্রবর্গের আবশ্যকতা নাই। বাদী ভাহার দোষ সঞ্জাণ ফরিতে প.দে क मारे। ज्ञानुत जुतिता नकरल ভारादक **এकवादका निर्द्शावी विमित्सन। विभार १**कि ভাষ্যতে সন্মতি দেওয়াতে ভাষ্টকে ভৎক नार स्कानविक्तानः। कृषवात्र क्रीतृत्वकात्रः त्नव एरेपीटक्ष

कि काम्रत्न दिनिदेक कास्त्रित त्र उम्री -, क्ष्मेंग तुका श्मा ना ।

পাঠকগৰ! আপনারা কি কুতর্ম বহা-ए अवस्थाधनुक इरेडा मामधकारणंत नेवृ तिशीक्ष कतिता चारहर ? त्वाकशक्ष् প্ৰতি সপ্তাহে বৰাপজি মূতন নৰাপ পিয়া जाननाविरशङ्ग क्लेक्ट्ल पूर्व कतिता पारक वर्षे किंव कार्बि सं जेकेकी क्रवाब्रू के **छम नदाय जिल्ला छलित्राट्य, जेल्न नदा-**हात्र कथन जानमीजिटनत्र भावन विवटह श्रादम क्रांत्र भारे, ध्वावन सन्ना पूरत नीकून এমন আশ্চন্তা সহাদ কথম ৰে আপনাৰি क्षत्र जर्म शर्मक्र अधिकि स्ट्रेस्न, ऋाशना त्। अक्रम क्षेत्र मर**न७ क्र**त्त्व नार्रे । त नवाप अहे---(छंनिन हिना विमां पर्ध व्यवाहिक भारेसारक !!! अक वृबबारतकः गात्रश्कारम अहे नवाहोत्र वर्षन मगत्रवत इरेन, मनंत्र निषद्ग, द्वांच, ट्यांच, ७ चटत्र ব একান্ত পরাধীন হইরা স্বপান্তর ঘারণ क्रियादिल । वीशांत्रा चक्टर्व जाकायान ज्ञवन मां कतिज्ञार्कितम, छ।शाहा अवटम इहारक विश्वान करबून माहै। कांश्वीकरशंब चिविषात्र इविशा चान्करवा त्र विवत्र भट्ट। হিলির ছ্রাচারভার বিবরে কাহারও সন্দে হ ছিল না ; ভাছাকে বরাবালির অরাজক কাণ্ডের কর্তা বলিরা ভাঁহটেবলের দৃঢ়তর সংকার অভিয়াহিল; ভাহার অপরাধও रक्षम मून्यके अमान बाहा अध्यान हरे **য**াছে , **অৰ্থচ শৈহী ছুৱাছা অব্যাহতি** পা ইল ৷ এ সম্বাদ শুনিলে সভা বলিয়া তাহা তে কাহার **বিখাস জ**ঞিতে পারে ১ যাহা र्डिक, के बूथबाब अविष्ठात, श्राहेम, क्रेबटत র নিয়ম ও ভারতবৈদের বৃত্ব এ সমুদায় পাপের বিৰুটে পরাভ ছইয়াছে ৷ সামান্য भूषिया व्यवि धनवान विवक अधार्वेष्ठ नक ্দই সাভিশন্ন বিশ্বরাপর হইরাছেন। ইউ

कालीदक्का जलका कावित के क्त्रमा वित्रसं विद्यमीवित्तवत स्य मःकात वित्रस् के त्यकात जांका लाद्यत क्वरत कृत्वत वृत्यकात जांका लाद्यत क्वरत कृत्वत वृत्यका कवित्रा किवाद । त्यत्यांना त्रमा श्रूप कारण जांकात लगाता स्यवध कृतिक का स्तावश्यका स्रेतिका, वता व्यत्य अर्थकीय मांक कर्वादिक कृत्यक क्वर्यक अर्थकीय मांक कर्वादिक कृत्यका क्वर्यक स्रेतिक । वात । वात्रक्य कि क्वर्यमा क्वर्यक स्रेतिक !

चुन्निता (स्वर्ग मेंड क्षेत्रांग क्रून ना त्क्य, जांबता कृक कर के कहिएक शांति विनि व्येटक नतांबानित रकााकां व्हेश शिक्षिपिरभंद्र बाटका चामाविष्यद्व পণুষাত্র সংশয় সবিভেছের।। এ একার স্ভ্যাচার, এৰপ মূলংস মানবস্থভাব, এরপ অনুষ্ঠিত ব্যবহার অন্য কোন গেলে কথন मूके रत्र बारे। कतायी दिखादर मर्ख সহস্ৰ লোক এক এক স্থানে হত হইয়াছেন यथार्थ वटहे, किख व्यनाष्ट्र भाषित्र नगदत কোন সভাবেশে ও সভাত্তম গ্রণমেন্টের অশ্বীনে ছুৰ্বল ব্যক্তির উপরে এৰপ অভ্যা **চার क्रेनाटक, रेश कथन खंदन कता गांत्र** मारे ।, रे एशंग अद्गण चात्र अक्षी पृकीस क्षप्रभाव क्रिएक भारतंत्र ना । ज्ञाह जन का कारलब विषाय रेशब मिक्ट निक्क হইয়াতে । মনুবা কোধ লোভ বার্যপরতা ও रेवज्ञनियाजननिकेणांकि बाह्य स्थितिक स्रेहा বে সমন্ত্রী কুক্রিয়া করিয়া বাকে, সেস্ফুদায় এক হিলির যারা এক পদে সম্পাদিত হুই ब्राट्ट। दिनि श्रमार श्रविनूकेन रेका বলাৎকার জ্ঞান হড়্যানি কোন পাপ ক্রিরা त्रहे अनुकान कतिएक वांकि तार्थ-नाहै। ভরানক যুব্ধের পরও জয়শীল সেনাগণ भक्त गरमञ्जू १७ राष्ट्रियिशेत , परचारि ক্রিয়া করিছে বের নিভাস্ক ছ্রাম্বা হিলি. व्रक्तिकेशादक अनुसाम । अन्याम करव मारे। कि थवान ७ कि युक्ति भरतंत्रव करित

वा चूत्रिता शिलिएक पूर्ण कतिरस्त्र, क्रांश द्वित्रा के। जामानिर्भन्न दुख्श्रिक्त म कील स्टेर्फ्ट्स । नामीत्रा कि विनिन्नारहः णारांत्री कि वटन गाँदै व अक **अ**त्र दे**के**द्वां भीत नामात नमस्त क्रेश्लूक क्रिक् जनत्त्रहे कि न्याकाकात करन माहे हा माजात्मत लाय. स्टेटच थे काश्व प्रदेशहरू भविकारमं व्यादिक कि हिलिएक इकार्याकी बनिता बिर्ज्ञ, करत नारे ? त्राजिकार्य नाना ७ रजानां १ रहेश हम ; कुल क हम উলার নিকটে বাহারা ছিল, তাহারা, বুক रत भेशव शूर्वक वित्रप्राटक रह कारांक क् **इटक व्यक्ति होता क्षाना क्षाना क्षाना** व्यान वय कतिलाटक् । वाकाला मुद्रुत किल णाराजा प्रवास जारा कि बहुद्द काराहे म निप्राटह, चर्राय अक सम्बद्धिकाशीय नर नायान हिल, किन्नान दिलिकि खान एकर তাহা তাহারা-সক্ষরার ৬ পুর প্রবৃদ্ধা স্পৃত্ত পেৰিছে পার নাই। হিলির প্ররিখ্য बद्जन बर्णन विवरम्थ गाकि विटर्भन बादकात- चनुमाज देवनक्तना रह माहै। करव देवलकरगात माथा भरे व्हेरकरंक কেই বলৈ ভাষার হাতে বন্ধুক ছিল, কিন্ত তাহা ছুড়িতে দেখে নাই, কেছ বলে ৰক্ষকে নদীণ হিল, কেহ মূলেড়াহা ছিল या। धरे रेवनक्या क्षित्रक विद्राक्ति -

क्रमा इहेर्द क्रम ? क्रांम माकी डाहारक हिनि विलग्नाद्य. त्वरं वा विलग्नादं हिनि না : ভাষাতে কি ছিলির অপরাধের ভান তা হইতে পারে? অবেকে কি হিলিকে म्मके वादका एकाकाती विश्वता निटर्मम करत नार । चामारक कि फाशास भागान তে চিনিয়া দেয় নাই ৷ হিলিয় কৈ মরেলে র সহিত পরিচর মাই ৷ সে কি সুরু,লিরা-टि कथन बाब नाहे ? फेर्ट्स या काम क प्रतका चंत्रिक यथ किविय देशकना स्टेनाटस, क्रवक्षिरभन्न त्म्बन इएग्राहे रैनमर्भिकः। (আমরা খনেক ক্লিবককে দেখিরাছি, ডাছা पिरभन्न काम '७ **मृत्ररखन्न कान नारे**। विरभ যতঃ এত অধিক দিনের পর ভাষা, দিপের সকল বিবর পারৰ থাকা কি সভাবিত? यथन रज्भूषि माजिर के है विक्रम बाबू करकर করিয়া জিলিকে পরিতে বাম , সে বারবার আপনার ই নাম উ.ডাইয়াছিল কেন? त र्माची मा स्टेरल नाम कं ज़ार्यात्र कि এরোজন ছিল ? আসরা শুনিরাছি বর্ণন বিশ্বম বাবু ভাহাকে চিনিভে পারিয়া ত্রে প্রার করিবার চেকী পান, তখন ঐ তর্ম্ব রলিয়াছিল " যে মরেলগঞ্জের উপরে পদা ণি করিলে আমি ভাগকে গুলি করি

चांत्र किलि यनि लायी ना दरेदन. त कि क्या शलावम कविल ? येथेन जा সামে ধৃত হয়, তথন ভাহার সহিত এঞ্চ ুত্ত টাকার অহিকেন ছিল, ভাষা বিজের गत्रण कदिगाहिल।

এই সমল্ভ দেদীপ্যমান প্রমাণ খাকি ত यपि हिलित अभवाप अभाव ना हरेल. किटन व क्यांन इटेंदि, ठाहा ड सामना বুৰিতে পারিতেছি না। আল্লেতে বছ সংখ্য সাক্ষা উপস্থিত হইয়াছিল, ভাতামি ার মধ্যে ছাই চারি জনের বাকোর আঃ निक किছू किছू रेशनक्त इत किन्न व क्तरकत्र वारकात रेवलक्तना इत्र बारे । या দিগের বাক্যের বৈলক্ষণ্য হয় বাই, যদি

কেবল ভাষারা রাজ লাকী খাকিছ, ভাষা रेरेलं भूतिया कि भृतिरहत ? कार्डरे ना टिंद था किसंटन वेलिएका या गर्मन गायन डिलिंग क्षांब क्षेत्रांव कवित्क शास मारे ? र्व चंद्रल चंद्रश्य भाषी चादक, मिचादन সকল সাক্ষীৰ ভাৱা কি সকল বিগৰ থাৰা न केंद्र १ किंद्र क्रम केंद्रियांनीत माना चटन ছিল, কড়াকের ভারা এখাণ হইয়াছে; সেই इक्टियांनीय बर्स्ट्रलय लाक कडक्छलित খারা ইহা এখাণ হইয়াছে; খার কতক कंशित बाता केंबान क्रेज़ारक, बरतरलत र्ट्स लांक विभि छ तिर विभिन्न त्रीम केलांत्र क्षाव वेश कतिशारंश। वाश्वविक प्र शिक्षात वागरका ७ मामांकर्छा त्र मूत्रि का गणि शक्याख्यां किर्देख स्था अनूम আৰু বাবা বাহির করিবারপাতরিক চেন্টা कतिएक, जांदा दरेता कि जांदाता

दीचित्र अनुगारत धनार्थत्र बलावन अ সভ্যাসভাতা বিচার করিতেন না > ভাহা क्ट्रेंटन कि हिलिएक बबार्च कांची बिनाता काशाबरनंत्र खनवनत स्ट्रेंच ता ? काशांति গের বাডাবিক সে সকল চেকা ছিল লা, (क्वल खण ज्ञा क्वा स्टेजारक धरे जार्क। कीशाता दिलिएक चतुर्वीर क्रिता 'संक्रिता विजारक्त कि ना, रंग विवरंत्रत विकारत जामानित्वत्र अंद्रगामन मारे ।

'আল আমরা বৈদ বীকার করিলাম अंत्रिता (व॰ विकास क्रिजीहरूम, क्राहाई क्तिश उन्न ७ हीनामार्थ गारेटर तम अरे किस, शिम त्यांची मार्थ, किस बंजूरी रूखा अञ्चलकाणि (व अमर विवस कास किन, দে কৈ করিল ৷ গবর্ণনৈতি কি ছির করিয়া (एम) (**उदिरम कि अमुना बरन के जक्न** काक कतियादि ? बाकिअद्यल वेनितादह ন কোন পাপজিয়ার অনুসন্ধান করিছে इंदेश चरक चानमाँ चानमि किकामा क तित्व, काहा कता कान वाकित वार्ष ?? এ যুক্তির অনুসারে রহিমউরাকে হতা कता वार्च कामा चाटा करे विवस्ता क्या चारभाक। अरे चंडेनात शूटर्व घटत्ररमत

भरिक प्रक्रिकेकात हुई आहे पह मान হইরা বার। ভাহাতে সরেলের অক্তরে करत्रकारमञ्ज स्याप एत । मर्जन खाडारक जाकमञ्जू रम । त्रस्मिकेशाद्य जन क्या ষরাবর ভাঁহার আন্তরিক চেকাঁ ছিল সে সেই ক্ষা আপনি গাঁতি ক্ষা প্রভৃতি क्रेनिनितरक विकास क्रिया नामाना क्रिय कार्या व्यवस्थान कटहान । मानाज नक्छत्र देव সঙ্গেলের জরক লোক ভদ্মধ্যে ছিল ভদ্মির त्र कारावर्ध जटकर गार्ट, धाक कर हैंके রোপীর বে অধার হিল, ইহার কেই আ বীকার করিতে পারিবেন'না। করে সে ইউরোপীর কে?খন্য ইউরোপীরভাজুরী ! আপত্ৰি দাদাহনে উপস্থিত থাকিলে পাছে উভয়কালে কোদ বিপাতে পড়িতে रत, और जावित्र। महत्रम चत्रर सामान त्रव रहेता व्यक्तिक लाक बाहा कि काछ भिष क्रिया नटब्स मारे: विनि कि के। वाज অধীন লোক সচে: পৌলত চৌকিবার বৃদ্ধা कारन कि वित्राहिल । हिलि इहेरफ व्रश्चित्राव नर्बमान स्टेबाट्ड धरे कथा कि ल बटन बारे । अबन अवान बटलंड যে হিলি নির্ফোব হইল, আমরা কোন करनरे रेश वृतिहरू भाषिएकहि मा। हेके ताभीरमन अभग क अव्यक्तीनिमादक त्वथ कतिया शक्ति नाक कतिवादस्य वटिः। क्षि अक प्रकर्ष कतिया व विनि प्रक्रि লাভ করিবে ডাছা ছব্মের অপ্লোচর ৷ 'ভাল শে কেন রহিমউলার হড়াকারী বলিয়া প্রথড না হইল, নে বে দাখার ममरम छैनविक हिल, कहात कि हहेल । ভাহার কথ কোবার ? আমাদিদের ফুক্ যতি বিচারপতি-ও জুপুরা যাহার অধ্য আতা ও উৎসাহ সাবে কুকারবার অনু केल बहा छाड़ाटक कि ब्यापी स्काम करतन मा । अर्थम अर्थाथ कि अर्थ निमय क्रेटर व याकात जैनदत्र याकात्र क्रांश वीकिटन, भ्य वरुट काराज थान वर वा कतिया करा बाबा कशहेबा विना वटक व्यवादिक शहे

বে ? আমরা পাঠাজিধানে বলিভেছি আ फटवाटकं दिल्ला कि कि कि कि कि वात किकी शाम मारे । अर्तित मिकटि তিনি যে প্রকার বক্তৃতা করিয়াছেন তা চাতে ভাঁহার বাদীর ওকালতী করা না इहेंद्र' हिलियरे अकालकी कहा इहेश है। ठिकि बरतहारक मांकी मानिएलन ना ्क्म । क्म्प नात्रव धक वात मत्त्रन छ রহিষ্টরা ঘটিত যোকক্ষমার বিচার করেন, ভাঁচার সাক্ষ্য গ্রহণ করিলেন না কেন ? তাহার বস্তা মধ্যে উৎসাহের নাম গল্ िल मा। विनि अहेक्टम काम क्रिन, তিল কি গণ্ণমেশ্টের প্রতিনিধি ও পরা নশাদাতা হইবার যোগা লোক : গ্রন্মে ত বার্না হইয়া আর একটা অন্যায় করি गारकन। मर्जान नारहायत निकटि पर्या रात किलित विठात क्वेटन (य कथा हिल হ'+৷ হইল না কেল. তথায় কলাইটোলায় মহামতিরা নাই বলিয়া কি হইল নাঃ ংবিচার যে অভিশয় অুন্যায় হইয়াছে डाइ' यहा बाक्सा । अक्षभ कविहात ! সুগিমকোটেও ছব মাই।

হিলির মকক্ষা রক্ত,ত্ব ইংলপ্রের পোকের গোচর করা কর্ত্তব্য ।

ভাষেত্র। কলিভেছি, দিলি রাজ্যউলার
ন প্রাণ জাতি, ও নান এ নমদানের সংহার
নক, কমাইটোলার মহাপ্রনেরা কলিভেছেন
হাল নকে। এখন এবিদ্যোপ মীমাণেরা পোরায়
লগ্ন লাইকোটে ও হইল না। লাইকোট ক
াই টোলারই ' কেনা সেচার হ মণ্যে হইয়াসন। কলিকাভায় উক্ততম আন্দালত এতি
ত হল্যতে আম্মান যে উচ্চতন কাশা ব
শ্রাচিশাম ভাষ, ত বায়ুকাম্য সেতু ব্রুপ
হলী ভিনিয় মকজ্বা দেখিয়া বিশক্ষণ যোধ
হলীতে উক্ততম আদালত এলেশের চিল্
তম অনির্থ সাধনের নিমিতই হল্যাকে। ক্রা
ক্রিট এক এবিব্রের মীমাণ্যা ভান। ক্রা
ন্ত্রি, ন্যায়পরভা, অপ্রক্রণ্ডিকেনি তথা

বইতে অত্তি ত নতে। গেখানে কলাইটোনার বহামতিলিবের আধিপতা নাট। ত-ক্রতা লোকেরা পক্ষপাতপুনাংইরা বাবতীর বিষয় তর তর পরিয়া বিচার করিয়া থাকেন। উচ্চারিগের নিকটে এবিবরের যথার্থ মীমাং লা হইবে সন্দেহ নাই।

अविषय है : महरूपतीय (११ छत्र कवियाम आत अविध कांत्रन चारक । हेर्लास्थ्यती घटन করিতেছেন, ভারতবংগর আধিপত্য ইট ইভিয়া কোম্পানির হত্তগরেম্বর হওয়াডে সেই সজে নজে অভ্যাচার ও অবিচারারি স मुमान अन्य न कतिशास्त्र । जिनि सम्भून, कांद्र-**जनस्यागीता क्यम माइएक आहरूनः मकवन-**বাসিদিগের খন, প্রাণ, মান ক্ষেন্নিরাপদে व्रक्तियारकः किथिए ज्यपंत्रत वाकिरत ज्यास ना इटन व्यम कर्माहे माहे! अधारम रायम পুলিন তেখনি বিচারকর্তা, তেমনি স্কুরি সকলই স্থান। প্রবল কাজির নিশেষত। ইউ-द्वाभीरपिरगंद्र प्रधारभक्ता ना कतिया ज्या পাতে কেইই প্রায় কান্স করিতের পারেন না। ब्रास्त्री इंडेर्सानीमहिनरक चूर्कम माक्न बार्डाब कांव क्रांडिया विश्वा अरलभीयक्रिशरक উरम्ब क्रि বার নিমিত্ত কি ভারতবর্ধের শাসন ভার এইণ কবিয়াছেন ৷ জগদীপর কি এই নিষিত ইং-রাক্ষ#ণ্ডিকে তুক্তর সাগর পার করিয়া এদে-CM का निश्रादक्षण : कांत्र्डरम नव्यक्ष अंडे कि ভাহাতিলো কত্তব্য কথা ও যদি উলিখিত প্রকার ৩:৪০,জক কাপ্রকটয়া জগনি অস্বনি र्भित ७१३ अवानिविद्याह धम व्यापाचि द्वाचाह ক্ষায় জন্ম, কি ১ আনব। এত দিন যে ধবনা-भिकारद्वेव निष्यः ७ विक्रिमः भवनस्थिते ध्यमः त्र । । १ व माद्रका (व व्यवस्ता । १ व व्य थ'ए तक्ति । यवनाधिकादत्र अक्ता घरेना (भागो दका श्रव अर्थ বিব্লুল ছিল कांच तम्य दिए खनाक कृतिनाम क्षाविष्टि কবে দেই কি প্রাণ ন দোষী নছে গভাষার प्रथ मा इटरल कि कुकर्षांद्र निवातन प्रश्रापनी আহে ? উপাছত বিষ্ট্য ভাষ: বৈ হইল ? স্কল ব্যক্তির দল্ভ কটবাছে, ভাষাদিসের ্লোব কি ৪ ড|হাম্' এই মান্ত বিবেচনা ात आश् आहेलाम, सान्त कतिगाम, भारत ি ্ কোন উপোত ইপাশ্বত হয়, সাহেব

রক্ষা করিবেন। অপার্থিত। প্রযুক্ত নাবেবের ভরসায় ভাষারা অর্থ লোভ স্বয়ণ করিছে পারেন। : ভারতবর্ণীয় গ্যান্থেনি কিছা লেই মূল লোব সংশোধনে বন্ধবান সংহ্রা

উপতিত বিষয়ে ইংলতেশরীকু গোঁচর
করিবার কংলে আর এক বিষয় আহতেক আর্
নাম আবশাক। স্থারি প্রথানী বেন আইনিজ্
লেশে না থাকে। স্থারি প্রথা প্রজারণের পানি
থামতা ও স্থিচার মূল যথার্থ বিষয়ে ক্রিপ্রান্থ
ন ভাষার এই রূপ ছুদ্দশা হইল, ভাষ্য ভাষ্য
এদেশ হইতে যত শীজা অস্তর্ভিত হয়, ভাষ্ট্র
মন্সনের বিষয়।

উপস্থিত বিষয় বেশ্বপে ইংলভের গোচর করিতে হইতে, আগরা ভাষারও প্রকার তেদ কৰিয়া দিভেছি। সর ময়জাঁক ওয়েন্ সের বেলায় বেরূপ আবেলন কর। ইইরাইছ-न, छाराय बाद्यांचन नारे। दिनिष्के सम्मन মার যাবতীর রবান্ত আন্যোপান্ত পুরুষাকারী-वृक्षिक नविशे हेरनत्थव क्षरान क्षरान क्षरान কেব্ল নিকটে প্রেরণ করা উচিত। ভাষ্যকে कृतित विवादत कथा विन वित्वत कतिता है।-শিও থাকে। বত দিন আমরা ইউরোপীয়_ে तिरशत जूना क्षा नारक नमर्थ मा स्थेत. এবং यक जिन इंडेटब्राशीधनिरंगर नवन्रश्या अरमनीश लाक सुतित भरम व्यक्तिक मा হইবেন, ডড দিন ভুরি প্রথা বারা এলেলের अभिष्ठे विभा इंडेन। क मर्कायमा नाहे। कमाहे-টোলার জুরিদিগের যে কেম্ম গুণ, ভাষা जनरवरन नेजन गार्ट्यूबद्ध अवनी गर्किस বাকা বারা পরিচিত হইব্লুছে ৷ ডিনি বলিয়া-ছিলেন, " জাপরাধ করিরা বলি আহার জা ব্যাহতি পাইবার আশা থাকে, ভাষা হইলে আৰি স্প্ৰীৰকোটের বিচারই মনোনীত क्त्रिव । श AP.

স্থীমধোটের প্রসদ হ ওয়াতে হাইকোটের মহিত উহার তারতমা বালির একটা
ইন্টা আমালিগের জনরে উলিত হলে। সবিচার প্রদানকশে ঐ উভর তা লাগতের
কেই কম নতেন রেবরেও নড সাত্রের
বাললাদেশের নীজবর্বনীডিত প্রজাবাশের
ত্রেবন্ধার বিষয় সাধারণের গোচর করিবার
চেষ্টা ব্রিয়াডেলেন, সেই অপ্রাধ্যে ড্তপুর

পুঞ্জীমকোট ভাষার কারাবাস দশু করেন। আর হাইকোট প্রস্তার সর্বসাতক রী ওরা-शाटक रेपनी भागान आयान मत्स अ विमा पर्छ हाहरकां हे डिशारिज कावराष्ट्रि मिरमम ! चात्रज्यस्त्र त्य भरमाशकात्र माण स्टेगाट्स. এই প্রদক্ষে ইংলপ্তের লোফেরা তাহাও ! জানিতে পারিবেন

প্রস্তানিত পুস্তক মধ্যে আর একটি বিশ-য়ের উল্লেখ করাও আবিশ্যক। বলদেশের প্রজারা ৰক্ষক ও ক্ষান্তাদি প্রয়োগে পটু নন, ५वर छोश्रिक्तत श्रम अञ्चापि थाकिनात्र । त्व. मारे ! शकास्तरत्र वक्तामवाभी केंग्रेरता भौरातः। मण्डल्य २५८३ वक्तकानि ताथिए পারেন, তাহার প্রয়োগ বিষয়ে ভাঁহাদিশের रिनक्ष रेन्थूना ७ चार्ड, अख्या नक मकस्र जयरा जयरा बर्फी अवर्थ घटेना द देश बारक मद्रान्त्र (लाकजिएशत य प्र बच्छक नावशत नि নিজ হইড, ভাৰ- হইলে কি গুলির ৰ'বা রহি মউল্লাব প্ৰাণবধ স্ভাৰনা থাকিত ? উভয় প কে তুলা খ্যবহারই উচিত। হর এবকালে সক লেরই অন্ত ব্যবহার নিশিক হউক, ন_ুবা স্কলেরই অল্ল ব্যবহার অনুষত হউক। ি র ज अव्यविश्वनीत मध्य, काळ्याती क्षेत्रताशी য়েব বাস কি ভগুৰুর ব্যাপার নর ?

व्याख ।

 अधारन अक्षि कुश शाक्षमभाष्य गरन ত্য'গত হইয়াচে | ইহার প্রারম্ভ অতি অ'গ দিন চইয়াছে, বলিজ্ঞে কি অল্যাপি মাদাক क्यूनाहै। आंशानी कना मजनवाद हेमात हरूर्य অধিবেশন হইবে। ৩ তিসন্ত আছ্যাদের বিষয় এই যে বিরুদ্ধত বৈলগী মহাপুরুবেরা ইগার জামুপ্তাত্তগণকৈ গ্রান্তা,। কোন বিজ্ঞানিক। धानर्गन करतन माहे। एडे ज भागताई शही-কা হয় না সভ্য ৰটে 'ক্যু ভূমানগ্ৰেষেক্স পরিজ্ঞান লাভ করা গিয়াছে এব অত্তর কোঁ ড়া মহাশ্যগণের থেকাপ নিটিএ চ.বজ্র, লাক 'प्रत छा उ हैई रिवर स्वाभ के के प्रिक्ष था শাল ভাষ্ণতে সভাগণ বে এড দিবস এব এ জ পাৰস্থান কাৰ্য্য **উপাহোপাৰনা কাৰ্**য নিবিচেৰ ' '',''एम किट्रियम धाराभ वेष खेत्रमा किन नी। इंडिड সংক' গিডেমিবস

কেহ কেহ এসভান্ন বাড়ারাড আর্ড করিয়া ছেন এবং কোন সভাকে সম্পূৰ্ব বাপে আৰু-ধৰ্মাবলম্বী জ্বানিয়াও কেচই প্ৰকাশ্যে কোন বিরাগ প্রদর্শন কবিভেছেন না, ইহা কি **चजान चाकारमा नरह १ ८२ ! च**र्गरीय । र् এ তোমারই অপার _হপার মহিনা । এই বি বিশুদ্ধ ধৰ্মেন্ত্ৰ জয়পতাৰা এখানেও যে উজ্ভীন হইবে ইহ, কে বানতে পারিছেন !

२। क्र**बार्म क्रक**ि हे रहिष्य रश्रविमानिय वहकाल गांवर क्षक्रिकिक ६ करमकदरमत गांवर कामना महेगा काज्य करमकम स्मान गवर्गायक्षेत्र जाइकुमा ७ व्या अ स्ट्रेरफ १ किंख छाहात की तकि विट्रूडे रत नाडे विद्रास व्यक्री कि इस मां धना छै पिन पिन देशंत यूनक्यू हे हुँ एउ र है। (किन्हा नाहांचा की রিগণের বড়্দীরভাব পেভাব কোন হিডকারী कार्या कायर विका करा ना । एवर विकाशिय किंद्र त्य त्य त्या जाधारत्यव पृष्ठित्वाच्य जनेत्य विवाद देशातक हेशात्म (शूलियत्यव) व्यवस्था আরম্ভ হইতেছে, সমুদয় কি আংশিক মার্ভ यान भव-दिम्दिकेत क दिशाहत हम छाहा हहेटन । बन्ह मा कतिता हिन्दिति दार माहे। কি জার তাহারা ইহাব শাহাল্য মানে শ্রহা রাখিবেন প্রপ্রাত সাহায্যদান রঞ্জিই | চইবে। আতএৰ মুলাটর কাংবিদারক হেড ৰাষ্ট্ৰার প্রভৃতির সকলকেই আমার পাত্রনণ নিবেদন এই বাহাতে ইবার বাধাঞ্জালী সং সাইতেতে ভাহার প্রতি কত্পকেস ব হারঙ শোধিত হয় তাহ'ব প্রতি কাহারই 'প্রত্ন না चारक ।

ा जन्मित्र इहेन अभीनकातु मुत्नाकी हि উরিয়া গিয়া আগান্ডতঃ ঘোষ গাঁদের চৌরী 🏻 'जुक्त बहेगारङ् । ५१ हिं वः कान इत्र नन्ते । ५३ পেরপুর হানটি নিভান্ত কুত্র নহে। এ শানে बहानक्रांख क्रम्बिध क्रिमारतत क्रियम्ब, इंश्हतंत्र निक्षेत्र न। श्रांक्ता प्रमध्यके क्रीकीत। চিরকারী চওরা নিডাক্ত অসভাবিত বে.ধ श्हेरजरह ।

৪। এখানকার খানাটি হ'ল নয়, আশুনিব দার্গা নাহেবও হিতৈনী ও সতুৎসাহী ৰটে ন ৷ কিন্তু সম্পাদক মহাশয় ৷ একটি বিষয় এক-প্র উল্লেখ করি নাই সেইটি আমার ভাজিকার বিহি করিতেন। কেং কেঃ ভাল্যাপি ধন এ: अभाव डेटकणा, म वहेरा बर्गात जानि हाडे क्षतिपाहिमात्र अकटन २० आई-राज्या वि कोबीमाति डाक्न वित्राहरू अवर প्रक्रिय नाम-धांति कांखिलय हो किमान ताकक निकित्रे वर्वे-

ब्रोटक जन्मरण नकम विषय छोत्र केद्रिया रहना গেল, এ কেবল নামে গোয়াল্য আমানি ভ भग । विभाज (मृतिय) श्रृतियम्ब कर्डवः-विमूहण विकास अञ्चल अवस्था वह रे भूको शिकां अधिक क्रिकंड महा क्रिएंड बहेर्डिड अधिक इ सम्बद्ध केशास्त्र काशास्त्र " शू-निम भ ना करिता " । । भी सात् बलिदन छ। शदक विभावतम बाहित्य व्या पूजभूर्व हैं: इंग्रेगिक्टिट्रेडित निकटि उँख्यान अक्टी दा कतिसारक।

शुनियगम (छेक नांव बाही (डोनीमांव-भव) क्वाहे य जानात्मत कर्ड बात अंकि बद्ध যোগী না হর ভাষা ব্রিলা উঠাও মহাদাস अवस्थितामानशूरहत् कांके हे (अवस्था कि श्री नारहरवद्र धविनास मन्तरायांग कृत। काछिणा रपोधि छोग धकान । डा ब्रास्ट। पिता पुच मार

उहें हैं। का (Colorini नि हैं। म , मिहारिह क्रिन्ति नमस्य । कस्यक्ष्यम शकाङे । 🗥 र न्मत्र देवद्वनिर्वे। उत्मृत्र भावा काकी अन्न म कर् য়াজেন, ভ্ৰিবন্ধন বে ক'ত গরিব বেচারা ল'ব' मृष्टि मार्छ। छि, भाषित्हे हे भारत्रव शकिता ৰাছিয়া পঞাইত নিযোগ ব্যৱন, আগবা এ कि बिजन :

ষাৰা হউক ভূতপুৰ্ন ভিপুতী সংক্ষে লক্ষ্য। গুলির বংকার করান আব্স্থ কবিয়াচ্ছন কিন্তু ভাহার কাম, জানি ল' কেন মংগ্রেছে ল গিত পাঁকে স্থানীয় জনগণ জো টাকা দিতে ভিলাৰ্ক ও গৌৎ করিতে পাবেন না, পুলিবগা है। क अपने स करिया विश्वकन सक, अधारत भूनित थारती नियुक्त रूपमा अविदे हाँव छा कहि जित्र के जार आकृष्टी व , बहेरा (इ भूटक मन्नाव राक्तिशन वाहियांन अ वस्तुकशादी वत्रक्षाओं ठाकद्र द्वाभिया श्रद्धीत कांगा नि পের ভরে ভাহাই করিতেছেন।

৫ ১/০ আনির জমীদার ত্রীণুক্ত বার গোবিশকুমার চৌধুরী মহাশয় সক্রতি একট কটোঞাকু আনাইয়া অত্তৰ ৰাঞ্জি দিংগৰ इति पूजा ध दम मोतिक्ता दक्त । याना इतिक

त्यद्रश्रंद >२ ७३ ।) वान।

विविध मर्याम । ५१ हे बाच (जानवाद ।

ু গভ মফলবার লেপ্ট্রন্ট গবংর বাঁকীপুরে এক দর্যার করেন। ঐ সনমে বেহারের ধাব তীর তাতুকদার ও সমুত্র লোক উপস্থিত ब्हेबाहित्सन । त्मर्थेनने भवर्त द्वहादत्त स् তন পুলিষ দর্শন করিয়া গর্মর স্পেনরলের সহিত কালী প্রায় গমন করিবেন।

চাকাপ্রকাশ বলেন, সাভারের এক জন বাগাণ এক স্ব-কারের পুরুকে হত্যা করিরা বিচারালয়ের গুণে অন্যহতি পাওয়াতে ধাম ব্ৰাটব্ৰের বাৰডীয় অসৎ লোক কুকর্মে উৎ-সাহী হইয়াছে। ভাহারা, প্রকাশ্যরণে বলি তেছে যখন এক ব্যক্তি হত্যা করিয়া মুক্তি লাভ করিল তখন সাধান্য চুরি করিলে কাছা त्र क प्रश्न दिवाद अञ्चायमा नाहे। यथार्थ कथा, विष्ठातालस्युद्ध स्माय नशास्य वहीय, विकाला-व खाकिनात्वव विकास स्मार्थ है डेट्यांशीय मिर्ग র অভ্যাচার রঞ্জি হইতেছে।

विन्द्र (भिष्ठे यह व्यवन कतिशादक्त मार्टमादन র শেব পথ্যন্ত ভারতবরী য় খ্যুসহাপক সভার কাষ্য চলিবে। ইহার মধ্যে সরচারলস ট্রিবির য়ান ১৮৯৩: ৬৪ আন্তের আরু ব্যরের হিসাব আরতবর্গ আসিরায় বত্তেব বাণিজ্য এক চ অগ্ প করিতে পারেন।

फेल्फ्याब वरमन, किश्वमिवन भूटर्स हिन्दर्भ ও মর্গান লাহেব বাবু লিগাবর মিজেব মোক-र योद अभीषांद्रद्र नांद्रद्रद्र । त्योद्रशी शाक्षेत्रि লে ভাহা সুসৈন্ধ হটনে বলিয়া বে আঞা দি য়াছিলেন প্ৰধানতৰ বিচারণতি সম্রতি তা राय विक्रम या श्रकान क्षित्राह्म , अन, भिनत भारहर नामक अक सम समीतात नारत. व किए सरदार काउनेय आहुटान क्रेसीर्ङ। ্বর মৌরসী পাট্টা দিবার ক্ষতার বিষয়ে আনীল করাতে বাবু দিগহরমিজের মে'কদ-মার পুনর্বিচার হইতেছে। এ আজাটি রহি-ত করা ক্রমণ্য কর্ম্বরা, অম.ধা প্রতায়ক गारवरवत्र श्रांटकः शक्तिवा कारतक सभीकारद्व স্থানাল হুট্রার সভাতনা

जाता की बहाता अकालिय शहीका जा-फिनि धेरे निक्षित जन्मनात्र धनायामार्थ पटनेन । तुछ स्टेबाट्ट । ट्रियत, शिक्षन, १११ भन **क्रिक्डी, ७ व्हारक** है नारहत शतीकरूला ह नियुक्त स्टेब्राटकन।

> **উত্তরণশ্চিমাঞ্চলের विकास**ण का शासक থাকা দিয়াছেন বেলি সরাই বা গোটালে কে:ৰ ব্যক্তি অত্যাচার করিলে অধ্যক্ষেত্র তা হাকে বহিত্ত করিতে পারিবেন : ৰাদ তিনি नराज विकास व स छोड्। बहेरल भूतिएस्य **ब्लाटकता फीशांटक मूत्र कतिया मिटन।** एडे **অভি** বলবভী করা উচিত তাহা হ্লাস चांत्र काटितत मान्तिक्ता कथा व्यापानि গের শ্রুতিগোচর হইবে ন

मिलीरगरक विश्वानारमञ्ज्ञान क्षेत्रिक দর্শনে বিশেষ হর্ষ প্রেকাশ করিয়াছেন। তিন बरमज्ञ बर्ग अहे (अनः जावुष्ठ बर्गार्कः। अत्र **नत्र नर्करुष्ट ১**৫२.৮৪৮ होकात प्ररुपत्र नाः न्या **ब्हेबाटक। हेबाद्र बाला ७२:८५ होकाव ८**०० মহিন আৰু প্ৰসৃতি বিক্ৰীত হট্যাছে ৷ এনৰ ब्यटकोत्र छेरमांह मा चाकिरत वाभिरकाव मनि लिय बीतिक दश ना । शूर्ककारल मिन्दरम्य विद्वारण विद्या वानिका कहा अभव्या विद्या गर् গশিত হইত কিছ রাজা টলেমির উৎ+*০ দানে বাণিজ্যের এত জীর্থি হইরাছিল যে বেশ ল তাকার অন্তেক শাসনের ব্যয় চলিত : এই **नकन कातरवंडे कायदा नर्वाना वनिरायकि 🗗** 🕻 ভবষীর গবর্ণমেন্ট য'ল ধর্বোচিত ন্টৎসার ফেন क्षिया करिएड भारतम ।

काल हार्राष्ट्र रशक्ति वर्णन, कार्गाचा উক্ত নগরে এত লোকের আমদানি হট্যাত্তে **त्य ८१:८४ (स** स्थान २५ न।। कामी भेषाई ८-३ ' ল প্রয়ে খোলাতে থিকার লোক কমিকাজা ২ই তে তথায় গমন ব্রিঃটেজন।

उन्हर्भाद्यय अक बार भरताल लाखा नामा তথাৰ বৰুনাৰ ভাঁৱে একটি ছাত্ৰ ট্ৰিডে: श्चेष्रारङ् ।

३७ हे गान घननताता । 📢

ইংলিসমান মরিস্থ হইতে সংবাদ পাইয়া **ভূন তথায় বিভার চিনি প্রান্ত** ক্ইয়াছে জিল্ল সে সমুদায় বিক্রীত হইবার জায়ুল সম্ভা ৰনা দেখা যাইতেছে না। স্বিস্স[্]ক্রমঞ্জ णक्ति वनव्यां श्री हि**प्यट**हें।

सर्टाः ते (४ द. १७ अम **स्वीतांत्र अनुस्तानांत्र** লিখিয়াকেন, সম্প্রাতি তেপার প্রতিত ভূমি विकाय करेंगांत महत्त्र काथनारे सुद्ध सांके अकि क्ष शहरत '५ तन' डील । बील, व इन्हें ब्राह्म। कि ० - • . अकारता अकि इंड कार्डिय आहि °का, कार के हाकात अधिक नाक स्तु नाहे, এহার সারণ এট এক ব্যক্তি প্রথ**নে ভার্য**র क्षनः भारतकान करवन । जाशत जक कान काहर ছন করিয়া বিক্রাহের সময়ে আ**পন আধেনি**র भव किताहेगा सम । दिवस म्हेग्राह्म **ए प्रसिद्ध** विशोध कार्यमनकारी उपादिक ना बारकन डांशन नीलाग २३ मा अखतार उँडेल ७.। একার^শপ্রতি একারে ২॥ টান্যাসু<mark>রিকীতে হয়</mark> প্ররেশ্বর ভাল্থান করেন আবেদন ভারীয়া এক প্ৰাম্পী হট্য়া এই প্ৰকাৰে প্ৰৰ্থে**ন্টভে** ठेणां हेयादेखन , जरन किया कांत्रेखा

किनियन वरमन, विक्रयुश्वरणात्र क्रांका (বল্ডুৰ সহচৰসমভিব।(হায়ে যানিকান্ড) ছট্টডে काली अभव न देशार कर ।

গ্র জাল(হাষাদ্ভিত দংবাদ भाजा रहत्व. व्यानाभावादम्य स्टाइन **व्या**क्षित्र নৰ এক্ষৰ ও লোটখানা **নিম্মিত হুটতেছে।** य, इ.र. ६ लागार्थः । त्यां नाथ किंहः कतिरल ना भारत बहुतान स का जिल्ला कड़ामादक । भव होत्राम छें है दि ५७ अब है के वित्र पूर्व उन्हों का का के के किए में मार्थ के किए के विकास क्टेरल्डा्क्: वाद्रिक् विश्वीत्व क्ल होना का. इ**हेरत** : १नमांशन रहा स्वानकार्य कार्यत पूर्वि

चनित्रो इटेट्ड (डिन्डिटिक श व 🛪 ग्रांट ११ हे जालबाति कार्यत्तक विष्मिकीभिगादक ब्राजि वादन करिया क्ष बनाइ इडिन्ड प्रवीखन (सम्बद्धिक किस्किर मा इस के राज्य

क्रामाधिनेभ स्वयंत्रियाः १८० 1147 मार्केरम्य <u>श्रे</u>भारम् । । त्राह्मेन म्हण ५२ छङ ল কৰেল বিচাৰ কৰা কৰা কাৰ্যাছিল বের এক। ঠেয়ে ১ ৭ ক প্রায়ার এক। **बर्ग्स**र्थ स्थित है। वाक्षेत्रसम् । अपू ४ मा द्वी "लाबादमार भटक हेंबुद्ध रूप काल युद्ध कर्त्र [है। भार । एक एक ब्रह्म

নৰ পর বৃহ্যা অপ্রীণ ছার

त्रेरः। कर्रासारम् देका महर्वः १०३८द्र ্ম নিগকে রে। এরচিজার সভিত শ্রুমীস ও तमः भिना वनाक्षाः छत् पुरस्य अवशः सङ्गः 'নাইয়া দিডেডে: 🍟

७३ भाग वृष्टात

विभिन्न देशाम शोरकमाद्युद्धल पूर्विक भाभग वाजिलिटा भाक्षांक के की है। राष्ट्र ० हार्या अवश्रास्त्रकी एक भण्डा क त्य न ही क्षेत्र कार्या ५६०० छ। या च हामधूरा द वड"र अर ३०००० हैं। किं, क्षार स किंद्रहारहात ,

ेल मन्यक्ति चाद्रा स्थान, क्ष्मिन हेश त्रद्र शिक्**रका कांत्रा**छत राजाना जिलाहे भिक्ति हा**जिल्दिशंत** सम्युथन विध्यक्तन, भान रम्भित्तर जि**लाईरयरकेव अभाग अभर**गाईत न १९६४८ ^ले एन भन्नार्थन कानिश्वाहरूस । १९७२७ भाराफिरणय व्यक्ता क्ले इतिहासिकारिकर ं ^{तर}ंद मधि5ाद सं≇का

त्वर । १२५ ६ हिंचीच व्यक्तिकेत करा े हैं देकानदेश एक हाद्री, भारत निकार पर इंडेटड

Te + 5 (4) 11 11 11 11 11 11 11 나라마 전투(소) さな ごうかかいかれる

취임 스탠드리 기다 I have but the - ११ मध् इस दक्षि । ণ টাং শ**ন্ত**াবে ডা**র্ছা**র নাল ল

> ाडे **"तनहासकी फारता** कर्मा कर राज्य । कण् प्रतिवाह विकि । अ महम्म वक्त स इना क्षाव्याभाव कार और त दर ७।३१ मा भन्न । यहे दाउँ । भी स) वाहरः । आठाउँ छाउँ मान्यस् नाहे ।

, बरागकीर। भिक्षा अवर्षे बट्ट छ है। काक **ेडर खरका। श्वर्गरबके चीकांत कतिया-**भवतिक **अवार्क यक वार्क वार्य वार्य द**ेते, াট্রশন এব এক মার। করের রিচাত । ভত কাঞ্ছয় না। ঐ ডিপাট্রেন্টে কি ভন্ন-। হিলির সমূপ দুর্বন্ত লোকদিরের হাত 🚉 त्म के श्रारंक करत्न नार नो, त्व लकांद्र यात्र भूतक मिचिए हारिन, **उ**रंव धक्की क्री গেই বাক্স হয়

সোমপ্রকাশ

া হেবের লোকেয়া ভত্ততা ছুডপুর্ব ल धार्कान करिया ६। एक मनल युक्त अवस्त्र नद्ग हाति उदारक व अखद्भशी अिथा है कड़िशाइका।

> अकटन कालिकर्नीयात्र अन्छ होटन विद्वारक त्य शक्त्री ভारामित्रात थक किंगा बरेवादक বলিক্লেইর। ভত্রত্বা বাৰস্থাপক সভা ভরিমি व काला (भन क्षरजाक होरमज निकास मानिक २०० खनात कत मध्या इंडेटन । विनातालस्य এবিন্যুসন্মালীশ হওয়াতে শ্ৰন্থা**পক সভার** আজা রভিত ভইয়াছে মানে নাদে এই ৰূপ গাড়,তাক নিগম না করিলে ব্যবস্থাপক পভার : अब **धारक**ेक २

.अ. अ. कर्ज्यन नामक भावासि द्विहेन उ ্রার এক জন বর্ণ্মচারী ২০৮ টাকার এক ভ্স্তি

বোলাইসটতে বিবিউ বলেন উক্ত বন্ধর हुन्न कहिताब जना अवर्गमके करतक थीनि ৬^৬ছাম বামানের জাহাজের মাায় করিজে-১৮ন ৷ কিন্তু ভারতবর্ষীয় রণজরিকলের কো-ন াফিসর ভাহার অধ্যক্ষতা করিতে সম্মত म, अम। छेरांद्रा के काटरी फार्शमान कान करवम मां कि?

্ম ই কেব্ৰুৱারি ডুক্সনা ও আলিগড় প্ৰ-र्व,स दहरेन अरब चूनिएय।

गवर्गदमदन्ते व्याका विद्योदक्त ज्ञानवनन, ধ ছাত্র প্রত্যাসানে গাঁহারী আবাদ করিবেন राजियाः ७० वरमय व्यवस्थि कृषि गरेयाद्यन. ं श्रेद्ध यकि हेक्छ। करदम मृत्रा, किया कृषि िक्द दहेटड शाहित्वन । उन्त्वत्त्वत्र पूर्वाः । ४२:वं ता अहे नमस्य **अनवाद ना वाडिहा** " 'गामहा। **इहेटल 'डे**थिए **इ**डेन।

রুণাছুরের রাজা মাক্রাকের জিন ভিন · সমস্থ বিদ্যালয়ের উৎসাহ বন্ধনার্থ ১৫.০ र्वेश **(प्रश'द्र्म ।**

আমরা গুনিলাম সর চারবস টি বিলিয়ান

স্বৰ্থেট্টের বেলারী স্থাপটে সেই স্কৃতি লাই- ্ মঞ্জুর না পাওয়াতে প্রব্রেক করেদিছারী ভারতব্যীয় সভায় প্রতিমিধি প্রধ্যে নাক্রি বলচেদের বিদ্যালয় সংক্রার্ড করেন্ট্রা করিরাছেন। ভারতবর্ণীর সভা যদি শ্রুদ্রশীর मिकाद्यनानी चालन कहे। क्षत्रना

> হিল্প পতা বলেন দেরাছনে গ্রার 🕍 রলের শরীর রক্ত সেনাদলের এক চি निर्मिष्ठ इटेएउएइ । श्रेवन्त्र (अनव्य निश्नेत्र) হইতে দেরাত্বনে গখন করিবেন।

ক্ষিসরিএট ক্ষিসনের কার্য্য শেষ য়াছে। তাহাদিশের রিপোট শীম এচারিট হয়, এই আমাদিণের ইক্ষা। সর চারদার ট্রিবিলিয়ান এক বার পবলিক ওয়াকেন जिर्म कि ज़**डि क**ब्रिटिन नः ?

গত বংসর কলিকাতার ১,১৬,২২৭ গ্যালন (धरनामन ७) ०२, ६३२ ध्यानम त्रम विक्रोज হইরাছে: বলদেশে একাণে ৩৪টি ভ**াটি-চই**-वाष्ट्र। अका कतिकाडां इम ७ (४८नांमर्फ গতবংসরে ৩,৮৬,৭৯৭ ট্রাকা বা 🖘 হটরাছে। আমরা দেখিতে পাইতেকি গ্রণ্মেট স্রণ ক্ষাক কলাত ভাষার : হাস নেরাদ ইই- উৎসাহ দিয়া প্রজাদিগকে মাভাল করিজে क्ष्म। यरकिकिए कार्न लाइक क्षात्रानगरक अडे करण डेरनम कहा कि मका शवगरमरकेत डेंहिड!

त्रांभभूदत्रत्र नवांव लादकतादत्रदत्रत्र मण्ड দিগের সহায়তাব জন্য ১৯,০০০ টাকা প্রদান করিরাড়েন। সম্প্রতি বীরভূমের বিখ্যাত জন্ম बारमहे नारहरदद्र यरत्र खबाग्न अखब नरज्यास এক সভা হইয়াছিল।

আময়া সংবাদ ভারত বন্ধু নামক এক খানি **इंडन मर्शन भटात कराक मर्था क्यां क** ग्राष्ट्रि । देश विश्वयत्नात्रथन यद्ध मूत्रनिर्मारा জে সুদ্রিত হইতেছে। পত্র খানি চিরজীবী बहेगा कांत्ररकत बक्कुका करतम, अहे जानानि-(शर् आर्थना ।

किनिका बर्मन शंबदर्शद्रास्त्रदान ५ रिवडा-दात्रि क्लिकाला करेटल भावनात बांक्टनः তথার এক দরবার করিয়া পরে কাদী ও अवानात्र महत्रात कद्विटनमः। अवानाग्र शकः व्यक्त व्यक्तिमध्ये शवनंत्र नार्क धनःशित्मत्र সাক্ষাৎ করিকেন। গবর্ণর কোনরল গ্রীক্ষ কাল বিষিলার পর্বতে অভিবাহিত করিবেন, এব

३৮७१ जरम्ब मीक्सारत मनियाजीत अक्री अमन कड़िर्वन। ' छात्रखनर्यत् भवर्तत् स्मनद्रन विराम कि अखालब अहे काम एकेटन ?

উक्ष गढ़ करमन बादू वस्त्राय गश्चिए उद স্বন্ধ অন্যাণিও আইনে নাই : আগাভড: दीशत जिमकृत वर्ग गारनत नात बहेबाटह । ডিনি বিচার কাধ্য অধবা ওকাক্তি এচুইরের किहूरे कविटल क्विंकिएस्व मा। १९१३ स्टब्स টারি ভাবিয়াছিলেন ভারতবর্ণীর গ্রন্থেক তাঁহার নিয়োগগ্র প্রদান করিবেন, কিড উাহারদিশের লে কমতা বা থানাডে ইংলতে अ विवरवृत्त निमिष्ठ लिथा रहेनारह।

हेड्सिन जर देखियांत्र शांतिमक मश्यांत গাড়া বলেন যদিও ব্যালীসমাট প্ৰডি বংসর विश्व वाद्यस क्या अन काहि हिंदून नम हैका পাইরা ধাকেন, তথাপি জাব:র ও রাজীর এত বার যে ইহাতে কুলাব হয় না, মধ্যে মধ্যে हेश्पिपिटगद्ध निक्टी कर्क क्रिट्ड ब्यू । नडी টের ১৬ টি বাটা ও বিভার পাব আছে। রাজী বন্ধ অলকার প্রভৃতিতে ভয়ানক ব্যব करत्न । यूरे स्टार्णानिक्य स्थम द्वाननीडिज एउवन गंबीभाव**स नर**हन ।

माखारकत्र विठातांगरत्र अक कन शवर्रायके রিপোটার নিযুক্ত হট্যাছেন। ইনি বাবতীয় बाक्क्यात्र विवत्रन निवित्र। श्रवान क्रतिरवन । কাষরা এ অপাণ্যরের কারণ বৃতিতে পারি-ভেছি না। সংবাদ পত্রের রিপোটরেরা তবে कि कर्द्रम ?

কাখলিক মল বহিক্ত এক ব্যক্তি সম্প্ৰি वाहेशित्वत्र कांचिक शिव्रकांत्र व्याग्य कर्तार्ड গিরস্বার বাবভীর লোক ভারাকে ভয়ানক थाशंत्र करतम । श्रुनित्यत्र लाटकत्रा यथा नवरत 'আসিরা উপস্থিত না হইলে ভাঁহার প্রাণ নই व्हेरात महाबना हिल। जिल्लाकान भूरवाशिक्य निवदम् छैरनाव जिल्लाहित्वम बनिहा छीरात ত্ই নত টাকা করিবালা ও ছুই নত টাকার मुज्ञका अक्षा क्षेत्राष्ट्र। दिव वर्ष दव शति নাণে আন্তিসভূল ভন্তৰদ্বিদিৰের সেই ংরিষাণে অসভ্যতা ভৃত্তিগোচর হয়।

३৮६ माप श्रक्तवात्र ।

मिडेनिजिशांच क्यिम्बद्धस्य क्लिकाजीत हर्रमाः अभागीत्र (तम् (भन्न) समा जारे

मक्किम क्कि काईश्रीत विकाशन विवादकन । ভারতবর্ষী মু স্ভাল লক্ষ্ম বিক্রে আহেলেন विवासिक्ता २ ठीवाहा त्व क्षित्रम स्थानम करतम, खांशांत्र कि ब्हेल।

एत्रकत्री पूर्वा त विविद्य नत् मान क'क्या ह द्रांथी अमानि स्वेताहरू बनिका अधिकार कतिशारिष्म ! जिनि यर्भाव्यत्तेत्र मालिएहे होहे व्यक्ति भागादाण कत्रिया अक्टफ्ले ; किर्मात हित्रदेखत अछि द्यागारवाण कतिहारहरू संज महाक स्क्रेट्सांभीयकिरभव सुक्ष्यक आंविया व्र वाषीनणा व्यवाहरू वाकियाय अन्य स्मः महि। प्रतमाः प्रम शमन् अस अफरकर्योक् कृत ৰক্ষে বৰ ৰবিয়া আৰার হাজত কি - ল'ভাহো লভাৰ্স সভাকে এবিবল্পে আন্তৰ্ভন কৰি ভে बना इडेक ।

निकुटलमञ्च होब्रल्यांबोल सन्दर्भ १ दर्गदनेहे अमारम ७००० होकांद्र ऋदिरमन द्वाचा हुए। क्छि नलाजि बोक्स धूनिया । स्थानकराइक, ভাষা কেবল খুলিজে পরিপুর্ব ক্লটিরাছে ' পি গীলিকা অহিকেন খাহ্যা কি গুলি ভুলিহা वाभिन्नारम् ?

পুন) অবজারবর বলেন অপজিন হছল ধ কা नार्फ नूनियत्र मास्कित निर्देख करतन ३-१ আকিনরের এক ঢালা বইরালিরাছে 👝 সম্ হলের এক যেসেডাব স্ত্রী এক হিন্তুর পুড়রি শীতে স্থান করিল ১ত পুলিব কর্মচারির। বা-বতীৰ বেসেডা ও অৰ করেদ করে: সাঞ্চি मरत्रत्रा (बरमण्डांकिरभन्न शक्त स्केश साक्ष्य महि ব্বা ভাহাবিগকে মৃক্ত করেন। তত্র si (r·)ঞ मात्र भूनवीत छ।शक्तिशक करम्म कविया व **ভা নেওরাতে প্রিবের সমিও আ**কিলয় দিংগং। ভয়ানক দালা হয়। আফিস্যের। পুলিয় (১) কিলারদিগের লাটির সম্পূর্থে ডিনিডে ন' পা রিয়া পরাজিত হইয়া পকাৎ খৃত হট্যাছেন। **अक्ष जन शक्रफहरूरण जार**फ करेपारहरू । ৰক্ষ ব্যাপার নয়।

সমাত্রার হিন্দুস্থানী বলেন এক্টোর রুসক शास्त्रज्ञा अनवून कृतिवा विचाटहन विशास्त्र স্হিত ভারতবর্ষীয় প্রব্নেটের শীঞ্জ এক যুক্ত হইবে। তাহারা আরও বলেন মহারাজ দিগ विक्रम निरम मिशाल भवन कर्ता छ अभव सूत्र केशिक क्रम कतिहारहम । जाथक मिन्दि । विकास विकास विकास किर्मा किर्मा निरम किर्मा

कर निष्य क्षम बाराब्राहर सरिए भीकार करि ्ट छन । एरे न्कन जनबुब विश्व नवर्षपट , शक्ति _५८'रकर व्यवद्व कारवज्ञ विज्ञानम् गङ्गि 51 33 1

किनिक रहतर अकटकर्नीह शवर्गदम्हे जांका जिसारक्रम अभव भागिष वीश्राक्षान्त में वस कड़ि ্ব ত. ধ্যাসগতে প্রতি সার্গ চারি **স্থান্য প্রস্** मोर्ड मा क्रिया क्रिके भारत उप क्या म्हेरवा स्विकि । वरअञ्च बक्रास्मद्रम हेराहा इस्ता २००० होका मान अश्री बारक। ज्यांकि कार्ति मी क्रम मारक्रक भारत कालीय महणात केलस यक गण सहै।

>>**अ माच मनिराज्ञ**ा

িলাগুৱের একখালি আহেরিকান **আহ**ি अन कारक्षम अन अन नाविष्टम्स (मोनीस् বোধ হটাতেটে) উপর বিরয়ে হইরা এক বিল্যুত্র ভারা ভাষার পারে আলা**ভ ভরে।** ও, সোল্ধ করা ভাহার ক্ষঠিপ্রেড ছিল। कारण्य कार्यान श्रन्द्यरकेत्र स्थान् वात्री क्र-प्रदेशी ७०,००० छन। **इ.सामी**य निवा सूच्या হয়। রাজিবে:গে করেক লন নাবিক কা**থে**-त्य छेश्नारक आहेल माविकटक वस्त्रीक **हिकिन्द्रानव स्टेटक झाबाटक करेबा गांव ।** ক্তিভাহাকে পুৰবার পাওরা গিরাছে। राश्हर्केक, शवर्गक**े अन्तर्भः अवाधिरा**णव জীবন ও সম্পত্তি সাধিকত্তর নিরাগন করিছে । इस ।

আলাবাহু গেৰেট বনেন, কানী 🙉 ছাই-ংবার্ডি স্থানে ওলাউঠায়ুলবিখেন প্রায়েন্ডান इक्षाद्य ।

নিম্নিটিড মুল্যে প্ৰপ্ৰেটেয় কাগল निकास श्रेटसद्य ।

৪ খাদার বিক্রা 25 : 2510 ८ कें कं यू दका म्यानिक \$8.11 >84m डोकांत्र गिकां 20841306 s.s काकाञ्च दकाण्यानि タフらんし フフラば

कारकव्यार ग.व्याभक मन्त्रः । **২৮এ লালুয়াবি পুথৰা**য়।

भागारका । शह केन मुख्य क्रिक्स क्रिक्स स्थ म व अपूर्ण हा सहस्य । किन्द्रभूद भन्न भी भी भी वन काहे । वह स्थीनम् महिनात निरमत आसान भारतात्र के विकास । त्रांशिक कि मार्थि । १० या द कि मार्थिताम विकास

गतम समित म दहर गोलामा मि. शि. शि. ह श्राम में में में स्वार में में में ति स्वार के कि कि स्वार के कि कि स्वार साम में में में स्वार में स्वर में में स्वार में स्वर में में स्वर में में स्वर में में स्वर मे

াল্লন্ন সংগ্ৰহ্ম সংক্ৰম স্থিতিকৰ কৰিছ বিশি ৷ বাছে ছিল কৰিছে জিপা টিছে এটাৰ এক ছেন বিল কিলোক কাষ্ট্ৰিস প্ৰশ্বাসন ক্ষিপের ক্ষম বিল নিলোক কাষ্ট্ৰিস প্ৰশ্বাসন ক্ষমিণার ক্ষমি ভাষানিকের সান্ত্ৰেশন্তিত ক্ষ্মিণায় সন্তন্ত প্ৰশ্বাসনিক্ষম ক্ষ্মিয়

মেশি লাভের ব্লিজেন পালতি ক্ষেত্র বি রক্ষামেলীয় প্রোর সভিত কাল লগতে বি ক্ষান্ত ক্ষান্তি নে বিপোট নির্ভাবন কাল ক্ষান্তি নি বিপোট নির্ভাবন কাল ক্ষান্তি নির্ভাবন ক্ষান্তি কালিব ক ক্ষান্তি নির্ভাবন ক্ষান্তি কালিব কালিব ক্ষান্তি নির্ভাবন ক্ষান্তি বিজ্ঞান্তি কালিব কালিব ক্ষান্তি নির্ভাবন ক্ষান্তি বিজ্ঞান্তি বিজ্ঞান্তি কালিব কালিব ক্ষান্তি নির্ভাবন ক্ষান্তি বিজ্ঞান্তি বিজ্ঞান্তি কালিব কালিব

440

গবৰ্তনত বিজ্ঞা গ'। ৰাজশানেশীয় ৰেপ্টনক্ত বেধ আজ্জশাহ্যাকী নিয়ে ।

১৫ ই জালেয়ারি---বাস্থ প্রতি : ভোব : - ১ ব আগ্রেস ও আইন অনুসাবে শর্মি, ইরেব স্ফুল নসর ও ভেশ্টা কালেউব হুইবেন।

১৬ ই জাতুর'রি—নইঞ্বিভাগের কনিং নর ১৮৫০ অন্থেব ২৬ অংক: এর অঞ্পাতে ২ ১ লামু কলিসন্ত ভ্রিষ্ম :

২২ এ— আহমারি বি উত্তর বিসাধার বেডো বি বি বীর সংকালী কবলেয় র বি ব

२९ श्वापः दि एकपूर्ति अर्थः । १ ८७ वर्डे कोटलक्केव खबांझाडे एक्ष्माझ मध्यस्य स्मिकाञ्चात छ प्रशित्ति केटलक्केम स्वेटनम् ।

২০ গরি- এক, এক গোচে, শী সংখ্যে স্থ প্রথণায় গোরদাত কেদল কথা কইং নি

সি. পি. হয়টোস সাংহৰ গ্ৰহমেকের আই | ন সংক্রান্ত জার্মোস ভাগরিকেটেওকে ও রিমেন্ড্রা নাম কইকেন

त्त कि निविधार श्रीतात माजिए हैं ए

ं ि, "नमम भारकत कारमधातम वास्मिन ं व १ गलके इ करेरना। अवर वस्मिन स्थान व १ गलके इ करेरना। अवर वस्मिन स्थान व १ गलके का, वह स्थानिक स्थानिक

নিম আৰু সেডকন সাহেব বলোকরের কাই বংট্ড ও ভেপুটা কালেকটর ক্ইবেক। নিম আনাকেন কমুবভি না হয় ভঙ্গি বিশ্বস্থানিটোট ও কালিকটবেব বহু

কালে বিছ ব্যালিকা জীহটের লোকার্থ তে পুরুষ কৃষ্ণিত্ত্ব টু

े के कि दिवास महिन्द विश्वक कर्नाकि

' ८४' हेर्<mark>स को स्थापन वक्</mark>र

大小 1年前時刊 東西

1 100 1 2 SAME SAME ALLEN

বৰ কৰিব কৰা কৰিব লোকোৰ কৰ্ম

द्र'ननिक्षां करें हैं, क्ष्मां के दे के दूर्व के किया है। रचना नामकां का स्थितिक रक्षणा

ৰণ্ড ডোপী কৃষ্ণ ৰম্যোগাধ্যমি জী

বার ভাষাকৃষ্ণ গালমার পূর্মা বর্ত্তমাননীয় ভিল্লাল সময় আদিন মইবেম। বাবু সংখেশকজনের বয়সন বিংক্তের অটিশ নাক সমর আবিব ছইবেন।

সুলির কিরাট্ছোবেন ২৪ প্রগণার এডিশ। নাল নদর আহিন ছববেন।

এক ক্ৰলিউ ছ্চিদ্ৰন গাছেব পূৰ্বা-ই ছা-নের এতিসনাক আধান নয়র আঘিন ইইবেন।

বারু সংক্রমন খোব বংশংবরের সদর আমি নের প্রতিনিধি ও সম্রক্টেসনের মুলেক ইই বেন :

২৭ এ আছুরারি ২৪ পারগণার ও ছথালিব প্রিতিনিধি এডিশনাল নেসন জল ট জি বার্চ গাবের পূর্বে বর্ত্ত্বানের নেদন জনের ক্ষমতা পাইরাছেন।

এইচ নেভিরিক সাধের জীহাটের ক ইন্ট মাজিট্টে ও ভেপুটা কালেক্টরের প্রতিনিতি ঘটরামেন।

> ্**ড**়া গুজন্ত অভারণা। ,,

किमा प्रश्रीवर्त अक्ष्मां के अन्य दिल्ल রাজমুদার জীবুক চল্লশের্বর দেব পাগালী কে-उन्होति मारत बद्धारशंश धरेरतन। अन्तित छि.न অঞ্জেৰাৰহার ও কোট ওয়াৰ্ড সের অধীন ি্-रमन । कें(होड़ अधीक नावह क्रि 'सोड़ कडक छ ही ছুট এডারক এডারশা প্রকৃষ্ণ ভাষার নির্ভি ৩০। ৭০ ঘালার টাকার বিল্লু লাট লেবাকরা नदेशासः करणांगा क्यानामन अयुक्त में ह ब्राटमञ्जूषा मानिया अविश्वासी किंद्र विश्व विश्व यशंक इ हेर के शाद में भेरिक शिक्षा कि में कि मानिक जकम प्रके नह अक्षिप्तर्थ क्रिका वाका अक्षिक C41C41C4006 出山崎市 機能 化红斑 音音 生活的优化 **७ योक्षाता (को॰ व्यक्ति में) निव्यक्ति स**्थिते। क्रीका 保 五人 日本日 日本日 海海水 東海 八十年後後 イン कांटम रेएनर क्लोबे दिन कुरा अविशक्तिक अन्दातार একবে রাজ कारकात्र भाकित न अक्रिक्टिक के(१४१८ कार-शास्त्र केवून नेवेल जिल्हें के हिन्दु के अवस्थ कि कावत कविवार में । अपने के के के वर के कि का ज्यानामध्यम् स्टब्स हुई सर्वा अवनीनास्य एउ THE THE WENT OF THE PARTY OF T

কোৰ বাজি নতা ভোটিত পৰিক্ষা ধাৰণ কৰিব। क्षेत्र शकाब मिन्छे आतित राख करव एर. चा-शास्त्रकिक्षे क्ष वा १० जाकार है। का विदेश का त्वाम प्रशासिक कर्य >"मार्ट कवित्रा विरेख शांति । शंका विश्वामी व्यास्कावित्राटक द्यायता । व्याशीक त्रमुख्य स्वित्र त्रक्टे मध्यद २ हे का क्रिया मा करिएक दा थ का किरक थाई होक। क्रिया छाक कर विध्य होता अवर्था के स्थान (७७॥ एक्ट्रिक शर्मा के मा अवर राज्यान मामा निवास निवास আনার সমুদায় স দায় গবর্গথেটের অধীনভায় অবর্তিত করিলেন, আনবা ব্রিয়াটটিতে পা-कारक, व्यक्ततंत्र क्षेत्र हेट इंड के कारण दिनाम विदेखिक मा। महकता ने हैका कर्तत्र निहेटक बंद कार्यान निमित्र है (क) का हिर्दान अञ्चादन, माहि: अत बरमन यखड़ीका न्द्रशृही इ हेटब, छ। हात अ-त्माकात का मादन वित्त नित्त ति वह का कि- प्रमान कि खाकबत्रात व गांवितक करेगांविक Ca co : के क्षांकात हैं। के लि के । के काल है'- | त्या आता। ना स्टिन कका हृद्र या क्रे स्थानता का अ विश्वान करिया। एम अप्रा या है १ अपर व किंदु किंदन का का का विश्वा की जा कर आया वास विदय बच्चा न मबद्य, हेक्स् म के। भागवा विद्युष्टमा प्रमाणिया अविद्युष्ट अट्यू की मारमा अविद्युष्टि । ক্ৰ ইহাৰ একটা সমূপায় কাছে, বদ্যাগ ঐ চাকায় বংগৰ বংগৰ ৯ লক টাক। সদয় মাল্ড-पालि उ शेट्ड मणा करा, जाका कबेटल विमा किसी आभ कक्केश शाका केका बारशा de বা ৭০ত ই ক্ষা বিকি ছত্ত ৫ ৫০ । আপ্রি । টাকাৰ অৰ পক মাল্ডকরেদারগণের মাল্ডকা

मारत का छ त्यांचे विशेषकः 'स्याद्यमा धाकारन । दल धामकादेका अवभिन्न विशेषकः मानकार दिवेकः এ। বুকু বারু বা কেলে। এটা বিবার কালিতে । হারে ভাক-কর প্রচাণ এই ধেকে হইতে বংসর रा विशाय के, हेन्द्र स्थाय के दिस छाड़ि अविधारन रा किए. (इस कारत शह शह मारा के असमास वि-नहान अध्यक्त र ७ किंद नस्थानात स्ति छ। ভটি কৰিতেছেল নাং তিনি একাংগ ধাৰুল। বা- বিদখ;বাইক । সম্প্রতি চাকাধ ১৪ টা বান, (১) বারে কবিং এছেন, ও ছাত্তে তাঁ, দাকে আরশাই। আছে। আ্বদাৰত টা গাইল, লইলাম। প্রয়োক সরিলের এলংসা ক্রিটে ছল। আমহ। ইতিপু । পানায় স্টি পড়ে এন চরকর। নিযুক্ত রুংখিলেই । িবয়টা ভাগের বিশিষ্ট উল্পেখণ । অধ্য এ বিষয়ে । করার প্রত্যেকের লাসিক বেধন ৫ টাকা কবিয়া नात व्यक्ति वक्तिया नाष्टि । समग्रास्त्रव विव्वक्ति । सम्रायानिक वेद्या ७ विकास १००० किला ा कहेंद्र

জ্মিদ্বী ডাক :

गधन समिनाती सारकंत्र शक्त तम सियम शनि वर्षे कतिए। प्रक्रिय निवास १९४० की গভাব করংখিছ, চথ আমারা ধৃতি, ছিলাম প্তিৰংগৰ বত টাক্ষ জমিদাতী ভাকৰ ক'ল পুৰ্বাৰত চলিতে শাংহ, গ্ৰহ্মটো আগ্ৰাভাগ। दानवक्रम विद्वष्टका क्षिण। इनिध्वक ए न्याव टोक, मञ्जूषांत्र का विमाद्याय कि कड़े १९७७ हा गा-াবিষতে এছণ কবিবেন। কিও একাল ভাগার িশক্ষণ বৈপরীতা ল'কত ২২, ডভে। জয়িদাবী प दक्त वर्षिक वाच्न निर्मत्। इर्थ वटव व्हर्ष कड़िने কঃর প্রয়োজন, জনিদ্বৈগ্রেথ এ ১ হিচ্ছান্ত্

का । अक शिवन डेक बल महत्त्व अहर जाना का का का का का का का का वाका के कि के कि के कि का निवास वयर्थमणे देशात किकृते विष्यस्त्रम विद्यक्रमा করিকা কেবির। কার্বো পরত হল নাই। ভাঁহার। नांधांत्रकः बहैकण निवन ८०।त कतिया निवा-(छ्न, e. है।काद अ'तक शहर माराधनारमाद्वत की वा क्रिक अन बार का छ तमाने लिचित्र, इस देशित मध्या आक्रमानिक र साम छ तमा ब्रिया सहिता। বাঞ্জা বিশ্বাসী সেত্র প্রিধেন পর্যমর্শ ছু- | লান। নি ক্র চলক চাকা ছইতেই ৪ লক ।।দল্পি वरमज २००० होका राध्मील स्टेटर । देखाई छ कात स्वतिमानी प्रात्तत अस्त्रमा स्वर्धिक व्यात्र । अक्षरण वारत्रण निषद्य ५ विद्यक्तमः। कृतिहा वाक्रिक हरेक ज अभीवन । अना विद्याप विद्याप । धवाग्रव धनरहर विविध आधवा हैगांछ खारवा অবিঃবস্ত : ০০০ টণক, যোগ কবিয়া ৮০০০ করিত लाम। हैलाई : काव किमाबी छारकर आसूत्रा-जिस गामित मार् । धामनः माद्रमण्यस्क बनिएक পারি, ইরাল, পক্ষ, অপ্রবাতীত ছদাত অধিক (গ্রথমেন্টর) প্রতি লোগারোপ করিভেক্টি বায় লাগিংব নঃ। পুৰ্ব্য হ্ৰীকৃত আহুমানিক অনি ২০০০০ চইতে এই আলুমানিক বাছ er•००) राष्ट्र हिस्सा ३; हिन्छी २००० हे।क। शास्त्र । अनः य। ,कलाह स्थानायी आदक्र आग्रहरू अ नाग्द्राम बर्धबर्ध अतुल बैंक्ट्र किंडू जेक् व / ১বার সম্প_ূর্ণ সম্ভ[া]নন তেৎসমুদায় একল ক दिए। किंक भिटम व्यक्षकः १०००० समित है।कांत्र स्थान कर्षाः इदेश्य मा। यरमम बरमद्र धाई आहि ।

লাভ কৰিয়ালিৰ বাহায়ৰ কেবল প্ৰচ্ছাৰি প্ৰ मिना ७ गडामि ध्याद्वाम तम् मिक्सीक्षिक कमिनाती जाककरतत एकि करतन्। प्रकृष्णि विक वर्ष मः शह बहिता दासरकाव श्रमीकृति থবা অন্যক্ষোন কাজদারা জীবার অভিব্রেক্ত मना। जारा पुक्ति निष्कुत महा। ज्ञादन व्यक्तिरी कर्जनकी एवत कि निविद्ध तन के क्रिक्सिकी अभि कत कार्या नारगत कार्जिक कर मश्रीक कियान अवाष्ठ व देवारहर : बांबाफिरवाह अहे जानुश्चानुस वदात मिरकान कमिकातशादशद बटन क्रिक्कि गटसादवत ग्रकात वहेगाटक । देशकवछोझ क्रामि অসভোৰ ভালপ্ৰণে ছুৱীভুত হইয়া স্বাইডে স্বৰ্ণ স্ব रेटड आशांत कमिलातिकाक्यत खेलाहक कार्य भावविश्वत्य छोष्ट्र जनहर्षे कविष्टा खुना व्यवस्थि ८ के ब्रम्ब के ब्राह्म के ब्रम्ब के ब्रम के ब्रम्ब के ब्रम कति छाँशता मध्यकि विमिन्न समिनाती सर्विन বর সভুত ভরিতে এরত হইয়াছেল, ভাষা নী-अहे तरिक कतिहा क्लाम अवर श्राप्तामें क्लामि অনিদারি ভাশাবরচের নিসিত্ত কর্বে আর্থি ক্রমন্ हें।कात् प्रावणाक, छोडा विद्यवस्थ . विद्वेष्ट्या ক্ষিত্ৰা দেখুন। তৎপত্তে দ্ধাৰা ক্ষিপায়ক্ষেক্ষা ক্ৰি करे बहेरछ बाबानाविमाछ अदन स्विद्ध आहे क्रम । डाइन्डिम चान भावता सन्दिश्वित दं अक्रवकारमा व अल्ल सम्बद्ध कार्य-र मा। आह यनि शर्गायकी नव्हाम किनान विरवतना कतियां मिथियादि अध्यक्षी व केक्किया त्व काककत अव्देशक मित्रम क्षाप्तिक स्थापन द्यम, एकारक रूपमत्र म्यम्ब म्यम्बी वहरत' छाहावहरू े हो छव्य बहुवात म श्चारम। मा बाटक, जनवंदर्यके अभिवासक्षिणस्य छी-शंत दिनाव श्रमण न कडिए उरहाम-देकेंगी कार्याह গের শীস্তই কমিদারি ডাকের আর করের এইটা হিলার প্রচার করিয়া **জাওয়া নিলাক কর্মা**রা। জা-बाडा यकत्त्रन अ विवास क्षेत्राजीम चार्किर्देन क्षेत्र किन क्रिमात्रभर्गद्र महत्त्र खेखानुष् अधरष्ठारे म-शंह हुत बेबेटव मा, , जानवा । डीहां निर्मेत

अभिनाती छोटकव अना शक्ती।.. দিপের নিভাত অপ্রীতিকর বোধ ২২১ ইছে। নিয়ম ছইয়াছে, বাঁচাবা নিয়মিত বৰ এর এক-मारमत मरथर। २। जाक करतव छोका चालात ना कदिर्वन, छ। शांक्रिशत मामामान दक्का केरिया निर्कादिक करवन विश्वन होका जानावका बहिन (व। धक महीरकत कर वाकी वाकिर्ड अवसीतः तिक छोक । अनि किश धन दिन के कि कि दिन हैं निही (कर) कहें का निहा के कि शिविक निहा की

रवाध इस शवर्यामण्डे बहे नियमण्डिक में कि दांत ममग्र अभिनांतर्गात्वर दिखा विदाय स्मित्र ह्याय पृथि निरम्भ करत्रन नाहे। द्यवस क्रीक् ভিতেৰ প্ৰতি দৃত্তি করিয়াই উভায় প্ৰাৰ্থনী কৰি-য়াছেন। একজন শরীকের বারুও ইন্ট্রি ঐপিটিংলে गम्भाष कश्चिमाती नीलांन कलिया व विश्वित एयक श गाँउल स्ट्रेट बाजिन स्टेग्न हिन्तु विस्तित्रकी अ हिन टक्का मलिक करेएक वाकित विशाह, म एक मारे। अञ्चाता प्रमात मधुन वानकरक निवर्षक विलेकन क्षां जहां खेँदिए बहेटर। अरमरणव स्थिमावगरगद्र भरभा , बार्श्वानाव नाक বাটিয়। প্ৰের ঘাত্রাভঙ্গ কারীব প্রেণীত্ব লে'-ক অনেক আছেন। উচ্ছারা অন্যান্য শ্রীক্ত অক করিবার নিষ্ঠি উচ্ছা পুর্বাক আপনার দেয় त्राक्रक काकी एक्तिया न्यूक्ष क्रमीक्षी मीला-न कर।हेद्र। तम्म । छोक् क्र क्राम्। देशव टेज नि-ग्रह्मत ल्लार्गात्मक महब्रोह्म अक्तम चर्चेन। घर्छे, दि- 🚦 **5िव्र नश्च! अक भरीक अमानाभरीकरक अ**नर्शक দ প্রত করিবার নিমিত বথা সময়ে ভাককর আ-मान क्रियन,मा। ख्रुक्तार व्यनगंना महीत्करा ३ ভাষা আৰাম করিতে পারিবেন ন।। কাজে কালে সকলের ই মালাম:ল কে।ক হইয়। সকলে-द्र निक्षे वहेटछहे विश्व कर जानात वहेटव ইহা कि নিভান্ত পৰিতাপের বিবর নর। যে:দানী ! दनहै। स्वाह । अक्ष्यत्मद्र दल्लीस्य घटमान था, कामर्थक म्क्रानिधान करा कराष्ट्र दिर्धय नरहा अर् निक्तिका खुनका अवर्थस्य है हैन। विद्यानकाल | कांद्र शक्ताव अञ्च ६३० है। रह, बाहा स्वीत का-सामिया "जियां ५ करें कुलिविध्य क्षेत्रण इत्या शूनः । त्यक वक्षत्वभादां भे ७ अविष्याः वाकरमाधन करिन মিল্রৈ কিছু গেলৈ গ গ্রহণির সন্তাবনা নাই। কারালাবিকাছিত ছওছায় অনেকানেক ব্যক্তি

कर्बिकृत रामाः , शब्रि छ। । करिएड शरिकाम नः। গমিদ , ভাকেব বহিত कि 🛊 🕏 ाः, त्रद्र (वलाष्ट्रे **अ**भिष्ठाद्रगर्भित **এই**क्रेश अञ्

जामध्यम् ।

भद्र भन इत थांड।

प्राव्याहत्व मा । वि : हेन त क ल लार्श्याही | बहेल र महाभी क्षेत्रहार व शहित्य विक्रमा कत्रिया मिटल भारि विनया প্रकारणा श्रुक्तक काश्चार । तल'व शहर्ग ३ वक श्रीम क्हेर्डक:00 ট। কা সংগ্রহ কলিল। পার। না করিয়াছে। অভার পালের মধ্যে মিনি আপোনার বিদাবস্থা বুলিম্বত। कारक रिमा है लिकिंड इंदेन।

लिखिमाइक इलिलाता विकास किशास मधी 4ने किमन সংখ্য কলেজ চায়ত্তিত ल ५४ हम , खूर्व विनिक्षक लक्ष्म हम मा, बैकः भा उर्ध अन्तर्थ ' नाजा काल इश नाहे विवयः । প্রিড্যাণ বহা পের

ात भाग **मकरलाबु ८ ^{१८}५ क**र दशादिन इक्ष करी, १ मा १३

প্রেরিত। अयुक्त स्मामध्यक्षामभाषा

महरूभिग्रम् ।

কেন কি.পা বি চায়েক্সিব, লাক্তে পারি না। বাহ। সাংহ্রন, তাহা অগ্যাপ নিকটে ন্যায়াস্তগত বলি-**पर्केश थ**ार्थ पर्नि**रमरलेत निक**ष्ठे आधिक्रियांन । ছা स्थाप इडेएडएक मा। अमा वर्ष्टी, अक्रमी भू विवा । তে লাজধর্ম ঘটিত কোন বিষয় সোন-প্রাণ क्ष्या, बहे, बह महीरकद छ।कहद वाली शाकि- तकालि वह शहर विख्ड वह म, तामी शवि- । श्रकाम कविए हरेटल गरात महिरमा विश् ভ্ৰে আনানা শবীকেনং ভাৰা আদি,য় কবিভে ়িশেষে উ.ছেদ দ≏, আঞ্ছা, নচা ৰটে, বছৰা-কারিংবন ন । ভাষারা অনিমন্তী রভিত কবিয়া চক ছইকে, অন্তবত বিবিগ বিধান বিস্থান **रक्त्रूय । देश**ाष्ट्रिक कविराल ७ 'क कव क्यांप्र!रस्त । इहेसा चव वक्क इक्रान्यांग, प्रश्ना वर्षे, छ।वी जिथि बक्दकामत्र। दामाना जिल्हाकीय शका- विमानिकात आदि। १ मन कारत ना, क्य शिगारक बाज्य आकारिय कि िय निवशीकुछ नः विकेशी कावत यस रामधा प्रदेश या अहा स्वकार स्मिन्द्र काक (काल लंद क्या लंदे (नाचे काण दिव विधावी क्षेत्रम, इश्ड जिम्मि गृहि दे । किस उम्माना डाकामिश्रात आधार प्रमा । कार्रे , कुलीक कुल-जिला महिन, किथे । इस्त कहा क ल ए, निर्म शहा कार्रे करें ার নির্ম্বাহের চাপে পড়িতে এইরে। অনিত্র প্রতি বিবেচন, কল ছইবে নং। কেবল, জীতা ব र'त्वत माला आस्मरकरे त्या त्या कार मित्रव तरहात्काल अवहे और काका थाकित. हेही कि विकास कि विकास आमालित व कि कि भनकामि प्रविद्याद विका!-निकाम श्रीत म- (चित्रक सरकेरण प्रविद्या निकास मार्थिक स्थाप मार्थ) ि। + हे क्टेट्ड (शांताहेडा अदेदन। स्नायदः यक | निर्देश के नदक वस्त्राप्तराव काश करिका, के াৰ এই বাৰভাৰ দেখিয়া অঃশিতেছি। শালা ি কেলোগ ছাওখে সম্বিত, কেবল জোট প্ৰা বিষয় পাইবার বালভা ছাইলে গর্জাজাভাবে ব কানবাৰপাৰের প্রিথখন যেরপে কর হব। অধি গালী হইলে তিনি কি সুর্থ ও ীলেকি । নোৰ্থ কিছিল সঞ্জিন কাছে। সং

ख्रांभम करतम, छ। हात अधिकारनहें निष्ठ ध्यांनीय किए। निष्ठक, बहेरण मा २ व्यामिने धेहे हि-कडक का अवदा अनकत व्यवगावकां अ स्विद्ध । विकास कि विकार-मिकाय, कारमाश्रीकांत्र अ धन्मि। धत्रद्र खेँ। बाज उद्याप शत्रुष्टि अस्त्रिवीय महा-वेगा १ छोडात कि वियहकार में। हिन्दाशीन खेरि-লান প্ৰায়ণ হওৱা ১৯টিবত নাটে মুখনি ডি চ मुर्थ विना कार्यानिष्ठिक 'छ विसामनवार्ग छडे-लाम- छ। इ है: अ खाँछो : बाब विख्यकात मश्रीवना जि । अन्यानांत निवाम आदित देशम व्यव्यक्तिक वेर्तात क्षेत्र व्यवस्था व्यवस्था विकास कारवन धिकियान कति एकम्बि आहे।धिकार्यक উল্লিড কাবণে প্রতিবাদ করিতেতি প্রব্ रमनी अधिकाश अकरी जिल्लाम क्षिया क्षिय, संहरू वियमभार्ताविकाता । साम्। विकास विवस गरीका मिन्ना अली विचेदक ने निद्या है कि है বিভেষ জানিকানী হইবেন ৷ আন্দাং হ জাত্ম शास्त्रम, मान भगण अहि निक बहेन, उक्ति करल कि विविध्व इनेटन ? गहांव छेस्टर्स ना मान बाह्य विकास करा करा भी - है निक्र निकार्श ক্তবিশ্ব ভটাবন না । ভারমধ্যে দিনি চাধিকা: ব विश्व ए दुर्श्य संकेटिना, कि छ छ नियं शांश्र ছট্টারের । বেশসাক্রি প্রক্রিয়ার 🗗 বিলন্ত স 有性(m *C#A 4 为羽 (事 23年) 5 () 1 5 () भक्षा ।

(म्राज्यकां भ मन्त्री करू

महाभट्राष्ट्

अल १८ इ. १८ त द १४, अक. (म. ज्रीर कारवाक्षात्व कोन्दर्भवोग्न असाह य तमार्केषि- । मार्का: भावता ब्रायु य वत्यू तमानकसम् अक्तिनिया त शूटकात काछ कथा के अब कर्त्रका दम यहें। अह र व कण, किश्वित कश्मित्, तम क्ये, में गठा 😁 ভাত্ প্তঃব্ৰক্ষেৰ স্বৰূপাক ক্ষিত বৃত্তি বৃক্ত वर्ती श्रीमा क्ष माहि , अक्टब कृषिन क्रमा परे निक्र क्षानिश्चाति श्रीत श्रीक मिक्रिकित, में ह कान नक्षतिव मध्य दिव एकि भिष्य दिव । आदिन भेट शहेरल जांच अलाम (१) म हम है।

कि सन्माम हस्त द्वार (क्विंग ने " कांक मां छ। जा का मां, दखर के , पर

১) এ প্রসাধনী উপল বটে কিল গণনকা Controlled ago पक्ष भड़ेग्रा वि १३. .स. भाष्ट्र र খলেক fefoffen und Mit in fangena erfaftigt हत, ए. १ त व वेटिक विकास स्टेश्व र विसंद भावेद्या १६सम् अभवस्त्र करिक गर्भक

्राष्ट्र अन्त्राष्ट्रमः

আপ্রমিকত ২২এ পৌৰের সোমগ্রহালে धारकातिक विवरम हय अक्षावंत्री निभिन्नात्क्रवं -क्षेत्रं शांक कविष्ठः भागनात उत्तर व्यवहरूत्र किंद्रिय बारनक म् ।म क्ष्मिनेश्च । कार्रान त्य विकेष त्मरचन, क्यांनि क्यांनिव्यक्तिम क्यांनित के।विषक प्रशि भारत करते । जन्मे एक प्रांस प्रशि का ान इहे माहै, जानि नाक कथात विशवन मारक होड मिटान भी वि. अधिका यस न्यामी केंद्र दिनाटन ताब इन्ह न्मर्भ कृति मी, सामित विकासन स्तान धारह, ७६व किहू विभावि वर्षे । अवर्राव्यक्ति ক্সাপ্ৰি লোষ দিকেছেন ক্ষেত্ৰ ৮ গাপ্ৰি ক্ষিত্ৰা (इस " अस किटम कुछ भिक्तामात! ., किस शवर्ग! रमनी कावशादि महरक जन हिटल हिम शक्ति क्रांिट्डरहून। अभिम मरमर क्षेत्रकृष्टि क्रिया आ-প্রাপ্ত ধনলাক ক্রিভেছেন - ছিভীল আপনা-व म 5 विस्त ଓ भागना विकास दशका विद्यान मन दुष्टि कविष्ठ दिस्त (र मद्राव क्यू धार्या क्यू। ्षराच अर योखना विश्वान विश्वान । कुछोत्र । भाषम लाक्षिक्षराधीशमध्य उद्याह विद्याद्या শ্ব 🎓 বাৰা পুৰ অ'ও, অমুফ ডেপুটি লাক্টেবের । (दि: म्रान्त काश कश्यिता है र नाम कार्गाक ডিপ্রেড্ করা গিয়াছ, অমুক ভেপুটকংলেট্র । **्राभाग्यय मन इक्ति करियारध्य दक्तिया उद्या**य कत शृहिष्ठारक्षम, अवः (कांकारक्ष स्वास्त्र स्व गानेट्ड इक्ट्रेस क्रिल इन निवास (उपस्टाइन ०)-ভীৰ দিকটে নিকটো ভিদ্টিলারি নির্মিত ছইয়া-. इ ' व्यापिति या बहुत छ। बहुत, शवना मते व्यान मारमञ्ज्ञ यर्थने विश्वकाती । जामारभन मन्या द्वास्त्र कमा भवर्रमके दर बायांत्र भाहित एव जाराह সামতা হত ৰাখিও ভাষা অপনি কি বুবিচেনন: र अश्रद्धा क्षाप्त प्रमादकाण शव विकासकीटक थानिक श्रेष, अथन त्य मित्य होते शामन वांग्रे राजाता अक विषय छूटे ट्यांग, अव विषय (Pacapie क्षत्रश्रदमानाम सक् मण कर्वाट- इतिएक शाविष्ठाहिम । शादिक विकर्ते पूर् केण सूरम चाँ हो अन्स्थित बहुबारम् । बेडार्आ चारांत्र कारो आहित भाष्ट्रेजाय ना, बकान श-वर्ष श्रेक बुक्कार्ष्य । प्रश्नां क्षा अवर्गरमध्ये श्रेष केंद्र । कीष्ट्र कम्मील व्यवस्थ करिएवर १ अपने मन सूर्ण ींन रांड बहेट्ड भाँठाहेब्र्'ट्रस्ता अलाहक ध्यके। जायमि रेवपिक् छ। इत्रांखनानीय मक्नाद क्षांनाहेश्राहित्सन, जाश्य कावन व है उ बोपून बदद दलाक रेर मिटकड़ मलाकु क्ष, देव मिक दलत पढ़ श्रीप।। आति यपि सन्तरमा व श्रीद-ম দিতে পারিভাগ বে আপনি অপানানিব ধণ-

রিদীয়া গ,কিছ না ৷ েধে কৰি আপনি আৰ্থা-विते में में मुख्य भी १६म मि में भारती इस सह আপনার স্থিত্তসমূহের আয়ে দ আকার .. এইও ৫৮, কিন্তু লাপানার কে ভয় कर्ता दूर्श। क्षीर १ ज् ं . इ व ८०। उस्तिक च्या-মবি দেক অভ ডিবেকি আংছে। আমতে কোন আর বন্ধু---ব্বি বয়লে নহাক্রচমনীধর নাই স্বীয়ুকোকারী ইক্ষাসন্ত প্রকাশ উল্লেশ বলিয়া-क्रिला " कारि इस इसक मिमां अ बाहिएन পারি, ভাত বিয়াও ধাইতে পাতি ন। আপ্রিপ্ত সেইকণ বলৈতেছি কালি দিখিও পাল করিতে পার্বিল:ভিও পরি কবিদে পারি। একদিম হতে হৈ বেলাৰ সম্ভিতাহ লগ প্ৰভূষাকের জ-উলিকায় পদৰ্শন করিলছিল্য ইংবাজি এক घनैति वर्षा स्मित्रामिन्यः । साहि हरेग्नः नाउ-ल म। वाबुष्णामांव आल प्रांम प्रांम निवा ৰ,জ^{্মা} । কিছুকাল পৰে আগিভিটি নিৰাকা-द॰ देशलक कांत्रक भाग्न लगह अर्थार ज्ञांतित श्रीधन कविलाम । उरकारार दुर्शक भाविका मार इस्प्रेट ६३० । ७ मातः (५मन कीमान মিলিড ক্ষীৰ গ ে অসপ্তই জামি স্তাধি ময় त्या अवस्थितः । उत्पिर्धं क्या विराज **१५ विश**ो जामि वाशाक करेराभ धार अजनगरान बनिना-স[া]ৰতে অঃসি বৈনজ্যে বভৰাভীতে ভিনাম ক-টু।এই ন'নয়। ইও চউডে কচি শাত্র আচড়া- : हैं। (क्षांश्रम, भ १०४० अवश क्षेत्रिशांत खेशकांकांव সাংভ ভিন হাত ১টল'ম। অভগ্ৰ আপান বি-माजि भागत ए ।गणानि त्रहित कॅनवात हैका ক্ষা সোমান কর জনিত্ত কাবতেছেন ভাগা अद्विक क्षेत्रः सञ्चलावन क्कून । अक अग्रीहाँदी ब्राह्मद्भव उक्का वहक। द्राक्त ने कांगनाव मोना-र्बा १९ छ बब्रुम इक्सा व व १९ है। काहिमां इटलन । आ क्षा अक्षा अक्षा विकास के विकास के विकास छ शास्क दर्भनः कविस्तम बाज्यनी वांगिष्टै। ट्रमान्याच्या इत्रेडिस्मान चर्च छोल द्रमाण मा.। अ.धनौ विकास ७:त উद्धव हिस्सम क्षामुहान व जी अपने । जुरक निकिता व देश । । वा-প্রিল্প ভাটি ভুলে দেব, সেরি স্থাপিনের कामहाजि राम् कर्दना, उर्ज को ग्राहर केना कि গিলছে অ'পল'কে একটা কৰা জিল্পান কৰি ! स[हें : क''|5 **फ(क) स**, हे**क्। फ**(हे (>)

े ९८को ६ अन्त ८४ मुर्थ-जामुका भरवत्र व्यक्षिः श्रीम त्यान, क्रीका वक्र**म्मनाटकरे मर्कन** विन्ध দিত আছে কিছু প্রীহুটে সেই রোগ এই शकात (क्षणांडांत क्षेत्र) **छतियादक । अयोजकात** বত আদালত সকলেৰ ভূষিত অবস্থার বিষয় গ্ৰণ্যেন্ট পূৰ্যান্ত আনান হ'ে ছে : ক্ষিত্ৰ ছুইন্টি येक्शानारकत रव कावमारमः, बरख नेताक्षेत्र हर्भम। इदेखाइ जान। (कह मिश्रांश स्विधिक-ছেন না ভনিয়াও ভনিভেছেন না।

जह प्रिक्त **होन चानि बर्शनका**ह केर्र**लं**डेन तिराउ क्षक है।का बाक्य विरक्ष विशेष्टिनीय हैं। গৃহত প্রবেশ করিয়া আসলালিবের পৌরীকী प्रिविश्व विक्वादि प्रजाम प्रदेशांच । द्वाचिंगांच প্রত্যেক কেলাদার, একশত টাকা সাক্ষিত্র উপর 10 আমা, তহসীলবার 10 আমা, ভিত্তের উরির মহার 🐌 আনা সলর পাটআইরিঞ্জী कामा, श्रीमात > है।का किनिक्तांत 🕫 स्थीनई मा शाहित होलारम चाक्त, कि होका सम्बद्ध কি নম্ব রেজউরি ইত্যাদি করেন সা। স্বর্দি ঐক্স এ সকল না দেন, ডিনি প্রাতঃকালাব্দি নাম্থ কাল প্ৰান্ত দুৱাৰান হট্যা বাল্ডার বিনক্তি কুবিলেও তাহারা কিরিয়া চার**্লা**্র বিশি লক্ষ্ণ विष्ठ आतिशांक, अन्यानिव निम्यूर्ण आति नो किम्बी त्यन छ। हात पूरे विनिष्टित वरशाई की कार्या नाथन वह । अधान क्यीक्षारहरू विकास बंद्र हिंद्र वस कुछिछ दम मा, श्रीस्ट्रेरेकेक्ट्र हातिभाग वक निर्वाचित दन में। किंदी ভালুক্দার ও রারতলোকেরই ব্রুড়া। 'ছুক্ कथा त्यांथ कति विष्ठांतक विद्यां कि विश्वति है ८११७त नटर, किस दक्ष बेसाइ का अवेश मि त्रव क्तिएक मरहर्के रम मा। आवश्य केरिन केर्द कारमकेत्र की बुक्क एवं देन व नार्द्द क বাৰু বছনাথ বহু ও কালিকালাস কল্পডিপ্টি- 🗄 कारमक्रेनिवरक मिछा ह विवह क आर्थना कार्क-ডেছি, তাঁহারা কালেকীরিয় শিরিস্তাদার, পে-कार, नाकित, ७ व्यथान श्रीधान, क्योंगांड ५३ সিরাসদারাদের পোষাভাষিণতে ওলার মির্র্ট कांदारमञ्ज्ञ स्वयंत्रविक्त अव्यक्तरम् कारमञ्जीहरू करशक्त अर्थगृश्व निर्वात छे दक्कि द्वादलई চিকিৎসা বিধান কবেন ৷

> (七) 4 4 TH 1 32 50

^(:) त्रावधकारणर (क"स ख"रण दकास माथ प्रकृषि न। नार- मन्त्रावरकत व्यक्तिक ज ८५की जारक्। जात्र हाम नंत्रकारत वंज केशांत्र ুত্মবন্ধার উৎকর্ম মইবে, ডাডাই ইহার উৎকর্ম পা-े पर्देशन का बारक व्यवस्थात । को तर्वत भ- । केक शर्वत वसून रेशा हेंद्र व वस्त्र हैर्स ।

শ্ৰীযুক্ত সোমপ্ৰকাশসন্দাদক मद्भाषतः व ।

ालवा अरे श्रांका त्य कवकति अवर्गाभकी भूuith ভাষার কর্মচাবিগণের এভ দির ए - ५ कि दर्श दिन गा। मण्डे 5 वर्ष नावास-मा मक व्याप्त दिन विद्याप्ति । १९४१ मा १९४१ कि रार्त अक बन जिल्ली जा क्षेत्रमा का निर्मादक्त उँदिव जरक र य व व विकास विकास करिए करिए हो। ं रारमने आहात वानमास्त्रीयरार्वीकारम . " ध स्य त्र क्षेत्रार ५११२ महाक्षेत्र क्षेत्राको अध्यान । करे विश्वविद्ध देश के कि कि कि कि कि किंद्रा (गर नत्थारे चृत्यत्र रत्या भक्ष करत्र मा। শাসন কর্মার শাস রহিত হইত।

(Tolter | Berten enter . e. er en ME ICH COIL वार् व्यवप्रकात के विकास है। व प्रत्य नश्य' के कि विकासिक कि कि कि जान विविधनाएक किला किला किलो সিয়া হুলভবি !

ভূতীয়তঃ (TOTE HYEN TE WE MAND क्षांत्र कर मार् 無事行。如何意思 िवतिवार्षा के व्यक्तिया क्षेत्राहर में विशेषण के व

137 जिले निवंश

द्वाराकी क्षेत्र स्रोहित करे कृत्य दन्डान्डिंग्र ं, होत्र , भारत्ये औं स्ट्रांम

क्रिं, वंक र नडाईक

है कन्त्री

क्षिकेत: अभिनिश्कित सम्मेगन । ३२ % व्यवस्था प्रदेश्व १० क्षिक अवस्थि ३० ।

केरेग्रारसम् अवश्लीख मराख्या अमन कार्या मोन-था, माजब मात्र भारितेर व यहवा अञ्चल "पूर्णिया श्रीकरात हैल्बुक काक निर्देशक कहिरवन। ए बर्ग्यक्ति हैति, कातेन व्यानंत व्हेर्गाक्यन, प्रशेष काहिक वहेटक देहत गर्गास आयुक्त बाकू समस्ताल अरमानाथाम जाहार खनाकत। अधर वर्ग क शन्ति **शक्तिकतानत**ि কট নিভাপ্ত অপ্নিডিড লাহন ৷ বিনি বেবল্লেও क्षण म्;रबरवङ्ग निक्छे अ उत्तव-व्हिष्ट चुक्कित्र[म-रगन क्षांत्रविष्ठ भागों में। यात्र वहेता विवेदरान अवर् का त्यविषः भगन कावप्रक्रिकान स्वांभ कन्न এতাৰশ্বাস বলিং উট আপনাৰ পাঠকণৰ জগৰ बाग्राक क्रमीयात गार्विद्वम । कश्यवात्र्य का अभूम अमूनीश्राह्म शहक अञ्चलक नास्मूक मार्क । उनि क्यादन च्यह किन मांक चानिवादे | काण दशन कहा यात्र मा এনটি লাকভিত্তি শাৰ্টোত আতুঠান কৰিয়াছেন রীর বাজন। বিন্যালয়গুছে সামান, এঘোপ-कांनी वाष्ट्रिक्टरन भिक्ता लांन कमा बक्ती मांग्र কালীন বিয়ালয় সংস্থাপিত ধইরাছে ৷ অব্ৰভা भवर्गरमणी विकास १ वेट्स कि बेस्य शिमा मारप्रत না,না কভিপয় ভত্ৰবাজি जिक्का । अदः ছাবা টভাব দি একত কাৰ্য্য প্ৰবাহ কলে নিকা। हिर बहेरछए । अह तारूव अबे अस्रकेश सन्छ ঋ্মিয়া ভারতে শত শত ধনাবাদ এদান গলি প্ৰাৰণ তিতি বেলাকীখন সংবাধানাত **ব**্যাসন क्षिक्षा । अनेतुम् गेरिके काथा निर्काष करि क भीत डेर्ड कामहिल्ल कजिनमंगेर !

ंद्रकाश्च वणवम् अदर्भ सभागाः ेंटल

यना था वि

क्षे राजू ज़िननाथ धर では「一世では、「日本 ऽर्चक नाय करेंद्र व० खाक्कि पर्या दे अले विकास " वहिष्ठा मनुसद्धाः । अस्तर् १२४७ अध्यक्षिण क्षेट्ड १० हेर्द निक्री क्रिक 440 म जीतहरूद्र जानी जजीवांत जादस्य ১২৬৯ মাল হইতে ৭০ গোটা পাৰ্ গ্ৰ 3. (अमनी श्रेष " অধিলম্ভা সম্ব ऽ२७३ आश्रदांग्र**व स्ट्**टिंड २० देवण्येच शर्यास व **व्यक्तीश्र**त · अद्योद्योज्ञांन श्रीन ऽ२७৮ का शह अब ब्ह्रेटंड प• रेवलांच गर्वास क (महमीश्रंत " नदीनहत्र मार्ग >२७७ च अहामन ४३८३ व• देवनाच गरी 🗷 द " उम्प्रकार निम हाका छेनाहेन, कुन

* वह नाच भित्र 一年 1年 >२७**२ मांक बहेटस १० त्यो**य शहास · मात्रशाधान'स कडे कि वि કોંગ્યન " मुक्ताना क्षित्र अधिक निवास कि विकास कि वि विकास कि वि ১२७२ माच इंडेटिंड निक्किश्वीत लोगीस " वामक्रमान विकास निष्क के कारणक **३२७३ माम केंग बहेट १० माम अग्रेडी**

> নৌমপ্রকাশ সংক্রান্ত করেছ विरुपंच निराम।

अधिय मृता में भावेटन सक्द्रिक्तिया ध-

हैरांत कविन भूमा वार्षिक विक् जैन्हाद छैटलगोरण अंड परिवार कार्यक अफनग- निक का है। का कारतह चारतह चारतह कार र्वेश्वार त्यांग श्रकात्मत र क्रिकेट के

भाउं न के दिन्दा धन कार्यः आप कार्योक्षेत्रा स्क मुरमान ७ त्रमीरम् । कि करे कि है अर्थ के का कर

यसम विभि भगवास स्वाहता अध्यक्ति । अस्त 夏明 智力[2] 河南[2] 《精神》《月日華隆 海[編集]

पूर्व अन्य पुरमान भीता अन्य भूके के ह मा १ के के देख रह देखे की अपने विश्वास न 1 5535

में इंड फिरमेंच भू मह दें है के हैं है जारा आई कि अहिं। शः वृद्धिः तः नामक्रिक नवप् वाजीस्वरं कि क विश्वेष राष्ट्रिक स्थान प्रदेश, क्रिकार वादक हो न सम्बद्ध के पहिल्ला का श्रीकार म कार्यक्षेत्र । देखे ० ५ दर्भाव निमिन रिक्रिके क्रिकेट स्थाप रहे में निकास अर्थ के करे CONTRACTOR AND TOTA WINES

्ये श्रीके व्यक्तिका गहेका मां भविष्ठान कवित् THE PARTY OF हा वा कार्यक्रिय

ल क्षिप (न) के नार्क विकाशन विषय देन : क्रीबरल डोशांटक व्यवभने राज लाज भरकि छ। षामा विजीय ७ इजी श्रीत /> जामा क्षत्रः मिटक इकेटन छ।वान शत / जाना कनियः काल्यः रोहेद्वः

मक्कारणव यीवादा ममर्च महेटबन, कार्टी क्रिश्व चल्क कांक्या कृत पिरंड स्ट्रेटर ।

बहे अब कानकाचोड़ एक यायमा दहसकाब हा मानूत्र क्षितरमञ्जू के किन शंक्षित्रशिकां विशेषकार्या fentigues uffice mile uingin fich

(मायक्रका

" प्रवर्तनां प्रकृतिस्तिरेष पार्थिकः चरकती सुनिमहती व दोवतां। क

TOA

६ संश्रा ५०मः ब्राग

मम ১२७२। २४ अ याष । हेर ১४७०। २ स्क्लांब

वातिक प्रभा । होक वातिक प्रक्रिय । हो

সোমপ্রকাশের অবরব হৃত্তি সংক্রাম্ব বিজ্ঞাপন।

বিজ্ঞাপন

'শৈরিদপুর জিলার অন্তঃ গাতী থাটকেমারি মহকতপুর মামে বে পশুনি তার্ক ভাতে, দোলা দরপথনি দেওৱা অপনা বিক্রন্ত কথা বাইবে। যাঁহার সেই তার্ক দরপান্তনি হাই দার অথবা ত্রেন্ন কবিবার ইক্যা আছে, তিনে কলিকাভান্ন জাভান কিন্তু কোলানিব নিক্ষা টে আবেদন দ্বিদ্যে স্বিশেশ রুলান্ত অ'নিডে পারিবেন।

বিজ্ঞাপন ৷ গোটনল ৷

ক্ষর্যাৎ জলপথে কলিকাডার দীননে ছ। , যাজাল্পাডের নিয়ম।

সরকার কাহাছুরের ওবুসালুসাংস মর্ক-শাধারণকে আন্ত করা গাউডেডে যে অন্য

ভারিশ জনশ প্রবুগ, জাহাজ, মালবেরি,
ভাঙ, বজরা, এবং উপর মুদ্রকের নৌকাসকল
এই লগনি নদীতে রাত্রিযোগে কলিকাতা সী
মা মণ্যে মাডাগাতকানীন সম্মুখে লাটানের
ভিতর আলো রাখিবেক জ্বান বেশ্বানে রা
খিলে নুস হইতে শ্বাই চুছি হয়, স্বদাপি উক্ত নিয়মের অন্যাধা হয় তবে একপত টাকা
(১০০) জারিদানা দিতে কইবেক।
ইং১৮৬২।

জনপথে প্রবেশের নিয়ম কঠা কলিকাডা :

विकाशीत ।

রামবার, হক ঠাকুর, রাজু দুনিংহ, গৌর কবিরাজ, নিডানন্দ বৈরাগী, ক্কমোহন ভট্টাচার্যা প্রাভূতি প্রাচীন কবিওয়ালানিগের উদ্ধন উদ্ধন গানক্ষি সংগ্রহীত ও এক্সিড করিয়া সুক্তিত করা বিরাহে। পুত্তকের মূল্য ১ এক নাকা মান্ত্র।

কলিকাড়া। সহবাৰ বৃদ্ধি ৭৬ না কাটা। ইয়া, লোপাল চটোপাধ্যায় এবং হোং

সোগপ্রকাশ।

कर्मा भी करते ।

গত মেইলে বাবু শতুৰাথ পণ্ডিজের সমল্ব অ'সিবছে ৷ গত সোমবার জিনি ভাষা আগ ছট্যা চাইকোটের বিচারাসমে আসীন চট্যাছেন ৷ শন্তুনাথ বাবু প্রথমে অভি সামান্ত্রপ শিকা পাইয়াছিলেম, তিনি কেবল আপনার অসালানা পরিজ্ঞা উৎসাধ্ অধ্যুসায় ও কিন্তু ব্যবদার

বারা ক্রে উন্ত প্রস্তু হ্ইয়া, ক্রিয়া উচ্চতৰ পৰ লাভ করিলেব। कृषि विवास संबंध मुखान्त्रमा स्वेत रेश्नारक्षत्रीत श्रामात क्षेत्रि मारे; यिनि चार्यमात्र शहरप পরিচয় দিতে পারিবেন, ভিনিক করি करते जानवनीत स्रेट्स्य वर्ग ७ जानिए क्षाचिक्क रहेरवया। विकास आरम्पूर শত্নাথ বাষুকে আঘল ক্ষিত্র श्र्विट्ड छेश्क्र श्रवित सर्वाद भीत रहेर्दन । भड़नाथ बाह् कुन् মান্যৰপ শিকা লাভ করিয়াও বৈ यात्र पनि अक मूत्र कतिया कुलिट्रिल् विरागत केमारियाती पूरक कराती रेश चरभका बरखन मुखाई ब्राह्म দিগকে অবস্থাপিত করিছত

न्द्रि समीमाहित माहस समित

अव जम नय त्थाक जानामात्र उनित निविच क्यांके जिल्लामा जानामा म । और कार्यम जारन त्यांथ कृते ज्यां जनीयारम्मा नारक जानाम न विनयां जा जान निकंक रुरेरक त चरित्र जर्म नियां करत्रमः जारा नाथान्तरमा त्यांका कृति जमीयान निर्मा जनाम स्वयं हिल्ला क्यांमान निर्मा जनाम स्वयं कृति जामा (निकंग नेट्यां क्यांस्य कृतिक क्यांस्य क्यांस्य क्यांस्य क्यांस्य क्यांस्य क्यांस्य क्यांस्य

मार्द्रित यक विवास विमहास एत, और बाह्य আদায়ই ভাহার একটা প্রধান কারণী

वाटक चामात्र त्य क्षेत्राणितत्र चित्र-তর রেশকর হর, ত হার আর্ এইটা विद्रान कांत्रण चारह । जे चर्च दक्शल क्रेडी দারের কৌনগৃহতুক্ত হয় স্থা, নায়েব शबता अकृषि छेरात जारता चेरिनेक चर्ची আহেন। বোধ কর, অধীকার পিতার जामा कृषा छेशनएक शक्ता निक्ट विक्रि **होमा केंन्निरलम । एम अज्ञादक स्मिट्टे होमा**न्न এক টাকা দিতে হইবে, সে গমস্তাকে টাকা क्षिक कृत करण्य 🗸 • जाना ना किरा नि कृषि भारेष भारत मा। येवभ मारत ७ পদাতিক প্রস্তুতিরও অংশ আছে

এছলৈ নাচেরব ও প্রস্তার কিঞিৎ পরিচয় শেওয়াও অভিশন্ত আবশাক হট্ ভেছে, ভাছা হইলে পাঠকগণ অনায়ানে **ৰুম্বিতে পারিবেন, কিবুগ অন্ত** গুণালী [তে অধীৰানীয় কাৰ্য চলিতেছে। নায়েব ७ अभक्षा अधीरादात कर्यठाती। जीराता मक्यरम पारकत । धाकात गरिष केंशिम গেরই নতভ ও লাকাৎ লয়কু ৷ প্রতা থাজনা আশীয় করেন। ভাঁহার অধীনে धकं अकं कन भारिक बाटक । नाटवर अब क्षांनिरभद्ग कार्या ७ क्यीमान्निरभन्न यक বল সংক্রান্ত অন্য অন্য কার্য্য দর্শন क्टब्रम । अरु अरु बारग्रटवृत्र स्वरीटन 🕻 । १ **মান্ত্র ভারত প**থিক গমন্তা থাকে i শ্রম হা ও লামেবদিগের ক্ষমতা ও বেতলের মূল্য কৃষ্ণ ক্রিলে ইহার অনভিজ্ঞ পাঠক क्षित्र स्ट्रिय । २१ शत्रुश्वाप्त मह क्षिक्ष विदेश भी अहा याच, भने खाड़ा ছিল ওঃক্লীকা বেতন পাইয়া থাকেন, मा जना-बिलांड २ ७ ३ होको७ पारक। **द्भारवज्ञ रक्ष्मम मञ्जूबाहज्ञ २०। २৫** छोकाई ्ता पाटक, केंद्र जरबंग, बर्न कर होकः। ि धरे जम्म जिल्हाने महिल्ला बाटक रेशास्त्र कि देशाबिटमान किस्कि । छाडाएक मचक इंस्त्र स्माहकुत महिक कर

व्यथि ह छेन। अस्म बार्ड : आमहारे छेसत वि क्षिक, प्यांदर्श पटनक समार्क्षन पाटक । अक ট্টাক। মাসিক বেতন পাইয়া কি এক জন। গৃহক্তের কখন চলিতে গারে > গমভারা खेमात्रीय सरहत. उँ हाणित्रं श्रेश सम्बद्धा দি আছে, উ ছাদিপের গৃহে নিত্য নৈমি खिक किशाब अनुष्ठांन हरेश बारक, क्लान কোন ব্যক্তি তুর্গোৎসব ও শ্যামাপুরা প্র कृष्टि । के तक्त कि बार विना गम्मी দিত ছইবার সম্ভাবনা আছে? নায়েবেরা উচ্চ পদৰু, फीशीपरंगत जानात मिह পরি मार्टन के जकल कार्ट्या व्यक्तिक बाच इहेसा । থাকে ৷ সে সমুদার ব্যয়ই তাঁহার প্রজার निक्षे इंदेर मध्याद कार्यम । क्रमीमात्र ७ नाट्यविम्टलत् मान्न शमकामि গোরও আৰবাৰ আছে। সম্ভিন্ন ভাঁহানি। গের একটা নির্দ্ধিক্ট আন আছে। ভালর वार्षिक राज क्रीका चालाग्र कर्यक, जाहां है প্ৰতি টাকাৰ হিসাৰ আনা ৰলিয়া 🔑 আনা করিয়া লট্ডা খাকেন।

भावेकशन भग अविद्रांति द्रायम जायां कृ (बर्क्टरनत्र कर्षः छ उटलम, छोक्। मिरश्रंत्र क्षे मका किन्द (कर्म न मामा मन् । देशिकिके क्षिणांत्र हरेड़े. थे,८के, क्षांत्र अगरी शक द्र क्या अध्य निमान विषेत्र क्षेत्र व्यक्ति 🖟 🛊 আদালত মানেন ন`. যে প্ৰজা বাজনা কৰ্ वा शमकाविद्यात थ. शा विद्या विलय करत् खाशादक (शमसात केट । स्नाकटकर अर्थक म्याह साराटक अधिक क्ष्यांची वाच करत প্রহারাদি করে, ভদ্র প্রকার শহিত একগ ব্যবহার করিতে সাহসী হয় না) উপানং **এছার করা গমশু:দিগের সহক (এ**ধন चरनक किशारक वर्षे ठवानि चरनात পর্বত) কথা ৷ এজারা কাঁহাদিগকে বন च्या परव। कें.इ:किटनंत्र हाटजू नात । सूर्यत्र अविनक्षण अन चार्छ । सूर्य क्रमनि পৰিত্ৰ বে প্ৰকাষিপের সহিত বাৰ্হায় ঠকলঁৰ কি বিবেয়না ক্রিডেছেন, ইহঁ। ' কালে ভাছাদিলের বাকা আদৰ্শ করিলে करने इंड (शबखाता अदक अभिक्रिक,

्रत हे हैं। ज्यानका कि रेट नियात जात मार्त मर्भ, अक्षा रखता वर्ष ज्यानकान में विवत मग्न) निटक एव । मादबर्गिरणा क्रमका আৰার ইহার বহু গুৱে অধিক। এক এক मीटहारवत व्यवीरमधा १ कम गमका बादक। त्मरे ६ ६४ जन अयंखात आरखारकत्र शर ক্ষড়া, ভাষা একতা করিয়া বভাষা, এক মায়েৰ ৩৬ ক্ষমতা খারণ করেন

> शमखा ७ नादधवरिरभन्न वाविक चान्न रूष, व्यविषिष्ठवृद्धांतु शांवेदश्य (वाध হয়, এখনও শ্লে**উ** কল্পিয়া টুৰিতে পাল্পেৰ नारे। शमछोता नहताहत बादिक २१७ भक ध्वर मारगटवत्र' र 1 ७ शकात केक: केशाब्द्धन करत्रम। हेटा स्थान क्ष्ण केशा

কোন কোন গমন্তা ও নায়েবের हेश प्राप्तका अधिक हत्। क्रमीमानुमि भित्र बाद्य बारमध्यद्रां अक्षानिद्रभव विक **৬ নজর** পান, এবং পুরুচ্চির **অন্ন**থাল नाणित्र काटल होंगा कनिया थाएकम ।

भागत् अमस्क कासेक्टन वाटक आ भारयम् चन्त्रं भारेक्शरभद्र स्वत्रक्ष कृति ए। निर्वात दिन्ते क शमका ७ माटरवनिरश्रह ব্রান্ত এত বিভারিত শ্রিণা লিখিলাম। क्षकरण त्य त्य वःदव मर्भोषाद्रिकरण्य बादक इत्रखन्ना साहरकारक ,

- ८.काम अफ्रिप्त विवास कद्विया असीमाद्रत निकंडे के 'इन रहेदल असी শ্বিন্তাহার অর্থ দত্ত (জনীদারের নিবটে अर्द्रामि मरश्रह चार्यका चर्च ५रशहरे अधिका) कतिशः चाटका । योशक्तिभात লোভ রিপুটা কিঞ্জিং প্রবল, তাঁছার। উভ लांब निक हे इंट्रेंट किथिए किथार आह्न कर्त्रम ।
 - २। উৎসব, পিতৃ স্বাতৃ ক্লড্য অথবা भूकामित अवशाननाचित छेशमक कतिहा होंग
 - 🧿 া প্ৰিচ ভূমির খানের ক্ষা।
 - मार्ड्स समा।
 - eা কোন কোন **মনী**যার, লোক

के रिका स्थन CHARLE WHITE TARE WITH ·周中北部 特望 特皇神经子 24 2 小金 े हिंद चारिक विषय (पत्र, ध्वर चनी भीड़े क्षीनार एक बाम क्षेत्रक मिली The fear of the first of a single .

🗸 ि भूदि सार्वित समी मीति विरात सुख्य 日本教育教育的政治公司 同一年 通過 多克斯 ह। जूरि दिवार म THO ITS कार्ड चार्डिक गानकी थना एर ्भारे होत्य बारबार्टनई सर्वेन क किंदू निर्देश

चामता त्रिहार शहरतीय, वीत्रक्त बिरशह मारा अवैष्याकृषिरशह कैनेदबर्फ करम लाएकत मुखि मिना वर्ष क्रेटकट्ट। बाठ वंद के हिम्मिट्ना व बिट अ महिमान संबंदार के हिन्द्र । जायदा केनेट्र अवदा केनेट्र य, ब्रमीमाद्वद्वा अर्दवीय चित्र च भक्तिक प्ना विद्र के किरवेदेशों स्विति दिनक्ष (मिन क्रम नक बंध व्यक्तियाँ बहिरकेट कि मा १ आ দারা আপনাদিবের পরীরের শোণিত শুক করিয়া যে অবী উপাধ্যম করিখেছে: স্মা रता कारात महत्त्वीत एक स कारा क जिएका मी । समीकाद्यमा केली नाम-र्वत मार्त नेमंद्रा के सारविमित्रके कारा-निरभव बर्दी छ। जिला कि मेरिक्स । छ। हापि (शत त्य दिवस केंबेक्स स्टैटिट ब्यून नव, भवता, मारवर्ष के माहेकविरगत छूरी-वश्रत पर्मान । पूर्विका स्थवन होता कहा मिर्गित हतिकाञ्च भूषिक हहेशा याहेरण्या । धकाणिरमनं अभि है विदेश तम अभिके कात । रमें हैं कि कि में देव के कि निय थाधारे जमे निर्देशिएनो गर्बत । यार आनि या छनिया भागनी बार्यक सनिधे आशना मा दनीएउए स्थान है अधिकि विकास निर्मात ।

李宗中华美兴·明中山武大汉帝 明时间 THE PERSON NAMED IN COLUMN AND THE PERSON BEFORE WELLIAM STATES किया माना के बर्ग का शासक में को मिटा किया किया है। इस के किया क्षीतिकारित प्रेट स्थे स्थर्गटमके एक महिल्ला হতে বেল্ডার সমর্পণ করিরাছেনঃ প্রায় ववार्यवाल क्षाविकासिक स्वेटन ध्रवर पाली काम मर्या क्षकामिनरक स्मोन्सामानी रणिएक वाहेत्या व्यक्ताविकार रहेका क भागनिक्षां कि स्थान मिला मुख्य होते पद्रभित्रं । योच यत्र त्येषिक स्थान ईपैक्क জ্ঞান ক্ষেত্ৰ বাধিতে ক্ষেত্ৰা: ক্ষেত্ৰিক প্ৰা क्षेट्रयाल्य व्यर्थ कार्यात भारति कालाई नश्चारम् जरमरू महुनात च्राट्ट व्यक्ता ध्यारे त्यहें केंग्रांट ब्रग्न कथा केटल व कहा जाया विकास অভিনেত্ৰত মান ভোমরাক্তি কিছুল্ বুলি ক্লিড অনুসক্তাৰ পদ্মিত্যাগ কৰিয়াৰ সংক্ৰিত विसं क्रिकेशीय के बाववाय क्रम, विरम्भक अध्याक्षम कंदेरक का, बंधसम्बद्ध बाग ऋतिहै। श्वादम बाद्यक वार्त के हुए क्रेट्स साहित. Amigra water whitely veter has कारीयत्व काकिनारं न्यू किनान् हें लो ए एक

ः (वैश्वा निक्रतेत्र प्रशेष्णी ३ -

 स्रो कित्र । राशांक मान्स्थिमार मान्स् किर मा एक अक्सिनिक एरेका क्याक चाव कांत्र विसक्ते करेंब्र, अक्रेक्स क्या करें कुण क (कटलेड़ा रंघकीटन 'जाकीक जनसंख शार्व स्तिर्क चनमर्व क्षेत्राहरू, अविक ब्राह्म आक्रिकांत्रन मराजय कत्व यात्रीच क्षेत्रका प्रकाराक्षकात विमा

THE CENTER PHONE TO WHITE CONFORMATION ममामा पश्चिम स्रोता विपासी स्वर्ण भाषातिक प्रमान प्रतिक्रिया ACES TRANSPORTED THE ANTE WASTERS नाचा र वास नकारी अध्या alice of Francisco Contractor of THE RESTRICT OF THE PERSON. पर्वतक अपरास्त्र का मामहा, ज्य देश तान कार्यक के विकास के दिन दे ति । THE RESERVE TO STREET े अधियोक्षा सामान्य परिवर्त । **अविश्वासिक अः। इतिशाश्रश्या**

मध्याम विश्वारम क्य

to deter the last of the reflect sected felicities in Cast All BETTE TELEFOR PORTE etel datale atival मध्य के होता बहाबनायी हरेश क्रिय रावानिक के निर्माण के

नत्त्र श्रीशिव क्रांन Partial Auf (4 for from This said नेनात क्षणांचर के निवास सामान 14 शंप मन् 16.2 THE WITH SALES OF क्षा स्टेडी अधिरेक्ट संस्थानियात

Chilical . Provide the acom के अधिकार महामची सुराहर TOTES ' कार कर महरू सा चारिका काकारमा विका !: काला न । स्वा বিশ্বকর্মনাত অপ্রকার সভা করিবার देव व्यक्त य कविद्यम देशे। किन्नु काल्येमा बदय: ेत विटब मेराज कामको क्रिकेटचन कि कि कि े के इंड अविद्याम कामहमार्थ मिन्स 🕹 **ह इहेजा।** अवि पेरे देश्यम् आस्तिमासासम्बद्धाः। गिय दक्षा । बिटर्मम कड़िएक समास्त्र आहर्यन । हो हो है हेवत है १ रखेत, अक्काटल कांक्नियांत्रेश, कड़ी ्र पन् ইবে এর্গ এত্যাশা করা বার্ক্স, বিক্ রাজা বরাংর অসীম ক্ষমতান্তালন করি আসিতেছিলেন তিনি বে বেক্সাপূর্বক ^{৪)} রেট্রেপ্নার হন্তার্ক্তি সভার হন্তে সেই **খ্**সী शां मुख्येक्यश वर्णन कदिएलन देश कि नामाना A PRINCIPLE TO का क्षेत्र, का मार्म्य िटिशास्त्री जात्र विशेष : एकात्र कमणः क्य क्ष्मिति अधिविधिका बहुत, वह बाबा ^{लित} 'क्लोरमत **चम्दितासा चैत्रमधीर-** महामछ। बक् -12. S. K. कार । जासी जिल्ला केरेट हैं

THE PROPERTY STATES AND THE BEING क्षित्र मान्य दनानी कार्यक **परि** अविक्रिश्चेकार्य चाहेश व्यवस्थातः प्राण्य क्षेत्र विकास कविता विकास कारिका कार्यका किता , क्षान्ति है , बार अवान अस्तर, क्षतिस्वार्थंत्र काज्ञवश्च क्षेत्रांक का विन Miles Ett !

श्राहे आक्रित 1

环 - व्यानदा श्वनिद्धा व्याक्ताविक - स्टेनाम পর চারলফ িনিবিয়ান পোই আক্রিয়ের প্রাক্তি দুর্ঘিণাত করিয়াছেন । ক্ষাঞ্জারি भरेज्य हाइक विरुव प्रदेश चित्र (क्षांश क्रिकेश्वात छ।क चत्र त्विरक विश्वविद्याल्यां स्थानी पर्णन क्षिण

गांबांबरन ७ अश्वांबनाड चरेत्रत कर्यका क्रिकिरशर कवित्राः, व्यक्तिरहरू हो. लाज हरेत्यह मा । अंद्रोश नियमिक कटन शारण यह उत्रेत्वक तरभक्त मे গান বিশ্ব লোভ কীলার কোচর কমিয়ী निमित्त सामानिकाक स्विक्तम अग्रान रेट परिटर मा. किंदिर महिसाय ^{46]} शिष कें श्रीत व चाळा चारिकू ८ . ्देश्य । अवस्रि] **(करत केशादक किंदू कहिएक बाज़ा**ँ) देक्षा स्टेटफट्ट । (शासे माजिएमा. जिमदर्श विशेष हमाक अर्थक आहि-**७ । कि एक्सीड क्याई यादिस्थन**् चानी लाकनिर्देशक गणा) क्लाकेक्सन दिन्हाक स्कर्ते का बहुक्स

त्यांक विदेशक हा है। **प्राप्त** क्ष्मा क्या मनि यह हा**रहा**क है व्यव चार्किक र ३, उन्स्य प्रकृत बाह्य है बदम्ब के इस्थित्यतः विद्यासः वर्ष सक्रमेंने देशरामा केने निर्देश करा क्रिक्टरे कतिएक इस कर, तिक जे शत्म ग्रहतंत्र काल भागा सह । केमरमङ्ग गर्थाः हर लाफ महानमा 🗥 किसिंद अर्थ > हें हु बुदर (भ डेम डे. ফব্রিয়া ক্ষমি দেখিয়া SERIE OF করিছে প:রিংবন ।

बेटलटमंड करक हर्मस्य दर्श देश्मा ७ व श्रीव উপন্তিৰেশ এডবি गर्वके कार्यर आजि कारा वि

能消却的

700

प्यक्ति । मानाना विषद्य वस्त राजन करें। विदिर्द है जून । जह मरका वामसन कारगं है जेन्द्रं म एउतारण कार्य ज़ **७ चटलानियां अ**ज़्छित्र गरिटम्ब **अ**त्र क्षि क्षेत्राट्या' वेदाई विश्वीत कार्या अने किए एक्प्रांटफ निष्के किलाटक प्रणाणिक उत्तकत कार्कि देखे । विद्यार वालीत ্রক্ত হরতেছে"। শাসন কর্ড। সর কর্জা গ্রে त्महर्य विक्रे किलोह खत्र मन्न क तिपरवात स्टब्ड भागम कांत्र ममर्थीं। क द्राप्त वाशिक स्ट्रेता ত্তম। উদ্লিখিত বিষয় সকলের ভারতবর্ষে ক্রি কি আছে > শাসন জার কাছার হত श्रुष्ठ ? क्यांन काफीश लाक मिट्रभव क्यांग প্রশ্বান পর পাইয়া খাকেন > কাহার স্বায়া এটেইশের ব্রাক্তম্ব আলায়াও ভাষার ব্যব हरेश कारक ? **चालवाब वर्डेट**ल कार**क** श ভিৰন্ধ ও নিৰ্মেণ করা কাছার ক্ষমতা / ! बहे जकम अरझेन धक गांव छेखत बारह : **ध्यो श**िलाजात्रकत्वी प्रविधातत इस्ताठ माहै। भागापिरशंत व्यागतं चार्ये, तालक ७ वा अभी कि 'बर्किक काम कामका बादें। "का मना मनल विद्यान शहर बवका है स्तावी वर्षे आकार्य जातिकि बालका भक्त काला करें हा संवर्गमानित दशानत के तराह भारतम वाहक, किक्क वीकांत्री अञ्चलन नखांत्र कार्या है जा । अतुश क्राला कि अता कर्र । वाधक দৰ্শন ক্রিয়াছেন, ভাঁচায়া ভাঁহাদিগরে । এৰেশে স্বার্থন শাসন প্রণালী প্রতিত काफीत किविधि गन्न वला मूरत थे कुक है। हत रावर करणत्नेत करतक वालिएक গৰাৰ্থ ব্যবস্থা প্ৰাণয়নী সভা বলিভেও সঞ চিত হ্ম।

कामा क्रिक्टिक्, देश्लटखन्न माथ अपन्य क्रिक्टिक् मा शाहारक मा शाहारक मा व्यक्तिक विदेश সাধীন শাসন প্রণালী গ্রন্থতি করিবার চেঠা পাওরা উচিত কি মা - গাধারণ मञा **यामन रहकी विदयय** कि सा / क्यांन কি চিত্তকাল কেবিৰ আমাদিগের দেলেন माहेस, क्षम्राध्म अपूर्णि ए क्षम् कर कार्या ज बाग इट व्रक्षक्य शवर्गस्थके कर्माठ वित्र बाहा निव्यक्तिक स्ट्रेटव ? क्क किन व्यापना .न त्मात्र भीतम ७ पूक्त महत्त्वास कार्या हरेटक । विष्कृष शक्ति ? आवता अटनक वात अध्यक्ष क्षितिहै, विश्व व्यवन भगा ब्राप्त

भटनेनीदेशका छोत्रात्र छेडत मार्टन त्यीमाव मंबी संदेशा चाटकता शहे मरून विषदा रहेकी क नेत्री झुककायाँ हडेबाइ कि अबंद इतं बारे । थायता दलिएकहि, इरेवारह । ভাৰে আৰু বিনয় কেন >

े बाव इत्र, अक्टलई काटनन आमांकि भारत प्रतिक वावन्ता ए भारत यहिक स्राप्त তর विषय मकलांत्र मधाधान हेश्लाट हहेगा बीटक । देश्लेखीय शवर्गस्यत्मेत आखात छेलत यामानियात याद यालील माहे। मडा बढ़े छेल्ल भवर्गः में शक्तमां छन्ना. काँइ'इ' खरमच कांत्रकदर्श यिनशत्क अनुसी क ब्रेंटिक हारकन मा, कि छ छ। हाता मर्बका সকল বিষয়ের স্বৰূপ জানিতে পার্রেন मा। ভাষার উপর আবার আমাদিদার विद्राक्षकाती व'लवन्। चाट्मा कॅ.हाता " छ। वहती भिष्टात्र सपन ७ इंखेट

मुल्यम विनिद्रार्शाः । मारम यावशीत विव स जिम्र वर्ष विश्व महिन अमन्ति सहत न । छात्रध्यभीतं भारतारको माहनी इते। जरमर्गत अविभिन्न क्या हेश्मर्थ निर्हा ক্ষিত ক্ৰিয়া গ্ৰাহ, উত্তি। আপাততঃ ইং धाकारन व्यामहा चरननीएनिएटक कि क्रिक्षीह सर्गरक के व्यापन रथ पर क्रुडाब র মন্ত্রণক্রমা আংগ্র, প্রতিনি,ধিগার ইংলাতে व्यवस्थान कंद्राल करून व्य शक्तिवान्त्य म मर्ग हरेदान अक्ष भय, कीहादा कारम जा वृह्यार्थ याधीन भागम आगली अवस्थित क जिल्ला कार्चे। कार्विश क्षरकारा व इहेत्छ ाविट्टन ।

> अविविधि निष्मालास त्य व्यवानीत्र काया विकास कतिए हरेटव. लाहा । जास রা করে: বিতেটি । ভারতবর্ণীয় সক बंबर मह्माया। (वाप हे छ शत्कारका रह

हेना, कानी, बानावा मारहात, नेमा न जा बुदना क निषद कर षाश्रीन क्यों एके मान करण किन नेक्ट करण मन धानव निर्वाध क निकाला, स्थापनिकाल অ'প'ততঃ ভিন ক্ষম হা ত্রি रुडेक । क्षेत्रकवरी से मेखा खात्र अस्य के हाता कावा अध्य क्रिय । अरमर्ग्न्य संक्रम भावत कतारे व्यक्तिविधाला या हरेरवं। गुब्दान्वं क्रिकी मध्य हे इसर 'स्टेटर' मा । क्यांस्त्री श्वित्य नारे वाकार्यक्षेत्र जेवका সীরা ক্ষায় ক্ষায় স্কৃতি টাকা স্টাই क्टम्य। वर्षायम छ अनिक चारहत्। अविनरंत्र रेक् हा काकडे बरेटरक ?

रेशंत क्रमा सर्वितारस्य । तारस्त मा नारमरे रेशात्र माम स्थलता स्रेसारक । कांत्र विकाशत्वत भावत्व लिखिका " देश्मधीप्र कामात्र नदम नात्म मृत्ना वानिक डेशामा अब नकन त्व वनामी ए भवनिक प्रेमा चारक तमरे वानानी वाना त अरे शुक्क अंति अहिए हटेवार কিন্ত আমার এই উদাম সভা কিলে সং হইবার কোন সম্ভাবনা বোধ হইতে मा । एएटकु देखेरदाशीय लाक्षा कार्या नकल एकश करू छ छ इस क्रमक, ভावजवर्ष शिक्षाव पिरशञ्ज हा ৰূপ দেখিতে পাওয়া বায়ুনা। সু शकरमधीय आरक्त कार्या ख ব্যানি বাদ্যালা ভাষায় ইংরান। ন

य थारेक बहुता दशा शुक्रित ! " अर प्रकार के ब्रेग्नाटकत, क्षि व्यानता हि चार्रशालाच चिवित्रवन्त्र्वक क्रिया देशीयाम, छाहात आमाधिक म कांच प्रतादह। के शत करना চনা ক্রিয় শক্তিরেই পরিচয় শেও গ্র ছি। শ্রীরা খনেক খলে তাঁহার র ক্রিয় উৎকর্ব দেখিরা পরিভোগ दिलाय । क्टब्रक काटन की बाद वर्गना প্রা ও উৎপ্রেকালকারের মুতনত্ **ক্ষিয়া অধিকতর আজ্ঞাদিত হই** , किंदि निक ब्रह्मादक चना चना ছারাও জ্লন্ত করিয়াছেন। ক্রিয়ের হেলের অচার ব্যবহার ও क्ति अनुवादी हरें ना यक मूत देनन प्रमुख बहेलाच्च कण्णना कहा पाहेरक अञ्चलाह चाहात कामि क्रतन नारे। निमाद्य विकासवादकारका थान महते ना कुछ क्रेबाटक, देनजिंक छेशात बातारे हिन त्य जरून शर्टेड केशात स्रेशांटश । পাষাদিধের নব্য গ্রন্থকার এদেশের शहीत वाष्कातनिरभन्न गान्न निक वार्यन ায়ককে আত্মরকার্য অলৌকিক উপা इतं जात्यत् कर्य क्त्राम बारे 1

हम्भक्लंका अटकत मातिका। एव कात्र ও যেন্ডেপ বিক্রধব্যুক্তের প্রতি ভাঁহার সঞ্জ হয় এবং প্রস্কৃতা যে দুঁ, সাৰধান হৰণা ভাছার অনুৱাপ বৰ্ণন **ট্রাছেন,** হালাতে ভালার ভ্রমী প্রশং ब्रिटक हर। किति जामनी । का पित्रम व्यक्तांत्रनिरभव नाज निक दक्तनः तका (मार्य मूर्विक करतन वारे । हम्लक य, प क्वेंग विकायहर अंत्र तेश कल मर्जन कहिन्नाहै विस्माहित हरे एउन, হাল **আনরা এছ কর্ডঃর** স**হা**দ্যভার थाना नित्र छैरमूक इहेर म त काग्रदन छमाखनुश्मीय श्रीकांडि रद्र व्यक्ति क्षन्त्र मृष्ट्रचन्न बहुन हर्

MA SULLABOR FORMAL

অস্কার ভাষার স্থান প্রথম কারণ ঘটাই .भ दृशके कात्र क्रकार्यका नाम विवेदत भाषा | ता विज्ञादक । विज्ञादक भीया अकाभ क्रिया प्रकीष बाह्या वन्त्र व्हेप्ट वन्त्रक श्रष्टारक क्रका करतन धरे धक कार्या पात्राने চল্টকলভার প্রণর সঞ্চারের ছুটা কার ৰ উপস্থিত হয় । এক বিজয়বলভের শৌষা ; বিভীয় প্রাণ রক্ষা হারঃ মহস্কর উপঝার সম্ভ্র। মহাবংশ প্রস্তুত রমণীগণ बीत श्रुत्सरवरे व्याधिकतत व्यनुत्रक रहेना बाट्कन।

वारखूत উপসংহারটীও মনোলর वह বাছে। কথেকটা স্থানে কেবল কিঃ কিছু भूनक्र कि पांच मृखे करेल। य ए इस्ल পুৰ হৃত্ত স্ত বৰ্ণন কর৷ হইবাছে ভাষা ভঙ িস্তারিত বরিয়া না ৰলিয়া সংক্ষেপে विदान ममधिक क्षत्रकाती हरेए मस्मिक नाहे। विकास अएख र दिम क्विटबर ७ সোমদত্তের অসাধুতাই বিষয়বজভের যাব[া] বর্ণন করিয়া নিজ গ্রাস্থকে যেনম অধিকত তীয় ছুৰ্গডিৱ কাৰণ বলিয়: বৃণিত হইং৷ ছে। এই धामर अञ्चर द वह विराज्य **बद्य जनर**ेंद्र कुल बलिया क्ष**िमन क**बिया ह्म। निधन छणी बाजा (बाध इहेरकरह, ইহার দোব কীওঁন করিয়া এভছিবরে লো কের বিধেব জ্বাইয়া দেওয়া প্রভাবিত কথার একটা এখান উদ্বেশ্য।

এই এছের আবেগাপান্ত পাঠ করিয়া आञ्चापिरशत धरे तरकांत्र कविल, विकर्द ল্লতে কিল্ডিভের নিমলোক্ত নামক নৰলে র অনেক অনুকরণ আছে। উভয় নায়কে রই জন্ম মুক্তান্ত প্রথম অধিদিত ছিল; केन्द्र नात्रदेश अभागां का का अभाग आकि खन मन्नाच बलिया दर्नि १ द्हेप्राट्डन; যে কারণে উভার নাথিকার উভায় নাথকের প্রতি এবর সঞ্চার হয়, ভালাভ যৌসামুখ্য ্ৰাছে যে কারণে উভয় নারিকার পিতা कमाचारम जगज्ज **डेल्य अप्रकार** হন, ভাহারও এক ৰূপত, আছে ; আছের উপসংহার ও আর এক ব্রুপ করা হরীয়া

किश्वर जात स्वाद स्वाह कि नवन (माह्य परेकाहा हम काला इति व त्यान किल ; विकास्थलक विश्वक स्थित दल्या वर्निक हरेबाटक्त । अही " क्यांत । कर्ति अधान व्यार्थनीय स्था कथा मार्टर लार्केड यन रामन साहित ए निकृषे का इंखि नकन छे गानिक श्रेश छेटके ध्यान षात चया किछूटा इत्रजाः क्यामाठक विरात्र बाधा ছर्वनिष्य लाकरेः अधिक দুট হয়; এৰপ ছলে ৰাহাতে নায়ক 🛊 নারিকার চরিত্র গছ দোধ বর্নিত কর্মন ক রিয়া পঠেকগণের নিষ্ণুষ্ট প্রার্থিসকল नकृष्टि वर्षेत्रा छन्तुकत्रन शहिष्ट मा सत्त्व, অত্কারের একপ চেতা পাওরা অভিসং উচিত। বিজ্ঞানসভাত্যাধ্যে এ প্রশূম ৰাছ্যু ৰূপে লখ্যিত হইন।

কিলডিভ নারিকার পলায়নাদি হুড়াছ त बत्नारात्री कतिशाहरून, विकरवृक्षकतात्र **मिक्न गाउँ । जामाचित्रात्र (मर्मार्ट** ঐলৈকেরা পিঞ্জর্জ পদীর মার স্থান बरभारे क्रम धारकन, छीहानिराद्ध धायाना कि वर्निक स्टेटल शांदश करेनलाईक एक অম্কার বোধ হয়, এই শক্ষা করিয়াছেন। কিছ আমরা একণ পঞ্চার কোন কারণ मिविटक के ना । अनाक्ष्म मश्कृष कशक्वि মালতীমাধ্বকার ভবভৃতি মালতীর এখান बुखान वर्गन कहिए। जोनगर्निक वर्गनाकारी र निज्ञा के भागितक इस मारे।

चन्दिक चनुकानकाती जाचितिया शका जगरीत !

्या एकक्ष्यावित विश्वयान विश्वय गाउँ ক্ষিয়া আমবা অভিশব্ন কৃদ্ধ ও বিশ্বিত হই गाय । थियात्र ७ ४मारस्यत्र कार्रम ७३-- ७ वस, बोक जल्लानाराउँ स्व स्व का कि अने स्व हिंद का-मुक्तित क्यूकोरन क्षेत्र व्हेग्राटकम, मन्त्रामक खीशकिरशञ्च अन्य अध्याधिक छात्री भागतात्र अञ्चाद्ध के दिल्ला श्राम समर्थन कतिया दारे ार, कटन (काम स्कान निवटा विकासमाहरूक) अप कामाविद्रान्त समग्री विवास विद्रान

(इस-देशारक कीवात कर्वेश करकी करावा-हतन कह क्रियारक् । विजीव, अ गर्वक माम-প্রকালে ত্রাক্তধর্ম সংক্রোক্ত বে বে বিবর'লি-बिड रहेबार्ड, कंटा किनि ग्रवाहिक कर्कि. नियम महकाद्य शार्त महतम नाई । खादा इहे en िन कथम अवाल निर्विष्ठन गाँ ए स्थाप-शा त्थावाहरू व्यथना क भगात विवय विविदेः खेटहर कतियां जाहारेज शास्त्र विदयन अथा-क्रेश्न (६६) लाहेएडि । चामता गण्णाहरूक कामरवाच क्रिंडिकि. (मानश्रकारण्ड त्व त्व करम आर्थना परिष क्षेत्रांच मिथि उ प्रेयात्क. ভাষা উদ্ধান করিয়া লেখিনেন দেখিতে शाहरवन, व्यामदा न्याडीक्टबड़े लिचिडाहि : अवारत्रद्र केलाननः स्म **करवा**लवाती, आर्यनः स्म দলোগধারী নহে উপাসৰ: নিডা কণ্ডব্য কর্ম. ना कति हा व्यक्तावाय करता. आर्थना व्यवसा कहता महर छात्र करिएल गांग मध्यमी, किन्न केशारक व्यक्ती है क्या काफ मुश्रायन। महि, विक्रि .कड छैरमांट **७ जान्यका नाए**डव निवित्त করন ভাগতে धार्वमा कविष्ट हारहन, आवातिरशत जालीब गाँहै ।

ভঙীৰ সম্পাদক ভালদিলের প্রতি আ शामिरवात्र बक्तवः स्वार्थ समर्थं दम मार्थे । ता-কোনা সমাজে ৰসিয়া বিশুদ্ধ প্ৰণালীতে সাধি भीरवय केशानमा करूम जबर शुरू विश्वा विश्व ধৰ্মের নিমিট ব্রীভিক্তমে মাবভীয় ক্রিয়াকলা (नेत्र जिन्हीन करून, अज्ञल डेलालन स्मन्द्री কোন এমেট আৰানিখের অভিপ্রেড নংই: चारात्र, चायत्रा आक्षांपरनात्र शतुम स्वार (क्या) म **"शिक्षमध्यमध्या विश्वत्र आंक्ष्यम् आहार्ययः** প্রতিষানী সৃষ্টি , আমারিবের এডাক্যাত ব্জন্য ব্রাপেরা বিশ্বর ব্যক্তির অনুসন্ধ कदिया हार स गारित गर्भेड नरकार सार्थ कांत्रके दश्य काताथमा करतम । उन्होंनदश्य मिळा हार मर्नर हे प्याचा प्रिट्शक व्यक्तिय पालच : कत बर्वाएक । कामबा स्विधिक गाहर उहि. धीशाह्य किथा किया विवाद दिन्दु भएकेत जात ब्याम ब्याम विवर्ध दिख्य वृद्धित शहरादर्ग क्रिटिक्टक्स ! "माम्बद्धी धाष्ट्रास दक्षाव गांबूत " प्र का उपने विष्युंत्री पृष्टी व दर्भ अवन

विक मेर्नाक्षेत्र क्वाला क्ट्रेटक

अर्थित रे विशेष एकि कि व मःचाह कवाई-। শা দিতেহে > ইয়া বিশুদ্ধ দুক্তির অপুৰোদি-ত ইইলে খনা খনা স'ডিতেও এ ব্যবহার पुढे हे इंड महापर बारे। हे श्राम, अन्धान, स. हाँभी उ दूरश्यान अएकि कि काउक्य छ-बिया थात्कव > वडी (रामाभित्र कर्ष प भूद्र আঁছে আত্যেতিং কুগাং ৮ এই আতি আছে। बादमता अ कर्पहा ताम कहेरल कारन कविद्या हिम, विष्ठ जाएका शारत (बरवाक जानकान खानि क देवा यस्टित अधनुद्रन कविद्योद्धव (१) अकरन कार्यापिटः त विकाम **এই, व**ोहांद्री विश्वत पार्वेहर व्यष्ट्रमयन कतिहा जाना भनी **अऽदित उत्तःल क**हेग्राटक्रम, छोहामिट्या **डॉशक्टिश**त क्राल चडांव दक्स र অবস্থন কিং বেদ'না যুক্তি বালি শ্ৰেমটী অধ্যলভাৰ ছণ্ডালা কটালে অনুষ্ঠান না প্ৰিডেকেন কেন? বনি স্বভাবের আশ্রম গ্রাণ কবিলা থাকেন. আতক্ষীদি প্ৰিডোগ ক্রন। আমরা পা-है।करत हिंडापिश्यक कविरुक्षकि, अवदेश कामी ক্রিলে তাঁহার। কাহারও এটি ও ভট্টির कामन बहेर उ शाहित्यन ना । बंध्यापिटशह ब्रिट्स विद्यान चार्छ, छोड्डा व्यक्तिक चन्न-क्षेत्रमा (पश्चित्वरे छोरापिशस्य (बायपिशस्य) माखिक का न निविद्यात, आव व शिक्षिताइ বেলে বিখান নাট, ৰাহারা নিশুদ্ধ বাক্তর मम्मादी हरेबा अहे शक्षांत्रकण दरार्थंक চটতে শেই অনিতীয়ের উপাদনা কর্ত্বর विविधा निका विविधाहरूम छोडाहा छाडानि शहक कार्यक्रिक कार्यक्षेत्रकांद्री ए कार्य विश्व काळ हा इहिट्स । ७ इडिया अनुक्रीमकादी बार्यका कान काइन, के बंद शक्ष दे देवा कि (बन कि ह केश कथन गर्धातिल कव -क्ष कथाते ७ आह्न " य कास्कि मकरमद्र भ-सावश्रम कृष्टि ए एए दन कामावर्षे भरनावश्रम कविराक शांदर सा । व

অনুষ্ঠানবারী আন্দলিয়ের দ্বি একাপ সংক্ষার ক্রমিয়া থাকে যে প্রথমে কোন ছ্র-তন সম্প্রায় প্রস্তিন কবিতে ছটলে সাথারী লোকেন্দ্র মনের গতি বিধেচনা ধরিয়া কিঞিছ

কণ্ট জান খানস্থান
কালের কাৰজীর সংগ্রের
এইবপ করিরাছেন কর প্রবর্তীয়িতা বছপর বুগলালের
প্রতা কর্ম করিরা প্রতা
পর্যা কর্ম করিরা প্রতা
কর্ম কর বিবাহের মিন্তি
করণ আমারিকের মেক্সমান কর্মে আর্থান বিভার
আহে, অভারব বিভার
আহে, অভারব বিভার
ক্রিক করিবে ভারা
ক্রিক করিবের

अंदिका करि क्षेत्री भ अतिका 'दयरमञ्जू হইয়া ভব্জিভাবেইস্ট সর আরাধনা করেন, তাহা হৈছেলী कारी प्राष्ट्रकान क्या विकास है। উপাসনা ছাৱা কি জন্ম with the party of हिटल विश्वकर्मा महिला उपदर्शी उगाममा विकि कि सकरमञ्जू उद्येष कतिया जिदक अवर्ष रहेटव मा । चार्चिंगरमञ्जारमञ्जा अवस् वाहे। अनुस्तिक जिल्हा । कारबाह्न जिल्हा श्रिमाम मास्य बेरेक केलेहा के উপধৰ্মেৰ হাটি বছিয়াবটা এটা ত্তকার প্রাধান ক্রিয়া প্রাকৃষ্ था उ करवेन, जिन्हीय अहि वि हिटनन, कारनामचंत्री क्रिकाट त्त्रदक मार्थापूर्व क्षित्रकरक विश्वनी वकाम वर्ष सहस्र अहिन है और कि । प রা নামা বার্কার উৎসধ বিজ্ঞান ১ डाएक। और क्षित्रोहित्सम (१४) र्यमिक रहेर्द्राई वहेन । तरिवारा ि , ब्रिटनेस् केट गर्य द्वार निर्देशय कार्रि क्षिके अपि : ग्रांश्वम मन्यात भूतक है विश्वपार्थित करेंचाग सूचेना 🐠 🐲 धार्वित रिक्रथम् कि अस्तिकः

^(!) পাঠকগৰ ভৰংখৰ ও পশুপস্থিতে হ'ই। অনুষ্ঠান আক্ৰিয়া কেনিত গাউনেন।

সোৰপ্ৰকাশ।

.तेष[े] व्यवस्थाः वरर १ टोराम्सा ७ कि क्ष्रीय न्यांसुक्त क्षतियां से विवरशत वर-हो क्षिएकदानुब को १ ज्योग्यादकत मुक्कि वर्ष रक्षा है इस्तान यात्र श्रेष्ठ कवित्रारह, क्षि चंद्रक्षेणक सहित्रा चेदनवा सहिताह হুটুরাছিল; ভালই, ভিন্নি কেব আখীর ्रिक्षि जारमान च चारमान्यामन मि मा क्षानामित्र वनि सेना परेशा , বাংলের অভিনয় প্রাক্ত আতহ, ভারাদি-क्षिके के किंद्रमान या 'त्कन ? उपूर्णनरक कृतः विकेशक चाहायना चहिर्छ है वा विश्वकार्य विश्वक्य विश्ववित १ छ।वात्रा ক্রিক্টি একটা আডবর করিরা লো-कुंगांक्षेत्राचे "क्षेत्री अतिरागन रक्त १ वी- । क्षित्रक किट्रमाधनक के बरत्रत आत्राधन। क्षेत्रम विक्रमा परित्र लाक्कीपार्व sকৰ্মাৰ একটা ভাৰত্ন্য কিয়ায় **ভা**হ কৈ ক্ৰিক্ৰ বুক্তিয় অনুনোধিত বলিয়া के विकार अर्डाष्ट्रां स्टिन त्राधाहरका क्षेत्रके शांकिया केपटतम जाताच्या क निवासी कि । पश्चिम केलद परनारे पूना क्षितिक । देवन वाकन्ति विदू ्वत्र चेलालमाडे मात्र देश पुनियान ं माञ्चल आके करन्त्र व्यवकान करा रहे क्षिक्ष अधिक विकास विकास খন াই সাম এই বিবেচনা করিয়া কোক ্াং শ্লাধান্তক বুকি সন্মুখে রাখিয়া ঈশ-🖟 हे ब्रोप्रमा कहाएकहै स्थाप कि ? पीवाता हे के । पूर्वित श्रमा करतन/काशांत्री कि नरन सं रवे जायहा अहे मूर्डिटड मेक्टबड

বা পদ্ধনা শুনিতে পাই, অনুষ্ঠান

আন্ত্রালে কাজিপ্রায় বুনিতে

ক্রিলি করে কালিপ্রায় বুনিতে

ক্রিলি করে কালিপ্রায় এনেকের এ

ক্রেলি করি। জালারা এনেকের এ

ক্রেলিকাখন বিবতে হস্তকেপ
অধ্যবস্থার সহকারে কার্য্য করিতে

ক্রেলিকার উপরে আমাদিনো

ক্রেল্ড আহে। এসই ক্রেল্ড আলাতে

ব্য ক্রান্ত ক্রিলেকাকে ক্রেলেক্ প্রতি

ক্রেল্ড আই অভিনান্ত ক্রিলেকাকে ক্রিলেকাকে

गरम खादा मररणायन किहा गाहेचा चांकि खादाप्तिद्वात मकल्लिक क्षण करें, दिनि दक्रेन, दथन दौदात क्षण क्षित्र, खरक्षवार जादता खरमररणायन क्षणें। कतिन, खादारख क्षण क्षणें दक्षन, खाद पूढे दक्षन, खादारख जामानिश्वत स्थाक नाहे।

এই প্রস্তান্টি ক্রমে অসমত দীর্ঘ হছিল।
উর্তিন, ইভিয়ান নির্বের অন্য অন্য বাজ্যের
উত্তর দানে অদ্য আনরা বিরক্ত রহিলান। স
স্পাদকের নিকটে মামাদিগের অনুসরোধ এই,
আমাদিগের অন্যথাসুত অভিপ্রান্ত তিনি অ
ন্যথারণে লোকের গোচর করির। সাধারণকে
অমে পত্তিত করিয়াছেন, অভ্তএম ভিনি এই
প্রস্তাবের মান্টি অপ্রবাদ করিয়া সাধারণের
অম্যঞ্জন করিয়া স্বেন ।

উপসংহার ছলে ভাষরা भूनवार अञ्ची-নকারী ত্রাক্ষণিকে বিনম্ন বাক্ষ্যে অন্তর্গের ক-রিভেছি, উত্তারা যে উক্ত লোগারে আরোহণ ব্য়িয়াহেন, ভাষা হইতে অধংপতিত না হন 🔻 ভাষার। যে এক্সর্কাকে হর্ যাত্র করিবার চেষ্ট। পাইডেছেন, আৰক্ষা অমেও ধৰন ভাছার ঞ তিবাদী নহি। আধাদিবেয়ে চুচ্তর সংখার अहे, विश्वष्ठ टाष्ट्रपर्ध शावर अस्त्राज्य धृहत्रक না হইবে, তাৰং এদেশের সম্যক উদ্ভি লাভ প্রত্যাশা নাই। ভাঁহারা দে অসুচিত অসুষ্ঠা-নকে গৃহ মধ্যে প্ৰবেশিত করিয়া পরিজন গ পের চিত্তের লমুড! ও নীচতা সম্পাদন চেই। পাইতেহেন, আমর। ভাষারই কেবল প্রতি-बाबी। कन क्या धरे, वेदग्राह्य गठि निव পদ্মীর পুরুষভারের সহিত রহস্য আলাপে? नाव विख्य बाक्यम् च्यूषान मध्य महिद्य भारत्म मा।

विविध गरवाम ।

হৈ এ বাব সোমবার।
বাজাজের হল-চরে সাহেব উত্তভা প্রেবাবাজাজের হল-চরে সাহেব উত্তভা প্রেবাবাজার উইলিরম্স ও ডাজের উইলস্ম
বৃত্তীর ঘটের লোব প্রেবানন করাতে ভীবার।
এক বংসরের জন্য নিজ নিজ কর্ম বৃত্তিত রুহি
ত বইয়াধন্য। ভারাদিলকে ব্যক্তার ব্যুত্ত

निट्छ रहेटरः छोराग्ना किर्विटको निट्न क्रिकेट

ক্ষিপরিএট ক্ষিপ্ত বলাতে সাধারণ রাজ্য হট্ডেএক লক টাকা ব্যয় হইয়াছে। বাবে চুঁলে ভাঠার খা।

সম্রতি সর চারল্স ট্রিলিরান ব্যবস্থাপক-সভার সভালিগথে আজান করিয়া ইনকটা-লের কার্যপ্রোলীর বিদয় জিল্পাসা করিয়া-ছেন। রোধ হয় ইনক্ষ্টাকের অভিন কাল উপস্থিত।

काका अकाम यहनम क्रायाच कहनसम्बन हवा विनामकारी खीरलांक, श्रृद्धव ७ वानक वा-লিকা আসিয়াচে। বাকিয়ে ভারাত্ন। বাঞ্চিক त्रत् नावनात्र **भवनत्रम क**तिशः विस्तर्गाष्ट स्टब কিন্তু পোপনে ভাষাদিলের জীলোকেরা বাব তীর ভপ্রলেকের খালতে বিয়া জীলোক দিগের সভিতি আলাপ করে। যখন পুঞ্চে রাবাটী না পাঞ্চেন, ডখন ভাহারা নানা যেকার ভাব ভন্নী প্রকাশ ব রুজে থারেন। এ চ सिटक पूरे अरु सन ५८द्रांगांत्र करत्, प्रमाय क्रि **८क प्रदेशक काम मिख्युक माना का विद्वास भावि** ব্দপত্রণ করিব র চেষ্টা করে। সম্প্রতি ছংকাঞ দারণ। তাহালিগনে চোর বলিয়া হুছ বরিনু। বিজয় টাকার জনখার প্রভৃতি বাহির করি রাছেন। খোরাসানের লোকের। মন্ত্রা আক্-গানেরাও ভাষাদিগকে ভাষাইও বনিয়া মুনা

উক্ত শত্তের চইগ্রামত্ব সংবাদ দাতা পুর্ব ৰাজলার জীত লাসী রাখিবার প্রাথান একটি উদাহরণ গ্রদর্শন কবিয়াছেন। ক্ষতে জানি या नामक अक अभीमादब्र अक वैश्वी शनाव-न क्यारक करक जानि होते आनामरक करें ভাবে এক প্রতিজা পদ্ম দাখিল করিয়া নাশীস করেন যে পা'রী (দাসী) তাঁহার ह के हिन्द 82 हैं। मनाम ख नद्भा महेन। चीकांत्र करत, दम यावस्थीयम छै। হান্ন বাসতে থাকিবে আরু সে বাহা উপা-ৰ্জন ক্ষিৰে ভাষা ভাষাকে দিৰে। বিচার-পতি বাহু ফালীকিজন নায় এ নানীৰ জনাত क्षिप्रास्त्र । यथम वीती व्राणित्रात्र व्यथा गर-बार शब्द चांद्रमानिक दर छ" निश्वित्वादिशाम श्रेतियोजनात, पर



त्माक विदेशिक जिल्हा काली स्नितिश जारकन । भवनश्चितिक जिल्हा कार्याश्चिति विदेशिक विद्यान एक एक जानीएक जानावित्ति केन्द्रित चत्र् न एक एक । जाना केन्द्रित कार्याश्चिति केन्द्रित चत्र् त्मानी एकेश किन्द्रा जिल्हा जिल्हा जाने

চাইনুস অব ইঞিয়া ববেন সর বেশি এটি বাধ্য ও পাক্ষারী পর্যন্তে নেনারচনর এক আকুর নিয়াস কাগিত করিবার করে তথার গধন করিরাছেন। সর ইউনিয়ন বালকিন্ত রাজপুত্তনার পর্যন্তের বিশ্বরে ২ অবণ করি তেছেন ৮.এসকল বিশ্বরে কর্ম ব্যস্ত্র কর্ম একবে অভিশব্ধ ক্যারে।

বিরীনেকেট খনেব ৭ই কেজয়ারি কাশী য় রেইলওয়ে টেননে একটি কোজ ও সূত্য হুইবে। গগরি জেনরল তথার উপস্থিত থাকিবেন।

खेळाग्य जाकाशिक प्रदेश क्षणांन क्रि-शांद्रिन नदकी भग्ने अन्छि नाथा द्रार्टेन द्रा प्रदेश। खारा प्रदेश ग्रांश्यूत कार्केत वानिरकात विदेशक स्थित प्रदेश।

व्यामार्थिति (गटमर्टिंग्न वर्क वन नरगंत्र गणा बरकन देव क्षेत्री केश्निण करिएक विद्या करोशकाश्विते हैं। क्षेत्र वेश्वित कर्षानिक नथा-गणा शाहर्षिट्डन वर्ष । हाक्ष्यकि कर्त्तीश कर्ता व्यानगर्क 'एक्शारक हाक्या कारियाहित्यन कर्मकातीती काराज वाक्षित क्षेरमाक्षियरक एम्बिट्ड झारक्य । द्विनिट्डके क्षिमान मृद्धिय वर्षे क्षेत्र करियाह केरिक्ट होस्ता निक्टि गमन करियाहिता।

া শীশুভি বাগদে অভিনয় শিলার্ড হইয়া-থিয়াছে। কলোত ভিয়াকার এক একটা নি. লাশিভিভ ইইয়াছে।

देशके काषामरणत क्षणान कम तुन्नत गारह-व है रमल शहरक क्षणानमन महिन्ना भूनकांत्र वीष-क्षण क्षणा कविद्यारहन । क्षणाना किन्ना-व क्षणान महिन्द्र भूमिरव क्षणानमन ना किन् प्रकार क्षणान वाह्यक प्रदेश प्रदेश प्रदेश क्षणाव भूमकांत्र क्षण का वाह्यकेत प्रदेश का क्षणा भौमें भूमकांत्र वाह्यकेत रमनाम गारहन कि का-भाष क्षणान वाह्यकेत रहेरण्डाम कार्य का-मांत्र क्षणान वाह्यकेत रहेरण्डाम कार्य का-मांत्र क्षणान भाष्ट्रिक रहेरण्डाम कार्य का-

'विकितिकाम वितिविद्यात अरवाप प्रांची करत' । काकि दसः

म मंद्रांकि खड़का कांडाभाड़ बहुँदक कांडाभन करहार्षि नेनाहम करत । किन्न कांडा कांका मनिविधान कर मारत कर्क् पूक्त क्षेत्राहरू । मिन्नारमंत्र क्रम बहुँदक गर्कश करहार नेना प्रतिगरमंत्र क्रम बहुँदक गर्कश करहार नेना प्रम करत, जानता क्षेत्रहारू कांडाना क्षेत्र मन कांकिट बाद मारे नवत हरे कर क्षेत्र वर्ष्ट मरवा क्षेत्रा करत, विश्व कांत्रिंदा वार्ष्ट भावेद्रारक करत करिता तथा नाहेंद्री वार्ष्ट

हीनरमन ब्हेंट्ड गरवांने जानियांट्ड मधार्टें त त्मवात्रा हैं डेट्डांभीत्र आकिमत्रमिर्ध्यत्न बात्रा निक्षिण बहेत्री यूचं विवस्त विशेषक भारत बहेट्डस्ट । त्मांभिष्ठ बत्रगहेन भन्न हाल बहेत्रास्त्र । होनसम्बोत्र भवर्गस्त्र हेत्र विस्मिनीयप्रित्यत्र महिल संग्रमा महाय वृत्रिं बहेटलस्ट । करिरक्टमत्र यूना क्षम्भ बहेत्रास्त्र ।

নিয়নিখিত সংবাদ গুলি বিশ্বগোট্ন বট বইতে হ্ৰীত হইল। গ্ৰাব্ৰেই প্রীকার্য করেকটি বালালা আদর্শ বিদ্যালয় স্থালিত ও ডার্মিয় এক অন বিশেষ ইনস্পেট্র নিযুক্ত করিবেল।

বেলিবী আবছুল সভিক বিশ্ববিদ্যা-সংবার এক জন সভ্য ব্ইডেছেন।

ক্ৰিকাভার জাংকারীপ্রবিদ্ধানী হণ ক্রিন সাহেব গাও ইঠান্সঘটার্ড অ্রাচুরি সংক্রান্ত করেকটি প্রজন বিষয় প্রকাশ করিবাছেন।

মৃত দেনরি রিকেই,স সাহেবের এক-চিত্রি ত প্রতিমৃত্তি ভারতবর্ণার সভার্হে যাখা হইরাছে।

পরিমর্শক ববেন এক ব্যক্তি ওকাশ্রতির পরীকা দিবার জন্য ভবানীপুরে কানা করিবা ছিলেন। পরীকার দিবস প্রসামান করিছে শিরা তাঁহার হঠাৎ মূত্রা ইইরাছে।

२२ अ मजन बाह्य।

वक नाकि निविद्या गाठी हैवाहिन २६ भवननात ज्ञानांकि नाक्ष्मेश्वाद मध्यकि नाक्षांनादाद्व प्रिक्तिनांभव नाक्षितिकां त नाहानांवि वक्ष मका हव । मका प्रत ज्ञान क्ष्मे हिनाहिक हिल्ला। मकामहै किहू किहूं निवाहिक, नान ताक त्यांत नाजाहो प्रती ५ के होना चाक्षा किताहिन। वहविष रिवाह मा कात-कर्ण समितन कानांविहाम प्रक्रिय भा वावित्रं तेनं क्यार्टी कर्मातिविद्यम् अविदेशे वित्र कर्मातिका व्यवहरू त्याहा पंतिपाक स्रोती वाक्ष वाक्षतिक सन्। मावित्रं तेथन् व त्या जाम्रोकित्यम् स्रोतिका

देशनियाम प्राप्त हैं देवदारंग देखिनशुद्ध १ ८ जेनिक देवनामन्त्रक प्र

আলাধানাক বেচাইটু নানী নেজলৈ নাজকার ইজ স্বাহ্মনাল নিম্ম বালাভারত বইডাইফ

किंति जारे बेर्टने हैं। चित्र वरेशारक, जंबाती संस्कृति ए वरेरव अवर के बारे, जाराज नीज बेरेरवेगी

ठेक गांव जार्था किथिक व्यवस्य जानसात्र संगिरिक त्यागरमानी ६ नावि व्यक्ति जनम राग्यमर्थ ब्राह्म सामानिक निष्ठ सरेग्।

विकाशन गटन क्रम रहेताटन ने जान यान नेतरकार जनत नतिकेशांत आदि क्रम रहेट त्रवृक्षांतांतात क्रियं क्रम रहेट त्रवृक्षांतांतात क्रियं क्रम रहेट त्रवृक्षांतांतात क्रम जात क्रमी क्रम क्रियं क्रम रमन जटन क्रमी क्रम ता वालिया रम रहेतांत क्रमिक महायता। क्रम क्रमी क्रमीत जातक वाल्या रक्ष क्रमीकाशांत्र करनावता। क्रम क्रमीकाशांत्र करनावता। क्रम क्रमीकाशांत्र करनावता। क्रम

রসংবাদের বহিষান উর্জি রের সংভাব স্থান কইডেরে কি উর্জির চেঠা করিকেরের টি প্রক্রিক কৃষি কার্যক্ষিক সোধ

নাবল্লি ভালস এইছেছু, চীনচেন पूर्व जानिया अवदयदगंत्र रा निकास स्वितात सामन सहि-

किं के विशिष्ट शक्त वा विकास र्टिकेन प्रनेत कतिर्देश निवाहिरम में नामने दर्शिक क्रम्प्रदेश भू-प्रदेशनीत क्यार्ट्स हि विनियान व রামি এট নম্ভ বন্ধোমন্ত সন্দর্শ पंकि इंदेशिया किनिमीख दरिए বিশ্ব লৈকি, বৈধি হয় ক্রমে সকল रायानकानि वर्षे करण नमन कतिएउ

ুপ্রেশ্যেরারের শাসন ভাস্ত-र्दिष्ट्रीया बिट्राणियांत्र दश्म माद्द्रदर् <u>विवाहम । देश क्षांन त्रमान-</u> वं अवस्मित्वेद्व अधीन हट्टर इशिह्हरण्डक देशह जनाज्य अक्ष शब्दवीय हुन अन कर हिन कि कि के देवेदवर।

ने जान मूर्यात।

श्रुकार्गात्र मधकादी कथिमनद छत 🕏 ,सांद्रय पनिवाद्यम अवः नत्र । दुल्को श्रृक्षादर कृषिक द्वरान क

ध्रमन गुत्र होइसम हि विलियान डेठेडिनाइ ड्रेम् रवान स्विट्ड विरश्क प्राथिविदाव्यक् ब्राध्यक्ष-व कर्त्रवा कर्या :

শভিবার টোমহানে ওকালভি ই শতের অধিক পরীকার্থী ইপ इंदलन ' कानता श्वनिता क्विक मेर्फिक्त कारतरस्य अकस्य छेलाः । विश्व अन्य कर शतीकार्वित्व व्य नेचित्र। लोठोडेबा मिनाद (5टे। ला-

কিত্ৰ অণ্য ছাত্ৰেৰা তাৰা संभिक्ति बालित्र वर्ष अना विया बनावा (बाध ब्रह्म बा, छत्व किति कि कर बहुत है 🥫

अनात ज्युक्त मिना शी बहुता निम् अपि क्ष देकित प्रार्थिक

বিশ্লীপেন্তেই যদেন ৩ গণিত ৰাটালিয়ন রাইকল দৈল্যদল গত রাত্রিতে আগরা যাত্রা क जिल्ला है ।

हैश्लितवान बरणन केन्द्र शिक्ष धालरण ब्र (मध्येष के नवर्त्र अञ्चनहैन मारक्रक्य गर अबैंड, बि, हान्निरहेन मारहर निवृक्त स्टेरनन ।

বোৰাই হইতে চারিজন পারশী কলিবা ভার আগমন করিছাছেন। ইংগারা গভ কল্য मरक्ष कारमध्य अभिवाहित्यन। वेशीक গের নাম ভারার ভাই ছাজী ৷ অর্থেন্তর ल् निकी । पंत्रमकी इसक्की कार्या । जनर च त्रनची नांबाद अश्रामि कांबा। हेर्द्धांबा हे हैटब्रा-পের অনেক ষেশ দর্শক করিরাছেন। সমুদার काञ्चक्य वर्षम क्षित्रात्व हेर्गिक्रात्र हेस्। ·चारह। राबानी संबोधांत्र ७ ४वी रा किनि शिव करन कहें क्रम व्यवस्थित के बादन ?

२३ अ बांच दृश्माखिवात ।

ভাক্তর নিলেসিয়ন নামক এক জন ক্য়াসী টিকিংসক গারিবল্ডির ক্ষত্র পর হটতে এক नक्रक्त छनि बादित कत्रिवारक्त । देवेनोरव-য়া ঐ তাজারের মাজিশর সন্মান বর্মন, করি রাছেন। একার্যাটা বান্ধবিক আড্যান্ত স্থপানের ष्ट्रेबार्ट् । कांत्रभ न्यूषांत्र देवेशनीत्र ७ हे रवा क চিকিংসক পুর্বে বলিরাছিলের জাতার পদ मर्था छी। मारे अक क्रम देश्यांक अहे छिन्द्र चना २०,००० छोड़ी (बिट्ड होट्डन) शांति-ৰবাতি তালা ফেলিয়া দিতে বলেন, কিন্তু নেনাপতি টর জাধা মেপল্সের চিত্র শাব্দিকায ইহাতেই আয়ুও প্রকাশ गार्डरण्डर गातियांनिकत्र न्याद अवार्यगत् चरम्य श्टिखरी अर्थ नाज अंत्र जर्ग कहि |

णकारव कूरेगारेन । अर्थान इटचान ठाव स्त्रे-(करहा कामाफाइड के ब्राह्म वीस वनव णा-রত বইরাছে! আমরা দ্রুজিলিঙের হজের বিবয়ে বেৰূপ আৰু ক্রিতেছি ভাষাতে প্র-भार निर्फाना हक एउन्ना जगनव नरका,

🖲 मुख्या 🖲 है। हैं मून कार है सिना बनियारहरू পেৰিপুতার ভরিএটন কেল্পানি প্রতি-यानिका निरायण कविनाय वेद्याल । अस्ति नाविरात्र वर्णकाडिविराम् व्यक्त इवि हैं

व्यांश्याविद्यात्र मान्य द्यांश्य क्षित्रोत्रेश्योक्ष्य ! व्यायम् । स्थितं रकोन्नानि व्यानमाविद्येषाः मी-पूछ। मध्यमान कतिरुक मास्त्रिम कि में क्षेत्र ।

1

বা কৰুমায় যে লাম মহন্দৰ লাভ কালেভি এলগিবকে আখন ৰাষ্ট্ৰীতে নিমন্ত্ৰণ করাছে তাঁহার। তাহ, গ্রহণ করেন। তরিনিস্ত শ্রীনুর্দ্ধি কান্ধি সহায় পত্ৰ সমূচ আজিলত বিহুণ্ড হট-त्राष्ट्रक । अक वरामिक यत्का नाम नाम वर्षे द्या. नाम मर्काण देशनात्व दांचीत वांडीटल निविधिः ত খন, তথাপি তাহার প্রতিনিধিকে নিঞ্ বাটী তে নিষয়ণ করা অসম সাহস। অঞ্চাত कून जीन **ब्री**इक्षिकांब्रियां अध्याप कांब्राटर प्याप्त नारम तोष कात्रन वटहे कि व बासक्याद्यदा তাহা বেধি করেন না।

হারগরাবাদে এই অভ্ত জনরব উঠিয়াছে রোহিলারা হাঠ জারত করিয়াছে এবং নিজ:-নের এক জন সেনাগড়ি ভাহারিপ্রকে হয়ন করিতে গিরা হক বইরাছেন। বণুরাও নামন বে ব্যক্তি নানা সাহেবের সহচর বলিয়া ৬৩ रन, केराव निकार कार्यक्षानि श्रेष शाक्ता গিরাছে। এসমুদার মান। সাহেতের কিখিত। এক থানিজে ডিনি লিখিয়াছেল যুক্তে পরা-জিল হইছা ডিনি এক ডাক ব্যুক্তাৰ বেংশ नवान्न करत्न । क्षिति अक वात्र इक्टवरन क-কিকাডার অসিয়া বঢ় বাজারের বণিকরিনের निक्टेंड जानमांत भवर स्मरकेंद्र कार्यक विकीष क्षिया त्यस्य निर्मारण शंभावन कस्त्रमः। नाना जारण्य वशुद्राक्टक मानिनाटका विध्याद, हैना-निक कतियोत समा करत्रकथीन शक्त विस्ति। दहन। द्याप एक सामा गाँउएद्वत नाम शास्त्रिक अबूश कार्ड अन्तरदेवत्र निहस्ति सहैदर भारा

मिश्रीरंगरक वरनन अरकात । सीधरतक,) ज्ञादि नारशद धरेरक धूनकान नुमान स्टे-'ব eফু সম্পূৰ্ব ৰইডেছে বা । বেইল্ডেয়ে কো-न्नानि छत्रिपिर्द लोटबङ्ग करका नाछिरछ।इन । गाउ बरमह २, ৮३, ৮७७ सम चारमादी गमन: विषय क्टब्रम, हेबाबिटभग्न बहुश २,११,०५० केंग अञ्चलकोरामा छ विथाप्त क्रारणम् । क्रियो क्रियो क्रियो आक्रिय भावत करवानल असामानि वाह ब्राप्त लोककता किन देशों काल सर्वेश्वास । माभवन , जासव , वहेदकः, मध्यः ११ हेन हेवहर मार्गि शिर्मा पूर्व रहात्र्या माह स्वेदन व्यक्ति व्यानका विश्व करिया के विश्व व्यानिकारियाँ

निकार्यक कि वैद्यान बरम्य स्माग्टन विद्यास नहेशाक । किरमक्तियां ७००० महान्योदक तिक्रि **७ व्हिन्न विद्व निर्दे श्रीशास्त्रम विस्तर वर्ड सिदा** ए । हीमरमण दें हैं के अप वर्त व मानी राजा क খাল্ল গাসন করিয়েইটে। বিগোর কেবল আর্থ ও ेनना अश्वद्धानेत्र, होजात द्वीवृत्यत् ७ पाछि ল্য ছানিজর ৷

भोत बर्जन, ३४ ६२'४३ फोर्ड मिल भारत है के अ १६,६३ व विकास विकास के ती भी ए ४,८१,२१,5°8 है जिस्स जानमानी बहेना क्षा निवासुरतत क्षेत्रक कीत्व करेंदिक है। কিন্ত কৰে আমহা উক্ত উপনিংখ্যে যায় ভাত बहेर अ अस्त बहे व १

প্রে হন পুরের রাজা ডুলার রাহাজানী क्य किंग्रोहेश जिताब का का किंग्राहरू । देख ব্যান্তের গাবভীর তুলার ভূরি পাঁচ বংসরের अना निका (प्रवंदो स्ट्रेट्स । क्षाक्तरक जना विभ द्यान कराना विदक बहेरूव ना । नीह बरम রের পদ্ধ রাজ্যের ব্যবহার আনুসারে কর লওয় कहेरव र अक्टब अद्भारमञ्ज कारनरक कविनरम माधनिरिश्य मरम्बद्धांत्र शक्तिम् विराधरस्य ध्याति छ खेर्रिक्विकान्निहरूमत् निक्रे निष्टा त्र मार्ड ।

া লোকাইরের বিশ্ববিদ্যালয়ের মহাসক। সমু चारमंक्ष्मासम् आनेटक चालनाविरशम् बाहे-म ठाँदणतम् कविवारह्न । मद्र व्यारमकाश्वर आये अनारमञ्ज्ञ बचार्य केनवुत्त, त्व बाक्ति है। হার বক্ত ভা পাঠ কর্রাছেন ভিনি ভাহার **च्यापार्य क्रमकः योकार कहिएननः**

, प्यत्यापारियाच्याचेत्र अक सम भाव (श्राहक वरमान, जिन्हा, शर्करखन याकान कानावन कतिबान समा सबर्ने । समग्रम एक ग्रक होगा व्यक्ति कविद्वारहर । अहे है कि वाही । कत वा त्रः व्यक्तित्र स्ट्रेट्यः। मध्यक्ति खनाव स्व मिन क्यान विके । कर करेगा वश्र क्रम । वाहि কর্মিট্রাছে। অনেক বার ও জানাল বা जिन्दैव दिद्य व्यान्नानिव पुलिश्च विद्याद्वित । এবাল্ল এক বর্ক পড়িব্রাছে বে ব্রাপ্তা সকল क्र विश्व हिंदा है।

কুরাশীমঞ্জী লক্ষম হইতে না নটরা ত শরিবজে এক কৃতিত নিসর ভারতবর্ধ ও চীন रहेटक द्रमान नाम्या यानेवाह मक्ता कविशाहक न। फारा ब्रेटन भाग्रम मनत है देतारण दिग्दमञ्ज योनिकाः अक्टूहिहिया कतित्य ।

मोनवी कारकृत लिख्य वाद बारवाय कान विकास कामात्र उगासुबार एकक्टी कति-काका विविधिका। महस्य नत्य इहेग्राहरून । यक्ति अवस्थानेत लेगार्यक व्यक्तिमि चक्न वर्षे कात देखा बादक किसदल खा**ल**न हक्कारो चामाहिरशत क्षेत्रियित शहरक शारवन, चा र्कटम्भीयविद्यायः मक्तशकात्रं मस्मर्ज शतिकाति क्षियोहिन बक्ष्याह अन ब्रह्म अनिहरू भाई क्रिकि अरमभीक्षित्रभव अपि धान्य । नामन

देमभड़ेन्छ शन्ति छ। छ। विशादक्र मा-बिर्ड है बिर्फाइ छ। जुम छि शह बादिरहरू स्क मस्यत्व कृति मध्याद कृति शासि । प्रात्रिक्शितक रणे. अज्ञाति आहेन क्षांत्री ए **एहे**

পঞ্চ ব বাবৰ্মেট লাহেইর ছইতে হাজ ধানী স্থানাথবিত করিবেন একণ ভন্তর উরি রাছে। বজাত বাতধানী স্থানাথরিত ক. श्च अक्रो होश क्लेग्राट्ट।

গত বংসার সমুনার ভারত্তবঁগ ছইটে ১২. eर अक्ष वन्त्रा चुना चुनानी व्हेब्राट्ड । वर्ध मान वर्ष बाजु उ म बच्चा महाव ।

भंड कला अस्माद्रक एटर निश्रमिश्विष हें। कांब्र क्यांब्रिक्स विक्री क क्षेत्रांट्स श

নিশ্বৰ दबर्गहत्रत ३४ ३। 3866 11/30 कामोब्र ३५१० 3033 € € (यह होका 27,00 296 50.0046

एक अर देखिश विनित्र बाक्काश्रीव विवदत्त विनिद्वारकन अक्टलमीय नाकिश्विरशत् क्षांत्र अञ्चान कहा गांत्र मा । साव अक चारम लय! बरेब्राटक बृत्रि विन निर्मानी कथाहित পরিবংর্ত কটলগ্রীর প্রথাস্থলারে বলিতেন দেৰৈ সঞ্জাণ হইল না ভাষা হইলে সৰ্ম সাধারণের শাইত তাঁধাদিগের মতের একডা হইও . ৯ এই লেখার ভাবে স্পষ্ঠ নোধ হুই **उद्ध छोगत भए दिनि निर्काय महरू**।

26 明 利爾 世事可言 1

हे श्लिमबान बरसर, कानाहडि अनुस्क (बड़ा) রে ও বালবে 'অপেকারত অর্প অহিকেন জ भिन्दि ।

वर्ष क्या भरात (अवत्रम छेख्न शक्ति) ঞ্চল গমন করিয়াছেন। আগামি পর্যাণ কাদী ब दिहेन काब दिनान क्लांब क गुळा बहेदर। আনেক ভাগোৰ কৰি শতা হটতে তালিছে। ইবার বোগা বলিক বিশীত বইপ্লায়ন। श्यम कविदारक्षम । नव हवाँकै गिशिवन मर्न्सक्ष-ধান সভা বলিয়া সভাগতিত্বপদে প্রতিভিত स्टेश भवनद्व : 'जहाल' **व्यक्तिमि स्टेश** का

कत्रकृति वरमन पुरुत्तमान महाभाग स्थान বী আৰম্ভল কভিছ ছাৰা সর চার্সস ট্রিকিলি য়ানৰে এক অভিনন্ধন পত্ৰ প্ৰছান করিবের।

कोनोशंगोष भाष्यः वरमञ् छक्त श्रीकः मांकरण रहिना इंड्यांटल नरगात्र विश्व क्यिन ৰার সজাৰনা। এবার গলার খাল প্রায় ওঁছ क्रेस्टिक् । व्याकारमञ्ज विवयं करहर विवयं इंड महा वृष्टिक भौतिकार्षि सा। जिनि त त्यरे व न के कारपट वृष्टि मात्रक रहेत्रारह।

शिंहेर, त्या शिक मायक देवन कर्क कुशवरक पत्र क्षापनीन करिका प्रदेशक त सन् कात्र इस स्व तम अस्तिक एक रहेताए । अविभिन्न डेस्स निम भवर्गदमन्त्रे ज्यांका विद्यादक्त के सम्बद्धिक के रमके व कान कन्त शहर मा निवासिक का क्ष छाड़। सहित क्रेश । त्य विष जागनाय कर्य भूगः शास मार्थ

अभीवा विकाहनय है कि निवास h शनांत अधीमण वाशीमारस्टनत बार , गांकोत अनदार्थ बांजीन कृत नज्य कि एक्षेष्ठ कालागरक काल केल्क्स त्य नानीम क्य फाशाटक अध्ये असिवारी चिनि इकिमारम् विकास त्राप्त गासिक यत उठ छार। विशा व जन्म पुलिसकी कतिहारस्य। जामका जन्मा कति अ है। निर्द्धावणा मध्यमान समित्रमान

अकृतन सम्बद्धाः हे रामश्रीप कार्याम् নেশীর স্থপতামকে খেলোল প্রাক্তের भी योषिनादक कालाम कडिएक विशिद्धारक्ष **७ शायब्रधेन अथ मिटलांव स्टेरनाः**। ক্ৰেছ বা

रेशियान जिम्मासः स्टब्स त्मकिना काटमस्या करता के हिन्द चेक करनारकत शांकशिश्वक चे ...क्क कालक अवार एवं । किन्द्र नियमियां मध्यक्रिके শেলর ভাষা সঞ্জাত করিয়ারের 🔑 বারের অধ্যাপক্ষিরতে **প্রতি**ক্ষ <u>ক্রি</u> ড নহৈ।

উক্ত পত্ৰ আয়ুক্ত বলেন প্ৰায় কুৰ্বাই का के देनेन अमित्र क्रम नाट्यानक विकास o रातिना विश्वासत्त वर्गत कृतिक स्थित CET by

२७ ज बाक जिल्लाहरू

क्षरमञ्जा ३६ सन विशेष वि, अस तान, उपार्थी मित्र तिमिन्द के बाजिय वि, धन गतीकार छेनी । चार भन के नक्ष नवज्ञ को स्ववादक करा ल क्रमाहित एक शाहर

गानस स्थात मोन मरक्तां माना मौन भारतीस साथ ह्याय द्वमानाच नम्बनात क्ष्मरभाष्त्र युट्याशाधाव टेक्सर इस रामाणाणा ्कात्राध्यमः हान ने बत एक इक् बही অপিকাচরণ বস্ত্র эь कर बत बन देशायित अहिला **७ मार्यः > अन छेडी । इहेब्राट्स**

इनशे मान भीन

खड्कडक एदमानायाच् রাহ্মাথ শীক্ষ

THE PERSON NAMED IN

ाम बद्धां भाषा व ग्र प्रश 'बाडनन बरन्स्याभाष्यांब med abi -

पाइन वयु

গ্ৰমদার

क बदल ने भी भी भी ने

भव वस्

७ वि. अंशतीकांत्र क्या वित्र व्य শাৰ আৰ**াইই জাৰিয়া প্ৰয়ান্তে** ভ**হিব**য়েৰ সংগ " पिरंड भार्त्वाक्ष्या।

ভাষ হওলাজে বারাকপুর হইতে এক বাফি निधियादम् है श्रेकंदिमक स्टेट्ड स्वतीय नि म जानिकी के मेंब्रसम् एक जनीवके नाटक्टमत । काया निक्षिकार्थ (श्राहा निर्द्धांग ए जाकाविर्धांन প্ৰতি শীক্তিশাজিবিগের অব্যাদি আনলো ক্ষেত্র ভার হয় এস্তাতি ঐ সাহেব এ জ ৮বে श्रार्थं क्यिक्षेत्रको क्रियादात ७ वद्रक्का क शरक महिशा क्षेत्रका आवि व्यवस्थित कश्चित्र दिन है कर्ति हिल हिला क्षेत्र हैं ए हिला हिला है लम, शीक्षि व्यक्तिविशक स्वयंत्र वा छेवर দেওবার ক্রিট্ করিলেন বা প্রভরাং ভাকার সাহের আসা 'सं शवर्राय केत्र से क्रूब प्र बार कि छैनका सर्वेश वृक्ति भाविनाय गा, नवर्गद्रवे । खाद्धांत्रं नादश्य कि बदन करिया কেন, বে ভাতকর আলিগা গাঁদুরিরা কেলেই भार द्वान जनन ते पूर्व वहेंदर मा। छैछ সাহেৰ একৰে ৰাৱাসভের মিলে সুবিভেছেন, अवर्गात्मके छ अङ्गे विकास अवन जना छोत्सात नारंश्रदक बाजवंद्रमात्री बद्रुष्ट मिटनम १

হর্মবরা কলেন কলিকাডার ল ও বিশপ बहे भारत है है इस शक्तिमालक स्ट्रेस्ड खेडा। शम्ब किदिएका ।

वेक्ष्याहिक वटनन अवश्व क्राप्त्रहरूक ক্ষেত্ৰ অমূপ কালে বিশেষজঃ একস্থানে অধিক ! क्रिय बाज किहिटन कि सच्या कि अञ्च अकटनतारे भीका 📲 🐠 मरमाद्र ५०। इति ह्या । जानसम् बाक्किक्किक्किक पनि क्लान डिलाय व्यवस्थन न्यक्षेत्र क्षा । इतिहरिक्टल फूल उ राजिमारबाउँ क्ट्रेड्ट्रिंश शांख शिक्टि स्थ्य गराल अन्ति कृष कुक है लोक्स रे 'हैंकिन द अक्स के ने वेगा ह ३ · डोक् क्रांटन विक्रम रह नारे डव 'अ नाना ज्याक सर्वाच पूर्णा स्टेशहिन बर्नन (न्डेन्ट्रल इक्कों**ड नर्सा**र्वेन्ट्री) नर्वात (अस्तरत-पिरशय राम समर्वत्र वर्षेष नाशाञ्चः वक्षे 平河 [

विश्वीरगरक वर्षक, आध्यात जिक সংখ্য দৈন্যখন উপস্থিত হওয়াতে ভাৰা रेमना भिकाश कृति इस'चा,ण ताथ इत्र दिन **ठळां कर**ा भाकी (द्वश्वित .

ডিনি আরও বলেন ডথার অমেক বৃদ্ধী 'खा'अरु' स प्रहेश्रादक । श्रीप्र ५ ५०१० वर्ष वर्ष् खबाग क्या क्ट्रांटि ।

पुरुष्टिय न पारश्त बरधारे कनिकोधी निष्यः दशास्त्रात्र ज्ञान्य रहीका व्यक्ति वहेटवा ১ অন প্রাফার্থী উপস্থিত আহেন।

ভ'রতব্যীয় ব্যবস্থাপক সজা !

লুধবার 6 ঠা বেক্সমারি। जानरकतम् क्रांकि हेन मारक्त कावछ रहर्वेद হনটনের উল্লেখনকা হিদিগের কারা লগে । ৰবাদ্বাধাপুত্ৰ জ্বিখনে পীড়ার অভাত আহি। রক আইন সংশোধন করিবার বিলে ফি লক जॅमिरि श्रम्क दिश्मार्थे मध्येष्ठ व्यवान कविश्वन এবং উত্তর পশ্চিমাঞ্চের ফেওয়ানি সংক্রান্ত বেড ল বিশযক আইন সংলোধন ক্ৰিবাম বিজে क. लोके करियाँ दे विद्यार्थ विश्वादक्षण, उर्देश नक्षाः अन्तर कविष्णम् । आक्षाः । १३ वर्षाः मे गर छ छ लाहेन सर्यमध्य कार्यश्व रम्बिल विश्वकी এছত বিংশাত চাবিত্তন লাচেন্য সম্ভাসময়ক दिगालिक के (राज्य ।

> अमानवल अहेम् श्रीकारचे लेखांवजाय रमके क्वक्टीरशय एकाशांत्रीय उम्मिद्धमा काः-াদ্দীর প্রমাপ্দীবিদিংগর গমন স্থিবাস বি-লে শিংলক্ট ক্ষিটিৰে বিজ্ঞানী সিয়াছেন ख'श् विद्विष्ठिष क्षेत्रः (द्विवञ्च श्रुटेश »

् ४ण मिनीत् श्वयः भक् मेखाः। ৩১ এ কাছ্যায়ি শ্নিবার।

মিশ্ব শিল্প বাজিত্ব সভান্ত উপস্থিত। क्षर्यात्रेष्ठे , (क का'दलव महिन्द । है, बहेर्स भारतन सर्दर : समरत्रार आहि। केरखन अपटबन । (मोशको आवष्टम माजिक में, बोबापुत्र । ভৰ্তিটি, সেউদাণ্ড সাহেব। বাক্ষা তা তাপট্ডা সিং**হ** : বাৰু প্ৰসম কুৰাৰ ঠাকুৱ। दाय बागरमः भाग त्यांव .

व्यागिक वेटकत नांक्त ३७-७० क्रकत्र २२ আফিনের ক্পবিজ্ঞ নংশোধন করিছা চ্টিপ্রাচেষর। এইনচেউর ও ব্রিটনিয়া পরিভাগ করিষণর। शूर्क शाहण, माधावन जिल्ला ७ जाहिरमन अशीन कविबाद विम शांत्र कविबाद आलाव कविश्म के विक जुलाई गठिए देवेल ह

काः विदेशका नारका वक्रमण्या सम्बद्धानी कारांश जन कार्गा निकीष्टार्थ (श्रद्धांश निरमाध ও दरम विरम्भ चाहित मध्यावम मस्याद्ध वि-रमञ्ज **द**राग कनिवार शुरु**क्ष विवासन अश्रप**ि भिन्द १४-७५ ज ज्या २० जावेरमञ् २४ ति । ग्राम। निर्माण का अंगिनियम्ब द्वारमम् विषेत्रम् रिटमर निवय मारे नाकिएक्षा देशस्य मुख्य द्रम्कत 'अन कीन्या के जान शतिशूर्व करेनाटक । शाह जान कमरवागीन क्षेत्रके लेकिक जारेक

अवेर ज्ञान विभि आ भ न्यामहाता भाव बाहर न साम-विका जावा संभित्य सिक्तिविक दमक्त विकास টক্র। বাব। স্থালালাভেস জুনেক ইয়াও এইটেও शास्त्र करे अक्षाकी हरू थे। बहुमानीक छ जास

व्योगीत कारकुम महिन विकास मन्त्रिमा তাও ডব্লিকটবড়ী স্থান মাজি গাল ক প্রচাতি व छाउपर निषम दश्का ह बिरश जिस्लों कविते ং দে বিশোট করিয়াছেল ভারিবলার বিভার এ-कारण मस बारक वर्ग आखावी। कनरस्य आहर হইল। অন্তর সভা ভক্ল চইল।

১৪ ই বেজয়ার শনিবার পর্যান্ত সভার স্থান र्था दक्ष बहिल।

ইউরোপীয় সমাদার।

मदन ७३ मालवादि । दम्कादिकम् वर्गात विकटके वयन कांवेटकड श्रेतांकटमूद विदश्य **कृ**खांच াকাশিত চইছাছে। এপ্ৰাশ্ধ বছ প্ৰকাশ মুক্তি-व व्यक्तां कर्या देशहे वामान । विद्याबीका क्रिया भराकित भ्यानिया स्थापिक भीति है-रेटक मिन को अ जूना शहेदकद्य मा । मानिनामस काव्यान कवा बहेब्राइड् निश्व कि स्राप्तन इस्ता याम माने। श्रीतमय यावजीत त्माक श्रक मा महिला त अक्रांत जामः क्लाक दांक र जिल्ल अध्यक्तीय कवित्रां भार देशमध औतरक चार्वाभीत चीलके सक काञ्जित जिल्हा अधिकारका । किन्न विकास । अ-स् न द्यान नागः जिल्लाक नका अ अवेदक बह्रोद्दर । करविष्टिशित कातका धर्मन्द्रये अध्यक्षेत्र क्षित्रहे न विश्व(१६७) बुद्ध राज्यास भएकाहेश्रि शक्षणी व माजमकर्ता प्रशदक विकाशिध्य (स) व्याप्तका ত্ৰিব পৰি ৰাম্পিটয়ৰ নেস্বাদ্ধ এছেন্ড ক্ষিণ্ডায় কেইছ कार्यस्य आहा स्केटर मन्। हेरमशीव वस्यक्ष उष्ट्रांमक कड़ इच्छांटल घटनक ट्यांसके ज्ञान वि-नके अतिशत माश्य कलन्त वर्ष एष्। मक्स ्टेन्स् अञ्च (३१ विक्र ह्य स्कानंत (र गणनीय-सहज्ञ म कृतिभिर्मन याज (क्षम क्षत्राध्य काक्ष्य प्राथ्य-避 英家教育有 1.

मिटेहैवर्ग ११ कोष्ट्रवाहि । जाएने द्विवाह ,के बाररणंव रममांभेग मक्तिन व्यक्तिवाररण आन्धान क्रबाटक रमने मिरक सक कर पृथ्वि नियानिक हरे-कारका मिक्यान्टबंब स्मयानन दशकिन्ति। पूर्व ब्राप्त कश्चिकात क क्षत्राट्य । का व गार वर्ष ६० श्वीन শুইতে যুদ্ধ জ্বানির সংগ্রহক্ষিতেভিজেন স্থ-ৰায় উছোর প্রান্ধি পেৰণের প্রান্ধ বল্লা ক্রিলান ८सः श्रीभद्दशारका रक्षकीक काविकांक कर्त्रशारका क्यार क्ट्रो एक्ट्रक्टानि गाँ केंड्राटम के सकता व्यक्तिसम्ब क्रेट्ड ; जुलाव बांकाल मनान इश्वित्रहर्गः

मिछक्रिक २५ व क्रिक्स्याः। क्राश्मिक्षरिय में ज गणात्र तक दर्शामध्यां भेगाँक व्हेपोट्ट । तस्य है ज्याद नाश्दिन द्वाराक ब्रह्म कर मेरा बहै व्यक्तिशास कामाने क्षित्रांत्वम हम क्षार्टिणाने व कां छि छैं। वाश्वित विश्वान नार के विकेश्वार के अकि वृधिस्था काल अधिक। शिक्किक्रीक छरक्षार, कालबाह सर्व गरिकांच करवन । कार जन्म दक्क हिंद जनाक राज बहुर वर के MANUSH THE RAINE SHAME A 14 INCH-

क्रिकेश्वर्क १७व किरमचत् । त्मान क वद्दल मा हैफ कर्म गांकडारायय आछ।य महिवादिग्याम विक मक्राभित मिल्लान दनहै आर्थना आहा कविदल क्षत्रमात्र वृद्धिक्षात्रमा। त्यक् 'कर वास्थान करिएक हिम छेडनारामत महिमक्का राम पविवर्त वहेदर । क्षामाणि बादलक क की केदमह खेशक महधाइदयद विष्यवस्थिति सिन स्थित वर्षित वर्षेत्र वर्षेत्र । गठा लिंड निष्ठत्मन ६ तिलालिंड का नक अ केरीय इ दाना मध्यकीन व है एक क्रिक्ट वक्ष्मवर्ग बाकि यन क बट्ड करिया, द्वित्मन किंद्र रममार्श छ रहन সাইত কাহ। মা কৰিছ। কাল ম'উব বইতে আ क्षम्य ऋद्यमः अकथः दिमि क्षीनात महिरोहसनः कीराह अञ्चल देवना सङ्ग ७ अस्थाह व्यासक स्के होट्ड बहुट्स कि ने अक्षेत्रका करतन बेक प्रवेत्रका গ্ৰণনৈতীলৈন্য খেলিন্স পরিভাপ করিয়া विकारमें जारेरा ध्रेमाका जाकान कहिएक fautren !

निकेषेत्रक्ष २६ व किएगान । २०० भठवन का कू रेगना श्राष्ट्रक के तथान अवदी विस्न विश्वयद्ध विषेष एक । ट्रिक्रीत व्यक्षक अव विम्न श्राप्ट्य के कित्रश्राद्ध न । उपविचा निष्ठांश्राप्ट करण के स्वादि कर्मन वर्ष करियात व्यक्षित व्यक्ति श्राप्ट्य । क्षित व्यक्षि माध्यक ट्रिक्रीत व्यक्ति श्राप्ट्य । क्षित व्यक्षित श्राप्त करतन माहि । १०० का स्वाद्याति के व्यक्ति व्यक्ति रमत्र के स्वाद क्ष्मीत्र व्यक्ति । क्षार्यक्षित्र के व्यक्ति क्ष्मीत्र व्यक्ति क्ष्मीत्र व्यक्ति क्ष्मीत्र व्यक्ति क्ष्मित्र क्ष्मित्

निष्ठेरेसकं २०.4 किरायत्र—निर्माणिति । उपतारत्मा एवं देनमा के कांग्रेस कि का क्र. निक गारेत्वरत्ममा एवं देनमा के कांग्रेस का क्र. निक गारेत्वरस्म । तम्मालिति मिन्नेसकं मिन्नित काकि-कार्य क्रिकी मक्त कांग्रेस सार्थमा कांग्राह्म । एम् जिल्लास्थाणिक कांग्रेस कांग्रेस कांग्रेस्टम । एम् जिल्लास्थाणिक कांग्रेस कांग

भावन १३ है आधुनाति, त्य शिवकत बाव व्यक्ति आसी अर्थित जिल्लामध्यत त्याय नर्श-मान बहेतारक श्रेकताकि विशा वेश्याक करेटक जात कर्मा देविकासक आदिसाम आवस ट्रेटर ा विके वेदर्श के है सायगाता (कामनिव चक्ष-विकास मिर्टिन सगर्द में इपियान क्षेत्र इन पूर्व (क्षित पार विराह्ण के वा भवाकित - वेद्वार मा गवर्ग (क्षित माना विकास किया के वार्थ विद्या (क्षित माना विकास किया किया के वार्थ विद्या वा विद्या विकास किया किया के क्षा किया विद्या क्षा माहि।

मधन ३० हे संस्थाति। आस्विका कहेटस किक्कर गुडन मरवान आवेदम म छ। शवदिम ब्लिइ स्वादा हिन श्रीकृष्ट्रिया विश्वास शक्ति G शारव अकेवन जानका करेटकाक। विकास वा श्रेनकाव दशकात्म । जावकात क वता दश মাপতি আকৌর মুলভানে বাইবার পর বল্প ক त्रिवारक् । कर्षन्तिरंशय कृष्य कृष्य रश्मांत्रमे त्या गैकित अवर्गत क्षांगरमा मेश्व अधिमात करिया- (स् । निर्द्धाको छेडेस्वके। छान क्रवहारकः कुत्रकामान मञ्जिलविनर्जनित व कालका का जार। वृत्रं कुछ प्रदेशाच्च । **६ वे क्ला**क्षाहित्स সংস্কৃত্যর অধিবেশন ১ইবে। সকলে অসুসান ক ब्रिटिड्स प्रके अन विवस्त्र श विवर्त्त कद्वित्रः अक्ष পতি লিছলন ১ল: লংগুয়ারি জীত গাস্ত্রিগার मूकि प्यांग्य। शकाम कति दुन । नि है हैवर्ष अक बन था। कुछ उद्ध शिव्र मानव कर्ता। शहेशात नद्या बना बल्ह्याटक रकत्म के बात करे हाटक।

নভাপতি ভেৰিদ বৈলুনিম্ভিনামী মইয়া क्तिनागाँ**ड व.**हेलद ७ छंग्हाव आक्तिनद्रशिरणव वित्रदक्ष क्षेत्र (य) यथा कवित्रग्रह्म । अयम्हमदक्षेत्र व्यक्तित्वतः का है। है सहैशा विख्यू होको क्षत जाश करिया ५३ व्हेश्वरहम । चालविया काह -क छोत्रजनबीत ७ होन नशुरक व्याभित्य। शिक व्यव ब्रह्मम् त्यत्र विशेष्ट योर्घ मार्ट महिन दि ৰ কইয়াছে এছেরে গ্ৰাডিনি ও ভাঁছার জী ইং লভেশ্বীর জাতিনিধি শ্বরূপ ব্রধান (সজ:) क द्रावन। कांडे हैं। बात्रस्त्री, ख्यांगित्र श्रांत्रत **टर्स विकेशिय के क बहुबारकन । ब्रेट्स** होत्र शवर्श-(बार्ड व्यव्यादे कामाम कहियां हुन। क्षीमान-শীয়েবা বলি আহোনীয় দ্বীপ সমূহ উত্তসরূপে শা সমাক্ষিতে পার্যে ও তুরক্ষের জ্বতানকে আ क्रवन मा करवम छोश सहेत्म छात्रांत्र केल भी अ अकत आल प्रवेटनम । जिमांशिंड नाक्ष्म वर्षे मारका अविव र्क भित्रेका निश्चालक मानम कर्ताः इ क्षार्क्षम । ८० त्वर मञ्जी भार जार्श कविष्रांट्य प्रवाहे (नार्गानियन महामछात्र रख्या क्रिया शक्ष्य महत्य प्रवेत। मकल देह्न व क्रियो: हन।

গ্রবর্ণ করি তি জ্রাপন । বালনাদেশীর বেপ্টন-ইগবর্ণরের আদেশাসগায়ী নিয়োগ ৷

১२ वे बाध्याति—कतिक्यंद्वतः (कथ्छी मा-; विद्युष्ठे ७ कथ्षि कामकेत कात्र अवसम्बद्धः) वस्त्र वे क्रिकार माजिरमे द्रष्टेत अन्धृत् क्रियका व्या-श्र क्रियारक्रमः।

২৬এ লামুয়ারি—লেণ্ট্রট জি. এম. বিজ্য নাধ্ব কিছু বিনের জনা নিবিল ইঞ্জিয়ারিং কালেকের মতিনিধি কিলিপাল হইয়াছেন। ২৭4 আছার ি—তবলিউ কেন্দ্র লাই তিট্রিক্তির জন্য বাজ্ঞীপুর বিভাগের জ নাও চইর ১৮ বঙ জন্মে ১০ আইনের জন বার্ডিনার কর্মা তার্ডির ক্ষতী বিভাগ ও ১৮ ৬১ জন্মের ২৫ আইনের উট্ বিজি অস্ত্রারে তার্থান্তম বিভাগিনার জন্মি উপস্কা বোলন্তম বিভাগিনার জন্মি উপস্কা বোলন্তম ও বোলিয়ান্তির জন্মি ভয়ান্তমভান করিব স্কালন্তা আধ্রের বি

ं के बाइबादि—तो, कि. मर्ट्स नीर्ट कि प्रतिमय क्रमा याणोवाय विक्र हो कि विति पे स्थितिक हैं क्षेत्र में

বার বাদীনাগার দেন বিস্তৃতিকের জিনি বোক্ষর বাজার বিজ্ঞানের ভার আন্ত্রিকির ৮ হা আক্ষর ২০ আইনের ১ বা বিজ্ঞানিক সাধাকরিবার ক্ষরী প্রাপ্ত বহুরের জিনি ১৮ ৬১ আক্ষর ২৫ আইনের জ্ঞানির জিনারার বাবে এখানতন বিচারাগারে কালিনের জনারার বাক্ষরা বা ক্ষোবি ব্যক্তির কাল্পানির জনারার বাব করিবার ক্ষরতা প্রাপ্ত করিবার ১৮ ৪ কাল

२३ व कास्त्र हि— क्वलिंड स्थान स्थान ३४ १० घटक्थ ६६ कार्डन स्थानीति क्वलिंड त टाकिनिध (क्वलिंड क्रिकेट क्वलिंड स्कार ३ म निक्रमास्त्राही, क्वलिंड स्कार १ मार्डिनिड १२ मार्डिनाह स्कार कार्डिनिड १२ मार्डिनाह स्थान वाक्टिकेट क्वलिंड स्थान वाक्टिकेट क्वलिंड स्थान क्रिकेट वर्ड क्रिकेट स्थान क्रिकेट वर्ड क्रिकेट स्थान क्रिकेट वर्ड क्रिकेट

वाद मामनाव दृश्यानाथाई क्यांनाह क

২৬ এ জানুয়া দ্ব—লোৱাখালিত কেন্ট্র ক্রিন্ট্রিক জানুট ও জেনুট কালেন্ট্র এইচ, বিশ্ব বিশ্বতি সাহের ১৮৬১ জালের ২৫ জাইলেন্ট্র ক্রিন্ট্র হুনারে এখানতন বিচারাজনে জানুনার ক্রিন্ট্র জানোক্রমণ ও খোবী ব্যক্তিক প্রথম ক্রিন্ত্র

२० व णाण्याति— छवनिते, स्थि श्रीकृषिक्षि द्वर णाण्याति छ जान गर्यात साथ अस्त्रीक्षात्व त्यार पत्रमानिश्यत्व अस्त्रभ जान्यक्षात्व सोश्रीक्षात्व त णाण्याति त्यार्थि प्राणिक्षेत्रस्थिति क्षेत्रसङ्ख्या व्याद्वितिष प्रदेशम् अपश्च गर्याक्षः जाना त्याम व्याद्वितिष प्रदेशम् अपश्च गर्याक्षः जाना त्याम व्याद्वितिष प्रदेशम् अपश्च श्वरूष्ट स्थाप्ट प्रदेश स्थाप्ट स्

खरनिये, खर्म, रखंडिन नार्यत्व अञ्चलक्षित्व नाम गर्नाव ग्रंकीच चारेनाक्ष्माप्त अन्तर्भ्य द्वित रक्षम्य स्थाप्त के छ छ्वा कार्या कार्या श्रुक्ति के केदनन , अवः वर्ष्ठ मिन सम्बद्ध क्ष्मि ख्रुक्ति ना वत्र कर्मन ३५७० ज्ञास्त्र हर्म्य केदनब २२ भाराम्मः व २ म दखनीय खर्मा क्षित्व

७) व बाह्यता ३--श्रीतरका स्रेगाहरकेट्सकेट कार्येनाचे बि. वि समस्योत मार्थिस स्वित्रीतिक स्वेत्व रहान स्वेत्रा नवात्र सिकारकेट्ट

পুলিমের সংক্ষারি स्भिद्धि है है है, । लिडे म विमान मारका वर्षाम करेड़ा भिक्त उ ६ हे एक च्रुबड शिवाद्यत :

भागाम पुलिस्यम रहकाही जुल क्रिस्टि है ब **এইট জেম্ব সাহের মর্গা জেল র গিরাছেন।**

एक्टिन विक्रियेन मोर्टिंग या किन्द्रिया रायउपिन धना कान बहुम कि मा देशे छ । पैने थम. धम. मिस्टकांच माटडव २ त्लंदशकांच मि! . श महकारी मानकरमञ्ज्ञाकि मिश्र कुरण कादी कहि-

९ ता व्यक्तशाबि-कार्यक्रिके कि. कि. दिवत-मारण्य वानवशास्त्र कार्ने हैं से के हैं है ए छ-भार कारत के दिनम अस्थ मक्ति सना दर्गन अकृतिक मन्दर खर्ज्य माजित्के है । बाहरा-केरबाद अखिनिशिक्षाक्ष कार्या कविर्वत ।

 श्रीकृष्ट स्थेरपुत्र सम्भवन किर्मादन स्थापिक वा किटके हे क कियुप्ति कारकाहेज अवेटवस , अवन्य-खिन देव खेडून में नारवेद का च्यानन एउपिन के बाबकात श्रीका के हैं के कारणकेरवर के उ-विश्विश्वाक्तियाः

कि भावेंदेवन मीर्टक बामाकावय कार्ड-की वर्ग किएके में के श्रीमें हैं। कारण के व के रवन, अवर ৰভাটিন জন। কৌন জন্মতি ন। বহু তভালন के बामक्ष्यां किया है के बामके देव माजिन विकाल कर्षा करिएन।

कि, हि, दिमन नारवर ब्रह्मप्राय कारे दे बाकिरके हैं के रक्ष्मी कारकार है है दिस अवर वक्षति जेना क्यान अर्थनिक ना वन कर्रापन के स्थान वालिएके छ कार्यक्रेट वर्ष वाक्टरम ।

cm. बन्नु ज़रक , नाटक्व , त्रवाहत का के हे माजिएके है । उपये कारलके इ वेदरम अवर মতভিন জনা কোন অসুস্তি না হয় ভততিস के बाबकार शांकित्यु है क कारणकेरतम अधिन-थि पाकिटरम ।

कोक्त क्षांक रमणकम मारबय महिलाह कार्केनी श्वाकित्ये हे त दक्ष्यी कारमकेत कहेरश्र बन्द বভারত অন্য বৈশন অন্তৰ্তি অ'ছর ভড়নিস তে-विमीत्रंद्रत मानिक्ष्रं अमहमहेद्रत शक्तिन पाक्रिया ।

ें बेबैठा होगफि नारकर छन्ने जोरंगत कोहें हैं.था-किरेक्ट्रेड थ रंडपेरि काल्टित इवेट्वन अवर् बंड-क्षिक क्षेत्र दक्षिम काका नावत उठितन (नाका-वालिक अविनिधि गाबिरण्डं उ कारमञ्ज वा-किद्दम !

क्षा क्षित स्वकृत प्रमान महत्त्व विश्वत कर् हैले मा किए हैं है ये इंडियों कारमार्थ कहें दिन।

अस क्षिप्तिरम् वारम्य विश्वाय स्रोहति nimetit a Gitt pienge weren are वक्षांक प्राप्ता क्यांक प्राप्ता मा देव उपनि शाद-भाव मा कार्के हैं है कार्के देवन शिविति पान-L APD.

ৰাৰ প্ৰকৃতিশোর ছোৰ প্রধানতদ বিচারা रबद्ध जिन्बेबब अवर्ग्यमती खेकील क हैरवन ।

बरेशाह मर एक पणि छ त्याव वर माने क-

नित्र है । भाषात्रम् मार्यक प्रकृषे व्यानी क्षित्र स्थान के है । क्षा का कि विवादिक के **क्ट्रिश्च**न ।

" हालहात्र मन ८५०५" उपयम बाक्क बन. কুপান সংক্ৰে চতুৰ্ব প্ৰেনীতে এবোশন গাই-शांटकन ।

পত্র প্রেবং 'র গুভি।

क्षित्र हुन हुन होति श्रेष्ठ खरश्मध्र (बाध ब छ-য়াতে পরিভাত্ত ঘটল।

>> वे अधि क्षकार वाकू अमरवामार्थ है।-क्रानव गृष्ट आक्षिमित्राव व माध्यमञ्जूक छैर-नर इस छरमरकान्ति ज्ञांचानिः यय विद्याशी व्य পর আমাদিধের হস্তুত ছইয়াছে, তাইা আমি দিগের প্রকাশ কবিবার উচ্চ। নাই।

প্রেরিত।

প্রযুক্ত সোমপ্রকাপসম্পাদক

म . हा बट्यु व

धवर्ष्यके मध्याणि । विष्ठावानस्मतं कार्या ত্পৰালীতে নিৰ্কাচ চইবার উচ্চেপে এবং বারী প্রভিষাদীগণ্ডে কট সহ না কবিতে হয় এই षाविद्यारम महिलाग्यान गर्नात्मक वर्गान লালের ৮ অট্ন প্রচাব করেন ভদমুদাবে বি-हात्रभाष्ट्रभव कार्या कतित्म व मी श्राप्तिभागी छ-खरम्ब मञ्जान दम्र मरमाञ्च न। हे किन्द्र कि पति : नि । क्रियोक रमर्थन मा। केंद्रिया क्या क्रक क्रम मिन्न करियाधिरमम, य रमेकियादार मा क्यानम् इहेम हेह्। यदि लका करवन। वाती । श्रीकृति वा चना स्वान खकात मनिके हरि कळ्ळांचा त्यांक स्वा निक्यों क किराया किया किया कहिए उस, अथा को कियाँ रहता है। दाजि धरे किया कति का बादकत। स्रोतन शर - विकास अफिना बल्ल के महर्तक, महकादि व्यव क स्मिनी मरबारेत श्रीक मृत्यि महिला शामक के केत-বেন। কিন্ধিক জাপ্ৰদিতি।

ं एक्षर ही ह्रष्ट्रां क विष्य बुकामनश्रह।

क्षर जार वर्षे।

শ্ৰীযুক্ত সেমিপ্ৰকাশসন্দাৰ্থক सर्भात महारेशय । र्वेष्टि बद्यारम् हिम्सिन् क्यान् ककरत्रा

काम मा त्याम वागिएक जिल्हा वाहै छ। श्व प्रदेश हिर्द के देशा अक महाक्षान्त्र प्राक्षान कारिया कारमक क्रांकाय खनाकि व्यन्तवस्त कति-मा क्रम मिर्वम समा एक्टरमा क्रिक्रेक्टिक क्रे-ब्राहिल को वाद शक मक्षमीटक अन्न दिल्लाव नवन গুলে অভিজয়নৰ এক সিন্ধ থনৰ করিয়া বছতু-ला अवाश्र विक हर दिन्हर वावित्र धानहर কবিত ছিল, এমন সমায় গেলা জাগায়িত ছইল চীংকাৰ ক্যাতে তশ্বপণ আগৰুৱে বিজ্ঞ চল্লে अशाम कविद्यास । अमका किथिया अमिशां । আমাধিগের নগররক্ষণণ মণত হক্ষার্থ ভিছু माख यपुरान स्ट्रेटक्टक मा। बेमाना श्रमानद (अ-नार्ड। बहेटड बांब्डा नवास) धन चलावाल कि-किर दश का का आ करनीम। करन महम सहि-क्षा खुर्च शिक्षा वांत्र विश्व साम शंक 'शहराह कांत्र भाषा निर्फातिर है। क्रुप्तय बद्ध श्रामा क्य फिटब 🗸 अन्यानम गर्भाषा । अधन तम् प्रविद्यान हेम्बियाना **टक्स्म (ए अहे अक्ष्मात प्रतिके मक्षात बहेटक** द्ध अञ्चल नटक । बेश्रिक्तक स्वाम्टन (:व्राध्य क ভঙ্গ কলি ছুক্ট লোক রমনী ২। ও ছুটা ব্রিডট, व नगव ग्रहण जिए भारति अधि जानाहिए। रशाज्ञीकेट्ड काइप्र के इश्रोद्ध । केप्ट विश्वका एर क ख दलाकदक काल कालि मध्य करिएक श**हेदलाह** एर इ. बलिया त्मव क्या याहेत्क गार्क का। ध्यक्तिय था,वृक्षित्रहात्र नमरम् द्याग अरू भई अश्वास्त्रह अ धन: छ। एँ जीत धरद अधि मानावेडा शृहकाबि-नीटक मनखारम रगामादेवाव दम्या कविशान्तिक. प्रभीत शक्ति विहानशिक्ता वहत्त्व मंक्तित क्षित्र शृक्त्यानिमी माणू (तोक्राधारणहर क.त. নাক্য না লেখাতে প্ৰভাৱ সৰ্ক্ষানী আৰক্ষা- ' কট সহাৰ ন্ধিত পরিতাশ শাইমাছে। আড় । वन वर क्लिबास अजाहोह कडिएडाई छोडा खनानि जवार क्रेहाई। ब कलाह सुर्साहर विज्ञा कातान नाव ना । विष्ठांत्रभिकाव कावा वालि के हैं जिन्न वालाई मादिव करे बन्ही अधिकांत्रीय मर्क्षमांग १क्रेक ना एकन छीड़ाता जिन प्रश्यमगाय मिने छी किनाबुटक व्यवस्थ । क्रिक्र मान्नाहित स्त्रित खुक्तर खब्दा र बार ছভাৰ ছিলনা। বালা ছউক আমানিপ্ৰেম্ব বৰ্তমান बाक्षिको हे मार्ट्स से सुन बन्दी बिहन मध्यान ह कृतिया नगत्रभक्तकार्यभाव का श्रम्भन मा कतिरम् अस्मिनिस्भन्न सम्मानिर्

भारतिकार । aria vivi

३६ हे-मीप ३२.०३ गांग । समुद्रहरू गांस

विवृक्त विकासकार्यमध्यानक गरकाष्ट्राय ।

अभागम बहालका काम जनमादन कर्युत क्य तन्त्रायमञ्ज्ञ अन्दर्गात चाल गतिवानिष्ठ दरे-তে চলিতা, ইছ। কেৱল কঠবাবিস্থাত কড়াছ গুলি कार्यानांत्रस्कत स्थाय नहे आत कि विनित्र । वहारिश जन्दश्रदे जा ज कर्नुता कार्या प्रवाही छ मन्त्राम- व्यक्तिक व्रेटका, खाना व्रेटन अत्वत लोगा-(देश के सदमात स्वाह्मकाल क्यान स्थमहें (संयमी) धार्य करियाम ना । आनि এই क्रमणाईस्रिक् গোকাৰে জনপা ৫ ব-সর অবহিতি করি-टफ्टि, बार ७। १ अन त्मांनित्वत्र मारतात्री तन-विलाब, तक्षे अञ्चलपुक्क दिलाय मां, किन ह ब्रिक्श क्रांकृष्टि निवास्त्रद्वत दकान अक्रुगांव क भवां स कावाद कावा कह नाके बढ़र भागात क वा. विक समाना ममुदर मध्या मध्या कृति रखाने धाः नर्भित्वत करियावत करेग्राट्या अच्छा छ क्रिक्ट देवत्रवहत्त हक्रवर्ती मश्रमा विनि धडे था-बाद म'दबांची विश्वि शदम वयांचा घडेवा व्यामिश ছেন ভাঁহান অধাৰনার এবং আন্তবিক বড়ে এক कारण पूर्वेक्स निकास प्रदेश आर्मिक्राट्य दलि-Con 5 यक्ष योष । जिमि अवस्त क्रमांत्रक स्टेग्रा > '> भाग मध्या शास के । १० अ.स. सम्मारियम रशांश थुळ कतिबादस्य अवर क्लोक्किरशंत्र मध्या प्राथमाण्य त्यांक मुख गरिवाद्य । पश्चि हेवां দারোগা মহাবছের কর্মা কর্ম বটে কিন্ত তিনি द छै:इद्र शुर्खश्यक प्रशासित्यक पृथ्वेत्स्व चक्रणमम बदान माबे बेशांटलके लाँ वाटक धना शक्ष दर ३व: ट्रांस असम्बद्धिति छ दयन ।

जा॰ ४६४ माम ४९५%।

ক্যাচিৎ সোমপ্রকাশ পাঠক্যা क्रमणाई शक

ষান্যব্র প্রীযুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক महाज्य मनीत्रम् ।

२० व महाशासामह प्रशास व व्यापान व श्रवीकद्वय मणांत्र की होत्र विकाश्यव मर्वा-में मार्जीत मरवास अक्रमारम निविद्यारक न म्यान म बिरमर मंकिमग्रहम् भ्रशमम्बद्धाः स्मर्थम निकार प्रदेशक का निका विकासितक नाहाया व र लिक्षांकार कारमक विक्रमाध्याकीयम विरम्ब . यनिरक्षित्र साहनारकत् बाहनक स्रोत रह है हि अमान करकार कामा केन्द्र ना जिल्ला विमानरक कारी। विकास मा के इरक्षेत्र में। बदद काहि नकल है कि िलापारहान क्यांन कार्या कार्या कार्या कार्या का केट्या- विकास के विकास कार्यात कार्यक जाकरक

ar (4 夏夏) 可可。 वैदे समीक, स्थाक्टत्य मन्त्राव्यक्त मन्त्रान्युव-इ गरवामधाए। त कि जनवभटः के श्रकांत मध-হাস বিয়াছেৰ ডাহা উক্ত সন্দাহক ও জনীয় পা-इक्षन निमन् विवयन गाटंडरे कानिएक गोब्रिटन । ध्यमञ् होत्रो एक श्रीलकः विशासन्त्रत्र वारमूह हना अंश्वीत क्य मा । यह है कि। जर्शकीक क्य চাৰাত বিষয়ংশ কতকগুলি মলিলপুত্ৰস্ক স্বাস্থিত क्षित्रक विकासिकात, क्रिक्ट म अवसीय संबर्ध-ा आक्षा वक्रविमानायः, विश्वकृत्य विक्रियन-र्वाणिकारियामात्रः 🐞 विश्वसःम ामामा विद्यामध्य ४वर अहे नकम विद्यालायः 'ব্যিভাবিক এদান প্রভৃতি দেশহিতকর रिक्षं वाश्चिष एक्षः। अनाना विवस्त कार्यात । পরিবাবে দেওয়া হয় ডাছ। আনি বিশেষ ४१७ .मरि किन् वाशिकाविष्यांशस्त्र एर विवादन दश्वत्र। दश कादा जिल्लिमान । दश र्श आधि राजिकाविकानरभव नेपानकीव দ জু প্রহণ করিয়াছি কার্যাৎ ১৮৬০ সালের জে ম স হইতে গত ভিনেম্ম মাস পৰ্যন্ত এই বালি-व रिकामात वेक हैं। इंटेंटक ३२, हैं कि शक्ति ি হাছে। এডবাতীত চাঁদার টাকা মইতে কিছু ট গাবালিকাবিদ্যালয়ের বিদ্যালন্তির নির্দ্ধা-ে। বিমিত্ত রাধা ছাইছাছে। জ্বথাকর সম্পাদক य मन्त्रप्रतियांनी प्रतेता अ अकात अक्रूडत विव হ জ্বাল্লসন্ধান না করিয়া কিপ্রকারে এরপ লি-থি হৈদ্য ইংগতে আৰি অভিনয় বিশ্বিত চই-ल ।। याव: ब उक के । याव सुभावत याव वश्यकात का विथाय बादबाद मलक्षित रह जटन कटनर ख्र' । उद्भव चा ब्रांबिक क्रमक खांबल होंक गा-ইর সমত জ্যোতি লোপ করিবে। উক্ত সংগ वक हिला हैं। बाद स्थानद्वत वहे वहा खनि-केव ही अम हवीलवन अविहा गाठेकहुमारक धरे नक चरमा बानाकेत्रमः वित्र कारोह अस्तर्भन-त्या अजिरा बाटक ७८व जाशा अविज्ञात हर

> প্রিচারাণ্ডটা নিত্র সন্মিলপুর वंशिक्षंविद्यालायम् मन्त्रीहरू।

M# # 15953 ১৮ প্ৰস্থিতগর

इडे | बांडेइबक ।

वर्ज्य नवीटनंद् ।

। श्रामक ! अव्यादन कविश्वा खोत्रामशीमात्रव

डाशास्त्र विरमेर विश्वार समान करिएक वि वारि वर्षिना की वर्षेत्र प्रशासकी পাত জান ভূরিয়া আনাত্র জা উর্চ জার্ম बाद निकर्णकपूर देनरमण आवस्य कि राष्ट्र चीत कविशास श्रमान क्या कि विशेष চরিতে আজা হ**ইবেক** ট

া বৈশ্বকালাব্ধি শৌস্কলিক ধর্মীনিক্তির ris lativico was a with the াললমর ইবংগর এবি আচলা ভার্কি প্রতি াধ করিয়া আনি ভক্তনারে ট্রনানর টি া থাকি, কিন্তু এপৰ্যান্ত কোন বিশেষ আই পথিত বা হওচায় বিক বিবাস কোশিয়ে ৰ অপ্ৰকাশিত মহিয়াছে। একৰে ইউটো ালভার বে মাল অবস্থা ভাষাতে বৈশিক্ষ্ণী ेहीता देशलांक गतिकांच क्रियंक्र है है ু কুরাণী আমার সনের বিশাস বিকাশ ा गातिशा आप गर्यामारे कामाहक निर्दे । जन त " बाबांत नृकुत बहैरल कि क्रम क्री व द्वरवण काशास्त्र कावि कि कहा कर्डवार्ने त्र अ द्वित्व मा भारित्रा कर सम वेस्त्राति य था वर्षे न वाबा वरेता छैटते छाता है अवस्थित थी ि ह गांका बहुश केवरत मुद्देश मा करेते विकास व स्थत।" (परका वाच निक्री क्षाम क्षिक-ন ও রীতিমত জাড়টা করিও"।

নহালয়! আপনাকে বৰাৰ্থ ভাইটাইটিট का नि बहुन करेगारे करते छात्रा स्ट्रेटक स्ट्रिक का व किहरे द्वितक का गांतियां अंतर देगी करि क रठ आश्वादि विश्वादक अकाब अविश्वास पर का है, जानबारक शरीन, विका व अनुवाही देवांकी की हा नवानरवात निकड़े और आर्थिका सर्वि या অ। ানি অনুপ্ৰহ প্ৰকাশিয়া অন্তি শীৰ্তী জানাচক वि राज्य देगातमा अमामबादी नामिक केंद्रियम् कर । हारबारक है का किसले 'क्लेडबर कड़िय-कर आहरे ना किराकारत मन्त्रक करिया गरिटन व व भगवत्र अर्थास्त्र नीयांच सम्मादिवनी शक्ति-का। श्रकांण कविद्रवाहें जानि वनानासन गरिख भाः कहिला मेंसम सरमात्रथ रहेर ।

ियाप (कां) वन दाना।

প্ৰায়ক্ত সোমপ্ৰকাশ সক্ষায়ক

वहामदत्त्व ।

र्वकृष मधारि अवीवकात स्वरमेकि छा-मान ड कर कार्जित क मन्द्रमें कार्जिको देश ं दानि । नरश्मित्र-रहामक्त व्यक्तिः न्यान ,विशेषि

সংবয় করিয়াছেন। গত শনিবার ৪০টি বোক্ষা-াং অধিক নিম্পত্তি হইচাছে, এতহাভিমিক্স ार्जिक नाटकात कर्वानविक करेवा विकारक. शास रातान समा विकाद वहेरा कि विकास कर ्ळिमिटशेन विकिश क्षेट्रिक । अष्टल अहे मांज य-रा बाद क्लाफा जांद्र खांच देशसम्ब कि. चां-्रमत बात बुख पारह। देशमध्येत्र स्थान मान त विषय किथिश निधिष्ठ मानम कतियाहि। हा बहे, देश्कारक ३४७३ चारक शिवनेक कांद्रा जनताथित मध्या २४ हि जीत्मान, देशांटक अ ভোক ৪বাজি অপরাধির সংখ্য ১টি ক্রীলোক হই তেছে। अङ्गाउद व्यगद्वारथ स्मायी गर्था। ১३७८৯ नृज़र बरर ७৯**११ जीत्यांक, करें। जी** गरबा। ७১ ৫০০, অৰ হতাবাতিরিক খনাবিধ দোষগ্ৰন্ত (खनीव द्वीरलाक नः था। स्वांते क्षेत्रकेट अर्थार हेरलाखत महस्य श्री मर्था मध्या ४२७०७ मन जाराशी जार्थार शहरताक ३०% करनह धक क्रमायी ।

শ্ৰেণ্ড আমভা

आयुक्त नत्र अवन्त हित्यना।न मत्यामत्र প্ৰতি নিবেশন। শ্বন ট্রিকেলন সভাপতি। কর জাশা করি তোমা প্রতি। হও তুনি ৰহাপর, तिहरून मट्यानप्रः ভারতের বিভকারী অভি।। ১॥ **ट्रांच ८२ जामर धर्माम !** श्रंत मीयकात्रदक्त काम । यसि खोत्र वत लाहा, कांक्टब कांब्रक हांब्र हिन्नमान प्रद उद मान ॥२॥ নিবীত ভারতবাদিগণ। कड पूर्व मरङ् फाकांवन । श्वरकेटल विरक्षांष्ट्र करता. निरके कल आदि गरता, बिर्के कड़ जिल्ह क्षेत्र । ७॥ श्चरकत् कः अञाहति। महित्क छोत्रष्ठ स्मिनाव । wiefe Mwgne. नद्य नाम मत्याचन, इस यक क्षिष्ट विखान ।। 8 : जान अक द्राहर दिवन :

कांश देशका अन्तर्भव ।

स्त्रिरक्षत्र सर्व रख्कि वर्ग । । ।

भू प्र कवि ल्लास्य क्यू, विकास मार्थाना नव,

शृक्षरशृज्ञ अदक कम जोई।

्र खारक देशका किरा कांत्र।

এৰে হাড়ে যাৰ বাৰ, प्रमहेन राउ मात्र. **भगशंदा त्या**काड दोवांत्र ॥ ७ ।! क्षक क्षांटक केंग्रक्य करता। (शार्थ:ब कड़रे छ जि करता। ছেলের ছুদ্দৰ দেন, কাপত গারেছে কেনা, शिम विष्य दर्गाम थारक बढ़ा ।। १ ।। পাঁচ শত আন সাত কার। वर्ट भाग मुख तक खात । **ठरफ जोत गर्व भूत,** কিছ কছু গিডিউল, (कर्त्र क्रांस क्रांस क्रमंत्र । ৮ ॥ जड़ा बर्फे यें!द्रां श्रामियत । डेमकाम नावि गांन खत्। কিবু আৰু কানাইতে, সেই হাতে গুণে দিজে, মর্মান্তিক জাঁব ও কাডর।। ৯॥ এउ करे शह कि कोवन। ভাৰতবৰ্ষের প্রকাপণ ?। देनकम विन्द्र शांग्र, সিদ্ধাসম বাজ আছে, কিলে ছোচে ভাতে অন্টন ?।। ১০ ।। দ্বাঞ্চাৰ সংসাধে মিছা ব্যয়। লান ভূমি কঙৰত হয়। ছাড় হঃৰি প্ৰহাগনে, (महे बाब शंभगदन, इंटिटेश्यर कोट्ड शंक क्षा। ३३॥ আর এক আছে নিবেছন। বিল্যা দানে দাও ভূদি সৰ। যাতে পায় বিদ্যাধন, बाधावन कमनन, ' जाटक धन कह विम**र्कन** ॥ ५२ ॥

> ক্যাটিং ছুঃখিবালালিজনসা লাং কলিকাতা

मना था शि

,, তাবিনীচরণ মুখোশামার বাদীর। ১২৬৯ কার্ত্তিক মইজে হৈনে শার্মান্ত কোণ ক ,, মহীসচফা নিভাস্ক

১২৬৯ মাম ধইতে ৭০ পৌদু শুরান্ত বিদ্যান ১০ ১৯ রাজা কন্যাপনির বিংছ ক্রিং বিভা ১২৬৯ কার্ত্তিক হউতে তৈনে পর্যান্ত কোন ৫

সোমগুলাশ সংক্র'স্ত করেকটি
বিশেষ নিয়ম।

অপ্ৰিৰ মূল্য না পাইলে মক্দ্ৰলে নোমপ্ৰ-কাশ প্ৰেমণ লয়। যায় না।

টিহার অগ্রিম মুদা বার্ষিক ১০ এবং যাগা-সিক ৫৪ টাক। হয় মাসের স্থান লওয়া বার না।

याहोता रमाम श्रकारणय मूना छोल्न छिकिहे भौतीम खाँहोता अरू स्वयंश स्वाध स्वामार स्वयंक मुरमाय ও त्रमीरमह छिकिहे मा दशहन करहम ।

যথন বিলি সক্ষল হইং ত লোম এক:শের সুলা গাঠাইবেন ভাষা বেন বেভিউরি কবিয়া দেন।

श्रविश्वति एकात काल काळीड इंडिएन ग्र-ला श्रीहेटिंड स्वर स्थान कानक विनाध मा करवन ।

वीवाधित्व मुना विश्व नगा कर्छ कर ।

वा वाधित, मक्कमक नगत शक्तिक, क्रिया अथान त्माम्यकः एवं श्राप्त क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्र

বাঁধার বখন লোমপ্রকাশ পরিত্যাল কবিব,দ ইক্ষা হইবে তিটি লিবিয়া না ভানাইলে
ভাষ্য গ্রাফ করা মাইবে না।

কেছ সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিছে ইছ কবিলে তাঁহাকে অথম দার প্রতি পংক্তি ৫০ আন। ছিতীয় ও ভূতীয় বার /১০ জানা ক নয়: দিতে হটবে ভাষাৰ পর ৮০ জানা করিয়া লগুৱা বাইবে।

নকৰলের ঘাঁহবিশ হইবেন, ভাঁহা-নিবের শতক্রভাকনাক্তন দিতে চইবে

 में शक खेलिकांकां प्रस्तानांका रहम करवह त्यां-वासूह द्वितद्वाह क्षिण क्षेत्र्वितांकांक विवासकार्यः रिक्शाकुषर्वः वृश्वित्व कार्यः त्यांमवांव कार्याणिय व्यः

प्रवस्ता प्रकृतिकिताच पार्थिकः बरस्ति। सुतिनक्ती न क्षेत्रको।

गन ১२७२। ৫ व काल्धन। है९ ১৮७०। ১७ क्विक्यांत्रि

गांतिक मुना 5 है ৰাবিদ অগ্ৰিম ১০গ্ৰ

38724 TI

क्तानन्त्राक्त्रम् ज्याप्त शक्

সংক্ৰান্ত বিজ্ঞাপন।

ভারি অবধি সোমপ্রকালের আর এক क्त्रमा इकि स्टेश । अन्तः शह माँसाहा वाश्वा-जिक मृता मान कब्रियन, छोश्ही मेशटक ell-राष्ट्रिक है है होगा निष्ठ कहेरव, वार्थिक का গ্রিৰ মূল্য (১০ টাকা) স্ক্রুপব্লিষপ্তিত রহিল। वक्चरत्व आहरुतिशतक विकत्र छाक बायून দিতে হটরে। বাসিক ভাক মাস্কল ৩,• হর, िच पेरियोग पूर्ण अवस्था गामाख (bib द्व ब्ब्हेंद्री कविश मिरवन, **डै।** मोत्रा खुंशत बात চারি আন) বাদ পাইবেন ৷ ঘাঁধারা খড ন্ত ভাক মাজুল দিতে অসমৰ্থ ছইবেন, জানা-ইবেন, আমাদিণের ভংগ্রত্যের হইলে তাঁহা-निगरक योजन निष्ट ६ठेरव मा।

বিক্তাপন।

कतिमश्रुत विमाद अवः गाउँ। वाहेरकमादि । হবংতপুর নামে যে পজনি তাবুক আছে, চাহা দর্পত্নি দেওয়া অপ্রা বিক্রয় করা াইবে। বাঁহার সেই ভালুক দরপন্তনি নই াব তাখনা ক্রেকরিবার উক্তা আছে, ভিনি লিকাতার স্বার্তার কোন্সানিব নিক है 'कार्यक्रम कतिहत कितिए भ वृद्धां छ 'भिद्रक term

विकाशन । পেটিক্ল । वीर अजनात्थ कति राजाव भागांगाग

সরকার বাহাছুরের তকুমান্দারে কর্ম-ा ते १ तक का का का वाहर करहा वाहर करा विवरत्त्र भरीका निष्ठ हेरे रक।

ाक्षिण जाराह स्मृत, जाहाज, बानस्ताह, ७५, रखदा, धदर छेशद मृहत्कद्व लोका मकन अहे छशनि नमें एउ ब्राखिखात क्लिकांडा नी ষা মধ্যে যাতঃয়াতকানীন সমূখে কান্টানের তিত্তর আলো রাখিবেক সর্বাং যে স্থানে রা-भित्म पुत श्हेटड न्मई मृष्टि शत्र, यमाभि फेक्ट নিয়নের জন্যথা হয় তবে একশত টাকা 1 >००) अद्गिमांना जिएक श्हेरवक । इंटरम्बर ।

> म्बर्ग व्यावस्थित विदेश कहै। কলিকাডা ।

> > *

। १व्यः श्रमः ।

नामनातु, सक्र जीकुत, ताक्ष मृति क, श्लीह বিরাপ, নিত্যানশ বৈরাগী, কুক্মোহন ারীচার্ব্য প্রভৃতি প্রাচীন কবি স্রোলাদিগের ত্তম উত্তম গানগুলি সংগৃহীত ও একত্রিত तिया एडिए क्यां नियादश भूखरकत मूना

विक्रम्ड । ৰত্ব' জার টি ট । ৬ ন° বাটী। क्षीयञ्चरमान्यान हरङ्गोशाचाच अवर त्कार

বিজ্ঞাপন !

পর্কসাধারণের গোচরার্গ প্রকাশ করা বা**ই**-डाइ (व, केनिकाछान्ड शवर्रायके ख शवर्रायके হাষ্যকৃত এবং অপর বন্ধ বিদ্যালয়ের বাল-ाटर्गत छेरनाम्मर्थ गवर्नस्यके वार्षिक स्व > श्रे रिक्जिक शांबहाँड धारान कतिहारहरू छ१.. कारिन गरक वर्तनाथ वदमात्र निम्न किथिक

मन्त्रित्व स्मानक्ष कृति कांतिथिछ विषदम्ब भन्नीका विदेश

वालानावाविका 1 চারপাঠ ১৭ ভাগ, রণজিৎস্থিত ভান্ত, কৰিভাপাঠ, জাঠনিখন राक्षित्।

निष्कि, जिल्हा, कांब्रक । कृदशांना । প্ৰিবীর চারি প্ৰধানখন্তে াৰচিত্ৰ লিখন ঃ

देवदानिक गर्धाः ३३, ३६, ३३, व्यक्ति । ংসর বালকর্পত্ত পদ্যান্তিভিত্ত कि किएक स्ट्रेंट्व स्था

বালালা জানিজ্য। नव द्रोवस्त्रमात्र, क्रिकिटब्ल्क्य्ः अस् कांश्र ঠি, শুভাগিবন ও মুদ্রাবন্ধঃ याक्ष्र সন্ধি, নিজ, ক্রিয়া, কারক, স্থাস,

ইভিহান ৷ লাল। ইতিহাস ২ য় ভাগ ও কৃষ্ণচন্দ্রাটে । রভবংগর ইভিহাস।

ভূগোল। তারিবীচরণকৃত ভুগোলবিবরণ থিবীর চারি প্রধানখণ্ডের ও **এনিয়া** य प्राप्त वानक्रित लियन।

नायां ना सभारम शहासा

া অপারণ ছইবে ভাছার ভান্যান্য বিশরে াক্তাহণ করা যাইবে না । যে যে বালক প ' इन तीर्र इहेब्रा **अहे मकत हो** द्वारित शाहेरव তালারা হিন্দু বা জান্য কোন গ্রামেন্ট জুলো ্ন বেভনে পাঁচ বংগরকাল পাঠ করিছে

'ব্যুগ ১৮৬৬ সাল। তারিণ ২০এ । इउई दह् বালাসা মধ্যবিভাগের কুল · मग्रहद्र डेन्ट्रणकेत ।

: (मायथकाण।

e ऐ दर्गामवात् ।

🗦 ন্নধ্যে দেখিতে পাওয়া যায় সে,মপ্রকালের মকবল আহ্কগণের কেচ কেহ বিশ্ব ভি ক্রমে মুল্য প্রেরণ করিতে षत्रकड दिल्ड करत्रनः छाहार्ट यामानि-গোর নিয়ম ব্যাখ্যত ও অসুবিধা ঘটে। **এই নিমিত जाकि जविध এই নিয়ম क**রा य'टेटजर्री, य मार्म या या वा कित मूला काल वाठी ड इहेरव, के हामिरशत न्यत्रशर्थ "প্রাপ্য স্থলাগ এই শিরোনাম দিয়া তাঁহা দিগের নাম, বাসস্থান ও সুল্যনিঃশেষকাল লিখিয়া দেওয়া হইবে। তাহার পরও যিনি অসমত বিলয় করিবেন, তাঁহাকে আরু একবার জানান হইবে, তাহাতেও बह्म मूला अथवा छिठि ना आहेरज, छाहात्र শেশিখকাশ লঙ্য়া অভিত্রেত নয় বিবে-চনা করিয়া কাগজ বন্ধ করা হইবে।

্শাসরা অভিশ্য তুংখিত ছইলামা, পরি ্রি**স্কৃতি অকালে** দেহ পরিতাগকরিয়াছে। . जना जाराज এक थानिए छेश्कू है, रेननि जवाच भवा बारे। भ्रतिपर्भक्तक एवि আমাৰিগের কথিঞ্ছ এই আ

াতে সমর্থ হৃইবে, কিন্তু তাহাও উল্ र्वेल । जन्मीकरः विक्रकः हदेशा शिव ह উঠাইরা দিলেন। তিলি বিরা-पं रच कात्रण निर्फाण कतिहारहरू, গণের অনাদ্র উহার অনাত্র

ा बालक अध्वलिश्य अवः बालाल शूख्यं है, बिलिया खेशमान्त इहेबारहा हैश्यां की স্মাচার পতাদির নার স্মাচার পত পাঠের মর্যজ্ঞ ও তৎপাঠে অনুবক্ত লোক वाक्रांनिक्रिशंत महश्र आंजिए अधिक इन नाई यथार्थ वर्ष्टी, किन्न यमि अनु ধাবন করিয়া দেখা দায়, ভাঁহাদিদের ক্তন্তে সম্পূৰ্ণ দোধক্ষেপ কোন ক্ৰমেই ন্যা-য়ানুগত বলিয়া প্রতীয়মান হয় না ৷ একংগ আমরা দেখিতে পাইতেছি, বাঙ্গালিদিগের मिन मिन शार्र क्यां दक्षि इंडेएउएए। किन्त সেই বুভুকার অনুরূপ ভোজা লাভ ন' হওয়াতে ভাছার আবার মানদা হইয়া যা ইতেছে। কলতঃ আমাদিগের সংকার এই बुल, मम्लामकिटिशन यथानीकि शक्र म ম্পাদন ক্ষতা বিপ্ত বাৰলা সমাচার গ ত্রের উন্নতির সমধিক এতিবন্ধকতা করি তেছে। ভাল সমগ্রী প্রস্তুকরিয়া সন্মুখে উপস্থিত করিলে কাহার তাহাতে লোভ না জ্বে: ভাল মন্দ্র বৃধিতে পারেন, এখন এরপ অনেক লোক হইয়াছেন। আমরা সম্পাদকের একটা সক্ষোভ অনুচিত প্র-िक्का (मिथेश योद्र शद्र मोरे कृत दरेलांग। তিনি এতিজ্ঞা কবিয়াছেন, বাদালি সমা জের এরপু অবস্থা থাকিতে তিনি সার वाषां लिपिरशंत्र डेशकात् क्रियम मा। जा हात जन्म रम्महिरेडवी डेमात्रस्थ ५ वा ङि রা যদি এবপ প্রতিজ্ঞা করেন, তবে কাহা হইতে সমাজের অবস্থা সংশাদিত হইবে? र्था ए कुश दावहात क्यूक ना रकन मण् খে যত কেন প্রতিবন্ধক উপস্থিত হ'টক না, সমুদায় অভিক্রম করিয়া সংকর্মসাধন করিব, মহতের এইৰূপ মহতী প্রতিজ্ঞা **हाई। करण्य उत्थादमाइ रु**७श कामापि हिल य देश कार जह किए छ मुरे तात्र अक्षी रेनमर्शिक लाय, छाहार छहे **এरमरभाव डिम्निक अठ शण्डावर्शिकी महे-**য়াছে।

> বহু দিন হুইল, অচিছ্লিড কর্মচারির। षा अनामिरशंत राज्यन विवर्धत मूर्विशास-

यी इरेशा नत ठाइनम छटछत्र मिक्टडे এक আবেদন করিয়াছিলেন। সম্প্রতি শুনা বা रेट्टरइ, मिरे व्यादिष्य श्रे कुँ।श्रेत व्यन মতি সহিত রাজধানীতে উপন্ত হৃহগাছে কিন্তু আজিও গেজেটে প্রচারিত দুই ह्य माहे। चार्यममकाब्रिमिरशत गैंड বৎসর করিয়া ল,ভ হইয়াছে। পুর্বে ২০ও ৩০ বৎসরে স্ব স্ব বেচনের তৃতীয় ও অর্থ অংশ পেলন পাইবার নিয়ম ছিল, এখন २० ७ २० क्हेर्डिक्। कि**स** धहे ३० ७ २० वर्गात (भन्नन लहेरक रूरेटन छ। इस्ट्रात्र मर्णिकिक्टे फिट्ट इट्टेंब । ७० वरमत इड् ल च त मिं किक्ट्रेंत अस्त्राज्ञन इहेट्द म। जमा कातरन इफेक जात श्रीका निव कार र्वक, (य'न कृष्टि कर्य क'टनत मटना পরিগণিত চইবে না, কেবল গাণ্টেমন্ট অনুগ্ৰহ করিল, প্রিধিলেজ লীভ বলিয়া যে চুটি দিয়া থাকেন, তহো পরিগণিত इंड्रेट्ट । त्या ५ विद्रा श्राप्त व्यवस्था द्रा ल: उ दहिरलन, देश माभार। लाख नरः, তবে আক্রাক্রনার ইয়ন্ত। নাই , এই ইচ্ছ: ভইতেছে, যদি বিমা- ডাক্তারের স্টি জিক ট ২৫ বৎসর, আবে সটি কিকটে ২০বংসর প্রয়ান্ত পেক্সনের নিয়ম হুইত,ভাক হুইলো ভাল হুইত। ভারতবর্গে অবিক্ষেদে আন্তঃ मतीरत २० वर्षात वर्षा कहा महक्र कथा मध. অনেকেৰ অদুৰ্বে ইছা ঘটিশা উঠিৰার मखारमा नाहे। अद्यो दिया। व्यक्तिय अनात जाका इहेगारह, भीषा कालरट কৰ্মকাল মধ্যে গ্ৰমা করা অভিনাব উচিত हिना।

যে বিষয় যাহার নিভান্থ প্রিম ও কা जीके इश्, अन्तार्थ घडेनाटन उ त्य जनन् ल दिल्या भवना करत ; आंग्रताख मिरेन्स সর চারলস ট্রিবিলিয়ানের যাবভীয় চে खीरक वेनकमहे एकात खेया हान विवरत जानू কুল বলিয়া গণ্মা ক্রিতেছি। শুনিলাম, **छात्रलम छिविलिम्।म अधिक श्रीत्रगाद**ः

নোট প্রচলিত করিবার চেকায় খাছেন का मानित्रंत त्याथ इरेल, रेश रेनक्मिंग वित्यव्यः रेश अवित श्वत्यत्येत कवि छ । इर्वात भूर्व पारश्चित । इनक्षण्डाका न्द्रेशहेट्ड इंडेटन य य छेश्य अवन्यम करा जावगाक, ज्ञिक शतिबाद बाह প্রচলিত করিয়া আন হ দ্ধ কবা ভাছার অন্যতর। এ উপারে কোন खেनী অখবা সম্প্রদায়ের বিষেব জাগ্যবার সম্ভাবনা নাই। কাছার প্রতি অভ্যাচার হওয়ু ও সম্ভাবিত नहर । शवर्गस्य एके दि का वा यो वि मांम शास्क, व डेशायमात्रा व्यक्तां छ क्र ताथ इटेटडटइ मा। शवर्षप्र के करम अकाइ প্রিয় ও অভীত কাথ্যের অনুঠান দারা অনুবাগ ও বিশাস ভাজন ও হইবা উঠিতে (इस । यानि तक,व शृद्ध नशन है।का व्यन्त সঞ্জিত থাকে, আর অধিক পরিমানে নেটি এচ-িত হয়, আকলিক তুর্বটনা কালে शवर्गत्मत्येत्र विभागः भाषा हहेवात मञ्जावनाः অ ছে, এই বলিয়া আনেকে যে আশকা ফরিয়া থাকেন, ভাষা আনাদিগের নিকটে र क्रिप्तर दलिया अधीयमान स्टेरस्टर मा। ष्टांशिक्टिशत शदर्गदमन्छै नित्रदलम्ब ७ निः जञात नरहम, देश्नर छत्र अजारम देशाता কণ্মাতে ইউরোপ খণ্ড হইতে অসংখ্য অর্থ সংগ্রহ করিছে পারেন। গত বিজ্ঞো इटे टेटाव माध्या माम कतिरहरह ।

এटक्टिन्त शत द्वि विशाश एकछ.शः । युर्लक्षिरात श्रेष्ठि श्रेत्रम स्ट्रेटन । এত দিনের পর উ,ভাদিগের বেতনের বিষরে ' গ্রণমেণ্টের দৃষ্টি নিপতিত হইবাছে। বা पानि मण्यापक खनिशाह्म. छाटापिट्यंत छ्दे (अभी इंदेर । १ थम (अभीत ७०० ও বিভীয় শ্রেণীয় ২০০ টোবা বেভন करेटव । मज्जा क्यांजिटमात्र शक छेठिए। याहे । अधिकत ए। कात्राद्धम पिटलन, क्रिकिस (व, युक्तद्रकत्। (महे कर्ष कतिरदन । खना ন্ৰপ পুরস্কার লাভ না ছওয়াতে কেবল य स्टारकता उत्यादमार हिल्ल अकथ नग, क्षान्त्र (रहन त्विशे लात्कत ७ वी

शिक्तित अधि छ'दृग भोत्र दिन मा। विष्यात्र धक्षी माफि व्याप किल् !

হিনির কি স্ভিশ্ত গুণ !

বিধাতরে হাটি অতিশর ছুরোংগ, কংযু ब्लान् कार्या कात्रव छ दव कि घडेमा क्या, ममू माग्र महत्क तृबिया छैं। यात्र मा। बुविबात निभिष्ठ अत्नक अग्रदा अत्नक अन्नांत्र शा रेटछ इत्र । भागामिरगत्र অ'দালতের গতি ইক্ষা অপেকাও অধিকতর চুর্বোধ ত্রসাতে। অসামান্য পরিপ্রাম সহকারে ইহার কাষ্য কার্ণভাবের বছতর অনুসন্ধান ক্রিয়াও বল্ল সময়ে নিভান্ত বিকলচেন্ট रुकेटक रूप! मन्धिकि यि हिलित नकस्त्रा ছট্যা থিয়াছে, তন্তারাই আমাদিগের বাক্য मध्यमान इहेटडरइ। विशितृ के धहे, करन | নামিবা মাছ ধরিতে গেলেই গায়ে কাদা लार्ता, किस आमामिरशत धर्माधिकत्र । विक धनानां हेटकत ना ग्रुक हिलि नशुपां प्रमान বর আলোড়ন করিয়া মৎস্য ধরিলেন, কিন্তু গাতে অণুমাত প্ৰস্পৰ্শ হইল ৰা ! विधि मृथि अहे, क्रुणुत्वन कर्णक्वत्म क्ष বেশ করিয়া কল আছরণ করিতে গেলে শরীর কণ্টক দারা ক্ষত বিক্ষত হয়, কিন্তু थामामिरशत नशास हिन्त दिलि पूर्शम कणै क दरन अत्वाभ कद्वित्तन, मक्तम कन আহরণ করিলেন, কিন্তু গ'য়ে একটা আঁ চড়ও নাগিল না।

এন্তলে হিলির অসামান্য সহিষ্টা গু ণের উল্লেখ না করিলে আমাদিগকে পাত की हरेट हरेटा ! जूतिहा हाहाटक " महे গিলুট " করিয়াছেন, কিন্তু তিনি এমনি श्रुक्रम त्य अवर्गटमके कैं। हाटक विनाभनात्य তিনি গ্রথমেট্টের নামে নালীশ করিলেন না। তাঁহার বদি এক। অসামান্য সহিষ্ঠা গুণুলা খা,কত, আময়া এত দিন লগুসাহে वित्र अभटम धान्छेभारक्रवत्र नाम श्रीकन সাচ্ছেবের নাবে আদালতে অভিয়োগ উপ चिक मिथिएक शाहेकात्र ! दीक्रम मारहरा नीलकत मरलद थिय दलिया क्यूनरे क्या शाहेरजन ना! जनात प्रकातित केरीक আবার থেম ও স্নেহ্ কি ?

এरे क्षत्ररम जागानित्त्रह त्मरणह লেঁকের নিরীহতা ও সুস্থিরজ্বয়ভার প্রেশংসা করিবার অবসরটি পরিভাগে 🌣 त्रां विराधन करेंटलट्ड मा ! किलित अकन মায় ইউরোপীয়েরা স্থারি হইয়াছিলেন, ভাল ভাঁহারা যেন এমেশের ক্লমকদিনের সর লতা ভীক্লভাও অন,ভিক্লভা প্ৰভৃতি বিবয অবগত নহেন, সুভরাং সাক্ষির ক্ষবানবন্দী राधिश कें.बाझा मत्य कतितान (कें.बाहा হিলিকে অপরাধী জানিয়াও ছাডিয়া দি একথা অবিমৃত্যকারি 'সোহক तार्डे वटन) क्ष्यत्कता मिथा क्रिकाह. कारक हारकहे के हाना हजा किर्यान हरें ए हिनिटर युक्त क. ब्रह्मन । कि**स** हिनि य দাবাহনে উপহিত ছিল, ভাহার উৎসাহ मादन रय रच्याकांश, शृहसांह. ७ औरमाः কের সভীত্র হরণাদি ঘটিয়াছিল, ভাষবয়ে कारात्र अटक्स मारे । काउँहे वाट्स কৌশল ক্ৰমে অভিযোগ কালে ক্লে আংশ य भ तेशांत कतिरतन, जात्र: विरुद्धतः द्वारम त ज्ञारकता न विश्वत जोनावनकी विश्वती इहिटलन रक्त । धक सम अमाहः असा চার ও অরাজক কাও করিতেছে জানিতে 'পারিরাও, যদি অপর কেই ভাহার অর্থী ना इस श्वर्गदमके कि अन्यान्नकर्खादक विमा मृद्ध व्यवशासकि मिद्रबंग १ अ ८ भ्राणीत मोमारमा कति । लख्या कि जामाणियात क्टिन्द्र क्लांटक्त्र कर्ख्या नटह ? এ अटब्रुत যাৰৎ মীমাংস। না হইবে, তাবৎ এদেশের क्टिक्त धम आगिम तकात जायानन कि । नक्त बडाहाद्य त बधी शाख्या बाम ना, शिल्ब मकलगारे ७ फाराब अक ही जेम। इत्रवद्या ५७ डिम यशा ना हरेडा त धन लाकि। मि भारतक कातन कारक

উপসংহার ছলে আনেরা এতংস্ংক্রা নুঁ অ'র একটা বিবয় পাঠকগণের গোচর ্রিতেছি। **বিশক্ত** লোক মুবে শুনিলাম, িলের বিষয় লেখাতে ব।**ল**ালি সম্পাদকের ন দে লাইবেল নালীশ করিবার ভয় প্রদর্শন করা হইয়াছে। সম্পাদক এখন ি করিবেন ৷ জাপনার বাক্য এমাণ বরিবার চেম্টা পাইবেন মা, আরু কোন উপ'য় অবলয়ন করিবেন? দেখিবেন । यम (अंडिमिन मा हाता।

দিবিল দ্বিদ্বের পরীকা ভারতবর্ষে না হত্য়া জান্যাল চইতেছে।

हे॰≅८७भती একজন এতদেশীয় বাবছাবাজীবকে প্রধানতম বিচ'রালবের প্ৰাক্ত বিৰাক পৰে প্ৰতিষ্ঠিত করিয়া ভা उटवर्षीमनिशंदक धरे कथा कानाहेगादहन যে ভারতবর্ষীয় গবর্ণমেণ্ট যেরূপ পক প ত দুখিত যুক্তিবিক্লয় ব্যবহার করুন ा (तम. कि.स निष्य नायतं श्रमहरक य 'ব্যাৰ হস্তাপীণ কৰিবেন ভাষাতে পক্ষপ।. ত সমল্প থাকিবে না। এত গুলক এক টা গ্রুতর এখ্ন সমধান নিভার্ত্ত আবৃশ্যক হ । উঠিয়াছে। সে প্রস্ন এই-

इडरक्नीरवदा यथन एएटमंत्र नर्स.फ वि চারালনের বিচারপতিপদ লাভের যে গা হইলেন তথা ওঁতেরে কি জনা মাজি ভৌট কালেক্টর সেসিগ্রনজন্ত ও সেক্তে छम विष्ठातालरवत विष्ठात्राभरम आसीम চটবা জন্স, মাজিমৌ ট প্রভূতিব আজ্ঞার विकृत्क की शील अवन, '3 उस दश कतिया ভিষিয়ে বিচার এব॰ যুক্তি ও আইন বি । য় হইতেছে না । কেহ কেহ বলেন, এদে ক্ষ হৃহলে সেই আজা রভিত করিতে প রিবেন, কিন্তু ভাঁছারা স্বরং নাজিক্টেট 😏 কালেক্ট্রদিগের পদ পাইতে প.রিবেন भा, हेह। त्र! माना वित्यशकत यूजिवितक ব্যাপ'র ন্ছে।

ভারতবাবীর গবর্গমেন্ট বারখার বলিয়া ! ও एखरफण कर्णम

चानिर्छद्द्र छेश्युक इर्ट्स छ। हात्र नितरणक हरेयां आहि धर्म ७ वर्गटिक मा করিয়া সকলকে তুল ক্রেণ রাজপদে প্র তি ঠিত কবিশ্বন ৷ ইংলাপ্তেম্বরীর স্বয়ংও बिक खायना मत्म, मं**श्रम शूर्वक व्यदिवर**ग्रत অসীকার করা হইর'ছে। কিছ কার্য্যকা লে এ এতিক্সাত বাকা প্রতিপালিত হই **उटह** नां, काइन कि त हेश्**न(अव**हीत अ ख:রতবग[°]त भवर्गस्मर केत कि व्याम∤पिरशत প্রতি স্নেহ্ নাই 🗸 ভ নারা কি অন্তরের সহিত আমাদিগের উন্নতি সাধন চেষ্টা ক (तम ना > अरमान अमृत भूमा अम्म (क.म वास्कि चारकत य धिवरम मरमक कतिरव न । তবে य यामता माकित्यु है, काल्लेह প্রভৃতির পদ পাইভেছি না, ভাহার একটা বিশিষ্ট কারণ আছে ৷ ইংলাঙে সিবিল স र्दित्यत न रोका धार्व तीकिहे त्महे कात्रव । ঐ রীতি আমাদিগের অভীই লাভ পথের কণ্টকস্বৰূপ্যহই।।ছে। উহা পরিবৃত্তিত হই हा बाज़जबर्स भूतीका अर्ग अर्ग अवर्षित हत, अरे आर्थनात अटबनीटत्रता बात्यात ভারস্বরে চীৎকার করিয়া পরিশেযে আস্ক रहेता शिक्षाादम । कर्जुशक कालवर क्लान मह्मारा क्रिलान ना 1 आरम्भीरम्बा কি অসমত প্রার্থনা ক্রিতেছেন - পরীক্ষ যে স্থানে হউক না কেন, যে ব্যক্তি আপনা त क्रमडा अमर्गन कत्रिया भत्रीकाय डेजीर्ग है। तित करा काल ना दम - कैं। हाता क्षश्नाम | इरेटक शातित्वम, विभिष्टे अब इ इरेटबन, **এই নিরমই ন্যায়:নুগত হইতেছে, নতুবা** পরীকা স্থান ভেদ করিয়া অকারণ এনে শীনদিগের উন্নতি এ তিবক্সকতাচরণ বিধ শীয়েরা কুপমগুক শ্বপ, শ্বেশ পরিষ্যা श क्रिया (मनाख्रां भग्राक्रभ क्रिए इहे त्न रेहँ। पिरशत थावास ताम इत, देश्लाए निविल मर्बिटनत भत्नीकात्र निवय रूउवा ट रेहँ। निशरक व्यश्वा किंद्राप्त भागन कतिएक स्ट्रेटन ।

देश्लख ७ कुण अकृष्टि मर्भन कहा ए। जन मा कर्जना छ।मा यागदा अवीकातकति ना. णशक्तिदर्क अटननीयनिरगत बल्खाः माक ও नाहमानि छात्वत दृष्टि हछसा महा ৰিত নয়। কিন্তু এই কাবণ প্ৰদৰ্শন করিয়া रव अटमटन श्रीका शहन वस्त कहा आग দিগের মতে কোন ক্রমেই বুক্তিসভত विनिन्ना व्यक्तित्रमान इट्रेट्डिस मा। अरम्भी र षिरशत हेश्लुख'नि शमरनत **अ**न्ति श्रीन महान अधिवक्तक चारह, निविल निर्वित পরীক। मादनद लाख . छमछिक्राम সমর্থ नटर । छाहा हरेला এछ मिन चार्निक हेरल ७ গিয়া পরীক্ষা দিয়া আসিতেন। সে প্রতি বন্ধক গুলি অন্য অন্য কারণ যোগে কে'ন ক্রমে সত্রিত হইবে । যাহা হউক, দ্দি র জপুরুবেরা একান্তই নিজান্ত মধ্র ও অগ ওনীর যুক্তির অনুসারী বোধ করিবা অপ্ নাদিগের অব্লখিত মত পরিতাগে না ক রেন, অ.প.ততঃ এই রূপ করুন !

निविल नर्जिन भन्नीकान छेभएवानी যে যে পুত্তক ও ভাষার পাঠত্যাবদাক এই मिट्न कम्यासन निक्य अकेत । भारीक र्थ का शांठ नाम इंदेरल देश्लदक निया शती का निया जानित्वन । ७ वटानीं य शवर्गत न के धडमर्ग धक्छि विमाला 2 डिक्टी कडू न विमाला जिनिल उनाविकेत भन লাভের উপযোগী বিষয় সকল অধী> হইবে ৷ এছলে পাঠকগণ জিল্লাসা করি ए भारतम, अबन कति । विभिन्ने हेर्ड লাতের সম্ভাবনা কি । ছটা লাভ আছে। এক, यमकल वाजित्व देश्ल ७ गमटनद्र जमा কোন এতিবক্ষক নাই, কেবল একমাত্র व्यक्तिक अहे या काहाता है स्नाटल भीर्प কাল বাস করিয়া আবশ্যক বায় নির্বাহ शूर्वक व्यथाप्तन किया मन्नामक्तिएक भारत न ना, छाँश्वामिरशत शतक त्रुविधा हरेरव विजीत, ये विमालदत्र अधात्रम कत्रिता या इ.ता हेश्लट्य गाहेट्ड ७ अनमर्थ हहेटवन जू भिकः विदश्च र উ,হাদিগের

कार्या निर्वादको क्रिकेट अविद्या किर्मित कार्या किर्मित क्रिकेट अविद्या किर्मित क्रिकेट करें कि शासि किर्मित करें किर्मित करें किर्मित करें किर्मित किर्मित करें किर्मित किर्मित करें किर्मित किर्मित करें किर्मित किर्मित

জাবেরিকার যুক্তের বথার্ব কারণ কি ১

আমেরিকার বর্তমান-পুরু মুদের সুদ कोता कि । हेश्र विर्मय कतिएक स्टेटन অত্রে একটা প্রয়ের সীমাংকা আবৃশ্যক। উচার সহিত ভত্রতা জাতীয় সম্মান, বাণি-का जीवृश्वि এবং यामव मधर्गीत मुध प्रमूखार র্ফিয়াছে। ভাহা এই--জাবেরিকার জীভ দাসত্ব অব্যাহত বীকিবে কি না? এক বাজ্যি অপর ব্যক্তিকে অসমভিতে বল পু ৰ্বক কে'ৰ কাৰ্যা ক্ষ্মাইয়া লইতে পাদেৰ না, এই যুক্তির বলবন্তা সম্ভালতিমা-ত্রেই সীকার করিয়া খাকেন। ইচ্ছাতে **চ**-টক আর লক্ষায় পড়িয়া হউক, হউরোপ খত্তের যাবতীয় একেশ জীক্তগাস রাখি-ব'র এখা ভাগে করিয়াছেন। কিন্তু বিশ্ব-্রর বিষয় এই, উ লিখিত ঈশ্মর্কত নিয়মা-नुमातिनी विशुक्त युक्ति चाट्य काञ्चलामान ''কিটেও আমেরিকার দক্ষিণ বিভাগে কেবল যে এই জন্ম: এবা এবর্ত্তিত রুছি-त'रह धमन मदह, उचात्र अहे ध्रवंकी गाव-টাব সুখের মুল ও ঈশরের নিয়মানুগত ব-লিশা প্রতিপশ্ন হট্যা থাকে। সভ্য বটে অ: গিযার কোন কোন স্থানে জনিত দাস প্রথা দৃষ্টিপে,চর হয়, কিন্তু ড,হ্ণদিশের অবস্থার শহিত কারোলিমার কা কুদাস্দিলের অ-বস্থার ভূপনা ক্রিলে সমুদ্র ও গোপাদে য়ত প্র**ভেল, ভঙ্ক প্রভেদ বোধ হয়।** পার-

ना,: डीन, ए कूंतकरमनीय अनुता कान वानिक्रीवर्षक পরিজন বলিয়া গ্রনা ও कान करत्रम, कारावित्यत्र महानावि स्ट्रेस णांशाचा चरनक इंटल वादीनठा क्षांख इत्, ध्वर धकूत्र छेत्राम कांत्र मानीत गाउँ महान अविदल मि महान जात्रक स्ट्रेबाख नन्माचित्र अधिकाती रहेशा वंदिक। मी नक म सारम मामिरात किहू किहू चप छ অধিকার আছে, এভুরাও ভাহাদিগকে সহজে ভাষা হইতে ৰঞ্জিত করেন না। ক্রি আমেরিকার দাসদিগের তাহার কি हुरै नारे। ভाशांनिशतक शास्त्रवसहित्वक ভূল্য জ্ঞান করা হর, অভি সামান্য লোকে णांशांनित्त्रज्ञ आव मक्ष इहेगा बाटक । ভত্তভা দাস ঘটিত আইনের বিষয় কে মা অৰগত অংহেন ৷ অংশকতর আশ্চয্যের বিষয় এই, তত্ত্তা পাদার দিপের স্থানকেও धरे कव्ना क्षशास्त्र वार्वरत्नत चानुरमानिक बिला अधिशम क्रिया बादम-রিকার দক্ষিণদেশ কি সভ্যতম প্রদেশ मदशा পরিগণিত নছে?

अक्टन अरे धारा बात अवही अब केन স্থিত হইতেছে। উত্তরাংশের বভাপতি লিছ लन कि जैटकटर्भ धृहयूटक अनुष इहेगारहन, আমেরিকার ফ্রন্ত প্রার্থি দর্শনে যাঁচারা काष्ट्रत, फाँहाद्रा निक्नारमत निक्र्ये ध्वृित চরিতার্যভাবেই যুত্ত প্রার্থির কারণ বলিয়া निटर्स म कविश भारकत। के इन्त रालम लि भलब तुःका लाख्य वस ब्हेश धरे व्यकः-যা করিতেছেন। কিন্তু বাস্তবিক তাহা न इ। नामञ् अथात इंड कतिवात क्योंदे উহার মূল। উত্তর বিভাগের লোকেরা। ব্রাব্র দাসত্ত্বের প্রতি ঘৃণা ও উহার প্রতি বন্ধকতা করিয়া আসিতেছেন। কিন্তু এত দিন নহ সভায় দক্ষিণ বিভাগের এতিনি-ধি গণের অধিক ক্ষমতা থাকাতে ভঁছোরা এই জন্ম। প্রধার উন্মাননে সমর্থ হন নাই। একণে লিক্সন সভাপতি হওয়াতে ভাঁহা मिट्यंत्र व्याधीना इरेगाट्य । मिन्न ४७

चकर्णात्व गागरचुत्र विश्व गाजानका कविद्याः विरक्षारह श्रद्भक्ष स्टेशारकः

चना अडर वास्त्रानंकत्रस्था स्थाप करे. चामता श्रांतका चाकाविक स्केताम् मन्द्रां मादक इंद्राह्म क्षश्चन क्षश्चन दग्न रकता सम्बद्धितिविश्वतं महित्रं अवस्य महित्र এক সভা করিয়া বভাগতি লিছসনকে वक पश्चिममन शब क्षणांव कतिहारम्ब । जन, के तार्ष विम गाइका अकृषि करमूही कम रिटेक्पी वास्तिक बद्धा असे मुख्य सम्बद्ध गर्जाता विद्यारिक्षितात कार्यात्र शक्तिः बार ७ निकल्पा मशक्या कवितादक्र । . শ্বভাতিমানে करिडाटबन-" नामच छेडारेबात क्रकीरे विकास्त्र क.त्रव । २ ज्ञांशिक चारसतिकाद ज्ञाह्यात षश्य अरुवा, कड़िशा इ.विवास अन्याः सुद्धाः করিতেহেন, রাজা লোভের জন্য মুহে ১ দাসত্ব উঠাইয়া দেওয়া আছি কর্মবা, মজে পঞ্জিলকলন এ চে^টা করিয়া পুরিবৃত্তির ধন্যবাদের পাত্র হইয়াছেন। ইংল্পু বা-निभित्तंत्र व्यान्यः वानाधिकातिविद्यत क्षकि एव नमनू श्रम्भका अवर्णन करतन তরিমিত সভা আকেপ ক্রিয়াছেন। প্-রিশেষে সভ্যোরা, সভ,পতি শীক্ষবিজ্ঞাহি निश्रदक नदायम कडिएक समर्थ रूम, अरेक्न चित्राव अकाभ कहिरत्व । अस्ट्रम् चात्र **अक्टी विवटसब छेट्डाव कहा, कर्चबा, निष्ठ** देवर्क सहित केवत विकार्शत मुस्त जमुद्द नारबन्ध्रारतत क्रुक्कि विश्ववानम् बार्डि **किर्शत महाप्रकाद क्या विश्वत है।का मरश्-**ৰ্বিচ হুইয়াছে কিন্তু হুক্তিশ বিভাগে এক পয়সাও হয় নাই। সভা এ বিষয়টি কুড় ব্রত্য কহরুহের খ্।কার করিলেন।

আমেরিকার যুক্ষ রাল্পর্কেইংলণ্ডে একটা আশ্রেমা বাবহার নহন গোচর হইকেছে। বিশ্বান. লোকেরা উত্তর বিভাগের শুভাকা ক্ষ্মী, কিন্তু সংবাদ পান মাত্রেই বিজে। হি দিপ্রের সহায়তা করেন। অপর ইংলগ্ডী-ম সাধারণ লোকে দাসপ্রের প্রতি মুণা প্র- 9.

काम क्रिया थाटकम । अथन कि चात्र जन्मा) बाक्नाटक्टलब चटक खाँचे सूच्य भूकिन जिंदना भारक केरबन स्माक मिटन धर्म अ-भःगनीव कार्या पर्नुन कविद्या गर्भाटकव সপক্তা করিবেন মা? আমরা আরু এক ि विवास अधिकछत विश्वताश्व स्टेबासि, এছলে ভাছার উল্লেখ না করিয়া দৌনাব लयन विटथत क्हेंटल्ट्स ना। आटम त्रकांत গৃহযুদ্ধ উপাত্ত ছওয়াতে যে স্থানের লো কেরা ক্লেশ সাগরে নিমগ্র ছইয়া ও লিখ লনের সপক্ষতা প্রস্তাব করিয়া আপনাদি গের অননুকরণীয় উদার্যা প্রদর্শন করি ভেছেন, সেই স্থানের লোকেরাই আবার **७.ब्रड्यार्व र न्यु क्रियम विधिवक्ष क**्रिवात क्रिकी श'देश क्रुपकिशतक भीलकत ७ जू-লকরের খাল করিয়া খিবার চেকী পাই-ভেছেন! আমরা সার্য বুঝিতে পারিতে हि, धविषदम् कैं। हामिटशत्र त्माव नाहे, छात च्दर्ब अदिराज्य बृखास माना ना बाकारण्ये তাঁছারা ছ্ডাশের লোকদিগের কুছেন পড়িয়া ঐৰপ করিতেছেন।

े श्रीत कि किया विकास

২৪ পর্ণশার অন্তঃপা,ত রাজপুরের फेखवाश्रम " बजू भुकूत ? नाटम धक्की প্রসিদ্ধ পুষ্ণরিণী আহে। তাহার দকিণ তীরে এক পঞ্চানন ঠাকুরের স্থান আছে। শক্তি ও মদলবারে তথার তাঁহার পূজার नमार्द्राष्ट्र ए इश्व बलि इरेशा चाटक। आ म्बर वाशवगक व्रत्कार आत मह वतीकृष क्षा वलपूर्वक लहेला विद्रा প্রীতি ভোজন করে। ছাগ ছিলিয়া লই वात नमदत्र कथन क्वन दम्मात्कृति, पूर्वा मूखें ७ वकाव कि इहेगा शास्त्र । श्रष्ट भूई শনিবার পাঁটা লইয়া এ ৰূপ কাড়াকাড়ি श्य । किंक अवाद्य अक्की महाम् कोकूक বিক্ষয় ও অত্যাচার কর ব্যাপার ঘটিয়াছে। পাঠকগণ দেখিয়া, শুনিয়া ও ভুক্তভোগী स्ट्रेश काजिएक शाहिशादक जामह मारे,

চৌকিদার সৈনা হইয়াছে। রাজপুর এ নৌজাগো বঞ্চিত হন নাই। গছ সকলবার त्नरे क्रीहिमात्रमश्रद्धिमिटमत्र रखेन, আর তাহাদিগের নিয়োজরিতা মহার্থির হউক, ছাগ মাংসে লোভ দুটি পভিত इत । मुख्याः करतक कन क्रीकिमात्र मुन জ হইরা পূজা স্থনে উপস্থিত হর। পূজা র শেব না হইতে হইতে পাঁটা কাড়াকাড়ি আরম্ভ হইল । এক দিকে চৌকিদার मल भाव निरक आस्मत करतक कन छेक्छ স্বভাৰ সুৰক। কিয়ৎকণ্ পল্লেই হস্তাহত্তি আরম্ভ হইল। আমের যুবকসিগের মনে गत्न जन्हात धरे, जामता वतावत हाशल ছিনিয়া লইয়া থাকি, আলি চৌকিদার ল है। यहित हैश छ हहेट भारत मा। भ कांबरेत्र .छोकिनारत्रता छ:दिल, भागता একে পুলিসের লোক, প্রামের হর্তা কর্ত্তা বিধাভা, ভাহাতে আবার মূতন ক্ষমতা পা रेब्राहि, भागामिरतंत्र इस श्हेरक यमि भरना नैंकि दिनिया लग्न. आयामिरशत श्रीवरन ७ भः व आह्याक्रम कि । धरे बाल छेउन्न णल भगमा ও वक्तशतिकत हरेशा नगरत थर्ड रहेत्नन । क्रिपृण नगरम (वक्ष कल लाक रहा केंग्र मलरे भवां ख भारतमारन ভাষা লাভ করিলেন ৷ তবে চৌকিদারের দলে কিছু পাতল' চিল, সুভরাং ভাগদি গের তৎকালে কিছু কলাধিকা হইল ! বিশ্ব পশাৎ ভাষারা সে ক্রান্ত কতক **अश्रम शूर्व करिया लहेग्राहिल। शन्हार** कार्युता विशक परमत ए पूरे अरु वाकि কে দল ভ্ৰমী ও পৃথক দেখিতে পায়, ভা राजित्वत छेशत यांचा पूर्व कतिया देवत निर्याजन करता।

विवरत्रत उ वहे भग ह शान, भारे रुगन चलत रूडाह अरन क्रम । क्रिक मारत्रता अमिरक अरे कांश कतिया शिता व'ऋरेभूरतत एडभूडि माजिए द्वेरछेत्र विकटडे অভিযোগ করিল। ডেপুট সাহেব সরে

समिदम फरांत्रक कब्रिक्षां भागांची विश्रोदक শ্ৰেপ্তার করিবার পরস্থানা বিলেন। চৌ क्रिमादब्बा अक्कारम निरम्थकार्थ रहेता के जिन् । এই जनदम्ब चडाकर सारकत क्या खनित्व भावकात अक्कारन विभाग **अब स्टेर्वन । क्रीक्निएतता क्वल** य বৈর্নির্যাতনাথী হইয়া আসামীর অন্তেব र् थाक्ष रहेन अक्ष नरक, बाह्रिकरात्र क्रमार्क्त न्यूनां वत्तवकी हरेना केउँन। ভোমরা আসামী লুকাইয়ারাধিয়াছ বলিয়া হল করিয়া ভদ্রলোকের অভংপুর মধ্যে প্রবেশ করিয়া নানা প্রকার উপত্রব করিল. স্ত্রীলোকেরা মাননাশের ভরে মহারাতর व्हेटलन ; च इःश्वर मरशा **कृत्**न श्रीनरश श छेश, देख हटेल ; त्क्वल 'अरे माळ मत्, र्थ इत्येत्रा चक्नित्रधारम्त्र क्योत्र निर्फत् वा कि निशदक धतिका होना है। नि क ब्रिट লাগিল। আজিও পলীঞানের যেরপ অ বস্থা আছে, পদ্মীপ্রামবাসিরাই ভাষা ভাস वृक्षिट्छ भारतम ! अ है। नाहानित्क नितीर ভীর-স্ভাব গ্রামা লোকেরা মণাজীত :ই য়া কিছু কিছু দিয়া পাপ বিদায় করিতে लाशिटलम् ।

अक्टर बार्बाब्रिटशत किसाना धरे. क्रीकिनादववा भाकि मश्याष्ट्रानार्थ जित्यः জিত হইয়াহে, ভাষারা পাঁটা কাড়াকাড়ি করিতে গিয়া শাণ্ডি তথে প্রবৃত্ত হইল কেন) যদি বলভাছারা দালা করিতে থায बाहे, मामा बिवादन कदिएक शियाधित (আমরা ভাল লোকের মুখে শুনিয়াছি. বাস্তবিক ভাহা নহে) ও ক্লি ছইলেও তাহঃ जिट्ना माणात लिख ४ उद्या विद्यत भ्य नारे। यथन काश्रांता (पशिल, पात्रा निवाद ণ করিতে পারিতেছে না, তথন ডাহাদি গের ধানায় সন্তাদ দেওয়াই উচিত ছিল. ভাছারা ভাছা করিব না কেন : ভাছাবা काम् चार्म चनुगात अरे कश शकक्रमात আসামীকে গ্রেপ্তার করিবার নিমিত সহসঃ चाश्वरभूत्र घटशा शमन कक्रिन ? महना औ

लाएक्स बाजकारमः बारवन करा जकल का क्रिय विविध, कारांका (नरे नाथात्र विदय ধের উল্লেখন করিয়া ভত্তলোক দিলের অ दमानमः कत्रिम (क्न ? क्लाम् चाहेरम क যুক্তিতে তাল, দগকে আসামী গ্রেপ্তার ছল ক্রিয়া অর্থ সংগ্রহ করিতে কহিয়া ছে স্থামরা এবারে ডেপুটি বাজিট্রেটের নিকটে এই প্রশ্ন গুলি করিয়া কাস্ক হই লাম, আমহা পুনরায় এবি্যয়ে হ্রুকেপ क्रिय ।

মুচন প্রস্থ।

আমরা রতজ্ঞতা সহকারে স্বীকার করি: **डिहि, मरफ**ंड का**रमरबद्ध अ**थाक है; वि, ক্তিএল সাহেব বেপুন সোসাইটির " ইভিহা সের আমাণ্য সংস্থাপন 🦛 ভারতবর্ষনাসী ষুবকলিনেম্ন ভংপাঠের আবঞ্জকভা 🔊 বিবরুক ৰে উপদেশ দেন, ভাষা ক্ষম প্ৰস্তানাৱে য ত্রিত ঘটরা সম্প্রতি প্রচারিত ঘটরাছে, আ-मत् डेमान अप अध श्री श रहेत्राष्ट्रि । माउ এল নাছেৰ এক জন বিখাতি পণ্ডিত ও ইতি হাসজ, বে বিষয়ের প্রস্থ করা ঘাইতেতে ত হাতে প্রস্থারের অন্য গুণের পরিচয় দি ার আগ্রে ইভিছাস বিশবে পাভিভার পরি চ্য প্রালামই সবিশেষ আবশাক। অনেকে ইভিহাস বিবারে বিভীয় আরুনল্ভ বলিয়া फॅल्डाइन्सन ब्राच्या कतिया वीटकन, अहे मध्य কি ল পরিচয় মারাই পাঠকগণ পরিত্ত হই-বেম। আদ্য আমরা যে প্রস্তুকের প্রস্তুকরি জেছি, ভাষা ভাৰমুৰে কুম বটে কিন্তু গুণে क्ष मरह । भार्रिकशन हेरा मरख भारेरम अक ঘটাকাল পর্ম স্থে অতিবাহিত করিতে भाविद्यन नरमह नाहे।

প্রস্থাবিত গ্রন্থকর্তা বলেন, গ্রীব দেশীয় হিরোভোটন ইভিহানের জনমাতা। ভাহার পুর্বের শোকে কেবল কবিদিগের কলিত বর্ণ-নাতেট সম্ভুষ্ট হটতেন ৷ বথাৰ্প এতাত্তের অপ্র : ছেন, মধাকালে / মিছল এজে) প্রেগরি নামক नवारम श्रीहरू क्ट्रैं एवन मा। फूछ पूर्व वरमी । अक अन के भौतीन रा अक के जिसान स्मार्थन, রেরা কি করিয়াছেন, তাহাদিগের কিবাপ 'अवष्ट', कांश & मांत्रत क्षणांची किंक्श किंत, **डावा हिट्यू प्रदेश प्रश्न क**तिता कि बाल मी- े उ देखिदानदव्छ। समूद्र शुरमा खादा दहेख

ব্যাপার হইডেই বা বিরত বাকিতে হইবে ; হিরোভোটদের পূর্বের লোকেরা এ স্কল विरक्तनः क्रिएकम मा । एक्कांशिरशङ्ग श्रम् अ क्लाइ आकृष्डि कारेनगर्तिक वर्गनाहै (करता ভারাদিগের সাতিশয় গ্রীভিকর হইও। হি রোজ্যেটন খুর্ডের পূর্বা ৪৮৪ অবে জন এবণ করেন। ভাঁহার সময় অবধি ধ্বার্থ ইতিহাস আরম্ভ হয়। তিনি ইতিহাস শলে অনুসন্ধান कर्ष दुविहां मन। क'डेबन मांदश्य टमडे का-র্থেই অপ্নোদন করিয়াছেন। বস্ততঃ অতি দুর অতীত কালের ১টনার ধর্মার ব্যান্ত জা-নিতে হট্লে অক্লান্ত অধ্যৱসায় ও অনিবার অপ্তসন্থান আবশাক হয়। কিন্তু ইয়ানীপ্তন কালে ইতিহাস শক্ষের উদায় ও গভীরতর অর্থ হইরাছে। ভার নিশিরস ইহাতে ভুটাত্ত यक्ष पर्यम भाव विविद्य निर्देश कविद्यारकन । ৰহ বীর নেখোলিয়ন সেউ কেলেনার কারা-গ্ৰে মৃত্যুর অব্যবহিত পূর্বে সংখ্যক অহ ভার পূর্বাক বার্ডার ব'ল্যাছিলেন, " ভবিষ্য-ष्यारेशका कामाव रिग्टबर यथार्व विठाब क-ब्रिट्न। १ महाहे चम्बकारमह लाक्षिशस्य জনাদর করিয়া ভবিষ্ৎ ৰংশীয়দিগকে জা-পনার আখাবছি করেন। তিনি নিজে এক अन क्षताइ है जिहान शाठेक व हे जिहानदवला ছিলেন। ভাঁহার মতে ইতিহাস ভবিষ্-बश्लीयुण्टिश्व विहात बिलया बिक्टि इहे-**८७८इ। अतप्रद द**्राह्य कि छेशांद्र जाव. লখন করিয়া সেই বিচার করিবেন, একংশ **এই এর উপিত ব্ইডেছে। কাউএল সামেৰ** ভামিমিত খনমকালের ইভিগাস, জীবনচারিত এড়ডি তর তর করিয়া পাঠ করিতে অন্ত-রোধ করিয়;চেন। অব্দ বুদ্ধি পাঠকেরা কে বল ঘটনাৰ বননা পুৰ' ইতিহাস পাঠ করি उड़े नम्पिक दाडा इन शकाष्ट्रत दुविचारनद्रा भन्नत्तु भवत्तु भाषाना वर्गना भारते विद्वास হন । কি ছ এটি উভয়েরই এব। কাউএল সা-क्ष विवासत मुद्रीय अन्बंन कतिया विनया जारा हेश्नधीत अभाग हे किशनरवर्ता मीत्रम স্ত্রিয়া নির্দেশ করেন > অবচ শ্রুতোর বিখ্যা তি শিক্ষা করিতে হইবে, এবং কে'নু গহিত । অনেক্ষিৰ স্থান আৰিছিয়। করিয়াছেন। বি । বুন প্রভৃতি গুরুত্র কামঃ আভি আন্স কা

नग वह बहात के आहे नारश्यक कुछ और नह ইভিহাস গাচভয় অহুসঞ্জান ক্রিয়ার একট 🖔 उरहर प्रदेश । जाराज शूटर्स मिटिक्स अह नः चात्र हिन, क्रिक दारभाव है किहान हंत्र ऋक ইইরা গিরাছে ! তথার আরু বিচ্ছ ইউন কা विश्वित्रा कतिवाद माहै। विश्व खीक वृक्ति का ক্তিরা প্রগাহতর অপ্রসন্ধান বারা বাহা করি: ८७ भारतम, भन्नमा बन्नाम । अवस्थित आहरी ভাষা সঞ্জনাপ করিবা দিভেছে 🛊 🌝 👝 💥

হিরোভোটন ইভিহান লিখিয়া পথ প্রস্থান व कतिवा रात्म शत है इतिहास क्रमान्द्र के त्मकत्रः वा देखिशतत्वता आविष्कृष्ट केता। গ্রীলের কেলোকন, খিউনিডাইডিন, পলি विव्रम अवर खात्मव मामडे, निवि डें मिलेम প্রভৃতি ব্যক্তিয়া ইতিহাস প্রণয়ন করেন। রোমরাজ্য অসভাবিগের বারা ক্রিম ক্রিম হটলেও ইতিহানের গৌরব ভিত্রাহিত হয় न है। जश्कारम विशाद क्षण विश्व क्षान इहेशांडिम वर्षे किन्त जात्मक जेमानीय ७ भा मति क्षणिक निष्म निष्म कांत्रित वर्षायथ बता ও লিখিয়া রাখিতে উদাদীন ভিলেন লা। কাউন্ট মনীলাঘাট আত্মহত " প্ৰতীয়া (ম-हीय) व्यवासनिक्रिशत देखियान अस मध्य লিখিয়াছেন বৰ্জনান সভাতা বিজন ধৰ্ম ম क्तित क्या धार्म करत्न । धाताकरकता श्रक তন ইতিহান ও কাব্য প্রভৃতি বন্ধ করিয়া না चित्न वदर उरकात्मा हे किहान मा निमित्न हेमांनी प्रम कारतात अश्विदखद्वा श्रक्तकारमञ्जू यह নার প্রমাণ পাইডেন না। বন্ধ সময় সভীত क्ट्रेंट नानिन, उक्टे देखिहाटनत मोहर इकि स्टेट्ड मानिम । अहे खेलांद बाहा खिव गुष्ठा नामामिरनय कार्या पर्यंत कतिहा जोख वेख क्षेकांच कडिएवन । ए .

है डेट्रार्थ यक चडेना यहिंद्रार्थ जयागा कर्मामी विश्वादव यङ ने जिलाम ख को बमह विख এড়ভি পাওরা যার অন্য কোন নালেব এত পাওয়া যায় না। উসময়ে সমূদায় পৃথিবী থেন उरमाह भून सूखन कीवन भाश व्हेग्नाहिल। कदानी खाणि नाथ उन कार्य दोशांत मखक **क्षित्र के के दिश्याल दे के के पृथ्व, म्बर्शिक के दे** স্মর্মণ রুক্ত্মিতে জাগমন, তাহার তাছু-তপুর্ব দুঠান্ত বহিতে বিএচ, অর, বাবহু। প্রণ- , লর মধ্যে ছইয়ানিয়াছে। এই সময়ে আনে

ান প্রচন্তে ভাপন আপন জীবনচয়িত লিখিয়া।

নিমাছেন। নেপোলিয়নের বিপত্তি ঘানাবা।

াব যে ব্রিংশং বংসর অভিবাহিত হয়,

তালা ইভিহাস ও জীবনস্থিতের কাল বলি
ল অত্যাক্তি হয় না

এই কপ ইউরোপে ক্রমশঃ ইভিহাদের श्रिक्ति हया कि स्थान कामना छोत्र उन्दर्शन केएक इंडिगांख कति, खश्कांदन मधुपांश ज्यन × त्या पृष्टिशाहत हता कांडे अन मांट्रव अ বানে অভিনয় আঞ্চেপ করিয়াছেন। সভা ता है तरुन दिल्ला अध्यक्ता है जिल्ला भाष भविष्र्भं, किन्न अन्या स्मरण करम वश्रं है ়। তহাসের প্রাভুর্তাৰ হইয়াছে। কিন্তু ভারত-দর্গে তাহার বিপরীত ঘটনা হইরাছে। কবি-न्व श्रथम य जेशांचरान ब्रह्मा करत्रम, जा ্র ও তাহা অপরিষর্তিত রহিরাছে। পুরাণ প্র দ্বি **অঙ্ভ কাসনিক ও অলে**.কিক পৰ নেট পূর্ব। ভাষ। হইতে ঘপার্ব ইতিহা বর ক্ষানিজিয়ার সম্ভাবনা আতি অপ। ক্টিএল সংহেব **এখনে হতাশ বইয়াছেন।** ভাঁচার হ-তাল হওরা অসমত নয় বটে কিটু আন্রা ≘বৰালে ভাগোৎসাহ হইডেছি না। ,ভারত বংগর সূর্বা স্থানে জমণ করিয়া গাঁচ জালুসন্ধান কবিলে অনেক হতেন বিবরের আনিগ্রির अञ्चानता छ। एकः । मुजनगारनता अरमर्ग িলে পর ধর্ম ইতিহাস সার্ভ হয় ৷ ড পরে দেরেতা, আর্ল ফভেল প্রভৃতি তাঁ: দিগের अन्य न (त्रन । " हे बहिरल फारनक कास्तिक हडा**ड जा** ানতে পারায়াশ বাউএল সাহেব প্রস্তাব করি ' 'ছেন এই সবল ইতিহাস মুদ্রিত বরিরা ও ্ৰাইব্ৰোপ ইইন্ডে য'বভীয় ইভিহাস আনয়ন ক रिनम् **अद्भरम** अकृति श्रुष्टनर्भश्न सन्। कर्युवा। अश्रावकी छेरक्टे गटमक नाहे। जाविगादिक ~**-দি, ইটি মুসলমান ইতিহ'ল স**বল অনুবাদ সাধিতে ভারেন্ত করিয়াছেন। বিভায়েট সাপুর্ব ा अङ्ग्लीय धनी लांक अध्यक्ष मान्द्रे ১ ল'র উপব নির্ছির করিংডেছে ।

আনরা কাউএল সাহেতের বাব্যে সম্পু

" অস্ত্রোদন বরিয়া এদেশীয় স্থিকিত

পু
শাস্ত্রাক বিশোদ্ধান স্থান্তরাধ স্থিতিটি

বে তাঁহারা ইতিহাস পাঁচ ও তাহার র চনা বি

যয়েসবিশেষ মনোযোগ করিয়া আমানিথের
দেশের একটা জাভাব দুরুকারেন। এদেশের এক

জন প্রস্থার এই নিরা আক্ষেপ করিয়াছেন
বে ' জালাদেশীয় প্রধান পণ্ডিতের) সকল

লাব্রের আন্দেশীয় প্রধান পণ্ডিতের) সকল

লাব্রের আন্দেশীয় প্রধান নাই। সংস্ত্
ভাষার এই একটি মাত্র বিশরের আভাব

জাছে। একণে, সেই কর্ম আমাদিগের উপরে
পঞ্জিছে। দ বাজালাভাষার জানেক ইতি

হাস হইয়াছে বটে, কিন্তু ভাহার জানিকাণ

ইংরাজীর জন্মবাদ মাত্র। মূল প্রবের রচনার
প্রাতি না জানিলে ইতিহাসের উম্বিত হওসা

সন্থানিত নয়।

প্রাপ্ত । বর্ষমান হাফনগর ও বলোহর অফু ট্রেকি স্কুল।

সোনপ্রাকাশ পাঠক বর্গ অবগত আছেন বে আমানের ভূতপূর্ম লেপ্টনট গ্রব্র বা হাছ্র দেশীরভাষার উন্নতির নিমিত্ত ইং ১৮৭২ ও ৬৩ শালে ৩০ হাজার টাকা প্রদান করিরা যান।সেই টাকা কিন্তপে ব্যরিত হই-রা সাধারণের বিদ্যা শিক্ষা হইবে এই চিন্তা র ভাইরেইর, ইন্স্পেটর প্রভৃতি মহোদয়ে রা বছদিবস চিন্তাকুল ছিলেন। ক্রমে ক্রমে উনার ২।১ক প্রশালী উন্তাবিত ও হইবাছিল কিন্ত কাণ্যকালে ভাষা কুলোগধায়িনী হইল না দেখিয়া এক্ষণে পরিত্যক্ত হইবাছে।

গত ক্ষন মাগে প্রীযুক্ত উড়ে। সাহেব বিলাভ গমন কলিলে বালালার দক্ষিণ প-শিচ্ম বিভাগের হুতন ইন্স্পেট্র জীযুক্ত ক্ষে ক্ষি মেড্লিকট সাহেব প্রেভিনিধি নপে উড়ো সাহেবের কার্য্য ভারগ্রহণ করেন এবং জীযুত বার ভূদেব মুখোপাশ্যায় মহান্যর টা হার সেট কার্য্যের সহলারিভার নিযুক্ত হরেন। উক্ত কুট মহোদয় প্রথমান্থিট পূর্বো লিখিত ৩০ হাজার টাকা কি প্রাকারে বথোপ যুক্ত কপে বিনিয়োজিত হইবে ওফিস্তায় নিমম হইলেন। ভূদেব বার প্রায় ১৫ বংসর কাল শিক্ষা সংক্রান্ত কার্যে নিযুক্ত ভাছেন, বিনেশভং ভিনি প্রায় ৭ বংসর কাল লগানী

व्यक्ति देवलीय त्यांकविरशत किश्म क्यूब्रात, किंबान बोजानो निका किनीत्रकाद्वा था-না বরে, একণে কিয়প শিক্ষা দেওয়া ভাহা मिनादक कावणाक अनः स्मरणंत्र क्षवणा अनः লোকের জন্তরাগ অপ্রসারে কিন্দুপ প্রণালী भवनस्म नद्भारतहे वा छात्रा मध्माधिछ इत्रेएड পারে, ভবিষয় অনেক আবগত হট্যাছেন। তিনি বিভান কৃষ্ণিনান চচুর ও আখাদের प्रभीव लाक । प्रभीव लाक वाखिर्द्धक है. **डेट**ताशीरवृद्धा कथन ७ ज एएटमब्रू संबद्ध कार-या जनभेज रहेग्रा टाइफकरण कार्या निर्वाष করিতে পারেন না। মেডলিফট সাহেব ইন-স্পেক্টর পদ প্র'প্তির সম্বে কিছুমাত্র বাজসা कानिएकन ना अवर निका नरकाष्ठ कार्या उ নম্পূৰ্ণ জনভিজ্ঞ ছিলেন, এগুনা ঠাছার নি-८ तरिनंत नगरत कारनत्कः भरणांच ऋरण नाहे। किन्त केल बरहाबह्र कार्याकः स्थलन बक्ता व्यवीष्ठा ७ इकिस्ह। ४ मर्गन क्षिएउएइन ভাষতি লোকের সে অন্যোধ বোধ হয় অনেৰ ভাংৰে ভাপগত হয়গ্ৰছে। ইন্তোৰট্ৰ রদিণের নানাক্ষা লোকের সভিত আলাপ পরিচয় করিডে গ্র এবং নানারূপে লোক. मिशक पाक्षिण । उनस्य अनुरक्षिक क_र । हेर्छ হয়, ফুতবা বিভাদিলের ভাপরাপ্র গুণ্ন. ভার শহিত লে কালুর্থকত। নিভান্ত আৰ শকে, মেডনিকট সাচেত্রের এই গুণ সন্ম (शकः। व्यमश्मनीयः) यिति अवदान्न छोड्। १ সংহত খালাপ ক্ষিয়াছেন তাঁহায়ই ভারাকে উনারাশ্বর মহান ও ইনস্পেক্টরের উপায়ক লোক বলিয়া, বোগ হয়, সংকাব জন্মিয়াছে। यांका करेक, के का मारहर मरहाक्षम । कुर्मन বাবু একব্রিভ হইয়া পূর্কোক্তে ৩ হাজার টাকা बारमूत रय अभानी छेडानम करवम धनः भवनः ्र किछ्छेड अञ्चलका बिख क्रेग्ना विवृद्धित क्रेट्ड যাহার কার্যা জারের হটরাছে তাহা নিয়ে ি থিত ইইতেছে।

বর্ষনান, ক্লকনগর ও বশোহর এই তিন খানে এক একটি ট্রেনিঙ বিদ্যালর স্থাপিত ইইয়াছে। ২০ টাকা পাথের ন্যয় সংমত মানি ক ১০০ টাকা বেতনে তিন জেলার জন্য তিন জন সব ভৈপুটি ইনস্পেক্টর নিযুক্ত হইয়াছেন। তাঁহারা স্ব জিলার নথে আমে আমে পরি

দ্রমণ করন্তঃ -বটু লিখের ছাত্র' সংগ্রহ করিয়া विटक्टरमा संज्ञांबर्ग्य निश्च अहे (व. आ यन् कत्राद्वमा " মের পাঠলালার শুরু মহাশয়কে ভাৰৰ নতি ডিনি শিকাঞ্জহণের ভা প্ৰপদ্ধ বয়ৰ হয়েৰ ভবে ঠাহার পুত্ৰ, জাতা-বা চন্ত কৰি সম্পূত লৌক অথবা যে কোন ব্যক্তিকে মনোনীত করিয়া ট্রেপিড ছুলে প্রেরণ করিবেন কিন্তু তাহাদিগকে এবাপ এক অস্টাকার পত্নে স্বাক্তর করিছে হটবে যে তাঁ-হারা যে ব্যক্তিকে মনোনীত করিরা ট্রেপিঙ भुरत ध्यातम कतिरवन फिनि छथीत क्याग्रन ক্রিয়া প্রশংসাশত্র সহকারে প্রভ্যাগমন ক-রিনে তাঁহারা ভাহাকে পাঠশালার শিকা কাটো নিযুক্ত করিয়া জাঁহার বারা পাঠশা-শার শিক্ষোপযোগী বিষয় সমস্ত সন্তান সন্ত-তিব শিক্ষা নির্মাই করাইবেন, বোন যতে তাহার অন্যথাচরণ করিবেন্দ্রা বেদ করেন **उद्भाव को किएक हिं निश्व कृ दल निका क्ष**रांग করিবার নিমিন্ত সরকার বাহাতুরের ঘড টাকা ব্যব্ন হইবে জাহা শ'শ্যপণ করিতে কোন হতে আপত্তি কহিবেন মা।

জিলার সব ভেপুট ইনস্পেকটরও ঐ আ
চাকার পত্তে এক জন সালী আঁকিবেন, তাঁ
হার আক্ষয় সবেত ঐ পত্র লইরা ছাত্রেরা আ
কিলে ট্রেন্ডের প্রধান শিক্ষক তাঁহাদিশকে
এই এপ এক অন্থীকার পত্তে আক্ষর করাইরা
লইবেন যে তিনি বে প্রাম হইতে মনোনীত
হইরা ফাসিরাছেন এখানে অংগরন করিয়া
সাটকিকৈট গ্রহণ কবত সেই প্রায়েব পাঠ শালার ঘাইরা শিক্ষকতা কার্য্য গ্রহণ করিবেন এ
বং গ্রন্টেন বড় দিন রন্ধি বা পুর্ভার অর্থ
মানিক পাঁচ টাকা ভালাকে প্রদান করিবেন
তত দিন ভিনি উক্ত কার্য্য শ্রচার রূপে নির্মা
ত করিতে থ কিবেন।

পথমে জানেকের শক্ষা হটয়া দিল এবংগ আদীকার পাত্রে এটামস্থ লোকেরা ও ভাষী প্রথমদাশরেরা কখনই ছাক্ষর কবিখেন হ. কিন্তু দে শক্ষা জনেকাংশে জ্বপনত হইয়াছে। এক্ষণে এ'মন্থ লোকেরা প্রবিদ্ধেট্টর এই সামু এই কার্ট্যের মর্ক্ষপ্রহ করিবভাইন। ভাষানা ব্যিতেছেন গ্রন্থনৈক কেবল জন্ত এই করিব। ভাষাকের মন্ত্রাক্রপনের শিক্ষার উৎক্রপনাধনে- র করা প্রাথে প্রাথে এক একটি পাঠদারা করিবা বিভেছেন। একনা ভারানিগতে ভ্রুতন রূপ কোন ব্যর নিতে হইবে না। পূর্ব গুলু ব হাদারদিগতে ভারারা যেরপ বেজন দিরা আ-সিডেছিলেন একপনার নিক্ষিত হুজন গুলু-মহাদারকেও সেইরপ বেজন দিলেই চ্নি বে, কেখল ভারার পাঠদালার ছাত্র সংখ্যার বাহাতে রবি হয় ভবিষয়ে কিঞ্চিং ক্রের্য়া করি বেন এই মাত্র। একপ সজীকার করণে ভারা-দের পন্থার বিষয় কি

ভारी एक वह भरतत। अजीकात शरत বান্দর করিতে বাস্তবিকই অনেকে ভীত হইরাছিলেন কিন্তু বিশেষ বিবেচনা করিয়া मिथा उंशासित कायत नियत निकृरे तथा যায় না। কারণ উংহার। বাবজনীবন জাবন্ধ হইলাম ভাবিয়া ভীত হইডেছেন:৷ কিন্তু গ্ৰহ मिणे कि बाबक्कीबन छंशांनिशटक कीका कब्रिका দিবেন এবংগ অস্ট্রকার করিতেছেন ? বিস্কু বৃদ্ধি তাহা না হইন ডবে আর শকা কি ৷ প্রবাহেনট তাঁহালিগকে ৫ টাকা দেওয়া বলি বৃহিত করে न अवर फोर्गाएमक जन्म द्यान कार्याक जूतिया হয় তংকালে জনায়াসে তাহারা উলা ভ্যাগ করিতে পারিবেন। তত্তির গাবর্থমেন্ট ক**ভ**নিম ঐ টাকা দিবেন তাহার স্থিরতা নাই কিছু গুরু बहामरस्त्रा सिनिर्वन य शवनरमके बहाबद्व छ। হাদিগকে ৫ টাকা করির। দেন পরে ইহাডা ·शंभिरात्र व्यार्थनीयं श्हेत्रा डिडिटर। कात्रण ख খন ভাঁহারা দেখিবেন যে তাঁহারা যে কাৰো নিযুক্ত আছেন তাহার আয়ু নিতায় কম হই-ति मा। शवर्थमने इंडेट्ड निम्नविकक्ष « है। को शां अर्था याहे (ब, इंछिनड़ (बछन ५ जान बि-(भरत १-१-४ ७ ५० मन वर्षास स्ट्रेस वादि-তে। বিনা বাসা খরচ ৰাটাতে পরিবারের স भागा भाकिया डाहाबा आ कार्या मनाधा कति বেন। তত্তির ফ্রবি ভেজারতি প্রভৃত্তি জার গালা কিছু ভাষাদেব বাবসার থাকে ভাষাও कविद्यार्थ हालांकेंड शाहिरवस । खोद अहे 🌃 क्ष निव्रत्न क्ष य नक्न लोकरक श्रेक ३६ টাকা বেডনের উপর নির্ভর কবিল্লা পরিবারা দি ভাগে করিয়া দেশ দেশান্তরে পমন করি. তে হয়, গুরুষহাশয়ের: বিবেচনা করুম ভাছা-দিগের কার্য্য উলিখিত লোক সকলের কার্য্য ভাগেকা কডগুলে সুখকর .

व.र। रहेक की वृक्त स्वक्रतिक है माद्यस्य प क्रमय बाह् के करत जिलाक करेशा आहे. अवाही व्यवस्थि कवितारसम्बंधा भूटर्स विशिक्ष स्ट्रेन बार्ड किन्न कांश वहेंटन ३ क्टबर बान् स्मृतेन मिंक इंडडार हेशंड चारकारमहे दूर कीशंड বুৰিবিদ্ভত ইহা অনায়াদেই रहेएकहा व कानक्षण इस्त्र अनवी अप थार विक कहा यात्र अवविश्वाहरू ব্যান হইরা পুঝারপুথ বংগে ভারার কর न कतिएक रम्, असन स्टेरन तार्ट व्यन्तिहाँ व अश्य महामान वा अनुभूत बाहक, केट्र क्रि या मान प्रा ७ मन्त्र इरेश करहे । प्रा বারু পুর্বোক্ত স্তব প্রণ,সীয় প্রবর্তন, সংগ্র अव नवर्गानके कीशांक प्रक्रम विवास्त्रकेती सुन रा निपूक्त कतिया डांगात आकि वे कार्य তত্ত্বিধানের ভার প্রদান করিবার বে নাম্পু कतितारहर, छाषा काशास्त्र अङ्ख विद्वहर्ता है कार्य हे बहेबाटइ अवर अख्टकनीत व्याटकवीची च भनांत्रिरंगर मर्था अक सम इस्तिहा ब्रास्ट्रिक् त्व[ं] हेनटम्मक्रिशेशस्य चारवाङ्गिकः स्वितिवर्धः অৰণ্যই খানশিত হইবেন সংক্ৰে নাই ৷ কিছ श्रीटिक्ष क्रिक्त बाद्य के क्षक श्रीक्ष स्वाव .. " त्यानियम देनद्याक्षेत्र । व्यादन्ति के नामक्रि এক কালে আমানের নাতিশর প্রিক্ত ট্রিক কিন্তু क्ष्मर्थ हेरा जाबाबिटनद्व शटक व जिल्ह्द्द (सरमञ् र जुना र देशांदर । जान्यत्र भवनंद्यके डेगात नामान्यत्र क्षणांन कत्रिरण अधिक छूर्यक्र विवद्र श्रेष्ठ हेखि।

স্থি ----প্ৰবিনয় মিৰেয়ন -

নহাদর! এস্থানে (বেহেরপুরে) আপনার কান সংবাদ্দাড়া নাই দেখিরা অব্রত্য সংবাদ নিখিতে আন্তর্ত্ত অভিনাব হইরাছে। কিন্তু উহা কত্তবুর সকল হইবে বলিতে পারি না। ভাষা আপনার ও তবদীর পাঠকগণের বিবেচা রহিল।

ি এই স্থান নগায়। জেলার অন্তর্মনীর্থিক কর্মনার হইতে এটা ১৪ ক্রোল (২৮ মাইল)
উত্তরে অবস্থিত ইহার পশ্চিম পার্থে ট্রেরব নামক এক ক্ষুদ্র শাখানদী প্রবাহিত । উত্তর্গ উত্তরে জল নিভাগ্ত নিহুই নহে। কিছু এই
গ্রামের সন্দার লোক ভাগার ক্ষুদ্র ব্যবহার

्तिएक शास्त्र मा। कात्रण देशांत शूर्क शार्ष वर्षा अवही हांत्रज, अवही शायरम, कृ अव-এইতে উহা প্রায় কর্ম ক্রোপ অন্তরে অবশ্বি-ত। পূৰ্ব পদীতে একটা হুহৎ পুৰিরিণী আছে, ভাষার जन पातार উক্ত পদ্ধীর আছ সমুদ্রার कांग्र निकीर रहेना थाटक। हेरा चांद्रशृह ारक जामृत्र उपहड़े वानग्ना व्याप एड मा। इंदान जानक थांन आंक्रम ७ देवहादर ীর জমিদার বসতি করেন।

२ । अथारन अकडी हेश्द्राची वानाना वि-্যালয়, একটা পোট আফিস, ও একটা ধানা ানেক দিন অবধি অবস্থিত আহে। সম্রাতি াকছু দিন পুর্বেল ছাইটী যুলেকের কাছারি, এ ্টী ভিপুটি মেজিটে টের ধর্মাসন, ভিন্টী **ं** ५ शृंडी कारनडेरबन विधानामन, **क्वर क्व**केंडी ছোটআলালত ছতন সংস্থাপিত হইয়াছে। শুনিতে পাই বে, মুলটী পূর্বে অভাত উৎ রুর্ন্ন ছিল। কিন্তু সম্রোক্তি আর ইহার তারুশ উৎकर्म षृष्ठे दश्च ना । शतुस्त अकर्ण (मन् भ नम्-क्ति नाष्ट्रे धथार्थ वटहे । किन्नु विम्नानव्यक्तिरक नि जान निरुद्धे का बाद मा। वर्डमान ननरप्र शहन अर्था ४०। ३०डी बहेटर।

७। क्षार १। ৮ वरमञ्जू बहेन अर्थाटन अरू টী ভাকৰর ছিল। তখন এই স্থানে পূর্বোক্ত বিচার লব্ন সকলের একটীও সংস্থাপিত इत नाहे। बर्धा शवर्रवर्षेत्र क्छि वांध इक ব্লাতে উহা এবালিশ হইরা বার। পরে মত্রভা क्षिप्रांत्रश्य नकरन अस्थक्यांयनचन शूर्कक शदन(भरतेत निक्षे भौरियम करतन व, भून নার এখানে একটা পোষ্ট ভাকিন সংস্থাপিত হর, এবং যদি ইহাতে গ্ৰণনেটের স্বতি ছয়, **তবে আমর: ক্**ডিপুরণ **করিয়া দিব।** ভদক্রসারে ভাক্ষর পুনর্বার এভিডিভ হই-ब्राह्म अवर जनविष हैश इतिएउएम्। अकरन स्वरहत्र प्रांतक शिल विकाल नग स अग्रांटफ উহাব কাষ্য ও পূর্বাপেকা রন্ধি পাইর।ছে। প্রভাব প্রব্**ষেটের ক্তি** ইইবার ভাগবা উঠিয়া যাইবার আরু সম্ভাবন। নাই। পোঠ মাঠার (ডাকমুপি) বারুটাও অতি ভন্নকোক। इ ३६व ।

ही द्वत, बाद्य कहेत्र,शिश्राद्यः वद्या प्रसा-খাতে ও নগরাঘাতে এক ব্যক্তির সর্বাদ ক্ষড় বিক্ষত করিয়া দিয়াছে। ঐ ব্যক্তির এক-টী ছাগল য় ত্রে লইণ গিরাছিল। সে ভাছা র ছাগলের উভারার্থে যাওরাতে ঐবণ ভূদি-শা সংঘটিত হইরাছে। যদি নিকটে লোক না থাকিছু, ভবে নিশ্বরই উহাকে ব্যাজের গ্রাসে পতিত হইতে হইত ৷ নিৰ্বন্তী লোকেয়া তা্ৰাডাড়ি করাতে ব্যাগ্ৰ ভাহাকে পরিজ্ঞা-গ করিয়া পলায়ন করিল। আবার অন্তঃ চারি पिन रहेन, ७ जन हरक ब्राद्धिए बाट्टे छा-र्गारिशंत भना क्ष्यांत्र त्रक्षशंदरक्षण क्रिट्ड-ছিল। এমত সমরে এক বাঘ জাসিরা ভাছা-দিগকে আক্রমণের উপক্রম করিলে তুই ক্রম একবারে ভরে জড়াছুড হইরাছিল, একব্যক্তি ৰাত্ৰ অধি আলিয়া কড়ান্ত চীংকার করিতে गानिन। উर्वाप्तरभद्र आर्डमान श्रमित्रा मिक-**हैवडी लास्क्रा मधानक ए**उन्नारक ब्राज्य कारामिरभत किहूरे कतिएक शांदत नारे। लांदक विनन्नी चारक (व, मरधा बरधाई अह क्ष बहेमां घटडे । किन्नु ज्यान्द्रराई विश्व अहे বে, এই রূপ দেখিরা শুনিরাও অত্রত্য জ विवानीत बर्ग करहे हेशत अधिविधासत (इहे। क्रिएक्ट्न मा ।

। এই धारमत अभिरकारन श्रीत शृहे ক্রোশ অন্তরে কোলা নামে এক কুত্র গ্রায় আছে, তাহাতেও এক হৃহৎ পুংশৃগান অত্য-य सोताचा व दिएक। ये मृगालत अवग শাহন যে, ব্লাত্রিয়োগে জননীর ক্রোড় বইতে नर्वानिया प्रदेशे वानस्टर रख २। ७ हीत्य जार्ड कविवादह । **डेश वृदा वास्तित्व म**ाम-न क्रिएंड के शतां कृष क्यू नाहे। क्राउः अक সামান্য পৃগালে উক্ত আম নিভাম ব্যতিব্যস্ত क्रिया जूनियारह। উशांत बाता वह क्रण भ-ভ্যাচার হওয়াতে করেক ব্যক্তি উহাকে নারি-बात (5है। कतियां हिन। किन्त नमन क्षेत्र हरे-তে পারে নাই। কারণ শূণলৈ ভাষাদিগের विठाबानम् नकरानत् विवत्न शर्म मि. अङ अङ अश क्रिडे। क्रिक्स क्रिका क्रिका क्रिका ল, যে কেংই ভাহার অসুসন্ধান করিছে পা-৪। সম্রতি কিছু দিন পদান্ত এখানে। বিল না।এই ৰূপ বখন উল্লোগ করে, তখন-अर्थास वारायत का क्रेसिए । १ । ६ कित्वत । के श्रीय निकल क्रेस् भारक। अर्थानकांत्र वा-

त्वत्र करवर नावि, त्यथीनकोष्ट लारक्या, भू नारमञ्ज्ञ चार्च चार्च मूर्विक विकास রাছে। অধিক্ষি দে कमा किरहे गोहिए थी केएड

विविध मरवाम ২৮ এ বাষ লোমবার।

नहीता विकास्त्र किन्नदात के **जन्माद्र वक्टन**ीत शर्यस्थले बाह्यस्थितिह তি হানে ১৮৫৭ অংশর ১৭ আইন প্রচলিত করিতেছেন। গ্রণ্মেটের ছালয়জন হট্যাছে শপরিষ্ড প্রবরিণী প্রচৃতিই অরের প্রধান कांत्र। धारे कार्रेन श्रामित रहेला आंधवाति : দিগকে আপন আপন বাস ও পুনরিণী পহি-ভূত রাখিতে ঘটবে। বারাদতের শাখা ছার্ ভৰ্মীয় সভায় উত্তেজনাই এওদস্তভানে ব্যুল कांत्रण । जना जना शायन अने जानेम क्रिक নিত করিবার চেষ্টা করা উচিত।

রেবরেশু:এ,জি, নটলর অধ্যক্ষ হইয়া পুন র্মার হালিবরি কালেজ ""বরাছেন। ভাষার্ছ, वर्षीत निवित्त निर्वारन क्षारमार्थिको अहे छा स्म कार्यकृत कतिर्दन। शांति रहित्र नाम स्थानियाँ সিবিল সর্বিসের একচেটিয়ার কথাটা 'আম'· मिर्श्व म् जि शब्ध मेमिज बहेगः

खाउँ तिक नारहर नव हाइनम उँछ क व নিয়াছেন গভ শিপাপ্রমূপনী সভার ভাবতং बींच ब्रांका ए नकीवर्तने यरबाहित है भगार সহকারে প্রব্যাদি প্রেরণ করেন নাই ভালার কারণ এই ভবার। তাঁহাদিনকে ক্ষতি এক হইছে হয়। তিনি ভনিমিত প্রস্তাব করিরাছে स दीशाही प्रवाणि थ्यातन कतिराम जरन वर र्खि डाँशक्तिशक क्विमाकीय अया **डे**शकायन দেবরা ইটিড : সর চারলদ উড় ইলাডে ম-च उ ब्हेब्राट्डन । अधिकार बच्च अधिक अङ्गि भिन्न कार्या छैश्नाव धामक वहेंदन छात्रखवर्ध **बे मकत विवर्द्धत च भरात वर्द्धा मिल्लिय** উद्रक्ति इंड्रेटन मध्यार नाई।

मारक्रमारहरत्त्र मक्रुतमिरभव मधास्र्वाय खबा बन्न शुरुष्ट बाबा ४००० है कि अतान क विशिष्ट्म ।

ज्यारवित्रकात कतिमतिबंधि हैकात्रभारवर्ष ভরানক জুরাচুরি করিয়া ধরা পভিয়াদেন। अक वाश्वि सेक एड जिस्सके त्यादा ममुमाद क् छ। त्रिवाटकः। किन्न अक श्रामिट्ड इंट्रिका या दक्षक माहै। स्वति व्यक्तिर्ड काम सम्बा सरा वाहित सरैदाटकः। काक्ति क्षेत्र काम ह। मर्न दक्षके मधान।

हाका श्रांक माणा नरकर नार्य यानिक क रश्य पूज्य के रखपूर्ण माजिए हैं है नाईर वन यानेबा को लगाबिद्ध नानीय कित्रवादका। धरेनाय पूर्व कित नाईरवन भवक्या प्रशांक साम्य

উক্তপত্র তথার স্কুরাচনির দ্বিশেষ প্রাপ্ত ভাষ প্রদান করির। আংকেশ করিয়াছেন। এই ব্যক্তি চাকরীর লোডে এক জাল জনীলারের সহিত তাস খেলিতে নিরা করেনটি টাকার জল দিয়াছেন শ্বর্ছেরা নানা ছলে টাক। লই-য়া খাকে। কলিকাভার জুরাচোরের দিন কত বত ফাক হইরাছিল কিন্ত ওয়াকোপ সাহেবের প্রসালে ভাষা এখন কবিরা নিরাচে।

দিলী ইন্টিটেটট জগাল বংলন সম্ভতি তথার প্রাচুর রটি ছইরাশিশাসমা। শাস্তান ক্র ক্ষেত্রত স্থাবিধা হট্যালে।

ভারতবর্ণীয় রেরলএয়ে ফোম্পানি হঠ ,
আপনালিগের মত পরিবর্গ কবিরা কম।
বরিরাছেন দিল্লী হইরা বেলএয়ে ঘাইবে ন।
ভালরা কির্দ্ধিবস পূর্বে এইর গ এফটি জ্বন্
ব প্রবণ করিরাছিলার ভাহতে বিহাস ন।
নাই কিন্তু ইবা এক্ষণে সভা করাভে দিল্লী।
এভন্দেশীর এই ইয়েপ্টার অধিবাসীরা ।
চারলস উভেব নিক্টে এক আবেদন করি।
কেঃশ্লানির এ প্রভারের প্রতিবাদ করি।
কেঃশ্লানির এ প্রভারের প্রতিবাদ করি।
কে। এবাপ মত পর্ত্তিরের বিশেষ কা।
কি ভাহা না জানিরা এবিশরে ভাষাদি ।
চাভিপ্রায় প্রকাশ করা বিধের হটতেকে মা

विश्वतः वाक कानिएक हादि न। छाव। यरबडेकार मध्यवात व्हेंद्राह्य । जना किष्ट्रतः कान्य थाकि स्म क , जात्रनारिकात वार्थ हेदात ध्याकिष्ट्र व्येट्य । योजन मार्ट्य व्यार्थ क्याहे कांद्रता स्म । जात्रनामिकात काज जात्रनाता न। कति स्म । जात्रनामिकात काज जात्रनाता न। कति स्म वर्षन स्म कांद्रवा मनाक हेमिक व्य न। किन्न याचिन स्म कांक्षी जात्रना महिंग विनार्थ अर्थनीय मिक्स स्वाय ना व्हेस्डर्ह्, क्रक्रमिन श्वर्यक्रीय मिक्स क्षेत्र हिंग्डर्स ना ।

দিলীগেডেট বলেন, ১৫ ট কেঁকয়া

আলালাবার গেজের বলেন, রেইন ওছে কর্মারারা বিন। মুলো বাচ্ছার লকটে ঘাইবা অনুষ্ঠতে বঞ্জিত চইতেছেন। ফেল্যানির কা বা বাতিরেকে অন্য কোন কারণে তাহারিগ কে বিনামুল্যে গাইলে দেওয়া চইতে না । ফ্লাচারিলিগের প্রচে ৫ । ক্লাচারিলিগের প্রচে ৫ । ক্লাচারিলিগের প্রচে ৫ । ক্লাচারিলিগের প্রচে ৫ ।

কিনিকা নথেন ইন্কুম টাকোর আসেদ
দিনের পদ উঠিরা যাওয়াতে গ্রহণ্টেই উ ।
হাদিনকৈ পুর্করার পদে কিবিধা বাইনার "
ভা দেন । কিন্তু অনেকের পূর্য পদ ব্যব স
ক্ষেপ উপনক্ষে উঠিয়া বাওয়াতে তাঁলা ।
বিসাবা আছেন । এফণে গ্রহণ করিবেন ত ।
বিবেটিক হটাতছে। আমাদিনের মতে ং
হাদিনকে জনা কোন কর্মা দেওয়া কর্মহ ।
বে ক্ষেক মাস তাহারা স্পিরা আলে ।
তাঁহারা ভালার নেজন পাইভে পানে ব,
ভবে বাংলারা এককালে কর্মা হটতে ভবের ভ
হটতেনে তাঁলা। দমকে পেলনের বো গ্রহটা পেনেন নচে ছা নামের বেজন প্র।
ভালা প্রনান কর্মান কর্মাণ

হিন্দুপেণ্ডিয়ট বলেন রাজকুনার গোট ম নহক্ষেদর অন্যায় নিকাকরাতে ইংলিস ন সম্পাদবের নাথে এশনজন বিচারালয়ে না

२२ अ म'र मक्तरात् ।

ইংলিদনান বলেন বেখাই বিশ্ববিদ্যা স্থে সংক্তি ৬ লাটিন শিক্ষালানের প্রস্তাব ইন বাছে।

তিনি কারণ বলেন রাজপু তনায় সব র দিনের কিরোধ উপস্থিত হওয়াতে কি ছে শঞ্চায় গ্রন্থনট একদল অখালোকী বৈন্য কেব্ৰু কার্যাছেন। দাবধান হওয়া স্ক্রি ডা চাবে বিধেয়।

তিনি সারও বলেন জান্তরারি মানেন ম-খ্যে কলিকাভার ১০০০ডখড টাকা আ ছে তামখ্যে ১০৮৫৭৫ টাকা অন্যান্য জ ভিনি আরও বলেন ১৮৫৮ আব্দের প্রোহিরা ভারতর। বাদে খৃত ব্টরারের। দ এ প্রমাণ হওয়াতে ভত্রতা বিভারপতি ভাশোদ্ধি পার বাজ্ঞীবন দ্বীপাত্তরিত করিরারেশ।

দিলীগেজেই বলে বছকেনে অকলন প্রিয়া প্রথেশ করিয়া পুঠ আরম্ভ ক্ষিয়াটের । গবর্ণঘেটের এগদল গৈন্য বাওয়াতে ভার্য-রা প্রায়ন ক্ষিয়াছিল কিন্তু আ্যান্য নেই ক্ষ্ম উপদ্রুগ আরম্ভ হ্টিয়াছে।

ফ্রিন বলেন রুলপুরের রাজা এউ দিন
গবর্ণনেন্টের অধীনে ছিলেন, একণে বস্তাপ্তাগ্র হইনা সদেন গমনে অসমতি পাইরাটেছল।
বস্ত দিন না ভারার বয়ঃপরিশাব ও কর্ম কর্মশ্রিতা না দর ওও দিন এক জন বার্যাক্ষ বলা
গ্রিনানালের এক জন তেপুট মাজিনে,
ট বাসিক ২০০ লভ টাকা বেজনে ক্রাক্ষিক্র

হরকরা বলেন সি এম জাকান সাহের। ইংলপ্তে গমন করিয়াছেন এবং লেভিজ্ঞ ভালার পলে নিযুক্ত হইরা শীম্রট এমার্টন আসিবেন।

লাবোর জানিকেল বলেন ৩১ এ জাহরদ।
রি জলক্ষরে ভয়ত্বর মঞ্চ এই বইরা নিরাছে।
এমন কি রুক্তের পত্র সমূহে পথ ক্ষম্ম হইয়াছিল।

রোসভানলো নামে বিবি এক ক্ষাক্ষাবুলী যের নাবে এই বালরা অভিযোগ করে বে ঐ ব্যক্তি আগার সাস চুরি করিরাছে কিছু কার্লবা সী বিল আবিশান আমার পরসা পাইব বলিরা গল কাড়িয়া লইবাছিলাম ভা-হাতে বক্ষমা অগ্রাহ্য হইরাছে।

ও-এ ম ব্ৰথবায়। ক্ষ্মী কিনিক বলেন বালকাই **লপ্টনত** গৰণর কালীক্ইডে আ**লিপুরে অর্ডাগ্রন** জীয়তকল চাইনস ক্ষম **ইডিয়া বলেন, ডগ্রন্ড্য** এলফি নিষ্টোন কালেজ ও বিশ্ববিদ্যালয়ের বাটী নি-

निर्देशन कारतक व विश्वविद्यां करवंद्र वाणि नि-पंश्वान श्राचां व वेटाउट्ट । जारतक प्रम पडेल कनिकाडा विश्वविद्यां करवंद्र वाणि निर्पाण श्रा-स्थान बहेद्रा छोडा निर्विद्यां विद्यां विद्यां है।

হরকরা বলেন পাডিয়ালার মৃতন মহারাজ ভাহারনিধের প্রান্তহার আব ইভিয়া উপাধি চিন প্রব্যান্টে প্রভারণি করিয়াছেন।

হাওলদার কালীচরণ আসামের অন্তর্গ-ত বড়পোধার গ্রামে এক দল নাগার সহিত যুদ্ধ কালে বিফেল সালস প্রদর্শন করাতে তাহাকে তৃতীর শোণীর সমান চিক্ দেওরা-হুইয়াছে।

পারস্বাদেশ ক্রমণ। সভাতর হইভেছে।
মাদৃদ গাঁ চিহরণ হইতে লগুনে দৃত হইরা
শাসন করিতেছেন। বাণিজ্য সংক্রোভ সন্ধি

িরে সভিপ্রেড। রাজস্নার অধ্যক্ষ " ইতুলত খিরজার যদে উক্ত দেশে রেই १७ ७ (है निज्ञीक बहुए छर्ड ,

यक अयोदि (वःशः हे शास्त्र अव माथा ं भाषन अहे मांचा । इनाव मुश्रा छेटल्ला ।

नडेम बदलन शर्नद्वन्छ अक लाक्डीका করি,।লগ্ করু করিরাছেন। তথার जात वादिक छड़ेदन।

াঁ নিপ্লাকে সম্প্রতি বে সংবাদ আসিরা-🗚 🕬 তে জান, যাইতেছে সর চারুলন উদ্ভ के। बार्ड इहें (उद्भव। आद्यदिकांद्र वि ाक्षिमा बेश्मरखद उभद्र कृभिक बहेरळरहेन्। ''संब कांत्रन कहें खडाखा शुवर्गामनी का . अय 'रेफ मधान्य स्टेग्ना एक्का ग्रहतिवादन ব্যুটা প করিতে চাহেন নাই।এদিকে উভয় क्षीरश्रीति क्षितिकत् निद्यमित्रदेव क्रमा র্চাঙ্গা শরিষা ইংলগুরি লোনের প্রীতি ভাল ANDERTON !

🗒 🛪 शन्दियां धरामञ्जू शक्क अन्तर्वाद्यार 🖰 া দে। ''র বিষয়ে বিদেশ বিরক্তি প্রবাশ করি ্ভেলেন। তথার গবর্ণ মৈট হতন নোট শরা श्रांकिक ! वक्षण नर्देख डाटरन,मा । विक्रि करे ः । रुके ग्यार्थके छ जित्र कि स्विद्ध भारत ।

३ वा कांकन इस्क कियांत्र।

বেজর বিবর আরব জাতির সহিত সঞ্জি শরিরাহেন . ভাষারা আর ভরভবনীর গবন (अकेंद्र मीरा बर्धा का निया के कहिरत ना । এবং গ্ৰন্থেটের প্রজাদিগকে সাগনাদিগের ्राप्टा याहेर्ड मिर्दा डॉबॉग ख्या कर्य ব্রিটিস ভাগিকার মধ্যে বাঞ্জিন প্রভৃতির ক্ষম্ভ भागित्वे भातित्व, किए, व्याप्त मयदम् जाशाह्य দা বাতীত জাল ।ল আত্ত কটব্ৰা আসিতে পারিদেনা। গব-মেন্ট মিল সীমাতে কেলা कतिएक भाविद्यम, धवर कांग्द्रबहा कांगमा किटगत मीमात्र भूतिय कतिरमः। शवर्रामणी প্রতি বংসর ভাষাদিগের পুলিষ ব্যব্ধর জন্য ১०० क्लिकी, ७० वर गर्भ, ४० शिख्य द्व २ मित्र प्राहित्यन, धर > घन उद्यान मित्रन। ভाशांत्री व्यक्ति दरात शन्नीत्वलेटना कटबुक्की শকর ও নুরগী দিবে। একণে প্রশ্ন চইতেছে न्नाता अहे श्रिष्ठिका भारत २४० ६टीव किना १

ইংলিসমান বলেন, সম্প্রতি কোচাই উপ ভাকায় ১ গণিত পঞ্চি পদাভিক ও এর ১১ স্ফরনির সহিত **লালা হই**রাগিয়াছে, িশে া বহাও জানা বাবু নাই।

উক্ত পত্র বলেন আলগদহের লাইট্ছে ন न्यां वारक्षन रम् कार्य कर्नने वीस्त्रव ".एए वक्रांक्रमीय शब्बंदार हेंद्र शब्बिक स्यादि व বৰ্ণীয় গ प्राथिक स्यादकेत द्वारक है। दि इहेर्रक

किनिकार राज्यादिय मध्याम माजा बर्गन मुख द्वास। धानः नोद्वांत्रण रगरबद्ध अ खा थ ६ शुच्छम निक्षी विश्वा करें। कांचाव अक्षांचे व्या ८०० व्याप वर्ग क्वेटलट्ट। কিন্তু ভত্নতা ক'লেই ই ও ঐ ধালাকের যাত। তাহাকে কলি ।, ভার প্রেরণ করিতে 'সনিক্ষ্ क्षाक्र वा महाना यो हाहा अवार्क ग्रह सहै एक প্রতিগ্রন ব্যবন, ভাগাবা নানা প্রকার ছক न्द्रिभिचित्र, याम ! अक अपन ("रदममाच द्राप्त) মুরাপান বরিয়া প্রাণ্ডাগ করিয়াছেন। ্ত্য লেকের এই সংস্থার জন্মিয়াছে ওয়া-

গুরু বালকদিবোর চবিত্রের এতি দৃষ্টিপাত করা হদ লা ভারিমিড জীহার। ইয়ার প্রতি बाप्र कानेश्वा वानन स्मरानेश निकार वास्त्रमन करित्वन । यनि अब्रोड शिट वश्चल, अ अकृति ্রিস্তাহা হইলে ও ইহার সুখ্যাতি বত।

গত দেউলিগা ভাগালাতে কয়েক জন গত্ত গুৱা পড়িয়াছে। ওুই এক ইণ্রাঙ্গ বশিক। हेराब मध्या हिलाम । कि ब्रागकीरियको महीसूत्र जरमीय ब्राष्ट्रक्यात भवित्रहेमीन निष्ठीः हुई बारहर : हैनि ६० ६२ हे का अन प्रारंध अपने-मित्रा इडेबांत (इरे) भाग किन्न मत्र मर्ड है करर ল্সের উত্তেজনার মলাজনদিগের সহিত্ ন্দোৰত করিতে স্মত হট্যাছেন, ভারিমিড চ্যুমাস সময় লেওয়া হউয়।ছে। সব চারলস উ'' कि कि प्रेन भी वृक्षित्र कि स्थाप का कि कि (एम एकार्था कविक्रकिंग्टर coos है।क। (म्म) भित्रामारभत समा (मक्त्र) ब्या तिह তিনি তাল দিবাৰ ও জালোকে বয়ে করিয়া ম্বাজনকৈ ভুবাইবার নিনিত আদালতে উপ শ্বিত হটবাচিলেন। সধ মণ্ডট ওরেলদ তরি-भिष्ट विद्रमन विद्रत्कि %कांत्र कदिशा**रह**न। ज्या बाता अ निगरम विष्ठ'त शास्त्रित क'र्राप्त मन्त्रीं अप्रशासन कदिए हि। करव कड़े नक्स नि র্বোধ ব্রাক্ত্রণরের চৈত্রা হইগে।

নিয় বিশ্বত সংবাদ গুলি ফেণ্ড অব ইভিরা সুষ্টাত গৃহীত চইল। বার দীরালাল नीत पुर्वेशिन बाज्यीय जागांज कव करिया जार्थ अन्देशान भागे।डेटजरहन । अ*जरहरू* व यान्द्रकार के भारतमानिकात प्रदेशसाम्यादत संबंधित क्षित्वरण वाशिका कहिएड याडे टर्म्स

के । एकिन ककराव।

গাড়ালাটিটেড বেপুৰ মোইটা সভায় সংস্কৃত कार्ष्यकार शिक्षानाभाग है,वि, कांख्यक मारका केणाँबादिन कें और उपारमञ्जू शासम् विस्तान **बक**-में क्रियाक सिक्षारहम । छोहान गत्र दिलाहेरबड द्रिक्ति १ हेर्क्टाइन । कर्नन वीष्ठत छ। त्र में कि कि कि करता । मह का महिराहित कामगार शमन प्रकार

त्तरे छात्राम्श्वास क्रुक्त छ। छ, सहक्ष सहके ह है

६ तकत। टोक्सीन कृतिविधादक शांनि निष् क्षेत्री श्रेष्ट्रां कि विष्यां हिन. सामानि वादत साम বা এদিবতে আপমাদি গর আভিপ্রার বাস্তুক विव !-

वीक्रममाद्रवय बाक्रमः, भवाद्यात्मेन स्माद्रको। विदिश्यत अपि बहै आदम्य कतिशाह्यत, जाहर-ता शर्वन श्राधानम विवात आरध्य कवा मिनान পত্ৰ দি লিখিবেল, তথৰ বেন সম্বিক স্মান नक्कारत्र जिल्लान । चांगदः महन कतिकाम, चन्त्रः ৰাভিবা লাকসম্পূৰ্ক ছইলেই উল্লভ ছইলা লেংকের সহিত্ত জড় বাবধার করে ভাষা নর রা-ক দশ্যক বিজ্ঞা ব্যক্তিদিগেরও চিক্তকে বিকৃতি কবিয়া জুলে। এই নিষিত্র আনর, সচর।চর জে बट्ड शाहे मक्बन चारामङ अखि महास ना खिष्क ३ निविद्या बाइडव ५ ८ हामारक मिथा यात्र जूनि बाम। नटक मंबित महेन्। १ देखानि। रीय-नोटबर करे प्यरकारण व तिवरगड किंकू मध्यारः ' म नः कःत्रम (कन् व

डिखार्गरक व्याप्ता तरलम, भवति स्मरनवः এক मिन काली ८ इशास कडिया आसाकार राहम राग-ন করিয়াছনে। পার্দিন তথা ছইতে কানপুরে यांग ३९ के कथा इंदेगाठ आंभड़ स निवादक्म । ८४% च एन किङ्क्षीन च। किश्व। वास्त्व, का नशीरकाहन

ট,ইম্প কৰ ইতিক, বলেন, মহুৰোক দুলিত বিংছ অবিলয়ে স্বজন জিলালের কনায় পা গ্ৰহণ করিছে:

ওর, কান্ধ্রম শবিষাক

किनिक रहनेन अत्रष्टात्रमम देख कर्षे । के विकाद विधितक कतियाव निरुक्ष विवृत्तक शत्र मिथिया-फिल्लम बिला हेर्सछर्द्र छ।वक्रशीत वस्तान महक्रम महिका मन एक क्षेत्रिक कृषि अवर जिला छ शक्ति भागत्क कारों क धनारोह उ.मान कति-सारहत। राक्षणां ज्ञा स्वापनी वाजियात्त्रहे ळम् अस्तित्व गटक्टमाई ।

चालाङ्कानाम १ "क्रिके स्टलन भर्गन्न एक स्मर-ल खपात्र जेमनीज बहेत्र, अवका वांबाक निर्माण न खु में सम म कतिया विश्वदिस्म दिश्व इ कामा मिनिरार किन्धुक दिल किन्द्र नवश्राकार है । मन्त्रम स्थू आहे।

উक्त भन कादा शक्त कर्नल कित्तन मान मामृत चाम निकारनत त्य अलान कतिया-ছিলেন সর অ্বর কটন ও লেভিছা ভাগ দেখি **उड भिग्नः किंग्लम**।

व्यविशिध्यक्षेत्र याज्य योजभूत्रमात यशा-क मरम्बा गड मक्षार मान्योरड अंतिगृहि-লেন পাৰে কাশীতে গ্ৰ-বিজেনবংগ্ৰ সাহ্ माकार करिएक निवारक्रम।

ল্মাচাব হিন্দুখানি বলেন ১০ ই এধানতে নাপতি সর্কা সমেত সীতাপুরে গিলুপুর্ন, এব

क्षेत्र श्रेष प्यारम्, बरमन स्मरोक्षन कारमध्ये মেধানের সন্তাল আবেশ কর্নান্ত ভত্ততা ছাতের। বিভাগে করিয়াছেন। ওগইরোর এভিনিধি ত্মশমান বোধ কৰিয়া ইতিপূর্কো কালেজ পরি-जान करतम। मच्चा के काबादा कि:होतिया নালে একটা কালেজ খু পন কৰিয়াছেন।

क्षाय किन रूपमा अलीक करेन विकास है। मु अपनी देश्यांन बाजना विद्याना याणिक ४-हेर: इन गर्गामक्षेण्य हिरामन गर चार्क्न वर्षे श छाइएएर माजिक ७० है का माहा म अभीन क वश्रास्क्रम ।

'डेकु•, त्रा ख'(दा बरलज, यह ब्रु.क म'नगिर्ङ ! धाउ कता मरक्ती (भी हिमाइन उपा स्ट्रेटड भन র্ণর জ্বেরেরকোর সভিত সাক্ষাৎ থান স্কান্থ-্ৰৈ গাইবেন

किहीरमञ्जूष वरतम कारधन आवनके पर्या इ'दड श्रीज्ञ बहेबो ७ चरीत गर्धा करात কংলে পভিত হইয়াছন। ওলেভি আবেষট্র অভ্যাত কইয়াত্ন কিন্তু চাৰিও না 1 77 21

इंडे:द्राभीग्र नमां ह व ।

लक्ष : के ज शहर । जि। उद्देश कि सि ८४ लाज शायर केया, तब छ वनता लेख ও देशित, मध्येम भिल्लाक, अध्यक्ति अपूर्व, द्वाद्यांकि ध्वा कारास (इमिन यांक्रियके कहा शास्त्रिक शीहर रङार•६ल लुर् ने सारक्ष हैं(सरस्यक समा गरान्त नार्गात्र के के होतारहरू अवस्थानम देख शा⁶लक्ट क् चित्रष्ठवयाम खुलाब । १४व ণ ক ভ। ক'বয়াছেন ' মনিউৰ ফোন আমেবিকা ा गिल्लि ८ ४,व बहैर ५८छ । धनङ्ख्यान द**्या**न बरारहीँ करेतः शंबदात ब्यागिकात मसि अप्रकृतिश्राद्वाच्यात्र । विकास स्थाप्त व्याप्त भया व्यादम् (काद छेछत्। १८मद रेभर माना दिह यर ए इसे भदगारमय अवसीमा निम अ मुहेम-त सर नथारिक (क्ल अस्त सक किलाएक सि-े दिन रदर्शन पुरस्त ए प्रक्रिक्टलर ५००० है। **क**ेव ाममः मार्गे दशेषादक् अत्। मिक्र १८मार ५२००० erim fant chaice :

্লাত, রুপ্ত কার্ডার ও ক, গা, মধ কালাক ম-नात्राञ्चल विकेशक शाह्य का व्यवस्था का विश्वास मार्केटव उनकाब निक्हम नाहित उन्हर्म के से कार्ड नव्यानेट्डिंग भारति छात्र जो र मृद् र न्या द्रम 'বখাতে লোখারত মনিটব নাবে ৺.৫ ৯ ডটা- বিলে সিলেট কমিটি যে রিপোর্ট করিয়াছেন, त्रभ तनगढ कलामान वहेक्षां छ। साम्मिना । विकृष्ण । उदि । अकाद विविधिक हेके । अवस्त्र केश भ्याचनाम रेमहनात् । अमध्यान अदिन अदिनाह्य । मर्टनाधिक इकेम विधिवक करेना ।

এবং অনেক আক্রিসর আপেন আপিন পদ্প ৰংপ্ৰেদ সভান্ন বিদেশীয়লিংগৰ স্বান্তা বিষয়ের আত্ৰকুল্যে একটা ৰজ্জ, কবিতে অভিসাধ ক-রির হৈন। ক্বানিব। পিউএবলা অধিকার করিয়াছে। স্থেনে মৃতন মরিনক্ষাদার ছইয়া-ছে। এদিবৰে সভাব আধিবেশন কইয়াছে। রা-জ আপ্নার জনস্কির জনী, ভিন অসুসরণে है अध्यव श्रकाम क्रिएडएइन। क्रिंग्रिज छि-উৰু গ্ৰীদেৰ সি° হ¦দৰ গ্ৰহণে অসমত হইৱাছেন। हैके लित पनिक मारका वाविका विवसक रव ग-थि 'व वस उपनेट खाकत करा इतेसाटक । है जि পটের গ্রার কাল্যালে পতি 5 চইয়াছেন।

कात्रकवर्षीत वावकाशक मछ। 🎜 ब्धराव ५५ हे व्यक्तग्राति।

समद्वयम श्रातिरहेन माटहर शर्यट्या हैन र्वाक्रण विश्वक आक्रित मर्द्रणावन कात्रवात विद्रम् किलों अभिष्ठे अपन विश्वित असीम कतित्वम धनः । निनश्रंत क्रमांव राष्ट्रणंड व्यवसा । क्रिक र्थक माधायननियमाधीन कतिवाद विटल मिटलके ক্লিট্র বিপোর্ট সভার মর্থণ করিলেন।

অনরেবল মেটন সংহেব সিঙ্গাপুর এড়ভির ব্যৱস্থেটী কলেইবের ক্ষমতা আগুর ছুইবেঁ মিউলিলিপাল ক্ষিমনত্র দিখের সময় ব্রুদ্ধি করি-श्रानाश असुरद्रात कृतिम्। द्वाराण्डि । नात विस् मानास केवियान कृतियान किया थाव क क्रान्तेत वाद कमनामास वर्णाण् वस्ति व् अभवाषी वाक्षिपिटक इदिवदात्री वा भाषाद्रव (बहुम वक कविटक भ !ववाद विषया (व.पाबेटग्रव श्रकान हम िराज शामुब सम प्रियंत के स्वताना विष्टा परिविद्यांच अस्य ३ मिनांत्र धक विकास छ।-গ্ল অপ । করিবা ভালুমত্রি প্রার্থনঃ ক্রিলেন।

भारतदान क्र'विष्ठेन क्र'टक्व वि**न्छन्न अटक्-**मीय व क' (१४ वाटकाव मध्यां वि वाकि विश्व : काश्वरत्म विवशक अधिम मध्यमाथमार्थ विद्वा সিলেট্র প্রমিটি যে বিপোর্ট ক্রিলাছেন ভাছার िरशु िद्वामा नद्र, हथू। अनक्षय छैद निरसक्के क्षिति अपुरिश्मकार यदामा विक इहेबा विवि-्क अर्रेल । काट्या डॉक्नेब अख्याक्टम (मलुग्ना-নি আইন সংশোধৰ বিষয়ক বিজ গিজেক্ট কমি-ति। अश्वाबाश्यक्त मर्द्रमाधिक दहेश विशिवस

ध्यन त्वरण (महेन म. १६व व लिएलन क्रीवें जि-**७ अस्मरणत (८५ ४ - १३की मध्यम, धम कतियाँव**

गुर्व रमके विख्या वाक्रमारक्षणीय त्मश्रेमकेशक्रास्ट्रा

चारमभाष्ट्रमाद्वी मिरवर्षि ।

२) व का खुवाडि--वाबू कुत्रव वृद्धिनी शार्रमामात्र अखिमनाम देनरम्भकेत वंदिर्द

৩:এ ভাতুরারি-বাবু অভুলবেটারী १৮३७ अ'कर ५६ आहेटनद अञ्चलाट्य ऋडेली ভাগের ডেপুটা শালিকৌটের প্রতিমিধি ৩৩ জাল্ব ৯ নির্মালুসারে তথাকার তেওঁ कारमक्केत क्षेत्रम धारक बारमबंदक बारिक ১৮১১ অলের २६ आইলের २२ श्रेष्ट्रा অস্থ্যার তথাকার ২য় তোগার অধীন সালিকেইটের छ। भा डेरबम ।

৪টা কেব্ৰুয়াবি—পারবর্নার ছোট আইপিচ कक, जर्मिल, बारेंग्रे जारूप किञ्चित्रमा थे ज्याद बाजन ब्रह्मात्रका अधिनिही किया प्रदेशमा

फर्ना किशाने माद्य द्यानित्व कि कार्य জের ইভিছানের ও বার্ত্তান্তের সম্বাচী ক্রি थानिक स्टेटनम ।

দ্বৰি বিভাগের রেভিবি বি, সাট সাছেৰ ১৮৩৩ সালের ৯ মিট্রা

গড়বেতার ভেপুটা শালিকেই ছ 🕬 (यह ।दन्न शिवा माजिएके दिश मण्य व क्षात्र मिन (14

शहरतक विचारगत रक्ष्ममि नालिएक है 🚓 त्छशूरी करणके ति, कि, किरवरिन **मारवर** की क्र्या ও व्यक्तिनिश्वत्य महिल्ला देवे मडा शाहेरबस् ।

ब्योमधी अवाषि वेता अक्ष्य कांस्त्र के जारेन जहनादत वीत्रकृत्वत अखिनिधि वांकि-रोष्ट्रि ७ ১৮७७ नारलह अय मित्रवासनारह*न* हैं। बाजात राज्योग करलकेत स्टेटरम बन्द वे राज्यहर वाजिट्यु: ३३७ वन्तुर्व क्वा वाहरवन ।

পূর্ণিরার প্রতিমিধি ভেপুটা কলেটর মৌল-वी आक्तिल्लिम गरणम शका वस्ति स्ट्रें

क्षोलरी जाताक किन अर्थक श्रविद्वाद एक-भूगि कामकेटन्य श्रावितिथि स्केटनम । ভেপুটা মালিকেট ও ভেপুটা কালেটর ভেশ্বন ६ उम मारहर ३०% जस्म तर **आहेरबद्ध २२** ू थाजालुगांदा - 3 गजनगांत > म (अनीत सुधीस माजि छुटित कमछ। शास रहेशाह्य।

वी रेजग्रीन आजि स्थारनन, उक्त काहिन बह-'रव मुटक्ररवत १म (खनीत प्रशीन माकिरके, छेत्र । मछ। गाइटवन ।

১ই কেব্ৰুৱারি উত্তর কাছাড়েন প্রতিনিধি সহ বৌ কমিদনর দেশটনত ডবলিউ দি এস হা িলাচেৰ ঐ জেলাৰ মাজিকৌট ও লচৰ আমি-तत क्रमका शांख व हेग्राह्म।

১৩ই মৌলবী আৰম্ভল আলিৰ অনুপৰিতি াল পৰ্যান্ত ৰাৰু গোবিদচন্দ্ৰ বন্তু ১৮৪৩ অন্দেব : काहिन **अ**ष्ट्रंगादन जिल्लाह मासिट्युटिंद গ্রতিনিধি এবং ১৯৩৩ অক্ষের ৯ম নির্মান্সা , বে তথাকার ভেপুটা কালেক্টব চইবেন এবং যত দিন আনাকোন অভ্যতি না হয় তত দিন े ১৯৬১ শালের ২৫ আইনের ২২ ধারার অসুসা -রে তথাকার ২য় শ্রেণীর অধীন মাভিট্টের जीया क विदयम ।

এইচ ই ক্ষুস সাংহ্য রাজস, হির ভাভদের शिकिनिधि हरेदिन।

প্রেরিত। প্রযুক্ত লোমগ্রকাশ সুপুলিক मर्*ने*टग्रयु ।

নিবেদন, গত প্নিবার বাত্রিতে আমত। নি-नी चिपूक मार्गिक्य निष्धात्मव शाकांगांगित লালের স্বাহের ও মিড়ির ছুই স্বারের কর টের অবসা ভারিয়া লোহার মিদ্ধবেদ্র চাণি আদি ভগ্ন কৰিব র অস্ত্র ও যন্ত্র বছ লিড একদল নিদ ! क्षात्र आवण कवित्र हिरीय : , त स्टित्र क-বাটের শুরুসাভাগ্নিশার উপাক্ষান নিকটার প্রতি-ক্লিসীর নিজাভগ হইবার চোবের। ভয়ে মন্ত্রাদি 🌉 লিয়া পদায়ন করিয়াছে। পরে উক্তবিশ্বাস क्षित्र बुरम करे ग्राम शान्त्रा आध्यम भूत्यत 🐩 ্ৰী সহ'ল নিকটত থানায় আনাইনায় ইশতে হাব বিশিয়াছিলেন বেজে**ই**রি(ই) < विभक्तवाल **इट्टेंग श्र**ाटः इटेटा श्रीति-ান না, ভাৰে কেন একালা ইমাতেহার কোরির। থাকে। স

एए प्री मामित्यु है व एउ प्री कारमकेर दर्श आके न बन रर बाकारक व शामान र यह व वरन बेक्सम बस्रामापि कादि इत्राधक उपको जिली वरेषा कालाकत मर्कनाम (५) व्हेट ५८६ ।

মান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক बहास्य मनीरशयु।

সম্পাদক মহাশ্য! অভান্ত পৰিতাপিত হট-চা নিম্ন শিক্ষিত প্রস্থানী আক্ষরকার স্থীপে। (श्रद्धक किरार्ट्ड । अनुश्रम किन्निः अवनीः জুবনবিখ্যাত দোনপ্রকাশে একাশ ক্ষত পাঠ-**ৰগণে**ৰ গে¦চনীকুত কৰি লে, নিভান্ত অন্তথ্ঞীড ছাইব। মতাশায়। বছালিবস্থিতি অগ্রত্য প্রথমেট हैक्स्सकी, निमानश्चित १४। न निकारकर कर्दरा ৰয়ে অনবংগনতা, 🗱 ২ 🗐 ১ | ভৰতে ও কুসংক্ষ व-निवन्नन-श्रद्ध ५-४ मृश्केष्ट वि**ष्ट्र**ियलः अ_{र्स्}ड নান' প্ৰকা, নিন্দাৰলৈ জ্ঞান কৰিয়া আদিতে-ছি গুৰ্মত ভাষ। নিভান্ধ ক্ষমন্ত্ৰ ও অলীক ৰ্লিয়ে এড়ীডি ছিল। মুডবাং ভাষাৰ ভাষা-भूत्रकारम १ हरू ६ हेट उठ क्यांन करणे हैं अर्थ न्यू न हि। कारम करम रथम **(म म**नाय अर्थान-कात शांश श्रामार कुरुदिमा स्मारकडे अकदांका इडेग्रा मोता कोटल क्रियम से विवासको स्राध्यान लग कविग्नः भोदन्दंव निख्येख क्टन्ये विदय्यागांव যৎপরোন কৈ প্রিতাশিত হটতেছেন ও ভুলে'-खुशः मीर्च निष्,म शतिलाश कवित्तरहर, छ-খন আহন্তাছ খ্যুত্ত বলিয়া উপেক্ষা করিছে भौद्रिल्। म मा । उपविध करणक मान मान्सिम श-বসুসভলাবে এক। ভামান কেবল ঐ বিভারত ই यावार्षां क्रमपारम अप्रष्ठ ६ हेल'म । महाभय । সভুসন্ধান অ'বা ব'ছ, অবণত ছইবা ছি ডাঙা-তে নিশ্চয় প্রীত হ্ইতেছে, উক্ত মহায়। এখা त्मन छेर कर्म मण्डापनाय अक सह।स् ऋहराय इंडेग्नाटइन এव॰ ८३ पूर्जनीत बाह्यक्षा व्यक्त क-विष्ठ अनमर्थ दहेशः, श दम्भागुरखी चाल्म हराङ ক্লাগা कि ভাগমন পুকাক দৃটি পাত কবিষা ঐ । বী বিদ্যোগসাধী মানবগণ নিবস্তৰ অন্তৰ্জেদ-জীখালৈ ব্যামি থানায় লট্য পিছা ছন, বিখান বিশ্ব অনিজ্ঞ কটলেও ভাদীয় কাদ্য বেদন। শ-জাধুৰ কুৰুলা ভাল। ভিন্ন মনা অধানাৰ হয় ন**ৃট্ ভায়, প্ৰদা**গানপে ডংগ্ৰাভ বিধানাৰ ভাগান 🎥 पूर्व काहि। किंगि ७ कांबेदन ८५ के किंग्न विष्टा क्या क्या किंग्स किंग्स के किंग्न के केंग्न के किंग्न किंग्न के किंग्न किंग्न के किंग्न के किंग्न किंग्न के किंग्न িদেশীয় সিদ্ধালভোৱের পিতাও কখন দেখে নাই। না। বাজে কি সম্পাদক আসম। এই মহানিটাকৰ থান। দাবগা মদাশর আবে কিট্দিন থাকিলে। গুরুত্ব বিষ্টের প্রতীকারে প্রাণনার। (সম্পাদ- (.हेक्का कुन्त्रस्थानक रहा मृथिशान्त वहे दक , किंदा) (त्रथनी श्रांदव न कविश्व ध्यानक। ত্ম'বাৰ ত্ৰি মালিদেৰ ৰাটাতে একটা বিদ চুবি । ত লটা লোম জন্মট বক্ষ পায় না। এছিলাতে च हिया शिवारङ्गरा मिथा। १८ औँ स्वत्। वद्यानद्र । दाशन ताति खंडतार श्रदे क्रान्य कांद्रा गाया

> (১) थीन। साम। है। छहाद स्वादिस नियम क्के जिल्ले कि विद्युप्त कम्बिक अञ्चादन।

প্ৰকাৰ উপকাৰেৰ শ্ৰভাগা বাণি। সম্প্ৰতি জ্ৰ-मात व्यक्तभ छूत्रका ध्वेपाट्ट, जन्नमात काम রপেই নিশ্চিত্ত ও নিশ্চেষ্ট খাকিতে ইচ্ছা ছই-COCE ना। छोडांच प्रयवसान कांत्रन खांश्रनामि-পেৰ পোচৰ কবিয়া তৎপ্ৰতীকাৰে মন্ত্ৰান ছট্ট-वांव विविद्य 'अर्थात अन्नम्य श्रीभान अर्थाहरि धक रात्ना आंगारक भूगः भूगः छेनद्रमा श्रम म ক্রিভেছে। কন্ত্র প্রাধীন প্রছিতের। ব্লিচা গ্রি-ग्राष्ट्रन ^{१६} व्यन्धितार संद*्वारा १* अराधकर् मिन वृत्राटक " क्रिया केले माकामि खर्म क्रिया क्रिया ল পর্যায় ভাষা করি লাখ। করেণ চেড গাইটের धक खन कृष्ट्रीवमा लाक। जिन कृत्रक्षेत्र भेदरत क्षेत्रा, भदावध्यात अधिकक्षकक्ष ध्वन छ कर्त्रकार्त्व उन्ना अमर्भन करवन , आश्रीठ हर केक निकुष्**त प्र**रम्भ एक प्रश्ली किन्स व निम्ना स्नर-माहि उस गगाद प्रभित्त हरेस्ट भागा। सिन्ध २००१ আগ্রাস্থানের এবং ৮-ট্রন্সমন্ত্রির ১৭/খেদ প্রস্থান (स. गोवनांध ः, बाल्लांक' ७ शहरक्षात्रक प्राक्षः ৰগেৰ কথাজিছান ক'ছো, অসতে ভাৰু সম জে ১°ির ইওয়' ম''' থ টুক, এগ'নকার পক্ত হিইভনী বলিল যাব পৰ নাই সমাৰ্ড ও সন্ত নিত হইছ।ছেন। তেল কৌজামাণ সেই হায় চৰ যা শস্থা সমাক নিধাকত। চট্টযাগড়। একাং कार ६३ लाच शम १। कदिए एकान पाक है ह है। रहा ना विल्यवंद्ध मान्य है अही रह रिक्षा लागी, क्रांस भागिय का, वहें १ अर्थी है धक गाउँ श्रीमान निकारन कुकुन्त (१०) হন্য বিদ্ট আয় হই গছে! অভ্ৰগ জো আৰু কলে বিধান নৰ। বিভান্ত আমু ১৬ টি.ব. मांग्र निश्नक हिन्द या जिल्ला क वर्गम् अदिदाः शहस्य बहैन्सीम् । ब्रह्मम् । कि दक्ति व काञ्चर व्यापनः ब टेक्सी महरू भृत्यातः । अप्राप्तातः टेरकर्षर क मनार्थ दम महरू क रहीत सहार । स्टब, क्षराव निकास छोटोब है सम्भूप दिल्ला है ছ ইমাণী ছান। ব্ৰাক্ষনাম আৰণ মাত্ৰ ভাঁচাব শবীরে **ক** টক প্রবেশ কলে। শিক্ষপে, স্ত্র:জনিং-কে পর্যন্ত ও সমাজচ্যু র ক,সবেন ; কিম্প্রেস, 🐠 লিক,বিদা,লয়ের সমুদোচ্ছেলদশ। উপ**ক্রি** इन्टेब, किकारण दिश्वनातिनात्र छ, इ:वार्थीना वि कमश्चवष्ट्र ९ चलाष्ट्रहा इष्ट्रेग्टम ; वदः जिन পেই ব , এপ্রান্ধনের তাবিৎ মন্ত্রা ভালীয় মতে ব লঘী ঃইয়া চেবল এক মাত্র হারই আ হুণতা चीकाब कब्रिटन . अर्थार्थन मिलन फिल धर्ने छिछ ? कामरक्रम कराष्ट्रि है है। इ. इ. क्रक शकार निडा उन्हें इंडेज़ोट्ड । याद्र। इन्डेक की जनल निमद्यन निधि-ছেও আমর। ডাঙ থেদিও ও জায়াত পি ১ ৪ ই 'अध्यक्ष । क्रिक क्षा का स्वर्थ के । उठात करबन अल्लाबाव अल दर्वकोल प्रतिदल, पिलाम क्यू-

लित डेहिन्ना बाहित्व । अभरवह खरनक हास खुन পরিতাশি ভরিয়া ছানারংর গিরণেছ ৷ জাপ ंडि को गाडिएक स्काम महाभग्न । अकरलाहि छ ্ৰাণপণে অৰ্থ ব্যয় কবিয়া কেবল স্থালিকায় नमञ्जूषे मेखामनपरक स्मृत्त । शहन सरहम । यो ह ए। इत्रेड वाशाक्ष्रकेश. एव आव कि सिथिन धक कार्थ बाद्य कवित्र कित्र (१३) कविरवन २

१२७७ माल et she nit ्याः शास्त्र

সোমপ্রকাশ সম্পাদক महास्य नभीत्वत्।

े बर्गाकः यर भारतसम् की राजर कारकः महात्र हि- ै अरमकान्य किर। खरेनम्बरेव येंड श्रीतरमाञ्चल या। एटेगा ३ शही निष्य किश विख्यान ।। ^{१९}

यशांनाः। काम मध्य वाक्तिव छेत्रक छविट्य इ.स. (क्लान प्लान चुके कडेला यम नावृत्त तिवा-চিত হয় কোন ভা দৰ্শীয় পত্ৰিলাগতে প্ৰলাপ मनुग कार निर्माय वास्तिव मिथा। कार्याम र्राप्ति (२) छेशर हिर दोका भागांत्र करा कि পূচক প্রত্ন সংস্তার গুড়ীত বছলৈ ডভোধিক কটা (১) দীননাংখহ প্রত্রে বিষয়ে কান্ত্রিকার প্রত্রে বিষয়ে কান্ত্রিকার কান্ তাপত্ৰীয় শত্ৰ জন্ম। বেধি হয় আপনি অনৰগড নহেন। একান পতে সাধুচ্ছিতে দেখাবাক । त'बील यरगीरवानां जि क्ये ८४ व व्हा । ১४० भाष निवसीय दमानश्रकारमा असीमनाथ नर्छ अ न्द्रांभरत्व अक्षात्र अक्षात्र कहेन्नारेष्ट्र । छेद्रांरेख मान दास्य कीए कूष्टिलाखा । नशाम दिकार दा ^रेशेचि शिव्रक्षम दल्लनक्रल राम महालद्विर क गर्गि एन्टिक (भाषांद्रांश ल देश, दक्त, अवः, কি ছঃখেব সিং, আপুনি উহাব বতাংৰতা নি ামনাক্রিয়া অসমি বেল আগ্রহাতিশ্যের সং . च उद्देश अक्षेत्र **७ उद्देशना**क अक नल्यापकीन ^{केरिन} (क्षियाद**स्त्र ।** कि क्ष्मिक्क्, 'देवदनिर्देशहम १३' कि एक्क्स ! भाष्ठ वास्ति । क क्षित्रशहरू, र गास्ति याद्या अधिप्रतिष्ठः, हेर्द्रशियाज्य 🔻 : যিন ধনীভুক্ত হ ইয়া লোকে ভাষারও একট মিধ্যা অপ্যশ বটনা ক্রিচে

ইংতেই যেন সাবধান চইয়, িব্নিত এময়ে আমাদিশের ছবাকজিল ব নগো কেবল এক ंक्श क्रिडिंक व (रहा । ज)

ষয়। কেশ্ব বাছুব নংকুনার্থের ভাতকংখ্যাপ্ত-दक्ष याहा वांक। कडेग्राट्टिंग छाहा : वांच का कावा ৰ শত বাজি ছেবিলাছেন, এবং ভত্তাল্লে प्रत्यक्त योष्ट्र गोशे र्राजगाङ्गालम् अवि । अकटल छ निम्नारक्त, किछ मीन दाव छाव:त्र अवने। भिष्ठा अभवात रहेन। अतिहासना दकाहे वा क-রিবেন নাংগণ জনাবাদে গোন ইকাশ সমুদ পরে একথ অনার পদ নাদ্যে গৃহীত হটিতেছে, उपन कड़ा स्निमार्थ। वाश्वक्ष'द मंड भक्त श्राप्त প্ৰেৰক নাজকা ভাষার জীয়ন্তি সংখনে গড়বান ष्ट्रियम, मटाम्य नाहे। शिश्र मण्यानक ! विदश्य-मा कविता प्रभून, तीन वातूच भारतव नाम अमार পত্ৰ লোখ প্ৰকাশে প্ৰচায় কৰাকি ভৰ্থসমূল रास्थित डेरिड र जागनसाद धवानशीय कि 👫 वि ত্ত মুজির অধ্যোদিত । ইক কি বালকো-উপৰ নিতৰ ক্ৰিয়া ব্ৰংক্ষনমান্তেৰ উপৰ, বেৰে-

न्याह अभितात महत्त्रमा क । जिल्ल स्वक्त्रव भिष्या करिश्रः थक जन छञ्जाला दिन किया। करिन (**उट्टन, यो)** तून कि भवत्र । दिनि स्व वर्ती थे-জার কথা লিখিচাছিলেন, কেশব বাসুস অমতে ব্য হলিয়(ও আনগদিশের বেধি কণ নাই। দ্বীন মাথ ৰাবু অবাৰা সমৰ্থন কবিয়া প্ৰনৰায় অংগা দিলে ২ নিকট পঞ্জিথিয় ছেন। য 📍 🕫 উক্ষ अविषयम को मानाम जाम बामाजिल्लन है-জানাই।

(২) ব্ৰাজানেইর উপৰ আনবং শেব ৰাঞ্চ ব্যাপে কালৰ কেন / ভ্রাহাধর্মের দেখি কি ! कडिशय द्वारकार अनिवृद्द-सार्विष्ठः स्मारव ये अ-র্নোর ক্রতি লোকের ভাল।ছা ফরিডেছে দেখির। भरभा भूषा मृद्ध कार्याक्षित्रक मानवान कति-इ' वा क, म्पूर्व, यामामिश्य अध्यक्ष अधि विद्यम व हे, लाकशिदमत देशदा व विद्यम नाहे, ১ । ছেন্ত মাইছৰ গে সমধ্যে অনুষ্ঠা উপন্দিত । লাক্ষ্যিগণৰ ছন প্ৰমাণ প্ৰদৰ্শন কৰিছা আগ-ें . बांग रस्त्रत्भ का । करन्म, शहर १ ते नहा । शहर मा मा के कहि आमानित्यन अक्रम ः । 'नुखादिक करिए। हिम्बिशाह्य, अपन्याप् केकाल महि। अभिनेषय अभिनित्यय स्वरा छ-্ত তাৰণতে প্ৰকাশ কৰিলোগনা। ২ে ্টেব বিশ্বকাজকাৰ তাল্প আছে হবি কৰিয়া দেন ৰাই। भारम देशकित हरेहा दथाही कि अवन्तान पर | वि आहर, ता करे-कि धर्फ, कि आहाद बारहा-· · कार्शिमित्रदक्ष भाष दान अविवास ६ छ- । इ. कि वनवीर्गाति, कि वृक्षितका, तकनविषयाहै

भित्र शक्ष मन्त्रावस्था देशपुद्ध काद्य होते. য়াছে - প্রিণরর ' আগনি তে, ও আপনার কটে " তঃতৰ ক'ৰ্যা তাহ। যেন স**ৰ্কা**দ। বি: **শব্দেঃ জি**-थिन द नभग्न करून शांदक। आशांदक क्राविक हैंकें, विस्य ।

যে দিবন কেশৰ বাৰুণ বাটাজে ভাষাক্র नवक्रमाद्वत काठकर्म गण्यक इस, दन मिनम करे-দাৰ পৌতলিক পৰিবাদ মাতেই দাটা জাৰি कवित्रा वांचादन भवन करहन, अगम कि चारमंदक चोम कोत्र ग्रंदर के ना रक्ष कतित्रा क्षा की निवृक्ष কৰিয়া বাৰিয়া বাৰ, যে ভেশং খায়ু ভাছাদ্ভিগের कान गांवशी वादकांद्र कत्रित्य मा भारतम-। देव-वन जाक करवर कर वाजित्व बारकमा सुखन्नार वर्णी श्रेका चल्हात टडा काम महायमाहे मारे। क्लिन नान् नहर विनद्राद्य, " जन्द्रभूद्र छी-চিত্র ব্যবহার (১) নাছ সাকাল গামান্য পলের জিকাপণ প্রিত্রা ও উৎসাহ সহকারে ব্রক ান সংকীর্ত্তন করিয়া ক্রকানদ্যে এ গৃহ সমুস্ক্রল क्ष वीपूत उंशव, क्ष्मव वादूव डे॰ ६, अक्षार्थक, क्रिक्सन ११। क्ष्मप वादू कि अन्नवह आनाह क উপর এম : জি ভঙ্গীতা: - শবম পরিম ব্রাক্তধ- অপদার্থ হ**ইলেন বে ডিনি একটি অপরশ্ব বো**ল পুনার্থে আর একটি যিপ<u>।</u> কথা কৰিবেন। অস্থ-क्षांच पिटा का भारतमा नक्षांच्याम स्मा संगत-कारल कामाभिरशंव राम विकीत विन् ु क्लिन-विक ना एक, गर्रामां जानामित्यत अहे बानना ।

बारे धुन्नामाध्यसम प्रदेशांचे ज्यामना ज्याबटनंत्र লোকের অন থানাদি দর্শন করিলেই ভাষা असर्वेश्व माधा उ'इ।व अस्टीन कट्या अम्छा- | श्रदान कविश छरमरामायन छची शावे, कारा- (क श्रभमृष्ट कत्राह्मभूषक) कार्गत अविकोण्डल कता जामा निश्चत के कि थिए नरवा कर्मन जम-ना अध्यादित जागामित्रात समस्य साम शहि-रात्र क्लाम कादन दम्या बाहेरकट्यू मध्य स्माक जार्थ मधन वर्गणां महावया वर्ग स्विधन क्यंतरि काश्य धानिके कालामा। जाकिकालम इकेट आगामित्रात कि चार्चनाथाक नकारमा चारह ? ाति छ। जाता वरलम्, आध्यता **छ। बहिल्लस्य धन-**वह कवियां यत्नानाय वह सबी इहेबाहि, उद्य- त काशिक्षिण विकास करें, क्रांसामिश्यत क्यां প্রথমা নাই, কেবল ভাঁহালিগের বিষয়ে কেন, जीहाता खाल करिया भवीका करिया स्विधित्वन, कामा क्रियात कान विवाह है वर्णालास आर्थन। माहै। दन आर्थना शांकित्त छोडांत्रा आंमाहिन-<u>क महानात्र श्रेक का खाल महा जीव द्रत महिल्</u> मक्तारम लगरिंड प्रिचित शाहरून। मुर्च-का भगविकां उक्तां अवस्ति, क्यांके , जानांति रशत का जिल्लाक । आगता त्य क्षित्र कृषि कृति• कर्तुवा त्यांत्रथ ७ हिल्ला येविक कांचनांदक्रहे. 🕶 @:मणीरप्रदा महर्का रहा, ध्वर दिश्व थारण । हिन्ह, बहुक, काम।बिरागत कुर्जीत केरमणा वाहे।

व यनि अक्तिमात्र क्षांक्रमाध्य हैकासमाद्वाह धक्य बहेब्रा बादक, धान रथन रागित्क जावा विश क्ष हिल ना, उथन कि दे वा श्रवस्थाहरू দীন বাসুকে " প্রিয়ত্তম ''' সংবাধনে পুঞার সং-राम मिटल कांतिर । अङ्गल म्लेसे मिथा सल्वाः रहेना करिया क्यान बागुज निर्माण सक्या हिन ত্রে দোবারোপ করিবাব অভিসন্ধি ভিন্ন জার किष्ट्रे अजीवमान वय ना। अत्मक श्वाविमा मीन वाब देवहर्मियां ज्यात जेलम जेलाव चाविक्र करियादिन । धरे रहा हाई । नामा दादन नामा श्रमात्र आविस्तिता इटेटलट्ड, बांकलारमटम कि क्षांन चानिक्ति हाई इहरव ना।

मीन बाद मिथियांद्यम दर " त्रथांदम (क-नव वांतूत वांगिएड) 'आधु प्रच े प्रच ' भा-र्यमा अभिनाम " किन्नु " जाउकर्य " श्वाप ৰানিতে তো ইহাব বিজ্ঞ বিষৰ্গত দৃষ্ট এইল मा। यपि भूजांकरमद नमग्र दमरवक्ष वाद व। दन-मान बांचू माठेख, कतिका बारका, खाल गाँशिय। काउक्तर्य जिमित्र हिरमन, धाँशहां ध है " जार्गार्ख तमन " काय किंद्रवे खरमम स এক স্থাবে আছে " ডিনি (কাগদীয়ব) যেসন 'ৰ্বএই লি**ওকে আপন** ফ্ৰেন্ডে রক। करियाहित्सम, ७ उदशद्द रमम चयुर धारी इहेम् देवाब आगव क्रिया मण्डल क्रियां हिटलन, ভেম্ন ভিনি সভার ন্যায় ইহাকে ন্যান। রক্ষা क्रम्म, इर्दा करम की, मिन्या ७ मार्ट्रा वि फुटिड क्सम ११। द्याध इत्र हीन बांबू देशांकरे " आंध्र त्म की त्म व " मरके वा था। क नियार ह-म । कि क्यांटिक विवत ! थियाव ! विवत मः ক্ষিয়া দেখুৰ, সেই সঞ্চলময়ের নজন কার্য্য দে-थिया यथम आर्थनाकाती गटनाकात उत्वाधिक करिष्ठा अधिन। करतन, खबन अक्षा आर्थन नहाम निर्शंड दर्श कि ना मृत्याचे हैं मि चार्टि रा अभिनेत मकलाकरे गर्यामः व्याग्नात वर्षा कतिराज्यक्त, अवर 'ेश्ट्राणिटशेव महान नाथदन यञ्जवीन प्रविद्योदक्षण य.श.उ छात्राद्यत नांधुछ।-रात होते वह कांचारे राक्ष, क्रिएडाइन, उसन रश **किनि मिश्रक** तकः। कतिर्यम ७ छ। हास শ্রীৰাষ্ করিয়া ভাষার সাধু ভাব প্রস্তুর করিবেন ভাষার আর সম্পের কি প্রতীর সভই দুর হল। যত্ৰ প্ৰাক্ষ্ণ ৰয় মনও তত্ত উন্নত ও তত ধৰ্ম প (श का प्रशन्न बहेटक नमर्थ क्या क्रा. अक्ष, दिन, **भवर, शक् वाक्षि यक ब्रह्म स्थानमात्रमान १** हेन्ना বৰ্ণাণৰে অপ্ৰসন্ম ছ ইডে পাৰেন, ক্ৰ.ড়িষ্ঠ তলি-के गर्का म मोक्रेव विभिन्ने वास्ति क्रिके क्रिक उ।रा व्यव्यक्ता व्यक्ति हम क्षत्रमम १६८७ शा-

আছে, তাৰ তাৰ এপ্ৰকাৰ প্ৰাৰ্থনাৰ ছানি বিভাল প্ৰতিকা প্ৰছণ প্ৰৱৰ্তনাত। लार्थन दि नादिक्षिश्यत निकृष्ठे " आर्थ-ममेहे 'कार- नहांथीर, स्य फाहाबिडमङ्ग অগ্রীতিকর হবলে তাংগতে লাশ্চর্য কি ? কিন্তু कार, दक्षिताके कार्यन, विद्या प्रविद्याय निष्का कथ अंडिन बना कर्डवा नरह । श्रीका क्लेक बहुन कार्द्या हीन बाजूर स्कान चार्च नाधन बहुरव ना वनः अक्रमा जिनि मध् ममाक प्रविक स्केटनम । প্রিয়ণৰ সম্পাদক বাধুৰাজ্ঞিৰ অকপট ছবিত্রে यक्षकान मायात्राभ मिथिया प्राथिकासुरव এত ভিবিদান এজনা বিরক্ত না হইয়া ভবদীয় विषाः । त्रां मशकारण वह कुछ श्रेय श्रीन थ-कांभ कतिमा अधिक कदित्वन ।

के लकांडा এ কাল্ডিক হাগ্য ২ ফেব্রুয়ারি 🕽 শ্ৰী খন্যায়সহনাক্ষ্স্য

थाणा ग्रा

নিম শিখিত মক্দল গ্রাহকগণের একত । দেন। মুলা নাথ ন'লে নিঃশেষিত ঘট্যাছে। খ্ৰীযুক্ত বাল ক্লাবনচন্দ্ৰ বায় ৰ ক্ৰমান মণিকাম বংটা " রাজা কালীথানর দাস গলেঞা মহাপাত্র মেলিনীপুর গড়খঞাই '' সাটোর পুস্ত কালগের সম্পাদক সাটোর क दिह शूर · ° श्रांश्यक्त अ निकर्णत " भागकांख छो धुरी 可事情 "হ' ৰছাল সিংহ अप्रजिम विश " হবিকৃষ্ণ সন্ধিক জেল। নদীয়া মেৰেরপুর " (श्रोकुलमां ४ छक्ष वहत्रम्**श्रेय रेनद्वा**राम পূৰ্ব কাছাড় ⁴⁴ कुरभरमाध्य क्षांधुद्री *· क्रश्न:वाया मान जिड़ांहै ब्रुम ला

<u> था अभ्मा</u>

देःद्राक्षी कुल

এীগুক্ত ৰাতু সভিলাল নৈত্ৰ শাবিপুর :२७२ माच इदेर्ड १० आर'ड श्री**ड** ६ डीका " भाविकास बस् শান্তিপুর ১২৬৯ मान दरेट ४० आया निर्माख 4 4 " अक्रमाम हरकेशिशाम ১২৬৯ দাখ হটডে ৭০ আবাচ পথান্ত ৬৮০ " अवासीवरम्बाह्न ब्रांब **क्रिका**डा **५२७३ माथ क्ट्रेटल २० ८०) व गरा** ज मधान कृत क किए हैं।

विद्यम, हेका छ। এक श्रमांव निकाबिक है । ১२७३ व्यवनावन कहेल १० कार्किक भवा स ३० ३२७३ माच इहेरछ १० छात्राष्ट भवास्य वन · च्यांनावांत्रम् स्टब्स्सना**रा**षा বৃদ্ধি **১২৬৯ আয়াত হউতে জগ্ৰহাত্বৰ প্ৰাত্ত** ⁸⁶ ६६ स्विकानाथ वस् ১२७७ कार्जिक सहेटज टेव्स गर्गा क

मामध्यकाम नश्काल कावकति विरम्ध भित्रम।

च जित्र मुझा मा शाहे एक मक्काल (माध्य কাশ প্রেরণ কর। যায় লা।

बेहांव अधिम युक्ता नार्दिक ১० এवं वर्शना-निक का है कि ! इस वर्गना कारम कारम कारम

गैंदिता त्रायशकात्मत पुन्न केल्ल हितिहे পাঠান ভাঁহার। এক অথবা আও আনাব অধিক मुर्जाद '९ त्रगीरमद हि.किहे स्। ८ शहम करकम ।

ধৰ্ম যিনি মকতাৰ ইউচ : সে:মঞ্চণদেৱ मुसा शांत्रोहेरवन छाडा राम विकिहेरि करिक्न

পূৰ্বাগৰৰ মূলোৰ কাল অভীত হইলে মূ-ना गाराबेट दक्द यम सम्बद्ध विस्तव ना क्रिंग ।

यें शिक्षात ग्रमा विवाद मनत प्रकीख बडे. ह। यहिरा, मझडमड मग्रह शेडीका कार्या এইংম লে'মথকাশে এচাৰ করিয়া ভাষাব পর চিঠি লিখিয়া জালান ছইলে, যুরি ছা-গতে কোন উত্তর অধ্য। সুলা না পাওয়াণ য कांशक वक्ष क्षेट्रव। मुटलाव निमिन्न विकि द्या-রিং পাঠান ছইবে । কলিকাতা সংস্কৃতলা-लाक व्यानाविश्वत नारम विकि का नेतन या. महा भीख भारेत।

শীহার বর্থন সোমপ্রকাশ পরিভাগে ক্রিব:-व केका स्टेटव विकि लिखिता मा कामाकिल जारा आभ कता गावेटव मा।

टकड रमामश्रकारण विकासन निरक्त है द কবিলে ভাঁহাৰে অধ্য খার প্রতি পংক্তি 🛷 আনা বিভীয় বার /১০ আনা ভূডীয় বার /-व्यामा किएक दबेटर। छात्राज्ञ शत अरा: हो इ क्षिमक वांग एक अया वार्केटन ।

गरुष्टानत याँवाता अगर्च इदेरवल, छीडा मिर्गत्र चाउत्र एक्सिक्सि मिरा करेंटक।

बहै लड़ क्लिकाणांत्र नृजी मोक्सा द्वासक्टर ह है।-मांभूत क्षिमहत्रक प्रक्रिय प्राप्त किरान कार्य विद्यान कार्य বিদ্যাতুৰ্গের বাটিতে অভি বোষবার অভানিত সভ

(भाग्राक्षकाः भ

" प्रवर्शनां प्रकृतिविज्ञाय पार्थिवः बरखती युनिनहती व बीबतां। ह

৫ ভাগ। 24 754T() मन ১२७२। ১२३ कल् छन। हेर ১৮७०। २० कि उन्ह्या वि

সেমেগ্রকালের অবয়ব রুজি मश्यास विकाशन।

खांकि कार्राप माध्यकारमय जांत्र अन अनुषा वृक्ति कृष्टेक । चानुः शञ्च साँकात्रा वाजाः । या बर्द्यः वाजात्रा कर्वानीन नम् रथः वान्धेर्तनप्र 'দল মুলা লাম কারিবেল, ভালালিগকে লা ब्रिट्ड ब्रेडिश, वार्शिक व्य আৰ মূল্য : ১॰ টাকা। অপরিবর্ত্তিত রাইল মদাসলের প্রাইকলিপকে স্বাতম তাক বায়েল लिएक बहेदन। क्रांपिक जान भाषान । • हन्, भिष्ठ यो बाजा पूजा दश्यतम मध्यां छ किलि-ध्र বন, ভালার ভালার বার ८ इंडेवी कब्रिय । हार्वि । मा) दाव लाइँद्वम । बीहांद्री अञ य छारू भाष्ट्रम लिएड जानवर्ष क्टेरवर, जाना इराम जामानिर्भित संस्थान्य स्ट्रेस्न छ। हा-क्तिशक **बा**ग्रज क्रिक्ट **ब्हेर**व मा ।

कतिमधुत जिलात चक्रः शाक्री शहरकमान्ति दश्य अश्वत नार्य रा शृहनि छ। द्व नार्द्ध, ত'হা দরশন্তনি দেওয়া কৰবা বিক্রয় করা শেইবে ৷ মাঁকার সেই ভালুক সবপত্তবি লই र ८ अथवा क्रम क्रियां है क्रियां कारह, जिलि কলিকাভাগ জাভ ন জিনর কোম্পানির নিব अद्याद्यान क्षित्म मृश्यान त द्वाप अनित्य । ""दिदस ।

'স্পাং লগপতে কলিকা ভার সীমানার बाजाबादजब मिनम ।

শরকার বালভুট্রের ভতুষাভূগারে শবী · 大學 " FRE UP STEEL THE ভারিখ ক্ষাধ জুলুপ, জাহান্ত, মালবোট, फड़, रक्षा, अदर देशद मृद्युक्त तोका मकत अहे एगमि ममे एक व्र:ब्रिस्साला क्रिकाका मी ভিডর ক'লে; ব্রাধিবেক জগাৎ বেস্থানে রা-খিলে দুর হইতে স্পষ্ট দৃষ্টি হয়, বদাপি উক্ষ नियुष्मत अनाभी हत छाउ अवलंड डीका

১০০) জারিমানা সিতে হটবেক:

क्रम्भार्थ धाररामद निष्म वर्षी रतिकाडी ।

विद्यालय ।

वाबवाद, र जिल्हा, द्वाय मृति एट. शीह कविवा क. निजानक देवबागी, श्रक्षामन क्रवेदिया अफ़्टि आहीय कवित्रयानाविदश्व উত্য উত্য গান্ডলি সংহ্ছীত ও একজিত कतिया प्रक्रिक करा शिशोडि । शुक्रदक्त पूना ১ এক ট্টাকা মাত্র

ক্ষকিক, তা

त्रक्ष्याञ्चात्र हो है। ६ व॰ वाही।

क्षीवनुरात्रामान हरहे।भाषात्र अवः कार

विद्यह: शब्

जीहिमान वर्तिक वेसद्र अञ्चरकमन (मामाई-টার যে সকল পুস্তক, থাইবস ভিপঞ্চিরিছে अपूर्क मदान मार्ट्स्ट्य होता ३९ हाका क्रि नारन विक्रम हरेफ, मळाडि वे भरत भूखके क्षिकाका विकाश्य धनर्दा है है ?: अवन श्रिमा'कृत्य 🐯 वृद्धः अस । ध्वानिन नारमञ्जू

। माथ चननीत दशकारमंत्र का कवित्राव वाटम विकास विकास विकास

्यरमणीत हो बच्चा भक्त स्वतंत्रः विवयं

विवत्रण कर पाने करेंग, सामू अ शक्रमा अर्थ में बास मुख्ये स्टीर्स शांदान, प्रथम दन आहेत्वकः ज्ञाबना चारक, जिनि भूगके व्यक्ति त्म गांधा + गढा जनके लिएक ভাষার ব্যক্তব্যব্দেশ করিছেক শ্বেছিলি इकेन, जर । डॉक्श्व अकिमिनि प्र त् छेशिक् इरेड्रा बद्रक्ष्या गाप शाहित्वत । यावद्याशक मणाह वृद्धि व्यक्ति छेहा त्रका वाकित्रिक कामात्र का শবার ক্লক্ক করিয়া রাখিরাছিলেন। জ त्नरे वात केशाविक श्रेवात केशकन सरेतंत्र (र । यथम (य विषय स्थल एत, **धक्का**र्ज कारात्र मनुवात स्थाप मश्रामिक रहा नेद कत्वरे त्नाविक हरेशा शास्त्र ।

बामालि शत सामामिरमञ्ज वेष अविकि কর সহাদ দিতে আরম্ভ করিবারী তিনি শুনিয়াছেন, সর চার গ্রি क्रिक कथानाविभिदेश स्टब्स् রাজ্য কান্য ভার সমর্পণ ক

शासनी समित कार्य अधिक इहेरव । ब महाप्रणे क्वन श्रीकिका नम, अद्भूतना o श्वर्गदबद्धित नक्टलेंबर त्थात्रकत्त्र केंक काता वाक्रमश्राक्षण महकारत अरवहुंबंद म विद्यान क्षेत्रक इंदिन हारक मारे हैं यथन कार उदार्वत्र चाहा वाटनक्षेत्रमणा विधान था कार महेता जुनुमा चारमामन एत, ७०का त्न जार्ज कीम्लि वात्रवश्राकरभव वरे छे দায় উদ্ধাৰন করেন। ইছা কেবল বায়সং क्ष्मरभन मन् अस्मनीत्रमिर्यन अनुत्राध MK SEG MES SOIR !

बार्यम्थ्यस्थ कानः क्रमानिक अवस्था सम्बद्ध समा गारे-**बाह्याटक र जाके** द्यांथ इसेट ट्र अधिकवटमान्युकार श्रेष्ट्रमा छ। त्यात्र विद्वावन क्रिक्**यक्रिकाल क्लीक** ने हा बाहरूर के के के कि कार कार के किया कर ें किश्विक विवेशिक प क्यारक यवि धारुशिक्ष

्यं शवर्रमञ् यो विका अवस्था के व्यवस्था करिक প্ৰীয়ন্তৰ কর-ৰাম্প ন রিচেত্তন, ভাঁছানি ्रेमित्ररे काशात क्रिकादिश क्या । भागी मृचि कार्याच्या कार्या नहर ? तमरे वाकारक्रण ि क्रांक्सलक कर्य कि काटक बाहिए हरे ाष्ट्र, किवत विदंशना कतिरला के जम শ 😼 শেশীরমান হটবে। সেই অর্থ লাইরা **जिन्द्रक ७ जन**विभाक वन्त्र कता स्ट्रेटक्टस्। শ্রেপে পরিবর্জ বিষয়ক জন এব আসাদিগের अधिकृत के विके इहेरहरण, शांउकश्रव अ . वन्नविद्यादे तारे व्यवस्त ७ सनःवस्ताकः रात्र कि कारा क्रूक्टक शाहित्वन .

দ্রবা সামগ্রী ক্রন্ন করিতে ও ভাহার ভত্তা বধারক ও কার্য্যকারক বিশের বেতন দিতে जकातन कडरें एक वर्ष मर्छ हरेगा लाल विधीत्र समत्रव, हेन्कम होस्त्र शाक्त्रि, विदि ণিউ বোর্ড, মডিটর কেবরল, সিবিল পে মার্থ্য ও আক্রাউন্টেণ্ট জেমরলের আফ্রি म वद बिल्किक्षि कार्रेनाम चाकित छैठि या याहेरव । अ जकन कर्यक्रादिविश्वद का যাভার অপব কর্ণচারিদিগের হতে সম্প্রিলরেশ, সর জ্যোরিক বালিছে, বছমা ठ हहेरद । यथा- त्वणाम आकार्फाकेक শিবল পেমাউরের কাজ করিবেন, কি नामिशाल डिभाईरमणे जाक डिलेने छ অভিটর জেনরলের কায়, ভার প্রহণ করি (तम, अवः द्वादानिक कमिममम द्वादिनिक (द। (७ त कमर) आश रहेरवन । मिलिहेत्रि েকেটরির আকিসহইতেই মিলিটরি ফি न ज वाकित्तर कार्या निर्दाष इकेटर । ध्यर कटलकेत्रपिटशत केश्रत हेमक्महेग्टकात खात नमर्भिठ रहेट्य। (शाके चाकिएमत छ। रेटब्रकेब क्यानब्रहान्य भाषा के हिंदा बाहर वा भे भमश्रील कि अञ्चित चापात्रम भागीत्म তের অর্ধরাশি ভত্মসাথ কা, নাই

महराब्द्रम डेट्डब अजिन्सम । चामापिरभन्न एएएमन लाएकना एमध्न ভাঁহারা দীর্থস্থ ক্রতা পরিত্যাগ করিয়। অ ভনন্দন প্রদান ছারা সরচালুস উডের कारपा अनुरमा क ना कतिए का केरल ७ (त चनुष्मांकन कितः) त्रन्थत्र इदेशासः। करनक ममदत जामना (पश्चित्क शाहे, उत्म *ा* तारकता श्रीवृष्टिकादिमस्मत अवृ 'ত ভীত হইয়া কওঁৰা সাধনে সাহসী , হ্ইতে পারেন না। সরচাল স উডকে অ व्यथमः मुख्यास अहे. शवर्रासराधेत ग्रंड | जिल्लान श्रंड निवास निर्मास वस्तिननावि क्षेत्रामा वर्षे द्वारक, आहा क्षेत्रिया याहे त्व । कि जामना अत्यनी प्रक्रियक्त करकामा क अवस्थित अवस्थान अवस्थान विवि । ब्रिटि स् ना - अप्रै कि देश किएशई कर्यका हरिता अक, (य | कांक मत्र : विक्तु । अ मत्रन वर्षम कर्तिहा নম্পন্ন হাইত, ভাগতে আ ইভন্তঃ নৃত্তিকেপ করিছে ক্ট্রিছে ইংল্লেই STREET STATE STATE SEA STREET

वात माधुर्या ७ मीमवा देश्नकीरमना रत्न ক্ৰিয়া লুইলেন। গতসংখ্য হিন্দুপেটি রটে আমহা ইংলত্তের একটি সভার কার্য বিৰয়ণ পাঠ করিয়া অত্যন্ত পরিভোয় লাভ कतितादि।'तल पिटात छेटलगा, मरमागठ ভাৰ ও জারভবর্ষের এতি দলেক দুটি, এই श्वील आधामिरशत अनिर्वाहनीत शर्मत কাবণ হুইরাছে। সম্প্রতি লগুমে পর কন त्तत्र कृष्टभूर्व कमिननत्र देलिश्र निराद कुक्रमशहत्व धिननति नत्र नाट्य, इस्लिन নরি সোলাইটির সেত্রেটারি ও আর ক য়েক জন ভূতপূর্ব সিবিলিয়ান ও তত্ত্ব লো ক এক বাক্য হট্য। ক: জুল্ভ নিলের প্রতি বাদ করিবার ি, মিন্ত এক ছিলেম। তাঁহারা সকলেই একমতে। স্প दें कि द्व दिशास्त्र. ये आहेर आहाश च निकेत्र १ (य नद्र अभ लट्टब्न १, मिक्सिकोरि भरलद्भ रमयका अकाश, विभिन्ने शैलियारहर अध्यकात बाहेन कतिरल का , जाएं। विट्या ह च्छिमा अ केश्त अभिटलेव माटम सक्त क वृत्तिः। इस्ट्रिय । व्यादता किमि न्या की विवस्ति । विराह्म न नीजकत अफुठि खंडामिराक्र धेलत म ज्ञाणात्र कटत्रम, **अङ्**ध्य य विभिवस क्या जावना क हा, ज हा दीन मावत অত্যাচারের সহায়তার জন্য না ্ শিশ্ব প্র का क्रिश्रेटक भीकृत इंड्रेटक ब्रक्ता कविदेख कान्। क्यूरि कर्डवा । कालिएक मन्दर्भ । শুৰ্ব ৰূপে ইছার পোষ্কত। করিয়া ব লেন, ১৮৩০ আৰু অৰ্থি ১৮৩৫ অক প্ৰ छ वरे श्रकात कोक्यांति क्छ रियातक করার ভদের আইন ছিল, কিছু ত বটিত জন্মনক অভাচার ছঙ্গাতে ভারভবণী গ भदर्गदमन्छे छोड्। **ब्रह्मि क**दब्रम । ১१ ९३ चारक व्यक्ति । इस मारमञ्जू करा (वे, चः हैन मुक्का, डश्कारम म्मर्का जिश्वास वहः रहेशा के अपने मात्र स्ट्रेंट ना भक्ता क्षेत्र क्षेत्र विद्यात अवर

कृत क विकास करा करें। स्कूराट्ड असा भना महस्रकां असितक्षितिक द्रास अ क्षका विद्यात विद्या विकास किर्देश कतिया (चरन क्षेत्र वाटका क्षेत्र कार्यान करि लान (प. नव ठावन में केड दूरे बात में भा हैन तृहित क्तिहा यथार्व दाकती एकता क्षपर्णन श्रमाश्रानुष्ठ कार्य। क्षित्राद्यन । वाक अव कें।काज कारवीज व्यवस्थाननार्थ के शास्त्र अक् चित्रमन शत क्षान इता कर्डवा । अनस्त्र मृत्र अन ,गारतका भूनवात्र बलिदलन यकि जन हान्य के छ थ कार्या ता क्षिएकत जारा स्ट्रेस्स किनि कांद्रज्यही इ म्हा के कि इस्ट्रांड प्राथा-इस्ट्रेस्ट्र ग्र.। नालाना अक्टलरे बुक्ककर्छ क्रस्ट्रिंस, फ्रा वृक्ति इश्वन्द्रमा कर्णे के बाहरनद्र अखा व क देशा ज्याजन व जनाय कर्म क्रिशार्य है।

व्यासानितात वित्त क्रिक्ट क्रिक्ट व्यास्त क्रिक्ट व्यास्त क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक क

मन्त्र वर्षे भर्ते भर्ते । भागम् करि सद्भा । मेलांक क्याफ्ती । व्यक्तिस विवास महामात्रात्र अक टकार निवित्र हरे मान्द्र विका अभवा विकित स्ट्रेशिक् 1 नाम प्रम दर्भनका खड़का निवास म तकाका, वर्ष, मनाब, श बाकशी है मरक ह निकृष्टिकाद धारण कतिया निविद्याद्यमा, "(व बुक्र (कुत्र) हेश्स्ट क्राविशहर, काहा का ब्राह्मवर्ष क्षेट्रिक् भारत ना ; अरमम्ब ल्लाह्म ता अवश ज्यारक चलान विभिन्न चाक्स वरेश कु रहत, छ हा क बाद जाशा रक हुन कहिए , बद्धर कर्मन बाज रकाश न हिंदूछ ষ্ট্র; বর্ন কোন ফাভিস্ভা অবস্থা বহুতে পতি इक्न, कर्रा कु होत् भूनक्रंत्र दनत स्वात क्लि नक्कान । बार्क्षा । र्जन्य क्ले वेचि यथार्थ बद्रभ नेक्ट्रिक म्लाठे कति । ब्रांटरामः **छ:श रहेद्रम कराउँ दिया आतिए माहित्य** न, क्ष्म अध्यदे ज्ञान दर बानि विश्व जा त्वादक्त मान कतिहरू भारतम् में हैं ; का রা কেবল প্রাক্তিত জাতি জেতুগণতে

का क्रिक निकारणा अवस्थित है नाहीक्त नकाहा विश्व विषय गुरेश नक्ताक (क्त त्रहिक क्यानिएनत्र दुव्। विकक्षत व्यक्ताका मारे। जन्माण्यामा व्यक्ति चार्मा তৰ্মীক্তৰ অবস্থা হইতে অধ্যপ্তিত হয়, ভাহার পুনরুখে বের সন্তাবনা ব্দ হে কি না, वर्जमान रेजिनिहे ७ हात्र निवर्णन यहा । ७ ধায় কি সাহিত্য, বিজ্ঞান, বাণিক্ষ, ও না নাপ্ৰবার শিম্প নিদ্যাদি নবীভাব প্রাপ্ত হয় নাই ৷ তথায় কি স্বাধীনতা প্ৰবৃত্তি বলবতী ह्याः हे । श्रीत्मव नित्क धन्दात्र मृथि भः छ কর, আর এক দুঝীন্ত দর্শন করিবে। ভবে ভারতবার্যর পূর্বাবস্থা লাভ অথবা ভদপে ক্ষঃ অধিকতর উরস্থি লাতের বাংগ কি > হর कता मन्नापक बटनम मन्तूर्ग वाधा चाटका बीव्यक्तिकातिमल कि तारे बाधा । अवर्रावर्क यमि बहेर्स्स्री,सिंद्धंत्र निष्क ए ८२ कुर्नन्छ। के बार्ध ना स्टब्स

कार कार तर विशेष करन बटायमी हिम्मत है 14 का **उ**चन संवास क्ले OF THE CHANGE -ENTERNA PERSONAL हर नव करियरत करता श्रीत mini freife Tibuna a गार्र केंद्रिश अवसीर विश्वप्रकार pisieres) de ut annuel म्भा पर वर्ष ए पांच का आकार की गर्का वक्र कि काइबेस सा रूप न वी क्ट्राम, के का Western Berne ीत एति राष्ट्र नवस्त्र कार्याः क्षेत्र न्यन (कर्वे च हात प पार्टी के विकास के व करतम गाँव, रक्षण कांकांके आहे केत्रिकारक्रम उथन छवियदं चिथिक वसा समाविधाक । ख्या ब्यान के ब्रेकिंट है गानि निप्त केटेजानी त के कि जैनि क तिरिद्यतं (म'व का কিবার চেকাশ আহন লাকি : এ কৈ শিক্ষ बन्ध ब्रा ! किस टक्त एउत दिवा वह अने बाम क विषा कृष्टि शाहेबात महिला वारे। ध्रथन जात मिवानानि नारें, दर्ग नेव रियंगे दारे, त्य जिविज महीके के केंद्रिक वंबन एतका। १७ दे शिक्षा ए सि. निर्माय

SPIRITE WAS SENT TO ME मान त्माक केंग्न प्रहित्।

क्षेत्रिक्ष्यद्वात्रं लाक के बाह कृति के कुछ भारेत्नत शाक रमका कति-बाह्य (मार्क बरबा) करा अधिकारी एक्टबर्ड मंखाचा जन्मिकां को ब्रिया विद्या विद्या प्रकार क्षेत्री शीह । बेब्रेस्सर चारित प ख्यात्रे हार्व नेर्क, नवाका व काशह म मुन्द्रिकात वक देवकि वृत्र, क्षत्रभः महीत शादन अधिक त्राहिकत्र नम विकितिको छ प्रके प्रदेख्यह । देशात योता वि करेगा केटर । हीन्द्रमान मर्बाटनका अतिक दिश्ले क्यांको न ग्रेशक सन्त নহে। সম্রাত ইউল্লোপ বল্পে এড লোক इंकि व्हेंट्केंट्रेड से के फिबबे नहां भएए विशे मिक लेक क्षित्र छंदा इंदेरक किये किये . भटन शमन का छन्। छन्। वित्यान क्रिएक ६६। त्रजाचात्र महिक स्ताक बुद्धित अक रेने ,ইট। সম্বন্ধ যে সে দিবস সভাপতি নিয়ন ৰ মহাসভায় বজুতা কালে বলিয়াছেক, देविवार्टरेष छिट्टन शनवाँ आकार

भातिरव ।

कट्या कट्या त्माक मश्या न्या यावकी। त्र मका भव्मदारकीत कर्खवाः প्रश्वित है िरात लाहज हरेगांद्र श्रद्ध जनवि अवस्य মে জেমকে লোক মংখ্যা ক্রিতে মেখিতে श्रीक्षा बात । विकि मिन्द्र स्टान देएनि

ক্লোটি লোক ছিল, তিনি অনুমান করেন,

भारे केमविश्म भक्त की महशा एम काहि.

रेक्ट रहे है। नार्डशहरान, किंद हुई। ना बेनक के हात अक रम कुछ क्षेत्रीएक किमि धरे कड़ीके जिल्ल कड़िएक जनके हमें. बार्टिंग रतामरकती अविषया अमेरिक अमृत क हिल्ला। लाक मश्या बाहा व्यक्ति वि खानामि छ। शामिताना नामम करिया है जहि ত এবিত ছিল। ভাঁহাদিলের দেশর বঁলি हा अरु केन क्येंग्री हितन. लीक সংখ্যা করা উভার এক জ্বখান কর্তব্য कर्ष हिने । द्वाभीय नाजामा विवर्ध स्ट्रेंटन नत करत्रक भेठाची 'नेपाँ हैं में दाशा बक्त ररेश निशंदित । शफार बारमहिका का विक्र ७ हरेला वर्षने मह्ख मह्ख लाक जे बंद वामार्थी परेशा अवन कंत्रिए मानि নেন্ন তৎকালে ইউরোপীয় রাজগণ লোক সংখ্যা করা আবশাক বেংগ করিছেন। तिरे चर्चि धनवां क के बांखें करे खना (पर्णंत्र धम, मिन्ने वार्विकां, धर्वर मयांका. ধর্মনীতি ও রাজনীতি সংজ্ঞান্ত উল্লিডর विषत्र मुन्दर्शकरण कार्मिए शाहा यात्र। कें का के जाताब्रेलेट खब्र १ क ट्रिक भेरताब्र জানা গিরাছে, তথায় নিয় শ্রেণীত লোক দিগের মধ্যে অধিক সংখ্যা জারজ। দুন্দে ধর্মনীভিবন্ধনের ভালুন দার্চ্য না পাকাতে चर्ना चना एम चर्मका उपाय लाक অত্য করিতেছে। সম্রাট এই নিমিস্ত ক্লব ক ও প্রমন্ত্রীবি লোকের শিক্ষাদান কার্যো नमधिक यञ्जानि हरेब्राट्स ।

ৰে লোক সংখ্যার এত উপকার কারি ভা শক্তি আছে, ভান্নতবৰ্ষে নিয়মিতৰূপে তাতা সম্পন্ন ভইতেছে না, বড়া কোডের विषय । यथन अरम्भ २३८७ क्यान्तिर मन সহস্র সহস্র প্রমন্ত্রীবি ব্যক্তিকে নানা উ श्रविदर्भ (2.व्र.) क्या व्हेरण्ट : यथन প্রতিবংসর মানা, জারার পীড়ার- মাধিক der bruck | Bra, Calcar and tal agrara.

अविधित्ति अवस्थ क्रम । आदलेक्क्कक्षेत्र के विदर्शन भूनवात आहर्ष्ट्र क ! वेटक्ट्र , स्वत त्माक मर्था। केली निषान कर्यरा मान्त्र म.इ। छ। इरेल द्वन द्वाराया शह ত অবস্থা উভিনত্ত প লামা ঘাইতে পায়িৰে এক্স নর, গবর্ণনেটেরও শাসন ভবাবভা नेव कादवा जिंदरमव अनुकृत माध हरे सात्र अवणी अहे विरम्ब शास्त्र वहात. ৰ্ষি কোন অদেশে অনুষ্ঠি ল,ক্ষ হয়, मका भवंगीं,बरफेत वाभा इरेक्टर कारात কারণানুসদ্ধান করিয়া ভৎপ্রতীকার চেঠা কলিবে। তদিনিত আমহা এই শক্তাৰ করি ভেছি স্মীন ব্যবস্থাপক সভার নাহইয়াত ব তৰ্থীয় ব্যবস্থাপক সভায় এ বিষয়ের এক विन इब करर रक्तन बाकिरमें है ७ बान व छेणात निर्देत ना कतिता करप्रक स्व र्याभा कमिनमञ्ज निर्माकिक एत, लाकं नश খ্যা কালে ভাহাসিপের বাবসায়াদি বিষ্ এবং পূর্ব অবস্থার সহিত্ত তারত্যা করিয়া व्यवद्वांत्र छैरकर्व ७ व्यवस्य व विवश्रति वि त्नि करण विर्गत कती **भावनीक**।

शक्रदे निक्य मा

धरे , भटतायाटमत धक्यांनि शास भड 'গতবারের সোহপ্রেকালে প্রচারিত হট্য **८९। धनियएम चामामिटेशन किन्न** किन्न क्षादा जाटक । केन विश्वास श्रूमद्रात विश्वाः র প্রাসাদ উপ বিভা করা গোল। এদেশের সমাক্ষ শুরীর ওবোজনীয়ত সংক্রান্ত উর্ন্ত लिएक विश्वत विषात बाक्का करण धान्ती लम द'किरबूट्क मध्याम इतेवाद मखाव' मारे, धक्या त्यवल माथात्रम मार वर्ग स्कि श्रीकात क्रितारण्य । **ध**ई निमित्रहे क्षिनायूणीतम विवरत व्यक्तिकार यत्र ७ ४ मूड़ान हुके क्रेटिएक । এই निविष्ठ के मारक्व कांत्रकेवरवंत निका कारवा १० ।। टब्ब्यू शहिबटर्ख ए॰ मच्चे होका किवार 3. खांक् संदान । क्रिक चाटकरणह विवत धरे. रावे के स्वादित संबद्ध देश कर करे हैं।

रिकामिका बना के अब कारा विकास स्रेतार्थ। वयानवीत अवनीयने खाना स रेट नहीं त्रीत में देनि । दिनागरिके करा प्रकृतको है।का विकिट इस । कटकाई देन क्षिक्रिक देशक है ०,००० करि है। क्षिका श्हेतारह । जिल्ला बंधा क्रेटक विरम्स स्व ट्रांकेंक् क्ट्रंपर बर्जुटक के जिसा दिका u 500 होदा च किर्मा या । रेक्सिंग्स् त्य । वर्षमाम, ७ क्रुक्मशहत कृष्टि मचीम दि कालक पंचेतातक । 'यरनावरम्' अक्की परे ट्ड इजिलारेड । यह मक्न दिनामर्पन केटकाटक अरू के का वा वा वा दर्व है भारी আৰম্ভ প্ৰক্ৰমতান্ত্ৰেল পাঁচা টাইন স্থাছি भारेश अके बर्भन काल यह जयन विकत शद्य विदेशमें कर्तिया भूमर्वत विवासकार कार्षा निर्देशकिक करेरवन । इकले क्षकि निश्च त्यानीक त्याक्षित्रत्य किन्न किन्न निका (क्याई अवर्ग्य हेन चित्र थ. कपर्व करे जायस प्रेमिटर १

अवर्गामके अहे था हिन्दी कतिरहाहन. देश के कि करों। स्ट्रेस्ट के मारे अकरि यदश्च तात्र प्रदेश्य, का भन्न व्यवस्था करा लाख घरेटव कि सा ? विष्त्राष्ट्र व ध्वान करि **তে অধিকতঃ উপভাত দৰ্শিত কি না**ঃ গুরুষহালয়বিশ্বকে এক বেশ্বর পিকা দিয়া ভাহাতিকার স্বারা বেলের প্রীতৃদ্ধি সাধন मञ्जानमा क्या बाहरक भारत कि मा ? घरडा धरे क्षेत्र केलि केलिक एवंटक्टर्र । द्यान वर्षत अब खंद खाँकि ए एवर धरे केख व क त्रन, कंटकार्यन केटचरणज मक्टन कविनया পিতৰত পাৰ্টিনা, ছলেন, প্ৰাচীনতৱের ও सम्बाग्ध विद्या कार्य कार्य कार्य कार्य मुक्ताहर महादिष महा। व्यक्तित म गरफाएतम् भाषास्य इत्र माहे । (त्र तरकात्र किन्नु निक्कि इत्रेक्ट्रा वेन्टि संसर्गीकारकेत्र

THE WHITE THE PARTY OF the way to the same of the same to the same to the CHARGE 415-1-49 CATES NOW निका नाम क्षेत्र पात्रक निक १००एकका । नारेक अहे त्यारक क वंत्रानः रक्षणरामः विराधः नामानः संग्रा क्रमान्तरंग निका कतिरात संज्ञानमा बाह्रे । नीमाल प्रिकाम भावित महीन्यसंस्था जिल्लाक विक्रान्यात । यह क्षित्व नेत विद्यां दियाना विशास पुकां करेता, ची-शानितम् गानिकानि निकान क्यानकः भागका की एक महस्तक कि । शहर है कि ষ্টার এবশ কোন**্টা**ৰ পঞ্জি নাই চা শার্ণ একরের নার ক্লোর্ননার কর্মার क्षित्र स्थान उन्हों है है। यह एहेरब ।

> चामहा अकृति उपरकात देवविष्कृतिः खें संबंदर केंद्र के जिस्से के किया है के कि जा धेन किया करवण अतिकार बढ़ी, किल अक वर्षी जमकाशकाद्र हो जकर हुई अहस गरंग चार्ट्स, स्वयम स्थित्व एक कालिएक श्रीवृत्ति मेर्फिक्द वात्राचं अधिकारे स्थिन ग्रह, परित्र कर्षे विकास करें, । बाहिएक त्सि - जोबीपिरक्षेत्र अयग्रीतके दे हे क्षम धर्मे है निश्च न नवस्त्र विषय खेरम अधिक बरेतीरहेंग । चंच्ये वार्तत व्यक्ति लाक्टक जिका जिरेनन व कि 1' ति के शक्तिकार अक रेका रहेतारक ठाइ है के इ किरमह के म भित्र युर्ग । अवज्ञान निवस्तारे के हाजा है बिटक गाहितकरहम मा व्हें का बिटनड कियो विकल कर्या अर्थ कल न्द्रिजय का बिनो हर्देश । थे ७००० है।या नाहासम्म कारया अथवा नर्याल शुरल वाशिक इंहरल व्यक्षिकत्र जेनकात्र वर्मिक शैटमाई माहे। **एक्ट मिन मिन (मर्थ) गाँदेरस्ट एक्ट महा** শ্যদিগের প্রতি সোকের বিরাশ ভারিকৈ ছে, সেই বিরাগ কারে আমানিব্যন্ত মুক্তা উপাঠাবেই সেই সুনি নব থা शुक्राराद्रा वर्ष योग्र कतिया त्रिके दुक्काश्चर विक देरार । यक दरमत विक्री की भरतत्र मश्याः दृषि कद्रिए इनिरम्भः र

क्षक क्षण्डि रेजारमार्केनिक एक किंग

कि जाक्य साम्बा राजा निर्देश है अधि वर्षे अपि WHEN EXPENDED कामामा - मीरामाम । देन TRIBERT कार्या विकि करा असे हैं बर्टन सुविधिक अवार् CHARLES WAS SAID विक महत्र वामन वाम हो। बाहारे नहीं करिश्ताय इत्, शर्वात्यरकेत्र कविद्रश क्षक अंद्रानि ना प्रकारित क প্ৰণ কাৰ কৰিছে লাবিয়া Piles Dunie Min : w his क्षान्य वाच्यतान्य वाद्या विश्व व्यव क्रिक भारत मा ?! बार्च अ क्षिक करियांक विशिष्ट देश श्रीकात (कस ?) को ने अ

VI CHET REPORT लिन बर्मिस् भूजरवत्रके **बहुमार नहें विश्व कि** कि, के का कर्र के अधिक लिया दिएक, सत, पाछवाद दगई जिल्ला दमकेश स्र्वेण. **वरे रशिक्षा रक्षत्र कामन क्रिएट डाम**ा है। अम्बी, व्यानितिय इत्रेटन खळ त्याकिमिन्टि मूर्णिका अप्रका चावणाक । तिक वित्र मे अवस्थितिका निकटि विका जात्व हैत. कि क्रियहां जा पिटलंब हिंबिय हैं। थिक क्रेवाह ज्ञावन प्रार्क प्र वटक निस्तरक मधर्म प्रवेद

The state of the s

े अने काल स्तित्ता वर्गयाकेत व रिक्षांका स्तित्व प्रतित्ता त्राम्य र महिल्लाका निका महत्व कारण व राह्य काल काल मात्र अस्ति काल कि राह्य कालका मुद्दम प्रतिकानिका कि राह्य जात्रकार अस्ति विका करेट्रम रिक्ष प्रतित्व व्याप स्वत्यकारकार स्ति

क्रिकेट-लेक्ट्र स्वयुक्त क्रिकेट जा रुक्त । के अविश्वास है कि किया 第一後 - 本の市: 南京市 中国中 - 中国市 | 日本 . विकासन संगा भाषा निविक छानः भागम् शवर्गरमटक्षेत्र। भश्किकोटसस বিবয়ে যে স্পায় করিতেছিলাক, এ চন্দ্রয়া কি গুংহা সৰুলক বলিয়া প্ৰভীয়**মান ব্ইভে** इता । क्षतिकवर्ष भवर्गवारकेत्र ३० क्लिकि गात्री एके, क्ष्मात्र मधा एके, क्ष नक के काम कार कार्या कियान न्बिक क्षेत्राटक । देश अवर्गरम् कि विक रक्षका के शक्त के का का का का ं भारतम् क्षित्रिक्षा कि छोड्। वश्र कि कि विदेशक क्षित्रक क्षित्र किल THE PROPERTY OF THE PARTY A 10 can say an amount

SCO PINE PIL

करिन्युक्या सहित्यकि है सिट्स प्रदेश के विकास स्थान के कि महत्र भी के विकास गृह्यात करे , बहमरचन जो व क्रूनसमाम श्रीनिका महरूदि वाक्य निक्षा क्रिके ना प्रोत्न, कार्यः आर्थानम्, समुद्रक् विश्ववि नाम महारमानाहै । अवर्णने आवास तनारक कि कामान है स्वतान य महिएकार्यः। साईका रमन्त्रः कारावरे व्यक्तिको । जन्मभाष्टिकः स्वाम्बद्धाः अम् ्रवंश कडक्**श**कि शर्त असे क्षेत्रक अहे यां वे त रही। निष्णा है । सहय है कि लिए के नि খনবে গ্রন্থবৈশ্বকৈ প্রভন্ত উপ্যাক্ত করিছে क्टेंब । अ:अवा 'त्म जेलांच करियां बिटक कि अर्थितके अर्थासक चारण विश्वान CSA शहीरको को इंश्वाबिश्वरक छात्रा कारम भारति हिन हमूद्र न मानाइ परिक ना का अनिक की अधारत निरंप रक्षत : पु অবংশি যে ক্লিয়ু জ্বা করিছে ব্রৱে সর্গ क्षेत्रीत्व हर्गचाङ बाज ह्यात काज करेक करे s who prour near property bearing শ্ৰিনাৰ্গনিক কিছু পায়িকেবিক বিভেও इरेटर १ धरे कटन राज लाक्ष्य नहा अर्थ क्षांक अमित्र प्रदेश क्या हेकेनिया प्रदेश कर्या यहरम चार्किक भिकासक्रात अरवण कंद्र नारे , अनुसक्त वास्तिविध কে অনুবঞ্জ করিবায় নিবিত পর্য লোভ क्षाप्रमान कि अन मान केरह के जेगा। मत् । भवारा अवस्थित हेश्व का किस भएका । क्रिकृषा गरम् च, व्यक्तिमा च भावता कार्तिक क्षेत्र क्षेत्र वर्षेत्र वर्षे कार् क्ष्मान बार क्षतिया कि सुबर्धा के एक मध्यार मार्थ हरेशांकितम १ जातिश (NORTH PROPERTY PROPERTY AND AND AND with and after trace.

TOWNSHIELD AND STREET, STREET,

चत्रिक अनुसन्दर्भावे जाकः विराग्त शक् मवर्गस्य

देखिन मित्र शृदि वन कः नुन्तान देनित्र के का भागक नम् नमन्द्रम द्वान करेता
द्वा । महण्डिएक रोज वन्न जात्र ह्या ग्रेट्या
राख्यित महण्डिक रोज वन्न जात्र ह्या ग्रेट्या
राख्यित महण्डिक गात्र में नित्र के लिखने कि में
भा दिक्त हरेता गात्र में नित्र के लिखने द्वा कर्ना
वार्त्र का भाग निर्देश को विद्या स्थाप द्वा क् द्वा का क्ष्म हरेता है हिल्ल जात्र के लिखने के लिखने का महण्डिक क्ष्म हिल्ल का मान्य का क्ष्म के लिखने का महण्डिक का का का क्ष्म क्ष्म के लिखने के लिखने द्वा का का मान्य का कि लिखने के लिखने के लिखने का मान्य का का मान्य का कि निर्देश के लिखने के लिखने का मान्य का का मान्य का कि लिखने के लिखने

Pare of Trull a faifuting midale विश्वीम बहिस्से मामक निर्मेट । किश्वीम मन त्व जारीयेन एक, देश दी ते क्षेत्र परचंत्र अन बार्ड ब्रेंग्वाईक मेडीवमा माई. खटर त्या चा प्रश्न किया परिषक्ति वर्ष के अदन के आवशा क क्रम द्विष्ट्रांत (व'सोरंबरा' खाँडीय कारनह जी गीय भ द्वांनीसं स्ट्रिश क्रिका क्रिका बार्ग स्थिति क्षकृष्टिक विकंडि आर्थना बांधा जनातत एका साव अन्माहित्वत कृत केतियाँ ब्यानेम"निर्वाद क क्षी है जोपने केविटिएटइस काम बहैएस जानहा लार्यम विरवाधी वहेवा लायकीरमं विवस्त्र मा. ৰিত ভাবিতা ভাখিতাৰ। খাই। ইটক, আবাঞি গোর অভিনত্তিক কোতেকাঁ বিষয় এই ছটাতে-रह, जावंता वर्ष्ट्य केंद्री गरिमाय, विश्व क्षांकृतिक क्षेत्रकाल विवेशन कामहित्यह व उ (कांतकदम्डे जोमाबिद्धांत संग्रहमं स्विता कि हेर्ड अहिमार्च को । केवन संवप्रकृतः (क और हर होते क्षेत्र केंग्रियमध्ये मिटकीय आरमा प्र आधार्यक निष्या कविद्यं > मिवायकारम देशपु व्यवश्रक्षाप्रयक्ता रह माहे, देखिश्य भित्र व कथाम श्लोगम कतिरमम रूप ? जवि पदि व्यापादिश्यत्र भक्त अहे. यटी क व्यापादम विजित्ने क्षिरंगरे जांग क्रांच देशक्र्य शति वक्ष वर्ष, विश्वित क्षाडा ७ कारमाम टारमा-महत्त्वाक जंजनिक्यम, देशहे आमामिरगढ عد THE WAR

बरिषत्रा चत्रहित्रं चर्त्रहेन चात्रच पहि-ब्रोरक्ष, देश बीजी डेंबर्ड के शरिक आक्रश्रक्त ष्यक्रीकि व अविश्वतिक्रीका विश्वतात्र महारता मः बारह, खादारखर खार्यका वश्यात्रात्रात्रात्रा ক্ষতিত ও পরিভাশিত ধইয়াছি। ত্রসান ক किनव बार्क्य महाम युवन चाक्रव कतिया हा-विश्वीरक् क्रीक्षारक्षे क्रीक्षांश्वी क्षत्रहित क्षत्र-ष्ट्रीरनद्र भागवंकीत्रिका द्याचिएक माहेरकरहन ।। जारास द्वांनम् सामान्याक्षणात्त्रं माजनत्त्रः **अप्रदानिक क्रीडिट्सिक ट्रेंडर्विक आक्रिक्टान्नगारड** राजानशिक बाक्स्वाक जन्द्रवानन कतिएउ शाहित्यम छ । क्या वित क्राक्शिक्तत अज्ञाना-দিত মুখ, ভাই এইলৈ একিংকেন কুপতির সার के व्यवस्था है है है के देश के बाब डेगनबन के बार्ड अक राजनी क्षेत्र में जीवन का प्रश्नीय देश the farmer before the stage of the

जनकि कामना अहे किन कड़िगान, उक्कारकी আগর কান উপন্তিত। আময়া বে বে স্থানে व्यक्तित्वक थात्राच कविनाहित्यक, हे क्षित्राव वित्रदेश छोटा चत्रहित चत्रहोत् हुविद्य जन का केठिक दिल । त्यरे दाकार्यत्र निरम्हानात्व कि ब मञ्जूष्टिया भाषा अपन्त वह बाहे हे आह টিক শপ্ৰতাৰ ব্যৱগড় উহত ধৰ্ণের অধি वाशक महर । देव उपत्यंत्र गृथक क्यूड केवक অনুষ্ঠান আছে। সে অনুষ্ঠান কাডকৰ্ম অৰ ষ্ উপনম্ব নর। ভাকপইটিতে জগভের থে कृत्रायन्त्रे रम्हे ऋष्ठीम । काख्यक्षे प्राथना উপান্তৰ যাত্ৰা অগতের কি জেছ সাধন মতা वन चारङ । এতবারা কগতের खेल्जि मङ बना था करत केथतिक निवय सांश हेशा दिवस भीय व्यक्तिय प्रदेश केंद्रिक मृत्युर साहै। येथ मध्यात भूक्षण भागता शुमतात महिरस्त्रकि शास निरमंत्र : आक्रकिक अञ्चल्हे द्वार विश्व मुक्तक व्यक्ति। प्रक्रिक विश्व के पण महेबादम, त्वर्ड व्यामिक निक्क निहाद श्राक्तिरशह अब ष्पार्टनम-द्रम्म ? क्रीबाह्य के शमश्रदमञ्ज विषद्ध हि क्षण गुरश्के कतिरस्त, य:माहेरस्त, खाह्ना इहें त्महे जावड़ो कांच हहेर, आफक्ष क वेश-मध्य केन्द्र सुरक्षात्रम्, जारचन्ना, स्विश्वन्य स्वम करमन क्षति भागतान ७ करमन क्षति विश्वन मा करदम् । जान क्षत्री महत्त्वा करे जाककर्ष-व्याय आरम्पा विवास्त्य ने पदम गरेबाव करें। शाहिदाद्यम । विराह केप्रहाशिविदे सह । प्रेशमहतः बक्रिक कारात उत्तर शहरनहे ज्यानता क्रांस-क्रिश्चर अविकासक अवकान क्रिका हिन।

সর্বনেৰে আম্বা আগ্রহ সহকারে তাক मिनाटक धनाहि विवहसूत्र 'बरवहनी कहिएक पान ব্ৰোধ করিজেভি, ভাঁছারা বেন কুসংক্ষার স্থায় ৰ্ট্য। ভাষাৰ বিবেচনা ক্ৰিয়া সাৰাজিগকে लेखा त्राम । जानार्य मरक प्रत्रावमहानि अप जिमिन दक्स ? " पहुच श्वार्थक महिलान করিবা অপলার্থকে পরার্থ বলিয়া প্রজা করিলো त्महे अविकीद्वय अववानमा अता वह अकि विकासिकामानित्वय निर्वाक, क्क बाजा युक्तिये कि पूर्णाश्त्रपानि विरहेश णाविकी । विक्रीय कार्य र मिकीय अस्ति हास करी वृक्ति स्थान्त्र वृह्यांश्रीको विशेषास्य वर्ष ALMERICAL STRUCTURE STRUCTURE WINES

शांकिर व आधेनीय दव, काका बदेशा आधि। अध्या अथ विश्व बहेशा अध्या के जान शानिक मा क्षेत्रा महिला करूत रखना गामन कार्या अर्थिक स्रेजा कि जातिक जावाजिता मोद्ध गान्स मान्द्रिक हो । अने विक्ति सम्बद्ध एवं नार्डे के अध्यक्ति व्यविक्र निर्वाहरण्य है दिस्तरण क्षान् व टो बचकी क्षेत्रादा का का स्व माहै। यनि छारानितम् केंद्रकेना वर्तेन वाववात कृतित्करवृत् क्षिएक नाहिएत्स म গোর আছরিত ব্রিরা ৰাতক্ষ্যির স্তুটা मान अफ़िन गांधी काती त्तन ना । रहेबान द्वारका विक बाइकन, त्यूहे गाइह ्व शाहित्वत । करणाहन बहर कार्यनाहित्यत्र व्यक्तित्र वर्गव क्षित्राः त्यात्रः द्रव्यात्रः विषयिक बहेरत ता । क्रमून कि विरुपा काम को पेया हरेरक म Affaul mania myin att The state of kinding the ac-रातिक होता मा । हरे हाला मा वार्ति क सरे द्वारा है। त्वार नमाझ सम्मादाहरू यन उपन पाकार्य क्रम बहेत त्वत प्रशा रहे हैं। शक्स दिरसन् । तमहे अवद्या विकेश है। बोटचन क्रीनां सन्दित्य है दर्बर 新聞事。海明中國· 如果第一新四年 · 中 MARIE MARIEN WAY I THEM ! क्रिक्ट को निर्मे ब्राट्स समाज विक क्षांत्र विश्वा है। श्रीकर्ष के भारक , डारमहा कि आक्रामिक क वर्गनीया विश्व कि परिश्वास

क्रिकार

THE STA

Biele

BIATE

I Walls

A DIC

等等

PALS SE

intale i

4 344

दिशादक ?

PAIN

रेकिसम



4111 加坡 海豹大岛 401410 高高品价的 AND COMPANY AS ALL ALL MAN WHEN THE PARTY WHEN Washington and the Party Party भी कर्मी के मानवास सामिता करें William De Hambled for Charles and the state of the मार्थ क्या क्या निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा A STATE OF THE STA

त्वक्ष ति गर्म। नाराक्षणा जेन हैं। केनिकाका त्रश्त विकास मुक्ति केवाड करित्यम इसास कार्य निविद्या गाठाहैतादहर नकी का कर्मक वर्ग करियात । के के किया करणां दिवात देवपूर्व त्नीना क्षेत्रक अमिद्रणनन धरेत्रा निर्वादको अ क लक्ष्य क्रिकेशिय परेशी दिन, जय रमप्त -'बार का गर्न हम नाई अरर -का का गर्न नाई अरर

क्रिकेट राजी कर जाहें। THE SHIES STON WISCH रिक्ष केली विद्यार्थिय महिला है जिला है वर्ग मा होता वें अवेडि खर्च गाउँ केडिटनेंग वे 7444 कर्रोंन अहरक्रवंटन विजयन कार्रव-ल छ। दे जेकानई बाक्रावरदी स्ट्रिक्टि ज्याम एक क्रांचान अहि-रंटनेको अभिने स्थित संख्यान्तिक Proper selection : Side, the मनीर रा मार्थ हैंचों के जीवरिक ক কাল পঠে ককালত হ**ই**য়াটে গ क्य परेनाव काम विकित अधीत रण मूजा अश्वितात्री जैनाकिर कृता गरिएक भारत । कृतीय, हर ক্ৰিপিত প্ৰবাদ পাওছা বাছ ৰটে की रहेड हैं ताई नवन क्वांच हार्के उन्ते, जिन जिन सर्गार क्षेत्रकारका सामान गरणानिक क्रिक क्रिक्सिक्स विराहत क्रमाई Supplements of the supplement of the supplement

भारतीय जन्म रक्षाणा जरक्रीय **वर्षा** MICH MAY PART CHE AND SHIP TONE कारणवार्थ विभिन्न एक कार्डिसके मार्ट्स विकारिकस्य कार्यके क्षेत्रीक क्षितिका के व जि जीशांत्र करणांत्र किन्तियं करंद, पृत्ति पुति व्ययोग पान्नी कांग्री जिल्लाम कर्ना व्यक्ति व्यवस्य विभि व्यवस्य विविद्यारिक प्रदेशे नहेंग्रा व्याननात हैशा के द्यानीय व्यक्ताहर जीवात्रं व्यावानम् वरक्तनवः क्षत्रित्वतः । नेन्छारं विक्रविद्यात है किसारमञ्जू किया स्थाप क्षित्री থ নিৰেম, কৰি বিশ্বিষ্ঠা আশিকাৰিকের কোন ব राष्ट्रे मा मिन्दियां, "श्राहा स्ट्रेटम अक्न बहन व्हेंटेंड नातिष्ठ त्व कीश्राविष्णां क्या क्या मना विषय विविद्येश्वाकीरण ज विश्वास देशिय ্যা সমূচিত অনু করিছে পাছেন 'মাই ।প্রকৃত डीराडा चराचे इकाक भक्तम मी कड़िया करण দ্বিবর্ডে কাপনিক উপাধ্যাস দিলিবন কমিয়া नेतारहर रनिया चोषता छांचा चार संविदछ गितिर वेदि मो र जैरकेत्रिय सं क्रांतिकाम किन हाई कर्षि हिर्देशन । कैक्ट्रेडिंड क्रूंडे खाडीन देवटन । बोबबीद बोस्ति । अधिद्वा टाबरमंकि शास्त्रिय वर्ष पृष्ठी वसार्थ (अवनक आहि किन बार्नि নিলের জীবন ছড়াচন্তর কোন জন্মই জানা-वैदेवत का के ने दें। देंचनेत दन को बोर्ड जीवात मैरिय विकारकार अन्तर्य चंत्रीकेक चंत्रम मार् डायात्र का अभिक बीटन क्यांड नेक्लिंड रड हरक जाना प्रदेश क्षेत्र जाहरा शक्क प्रदेश-**ए । त्यं वर्डना ज्यानच्य क्षत्रिया आया** आव ^{हर्} सुस्राटक कार्यमानी कार्यनीक रश्चाक्रवास्त्र कांक चंनमा कहिसारक्ष, खेकिन्दिका साध् क्षि अहे अहे प्रतिष्ठ क्यांक्य क्यांक्य आहे. क गाडी बोड । धरेबन्दिन व वेक्स्नि देनम लि। ध्योद्भटनत क्रिक्स महिद्यांत्र

क्षामीत रक्ष । नगरनन वेहेली भन्न जना ाचि कि गाटर्य जीवारक क्लान्स्क वस्त्राम न शामकारिया गणाचे सहिती वश्याद्राष्ट्रि प्रक्रियो न par aller weiter witten under वि अभिन्ति। एता जनके ही प्रदेश अन्यत्व स्थाप with the light state with the the different accounts when when the

व विश्वेष द्वाप स्ट्रेजिट्स् मा, काल केटम् का नामन का फिट्ट जानहरू अवेशी बीजारी रक, अके समिना का कारी क्षेत्र समाजिताल 者。山東縣,山山北京,山山東北山河南,南西北海岭(中海 कर विकार विकास के ने स्वाक्त । किसी है करें हैं। नवालन वर्षेत्र चत्र अक्सेन्यनास्त्री संविद्धा यति (अने को कुनन् 'जानि का कि काश्रमानिकारे साम विवास क्षियांन लाइकड्र वांडो शहिएक हरे म च्छ का कतिरदाष्ट्र, इस करनेको जाकाव क्य निष्य कांच्य कि स्ट्रेंड बीट्या कांच्या दि माजीत महत्रा रहे या रंकन अक मानात्रव चा-कि वहेरक भकरती मध्यभाव बहुतिहि मटक र गार्थ। क्ष्मरण जानाता ८७३ अनिविध मरम অৱসালে বাহাতে গৰুলে কাৰ্য সন্মিতে পাৰি, रमहेबल वत्र क्यां नक्तावरे कर्वया। बेटन्त्र विगरक बोकमा स्थल (बांबर्डि बाह्यका) केरेबर দার্ভ করিবাচ্ছেদ, জাবার কোন ক্রিন্স ,বিবংশ व्याचार्यसङ्ख्या आया आहर । अवस्यहि आसंस উভরের ৩৭ ও লাউভরে ভাত্তরণ ভূরিতে शाहि, व्यावाकित्तर वीवरमङ हाकमाही वह र नका बढ़े ही भिका कांबाविद्यात सारम क ध्मक अध्यमक क्षेत्रहरू ि । अध्यक्त मृत्यु क् १ नवस सिंहिन के केन् भतिएक नार्व वह नाहर यक्ति क बरवाक्त भूक वालिका स्वाव्हि रमास निका ध्यो व स्वेदकाम मुना व ना है कि व मर्दिर दिन्य विम्रह अधन्त जानम् निका পিতে গাঁ রতেছি,রা,ঃ শাঁপনারা সকলেই বা जन ८६ अका इन महर, जुल्लकी द्वार भट्टा एक क्रिक कारक । अधिवरमुद्ध अनुमूह कृतियात केरमन्। । हे. इर्ग्याहेलाह मृश्रंत कशिकाणीय जीगर्यम नेक हे अधि वह नहीं वृहेश्वरह मा,देश जंजाद ।। देश दिवत । द्वाचाहित्य कार्य अवती क्या किरिनेत्र देवाणीक सुनेनाह्य । तम् असे दिनीत श्राचात्र केमांच नामान् स्याद्राह्मास्यान् चारान क्रिकेस स्वेतारकन । ज्यानता ह्यू मकन विवधा , निकिक सरेकाहि (व गरी ६ , प्रो.श. (वून कारा) वद्भाव मन्त्रन त्याहरूते त्याहरू महित्रह में थी हेन, द्वा गृह्य कांचाविद्याह दशानहे कारान natival any Tari and Bara tarted auto THE RESERVE AND THE PERSON OF

WALL STATE OF THE PARTY den Weite Artist ent Miles was are बन शास्त्री प्रसिक्षित स्वीपीरेश्वत आयांना बाटकर अवसे जानाय काउन अर्थे । रषः शासाय त्यान कारणात्यात्राक्षण मन्त्र ।

ভবি, বেশ্বৰ গোসাইছিছে কটাক লব কৰা বে করেকটি কথা পরিলেন, কার্যের কোনটা कारणा है हैं कि मुख्य सक्त क्षेत्र कार्य कार्यान शक्ति वाक्तिक भागांतिका वानिकाराः भिक्षा क्षां स महेद करहे मा । हेरा विभ अका अक त अप विद्यासीन माभि मीनियक कुन्र कारत रम्भारक ज्यांक्य कतिया जानिहारक क गाउँक्षण जर्गशनात्रा कि माण्यिक स्केट्खटबर वा व्य करें कांक्सनरमंत्र करा कांग जागी जा किया जानिया जानगमिनार अमे । अन ভৰ্গনা বৰ্ড উপজেশ নিৱভংগন !

২৩এ হাব শনিবার চ

আৰি অন্য ভনিকাতা বইতে বৰ্ষিয়া জেলার অতৰ্ত ধানা প্ৰশোধাটের অধীন রাণাখাট নাম ৰ প্ৰামে উপস্থিত ইইলাম। এইগ্ৰায় কলিকাভা बहेरक १२४ देवांना । अन्य दनद के कर्त्र नीमा वि वनि क्षांव क बाह्दकांत्र बान । के बान भूक भ क्टिम बीर्व । शक्टिम हुवाँ वकी । से मनी शबा বা সাঞ্চা ('বাডাড়াড়া) হইডে উৎপর হইরা मिक्टन मोक्सानाहित निकटि (निवशूत) श-षात्र महिल्ले विशिष्ठ स्ट्रेबीट्स। प्रकिटन ब्राक्यानान क्षेत्रर भूटक मा श्रद्यांनी आया । अह दान केन्द्र विद्रार कीर्य कात्र कर द्वान । प्रम अफ़िल बाद किन लाक्ता अनेच हरे. त्व । द्वास्त्रकृष्ट विदेशमा स्टेन्फ आदिवत था विका माखिश्व भेगाय अ कि द्वारत शब हेटलर्ड्ड हैं ज्यानकान मुखिकार के किए बार्जिड मान पाषिक बार्कारेज ज्ञान मर्द्ध उदहरें भू पश्चिमी क्रेनी क्रिकारमा महि। कान क्रिय नामिहरू कालोहक चन भी करके शार्ट ना ने सन दिवस अधिका आपूक्त महिया न MAICH CHOICH क्षण जाएक। छाउँव वहीत

ं अध्यायकात्र नतायन नरमा आहे हरे होन मोड् काइएक किकिर का देक बहेर रक र कार्य र्था क्षेत्र पत्र १३८७ को निवाही होका कावह क करे हो जोटक। उत्ते किशासिक कर गारी शक्त केस अ बीव वर्षा देखकाः चात्रक कवि देवेगासह नहन होता हुई वह वटडे किन होता चारतेश अन बक्ता केन वेश्वर्ध करता वेनाकिक का का विका नरनाम नरम बाधन और :००० वर्ष महिष ०००, किनि १३० अन्द क्लाबामा ४०० यह सूर रिश्मित्लम समिवासिस मुन् देदस्थन काबात, स्वात, स्थाया, जाणिक, सह-हो, क्षेत्रर कह क्षेत्रकि च्यातर सनि कादह। अध्यक्ष आहरू कर्णकानि पुत्रसामान आहरू। व्यूक्ता भारे प्राप्तिमाहरू विद्या अभावकात्र (माकविरशत्र माहोत्रिक व्यवस्थिति चित्रा त्यांत्र रक्ष त्य हैश्य विक्रिक्ष बोह्मनक्ष्य वा ভূতির নাম এখানে বারীকা ডভ অধিকার महित्य गांध्व महि । । अवस्त्री अञ्चान स्हे-क्टरक अथानकात कम नामू विकास, जिल्ला-তঃ এখানে কনেকজন কেনিৰ ভাততাক প্ৰট উবধালয় আছে। হণলির ভারতর বুর্বু ধ্রানুক্তর সংখ্যা কৰিবার বিভিন্ন আক্রড়া প্রচারতার পর্যাল हैन कड़िएक कानिहाहित्स्य । अंशाहर्श एकि खिमिनांव हर योगाहरू आहा १२३१ **ध**न भ विकास । विकास इतिहास । कि आस । । धरे जानाचारके एक गुर्क माजिए है हो अस्तुमा वर्षेत्रांस्य । अकरन नाहिन्द्र बहेरक किनि जान गर्वन क्षित्रमहे इक ।

প্রাবের অধিকাংশ লোক বাশিখ্য ক্রমান্ত कतिया कोविका निर्कार कतिया बाह्यमा बा থানবার বারছেরা চাকরী এবং ভাষ্টেগরা होकति छ। जयांत्र त्रको करत्रव । अवादन अव-টি চকুন্দা বিও আছে। চকুন্দাঠীয়ত বেৰুক कारा रह ारा वर्गन क्या बोह्नमा बाह्य । अ-বানগার একে ড মৃতিহা ডড উৎরুধ-কাছে ভাহাতে হৰকের অভ্যন্ত অক্সৰ, প্ৰভন্নং कृषिकारवात्र क्षेत्रकि स्वेशात्र मध्यायको स्थितः के

जवादन देशको ७ मानना सूछ माना-गुरुक रिकानक जारह) राजना विद्यानएक तियह भगारमाज्या कतिरम त्याप सम्हत्य हैया त्याक्रम व्यापक विश्वन देशी मर्द्रम बर्द्रा कार्बाह्न 'कविवेदन सिंह 'बाज बेर्जिस्सिक् मानिक विराममञ्जू प्राथित पर माने में होते थ PROPERTY AND PARTY OF THE PARTY OF

PERSONAL PROPERTY. 有相利 **ब्लाहरू हैंश्रामी विशासि**

न्द्रका है कहें का द्वार स क्रमान लाग को भी करवा है। PRINTER PART AND TO नक्ष नक्ष नक्षकार्याच्या त्र, जनानि देशसे क्रांस, सहित्त कर सन स्थित संसू अवस्था हो १९०० हालाइ हाला संदर्भी है RE BALLE AND AND ALL OF THE PROPERTY SHE MARK SECRETARY

diant chieffine THE WHAT PROPERTY PARTY शांस शांस क्रिम्सिंस केंग्रूप स्था नाइकः। हेनिहे क् इसक् काल्या व कवियान अने कि संस्थान

AND RESERVED BY AND REAL PROPERTY. गराम कांत्र प्रदेश सामान है। सामान स न विकास स्विकेशी श्री स्वास स्वास स्वीति ह म विश्वतिकारे नेपाँकिता अस्ति मिन के पूर्व क पारत व्यानका जिल्ला एक क्रिकेट के क्रिकेट के THE PROPERTY OF THE PERSON IN पानि क्यान अस्तान हिला क्रिकीर निर्देश o we did not be the second

विविध मर्वाम्। रें के के काइन माध्यार । वीक श्रेक्टिक्ट बक्र महामा परिदेश स्विदंबन महीय जान कर के भूषी बेहेबारए। देखिल शिक्षित मेश्यकोड क्या मुश्हीहर जुई विश्वाशिक गामित्र व तो तम्ब

वे किया है र कर्म के कर क्या के क्या

के बंदेनाई बंदेन त्याविक गर्द्यक्र विकास के साम्यादा महिल त्यावाह, मां क्रम के विकास काल गर्द्यान कहेंग्रेस के प्र-वर्ती विहित्स्त्रक, कालांक्रियन गाँउकवर्श विवास काल बहेंदन १२ विकास गर्द्या शक्त इंग्रेस के बंद्रान की विवास कालांक्रिया

देशवारेश्वेत द्वांड आज्ञानएड विडोन केलांक कि कहरने कि छड़छा ध्रान इंक्टिनानरेड कछड़क नेत विज्ञानरित दहे दिस्त वह इंदिन के छाड़ार छाड़ात नर-ने विज्ञान के किथियाटक । नोज्ञादक क का कर्याक के किथियाटक । नोज्ञादक क का कर्याक के विज्ञानरित करेश नाथन के विज्ञान के कियादिक नाड़ के किश नाथन का विज्ञा के कियादिक नाड़ के किश नाथन का विज्ञा के कियादिक के विज्ञान को क्षेत्र के जिल्ला के किश विज्ञान करें विज्ञान को करन के जिल्ला के कियादिक केन उद्देश को कि

^{मी} एजेंग कारमजेरात एएकं व्यक्तिकं कतिया.

भी। जीत अरु अन डेस्ट नगरह अरुटि निकर्

शिवादगुर करें। ४०/००० देशके जिलादहर

बटम के बना हा कि देशांचीय है ने मानहां वि

मार्था वरेन उठ विन आवामिश्वक बनान

किंविटउ है यह जिन काम्मा वानिए

क्षिण वर्गा ह महारमा माहे।
क्षिण वर्गा है।
क्षिण वर्गा है।
क्षिण वर्गा वर्गा वर्गा कर्मा कर्म कर्मा कर्म कर्मा कर्म कर्मा कर्म कर्मा कर्म कर्मा कर्म कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्म कर्मा कर्म कर्मा क्

विभिद्रक गनावम महिशाब्दिनम

2.21 क्षेत्रकारण्य वर्षस्थाते । क्षित्र के सार्व প্রাপ্তীয়া পতিরভা ২ি প্র বিব্যাক ক্রিবর थक विद्या अधानक विकासाम्य अधानिक केतिए अन्वराध्य तक तक लाम हो। बहेसी रहत। त्रविषम् अक स्नतः निः असः अशिष्टक इर्श्विमधारम् व्यवस्थानं ध्रमानं कड़िनाहरू আৰৱা : আরক্তখনিয়াম ,প্রধান বিচারপতি क्षवरकः अन, अस, उन्धानमञ्जूष क्रिक्क भन चळ रहेवां हिटलेन । विश्वकताः ७ क कांकत क्षेत्रे करकत (क्षेत्र है जिहा किर्देश्व व्यक्ति सम्बद्धा जारक छेगार्कक जारत्व हे जब विदल्प बहेंदर नरमृष्ट्या है। खर्ड खेरा दिलक कि नामन कविक क्या डिडिक बाड़े किस अब अस निवादक प्रताम जो कियाद है की है कियान है की बेक स्थान ना । एटव अन अटनाइ गडीका छाडे कहा बहेन

मह बार्टनम शिक्षकरण क्रिक्कित स्थात वाकासको स्थाय अपेटक्ट्र । वाद सहस्य वाद मार्थारवात मुख्यित निवस्त स्थित क्रिक्त क्रिक् वाद सम्बद्धित सुर्स्त स्थितको गढनेस्त अभावक्रम विद्यातालस्त्र एक मध्या क्रिक्त । क्ष्मात निवस्त सुर्स्त नाहेगात स्थारतालय स्थाय स्थात निवस्त सुर्स्त नाहेगात स्थारतालय

न्य। जनसाहरक दिनिह दिनाइ हिनिहा कीन, " जारांत जाका बाता निश्त्रहरूर रजा शिक स्टेडाहिन र जायता शुनर्कात विकास विद्याहरू वानांत्र विकास वानियांत जनशाहरू किनिविक शिक्षत निर्मात स्टेडाइस यो ?

के हिन्दर कार्य देखिया। बह्मजू र तीण निष्य भिन विश्वनारक दिवाद कड़िद्धन वा हा व्य क अवस्थ यह प्राथा के कि न नांदे!

উক্তান বালন কে: নগরের না না বাজে: ই সারেররের বহ রভার ক্ন্য ১২৫ - টাকা প্রানান ব করিরাজ্যে। আবরা কিন্দন্য বর্জনালের চিকি রাখানা হইতে কোন সালে; সংবাস কবে স করিতেহি না

बरद्दक विकासि क्षेत्रक के हैं होएक ना शहरान के का का करने के बर्ग करने के की की एक का देश में किएक की के क्षेत्रक की बाह्य करने एक की क्षेत्रक की पृष्टि कराय कर्म कर ने की की की कि संश्रेष है वस् हुए व अधिका हिन्द्रिय । भव डिवियान) स्थानवृद्द क विद्युद्ध क्रिकेट अधिका स्वरूप स्थानमध्य ।

क्षाणां स्वाक त्या को ब्रांस माहित कार्या के के कार्या माहित कार्या कार

केक लाह भारत यहनन एडका नार हो प्रमान क्षित्र के कर्नाकन मास्यत्न के बादक राज्यस्य मराज्ञकात कर्ना अन्य क्षेत्रा बहुता क्षित्र के रेगांडा क्षेत्र मन्द्र राज्यात्र क्ष्यात्र क्षित्र के वित्र माहरूप १७०० के का मरक्ष्य क्षित्र होत्र रिटम्स्य व'स्मित माज्ञाकी हो स्व क्ष्यात्र स्वरूप केन्न महत्व सारण कांचा करेशा कांचक कांच

উক্ত প্র জবণ করিয়াছেন এক রেজিনে ক সেনা উক্তখান বিয়া গ্রন করিয়ার স্বরে করেক জন হাজরেয় তিনিগশকের জিলাক ভাচার ব্যারাছে। একথা স্থতন নছেশ

টাইন্স অব ইন্ডিয়া বোৰাইন্ত্রের থান কোম্পানির কাট্য বিবরণ প্রকাশ কবিস্থাছেন। কোম্পানির ২০ ০০,০০০ টাফা মূল ধন। প্রতি অংশ ৫০ টাফা। আপাততঃ ভারায়া ২০,০০০ অংশ বাহির করিয়াছেন।

উক্ত পত্ৰ অত্যেলিয়া। বাংখাপৰ সভাব এক আইন প্ৰকাশ কৰিয়াখেন। পঞা বিয় ব-বিয়াহেন পৰ্যালয়েন্দ্ৰ অন্য সংখাৰণ ব্যালয় ব ইতে টাকা যে ওয়া ব্যাহিতৰ মন্ত্ৰা করাকী বিয়ো

क्ष करणा श्रीवेद अञ्चे अहे बाद विशेष क्षित्राम, विद्याद बडेमी व्यक्त विगये शा-महत्वः क्षणाटक हे डेटहाशीश क्षाम क्षरण के बाह्य बाह्य बहु माहे। क्षणान गांचीह गाउँ खाँहाड मरकाड कहेटलाड़।

केक शब दर्शनावेद्यत अकार कृतांग के बाल विश्वाद्यक कृष्टम निरंगत क्षतियांग केवि त्राह्म । क्षत्रक क्षत्र केविन क्षत्र क्षत्र क्ष

कार्यके के के के किए किए क

अंद्रेशास्त्र मण्यानार ।

्रिक्षिक क्ष्मेंक, कान है न नि, वि, दि पर मुख्या केश्मरण-पाइवाद केश्माण कर्तिरक्षः इ म । कामान्द्रेश क्षमानक्ष्म विद्यागारस्त्र अक म नम क्ष्म क्षम ।

केक शक्ष महादेश राज्य काकार महिनतः विकिथकार्य कार्यक्षण्यकाम अन्य-क्राट्ड कक्ष्मर विविध-काम अन्य कृति डाटाम कार्य विकिथकारम

व्याधाः शाद्यते वदस्यः अधारः स्वार-श्रि वक्षे वेदेश्यं वृष्टितं वेदेशस्य । किञ्च व । व्याधास्य सार्थः साष्टिः

े एक शक्ष चारता घरनम टामन रमनाशिष्ट सोमभूत वहेरक व्यक्तात्तस वहेरी रमनाशिष्ट बामकरमत माह्य रगाम ममर्गरम निम्ना हम नाम हिमान महिला महिला मीकाभुरत केशिक क वहेरमम हिर्माम वस काराज गत्र कि मामहिला हो अपनी क्षार्म केशित मामहिला बाहेरमा

क्षित्र द्रावक मि बरणम गण द्रश्वति दा शिष्क यांवीदमात्र व्यादक कक्षी कत्रक्रत दृद्धि वर्षेश्व भित्रदेश । क्षादक कत्त् कावाब भाग करव क्षित्र वर्षेश्व कारक कत्त् कावाब भाग करव क्षी क्षाक्षित्र भिष्यक 'काविवास कर्ते भाग । क्षित्र क्षाक्षत्र वर्षेण भाग मात्रे, क्ष्मणा नि-भूरकत्र क्षावि भावेशात्र प्यानात्र पृष्टे क्ष्मित्र क्षित्र प्रानात्र क्षाक्षित्र क्षित्र क्षाक्षत्र क्षाक्षत

बादशक्र किनिश्चल श्रीनश्राद्धन वक्रतानीक्र स्मिन्डेकेके क्षवक्ष जिल्हा शन्दिक्षांकरमञ्ज रामणे सके शर्दात रहेवांच जना भवांचरक्षानद्वाती। विकेष खारवान्तु कतिक्षारकतः स्मिन कि बाह्य क्षांच स्मार्क मा जाहि स्मान देश जारह ?

बाकालि अष्णामक बर्द्धान विकासित जिन्ही जिल्ही । विकासित विकासित जिल्ही । विकासित विकासित जिल्ही के निवासित कार्या की निवासित विकासित के निवासित के निवासि

ाउँमि 'आएका घरणम शानरमणे श्रान-एम विद्यातीलात अग्रमम अञ्चलनात गर्नाद-के देखील निक्षण कहियात आफ्नांव कहिया-एम । देशारक क्षान्य प्रकान में श्रान प्रमान मिल्ल अस्त माना कविटाउ रहेट्य जन्म किसि न्यूकांक क्षा आहाद शाहरमा े एक मण्णावस चार्झ यानम सवहात्रस्म म सामन कानायो त्यान कतिकाछा लविकास क.तेवा हैरनाइ बाईएवन विश्वित छाशास चाकित्यम लड द्वाना कविवार्थ स्थानस्म च्यामी भूष्य या हुक्के विकास द्वानेश्वर व्यक्ति क मण्यात हैकीस अक्ड हहेता अक्डी मणा कविवारिकार।

তি,নি আরো বলেন বারাসভ্যানিতা লাক্ষাস্থান্যে জুভিক নিবারণ,র্ব একটা সভাবনিবার চেই পাইতেংছন।

जिति कारता बरलम किंग्रेक छेहै नित्रम यातृ स्थात अवर कालो तक वाकालूत स्थानशास कति, कालात काताश्वर मनन कतिता मस्मान श्राम करियारक्त, भूरतीत वल वक्षण जाका स्थान करिया विश्वर कर करणहिरद्व । नि कार्य (काण्यक) क्षण आक्षण स्थानिक स्वेत्रस्थ । क्षण क्षणिक जालाम सामान प्रथा सिक्श्रात का-केरन स्विर्ण लाविर्ण ।

বোধাই সাটডে বিনিউ বলেন ছোরাস্কি কাহালির কাসিয়াটিক সাইত্রেরিডে একেবী য নাৰিত্য এফ সংগ্রহার সাঁচহালার টাক। গৈয়াছেন।

१ हे कार व पुष्तांत्र । के ले

ফিনিক বলেন, পাতিবালার নগরাচকর দুবুর ক্রয়াজে কার্ডবর্ণীর ব্যবন্ধাপক স্কার সন্যাত্তর স্কাপদ এডিনির খুন্য হিল, স্কার পুরের নবটেবর ঐপদ পাইবার সভাবনা কুইয়াছে।

हाको निष्ठेरमत हितायुक्ति नश्वाह छ'छ। गरमन, क क्षित्राह निर्द्ध दिता निम निम किति अपन बहेन। शक्तिका हः क्ष्म क्ष्म क्ष्म देवे कालिता कामाहित्यत्र याक्ष्मभूक्रक ब्रह्म क्षम काक्ष्ममान कित्राह्म, जात कडक्ष्म क्षमम अभ, इहेर्ड भुष्ठ बहेन्नाह्म ।

विक्षीरगटकृष्ठे बर्तान नारकशत्रारवृद्ध कृष्टि मा जिवातम कना निक्रामात्र बहेट्ड २००० होका स्थितारकः

के दे त्यक्यांति कतिराजा कात्यक्य वाःमानेक शिविद्धाविक श्रांत मण्णार रहेश शिद्धाद्धा यह देशक श्रांत श्रांतिद्धाविक श्रांत । मखायां शिक्षेत्रहेखा व श्रांतिद्धाविक श्रांत । मखायां शिक्षेत्रहेखा व श्रांतिक विद्धाविक विद्धाविक विद्धाविक विद्धाविक विद्धाविक विद्धाविक श्रांतिक विद्धाविक विद्याविक विद्धाविक विद्याविक विद्धाविक विद्धाविक विद्धाविक विद्धाविक विद्याविक विद्धाविक विद्याविक विद्धाविक विद्याविक विद्याविक विद्याविक विद्याविक विद

व्यक्षत्रात्र क्षेत्रस्य प्रवास गाँउ। नामा १६-४६ व्यक्ति क्षेत्रस्य कार्डले केच क्ष्मांच्यां किया क किया माणिकार्य कर्णकर्णक होना व्यक्ताव व्यक्तिराद्यां। क्षण्या व्यक्तियेव क्ष्मांच्यां क्षा कतिरंगा व्याक्तिक्षेत्रेष्ट्रें भाग क्याक्ति क्याक्ति व क्वक्ति व्याक्तिक्षेत्रेष्ट्र २ क्वक्ति अधिक्षेत्र २ क्वक्ति अधिक्षेत्र कर्ष क्याक्तिक्षित्रेष्ट्र कर्ण क्याक्तिक्षेत्रक

केल श्वार कारावा । स्थाप निवेद रगटमा कथा श्वार जात जाता हा । गटमा रगवा है विविधिता गत रहेगारहरूमा

केल गा चारत परत्य न प्राच प्राचा विकास है। वर्ष है। ए। प्राचनांस विकासन केपने व्यक्ति च क्रियोग क्रियोग्यूब र क्रियोग्यूब न क्ष्म

উক্ত পর আহো কারে হাই । উত্তর পূর্ক কানাকে এনার্ডার আনর অ'ডিয় সহিত স্থাসঃবিহান

उत्तर पश्चि कार्या वस्तर स्वाहितीय गणां का कार्याक मान्युंग्यक के अंतिया वरेता है कार्य करेंद्र जिल्ह्या के विकास जाना का कार्याक गणत कार्याक मान्युंग्य के कार्याक गणत कार्याक मान्युंग्य कार्याक गणत किसे कार्याक स्वाहत के कार्याक

TET THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF

वावहारक विश्व विश्विताति । वाका कारत मृत्युद स्वयाद्ध कि विश्विता कारत मृत्युद स्वयाद्ध कि विश्व कि विश्व का नियाद राज का श्रमक के विश्व वाम विश्व कि कि कि विश्व के विश्व वाम विश्व के कि विश्व के विश्व वश्व का कारत के विश्व का कारत वारत कि विश्व का वाम विश्व के विश्व का वाम विश्व के विश्व का वाम विश्व के विश्व का वाम के विश्व के विश्व का वाम के वाम के विश्व के विश्व का वाम के वाम के वाम के विश्व के वाम के व

नाम बरमाई नेकान बहरें हैं है किया दुशा इंब्युंनी बहेगाटह । है हैं उर ००० मन बास (प्रतिन्त कार क्षेत्र) दश्र, नो की हो दिस्स करां हैं साम रिक्ट विभिन्न सुन्नाई स्मिन हैं सीच से

20

्र छनिन्त्र कार्य प्रस्त विश्व होता 'Y # 1

. व सन मध्योष छाछ। निविद्यारहन नार्ड was die amie wa aigig. en ? ूर्व , अप भग देहें ज़ाशीय के अप अस गीव वक्षांब = वीव इक्क श्रिवाङ्क क यक व्यक्तित्व के व्यवस्था के क ाते हें डेर्ड्याणीय गुना जिम अवर दशक লব সেৰা আংশে ৷ এড়াডিম ডিনহাসা हर्वार, है शकी आएक। सक्र अकृषि मित्रमार्थ अब आयु १००० से साव शब्द केट्रिएएएए। श्रव । इ. ८ अक्षेत्रहरू इ चारम १८४ दिशासकात स्मार्ट्स्या है एवं। वे शास्त्रकोत्र क्रिकिशिय अवश म हम, का शहरन रक्ता है

मिरोगोरक कारिया निकान अस्ति (पा काल बहुआहर । आजान गम् स्ट्रेस्ड कि ज शहा दक्षा दक्षिटक कानेत्र । ान अधिरका दन अम इक्षाउटन अधन किस. काशांच भंगा के बसाबि मा था बीटका क्षाप्तांक करणद्वांका के कहे एक । ा । । । वर्षे की का का व्यक्त का ो करिकाक्ष्मिक्कि वामनःक वर करि श्रीश्राम्क न्यांत्रिः दृष्टेश्च भिक्टके च्याच । अतिहारक 🖰 के ्राज्ञान व्यादमस्य के लिये वि यनर द्यार । कविशादका अवन प विरमदि इत्याका हि देशके मैदा रहा। रिका कि किन्द्रियम मावकारम कावून ग-७९ क्यूमा केंद्रिटक्ट । देश क्याराडेत क्य-SHI I

প্রণমেট্র আক্রা করিয়াছেন বর্ণন ত্রিটিন श्रिम् एक भी भीशा विश्वा भवन कविदन, औ पूर्व खडाडा कर्ड नकरक मध्योग पि I STATE

क्रिक्षिमधारमञ्जू काश्विमक मरबाब्दाका म শ্ভিপ্তজ স্থানীয় প্রকারান ক্ষিত্র হইয়াছেন। Bin Cu: शक्त डेवक्य माध्य क्रियाकिया क्षांभ करा इहेटलट्ड, वर्षे. - 36 क्षा कि क्षिप्रक क्षेत्राह्म श्रीमान, र शिक्षी कर्फ जानि रहार को न। न िनान्य प्रमा स्वराटक केवित GEZ विषेत्र शामा केक स्मरणत मामन ঙ্গ ৰ্ফ ইন, চুকুৰ খালন কৰা পারিলে स्केव क्रिया FI

वस्त्र , अस्मिनितः वास्त्र विकरेत वेशानि का समितिकारक अनुक्रियां स्थान कर्ता । अर्राव अर्थे हो क्षान मा लग, च्यानहा THE LANGE STEEL OF MARKET MATTER ANT THE

Miffenfüs neines wignren, wind क्यांत्री महारहेत् विश्वरयका प्रवंत विवक्ति ज जरमात्र क्षणाम कृतिद्यन हेरा माम्बद्धाः विवास महस्र ।

नत हात्रका कि विशिष्टान आह पूर्व का के हीकात (शहे शहित्य कर्तिप्यक्रम ।

रक्ष कर है किया गरतन स्त्रकि कामिक (व मक्त कामकात ए जरा केणाकीकानत प्रकृष का स रहेगाहित्यन जाश विक्रीक स्ट्रेंटर का । डेक्। केल्ड मारभद्र जाउनाँदरगद्र दे**न्छक मन्**र किंद्र माथा शहेल ।

> हेकानम खळ्डवासः।

ই জিখান বিকশ্যর বলেন, এক্সকট জনত্ত্ব-वस हात्रिक्रेम मार्क्य है इद शन्धिवाक्रालय (मन्हेंबर्क अव (ब्र क्ट्रेश्वाटक्रत ।

উক্ত পত্ৰ আবে বলেন, সম্প্ৰতি ৰে ৰেন कानिक्र एक, एक ज़ा कान, राज ५७ के ब्लाड शांति क्लार्थन (इर्थान क्लार्क्य बाजक्यांती মালের জাওার সভিত বাজুরুমার ওচন্দ্র ८५७ विव ह मदल १८५ चाफ्ड स्ट्रेश्वी है।

डेक भढ़ा पुढे २३म मळाडि खासाउ छ भ नाउर्व माञ्जा प्रतिराज्ञ विषय बहे छ। दन अक है वक्ष का कविताहि नन (ध' आह हिल वरमत राज वहीन बाक्ष्यरथ लाहारकत निकारी একটাও সাওভাগ দেখিতে পাওগ বাছনাই। ১৯৯ ৫ जाम चार्या के चंदन माठकान कामि তে আয়ত করে। ১৮২৮ অংশ প্রায় সাত্র यामात्र मुझे रह । जामात्रा मध्या थीनी । अर । ভাষাদেশ কোন সকন্য। উপস্থিত बहेरन ना किन्न द्याराजन वर्षे मा । खादावा जालमाव ्यान काणनातार भीकातः कटन । **छा शक्तिरश**ह बहुषा काश्वित महापूर्ण अध्यक्ष करते वाहे ग्राह রাং সভাতানহচর অভারণাত্তিক সাম প্রাক্ত क्ष गरि। हाराज्ञ अफ्र क्रीकि विश्वा क्ष अभिने बहेदार्जन जाबाबिरचा बन्नि के क्षणकाम क्षेत्र श्रीवरी कि युर्वप्रयाम क्षेत्र \$251

रमण्डेरमधे भवनंत्र युधनाम् आख्यात्रस वर्षे-हा सम्बद्धान बार्ड भारत क'त्रकि.जटक बाह्यान अभीय भारत निवृक्त वर्षेत्राटक्त । यानम कतियाटका । वेकावम मन मारक कि तक यस विश्वाम ऋग वहेग्रा विशिष्ट ?

विश्वी (नाम्बंडे गालन, बाबपुरद्रत नवीन, कुर्भारत्ये (एश्व वृश्यित वर्गायाम, है।एक्ट्र भ-कर्जिलें । विक्रिय केंके अब (योग) वाब जाननहारव्य बरोतीक, कव श्रीनव बरोसी क करवाद्वत बरावाक, वानाटक केंद्र करा बाक ७ च्युष्ठशूरवृद्ध महोव्याच्य, अवर दशक्तिनु-विश्वाः स्थि केहि। ब्रेडीकीस अपूर्णात्र स्थान दिवत बरावांक ब्रांश वेराता का बर्सेस अवर्धा (सर्वनरकत्र मंदिष्ट मार्कार कतिरक्ष कामिरक्षे।

हेश्लिम्बाद बालम, स्क्रिया नाइस स्थित किया जनसंदर्भ के अनेत हैं जिल्ला नी के पहले ने प्रतिकार वाषाशिक्षक सन्। ७ ३० होन्। । श्रेमीसिटिश्वर क्यांक ८वर्षेक्र ।

कि नेद्रम पट बहुत जानाद्वा सम्बद्धार चान: । व जनगरानकात्र होते विसर क्टम जम्मार बहै छ एक मा। क्षतिकाका बहैएक त्र कृति व द के शहा क्षांत क्षीत के चालकीना कार्येश कारमहरू में नहीं कोष के बारमहरू शंकारे द्रम कट्ट : हा क्य मिट्ट इंट नहावहां अर्थन m) Eta (## >

: - 5 का रूप मंश्रियांत्र :

च्यावण क्र**क्कक महन्यदन क्ष**णांच कर्निः एक कि कावा मिर शह विमहाण एक वाम विकासि अन्यार्थ शवर्व भागे देश. हिला चित्र मोद मांबर-ह्या मृद्यांभीगां व क्योगहरू त्यार ५. শাৰক্ষতন ৰঙ ১, বিভীপ মধীনচন্দ্ৰ খোৰ ১.. तिका बान क बेबारक्रन ।

है लिन भान करणन, जनस्मिता क्षांत्र विद्वारी अभिगाद सक्ष्या ५७ २-७३१८७ जनक बिटमारीत क्य बहेगाएक । एवं धतिवाकिन कान शांदक ५०.० हे का चारणांत्र दलकता बहेबाएक 🔻

किनिटका कर्त एकेम केर-रक्षपती अक्षेत्र क-निक & देमनामिताक हीन जार माझ कर्य महिल বার ক্ষরেতি প্রদান করিয়ালেনা

च्य आशासक रशरकते मध्यम, अधिशह আগাৰাৰ সেৰিট হা,ছেই সঞ্চায় অধিজ্ঞাক इंडेडा क्रिया क्रम माहता जार्गि हिश्म इन ही-का करिया माज करेबार्ड । महाक्षि बहे প্রস্তান হব, ব্যার ২০০ টাকা করিয়া ২০০ লক্ত प्रश्य हाकि कहा यात्र छान। बहेदल प्राद्धाः ८० शासाल के या कृत्रायम द्वांच व्हेमा प्याधक शहिबादन कार्या इलिया जानिक सान्य करेटल STITE I

काकत लाइ पड़े घड़ेश मार्क अमाजिन शारक्षभारहरद्वय छन्तिक विवादवादर्व ३ जन है।कः अनान क्षित्रारहन । .

> ब्रह्मभीत यावष्ट्रं सकी गंका । ८क्षानिके भवत्र मध्यम् ।

रमक्षाची आवश्चारकम् क्षाक्षप्रधिरशकं दरक एएक दिया निकित वहेंगाँ ह

व्यक्ति। देव देव विकास क्षेत्र विकास मधान कार्या अवस्थित किंद्र गामिश्रक वर्षेत्र । र पुरुद्धानसञ्चाक के क्ट्रिक्स अक्षत्रभून दिश्व महिन-अस्तिकी शय वित्र व्हेस प्रकानिकास वाहा टकरेज वार्ष्कित व्यार्थ कार्ति मञ्जूरेवना वहेटमा- वाव-क्षान्य अपन्य किर्मे क्षामित अम्र क रमरे वाकि रिएक, स्थार, देवीश बाहा, स्थानन गुरू अध्यक्त कश्चिरक शाहिरको ।

दर्भाकरी पारवहाल लाजिएका आहारियाहकारक क्रिया वाजि भागनीत विक करिया वार्यक कर्य निकार प्राप्त निकार निकार । विकास कार्य करिया । was awaited windows a

1.7

वावचाशक गणा।

न दे कालून दूबनाता

সর্ব্রাট নেপিরার ও সভাপতি হাবিভটক আ ८६४ ३৮৫৯ अटबर वन याचेन केन्ट्रनार्शन विश्वेष के निरमत खेगह निरमते कमितिय विरम्पि अहा स केर्निक्त । देश उत्तव गाण्डिमाक सन दलगी। मनी ग्रंगीयम मीमान मध्या बाहांमा इंदेरवा फिनि सारहा भारतहार दासून ७ मूनमीरन ब्यां के आमानक मान्य विषय विश्व निर्मा क्षिणिक विद्यार्थे अपान कतिरस्ताः स्वादकारी षाचेंग १४४७ षाक्षत्र १५ साहित ७ १४७० चारका २० चाहिरवह अश्रमाधन विषय विराम উপন সিল্লেট কৰিটা যে ছিলোট করিছাছেন काराज अमान कहा कहेगा।

লারিক্টন সাংখ্য পতিত ক্রমির উপর হা ৬-प्र'त निम्मान्त करियांत्र विस अर्थन कविवाद क-छग्डि डाविटलम् । देश चाना धरे दिवकता घनेशास्त्र कृति विकीत व्हेटल शंत आहे वाहात क कावांत केलह चल काकिए का। केवांक क क वक्रमाद्र विश्व मिनिक विभ विविध्य प्रदेश । क्षित्रामी व्यामागदक्षत्र लिवासिविःशव दव्यस्त्र विमा पांत के मिन्न प्रतिब राक्षा छ टेकालपुर महत्रया श्रामकीय मित्रवास्त्रके आहम प्रभाग श्र गरिक क दिवाद दिल !

সেইৰ মাহেৰের প্রস্তা ৰাজ্যাতের নিয়লিখিত क्त विभिनेषु क्षेत्रम् । दशक्तिहरूत सामानक्ष विहासामध्येत विद्वादणिका ज्याका साध्य करत-वि विक्रीरक रेड में। यादन स्वरूप सामना स्विम-याजिटेक करवन हार्विश्वत वास्त्रमण्ड कहिएक शहर **44** 4

> गवर्षकारी विकालन। वाचनारमभीमं स्मानकंत्रकंत्रवरम्य [^] जाटम नाझमानी जिटहा स ।

~ FT

३७ई क्स्म्बानि-डेस्क्लामाएव आडिनि-नि महत्वादि क्रियबद क्लां हेवाओं छव्लिते. fa, un, midlmices all comis nimibl थ हेवर व्याक्तियह क्षमका क्षांस एकेशाएंत।

३७ है दक्कमा ब्र-स्थानी मानकृत मान्त अञ्भिष्ठि काम गरीष्ठ बायू (मारिकाण्य रश्र २४ वर्ष करमूत्र ३६ काहेटनत क्रम्माटने विश्वात विश्वात क्षेत्र विश्वा क्षाका मामिटके ते मुन्सू क्षेत्रका रिक्र मार्थि ,रिवेद वालितिशि ७ ३ ४०० वर विके विकेशकारत जयासात एक की कारम-न पुरुष्टिय ३१-७३ वारक्ष

'२२ थात्रात वाल्माट्ड २३ व्यानीत व्यानीत कार्तिन (के रेडेन कनकः शाहे वन ।

वर्षेत्र है,क्ष्म मारहर शक्तातीक स्थितिकाम কৰ্মচাৰির অভি'ৰখি কৰবেম ৷

अवैष्ठ, नि, ब्यांनाव चांद्रक वीक्कांत्र हा क्रिकांत्र क्मांडा द्वर श्रीकृतिश क्षेत्रम ।

>२वे क्किशदि—व £शत्वद्र क्क्यूंवि शक्ति-र्धे हे व रक्ष्मी कारमकेत अव जिल्ला मारहर वावकांत्र थाकिका ३४-७३ काक्यू हर काविरमञ् २२ वानाकृतात्त्र क्याका अथन ध्यानीत वाशीन ব।কিন্তেটের ক্ষতা পাইবেন।

ভবানীগাঞ্চর ভেপুটা যাজিটোট ও ভেপুটা कारणकेत मोशिव नक्षण केल काहितनत क्षक-गांक थे ३७४६ चासून ३ चाहित्यत ३व वालासू-नांदन तकर्ता, वकदा, व विमाकप्रता अन ८७१-क्षेत्र वार्थीन माकित्ये हतेत्र क्षम ठा माहेदवसः अवर वेक कावेरनंत्र अभ्धातात्र कक्नारंत्र क्षश्चनक्रम विष्ठ बानाइ चानिकाव छेनामुक सकस्या हा त्वारी নাকিৰ এখৰ ভড়াৰখান করিবার কতনা প্রাপ্ত स्केटनम ।

নদীয়াৰ ভেপুটা সাজিবেটুট ও ভেপুটা কা-म्मिके बाद ब्रम्नाम बाद बायक्रमास वस्ति इरेगारहर बरा १४-७१ चरणत २६ चाक्रिया ২২ বারার অন্নারে ভবাকার ১ব জেনীর অধী न गंबिरके हे कमड़। शहरवम'।

मधीवाद व्यक्तिति अवश्री वाक्रिके हैं 💠 **क्ष्मिका कारमकेब राज्य अधिकाञ्चल ब्राह्मदक्षी** वर्गम क्षेत्रा विमामग्राय विद्याहम, अवर केन्द्र चाकित अञ्चराता छथाकात २३ (खणीत वादीत श का ब्रिटनेत्र कमडात निष्य कारी कतिरवस ।

मनीशांत अजिनिति रक्षांने बालिएके हैं स ्रण्यि का महेन बाद मिलक्षाम्ब हरणाथा-ধাৰ বৰ্ষসামিংক পিছ। উন্ত আইনের অভ্না ए उद्देशकात रह स्मानीत अभीम मा जिल्हे हैं कहे-

633 व्यक्तिनेशंदर्व छाष्ट्रेणाञ्चालस्य सक्त राष्ट्र ংগীয়াৰে সোম হল্পানীৰ ৰাখভালক সভান্ত ७ वादिन ११९ १००० व्यायम के व्याप्तराज्य व्या शुभारत खबानात छात्रुही कारशक्केत्रक कृतका DIS FERKER I

माबामक राजनीत माजिएके हैं । अपूर्णि की लिकेन ब्रांड कृत्योश नागावन निरम शिक्षेत्राप्त गावेशांद्रम् ।

जातांत्वत श्रीविधि कविनेत्र क्षेत्रिके व-

विभिन्नां स्थ

व्यनित क्लान कामनाक्षेत्र ३ व ८ क बाकान बारकर

CER ! मनीत मुहेकाही क कार महार्थेश विकट्टिया

क बहरमञ्जू मा नाम क श्रदेशक रम श्रीदेशन क

CHTENNE रत्र ध्यानीत्र स्वासी

क्षा निया अध्यक्ष **2014年末** ALASI S SALLES fraig affe Blagt निरमा चार्डिका केल witte far file felt मन कर्म भी दिस्स CAR BER DE BIRTH BIRTH PARTY IN

कार्य के पर की THE WEST OF जोक्साह देक किस्टिक सा शवन त विका विकासका छात्। अप न्यक्तिक कि सा वादा साहित्रः कार्य भन्न शकान करा क्या い ないとてる立法 いてきな場 MINH SERICE) MINISTER किशारक्षम "-कश्राहिक भिट्या श्रामा सम्बद्धित

क्षांक्रमकारम् इति हो

वाक्ता के उपकाद अभीत चंद्राकार्क म क मिन्न हैं। कुरु के दिला है म्बाद्ध प्रशासकीत्व प्रशास. াৰ কি'লা ই মাছত য নিম্নতালে প্ৰকৃষ্টিক,

कित्व महिल कर्गायांच पास विश्वित मरवप्रक विकास मेर्ड स्टूजार ज राज-प्रकृ विदेशाया चड़ाया विश्वाप क-न अक्टिक करे। . । एक्टिक अक्टिक जी-्र हेर्ग देश वह अन्त्राश्चालकारण ् तः महाभाषाम् क्रमा पुरिक निक्रक १६। कुँक्विनी केन्नितंक श्रेष मे। यनि-्य विक्री पुरेषाल्युक रहार वष । या **बेक्**रोप^{हें भ}न्त्रोम दाया शहनिक 'शहीं जारा के वार्षा करता वार्षा करता व क्षा करिया योग माळावी कार्ट इरव चाळानखनात रकावे FT . ₩_sv*

> ्ष्रभोत्रवाणि विश्ली ा केलंदियात्र कर्याचीर्य

> > क्षित्राची नक

4 #

Estl

139

ૈન

a Tree

8.00

44 1

मदक्ष बद्धवृ । । नाम क्यांन शांत क । धन राजित्र रागिएक वादिश्वारम क्षत्रि नवां स्रोप नियादम् । देवरणत् दर्भी-প্রাক্তম হর্মার গোলা, কিন্দু ওরা শি विक्रियमार्ग्याही शिक्षी (भाग अ) ब बेटक निने की करिये के दिनकों का निहा विकेश के क्षिप्रकार कारणां भाग म लाके कहिंदी कंतरमान श्रीर्थमा क'र-न की नवस टबन नूजिन कर्का कि । निमा विकास विशास कविया मिन।

शिक्ष बारही किये के बार के लिए भक्त क्रिकेट्स वाता जानीत्वत वाना किता छ।क्षे वर्षाणब्धिक स्व 'मेकालद्विते पीटायोहर कहा। इति विशेषांची है-व्यवकृति अवस्तिहरू, कृतित्व क्षार्ट्सक

অপিটা প্রথমন্তঃ আ্চামের ছড়াছড়ি অগরত करतः बक्षवद्र कांद्र'न ७ निश्व विरवष्टमा कविद्र প্ৰিটিকৈ ডাঞ্জ সভাষাৰ লা হয় এইয়াৰ্শ চেটাই অধিক হুইয়া বাংকে, পান প্ৰথম ক'লে উপায়ুক্ত রুপ প্রশাষ লাভ না হইলে গৃহস্থায়কে থেলে विकृत्य एवं !

'बाज कड़काल कि हिमारद्वा सीवित्व तम হাঁহরিখ কার্যা করিতে পাবিভেছে না।

मर्खे ह बबारन थानाई जुग्मेत सर्प्याना ষ্ঠালয় আগমন করাতে অঞ্তা লোকেরা সন্ধি শয় আনবিংও ছটয়াছন। রারোগা সর্গাত অতি ভক্ত ও ধর্মপ্রায়ণ।

উভ্रদশ रामी जन्मक अगूक बाबू विश्वह त्र विष्य कृषेश वहालय यहा क्रिय अवादन चाकिसा ट्रिन, देनांत्र मरशा देकाँ व मारम स्वता कि काकि-ति । ने नेज क्या मोरकरवत्र किक्टे कुल्हा कुन्न (भी हिरङ म्

> राम देश काम क्षेत्र के न्। देक्ता এলাকা লীভুল

সোম প্রকাশসম্পাদ্ধ , मःदामदश्रु ।

म्रांसराभ बागक प्रांटनं अक निवृद्धिक करेए स विक्रांश हु के रेकन मिन्न कर के के के बाद र रक्त विश्व बहैदल्डरक, कावज़ा वंकन क्यांजनि लाखरनता उन्निकाल कारा निगरिका कार कार महाराज बद्ध श्राप्ति क्यूटिङ सक्टल/उग्ग भीम क्यिशे-প্রাভ্রণতিকের নারে সকলেই ছ্মিট বলিভেছে ভন্মধ্যে কেচনা জুক্তাবশিক্ষ অক্ষে লৈশন, কেচ্-दे। प्रमुख्य राम्भव किवडो विकेश व्यक्ति नारा विष छेलारसङ्घ स्त्रवा स्निम्मास सिर्फरस् । स्निक्ता शिक्ष-तक्षक्ष, मांगरत यह अर्थना सहिएकछ। कि भाभवर्षा (वाक एक स्वावात हैनि अ कर्षाण अव रारेवक् आरम भविभिन्छ इहेरसम X4 8122 দি ! ফড্ৰিনে ভূমি এই কুসংক্ষাৰ পাশ এইতে

श्राका खेल्डीयमध्य बहेर व.२ SPAN AIM

१२७ मान

शिक्षारमाच्य इक्ष्यकी 対に日本

श्रीयुक्त (मामध्यक्षण मण्याहरू वर्गना निर्माणक

कमान विद्याद्वन । शुक्तिमान व्य कीवान नाम नाम (बक्रावेदाः भीकाम क्या वा क्रिक्टिकां क्रांच क्या-म कर्म नाहे। स्थान ध्यं जीवन शवर्रावादीय क्षेत्रमा आन कविरक्षाञ्च । या व्हर दक्षा, देशक्य किन्द्रमञ्ज्ञ ऐक्स्य भवनंत्रमध्येत त्यांच मध्यम ए-

#: **7**8 र्थानकांत्र उद्देष्ठि चाम्राकारक क्रम नौरहर आनिया कथक जिल्लाविशक्त विद्वारणकः ख स्माडेका ब्रह्मन किन्नु क करन स्मात स्म छोव नाहै। भुका केंजिन कठीन मध्यारतम मास्रीय स्था क कावात धकति अञ्चादक উक्त विदेश विश्व -(क्रम । में। कर र देवन याका मिर्ला वर्ष (पास्तर) न। रक'नेवा कार रम'नशब्दी को रक'नोय रव दाख्यानी प्रमेख ब्याहिश क्रवतंत्र के द्वार ।

रुष्ट्रांड करे भारताव स्वयोग साम। पाटन इति काकावेटित व स्ता स्वेतारम, १।० मि कृति क्र'कावे िय महाच ना भा दश यात्र अन्य वि सर्वे शांत्र माने । यामान निषेत्र महिन्त्रमा মিলেট গাংকণ মলে মনে আকস্তাৰ করেন ৰে ছি-লি এই পাৰলাকে বস্তু পালন কবিলাছেন কিছ कार्का आहा किएके नग्रा मार्गहरू व्यक्तिश्रा खीक्ष्र राज्य धृति विका मिन्य काञ्चि, काञ्चर ७ विन केंद्रित्त हैं, जोश दिनि छित्र भाम ना जिल्ली मा इव रा जनन काममाहरू क विदास क निया अकृत्य । याष्ट्र जिलाक विद्यास कतिएकत्सूत फॅर रोज प्योक्ति सोमोज स्थान, ध्रमकत विवर्ष शा-८१व वर्षश्राह्मात्र अवक्षेत्र मन दल्लका ऋक्षा ।

न र्नेन्यनी भारतात मनद जानिनी क सूचान निकारक वर्षानुष्ठ । क्रके बाद्वाद्यक कृद्धवृत्त । शहित्र द्वानकी व्यामानात क्रवाहित्रक व्याक्त विद्यारक्षे अवर क्रमांच वालिक सुमानाक्ष्म व्यक्ति अवश्वन बरेकाः इत किलि गाउनात युग्नाम कार्या कार अध्य करबन । उपायमाद्र नांचु वर्णा থক্ত সেন কুমাৰখালৈ হইডে আলিয়া পাৰনাঃ म्मदनदक्त कार्या करेशास्त्र । भावनाम् इक्तरत ८५% कारान्त . अधान नवन प्राणिनी अवः धुः ब्रह्मक्रीक्षासाम् । विद्युत्यः। किन्नु सुन्द्रभकः बाहु यसन भावतीय ग्रनदमसीम किवा ख्बन शारमात्रं कामल। क्रिक्षित्रं, सिग्रः चल्रदक कार्य कृषावयां लितः प्रामकावियदक विवृत्तः करा रेंबुक के हैरा २ व्हेंगठा, के बहित्त रक्षामां क्षत्रमें के स्वाप थि के ब्रामीन कारण रक्षा मारण करें-

> श्रीवृद्ध मानवाकानमञ्जाक अश्वाम सबी

मकान है। बानगर्ग र दे हैं कि हो है कि SPERT WIR PICAR WEST TO कार के में आधिक एक पूर्व किनकी कार्या-यस्त्री करी के जिसकी स्थानकरी कर करे हैं।



आह रम्भ वर्णद वर्ण अख्याप्रदा अक्षी हो-सिकाविना ने शिक्षिण हेर्या हिए। या विद्यान वर्षानः अवर्गत्व वर्णन मार्ग शाह होना कतिना स्राचा आक्ष्म काश्रीक निर्मा थारमा। या निर्मे वाह दानीय अख्याकि निर्मा निर्मे मिल है।ना याहा, यश्रीक हम। पाग्रहा क्षम श्रीपुष्ट साम अ-देश गरमम नोरहन मरहाम्य केम विद्यानिष्ठ गृत्र निर्माण कारम महाम विश्वकि स्ता शामाम क-विहा मार्ग महाम क्षेत्र है।क। क्षिप्त श्रीक वर्ष देश प्रमाण मारम्य निर्माण मार श्रीकृति वर्ष देश प्रमाण मारम्य निर्माण मार्ग श्रीकृति वर्ष देश प्रमाण मारम्य निर्माण मार्ग वर्षाम गाम्य श्रीकृति वर्ष देश प्रमाण मारम्य निर्माण मारम्य निर्माण मार्गित्व विद्यान मानमा किस्सा श्रीकृत्व।

पः क्रियान करेल ज्याद्वा क्रकांग्रेट कामण्यान् क नरणः लिख करियाद्वा क्रियुक्त काबू दिवी माधक मान स्वालक स्टब्ल क्रियां क्रियुक्त काबू दिवी माधक मान स्वालक स्टब्ल क्रियां क्रियुक्त क्रिय

বেচিনীপুর সন্১৮৬৩। কিন্তুমারি , একাম বশ্যম প্রথাসি জনসা

বংশহিরের ছোট আদানত। মানাজন শ্রীমুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক শ্রহাশর সমীপের।

क्षाम्क्ष्म ह्यांचे ज्ञानामक गःवानिक वर्षे-वात ह्याहमस्य कृष्णाम् स्विधा वर्षाह्य अवद है युक्तम् इस्टोक् कृष्णाम् स्वास्त्र कृष्णा कर्षके वा क्रिकेन

वाजीएक छनिएछएए छात्रा कावित्रांत्र क्या द्वाप वत्र अध्यक्षका कि कि कि नाम व प्रमादन क्षमात्र गर्क एक eक्षे ८६:के क्षांमाक । कर्बाया निक रामाद्दत बक्ति, बन्द स्काविकीम्-श्या विमाणक, मृत्या, अवर असंब्रिक समा ওটা সক্ষাস এই সকল নিয়নোলয় সংখাপিত ছবয়াতে-এএবেলের বে জুরামউণভার **ছট্টরাহে**ত 'छ।शंद मानाह बाज माहे। अवगड्य मानी बर्धा त्रवर्त्वक विष्ठ।ब्रामक करर स्थमरमास श्रामि: क्षित्र कर्पछात्री देकिन अकृतित अभिनादन जिल्ल **ऐन्डॉ लाक मब्दरक कर ग**ाउमादन कामादिका খ্ট্ৰাছে, স্বৰ্গাং বিষ ঝেণীয় লোকের প্রক্রি क्षेत्रकात, समिनात, मांधर व समाजा, सर्च-চারির দৈনিক শক্ত শক্ত অক্যাচার কমিয়া আ-निष्ठाह । नीमक्ष्यक्षेत्र कि मिन्न क्षेत्र गीलाम व्यक्तक दाया शाहेब्राह्य। विकासक, ७ वाक्सा क्रक्रीय अवर मद्यादेश्यतः वाक्ष्मित्वतः अत्यक अ-मात्र अकुष प्रक्रिय व्हेत्रोटह । शूट्य आश्राद्धक कृष अकाव। क्षाकासक मासिय कृषि मान र्शेटक अहे क्रम हिमा एक हैका कर्क कतिया পরিশোধ না করিলে অথবা ফোকানদারের निकार छेडेन। करेता क्या मा निरम चीत्र चीत्र **क्षित्राहरू निकडे क्षित्रांश क्षित्र। क्रिक्क** বিদারের নাথব অভাত উভরের বিকট ক্রিঞ্ किकि अर्ग कतिया लागस्यारम महित्रा हिस्स्म। আৰুলেডে উপহিত চইলে অৰ্থ বায়, শারীত্রিক मण, कार्यत कि कि करिक्ट रे गांग ७ मान, क्रिम क्षांत प्रदेख । यह उत्पाद प्रकारमञ्जा नद-क्षित्र महस्त भीक्षित्र स्टेट्मक आनाहस् अवर्थन-अनेत मानामा आर्थिमा कवित मा, अस क्टब्रेस পর জিজি থাও হইলে নে ভিত্তি ভারি হটুথার मेळारमा हिन मा। क्षम रा माळाट्यू क्षस क कोरमम मार्कारकेत (वासरपात क्षर क्षर का रिक तथा कि विश्वास अवन्यां वक्ष अके अकार कार्य-ৰে ডিকি জাবির মহা ব্যাঘাত জন্মিত, অধ্যানি**ও** २०।२० नदमरद्वत्र क्रिके व्यक्तित सविद्यक आहर म्राज्यात्म । अवस्य आमीरमह काहांकि श्रीतश्चित्र छ तौक्य'र⊊ : कि द्वारे **का**ल्ट क अबे बकल कके अध्यक्षारवर्षे वाहि। अवन घरमक स्मान्या ছৰভৈছে শ্ৰা নালীলের দিন ধ্বড়ে ২০ ছিলেন র মধ্যেই ডিকি ছটর। ত হ। জারি ছারা রছজ होको लापाम कवेमा संबेट कटका वैश्वेद अहम्म क्षात्मह जल्ला वर्षेत्रहरू । किन्न मणावक म-हालन्न । यत्नांकद ६५: हे च बोलांड वाकिविक्क च-कवाल हे कालकी जानामां उत्तान मधानुबद्धाः বিচার হা ডাব্য দেখিরা সেই সকল বিচারের शब क्रकी व्याभरमम् विधि मध्या धारा प्राप्त-नाक (बाब वर्षे:जरह ' मस्कित्यन क्षम अक्टर् ৩ মালের বিভার সাইয়া বাটাডে আছেন, দ্বীছ व कार्रहात जात्र कार्याता क्षेत्र नाहरू सोहाद्यह देशत चारका किइ मिन चर्डीक स्टेश हैकि बढ़ाईक वार्रेक्षा यात्र ३०० व्याक्षका विकासि क्षिया चात्रियाह्य । विनामद्देश कक अध्याह्य লিড় লাম লাছেৰ কাৰ্য্যের বেপোছ কেৰিছা প-माहित्र दे देवा अविकारहर । यो अवीह सम मा-त्स्त्र वे कार्रः, तकाक्ष्म विश्व उद्युव र ंबवर प्रकाशको विवास जामाहिन

CHE FRE faraint, WW TREET क अस्थानकार भाग करनामान का मान मा। किन श्रामा कर करी सामक श्रीका 年13 京河。南江市(江京) देति स्वामा प्राप्ता हो। >- bi we's said the d) bleverer will be पीक मुक्त प्राची प्र THE WART OF SELECTION OF SELECT सार कार करते हैं। स्टाइट स्टिंग्ड, केसरें MAIN 1991 | (4) elfenie Gfant des Call atta m. alia m. 1. পুতৰ পৰিছিত অনুপ্ৰ भूषि भू व लेखा का भाग केनिमाहित्रों के भू THE CAPTURES OF THE PARTY OF TH चारका चर्रका है। तरकर केल मन्त्र भी का नक्षेत्र भारत सारा eten content of any नरक्षक्ष कुमा व्याप THE REAL PROPERTY. COLD TO THE SERVE TO THE PARTY OF THE R. S. LEWIS -वर्गम् अवस्थ मधी को समाविति mility traction CR I FRE THE wast wife of A gold and M. GIRLE CO. TA FREE TO A STATE OF **强力支援,另称对约4**。 Edi Calla Cat. · 对它要持事 幸气对下 · 海市 東京町 | 南(中) গ্ৰেম্প ও : ত ভানা (क्षा । क्षेत्र व्यक्षा का है इस निर्माश्वाद क्षित्रक्षेत्र कार्रिक् । सुब ज्यान लहे > डाका Ast II

WEST W नावा उ क्यां स्थान-** da, 441" Mile for

WIA M

William Will Boind winnelten mie tie मिन क्षाना । हे शह समा-कि कि एक ए करेगाहि। देनि किन्द्र केन लिल्लिक बरवेन। দু অংশিন্য সভা ব্যাপিত লোহ ইয়া ২ ফুৰজন উলিল म महिल्ला भेषा है दिल्ला विश्वा । विश्वति वर्श मह दे हि आहामाड आहे हैं। मन्यम दह है क्रम क्षेत्रा १% नवटव कि श्री र क्षेत्र देशांच्या छनिया क्ष " संख्या निविध नगर " कि " आचीता । हे महावान र्जीक्षके दक्षिण करवस । 'लेका' कथवरे छान

> क्षां बनवन izwiier i ज्ञान जन्मीयर

· 如何 4 (4) THEY HAT PERMITER त्रुव स्मिन् शा-क्छ स्टब निक्र-1 Ste 48-11 8-मारमञ्ज दमके जी-काश्चन नाहे न-Wieter affes 14 "F& 1 18878" ु बेलिन क्षेत्रिः द्रा-कित के ब्राख्यक

सिनीश्ररत धकति विश्वतः विश्वतः विश्वतः विश्वति । रदाय मधाय नटक प्रव राज्ञां वीकाला - विकास-रबार करोग निका और के राजू करावाच बाब चा विश्वक वच्छ महकारत गर्क अथर वहे स्विति-शिएक जालाम कमिने मरणामरवारे विकास दवस । रिशाह विश् नमालकाड ए अमेनिय विकि अहिन कारमूब महाना छ। शामधरणारमम् अर्थना अपर कांकि कुछ प्रव या कुरताना कि में के के बिया आधि करके नामाशकात विश्वहानि कालिका कहिंगा প্রায় থেড বংবর কাল অভিবাহিত করিলেন। श्रम वर्ग वर्षामात्व ज्यान ज्या श्रमाह श्राचान नकार आधानात अहे कार्या अहम स्व मार्थे। जिनि क्या दिल्य जिल्ला मान्याकारण है अने कार्या शतक व्हेंनिक्रिकाम । कातकार्य अहे क्रुल महर राजिएमा निक्दिन व्यक्ति व्यक्तिमा कतिहा पाटका जाकह नाहै। देनि वर्षण अदै व-इर मार्था शत्म प्रेमांत्र मेखां श्रमाण करतम. जनम देशीत अधान व्यासीत विद्या बाह्य एक মারমাথ মাস ইছার উত্তৰ পোৰক কইয়াছিলে-न। गरत क दी रंगद दहेरल, वर्धव विक्रम प्रका-न मधीवा चंडमध्य प्रदेश देशिन महि व्यक्तरपूरे क्षिरीकरक्षाबराय देशें हरू शतिकाशि कतिहा शी-प्रक्रित कवियो मांडिटक छैडिटनम । क्यांबाब मानु একজন ভাতত্ত্তিভালত লোক। একবে ইমি, অক্সভা পেটাকোটে জেল শশু টাকা বেজনে বেজ কেরাণীর পংল নিযুক্ত আছেন। ইনি ইহাঁছের का जिल्ल प्रदेश क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र न दशका क्षेत्र व्या নেকেই ইছাঁর অভ্যাত। ইনি যে, কি অভিনায়ে প্রারন্ডিত কবিলেন, ভাছ। আনর, বলিতে পারি मा। देखि शुर्क्य क्यांत्र कांद्र द्वाकामात्मक कांडिएकन अर्थ नकरमत निकड़े जाका विमान श्विष्ठश्व क्रिक्टिम क्रिक्ट क्ष्यां क्रिक्ट क्ष्यां क्रिक्ट डिजि अपन शांधीय अष्टामार्ट्य मर्था श्रीविष्ट *क्य बच्चोटक* दे निवासिन । क्षेत्राटक्य, जात्र खालामाटक गढ़ गांन मा । गार ं प्रक्रिय मध्यमाद्वास मह्या ्र प्रधा मध्या ८०१ ई १८३३ व ५ त्रभः कोर्वहरूत । स्टब्स् किक प्रकार कतिया मिन्द्रिक किश्याद शकांच कविया बादकन । नश्कां-রাং বিশেষ্ট্র বলিডেড জে বে দিনীপুরের বিধব। বিবাহের সংবাদ আশি অন্তাল্যাক্রীকালেই কর্ত্তবা একার সোধ্যঞ্জাদে প্রকাশ কর। হয়, তেওকালে र्ं व्यानमामि- रेक्ट श्व बाबुद धन अविध्यय मा मानिहादि छोशाव া ইত্তে কা বুবেল প্রশংসা চিবিয়া আপনার সোবঞ্চাপতে অপ-हारे जीक विरक्षत्र है विक करा बकेश केला वार्या केस, अकरन विध-क्षेत्रक, शिक्षाक्षा विशिष्ट शहर क्षेत्रक, क्षाकि, कृष्ट्रेकानि कर्जुक '। जन्मानं बहा-। निव्याक रहेत्। जनत नायुन स्व वर्षे प्रवेखरह त विषय श्री कि दिल्लाना यह मनामा श्रीकृतिन किह महावा करा कावगाक। अकाल कावडा कालबारना कार्यन। कतिरक्षक, व्यवस्थित समय यादारक मोर्च की नी कम्पन अवर समय याद म अभि क्ष्मम । ए क्षम देवार ग्याम बहेवा माहम सरसदन श्र-किरज्ञाहरू । किसे के की कारण कारण कारण विकास कारण कारण निर्धालक प्रकारत, देशहे जामादकत शर्पना । >क्षक्षक । रहाः विक्रमानि

क्लाहिर क्यांचे वाहिमह (गरेननीश्वतः।

आश्रम्मा।

parent could. May be stored one over

· सम्बद्धान नामा ३२ ५७ मान स्टिंग १० अपनात **आ**रा প্রশাসন করা বিষয় কিছিল ক্ষিত্রের ১২৬৯ সালেয়ের মইলো বল বৈশার পরীয়া টাও " TEPRE TIME MINNY. **ऽर्के वार्य हरियक देन आवांत ने वीर्या** OHe' · awatujen cudulfi Maria v 119 ২২ ৬৯ কাম ছাইটত ৭০ পৌৰ পাৰ্যায় * उत्प्रकाश राम क्लिकोड कारणाई करू **३२ ४७ दशीय स्ट्रेट्ड १० टेंबाई शर्वास**ः r. "महस्क्षमाय हत्यीशक्षाम निकासक्ष **३२७७ काम क्षेत्र हरेटल १० व्यापन नोडील** क बाजायन करियान CHICATON IN **३२७३ मोद्धत एडेएक १० व्यापन गर्नाक**

《河南湖南州 河北海 祖 事:日本語

विश्वित विश्वयाः।

चा श्रम गुना मा भोरेटन अक्चरन कि में कोम ८ धारमं करः शरव सः।

देशात कात्रिय जना वार्षित ३० अवेश्वाताः निक es की क'. हर बादमह कारम कुछा करेंगी योग की ।

वीरायां त्रामधकात्मह जना श्रीक विकित शक्तिय केंद्रिक्षा अक अवन , आप आवाद काविक सरमात्र अ प्रशीरकत कि कि में। देशपूर्व करवम ।

यथन विनि संयथन स्टेंट 5 स्मानकान्य क्रमा गाउँ हिर्देश कांश (यन त्विकिति कविता

पूर्वभारत मुरमात काल बाढी ए को ला লা গাঁঠাইতে কেল বেন আসমত বিজয় না

वीवाजिद्यान प्रका निवात नवत अञ्चेक प्रा पहिरा, नक्षक्षक मध्य अञ्चीका कवित्र, अपरम मामधानात्म आकृति कविता जानाव लंब किकि लिखिड़ा कामाम कडेटन, वीन छा-হাতে কোন উত্তর অপব। মূলা মা পাওয়া যায় काशक वस करेटर। मुटलाव मिलिक टिडि विहा-विः गाठीम वर्षेत्व । कनिकाष्टा भरश्र एक:-ब्लाटक चामामिरनाह मादम क्रिकि चार्चरम या वर। भी अ शाहेब।

योगित पद्म मामश्रक म शक्तिलान करित इ वैका क्षेत्रं किंदि लिचिया मा कामाकेटल कांद्रा आक् कतः'यावेटव मा ।

त्मक् त्मामश्रकारण विकाशन किटा केन्द्र। করিলে জাঁকাকে আখন বার প্রতি পংক্তি ১০০ थामा विजीय नाम /> जाना विजीय नाम /-कामा किएक बहेरन। कांकाय शत ३२१० है।का क्षित्रम क्षेत्र (ए इस) वाहेटक।

वक्षारक्ष वीश्वात अवर्ष प्रहेरवर, छीड्। বিগের শাস্ত্র ডাক্সান্তল বিত্তে চইবে।

海運 州景 中国中门对于 对明 河流的 人名约伯里特 CAI stand profitering Calental र्गारेश कार्क द्वारवांत्र कीव्यानक का

प्रवर्त्ततं प्रकृति इताव पार्थियः व स्वती बुतिनहती व हीवतां।

e 3111 56 मरबार । जन १२७२। १२७ काल्खन। हेर १४७०। २ मोर्क व । मार्क

নোমপ্রকাশের অবয়ব রুদ্ধি নংজ্ঞান্ত বিজ্ঞাপন।

আজি অবধি সৌমপ্রকাশের আর এক क्रमा इकि ब्रेन । व्यक्तः शत्र व बाबा बादा-तिक मूना नान कुतिरवन, छोश्रानेशतक शा॰ गाए नाह है को जिए इदेख, बारिक अ-ঝিম মূল্য (১০ টাকা) স্পারিবর্জিড রহিল। সক্ষালের আহ্বলিগকে প্রভন্ত ভাক মার্ল দিতে হট্ৰে। বাৰিক ভাক নাজ্য । । । । । किन्न बोबान्ना पूना अन्तर मध्यान किनि हि **(महेन्री कतिया जिएक, छारादा छाणांत राव** ভারি আনা) বাদ পাইনেন। বাঁহারা স্বত-द्ध काम माञ्ज बिटड जानवर्ष स्ट्रेटवन, सामा-ইবেন, আনাদিধের মংপ্রতার হইলে তাহা-मिगटक माञ्चल मिटल स्ट्रेटन ना

বিজ্ঞাপন।

করিদপুর জিলার অন্তঃপাতী বাটকেষারি মহ্ৰভগুর বাবে বে পত্তৰি ভাতুক আছে, **डाही एव्याङ्गि प्रत्या ज्या विज्ञान करा** ৰাইবে। বাঁছার সেই ভালুক সরপত্তনি লই বার অথবা ক্রম্ম করিবায় ইক্ষা আছে; ডিনি কলিকাভায় জার্ডান দ্বিনর কোম্পানির নিক-ंडे **जारवहन कतिरन गरिएनव इलास स**ंगिर्ड भाविद्यन ।

বিজ্ঞাপন।

রামবাবু, হরু ঠাকুর, খ্লাসু দ্লিংহ, গৌর कविज्ञास, बिज्ञानंत्र देवतानी क्रकटमारन कडीहारी श्रकृष्डि श्राहीन कविन्द्रानामिरशङ्ग

পরিরা স্বতিত করা গিরাছে। পুস্তকের মুল্য ३ जरू होका माजा।

কলিকাতা !

वस्वाजात है है १७ वर वाजे।

विषक्रशांभान हट्डाभाषाम् अवर दकः ।

বিজ্ঞাপন 1

মৃত বহান্তা মণনধোহন ভর্কালভার প্রশী-**ड वानवम्सा बाइ (क्र झार्गाई८७ गाविद्वन** না। কারণ ভদীয় পিতৃত্য 🛩 রামরত্ব ভটাচা-ব্য বহালরকে উজ্জ পুত্তক ডিনি দান করিয়া-ছেন। তৎক্তে আৰৱা তাঁহার পিতৃযোৱ উ-তরাশিকারী বর্তমান আছি। আসরা ভিন ৰাসবদভার দান বিক্রয়ের ব্যাধিকার জন্য কাৰারও নাই। অভএব প্রীযুক্ত বারু রাবদাস দেন মহাশর শিখিল প্রযন্ত্র হউন এই আমা-क्टिश्र अञ्चरहाथ।

कीदांमलान इट्डोशाधांत्र १२७३। ३ काइन 受印刷

200

বিজ্ঞাপন ৷

जाकृत रामिश बद्राव्यतः शास्त्राव्यतः अभिवा ওলাউঠার ডিম্পেশরি একণে ধর্মজনা ধার্মা रात हेखरत गांशकाबात वनकिरमञ्ज विक श-न्धिरम कमाईरहोना हेथि रहेतू ७७ मर बाह्र-তে স্থাপিত হইরাছে। বাহার উবধ কিছা ও-লাউঠ। রোগের চিকিৎসার এরোজন হটুবেক उंक वाणिटक जानात निकंड जाहेरण जनवा ष्टिम प्रेष्टम आनक्षमि भःग्रीष ७ अविकार मार्थाम गार्थिक्र मार्थिक्र मिन्द्रम अविवास अवर अभ मूहना

वेष हिकिश्मा ७ छ। विद्र वरि शाहिएक है।

- কলিকালা সংক্ বিশ অভূতি অধ্যয়ৰ काराविष्टक अविषट त्का ? सामानि वारे ि छेशकिक स्रेज़ादक। किए देशांत्र मीमाद्या अक्षी विद्यम्भी हिं रात अर भटक मुक्ति, सन गरफांत्र, व स्वरत যুক্তি কাহারো প্রা क्ष नेतिए करिए। गरकान्ने नक्नाटक 🚁 त्वदर् मा। नेवन क्र वना कात्र । चाकि काः बण बकारिणका (प्र **ट्रिंग, काश्रंदक अस्त्र**ि र्नेष्म बाक्क स्ट्रेटर, निकड स्ट्रेट्ड्स मा। बात भूर्व कारगरम ভাঁহার কার্যও যুক্তি (करह ।

व्यवम्बर्धम् मरहाः रत, व्यक्तान जान्य

त्रवात्र किंत्र छेठिक वित्वहना इरेब्राट्स मानार रकेने

of specie রবিবারের কালেজ इप्ता वर्धन निष्म बात केलांडिक हरे হার আংখিক রুত্ব **৪ নৃশংস ব্যবহার** बेदबहना कै.। आव দ্রর বেদপাঠ নিবেধ राज बनिया ७९गा , । किस यथन मिर কায়ৰ প্ৰভৃতিকে । कांबिटक मध्या मा । च्टाइ अपं अर्।। ष्ट्रामा**डिए**त्रक करत्रन s नीटि रखेक, आंत्र উত্য খনেই তুলা াবনা। ৰাছা হুউক; । अकृष्टि देर प्रकृष्टी केम, ते व्देशादक, ं स्थित निक्

কেরা উত্তর পশ্চিমা र्शन भटनत यटनव निटिছिल्म । रेक् ्राक, रक्ष दाविष् ्वा ज्याहरू अ भन ছলেন। আমরা নি ্যব্দীয় প্রধান কৌ জি ধ**রমিত সত্য হ**:রিড্ त बाल इर्गाटकन। कम बाह्र ब्रायम विश् ছন; ভাঁছার কার্যেট্র दहा अञ्जव केशिक **अब जान करा। अवर्गरम**

कता दिक्का निष्यं प्रकृति আইন চওয়া উচিত। এদেশের উল্ভির অস্তরার প্রশা ক-রিভে গেলে বছ বিবাহ প্রধান পদ-লাভ कतित मत्मार नार्रे। अहे कूर्निष्ठ अथा नि वक्षन धरमरात्र त्य त्य व्यापकात स्ट्रेस्टर्ड, অনেকে অনেক কার তাহার গণনা করি য়াছেন, তাহা এক প্রকার পুরাতন হইয়া নিরাছে, তবিবাৰ আমাদিনের সূত্র বস্তু वा नाहे। विट्याह घटनात्र भूरचं अहे अघ मः अथात जेना नवार्ग अक वात किया वह ग्र'डिल, किश्व डोर्.८ड कटलामग्र रुग्न नार्डे। সম্প্রতি এনে শীব এক জন প্রধান সমাজ সংকারক পুনরায় এবিষয়ে হস্তক্ষেপ করি য়াছেন এবং ভারতব্যীয় ব্যবস্থাপক সভার অনাত্ত্র সভা এতংসংক্রান্ত এক বিল বাব স্থাপক সভায় উপস্থাপিত করিবেন, অপী কার করিয়াছেন। আমান্দিগের দেশের লো কেরা রাজসহাযভার অংশেকা না করিয়া স্থাং সমাজ দোব সংশোধন করিবেন, স্থা জিও একপ আশার স্বকাশ হয় নাই। রা क विधि बाजा बलभूर्जकरे रेडी निशाक छिष्य एर £वर्डिङ क्रिक्ट स्ट्रेटर । अविषय्त्री चना ष्मना विषदत्रत्र माथि धर्षजञ्ज मर । घट-धर ইহাতে হতকেপ করিয়া সাধারণ প্রজার বি (बय छ। जन रहेवाद मञ्जाबना नारे। यह विवाह निविक क्हेरल (कवल स्व आंगोणिरभव म माङ একটা মহত্তর অপকর্ব হর্তে মুক্ত इन्ट्रिय अक्षा नव, अरनकमश्या इंडड ना রুমনী অসম্ভ হন্ত্রণার হল্ত কইতে পরিত্রাণ পाইবেন সন্দেহ नाई। मिरे यञ्जना अक **গ্রেক্তেল অনেক দিন : বিও ও একজাতীয় নছে। অনেকে এক** कारन चामि मोखाना ७ मश्मात्र सूर्य वक्षिण इत्र। अस्तरक किन्न कोर्बना रहणू আপনাকে ও পিতৃ কুগকে চির করারিত करत १ टाव्हे टाव्हे क्वकश्राशिक्षत स्वा

পিত্যমাতাকে জসংখ্য ক্লেশ ভোগ করিতে र्व । ज्या ज्या मानिरात्र अविस्तुत्र अन्य कतियात छिएम्या धरे, धरे मरण मरण कता। विकात निरंदशक अवजी भारेन कहा। व्यानभाक ।

बच्च विवादहत्र नाम कना विकास विव त्यक ताक रखाका भारतभ स्टेरका मा। नमारकत प्रतिके उ निकर्षकात्रिका भएक ৰহু বিৰাহের ন্যায় ইহায়ও বিলক্ষণ সপ কতা আছে। ইহা কেবল হিছুলাক্স প্রতি विका नव, अरम्भीय जज्ञत्नाकिमिरश्रवेश निड!स विधिष्ठे। उप विषय अधिकार्म लाटकत ७ धटमंत विराह्य प्यारह, छिन्नगट्य হস্তকেপ করিবা বিরাগ ভালন হইবার मञ्जादमा कि 🕝 कमा। विकटींग्रज (म.य-এक खन नरहां व्यथम, शिङामाङा कमारिक चर्भ **ल्लाटक ला स्वत महिरयंत्र माह्य विक**ृत क्टबन, किन्नु मिट्टे विक्रश ए क्छ्यूब युद्धिः সিন্ধ, তাহা আমরা বুলিতে পারিতেছি না। বিতীর, পিতাম'ত র কনার উপরে व्यजू इ चारह यथार्थ वटि किन्द्र मिह आह च वटन जरू शाधीन की ५८क (श्रकाशक বিক্রা করা কিবাপে সম্বত হইতে পারে -याहात्रा कमा विजन्त करत्, जाहानिरशत द রের ৰূপ গুণ ও অর্থ সঙ্গতির বিশ্ব বি (बहुना कता नाहे, शतिशास कन्याव कि मना रुक्टिन, ভाषां ३ कक बात्र विद्वहनः क्रा इत्र मा, या क्षिक छोका निष्ठ शारत সেই বিক্রেডার প্রিয় পাত্র হয়। এবটা अंत्रिक कथारे भारह, कन्मा विज्ञानातिन ক্ষ্যা জানুলে ভাষ্ট্ৰ এক কালুক লাভ क्हेल. क्यांन इस्र।

ক্র্যা বিক্রেকারিরা সচ্যাচর যে সক म वास्तित इस्ट कमा जमर्गन करते. छ। ह त कहे अवणी केनाइब्रथ क्षेत्रणिक इंडेटक एक् अक्षाताहे हेशक अमर्थकादिया 'ति क्षे सर्भ शांक्रकारनद्व स्मन्त्रमा स्टेर्ट । ৰোধ কর এক বাজির ৫ বিখা মাত্র ত্র জ্যোত্তৰ জুক্তি ছিল। নে ভাহা বিজ্ঞায় কমি

मा विवाह समिता । क्षेत्रीत येक विभावनिक क्मका, विका ७ दृषि, अक जुनि विका बाबारे त्य नम्बाद्यत पंतिष्ठत स्केले। ভাহার নিজের উপার্কন ক্ষতা মাই: छ।हाद्र व रेनेकुक मिक वदकितिक अ त्वत्र मश्काम हिन, जाकां व त्वनं। वेश्वम त्म कि करने जानमात्रे ७ नित्रवाद्यत्र थिडि পালন করে > কিবলেই বা ভাহার সভান সম্ভাতির লেখা পড়া হ্র : উহারা বে পরিবী মে পারের গলঞহ হইরা উঠিবে, ভাষিবয়ে मरमाह कि : कलकः अहेंबर्भ स वि ৰাছ নিৰ্বাহ হয়, ভজাত সন্তামগণের প্রার লেখা পড়া হর মা। ভাহারা পৈতৃক সম্পত্তির মধ্যে কেবল পিতার নিংখতা ও মুর্বতার অধিকারী হয়। এতমুলুক নিবিড় भूर्यंडा भारतक शृंश्यक भाषिकात कतिया আছে, দেবিভে পাওরা বায় । এতদারা कि श्रिष्ण इंदेरण्ड मा एव कमा विकार (क्वल क्यांत्र माश्मातिक मूर्पंत्र कफैक मत्र, नमारकत्रथ धक्छी विषम क्फेन चन প হইয়া আছে। যে কন্যা বিক্রীত হয়, সংসার ধর্মে প্রবৃত্ত হইয়া প্রায় তাহাকে অনপ্ত প্রবস্থা ভোগ করিতে হয়, বোধ रुत, व्यानास्य बहारक हेश प्रणीन कति য়াছেন।

কার কন্যাবিকর বার্ডালান্তের এ
কার কননুমোদিত। বার্ডালাত্রের সকলে
কে আম করিয়া জীবিবা আর্জন করিতে
কহে, কিন্তু কন্যা বিক্রমকারিয় তালুল ধী
বিকা আর্জনে প্রয়োজন হয় না। কন্যাই
ভাহাদিশের জীবিকা, কন্যাই ভাহাদিশের
সরল। যে কন্যা বিক্রমের এত দোব, তমি
বারধার্থ রাজ বিধির দারুণ হস্তাবলয়ন কি
আবশাক ময় : উপসংহার স্থলে আময়া
বাবস্থাপকগণকে এই মাত্র অনুরোধ করি
ভেছি, তাহাদিশের কন্যা বিক্রমের অন্যা
ন্য দোলানুসজ্ঞানে প্রয়োজন নাই, তাহার।
কেবল এই বিষয়টা বিবেচনা করুন, পি
ভাষাভার সোক্ত প্রয়ুজির চারতার্থভার

निविश्व क्यात्र पोरक्षीयम मारमात्रिक मूट्थ विगर्कन एत त्कन । कामून क्यात्रमं वामानित्यत्र ममाक मरक्कां क सक्कान क्थात्रत्र कि कुनात नाम बार । वामशा क्षत्रीया कृतिया त्र. हताम, यक विद्यार वि त्यत्र भरत्रहे त्यन क्या विक्रत विस्न वाव वानक मकात्र वादनिक हत्।

> ভারতবর্দের ঐরভিন্ন প্রহন্ত গথ কি ১৮

चांकि बांनि " खात्रकवर्ष खात्रकवर्ष শাসন গ ও " ভারতবর্তের প্রবৃদ্ধি সাধন গ এই ছুটা মনোহর বাধ্য অনুক্ষণ আমাণি-भित्र स्वय भावत स्ट्रिट्स । स्ट्रिट्स वा र्वत वर्त गर्भी व बांता म्भवनी बुत्ररगत नाम धरे वृदे बरनारत व'रक्कात भूनः भूनः छका রণ দারা লোককে মোহিত করিয়া স্বার্থ সাধন করিতেছেন। অধিক কো:ভের বিষয় बरे, छात्रकरार्वत श्रीहृष्टि नाश्रामत केक्ट भर्षत्र वाविक्रत्रत् वन्भ लाक्तक छत्र् শেখা রাইভেছে। ভারতণরের জীর্দ্ধি সাধ-নের প্রকৃত পর্ব কি, ভার্মণরে প্রকৃত হই-তে হবলৈ, অত্যে ভারতবর্ব শব্দের অভি-ধ্যে নির্ণর আবশাক। এমতে ভারতবর্য শব্দে ভারতবর্ষ বাসী লোক বুরাইডেছে। ভারতবর্ষে একণে অনেক্বিধ লোচকর বস্তি হইরাছে, সে সমুদারই ভার্তবর্ষ भरकत्र वाहा गरकह मारे । किस वर्धम 🚉-র্জির অবেবণ করা হইতেছে, তর্বন ভা-शांगिरशत भाषा याशांगिरशत श्रीवृश्वित अ-ম্পতা আছে, তাহারাই এম্বলে ঐ শক্ষের युशा वर्ष । अरेक्टम मुनार्थ अर्व केतिएन व्यक्त हिन्द् उ सूत्रलय: त्यहाई निश्नश्भग्न জীরন্ধির লক্ষ্য হয়, ইউরোপীয় ও আজে রিক প্রভৃতি লক্ষ্য হয় না। কারণ পে-বে'ক ব্যক্তিরা প্রাকৃতি শোভিত হইয়া এ-(॰टल व्यामित्राटक, विटलंगकः क स्मरण को-চাদিনের ভাগ অভি অব্সমাত দুকী বৃদ্ধ। तार व्याप गर्था लाएका ('क् वा के हा-कारत्त्र) निशिष अधिकमश्या स्नारका

कार्य। विश्वहरूका अधिक त्नरे ३৮ त्याक्रिक सहित्वक त्नरे ३० को ७५ मांबारतक स्वाक्र क्या व्हेरकर १

পरिष जेति विकास रहेएवा य बिर्कि वरेहर, क्यों के देश वर्ष विकरतम् वित्रयाम्नि क्षेत्रविक त्मरे विकास कार्या बाह्य विकास वा रेफेरबाजीत हक परिकेशन स्ट्रेटनम् । जाग्रज्येत् वास्ताः जुनात छार इंदेरम जात्रक्यर्स् ्रहेरव, क्या छेडिल ; कुरनालहर्वी मि चरिके हरेल, हाक चार्किक সহত্যে রাজা বাট এফুভির টাইকর ररेट मात्रिम, डा्बाटड अविकास राम (क रहेन) जांत्रज्यक्रिको সহজে উৎকৰ্ব লাভ ক্সিডে পারেন क्षेत्र द्वित विधियक विशिक्ष त्मरे केरिये के शामिरका स्वाध **এই जान क्रिया जाका विक्रिक** क्रका रहेन, खेडरम्हक गाहि अ चिशामी स्ट्रेटनस, स्थापनीय পদচাত করিবার জিলেশে " ক ভারতবর্ণাসর 💌 রব 💆 🕏 🕏 त्र है। इरेट वालिक पहिल्ल नकन एम, दक कियोता अधिक बान् १रेटरम १ श्रीक्रिकार जीमक क्ति अक्ति धेकारी जना बिद्धीय में यत्न दंशके वार्यांनेक स्ट्रेटेन काक **ब्रिइक्ट्रिक्ट्** रहाके जानागड कार्डिकिक व रहें क्षांत्रा कि विश्वितेषत्र ल ज्यान् र निविध मर्बिटमक नहीं कात बाक कतिशा देश्नाटक उन्हों हुन शीकि क्टरल कात्रकरत्व में जीव कि वर्षे र्देत ; उदश्या उथात्र द्वस्थि তদ্বারা কে সমধিক ল্যাভ্রমার अव्हाम चारनाक

'উলিমিজ বিবয়ের কল ভোগ ক্-5 निवार १ क्रिया ब्राविशाद्यत है (क्ष् लीयिक वंद्र गाम्लंदगर्द्य पंत्रक वि ात काम जान निरंदेश करत्रम् आहे वशार्थ हे. किर शहरणहा जबत्सू जित्यं कहा हाटक रेकेटबानीटबर्बा अटक्नीविन्छात्र शका प्रत्यक विषय आधामा मान्य कति इत् । राषिकांत्र वर्ष ७ चार्गत ग्रदा नेत्र ८क्य विवक्षत्र कें हानिटशत्र अटनक वधा । दशः अकेथव कैं। शक्तित्त्रत्र महिष् क्र मिर्मित्र अखिरवानिका स्टेरन अरम य कलाउ। स्थाप इरेप्स न 🗝 🎉 ভত্তির কডকগুলি বিবর কেবল ानी हिन्दिशंत जूरिया केटक्य कतिहाई হুইরা পাকে, তদ্ধারা একেশের স্থানু · যে খৎকিঞ্জিৎ **উপ**কার লাভ হয়,

' य विषय पात्रा क ल्यान्युक्तिहासि बना चाट्स, कडिबर्स मि সাক্ষাৎ সহজ্বে প্রবর্ত্তিত করা, ्र दन्दे विषदत **दे हामिश्रदक मिका** ह रमक्षारे अरम्पन क्रीवृद्धि मा थकु**ण-१थ । धारमरम दानभर**स इहे केंद्र अटमभीरत्रत्रा चारत्रास्यामिक्स ্বিসামান্য কল বিনা মুখ্য কল ভোগে গরী হইতে পারেন নাই; রেলভন্ম एमटम इत्र नारे, से हैं ज्या कल अक्कित ওচালনাদি বিষয়ে তখন যেমন অন ছিলেন, এখনও সেইত্রপ রহিয়া ३>। >२ व्यमत इहेल, अदम्प् व स्रेज़ारक, अभगां क अरमरणंत्र ধলাকৈ ক্রয় খ ন কল প্রস্তুত করি अटक्टनंत्र क्षेत्र कत लाटक भक्छे गट्न ? अहेरिलेंद्र क्य कर लाटक क निधिसीटहर्न ? बटन ७ बटन धमनाथा कारवा बााशृष्ट इहेटच া, তাহাতে আবাদ্ধ হাহার উৎ

् इंडेट्राणीरतता कि अरक्षीत्रकि ने सार एकता नारे, टाकुक चनुरगार क्ष । चारम् । এरमभीरम्मा उत्तर कारण नमर्व हरे दिन ना विनिधारे चरनरक निकास क्रिया हो খিয়াছেন। বাহারবুদ্ধি আছে; ভাষাকে শি थाहेरल भिविष्ठ शास्त्र मा, अ किस्तर स्था ? निका ও काल ना कतिरम कि क्षेत्र काश त तृषि बार्कना, भरीत शाष्ट्रिय, बार्ग ए वल वीवार्ग कित वृश्वि क्ता? ताल शाफ्ति कल ७ ७५ १ कर्न हेश्यर अञ्चल इत्र, जांत्र এখানে প্রস্তুত হইতে পারে না, ইহা রুকি রা লওরা সহজ নহৈ। চেন্টার অসাধা कान् कर्य चारह ? अरदरन एक नारे विलिया मञ्जात विवटतब्रहे व्यमक्रि । वा শালিরা যে ুযে কারিক্রিরা করিতে পারেন, সাঁওতালের। কি তাহু। করিতে সমর্থ ? কা कांक्टिशंत रम ज्यानार्थात्र कांत्रथं कि व ভাহাদিদের শিক্ষা ও চেন্টা নাই। এদে শে জুলা জন্মিতেছে, কিন্তু লে জুলা ইংল ধ্যে পিরা হ্ত ও বত্ত হ্ইয়া আসিডেছে, भणात्राट≠त काराक खाङ्ग लाग्निटकटर ; এ দেশীরেরা কেবল মজুরী করিরা ভাহার উৎপাদন করিভেছেন মাত্র, সেই জুলার প্রস্তুত করভোগী হইতে পারিভেছেন না। **अरमर्ट्स कुना क**,चेवा हेश्नर किया (भन, काशांटक आरमत्मात कि जीवृत्ति शरे म ? अरमनी गणिरभन्न मजूनी मान, देशहे कि आंच-रिन अविक् । आतम्बीरसदा कि জুলা পরিষ্ঠার করিবার ও বস্ত্র এছত ক রিবার কল করিছে শিক্ষা করিরাছেন ১ रेर्होत्रा कि त्ररे कल बाता वज्र अक्षक क्रिक्टिइन । अरमध्य तारे क्ल क्षेत्रक क्रिक्स अवः देशेनिशक (महे क्स क्रिक्स क्रिएड निशारेल कि अएएलम् महीम्मी विवृद्धि वरेक मा

আমরা উপরে উদাহর গ্রহণ কেবল करमकी विषयम अञ्च कविमान, अरब ह महरक व्यालमा भवा। भविष्या भीविश्वतक कारक कारक कविष्य कविष्य विष्या क्रियोज क्रिके विषय क्रांटि, हेर्हां हो शांदर त्रदे अनि चत्रः ७ चरुष्क मान्तिमन अहि

क जनमें मा एरेटबर्क, छावर व जाएनंत्र ज म.क अनुवि लाख जदातमा मारे । शवर्यम ঞ্জের বে তত্তবিষয়ে শিক্ষাদান ও 🗪 সাহ পানের ভার, সেকথা বুলা বাছলা। পিডাই **भूका वेटनंद्र निकामान कांद्र अहन कटद्रन ।** त निज बार में खेठ इस, किसि स्थम भूबाक ककान एव ७ ब्रंहरक् भन्न द्राविता निर्व करेएक शास्त्रम् मा । भागाविद्यत अवर्रदमके यनि अस्त स्टेट्डन, जात्र शटन नीटब्रज्ञां निका तमकः इरेएक्न, जामब्रा ত হাৰিগতে উদ্ভেজনা ক্রিডার না। ব্রি টিস গ্ৰণ্যেত্ট এ দেশের শিক্ষা, রক্ষা প্র ভূতি যাৰতীয় বিষয়েয়ই ভারএহণ করিয়া ছেন। এখন সেই গুলীত ভারোচিত কার্যা मा क्रिल छार'पिशक कर्जरवाद मामनू তান জনাশগ্ৰত্যবায় তাগী হইতে হইবে।

> এল, এল, উপাধিধারিরা প্রধানতব বিচারালয়ে ওকালডী করিছে शांदिदम कि मा ?

সম্প্রতি সর বার্ণেস পিকক এই প্রশ্ন-টী উপাপিত করিয়াছেন, যে সকল ছাত্র विषविगालय स्ट्रेट वि. अल, जबर जल, এস উপ।ধি প্রাপ্ত হইয়া ওকালতি করিতে আনিক্লেছেন তাহাদিগের উভয় জেন,কে একৰিধ হ'ব ও ক্ষমত। দিয়া প্ৰধানতম বিচা রালয়ে ওকালতী করিতে শেওয়া উচিত कि मा । धरे अञ्च छेशलक क, ब्रिश करनक वि, अल, नमवावनात्री अल, अल, खेलाधि थादिणिरगद्ग विद्वरक हिश्कांत्र व्यात्रस कति স্থাহেন । ভাছারা বলেন ভাছরা এপনে वि, अ, উপাधि थाश प्रदेश भारेत्वत পदीका मिहा वि, अल, डेमाबि बाख इस, किंद्ध अल, अत्लद्भां त्करम अल, अ, भर्द्री का विश्रा वावच्। क्यात्रम क्ट्रम । भर्तीकांत मध्र ७ मन्नाम भएर। वि, धलनिए गंद्र अ ि विवरम अमुकारमञ्ज चरकिक सम्बद लहेरण হয়, পক্ষান্তরে এল, এলৈয়া ফুডীয়াংশ आध इंदरमूरे अभरमा शक शारेमा शारक

न । अधिरकं अर्थ रेक्स्फेने विश्व कंमाश्टन रेवलक्षमा मारे। चक्रवर त्मेरे कलाश्त्म दिशक्त एखरा केरिक ।

এই সকল বা ক্রির স্বার্থপরতা আলা गिरभन्न किंग्र विज्ञान केरणामन केन्निशाहर यथार्थ बटडे, किछ आमता छाशामिर्दशत थ দৰ্শিত সুন্তিকে অসমত ৰ লয়া বীকার क्रिक शाहित्वहिया। शहीका व्यस्त वर्षन दिलक्षण लिक्क इरेटक्टर, कर्पन कलांश्टम देवलका इखताख छेडिक मटकर कि । शुक्रकांत्र श्रंक देखंत वित्नव मा बांकि লে লোকে সচরাচর অধিকতর আম খীকা त्त्र केन्द्र थ इरेटर रून : क्लकः दि, अन ७ धल, धल, डेटर नद्र ऋषं ७ अधिकां द्र विवरत दिलक्षणा थाका अनम् छ नम् । किस अलक्षण निक्ष कृष्टक वर्षण्डम ना। शाहेकश्य कि দিপের এখনতম বিচারালয়ে ওকালতী कत्रियात अथ त्र'रथत ए किया व्हेरकरह. আসরা ভাহার অনুযোগন করিতে পারিতে ছি না। এল, এলেরা যদি প্রধানতম অ मालका निश्नानुक्त चकर्खवा नाधन क बिट्ट शाद्वम, छाँशामिश्रीक विक्रिक करा। কি বাংশ ন্যায়ানুগত হইতে পারে ? বি. এলদিগের সম্মানমার্থ শ্রেণী ভেদ করি लाई इंटेंट्ड भारत ।

এস্থানে স্থামরা এল, এলদিগকে এক টা পরামর্শ দিভেছি, ভাঁহারা ভাহার অনু রণ করুম। ভাঁছারা মকবল আগলতে क्रेन, क्थान है।इ:किरगत श्रीकिं। लाख कारत विलक्षन अर्थ माछ इटेरव मत्म াই। তথায় অজ্ঞ অথবা সম্পত্ত উকী नरभव्हे धकाविभन्छ। धन धरलवा छ ! स छेशिंच्छ हरेटल (जुका ७ जन्मक खेकीरलवा) विध्यः भन्न आश्रमामिरणंत ता জন্বকৈ ছির পদ রাখিতে পারিবেন না. , তিনি তাহা বিজীত হইবার অনতিপু मुताक लाएक थाकाश्रापत महाय मण्डक ल्या विद्धारी हरेद मत्मक गरी। भग यम जानालक अकरलव्रक किक्टि आरल क लाख इंहेटव ।

পতিত ভূমি, বিজয় সংজ্ঞাত

३८ रे कामुक्षरमञ्ज्ञ चानुक्रवर्गीत नात्रणा পুৰু সভার হারিংটন সাহেব পাতিত ভূমি বিজয় সংকাশ্ব বিল উপস্থিত করিয়াত্রি ल्ला ।- पेश चविनदः विधिवक्क क्रेग्री (र । পण्डि पृति विकोक स्रेगा वस्पूर्ग ভূষি পরিভৃত ও তথার নানাবিধ শ্সা ও **हा अकृष्टि केश्यन इत, अवर्गस्मात्केन अवे** নিভাত অভিনাব। ভিজারা ভারতবর্ষে मण्ल रहेबात मणूर्व मखावना चारह। কিছ প্রণালীর ছোবে গর্গমেন্টের সেই छेरक्रक मरनावर मकल क्रेवाव वाक्किम ঘটিতেছে। লোকে ভদ্মিমন্ত ভাঁহাদিগের मर्न क्रिएडरइन, चामब्रा अहे क्था बलि **छ है य परनरमंत्र प**श्चिकाश्य कृति वन পূর্ণ থাকুক ? না, আযাদিখের সে ইচ্ছা नत्र । भागवारे नमूनत भूमि नर्द, अना জাভিকে বিশেষতঃ ইউরোপীয়দিগকে এ (मटन क्रवि कार्य) क्रिक्ट निव मा हैशंख चामना এक पिरमत जमा मरम कति मा। इंडेटब्राजीटब्रद्वा चास्य, क्रवकत्तिशत्क छेरक् ইকুপে কুণি কার্য্য প্রভৃতির শিক্ষা প্রদান ক্তুন এবং সাকাৎ সহত্তে হউক আর পরস্পারা সম্বন্ধে হউক দেশের ধন ও সৌ ভাগা বৃদ্ধি করুন এইছা কোন্ ভারতবর্ষী (वर मा इहेर्द > अञ्चल आमानिश्वत क वल ब इबा धरे, अरक्नीव्यक्तित छेनरत তক্তনা অত্যাচার না হয়, এবং গ্রণ্মেন্ট नित्क व्यविष्ठांव ना करत्रन।

कातिक्रिन जार रवत विस्तत वर्ष क्रे. প্তিত ভূমির উপর কাহার বস্ব বাকিলে र्ख क्रमांव कारमकेरवत निकटि काना हेरवन । काट्सहेत्र तम विवरसम मीख (मधाति) विहात ७ निकाकि कतिर्देश । अधी यपि छाइ:एक अमुद्ध इन, कार्छ। इ हिल के जायानक जाभीन क्रिक भा

तित्वम । जे विश्वाता का म्याहि 'डि तारे भागीसाम सार्व भाग **PC43 *********************** राहा यकि हमान निकास के काल त्यंथ र तथा, ज्यमानकामिकार जालटबर् वस बादक न्यून अदि जन्म स्टेटन यनि तसर् देश कारण करमन, काम के काम टब्बरीयान निकं ७ कीशात किए के श्वासी ত্য, তথাপি ভিকি বিজীপায় কৈছে ं इरेटवत मा : शक्रांटन केवरिय अविश्वास ভাহার দুল্য প্রদান কা । পাইনে কিন্তু

त्य त्य कांत्रस्य मह है - विद्वार्थिक কানিভের পতিত ভূমি হব ভারু জ शतिवर्ष करवन, कदरश विशिष्ठ अश वक्री व्यथान । के उन मध्य निहाल मा चना चना नष्णित नाता है। ने ने चन बाइ कामानि कारेटम अवस्ति क कर्खवा । शाहिश्हेम माटः विषय जिल्ला है बाजा अवर्गस्यके बामका प्रदान विवस्ताका या के विशे किया किया किया के कार्य शास्त्र भूत्रथम विभिर्दशंत्र विकासिक हत्। विश क्षिण कृतिरमन्दिक्ष क्षिण्य कोशं व्हेटक विकित्त हम, क्षेत्रात्मका है। त्र अधिनंत करकेत्र क्रेंट्न संय न्द्रं क्ये - द गांशत वं नक्शक्ति संग्रहिकिक यह जारह, ता कोश बहर ने क করিলেও যদি ভাষাতে আঁহার অধি না দেওয়া হয়. সেঁটা কি ভাহার অ,ধ करकेंद्र स्टेरव मा? काश कि युक्ति काक्रव वावशंत्र मत्र ? नर्बरम्यन कि हा कई नियम हरेशा चानित्व्हर, चार्कर बाइ। इ च्यु श्रमान हरेतन (म बक्क कैं। क् वानाई निष्ठ इहेर्द, उद्यानि किह लख्ता चात ना लख्य काहात्रहेक কোন দেশের কোন বাবস্থাপ কই সহয অনাগ্যেশিকভাগের এমাণ্য সঞ্জাপর त्रन मारे। छात्रक्रवी व श्रवर्गामने भाग ব্যবস্থাপক সভা ইক্ষামত এতৎপ্রিবংশ

कंगरत किन सर । क्रवाबूटक वाक्षक कू तिनिक स्वेदन् । है। एक्क्कानात्व जनन गर्भा बीमारका का वरेका पुष्टिक कि नित्र'। वाचेवा अक्रम् स्माह्म सम्बद्धिः वि शहर गृहित्वन । सुन्तवस्था सम्मे सह सैन टकर जानकि के का अकारतक अन के मानविकारक जिल्हानिक है में वैद्येयक्त महस्राती सामीन करि _{मंख} है व स्थान भूनकतीय क्रिक्त, उपन _{কলত} কেবল' জ্বান-মন্ত্রিণ ভোমার ভা নিক •বেন ়া ়া কিছ আমি ভোষা क्रमान केष्ट्र । व्यक्तित क्रमान गरक्ष क विकास जागान जा वर्षे वहित्र "वनकारी बलिया है। ही विभिन्नाति क ? स्वयंत्रांनी जाना 'র পতিতা ১ম করিবেন ত ? তাহা त अवज्ञा वर्गरम्भे कि यूजिएक न वर्षका देखा निविद्य

ताथ क्षेत्र स- व्यवस কর করিলেঃ সাধারণ লোকের कतिश काहा । भवर्षस्मरुकेत शत्क ाराज्ञभन्न यकि। अञ्चल रेकां ७ तिरंबह তাহা হইলে ঐপর্থ অধিকারির এমা । সভ্য কথা; ক্লিভার অসম্ভোর ভারে त कित्रकाश्रामा महेता चाथीनका. .दार्छ - ा नरम, अवंश यिनि अ ष्पांचरम भरतत स्मृति कात्र कहिन्। মূলধন বিনিযোগ ও পরিশ্রম पु काँहाद मिर दिनिसाकिक ু % পরিজ্ঞানের পুরক্ষার লইয়া দ্যোগ সহজ > জেডা যদি এ অসু সহ করিছে না চাহেন, তাহা হইলে हि म्मिक्किस कतिबात शूर्स्व विद्रम া ধনা কর্ত্তন্য এতাবিত ভূমির মণিরৌ আছেন কিনা? ভাঁছার ध्यक्त इर्रात कि वर्षार्थ अधिकाद्री इ'बरे कवि इस, देशदे आमहः

नत्र स्वतिका कार्यनात्वीह, किस बासंत्र जम, वचन्यन क्तिर्यम् ग्रह्मकाकाचा अक्साकः विवास माजा वार्यास कि अक्या कामना वर कुरुम सुनिमान ।

> এই বিলের প্রতি আমাদিপের আর अक विरमंत्र कागिक कार्यक की जिल्ला के चानानित्रात्र विष्ठात्राज्ञतात्रते चर्चम् छेखन रक्षनाई । माजिएकुँ है कार्टिनेक्ट्रे अर्कृतिक चटनक नमरम शक्तिगां आहेर्जीं उ जा कि देवत ध्यतिक इरेशा काँगा करते का म लानिटनर्त्र ७ क्योर्ट मार्ट । क्वींनी वात्र क्विं ल अक बांखि अमीब्राटम अक्टर्सिव माटम ভিক্ৰী লইতে পারেন, অৰচ প্রভাৰী ডি জীজারির পূর্বে ভাহার বিস্থ বিসর্গও জা निएक शास्त्रम मा। अक्ष म्हान श्रीशस्त লোকের সম্পত্তি বিক্রয় হওয়া অসম্ভাবিত नद्र। वित्नवकः चद्रिक्षं, वित्नभवात्री, जी লোক ও অপ্ৰাপ্তৰয়ক্ষিগকে নিঃসংশয় সর্বথান্ত হইতে হইবে। অপর, স্বত্তাসত্ত্বের ৰোকদ্যার বিচার ভার কালেইরদির্গের হতে দেওয়া অভাত অন্যায়। এভাচুশ মো ক্ষমা কেওরানী আদালতেরই অধিকার। मिथतानी भागामण वाजिएतरक समाव अविषि । आकंत्रमात्रं यवीर्ष ७ सूक्त विठात वहेवात्र निद्धावना नाहे।

खात्रजनकी स अवर्गामक अकृत्व अकिन य जनात क.तरक इलिएनन । क्का के विल রহিত হইবার পার অবধি তাঁছারা নানা কৌশলে ইউরোপীয়দিগের সহায়ভা কায়ে \ अबुख रहेशारहम, कर्य काहाता अकरम শীঃদিগের প্রতি অবিচার করিতেও ভীড ও সন্ধুচিত নহেন ৷ তাহার এই পক্ষপাত এভাবে ৰোজ্ত হইরাই বারহার ইংল खीम भवर्गत्मर नेव माळा मध्यन করিতেত্ব। সাহা হউক ভাঁহারা কি रेराट कुरुकारा रहेट शांत्रियन ? हैं लखीश भवर्गत्मके कि कें शिक्तभन्न कुछ आहे । দণ্ডভাগ করিবেন । বাহার এম । দক্ষপাত মুখিত বাবস্থায় স্নুলোগন করি ः क्ली के विस्तान गाप कि देशन हत

बचा स्कूटर ना ? मधा याधक, नव हात्रशन बेड कि उपत्रन।

কৰিকাভা ওয়াৰ্ভ ়

সমাচার পত্রে দৃত দুইল কলিকাজ ওয়াত সু অঞাপ্ত বাংহার রাজকুলাই দিলে त्र ज्यावशाय सना ६ सन, सदेवस्थिक स ब्रियामक निवृक्त हरेत्र. हरून । ७ ८ १ । त्रमानाथ ठे:कुत ७ स्ट्यसङ्ख्य सार्वाह्य ध्रमनीत्र, चाह ७ जन रेजेरहानीत्र । चा मता चारतक किन चन्धि अग्राटर्ज हुनी म अवन क्रिफिष्, जातक म ह थ कक कारमकेत अकृषि भई द्वारन प्रशास व प्रकृतिशटक ध्येत्र कतिएक क्रिक् हरे রাছেন ৷ তাঁহাদিদের অনিভা নিছারণ मत्र । यात्रा रखेक श्रदर्गतमन्त्रे एव छज्ञान ধায়ক নিয়োগ করিভেছেন, ইহাতে আ मता অভিশয় आमिक्क हहेलाम । उस् वधायरकत्रा वालकपिरगत्र छतिल भिकात क्रकि किक्षिट विस्था पृथ्वि ताथिएका। छ। हानिरशङ्ग छत्रिदशङ्ग छन मारवङ्ग छ পর অনেক এলেশের শুভাগুড নির্ভন্ন कतिरहर । अधन क धरे क्य अक्षी জনরৰ উ.ঠিয়াছে, জহাপ্ত বয়ক রাজকু মারেরা ওরাতে কেবল জাবকারির 💐 ছি শিকা করিতে আইনেন। আমাদি গের দেশের জনীদার ও রাজকুষারের: यकि जनवर्ष ७ जिन्द्रगकातित माहि हेलि ग्र त्नवा ७ जालस्मात इस्य मध्य मध्य मा कत्रिया क्रफनिया ७ नक्तिया इहेन चारणात्र अधि चकर्चवा माधन करतनः क्रिकृषि कि थांचाछिक मझनकित्रगावसी मोधवाकित नाव कावकरार्वत थकि गृ হের হারশোভা সম্পাদন করিছে কি मीर्चकान छमात्रीय थाकिए।

वानानिविद्यात व्यथिककत पृत्रकात रदेवांत छेशांत्र कि ? केशिकेनक। जानस्मात्र अक क्षेत्रांम काङ्ग्यः। रीश बंद मा प्रति मिला कराव केवावनाजी, कारीय कामानियां स्थान स्टेशक गांदा मा । कि इकेटबार्यः विक्रमानियाः विक माहबहिका, श्राचित्र ह्यू कुर्दून व्यवसीन काष्ट्रि अववदशा-त्र क्या क्षेत्र स्थापिक स्थाप्त स्थाप्त स्थापति स्थापति स्थापति स्थापति स्थापति स्थापति स्थापति स्थापति स्थापति वत । हर प्रोहेर स्पीराहीन काछित्र गाम, फ थात्र आयोग्ध अ विक्रमागडातित अञ्चलक व्यवस्था मृष्टिनंत्र अधिक ग्रेश बारक । देश्वा व क वनक्षीवानिकित्रेत्र व्यक्ति इंडिटकन क तिरम लाक्ष्मेन जानाबिहम्म बाटकान छा २ वर्ग रवार्थ अवर्षे क्षेट्रवट जरलेक माने भ*े*ड श्रीलिक रमत त्यीक् अमियाार्छ, अपेर क्रीयामिरमत व्यवाञ्चाल विश्वताष्ट् (५) ' वालीनिविदगत বার্গ্রনভা ও ওকুলক আসন্পরতাই বহুকালাব্দি প্রাস্থিত আছে। আর্যাইনিদের এ কলভের কি দুরী চুত চইবার উপায় নাই > आद्याः भूडिक्य प्रया त्वाबन, सिवनिष्ठकृत्न ব্যারাম ক্রিয়ার অহ্নতান কাব্যে সভত অভি-निर्वण अवरे केंब्रफ विवादन नका कतिया छर नाथम क्रही, धेइस्किंह त्नई उंशांत । बीवाता नीज अवान अरहरन वांग करत्रन, जीशांकिरशङ्ग গ্ৰায় বভাৰতঃ এই গুলি বইয়া বাকে, আ भाषिगदक द्राडी गाँदेवा धादै छनि कविएछ र-हेदब ।

এতাকেনীয় এক ব্যক্তি কণ্ডল নিয়াছি-লেন, তিনি বলেন, ত্ৰুবার অবন্ধিতি কালে বে পরিয়াণে পরিজন করিছে পারিতেন, ক-লিকাতার প্রত্যাগনন করিয়া তাহার অর্কেক পরিজম করিতে পারিতেহেন না। আর এক বাজি উন্তর পশ্চিম প্রকেশ হটতে লিখিয়া ছিলেন যে কলিকাতার অপেকা তথার উং রাজেরা বিপ্তপ, ও ব্রিশুপ আনক পরিজন স্ব

(১) এত রণরত্ব ছাই স্পিকিত ব্যক্তি ল-তনে উপনীত হাইর। ইংরাজনিগের আমার্ রাণ ফর্লন করিয়া বিক্ষরাপন হাইরাছিলেন। তাহার। বলেন ইংরাজেরা বালালিদিগের ন্যার্থণা গুপাছিতে কাল হরণ করিতে নিভান্ত পরার্থণ। প্রতি নিয়ত ভাহারা কোন নাকেনে কার্বো নিযুক্ত পাডে। অর্থোপাজান বিষরে ভাহারিধের মৃত আম্পানী, বোধ হর, জার কোন লাজি প্রিবীতে নাই।

যান্টভয় শন্তিৰ এনেলে অধ্যিকত্ব আৰুণঞ্জি सक्तिरात्र साहत हिन्। दृष्टिन्छ ज्ञान कासन क निवृतिक व्यापानाचित्र अञ्चलक निवस्त वर्ता विकारे कारांत्र कारन । देश्याम, क्यांनी स्नि इ, गाउँवि, विच, अकृष्टि काश्वितः कि कास्रत একাছণ বলিও ও চুচ্চার হয় ? ভাহারা শাঁত প্ৰথাৰ ছাবে বাৰ কৰে, ইহাই কি এক যাত্র কারণ ৷ উরিখিত পুত্তিশন্ন এব্য জোক্তম ও ব্যাহাবারিত্র কি কারণভা কাই ? দীতে এগাস व्यक्तमवानिक्ष विक वाक्रांकिकिरशस महास व নার ও অপ পরিমিট হয়ে ভোল্লব ও বি क्रिय ७ नितीर रहेवां कान इतन करता. कांदा-त्र। कि उत्तरव निक्तींका ७ इसीम क्षेत्र। तास न्यू ? তাহাদিগের বংশে কি আর ভারাচিগের ন্যার नवन ७ एडकान लाक जरन १ छ।शोतिरशन বংশ্যনোক্ষিগকে কি ক্ৰান্তে আছু ভঞ্চাতীয় विक्रा काथ श्रेटव । भीक कारकरभन्न ला ক্ষো আহারাদির ব্যক্তিক্রৰ স্বরিলে বন্ধি তা-सर्विद्रशंत्र नगरीना नांस्न ७ व्यवद्रवाहित्र यह-তিক্ৰম মটে; ভবে বন্ধৰেশ বাসিরা আহায় **७ राज्ञांनातिक छेरकर्व जावल कब्रिट्स, के जावल** विरुद्धि वेश्वर्य नाथिक ना स्ट्रेस्ट (कन) आवज्ञा नगरम् छेणाम् चनग्यम्बद्धाः श्राह्म स्त्रिहरूहि, খাত্যাকর উপারাংলগদের প্রান্ত করিভেছি ন। পরিভূত ছানে বাস করিলে ও নিয়মিত ৰূপে আহার, পান ও পরিকাম করিলে শরীর लूफ रद रहते, किन्छ दलिने रह में। अस बाह्यि কলিকাভান্ন সৰিকৰ্বে কোন উল্যানে বাস ক-রিরা নির্বিতন্তে আহার পান ও পরিক্ষম করিলে স্বাস্থ্য কাত করিছে পারেন, কিছ ভিনি যদি পৃষ্টিকর ও অধিক পরিবিভ বাব্য (खाक्य ७ वाधानानि मा करतम, डीराइ म. त्रीत कथन विशेष्ठ शहरन मा । किन्न त्राहे नान्ति विक्र अन्य को विवर्धित स्थान बरमात्रव चाहन निया बात करतन, कैशिय महीत दन क्यान गुष स्टेटर अवाग बटर, यनिष्ठं स्टेशा छेडिटर । अञ्चलकोत्र व्यवस्था वास्त्रि मधन वा छेखत्र পশ্চিদ প্রেচেশের কোন ছালে ক্রিছুকাল বাদ করিপ্লা করিকাভায় প্রজ্যাগনন করেন, প্রস্কা हत डीब्रिश्तर महीप्र ऋष डो ● विविद्ध वहें क्रेक्ट्र सर्व सूचिक कृष्टे रहा। अवश्रिष देशन-কণ্য কারণের অনুস্থানে প্রয়ম্ব মইলে উদ্ভি

LAG WARE THE SAME **北京山東道:「京都」 4** क्रमात महाविक केंद्रवाल क्रि वाधिक शहितिक क्षेत्र हिंदा श्रु केरहे। क्विक अ পাৰিপাক স্বাক্তিকে পাৰ্য म रहा. कारोह गरका है पन नवान गार्म बहु विनिष्ठं महिलाई स्थान प्रक्रिया म नार किन केकार में किए। अरमा नरावणा सहस्र हत्। मुह इत सा । निरदात्री मा व अन्त निर्मा मात हरेगान् ,गण्याने ह. १३ जुलान्तरे त्मक त्मान त्मान भागी हैन विकास बर्ग जनन (है) मा झब, क वका क्षिएक समर्थ हमा

नाव जानवा मान जान नृतिवाहन नोव जनावानव नाता हिंद्रेश शामि दर गामि नगरनाम, नार स बारन दश एएए क स्वरंवत मोन ना नगरन क गामिन डेक संकारत ने श्रीकृत क्रि त्रांक पूर्वन नहीं तो जार से जानिक्य कार शामिरक नारत । कि. के

चेशात त क्य का नंक क्षेत्रः व्यक्तिक व

⁽২) এতকেশীর মোট বাহক, আরু বাহ-কালির এত ভূমিপাত করিয় বিবেচনা করি-কে আমালিগের বাকা সংযয়ণ বইবের

मा किः जीन मा" व माखिकानित छैनात

वि चतियारवं ' भौषावित्रात भातीतिक

र दे भीभका र विकंत स्टब्स, खबिनदर ়ৈ পারী ু বিধানবিংপভিডেরাও ্নিকাত ক্ষাটেছন। এডাবিনরে সং ध्यम् म दक । सीध मारस्य याचा बरमन নার ভাগ মিত্রে সভলিত হইল। रनंग^{े व} बंझें 🖟 स्व *स्व स्वरा*भ योग करत ই দেশের বঁ গ বারু মৃত্তিকালির ভার-তু ৰাহ্ল্য 🌣 রুষালে ভাষার শারীরি-ানসিক শা^{নি} ম ইভার বিশেষ হয়। ও, নাশনা প্রভৃতি দেশে অভ্যৱ াডা 🌞 প্রা ৰংসর হর বাস প্রার শির অভাগ বিবন্ধন ভারজেশবাসিরা र प्रकृति 'दनदशमी विनिद्धे **दत्र**। शांति व्याप्त में काला मोक्सन दल्लावी-আবার বিলক্ষণ স্বলকার ও যাবসিক বিশিষ্ট হয়। ৪৫ ৩ ৬৩ ডিকৌ রেখার মধ্যে স্থাপিত ক্লেবাসিরা ইথা-াণ, তাহারাই পৃথিবীত সকল আডি का इक्ष्मात क क्रिक मध्य स्तिद्व मध्य-वि गरेन स्मान गर्नमा अपू शक्तिवर्जन তল্পেশ্বসিদিদেরও ভৌতিক ও স্বাম ৰ বেশ্ব বিলক্ষণ প্ৰান্ত্ৰীৰ হয়। যথা- ডে-· সুইভেন, ই^{ন্}লেও ও তৎস্তিহিত হী-व । ए क्लाननां खें नाटस्य चाटवा यटलव [।]) इन कृषि व्यक्तके आश्रिक 'संजीवित निकडेव', मिट नकन दान ता'विनक्तम मृक्षकात्र बहेन्ना बाटक । छा-राष्ट्राम'लि कल काहर्या विशवन ब्राप्त खेवर ও বিঃ ছবিছ হোটেন্য অংশক্

व्यक्तिका ने विश्वति । इसे । काराविद्यतः विकारकर् विश्वकतः महानकार् क अर्थ विकारकर् विश्वकतः । इसे ।

'এডবার। তার প্রকাশি বিনিও লেখে
বাস করিলে লোকের ক্তাবভাই প্রিকর হব।
ক্তাবভাই বার বিনির্ব লেখে
কাল করিলে লোকের ক্তাবভাই প্রিকর হব।
ক্তান কর বিনরাই ভাষারা ক্তাবভাই (৩)
আত্যানিক বলোপার্ক্রনে হারভ হয়। ভাষাদিনের বেদী ক্তাবভাই হয়, আমানিককে
ভাষা চেক্টা করিলা করিছে হইবে। কিন্ত কি
বলে সে চেক্টা করিছে হইবে, আমরা আগাবি বারে পাঠকগণের গোচর করিব।

মূতন পুত্তক ও প,ত্রকা।

করেক সপ্তাহ হইল, করেক খানি ইভন পুত্তক ও পাত্রিকা আনানিব্যার হস্তপত হই রাছে। অবকাশ বিরুহে অন্তরা কেবল ধে প্রস্থান ও পাত্রিকা প্রপর্মকারি বিগতে ও লি মনোরখ করিছে অসবর্ব হইরাছি এরপান্তহ, আপ্রায়াও অকর্ত্তব্য সাধন করিরা তাঁহানিব্যের নিকটে খিণ মুক্তা হইকে পারি নাই। অন্য বিস্তুৎ পরিবাণে খণ লোগে প্রহন্ত হইনান।

১। দীভার অংশবন । পদাধর এর । চাকা
বালাল বাজার রাঞ্চ জুলের পণ্ডিত জীনদন
বোহন নিত্র প্রনিত। ইহা চাকা স্থান ব্যত্ত
দুরিত হইরা প্রচারিত হইরাছে । ইহাতে রানের বিরহ ও বিলাপ বর্ণিত চুর্ত হইল । জা
বরা করেক স্থান জানন্দ সহকারে পাঠ করি
চাম । রচনা সম্পূর্ণবাপে নির্দ্ধোব হর দাই ব
েই, কিন্তু ললিত হইরাছে । প্রস্কারের কাব্য
রচনা শক্তি আছে, তাহা স্পর্ত বৌধ হইল ।
করেকটা ক্রিতা উদ্ধৃত হইটেছে, পাঠকর্পাণ ক্রম্প্রী ক্রিকা সম্বর্গার পরীকা করন
উদ্ধৃত ক্রিভাহে, পাঠ-

ক্ষি রাখ উর্জে ইবলোকন, বঙ্গে অংকজন বেখে ভেবে সচেতন, ভূমি যে জীবন হাতা, জীবের জীবন পাড়া, এই বার বাঁচাও জীবন।

(७) वातानाक वाता त वालानावेद्देन वत, जावारक केर्न्यानिक वल वर्ष्ट : जा के महे महत्त्वहाती हैं।

त्वार क्रमहत एक शहर्तिहाँ वृद्धि,

महा क्रमहत क्रमहत क्रमहा क्रम

হ। পদা পাঠ প্রথমভাগ বিভীপুনার মুফিড। ক্রীপুক্ত বড় গোপাল চট্টোপ্থার করার সকলন করিয়াছেন। ইহা নালক্ষিণের পাঠার্থ সংখ্রীত ষ্ট্রাছে। নিল্যান্তর পদাগ্রছ
বিরল প্রচার, বছু বাবুর এই প্রস্ত জনেক জং
শে সেই জ্ঞাব দুর করিছে সমর্থ হইরাছে।
বড়ু বাবু বে গুলি বরং র না করিয়াছেন, এবং বে গুলি সংগ্রহ করিয়াছেন, উড়ারেতেই
ভাহারসজন্মভার পরিচর ক্রীরাছে।

०। यर्षक्रका । हेराएक क्षष्ट्रकारका नाम प्रमेश स्मान् पर्द्ध प्रक्रिक रहेग्राह्म, कारा नि-चित्र नाहे। स्वाप रख. क्षित्रका नाम नाम रहेएक हेराब जूसन क क्षानंत्र क्षित्र मन्नात र-रेश्राह्म। हेराएक बाक्ष पर्द्ध वक्षित्र करत्रकी के नारम प्राह्म। क्षित्र क्षित्र करत्रकी के रहेन।

প্ৰৱেৰ প্ৰতি পিতার উপদেশ। र शिक्ष्यूख! पू ने नेबर्गर भका कतिया नकत কাৰ্যা সম্পন্ন করু, জিনি জেনেব পিতা, মাতা खूक्त , जकत प्राप्त पक्त पारकृति किनि क्या-নার একমাত্র সভার ও গতি, ভাঁচাকে স্বরণ कत, महाराष्ट्र कीरन फें हांत्र कांट्सी निरहांश কৰ, এক সুত্রের কনা ওঁ(হাকে বিশাভে হইছ। व।किछ वा छाहात स्माडि वृधि कतित्र। आण-मारक प्रेक्स कर, मर्खाता दमहे कुमानक प्रेम ভোগ কর, লংলারের কুটিলকা পরিতা:-গ ক্রিছা দেই পবিত্র জুজারূপের সবিত্ত দিন দিন স্থিতিত হও। আমি যথন জোনাকে লালন পালদ ভারুরাছিলাম, তখন আমার মনে এই चान। हिल, स्व नगरमचंद्रिय अधि चासूत्रक वदेव। जुनि खावात शृब् धैन्त्रन कविटनः खागात शिहे जाना भून कता क्या क्या क्या कारा গতি নাই, তিনিৰ তোষাৰ, একমাত্ৰ পর্ণ, ডাঁ-হাজে এতি করিবে, অভ্যাপের সহিত ভাঁহার जिल्ल कारी नायन क्षित्र, अनेक्षमा जान वरे भूषिनीत्व सम्र अद्देश महिलाहः व्यवका प्रक्रि

---कर्तिक स्थापिक स्थाप es lates c t-मानवार्क, विभिन्ने टकाकांत्र की हमः दगरे श गम सम्बद्धा क्याँ हिन्द वर्षेत्व चायम करिन मा ! १६ वर्षेत्रवर्षी ! कृषि और जीवार्क व्यामान बार्क मेमनिक के हिराक्षा देशक वर्षा के सम्बद्धान अधि राम नक्षरीय स्थानात पृत्ति नारक, कृति देशक दर्भावने विवरत विश्वास केंद्र ।

३) मार्विद्विष्ठीमान नेरन्द्रन्ते गरकान বল বিদ্যালয়েই কৃতীর নাৰ্থন্ত্রিক পরীকা विवस्त । अदे विकाशिक अन्दे नेटन चानिक इस । देशात बक्राणा केमिक वरेटकट्ट । शतीक-ক্রণ পরীক্ষা ক্রিয়া সভোষ প্রকাশ ক্রিয়া ছেন। ইহা পরিয়াক ও শিক্ষকাবের প্রশংসার विवद् नटक्ष मुद्दे ।

ং৮এ যাগ লোমবার । **टबना महीता।**

जना ज्ञानाचाँ बहेटल कृष्टिबाटल जाति यात नवस ১ वटमा, २ क्रकशक, ७ व्रावनश्रत, ৪ চুৱাডালা, ৫ জালমভালা বইরা সুটিয়াডে আনির। উপস্থিত দইলাম। ইবার মধ্যেতে क्रकनि ल्यान चार्ट्स, खबर्या अक्नी ल्यान चक्तिहरः। इक्निक भवास मध्या मध्या चार्या ৰাহট পড়িত ভূমি আছে। শুনিনাম নীসকর ৰহাজালিকের দৌরাজাই ছুৰি পড়িত হইবার व्यथाम कांत्रम । इक्शक हरेटल जानवलाना थवान्त (चन्द्रम्, चन्द्र, चन्द्रमान क्ष्मान क कारे नतिया मका क्षेत्र्कि व्यक्तक संग्र अवर भारत भारत हेकूल छेरणह रहेशा शास्त्र। हेगाव मर्था मर्था पृष्टे अकृष्टि मीनकृतिल स्न-খিতে পাওয়া যায়। কিন্তু প্রকারা নীল বুনন না করাতে উহার অনেক গুলি অসনি পত্তিত रिवाटकः

कृष्टिया ।

এই ছুরিয়া নদীয়া জেলার মন্তর্গত क्तिकाछ। रहेरळ अकाम १६ स्माम। धरे नत छेखरत शकुई मही। असिनी आर्थ ল'র বিলা হইডে নির্গত হইয়। উত্তরাভিমুখে গমন পূৰ্বক পদায় সাইত মিলিত হইগা অত্য ও প্রশস্ত ভাব, ধারণ করিয়া পূর্বাদিকে গনন क्तिरखंद्य । प्रकार हेराक क्ष्य कर कर भवान]

द्रावे क्षेत्र विचारक विवेश साटक। अकरण और नहींच नहींचे वे भावि नाम अवगाश्रम अहित्याद्य अस्ति भवा वेचत स्ट्रेटच विक्यादिनी स्वेताहर वंशार्थ परहे, किन्न सार्थ मुख्य सक्तान सक ভাৰ ধারণ করিবাছে। উহরি উদ্ভৱে কুরিয়া मानक अक्थानि त्यान चांद्रस् । के बांद्रंत अव्यक्ति পাঁনা ছিল। পানা দক্ষিণ পালে কানাজে क करन वह जानरकहें त्यात नकरन संहित्री केरर नामांच लादक हाडे विनिवाका कटर । हैंचा एक दर्शन सब अहे ज्यान नमन्ने करन दशके क निकांछ। नास्य धानिक करेएक शाहित्व। असा त्मन्न केंद्रत 'त रास्त्रिम मीमा शक्रे मही (७३ नहीं अशहन अफि अक्षनंत्र, ইবার পশ্চিবে ক্ষলাপুর গ্রাম) ক্ষিত্ मरकमधूत ! भूटर्क वाशकृत्रयोगि आव । देशक কিছু দিন পূৰ্বে এই স্থান পাৰনা জেলায় অ-चर्ना हिने। अक्टन मंत्रीतीत्रं नामिन क्टेब्रा-छ । शका जिंछ अवायक नहीं । देशके शर्द चानक चान श्रीवर्ड रहेवा चानरकत्र चानक क्षि ब्हेंब्रा विद्यादेश । अथन अहे महीरफ ভানে স্থানে অন অভি অপ। ইঠেনন হইছে मेणान क्लांटन गृष्टि निरंक्त क्षेत्रिक त्यांच वन रवन नांस्कासन सम्भूषि धूर् कतिरखरह असर कै,गर्कन हराज घटमा घटमा स्वरूपका स्थान রোপণ করিতে আরম্ভ করিয়াছে, বৈজ্যত যাসের প্রারজে কাটিভে উপক্রম করিবেক: উক্ত চকা বৰ্ষাকালে প্লাবিত হট্যা সাগৱেছ न्तर्वात क्षेत्रक वाज्ञ क्षिट्रक । 234

क्रियात निक्षेत्रविधामः ইঙেননের উত্তর পুরাতন কুঠিয়া, ত্ৰ দেৰপুর, গোণীনাখপুর 👁 শিরালদহ। এই সকল আৰে কাষার কুষার হাষাবধাপা শুঁড়ি रैकर ई श्रञ्जिहे अधिकारम । देशद्र मध्य कू ত্তিরাতে ৩। ৪ খর রাজন (আছে। পশ্চিমে शप् हे मनीत उच्य छोटत मक्तरपटक स्टत्रहरू शूत्र कड़ोनिनगत नांबटरे ७ डेनियां है। आहे সৰল আমে তাজৰ ও কায়ত্ব ভেলি ও ভাঙি প্ৰকৃতি অনেক প্ৰকাৰ জাতি বাস করে। **जन्नत्या डेनियाँ इटक डाक्टनब्र मश्या जिम्हि** দব্দিশে চোডাই দি ও খগড়ী। এই সুই আহিন ভাৰৰ কারত্ব ও ডেনি প্রভৃতি সকলই কিছু किंहू जाटक। छारात बरण कासरको जान का वर्ते।, बाजिटके नारकार्त

Per see with **新教教育 新教教育** टनायांनांच चर्नां बाद्या पर्देश पूजनानीय

वर्षमा प्रतिकार्थ 44 CHIM - WATER OF यामार वर्ष क्यांक भा रेनेक्षिएमड करनका इ बहार जार है। थानकान जाकविद्यान ক্ষিত্রী ও পুরুষধিয়া विवास कर बांग्र विद्याणिक वाविष्क व dient 5'3/2

अभागकांत सुनि नीन, किनी, भर्मन, । ৰাভূতি নানাবিধ দায় ब्रिट्नन 🛊 श्रेनांक 🐃 क्र बोद्द विकास, जार-বোগাক্বণ ক্ষত্তি জন रहेरज,शांदर वा । श्रुका सम भाक्षा याह, वि गार्क मां, बनीह मर्था इण्डार ननस्तक्ति वसी रता अहे जनम का वृद्धिकात्र बाटस्त्र, व नक्त्र (कनि महिस्यम् नीनकत्र किमि शास्त्र ज्य मक्टम क्षाक्षाः ভাষা ধ্ৰম কৰা ব্যক্ত ना दबरवज्ञ जनस्थित कुलि अहे कील आप्रिक्ट सिंह च्यवदेश क्या क्यांद्रिया मा व्यक्तःकत्रदेश एकांक ए. ভাষার সন্দেহ দাই। नाटस्य व्यक्तानिटगत्र छैन ब्रिक्बिएक अपि क्रिट হোট আধানতের ক্ষ শীলকরদিণের প্রতি পু ছিলেৰ, থোধ করি উৰ্ভাল

see biforaran-क्षांच बर्गन, जक्त 'शिक्षा अधानकात ।। चिनिः अध्ये शास्त्रमः। सामाः देख कामामिक्स मि ा. टामामिएके बार् म, जनम कि मुनिष्ठ **एकति माद्रसम्बद्ध पुरस्** वाका न्व विद्यासामन भारतकी खोक्स व-দ্ৰুল যাসা কয়া ভাল। । ग्रेंभवकः बाबानिक ্ৰে জজ সাহেৰ নীল াচ করিটেডছেন, ব্যাপ ाटक मटलंद मोदि। मक बाबिएहें है के एक-রু এবং ধানা ভাক্ষয় ला विमानक जाटक। ই এখানফার লোচ্ছ इडि क्लिकाका करहा प्र काम मट्स । सम्बोध আহে কিন্তু অৰ্থ স লাম ডিঃ মাজিটেটের ह। इंक्ट्रिकाक्टराज अ-গ থাকা উচিত।

र्वाम।

বেশ্ববার।
, অবোধ্যার ভাত্তক্লা
কলন পত্র প্রকাশ করি
পুরে লাভ এলসিনের
অবোধ্যার সভার কথা
অনরল সভোধ প্রকাশ
করি বালনে আপনারা
কর্ম সাধন করিয়াহেল,
ক্রিল্যাকে বধ করিবার
বিশেষ সংকাগ্য করিপ্রকাশ বারু দক্ষিণা
বলিলেন ভাত্যার চেটার
উৎকর্ম সাধিক হইডেকে
রৈ প্রেন্তরল) ভাত্তির্নর

मुद्ध करेंग्राह्मका अवर्थ (स्रमेशक क्रिक्राणा-इ क्षाम्यानसम्बद्धानात नगरत मार्क्स वर्षन इक्षिक मालिटनम जनीकात कतिवादका।

्षितीरश्राक्षकेत अन जन गत्न र्व्याक त्राक्ष श्रूक्षमात विकितिरात कर्मक जाक कर्ति-गत राज्यक क्षा २०० होकाश श्राक्ष एक्षा गति का-स राज्यक क्षा २०० होकाश श्राक्ष गति का-स उपात २००० होकाश विकीत रहेता थाटन। क्षाका श्राक्षाता अहे मक्स भू विविध्यत बाता क्षात्र क्षा । अक्षण्यकीय श्राक्षाता विव्यवस्थ कर्तिन, वेकस्टमा ह्राया क्षात्र करा म्हरकत्र काना।

विज्ञीरगरको बरमन, शकारवर रहरेन ७-रहकर्मानिया व्यक्तिय व्यक्तानिय व्यक्तिया क्रियारका देवीया नकत दारनरे नमान वृद्धि भारत् क्रिया बारकन्।

ব্দ্যনাইট বেগার ধরিবার প্রতিবাদ করিরাহেন। উত্তরপশ্চিমাঞ্চলে সেনাগুণকে ছানা
ভরিত করিবার সমধ্যে মুটিরা ও গরুর গাভির
গাডোরানদিগকে অভিলয়, ভর্ম সম্ম করিতে।
ভর, আবচ ভাহারা উচিত আড়া প'র না।
এই স্কান্য প্রথাটী ক্রম্পুর্গ আস্ম হইতেছে।
বেগার নিবারশের ক্ল্যা বে বিরা অর্পুর করা
হর-ভাহার কি হইন ?

পুনা অবজারবর বলেন বে স্ত্রাধরকে ছোট আমালভের জন্ম কানবা ক্রু করিরাছিলনের লে আপীল করিরা হক্ত ম্ইরাছে। পুনা র কেলিরন জন্ম বারণ নার্লেট ভানবার জা ড্যাচারের বিষয় প্রধানতম বিচারাল্যকে আনবাত করিয়াছেন। ইনি না জ জ্বানের এক জন উপবৃক্ত বিচারপতি ?

আনাহাবাদ গেড়েকট বলেন টেম্পল সাহে-ব মধ্যভারতবর্ষের ভূমির বলোবস্ত শেষ করি-বাছেন। ডিমি এক্ষণে সম্বল পুরে আছেন।

विनान, ज्यानहा, विकेषित अकृषि शांद्रन वृष्ठ कांक्रेने द्वारत इस्की अक्षत्रमती अधिवृत् वि व्वेद्वाद्य । विकेषित केस्न बान्यनी किर्यान त नाहशां काल्य अक्षत्र वांक्री व्वेद्याद्य । जामहा कालाशिक व्यवद्यात नाहशां अक्षत्र मा जाना वांक्रे निर्माण करिएक मार्च ब्रह्मांच या । अपनिष्ठ नावस्त्र मार्चक्र क्षत्रमत्र क्ष्यान्य व व्यवद्यादक कालाहा मार्चक्रदक कादक कालाह्य आर्थना करिकाद्यान । अहे नाह्यां द्वारत्यक्ष विक्षान

व केनकाइ कंदिएकरकर, अनेतिक विकासिकात बाधावार्थ वाक्रानद्वर किंदू किंदि क्रिका कर्मना

निविद्या अन अन द्य ब्रोड क्रिया विद्या निविद्या अन्य क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया

চাকাপ্রকাশ বলেন বিজ্ঞাপুর নিবাসী সার্কভেম উপাধিষারী এক পশ্চিত যীর পুরের উষাহ জিরা নিজ্ঞাননার্গ একটি রাজ্ঞ কন্যাকে চুরিকরিয়া জানাতে দারগার নিকটে ভাহার জাজীরেরা লালিন করেন। রাজ্ঞ জানিত সেই কন্যাকে ভাহাদিগের হতে সমর্পণ করিতে বাধিত হন। চাকাপ্রাক্তাশ ব-লেম বে কেবল খুনিত পণগ্রহণ প্রেণাই সাক্ষ-ভৌষ বহাশরের ভাল্প জানদাচরপের সুল কার্প। জানাদিনের মতে সমুদারের মুল কোনীনাঃ।

আমরা শুনিরা অভিশর সূত্যিত হট লাম চট্টপ্রামের বিধ্যালয়ের অধিকাংশ লগ্ধ হইরাছে। বিভার বেশ্দ কোরা প্রেড় ত নই হট্টাছে। সৌভাগ্যবশতঃ পুত্তকাশ্যটি রক্ষা পাইরাছে।

> ३ हे कासन महत्त्वांत ।

ভাকা বিউস বংগর রোটাস সুনোর গাঁচ কোন লক্ষিণে শোগ নদের এক ইউক্ষয় সেমু নির্মিত হইবে, ইয়াতে মুটলক টাক। ব্যয় কইবে সভ্যান করা হইয়াছে। ইভাব কার্য আয়ুক্ত হইয়াছে।

বোণনদের নিষ্টে প্রান্তরময় পথ সা ইয়ান পর্যন্ত সম্পূর্ণ হইবে।

ক্রিটোডেই বলেন একটি ১০ বংগরের জ্যুক্তবাৰ খালন জার একটী বালকের সভিত निवाद विकास विकास कार्य के कार्य कार्य कार्य गहरी कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य त्र कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य गहरी कार्य (कार्य कार्य (कार्य कार्य कार

উক্ত সম্পাদক আয়ুক ধলের চাকার জ া যুৱাই ঘইরা নিরাছে।

कितिक वरमन त्यांडे काकिरमत व्यक्ष्यन वाम क्षेत्रात ककामा कारक, काबा अवश्मत कावण क्षेत्र का। देवारक व्यक्तः - नक्षणक वाह क्षेत्र ।

ডিনি আরো খলেন, ১৭ ই কেক্সারি গ বার কেনেরল আগরার একটি জরবার করি-রাছিলেন। তথার গোরালিয়রের মহারাজ প্রভৃতি অনেকে উপস্থিত হিলেন।

জিনি জারো বলেন, করপুরের বহারাজ আপন মন্ত্রী ও অল্লচরগণের সহিত কলিকা ভার বারা করিরাছেন। আসিবার সমর আ নাহাবাদ ও বেনারস দিয়া আসিবেন, এবং তথা হইতে বিনারে জনরাব পেশিতে বাই দেন।

আলাহাবাদ নেজেট বলেন তথার শীন বাজ বুলিবে। তথার একটি হবং কুঠী শাহে, সেই স্থানেই ইংার কাথ্য হইবে।

ः । ११रे मास्त प्यनात् ।

বিনিকা খলেন, নাংখলায়েরের ছুর্ভিক নিবারণার্থ কনিকাতা হইতে আর ৩৮০০০ চার্কারও কনিক প্রেরিত হইন্নাছে।

विक गढा जारता बरनन गवर्ग्य स्थानमहरूतः । मन्द्रगांत विकीरण ना स्टेब्रा विवारत स्टेर्थ। मेच्य, विरयम्या स्टेब्रास्ट, जनाव महानांत्र स्रति-रण विकीत जारतानां नता वहेण

क्षिण्य भरवाशात्र विश्वत कार्य मश्या व क्षशित्र तिर्णाष्ट्र स्मिथ्य शिथियारकन : ৮ ५) । ७२ भरवं छवाय श्रीत कार्य तिर्वा शर्व क्षाय २११३४०२ होका ग्रास बहेतारक ।

১২ই আহ্বাত্তি সৃষ্টি বেগোলিয়ন একটা বংশ তা করিয়া লালের ব্যবস্থাপক সভার কাব্য আঁরড করিরাচেক। তাহার বক্তার লোকে সভোগ প্রকাশ করে বাই।

न्द्राह्म हिन्छ । यानन, न्यू रिनछ द्वारक भूताकन श्यां काकिरनम निकां ध्यांमकन विश्वांनातम याँने निन्धांन नी व व्यांमक इट्ट्यं: क्लिकोंकोन एडभूने कारनकेन ज्ञान विकारकन व कागायिक ३० विरामन मध्या कञ्चका ज्ञांकितिन्द्रक केरिना योकेटक क्ट्रेट्ट । संपर्धनी ध्यांनकन विश्वांनाटनन कना के कृति काल कतिर्देश।

উক্ত পত্র ইতিয়ান ক্লিড দেখিয়া নিথি রাছেন সর বার্নে পিকক সাহের ভূতপূর্ক স কর আলালভের নিরিভালারের পদ উঠাইবার জন্য গ্রথবৈন্টে অপ্ররোধ করিয়াছেন।

স্বাচার হিন্তুখানী বলেন গবর্ণর জেনকল প্রভারের হইডেছেন। এক নিন্ রাব্রিছে
ভাজমনল আলোকপুর্ণ কইরাছিল। লার্ভ এলগিন ও লেভি এলগিন ভক্ষশনার্থ নিয়া ছিলেন। তথার অধিক সংখ্য লোকের সম্বা গ্রম হইরাছিল।

ভিনি আহো মনেন করাণী গ্রহণ থেকী ড প্রবায়দিগের ছঃখ করেন মানিব'র নিবিদ্ধ মরিকে আদেশ করিরাছিলেন। ভিনি বলের এক ভিপাটনেকে ডুলার অভাবে প্রায় ১৯০০০ লোক নিক্সা কইরা রবিরাছে। পারিকে চাঁলার,৮০০০ টাকা লাভ উর্লি বাছে।

্ধ ই কাজন বৰস্পতিবায়।
পঞ্চাবেয় চা-করেয়া চার বীক্ষ ও চার।
প্রত্য কৃষক দিশকে বিনা মূল্যে আধান করিয়া-

ड मक्क करिक्यूबन, क्रीस्ट्री माञ्चादत जन्म व व वर्ग द्वाकी व होको आचार्तिन केत्रिवाहित रहत। जांचू अक्षेत्र जांन<u>स्त</u> তথার করেক জন এডেলেনীয় रहर । सरपुर जान बीजानुसून बीज रबक् जाब के क्रमण वा क्रिक व्यक्त विवय बन्द्रारम् सर्वतः दव रकरण्या नीरमहास्था अस् अस् (प कशिकाषां के के समस्य (प्रकार) व्य अक कम कस्प्राहित । देखा<u>त</u>क क्रमान मीन महेटक ने दह कि मा টাবাদিবের অভিত্যেক । জারীয়া त रेक व्यवस्य विकास केन्स्स इनक्षिरशत मान स्वनावेश मा লে নীলকমেয়া কোনছালেই কুন্ধা 210 भाविद्वम मा ।

व्याचेत्रात (गणत रामक त्याचित्र त्य क्याचि क्याच्याचे ह्याच्याचे त्य क्याचे क्याच्याचे स्वत्र क्याच्याचे क्याचे क्याचित्र क्याच्याचे श्रीतिक्याच्याचे विविद्य क्याच्याचे श्रीतिक्याच्याचे विविद्य क्याच्याचे श्रीतिक्याच्याचे व्याच्याचे क्याचे क्याचे स्वत्र क्याचे शाहेत्रा क्याच्याचे क्याचे क्याचे क्याचे व्याच्याचे क्याचे क्याचे क्याचे क्याचे क्याचे व्याच्याचे क्याचे क्याचे क्याचे क्याचे क्याचे क्याचे व्याच्याचे क्याचे क्

উক্ত পত্ৰ আছত বংগ্ৰহ ক্ষিত্ৰ। বাহ পদপালের উপজ্ঞ হইবাছে।

मिन्न (पर्णा एकं भागने करी करें भाग एकं करों प्रांका पानक एकिएकंक किन चगुराने (पंकासक ग्रंथांक नाक्ष रहेक हैकि हो जरेंको जाशनात ग्रंथ हैने सिराय जर्मारकं । मध्य ि पितनीय करें विराय जर्मारकं । मध्य ि पितनीय करें विराय जर्मारकं । मध्य ि पितनीय करें सिराय जर्मार्थना मस्त्र (छिन विराय स्व किनि दिनि विराय कांश करेंद्रिक के सक्थ निर्मात ग्रंथ निर्माय करेंद्रिक के सिराय प्राणां निर्माय स्व करेंद्रिक के सिराय प्राणां निर्माय स्व करेंद्रिक के विराय प्रमुख्य स्व स्व करेंद्रिक के নিৰায় আলিগড় প্ৰকৃত সেইল কথে

वाष्ट्रेण कि श्रांत कामाणात क्षण्य वस्त्रक्ष अष्ट्र स्थानीय असन कृतिहारक्ष्म । जास क्षित्रों द्याचारे कर्नदमह स्थान असे व्हर्ण क्षम । त्याच्ये सके था, स्थि, द्या

जाक अधिनिक्य बरमम, वृथानहसः या ह-राममहोत्राहर वाका क क, र्गाहरिह्न १७६६ विभिन्न हरेगे। महत्रमा काटहा मही बरेनाएक। अधिदक यम श्राम गर्दः रमक्देश वर्षमाहक। विभागातमा पूर्व प्रमादक। महिल्ल व्याप पूर्व प्रमादक। माहक किम वरमहान महण म क कामकर्षित रमक्रेमकहम बस्ममध्य वर्ष क्याक्रिय कार्यम दहरेगवह रम क्याक्रिय कार्यम दहरेगवह रम क्याक्रिय कार्यम कर्मा (महन

रहेग ?

रा बहेरक्रम् शकारवद निविधित्रारम्याः र वावदा विद्यान्नद्वयः निका कदिवानः ह वश्मन्न कर्षः कदिन्ना किम वश्मरद्वरः गोहेरवम। धार्यरमहे स्वान्तन करण वा बहेना निकृत्वः बहेरम कि वारवद नाव क्ष्म विवान किन्ना मण्यानिक वन्न मा ? रत विश्व श्व विश्व करियरद्वन मुन्नः र विश्व श्व स्वान्त विश्व हेश्मरक्ष क्षारहम।

शासित धनी भी ज्ञां करहक थानि वा-हाराज कर के हो बाविजा जाहज क हम। खबा स्ट्रेंट 5 अकरन विख्न मीन हेन श्राकृति हुन मी क्ट्रेट्ड्ड । विस्तरन ।। ११ द जावनाकर | जकरनरे द्विट्डिट्ड्न १६ स्थ्रणारंद कार्या कहिर्डिट्ड्न । किन्न कवि बरह विभाग पूर्व क्वा कहिर्डिट्ड्न । किन्न कवि वरह विभाग पूर्व क्वा कहिर्डिट्ड्न । विन्न कवि वरह विभाग पूर्व क्वा कहिर्डिट्ड्न । विन्न कवि

ইন্দিৰদান বংগন, পৰপ্ৰেনী বাৰজীয় গেলিড়েশির নিলেটারি অকিন্যুক্ত স্বত্ত গ্রহণ শ্রিডেকেন।

ক্রে অব ইণ্ডিয়া বলেন আরাকাণ, রে-শে, ও মৌলাইনের লোকেরা বিউনিসিপাল নাইনে অসম্ভর্ক ইংরাছেন। তথার কলিকা ার ভুলা বার্টার কর অর্থাৎ শত করা ৭॥ কে লংগা বাইনে কর অর্থাৎ শত করা ৭॥ কি লংগা বাইনে কর অর্থাৎ শত করা ৭॥ লিকাত ার বিশ্বেৎ। নিরণ করার অবিবেচনা-দোধে অজি বিভেক্তর বিশ্বেও লোকের সংখ্যা র বেরু হট্যা উঠে।

চমকি নামৰ বীৰ জন ইউরে।পীর আপনঃ মংনীঃ থাডার জাল খরচ লিখিয়া পলারন তেত তা, হাকে খুড করিবার জন্য পুলিব তেত্তিবং শনা বাহির হইরাছে। শংখাত আনিয়াতে আনাৰে বিৰোধ উপবিক্ত হটুছাতে । তথানীবিংগর থকে কেবল
নেলন ৰপত্ন নাত্ৰ আহে বিলোধীয়া ভাষাত
আক্রমণ করিবার উল্যোগ করিছেছে। ভাষা
নীয়া ১৮৫৭ অন্তের পূর্বে আয়ুডবর্ষীয় প্রব্যেন্টের নাায় অভি লোভপ্রযুক্ত এই নক্ষ
টে পড়িয়াত্রন।

> भई गांद्रम शक्तमाह ।

ফিনিক বলেন গ্ৰগ্নৈক ভার্তবর্তের ব উমান বলটিবুর সৈন্য ছবাকে ১৮২৭ জন্তের ২৩ আইনের অধীন চইবার আগেশ করিয়া ছেন।

তিনি ভাঙ্গে বংশন উত্তর পশ্চিমাঞ্চনের কারাগৃহের ব্যয় নির্বাহার্য ৪১০০০ টাকা কর্ত্তা হইয়াছে। তথার প্রায় ১৬টা কেল আছে।

টাইম্স অব টাঙিয়া বলেন, বল্লোচা নে-গণ্ডরে কোন্দানির কলনটিও ইঞ্নিনর ক-পের কেনেডি আগানি মেলে ইংল্ড ম্ট্ডে আনিবেন।

সিলিনেটি ইনলোয়ারর বলেন, ৬৯ বংসর বর্ষ এক রলা জীর গর্ডে একট সন্ত ন
অধিরাছে। উহার খানির বর্ষ ৭৪ বংসর।
সিলিনেটি ইনকোরাররের বাক্যে সন্তেহ করা
আমাদিগের উচিত হয় না, কিন্তু বোধ হয়,
জনেকে ঐ কাশ্বরে অনৈস্থাকি বোধ করিয়া
ভাহার বাক্যে জনাদর করিবেন।

রাকাবার্ত্তাপ্রকাশিক বলেন, মাণিকগঞ্জের ডেপুরী রাজিরে ট রাকাপ্রকাশ সম্পাদকের নাবে জাইন্ট মাজিরে টের নিকটে বে গাই-বেল নানিশ করেন, জাইন্ট মাজিরেই ট তারা-তে সম্পাদকের ১০০ টাকা জও করিরাছেন। মার্ত্তাপ্রকাশিকা বলেন, মাজিরেই ট পঞ্চপাত্ত করিরাছেন। আমরা লয়ে আছি, পঞ্চপাত্তর কথার অস্থনোরন করিতে পারি মা, কিন্তু আমরা একথা বলিতে পারি, ছাকাপ্রকাশ তেপুরী মাজিরে টের বে নিকা করিরাছেন, তারা কেবল বেন্দুলক নতে।

५१ हे कांद्रन भनियात ।

ीन एम बहेए म्बान जानिताह, नि-विवाद श्राहण्य विद्याविविध्यत महिक ब्राम मार्गार्गित अक युक्त बत्र । काबादक ब्राम मार्गान मार्ग्य विद्या प्राप्त बहेताह । क्यांनी काकिमद्यता तम पहन ब्राम मार्गान करे-या बाय । अवहीं काबाब काहिश किन जन का-मिनदात श्रांन विद्यांच बंद ।

গৰণর কেনরল ছাবে তানে সরবার ও তানে তানে বজু তা করিতেছেন। কিছু তাঁ বার আগরার বক্ষু তাটা আহাফিগের শিতা-ভ অপ্রীতিবিধারনী হইরাছে। কেশবিহার

मनवान करियान संदर्भ महत्त्व महत्त्व वहा मनवान करियान संदर्भ महत्त्व महत्त्व मन् जिलि अकार्यन महिला महान्य कर्मित स्वाधित मिलि भाषान करिया मधान वर्षण करिया किलि भावत्त्वर करिया देश कर्मित करियान करियान विक भवतन स्व मन्नर्यान करियान कर्मित कर्मित माना नांचा क महत्त्वान भाषानीन वर्षण करिया कर्मित करियान कर्मित कर्मित

ফিনিকা বলেন বোখাইয়ের এখানতম বি
চারালরের কর্মচারিরা পূর্ক্ষত তী না পাইর
নির্দ্ধারিত বেতন পাইবেন টেসর সাথেখ বা
বে ২৭০০ এখান রেজিরির কান্সটন পাছে
২৫০০ এখা আপিলিএট কোটের রেজির
শিনহি২৫০০ সহস্বারী রেজিরর বারিরাট ১০০
টাকা পাইবেন। ইউরপিটরনিধের ও খেতন
ব্রদ্ধি হইবে।

তিনি আরো বলেন অরপুরের মহারাজ আপনার প্রধান মন্ত্রী পণ্ডিত নিমলীল এবং এতেনী কর্পেল প্রক সাহেবের সহিত শনিবার ভূত্রতা গ্রথমেনী কালেজ চর্পন করিয়া নি কার উন্নতির নিষিত্র :••০ প্রাদান করিয়া-ভেন।

তিনি আরো বলেন রহণপতিবার গাবনর জেনরল ও লেপ্টন্ট গাবনির ভাজনহলের উ-ল্যান দেখিতে গিরাছিলেন, সেখানে প্রায় ৭০০ ৮০০ ছাত্র উপস্থিত হটরাছিল।

त्वाचाइरवंत मणासः म्हिक्कोति स्ववत्वत्री मणान्यान मणिक स्वतः, मह हात्रसम द्विति-सित्तस्य छोत्रक्वर्योतः यावन्त्राश्यकः मणात्र सिमाणिवान स्वतः स्टेशाट्स्य दक्षित्री, अकथाः वि प्याण्यस्य शक्ष द्वानाया कतिशाद्यसः मह हात्रमम् द्वितिश्वस्य मान्यतः छोत्। श्रद्यस्य स्वति वा किशादिक्यस्य मान्यतः क्षान्य कतिशाद्यसः।

वणरमनीस वावञ्चः शक मणा। >• हे काक्षम मनिवास।

আসাম, কাছাড় ও এছটো মজুব প্রেবণের বিলে নিজেক্টভাষিট বে দ্বিপোর্ট করিয়াছেল। ইডেন বাতের ভাষা সভায় অর্ণা কবিলেন।

ष्ट्रास्त्र कर्ष विकार्यतं यत्र अहे हिम माधावान संद्रशहतार्ष अक्शित्र बहेम । पूरे मधाव शहर देशा पूर्वात्र विद्रशिक बहेदन । क्ष्मार्थीतः वाक्ष्मान्य नकः। अपे काक्ष्म प्रशासन्। एक्ष्मान्य नगावित्र क्षेत्र क्षमार्थस्य वर्

72

खन शति अपेष्र किया परिदेश निरम्ध कांचरि स बिट्नाई कविद्वारक्त । क्षारक्तीक स्मान् देवती अन र्वत छ।का मणांक कार्नेन कहिरकाम । छेदा, विकिan eleit

रा कि अवदा मध्यक्षेत्र विल्लास्य मानामध्यक विकत्त कृद्धात सना कृषि शहेशात विका निर्म के गांधी देन जिल्लाह किविद्यारक्त, गांतिकीय চাৰের ভাকা দর্ভার আগদৈ করিলের। উলা বিবি-क इंका

त्य नवश्व कानकश्चि वर्षेट्य नवस् यांमध्यक्ति কৰ। হয় ডেছিডাৰ বিষয়ক বে বিলা হইয়াছে sifet हम मारवन क्षत्रमध्याक मिरमके क्**रिक्र** विरागि वर्णन कवियान वास्त्रान कविरामम । अहे हिर्शिष्ठं अभिन्न प्रवेश विम विधियक वर्षेत्र। ১৮৫৯ কাজের ১৬ আইন সংখোষন বিষয়ক বিল (বাজা উন্তর প্রশিক্ষণাঞ্চল জলিবে) বিধি-বছ হ'বল। আকায়াব, রেজ্ব, দৌলনিস প্রভৃতি ত নে দেওয়ামী আলালত মালিত কবিবার বি ला विधियम एवेण।

a sिक्र कारकाती विभ क अधनानती सार्था-. ७३ मन्दिक विकास विकासिक प्रदेश ।

 श्रीत भारकेटवन अञ्चावास्त्रभारक निकालेक श्व कि विविधित नाम विभिन्द स्टेम ।

ইলিন নাংহৰ ব্যক্তিইনি করিবার বিজ অর্পন করিয়, সিলেক্ট কমিটির মধ্যে অপুণি করিলেন। गांत के व मांग्यर माजिक खनित के श्रेष चन বিশ্বস্থার বিদ্যা অপনি করিলেন। উল্লাবিধিয়ন্ত उडेल .

এধানতণ বিভারাপান্তর সাটালের ছব্তে य गक्क कार्य । आहरू, त्यहित मारबरवह श्रासावा-अमाद्य छांबा भी अ मिल्लेखि क्षत्रियात विश्व अक कारम दिशिश्य शहेम ।

ইউরোপীর সমাচার।

मध्य राज्ये बाख्यान्ति बाद्यविकार हेस-दो रागव टेमरमादा विक् मैंबर्स श्रदां छहेगारछ।

र करांथ्यक मानावा भयाकित बहेशांव शास ভেণ্ডৰ ও টেকসাস পুনৰ্ব্যাৰ অধিকার করিয়া (६ ' किन्द्रित भवर्गद्र भाग विश्वत्र प्रशिक्त काँत-पान व्यापना कतिका विद्यारह्म । क्यांनी नवाहे षार्यातकाव कर्र श्रेम मञ्जूष मिलाब श्रेष्ठांव कड़ि-गाइन क्रियाधिकक ल्यामाटक विद्याप अवश िविल ७ विद्याप्रीतिम्द्राच शत्रामात्र व्यात्रकत विव म जिलादिक करेंबादह। त्वलान् रण दक वक् "য় স্ইৰাছিল, ভাকা একাশ হ্ৰয়াছে।

न उन २ हा क्लाबार्डाड--म् भाग मधाक बहेत्। विराद्य विकासित करें। क्वित्वत अप्राणिस्टेन र्ग मिल्ला मिक्टि चीकांत्र कतिहारस्त।

ि हेरेवर्क अ के का क्षत्रोति --- मिनागडि लख्यि-ট গদচাত ব্রীয়াছেন। সেনাপতি ত্রাপ নেনাপ-ि प्यास्त्रम सुरुवनातक काकाम कदिशांत कना रेनना नमक्तिमाद्याद्य छिटमान व्यवस्थ क्रियाहरू-म। উত্তবাংশের জেনাবা আর্ডেম্সন পোষ্ট म कात कतिशास्त्र श्रीक्षशास्त्र मा उद्दान

काष्ट्र देवेका केंद्राज क विकटन कविवादम् । दनकत क्षाबदर्शन क्रिके कार कि औरमत्र मिश्होमन अ इन करिष्टाह्म । भववता र हे:का विमक्कि EBBICE I

शीकाब शक आमारजन त्म कनबन पत्र, छात्रा শ্বলীক বলিয়া একিগম কর: চইরাছে।

विकासत जिन्तम दे का छत्र वशासका आसादि षाश्रमावन करत्रम माहे। जिमि बरलम, काम बायभावदे विकिशांदरभद्र विद्यांदरक्र कांद्रव ।

वेष्णिगारामव जिनावः व्यक्तिवन् व्हेट्ड **क्रिलाध्वमात्र मोख इडेग्राट्ड**ा

রিচম্প চইডে সহাস আসিয়াছে যে ইহা-দিনের জাগমনে দেমাপতি ত্রাগ প্রকটোমিন भिक्रिकान कतियादि। देवाना कल अ क्रांस का-লভেষ্টন ও টাক্ষেত্র আক্রমণ করিয়াছে ৷ ছ-क्षिमांश्लंब स्मांबां ६ मान कीमान हात्। छेख-हरिएमत युद्ध कार्यक जकन आक्रमन सहस्र । प्रा-काँक काशास्त्र अक वान ग्रवीक वरेबारक। व्यव्या निष्ठ करित्रक श्रीतिक श्रीतिक करिन

দক্ষিণাংখের সেনার: শিশুও কল্ড অনিকার করিরাছে। তথার জনেক জন্ত্র জবাসামগ্রী व्याक्तमनका विशिष्ट व खनक व वेद्यार ।

উভরাংশের সরকারি 'চটি ভারা একাশ व्हेबारक, मन्त्रिगारनेट रममानन शहांक करे-शंदर ।

यवनमर्विष्ठ दममानिर्शय निकटि यक्तु छ। व-ब्रियोज नवदम् योगम्रोदम्य कारवाभियाः आवर्तः-মনান ও জেনিনিতে বে সকল বুদ্ধ মইয়াছে खाणाटक विकाशी कित्यर बनायत हरेग्राह्य । क श्रांता अव्यान श्रीवरण श्रेता वांगावामन निकट्ड बाद्य बाढ्यर छार:ब्रिशक नके क्निश्रंत A है श्रमां करगांग। विक्ताहित। अपूर्णाविक-वर्भ ज्ञाहीसांबस कदिएकरह । विद्यांकीता अमा-निर्देशक शब बकार्य करमम पूर्व कांजनन कवित्रा शद्रांकिक व्हेत्रार्छ । ७००० शर्वरम-छ লেনা কিন্তুটমেৰ দিকে প্ৰথম কবিয়া বিজেপি দি-প্রের অপ্রস্থিত নেনা ধণাংক প্রতীক্তর করিয়াছে। कक्षत्रम प्रदर्शन निकटी क्षत्र क्षत्र ग्रह व्हेग्रांक । वर्बर्द्यक्षेत्र कामारमम् (मोका श्रीम अवर्षना করিবাছে। বিজেপিব। আিউনিলভ এইতে सूत्रीकृत बहेत्रां कात्रकालगादम्य भिटक कार्यमय बह्रेट्टरह, जिल्लेक्स का क्या करा क शांकिरगढ़ অভিপ্ৰেছ। প্ৰাণী শে শ্বাস ইইডে পুনৰ্বার বিক্স বর্প আক্রমণ করিতে গম্ম কবিছাছেন। তেজ मारहर बारश्वत रा शकात कार्या आधी कतिवात এপ্ৰাৰ কৰেন খহ'গভা তাহা অপ্ৰাল্য কৰিয়া ছেন। সভাপতি লিছলন দশ কোট ভলারের बाढे शहनित कतिका छाइ। किना किना छेन्द्रक जमान करण जान्य कदिवाह व्य अखाव क:वम भगामान चाहारक मणा व्यवस्थान । माधारन তত্র প্রিয় ২৬ জন সহাসতার সভা সভাগতি লি-इत्रम् ध्र श्रम श्रमान स्त्रिष्टा वित्रप्राद्य सी हार भागन अवामीय उना कें श्रीमान काम বিশ্বাস নাই। বলবিওছাৰ এক উত্তন বস্তুতা ক ब्रिया अक्षांव कवित्राहरून मुद्द्य मधान करा क ईवा चालद्वित्र ब्राव्यांभक गठा अक सन ५३५ गरना

नी उन्हरिक कार्यम व्हेशायम श्रेष्टी महिले ভেবিদ বিভোগী সভাষভালে মালিছাবিলা व विकासक चारीनका मीकाह कुर सुर्ही रहेरक भारत या। अनिवृत्त महिला प्राहेन्यानु यशंगताप्र विद्याल चारकालमे चेरेकाला नक्षान देवेदब्राह्मात चन्द्रद्रम्भका सिक्ट रहेश प्रशिवारम्ब जन्माता दानीसमिश्य हैने रव की बाजा किन्द्र विकार बाज कारबीज आर्थ कांग्री नरवन । ए किन विकादशब द्यार्थकार्य अन्त्र ब्लिय व्यमाभित्यम प्रमानिकाकाच आर्थिकाक्षेत्र मारह । काहारा तरन सामहिक्दक क्या कर्या है मान बांदा अकृषिभाक दक्षा कहा माज 1 आहे. कारता व बर्ग मियानम निर्मात के मान कार्य मध्या नर्भन्न प्रक्रिकिक स्मारमञ्जू केराज করিলে ভাল কাল ক্রিছেন।

मधन ज्या त्यानमाति।

विरक्षांच्या श्रेतांच्य बहेश्यक : अर्थ नारम्बर जनावा निमुद्धिक्त वर्षेत्र क्षे इक प्रदेशांक । गर्जाशीय सिक्ष्मा देव व्यक्ति। कतिका विरामन कार्याटक कार्कितीकात-व्यवस्था हा विद्रकारी करेबाटक है ३४०००० मानहक देखन व्यानी क्रुक क्रियात करा क्रिकाश्यालक क्राह्मक्र नकाय अकृषि निम द्वेषाद्ध । क्रध्यक्षम मध्य acceses शेका जुलिशह समा दिस प्रश्नेत रहेशारकः। स्त्रांनी त्मन्त्री स्वीतरका स्वेटक witte Butt etwite's

কংগ্রেস সভার সংখ্যিত কালাৰ <u>ভাইন্ডারেল</u>। lug gute thistell to gial fullitun affir হে। সৈনাপত্তি থিকা পদ পরিভাগত ক্রতিহাতের

দীপাত্তিত থাতিবি প্রের শক্তিদুলালেরিভার भवन कवा अक्टा करणि तका वहेशाहिक। छी-कार नम् हि केसताथ्यात देवना निवास स्थापको क बराज आकार कविकासक्त, लेक्का के हरक मित्रक का बहेवा विदाधिशनको लाख कर्तिएक व-লিয়াছেন। লগুন ব্ৰাভক্ষেত গুৰু ছিছে স্থানীয়গংগ युक्ति कतियात मधीन विविद्यालय प्रशिक्तिक Benitent enters ning Baiffila en " क्कान क्रिकार्डन काली, जार्डकार्टन क्रिक बाद्र करा अकार कहा कहेडांट्स L अखिलाक असा-अला कर रिनर कित विक्रास अप अस्टिन विक्रारस्य, देशात मरपा २६६ सन " व"। " म १६ सन वा" 737 विष् एवते।

अध्य ३०१ (परम्यापि ।

e है क्कार कि में बाम का अधिकाम का प्रश क्रेड रहा जानीय बख्या चाता बना क्रेडारह विवरिष्ठ सना अन क्षित्रम वित्व । पूर्वारसञ्ज अत्य त्यायम् समा जात्र माह्यसः। कात्रा प्रदेशहरू। दिन वर श्रद्धन क्षित क्ष नार्थ अक क्षत्र मजा चक्कम आदम्म कविरतास्त्रम । चक्कि-नमान गाम मकल (पश्चमा ६ हेम' ह। पत्रवना-देख भड़ेभाक नहीं छिरिहरू मिशामरमञ्जू चापा-क्का खाः व क्रियारहर । एकात कर्यस्त सियुक्त इक्रिप्रहम । ग्रनाशिक मुक्तिनन ७ मनन गल-काक क्षेत्राध्यम । निरक्षा भेदा शालका विद्राल ছুরীকুত হইয়াছে। দরাশীরা মাকাপুলকো নগ ca ceral (नरक्ल क्तिया के क्र हव' क्षिकांक कतिश रहः जिप्ति देखिशः द्यभान्नानित स्टबाब्रा

াৰে ৰাজ্যীয় জাৰাজ ফ্লাইড হইংড বো उ जानित्छहिम छोदा जनवत्र द्रेवाद्य । : दब्र[ि] माविटकता टक्टरे त्रका शांश माहि। हितानाम् मायक कार्याक चारमहिका वहे-निवत्रश्रम जारकमात्रादत्रत मनुत्रविद्यत मीला अना जानवम महिलाटको के के काल-: क्तांनी भवन्द्रिके खन्नाजिरहेदमङ क्खेंग म अरे विल्डा गाँउ मिथियारक्षम खेलावा क्र . इ मानिका गणि क्यूम, भटकर माकार नव হত্তদেশ্ধ আৰ্থনা ক্ষিয়া সৃদ্ধ শেব কল্পন: লিতিৰ বিজেটিছর সম্পূর্ণ বিবরণ জানা र नारे।

অসিয়ার সহাসভার অধিকাংশ রাজার 'कृटक बर्जन विरक्षक्ष । कृष्ण के बर्ज्यन व ।रिक कांश्रामिरभन्न कांकिमिभनरक अहन कति ় অস্বীকৃত ছইছাছেম। উহা একটি সামান্য त्यत्र मात्रि दशतिष रहेशांद्यः। स्त्रामी महामध সমুটিকে অভিনন্ধন পত্ৰ স্নিতেছেন, প্ৰিভানে শোলিয়ন কেবল ভাষাতে অসমত। স্বাস্থ উঠা ইবার অনুযোদ্ধনার্থ লাগ্রের লোকেরা বিশেষ মাগ্রহ প্রকাশ করিয়াছেন। পিউবেলার সমুৰত্ব क्रतांनी त्रवादा व्हिकीश्रावनक आक्रमण कर्व एक अञ्चल **स्ट्रेरफ हा। शिवार मध्या करा स**हेशा

কডকণ্ডলি ধন পঁরিপূর্ণ লাহাল ব্রেজনের ্ট কলমগ্র হওয়াতে ভত্ততা লোকেরা ভাহ 🛦 बहुत, छत्रिविक क्षत्रका भवर्गस्य 🕭 🐧 देशांक তের সম্ভিত্ত বিভাগে মইয়াছে ; ইংবাজ রণতবিষ चंत्राक योव चीनि आहोत पृत्र करोएड <u>द्वित्रम शवर्गस्थले १०% सूत्रम स्वित्र्य स्वी</u> কুত চইয়াভেন। কর্জা গাবেল কলিকাভার প্রধান। রঙ্গ গ্রের প্রতিনিধি সিবিল ও গেনন কল ছই-' তম বিচাৰ।লয়ের বিচারপতি হবীয়াছেন। ভার। বেন। खरदर्वन जूजा उभागासः मादककेरहर निक मण्डा हाम अक मेखा करत्रम । जो मखा कलिकाडांद्र भवर्ग "आंख इहित्यम अंदर बांझक्। ख व्यक्तिमीश्रायम वा মেন্টের বিশ্বন্ধ অভিঞার একাশ করিয়াছেন।

ওয়টিব লু [/) লাওখরণের আলভারবান ছ हेश्राह्म । अप्राक्ष कि एउन श्रीवर्श्य जनपानना न इहेब्राट्यत । क्विष्टे निक्षणान क्वित्राटक्य । अहा मार्ड गाडि चाणिक बहेबारक। ३४०३ व्यक्त শিল্প প্রদর্শনী সভাব সন্মানার্থ চিত্র এই জুন প্রিক্ত चार श्रात्रमहण्या द्वाद्व। द्वापिक स्टेटन। जन महरू व जान कीरश्रद त्मश्राप्टेनले भर्गत स्टेशांस्न ख्यांक्रेन मा: एटव्य अस्तिवदर्श शिष्ट नाट्य प्रवड दिश अधान कार्गाकाव क करेंग्र टक्स ।

हिर छेडेगर्क २१० व छुत्रादि । অভিশাস মুখ্যি হ ওয়াতে ধ্বণসাইত সাপান क म्बी श्राद हरेंट इ शाद्यम नाहे।

गदन :गने विष्याणन।

वाकताराजनीय ब्लब्डेमकेशवर्यब्र प्पार प्रमाद्यमाती निरम्नाम ।

मा है, तक, महेम अक्षार्थ माध्य खोशांत्र मणाव ₹ इहेटरम :

১৬ हे क्क्स्याति---वानू मनतपु म**तिए ७** वानू वस्तीरमाध्य क्षीधूबी ब्रम्पुरवङ विका मध्य'व ल्लाकाल कार्याहेब त्यवत वहेदबेल।

३९ (माल्यांवि--- हि, अवेड अवेड मार्ड मार्टक বালেখনের প্রতিনিধি মাজিটে টুল্ও কালেটার क्टेटरम करर ১৮**७১ जरकत २१ ज**िल्ला ११ ধারা অভুনারে তথাকার হয় জেবীর অধীন দাশ ক্রিটের ক্ষমতা পাইবেম।

এক ওয়ার সাংখ্য রজারতের প্রতিনিধি गा कित्ये है । कारमकेत इहेरबम अवर केक आहि म राष्ट्रमाद्र खबाकात रह उखनीह सबीम नामि ्ष्रे हित कामजा शाके तथा।

আর এ বার্কর সাংহব কাছাজের মেডিকেল क्फांडो इदेश्य ।

व्यक्तियुद्दत्र द्वांग्रेमानाम्यत्र स्थ योत् दिशीयांशव त्यांन ३ १००० व्यान्तव २० व्याहेरमन २> थायाच्यक्रमार्व श्रयचाळातीह अधीन माजि-(क्ट्रेंग्र क्यकः शाहेशास्त्र ।

उक्त विकाशित द्वारविके नवरवृत्र कांत्र. वि. मार्डे मार्ट्र ১৮५० अस्मिन अ नित्न अञ्-লাক ভবানার ভেণ্ডী কলেটবের কন ১৷ পাই-

अक, त्य च्यारमकक थव नारहव कि हेमिरनव क्या क्रमणूरमय अकि.मिथि माक्रिके है 'अ करम क्रेम करें/यम ।

১৮ हे क्यापानि—अक, निकारित नारहर

টা জে, সি প্রান্ট সংছেৰ গড়বেডাৰ ভার क्रिकेट अर्फ्युरी करमञ्जूरत क्षत्रका भारतिम ।

লেণ্টমান্ট, এফ কৰি সাবেৰ ভাভাবি-शास्त्रक के कि जिस्के महकारी क्रिमिम्दान शिक्त निधि इक्टरबन ।

১৯এ ক্ষেত্রারি— এইচ, আরু বেডক্স সাহের उनम्प्रत्य ५ भ (अभीत मालिएके है । करमक्रेय **क केटरम**।

क्रक, आह कक्षत्रक भारवरी दम्मिनेष्ट्रदेश स्थाना सरह । माणि छ । इत्ति ।

मि, त्य मारक्षि मारहर द्वहारवत वास्टि है व कालकृत ४५८वन ।

आगारमञ्ज श्रामिक जनकाती स्मा तर नेटश ले নি জি মাকসুইনি সাছেৰ বদলি ঘটনা দিনাজ-श्रीरक शिष्टारक्षम ।

১৯এ কেন্দ্রের বি--জে, পার্কার সাহেব পাৰমান শিক্ষাসংক্ৰাপ্ত ক্ষোকাল ক্ষিটিয় বে-क्किटीति व्हेदबन ।

(मोजनी प्रकाम कविद्व कर की धवर इसनि হির্লিল সাববের শিক্ষংকার লোকার क्षितित रथवत् व्हेरवस !

মঞ্লদিবিদ অভিবিক্ত সংকারি কমিসনর . 5 के श्वाद्यार्श वे-विकेश क्रांक नारम्य योक्षांत्र नि, नि, ज्ञान भारम्य १४ वह अहम्ब के आहितन्त्र लिका त्र°क्ष '(अक्तिकांक क्षिति' सम्बद्ध इटेंदन-) अब श्रांत्रकाशिक क्षेत्र शक्त शक्त क्षेत्र इटेंब्राय्सन ।

नि, व्यथिक मारक्ष क्रम स सामुद्र र या: हरमध्य बाहा कञ्चनीत्र स्थानका ना सकारक बांक्रीक क्रीका दक्षविंदा संवा अफ़िकिबि अहु. (वक्क वहेरवन् ।

72.4

২০০ কেব্ৰয়াব্লি—এডিনিধি অধ্যাপক চে रेखन ज मार स्व व्यक्तिमान कार्यात्म अमाग्रेति কিজিওলজি, কপারেটড এবটেনি, ও কুদলিব आधारणक इतिरमा

खर्ब करे, है. खशार्ष मारवेद नाहीद्वारयन वि-क्रांन'कोड लाकाल क्रिक्सिंडम्बर्ड हेड्टरन।

२५० क्वंब्रहानि-चात् वाबीक्षण निक की-তের অবজন ডিল্পেলরির এডিনিধি সব জা निकाली नदक्रम कक्टरम।

बहैठ, धन, উत्रमन मार्ट्स किमेड्रेक्ट्र (हा) जामांगराज्य क्रम प्रवेश्यम, क्रिक्ट व्य श्रवीख क्रम কোন অভ্ৰমতি না বনু ডক দিন বাকরগঞ প্ৰতিনিধি লিবিল জব্ধ ধা বিবেন।

বীনভূমের সভভারি মাজিকৌট ও ভালেট্রন হ-हेरवने । ३४% ३ व्यक्त २६ व्यक्तित २२ ४० चक्रमोध्य उथानात अम ध्यानीत चथीन म क **ब्लिट्डिय कमजा शाहेरदम ।**

बाखनः विमहेत्रक, काहिए। प्रश्नुत् । हार् हे **লের এ ডিনিধি কল এইচ, বেল-সাচেব** মন্দ চ রের ছোট আদালভের জল \চ্ট্রেন।

धन, नि. दर्गान नार्यंत रक्षाकृषीय अन्तरः ब्लिन अजिमिध समित्रत (माक्रिकेटिन क्षेत्रत ।

चान, शि, क्षिक मार्यय मार्थासंस्थ के देले वर्षाकरमे है । एक्यून कारमहेब इन्ट्रन কিছ যে পৰ্যান্ত অনা কোন অসুমতি না হয় 🥫 मिन बीत्कृत्यद्र मा**जि**टके हैं अ कारशक्केद पाहि-८वम ।

পরপ্রের্কের এতি।

निरम् बन्न भद्रात छनि छेरकुष्ठ क्य माहे। क्विम्युरस्य महामूचि थाकि गोषांया।

मिंबरणन मा क्यामिकी नासके प्रेय निवासित भर क्षात्र कवा विद्या स्ट्रेस्ट मा।

रनाभाषाहरू बरन्ताःभाषात्त्रम शत श्रेष्

च्यक्ष ७ विटमान का विक्यांति कायामारगर बदनाबील ६ है न मा

, পুর্ব**রঞ্জ বাড়ের পত্র** একাশ কর ১ জ্ঞ ^{চ্টু}। CO:E 411

থেরিত।

প্ৰবৃদ্ধ নোমপ্ৰকাশসন্দাদক

मरहामटश्रेषु ।

জীরামহাস সেল বছরমপুর ইভি আ বি व अक्षी विकाशन विशेष १३ मास्त्र काश्रवन র প্রথম পাছের অফালিত দেখিয়। বিশ্লাগা

इडेल'ल । खिनि कृषिरह अ बद्दमस्यापम उक् क हात संबोध भवामत राज्यक्वा अध् इतित क विटिएस्में। से कि कवी ? फिनि कांग्रेत निकड़े এই পুঞ্চ ছাত্রিক করিবার অভ্যতি পাইলে a 2 कि कि कारमध न। या खबा नवात सवाल ায়ৰ বৃতিত্ত বাৰ্ডীয় পুত্ৰক ত্ৰণীয় প্ৰিবাৰেৰ ध्य मृश्व कीवमांशमधन चक्रमा छरममुम् आं म् विराद प्रम धन । छोडा ६वन कविट इन्ड प्रभावन करो निष्ठां क मात्र निक्रक कार्या जटना ह नाई। द्वाध क्य दमन स्थानक विरामस ना स्थान ं हे बक्का कर्ष्य एखामा कतिता हन । असान त्रम प्रदानकृत्य यामता कान'देखाइ। काना क्षांक्य स्थानम् स्थम क्षीवित कित्सन, खरका া ভাৰাৰ পিছৰা মহাশ্য বাসবদ্ধ। প্ৰসৰ্জিত त्रदेव'व निमित्र ॐागरक कु प्र. कुग्नः कामरताथ ज्वियो अ मन्यांक मार्क मार्थ नम न है। बरन्छ ত্ৰা লয়াৰ মহালয়ের পাঠনলার বাসংক্ষা অ स्वातिक परेताहिल, शदत लेक असिक क्रिएक ্ৰাচাৰ সক্ষা বেধি দওৱাতে তাঁৰায় শিভ্ৰাকে वः निविधवे क्षित्राहित्सन । धारात निकृश म क इ कारमरकत रमस्क हिरातः । युक्त विराधित आ हे रे.व क्षणांक प्रवेश महाज किन भारता है इ. ते नवरत उक् शकार महामन प्राणिक विक শ্ৰন্থ ব্যবস্থাপক পণ্ডিত ছিংলন। ডিনি বা गिए किश्वविषय मिन्द्रमध्यामध्य भारति । शामक्रांत श्रवशाद अध्वाद अध्वाद माना दिन भाग निर्मित्र। केष अनुक शामि शामानेवां में के व्यक्तियां किया কল্প প্রাকৃত্র পরে ভর্মানক'র স্ব-शंक्य क्षेत्रकथा मिथियाष्ट्रिणम सा दोनव-्राप्त व्यालकाटक स्माड्या स्थान, डेम्। व्याल-ন্ত_{্র}নামে ছাপাইবেন। আমাত মত্রে ছাপা इहेर 50% 'कार आक मा मा इय' हेला क.व जि-वर न्क्रीड पुक्क इंशिहिट्ड डीकाव का स्वाव है विट्रिमा कवित्र। क्रमीत शिकृत काल (प्राथन) ত্ৰিত যে বিষয় সংস্থাধিকৰ সংহ ভাষা আৰবা क्षित्र अयावर श्रावती क्षेत्र शके । अकृत्य एनम নগালয়াক জন্য সেই পুঞ্জন স্থাপাইতে এইও इत्रेष्ट्र कर र अकरन खेलिएक प्रदश्यामर्ग ति. रिक जिलि अञ्चालन विवास किए बाह करिया। भ रक्त उत्त राष्ट्र राष्ट्र आग्नामन। सिंद, जिल नाय, ज्ञातक कुछक । दमाम शका म वस्त्र कारावित. प्रमा । १९४म लाहेशा अधिक (शाम्यास्त्रम अ 1414 4 4 5,

खिला, यस मि ठ कि शिक्षा था। है व दर 144139 का व्यक्त है से हिंदी

ইযুক্ত সোমপ্রকাশ সন্পাদক महानश मधीरभय !

े है क, स शहनव लामश्रकाल क्रांन लि निराणि श्रीयुक्त हसाक्रमाय उप वार्शिक Bibi ' स्वालम् स्व क्लिएक वन्त्रमान निर्विध िला ने अब कतियाद्यात उचित्र के अने नि र तीन कथा विभावात शहरासम माने, ", हा-

व फेरुस विशाख्य किलारे जात इब (১)। छ- भन्त निरंवध बढी, प्रवासि क् क बंगीन बढानेब कुउलाव गारक कवात बान्सक बाकिनाका देव हुन (खनीत सहस्र) निरंदश्य वसूरहगरक अअञ्चलन -वित्रः। श्रीकात कहाट डवे आवाद পরিভোগ कश्चिताहरू, छन्निन-ছে বাব। বস্তব্য একণে ভালা প্রকাশ কবি-(3.E)

व्यानास्टिश्य शक्तिशंजा देवस्थि दश्यवीय मध्या किन्नण जोष्टाम अवाम छात्र क्रमीन. पर-मक ७ मोनिएक बावदाव एक शहाल जाएक कृष्टि कांच करा जारमाक, क्षत्रव कांचा निवि-**७ व्हेल** अन्त्राहित्यत कृतीत कृतीत क्षात य अमारन वागमान बाजी ड शहानुब नाहे। फ्रे-म्। क्या। गीरक्त अक्यांम ब्युडक्टबंद गटवेर क्या। পাত্র ফিব করিয়া সম্পাদিত হটয়া থাকে, ভাছা-एउँदे कमा। भारत्वत्र ममान बग्राम विवास स्था। অভ্ৰেৰ ভাগা অভি কুংসিত ব্যবহার। এ ব্যব-बावती त्यो लक ७ वश्यकत्यत्र वाचै. जागविद्य ह क्षमां मा दिनीय थ जनवानय अधिय नाव विवादक शुर्क्त कम्मा शास दिव कतिकः विवाद हता वे वारशांकी स्मरण कृतीत्वत्र वारशांत्र विश्वपृष्टि चाण्या डेबाटक कुलमक्क विलया बाकि ভাষাতে কুলীনে কুলীনে আহান এছানে কুত-नाव कुलीम लाइक कुलीम कमा।व बाल्हांम वह-वर्ट कानजटगरे म्हावनां मारे। कुलीमा वि-बंद्ध्य क्षार्क्षे इडेक वा शहर बंडेक वे बांधक-क्षा कता। क्षताना इहेरल महे शास्त्र वश्यम ७ त्भीनित्यना कमाशाम क्ट्र ध्वर विवादश्त भूटना से भाग जनाया बहेरज जब कुनीनक ना। दक्षांत कूनीरनता अहर करत्र ना, त्योगि-ल्याहे विवाह करत, उद्धित योगित्कवा मोनि (क्यू क्रना के अञ्च क्रिया बाटक । वश्मक्रीमध्यत কুলীবের সভিত অ'দান প্রদান উভয় বাবহার ज्यू मा, जोबारा উक्तम क्रमीन शास्त्र क्रमा। দের কিছু মৌলিকেব কনা। গ্রহণ করে। 'লাখা-फिल्मब कुनीन, नश्यम छ योजिएकत्र बहेत्रभ विम जिम बादशंत श्रेजीय स्थाद ।

का विकास विदेश कृतमास अर्था शविवर्त বিৰয়ন প্ৰস্তাৰ প্ৰস্তাকে যে কু চদাৰ পাত্ৰে কন্যাৰ वाक्सान निर्विधक मञ्च्यक्त श्रीमान विद्याहित तम निरथभंगे वृष्टि अध्याप्त अहेल, उत्य खुकि नारता व विकीष कृतीप बात विवादक्त विधि आहरू, कारणा अहरीक अञ्चल बिलाउँ इनेटन স্কুতৰাং আমাৰ্দিগের ৰ শস ও মেলিফেৰা ৰ। অন্য ক্ষা এখনী ও স্বাধাপুর স্কাতিরা যে কুত-দাৰ পাতে কনাবে বালান কৰে, তাছ যদৈও হাসিত্ব নাছ, বিষ, প্রশান্ত প্রতে, ডাছাকে স্মা-भारत बिला'छडे ४देरत । श्रामाख को 'नामध्री स्था-

य नक ७ कोशिएक्ट बारशंत छ कुमीरम कुमीरम कामान अमारता कमान बाह्यांस कविषांत महासक्त बे प्रथमक मिर्यश्री प्राकारकार गरक शकुड बिर्वश्वादम अधिक छ इ वाशीन मधानम विश्वष्ठमा कृतिः त्व जेशकुष अविदयम हेकि

SE WITH SAME

Bingist cente

ছয় সাস অভীত হাইল, আহি পানি धांश्यम क्रियों है। य चक्रतेष चेहे ন সগরীতে অবস্থিতি করিয়া জন্মীর্থা विन्तु धारतक श्रेत्रोहि । गर्कक (धार्नी) লোডা, স্বিত্ত ক্ষেত্ৰ ৰক্ষয়ন্ত ৰাষ্ मडा उद्धालका यडाम्हर्ग मोस्पर्ग. অপেক্ষাকৃত অ'বাদয় ধর্ণ ইডাাঝা विविध मोशर्या चरणांक्य केविस् किंठ करेवादि । कारावश्वत अवेष्याकारः, গাৰ্পান কৰিছা কৰিও এ অঞ্চলক **উक्षम काम बन्धा गांच वटने क्षिक्क औ**र नामा विषय अपटलाकम कंत्रिके ^{६६%} . जाम " अक्या विकास काम विकास रहे. त्यात कर्ष रक्टबर श्री **ड श्रम्थार्थ**ः তিশৰ সম্ভৱ ও বিশ্বিত হৰীতে হয় त बीकि मीकि, कि बाहोत लक्किने भक्ष अवाजी त्य किरकदे त्य विदर्शने द्वन कवा बाह्र अकारणहे प्रक्रिक के रहेरक रूप्त, विरमयक अकर स्पेमिकी म् शर्वत विवय गर्यास्मातमा परिदर्भ । भाजादिक स्मारकत जेवन स्टेट्स शहर cun mipig arenin wiel meine Giff ज्ञांव शांत्रण कविष्योदम् । स्वाचासमानि स्वाचीहरू। बादम्ब समय किवर श्रीवचादन स्तरकार्य Segice are Erig, Piet fiere कतिएउ शांतिकारक्त बर्दे क्यि श्रीशिक्ष मध इ नक्षत र उद्यो हृद्द थाकूम दक्ष्म मुक्कम्ह পদ করিতেছে ভাষাতে পরিবট্টনির ছাও দিব विक रहेशा अब विकित में बरेशा दबर के हार व हृध्य शाहारात की उ कतिएउट्ट । अने की अन्यामोदकत बांच मठाडा दिन क्रवांत खुनाकी সামাজিক ভজতা এবং লোকিক সমুতা লেখিটা जान ज ७३ जास्त्रामिक वर्षेट्य देश, खर्चन दर्श • ইতে থাকে যেন ভারতেব সৌনাগা **স্থো**র इन बहेगार किन बाग! कि श्रीतकाश व वसके উद्यासिक प्रतिकार स्थान में भारत है जाने क इह, उथन आमारमह गरन सामा मयन प्रतान जा निरंडिक रहेर्ड बहर । त्र जाब दक्रमा भी कार काइत्रत कनकि इ एप में, गांव । देशरामें

[।] ১) গেছেড় গত ৩১৭ ভাস্তের সোমগ্রকা-। त्न निमान्धः यकः निर्विद्याद्यन व ११ योकानि बास्त्रक के बाका लाग कता। " " विवाहत क्षणा प्रमा बकु एवन इहिड इहें(व, खबने छ वी-त्यार विश्व करेदा ना। याचि स्रामात करादि মুদ্ধেৰ পুজের সভিত বিধাছ দিব, এপ্রতিজ্ঞা ज्ञान क किएक सहेटन महस्त्व माहे विनास छे-ঠিলা না গেলে এ প্রতিক্র: উঠিয়া সাইবার স-स्रोदमा (क १ - "

্যুগান্তর উপন্থিত বেশ্ব হয়। ा म ल के विवर्णिय परेश क्यान विशिष्ट कि :। क्यां या या या व्यवस्थ अभीकृष 📆 ्र जिक्छ गठ। विकृष्ठ वर्षेत्रा बालक्र-१५७१ । वैषय पति छ त्यन अश्वर्ध पतिया रू कर अर पेरिक्ट्र कि विश्वतीय मेरफार्स प-

मश्रीकृ । यथम और प्रकाशियन । # WY ... मक कमनीह त्यार शालाक्य कविन twite: ।म अक्षा पर्याद्र तथाय अन्यान (उप . ्रांता मि शक्किताथ शक्कि विद्यमान्त्रिय-है के ना करिएक बाकिएमन, क्यम हैं हा ্, করিয়াছিলেন ? অর্থোপার্ফন ক-. े कि छोत्र पूर्व स्वाहम **ब**रमस्वर ाहर 🚁 म, चकीर लोकांशा वर्षम, अनाथ म-সম্বট্টা ১ এই নিবারণ এবংপ্রকার শুভ ইক্ষা বে। নিয়ন আছে জালা সহিত চটলে ভাঁচাবাও ই-(अप्ताप्त के बारक्त अखरन बसवाडी किल केशा-) श मराचार नाहे। किन्द्र कि क्लारलत वि ৮৭ লে সকল পৰিত্ৰ ভাৰ কেন অৱধা-অব্যাহণ এ অক্সৰে কি অভিনত অৰ্থ উপাৰ্জনে अ अके जो **कारांत्र ग्यार्थ वार्यांत्र विश्वत्र**ण क ভিল ছকালে জানোগতি বওলাতে ক-व बहर ति विका करेकारकन ? है जिन्द रगनाय इत्तर गांव इस्मिक्ट कि कर्षत नार्थका नाथम वह ? दाराबः र अष्टिक्षक स्वादि कि वर्शार्थ मञ्जूषा ह कार र ह बर्शमा वे बाबा विरम्दन कालिया | शृतकाय बहैदन १ , र देश क्षांत्र चारीमका आल करेबाह्म. रिकास शक्षके विवासिक विशिधिक व्यवद का-এক অব্যার সূলীভূত কারণ বলি-きたがか おいっ हिटल शास्त्र। जन्नाहरू अस्थानत ! राटक धक्या कथा किसाना कवि. मञ्जूरवात मेथ्र-पत अथान अथ-· प्रांधः

ইভিজ নোমগ্রহাপ সম্পাদক

া, দেই আমীনতাই কি এই প্রকার ?

4 8

¥1"

Ant.

4

वर्गन्दस्य ।

4 4 क्षेष्ठ मुखार का मान्य कारण मान्यां वा वा वा क्षिक्रिकार्छेत विवादांत्रस्य आतीम बहेबाइ मध्याप स्थित प्रेमा यात शत नारे आकामिक रहे लाक्ष्या प्रेक्ष राज्य, देश जलका मत्ता-विनंद मांड कि इरेंड शांदा ? त्यांथ इप विक्षित्रमञ्जूष या जन्म विक नद्रशंत्र का किये कर गरेनात्म आस्नामिक वदेशात्मन। এই বিভাগ ছানা চিহ্নত ও অচিহ্নত কৰ্মচাৰী विभाग दे विकेश गिर्मिंड जन जाएक डाक्स कि-্ছু ছু গা বুইজা বৃটে, কিছু স্থাক প্রভাৱে ছুর बहुन शा, दश्य क्य तम प्राणः श्री प्रदेशाह नमह ध्यम् छेशक्कि दश नारे। यहः इत्रेक, मंड् बाबू त्व नक्त नेता न नेतानातात अधिकाती व देश होर्चनाम भूगाजित गरिक नमन भागा-मां अमांवरी कृतिहा छक उन मानामाण्य वि-काप्रभावि प्रदेश । प्रमञ्ज है का व्यक्त गाहे ए

্ৰপ্রীত ভাব থারণ করে, ইছ্বি- সাগিলেন, সেই প্রকাষ গুণ ও যোগাতা বিবেচ-मांब क्षामा आहार उप केरी महा अस कारन अधान मन्त्र चानियों श्रम क श्विमात हैकि। दवक म मा गान रकत । धर विषया आषि रकताविष ব্যেগ্য উক্তীল গণকে সংখ্যাধ্য পূৰ্ত্তৰ অভৰ পত্ৰি कालावः निर्वतन कतिरङ्ग्हिः आकश्यव छ। वस्ता नवाबक क्षेत्र। अके विवासक सावा क्षिकाः वृत ছারা খবর্গদেটে প্রার্থন: কক্সন, ভাগা ছউলে ভারাদিখের অভিমাধ সিভি পাক্ষে বড় বিসর চ্টবেদ লাও জন্মায় দিবিধ উপকার সাধিত इहेरकः। आक्षीअडि अधना विडरत अवना मन-ক্ষা কালে কাইডে ক্ষান্তা ক্ষান্তঃ যে সকল महर वाकि मुल्लाकी काला विदेख कहेंगा किना क्षातित कामजी कतिरहरूम, काकाता वामा-श्वन समझ लांका । विष्ठात्रक्य करेटम ३ कर्चन निहारणि परिष्ठ मंदरम नां, करे त्न अवाह क्या श्रेक्षक जे शव चीक्षक कतिरवत्र । बदः नादि ইবর্গণ ক্ষুত্র মেকিন্দ্রগাব আন্নালতের জন্ম ছও-রাব ন্যার জেলা কোর্টের উকীল গ্রেণীর গৌবর বৰ্জিত হইরা জেলাকোর্টের উদীলগছ একটা স-মু াম্ব পদ ঘটরা উঠিবে ৷ বিভীর (" কেখন জা-एक महोसदर्शन कावन कतिया (कंशरल- । यात्र करन शूखा दूथ एकवाव महाय ^{१९}) कहानसूच्य बूरभक्षण क्षरत आवजात कहत, केकीरलव উত্তৰ স্কাশে জানিতে পারিছা তথসাঁও কেছবা পক শক্ষাব্রের অভ্নোধের সাহাট্যা विकास कार्या नमाथ। कतिया श्रवर्यस्थित कारक धूलि मित्र। ए केळ शक्ष लाख इरेडाइम छचन ! লীর একণ সা হটয়া যোগা ও উপযুক্ত পাতের। স্বেন। कर्मक वर्णमम e दे काफन वर्डम्प्रेस्

थाश्वरमा।

1207

करखनड প্ৰীযুক্ত বাহু ভবভচন্দ্ৰ বেবিল ১२१० देवणां व्यवस्थि देवचा गर्वास स्वार ५७।० পটসভাজা ॰ जातिनीहत्रन हरणेशियांब ১২৬৯ অগ্রহায়ণ চইতে ৭০ কার্ত্তিক পথার त्यार ५० व **८म र शांग** · को कालोग बरमतीशाधास (कार द वी १२४७ उद्भाव करेटल मांच गरा ह विमान · कर्ना समिक्ति महिन ১২৫১ জন্মদায়ণ ভ্ৰতে ৭০ ফার্নিক পর্যাত त्कार ३ व ले म(स्थित्रश्रेत " दाश्रीदर्गाविक क्षेत्र ১২৬৯ যাব চই জ ৭০ আয়াচ পৰ্যাস্ত কোং ৫ " कालीहत्रन हत्यांगांशांत्र विनाकश्र कृत ১২৬৯ সাম চইতে ৭০ জাৰাত প্ৰাস্ত্ৰ কোং ৫৪-**চুনাগণি** " महिम्हता मान ১২৬৯ ভাজ হইতে দাৰ পৰা স্থ उन्दर्भ ते ले मन्त्राम नाग्री " द्वानाम्य नाम ১২৬৯ কান্তন ছইতে ৭০ মাধ পৰ্যন্ত কোং ১৩ শান্তিশু: " श्रीनित इत्योगीयाव १२७३ कालम स्टेग्ड १० मात्र भगान्त कार ३७

रमहिनी शृह * दबक्जिशेन हाविट्यहि. अर ७३ का अवासन वरेटक वन देवलीय नगां प्र (で回3)本 草 夢り正 · सरक्षण्य विश्वान ১২**৬% क्षान** क हैएक वर्ग व्यक्तिक श्रमान्त्र A. 280 CHAT TOTT'S ¹⁵ लेलिख्य प्राप्त ১২৬৯ ৰাখ দ্টালে ৭০ আৰাত পালাৰ কোই ৫০১ • শ্বাকাচৰণ হোৰ REMINE CONS. ১२७৯ ल्योर बडेट ड १० देशा है श्वा के क्या के का: ese ¹⁴ कालीक्छन जान क्रों श:म ১२७५ माम स्ट्रेटक १० जायांक नवा स स्वार e u

সোমপ্রকাশ সংক্র'র করেকটি विद्रमय निष्ठम।

अधिय ग्रेका मां शहरता अक**न्**रता रमानश-कांच दशहर कहा गांच मा

ইহাৰ অগ্ৰিম মূল্য ৰাৰ্ছিক ১০ এছান 🖽 निक es छ।क , इस मारमत मुख्य मुक्त लक्षा

वीकाता दमामश्रकारणह मुला केंग्ला हिन्दी পতিনৈ ভাষাৰ এক অধ্বা আধু আনাৰ জুবত মুক্তোর ও রুসীদের টিকিট দা প্রের্থ করে: .

येथेन रिमि गककात १३८ : स्वामधात , र कुला गारीकिरनम कांका त्यम द्वानिकेवि करिया

शृंक्ष्यप्रक प्रामाय कांन बड़ीक स्ट्रान में क्रीकार्यांगम बल्कांगांधार जा गारेबिया दक यन यानका दिन्द :, TITE !

> र्यं । इस्मिर्ट के स्था कि दोन अवश्व काठी है है प्रश्वेदाः मञ्चलभन्न मनग्र अञ्चिकः क्रिया প্রাপ্তম লোক্ষ্যকাশে প্রচার করিয়া ডাগ্র **लाव छिठि ।मधिया स्नोकान क्रकेटर, यम् छा-**इत्या का के कार अथवा काला मा शास्त्र यह काशक बक्ष इदेरवा भूतनात निमित्र हित्र विद्या-वि: गाठाम ४३८म । अभिकाला म कुल्बा क्षारक कामांकित्मक माहम किकि का हे ल क মরা পীল্ল পাইছ।

বীকাৰ যথল গোমপ্রকাশ পরিভাগে স্বিং-ब केन्द्रा क्षेत्रव किकि सिश्वित में, कार है। ांचा आंच कर याहेरत मा।

एक द्राप्त्रशास्त्रकारण विकाशान विष्क हेवा कविरल खीरांटक अथम बात आंड श कि 🕫 খান দ্বিতীয় বার /১০ আনা ভূতীয় ধাব /০ ष्यामा क्रिक्क क्रवेटन। फाश्यत्र श्वा : रेश हैं। क क्रिज्ञान वास (क्षेत्रण) वः हेट्य ।

यकषरामद्र ग्रीकांत्रा मसर्थ इत्रेटन, छेही-দিলের অভন্ত ভাকমাস্থল দিঙে চইবে

এই পত্ৰ ফলিফাডার পূৰ্ব্য যাড়গা বেল ars/ // লাপুর কৌনবের ছবিল চাক্ষরিলোকার জীবারকারার विक्रीकृत्रावत विकास अधि मियवोत् अव-विका

(माश्रक्रक

" प्रवर्ततो प्रकृतिस्तिगच पार्चिषः चरसती सुतिमस्तो न सीवतां। "

क स्रोत्स । '' 'श्रेम संग्यानाः

मन १२७३। २७ अ कान्छन। है १ १४७०। न नार्क

ৰাধিক সুলা ১ ট বাৰ্ষিক অগ্ৰিম ১০

4 11 11 1

क्षांमधकारणंत्र चवत्रव

नंदकास विकाशन।

विकाशन ।

করিলপুর জিলার অন্তঃপাতী বাইকেয়ারি
মহনতপুর নাবে বে পত্তনি তালুক 'প্'ছ',
তাহা দরপত্তনি দেওয়া খাখবা বিক্রয় করা
মাইবে। বাঁহার সেই তালুক দর্শন্তনি শই
বার অথবা ক্রম করিয়ার ইছো আছে, তিনি
কলিকাভার আর্ভনি ভিনয় কোলানির নিক্রে কাহেমল করিবেল স্থিতের ব্যান্ত আনিতে
্রিকেন ।

विख्याभम ।

রাষ্যার্, হর ঠাকুর রাজ মৃদিংহ, গৌব কবিরাজ, নিজ্যারজ বৈরাগী, রুফনোহন ডটাচার্য আছুজি প্রাচীন কবিজ্যালাদিগের উত্তৰ উত্তর গামগুলি সংখ্যাত ও একটিতে

[†] করিরা ্যুঞ্জি করা গিয়াছে। প্রুকের মূল্য ১ এক টাশা মালা। ক্লিকাডা।

বিহ্বাক্ষার ট্রিট ৭৬ সং বারী। জীবস্থগোপাল চটোপাখ্যাত্ম এবং কোং

विकाशन ।

মৃত বহান্ধা সন্তন্যাহন তর্কাল্ডার প্রেণী ত বাসবল্বা এই কেই হাপাইতে পারিবেদ না । কারণ তনীর পিতৃবা প রামরন্ধ লাইচিং ব্য মহালয়কে উক্ত পুত্তক ডিব্লি লান করিবা কেন। তংকরে আমরা তাহার পিতৃব্যের উ-ব্রাধিকারী বর্তনান আছি ৷ আমরা তির বাসবদ্ধার দান বিক্রেরে স্বর্গিকার জনা কাহারও নাই। অভ্যন্তন প্রীমৃত্যু বারু রাম্যান নেন মহালয় পিথিল প্রবন্ধ ইউম এই আমা সিংগার অভ্যরেখি ৷

জীরামলাল চটোপাখার ১২৬৯। ২ ফার্ডন কুমিরা

विखालन ।

ভাতের হানিগ বর্জর সাঁহিনের প্রসিদ্ধ প্রলা ইঠার ভিল্পেলার একণে ধর্মজ্ঞলা বাজা রের উপ্তরে গালাঞাদার মসজিদের নিজ প কিলে করাইটোলা ইট্রিটের ৩৬ বং নারী তে স্থাপিত হইয়ালেও বাহার উবধ কিলা ও লাউঠ রেনের চিক্তিংসার প্ররোজন হইবেক উত্র বাটাতে আমার নিকট আইলে অনুবাস বাল পাঠাইলে জনিলাধে এবং জন্স মুল্যে উবধ চিকিৎসা ও ভাতের হানিগবর্জন সাহে বের বহি পাইবেন ইতি

আবদুর আরিম আধ্যক্

विकाशन ।

वेनम् क्रांक अश्व भण म स स आ बोनवीय विकटसंड आटकनी कृते श्वानाय होन स्वानमानी श्वित प किन्न स्थम बीनवीय विकश्वादर् आद्य बीनां समा स्वान्तमान निर्मित्त क्रिक मुद्रमा शाहर्यम ।

関係者は

সোৰপ্ৰকাশ ।

বেট্ডকাল কালেকের বাকাল। ও কর্মাণ চীংস[ি]।

Ţ.

কলিকাভা ৰেডিকাল কালে জিপাল বৰ্ধাৰ চীৰ্স ছেত্ৰভা বা ্ৰ_ং সের প্রতি যেরপ খনায় সাই য়াছেন, ভাহা আমা**দিনের পা _{মান্}** यत्र बाट्ड नत्मर बारे। दुंबद् र्गत्र वाजांमा ज्ञारमत्र कोळकिरश्रंत्री পরিত্যাগ সহায় প্রমিরা অক্থি এ ভিন্নায় প্রকাশ করিয়াবুদ্ধ বে भाग कार्शाचित्राच्ये भूवत्रात्र कार न करतम । किन्न छाहात धनूर्डक **য়াহে, ডিনি কে:ম রূপে** সে ফি তে চাহেৰ মা। তিনি এত দিন 👵 📜 প করিয়া কাটাইয়াছিলেন। अ ৰূপ শুনিলাস, আর জীহার চে कतिया गातिवात्रेश शर्भ वक्क इंहेशा সোমবার লেভেটনন্ট গর্বর্গর স্পর্টী चाळा कविशादक एक कि

भूनः अरवणिक कृदत्तन १ शाउँक । र्वाष सुनिया कि मदन कतिरणन, उषिशदक वाषाय क्रिजीट्स्य ? ाहा कटब्रन नारे ; अर्थनक क्रिनि ধিভেছেন যদি কোন উপায়ে **हे अवर्गरबंब पांच्यांत्र टेक्क्ला म**

দরিতে পারেন। ব্যবহার ছারা ছটা বিষয় সঞ্মাণ । এক, প্রিজিপালের বভাবণত দোষ আছে, অনাধা ডিনি কেন ल्लाट्निके शवर्गद्रत जाकात व्रव क्रियन ? विकीत, कें.स्व त लाटवरे वाचाला ज्ञांटनत रा ক্রের পরিজ্যাথ করিয়াছে। তাহা হইবে, ডিনি ভাহাদিগের এতি এখৰ্মন ক্ষিতেছেন কেন > প্রব শার্ণ হইডেছে ডিনি এক ক্ষেমানে লিখিয়াছিলেন, তিনি লালের এতি ছুর্বাবহার করেন ,ত্ররা কুলোকের কুমন্ত্রণার ভাদৃশ করিতেছে: কিন্তু ভিনি বদি ना कतिया पाटकन, शांजिपिटशंत াছার শত্রুকাব ক্ষরিবার কোন श पारेटक्टर ना ; राजिता निर्ने ভঃ অন্যের পরামর্শের অনুসরণ প্রাদিকের বালকভার পরিচর ালিং। ভাষাদিখের প্রতি করণাই गारत, याहात ए कि कन्नमा करव कि कि निर्मन बाक्श्र मणक । हाउँ के नवान ही वर्ग अब पूर्व ं यकि स्थानंत्व स्मार्ट्याके श्रद ' এথায় জ্ঞাত চ্ট্রা কার্যা করি ी इंट्रेटल निःमः भन्न बादन बादन ্ৰপাদ্ধিতেন। বোধ হয়, এইবারে হল হইল, তিনি ইহার পর অবধি हरेश क्षक कतिर्दन। [खिक ध्रेवात केशक्त मनदन 'মলাম গচ শুক্তবার ছাত্রবিগকে मानाम क्या स्टेशांटम्।

টাকাপ্রকাশ সন্দারকের ৮৩ :

মাৰিকগছের ভেপুটি মালিট্রেট বাবু শ্যামতীয় নাথ উক্ত সম্পাদক্ষের লাহুম যে অভিবোদ করেন, তাহাতে সম্প্রাদ্ধের Des प्रीका एक हरेतारह । शांठकशन अ नवार गठ वाटब्रब्र विविध नवाटम दर्शक রাছেন। কিন্তু এবারে আখরা, তাকাপ্রকা त्म (पश्चिमाय, कत्रका काहेक बाबिए हैं है খন্যার করিয়া সম্পাধকের স্বাপ্ত করিয়া ह्न। वर्षम, हाकाश्रमान रासन, नाम চঁ ৰ নাথ চাকাপ্ৰকাশের নামে উৎকোচ এহৰ সংক্ৰান্ত অভিযোগ করেব, কিন্ত **ঢাকা একাশে भागामहोप माध्य छे ८६ छा।** थारी रालका कुळाणि लिबिक स्त्र मार्र । অভিযোগ একৰাপ ও বিচার অন্যৰাপ এ নামান্য অনুত নয় ৷ অথবা অনুতই বা কি > অনেক আদ'লতেই আজি কালি वेष्टिक विठात स्रेटकटण। हिलित विवटत कि रदेन ? कारांत्र माना चटन केना चक থাকিবার অভিযোগআগালতে উপত্তিতই रुरेन ना । विरंभरणः त्राकनःकास कर्पछा রির প্রজি রাজকর্মচারির কিছু স্লেছ হইয়। ৰাকে। উপস্থিত স্থলে শ্যামচাঁদ নাৰ ডে भूषि बाक्टिक्के चिल्ह्याञ्चल, चात्र विकृष क्छा कार्रे वाजिट हे है । डांशक्टिशन ल-व्राप्तां राष्ट्रवाम एखता चयुक्त नरह। सा हात केविक करणा, खक्त हि निस विमाल रांत्रा यकि शतम्बद्धत्र अधि क्षर्म्या रनः अध्ना धनायात्म भवाख्य कविष्ठ भारत । अभवत्यत विकट्डे अवत्यत भता ज्द किवाल मण्ड रहा ?

विशेष, कर्ने माकिट्डे हे हाकाथका শের বক্তবা এবং জাহার পক্ষসমর্থনকা রির বাকা ধর্ণোচিতব্রপে প্রবণ করেন बारे। किनि भूषीविषेटे भग्नमहारमह मिरक एलिहाहित्सन । यादा रुष्टेक, ठाकाव्यकाल क्लांबब्राल एवं ब्रह्मांच्यांच्या स्व। अहे कटल हरि विष्ठात कार्या अवनीविधि निर्दा ২ হয়, স্থিচার প্রভ্যাশা কি ১

SPCF No Mal

चावता ३२वे कास्त्रकत त्वावंद्रकारम अवदगरकाष य अवाय निविद्याविनाव केंद्र विष्णानम्-शक्ताकी अक वाक्षिकः হার এক্সিৰাগ করিয়া এক পঞ্চ থেয়াৰ ক রিরাছেন। পত্র বর্ণাস্থানে অক্টেড চ্ইল।

लबाट्यंत्रक रहमान ६५ मसम् सङ्ग्रह रान्द्रश्च काल करवर समझियां कडावस बारे, जाराजा असाविक सक् हिंबिस स्टा चवात्रन कतिएक वाहरवाना । ३५ । ५१ वर नव भव्दि ७०। ७२ वर्गव भव्दि वदक वाजितारे के विमालत्त्र अधात्रम क्तित्व। चात्र अक चूटन तिथिशास्त्र " बंधील खून সকল যেৰুপ উপাদানে নি.ৰ্বছ ছইয়া बादक. ह्यु किंद्र कृष जकलक रजवेंबन ह शानात्म निर्मिक स्टेरकट्ट। मधील क् व्यत कुकरूर्व भिक्तकताहे हिनिएक भि क्ष्मका क दशा निवृक्ष वर्ते श्राटक्त । २ अव चात्रा वाजीत्रवान स्ट्रेट्टर, सक् हिनिड क् मदम बंगीकृत स्वीम विमालक विलिश প্রতিপদ করাই পরঞ্জেরকের অভিত্রেত। देश यांच सामासत नयांन विचालप हा, তথালি আমাদের আপত্তি নিরায়ত হই क्टिइ मा। व्यक्त क्या क्टाइस्क्र कि বে ক্রেকটি নর্বাল বিদ্যালয় আছে তা ग्नार्थ अपन वर्ष (७००००) क्षामान कति ल छिन्छ विमालग्र अरशका वक्करन व्यक्ति कम माछ हरेएक भारत । एक हो ণিও কুলের নিমিত্ত শ্বতত্ত্ব ইমস্পেটর নি রোজিত সইয়াছেন ; ইয়ার বিনিদ্ধ একটি ष्ठित्रिक देनरम्भक्तं भक्षत्र एकि हरे রাছে, ইছার গুছের বাস ও স্বতন্ত্র সর श्रामि चेत्रह लाभित्व . खथह 'अक्षात नर्मा ल क्टूटनब्र नाम् निका इंद्रेश ना । (नश्र १। **পত্রধ্বেরক ব্যংই বীকার করিয়াছেন**। **এবল বলি হইল, খতত্র ট্রেলিড জুল ব**রি পা হুধা অধিক-বার শীকার করিবার **এ** शासमा कि । प्रमुश्नितात्मत बात ७ वारम

चहर श्रीम श्राहण मिका विवास श्राहण विवास स्ट्राहण विवास श्रीहण श्रीहण श्रीहण श्रीहण स्ट्राहण महान्य स्ट्राहण स

লাভ এলগিন ও এতজেশীর রাজপণ :

প্রধান শাসনকর্ত্তা সংখ্য মধ্যে যদি क्षात्मनीय ब्राज्यभंग, नकांत्र । जमीनाव গবের সহিত সাক্ষাৎ করেন, অধিকতর উপকার লাভ হয়, একথা অনেকেই শ্বী কার করিয়াছেন, আমরাও অস্বাকার করি না ৷ প্রধান শাসনকর্তার একত উৎসাহ াপ্ত হইয়া সর্ভার ও রাজগণ এড়তির श्रज्जित स वक्षमूल इत्र अधिवत्य त्र इरे ধিক্লক্তি করিতে উৎসাহী নহেন। লাভ কা নিঙ এ প্রথা হার্ডিড ক্রিয়া অনেক স হারতা প্রাপ্ত হইয়াছিলেন। স্বাহলাদের विषय धरे, धक्करन गावकीय अवर्गत्र ख त्हरके मनी शवनम् हेशात अनुमत्तन क्रांतरकाहन । সে দিবস সর রবর্ট মঞ্চগমরি পঞ্চাবের । গ্রার ১৫০০ ছাত্রকে পুরস্কার দিবার সম य मर्भाविषयर जी भिकात विविश्व गण्न वान इकेटल बहलन ; इंकाटक व्यक्तीन त्यां क्षांत्रव अक्काटल कानटक शकाम बहेश पक्षातमान इरेश युक्कक्टके चीकांत्र कति लान अ विवद्य मरमारयांकी क्रेरवन। जनः श्रकारत अ पानीके माधम महक नरह । সম্প্রতি লাড এগার্গন উত্তর পশ্চিমাঞ্চলে कारन कारने पत्रवात्र क्षित्रकारकत । धारात

সকলেরই দৃতি নিপ্তিত রহিয়াতে
এবং তাঁশ্র নাকো দেশের ভবিষ্থ শুতা
শুত অনুস্থাত রহিলাছে। কাশী ও জানপূরে তিনি সর্দারিদিনের নিষ্টেই, বে ব
ক্তি, তা করেন, তাহাতে ফললেই আন্তাল
প্রকাশ করির,ছেন। কিছু আমরা অভি
শর ছংবিত হইরা কহিতেছি, তাঁশ্র আন্
রার বজ্জা সে প্রকার হয় মাই। ঐ স্থা
নের সরবানে মহারাজ সিন্ধিরা, ভূপানের
রাণী, রালপুরের নবাব, ভরতপুরের রাজা
প্রভৃতি উপস্থিত ছিলেন। রাজধন সভাস্থ
হওরাতে তাঁহাসিগকে সভাজন করিয়া
লাভ এলগিন বলিলেন।

" জানার এ কথা বলা জনাবভাচ বে সৌভাগ্য ক্রমে ভারতব্বে দিন দিন পারি वस्त्रम हरेरकरह । शृहभक्तका मूत्रीकूक कर्त्राह्म, अवर विद्यासकान बेरला अन (मम। शर्भन क्षांव ७ वलवीरगांत्र वहि मा व्यवश्व इट्रियाट्ट । > उर्थित्व कार्यामध दर वीत चीत्र त्रा**रका विका। ७ वज्र का** दर्व র্ত্তন এবং সহমরণ ও কন্যাহত্যা প্রভৃতির নিবারণ বিষয়ে উৎসাহ দান করিয়া শেৰে গবণর জেনরল অহস্কার পূর্বক কর সঞ্চাল न क्रिया विलिटलन " छात्र छ वर्ष द्र अधान व्यथीयतीत क्रिकिंगिय व्यक्ष अस्तरण भाषि तका कता भागांत क्षरान कर्डवा कर्य। है इात क्या इंश्लाख्यती आमात अधीरन এক বৃহৎ ও সাহসী সেনাদল রাথিবাছেন অতএৰ যে ব্যক্তি অসমসাহস পূৰ্বক সাধা বণ শাব্তি তথ কাবো প্রবৃত্ত হইবে, ভাহার मजन ও य:वजीत विभूषाना निवातन विवात আমি অণুমাত্র বিলম্ব ব। সংশ্রেচ করিব तः। आवभाक व्हेटल अहे स्मतापलटक ক্রাম নিয়ে। জিত করিব। ॰

क क्या कि न' कारव व देश्वाक निर्भव वन कारक देश नकरल दे क्यम कारक । काकी हालाब स्थान कायकवर्षा प्रक्रिक्ट क्यान वाधिवात काना कायकवर्षी ब्राक्ट हरेस्क विकास शांध्यक्त क्या क्या

चवित्रिक मारे । विद्याह हाप्स भीम श्रीक्रिका स्थ क्रिक विश्व कालांदेशहरू अलाग का का तिरामत । शतिकार की (म कार्यः जनारम त्यानः । कार्यक्रि चलनान कतिनान जना हरेत्राहिम ? की राजा को इक्तर्यक्र क्षित्रमान हेरा कि काश्रामित्र वात्रवाक का विकास मन वि दक्षित्र वेदीनामा व श्रद्भन्न ज्ञाकश्य भारमक् महर (कड बाहा अवसाविक वरेशावक লাভ এল গ্রন আলিয়া গ্রন্থের 🐒 **एक काल्या अ कालिया अवश् अव** जनीष्टिक इरेग्रांख .स्य, धवश 🥞 कतिरमम इंशरे मान्त्रा। अवस्थि बरलन छात्रक्वींत ताब सेन्टक नावि वा श्वाह क्या केतिक। माज् ब्राक्कारनब निकड विमम् ७ ट्याँक भ कवित्राहरून विगता क्षेत्रकारी श्रक कर जान विच स्देशरकते म न्म दे। क्यांत्व व धनात्र सन्होत् ৰাগ করিতেছি। অভিগর আই বৈ करे, रेश्वारकता यादकीत कर्त प्र য়াও পরাজিত শত্রুর হৈছি ঔদাব্য করিতে জানেন না। নেপোজ লার স্ত রুক্ব ভূপতি ইহার সুক্তি शल बर्टमंत्र त्नंब काश्चित्क तम् हे कोरक निर्मान कार्ड कुरिएत अस विना क्षेत्रन कतिएक स्रेग्नारम् ।

বলে ব

এবেশীরেরা কি চিরকাল হত 'প পে রু

সন্ধৃতিত করিরা রাখিনেনাকে বার্থ

এই ভারতবর্য আলাদিনের গোলকো

নুধাবন করিবা দেখিলে আন গ্রেরা ঐ

ভূমির প্রকৃত অধিকারী। আন্ধালবো

এ দেশের রাজকীর কাব্যে বাছে। কা

কাধীনতাধাকা উচিত। আনাদিনোভিধানে

কিন প্রিক্তি সাধন করিরা ইইত্রিকানে

त्रा जुना कर्जवा । किंद कारवा পরীত ঘটনা দেখিতেছি ৷ ভার कृषि जाम जाम किवृधिकांत्रि म ाछ स्ट्रेट्टर । फ्रॅं शहा हास्ट्रीह |मानिरश्रत स्थिन'का मास्कित न

'बाटक्स । जात्रकदर्शक द (मन्। भूमाश्रद्ध प्रविक्कि । श्रदम निम अपृषि रहेटण्ड धक्या नरह । किंख छांचा अङ्गढ अंब्रड भित्र महत्त्व व्हेल्ड्ड वा। धन्न हात्रण कि ? कात्रनः **चातक चारह** । किंद्र जांद्रकालिक छेवांत्र वावश्त नर्गामक सूर्य वाश बनुन कारक ८भरवद्ग महायुक्त करत्रन ; चाहेन रेटलक विजातालय शुक्त भाकारक हु आमानिरशंद्र जालमा, मध्यिया

रात देश्रीकाणि जन्नाक्षण करपक्षे महर क्राला एक। यथन आमना व्यावारेटनन 🖖 ছালেগের একি দুর্ভিপতে করে, বর্ধন हात डे.डाफ्टिशत रमन खमन, वानिका, ह्यांबहाद्वर ७ कार्या मक्का मर्मान कति, हिक बैमानिश्तत कि हर्व ଓ विष म छेड एति परिष्ट इस ना । गर्थन चर्निस अक দ্বৈত্রা বৃশ্য নাপা ধন, সৌক্তরণ ও সক্ষানলাভ হরিয়া অভন, তথ্য আমালিগের আহ্বাস বিশ্বছে কথামথা দেখিতেছি আরে কোন इभिटक शेटा फिरमंत्र मुखे। ८ द्व अनुमत्र क श्रुक्त क्षेत्र मा १६म व्यामामित्रात्र विवास व्या साम्भाभक्ता न्द्र ।

থ করিয়ালরা পূর্বে স্মু 🖰 ৮ পে লিয়নের দু ারের জানিউর্লন করিরা বলিয়াছিল ম, য জ जिन, जाका खेशकुक ए यार्थि अलाहिटेड शकान्छ । । इंदेरल अक वान्तिः ভাষাৰ শি ভুত পূৰ্ব জীবৃদ্ধি হউতে পাৰে নাৰধান ক্লের যত হউক না হউক বালি ' প্রান্তার হু চ্চি প্রতি অপ্য কালের মাধ্য অর্থবল ও ক্ষমতা প্রচেত্র সাহস ও সক্ষ भागता छोत निक्षित्र इहेट्ड भारत । शवर्गस्य के काम व. शिरकान अमूहत । आधा मरशह

একধা বলিতে আমরা ইন্ডা করি না; আমা किट्संत्र नक्टकद्व याकृष कावका काक्टक न क्ष्म द्वारम छेरजार मान ७ (काम, रकाम) विद्या निका करा जाउन कि मा । हेरान. স্থলৈ সহায়তা করা অভিনয় আ্বশাক। भहें करारे भागता बोहराह अरम्टमा जुला প্রভৃতির কল করিবার বিষয়ে উৎসাহ সানের কথা কহিনা অংসিতেছি। মাঞেশীরের- সহা त्रकात क्या भवर्गमन्त्र स्थान वासा अञ्चल क त्रन, उरक्के कूटलार्शानमकातीत शतकात मान अवर क्लान क्लान खुरम खुर अनिकारमा র ভার এহণ করিয়াকেন, দেই প্রকার স্থান রাও প্রত্যাশা করিতেছি, আমাদিপের বা ণিল্যাদি বৃদ্ধির জন্য তাঁহায়া ঐত্তপ সাহাযা पान क्यून । शवर्गमान्द्रेत्र निकारि मूल्यन প্রার্থনার ভ কথাই নাই, ভাঁহারা রেরওয়ে क्रकालथात्री इहेटकर मा। এक किम्मोनिनिरशंत्र मात्र व्यक्तित्व कर्मत्र त धवार्य रानिका माहे विलिट हर । এতিভূ হউন, আমর। একথাও বলিভে চাহি ना। योगता त्करम अक्सांक फेरमाइमान প্র,র্থনা করিতেছি। যত দিন সে 💆 সাহ দান না হইতেছে, জত দিন স্থামাদিগের वांविकाांवित्र मित्रत्येय औद्वित्त व्यामा कर র্থা। গ্রণমেন্ট পুরকার আদান প্রভৃতি ৰারা এতবিষয়ে উৎসাহদান করিতে পা द्भिन गटकर नारे। शवर्गताने यकि क्वा এক ব'পিছা বিষয়ে স্থোচিত উৎসাংক্ষান क्रिन, अण्येकाल मर्भा अस्मरमञ्जूषानाधि क की दृक्षि वर्णन कविष्ठ भारतम जारकाह নাই। বাশিষ্ট্যই যে দেশের মন্বলের এখা न करतन, छ। इ। तकरलाई बीकात करत्रम। যে জাতি বানিজ্যে রস্ত ভাঁছাখিগের অর্থ दल '७ कामक' पात्रीम विलटल इम । कहात्री । विभव चर्णिक युक्त काटल अक रेंश्लक रेंकेटल পের সমুদার গ্রথমেণ্টকে অর্থ ছারুং সাহ: এক । যা করিয়াছিলেন। একৰে আমেরিকায় প্র जि वद मन हेश्लरक्षव ১५० (क'छि है।का वाश ক্টতেছে। বাণিমা হাঁন কোম দাতিব ঈদুশ

मित्रियो भारतरक किकान। कतिरच शादत এব্ছ অবস্থার আমানিবের - দূর छेखा भेरे, चार्यंत निकटके छेश्यर्थ श्रदान्त इप्र । लाटक कि अकार्य देशमार्थ वाह्रि উর ও দি বলিয়ান হইছে শমন করিতে क्ष्म का ? अवर्गद्रम्के यकि यशार्क छ। ब्राह्मक्त्रात्व त मक्त हार्द्य, अक्टबनीव्रक्तिवरक् वा निका तक कतिएक क्रिका क्रमा क्रमोश ধিপতি পিটর নিজ বার ও নিজ দুঝান্ত षाता क्षक्रामिश्रदक निष्ण छ वानिका नि थार्देस्ट्रब । এড्टब्रमीख्या विष्क्रम् कान्टिर न, जानात्रा मात्र अहे बादभाग्न व्यद्भावन ना क রিবেন, ভাবৎ যথার্থ সৌত:গ্যাশালী ও ক নভাৰান হইতে পারিবেন না। আমাদিগে ভারতবর্বের বাছিরে কোন স্থানে ছিন্দু ও মুসলমানদিদের বাবসায় আছে 🗸 উপুসুৎ रात कटल पांगानिरशत बख्यका वहे. जा ষর। গ্রণমেণ্টকে সাহ।যা ছারে অনুরোধ क्रिनाम बट्डे, क्सि बारम्भीरहात्। छैटमाः গী না ছইলে কথন সেই সাহায়া লাভে नमर्थ इन्टेर्टिन मा। यामद्रा भूनद्राथ किन्छ। मा क्रिएक्टि, हेर् ाहा आव कड किन इन्द्र পৰ দি সন্ধুচিত করিয়া রাখিবেম -

> অফু ইত ভালুলানকারী এক फिउपा**र शक्त** नमनम .

১লা মার্টের ইতিযান নিরম্ন পুলরার ব্দপরিকর হইয়া সমরভূমিতে খবতীণ হইরাছেন। এবারে ভিনি একাকী নচেন এক জন পত্রত্রেরক পশ্চাতে থাকিয়া ঠ'-হাকে শভরদান করিতেছেন। আমরা ক্র (भर्षे त्याचात्र त्कारधामीश्रम (मथिएक 💎 हेर्छ हि। अज्ञुल इन्द्रश खरेन प्रतिक नरहः স্বভাবের বিষ্ণুক্ আচরণ করিছে গেলে भिन्त प.र्य काल शक्त किन्द्र वादक् मा l

, अमू हिर अमू शंबकारि द्वांका अर्थे ग्रांनि-কালেকে ।তে সকল বিষয়েই সহায়ত। করুন। ক্লতিভেদ অহুপ এ, ই সমায়ে গত দোষ। গের সহায়ভুক ইঞ্মিয়ান মিররের ছুর,তিনি

त्मारमस्ति। स्थान त्याक्षण्येरक्ट्यः श्रीयस्त रक्टकर विक्रिया मानवा काम स्थान विज गाने रकासका कें।वसनियान जानकाम करिता িয়া ইউ সাধন চেকা করিতে পিরাছিলা-म, किस करम (मिंबर्ड) हे ऐसे मा क्रेश क्षानिक विकास किया कि किया विकास विकास (मालम क्या पारेख्या, कंडरे डे इ मिट्स व स्वत्म अम् मृष्ठम् आल वसमूल स्हे-कार । केंद्रिं, नरशत खना जारक, र य विवद्ध अधिकंडत आशंख डेलव्डि रहे. भारतियात्म ठारावृष्टे खेत्रिक रहेश बाटक । । क्टि छेनिएक विषत्र अरे दारणात्र छेना इत्व दल नट्ड, छ।श छ।हारा तरवायांच बन्दा द्विद्ध शाहित्वद्य मा। ता त्य বিৰ্য বিশুক ধৰ্ম, মৃত্তি ও ধৰ্মনীভির অ मुत्राक्षिक, ७.इ।हे थे बाटकात छेन।इतन । उाटकता व्य अनुकान क्षत्रक लहेता विवादक প্ৰবৃত্ত হইয়াছেন, ভাষাতে কি বিশুদ্ क्षांतित वानुस्थानन श्रम् काट्य । यात् इ डक, जामानिकात अधन धक धक वाल थांध इंटेटकट्ड, सामझा अधिवत्ता इंडिटकश मा कविराम जाव्यक्तिरमञ्ज त्रशासूत्राम कु'म क् हेश इस क कैं होता करन व्याशनः मिरशत ত্ৰম আপনায়া দেখিতে পাইছেন। ক্ৰ क आमानिक्षत्र महाते छैनिष्ठ हरेशार ह, মামাদিলের কর্তনা কর্মও আমাদিগকে ীশানীন ধারিকে দিতেছে না।

আমরা নিধিক অভিনিবেশ সহকারে ১লা মার্টের ইতিবান মিরুর পাঠ করিলাম পাষ্ট বোধ হইল, মিগুর সম্পাদক কেবন যে আমাদিধের অভিক্রা: ব্রেটের আমর্থ (क्रिकृतिएक भावितान समाय कान र्शन कत्रिशास्त्र अकलाहै। उनः जल ए थी। मा) इदेशांग्ड्स अलाभ साह, रेंग्ड যে ধর্মের উপ্রাসক বলিলা অভিমান ১। ग पारकां, हो स्टबंग्स वर्ग तुन्तिर शः शिक्षित्रांबा संख्या काचिए स चान रणहे (८) োর আনতা ছইরা থাকে, দেত ব্লি উছ্ য়া খাকে, তেইছপে আনাদিলের টমদ্বিক

शनका शाँछ कव दक् व क्व के नहें हो। जा ফোৰ খেৰে। দ করিতে চাংকে, কল্পান, ভা शस्य का निरंत्रथ कांत्ररकार : केंब्रालंक वि কটে ক্রতজ্ঞতা একাশ করিতেই বা কেবাৰা विरुक्त : विश्व कविभिन्न जाक्तर्भ नाम मिश्रा घडा चाएपत कतिहा निवर्धक अर्डी অনুষ্ঠান কেন > উহা ধর্ম বৃদ্ধিতে অনুষ্ঠিত इट्टेंग्सरे अतिगारम छेलधर्म अदिन्छ हरे दिकारक मारे : दाशास किरोब बार्च. পাৰ্জোদে ও অনুষ্ঠানে একর নিলিভ, সেই श्रारंबर डेलयरचंत्र धकाधिनका । देखियान शिक्क जामामिरभन्न अहे याल्या शक्तिक है करण भारत्कारणत (शास्त्र कात्रन नाके, मा কস্লন, তাহাতে আমর। ক্ষতি বৃদ্ধি জান कप्रिमा, भागभक्षण भागकशन भागानि ्वत अधिकात वृक्तिशरहर मास्या । चावा परश्व करे चित्र उत्र स्कारचेत्र रहे হেছে বে সক্ষানক শহিত ভাবে লিখিন। ्य चाट्याच कटमांच (निटर्काच निटकास কি >) "ধর্মার অংশ। ই মাশার, "আন্ধার यक केंबर व्यवसा रच, कठते व्यास्मान का (मोफ ७ धर्म a) छेन्द्रसङ्ग स्थान स्य । ह स् माई कि फेबर निशुक्त खंबा बर्धित चत्रका দিত মত . ধৰ্ম ও আমোদ প্ৰমোদ উত্তৰ কে একম মিজিত ক ব্লা সম্পাদক কি এক বিক্লত পদাৰ্থ প্ৰস্তুত করিতে চাছি (डाइन: रामा परकत अक्षा चासुक तर শ্ব ্ৰেপা হটতে এইল , বেখ হয়, তিনি खनिशाद्यन, " आत्राव अत्राव সমুদ্ধ হওরা উ.চড। শ বোধ কর এওস্ল इक्टेंग्ल हैं एंदात भी नर्दात स्थिताद । वाहा विकेत, श्रम मजाना भरकत एवर्ष सब्द्धा इतक यह त्यार्रभव काख अर्थात्व धर्म ७ च तात अधाम किंग्सन मिण्यका व्यवं ना। छेवड भाषा व्यक्तिक छेवड चार दहे, राध्य काला किरनान छेदक्के 🗷 त्यम मारे । आश्रदी भूदर्व वर्ष कारव लिखि निक्ष अवृत्ति गक्त न ग्रम्बर, ७ हिना धिक वित्यक्रीयां इदिः न'भिष्ठ ७ हालिक इहे

भारताच भारताच निवास gray was Market with त क्षेत्र करमाम् श्रामदेवते का अधिक संगटक लक्षा, महत्रीहरू। मस्या अटब्स्य यहे पार्वहरूप्त (मात्र करिएकर का) **अर्थ** जान बाटबान ब्यटनाम

क्र के किर्वाद्य क्रम क्रम व्यक्त . देखिशात सिर्देश का मानिए क्या नश्रमं ।न -जन्द्रः व्यक्तिः द्वाः शादहर्म, छात्रियदम् अस्थितः यह क्यांक व्यक्तिनवीहका व्यक्ति हरेसारहन, दिन्ह नाहारमान् निर्म जिकार्थ क्यात्मक स्वत्यकि कियात्म<u>ि</u> वर्दम खारकता निकारी महेन त निकटंडे मारेद्रक कहर तम् जन्मत्वा क द्राट्यम् तः जन्मासम्बद्धाः त वावका कतिया किटल है लाकति है इते। अवस्थित अवस्था विकित व काण अकार्गकतियादक्य । क्रांक् · भार ब्रिट्ड शाद्यम, **जास्क्रीन्द्रसङ्ग क्रिक्** किनि बटलमा जालगरमेक लालगान है। ম্পর্কীকরে মধ্যোপনীত ধারতুলী चारक, चामहा मा क्षित्र सुनिष्ठे अस्ति। विष्टावन केट्राथ क्तिसमिकांस । स व्याहि यथार्थ । उदद वासदा क्याहरू । मा गरभत रक्ष कालवार्थ वस्त्री है। व केल्य कतिहरू शक्ति, किया न्यूय विकास वित क्हेंग. जाक्षममाण क्हेंब्रहरू, জানরা ত্রাজ্যিগের অ্যুক্ত মুখন नुकान कि वि बाई, काइएकई जार _{गावि} করিয়াছিলাম, প্রাক্ষািনগের পূর্ব পু Gबद्धामहिन दशास अस्त्र रंजारे, कें सम्म । स कन्नहे खडम वहित एक्स, क्रांनि है क्रिक् जीकांदी प्राप्त है। इतियाद महिन्द्र स्थापन धारत कारन । अहे (वाध कविया रेमा कर) खाया किर्णन अर्न अर्थ शेष्ट मर्म**नीशत रेक** भाक राज्य स्त्रीस हिलाम । 明武庫

সেলাগাৰীয়া বে অবৃত্তিত আনুষ্ঠান প্ৰাৰ क क्षिएएटम, जारा यदि गर्बंड जासूड ¹⁹ शिक्किकात मात्र कात्रकराजी कर् ि निर्देश स्टेटर विकशा आमहा व्य जा প্রিরাহিলান, ইতিয়ান বিরর ভাষাও क्षित्रक्ष कतिए शाद्रम नाहै। विनिर्दातन आउर्जानिए अक नवना

नडावमा नार्ड; जला, चामहा वर्ख विवेशिक्षेत्र निरम् विवरत तम चन्ना कति हैनाम हिंहा है जाउनचानि किंदू नह . क मरबं त्माक त्याक्तार्थ केक चत्र्रात . निर्मा**र्वित क्**तिर्क्टहर । चन्नवर नाकेनिक कम पूर्वा दात्र कतिरवन ? जामता ं अर्थ ही डाम्ब्रिक्टिंगद्र विवटतरे ट्रा भंता লেমাননাংলাম ; জীহারা অনুচিত অনুষ্ঠান টুরীশলীবারিবিধার অভিপার ব্রিডে না रांडमञ्ज व्यवभाकर्षया व्याप्य नवादताहरू 'ব ক্রাণিন অনুষ্ঠান করিবেন, সুভরাং র্থা म्मी क्षका । सरेता वारेटव ।

র দলের রাম মিরর এক স্থানে লিখিরাছে ' মরা বরা বিধেব বশভঃ ব্রাক্ষণিকে ি ব্ৰভারতেছি। ধাঁহার অনুষ্ঠ ও অপক ান জ্মুডামের দপক্তা করিছে প্রবৃত্তি 🦈 উপায়হ, তাঁহার একপ অনুমত সংকার **्थ**ी उ चाण्डरगाँत विषय नरह । अ ब्रिट्ट भागता जुकीखार भरतकरकर्र * ७ वर्नम^{म्म} विदयनमा कविलाम।

(अर्के क्षेटनट्य मित्रदत्तत् **धक्**षि शतम क्षे ब्रिट्डर्ड् बारकात केट्सर' ना कतिया अ क्ष इइदि प्रषेणप्रश्त ज्वा विद्यम हरेटकहरू जानि यानन जायतः आधीन चाह व के क् अंतिमत मनक, अञ्जब उरमः प्रात ⁹ স 🕳 ়বু **এতি** আমন্ত্রিগর কান কথা ी इस, बंधिक नरहा अहे त्ल्यांकी पश्चिता न हिन्नार्शन अक्षे भण्य खतः ३ हेन्। - সন ত্ৰ**ক উৎসৰ দি**বসে এক জন আধ[া] क इति नर्थ निहा याहेरछहिन, भरवत हुई ्र हुन्द्रभव मर्मामार्थ एवं नकत त्वाक म े एवं नमल चनुकामरक कें हाउदे अक सम य , दिन बहेशांक्ति एव डाहानियाद छिलि

দ্মা কেলিয়া দিকে লা, গন, ভাষা দেখিয়া এক अब महे भागनत्क व लल, त्क्यन रह ভূমি ভ বড় খারাব লোক, সকলকে এমন क्रिया किलिहा किएक क्म ? काशंदक भागम जेखन कतिया, खेमाना भागम, चा यात क्था सुरम मा, आहे चात्रि क्लिज़ा निटिका आधामिरभन्छ तमहे कम प्रहे ना रहेत्राट्य। यास्त्रा धाकात्रास्ट्र समर्थ কর অনুষ্ঠান ক্লকা করিতেছেন, জাঁহালা गमाम गरकांत्रक ७ विश्वत्रजानामम स्रेटन ন। আর আমরা অংপরিত্যাথ করিয়া উর ত ধর্মের অনুযোগিত উল্ভ জিকানুতান धावर्खन क्रकी शाहेटकहि, चामना चनुनाह रहेलांग ।

चात्र धक कटल रेखियान मित्रत्र कि ঞিৎ উপহাস রসিকতা প্রকাশ করিয়াছে ন, ভিনি বলেন, " আমরা (নোমপ্রকাশ जन्मांचक) बाह्र बाह्र शहास बहैरणहि. তথাপি আৰ্ার জীয় খতাৰ ৰাখালি বাল क्ति मात्र कृतिराहि, देक भन्नाकत्र कन (मिथि। ग्रेशंत जात कि छेखत हिन : श शंध खर्हे ७ मानान भूमा करव, छाड़ाचि भावता भिक्रा कि भावता भवाय नरे ? ख ৰাপি ভাষাদিগকে কি আমরা পুনঃ পুনঃ उर्भ ब्रेगांभ क्वाहेतात हुन्या भारेटक ह ना ? नम्मानक कि जावानिशस्क्रकन्त्रसम्ब मात्र छत्रवाति धात्रव कतिएक स्टाइन । आ मानिर्वाद मञ्जूलर्ड्स्यक् माम अञ्जून व अ नवल ।

अष्टल बिद्रत मन्नीष्टकत निक्टी क्टब्रक्ती अस कहा चारमाक त्यां करेन । যে অনুষ্ঠান বারা করভের অপকার ভিন उनकात नजादना मारे, जाँश दिखक बाक धर्मत चनूरमानिक स्ट्रेंटक शास्त्र कि ना ह क्षिणत्र खाचा कांच क्यांतित स चनूकांन শারত্ত করিদাহেন, তন্দারা জগতের কোন উপকার লাভের সন্তাৰনা আছে কি না প্রত্যেরক এক্টিক ব্লিয়া বিদেশ করিয়া

्रम, जनाङ्ग्रहतम् **आव्याकसः** कि । जिल्ल चित्र अनुकान कतिया जारकता कि कान छैन्। क् हिन्द्रक चर्राल चानिएक गानि संदर्भ :

क्टबजीप्रणिटशय मदलक'त बहैवाज छेशाम ।

शंख बाद्ध त्यक्षण अनिबंध बहुबादन, छना त। न्या मध्यान वहेरकार, बच्चा व्य प्रान वान करत, ताबै स्वर्भत करा, बाबू क मृश्विका मित्र थेन लांच रह इ नवल व्यवश हवीन वह (१) वलद्रशतात अहे भक्त विवास वाक्यां वाकः দোৰ আছে, অভএৰ (১) বদদেশবাসিদি भाव कि मनलकांत कहेगांत छेगांव बाहे > अ প্ৰাপ্তের উত্তর এই খ্^নতে পারে ব বললেলে-त सन यातू मृद्धिकातिम निकार्याकम राम दि महै बहेग्रा याशाटा बीग्र हिक्दत थन छेपना एउ अक्ष छेलाव अवलयन क्या वाकामिति

()) भवाषिक अहे निश्वादीन व्यवधा (है। वस्त्वभीत वाजि; (वाकेकांकि कारणकः केखन शिक्ष आप्तमीत गाणि, द्यांहेकावि त्व अधिकरत च भीवंताच रच है। कि न' ではなり

(२) वसरमध्यत ज्या बाह् मृतियानि त्व निक्षींगुक्त, जाश काशत क्विबिक नाहे। उच्चेना छाहा समान कहा जनार-শ্যক, কিন্তু এ শ্বলে আমরা চুটী বিষয়েন केत्रथ न। कतिशा कांड बाकिट्ड शांतिना नाः वाणि व मार्ट्य वस्तन स्य स्थानमान्द्रशत्र ब्राज्यकारम स्व व कर्षहाती महाहेत्रालय रूप शिक्ष अहेरन जासादन क्या निवाद सन বলছেলে বাস করিবার অন্নমতি হইত।। যো भन नहारहेता रकास्मास काछ खड़ानक दा-মনে করিছেন। তাঁহারিলের মঞ্জে বং এন বৰুচ কারাবার, প্রেডনিবাস, প্রীয়ার উৎপরি क्षान ध्वर क्यांनयू व तिल्ला छिएक इडेल नक्षांत होनम् मारहत करहन रूप वस्त्रकारक अक्षा कतियात करें। मा कतिरम जाहा छत्रा-वक बद्दक नेपा बहेग्रा के प्रिटब क गुलिबीय म-मक जीनरक व्यागन मरेक्श्विक स्तारत बादि कतिरवक ।

পোর উভিড। ভার্মের এক, পি. প্রাক (৬) এন্ডতির মন্তালনারে কাণ্য করিছে পারিলে दश्रास्त्राच्या व्यक्त नाष्ट्रत हमात्र व्यादक गाँत्रभारण निवाहक बडेटक माद्र नहिं किन्तु वोश् इक्षि-कड़ करवड़ छेरविह इंटड़ा अहस नहा दिला নতঃ কুৰ্যুভাপ ও মৃত্তিকা খটাত লোগ দুরীকু ভ করিবার উপায় এখন গুৰ্মান্ত আবিদ্বাত তর নাই। এই দকল চিত্তঃ করিয়া কি আনরং इजाम हरेया निरम्धे अ निश्चित हरेया शाकि- अन्तिवृत्त कि का.बाबिटनत वनवीगांति র্ভির কোন উপায় করিয়া কেন নাই? ডিনি কি আমাদি:গর প্রতি এত নিদারণ হইরাছে-भ । चौहात अ**अ**ञ्च कक्रमानित आमापितात প্র'ত অনবরত পতিত হউতেছে, বিনি আ হাদিগকৈ পিতা, মাতা অপেকা অধিক স্থে रिव महिङ नामन भाजन क्रिएडएएन, यौशांत অনুকল্পার সহখ্যের জন্ম, মূর্য প্রাকৃতি সমান चान बर्धा थाइ (६) नेमन्रधारकरूप नरच छिछ इट्रेट्टइ, ठिनि कि अ'मांप्रिशंत वनवी হ্যালি হৃত্তির কোন উপায় সংঘটন করিয়া বিভন্তর মততেল দুই হয় নিরামিব ভোক্তন ब्राइयन मारे १

মায়ুব ক্তাৰ ও আন্তান এই উক্রের यमवहीं बहेश वावजीय कारणत अञ्चीन क বিবা থাকে। বভাবের শক্তি লাডাও বলবডী, % ভাষের দান্তিও বড় ছান নহে। অব্যা-সের বলে বেদ, রুব, ও অব্ধ ল্ডাবভঃ নিরা মিব (c) ভোজী হট্য়াও ম,ংস ভক্ষণ ক রিয়া সুস্থ শরীরে স্বঃকিতে পারে, স্পন্যাদেব यटन मस्त्रा भीकाकत नवादर्शत जाञान करे য়াৰ ৰেখর প্রস্কৃতি ফুক্কায় ৮৪ হল জ্বলা-त्मन ब**रमरे जल्लाभी ह स्थानित।** करोट स्थान

(🍑) मौष्टन मनर्थ स्टेट्डन, ज्यांगामा बटन भावना, हीन, कानिकनिवा अपूर्णि समीव লোকের: (৭) গভীব সমূদ্রের হার ইন্দ্র নিয়ে অৰ্ড ঘটাকাল নিম্ম থাকিনা মণি, মুক্তামি नश्यम् कद्रिएएक, चाजारमञ्ज मामहे अक মহ্ব্য শিশু শাঢ় ল প্রারুড়ি (৮) লাভ করি-রাছিল। অভাবের এতাদুশ পরাক্রম **বখন** নয়ন গোচর হইতেছে, তখন তাহার শর্ণ महेरम रा जायत। पृत्रकात बहेरज शातिय मा, ইহা কিবলে সম্ভাবিত হটতে পারে ? এম্বলে কেবল বায়ামাদির অভ্যাস এসছ করা আ-वाषिरगत উদ্দেশ্য नव शूष्टिकत्र आहाताणिक সভ্যান প্রভাবই প্রধান মূলে অভিপ্রেত।

নিবামিন ভোজন অংগঞা সামিদ ভো খন বে অধিকত্তর প্রতীকর ভাষা প্রায় नेमुनांव (पर्वत সমুদার শালীরবিধান বিং পণ্ডিড দ্বীকার করিয়াছেন কিন্তু মন্তব্য খভাষতঃ নিৱামিক ভোজী অথবা নিৱামিক ও আৰিষ উভয় কোনী এডবিবর দাইরা

(७) (वांनीतां (य क्वल ज्याक्तारत्र वर्ग অহত ৰূপে ধোগ সাধনে সমর্থ হটতেন, প্-े का जिल्हि अह शांते अडीश्यांन स्टेरव । थ्र, हिकिक जन कि वाश किनक कि जन, ति लात त्रर जातिहै के महाजन ॥।

(१) जिल किनम्कि अक दिशिक्षन. 229

(b) कारमक किरम इंडेन कांत्रज्ञ अक সংখ্যম পত্রে পাঠ করিয়াছিল,ব বে 🖛 ব্যাত্মী কোন প্ৰকারে এক সমুব। শিও সন্তান তা ও টেয়াহিল। আপন শাবকলিখের শ-हिन्न क हो कि जोनन शांदन करते। या जीते पूर्ण পান ফ্রিয়া ব্যামীর **শাবক্সিগের সহিত মা**ং সালি ভক্ত করিয়া সে বালক ব্যাজের সমস্ত अकृष्ठि अध्य दहेगाहिन। शास्त्रत बा इ रख শদ ভূমিতে নিকেশ করিয়া স্কতবেশে চলি লে পারিত, বাজের ন্যায় বারুলজিনী**ন** ষ্ট্রামিণের আক্রমণে ডংগর ও লোমার-ভ হুইয়াছিল। কিন্তু ল'জুল বিশিষ্ট হয় r:हे (;) भोकांत्रिया अहे नावृत काकृति व्यक्ति महनामकरक एक कहिन्ना वस्त्रकाता আমিগুড়িন ট

गगक गणिकपूर वा किंदिकी

" नव्याव स्वयन उद्या मण्डिक, वाकूरण्यंक নোপৰোগী ৰলোধপানৰ প্ৰাৰ্থিত वर्गा बादक अकातकवद्देश केंग्रे रगायम् कथ् माहि भन्ना औ प्राह्मा क्षणात कम मूर्व जानवी के बहुती है। मार्ग करगका मंत्रा के क्या प्रशिति রতবর্ণীয়দিনের শরীয় হস্ত ও সং अवरे निव्रविक्रित्र भौरते आशास्त्रिहे वत । » व देश्टतकाविटवर्त राजन केवा कि कि कि ८गका भीष्ठम, एचान भंगी करोन्सिक । महिनामि भराषे अविश्व कर्षा और कि विश्व गरे ভাষাবের এখান খাছা । चेत्र^ते के क्रिक राम जनरमा विकास क्षेत्र विश्व दिन कत्व, रखनन गाउँ वर्ष मा । ताई रहिन् मा कांत्र लाइक है रहत्रक अ क्रिक्टिंगई है অপ মাংস আহার ক্রিলেট গটড कांत्र थाएक : अक अभ क्षत्रिक्षा है त्मम, इरदर्शका वर्ष वर्षम व कत्रानिता जाशात के के कर्ष हैं। केल्द्र नशमानदश्चर क्षेत्रवर्की श्रातम जनवः अ वर्गाचरतने की भानामि नगा उर्शन रह मा । उर्वी (कड़ा (कड़म जीर्डन फक्न मिन्निसरि करत । जनाव व्यवस्था मुलाबि সেইকণ শীতের প্রভাবে জান্তব क्रवित रह मा । अश्यक्षकंक विकरा সকল ৰাজি ভৰান গমল ক্ষিয়া

(>) अहे , बख्छीयं केंद्रसभ केंद्रिश পৰ্য্য এই বে আনন্না পূৰ্বে বেষন বলি _ই बञ्चे हर स्मर्त्य योग करत स्मर्ट (ৰাহু মুক্তিকালির লোব ও গুণাল্লাে বুল বা পুর্বলকায় হয়, সেইকপ এতভারা 🚜 🚎 यान बहुरन रन महना रन रमरन नाम क **(मर्श्वत विकासिकार केश्यत प्रयापि प प्राक्त** রিয়া ক্রন্থ ও বলিও হর। এতপুশলণে 💐 🔻 च्याकाद करा बस्ताद शतक केडिक अंदर्श ভবিষয়েও খাধাদিগের বক্তব্য স্ক্রানার क्ट्रीय ।

ভাজ্বর ই (৮র ছত কালকাতা ইলো धाकि नामक शृक्षक क्षितिन वदः छ। छ। मर्जान होरक् अस्ट्राम्बन् माधावन समयदन्त्र भाक्नीबिक क्रवाहा विवश्वक रा श्राप्तां (निश्न मानाइकिटा भावे कटवन कांबा (प'नेटरूप .

⁽ ह) शक्क क्षेत्र लोहेक हैंन द्वांक नी-व भुष्ण गाउँ कविदेशन ।

^{্ [}৫] বাহ্য বন্ধর স্থিত মানা প্রকৃতির न**चम विहारतत धार्य जा**त २२५ ७ २२ अत णांक दमस्याता ।

क्षानिकारका का वृंत व भना शृंद्र क्षित्र के ने स्थल बारन जाराज , जारतपूर्व गिष्टित । से जकन विषु श्राप्ता श्री-कारन जनगां व नस, नकी व नहीं की स्वता बाद े जाशर करें लाइकड़ व्यक्ति । जाराद्वयं तृश्याम् स्य । जारावा स्वरं लड़ः व बांड्यू युक्त परिश वि व भोजमारम् जाश चञ्चानारमञ् पाटत्रत्रक। द्वारांच्य कटत् (>) । । व व हे वड यान द्वीक्षिक्षिक्षांक्ष विवाधिय त्यानन माबे, र्राटनम् । ता मक्त त्वरण अम्हानि व्यानिकार व का, इति भक्ति नन्नव वृधियान সক্ষ ধ্র দৈ ছামে অবস্থিতি করাই বা ভাষারা দ নিম ১ দ ভবিখাতে বিজ্ঞান खिलाही है, क्षांक्रकीय वहेंगा ता नवन क्तिया । विश्वाम (कांकी शक्तिमात्र वान व्यवस्वतं काल्लम्काविक नरहा अकरन्त মাৰ্ক অভিনয় শীতন দেশের भातिया है **आंटस्ट**म् वर, इक्ष्य विष् के नकत् अवश् लाकजात् प्रत्ये छेरणत क्रीका मोजबाद अक ,क्षकाद स्थित करण, े हैं कि शान बड़ा बाब (३३)। व 🔻 আন্দ্র উত্তর গলের যত উত্ত 'मु^{८ इर}नःविवास जानमंदिरमञ् वक्तवा

223

Ir " TECT :

. 90

414.

क्हा

चांद

间季片

श्रीमान्या ।

विन भूखक ७ भविका।

किराज गरण कर्मानावाद दिनि

काउँ एक गारण्य क्रिका क्रिका कर्माना कर्मा मार्था क्रिका क्र

বাষণভর সৰিত সানৰ প্রকৃতির

भारत प्रमा विकास । आयम जान १०० कृ

ছাজের। কাউজেল সাংহৰ স্বছত প্রস্তাধের শেকভালে ভাষাও উল্ভ করিয়াছেন।

कार्कारकता शृथिको, स्वम, स्विध । व बाबू अहे कादि क्ष योकात करता। खाद्याता बरम अहे कादि क्रिक्त खारण एक्ट कृष्टि । दमके एम एक्त रेक्कमा मस्कि छेरणत हता। खाद्यापिरवात बर्फ एक्टाफितिक स्वास्त्र । खाद्यापिरवात बर्फ एक्टाफितिक स्वास्त्र । खाद्यापिरवात अवः वागवस्त्रापि सोविकार्थ स्वर्ध हहेत्रारह।

त्रक्षि देवछाविरगद्ध मार्गार्थ अहे वर्ष त स्थि करत्न विषय निर्मित्य स्रेशिट्स " गर्भाक मधी मार्थात्व मरखा। अञ्चली वनशे वावकीत गुलिटक्र गर्भाक वना बाह अछर मञ्चलात क्षार्थां गर्भाक नाम अर वाक्षि स्टिन्स खाराद्ध नाम स्रेटल्ड्र मार्थात्व नाम स्रेशिट्स।

২। রহস্য সক্ষর । ইহা একখারি মাসিক পত্রিকা। কলিকাতা ভুলরক সোনাইটা
ও র্ডানিকিউলার নিউরেচর সোনাটীর আদে
শাহ্রসারে ইহা প্রচারিত হইতে ভারেল হইয়াছে। বিবিধার্থ সংগ্রহ রক্ষতি পুরণ করাই
পত্রিকা প্রচারকদিকার উক্ষেণ।

टार्चन সংখ্যামাল আম দিনের হস্তগত খইরাছে। এখন ইহায় গুণদোব বিচার করি गांत आमाणिटगत हेका नाहे। आयाणि म्बर्भ क्षेत्र ক্ষাসংহস স্থীকার বিধের নধ্। ক্তরে আগা তত৷ আমরা ইহারু প্রশংসাম্বনে এই মাত্র ৰলিতে পারি, লেখকেরা বদি অধ্যৱসায় স म्मान रन, कारम हेंदा विविधांच गरशस्त्र अम প্রাপ্ত হইতে পারিবে। এম্বনে সম্পাদককে अक्की दिवदत मार्थान कता कारानक २१त, তাঁহাকে কিছু 'অভিযুচনাগ্ৰির বলিয়া বোধ रहेटकरहा " भूग कि ? व अहे निस्त्रामाय प्रिया বে প্রস্তানটা নিশিত ঘটরাছে, ভাষাতে এম नि चर्कित्रहमा शिक्षका श्रवनिक क्षेत्राटक रव मून क्वाइ जम कविद्वारक। श्रेष्ठीय स्मध्य কুষাকেই রাজ প্রসাদ নিশ্মাণ ও রাজ্য জয় नित्र रहतू विनिद्या निर्द्यम कवित्रारङ्ग । छेदाव বেৰূপে প্ৰস্তাবের উপক্রম উপসংহার করা হট্রাছে ভাষাতে এবানে क्या नटक देकावांक द्वादेशकाह वा

• ७। অভিনামা। ইই। ক্ষিকাভা ক্রাথসখা সংক্রতে দাহদগতে মুক্তিত হইয়া-প্রচারিত ব্টরাছে। ইয়াতে ঈশরের উপাসনা প্রার্থ। ও ভতি প্রভৃতি আছে।

আগত।

२३-व याच यक्तनरातु ।

লগদীবারের কি আক্যা হাট। ভারার क्षित्र विषय भग्नारमाध्या कवितम क्या वि স্বসাপর হয়েন: কুটিয়া হইতে ডাড়িরা নে. चिनांन बीत्मत्र नाम्न अक अक बानि खान । फिडिय नकति स्थल । अस्य पूर्वित नाम्य स्थल । চর। এখানে আবাদিগের আর এখন পরি गांत्र ७ वसुराक्ष्यविराह कथा नत्न माहै। अधादन अधान करण व्यक्तिकारीय महिन्द পরিচর হইতেছে। অজ্য আবাধ্যা নাবক এ क्षेत्र कुन कुना है जा कि कि कि कि कि कि कि ৩০ এ বুধবার প্রাতে প্রবাভিদ্বে গ্রহ कांत्रिया भारता स्क्रमात व्यवश्रक मास्त्रित्रगरक উপত্তিত হইলাম, তথার শুনিলাম এছল গা ट्टरवर अक्षे नीत कुठा अवर मीलक्रिकिशन রাখ। অহসারে তাঁহার প্রভাদিশের প্রতি 🗪 ভ্যাচর করা আছে। এখানকরে জল বায় का छेरक हे महर । हेशव निकास कामाव ৰাট পলিকেট দেপুর প্রভৃতি কতকঞ্জ আম নীলকর ও আর একখনকৈ পছনি দে वतारक अवासितात काकाय कहे स्ट्राटहा अयादन इषक ७ मामाना वादभाग्नी व्यक्ति, চারুরে অতি জব্দ। লেখা ৭ চার অপুনীলন নটে ব'ললেই হয়। বুধবার আমেনেরে নামক স্থানে অৰশ্বিভি করা ধ্রীগ । ১লা কাছন इरुग्गक्तिवाद भावता इंक्षिता बनुना विश्वा क রিষপুর ভান খাতে রাখিয়া চাকা জেলার खारम कतिमाम । समा शायान भागा ज विद्विति हरेन । ६ हो काञ्चन खक्तवाद्व मोन क्रांक्षित्र। यानिक्यरक छेडीवं क्ष्रेत्राव ,

बहे कारनह छेएड तीना साधीह, शास्त्र नवधान, प्रस्ति वस्त्रीम, श्रुट्स घरमधी नती बड़े नहीं बहुन। हहेंटड निध्य हरेड़ा नावाह के सूज्यदङ हिंदा हुड़ि धनाइ शड़ि उ हरेडार्ट्स। बदानकात्र सन दायू यादाका, स्वि वायूकावद्या वानि नरपुष्ट नशीत सन माविक दरेहा जरनप्रदर्श सहित काहार वाचाक महित्र दरेहा जरनप्रदर्श सहित काहार वाचाक

क्षिमात्री यदित्र विचित्र मानिकाम

बाबाब कारीमें अर्थ के यह यह विशेष स्थाप ग्रवाः बार ७५१० : क्रीक्सास्तरं मरकाः २৮५। अवास्त हिन्दू मूलव्यान पूरे क्लाइ जाकि यान करत । क्षत्रदंश' विकृत जाने क् विक, क्वारका निकास गाहिक्य गहासून, ब्रह्मः। क्षिक मार्चिक हमान पावनाती, शकामा क्राक्रदा अवर ८ जाना रहाक हार्व क्या कृतिया सोविका निर्मार करते। अधीरम जरनक मश्यकार द्वाक कार्र्ड वर्षे किन्न कीशेल गर्बमा बाहीरक बान क्रिट्ड शरिवन में यांने हो दश्यमंत्र नम धिक क्रेमिक क्रिकेटक मा । - अधानकांत्र व्यक्तिश्य लांक विष्य-ग्रेष्ट्रिक्षंत्र महिल কথোপকবৰ ক্রিডে ভাল বাসেন। রাজা বাট প্ৰভৃতি ভাত উৎচুই না হটক কিছু গলে मानाविष अर्थे विकास सरेशा चाटक। व्यवस्वर जाबात संदश्चन कांहर्यटेन यांगरि विश्वा हेडी कि बार्ड कथा किसाना स्विटिंड अप: अ १ पृर्दे स्मिथिए मानिस्मन । 🕝

वंदे भटक वयर अस व्हेटलं कोंब्र वक ক্রোশ অন্তরে পর্নধেট সাহাধ্যক্ত গুলী ইংরেজী বাজালা বিজ্ঞালয় আছে। গভের ছ নট অংশকাহত পূর্বে হাশিত। আৰি थात पूरे पंती वामकनिगरक गढीका कत्रिया দেখিলাম বিদ্যালয়দীয় হাদৃশ উদ্ভি সাধন **रम न। है। श्रुदर्भ स्थ नकत निधान हिस्सन** ভালাখিলেৰ ছাত্ৰা কিছুই হয় নাই ভৰে अकरन (व पूर्व ज्ञाब नियुक्त ब्हेश्वारक्त कांबात्रा देविक क्रिक्त क्रिक्ट भारत्व। विमानित ८७ सन हास क्षापुत कतिराज्यह । जाना ধা বন ভাগত ছিল। প্রার কর্ম বনীর অংখিক হইতে ছাম্পিলের বিল্যা বিশ্বে টংশাঃ বৰ্জনাথ বক্ত ভা করিয়া তথা হইতে বৰিপত হইলাম। বিভীত্ন স্কুলটি নিভাপ্ত মক ন্ড গভের ভুলের শিক্তকরা আমার সহি ३ मङः प्रमुखक्षेत्र क्रिस्स्म । अभीत्न अक् ते मोग कूर्ती आहा । जि शि क्षांहेन मारहत | कात्रक करता । हेरांत्र मुहार्विनरहक नामा कथ हैशद्र कर्छ, ' हेहाइ कष्पहातीबाद्रः ध्रञ्जापिरम র এতি পূর্বে বেরণ অভ্যাচার হইয়া গিরা চ্চে এখন **ভদ্মণ হয় না। এখানে জেপু**টি माजिए हैं है । मूर्यारकत्र काझाति, छाक्यत । खबन हैदान नतीरत त्नान स्तारमत किस्य क वन वक्षे थाना जाहर । कि मानिरहे है ৰিদেন সাহেৰ অভি ভন্ন লোক। ইনি এ

्षारम कृष्यम जानियाद्यम । त्याप कवि हैशाव माबिहादत करन मन्दलहे मुख्डे सहेदछ शादत । चंद्रव न्यावनाहिष्टम् (वयस्यकः मा सुनिकः) बादक केक चारह । अधानकात क्रिक्रमाधीक গেরেকাশারের কিঞ্চিৎ প্রশংসা ক্ষাইডে শান उद्यो वांत्र । तथा स्थल अर्थ स्थान हुई পাৰা গোৰ বহেন: ভাৰার বিচালে লৈ তদ कूर्ड नरह। क्रजाजा नारवर कारवाशी: विका विश्वयत्त्रं ठारात विनक्त आहा काहक विके वानिनगरक क्षांत्र हिंदून चालिह्न व्यक्ति हहे त्व श्र वाव बहेबी काम्यद्वत विज्ञकेन काछि व देश विश्वादक । अभारत निवृद्धांति छेन्नदक् একটা বেলা হইয়া বাবে। ভাহাতে ৮ 🗓 🦫 निन गर्ग इ नान। जना विज्ञन्त अन्य बस्ट्रकोटकड् नवां भव रहा अवादन ब्रावहक वृत्रकी नाक्क একজন সম্পন্ন বৈষা বাজীতে অভিনি সেবার নির্ম করির। বিচেপে চাক্রী করিতে । গিরা . इन, किन्न वाँडी त्रकटकतः छोडाँ मेंच्यू (प्रका क्रिएष्ट्र ना ।

वाव।

क्षरद्वत्रश्रुत्र । ५७ वे मध्यम्, १५०० मध्यः।

· >। व्यरमञ्जूत अनिश्व चन्नाम संस्थित सक ছুৰি। উক্ত ব্যক্তি এক হুড়ন ধৰ্ম প্ৰথাইক करता । छोशं बनताबहरक्षत्र पर्य बनिया विचरं-छ। बद्दान क्षेत्रान चाद्द् द्व, डेस्न वास्त्रि, वीद्र ভূষ, বৰ্জ্বান, কলিকাতা, নৰীয়া, য়াজসাহী, विनामभूत, त्रमभूत अकृष्ठि करनक विकारक अत्वरू निया कब्रिया भियाद्य । श्रीय वा ४ व ८ नव इहेल, बनवाम शक्ति बानबनीन। नवपूर्व कहिशारह। वनदाय धाषाय काण नायाना लाक हिन। बहे ब्राप्तत को केताती कतिया কথঞিৎ জীবিকা নিৰ্মাহ করিছে। জনজর কোন लाइन समाउ: निकृष्यम बहेश बाह्र । किंकु किन भारत कालागमन भूकी भाषा आहार करिएक মাশ্চৰ্যা কথা প্ৰাসিত্ব আছে। এই ব্যক্তি মন্ত্ৰি নামু জিন মিন অতো ব্লিয়াছিল বে, আমি অমুক দিন ুএডকণের সময় বেছ ভ্যাপ করিব। কিত হয় নাই। গগে ৰাজবিকও হুসু থাকিয়া পূৰ্বক্ষিত সময়ে দেহত্যাগ করিল: ভাষার

TH YES MAN नागा। निष् नकीचीरक स्थापन सहिता क्षण कडिटबं काराव व्यक्त AND ASSESSED BURN BUL त्राव दाकित है नवती क्रिक्ती की 45 Migil miete Beatf THE !

्रोज्या बरीय सांख्या व्या जार बागा बाग क्रियात । जातना क्रिक्ट बार्टनाक मान्यन गर्था जिल्लानी भेरिका इ सहा दर्ग प्रकृत क रपद्मारकार स्वाप्त स्वीतां कर नवरामात्र कटा, अर्थ के विवीरकई ही भई पर गाँच नाना इन्ट्रा किन हैशाना सर्व के ज्यान या जेता विश्वक पर्यो निया करने अरग जायाह णक् नेरान्द वशिक्षा शक्तिकविक्र : अ 145 中山東 山東 日本東京山東山東 क्लाकः 'हेशाहक श्लीकाल' कर्ण বলিলেও বলা নাম ৷ মুখ্যান লয়ই वर्षः वर्षाः मृत्यकानारः कातः अविद क्षानां करकारी किन्नानक संस्कृति আর পূর্বোক জীলোক আক্ষান্ত স रनिका गतिका त्यत्र करका जातिका অবভার বলিয়া তান করিয়া প্রতিক

to the state of th ः हे माहत हाति सात जनकार नगर ना नदीएउज्ञि सामिताहिक। स्टब्स्य का का आंतरे उतादकत तथामधीत हुन रहेंचा संद वित्नक्षाः । देवन कवित् प्रक्रिक के पूर्व म । व्यक्तिक स्थापाटक मानक ध्वान-मानिक हो বানিয়েয় বিশেষ সাহায্য করিতে শত্ত নচাই कारन केला मगरत जिल्ला न त्यांकी जिल्लि ইছিল। স্তলাং লোকাভাবে বাৰি_{ছ উনি}টো না পারাতে সম্পায় এশ্য শহরিত গুরু অপর बर्णव बहेता विद्यादह । यह स्वीहेनेन्छ आन ত । হব্ গ্রান্থ ভিয়াছে। সৌন্ধাল্যের 🕽 🛊 🏰 (स এक वा क्रिय । आंग मडे एम गाः।

frent ficht din um curie bur beit 'स अविश्वकारे ताम आहे : 'काशांटक 'डे राज बहु। रेवका काम के अर अर अरे के ब हिन श्रीकर्षाक के ब्रोटियंड क्लिमार्क क्लिक ात वालगार्क में जेटन सब्देन की देशी रवर महत्रक्षेत्र नवर्षे क्रिनेकारी व जनका है क नम्स अप भारत जानियानाम अर्थे पर ICH, MAR EN' CH' CHES SIE! INGIN STA ान कडिकारियाना । केक्ट काम असे बहेले संब त्र विवश्यक बद्धाविश्यकि वाकी केवाव. ागरकता के शतिरमास विकास की के वहेंग। Topi exception was alle me mais 12वा विद्यानीर वर्ग केरिक नीर्रंत । एक लाम बुधियाँ प्रेमिनवर्षी प्राथमे भावा मायक त राशिद्वक्र कर्ति हुई क्यानद्रम्य बहेद। शिवा-कात क केर्युक्त नेनेटक नेन्द्रभाव काविवाही त्वाचा क्यारका नवानाम बहेवा बाटक । हेवी-ाननाचा प्रदेशके अध्यक्त कर्व देनाविक स्ट्रेडार्ट्स प्रश्लकार्यका कि जीभी हैंगे। बंदण च के लिओ ·कृत्यं अकेशिक्ष्यक्तिक त्रमावारक अक्तर्यात एक अवस्ति क्रिकाराम कामीय वर शारकावस्ता wiels, केर्ट्रेड़ भावितकर मार्ग ! कार्यका हे सके नेसहरूबरण । अहें तांत त्वाती-कंक देशमा प्रदेश । जास्य - महि 평1 4 बहेर्ड कवि निर्माटन क्या क्याटन 4144 क्षित्र कार्टर हेशदिरवत-जननाः व्यक्तित्वत्र जात्र अक्षण पूर्वणा गर-ষ্টিভ হং না; ভাষা হইলে প্ৰথমেতের ও ক্ষিতিভাগির করা হর।

का व्यानमात जिम अन त्या कि मारन किरते कर में सियूक बाद तप्रमान त्याय वप्रति व्हेंबा वा मांबर वाहरवन दिस बहेताहरू, अवर सियुक्त बाद की ननाथ जाड़ा के करण स्वाकानम् बाहरकरहन । त्याम सियुक्त वाद् आक्रीमान त्याय कात्रो त्याप्रकृति वारमहोत्र वाद् आक्रीमान त्याय कात्रो त्याप्रकृति वारमहोत्र क्रीका अध्याममात्र कात्रा निर्वाद कत्रित्यम ।

৪। শব্দ এথানকার বেজিইরিতে বিক্র রাধ বহুবাকী ধইতে চারি হাজার চাকার প রনা জানিরাছিল। টাকার ৬৬ টা পরসা বিক্রীত ধইরাছে। কিন্ত কাহারা ঐ দান ২ইতে নিরাছে ভাহারাই কেবল ঐ দর

डि. के विविध गर्याम !

क्षेत्रीय विशेषां नास्त्र वानीमं किशोर्ड-क्षेत्रीय अदिवर्ड देखान्य कक्षा देखा वाट्य क्षेत्रां के विशेषणिक व्यवस्त्र किंगार्डेट्या के क के जिल्हा अविश्व क्षिता बना बहुत्र के विश्वत विश्वत क्षित्र। वर्षात्वर के विवर्ड स्थाप क्षित

् नवर्थन स्थान स्वाहित्रां स्थान विकास । शक्ति क्षित्र स्थान स्वाह स्थान विकास । जिल्ल देवाशूटन नांकार केहिएक शाहित्यन नां। ज बाक्यों क्षेत्रां क्षेत्रां स्थान स्थान स्थान । है शाहित्य सूर्व सन कृषिक के स्वाह अधिक ने व्यक्ति है स्थान

े श्राक्षित्रं वह कलात विश्वकात मण्ड के अरु काशकी कारक्षक विश्वकार्य अन्य करतन। किन्द कीलाह काकः विश्वकी केश्कुक नहा गतियान न क्तांटक श्रोद्धानिक विश्वक कार्या नवाश्राह, क् हिटक कारकार वह। क्यांट्स क्विशित नामाना वह गतियान क्षेत्रों कार्निटक हरेताहिन। वह नामाना क्षेत्र, कार्यी कार्याना।

সমাচার বিজ্ঞানীর সঞ্জনত্ব সংবাদদাতা ব-লেন লৈও সাবেব এবন অবধি সাগু ভোলভান কভার প্রতিনিধি অক্লণ কইরা বিল্লো বোলভ নাহেবের নাড নীজকর বলের জেরুংনাধনার্থ নিযুক্ত বাকিবেন। জাঁবার নীলকরের প্রতি বে-রূপ পঞ্জাত ভারাকে ভাঁচার ভজ্ঞা জ্যক্ত কার্বে বস্তুক্তেপ জনজাবিত নর।

আগাদী শনিবার ভারতবর্ষীর সভা গৃছে স্ব চার্ল্য উভকে অভিনক্ষ্য পত্র দিবার্থকঃ এক সভা হটবে।

প্রকাশিক হবরাছে প্রণ্ডেন্টর অলুস্তি বি না আরাজ্যনের কর্মচারিরা ৩০,০৭০ টালা ইন-কন টাজ আছাত করিয়াছেন। ইয়াকেই বলে বর্ণার্থ একুডজি। नियं विषय महेरात कृत हिन्दूर्याहिता परेटन सन्दर्भ दनसः।

बहुद्धान किविज्ञाने चटा शहर व्यक्त रेक दल्लीत लडीकर नेटार अक क्षत्र नेटा व्यक्ति

येक्ट्रेम्पीर्वे वावशालक मका किन कम मका वाजीवेटक्ट्रब्स । जिंकेमीन, यूटलम छ 'रम'न्नाव मारक्ष वेश्रीज्ञाक वेश्याक लगम कविटक-व्यव

गृत्रशाहमम केण जाता स्वतिश्राह्य कार्य-र्वेष वार्यक्षाण्य मणाह जना अणि श्राह्मित्राह्य स्टेश्य कर कर जरुष अणिनिय क्राह्मित्राह अश् लाजन महि। वर्षत्र श्राह्मित्र कार्य मणाह-क (क)ज्ञिन महोह जना जेश्वन कहा कर्यरा रेश्य वाहा करा है कर ज्ञारिकनिक महा-रूपाहित करा है कर ज्ञारिकनिक महा-रूपाहित करा है कर ज्ञारिकनिक महा-

क्षित्र राजम, जात्र वर्षीत हाईमश्रद्ध के जावरणत जारण मण्णूर्व श्रुकारण जावर्गत हारात क्षक जा की वर्ष मिश्रास जाणाणि स्थमहात श्राह्मत क्षक हिमार कहिएक जिल्लिकारणत । क्षित्रिक जीवा, म् रणत व्यथान श्रुवान क्षित्रहात महा के कोर्याण क्षण नेका कतित्र हिस्सान । क्षक्षाता साम निव्हित-क करेरां महाराम ।

দিলীপেকেট বলেন লড এলখিন ২৩এ কে ক্ষারি বর্মা ভাগে করিয়া রুদ্যাবন ছইরা উত্ত রে গমন করিয়াছেন।

२० व मास्त्र प्रक्रमनाह ।

मध्ये के क्य कीक शक्ता म बब्दार कातिया (इस) किन्न दम समदश् को शेरमंत्र चाकिनन स्थान ধাৰাতে ভাষারা পন্য কোতে বলিতে পারে ati t

छान्। जिल्लेन रामन रशामिश देनिरम्बहेर क्ट्रामयल मि, अफ. मग्दर्ग मारवन **माना**चि म अशीस खबाद छेअ प्रच कहेर रेग।

जारशंत अविश्वम श्राम्य मूल्डांन व्रवेटक এक्टन गंडलाम क्रिनिय आदिना साथ क्रिका

ভिति चारता स्टबान calचारे नवर्गमणे कथा म लीकि बेक्टनाशीविष्टम सना धन्छी विक-्रमान्य मिन्दार्थिक आदाव कविशारक्रमा देशी G शांत € काक है।कं वाम इंहेरव ।

शक्तात लाचे नाकेश क्रावन कृष्टियां ब চয়াভাসার ছুটা পোউ আলিস করিবার অভি-প্রায় প্রস্থাপ করিয়'ছেন ঐ আন্দর্য একংগ গ-बीका परम बाकित्व, ग्रंब उल्व क्रश कार्या हरन क्षान। कत्रेटन हित्रकात्री करेंदर।

बहीखूत दिक्छीत राजन कुरर्शन ध्रमान (Michael walthir बालकहिट्यन गाउँग्रह निक्ती-वार्थ अक्री होता करिया करूर देश पुलिहा-ह्मत । अविभिन्ने बारब्रम कता शव (स्थरके विकास न श्वा आर्थन। क्व। क्वेत्रारकः।

ভরকরার মৃত্যে সম্পাদ্ত চট্ন সাহেব কলি काळाड आजिहारस्य । योगायि श्रायकाय व्यविध मन्द्र कार्या क'त्र खहर करिर नम । है न बहर हात १ के मन्त्रा प्रकामरावय भारतम शक्ति मा इन बहे यामापिश्वम च्याप्टनांच ।

天· 唯 布(石井 祖代司(京 !

किनिया बालन, फांचक गार्थन नायां अस्ति শাধাৰণ কাৰ্গোষ নিমিল্ল লোকান কণ্ড ৰইডে १०७७ वर व्यक्त जार ४००० है,का व्यक्ता ह-हेजाटक ।

भूमा कारकात्रका गरमाम श्रामक न्यार भूगाः ভন প্রবাদ্ত সংস্কার ও সূত্র প্রচালির নির্দাবে > : ७१७५ हैं। बाब कड़ेयादक

জল'কাৰেল সাহেণ কলিকাত'ক থাও:নডম ! भारतामादाच स्थान कर विकास गाउँ भनेशास्त । ध्यक्य। बर्जिय, ज्यात्राची कि मान निर्मात प्यत्याचा आद्याच्याचा मर्दक्ष कर इहेटन, धिन क्षेत्रशास्त्र ।

किनि आदश बदलने, महित्रम बीटणन निक-C नि, धल catel नामक का नाक कलमग्र र प्रशेषक ১১००० पश्चित्रा भेता मेरी कडेग्रा छ ।

जिनि भारत। रहमन, कांगी शर्यास विजयन (४) शहरू करन भूरवात चामकानि वसानि श्रेकेर उ क .ए राज्यक्षके देवाल्यांनि खनानि कामें **ख**न क 'र" । अजमर्थ बहेश्वरकृत ।

याना क्यांचे क्षेत्रेशियम भूटर्शन (को र्राक्ष द्या है व निक्टी स्थापन माद्रव त्यापन चांद्रन छिल् ई ६ हेद्र **६रला, पूरे क्या शकालि ଓ এक छ**न है है। वी भी अध्यादक २०० होका आहान कांत्र शाहे न-জে আংশ্বেশ করেন। বাজালির। কংম গাঁচনে-' হাস উদ্**খাটন কবিতে অ'বস্ত ক**বিয়া'ছন '

ক্ষেত্ৰ প্ৰেটাল ও আগ এখ জন কৰিছি थ म्यम अस्टिक्सम् विश्वकत् निकारि छै रहुकारि क्षेत्रेया दिक्तितादक विकार मानाम द्यापन कतादक । भाति मा । भ अवैत्वासक द्याते अव खांबा भटनत केन वरतत कवित्रा त्रताम एवं। छा-द्धा । इ.स. १ देव . वित्रकेष द्यमाण कीव नाजक এক জন ৰ পদের নাংলে উৎকোচ ছিত্তাছে বলি हा मालील क्यारव विकटक मिन्सूरत अवर्शन कद्रा बरेबा ह। स्मर्था बाउँक, छेर्दकाहमानः অথবা উৎকোচ এহীত। ইবার মধ্যে কাছার মধ্য ●子さず でき!

वक्तिन वर्गाता है, निकर फुनिय बनावस म्यून e Patre I

আখব। আহ্বানিও চইয়া প্রকাশ করিছেটি मह वार्षेक विद्वात उद्या गर्ने कर एकारकेंद्र आ-श्वात जिव कर्ष में मिलान रखनाम क्षेत्रारका । वक्षः प्रत्यं चंकक्षा २६ होक। कर्यक्रांकि अव्यक्तिक र्वेडरनम् बना राह्र रह, किंदु निक्कर स्थान स्थान স্থানে শতকর, ৩৪ অবর্থি ৭৬ টাকা কেবল ভড়া-वभारतान्त्र सना नाग्र ४ हेव। चारक । এवे सना क्रि नि कारी के बाता कार्या न भावन कविवाद अश्वक कडिप्रार्टन। छोड्रकन येव म मा दिवाग्रद बाब नःरक्षण ववेद्रारकः, विश्व श्रविष्ठक एवार्क खिला-ষ্ট-মণ্ট অল্লাণিও দেষন তেমনি রভিয়াছে।

घोनरमभोष्ठ এक भेत कांत्रः कांबानाहे**ट**छर छ. কোচিন চীনে করাশীর। অভিলয় বিশ্ব এক্ত ভই-ষ্ঠাছেল। কোঠীন চীনের সৃষ্ট সন্মি ভক্ত করিয়া भ्याम ब्याक्रमन अतिशांश्वम । क्रमानी बन्छ तिव ज्यक्षक क्षित्रस्य भाग्न करेटल बार जीव स्वतांनी মেনা সাইয়া যুদ্ধ কৰিতেজাসিছে।ছেন। আমরা वक बढाख भार्रकविश्व हि, लक्ष'व व्याप इवेटक-(क् she) बारक जोवकवार्य केशव कामानद स्व व्य कांव विश्वप्र क्षेत्राक्ति कवानि विश्वप्र अकरन त बार्स दशक्षकान करेगा क करांनी मुगारित देश-मिरक्त माकाल प्राक्ती के छेरकुरे वर्ष किन् क्षेत्र क्षेत्र क्षाव लक्षित्र इकेटल्ड किनि अक अंद्रम क्षाव उरावित नाग्नि धक प्रदर्भ माम् का थिकात कविरक हार्विटक्टबन ।

২২এ কান্তন রহস্পতি গাব।

(बार्श हे क्षिक्ष व्याप्त करका महा ध्यका-म्बद्र जन्नाक्षक व जू कर्वनकाम मुलब्बी वर्वाताक ষ্টিত বিষয়ে অভিশয় সাহস ও অধাৰসায় প্ৰৰ পুনি কৰাতে জাঁচাকে কোন অৰণীয় চিছু প্ৰজান क्या व्हेरन। छतिन्छ धक मछ। बहेन। छरक-बृद्ध 8000 है दि। हैं था व देशांक आवश्व अधिक इदेशीय महारमा चाह्य । व जलम विवस्य स्वा-बारे बक्रामगाक भागक भीता क्लिशास्त्र ।

व्यागरांत महतादा अकृषि यदमण्ड काल চইয়া গিয়াছে। টিকাবির অটিন বর্ষীয় বাসক ৰাজা হয় উড়োজন করিয়া লার্ড এলগিনকে ধলিলেন, তিনি পিতু হীন, অভগ্ৰ সাৰ্চৰ্মী-র প্রব্যেট ভারার বক্ষা কর্ত্ত। সার্ভ এল গল বালকের ক্ষমেশে সাদরে মন্তক্ষেশ করিছা र्शन जान वार्गरमधी क्षत्रक मर्स्त्रा बजुरान वाकि द्यत । अक्षाप्त देश वला कर्तवा विकासित गुरु নাজা কেবণ মাচেবকে বিজ্ঞোত কালে দুকা করেন, বিজেধিবা বাবস্থার ভাষ্যাক সমর্থন ক বিঙ্গে বলান্তে স্থান্ধা ব লিছাছিলেন গৰাখি জো মাদিগের হ'ন্তে আমার এক মাত্র পুত্তকে সমর্পণ ক্রিতে পরি বিশ্ব পরণাশত ব্যক্তিকে হিজে

मक्त ज अवस्थातक कार्या व देशक वर्ष थिक भिन तीम औरकात समात सहितारम्यः

HE SCHE HIBITER 23.42.0%PP. कार राविका वेदेशांहा अंड व्येक्स 🖼 **41日 3.38.3€,003 日本日 田田本 を養養に際**

प्रोडेनम काव देशिया बरलाय दक्षी रक्षा कि কৰেল কলি ও পোষাটার আলিম উটিউ ক্রি नतं वि डेरहास्कृत शक्ति क्षत्रस्त्राचां श्रीकृष्टी म CH BECH !

मार्च बम्भविम प्रकाशकाम प्रकार के त्रव मरकां इ वह मन्य वर्ष व महित्य किल्ली

वाचारे नहेटल दिविक बर्टनम स्थ्नारेलेड बिनट व वाववद्याचाय कहेंद्र। देवेद शंबरक नि वादेवाव विवटत कार्ज अमुशिरबंह क्रमाई क्रिकेट नत वर्षेन क्रिनात काक्षत शक्षिक केरिकार्ट वाप्रवृत्ता वृद्देश दार्थशक्त कृतित्व व डेनकात एक।

प्रांगक। कार्य कविलोध शह कार्य स তন ছবির (খবি অর্ডার বিটে:সম্ভূ) করিব উপকার ভটভাছে, জালিতে চাহিলাং ক্র বিশ্ वि अन पड है।कांचे जान प्रक्रारंपर पण मक्टानरे प्रसादन कारणकेती अस्ति सना ना अविरक्ताता

देश निमयारमक मिनियांच अर्देश वार्क न, गणां । जारेकस्थनंता कांट्रजीक में कांक्रजी निरमतं नगरमत् ७००० मार्च सुक्तां वर् देश क्षेत्र (ए। प्रमाणान क्या प्रश्नातका क्या । नका वहैरकद्या

CHO WY TOY! ADVA. WIN नोमस्त्र नाम्नीवम् क्षा सार्वातः वीवार्वात्रीयानी Girig wiel eren menn biren wenten मालक क्या बहे: ज कार्यात मर्द्यादहा कार्य म পাততা কিছু কটা স্বধেততে বাট্য ক্লিক भीज हुद वरेशात महत्त्रमा आरक्ष है मीलापी व किर्राहरण कि अर्थन प्राणिनी अस्तिक Zon

Der Plan mang-mail and Bill at nices welle ferme freis feffente " थारता अरकृष्य शासिक में अपनेटिंड युविट्ड शाहित्य हिं काला कि कर्त सामिक वृतिए शाहिए हि सामा कि कार्या के कार्य के कार्य e विवयमी करें कि विरुद्ध कथा केंचे केंकार्ड य। त्य वाकि वादस्य वहेटक काहेटकार्ज निर्म करें के विरक्षत्र अपी वरक्षत्र । किन्न में में सी नी के विराम विकास करती नमान प्रशासिक रल मारक्षेत्र लाइजनरीत । रेश्मुखीर नह वन मार्टकार कार्यकरात्र के हिंदाहे हैं। ब्लिस अधि मकता धार्मित कहिंदाहे हैं। धविषाद्यम । मारक्षरतत बकार्व श्रीत क्रमका साहै. अवर त्मारम के हाइन महिल मा। (मध्यानी लात्य कोमगान में के रिक्रिय य उक्त को तीरक स्माग्य पर्यक्षताः कर्ने किया का विकास कर का विकास कर का किया कर दे वाहेरलाव् मा। अध्य धवर्गस्मात्रेत् हर के किया क्र: ६७ व्यवाशि कात्रकराई वामात्र रहते में

সোমপ্রকাশ।

् ुंड्य डेख्र सार्थ व दौकात · 电多压电点 हैम क्षति । अन्य वे व्यवताहास व देश र् देश थ त्र न स्म गाम मान भारतर किइ किवा कि मुरलिंग मुलेक ण तिरथेकिमि शह प्रश्चिष करी कि विरामहे खेळूरेबोमन हिश्व इति उ भाग

अवव काजन क्रमाहा.

नाव अतः । मी म शिक्षणे राज्य । धाल गुरवृत विद्वारी विभा-अन्ता पुर इहेबा,बन्नोक्राम विन्तावरम दश्च इ

त्रकात वर्षेत्रहरून । फेल अन्तर मधुर'च् मानामाजा बरलव १५० क्षिति । जा नव महामार । जाराहि में वर्षि अवस्ति का अवसि छेगा हिन क नमर्थ हेब् दिए के देखान दिसकात बरमन, रेक्स इंडम्म जुड़ान वागत्रके स्वकृष्ण कार्यक्षणा गाहिरधारिक नय करिनाम भक्त अवेदाः जिल्लास्य कर्ण हि नेगरिमक उद्ये हैं हिगरिक व्यक्ति। हाजनियात हमूना देश्यां सकत् अञ्चलक्ति।

भूती मान् क्षान्त्र बरक्त, भूता, द्वानारे, ७ हर्मा क्षिति । कार्यम्यामस्य अवत् इतेष्ठः स्थिति । हा क्षेत्राच्या स्थाप्ति । स्थाप्ति CAMP (BERTHAL)

ह क्षेत्र है कि कि विकास कर के में कार्ड में कि विश्व किया के बद्धावधी क्षत्र व है, में के ब क्रिकिशिश्च कामात्र /॰ काना माळक करि-क्षुवानित हे अखान अविश्वाहरूम । काशांद्र राज्यविक रिकरण, क विका प्रकृष्टिक माजिए।

क्षित्रक । ... ,२६० क्षित्र मानित हुत । গুডবাবে অনবেৰল ছ।বিভটন লা-व्यक्ति लारं क्षेत्रमध्यक्षा प्रदेशकाला स्वत्र स्वत्र मान्या व रिक्षित्रान । विकास सम्बन्धि क्रिका कि साम, किन्द्र को शाम पा टाक्षा विश्व करियाद्यमः किमाजियान सारक हिन्दे. ब्रु आत्त्रदाह के शब क्षांशित मक्किनी छन। व्यक्त व्यक्ति ।

> ्विट्यू चारता कर क्या सवास वर्षाता है। नि-मार्गक सहायमा सारह।

केख गढ़ाहत म गममाना दरल .. गद्यारम ७:इ े सी/पि निस्ता करियात अवश्य क देवताका।

🍕 मिष्यम्राच्याव ३ थान मञ्जी विनिज्ञा स क्रिकेन्द्रम् अञ्चारकेत्र लहि वर्डिक नामनः ৰাৰ ক্ষায় নিশিত উপায় প্ৰম করি-

ত্ত বিশ্ব 1315

एक वर्गिका इटेशांनि छात्रीटमंत स्मीका रिमके াছে ক রয়াছে। সেলাপতি দার্গত্যম বদারে সমন क विष्ठीरहोते । 'हममील के क्योत' बाहमक देलका । ब्रह्मिन । .

७ युक्त काशक में केश। श्वाकर्ते वर्ष का वालक्षीय जाक्रमम क बेट्ट अभम महिम्राह्मा। आंक्षांनामा कार का कारी वस मासक बांचा (मार्क (मोर्काक विन वक्षे वंदिवरेष्ट्रः मान्यभव्यतः व्यक्तरत्वाक्रमादन शव रिमली विराम कहेटड व्यानमानी हत्रदेखें **कुल्लुं कब् 'हेड्**शकत 1

স্পুৰ্ব ১০ই ফেব্ৰুয়া বি। ৫ই ষেক্ৰেয়ানি মহাস-ভ'ব অধিংকশন ছইচ্চতে। গ্ৰিক্ষানৰ ওলেৰ ছা र्जिश्वाद स्नार्क अ मेन शहन करिया वि वर्क्क कविशास्त्रका, ए। हा तहे लाग का निर्माही म क्थित। सिन्धाने औं ज अ व्यानीं प्रश्लीरशत विवत्य বে শাৰ্যা কৰিচাণছন, ড'বৰি ও ডিগবে'লি উ'ৰ বেলি সত প্রকাশ কবিয়াছেন কিছু আমেরিকার गुरक्ष कल्ड श्रीस्थर दिगण्य मिद्रिकः गारु। पित्रं स्थिति যুদ্ধন, তাঁ বিভিন্ন অন্যোগন কৰিয়াছেন এবং এরণ ক্ষতি হায় প্রদাশ কবিয়াছেন ভারত वर्षत (त्याप्त भीज उक् निकक कवां केटव। हैर लद्धं चूरी के पिरान निमिष्ठ अन खडिनस्त अब মনোনীও কৰা চইয়াছে। লাওঁটানলী জিজ বা कतिरमन नि.सभन भएए व नकल कार्या ६वेटल **६६ ७ विवाह १ त हा दशत छिष्क माल्यको**रस्य छ ल। क्लान्त्रा कर । एवं करा विषय हिट्टा अला ८ अ: इति निर्माती र नका अवेद्योशक स्कूल व करी कार लग छेड अडाएन चन्न चीनांन महित्सन হালিকাল্যে ডিনি যে বজুড়া করেন, তাহ'ডে खम क्या, फेल्क्स ड त्य कक शब का त्रिय रहा छ।हा CE का अपादि (SEE है के विकास कार्या नेव्ह कहे ग्राह्म । जन प्रांक्रमान केंद्र (फार्ड श्राह्म श्री के किसी মাইক্সম ব্লিলেন সেনাদল একথিত ক্রিবান বিসন্ধে কংগক থানি কাগল পান চাৰিখার জন্য তিনি প্রাপ্ত করিবেন। ভারতমর্বের সেন্সমূল त्र अधिकान्त्रया । यद्य करकेत्र विश्वत्य अधिकान ক্ৰিয়াছেন, ড'হাডে হস্তার্গণ কর। কট্রাছে । बहुल करका कि प्राक्तिक माटक व विश्वमा इके তে ভাষদানী চলটের শুক্ত জনাইবার अञ्चल भवारमञ्जे अमञ्चयर (११ के व्या

त्रश्च कडेगां हुन । ३ (११५७ क्यांट व्हास ट्यांड बाहि विक्रिश करिया खनाएक कके स्ववसारक ्रार्य्य अञ्चलकार्य अक विष्ठ'वालय विष्टर। नववर्षाः व मार्डिमम स्म मि. ति. वर्षेश्वारसम् । ১৮ है | भार्क (अस अप अध्यक्तरमय निवादक दिन किय इदेश छ। बरश्ता अध्यक्त मानिक कारवांकी क्षत्र भौगोल (Ga शिकाति अलानेश स्केत्र) स् प्रशास्त्युव रिक्र के के आप अध्यास में छ। करेंच्य (छ। क्रेड्रांता भवःसारे म्डॅलिंडि सिक्साना दयः वर्गाव चक्रास्त्राप्तम क्रियोग्डिम ।

के का भारत

গৰণ নত বিজ্ঞাপন। राजनारमनीय (सन्धेन वेशवर्दात्र ज्ञाद्मभाष्ट्रनाती मिट्यांग।

 अ अ (साद्ध्वप्रति क्यारत्यक मि. हे तिर्वित्र) ম পরীক্ষক সম্ভার সভাপত্তি কইবেন ।

कर्ना के कि कारमध्य महास्य कारांत्र (यम्ब e 1 7 5

वाकरवटकेंद्र करा संविधिते वि वर्षकें निर्देशन अक्टर का क्या अस् अस्यादमान द्यारकरें। अस्यान क्रमाव उत्र तिश्वस काञ्चाति क्रमीकात त्यांत बाल क्षिमनहरूम क्षमछ। शाल बनेब्रह्म ।

काटखन कि. एक, दन वरकार्त नीटक्षे मा नत ... गरत्त्र शाष्ट्रियाचाव हके। यह।

२८व क्लाक्षेत्रं स्थीनवी खांचपूरा माजिए ।। मान क्षांत्रिम् अन्य चामिन व्याह छ्यानात जन्म (क्रिंग)यत मृत्यक इकेरबर्ग।

>७व क्किश्रींत एक वन दिल नहेंद्रव (वर्त)

बाइ जनानाथ मनी खबाकाद महकानी अरा गढकर अखिनिश्च करेटन

७ वा माक्ट , श्री जात्मद्व श्रीकिनिषि (द्वारा ञ्चलाबिरके छ है आह. बन, ख करव न'रश्यः। এ বিহুত পুলিস আফিলের ভার এলে ক

эণজ কেন্দ্রানি—নাকরগঞ্জের ভেশুটি সা ट्युंडे ७ एक ३ में का नहेंद्र वायू व्यक्तान ए Sb== र माम्बर व शाक्ति छ : ४०€ छा:सह हैन अञ्मादर छण कांच कारलविंद्रहें मुक्त 👵

के व व्यक्तपारि--प्रामाह, है हैना । । । ৰ মধিয়ৰে কাই-উমাজি-জীত ও জেনী 🕛 क्रिष्ठ बाह्य दिश्य

रम्थ प्राव्याद एक्टामन हिन्त-छन्ने आहे हैं। ह मालि के हे बड़िरनर खदर रीमक पारम्प कर क 第一回答っろ 展出 は、かなる 無「毒素、> のにたい。 इस प्रातः अञ्चल, रह क्षणाकांच २ व क्षणानीक करोत गान्त्रिक क्षेत्र क्ष्मका माहित्य।

ৰ বা ম জি - গুৰিভাগ্ৰেষ চেন্তুৰী কাচেই। वात छ।वकनीय ८ए० देखन दि जारम एक लिक्न 4 10 6 44; B C P. B. B C. A. C. V W P. B. D. L. প্ৰিয়াস অস্থানীয় দিন সেইছে, ৰাজ্ঞানীয় কয় क , गौर्माक छ नक्ष्युरिं व सामार्गे (५५) । व्यक्ति है। इस स्ट्रिंग ।

मिनियार अर्थ निधि एक श्री स्थान हो । दक्ष र जिल्ले व क्षेत्र को स्वर्क महस्रक र ज विचारण वर्षाल करेंग्र ३४-२० काञ्चय स्थान व १५-२२ व्यक्ति । प्यक्ति काष्ट्रभाग होत्र , सन्तु । और के बिंधूना अन्य महामन १६८६न सहस्रहे टिह म ु भागता भागित सा

কি রাজপুরের ছেপুনি মাজিয়ে**ট**ে 🔭 कर्मकोत स्थानती कावष्ट्रक क्विम ३५० व भाग दक्ष माहित्म र धार ७ १ क व्यक्ति ३० । कृष क्षा १५ ०५ अध्यक्ष २० स.चेन व्याप १० लक्षरणाञ्चार निमक क्यांकोत सूल प्रति है। क्ष्मका शाहित एक्स ।

७ इर मार्क--- रेर, लि ४१४४ (इन सा. ३० कर मक च महा कहेदरन।

शकेत, क्या, क्राइका ल मार्टक्ष श्रिका म (खनी इनका नी श्रीलग स्पन्ति रहे छ। वे व

क. च्यांन शि शांटक्त मान्यशासन २१ ग्रामाती भूतिम अशिवत्ति : करे । हैरन्न ।

शि: अ आल ाई शाहरूव बीवसुरभव स्य बीयु मधकाती अभितित्वेदसके स्केटनेन।

পত্রধ্যৈরকের প্রতি।

र्मास्थानस्य बाह्य शहर शहर शहर शहर व्यापा-स्थानस्य स्थानीक स्थेल मा।

"ব্ৰাহ্ম" এই আক্ল'ৰত পতে ত্ৰাক ছণ্ডের অসক্লত নিদ্যা কথা ক্ষয়াছে, এই কাৰণে উষ্ট প্ৰিডাক্ত ছবল।

क्षामक् करणस्य का का व्यामा निर्मात महना मीड

(कतात वाद्यत शक्क ममर्थम कतिहा स्पतिनी । गृत प्रेट्ड स्थ श्रम खामाभिश्यम निकार खामित्रा द्व खामता छात्रा अकाम स्वतिसाम मं, कार्य क्लाज बाद्य विश्वमः विश्वमः विश्वमः स्थाप हिन्छ मा हारा करतम नाहे, शत्र स्वतिस्थ स्थाप हिन्छ मा हारा करतम नाहे, शत्र स्वतिस्थ ।

প্রেরিত। এবুক নোমপ্রকালসম্পাদক মংহাদরের

সংগ্ৰহণ কৰিছে বাকি নিগের কোন।
মহং প্ৰদৰ্শন কৰকে সংস্কৃতি একটা মনিৰ্কাচন নীয় জীতির উন্যান্ত । সম্প্ৰতি উপাত্ত কাৰ্যাক বিদ্যান কৰকটা মাজিকটোট আনিয়ক্ত বাকু জীনচন্দ্ৰ নিয়ান সৰকটা ও উপাত্তক কৰানে আংগিয়ান

'ह चून । किन करहक शक्तिक वर्षात्रहार "A रभव कथा रियाय सर्भ किका'र। कवियां अक कित करण विश्व थात्र ६ थ है। यांन अस्टिक् > + इ. श्रीक बा**मा**यन गरीकः सहेद। वर्णन-८.त प्रशास खेरमाङ 'कीन कविशाहकन दवर ान्य लिकिकाक्षक नर्क निभिन्ना निप्नाद्वन । म् १,--- ' व्या म सामा धारे आधिदतत नम निमान लब मनानी करिया माजिया शीकि ल छ कति। र भा। बाह्यर कहा पर अधिताहेर श्रीकारक रहे हैं। ० टीक्स म अ कतिल हेरा, छ।त: छक: मिध्यत स-कारयात ७ स्वयः ७ पुष्टिमञ्जात विभिन्ने शन-दत्र भाखमा ध्याल, विस्मयकः खास्त्रक छ दम লাল**তি জাতা শুজ্জালেপ উ**ল্লেখিক বিশ্বনী করাই भावद्या आसीन करिटलान । ७। थम १ अभी व श्रीत हा वाक्षक कि (म**क्**रिश्न क्षित्र) का का करियादि धरेर অ্রাম্য বিষয়েও প্রগাচ শিক্ষার শহিচয় এলান का निम्न त्यानीत अधिकारण गालकर अ-। कारक या व भागा श्राप्तका आहा व करिया. प्यरिक्छत प्राक्ताद्वत विषय अर्थे त्य अरुणि वा বাদাও ঐ হালকদিবের এক স্পেণীতে নিবিটী था करा हो भिक्ता व्यक्तिमान करावेस । कट । बर्ग मा अबरे दिशाश्यात् व्यक्तिक जीवुक बाद्र । य विद्वत बदन्या । भाग महाभाग्र कार्र क ^२ इ.फ शिका **श्रेमाणी**त श्राह्म अन्दर्भ व^{र्}ष्ट लित्यास अध्य द्वामह मचल कम् र र र मह परित ब है विज्ञास सब क्रिक्टि स्टाइ समुध्य पत्र এদর্শন করিতে আফুবোধ করিও প্রভাগণ কর व्यिष्टितार वाहे निकारणाही अवर्गरमान्त्रेन माध्या म ७ क(ब्रम्) दिन'हिन छेन छ न, ७ क्यू । धार्य बरे कर भरमञ्जू मध्य बचार्च कक ममान मध्य प्र न्य ह ि वस ३२ ५३ माल २३० वर्ष

ব্যালয়! ইহা ছাবা খানা'রপের ব্যালর থেকত উৎসাহ রুনি ধ্রয়াছে তাহা বলিতে পারি না নিবেলন টাব।

> नन १२७० म:म । ७८ वास्तन व्यक्तीनकास स्व व्यक्तित नम्भ निमालास

अयुक्त (म.स ध्वान मन्यानक महाभारतम् ।

২ চন্দ্র করে বেপুন সে, স্ট্রী সভাব

'বেক্লনাল নিট্ছের ,, প্রথণ অধিবেশন ভইচাছিল। লোক সংখা। বড় দেখিক হচ্চ নাই,
বড় অলও হর নাই। আট্টার পব সভাব আটা
আবিপ্ত হইল। সভা আরেল্ল হইলে ডক সাহেধ
গালোপান কবিয়া ক হদেন ,, আসরা
এত দিন পর্যান্ত কোন বে ন সভোর মৃত্যু, কা
হার কাহার পাঁতা এবং অপারেব ছুবদ্দেশগ্রন
হেতু এই সভা আরেল্ল করিছে পারি নাই। যাহাভটক একণে সামবা সেই সকল বাধা অভিক্রন
করিয়, লাগনানিগের কার্যাে এরল ছইটেছি।
গই সেক্সনাল লিটিভের সভাগতি নিং ই
বি কাইছেল, এন, এ হিক্লু প্রনি বিষ্যাক বে প্রস্থাব পাইহাছেন, ডাহা আবিও বন্ধুন, ইহা নিভাত্ত উপ্রোগী ও মতিশন্ত উপকাবহনক।

मश्राः काउँक्त जाटक्त भारतायाम क्रि-ब्रा के विरागन शास वश्यत वारा छ । शुक्त वश्यत मञाद बाहुन छेन्रडिय लक्ष्य पृक्के हरेक् क्रिन, এ বংসন ভালুশ নহে। এই বিষয়ের লোক আলি निक करकर नर्द, (कन मा आमि क, इन्हरूव कारकी निजान बाद्ध शाकिय अविवास সম্धिक गरनैरियान कतिएड धार्च नाष्ट्रे, किंश्व अहे विनया नत्सात्रा १ त्य व्यक्ति काशी वन अम्रक महरू, की-करिष्ट्रेषु अंदर्भव यरम् द्रमाश्च कर्नन्त्रमासः । काः १- डेक. प्यां म अवारत किन्छ प्रभात विवयक अकृष्ठि প্ৰতাৰ প্ৰাপ্ত হইছাছি। ইছা নিভাৱ লৈছাৰ। अनक, गरमन्द्र माहे। देशहरू हे रेग्य स्थान, अञ्चा ভিত্তান দশন, तरमञ्चन प्रभान, धनर देनश्याचिक मर्भन এই চারিটি सर्भन्तित विश्व निश्वित इदेश-एक । आहे प्रतिकृति विवयं मन्त्रि क्षानीय मण्डाक नः भक अब्द प्रकेट - 'लिथिक । या धर्नाक (र्वा या सम अप सम साधिकार उपनान मुल मेरक उ मर्मावर्गन मरखंड करतान , अक्करण दम्भ अक्करण दम्भ अक्करण का कारणार का क्र र्शामन अभाष्यक वाकाखात अञ्चलिक करिया-(६न । এট প্রস্তাব জ ব। জাল, अरुरोक इंदेरछ मीछ । भाषताहिद्यात निषय सामः निजास स्मान-আজ। এবং ছিনি হোন সময়ে ছিলেন ভাগাও ভ ব্যাত্ত ছওড়; অতান্ত প্রয়োজনে প্রোধী। ওঁঃ-इत्र अवरक्ष कर्यु क सर्वरवद्र बदर क्रायां लंद भागक्षत भूतक्ष्योक्त वसा भागक्षक्ष गमक श्रामाना धीमिकिमाना लाक नमुरमह नाम माधवाहाद्यीत दक्ष्यल माम मात्र काष्ट्र, क विवत्रक জোন'লিখিত ইতিহাস মাই, কেবল পশ্চালিখিছ বিষয়েরী মার এচলিত আছে।

टित माजिमा शहल निर्म मुख्ये प्रशिक्ष वि करमकति बाक विरक्षकि चुकेशा सेस k वक्षा मधा छ। ब्राह्म वर्ष क्षेत्र चार्क म्बिन डार्स । यह त्यरहास कार्य है गय बाम विश्वास पूर्णि चयाचा ब्रांसा अस्त्री हरा। टार्श्य सनाजह निक्रम नर्बर । और নগরের সংস্থাপন করে। মাধবাচাব 🕍 जांद्र ८कति जान विश्वद्रमन्तः। बाधनाद्रीष्ट्र जाकरन्त्र भव । राजाकाभावित कीश्राक्षेत्र न्या किन्य श्रम्म क्रिन्। क्राप्त क्राप्त बहेत्स प्रतिशासन वर्ष वीकास बह्द कोहसून जर्व मगानम हहेल मा। हेलाल बडांक পরিশেষে ছিলি সংগায় পরিভাগর পুর্দ্ধরী भर्त अवस्थान कृतिहरूमा । अञ्चरपूर्व श कार करेगा जाराएक अक्रेस कर्य विक्रक की कतिरत्म । याथव क्रांशाटक केवन विकास क्रा নি একণে সংসারত্যাণী সন্মানী ব ইয়াছিল उक्त जीवात आर्थन आश्वासन कि हैं। लको क इरमन यहि जिक्न शुनदात करने श्राविक हम, फ्रांका विदेश फिलि अक अल्ला लाक स्टेटनम । देहाटक माध्य मुख्य स्वाही क्रीन निश मध्यर क्रिक्स, अहर हिंदे नाम भारत श्राम स्वाम सरक्ष क्रिक भिरमम । जे मगरत मश्याप दकां भगरक हैं के हैं विकारमधीय ममञ्ज दकाक धीकात भारति हो शिक गारेशन करा शहद शह हिंसे कहें। व जानून जनशर्वत जाजा बहुन इदेशों के योग्यक्षेत्र अवस्थात विकास मनुष्य अवस्थान निश्व भारे निश्वादिक वरेश दर्भ अक कुक्क क्रोक्टिंग व्य श्राद्धात्रम केश्नुम् स्रथम् डिर्द मिड शहर भागि श्रामित निर्मा छान। क्षेट्रेम जे मनत छित्रभाषी अमेरिक अन्त योनि द्या गढ प्रेशन गई कु कि है। তিক সময়ে জাঙা ৰসাল হয় মুগুই, ছাইবাইটো व करिएमन जे बनत हिन्दकान मी वीर्विहरी। म ७०० गंड नरगत मांच चालियन। श्रीतिकारी क्षप्त मध्य मध्या मा क्षेत्र । पृष्ट देशमीक 🥸 ब्रायम वे मभद्रत वया विम्। 🎉 🦛 👾

विकास नगर मः कालम कडिया मुख्य कोवाहर्के या विश्व के बिटड का शहनकः अन्ये किन दर्शकः खत या वित्र गत्र रगरका देख मासक अम नार्षिक (本 第(司) 有可行人等所引 贯(好人 清樓 电比解本 借了 मु बेर्स निविध र मन्त्र प्रोक्षी मन्त्रभाग वर्षे दश श्रास्थ को अ अरु माध्याताका अस नम्रात वर्त्त है मान हिस्सन। देवारक बार जानतानव, क्रामान षात्र विज्ञोकुक वहैराजाक स्व माधवाहाँका अव-का नां अरक खेंखड़ार्थिकाती ना कविया. काशास्त्र রাজ। ক্ষরা আপনি তঃগ্র মন্ত্রির ভাব এক্ট क्षिक्रीव्रितन, जुल्याः वाका मःकाष्ठ मनस कोः र्दा जन्माता माधिक इनेक । बरे मकल कार्या का-टा शक्ति भ छ। मा हन हा त्य क्रम क्रम क्रिका अ छारा अवन कहिएल यश्थ ि , हे छह्य রাজ্য সংক্রন্ত নিতাত চিডাসমূল ব্যালারার র মধ্যেও ভিনি এছ লিখিতে সময় পৃথিয়ান (त्रन । ७० वर्षेक दि नक्षा अध्य महा में हा है

় সে দৰস্তই নিভাস্ত মহোপকারক। ডিনি किः ७ मायदराम् स किमा कदवमः वावकात्र क अक थानि अब् जिनिश निश्राद्यतः भानि-तिकार निका ध्वर मर्काममा मर्जीक क्ष प्रमाण किन्दु स्मितित नात धार्य कतिहा शानि अब् अवस्य कत्रियारहने अवस्थि-চনি পণ্ডিত মণ্ডলীর প্রচুব রূপে উৎসাৎ ন ক্রিগছিলেন। ভাষার কালে সংক্ষ । त भूगक्रीयम नथाव इत्र। अव्हल देशां গত হওয়া জাবশাক বে এই সৰ্দ্ৰে ८८० चृश्कान्स) देखेरद्वाः भा नाविरकात चा-।চনাত্র প্রত্যারত হয়। কিন্তু ভারতবর্ষ জাগে-हिडेरवारणव प्रमधिक उपकार इत। होराज তু এই বে, ভাষতবর্ষে বিদ্যাচচ্চার প্রারম্ভ रल शत्र (अहे श्रेक्षाक्रम विवरवृत्त्रे आरन्तानन য়েছিল। কোন মূক্তন ভাবের স্থাগ্য হয়। করিতে হয় তাহা তিনিই জানেন। है। युक्तवार कान यक्तिय विवस्त्रत आदि-লুক্তর রূপ রূম ধারণ করিয়াছিল। ইউরেন विभाक्तिक नदक कुछन विवस्त्रत करणा ग-ाम इंदेमाहिल। छोटाबिटशत विका औन. , পেলেন্ডিন এবং বোগদাল দগর হইতে सररण जीख बहेकां हुन। वार्ताणाहस कथिउ क्षेत्र नेषि और विकास अवश्यमारम्य व्यातः । वंद्र जा। जगद्रमध्य उर्शाविक नामजी र्ज़्रे**न । देवरेक च**्छम्मीष्ट श्रेव।क्रम छोर नमुद्र মালোচনা করিলে বিলায় তথ্যচুত্ত প্রিমাণে বিলেপীর বিদ্যায় সংযেগ কনিতে হয়, তা हैरार दे जीव बनर अमारमणीय अधिमन ‱একজ∮টেয়া ভাছার এক ফুডন রূপ বয়। (मेंः) विवाद्वकींद्र श्रेमकांत्र कितांद्र क्रेम 📆 व्रताष्ट्रम विकाश छ। वेखेरहाशीय अजिनव 🕽 ্টিবিষ্ট কৰিছিয়া সম্প্র সংমিট করিয়। व्यक्ष प्रश्वित के किया विवास अवका सूतक শ্রির স্বীতিঃকরণে জভিনিবিট ছইয়া নিজা-एक ६ ने जात श्रीत ज्ञाम कर्ता कर्नरा। स्थ्यारव बिन्ध्वन विषयात आखारवन कियमध्य माठे SEAL !

ু শার বজুতা সমাপম ছইলে বারু কালীছ क्षित अम्पूरे रक्ष्या अत्रद्भागः छर्गद्र क्षिपुष्टि थे रियात निष्टू बिलाता गाउँ। उन्न i i

और गिरुस है। सम्ब मार मानीयाह

া'নাড়ম জীবুজি নোম্প্রকাশ সম্পাদক बङ्गानंत्र मञीरभव् ।

स्या आवाशिरात्र वाकाविक इसि, अहे या-নিক চতির অভুগানী ঘটরা আমরা সুধার্ত-भन्न, भिर्मास्थल मन्न अपूर् विशेष्ट्रक सामित्र

क्षान क्षत्रिक्षां वाकि । महाया म उसीय वाका मा- । नांविद्यात वदम कि द्रांश वह मा ? नांदक्षमाद्यदनत ना अकान धर्मा धर्मर वर्ष्ट्रावय श्रष्टापान फार्ट्स, किन अवस्य स्थान धर्म का मन्द्रापाद नाहें प्रक्रिया **एक जोक्श्वा को कवा योक्श्व डेश्रासमा । य एवं श्री-**कात्रकात्रकात क्यांक बडेक वा स्का, छात्र,व कि-किश्मान चारस्के चारक, धमन कि टिक्नुम ক্রিক। ছারা উপার্ক্তিত ধন হা সামগ্রীও জন্য एतिएएक प्रिया गांडाचा कतिएकछ। प्राड्या श-दब्र प्रथ्य निवारन व्य बग्रुद्यात व्याखाविक धर्म ভাষাতে ভোন সন্দেহ নাই এবং এট নিবয় জ-ইয়াও কোন বিবাদ ধইতেছে না। এক্ষণে জিলা-मा अमे रव कि शकारत मान कतिरम प्रभोप प्रश्री দিপেৰ প্ৰাকৃত উপকাৰ হয় ? এই এমা শুনিতে व्यक्ति मात्रामा, किन्तु दिख्य गास्त्रिय बेंगांत डेस्टत আছান ক্রিডে ছইলে তাঁহাকে যে কড চিডা

াৰ দা হইয়া কেবল দেই পুরাভদ বিষয় এক ৷ লোক ফাছে, শাস্ত্রশিয় প্রাচীনছিন্দু এবং শ্ব-भिक्ति । इत्रश्कात अक्ति अनग मन्त्रभाग । धा-बाबाक वाक्तिको भारत्रक्र मान बैनेमा कारक छा-ना। मिराहे धेरुक भन्न विश्वा कारनन, जना व्यक्तिग्र क्यांकरक धनमान कत्रिका आर्वनरक थनमारनद जुना कल नाहे अहे छ। दिलाद नि-ह्न हो, त्यान व्यक्ति थन स्थवन स्थान है १- । यान, किन्न स्थान सुकिम, में वीरतदा मकन म ভুষ্ট বস্কুণ্মিয় জগদীখন্তের গুত্র, সকলের স-विजने आमाजिरगद्र आहे गरका, ठलांक रक्कम [क्षा आंगमंग कर्तिटक कहा विजाविक्दम् । खामानिश्वत रणकन चाक्रोह, आक्र काहा च-শেকা অধিকতর আরীয় নহে ইং। অনিয় क्ष्यल यथार्थ प्रतिक्ष, यथार्थ अमाथ अनर यथार्थ एक मा । जाश्रद्रमानीय मन सब के कुके जान । विशेष्ठाक तका करवान, कि कारम रन वाकि जा-कार राक्षित्र मुद्ध वा वरम । किन्न धरे मदा म-क्यान। दब्रवक्ष अद्देशियतः स्थानि लोग नानी द्यार दर्शिक्ष ना । बहे सामकिया असकी व्यथका अभात गरिष विकिष्ठ भवेत्रः कतिका य विकास देशकात्र एत जाया अध्यक्त कार्याच्या হয় নাই। আপন।র আপিলার সমুধে স বিজ প फ़िल्म रूक्टम है नांधासूनारन जांबारक सान क विश्वा बाटकन बटि, किश्व हैन। फरलका नांधांत्रव ধন ছইতে সান্ত্রিয়া চলিংল কি অধিকতর তভ क्त्र क्ल डेर्ण प्रम ना ?

> अक्रम बरमक राष्ट्रिकार हु । उन्हें विराम श्रिकार्यक्र गालि कर बादबर बात बारे। डांबा-वा मिरत्यत ३२ वती। शत्रिक्षमं कतिएउ शाह्य वा किन्न ब्रहे पढ़ी काम व कान अक कर्म क्रिएड गाहर, किन्न अयस रास्त्रिविशस्य स्य क-*एवं नियुक्त करवे. ऋखकार टोक्निश कि*ष्मिश श-विज्ञानमञ्जि बाजिएक कार्याकारक अवाबीक किक्कू व हरेत्र। शिक्षु । अवस्त कारमण अस शिवाला । आसारिक विवस म अस वहेर , श्राटन केति । कारक, नामान कडी लालोकतिक वकाराज छ। চার সম্ভান মন্ত তি এককালে কারিয়েঃ বুলে পাঁড়-क इत्र। कार्यक काक्टक कड़ेश स्वर्ध वाहरहेस বে ভাষার থাবলারী লোক হইয়াও পঁ কিয় জ-ভাবে বাৰমায় ক্লাজাইজৈ বা পারিয়া স্ত্রী পুঞ कर्मा क्रिक कर्न (शिवन क्रिक्ट क्रक्र क्रेन्स মিডায় ক**ে ভাল বাপন** করিছেছে। এই স্কল नागाइ कि उपक्षेत्र महसू ने हैंदो क्लम क्लिइ कार

মজুরসিংগর কর্মান্তার ছওয়াতে অন্বাভাবে দাকর क्रिक केरेक्ट कर यह कार्य कार्या में कर के कार व व्यामारमञ्जू मार्चाण बना है हिंड. करे कथा अन् क दिया आम ! अकटलाई विवासीया मा क्या टक्ट इन के ब्रिटिक है, डेक्टम, देश भी के ब्रिटेक मछबाद विष्यः, विष्यं नी, किन्न का दिल्ला दिल्ला सुर्वे स्थापनिता । मावि च्या काटन खावारमञ्ज क्षित्रमञ्ज द्व क्ष का क बामन जीला महत्रम कतिराष्ट्र अहार कि इहे-एक: इं ? अवटल राम कर। छे हिंछ नदर कि<u>य</u> मा বলিলেও মৰের ক্ষোত যায় না। বিশাতি দ্বিদ্র बरम कि अंड जामत ?

একংশ আমার এত লিখিবার উদ্দেশ্য কি महामह धारे क्षेत्र कतिए शादन । आभार का आंत्र विभावनाकी महानग्रभा त्य कर्ण के (मृश्राभी ष्ट्रेश अध्य औरम होस्र, भविष्य अवर् न वर्गस्य-अकरन विक्यु ममारस्त्र मरशा हरे शकाव ने केंद्र म र'ा लहेव विकार मण का निकाह-ন, ৰৰ্মনতি স ৰুযুবাৰা বেশ্লপ সভাগত প্ৰচাৰেত क्रमा कास्त्रतमा बहुका छाउँ। कतिया आका देश क व्यापान क्रिट्ड इन, मिहेक्स किस किस करने ह দর ক্তির স। ধু মহাশরগণ (বিলেবড: 🖼 🕫 धिक।त्रियन) भरतमासार मधारचा भूम धन गरेध-হ কবিয়া থকুত প্ৰস্তাবে দ্বিত ভুংগ বেচন ক কুন। কতকওলৈ স্বন্ধিয়ান সক্ষিত্র সাধু ঐ 🤛 लिए कुछ (माम हि.जेत रहचन इडेम, अन सन ४-क्रियोदि इडेन, धर्म धर्म धर्म धर्म धर्म क्रम ग्रिमणेक करण चे किया छ दंडा शास्क्र कर ছ। সভার ক্ষাণান কৰিয়। সাংখ্যা প্রার্থম। কড়ন। त्यं त्कान ग्रिवाइएक छ। ६ मा १० श्रीमः कतिह योगीय पिटल छ। गांत्री नव्यक्त काल गांश्वी क ্বতে পারে ভাহাদিগকে ভাহাই দেওয়া চউন ्य शक्ति भू कर अकारन कान कान्नरांन होता हैश फिन्याल कविरह साविरक्रम नाः गर १४ উলিখিত শাধাৰণ রিলিচ ফও ছইভে পুঁজ দ अम् ६ छक, अहे ताल यादान याहा आकाव छ। हा क जोशं खनितान ७ खनुष्यन, श्रुत्वेक श्राप्त इ.व. क। कीमा बांदा वि मुक्त धन अश्वृदी इ बहैर उद्यादकान बादक क्या मा द्राचित्र फार्ट ए क्यान कार्यशत हालाहेटल 'उत्तातः व्यानक कि क छिठिया जाउ दहेट्ड शास्त्र । अहेत्रश अ... म्बाटन किलिय कथ त्रांगाहित वहेरान शह खरम। 🌴 ब्र ल्लांट्कब्र प्रुव्भवाणि विकासन धर्मा करेंग या त बदर देश दक्षां इक्षां इक्षां भागतह दर्य दहलू मकरम काशन काशन हान अक्षिक हिलाहे

> २०० (कडम्ब्राज् I MIK OF AC

> > 五年 超四年 विदाधारमानिक एउ:

(সামপ্রকাশ সম্পাদক अञ्चलक नजीरभव्। BE CO THE BE

क्षणीय निष्यक निर्धामांभ विष्यः ১२३ का-सामह राग्य शकारण चार्यात अवति वेकत्र अवस् जिथियारस्य । धे धारक शांठे क तिर्माणिया ग१-कास कार्या अपर्यायर केंद्र किस्त्र किस्त्र किस्त्र हैं।-हारा अक्षापिगटक किंद्रश निकः प्रांत्म छेलाख प्रवेशारसम् बनः निक्रश निष्म प्राथ्याहि या प्रक्रि-क हेजाजि माना विशव कानिएक गांदा बांद अवर एखर प्रका आणिमि एवं नकल वर्षन विमान करि-মাছেল ভাৰাও যুক্তযুক্ত ও লারবং বলিয়া क्षप्रक्रम ६४, किस फांशनि एक हि निस क्रम धारणस्य करिया व्यक्तन आत्कन करियोटहर নেক্লণ আছেশ করিবার কোন প্রকৃত বিবয় आत्य कि वा छित्रदात विद्वष्ठमां कता है जा-भार करे शरका मुन्ता केरणना ।

चार्णाम जिथियोद्दन 🕶 श्राहीन छट्या अङ्ग মহাশর্মবার স্থারা প্রকৃত শিক্ষামান কার্য্য म क्रिम महाविष्ठ नव " धनः " धनः नवमहत्त्र अ'था निका कर्ता हात शोकूक शोह दश्यादा ংর্মান অনুষ্ঠাপর্নিগের বাজনা ভাষা ভাল मान्य मिका क्षियांत्र अञ्चायमा मारे । अवया रवार्ष कालांब अध्यात्र मात्रे धनर जाननान अवस्था प्रदेश दिन्द के विकास क क्षित उभावे भिर्मन कतित्र। क्षावरपाव व्यक्तिश्म রচনা করিয়াছেন। কিন্তু আগনাৰ বিভিট্টি ডা-দশ বয় হইতেছে ন।। অ'শনি বৌধ করিছে দ্বেৰ যে, প্ৰাচান পাৰ্জী বাধ, গুৰুমহাশৱেকাই ८४ इ. १६ के स्था का श्री के के हो जिल्ह के हुए हैं অধানন কৰিছে জাবন্ধ করিয়ত্ত। কিন্তু বাস্তা বিক ভাগা মতে। মন্ত্রীল জুলে একপ ছাত্রেষ। প্ৰণ ম প্ৰাৰিষ্ট হয়, ইঙাৰ অধিকাংশই প্ৰায় সেইক্লপ ছান্ন, ইবাংকর অধিকাংশেবই ব্যঃক্রয় : - । १ व हेर्ड ५०। ७२ गर्गास्त्र माधा बन्ध है। देश कार बरक के का कर्ण निक्षा लग्न के नाकांबा কুত বিষয়াপর একেতিতে বালোল। ভাষা কি.কং किथा । भिक्षा किश्राहिता एमार्था करमञ्जू थात्र । क्षत्रमानाः (योगाः । तत्र भावेनान हिन्त) আছে ৰটে কিছু ভাষায়াও এতালুশ প্তিগল্পি হয় নাই যে ভাহাদের গল্প আণ করিছে পারিং বার না : কলজঃ গ্রাচীন ড:খ্রুর শুকু স্বাশ্রদ্ধি-(गई बाबा क्रम काय इत में बनिया यांन्यांत । जाश्रवात हे वा त्कन महत्त्वा वास्ति महत्वसके। त्व अश्वदाह कां व कक् हिन्दिक कार्या देश गर-कारबंद अधिशांत्र कविरख्य है सा ।.

चञ्च राटा अधिक ल्यानिक लिका मिनात्र शनन (शास्त्रेय (श केन्द्र) क्षेत्रोटक अवद (मर्के हेन्द्र) ' वर्ग कर व्यापक कार्या देखेशकाश्चल वहर क ह न जनवान है का एक व्यावाश कतित्व ? किंद हि ; निडम्ब मध्या विश्वाप तिहे करी नगर वुष्णिकुक वृद्देश्यक्त का का का विद्यासम्बद्धाः षाण'नडे विश्विद्याद्वन ५ वे ७००० होकः गांदांग तात क दिया अध्या मन्त्रील कृतल वृक्ति वहेता व्यक्ति अप क्रिकांच्य क्रिकि महन्द्र नाहे। "अव्हरू भागात विकाम और वा छितिएक सार्वता

बादम आदम नार्वणांना कतियां केसमुक्राण छा शत कावा निक्षां कतिएक शाहित्स ववर्गमणी खोइ विशयक वानिक ६ है का कतिहा आहाम स्तिरका, देश कि नारावत्रिक म'स्था क्षाम अवृद्धि सरक २ मा के मनना शांत्रणालांत हारमहा चक्कं नार्शनकुरु भूरमर हातिरिश्व लगा निकः मान के हरव मा ? बार्यांड बरफ के स है। कारकहे नावाका मान अवर जे जकल शाहेगीनाहकर कुछ नाबाबाक्कुक स्कृत बना बाबेटक नाबिटव. फटव के नारांवा कउं कहा ना रहेशा कांत्र किंदू का विक श्रेरण जात वरेष अवसाद सरना चीकार्य किंद्र जारा वह नारे विष्णारे त्व, वावानीहिंदे अस्मर्गात्र मिछास अधिक नक्षा करेवारक छात्रा ब्लान माठ जीकात कहा वाह ना। छाडित जान নি লিপির'ছেন বে ঐ টাকা নপাল জুলে राप्तिज रहेरल कविष वेशकीय समिति। किस अव्रात करे अन्न डेविड वरेक्टए व मर्यान জুল ও ভক্ল ট্ৰেড কুল ইহার। কি সম্প্রিপ श्यक भाग । जार अवश्यक छक्न छितिएक मनील मान आहात कतिरल रहा इस छात কোন ক্লপ আগতি উবিত হইত হা। কাৰণ शृंदर्ब हे बेप्न बहेबारम् त्व नर्काण कुल नकल रक्तभ छेगामारन मिर्चित एरेम नारक क्षेत्रिक क् न गरमा अवस्था के नामाद्य विश्विष्ठ करे তেছে, নর্দান জ্লের ভুতপুর্য শিক্ষাকরাই ট্রেনিডের শিক্ষকত। কার্যো নিযুক্ত ছইয়াট্রেন এবং নৰ্মালে যে সকল বাজালা পুত্ৰক আধ্যা-পিত হইৱা থাকে। ট্ৰেমিডে ভাৰারই ছতিপত্ন करण क्यांशिक दहेवात कन्नमा प्रहेशाया। ভবে নৰ্মালে দংক্ষুত্ত গণিত প্ৰাচুত্তি যে সকল বিবর অধিক ছুর পর্যান্ত শারীত ঘর ট্রেনিঞ जोको प्रवेश्य मा। यदिक भिक्तासम्म श्रास वज अधिक क्यांन। बादक छाउँदै छ। छा, छवाणि विदय-र विद्वाहनः कतिया एक चिंदत विकायन द्वाप शहे -व र मार्थाना कृत्वत निक्कविष्यत करू विषय ना काना वाकिरमक विस्तव कावा शानि क्ष मा। 238

हिन्द क्रान्ड काम निष्ठनष्ट अधि क्रीक क उन्ना जाशित स्व कथी विजयारहम छोडा छाउ-স্যা লিকোপার্যা। ট্রেনিও ছাত্রসিংগর এক বংসর बाब शांडे काम निष्ठय करी गयाक वृक्तिपुक्त क्या बाहै। बे कांग करुंछः पूरे बंदमब कहिया हिएक छाज रहेक । जिन्ह के विवस्त्रत्र लोकशकारमहरे शबन पृष्ठेष ' रचन पर विषय मूखन इस, अक काइम लाहां व्रव्यात होने नश्या विक वह मा, करमहे (नाधिक हरेश बंध्य । * अहे महाताकाई छ विषय्वत अरु अवाह देखते श्रेष्ट्रांम करिएछाडू। हिति करण कहानान निवय कहाएक श्वर्-(या:क्षेत्र (व एक्षेत्र व व्हेंब्रेएक् काल्य काला काला माधिक प्रदेश काशांदि वा व्यवद्वानमां कि ३ प्रार्थ : म के अने व बन व्यन्ति का बिक्क के हैं माहिक कि व्यक्ति का बाहिक विकास कि विकास कि विकास कि विकास कि व कथन त्व कं क क' म द्वारितवा कथाव कथावन क- व कथा कथान क्यान का मन कि करा दिन में वित्रा अधिक इवेब विवर्ण इ वृदेश क द्रा व्याध अक्रीक क्षरेक मिथता प्रान मान पूर्व छ। इत्र अस्मरकत्रे विविध अस्मि। अक्रवर क्षि श्वत रक्षम महिश्हा । मध्य के लाहारहेत्व-६ छचन देव स्माख्य अखारन मन्त्रास स्ट्रामन स्मा

aund & fine werne indut trauffer : जियाह कि याथा आहा ।

वितिरम्य जात्री वस्ति कर्ग विकास नपालन कांत्ररकि त्य. त्युनिरक्त होन्सि निकेष्ठ कुरक महादमहाई शहू क बाह्य कर महा conte et em e ereten, cete de la व देवाह महावना मादे। घटन वक्काराम्य की nican Ber ule wie ind wateificht Wit जक्तरा का व अवर्राशाली है निक्के आई की की ভেছি বে জানারা অভতঃ, জানামান্ত্রীর কা जेकारका निवित्र श्रमात् निरंकर गोर्क्स मार्की न कुन करर करका हात हरना, बाह्र संस् नाटनव निविद्ध निक्ष मनानव मार्ग व THE PERSON

> **非明月日**代 वक्राहे निव शक्तां विवद

অবুকু গোষধাকাশ্যকাশ্য

वर्गभड़ नवाहम् । मन्त्र महानद्र । जानकि द्वामानिक स्कृ क्षित नाम। श[्]ष्टक्म क्षि**रकहिः अ**ष्ट्रण+ः मात व अधिकार के केरलानी क्राप्तत विकास क পাঠ না করি, নে পরিকা প্রক্রিকাই নৈছে। ধনক আপেনি কি কোপিয়'ছেন নামি ? সং আপেনা-टक क्रिएक आहेबारक ? क क्रिक्टिक रकत ? ब्रह्मस्तर्थ गीवित्तव निकार्यानः अस तक तक्ताकाः जान्त्रः कि जनभन्न महस्त्र (४. पृथ्ये प्रश्ववीत अक्रि विश्वपद्य अक्टरक्षेत्रीत्रको त्यक्ष विश्व प्रतिहरू संबद्धन मिथन कि अर्थ नाथ पर्देशकर्ता । स्टूसन शोकपरेन्थन्त्रिकारक (कान क्यान व्यक्तिकार प्रश्वकः)-कारिक भोटम । जीभनि क्येंब क्येंग्रेने स्थान क विश्वेदिक्त छोक्षेत्र छ कार क्यांक् मेर्डि, क्यांकार । ६७ चार्त बक्रम कर्तिरवस मा। ब्राड क्रेक्ट्रेक्ट्रेस प्रान बाव कात वांका चारब त्व, आक्रांका के केरता-পীর (ইনিষ্ঠায় ইইপের) কোন্দাক্তি বস্তুজনাল कि रकांक कांका श्राह्मक कंश्वन कांकावाहक है है का कांच क्षिटल हि, जांक्षि जांक्ष्मक्ष्मक जागा-रवत पारत है, व हैयांन स्थानक में क प्रतिका वर्गिष्ठ कारह क्रांका कि किया। शुक्राकी क्रिक का-र्भान व्यक्ति अने क्षेत्र अध्यक्तिको । अप्रश्नि क्षित्र वित व्याप्य विकित्ता विश्वविद्याल्या विवासिक वि অংশক উপকৃত্যি কৃতিবিদ। একান্য এক ভেঁচাইতে-हि। या बाद देशके केरियां का कार्य विवर्गाय বেৰল আপদায় স্থিকিতা এৰ কিছুই লাচ विनिष् स्टेट्फ्ट्रेस् । चाक्या यात्रता धक्या अह-কুতার দৃত্যীয় এলান ক্সিডেছি, এভেও যদি किष्कु अधि के बेम । जनन कारनह विवादशीय विद्यारक्षे कथी क कार्शनांव श्रीतकांत्र अवधि हु, মু**ইডে ঃম্বি**ডেছি, আপুনি সভা করিয়া বল-

া:কিট্টে বাগছৰ মেরণ কাল বিচার : अक्षरत्व माहि कार्याकारिका कार्यात वादक करते वि उत्हम, जारात विष्टू मा मनिया कार्यमा

.वाथ विरक्त गाहिलाम ना । धार्मार्थ्य अकृति क ত্ত্তিক থাকাল সচরাচর জ্ভার প্রেক্তি राल ना र शिक्टिन इटले मा। करवक विम इदेश हिन्छे मारहरवन काहानित खिछन के से साथ माखारतत वे ताल कुछाय हेक् हेक् मुक्त संबद्धांत इंडेटब्रांशीव कटण टिव्रहा (भारतने) साधावि-गरक e । e छ।का कात्रिमांना 'उप्तकारन शक अक লকাৰ করেটের ছতুন বিরাহেন। **আ**ভাত অনায়ার বলিভে পারি না। কছিবি না ব্যাস-ा. शक्र जा भाग मा पहेटल मिथाद दिए शह मा। जनाकुछ चंडावित तथा क्षिएं मा शा-विद्या प्रः भीरमारकता आरबरवत्र जिन्छ स्थानात्र कवित्व वर्षार वाङ्ग मत्था मिटल, नादश्य किहर-चन शदा प्रत्याचकात्रीत्व प्रवेशव ह्याच्या त्म निप वास्ति बाटक स्वयंत्रा अक्ट्रेस् सब्देश बाटक তৰে তাহাৰ বাইজে বাইজে জবৰা উপস্থিত क्रवेर**ाल मृत्योख द्विका स्कटनम् ।** जारस्य शृद्ध २ । ३ होड गुत्र चानिएडम अयन विक एम-টায় কাছারিতে আইলেন। কিছু ধর্ম আন্তন याजि मा प्रदेश जान कृतिहरू अनन करना मा। कर्षा का किएक चटह मध्या त्यांच कति मिरवर्ष याद्यः क्षित्र क्रिक्ट प्रदेश जिन्दांत्र वादेश क्र-टीएक बाबा बाह्या कामा विद्य मारे। मना-লয়। একে **শীড়কাল ভাতে মি**ছানে এন্তর:যি-কে৷ শীতাখিলা ঘইয়া পাকে, ভাতে আবার তিৰ মুদটো কইতে সাতি ৮। ৯ টা পৰ্যন্ত অনা-*ंद्रत ७ मान्ति वट्य शंभा ट्याटकत शदक्क उ (क्रमकत । क्रोफिन्स ७ कांक्का क्रमण्डत। क्रिक्ट कांद्रा भाग, दक्ष भागा क्षर कलका-ान च्यानावेशा बाटकन । अहिटनंत्र छैलांह कि २ ग ्य कर्मम् ब्यांक्यमा अहिमा बरम्य अहे जानाः य ७ जरब जानाता जीवकारमत नाम माक्रिया थारक। जारश्यत मूर्यन कार दल्लिक वयरक क्रिक्ट व्य

অধিকাংশ লোকন্ত্রাই জিন বিন। আর ক-पात्र कथाय कारकत्र कतिनामां ७ मनायांका। का विशेष्ट्रकर्ता विशेष बारा नामि बागम क-विवा धारकन देनि अविवासंत्र छोटा नारबस। এত ছোট ছোট, ইহা ছটজে গড় বড় ঘটন। হইয়। पारक। करे बर्छ छ चार्मारहरू बर्धानकार बक-वि डिज्डि' अध्यक्ष नरह २ अध्य कि जामारपूर এবানে বিভার ভাষ্য একচেটিয়া ভট্ডা পড়িয়া- (इ। वालिएके हे नाटका कुछन लाक। दक्ष्यंन भागारमन कछ बन्नमान । बरखक वनि क्रांगमान ामक काम ला एक, उरव भूनवाय वाक्रिया वाक्रिया . कम अप्रांकि विष्ठायक मिर्गय अन ब्राब्श क कार-"। ब¦रम् निविक्त का बाक्त कहित।

२। शक्र लामबाद अव कन गांटकांश्राम भी-विव जेगन बच्छी हरद कार्ड डिव्हानन कनिएक-ছল, চঠাৎ ভাষা সরিয়। ভাষার মতকোশরি পতাতে স্কুক ভূমিরা সে থাণ ভাগে করি भारतः । जिर्देशम देखि ।

: ४५७०। १२० (क्यूब्राहिः क्षांसराधा (म'स्नीश्रह।

ষানাৰর জীযুক্ত সোমগ্রকাপন্তাবক महाभद्र मधीरशरू ।

হত ২৮৭ মাখের সোমপ্রকাশে প্রকাশিক वहेबाद्य द्व " लात्क्रमधाद्वत प्रक्रिक हेत्रीका-लाचे बाहरे भूत्य धन्ति भन्ना दश्च बन्द विक नजान बाबू बाक्यमान बाब को देवी अर्क गंउ डीका স্বাঞ্চরিত করেন। "বে বাজি মাণনার স্থী रण केंक्रण दशक्रिक दशक्ष कविश्वारक्रम, स्वाध कह তিমি র অকুমার ব'ছুর খিলেব অকুপ্রত পার वदेशांत्र कता. खेळ्या मिथिशास्त्र । शक्रदेश्व यात्री तकरवादे देश। त्रविष्णव कांछ आह्म रव, वाक्कमाद बाज ১०० होका श्रमान करवन माहै। তিনি সভা দিবসে সে খলে উপস্থিতই ছিলেন मा। अध्यव बक्रण विका भश्योह सम्मारक প্রচার কর্যান্ত উক্তে শত্র প্রেরকের কেবল বিখ্য। वाषिष्ठा ध्राकांग भावेष्ठाह्य त्रात्मव माहि। स्य करब्रक कन नशांभन्न वास्त्रिः " बारक्रमान्नारहरू छ-र्म्मणान " यसूनानियान दृश्य ज्यांतर्गार्य कर्य প্রদান কবিয়াছেন, ভাঁহাদিগের নাম ২২ এ মা-খেব প্ৰিয়শকে একাশ ঘট্ডাছে; আপনি কি উक्ष विश्वतंत्रत्व शतिष्ठभक वृष्टि कदवन माहे ? च-थवा श्राह्मिन्दर्भेने त्रर्वात प्राष्ट्रांटक विकाशांत्री विष्यक्रमा क्रियाद्यम २ बाबा बडेक. अक्रदन था। পনাত্র সংবাদ দাভার দিখাবাদ্বিভার প্রসাণ चत्रभ (১) त्रहे गवन गास्तित्र नोग मिरम् श-কাল করা ঘাইতেছে বধা---

শ্ৰীৰুক্ত ৰাজু সদালন্দ রায় ভৌখুৱী वाक्रवेश्व 300 ⁶⁸ কুঞ্মোহর বিজ श्रम वंशय >--वकीमशूद 🛰 হরিদাস্পস্থ 500 " नरीमहस्य स्थाप क्षिनाडि 35 " আৰাচয়ৰ বিধাস গোৰিকপুর . ? 1 35 • 'বেলবচন্দ্র রাপ্ত চৌখুরী রাজপুর 34 मन ১२५৯ गाम । ३३ काक्स क्नाडिश राज्ञदेश्व निरामिनः

(১) আমর: সবিশেষ অভ্যস্থান করিয়া কা निजान, पिनि जांगोहिशक शृद्ध मध्यां (एम, ভাহার বালকত। প্রকাশ কর। কট্টরাছে। সংখ্র ডিকার প্রথোরকের একটা বিষয় বিশেষ করিয়া मा (लया काम इप्र नाहै। जीवूक बादू महानम बाब को भूती विक वत्रकांकी छाना क्वेटल विद्या থাকেন, ভাছাতে রাজসুদার যাবুর জংশ चारह। न

था थ गुना।

वीवृक्त पान् इतिकृष्य महिला । (गार्वे शेव

०० ०० जीकाकनश्च दनाच्यः । ie mfa २२७७ अधिराष्ट्रं वहेट्छ वह देवां**णांश**ेशपांच द ६६ ६६ छेमन झर्फ नंजा अभवाम (श्रीमा ३२७৯ भीर इहेट्ड १० यज्ञशास नवा ह चानीश्रव ১২৬৯ কালতে ত ইন্তে ৭০ আবণ পৰা স্থ " " 'देवच्या माइक्स छादेशन माहित कुकान नजु **३३१० देवमान इक्टल देवत शर्मा स** 301. '' " সমানাধ ভৰ্ষাগীন **मिमील्ड ३२७३ धावन इंडेट्ड लोर नरा ह**

সোদপ্রকাশ সংক্রাম্ভ করেকটি বিলেব নিয়ম।

चित्र मुना व। भारेटन सम्बद्ध स्थापक कोण ८ शत्र अंतः योत्र मा।

देशांत कत्रिय क्षणा वार्षिक ५० अत्रः संशुर-निक है। है। के इस मार्टनस सुरात सुना ल देश

वीवांदा जामधनात्मत पुना भेगम हिक्डि প্ৰতিন জীগাৰ। এক অথবং জাধ জানার জাধিক मुटलाञ्च । व्रमीरक्षव हि.क्रिके मा ८श्वव करबन ।

यथम थिनि मकत्वन ६३८ ५ (म.स.स्१८७३ मुना गारीहित्वन छोडा त्यन द्वाक्षकेति कहिता

श्र्कश्रम्ख मृत्नाव मान कडीड स्हेरन प्र-मा शांटावेटक दक्त दान कामण विमाय है। करत्रज ।

योगामित्रात भूमा विश्वास मन्त्र चाळील ४३-वा भारेटर, जक्रकमक जनम अञ्चलका करिया অপনে দোৰ একাশে প্রচার কবিয়া ভাষাব शक्ष विकि जिल्लियां कामान ७वेटव, विक छ।-হাতে কোন উত্তর অথবা ছুলা বা পাওয়া বার भागम वक वहेरन। श्रामात्र विशिष्ठ कि cani-রিং পাঠান ছইবে (কলিকাতা সংস্কৃতৰ:-त्माक चामाहित्यत नाटम क्रिक्कि चाहेता चा:-वर्षा भी अभिव :

ৰীখাৰ ৰখন লোমগ্ৰহাশ প্ৰিভাগ কৰিব:-व रेक्टा प्रदेश विकि निविद्या ना कारावेशन **जाना आब क्या** माहेरव मा।

क्या लाम अकारण विकासम विश्व हैका कतिरक दौरांदक क्षयंत्र नाम क्षप्ति भाग আনা শ্বিডীয় বার /১০ জানা ভূডীয় বাব /০ चाना विष्ण स्टेटर। जावन्त्र शत ३२३० है। है। कविजय बांच दम असा कांचे दम ।

मध्यालाह बीहाहा समर्थ प्रकेटनम, छारा-বিংগর কড়ন্ত্র ভাকনাত্মল বিভে চইবে।

बद्दे शक्क क्रिकाफोड़ शूर्क श्रोपन। दशनकरत र भौ-मानुषु द्विनदस्त्र कव्यान शाक्षावृद्धानामा अव्यादकाराच ३२**०३ काक्षम स्वेटक देन व्यक्ति शरा कि** 🖖 🌴 दिशाश्चेतरन इंशीटक व्यक्तितासमात व्यक्तित स्व

अकतिरिताय पार्थियः सरसती मृतिमक्ती न देशियता । ? ्रव

जन, ४२७२। ४२७ काल्खन। हेर ४৮७७। २ मार्फ

(अ:अक्षकार्भन अवनव इकि সংক্রাছ বিজ্ঞাপন।

कांकि क्षवि मामश्रकालं कांत्र धक कृत्भा हथि बहेन। काऊं। शत योशाता नाशा निक बूँका मार्चे कब्रिट्बन, छाशामिनाटक शाः নাড়ে পাঁচ টাকা দিতে চইবে, বাৰিক আ धियं वृह्य () • हेकि) ज्यानिवर्ति उस्ति । ষ্ঠবাদের প্রাহ্কদিগকে স্বভন্ত ভাক সাত্র प्रिंड धर्देश । योगिक कोक माजून था॰ बन्, किइ बाँकाता गुना ट्यादन मरकांच हिंडि छ (महेनी क्तिया निरुवस, छाराश छाराज वाय াটেকি আনা) বাল পাইবেন ' মহারা মত-ए छाक शासल फिटफ जनवर्ष स्ट्रेंद्रन, जीना টাবেন আহাদিগের লংগ্রেডার হইনে তাহা-দিগৰে মানুদ দিতে হইতে না।

विकाशन ।

क्रिव्यात क्रिनाय क्रमः भाजी विक्रिक्मां व নংৰতপুর নামে বে পড়নি ভালুক কাছে. **ए'रा मद्रलक्षति (ए ७३) अभरा विकाद उट्टा** য'ইবে। যাঁহার সেট ভালুক দরপত্নি লই ^{रात्र} अथन उत्तर कतियात हैका चार्छ डिनि কলিব ভায় জাড় ম খিনর কোম্পানির নিক ্ট জাবেদন করিলে স্বিশেষ ব্রস্তাম্র জানিতে भंतिरमम्।

विख्डाणम् ।

वीववीत्, इक क्रिक्त, ब्राइ नृशिएक, ध्योत्र ^{खड़ा}डार्यः अ**कृष्टि आहो**न कदिश्वानामितात করিয়া সুমিত করা গিয়াছে: পুত্তকের মূল্য ঃ এক টাকা সাত্র।

কলিকাডা। বত্বাজার টি ট १৬ নং বারী।

শীয়তুগোপাল চট্টোপাধ্যার এবং লোং

বিজ্ঞাপন।

মৃত মহান্তা মদনমোধন ওঠালকার প্রাণী ড বাসবদত্তা গ্ৰন্থ কেহ ছাপাইতে পারিবেদ না। কারণ উদীর পিড়বা ৮ সামরত্ব ভট্টাচা-ব্য ৰহাশয়কে উক্ত পুস্তক তিনি দান করিয়া-ছেন। তৎক্তমে আৰবা তাহার পিতৃব্যের উ-ভরাধিকারী বর্তমান আছি। আমরা ভিত্র नामनप्रशांत पान विकारपूर्व चवाविकांत्र जना কাহারও নাই। অভএব ঞ্জিবুতে বাবু স্নাম্বাস त्मन महानय निधित अरब हरेंन अहे जाया. দিলের অনুরোধ।

खेवांबनांन हरके। भागांत **क** विला :२४३ व क्इन

বিজ্ঞাপন ৷

काक्षत्र शामिश बत्रकत्र मार्ट्स्ट्यू श्रमिष ওলাউঠার তিল্পেদরি একংশ ংশারণা বাজা रहत चेंडरत नाराजाणाह वनजिरमद निम श- व िटन क्याइटिंगा डेचि टेरेन ७७ नर वार्डी তে সাণিত नरेशाह । वांनात उत्तर कियां 🕉 ्र जीशंत्र कार्या ७ यूक्तितरे नशक्ता 🧩 कां छेठे. द्वारमब हिक्सिमांब खंदबायन शहरवक উক্ত যাটাতে আমার নিকট আইলৈ অথবা ^{ইত্ৰ ট}ে গাদগুলি সংখ্যাত ও একত্ৰিত সংবাদ পাঠাইলে অবিলয়ে এবং অপ সুলো

ঐবধ চিকিৎসা ও ভাতার হারিগ্রহ (यत यदि भाष्ट्रियमं हैंकि

কলিকাভা সংভূত কালেন निक अञ्चि ज्यात्रम क्रिए छारामिकाक अविवटन विकित सुद्री क्न : मुख्यांक अरे विवन महेन्नों **कार**मां है हैं हैं। छश्चिक इरेबाटक। त्युंगीनक संवर्तक जिल रेरात योगाश्ता करत्व बार्ट । अक[ि] विरयम्मीय विषय गर्मार माहै। ात अरू शटक वृक्ति, जात अरू शर् क्रम नश्कात, अ केक्टलक विद्याप हरेर 🦢 🔧 যুক্তি কাছারো এতি বিদ্যান্ত क्रम कतिएक कविरक्तृत् मानुः भाषा गरकार गक्नदक मास्ट्रावन स्वरूप त्करक् मा । प्रशास्त्रम् अत्र महत्त्व रकार, कालारक साविक स्टारित तो शकी शांदक क्रेड च_ाका गृह काम मिकिक स्केटकर्स ना । जिल्लाकः नि राज्ञ भूटर्व कारमस्त्र अधाक . व्यवंग रथन मश्कृष कारमञ

হয়, তৎকালে জ্ঞান্ধ ও বৈদ্য হাতিয়িত

ছিল না। অপর, তৎকালে অকনী ও हमरम कारमक वस्त्र वाकिकः मण्डाद .মুস্ক ও নবশাক গ্রহণ ও রবিবারে কালেক ह शांकियात अनुशेष्टि हर । अथन नियम न जर्मन खद्म हरेया बात केलांकि हरे ় হৈ, তথম আর সেই বার আংশিক ক্লক ারিয়া কভকগুলির প্রতি নৃশংস ব্যবহার क्म ? अक्टन रेशक विरवहना कः। भाव াক, শাজে জী ও সুজের বেদপাঠ নিবেধ ্লাছে, ব্যাক্রণাদি বেদাদ বলিয়া তথপা श्रीकृषिक स्टेताट । किस यथन त्मरे নবৈধ উপ্তৰন করিরা কায়ত্ প্রভৃতিকে राजिया इरेन, जर्थन जनामाहित्क नलशा ना ্রীয় কেন ? শাস্ত্রকারেরা খুজের পদ মধ্যা ্বিসারে নিবেখের স্থানাতিরেক করেন ारे । जत्तव अक शक मीटा रखेर. आंत र्नाः शंक नीटा र्केन, फेंक्य स्टमरे जूना * ४ था। बिटतान मद्धादमा । याहा इंडेक, ৭ বণিক ও স্থাধর এভৃতি করেকটা 📑 ्नाक अकटन छनत्रनीत व्हेताटक, ्रांक्टिशत थांकि शवर्गरमान्त्रेत्र निक्र्श ∗যা উচিত হয় না ।

দ্রুলের সম্পাদকেরা উত্তর সন্দিনা

দ্রুলের লেউনন্ট পর্বর পদের দর্ভেছ

বিনিয়াের করিয়া আর্নিট্রিলেন। ইছা

নিজ কেই বীজন সাহেবকে, কেই হারিত্র

সাহেবকে কেইবা আ্রেক ঐ পর্ব

সাহেবকে কেইবা আ্রেক ঐ পর

কির উল্লেখ্য ইন্দিলের। আমরা নি

কর ভারিয়ার, ভারতের্নি প্রধান কৌজি

নিজা প্রক্রিলের ভারতের পর

ক্রাছেন।

ই ইন সাহেব এদেশে অনেক দিন

নেইনি; এছেলের জল বারুর অনে বিধ

পরিবর্জ সভ্ত করিরার্ছেনে; ভারার বৈর্গত

বিলক্ষণ প্রতিষ্ঠা আছে। অভ্যান ভারতের

পুরক্ষর ব্রশা এই পদ্ দান করা স্বর্গনে

काण्टिक केंद्रलाक अरून कतियोत नि (क्षेत्र केंद्रिक विद्युष्टना रहेन्नोट्स मह्मार्ट इन ना १ व्यन्त, करकारन व्यक्ती छ। नाहे।

> যন্য। বিক্রম নিধেশন একরি আইন হওয়া উচিত।

এদেশের উর্ভির অন্তরায় গণ্না ক-রিতে গেলে বছবিবাহ এখান পদ লাভ क्तिरव मत्मह माहे। अहे कुश्मिक व्यथा नि বন্ধন এদেশের যে বে অপকার হইতেছে, অনেকে অনেক, বান্ন ডাছার প্রনা ক্রি য়াছেন, ভাহা এক প্রকার পুরাতন হইর! গিরাছে, তথিবয়ে স্বামানিগের মৃতন বস্তু वा मारे। विकार परेनात शृत्व अरे अप ना अशांत्र डेकृलनार्थ अक बात करें। इरे য়াছিল, কিন্তু ভাষ্।তে কলোষর হয় নাই। সংস্রতি এদেশীর এক জন প্রধান সমাজ সংস্থারক পুনরায় **এবিবরে হস্তক্ষেপ ক**রি য়াছেন এবং ভারতবর্ণীয় ব্যবস্থাপক সভার খন্যতর সভা এভংসংক্রান্ত এক বিল ব্যব হাপক সভার উপস্থাপিত করিবেন, অখী কার করিয়াছেন। আমাদিগের দেশের লো কেরা রাজসহায়তার অপেকানা করিয়া বয়ং সমাজ দোব সংশোধন করিবেন, আ ঞ্জিও এক্বপ আশার অবকাশ হয় নাই। রা ক্ষৰিধি দারা বলপূর্বকই ইহাঁদিগকে ভৰিব र्य अवर्षिक कत्रिटक हरेरव । अविषत्रेष्ठी जना অন্য বিষয়ের ন্যায় ধর্মসম্বন্ধ নয়। অন্তএব ইহ'তে হস্তক্ষেপ করিয়া সাধারণ প্রজার বি (द्य अक्षम हरेवात मञ्जावना नारे। वस विदाह निधिक्त करेटल (क्वल एव जायानिकात न माक এक है। महसुद्र स्थान इंहरण मुक् रहेरव धक्त नम्र, जरनकमःश्र एकजाना র্ষ্ণী অসম সত্ত্র হস্ক হইতে পরিতাণ भारेरवन भरमह नाहे। सह **राज**ण वक বিধ ও একজাতীয় নছে। অনেকে এক কালে স্থামি সৌভাগ্য ও সংসার সুখে बिक्क एव मार्गर किस किसी रहतू আগনাকে ও পিতৃ কুসকে চিন্ন কলছিত্ৰ करत । त्नरे त्नरे इंडकान्याहिरानं सम्ब

शिष्ठामाणाटक जन भा क्रिन स्कृति क्रिति क्रिन क्

बक् दिवादकत नाम कना विकास विश त्त्रच द्रांक रखटकाश करेवथ स्ट्रेटकट्ट ना ! সমাজের অনিউ ও নিকর্ষকারিতা পকে यक विवारकत्र मात्र हेराइ अ विस्कार प्रश কতা আছে। ইছা কেবল চিক্সান্ত এতি विक मध्र, अरमभीश उद्धारलाकनिर्वाहरू निकास विश्विषे। य वियत्त्र क्षिकारण त्नारकत ७ **धर्म**त विरयन चारक, उक्तित्व रुख्यक्त कतिया विकाश क्षांकन स्केरा महावमा कि । कमाः विकटसम् दमा धम গুণ নহে। প্রথম, পিতামাচ্চ ক্র্যাতে ঋণ লোভে গো মেব মহিনের ন্যাধ্ বিদ্র करतन, किस मिरे विकाद या कछनुत पू कि সিন্ধ, ভাষা আমরা বুঝিতে পারিতেটি না। বিতীয়, পিভাষাত র কনার উপরে अजूब जारह गर्थार्थ बटडे किंद्ध महे अलू च बटल । धक चाधीन की बटक (चकावर विकाश कता किवाल जम ह करेटर्ड शाद যাহাবা কন্যা বিক্রন্ত করে, তাহাদিগের ব রের ৰূপ, গুণ ও অর্থ সন্ধতির বিষয় বি (बहुना करा नाहे, शक्विशास कनाव कि रमा इहेरव, छोहां ७ अक बात विटवहरा করা হর না, যে অধিক টাক। দিতে পারে সেই বিক্রেভার প্রিয় পাত্র হয়। একটা প্রসিদ্ধ কথাই আছে, কন্যা বিজয়কারির कता कथि.त्व डाहात धक ७:जूक क्ष् **হ্ইল, ক্রান** হর ·

कना विज्ञगकातिया महताहत ए मक ल वास्तित स्टार कना। ममर्भग करत हारा त हुरे ककी। উणास्त्रण क्षणिंश स्टार एक, उन्हातारे स्वात अनर्थकातिकः प्रति क्षणे करण शाहिकारणत स्वत्रकन स्ट्रा वास कत कर वास्तित स्वत्रकन स्ट्रा वास कत कर वास्तित स्वत्रकन स्ट्रा

রা বিবাহ করিল। ভাহার বত উপার্জন क्तको, दिशा ७ दृषि, এक कृति दिव्हत्र बाबाई त्म मस्पादतत शतिष्ठत व्हेना। छाशंत्र बिरकत छेलार्छन कमरा मारे. ভাষার যে গৈতৃক সঞ্চিত খৎকিঞিৎ অ ছের সংস্থান ছিল, তাছাও গেল। এখন সে কি ৰূপে আপনার ও পরিবারের প্রতি नामन करत ? किवरणरे वा छात्रात गढान সমৃতির লেখা পড়া হয় : উহার৷ যে পরিণা মে পরের গলঞাহ ছইরা উঠিবে, ভারিবরে गरम्बर कि : कलकः अहेब्राभ य वि বাহ নিৰ্বাহ হয়, ভক্ৰাভ সহানগণের প্রায় দেখা পড়া দয় না। ভাষারা পৈতৃক সক্ষান্তির মধ্যে কেবঁল পিতার নিংখত। ও মুর্যভার অধিকারী হয়। এতবুলক নিবিড় मुश्का अदनक शृश्दक अधिकात कतिहा चारहः त्मविट्ड शांख्या यात्र । এङम्हात्रा कि अिंडिश्व इंट्रेंट्ट ना य कना। विकन्न **८क्दल कमात्र जाश्मातिक मूर्णत कणेक** महा, न्यांटब्रह्म अक्छी दिश्य क्फेन चन - श बहेश चाटका त्य कना विकीष इत, সংসার ধর্মে প্রব্রুম্ব হইয়া প্রায় তাহাকে অনপ্ত জুরবস্থা ভোগে করিতে হয়, বোধ इय, बार्टिक बहुरक देहा कर्मन कति 200 सारक्त ।

ৰাপার, কন্যাবিজ্ঞার বার্ত্তাপাত্রের এ কান্ত অননুমোদিত ৷ বার্ডাশাল্র সকল क काम कतिया की विशा अर्कन कतिएक ক্ষে, কিন্তু কন্যা বিজ্ঞায়কারির ভাদুশ খী विका क्रकार्क करशासन इस ना। कनाई ठ। हाणितात की विका, कना दे छा हाणितात সম্বল। যে কন্যা বিক্রারের এড দোষ, ডাম बाद्रनार्थ द्वाक विधित्र माझन क्छावलक्न कि व्यावनाक नग्नः छेशमःश्रात काम व्यामग्री वावद्यां शक्त भारक धरे भारक धर्मुद्राध कर्षि उष्टि, कें।हापिरतंत्र कना। विकटतंत्र प्रभा। ना रमावाजुनकाटन कट्यांकर नारे, कें.शहा क्त्रका अहे विवश्री वित्वहना क्रून, शि ভাষাভার লোভ প্রবৃত্তির চরিভার্বভার সুখে বিসর্জন হয় কেন > ভাষুণ কন্যাগণ আমাদিগের সমাজ সংখ্রতা ও ব্যবস্থাপ কগণের কি রুপার পট্রি নছে? আমরা প্রতীকা করিয়া র হলাম, বছ বিবাহ বি लात भरत्रहे स्वन कन्। विकास विकास স্থাপক সভার প্রবেশিত হর।

> ভারতবর্দের ক্রীরভিত্র প্ৰহত পৰ कि >

षाकि स्नि " छात्रकदार्य छात्रकदर्य শাসন গও " ভারতবর্ত্বের জীত্তি সাধন গ धरे हुण महनारत वांता अनुक्रन आंशांति-গের আবণ গোচর হইতেছে। অনেকে ব্যা থের মধুব সংগীত ছারা মৃগ্যশীকরণের ন্যায় **এই ছ**रे यटनाक्त व'टकात भूनः भूनः छका রণ হারা লোককে মোহিত করিয়া স্বার্থ সাধন করিতেছেন। অধিক ক্ষোতের বিষয় এই, ভারতবর্ষের জীর্দ্ধি সাধনের এক্বত পথের আবিষ্করণে অম্প লোককে উম্ধ শেগা রাইতেছে। ভারতব্যের এর দি সাধ-নের প্রকৃত পথ কি, ভার্মণয়ে প্রবৃত্ত হই-তে মুইলে, অগ্রে ভারতবর্ষ শব্দের অভি-(धन्न निश्त कावभाक। अव्दल जानकवर्य শক্ষে ভারতবর্ষ বাসী লোক বুরাইতেছে। ভারতবর্ষে এক্ষণে অনেক্রিখ লোকের वन्ति इहेशा ह, तम मसूनाश्रहे खात्रख्वर्य भएकत दोहा मरमह बाहै। किस गर्यन 🖫-রুদ্ধির অন্তেধণ কর। হইতেছে, তথন তা-क्रामिश्वत मध्या योशीनश्चत अहस्तित अ-প্রতঃ আছে, তাহারাই এছলে ঐ শব্দের मुदा वर्ष । अवेबल्य मुशार्थ अव्य क्रिल অত্তত हिन्दू ७ पूनलगातिहार निःमश्यय श्रीवृक्तित लक्ता कत, इंकेटताशीय ७ व्याटम রিক প্রভৃতি লক্ষ্য হয় না। কারণ পে-বে'স্কে বাজিয়া প্ৰীর্দ্ধি শোভিত হইয়া এ-নেশে আসিয়াছে, বিশেষতঃ এ দেশে তা-হাদিধের ভাগ অতি অস্প্রাত্ত দৃষ্ট হয়। (महे चन्न मश्या स्तारकत (eo वा ७० हा-कारतत) निमिष्ठ अधिकनश्चा लाटकत

निमित्र कमात्र यावस्थीयम जाश्मात्रिक (১৮ काण्डि) सेवृत्तित स्वास्थान निम् कार्या विश्वविषया व विश्वविष्य हरे हुन्छ। নেই ১৮ কোটির এরছির আন সেই ৫০ বা ৩০ হাজারের **প্রকার্ডক**্রী कता स्टेटक्ट ।

পতিত ভূমি বিজ্ঞান মহতে ভারত্ত্তি अवृद्धि परेटर, कथा के जिल ; व्यक्तिक বিক্রের নিয়মাবলি প্রকৃষ্টিত ভ্রতা 👬 त्महे विकास कार्या बाझा दिन्ह, सुनक বা ইউরোপীর কে অধিকভর লক্ষ্ণ হইলেন : ভারতবর্বে , বাছল্য পঞ্জিল ভূলার চাব দ্বলৈ ভারতবর্তের: 🏬 हुरेत्व, क्था छेठिल ; जूटलान्द्याजिली मि अविके धरेल, हाव आव्रक धरेल, সহজে রাজা ঘাট প্রভৃতির উৎক্র সার্গ হইতে লাগিল, ভাহাতে অধিকভয় ল वाम (क प्रदेल ? छ।त्रच्यकी देत्रशः असमी সৰুদ্ধে উৎকৰ্ব লাভ কয়িছে পায়েন না कर्ते के वित्र विधिवक कतिता केंद्र त्नहे फेंथकर कं.हाजिरशत इसक्ष -এই ভাণ করিয়া ভাহা বিধিবৃদ্ধ 🌞 क्रिका रहेन, व्हेडिटनटक है। ब्रिका काराब তিবাদী হইলেম, তৎক্ষণাৎ ভাষ পদচাত করিবার উদ্দেশে " ভার্ড এ ভারতবর্ণাসন • রব উটেল : চেই कि है। इरेट वाशिव, विव तमरे किया সকল হয়, কে ভদারা অধিক লাভ वान् इट्रवन ? छात्रक्रदर्य नीलकत थक् चित्र महिक दालान नमा विद्याश इत, मक चाल हाडि जामानक महेत्न छात्रकवर्त्त त श्रीवृत्ति रहेटन, सण्यना वहेल, काटन शाटन हां छ भागाल अधिष्ठि व वरेम, विक ভদারা কে অধিকতর লভেবানু হইলেন ? সিবিল সর্বিদের পরীক্ষার ছার উল্লাটিভ করিণা ইংলতে তদ্যুহণ রীতি এবর্ণি कहेटल ভातकदार्थ व आहाकि क्रेटर, अर. करेल ; उद १ थे। छवाग १ वर्षिक हेरेन, किर छम्। दा क मधिक ला। उदान इहेरलन अव्रात बात्रदक दिख्यांना क्रिक

न, इंडेडबालीरब्रब्रा कि अदक्षीव्रक्ति-ক উলিবিউনিবরের কল ভোগ ক-· निवात्रम कतिका ब्राधितारक्य ३ टक्क । कल रकार्श निरंध करतन बारे वर्धार्य , किस शत्रमाता नश्रक मिरस्थ कताः हर । रेकेट्स निरंश्ता करमनीवनिरंशत ক্ষা অনেক বিবরে প্রাথান্য লাভ করি ্ন, জীহাদিলের ধর্ম ও আচার রাৎহা খা আছে; অভএৰ তাঁছাৰিগের সহিত न्नीत्रविदशत्र अकित्यात्रिका वर्देदल अदय प्रेंब्रा एक कलरकारण विकास क्रेटवन क्र **হ কি: ছব্তিম কতকগুলি বিবর কেবল** र्त्तानीविराधव मृदिश छेटमन कतिवारे া হইয়া খাকে, তদ্যারা এদেশের স্থানু দক যে যথকিঞ্ছিৎ উপকার লাভ হয়, 1700

यं व विषय बाबा क रमरणत जीविक ্ৰাবনা আছে, তন্তবিববে এ দেলী কে সাক্ষাৎ সহজ্ঞে প্রবর্ত্তিত করা, ्र तारे तारे विवतः हैं हा विश्वतक लिका ध्यांक मिलगारे अन्तरमंत्र अनुद्धि मा ध । ब्र अक्रुक भर्थ । अरमरम दामक्रदा स्ट्रे ाटक, किस जाननीरशता चादताक्शानिकश ভাছার সামান্য ফল বিনা মুখ্য কল ভোগে ष्विकाती ब्हेट भारतम माहे ; त्त्रलखरत যখন এদেশে হয় নাই, ইছারা কল প্রভৃতির নিৰ্বাণ ও চালনাদি বিষয়ে তথন যেমন অন ভিচ্চ ছিলেন, এখনও সেইত্রপ রছিয়া (इस। >> । >२ वर्मात वहेल, अट्राप्टम ্ৰলওয়ে কইয়াছে, এপ্যান্ত এদেশের কয় জন লোকে কয় খ ন কল প্ৰস্তুত কৰি রাছেন > এদেশের কর জন লোকে শক্ট 'লক হইর্ছেন > এদেশের কর জন লেংকে তের কাজ শিখিয়াছেন : একে ত এদে ার সৌকে সহজে আলস্য লয়। পরিতা। গ করিয়া আমসাধ্য কার্যো ব্যাপুত হইবে উমর্থ নহেন, তাহাতে অবার কাহার উৎ । শেই শুলি ব্যাং ও শ্বহন্তে সম্পাদন স্করি

সাহু বেওয়া নাই, প্রভাত অনুৎসাহ বেও া चाट्य। अरमभीरयता उत्तर कार्या महर्व हरे द्भन ना बलिवारे चात्नदम निकास क्रिया हो गीमिरिशंत माकारम्याक ७७० वि विशास्त्र वाराह विशास्त्र वाराह काराह वि খাইলে পিথিতে পারেনা, একিবপ কথা निका ७ काल या रुद्धित कि क्थ्र काश র বৃদ্ধি মার্জনা, শরীর পাটব, সাহস ও বল বীষ্যা দির বৃদ্ধি হয় > রেল পাড়ির কল ७ ठक्नभवत रेश्नात यञ्च इत, जात त्र फेटकर निवसन कैं। शिक्तित बातक विश्वादन क्षेत्र को कि नात का, देश दुवि য়া লওয়া সহজ নহে। চেকার অসাধ্য कान कर्ष चारहः अरमरन करी नारे विलिया मसूमाय विष्टायत्रे समाधि। वा प'लिवा त्य त्य काविकिया कविएक शास्त्रन. সাঁওভালেরা কি ভাষা করিছে সমর্থ > ভা হাদিগের সে অসামর্থ্যের কারণ কি ? ভাহাদিগের শিক্ষা ও চেঠা নাই। এদে শে ভুনা দৰিভেছে, কিন্তু নে ভুনা ইংল তে গিয়া হুত ও বন্ধ হইয়া আসিতেছে, গভারতের জাহাক ভাড়া লাগিতেছে: এ দেশীরেরা কেবল মনুরী করিয়া তাংর উৎপাদন করিকেছেন মাত্র, সেই জুলার পদ্ধত কলভোগী হইছে পারিতেছেন না। अरमर्भ कृता कि.बहा देशार हिता। श्रिम, डाशांटड अटलटमंत्र कि अवृक्ति रहे न ? अरमनी अमिरभत मसूत्री लाख, देशहे कि अधिनीय जिल्ला । आरमभीरमता कि ভুলা পরিষ্কার কবিবার ও বস্ত্র গ্রন্থত ক বিবার কল করিছে শিক্ষা করিয়াছেন **।** ইহাঁরা কি সেই কল ছারা বস্ত্র প্রস্তুত कतिराज्यम् । अरमान्य स्मर्थे क्ला श्रास्त्र छ क्रिल बदः रेगामिश्राक तारे कन अस्ट क्तिएक शिक्षा रेटन कि आप्रिएमत मही शरी প্ৰীৰৃদ্ধি হইত না

আমরা উপরে উদাহরণমূরণ কেবল करशको विषद्यंत्र अगम कतिलाम, अरम শীয়দিগকে কাজে প্ৰবৰ্ত্তিত করিবার শিক্ষা निदात चटनक दिवस चारष्ट, देवींद्रा यादश

क्त नमर्थ ना म्हेट्रनंत्र, कावद व्य देवरावज्ञ न म.क जीवृत्रि लाखं मखावना मारे 1 वेवर्गस ঞ্জের যে তড়বিবরে শিক্ষাদান ও উৎসাহ দানের ভার, দেকধা বলা বাছলা। পিভাই शूक्रक्रिशंत निकासात छात्र अस्य स्टास । যে পিতা বরং প্রত হন তিনি কথন পুত্রকে অজ্ঞান জ্ব ও ছ্রবস্থাণর বেধিরা মির্ভ হঠ্তে পারেন না। আমাবিধের शवर्गतम्ये समि अक इहेर्डन, जात बार भीटात्रा निका द्रमछ क्रेट्डन, आध्रा र्छ.इ:मिश्रांक छेटखकरा क्रिकांच मा। खि हिन भवर्गसर्थे क स्मानंत्र निका, बका क ভূতি ব্যবতীয় বিষয়েরই ভারঞ্জন করিয়া ছেন। এখন সেই গৃহীক ভারোচিত কার্যা ना क्तिएल छाँशिमिनाक कर्यादात्र अनन् कान कमा अकावात खंती हरेएक हरेरव।

> बन, बन, छेणादिशादिश क्षांबड्य বিচারালয়ে ওবলেতী করিতে भातिद्वम कि मा ।

সন্তাতি সর বার্ণেস পিক্ষ এই প্রশ্ন-টা উখাপিত করিয়াছেন, যে সকল ছাত্র विश्वविन्यालय स्ट्रेट वि. अल. अवर अल. এল উপাধি প্রাপ্ত হুইয়া ওকালতি করিতে আনিতেছেন তাহাদিণের উত্তর শ্রেণ্টের একবিধ বৃত্ব ও ক্ষমতা দিয়া প্রধানতম বিচা রালদে ওকালতী করিতে প্রওয়া উচিত कि मा : अहे अल छेनमक कहिता बरनक वि, धन, ममदादनात्री धन, धन, डेशाधि धाविणिश्वत विकृत्क हिक्कात चात्रस करि য়াছেন। তাঁছালা বলেন ভাই রা এখনে बि, ब, छेणावि आश्च इरेड्रा चारेत्व भरीका निया वि, धत, उभीवि आख इन কিন্তু এল, এলেরা কেবল এল, এ, প का पिता बावका अधात्रम कटतन। भतीक . नश्रत अभाग सरक। वि, धलपिरशृत श्रवि विगटा अनुमारत्रत्र अर्थक नगृत महेर्ट লর, পকান্তরে এল, এলেরা ভূতীয়াংশ श्रास इंट्रेलरे अभरमा श्रा शहित्रा शाय- स । अभिद्रक अंख रैवानकवा दिख कमार्टन रेवनक्या गारे। यक्रथ्य तारे कंतारोंन Carriery want Bibu i

এই সকল খ্যাঞ্জুর স্বার্থপরতা আমা बिरमद हिस विद्वार छेर शामन केन्नियाद यथार्थ बट्डे, किस जामता काशामिरगत थ দৰ্শিত যুক্তিকে অসকত ব লয়া বীকার क्तिएके शाहित्किया। शहीकां वश्रम वर्षन देवलक्षा मिक्क इरेटक्ट्स, कर्षन कलाश्रम दिलक्षण क्षत्राच छेडिक मरमक कि ? भूतकात गेष देख्य विटमय ना शांकि লে লোকে সচরাচর অধিকতর আম খীক। त्त्र केम च रहेर्द (कम ? कमाठः वि. धम ७ এল.এল, উত্তরে হল ও অধিকার বিবয়ে देवलक्ष्या शाका व्यवच्छ सत्र । किस् बलबल पिरशत व्यथान्य विज्ञानस्य अकालकी कब्रिवांत भर्ष ब्लाट्स्ब्र त्य क्रिका इटेरफट्ट. আমরা ভাহার অনুমোদন করিতে পারিতে हि मा। अल, अल्ला विक अधानक्त्र च দালতে। নিয়মানুষ্ণ স্বৰ্জব্য সাধ্য ক ब्रिटि शाद्मिन, छैं:शिशिक दक्षिक क्रा कि कारण नात्रानुष्ठ इहेटड शादा ? दि, এলদিগের সম্মাননার্থ জেনী জেদ করি लारे सरेटक भारत। 26>

अश्वादन चामता जल, जलनिशहर जक টী পরামর্শ দিভেছি, ভাঁহারা ভাহার অনু সর্ব কল্পন। ভাঁহারা মকবল আনলেতে बाष्ट्रेन, छवात्र छ।इ:किरभद्र १ किस्री लाख नरकाद्य विमाक्त वर्ष मान्छ इट्ट्र मान्स । वस व उवा धरे, धरमणीशिमार्शंत्र छेन्द्र र नारे। एशाप्त जल जनना जन्मक उनी निविद्यात्र क्षेत्राधिभका। कल करलता क ধার উপস্থিত হইলে (সভা ও স্বল্পজা : अष्टक च्या शव ताथिए शांतित्वन ना, ं छिनि छाहा विक्रीफ स्ट्रेबात अनिष्णु मुत्राक माएक ध्रक्ष भएनद्र नगत मध्यक । र्व क्रमात्र कारमकेरद्रत निक्रिक कामा लाता विद्यादी हरेटव मत्मर नारे। मक रेटवन। कात्मकेंद्र तम विवर्शन भीज ষল আখালত লকলেরও কিঞিৎ আলো (সমারি) বিচার ও নিভাত্তি করিবের) क लाख बहरद ।

পতিত ভূমি বিষয়ে সংক্রান্ত

283

১৪ ই কালুওনের ভারতবর্ষীয় বাবস্থা পক সভার হারিংটন সাহেব পভিত্র ভুমি বিক্রু সংক্রান্ত বিল টুপস্থিত করিয়াছি हान । উहा अविनद्य विधिवक्क व्येत्रा ছে। পৃতিত ভূমি বিক্ৰীত হইরা বনপূর্ণ ভুমি পরিজ্ত ও তথার নানাবিধ শ্স্য ও bi अकृष्टि फेर शह रव, शवर्थरमा केंद्र, **क**रे নিভাদ অভিলাব। ভিজারা ভারতবর্বের मक्ल इरेबांत मन्पूर्व मखाबना चारह। क्षि अनामीत ए। एवं नवर्गस्यक्रित तारे छेदक्क मरनात्रथं मकल हरेवात वाकिकम य्टिएएइ। लाटक छन्निभिष्ठ छाँश्रामिरश्रेत्र निक्ट क्रथ्य स्ट्रिक्ट मा। शाठकश्व कि মনে করিতেছেন, আমরা এই কথা বলি एक. इ. ए। **अट्रनरभंत भ, धकाश्म स्**रिव भूर्व भ कूक > ना, ज्यामानिरशंत्र तम हेक्श नत । यामद्रारे मञ्चलत कृति नारेव, याना कांक्टिक विटमवकः देखेत्वांशीय्रमिश्रदक व **प्राप्त कृति कार्या कब्रिट्ड विव मा हेहा** छ भागता এक पिरान स्वा स्टा कति हा। रेखेरतां भीरतता चाइन, क्रुवकनिश्रतक छेरक ব্যৰূপে কুৰি কান। প্ৰভৃতির শিক্ষা প্রদান করুন এবং সাকাৎ সহজ্যে হউক আর পরস্পর। সহজে হউক দেশের ধন ও সৌ ভাগা বৃদ্ধি করুৰ এইছা কোন্ ভারতবর্ষী (यत मा क्रेट्ब > अश्रुतम सामाशिरशंत (क जन्मना जनानात ना एत, जबर अवन्तिके नित्य चविष्ठांत्र मा क्रात्रम ।

गांति हैन गांद रवत विस्तृत वर्ष **धरे**, উকীলেরা) নিংসংশয় আপনাদিগের রা পতিত ভূমির উপর কাছার শ্ব থাকিলে वर्थी यपि छाइ:एक व्यवस्थ हत, छाही ह ইলে উচ্চ আৰালতে আপীল করিছে পা

जित्वमः । वे विष्ठात्राण्डक्षेत्रिक् महर পতি মেৰ্ছ আনীন অৰণ করিছাই गिरमात्र भाष्याचे ह्याच स्ट्रेट्स । है शाः। वित्रांक विवरत्त्र मीहाक्ष्री त्याय बटान, वाशानकत्र व्यवस्था स्त्रीत कांन्ट्या एक अस्य कहिएयमें। व्या-जन्त रहेटम यदि दक्ष जाशकि जी করেন, আন্ন ভাষার মেই আপ্রিটি निया थ कैं। हात पूर्व विश्वमनद्वा में। হয়, তথাপি তিনি বিজ্ঞীক ভূমি পুনাই रहेर्यम मा : नवर्ग्यम स्वातनाः विश्व ভাষার মূল্য প্রস্তাম করিবেক্ত 🚓 🚉 🕆 282 त कातर जन होन्यम के কানিভের পতিত ভূমি সংক্রম্ভ করে পরিবর্ত কবেন, ভরখো বস্তু স্কটিত अक्री अधान । छ तं बद्धी वृतिहा थमा थया मन्नाखित मात्र नार्क्छ-হয়ও ভাষাবি আইনের পর্যক্ত कर्खवा । शाहिर्देश मारहव व्यवस्था । पाता किरियक दूरमान, त्यांथ क ना कि डोका किता जूनि जात करि शास्त्र मूल्यम विभिट्यां कतिता ६ वर्की कतिया कृतिरमम, कःशत्रभद्र र ভাষা হইতে ৰঞ্জিড হন, ভাষাস্ইত র অভিশর কর্টের হইবে । সভ্যঞ্ যাহার বে সম্পত্তির উপর্াইর খবু আছে, সে ডাছা বছ ক্টেট্টা করিলেও যদি ভাহাতে ভাহার আ না বেওয়া হয় সেটা কি ভাষারভাষ करकेंद्र स्ट्रेंटर मा ? काश कि चुक्ति का अन्य वावहात महा । नर्वातिक किंद कर निजम करेंश काजिएकरक, कान বাছার ব্যস্ত প্রমাণ হইবে, সে বস্তা গ त्क व्यवणाहे निष्ठ हहेरव, ष्टशद्विद কিছু লওয়া আরু না লওয়া তাঁহার ইম কোন দেশের কোন ব্যবস্থাপকই সহ অনাগ্রেশতভোগের এমাণ্য সংস্থাপন त्रम मारे । छात्रकवर्गी प्र शवर्गरंत्रके व्यर ব্যবস্থাপক সভা ইছামত এতৎপরিবর্তে,

त। बाहरती कवापूरक वासूक, सू वा कि विनिध्यत्य, कार्यक क्रम्बान ना क्या के, हेक । क्या नाटक सम्ब , अरे क्ट्र विश्वन स्रेश मुख्यिक है। व्यविकालिये वय क्यारण क्यारित वि हम:? और विहास गरका गण्डा केवा. केव ाहिएव का त्याथ क्या, अक्टाएबंड अक क जोति जात अगटक विकास कतिनां भारत यंबार्व च्यायकाती मानीम कति रालमात् चय मध्यान कत्रिकः कथन া বৃদ্ধি কীহাটেক ক্ষতি কোনাৰ কা হুমি পাইখে না, কিছ আমি ভোষা [का किटकहि। **भा**मात्र लि केदी क्ट्रंटन छ ? क्लिकनात्री जानालक चा क्षित्रिक अभग्रवकाती विलय्न का ७ मिरन्त्रमा ७ > रन्धमानी जाना मात्र जशक्तका क्तिद्दन क ? छारा ा भारतम, सम्बंदमके कि. वृक्तिए निवत्र निद्वा विकार कतिएक छेगाक It farmed are three के कार्या माधावन स्नाटकत हाक्षि रह, भवनंद्राटकेन नाक (कम) जनम् अक्टल देशकविटन्छ वारणाक, थ**वार्य ज**िकाविकाळना ্সত্ত্বেও ক্লেডার অসম্ভোব করে **ংকিকিং সুন্য লইয়া স্বাধীনতা** क्षिण रश्या महस्र, वर्षना विनि व व्यानरम भरतत पूर्वि कत कतिस्त ছ সূল্ধন বিনিযোগ ও পরিকাশ रंक्त जाहात तारे विनित्ताविक । ও পবিজ্ঞানের পুরস্কার লইয়া রিক্সাপ সহজ > ক্রেডা যদি এ অসু সহা করিছে না চাহেন, ভাহা হইলে तरे मन्त्रशिक्षत कतिवात शूर्व विरम পে জানা কৰ্ডন্য এক্সবিত, ভূমির অধিকারী আছেন কি না : ভাঁহার । अवान स्ट्रेंग कि वशर्व अधिकाती गत् क्लाकान कतिर्वन । वाहात क्रम ু তাহায়ই ক্ষাঞ্জি হয়, ইহাই ক্ষাময়া ব্যা

ভাহার লাভ, অন্যের ক্ষতি একবা শামর। वरे मुख्य स्विमाय ।

धरे विलाब अधि जानानित्वंद्र जात्र এক বিভেগ আগতি আছে-

আসাধিগের বিচারালরের অবস্থা रम गारे। याजिरकुँ है कारमकेत अपृष्ठिष অনেক সময়ে পক্লাড প্রান্ত্র্তার ও জা कि रेवत व्यक्तिक स्रेश कार्या करतन जान लानिरशत ७ क्वारे नारे । ठीका बात कति त्त वक वाक्ति चनात्राटन वक्करमत्र मार्थ **जिल्हा महेटच शा**रतन, **चर्चा ध्यानी** जि ক্ৰীজারিয় পূর্বে ভাহার বিন্দ্ বিসর্গও জা निष्ठ भारतन मा। अवश क्रम स्थापन লোকের সম্পত্তি বিক্রয় ছওয়া অসম্ভাবিত नव । वित्यवकः बद्धिक, वित्यवनानी, जी লোক ও অপ্রাপ্তবয়ত্তিপকে নিঃসংশর সর্বাত হইতে হইবে। অপর, ব্যাসত্তর মোকজ্বার বিচার ভার কালেউরবিগের হতে দেওঁরা অভ্যন্ত অন্যার। এভাচুপ সো কল্মনা কেওয়ানী আদালতেরই অধিকার। रमध्यांनी चानान्छ वाण्टिइस्य चमाळ এব্রিখ মৌকক্ষমার থথার্থ ও স্থক্ষ বিচার वहेवात्र मखांदना नाहे।

ভারতবর্ষীর পর্ববেন্ট এক্ষণে অভিশ व अन्तराष्ट्र कतिरक हलिएलन । क्लीकि विल রাইড হইবার পর অবধি ভাঁহারা নানা क्लिम्सल रेखेद्रा श्रीत्रविद्यात महात्रका कारका श्रद्ध रहेतादहन, . ७१४ कें हाता अवदन्त भी त्रिक्तित अधि अदिहात क्रिक्क क्रीक ও সমু চিত নহেন। ভাষার এই প্রকৃণাত क्षजारक त्यारिक क्रेबारे बातवात देशन श्रीत अवर्गरवारकेत्र व्यक्त वाका मध्यम क्तिएडहरू । बाहा ब्लेक कीहाता कि देशाय क्रकारा स्ट्रेंट शातित्व ? देश मधीत अवगटनके कि के शामितात हुक अरे প্ৰপাত বুৰিত ব্যবস্থায় প্ৰসুলোগন করি त्वन क्के कि बिरंगत काति कि देशत कर

यत्र अनिज्ञा जानिएकहि, क्रिक बाकांत्र क्रम, रे वृक्षी प्रदेख मा ? त्यंत्री क्रकेंत्र, नेत्र क्रांत्रणन कु कि क्टबन ।

क्रिकांडा क्यूकि r

नवाइति शद्य वृष्टे इरैन क्लिकाका ওয়াত হ অপ্রাঞ্চ বাংহার রার্ক্সনার্গিলে त क्यानगान जना क जन नर्वकानक क चावशासक निवृक्त स्रेत्रहरून । क्रुट्या त्रमामाथ बीकूत ७ श्रत्यक्क श्रीराह्त এদেশীয়, আর ৩ জন ইউরোপীয় ৷ আ बड़ा जरमक दिन जनिष अवारण्य वर्गा ন অবণ করিতেছি, অনেক অহি ও জন্ধ कारमञ्जा अपृष्ठि अरे चारन पाक्षा व तकिमारक व्यवन कतिएक जानिक हरे রাছেন ৷ জাঁলদিগের অনিকা নিয়ারণ নহে। বাহা হউক গংগ্রেক যে ভজাব थाप्तक निरमान कतिरणहरू, रेशास जा মরা অভিশয় আনন্দিত চ্ইলাম ৷ ভত্তা ব্ধায়কেরা বালকদিনের চরিত্র শিক্ষার व्यक्ति किषिष, विरुष्य पृष्टि द्राविदवनं । ভাঁহাদিমের চরিত্রগত ঋণ বোবের উ পর অনেক এমেশের দুকালভ নির্ভর कतिएएएइ । अथन ७ अरे ज्ञा अक्षी अनवद के दिशादक, अधाल वसक वासकू भारत्रता अग्रार्फ क्वन भावकारित केंद्र দ্বি শিক্ষা করিছে আইসেন। আয়াদি लात्र त्यानात्र क्यीमात्र ७ त्राक्षमुमाटत्रता यकि जनमार्थ ७ जित्रशकातित मान रेखि র নেবা ও জাল্লন্যের হল্পে নসর সমগ্রণ ना कतिया कुकविषा ७ मकतिक व्हेरा খ্ৰদেশের ইতি খ্ৰুজ্বা সাধন, করেন: अर्कि कि शासासिक च्यानिकानिका भौधनामित्र मात्र कानकार्यत क कि वृ হের হারশ্রেক। কল্পানন করিছে বি मीर्वकाल केनाजीय शांकिक -

ৰাজালিবিজের অধিকতর দুয়কার इदेवात्र छेलाच्र कि ? वार्यादीमक। कांबरमान अक द्यान नातन । नीर्वाष्ट्र ' बहिर्दि बहुद्दा अपन् उत्तरभगानी. अवनीनं क वाश्यकाष्ट्रवास् वहेटाकः शाद्यः वा । কি ইউরোপ, কি নারিয়া, কি আমেরিকা, शृक्षितीय त्व व्याप्ता ब्यामीन वाणि नम्नरमा-मा स्मा अदे वाचित्रे त्नीवायदन कृतिक वृत्रे হয় ৷ ক্লান্তানে গোঁগাহীন কাভিয় বাস, ত-ধার আল্স্য (র বিরুদ্ধিতাদির স্মান্ত্রকর जन्मर पृष्टिंगस्थ गणिक बहेका बारकः हैरहा अ ७ वल्यानयोतिविदशत व्यक्ति इंडिटकण क तिरम पाउँकान जामापिरमह बारकात छार गरी त्वाद्य जन्म इड्रेश्यम मत्मश्र माहे । हे स्त्रामि त्त्रत्र त्नीवा जनविशालं, अवर लाहाहित्तव अवाञ्चद्रांश विकाराविष् ()) वाजानिनिटगत বীৰ্যাহীনতা 🛊 তকুলক আলস্যুপরতাই ৰচনালাৰবি প্ৰাসিত্ব আছে। আমাদিগের এ কলকের কি ছুরী হুত চইবার উপায় নাই গ আছে। পুষ্টিকর প্রব্য ভোজন, নিয়মিতকংগ ব্যায়াম ক্রিয়ার অপ্রষ্ঠান, কাধ্যে সভত অভি নিবেশ এবং উহাত বিষয়কে লক্ষ্য করিয়া তৎ সাধন চেঠা, এইগুলিই নেই উপায়। বাঁখারা শীত প্রধান প্রকেশে বাস করেন, তাঁহাদিণের প্রায় বভাবতঃ এই গুলি হইরা থাকে, জা भाणिनारक कड़ी। लाहेबा अहे खनि कतिए र-**289**

এতকেশীয় এক ব্যক্তি লগুনে নিরাছিলেন তিনি বলেন, তথার অবস্থিতি কালে বে পরিমাণে পরিমান করিয়ে পাণ্ডেন, কালিকা ভার প্রভাগনন করিয়া ভাষার মার্কেন পরিমান করিয়ে ভাষার মার্কেন বাজি উন্তর পশ্চিম প্রেমেশ হউতে লিখিরা ছিলেন বে কলিকাভার অংপকা তথান উং রাজেরা বিশুন, ও ত্রিশুন অধিক পরিমান কালিকাভার আংশকা লাভনে

(১) এত মগরক তাই কুনি কিন্ত বাক্তি লগনে উপনীত হইরা ইংরাজনিনের জনার
রাগ দশন করিরা বিশ্বয়াপর হইয়াভিলেন।
তাহার! বলেন ইংরাজেরা বালালিদিনার
নায়রখা গলাভিতে কাল হরণ করিতে নিতাত
গরাহখা প্রতি নিরত ভাহারা কোন নাকোন
নাল্যে বাকে। অর্থোপাজ্ঞান বিশরে
ভাহানিরের মত প্রথমানী, বোধ হর. তার
হলন ভাতি প্রিবীতে নাই।

या क्रेक्ट शक्तिम सरम्हन जारिकका समामिक ক্ষমিন্দ্ৰ কারণ কি ? পুটিনর মধ্য ভোমার ও বির্বিত ব্যারায়ারির অনুষ্ঠান নিবল্প বলা रिकार काराव कारन। हे श्राक्ष, कर्राकी कृति য়, পাঠান, নিখ, অভৃতি স্নাতিয়া কি কার্যন এডার্ন বলিট ও বৃচ্নার বয়ও ভারায়া দীয় अर्थान पाटन गंग करत, हेशहे कि अक নাত্র কারব ৷ উরিখিত পুটিকর হস্ত ভোক্ত ও ব্যায়ামানির কি কার্থতা নাই? দীত এখান व्यक्तिनवित्। यकि वाकानिविद्शस नाम ज সার ও অপ পরিষিত্তরের ভোজন ও নি জিম্ব ও নিরীং হইরা কাল ব্রণ করে, ভাষা-वा कि जन्म विकीया ७ पूर्वन स्टेवा बाह्र मा ? **डांशिरिशंत क्रांस कि जांत डांशिरिशंद नांस** স্বল ও ভূচক'র লোক জলে গ তাহালিগের रश्मारनाक्षि**परक कि कारक आंब्र खळ्ळा**छीव विनिधा स्वाथ क्रिया । भी प्र आक्रिया । বেরা আহারানির ব্যতিক্রম করিলে বন্ধি ভা-शंक्रिरशंत बताबीमा जारूज ७ अवदाबाक्रित बा-িজস বটে, ডবে বসংগ্ৰেশ বাসিক্লা আছায় e बाह:बाहिदा डेश्कर्म भागन क्षिएक, *के मुक्*त বিবহে উংকৰ্ম সাধিত না হইছে কেন? আময়া बनकत डेशान व्यवस्थातहरू असाव विदिश्वहि, वाश्वकत्र छेणांचारमश्रतत्र धानम क्रिएक्टि না। পরিদ্বত স্থানে বাস করিলে ও নিয়মিত बारण आहात, शांन ३ शतिखम कतिरत नंत्रीत प्रश्न हरा वर्षे, कियु विनिष्ठे हरा में। এक वृक्ति कतिकाछाव भहिक्य दर्गन छेष्टास्य बान क-বিষা নিয়মিভকণে আছার পান ও পরিলম कतित्व शाहा मांच कतित्व शास्त्रव, विश्व डिनि यकि शृष्टिकत । **अधिक ग**तिविक सना ভোজন ও ব্যায়ালিনা করেন, ভাঁছার শ-ब्रीइ कथन प्रतिष्ठ दहेरब मा । किन्न गाउँ गाउँ यकि मधन मा जिद्रहोत कान बरनातम जारन বিল্লা বাস করেন, ভাছার শরীয় বে কেবল अद् ३ हेटव धवाण नरह, वितिष्ठ वर्षेत्री छिटिय। अञ्चलनोत् । य मकन यास्कि मधन वा छेखन পশ্চিম প্রচেশের কোন স্থানে কিছুকাল বাস কৰিং। কলিকাভাৰ প্ৰভাগৰন করেন, সচরা চর তাঁহাদিগের শরীর হার গা ও বলিষ্ঠতা এই উজন্ন গুণে ছুনিত চুক্ত হয়। এবছিখ বৈল-क्षण क्षेत्रलङ्ग अञ्चलकारम अव्य ब्हेरन हेति-

for start the for तर्वर गरे। कथन व निहास THE REST SEED OF THE PERSONS करिक गतिबिक अस दुर्गालक जिल्हे si Schi wifes Mains a san गाउँगाण करिएक गाजिएक सर्वेद्य हुई म दत्त. क्षेत्रात गटलप् कि हे अन्यास अर वन नवान भगार्थ नाम । शहर शहराहित रानिक प्रदेशनर प्रश्न सहस्य असान विक हारि, क्षित्र केल्टरबस मध्यिरेस्कोई सब्बाहरू **बरकड नवांकको, वाक्तिका, मुलानेक** रह ना । विद्धानी मा बहेरन शासकार कात करेगांव शक्तका वारे । अक्रमांव का লেও কোন কোন সানীয়েক নিয়া কা करण मध्यम् (३) महिहान् (महिह रका व्हिट्ड नवर्ष इव का १

আৰৱা অপ অস প্রিমানে বুল কার অবাদ্যানর কাণ্য করিয়া নাকি বে ব্যক্তি গ্রহাকার, বাহার নাক্র গো অরু ও নেলের আন অংশকার্ড ব্যক্তিই উক্ত প্রভালে অবাদ্যানর ব য়াও হুর্মান শরীয়ী স্প্রশোক্ষা, ক্ষান্ত্র কার পাকিতে লাভর । ১৯৩৬

উপরে যে বাশ আর্থনিক মইন বি

শতি প্রতীর্থান ঘইজেছে যে নিয়নি
আনার পানানি নিষম্পন-প্রয়ক্তা কা
কেই সন্তব্য হয় ও সধল কার হর না
নিধানবিৎপশ্বিকরণ বলেন পুর্কিশ্য

াব্যানানি কাশ পরিক্রমন্ত্রকার্যান
নার বনির্ভ ও মূর হয়। কেইই ওকথা
ভার করিছে পারেন না। কোন কোন
লোই পুর্কির প্রস্তা ভারেন না। কোন কোন
লোই পুর্কির প্রস্তা ভারেন না। কোন কোন
ভারা বন্ধ পাইর। করিরা লাইতে হয়। ই
ও, ক্লিয়া আক্র্যান প্রকৃতি লীজন
বানিরা পুর্কির জাহার ও কোন না
ব্যারাঘানি কাশ প্রম্কন কার্য্যে প্রান্ত্রা
হল্প কিন্ত ভারারা লারীবিক নিয়ম সংক্রা

(২ / এতদ্দেশীয় লোট বাহক, ভার বা কাদির প্রতি সৃষ্টিপাত করিয় বিবেচনা, ক লে আমালিগের বাকা সপ্রবাণ হইবে

3 'त्याराक्टन' वांत्रा जनवनचन क्टन माहै। দং বৰ্ণৰ অভ্যন্ত অসভ্যাবস্থায় ছিল, प्रशासीकि विश्वापित आर्थ उपस्कर्तिनी भाव महत्रे केशिए एक मार्ट, किसेनके है र-गानिता संविक्त ह्रेया क्यारेन के स्वीतिक्त े काष हिने। जनामां नी जैने दर्भनी-গাকেরও আডি গৃষ্টপাত করিলৈ ক্রিট गिकि स्ट्रें व दिश्में विनिर्वित नाक गन्ना भोडीनियामिय शिक्षिकाद्वन रहे ना देरेंबांक नवन भंडीके देरेंबाब के ंख निश्चे जर्यनपूर्वे कंत्रियादक् 🕻 🦠 मनकः जन वाष्ट्रं । वृष्टिकावित्र উপরে क विक्रिकंटन क्यांबाकिटनतं भातीतिक 🖷 🕶 বিভাবে নিউন্ন করে, তাৰিবন্নে ' নাই'। শান্তীয় 'বিধানবিংপভিতেরাও দ্বর সিম্বাস্ত করিরাছেন। এতার্থয়ে স-ব্ল ক্ষেত্ৰ সংখ্যাপৰাও সাহেব বাহা বলেন সার ভাগ নিবে সভলিত হইন। एमन में बहुनी देव देवें त्याप्त वात्र कटत त्मरमा विभे बाहू शृष्टिकापात छात्र-ূ ৰাজ্জ্য পরিবাবে ভাষার শারীরি-'সিক শক্তির ইতর বিশেষ হর। , নাশক্তি প্রস্থৃতি দেশে সভ্যত্ত ন ও প্ৰান্তি বংলয় ছম্ম মাল গ্ৰায় ার অভাব নিবন্ধন বস্তুদেশবাসির। च पूर्वन मारमध्यमी विभिन्ने रह। ांक्रि व्यालका व्याल में को का दानवा-সাবার বিলক্ষ্ণ স্বল্কার ও সানসিক বিশিপ্ত হয় ৪৫ ও ৬৬ ডিক্রী ,तथात मरथा श्वाणिख सम्मदानिका हेवा-াণ, ভাহারাই পৃথিবীশ্ব সকল জাডি কা দৃষ্ঠক , ও জেল সহা করিছে সঞ্চ-ভদ্দেশবাসিদিগেরও ভৌতিক 🕫 সান वरतत्र विनक्तन क्षां छ जांव इत यथा - छ-, পুইডেৰ, ইংলও ও তংগরিহিত দী-क्षि । 💆 द्वालनाथ माद्रव काहत् बदलन :ग नकत ভূমি সমুদ্রের অপেক। অभिव ও পর্বডান্বির বিফটন্ত, সেই সফল তান ाता विज्ञक्त मृहकीत **एरे**ता थारक। छ:-विद्याभीनि क्य कार्या विकासन त्रुख अवः

• ও মিগ তুমিস্থ লোকের অংশেকা

व्यक्तिकार हो वंशीयी एवं। कारानियमः শ্রীলোকের অভিকতম সন্তানপ্রস্থ ধর্ম পদ্ধয়না ছইয়া বাকে। 🏓

এতভারা পাই প্রভীরমান হটতভত্তে গৈ चान्याक्य जन बाबू वृक्षित्रांति विनिष्टे स्वरण ৰাস করিলে লোকের ক্লাক্তই পুটিকর জব্য चक्रण क्षत्रिक महेता पाटक। जानत, इक কার হর ববিরাই ভারারা অভাবতা (৩') व्याक्तानिक बरमाशास्त्रस्य सहस्य दश् । खादा-पिरभव व्यक्ति चणावणः एके, आवामिनारक जारा क्रका महिद्रा महिद्र स्ट्रेस । क्रिक नि ৰূপে সে চেঠা করিতে কইবে, আধরা আগা-वि वादव शांक्रेकशदश्च शांक्रव कतिव।

म्कन भूखक ७ भ.केका ।

करमुक नक्षांव शहेश, करमुक थानि क्रांजन পুত্তৰ ও পত্ৰিকা আমাদিগের মন্তগত হই ब्राट्ड । कारकाम विद्रटर व्यवद्वा क्वरण व्य अनुकान ७ गक्रिका अनुस्तराद्वित्रिगरक पूर्व बरमात्रथ क्रिट्ड ज्यम र्व स्ट्रेग्ना अक्रिश मरह, আপনারাও খকর্ষব্য সাধন করিয়া তাঁহাদিগের निकारे क्य पूर्व व्हेर्ड शादि नाहै। क्रम किन्नर शतिबादन अन लाट्य टाइन व्हेनान।

১। সীতার অহেবণ। প্রায়র গ্রন্থ। চাকা ৰাভাগ ৰাজায় ত্ৰাঞ্জুবেয় পশুড জীমদন ৰোহন বিত্ৰ প্ৰণীত। ইহা চাকা স্থতন যৱে দ্বিত হইরা প্রচারিত হইয়াছে : ইহাতে রা-ৰেব্ন বিবাহ ও বিলাপ বণিত সৃষ্ট হইল। আ মরা কয়েক স্থাম আসক্ষ সহকারে পাঠ করি नाम। वहना मण्युर्नकरण निर्द्धान स्त्र मोडे व **डि किन्न मनिक स्टेन्डास्थ। अध्यादान कारा** ব্ৰচনা শক্তি আছে, তাহা আই বোধ হইল। करवक्षी कनिका क्षेत्र इहेरडरक्, भावे-कशन चत्र है कवित्र मसदत्र छोत्र भन्नोका कन्नन উত্ত কৰিছ। করেকটা এই---

कति ताय केंद्र विकाकन, वरण ज्राहक्त साम दक्त महरूक, कृषि दर की रम क्षांत्रा, की दरत की रम शांका, बहे बाद बाँडां की बन ।

(৩) ব্যয়ানাদি খারা বে বলোণাঞ্জন হয়, ভাষাতে আজ্যানিক বল কৰে:

मा व तरे ब्रह्मह विक्रि ट्यांत क्ष्मक्रदम मंड शहर बहर शहर. असः यमाधन बार्टम, क्षेत्र निरुक्त बरस. महिम है निहरू में। भी है ভূষি না ভিউটোপ বার্ণ ১ कामात देखाल दक्त कह मी द्याहर, रकामात्र अमास्ति स्रोटसः, क्षित्रा क्ष्यामीत काटस जानाहरू इत्यंत्र बहुत । ८६ व (विम । वासि विदियंग, का अभी मार शूर्व कर चेव्हन पाटन, ब्याहा वाक्षांश्वर्य कहा, प्रदेशा सुरम्यन एउ. षां व्याप-विद्यात महत्तु । विवर्ष विकित श्रिमशीरम्, खन व्यापायीन मन् कांट्रम देवस्मीतन, जांत्र कि निवास जानि, से दश्रे छाजुक्यांसी कारी वटक अम स्वद्य किटन । "

২। শেষ্য পাঠ প্রথম্বভাগ দ্বিতীরবার স্ প্রিক্ত। জীবুকু বছু গোপাল চট্টোপাব্যার ইবা-র সক্ষণন করিয়াছেন। ইয়া বালকলিবের পা क्रीनं नरश्री उ ब्हेब्राट्स । दिन्तानस्य नाग्रान विज्ञन क्षांज्ञ, यञ्च योद्भ क्षांज्ञ का का का का **८५ रमञ्ज्ञान पुत्र क्तिएक समर्थ बहेदार** । यञ्च बाब्द व शालि यग्न द मा कत्रिशटक म बर (व श्रीन गरशह कब्रियारहरू, फेल्डायारहरू ভারারগল্পরভার পরিচয় হইরাছে।

৩। ধর্মকা। ইহাতে প্রস্কারের নাম कावन दकान गर्भ मूक्तिक करेग्राटक, कारा वि খিত লাষ্ট্ৰ ্য নোধ হয়, কলিকাডা এলে বল'ল কট্তে ইহার বুরণ ও প্রচারণ ক্রিয়া সালার ২ देशांदकः हेटादक वाचा पर्या वक्किक करप्रकति 🖰 शरमम कार्य । अक्षी केशरमम ४६८० है। उ इंडेन ।

পুত্রের প্রতি পিতার উপদেশ। CE वित्रभू छ । 'जू म केश्वरक कका करिया, 'वन' কার্যা সম্পন্ন কঃ, তিনি ভোমার পিড।, মতি खुक्ष ; अवस प्राप्त भुक्त का वस्राप्त कि न ६३ मांत्र अक्साज मधात्र स शक्ति, डीहारक करन कत्र, अबूबाब कीवम छै.काब कार्या लिया। कत्र, अक शक्र, क्षेत्र करा दीषश्रक निष्यु क रहेव थाकिछ म' डें। होइ क्लारेडि वृष्टि कविए' में। प मारक देखाल कथा, मर्जामा, माई जुमानम नेश टब्रिश अब्र, अश्माद्वत कृष्टिराजी रादशाः প্ৰ কৰিছা দেই পৰিত্ৰ ফ্লাক্সপেৰ সৰিত দিন দন मणिलिक हुन । काचि यथन ट्यान्टिक सात्रान शहन्त कात्र्य किनाम, उधन आभार मान पर च्यामः द्वित, दर मृत्रस्यश्चित्र श्रवि कप्टर्रू इदेश **कृति जामात्र गृह उज्ज्ञल क**न्दिन, क 'भोट मिरे आभा पूर्व कहा जेवह जिवह जिवह कार्या वार प्रक्रि मार्ड, जिनिहे छानाव धक्या व नार्ड ... कोट्ड औछि क्षिटन, अधूतारमंद गरिक कें.श्रेर जिन कारी माथम कतित्व, अवेकमा पूर्व को পৃথিমীতে দল প্ৰথ ক্ষিয়াছ: কড়টাই ভাক क्षम रिक् क क्षेत्र जा । की शहर आधार समय माने पालिका उद्येख परेएड परेएड किनके ४ १-मान अवस्था है जिसे है जाना से भीरक राहे श प्रम प्रमुद्दर क्यान अवह पहेटल व्यवत विजि मा। दि पहिल्लाका पूर्णि करे लीखरक चामात काल जनकी क्रिशिक्त देशक क्यान क्रक्राल व्यक्ति तम मर्जनारे ज्यामात वृक्ति नाहक, कृति देशक क्षानम्, कुनद्व विद्राप पर्त ।

। जारिकिकीनांत्र शवर्रवने नश्कात বন্ধ বিদ্যালয়ের ভৃতীয় সাধ্যারিক পরীকা विवयन। अहे विकासिय ১৮৫३ चंदन वालिए स्त्र । देशीय कामभा केत्रकि स्ट्रेडकट्ट । भद्रीक-ক্পণ পরীকা করিয়া সভোগ প্রকাশ করিয়া **(एन । देश ज्याम ७ निक्**यश्यम ध्यमश्यात विषय मदल्य महि ।

সাগত। ২৮এ মাঘ গোমবাব। ८क्का अमीशा।

जना ज्ञानाचार बहेटल क्रिवेरेंड जाति সার সময় > বলোঁ, ২ কুক্গঞ্চ, ৩ রামনগর, s চুয়াভালা, ৫ আলমভালা ধইয়া সুটিয়াতে च्यानिका डेशिव्छ बहेमान। हेशंत्र वर्षा (व ক্ৰকটা পোল আছে, ডন্মণ্যে একটা পোল काष्ट्रिक्षः। **इक्**णक शर्याच यद्या प्रदेश कालक অহুই পতিত ভূষি আছে। গুনিদাৰ নীদৰ্ক ৰহাজাদিগের দৌরাআই পুনি পডিত ব্ইবার প্রধাস কারণ। কুকগঞ্চ হইতে আলহতালা পর্যান্ত খেকুর, খানা, বব, ও নীনা প্রকার 🗢 अहे निविधा नका श्राप्त अपन अया अवर क्रारेन कारन हेकूछ छैरभन रहेन। बाटकः बेहात बद्धा वद्धा पुष्टे अक्ट मीनकूरी अ एक-বিতে পাৰয়। বার। কিন্ত গুজাবা নীল বুনন না করাতে উহার অনেক গুলি অমনি পতিত तिक्तिदिस् । 280

কুটিয়া 🛊

এই কুটিরা,নদীরা জেলার সভর্গত। क्रिकाला बहुएल अञ्चान ६३ क्लांस वह कारमञ्ज्ञ केखरत शक् है नहीं। जे नहीं जाब-লার বিল হউতে নির্গত গ্রীয়া উত্তরাজিমুখে পৰন পূৰ্ব্যক পৰাব স্থাতিত মিলিত হইয়া সভ্য-ত জ্বৰত ভাৰ ধারৰ করিয়া পূর্বাধিকে গ্রন **করিজেটছ। ভূতরা**ৎ ইব্যাক কের চেহ শলাক

भवा तारे नवय निकारक विका बादक। अकटन अव कार्य अव कार्य कार्या कार् भीत नकडे शबनाशबंक कतिएकहर अभिक णवा **উत्तत स्**देख सकिन्नादिनी" स्टेबाहरू क्यार्थ वरहे, किन्न जारम के रमें केकोन कर ভাব ধারণ করিরাহে। উহার উর্জনে কুঠিয়া নাৰক একখানি প্লাৰ আছে। ঐ বাংন একট্ট থানা ছিল। থানা দক্ষিণ পালে আসাইজ এ-क्टन करे जानरकरे आध नकता कुर्डिया करर নাৰাভ বোকে হোট কনিকাভা কৰে। ইহা एक त्यांथ बन्न आहे ज्यान मनम करेन एकांडे के নিৰ্কাড়া নামে প্ৰসিদ্ধ হইছে পান্তিৰে: এপ্ৰা-त्रत केवत । शक्ति नीमा नसूरे नही (এই নৰী এখানে ভাতি ভাঞাভ, ইবার পশ্চিমে কবলাপুর এবন) স্ববিদ্য বহজনপুর। পূর্কে বাহাছরখালি আন। ইহার কিছু দিন প্ৰৰ্কে এই স্থান পাৰনা জেলাৰ জ वर्गछ दिन। अक्टन महीवांत्र शंचित स्टेपा-ছে। পদা অভি ভয়ানক নদী। ইহার গাওঁ অনেক স্থান প্ৰবিষ্ট হুইয়। অলেকেয় আৰ্মেক ক্ষতি ব্টরা গিরাছে । এখন এই স্ট্রাক্টে স্থানে স্থানে সল অভি অপ। ইটেগৰ হইতে बैमान कारन इष्टि निरमण मंद्रियम कार्य रान बांग्कांबर मक्क्षि पूर् क्रिटंक्टइ अवर के नकन हड़ोन्न यट्या घट्या इयहकती थोना রোপণ করিছে আরম্ভ করিপ্লাচ্ছে, জ্যৈষ্ঠ বাবের প্রারম্ভে কাউডে উপক্রম করিবেক। উজ চড়া বৰ্ষাকালে প্লাবিত ছইরা সালবের माप्त कार्कात बांबन कतिरवसः।

कृष्टियात निक्डेवर्सि आव । ^ हेर्डिमन्द्र छेखा भूतांचन मुद्रिता, क्ष দেবপুর, গোণীবাৰপুর ও শিয়ালদহঃ এই नकन आदब कामांब क्रवांत्र ठावांद्रशांभा खाँकि কৈবৰ্ত প্ৰভৃতিই অধিকাংশ ৷ ইহাৰ খধ্যে সু ডিরাতে ৩। ৫ বর রঞ্জিণ "আছে। প্রক্রিয় शर् हे नवीत के जब कोटन वजनएयटक **दखाइक** न भूव क्षानिवात नाबटो ७ छेनिवाषिः। अहे সকল এানে ভাষাৰ ও কায়ত্ত ভোটা ও প্ৰতিষ্ঠ প্ৰভৃতি অনেক প্ৰকার কাভি বাস কলে । उनारण उपियोशिक बोक्टनत मुख्या क्विका समित्व हाएक गाउँ व संशंही । अहे पूरे आहा মান্দৰ কাৰত ও ভোৱা শ্ৰেছতি মক্ষাই কিছ শিচু পাছে। ভাষার গগে কারতেন্দ্র ভাগ **জ**ন

भवे को जान जानन नाम collaints and a mile गरमं गरेश क्षमादान क्षा AAAA SAA OAK

प्रकार वह समस्य भारत Price Cale Salder CHIPPERSON INCOME B THE WAY WAY चीनकोड क्यांकिद्धिक वि क्षिक के किया है। first wa sign way PRINTED THE THE THE

क्षांत्रकात स्व अक ।, किनी, नर्जप्, प्रदू सम्बद्धः शक क्षण्य मामाविश महा केश्राहर होन क्रिएक्स के समान जिल्ले विश्व **河外,村民市东河水,河南村里,中省州**区 त्यांशांकरून कांकि कांका, <u>अस्तिक</u> व्हरक् शंक वा। श्वाहिनी असम मन गांक्स याद्र, किन् खाला गारत का, समोह बर्धह जानाकृत चल्यार नन्दराहि नवीह क्या हा रप्तः अहे अयुग्, श्रीम् क्छक नांद् जानक्षत्र ब्राटक्ट, कंप्रक 🗟 गम्ब (कनि गाँएस्टब्ब । जानमादि नीतकत किनि मार्ट्यकी करि स्य मकरण क्षणाताः अनिश् जीवा वर्ग कहा साल्या वासे रे गारकरका चनरतंत्र सुधि अवस्रि मेन्स अरे होन अध्यक्ष प्रतिश्र अभावित अनवद्याकम् कतिदश मसमग्र बाह्मि व्यक्तान क्षांक क क्लना हुन ভাষার সংক্ষেত্র নাই। এখনও 🗯 मारक्ष टाका पिराक्ष छेशन अक नहिंद রি করিতে জাট করি**তেকের, বি** ছোট আহালতের দেক ও মার্ नीनकवितिनव क्षेत्रि शूर्व क्षित्री, व हिलान, व्याप कति छात्राक्ष বইয়া; মাঝিটে ট সাকের তের্টিন

व नार स्त्र किर्क विविद्धादन । विकास मन्य स्वीय मध्यम, अकटन कतिरम कांग एतः। अन्। समास्य

া নাজাইর মালালা। ভিনিও নারেরনিং ओक्शक्त कशिक्षा थारकम**् कार्या । स्टेक** न्गाविनिक्शा गरिए क्षण्यिक्ति वर्तकाश्चरक सारमण क्षेत्राजितमञ्ज्ञ कि औनमाः कॅरिस्फर्ड्स, फल्म कि वृतिश्व तिया १ अमेर्डस्थ देशनि नारमस्यक् कृति তেক ক্ষিদিক্ষর খাগা ও মিচারালর चेवत गम १ हैसे भारतको आवटन क इ अन्ध्रदर अक्षण्टन वाना करा कान। बारगांकम् निकंते विस्तवकः शांकांगिक व । एक स्ट्रेमान, जन गांद्रश्रीत व्युत्ता विष्ठात कतिराख्यकार्थिक । तक हो स व्हेर छड़ ए तर्कार म है। बार व बाबायक माजित्हें हैं कहा.

ना वर्ष काशांत्रि क्यर वान्ति क्यान · (।कि डोकांना विनाश्रिक्त वरे निविष्ठरे अन्यव विद्यादक) (बाँड क्लेक्स भरदा रहे जान है re उरमार चारत नभ । छनिनान विकेश : विद्यादा ।

ববিৰ সংবাদ্ধু १ हे काइन अपन

रिक्षानी अवाशास के किया d স্ব ক্তিন্দন পত্ৰ বিশ্বাস चेश्रांत्रा कानभूदत काल कार्या **जो, क्ट**ब्रन । जारगध्यक्रिके हिर्देशकान्त्र स्थानवर्ग मध्यम् विश्व

ावितरक्रक विश्वत और विश्व करितक उरक्ष गायन निश्चासम्बद्ध निता कार्यक्रमान्द्रक वः अविकास नत्सम् कश्चित्रो विरुक्तं नर्भक्षाः कद्रि ইলা পর লাভ অলানির ক্রিক্টা ভাতৰবাৰেক বলিলেক তাৰিক কৰাৰ ভাতাৰ সকল উৎকৰ্ম লাখিভ কৰাৰ जिनि २ (शवनंत्र स्थानतः

ममुक्ते वहित्राद्वेत । अर्तनेत्र द्वमत्रम क्निकाणी-त अक्षात्रभव कदिवात मगरत गरको पूर्णन कृषिक्ष जानिद्दय जनीकात क्षित्रांटर्व ।

_{्य}् क्रिकीरशरक्रिकेत अन क्षम शत्र स्थातक द्रोक পুড়বাহ্ন বরিকলিগের অসপত ব্যাক করি-রার চেইার প্রতিবাদ করিয়াছেব। ক্লিকাডা-মু বে সকল হব্য ২০০ টাকার পা ওছা যার ডা... हा ख्याब ३१०० हे नाइविकी फ रहेडा बादन। ভক্তা ব্লাকারা এই সকল গুরুদিগের বারা **क्षजातिज हन। अज्याननीत्र होनादा विस्कर्मा** क्दबन, वेक्रमूदना सवा क्रम्म क्या महत्वम कांवा।

विक्रीरनरकडे बरमम् , प्रकारवत् रहहेम् ७-রেকর্মচারিরা অতিশয় অত্যাচার আ্রাড করিস্নাছেন। ইং ব্লৈ। সকল স্বানেই,সমান মুক্তি धात्रभ कतियां बाटकम ।

व्यक्तारेहे विशाद धरियात्र क्षेत्रियोत कति-बाटइन । केंग्रहशन्त्रिमाध्यदन दयनार्गभटक चाना স্থারিত করিবার সময়ে যুক্তীরা ও সরুর গাড়ির बारकातानविशस्य म्यक्रिन्य कर्षे गय क्रिएड এর, সংবচ ছোবারা উচিত্ত ভাড়া পার না। अहे जनगं क्ष्यांडी क्रमनः चनम ब्हेरफाछ। বেখার নিবারতেশর জন্য যে ,বিল জর্পণ করা क्ष कांदान कि सरेन ?

भूमः। क्षतकात्रवत् राजन त्य सूत्रधत्रारक হোট আলামডের কল কানবা ক্লছ করিয়াছি-লেব দে আপীল করিয়া মুক্ত হইরাছে। পুনা শ্ল লেকিয়ন কক বারণ লাপেন্ট কানবার জ জ্যাচারের বিষয় অধানক্ষম বিচারালয়কে জ-वश्रक क्षितार्हन । हैनि मा 🖨 ,व्यक्षरणय अक জন উপৰুক্ত বিহারপতি।

আবাহাবার গেলেট ব্রেল টেম্পুর সাহে-ৰ ব্যাভারত্বর্যন্ত ভূমির রজ্যেকত খেব করি हारक्ष्य । विक्रि अक्टल हाच्या श्रृद्ध कारक्य ।

विकास, क्ष्मका, क्रिकेतिन आकृष्टि स्ट्रांटन कुछ क्रांक्रेकेरक्वरत्रद्ध अक्ट्री क्षच्यावसी व्यक्तिपूर क्षित्रहरकतः। विवेदित केक ब्राव्यनीकिएकः विष्यार्थ जात्र अवष्टि वाही स्ट्रेटकट्ड । ক্ষ্মিয়া অন্যাপিও হরিদের অরপর্য একটা সা भागी वाडी निर्मात कविरक गमर्थ बहुगाम ना । ह्य अक्षीत बाखना नवाटकत न्वर्धनत नका-क्षिक्षेत्रं एक काश्रम् नाश्रम्भवत्त्र कार्य क्षेत्रिका कविद्यारक्षमः। अक्षेत्रमात्र अक्षेत्रमा विद्य- व्याक्ष्माम बाह्य आहे वानाव्यम गरिक

व विगयात क्षिरकार्य, क्षक्रम कार्यकागर नारायार्थ नकरमुक्तरे किंद्र किंद्र दशक्ता कर्वरा ।

किनियम अक्षाक रक्षात्रीत चेत्रके करेरछ निविद्यारक्त जनका बरनाही सामानी करताहै: क्रिमारक प्रयासकीलक आजिक अंतिकारक । महार ित करतान क्षेत्र है हैरता ग्रेड्सः चीकांत्री अब अखः रमनीवें करंप्रति अक शाम नाविश्व कर्पात्रक भयन करते। ध्यवयकः रहनाहा ऋकिनद्व वकुकीः व अवर्गन क्षित्रा छाराहित्यम मुराहकू। कृति. बाहिन किया रहार अन सन बार्वाजी रंड एक-प्राटिक करवस्त्रका बनाटक छन्। क्या वर्गा छा-বারা ভারবিত্ত অভিশন্ত দৌরাক্ষা আরভ করি-রাছে। হজ্যাকারিকে খৃত করিছে নাণারিয়া তাহার সহস্কৃত্তিগকে বধকরা অ্তি অন্যার ररेवाः ह । अञ्चल कब्रिटन चटनावा कथनहे वसू-कांच ध्यकांभ कवित्व मा।

डॉकंटिकंन बर्जन विकासभूद निरामी সাৰ্বভৌৰ উপাধিমারী এক পশ্চিত খীয় পুৰের উত্তাহ ক্রিয়া নিস্পাদনার্থ একটি ভ্রাক্তণ ক্লাকে তুরিকরিয়া আলাতে লারণার নিকটে তাহার আত্মীয়েয়া নালিস হরেন। ব্রহ্মণ ত্ৰিমিত সেই কন্যাকে উছোদিলের হতে সমর্পণ ভরিতে বাধিত হন। ছাকাপ্রাকাল ব. লেন যে কেবল চুনিত প্ৰথাহণ প্ৰথাই সাধ্য-জেম মহাশরের তাতৃশ অসলচেরপের সূল कार्त । जामानिश्वत्र मध्य नम्मास्त्रम् मून कोनीना।

আমরা জনিরা অভিনয় ছুঃখিও হই नाम हडेआंटमद्र विद्यानदत्त्र अधिकारन मस ब्हेग्राटक् । विख्य विकास कमाना आकृष्ट বয় হইয়াছে ৷ সৌভাগ্যবশতঃ পুস্তকালয়টি त्रका शाहेबारह ।

३ ३ हे को सम मजनवां है।

ছাকা নিউস ঘলেন রোটাঃ 'মুগের পাচ त्काण प्रक्रिरण त्यान नरमञ्ज अक उक्षेक्यन সেতু নিৰ্মিত হইৰে, ইহাতে ছুটলক টাণা राज इदेरन प्राप्तमांन कहा इदेशाए । देवांत काना कांत्रक ब्ह्याट्स ।

ल्लांश्मरपद विकटि क्षक्रद्रमन गय यो-ह्मान नवास नन्त्र बस्ट्या .

कितीद्रबंदकां बद्दान अक्षे ५० वश्यदत्त्र

সারার করিয়া পাল্লক। প্রথান্তর করার বাবের পি
সালার করিয়াটেছেও প্রবিভয় হান্ত বাবাবের পি
তা সালা পর্নারের বিভান প্রাথান করিবেল
স্বধার কার্মির করিব করে করিয়া মালিকে
পর লাক হার্মা করিব করে করিয়া মালিকে
প্রাণ সালার করে মারি, অভান্তর উহার
প্রাণ সালার করি বিভার বিভালকান করিছে করিছে করিছে করিছের
সালার কর্মা বিভার বিভালকার করিছে করিছের করিছের।
মার ক্রান মারার ক্রানার বিভার বিভার বালাকের
স্কার রহিব। সালার ক্রান্মার ক্রানার বিভার।
স্পানির হার্মার বিভার বিভার বিভার।
স্পানির হার্মার বিভার বিভার বিভার।

উक्त नाजालक ज्याति बद्दान हासाब ज-

দিনিক বলেন পোই আফিসের যে হুজন নাই হটবার কন্সন। আছে, ভাষা এবংসর চার্ছ হটবে না। ইংডে প্রায় ১০ সক্ষীক ন্য হটবে।

তিনি আরে বলেন, ১৭ ই কেন্দ্রারি গ বন বেনেরল আগসায় একটি মন্তবার করি-গহিলেন। তথার গোরালিয়রের বহারাজ মন্ত্রি আনেকে উপস্থিত হিলেন।

তিনি তারো বলেন, জন্মপুরের মহারাজ ম'পন মন্ত্রী ও অন্তচরগণের সহিত কলিকা ধার বাত্রা করিয়াছেন। আসিবার সময় আ-হোবার ও বেনারস বিশ্বা আসিবেন, এবং ।দ। হটাতে স্বিনারে জনবাধ দেখিতে বাই ।ব

मान हाराम शास्त्र राजन छवान मीड 'क पूलिरा। छवान अक्टि हहर क्ट्री 'फ. अहे फारनरे हैंसान माना स्ट्रेस

र ७ वन मान चित्रिन्त वहेट को निकास देन वाटी वानेट हिन, भ में बोदि वश्रीट माणिया ज्यानाद के मिनट मा भावताद माणिया ज्यानित मिनट मा भावताद माणिया ज्यानित भ र के जिला मान व्या वहेंना मोटित मा धनत गट्य जाटा दिया मन्द्रमा स्थान किया क्या क्या माल्या मान्द्रमा भावता क्या क्या क्या क्या माल्या माल्या क्या क्या क्या क्या माल्या 38 के कालन वृथवाव

কিনিকা বনেন, নাকেনায়েরের ছুর্জিক নিবারণার্থ কনিকাতা চইতে প্রাণ্ম ৩৮০০০ ইাসারও অধিক প্রেরিত হইয়াছে।

उक्त शत्र कारता वरणन, भवनंत्र स्वानज्ञरण-त्र कत्रवात विकीरण ना क्षेत्रः विवारि क्षेत्रः। ठेलव विरयम्ना क्षेत्रास्, ज्यात्र कत्रवात कत्रि-रम क्षित्रोत्र क्ष्यानमा क्यां क्षेत्रः।

উক্ত পত্ত অংখ,খার বিচার কাব্য সংক্রা ব প্রচারিত রিপোট দেখিরা লিখিরাচের ১৮১১। ৬২ অংশ তথার পুলিস কাব্য নির্না কার্থ প্রায় ২৭১২৩২ টাকা ব্যয় মইয়াছে।

১২ই জান্নবারি স্মাট নেপোলিয়ন একটা বজ তা করিয়া জাপের ব্যবস্থাপক সভার কার্য আরম্ভ করিরাছেন। তাঁহার বক্তৃতার লোকে সম্ভোধ প্রকাশ করে নাই।

রাইরড কে ও বলেন, স্পানিত রোডে পুরাতন গোওঁ আফিনের নিকটে প্রধানতন বিচারাল্যের বাজি নির্মাণ নার আরম্ভ বল্পুন নলিকাজার ভেপুন কানেউর অন্থ বজি বিরাহেন বে অল্যাথি হি ছিনের মধ্যে তত্ততা লোকনিগকে উঠিয়া বাউতে হইবে। প্রবর্গনেউ প্রধানজন বিচারাল্যের জন্য ঐ

उक्त भद्ध है खितान किन्छ स्विद्धा निश्चित्र निश्चित्र निर्देश निर्देश

সমাচার হিল্পখানী বলেন গবণ র জ্বে এল প্রত্যায়ন্ত হইতেছেন। এক নিন রাজিতে তাক্ষম্য আলোকপুণ চইয়াছিল। লার্ড এলনিন ও লেন্দি এলনির ডফালনার্গ নিয়া ছিলেন। ভবার অভিক সংখ্য লোকের সমা গম হইরাছিল। কিন্তি

ভিনি আরো বলেন করাসী গণণ থেক ভন্তবার দিশের হংখ ক.বণ জানিব'র নিজিয় ব্যক্তিক আছেশ করিমাছিলেন। ভিনি বলেন এক ভিপাইস্কেন্ট কলার অভাংব প্রায় ৩৯০০০ লোক নিজ্মা হইয়া রহিরাছে। পারিনে হাঁছার ৮০০০০ টাকা বার উরি ব্যক্তি।

া ই কাছন হৃত্তাতিবার।
প্রধানের চা-করেরা চার বীক্ষ ও চারা
কুড়ের ভূবক চিগকে বিনা মূলো প্রদান করিব'-

র লকাপ করিরাচ্ছম, ভারারিগ্রেপ্ত 🤏 माञ्जादत शकाव शवर्यक्ष मीस क्षा র টাকা প্রেজ্যপূর্ণ করিবার আর্থান ব हिन । ज्यात्र अकृष्टि ज्यानद्रज्ञ्यः ज्रश्यांक् क्यांत्र करहार बन अक्टरक्यीच डा-क्य बै स्व । करतक स्व भी शक्य । व्हें श्रीरहरू हैं त्वत्र होयल क्ष्मणः विक्रिं स्ट्रेटिखद्द 🗓 विषय वजरपरम मर्करमस्य सर्वेद्धः । रक्षरकर्ण मोरमस्कार अक क्षेत्रांस रख क्ष তে কলিকাভার নীলকর কোম্পানি সিম্পা त्म अरु **अन कर्मानीतिएक दर्शन केव्रिनीए**के ख्यात्र नीम श्रेटखं मारह कि वा हैसे बे ভাঁহারিগের অভিত্রেড : আবীয়ুরিগের স্ प्र उंक टारमध्य विश्वत कीन क्षित्र । बीट क्वकतिराज जोच स्थादेश में विरुद्ध शाः ल नोनक्रतना कानचारमञ्जू इन्ह्यां है हैं। भातिरका मा १. ३८६

जाउतात रगगत वरणत, रम्लारं से हैं में
ता कर गानि कारणनीत जाराज दिलिक
त्मत जात ए करतक जन अकारण कर्या ।
को जानिए क्रिन । उपकृत्य तम् निर्मार्थे
निविद्य जागं के गानिए ति दिलिकार
हातिता वनग्रं के गानिकार क्रिनिकार
हातिता वनग्रं के गानिकार क्रिनिकार
हातिता वनग्रं के गानिकार क्रिनिकार
वाहर गर्मिका है हात जानगणाय क्रिकेट क्रिने
ता क्रिने हेरात जानगणाय क्रिकेट क्रिने
ता क्रिने हेरात जानगणाय क्रिकेट क्रिने
ता क्रिने होते जानगणाय क्रिकेट क्रिने
ता क्रिने होते जानगणाय क्रिकेट क्रिने
ता क्रिने होते जानगणाय क्रिकेट क्रिने
विद्य गुक क्षात स्टेनाएक । क्रिने क्रिकेट
केरिने गादिताण क्रिने अस्त क्रिकेट क्रिने
कारण गादित जानगणाय क्रिकेट क्रिने
कारण गादित जानगणाय क्रिने

মিনর দেশের স্তান লাগান করি। ক্ পানা উত্তন কপে রাজ্য লামান করিছেল। তিনি ববারার্থ কেকারত নাথারন হইতে চাকা না লাইয়া আপদার বাব করিয়া লাইয়াকেন। সম্প্রতি বিকেনীয়া করিয়া ক্ষতার্থনা স্বত্রে, তিনি বর্তি বে জিনি ভিনটি বিলেব কাব্য করিনে কড়ং নিজের বার নির্ভারণ, সাধারণ, কেপ, এবং স্থাতানের মৃত্য লাইয়া রা করিয়াকেন। পানা বলপুর্বাক স্কুর ক

विदल्स बन्न माई

শ্রিবার আলিগড় পণ্যন্ত রেইন ওয়ে

া বাটল ফি, যার কানাড়ার ছডন বন্দর রে গড় দর্শনার্থ গমন করিরাছেন। হারাজ সিছিয়া বোছাই দর্শনের জ. -প্রাপ্ত হইরাছেন। লেগ্টনেন জ, জি, মে

हाबाद मरण याहेर्यम ।

र ज्यास अधिनित्रम यरमम मुमागरम मः यः

हान्नव्याबारम भाज्यास ७ व्याविहेर्यः ।

नश्रदेश मिनिष्ठ एडेवां मण्डयमा ज्यारम ।

यह हेरमश्रीम अवर्गमन्ति विद्यमान ।

स्थ स्था बहेश्रारम । अनिरम धन आम भाग

त्र क्राध्य जनगण्य विवास वर्षा त्रिक्ष क्रा ब्रेसिट् । अनिटक धन श्रीम श्री त्रिक्ष क्रा ब्रेसिट् । वर्षाकात्मत श्रीक श्रित्र त्रिक्ष क्रिसिट् । मार्क जिन वर्षात्म धन्ति व्यास क क्रांस्थिति त्रिक्ष क्रिसिट् वस्ति श्रीक नेक स्ट्रिट । ग्रेसिय्त श्रीक त्रिक्ष त्रहेन श्रीक नेक स्ट्रिट । ग्रेसिय्त श्रीक त्रहेन श्रीक

सुत्र वहेन ?

দশ্বা হইতেছে পঞ্চাবের নিবিলিয়ানের।
দণ্ডীয় ব্যবহা বিদ্যালয়ে শিক্ষা করিবার
চলাত বংসর কর্ম করিয়া তিন বংসরের
লের পাইবেন। প্রাথনেই স্থানর করে বা
লেক হইরা নিবুক্ত হইলে কি ন্যাহের নাথব
পরিশ্বর বিচার ক্রিয়া সম্পাদিত হয় না চ

নর বিশাত বশিক ত্রিণ সাহেবের মৃত্যু তাঁহার জুল্য ধনী বশিক ইংলতে

• . चाटहम ।

साशास्त्र धनी शक्तियां करतक थानि वा-दिश्व साहास क्षत्र कतियां वालिका कावल क बारहन। कथा क्षेरक श्राक्ति विख्य नीम हाजेम क्षत्रकि ब्रश्नानी क्षेरकरह । विराग्त विख्यात्र कार्याक्षको नकरकहे वृत्तिरकरहन क्षत्रकारत कार्या कतिरकरहन । किञ्च कि ब्रा वृत्तियान पूर्व कियम करत्रकर शिक्षण

ইংনিস্মান বলেন, গ্রন্থেন্ট বার্ডীয় ডেনির মিনেটারি অফিস কণ্ড বহুত্তে করিতেছেন।

প্র ক্ষর ইণ্ডিয়া বলেন লারাকাপ, রে

প্রালমিনের লোকেরা মিউনিসিপাল

প্রালমির কর লগতে শক্ত করা ৭ ।

প্রালমিক । নির্দাদর্ভার কবিবেচনা

প্রালিক । নির্দাদর্ভার কবিবেচনা

প্রাভিক । নির্দাদর্ভার কবিবেচনা

প্রাভিক । বির্দাদর্ভার কবিবেচনা

প্রাভিক ইয়া উঠে।

নামক এক জন ইউরে,পীব আপনা থাড়ার জাল খরচ লিখিরা প্রায়ন খাকে ধৃত ক বিরি জন্য পুলিব না বাহির হইয়াছে।

সংবাদ আসিদ্বাচে আনামে বিমোহ উপবিভ ইইয়াছে। ক্যালীবিশের হতে কেবল
সোগন নগর নাত্র আচে বিহোহীর ভাষাও
আক্রমণ করিবার উলোগ করিছেছে। করা
শীরা ১৮৫৭ অকের পূর্ণে ভারভবর্ণার গবশবেটের নাত্র অভি লোভপ্রাবৃত্য এই সক
টে পভিগাছেন।

३७ई क्षांत्रन शक्तांड ।

ফিনিকা বলেন গৰণ দেওঁ ভাষ্কতর্যের ব র্ত্তিমান বল ভিয়র সৈন্য দ্গতে ১৮৫৭ আছের ২৩ আইনের জ্বীন চইবার আছেশ করিয়। ছেন।

তিনি কারো বলেন উন্তর পশ্চিমাঞ্চনর বাবাগৃহের বার নির্মাহার্থ ৪৬০০ টাকা কর্জা ব্র্যায়ে। ডবার প্রায় ১৩টা জেল আছে।

টাইখ্য আৰু ইভিয়া ধলেন বরোলা রে-লগুনে কোল্যানির কলনটিও ইভিনিয়র ক-পেল কেনে ও আনাসি মেলে ইংলও হইডে আসিবেন।

সিলিমেটি ইনফোরারর বলেন, ৬৯ বং
নর বয়ক এক রক্ষা দ্রীর লর্ডে একটা সন্ত ন
ক্ষানিকাছে। উহার ক্ষানির বয়স গৃহ বংসর।
নিলিমেটি ইনফোরাররের সাংকা সন্দেহ করা
আমাদিগের উচিত হব না, কিন্ত বোধ হয়,
আমেকে ঐ কাশুলে অনৈস্থিত বোধ করিয়া
ভারার বাক্যে অনাদ্য করিবেন।

५१ हे कालन भनियात्र।

ীণ দেশ হইতে সন্থাদ আনিয়াছে, নি কিয়াও প্রদেশি নিয়েছিদিশের সন্ধি রাজ সেনাগণের এক বৃদ্ধ কয়। ভাহাতে রাজ নে-নাগণ সম্পূর্ণহণে শহাজ হইয়াছে। করানী আন্দিনরেরা রূপ কলে রাজ সেনাগণকে লই-য়া বাব। একটী কামান কাটিয়া ভিন জন আ-কিসরের প্রাণ বিরোগ হর।

গবণর জেনরল স্থানে স্থানে করবার ও স্থানে স্থানে বস্তু ও করিভেছেন। কিছু তাঁ হার আগরার বস্তু ভাটা আহাদিলের নিডা স্থানীভিবিশারনী মইরাছে । সেশ্যিইর

जनवा क्रजा गरनई स्वाद उद्य क्रिक्न कहा प्रत्योत क्रिवा केर्फ्न नय, ब्रेंड्स्ट्सचीत श्र जिमित मकाश्रम प्रवाह ज् जाक्यान श्र जाकान क्रिया मुखान वर्षन क्रिट्स दिए गर्निमर्केष श्रिक क्रियांस्क क्रियां क्रियां भीकि क्रेट्य हेराई प्रयोत क्रियांत क्रियांत क्रियां क्रियां याचा जनवात मान्य क्रियांत क्रियां क्रियां याचा जनवात मान्य क्रियांत क्रियां क्रियां याचा जनवात मान्य क्रियांतर क्रियां क्रियांत्र जाणांत्र वादत क्रायांत्र क्रिके वि

কিনিকা বলেন বৌখাইন্যের অধনেতম বি
চারালরের কর্মচারির। পূর্বনত কী না গাটন
নির্ছারিত বেজন পাইবেল টেলর সাহেব হা
পে ১৭০০ এবং আগেন রেজিট্র কাল্টের বেজিট
পিনহি ২০০০ সহবারী রেজিট্র মারিরাট :
টাকা পাটলেন। ইন্রপিট্রিনিগেষ ও থেতা
রক্ষি হইনে।

ভিনি আরে: বলেন অধ্পুরের নগবার অ পানার প্রাণান মন্ত্রী পঞ্জিত নিবদীন এব এডেন্ট কর্নেল ব্রুক সার্ভেবের স্থিত ও নগর ভত্রভা প্রবাহন্ট কালেজ দর্শন করিল: প্র কার উন্নভির নিষিত্র ১০ প্রাণান করিছ ভেন্

ভিনি আরো বলেন ব্যুক্ত তিবার গণ-জেমরল ও লেপ্টনক গণ-রি ভ্রুক্ত মহলের ^ব্রুদ্দিত ভিন্ন লেখানে গ' গণেন দেখিতে ভিন্নাছিলেন, সেখানে গ' গণ্ড ৮ ত ভাত্র উপস্থিত হইরাছিল।

বোধাইয়ের সভার সেকেটারি লগান।
সভ গণের সমতি ক্রনে, সর চ'রলস টি
লিয়নকে ভারতাশীর ব্যসত্থাত সং
কিনালিয়াল নেম্বর হইলাছেন কলিয়া একথ
নি আ তনন্দন পত্র প্রদান করিয়াকেন।
চারলস ট্রীলির্ক্ত সাল্বের তাহ। এল শ্

ব্দদেশীর ব্যবস্থ,পক সভা ১০ ই কাছন শ্নিবার।

आंगान, काह्यां छ — मुद्र १९४० विक्र निर्माकेकविति या जिल्लार्थ करिया । वेरक्षम नारकत काह्य मकीय कर्णन करिरतः। अस्मक कर्ण विकार्णन शह धारे विक्र मध्य प्रारम्भ कर्ण विकार्णन शह धारे विक्र मध्य । प्रारम्भ विकार्णन विकार विकार । प्रति मस्य १ विकार्णन विकार विकार विकार ।

ভাৰতবৰীয় হাৰতাপক সভা 1 58 के कालम ब्रायशाया

धर्मामायत मण्यक्ति छेला श्वर्रामध्ये मर खार परि डा। ने क्या के बिएस जिल्लों के कि है। निर्माष्ट्रे स्विद्धारस्य , यम्राम्भीय रम्भ देवनी अन র্ণর ভাষা মতার অর্থণ করিলেন। উহা, বিধি-वश्र हरेल

राजि व्यवंश भव्यक्षेत्र विल्लायय भाषावरभद्र णिक्यत क'रसार सामा स्वीत कहें बाह्य विरम मितन क्षे कविष्ट दे बिर्लाई कित्रबारहन, काहिक्छन সাহেৰ ভাষা সভায় অৰ্থণ কৰিলেন - উচ্চাবিধি-यक्ष कड़ेका।

य मनक कुम्मानि हरेट अपन मामका वि कर। इस छार्चित्। विशवस स्व विका इसेश्रारह अधिराधिन मार्टश्य खरमरकास मिरलके क्यापित दिर्शार्ष वर्णन कवियात श्राप्त कविरसन । अहे निर्मार्छ अर्थिक क्षेत्र विक विधिवक क्षेत्र । ১৮+৯ जारकर ५० जाहिम मरामाधम विवयस विन (याहा केंद्रव शक्तिमाक्षरल हिन्दर रे विधि-वक्ष बहेक । व्यक्तियान, दबक्र ५ भोगमिन शक्ति । कारन रहत्वानी का भाग र पालिक कत्रियां व ल अदिशिषक अवेश ।

बहर्तित यावकावी विश्व अ अल्हांबरी कहा एकर मानिकभिरशक निल निधिनक्ष शहेल।

(महेन न'इस्टब्स अल्लानास्त्राह्म निकार्यन এড ডির মিউনিনিপাল বিল বিভিব্ন ছইল।

ইলিন সাধের দেকিউবি লবিবার বিল অর্ল। कविया जिल्लाके कविष्ठित ब्रह्त व्यर्थन कतिरस्त्र ।

খাবিংটন সাহেব পাতিত ভূমিব উপর আহ रिटर्डनाय विक व्यर्थन क ब्रुट्समें। हेडर रिवियक र डाडरिड वि खाहीसियात वसका हरेडरिक रहेका ।

व्यथानक्ष विश्वांनामाध्य म केरिनव इत्छ त्म मकल कार्या चारह. दमहैन मोदबदबद्र शक्तां-श्रगाद छात्र भी व निष्मति कवितात वित्र अक कारम विधितक बहुन।

इंडेट्यांशीय नवाहात ।

नाग्राम्य टेम्हकाद्वा विक्यानवटर्ग श्रवाय क्रेड्राकः

म कार्शररणय समाना भवांकिक क्षेत्रांख गान ভেত্তৰ ও উপসাস পুনৰ্বাধ অধিকাৰ কৰিছা ए किन्द्रिय अवन्य माग विक्रय विष्ठ किन बाब (चामनः क/वत क्रियारहरू। क्रवाना मन् चार विकास के , श्रेम में लाम मिल्ल अन्तरिक के कि । विकास छ। आले विकास के हैं एक श्रेम की सि য়াকেল ক্লিয়াপিকুত পেলেতে বিচেদ । এবং । পি আক্রমণ করিতে গমন করিয়াছেল। তেজ िविका ७ मामक्रीहिविकास्य अदम्बाब कार्यक्र रिव म छिश्चिक कहेग्राट्ड । त्यलेश । य क्ष एक + देवाजान कामा अव ज रहेबारक ।

मन्त्रम २ वा (कड़ाइ-वि --क्वित मन'व वहेया বিবাহদৰ নিজ্পানিক লাই। কবিবেদ, ওয়াসিউচন व'[म'स्ट्राब सिक. है जीकात कतियादकन

ট পদ্বপ্তাত ১ইখালেন। দেনাপতি ব্ৰাণ দেনাপ-তি বেলিল জ্বাসনক অংক্ষণ কৰিবাৰ জনা ছার শাসন প্রালীর উপর ভাষালিকের কোন देममा नम्भिकार नाट्य (हिट्स') शायम कातगराह- विश्वाम माहे । वस्वित्रहाय धम देखा वस्तुता क न। उन्नवाराभर तमनावा व्यादकन्त्रम त्याक दिया अक्षाद कविद्यात्क न यूदक वधाद कन्ना कर्तवा। उत्त व्यापा किला किला क्रिका केला क्रूक व्याप काशिकार काविवारक , महिन्द श्लाब मान वा- विकार विवास काविवार के अप का वाम महिना करिकारका विकार के विकार कालिया में

कात देनवा हेवाच छा बाबदेश संविद्यास्त्र । स्मान त्कार-भंत फिडेक चार कि औरमज़ मिरशाम ध हर्ग करियारधन अञ्चल ६ छ। सा विश्वकार्यकी

गीवात गव क्षणादमत क समदूर इत, छारा, मरामजाव विश्वेष स्रोटकार्य संहै यालीक विनया आजिनात करा विद्यारस् ।

मिन्दर विद्यान देश्मात्तव प्रधान्तव अवादा অভ্যোদন করেন নাই। তিনি বংলন, দাস वादः ,ग्रहे एकिन्।१८७व विद्या:८७४ कांत्रव ।

म्बिग्रेश्यम् कामारा व्यक्तिम्बर्ग स्ट्रेट्ड के लांद्रगाय बीठ श्रेषाद्र

विष्यस बहेटल प्रकाम स्वामियादम् द्या हैहा-पिरमद अ, प्रभट≈ त्ममांशकि जान शृ**र्वा**ष्टिनिमि भविजाति कविशादक । देशका कम क श्रास शी-का ७ केन ७ है। करमम ज्याक्रमन करिवाहर । प्र ফিণা'ের দেনরৈ ৫ খনে **ভী**মার ছারা উল্ল-र. "१में युक्त काहांक जरूक का का करता। का कांश्र कांशास्त्र अक शांनि शृंदीक दवेबाटक। अन्निने नगूनग्र मिडे अलियरक लोलांबन क्ति-

দক্ষিণাংশের সেমারা শিশু ছক্ষিন্ত অধিকার करिप्राद्ध। उथात्र कात्मक काञ्चलका अवागः मधी काकानकाहि मरनद अखनक अवेद्राटक ।

উভরাংশের সরকারি ভিত্তি ছাত্র। গ্রাকাশ र्वेद्रारह, मांक्रना'रनव रममानन शहांक करे- विदेशारह। कहांनी रममाद्रा दर्वाक्रिक etem i

वत्रभगावेष्ठ रममानिर्देशक मिक्टरे वेष्कुण क-विश्वेत नगर्य व लियांट्डन कार्ट्यालिना, आवर्ष-নসাস ও ডেনিসিভে যে সকল যুদ্ধ হট্যাছে **७ इति: अक्टन शीमवल बहैका द्रांश:नदक**त নিৰটে আছে অভএৰ তাহ'দিগকে মন্ট করিবার बहै क्षश्रांन व्यव्यात्र। विक्रांहिता व्यक्ताविक्र-वर्श्न व्यक्तिवादक कविराज्यक्त । विराज्यां श्रीता अवा-निर्देशकर शथ बकार्थ करमम दूर्श आक्रमन क्षतिया लोबाजिक क्षेत्राह्य । ७०००० अवर्गहन्ते (भना किश्वचै:गन्न भिरक " गम किन्ना विद्धारिति-मध्य २०१ काञ्चमादि--- बारमदिकात छेल- । १४ - बार्शिक ध्वीकृत कदियाए । क्षात प्रश्व निक्टि कुल कुल युक् करेशांक। श्वर्गरमान्य कामाराय कोकः श्रीत सक्याना कृतिगारहः शिक्षां क्रिया चित्रकेक्सक वरेटक ছবীক্ত ছইছ। আংকানসাদেব দিকে আগ্রসর इतिहर्द्ध लिवेनद्रम आकामन कता खांबानियात नाद्यव नाटकत व्य अभित्र कार्या अभागी कतियाह এলাৰ কৰেন গ্ৰাসভ: ভাৰা অপ্ৰাৰা কৰিছা-দ্রেন। সভাপতি লিকলন দশ কোটি ভলারের त्याने अञ्चलक कवित्रां **कार. त्यनां स्था डेफर**ह अयाम क्राल औडण क्रियोव स्य आखाव महम र्ग्या उन्होट मध्य ब्रह्मात्स्य। माथास्य নিউইয়ৰ্ম ১৭ ই-জাতুসাহি—সেনগেতি লংগ্ৰি- তিয় প্ৰিয় ২৬ জনপাৰাসভার সভা সভাপতি লি-क्रमत्क थक श्व अनाम क्रिया बिलाएक छै।

मीड कांत्रक सम्बर्ध बहेंहर्रहेंब । है एक शिक्ष की महामकाटक **स्ति**की न विकारमञ्जू काशीनका कीकान कर रहेटल शाद्य या। कविषय महिन्द्रि acma Bigigicela Marinabun रहेता त्रिकारकंग एकाका थाजीवर्ध **८व काँ शहा केलब विकादबङ कांटबा**र् কারী সংখন। দ'ক্ষণ বিভাবের জোহ ब्लिन क्रिमानिका प्रमानिकाम अ क्षांद्र । उपयोगा बरम क्षांम क्षित्र क्षांस খান ছারা অভ্যতিদকে হত্ত্যা করা ছা कारतां व बरल लिक्नम मिरक वे कार मञ्चा राम इ ज्याकाषिक स्वाधनंत्र रे করিলে ভাল থাক করিছেব।-

सक्षम ज्या त्यामानि । विष्णावित्रा शताबिक स्टेबह বাংশের সেবারা শিশুক্তিভূক কট हर बहेबारह । मळालांच जिल्लाकी ণা করিয়া ছিলেন জাহাতে কাঞ্জী ता विद्याची वर्षेत्राहरू । ३६०५०० वर्ष (क्या) कु क कतियात क्या केल्याध्यानंत्र गकान अमि दिल एवेन्नारक । क्यांट a.o... होका जूनियात सर्वा है.

कररधान मणांक मणित्र आसाथ प्रदेश निवे देशक् काइएतत ८० हेश्या शिक्षित ছে। সেনাপতি থিকা পদ পরিভাগর ভা

काकेटक शासार करें स रका

ত্রীপাত্রবিত যাজিবিংগর পশ্চিমার नवन करा सक्दा अक्षितका प्रदेशांविकी। ट्या व मन् । व केवा १८ चन्न देशना निर्मात निर्माणक क्रियांत्र श्राप्ताय क्रियाद्यम्, मास्त्रान् स्वीश निहस ना वहेशा विवाधिशंतरक गाँक कहिएक व লিয়াছেন। লগুন ড্রান্ডলোর্ড কট্রাইজে হানছিন। कृष्णि कतियात कलांत्र कविट्यमान स्वेत्राहिक উত্তরাংশের লোকেয়া দাসমু উরাইছার " কল্লা ক্রিয়াছেল আখার আন্তর্জাক্ত ক্রি रात्र कता अखार कहा स्वेताहब । असिवात कहा भका अब रिवर केंद्र विकास अब अब्देश विश्वास्त्रक देशात घटमा २०० सन " हो" मु ७४ सन १ ना विषक्ष:दह्य ।

्रे किये मक्षम २० हे क्वांस्त्राति । " · इ. द्वारि वहानकाश अधिरवणने अश्र क्षेत्रारकः। द्वानीय पद्याना वाता वनाः प्रकेशाः विवादक्त क्या अक क्यियन विविद्य । पूर्वहाइस क्यून त्नांबन कता पात्र बहिन्छ। क्यून प्रदेशास्त्र **्रिक्र कर करते** हो ने के कार्य है। क्य जला चक्का और रण कतिहार हमा। स्वीत मक्त गद्र नक्त ८५७॥ वहेग्राटक्। यहत्त्र इक भी मान मही छ दिस समाहर अहा अहा क्षा छ। व कतिमारहन । क्षात छर्नेस हिं हरेबाहर । मनाशिक पुरक्षणिन 🕏 महर् कृष्ण क्षेत्रार्थम । विद्यागीमा समामा क्षेत्र हरीकुछ प्रदेशास्त्र । करानीमा चाक्श्यक्रास्त्र स गिर्डिल डांग सन्ना रहेगार । विस्कृत दक्ष मुक्त शाह नाहै। उमायक आहाम आध्यतिका करे-्रम लारक्षमात्राद्यत म्ब्युनियम् रा ज्यानका कवितादह । भेरे कार्य-श्वर्गरम् अप्राणि हेर्स्स कर्जुण चा शत लिथियारहम छोषात्रा वद । अभि कक्रम, बटहर माम्बर्गर मन आर्थना कतिया युद्ध त्यव कक्रन । বিজোহেৰ সম্প্ৰিৰয়ণ কামা

মহাসভার ভাধিকাংশ বাজাব न विटलाइन । माला वे काफुरनम क्षित्वत अक्रिनिधिश्वत्क अध्य क्रि स बहेबाद्यम । छेबा धकाँगे मानाना র প্রেরিড ছইম্বাছে। ফরাশী সংগ্রতা ভিনন্দ পত্ৰ দিডেছেন, জিল 🗗 :करक जोशंटक क्षत्रवाट । क्षत्रव उठा द्रमाध्यार्थ स्थापना स्माटकरा विस्मन होष क्रिकाटक्षत । भिक्रियमात गम्भव भाग क्षा किकी प्रशिक्ष भारत न क वि इहेरकाइ। विख्य नच्छ। कता हरेग्रा

sলি ধন পরিপূর্ণ আহাল ত্রেজিলেব रम्य इस्तांटि उपका लि'देवर् जोष्ट क्षितिक क्षत्रका शवर्गस्म है व बेरहांक ইভ বিভাগা ৰ ইয়াছে : ইংবাল রণভবিব ণাচ থানি ভাছাল বৃত্ত কৰাতে প্রেক্ট ক্ষতি পূরণ ক্রিডে স্থী

🗯 হয় বুলেন। কর্ম কাৰেল কলিকাডাব প্রধান क्रारिक लीकरवात विकास शिक्ष करेगारकमा । छात्र प्रस्ट इक्षा डेलनक्क मारक्केटबब विक मन्द्र ए सर नर्स करवम। से नर्स कमिकां मंत्र हिल्ले विक्रिक असिआप असाम स्वित्राह्त ।

खत्र हेन मु । २) जाखरहरनद्र जानजीत्रमान र মেটা প্ৰথ ত কৰিটের পরিবর্ধে **অলড**াবনা क्षेत्र स्व। कविष्ठे शक्काश कवित्रारस्य। क्षेत्र ंद्य भारीय दाणिक ह्रेबारह। ३४०० कालव ক্ষু প্রথম নী সভাস সমানার্থ চিত্র ৫ই জন থিকা क् अरहक्षरमञ्जू सामा दाणिक बहेदन। अस मारह ब्राम सीर्म र त्मल हिनते अवर्ग करेगा हन । क्षित्मेद्रम्थः यह असिवर्ड विष्य मार्थ्य द्रवड हार्थाक कार्याकामक प्रवेश रहत ।

कार्जे देशक २१४ व । अरावि । ব্যাহাটি চওয়াতে বন্ধসাইত রাপান नमें अध्य पहेंद ज भारतम मादे।

विक्रांशन ।

ज ंगदानीय दाश्वेमके भवनंदात जारमणाञ्चादी निरमाध्य ।

भीत सांबास क्रांकेत वर्षे 'छ (शा में के, त्या, गांक अवार्ष गांदर छोडात मन्नात क शर्दिका।

> ১७ वे क्यामानि --वोब् मनतपु मिन ७ नोत् त्रमंगीत्माच्या त्रीपृती त्रमण्डात्र भिका गरक'त ल्याकाल क्षिति । अधन वहेदनन।

59 त्ल्यान्द्रि-- 3, बडेह बहेड मेर्ड जोरूब বালেশ্যের প্রতিনিধি মাজিক্টেও কালেটব इंडेटवन अन्दर १४-७३ कारमज रत काहिरमब २२ भाजा कक्रमास्य ५ वर्ग्यात २व दिवीय वरीन मान क्टिंग्डेड कम हा लाइएका।

এফ ওয়াৰ সাচেৰ বন্ধবৈত্ৰ প্ৰতিনিধি माजित्के हैं ए कारगढ़े इ इदेवन अवः जेक आहे म अञ्चलात उपालत रह । अनीत अधीन न'बि (के हिंद्र क्याउ। शहित्य।

कार व वार्क्य महत्व क इंग्लिंग विक्रिक क्रमं होती इहेरवन ।

व्यामनीश्रवन द्यां कानामध्य क्या वाद दिवीमाध्य काथ ५ ५ ७ छ छ । स्वतं १६ अहित्वत २> श्वाक्षक्रमाद्र श्रथमद्भागीत स्थीम स्थान-

ভৌটের ক্ষমতা পাইয়াছেন। উত্তৰ বিভাটেৰ ব্ৰেচেণিউ সরবেয়ৰ আহি বি, স্বাট কাছেৰ ১৮৩৩ অন্দেৰ ৯ নিয়ৰ অন্থ-मान अथानांव (छश्डी नत्मक्रेटवव क्या छ। भारे शांद्रहरू ।

क्षक (अ आरलकवश्य मारहत कि श्रीमान इ क्रमा अभागपुरत्य अधिनिधि मिक्सिके व करम क्रिय कहे बना

১৮ हे क्लियानि-धन नि कंडिस मादन वक्षश्रद्धत अञ्जिषि मितिल ও मित्रम सक्ष इहे-

টা জে, সি গ্ৰাকী সংহেব পড়বেডাৰ ভাৰ आश्च इन्देशन ध्वर शंक्षक ७ व्यक्तियेत्वर म 'कः हे । अरङ्गी करमद्वेदार क्याङः श्राहेदान । ।

ल्लिश्वेनाति , अक कृषि मास्त्र काकाहि-বংগের অতি বিক্লু সহকারী ক্সিসন্বেশ প্রতি निधि प्रकेरवन ।

১৯এ मেख्यमात्रि--- अहेह, कांव (मधक्त भारहर एकत्राहर इय दानीय मास्मित्र ए करमके

क्षक, क्षांव करावन मारक्य व्यक्तिनेष्ट्रेयक व्यक्ति वरण भाकि के है विकास है विकास

कि दक्ष यादक के नार्द्य त्वरादन योगित्ये है ७ मा अहे व ४६८व ।

আলো নৰ থাদিৰ সৰকাৰী কুপৰিন্টেণ্ডেণ্ট , ভেছে না ৮ ति जि अ: अहि ते नां इत वर्ष न व वेशा मिन । अ- ' প্ৰতে জিয়া ছব ৷

১৯. अक्ट्रांत -- ८क. शांबकांत्र माटबन পাৰনার শিকাসংক্রান্ত লোকাল ক্ষিটিব সে-होति कर्वता ।

मोलरी महत्वह करिवृद्धि की अवर बनीन ভিরালাল সারবেব শিক্ষাসংকাম লোকায় कबिडिड भिष्ठत घडेरवन ।

মঞ্লদিছিব অভিনিত্ত সহকারি ক্ষিসন্য क प्रश्निक क्षेत्र क्षार्क मारक्ष बाकूकृति । भि, भि, धम आरक्ष अक्षार क्षाक्ष अक्षार स्व ে । লেণ্ডাল কমিটির বেছর হইবেন ১ম ধাৰায়ুধারিনী ক্ষমতা প্রাপ্ত হইরাছেন।

সি, বেশিউস সাছের ১৮৬২ অংশ্র ৫ অ'-हैरनदर बाद्धा अध्यागित क जिला ना वकारक राष्ट्रीय मोका द्वाचित्रात क्या श्रास्त्रीय निवन रक्षर इकेटरन ।

২-এ কেন্দ্রারি-এডিনিধি অধ্যাপত তে रेख्य'र्छ मार्थ्य स्थितिकाल कारमस्य धनाविति, किबिअनकि. कन्नारक्षित्र धनावित्र, अ बनावित्र काशह शक इंडेरवर्स ।

खर लड्डि. दे. क्यांचे मांद्रव माहावारम् । चि कांग कोस देनाकाल कमिष्टिन स्महत्र हर्दे राजा

२५७ क्ल्फ्र्यावि--न क्लामी अनम् निट कॉ त्वत्र कामक अ स्टिम्लाम विव अकिमिश मन का' त्रिकाली जर्मन इहेटिन।

बहेर. बन, प्रमान मारहर किनहेम् रहत । है आफ्रांमरफ़्त्र कक क्षेत्रम, किन्द्र स्व श्रीश्च ७ ना কোন অনুস্তি না হয় ভুত দিন ব্ৰহমণ 😝 আতিনি। ধ সিবিল জব্দ থ। কিংবন।

>६६ दि अपोर्ड -- ६, जि. प्रोक्तन महरा द বীবভাষর সহক; ব মাজিকেট ওকেলেটার। हेटरन । ५ छ ५ ५ छा स्कृत २६ आ हेटनत २२ ४ ३ चकुमान उथीकार अस । अनीब संीय मर्ग (धुर्हेश कम् छ। १ किरस्य ।

मारकता शिमधमन, क्लिकिटी। शृंद स महारे रकाब आंख किं. 4 खन्त्र क्षेत्रेष्ठ र का भारत्व ग्राम र বের ছোট আদালাতের জলভাইবেল।

धान, नि. १न नि न हक्षा, नक्करमनीम हानगरण ক্রের এতিনিধি জনিগর সেংক্রেটার ছাইবেন

खात, नि. क्षिक्ष मार्टक्य मावासीरवन % डेके ग, करते हैं अ दल्ली करिकारेन बहेर कर किन स्थ भरीस अमा कार जल्मिक मा इर न मिन बीतकुरमञ्जगाकित्युष्ट । कारलक्षेत्र वर्गा বেন :

প্রত্যেরকের এতি।

भ्यवर्ष् वय भग्नाव श्रांत श्रांत व्यक्ति व्यक्ति वर्ग माने क्षिप्रशूद्धत महाम्बी चाकि भाषाना ' न तिरम्ब सा क्यां निश्च। बाक्र हेश्यु कि बा कि व व Ante war feran estwen mit

रश्भानाम्छ २६५ा,भोभारत्य शक श^{र ल}

खन्न क निरमान आर्थि भूपोनि काम कि वि मदनानं ड वहेल मा।

श् कि अ राद्यंत्र श्रेट श्रेकाण एवं ३ .. . १

গ্রেরিভ।

প্রায়প্তকাশসন্দাদক मद्दः मद्यु ।

শীরাখলাও সেন বহরণপুর ^{টিবিচ}্ ব'করি उ अवग्रि विकाशन निश्व वह म' क्ष्म मा अनवा व शर्रेबक शास्त्र शकामिक रा विकर विकास शाम

बहेल म रे किंमि करिश्त कि मेलनामाहन जिल्ला हैन साब वानीक लेकामंत्र वंशानमंत्रा शर्र द्वाराल क रिक्ष्य हम । अ कि कथे। > फिलि को क्षेत्र मिकडे < **इ श्राह्म के जिल** महिवाने खलगाँठ शाकेशम ि छिनि कि काद्मान म (१ छक्त अञ्चात नशान) াৰ ৰ'চিত্ৰ সাণ্ডীৰ পুত্ৰ ভদ্মি প্ৰিণায়েৰ एक मात्र कीरेलांदलयम यक्षा उद्याप्तम् या य, विश्वित कुल बन । छार क्यू प क्यू इन्ह ्जाहर करा निकास नार्य विक्रम की से शहराज are I care कर तिम अक्षान्त विद्यास मा कामि ! शाहि अञ्चल कर्षा इक्टर्य ले क्रिका हरते। अव्यटन ! ্ত্র মহাশৃষ্ট্র ভাষ্যা জানাইভেছি। কাব। इत्राध्य महायश्चा रथन को रिक हिल्लन, उरका লে ভাঁৰাৰ পিত্ৰা মহাপ্য বাসব্দত্ত। প্ৰশ্ভিত ক'বৰ'ৰ নিমিক্ত ভাঁগাকে জু.র. লুড়ঃ অভাৱোগ क विश्व अन्यकि क्षाटक अभवें बन में है। त्रदक्ष उन्न नकात महानात्त्रत राज्यभीत वानवक्षा क সুৰাণিত চইয়ান্ত্ৰ, পায়ে উহা মুল্লি চক্ষিতে : डोडोत सम्मा (बांध मंख्यांटक कांवांन । राक्ताटक | विराह्य मूर्ट्य करा। शास वित्र कदिया विवाह तत्र शिरमधे कतिय हिस्सन। उँ। शेव शिक्श हिमा वे वायश्वति स्काल कुलीरमद बावश्व भ्यम् अक्षारिकास्यतः रमाध्य दिस्तान । सूल्लायः अव প্রতির মঞ্জাতে ১২৫৪ সালে। লি পদ্যাত । ভাষাতে স্থলীনে কুলীনে আদান আদানে কুল

ा मुंख्य वा क्षु शिक्ष श खड़े हिंक न । दिनि न िटाउ विश्व विश्वता निवारताथ सीनिवा थी, निवा था, यह धामक के इन्जाद अध्यक्तिमाना भाग । लिनिय any প্রত্য থাবি ভাপাটবার মন্ত চাহিরাছিলে | ভিন্ন প্রায়ের পারে *তর্*নি লাব ম s प्र क्षेत्रका विश्विमाधिक त्या । या विश्व-· ८१ का श्वादिक (मन्द्रा: १४१, हिंग) छात्र नर र नादम होशावेदनमः काम.व ग्रेज होशा sरें एडर्स्ट (क्रम क्षक मा क्य। केटा, लाम नि-নন চলীতে ওল্ক ছাপাইতে নামাৰ আংগ্ৰাৰ ংব**চন, ভরি । ভাগীয় শিক্ত**া নামে ভিলেন। r.s.त दश तिन्य नदस्याकर गरम एकः अ.महा र्राट्ड लगावर आक्ष्मी क्षेत्र माने। धर्म्प दनन মহাশ**র কি জব্য সেই পু**ধান ভাগাইতে এরেড भेगा हमा २ अकरन खेंचा क रूरावामा हि. লাগ ভিতি মৃত্যুক্ত বিৰায় কিছু 'যে रक्षत जिंदन दशक नाम खाम्बर्ग

17 表 概 正 、《月鄉 এতের ট্রুল।

(ጉ(ቸራክላ ቋን ያች ርላ, ጉማች ^ነች ፣

न ' अर्थिय व्यवस्थिति । स्थान

14年 节(**2** 百) 1

প্রায়ন্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদত महानग मभी ८५ व

ব লৈ বিষালি আছিজ চল্লাড়ম ব ভাৰ গাণান है (हारी महाभय हा काला राश्वान निविक र नाता कि अप अभिकारकन, ए विकास अवन आ । हिंदा ना त्याल क अधिक के हिंदा अवदिव अ व व कार कथा विभाग शहर धन मारे, छ। ६१- । स्नारन। कि

র উত্তর বিজ্ঞাভূষণ "১লেই ভাল লয় (১) । তে-क् बोशीम महाराष्ट्र कृ प्रांत शादन कता. इ श्रामान माफिलांटा देव सि म Gal शीन महत्वा निरवधक बसूरहम्दक सन्यान विश्वया श्रीकात य नाम व भी निरकत नावस्त एकन করাতেট আৰাৰ প্ৰিভেগ্য জ্লিয়ায়েছ ভাষিয়-য়ে ৰাখা ৰন্তৰ্য একাং ডাত একাশ কৰি-

আন্নাদ্ধের জাজিকাতা ইংদিশ জেনীৰ गर्था किक्षण आह न शतान छएए कुलीन, दर-শব্দ ও মৌলিকের বাবছার ভেন প্রচলিত স্কাছে ए.ह. कांड करा जात्याल, यहवर हामा मिर्च-८३ ६देल । अविक्रिश्व पृत्री, न क्रमीरन अवि न श्रेषारम वाश्रामान वाजी ड श्राच्या माहै। ए-का कना। भारत्यं बन्याम नगर्कात्व भारत्वे कनाः পাত্র 'ধন করিয়া নক্ষাদিও চইয়া থাকে, ডাছা-**(%) किता। भाष्यम समान रहाभ विश्वास स**ह সভগৰ তাহি আন ভ ভুখ্যিত ব্যাহান। এ বাব-क:बद्धि स्मि'लिक s प्रश्नकालय माहे, छोडांत्रसिक्ध র খনগল ভৌগীৰ ও খপবাগ*ৰ কা^{তি}রর নায়ি* विलिप्न है का गरा ऐशंदक कुश्तमक्क वित्र भिक्ष क्षे मन्द्रप्र छह। स्थाद महाराष्ट्र सदलिए विकि । मान् कलीन श्राटत कुर्मीन कमान द्रांश्वासन हरे-वात (क्लानक:शहे महावन) कुलोदनद वि-र्रोट्टन शु:काँडे क्रोन का श्वाद हे बक्त के बाराय-क्' कमन अमार्थ ५ हे स (महे भारत दर्भक क दमीनिक्षत्र। कमालान काव अबद निवादक्त भुत्त्र जे लाज असायां इहेरल त्यहे कुलीन ह ন্যাকে আৰু কুলীদেৰ। এতণ দৰে না, যৌলি किबाई विवाह करन, उद्धित भी लिएकवा हमी लि ्कार कथा, **छ अञ्**न कतिया थे! दशा । वश्माक काशेव कुकी (नव भां बड अप्तान श्रामान डेलग्र वावश्रक ছয় ন', এছ বা উফরপ ভূমীন পাতে কন্যা দের কিছে নে, লিংকর কন্যা, প্রাচণ করে স্থাসা-फ़िश्मत कृत्रोन, स्थमम छ या, लिक्स बहैन्नश चित्र विभावान १व शहील ५ भी हरू।

व्याधिक कामानिकाय ज्ञान । ११ वर्षे वर्षे विश्यक अञ्चल के हैं। के ६५ कु अपनि श्रीयक जनगण राक्षान्त् (करणशक यसूर्वन आसांग जियाकि, त्य चिर्व्यक्तिम्बि छाञ्चारभाष्ट्र बहेला, भाव स्र् ७ नारक्ष त्य फिर्केश कृतांच बाब तिशायण्य विश्वि भाराण माराज्य क्रजान्ड मनिरक्ते हरेद कुन्दर्भ छ । ध्वभिन्दान व नक छ हो। निष्यतः वः ষ্ক্রা ক্রা । শ্রুণী ও অপার।পর ক্ষান্তির। যে কুত र क्यार विमान सामान करते, जोश संग्रह স সভূম, হ. কি , প্রশস্ত্র মধে, স্তাহাতে অগ্র-करा वात एक बकार । यातिल खे विस्पर्धी अधी-

ে ১ কৈছে ল'ছ ৩১ব ল'ড: (খ।ছন্ডারা-म, रिश्तास्त्रात अग्र । तार्थकारक्त स्य ** नामभीन नाका छन्ने भारका लोग क्याः " भ विस्टिहत्र हारा सर मञ्जू यथम दिल्ड - है क, खबन उ वी-েত ১২ই ফালে গ্ৰহনৰ বোসপ্ৰান ক্ৰাৰ ক্লান বহিছ চট্ৰেন তামি আমাৰ ক্লাৰ ন্যুবের প্রের সমিত বিশৃত বিশ্ একাডিকা ज्यन अकदिए उडेरव मानाह महि। विशेष छे-

मञ्ज्ञ-निरम्भ करते. एवाभि वयम क्नीरम क्रुनीरम कामाम अमारमः क्रमान नामभान कृष्टि व स्वाधना के बाधनात मिर्देशण सामान्त्रिया 🛊 🎚 भटक अकृष्ठ बिरवधक्रतम चरित्व 🛊 🐉 छक्षिण महालग्न वित्रहमा कतित्र। उक्का म प्रभक्त कतिर्वन है छ ।

১৫ ক্রিন ১৭৮৪

Se4. व्यानगर का व्यामान अस्तिमा

(1)

উৰুক্ত সোমপ্ৰকাশসন্মান

इत मान वाजी इ इतेन, व्यापि व्यक्तियाद्वास मंग्रम कतिशोदि। अ अभारतम् सूचे शक्ति आध ন নগৰীতে অৰ্শ্বিক ক্ষিত্ৰা অভ্যুত্ত নাঞ্চী निवत्र कारणा व वेद्यां हि । मार्शाया ८वानीत अध्यान শোভা, হাবিছাত ক্ষেত্ৰ ৰক্ষঃছিছে একা বিশ্বী नका के हिस्सान चला करी स्मीनविष्ट केन महिल अर्भकाकृष्ट मान्याकत सन वेच्याकात सम्बद्धाः বিবিধ সৌন্দর্য অ: লাকন ক্ষরিয়া লাখ 🦏 किं क देवांकि । यहारस्य विकास निकास ार्थन कड़िश, वश्रिक ज व्यक्तश्रदक जम्ब उत्तम कान कन। कांच्र वट्ट किन्द्र अव्यक्त ना,ना निरम चनर माकन क्रिक्स के कार्य कान " अरुवा वाला का जानके व्या के के ने रवात्र कर्ष एकाराज्य अधि दश्यांकोरक कार्निर्देशी ভিশয় সম্ভাপ্ত বিশিষ্ট মুখ্যমে কামন বীৰ ইয়েই ব রীতি নীতি, কি আচার পদ্ধতি, কি ক্রার্থা वर्ष अन्यामी एवं भिरक्षे एवं विषया है स्काप है दन करा यात्र अस्टाटक है प्रशिक्षा असि पुरि **ংইতে হয়, বিশেষজ্ঞ এতেও স্থানবানী ইট** 🎢 नुभरभन्न विषय भेगीतकां क्रमा अक्रिक আত্যায়িক ক্ষোভেত্ন উপন্ন চইন্দ্ৰে স্বাহক্ষ ८४३ चाइ:त - बादकांच कार्या कार्या क्षांत शांतन कविष्ठांद्ध । क्षांत्रश्रद्धांक व्यवस् श्राप्त श्रम्य कियर अतिमार्ग क्रमरकांक्र रहेडाइ अ १९ हैं जाता कि कि र तका की কবিতে পাৰিয়াছেন ৰটে কিন্তাছাটে স त अक्षत इ. इस् इस्ति शाहक Cकरका खाँके ने শার করিতেছে ভাষাতে প্রিনারের স্থান্ত্রী दिए इट्टेंग यूथ वर्षित मा व्वेग क्रिंट क्री व हर्भ श्रांतारात्र क्लीड क्रिट्डाइ। विशेष सण्डामाध्यत् बाइमाना । ८४७ जुनात खुर्की সাম জিৰ ভাৰত, এৰ লৌকিক নুমুতা হ खाश 3 st खालामि ड क्ट्रेए प्रम, उपनी बहेटड काटक टान छ। बट एक को कार्या क्रें मृत्य : देशास्त्र तयु वायः कि श्री त्र**वाश्रीक**. उद्यो भारतर अविदयन अभवादन पृष्टि पट उद्य उभन आगादित नकन साना मधी मा भएउद बहेटल के दम। दम साम दक मि-क दि या हदत्व कनकिक एवथ! गाँछ। क्रिक

. ९ ক যুগান্তর উপপিড বেশ্ব বর 46 ार्थ विवर्धिक प्रदेश क्षित्र देखिय 11 7 'ৰিয়া অ' অভাৰকে মন্দীভত 1 4% .खरह .. !फिकर्डवा था विमूह द**ेश वटब**क् इडेन, प्रायुक्तम कनिएल स्यम नश्यक्ष कविशा । ছায়! ই ছাছের কি বিপরীত সংস্কার খ-IKE!

मल्लाक्क महाच्या । गर्यम वाहे दक्का (जिल्ल वयाताचा समय समनीत एतह भाभाकत करि-। । अवश्व कांकन स्कूम नरभन्न स्थान असम् एसर বিয়া জন্মকৃষি পরিভ্যাথ পূর্ব্ধক বিদেশাভিমু-श्रम झोलना कतिएछ थ।किटलन, ७४न हेँ हा कि नामा करिडाहित्सम ? क्यार्थामार्क्सन अ-य। गिर्जाम, जांत प्रत्य स्माहम, चाम्यत्य इकि मांगम, चकीय मोकांशा वर्षाम, धामाथ ह-एक पूर्व निरादन बरश्यकार्य **ए**क हेन्द्र। (व बकारन हैं बारमूत अखरत बनवकी हिन हैश-इ रबांध स्य महत्त्वह नाहै। किन्नु कि रकारखत्र वि র! **একাণ লে সকল প**বিত্র ভাগ কেন অন্তর্গা-इरेम व्यक्तान कि अधिमे अर्थ जैलाक्त ।ক্ষম ছইটা ভাষার বর্ণার্থ ব্যবহার বিশ্বরণ হ ইয়া ডাত্তাক স্বামর্থের কারণ করিয়া ফেলিলে ন ? ৰাষ্ট্ৰেন ঘকারে আনোগত হওলতে ত-**ইব্যের ভব উদ্ভব জ্বাপে কানিতে পারি**র। তৎসা रायक र के प्रकारकन ? है जिस मारा মা ক কিছি কি অৰ্থের সাৰ্থকা সাধন হয় ? বৰ্ণ কিছিল হক্ষা করাই কি ব্ধার্থ সম্প্রা-ব ব্যক্তি মহাশয়। ই হাবা বিলেশে আসিছ। - " প্ৰশাৰ আধীনতা প্ৰাঞ্জ চটৱাছেন. ध चा.बीमणादे दे वादमह जेलिबिक कान्य का-क्रिके: तमस्थान अभाव मुनीकृत कातन निन-ও বৰ্গা ৰাইতে পাৰে। সন্দাদক মহানয়। নি মাপনাকে একটা কৰা ফিল্ডাসা কৰি, ना निका मञ्चात नेपत-मक्ष वाशान करि-C हि वाषीनडाई कि बहे शकात >

্ত্ৰীযুক্ত সোমপ্ৰকাশ সম্পাদক

মহাপ্রেযু ।

স্থাবে সোমপ্রকাশে শক্ষার বারুর र्वेट्डेंब्र विशंतांत्रान आतीम वर्षेनात अध्याम क्षेत्रका वात भद्रवाहे प्याकानिक हरे-क्षा दर्दे व तो उन्त, हेडा खरशका खड्ना-कृतिसंभाक्ष्या वर्गास्त्रभग जिल्ला अञ्चलीय वी अहे जरेबाटक आस्कापिक बहेबाटकन। ^{এই} য়াগ **খারা চিহ্নিত ও** অচিহ্নিত কর্ণাচারী ^{ৰ্তিৰ} একটা গৰ্কিত অৰ আছে তাহাব কি-है है बहेल बड़ी, किंद्ध मधाक आकारत हुव ষ্ট্ৰা, বোধ হয় লে আলা পূৰ্ণ চইবাৰ সময় **अध्यक्तिक एक माद्रे। योष्ट्राष्ट्र**केन, यक्क ^{बाद्ध} जिक्का जनसूर शहलाहोड अधिकारी ह*ै*। ^{উরা} ভাল অখ্যাতির নহিত সদর আদা-^{मटळ}ामको कनियः उक्तकम बाम्नामक्तं नि-চাৰপ হইয়া গাঁচ সহজ টাকা বেডন পাইজ

विश्रतीष कांग भारत करत, हेही- | शाधिरसन, त्महे श्रकांत छव छ वांत्राका विरंग्छ-माध्र क्षांका आवश्यात्त्रत छकीरमध्र कर कारम श्रापाल महत्र काणिली श्राप ଓ ठावियात होका विक ন সাপান কেনা ? এই বিগল্পে আমি জেলান্ত্ৰিক বোগ্যউদীল গণকে সংখ্যাসৰ পূৰ্যাক এতং পৰি-काबाता निर्देशन क्षिडिक्स, अकश्मेत्र केंक्स्म गमत्वक स्वेगः अते विषया सना स्विकार्तित काबा श्वः धार्ये आर्थना कतन, क्रांका केटल ভ্ৰান্ত দিলেৰ জাতিলাৰ হৈছি প্ৰেক বড় বিসাধ अनेद्रक मा । उत्थाना दिविध উপकान नाधिक इद्देश । अहिं अहि स्वता (वस्त स्वता पर चार वात्र गाहेत्व धानकः नम्बः त नकः। मञ् शक्ति श्रामकी कर्दा विवास बहेशा (अभा (कार्टिंग क्वांसजी कविरद्धात्रमः कींशाद। यमां:· भावन क्षत्रक त्यांशा क विष्ठालक्षण बहेरमक्ष क्षेत्र नियम आ' हा, कार। वहिन्द करेटल कांधावां है-कः शूर्याक के श्रेष्ठ चीकः व कतिरदम । अवः वाति है। वर्ष क्या स्मिक्समात आहामण्डत क्या ४ छ-गांव मा।श क्रमा कार्रिय फेकीस व्यनीत शीवन विश्वित हे हे ये। स्थानार कार्रित है की लगम अकी न-क्षांक लग वर्रेयां केंद्रिया क्रिकीय (' स्म्वन प्या-मान करन भूल मूर्व प्रचीत गाम ") प्रमूलहुक मुरभाक्षण (अहरा कांयमात्र (कहरा केंगेरमत (कहर) शक शक्तिहरूतम् असूरिनास्य मेर्ड्राया विश्वेत कार्या अभाषा कवित्र अवग्रेमध्येत ठटक ধুলি দিব। বে উচ্চ পদ প্ৰাপ্ত হইতেছেন ভখন कांत विकास ना इ हैया त्याचा छ डेमयुक्त शास्त्र ह श्रृद्धान व्हेट्र । ८ वे कासन वर्जन श्रेष

थाथ ग्ना।

জীবুক্ত বাবু ভষতচন্দ্ৰ যোগাল

কভে পড়

)२१० देवलाथ खरांच देश्य श्राम्य एकः१ ३७।० छ।विनीहर्व हटक्किशोधांब প্টম্ভাক ्रक्र कश्रहायन स्ट्रेंग्ड वन को दिन श्रम स त्कार १० खे (मन्डान * क्रांलिए।त्र दटन्तारि।वाजि ং২৬৯ ভাজ চইতে মাৰ পথা ভ C# ! ? # 1 दहिमान · इन्दिक का मान अब्ब कि इरेट्ड आरत् ? त्वांथ क्या ३२७३ व्यक्तकाव इरेट्ड १० कांकिक शर्याक CA16 73 9 मक्त्राक्त्रपुत्र * क्राधीटमाविक एक ১২৬৯ মাধ শ্বই ত ৭০ আষাচ় প্রয়ন্ত কোং ৫॥• किनाकश्रेत कुल " कालीहरून हत्ये। गांधांत्र >> ७ भाष गरेए १० जायाम श्रम असा व स्था॰ देव **कृमार्गाम** " यहिंगाउटा मान CTTE C d ১२७ .. 'क'ज बहैटड नाथ शवा स খণিনাথ ৰাটা " 不行 可可多數 有量 ১২৬৯ ফাস্কন ছইতে ৭০ মাখ পথা স্ক কোৎ ১৩।০ শানিশ্ব ' এীপতি মধোপাবার **ऽ२७७ काळन ६३८७ १० भाष भाग छ (कार ५७;०**

" मिनिशेश्वर ना**दे**। जिल्ली रमिनीश्रेत देवभाव गया ह ५२७० चात्रसंत्रन स्टेटल COTE & G ⁶' নত্তভাচন্ত্ৰ বিগাল 出名於 企 全区到数 **११७७ कोइन १६**८७ १० ध्यांचन शर्मान्य CEN CHO · • भभि**क्ष्य**न प्रश्ता **टबला** तोक्रमाहि ३२७३ मांच स्टेट्ड ४० व्यावाह शया छ दवार दा . ⁴⁸ मा।माहरन (शास बर्भावत स्त्रीयाष्ट्रा ১२७৯ लोब कहेटच १० टेकाके शरा च क्वार का० '' कोशीक्षत्र होत हा कि कि ३२७३ मांच ६३८७ १० जाबाट गरा च ८कार ८ के

त्रामधीकांच मध्यांख क्राप्रकृष्टि विज्यव निग्नम।

वाजीन मुका ना भाडेरन मकबरम रतामध कांच दशद्य कता यात्र मा।

ইছার অগ্রিদ মৃদ্য বার্ষিক ১০ এবং বংশা-निक दर्व है। क , इस माहनद गूरिय मुना मंदर्वा

ঘানাব। সোমপ্রকাশের মূল্য বীক্ষা টি(क) शंक्रिम खें। वान प्रथर खान खानांत क्रिक মুকোল ও রুগীদের টিকিট লা থেছের কলেন :

यथम विभि भगायम १३८ । मामश्रकारणव मुना शारीहर्यम छात्र। ताम स्त्रक्रिकेति करित्रा

प्रस्तानक मृत्तान काल चाडीक इहे:ल मु-शिकारशानक बरन्यानिधा है ता निविद्या एक एक प्रकृष्ठ दिल्ल के। कररम ।

> में शिक्षित पुर्वा विशेष त्रमञ्जू अलीख हरे-हा राहेरा, नक्षक्रमण भगव शक्तीका करिया व्यर्गरम त्रामधकारण आठाव कविया छात्रात्र শ্ব চিটি শিশিয়া কানান চৰবে, ব্যাহত 🗠 হাতে কোম উত্তর অথব। মুলা নঃ পাওয়া যায় क्षिक वेक क्षेट्र। इंटलान् (मिक्क किठि (बर्ग-রিং পাঠান হইবে। কলিকাডা সংস্কৃতক্ত कारक याम:किस्मेन नारम हिति खानेता या-महा मीख शाहेब ।

ৰ্যালাৰ বধন সোনপ্ৰকাশ প্ৰিড্যাগ কৰিব व बेका इवेटव किकि लिखिया मा कानावेटल उद्दिश्य कहा यहरत मा।

क्ष्म द्रमामश्रकारण विक्रांशन निर्देशका করিলে তাঁখাকে **এখ**ম থাব প্রতি পংস্তি *প*ং আনু, বিভীয় বার /১» আনা ভূঙীর বাব /• प्यांता मिटल कहेरता खांकांत्र शत ३२३० है। क क्षित्रम् अपि (सृष्ठमः वादेदन ।

मकबरलात यांशांत्रा अमर्व रहेरवन, छारा विराद थाउदा छोक्यां स्वा विराठ वहेरर ।

अहे शब कविकाकोड़ गुर्क बोक्स। द्रम दरमद्र (म मार्गुड त्यागरमञ्जलकित हाक्यितारामा अविवास करिया रिक्षाकृष्टवन्न व्यक्तिय काकि भागवाह काकाभिक एर

यशक

" प्रवर्तानां प्रकृतिविताय पार्थियः सरस्ति। अतिमहनी म दीवता । "

ट डार्थ। >৮ मःचा।

३२७२ । ८ का देखा है १ ३४७०। ३७ बार्क

मानिक जुला 5 राष्ट्रिक काश्रिम ३०.

विद्धार्भन ।

খান্যৰয় बाब बाबनान हा, केला-ুলুগার ও শ্যামনলৈ চটোপাগার মহালর मधीरगद् ।

স্বিন্যু নিবেদ্ন ---

कवित्रद्र समनस्मादन अक्षीनकाष्ट्र श्रापीछ ' বাসবদ হা 🕽 আজি উত্তৰ আদ বলিয়া আমানু ক্তিপর বন্ধু করিয়াছিলেন যে উক্তে পুত্ক .मध्यत मृज्य स्ट्रेबाह्स, अञ्चलात्त्रत भूजानिस क्ट महे, आसीम्रान पंताहा वर्डमान আছেন উচ্চায়াও এপধ্যম উহা যুক্তি করি নেন না, অভএম আপনি ঐ বহি সাহিত্য সংসারেম উপকারার্বে পুনর্মার ছালাইতে শারেন, ইহাতে বোধ হয় কেন জাপতি করি 'লন না। আমি তাঁলানিনের এই অত্তে শেই পুস্কক ছাপাইতে দি। ঐ পুস্তক ০০০ শত १७ मुडाकानत कथा काका क्षतान कविताहि ণ উহার ছাপা আছে শেষ হট্ল। আহার ১২%। गरमञ्ज्ञ के शुक्करकत काञ्चल ५१४०। व्हाका वहरू েইয়াছে। আপন্ত্রা আহাতে ঐ বার প্রচান করিলে সমুদর মুদ্রিত পুস্তক আপনাদিলের नारम मामञ्जूषाम मामामरकत्र मधीरण शाठी। টৰ ভাষার পর আপনাধা পুস্তক নিক্ররে যে नाम क्**रेटक** जारा शर्क कविएड शास्त्र | नाता कर्यकाद्वि ममस्विगार्टत २१ थ को িয়া আপনার বৃদ্ধি ঐ পুস্তকের স্বস্থ বিক্রার कीं अरु हेका करतम, खरूर जायि छात्रा कर করিতে প্রস্তুত আছি ইহা বিদিতাপে নিবে मनविष्ठि 🗻

डार्२३ को स्व कें मान

अव्याधकात्र (त्रन সা' বছৰম পুর

मश्याज्य नाम व शहनि जानूक जास्, ভালা দংপান্তনি দেওৱা ভাৰৰা বিজ্ঞান করা ৰাইলে। খাঁহার দেই ভারুক দরপভনি লই ৰার অথবা ক্রে করিবার ইন্ডা আছে, ডিনি কলিকাড়ায় জার্ডান ছিনয় কোম্পানির নিক্ हि भारतम्ब क्तिरम् निवर्णन ब्रज्ञान् सामिएक প' ব্লিবেন

> 200 বিজ্ঞাপন ৷

রাষবার, হরু ঠাকুর, ত্বাস্ত্র নৃলিংক, গৌর ক্ষিরাজ, নিভানন্দ বৈরাগী, ক্লুছেন্ছন फड़ोर्टार्श अपूष्टि आहीन कविश्वानाविरवज्ञ উত্তৰ উত্তৰ গানগুলি দংগৃহীত ও একব্ৰিড করিয়া মৃত্রিত করা গিরাছে ৷ পুস্তকের মুল্য ১ এক টাকা দাতা।

ৰলিক:তা।

সক্ৰাকার টিট ৭৬ নং বাটাঃ

खीरपुरभाशांक प्रक्विशिषां मु अवर स्वरि

সোমপ্রকাশ। देइब (माम्यात)

জয়পুরের মহারাজ নিজ মন্ত্রী ও জ লুপ্তন কলিকাতা সংস্তুত ও প্রেসিডেলি কংশেক দেখিতে অসিরাচিলেন।

কিছুদিন অব্ধি কলিকাতার ওয়াড लहेश शालरशंत्र छिनत्रांद्र । जे के केंट्रि-য়। যায়, অনেকে একপ চেন্টা করিতেছেন। क्रिम्भू विमान क्रमः शाली बाहित्याति क्रिस आधानित्यत वर्ष के देशकम

गातिमी मटका क विवदत्त विश्व বে অভিপ্রায় প্রকাশ করিয়াহেন पागात जलार्न चानुस्माचन केतिएकी প্ৰাপ্ত বয়ত্ব পিড়াইটাৰ ধৰি সামাৰ ना भूतवर निक विक सार्देश निकात रावका एत, जानाक अति ইউনিছির সভ্যনা অভিজ্ঞান । ধরি मिरान विका ७ इतिक कि कृत्र भारतक । किराजा कर्जुरी । देने स मिरे श्रीविवयक बायला गरिवाईन रत । केराजा जिल्ला करेना वानि म्बर्गिकिक निर्मा अक्षरण जिल्लात विसंध व्हेटन ६ ছ্রাশর বার্বপর বাক্সিকির প্ৰায়ুৰ্ভাৰ হুইয়া উঠিবে ৷ ছায়াই श्किरशंद्र निव्यद्ध चनुद्धांच का जे अश्रासवावश्व मिस्तिकिंग পৈতৃক সম্পত্তির মন্ন বিন্যা 🎕 🕆 निकात्र अश्राजकातिनी श्रेट्ट গৰে কলিকাভান রাখিটা শিক্ষা 🏗 🖧 गारे । गर्भद्रत्त नाम गर्ही और्ट्स 🕏 কালাভ সন্তাৰ্ভি নয় ৷ ডংব 🗪 ওয়াডে র জন্মারধান বিবংয় রাহিলাম, অখ্য ভাষ্ট্র ছেছি। বাহাতে ওরাত হ বালত बल्भ दिलाकी भाभकिताह चबूर মা ক্ষের, সর্বভোভাবে সেই জে ক। সেই পাপ ক্রিরায় বভাৰতঃ বিধেৰ আছে, ভাষুৰ

ह कहा रेंचेक अवर तारे फञ्जावशान | शक निविधाहितनम, कीहात नाम आमा- | शतनात हुकूवीरम अविक विटि कहेतन विल डांद नन्नीविष्ठं मा इत ।

स्माक् नवर्गस्यके विकामात्रम् व्यथा ् मि ट्क्ब्न चेगाथू वारशास्त्र क्या वात्रवात শালে ভিনেঃ আনতি গোচর হইতেছে, সধ্যে মধেভাঁছার বিপক্ত সপক্ষ উভয়বিধ शब्द तामनिरभन्न स्टब जानिरक्ट । শামা থাতে অভিশয় অসুবিভ হইয়া हि। हे अधान निकर वह अन निक 🕏 রে 🦠 ভিনি বে আপনার শিক্ষার অনু 'ক্রিয়া বিৰণ আচরণ করিতেছে র, ই । স্কুসর্ভাবের কোভের হ**ই**বে ल निर्दे। कृषे विषदत भामता छ। हात ह जिनद्र सुनुबुक्त इरेलाम । এक, जि ্রী বিদ্যালয়ের এতি সাভিশর ব্ৰিয়া পাকেন, এমন কি তাহা উ ্ৰিক তিনি আন্তরিক চে किल्लिहां हा। विकीतः भवर्गस्य वि क्ष मिलाकेत अधि चिनि निमाक्रम ি । পরিয়াছেন। শিক্ষিত ব্যক্তির প্রী बिद्राधी चांहत्रन, देशात जूना च লৈ হার অন্স আছে। একে আমরা रभित्र जीभरनत व्यवस्था अर्थाश ^{চরাপ্র} স় কিছুই করিতে পারিতেছি না, েৰ সদাশয় সহানুত্ৰ ব্যক্তি তাহা গনুঠান করেন. আমরা তাহারও क्षिमक्षात्रज्ञ कतिव !! दिखीव विवटत ভর বিবয়ে) ভাঁহার অসাধু বাবহা শূল 'দ্বি শাষরা প্রথমে প্রত্যয়করি না : ভাঁছার নগজে যে পত্র আমাদি ध्र एक चानितारक, क्याताक नथना भेड़े अध्या किनि (करन विस्तर सम्बर्की ্রিছ পড়ি গ্রহুর পদচ্যতির কারণ ক্ইয়া ই ু বিশেষ সোমপ্রকালে তা ্ৰাক্ত পত্ৰ প্ৰকৃতিত হয়, তাঁহায় ' त्रिक भव बाँद्रा व्यक्तियमान हरे ्रि मान क्षित्रारहम, तारे शव -वंशाहित्सम । किंद्र वाखितक ा तकत्र लिचिक सम्, विमि न

निरमत निकटि जारह। गोहा रुखेक जामता डीशाटक भूनवात गावशाम कतिवा किमाम, किनि सब गडक हन।

इंबक्य हैं का च खारांद नक ।

मत हात्रल्य हि विशिषान अध्यक्ष मारम चार वात्र मःकाख धक्छ। हिमाव अभाव कतिरवत । तर्क मिन मिनमिन न भीभजनवर्ती हरेरकतः। रेनकम हित्त्वह कि नमा इरेरव > अहे अल्ल नहेंग्रा अरनक विश्व चारकालन छेशिक्क क्रेग़ारक। चरनरक অনুযানে অনেক প্রকার সিন্ধান্তও করিছে हन। तक करिएकहर, हातल म है विलि वाम लिख गारहरवत मात्रि अक्कांटन हम কম টাক্স রহিত না করিয়া আপাতভঃ বা विंक मह्ळ बुद्धांटक कीमा कतिरवस, त्वह करिएएएन, धक्कादल छैहा कैठाईहा कि ि विलिन्नाम जारहर धककारल छेहा छेठाहे । इस । छेखव हा पिएक भातित्वन ना। हेरांत्र अक्षी अ ! कारशका वसकार। वाकाकत, भाषी का ধান শত্রু উপস্থিত। মাজেন্টর আমদানী । বার্ষিক লক্ষ্য টালা বেতন) ও লৌরু কর রহিত করিবার প্রার্থনার চীৎকার আ উত্য সমান্ধই লোভনীয়। অ.পনার জা त्र कितारहम । नत्र हात्रल्भ हितिलिया ्छ। विरवहमा कित्रिया अ नकल (लाक) श्रम न त्य अक कात्न छे छत्रविध कत त्रिक क त्रीत आकर्षण (इनन नश्क सर्ग। अलात, हा রিয়াও রাজ্যের আয় ব্যয়ের সমতা বিধানে বিএটন সাহেবের পরিশ্রন ক্রমতার কিঞিৎ ममर्थ इक्टिनम, हेइ। मछाविक मरह। व्यक्त आम इक्सारक बटते, दि क के भरमदन स छन धाद न्यास्टेह (बाध करेएकरक, हेनकम होता) आवनाक, कनश्म काहाइ स्टामहा माहे। রহিত করা তাঁহার আন্তরিক ইন্ছার বিষয় তিনি রক্ষনীতি ও রাজবিধিতে "শাক্ষ रहेटल ७ जिनि डिविटम कुछकार्या हरेटक मक, ब्रामंत्र नश्कात कारण व जनी পারিবেন না। তবে কেই কেই লবণের। নহেন। উক্ত কারণে উক্ত পদ প্রিত।গ कत तकि कतिगां एवं हैनकम है। अ तक्षि क्रिताएं है के हाद করিবার পরামর্ল বিতেছেন, আমরা কে। সবিশেব পরিচয় এইয়াছে। म क्राम अनुस्मानमकाती निष्। कणक श्रीत लाटकत करी निवादन कतिए तिश्री है, जुमल माटक में शक आश हरेग़ाटकत। যাবতীয় প্রজার বিশেষতঃ দরিত্র বাজি- ইনি চারিওটন সাহেবের অংশকা সকল निश्तित नाकार नवत्क कर्छ दृष्टि कहा विषया निक्रकी। देखि किंबा निक्रकी अपने अपने किंदि विदय नव । मनदन व्यद्यासन एप्र छै।ति हिटलन वटहे, किंक महताहत सुनिट

অধিকতর কভির হয় একপ বছসংস্থ त्मांक जाट्ड १

> खेल्ड शिक्तां करमद्र स्थाने स गर्वत् ।

भामता भूटर्व हातिश्वेम मारहरवत **के ब**त्र अस्तिबाक्षरमञ्ज्ञ रमन्देन के भवर्गत्र अस्त এতিভিত হইবার সহাদ দিয়াছিলাম, এ द दत्र आतात्र कीहः त कर्मम अश्वीकाद्वर ভূমণ্ড সাহেবের তৎপদ লাভের সমাচাৰ খিতেছি। তিনি ঐ পদ এইণ ক त्तन बाहे, छाहात्र कातन धई, छिनि वहत न, स्म्लोनके भवर्वत शहा अधिक अध्यकः (यांगाक) ও পরিশ্রম আবশাক করে, কিছ র্ভ হার শরীর হক্ত না ধাকাতে উ, হার ভা मुन्नं (गांशाकः । १ शतिकामकामकः नाहे। षाणि कालि जात्र बदर्व अक्त माह्न शहर বেন। কিন্তু আনালিখের বোধ ক্ইতেছে, । গা সাধু ও বধার্থ লোক অভি বি

(अटकडे स्टेम्सट्ड किमा, ज्यान (मटकडेर्गन मा, अमन करहे नाई, अवर ताई नांदरन शाखता यात्र, देशीत छविषदत छातृन नचारा

नारे । जायुँमें पंक्षका वाकिरण देशमध करे **७ छेट्रमणने, रमा ७ मत एत्रमान हि**बि निवाबदक कानिवाज खरवांक्य क्रैंच मा । काइरमा देवात राज्यम रेमणुना मारे। कडि বর্ষার পুক্তিধর্মাবলধী ব্যক্তি নিখের প্রতি তর শব্দশান্ত আহে। বাহা হউক, रत्वत उर्गन माउ वडाकीत ऋत अवनुरमामनीय हरेतारह । जा ा शाल, है, बार्च लिखाउँच नारहर जुंच नाटब्टबंब कॅटके स्टेशाटबंब ।

জিম, এ, উপাধির পরীকা

অনং বন ভূমি মৃতন ভূবণে ভূবিত हे लान। य व बालि अम अ शतीकावी 🕏 য়াছিলেন, ভর্থো ৬ জন পরীকাভে উত्তीर्व इरेब्राट्स । रेका नामाना चानक । हन, के रामिएसब नाम निद्ध लिथिक क्य व्याभाव मार् । अक बूब चढिया छेठित्व त्रह अञ्चल मञ्जाबना करत्रन मारे। वक्काव বীর প্রসব করিতে পারেন না বটে কিব বুছিমান সন্তান প্ৰাসৰ করেন ৰলিয়া বে চিকুগুলিছি আছে, আজি তাহা বিশেষ बाल नमर्थिक हरेल। य कन जन लड़ी कात छेडीर्न इन्हारहम, खग्रदश ७ सन গণিত শান্তে, ২ জন ইতিমুক্ত ও বার্ডা भर द अबर ३ कन मर्भन भार द भन्नीका णित्र **हिटलम । कटलक अन्हे व**श्रालि ७ ধ্য়েক জনই প্রেসিডেভিয় কালেজের চাত্র। ই হারা পরীকা দিয়া কেবল যে স ৰ নাবের পৌরৰ তৃত্তি করিরাছেন একপ नय, पूर्वाचा रक्षाचामत स्व केम्बल वदः <a>भागरणांक्य कारलारकत मन्याब वर्षन कति गाइन । अकटन हैं शांकिरशत निकटि का माणिएश्रेय ब्रह्मका करे, ब्रम्भारमात करे अक्री क्रूबीय जाएक, दांशालित कार्यात निमिष्ठ अधाग्रम कार्यम मा. आर्थाशार्क । नार्थते कांश्रामिष्ट्रभन्न व्यथासम अतृष्टि । त्रहे । ेइ**जित्र क्थिकिक इतिकार्यकः इत्**रहरे कराता शक्तिकारमा मिका अवृष्टि शक्तिक रहेगा इरहान त केन अनव नाही

(वेक अमाश्रीत (वन। वेक्क बन, बक्क विका इकि विषयं मधिकछत्र बच्चमील क्षेत्रा लाहे क्यांक पूर क्यांन, अवर वाशायक प्रत्ये ह निर्मात खन्निनिरा ७ विनान्तिनिका क् कृष्टि जाना व विकास का वर्ष क्रेट जी त्रम, तार्वे (कवें। क्यूमा । भारतानात कींशा किटमत विकट्डे आवाकित्मंत्रं अक्डि विरम्ब चनूरताथ करे, क स्थरण त्य करूंगे विरागर विवदत्रत अञ्चाव चारक, जांकात्रा जांका सूती ভূত কক্ষুম। সে অভাব এই, বাদলা ভাষা अधि मीन अनकात अध्या, त्यर रेक्स দুয় করিয়া ইহাকে উন্নত- পৰে প্রতিতিত কল্পন। বদেশের ভাষার উন্নতি ব্যতিরেকে कि क्थ्र कान क्या क्या शास कि कि कि कि का महाम के माना। स्वेद्राटकः

(य कड़ वास्कि नदीरकासीर्व इहैशी म्हेम । 200 वीद्यापत्र मिळ र्गावस्थ । गटकाचंत्र गूटबानाथ

नदीनक्रक इटक 1 Wel. **उट्गाल**नाथ मि वर्णम । व्यममूर्भात बर् राष्ट्रख ७ सर्वाभाव । तुमामार्थ मणी संबिष्ठ।

> LOC সর চ'রক্ষ উভকে জাতিরজন 竹重 羽间 !

श्रु २८५ क.ल्थन भनिवान अरक्षी যেরা রাজসভত্তে আপনাদিকের একটা कर्ज्या माधन कतियाहरू । यो विवस मन চারলস উড়কে অভিনন্ধন পত্র দিবার জনা ভারতবনীয় সভাগুছে অততা হিন্দু ७ मृजस्मान ममारकत चलकात चक्री প্ৰায় বাৰ্ডীয় এখান লোক সমৰেত হ্ইয়া ছিলেন। বেলা আড়াই ঘটিকার পর অব भि मछ। भृदह दा क ारोभम ध्रेट व्याप्त जु इह, काया । ब्रद्धन नमदश्च अक ल्लाक छ

रा । जा इ जिल्हों अ इ जान ्रदेश बतिश्व शत अवश्वातिक्षकार एक ७ माननीत प्रांका के के दिन शकित जानात अवन कृति विविध मनदत्त्व (पष्टम बेर्न्सक्रहिन्द्र, मीरि বৰসুল হইতে আমত হয়টে সাই অন্যাপিও অরণ আছে। ক্রী शांत्र त्र.चाः **च्छिमाः विला**हे त्स । अटबटन व्याडान, वाक्सा अनो नक न्या देवनकतः व्यक्ति महामात्रं क्यांकिक श्रीविता भीनीक त्लक कावा भएए। विश्व देश বর্তমান ভারতবর্ষীর সেকেটারি लय केउ करें ह नावा कार्य है निर्वाह कज़िटक्ट हुन । किमि और है क रक्षा करे कारन रक्ष्य का का विक्रिक्षक म चार्राष्ट्र कांकि लाज हरनामा चारहम, जीकाचिरेनेम जनकारिक मा कता चाबात वर्ष क्यान करमानि कि ववार्थ कथारे केरिबाटहर्क । जिति बालि वर्ग दा त्यांनी त्याम का कविया दिवर केंग्निक शांटक बदमन मानन क्रिटक्ट्रिंग कामभीविष्यंत्र ब्राव्यनीषि । गुन (क उवित माख स्त्र, देशहें जाने ! तिक (क्या: देश मिरनत वाष व्यः कि অব্যাহত রাবা তীহার শাসকের ই क्षक त्यनी देशस्य चित्रत क्षेत्रा है मा छ। हारक जानमक कतियात कि^{निहि} उटाइम यथार्ग चटि किन जातक^{्रान्त्} भवशारे श्रीकात कतित्वन, कें.इ विति ভারতবর্বের বধার্থ হিত সাধিত হাটুটা द्रक हाका त्यादय दलिएलया मह **উ**ডের সভিবেচনার বিন্য কাল্য € कि विक्रिक १६८व गरमह नाहे।

অনন্তর রাজা কালীকুক্ হাতুর প্র

স্তাব করিলেন, সর চারল্স হৈ কর্তব

····/३ के अंगीत नर्मात अपृक्तित ंके देव किया विश्वविद्यालयो के **व्यक्त** SHEET, DIE DES SECTES PER - एक्स्क्रीकि वस मुक्क्रकाल कम्मून ^{। अ}र्मे में । कें का नामरम कालसम्दर्श व ार्ग विकि ७ श्माद्यभन्नीतः समाना स एक में विकिशादको **माठवान करे नका** ग्ला ক্ষ্মিক্ত্রে তাহা ব্ফার ক্রিয়া আমানিগের ত্রা লিখিছ করুন। কাছার পর के के जिल्लामा के किए मा मा मा न न्वी के वहे मक्किंदिया।त्यां कित्री विद्यान, धरे একাশ মা করি, ভাষা "पिरश्रद्ध अकृषि काचि नांशावः । ভाরতবর্ষ এবং ইংলগুর प टानी अरमरमंत्र क्रवक्तिगरक विषोत्र कता करो कि विल धर ^ह 'हेम गक्न दिश्वक कत्रिया हार्के । प्रा रेश्ताम माडि की क्षिक अनिवास समा विश्मित विश्व-क्षित्रं। एक्न, मन् ठात्रमः টিনের এক জ্বান্প্রধান কর্মচার क्षिमा जात्रज्यपीत्रिक्शास्त्र त्यानी नि अधि अधि कतिरक भारतम मा। शकु ভারত বৌর সাত্রে ভাঁছার সা ৰন। বাবুরমান'প ঠাকুৰু ছ ভূলি বিসামেয়া বিষয়ে সাম षास्ता 'अ कर्ते । के विम ু^{র হি}ন্দ্রবার পড়ের পোষ্ঠতা করিয়া विमा ध्रषात १.४'स विषर । देशमञ्जीत कार्य्यक अटमटमह मान्त्रस काटवा करहा र्भेन के एक एक अधिना कर्वकार खाइकः वन्तर्यस्य याधीन इक्टल स.म क्षार्थ अवन द्रेट, छादा क्वेंदल धुन्म । स्वाराज्य मनदश्चाना । स्वाराज्य विकास

वित् अञ्चलात शक्त पृथीव अष्टव ं डेंटिन । १ हात्र मर्थ **এই. ज्**मिश शवर्ष मक्री रमध्या कर्डवा, किन्न अक्रम विषय रेश्मश्रीप्र अवर्गरम्बेटक स्थार्थनं क्रिएक मा विद्रम गकल भग्रदः बबार्थ विष्ठातः इक দ্বা ক্ত র হইবে। বারু কিলোদীটাক বিজ ইহার পোৰকতা করিয়া একটি ব্যক্তুয়া क्तित्तन। ए० शरहा त्योलदी आवक्रम स তিক প্রভূতি কর্মেক জরও কিছু কিছু বক্তুতা ক্রলেন, শেহে অভিনন্দন প্র **পঠिত र्रेन। शाहरूक्य ज्ञानाहरूत छात्रा** TOTAL TOTAL

ভ রতবর্ণীর সভা যেরপ গুলুভার এই করিয়াছেন, প্রধান উদুযোগী হইয়া সং ETARA GETTA WESTERS OF MARK क्त्रांटक काश्रद्ध अब्दूबन कार्या कहा हरे हार् । मज्ञाव क्षांक चाराबित्त्रेत हा छ। তা আলা ও ভক্তি আছে, তাহার আরো व ब रहेन। अधिनमन श्रेष्ठ अभाग कहा। তে ক্রেবন যে সর চারলস উভের সহায় তা লাভ ুহইবে **ेड**श नम्न, **क लिटमं**न्न ख लखीरत्रत्रा जानि !

(B में रक्वल भंद्रजा। Bei fante.

াকের জাকুটা তে জাকেপ না ক্রিয়া এবলা কর্তবা रवाटम चकर्कवा माधम करहम, छैलाशुर बुविह्याल्याद्रियम, कर्कमा जाभरमह जानर পুরস্কার লাভ আছে। বাহা হউক, এই অতি मम्बन्धाः श्रमात्तव अनुष्ठामिति कि कि शृत्वं , अवितात्र स्य । रहेटा कान पर्क। यादा रखेक নিলাম গত মেইলে সভার রাজিত কার্যাবি বরণের করেক শত খণ্ড ইংলতে বিভরতের क्या व्यक्तिक हरेतारक, ध्वर पारलक किंछ । इहेरक (हेनिकारक अधिमनन প:তার মর্থ প্রেরিভ ছ্ইবে , ঙাহা হইলে ' कामुभ कानि नाई। शार्लिशायके नए ह व्यक्षित्वभंग यश्व इहेबात शृदर्व हेदाः व চারল্প উত্তের হত্তগত হইবে : এব র महामखात जातुकवर्ष, जुला ७ कर्ने है

बना जारक । श्रीहानकाहिकस क ब्राटककेत लाक्षः गारम्बर्क स्मनाशकिः स्त्रिशा मन চারলস্ উত্তকে আক্রমণ করিবেন সামেচ मारे । कात्रकतर्भ (श्रातिक, माकिमसम श्रह বদি মধাসময়ে সর চারলসের হত্তপ इत्, निध्यश्या किनि विशक निकास कारलात रेकका मन्माप्तर मधर्य 🗝 অভিনম্বন পত্ৰ হ'ন প্ৰসংহ ছাত্ৰ। किकिर वक्कवार्णव मारह, त्व.अ.. खान ७ नश्चार अपूर्वि दान, पूर्वेट्स ७ जे ৰূপ এক এক ধান অভিনন্ধন পত প্ৰবুধ করা উচিত ৷ বর চারলসেব বিপক্ষ যেমন প্রবল, ভেমনি কালার শ্রন সহায लाकक कार्यभाक ।

> ছাড়ন পুলিব টেংডিয়ার ●৽ ছুত্তন নিচারপতি।

মানুধের কৃতনে অধিকতর এীডি বলিয়া আয়ে সম্লায় মুক্তন বিবয়ই সম্ধি क खना रहेरा थाएक । किंद्ध मुखन वहेरलहे **८च यावफील विषय छनकात्री ऋहेटव अद्भ**न নিয়ম নয়। মুক্তন আন জুম্পটে ছয়। বে কোন ব্যবসায় হউক, জনজ্জি চুক্তন লোক হৃহতে তাহার অবিষ্ট বিনা প্রায ইক্ট হণ না। বিচায়পতি সূতন (যিনি ন कम विज्ञान कार्या अनुष्य क्रेसारक जाल भरकत । केंद्रानिरशत करेएक जातक

পাঠকপণের শারণ অংছে: এমা পুৰ্বে রাজপুরের পাঁটা স্ট্রা দাখার কং निविदाधिनाम, साम्रहेभूद्रम मूजम (देनि त्य दक्ष वाक्रहेभूदत कुछन व्यक्तिशास्त्रम अवश नरर, रेनि अ कारण सृजन उटी হইয়াছেন) তেপুটি নালিট্রেট দাদ বা जिमित्तव एक मश्र दिविदाहरूम । किल क्रिक्मिरवर्ग जानाभीत्र जटकरनार्च करम्ब करमत वाधी मर्पा (प व्ययन कतिशक्तिः कवाना य मानीन इस, कारो नवीर के मनीति । वास्ति । वास्ति । वास्ति । विकार विकार के वास्ति । त करण प्रशासकी के स्थाप प्रशास कर के किया के देखें के स्थाप के स्था के स्थाप के स्थ

कामता नामित्तिर्धित ताम के कवाना तत रेगकितक केंग्रेड (विकास । मानि हैंडे निविद्यादेश केंग्रेस क्षामात रूप रेग्डिंग्रेक नित्रारं में, व्यामात मेंटक कांग्रेस मरकायको १२ नित्रारं में कि कि करण केंग्रेक रिकार ।

"आयह वर्षके क्रिक्षेत्र कामानिकान क्षिण्याम विद्यानिका क्षिण्याम क्षिण्याम क्ष्याम क्

धामर खन्ना धनावह महिमार विना । पृक्ति क्षण, जीव व्हेनार है वह छ कि नम, विश्व भूताकन कमी। क्षणी। पृक्त विश्वारक क्षणित कमी। क्षणी प्रमाण विश्वारक क्षणित क्षणित नाव छ विश्वारक, कार्यारक क्षणित । प्रमाणि मामिर्द्ध के सर्वा मस्त्रारम क्षणित क्षणीत क्षणित क्षणीत क्षणित क्षणीत क्षणित क्षणीत क्षणित क्षणीत क्षणीत क्षणीत क्षणीत क्षणीत क्षणीत क्षणीत क्षणीत क्ष CHI VICE I CHICA WARE WILLIAM आविक्षां स्थान त्यकि नारे ह्यांकि de la militari di la MANUAL MINERS GAME CARE क्षिकेश का किया ' मूचिक एवं ना ! मानाकू (में कें कें कें कें लिए के बार्कि करना ज़रूबर्क कतिर देखायात्र माथिए हेश्हेत कारात अस्त्री नियो अंश्वेत्री केतिक । कात्र, क्रीकिकादमुद्वाः श्यक्षे त्यारे वाहित्य कृत्य कारत वची क्क्रक, आंटमब्र मसुपात लाएकरे बता भारक कि मा, आबिट है के अनासरम क्रामि **८७ मःहिट्यमः अन्यामः, मासिट्टेटहेन येगा**क बिद्दहमा करा केन्द्रिक दिल, क्रिकिमान विनानमहिएस वाकी मार्था करिया कतिकारस ৰ্জিয়া স্বাহার মালাশ করে, ডাহালিগের বেহু বাজার নিশ্র ছিলাবি মাণ আরুতা। মের বাবতীর জোকে ভাষ্যবিধার বলাস্তুত कि मा ? फ:ए:क्टिशत चनूरतार्थ कारमत সমলে মিধ্যা কহিতে সমত কি না ?

को किमारबंदा वामित्र महक्षा अध्या कविशा विवासवाधा वा सिन्धिमाटक क्षेत्राप्त এখার করিবে কেন ? প র কেবর বা এবা সামঞী নক ও ডাবিতালা ভয় করিবে ? क्री विद्यम् क्रो। याष्ट्रीता क्रक्टनंत्र स्क স্বাকারি বিগের মনের তাক অবগত সংহ म, कीशाबिरभन्न देशान स्थानक स्थान प्र मान बर्भ वृक्तिया लख्डा कठिय । अत्मरम व क्रमिक्स लाक्तिएशन अहे अक्टी क मायक तरकात कारक, व्यक्तिक स्वात ना किया प्रथामच हफाक जनम कब्रिट स আগালতে সক্ষমা গ্রাহ্ হর না, আ মাদিগের আদালতের অবস্থাও এইৰূপ बट्डे । এই मरकात्र निवस्त्र न्याटकाडा आह किंदू किंदू मिथानि त्यान किंद्रा चिक्रदान क्तित्रा शास्त्र । सामिए क्रेड अमुबादन क्रि आ पिशिदन, त्र वि युर्ग अहेन्। मिथेगव त्यांन जारह, संस्त्रित वंशर्य कडा क विना त्क भक्षां करमञ्जू ভাষানিধের ভুডেলাই আর পর্নী হয়।

CHI WE WIND MODELLE THE retient wir breiff me केंग्रेट काणीय कावित के किया Britis flees dur 12m. 地 "传统" · 电影 中心的 [中心 医囊肿] नारी क्षेत्रा नक नुस्कृति क्रिन, भूतेजाहिता नियात्रक स्थ क्षा जांश काम माने क्षा वा बाकित्वः कार्यत्वर व्यक्ति ज्ञानिक स्व विश्वेष्ट्राहरू हैं हैं विकिट्स एवं अधिकास अर्थ जारक, मेखाँकिकात वर्ष क क वामानाच्चं पांचा वृद्धांच ना (古門間 年, 都大皇帝 本門 和大華 बाकामा जुनिक क्रिक्शिया विरमहेक' व्यवस्थित कि हिस्से क्रमहिक अंदर्भ क्रिकिकंद्रकाँ श्रिष्ट व्यवसीयमा समिति व्यक्ति मक्र कार्या वाश्वानिक तह ता है क्लिकिमारतता केमका मकिए बहानून मेराह और म । वेंद्रा वाबिट्रिके वृष्ट्य व বার চল্লে পতিত হট্যা কট रम मारेन 2 (24)

.

Calulating Legists 李 译 , व निर्मा हिन कार्डि माह्य र नेहा क कार्यमानिक मार्क ट्यन त्य जनात्र्य के कि जाकि ज्यात्रण जात्री, जनात्र, वडर म्बोक्तिरकाताः श्रीकात कतिएक - अहम्म , क्रिका भागत कवि-हर्मश्र आक्षत्र स्त्र ना। रेगाइ-क्षाकः इत्यानकः महिन् । नक क महिल्लाका, भागत व्यः विशव देवलक्श क्लि, छड-एक गर्दश स्थालरवाच व्हे दिय शवर्गस्य किंग व्यक्तांकात्र क्षि वाशीनका प्याप क्षिक ंद्रक्के इकाक्ति क्**देश्य क**िएक ज्ञाव नकावमा स्रेखाद्य। नाजि ्क् कालित शक्ति प्रकातात इ स्टब्स विद्याहर कित्रक्षाति हा। मखकि देकेताथ स्ट्रेस्ट নিপীড়িত পোলাভীয়ের বি-প্ উড্ভীরমান করিয়াছেন। अक्टि चिक्क क्षांक्रीन्द्रदक्षणः ালে ইউরোপ নানা অসভ্য থকঃ তুর্ক কথের বারা আ-.क.टन (भागादकत क्राकात्र) रु तथा करत्व, किला पूर्व वि-र्शिलार खेत्र बलकात्र क्ष क्रमी हराहरू ३१३७: बह्य सभी ा धनितात हा**लाः ७ चड्ड**ीडा इक जरम क देश सब १ रमहे ्रियुक्ताटखत स्रोजन्मा जन ि इस्टिका नाटम चटनमाई क्ष अववाद इनामाक्रक चा-तकी भाग, किंद्ध कुछक्रा । मारे । कहा भी विद्याप ७

व्यादकानिश्वदमन वाहा । तमानादकः -दकाम महत्त्र द्वाकीसंभित्र वार्षितकः विभागात क्षत्र गारे । त्यामानिकासक लक्ष्यकः एसम् अव केक प्रदेशक कर्तिकारण क्रांगीतिक 'विश्वहिंद देव क्रिकाक्क अस्तिकाल' असीमन एव र 'दमके व्यक्ष' से रहणन असी-वाशानका नाटक नेतर्थ हरे: नक जडाहात करेटक व्यक्ति क्वेसारका শরিশেরে আর শুক্রাচার সহারা বঞ্চরটেক त्यामाओरबरा ३७७० **व्यस्य विद्याली ए**व १ क्षि मनारीकन सनीय महाहै निक मान् বছকটে পুনর্বায় পোলাঞ্জ লয় করের। जरता जरता लाक भूरक स्था स्थापित अवट निकारीय वार्यकाक मार्चीक विवाद निर्वाणिक করিলেন। এই পরাক্ত-৬ ক্রার সাধা রণ অপনান পোলাভীয়নিচনর মহন এ-बिक इरिहार्ड । ১৮৪৮ मास वर्षक ज्ञान रेंबानि ७ वर्षा बढ़क विश्वव छेनच्छि रह, त्थामात्यक जी वर्ष वर्षेत्रं महाकृता वता । ফিল্ক ভগনত নিকলান ক্লীব্ৰ ছিলেক, শক্ষণৰ লোচেদ শক্ষাবেৰুক্ত কৰিবলে সাহ मो एड्टब भारत मारे। 🤼

বর্জমান বস্তুট্টে আলেকজান্তর সিংস্থাসনে छेगि विकेश करे वक्का वा काछिएक कि **थि॰ 'दाहोतका क्षणम कार्यन । किनि** ा चा निहारक, कृषात्री काला- विकास क्या के स्थार्थ अवासिकियी बरहेत. किन्द्र। कीवांत अधिकारण बाजी कें हास धारिसक्क छत्र कवारण हुई वर्णम् कालः भी (प्रत्ने यह्नात्र अन्नः नाहे शीवृत क्**रेक्टर । अनुवाद मानक छैन**हि ७ स्टेरलरे जनी ३ रमनाण एउ६ अधानपः भी द्र. त्लोक विश्वदक सुद्ध के ब्रिटिक्ट ब्रिट । देख गक्षा वाह्यि माहेरिदियोह निर्वाणिक स्वै आट्या । वैकारकक श्लासाक नाहि दिना সম্ভাতি আৰু এক প্ৰধান উন্নাদক অকণ हात चात्रक स्ट्रेमाट्स । अहार्यामध्य ७ छवि । हाद नदा कटब्रव अ नादेवितिहात निर्दार्ग करेक्टी अरवन गांग्डिक कारेन क्राहिक क्या प्रदेशांदर । क्यीत स्त्रांशिका देखा वर धकान् वाशिष्ट अस्तरण कतिहा वृत्तर्भ क पूरविकारक पाविहा हैयनिक कहिएक ব্যস । ভথাসভা ভাষাবিশাকৈ ভাতায়,ও সা क्षेत्रियात स्थापन क्षेत्र वर्षेट्याटक र विरक्ती

李武等 李 李 李 李 李 李 李 李 李 李 李 李 李 李 CREATE THE BOY CALL COLOR COLOR सिक्षीकि मान्त्री सिक्स कहि सः । म. १ यक्त मणहाई बाग गतिश्रीक महास्था महिल्ला स्वार्थ के महिल्ला का वानि क्रा कर गाडेलि इस्स विकासिक क्रा. देश फ गर्क क्या स्टेश्ट्स । कलका ला राष्ट्रीविद्वत् देशम् द्वाला अध्यक्त क सम्बद्ध अन् मृत् बहुम्बहिष्ट्रेक्यी त्याश्रद ब्रान्की जिनादक, विद्यादक अवृत्ति निरम त्युन्। कोहाजा तक, स्पष्ट् त्याताहे वा के इ.श. तका काजन, काई क्रणीत भूतिन थ তাত চেই। করিয়াও ক্লানিছে পারে ন में । विद्यास क्षा-इन्डेयर वे त्यानर ए बक्रीत त्नादक्रे क्रे ज्याद अक्र महेना वः র্ব্য ক্রিকেছেন ৷ সম্প্রক্তি গুরার্বার পন্তি মুদ্ধে,তিন স্থানে বিজ্ঞোক প্রস্কৃতি উত্তীয় बान् रहेत्राटह । ऋशीत त्रनाञ्चा भवावित रहेबाहरू भुनस्याप् (परन् त्य विरक्षांश विद श्रिक्त हरेगा है है। काशा विनक मोडांड त्याप क्रेक्टकः।

ु शक्कां करह अकरन स्नितांत्र विशक्त राष्ट्रा रहेशास्त्र १ ३४६६। er पास्त यूष्य सन्दीय बसाबात पून्य हरेशारह । न मुक्ति मानीकुछ कुरक नेश्रदक वारीनक व मान कहाएक ब्याकीन क्रम विवक्त क्रेगर म । मुवा मकाबास देशम् ७ देवे नित मा त्र चाबीन भागम धाबालीहः चृत्राःनी हरेग ্ছন। একজির রুশীরার পর্ণমেতের পার अक् जारामक भक्त छेश्विक हरेशाद्यम । म टलक्क अब्र मात्रमत् नाटम व्य कर सनी नसुन्द्र राजिः निक्रशास्त्रक, मक्रिमप्र यण क इस । चिमि अक्टर्न मक्टर्स दानिया वर সংবাদ, পত্ৰ বাছির করিতেকেন। তিনি এ कर अभावामा लाक मन नरहे, दिख है ग्रांड बावकीत कुरुविका का कि के रात वार क् क्रियंत्र बारकाङ्ग मात्र स्वाम कडिएकरः म । निर्माणिक क विद्यालय । हेडाथ रिनि

24

ब्रिक्नीविष्ट्यत छेन्द्र यमाधात्न व्यक्ष कृतिक्ष्य । भर्नद्रम् छर् छर् ध्रक्षानिक कृतिक या मरवाक नवा सन्तिवात व्यक्ति विषय क्षित्राट्यम एका किस् सक्ट्राई लान्द्रम् छोष्ट्रात मरवाक नव नाठ क ब्रज्ञा बाद्यम् । धर्दे सक्त कात्रप्त विक्र स्कृतिवात बाद्यम् । धर्दे सक्त कात्रप्त विक्र स्कृतिवात बाद्यम् एका ७ यम्बद्ध मटक। या लाक्ष्यक्षत्र प्रात्रक्षम् वर्षम् म हाज्यस्थ्यद्व बाक्षाप्ट्राक क्षित्रात्र विक्रिक्ष स्कृत्य म्हण्य क्षित्रात्र

धकरं। चात्र धकारे एवं स्ट्रेंट CE, देश्यक क लू:च श्रामाखरक बश कांत्र मिशी कि क्रेंटि किरवन कि मा > न মাট লেপোলিৰে জমলং পৈতৃক শক্ত দিগকে পরাজিও ক্রিডেছেন, বিশ্বভঃ हिन्दि साज्यायवर्केत्वत मात्र व्यक्तिकदत्र क বিরাহেন বাবতীর জাতিরই নিডং শাসন কর্ম ধারা শাসিত হওয়া উটিত। এতভা क्षा न्यां क्रिकाम क्रिकाम (नालांख লাহাব্যার্থী হইলে ভিনি ভঞানে পরাংখ हरेरवन मा। छटा अक कथा धरे, कि न देशकटक भारतिकान करिया अकाकी नहा त्रका कतिरंक याहरवम, अंकण दार्व इत मा । देश्मद्रश्चन्न अविवद्य माहाया मान বিত্ব হওয়া বিধের নর। উলিখিত ভয়া वक मकाछाद श्रेटक (क्षियां हरनक यकि केमाजीन बाटकन, जाशकाळ हरेरवन मरक्र बाह 200

थाकटमानी त्रजिटशत अवलकात्र इंदेवात केशांत्र कि १

জানীবারের ন্যারপরতা ও সকলের
আতি স্বান করণা শেভৃতি প্রতিপর ক বরার।
উল্লেখ্য প্রবিধ্যাত কৃষ সাংখ্য বর্ণেন্দ ত্রন
বে বে দেশে শস্য উর্পর না কস, তথায় প্রধানি প্রভাৱ পরিমাণে লয়ে। তদ্দেশবাদির।
সেই পর্যাধির মাংস ভক্ষণ করিরা সক্ষ কর
ভিত্তি বিরাধিণ ক আমিন উভর পদরি
ধর্মানা নিরাধিণ ক আমিন উভর পদরি
ধর্মানা ইয়া আংশিক ক্ষেপ্ত প্রতিপর কর

विषय विकासिक देशिका क्षेत्रिक क्षेत्र क्षेत्र

मा रम, उथ'ई बच्चार्याई वाम वर्षा छ-प्रतिष । विशेष, चंद्रश्चादन विश्वान, के बानि-क्षात् क इंडाव व्हेडा अन्हाति व्यक्तिवान सामे **धारमा मारे। अ वृक्ति क्यमानिस्मा प्रिकार** भगवनीय वनिया व्यक्तीव्यान व्हेएक्ट्स् मी व चीरम बसमा बाम मा करत खबाई माहिका विष्णान।विष त्यां कीव वहेवांत्र लेकावना कि ? অত্রে বাস করিয়া মালবকে বিজ্ঞানাদির উ-में कि कतिया भगामित्र छे शासन कतिएक स्है-रा मरणस्यांहै, किन्न यक मिन क्रिहे विकार নাৰির উল্লিড না হটাৰে জ্জু দিন প্রাপ্তৰ ভ-थोद्र कि कवन मित्रक । निवाधिक श्वीक्रियो ৰজি ৰজেন বে ৰে ভালে পদ্যান্তি না অচন তথার বাচ্চদের ফোন কারে বাস করা উচিত্র बरर, छारा करे"ल जाभनां ७ प्रत्य दानिक-রার হরিণ হাটি ও সভাব্যের বাস্ভাট কইন क्वि । नामना + रण्नोतः (तक्कितान चरिएनत वर्षास व्यापने क्षत्राक क्षार्ट्य । त्य ध्याः শের লোকে উহার যাংস, কোম 🐠 ছুখ মারা मामा अकान जानभानं कार्य नामन करन । काशनान्द्रसम् यति मञ्जूबोत्र वेदिनान्द्रवासी না চইড, ভাচা জনগৈ ৰোথ হয় সেই সঞ্চা मह ऐतिथिक स्वित्भवन छोड़ स्वित्सम् मा । প্রাচারিত বিষয়ে পারীয় বিদ্যা বিপার্য জীবু-ক্ত ভেৰ্স কোপলাও সাহেৰ বে বৃক্তি শ্ৰহ-ৰ্মন করিয়াছেন, ভাষারও কিয়মংশ প্রামাণ ঘৰূপ এ স্থলে গৃহীত হইছেছে 🔞 🖫 জিনি বলেন যে যে লেশের লোকে আমির ও নিরা-নিগ ছিবিৰ পদাৰ্থ ভগণ করিয়াপুত্র বাকে "ट्यांय डेंडब अपार्थ ट्यांब अब्रियार्थ ट्यांब स्वग्ना व ग्राध्यवर (४ एए**न क्वन जाविन**) হারে লোক সুত্রতা রক্ষা করে তথার আহা-রোপবোলি প্রান্তির সংখ্যা আহিক হট্টা বাবে , আরু যে দেশে বাংস অংশকা ভাসা-দি ভক্তে শরীর হুন্থ থাকে, ডখার্থ শস্যাদিই অচুর পরিমাণে উৎপন্ন হয় এবং ক্তবাদ্ধ আ-

THE TOTAL SECTION AND ADDRESS OF THE PARTY O

शाहरून त्व वर्षन वर्षकार्य है अक्त गतिमारण विश्वासिक श्रेष वक्तामनवा निविद्यास्त्रम् वाविरे जार्शन, विश्विति है। रेनमर्जिक गतिका विकास की क्रिय देशाह केकर मान प्रकार अ अहे, अन् क्ष्ट्रेंगा क्रिकि : व्हक जानिय **ज्ञान करत विका**र्थ । নিৰ আহায়ে এককালে বৰি 👸 मडा क्न, हुनावि प्रकर्त की स्थान गाशास अक्यादन अधिकार विकित जाभ गतिबिक बारन क्रम्य चुनित्स बाहिरशत भन्नीत सूर्य 🗯 बेशिन यह, प वाहा कावा अब कावाह विशेषक व्यव চৰিদা লয়গুণায় ডাক্তম এক: লি, ই কা जाशमाह क्यीनच् " (जन्यानात्र के अ शिरमा भी शं ७ वृहा नरक । श्राम^हन् मानदम कवात का जिल्लामा व्यक्त वार्थ অধৃতিত করেন, তথায়া ইক্টিব পা

(২) উক্ত সাহেৰের সংক্রীজ প্র ক্রুস ফুখ দি টপোগ্রাবিংএক ক্রিক্রী টিকা অক কলিকাডা পুস্তক দেশিক্রিক

(৩) এক দিন অন্তর চারি ইটার্ছ নিত নাংল কেবল হইছে।

⁽ ১) উাহার রচিক ডিক্ শনারি অব্ধ প্রা-কু ট্রকাল মেডিনিন পুক্তকেন বিভীয় ভাগের ৩৪৫। ৩৪৭ পৃষ্ঠ দেখিবেন।

CHIEN FAM. PAR 中國國門事: 阿伊思特证 वित्र अधेशादिक प्राप्त ভাষাতে গ্ৰাফা ও বুৱা खाँबीक्यार विवर्गमण य-राउन्हें जिल्ला कारण करन अवाक अंकी के निकि यह । रके अध्या, केंद्र करकर बुक्ता शूर्वक जुल बारम् নলেক পারিমাণে ভাষার दंब । युनावर विकार कोती ুধে অধিক্রিগের লারীর ्ल न विदेशम, कई कि क्रिमान १४ के **क्रिक्र** अवि क बाजू शूक बन्न गंक क शृहिमाध्य व्यक्तिय प्त, कदर विडेशन (७) দিখাল শ্ৰেমাণ ক্ৰিয়া ঘোষো विभागित करता । यह जिल **াণ্ট্ৰ**ুসুৰ্বাদেশলা অধিকতার ! नवार्थ छेडिए भारतका जर्ने चारहा नित्र अवधिष उन्देश कार्या जनगढ हरे ···李拉 · stille

जिस्त ५० तम् क्रिक्ट केत्व्रहे श्रेष

) निविद्धांत क्रक्रिक क्रामिनियांत मिहा-विविधि भुक्तकत्त ५८७ ४०११ शृहे

প্রোক্সের জনষ্টন কর্তৃক বিরচিত কেক্ষন-লাইক পুস্তক বেথিবেন :
ট্রসনন্ ভিক্শনারি তাক ভারেতিক
ন নাবে এড দেখিবেন ।
) তালিকা ধারা ভিন্ন তিয় উভিন্ন ও

वन्नायक्ष्मिक्षाः स्वराह्म स्वरंग करे, भरीतः वर्षाः क्षेत्रः स्वरंग करे, भरीतः वर्षाः क्षेत्रः स्वरंग करे, भरीतः वर्षाः क्षेत्रः स्वरंग करे, भरीतः वर्षाः कर्षाः स्वरंग कर्षाः स्वरंग कर्षाः वर्षाः स्वरंगः स

मूज्य भूषक।

আৰৱা কচজতা সংকারে বীকার করিল তেছি, নিম্ন লিখিত পুত্রক গুলি আমাদিপের হত্যতে ইইয়াছে।

১ ভারতবর্ষীর সভার বার্ষিক কার্য্য বিবরণ।
দেশহিত্যবী বারেরই এই সভার কার্য্যের
প্রতি ছাই আছে। এই সভার বারা এনে
শের বহুতার প্রেরণ গাবন ইইয়াছে, আরো
দহিবার সভাবনা আছে। এই নিষিত্রই
ভাষরা কোন বিবরৈ সভার ইয়ানা অধন

যাংস সধ্যে কোন হব্যে কত পরিবারণ প্রাষ্ট-কর- শার্মার্ক আছে তাহা স্মৃত্যক্তঃ বুকিতে পারা- বাস্থ।

(৮) আর্থ হাউস বোর্ড হাও বুক ২৯০ পাজ-- ও ভাজার নর্দান চীবর্শ নিখিত সাধারণ জনগণের গারীয়িত তুক্তা বিষয়ক বাভাব দেখিবের।

(३) मञ्जर विखान काविन कम (नद्र विनि वृत्र वद्र । मारणावाद्र निवृत्र व्यव्यक्ति केटल क्रिक्त ना वत्र अवे काकिशाद्य, त्यान वद्र किनि कमामाद्यत अन्य शक्तीशिक विवि व्यक्तान महिसाद्यन । न्यक्त महिसा नारण कावन महिदा कर्यार वक्षीत मारण कावन महिसा देशव क्रमूक्तीन वना वात्र, काणनांत्र अन्य शक्त महिसा मारण क्रिक्त व्यव्यक्ति मारण क्रम्यात्र । व्यक्ति वना बात्रण । ७६ ह्यांक क्ष्म क्षमात्र । क्यां क्रिक्त, कावाद्र विक्वाद्रिक क्षणदान मह-महिकान वृत्र व्यक्ताद्व के क्षम्यात्र महिकान ।

ৰজ ৰংসৰ ভাৱতবৰীয় ও স্থানীয় দাস-क्रीनेक मजीनकरमञ्ज अवर क्रांबाक्य विहासी -गरपुर कार। आवत रहा । गका क्षणामखेश-वि -**हांब्रालरबर करना अविश्लंग अटब्राय**े প্রকাশ করিরাছেন দৈয়েশ্বাশক সভাস্থ ১৮৯১ चटकर ३० चाहेन मशानायन विज्ञाउ५७२ 🕬 . দের ৬ অহিন) ও জনীলারি ভাকের বিল্লু वारे पूरी विधिवध बर्देशहरू । क्षश्रातास कार्देश **ही जड़ भीश विधिवक कहा इंद्र कि छोड़फर्की** व সভা তৎপ্ৰতি আপৰা,দিনের সত প্রভাশ করি বার অবসর পান মাই। অভএব ভাহার। ব লেৰ '' এ প্ৰকার মতগতি আইন ষ্ট্লৈ গা-ধারতের ভারের স্বিশেষ ছারি স্ফার্ম। স विका गांकि भागकीर व विकेशियां मार्क ভাগ্যাপিও বছামেশীর ব্যবস্থাপক সভার হয়ে রহিয়াছে। ভাবর্ডনর্থীয় সভা এ ছুলুরই लायकको क्षित्रांटहर । कर्ता है दिस्क श-দীপ্রামের *দালার বিব বৃহিত ২৩য়ালে স*ক্ষ্ क्रांक्रोप ध्वनाम कतिश्रद्धन । ज इक्रवर्ट्स ग्रह व्यार्थको एक इंदर्श के होको व्यक्ति कांच्र र बड़ा ত্তে ও ডবাকের কর রহিত এবং ইনকম টাকোর শক্ষরা তুই টাকা ক্ষমিয়া বাওয়াতে সভা আকাসিত হট্ট্রাছেন - ভারতবর্ষীর সভার क्रिकेट क्यारक्त क्रम मेरिक स्टेशिट । न तिर्भार नहा हैनक्षे डीका स स्वता-भक जणात कार्यात अखिवाम क्रिश्**रह**क । বাৰস্থাপক সভা সৰ্বাদা সকল বিষ প্ৰচাশ করেন মা, তরিবক্ষম অভিশয় অনিম বটিবার সম্বাহনা। কলিকাড়ার ভেব ও নায়ারণ প कॅबियरमञ्ज विषयु उन्निष्ठ बहेबारक था-হাতে সমুদাহ ভাইতবৰ্ষে চিব্লছায়ী বন্দোৰত ब्रुप्त, गणा ताहे क्रद्रेश्व चाट्यन। तार्क्ष क्रिक 👁 खाँके गारहर्वत भवन, बार्फ वननिन ७ न 🗈 हाब्रुम हि विभिन्नारनत मान्यरमञ्ज विषय ब्रिलाट निविच बरेग्राट्स ।

२। (क्षत्रमाक्षत्रामः। हैश वालको मार्डक, कालीबाहेन्द्र ब्रीसूक्ष्म वात् क्षत्रभ्यस्य वाल्यानीः बाह्य अक्षत्र अवस्य कविद्योग्यस्य। ** *

 $\mathbf{1}\mathbf{y}^{\mathbf{7}}$

- दश मञ्जूषा ।

क्षेत्रानिक्षेत्र माहेक व्याप्तक स्थाप स्थाप

चांश्रंच रे

क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व

অলা আমি ছাকাল, উপ্নীত হইলাব। একেংশ বাজালালেলে যে করেকটা প্রাধান নগঢ় খাছে, কলিকাড। ভিত্ৰ ভালেৰ অংশে চাকার क्षांथानाः चौनात् कत्रा वात्र । पूर्विशे बहेरज राज्याचेत्र वंत्रकृषि, नागरद्वत्र मात्र विख्छ नमी क पर रामाना कमराम गरून एँखोर्न बड्डे-मा (व अञ्चल छेरक्डे ननरम्न क्षविडे स्टेर्ड ना হ্রির পুর্যাপ্ত ভাহা অনুভব করিতে পারি ধ্ৰমণ ছাকায় ঘাইডেছি এই মাত্ৰ मानि । बाबा बडेर्न, रवित कनिकाछात गरिक । अनाम काराम किहुरे स्विद्य गार्वमें, बाब शका नकेन व्याप्त नज़ान मा ब्रेडेक कि है के দিকাতার ভাব এখানে অনেকাংশে পাওগা य.हेटल मास्त्र।

भाई ब्लंडबुँब উख्र भीका चार्यान गर्भना । **बहै की बहारा स्थान क्षणाया जू**.में, । होकी **খ্টাডে প্রায় : • ক্রোল উন্তরে কত**ন্ধলি लाइकई राम ७ अक अन अभिमान जोहरून वटके किन्छ बाह्यानि विश्वा काहन करत काहान भरना क्षेत्रिके स्वन्ना मरूक राजात নাছ। উপরি উক্ত জল্ল ছ কা হইতে । ঘৰ নসিংখপধ্যত বিজ্ঞ। এখান হইতে বৈষন-निर्देशन जीमा आहा ७० क्लिम इंदियक। अपरंग कांध्र क कृष्टिम अधिक अवर देशह कृष्णं इंटिक्स्ती साम्री अक्टब्रम्मी अक व्यक्तिमा আছে। চাকার পশ্চিম সীমা স্থলভানগম বা सरायतामः प्रसिद्ध प्रक्रिकान्यकी। अहे नही भरमक्ति नहीं बहरत विर्मत क्रेंडा श्रृक्षिः मूर्य भवमभूक्षिक भूका क्रान्तिक के परमध्वीरक প**ডিত হও**য়াতে যলেষরী এবং বুড়িগলা व्यक्तिक वृद्धिक भीटनद्र काकांत्र चार्रन कति-श्राटकः श्रीकात पूर्त नीमात क्रकित चान चाटकः चारमञ्जू भूकंषिटक कतियाबाय ७ प्रशांत्रक ना-सन् पूरे चानि आम 'तहह जन द देशद देलेटन अक्षे क्षेत्रमा त्याः चारकः। वे त्यक्त्रम इक्रेक्ट महिम मास्मिन्द्रे हे द्यमंत्रि धारामहित मारकरवत् वरप्र निन्धि उ स्ट्रेडारस् । दलानस्

व्यक्तिक क्षिकालाय स्थापित स् (नद्र बंगक :

কলিকাডার বাহিট্র ইঞ্জেউঃ অবদ করি ल रवनन बदलायम् क्रियोन के मरेवा बर्रवा क्रिया सीआय स्थितिक शांक्षा कांग्रे, डॉक्श्वे वादिरंद्व गिषण क्षिर्ण शांक्यो संग्रं मा_र क्यांत्म क्ष-वन देनमध्रिक डेम्पान यांज ब्याट्स । स्थिताहा **६६८७ भनात शक्ति शादा श्राम्य भागिका** প্ৰভৃতি স্থান বেমন উৎকৃত্তী স্থায় জুলা, ৰোম হয়, ডাক। হইডে বুকিগলার দ্রক্তির পাজে তা-राज किष्ट्रमाज अपनिष्ठक शास्त्रक्ष यात्र लो । 🦛 🖰 बादन दक्षम इक्षामि स्वदिष्ठ कृति न्यानि बद्धाः বর রাক্ত আছে। কলিভাড়ার নিকট ব্রইডভ ব দার দিন্দে গৃটিপাত করিলো আধ্যণোতা পরি পুরিত গলার শোভা সন্দর্শন করা বার, বুড়ি-ना, क्रम क्षंक्छनि द्योकींत्रं महिछ म्बर्नन ब्हेन्ना चाटक ।

नाका सर्व शक्तित नीर्व थात सूरे प्रकृति अवर छेकत प्रकारन झानक आहू ज्यूष दकान व्हेर्यकः अहे व्यव ,क्षिकाका, स्हेरक हिन्द्र श्रुविक्रिक व्यक्ति १०० न्यक व्यक्ति व्यवस्थ **273**.

होकोत्र मध्या वर्ष मस्या व्यटनकाव छ हाडि ७ वक देहेकालय 'आंट्र वचीर्व 'बटडे, কিন্ত তুৰনিৰ্দ্বিত গৃহত নিৰ্ভান্ত কৰা নতে। वरत्रत्र वरत्रत्र के नकत शहर को कन ना विद्रा ह्माकानमात्र ७ श्रम्य कार्टक्य विस्तृत चिकि হইরা বাবে। সম্রতি প্রার ২০০ লভ গৃহ जन्मीपूर्व बहेवा शिवादह । कनिकालांत्र माहि ज्याद्व श्वामात्र यत्र विकीरगृह व्यवस्थ CH क्या केतिक ।

अवादन विक्रिक्तिका अव्यक्तिक कुल्याः नामहिर्गद वन जिल । विजवसिक्रियाक् विज्ञान यत्र कारके । विश्वितितम् स्थानम् विश्वितिकाः ब्रजनयामविद्यस्य धर्माक्यः व्यक्तिः है निर्मार्की क कि बाज । एक जैस रिक्कारिक विक्रिक , विद्या बक्दि निरंदर मन्दिरं है किया क्षिप ६० शांक **रहेटरक । अवामकात भिट्यंत कृत्विक त्वंविट**क ট্ৰিদ (তত উক্ত না হটুকু) ইন্ট্ৰয়োত্ত বসবিদ, কোনটা বা বিসমন্তিবিধের বিম্নার মার। श्रशास्त्र हाना कारकम अवर निहेर्लाम

·石田東西書 · 海山中岛] Bred Blacking **可多种种种** a "特别" मराविद्या भारत वक्षार सम्बद्ध चर्य प्रकृतिक स्थ निव कार्याक सं भागा गरमाहर PERME PRINT नदम्भी माहस्याहिता অপশ্বিতি করিকেট্রানার **电子型 经中市 市中 中**国 त्र त्याप स्था केला की व्यानाच हिन्दे भे व प्रवेशक है विष्ठ उपाविष्ठ । वार बारे, दन माजा बार्किन के द्या केरर शास भा बदशा बाब्धा करिएकाहे । हार রাম্পুর প্রার নাই, চেডিছ क्षत्र ⊀नश्नद्र (सङ्ग्रह). <u>प्रा</u>ह चार्ट्य, चित्रक नकाज और्य मृद्ध अहरः।द्रेषण्य । वस्तु **८क बन को जी । को नहीं जीव के जिल्हें** व्यक्तिक विक् श्रीटन करिय क्रिके पारते नेत्रमणे वादै श्रुष्ठद्वार् हे. रहेनात्र खेणात्रक गाहे, खेब रहेटल भारत सामा कर्नन सेहे. ज्यादन हासाब सटक जीवा नहि । अवश्विद्वकृष्ट अविस्टा इ**वल्डाः कर्वत्रः । मश्रहः क्रम**नीदर्देश नीरकः जनेह द्वाका ग्रंभ जान्त्रं " क्षांक अंकि इक्टिन्हें ३ होका 🕾 भएमत अदियोग माहे, शांकि <u>कें</u>त देखान शमन कर छोडाटफ का है। ই বাভ বাও ভাষাভেও

कांब्रखनदेखाः, शननदेखाः देश्यर ६ प्रस्ति है। (वर जीवाह क्षा उन्हां क्षा है। हेरद गा। काम हेनकन-.उटहा

क्रमत्रक्ष अक्र वस्त्र स्टाइसः इत्र वहेब्राह्मितः। स्माधान स्टा द्वास्त्रमानीयः अन्यानमा करा

त्या आन्त्रांत अटकी नटमटके त्र वाशिक्ष कवाटक शिलीटन-किमास अस्त्रियात्वम त्र केश्टक ख न्य आरंक मेर कि ?

िश्राक्षक वेश्वमन, नक्किकार निक्ष के क्या की मार्गिनी की कुछ बहेब्रारका

विश्विष्ठ अक सम लेखाः अक्षक स्वयं स्वान्तः विद्याः विद्याः स्वयं स्वयं अव्यक्षः विद्याः विद्याः स्वयं स्वयं अक्षकः विद्याः स्वयं स्वयं स्वयं अक्षकः विद्याः स्वयं स्वय

গ্ৰন্থানত সংবাদ ছাতা বলে ভ্ৰন্থাতিশয় প্ৰান্ত্ৰীৰ ঘটতে। তেনি ঘটাজেৰে।

্প্ৰায়ক সধাত্ৰ(যুক্তব্যৰ্থ সভীপ श्वागनायव विद्वादामात्र प्रतिक संख कि चत्र (सन । अक श्वन विदेशका निकार जातिक इति ही द गमी अर्जन निव्य थे. (मध्य शार्टक) ल र्रवणा अक प्रति चाता विविधास हर्वा प्रक्रांद्री क घरनव अहे काल विव । भारतम् अतिरसन् । विश्व भरतक क्षीत्राहे क्षेत्र नगह सामाउ शास स्है ्र.रर्जि **श्रेकिय र**ममाना करे नःराम -তাত্তক ক্ষিম চড়াইয়া ভাগাকে े हडाक्राकी मुल्बा बन ब्लार्ट ए. । ता तारेश्वाहन तारे क्र्रिक्शवा 'व अध्यक्षत्रारमे क्षांचा क त्रम । - 🌣 म्हार सन निशासीक्ष खुनिस्ड া ওখঃ ইইওে পলায়ন করিল লে-ार महात अक सम जिलाही खांदार म 'र दिया गारम के वास्तिरेक करें निर्के

क रमास्त्रवाह का विश्वित केंग्रिक किंदू छैर कार्य पित्राहित किंद्र छिति कार्य गरकत निकार किंद्र कार्य होको हिल्लित छात्रांत विश्वत किंद्रमांत भ-स्मारकारी हम माहि। का छात्रांत कीवित वांका हवी पारका क्ष्मकारक छात्रांत कीवित वांका हवी कहे विश्वहर्ता कहिंद्र। त्य रावे वृद्ध कांग्रमारक वर्ष कहिंद्र। विक श्वान्छांत कहिंद्र वृद्धी कांग्रहित स्मार्थित होत्राहरू कर्रांत व्यक्ति मिना। कर्र्य कांग्रिकांत प्रसावकांत्र हत्व हवेर्द्र ।

े काकाकात माकात जानक्षमात त्या घरेता-द्या के क्रम खेलिया जियाकित पूर्वे मान व्यवस्थि एवं गान नथी स त्यासिक केसारह ।

माख्यां है। है यन बर्जन नह छैडे जिहन रख-निसन प्रस्तान पूर्व संवर्धमान गोजिए चानि एक हान। ख्या इनेटक संवर्धमाने सांक्षीह कार्किन प्रस्तान द्वर्धनाथा गोडेएक हा। स्वाथ करे एक कार्यन स्वर्धीय संवर्धमाने मीक मिल्ल क्रक मूजन गोजि शक्षक क्षितांह विवरण नगाक क्षम नाहे।

অধুবার রাণীর ফাঁশী বইবার আঞ্জাত্টর: क्ति। केश्वात कविकेश कश्विमी धक क्षत्र नावामा स-विकारबहु में के उ वाचिवादामार मिश्र बंदबारए স্থানী লৈওক স্থানহালি পঞ্চাক্ষিত। স্থায় আন্তাৰ मार्गाद्या ता जिम्हारम का गांव आप वर्ष करवन की ভার মৃত্যের এক কলাপাছের নীচে সমাহিত ১৯ র্ধর্ম করিকী হজাব রাত্রিছে সাণীর বাটাত ब्रियमम । तम मा ब्रिट है है व मरवाक तम्बराहक कुछ र्विष परिवृत्त कहा दश । स्मिन्नियम कक नादी ७ छ। बाद जांडा के बाद पर बरमद की मी के बक क महा माजवरमद्र बीशासद श्रिवरम्य जाजा एम। मास्त्राहकत व्यथानकत्र विष्ठात्राणक वैश्वत शतिवर्ज कतिहा तांनीत कांगात कांगात कांनी महत्त्र क्षत्र ক্ষমের ছীপান্তর ও জপর বাজির হুজির আগ্র विद्वारक्ष । এই আজা इन्डाटक करमस्य विश्वतः। गत्र परेपारम्य बद्धान विष्ठात विभारत्राहे परहे

गडहाँ वरात्र व्यवस्थित । वास्त्र व्यवस्थित । क्ष्मां व्यवस्थात । विश्वस्थात । वास्त्र व्यवस्थात । व्य

· ২৭ এ কা**ন্তন** গুলুভারায় ।

जिन्द्र । जिन्द

मामाहत कारी वर्षेत्र (वार्ष्य) प्राकृतक कृतिहा द्य-दल दलात्मत वर्षे कृति महित व्यक्त प्रावृत्य विद्वा कृत्र कार्ष्य वर्षेत्र माहत वर्षेत्र विद्वा व्यक्त वर्षेत्र कृतिहा द्यापाल के कृति कृतिहेश विद्या वर्षे प्रमाप वर्षेत्र वादक क्रिक्ष व्यक्त मश्लाविक कृति। केवा कृतिहास महत्व करणांग्याप्ती वस्त द्रावेत क्रिक्ष कृत्या ।

নিছ নিৰ্ভিত গ্ৰহণিকটো ১৮৬০। ৬১। ৬২ অংক্ৰিয় ক্ৰিডিত গ্ৰিম্বাংগ উল্লে

£ 4311	K		*	•				
माञ्चाक प्रवर्शनाक	ब्रिक्ष ऽ (रब्राके	यशा स्थाति अवश्चार	हे बर्रायक	क्रमध्ये	केल्द्र श्रीकृत बर्गाक्षर है ५३ अ		द्वार के त्रियोगाः महिष्या	¥
33000 0	3038	\$	261353	45666		18 24	£4.03 .cs	
\$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$	222	***	48444	9 E E E C	とうないのよ	\$\$: A.89	.	702
229 93	36 AC 286	3450.83	4.585×.08	A36A	(÷	Br 454	185441	
16	Ā	40	*		*	*	किन्द्रक केरिया	7 22

त्यांशोषे महारक हिन्दि परक्षम नीख रणीमें ज्ञूमात जाति बर्दिन क्यांन्यां मह अभि अर्दिने वहेरक रमस जातियांत्र जात ममलिंड वहेरम, के मध वहेरक जावांक जानित्मचे कांग्री ज्यांत्रेड कोरक।

सारक्षक्रिक्षिक परंत्रम ३५-७१ व्यक्ष शक्षां अप्रत्येत (क्षित्रक्षां स्वाद्यं प्रत्येत्र व्यक्षित्र क्षेत्रक्षित्र । क्ष्यां सार्थः व्यक्षित्र क्षेत्रक्षेत्र अस्त्र होत्रियः क्षेत्र १ व्यक्ष्याः व्यक्ष सारक्ष १ व्यक्षित्र व्यक्ष्याः व्यक्षित्र विकासि व्यक्ष्याः व्यक्षित्र व्यक्ष्याः व्यक्षित्र विकासि

िनि चारता परणन, नव छात्रणन हिनिल यम ब्राज्यमरकोड कार्या वक्त. अप्रणः अन कन निविज्ञानरक विश्वक कतियात क्रिकांच विशेष श्रांत्वत । अ, क विश्वन नगरमरवज्ञ जेशक आधित अन्तर्भ क्षांच्या । N.

विशेष काल्य स्वाप्त स्विध्वेषक हृद्यान हर्गाः वे विश्विद्यां स्विध्वे व्यक्ति स्वाप्त (कोडिन्ट्ड्य ह क्षिमधान स्विध्वे व्यक्ति स्वाप्त ह्वार व ट्यार्यक स्वाप्त स्वेद्यां स्विध्वे । ज्या क्षार व ट्यार्यक व्यक्ति व्यक्ति। ज्या हिस्स व व्यक्ति स्वाप्त स्वाप्त क्षार स्वाप्त स्वाप्त हर्गाः व स्वाप्त स्वाप्त

प्राप्तामी ३७ वे मार्च कामन ह वि. क. वि. ११ १९ अस अबि कासीर्त वहिंदिन अस्ति।

२४-व कालु अन पूपरांता

গঠ কলা এক্সচেন্ত গদশ বিশ্বনিধান আ
দেকন কৈশিত স্থানিকাৰে ।

দ্বৰ প্ৰাক্তি নিজুকণাৰ দেন দি দিল

দেকন ১৮৬০ চিত্ৰ-১৬ চ ২৭৮২৬০০

না বৈ ১৮৪০ ১৪৩৫ ১৬ ২/২ ২০৬৭৯৭০

কিনিত্ৰ বলেন লে আন্ত্ৰ টি লাগ্ৰীন লাভ্ৰেন্ত

দেক্তান্ত্ৰনিকাৰী ক্ৰিছে সাহেব্ৰ ৩০ নিজুক

দিন্ত হাকিবলী ক্ৰিছে সাহেব্ৰ ৩১ নিজুক

দিন্ত মহিক বিশ্বনেক্ত ক্ৰিছেৰ ক্ৰিছা লাবজান মাজি

টিব নিকটে অভিবোগ ক্কাডে দেকোলে

नि मेळामान द्वेषा जाए माड है कि प्राथ प्रतिप्राय .

Itte .

A 14 5 1	
निष शिविक मूर्त्वहात ।	2 1
ंट ८ द्वानि वहेन्न	
"il broles	26.00 . 4 -
াৰ তে	Gran
*** + 18 P · **	44482544
्रिक्ट केंद्र केंद्र इंग्रहें	4PP-4+9C (1)
12/2 14 1 750 4 = 50	465034
T Dengang	ه محلامه

- 4 GIB #G	D * 299
इंदर्शक ८७	30059R
17.947\$4	እ እናቀቱ የሚካ
etop44	804:44.
िनियान आमागाना	हम् - अर्थ (स्वर्ग ४)
17. 5/12 0214 418 WE	वर्ड द्रेश रुधि

कारमधानिकामं वास्त उभावात विविद्यंत्र निर्देश कार्याच्या स्थान स्

सिनित्र बरमान यानाइनका का जिस्तिका न कि के केरताम असमान ६ वर्गायत स्वकाम का चैमात कार्यकास कि वहारका । त्व विश्व द्वारक त स्मान कार्यकास कि वहारका । त्व स्वत्र नाम्बर्ग वक्तरकारीय सावकासस नामका कार्यका कार्यका व मान्या कार्यका

जिल जारवा बरमन, कान पूर्व रवश्वरात स्माणाव बालाव करवन कन कर्मकाव करक रकार क्रमवार्थ क्रमका करवन आमान का काल कन क्रा, जाला भारव्य अरक्षन आमान के विके बच्चा विकाद कर्निरामीक्षणान, देखिनश्चा का काल, का कार्यराज विकास के कि क्रम, क्रम क रहेन विकास क्रमा निमार विकास का न स्मान क्रिकार हा व क्रमी क्रमा नवान :

धिक्री रचरकडे बर्दनन, मानग्यापन अवर्षाटलं उ **उर्शाङ्ग अ**ना पाँडेरलस्य । मक्काङ क्षेत्र व राक्षभोज्ञ निकारक्षण 🐞 २ १४ नटकांग्री, बन्न श्राक्रीय अपन कत्रियां दरहता था अन्ति नाम्राहरण केंगी ভূমিতে পড়িয়া অন্নে ক্ষতি করিয়াছে। ক্ষ व् उत्तरमहत्व के शक्षणीय क्षेत्र कारनक का इतेष्ठारकः वे देशक्षतकाती शतकात अपूत्रः ह ् विष्टुर्श्वम प्रश्रास्त्रिक दहर असे अभिने हे स्रोत मा (क्या 🏚 हिल्ला अध्य व्यवस्थ नार्थ क्या क्रिम दम किवित क्रम क्षेत्र व्यक्तिम दम्भाग प्र कालि हर्मच उनेज । अन्यत अध्यक्त स्थ क लकत बहुत। कामाध्यकार बक्त स्वाहक छीत्। 2311 क्रमा स्टेटिक श्राम क्रियाहि। ां। क्षत्रकात्रदक्ष बरक्षण क्षत्र काम श्रीलम को ी शांत : क्षेत्रे क्यूक्याति एक मिष्क व्यक्तिवर है । क्षम देशांमदकत् अक्ति सिक्षेत्र नामश्रीत करियाः। क्रम सम देन नरकत्र भारकत्रि क्रमी मरसन् ८११३ १ क्ति। ८ कीशासका खड़्डा छाटक, तम किन्छ शक्षत्र बलवादक छाष्ट्राक्षा खन् ग्रह्म में प्राकृति श्रुपात्र करते. लेक्ट्रांट क्**ल**क्षेत्री एवं एक स्टार्ट ध्यारक्ष तम दगाउनकी कामितः दन्निम, क CE num etera aficul meta una urf-

नारणात स्पिट्यम यरमये अवेश उस्ति । या मा व्याह्म क्षेत्रोरण्य स्ति । व्याह्म क्षेत्रा । क कार्य व्याह्म क्षेत्र होत् । क कार्य व्याह्म क्षेत्र होत् । क कार्य क्षेत्र क्षेत्र होत् । क्षेत्र क्षेत्र होत् । क्षेत्र क्षेत्र होत् । क्षेत्र क्षेत्र होत् क्षेत्र होत् क्षेत्र होत् क्षेत्र क्षेत्र कार्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कार्य होत्र होत्र कार्य कार्य होत्र होत्र कार्य कार्य होत्र होत्र क्षेत्र होत्र कार्य कार्य होत्र होत्र क्षेत्र कार्य कार्य कार्य होत्र होत्र क्षेत्र कार्य कार्य कार्य होत्र होत्र क्षेत्र कार्य कार कार्य का

বাজালি সম্পাদক বলের জনতি ক্রি প্রায় ৩৬,৬৬.৯২০ টাকার ক্রেনের উলিয়ারি নাজে।

किन चान्या परमय सारक्ष्मित्रप्रकृति प्रश्न कान्य क्रियान्य क्रिकेट्स्

বাজপ্তনার এক বাজি জাইছে প্রীয়ে ন জান করিয়া এক কালীর নির্মানী বা বিয়াহছে। সে বাজি পুত ভ্রীক্তিছ। এম্ন সকল জত্ত কাহে

व्यानना, नव्या व्यक्ति वृश्य विकेट्स पूजा द्वागार नव्या द्वाविक व्याप्त द्वा गानक करेत्र अव्यक्त पूजा वृद्ध क् निवारक कामानिटक्स अक स्व क्या ब्रह्म गान विद्या व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त कामानिटक्स अव्यक्त व्याप्त व्य

गणनवमत्र शिन्दके छ का.हाएक क्षेत्र कृष्णि द्यानिक करेतान है हिंदान में जब क्रीविक लाट्ट, जाना क्षेत्रकानक

अल्बर काक्व काल जुनाई संक्षि

পर्वाष्ट्र _{उ.इ. सि} दम छे, लग्न दमक्षा । Siene bath . Unia egatte : de aft-इ मर्राम १९ १ स्मारकार, ६४ । इन ५७७, माज कामात्र : ८माउँ अक्ष: कि-भारा द ्रम पूर्व छ। वर्ग नमा संख्ला । লাকি **কৰে** গুলে দিবস পাছৰ নামক এক क्षण्यमञ्जूषे क्षु वर्ग विदयन स्थायमामः प नरम्भ क्षेत्र है। व मुई छात्र विरूपम काछि वाम 🛚 अर्थित म प , वेर्ग नरमेत बर्फ वर्षे भवत सुन्ता र कि ? अञ्चलिता अहि ध्योणनात्रा वार्यका म छात्र, इक्ट्रिक ५ उ करे कहा कविश्व हत

व किता आकर्षिका कर हिंछ काएनर्न अर्छ পাথ্যাসকাতের বে এডিবাদ করিডেছি नवं काक्षाक्षणाञ्चि व वेटएटस् । क्वाकः धानाः मह कार अध्यक्ष्यातक कहे म्।आक्ष कार्यकेराजन त्वाच क्षित्रा व जित्रदेशम, याका याना अंदर र्गामकाञ्चार मनारकत बहे निर्क क्रिजां व न का किएइन । छ।क नेश्वांक अ केश्वांक्टलब ाक्ष्मिको प्रवाहा वजुन मा ८०म, जान म-ब्रें क्र भी भवे, योजपाना क्रिएक के ल स्त्री-

म मध्यम् इतुर्वम मो । 'भाषाद्रसम् कृषि भगाःस्थर अपने भूजस्थित सार्विविदेशीय मध्या जामका रण कि एक मि-ठीकान्न करेगा वि वि कार्यक. छ वि वि व्यक्त उ विरुगन जाम दर्शनदक लामेटक ए । **हे**ई। क्षम शुक्क केरलामम कत्रियाहिएलन । कि ir. कि कशिकाखार कुरि नगः क कृषिकार्याः केनविनायम कविटल श्रीवटन्दनमा a कि अधिक कविष्ठ इंडेडल क्विक भागत অগ্যো শিব ' ও উৎসাম্ ধেওয়। জাবশাল।। रहारशरका कांब्रकाविक मन्यार माळा र-चार्गीत ह ' निश्व (बहाई कडेटक लाइ है। यरधा (४) भूजाकानका कह किना है। इडेटक व रिन्न प्रकेता आक्षमान विनयक 14 क्वित १६ । ३००० भे द्वा का कान क মূল জে ৷ অহল স্থিয়াত সম্পূতি ब्रुव दिवस्था । द्रार्थिति श्रीय स्वाद्ध श्रीहर-शंभिक्ष को बाद के रियोग के निया हिर्द्यान । विश्विद्वारकान भागान भागाना व अधीनक यक्तीं कं क्षेत्र (म माना व्यवस्य कामि माहे, • इष्ट दुक्कार मार्ट्स - उद्दाद्रश कानियारध्य ঞ্ব ঞাতি তিনি সংগ্ৰ দইয়া আমীর 🎚

. व्यामीय हो। Cक: ज्यानि को क्षित्रिय । क हो-भिष्ठ का प्राप्त का ७७, वऽ के एक स्वाह महात का वा भारतर वह विकास का ८० बार्ड तार्थां अवस्ति अवस्ति विकास किल्ला के अवस्थित। यक वर्ष कीश्रांतः केर्यक्ष रक्षर जन व महेशायोग। व्यविद्या को 🖟 भेराविद्वेत्रात्मक वर्गात कुलड काश्वास स्विधिय महार कर्षका हत।

मिक्क के के क्षेत्र के किए के किए के किए के व्यक्ता कविकाहित्यम । जिल परमहाविष क्रवे विका स्ट्रेफ्टा ध्वरमत्र व्यक्तिकास कार्य क्षित्रकेन करवान क्षत्र ५-,७४,०५, है।कान ज्ञारा हिन क्ष्री इ. इ.स. १ अने नथा ५ जाँ उद्ग अनुकर्य । कार्यया कद इत स्वयान रक्ष्या । हर्वा । देवा विरश्त वा । मा क्षि वीक्रम म राय कविका भव वा निक्क त्यान र्भव कतिराद शकार कतिहारहर छ। हः महल

> ম্ভিয়া ওলাল প্ৰের বাজাবা ভূলার উপর ब्राप्टामी कर उठाईश विश्वास्त्र

अफोर्न जाइक सर्वेद कृषिनमार्क ५५२ व व मका क्षा धन। हेन्यमिरमङ्ग मध्या ५०६ कम भक्त-बर्स मध्य म्र अस्वन्य करिश्वारक्षम् । मख्यः बंख ऋनीम् कुषक्षित्रक भाष्ट्रवाच ५,५२० है।को शूवकान क 30.0gg होक'त्र शेक विखरन क त्रप्तांक्ता अर्ज कहेटल १०१५ होका स्वयंत्र अवेश्वरहा भवा अक्षात्रकात कुर्यक्तिशाक वेश्वेदवाणीत कृति अवाली , ब्राजिट र क्या है जिल त्या व रहेर विकास के 何母·音·音·音·图(李雲平)

करक्रक प्राम अवेशा काक्षका श्राक्तात्वतः निक्षे अक स्था प्रशासी के दें विश्वीय (प्राचान व मुख एक पुरे रम्। आ**र्जन जानी** नाट्य अन याण्टि ख: इश्व बच्च खित्र काटक का इति काँत-मा ब्लिट्स अथ करता। जे सर्वाकात के.ल' करे-BICE !

2m. 254 Wartin :

विक्षित प्राणान, प्रव एकगाँ वक् कर एक। खश्का (कोब:अन्य कामनावेक उन्ति काणाईकः অপ্রীত পান করিছাছিল বলিছ। বাজিটেই ই ভা-शंब 50 क्रामा मध कविशादित । अनुसर अरे सि त्सारपत्र नीडि निकार केनाइ।

केश गढ के एवं। बरमन गाँदैक्शकां भवर्ग-(मर्के माहाबा आखि ऋ स्वत अधाम निकाम नि चित्रारक्त छे ज्युरशय किवित विवित्र कांगी नामध्यि वामिक ३८ छोष्य शक्षान नहिस्करधन

केक शहा भरता पुके प्रवेश विश्वनाथ एक माध्य क्षेत्र वाहित १ केले करण अवस्थि अहिन ৰিভিত করিয়া টাকা বলিয়া এক টাকার বিঠাই क्रक कावशाकिक, विदेषि क्यांका खोशांटक परिश् जे हैका गरमान बारबाबाड विकास छैगाविक वरेल । क्षा - ८६१व सारतायांत वस्ता अवेटव रहावे है। का कहेत्र। यूट्य दक्षिया विभ, माजित्के हैं। ভাষা অনিয়া পরীকার্য ঐ চোরংক নেডিকাল আলেকে খেরণ করিয়াছেন।

सञ्च नाम कांद्रका बरणांव हिरकादबर अक काञ्च ना विचन कहियात केरेक्टन कठकर्ण न कांत्र कारताय महिला महिला हिर्दिन । दिमका मध्याप कृतिमारिक कोर्या किनिया प्रतिप्रिक्ति

आक्रम क 'भवर वर्ग दव वर्गक छेदात मां कर कि मिल हरेटन ए। हान्य निक्षाहियह राज्यातका 1741

কিন্দিল এই এন পঞ্চাতকর মেইন ভাতে গুরু शाह भव र शक्ष ३ ७ शहर के खेळा १ वर्ष है। व्यक्तिक रेश्वा व करियां अपूर्वां कियांहर

fafetur: pa aimig nevente tin खबेखा के किन्तु है ल एकमाबादित के असे विशे वर्शार्थ अकति मातः कविशा मकलाम शासावत विकासिकान काश्राद्ध कांच १०० हाना **के** 有 (電)

२ हर है ३ इ. च्या जिल्हा है .

किंतक राजन निवादिकारक माना स्वित्रम कहिनाव जनहरू आर्गहाठी १८९ एका दमक कामार हे शाका के कार tungs প্রের দ্বিত্ত ল'তে ব ভঃলংভে আৰু ভাগে করি।

िका का एक वरकार औष बाक्ति विश्वा शहर রাক্তৰতাৰি ওবংশ বীক্ষমীকাৰে প্যাৰ্থ্য निकार कविश्व।किया । व्यासाक कावा इत्वाद्य व्यक्षण्य कर्य, शर्य श्रंद के ग्रंद व्यक्ति है। हाल द्य अस्तिया। सा ग्रहाथ स हिंश के बहुश्री ড়াংলা ক পদা ^{শি}শার ও মু খেন (শ্যর ৭ ন।

किनि सारका २८मान, घर व रक्त त्रका सा भिवाकि छ दशक्ति भारत अगानिक ८क का आम किया अन महावाद की उन्न का लार्फ क्या भव ও ८४ फ अल भिन द्वार देशीर ष्ट्रियो जांदर्भिए या शक्त क्षम करिए तम ।

समाध्यत्र केष्ठे वटावय अ - ज कृष्टेन क सिकाहां। जानिएक' इस अन्य अवश्वत काजिश निविधि CHC किहित करे। वन ।

व उनमन गाः

म्बामिकिम ब्रिकुक तव छावला छेष्ठ वाह व्यक्ते कामकार में म कारका शि सक्रम्भाग्या ।

भागतीय रक्षांभव । भागांव अंड शंव वर्ष লাসম কার্বা স্থান করিয়া কালেবার প্রতি ম^{াশ} ब्रिटकाब १४ कव्या क कुछ का इर्थ दिनग हरेगा है। चाना च्यानियः वक्तवानित्रम् । अरु । । । एत नवति अविक करेता वह पाक्रियमान गत देशा हर श्रामा क्षित्रं स्माप्य क शायन न सर्हि

हरमध्यम् । अक्ष (योष्ट्रन' र ह हर वर **ी जास, उ हैका अभाज स्ता**न का भान जात मानी क्षेत्रां अरकरणम् भागम् नाः विर्देशकः बादक काव उपवीव विद्यास महत्र कृष्य । उसि व शृक्षक विश्वाम **क**शिकार हा

क्रांबीय अवर्**टकारी अकल** रा ः प्रवास है। माटक्षतीत आवक्षतीत शवकी एवड् वर्ग अक्षां मणक भूमा वादेम ७ कार्यम अवर्जित क वताहिन, छवनि छान्। जानी भूकि क्षेत्राचित्रक काल्या व क्राप्त होता ছেৰ। শাস্ত্ৰ সংক্ৰান্ত শ্ৰুত্বীতি নিৰ্বাচন বাৰ্গ न्य, ७ मध्यात्रस्यक्ष **व्यक्ति**मायम, व विकार् धनमर अर. शक्ति आयो विश्वति छ देनाव कार्न, अपर विश्वतिक व्याखा विश्व देन मकत गत नवर्षक त्या-क्षा का का के महा के मेरा के महान का का महार बाद देखाइकि कामा स्थार त्यमण त्य देशमदक्ष श्रांत करमनीयविध्यक्ष काख्यक देशक क क्या म म नाहित्रकारमान के देवकि वेस्त्र विदेशहरू वहा अ नम् आन्ति व मछाउम धनांनी करंतरन क-विश् अप्राम्य भागम विश्वत्व वश्व आकाम करत्य प्राप्ति सम्बद्धा विमालन अधिकन्त प्रवेशास्त्र।

একাণে এডামেশীয় ক ইউলোগীয় অবৈভানি-व रारशंभक प्रय वारण्भिक मण्डा थावम करिन ! आहन, क्षांनीय वावकांशक मछ। व्हेबाट्ट, ध्यांन व्य रिविशामिय ६ उपि व मार्गा धक कर अड দ্রেশীর বিচারপতি হইয়াছেন, সাধাবণ সাক্ষ ে প্রতিবে'নিতা ছাব। কর্ম পাইবার শব্দে যে

ताम शक्षिक हिल, उपनाव पारवक व्हेबारम् । याद्यारक अक समीरवंता क्रमणः संबंध ! मानम कार्या नमर्थ व हैएल शारतमे, लावाय खेलाक श्रदशक्त कर्ता प्रशिष्ट । ७ ममुनाय व्यानीम है॰ मध्यद्वीरक मध्यम् मर्ग भाग्मर कन, उ विविख খালত। আপুনার নিকটে ছিব বামিত চ ইয়াছি।

गडानाव । ज्यान विद्यात में प्रत्य न कांच्र के प्र इन्ह दर कोइ इबदर्बर श्रामी भाग कन्य देशका स अक सर क्षम श्रामा आ छिलिपि स्थापना क वर्ग स्थापन। व राज्यक र्िकायक स्थाप जेगा चु का उन्हाय न्द्रायम वाका कारहम अहे क्षेत्रात अस मरकात भिष्ठांच शास्त्रीकाम । सामाप्तिस हुई कम डेग कुक भावजन्मीत त्रारक्षितिय सरकाशकात् व प्रकाती श्रीत्र स्थातित स्थाति हिस्स । कारिनी जानमध्यक्षिमी स्मित्राहे आभाषिरगंद्र बरे मध्यांत्र सामित्रारकः वेशकाना भामता ला-ছটী(বলী ও জ্বাপ্ন(কে সক্ষ করিছে)ছি আপ্-না'ন-গর কাষ্য**্রালার। স্পার্ক্ত** জাতীয়নান চইতেছে (र प्रामीय प्रश्नादयको छ यह। मध्य अ छे छट्यन प्रदर्श भार बस कर्ष हाती श्रीकः ज्ञादमाक उन्हें कर्ष চৰি ধাৰণা ই মহাসভাৰ নিকটে সাক্ষাং সম্বন্ধে शाही संस्टेटनम् ।

जिन्दा वर्षीत्रिक्षियात आकि पावध्यात विकास रें में अब का जिल्हा का धीन अ तना वा बाद बूचे-व्हेंगाया क बान् कर्मापिटल व महम दय नकश व धोन ोरवज्ञ जिल्हा इदेशाहरू छ। । आयात्रा रिलाखन महोगछ। ७ मर्तम धादानन दहेंचे। ६ गुउँ बार श्रीक्ष इर्रेशिष्ट। यामना भूककरण योगान करिएड्डिक किंद्रस्टरम ठावाड राव व मानन ग्रेड्डरवर्ष छन्ना कईता जातर कानीय ग्रेड्डिमार्ड विष्य कृतः कृतः कृतः विषयः गण्णूर्व चार्थीनकः (an । । सन्तिम् किस पूज विश्व । जापाइ-े शिवरदर्शन विवास भावपुरेक भागक विकास शता ^ৰ.৪. অধনতি অধিকাক সেওলে আমন মঞ্চি इत्य बिलटफिक् आधान। देशकटक विकास आ छ। क्षि । क्षांत्र व्यक्ति व्यक्ति। क्षांत्र शास्त्र रिष्ट केशाला करिनोह स्माक्त ह अग्रदराध किंठ देश बावजीय (स्वय चित्र व शक्तां इ विश कि छ विरयहका कविरेक मारबन ।

बद्रा भवर्षस्य । इंश्यादीय भवर्षमञ्जूष विश्वत र भाष्ट्रका दशकासन सन् क्वादीव थान भावका कारह क्यांविष, श्रमानक का अहाव मध विभाव के कुम विकास छ विश्वयात्री वानावक । व्यक्ति द्रारक्षेत्र व्यवहारक्त ।

महलाक विविद्यार्थ्य कि गढ़कड़े देवाई मिनक র সাক্ষা বিভেক্ষে । আগনি এথসোক্ত বিষয়ে क्कृतिकट्ट त्र पृष्टं मक अवान कर्रिहाट्डम, क्रमूरे का जासकार्वी विकास सम्मानिक मनिकेश अकार छोत्र हेर्ग, धनर मछोक्।,विक्रंश चाहित्तत्र ज्ञाधन क्षेत्रा त्यानी विरमात्वत्र भाग क्षेत्रात कत क्षेत्र इक इरेबार्ड्स ।

वरे धरण मरेकात व्याहिक क्यांग्या कांत्रक महकारत अवगरेतिस्क आणा छत्रार्वना कवि ट्डिश । जांब्रफवर्षेनामरानव वर्त्रमः व व्यवासी स्वत भविवर्त्तिक सः। वस अवर कक्ष्माणव भविवरमध्य त अष्ट्रेश्वरंश जानक स्थितिक। आंभानात भागमाधी दस वाकिक्षा चार्णान देशमरंख्यतीत्क मदश्वामर्ज নিয়া তাঁহাফিংগর বে উপকার স্বরিডেছেন তারা धैशित्रा मीर्यकाम खाम कविरक्ष भातिरकत ।

গ্ৰণ্মেন্ট বিজ্ঞাপন।

राजनारभ्योत्र राष्ट्रियकेशवर्गराज्य 250

ज्यादकनाञ्चमात्री विद्यात्र ।

ट्या, बाइंड क्ष्मकेंन मारहर एमजीय २४ ८७ भीर मक्कारी भूमिम सुर्गिदिलीटसभी इंडेरबन ।

खर्राक्षेत्रे स्वश्ल मारबर स्ववारबर ५ म दल्ली-

चान, अष्टेष्ठ, जि देवियं मार्ट्स स्मिनीय तात २ ४ ध्यानीर महकाती भूमिन खुगातिरकेरथ

निम्नलिपिक वास्तिवा निम्नलिपिक चारमव ও যু তেত্রীর সহস্থারী পুলিস স্থপারিকেথেক মন

दैर्दम ।	•
নি, কেনিস ৫	মে দিলীপুর
त्य, अत्र नाक्क्रेन	চান্দারৰ
ति, वि क्याटमन	কিচ ড
चात्र, अंडेड दर्शन	পুর্ণিয়া
आंद्र, अंडेड दर्गा अंग, विं विषय	পার্টনা
ats. छलक्या	क्ष वि
(क ह्यागनांन	ব্যৱসাহ
ca, खि, जल श्रेम	वक्षूंब

२व। मार्क - त्य गा हैन वि व श्रिमिटक जिन जिविस देखिनिहरिश कारमेरका अं किनिय अ श्राक्ष न व्यथानिक व्हेर्दिन।

CF. ७५ मिडे CB किल्मिन वि. a ध्यान-एक कारमहमः अन्तिमित्र स्थालक इहै

বঞ্চারের পতিনিধি গুধান প্রর আদিন को । बामकोवन होत करे फिश्मक्व क्वेटल छथी कार शमील प्रशास्त्रका दाकिकेटनम शक्ति व क्रिकारक्त ।

वांक्रमादिव महत्र चामिक वांद्र (भानाहा ह-स्म क्षांब २०७ फिलबब व्यवस्थित क्रेरीकांत्र बनीत मञ्चारवरक्षक द्वांक्षकी इ देशहरून ।

ৰালেশবের সদৃর আবিষ বাবু কালীপ্রসাদ रेण कवित ते अद्यासन करहे ता। जाशनि करोहे हैं , वस द है किरमबर व हैट्ड एवं।कांत्र वनीम वस्र

91 116-11CH 1497 4 (कपूर्ण कारणकेत कारणके ट्रेक्ट का कारण ब्रिंड कथा मात्रस्य विशि एक्से क्षेत्र जिल्डिरेडेड मन्य न नामका साहिद्वार्थ है

0 रे विक्**मिल के के अपने** थ क्यूंगि क्रमहेत (m. क्रिक्ट्रम नहिं क गाँकरके रहेत मन्त्री न क्रमका गाँचेश्वर

क के मार्क-- मि संतुत्ताल आहे व के त > चारेन चारूमाराई कंत्रिकाला चार **७ गामि तु एकेटत्या आध्य विश्वार न विदेश** त्र। अञ्चलदेश काविट्सीय विश्वीतंत्रकार्य

विकीय व्यानीय कर क्षाविकी के देवर प्रत्यक्षत्र कि क्षेत्रक करने के जिल्ला का मारक्ष ३ मार्थ्यभीक विकास क्षेत्र हैं

पूर्व विकारना वर जानिकार के गंत्र प्रवृत्त जांक वाष्ट्रक नोटक्षे के के दर्ज ३ म ध्यानीरक व्यवस्थानमं स्थित्वमा

शंकावि काम विकाशन कुलीहे है थानिका के दबरवनिक महरवका अविकारि ८वर २ ए ट्यानीएक के किक अमेरिका है

के किन विस्तिति के अधिक के किन दहरनिके महरवत्रक दक्ष, है। महन संस्था **ब्यानीत शरमानम शाहित्यम, ३**...

श्चेता विकास्त्रक विकास सम अभिकेति निके नहर बन्नह अक, अब, विकासि अहिक (अभी: के विश्व श्रेटकर्ग

शक्षिम विचारमा कर्त व्यक्ति महत्यकत करेट, जांच कि केमा ने जांचा **(क्षेत्रीराज शहनामन भौकेत्रक)** 🕄

·जानाकान विकार के अब का कि के नि निक्रे नद्रद्रवस्त्र कि. कि. केवलम नक्षेत्र्य क्रकीन नीत्य छेचि व इदेरवयः।

शबत्थः

অবিচার স্থর্শ-কর बगाणालमाव शह , मिबिक क्षेत्राट्स् ।

世代石井 門は の甲」 माके, वहां भूग भारताह नवार काम करेशां न श्रम सांवाहर

विक इंडेब्राट्स ।

faul fary PERICE WEST grant # 5" शक्तरेश्व विश्वाची हिंदि श्रम कामहा क्षणक प्रेगात शृथ्यी वात्र, आवृत्र लग्न श

177 578

ত ৷

জীবুন্তা সোম ान गन्मा पर

महार ALCAL T

मर्गमग्र । श চন্দ্ৰন সগত্ৰ প্ৰাৰ

'PISTER "41" 1078 ভূতীয় ৰাখিবলৈবি

क्र क्रांक्ष मन्द्रक श्रेषेश विवास । विशिवास अभि स्थाप रेश पर क्षि विश्वविक्ष इते। दिश्यमा । १ वि नांस रेन्द्र भग्नम् २ मि ख्रभ्न इक **ब्रॅंडरमा क अन्ति है। से कहिरमा अहे** नो-শহু নাথ শৰ্মা, উপাচাৰ্য্য সভাপ এ ५ १६। छात्रा जकरशह यम खाद्ध कृतिहर भट्ड नग्रन्थ देशांत्रना स्ट्रेश यात्र में. सेंगा अरगात श्रीवृक्त कारा-कृति महानम्, जासाधदर्भमः । स्य व बाक्ष करियात नवाक क्षत्र का अदबस मध्या के हैं पूज अवाद नित " Tankerg Diene Gu'a Danti 1 क्र बन्दि शृष्ता नवाल जादक ज रा नात बुद्देर के अंश कती अव द जो । व कर अकार रहेश बादक वर अ. स क् द्राहिका उननामं बक्का । म न बता हैना, कहारुत देशक वर्ष न है , ब्रांकी शाक्ति। , ज्ञानक जारह, ज भक्त कृत्वा क विश्वारितिकात जारत २ छ । क्षेत्रका न्यां अध्या बारम । अहे रे -क्ष निकार में अपने अंदर मार्चित स्थान समा হালা, গছ দীত চইম ছিল, ভাৰার ৫ ট विश्वी विवाहस्य कास्त्रम्मार्थ अ'श्रम् बार करा व्हेंग, अल्डा पूर्व प दिशोद अस्ति क्रिकी मधाव मणावय नदा को शोशिक्षेत्र। सि म ज्याननभावत है। । कालियाच-वाधियं प्रदेशमा

MINISTER WITH

গ্ৰকাশসকলেৰ:

नामश्रकारण कारा ने को की नारकरनः कि, बनिक कामन श्रीम नमन कागी। कार्-नाके नारकः का किन करमन के का किनान का कि कि समान के "प्रमान कि समान के

वीरांत्र व वास्त्र के हिला किल मां किए के भी-चंदबच्याच मांददय ह्यांबाकानाय ह्यांचे कामान उक-त क्या क्रेबाबाय क्रिका शारवाताकात काणी शिर विवास मद स्कार वा कर वजहार मारहर स्रोध हो-वित प्रदेश, क्लाकात आविष्याची गाम नि इक करबुक्, रहर शृद्ध अर्थाहर श्रीवनां है वनिता स्केत्रः वनी मारख जैस त्मदक्क का शक्तिक विदेशिक रिवे क ब्देशोरक्त भन्नाप्तक बक्रानत् । अक्टल कि, बहै विद्यक्षमा एव मा. त्या आहे है जोत्य व केव्य का द्य खामान विश्व कर्ष कतिएक गांटपुत्र कां, क्रांपना ८ १८३ अ'बाद बार्डेडे मादबर वाखित्यक क्रमा शकि अ-त मिक्के कर्जा कहिरक जन्म सर्थ सं, बहु । इंडेक की केरामा का भाग गाँवी गांदन वरण क मि **वर्षः विक्रांता कृति, ८५, छैर्गातक बावशूक्ट**ा अथक निकातकतिश्रदक अक जान रहेर के आर्थ ना महेश्रा शिक्षा कामोखात मिक्क कविरक द्य ६ १। श्चेत्रक निरंबध कविद्यारस्य कि निरंद्य निरंबध का नहां क्य कि श्राहा करवन ना २ 'चार्चरा अवर्रायने कि त्म प्रांख: इडेटड छाँदांटक यूक्त वाचित्रारहन 🖰

প্ৰদানিত সাহস্থে এখানে আসিয়। কয়েক সি म रक कथको। रमाक्कमात विकास कविवादितान ভাষাৰ্থিতান্ত নিশানীয় নতে বৰুং কোন কোন त्यांकक्षमाय विकासन भारिएका क्षाकाण कविताहि त्मव। एक्नियान धावना गात्र शह नाहे नत्स व आंश्र व्हेश महक लगनीबद्धत मित्रपूर्व महिलाम रबद व कारन हिरकाविषय क्षांचना कविष्राहि म म किन्न अंथेन दम कवा मध्य इन्द्रम हृद्रम वंद्रम हेनि करव कामाव्यति छ वहेर्यम मर्द्धाना अहे या র্থনীয় ছইয়াছে: সম্পাত্ত সভাপত্ন! ছঃবে: কৰা: বলিতে পেলে আনি আলিয়া উঠে, ভবে ।। रक्षिरम नम् अहे समा किस्पिर रशि। अहे शांवन क्ष अभीरम भूमाधिक कृतित मारबरवत महिन উজ আছেলের জুত্ত জুত্ত ডালুকদার এবং 1 काशर्भव्र करवन वेश्यु अवधि श्वातक्य विव वहेर अस्त्र, केल जीलकेत्र मास्व कथिक छात् क्यांत्र अनः श्रक्षां भवत्क छेरमञ्ज विश्वां क्यां : चारितर अस्ते कर्वात चार्यामध्य यक शांत्रिया (सम (क्षांक्यमा क वया श्रांख क्षेत्रा कथक विम विकास तीर वानकात्र हिल्लान । विका अवादन (इष्टि आं)! मध का निक क्वार के छन नी मन्त्र मोटहरूरन राक्ष हरेरछ अव्यक्तिनन नोहम अन कारत हरका दरक माछ दशक्तमा देशहित हरे-बाब धानर्भिक क्रक मार्क्य अवन अवन निय श्यक्तरण विष्ठ:व कविद्या-नारक्ष्टव्य शांत >oa (बहुकबन) फिनमिन क ब्रह्म। श्रेक्शनिश्टक क्रिके (प्रमा । बार्ड महात कामध्यांत्र मध्य क्रांटिक वाहित यात ख्या बंबेट्ड अक सन महत्र स्थाउनात्र अवः क्ष क्षत्र क्षत्रीत कर्षाश्रक मारहर क्षांत्रश्च वि यक्त भिक्षा दशक दय दमके व्यवधि करू भारक्ये अ कानरवद्ग जेगद चेलू नश्क इंडेटमन अवर (मई कर থি আর তাঁই।র হুখ ইইডে ডিফী ভিন্ন ডিগ্র त्त्रम् स्था शांत्र वास्त्रम् स्थानाः, ननश् स्य नकान त्याकेक्ष्य। भूरक्ष किन्यिन क्रिकाहिरलन भूनकी। ह भूमेंकिहारकत एक्क्षेक भड़ेश राहे भक्त व कथ्यात्र बहेकन खिकी विष्ठाह्म । मृत्याक्षक म क्षान्य विश्वत क्षान्ति क्षावाविद्यंत क्षेत्रा तक

दि मक्क द्यां नक्षा शृंदर्श हाकों व हारिय विन कतिबंधितान, कांब्र कि वाहिताहर विक्रांत वस मोद्दें । यपि यस्तम अहे नक्न या मात्र विक्रांत आविवाहरणेद्वाहे व वेत्रांत. उट कार्य दक्त कांब्र श्रेत्रवाह कांग्ये। इत कांत्र वर्षान वार्ष्व विक्रांत क्षम बहेग्राहिल कांग्राविद्यात वस्त्रमा अहे या किन कि हि कांद्रम काहिन दक्षणा अहे या किन कि हि कांद्रम काहिन दक्षणा माद्रव कांत्रिह है। क्षम काहिन विक्रां कि कांक्ष्म कांद्रव कांत्रिह है।

विश्वादिक १

महाभा ! वेदारक देश मा आहा। व्याग्य एक्ष्म, नीमन्द्रमा अस्मान्द्रश्य ह এই বছাৰে সাটা ফিপাইয়া (কে শস্ত ক (क् अ'ति व!) अदेशांक् (व * a's होता क् महेको अफ बरमह त्यग्रांटम अट विश्व' क नांछ। निचित्रा क्रिकाम , वेजांत वाक्षा वाज । कार्यान ना करि छाउ भाकागामात ग्रहा : বিখা ভাষিতে ১০ টাকা (কেমি ২ খানে লাৰ রেকও আছে) করিয়া ক্ষাত অত্তপ ভিত নীশকৰ সাহেৰ্শ্ব সেই ক্লগ্না লেখ্য জা-मः विकास केन्द्रा । स्माक्ष्यमः ए शक्तिक के देशा टमन . किंश्व अकारन श्रमीन (सटाउ का रि.प.) ना। क्षेत्रांटक ब्राहिष्ठे माटक्य मांद्रवयामा प्राप्त ८७ और र स्वर्शक अडेब्! (क्याफा प्रश्न र र र क्रिकी मिटलटक्रम, बाक्षविक दावीब नाहिती इक्टि भौकामा: भव दूशा भ खा व आर्थन CE । अञ्चल नांधीय विकार अक अक मनशाय) लक्षेत्राहे च्याद्रचीत विश्वदीख क तत्वर है।वा ह CF अब अभि।ना Cकोकुरकत कार्याव गाय, रा क गाउँकश्वेष अविध्ये विरयहमा कश्रितम ।

श्रीवरण्यस् अकृष्टि वाक्षान् ना सिथिए। हर নীকে কোন অকানেই প্রিড্যাগ করি.১ পা खिक् ना। नोमक्तन्त्रा (व अकार मः भ भ' र कविप्राञ्चन, रमष्टे शका भक्तिः कि व ५ ३६। ৮ . : • वदमञ्ज श्रेटक मित्रप्राट्स, (व्यव) -कम्मा बद्रशंख इवेश्रांद्य) व्यथह, करू 🗥 मीलकत्र । शहक ८मच्च (क्यूकक्षमः ७४) है। ब विक राष्ट्रभाषि विकास्त्रम । मण्यामम " मा क्लीक श्विष्ठिक कहेबाई क्र 150 वरमव ह त्व कालित्त कुछा बहेशाटम ए। वार मान त्याम मजीता साविक बहेटल छ। हात महि लील बल. बांध कि मा ? खबर में के के में शील बाह् । महस्र माबिस कहिरत ३,६१९४ द्रांश क्रम कि मां । धावर कान वामानि वाह अभ माम मनीन बामाना माथित करि ভাৰে ডিনি জীখন দশনি না কালে নি भारेत्वम कि ना ? सामनिष्टे बन्न । कः भाग बालरबन एवं बीअलग नोरहन, मा: कांत्र कांनांत्र काश्रांश कि २ वदांतः ^हर्डाट ६ ना श्रेशांट्स श्रम प्रश्नेष्ट्र नाहे. fof मिर्काय स्टेटलन, ७वन এक छा। काम मजीज कविरण चात्र कछ वषु वर् हेर प २ कम ७६ दम आकात सामात छण । यर कारम्, कोमारक कांच दर्गन श्रमादहरे के

्रेक्स विशेष व

क्षेत्र वह के कारव क्षेत्र नार्का के व वार्क क्षांक क्षित्र क्षेत्र क्षांक क्षेत्र क्षेत्र क्षांक के व क्षेत्र क्षांक के व क्षेत्र क्षेत्र के व क्षेत्र के क्षेत्र के कारव क्षेत्र के क्षेत्र के कारव क्षेत्र के कारविष्ट

CONTROL OF STATE OF THE STATE O

८व व्यापार्विक्टवेश वर्षायान् सन्बद्धिक वर्षात्र वर्षे गांगक्षरक पानांकतिष नविषा अध्यक्तना क्षित्रकारे व्यक्तिनगरम क्ष्मा नेसम् ।

भावमा ।

8

वक सम आहीन।

20001公司 (中国)

জনবুৰে গুনিতে পাই আমলাভিগতে এক ছলে वाचित्रा वटन वधन वाह्य नाहा नाचि नक्ष्माती 本成 を身がに直う

अव्यासकात पुरसाम वाष्ट्र यहना व मझिक भट बना बनादम शृक्ष क्षित्राहरून, यह वाजू शृद्ध वर्ष- ' क्षित्रा वाणनामित्रान वृद्धि वित्यवन। क्षेत्राहत्र माठमा मृत्यान मित्यान, अवाहात स्थामा सामनः मिन्द्रा जिल्ला माविस कविता व्यव । शृत्सी भूटकी कांड चाहि, कक्टन भारतात्र वाडाम श्री देश मा अर्थित असे अस्ति।

জীবুল্ক সোমগ্ৰহাপালক मक्षिद्रवू । आशामहत्त्व क्रिकीम अवश (TERBORE)

जिल्लामक महाबद्ध ! निवन व बन बन-ब्रिट्सन श्रम मध्यास विवशम सूट्य मध्ये हैं हो ध स्वाताल केलांकिक बर्देश हैं, : के ब काक्स्तान भाग शकारण छरम दश्य आशिम स्व अस्थितात वाक कविषादस्य, छोषा विध्यय भदन त्या श्यू र्सक পাঠ করিলাম বটে কিন্তু নোমগ্রকাশ প্রক_াশিত ক্ষমণ্য্য বিষয়ে আপনায় অভিনীয় দে বিষাং त्रण मरण्डास्थान कर देशाल अत्रण मन्दे क के लाम म होति जल अजल अव्यक्तिका में विष्टत का भार वः र। व क्रवाः छ। र। भाव निर्देशः । वस्रास्तरः त जासामहरूत उकीशनि शत्र मानाइन म्ह हात बावधात वड्यून आभाव काम। कार्य. अने म ং পৃথি লিখিতে গ্ৰন্থ ইনাম।

अवानय ! आंश्रांकारण्य है शंक(परवर्ष रम गुक्ल अम्मृद्वम् यात्रमाम्छ , छत्राद्या वर्ष क्र म अर विश्वान बहे द्वतिहै अधान । ला ্ক প্রামি আজীয়বর্গের অভি যে ক্ষ-

वार्गन कविद्रक महत्रा महिक कटा मा है-कोलक्षिराद आक भाककामा महरत स नमुत्र ६ जातार्थन काल बादर छी। इन्हों एक मीतामर्थ हिन क्किनाज्ञत माम कावा कविया क्रम्पूर्वी वया **फाउधर छेकी महिराबह कर्ड श स्ट्रांश अन्यायाह** महालाक् आवर्षाच करमः जात्र काश्रम का ८राम अन्बद्धि आर्गक प्रदेश धरः अखामा छाइ व्यं छ कृष्टि कदिया यथि छ। हेन छ अमार्शक्ताहब तिहे त्यानमना छेण्डिल कहितन मर्वरा छी-कात केवर जिल्ला मक्तवालात लाख बहेबात जहार कात्रवा ल वाबक्या क कृति महाना त्याह ।

च्याप प्रश्व**कोई श्रीह स्** चल जनरा शहुत वहेग्रारहम। किन्न क्षाप्रह, सम उनीकार बहेक्क्य वारहात काउना चारकम. कारात राष्ट्रिकारकेंद्र केवील महानहक्रिका क-र्वाक अधिक सक्क्यांत व्यक्त व्यविक क्रम म। এবং জাপবাদিনের প্রাপ্য সমুদ্ধি ট্রাকা কল্পন-িত লা ২ইলে ওকালত লাখার ব্যক্তির করেব মা। **८हेक्का अञ्चाक (मर्यात Crica सामिर्केन गर्क**-राज इंडेडरहा भगानम दिस्तरमा महाम द्य नही हुरे नदमन किए। मूलकरका अकर्दनम गरक मिली। ए क बेटक बहेरक कथा छ। मंत्र मसूचन ८०७ म धारन कहा (करण अहीकात क्रुणा, इंस क्रम न-CF) अहीं जा शक्य शास करें: क लंक लंक कर-:क्षमाम विश्वन पात्र क्रिटक क्या । मात्र क्षमां-यागांप श्रीष्ठ महाभक्ष ग्राह्माक तम्ब कर्तारक व्यवस्य वे রূপ কলভোগ কৰিয়াছেন। আৰি জানি দা শ क्ष बाच बाबू शक्रिकारकेंद्र करकद कांगरन आही-म रहेकाय भूटकी मध्यक्त नरभन निहित्र किनाल शवकात्र क. रमग्रह्म । शृर्श्य क्रेसीम म्हन्य रनक-व श्रामांत्रदेश जायावय क्यामहीकि दिश, द्यांध-क्षांका (तक्षांक्षित भर्द हैवीरमञ्जा (वक्षा भावक्रिक नित व वर्गणान्ते श्रेमवाञ्च रमञ्ज्ञान मञ्जान कटबस छट्द डेकीम ए यक्कम दार'टर क्षांत नेता क्री (3 क्यू मां। अक्षमा क्यांव क्यू के क्यू मा (समय केंद्रव दल्या रकता वरत वा अक, मरना चारा-लाम न' रमके ऋभ गणन (क्षत्रांगी) व्यापानायन क्षेत्रील प्रश्नादिका यात्र वालील अन्य क्रिय इस युक्तिका जा। अवह आह अन मक शह ष्मानीरमत् गरधा अक्ति मक्षूष्ट्र ६वे ५ मा गरक श्युम । जातात कामा जारह दक्रम गाँउ गहुना ল লাভিত্ৰ মহানাম অধিবাৰে বিৱস্ত লংকিছ। বিলে-थ रमची वर्षेट्राक्टालन, अच्छल मन वार्थन शि-कक त्व मृत्कत विश्वम व्यवस्थित कविवादकत कव्या-र' अवाह बार बालीमा र का क्या देशहर बर श्रेतांत करण न्द्र'वन। बहेब्राएक, शृदक् सामाध्र स्राप्तक। सालील क्रवेष्ट्राम स्रेटकास्ता अनाम कामिन अगर अनाम है बढ़ विक के द्र-रात्र विवाह के पूक्ति पूजक किन नचुर्गाह छेस्रा-वस कक्ष्मावकाशक अक्षांत्र क अवर्गरम्हतीय व्यय-ना क्ष्रिया। क्षेत्रार लक्ष्रां संस्क्रमीयर शव अक्रमी स-मान्य व्यक्तभा कृति के अवस्थि दिल्लाहरू क्लिन भावी अञ्चाबी व भागतात्र स इत्या करे वह वारण महर हेराट मिथा माका के कुलिएक। जरर थी-

मन नदक् । दश्यांत्र व शक्यांत्राच्या रा ७ जाईन मित्रप अवर रम्मान्य अकरि र्व ८व ८व विषय कावनार अहसार अस डेक्निविश्वास रम्हे स चम्या कर्त्रमः। क्या बुक्ति व्यक्तितां है दय क्रिका बंगरकमा, ८४१ मका वर्षरमा कर । किस न विशेष कारी विश्वी कहा सह कर्ष निर्माण करा करि, व्यानोहरू, हर क्षका वाजित्र की । जानीय जा बंबा श्रेमविकारका च । कामा सर्व शादा किंद्र ता त्यां कान्यत् कृतेत त्मारच अकरवन रच ५ ए अक क्षेत्र श्रमिक कार्य कार्यक । अञ्चलकि at I uster coffe !-मासंस्थात स्थान र 田田 田里 田里 田田 東江 त्यांव ए इति वाही कीय विकास ? है बाह्र टलाक, दर्शय के ब्र के CTRI الاند

न्यानद्र । भागर् वरणन चार्नामध्यः शिक्षिणां महरी ६७ अमिद्रायम अवश् छ नीमिधिश्व व्यवस्था व माउद कि कर जार कति प्राथाना विक्रीले **८६म फीलाता कालन** क्षेट्वस्था । आह है। -वस्था प्रशास का अ (फ. ७ महत्रदम् स्वामीर क्तिहारहम । टेक मरः **उ बनागड** शांडशे। • मस्त्र द्वां अग्राची क मा अ। व विक दिरम्य क्य नि रि अस्त तर्जन ए न उहे रा धमन ह्यान स्वित्र दा है। सन मा है। किर्देश कि पारि म मर्खन्त्वे महोत्र र SE G 4H 4M;

9 FREE ! W/2 18

L. COMPANY

· 🌋

का न्या। है है। हिटमब अवस अवस अवस (कर। (ब्रक्कीय कंउद्राव त्मर्थ) हुए व्यक्ति क पंचाना प्रत्यांख लिपिएक रकिटल क-नदकर्वित करेगा केट्रा केट्रा केट्रा किर्मिटनात आ-रिनोर व ना, नर्जाप में वर्ष (इन्हें। र दवन । ने बार इस भौगिष्टिक प्र वेदाक्षित्रक शक्ति ।वंला प्रय च्यारह, ही । इंकिरवर निकारी नाम त्यात केश्वत मात्वत धालामा नीहै। १६ रक्षर श्रांच । । क्रार्थ कविने ८० छ। र्गित्रमः विरायक अन्यक्ति स्टब्स

, ध क्रम बहै अकल १ए। जानां দাশ এবং অভিঠ। FIET WAS! इ मक्त परेट इम मा।

वस कि बन ब । अभागडी । रे नियम क्या अ भित्रम कति देखन ब्रांश क ८ अथान छनी रम ध्यर वाशा াহালিখকে শি

कि कवित्रित किट्यां-ांत्र निषिक्ष नकत्नत 1 1 minig faces ভাল হয়। উক্ত জি शाकिर अवर मक्कम आमागटि कामकी कतिहर अवर यावर आमान-াত হইতে না পারি-(सम् मक्कावी वहेगा विकीशमदांख मांशा-सिटबंब ७ मोबावा द्ववस्य क्रियम छी-াকতি করিতে অয়-।कचटनत कवडोरान ार्थादयाना विष्ठात्रदक्त

> र अमामिर्धम गत्रीका क्षिय बोकारक शब-श्रीक्षिणक निरम्भ :श्रेडित विध्यक कत्रा कृत्य विराधन कहा वर्ष a-क्यम क्रिअ। वेटमटले इ जरब रि अमझिरवा " बहेर्द मा जन जन-श्रामग्रा श्रामुखक्टब्ब ^{के} 6 करिया युगकिक्तान इन्हें। विश्वत्मया अम শ্ব ভাৰ একাশ কৰিয়া स्टिश्व माथ छात्र्यव-, ब्रिकिड बहेबात क्रिकें!

A-MATHEMATINE त्मन्न नमीद्रशब् ।

रेशनाह नदाशांत पर-क अवे स्मीरवंड sales males

हेरारा जामाजाकर होकि गक्कि विकृषे | राजाकत करिएक्ट्र । किस जबका गाउँक- कि अर्थ विकार वह । कालाव कालाका गर्वत निवृध्यिक गवरब स्वीमध्यकान गाउँगह छ थांखि गाम श्रामं त्वस्य विश्वसभा वाग्रेष्ठ, ब-कार्यक राष्ट्रिय प्रशिष्ठाहा । सर्वे का कानून विभू बरकी लाउन कार्या विकासिद्धिक निरमंत्र अने क्षत्रा विश्वास्त विश्वास्त देवा आक्रिय रहेदछ दशहिष अञ्चापि सञ्च छाटम दर्शदर्श ह कर्नाणित राज कागड इक किंग आंश जरवाम পার সাইয়। কুটুবিস্তা করিয়া বাংকন অর্থাৎ জাপ मांग बच्च बाधवाम चाटक लाडि कांत्रतक त्यान, न (त राष्ट्रे ऐक्टिया देनविका छाइन स्टब्स्थ्य-त्य और्क मधीरण ध्याप्तन करत्म । जीवी-ৰ বৈত্ৰপ লোলুণ অভাৰ ভাষাতে বিভেও বে क्षारबङ्ग चारब अगांच शारेख कृति करत्रम अम्रक , दबन ! অমুত্তৰ হয় মা। ইহাতে প্ৰাহকগণের নিয়মিত मनदर भार भारे बाह्र अंडिब्यूक मा बहैदर (क्म ? विक वर्षेक ब्रेड़। मद्द्र कविरक शिड़ा विद्या वि-नार कर। मामामा विश्वीप्रदालकलांत कार्या माहा. ৰাহা হউক একাণে শুণ প্ৰকাশ হইয়। পড়িয়াছে, व्यक्तश्रम मार्थाम । उद्रा द्वेडिड ।

सश्मन । मर्थिष कथक प्रित्मन माधा छेखा बानात गीमाद्वर्यक मान्त्रित्रतः त्याविकश्व. জিতারপার ও শকর পুৰ এই চাবি প্রামে ভাষা-देखि वरेश विद्योदक (अना वानाव गीवाज म-(था क का भी क है सार हो। क कर किस का स - आहि अकि र ने क्रिकिनिटलय द्या- । ७ शंख दह दिना महामद्वता काह्म, क्रीहाता क्षांतांद्र वादः "विवत्र अक्षारमञ्ज क- | जिटन ज्ञान्दर एमध कांत्र ना एमध त्वांत्र कतिरठ-क्षत्रित्म क्षम् हो कारे द्वार, (प्रश्तित विकृत को व वक्षत्वक कर्ता म-वाधिशय क्षेट्यार्केंद्र कामरवद शव हाँक क्षेट्राट्ट ना, मीख क्षेत्रांत्र আকার বটে / ইয়াজে লোক নকল নশক্তি ছ देशारह, धनी लाटक्या चार्डियक अवती नियु-ত কৰিতেছেন, কখন কি বন্ন এই আগৰায় সৰু (मारे मर्काम, खेरफेडिक धनर च च मामांस नि-मिस राजिशन स्वेक्षा । वर्षाम बहै. गुजन शू-लिय बम्परत्य बानाम मध्या कम बहेरम मा मा-नि कार्या कि हर्त । अधनहै न। म। हर्त स्मन---वास्टित्त वटद काका क्या नाहे, क्रांवाटकत का-बाद्या अन्त्री का बाद्या का कृति किन्त्री कानगांद चारह, लाहाय डेशह आंगांव त्मणिश कहा छा-CE श्रिमातागित (धमा चारक, मान धुकि धानि काम होत्रव थानि कांश कुठा क्लांकोंने मा हहै। লেও ভাল দেখায় না স্নভরাংথলিক ওবিক টান द्धान मा किएन क्यम कतिया हत्न। धनिएक कावाद अक्नकाद सारताचा वर्षान्त्रमा दक्ष भाजित ब्हेग्राटक कार्रिया मिन्किक कार्टक्न, शो-मा रहेरक शांत्र वांकित क्लेशा मार्के स्मान म-নোনীত ভদারকটা উপস্থিত হইলেই সিজা বন্ধ বয়। সুক্ষক বিজ্ঞান অভিজ্ঞত থাকিলে ক্সা ভ-करत्रत्रा निष्ठत्र ना घ्रेट्स क्रिस र जीवात्रा वहि আক্রা পরিভাগ করিয়া রক্ষনীযোগে স্থ স্থ नीवात घरधा काम कारम खबर काम कारम मी-त्यव वारवाची दकान कांध्य क्रमांचात्र वहकालीक अकृषि निश्न मटड द्वीष्ट्रभेख कटहन । वाश-ব্যে প্রাক্তাহিক জব বাড়ীত স্থোদর প্রচাণর मश्याम वरि अवर वार्यातक मार्या महाकानानिक विश्व मर्पा हरे किया देशकार वार्थ के किया काम किया काम किया काम किया काम किया करें।

म कतिए। यदि काश्रीय क्षेत्रीकारत्व (ठक्के) करवन न्द्र हार्यत मरि उ मांच्यार बरवहेश करेंग जा। गढ । छाए। करेंग्ल कि क्रिक्शिंग विवादन के क्रिकेत क्षण रह मा ३ जात छार। कि फीकारका फाईश मह ? शकां इ धन छान् प्रकाद विविधंदै शवर्धस्य-के बाजरकाव स्टेट्ड मारम नाहम क्रीसारमङ ८२७-म व्यक्तिहर्ण्यम, स्व कार्यान्त्र व्यक्तिकार. হ। মুক্তিকে কৃষ্ণ করিবার মি বিক্ত নর। এই 👢 📶 अधारमाञ्चा अर्थक मात्राञ्चल । वेदा नं दम-ক্টের আছার বেভান স্থাপ কর পরিলোধে ভাগা-জিনের বছুবার ছওয়া উচিত, ভাষা ঘটকো ওঁ:-चारकात क्यांककलात ला बहुत आखा बहुता सह वान वर्गदम्भी केल नाम मारम मम्बन्धक वर्षे

> क्षका किन्ना क्रमना ३३ व कांचन। त्याः वहाता। うくかか 明寺!

थाना ग्ला।

कता हि ६

. निम्न निष्ठ अक्षण जीवक्शर्वन क्षण्ड ক্ৰদ্য কান্তৰ সালে। বিঃপেণিত ঘট্যাছে।

बीयुक्त कुक्त नाल शार्क : मोक्सिन वह तम्दि अधिपक्क वर्ष (भारिकाई क्र क्यू 置明月日日 श्रिष्टुक वाका आवकाची बाह्र वहत्रमधूत्र माठव क्रिएक क्षांबद्धम प्रव 要引[3] हीमृत्यांवस देसरकत माबेदखित्र मण्यांतक **ঞ্জিব্ৰু বাবু বিশ্বস্থ বিংছ পানিগড় কবিদপ্**ৰ कतिक्रपुत्र विद्याक्षरयञ्ज लिक्कमेन कविक्रपुर क्रियुक्त अ:ब्रिनीध्यन सूरमाभाषात्र सूरकरु केंद्रेशियम मदत्र भिविक्त मिक्किन ब्राम्बन्देह दशशास्त्रिय इत्सान लाग तात व दिना म

किनाविभीष्ठत्र दश्य मानीय 可能など मन्त्रीकाश इक्तरवी विविद्यक्षा জ্ঞীধোপীৰোহন যোষ काकी अविष्यों लाल वांश वदिभाग किल्लिड दर्शक्त ब्राह्म कोर्ट्स 6614 1

थेशियुना ।

श्रीपुष्क बांद्र कविमान्त्रञ्च ८भेश्रही ১२७२ माथ बनेटड १० ल्योग नवा ब 122

30 >२७% काश्वम क्**दे**ल्ड १० माच लवीस · अहि । अहि के कि का अहि । ং২৬৯ ফ্ৰান্তন হাইছে ৭০ নাম পৰ্যান্ত MITT! • • कुश्रानम् मर्दश् **३२५३ माच महत्त्र ५०**

क्षे गत क्लिकांबाइ गुंबी मायसा दश्य तरहरू । / हा जानक हता। अने मा बार दिनक बानिक बाड़ि करने देशके बाक रिकार्क्सक राजार कार्क दर्शनकात कार्यानक कर

ज्याश्रकाम

" प्रथक्ति प्रकृतिविताय पार्थियः सरस्ति श्रुतिमहशो न हीयतां। ?

ভাগ।১৯ সংখ্য।

मन ১२७२। ३১ हे हेठव। है९ ১৮७०। २० गार्फ

গানিক স্থান চটাৰী শৰিক কবিৰে: ১৯ ছবি

বিজ্ঞাপন ।

দরিদপুর জিলার অফ.পাতী বাইকেমারি
মহন্তপুর নাথে যে শক্তনি ভাকুর আছে,
ভাহা দর্পন্তনি দেওয়া ভাগবা নিক্রণ করা
থাইবে। বাঁহার সেই ভাকুক দরগন্তনি কই
মার অথবা ক্রম করিবার ইক্রা আছে, ভিনি
কলিকাভার ভাঙ ন জিনর কোম্পানির নিক
দে আংগেলন করিকো সবিশেষ র্ডাও জানিতে
পারিবেন।

বিজ্ঞাপন।

বামবাৰু, কক নিজেব, রাজ্নালাক, গোর ববিরাঞ্জ, নিজানিশ বৈর গা ক্রকলে, কন ক্রীচানা একুতি প্রাচীন নাব ক্যালালিগোর উত্তম উভ্যা গান্তাল সংগ্রাত ও একজিত ক্রিয়া গ্রিক করা লিয়াছে: প্রতক নুরল ্রক ক্রকা মান্য

কলেকাডো। স্বত্যসাস স্থিতি প্রতাশী ।

क्षेत्रपुरशांशांत हात्रुं श सत्य धवः (१) :

সোমপ্রকাশ।

Etbie entaute.

कलिकाणा मध्य ह कार्यहरू हुन्त्व दिक शक्रित अहगानुम्ब हरेगा म् ।

हिराष्ट्र श्री वटकांद

-

'म्। मद्रा चार्तक दांव (माध्यक कार्य कित दांची दरमावरखब कामन कविद्राहि । धकर्म उहें दिस्य लहेगा चार्तक चार्त चारम जन क्षेरकाइ । छात्रकत्रक व (ग (य क्राप्तक व नरमावस नाहे, यह कार्तम् छेछ उत्तर

স্থলেও ইছা প্রবৃত্তিত কবিবার অনুমতি । দরাছেন। ইহা যে এদেশের আভান্তরীণ উন্নতিৰ একটা প্ৰধান কাৰণ, ভাগিষ্টের অণুমাত্র সংশয় নাই ৷ ইছা সর্বত্র প্রবর্তিত ছইলে গ্ৰণমেণ্টও লাভবান্ ছইবেন। তা-शामिशरक बर्धा मर्था क्व व्यवासी श्रीवर-র্ণ্ডিত করিয়া আপনাদিলের সহিত প্রজাগ একে উদ্বেজিত করিছে হলবে না। কিছু বলদেশে যে প্রথালীতে ত'য়ী বজোবন্ত করা হইয়াছে, আমরা ইছার সম্পূর্ণ অনুমোদনকারী নচি। এতদ্বারা আশানু-क्रश कल लाख क्रेटिअए मा। क्रशीवादिता গবর্ণমেক্টের ও জাপনাদিগের প্রাপ্য সং-এহে যেরপ বত্ববান,, ভূমির উর্বরতা গুণ वर्षात (भवाश नरहम । श्रेका पिराने महिक **फिल्ड्सानी वा,क्ल|वऋहै विद्यतः। ठ.है। निर्मात** হত্তে ভূষামিত্ব প্রদান উচিত। যুক্তিও ভালবিংগর সপক্ষতা কবিংভছে। ভালা-**फिर्शित मध्य बर्टिंग व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति** গাণপণে আপন আপন ভূষণ্ডকে উর্বর कात्रा जालात मत्मर नारे।

প্রণালীতে রাজা নির্দারিত হইত, ভাহার ব্রিবর্তন করা বিভাস্ত শ্বিশাক ন্যায় তৎকালে প্ৰিকার রাজর সংগ্রহের ভার ব্র কিন্তু ভূমির উপ ভাষ कात मिर्निके भ हिन ভূমির উৎপদে তৃতীয়াংগু क्लान चरन चर्च न हासक हिल। जुमिन कमिन भ রাজ্যের আর নগীক্ষিট্র भाव निर्गिष । प्रदेश শাসন কাৰ্য বীহ 'ইডা নহে। সুতরাং ক্রের ভি ভাছার নির্ণয় ক ইংরাজ ? (भन ध्रमान नहां हरेग्रा रातः थरे दृश्य लाएत खेल भी मात्र ७ कुचर दक्षेत्र विश्व मूल अनुमञ्जान १ क ब्रह्म लि রাগত সহস্তা প্রিক্তিক ন বোধ করিলেন গ্রেছারা বার্ড্র ধে ৰমাৰত ভূসাতি ও नकल (मधिशं दिल्ह लिन छात्रक्वरम वे कल थे व कन्त हित्रक्त मःकार्द्रश्चाक्र्डाः मदन क्ख्यां वे नम्ति साम म হউক, ভাহাৰা ইন্ততঃ চুজ্জা লাভ পরিশেষে দেখিনে মোণী রাজন্ব সংগ্রাহটো (ক্রি

িক্তে ইংলাই ভূবামিদিদার মনেক भाष्ट्रमा कृष्टे इ.स । के श्राह्म निर्मित अक अक्षे अट्याम् । द्रास्त्य मश्कार कदिएकत । कृत्रा । 👸 ्षिरशत्र व्यश्वीत्व हिल । हैश- | पत्री, सूच्यमिरिशत गात काशिरशत व हा इम्रात्त्रं अखाव हिल वा , वित्न-্ত' গ্রাহারা লোকান্তর গমন করিলে পর हैं इ मरभन्न श्रूरवाता छ शामिरभन्न छ खन्ना-वित ही स्ट्राजन।

वर्क्ण अम्भन्न इरेग्रा देश्ताक

व राश्चित्र .. । कश्चिमात्र पेश्वदक्षे नशूमाञ्च সূতির প্রস্তুন্ত অধিকারী জ্ঞান করিলেন। तिव जदकाँ रामु अवश नि,वहमा कहा इहेल ্লা রাজ্য থঞ্জ করিতেছেন _{स्}त्राज्य उँशनिरशत थाणा क्रांख्यरकता ज्यामित्मत्र अधीरन ो, किंड छ दा उँ। शिनत्त्रत जनम, ह्रभ्य (प चर्टा াপীভূমি পদার করিয়াছে, च क्रिया थिक केर्बता क्रि ছ এবং পুর পরন্দরা ভোগ

> ज्या शीत कतिक वरेटन, श्टबंक भर मटल्डेव व्यविभ्या ধার গরিচর প্রেদ করিভেছে, তে (केन्द्रिकतः क्लारेग्राटकः। **वित्रस्त**े আহিটে আমাদিতে পেশের উল্ভির ক্বকলিগের ভূমামি হই উল্র মূল -টাকা কংগ করিছে । ভাগারা ভাবি । ्रिट्मायटखब्र बाह्रा

नर्छरह, त्नकल धर्खना कत्रा

कब्रिया जूनिरमन। विक काश्रात का र्मक्ष लर्ज किरमंत्र कानीत क्रेटलन, भवर्ग ्य**न्ते** कोश दुविएक शांतिहलन ना ।

- धने बटमावस (य क्छमूत कटमानधात्री रहेताह, जाहा व्यानस्य अज्ञाक । जान হার কলভোগ করিভেছেন। সুঞ্সিদ ইডিহান লেখক মিল বলেন, ধৰি এই बत्मावस माजिमविक कम अगव कविक, ভাছা ছইলে এভ দিনে এদেশবাসিরা মোগল সঞাটদিগের অত্যাচার সকল বিশ্বত হইতের সদোহ নাই।

আমরা যে প্রণালী অবলহন করিছে অনুরোধ করিতেছি, ভ.ছার ফলোপ্ধ: রিভা শ্রেক প্রধান লোকের জ্বয়খম হইয়াছে। তাহা আকাশ কুসুমের ন্যায় কম্পিত পদার্থ নহে। ভাহা আমেরিকার ও ইউরোপ খণ্ডের বহুতর প্রচেশে প্র-वर्षिक मृक्षे वर्राष्ट्र । देश्मर ७ वर्र थ-शाली वित्रमुक्षकात्र वर्ष्टे, किस् छेक्'त ए र कुछ अटमर्ल हेश मकश्रदन हरे-ब्राट्स, त्नरे त्नरे चात्मद्र कृषिकारपा ब्र के ন্তি দেখিয়া কোনু সহ্বদন্ন ব্যক্তি ইহার উপযোগিভাব বিশ্ব মুক্ত কঠে স্বীকার না করিবেন - সুপ্রসিদ্ধ কবি ওয়াড় স रेश बर्खनामिक्रक्षांत्री बर्ज्याव | अमार्थ एव क्रुवक्षिरभन्न वर्गना कृतिमार्छन, **क्षत्रलख अवः 'अत्युक्तिमात्रल'७ क्विह है: | नत्र अत्युक्तिक क्विकार्य अवः प्रर्व**ात्र लक्षक बना त्यान अरम-विनि क्षक मिर्लित । अविश्विष्ठ हम । त्यक वर्रालन, इव कि व াঁই প্রণ্মেনে উদায্র প্রবেরও । একি ভাষ। অহিতে পারে ন।। কোন্। ধ্কেরা ধেরপ ঐক্সভা অবলয়ন করিয় वास्ति थे इरे अरमत्भन डिमाछ विषय च 🚁 ভুষিতে াজার আধিপত্য ! স্বীকার করিতে পারেন > ঐ উন্নতির কা সুষ্টু ভার্ব্যুচ স্বর্কাছে, দেশসু পর । রণ জিজ্ঞাসা করিলে কে না বলিবেন যে

ा नमच रेफेटब्राभ थटखड़ मट्या जूरेकड़ কলিক্ডিরো প্রাণ্ প্রভুত ধনশালী, বিধের ন্যার প্রস্তর্ময় অনুর্বর ভুমি অন্য । হ নাই, আর দে সমাজে ঐ সম্পতি বি इ त्यारेक हासिएत इंखराड थाकिटल । ता क्यांशि बाहे। किस ज्यांत क्वकिंगरनत ্ব্রান্ত প্র প্রাপ্ত করিয়া ভূমি। ভূমামিত্ব থাকাতে উহা অধিকতর উর্বর রুই ও সমৃদ্ধিসম্পন্ন দুই হয়।
আংনীয় লিট্টে পংগ্রেণ্ট আরো হইয়া উঠিয়াছে। ইম্বান্স নামে এক ব্যক্তি অর্মেণির অনেক সংখ্য এট্ডাতে কর্মেণির অনেক সংখ্য এট্ডাতে কর্মেণির অনেক সংখ্য এট্ডাতে কর্মেণির অনেক সংখ্য এট্ডাতে কর্মেণির অনাক্ষি আহে । সেই সকল এটিতে প্রক্রিটিটি ভাষে ক্ষিকার অনাক্ষি আহে । সেই সকল এটিতে প্রক্রিটিটি अवन क्रिक्क क्रिक्क वृद्धि वृद्धि क्रिक्टिक मृथि । क्रिल्ड ब्राधा भारतिहरू मिन्निय नगिन

(क्लम कहा यांत्र, कजका इतक्षिएशंत्र क्षत्र মান্য পরিক্রম দেখিরা একাছ বিশারাপর र्देए रव । भागि नाजि । ६ छोत्र मध्य . সুহের বাভায়ন উলাটন ক্রিয়া খেগি য়াছি যে কুবকেয়া আপন আপন কেডে আসিয়া উণস্থিত হইয়াছে এবং প্ৰপ রাষ্ট্ৰে ক্রমণের পর ৮। টার সমর প্রভাগতও হইয়া দেখিবাছি, তাহারা তুণজ্বে বা ত ব্দালতা বন্ধন করিডেছে, ঐ প্রচেশের कुआलि धमन धक्छै (क्या, छेगान हक वः छेडिक नारे, याशटक कृति शाविशाही व অশীম পরিভাম চিহ্ন দৃষ্টিগোচর হর ম:: ष्मशत, भूदर्ब जे अत्मरभत्र अभूमात्र ष्मश्यः यक नमा केर भन्न श्रेड, कृषकाधिकात अब র্ডিত হইলে পর তালার চজুর্গাংশে তদ শসা উৎপন্ন ও তচ মেব গ্ৰাফি সম্ভিত হটতে আরম্ভ হয়। গোল্ড স্বিধ ঐ প্রদে শের রুষকদিগের এই রূপ বর্ণন করিয়াছেন

" যদিও কুটারে বাস সামান্য আছার তাহাতেও জনভোব নাচিক ভাচার ঃ ছোট বড় নাহি দেলে সমান সকলে। **थरे एक बाहि कात्म (इव कारत बुद्रन)।** माहिक निकारे जात वर्षा उद्यक्त । च अन कुर्णित्व गार्ट इत चनः पत्र 📭

रेफेटब्राटभवं ज्यास्या ५८४म जालकः যেৰূপ পরিভাষ সহকারে ভূমিতে জা সেচন করে, সেৰূপ খনতা কুতাপি দৃষ্ট इत्र वा । किति बदलन, जुनम्मेखि एपि छै खुश ७ म्मू ब्रीय इत. छ:हा हहेटल केंग्य व्यांक कुछाश्माल खेखरा स न्मृहतीय मटन खु डबर १ विख्य इहेब्राटक. डाकाई डे.

नामी। बहु कि श्रीवरित रेश्नाध्य मनू ब्यापिक दिवस्तिको अना किहूरे अमुक्न नगरन पर्यन करतम भा, विनिष्ठ में 🌣 🖙 শের কুবি প্রণালীর প্রদংসা করিভে ফটি करबंध मंदि। किमि वर्जन के अरणर्जब कुषरकत्रा व्यनामा अरमरमंत कृषक्षितात्र নাম ভূনপতি বিদীন নছে, ভাষারা বে कृषि कर्वन करत, काश काशवितनन अन्न १ ডি: এই নিমিডই তাহ রা সমধিক সৌভা भा मन्नव मुके इस ।

क्रवकाधिकात अनानीत्रकेन या जिला तत्-भिव्रम **अरमर्ग 'यक्षण राम्या** याव्र, अ**क्ष्र** चना अरमान चन्न मुधे हरा। देखे রোপ খণ্ডের সমূদার দেশ অপেকা এই দেশের ভূমি অনুর্বর, কিন্তু এ দেশীর স্থুব क्लन केर्बत क्विम हाटर ना। यक कमर्या चुनि इंडेक ना रकन, धक खन नाहारया चाहात्रा छ,हाटक भगाभातिनी कतिया चू ल । काम महकारत छाराजिएशत मिकछ ভূমির অপকর্য বিলুপ্ত হইয়া যায়। ভত্রভা ক্রথকেরা অভিশয় মিডবারী, ভাষারা জমে कटम चर्च नक्षप्र करिया मुखान भारेलाई ভূমি কর করে। ভূমি বিকরের নাম ও নিবামাল ভাছারা অভিমান বাঞ চইয়া कितं । अवेबारम अखिरमाधिका बाता वे ध দেশের ভূমির মুল্য এত রৃদ্ধি হই । ত ে কেবারা শতস্থা স্তই টাকা মাত্র লাভ भाव । इंश्लिम म्रावस् दीम ममूरह ७ जे दन इपि नक्षि अहिन्छ कारकः ये नः क्लबील जबटबा छेहेलियम ध्युनहेन रिलयो (इस, क्षु शरतमात्र कारण यक नाता विक्ती क इत, कड मगूमन देश्लाटक स्वमा। हिन बरलन, त्य अहे कृष्ठ दीलवानिता বেশ্বপ সুধী, এশ্বপ সুধা লোক আৰি ব্দনাত প্রার দেবি নাই। সর এক হেড ক্রিণাছেন, প্ৰিকেরা যে দিকে নেত্রপাত कन्नव, स्रथकतिरकात गुरा मक्ताचा गर्वज्ये लिक्क स्ट्रेट्स्क । 27

थाजीग्रमाम रहेटल्ड, क्रुवरकता क्रुवामिक লাভ করিলে কেবলৰে ভূমির উর্যুতাখন স জ্ঞানৰে যত্ৰান হয় একণ নহে ভাছায়া ভূমির স্থামিত্ব লাভে একান্ত ব্যঞ্জ। আমা সিপের পেলের কুষকেরা এক কে আলস বলিয়া প্রসিদ্ধ, ইহাদিগেরও ধে ভূমিতে निम चत्र जाटक फ.कांत्र क्यां शांकि काट्यां रेक्षिरभन्न उक्ष्म कालाजा कृष्टित्नाइन एन मा । ५७ डिव, इंश्वा जुमित्र यात्रिष् मास বিবরে একপ ব্যঞ্জ যে ভূমি ক্রয়ের সুবো भ छैगक्कि इरेटन रेहाम्रा न्यानसामिद्यात আৰ্শ্যক নিতা ব্যৱ ২০ছা করিয়াও ভাষা क्तत्र करर ।"व्यष्टवाद देशिकात्र महिक द्व একটি চিরস্থারী বন্দোবস্ত হয় ভালো একা यु व्यार्थनीय भरमारु मारे । काश स्त्रिक्त ध मिलांत्र गवित्यव सकल करेवात्र जन्मूर्व स স্তাবনা আছে। তবে যদি বাদালা দেলের नात्र मधाक्रान कमीनात्र बांगका अक रक्षनी। রাধা হয়, ভাছাতে আমালিগের ভারুশ चाशिक गारे । कात्रन नवर्गरमध्येत निका মূতন কর সংগ্রাহক নিয়োজিত করা ব পেকা চিরকালের মত একবিম কর সং আহক থাকিলে প্রজার প্রতি ভাষাবিধের रूपंकिर एक अधिवाद मजावन। पाटक ।

383

১৮ ৬১/৬৫ অবের শিকা সংক্রান্ত द्विरशिष्टि ।

১৮৬১/৬২ জ্বের শিক্ষা সংক্রায় तिरा । ध्रका भित्र स्हेप्रारह । देश शांव করিয়া অ'মরা বাঞ্চানুত্রপ না হউক অপে কাকুত অধিকভন্ন সন্মোদ লাভ করিলাম। প্রতি বংসর আ'নাদিগের দেলের বিশ্যা तर ९ हारजन मश्या दृष्टि स्टेप्टर्स ।

১৮७)।७२ थर**म वन्रता**म विका चिकात स्था मसूमाद्य >>>>8७७ होना बाप्रहम् । बालक्षिरभन्न (वर्ष्टम ९ मान अकृषि स्ट्रेफ लका २,२०,७৮४ छै।का ভাহার শ্রুবিবেশিত আছে, ভাষা বাদ ু ক্রিক্তার ব্যবস্থা প্রদানিত হইল ওলাইন ! দিলে ৮,৮০,৭৭৪ টাকা যাত সাধারণ রা

क्ष स्ट्रेड वात स्ट्रेड निरम् अरे बार्फ्स प CHCE ! পুরস্থার প্রভৃতি नःकात्र अपृष्टि काशक अकृति साइक राम শানুকুলা

त्वाछ होका . পূर्व क्यमद्र ४२७,ई eo.938 जम शास्त्र, मध्याः विका रमध्य ३७० हि विशासप काज करेबाटक्। देशक सदस्य वा वन अधिकि निमानतम् दिन् नारे। पिरुवकेंद्र भागितिलान म जे नकत विद्यालरहत्र व्यक्षार भागिरेक हेन्द्र अस्त । हेर् के

जब्दान क्याराम कान्नि। क्त्र नमकि, जाहेक्किंग गार ইহার লথের আন্তর্গাঃ ৪০ নাক্ষ শি वालक शांका क्रिका। क्रिक अक भिका आब बहेरबट्ट से । हिं এই শোচনীর কল বর্শন করা যাই कारांत्र करण अरे तांच निकितां अक्रजिन। त्रर्थतः केशास्त्र कि । क्यूरी ১৫ কোট ট्रोका जानात मत्र, क एक ४.४०,१९**८ होका काळ**् बिल कना मध्या इरेटज्दा जुना अ काण्टित्य निरम्भन चटनक वर ८ वट्डे किन्द्र अधूष्टाश कान्नकवर्ष अक रहेगा लिका ऋार्या अधिकछत् ई कमा हिन्द्रांत्र क्रिएएस्म । धर होका अधुनात छ।त्रक्रवर्ष द करा क्टू जेनकात्र इत्र । किन्त अक्टवर्र्स १० लक मात्र (मण्या इरेस्सर्ट) य व्यक्ति शतीयात्व धक धक् विमा इड्रेट्ड्, यक जिन क्वक थ जबू महात्मद्रा विषा भिका मा अदिएक विसं क्रिक्त मण्डूर्व सवल न्यान

ठीडाई जबारे आयहा अर्चना शवर्गस्य किछ छ ना शतियाद गर्बे बाजूक्ना जवश्विवद्या छ जनमा कविता वाकि। বট্টেক ভক্কণ ভক্করাজির ন্যার সাহায্য नरक बणालक ७ मरंथा मर्था भवनरमर्थ गहित् ककृषि केळ, नियंत विकासिय क्षेका र्ण क व्याक्नाक । शवर्गत्वरकेत्र विष्णा বরারে সাক্ষাৎ বয়ান্দ্র হস্তক্ষেপ পরিভাগে আভি:ভিও উপত্তিত হয় নাই। তাহা 11 क्रिंग हिन्द इत्, अरे बाबावित्तत वार्थ हत्म किन्तु वाख्ना श्रीबार्ण म'रुवा मान रनने । चयलका ना कतिरल त्र चडोके य के हर्देशांत महायमा यारे ।

প ই মধ্যে ব'রাসভ ব্যতিরিক্তা . श अवर्गस्यके निकालदश्र केव े इहेल । ममुनास वनक्तित পর্বনী ও বারাসতেই অভাৎ . इत्। अहे विकारन चानुकृता s छाटळातू **मः**ची। चिषिक, किस ইব'র পর অবধি বারাসতের चित्राट्ड। चना चना क्लाइ७ ংক্রান্ত উল্লাভি মৃতি গোচর কইল 1 त क्षांक रहमश्या विमानदर्गत প্রবেশিকা পরীক্ষার ক্রভণার্যা हेड। आमामिरशद अमक्त आ › বিষয় · জালেকপের বিষয় এই যে উ[% ন'দ শিকার কিছু সাত্র तारे विलटल अज्राख्यि एम्रामा। ्र সম্প্রতি কয়েকটি বিদ্যালয় হই

मरम्भक्टेर दा य य विराधि कहि ্ভরধ্যে আমরা মার্টিন সাহেবের ৰ্ট দেখিয়া অধিকতর সন্তোধ লাভ াম। বিদ্যা শিকার যে সমস্ত প্রতি ७ जोकां इटेटड फेडीर्ग इटेनात ता উপায় আছে. ডিনি ম্পন্ট করিয়া फिट्सच क्रियाटक्न । अक विचरत्र তীহার সহিত আমাদিসের সভের हिएएट ना। पानका अक्सी निधि

ग्राह्मतात्र एष्प्रवृष्टि हेन्द्रम्भक्कात्रत्र गर्था क मानेता विश्व (मई द्वांका बादा विकामात्मद केनाव दृष्टि कतिता व्यथिक केनक त प्रार्मा। তিনি তছজার বাপেটি মধ্যে লিখি গছেন 'शृर्वं करन शतिवर्णात्मत क्रमा च धक्छत ডেপুটি ইনক্ষেষ্ট্য নিয়োগ আৰুণাক, ष'मना यमि श्वहरफ छेक्ष निख'र तम बादशा দর্শন করিত'ম, তাহা হইলে ডেপুটি ইন त्मिकेरतत मश्या कम्हेर व शास्त्र ना করিশ তাহার বৃদ্ধি করিবারই প্রস্তাব ক রিভ ম। " বে স্থালে ডেপুটি ইনস্পেট্রর সংখ্যা বৃদ্ধি করা আবশাক, ভথার বৃদ্ধি मा ने जो चा बा निर्मात चा जिसक मरह । चा मामिएनन (म बारकार कुछी छार नयां व्य'एड। क्रक, ८७भूषि हेनटम्बेक्किप्रियात व्यानतक विद्यार्थ मध्या क्रिकामिक हरा। वास्त्रा যথোচিত হংপ কাজ করেন না। দ্রিতীন, লকল ছলে উপযুক্ত লিকক নিয়ে ভিড না থাকাতে তন্ত্ৰাল্যান ক্ৰিয়া সমাক কলো পধাৰিনী হইতেতে না। কিছ যদি ভাল শি कर ७ कांबा मध्य अमलत हैमान्नक्रेत छ ভেপুটি ইনদেশকর রাখা হয়, তাহা হইলে কি অপসংখ্য লোকের ভদ্ধবৈধান অ धिक भ देश'। व कर्त्सारभ' करू हुए ता । (रा শিক্ষকে পদার্থ নাই, কেবল এক ডত্তাব ধান খারা কি ত.ছ। ছইতে অধিকৃতর কল ল'ভ জভাপা করা যাইতে পারে ১ পকা ন্তরে যে শিক্ষকে পদার্থ আছে, ভাহার সহিত অপ্স তজ্বাবধান যোগ হইলেই खारा सक भमीदरक अनुभाव अधि रः याम्बद्ध नाम अधिककत्र कारा-काती हव। পরিশেবে আমরা স্পষ্ট করিয়া কহিতে ছি, আমাদিগের বাক্যের ছুল তাৎপয় वरे, जलम ७ जनवार्थ रेनटम्लक्टराव भःशा क्याहेशा याम त्यहे होता क्यांथाम ও উপযুক্ত जिक्क निष्युंश विवास बाहिए इत्र, नम्भीक छेशकात मर्ग्य मरकार नारे। काल निक्रक हा बिट्ड इस्टेंटल व्यक्ति वाहा चादभाक रूप । शर्याक श्रीकांत्र शक्ति मा श्रेरन ভाल लाइक अक्रुबर अन बीमाटा व्यवक स्टेर्ड (क्य 🖭

मार्गि व गाटकटबंड महात्र किहोता । मादबटबंड तिरण। एँ व आमा जिस्सत तथाका च कत रहेता हि। जामहा (वहाह ७ जनैनारमह हेमरकाई রের রিপেট দেখি এ স**রুট** ইইলাম না। किछ जामना जै. हा भिरशह राष्ट्र ने त्याव भिरक ছিনা। ভততা সমাজ আজিও উৎকুটাব্দ रत बारे. ७३ जा त्म'रकत्रा कुम:कांत्र स्नात ष्यं स्व रहे नः षाट्य । मुख्याः छज्ञा हेन, म्ल केत्रिक्त म हिं न ७ फेट्यू। नारहरवत्र नावि क्रुकिक'ये. इंडवा महक्षा महक महि ।

466

तिरुप रर्षेत्र विषद्य व्याचारि रे रे रे अक्री बक्रवा आहरू, छद्दिगार के दिन नाव তীৰ ৰাক্তি বিশেব ৫:ডিভিড ও শুকুমহা শ্যদিপের পঠেশলায় স্বিদের ব্রক্তক यरमनाविभारक समुद्राध कविरुक्ति है। हाता भवर्गस्यकोः नाहाया मा लहरण्डस्य ভূঁ, হারাও যেন ডিরেক্টবের নিকটে আপনা **पिरंगत्र विमान्तरात उक्तां अध्यान कर्यम** ध्वर ডिরেক্টর ও যদ্ধবান दहेश ভারা আনাইয়া লন। ইহা ভাৰতৰ বি সমানের मान नक मानिका। देशारक मन्त्रवांक कर অতিশয় অবৈশাক ৷

ৰসম্ভ সমাগ্ৰাম কলিকান্তাত त्याचा ।

ক্ৰিগণ বসমূহক প্ৰতিৱ্যনীয় বাপ निलिशा वर्गम कविज्ञाद्यम । कवि वर्गिष्ठ ४ लियारे आमन्ना " न्रम्भीय " वित्नस्य नाउ" ইহার গুণ গৌরৰ মুদ্ধি করিতেছি না, বা खनिक देशहुल्लाकितियहा अन माहि । भीव कारल करा न्या बीहांत कारल चाष्ट्रव ह ইয়া থাকে। ক্তিপর উদ্ভিদ ভিন্ন ভর্তন তাণি সমুদায়ই প্রায় শীত প্রভাবে শো का शैन इस ; बीब सक्क जकत्नत कृष्टि থাকে না; গগন থঞা নিয়ত কাল ভুষারা वृक्ष कृषे कतः स्मा ७ इस्तकः भीवन्दर कीक रहेशारे त्यम कड़ थ मनित जीव थानेन करत । क्लिक्रियक जमानक दरेरत

क्ष कि महत्र हत् स्था : कीर्व केंग्र नकत छैर माह शूने हिरोग के: हे । शामकत निर्मित बेलंकानि में शिकान इते। या कार्टन . धामरन् ६ शरणतः हजः स्मिक्ताः . डिमा 'देत, छहिए क दक्षींय का । (यम र

कर तम्पीव कारण शकीखार्जन कि महिन्नों की इस ! इन्हें किएक संबोर्ड ल किं म किंत्र भा भ त्या छ। मेर्सम कुँगैरणत विवेष्टनी ि ीकि छेर भागत करते ; नांसा बांधी । कुर्यु केंद्र अटका माला विवस के हमा मिक ईशः (क।किंटलंश काकशीमाटक खारन বঁর যার পর নিই েটিলাভ করে; সুনী क्षेत्र के किया क्रिक क्षेत्र के प्रश्न करास ब्यास्थि रेव र व्यामेता यथन करे मेरत जूब चेत्रकर कति, कांगीयदात प्रकिमा चर्छन् बामानिताम श्रुट्य छैनिक श्रेमा केनिर्वाट নীয় দশা উপস্থিত করিয়া বের। এতি রক্ষে, তি কি লভার ও এতি কীবে সেই অবিভীলের কঠনা কৌশল, ভাঁহার করুণা, ভ ভাষার মহিষার পরিচ্য পাইয়া চিত্ত चीनवागागडी निवध हरेता निवय हरेता नदफ् । छेरकार्टन व्यक्षिमित्रात् वाथ इहे शंदक कांमर्रों त्यम क्या कि कहु क व्यवंदलाटक खेविके हरेतापि; प्रामना सन यूर्कनिय-कीयम धाल पर्देशाहि: वामना त्व कांत्र क्र क्षिणिवित क्रिकार हैन

क्षिं रुनिकाला अ मगात दिशीक भारत कित्रिशोरका भारत चा दर्या छ भेतरकारनेत गाप्त भोध ७ जाउँ लिकतित (बंड, भीड, बील व त्नाव्छाने जान वंश्वेदिशाष्ट्रं स्वाची । क्यिन श्रात यह वनेतान सरेटब्रह्, एडडे अन्छ होता न्केटलात देखेकेटतम् कृत्र्यष्ट्रातं न ।। जीवियान हरे। नगद्राक दक्षन धक परिकं वर्ग केतिया कृतिएएए । यिनि

मुक वहें। वक्षात्र वं क शिक्षिणित वक्षि 'त्रांबान वर्षवरीकाल जमन करतम, केंडिएक कि नियां नेखा का क्यां वा व वान्तक्या र्छ गारकं छम्बद (मिब्स्ने क्राप्त विक्रमे वर्वे ही कमारित क्यांज जाना कार्य अर्थान मारे। कलिका छात्र वण्डकारम मध्यप्रेतिको कीं डिलाए ए बहैक्था (मन', अमा भग रेखिए गुरु कुँ वि एवं भी विमर्ग मंत्र, त्रांखाय याचित्र इनेटल कात्रहे शिक्टम अमे জিত মলরাশির ছু সহ পদা শেবল নালা विषय नग मलकटक अविक स्ति। सूर्त क्लिक, ठाव का, करन अधिकात भावनी, को निम क्षिएकएक, क्षित्रकर क ক ভাষার পদ প্রকণ করিয়া নিরপ্তর সুমধ্ त्र चंदत भानं कतिया खावरणत्र चानम ियान वितिश्री बार्टक ! छक अ दिश्व अवन् परमें छ बन गिनिटक मम, ख्याशित लहेश खुन सिरोत्र (व.इंडर्ज मुक्ष जेल्शांकम करते? वमध्यात्न भन्नी शं तम भवन केंद्रितन चा त्राम ७ छेगानाणि कर्मन कतिना 'र्यक्ल मिर अदि शैर त अस्ति किक महिमात न রিচর পাওয়া যায়, ফ্রিকাভায়ও সেইশ্বপ तः छ। ७ मण्या ८ इठि मण्या कतिस्य वि উনিসিপাল কমিসনর বিচেগর মতিমা অপরি চিত থাকে না। এতদ্ভিন, ক্রিসন্র্দিগের সাহাজ্যের পরিচর পাইবার আরের অনেক षमाधादन ८ मान थाएए। धारे मधादद छि তরে এরণ অনেক স্থান আছে তথার অপদ্ধ পরিছারকদিণার সাসের মধ্যেও हुई अक राह्रे भम भूमि । एक ना । सिर्वे सिर्वे স্থানের পৃতিগন্ধি ক্রাল রাশি উন্নত শি हा इहेड़ा अभावत करण करिजनहिंद्राज গুণের শারিচর দিতেছে।

> পরিশেষে কমিসন্র দিখের আর क्षक है। भारत्या दर्शन या के देशा के अस्तादन ब छेलभः हार्ब रुवे। विदयम क**टे**रजाँछ। बी। একে ত কলিকান্তার লোকসংখ্যানুরূপ স ক্নে স্বাস্থ্যকর বিশুক্ত কল পাওয়া ভার : ए बटाक्की मीचिका आदि, जाशेख जी शंक क्षाप्त छत्र निर्वाध क्षाप कर्त कि

本計 五天明七世 中田 刘家子、明中京田東 के नाम हमार दूसर १ क्यांत अवादन अकेश रेक श्रीमानिकोर अ 可可可以在 有有利化學 中國政治的 करमञ्जू विभिन्ने क्यादि असी प्रकृति कीको क्योंकिं। देखान व्यापनिकासि आते हक्षिण चार्ट क्याम 'द्या भी राष्ट्र रंगरे भी मिहरे बा मिंव के रेनन के बिर के कि किर के वें।देश स्मोदक्तं कि क्षेत्रा द्वार नेडीवना चारह अकंबिनिवद्ववार्त नातः नामरक चाराक्यं व नहा है या द्वावियादस्य । शद्य काहंक्यान क्त कज़ियां निरम्बं अलियाः कि अर्थन विभिन्न कारहम कृत्वक्रमकात निर्मन की बन कि के साम । सामित्र स कटतम ? माहामध्यः लाटकतः ; के पूत काविवाद शिक्तिक क निम्बत সম্বর কেন্স উপাত্র, সরা- নিজান্ত

पेलावि भागार्थ विचि दिलागरम

किना विकास क्रमानक शक वात है जिन्हारल जेंकही जेंका हहेगा **ः टिक्टेन के भीवन्त्रं दे कृष्टि बरनक हैं** भीत महान्त्रं का खिं बंदर बंदमनीत : @ इंडि चार्निएक मछाब इहेशाहिए नमोर्क गृंध् छेल्य काल मूमब्लिक উক্ত বিদ্যালন সংক্র'ন্ত ব্যক্তিয়া এই नद्रिष्ट्रं यात्रव कहाटक क्रिकेन्हाटलाई ৰ্ব শোভ'হব। বেলা ৪।। টার সম विमालर्यंत शहेम् हाटमलत् । नेकं भिष्ठ) जैनेद्रादेश पार्विम म চুপভির আসন এইণ করিলেন

एकः मकार के प्रकार स्थित स्थित से स्थारि कृत्य शहीरकाहीर्व शाविकारक कैयावि बरः अन्त्रा पत्र व्यथान चात्रक कांत्रदन व । अव कि, अव थ, वि अम, विथ, केशा वि शामिता-शामित स्वास की बात विकट्टे के निक स्वेदक मामिकात । कारणद्वार कथा (यहा प्राणनकाशय वियोगस्त्र श्वाति त्याः गांत्रकः विद्या विद्यान । मणांगवि अवित देशन पारत दर्शिया कर्र र क्रि सम १० पानि विश्वविकाशितात वाहेन् इ जलत, लहे क्यक बूगारत चानि ए। ক্ষিপাধি এদান করিলান এবং কোমা

४ एतिएएरि त्य जूनि धरे छैन। बाल धीरानत नकन कार्या न अम् । " खेलाचि क्षणांच ममास । जलाशिक जक्ताक जावास्य जानात है

। जामारिक्टमद्र कि जामरकत विम. शा म्हणकामाम् एत्र साहे, क वश्यत रेन । सार्वप्रतानावा। श्वन वर कि म थ, ज्यापि धनाव कतिलाम । ध ोत्र विलि देशमध्य विहा सावास अस ধাৰি আৰু করেন, 'ডিনিগু আমাদি हिन जना छेशर्यमन अतिवृद्धिन । हे जानत्मन नगरत् करमक वा था क्यून रहेशा जात्राविदनंत स्व क्त्र छेन्द्र इदेखाइ। व महाचा ग्रालर श्रु वृद्धि व्यव्धि श्रु वृद्ध मा हाटचलरत्त्र कार्या जन्माम् कृतिहा গ্যাহেন, সেই উদারশভার লার্ছ রঙ আনালিগকে পরিতারে করিরা रहम । जिनि देश्लार श्रमन कर्मन য়া বিরাছিলেন নানা ছুবটনা বশ্জ विमानदत्रत कार्या छाम्क मरनार्या केनि विचविषाशिद्यत कथा जुलि ्राबु ब्रमाक्षताच ब्राप्त कवर कर्द ार्ट निवाद बाह्यसम्बद्ध कामामा

रहन ।

क्ष्मानारेश महाद्व महि अब रहेगार्टन महत्त्वह बाई।

विश्वविद्यालाहर निर्कित पृष् वा बोका তে সময়ে সমবে বিশ্ববিদ্যালয়কে নানা अकाह चतु वर्धा तक व कहिएक वह। ताथ वहेरकरक् अधिक वित आह-आवा विश्वास क विक्रिष्ठ अवर्गतम्ब्लेब विरुष्ठे ह्या क्त क्विटक क्हेंद्द मां, भोज हे बामाजिएका कार्थमा पूर्व इहेटव । ,क्ख त्क्वन शृह वहे लिहे हहेरद ता, प्रत्याहत हारत शृहणे ज कालिक काब्राट बरेटन धनश तमनीत कून त्य शृहत्क कृषिक कतिएक हरेत्व । श्रृक्षका सद्य म मा अकात भूतक ७ इस निविष्ठ इत्रा अकृषि मध्यक् कतिएक वहेर । श्रा त चारत छेनाचि धाविभागत मात अहि ७ कतिमा दाविष्ठ वरेष । धरे नक्ल वरे লে বিশ্ববিদ্যালয় গুড় খর্শন করিয়াই লো (क्ब्रामन विचा.त क्षांक धावमान स्टेटर ।

विश्वविद्यालया स्व त्व निश्चम श्वादह काशत व्यानक कित मश्माधम व्यानमा क । বিষয়লয় সে বিষয়ে উদাসীন বছেন। প্রথমতঃ বাঁহরে৷ মেডিকাল রিয়া ইঞ্লি बाब्रिः काटलटकत् ध्रधानस्य छेशाधि लास्क ह बाबना करबन, वि के छेलावि मा लहेगा में नकत डेमाथि नहेंदक माद्रात वा किक वि क क्रेशिय शाहेग्रा चिंह चण्या लाइस्हे মেডিকেল কালেজ এভূচিকে অধায়ৰ करत्रम । याशास्त्र वि क, ना शाहेरा जीहा ता वे जकत केन वित स्थिताती व्हेटक शाद्वम, जानून क्रिकी स्त्रा शहरण्टह । विकासका, कावाटक बंदात्रा अव अ, अही का विवास काजिलांव कासन, कें।वाजिएलात পক্ষে একণে অভান্ত কঠিন নিয়ম আছে, मःकृष्ठ ७ हेःद्राजि छेखत कावारक ममाक हरेटड शाद्यमा माडे किंद रेश्लटक वृत्शिक वर्षम नावायन गालाव मह, करे कता करे निश्च कतिवात कथाव हरे छाइ व (मनीत कार्या निका कृत इरे क्ट्रे त्वर कड़िशं चानिज्ञा कारमस्य नः हैं बाब देवे ब्रिशिया है।

चावता विक्रिंग मनस्वत स्व বেশিকেন্দ্র, ক নামে আনা कर्मा समित्राद्य द सहाग्ये. हेहा अधान नगप लाख कतिरव न भूटर्व वर्धन होना ब्रामटनाहन ह ৰেকিক ষেঠক ক প্ৰভৃতি বিষা প্রথম স্থাপাত করেন, তর্বনকার अक्रवकात्र कारणात्र कृतिया कतिराश . कि এक अनिर्वहतीत अन्तरकत्र छेनत्र प्रेप्ट्र मूर्ण विचविचानत सम् अस्त . विवादसन, देशव यदथाई हुई सामाद्र श्विक हात कदविना श्वाकात के ब्रेब्राट्ब, ब्राब्र ५१ कृत वि क्षेत्राविका आदबन, eq कन वि धन इहेतारहन, ७ अन अम क कर कर कर कर कि छेनारि नारे ग्राट्टन । क्रमण्डे भद्रीतकादी इतिक मश्या द्रिक मारेट्या है है हो ब्राह्म हिन्द्रे अधिक अदर दशराम वानीहे अस क । मूजलमारबद्धा अज्ञल छेभावि जारक ম্পুরান নহেন এবং জন্ম আন্যা মেশ বাস। অ'ধক লোকও ইচনু করা অগ্রসর হন নাই। কিন্তু অত্তঃ হিস্কুৱা যেন এব न बान करवन मा ता देखेरवानीविषया সভিত সমান উপাধি ল'ক করিয়াই তাঁহা ता देके जाणीय निष्मत नमकक स्टेटलन । देके.ब्राटम कड काल करेल विश्वविषा मारबात मृति कहेतारक, कक काल करेल है केट्सभीरवदा विश्वविष्याम्बद्धम् कल खान क्तिरक्ट्न, अरमान्त्र ल्यादकृत छाहा দিপের সমকক হইবার অনেক বি मारह । घठ अव अकारन आरमर जा ह র ডাহাদিনোর ছুলা ক্ষমতা লাভ করি वागना वृक्ति । नातानूमानिक वलिः क्रीप्रमान स्ट्रेफ्ट मा.।

क्षश्रमावधिर अभियाद्रिक्तित विका विकात कता शवर्गस्यके माक्रियंत्र यपूर्वाय चाट्य, क्रिक क्राट्या विषय बहे, अपि मारतता चनानिक विकात त्रमानुद्रमे -सर् म्देरम्म मा । अरु सम समिपाइ दिशा

निका किहित्स (पर्रानेत स्व शिक्ष्यारन केंद्र रन राज्यात क्षत्रकिन, स्व काम इस्के कि मूर्क श्रेवा महावंता बाद्य, महळ स्निद्ध लाटकत निकात छ तुन कट्टाकत एत न्। त्य केनात व्यवसंबन कतितन देशांत्रिंगटक विका। भिका कहान याहे তে পারিবে, ভালাও হিব করা বাইভেছে मा । त्य विव । त्लाल्डेनले श्र. वंत्र धहे कथा बिलास व्यक्तिक सा हरेटल क्लाइकब्र निक **डि व्यक्तिमंत्र पू**र्व ठ दहेरक एत्, (रा शर्या स केंबिकाइंक्टिशन धर्मान मश्कात मा कवि ते, हैन लगा क है र हा निकाइ 2 कि जा ষ্ট্রশ সনোবোগ করিবেন না। বাভাবিকও ক্রীহারা বেপদান্ত পিকা না করিতেছেন, (न भग दिनिय चुन,त भाग क्रोहर संगटन म् नारे। अनुरा प्रय পरिवाह कतिया सन् याद्वतं दर् अकड़ि कथान अप विका विका. काश हरेटड विति व श्रेड द्रटिट न ভিনি ক্থিকারে মনুগ্র বলিয়া পৌরব ক क्रिएक शाह्यम ? विवास लाक्षिएश्रेष्ठ छा ধার সহিত একরা উপতে খনও ভুণার বি ৰয় সন্দেহ নাই। পর কোডীর্ণ উপাধি षाती ছाजनेश । तकः वटके कमिनाद्रमिटशङ्ग ন্যায় ভোময়া ক্ষমভাশালী নহ, কিছ তো মাদিসের মন কবিতি ও আন্ধা উর্ভ হইয়া ছে, ভোৰরা ইহাব সাহাঁয্য লইয়া সমু শার ক দে। হস্তার্পণ কর । তে:মরা কার্য্য করিবার উপযুক্ত হান ও উপযুক্ত সময় আপ্ত হইরাছ, তে.মালিগের লেশে সহস্র সহাত্র বিষ্ণের অভাব বিরাল করিতেছে, তোমরা মেই সকল দুর করিবার চেন্টা শেখা, স্মরণ করিয়া দেখা তে,নাদিরোর দেখ क्तिन शकान पश्चन्तरम याख्न स्ट्रा चारह। मरन कवि हुउई हु हु है कि नकल खामां किरगत ८०८० य अध्य क्रिक्ट्या দেই সর্বের মুদ উংপ'টন করা ভোষা मिर्शाहरे कर्छवा । ए.६ ॥ । छात्रहा छन्त् ভাঁচৰ মন্ত্ৰান ছও ৷ বোধ চর লার্ড কেনিং यरहोमटव्रव कथ। তে:सामिटबर्व यहन আছে। তিনি বলিলছিলেন ভোমরা এক

भ.फ्रा य देवात सम्बद्धिक मुखादमा ! विकि (Dकी ना कर अ.श क्**रेंटन अ**श्वश्वित क्**रें**ट्र भात यनि (हरी। कत्र, छैट्ड छे.बैट्ड नक्य ष्ट्रेट्व । हिन्ने चात्र अकृषि विवत् । या शहरू তোম: मिर्त्तत ह ते विकि के क्या कर, जना कानुभवत्र कतिरव । अकतिक्या सनुग्र दत्। इतिय नद क्हेंत्ल नक्त्मद्र त्रवानं च क জিয় স্বাস্থ্য হওল বায় ৮০ ১

कें, जात वर्षा का करे बाल अब भन करे ति नमाज क्षत्र बहेता। अहे वख्नु कात विव ता अधिक बद्धका नाई. देश आश्रतिहे हेश ব উৎকর্বের পরিচর দিতেছে। তবে আ माणित्मद्र बक्कवा धरे चाहकिन जात्वव इंछे:ज्ञान्तिवनिरशंत म,इक आरंगरमंत्र स्मा ক্যে সংক্ষতালাভ বিষয়ে যে অভিপ্ৰায় একাশ করিণাছেন আসরা কোন জনুসই ভবিষয়ে अनुरम पस कतिएक পারিভেছি मा ! ध्यानमीत्यक्षा यकि केंग्रेटलां श्री .किरश्रव সহিত তুলা ক্ষতা প্রয়শন ক্রিছে পা রেন, সমককতা লাভে সমর্থ না ইইবেদ क्ति । वा वर्षात भएक कि विश्वक वृक्ति খাহে, ভাহা ত আমরা বুঝিছে পারিতে कि मा। পরিশেবে बद्धावा এই, आंशांकि গের দেশের জমিদ রগণ বিক্রিং অবহিত र्हेश के विक्षा भारत बन्ना ।

रेखियान भित्रत्र। 29 व

हें खिशान मिर्वत मण्यामक मण्यामरकाहिन्छ भ भीश । दक्र का विमा छ ददेश सन्दर्भः है-ছড়া প্রকাশ করিছে জারত করিয়াছেন · डिनि धूर्न ड वानस्कृत भी स (करन स्वाधानि-গোর উপজেল বাক্য অগ্নাছ করিডেছেন না शक्त याका व्यवसाध बाहा क्यांबासिटशह दिक চেতার পুরকারত প্রদান করি তত্তের ডারি-শিল্প আমরা তাচুল কু:বিত নবি: জিনি বে কাষাদিনের বাকেন্দ্র তাৎপথ্য বিশব্যন্ত 🌤 जिया गाउँकमध्यत शांकत करिएकदक्त, छांबी তেই আৰৱা ক'তাতিক কৰ বইতেছি ট नम्मासक ३१वे बार्टज् विहादत्र निविद्योदस्त,

काबहा डाइरड अकि जाजानिक स्टब्स THE CHAM PER जानहां जारकन के हिंद AMPRICA ARCHITECTORS with situal want er allega er er tin maicule where the the water of his Parket 河北東人 南海 新河南 山南 SIN, WAI PECKER W श्रमाबिद्धान सम्बद्धिक शासि बादबंदे कि तुवादेदबंदद दर् weburun nieu fanten. कारी बहेशीहित अन्यक्षिके माया ना चाकारते के सकति ेशिक जामहाय तर्दक माहि বনি জিনি বৃদ্ধিশুলীক আমা कारवार विकास समिता का हत् कश्चित्राः नारमञ्जूषाक <u>म</u> PRINTED RECORDS - PRINTED कांब्र जन्नकारशृह जिल्ला बर्ला set aicha ffatung

त्याप नश्चित्र क शंक्षा केंद्र निवर्ग माजमनीकि अ हमार्थ जाना निरमहं जिल्लामा समोग्न सरेफ, जाना क्रिकेट जाना छोत्र अधियान सन्दर्भ हार क्या का जन्म ग्रमंत्र व्यक्तिनिति महि तक्तिन क्रिमें भी अहम के काम गरमहं माहै। असान तर शीकाटम व्यवस्त बहेमा आवासिटनात क्रेंडन रहेगांत महायमा कहे । आहारित गांड बिह मी मिक्कि मिक्कि हिन, जिनि वर्ष महिने म दम निम्माय वित्रत मन्नामकाक क्रिके विश्वामिक करिया व्यक्तियार्थ्य । स्थाप সম্পাদক হ'তন গুকার অস্ট্রান বঙ ইয়া त्रभिक्छ। छेड:वटन नमर्थ सहैदवस दक्के

निवत बचान कारण विक्रीता है। পরিত্যাগ করিয়াকেন, কিন্তু জাঁহাল্লাক্র मित्री कामानित्तत कासःकत्रदेश सुन्तित भार । कक्रमा समिएएह। समिता कि

ु क्षेत्र देखना आहे : কোর অভুঞ্জ কাৰিয় ार्क किल मा, **भावज्य** , शुक्क स्विशं कि देवे क विश्विर चाकितिहरू रमंद्र 'सामध्यकान भाडे हि स्मात अहे जिएम'। अस सहरव । अञ्चल अवनी ह उनिहरू स्टेशारम, छर . बहेरछरइ नाः व्यथना व्यथ हिट्य ? विव्रत मण्यांक्रक द **, जब कटा न, जारात केल**त তাহার সে অণ্টা বিলক্ষণ Ja. প্রাথম করা উচ্চিত । সে तंत्रण व.च कि केक्बफा कार লাপৰীত পরিত্যাপ করিয়া

म क्षेत्रक विद्रय गण्णीप्रस्के ভ্যমুত সরগ ভাব প্রকাশ পা माप्तक भूर्य निविद्यांहितन, मप्रकाम शुक्राक मामानशीय बाहे, किंड डेगगुक वालिय र्श्य निका कतिएक बहेरन, छा ান ক্রেক করিছা জিল্পাসা করি नाव, 4 क्छ वयस्य बाटकरा निकारी । आहार्याद्र निकटें बाहे वन अवर कड रं वा अध्ववद्या कतिरवस १४ मण्याप्रेक मन अबुक् को इक द्विएड शास्त्र माहै। रबरम्ब कथात्र कालिया कृष स्हेता । किन्न जामता वाक्तमाटक कई व्यटमत নৰাজর, কেঁপিতে পাইনা। ডাহাঁ হইলে त्मरम्बनाय क्षेत्रक भिरु आब कारन मू वाका चकाइएक र बहे देवनिक यह गाउँ रतन (साम । मानाभिक काल ज्ञू क स्ट्रेस हिद्य ? भूकी मझ बादिविख्या हाई। জানোদ আলোক, বিশুদ্ধ হলের অংশ ग विकास भारतीय भागतीय र कहे धानम ুমির র কতক্তবি প্রকাশ বাকা প্রয়োগ ीर्टन, छोराइ हेखर सान त्यांना मर्ट । उनम्रदात्र यतम विवादात्र कान देवर्षः

অভিনয় করিয়াছে। তাহার এছনৈর

सक्रिय स.् अङ्ग्रहनका कि वाक्षा अगरङ ह क्षेत्रकात्र माण मणावन। जाएक, वान अहे क थांश किन प्रापादनक दुमा हेदा क्रियात ८५ है. कुदुब्ब, काहा इहेइनहे च बन्ना चानुक्रीयकाती आधारिकोत्रं क्षाक्षित्रं क्षाक्षाद्वाण कतिने ह जीवा मध्यान बहेर्द । बीकाहा भूगान अंध्रश्नीतित्र निवित्तं क्षित्र क करे त्रश करवन, फें!शब्दिनत कि केन्द्रित विधिष्ठ चडि नश कहा इस ? 'क कि कि इ. के कि वर्षार्थ थर्ष : जानर्थमुक्त : जानुक्रीमहे कि केपद्रव विश्व श्वार्थ ? निवृत्य कालके निवेश कि स्वर्गाल त न । विषाय ? উপशानन्त्र महाठारवा विभिन्न ? कि बारकता काम्बर्दकात्र माञ्चय वाहन कति ब्राट्टन ? डेट्। कारशका कि डेवड कड़डीन नाइ २ जाम निरंगत रहरनव लास्कः। ज्ञास्त्राम जिभित्त जात्कव करेवा तांक्वाएकन, जांधांच (भाव जारमरक कर्तवाकर्तना स्वार्थ कानमर्थ । इहेब्रा भक्ष मध्य अवदाद औरमगणम कर्त्र তেছেন, তাঁহালিগের অনেকের শারীরিক ও बाबनिक डेकवृषिष पूर्वतंत्रक पृष्टे वनेटलए ध्य अञ्चोत बाता कांत्र किरमन व्यवका मण्डमा-विक हर्देश केंग्रांक मान स्था, काश कि जान ब्रिट्संत च्या अब्रभी इ महर १ च्यक्ति विश्वत अञ्जीत्मव अञ्चलाता यस बहेग्री मिहे तिहै बहर अञ्चेति विकास द्वा कि बालिशित क्रिकि १ जारकता कि बर्धा मर्था कामांविरभत जीभरनद्र अन्द्र। ऋत्रम क्द्रिया भारकनः खादा न्युक्तिनभ क्ष बढे इडेटन कि चात्र भ লীক এবর্ডান লইয়া আবোদিত থাকিতে ইকা হয় ? সেই হতভাগ্য জীগণের কবস্থার केत्रिक जुल्लाक्षम कि मुनाशर्क आखकचालि छ शह । महत होत्नित्त्वत मध्या अक सम स्-অপেক্ষা প্রশস্যতির অস্ট্রান নহে ?

এই श्रद्धाटवत्र छेशमश्हाय कारम जीमत्री বিনয় পূর্বক বিরয় সম্পাদককে একটা প্রাচ শ্বিক্ষাদা করিডেছি, তিনি বেন অসুগ্রহ ক রিরা উত্তর দেব। মিয়র সম্পাদক আবাদি শের নাার রাজধর্ম কালক্ষার অগতের এক माञ्ज वर्षा प्रदेश विश्वा ग्रहायमा करवन गरण হ বাই। কিছু ক্তিপয় রাজ বে জান্নচিত जामुक्रीन धार्यन कडी। व्यक्तिस्कृत खेरा कि अव्यक्तिक विश्वकतीय इहेताल गुलिकका

तह छा। । शाबि मारे । शुरुषाक बादमात चलत्व न्याबाविष्टमत त्याबि क्षेत्र मा । चना व्याना क्षांति बाक्यके तावव कारम अध्यक्तित्व केन हिंड केंग्रहीय वास्त्व नघड १ इस्म (अमें हिंदिक्स) कि वाजेर्यानास जनाष्ट्रिक क्षित्रक जात जानक्षीवरक क्षेत्र क्षेत्री क विक्रिया करकारण निर्देश के ब ८७ भाषित्वम १

> षात्र । ३-हे काब्रुन १२७३ । \$ 77 1

কলিকাডার সংবাজার, চীনাবাজার, नियमिश्री अपृष्टि स्थम मनन कारमा बिल्पम बिरमय बाम कारण दनने क्षेत्र भी भी भी ग्रेकांद्र মুখ্যে নসপোলা। পাৰ্যহাট, বারুর বাজার শ্র पृতि ১৯१ क्रि (मर्भा) कात्नत्र मान प्राटक । किनिकाछोत् बङ्गाकारतत माना स्थम हक আর্ড সেইবাপ এখানেও এফটি বংদায়াক্ষ हरू कारह । अबे हरकत बर्ध, व्यक्ति अक्ष काभाम केडेक बांदा भाग जाएक। अरे नरदह क्षं समाती ज्याकि:मत कोकिसोरी वरित दि-मादर स्माकानमात्र मध्यक श्रीम ५३२७० वह क्षादकन याम अवर सदमभीय विद्यालीय गर्ने मा व्यात 🚁 • • • • व्याक अ॰ भा १ इडेरबक । आयी , त्म मुर्जारणका मुमनग'न अधिक रहेर्डक। তাতি ও লব্ধবনিকও নিভাগ্ত কৰ নছে। ঠাতিরা অভি বংগানানা ক্রুড়াটী বংল শলাক। তারা অংগবিং য়:ত চাকাই বল্ল বর্ণ করিয়া বাবে। গুলবানার বস্ত্র নির্বাংশের সমস্ फुट्टे करनत कांचनाक इस । आदलकीय मानवगन জত্যন্ত ভীকু কৰাৰ, প্ৰান্ন কৰেনেকৈই জনা-ম জিক ও অদৃত প্রতিঞ্জ কিন্তু বৈর্নির্যাভনে मही आए कि ना म्हण हल।

अधारम शता धर्मावसधी अञ्चल यात्र करव बढ़े, किन्न रिष्मु । मन्त्रमधानहे काविक । यति কাডায় মাব্রম প্রকৃতি মুদ্ধের ব্রিগোণ যে এক ল,পত্ন হইয়া খালে, এখানে ভাষার কেন अर्दन अंधे नांडे, अहाड कान क्'न अ'त অধিক হটৱা থাকে। বিসন্তিরা কলিকাডা अवृति वास्त्र वहे वर्ष अझात मतिहा व्यक्त कृष्ठ कार्याः क्रेशाटक्त ज्ञाना त्राक्त व्हेर्छ नारक करि । पटकेंद्र, नाम जाक्यत शाब 81 2

महाब द्रम्भिष्क शार ते घणा । ना दिक चारतं पर्वे आहि भागत छ शाह बद्ध महाचा | कारत भूका वा आश्वादना कहा हहेया चारक। | तरहबह बाज अवस्य यह वह कि चाँच আর্থ্রি আপে। চাকার ও 🕏 তালস্বাস লাছে। ভৰাষা আমত সুত্ৰভত্ৰা ক্লি-ত্রের বাষ্টাত্র য সমাজ হয়, পেটটিই সর্বা , মানিরা ভাহারই 'সাশাধন, করিবা খাকে , क्षधान । य विश्वक क्षाप्त धर्म क्षणात न कहें ज ধ্বক্তের সম্পূর্ম ফল সভাবন, নাই ভাষার । স্কৃত্তি করিয়াছেন । ভি নাধা এই আছে। केश्वर्ष माध्य व्यवस्थ कृष्डविष्ठा शक्ति क लवाद्यथ (प्रचिट्छ कांट्या यात्र, डेड) आर्लका **भारकरश**त विश्व काव कि जारक। कशान-**জর ব'লস্মালের অ**ধিনারক শ্রীযুক্ত যার্ ভ্ৰম্ম স্বৰ্তীত কোন কণ্ডবং নিষ্ণাৰ প্ৰতিক্ষা **দরিশ্র আহার অনাধান্তরণ ফরণতে অনে**ক ক্ষুত্রিলা ব্যক্তির ভাষর প্রতি প্রথার হান ছুওবাতে এখানে ভালাধর্ণার উন্নতি শক্ষে অভ্যন্ত বৰ্ণবাভ ৰুইডেচ্ছে , লামি ৭ই গাইন बुधवृद्धि नेक नवाटक श्रवन श्रवक महाव व्य रक्षा सम्पर्धत कवियो का अक्ष हु चित्र बहेसाय। डेलाहाबा डेलानबाद लड छ हर्गाधनीय ছুটী প্রাপ্তার পা। করিলেন। ভাহার পর ১ দি নংগীত হইণা সভা ভঞ্ছইন : আভার উং करे की शहम स्थात कमानि । वस्तुक शख्य व कु छोषो करबालमध्य विद्वते हरेत या। त्रयू-খায়ে ২৬ টি ভাল উপড়িত ছিলেন, তল্পাং, क्रिन देशाहादी आपूर्ण पूरे किन सन का মার সহিত কিয়ংকণ আগোপ ক্রিয়া বস্তুঃ ৰে প্ৰস্থান কবিংলন ৷

শুনিবাম এক্ষদিগের প্রতি জনেকে ক্র गक्षके व्हेंग्रा स्वाम शक्तिजान कतियाद्या । ক্লিব্ৰ পাছিত্যাপ না কড়িব। সোধ সংশোধানের एडी क्या है जावाबिरनय कथा। इस याहा নিগের ধর্মের বিশুক্ষ ভাষ প্রদায় কর্মে **ৰ্ট**েডছে যোগ সৰু, তাঁথারা কালার অসন্ধাৰ श्रीय श्रिया. ए धनश्रानाथन करें । वित्रा निष्य था। क्ट भार्द्रिय मा। अधारन कार्क्त ७ मत्रवाधी भूषा किम हाति भिनम बहेत-পাকে। ছাকার দক্ষিণদিশ্য নারায়ণ্ড মৃতি नक करे पुरी श्रधान व.िक् व्यान ।

আৰি অহুন্দান কৰিয়া "ৰবিনাৰ এ भारत (प्रे थु छ. नाई । स्लाहितीव आहिता। तिथिव प्रक्तिन प्रदर पविचा व छे छ। छ। **হট**লে ২১ পর্গণা প্রভৃতিব নায় এখানে क्लाविक्तिशान व। मिर्नी प्रक्री रह मा। न्यह ।

क्षांत्म चनार्रहे। इहेरल बलना "करक ह्या छ। (कह कह भी श हहेला हान अन विशेष्ट त्र भीतः (उक्तिविध्याचार) विकति श्रुक्ता अधानकात कारमहित এक आई छ केरिकात ध्यान कवियाहितान, योश्या हाकानगरत्य मर्ग काहिक अ जनगडी अलियो जाकाहेग्रा वाखाय वादित कविदव काकाक्षिणाक है। का मिटा व्हेटन। यो। दाता दास्ति कतिशाहितनन डांशामि रात है। सा ब्रिटेड स्ट्रेबाट्स र 231

ক্ষাত্র প্রাণ ক্লের হারেরা সংক্ত विकालिको ও अक्त मिल्र में अर्थ नामक ছটি সঙা সংস্থাপন করিয়াছেন। আদি সং--কুলে সভার কাৰ্য্য এপলী প্রত্যক্ষ করিয়া र्राज्या थीड थ अन्त बहेता.हे । 2.वि ং লপাতিকার বেলা ২ টার সম্বাধ্য সম্বাধ্য **মা**র্থ जादिक बडेगा ० टीत श्रद स्व बडेगा श्राटक । हैं है। दाता छाउपिरगत विस्कृत में के छ हैंदी । क्षेत्रक । काक्षान कि मेरनाभिना मकात्र । बेहिक स भाजभार्तिक छेलग्रनिध दिस्टवृत् स्था-लाइमा कहेवा थारक।

ৰঞ্চ বংগর ক্ষাব্যি বিক্রমপুরনিবাসী <u> এটিজ চক্ষাৰৰ চাঙীপাধ হৈ চাকার শোলৰ</u> नारहरका कृत्व बाजवाय निकट हा कार्या निर्म र के निर ठटक्त । देनि शृथिशीय व शिक शामिय वमस्त्र का किन्द्र आहि व গ'ত - 'ফাস্ক পকটি সাত্রিক্ত গতি সাৰি ও ১ক.িয়া ডেন্থিয়ক এক খানি পুস্তুত হাঃ-रर्गाक्षण दिकारक देश्यात अलाग मा कार्यक्ष গু _{সা}ত টাংপঞ্ ক্রিয়াছেন। তিনি আয়াকে र जिट्टला है कि दार्थ वित्त अञ्चल स्तालाई है ए-শ্বিত হটপে উক্ত লেশের লোকেরা জাহা ধৰা। সংগ্ৰাণ করিবার নিনিত কত খন্ম কত প্রিশ্রম ও বত জার্থীয় করিয়া কর উৎ সাচ প্রদান করিতেন কিন্তু আমারিগের দে শের মানবগণ ভাষাতে বণুপাত ও কার্যেনন । ইয়াব নশক নৎসর বংসব পশ্বিনী ক্রিক্ত পাততঃ রোধ হয় এটি কর্ণাতের যোগা

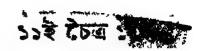
किइ कम प्याचीख बहेन अहै লগন কবিৱা আগততলা নামক জন ज्ञा द्वाष्ट्रवातिरङ कथ्य कड़िएक म সমদে তথায় সভাস্ত মারীভয় ক্লীৰ্ণা वान्य आधन प्रश्ल अक्ताका एके বিশ্বদ হইতে উদ্ধান ছইবার, আশয়ে वति अवान पूर्वक दक्षकानी पूर्वा हेरः मित्रा हेळा कुडेमकावनवी कुर পুষ্ণাকারিফিগকে বিদ্রাণ করিবার আ अकड़ि के जिल्ला का जिल्ला के उन्हों के बिक काकी रेखि जिन्हान कतिया (नरे नाहे देव विकास करता। अहे मालाङ विया वाका निवास एकेवा क्टेंबिटल म कात दान्य ध्यान करत्व । अन्तः

े का काम देन होने बहु के की व्यानिवादक्षतः ८ व्यप्तः । अपनि 🕟 जाद्वाशात शरक काकि विक बहेबार ইনি সঙ্গ ধন্মরুট পোষ্টতা কা किए दकान प्रदेश है कि नदक शांतिदक ইনি বেয়ন থাড়য় ল্যোক, তেগনি क्षेत्रीक इहेग्राट्ड।

29ने विविध मर्बाम्। १के। देशक दमामनास । क्रम क्रम होना दहे अ क्रिक्शियारक আগরার সেই **অন কালেডেক্ট**র্ ্রেরা একটি কমন্ত কাল্রের স্থাপন ক विष्ठ अञ्चल क्ष्मा । अहै। क्ष्म कार्यक्रिक वासक्षा । क्षकात्रिक स्टेब्राट्ड, दवाचाहर्य

> ইউরোপীয় কলিক ছাজ 📤 কুল ভুষ করিয়া িক্রার কলের। মুক্রাভি ব আট বিশ্ব কোম্পানি ৪০০০ क्षकारत थिक्षिय व्हेगात क्यात है। (इस । **अ**हेनकन विश्वह (कान प পারে আখনারা ক্রার মারিজেক ञ्जल का ने हे का तराहर इस । हे हा बिर কিছিত, এ নিংইখন প্ৰেস্তাৰ

क्षण (है,नेशास्क नश्वान মুজ্বো আনেক্ষেড কিৰিং ব R : W!



च. है। कि नादहर भाग देशद पन जा छा। छ পেকা পর্বডে অধিকতর প্রীশ্র হ .क डेशरेड ज्यान्हर्ग ८० कविश्वम वास्त्रिक कथा।

निकाडाय विषय (हेरन आजिया-গশানির কেয়াণী ও বাচ্চিগ্রেও किथिए अर्थ धूण्डात प्रिया हत। जा:-इ कारनाटकात काछ,विषा कारताना दहालि चारबाप करान नाहे, ववर धारा क रेटफ विवक कतिवात ८५%। कविषाटक कालीत नात क्रमरकात्विते छा चित्र गुनदक्त सरेद अपन्, ज्यानाविद्या ছেন্ ক্ৰেন ১

ाज अक अन विशे हरेएक हिर्दि ह्या शाक्षित्रंत्र आद्यक्रम अञ्-र्गं अमितिन विभी बहेगा दाहेल बदब दिवरम मण्ड इहेश्यहम । लार्ड राम यम्बाब मिक्किकित रहेनरनव পিত করিবাছেন। গৰ-র কেনুন্র্ল টোন রাজধানীর উপ্রতির জন্য জা ाकतिबारहर । किञ्च अक ८ छ**ी** है-নগর্টী এক কালে সম্ভূমি করি

 টাইমস্তেজত্য সরকারী সুইশ্বং-राभ क्रियाद्वयः उपाता सामा आश्रम मोनकात घोटलत निकटने তত্ৰত্য অধীদার ও অধিবাসির दशके व्यक्ति विस्था महावहाग्रव-कि अवर्षायन के कालाब्रियान धना कित्रियोद्दिन । ४० 'यद्भाका है।इन ह श्रेषांत्र (पंचरा डेडिड हिल । « दिनिश्चम वटलन अञ्चिति शर विभिन्नान (मटक्र हेर्गति विकि माइस-

ী **অনুসারে মাজান** গ্ৰামেন ও मामानावरक है है। क्या का देन, दहे- বোবাইয়ের সহিত ভাকের য় ভাষাদিলের অভিপ্রায় প্রকা-

বিশান বংগন, খড় প্রস্তুতে ফাণরিখিত ा इव निवारमञ्ज विवरण निविद्याद्य । हे दे का का के विवार । हे हैं। का आहित मर ৰোধন করা ভাষাৰ অভিযোগত। যখন ছারিং हेम मारमय अविषय विल काकुम, खरकारल বাজ দিনশত্মাও সাহাত্ত প্ৰতিবাদ কৰিবা शटकरे राजन क्यापुरहर राजा गाँगी | हिस्सन किस अखरकती। श्रीतहा छोहात क व। सामग्रहात करा हिया ताम इत्रेम्हित . वैभिर ১১, ००० है। का छ। इन । जानानट कान विवासन नहें उ इंडेटन (झांडे (डांडे हैंडीम्ल खिन्ना तहेर्ड इन् क्ति २ अधि कि कार्य हेण: ब्र्ह्म/मह लक्षा मह २

हर्न, ७ हार्नम आहनक अलाद ना मर्क क्री रा कि काव उवनीं व दिन करत का च्यां मित्र अत्रा च्यमस्त्रम कतात् । हें केटता शी। বের চারি বংশর পরিখনশহ কার্বিশ হট ब्रोट्ड : किंख कि कि कार मण्डादिक वीरक्तों बाक्यप्रक्ष 🖰 . 📲 । त छ वश्यव की गांखव वाल कतिरू क्षेत्र । भरक्त अ व्यक्त ित्र छ। (कन ?

> काम्यांविष (वला १ घरिकांत्र शत्र ब्रांक्ट्या-छ मारहद च्यानिदाहिक त्नानावेष्ठित वांकेटक 'कुछ स् विवस्तक खेशरमच बिरवम । करमक बिर সাৰ্ধি ইহা পারিড হইবে। ঘাহারা ভাষা অৰণ कतिट इंटर्स डांश्रीमिश्रीक प्रम हैकि। कतिया कि पिटक बहेद्द : अंग्रे नक्त फैंगरक्रमक्तिन (क छे**९त्रात्र (म ७३) क छ**न्छ।

दिन्द्राटनित गेंडे अन्य किन्निर्माद्यम ३৮५७। ७८ सामन बार्यन हिमान आक्र मा इहेला ভূমণ্ড সাঙ্গের উত্তর পশ্চিন্থতে গদন করিতে _{| ন্যার জি}নতীশ চক্র রায় বা**হাছ্**র নারু ব ম পাণিৰে মা

कु अन करलबब थाड़ी द्रमद्रीय शब बा,बाबिरनद इन्छ ग उ कड़े गाइक । का क्या एक व निगय आहे हैं

ए अक्टन काल क्यांन क्योंन विषय निः थिछ इनेदर मा। मुम्लाहक हे**बाटक नाहि**छा भड़ क्षिरात कलना कतिषारक्त । शाहा इंडेक देश्य भाष्ट्रीटल अभाक्तिशत करू हि सभि शास्त्र । अञ्चापक अटे मरण माम्बी अश्वीवश्वं 李字子!

e ने रेडिय अअम ब.ब i

মরকরার কাছাড়ত্ব সংমিমাতা বলেন : তত্র-डा होत्र कोट्या नियुक्त छानित। न्यास्क्रमाश्चरवत्र ছডিজ বিপদাপন ব্যক্তিদাবের সাহাণ্যার এ-कारक ७ वानः कवित्रा दिशा देश होका व्यक्तन

ছাঞ্বার্ছা-একাশ্রিষ। বলেন, ভয়তা এক

गण्डि बक्दरम्य को मामाणिका चान्द्रशाम महित्र, स, रिन्द्र दक करि नर्दित काल दक्का बहेरकहे ीकानिशा १४९ क्रिम्ह्य व्यक्त के ।

कि ने अपने क्षान प्रतिक स्वर्धित स्रोत AT T BESLE!

उ यक न दिया - देशक	8-80-00 Btv1
ব্যাঞ্চা ১ইডে	C 39.0
हरलाशंबर, १ है, छ	39-84-4
े छैन इ हास्त्	A
'न के बे वर्ष स्वेग्ड	******
त्थ हैं माश्र बहेट	****

कारमक का किया एडेएक ५:६०० होकांव अवर्ग कानकानि इत्रेशांद्ध अन् अन्तरेक अने कहे। >8-७-०० है। केरि क्लारिक कानमानि क्केप्राटक र BRITT CHEN BENG ATTEN SECONN BIRTH त ऋषणं विकाय के हैगा। है।

मार्ट्स क्रियमस द.सम, छ। युड्यमीब व्हार फरेशक मछ,त विकास न दम न प्रसद्धरम् अ अ रवार्डेन नि. वि भक्ष दवत्र अभाव ७म (इश्वासत्त्र ब्र के छ क्रिया हिन।

दमा हे महत्क विविध बदलव आपाम दमना-गाँउ (नाव'केंद्र डाउ/ ग्रुड दकेश'एइन, खनावाचे CS' इ चार्था में खड़े थन, श्रम कर्तिद्वन ।

देश्लाममा एक स्वतार्थात्य महामण्डा वटलाम कथीमान अम्बान जोकान द्वारामान हान मार्ट्डिय परिक दिल्ल बिला से क विद्यारण ।

वंश्वाधिक मण्याद्यक ५८कान वाद्यालाव ८०१५०-मन्त्रे शव वि आस्त्रा संबद्ध स्थ्य, है. हि हि वस এটিচ এল ভে^{ন্তি} রয় রাজা প্রতাগ<u>চঞ্</u>লাংহ नांच ठेरित क्यांत्र श्रद्धक कृष्टा नांव है वेचन ह्या विमानाभन कर नाथान निकामाहरू क विटवकेय ७ दब दिलिके क मिनमद्दत्त । काव !। र ब जिल्लांबर एकेटनल ।

के क्लाज कारना बरम र गन नार्टम क्रिया है जा। वाकी दम बारम निष्कुरमण मन्द्रभान विशेष वाहित व व जिलाम क ब्रम्यस्य ।

के जिनमान पर्यान वक कान कार्यान भागा की बहारांक गत कलनांचांक्रदक लिपिय उर्दे । स्य कि न किसंदर्धे विद्यासि शालान विदर्भ मार्क दक दक्षित्राद्धम थर॰ किनि मान। ७ म'ला त्र.३ প্ৰিধ্র গগৈর পত্র বাংক ছিলেন এক-শ जिल्ल (मंदे ए का भारत कार है। (का मार्र हर

७ के टेडक जूसवात ।

किनिक ब्रामन, कार्याहर महाहास (म ्रे, क्रमान काटमध्य ३००० है। के धारान कविय

रहत, बदे: के निनाय. त्य मायांका कारणाय करमक्ति हात्र ह क अमान कति 'वस वित्रशासूत । ক্ৰিল আগামী কৰিবাৰ-পৰ্যায় কলিকাডা ঘট-द्व भ्रम्म कहित्वत । . श्रृतिती भ्रवर्थ धामास्त्रक ु देव ও সৰচাৰলগ हिं, े पन श्रवृत्ति स्नारना ক্ষেক বাজ্যি কাশীপাৰ ভাতার সভিত সাকাৎ कतियां च्या नेप्राप्टन ।

क्तिक कारवा वरलन वालला (मनीव क्ला)-ইমণ্ট ধৰাৰ এই প্ৰকাৰ কৰিয়াছেল আগামী ক্ৰাড়য়'ৰি মাস পৰ্যাত্ম কৃষি সংক্ৰান্ধ একটা নে-新 | B F !

हैक्रभन्न चारवा बटलन चारकाव नाम अयो-शास रेममाक्षर का मान मररकान करियान कलाना इक्क्रांट्ड क्रिक्क केंद्रदाशीय रेगना न। क्यारेश्क 🗬 छेटबना भिक्ष स्वेटन मा. २०००० अ एक्नीय टेन-बा क्यारित्मक २० अफ है का उन्द ब्ला श्राव । कामन वक्षावय केंग्रेटा लीव देवना मर्याः क्यांचेत्रात् अधात कविता व्यक्तिरविद्य ।

खिन जाहबा बरमन ३৮ के । करे व्यक् ब्रह्म दव शाह ३१०० हेन आरकेद जामक नि छ १८ १३ हेर कार्डित वशांच व देशान् व बोल-क्रिंद्य श्राप्त ३० ४००० हेटमब्र काममानि य २१२१० है। सब ब्रह्मास अवेदान्य ।

भी क्रिलाक है व अब अवर्ष क्षावत्र अ ३ व वर्ष अधिकत त्रानामित्रम छैटे हैया चानित्रात्वन, এধান দেনাপ ত রুটির নিমিত্ত আনিতে,পা-द्धन मध्ये ।

केल शब चारता यामन व्याप्तानगरम पश्चामा ५० है नार्ध दिनाइटन खेलांबळ वरेड -.हम। जे विम रम्प'रम बक्ति स्मा क्रेडाहिन. काराटक विक्रियाना आदयन ब्राव्या व्यातक है।का राष्ट्र के रहार्ट्स ह

फिनि का हा बरलन करे बार्ट जह बलेंड्या-पति लाटभारत कितिया चानियाद्यन । छवास ७-भाक्ष सारवत अन्त्रकाव प्रवेशास्त्र । छावति नि-करके चात्र छ : भन्नभारमत्र छेमध्य बाहे ।

कारतकार शास ७७७०० हैन कारकेर अ-अवानि वहेन्नारह ।

वक्षपुत्र विकथानांन मृत्राव क्लानिक्राद्यक ৰাকা শারীবিক আছা লাভাশার কিছু দিনেব ক্ষমীয় যেশ প্ৰমন কৰিব ব অভিনাধ কৰিব। মৃত্যি। मतिवाहित्मव, भाव छ। । । वर्षादिवाय छै। गदत विकास ना व्यवस्था श्राचन श्रीमा श्रीमा Bin Bimmical Menteniet fantenet i

ইতিহান এপায়ায় অসুবাৰ কৰেন বে ক-👻 ब्रेस्कात महाता स्मृत हो। मन देखिता छेलानि **व्यक्ति प्रे**वाय महानमा आहर ।

ৰীলিতে কতান কয়। ইত প্ৰাৰ । ইতেতে ।

हैं जिनमान रक्षान सर्वेशक श्रीकार श्रीका वि-त्यः। शे अवा क्रिक्ष मञ्जादक धविर व यो गात्रः मागा-ধা কৰিয়াছিলেৰ ভাছাবং গৰ বিষ্টি ভইচে दः । होकां भूवकाव गावेबारकृतः

वीति गाप्ति बटलव काशवास अवशि वृक्षक विरक्षेत्रिक कालाज काशिक इंदेशाहर, छव्या-क्षित्र, मानिक २०० हैकि। (स्टब्स अक क्षम तका-পঠি নিখাগ করিবার অভিজাব করিয়াছেন :

म्यानात्र हिन्द्रश्रामी बालन आधाषात्र छ।-व इत्था व मान- कर्णाम् ज्ञाम । अ अर्थम व्यादाहरू धक अर्क काउनकान गत्र शानि कविनाहरू।

जिम कारमा बरमम खड्यांशाम विद्याह वद्येवाय डेशक्य क्वेट्डट्स, युव्रवदार्थयः। स्वाः राव लाल कराहेशः लश्च शक्क लाक कारक विकारका वेशमान क्षाक्षा है विकास करवन कम भूड इन्हें। गरीकार्य वक्षी कनेग्रा व व्या हा। विश्व . १४ था उक्क कांब्र क्षत्र व १ हैट इ दशका ना।

रेखिनान भवन बर्मन शहे क्रम जिल्ला है राजानसाहकत्र कार्या दक्षि ब्लबाटक मीति अनु ত্ত্যর ও সূত্র হান এড়ডি খানে পাধা ব্যাপ श्रा श्रष्ठ इकेटन। 290

१वे टेइज प्रश्न्मण्ड बीव ।

जन्म क स्थारकात अधूर्य व मान्येन अध्यक्त বিষ্ণারাজনে এক অন্ত বেকিক্ষণ। ১ ইয়া পিয়া ८६। लाउ-छ, छि इहेश मानक अक कन कहानी কুলীৰ অভিনয় দাবিজ্ঞাদশ প্ৰেপ্ত হওৱাতে 'আ गमात्र व्यक्त बोर्च क्रिकि जीए कारु क गमार्थ इ नाव श्रवर्णन कर्द्रवा श्रान्ताच किथिय किथिय वार्ष मर्अं कविराजन । किन्न जेक प्रमर्श किन्न दिन भारत कानत थे खड़ी एकत मात्र अनेटकर म-मदक म्दःवनान श्रेष्ट् व्यवका ५ म्द्रार्क काउने ले अवाब मीर्यवाहा कम बक्ष विकास कावि निरम तः ब्राष्ट (७० हैका) प्राणिक द्वलन चीकाइ क देश अञ्चल्तिय क्या चायहम करव्य । छीडा-म्रामत केंद्राय वह अधिका कहेवाहिन' रव वाकि अवस्य जगदार छा। य क्रियम क्रीनाक · · · मृत्क प्रक बिट्ड व्हेटर। काहेटकेंब्र की नक्ष विकास विशेष शक्ति मण्डी कारन विश्वक्ति थ-কাশ কয়তে তিনি ভাগাকে বিদায় কৰিয়। দে-ন : ত্ৰিষ্টি ক ব্ৰীলোভ কেবছালীতে নালিশ করিয়া ৫০০ মূল্য পাইয়াছে। অভিলয় সভাতা मात्र धारतः । याव महामहि।

वित्रात कठनत स वाक्यांकी पूनि वस्त्र इ-वि व वहा पृत वहेशाद्य । अवे व्यक्तिक वहेश माञ्चारकत दश्चिकिक मार्गिक महाम

कर है जे नहीं कार्र का बंध होने कहरी के क्षेत्रहरू विकाशिय विकास हिंदी कि के करी है है जी हेशके वि का जना आवी किन। क्रांके TATE !

The Table

आत पूरे बरमह शूर्क त्याविक हुनिक व सन वेश्व'क प्रश्लीक एक्के आहेव ्याहीक' कारिक क निरंद श्रमन , क्या । और है নি নিয়া পাষ চইন্নং বিখ্যাত অস্থলীকী क शक्त क कथिक हुन्य भग्नादित्समें। करक्षक कर कार्कि के शक्षि नव कुरकेकिन न छोड़ा विभएक वंद क निवादन । कुनवृक्त से পির, সভা ও সুশাসিত মা ২ছিলে এ টেউ कक्षण कडिया

देखंत रा जिल्लाका अध्या अक्रेगेरि ववेटिन्द्र। अक क्षत्र भागा आहे केंद्र त्य है जाका करियार्थय रक्ष्मा के क इ प्रके क इंटर, का बादक अक्टीका लंड वंत्रा वंदेदत । आभवाभीता अक्रेक्ट क अक् मधि भारा विकास मन्त्र कविरकेत्व । अवः दा प्रश्व मध्या, मान व्यक्तिक ना।

रक्षेत्रकेत्वर कंडक्किन हो स्व नगर क्षेत्राधनार्व क्षेत्र गन्नः व्यक्तिहरूम । श्रमंत्रके विवादनत्र मान् क्यांचितास कर য়াছেন। কলিকাভার ছবর্গ ববিক্রো। व्यवमा अक्टबेस को दक्कि है। 📆

यत्राजी शर्परयके व्यक्तिकटम अर লকায় করিয়াছের শস্তারী জি তবাছি বি লাগার স্থালিক ছবলাকে ক্রিটা কু ব ब्लाप महाभाष करिएक कार्का क्रियाद ८७ ८४म राजिका जाराना मेळाडचे- चार इत न्यू रहेत्रहै निष्ठां हेन्हो।

है। ज कर्मात्र जन क्या मूर्त नहीं con weben fete be Bisifien नकडे ७०० छ। के क्या करिया

उ।इ।इ अध्नक्षां केरिया हा के वाकि क श्रीमार्गह एख नहींने (क्यांत्र कारहरा। क्यि त्य वांक्षका र क्रारकारका अरेबा। जावाब वाविधारा

इक्षा ७ इंग्रियाम विकास कर निव क्लिंड बहेशाह। र १ वे

पुरक्रश्नीत ज्ञाना पूजात ' প'ডড ভূ'ৰ নিজয়' এছাৰ কাইট जशद्र वक रकांच्यानि-इच्छे 'दर्श्य । र्रे मूर्ण यथ दन क्रिक क्रिक्री । जावाहि का ही काबाब्द बढ़ा क्ष्मीके, क्रिका EEM WICEFI ES

व्याननः व्यक्तापित वर्शन य कुमान वामी ्क निर्भवनानी त्य झांकि व्यक्त वाहि कह তে नमन करनन हैनि अक व्यक्त से डेश्राधि रे से कहें अर्थित हैं ।

खेहेल्यन म्राव्याच नायक क्रम श्राम के भनेत्र मृध्या १ ६३ हिमस सामक एक शास्त्रहरू

ছোর করিয়া বধ করে। প্রধানতম বিন टाब्रांत अक वध्मव मिन्नाम कर्नेग्राटक् कडा व काशासन मृड वास्तित भी शासी मृष्ट्रा क्रेग्रा इ अथन यह त्यक शोक्षिक वध क्यूब खरन जाशांत्र योशी क्रेन्स बारीदब्रा भना शांत कृदबन, छाङ्गांच-एक निकुष प्रवेशा थाएक मध्यम नाई । ছ কে। বু বা ডি ব দি দেই বিকৃত মন্তিক रेण्डाणीद्वत आण मरवाब नदब, जिल्ह-ট কিলট বিষ্ণা ভাগতে মুক্ত করিবে |

हल। ^{(±}। **प्रशास्त्र क अर**ग्रम हमज़ विवाह के- } रछन वार्षाटम कारमक कार अप वार्क मार्ग्य । वर्गक्ति छ निरुद्ध दक्ष्यक छ।का स-सः क्ष्म क्षम इत्र नाहै। यक्ति . व्यात अके ४ डेक. ८व ८कान सहस्र

शटकटित कांबुक्तिक सरवासभाक। व-'ভি'স্কাঞ্জককালের সেন্পতি ল'না-। कार्यभागिक्षिक्षक यम मुद्रह्व श्रद्धक्रिक । कामीत्र 🛎 कीक्षत श्रीव का रहत थे। গম্পদান্তে বিজ্ঞান আৰু পট্টিয়া আ-ब्राट्टा मणि क्रिका जाबिरका

विक्रे करेएक जारकगारबावक मश्चाला-सम् ग्रांतिनक होका ध्यातिक ब्हेबा-। अन्यक्त छ। का अवश्वीत बहेबाद्य। ক্রিক্সর স্থায়তার্ধশোধ দিয়। শক-श्रहे सहिद्फरहन ।

्क्रकेत व्यथान व्यथान क्यारकता **छ**-, जैंदांकी कार्यम महिन्द्र निकटि क्ष वालिका विकासित सन्। अरः ' च्यातिमञ् । चीतवा' छन । चे कातः পৌছ- ক্রিক্রেলকারির। বছল करने म्बार्थक्रेज क्यांश्रिक क्रांगाजिएक र विश्वामिका जिल्ली जावनाक क-अ चामता हुई ग्रेक्टिश बीलक्ड s साम्राच , व्यवप्र माजिवस्य कवित कर , कि द्वित्यहरू (३,३००० है।य।

भवा कृत। दीर पत्र, का श्रदाद्वा कर•० केनि। स॰- विशेष काश्रत नाम विस्ति। काश्रीहरू काश्रिक का अंश क त्रिश्र हात । बारबंक पर्याद्य व अ र्थाल वर्ष्या ें छ थ। राज का क्षेत्र व जिल्ल को इस का किय है (क) '१ में 'इस । अक्षित : है 'स ब मक्क है हैं।

श्रुक्त एक 'लाक एक हेल अन्य ८ वर्ष विमान भी-লিয়া বামক কে বাজি এক জন স্বলগ কুলিকে अक कें) म हाC: हा जिनामद म था फाकाब सु ष्ट्राक्ष । अक्षान्डन हिल्लास व निष्कि भावेगान्छ। कियु के दाहित एक किया मार्शन ভৰণ পোষণ ক রবে জঞ্জাকার কবিয়াছে। ছাত্ स्र मध्यापत (मृष्य के कि कि दि के हैं कि लाजि ल। विष्ठ विकारहर क्षेत्रभ चनका धने ले दि दिन(देन সহত্তেট বিচাৰ ভাগ গৃহ্ণ কৰি বন।

भूर्ताव क्र राज (वहेल्ल प्र अञ्चल क्र उप्रांग्ड अंत्रेखनरीय अविश्वासी अध्यान वैश्विमित्रव शक्त अहरूबरक क्षेत्रभूक कित्रविधान , **काम्मा**नि गरिस् শক্ষটে আ বেশ্বী ফউছেছেন। লাজ বিশাপ না हुभक्त्र सांस्त।

कर्राक्ष का रिकारक व्यक्तिया विदेशिय व्यक्ति নেনাপত্তিৰ সুভ্ৰু মৃত্যু সংইয়াছে। আৰু এক জন गर्कत्व ७ भोग्न गन ५३० काट्यार्टन । याष्ट्रा ४६-क बदमानां श्राम्म म्हदल स्वेटल्डाह् ।

ऐदियम कार्य वेक्सिय बदलम द्वालक प्रवेश्य वि॰ লামপুৰে পেণ্ডল নী মাসত এক জন কংগ্ৰী কি-कृ है।का महेगः विहेल ऋग्नाटङ आगिरङहिस्सन । ভাষাকে পথে এক ব্যক্তি হ্যাকরিয়া অর্থ অপ-कर्न नहित्राटक । नरक्षक व्यथ्य केंद्रांव क्राह्मिक মহচরকে খুত করা হইরাছে।

P\$ 522 G#414 !

है। हेम अब है जिड़ा बरलब, द्याष्ट्राहर सब-र्वत्र ३८ वे वार्ड व्यवेक्टम श्लीविद्याद्यतः छवी-कांद्र मञ्जाश विषय मनार्मन क देश। श्रादान ख সিভেশ্দ পড়েব মধাস্থিত আন্তাকিত ট্রান ওয়ে 育時所 都 海葵((菱荷)

উক্ত পত্ৰ আহে৷ বংলৰ সত্ন কোৰণেটকি किनियारे क्यांत्र शिष्ठ मालामः कालम धु-निशाह । उवाय भावती श्रताहिक्य्यानगःक सिना ७ रेशमनी खारात्र भिष्मा दम्हता करेटन। উজ্জ ভাষাত্র পাবধী, एश्वर आत्यक अर्थार्थ हरू

आशार्वाराम शारकहे बरमय अध्याहित याव क्ष्मकाव प्रकार का का का का का का का विकास मार्थ मार्य অংশার অনুসধান। ব নিসুক্ত চইয়াছেন।

देखियांन निक्कीत बटलन माञ्चाक विवेशिया।-লয়ের ৮ জন খিল্ফু ছাত্র বি, এ পরীকায় উলীর্ণ १ है शार छून १

[mai 本文BIE 电影音(图)]

मी म (अरक्ष वहन्यत, भारत अरक्ष अरक्ष **इड देश्या**की सामा आ इत्येत क्षेत्र **का पास्त्रह**े ककरन कान ग्रहर भवा भा 441

के्लिमभास व(लास ाष्ट्रा स्थापन मिनिया स्थापन अवती भाषा । व कि कि क।भक्ष वादशांव अहाल उपविद्या हुत।

डिनि स्व'रमः न'लागः शामकः (स्वटनप्रमः ऋशुः + त्र कतान प्रकात कि मा कि मा है है कि विश्वा "" उभाधि अलाग करिय (हम।

সই চৈত্ৰ শ্লিগ্ৰ।

किनिक् रास्त्र, श्रदान त्याबाल के शास हो। अद्भरण अञ्चल करण दलायाहित वर्गात्व व्यक्तर क्रिने व में के देवहरू जि. वि. **উ**खंड पश्चित प्राप्त स अख्याहरू बहेश कि है जि जन जना के ध्यारिएक-সিদ্ধ বেন শিডিয়াভাব প্রছণ করণেন।

উত্তৰ পত্ৰ আংবোৰলেন আলন, পি. কবিল दमद सदकान भारति सामाच त्थानि ए जान रङ्क्ष्री व्यंक्रवेद ७ अक्:इन्हें 'ने यम समित्रकेद प्राथन है, अक इर्जियम छ। बड्व वित व प्रतिरं प कर्षेत्री है । समयहार अधिवि साम क्रांग क्तिर्यम् ।

উল্লেখ্য জাংখ্য সংস্থান ভাৰত বেল নেটা एमरक्रहे।वि अहे निविध करिय रहून ८० रूपन वि कित देनदमात दलाम नर्माहादी आरखनर्म स्नेग्छ के जो ताल मा केरका, खन्ना मिल्लाल थंड नियम क्रकुराइत अध्यक्त वाम शहरवन ।

किमांत्र ८५१६% ्याग्रहे इहे 'ड Bon Bine भागाम । है। इ শ্লিকাতা বইণ্ডে apa 'à' व्याग कारोक् क्षांत्रा ५ १० है के क्षित्रा गाँके ८वच । 4"1 .

मा स्थाप क्षा कि जिल्लेम श्रीमान अक्राप्त क्षापा-कार क्ष्मुद्रास् कृष्णानाकत्र हरेग्राह । मालाक व क्रुण क्यानाक काव कथन है बंद्र माहै। '50 की टलाटकमा आम्र विकटने विटर्सने व्यवस्य याहि COIE!

मीम दबारक वरका 5 के बेन्ट द्रश्चितक कार्ति । भागान का अध्यक्त का के विकास । अप खनरब अकाश शक्षाल के ब्रिवारक अ ८ अर्थति कनिमनद्र (मसुद्र) (कतिक्षत्रेम क्षेत्रुक्रमद्र विकार्धः। এ।তিনিধি কমিদ্ধর ছইয়াকেন।

केन्द्रं भी कार्रना निभम कुंगजीन योग्यन काम क्षतिसम्बद्धानितिशास दिशाप अदिसी" कतित्र। निकतिस् याचा दक्षाम कारमधानेएक का मधि कांत्रगारकृत । विकारकृत नियम कर्त्त) कांग्या भियादक्त अभाक्ति **१५,०३ ७ हेर्ने** क्षांदिण

्ये केट्सं अकृतः अभाषात्र ।

बासन ३३ से क्लिसारि कार्स नाबस्कर्णन-किंशक माध्यम अनीवर्ष क्षेत्र क्षेत्र कार्यक्रिक अन्न मध्यमार्थीयक व्यव कार्यक व्यव विश्व कार्य विश्व वि वकरकरीक्रात्क योगे मा कारके हैं प्रवर्तना केंद्र वार्थ व किरमान कर प्रमाना है कार्न > १००० में वि हैं किक्सितिक का करें क (संबंध: इकेटन। विशय खनानंत का केन कि मानन विदेश हैं। जी ल लाटकल निविध तावह वक्टनम A न्द्रे (बद्धारा)दि - स' स तमात मु'क्र महोद रहें अवश्य । स्माना । वहस्त्र त्ववाणीत क्रांटन क रह भूनकी है के लिये गा मा अब के बाहिस (F-ल्क्षा किया किया देवत राम मलक कर्नम के-गुष्टि सार्थ प्रदेश किता जा सब कर्णिशाहर वी क्लांटकता छोटो क भ न आज पनियम् धनः बीहाद किका है त्य मन व निर्माय अध्याकत्या-लहरात्री काणव धन हिल. जाना मक दाख अ िड क्रेग्राहा मृत्यिकः त्यात्र देवत्याः अतः। व्यक्तमानि हुन आक्रमन करण चाइडकरी व हेंग्राटक । प्रतिक्षा १ मार्च १४व अप्त केंग्रेजिया চারলাট্র ছই জেনে লাল্টয় উক্লাংশ্বর টা कायांग स २०० (कांके ने च इ वृक्ष कांका का नाता-क्का कविया य मी कावयादक्षा । के छश मा नावदा **शक मधात्र में फ्रेंट अव्योद ६४३१७७ । ५५७ हम ह** बाब वाजिएड त्याला धव निकादित मुनिय न हैनमा प्रशास अपनिष्ठा कू नयाल का भने ति कति

शक्षम २०० क्वाइम्स्टिन ३५३ अल्ब्स्स আংনেরিকার গুল্প ব'দ লাপেছ । সমাধে। চাংল । েপিছেরি কালে জা এ তানিধি অধাপ গঁই-केटनव कार्यन्त्र १ कि विश्व अर्थ रिखमं करिनाम सामा प्रमित्न छ উख्वाशनित क्लाकिस्पन्न अकृत करें प्रस्का कराणी नम : त्व आकृति क तम छे का का शाहा करेंगालू প্টোখাক মনীজীবত সেনার: ভিন্ন ভিন্ন ভইন্ন ल क्टडर ए। विकि : शांत खदार्थ मध्दक थट :- : (कांक ca'वि क क्षेत्राहरू i

भिन्द देवल अहे क्लाइ वादि-समार्क किनाव ভাৰপাৰু মৃত ভৌল হণ্ডাং ত চাৰ্ল্**টি** নহ সংস্থা ব্ৰিক্ত ক্টিয়াছে, এপাড়িত স্থিতি বিভাগ বিচার পৰি হু লমক্ৰম গুলহ ট কিব হাৰত্বপিত সভাঙ্গ খতে কয়েক কৰা কমিলমৰ 'নম্ফ **হ**উয়াছেন कामन अक्षांतिल शक्य मर्काक वश्मी व ्बाहित काल मा प 5 क्टेमार । मा 5 कता 8 है । के कि. एक देवे के मा मा का है जी मा विकास की । अश्वास्त्र १ देश विद्यास्त्र

: इ.ए.ज्या : -- अस्ति । जीव करते । - अंक्रिक्टिंग, अप दन कार्यनम्ब कार्रेत अन कार्रक श्काल कविद्याद्वा, लाका कारेषा अर्थ (४७३) क्षांक्र अक्षांक्र । एतं, विद्यात क्रिक र आ। हिन या जो आध्यम्य अहियात । जान कारण लाकि क ५ दे: "ग्रम् सर्राटण "इष्टिम्सनीय टम प्राधिनाय . . वटचे अयुक्त चारहरू, यह का फिन्स कोई। श्राप्तका व्यक्ति। कि दिक्तिकार्य अभिने! १७८। कविर्ट भारतित्व मा। बर्ट । न. रथाकः स इ.इ.स.चे (चार्यक क्षेत्राहरू। मारकार मार्स्तरूल ध खिम **खान कथनम मक्त म** के दिनाद । छे। स प्राप्तिन । अत्यक्षे ममावामन क्षामा द्वा (करन . मार्के किंद देखाता, गामाभाव किंगा करण क कि कथलब्रावहेद्र मान्।नी - अहेरा ६ . भव क्या म दश्य देखदेखिया छ होत्यव देशनाल हा याः । 'वर्टप'रेंव चाक्रमंड व 'चंस| व्याह्म इन । अर किष्णिक केंद्र : • भीव इ वार्त कक देश- स्थलत वार्तः दश्रास्त्र। आगार्ता का अभिन त्यत्र । बाक्षाम मार्गदमक्ति तम कार्यत । केरवसः। रमसंक्रि १: है। कामीन नरनाड अवस्थान स्थाद अब बाह्य कुछ कोटाल वर्ती करिया का माथानन वादिक वादिला स बहै वन ।

क्षि क्षित्र अप्राप्त का का इस । क्षेत्र वाक्ष्मित्र है कि मा का मानत मा नामित इनेपार इस । जि. है (नत कार्याशनांत्र) खश्चित्रविष्ठ न कार्याक्र ्भ आ'रश्च नि छ।इ फिन क्रिम उग्न'नक चानांव श्वाबन करिएडाक अधिय ७ क्वाब्रहाय क्षांम दशाहकतः अव ताना १६ म जिमक्कि निकार मि राम्यायं रक्षी न क मिलार्ड्स देवामीद सञ्जी क्ष कार्य कि अधन (७३ टा देशके) श्रांक हाकिए!-(長月 (

িছে। ই গড়ার অণ্যক্ষর। বিনিসে ধন, পাঁড়

श्रीभव अन्य लिट्यक महा शवरिष्ठकी क वरे ध्रम् व'द अविशाधन (व डं.इ.स.) छे**ल** कर ্পান্তাভের বিজ্ঞান বিষয়ে উলানীৰ পাকিন।

2/-3 গ্ৰণ্টে বিভাগন। कामलारमञ्जूष इलालीन देशवर्धसब् चारमणा प्रमान्नी निरम्नाम ।

क्रहे बार्-का किये दहाश अ (बार लो अर्रायन 44年 1

কে এম ডিফা সাছেব ভবাকার প্রতিনিধি प्राप्ता भक्ष क के बन ।

বায়ু ৰমানাথ নাটা ওখাকার অভিনিধি महत्रांती साधात्मक इंडेरन्सः

50 B मार्ठ-िक द्वार म म'दण्य निवृत्त বিভাগের ভাগ প্রাথ ৮ইয়া ১৮৫৪ আন্দর ১০ या है स्वत मा भाव कुन कि ती काप का शाहित्य এবং ১৮৯১ অংক্র ২৫ আটোনর ৩৮ পরে।মূ সংব্রে প্রাধানত্তন শিচালারণার অধাসিধার উপ कृष्य (प्राक्तकारः वा क्षाविदार्डिक धन्न **उदाञ्**न क्षरियय कार्या का कार्य करियम ।

.বাহিং। ॰ .গুৰ দৰ ১৪পুদী অভিযেন একে-कि स्वीत अधारक क्षेत्रका।

भाक्षा भाक्षा भाव एक की व्यक्तिकारणांकी ্চেম্ব চতুৰ লোটাৰ প্ৰতি নাধ व, क्ष क्षांत 1 10 P. Er P 4534

ब म (लाजीन नां सर्पात्य अत (ख्यांत्री कंड-्, अंद्रुक्तिकि अस्य व्यान्यकी अस्ति वस सम्बद्धा かきなりしゃかくさいの 「かな でをずる

तहे. अपनवन माण्डस अंकिल्ह्वा **८ म**्ख-। भी। क श्रुक्तम बाक्सकीन अधिनित्र कहेरतन।

55 रे 16 - या इंक्रेज़ महिन्द किस्टाबर बार ि चे १ अ कटलके त्वच महरू। । के हे दिया . ade be) अस्ति २६ साहित्य २२ थाता याप्रमाहत त्रभातात्र २ ग्राः अभीत व्यतीन साक्षित्रकृत्वेत का-

প্ৰাৰ্টেৰ জেখুদি ৰাজি উটাও ভেপুটি কলে देव कर बहुमाय बद्ध अवाकात मामिएके हैं। भव्य वृद्धित हुः श्रु के द्वार इस्त ।

हेर हे - 'ह' अमातियम अ वेटका शहरन

अ तकरण मात्रव स्थानित मिनिया । स्थानन विश्व शास्त्र श्रद्ध कर्

विश्वविद्धि गाविन। मुख्यूरम्य ।

OR Gengin nicen, nin geit. गाभाग विकिथानी माम दाय क्यानकी. ५७ हे शह - जन्ति य किरके है । लिकेट का व आ ती मार्डिय कार्यकांबाद व विकार शव छात्र छ। श्र हर्वे देव । 3% २० अ के अब ५ म धारा छुमारियी पहन र्माष्ट्र क १ १७७२ मामित २६ ७৮ धाताकाचगारव अधामक्रम वि या जिल्ला एक्पिक क्षेत्र कार्क्या को दर्की श्राचेत्र छन्। ग्रमकादमन क्रमङ न्। हैर्द्ध

काशकायात्मव व्यव्यक्त विकारश्रेत १ (क, in ent क्रम अग्रहत वस्त्री स्ट्रिया) न(रमय - प्रदा निवास चानिवार स्वा

সি সি ফিডন সাহেত্ত বীয়ক্তাসর দি काद्ध (माकाम क प्रशित त्ममत ब्रेड्डियंग ,

ভোক্ত t **ত্রিযুক্ত নোমগ্রকাপমঞ্চাচ্চ** य : होन्द्रशक्

ल कांनिक महीलग्र ! यह मार्डिश्वर माने थीत है हत था। स रामक्स क्षदेशक द्राष्ट्रयाञ्चल कान काच ! क्ष অতীত ছটল উক্তপ্ৰাক্ষণ ছতাৰ ছবি धक निरह्मकत्रुत चारतपन कवित्र यानस्य भागविभागितिताः अव्हे ध्वेल (र अक्कान जार्रा हकूपान गा अब मिड्डो**क्टन करिया** शक्तिमम क क्षा व भारतमञ्जूष क्षेत्र । क्षेत्र । क्षेत्र । क्षेत्र । क्ष त्रातः विविश्वश्रद्धम् ६ हेट्ड क्या 'क नित्य भूति लाइ चिक्नम व्यविद् **७'बाज मरभाग म्बा पांच मा ३ व्य** প্রভাব কমুমান ৩০০ i ৪০০ জোকু (राज । अग्ना था अभिकरिम**ी** शिक्ष কৰ জনজাতি কা কুছৰে অধিক राष्ट्रमञ्जादनद निर्मित अक श्रेम प्र • हेग, ट्रावि व्य व्यवदा **मृत्र**ेक्ट किंक विशेष्ट्र विशेष क्रिका की हित हिंद रिशल मात्र क्रिकिश्व তলুখ নিংশত অভিকল বুলি, गर्ग क्लामरल कुंब कविन्छ हो। ি থালে ভক্তপথ মুখল ও করতাল বা भाग अन् मक्कार्य विमाग मधीर्ड (कांत दक्त कार में इस् महर्ता পুৰিত আপৰজেনী স্বিয়েশি इटकर हर्स्ट (शक्यां अव मृज् अकास व्यक्ताकतर्ग वृति १४। व्य プトノ क तरकरक् ।

श्चय ३१ चाडा। किया हमस्या काषात्र छ राष्ट्रद से भागन। दश्य र कुन, गारत क्षांन करण शिक्कः क्या १८५१क । कि शिविधित र यहाँ द्यात अम्बिमाएए स्ट्रिस নৰ কংগুলু ভাৰু কৰা ভাছে, এক

। एड ७ उल्याहार क बरउरहा ्रिविनधा द्वांश क छैटक अ्किशाबेटव म्म क्षे - उ शाल्मान या त्रिया एकि (अंशी ब्रहेल। कार्डे। चांच्य (अई-, অসমভ ঘাতুন। পাটয় বলিতে र्शक्य कांच शिन्धाम क वास्त्र नः म करवर कार्याभा लांक कतिमाहिः म इति खाइराक इतित मान निर्धाक ভ হবিতে লাগিল: তাৰাভাগ त्र काल खिंडि निक्ष खेशां छ न करिया। ह याजाव त्य मिलिश किस नांचा वक ब्र कर्न्यु जनर्भन कदांग्ड खर्चन वरि क्रांब जुला ६३ म । जनम भ र्मणन भ-ধুনি ক্রিয়। বলিজে লাগিল বে, में बाधा कक्षमधील त्वाधी छेखनक थ लांख कतिल, बद्धश एक्डिंग,क्ट कर श्काम अभिगानग्वामक ध्रान्तरः বুৰাজ্বা পাড়ি দিশত লাগিল। প্ৰথমত: গ্রাদ্ধ আন্তঃসরণে বে কি ফিং ঐ শিং র, ছট্যাছিল, ভাষা ছনিৰ কুণা দিগংক দশ ষধাগত দেখিয়া চিত शक्कारल प्रविक्षत व्हेम । जन्धम्य हमध्यात गानाहा

> নি গান্ত বলয়দ क्षीक्ष्मभागायम् सर्१ इ.डि. नारहाय क्रा

্ সোমগুকাল সম্পাদক মহাশয় সমীপের।

সাল

মানি অকুত পাপ্তনিত অসুকা-मारे मध बरेमा १५७ क वर्गाका াচার প্রকাশিত হওয়া আংশাক. শুলামন্তৰ অনুভাপৰ পাপেৰ গ্ৰা অ'শিত পাশ ভূষানল অংপ অগ্-শিক্ষিতের হাণ্ড সক্ষাণ লাহ ক-क्षि श्रेका भड़ वहेटन श्रेष्ठ है रिकर शरह विकीन का स एवं। " ৎসার অন্তিপ্রয়ে থাকি কিন্ধু এপ-ক্রিই ভাষিয় প্রকাশ করিছা আমি ! [ब्रिट्सम न। श्रीवाणाय कि वर्गम श्रुतिक कथिक विविध अकः '**সফালে** প্রেরণ কবিংড'ছি, অ*স্তা*t #PS

भन्न एकं कि शादक कांगाव विदास ! 'नगडांब ज़िनिड ' वर्गाह रह প্রশাসাধীতে তার দক্ষটাক So ! Sa अपन दमांगः एक्द । अहिन्छे क्षणि । का अब व धारासामा कांबात क्यांब कथा अवरत है की शहर ना शास्त्रिद्वम । जानात याणेश ठ গুড়ে আখার আনি ভাগুণ স্থান-स्किकिर मिका शांख प्रेमा मा चलाहान

র কাণা ভালা কুল বঞ্জ প্রভৃতি । অভাগে ভাল কোন কার্যালারী ভইগ্ডেছে না কোন আয়ীয়নে এক চেটির, করিয়া দেওর। ্যথাক্রমে প্রান্ধিপ দৃত্যুক্তি প্রান্ত পাঞ্জাল বেংগের করেব बहेशा छ । या बो कड़िक आधार मा विवद् में दमरक-লে অশিক্ষিত্র। ইক্সনা পৈত্র পাক। পাক। यक्षा होत के जिस्हेत्व अक्षातः भावता भारे-**उ**हार्या भाषि य कर्नकर निकड हाडाव अमार **अहे जा**ार याक्षानीत्त " मानक्राङ् राज्ञायक्षण ,, अक विकासक्ष स्व अक्की (b'कश्म)-सर भ दिख्य आहा. हेड: कियु आयांव लेखवीर | स्थाना क्योदिन अल श्यापि सामारि शीन है। a प श्रुप्ताल कार व्याप्तालय केलावा करावर व्याप्ताली ৰ স্থান ডাৰ অভুক্প সংধা জামাৰ বেশংসাৰ ीमच अञ्चे स्य व्याचात्र 🗗 लिए। हे फूब कर्जुन छ।-भिड हुई अक्षी दीथा खलाए व डेहाईवा फिन्ना दम गांकाक केक अथम अकुड नियम सक्र गां।

> শ্ৰহণৰ প্ৰতি মংকুঙ অভ্য চাৰ্বেট কৰিব राध्यामाव आरमक क्षामा भन्दिरणव विकरणानी है किए अ-ि निवीधः, महाद। कामाव विशेकान्तः। यनम करिएक क्ष्मांहर करः म । केश व्यामात । हात विन्धा स्वाध क्ष्मारक कांना करिएक आ व्य डाइनिय मिनारण मा बहेरात अन्नी कारण त्य-তেতু ৰাধ ল। পাউলে পাপাচাৰ মিহাবিত হয় ! मां, अलाक ध्रांकर गावरण बारक .

र। आयोग रमण्यारहात्वता का स्काल खालिक-ख धनः व्यामनाव। (धन कः हाखा) क्यीताती थामना। जाशात्रा मर्रहारे शकारभव छेनद च-ভा¹ठ।र कविश्वा **कार्यामर পূর্ণের ৫৯**। कर्य এবং জমোন কেজন্বিভার অভাব তেজু আপানাকে व गरमावर्ष जमान्न'दम्हे श्री कविता सव। वैद्यान আৰ একটা কাৰণ এই যে ভাৰাৰা আমাৰ পিতঃ त्र व्यामम र्भारम के अमान जिल्ला वार्गिएएए। এখন আমি কিপ্তাকাৰে সিংগ্ৰণ কৰি। আমার मानमिक हन्यन्ति । ५३ मध्य हर विकास एवं व नोजब थोकार७ अविदारिक करूरताथ छोड्। एक महिन्छ * क्षेत्रकारभग्न भागांत **स**्थि छ प:-बेवा शासि ।

 भागात भनी आभागा अधिकाश्मिक कांत्र

e : यामाम क्लिमीर्शाट अकृति यांशीय গণের অভ্নতবাধে আন্তঃক কানক প্রকাশীত্ন कतिएक इत। कान कारण मण्डर आधि अभिनी भक्ति व्यक्तान अयोग। (४४ भन्नांगीरम 🗠 ८५-रक्षांकीत्म ।। यह ममग खामान श डांदशव हाने अक ति विश्वभि किया लाई। कांत्र नगरत सामान সর্বপ্রধান ধনী প্রজাত্ম আমার জয়ে আমাল ८५ विषात्राका असीन करते । आबि धक नेपन भ दुनामश्रकात्म अवन्त कवित्रः । कामाव काम कामाव विकास क्वांकिया छ । राक्षा अमान कहांटत छ। बाह्य होकाल है। क (त्रमामा कर। ७३) हैश काणनाता व्यवसर्थ ! नाम करिएका ना । किन्न आसाथ अस्त्रिष्ठ नाम পিতার। একনা অমান কভাচার পাড়িত কে ন পুত্ৰ ই সাহাব লাগে অভিযোগ কৰিছে भारत म : काइन जाबारक्त मिन्छत्र आहि, मा भ}ेदव

२। मालित स्थाल थारे अवृद्धित वात मारब्र केश्व करा हिक्ति खडेंग खडेंग बारका व बांबक्क अथा। अधिकावस बारे क्राप्ते भक्का विश्वास छ। । अन्तर्भ के कार्य। मण्यानेन स्वर हेटल सम्रा

७। शास्त्र देशव मिर्क्ताविष्ठ स्था चारम्, ३ खीन करिक गा एक धाम मा अनर मकरल छ। ह। ह यांनिका करिएल गांत सन्।

অপৰ একবাৰ গ্ৰাংনৰ অপ্ন বাছিনী মনীৰ रमणुनियानिक का व ककरान क्या क्यों साहत निक्षे इक्रेग्ड अभावन श्रीमान्त्रत सन्। हामः कतिय अभिन अध्याद निकार प्रदेश खाद्यान आर्थ मरश्केष कहा। भाग चानीह हैमानुष मिनी(ce व)शिक इतेष्ट निया क

হার ' কামি কি নিশ্বক বে এসকল ঋডা ৰিটেডি যা জেৰে জনসংগট প্ৰিচ্ছানস্ত্ৰ उक्ति कविता अवन्त्यानीय साम कांगालिक छात्र . अभवन क्छा।हात निमः विक मंद्रेश ब्रिः।

> चकुर गार्राम का शिवा कराइट समीमात्रमाः

মানাবর জীযুক্ত সোমঞকাশাসন্সাদক मकार्यत महोर्भाष्ट्र

यकामन । गण्यकि अधानमान्य अन्ती सक्ष भूजा वे अधिक अधिक । अधिकार क के, धाकति का शादी (क्रमुक्त) विविद्यादम् (ए. १८४) वर्षाणां जिन्ने भी रेक्टरलीकानांच आयां एक ८क ाखिन ककी कवि क्यानिक्य (शाह किनरण्य इक्टिक्) निष्य मस्याम, छ 'वर-मन्त्र दशरवन व्याविके क्रम्य, मृश्यिक, धानन श्रेश्यक मान , क्रांक, अ.व. क नाम। यह १। व नामा क्षामान क्षेत्रप (नामक) व दिन करिएका कर राज्ये क्षेत्रच स्थानका वन नीत्रक अक्षांस कविष्णांक, द्या ८, ६ वर्ड कर (कब, रमगन गाँक खोइ'त्र, रव ल सुक्ष प्रचेटल ह काबह, कोशंकल निवर विकृष्टि सर्वेखाइ न के क्षेत्रध (अवस्थात वाष्ट्र), भाष्टीकुछ शास्त्रज्ञ गाँव क शांकत । शंकरिनीय व काम कांत्रण, शांति . क्या क्ष्म, बात क्षित्र ६,२५ यह अञ्चल क्षेत्र. পকাশিত ও প্রচারিত ছইরাছে ডেমার্থি বাঁটুর: (अविश्वाक्षा ७ वाज्य श्राम विशे व्यवासा वार वर ষাবতীয় কুনংক্ষাবাজ গীড়িত জনগণ। ডগ .ধঃ है इन्न क्या के अभाविश संस्कृतियगर ही। स्मारकर उ! गरे अधिक) आंद्रकाल अवधि भक्षा ग्याब, करिकाश्च (क्षशीयम बहैमा क्रमक्रिय्य भागन क ब्रि: प्रदेश । करश्रक जिन्दा करेल, आध्यम वा काल कर-भट्ड फिटडे कार्त उक्क दिशामकरक, श्रीप्रकाशकांत श्रम कांद्रशाहिलाम भाव करे समक्कित कलहम गढा विद्यान के पिना अजातिरात शिंठ कामात रि काणिह में य समा (को खूकाविक क्रेसा के कारल **本** ' आंध्र, कथ व क्रिनिक कवेग्रा क्रिके. आंध्र'िक्त ক তেখালিত। ও অধাৰনায়ের । ১। বালধানীর কমেকটা বাণিকা আমার বাটালোকারণা, বাল, চকা মুবক জালোকত

प्रज्ञक, शिक्ष । धूनमयान नामा काजीह नामा अ-मान क्यांक वानि गति थेर्न बहेश प्रशिवादक, ज-मास्या प्रभौनार्थी करप्रक कन उन्न ला,कल जानिया-'श्रांतम । आधिता . मह नवारधत এक शार्थ कावाधक गा किमिन्यत माधा अक हरके शाहित कि स्था कि स्था का आप । किशरकन मकातमान वर्षेशा (मधिमान, इतिमान | विवादकत मिन वित बहेगाहिल) नास्य श्रास्ट्रका अवस् व अवसी व सिन देवसाउ यात्माहिन कीषा कतिया त्यम् देर अप् : करबक কন বণ্ড প্ৰকৃতি পাণ্ডা ও এক ধন উদ্বৰ সাহিত্য जीत्नाक वृद्धिराष्ट्रम । जीभावा देवर केरबासम ও রোগিদিগকে বিভারণ কবিতেওে দেবিয়া, कांचन क्रिकान। क्वाएड (भूटकी स्थम हिला, ना-क्षक खरार समेरे को ये। करिए, शास्क) स्था। अस একণে ইহারা বালকের অভিনিদি চইয়া ঔষধ निश्चः सीटक, दम निरक्ष न्यां १ दमग्र ना ' बाबा बडेक. काङ्गदेश निक्षे किंद्र मा क्षेत्री प्रकारक शेवश मित्र। शांदक .. बाहे कथा ए नियः कार्य कार्याक्र-CHIZ देव अवसी जानाव काच्यिक (क्रिज), अवश्य उत्तीवन त्रभाक प्रवोक्कण प्रवेतन। स्वित्रांगः, केक गांधाः গুণ, উপস্থি বৃচ্বিশাস ও অবিচলিভভজি সংখ্য भिनव स्मिनीय रफरला निर्विद्यान योजी-प्रिरशेष निक्षे इजिल मुध्येन नादम अन धन्छ। প্ৰসঃ অইশ্বা ঐবধ দ্বিতে ভ্ৰন। কোন কোন বা-তাবাহরির জুটের নাম্মী আপনারাই করে क'दश आविष्ठ। विटिख्य । द्यंत्रा अथव पूरे वक । जिन क्षेत्रे एतिहा लुक्ति भागमा मा मध्यारे प द क्रम श्रमात थ कांच कमनारगद मुक् विकारमञ कावन उद्देशहरू । कि व्यवस्य विवय ! जानिक এট ২জ জুপিতে বীভ্ৰন তুলংকাৰে আছেছ

कवित्र। त्रांचिशां हा २ । महामद्भा । आन्य (छन ४०नद काल वर्षे थ क्रेनः आकृष्ठि अधिम द्यक्तण उपनिक, क्रांकिय-कतीत बाद ७ श्रीकाशि द्वारमध आक्रुकोर सरेका. ত্তি সম্প্রতি বসম্ভ জন্তুর সমাপ্তন বাচু প্রি-্র বর্ণনের সভিত জন্তার কিঞ্জিৎ লাখব ভা ছাছে । मायात् क्षेत्र)। अव्यटन क्षांट नेक क्रुकेन व्या क-है। उद्युक्त मा , बड़े शुक्क मकन कि, बड़ा ज्यादन क অসুসাম কলি ছ ছ্ম' উত্তরেত্তর এপ্রনেশ্টা श्र क इंद्रेड ने ब्रिटन। अन्यन्, अहे (सनगानी क्यानक लोकांबणकः ब्रह्मा हात्र मः बाहि निकास শঙ্গতা মঞ্জাতে অভতা বিশালনিৰ বেরপ ছুর नवा परिवाक्तिम (काषा क्षांध क्षा व्यागन व न यन शासिदक मर्द्रतः द्वाम मकारण अकरान छन्नि-বৰু কিঞ্চিত প্ৰকালিত কইয়াছিল) একংগ. ভা कात जरमकारदन करायम क्षेत्राहरू। वि.गरंखः अध्यक्त वायु अभिष्ठा विष्णात्र । अध्यक्त वायु क्षित है है के स्वाद्य करते हैं कि स्वाद कर कि निर्माल कर कि भी मनाम्बं दल्लाविटेडवी अवानदंत्र धार्या-जिमारम विकासित्व देविक शब कमनः विक्-A ESTRE !

०। बेश्विकारसङ्ग करबक जिनम गर्यास अंकान क उन्हें की से क्षेत्र इत्याहित, योष्ट्रेता शावत-का कि धक अधिकास कृति च बहिता छ हिन परिया विका ८६ के कि खेलाक्षरच आकार्यकात ने मन्त्र का कि कि ह विन्त्रके नुरक्षेत्र कि स्वीक्षक अरिनिक आह रहेश निक अभिके के कामभानाय किन्त क्रीके कविटक । बाबका बिला बेहिना के दिनान ।

निया श्व व वेदा क्या मारमर समा कादावान मक श्रुव कारक मिन्निक विश्वविद्या आर्थ कंडशांत्र छ। वरि चात्र कान छेगान छ- । ह अधात्रम करतम अवर क्रिया बिडक ग'अब नाम नारे। प्रत्यंत्र तियत् अहे, केल नाम, केगावि लाक, असम कान,

4278-201 हे मार्क Wip c

श्चिम्बन्धमाहम क्षेष्ठे होई।

इंशेक।

क्षिण्गाचि--अबुन वावकः । (5)

সংপ্রতি সদৃশাস্বস্থ। নামত এক ফুডন প্রভার विकिथन शहासी डेहाविड हरेबाएड। अह-লিও জালাবি চিকিৎসার স্থিত উহার অনেক अर्डक, ध्रम कि डेडाव यून नियम श्रम अह-লিত চিকিৎনা শাস্ত্রের মূল।বয়ম গুলির সন্দু-র্ণ বিপরীত। এটালত ভাক্তাবি চিকিৎনা লাজে विषाम पाकित्म महुन वादका आमीक वितास ৰ্য, এবং ৰয়ুপ ব্যবহা সত্য বলিয়া জীৱার করি-লে প্রচলিত কাজারি চিকিৎসা নিতার জ্ঞা-(क्व व्हेत्रः भएछ । धरे हुई अनानीत वर्षः का-ন প্রশালীটা আমাধিক ভালা বিভার কমা আ मारबार माध्य मरबः खुकताः महम वाबवाः किः च-क्रम भागाता रचनम छाराहे निविद्ध शहर हहे-(TE ! 2/20

नाम्मानत प्रदर्शत का नामान मान्या स्थापन ডি ছুরে (এল,ও মেউস। নদ্য দেখালে পরস্পায় সম্ভ ক্রাহে ভাগার নিকটে) মেইলেন নাম क अवसे कृत प्रांत कारक। वे कृत व्यावकीरक इरेके काछ विधाय नहर वश्यमह उद्धर ४%, धक्रीय नाम श्रुप्तन ७ जगत्रीत नाम स्वि-मान। त्मुर्भन वश्यव नाम मर्जन भूका इहे-श्रांद्य, अश्राम श्रांतिभाग्नित्र कथ अस्टिक इक्ट-(**2.是**) 31

১१८८ पृथ **कार्य गायिका विश्वीत रम्**कतिक গ্লিমান ঘেইতেন গ্রামে জন্ম গ্রাম্থ করেন। र्जाणाइ शिक्षा धनवान स्थाप हिट्टमन सा पट्टी কিছ দারিজ্যের সহিত্র ভাষার ভাষ্প পরিচরও চিবিত কবিয়া জীবিকা নিৰ্মাণ কবিতেব। এই-ক্লপ অবহাণল গিডাৰ পুত্ৰ হটল হা'নসাম क्रिक्राण विद्याच्यान कविद्याद्वित्तान उन्हें वर्गम कटा जामानित्रक जिल्लाक निर्म खाला है। शंत वंशाविद्धीय क्या अव्यक्त अववार्य श्रीत्रक्ता क्क इवेंश । कीनांत्र लिका छ कीविका विवास गर क्लाम अम्बाह्य यहा। यदिहास स्व विकास ३१**१**%

(১) रहुण, द्यांत्र, फ्राउद्गार क्रांबर्टकाचि म-त्मन बुर्विगांक्षिकेकार्य धवित्मः " अनुम द्वापा न বুক্তার। যে ঔষধ সেধন করিলে কোন রেইগের जन्म द्वाप उदलब इव रजने खेवध श्वादि केल (राज विकोशिक क्या-दिव किकिश्म। मोक्स अके करके। विकास स्थाव हरका के कि का का का का का का किया करें वा देश करें वा का का का ना ना ना ना ना ना का का का का काहिक बहेता कवान क्रिकेट ज करहर थेर जासकांश बंदा अपान डिक्टिनक प्रदेश केंद्र

देश क्या काक्षरकार विक ভনভা সৰ্কা প্ৰথান ভিক্তিবসন্ধ व यागानिक प्रवेटक माविद्याद थपर विकित्या मारसम् अपि जारह कविरत्तन, क्रांस अङ्गान মুক্তি বৰিক্ত বলিয়া জীবার মূ খনভয় থানিয়ার ছিকিৎয়া রা कतिकान, भरतम सूर्व किस्तारी करन मात्रिया शक्कि महरमरी কট অংশিরা ভাষ্টেক আফল্য

यानियात्मक ३३ की अस्थि कित शाम अब अधिक अब्रेड् मरक् । विकारश्र कार्यायका विका

शिक्षका किया का का किया का किया कि कि न नमन केंद्रांत महत्राम सहिता क र नीजन करा दर्शनसाक्षेत्रक न ने विकीय आर्थिनी, जाना विकीय त्वत केन्द्र कर्मात कार्यात कार्यात कर क्ष्मक विश्व छ जिस्कान सन्।

भारतिकाम कानियान ही 🛎 क्षम गरम सर्वत स्थाप के सहित ष्ट्र वर्ष नावेश्वन कारा विभिन्न : क्षां कशिरकते क्षेत्रत्व दे हा अभिनि PHILL REPORT OF MARKET AND AREST भागमान वह जा । यह भा का सामान अपन मा गाउँकर के अवस्था को से साम के क श मध्म। अजीक अजन १४ अहम दे त्रकारमञ्जू अपूर्वात अन्य स्ट र क्रिकेश क वर्षेत्रादस्क, श्रांकानं वर्गात्क्रिकारम् वर्गान তি কংলাকান্ত বিদাৰের বাজি কর কোন। বিধান চেকার এইড় বাজি হৈছে বিভাগ এক বিন কাবিতে ক্ষতি বাজ শা বাব

पनि क्षा कि केश वर्ष यर बक्रण क्षत्रावजी ह मा कविष्ठा हा बिरंद्य व कृषि वञ्च कावाद्भव सूच मंत्र ८इन, सिवि जड़ि गायागः वाश्वित अभवधित गरमम (द्रांग क्रिक नक्षण) त्रि गात पाकि मदबन नारे ? क्षि ज्ञान्द्रमत क्षे . मृथिप भेदे मह दशक्यां दिश्त दक्षान मध्य छेशांच आहे. मोज करशका करमाहे ६ खेगात चांटह[ा]। बहेन्नय

जीवात मध्य बहेल हा भा

महीरम् डेयथ एएनम कश्चिर

BELT || CO. . F. 「大学生 माध्य इंग्रेस इ 11 ानिया है RICE I 1 3 A NE 打賣 公安福 明明等 村京 不声 电影黑色 TON THE THE नव नोव जानिक क्ष बहुत्र कर कान्यूनी

ठिन राष्ट्र स्ट १६

more Time

سرار

াচার পর कार्का का 月 五年 日 TATE! THE THE FUTT §.3|€°

河南 经 । इस्रोप APIGA ता शक्त I STATE · 概念: [於代] नहीराटक भे

ভে সা :রহ ^ভ

27.3 :17

.

प्रदेश व्हे जताः देशम भार शिक्ष

देशक, कि । **अध्य**क व अधिक विश्व 1 141年1月 月 1 ine want thinks 3 m 1 1 1 1 1

अक्टबेरी अक्टब SING TENER ्र श्रामा स्ट्रिक , त्राहित अक्रम वर्ष প্ৰুৰ ভt : आई ाल बहेकान है 4 1814 1 15W ्ट ्लक्षम् 🖷 · 化海斯耳斯 門

। कब्रिन। ऋक भवीद्र छेर्थ शक्षा (म बिरमारे खेराधर अ · 4. 1

্বাটী ক্ৰমে ক্ৰমে ভাঁ**চাৰ** ম हैटल कार्शिक ! अन विश्व कृष्टे ो श्रावक जाञ्चवाद कहिएक ্য ফুটনাইন ক্রনাপক বলি देश दह कि द कि कात्र (व सेहा- । हिन्द हिक्दिनामाञ्च उपरय-। এক্লপ নানা একান তাৰিয়া ৰ চানিলান অয়ং কুইনাইন शिरमन। डाइाव भन्नीक स्व देवाहिट्य कार्या कि छ ह छ।-क्रम दर्भावादे दुशा वाहित्व छा-क्रांशिक् क्यांश्य कृष्टिमाडेन राज्य क জনস্তর এক দিন তাঁহাই স্থ

्रें क वि कला, शदा खेडांश छ :शदा वर्ष भिर्का म त्मवतम खरवह छेर्गा छ ? ্ৰম বহু ইছাৰ কারণ জিজান। ক'ন-ाहीता थ। छनिन जाहात्राहे जाहा কৃতিত্ব করিতে লাগিল। কিছুট बटल मातिया श्रीमान श्रमकात कृषे निवस कर जाशिकान, भूमकी व जह। र्कात्मक कृतेमाहेल बा उत्ताहेशा (म ! ্ সর্বাদ্যুপ হর। অভাপর তিনি अटलम् ब्रेटेबोरण्डिकः अख्ति धोका Salda agater :

े वस्त्री में भाषा कांद्रन क्षाव स्विधा। रश्या, विवर्तकता छेडिए मरश् विद्वतना हा करे। फिलिए। जैवय शहेश जेलन नही-

श्विद दय, व्यञ्जनदश्च दय दय द्यादश्च छना स श्राक्षांत्रा है अबस महोदत त्रिविक बादका मिर्दे गटनंत्र अकुम त्यांच उरश्रामन विका बादमेरन श्रामिश्रम निःमन्तिक विश्वतिक करन, स्व वर्त त्रवन कतिरल अस भवीदस्यांत द्यारणव मक्त छेरण। रेवां शहर में जे ब्लाइशन श्रेक्ड देशन में शाकित्म बार डेंच्म ड क्लेम । बिट्य मानन जन कीतम हत किथित

क्षेत्रकृतितः स्रीय निकल देशस्यानाम वा धक्यांम क हैर क कांना-शाशिकान स अगस्य वर्ग डेटक्या जरहा आंबारवृद खावमाक (म ५०२० मृह 'बिछोर भिरत्य श्वीनमानः

• दर्ज व ্মত্ব মত প্ৰেথীৰ সক্ষয় " अक्रम जा एए। महि बहै क्रिकेरमा जातम हरगारह ा क्षेत्रश्रष्ट जनक माइ नगर अमेरिका गरिक जुलना ম**ন্তর্ভা**য় অভিশয় মুর্বাল है कि क्रमना और स्टान म जामिरकार्छ । राज्यपर्य कतिरक शहिता स्य यहि ।

in the state of the

मुख्य यह स्थापादिक इत्रेश छ का । इते हा साधाम मधान हि'करमाणवा छह। अवश्वम कार्यन माहे ক্ষেত্ৰ। আমৰা উভাৱ আখাণ্যতায়।তেগ্ৰ বিষ-ए कि के वे कार अंदि मा कि के के वे कार क शांति ८४ विकास स्मादकता केला अवन करवम सर के रिनार्शके थे मह खड़ा हा नाव : फूमर्श्वात थ সনই প্ৰাত্ৰ মুলালী যে মুলাল-লাপাধ্যাত্ৰিলের यानाकण प्रदाक्तमा प्रमुख देश र मुल्लिश्या माम् অপক্ষপাতী মইয়া চিয়াগত বিখাসের বিপরীত मण्डत थान त्याच विकास करिएक शादन के अभ विवल मन मन्मारत खाकि विवल । क्लान् मृजन व्याविक्या फेक्ट्यायाटम जरजाब मध्या छेम ।-त्यर जाकम्य शिक्टियां के क्रिक मर्म इनेग्-(६२ भाठेकवर्णात कि न्यवण क्यू न। स्व विश्वास ल्लारकवाडे अब कर व्यक्तिक आनिकर्वारक वाक-क्षांशास क्षित्र कदिवांक्रिका, वयान क्षांमधिक त भरकाका कृति कारतन अधिक भवातीय आविक्ति क्षा श्रिक्षा कि योगे होता क्रिय़ हिस्सन खबर ज मं भाषादा ताहित्या क तकरान मोरान्यम स्रोध सक-ট চালিত হটবে শুনিয়া কোচাৰ্টাৰলৈ বিভিট্ট প্রথমতঃ কিরুপ ভাব এখাশ করিয়াছিলেন ? :

वाह। इंडेंक धकार्य मनुग बावद्यांत कांत्र हुहे क्रमी अधान निग्रायह कथा द्वेद्राय करा, द्वेरिक বোল ছইভেছে। কৃতন সম্ভালায়ধু চিকিৎসকে-वा अक्रमाध्य अक्री खेश्रधंत व्याभक वावचा करत्र न मा, जांत्र रव खैवथ गावका करंत्रम छात्रांत्र का-বৌর প্রতিসাদ ন। লেখিলে পুনর্জার ঔবধ त्मबस कविरक (एन भा। धामारमव जन्मात भ-চাশরেরা বেসন >৫ টা ক্রবা একজ করিরা একটা। क्षेत्रभ आञ्चल कतिया शिटकन धनर धक्ती क्षेत्रधन এৰ ধরিতে না ধরিতে আবার বোজন থানেক क्षेत्रभ रशकाबेका स्मृत्य ग्रहण व्यवस्थारस्य। स्मृ जुल करत्व मा।

मन्य वारक्षां भक्तव देवश काकि काम्हरी। ुक्रीवाता एवं मोजाब क्षेत्रच नावका करवन काका ए निर्दर्भ गाठेक गर हम र कुछ इहेरवस । यथां---(दमांट्रणांमा , अने वसूत्र अक क्लांडा विरुद्धत नहें-য়া ৯৯ কোটা স্তৱালায় দি'শ্ৰেড কৰিতে বন্ধ এবং ले मिलिक जया बक्की दर्शकरण ब्रांचित्रा दे बांब न। क्रिंग एक जाना सहैरेन अथन श्रीक्रमानामन एवं। के बर कारे। श्रेयत कार्योगिय नेपार्य লইয়, পুনর্মাপু ৯৯ কোটা কুরালাত্রর সহিত দি-जिल कविरत कि श्रीम जायला भागमं रहा। धरेक-(ल क्रिनंड इम क्रांत्रमान्सिन नवा क बहेत्र। यान কে। অৰ প্ৰাকৃতি ৰে সমল জ্ব্য ভৱলভাবে ছা-ही इस ना तार्क नमंख खेंना हम कंत्रिया के जन्म क जा अञ्चल बहुन ऋखहार सेवृत्र सारभागीरकता त्य क्षेत्रभ निया थीरकम कार्या अकेविन्छ गेत्रिक् क क्षा कर्मा क्षेत्र कर्म के विश्व में क्षेत्र केनक्त-छ प्रदेश बाद्या छेन्द्रम करा अकि महत्र करी, मध्य कविश्व तकरलहे क्षेत्रश्य कविश्व शारव्यः किंद्र वाक कतियोज कृद्धा मति। बुद्धि अत्मान कः ३। जारमान परेक अंग्रा स्ट्रेंक द्वांत स्त्री मन त्माराह बाधावस्य किश्चार प्रशित विदेश प्रानिष (२)। कामारमञ्जानक अधिकार सेन्य केवा

(2)明月年以後西洋中東南京中華中華

किना अन्तर देवसार त्यस्य कि शक्ति जैनकात इतेर ह भारत जाहा अञ्चल कता चा-मारम्ब भएक । नर्रास कठिन व्हेडा क्रिके, क्रिक युष्टि क्लांबाह इ.स.म.म कि व्य क्षेत्रागुरु है। कार मर्निएड शारद मा ? शकुड कामी वास्तित निक्र कि हुई आशक्षत्र न (इ)

ममून राबद्धांड बक्की अधान खब वहे द्य ५६ च्छानावराधा, ह्यांशीरक नावश्व खेषथ थ। ७३। উত্তেহণ না, ৰোডল বোডল ছুৰ্ণ**ন্দ্ৰ**য় স্থান্য গ্ৰ मध्यकर्व कडिएल व्य मन्, बरन् दर्जीक वस्त्र क्षिक क्षित्रों, द्वाराह्य विश्व क्षित्रों क्षित्र शक्षकि माहे। आंधता करद कारियेत्रहिस्तत इ.क. ষ্ট্ৰিত পরিত্রাণ পাইৰ 🤉। ক্লেঁকি, বেলেগ্র। e রিচ্বচক ছালা যে কড অপকার হয় ভাগে যাচ লা ভারে এ খানে বর্ণন করিতে পারিলাস নঃ ष्यां मदो छ। छ। य महाभन्निभारक विराम्य करिय অহ্বোধ কৰিতেছি যে ভাঁছারা ডাজার এ: নির'বেন * কন শবেক্ষেত্র আন্তেশ্যওপাণি ' মানক প্রাক্তের মরোদশ চাতুর্ফুল ও পঞ্চাল পাতি-ब्ल्बर शांठ करून: छोडा प्रहे म स्टोध कहि आ नागीबाह्य शीलाब मनम जाया मद खाँछ कि लि कक्षमा अभाग कविरक शांकित्वकः।

শুভগৰী পাত্ৰিক

अधि गुना।

শ্রীযুক্ত বাবু লক্ষ্মীকান্ত চক্তবন্ত্রী नम्ब हैं। >२७७ देहत सरेटल ५० खोळ गर्बाह्य क्यादा• ताळकुक श्रुप्तांभागाव ভালফ'ৰ **५२७३ क्षांक्रम ब्रहेटड म**ाच भारतस So 背in • इतिक्रशान निर्द *1'7. 55 के ने काम समें स्ट्रैट इ १ व्यो वर्श्यां स হাজা কাজীপ্রসং দাস সজেক স্বাপাত दम्भनी प्र

ऽ२७३ कांक्सक्रम ६ केंद्रि वे॰ भाग भगाक ऽ७ ० क्षूत्रम द्रमाणम ८ठी धरी 526% काक्षव करेटल १० और**१**० olfie Bilb उक्रमाथ सीम यानाव ' 30 B. ১২ ১৯ দাৰ মুইডে ৭০ প্ৰেটৰ পৰ্যন্ত

विका नम्सीहरू विशासिन ए बायुन, मिर्द्धाः अक्षाहरू करे जिल्ली उन्धित व्यक्ति लेबेट है क्षा का कामरा हानियानाक त्रहे डेलाधि | 「中では | 中で | 日下 |

and we also make the night chairs and PROPERTY AND AND AND PARTY SERVICES ?

(भाग्रशक

प्रवर्त्ततां प्रकृतिविताय पार्थिवः सरखता सुतिगदती न दीवतां।

e 4 4 1 २० जःच्या गन ১२७२ । ১৮ वे ८०७। वे९ ১৮७०। ७० मार्क

विकाशन ।

कतिमश्रुत किनात कत्रः भाली हा हेटकमात्रि भश्याजश्रुत बारम स्य भड़िन छोत्रक आरक्, **ভাষা দরপত্তনি দেওয়া 'স্থব' বিত্তায় করা** ঘাইবে। বাঁছার সেই তাবুক দরপত্তনি নই বার অথবা ক্রম করিবার ইন্ধা আছে, তিনি কলিতাভার জাত ৰ স্থিনৰ কোম্পানির নিক্ টে আবেয়ন মরিলে স্বিশেব রভাত সানিতে **भादित्यम**

विकालन ।

बाबबाव, रक्त जेक्त जान मृति रह, भार कविद्यास, बिज्जानच रेवद्राभी, क्रक्रसाइन च्छोडांदा अकृष्टि आहीन कविवयानांत्रियांद উত্তৰ উত্তৰ গামগুলি সংগ্ৰীত ও একত্ৰিত ক্ষিত্বা সুব্রিত করা গিয়াছে: পুস্তকের মূল্য क डोका वास ।

কলিকাতা

दर्गकात है है ७१ सर वाजी।

জীবসুৰোপাল চটোপাধ,ায় এখা বে

সোমপ্রকাশ!

कियांक सर्वे विवा

১৮७ **चरच**त्र ८६ चाहेरन (जांत्रक বৰীয় খণ্ড বিধিতে) বহুবিবাহকারির দণ্ডের যে বিধান করা হটয়াছে, তাহাতে मदेश भदेश अदनदेकत सम करण । मन्त्री **डि जाशांत्रिशक्त धक अन** अम्साम। रुत्रि बार्ट्स, किंहा विकामित्रक विगटन थाणित्व ् देशह छेन्द्रा मामक्टम व्यामानि

अना भने, नव्यविवाह नित्नक वि

थित गर्य धरे, गार, मिरशंत चाहात बाबरा র ও শাজে বছবিবাহের নাজধ নাই, ভাঁ रात्रा रखनियाम कतिया मश्रकाती इहेरबम ना, जांत राज्ञिक्तित्र भाजािक्ट निर्देश चारम, छाङाबा कतिरतम् मध्याती हरे ৰেন। হিন্দু জাতির বছবিবাই প্রথা প্রচলি ত 'बाटक, चठवव के कांकित्वत्र निरंदेश मञ्जा बना कि । डेहा यनि मर्ख विधि मात्रा निविधा दर्ज, जाहा इंदेरल चात्र अट्रमभीत्र अमाक ! नश्कान्नकविशतक वद्यविवादस्त्र निर्विधार्थ वरुद्ध शहान शाहेर इहेर मा। अधिक । इ मारे। मिन सर्वाध अविषयम् एक । क्रेंटिक প্রশ্নকারক শ্বরণ করিয়া দেখিবেন, কর্মা বিক্রয় নিবেধক একটা বছর বিধি বিধান নাবশাক ৰলিয়া মোমপ্ৰকাশে যে একটা প্রস্তাব লিখিত হয়, তার্লাতে এই নিষ্মের প্রদাদ করা গ্রৈছিল।

উলিখিত দণ্যবিধিতে যে বছৰিবাহের निरम्ध चार्ड, टाइ! १४ मकल कांडिन छ १ ति राष्ट्र, डाबाह अर्थत थेमान अरे, भ , विक तिकिकेति मध्यान ি ম্প্রতি পারুমীনিশের যে **খাবস্থা**সং**গ্রহ** इंडेर्ड्ड, डाइ.एड वसविवाद निरंप्रधन्न अ कडी विष्मय क्षकद्रव कहा इहेगाए । त्य এট - "বৃদ্ধি কোন পরসী পুরুষ আপনার খ্ৰীসত্ত্বে ও পাবলী খ্ৰীলোক পতিগত্ত্বে বিধি বোধিত পরিষ্ঠা গ পত্র না লইয়া অপ द्र विवाह करत, काशांटक कांद्रकवशीं प्र भर विधित निवाभित एक छात्री इहेएक इन् (व । " वक्षिवार निरंवधक मखनिरि नावः

त्रन स्ट्राम अवन व्यव श्रद्धांक्य कि ?

উক্ত প্রস্থানারকের क्द्रा कर्ड , त्य विवस् পরস্পরাগত জাচার ব্য क्षिक हरेना आविद्यार তৰিবাৰুণাৰ্থ বিদেশৰ বিদ্যি त्य गामाना विधि पान ब्रिटबन, रेश क्यांब क वच्छ अश

२६ व क्लियां विस व्यक्षित्यमन क्रिक्टम देखि मखारवरणत (बिक्किकी ক্মিটির রিপোর্ট অর্পর ६१ मान मार्ट्याटमञ्जू कर्वन नाट्य पृत्र राव्य লেখা উপস্থিত করিয়াছি के कांबाउँ किवयर । ति এখন রেজিউরি সহা काश केष्क्रिक धरः छन भिन्न ममाक निवाद व हरे विटॅमेरव देशत त्रिक ? প্রস্থানিত আইনের ' প্ৰস্থাবিত আই निविधिक्त कुरे

, 4°

ক্রিকা: জার লাখারণ রেভিকার (রে-हर्द्धानकम् ५ हरेरवन्। श्वानीय भव-क्षेत्र जारम वहीं भट्टम वक सम चक्स ব্রাক নিশু জ করিছে অথবা রেবে रेकार व स्टांख के कारवा व जात थ-भाषित्व। अत्याद क्लाव क्षा के प्राप्ता (इकियेत (जिड़िके त-अस् लांशिक्तित स्थीत स्थि भारत कर्म का चना कान कर्महाती (त्रिक्टेंट रहेटड शातिर्दन । शव-क्यार । तम अभित्र बाख्यिमिशदक्ष उद्यो कारिकविटक शावित्वन। ध ধর শ্বৰ ভ এক এক জন রেজিই ए (प र्नेनर (अश्रुष्ठि রেজিক্টরের) कि ग्रें वन मलिल तिकियति कतिरव বিশ্বেষ্ট কোন দলিল রেজিউরি विक्रिकेरिनदन्त्र मत्था छविनदन छि ক্রিক্তব্যর নিকটে আ া লামি ব্লিয় কিব তালিকা আ मानिकी चारन मश्नम बाकिरव । ६ एका 🗗 त्रिकियेति इहेर्द, किन्द निविक वन अमर्गिक वन, अनिके मर्थिका । ह वाकारक विदा दिक्क " विद्यावकः केर्ता, मान शव লইবার ক্ষতা এবান

विद्यावकः करेन, यानं गण नहेंवात करन क्रिकेटत रत्न गमन विकास कायमा रूष्ट हरेटन किन वाटमत व गण धरेटन । किन्न के एता क नित्रम नट्ट । २०० टमात क्षेत्रम न्याव विकास प्रमाण क्षेत्रम न्याव क्ष्मा विवास हम मखाइ भटत

> विक क्रेसाटक, जन्मकि मि खिक्किटब्रस असा-गुनेटस अस

त निकार काश दानिकति कतित्व किन ৰে। কিন্তু এৰপ ছলে চেপুটি রেলিফীর मनिरलत मकल जिहिहे तकि वेरत्र निक টে প্রেরণ করিবেন, ডিনি উহা নিজ পুত্ত क लिथिता लहेंगा जमा जना एउ शृष्टि दा किकेटत्र (गाँशपिटशत अलाकात मन्मिष त जाना जना जः जाराह, काशामिरशत) निकट्डे ध्यत्र क्रिंद्र्य । द्रिक्छिति क्रि बात भगत्य कृत विक्रशामिकात्री छेखत वा क्टिंक छेशदिक स्ट्रेंट स्ट्रेंट । याँशाहा প্রতিনিধি থারা কার্যা করিবার ইচ্চা क्रिट्रिक, काँका मिश्रक काबाब याबादर्शन्त्र বিষয় ভেশুটি রেজিউরেব স্পর্ট ক্ষয় धम कृतिया निष्ट क्ट्रेट्व । शवर्वरम र्णित काम मिला (त्र. मधेत्री कतिए परे লে তংক্ষমতাপন্ন কর্মচারী নিজে অথবা পত্র বার। আপন সম্বতি জানাইলে রে किछीत्र स्टेंटि श्रित्य । त्य काम मिन ল হউক, রেজিউরকে ভাল স্কুপে জানি তে रहेरव य चारवनमकाद्वीवा वर्षार्थ कव विकश्राणिकाडी कि मा।

দ্বিদের কোন সাক্ষীকে উপস্থিত ফ রিতে হটলে রেজিউর ভাঁছাকে পরর্ণা मिया चानिएक शाहिएकम। स्कर मिथा। नाका मिल्न मखबिषित ১৯२ बाह्यामुनादत कैं। हाटक क्लीकमातिएक मध्येन कंत्री इहे व । यीम प्राथ्यानी आणामार कांत्र म लिन जाल मध्यबां। इस डाहा इद्देल जे था দালতকে এবিষয়ের সংবাদ ভেপুটি রেজি केंद्रबद्ध निकाम किएक कहेरत । किमि निक श्रुक्तरक के विषय रिशिया ब्राधित्वन । ১०० **होका अग्रद्भन दिक्कि है। गर्डन होका** चामार कतिरक रहेंत्म कविष्ठत कुकन यांकक्षमा कतिएक हरेटर ना । मध्यांनी খাদালতে ভাষা খৰ্পৰ করিলে খাদালত ভাছা ভিক্তিয়ন্ত্ৰিৰ ন্যায় এডাৰ্বিকে এক পুররণা বারা অববক করিয়া জিলাসা अतिरक्त किति बरावत अञ्चलका काला क 刘 明年,典

य द्वाम किमि थे थक निश्चिता जिताहरू. डांश बहेरल एक कारल डींशब्र मध्यक्ति विक्रीक कतिया अथवा अना छेशाट्स होता चानात्र कता इटेटव । यनि अधार्थी द्वान उ ात्र कत्रिया भगाहेबात छाखीत शास्त्रम् ভাহা হইলে অগ্রেই ভাঁহার সম্পত্তি ক্রোব ক্**রা অথবা ভ**াহা**কে হাজতে** দেওগা^{ল ১}--পারিবে। কিন্তু এনশ স্থলে টাকা^পি रहेबात अक दरनात्त्र महथा बालीभ कवः উচিত। अर्थी युपि हेम्हा करत्रम, जामानि কালের মধ্যে মালীশ করিতে পারিবেন क्षि भक् वरमत अधीड इरेहा डिलिश करण साक्षमात्र भीज निकाकि हरेत मा। छेरेल ७ एकक शर्वात अनुमण्डि % जानि त्रां करेंदी इरेटल खिकरेंद्रत क কিলে তাহা রামিতে হইবে। রেজিউর रमरे नकन अबल बाज मर्था प्राधित्वन (र छ। अधिष्ठ दिनके ना इत । छेडेलकाती র মৃত্যুর পর সম্পত্তির উত্তরাধিকারী আ বেশন করিলে তীহাত্তক ভাতার এক নক্ত (मक्षा स्टेट्य। धना धना गुलिक धः विषय कतिता कि विशा काहात स्थल ल ইতে পারিবেন। এতি বৎসর কত দলিন রেজিউরী হইল তাহার এক এক তালিব আকিসের প্রকাশ, স্থানে দ্বাধিতে হট্টে

ভাষার অনুসঞ্জান করিব। বেজিউবের লে সফক্ষমার শীল্র নিক্ষাভি স্ইবার ও क्षामा कंप्रदा । या प्रांतिकत विभाव कर्पजा तिमाल प्रमा भी हिमाल माला भाग निर्कत क्रिंतिम याबार्था निर्ना नजाविक वार्षा । नक्समात नीख निकाखि इत स्ता शावक माफिद्याय मामिक मा देश अकाब वार्वी। मामक माहे कि छेशाय व्यवज्ञास्य कतिएक हरेटा। अक. । कृत्रामुमा स्टेटक श.दत सः। विहात्रशिक्त (त्र.क्रकेत खार जारवणनकातिव वाग-शास्त्र निज्ञ कत्न करत्न, अथवा वा-মের পাঁচ ক্ষম ভয় নোককে কিলোসা क्ता रत्र । द्वांककेत्रित चार्यमन स्टेटन चन्छः हुई नक्षाद्द्र भिग्राम निहा এक পররাবা आ. दबरमका हिनित्त्रत वारीटक, चाकित्त, ७ এक क्षकामा छात्व अवेकिया रमक्ता कर्डवा। थे काटलव मत्था यनि **्रह दकान आश्रद्धि ना कटत्रनः मिल**ल तिकियेतो हरेट्य। (क्य चाशिख कतिटल ভবিবর নিকটছ কেওয়ানী আদালতে দীমাং দার্থ প্রেরিড হইরে। এরপ ে ক্রিরাতে किष्टु विसन्ध संदेदन यटडे, किस्र एकदाहा उ विवारका सिवाइ विवाह करे दि मिन्दा नद्धादमः भाटहः द्वीदमारु अ.८वण्मकः त्री रहेला 'दीहात साकातक माया क ब्रिया छैजिबिक अकारत अनुम्क न नहेरक **एरेटव. । विराग्न विद्या विद्यादय क्रियान नि** युक्त संदर्भ भावभाक । व्यामानिरगत रमनी म स्मारका थात्र मृद्या कात्म हे हे त का तिता बादक्स । धरे महत केहा हरेडा खंब्रामक विवास जैनिद्रु रहा । यत्तन द लि डिहेल लिथिक क्रेबामान ठारा तिविदेशक निकटि व्यवन कविटन दरे व । दिक्किकेत यनि विकामी मार्को गान, ण हा **इहेटल जाशन जाकित्य** जार दिख खेती कृतिया ताथिटवम । बटहः जिनि नि क तिहा अथवा विवेखता विशेषा তাহার অনুসন্ধান করিবেন।

(त्रक्तिकेत्री कहा थ्रु मण्टन बाली শের বিষয়ে আমানিধের এুটা মছতী আ शिक्षि बाह्य वार्टिन अन्यक्षी व बान्ना अहर प्रक्रियात्र करान मा-लब, फिकिसाबित गांव छेशंव कास कति

ভাবৎ ভস্তুনির্নার্থ ছুটা বর্ণচারিগণের অবসর সাধারণ হিভের भ ब्रह्म ७ मन्त्र मश्यक्त अहे.व विमिश माधावनदक माथा विषय इहेटक विकिन्छ कहा विश्वत का नाः व्यक्तिकी कारम यकि व्यानक्षानक्षांत्र (मः त्व विकिश्वती यथार्थ ना-इत छ हा इहेटल छि जिम्मातिह नाम दिक्तियों थे अक्रिक मक्समा हरेटल बद्धका अवर्थ बाउँदर महलक माहे। र्धेक्ष मा क बिहा एक का व का है दिन का गारत छेह.व त्राधिमक राज्य मक्किने। করাই উ.চিত। পরিশেষে আর এক্টি কথার উত্তরথ অভিশব্ধ আবর্ণীক। স্থাবর विष्टतत कात्र विकासमित गणितीले सार्व व्यक्तावत विष्टातत वेख १ ए किए दिल्लिकी क्दां अप चरिनक्ति कदा दश्राहर देशी युक्ति नक्ष इरेट्स भा । ध्यम सहित्स নিত্য কৰ্ত্ৰা জন্ম বিজ্ঞানি বাবছার কাৰ্য্যে बहाविच कथिएव गरलह मारे। आबहा স্পন্টাখ্যরে কহিছে পারি এ আইন কোন क्राप्तर हिल्ल हरेरव मा। चल्याव चन्ना वन विवदत हालिकाती क तवान क्षणार श বিভাগে কৰাই কর্ত্তবা। অপর, রেনিউর্ট क् कांकि व्याप करा व्यावमाक ; व्यावारी লোকে রেজিউবী করিবার বিষয়কে জত্যা চার ও অর্থোপার্তনের একটা উপায় বেষ করিবে।

> ে's সাধের ও ভারতারী। লত সাহেৰ "পূর্ব কেনের এতি हे अटलद कल्डवा र धहे नाम निया धक श्रू त्रक मृक्ति ७ छ। दिन क्रिमाएन । भू শ্বক খনি পাঠ ব বৈলে ওঁ, হার নিপি চাতু যোর ভূরদী প্রশংসা করিতে হর। তিনি ক্ষক্রিয়া রাখিয়াছেব বে বাঁছারা ভাঁছাকে পরিভাগে ক্রিয়া সাথকা ক্ষ

ক্ৰিয়া খেৰিত হইবেন সংক্ৰম আপ্রায় অপক্ষা কিছা ভাব এইছিট

ब्रह्म अरम् उनक्रम ७ ी कतिगारहन व कें, इान भविहिन् ভদৰ্শনে নিভ.ছ বিভিত ইইটি फें.स्त्र आरख्त चानि चाद खें शारम लाठे स्तिर्व, दमस्यास्म देवा व. किंछ महक्किशित मह छाइम् म भारतम् वदा ७ ज्ञात्रकातिनतम इका कहा काकाब कहा कहारबंब है ক্ষেশ্য। অধ্যে তিনি ইংগ্রা**র্জ** ीं। केश क्राटिएक महा आगा भाषा ७ शृषिनीत मधा म भारेशन कामा वेतिना वर्न कर्नित प्राका निमकत वांत बर ए ड टेन बेमाजायन जिल्हा कार्यार हर्त । के बीज क्षामरमान विवय । रिशाहक में नेकात मानीकुक दें राज कि रत्रकत्रा ७ एक ७ वर है विश्वत विकि क कथा बरलमें मा (व 'छ।तुर्ख अर्थकि' कर्मन समिकि वर्षेत्व मा। वहार दिश के करत बीकात कतित्रारक विश्व শীতা শেই পুৰতন উন্নত আৰু কাৰ आंख प्रदेश्य भावित्यन । अहे : वियहमू श्रेवात कर्मा कामा कामा मार्क का के भारि गविरमेथ बहुबाक्का बार्ट्स । देते किनि বিতীর সুপার্মনু,। পাতির বি. হন থে वड़े व्यक्तियात्र क्षकाम कति ताद शर्मात লার্ড ডেসছৌসি ভারতবর্ষীয় স্থাপন স্ক রাজ্য প্রহণ করিয়া শাস্তির মূল কিটী যে त्रिमा भिगारह्य। छ.इ.स धरे देन व्यरक्त কতদুর যুক্তি সিদ্ধ, ভাষা ১৮০০ৰ বাজাই विद्याह ७ नियर शक देश्ताक मिर्देश किया: वास्ता प्रतिमार्ग मध्यान क क किर्न (इ) यणि दक्त मनुग व्याभनाई त्या द्वाकिः वानिश्रद्धत्र मर्बद ब्रह्म क्षित्रा क्षेत्र

**

णाहात (महे म.धूडा ए.सून, १ भागमी । हव, जाता ताज, इत्रव कति व जानात प्रास्कृत कि शामन विवयक सार्ज उन होतित म ७ लिए मारहरव व जमनू मायन (महेन्द्र भागद वी अ ७ थंगरमनी । मस्मह

নাই।

(মূলাভেব ভারতবংগ তারত ব শা

দান, টুক্টে বিল, ও পতিত ভূমি বিজ্ঞা র: ্তর মিটো যে যে অভিনার ত কা

ব, পাটেন, তভার পুনরুলের পুনরু

। भाठः धन छन्नः विदश् वहावा गमकारण प्राप्तानिक प्रमान को मकल विराद्य स्माक मारह कार, भारे धकरे पूक्ति विराप्त हरेटाइ। िर्मास्त्र में मार्गिकात किश्वास्त्रमा प्राह्मित मानन विशा वादिका में

এই এ ব্যব্যের অব্সক্তা

वान ् रहेबारक, अखबद छद्यामा

ভার নিমিত্বাদে ব প্রীকৃত্তিকারিখনের বহার কবির ছেন, যে প্রভাতি প্রস্থা, এচার ভিনি বালন ডাহার অগন এলাণ এই,

ब्रांभी अभिरः " अयक, त्राक्षण्यस्यक्त्र मार्चे, कें, हात्र न यक्ति का कार्यमा के क्ष्रियंत्रा स्टान करत्र में निवल ; शारह करण्योद्वत्रा स्ट्रिटकरून, कें, हे जित्यत्र के कि शक्ष्याक शास्त्र विवत्र य कहे काल अवर्गयके केंद्रांकि किंक सामत्रामिषि विरवहना करत्रम् ला. 1 .. हामिर्टाल का स्थित्व शाहे, अवर्गयके की श्रित केंद्रित स्थानक समस्र करम्या

অনরেক্টনিসিগাল বিল।

আন্দেশীর 'ল আসলি ইডেন সংক্রে

রিক্টার িবস্থাপক সভার কলিকাভার

এসি পাল রা ও শোভাদি বর্তনার্য মিউ

গলেট ক' বলের যে প্রভাব করেন, ভাঙা

ক্রি হুক্তে সমর্পিত হুইয়াতে।

সিলেক্ট কমিটি জংহা একাশিত করিয়। माश्राद्रवद्व यक अध्वावी करेहारक्त । जा गड़ा शूटर्स के विदलक्ष जारमर्थ लाउँव शटनक लाइ क ब्रिश्न हि। अना क विषदा आमा मिर्शात त्य त्य बख्या चारण. वाल्य कहा य.हेरण्डा व:वदाशक मछ। व्यर्वजनिक म:किएमं हे विश्वत्क स्वत्यत्व विश्वितिशाल कारण नयुक्क कतिबात अखाव कतियारक ন, কিন্তু ইংগ আমাদিগের অনুমোদিত हरेटक्टक् मा। मश्दरत धनी लाटकत है ज कर्ष घरेबछनिक माकिरमे है अरम अधि किंख चार्चन, यथान जानीह व्याग (वस्रे न.हे। किन्तु मधःम त्यःी उत्राधा नाषा किरल यथादिधि कार्या मन्नाम ७ उँगाउ উন্তি মুইৰায় সন্তাৰনা অতি অপি ৷ ধনী ব ব্রিলর। জনম ভোনার গোল, ভালারা मधान ७ कुन्नुस स्मानित करका गम क व **ংর্ড নছে**কুর কর নির্পণাদি কালে **ড**া का निरंशहर के हें इस वा कियान च विवास जान आवमा साहै। भागत, हैश्नकीत शंवर्ग बारबाज विनिद्रा मा। सिके क अश्रामका षागिरकस्य करम अस्मान- रेश्नरखर নশয় সংখীন শাসন প্রধালী প্রথর্ডিক করা 🏻 हरें। जारा कवित्व इरेटल व्याखा विके निमिण'ल महस्क याथीनका कमान जनः মধ্যম শ্রেণীকৈ কাছার অন্তর্নিবেশিত করা व्यावम क, अवाशा देखे निक्क इन्त्रा निका विक मग । इंखेरब्राटलक वावश्रीह करमान **करम वर्शविष्ट्या (मधाम स्थानीत**ी वाधीनटा इता अहे काधीनका कान वां क् जाती बुद्धा अमाणि रवन कति छ (त्रव न[े]हें। किनकाकांत्र**७ जट**ध (महेक्श न्नःधीनका ८४७ता सर्वया ।

গ্ৰণমেন্ট খ্যাং শিউনিসিপাল সভা র সভা নিয়োগ ভার প্রহণ করিছে হেন, কিন্তু আমাদিগের নিকটে একা যাটি যুজিনিক বলিয়া প্রভাইমান হ ইতেতে না, নগরবানিসিগের হতেই এ ভার পেওয়া বিশেষ ভার ক্রাট ডুকার

নেপোলিয়ন এত বে ক্ষমতা থিয়, তিনিও नश्रवाम। विरश्र के कामकात 2 कि एक्टक श करतन न है। वित्तत (य जश्रम नामाना পাইকেড়দিগের সংগতি পর লইবার বিধি कत्रा हरेटल ए. लाहा जा माधिर शत्र मरख के द्वा क व्या दिल्हा (दांच हरे एक एक मा। व्यानक महिल क्रूयक मद्रश मद्रश क्रूबाही, প্রসৃতি অ'নিয়া নগার নিক্র। করে, ভারা भिराधक छेला एपा धार्या कहा निक्रेत्रका मरलक मार्च। य'हाद्र। हिन्नकाशी बाबभाती আর বাহারা অহত, এটিবৎসর ৩০০ টাকাউণ র্ক্সকরে, তঃ ভিক্তিক শব্য কেনে কুদ্র বংস ীর নিকটে কর লওয়া উচিত নকে। গড়ী এড়বির **করের** ি**বা**ষ व्याधः, मिरत्रव रकः न व्याप ज नाहे। किन्द ফাউস (বিচারপতি) তিনের অধ্যঞ্জ তিকে কর এহ হইতে গ্রন্ধ করা হইকেছে (कम > यथ्ग श्वाद्धक्रमक्रम् विश्व देनक्य টাক্স দিতেতেখন, তথন, ক্ষনা, ক্যাঞ্চর সা थारण कत हरेएक सूक्त एकड़ा वि**एमन ए**न

যে পৰিমাণে ৰাটার কুর্ঞ্ছণ প্রভাব कर्ता बहेशारक जाहा किंकू व्यक्ति (दाध व हेटल्ट् । हेक् ट्रक् महिन्न *द*्युक्त निर्माह विटमय रुखे हरेदात महावका जाएक । य'व তীর একাশা ধ রেরান্ডার পরঃপ্রণামী করি या ब्रास्टात सन पियाब डेलाग कहा कर्डिन्स आंत्रभाक । क्षक्रां ब्राह्मधानीत धार्या भा ও দ্ৰ ভাঙ্ক। নইয়া উঠিয়াছে। নম্প্ৰতি ক लिक, छ, प्रत्य धर्म । श क अंशाली चालक स्वा रहेब्राट्स, छार्। महरक मन्ध्रव दक्षा, क्रिन অভ্তত্তৰ এ প্ৰেলাস পরিত্যাস কবিষা যদি দিনে ছুইবার মিজুবা বারা নগর পরি कात केत्राव रू। व्यवश् ताखात हुई भारत भग्रद्धशाली कनिया चर्याविधि तथान जल मश्कांत्र कदा हा। दबर शाम शाम सी भेनन क ति।। अनेत्वाभिषित्राच विमन स्वन मारकः केशास्त्रका एत्र, वण्य वादस कति काण व्यक्तिकवत सामाकत व्हेश केठित्व 河北村東京港 1

श्चित्रात्यत्र।।

देखमिनिरमेष्ट्र धार्मः शाला धारणः मह-ष्टांच धक श्रमणावक, भिश्य । मृज्य वध क्रिया छाहा, बरमह ल्गानिक वि खर्कै क्या-· (क साकाहक ७ मानत मृधे कव । देवाव ভাৎপৰা এই, লোকে খতা তঃনেৰ শিশুর ्षि बस् बाटक, सुराशान क, बटा निश्टकर धान इसन इस, श्रीतरमात भूतरतत्र नाय ানার পঞ্জে ভনীচ প্রবৃত্তি হয়। কিন্তু এই এমর্থকির সূরা সেবন অপেকাণ্ড অ'ব धक्छी अधिक्षय अभिष्ठेकत निषत अध्य.

लाएक भाषा राज भरता मर्बनाय इस । दन विवयणि-- क्यार्यना । अहे (वं नान करव मृथि इत. खाद्यात विर्वत द्वा बाहे, क्छ नर्बकारम लाइक अध्यामक मनिके निव-ক্সম আর্মেশ করিয়া আসিতেছেন। একে **(म शु**र्दाभारमह महिन्द धरे खात्रमर करेड़'त मविर्मिष व्याञ्चलांच करेरल्यः । सर्वा कटब्रक दरमब्र भूमित्यत् व वियत्त्र किहू মুখ্টি হওপ্লাতে ইহার কতক নিবারণ হইয। हिला क्रिक अकरन हेहा भूनर्वात भूर्व जन थात्रभ क्षिट्टि ।

ৰুধাখেলা নানা অবয়বে বিভক্ত : ব্যেলারা, কুপন (১) চাপু সম্ভা, ও

(,) सूलन रमनाय धक्छे कारके । घुष्टि আছে, তাহ। বুৱাইনা এক সৰ্বায় নিকেপ কা। হর, কোনে বিশেষ লেগ উপরে থ কিলে কৌণ **কারীর ব্যিত হয়।** এই ফ্রিড সা,ডিশর তয **बर्ज । डान्डरक तारहेत्** कटानकी वल बाटक मखद्रामञ्ज नाम हेराह क्लक दाव हैटम । जेबाट ड विस्माम हिं। हाने अदि भाव। अद्योगभिक्त हैरियम करी हरे । त अ मा कार्य शक्तिविद्य के अध्यान भाग के ख कद्द । हाम होन दाना व रार्थक्यामीत रहेश स्त्र, 🕶 🖰 (प रंग्नेक अञ्चल वा १५% ^{है} s হা-केंद्रे क्या ह्या। ८८६शाताच ित्र अट-८० छी-त्नन । विशिष्णीक ७.५ ्षान जारन्य क्षीड़| हेडाएक १०३ कथन कथन : इन्होंने क्षींत्र बादक। क्षिका छ।। यनिया, द्वाहिति । युक्त, डाहोहा अहे रंचना कविया बादकः

शिक्षक् र । दलिकाचात्र यावशी व हरू न निर्मा बादक । अ क्लाकारम धर् व्यविकाशम छ। तमत्र बाँमिएक कूलन, होलू. ७ हासङ्ख (च ल इत्र । ही-त्तरा चठान मृत्यामन्त । चरितकत्त्वत वृत्र পান ও দূতেক্রীড়া ইছা দলের জীবনের अथान के मन्या बनित्स दक्ष। हेश्विष्णव त्र.कि ठ थ्रु.र मिनाटन ब्राटकात सूर्व (क्रांत्र, र्थं हे हे का है। करम् श्रामात्री, छ। का है छ অড়,ত একতিত হয়।ইহীয়া অভিশয় শর্ক, व्यवस्य के मक्त वास्त्रिक श्रात थ छश्रह মত্ত করিয়া পরিশেষে ভাছাদিশের সর্বস্থান বরে। উক্ত ছুধা চোর চালদিমের এম नि थेका, य अक छन्। विद्यानकात्र मार्काटन म्लाकाल क्रेट्रिल भना वास्त्रि छान क ক.শ করে না, সুহরাং পুলিবের চক্ষের छेपत ७ त्रामधानीत वकः ছत्त वाकिशाए ইহারা অনায়ালে ভয়ানক ব্যবসায় চালা ইনা সমাজের মহা অনিউ সাধন করিতে (छ। क्लिक:का ७ अक्बुटलक़ व्याप्त गांवजीत গুলির শাভ্ডা ও শুড়ির লোকানে প্লেমা রার শ্রন্থভাব আছে। এডভিন্ন অনেক ज्जात्नास्कृत दाविष्ठ के के क्लोका हरेगा भेटक । २८ भव्रम्भा ७ । एमलीटफ ८२ मात्रा বাজের সংখ্যা অধিক। সচরাচর এতি ब्रिटिशास थावर शाय**ीस शर्ज. विरा**भवाजः निदर्शाणि, ठडक, तथ ७ शूम्बान ममदर्श ঐ ক্রাড়ার কবিলের আ'দুর্ভার হয়।

क्षिकित्र हरेल २८ श्रद्धभाद अवः গাতি আগাড় পাড়া পুপানের নিমিত্ত খ্যাতি | লাক্ত করিষাজে। এই ভাবে বিশুর মাতাল ৎ বিকোর ও জুমাটোরের বসভি। ইছাদি ाव क्रोविक। निर्दृष्ट, दिस्थएक इतिहा (मवीत अर्ज क्यांन क्यांन मा श्रीकारक **६६'या थे की फ़ाइड निভान्न जात्र क**हेंगा কাল হরণ করিতেছে। চতুম্পার্থবর্ত্তি এবির যত দখনা লোক ঐ অ'ড্ডার আ ना भारत. हे।लिनश्च ७ व्रताशाधनाय बहे (यहा त्र का.फुक्ता भूनमभानि,निरशत बर्द्या याहात्।

Coolaro BINI कत्र। अपन निकारि 节河州 年、乙里年!

भागता चामपुनात् क वत्र वर्गन कतिलाय बहुते व विवटत रह भवनानाम मेर गाउन जा कहे बाटक । नार्व হইত, একণে ভাষা ক^{ৰু ক্} था कृषि सरेटकरम् । क्रि णात भूमिएव अन्तर्थभार^{े क} बढ़ी, किंद्र मुखानक है किर सतियाना विशा निधी সামানা দও ছারা এই ক্র নভাৰনা নাই। খাহারা ক্রি र निर्मात अवर वाश्रंत वाहित्य হার কারাবাস করু বিধান কর্মের কারী অপেকা বাকির অধিক্রিয় (माय । कार् मु शासादम्रे क्या शास খাকে। ডোর অপেকা ভোরির কারীর নাায় জুয়াখেলা 🤏 দিগের অধিকতর সভা ভিড় २८ लत्रावात माजिएको एक हैं है है দিপের অনুরোধ এই, তিই 📆 🔭 निर्ण इंडिशंड के देश प्रकृषि एक्स हिन्द्र पश्च (पना। धाःक क काविकारकार मानिर्शा समारकत वश्चेत निर्दे मेरि ट्याह, जुड़ाटवला यणि व्याव तिहेशत नन য়তা করে ভাষা ছইলে ও নিমন্ত্র নাইট্র

31-3

বোদাইরের শার্থা, গাঁঃ निविष्ठ ५ ५न भार '' R 3.3.1

आकि कालि वाहारेट । भारतिहर **रक**वल छ:वठवर्धि नय, स्**छ ग्राण ऋ** लाग १८७७ विल्लान शाफिन विलिश लाज कतिप्राटक्त । ध्यात वाक्षीक विका छारानिकात देवनिक्तन अवृत्ति पृष्टिनी हरेटकाष्ट्र, विश्वनकः वानिकाणि कार्य

। यह है। इस्त्र जेतुक्य हर्मन स्थापन स्थापन क्षिमिन्द्रका व्यक्ति क्षित्रार्थन । विक मान्दर्ग अभिनादान्यत्वर्यत् वना वना ।दम्भ शिन नात देशनिरशंव कि ৰাচাৰ ঘাৰ্বৰ সুহ: কি দায়াদি কোন বিষ गहरे दिन क्खानका अव्हांत नारे। यह 'क्ष की कारवादा कारवक विश्वका। ैं है ; और रेशक्रदश दाधान ७ व्यवन वा क्षित्र के के सार्थ दावया शक्षित्र लास्टिविंग महत्त थाएक । सक्यल वानि म्हान के बाह्य वामिक्ट का व থকা সৈমানুদলতঃ নিৰূপিত ব'বড়া | स्वरि विकेश स्थान महामात यादा निर्वाप व्यन् क्य अटमह्य बाहे। धरे जरू জঁ চু.দিগের বাবস্থাপরতি সংগ্র ं उन्हें बच्च इत्। मन्त्रिक काहा मः हि इदेश्रद्ध। अक वरमद्वत्र अधिक च कीश्रीस्था च रवणमानुमारत अक नमर जिल्लाक इत । डीहाता करे चारे भेश्वद संस्वारस्य । विवाह, केखता थ गे**्टा**व विकासकारि विवास काम्। भारतन 🖣 প্ৰিয়ম হইয়াছে। কোন ব্যক্তি প **१ :एक मनुमणि वाकिरत्रदर अरू की**। প্র জ্যা করিয়া অপর জীর পাণি প্রহণ क्षिट्ड गिरिट्र मा जेवन जीटलाट्ड রাধ পূর্বণজিকে পরিত গ করিয়া পত্য पत्र अरुष्किशिएक भावित्वन ना । भावभी किटात वटा: जाम:निटशत शूनतात्र एक अभिक्रीत हेका त्रकार

> অত শীয়দিগের অধিকতর বিলকার হইবার উপায়

নিরাসি ভোজন সপক বাজিরা নিরা ইত্যেন শল হৈরে পুষ্টি বর্তন ও বল সাধনার্থ দি সমস্ত শার্ম জাবলাক, ভাহা বখন কল দুর্গাধি উল্লি স্থান মধ্যে পর্যাতি পরিমাণে বাধ্যা বাহ ভখন নিরামিন কেকেন বারা লোন হওয়া কোন ক্রমেই অসলত নহে। «

ेंड.राजा क्वर**ाज धाराधार्थ निव नि**वित्र से ভাৰত্ৰ গুলি **প্ৰাৰ্থন ক্ষেত্ৰ। প্ৰথম, নিয়** र्वकित भेग एकांकी शिक्षकानिया वर्ग्याहायी शंक्षा है। किरशत आर्थकात अधिक वसवान। विजीत, आवत्रमध बीरगढ धार्मागत्रीथी लात्कत्रा त्करत श्लीमभागु जाशत्र कतिश थोटक, व्यथह खोशीहो द्वारुण बतावान ७ स्वर्ध শীল তাব। প্রসিম্বর্ট আছে। ততীয়, স্পেম দেশীয় গেলিলো মাৰ্ক নিয়ামিক ভোজী লোকেরা ও আংশি মগরের শস্যাহারী ভাষ वांश्रकती में क्षेत्रां वेश्वांन (व एवंशांक्ष) शह माठित मांख वन कांद्र बहन करदे, अवर ३०।३३ মণ্ড লইছে পারে ইড্যানি : ভিন্ন ভিন্ন म्बन्दानिक्रिशम बाहीदिक ও मामनिक बहिन देवतक्रमा अवर बारम ७ डेहिस शाजू भाव य ७ भेडियह काडेबिन मामक नवाटर्शन हिट्टि िनरम श्रेस व अवान छाउन अपनेन करा रहेोहि, छाडा दक्षिक निवासिक्लाकन न शक्तिराज बाउत चलनीवृष्ठा विवास ग. व्याप रहेश्रह ज्यांनि जात्रज्ञ जला अध्य-ए जना जमा अयान अवर्गतन अवस हहे-नाम ।

इमाध्म विद्या चांत्रा निःमणिकशत्म छ। তিশন ষ্ট্রাছে যে শলা ববালি অংশেকা भारत त्यांविक शक्कांति । यारमार्थको ए-**एका कार्य कार्य** ধিক আছে। এক পোয়া যাৎস ভাধন করিলে ए शिद्धबादन ताल इन्दि स्ट्रेटन, स्मेरे शिद्धिबादन बक्त तिवत भना श्रीत अकरमद जिन्द्रभाषा উদ্ভিক্ত বস্তু আহার করা আবদাক। এলে-भीरवृता कि महद्राहत अहे शतिबार छेखिन না, করিতে আহার করিয়া থাকেন? সুমুখ হন ১ আহার করিলেও কি এব পোৱা যাংস বে সময় যথে পরিপাক হয়, त्रहे भवद वर्षा **अक्टमद्र फिनएगा**। भन्ती দি পরিপাক হর > বস্তুতঃ হাংস ও উ विरम व्यक्तभ जाइक्स इहे रह खादारक मार. गरक शक्त के छितिहरक कामान बविदन का हा-क्ति रह मा। अकरणावा यार्टम (व मात्र जान আছে, এবং ভাছা ভঞ্ন করিয়া বে বল बीर्वनिष् छन माच इत्र, काश्ये जना अर्थनी-महिमान अवस्था विमालामा प्रमाणि केमबन

य.ब्राइ ७२४ ! (१) शुर्क खेलिथिक हेहे. यादक (बहु मन्द्र) मन्द्र) शही दिख्य दाविहा पर-मा गाँ (-) यानामीनिरगत **वार्यक**्ष आधिर कृत 🕶 ान एश । देशांत **উखत्र**मान **प्रा** अन्तर्भित्त । अञ्चाना द्वरे वाकाणीता जवा-লা অমৃত্যর বাবেশর প্রকৃতি ছালে অধিক जिन व म कांहरल ,क क्लिका**फान बाजा**नी मम्भ क्र्मिक अस्य प्रते सङ्ग व कारवान्त्रा काननू 👍 नार्श्व अ छ. अध्यक्तान लार्ड्या क्लिका॰ ভাত্ত দীঘকাল বাস করিয়া কি আপনাছিত্যে শরীরের পুর্বাতন অবস্থা স্বর্থ করিয়া স্কুর্মট হন না ৷ এতদারা স্পষ্ট প্রতীর্যান বইডেছে त्यादश्चन्यात न्यात्रद्वनथ । **न्यायस्यवानिहा** আপনাদিগের দেশের জল বায় ও মৃতিবা-प्ति च्टर्भ वशिष्ठकात्र वय (७): विद्यासानिक। মেশের গুণে থাভাবতঃ বলবান হম মটে কিন্ত किशाता यमि भारताशास्त्र तक सम काशा सह-লে একাণের কপেকা অধিকতর বস্তবাদ সাহ-तिक ७ केमामभाजी स्टेट्यम महस्य महि। स्था-शामिरशब विसम्भ क्षण माना कारह का नक्ष বাজি শ্লিকাজ, হইতে উত্তর পশ্লিমাঞ্চলে श्यम कवित्रा थ रकन छावाचि:अब बद्धा वा-शाहा भारत च्याशात करवन के शहा निकासिक (काञी अवाभित्र व्यालका व्यक्तिका वन व बीर्मा विभिन्ने इस ।

নিরামিয ডেগজন সপজে। বলেন বাংল কলণ করিলে পরীর দীয়া দেশ প্রাপ্ত ইতে থাকে, একারণ তারা প্রণ করিবার নিষিত্তে নাংনানী দিশকে পুনং পুনং আহার করিতে হয়। এবান্টা এতাক বিরুদ্ধ বলিয়া শোষ কইতেছে। ইতিহালে কনিতেছে প্রচুর পরি-মাণে মাংনানী এক ইনো জাতি এক নাম কালও অনেশন করিয়া জীবন খারণ করিতে

(১) কবি গণ্ডায়ামি হংগ্ৰায় শশুরা এই জনাত প্রচুর পরিমিত উদ্ভিব জ্বা ভশ্বণ করিখা নিজ নিজ লীয় কায় সমল রাখিতে সমর্থ হয়।

(३) मरमा मारम जूना श्रीकृत निश् छक्ष माधक नटः। छ। शटः वालानी वित्म स्था प्रश्-मा च। देशन त्य त्रीकि श्राकृतिक च्याद्य छ। वाल्क च्याकृते केलकाय जाएकत महोदन। । देशमध्य किङ्गमाति च्या कटाविक त्यांकित्य मरमक मृश्यक द्यादिका।

(৩) এই কাৰণ মখনঃ সাপলাও প্ৰভৃতি আ ভাষা পীতলংকখনালিয়া ধৰ্মাবেৰৰ বিশিক্ষ ১য় চ নিরানির জোজিয়া খলিয়া থাকেন জাবিষ ভোজন করিনে দারীর অক্তর দইয়া
নানা প্রকার রেগে উৎপন্ন ছয় । ভাছারা
ইহার এই উমাহরণ দেন দে ' এডকেশীর
ক্রিরানিরবহিদ শক্ত ভোজী হইয়াও বে
ইহার এই উমাহরণ দেন দে ' এডকেশীর
ক্রিরানিরবহিদ শক্ত ভোজী হইয়াও বে
ইহার এই উমাহরণ দেন দেন দেন গে এডকেশীর
ক্রিরানিরবহিদ শক্ত ভোজী হইয়াও বে
ক্রিরানিরবহিদ শক্ত ভোজী হইয়াও বে
ক্রেরানিরানিরবহিদ শক্ত ভাজী হইয়াও বে
ক্রেরানিরবহিদ শক্ত ভাজী হইয়াও বে
ক্রেরানিরবহিদ শক্ত ভাজী হইয়াও
ক্রেরানিরবিরবহিদ শক্ত ভাজী হইয়াও
ক্রেরানিরবহিদ শক্ত ভাজী হি

(र । छास्क्रम नर्थापन हीतः। द्रतिक भरोग को ए नोरक क्रूस राखक ४०,३ कवित्तवः। এবিষয়ে লাভ নার সাহের বলেন বে পশুনিপার নাংব বাসুনের আম মাংস আহার পথা
নয়, ভালার। জার সংবোধে পাক করিরা
মাংস ক্ষকণ করিবে ইহা যখন ছিল্ল ঘইতেছে, ভখন আর উক্ত আশুনিন্তির ছল কোখাল
(৬) পাঠকগণ বলি গুড় ইন্ডি জন্ম বেডি
সিন নাৰক তাছ শাঠ করেন উক্ত আপুনির
কাবিকতের সচ্ছোম্বন উত্তর পাইতে পারিবেন, গুত সাহেব লিখিয়াছেন বে মন্তব্যের
অর মংখ্যানী পশুর অপেকা মীর্ছ ও নিয়া
বিব ভোজি পগুর অপেকা ভুম্ব বলিয়াই
মন্তন্য আদির ও নিয়াশির উত্তর পার্লাই
মন্তন্য আদির ও নিয়াশির উত্তর পার্লাই
স্থান্য আদির ও নিয়াশির উত্তর পার্লাই
স্থানীর বলিয়া শিরীকেও চইভেছে।

শত্য ও ফল মূলাদি জোভিয়া বলেন ^৫মাণস ভক্ষণ করিলে বুলি মনিম ও ম**ল্টাভূড** ৰয়, জার ফল ফুল ও খন্যাদি ভৌজন করিলে বুদ্দি সডেজ বিবেচনা শক্তি ইন্ধি এবং প্র খান প্রধান ননোবিত পরিকৃত হয়। 🕫 🕮 क्था युक्तिनिक कि ना, विरवहना कहा व्याव-भाषः। दिन्द्रवानीः हे॰द्रवकः क्वाभी अङ्डि ভাতিদিগের প্রতি নয়নপাত ভতিলে এবিব-রের নহবে মীমাংসা হইতে পারে। হিছ-হানিরা নির্বছিষ শশু ুতাকী হইয়াও বে इंश्द्रकोषि काण्डिया मारतानी क्षेत्रा ह्य थ-কার বুদ্ধি শক্তিসম্পন্ন তাহা সকলেই ব্যবসভ आहरू । प्यामानिश्वत मरकात अहे एवं वि. দালোচনা ব্যক্তিরেকে কি নাংস জ্বেলী কি भाग्न ह्यांकी काशाबंदे दृष्टि स विस्कृती ने हिन প্রস্তি সভেক হয় না: তবে এবিগয়ে এক कथा कादह , छ। मुद्रस्त नाद्यां नादस्य वदन-ন ে ৭ , ব, হাবা সাজ্জ বসির্: পরিভাষ করেন, উাহাদিশের অশ্য পরিষিত যাংস আহার কর। উচিত্ত, আর র্যাহার। অধিকতর পাঠ ও प्रिश्लीत करद्रनः छात्रीनिरगत मारम छक्त ण्या मग्नः अञ्चलांत्र विधारमङ कांत्रण अ**हे (प** হস্ত প্ৰাদি চাৰ্মা ছাত্ৰা অধিক পরিত্রৰ क्षतित ए शतियात शहिमाधम प्रमा किल्म

৬ | দি সাম সফ লায়েল এও আর্চ বাম্থের পুত্রের স্টেম ভাগ পাঠ করিবেম।

(१) উक्ष माध्य वर्षुक मालका अव मादिक नामक प्रक्रम गाउँ वंदिरसम्।

ভারশ্যক করে। ভাষার অন্য নাই লে ভাজ পরিমাণে আবলাক করে না নাই ক্লেন্ত্র ইন্ট্র রা গালভর চিন্তালি থারা মানাইক প্রাধীনক করেন ভাষারা বাংস জন্মণ করিকে এইবা, প্রভাগ রোগাজাত হব (৮) অপে ঘ্রকারিক বাজিলিগের অপ আবিৰ আহার ভারিক বালার ভাজার হাল আপনার অ্থীন্ত্র রাবালিলিগের মধ্যে বাহারা মন্ত্রহ সম্পাদি ইড. ভাহারিগতে এক বিন অনুস্থ করে হার্কিক আর বাহারা আন প্রা বাধ পাইক ক্লাক্তি গতে এক দিন অবর ভাই ক্টাক

293

ৰাগকা ভূ

38**ई काइन** 520 চাকা সহর ও জেলার ক্রিল্ चित्र कर्वती विशालत नीट्ये 👫 जाका कारमान नर्वाध्याम, जारित् कत्री, वालानी समिति वानिकं गाँकिय বিবাহিতা সহিলাগণের শিকা প্ शत जाहरू। वस्त्रहरू देश्लीरि সাহায়ক বাজালা ১৮ টি ^{নুত্ৰ} का विशामक जाटर । अखादिक त्वम् मिन्नां स्थापि (अरम्बे कि बानदश्च गाठमांना जाटका ै शत्र डेशनरक जेरे स्वयोद 🦓 ७,११- डीका नामिक स्टेम् क्रि कारमटकाल मरधा जीका करिया है। जरनकारू वाधामा नार्व क्षेत्रप्राह्म मेनाम कारमञ्ज व्यमग्राणि ३६० के मूर्व क्षेत्रकार्मार्थ व्यवग्रागरेक्य अन्वति देश मुंदी क्रिका क्रिकार्य जादा करेशारक । कारती *गहरवत्र विश्वक*रिक সংস্কৃত কালেকের আশিক্ষা বিশেশন জীমুর্ त्रावनाथ वृत्वाशायार्व केस्त भटर विष्के सह য়াছেন। পোগোনু সাফেবের স্থাপিত নিষ্ট্র अपूर्कि निकास भवा नरह । देशोज जनाय वैक्रांस मुद्रे स्ट्रेटकट्स दाथ मत् शाका श्रु**कट्या रहनी**। वस काम इहें। नमरिक क्रिकि बरेडक माहिक महरत्रत्र वर्षः य करद्रकान् भवन्तिके के बार्

[[] ৮] बन मि, श्वास्त्र में विश्व पड़ करें विश्वविक नामक श्वासक देर हुनेह श्वास क्षेत्र क्षेत्र

্মট সাহ ব্যক্ত বাশালা বিদ্যালয় আল अशहरमा स्ट्यां इनटमाङ्गेत वाधि न माटर ८वर अविवृत्तिक वर्ष ७ शतिश्रम बाहा छेन्छ विमाणव प्रदृष्ट्य शर्म स्तिवद्य निर्काट दहे (१८६ । बाक्षि व महिद जांड अभादिक, जांक त्वक क्षणां प्रकृति स्वाहत महकावि র। জাঁহার উৎসাধে প্রোৎসাহিত হট্রা তাঁ-র মধ্যমসারা কথ্যি করিতে জ্রাট করি:ত নে না। ৰাটি ন শাহেৰ ও অত্ততা ব্যক্তিৰি-রে বই উপরি উক্ত বালিকা বিদ্যালয় গুলি নাজি জীবিত আছে বিস্তু সংশয় হইতেছে , ह्यांनातास्त्र च्लक चित्रं क्षेडिकडा ामा त्रांत खेव मारहा सुच समस्त त्यांक दय-। का द्यां क्यां काका शासित्व मा, काउँ व স গা' দিখের শিকাদংক্রান্ত বি হৰৰ 🕶 ৰলেবোগ দেখিতে পাঁ ি ই:পুর ভাষণগড়ার বিদ্যাল 'स् सिक्रिम धार्फ निसीर रहेश्रो ।लेकि व विवन है क नगरत शिवा स्म-क्तिरे व बर्ग : में वानिका जाशंद ः १८७५ कनि चान डेखबबरन नार्ड र् विश्वास शनि व्यक्ति छेखत् क-हें के प्रतिक कारमात्र क्रिकेट कारमात्र এফুর্ন্দ একণ শিখিরাছে যে ्भर इड्टबक ना । जानवा 'के ब्राह्म अ है की वानिका चाटह । आमि ्रावित आई बेटच गाबे, त्य तिन ३७वी माज ্ৰিছিত ডিব্।। ए খানকার বালিকাওলি স विक् व्यावरखन स्मारव छा-12 हेमा जाइन हैं। जि श्रेटक्टक नः, वियादि क्षेत्रीहरशब विकास नेका के उन वहेरलहरू, क्षितिकार्य मा नेटक शादा महत्र नटर বিশ্বিদ্ধানী বে সামতের উপদার সভাব-म् अस्ति जारा दर्शन क्या पाएमा कुता ज भर्म सिक्ष्य: विरश्य निकार्य अवजी विशासन द्रिक्षं स्क्रेलिके खाल क्या वि मकटा वास्क्रि ंग केंद्रवा कवाविकारिय वास बादक छ। ोवि:यह क्षिजिएक किन्द्री माचियांत्र निवित्त अववी क्रिलि (मी देवेदेवून) चाट्य, अर्थ विद्या

ন্যুষাল ইন্ধুল কোন বিবলে প্ৰাপ্ত করিতে পারে মা, প্রব্রান্ত এখানকার শিক্ষারংক্রান্ত र्वार्थ। अवाधी फाँछ हेर इंडे । 🙌 पर्या निष्ठ সভা ও স্বভঃমিদ্ধ মলিকা স্কুডবিদ্ধা ন্যজিদি-গের সংখ্যার অবিভেছে, বাহার মডাবে এ-(भरमञ्ज भारक अन्त कहे शाहरखर्ह, मार। पा-वसर्ग कतिरम बाबवर्गन निर्माण जानमु छेन-**्डान कतिएक शार्टन, स्मेड**ाक्क स्थित कस् শীলনার্বে ১২ই কাছন গোনবার এখানে এক ही जाकविकालिक ऋ'निष्ठ क्हेसारक, अविवरत क्यानकात (छभूडी या किर्दे ने बीयुक्त बादू हा मनुषात रस् अवर ८५ भूरी देन एन्डिय जीपूल ত বু কাশীকান্ত সুখোপাধ্যার মহাশয়লিগের विरुपंत यञ्ज ज्यारकः। ज है स्कित्रं मु लाग्न ७००० হাজার লোক লেখাপড়া করিতেছে, সসলমা-নদিগের অধিকার সময়ের সহিত বর্তমান ন মধ্যের তুলনা করিরা ছেখিলে কেন যুগকের इन्यादक त्याच क्य .

जरदात्र मर्थः की अवः सक्त बर्ग ७ है। শ । এটি বিদ্যার মধ্যে ২১টা উপস্থিত ! বিচারাসর আছে। বিচারপতিব সংখ্যা ২২ चन, छड़ित महर्ग ७ छ। बक्ष इस्त ५० ही থানা আছে ওলাগ্যে ১৮ জন চাবলা এবং **२२ जन नारवर मानशी जारक। आमलड ७** পুলিশে বেৰূপ বিচার হইয়া খাকে তাকা সং हात्र ग**े मणाप्रकारियत् जार्गाहत् ना**हे, दिहा রপতিগিগের অনেকে আপন আপুন কর্ত্ত तर्भ स्निव्रम निर्मार कथिवाह (हरो कब्रिहा । व्याभवादान न रामकाद क्रिया हक्क्र भीका **থ'ংকন কিন্তু কন্তক**গুলি স্বাৰ্থপন্ন কোক শেই কউব্যের ছার রুক করিয়া রাখিছাছে। বাহ **कडेक श्रथानकात प्रत्यकाला रूपाकिरहे है** जा-হেব বিচার যিগরে প্রশংসঃ লাভ করিয়াছেন, श्चानक व **काइँके माकिएहै होत** विहारम ३७३ शक्षम होको ध्यकांच मण्णाहरूत्र > - - वर्ड টাকা অরিমানা ভদভাবে ও সঞ্জাহ কারাবা-ুগর হরুষ হইরা গিয়াছে : সম্পাদক অভের निकटके व्यानीत कतिहारक्ष्म । वानिक शरक्षत्र | वृद्धे प्यतिविक स्मरात वाण्डित व्यक्ति स्मराता **जिथ्हों मिबिट्ट्रें है नामिह**ेत साथ आनादिका ये विञ्चा-खाद। सम भारत्रवद्र निकंत विसक्त व्यक्तिश्रम हरेतांत्र मुखाबबा आटक् । यदि वधार्य নিচারে জনার্যান্ত্রী হল ভাষা ষ্ট্রেল জাই-ট वाजिएहें है कि कर्च भविष्णांत्र कवित्रा विकारण । त्य ह्यांक ह्यांक प्रतिका कक्षकांत्र का करते कि

कि शिष्ठा किया के शरद माख्या कि विद्यान मध्य নে ভিনিমী মুদ্রায়ন্ত আছে ভথারা বে বিশেষ जिलवान बहैरफरम् जान वर्ग कहा वर्षिना

প্রাপ্ত।

(ज्यक्त अवन ।

জানি সম্মতি পূৰ্বা দক্তিৰ বাসালা বেল त्यांट**ङ ज्यानमञ्जले अवाह (द**हा**हेटक** किया किलान, कांत्र अक दहेत्रन फाटश रशरमहे दब्रम রোডেশ বর্ত্তমান পূর্ব্য উত্তর সীমা সুষ্টে পর্যস্ত যাওয়া ধাইও : ক'লক'তা পদ্ধাৎ করিয়া আমের ঘাব দেখিতে পাওয়া বার। লগতের क्लिम्बर्ग प्राप्त मर्ग्य कथान हरेराड बाउन. বাজার হলে: বাডাদের দলে উদ্বিশ্ব আর आधामिशस्क पहित्य भारत् सं अवश्यक्ष ४३ वेदेवान्य मनन ७ उत्तरम क्राप्त इसूत विश्वय छ হয়। বিছু পুর পধান্ত কলিকাতান্ত্র সভসাওস मिट्यत पूर्वे अववानि यातान घरधा नद्धर पृष्टि পৰে পশ্চিত হইয়া সহকেন ভাবে স্বৰুৰ সন্ধান ইণা দেয়, পরে ভাধারতি ফেলে জালে অন্ত র্ভিত ইইয়া যায়। অসম্য খেলোমাঠ, নুম্বা পী ও এনে। পুরুর দ্বি পথে পতিত হয भवप्रभाव द्वारिका "(क'र काद्रिदस्य बाट्येब कान कार गाउप क्यान्त ३देश! महीत मीउन १७ তুরীভূতে হয় এবং নীবর জন্তর বাসকান স एम अक स्रोटी रह रह , शादशीवर ख मध्यपूरा (गःभा) भाषात अधिकाभ हे। व्यक्तरन (वांधे। पर नकन प्रिचिष्ठ शाहेशः शाही का মের পবিচয় প্লাক হণ্দা বাছ। যে স্থানে रकान बारनत बदा हिड़ा व्यक्तीय द्रथ क्रम ৰুৱে সে খালে প্ৰতি ঘ্য ৪ প্ৰতি ঘার হটতে আবলি বৃদ্ধ বনিতাকৈ ব্যক্ত সমস্ত হইয়া এক कतिएक क्षियो थान्न, उत्हादी अधि निम ए विना यक शह शाहि शहि फुक देवि केन " कड़िया (कटन कि ह जन्मान जाशकिरमा के क ও গাড়ি থেবিডে ধিয়ক্তি কলে না, ভাষায়া গৰন কৰিংন, মা, সম্পাদককৈ টাকা গুলি / বেখে কিছুই বুকিতে পায়া বাহু মা, সেই গা

भारत प्रामिक्टिक् ज्ञानियां व्यवस्था कांद्रेस

हारक : अधिक करिय नजपान देख नटक कानावा

ित माति, लाहे स्माप्तत चित्र रम्हे सरमञ् **খোলা, ইয়াডে** বে ভাহাদিলের প্রতি মিন কি কুজন বোষ হয তাহার। ই এলিতে পারে। কিন্তু কোণের কোটকেও গবাক ধটতে ঘো-मने पुनिका टाडाइ पूरि तका ाकि मिथ-ए इक्ट्रेंच ' श्रीमाहि ख्लाद्विय खनातारकत शास्त्रज्ञ कान कान बारभव गरमा गाडि याँहै। वात शृर्ख मा (४, बाव, इन वाधिवात ए का পত পরিবার ডাডালাভি গতে। সামালের LACH (प्रदेशका स्थादक रफ् । शां. व भारत পঢ়া জোৰা পেলেও ভার গ্রেয় কেট একট मुब्रम् मह्यायहरू चाम कद्विश्व या भारपारात्र क्रिम श्रीकांद्र वरद्भन तर् कांद्र लक्षांत्र कथांद्र **ा भाषरे जरे, क्रिंग्ट मक्षम्मा** भूगेत हि-ड अद्याने माथ। जन्म बरन व्यामने सन्दर्भ अक्टिक शांक्ति भारत, बार्डेत मार्थ प्रशीतिक नी ब्लाटकर जोकाटड * * * * * मन क्या আনেক প্রাথেব নিকট ভার লোককে চকু যুদ্রিত कतिया बाहरण इस महत्त्वर नाहे। याहा इहेद, बहेबारन स्परमा मार्ग, स्यारका अभि, ज्याम राभाम, वाभक्ष' ह व मर्या भर्य; कर कर খানি প্রাম অভিজ্ঞা করিছে ক্ষিতে রাণা च है नर्वाष्ट्र क्षाय कर कारबहे बाल्या बार फर्ड हेहान मट्या योश कपूरत्र उडेनटा मा-(इव विविद्य भारत धारर भागत धार्मान ल्या ्यव किटक जिक्किए मही इसकी दर्श करा, त्यन কিছ কলিক।ভা কলিব ভা গক ছাটে 🕬 🖰 त्म अविदक मार्ट्बरम्य हालाम् । अविदक् वि विरम्ब करना भाटन शाबिया धकरे अपूर्ण **अंकिएक क्या** अधावति अभूति कहिएकई भारत क्षेत्र प्रश्चित कारब अपन जार्थ स क्ष भनेत्र मार्टित कांग ८४मी हहेराज मान, भारत **४३ अम शांत्म शाह भागा भगाम निकारि** । क्षिति भारती एवम किल है। किल भुष्कात माळे मनदनिस्तात अक्यां विवास **बहुबा कांक जीवह काळी।छन्न ६**६३' हैं। उ असिद्धक द्वामन कादन माटिश डें বেইকুপ উশ্বয়েন্তর কেন্সের প্রভি. "ও র্থি াইছে বাবে। কুল কুঞা ক্রমে 🗝 চা দিরা केटहे : किंग्र कृषा कार-एका भिया राटके লোকৈ আভান্ত কাতর হন, সন্ধান্ত কল भाक्रिकंड स्थान चारन अन विष्यु गान कति

রা কেই কাতর্ও। চুর করিতে পারে ন।। मास्यामन मनन चामहे स्वः दर दहेनदन नािक नाटन रमहे चारमङ्क्रमः क्टब मारकः (मञ्ज अन्। धार अन्। अन्। जहेदा जकन शाक्ति निकार निकाब एएएक, हैं- अग्नित व्यश्त লোবেও শেষ ধ্য সে অল পাইতে পারেন বি দু যার ঘারে সেতের কয় তাব দে জলের িকে ভাকাষাত্র থো বি ? প্রায় কুজোওয়ানা बांटातरहे । अ प्रश्निक्ष छत्रा १ मारहर बदा वध न कत यं:३ ७(१४३) एउथेन यहाँन एप्रांत करत क्टांत्र शाकि। त्येष्ठे दर शाकि त्यक्त स्मरम নিরে কোন পঢ়া ভোরীয় কল খেয়ে প্রাণ वाहित्य जानित्यर छडन्य गरायक बारता ভরগাহধনা, কি শানি কথন কোন দিগ बिटा " चकी भारत' ए तक छेतिरव 'कांत काव नि राष्ट्रीय गांचत महत्र प्रदेश दीवान हाई वही তে আৰু ক্ৰডাৰনে এক'ন ক্রিৰে। ভাল ক্ষা মান পাছেছে, রেনারোড হইকে আয়া मिह्न अधिकता कारचक विशरणबुक्के केहिक कने তেছে, 🛪 শার পথতে উন্নতি দেখা বাইতে-(के। व्य'रम करमस्य म का निवास्ता » " काल দারে: ইত্যানি গুটিকত নাবো কথা হিল, द्रमहत्र'ण स्टेग्रा धकरण । प्रश्ने बाद्रा । धहे এক**ি স্তৰ মাবো কথার হৃষ্টি হরেছে।** जयम आग्र गक्त (डेन्ट्रन्एडें भारतद चिति विक्री छ बहैयांव अमा ६ देशा के छेत्रित मरश् (क.म (काम क्यांखंखां हे भारत करत कांकारना ক্ষোর মন্ত জিলিবি এ ব পুরালে গ্রোল কানুৰ ম**ত সং**দাশ বিজ্ঞাকবিতেও দেখা यांब्र तक जिल्लिव भरमभ ना रमा रमरल दि नगुब्द, अने कामा तमाम द्रवस भावात सिम्मिन भटक क'लिएसम भाषात्र मग इत्र स', कास हाक न ८ शिशामा भाष्टि त्र दिवस घटन बढ़ि मः भारतम् विभिक्तिया शास्त्र १०० असाहक छ ा १८ छेल्या कर्डून कि अ स्थामात (व' क मूक दव दन मन स पूर्णा नाहरू विकि ,छ इ. एक (हाक काश्यद्भ कर्ष २/द्भ ता. के ५ কল বিজ্ঞা বাবুলা বে পাছেবর জি.লিডে ভার কব্রিণ্ড উপজেশ করেন মা কেন বলা যায়

विविध मर्वाम !

३३वे देवच त्यांययात्र ।

वावागरका मामिरके मानियम कृष्टिके गरफ करका मार्गिक्स नियादानंद कमार्था वय महाः कर्षा अक नियानंद्र स्थाप्त वे महाः कर्षा अक नियानंद्र स्थाप्त वे महां कर्षा अक नियानंद्र स्थाप्त मा गूरम कर्म महां महिलारका, क्षींबार्ग क्षेत्र माथा कारकर्शीत महां अविद्या मिरका मिरका माथा को क्षेत्र (कारका माथाद्र मिरका मिरका मिरका मिरका माथाद्र मिरका माथाद्र मिरका माथाद्र मिरका मिरका मिरका माथाद्र मिरका माथाद्र मिरका मिरका मिरका माथाद्र मिरका माथाद्र मिरका मिरका माथाद्र मिरका माथाद्र मिरका माथाद्र मिरका माथाद्र मिरका मिरका माथाद्र मिरका माथाद

বোধাইয়ের পার টুলিন্সে ব্যবস্থা ও শক্ত চইরাছে। ই না প্রশ্নবাদিনের শিলি প্রীলোকজিনেরও লক্ষ্য কি শক্তা বিধান করিরাহেন। ব্লীবাশ কি জ কি-তের আলা বারাহিত্য। ২৬এ

२५ व चिरुषतं हिरारंख , शतक वरेता विवारकः। देशी क्षातः स्वक विकत्र वाणि कश्च वर्षेत्रारकः। स्वतन्त्रः व्यानीरतत्त्र वाचिरतं वदनं कृतिकर्शक्तिः

मारशास कर कक्षणिकीय कींब्र

महीश विकारण क्रिकेश सामिति हैं।
पाका करेशारक । विकारण क्रिकेश सामिति हैं
वान करेशारक । का तिक मिर्टिक क्रिकेश केरिक हैं।
वान करेशारक । का तिक मिर्टिक क्रिकेश केरिक हैं।
वान करेशार हैं। का विकार क्रिकेश क्र

विदेशियां विक विदेशियां विक विदेशियां विक विदेशियां विद

खाराधा शिक्ष स्थान स्थिति आर्यान जानी उ त्यूरवर्ग नामक श्री खिरक नारेंग्रित नामक श्रम कर्म किर्देश लिक्षिय र क्षापानी विन्ना जिल्ली लिखा है (उपार्ट क्षिनस्टान खोड़ी हैं। अथम विगान रहेना जास्यान के किर्देश टम जानी क्षापान में क्षापान हैं। ANT COLU EN

खेल पत बर्मन ६ वस मारहर के कारल वाही खांखां कता कड़ेगाक । शक्षात्म विवयत जारम्ब रेखन्न भिष्ठमाकास्य अवर्शायत्तेव (व Biffa ERCOCE A

जाराहाराष दगरके ररजन छत्रका (इंडेन अर्ड व्यक्तिवित्र विकार । भग कर्षा हारियान कर्म-🖚। अवस्थात अवस्थिता ही। आहर विकास श्रुशिश्रा विवर्ण किक्यार "श्रु कहा कर ना। मध्य क्षिक खिन्नद्य । जिल्ला वार्थ । उन्हें का विकास भृषेतीत चारकः । यमन नामिएङ हिरमा गण्डम शास्त्री : १६ চাৎ গৰন কৰাতে भीरक उठ इसा लेगा बना म किए अपिक । ज मेरी आहा करे-(रन। स् । पर्वात क्षेत्र विक प्रकी व

इत्र मा । जारक करण आरहाही-्र अच्छोदेश द्याम इटेट७ योवित वर्षे জ্বারত বর্ষীয় রেইলওয়ে কোলানি চেডব্য হ'ইবে মা

ध्यक्षांत्रराष्ट्रं धक कन राजास्थ्रक ম ক্ষুতে খাৰা হবা অভিশয় ছুখু-🗻। प्रवात सवद, व वह अवात ।

쳃 श्रम वदश्यम श्रमहाटिज विकासिटयन है-् भूना काटमाटकाइ व्यथाक छ दर्शन हैत्य-राष्ट्रीय विद्यालावत अधान निकर्म श्चंद्रकृति। छावाद अतीका निवाद अस्ति। इवेता-क्षे हिर्देशियक अञ्चल बहेबात करा बुवे वर-क्रांब क्षेत्रका स्वेशिह्य । एवाणि देशका ग-करिका निविध्या प्राच अथवा निविध्यानिवास |

[माल्या , भरीक मिनान खार्यक्रम करत्रन ! श्रीय कीकोपिट बद्ध आटनक्रम अधान ! ক্ৰিলৰে পৰীক। মিডে ৰ্লিয়াছেন। हेबा **अ**विवास अन्याप कविमादकन ∤ कर्मिनीवंटक राहीकक यरर्भन महथा क्षा के जिए । । व्यानकां व न प्रश्न क्षर । अवर्थ व हिम कर्षिएक है चक कवान गर्थ (स्थी ,

क्षेत्रीया अक्ष समूख महिष्ठा याहेरलंडन । कि क्षेत्र भूतिय शहरी छोशाय करू-

हु। विद्योद्यत्र इंडोड बक्रव िष्ड ३ ५३। विश्वत महिल भूमित्व कह करवन । हेन्स्मुक्रैन्य-क्रिंड। धमकम विषय धमार्थ देश्य नेश्रीकासन / य क्रमांक श्राप्ताकम देशक्षिक दंखप्रार छ किसि उथा वष्ट प्रवन कतिहान कार्यकार्त जिल्ला श्रीमाय। धानियां व्यथमण्डः द्वीकिमान्धितः न नामि उर প্ট্রিভালে বাস করিবেন। ভাষিত্র একটি পারে আক্রুর আইনকে গালি নিরা বলপুর্বাক বন্দু क अठेग्र महिवांत्र केटमान कर्रगान ट्राहीसमाटसमा জাহান প্রতিবন্ধকত। করে। ডিনি ভরিমিত এক ক্ষমতে পাছার করিতেছেন গ্রন্থ সমাস ইনস্পত্রীর প্রভাগিষ্য করিয়া উচ্চাক এক भ्य चंद्रक क्रुमिनोर करिस्टनन । काशक है छरका वांश छेटिन। क्लांब्र बाबूटक ब्लाक्तमन बनाटड মুক্তকান কয়েক শিলিট বাৰ যুদ্ধ কৰম্ব পৰিলেযে मान्ध्र १८० क्रम करिया श्रीमाव मगर्गन कराएड खीश्रद e • ग्रीका कि निश्ता व्हेडारक । १वे टा কাৰ যুগির বদলে যুগি ন, হইলে নিম্ন শ্ৰেণীত্ব वैके वाली हात्रा एक छ। भिक्रा कविरव मा ।

> भवर्गम् अर्मशास्य काम्याम् । अन्यान्य विकास (ज्ञेडान्छ"य द्यालांनि क मी वर्षे पान पान चानि विरुप्त जारकत रहे । कविर्यन । कांश्रवा ছটতে প্ৰাহ ডাক থানিবাব প্ৰস্তাব হটয়'ছে।

ফিনিকু ৰলেন জয়পুনের য়াজ। পঞ্জিত শিব-मीटरब महिन्छ भक्त मनियान विद्याव छिट्टा कनि-क्षान्। उत्तम कवित्रारहम्। छिनि २० मिनन भन्नात्र क्षक मक्षांक काणीरांक ও এक मन्त्रांच भागांचा-राह्म अञ्चर्गाध्य कविर्वतः।

खेळूणराज्यः खक्षलपूर्यः मर्वाद्रम*ी*का बरमम অধায় দেখেলৰ বাজিকে এফ বাজিক বাটাণত ভ त्रक कर गांकि भिन्दित गरा जिल्लाम श्रेत ত্ৰীবাৰ ক্বানা কৰাকে পান কিলে ভাঁৰাৰ अ(० जन प्रमे बाजिय क्ष्मा इन्हाहि यान क्रमहरू आ २०११ गाँगे छिए। जो । जो व करबक कर त्रकः शार्वेषः (एन। एका क्ष कार्यः।

ভিনি অব্যন্ত বলেন জ্বৰধীর কালাৰ বাটার िकट्डे अम प्रल पुरक छर्तनात्र दर्शनार्काइट्सन, क्रमाड गमरश वक क्रम मका भी "डीश क्रिया क्र (ए। हाव जेना । महादक अवस्थ कार्या कार्या থে(লড়ে ফলেন। সে বিকাক্ষণ পারস্থলি ডিঃ এই भनि कतिया विनित्न दश **का**रतक कारपटनम् उद्याग मधे कविद्रारक, भिष्मसी कालकाल हा ल हिए अभाग शका जान दम विष्या नी बेलिय क्षिक्षिक्ष विकास कांचालको नारकरणन अक । कशकान्द्रत्व भाकित्यहरिव राख नीमर्थन कर्ति,हो-(इस । बटचामा स्थाम वटी :

ু ইংলঞীয় নৰি বাৰ্কেট বিশিষ্ট ৰজেন, জিনি वर्णाने सहित्क हाविवारण केक्स विवास । कन्द्र वर्गर्वीव दीव यांचा व्यवशक्त केवारहम विविध क्षा'। केंब्र्ड ममरम'श्रीमय देशरण्यकेत नहरू ट्रक्षा । छात उनर्दात प्राचन कविक प्रदेशरण कवानि ब-ु। व्यक्तिकक्षां छलिए वर्षेत्र वनगरिकि वर्षात ७० व्यक्ता १० सक्त द्वान वर्षान वर्षान वर्षान वर्षान

CE! आवतः वेदात क्यान कात्रम स्वर्थ शिमा ।

करबक भिरमान्यि भवनीयकी विकास केंगिए अक कविद्वाह्य ।

३२ है टेक्स सम्मानायाः

ভগবানুগোলা ছইতে এক বাজি লিখিয়। शांकाकेश रहान, वहे देवक दिशा पूरे आश्रवह भगाप ७ व मा प्राचिकारक क्षेत्र में डाविस श्रृष्ट छ-भीकुड, बर भारि मध्य धन हो। वर्ष वय হটকাছে। ভগতা দাবোগা গুড়তি পুলিদক্ষ-हातिशन ७ आध्य संजियां अप्रि निर्वान करियां ধ্বেচিত চেউ। না প'ইলে আবে। অধিক অ निस् इके हैं। अधारात्म क्वांका न|रवर क्रांस्त-भारत कविक ठव लामश्मा कविद्यारस्य ।

कि' अङ्ग न लाइक बराजन शोक्षां एक्षेत्र विरक्षा-व विन विन जन्नकार तथा नीवर कतिरकाव, वि-ब्लिक्सि नाम बाह्र श्वाक्षिक व्यवसाध का य महेरक्ष्य मा।

२क रङ.हे. नरकरम १७ हे मांक वायर्ज स्थान-प्रम ऋक्तिरक अववाद क' त्रम[्]ष्ट्रमन, फ्र्वात व्यानक रजारक नवारीय व्यवस्था हरू। श्रेष विन তিনি কৰ্ণাৎ উর্ণবুজ ও ৮ পণিত সৈনা দকেৰ मेरिङ कक्षमध्य गांचा कविहारहम् बर्द उपः **क्ट्रिं** ७ क्रियांव स्मिष्टि पश्चित्वम, अहे सम्म 本數A, 如江東:

জিলি আংরা বলেন গোলালিয়য়ের মধার। व्यवस्थानिक देश व्यक्तान काली उद्घासिक धीव স্থানে আশ্ব করিজে আরম্ভ কবিয়াছেন। পশ্চাং क्षीमान व्यक्तिराज्य यक्तित महावन। माहन् ।

आंदर्शन क्रिकोल न**रमा**न प्रवर्ग**रमट**-हे छ। ক্ষাৰ হট্নাচে ধে মিলিট্রি কর্মচারিন। গিবিল কৰ্মে নিমুক্ত কইলে খি.লটবি ফিপাটমেন ষ্ট্ৰিড আৰু বেতন লাইবেন না। তিনি কেয त्म क्या क्यार्यन अहेबान बहेराइहे मधून ह (बखन माईदिम। √क्षेत्रे विमादवत्र ऋविशःह ब्रह्मल कार्याद्वर कार्याः

धक क्र सीर्युत बहेटङ कि चंद्र। १ '३ 'हेर -रहम " धरे क्षेत्रं निवामी वाबू (मःवस्त्रमाध माम २० वर मेर बन्नरम अस अ खेलानि थाना हहे-त. १०७ काछम अञ्चलात >> है। व समहार लिटा মাভাজী ও পুঞা ও জনায়ানে চলিডে পার্ব बक्षण नक्षक्रिमाद्य अञ्चल्य क्षांत्र कांत्र कांत्र (एन) भ औन हक्त विश्व विश्व भूरति छेषक्र व व्यानकात्र अवस्त काश्रातक राति के जिल्हा वुषक अञ्चल्द्राहरू धर्म रक्षम प्रापं प्रकारिक अवः वर्ष मी जिल्ल भवाक भिक्ता मा व सम्राद्ध से व

क्तिमा भारत। बालमा प्रमा मह बहेर छ ना হৈছে প্ৰান্ত বেলন গ অতি নীগু পু লংব !

बाखांक मिडेंग व लग छहित रेश बाब व्या-न्त्राम कालिङ क श्राचारण व स्थावित म न विश्वीत अकिथि करियारिका

সা**লে আলিভি ভটয়া**ছে।

व्यक्तिभा रवाखंडे वासंस्थाद प्रश्लाद उपीव অভিশব শ্বফ ও বারি:দায়ণ্ডে অসাত র্তি ত্ও-मृद्धि छत्रका नमुद्राव द्यान स म स्रोदित वर्द-WILE !

केल श्रेष चाहित बहुन माहिकानो व सून-खामगुद्ध कामान अल'केशन आहर्जा। प्रदेश-এছ। আকাছাবাদ ও অংলংখ্যাত্র বাত্তিপ্র গীfine settech

50के टेक्ट ज्यावस्य ।

ভাষরা ভনিতা অভিশ্য সুংবিত চ্টলাল ह किम अञ्चलनात्र आधाम म्छन कामीन त'न ভারত্ত্তীর থের পর্যাত হটয়প্রেন। ভাঁচার क्षेत्रीहारवर्तः दिवरहा अवे सूर्णः स्था। त्रका, जिलि वास्त्रिक द्व वक्ष्मत्राव विद्याद करत्व वाहे, छा-ভাগ বিচাধ করিয়াছেন বলিয়। গাল ামানী क्रांचल क्रिक्कोट्डन। डेक्टा वित गडा एक. क्रांच-केश्वत भूक्टचंत्र वियव मरचात्र नाहि । अञ्चलका कीकांत क्षेत्र ककांकामान मधानाम क्षेत्र कार्या - ॥४, फिलि भागत चडार, चिडीह, नियाह की। ইমুখ হোপেতিও নিচারপতি কোন আছেই প্রত कोर्किकां विश्वाः महण्यः। अविषयः विष्ठात्रभक्ति क्षेट्रकंड्रक्षम मंब्रुक्तंत्र साधाकः काल्यं मा, ध्य-ब्लाह के के श्रंप (८४८की तक कराई है है।

বৈশিদ্যনের সাধারণ সভার সভাপতি কি कुरह्मिनाम जारक्रवस अल साता सारमा मध्याः व्यक्ति वे अवदर्भ क्याविक विवेतिनान বিষ্ঠা লক্ষ্যাসিখিলের অভিনায় আত স্থান क्रम क्ष्मिक सम्बोधिका व्याप्त ने मजारक विस्तात कैमेन सकत्माने अग्रमांक श्रमान कवित्रारह । ८०१४ श्वकृष्णिकाराज्य सूच्या, विकेतिशाम विद्याह से सर्ग हर्शन्त दहेशात बहाबना बाहे।

ह , क्रांका विडेम श्रम बल पूषरात क्यांनी प्रस्क पार्थि महिलाटक कारमक वृंद्रांति अवावत्त्रम क्षेत्राहरू, गुजन शकादन के दिन कार्य नाशिका-शिक्षा किया पर कि वा मारे, पूरे अक शाम

वृद्ध केन्द्र विद्यारे (श्रहार्थ ।

छिन अपूरता बालन बीलनम् ७ कर्ते, कि वि-क्ष्मा विद्याधितन्त्राधा अक छत्रकत विवाद देशहिक हुदेश- यह कर एक प द कर चाहर वृष्टिक्षरकः। " कथालि वसू भौभीना मसम्बद्धान्त्रः व

'' পাপান্ত দ্ব কৰাও অসক্ষেত্ৰ কারণ ছক। के कि मध्य वरणम । स्थान-प्रदेश के इन्हें 🖡 मही वाना कानाकरह अञ्चल क्षत्राटक क्षत्रांकाङ वि-জ্ঞোচনৰ পান্তি হুইয়াছে।

किनि ब्यारको बरलम विकास भूगर्कात विन डिमि खाइका राज्यन राज्यान्तारम अवदी भाषा । जाव वदेशव देशकव इवेटलाइ। निर्द्धामिक ভিষেত্ৰাৰ। প্ৰঃ পুৰঃ ভয় গ্ৰহণীৰ কয়িভোছন। निविद्या याचा चाद्यात चाचववार्य स्मारक नांश्या व्यार्थमः क्रियाद्यमः स्वर प्रप्रश्क जानाव डेटना श कदिएक्ट्य ।

সমাচার (ছকুতানী বলেন সর ডিউরোম नी प्रदेश जोत्र कर्योग । तमा वर्षाय व्यक्ति । प्रकार भविकामि कहिर्देश छ खबालान वर्षमान देशमा-প'ত লভ' পাাগেট ভাহার পথে অভিবিক্ত ঘট

उद्धानक कारता **गरमन अक्रम क्यिमकी** व्य चःवाधाधाष्ट्राच्या वित्रांत अरकाष्ट्र कविनमात्रव शव उदिवा महित्य बरः छरशद्विवार्त क्रांसाम् बारम अवसि श्रथामक्य विश्वासम् कार्नात वर्षे- (क्ष्र विद्यात क्या क्यांकात क्यांकि विथि क्यां नवत विद्वादिकत आणित थ खुउ पूर्व अभिनंदर कारित गार्ड्र, व्यथान विश्वादिक (विश्व वे-छित्र । चात्रम अवन कत्रिरेग्म ।

किंत्रक रासव. ३९वे बार्ड नीडाप्राय नवंगा-टलब खेलाबार बारमक मध्य मके व्यक्तिरहर लेटब (मेड् गवराज जल्हीतं चक्रियान विवादहा।

উक्तगत चाता बरकम, बकामनीयं रेममा अ-নৈর অংকাশ এখানার্থ নিয়'লাবিত্র নিয়র্থ ছই-शंदक । शास्त्राक्षण बटक रेगरमात्री करेकांग जी-हिटल शाहित्व , वांशहि वामि 'न० बार्डेल हुँदै हर्देश किनि अ मार्थ लेक्स धारकाम लेक्सियन, आह वाहि विकड वहेंदल तारे देवकडेंग गहिमारन 2DE वनकान व्यवहा परिष्य

ডিনি আছো বজেন সৈবেনস্থান করি এ-केंग क्लामाबित्र देश्मेंटक के छटन वयः क्लिमां-छ।, त्वांबादे, जिलायुत अवृत्ति श्वारम संरवंत छ।-स्ति अपि १०१०१० द्वीरा, काला, स्वास सार् तीत ज्या शाक्ष अभ्यंक्र भाक्ष चात्र श्याकाम विकित नामार्थ १८००, शासकाई देविका তৰে প্ৰৰেখনত, বালী ও উদ্ভিন্ন ওপনত শ্ৰীকাই বপরি আছে।"

शिक्षित्मस्य बटलम क्रेसक शिक्षमाकः त्वत्र श्रामिकारियामुक्तत्र मञ्जूषकः अक्षेत्रः १३७० राजिका अधापन अस्टिकार ।

बकारेन रहेटच वक कालिक विशिश्वाहरू · क्या (वरे रेहते) त्यांत व्यक्तिश्वास महरू nation with wast material like cuits

बान केवटबा मंत्रीतेल जाचे व्या मनाकित के विश्वति हैं

भगह. भावका भा क्षणा हरे जावांव शहर्याह नीत प्रदेश हरमने, क्रीक्री क्षा के कविर्देश महरूपे वृक्ष मेरिकारक स्व मक्कम सक हर्ष किन्न कविते खेल खूरी करि मारे। कड हुए मा बडेन व्हानिक TOTAL THE MENT SERVE A at the strict of the strict of SEP CHE BURN!

कार्याक्षणीय की मूलक्षणीय कर्मन जान क यन्त्र महिं। शक कामा कामारे शरहन दर n der Mineral of Stein RICE INTERIOR CONTROL व प्रशास वर्ष के स्वर्शका (वेंश वार्रश वर्शक^क कान्यू र्वाजाना चीकाल करता. " Bas in laft attam. निगरीय देशायम विद्या

TROUB RESIDE while states could be আহাবিধার পশ্চাম প্র क्षित्र क्षेत्रक स्वाद्धाताः arie spier eften क्षत्र वाहित्यदस् अवदेश व्यक्ति दशक्त, क्लांक व्यक्ति ent dome free: fr स्थ थ।।

cornection the man PROTECTION OF THE PROPERTY AND (WE') "明明書(B) 李明明 5月日 の 一個的ない 作動の情報を अभित्याम् । त्यानार्थि है क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं मान्यं का व जीक है। संबद्ध कर वह समान

MOCHA PARE E **७८,००० चारहादी व्यवहा** 面包 的过去式和

त्यांशरेशक सम्बद्धा Pican's anca music ATT WEIGHT TO BUILTY सारको ७ व्यक्तिको अधिक

कार्ती कमिनति दक्षनतल कात्र मःहरूर श्र विश्वास सम्बा अविश्व कारत ऐकि कि ाति इ सम मरवाम न व श्वाम नद्रांद श्रीय नावर्गदश्रकी की । १९६क श्रीकृष्ट करिया कर्पाताची इहेग्रा गरांत्रभटत न, जिल्हा , पत्र निक्षि ध्यवाणीत क्यांच धारान क

বিমেন্টের ছবালী নামক পুরিতেন ভ ছোড • हिलाम विकंड बहेगाइ । वेश क्रिश ইয়াছে যে ক্ষেত্ৰার ক্ষতিব মন্তাপনা। हर्ट 'देव'स पर्यटमके झा उद्याम. ও दीत्या विद्या द्वनं । कार्य द्वम म प्रमाद मा विष्या विश्वासकारम अस्थाता मा बिष्टक, क्षां, दावा देवा ना गाव (कन ? राहित हाएं ता महादे जिला जिल मूर्फ

। अकरन डेक दम्दन शृह ার সমূতি বিক জিংশের १ अथन जिला छ देनना १, फुडबा थ सम्बद्ध नान महानदा ।

picen e

বিউলিনিপাল বিজে .. । क्षिक्षंत्र अकार क-क्षिं रज्यम या क्षिति ध सम्बंधित।

हि विश्वादक अक शहराह क्ष्में से क्ष्में विश्व क्षा क्षा क्ष्में म्प्यान महत्त्व । धर्मन स्थान न महामा मधा राजन नारे का **当 李锋。东西对方 可加**了 有效 क्र द्रवर्ण्याः भाषेत्रः स्थल । यसि ्रात् क्रमानुष्या । क्या क्योत्रवशीम ... sen miera manta micai

7 mar 5 17 30 22 करणात्र क्षेत्रः अधिक अञ्चल गाज इति । विवदमय विकटी अद्दर्भ to depote the war. BODY PRICE ! WHILE TENERS WENT

है। अ कविद्यादि से संक्षित क्षेत्रक, उठाहि-बुँड के ब्रग्न छन्न कुछ विश्वान कहा छेडिड।

ब्लाइ। इ नहेटल विकित सहस - छा धनी शाबनी कोकी बकारा अवासका " दे विका । बानाम कडेरक **बक्टि ८० है।** जूर। द खेश कांग चार्वे कांनाव अक राजरबद्ध मिक्टवे द्वाव कारवा चा श्रेन डेस्ट्रांटन इहांश्री कहांदि श्रीतरव विक चाँव राइड विशाद आकाम कविद्राहित। উগর মানে নাজীশ হয়। বালকটেকে ছরু গেড ন বা হুট্রাছে এবং পার্সীর ৫০ টাকা কবিবা ना इरेग्राहा

गाइ.७४.८कत द्वांथा वह एकाम उक्क श्रेनकी। র তথার আদির। তাঁচার আতুলপুদ কাংঞ্জন ज्ञंदनम् वस क्रेट्ड भागत्तर जाउ नवेग्राह्न। वरे कुत्रवात्मा वक्षार्वर, ७०,००० हे। वा वाक्ष व्यक्ति प्रमुख ममुख्य श्राप्त एक प्रेट करेट बरः সাধারণ উমতি অ্চক কামে ব্যয়িত হয়। সর त उभारतम् ७ साम्म यक्षमः।

हारा निक्रमंत्र कोगाय इ अर्थान छोडा बट्ट ন বনোরা ক্রমশঃ ব্রিটিস জাঞ্চিনর রিংগর হস্তে ो प्रथम द्यारकत नित्र जासम्बर्गन कतिर उत्हा धार्यमण्ड १ व रिमले राष्ट्रिक राष्ट्रीकांद्राञ्चलन क्या क्षित्रक कि मा देशंत्र गत्रीकांत्र कता यश्यक सन आधारमर्गद करता खादावा क्या थाल म्थारक क्या करन ৩৩ ৮৮৬ 🖟 বাজি ভাগ দিবকৈ অন্ত্ৰ তাগ কৰিছে বারহার निरम्भ कर्नाटक सांचाला खानाटक वस सहिता- त्व । अधिकाशिकास वावडीत्र कारकेत सकु वक् व्हेब्राइ । प्रराधिक क्षरका वर्गान कर शक्क बहेब्रास्य (इ.७) प्रविष्ठ बक्राक्नीव (नर्नाहमास श्चित्र विश्वाच्च विश्वाच्च काच्या किन्निशायम् । व कार्क दूष्ट्रम् अस-कार्या क्षत्र सोत्री मन्त्रम् इतिम ভাষা করেক ব্যায়তি বহুকার কাভিকে হত্যা ক विश्वानहित्क र्यामाहित्सम् ।

> शंकांकी निविद्यारहर पुत्रविद्यागारकत सावे के बाबिएके हैं। बाक्शिन शहरू का बाब के स्प लीव मुझीक्टबर काइन काटबर कहिनाव कना मिनुक श्रेत्रोद्धन । बीचन माद्यव अस् वित्तत्र शक्त अधिवृद्ध यद्य क्रिक महत्रदेखान विद्यार्थन ।

আসমা আক্ষাধিত হইসাব বে বায়াসভের লাখা আন্তবৰ্ষীত সভাৱ সমূদ্ৰ নধীয়া বিজ্ঞাণের कवित्रवहत्रके जांक्सीक्ष्माटने क्षमाना वहरे विद्रावि Brig with and calment. Fin what faston an miner were fin क्ष मुख्यान एका राज्य । १६४०

সমাচাৰ বিজ্ঞানী ১.লন 'জা দিগ্ৰিলয় निरंग (निर्माण स्रे कि श्वाहार्गमन कर्ताक स्नाहर क्षेत्रियादम् जि.स. अन्यत्रशाहरतक कि स मान्य विका স্থুতি লাভ করি" ছেন। **আবাঢ়ে গল** সং্ট্রার চইতে সর্বাদা । (চির্চয়)

रक्ष कर देखिए। वस्तान कर्सन निष्य कि-

14 80 Da. THE BEHRY OF

टमा अश्टबर हर २५,1२ ००० खांत्र, हरू, १८,३,७ ৮४ - हेंकि। यह प्रतिमहित्सम । किन्न डीवाब विनादय :4.55-: छ। छ। छस्छ वारक। बेरकारकृत गाव का धन वश्वारक का विक-उद काञ्चर ७ कर्मान क्रेडिक । देशार an क्ष कि क भाव ना ?

উক্ত পত্ৰ এডমেশীয় ধনিছিপেৰ উপৰ ইব-त्मम् अन्य क्रिक्त क्रिक्त वार्ता क्षेत्र क् विशिक्त कर्मा । विश्व विष्य विश्व विष्य विष्य विष्य विष्य विषय विष्य विष नीत्क, अकेनकम हैं।क्र खात्रा अभिक्रियरक विश्वस्थ न। क्रिक्स धिका प्रश्नम क्या क्या करे ?

উজ পত্যের লওনত্ব নংৰাছদ্বাডা (উটন-ा छ) मि: । हारक्ष ⁴' काबि काणे न∤रक विष्ठत বলৈতেছি গর চারলয় উত্ত পছতাগি ক্ষুদ আহ न: कतन को लेगांदी कहा दशका कार्यन विधि त्क चाञ्चनर्गत कतिशाह । उवस्का मामक कर | वह बहेटव मा। " क्षाहरू क्ष्रावत हैनाना दव- ... बका गर कम जातका कहे गृशिक काहिएमा अकि-वान करिकारकता हक वार्तनान नारवय अह मध्य विश्वाद्यम । स्रवीति करे रूक पूकि नन्ता-बरकत बाह्य भविषाई क्षेत्र का ।

34 वे देश्य सक्तात !

चात्रशं चित्रम प्रश्निक वृद्देशं गाठेकवर्रगर ब्लाव्य कतिए हि, बढ़ कना विकासीय वेल्बिन उनाबीश्रदतंत्र (इंटमांग्रेडीट्ड चार्त्र मानिता ची-उान्तिक कार्छ श्रेषाः है। आज्ञानित्तवक क्यानवारं खा विज्ञालन, क्रमुनान जन्द्राहीयक क्रेड क्र**क** कर्न देशांदर, ३२ । ५७ जन क्लांटचन जान विमां है दे-देशाद्यः अरुखिन नेष्ट्र द्वानन श्रम् छ जारमक शा-ণী হতাহত ঘটরাজে। কলিকাররি খোলার দ-त्यम् अस्मिति एउमाराज क्षेत्रि कम् निसंत्र रहे-बारक, क्वांनीभूरकत क्षेत्रण कक्ष्मण मा दव क-म रेचमडिइ मरबा। ७ शास्त्र मकी किए प्रका-নীপুর কলিকাতার আপেকা মুগ্রাণসংখ্য 📆 🗥

मिली रशरक्षे परकांग, जिलिन प्राक्षेकपर्यठांवि वि तरक निक्रूंबरीय अधिका यांचेरक वर्षे " धर्मनी-विक्रीत पुर विक्रिय कर क्ली प्रशंक एक विक्र अवद्य अवद्य वर्ष कर विक Clara Mandill Little Land Con Con Con Con

श्राक्षीतिक दिनाद मायाचन चारे जिल्ल के व्याप्त क्षेत्र वाका व क्रिके के के किया में कि किया के मिल के यान्य प्रक्रमात्व २७ (अनीत अधीव किया है कि अ है दिन ह

দ্রিকাটনট প্রবর কলিবাতার श्रीक निवास मात्रा भारत विद्यान कवि

कि हर निर्माण का किया में देव म नाहा अखिक भ (यक्तिक कर्या वि

अ में किया विकास मारवर किय क्षा कार्र स्वाप्त के विकास का का अधि

> विशेषः ह्र मारक्रा गावमात् अठि विशेषाम् राज्ञ वहरवमः। in ağtan ı

क्षिक के दिल्ली मा किटके हैं दर्भ ्रक रम'ल बनेशाया ः श्रीवेदारस्य।

थ बार्यस्थात्रम् विका क्षिमी बाध्य व्यक्त FERT !

أنبيها NO. कामामामा पर ने काषदश्रम् * 6M1

লে কে এক কৌতুকাৰছ क्रिक आंक्र आंग क दला-114 审计等点 电15.63 व । बहुस अवा । इहेवा-ं विश्व ुर्गादमन्त्रे छा-अंग्रेस अभिनेटमनी बाजान वि-विक अरर दिनिक शामिनpar pur famie ofece किन् मत्था अहम थून उ ्माक वर्षर कर्म आडा-का त्यान की है वट असे हा छ। क्षिटिक श्रम म करराज्य विश्विष्ट वर्गरम्ह विक्र स्मादक के काटक मारमन वातासक नाम काल प्रश्ना विश्वत्

के शामि। इस करि १व एक १ महिन बहु म (न वड वह पंत ामनार्थ **न**ाः **新 新加州港**市

(म न का श्वाहम दंते केन) खड़ा ता तर दिना ?. (銀星 24 宋祖(編成, 2 月中日 。 明 日金田 Cal te 214] ৰ্ষেক্ট প্ৰদেশ বিজ্ঞাপন পাইকবিয়াছে, এপুটা हैबरमाहिर वद विक्षे ए एड अधीर अली भूदे हैं। देशाख स पर्राट्स उत्रः ल जानास्मर्द्धकारी अ नि जान मुतक उर्व क्यांचा व कान कि / क्षेत्र विश्व हैं० व श्राच क्षाम क्षत्र है इटिश अक्ष क्षेत्र में १ टोक वि छि। विटिंग के देव घरने (करें) विक भारत था। जाइत, धातीरवार्ड भार ३ हे व: गोड रेड केरे शक्त कामातिहास इस्ताहर समित (इंडाक्स) का क्रिक्ट के भवी । क्षीरण शो , दिया निदर्ग । अप । ু পুন্ধবিষ্ণ্ডীল প্ৰেৰা এগৰাৰ কট कार्य मा (य, प्रभाव कविहा सपूर्वात छ।।। क्रिनटक अद्दिष्ठमङ्गद (अवन क्राकेनक्रिन जान्दम रहित थाजिए शहर प्रदेश का अध्याप्त कर है। এক্লা কে লাজ ও প্রভাবণ করিবরে কি ভাবেশা কন্ত। ছিলা > ও(ছাব। খনে ।) ৰলে ত উছ্। দিব .कम'कुटकाइ ४**डे**ट क्षिता स्थानसंकित-ভবে পাঠাইতে পাবিতেন : ব,গাছউচ্চ ট্রেল্ড द्**रमध्यक्षेत्रीय वर्षेद्रमा । ऋम ऋक्ष्रायाम्य सम्बद्धा थादम १९७१ श.६ क**रे ब्राग्य के ब्रिके अक नार्टर यस किन प्रकार अर्क्षाल विकापताचन काकासदन देशन कार्यात्रज्ञ क्रहेन आहार। स्बेरार के उनका जारामय बार ना बीक कवाप्र भयन कतिक बङ्गल व्याप वय मा।

श्रीयुक्त (अधिकां अभापिक নহাশর সমীপের।

बडे। देहदक्षव * दमामध्यमणभव " ह पूर्व कल भाव आवास मन्त्रीय है कि । भावनाय है १-वाको विष्यान प्रवास स्थान निक्रक महानद्या क লংপুৰিৰভাৱেত নিশ্য লিখিত দেখিও আও।১ ब्राचित प्रतिना महामन अध्यम् । क्षेत्र (हुम, दर अधान निक्रक भश्मक भ वर्षाय वा শিক:িদাপেরের উচ্ছেদ। র্থ বন্ধ করিভেছেন। देश क्षप्रके निर्माण गांधा गरह । दक्त सः विनि निक धर्मिनीटर निष्ठा भिक्षा कराहेगान कवा श्राप्तान रहा कर्रा अंशिक्त । यार्थार व्यानित द्वीदिक) निवास क्षा कुन्दरक कुन्द्र कांब-मारक्त. वि म द्वरणाश्वामार्थ मार्थशान् मञ्ज करिटेड्डब्रॉन । ७ विभि गङ्गान ३३॥, धालान हान কুমিতে একটা ৰাজ্যল। বিহানের ছালিও ফ্রি गांच्य, 'छ'यह त्य वाश्विकाविष्ठा'अन्यद छ छ कार्श्य गञ्ज करिएका , (बश्य कवि महत्वस बाद्धि मारक क्षेत्रहे हेवा र का बिलाप (ब. र स'त्रहतन द्रा र

योष्ट्र विकासिकालियाँ अधान निक्रम करेंद्रेस १क क्रिन अथान विकास नश्यम कुनर्-म'भी आकु- काब बगका छेत्रे। हेग्रा भिवान जना ८० छ। कवि-(छाञ्च, रला महर स्वेडा अहे भारता श्राम ्तेत्रा क्षक्रम- } (माध्यक म्हामारयय काल क्रुमि नडा, ख"व उं्ड∤द्र न. एक्षत्र व श्रेष्टारम के श्रेष्ठांत क्रावन व क्रावना पावना-कु मन्त्रे एथली- किंक ? यात्र करे कक्ष कविटल। अर्थार वालि-व्र वादा वर्षः । कार्यसाध्यक्त केवावेका विर्वा किन्ते छणकाह्न । व अवस । माहे, अवष्ठ बाहे लाक विश्वविक कर्ना कहाती

अध्यक्ष विकास महासारहर श्रीणाः विवास व हार्यान्त्रीय (मडे मक्स (मणडे कर्त्रास्ट्ली। «संग्लाम यू का विश्व अस अध्याक कि । गाम किस क्षितीएड स्मित्र गथा थे एक मूळ का विकास के किए किए किए किए का किए का कार्यों, भागर छलीर (अम्र रातालाम क्रेट्स क्रिकेट श्रीय मा प्रवास नव र ्या १ मा अवित स्व भ काश्रमकृत बुक्तिभाषा । अध छोत्राहरू ショウは ぎゃん いゆて ムデザル(事) 可をで ला कताहरी सर ५० मिट्ट (नाबाटरा**श क**दिन प्रदेश । १२५ म ११६८ १ ० २ २ म्याः क ^{१६ ६६} हरेलो -ন দ্বেস সাচ " পা কাৰিড পত্ৰে আৰু নাৰ আছু-Us शर्कात कृष्णि व'ण (व. १(५) इंडेस्स अर्थान ं न्यक्षर प्रक्र नाम १६ छ छ। त्रेस हे बढ़ शर्माह बा दे, भन्ने १ १ १ १ १ ६ ई ते।

> (क्र प्रेंग्रहा ध्व अपि जिलिशास्त्र, रण ⁴⁶ का ধুমাৰিকাৰ মছ শ্ৰু পাঠিত মধাৰণ্যৰ এটি নুৰ্য্য প্ৰৰশ ৮০। ১(ব) ক পদ্ধুতে **ধ্ৰাইয়**া-·金山 ") 第二 · 李龙山 【《曜·日 《飞[竹》 《龙乡》即[河明 ्माक्त कविही छ। या का ब्रह्म दगरक्रमाहि ^ग व । निर्वात थ इ.च वर ना स्म, स्म श्रीमा **可能を付かしてきる 中央に関い は か は 社会 出来 (公園に集** शाक्ष्य कर्राट्टाल , - अ.८ ए प्राप्त व्यक्त ख्राह्म ● , 4 J./ 5 K C C C C C L A ' 內哪根 可運 '州(預算 भणक लाबर अस द्वार असारीकुड क्रिक्कार्ट् ा" २ व म किया ह २ दो । त हे देख्य प्रवाहत व्यक्ति यकाम्बदक शमङ्कुल क्यातिसाहित 🔭 **यास्त्रि**क अ.इ. स्टब २ : ... दे श्रदक अत्र महत्त्व व**स्थार्थ** ८७न. 🗠 आमाश क ५०५ सिध्यवाद भूनीकुन्न कारका वाका करके व एड भवानारक्षा घडना িলা আহার্নিরিক বিশ্বিলাম, আমুখা**র পূর্বাক** अक् बार पृष्टिक, प्राथम किलाक (बन कांच्र का (धर्म काह्र अधान ,भाषात्त अध्,भा**रहर द्वारि छा**र ार्गड प्रशाहित के रूप का मा विश्व किया **(प**्राप्त લીનો, દેવ વિષ્ણાસિક્ષ આદિશ્રેસ પ્રદ**ાણ** સાન अदिक ४८८७८६, बद्र तर् अदिन निष्ण १ श्रह्भान् " (मिनिःम क्रिजीटक" ५ छ द्वारान विष प्र ५० ४ ' ०१ (७ ' ८० काल क्यूज़े , भारत अ मागप्रदार कार्नानमान (>) स्वार्थ म ह्या काञ्च-क्षां हिला । नेवान्त्र विद्वष्टम, सङ्ग्रस, अञ्च स्थितन कि अथान निक्षक महामद्भाक (का को देखा है। िक हे मेना भी कथान भिष्मक ग्रहामन स्वाह कान त्वत छ द्वानधानन सः राहेत्, (अभ्यत्व छ। कि, इत इंकि व क्**रिक ८८ के विक**्रा **। क्**रेड , ज**्य** , **आक**् ना है व्यथान रिकास महानहत्त्र व्यक्तान क्षीतरण क्षेत्र अध्याच नाहि। **आ**शिनोट व्यक्ति हा ५४, भवता क्यान निकृष भक्षा भूति मानमान क्षेत्रा विध्यार्थके ने देश कर्या कार्या हिस्सा ৰলিয়া 🎓 ভাইবে ভগৰ যতে চোট 🗸 এই कना है कि एँ शास्त्र नेथा। भनान नमा, हडेस 🗸 जार ७ है रेवम

いかながれ

() व क्रियाम व क्रिल भिक्तिम स्राता-वमाक (न'भ कवाहै ७ जर्मा इत कल् । प छ-ত্তৰ পাৰে গে উংধাতী 'শব্দৰ নিযুক্ত হুন, উন্ बाद्य छाष्ट्र बेब्रा ब्रिया श्रू . स्टब या अस्तिकवितास कार्या विचान कड़िया शिल्ल कि छ छ जा ?

নিজী ইনিটিটিইটক লে বলেন বি লাহন। কোনিজী-পাৰেব দে সকল গৃহ ৩এ হয় গ্ৰন্থ কোনবল ভাষার পুন্ধনহয়। যে অভ্যান ভাষান কোন

तित जार्या भाषान, उत्तर छाउँ भाष सरहारता सम्बन्धान्य की सिटक ४०% व ४० स्थान

खित्रात श्रेत पार ज गड ६ ३०१ (यस है -कर चीर खार्यात्मक नामक खाक्षक कन्मण करेकारक ए जाराएक ६ 'स २५-१ नाव्य खान विमये क्रेका का

वैशिष्टान निष्यंत्र बर्गान के क्ष्य छ आहमक विश्वास श्रापे श्रुमा ५ वेष. छ सम्बद्धा ऐपारि व्यादरन सुक्ति करेसा करेसा एम। छ व वेष्ट्रास्त्र स्टिश्य निक्कार्य अक्षास ६ १ महर्ग्या विषय सम्रा

किनिक्क व सन्य १८२ देशीन है से वाहित इक्षा क्षा किन्द्र का १८३ के किन्द्र किन

स्वभव । यहान दलक्षितंते ११ व स्वारम्य स्वित्रश्राह्म, स्वान्य २ । एकवित्रक अस्त स्वर्था सिनियस स्व किर्मान स्वानेन ४३ स्वर्धाः स्वरूट इत्तेरक स्वान्य व्याप्त १९६४ स्वान्य स्वरूप्त स्वित्व। स्विन्यत दन्दस्य १९५४ स्वरूपत ।

1 231 - 1 - 1 E 65 F & '

२६ श्रहणमाह अ- स्थारी माळ १९३४ ७०६ स सुगलमान में बादिएड प्रश्रेष श्रेष में जात भूके सम्बद्धीरमारम्य श्रीण १९५ व निवस छ। १९५१-स्थारी रहे पूर्वि य कालेब छ मार्था १५ निकस्ति स्थार मार्कित हर्मास्य मिछ हिला। १९ (काम भारत्व क बर्ग्स का भार्य श्रीण व्याव विद्या छ।

জ মন, ৰবিং লৈ ১ইডে ফিল সিংকিত স্থাদ। গুলি আগ্রে ভ্রমণান্তি।

" ३ । अवादन उत्ताहे । द्यारण विख्य ८ १ व द्रांता छ । व द्रुणक १३८७ (काम् अधिकादन ८६की । वेद्यहरू ता ।

३। वयात्म वकते, प्रताप्त सि सम्पूर्ण र्यक्षा रशिक्षाश प्रसिद्धाः, प्रश्चित्र श्रम्भाः । सम्बद्धाः स्थानाचेन। वहे मकल प्रश्निक्षाः स्थान्यः। दश्च द्या वश्चादम एक स्थान १००० क्ष्रप्रिक्षाः स्थान्त्रः सर्थान्याचे न स्थान १८६६ वस्त वस्ति वस्ति।

७। व्यव्हा विष्टान्त विष्टान करिया विष्टा करिया विष्टा करिया विष्टा करिया विष्टा करिया विष्टा विष्ट

भा अहे किलान क्षणां कर्य चारा छ। माधाना जनसङ्घ प्र भागान्त्री। केना क्षणां स्वेश व्याप्र स्वाप्तिन क्षणां क्षणां

क्षित शास्त्र स्वाच वार्ष्ट्य क वशः भारकः, याज्ञान वारकःत क यदाज शाबित्स क्ष्यः वा क्ष्यं विज्ञान कारकःत क यदाज शाबित्स क्ष्यः वा क्ष्यं

्र । कथा न इति छ । का वित्त तहाँ है । श्राह्मणी । करेगा छ । कि । नात तब (६०० । क्षेत्र छ छ छ न । । 'वोका है (इता श्राह्मण न न दिन्त । स्टाह्मण स्टाह्मण क्षेत्र । 'स्टाह्मण स्टाह्मण स्टाह्मण क्षेत्र छ। स्टाह्मण क्ष्य । स्टाह्मण

मिंड शांबर खायु शः जी शांकजीर श्रेष वा जिन १ है है है जिन श्रेष शिवा हुई हो है के महारा माना खान कर श्रेष श्रेष कर का का खान खान कर का श्रेष श्रेष श्रेष माना है के स्वास्त कर का का का खान खेला श्रेष है के श्रेष माना है महत्त्वा है के स्वास खेला खेला कर्म के स्वास श्रेष कर का श्रेष्ठ स्वास खान खेला है होंग श्रेट एवं भाग कर का श्रेष्ठ का श्रेष्ठ का श्रेष्ठ का खान खेला श्रेष्ठ का श्रेष्ठ के स्वास खान खेला श्रेष्ठ का श्रेष्ठ का खान खेला श्रेष्ठ का श्रेष्ठ के स्वास खान खेला खेला श्रेष्ठ का श्रेष्ठ खेला श्रेष्ठ का श्रेष्ठ का श्रेष्ठ का खेला श्रेष्ठ के स्वास के स्वास खेला श्रेष्ठ के स्वास खेला खेला भाग करिया, बांकेरण स्वास होता, कि स्वास के दिखेला श्रेष्ठ का स्वास के स्वास के स्वास के स्वास होता है स्वास के स

क्षेत्र,क्षीत ममाहात् ।

मध्य २७ वा एक वाति— विका निर्माण निर्माण निर्माण कर्षा १ के स्ट्रा (क्ट्रान क्षित्र क्ष्य कर्षा कर्मा कर्माण १००००००० होता का स्वत का प्रकार १ विकास कर्मा का प्रकार का प्रक का प्रकार का प्रकार का प्रकार का प्रकार का प्रकार का प्रकार का

श्रीभाक नहीं उत्तेष्ट कक नश्र का रेमना हिक्का श्रीकारण (धारिक कर्माह्म । इ बलाउँ मर धा-क मक्टलन मृद्धि व क्याह्म । इक्तिन जार तम मानः (क्षिमि क क नामन पूर्व चार्यक्रमण क वर्ष शिक्षा श्रीका कर्म हिम्साम क्षिमा क्षिमा क्षिमा क्षिमा क्षिका के स्थाप हिम्साम क्षिका के स्थाप हरू।

উতিয়ান। থাংস্থাপক সভায় সন্ধ্রি প্রার্থনার প্রস্থান কটয়াছে।

ल्लाकार एवं विकास सिन प्रियं श्रवेक सहैशे उठिएक स्थानक युक्त स्हैगः विशाह । उठ्य भटकके लगान खर्म कर भवाकत स्वेमाह । गणानी वन त्मित खर्म कर भवाकत स्वेमाह । विवास स्वारिपाद्यम, त्य काश्या क्रिकाव महित त्याय मा त्या।

धारम त्रामल शासिशिष्ट्य के भगाय का र्पात गाँउ प्यापायां कि महिष्ट्य बर २(स धार्च्य रा नेश्मक छ मुरेशा शास्त्रात्व विराष्ट्र बेक्यका धारमक महिष्टा ।

श्रीति किंद्र विश्वति स्वया त्य न वर्गानी क्या. गांधाबान कामक्षक क्षत्रात्क कावा केला क्षत्र क्षेत्रात्क। क्षाक्षिमाधावन बका द्वेत्व क्षिणात्क यक्षि विद्यान क्षेत्र। সভাৰ হই গাট—বিক্ত ছি ।
সোনাই সভাৰ কৈনা সংগ্ৰহ ।
বন্ধ গ্ৰহণ ই এবং ই ক্ষাসভা ।
বাংকান্ত প্ৰথমিক কৰিছালে
বাংকান্ত প্ৰথমিক কৰিছালে
কলান্ত বাংকান কৰিছালে
কলান্ত বাংকান কৰিছালে
কিনা কাভিবালা কৰিছালে
বাংকান

গ্ৰহণ কি 'বিজ্ঞান বাজনাদেশীয় ৫ একটনন আদেশাসনা 'বী নিচ

३ ७ वे माळ — २८ शह । सर्वाय कि कारभक्ते व ब्रु शीम अर्वि वि ३० का वेरमह सम्बद्धार १ व वर्ष किरके १ के स्ट्रिक स्विमित्य है । के सी स्वृत्य क्षेत्रका शाहरूपम ।

२१ हे माः — अविशेष्ठि निष्ठे दशर्का व स्मृत्य भार एक भिन्न सन्ता दका निम क्षेत्रशास्त्रव श्रीर्का दनन।

বীয়ভূবের প্রতিনির্দি রীৰ আহ পি লেছিক্স স্থি লিটেট ও ক'লেক্টা ভ

गि ति शाहरके गाहर व वाक्षरके हैं के दक्ष्मी हैं सिन जाना दिशास का का

এক মাক্রধারীল ,রার্মী মাক্রিক্টের ও ভেপুটা ক বি

₫å

থাতিনধি হ বিসদদ প্রিকেট বাদ এইচ বিশি নকাল কা দি মিউলিপাল কৰি টিব সভা কা এল ভি আং ক্লোসাচেক জাই আইন অনুস্ব গ্রেপাল কিন্তু মা কাণ্টি ব বিশ্ব প্রশাসন্থা আ

मा कामे हैं च च बाराब एक लाक्या जेक काबेटमब २२ च कि दे हिं। भूति क्ष्मिते व क्षा अस्य मन् भाग अस् समग्री

1713

मामान्य अपूक्त मामान्यकान्रमान्य মহাশয় সমীলপৰু ৷

नख्यां उ केन्द्रभ'ड़: बाद्य बक्ति राजिकां বিদ্যালয় সংস্থাপিত বইয়াছে ৷ আপাতভঃ বাৰু बांबकुक मूटबांशांचा विकासरमूत निमित्त ष्यालमात्र देवकेकथामा नागि कि ग्रंटक्स । अक्सरन ৫৫টা বালিকা প্রভার শিক্ষ প্রাথ কইতেছে। ভাষারা আভ্তঃকালে ৬'টি অবধি ৯ট প্যাত্ত काश्रापत करत । श्रीरयत लाटकरा कांक्शीक प्रकार विक विक वालिकामियरक विवासिय अपूर्व कहिएकरहम ।

নিম্ন লিখিত দহাপ্তের। বাবিক কিছু কিছু मान क्रियम कीकात करियारक्य।

বাৰু য়াজকুক মুখোপাধান্ত 30 BI #1 वास् विकारकेक स्टबालाधान 5. Bimi वाबू मधीम कुक मूर्याशीयात्र बन ब द छोकः . बहर अवर्राज्ञरकेत निकटि जिम क्रेकार मिनिक नाकाया आर्थना कहा बनेबाटक ।

> धकांच्य नगरन **बिवदर हट्यां भाषात्र।**

প্রস্থিত সোমগ্রহালসকারক ब्रहान्दर्यु ।

धारे छान्। किनाब प्रका गांकि विक्रम श्रद्धर म वर्षक ब्रामन भव (श्रेटक द्य श्रादम ब्राक्त ब्राक्त-वेसट अंत्र कोन क्षेत्र क्षिण) त्यक्षण नवुक्षिणां जी हिन, उपर्रेटन थालायन नाहै, क्वान वह मात ব্লিলেই আশমায় পাঠকগণ কোধ করিতে পারিবেন বে, বড কাল রাজা রাজবঞ্জক জীবিত हित्सन उरकारम अहे बासनीय प्रांता क्रिलांड मर्था अधिकोष दिन। किस कार्यात कि कृष्टिन गर्डि ' यहेगात कि जाम्हर्वा महिया ' कालकदन लाबाज अक्रमे कारणांकर वर्षेत्र एक एक दाव मधरत्व श्रुक्तिकात हो जहन अनिएम कहे वाक नगत्रदर्भ भोत्र मिरे ब्राव्यनगत निम्बा द्वाप द्य याः अवन्यक्षेत्राध्य व्यवस्थान ध्रमाना द्रमान वा-६६ वरहे क्विं की बाँता नकरकार विमातिनाचा-मध्य अभिन्छ। जेबीटम् आस ७ । ६ मन्यानिक ल्लोटक्य प्रमाण क्षेट्र, किस स्थम दक्षी दिए। अग्र महित रा अञ्चमकामान कामकारण निका नाक केंद्रिएक भारतम । किन्नरशहे व, विश्वासन गण्याभिक पर्वतक अवका क्षति महामग्रद्धत वि-मानिशं मरेक्नामस्विद्धं छोत्रम उरमार माहै। रतर खिंबरत विश्लेष खांबर काकाम कवित्र। वा-**एक । पूर्वायत विशेष कि विशय कार्यामन करेगा ब्बरण अंक्ष्ठी (अबुद्धेका**) विद्यालय नःश्वालिङ र रेश्वरहा खेरू प्रेंद्र कुक्क क्यान विश्व वर्गान व वह विशासिक्ष मध्यानित विषय व्यवस्थ छम्cuist fem vige wiew un nie arb fes की ज़र्मा के क्षेत्रक के ब्रह्म के कारक । किनि जिका विकासिक कार्यन विकासिका । वाशिकांत नवार के कि लोश श्रेष्ठ पूर्वा प्रमा नाकिशायि

कुक नाजूद नाक केन्द्रसंस्थीत स्म , अ अदिन किरकृषे विमालक रक्षका करिन स्ता मा। अक्षाह्म ३२७३।

ক্ষাচিৎ বিজয়পুর ক্লিচানিয়ঃ

এবৃক্ত নোমগ্ৰকাশসন্ধাদক

ৰহাশর সমীপেরু।

चामान क्ष विस्तत शक्ति। छमारत अधान-দার ছোট আলাকডের বিষয় আপনার পাঠ-क्षांत्रक प्रवेशक कड़िट्ड चांत्र विश्वक कड़ा बढ़ जीन स्वीत ना। अवादन ह्यांत्रे चाहाम्बत न१-इं शिव इंख्यांदेव श्राम नम्मचामिनी कादाहि केविका विकाद । किंगु क्षथान जवत चानिजी काशांतित अक सम आममादक अभिना अधिनर मानागरक स्वविद्य शांदे हा। प्रक्रियर सामना धनी नक्ताहे कृष्ट : लाक। द्यांवे आहानुक ण्यताराष्ट्रे संशित वर्गाता नमार्गत महिला-ছেন। আমলাঞ্চ। নকলেই ব্ৰাক্তৰ কেবল এক জন নম। তিনি আনাদের পুরতিদ কেলার बाङ् । क्यांन बाजू क्या कामाम एक ५०० वड छाका त्राज्यम अञ्चलक शिरकात । अथन co **होका हडिल गरिक दशके चारामध्य शरदण** कतियां हिन । अविषे आवना क्रेनी दावी बाह्य जिकार्यक, शक्त प्रदानह, शक्तराज, बन्द वागित শতারনকারক ব্রাক্ষণ। ইয়ারা বছরিন বেণী वाबूदक चानीवीय कतिश्राहित्समा असन छै।-দার পদক্ষি কেথিয়া গোশব কর্মনে পাছয়িত্ব নায় নাৰ্ছিন ভ্ৰছে আসিয়া জ্টিয়া পঞ্জি-एनः। दबकी बाण्क काँबारशत अञ्चरताथ अए।-हैएक वा शाविता (देनि अक सम आहीस मध्य-नारमञ्ज ल्लाक, खाकारणत केशदराध अकाम रकम्या शीरतम) डांगक्तिनरकरे नियुक्त कतितारबन । स्थम देशांत्रा अथवा निवृक्ष्यः व अवर आक्रीन चाम-नाता शहकुष हरेश वालिएक वालिएक वाकी यान कथन चामत्र। कक्षी कारि खड बडेबात अ-लांगा कविता लागात्मत प्रताम तक कांकत वरे नारे । आयहा कारिहादिमास वसन द्वशी बांद् विशेष समित्रा आयसा नियुक्त स्तिटक्ट्य, তখন অৰ্থীপ্ৰতাৰীয়া আৰু বড় উৎকোচ লায়ে বিব্রত হইবে বা। কিছু আমদা স্থাপরের। आधारमञ्ज्ञ दम अख्यानाटक वस कविक किन जा-त्री हरेटक दश्य नाहें। डाइन्डा अहीमदश्य आ-পেका बण्यामि महाम श्रीका चितिमादस्य । या क्टबम *क्किस अटकक जांकन कांकि कांकाहरू* আবার কর্মার শেলুগুরীত। তিনি লানিতে পা-ब्रिटम छ वस्त्र निवक्त १वेटछ शांतिद्वम ना ! ब्रायम स्थल ? खोषात कड़े।टक उ अफिगानव कड़ा महि। वाजाक्ष्यक त्वती वादूरक अवन प्राक्रफ কাৰ্ব্যের বিবিশ্বঃ প্রভাব অঞ্চলায়ের সন্থিত माकार कतिएक हरेटकाइ क्षेत्रांत साथ सहस्रह गांवे । भवे बारम भागारकत रक्तांत अस्ति। वि-यह किश्वित विश्वित किश्वित किश्वित व्यापwith I fully of con- was the a forth. Decrete | nin al cons. A air cons पानी जारत की 3 कार्य अस्त्रामान पानिकारी पार्टिकार कार

(445 G. 415 Alle MAN कां द्वाच इन महिनाह ाम कि इब शाशीत नाम कामना बाहर के किया अनुसूक्त माहे। क्या क्राइट्सक क्या विकृषे कविएक गाविएक्स-माध क्षत्र विषय कि हा दिल्लाम स्वतिका स्थाप नमानान र स्वतिका स्थापिक क्षर्वा विक्र विक्रमान्त्रम् छैल नात रमचनीरात क्या महस्रा जिल्हा व शत वालिया श्रीनक कता क्षेत्र ...

বৰণী বাস্থা নিচৰাক পাল কেছে । অভিশৱ পারিপ্রামী আজিবর পারিপ্রামী আর প্রভাস্থ ১ টা স্থানী ১ টা ভিজে বিভাস ভারা Giein festfin entite केकीम ब्यापना के माहिन्सी वरेट वाचि माहे विकिन ३६० टायुन्ड टाइक्यून स्थान ভিনি নিউকাৰী এবং উৰাজ বা जानजासम्ब (कारमुद्रे , कीम्सी क्यांक्त वहित नाक प्रदेश के अर्थ ज्ञान गविद्या बातावणि स्थानीह बिटक शोरब-दक्ष क्रका मार्थ ** - 418 44 \$PAN 1 त्वमनीश्रम 🕕 🕬

A --1 2 3 4

मामानव सिन्द (कास्टः क्रिप् मधानम वि. ब. बर्म: ब. बेलाविया क है। केलक अधिक

गणांत्रक संशायत !-- देवी क्रिके हर कर राष्ट्राणि हात क्रिक्ट and strices when the and wanten willing অভতৰ কৰিলাস কিছু ক্ষাত্ৰী श्रक्त निवाबरमात्र उन्न वक रा मा निविद्या भगेक कारिक ना मर्गामक कि जारकार में विश्व किया है स अधामक करकन मेरि बहर गिमकी जित्यत काशास्त्र आहेकि, त्य व्यह मिकार्यका क्रेरिकोई डीकमा गा क निका शहरियक कमार्थित व व बन ब क्लाविधानित्र। विक्र क्रिकेश क्ष्मिति हरेश। वाला इ अम्मीक्षा व विकासका जिल्लान जानर्ग हरेट जाएन म दल्हे दह बबालक । बटण्ड | कड़ियाद त्या कि] थाणि व्यक्तित्वे । । । । । । । काम विक्रणां विद्य क्षांत क्षांत र्षेत्र जात्र कर्तः वा प्रकाश का विकास स्थान द्वारात्त्वे स्व अक्षणांचीय स्था # कारकान :कारक है के काष्ट्राम्

ात निम्म जि. तथा निमिकारका विमा। इक्ति भागीतिक कि माननिक्केसन विस गति आदमें कींदा बाक । हेर १८७ छेणा विश्वाति विदेश विदेश व एउपा : शहेरक भारत मा किन मा चरन व्यवन बक् गांद अब हिला मनवडी बहेगा खुडा वर कर्षण जान कान बान करत ाया शह व करवम । अवता अवर्गामा हे रिक्टम क्या आवनाक, विनि त्य विवास निगी केंचि। क उनकृत्र अ नावनी विश्वक कति न्त्र मन् कान मह बाहाण उउदिकारिक उन्नामन वहा किंद्र मिन नगरम खरन नक् हिल त्वम दक्त विद्यान करेन ना छ।।-त्राम्। शहनाषु नकाद क्या क्या व माजर क् छिडिसमीतर " । अथानकार किंदि? ब बम ब खेगाचि नाहेटड 1164 ें जाबा छख्यां माहिमां विशादि-· Mil - হেক্সর ইনস্পেট্রর এড়ডি আ " रमाक कि ३ वे बांद्र: (बाउटम पंतिष्क वि, ज, जम, ज, जबर मध्युष्ट २ पाछ अय भवर्गरमनी দিগদে পূর্বোক্ত অকার বিদ্যা बुक्त करवन ज'र। बहेरन विनि-**४ भेडाह। शथमण्ड भग्नीमानी**-क्षिकीयक (वशीयकारर न विun. । अपरास करे आश्च बहेर ह गी-344 थशाही क दलनीय देशाविशाही-- 22 क्या चारह कि ना ? स्वहरत وعالم গভীপ, দেখলে কোন্ড্রালার सर महा बहा कि अव अन्ति अ-41 বে বিসাভি উপাধিধারী অ-***** क्रुशंथि कुछथिदश्याः वस्थाः ۹, ह कथानकात केलाधिश्रातीहा 145 नवीत रहेर्यम भा छाटा क क्यांबिएक्ट (व्याननाकीय पत्र । कमार्थ शास गारेश-बारमा के प्रकार विश्व के वासि निस्त्रे क्रिके, श्रा छ निश्नि महत्त्व विटलंद है जिनीयाँ भवार्गन करत-कृषि ।। शीमकृत बारवाता कार्यात अवस् गांवटलय जनात्र छेगाविशाती अक्तिन अत्यानमिश्रदक यक्ति शंवर्य भीक मार्कर्तर का करवन, बादा परे-क्षण्य जेरण हरेटन महमार कि ह मान चल्डा भागि चल्डा भागिका कामा कि हिन मान का वाहिटन। TATI NA अहरित ज्ञासनाकन वा-मात्रक जारनरकरे ।। बनिरक्त में कि के केशोंच चात /क बनिक कि कि की बहुत बहुत बहुत कर क

27

মের ভগ্টতা উৎশাধিত হয়। এজ বইরা শেবে डांगांता क्षेत्र विद्या बरम्ब । अभिरक आवाद श्रेत **क्टि कि विकास के विकास सुरक्षा प्रशासाम** करिया विका महत्त्व अवंगाद विविधाशयपु क देश: (करम है क्षिय मियां आधा मार्थन करबून रक्षकृषिय स्थान बाहिय स्थाप खाँचात म्हान वि श्वित अधारमात्रिका अन आह करण मा, अधारति চিত্তত অভিব এতিজ্ঞতা বিষয়ে বজীয় সন্তান भिगत्य त्यव शहां खर कहिएक मक्का महत्र महत्र व्यक्ति क माइबाया अवसीनवानामा बारक म ? मां कृषि वानिकाशिक अमल प्रतक्ष वर्षे हम ! ! महामञ्जा धम ध क्रिश्टक राज्ञमा कारोह रेप्तमा ছুব করিতে অমুবোধ করিয়াছেন মনেই রহিল। बांकालि छोत्रांत्रां बद्धत त्थद्य बदमत पश्चित छ। छान ना । त्य शक्तिक बाक्राना खांबा केतल गरन প্রতিষ্ঠিত হইতে পাবে পা ছিবে আনি অভিনয়ে आशा जियात शकान करिर वहे गर्यास बहिल।

अक्रिक ग्र

भूषे रेहस समासा ५२७०।

প্রয়ন্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক

बटक्षिद्रमु ।

वयानकात्र रहागयामात अक श्लातात्र की काजियांत्र कार्य निश्व दिशा आहा निश्व देवेन. ভাষাৰ ৰাটাভে সেই ভোপধানার অপর এক लावा के बालिहातिशीत महिक चारमांव अ-बारिक कामकृतक कविरक्षकित अवस नवरक कांगे- | मा शांशिकेटक क्या सम कामक विमय मा ৰ আমী ৰাটিতে আসিয়া দেখিয়া মাগান্ত হইল वर उपरक्षे के डेशगाउन क्षांनमश्कात कति-न । जनस्त्र देगमा मश्कास विहादांनात वे हो अ-বং ভাষার পচি (ঐ ছব্যাকারি গোরা) উভয়ের क्षात्र अमान करेल बन्ध में करें। जीक साजाना-त्वह चाळा ७ एकाकिविट केविन माळा हि-ष्ट्रा अथाम म्मानखित म**क्**ती क्या विद्राहित। अंशांकि के बाका बहुत बहेता वानिवाद बहर की जि किश्व किमिनिक कहेंग्री है है। किस के दे-जाकाती बङ्गिन कांडानारत वस हिन, में नवा-ष्टात श्रीवद्या गढ शरबंश प्राजितक कांद्रांगाः प्रव कात्र काक्षित्र भगात्रमं करते । भुक्त क्रश्नियोग जेना গৰ্জানে লোক মোরণ করা বইয়াছিল এবং অনেক অন্তুসন্ধান করিয়া এখানকার নিকটবর্ত্তি अक्षारम छोटान गुक दक्ष नास्का निवास्त । कतिरक अधि के भीषा अभिष्ठा अभिष्ठा अभ क्रीत रे-ब्रोता व्यक्तिका सन्तिकारक।

। १ विन व्येश वर्षात्म श्रीमकाम ग्रमणांण

वा व्हेर्टिक हेवार्ड जरमहरू ...महिल व्हेवा অনেক পক্ষপাল সানিত্ব ।কলিয়াছে। व्याकांग बालनांग स 8 31 45 Shas COTH OF TIZE

প্ৰাপ্ত মলা

श्रीवृद्ध बांबु देव रामहत्त्व महस्राह्म ১০৬৯ শাখ গ্ৰহতে ৭০ আবাড় পৰ্যাম্ব কোও ৫৫০ यांधवहत्र उर्क भक्ता श 18! DI **३२७३ कांस्त्र हवेटड १० आंदन गर्दाह** 41. गामा लक्षालडीय गिर्द शाहित लाउ! ১२७३ कोर्डिक इंडेट्ड १० जाभित गर्बास 54 ., कुक्षधन ठळवर्षि क्षमार्कः ১২%৯ মাৰ হইতে ৭০ পোঁৰ প্ৰান্ত प्रि करेड एगाविक मार्ट्स * FAX 3. ১২৬৯ কাজন হইতে ৭০ আৰণ পৰ্যান্ত

সোমধানাম সংকাত করেকটি विटमच निवम ।

कार्यम मुका मा भावेटम भक्षपान दमाम क्षेत्र काम दश्यात कहा गांच तो

हेशाव अधिम भूता व'दिक ५० धवर वां कुर् থিক হা। টাকা, ছয় মাধ্যের ক্লাবে লাক্ষা থার 🐠

र्योक्षात्। स्थानश्चिमात् स्राप्ताः 🔊 🝽 🖓 🗒 🖟 পাঠান তাঁহার: এক অথবা আধ আমার আইকী प्रामात । त्रभीदम्त क्रिकिक भा श्रादम करत्रमहा

रथम विभि नक्षम स्टेट्ड लामश्रमाहिकी मुना शांत्रोवेटवन जांदा एपन स्विक्ति कि

पूर्वाशक प्रकार काम मजीव क्ट्रेस पू कटबस ।

र्योद्यानिष्यंत्र ज्ञान निवाद मध्य ब्राजीस । बहे-क्षा बाकेटब, बक्कान ह अवय श्राह्मी कविया व्यवस्य म्यामधानाम् व्यक्ताः क्रांबा गत्र किति लिथिया सामाम सहैदर, वर्षि छाइ:-তে কোৰ উত্তর অৰ্থৰা স্থান্য না পাওয়া বার कांभक वक्ष घटेटव । कुटलाक किलिक किलि दनका-तिर शाक्षिम वहेटव । क्रिकाका जरकाराणाः त्मास आवाहित्यत वात्य विक्रि आवेरम वा-मना भीज भारेव।

योशंत्र सथव लामश्रकाण पत्रिज्ञाशं करिया-क देखा वरेटन किंडि किश्विता ना कानावेटन जीवा औष करा शहरन भी ।..

रक्ष द्राप्त्रकारण निकारणण प्रिटक देखा করিকে ভাষাকে অবস বার এতি পংক্তি ০০ माना विक्रीत गांत /> माना कुछीत गांत /-बाजा क्रिक प्रदेश काश्य श्री ३२६० है। या कश्चिमम् व्यक्त देशका वाहित्त ।

वकुत्रामक वृक्षिता मन्ति क्रेटवम, जीवा-विश्वत कृष्ण क्राक्तामात्रीका एवेटर :

and the same of th

किया प्रतिकान स्रोतिका के स्ट्रिश त्या नार्कित week with the fourth parties THE PARTY OF THE

en alesta de la company con la constant con la

: भागअकार

च चान । २५ **अ**च्याः। मन ४२७२ । २९० रेड्य । हे, ४५७० । ७३ वास्थन

वाजिक भूमा ३ हैं की वार्विक व्यक्तिए ३० की

विकालन ।

শ্রীযুক্ত বাবু নামলাক চটোপাধারে কৰিবর সদন্দোহন ত নালকার কত বাসবদন্তার
ক্রাধিকারী বশিয়া আপতি করিবাছেন, যদি
তিনি এক মানের মধ্যে আবশ্যক প্রমাণ
পাত্রের মাবা সে মপ্রকাশ সম্পাদকের নিকট
বা পণ্ডিত ঈশসচল্ল বিল্লাসাগর মধ্যে দরেব
নিকট উক্ত কম প্রমাণ করিতে পারেন, ফ্রাহা
ক্রাপে উহা ত হাকে প্রমান ইরা মাইবেক
নামু ব ইরার সালে জান্তার কিন্তুনাকে জানাল

उर २१ देखा १२५२ मान वैद्यायमान (नन ना९ वस्त्रपश्चन

বিজ্ঞাপন |

করিদপুর জিলার অকঃগাড়ী বাটকেগারি শহরবজপুর নামে বে গ্রুনি তালুক আছে চাহা দর্শতনি দেওরা অথবা বিক্রর করা বাইবে। শীহার সেই তালুক দরণতনি কই ব'ৰ অথবা ক্লব্ন করিবার ইন্ডা লাচে, তিনি কলিফান্তায় আর্ডন স্থিনর কোম্পানির নিশ েট আহেছন করিলে স্বিশেষ ব্রভান্য ভানিতে গাহিবেন।

সোমপ্রকাশ।

ten tha ceracie

आमता श्रीमद्राः आमिन इहेलाम, उरामीनूरत्रत्र रा नक्स पत्रित गास्त्रित हर मान्द्र गर्बशास इहेशारह, हाहे कार्टेत क्स बाबू बाखू बाब शिक्षण जिल्लाकी इहेशा हरितन्त्र माहानार्थि होना कतिसारहरू । कें। मान होका निशाहन । क् क्छ मिशाहन, कागर कर्म आमामित्रित इन्छ राष्ट्र ग्रा मारे। १ मिमिल आमता काश भाठकप्रत्य त्रा'इत क्तिएक भाजता काश मा। १ मान त्य अधिककत श्रामरम्मीय, काश बला बाह्मणा स्मा त्राम माझूमाथ वाद १०० होका मान क्रतसाहमा। हिमि और १०० होका मिसा त्य समा ६ भूग अन् क्षिम क्रित्रमान, त्याम भाजितकम् मा।

806 অনরেবল নি, জে আর্ড্রিন সাহেব बाराहेरतत कक रुखाएक विश्व विशास-য়ের সহকারী সভাপতি (ব ইস চাজেল-রের) পদ পুনা হর । সমাচারপত্রস-म्लोगरकता जे भरत चांभवावित्त्रंत्र बरवः-মত লোক নিযোজিত করিবার নিমিত্ত वाक रुरेग़ांक्रिलन । एक नव हांब्रलन ট্রিবিলিয়নকে কেছ গবর্ণর জেলরলের কৌজিল সভার ব্যবস্থান্ত সভ্য স্বনরেবল সমনর মেইন সাছেবকে, কেছ প্রসিদ্ধ ডা-खंद एक माट्याटक भी भरम बद्धन कब्रिया। हिटलबा धक्ष पटल श्रवणामणे क्रूक नि-यात्र बांद्रा जकल नटकह बट्यात्रक्षम इंख्या क्रिन । किन्न भवर्गमन्ते एव वास्मित्क छ० शरप विद्योजिक कतिशारहन, .बंध एक, २ १) कम राखितारक मकल शरकाहरे जाहारक मरदाव अविद्वारह। स्वर्म माः হেব দেই পৰে প্ৰতিষ্ঠিত হইরাহেন্

लाय, दिनां, दुक्ति ७ कमण करी दिक्रे मून महन । कि अ क् बाबता धांधाना कामान ভাছার কারণ এই, সর চার্কী त्रम ७ एक गार्टित्र धर्म औ माथ म'रब । विश्व विकालक न (महे ,पांष जनार्थन निमित्र हरेर हाब्रम्हें हि विमयन खनाचक তঃ ঔপদের বাবভার ভারতে ক্রে যুক্তিত ক্রিবার এবা প্রথ বার চেন্টার আছেন। তার্নার বি लव्र मण्डकं इंदेरल के विषात्री বিশ্ব,উপস্থিত হুইরা উঠিত। व पृष्ठे भर्ग मख्यात । जाराह क्रि লয় সহজ্ব হুইলে সতুসায় কাজি সুঁকি সম্পদ্ধ হওয়া সম্ভাবিত নহু। বেইছ व काशांगरणंत्र नाग्न काम ब्रेक्ट्स के राम। विमि चन्यनाचिरच विम कतिया मञ्जाप विषयात मुक्ता कतिएक नमर्भ इंदेरबम मरमाह मार् 100

महत्त्वत मिन व शानहता मानवा।

सावद्रभा काल्लाक स्थान सिन कालका

एव क्रांकी ह महत्त्वन सिन कालका

केशिहेश किवाद श्रद्धाव कहिसासक। किनि

रामन सावदेश थ भारती कावा निम्हार्यक विकाणह अक मांज विकालक सावदिक्य साथके हहेरव,। स्मोलवी सावद्रम क्रिक्य

MALLER MEN AND SERVICE

ধ্বি ন জন্য নিজ নামে কালেজ তাপা করিয়া বিশুর অর্থ দিয়া যান, এফাণে 'দেই বিশ্বালয় উঠাইয়া দিলে দাতার উ क्लाब विक्रक कार्या व्हेटव. भवर्गरमण्डे ক্লাৰ ও যুক্তি অনুসারে, এ কাথা করিতে সূত্ৰ হন না। মৌনবী আৰম্ভল লডিক া দ জৈ প্রদর্শন করিয়াছেন, তালা সহ रंखन दश यात्र मा बरहे. किस गणि व ্রিপ্রম করিয়া দেখা যায়, ভাচা অথগুনীয় 'ৰাঃ শ্বাওপ্ৰনিয়মান লয়না। মহন্মণ মসিন লোকের উক্তারার্থই অর্থ দল করিয়া প্রিয়েশ । যে কার্যা ছারা অধিকতর উ সম্ভাৰনা আছে, ভাদুৰ বিষয়ে त्वर्षे अर्थशासक इरेटल कांशाय अधी क অক্টিৰাৰ সভাবনা কি ১ এই অৰ্থ বচি সা ধারাব্য শিক্ষার্থ প্রদত্ত হয়, দেশের অধি क्षांक डेशकीत्र हरेटव, खाहा हरेटल फाँहात भौषकंष्यंत्र क्षीकि ना क्रास्टिव क्रम > एटव किन्न भे छोका भिका कार्या मा किन्ना কাৰো ব্যথ করেন, তাহা হই

পণনা করিয়া যদি কার্যাকা ग्री,बीबक्षा देवप रहा, छात्रा रहेटल आया किटारे में मटक किवल सहयम मनित्मत कारमाई रकत बामद्रमा छ। हेश रम ७ माछ ब्रिक्ट में छेड़ा कारतक करेंट अ र्भश्च नुसारका कान उपकार कर मारे, इस्टिंग की अन्तर्भ मञ्जाबन मार्च । केय क्रम जुलिकिक हाज अहे विभालत इहेटक वा हित हहेता निटम घटणालाछ ও विटणत छेंशकात माध्य कतिहारहम । आहरी जावा स्नामानित्यत्र देववन्धमीर्थ जिल्ला कडाः, .এই ভাষায় কোয়াগ লিখিত জ্যাছে বলিয়া তাহার। ভাহা শিক্ষা করেন। ঐ ভাষা ভারতবর্ণীয় ভাষা নহে ৷ রুসংশ্যানদিগের

एनदृष्टीशं भवनारे भागतनीत इतेरव ।

লভিফ যে আপত্তি করিতে

বলেন মহমাদ মসিন আরবী ভি'বার অনু- । না ন'ই। সংস্তত ত'বা হইতে যেমন ভারত ৰবেৰি ৰাৰতীৰ মুক্তন জ্ঞা উৎপান হইয়া ছে. আর্নী ইইতে কি সেগ্রকার কোন मुठ्य खार्यात भू हे क्वेग्नाट्य - छेवात बाता কি কোন ভাষাৰ উন্নতি সংখন সন্থাৰনা খাছে - ক্রংঃ এক্রণে এ দেশবাসী মু मनगात्मत्। व'कालि इहेगा श्राप्तियात्क्रमः। তাহাদিগের ইংবাড়ী ও ব্রাশাল উভয ভাষা শিক্ষা করিলে ,বৰূপ উপকার দর্শি বার সমাবনা আছে, আর্ব্যা ও পার্নী ভাষা শিক্ষায় ভাষার স্বাংশের একাংশভ উপকার সম্ভাবনা নাই। একালে মাদরসায় প্রতিংহসর ৩৩,২০০ ও মহন্মদ মসিনে ७७,९३२ हैं:क बाब स्ट्रेस्ट्राइ । बाई बक লক্ষ টাকা কি অন্য প্রকারে ব্যয় করিলে क्ष भिक छेशकाब हत ना जे जक नक होका क्षाज्यध्यत भाषावन भिकाकारणा बाबिङ इरेटल महस्त्र छेशकांत समिटिङ পারে। তবে রুসলমানদিগের হওত্র नुष्टाला ७ हेश्याको भिष्टार्थ कलिनः এল নামে বে কুগটি আছে উলিধিত মুণ थन इरेट्ड किए जर्थ लहेश छेश्टक छेर्ड ঠ করিয়া ভুলা উচিত। পারসী ও আরবী जावा एक काटल के हिना गांत्र व्यामारणह अ क्रभ काखिट क मध्य । विश्वविद्यालस्य यनि करे हुने जागात कर कर कर भगाशक मह काहा इट्टेंटिंट इंडिंगिर्फ इटेन । अहे पृष्ठि विक्रिनीत स्थायत सन्ता अस वात अ এত আতম্বরের কোন প্রব্রোজন নাই।

वक्रावनीत अवर्गमार्थेत लाक्किति तारकटि अकाम कतितारहर, १४७ व्यक्ति ভানুমারি মানে খালীপুরে লেপ্টন্ট গ্র ৰ্ব্যের খাটার সকুৰে স্কৃষি জাভাগি ভবা अमर्जनार्थ अक्षेत्र (मला इट्रेंट्य । भवर्गटम क्षेत्र का (Carca क्षतिमसाक क विवरत मा ध कविएक सम्बद्ध वर्षेक्षांट्या । देखाः

तिन लिथिङ वास्तिता थे मछात अहिन विन्द्र इक्ट्रेन्स । ज धारे मारहर । ব্রিগেডিযার জেনরল সাউয়াস, সি বি : मि, धक मर्क मन्। ति थि इव क्षेत्र। अनरत्रवल थ. हेरडन । लिल्डेनले कर्लन कहा मि. एकमा पि वाक्षामन क्रम. छि। (क. (वक डेहेथ_ी उदि छै. भाषशार्थ। ভগলাস ফীয়াট। এস, পি. গ্রিকিথ। बांबू क्षत्रमकुमात राकृत। রামগোপ'ল ছোব। মোলবী আবছন ন্তিজ

भारत करा महित, भन्ती, प्र अमा अमा (शांविक क्खा, क्षावंत्र गता ७ च र, ७ मामा क्षकात अविकास सवा व्यवनित रा छर भद्र छ हः विक्रीक स्टेटव । आमानित्यव मिल्नेत लिकिन विस्त्र विद्नाद विल्का किनीमा आदम् । केमा यामि अ विनद्या अम শিত হয়, এলেশের অনেক বিদঃ উৎকদ বাভ করিকে পারে। আমাদিগের দেশে क्रिव माधन टार्ट माझाछाव मगदात लाजन त्रहित इष्टः (नहे भाकि हचीवनिकी बन्तक इरिय़ाहर महि अम काउत की नकी दी तुल म विशादह । अखिरमानिका- इर्हेटन अह प्रकल विषदम क्षेत्रकि हहेर'त विलक्षा मञ्ज्ञावमा धारए। चामामिरशत हेक्स करे मकर्म ज्ञा मध्याः । कृषि श्राप्तित है। কৰ্ম সাধন জন্য এক একটি সভা হয়। क्मीमाद्वद्वाः कृषिकार्याद्व छैद्वि माधनार्थ क्सन छेश्त्राह स्मन, आहे शादा छाहात ^ त्रीका स्टेटन !

वीषन मारहत कर्यु के विरमत्थार করিয়া লোকের কেমন বিরাপ ভাজন হই মাছিলেন, এই মাৰল কাৰ্য ৰায়া তেন कि अवादान क्षाम्य करिया । जातारि

(श्रव रणरामंत्र कामीनात ७ अध्यतहता रच भिका करार मिरिट्य महत्र रश्क करतम, कार्षितरम् के स्व विचयन् यू आहा। थे উ চয়ের শিকাই এদেশের প্রারাই লাভের ক্রধান উপায়। এত ছিল্ল অনেক বিবার তাঁ। इत् के गृत्य श अ यद्भ पृथ्वे वर्ट एका । कलकः पुष्टे अकृति काक प्रिचिण अथरा कें.श्राब প্ৰতি আন: দিৰোঃ যে কিছু আনাস্থা জনি-गा, इल, छ हा जन्दम पूत्र वहेरकटक ।

क्रकत र जला अ:इव फ द्यांगधारमञ्

चुट्डामलाहा त्वचक वंशार्थ कवाहे कहि রাছেন প্রাশসা ভাষা বেওয়ারিবঃ বিনি যা মনে করিভেচেন, ভিনি ভাগ্ই লিখি डिट्डन। जिन जिन क्ष वा वामला उ स वहे তেতে, ভাজার ইণ্ডা নাই,কতই যে মুভন गुष्ठा अञ्चक व मिन मिन मानिरात मुख्य প্রাপ্ত উপস্থিত ছইডেটেল, তাহার সংখ্য নাই: মুভার প্রস্থার দিখের কল্যাণে বিন किम केछ य केलना बुखा यद्यात्र नश्या बुच्च इटेटलाइ, लाहात्र भेषमा मारे। ছাপাধানার থার অবসর দে-विष्क भाउरा याग्र मा, जकरलई वाज्यता वाच सक्ता वादिवास । आमता वाचना अटच्या किन जिन मश्का बुक्ति मर्कन कार्र कि कर्डे, किंद्र र कता जारात्र केंद्रिक वर्ष्ट्रहरू मुलिया आमानिरभन्न व्यक्तकान প্রকৃত্র হইভেছে না। এতুতে আমাদিদের निम किन महे बहुबाब क्रिएटरह रा छिति বিত গ্ৰন্থ বালি ছারা বাদলাভাষার উপকার ना हर्ने स बद्रः जनकात स्ट्रेट्ट्र । जे সক্স প্ৰস্থু মারা হব বালগা ভাষার সম্পত্তি इक्ति क्ट्रेस, क्रायता कनकारा अवन वि व्यवसा अभि मा । दिवामीयी क्रेग वाकमा प्रत्मक कुम्यान नायरन नगर्थ स्ट्रेरन, केश ीर्मक व्यक्तिक क्रेरणके छेश विकारणके विकारणक अवितिक करिया करिया करिया

व्यानकान कतिर्व । जे नकदनव अकान पृज्य हरेटव विला । जामता खुर्नश्रष्ट सकि । व्यामा मरश्रत हुग्र यह विषय अहे, छैहा वाच লা জ্যার অধিকতর অনিষ্ট ক্রিছেছে. चारता कटिरव धक्षा शहावनाथ चारह ! সেই অনিষ্ট গুনি সামানা ও উপেক্ষনায নতে। উহা ভারা বাখনা ভাষার বিক্রত चना करिक्डिक इहेदाद महादना इहेगाटक ।

व्यक्षिकाश्य अध्यक्षे एमबिए इ भावता यात्र ब्रह्मा वाज्या कायाह । बेल्य हा ब्रीटिव अन महियो नरह। य जिल्ला वालाविवाह कह निष्ठ थाकार्ष दामन चरनरक चा छिना র্জন ক্ষমতা অর্জন করিবায় অত্যে পুরের जवापाठा हत्। तिहेश्राम चात्राक मच अ নেগ শিক্ষা ক্রিবার আন্তাই প্রস্করার महेश बरमन । बाषजा खावांब (क न क्यान কর্তৃপদ, কোনু স্থানে জিলার বিশেষণ কোন স্থানে ক্ষেম্ব শব্দ এবোগ ক্রিডে হয়, প্রস্তৃত্বার্থিবের অনেকে ভ'চা অব গত बरहर । " अवणाह ७ महारशाखाम " अका र्थ (बायक वारे कृषि मुच्छा:ही शक् चारह. ইহার যদি ব্যতিক্রম করিয়া বোপ করা যায় বৰ্ণা –শ্ব পোড়ান অথবা মড়ালাছ, ডাছা যেমন কর্ণের ক্লেপকর হয়, সেইবাপ মুক্তন এমুকারদির্গের অ্যথাস্থান প্রযুক্ত শক্ষ সকল্ও প্রবণ যুগলের অভিশয় অসুখকর श्रदेश बाटक ।

यात्रा छेशस्त्र एव राक्स व्यवस्त्र छन दाःथा कतिलाम, काम वनि क्रम स्टान चापुर वा रहेक, काश स्केटल सामग्री क বিষয়ের এসক করিতাক লা। কিন্তু ভাষ রা সচ্মাচর কেবিতে পাই, উদ্ধিত এ त्युत्र व्यथित्व शर्वर्थस्त्रके विकासित वाद श्रुष्ठ इहेन्नाटक्। अवनंदमके जिल्लालरव काव ছক হইবার কারণ এই. প্রস্থকারেরা অনুরুত্তি প্রভৃতি নানা প্রকার কৌ-त्र मार्की आहे से क्षेत्र कार्य कारहा भारता देवरामकेत ७ एउनू है देवरामके छेए। बीकश्राहकुक अवन्यताला नाम, वृत्तिनारक वनीकुक करिया ताहे ताहे आप

चन्रु चित्र श्यति श्रेश, (य छेश निक् গুংৰাৰ খলিয়া পৰিচিত কৰিম' রাং ভাঁছারা সেই সেই এ রত্ব জুপ্য বোধ করিয়া ডাঞ পন অধীনত বিদ্যালয় সং করিয়া দেন। কলভঃ ইছা ভাষার রোগস্বত্রপ ইইবাছে, कारतात्र छेभाग कि । अकर्षे है ्न बहे. पाँका मिरभन्न केनरह स क्षांन प्रशासका कार मा बामना मुख्य अरक्त क्षेत्र क्षेत्र द्वारा ভতু বধানার্থ এক সভা বিশ্বভাটার সভোৱা পরীক্ষা করিয়া কে এইটে ই चे ७ निर्फान कान कहिएका, रहरे औ वाष विकामात्र सम्बद्ध वरे त्या के हिरू रुरेटन इष्टि खण ऋष्न मार्ट्यन नाहांबयः ८ए । अल, धरेशन कतामन कना क किल्ले, रतका स्ट्रेंट, याश विराजक वर्षा के अपूर्व चारम्, चै शक्ता चेहा सामा क्यां क्यां क्यां क्रिक THE CONTRACTOR OF THE LAND. माराश्यिक क्रमण के हैं, की राजा रक सिंह के क्टबारमार क्रेस उरकार क्रेटक विश्व क्ट्रेट्न । मुकाह किपट्ट अवसी अव .भर चारह, त्य त्य स्विप्रकः असान किडिंड कतित्व कोळ इतिहत को, সকল ব্যক্তির বাজ্ববার কেন্দ্র কর বিচা कतिकान वास्त्रविक चन्नमा साहक साहित वानमा प्रमुख वाश्वित्रविश्वत्यके क्रमार्य विदशिक किरिएक, क्वेटन, जनाथा। < पत्र चालिके चित्रिशं∗केटिया।

के अधिक करबीय नाजा ए भेडे ८ मरेले म केंग्रेट विशिषांश विशेष करेंग्रेडिंग - अध्यक्षा बिद्धान द्वार कार र्यन कहिल स्व व्यक्तित ন করিয়াছেন, আমুমা উহ'য় এক প্রভ ছইয়াছি। উহা পাঠ করিয়া আমরা 🐒 खाव लाख क तिलांग। मखाई एम्बन मौन CARE GEI WE'S BEEN HEREN

न वृष्ण्य व्यासता शिर्मित देश नरम श्वित करिया भिट्ठिक के नियं चा १ फेश्क्म शिक्षण करूर । शिक्षा कदिवात शूर्विदे व्यास डेश त अहे अकड़ी डेश्काम त म कदिएडिंग श्व हेश्लिम्साम इ.ट. डिविट्स ट काम कदि

श्रवाम এই विलिशा आहकाल व ৰে কলিক ভাগ ৩০ জন ইউল। ् अन्य साज । श्रामनी । व्यवस्थित बर्स्ट्रे हे चारहन, वायह धरमनी । दत्रमा র সংখ্যাই অধিক, অভএৰ সংখ্যা সমান ক্রিলে জন্তিস (বিচারপতিদিশের) ना बाहा कार्या निर्दाटकत ए श्रहाद ুনা হটগাছে, ভাফা সভত হইতেতে না। ংগর, **অভিন** সভা ছারা সভাপতি ९ महरू ही जलांशिक निरत्नारभन्न स्म अ मण कहा करेबाटक, उहा मुक्लिं कहिए। वनर्टमके के शाविषटक सिट्यामिक कट्यम, এই क्ल विधि कहाई क्रेडिक। कारा मा क्षित्व अरे कर्यहार्विक्षितक मत्नामी क ৰাব সমন্ত্রে উত্তর জাতীয় জন্টিসদিশের ব্লার বিবাদ ও অন্যার উপার অবল en করিয়া বস্ত গ্রহণ চেকী হওয়া **স**সন্তঃ विक सम् । त्रका अञ्चल देशनकीय यहा अञ्चल क्षेत्रिनिधिनार्यत छैराकाछ निहा সভা হইবার চেইটার বিবয় ইপিতে উল্লেখ ेक्ट्रियाट्स । मञा भारता बटलम, मिछेनि শিপাল সভাপতিয় হব্দে পুলিবের ভার দেওরা অমুচিত। উত্যকর্ম করিচর পিরা ভিনি কোন কৰ্ম সুচাক্তৰণে নিৰ্বাহ করি ष्ट्र পারিবেন না। জার, সভাপতিকে ২০০6 ५ महकाबीटक ३००० छोका विकस मिलाहे नवांशि हरेटव । जे बिकटम धकटन छन पुष्प विकासिक स्नाक शास्त्रा मारेएक পারে : বিশেষভঃ ২০০০ টাকা এক জেলা প্রায়ের বেছনের সমান। कामा व्यनानीत विरुद्ध गणा अहा 🗯

व क्रिशिटक्रम, अस्ट अव्यक्ति सम क्रिम উপস্থিত না ধাকিলে ভটিস সভার कार्यादञ्ज इंडेट्ड शा बद्दा मा, अब्रुश निय य कहा कर्द्धवा । चाकितमञ्ज म माना कारक র ভাষ সভাপতিব হাক না দিয়া বহকারী সভাপতি ও সেকেটা রর চন্দ্রে দেওমাই কর্ত্তব্য। সভ্তংপতি নগদরর অবস্থা দর্শন 'বিবেন। বাৎসরিক আব বাবের উপরে ८७ च्छेन के शवर्गत्तव कामडा बादा के हिक নাছ , নগালুর য ১টা াবিভাগের অবস্থাও অভাব অনুসারে সংখ্যীত অর্থবাদ করা कर्ख्या । (मोकाटनय कटतव विनय्य खें।होता बरानम, क्यांचे महाभारतात छेलात् वासमिति क चा है है। का कत धार्या मा कतिया छटनात मृला परियो कविद्या छ. न इस । अर्थाय দুই শত অথবা অধিক টাকার দোকানে অ ট ট'কা ও ডাহ'র ফানে ডিন টাকা कः। कर्छवा। भाष्टराष्ट्र, काष्ट्र, खहकाती ওবালা প্রভৃতির উপর বর ধার্য করা স ন্তার নিভান্ত অনন্তিমত। এবিবরে আমরং যাহা বলিয়াছিলাম, জাহারাও লেইৰূপ

কহিণাছে**ন**।

বাটার কর একণে বাৎসরিক সম্ভাবিত ভ'ড়ার শতকরা সাতে সাফ টাবা লওযা इहेड़ा बादक! दित्स जन छ।का नगा। क कविबात आखाब स्टेग ह्या । नका। म्मकाविधात रेशव अधिवाम क्रियार म। श्रुष्ठ वद्यत्र (व क अन्न मियुक्त इहेश ছিলেন, ভাঁহায়া যখন পতকরা সাত্তে সাত हे.का त्नव जीवा विश्वा निर्द्यंत क রিয়াছিলেন, তথ্য আর ছব্দি করা যুক্তি निष् नरकः। विरागत अक श्राम निर्विष ः र য়াছে ৰাটার নিকটে বে পতিত স্থান थ किरव छात्राव कत बिरक वरेरव । अरे न छिक दान काहाटक बटल । यकि अनन अ बरा छेगान छेशाह वर्ष इह, काशह कह मजा बनाय, क्रिया मात्रा व्यक्तिकात्रीटक कृदे व्यकार्। व्यक्तिक क्या प्रेटन । जनत

তবে কি প্রকাবে সর্বত্র এক প্রকার ভাড়া ল ওয়া বিধয় ছটাব ১ সভা এই নিমিস্ক श्वांव कविमादिन या अञ्चल पूर्व कम क वित्र क वदा अक क न विश्वक क ये हाजी স্থাত সমুদাৰ দৰ্শন কৰিয়া স্থান ভেগে क्र एक करत्व। मेका भारता वटलब, धर्मा लार्गत नाम हिन्द् निरंगव इच्छा कारल शांकि बोत घर (अन्नारमधीर घव) श्राकृतित कत खनदा **छ हरू मा। अच्छा मूनलयानिष्टिश**ङ কবর হানের ঐ ৰূপ কর মুক্তি প্রার্থনা কবা সভাব উচ্চ ছিল। ;মউনিসিপাল विदेन भूना थ छैद व्यक्ति कह लहेराह ৫.জাব হটগাছে, সভা ত,ছার প্রতিবাদ করিখ'ছে। ওঁছারা ব্লেন ত'ছ হইলে ত.ড়াটায়া ৰাটা করিয়া স্থুলধন বিনিয়েয়ের ন্ন ব্যাহাত জনিবে। কেন্ বংক্তি অনুপ থিত ভ ড়াৰ লোভে আশু কর দিবা ক্ষডি সহা করিবেন ১ পরঃ প্রধালীর বিবরে সভা ৰলেন হিন্দুর। ঐ জল ব্যবহার করিতে পা রৈন না। অতএব উট্টোচপের নিৰটে चना चना (कोश्रेष्ठ माश्र भगन क्यू लक्ष्य অনণর, ঠাহা দর্গের নিমিক্ত সূত্র পুঞ্ রিণী প্রভৃতি ধনন করা ও পুরাতন পুছ রিণীর শংকার করা উচিত।

প্রিফোধ ক্রিবার কনা এতি বৎসর বেড লক টাকা রাখা উচিত। গলার রাজা বিউনিসিপাল সম্পত্তি করা উন্তে, তথায় वीनिकात कर चक्न ए है।क। वानात क ইবে তাহানগরের শোভার জন্য বার করা शांवणाक । मछा चं.दलव मामुल लहेवां ७ মিউনিসিপাল করের অন্তর্নিবেশিত করি **७** कविशास्त्रम् । जात्रक्षयी त नवनामर्ग्येत थाल बनदन व्य वाश करेगाएक, मुखा जन्म লঃ ভাষার পরিখোধ করিতে গুম্বত **আ** (इन। मका नगरत्रत लाक म॰ शा, क्रम ७ मृजु.इ ि नाद कतिवात अखाटव चनूरमायम कतिवादहन। ७८४ छाहाता बरलन अछस्क শীর জীবোকের নাম প্রকাশ করিবার ब्रीडि ना धाकाटड मर्था ७ वर्ग मित्स भग्नांश हहेत्व। पात्र, मृजूर मश्वाम पाछ वि त्मज्ञ अरशा मा मिला इय मखारम्ब अरशा मि थांड निश्च कड़िएल छ ल एवं, थे नमस्त्रत मध्य परनीहास ७ व्याक्षानित लाल त्वव स्देश यारेटव । कव निटक विलय करेटन এक विकाशन (मध्या स्ट्रेटन । शाँक मिरमव खिछब मा विदल এक होका अविमाना चित्र क्वेशारक। अला वर न क्वित्रामा क्वित्र निश्रम ना कवित्र। क्रिक्टिम्बिट्श्व छेलत के विषदम्ब विद्वहनात्र छात्र फिल्ल छाल एत । কারণ এবংশ অনেক অনাধ জীলোক ও পিতামাভাহীন বালক অন্তে যে তাহার। আইন জানিতে পারে না, অতএব তাহাদি त्मंत्र कर्व कर विरक्षत्र नग । भूताकन वाणि वात्र कन्दे भान करत्रन : गरी नाथा-**च्या क्रिवात भूर्त्व चार्छः इहे जन जाँछै । तन ताजव हहेरछ क्**रिकाछात छै। वह जिन त्मव खाहा नम्म क्रिटिट याख्या कर्खना । भिष्ठ होका निवाद त्य श्रद्धान कर्णवादक. কারণ ভারবজন থানেক অভাচার হয়। পরিশেবে সভা কর কিছু কলাইবার অনু কলিকাতা উপকার ভোগী হইবেলি সাধা त्त्राथ कतिशादक्त । कें.जात्र। वरागन शाफी न्तर्थ तम क्रोका मिर्दन तमन > किकि विष बाका अलुटि शनमा वावठी । कत्र पतिशा दा मका चिक निष्क्रद बाक्श में न कति क्षित्रम् स्वत्रवानिविवदक नक्ष्यत्रा थात्र ७० । त्राट्य । वृष्ट जीर नाकिविद्यत्र में दे क्ष्याम् है।को बिट इहेर्द, अवस्ति हैनकम है।का कवित्व कवि कि । जामही है जानन माह्य

জ,বন্ধবৰ্ণী 21.9

উপস্থিত করিবাছেন ভাছার অধিকাংশ 🖁 আমাদিগের অনুমেদিত, কেবল আম 🖟 क्ट्राक्षे विषया कें:हाविद्यंत वानूद्यावन के রিতে পারি ভঢ়ি না। নিউনিসিপাল 🚜 জে বাধীনতা আবলাফ কি না > যাল গা-ৰশাক হয়, সভাপ,ত নিয়োপের ভার গ্রা মন্টের হবে দেওয়া ভ.হার নিভান্ত বিবেংশ্র गरमार बारे। काव विश्वताल अव्यक्त है. ইতে গেলে যদি প্ৰথমে কিছু গোলাযো 🗝 কট হইবার সম্ভাবনা থাকে, ভাছা বা 🚽 কি আমরা ভাছা ভাগে করিব ৷ সকল প্রম রে জ্রির বিচার ভাল হর না, ভাগাব লয়া कि अरे क्येश केंग्रेश क्लिंग क्लिंग क्लिंग चारह बलिया थाना काहात छ अपन नीत हु। गका बाटबब विषय भवर्गमारके व जन्म क्र ब হিত করিবার প্রকাষ বরিরা অপর ঠ মার शमन कतिशाद्यन । अविवद्य भवर्गद देखेन क्ट्रिक्ट क्मण थाका केहिल, 'बेनाबा **ब्यानी विस्मारक मूर्विश रहकूं म**्री विस्मा বের উম্ভির প্রস্তাবে ভাঁহারা যে লোল र्पारश्र वाभदा कतिशारक्त, काहारे विक्रिश S.Fct 1

करलब करबब छात्रसमा क्यां ७ व्यापि-(भन्न अखिमक नटक । भन्ननाला इहेर गैकाहा ए मक्टलबर्ड **के**शकांत्र पर्निटर गर हि मा-रे। পান वाकित्तरक करनत्र कि क्या बाब হার নাই > ভাহাতে রাজার কি সুেরিধা क्हेरव मा , इंकेरबांशी प्रवा वि श्रामा-भागता छ। हात्र अन्युरमानननाः अहि । व्यानम खीत मारम मन्मिष केरियो । जी সকল थां পणि ' लाक निरमत व दम कि बाक्का हत ना - वलवान व वकिशद व नाम्बन

चामश चार्चक विकिस्त क साम সাধারণ কিডার্ব ভারা কবিবার ক্রেণ্ড সভা সার সার বাহা সিধিয়ারেইর मन्पूर्व वृक्षिमिका विर्वादी मक् কেরা মাধ্য বসুন আইব্রুম ব্যবস্থা यनि कलिए। इस्तार क्रिक्रिक्ष्म তে ভাবেৰ, ভারত্ববীয় এভার श्वीत बाड कतिरवर्त ।

लागरकत विदेशह ।

এक जम हैरदाज कवि:बिलिग्नुहो " বাধীনতা লাতের ইক্ষার এক বায়নু जात्रस रहेरन यह बात नेत्रांस्त्री रहेत क्न. रमर्थ निःमश्यम् अत्र माछ प्रदेशस् এই স্বাধীনতা লাভার্য দুর্ব এখট্টা **८० जातक स्टेबाएस । एउएसा ।** ब्राटका बहान ब्राट निक्री किया कींहाता रंग करवकाने कर कुन्तिनेत्रह साम् क कब्रियात्र कियो नाम, कब्रिया, क्षा জাতির স্বাধীন শাসম ঐলাদীর থাকিবার প্রস্তাবটা প্রধান ৷ যে বেলো বের নাম কলচ্চিত করিবার भाषका सरेवाटक, किलिक आसीम कर टापान व्यक्तिमान रेश्मक करकारम मेम्ब्राक हैसीह महावीटला चक्रानटला अधिना कटवन, ८मरे देशमक आकारन आहि त्र वार्धामकात्र विभाग स्कू प्रदेशस्त्रका মেরিকো ও ভ্রেমিল প্রকৃতি প্রদেশটো चारीय अविश्वेश चीकात कता अवश कीक क हेंग्रीनिक्क बाद्यांका श्रमान करो। इस्ता अ थाम पुरो च क्स । जना शाना खेरक के क भ क्रिया चामता अउद अमराने अहा रहे S 36

जामना भूटन कर बाता ल्यांमाहक विद्रक्ष, दश्त दिव , लिखिश हिरनाम । शत्र पेक रमरम बर त्रकृति इक्टी हेश:८इ। ऋणिय शवर्ग्टमण

নিভেজাইবার ছেকী পার্ডীটিত বিজ্ঞো । कि উप्र जीप्रमान रूप्र। ध्रथमकः सम जागमी मारहता अने कार्या व अनुरया भारत नारे। रेटलक क सामा रूक शाखीरतता के विक्रमार कर गरक चा क्रालन । किरु विद्यादिता जन्मन्। क्षानम हरेश केंद्रिक है। क्षाप्त यावकीत नश्रत हेट तमा 'मक ७ युक्त मामजी गाईएड । সেনাপতি লাখুইকল নামক একলন দ্ম যোদ্ধা (বিনি ১৮৩০ অংকর যুক্তে ज थह्द करत्र) (मर्णत क्षधान भागन র। এবং সেনাপতি মায়ারোলত্বি প্রধান ্দ্রাপতি কইয়াতেন ৷ ইকার মধ্যে নয় ' ইইরা খিরাছে। সকল বুজেই াঞ্জীয়েরা, জরলাভ করিয়াহে। তা ः। धंकान्धं कुंद्रभ मन्त्र् युक्त कद्विरस्टर्ह म क्या वर्णन पाकिला मुरमान करम 📲 कृष्ट कर वह स्टेश सूच कतिएछह । ুলিয় সেবায়া ভাহাখিবের কিছুই ক্রিয়া हैत्व भावित्वत्व मा। नेखांवि त्य तो न मानिवाटक, च बात्रा काना (बुल विद्वा ात कामना जाना ७ वन दुखि हरेटछ पानिएनम् बात्र शक्ती जूविश ष्टांक् निवासण विवदस स्माणशास .स्रोच 'नावाशी' स्व. क्यान्डांस्प्त क्या ा हैहारक यमचार व्हेशारक। देशमा ंक्रां विद्या ७ रेटोनी देशत अविदान ेत्रकार्यम् । अध्याता न्यस् व्यक्तित्रवान ्रेटचंद्र क्षिणिय व्यर्गस्यके गणि क्षिणियपि নর কোনা কাকার সাহায্য সান করেন ांग प्रेरल देशाय, ७ मुख्य अपूर्ण जा ा वितिद्यंत मेटबंक बार्वे।

व्यक्तिया बीडिंग, बेब्रा शतिकाश कतिर्यम व । रेक्। श्रीकान क्षित्राह्मन व रागान कृष्णित्य जित्रवाच कश्चित्रवाच्या । ह क्षकाण करत, बजाहें। बारमक े ग्रेश निय जाका क्रकीकी

ह नदक केक ब्लाटनंत्र वाधीन वाका कहिना ृषात अखाव कतित्राट्य । अ मश्याप र वि नका वतः क्षात्र, क्राभित्र नदर्गरमञ्ज 🍃 '>৫ অন্দের সন্ধির ম্যার ধবি ইহার অ न, बाहत ना करतन, कारा हरेरन भागान ्लिकी बलिया ख्यांचा क्यकाम कतिया | विध्मश्मम शूमकात चांचीम स्टेटन । विध्म व्यः गडा व्यर्थनि, बुक्किश ଓ फेमानाभंत छ ण, धवर चांधीन देश्मा धत्र यानकीत त् त्र बाहाभित्रत्रत स्वाकासकी वर्षेत्राहरू न याश बर्डक, रेनिय शवर्गस्थरकेत कर्फ वा , केंद्रांता विकित विनीष ७ नक कार भर प्रत करतन । भाजितात रवा काकिष शर र राज्य कत्रा केन्द्रा राजीय शवर्गस्य केन शट व्यक्त बटी, किसे छ। हाता शताकिक त्रख, लाक्निक्तं महमात्रक्षत क्रिट्ड शा त्रव या। (ण)माश्च वाधीन स्टेरण कर्वानत প্ৰে স্বিশেষ উপকার ক্ৰিবায় সম্ভাৰ ना ७/८७। छथम चात्र समित्वता हेका क्रितर कर्मनि चाक्रमन क्रिएछ ममर्थ रहेत्य या । चाठवाय अर्थानंत्र (भानात्वार जाड़ाद पान करा निवास धारणाक । পোলা:ওর খাধীনতা জর্মনিব বুফার উপার অামরা নিংসন্দিশ্ববংশ বলিতে পারি, ⁵क मिन वांधीन ७ ऋनियां क्रम निर्माह । अभिनात यरबंक्षाहाद्वर । जात कुन वरेटल नव्यात अर्थन देखे। लिय नांत्र वांधीय ७ अक कांकिमाधातन अवर्गटमं केंद्र व्यथीनव व्हेटक नाद्रिटव ।

> इं अनाम बितरतन वक्ष शतिवर्त । कात्री > ना क व्यक्तित्र देशिश्रास् সিরর দেখিয়া পরিজোব লাভ করিলাম : वृषि धहेमियम्ब विवादत लिथात कात्र श्रम् कर यात्र, निः वस्ति संस्था साम विदर्शन क्या वार्षेष भारतः वास्त्रा अव किन छी-राज वर्ष अभार्थ (व क्यो भारेशकिना व, क्विश्वं सम्बन्धं प्रदेशहि । जिनि नहम छ है दीकांत्र ना स्त्रम्य, क्रिक हि.मे चांमाविका वृत्र व्यक्ति स्वैतास्कृतः विनि व्यक्तिकार्ज्य निविद्यारक्त. बाह्यह (कु.क) (तन, यानूनाक के हात व्याकानुनाकी हरेना

ক্ৰাছি নামের) নিৰিত ভাষার জিল नारे। चामता त्य बताबत्र बाह्य चाक्रस्तत्रे क्षि निर्दर क्षकान वर्षेश शर्मा माहम উৎসৰ ক্রিয়ায় র্থা ব্যয় দীলভার বে গ্র-ভিব: দ করিয়া জাসিভেছি, ভিনি ভাষা যু किं, नव बालाः। बीकात कतिता लहेतारकत। धर्यटक जाश्मातिक विवटतत्र महिक मिलिक ৰবিলে আময়া যে খনিষ্ট খণৱা করিখা हिलाम, किसि काश नमूलक विलेश चीका त्र कतिशारंद्य । धर्यटक चारवाम & ट्याटक পথা বসিত করিলে ভাছার মহন্ত্র ও ঔদায়া थाटक ना विलिहा आमन्ना व्य पहरनाश्रमात्र করিরাছিলাম, তিনি ভাহা বুজিনহ্বলিয়া এহণ করিয়াছেন। ভবে আর ওাঁহার স-हिड आयानिटलत मरखत सरेनका वि ? जारकता त अनुकाम आवड कतिवारकम, णाहा रहेरल खेलिथिक जसूमान लावकान घष्टिवात जडावना चाटह विनिहारे चानता এক আপত্তি করিতৈছি।

अक्षी विनरत (क्वत चीहारक चाना निरशत मरणत अनूरमामनकाती रमशा वा रेटक्टर मा। त्र जनमूदमानद्वत कात्रव आ मानिरभत धारे ताथ कत्र, त्म विवर्ध किनि এখনও পথার আমাদিশের অভি?!য় दु केटक ल दबन माहे। चिनि घटन कतिहा (इन, जामना नकलाक कहे छेनाम हि त्डिहि त्य (कह धर्षांक नश्नांत्र नहत्त्व म) षानिम्र (क्वल मत्नाभएश तःएश्न । षामा क्टिन्त (म अक्टिश्रास महा। धर्मारक पहि त्रशाह मन्द्रस्त ना चाना यात्र, उन्हाहा अन তের কি উরতি সম্ভাবনা আছে ৷ ব্রান্ম थर्षटक एवं मन्मात्र मस्टब्स चानिएक इहेटव. चिष्वस्य मश्मग्न कि । चरव द्धारकता स्व প্রকাব এক পুনাগত অনুষ্ঠান সৃষ্টি করিয়া সংবার সহজে আমিতে চাহিতেছেন, আ মরা সেরূপে আনিছে চাহিভেছি না ৷ चार्वापरभन्न वक्त थरे, द्वाक्षधर्क कानूरपन वावकीत कारवा ब्र जाननकर्छ। चुक्न व्हे वंश्वी क्ष कांक कतिए इहेरव ; वानूरवत्र वंश्वन स्व कार्या श्रवृष्ठि कविरव, वंश्वहे वाहारक काविष्ठ इहेरव खान्न वर्ष कांहात अबुर्थ मश्रातमान कारहन ; कांहात कां विश्व भरवत्र क्ष्माज किक्य कतिराम १/६ क्यां वश्वकांत्री इहेरक इहेरर । अहे किखा नित्तकत्र मानूरवत्र क्ष्माज श्रावमीत पत्र १ क्यां हेशहे कि अक्यांज श्रावमीत पत्र १ क्यां एक मसूपात स्वारकत्वे यवि धर्म अहे-वश पृष्ठ केंद्व बारक, रुक्ष्म श्रावह क्षित्र व्यक्ति श्रावह व्यवि श्रावह क्षित्र व्यक्ति व्यक्ति कांक्रिया क्ष्मान स्व व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति कांक्र व्यक्ति श्रावह क्षित्र व्यक्ति व्यक्ति वाह्य व्यक्ति व्

বিরর সম্পাদকের আর আর কথার উত্তর হামে আমাদিগের ইম্ছা নাই। বুখা তর্ক ও উপহাস রসিকতা প্রাদর্শন করিয়া জরলাত করিবার নিমিন্ত আমর। এ বিচারে প্রবৃত্ত হই নাই, ততিপয় ব্রাদ্য আতি বুলতঃ অকিঞ্চিৎকর অনর্থসূল মুত্রবিধ অনুষ্ঠান প্রবৃত্তিক করিয়া জগ তের অনিতি সাধ্যম প্রবৃত্ত হইয়াছেন। কেই আতি নিরাকরণই আমাদিগের এই বিচার প্রবৃত্তির করেণ।

वाहा हर्केक, आमता है । अतान नित्रदात निवर्ष कि विद्यान नित्रदात निवर्ष कि विद्यान निवर्ष हरेगाम, किन्नि ति विद्या कि विद्या क

खेशगरहात च्हान हेखिशान विवृत्त म म्भामकरक खामानिश्वत मित्रत खनु वाथ अहे, जिनि यम खात खनूहिक खनू । काती खाक्कनिरात शक ममर्थन कति । हानिश्वरक खादगानिक मा करतन।

ভাক্ষিণির র্থা অনুষ্ঠানের' আলোহে কাল হরণ করিবার সমর বর, জাঁহাদিগোর জক্ষে অবেক মহৎ কর্জব্য সাধনের ভার পতিত হইরাছে। জাঁহারা সেই সকল বিষয়ে মনোনিবেশ করুন।

এতকেশীরবিগের সবলকার ক্ইবার উপায়।

আনিৰ ভোজন বিশ্লোধিশ, আর ভুটা আ-পত্তি করিয়া থাকেন। **প্রবস**, যাংসাহা**রে জি**-ষংগো প্ৰভৃতি নিত্ৰই প্ৰান্তির প্ৰবলতা হয়। विजीत, उंशिकिवीयी विचित्र क्षेत्रका शहेंब्री भारक। देशंत नश्किक फेस्त्र अहे, आवता জগতের প্রায় ধাবতীয় লোককে জামিব ভোজী দেখিতে পাই, কেং মংস্য কেছ বা প্ৰ পঞ্চামির মাংস ভোজন করেন, আমি-বাশির সহিত নিরানিবাশির সংখ্যা করিলে जनरू निवानियांनी नाई यनिरंत जा शुक्ति हत् न। क्लि जानही जगरण लेगहिकीया इंडिय হাস ও জিঘাংসা, বৃত্তির প্রবলতা কেবিডে शाहे मा। छटन दर हम्भ काम, शाद्ध क्टरन म नरत नवत्त्र जियांश्ना इंडिटक यनवंडी स्त्रथा বার, তাবার কারণ স্বতন্ত্র। জগতের সমুদার লোকে আবিণ ভোজন জ্যাগ করিলেও ঐবাপ দেখা ৰাইত। ৰখন আমাদিণের ক্লোখাদি আছে, তখন উহার কারণের কি অগলতি আছে? খাদা জব্য বে কারণ নর এবনও নয় ৷ কোন কোন প্রব্য আহার করিলে কামে প্রেক হয়, জাব কোন কোন দ্রব্য জন্ধ করিলে **ज्याध अधि एक । अरे निवसालमाद्र का श्मार्थ।** त फॅर्क्सनजा, नारन टेस्माननीयजा ब উঞ্ভানির রশ্বিইরা থাকে আর নিরামিশ আহ'রে, 'তীৰুতা, ক্লেসহনে কাতন্ত্ৰা, স্থান भा अज़ुष्डि अवस स्य (> । विभा लनीममाप्तित স্নাভিরেকে ইহার বহু ব্যতিক্রম শক্ষিত হ বঁরা থাকে। বিদ্যাচন্দ্র অপতা হেছু ভীরু-দাভিদ্যিণর শঠত। প্রভাবণাদি অভি নীচ इंखि नकरमह आहरीय हुए क्य, जात छैठा थकार झाछिप्रिश्वत निर्वे बाध्यन अवृष्टि द

(১) বাছ বস্তার সহিত বানব প্রাকৃতির স্থান্থ বিচার প্রথম ভাগোর ২০১৩ ২০৪ র পাত দেখিবেন।

वल (क्या बाह्र। विकास केत्रक स्कूर्ण केन्द्र-हरे : वहायेच द्यांच कू । न बहैदक श्रीद्रक है , ग-কারুরে উত্তাহতার কাজিবিবে**ট**্রের এইট্রুব रर तन क्षतान भाव, कीक व्यक्तिकार कीकी প্রভাগ পার না। ইহা এক প্রভার নি वाका ता केमध्यक्तियांचारका विकासि त्यक्ष केशांका, समा, विश्वकटाणि व উচার ওবে বিভূষিত চুট হয়, গৃহক প্রের স্থ জাতিরা নেৰূপ নর। (২) পূর্বে উক্স ইয়াংক দে উত্তিক অপেকা আমিৰে অভিন্ত ह केक भवार्य चारह। अक्शवसाह, र स्त्री প্রভাগ জাতিরা অধিকতর সন্ধা, করা, ক্রান্ দির পরিচয় প্রদান করিয়া পাকে সামি ক্রিট্রি व्यापना बाध्यम वयन केन कर शहास्त्रितिक जत जाटह क्षत्रां स्टेबाटहा जनम कार्य होता য় প্ৰায়ত লাখ প্ৰকৃতিত এত লেগবাদিক চুল পরিবিত আবিষ ভক্ষণ করিলে জনিই না श्रा दर अधिक हेडेलाक बहेदर कविश्रास नृहत्त्री 909

अक्टन जावता गांतात्मत जांक्यक विश्व श्रमणंत छ शुनवर्गत श्रद्ध रहेगात । क्यांनिक श्रमणंत जांताविद्यत भातीतिक व्यक्ति प्रथा कांत्रण वित्रता शतिविक व्यक्ति। द्रम् निष्ठ अ वारम्हणनीत ज्यव्यानिवक्कत जांता

क हहेरव धावर बारमराणनी स्वतंत श्री हहेरव कमश्रमारत नातीतिक वन विक अक्षिपरत प्रविशाक काक्षम (०) जा स्टूड्स मारहव वाद्या वरनम खाद्याम स्कांत स्वान कार्य नाठेकविरतार स्वाहतार्थ जावता मिरद केंद्र क स्त्रिनाव। स्विन वरनम " मर्कन बारमराणनीत्र मश्रामम बाह्या जावता बीवन यात्र क्रिये स्वित्र केंद्र महन बारमराणनी व.ता निवार

(২) শান্তক প্রকৃতিত লোকে বাজনা বি চর উচ্চতর গুলে বিভূষিত হর না বলিয়া কি প্রথাবাহিত কাতির অপক্ষাহণে অসমর্থক ক ইয়া ভাষার লোগ কভিনে আপ্রাশাস ক্ষান্ত ভূমা করে।

⁽৩) জাহার নির্চিত কিজিয়লজি ব লাবেত টু হে স্ব এও এড কেশন সামক গু লেবিবেন।

প্রবাদ প্রভৃতি ক্রিয়া সম্পাদিত হইতেছে, ভাষাতা যদি করেক নিমেব কাল দ্ববিষ্য ।কে সাহা হট্**লে অবিনাৰে মৃত্যু উপত্তিত হয়।** এংগপে**শীর সহায়তা ব্যতিরেকে মনু**ল্যের দুচপ্ৰতিক্ষতা ও মানসিক উচ্চতন্ত্ৰ ভাব স্কল কাৰ্য্যে কখনই পরিণত হইতে পারে না। न महान ७ वम् विद्यान ५वर जनाना वा রতর ক্লেশে পতিত হইরা মনুষ্য মাংসংপদীর यह वाजित्वत्व कोव कारत (वष्ट्रमा ध्वकान क. ब्रिट्ड मबर्व रम्न ना। यारमर्थनीत स्था-नंदन व्यापना भानीतिक वन व्यास हरे। কোন একটা মাংসপেশী পরিমিত বাপে স-খালিও ষ্ট্রে ভাহাতে অধিক পরিবিভ র-ক্ষে<mark>র স্লোড প্র</mark>বাহিত হয় প্রতরাং ভাহার লবন্ধৰ 🕶 শূৰুতা প্ৰভৃতি বৃদ্ধি হয়। পরি-ा, अर्था निवस्ति क्वन वारम्लामी सू-াহতি প্রাঞ্বর এষড় নহে, রজেরও পরিষাণ হাস হয়। সাংসংগদীর হথের রু. স্কাধার সকল সংস্থাপিত রুছিয়াট্ছ, মাংসপে-শীর সঞ্চালনে সেই সকল রাজাখার হইতে শোণিত মিৰ্গত হইবা বেগৰতী জ্যোতস্বতী-त्र गात्र भरीद्रष्ट माना चाटन व्यवस्थि द्य। ংসপেদী ও রক্ত এই ছুই পদাতর্থর পর -पना कान वर्षाक नम्नदर्गात व स्व ना । भो नकानिज बहेरन महीत मरश तक র বেগ ও পরিষাপ র্ক্ষি হয় : রক্তা প্র খুদ্ধ ৰ পরিমাণ রব্ধি ইইলে যে যে ছানে বিক্ এীআ ৪ বৰা কালে অপা—ব্যায়াম ক ক্রানা স্থানিত হর সেই সকল ছান পুঠ রিলে আশাধিক ইও বললাও হর। উদাহরণ মর 🚉 পরিখন করিলে রক্তের পুষ্টিসাধক 'কিংশর <u>ছ</u>াস হয় সেট ক্ষতি পুরাণ করিবার ैक्कुमा प्यक्षिक शतियाए। ভোজন क तिएक स्त्र । 'সেই অভিব্লিক্ত আহার পবিশাক ক্রিবার · জন্য কুৰা ৩০ পাকশক্তি হন্তি হয় i মুজন শোণিত এই,প্রকারে প্রাথ্য হট্য। শীত্র শো-'খিত হইবে মালিয়া পরিখেন কাংলে 'আমাদি'-भत्र नियान श्रीमान त्रवि रहा। अहे बरण त्या-ণড শাে্ধিড হইরা শরীরশ্ব সম্বস্ত অভ প্র ... न श्फ्न वन बीवा आर्थ रह स्फ्रांर मञ् ा पश्चिक्त श्रीकात शूर्वक कःवा क्रिट्ड

পদ এজ, খাখারোহণ, ব্যারাম প্রভৃতি

पर्व, इस्र । अ

নানা উপায় খারা শরীর সকালিত হট্যা থা-(क) देशक मध्य मनकिया चात्र। माःमर्शनी नर्कारभक्ता क्षिक्षक हुद्र व्या भारीत विधान বিং পণ্ডিতেরা সুস্পর্ট ব্যূপে ইহার কারণ নি-র্ফেশ করিয়াছেন। বিখ্যাত আভ কুব সাহেব बरलन " शतिश्रंष कारन माना क्षकारत वेड শর্গর সঞ্চালিত হইবে, তত ডিম ডিম মাংস (अभीत भाविक द्वा बुद्धि इहेटव नग्नांत्र मार সপেশী সঞ্চানিত ना दहेल वाङ्गिত करना-(छत्र मञ्जाबन। थारक मा। भत्रीरत्रत्र (य ज्यब-পরিশ্রম করিবে কেবশ সেই অলেব মা সেপে-भी जकन जव्यानिक इट्रेटन। किन्न भंतीरतत्र এক শব্দ নিয়ত সঞ্চালিত হইলে সেই আদের मारमर्थभी आह ७ पूर्वत ब्हेबा भट ए कथन পরিশ্রম, কথম বিঞাল এই নির্মানুসারে यारमाणभोजिभाक मध्यातिष्ठ कतिरत महीत স্থাত্ত বলিষ্ঠ হয়। "ব্যায়াখের অক্যাস ই.-द। कुथ मारश्रवत अहे मकल छेलरमण रव कल পালন করা হন, অন্য কোন প্রকার পারীর প दिख्य बाता मिक्श कत्र ना । वारात्री कथन কুন্ডির আথড়ায় গমন করিয়:ছেন ভাঁচার। জামালিগের মডের পোবকড়। করিবেন সন্দে र म'हे। अरण्य व द्रोक्तित्र कान्नाद्र (३) ৰ ৰোগ বেৰন প্ৰাত্যক ভুট বন্ধ সেৰাণ | খ্যায়ান করা হয় ভাহাতে প্রাতিত কল লা-ভের সন্তাবনা অব্দ, প্রাত্ত্যুত্ত কথন কথন অ निष्ठे बहेता थाएक। क्यान मीक कारन मा क विवा, क्षेत्रि कियम क्षेत्राख-भीख कारम क वक्षण अक्षा विषय्भन्न छेट्टच कन्ना राहेरछट्ट अरहरभव अस जन्नताक वान्याविध इङ्क्रेभ বংসর বস্থাক্রান পায়াস্ত আন্তঃস্ত রুশ ও তুর্কল क्टिनन । ५६ वरमद्भन्न जनम् फिनि गानाम আরম্ভ করিলেন। ডিনি যে বংসর কুন্তি-র আখড়ার প্রবেশ করিয়াছিলেন ভাষা-य शत बरनदा डांशांत्र भवीत अमि अभे**उ** । স্বল হইয়া উঠিল দেখিয়া একটা বাঁরের মত বোধ হইতে লাগিল। ভাছার অবয়ব র্জির

ह बांबानि विराध बर्ध व्यक्त न लारक ব্যারাখাজ্যাস করিয়া থাকেন, বাঁহায়া সুজি करबन डीशिंग्टनत बर्थः करनरकरें क्विन भी ७ कारन करवन ।

मर्क मरक, मार्म शत्ना विवक्त विकार डेवा উद्वित । धन्द्रका स्थाव विकी देवाह्व श्र-कर्षन ज्यांचन, क रहेग। अक वास्ति वानाकान জাবধি স)বিধান আভাগে করেন। ৮০ বংসর वदाक्षण कारम आह गालाली मारबहरे महीत লে, শ হয়। বি ন্ত উলিপিত বা, ক্রির ভালীতি वरमद्भव भा रह थांक हिंदिन मा कवित्र কেবল শরীে ৰ প্রতি দৃষ্টিপাত করিলে ডাঁ **राटक १० वा ४६ वर्गरवृत्र काधिक धतुक दिल** য়া বোধ হইত না ় ! তিনি সেই 🚂 🕯 বৃদ্ধাৰ-স্থায়ও অপ পরিবাণে ফুডি কবিডেন।

পরিশ্রন কালে চিত্রে প্রান্তরা ও উৎপাত থাকা অভিশয় আবশ্যক। আৰু বিগের মনের অবস্থার প্রতি পরিশ্রমের কলাকল **অ**নেঞ পরিমাণে নির্ভর করে ' এ চিষ্ট্রে কুছ সাচে ৰ ধে কথা বলিয়াছেন ভাষা একলে উদ্ধ ভ হইডেছে। পরিশ্রামর শুক্ত কর ভোগেব কারণ আমালিকের মনোমধ্যে নি.হিড জাঙে, ভাগার প্রতি হতাদ্ব হইয়া পরিশ্রম করিলে আমাদিগের শ্রীরকে প্রবেদনা করা হয়। बारभएगभी जकत बरनज्ञ कारीन । बरनज्ञ काः का बहन कविवाद सन्। छ। बाह्य एडे श्रीप्र!-ছে। ৯ কুব সাহেব এট মতলোবৰ একট मुद्रोक अन्तर्भन कतिसारहर्मा। जिनि वरान भ **्या त्रभरकरक यथन गडा छेशक्रिक ना या** ফিত করাশী সেনাগণ নিরুশ্য ও ডুক্স সূত্র ছউত। কি**ন্তু কুলিয়দিগের** :তাগ্দান তাগ-किरगात् कर कुश्रद्ध धारतम कविया म'अ छ हो া রা যেন কোৰ। হইতে প্রতন বল প্রাপ্ত ইইড। কিয়ংক্রপ পুর্বে ডাহারা যে সমস্ত গল্প বহন করিতে ক্তান কেশ বোধ করিত, স্বয়ান यहरम भारत कि एक का मान के 5 महार राज নিকেণ করিত।

चित्रः अन्त्र, वल, लहीरतह **अवका** अवः পুর্ব্বাক্তাস, এ গর্মায়ের অনুসারে পরিবাদ করা উচিত 🐃 এ এক'র নিয়ম অবলয়ন 🍜 ব্লিবার কারণ কুম সাহেব স্থাপারবাণে লিখি রাছেন। জিনি বলেন " শরীর অনবরত খ ८ ও शूर्व इट्रेएड(इ: यथन कान मान शतियन

विशास आयोग जाम हामनाधि निव क्षेत्र नदीत क्य अनः आदावादि वाता पुढे २३ बादकः

কুম সাহের আরে, ব পন " যে এক দিনের কান্ডিরিকে পরিশ্রম নাগ্রন কখন কখন চিব-কালের জন্য মারী কি এর শানেক যুখা পু কাম শিকার কালে "ম' গ্রিক পারিশ্রম করিব। কায় ব্যোগাজাত হচ্যাব্রন স

काना का किए रेन रेने में बारासी खड़ा विक শ্ৰ আমে দিছোয় े 8 अत्याम महस्रात कारण केकात। इक्षरण्य मुख्यानिविद्यान गांच मोन्मदलली तत जनवाति कियाप्र शुद 🗨 ब्रुज मा । हैश्युष्ट 🗸 एवानी अक्कुण्डि खाँडि-किर्मय च्यालाम स्था नुका । जावि करिया च्चारमाम गर्छ न माजून जामवा मानिमीकित्त्रद्र गुष्टा धर्मन कत्रियी नाम पुष्ठ করি ! ই°রাক্ষেরা বলা পশু ্দাতি শিকারে অয়ং প্রার্ড ছল, চিড্র জ্মানা; নিন্র (৮জী भौते अन्य यन्तिकहित्त बहुद्राधीरस्ता नि লিয়ন্ত লা - বন, ও নৌচ্চন শুভুতি किन्तरिय भाव*ञ्चल "अ"मद्रा वश्चन* खालमार भ **कार्य कर्यद्र र ज्यांना १८८ घर ३** বলাস্বাদনে বিতা ২১ : , ' ব্যেলসের ইন্ডর लाहकद्रोड ,पाहराइन कविन आध्यकि स खाल कतिशं श (क কৰ ন**াকি আ**ণিচা। লে সংলে গোমাল কি **ब्राव कामाजित्**धव , य तीरी ६थ्वि २**३८४, ए**व न•क आह्यांक मह्यांच दोद्रों ख्यांति नीः विकित्रमा क्रेब्रा हिट 🖓 उँ एउँ १४ मार्थन अस्मय রুশ্বি এইবে, যে সকল আনেনি বসাবাদন ছ'ব, कांच्या भागत्य। एक कार्य अधि। न राज्य रहेन, বেশ সমস্ত আবোলে উপেক' ক বর। আমর। ৰলক্ষ্য ও ভাষা হাক্ষী খামোদ ক্ৰিয়ৰি প্ৰৱন্ত कडेव: बांकि।

মুতন গ্ৰন্থ

অ মরা ক্তজ্ঞতা সহকারে স্বীকার করি তেটি, নিম্ন নিখিত গ্রন্থ গুলি জামাদিগের স্থাত হইরাছে।

- া পারন। প্রশালী প্রবন্ধ। ঐর্ক বেবারণ গোষওরের সাহেব পে রালিনির প্রথালী অবলম্বন করিয়া এড॰ প্রথান করিয়া ক্রেন। এবেশের যে সকল যাক্তি নিক্ষকতা কা-বের নিয়ে ক্রিড কার্ছেন শ্রেলিগের অনে-কে পারনা প্রথালী স্বোত নকেন। এই গ্রন্ত তারা নিরের উপকার কারী কইবে; বোমও রের সাহেব ক্রম্মণির লোক। কিন্তু তিনি রুচ নায় অনেক বালালিকে প্রাক্তর করিয়াছেন।
- >। প্রথম পাঠনা পুস্তকের প্রথম ভাগ। ইমাও উক্ত রেবরেশের প্রণ ভা
- ২। শীণ্ড বাব কুশদের পাল প্রশ্তিরা-নায়ণনারসংগ্রহ ইনতে রামন্ত্রান্ত সং কেপে নিখিত হইরাহে গ
- । মহাকৰি জীহৰ্বদেৰ রচিত সংখ্ ত নৈ
 বধ চরিতের বাজলা আছৰ'ল। জীমৃক্ত বাবুজগভজ বজুমদার এই অনুষাদ কৰিয়াছেল।

 । যশ্মশিকা। গ্রন্থকাৰের নাম নাই। বা

 ক্ষেপ্তি সংক্রান্ত করেকটা বিষয় ইণাতে নিবিত

 হটবাছে

 । ১০০
- শিসী হা টন স্থেপ। জীম্ফ খাগু জারিনীচরণ
 । নি চক্রমের্ল শৈ আজল টনস প্রকার বুক নামক
 । উতি বহি সইতে অমুখান করিয়া ইয়, প্রচারিত
 ভালা বির্যাহেন। সাসেবিকার যে নিউর দাস ব,ব
 ইয়াব বার আহেন নিউ ইণ্ট ভালা অনলখন করিইত্রা। গাবে এফ রচন। করেন ইয়া ভালার সার

 সংগ্রহ মাত্র।

আগত। ৩০ন ১০ট শাস্থন ১২৬১ :

চাকানগতে পাগত। ও চোর সৃষ্টি গারদ আছে আমি এক দিবল পাগলা গারদে গিয়া দেখিলাম কোন দিকে কডগুলি পুক্ষ বস্তু পুনা তটক গগৰের মুর্ত্তি থারণ পূর্কক ইতস্ততঃ অমণ করিডেচে, কোন দিকে কেহ শিরে করামাত ও হালানার করিছা রোদন ামণ কেহ বা ভাষার পাব নামেই টুগাল, কনি-

তেত্বে কড ওলি উপ্লিক্তে মধুন 'প্ৰিচ্ছেপ क प्रकारा अर्थान क्रिडिड्ड, रक्ट क्र ৰ প্ৰণতি পূৰ্বাক কব্দি ভাবে **স্থানাটা** য়া তব করিতেছে। **এখানে এক্লান্** না ক্লানের ছাত্র আছেন। আঙ্গি এই 'সঙ্ও পদার্থ দেখিতে দেখিতে **টিউ**ট্টি রেব নিকট গমন করিডে**ছি এখন প্র**য়ে ণ্ডি পাগল আমার নিকটে **আ[†]দিয়া বি** ধুলি ভক্ষণ ও মন্তকে ধারণ পুর্বাক কর रहेता नगुर्य प्रधात्रमान चाकिन ভাষার আকার প্রকার কেখিয়া া ब्हेन दय दिवन किंदिन व्यविश्व 'डांशाटक मडे कतिबाट**ए। शटह ए**ई য়ের নিকট অবগত হইলাম ক্তা আরোগ্য লাভ করিরা হতে গমৰ পদান্তরে কতকওলি প্রবিধীনট্রয়েট্র ব্লাৰ্হিডে দেখা গেল ভবান 🤒 **३৮৮ शुक्रम प्यारह । উक्त स्रोमद्वर्श** টি জ্রীলোক ব্যক্তিচার জোবে সুরুত জ্ ল হইরা গিরাছে: ইহার বাল জায় विवादश्त व्यवस्थि शद्वहे विश्व সভব্ৰ বংসৱ বয়ংক্ৰম কাল্টে আৰ সক্ত হইয়া ততুপলকে গর্ভ হয়। বী নিত জনহত্য। পাপে উপেকা স্থা নত্ত করিয়া ফেলিলে ভঙ্গৰ্থি জীৰ্মা রোগ জমে। পরে ইহাকে বা**লি**ছে निभिष्य शक्रमनिद्रशत अलाख , किह्नी ছিল किन्न गरून **१**३म ना । **ऐ**नि बी বহিন্ত ঘটয়া নানা আন আমণ 'পুৰ্বাল শেষে আসাম অথতো প্রবেশ করিয়া কোনী পুরে একটি শিশু সম্ভান ছন্ত্যা করেন 🍇 হত্যাঝাও উপস্থিত হইলে রাজ্য भुष्ठ कतिया यावध्यीयरमप्र निमिन्न अहे हा লা গারদে বন্ধ করিয়া রাখিয়াবেট্টি ইহার বয়স প্রায় ৫০ বংসর, আবিশ कब्रिटएंड हेक्डा च्याट्ड। यानावा विश्वा काण जनरा जनरहान क्षेत्रा क्षेत्र नामित्राटक छिट दिश्य कडतन खाँशाहाँ "पि ख अवन्यात्र विरवहना कतिया समून বিবাহের অভাবে পাণস্থোড জারক পরিমানে প্রবাহিত হইতৈছে ।

। के कि नामकि 2. विशासनी नगां

्छ भारत्व छावकवार्य श्रकाहिङ व्हेश भूनकीवा वाव खरवें। वाव शायक मछात स्थानक महस्ताह अपन अपन करियादिन ।

लगमान राज्यम अवस्थिताय रिट्यानियम ब्रह्मन अस्तातात्रकांत्री मीत्रकत काहि। र्त । श्रविष्ठ केलेखालीय दबिकामान्त्रेव ूर्छन्छ रमगुण्यन्ते व्याव, अम. वनार्षे मनरक सार्ड क्रियांट् ।

ানিজ্যে নামে ৰীত্ৰই একটা কালেক প্ৰতিষ্ঠিত इडेट्र ।

উক্ত পত্ৰ আছে। বলেন ত্ৰিপুরার রাজ। গারে। টী: কচকণ্ডলি লে'ককে একত্র করিব: আৰ ও লুঠ করি:ভছেন।

वक्षजाहित बरमन यानामी अना करणन गर्वात्र मञ्ज्ञात्व हि आक मण्यूर्ग इकेटर ।

कृतिको निष्ठेत यश्चन छ।कदि ध्यांच नयुक्ति ইণাক্ষ এৰ অগ্নিষ্টৰ জন্মন্থ হইয়া গি-

२३व टेक्स सूधवात ।

≓- श्रीतङ्ग दश्यम लाख्याशास्त्रत प्र**र्जक नि**w.g. महात रमस्किमित मधान ह • • • • होका _{अय} क्षित्रश्चित्र ।

থোপথোপ নিহম হইয়াছে।

উক্ত পত্ৰ আহো বলেন কুণ্ড মোনাইটা 'পভার বে করেক সভা ভারতবর্ষের বিষয় কানি-शार जमा देशमध इंदेटल चानिवार्ट्सन, जीवाता **এখন আ** গ্ৰায় উপস্থিত হ**ই**য় ছেন।

- ২৪৭ বেক্তমারি পোলাভীমেরা স্কলিয়দি-পগর সহিত্ত এক যুদ্ধে অয়ী মইয়াছে। রুসিয়ের। ्र अभिद्रा मीक्षा পরিভাগে পুরংগর শলায়ন করি-4 ATCH I
- 😛 আলাহাব্দ থেকেট বলেন সাহপুর হটতে ক্রি**ব্রপুর পর্যন্ত** বেলাওরে সলসূর্ণ ইউরাছে। াৰির খাটে নর্শাদ। নদীন সেতু জাবস্তু ভই A. 7.1

31 रअब टेडिंग इंड ल्ल्सिंट व व

(शंशांत देखि मायक (प राक्तिक विध्योह ्रीक्ष च्छाकाती, निवद्य भूट कराव्य, उँ।शह भवारधन काम अवाय न। शांख्याया संश्वारण कत्। प्रदेशात्सः !

(नामामाद्वय उभागमाम (त्रमम हेर्यामा वेश्व क्या लक्षात्वत्र कृषित्रवाक मृत्रिलय इब्बंब बडेग्र'रहत । दीवांत्रा संबीकार त कृत्य গতে পুরস্কান জিবার ছোবণকৈবিত্র মিয়া-। श्रीक्ष विकार एक हक दर भर करा । है-

তেছে। এ চমেশীয় এক ব্যক্তি তত্বাবধায়ক চই-शासन । ऐक शास्त्र विशक्ष नीश क्रमिक (इ : किस स्टाबन विवद खबाब महोता ७ वटनाः-

ভারতবর্ষ হটতে ভুলা লইছ: বাটবার জনা এक कड़ानी जाम्मानि वहेश्व हम । फड़डा पर र्गरम-छ एँ। वाक्षितभव मवाबुद्धा कविषया। कर्यक उक्त शब बारता वालन कारकोटक लार्क माना-विकास कारका विसन कुना कारक या-रेटडाइ। या वा व्यक्ति यथार्थ भूमा प्रिटम (क्यम म। ध । प्राप्त जुल। कर्या ।

> नीमनिवि ड बक्रान ३. ७१, १०५। नित्यांना হ্বল আছে। ভত্ৰভা স্থপরিটেওাট বলেন गर्स्माक हुम्मि आंग्र श्रीष्ठ व्या क्षेत्र व्हेबारह । এই চাৰ বে'ৰ ছয় এবাৰ রুখ। इ है दि न।। দার-किनि.८७व निरक्षांना हुक नकरलव कि क्रेन २

মান্ত্ৰ জেব প্ৰথমেত্য বিচারালয়ের বিচা রণাতবা জেলতা প্রধানটক ভানাইয়াছি-লেন দ্বিটার শ্রেণীর অধীন মাজিটে,টেরা জা-ইনের মর্মানা বুরিয়া থার সামান্য করেণে অপ্ৰাধীদিগাক দেশিয়নে সমৰ্থণ কৰেন। জ ख्या को को वा बरमान एक शबर्ग (या को का का कि मार्क ১৯ ধার ছুদানে অচিহ্নিত কর্মচাবিদিগকে मीति द्यारको परकाम वाक्यप्रजनाव महत्त्व ध्यानहात्र ७ जार्चा १ व कमा मानूगढ कवियान क्रमका डीइरिएरगर इट्ड नगर्गन करत्न । सर्-ीं शकी जीविधियां बाटसम्म अस्य कविद्योश्चिम. क्षिक् श्रमहान्त्र राख्यिता भवनीयत निकाम ख'-পীল ক্রতে পারিবেন। চিক্লিডের। কি জন अभिन ब्रुटि उ

> मालाक अवर्रायको सम वर्भाष्ट्रक स्थार १८० । स्विश्वित्व स्थानक काँछ कविद्याः ह বিশান্ত্রমিণত নিজে সিজোনাণ চাব করিবেন। यातक काष्ट्रिकव अञ्चार्के स्व, कुर्न अ महीसारव **बहेह व क**्व. उरहर ।

व्ययक्षाक्ष व्यवह द्या निवादन कविष्य अविषे अक्ति अक्तिका क्रियान कना টৱম উপায় উদ্ভাবিত হটছাছে । সম্প্ৰতি এক भही शास्त्रत कृष्भ अवहि गुड निखर दमन वृष् म्ख्याटा छन्छ। क्रोक्सार अब अस प्रकेरम शाव श्रीय शिवनांत करण प्रभानां र्यायन करवा (महे प्रकेश्वर वाकाश्वरात्व अक विश्व, श्व ছন্ত্রান্তে সে আপ্রার চরিত্র ছোর জীকার করে किन्द्र मधानहित्क वश कविवाव विषय खीकांत्र करव লার। তারার পুত্র বলিকা সে সম্ভানটির ফান্দ पुनि आरण क्रिशिक्षिण : वे लीक्षारकर मन বংসত মেখাল ছইয়াছে: ভগাপি বিধবা বিবাদ अन्तिष स्टेंश्लर् मा।

त्मकत् वार्**क वक्षतानीय वृध्धितम्**भटक करियाः प्रायाद्वास्य एवं क्रेश्नीसर्वण कर्षकः क्षेत्र्याः । (१५५ कार्याह्मस्याद्वारथ वट र महस्य किर्मासन्यास

किटलब गितका । दिनाकारात क्या भवर्यस्य है किकिश अर्थ क्रिशाहिन। नव कर्का कृतांत बरणः ন ভত্ততা লোকের অভিশয় সছব্রিত প্রিপ্রাধী ও প্ৰিছঃ।

জ্ঞাণ্টস্থ উ^{ন্}রোপীয় ও এচন্দেশীয়ের: লা:-रक्षमाद्रोदयय मस्त्रविष्णद महायूकोद सन्। ১०७**१** ष्टिका शिकः क[्] याद्यस्य । नाळश्रंकना स्टेट ४ मका अक् ७ ' ० : • ए 'का चा मिगादह ।

निकृत यन उ शांत्रपदांशम नगरनत माणी मब्द्यम् विका से, पेश्यक्ष ह अञ्चल महाटक स्मृति-ৰনে বিচাৰ ছইয় ওঁছোর ৫০০ টাক। জ্বিমান:

কলিকাডাৰ ক্ষিষ্ঠ মা জিটেট রবার্টণ সাহে व भू जित्मन (ए भू) स्मित्रिक्छ। के वाकिवाद मनरम् त्याराय माधक अक वाश्कि एक पानाम्म कः-विश्व- कक्ष कराएक थे बाक्ति अधामहम विश्वान:-লায়ে নাদীশ কবিনা ৩৯০ ট(ক: ক্ষড়ি পুষ্ণ পা केब्रोटक् । दम द्राप्तन जानाग्रिकारद्रोदसन ब्रह्मान्य अहे. त्य द्राव चित्र नार्वेदायंवे बाद्य अक ही का अ-क्क निराष्ट्र कतिएड छ! १४, किन्द्र दन मध्यक्ष दश आ है। छथाति शानान मर्समा छ होन निकार অন্তৰ্গতা কৰি দ, আছু তে ভাষার পিতা নিবন্ধ करेश (यादानाक श्रुक्तित (श्रायन करव, यवष्ठम जाबाटक करमन कटव ' कटब आंग्रामिश्मन विधान शतिका यथाचे काहिन जासूनादन कर्दा कवित्त निका कदिस्का २

> 20 36# B#414 :

नारकोत्र का विश्वन रहलान अक्रमान केल_िन

माञ्चाक है। बेगन बर्गन कामदा वर (भार ह ্ৰথায় অধিত সংখ্যা বালক হাত্ৰা ছইজেছে। ইচ **উৎসৰ দি**বলৈ বাল-চদিপকে অলক্ষাৰ প্ৰাইর

खान्न वर्षीय शवर्राभागीय अस्तानार्थ मन हो ब्रम्भ डेल काक। भिवारक्षक क्षांत्रान्य कि न शर्बत ध्रयांच विध्य शांत व कविके का कर माञ्चरभद ए खब अफ स्राहत विभाग लाहे दबस , विस्थान्त वरमात्र छ। इतिशास्त्र दाः १ १ । 50-00 हैं।का दलक्ष्मा अहै (व) शिविणिया पर दश्र विद्वारष्ट्र विवयम् एव निवय स्थादित छन्छ मीत्र दिव के केरद। खना यूना इटकर स्थ प क दिखान विकिश्मदक्व मार्डे कि.नटें एश ला । ११ शनव मात्र वादमिक प्रम महद्य है। कः ६ १० त्व विश्वास अवेटण गातिहरून, केणात कथिक कांस विक्रमिक वांकिटल कर्ष अधिकात मा। दि

क्या मक्तरक विषास रमञ्जू राष्ट्र । रातस्यव अकाम क्रियाह्म वादर विवास स्थारह्म, स्व काम (अन्तरभव नमन्य कार्य- शता र्रज्य निवि । अहे वानिकाविद्यानस्व छ छ छ छ। हा नाधन भिष्य बहेद न ।

মান্তহোলভাৰ সিঠাৰ লগেলৰ এতিনিধি बिहा करी हिन्दा विभिन्न क बना कर यह

ছটতে কংকন। প্ৰিড জনিব বি 13 भंडारक वटलन ट स्थित श : हात्रका भड थ्यान अपूत्र कर । दिस्स मान्त्र का प्राप्त हेश्यद्धि अञ्चलि के प्रश्विमात तय लिथिया छन खीराया मा श्रायस अंद क्षांबलम डेडरक का उस-माम अब टार्माम न वत खना ए कर पहार कार्ड श्रीमकी इस ने अनत्त्रद (लभः अधीरा गरः ८७ जिल्लाकार्ता मधा विवास प्रदेशाहरून । शक्य श्रामित्म श्रीकृत 'ननफु स्ट्रेडिन स.।

টাইমস ভাৰ উল্নিখার এক দল প্রাণ্ডারত नश्चम अप काम घर भी जीवनाक कार्त करें? कारोज का खाद के ते कि छन । खादनक खादन अक (ब क्रांबल के श्राचार भग्नड केहेरड ह

दिनि भारत। रतन भाजारक उनाउँ ।। MINGIO PERICE .

२७४ देश म निर्देश

अड कला है। डेबर्टिंग कम क्म ध्रु डि छ । भाषांद्रवरक (प्रयान विदेशांहरू।

केशलनमान गरनान आंग्र . १००० है। हा मु-লোম ডুলা জনগঁ: ছইডে বে,মাইয়ে মানিডে-फ्रिया। देशवार जैनमलको अस्तिकाद्वित मःभा स् भ लाभियः नम्मन असारत्म हरेगारह।

श्वामा एके के बार का अर्थ मिलिशाइक. · • • वरतत शायन। नगात (व केश उग्रामक चाब्रिका छ क्रेब्र, माहे : छहन, लागा खरन क्रिटन चा,श्रीत हमदकुष्ठ व होत्यम । श्रीष्ट श्रेष्ठाहरे श्रीव-स स्टिका महकार्य अ श सामिशा २० । २६ भामा बाड़ी अञ्चानामाय कतिए ३६ छ। ३८ दे छे छ दन्ता' ७ किम **भूगेकि मन्द्र महमा वाद्य समस्**व च क्रांतिष्ठा, बाध्यमध्य (छाष्ठे काळशास्त्रिः)

९ लिन्द्रामण्ड करे जनती जान क्रमनाहर क्षेत्र क्षेत्र कृष्टिया Ce जिया है। बक्ति हक्क विश्वना य अवशि नामक धारर अवशि गरू कार्यमध वरे कारक, खाक्रियान को यस द्राणीत रख खत्रा

क्षाणात स्तूष्ट्र हेनत्लाकेत खीतूक माहिन मार्डर भारतीय के न मर्गनार्थ छानामम करिया **अ १७३ कीमडी शमाञ्चलती अधीत नवभित्रिङ** शामिक्षित्रास्मात्राह अयत्र अवनित कशक्ति वा-্লিকার পরীকা এছেব করিয়া অভান্ত সংস্থাব

কনা ভিনি যথেগটিত যত্ত্ব।ন ছটবেন। গ

ইভিয়ান রিক্যাব বলেন সাতিমান স'চেষ कात्रक्षमत महिन्त स प्रयोगमानक अह १ के 'ल- व्यक्तिम सक्षात्र बाबू द्वारवाहम हरकेशिन-খার বাললাদেশের প্রতিনিধি দিবিল অভিটর इडेग्राइन ।

इंडेजाशीव ममाध्य

लखन ३० हे मार्च-नत एक म छ छ दिवास कामधारम गाँउ इन्नेशाधन । हेश्मर्ट्यी পোল ধ্রেম বিষয়ে মধাছত। ছাতা দীয়াং। করিশ্ব প্রভাব করিয়াছেন। তুলা অভ্যন্ত মহার্চ ইয়াছ।

. बडेडेवर्क २९६ (फ्ल्युवार्य --- के प्रश्नित (म वि विश्वानम् महोत्र शहर शहर व्यापन क ब्रह्म हा। मधिनारत्यर तममात्रा (करों कि अ धामानामारक भार किंड कहेगाह ।

नि छेडेगर्क २५ व क्लागाति—मं क्रवाश्त्यक भग रिक्रवर्श ध्याक्तमण कविश्व। क्रेस्ट्रम्भन अस थानि काशक सर्विभाग क्रियोह्म । देखवारत्नत रमनाभव विडेचार्जि का किविशा धार्मशाह्य । गड १९७ मिक्सामित छेलाव ऐखा ११ महा वि-क्षा भाग रका क मिरलन विरक्ष साम जान जान के के हैं। ्छ । श्वनरर्गत्र । २२ है। श्वर शिवियम कहेतार्ह्यः।

> ৯ व मार्च-- (महेम्रारा'र्ग होतन्त्रम इंडे:ख मधाम चा मग्राह्य विद्यास्य। हिवास ७ गाउ-ইতে ভয়লাত কৰিয়াছে।

रम छित विभिन्न ज रमनाता श्रामतीय श्री किंड क्रेग्रेट्स । शिकित क्टेंड्ड दकार मध्य गा। क्या यात्र माहे। क्यांशाम श्वर्गत्मदर्शेत युद्ध मर्-क। ध दिया पनि प्रिन विश्वाह हिंद क्षेट्र एक ।

कारका ১३६ क्लाग्राज्य---स्माशनि का श्चिडिक बागनांक लाभारतत जिल्हे हेत्र छ अध्याज्यः भारत वार्षिक देशान विलयः दर्शादनः क वर्गः निर्मादनः।

बिडेवेशक रे≽थ व्यक्तशादि—श्नाभां छ श-লেক ভাপ্তিলত ও আবক্ষেন্সম স্বর্ধ্য क विशाहन। अहे क्ल कियम्सी त्य (मनाग'ड रत्रवमाहिक र्णार्टे न्यारम कर्ते । त्राम विमाण कवि 可信复可!

मध्य ११ माई--- वेशिवान क्लीनिस गढांव অভিভিত্ত কর্মচারিখিপের আবেদনের বিষয় वि:बहुबा बहेरकरह ।

चार्थिका २० व रच्छा -- मिखेडेवर है-देशन बरलन, यना क्यान श्रवन्यको प्रक्रिनार्थ-(क यकि व्याधीन विश्वाः विशेष करवम कारम विकात शवर्षमध्ये कहे विव्यक्तना कविद्वत दा ভাছায়া লামে বকান সমিত বৃদ্ধ দোৰণ। করিছা विक्षान तो गर्वाप गढ करे क्रग चलुपान करवन त्य कृष्ण बुहेमाराज वर्धा व कार्गश्यक कारीन व्हिष्ठः व्हेकात्र कहिरुक् भौदान । वृक्तिनार्यनत

करणून मछात्र अश्वाद व्हेष्ट एक एक चात्रीकी हुन मान गर्रा व त्य अव दिनते विक्रवारेनदेक चार्की हैं। ৰলিয়, স্বীকার মা করিবেন ক্রথায় সিক্ষিণাংলিক্রী रा बरकरे बारहम जागरक क्या ब्रेड्स की श्चाम कहा वहेरत। उत्तरारामा द्वानीका जिल भिन हानमधेन ७ ८एकामा आक्रमदेश देशकी क्ति उद्या विकृत्र चारा का नीवास क्षेत्रकान व्वेद्यारक । जुलियांचा शाकुष्ति केशकुलेक देवन मकल विभिन्निल महीन क'ल ब्रीविक व्यवदेश है िक्र १८ गाँव निकटि खेलवार्यमा **करमक मीर्याम** त क्व'रक। भाग का जनाम बारकेरमानिक क्या पविचादश्य बादवस्य बाधीहा क्षिप्रदिस्य है

उपनिवास करें के निवास का निवास के कि में त तम है 'शामाधरम धर्मी च कक्षताका महिन Cen । क्रिकेक कनके निवेशी के काल किर्मेशिक ज भक्र इहेरवन ।

লণ্ডন ওরা দার্জ--ইঞ্জিরার আফিনরজির" অবে একথানি আনেম্ব পত্ৰ পালিকিটি मकांत्र ममर्थित व देवाएए।

नव कि. नि गुडेन व नवादिस्य एवं ३५-४० घर-क् हीन त्रम मुर्केटन त्र कर्ष माल्या नाम खाद ! वयन जान जान क्षिका (मजुर क्रिय मा ।

कर्र्याण नर्थ किस्सामा क्यूरिक एत होस्क्रम উত্ত বলিয়াছেন বৰ্দ্ধান সূঠ এগ্ৰে আৰ্থ ভ 🖟 🗥 विकास कतिता दम्खाः अवेदस ।

विद्याः क्यांन्य वालाम्याः सम्बद्ध क्षित्रह अंकितह शांभाजांच करहम, जर्मक्रि न न्यत्नार्थ हिन्द्र नीज, कलिकाखीय नाउँ इंडेट्ब ।

مرو

गवर्षिके विकाशन।

वाक्तारक्ष्मीय राज्यमञ्जाबन्द्रम् चारमणाञ्चनात्री निरम्नाम ।

26-3 मार्ड-- (इयाह्न कि शि किम माद्द विशेश्यम विवारकादगांत स्मिकेत पर् (यम ।

बहेड बन व्य खराकेमध यानाम उन कान को इ (कानाम क क्रिकेट स्वयं करें।

कांशनांशक्ष चांडशांस (कश्री -्बेड क रखन्ते कारमहेत स्थामती मोनenfen to effeteng nifmed con nenge का भावेश्वम । 🍎 🎾

मर्गा विकारमञ्ज एक्ष्मित्र महिना के विकास के काटलकेत (मोलनी महत्राह ज्यालि चैं।১৮७১ खटक २० व्यक्तिहरूर याहा ७०५-४० व्यक्ति ३० व्यक्त देश्वत > धावां कञ्चगारत क्षितीशू तत असे त्या शित्र कथीन माकित्केटहेन कमका भाकेद्रवश्च are केक कार्ट्रानंद के बांद्री क्षत्रुताहन अध्य अञ्च विष्ठातामस्य चामिरात खेलमुख्य भर su वा व्याविशास्त्रिय व्यवस प्रावासुनुष्यास स शाहित्वन अहारता ३५७६ अहेक्ट्रे । २ थोता ७ ३५:३ मध्यत ५%, मिक्स छ वाक्य २३ वादेन वाक्यमहरू सिर्ह्ण

माइ--- ध विमाजिन जारिक २८ शत ग्रा, इनकी ७ वर्नामात्मद मा का है। पेव (Burga)

मार्ट--- (क छ र ल डे त्याल व ल्याल मारक-) विश्व क केट छैठिय। तक्ता ो ब्रा कि बिल १८ श्रमन द्वार ६ है बना। नवस्य बहेष्ठ नि (फारत'क्वें श्रे दिश्व नि भगन कक करेरवन।

न ल्यानियान मध्क व अनिवासी जि दब्बा के भारध्य कि वृद्धिय समा स मि वर्षेष्ठां अल ।

अ मार्ठ--- विश्व अधिक राष्ट्रिका व"रल-भिटिशका क्रेप्स

ाष्ट्रित अ**हेह गर्हे** भारतक है वि मना। भवताक्षा कार ।

श्रीबच्च (स्र)

এ बार्ए -- अक कि बिटल है आहर कि-লতিনিখি মাজিয়েটি ও কলেইর ধইবে-

बाम अपना के से नांग्यन जिल्लान काहेती ুট ও জেপুটা কালেরবের অভিনিধি চ-

'লিউ, এল ডিলি সাংগ্ৰমদীর'ব প্রতি ्रेक्ति मास्त्रिः 🐌 🕏 😘 ८७ श्रीन कालाने व 🤊 -। अबः किक्षेत्रियन कवा हुन्। अक्षाद शत कांव दी श के के दिन ।

প্রেরিত। ' - -

প্রযুক্ত সোম প্রকাশসম্পাদক

बहा नदस्य ।

भाषक मध्येषद्व (दहियी श्रेष क्रिकात स्वयः इ शिकाला नात्य धक्की विचान्छ जान करबर । जवाब : ०। १२ वरबद्ध खडेख ह भवान स्थानकम् भाव स्थान व व कि स्थित াওঁ একটা বংকাল, পংচনালে। ধাকালে ভথা-অনেব গুলি বালৰ দেশীৰ ঋগার শিকিত ोदिम धरः खम्बारः आश्मत्र खर्षिकेत उदश क बामा कता निशाहिम। किन्न ब्रुक्तीना े क्षेत्री शिक्ष केर्बिक कर्न (मार्टकड़ (न हाड़) नामात स्वतामि किहेरे यावशक ब्रिटनन) पार वामकारवार्षि "ताहे गाहेणामांति 'स्म काराजारन पाषिष्ठ भी। जाः छिहा। াখালের প্রোল্লন্ত বে করে ছবেবসা ঘটিবাল্ল বল। । ন।) অধিকাংশ লোপেই অজলি। চুক্:ca क्षा अवर विश्व . शहित्यां, प्राम् विध्यान र्गेष्ठ वामरम कांत्रक ।

मक्रान्त्र । (भन्ने वा या न्त्री करक्रकम अहे दर-ভগায় আবাৰ একটা ৰ জ্বল পাঠদাল। স্থাপ विशास्त्र । भावनामामि खुमबक्राभ जीम-शीव स्त्र यशामन मध्या माध्या ३०० सन 'रेग्नार्ड। ड्राटजन्ना गक्टल्ड बटबाटवान जनमानिक के इटल्डा के कार्य है। वा ्रमहे शांशामानाति व गरम घरन्। या-

रशरकेंद्र विष्ठांद्र मरकाश्च कार्रे आहे. | शी खाइक । शांध्यांकाणि किक्कांक बाकि का अध्यत व्यक्तिक छेत्रनिक प्रश्लावना । क्रियु कि वा--কেংশত বিষয়, সেই জামের ও তৎ পার্ম ভী व्यान के व्याप्त करवे का का किया है। विश्व है किया श्रांख मः मरियात करा प्रदेव श्रीकृष, वेडाप श्राप्त

> কি অপেচ্যোর বিষয় । সভগায়ক মহাশ্র चामामा ोहिक माथाम बच्चनीम बङ्गा कि मानवकारित । इन महत्र आभवा आर्थाना-किल करिया कि उन् (कायश्व क क्येत, कस्रा श ॰ 'बांशकारव रिकाकिक कतित मा संशंही भार कि अहे अछिद्यं आ व्यानामिशक प्रक्रीत का है। ब्रेख क्रिया हुन ३ डेख बडान ब्रुश व क्रिया था-কেন ভাঁচাদি পৰ সন্তান্ত্ৰকে জনিক লেখা পড़) विश्वविश्वव शहास्त्रव जिल्लाहोस्त्र ही। इंक्षिणेटक धेमन खर्चक्ष मियुष्ट्रिन, द्व जाकृत्वा कीवनयादा निर्दर्श बनेटड शाय । किंदु है। डीडोबिंगाव अविदयक क्रमा मधा मांग विकास क्ट्रेटन । शःमाणार्कानके कि विकाशिशक्रास्त्र सूचा Bernall 3

> > म्बर्धि वोश्रुष

ক্ষ্য চিহ অপক্ষণ ভিনঃ

२७० मार्च

ক্তি সোমপ্রকাশসকাসক यट्सप्टब्रम् ।

অ'পনার গত ১১ ই দি নীর গোমপ্রকাশে **'यक्**डभागाग्रहांभितः क्याहिर क्यिशाह्याः' এই আক্ষাত্রত প্রেরিড পর খানি পঠ করির: অ'ব্'লিগের মলে যুগণ্থ বিশার ও কর্ষের উলয় क्षेत्राह्म । अभीक आत्मामश्रामानामक व्यक्त শিक्कित ভারতের ভ্রাবিগণ বে , अकर्डरा । रमर्थारम करमक श्रीम जल रहाक । कार्याहरूप महत्के कहेर्रम वक्ष करुखां शिख ভি'ও আলাকৃত পাপের পরিচর আদান क्षत्रिया जाधाहरणद कान श्लोक्स क्षिर्टश्न केक, विश्वत्यात्र अभावत कवेत्राटक। धावर श्रवस अक्रलम्य श्रद्धमध्य दर उनगाक्क को करा-টবন্ধ জ্বারও ভেদ ক্রিয়া সংস্থার জ্যোতির, भारतीय गरमायत मूर्जि क्षांत्राण कविरक्षाकुन---ইছা হর্ষের নিয়ান। প্রথ্যেরক ভ্রমারী मधानक, स्व मकल रेगकुक ७ चकुछ शास्त्रद জনা অনুতাপ করিয়াছেন, তংগমুদার श है करिया महात्व छ दम्भ हटे हरी वास्ति मा-टबरे विन्यात छ एक्टिंड प्रकेटनम मन्त्राम माहै, কিন্তু বোধ কবি অপ্রাণর আপেকা আদরা उधिया गाउँ क াকিছ বিশেষ জ্ঞানজানা क वर्गाद्धि। दनके विद्यान का नदमन के न-म : । व पटक किथिक क्षेत्रक, धकरन खगवा-भव विदेश शिविद्दर्श । कुषानी महापंत्र निवि-য়াছেন " বে আমার তেজীঘতার অভাব প্রযুক্ত धानात अञ्चातारभ काम। श्रीक्रम कडिएक कर, खाछित जनम जिन्द्रिक वर्षेटक म्प्रेटक " । क्रीवांत /

अधिनाहीत जामर्गंड चान्गाउन्द मनम निवातम করিবার নিতানু ইন্ডা খাছে, ক্ষাডেকবিডা नाहे छवाना करनात क 'ताप कडिकन कतिया। तम मध्यय दक्षित प्रतास मध्य धन रा। बेश्देष के शंत्र नाश्च **अ**गुक्तामाद करू-क्रम व्यक्तिक छात्रव धा o अभा भरशव कि कृ সন্দেহ জাল্পতে ছে ৷ করেণ ভারাল ভেক্ষিড্র न'हे बालक्ष, गांब ई'हार "कृष्ठ 'यक्ष काल धरेका बारक लाइ, ब्रेट्ट म् खाना डिस्साहिल पहे-ধাৰ সম্পূৰ্ণ সন্থাপন ১০০০ ত : ১৩ অন্নতাপ हे शारमंद शाय इन्छ। या 🖂 🚎, यनि ३ 🤃 রার প্রকৃত অমুড°শ ম: হরীয়া থাকে ভলাপি ध्य शतिमारण । येग्नाह्य जावादे आमा मिटनह भटक अञ्च अप्तरक्षत विश्व प्रतामे । भद्रम अ-क्राभित्र गरमित स्य कड शकान जेनारम जा अधिशास की बांच अक्रमाय शाय महिए। याहिएछ-रहन डाक. अध्यां प्रत्यंत कथा वृक्त शमा मर्छ।

खेक कुषायो मह गाधन क्रेशाया **७ श्रांक**. व আলাপাণ শ্বিত পার্তির পক্তর অভ্যাতাংশবন विश्वकता कविटल मान्त्री भि मा मक्राल নলে করেম (শেষন ভেষানী ছ শর সামূৎ লিপি शांक्त) " उँकार अमान्य काठकरमत विभागक किरए। क क क क मांकी श के दन न चवा है। दिने मानी केलाब गाबेदनक ए । कि इ कि खाबदण न विवय, थांका मध्यभागकु । जिताबिक कहेला 😅 कक्षामध् भवरमध्य उत्थ भाभक्षतिः वाश्वाशः न बांदा मण्डल कतिरक्षक्त ।

धक्रदंश प्रश्नित्वरभव क्रियां में महामरपर मश्रीरण अबे का र मान--- स्व फिनि स्व शक्तांत्र म माजार वाफ कविष्ठारस्य एक्पार क वा स्था मा ডিশর প্রিভোগ লাভ করয়াছি, তিলি আব .कम का**ल करणक इत्रेश**। शहर्गरभारतील काण्डि

हाविया चारकना প্ৰৰূপিত প্ৰতিমান্ত্ৰকে আগীয়েডেং কুপ অস্থা অধিকার প্রদান ক্রিরাছেন, ভিনি পতি অনেবই क्षताय भारताय वन क्षताम करि मध्या व्याप्त व्यापत व् जावादिशास्त्र मन्त्रीकृष्ठ कवित्रः दर्शमञ्जीहः। ८५-को कतिरम यस्माहे छ। शनिमान म अमार्कि इ ७ डेनड क इट ड श्रीय। आडबर जार्शिय हान्हा-র প্রতি নির্ভব করি। পাণ কর্ম ছুরীকরণে চে 🖥, कक्कान, केह, इनेटक अञ्चल्ला २१४ वहेटवन। खात्रा करेटल मरखात व्यञ्चरताथ गति छ। म कति-हा कांत्र क्रूब लोकिक অভ্যাথ तकांत्र लगा के कहिएक कहेरतक मधा रहातून अभागीच्या मा राजान करना व्यक्ति धन समर्थन करियारहरून, व्या भनात्म रह् जर्याम लात्निव डेनर माविभाउः প্রদান করিয়াছেন, আপনি লেই ধনামুখারী, क्षमञ्जूषात्री केलटाद्यत सना कीनात सिकी म्यी तिकारस्य। जिस् यास्य क्या वित्रारस्य कार्यत्र निक्र वर्षेट्य क्रक क्रावियोग्ह्न असे गन Cora मन्त्र काशनि अपूर्व क्लून. एक्ट्याडी कार्रा ক্ষুত্র। ভেজালিভা মন বাকিলে কি লে। সর। তেওঁ। बाजा छाबाज श्रमनंत्रक्त महिल्ल नक्तम महि बच्चा कि ब्युट्डिक बेंचे अभिने ? देव देव कीरवीच शिवन यात्रा माने वाक्रीकि वक्रमांक स्व क्षेत्रात (व्यादकर्त, क्षेत्रात व्यादकर्त, क्षात व्यादकर्त कामकान वक्रम

अन्त्रीयंव कि खंग्डांटल छोड़ांन अहिरदाभ कविवा ব স্বাধীনতা গ্ৰাম করেন নাই , আপ্রি উাখ-क इंडेन, निकीशा हो हर भ पड़ार कक्रन, शृक्षवार्थ ध्वकारन यञ्जवाम क्रीन, अश्वकात हा हा कामक्रियान क्याञ्चित भारतक देशनात कर ८७ श्रीबद्द ।

अतिरमाय উপদংছার श्राम खामा माध्य विद्राप्त स्वामास्यान कावन निर्माण कविद्रार्थ । উজিৰিতি ভূৰামা সহ,শয় বে সমুদ্ধ সক্ত ও रेश्डक षाठा ह त बार ह मिल्री ह ए षायल शक्कि विषय मिश्रिक्ष । १म इम्रायय श्रीमा (शर् (मनक वर्त्तन)न अपान कुमाविक। शं मनाम-रबर बर ए छोशा देशक र पहालिक या छा.छ दन-র স্থিত সভার্ সংস্থা চউচ্ছে, এ বিনিত্ত স্বামাদিলের স্পান্ত এডাতি জানিয়াছে যে আ-মালিদের আমত্ব ভূষ গাঁমহান্যই ঐ পর প্রে त्रशिक्षः इंहेरनमा आवता लाभन भएलाविक । চাৰত প্ৰেচ সংভিশয় 🕮 🕏 ১ই য়া ভাঁহাকে হাব बार बनायान आक्षान के विदेश है। अवस्था अभिया ্রবিষ্ণ য় বিশেষরতে ত ভাতুসকান করিতে প্রারু-न नक्षा देशिवित इवे-र इड़ेल म, १ का CH WI - 4 4 5 1. 17 34:

225 €...

প্রাণ্ডিন: কম চিৎ সেমেগ্রকার भा उच्चा

ল,নাবর জীযুক্ত পেমেপ্রকাশসন্দাদিক

अक्षाम् । ममीरश्व ।

कामभू का श्रक्षणाहित्वत विशेष्ट्र के ध्रियां न । १८कार्य ब्रह्मां वर्षा १० १० व्या व्याना व्याप्त र १७ कविया व्युटा क् कवित्र (५ नान, किन्ह गर्थन .नके विधा। विषयी भडामक कि सम शानिक। ্টতে সংগৃহীত করিব। ল খয়াতের ভাগা জা কৌকন ক্ৰিয়া আমাৰ মনোনপো ক্ৰু সংগ্ৰ चित्रका, बादर क्षेत्र महस्त्रक खद्धान कतिराज निविध मध्नामुद्र ३ ७ ७ वि: बंद्र शक्तिक नहेगः अधीन- । काष अधिका (विभिन्ने क्षेत्र क्षेत्र है 'एकार्क्क मारक्ष्य ' (तक्षे अमाध्यमरकांश्च कांन राज्यित थाँ: | त्याव विवत्न। क्ष्मिमाद्रष्ट्रदेव अभागाद्रमा विवयित, नारं कवि । लाम, खाहर धायन करिया छिहि से मर्गाम्पी মৰ্যা বলিয়া মহাশ্যের পরিক'ঝ'ন জন সা-· कर्बद (न कछे । शहर कर्दन , शहर अ नकांच াং, জ্ঞানাছেৰ মহালয়ের পতিক।পাঠ কবিয়া कहे कथा विल्यादछन त्य. विक्रेम त्यामाद्रव अ- । 'फडेइब्र' अविश्व गरवांस (काथे,य र देश चें!" |

ক্ষেপুর হটতে ল্কেনু পর্যন্ত বাস্পায় লক-क्षेत्र कांत्रा स्थानारमान छट्टन बहे विष्यु बह-म'वन व्यवधि करबाशकरान इहेरछरह. धनः व्या-भवात हिन्दिशास्त्रव माधि कालीव साथ कामार्थ-मन कविषक्ष स्थारमाइम्डे कालवाशम श्रदा रुद्धि। বিশ্ব অভন্নিপ্রে আমালিতের অভিলাব পরি श्रेन बहेदन छोडा बना प्रक्रहा बकारन कानपूर वनेद्रक मरमाने गोबेरक वहेंद्र रव व्यक्ति नह क्ष्म क करीतिक देवा वास अपर ममन

बनात्न यह क्षाहिल्ली छार बाह्य छात्रांत मध्या त्यामभाष्ट्राव शास्त्रि । प्रश्व क्रिय हेहा मकर महि विश्विष थाएकमा, धनश्र व्यापि धी समझ-वी विश्वास करिया कि कृष्टिन शक्त करेंस के काल ভাৰ গড়িতে লক্ষ্যে গ্ৰন কৰিয় ছিলাৰ: किय जामांव अपा करा यानि स मिनम माम--कारम अवीज वहें ७ मोदी कड़ि जावाब श्वमि-वस दिला हू ने अहरवन समग्न छ। सम वा न भौडिया हिलाम । श्रांतम और आवम करिन । या (अभिनाम यक पून: on मान भी करे. निको, च इ मह बोब इहाल । अहर हाबु अबर ।

প্ৰণ্যেন্ট ভেৰেতেও ছা অন্প্ৰেয় যাওৱ যাসু राजे किए योक्काल बचारन बोरास्त य शाहर-के वि 'डोक्टि ग्रेट करेट और कि बंब के शा क्रिक ष्मछ धव जायमा इस्ट्रेसिय्या (नक्ष व दक्षान्या व क विनय श्रेत्रक अग्रहताथ क तार्ङ्, तार्का- । ाता ध्यानि चतात लोक वदा शक्क कविया कानप्र ६३८५ मा क्यो कराए, करवद शाहि काम न जाद क्देरन आमाजितार व्यक्त नर्सना-भारत्य त्य व्यानर्क्षक्रमीय छेशकः व बहेद ४ ५,३१४ गरम इ लाई।

मश्रीमञ्जलको सर्गादव कर्छ जिस् (५) विश्व रिरमयत कांग्रेसद वान धारामाकन करिया था-भाव गरमामाभा अहे विरवहना इहेल व्य ज्याला-मित्तर श्रामण हेर। आश्रमा छेरकुछ हेन्। कथन हे अञ्चर्ध कर हा।

"इथ:म भाद अवजी **पाणाई। त्म चन**्या. त्यांनी **अरे कउळ्छीन इक्केशिया हैं रमतः बरर प्रके** তিনটা ইউলোপীয় কড়গুলি নধাৰ ওয়ালিছ जा नित्र (वर्गमरक लहेश। जुरब कामपाशन कवि-्रह्म। महान्त्र, एउन हाउँनि चाउँछ अमाक त्रबन कविषारधन कि अदे थेथ श्रूज्यान जना ?

अवादम ब्रादियाच्या स्थितिकात छि । वह श्रम मा श्यम बडेग्रा बारक किन्द्र होते बी छित्रदर्भाव दिल ब्रोंख कर्षा, व्यडबर गाँप छ। साब्र करीन, वारश्या-क्षत एक धरे कहे जहांका महनारवाणी कहेगा भवनस्य केटक शितिया कतिया आहे केवात विका कार्राठी डेकेटिया दनन डांदा इदेदल वक स्थान-

কানপুৰ मार्घ २८,३५ ५७

4¥ 91:24

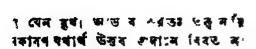
প্রিযুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক बहानम् नबीटलव ।

चानि ३१ है काखान त्य श्रेष्ठ दशहन कहि. ত্তাৰা ১৯৭ কাউনের বোমথকাণে একাল চইটাছে, কিন্তু ভদববি চারি সোববার প্রভীক। कतिकः प्रिकाम क्षेत्रक एक स्वाद कर्वराधीन फ्केंग्राया नश्नम खाराज देखन मा विद्या (वी-नारमद्देन श्रीकित्मन, भ्राप्त्रश्रीर छात्राट अभ्र-ত্তিৰই চিহ্ন প্ৰকাশ পাইতেছে। এক্ষণে পাঠক-" विरव्हमां कविष्ठां स्वयुंग खिनि स्व बहे दि-ৰ অভঃ গ্ৰন্থৰ ইেছা ১খা পৌৰেয় সোমপ্ত-चार्ष दाराष प्रमुक जनम्म आरंबारय

উপরাস করিয়'ভিলেন, @!शक्क कांद्राह श्रकाम शाहेम। बद्र छोडांद्व विकारम 🕏 প্রতিপাদিত ভিন বংগরের শুদ্ধ সাধ্য भर्याय ()) नां म्हारनन काल **स जानावासित**ः कुनोदमद कुछमात भारत (२) नाम्मान विक वह इन्ति (वस्त्रहे अजाब क्रांश निकारिक हैं अंदि, अवन जिन कात छेलत अवाह क्रमा नाहे क्लन कवि नाहे। (श्रध क्रम, विकारिक वी निक्षारक मनुष्ठे महेशा वालिदवर्श ত্ৰিবয়ে যালা কিছু ৰক্তব্য আৰ্থিট 🦚 দ। ভুবংগৰ সভিত বিচার কৰিয়া ভাষায় कवा कावमाक, रकत ना छाना बहेरन क ৰাচাৰ অম আছে, একাশিত ছইয়া নিভাত হিনীকৃত হইবে। একণে প্ৰাৰ্থন ৮

() अ मन् रय अध्यक्त सामग्रह का भीन अ और क ठक्क मात्र एक बाजी त्मन नही ক[া] লইয়। বিচাৰ করিয়া দীনাংস। **করি, আ**ই 😲 मिर्गित थ:बंभ व्यवज्ञ ७ हेम्हा नहि । महस्रक **স.ল নিৰ্বয় বিষয়ে আমালিগের দান্ত ও গ্র** चल्ताबी य मध्काव अधिवाद्य, अवस्थ ह क्रभावनवित विश्वादस् । नक्रद्रहर्मक আর্ত্ত রযুনজন ভটাচার্য স্পর্কী 🚗 🤻 मा एन, जिम वदमत्त्रम् भव विशा अधिका कतात रागुमान काल, क्रिक मक्षम वर्ष महिला विवाद काल विका विक्रान्य मध्यम् सिक्रिः पुक्ति से कथा कि एक मा देशाया मार्गादान ? উष्ट्रम महारम। नादे। शृक्षकात श्रेथकात मिन्न-जान कतिया गाँव हो। मक्षम वर्ष **अवश्व करिया** করিতে পারেন, তাঁকার। যে আরু ২ । ৯ সংস্ক अधिक चीकार के इत्यम मा एकम, खाद्या खोलहा বু কতে পারিছেছি না। বিশেষত্র এ ট্রিইটো जनार्थ्य। चर्डनांत महानना चहाः चनाः चनाः ८ अभीत्रक विवादश्य किष्मिश **भूतक अल्ल** अस्तिन्। नाव अवा अपह 346

२। रेगीयक एकतीत व्यथान क्रमीमहिलाई कुछमांव भारतव सर्गम विकीस **भारतक के**यास वाक्सान अया नारे। क्षांकांका विष विक्रीय गार्थ कनानित चौकात करतन, कुँउश्वेत लाख देखे স্থীকার কবিতে পারিকের না জালাও স্থানত্ত বুখিতে পারিলাম ন', পাল্লের কোন স্বাচনী कु उमात्र शांदत कनामारनात्र निरम्भ आहे । हेर् স্থের চন্দে বিভীয় পাত্র জার ক্রম্ভার ভাংকা আৰা দিগের বাবছারও আছে, দ্বিন কুলীন্ট্র का विजीव शांद्य कनामान करत्राह, विकि 💇 द देश वान, बेक्रण विनि कुछशाई शास्त्र कता। मान कतिरवस, छिनिश्व छाउँ वर्षेष्ठा बाहेरवह विश्वास्त्राणीन निक्रश्रहकत्र व श्राप्त श्रिष्टश्र পাত্র ও কুডদার পাত্রের প্রদক্ষ ক্ষিত্রালয়ন, চই कामणी धुनिया एए विस्तान, ख'क्। कूनीस देशहरी जिएशक वर्डवाम शावजात विषया शिक्षिक क्रू मार्चे, वर्जमान वावणात श्रीवर्विक वर्षका क्षा वावहांत्र शहनिक कविवाद महाना कहेंद्रकार ह छविवास^३ स्रेष्णाह । विकास क्रिकीलन्त 🕍 खमा अध्यान उत्तर राम देनाइक्केश्वर्राः शोरह, वाद चडत देखा दिया विश्व



ভি আছে, ভাগাৰ এখাটা এই, ডি ৰের আবাৰ্ষিত পুৰ্বে বাগদান করিতে ब। कविराह व्यामाय अञ्च शके एउ. कूलीन शिद्यत वार्याय (अप्रज्ञाण नामान्यित हा करिया कूथथा शाववर्तन श्रुक्तन ्रिको अवर्षित कर। लहेगा कि वा व मांकिक रक्षारकत्र विकर्त रमी कक पुष्ठि ा माञ्ज गणाउ युक्तिन बल प्राथक कि

०.व टेइज अकलनांद्र विषानमध्य (बहाख्यात्रीम

অযুক্ত সোমপ্রকাশসন্পাদক

महामद्यम् । क्कु। টালা চৈতনা সভা।

ি ই লগার অভাত হল। এই বলুটোল। भ्यं 🚵 न स्थान घटा **वान** घटन के उना मान बर्गाजीयको भरकाशिक बहेशारह, आँ उ वरिन ने जानाराहा की युक्त देवक वहदव व व वाकी থাদে 🛡 হৈভন্যচরিভাত্তত পাঠ কবিয়া নাথ ,'विन कत्रिया बारकम, अवर छेव्ह महाक्र .श. व्यक्तिश्वित व्यक्ताती वनेता है कि शूटर्क 🕾 🎾 🗷 इंदरकात अकारकारण की त्रां वर्शकात्र अकान-্ৰিং সম উল্লাসিত করিয়া নিজ অভীকী সিদ্ধ লোটাৰে।প্ৰায় এক মান অভীত ছইল উক্ত हिंगीक्षे द्वारित नवहत्रक्षक चतुर्ज चत्र दश्रीयश क्षा है। है क्षेत्र हकींड कांछ हररकार, छार। है। अक्टर क्रू अकि परिवाद से वायाओं पाठ দুন ধরিবান সিমিক উক্ত নভায় অধিষ্ঠিত চন क्षूका भारे खबरन काम्बिक प्रदेश की महिल्ला र दिन के स्वा मन्द्रक न्त्रीति केरेन्द्रा देवक्षकावन्त्रक काटमानास ক্ষান্ত করিলেন, তিনি ভানবাদার है किया के अप । क्षा क्षा कराय है। कियक राक करिएमन । अरक्षत्र। शिक्षेत्र क्षेत्र **प्रदेश जा**मन श्लामार ७ %-क्षे क्षिर्शासम्बद्धाः कारम्य कवि-) নিৰ্মাণ সভাতে আতি ব্ৰিবাৰে স্থা-ক্ষেত্ৰ ক্ষ্মিনাৰের ভেক্তির প্রবাদভাতে विकेश किया किया थाउँ परिकार नव-विकेश समिति शाहरदर्ज जन्मे रहाकटन मछा-कि मेर मेर के देशका कांग नमसूरण वि-विकासिका जमस्य दिनि विभिन्छ। ब्रिक्टिंग्रेडेडका शकु साम बाह्य कहि-ু গতাৰ বিলি ক্ৰি বন্ধৰ ও नक्ष्मा थाका । अवतात्र जाग-श्रीविद्या कक्षणत्वत्र महमानाका पूर्व क्षेत्र केलगंगाय थानु जन्म होता

जीम भावेत्वर । खक्रात्वरे बूर्वालायाव व-ा (नह अके) १ । विश्वास कवितामात असामा । ३२७० मीय वर्षा ५० -शीय वर्षा ५ 'दश्रम् ... वस दाशुद्रवर्षः दश्यम् कश्रती , हक्यः कृति । भाषाहर कुलानप्रक व्यापा गानिकाई विवश्य । । भाषा ३ वष्ट रमके कुल मनगान १८१५व छपरि शन । व विक्षांकृदरण्य कामा, शि तम भू हेमि विकास जिल्हा विकास । शास कारणान कामाना शास वार्या ছইয়াকের ছামর জেহ 🕛 ও জারস্থ বীক্ষম ও কেছ কৰতে জি দিল্লা নাম সংগীৱন কৰিব। अल्डाम (बेरेन क इटड माधिकान। उनहें नारमंत्र শুঃ। ্।ও ব্লু পোৰেনে এইন। দিপৰৰ সুৰ্ভি भ' ११ के ७३ जुड़ा के _{अ००} ८ ठळाश्चत मस्तिरा-(2) 製作用 まで割す。

> मन्नापन वहरेगः ! धारगं भे १ वक्रे १ दन्ने कशिकाळांग्र काम कर्निट्डरक । हाव ! अमक्स स्मा-८कव कछ विरम देह:)ना कहेरवा अलावरवड़ा आ-किं हे । विशंदक बनायादन अन्यक्ता क नाजाह ইছাবা কিছুৰ ব্যৱতে পানিতেছেন নঃ।

) কাপনভাব নিভাৱে **ৰশ**ধ্ क्षारदेशाः २१ भागा ७० मा । 🕻 वहेवगम

মান্য ব্ৰীমুক্ত লোকপ্ৰকাশসন্দাদক महानय अमीरश्रु।

নহাশ্য অন্তগ্ৰহ পূৰ্মক নিম্নলিখিত পত্ৰি-का वं नि व्यागनात्र काशांगी मरबाह्य आकान क्तिरम अखास वाधिक इहेव।

काशनात्र अकारा रमण्य चार धन मार्टिन। ৰজ জেশের পূৰ্জ বিভাগত বিদ্যালয় সমূহের ইন্সেক্টন :

रक्षापान मक्षित शुर्ख विकाशक विद्यालय नम्राच्य वेन्राच्यक्तित्र त्याः चात्र, धम, वाणिन मारक्रका थाछ।

महत्यव ! जाशमात्र ३३ क्ट्राव्यक्षति विवनीक ১২২৯ নম্বনের পজিকার ক্রেলা ক্রিলপুরের **चर्**णाडी कामावेश्वत निवामी बाबू वत्रवाकान लिक्षाट्यत अंकीय अन्धरमके वक्षत्रमानद्य ভিন বৎসরের নিসিত্র চারি টাকার একটি ছাত্র हाँड आगोरनह नवाम श्रीत बहुता व्यक्तिक नक्षक रहेगांग। केल मर्श्वाप्त त्यक्ता भूकीक वर्ष क क्रमञ् बात्रा जाणमात्र चर्माकीरात्र कान बर्कस्य **ज्ञानव व्हेडाट्डन (व. चंत्र) वर्षादानान्ति श्री छ** ৰইলান। ইছা আমার সম্পূৰ্ব হয়ে দে এবছিছ ছাত্রতি ও পুৰক্ষার দাতাগণের নাম করণ হয়। অ্রানি অল্পঞ্জ করিয়া বাব্য ববলাকান্ত শিক্ষা-% के जानाव यसन्याम कार्मादेश करियम व व्यापि अत्रम। कति जिनि अरे सोबहर्शि अक्षि च-**छ्या विश्व चात्रः हित्रभाष्टी क्टब्रन**। छ।का क्षेट्रल ভাঁছার নাম জনভবৰংশ্যপথের মধ্যে ভিত্ क्ष्मिक्टिकवी पश्चिम शिक्षिपिक स्टेटन ।

जारानांत्रं बक्ति स्थान् क्षतिक, धन् अविम मन नाथोत्रन विद्याप्तरागटनप्ते व्यथाप

था थ गुणा ।

Mar til nargent tar भाव क्षित्र। हमान सूमनी **७ च**ि ३२७% देखा रहेटक क्ष्मां क्षा ।

मध्य दिराय श्रीप्रक त्राय हेक्टमाहन देनव করিতপুর >२७३ टेइज ६३८७ **२०६१%० १**४७५ द्रावन हिं यानकताथ जाश्रामन प्रवस्तित ऽर केल मांच सकेटा प० दशीव भार उन्हें 319 मामी श्व हारकारांश वर्ष ংবজন ভারে কইতে ব৹ আবেণ ল' 2. मध्याम प्रारम्हल दर **ए** न ঃ২১৯ টেব হটজে ৭০ ভার পর্যান্ত 900 ध्यांक्रियान था वरद्रमध्य ३२७३ का**ड**न इदेख १• मात्र श्यास 5 . ভোলানাথ পাল বি এ শিক্ষ কিন্তু ১২৬৯ মাৰ ইইডে.৭০ পৌৰ পৰ্যন্ত भागांत्रय त्राव्यक्ती भूती दय मिन्नी श्रु ऽर्**क्ष्र टेइज इंडेटड ५० छ**ास भाषीह ##+ **আ**•ট সাধাৰণ প্ৰত্তক লয় 到20 >२७**२ म'य स्टे**ट्ड **१०** ४०)व शर्याञ्च

त्मामध्यम् माञ्चाद मारहकति विदल्पव निक्रम ।

अधिय कुना न। शहेरल मक्याल रमभ्यः काम ८ धारण कहा साम्र मा।

ইছাৰ অভিনয় সূলা বাৰিকি ১৯ এবং সংগ্ৰ विक ६६ ी है। एवं मोटनव चाटन लाउग्रा योब स

याँ हाता रामभाकारणत यहार हो और किंद्र **गः। न फार्यरः अक कार्यरः कार्य का नाव व्यरिक** মুলোধ ও বসীয়ের টিকিট ন। প্রেখণ করেন।

यसम पिनि मकचन वहेरछ 'मानशकारनर मुका शांठे।केटबन खांचा दबन ८३वकी,व क्रदश

श्रुकाश्रम् स्टालाय कान कालो ५ वनेद्रम ५-ना गाउँ।वेष्ण क्रम् क्रम् क्रम् । विजय मः

वीक्षीक्षरगढ जुला कि शत नगत कडीक दक्-सार्वास्ट्र, रक्षां क्रमक नवस अञ्चलका क्रिसा अ-बरन राविधकारन शहात कविता छ।श्रेष शह চিটি লিখিয়া জানান ফ্টবে, ধলি ভাষাতে কোন উভয় অধৰ। মুদ্যা ন: পাওয়া বায় কাণজ नम् ४ हेर्व : भूरलाव निविद्य छिष्ठि रवन्नांत्रः । भारति व्हेद्रवः। कलिकाञा मध्यक्रकारमध्य कामाविद्यीर मात्म विकि कावेदन कावतः मान्य भाहेव !

र्योशाहरसम् भाषा श्राकाण गहिलाल क्य-बात बेक्टा बहैदव हिति लिखिता न बालाहिटल जाको आस करा बाहेरव मा।

मक्कारमञ्जूषीकांचा मधर्य क्रोटबन, छीडा-দিপের অন্তন্ত ভাকবা প্রল িড ছইবে।

(क्ष त्यांमधकारम रिक नम प्रिटिंड हेक्स: क-दिल्ल र होटक अथमर । शक्ति गरक्ति or कामा বিজীয় বি 🖊 ১০ r । জুডীয় বার 🗸 জান सिर्दे हैरन। एक - गा, ३२३० है।का क 27 ' अन्तिम्

《大学学院》《中华》(1997年)

المحو

कि ब्रीकारक छोड़ व न्यों ज्याप कवियो S. . मान कार्यन म के ने आणि न हैं चि মিক্রীটাতা ডী ড পরিভাগ ভরন एक्ट्रबाद १० ६छन्, आधनात **घ**ात ए। तम जिल्लान इद গর 👫 7.77 1

,नाथ , उदागरकात दाला आगा नाभन থাৰদেৱ কাৰণ গোলে কৰিছেছি। , जिल्हामिया । सर्देश वर्ष ५ वहार् हु यू बार क प्रतिभागि व अभिनाति गा। त्रिवासात् वक श्रीका ক্ষেত্ৰাৰ পৰ ন তুনাহিছ বা স্থাপ र जीकाव देशक करा कि स अ का कि र **ड क्ल्युन मानुना ६६८७ ल. स**्थि,यख द्वात क्यांके अञ्चाह के तम ह त्य व्या-र आगर जुन भी नहासपट के शह .अ ছইবেন। আনরা ভাগব সংশোবিত १८८ माडिनाय थी। उ. हेस, त्रेषाटक वरित र्शम अमान करिट इ है। शक्त न वासरी बिट्मधकः अ ७ ६। छ नस्तान व बिर्त काई-त्म, अकार त्मान नक अंदेश हरे. ক্রিডে চেউল্পাইবর

> আৰ্লিমঃ ক্ষাচিৎ সোৰআকাৰ wit \$40 kg

্বর প্রায়ুক্ত সোমপ্রকাশন্দর্শাদক बङ्भित्र नवीरभन् ।

नश्रीत्व अस्त्राह्मद्रद्र विवृद्य के छित्राम ! विकास विवस्ति महाभाष्ट्र के सह। अजिका । भःश्रीक कतिया कि संभाष्ट्र छ। हा अा-- क[न्यः व्यक्तिक मध्यांबद्धः । कृष्ट्र मध्या व । आ १० के नद तथ छक्षत कतियात्र निमित्तः । ्यद ३७ छ। 'ब्राचेड भाविका लहेशा अधीन-्तिक द्विविश्व शम है। दक्ष के महिल्द्व ः दनल अभरकात कान वालिय प्रांती निध इटवन कार्राभादनम् विवय्तः शिक्र कृति ্ডিছি অৰণ ছবিয়া ভিনি ঐ সংব্দিটী ঃবলিছা মহাপয়ের পত্তিকাখানি অক গা-। , नेक्षे ध्याद्व करबन । शहत छ नलीय ্লনাহেৰ মহাশহেৰ পাত্ৰকা লাভ কৰিয় कर ब्रिश्नारक्षम (व, विकेष (भगारव क रद अविषय इश्वाम क्याबाम शाहिया ची-

ানপুর হইতে সক্ষেত্র পর্বান্ত বাংগীয় শক-यात्रा रक्षाधारकां व इंडेटव करे विवास तक-^{न व्}वर्गि करवाशकथन कहेरछत्त्व, अवर स्रा-জালে হ কালবাপন করিতেছি। ভিন্নাহ প্ৰি

ক্ষণলেত্ত প্ৰাইনেট ভাক আছে ভাকাৰ। উপদাস কৰিব ছিল্লা, ভাকতে কাৰাল্লা মধ্যে জোনসাকেৰেব প্ৰতিও ভাল উত্তম ইছা। প্ৰকাশ পাইল। ব'্ৰতি ভালার বিচারে জাই भक्ता के विश्व ! धारक व १ तर जानि के कनव- ! বটী বিশ্বাস কবিত কিছু ত্রকগাডিতে লকে किन अभीत अमृत द्वार न दश विकास कांग्रश-कारम अथाम बहे ए माटा कि छाइ इ शवान-यत दबला पूर्व शहर १६ मध्य छाला वाला नाई कसून कांछ नावे। द्वाध वह, विम्नाख्यन छ পৌছিয়াছিলান। আলম - | wit - 1 wit-विवस मिथि। इन कि का निवास मार्थ आमार्थि किना आह महारोद (इन्नेट नाइटरका

> धार्यस्मिति । ज्या ७ ७ छत् च होत्र योख्या राष्ट्र ষটে, কিন্তু আইকাল এখানে বেছের যে প্রাভূ ভাগে ভাছাত্রে গুল ১২তে বলিপতি হ ওয়া ছুক্কৰ : অভ এব আমার। ই উই- 'ধ্রা সেলও এ কেল্পি। ন কে বিনয় প্ৰাঠাক অনুবোধ কাৰ হ'ছি, যে তা-बाव-राष्ट्रारि खुब स (को २ वर्षा **अक्ट** क विहा भारत्व ६ हेट अ दत् भगाग्र करणा अ ए हाल म ए इ. इ.हे ल शाना कि लंब धवर नर्जन शांतरवन त्र व्यक्तित्रं जनात उश्रदान बहेर । क' "नव रे गराया वास्त्र ।

मर्गाम्य करको। समारक खाउँ शिका **। स**र्थिय। रिटमरुक कांग्रेभव वाश धारालाकम करिया चा-मान महनामाता शहे जिल्लान। हहेल व्य काला-क्रित्मक (शास्त्रम देश खारशका उरक्ष देश) क्सनके मञ्जादिक नरहा

ত্ৰায় স্বৰ্জনী অশুৰ্যা ছেখিলাম, সেটা कि कड़क्खानि छुछै। मि छाँ मिन। धनर पूरे जिनमें केंद्रेदाशीय कंद्रश्रीम नशाव अद्योगिन चालित्र द्वनगरक लहेत्र। सुर्व कालपालन कवि-१ म: १ मात्र विविद्याचित्सन छ।।। १०१६न। मध्यम, ८७म माहित चाउँछ बनाक হবি" অপ্রায় করিয়া ছিলান, কিন্তু বর্ণন । সেশন করিয়াছেন চি এই গুণ পুক্ষান্ত জন্য স এখানে সৰিবাদে পোলজা ট্ৰেনর পামন

लमभ बहेमां ाहक पद हैते श्रीकथर्यत दिल र्वे छ कर्ष, फाउक्द एवि छ। छन कर्तेम, क्रने छ, क्षत्र प्रक अहे पूर्वे महाद्वी महन,हरांची करेगा श्वराद्य शिक्षित्व के ब्रा धारे नेपद निका कार्राति केरिया स्वत काश हहेरल बड़ आव-(माट दिश्य ।

ভানপুৰ यार्व २८.३७ ६ -

电子引信事

বিযুক্ত সোমপ্রকাশসন্পাদক মহাশ্য নমীপের।

आधि ३६ हे क छान त्य अब त्याहर कति. ভাৰা ১৯৭ কাছনের নোমগ্রকাশে একাশ রটরাছে, ভিদ্ধ ভদবধি চারি লোমবার প্রভীক। क्षेत्रांभद्र माथ बाज्यीक वाटन क्षमतान कित्र (परिकार क्षित्र क्षम् कृतात्र उर्वनात्रीण ভটাচার্য্য দলাপর ভালাব উত্তর লা বিভা দৌ-নাবসম্বন থাকিলেন, সুত্ৰাণ ভাষাতে সম্ব 'का दे किक अंशंव शाहर अस्टिश शाहक-क्षिया राष्ट्र. कि All Va

ल बहुया ..

প্রতিপাদিত তিন বৎসার্য় পর সাত বৎ তে ৮টল উভাব বিষয়ে (১) বাগুলানের কাল ও আদার্শিরে कविद्यक्तिन । दिलो नव कुउनाव भारत (२) वाश्माम नित्य ' विके कुर्वी विवस्त अवास करण मिसासिक संदे-কাছে এখন তিনি জার উত্তর প্রদাস করুল বর্ণ y अरवल क व- । ले निकाष महा ध्रेशा धानिएवम, बाळकर अभिवरम गाँध। कि कृ वंद्रवा **व्यवनिके धार्य, वि**न् मा क्या वर गाविक विद्यात कविद्या खादां दिक्काओं करा कावनाक, रकत अ छ। हा हेरूल छेबिया काशीय सम आ'स, धार्मानित सर्देश हुका मिकास प्रियोज्य महत्य । अकारम आर्थना 📢

> () अ गरा त्य अंतुक आनम्बद्ध त्यप्राह्य :-भीन उ की हु क उ अनुवाद क्य व भीरणव शहान কৰ লইয়, তিচার করিয়। মীধাংস। করি, আ, , 🔅 मिर्धव धन्ता अवंत्रत ७ हेक्। महि। योगमार्थन কংল নিৰ্ণয় বিষয়ে আমাদ্বিগৰ লাপ্ত ও যুক্তিৰ অনুসাবী বে সংকাৰ ক্ৰিয়াছে, এখনও ভাছ অপরিবর্তিত রুচরাছে ৷ কেলেলের এখা-সার্ত্র বন্দ্রন ভট।চার্যা স্পঞ্চাক্ষরেই লিখি. য়াছন, তিন ৰংগরের পার বিষয়ে পরিছে কনাস বাগ্লান কাল, তিনি ন এম বর্ষ পর্যন্ত । (क विवाह कोल विकास विकास का का कि । मुखिल के कथा किएएक है। वेशाय नेवारका উক্তেদ সন্তাৰন। নাই। প্ৰকাশার ব্যবহার প্রার তাগে কবির। য'ছেখি। সপ্তম বর্ধ প্রায় আছি। कविट्ड शाद्रिया, छीक्षीया, स्थ प्राप्ति २ । ५ वर्षः कार्यक की गाव के उद्यम ना क्लन, खादा क्रांभिः वृक्षित्व शाहित्त्रक्षि मा । विश्ववेक व विश्वत् कवार्थकी चरेनांन महायनां सहा, सना सुद (अभीत्र विशेष्ट्र किशिय **शुर्वा महारू क**हि Sec. बाद अवा कारहा

२। टेरिनिक ध्यानीय धार्याम कुलीमसिंद्धने কুত্রদার পাত্রের নাায় দ্বিতীয় পাত্রেও করাই ৰাক্ষান প্ৰথা নাই। তাঁছাবা যদি দ্বিতীয় পাচ कमामान चौकांद्र करतम, कुछमान शाखाः 🖓 বীকার ক্রিডে পাবিবেন না ভাষার আই বুকিতে পাবিলাম ন', শালের কোন স্থাকে कुछमात गांद्य कमामारमत निरम्भ गारे। मं ্রের চকে হি ঠীর শাত আৰ কুডদার পাত্র ট্র আমাছিলের বাবছাবও আছে বিলি কুলীন হ क्ष चित्रीय भारत कनातान करवन, दिनि ह्यू इक्क्ष्मान, केवल बिनि कुछमात शर्टित क्या"-लाम क्रियम, जिनित हाउँ प्रदेश बाहेरनम । বেলাভবানীশ নিজপুতকের যে খানে জিতীয় शाज ଓ कृष्णभात शाद्धत अमल कविशादिन, मिर्दे क्षांत्रति श्रु जिल्ला हिस्सित्यन, छ। क्रु नीन देव विक्र शिर्वत वेर्जुमान शवश्व विरुद्ध निविक् श्रे माहै, वर्जमान वावनांत्र शत्वानिक वहेंबी Joy Williams वावस्था आठिक क्वितांत्र कः Can's Flat उविषया है है 4 diges खबा चार संव क्षारक, जान व्यक्त

धामांत्र कृलमस्य अभा गविवर्त्र विस्त्रक शुक्रक विकास्क्रियद्वेव अन्तर्भाश व्य क्रूहेणि विवय আপত্তি আছে, ভাগৰ এখনটা এই, ভিৰ ,बारबद्ध खाबार्शक अध्यक्त र प्रमान कतिएड bicen । क ख्वरक कामाव शक्ष अहे (य. कूओन बर्क्षण (मोजिटकत वावकाव उस्त क्रम नामानिक 🚭। वक्का करिया कूथवा श्रावदर्वन श्रुक्तिक , कुरी थाया थाया कि इस कर्य कर्य कि मा त नाभाविक कारकत 'तक। क्लोकिक पुष्कि ,পক্ষা শান্ত সন্মত যুক্তির বল অধিক কি

३३४ देइज मक्लशंद श्रीकानभाष्ट्य (नहास्त्रशांगीन

জীযুক্ত সোমপ্রকাশসন্সাদক

महान्द्रभवु ।

क्यू छोनः हे इतः गडाः। पश्च प्रहे वरनम आर्ड.ए इनेल अहे कल्राहिक, 'মক স্থানে কোন মহায়াব ভংগে চৈতনা লা-ৰ একটি মন্ত্ৰা সংস্থাপিত ছইৱাছে, প্ৰাক্ত ব্ৰবি-इ अराहारक आयुक्त देवकवहत्व वाराकी, প্ৰত ও হৈতনাচরিত। মূত পাঠ করিয়। নাম कीर्जन कतिका बाटकम, धरर केन्द्र मधाय ং অভিনত্তির অভুনারী ১ইর। ইতি পুরের खख्यहरू अन्दार्भ कीता नाक्ति मछान-, গম্ম মন উল্লাসিত কৰিয়া নিজ জাঠাট সিদ্ধ न्नारहम । श्राप्त अक्ष मांग चढी छ हरेल छेळ জীয় কোন সংচৰ এত অপুৰ্ব্ধ স্বপ্ন দেখিয়া নুম, নেই সপ্ন মুন্তান অভি চৰৎকাৰ, ভাষা ্ৰহাএজু গুডি মুবিবারে ঐ বাবালীর পাঠ ণ করিবার নিমিত্ত উক্ত সভার অধিষ্ঠিত হন भाष्ट्रक कांत्रवाखार क्रेश्वाम बार्कत. ু, অপূর্ক পাঠ প্রবংশ এক্রিড ছইয়া ्रेमा क्षिएंड क्षिएंड अव्यक्ति हेय। महहर करेवा देशकारकात्रक आहमांश्रास 'वर्गना कविटलन, जिनि अनिवामांड ্তিতা প্ৰটাবেংহণ ক্রিয়া ভক্তগণের স্থানে 'भव भूक्ष नमख वाक कतिराम । अरखना ! े लग्ने पुरस मधे बहेशा जागम शोजार ७ थे-্ৰ সভাপ আয়োজন কমি ত আমেশ কৰি-লেম উছা অব্যাপি নতাতে এতি রবিবারে স্থা-শিক্ত **প্রাঞ্চ। ভজ**গণের ভাজিব প্রবন্ধাতে चन्दर ३ के रेडज कवियांत्र मिना नींड करिकांत्र अय-क्टेब्स् वर्षा नमक्तिगास्टार नक्षेत्रास्टान मधा-डेलिंग्ड बरेवा बाज देवक्य साम ममञ्जूदम दि-াক্সে ব্যাইজেন আনদ্ধর তিনি যোগবলে मेरक शामिरमा रेइकमा अञ्च द्वार भाग क्रि-न्। जिल्लाहरून । चाछवार जिल्ला कि गेलान छ ्राक्षीत्व कृषिरंक्षम शाक्षान्। -१ । जान-्य करण । अर्थ अन्तर्गर असी १०० 🚚 १ सूर्व कार परिवार को अने व्यवस्थे हैं।

्र राम हर्षः क्राष्ट्रत कत्रकः उद्वानग्री ज्यानि नारे स्थान । कर्क्यके ब्रावाशायात न-श्चिकांद्रम प्रवार्थ छेजन अवार्थ विव्रष्ठ मा वामग्र महाम अविशास दिवामात स्थानित । २९७० मान १ हेएउ १० १० ११ व १ १ वात्रला ... वन बाग्नुदबर्ग (इज्ज कमली ह्रक स्वीन-८७ भ इड ४३ (नई न्त्रव स्थानमान्य वर्षे डिड भेड़ेरलम्। शर ा छ: महन् ीवन ७ | **३ डेयु (तक 5, स्त्र**् (कर (रह देश को क्रिका नर्की हेंब करिया श्रञ्जात त्र हेन कृष्ट : लाशिस्त्र । (म**हे** नारमप्र) खरक बर्' धार्म प्रशास बहेब. दिशवन सूर्ति ধারণ ক বর 🚱 ८७ २ उक्तग्रंश्य म नादा-801 20 1 76 41 15

अभागक मध्या ' सामा शिक्ष धकरा दलाक कलिकालात्र । म क्रिएल्ट्राइ । यात्र । यात्र व ला-(कर् कड कि में देइड़ना इहेंदर । श्राष्ट्रावदक्त्र। आ-कि इ है। विभाग अस्तिहिए का क्षित्र के उद्धार हिन्दा किन्दो बिक्टड शाविएक एम न।।

) আগমনাৰ নিভা**ন্ত** ৰশং_ল **車河(さけ/)** २९ मार्छ। ७३ भार 🕻 बहेगान

মান্যবর শ্রীবৃক্তা সোমপ্রকাশসন্দাদক मङ्ग्या नमीर्भव ।

মহালয় অনুত্ৰহ পূৰ্ক্ত নিশ্বলিখিত পত্ৰি-का बानि जागनात काशामी সংখ্যার প্রকাশ ক্ৰিলে অভান্ত,ৰাখিত হুইব।

> क भागात अकांख नगधन আৰু এগ ম:টিন। नक प्राप्तत शक्त विकास विनासिक गम्द इत बेब्र्लाकेत्र ।

रमक्षान्त्र प्रक्रिय सूर्य विकाशय विमानग नमुद्दत देमुरम्लक्षेत्र त्यः आत्र, धन, याप्ति मध्यरम् अवि।

মহাশদ ৷ আংশনার ১১ ক্রেন্তেয়াবি চিবসীয় ১२२৯ यचरत्र अधिकांत्र क्वमा क्विनग्रत्त्र व्यवस्थानी कांनाकेश्व निरामी बाद बहुराकान निक्वारम्भ कामीय भवर्गमान वस्तिमानाम তিন ৰৎসৱের নিমিত চারি টাক'র একটি ছাত্র রতি প্রদানের সহায় প্রাপ্ত **হট্টরা অ**ভায় সর্ वर्षेनाम। बेल मरशामा (चन्द्र) भूकीक कर्य क क्रमको बोब्रा काणमात्र क्रमाकीएउन काम नर्कटम णअन्त बहेवारक्त व्यत्वया वर्शस्त्र (मास्त्र क्षीउ इवेलांन। देश का:मात गण्म, व देखा त्य अविश्व ष्टाबद्धांक क श्रेतकात माठाभरनत नाम क्यून व्या অপেনি অন্ত্ৰ্যাহ করিয়া বাবু বৰয়াখাত লি ১১)-बर्ट्स कामाब धनायांत्र काना ह्या कविद. मानि क्यून। क्रि किनि और ए उप्रति अक তক্র বিক্ত ছার। চিরস্থায়ী করেন। फीएरिय जान जनसङ्ग्रहभागीर्थन । क्ष्मिक्रिको बिक्स गतिमाधिक बहेट . .

व्याजवात बका छ र कि छै, अम् अमे होंक्षित्र विमाधारिक

ग(म्।३८०त श्रुक्कानाप र्टाभाषाच्य देशक ाराज्य व्यक्त प्रवास वर्ग रेटक देख बहेट्ड १० काल्यन वर्गात 1 वाक्रमांक व्यक्तियाचे माध्या थे । तम् .२७७ भाष इंडेएड १० (* 11 17 50 Miles the ধ্বিদালাথ বস্থ १०७७ लाम वहाल वं व्यावन स्वाब मभ्यान ध्याच्छल तर ऽ२७a रें6क सके ज पर को**स** भर्व धुंे 900 ८शाक्तानाम थर वहत्रभ ১২৬৯ কারু- হুই'ত ৭০ মার পর্যান্ত সোলানাথ গাল বি গ শি: বি ১২ ১৯ মান্ত ১ইতে ৭০ পৌৰ পৰ্যাস্ত नामायन जाय्टोध्री ८मान । १२७३ टेड्स एके अ १० काळ भर्य। tj. और है भाष न्या श्रुत्तक जिय 劉福和 ১२७৯ मध्य इदेट**ः ।** अभीव नदासु

> त्नामश्रकाम भर का ग्रु करव्यक्री किट्मय निश्चम ।

विधिव भूजा सः शहेरल भक्त (न १४१४) क[म दशवन कम। यात्र मा।

देश्य कां अस सुक्षा वार्विक ३० अवर म शाना विक दश है। के क्यू मारियन स्मार्टन साध्या वाप में

र्योशाया गाम अकारणत श्रमा के क्षेत्रीकि शाहान लेक्षिता अक अधन, आध आनाह अधिक खुटमात अ कभीरम्ह किंक्षि मा स्थान **प**रवस । भू

यथम विभिन्नवाम ६ हेट इ. १२ (मध्यक) (१५) मुला शाके हिरवन काका त्यम द्वक्र के कि के बेश

पूर्वाध्यमन पूर्वात काल क्रांजिक क्रोटन प्र-मा भागेरिक क्ष्म एवन का भाग विमर्गा कट्यंन ।

ৰীৰী,লংগ্ৰু মুক্ত দিবার সময় আঙীত চই 🕺 ब्रा का केटन, क व्या अभिन्न अभिन्न । कहिया अ প্ৰে নোম থকালে এলার ক্রিয়া ভাষান " **डिंडि लिथियां जानाम ब्देटर, राष्ट्र छाहार** ह क्षान देखर अवदः मुका नः शान्त्रः यात्र सार्यः वस कहेरव । सूरकात निमिश्व किठि व्याप्तिः। भाजान श्रदेश किनाका जरक्षक्रशासी আমান্তিবের মানে চিটি আইলে আমবা শান : भारेग।

बीक्षाहर्यन (मायककाम महिकाशिकार) बात केवा कहेरव हिंकि शिविश मा कः नाहित !... जान जास कता यहिएन ना ।

मक्करमात्र व । अन्य , बहेरवर, ए म । जिर्मान चाउर नाकमा स्म .उ • दिव :इ है त्वहत्न शं रल 八市 if3 . 180 सिटम जे र वान বিভীয় বা न् । प्रिटक ब्रेन अन काम ६